उर्दू-हिन्दी शब्दकोश

ी समिति ग्रन्थमाला—२१

उर्दू-हिन्दी शब्दकोश

(जिसमें अरबी, फ़ारसी, तुर्की के वे तमाम शब्द हैं जो प्राचीन फ़ारसी ग्रन्थों में प्रयुक्त हुए हैं और जिनमें से अधिकतर अब भी प्रचलित हैं ।)

संकलनकर्ता

मुहम्मद मुस्तफ़ा ख़ाँ 'मद्दाह'

प्रथम संस्करण
१९५९

मूल्य
सोलह रुपया

मुद्रक
पं० पृथ्वीनाथ भार्गव
भार्गव भूषण प्रेस, गायघाट, वाराणसी

प्रकाशकीय

राष्ट्रभाषा हिन्दी की गौरव-वृद्धि और उसके साहित्य को विविध विषयों की उपयोगी
से समलकृत करने के लिए उत्तर प्रदेश प्रशासन ने जो योजना बनायी थी, उसका एक लक्ष्य
भाषाओ के बहुमूल्य ग्रन्थो का अनुवाद हिन्दी मे प्रकाशित करना भी रहा है। तदनुसार
समिति के अभी तक के प्रकाशनो मे कितनी ही अनूदित रचनाएँ निकल चुकी है तथा और भी
प्रकाशनार्थ स्वीकृत की जा चुकी है। अग्रेजी, फ्रेन्च, ग्रीक आदि भाषाओ की तरह उर्दू, फारसी
अरबी मे भी कितने ही ऐसे ग्रन्थ विद्यमान है जिनमे इतिहास, दर्शन, ज्योतिप आदि सम्बन्धी
पूर्ण सामग्री भरी पडी है। यह उर्दू-हिन्दी शब्दकोश इसी दृष्टि से प्रकाशित किया गया है जिससे
ग्रन्थो को पढने, समझने अथवा हिन्दी मे उनका अनुवाद करने की इच्छा रखनेवालो को यथेष्ट
सहायता मिल सके।

यह ग्रन्थ हिन्दी समिति ग्रन्थमाला का २१ वाँ पुष्प है। इसके रचयिता (स्वर्गीय) मुहम्मद
खाँ 'मद्दाह' अरबी, फारसी, उर्दू, हिन्दी, सस्कृत, बगला आदि भाषाओ के अच्छे जानकार
अनुभवी ग्रन्थकार थे। उन्होने कई पुस्तके लिखी है जिनमे कई कविता-सग्रह तथा तीन-चार
कोश भी है। उनकी तुलना मे यह कोश काफी बडा है और लेखक ने तीन-चार वर्ष के
परिश्रम के बाद इसे तैयार किया था। हिन्दी मे इस तरह का कोई अच्छा उर्दू-हिन्दी कोश
तक प्रकाशित नही हुआ था। जो दो-तीन कोश निकले भी है, वे छोटे और अधूरे है तथा उनमे
लेखको द्वारा प्रयुक्त अरबी, फारसी, तुर्की आदि के कठिन शब्द प्राय नही मिलते। इसमे
विशेप रूप से सग्रह किया गया है और इसे अधिक से अधिक उपयोगी बनाने की चेष्टा की
है। खेद है कि श्रीमद्दाह अपनी कृति का प्रकाशन अपने जीवनकाल मे न देख सके।

उर्दू मे एक ही उच्चारण के लिए एकाधिक अक्षरो का प्रयोग होता है, जैसे—'त' के लिए ते
तोय, 'स' के लिए से, स्वाद और सीन, तथा 'ज' के लिए जे, ज़ेह, ज़ाल, जो आदि, इसीसे मूल
शब्दो के साथ, कोष्ठक मे, उनकी अक्षरी फारसी लिपि मे भी दे दी गयी है, जिससे शुद्ध हिज्जे के
सम्बन्ध मे किसी तरह का भ्रम या सन्देह न होने पाये। आशा है, उर्दू साहित्य का अध्ययन करनेवाले
साहित्यप्रेमियो तथा उर्दू से हिन्दी मे अनुवाद करनेवालो और उर्दू-हिन्दी के सामान्य पाठको के लिए
यह शब्दकोश यथेष्ट रूप से उपयोगी प्रमाणित होगा।

प्राक्कथन

कोश लिखने का शौक मुझे पागलपन की हद तक शुरू से ही है। अब से १५-१६ वर्ष पहले इसका श्रीगणेश पाली-उर्दू शब्दकोश से हुआ। इसके पश्चात् हिन्दी-उर्दू, फिर सस्कृत-उर्दू, फिर अरवी, फारसी, तुर्की-उर्दू के बडे-बडे कोश लिखे। सन् १९५० मे मेरे जेल के साथी आदरणीय श्री नारायणप्रसादजी अरोडा ने कहा कि 'उर्दू साहित्य बडी तेजी से हिन्दी मे लिप्यन्तरित हो रहा है, तुम एक उर्दू-हिन्दी-कोश केवल हिन्दी जाननेवालो के लिए हिन्दी लिपि मे लिख दो।' बात अच्छी थी, बहुत पसन्द आयी और मैंने लिखना प्रारम्भ कर दिया। जब मै उसे काफी लिख चुका तो अचानक ध्यान आया कि यदि किसी समय भारत से उर्दू लिपि खत्म हो गयी तो क्या होगा? भारत का सारा प्राचीन इतिहास फारसी लिपि मे है और एक समय उसका अनुवाद होना अनिवार्य है। ऐसी दशा मे एक ऐसे कोश की आवश्यकता महसूस होगी, जो इस कठिनाई का समाधान कर सके, और हमे प्राचीन फारसी ग्रन्थो का अनुवाद करने मे कोई विशेष परिश्रम न करना पडे, इसलिए मैने फिर से अपना काम शुरू किया। अब दृष्टिकोण दूसरा था, इसलिए काम वहुत क्लिष्ट हो गया और एक वर्ष के बजाय उसमे साढे तीन साल लग गये।

अब यह पूर्ण रूप से मुकम्मल है और आशा है कि भविष्य मे इस पर कुछ विशेप वढाया न जा सकेगा।

अग्रेजी मे ससार की सारी भाषाओ के कोश मिलते है, यहाँ तक कि उन भाषाओ के शब्दकोश भी है, जो बहुत कम प्रचलित है, या बहुत थोडे क्षेत्र मे वोली जाती है।

भारत को भी यह सब करना है। यद्यपि अभी उसे स्वतन्त्र हुए बहुत कम समय बीता है, फिर भी उसे यह करना होगा। यदि मेरे जीवन ने कुछ और साथ दिया तो एक तुर्की-हिन्दी, एक आधुनिक अरवी-हिन्दी, एक आधुनिक फारसी-हिन्दी कोश और लिखूंगा। इस समय तो मै सारा जोर एक हिन्दी-हिन्दी कोश पर दे रहा हूँ, जिसकी बहुत अधिक आवश्यकता है, और वह है प्राचीन हिन्दी-शब्दो का सग्रह और उनका अर्थ जो चन्द्रवरदाई, सूर, जायसी, तुलसीदास, बिहारी और अन्य प्रमुख कवियो ने अपनी रचनाओ मे प्रयुक्त किये है, और जिनका कोई मुकम्मल ग्रन्थ नही है, यहाँ तक कि 'नागरी प्रचारिणी सभा' के शब्द-सागर मे भी उनमे से बहुत-से शब्द नही है।

मै अपना यह साहित्यिक परिश्रम माननीय श्री डाक्टर सम्पूर्णानन्दजी की सेवा मे उपस्थित करते हुए गर्व महसूस करता हूँ, क्योकि वह हमारे प्रदेश के मुख्य मन्त्री ही नही है, वल्कि वडे साहित्य-मर्मज्ञ, विद्वान् और सहृदय व्यक्ति है। मेरी उनसे यह भी प्रार्थना है कि वह ऐसे महत्त्वपूर्ण कामो के लिए भी एक रकम हर साल बजट मे सुरक्षित कर दिया करें।

मुमकिन है, इन कामो को अभी लोग महत्त्व न दे, लेकिन समय आयेगा जव लोग इसकी कद्र करेंगे। मैने यह काम उसी समय के लिए किया है।

उच्चारण की शुद्धता

किसी भाषा का सारा महत्त्व उसके शब्दो के शुद्ध उच्चारण मे है। यदि उच्चारण अशुद्ध है तो वोलनेवाला कितना ही विद्वान् हो लोग उसे जाहिल समझेगे। शुद्ध उच्चारण तभी होगा, जब हम शब्द को शुद्ध रूप से लिखेंगे। यदि हम संस्कृत के शब्द 'सम्वद्ध' को 'समबदध' लिख दे, तो यह शब्द मज़ाक वन जायगा। इसी प्रकार यदि हम उर्दू के शब्द 'फुज्ल' (विष्ठा) को 'फुजला' (विद्वान् लोग) लिख दे तो कितना वडा अन्तर हो जायगा। इस कोश मे इस वात पर यथेष्ट ध्यान दिया गया है।

हिन्दी मे जो उर्दू के कोश लिखे गये है, या हिन्दी शब्दकोशो मे जो उर्दू के शब्द दिये गये है, उन सबका उच्चारण प्राय अशुद्ध है क्योकि उनके लेखको ने इस ओर ध्यान नही दिया है।

शब्द-क्रम

कोश को आधुनिक ढग से लिखा गया है, और पहले अनुस्वारवाला अक्षर लिया गया है। जैसे— हिन्दी मे पहला शब्द 'अक' है। परन्तु इस कोश मे इस सम्बन्ध मे शायद कुछ लोग भ्रम मे पड़ जायँ कि 'अंकाश्त' तो अनुस्वार से है, 'परन्तु इन्कार' अनुस्वार से नही है। वात यह है कि फारसी मे 'ङ' की ध्वनि है, परन्तु अरवी मे नही है। 'इङ्कार' लिखने से 'इकार' होता और अरवी के उच्चारण के अनुसार अशुद्ध होता, क्योकि अरवी मे यह शब्द 'इन्कार' है।

शब्दों की उर्दू लिपि

कुछ लोग यह भी सोचेगे कि हिन्दी मे लिखने के पश्चात् शब्द को उर्दू अक्षरो मे लिखने की आवश्यकता क्या थी ? इसके विषय मे प्रार्थना है कि यह विवशत किया गया है। उर्दू मे एक उच्चारण के कई-कई अक्षर है जैसे—'स' के लिए तीन (ث-س-ص), ज के लिए छ. (ج-ذ-ز-ژ-ض-ظ), और अ, क, ग, त, ह के लिए दो-दो है। ऐसी दशा मे शब्द के साथ उर्दू हिज्जे लिखना अनिवार्य हो गया।

'असीर' शब्द उर्दू मे पॉच प्रकार से लिखा जाता है और सबका अर्थ अलग-अलग है। اسیر वन्दी, कैदी, اثیر निष्केवल, खालिस, عسیر दुष्कर, मुश्किल; عصیر अगूर का शीरा; عثیر धूलि, गर्द। यदि हर शब्द के साथ उर्दू लिपि न हो तो वडी कठिनता हो।

उच्चारण-भेद

एक दूसरी वहुत ही आवश्यक और ध्यान मे रखनेवाली बात यह है कि संस्कृत मे जहाँ एक अक्षर मे दूसरा भिन्न अक्षर मिलता है वहॉ प्राय. उस अक्षर का जिसमे दूसरा अक्षर मिला है द्वित्व हो जाता है, मगर फारसी या अरवी के शब्दो मे ऐसा कभी नही होता। जैसे—'भद्र' का उच्चारण 'भद्द्र होगा, परन्तु अरवी शब्द 'वद्र' का उच्चारण 'वद्‌र' होगा। 'अन्याय' का उच्चारण अन्न्याय होगा, परन्तु दुन्या का उच्चारण 'दुन्‌या' होगा। इसी तरह 'पत्री' का उच्चारण 'पत्त्री' होगा, परन्तु फित्री' का उच्चारण 'फित्‌री' होगा। इन्ही उदाहरणो पर सारे कोश का अनुमान लगा लीजिए।

एक शब्द के कई उच्चारण

अरवी, फारसी कोश मे वहुत-से शब्द ऐसे है जिनके कई-कई उच्चारण है। इस कोश मे उन सवको दे दिया गया है। साथ ही जो शब्द अशुद्ध वोले जाते है, वह अशुद्ध शब्द भी दे दिये गये है और

वही उनके शुद्ध शब्द का हवाला दे दिया गया है। जो शब्द अशुद्ध है, परन्तु उर्दू या फारसी मे शुद्ध माने लिये गये है उनकी व्याख्या भी कर दी गयी है।

एक विवशता

हिन्दी मे 'ज' के नीचे बिन्दी देकर 'ज़' बना लिया गया है और उससे जे, ज़ाल, ज़्वाद, ज़ो का काम ले लिया गया है, परन्तु 'फारसी जे' (के लिए कोई ऐसा चिह्न) न मिल सका जो इसके उच्चारण की पूर्ति कर देता। 'फारसी ज़े' का उच्चारण अंग्रेजी शब्द 'treasury' के 'ज़' की तरह है, पाठकगण उर्दू शब्द देखकर, इसका उच्चारण करे।

अलबत्ता 'ऐन' और 'अलिफ' का फर्क करने के लिए जहाँ 'ऐन' शब्द के बीच मे आया है वहाँ (–'–) चिह्न लगाकर उसे प्रकट कर दिया है। जैसे—आ'ला (اعلى), मे'यार, (معيار) मा'कूल (معقول) इत्यादि।

मुहम्मद मुस्तफा खॉ 'मद्दाह' (अहमक)

सङ्केत-तालिका

अ० फा०—अरबी फारसी
अव्य०—अव्यय
इ०—इब्रानी
उ०—उर्दू
उदा०—उदाहरण, जैसे
क्रि०—क्रिया
ती० शु० हैं—तीनो शुद्ध हैं
तु०—तुर्की
तु० फा०—तुर्की फारसी
दे०—देखिए
दो० शु० हैं—दोनो शुद्ध हैं
पु०—पुल्लिग
प्रत्य०—प्रत्यय
फा०—फारसी
फा० अ०—फारसी अरबी
फा० तु०—फारसी तुर्की
वहु०—वहुवचन
व्या०—व्याकरण
लघु०—लघु रूप
वा०—वाक्य
वि०—विशेषण
स्त्री०—स्त्रीलिङ्ग

उर्दू-हिन्दी शब्द-कोश

अ

अंकाश्त (انکاشتہ) फा वि–दे 'अगाश्त' जो अधिक शुद्ध है।
अकिश्त (انگشت) फा पु–कोयला, जली हुई लकडी।
अकुज (انکژ) फा पु–हाथीवान का आँकुस, अकुश।
अकुस (انکس) फा पु–आँकुस, अकुश।
अगल्यून (انگلیون) फा स्त्री–इजील, वाइविल, ईसाइयो का धार्मिक ग्रथ।
अगार (انگارہ) फा पु–रेखाचित्र, खाका, अधूरा चित्र, हिसाव-किताव का रजिस्टर, उपन्यास, कहानी, लेख, निगारिश, हर अधूरी वस्तु।
अगार (انگار) फा प्रत्य–सोचनेवाला, चाहनेवाला, जैसे 'सह्ल अगार' सुगमता चाहनेवाला।
अगाश्त (انگاشتہ) फा वि–जाना हुआ, समझा हुआ, ज्ञात।
अगाश्तनी (انگاشتنی) फा वि–जानने योग्य, समझने योग्य।
अगिश्त (انگشت) फा पु–दे 'अकिश्त' दो शु है।
अगुज (انگوزہ) फा स्त्री–हीग, एक प्रसिद्ध गोद।
अगुज (انگژ) फा पु–दे 'अकुस'।
अगुल (انگلہ) फा पु–कुरते आदि का तुक्म, जिसमे घुडी डाली जाती है।
अगुश्त (انگشت) फा स्त्री–उँगली, अगुलि।
अगुश्तनुमा (انگشت نما) फा वि–प्रसिद्ध, मशहूर, कुख्यात, वदनाम। उर्दू मे दूसरे अर्थ ही लिये जाते है।
अगुश्तनुमाई (انگشت نمائی) फा स्त्री–कुख्याति, वदनामी, अपयश, निंदा।
अगुश्तपेच (انگشت پیچ) फा पु–वचन, प्रतिज्ञा, अह्द, दस्तावेज।
अगुश्त वददाँ (انگشت بدندان) फा वि–जो अचभे के कारण दाँतो मे उँगली दावकर रह गया हो, निस्तब्ध, चकित।
अगुश्तरी (انگشتری) फा स्त्री–मुद्रिका, अँगूठी।
अगुश्तान (انگشتانہ) फा पु–उँगली की रक्षा के लिए उस पर पहना जानेवाला धातु आदि का खोल, अगुलित्राण।
अगुश्ते जिनहार (انگشت زنہار) फा वि–पराजित, वशीभूत, मग्लूव।
अगुश्ते नर (انگشت نر) फा पु–अँगूठा, अगुष्ठ।
अगुश्तो (انگشتو) फा पु–घी और शक्कर डालकर चूर की हुई रोटी, मलीदा, चूरमा।
अगूर (انگور) फा पु–एक सुप्रसिद्ध फल, द्राक्षा, भरते हुए जख्म के लाल दाने।
अगूरी (انگوری) फा वि–अगूर के रग की (वस्तु), अगूर से वनी हुई, अगूर से सवध रखनेवाली (वस्तु)। लाक्षणिक अर्थ मे अगूर-निर्मित (मदिरा) भी।
अगेख्त (انگیختہ) फा वि–उठाया हुआ, उत्थापित, उभारा हुआ, उत्तेजित।
अगेख्तनी (انگیختنی) फा वि–उठाने योग्य, उभारने योग्य।
अगेज (انگیزہ) फा पु–कारण, सवव।
अगेज (انگیز) फा प्रत्य–उठानेवाला, उभारनेवाला, जैसे 'दर्द-अगेज' दर्द उठाने अर्थात् उत्पन्न करनेवाला, पीडा-जनक।
अगेजिद (انگیزندہ) फा वि–उठानेवाला, उभारनेवाला, उत्तेजित करनेवाला।
अगेजीद (انگیزیدہ) फा वि–उठाया हुआ, उभारा हुआ, तेज किया हुआ।
अगेजीदनी (انگیزیدنی) फा वि–उठाने योग्य, उभारने योग्य, तेज करने योग्य।
अगोज (انگوزہ) फा स्त्री–दे 'अगुज', शुद्ध उच्चारण वही है, परन्तु यह भी वोलते है।
अग्वीं (انگبیں) फा पु–मधु, शहद।
अज (عنز) अ स्त्री–वकरी, अजा, हरिणी।
अजव (انجب) अ वि–वहुत अधिक शुद्ध रक्तवाला, कुलीनतम, दासीपुत्र, लौंडी-वच्चा।
अजल (انجل) अ वि–वडी आँखोवाला, विशालनेत्र।
अजस (انجس) अ वि–वहुत अधिक अपवित्र, वहुत ही गदा।

अंज़ा' (انزع) अ वि –जिसके माथे के दोनो ओर के बाल झड गये हो।

अंजाम (انجام) फा पु –परिणाम, फल, नतीजा, अन्त, अखीर, पूर्ति, तक्मील।

अंजामिदः (انجامندہ) फा वि –अजाम पानेवाला, पूर्ण होनेवाला, समाप्त होनेवाला, खत्म होनेवाला।

अंजामीदः (انجامیدہ) फा वि –अजाम पाया हुआ, पूरित, समाप्त, खत्मशुद।

अंज़ार (انظار) अ स्त्री –'नजर' का बहु, दृष्टियाँ, नज़रे।

अंजास (انجاس) अ स्त्री –'नजिस' का बहु, अपवित्रताएँ, गदगियाँ।

अंजीद. (انجیدہ) फा वि –क्षत, आहत, ज़ख्मी, घायल; अभिभूत।

अंजीर (انجیر) अ पु –दे शु उच्चारण 'इजीर'।

अजुदान (انجدان) अ पु –हींग का पेड, हींग की लकडी जो दवा के काम आती है।

अंजुम (انجم) अ पु –'नज्म' का बहु, उडुगण, तारे।

अजुमन (انجمن) फा स्त्री –सभा, सस्था, इदार, गोष्ठी, महफिल, समिति, कमेटी, सघ, एसोसिएशन।

अजुमनआरा (انجمن آرا) फा वि –सभा की शोभा बढाने-वाला (वाली), सभा मे अपनी उपस्थिति से श्रीवृद्धिकर्त्ता, सभा मे उपस्थित, जैसे–"वह अजुमनआरा है महफिल मे रकीबो की", सभा मे सुशोभित।

अंजुमन आराई (انجمن آرائی) फा स्त्री –सभा की शोभा बढाना, सभा मे उपस्थिति।

अतर (عنتر) अ पु –एक प्रकार की बडी मक्खी, ख़रमगस।

अद (اند) फा वि –अल्प, न्यून, थोडा, कतिपय, चद।

अदक (اندک) फा वि –अल्प, न्यून, कम, थोडा।

अंदर (اندر) फा वि –भीतर, अतर्गत।

अंदरूँ (اندروں) फा पु –'अदरून' का लघु दे 'अदरून'।

अंदरून (اندرون) फा पु –भीतर, अदर, जठर, पेट।

अंदरूनी (اندرونی) फा वि –आतरिक, भीतरी, मानसिक, रूही।

अदर्ज़ (اندرز) फा स्त्री –हितोपदेश, नसीहत।

अदर्वा (اندروا) फा वि –लटका हुआ, अधोमुख, औंधा, उद्विग्न, परेशान, चकित, हैरान, क्षुब्ध।

अंदल (عندل) अ वि –बडे डीलडौल का ऊँट, सर्व का लबा पेड।

अंदलीब (عندلیب) अ स्त्री –एक प्रसिद्ध गानेवाली चिडिया, बुलबुल, कल्विकक, शोवत्सक।

अदलुस (اندلس) अ पु –यूरोप का एक राष्ट्र, स्पेन।

अंदाइश (اندائش) अ स्त्री –दीवार पर किया जानेवाला लेस, लेपन, कहगिल।

अंदाख्त. (انداختہ) फा वि –फेका हुआ, डाला हुआ।

अंदाख्तनी (انداختنی) फा वि –फेकने योग्य, डालने योग्य।

अंदाज़ः (اندازہ) फा पु –अनुमान, अनुमिति, तख्मीना, अटकल, कियास, विचार, ख़याल, शक्ति, ताकत, साहस, जुर्रत, नमूना, बानगी, चिह्न, निशान, निश्चय, इरादा।

अदाज़ (انداز) फा पु –अनुमान, अदाज़, अटकल, कियास, शैली, पद्धति, तर्ज़, हावभाव, नाज़ो अदाजा, (प्रत्य.) फेकने-वाला, जैसे 'तीर अदाज' तीर चलानेवाला। "तीरदाज़" भी प्रयुक्त, जैसे—"तिर्छी नज़रो से न देखो आशिके दिलगीर को, कैसे 'तीरदाज़' हो, सीधा तो कर लो तीर को"।

अदाज़न (اندازاً) फा वि –अनुमानत, अदाज़े से, अटकल से, कियासन, लगभग, करीब-करीब।

अदाम (اندام) फा पु –शरीर, देह, जिस्म।

अंदामी (اندامی) फा पु –वह सुन्दर वस्त्र जो शरीर पर बिलकुल ठीक हो।

अदामे निहानी (اندام نہانی) फा स्त्री –स्त्री की गुह्येन्द्रिय, योनि, भग, फुर्ज़, वराङ्ग, स्त्री का गुप्ताग।

अदाय. (اندایہ) फा पु –दीवारो पर लेस करने की करनी, गिल माल।

अदार (اندار) फा पु –कहानी, आख्यायिका, किस्सा।

अंदीक (اندیک) फा अव्य –आशा है, उम्मेद है।

अंदीद. (اندیدہ) फा वि –चकित, स्तब्ध, हैरान।

अंदीदनी (اندیدنی) फा वि –अचभे के योग्य।

अदुर्ज़ (اندرز) फा स्त्री –दे 'अदर्ज़' दो. शु है।

अंदुहाँ (اندهاں) फा वि –दु खित, खेदग्रस्त, गमगीन।

अदूद. (اندودہ) फा वि –लेपा हुआ, पोता हुआ, मढा हुआ, चढाया हुआ।

अदेशः (اندیشہ) फा पु –शका, शुब्हा, भय, खतरा, चिंता, फिक्र।

अदेश नाक (اندیشہ ناک) फा वि –चिन्ताजनक, तश्वीश-नाक, भयानक, खतरनाक।

अदेश (اندیش) फा प्रत्य –सोचनेवाला जैसे 'बदअदेश' बुराई सोचनेवाला। अभिलाषी, 'खैर-अदेश'=शुभाभिलाषी।

अदेशिदः (اندیشندہ) फा वि –सोचनेवाला, विचारने-वाला।

अदेशीद. (اندیشیدہ) फा वि –सोचा हुआ, विचारा हुआ।

अदेशीदनी (اندیشیدنی) फा वि.–सोचने योग्य, शोचनीय।

अदोख़्तः (اندوختہ) फा वि –कमाया हुआ, उपार्जित, जमा किया हुआ, सचित, धन, सपत्ति।

अदोख़्तनी (اندوختنی) फा वि –कमाने योग्य, जमा करने योग्य।

अदोह (اندوہ) फा पु –क्लेश, दुख, कष्ट, रज।

अंदोहगीं (اندوہگیں) फा वि –दुखित, शोकान्वित, रजीदा।

अदोहनाक (اندوہناک) फा वि –शोकपूर्ण, रज मे डूबी हुई बात, शोकान्वित, विषादपूर्ण।

अद्जान (اندجان) फा पु –तूरान का एक नगर।

अब. (انبہ) फा पु –एक प्रसिद्ध फल, आम्र, आम, रसाल।

अंबज (انبج) अ पु –दे 'अब'।

अबर (عنبر) अ पु –एक प्रसिद्ध वहुमूल्य सुगधित पदार्थ, जो मछली के मुख से द्रवित होता एव दवा मे काम आता है।

अबरच. (عنبرچہ) अ फा स्त्री –दे 'अवरीन'।

अबरबारीस (انبرباریس) अ स्त्री –एक खट्टा फल जो दवा मे चलता है, ज़िरिश्क।

अबरबेज़ (عنبربیز) अ फा वि –अवर जैसी सुगध फैलानेवाला, अवर छिडकनेवाला।

अबरबेज़ी (عنبربیزی) अ फा स्त्री –अवर छिडकना, अवर की सुगध फैलाना।

अबरागी (عنبرآگیں) अ फा–वि दे 'अवरी'।

अबरीं (عنبریں) अ फा वि –जिसमें अवर जैसी सुगध हो, जो अवर की सुगध मे वसा हो, जिसमे अवर मिला हो।

अबरीन (عنبرینہ) अ फा स्त्री –स्त्रियो की गले मे पहनने की धुकधुकी।

अबरेसारा (عنبرسارا) अ फा पु –वह अवर जो विलकुल वेमेल हो, विशुद्ध अम्वर। हृदयशक्तिवर्धक औषध-द्रव्य।

अंबह (انبہ) अ वि –वहुत अधिक सूचना देनेवाला, वहुत अधिक चेतावनी देनेवाला।

अबाग़ (انباغ) अ स्त्री –सौत, एक पुरुष की दो स्त्रियो मे से कोई एक जो दूसरी की सौत होती है।

अबाज़ (انباز) फा वि –भागीदार, साझेदार, शरीक, पार्टनर।

अबाज़ (انباز) अ पु –'नवज़' का वहु उपाधियाँ, अल्काव।

अबानः (انبانہ) फा पु –मश्क जैसा एक चमडे का पात्र जिसमे नाज भरा जाता है।

अंबान (انبان) फा पु –कमाया हुआ चमडा, क्रूम, फकीर की चमडे की झोली, छोटी मश्क, मश्कीज़।

अबानेनिफ्त (انبانِ نفط) फा अ पु –चमडे का कुप्पा, जिसमे वारूद अथवा मिट्टी का तेल भरकर शत्रु की सेना पर फेंकते थे।

अंबानेवाद (انبانِ باد) फा पु –लोहार की चमडे की धौंकनी।

अबार (انبار) अ पु –ढेर, राशि, टाल।

अबारख़ान. (انبارخانہ) अ फा पु –वह गोदाम जहाँ माल का स्टाक रहता है, मालगोदाम।

अबुर. (انبرہ) तु पु –सडसी, जिससे लोहार गर्म लोहा पकडते हैं।

अबुर (انبر) तु पु –दे 'अवुर'।

अबुह (انبہ) फा पु –'अवोह' का लघु दे 'अवोह'।

अंबूवः (انبوبہ) अ पु –दे शु उच्चारण 'उवूब'।

अवोह (انبوہ) फा पु –समुदाय, समूह, भीड, जमाव, हुजूम।

अंसफ (انصف) फा वि –वहुत अधिक न्याय करनेवाला।

असब (انسب) अ वि –वहुत मुनासिव, अत्युचित।

असाब (انساب) अ पु –'नसव' का वहु, वशावलियाँ, नसवनामे।

असाब (انصاب) अ पु –'नसव' का वहु आपत्तियाँ, दुखसमूह, मुसीवते, मूर्तियाँ जो पूजी जाती हैं।

असार (انصار) अ पु –'नस्र' का वहु, सहायता करनेवाले, सहायकगण, मदीने के वह लोग जिन्होंने हज़रत मुहम्मद साहव को और उनके सायियो को अपने घरो मे ठहराया था और उनकी सहायता की थी।

असारी (انصاری) अ वि –अरव की असार जमाअत का व्यक्ति, असार का वशज, आधुनिक समय मे जुलाहो की उपाधि।

अआज़िम (اعاظم) अ पु –'आ'ज़म' का वहु, वडे-वडे लोग।

अआजिम (اعاجم) अ पु –'आ'जम' का वहु, गूँगे लोग।

अआदी (اعادی) अ पु –'अदू' का वहु शत्रुगण, दुश्मन लोग।

अआली (اعالی) अ पु –'आ'ला' का वहु, ऊँचे और प्रतिष्ठित लोग।

अइज़्ज़ (اعزہ) अ पु –'अज़ीज़' का वहु, वशवाले, नातेदार।

अइन्न (اعنہ) अ पु –'इवान' का वहु, घोडो की लगामे।

अइफ्फ (اعفا) अ पु –अफीफ का वहु, इन्द्रियनिग्रही लोग, वे लोग जो पराई स्त्री की ओर आँख न उठाएँ।

अइम्म (ائمہ) अ पु –'इमाम' का वहु, किसी कलाविशेष के आचार्य लोग।

अइम्म (اعمہ) अ पु –'अम' का वहु, चचा लोग।

अकक (عکک) अ पु –उमस, तौस, गर्मी, ग्रीष्म।

अक़द (عقد) अ पु –वात करने मे ज़वान का लडखडाना, रस्सी मे गाँठ पडना।

अकद (عکد) अ पु –मोटा होना, स्थूल होना, चरबी चढना।
अकवः (عقبه) अ पुं –कडा रास्ता, कठिनता से पहुँचने वाला स्थान, जटिल समस्या।
अकव (عقب) अ पुं –परोक्ष, पीठ पीछे, पश्चात्, वाद।
अकव (عکب) अ. पु –होठ या चिवुक का मोटापा।
अकर (عکر) अ पु –तेल की गाद, शराव की तलछट, हौज़ के पानी की गाद।
अकल [ल्ल] (اقل) अ वि –वहुत थोड़ा, अत्यल्प।
अकल्लीयत (اقلیت) अ स्त्री –किसी देश की वह जनता जो दूसरी जनता की अपेक्षा कम हो, अल्पसख्यक।
अकस (عقص) अ पु –कृपण होना, दुशील होना।
अकस (عکص) अ पु –पशु का चचल, शरीर और बुरे स्वभाव का (जैसे कटखना) होना।
अकाइद (عقائد) अ पु –'अकीद' का वहु, अकीदे, धर्म विश्वास।
अक़ाक (عقاق) अ पु –पेट का वोझ, गर्भ, पीठ का वोझ, गट्ठर।
अकाकीर (عقاقیر) अ स्त्री –'अक्कार' का वहु, जगली जडी-वूटियाँ, वनस्पतियाँ।
अकाज़ीव (اکاذیب) अ पु –'किज्व' का वहु, झूठी और सारहीन वाते।
अकानीम (اقانیم) अ पु –'उक्नूम' का वहु, ईसाई धर्मग्रथ।
अकानीमे सलासः (اقانیم ثلاثه) अ पु –ईसाई धर्मग्रथ की तीन महत्त्वपूर्ण पुस्तके।
अकाविर (اکابر) अ पु –'अकवर' का वहु, प्रतिष्ठित जन, वडे लोग।
अकारिव (اقارب) अ पु –'अक्रव' का वहु, समीपवाले, रिश्तेदार, स्वजन।
अकारिव (عقارب) अ पु –'अ'क्रव' का वहु, वहुत-से विच्छू।
अकारिम (اکارم) अ पु –'अक्रम' का वहु, पूज्य व्यक्ति, श्रेष्ठ जन।
अकालीम (اقالیم) अ पु –इक्लीम का वहु, वहुत से देश, वहुत से महाद्वीप।
अकासिरः (اکاسره) अ पु –'किस्रा' का वहु, 'किस्रा' उपाधि रखनेवाले सम्राट्।
अकासी (اقاصی) अ वि –'अक्सा' का वहु, दूरवाले।
अकिव (عقب) अ पु –एडी, वेटा, पुत्र, पोता, वेटे का वेटा।
अकिलः (اکله) अ पु –एक वहुत ही खराव फोडा, जिसे 'आकिल' भी कहते है।
अकीकः (عقیقه) अ पु –मुसलमान वच्चो का मुडन और नामकरण सस्कार जिसमे वकरी की कुर्वानी होती है।
अकीक (عقیق) अ पु –एक वहुमूल्य पत्थर जो कई रग का होता है। नज़र वचाने के लिए माताएँ इसे वच्चो के गले मे पहनाती है। दिल धडकने की वीमारी मे पहनने से लाभ होता है।—"अकीके-सुर्ख़ की तख़्ती है लख़्ते-दिल मेरा, गले मे डाल लो इसको नज़र-गुज़र के लिए।"
अकीदः (عقیده) अ पु –धर्म, मत, मश्रव, श्रद्धा, ऐतिकाद; विश्वास, यकीन।
अकीद (اکید) अ वि –दृढ, मज़वूत, पुख़्त।
अकीदत (عقیدت) अ स्त्री –श्रद्धा, आस्था, एतिकाद, भरोसा, एतवार, निष्ठा।
अकीदत केश (عقیدت کیش) अ फा वि –श्रद्धावान्, श्रद्धालु, मो'तकिद।
अकीदतमंद (عقیدت مند) अ फा वि –दे 'अकीदत केश'।
अकीदत शिआर (عقیدت شعار) अ. वि –दे 'अकीदत केश'।
अकीदत संज (عقیدت سنج) अ फा वि. दे –'अकीदत केश'।
अकीव (عقیب) अ वि –पीछे आनेवाला, पीछे चलनेवाला, अनुगामी, अनुकर्ता, पैरो, अनुयायी।
अकीमः (عقیمه) अ स्त्री –वाँझ, वध्या, जिस स्त्री के सन्तान न होती हो।
अकीम (عقیم) अ पु –वाँझ पुरुष, जिस पुरुष के वीर्य मे सतान उत्पन्न करने के कीटाणु न हो, क्लीव, नपुसक।
अकीर (عقیر) अ वि –निराश, नाउम्मेद; वाँझ, वध्या।
अकीलः (اکیله) अ स्त्री –खाने की चीज़, खाद्य पदार्थ।
अकील. (عقیله) अ वि –अपनी जाति का नेता, हर अच्छी चीज, श्रेष्ठतम, वरगुजीद, (स्त्री) पर्दानशीन स्त्री, वुद्धिमती, आकिल।
अकील (عقیل) अ वि –वुद्धिमान्, अक्लमद, ऊँट के पाँव वाँधने की रस्सी।
अकील (اکیل) अ वि –साथ खानेवाला, हमकास, सहभोजी।
अकूवत (عقوبت) अ स्त्री –यातना, पीडा, तकलीफ, पाप, यातना, अजाव।
अकूर (عقور) अ वि –जिसे कुत्ते ने काट लिया हो, श्वानदशित।
अकूल (اکول) अ वि –वहुत खानेवाला, वहुभक्षी।
अक्अक (عقعق) अ पु –एक प्रकार का कौआ, जो वहुत तेज़ उड़ता है।

अक्क. (عکہ) अ पु –दे 'अक्अक'।
अक्क़ार (عقار) अ पु –वनस्पति, जगली जडी-बूटी।
अक्कार (اکار) अ पु –कृपक, किसान, कूपकार, कुआँ खोदनेवाला।
अक्काल. (اکالہ) अ वि –बहुत ही अधिक खानेवाला, बहुत बडा पेटू, अतिभोजी, अमिताहारी।
अक्काल (اکال) अ वि –बहुत खानेवाला, बहुभक्षी।
अक्कास (عکاس) अ वि –छापाकार, फोटोग्राफर, चित्रकार, अक्स उतारनेवाला।
अक्कासी (عکاسی) अ स्त्री –छापाकर्म, फोटोग्राफी, चित्रकारी, अक्स उतारना, प्रतिलिपि, नक़्ल, नकल।
अक्च. (اقچہ) तु पु –सोने-चाँदी का छोटा टुकडा।
अक्जब (اکذب) अ वि –बहुत बडा झूठा, बहुत बडा पापी।
अक्ज़ा (اقضیٰ) अ वि –बहुत बडा हुक्म देनेवाला, बहुत बडा काम करनेवाला।
अक्ज़ियः (اقضیہ) अ पु –'कज़ा' का बहु, आज्ञाएँ, हुक्म।
अक्ता' (اقطع) अ वि –जिसके हाथ कटे हो।
अकताअ (اقطاع) अ पु –'कत्अ' का बहु, जागीरे, परगने, प्रदेश, इलाके।
अक्ताब (اقطاب) अ पु –'कुत्व' का बहु, बडे-बडे महात्मा और वली।
अक़्तार (اقطار) अ पु –'कत्र' का बहु, बूँदे, 'कुत्र' का बहु, किनारे।
अक्तार (اقتار) अ पु –'कुत्र' अथवा 'कुतुर' का बहु, किनारे, शिकारियो की ठाहें।
अक्द (عقد) अ पु –विवाह, पाणिग्रहण, व्याह, ग्रथि, गाँठ, वचन, प्रतिज्ञा, अहृद, निकाह।
अक्दर (اکدر) अ वि –बहुत गँदला, बहुत मैला।
अक्दस (اقدس) अ वि –बहुत पवित्र, बहुत पाक, बहुत प्रतिष्ठित, बहुत बुजुर्ग, बहुत कल्याणकारी।
अक्दह (اقدح) अ वि –बहुत खराब, निकृष्टतम, बहुत अधिक व्यग और कटाक्ष करनेवाला, बहुत दूपित।
अक्दाम (اقدام) अ पु –कदम का बहु, बहुत से पाँव, चरण-समूह।
अक्दाह (اقداح) अ पु –'कदह' का बहु पियाले।
अक्दे अनामिल (عقد انامل) अ पु –उँगलियो पर हिसाब लगाने की एक विधि।
अक्दे नमकीं (عقد نمکیں) अ फा पु –'मुताअ' शीयो की वह विवाह-पद्धति, जो थोडे समय के लिए होती है।
अक्दे रवाँ (عقد رواں) अ फा पु –दे 'अक्दे नमकीं'।
अक़्दे सानी (عقد ثانی) अ पु –दूसरा व्याह, पुर्नविवाह।
अक्नान (اکنان) अ पु –'किन' का बहु पर्दे, आडे।
अक्नाफ (اکناف) अ पु –'कन्फ' का बहु॰, किनारे, छोर, दिशाएँ, सिम्ते, त्राण-स्थान, पनाहगाहें।
अक्नूँ (اکنوں) फा अव्य॰–दृढ, इस समय।
अक्फर (اکفر) अ वि –बहुत बडा काफिर, बहुत बडा नास्तिक, बहुत बडा विधर्मी।
अक्फा (اکفا) अ पु –'कुफ्व' का बहु, बहुत से गोत्र, बहुत से खानदान।
अक्फा (اکفیٰ) अ वि –बहुत काफी, बहुत पर्याप्त।
अक्फाल (اقفال) अ पु –'कुफ्ल' का बहु, ताले।
अक्ब (عقب) अ वि –किसी के पीछे आना, अनुगमन, अनुसरण।
अक्बर (اکبر) अ वि –महान्, अज़ीम, सबसे बडा, (पु) एक सुप्रसिद्ध मुगल सम्राट्।
अक्बल (اقبل) अ वि –बहुत काबिल, बडा विद्वान्, भेगा, जिसे एक की दो चीज़े दिखाई देती हो।
अक्बह (اقبح) अ वि –निकृष्टतम, बहुत खराब।
अक्बाद (اکباد) अ पु –'कबिद' का बहु, जिगर।
अक्मल (اکمل) अ वि –बहुत कामिल, पूर्णतम, सर्वाङ्ग-पूर्ण।
अक्माम (اکمام) अ पु –आस्तीने, बीजो के ऊपर के गिलाफ।
अक्मिशः (اقمشہ) अ पु –'कुमाश' का बहु, कपडे, वस्त्र-समूह।
अक्याल (اقیال) अ पु –प्रतिष्ठित जन, बडे लोग, पूज्य व्यक्ति, वुजुर्ग लोग।
अक्याल (اکیال) अ पु –'कैल' का बहु, नाज आदि नापने के पैमाने।
अक्र (عقر) अ पु –बाँझपन, अनपत्य दोप।
अक्रअ (اقرع) अ वि –गजा, खल्वाट।
अक़्रब (اقرب) अ वि –बहुत करीब, समीपतम, अति निकट।
अक्रब (عقرب) अ पु –बिच्छू, वृश्चिक, अलि, वृश्चिक राशि, बुर्जे अक्रब।
अक्रबी (عقربی) अ वि –बिच्छू से सबध रखनेवाला, (पु) पद्मराग अर्थात् लाल का एक प्रकार, मणि विशेष, बदख़्शाँ के लाल सुप्रसिद्ध हैं।
अक्रम (اکرم) अ वि –अति दानी, वदान्य, बहुत बडा सखी, अति प्रतिष्ठित, बडा वुजुर्ग।
अक़्राद (اقراد) अ पु –'किरद' का बहु, बदरो की टोली, बहुत-से बदर।

अक़ान (اقران) अ पु –'क़र्न' का वहु, युग-समूह, लवे ज़माने।
अक्राम (اکرام) अ पुं.–'करम' का वहु, कृपाएँ, दयाएँ, दान, वख्शिशें।
अक़ास (اقراس) अ पु –'कुर्स' का वहु, रोटियाँ, टिकियाँ, चपटी आकार की वटी, टैव्लेट।
अक़िवा (اقربا) अ पु –'क़रीव' का वहु, स्वजनगण, अज़ीज़ो अकारिव।
अक्ल (اکل) अ पु –खाना, भोजन करना।
अक्ल (عقل) अ पु –वुद्धि, धी, प्रज्ञा, मेधा, सूझ-वूझ, चतुरता, होशयारी, विवेक, तमीज़।
अक़्लमंद (عقلمند) अ फा. वि –वुद्धिमान्, मेधावी, तेज़ अक़्ल वाला।
अक्लमदी (عقل مندی) अ फा स्त्री –वुद्धिमत्ता, अक्ल वाला होना।
अक़्ले कुल (عقل کل) अ पु –जिब्रील फ़िरिश्त (व्यग) घामड, मूर्ख, लाल वुझक्कड।
अक़्ले सलीम (عقل سلیم) अ स्त्री –ऐसी वुद्धि जिसका निश्चय सदा ही ठीक और शात रहता हो, सत्यनिश्चयी वुद्धि, सद्वुद्धि, सतुलित वुद्धि।
अक़्वः (عقوه) अ पु –मैदान, खुला हुआ क्षेत्र, आँगन, अजिर।
अक़्वा (اقوی) अ वि –सवसे वलवान्, पराक्रमी, महावली, वडा ज़ोरावर।
अक़्वात (اقوات) अ. पु –'कूत' का वहु, खुराकें।
अक्वाव (اکواب) अ पु –विना टोंटी और पेंदे के लोटे, लुटियाँ, गडुवे, (व्यगार्थ–चचल प्रकृति वाला, अस्थिर-वुद्धि)।
अक़्वाम (اقوام) अ पु –'क़ौम' का वहु, कौमें, विरादरियाँ, राष्ट्रसमूह, सल्तनतें, जातियाँ, जातें।
अक़्वाल (اقوال) अ पु –'क़ौल' का वहु, किसी वडे व्यक्ति या धर्माचार्य के कहे हुए प्रवचन।
अक़्वास (اقواس) अ पु –'कौस' का वहु, धनुषे, कमाने।
अक़्वियः (اقویاء) अ पु –'क़वी' का वहु, ज़ोरदार लोग, वलीजन, वलवान् व्यक्ति।
अक्स (عکس) अ पु –प्रतिविव, साया, चित्र, तसवीर, प्रत्युत, विपरीत, वरअक्स।
अक्सर (اکثر) अ वि –वहुधा, प्राय, उमूमन।
अक़्सर (اقصر) अ वि –वहुत छोटा, ह्रस्वतम, अल्पतम, लघुतम।
अक्सरीयत (اکثریت) अ स्त्री –किसी देश की वह जनता जो दूसरी जनता की अपेक्षा अधिक हो, वहुसख्यक।
अक्सरेज़ (عکس ریز) अ फा पु –एक्सरे।
अक़्सा (اقصی) अ वि –वहुत दूर, दूरवर्ती, अत को पहुँचा हुआ।
अक़्सा (اقصا) अ पु –कतारे, छोर, दूरियाँ।
अक़्साम (اقسام) अ पु –'किस्म' का वहु, किस्में, प्रकार, 'कसम' का वहु शपथे, सौगधे।
अक़्सिमः (اقسمه) अ. पु –'किस्म' का वहु, क़िस्में, प्रकार।
अक़्सियः (اقسیه) अ पु –'कियास' का वहु, अटकलें, अदाज़े।
अक्सोतर्द (عکس وطرد) अ. पु –एक काव्यालकार जिसमें आधे मिस्रे मे जो शब्द लाये जाते है, वाकी आधे मिस्रे मे उन्ही को उलट दिया जाता है।
अक्हल (اکحل) अ वि –वह व्यक्ति जिसकी पलकें निकलने का स्थान काला हो, जिसकी आँखे अजनसार हों।
अख़ (اخ) अ पु –भ्राता, भाई।
अख़अख़ (اخ اخ) फा अव्य –वाह वाह, खूव खूव, उफ उफ, हा हा।
अख़फ़ [फ़्फ़] (اخف) अ वि –वहुत हलका, लघुतम।
अख़वात (اخوات) अ स्त्री –'उख़्त' का वहु, वहिनें।
अख़स [स्स] (اخص) वि –वहुत ही खास, मुख्यतम।
अख़स [स्स] (اخس) वि –वहुत ही ख़सीस, अति कृपण, मक्खीचूस।
अख़स्सुल ख़सीस (اخس الخسیس) अ वि –सारे कृपणो मे सवसे अधिक कृपण, धनपिशाच।
अख़स्सुल ख़ास (اخص الخاص) अ वि –सवसे अधिक मुख्य, जो मुख्य है उन सव मे मुख्य, मुख्यतम।
अख़िल्ला (اخلا) अ पु –'ख़लील' का वहु, मित्रगण, दोस्त लोग, यार, सुहृद्जन।
अख़िस्सा (اخسا) अ पु –'ख़सीस' का वहु., कृपणगण, कजूस लोग।
अख़ी (اخی) अ अव्य –मेरा भाई, हे भाई।
अख़ीर (اخیر) अ पु –अत, इख़्तिताम, छोर, किनारा, मरण-काल, मौत का समय। (वि) समाप्त, ख़त्म।
अख़ुंद (اخوند) फा –शिक्षक, उस्ताद।
अख़्गर (اخگر) फा पु –स्फुलिंग, अग्निकण, पतगा, चिनगारी–"सुन अय! जुनूने-इश्क! तुझे इसमे क्या मिला? 'अख़्गर' सा तहे-खाक जलाया किया मुझे।"
अख़्च· (اخچه) तु पु –सोने या चाँदी का कण या टुकड़ा, दे 'अक़्च'।

अख़्ज़ (اخذ) अ पु –ग्रहण, आदान, लेना, प्राप्ति, हुसूल, लब्धि।
अख़्ज़म (اخزم) अ पुं –नर साँप।
अख़्ज़र (اخضر) अ वि –गहरे हरे रंग का, हरा रँगा हुआ।
अख़्ज़रीयत (اخضریت) अ स्त्री –हरापन।
अख़्त.ख़ानः (اختہخانہ) फा पु –तवेला, अश्वशाला।
अख़्तब (اخطب) अ वि –बहुत बडा वक्ता, भाषण-पटु।
अख़्तर (اختر) फा पु –तारा, सितारा, उडु, भाग्य, प्रारब्ध, क़िस्मत।
अख़्तरशनास (اخترشناس) फा वि –ज्योतिषी, नजूमी।
अख़्तरशुमारी (اخترشماری) फा स्त्री –तारे गिनना, तारे गिन-गिनकर रात काटना, बेचैनी मे रात काटना, जैसे–"अल्ला रे! शबे-हिज्र की अख़्तर-शुमारियाँ!!"
अख़्तरे जौज़ा (اخترجوزا) फा अ पु –बुध ग्रह, उतारिद।
अख़्तान (اختان) अ पु –'ख़तन' का बहु, दामाद लोग।
अख़्दान (اخدان) अ पु –'ख़िद्‌न' का बहु, मित्र लोग, प्रेमपात्र लोग।
अख़्फ़श (اخفش) अ वि –जिसकी आँखे निर्बल हो, जो चुधा हो।
अख़्बस (اخبث) अ वि –बहुत ही ख़बीस, अत्यत दुष्ट, बहुत बडा पापी।
अख़्बार (اخبار) अ पु –'ख़बर' का बहु, ख़बरे, समाचार-पत्र।
अख़्बार नवीस (اخبار نویس) अ फा वि –पत्रकार, अख़्बार का एडीटर।
अख़्बारी (اخباری) अ वि –अख़्बार से सम्बन्धित, अख़्बार का।
अख़्म. (اخمہ) अ पु –झुर्री, शिकन, बल।
अख़्म (اخم) अ पु –माथे की शिकन, ललाट बल, भौं की शिकन, अब्रू का बल।
अख़्मस (اخمص) अ पु –तलवे का वह भाग जो भूमि से नही लगता।
अख़्मिर: (اخمرہ) अ पु –'ख़िमार' का बहु, ओढनियाँ, चादरें।
अख़्याफ़ी (اخیافی) अ वि –वह भाई बहन, जिनके बाप अलग-अलग और माँ एक हो।
अख़्यार (اخیار) अ पु –'ख़ैर' का बहु, पुण्य-समूह, यश-समूह, भलाइयाँ, नेकियाँ।
अख़्रब (اخرب) अ वि –निर्जन, वीरान, उर्दू छदशास्त्र में 'मफ़ाईलुन्' मे से 'म' और 'न' गिराकर 'फ़ाईल्' करके 'मफ़ऊल्' बनाना।
अख़्रम (اخرم) अ वि –जिसकी नाक कटी हो, उर्दू छद-शास्त्र मे 'मफ़ाइलुन्' में से 'म' गिराकर 'फ़ाईलुन्' करके 'मफ़ऊलुन्' बनाना।
अख़्रस (اخرس) अ वि –गूँगा, जो न बोल सके न सुन सके।
अख़्लकद (اخل کند) फा पु –झुनझुना, बच्चो को खिलाने का झुनझुना।
अख़्लाक़ (اخلاق) अ पु –'ख़ुल्क़' का बहु, परन्तु उर्दू मे एक-वचन के अर्थ मे प्रयुक्त है, शिष्टाचार, ख़ुशख़ुल्क़ी।
अख़्लाक़ी (اخلاقی) अ वि –अख़्लाक़ सम्बन्धी, शिष्टाचार-सम्बन्धी।
अख़्लाक़े आलिय (اخلاق عالیہ) अ पु –सत्त्व गुण, अच्छे अख़्लाक़, उच्च कोटि का शिष्टाचार।
अख़्लाक़े ज़मीम (اخلاق ذمیمہ) अ पु –दे 'अख़्लाक़े रदीय।'
अख़्लाक़े रदीय (اخلاق ردیہ) अ पु –तमोगुण, बुरे अख़्लाक़।
अख़्लात (اخلاط) अ पु –ख़िल्त का बहु, धातुएँ, वात, पित्त, कफ और रक्त।
अख़्लाफ़ (اخلاف) अ पु –'ख़लफ़' का बहु, लडके, लडके पोते आदि।
अख़्वाल (اخوال) अ पु –'ख़ाल' का बहु, ख़ालू, बहनोई, मौसा, झडे, ध्वजाएँ।
अख़्शम (اخشم) अ वि –जिसे सुगध और दुर्गंध का अनुभव न हो।
अख़्सम (اخصم) अ वि –लबी नाकवाला।
अगर (اگر) फा अव्य –यदि, जो।
अगरचे (اگرچہ) फा अव्य –यद्यपि, गोकि।
अग़ाइद (اغائد) अ पु –'अग़ीद' का बहु, अत्यत कोमल और मृदुल अगो वाली स्त्रियाँ, तन्वङ्गी, कृशाङ्गी, कोमलाङ्गी।
अग़ानिम (اغانم) अ पु –'ग़नम' का बहु, भेड-बकरियाँ।
अग़ानी (اغانی) अ पु –'उग़्निय' का बहु, वह बाजे जो फूँककर न बजाये जायँ, जैसे सितार, मृदग आदि।
अग़्ज़िय (اغذیہ) अ स्त्री –'ग़िज़ा' का बहु, ग़िज़ाएँ, खाद्य पदार्थ।
अग़्नाम (اغنام) अ पु –'ग़नम' का बहु, भेड-बकरियाँ।
अग़्निया (اغنیا) अ पु –ग़नी का बहु, धनाढ्य लोग।
अग़्फ़र (اغفر) अ वि –बडा छिपानेवाला।
अग़्बर (اغبر) अ वि –धूसर, मटीला, ख़ाकी रगवाला।
अग़्यार (اغیار) अ पु –'ग़ैर' का बहु, अस्वजन, ग़ैर लोग, प्रतिद्वद्वी जन, रक़ीब लोग।

अग़्व (اعرب) अ. वि –आश्चर्यजनक, वहुत अजीव, अद्भुत, विलक्षण।
अग्राज़ (اعراض) अ पु –'गरज़' का वहु, इच्छाएँ, ख्वाहिशे, अभिप्राय, मकासिद, स्वार्थ-समूह, खुदगरज़ियाँ।
अग्लत (اغلط) अ वि –वहुत अशुद्ध, वहुत गलत, अत्यत झूठ, विलकुल मिथ्या।
अग्लव (اغلب) अ वि –निश्चय, यकीनी।
अग़लवन (اغلباً) अ वि –यकीनी तौर पर, करीव-करीव, अवश्य ही।
अग़लाज़े ऐमान (اغلاظ ایمان) अ पु –वुरी-वुरी कसमे।
अग्लात (اغلاط) अ पु –'गलत' का वहु, अशुद्धियाँ, गलतियाँ, त्रुटियाँ, भूलें।
अग्लाल (اغلال) अ पु –'गिल' का वहु, अपराधियो के गले मे डाले जाने वाले तौक़, वहते हुए पानी।
अग्सान (اغصان) अ पु –'गुस्न' का वहु, छोटी फैली शाखाएँ, डालियाँ।
अचार (اچار) फा पु –प्रसिद्ध खटास, खटाई।
अच्ची (اچی) तु पु –वड़ा भाई, अग्रज।
अजग (اژنگ) फा पु –झुर्री, वल, शिकन, खाल की झुर्री।
अज [ज्ज] (عص) अ पु –दाँतो से काटना।
अज [ज्ज] (عط) अ पु –ज़मीन से चिपकना।
अज (از) फा अव्य –से।
अज [ज्ज] (عز) अ पु –प्रभुत्व स्थापित करना, ग़लव करना, ज़ोर की वर्षा, तेज़ वारिश।
अज अव्वल ता आखिर (از اول تا آخر) फा वि –आदि से अत तक, शुरू से अखीर तक, आद्योपात, नितात, विलकुल।
अज़कार रफ़्तः (ازکار رفتہ) फा वि –काम से गया वीता, अपाहज, नपुसक, क्लीव, नामर्द; वेकार, व्यर्थ, निकम्मा।
अज़ ख़ुद (از خود) फा अव्य –स्वयम्, आप से, आप ही आप, स्वत, खुद व खुद।
अज़ख़ुद रफ़्तः (از خود رفتہ) फा वि –सज्ञाहीन, निश्चेप्ट, वेसुध, वेखवर, वेखुद।
अजफ (عجف) अ स्त्री.–दुर्वलता, कमज़ोरी, दुवलापन, लाग़री, कृशता, तनुता।
अजव (عجب) अ वि –विचित्र, अद्भुत, अनोखा, आश्चर्य, अचभा।
अज़व (عزب) अ पु –वह पुरुप जो स्त्री न रखता हो।
अजवतर (عجب تر) अ वि –वहुत ही विचित्र, निहायत अजीव।
अज़वर (ازبر) फा वि –वह चीज़ जो जवानी याद हो, कठ, कठस्थ, मुखाग्र, वरज़वाँ।
अज़वस (ازبس) फा अव्य –अत्यत, अधिक; वहुत, चूँकि।
अजम (اجم) अ पु –'अज्म' का वहु, जगलात, वीहड; एक प्रकार का खाना खाने से घवरा जाना, शाम का एक स्थान।
अजम (عجم) अ पु –'अरव' के अतिरिक्त वाकी ससार, ईरान और तूरान, दाना, वान्य, (वि) मूक, गूँगा, जो वोल न सके।
अज़मत (عظمت) अ स्त्री –प्रतिप्ठा, वुज़ुर्गी, वडाई, आदर, सम्मान, इज्ज़त, यह शब्द उर्दू में 'अज्मत' है, दे 'अज्मत'।
अजमी (عجمی) अ वि –जो अरवी न हो; ईरानी, ईरान-निवासी।
अज़ रुए इसाफ (از روے انصاف) फा अव्य –न्यायत, न्याय के अनुसार, इसाफ से।
अजल (اجل) अ स्त्री –मृत्यु, मरण, मौत, समय, काल, वक्त।
अजल [ल्ल] (اجل) अ वि –श्रेप्ठतम, वहुत ही मुअज्ज़ज़।
अज़ल [ल्ल] (اذل) अ वि –अति नीच, अधमतर, वहुत ही कमीना।
अज़ल (عضل) अ पु –'अज्ल' का वहु, पट्ठे, स्नायु-समूह।
अज़ल [ल्ल] (ازل) अ पु –जिसकी जघाएँ और नितव दुवले-पतले हो।
अज़ल (ازل) अ वि –वह समय जिसकी शुरूआत न हो, अनादि काल, वह समय जव सृप्टि की रचना हुई—"दिल, अज़ल से है, कोई आज से शैदाई है?"
अजल गिरिफ्त. (اجل گرفتہ) अ फा वि –जो मौत के मुँह में हो, मरणासन्न।
अजल रसीद. (اجل رسیدہ) अ फा वि –जिसकी मौत आ गयी हो, मृतप्राय।
अज़ली (ازلی) अ वि –अनादि काल से सवद्ध, अनादि कालवाला, सृप्टि की रचना के समय का।
अज़ सर ता पा (از سر تا پا) फा वि –सिर से पाँव तक, आपादमस्तक, सर्वथा, नितात, विलकुल, नख से शिख तक, पूर्णत।
अज़ सरे दस्त (از سر دست) फा वि –शीघ्र, तुरत, जल्द, सहसा, नि सकोच, वेतअम्मुल, चुस्त, स्फूर्तियुक्त, फुर्तीला।
अज़ सरे नौ (از سر نو) फा वि –नये सिरे से, फिर से, पुन।
अज़हद (ازحد) फा अ वि –असीम, अपार, वेहद, अत्यधिक, वहुत ज्यादा।
अज़ाँ (ازاں) फा अव्य –उससे।
अज़ाँ (اذاں) अ स्त्री –'अज़ान' का लघु, दे 'अज़ान'।
अज़ाँजुम्लः (ازاں جملہ) अ फा अव्य –उन सवमे से, उनमे से।

अज़ांपेश (ازاں پیش) फा वि –उससे पहले, तत्पूर्व।
अज़ांबाज़ (ازاں باز) फा वि –उस समय से, उस वक्त से।
अज़ांबाद (ازاں بعد) अ फा वि –उसके बाद, उसके पश्चात्, तत्पश्चात्।
अज़ांसू (ازاں سو) फा वि –उस ओर से, उधर से।
अज़ा (اذی) अ स्त्री –कष्ट, दुख, अजीयत, यातना।
अज़ा (عزا) अ पु –मृत्युशोक, मातम, दैवी आपत्ति पर धैर्य और उस पर दृढता।
अजाइज़ (عجائز) अ पु –'अजूज़' का वहु, वूढी स्त्रियाँ।
अज़ाइफ (اضائف) अ पु –'ज़ैफ' का वहु, मेहमान लोग, अतिथिगण।
अजाइव (عجائب) अ पु –'अजीब' का वहु, विचित्रताएँ, अजीव वाते।
अजाइव खान (عجائب خانہ) अ फा पु –कौतुकालय, विचित्रालय, अद्भुतालय, अजायवघर।
अजाइवात (عجائبات) अ पु –'अजाइव' का वहु, चूँकि 'अजाइव' स्वय वहुवचन है इसलिए इसका वहु अशुद्ध है, परन्तु उर्दू मे प्रचलित है।
अज़ाइम (عزائم) अ पु –'अज़ीमत' का वहु, वे मत्र और पाठ जो भूत, प्रेत आदि को वश मे करने या रोकने के लिए पढ़े जाते है, वीमार के अच्छा होने के लिए पढी जाने वाली दुआएँ।
अज़ाखानः (عزاخانہ) अ फा पु –शोकगृह, मातमखाना, जहाँ कोई मर गया हो और उसका शोक मनाया जा रहा हो।
अजाज (عجاج) अ पु –धूल-मिट्टी, गर्द-गुवार।
अज़ाज़ील (عزازیل) अ पु –शैतान का नाम, जव वह फिरिश्ता था।
अज़ादार (عزادار) अ फा वि –जो किसी के मरने का शोक कर रहा हो, मातमदार, मुहर्रम में इमाम हुसैन का मातम मनानेवाला।
अज़ादारी (عزاداری) अ फा स्त्री –मृत्यु-शोक-काल, इमाम हुसैन का मातम मनाना, ता'ज़ियादारी।
अज़ान (اذان) अ स्त्री –नमाज़ का बुलावा, नमाज़ की सूचना के शब्द जो ज़ोर से पुकारे जाते है।
अजानिव (اجانب) अ पु –'अज्नवी' का वहु, अपरिचित लोग, वेगाने, अस्वजन, गैर।
अज़ाब (عذاب) अ पु –पापो का वह दड जो यमलोक मे मिलता है, पापकष्ट, यातना, पीडा, दुख, तकलीफ।
अज़ावुल क़ब्र (عذاب القبر) अ पु –क़ब्र के भीतर का अज़ाव, जो मुसलमानो के मतानुसार 'मुन्कर नकीर' दो फिरिश्तो द्वारा होता है।
अज़ावुल्हून (عذاب الہون) अ पु –तिरस्कृत और अपमानित करने की यातना।
अज़ाहीफ (ازاحیف) अ पु –'अज़्हाफ' का वहु, जो 'ज़िहाफ' का वहु है, उर्दू छदो के गणो के परिवर्तन।
अज़ाहीर (ازاہیر) अ पु –'अज़्हार' का वहु, जो 'ज़हर', 'ज़ुहर' और 'ज़ुह' का वहु है, कलियाँ, विन खिले फूल, शगूफे।
अजिज़ (عجز) अ स्त्री –श्रोण, नितव, चूतड, दे 'अजुज़', दोनो शुद्ध है।
अजिन्न (اجنہ) अ पु –'जनीन' का वहु, वे वच्चे जो माँ के पेट मे हो, भ्रूणसमूह।
अजिफ (عجف) अ वि –दुवला, लागर, कमज़ोर, कृशकाय।
अज़िम (ازم) अ पु –दुर्भिक्ष का कप्ट, कहत की सख्ती और तकलीफ।
अज़िम्म (ازمہ) अ पु –'ज़िमाम' का वहु, लगामे।
अजिल्ल (اجلہ) अ पु –'जलील' का वहु, वडे लोग, प्रतिष्ठित जन।
अज़िल्ल (اذلہ) अ पु –'ज़लील' का वहु अधम लोग, निकृष्ट लोग, कमीने लोग, नीच जन।
अज़ीं (ازیں) फा अव्य –इससे।
अज़ींसबर (ازیں سبب) फा अ अव्य –इस कारण से, इस सवव से।
अजीज़ (عجیز) अ वि –नामर्द, नपुसक, क्लीव।
अज़ीज़ (عزیز) अ वि –स्वजन, रिश्तेदार, प्रिय, प्यारा, रुचिकर, मर्गूब, अप्राप्य, कामयाव, मिस्र के प्राचीन वादशाहो की उपाधि।—"मिलने से भी अज़ीज़ है मिलने की आर्ज़ू, है वस्ल से ज़ियाद मज़ा इतज़ार मे॥"—(प्रिय के अर्थ मे)
अज़ीज़ तरीन (عزیز ترین) अ फा वि –वहुत ही प्यारा, अजीज़, वहुत अधिक पसद, प्रियतम।
अजीन (عجین) अ वि –गुँधा हुआ, सना हुआ, खमीर।
अजीव (عجیب) अ वि –विचित्र, आश्चर्यजनक, अनुपम, अद्वितीय, वेमिस्ल, अनोखा, निराला।
अजीव तर (عجیب تر) अ फा वि –वहुत ही विचित्र, वहुत ही अनुपम, वहुत ही निराला, अति अद्भुत।
अजीवुलखिल्कत (عجیب الخلقت) अ वि –जिसकी आकृति और वनावट विचित्र हो, विकटमूर्ति, जो प्राकृतिक रूप से विरुद्ध हो, अप्राकृतिक।
अजीवो ग़रीव (عجیب وغریب) अ वि –जिसमे वहुत-सी वातें ऐसी हो जो दूसरो मे न हों, वहुत ही विचित्र।
अज़ीम (عظیم) अ वि –महान्, वहुत वडा, विशाल, विस्तृत।

अज़ीमत (عزیمت) अ स्त्री –सकल्प, निश्चय, इरादा, तत्र-मत्र, अभिचार, जादू-टोना, भूतो को बुलाने और उन्हे वद करने आदि के लिए मत्र आदि का उच्चारण।

अज़ीमत ख़्वाँ (عزیمت خواں) अ फा वि –वह व्यक्ति जो अभिचार और जादू से भूत-प्रेतो को बुलाये।

अज़ीमुलजुस्सः (عظیم الجثہ) अ वि –बहुत वडे डील-डौल का, गिराडील, महाकाय।

अज़ीमुश्शान (عظیم الشان) अ वि –बहुत बडा, महान्, विशाल, महामान्य, वडे मर्तबेवाला।

अज़ीयत (اذیت) अ स्त्री –कष्ट, यातना, तकलीफ।

अज़ीयत देह (اذیت دِہ) अ फा वि –कष्टदायी, दु खदायी, तकलीफ देनेवाला।

अज़ीयत रसाँ (اذیت رساں) अ फा वि –दे 'अज़ीयत देह।

अजीर (اجیر) अ वि –श्रमिक, मज़दूर।

अजीर (عجیر) अ वि –क्लीव, नपुसक, नामर्द।

अजील (عجیل) अ वि –फुर्तीला, चुस्त, जल्दबाज, आतुर।

अजुज (عجز) अ पु –श्रोण, नितव, कटिदेश, सुर्रीन।

अज़ुद (عضد) अ पु –भुजा, वाहु, बाज़ू।

अजूज़ः (عجوزہ) अ स्त्री –दे 'अजूज़'।

अजूज (عجوز) अ स्त्री –वूढी स्त्री, वृद्धा, वह वृद्धा नारी जिसमे काम-वासना का आधिक्य हो।

अजूब: (عجوبہ) अ वि –अनोखी चीज, दे 'उजूब' शुद्ध वही है, परतु उर्दूवाले दोनो प्रकार से वोलते है।

अज़ूबत (عذوبت) अ स्त्री –मधुरता, मिठास, रसीलापन, पानी का स्वादिष्ठ होना।

अजूल (عجول) अ वि –बहुत शीघ्रता करनेवाला, स्तब्ध, चकित, हैरान, वह ऊँटनी जिसका वच्चा खो गया हो।

अज़ेरा (ازیرا) फा अव्य –'ज़ेरा' का वृहत् रूप, इसलिए, इस कारण, किसलिए, क्यो।

अज़्अफ (اضعف) अ वि –बहुत ज़ईफ, बहुत कमजोर, अति निर्बल।

अज़्आफ (اضعاف) अ पु –'जेफ' का बहु , दूने, दोगुने।

अज़्का (اذکیٰ) अ वि –बहुत ही प्रतिभाशाली, बहुत ही ज़हीन, कुशाग्रवुद्धि, मेधावी।

अज़्का (ازکیٰ) अ वि –बहुत ही पवित्र, बहुत ही पाक।

अज़्कार (اذکار) अ पु –ज़िक्र का वहु , चर्चाएँ, तज्किरे, जप-तप, वज़ीफे आदि।

अज़्किया (اذکیا) अ पु –ज़की का वहुवचन, कुशाग्र वुद्धि-वाले, प्रतिभाशाली लोग।

अज़्किया (ازکیا) अ पु –'ज़की' का वहु , अति पवित्र लोग, पुण्यात्मा लोग, वुज़ुर्ग लोग।

अज़्ख़र (اذخر) अ वि –बहुत ही तीव्र गधवाला, तेजबू।

अज़्गास (اضغاث) अ पु –घास के मुट्ठे जिसमे सूखी गीली घास मिली हो, अस्त-व्यस्त वस्तु।

अज़्गासे अह्लाम (اضغاث احلام) अ पु –ऐसे स्वप्न जिनका स्वप्न-फल ठीक न वताया जा सके, परीशान-ख़्वाव।

अज़्ज़ (عز) अ पु –प्रभुत्व, ग़लवा।

अज़्ज़. वजल्ल. (عزوجل) अ वि –जो गालिब और महान हो, ईश्वर के नाम के साथ वोलते है।

अज्ज़म (اجزم) अ वि –जिसके हाथ कटे हो।

अज्ज़ाए तर्कीबी (اجزاے ترکیبی) अ पु –वे मूल धातुएँ जिनसे मिलकर कोई पदार्थ वना हो, सयोजक पदार्थ, उपादान तत्त्व।

अज्ज़ा (اجزا) अ पु –'जुज़' का वहु , टुकडे, खड, किसी पदार्थ की मूल धातुएँ अथवा वस्तुएँ, किसी नुस्खे की दवाएँ।

अज़्दः (اژدہ) फा पु –असमानता, नाहमवारी, रेती का खुरदरापन।

अज़्द (عضد) अ पु –एक राजा की दूसरे राजा की सहायता, सहायता, मदद।

अज्दअ (اجدع) अ वि –जिसकी नाक या जिसके कान कटे हो।

अज़्दर (اژدر) फा पु –अजगर, अज़्दहा, वहुत वडा साँप।

अज़्दरदहाँ (اژدردهاں) फा वि –जिसका मुँह अजगर जैसा हो, जिसके मुँह मे जाकर कोई ज़िदा न वचे, जो आग वरसाता हो।

अज़्दरहा (اژدرها) फा –अज़्दहा, अजगर, यह शब्द एक-वचन है।

अज्दल (اجدل) अ पु –एक शिकारी चिडिया, चर्ग।

अज़्दहा (اژدها) फा पु –अज़्दर, अजगर।

अज्दाद (اجداد) अ पु –'जद' का वहु पूर्वज, वाप-दादे, पुराने लोग, पुरखे।

अज़्दाद (اضداد) अ पु –'ज़िद' का बहु , परस्पर विरोधी चीजे।

अज्न (عجن) अ पु –गूँधना, ख़मीर करना।

अज्नव (اجنب) अ वि –दे 'अज्नवी'।

अज्नवी (اجنبی) अ वि –अपरिचित, अनजान, अस्वजन, गैर।

अज्नाद (اجناد) अ पु –'जुद' का वहु , सेनाएँ, फौजे।

अज़्नाव (اذناب) अ पु –'ज़नव' का वहु , पूँछे, दुमे।

अज्नास (اجناس) अ स्त्री –'जिंस' का वहु , जिसे, गल्ले, अनाज, किस्म, प्रकार, चीज़, असवाव, सामान।

अज्निह. (احنحه) अ पु –'जनाह' का बहु, पक्ष, पर।

अज्फ (عصف) अ पु –स्वय भूखा रहकर अपना खाना दूसरे भूखे को खिलाना, विपत्ति में धैर्य रखना।

अज्फर (اذفر) अ वि –तीव्र सुगध वाला, तेज़ बू वाला।

अज्फर (اظفر) अ वि –वडे-वडे नखोवाला।

अज्फान (اجفان) अ पु –'जफ्न' का बहु, पपोटे, पलके।

अज्ब (عذب) अ पु –मधुर, मीठा, स्वादिष्ठ, मज़ेदार, मीठा पानी।

अज्ब (عصب) अ पु –काटना, विच्छेदन, खड्ग, तलवार।

अज्बीयत (عصبيت) अ स्त्री –ज़वान की तेज़ी, वोलने की शक्ति, भापण-पटुता।

अज्बुल लिसान (عذب اللسان) अ वि –जिसकी वातो में रसीलापन हो, मधुरभाषी।

अज्बुल बयान (عذب البيان) अ वि –दे 'अज्बुल लिसान'।

अज्म (عزم) अ पु –सकल्प, निश्चय, इरादा, दृढ निश्चय, तहीद, इच्छा, ख्वाहिश।

अज्म (عجم) अ पु –अक्षर पर विंदी रखना।

अज्म (عظم) अ पु –हड्डी, अस्थि, श्रेष्ठता, पुनीतता, वुजुर्गी।

अज्मईन (اجمعين) अ वि –सव, सारे, तमाम, सपूर्ण।

अज्मत (عظمت) अ स्त्री –माहात्म्य, महिमा, वुजुर्गी, महत्त्व, अहमीयत, सम्मान, आदर, इज़्ज़त।

अज्मबिल जज़्म (عزم بالجزم) अ पु –दृढ सकल्प, दृढ निश्चय, पक्का इरादा।

अज्मल (اجمل) अ वि –वहुत अधिक रूपवान्, सुदरतम।

अज्मा (عجما) अ पु –गूँगा, मूक।

अज्मात (عزمات) अ पु –'अज्म' का फारसी वहु, इरादे, निश्चय।

अज्मान (ازمان) अ पु –'ज़मन' का वहु, ज़माने, युग।

अज्मिन (ازمنه) अ पु –'ज़मान' का वहु, काल-समूह, ज़माने।

अज्यक (اضيق) अ वि –वहुत अधिक सकुचित और तग।

अज्यद (اجيد) अ वि –वहुत ही उत्तम, वहुत ही उम्दा।

अज़्या' (اضيع) अ वि –वहुत अधिक नष्ट करनेवाला, वहुत 'ज़ाये' करनेवाला, हिन्दी में 'ज़ाया' (नष्ट, वर्वाद) वहुत प्रचलित है।

अज्याफ़ (اضياف) अ पु –'ज़ैफ' का वहु, मेहमान लोग, आगतुक जन।

अज्याल (اذيال) अ पु –'ज़ैल' का वहु, दामन, वहुत से दामन।

अज्र (اجر) अ पु –प्रत्युपकार, भलाई का वदला, सत्कर्म-फल, सवाव।

अज़्रक़ (ازرق) अ वि –नीला, नीले रग का।

अज्रब (اجرب) अ वि –जिसे खाज का रोग हो।

अज्रा (عذرا) अ स्त्री –अविवाहिता, कुमारी, सुदर गालो वाली, प्रकट, व्यक्त, कन्या राशि, वुर्जे सवुल, अरव की एक सुदरी जो 'वामिक' की प्रेमिका थी।

अज्राव (اضراب) अ पु –'ज़र्व' का वहु, किस्मे, प्रकार, सदृश, समान, अम्साल।

अज्राम (اجرام) अ पु –'जिर्म' का वहु, पिण्डसमूह, यह शब्द आकाशीय पदार्थों अथवा वहुमूल्य रत्नो के लिए प्रयुक्त है।

अज्रार (اضرار) अ पु –'ज़रर' का वहु, हानियाँ, नुक्सानात।

अज्ल. (عضله) अ पु –पुट्ठा, स्नायु, नस।

अज्ल (عضل) अ पु –विधवा को दूसरा विवाह करने से रोकना।

अज्ल (عزل) अ पु –पदच्युत करना, मा'ज़ूल करना, पद-च्युति, मा'ज़ूली, वेकारी, निठल्लापन, मुअत्तली।

अज्ल (اجل) अ पु –उत्तेजित होना, उभरना।

अज्ला (اجلى) अ वि –वहुत ही चमकदार, वहुत ही साफ।

अज्लाअ (اضلاع) अ पु –'ज़िल्अ' का वहु, ज़िले, मडल, पसलियाँ, भुजाएँ, रेखाएँ।

अज्लाफ (اجلاف) अ पु –'जिल्फ' का वहु, कमीने लोग, नीच लोग।

अज्लाम (اظلام) अ पु –'ज़ुल्मत' का वहु, अँधेरे, अधकार-समूह।

अज्लोनस्व (عزل و نصب) अ पु –किसी को पद से हटाना और किसी को उसके स्थान पर नियुक्त करना।

अज्व (عزو) अ पु –एक वस्तु को दूसरी वस्तु से सम्वन्धित करना, विपत्ति में धैर्य रखना।

अज्वफ (اجوف) अ वि –जो वीच से खाली हो, सुपिर, खोखला, वह अरवी शब्द जिसके वीच का अक्षर 'अलिफ', 'वाव' या 'ये' हो।

अज्वाज (ازواج) अ स्त्री –'ज़ौज' का वहु, पत्नियाँ, स्त्रियाँ, भार्याएँ।

अज्विव (اجوبه) अ पु –'जवाव' का वहु, जवावात, उत्तर।

अज्साद (اجساد) अ पु –'जसद' का वहु, देहे, शरीर।

अज्साम (اجسام) अ पु –'जिस्म' का वहु, देहे, शरीर।

अज्सुर (اجسر) अ पु –'जस्र' का वहु, वहुत से पुल।

अज्हर (اجهر) अ वि –जिसे दिन में न दिखाई देता हो, दिनाध, रोज़कोर।

अज़हर (ازهر) अ वि –यश और कीर्ति से मुख की उज्ज्वलता, वहुत अधिक प्रकाशमान्, रौगनतर, मिस्र का प्राचीन विश्वविद्यालय, 'जामिअए अज़्हर'।

अज़्हर (اظہر) अ वि –बहुत अधिक स्पष्ट, बहुत ही साफ।

अज़्हर मिनश्शम्स (اظہرمن الشمس) अ वि –सूर्य से अधिक स्पष्ट और उज्ज्वल, सर्वविदित, सबको ज़ाहिर।

अज्हल (اجہل) अ वि –बहुत अधिक जाहिल, मूर्खतम।

अज़्हा (اضحی) अ स्त्री –कुर्बानी, वलि।

अज़्हान (اذہان) अ पु –'ज़ेहन' का बहु, प्रतिभाएँ, जेहन।

अतग. (اتکہ) तु पु –दाय का पति, दूध पिलानेवाली धाय का पति।

अतन (عطن) अ पु –ऊँटों के पानी पीने का स्थान।

अतब· (عتبہ) अ पु –चौखट, देहलीज, देहलीज की लकडी या पत्थर, कष्ट, सख्ती, रमल की एक आकृति।

अतब (عتب) अ पु –तर्जनी और मध्यमा या मध्यमा और अनामिका उँगलियों के बीच का अतर।

अतब (عطب) अ पु –मरण, हलाकत, वध।

अतम [स्म] (اتم) अ वि –विलकुल पूरा, मुकम्मल, सर्वांगपूर्ण, सपूर्ण।

अतल (عطل) अ स्त्री –विना शृंगार की हुई स्त्री, विना विंदीवाला अक्षर।

अतश (عطش) अ स्त्री –प्यास, पिपासा, तश्नगी।

अता (آتا) तु पु –पितृ, पिता, जनक, वाप।

अता (عطا) अ स्त्री –दान, प्रदान, वख्शिश; पुरस्कार, अतीय, दिया हुआ, दत्त।

अताई (عطائی) अ वि –जिसने कोई कला या गुण नियमपूर्वक गुरु से न सीखा हो, वरन् यों ही सुन-सुनाकर या देख-भालकर या किसी अनाडी के पास रहकर थोडा-बहुत उलटा-सीधा ज्ञान प्राप्त कर लिया हो।

अताक़ (عتاق) अ पु –दास का अपने स्वामी के वधनों से मुक्त होना।

अतान (اتان) अ स्त्री –गधी, गर्दभी, गधे की मादा।

अतावुक (اتابک) तु पु –गुरु, उस्ताद, सरदार।

अताया (عطایا) अ पु –'अतीय' का वहु, वख्शिशें।

अतालियः (اطالیہ) अ पु –इटली, यूरोप का एक प्रसिद्ध राष्ट्र।

अतालीक़ (اتالیق) तु पु –शिक्षक, उस्ताद, शिक्षा के साथ साथ शिष्टता, सभ्यता और व्यवहार-निष्ठता आदि सिखानेवाला और चाल-चलन की देख-रेख करनेवाला गुरु।

अतिब्बा (اطبا) अ पु –'तबीब' का वहु, चिकित्सकगण, हकीम लोग।

अतीक़ (عتیق) अ वि –पुरातन, कदीम, वधनमुक्त, आज़ाद, श्रेष्ठ, गिरामी।

अतीद (عتید) अ वि –विद्यमान, मौजूद, उपस्थित, हाज़िर, तत्पर, आमादा।

अतीफ (عطیف) अ स्त्री –वह स्त्री जिसमे नम्रता, पातिव्रत्य और आज्ञाकारिता हो।

अतीयः (عطیہ) अ पु –अनुदान, वख्शिश, प्रदान, अता, पुरस्कार, इन्आम, उपहार, तोहफा।

अतीयात (عطیات) अ पु –'अतीय' का वहु, वख्शिशें, अताएँ, इन्आमात, तोहफे।

अतील (عتیل) अ वि –प्यासा, तृषित।

अतूफः (عطوفہ) अ स्त्री –सुशील और विनम्र स्त्री।

अतूफ (عطوف) अ वि –दयालु, मेहरवान, वह ऊँटनी जो अपने वच्चे से वहुत स्नेह करे, वत्सला, चिडीमार का जाल।

अतूफत (عطوفت) अ स्त्री –अनुकपा, अनुग्रह, शफकत।

अत्इमः (اطعمہ) अ पु –'तआम' का वहु, खाने, भोजन।

अत्क़िया (اتقیا) अ पु –'तकी' का वहु, ऋषि और मुनि लोग, सदाचारी और धर्मनिष्ठ लोग।

अत्गह (اتکہ) तु पु –शाही महल में दूध पिलानेवाली धाय का पति।

अत्तार (عطار) अ वि –सुगधकार, इत्र वनाने वेचनेवाला, ओपधियाँ वेचनेवाला, एक मुसलमान महात्मा।

अत्तार (عتار) अ वि –साहसी, शूर, दिलेर वलिष्ठ घोड़ा, वह स्थान जिसमे जी न लगे।

अत्फ (عطف) अ पु –कृपा, दया, मिलाना, जोडना, फिराना, लपेटना, दो शब्दों के बीच मे 'वाव' या कोई दूसरा अक्षर या शब्द लाकर उन्हे आपस मे मिलाना।

अत्फाल (اطفال) अ पु –'तिफ्ल' का वहु, वालकगण, वच्चे, लड़के।

अत्ब (عتب) अ पु –निंदा करना, क्रोध करना।

अत्बाअ (اتباع) अ पु –'तवा' का वहु अनुकारी वर्ग, पैरवी करनेवाले।

अत्मक (اتمک) तु स्त्री –रोटी, नान।

अत्यब (اطیب) अ वि –बहुत अच्छी सुगधवाला।

अत्राक (اتراک) तु पु –'तुर्क' का वहु, तुर्क लोग।

अत्राफ (اطراف) अ पु –'तरफ' का वहु, दिशाएँ, सिम्तें।

अत्राव (اتراب) अ स्त्री –'तिर्व' का वहु, समवयस्क पुरुप या स्त्रियाँ।

अत्रिय· (اطریہ) अ स्त्री –सिवैयाँ।

अत्लस (اطلس) अ स्त्री –एक वहुमूल्य रेशमी वस्त्र (पु) स्वच्छ आकाश, साफ आस्मान।

अत्लाल (اطلال) अ पु –पुराने और ध्वस्त मकान आदि के चिह्न।

अत्वार (اطوار) अ पु –'तौर' का वहु, आचरण, आ'माल।

अत्शान (عطشان) अ वि—प्यासा, तृषित।
अत्सः (عطسہ) अ स्त्री—छींक।
अत्हर (اطہر) अ वि—बहुत ही पवित्र, अत्यन्त पाक।
अद [द्द] (عد) अ पु—गिनना, गणना करना, शुमार करना।
अदक [क्क] (ادق) अ वि—बहुत ही क्लिष्ट, बहुत ही गूढ़, रहस्यमय, बहुत ही सूक्ष्म, निहायत दकीक।
अदकच (ادقچہ) तु पु—पलग पर विछाने की कामदार चादर।
अदद (عدد) अ पु—सख्या, अक, तादाद, मात्रा।
अदन (عدن) अ पु—यमन का एक द्वीप जहाँ का मोती प्रसिद्ध है।
अदब (ادب) अ पु—हर चीज़ का अदाजा और हद को दृष्टि मे रखना, शिष्टता, सभ्यता, तमीज, आदर, सत्कार, ताज़ीम, साहित्य, कला, लिट्रेचर, वुद्धि, विवेक।
अदब आमोज (ادب آموز) अ फा वि—अदव सिखानेवाला, अदव सीखनेवाला।
अदब नवाज (ادب نواز) अ फा पु—जो साहित्य का क़द्रदान और साहित्यकारो का गुणग्राही हो।
अदबी (ادبی) अ वि—साहित्यिक, साहित्य सम्वन्धी, अदव से मुतअल्लिक।
अदबीयत (ادبیئت) अ स्त्री—साहित्यिक प्रवाद, साहित्यिकता।
अदबीयात (ادبیات) अ स्त्री—साहित्य सम्वन्धी पुस्तके आदि।
अदम (عدم) अ पु—यमलोक, परलोक, जहाँ मनुष्य मरकर जाता है, हीन, विना, अभाव, फिक्दान।
अदम आवाद (عدم آباد) अ फा पु—यमलोक, परलोक, अदम की वस्ती।
अदरन (ادرنہ) तु पु—एडियानोपिल।
अदल [ल्ल] (ادل) अ वि—बहुत ही मुदल्लल, तर्कयुक्त, सगतियुक्त।
अदवात (ادوات) अ पु—अदात का वहु, आले, आलात, औजार, उपकरण-समूह।
अदा (ادا) फा स्त्री—हाव-भाव, अगभगी, नाजअदाज़, पद्धति, तर्ज़, प्रणाली।
अदा (ادا) अ पु—वेवाक करना, देना, चुकाना; वेवाक़, परिशुद्ध।
अदाइगी (ادائگی) अ फा स्त्री—वेवाकी, परिशुद्धि।
अदाए कर्ज़ (ادائے قرض) अ पु—ऋण-शुद्धि, कर्ज़ की वेवाकी।
अदाए खास (ادائے خاص) फा अ स्त्री—पद्धति-विशेष, खास तर्ज़।
अदाकार (اداکار) फा वि—अभिनेता, नट, ऐक्टर (पुम्प), अभिनेत्री, तारिका, लव्वा, ऐक्ट्रेस।
अदात (ادات) अ पु—औज़ार, आला, उपकरण।
अदानी (ادانی) अ पु—'अदना' का वहु, वहुत पाजवाले, वहुत कमीने।
अदालत (عدالت) अ स्त्री—न्यायालय, कचहरी, न्याय, इसाफ।
अदालत पजोह (عدالت پژوہ) अ फा वि—न्यायनिष्ठ, मुसिफमिज़ाज।
अदालते आलिय. (عدالت عالیہ) अ स्त्री—उच्च न्यायालय, हाईकोर्ट।
अदालते खफीफ (عدالت خفیفہ) अ स्त्री—अल्पवाद न्यायालय, स्माल काज़ कोर्ट।
अदालते दीवानी (عدالت دیوانی) अ फा स्त्री—व्यवहारालय, लेन-देन और रुपये-पैसेवाली कचहरी, व्यवहार-न्यायालय।
अदालते फौजदारी (عدالت فوجداری) अ फा स्त्री—दड-न्यायालय, वह कचहरी जहाँ अपराधो के इस्तिगासे होते है।
अदालते मातहत (عدالت ماتحت) अ स्त्री—अधीन न्यायालय।
अदालते माल (عدالت مال) अ स्त्री—राजस्व न्यायालय, मालगुज़ारी, लगान और खेती सम्वन्धी कचहरी।
अदालते मुजाज (عدالت مجاز) अ स्त्री—अधिकृत न्यायालय, जिसे किसी मुआमले के सुनने और निर्णय करने का अधिकार हो।
अदालते मुराफअ (عدالت مرافعہ) अ स्त्री—पुनर्विचारालय, अदालते अपील।
अदावत (عداوت) अ स्त्री—शत्रुता, वैर, दुश्मनी।
अदावतन (عداوتاً) अ वि—अदावत से, शत्रुता से।
अदावत पेश (عداوت پیشہ) अ फा वि—जिसका काम हरेक से शत्रुता रखना हो, वैरवृत्त।
अदावते कल्बी (عداوت قلبی) अ स्त्री—हार्दिक वैर, दिली दुश्मनी, बहुत अधिक शत्रुता।
अदावते फित्री (عداوت فطری) अ स्त्री—पैदाइशी दुश्मनी, प्राकृतिक वैर, जैसी साँप और न्योले मे।
अदाशनास (اداشناس) फा वि—यह समझनेवाला कि इस समय उसका स्वामी क्या चाहता है, और क्या करना चाहिए, भालदर्शी।

अदिल्लः (ادلہ) अ स्त्री –'दलील' का वहु, दलीले।
अदीद (عدید) अ स्त्री –अधिक, वहुत, गणना, शुमार, सदृशता, नज़ीर।
अदीव (ادیب) अ वि –साहित्यकार, कलाकार।
अदीम (عدیم) अ वि –अप्राप्य, नायाव।
अदीम (ادیم) अ पु –कच्चा और वूदार चमडा, धरातल, ज़मीन की सतह, खाना, भोजन।
अदीमज़्ज़ुहा (ادیم الضحیٰ) अ पु –सूर्योदय के पश्चात् का समय, चाश्त का शुरु, प्रत्यूप-आतप।
अदीमुन्नज़ीर (عدیم النظیر) अ वि –जिस जैसा दूसरा न हो, अनुपम, अद्वितीय, वेमिसाल, अनुपमेय।
अदीमुलअर्ज़ (ادیم الارض) अ पु –धरातल, ज़मीन की सतह।
अदीमुलफ़ुर्सत (عدیم الفرصت) अ वि –जिसके पास समय न हो, अवकाश-विहीन।
अदीमुलमिसाल (عدیم المثال) अ वि –देखिए 'अदीमुन्नज़ीर'।
अदील (عدیل) अ वि –समान, तुल्य, हमसर, दो व्यक्ति जो एक कजावे पर दोनो ओर वैठे।
अदूल (عدول) अ पु –सत्यनिष्ठ व्यक्ति, सच्चा पुरुष, सच्चा गवाह।
अदूले हुक्म (عدول حکم) अ पु –अवज्ञाकारी, नाफर्मान।
अद्इय (ادعیہ) अ स्त्री –'दुआ' का वहु, दुआएँ।
अद्कन (ادکن) अ पु –खाकी रग, ऐसा रग जो कालिमा लिये हो।
अद्खिनः (ادخنہ) अ पु –'दुख़ान' का वहु, धुएँ।
अद्न (عدن) अ पु –निवास, कयास, किसी जगह हमेशा रहना, स्वर्ग के वाग।
अद्ना (ادنیٰ) अ वि –तुच्छ, अधम, कमीना, वहुत छोटा, ज़रा सा (काम आदि), पास, समीप।
अद्नान (عدنان) अ पु –हज़रत मुहम्मद साहब के एक पूर्वज जो वडे अच्छे वक्ता थे।
अद्नास (ادناس) अ पु –'दनस' का वहु, मैल-कुचैल।
अद्मान (ادمان) अ पु –'अदम' का वहु, गदुमी रग के मनुष्य।
अद्यान (ادیان) अ पु –'दीन' का वहु, वहुत से धर्म और मज़हब।
अद्ल (عدل) अ पु –न्याय, इसाफ, न्यायकर्ता, मुंसिफ, वह सच्चा व्यक्ति जो गवाही के लिए ठीक हो, सदृश, मिस्ल, एक वस्तु को दूसरी वस्तु के वरावर करना।
अद्लपर्वर (عدل پرور) अ फा वि –न्यायनिष्ठ, न्यायप्रिय, हर वात मे न्याय का ख्याल रखनेवाला।
अद्लैन (عدلین) अ पु –दो सच्चे व्यक्ति जो गवाही के लिए उचित हो।
अद्वन (ادون) अ वि –अधमतर, कमीन तर, समीपतर, करीवतर।
अद्वात (ادوات) अ पु –'अदात' का वहु, औज़ार, उपकरण-समूह।
अद्वार (ادوار) अ पु –'दौर' का वहु, वारियाँ।
अद्वियः (ادویہ) अ स्त्री –'दवा' का वहु, ओषधियाँ, दवाएँ।
अद्हम (ادهم) अ पु –काला, काला घोडा, काला साँप, वेडी।
अन (عن) अ अव्य –से, अज़।
अनकरीव (عنقریب) अ अव्य –शीघ्र ही, वहुत जल्द।
अनत (عنت) अ पु –पाप, गुनाह, दोष, खरावी, हत्या, हलाकी।
अनफ (انف) अ स्त्री –नाक, नासा, वीनी।
अनव (انب) अ पु –वैगन, भाँटा।
अनलवर्क (انا البرق) अ वा –मै विजली हूँ।
अनलवह्र (انا البحر) अ वा –मै समुद्र हूँ।
अनलल्लाह (انا اللّٰه) अ वा –मै ईश्वर हूँ।
अनलहक (انا الحق) अ वा –मै सत्य हूँ, मै सदाकत हूँ, मै ब्रह्म हूँ, अहं ब्रह्मास्मि, मै खुदा हूँ।
अना (انا) अ अव्य –मै।
अना (انا) तु स्त्री –माता, जननी, माँ।
अना (عنا) अ स्त्री –कष्ट, दुःख, तकलीफ, प्रयास, मशक्कत।
अनाक (عناق) अ पु –वकरी की वच्ची।
अनाकीद (عناقید) अ पु –'उन्कूद' का वहु, अगूर के गुच्छे।
अनाजील (اناجیل) अ स्त्री –'इजील' का वहु, इजीले, वाइविले।
अनात (انات) अ स्त्री –देर, विलव, दिरग।
अनातूलियः (اناطولیہ) तु पु –तुर्किस्तान का एक नगर।
अनादिल (عنادل) अ उभ –'अदलीव' का वहु, वुलवुले।
अनानियत (انانیت) अ स्त्री –अहवाद, खुदी, यह भावना कि जो कुछ हूँ, वस मै हूँ।
अनाम (انام) अ पु –जनता, सर्वसाधारण, अवाम।
अनामिल (انامل) अ स्त्री –'अन्मिल' का वहु, उँगलियो के सिरे।
अनार (انار) फा पु –एक प्रसिद्ध फल, दाडिम।
अनारदान (انار دانہ) फा पुं –अनार के सूखे हुए वीज जो दवा में काम आते है, अनारदाना।

अनासिर (عناصر) अ पु –'उंसुर' का बहु, पंचभूत–आग, पानी, हवा, मिट्टी और आकाश।
अनीक (انيق) अ वि –अद्‌भुत, आश्चर्यजनक, अजीबो-ग़रीब, सुन्दर, मनोरम, हसीन।
अनीद (عنيد) अ वि –लड़ाकू, झगड़ालू, उद्दंड, सरकश।
अनीन (انين) अ पु –चीख़ना, चिल्लाना।
अनीफ़ (عنيف) अ वि –तीव्र, तेज, खुरदरा, दुरुस्त, झगड़ालू, लड़ाकू।
अनीस (انيس) अ वि –मित्र, सखा, दोस्त।
अनीसून (انيسون) अ स्त्री –एक प्रकार की सौंफ जो दवा में काम आती है।
अन्कबूत (عنكبوت) अ स्त्री –लूता, मकड़ी।
अन्कबूतीयः (عنكبوتيه) अ स्त्री –आँख का चौथा पर्दा या पटल।
अन्कस (انقص) अ वि –बहुत ही ख़राब, अत्यन्त निकृष्ट।
अन्का (عنقا) अ पु –एक प्रसिद्ध साहित्यिक पक्षी जो केवल कल्पित है, वह वस्तु जो अप्राप्य हो, लंबी गर्दनवाली स्त्री।
अन्क़ाब (عنقاب) अ पु –'नक़्ब' का बहु, छिद्र-समूह, बहुत से सूराख़।
अन्क़ास (انقاس) अ पु –'निक्स' का बहु, लिखने की स्याहियाँ।
अन्क़ास (انقاص) अ पु –'नक़्स' का बहु, कमियाँ, त्रुटियाँ, अशुद्धियाँ, दोष, ऐब।
अन्नाब (عناب) अ वि –अंगूर बेचनेवाला।
अन्फ़ (عنف) अ पु –खुर्दरापन, रूखापन, रुखाई, बेरुख़ी, दे 'इन्फ़' और 'उन्फ़', तीनों शुद्ध हैं।
अन्फ़त (انفت) अ पु –घृणा और अवहेलना करना।
अन्फ़स (انفس) अ वि –बहुत ही नफ़ीस, बहुत ही उत्तम, अत्यधिक सुन्दर।
अन्फ़ास (انفاس) अ पु –'नफ़स' का बहु, साँसें।
अन्फ़िख़ः (انفخه) अ पु –'नफ़्ख़' का बहु, फूँकें।
अन्फ़िहः (انفحه) अ पु –पनीर माय, वह जमा दुग्ध जो नवजात शिशु-पशु को मारकर उसके मेदे से निकालते हैं।
अन्फ़ुस (انفس) अ पु –'नफ़्स' का बहु, रूहें, आत्माएँ, व्यक्तियाँ, ज़ातें।
अन्मलः (انمله) अ स्त्री –दे 'अन्मिल'।
अन्मार (انمار) अ पु –'नम्र' का बहु, चीते।
अन्मिलः (انمله) अ स्त्री –उँगली का सिरा, यह शब्द नौ प्रकार से आता है, परन्तु बोला यही जाता है, 'अलिफ़' और 'मीम' पर ज़बर, ज़ेर, पेश, तीनों आते हैं।
अन्मुलः (انمله) अ स्त्री –दे 'अन्मिल'।
अन्वर (انور) अ वि –बहुत अधिक चमकदार, उज्ज्वलतम।
अन्वाअ (انواع) अ पु –'नौअ' का बहु, प्रकार, क़िस्में।
अन्वार (انوار) अ पु –'नूर' का बहु, प्रकाशपुंज, जगमगाहटें, रोशनियाँ।
अन्हार (انهار) अ पु –'नह्र' का बहु, नहरें, नदियाँ, चश्मे।
अफ़ [फ़्फ़] (عف) अ पु –सतीत्व, पातिव्रत्य, इस्मत।
अफ़न (عفن) अ पु –मलिन होना, गंदा होना।
अफ़रना (عفرنا) अ पु –फाड़ खानेवाला शेर, व्याघ्र।
अफ़ा (عفا) अ पु –मरना, हलाक होना, नापैद होना, आँख के पपोटों की कालिमा।
अफ़ाई (افاعی) अ पु –'अफ़ई' का बहु, काले साँप।
अफ़ाग़िन (افاغنه) अ पु –'अफ़गान' का बहु, अफ़गानी लोग, काबुली।
अफ़ाज़िल (افاضل) अ पु –'अफ़ज़ल' का बहु, विद्वज्जन, पंडित लोग, प्रतिष्ठित जन, बड़े लोग।
अफ़ाफ़ (عفاف) अ पु –संयम, पार्साई, सतीत्व, इस्मत।
अफ़ारीत (عفاريت) अ पु –इफ़्रीत का बहु, पिशाच-समूह, देव लोग।
अफ़िन (عفن) अ वि –दुर्गंधयुक्त, बदबूदार।
अफ़िस (عفص) अ वि –बकठा, कसैला, बकठी चीज़।
अफ़ीफ़ः (عفيفه) अ स्त्री –सती, साध्वी, पतिव्रता, बाइस्मत।
अफ़ीफ़ (عفيف) अ वि –पत्नीव्रत, परस्त्रीविमुख, दूसरी स्त्री पर आँख न उठानेवाला।
अफ़ील (افيل) अ पु –जवान ऊँट।
अफ़्अफ़ (عفعف) अ अव्य –कुत्ते के भूँकने का शब्द।
अफ़्आल (افعال) अ पु –'फ़ेल' का बहु, कार्य-समूह, कृतियाँ, करतूत।
अफ़्इद (افئده) अ पु –'फ़ुआद' का बहु, हृदय-समूह।
अफ़्ई (افعی) अ पु –काला साँप, नाग।
अफ़्क़र (افقر) अ वि –बहुत ही कंगाल, बहुत ही फ़कीर।
अफ़्कार (افکار) अ पु –'फ़िक्र' का बहु, फ़िक्रें, चिंताएँ, रचनाएँ, तसानीफ़।
अफ़्गंदः (افگنده) फा वि –फेंका हुआ, गिराया हुआ।
अफ़्गंदः सुम (افگنده سم) फा वि –लाचार, दुःखित, चलने-फिरने में विवश।
अफ़्गंदनी (افگندنی) फा वि –फेंकने के योग्य, डालने के योग्य, गिराये जाने योग्य।
अफ़्गाँ (افغان) फा पु –'अफ़ग़ान' का लघु, दे 'अफ़गान'।
अफ़्गानः (افگانه) फा पु –भ्रूण, अधूरा बच्चा, वह बच्चा जो सात महीने से पूर्व उत्पन्न हो जाय।

अफ़ग़ान (افغان) फा पु –अफगानिस्तान का निवासी, अफगानी, काबुली।

अफ़ग़ानिस्तान (افغانستان) फा पुं –काबुलियो का देश, काबुल का मुल्क, काबुल का राष्ट्र।

अफ़ग़ानी (افغانی) फा वि –काबुली, अफगान।

अफ़गार (افگار) फा वि –क्षत, घायल, (प्रत्य) जख्म खाया हुआ जैसे 'दिल अफगार' जख्मी दिलवाला।

अफ़ज़ल (افضل) अ वि –बहुत ही बढिया, उत्तमतर, बहुत अधिक, बहुत ज्यादा।

अफ़ज़लीयत (افضلیت) अ स्त्री –श्रेष्ठता, बडप्पन, बडाई।

अफ़ज़ह (افضح) अ वि –बहुत ही निंदित, बहुत ही बदनाम, कुख्यात।

अफ़्ज़ा (افزا) फा प्रत्य –बढानेवाला जैसे हौसल 'अफ्ज़ा' उत्साह बढानेवाला।

अफ़्ज़ाइश (افزائش) फा स्त्री –वृद्धि, बढती, ज्यादती।

अफ़्ज़ाइशे नस्ल (افزائش نسل) फा स्त्री –संतान-वृद्धि, वंशवृद्धि, नस्ल का बढना।

अफ़्ज़ाइशे हुस्न (افزائش حسن) फा अ स्त्री –सौंदर्य-वृद्धि, सुन्दरता का बढना।

अफ़्ज़ियः (افضیه) अ स्त्री –'फज़ा' का बहु, खुले स्थान।

अफ़्ज़ूँ (افزوں) फा वि –अत्यधिक, प्रचुर, बहुत ज्यादा, कुल जोड, ग्रांड टोटल।

अफ़्ज़ूनी (افزونی) फा स्त्री –अधिकता, प्रचुरता, बहुतायत, ज्यादती।

अफदर (افدر) अ पु –भतीजा, भ्रातृ-पुत्र, भानजा, भगिनी-पुत्र।

अफ़्याल (افیال) अ पु –'फील' का बहु बहुत से हाथी।

अफ़्राख़्त (افراخته) फा वि –उठाया हुआ, ऊँचा किया हुआ।

अफ़्राख़्तनी (افراختنی) फा वि –उठाने योग्य, ऊँचा करने योग्य।

अफ़्राज़ (افراز) फा प्रत्य –'उठानेवाला' 'ऊँचा करनेवाला', जैसे 'सरअफ्राज़' सिर ऊँचा करनेवाला।

अफ़्राज़िंद. (افرازنده) फा वि –उठानेवाला, ऊँचा करनेवाला।

अफ़्राज़ीद. (افرازیده) फा वि –उठाया हुआ, बलंद किया हुआ।

अफ़्राद (افراد) अ पु –'फर्द' का बहु, व्यक्तियाँ, आदमी।

अफ़्राश्त (افراشته) फा वि –उठाया हुआ, ऊँचा किया हुआ, बलंद किया हुआ।

अफ़्राश्तनी (افراشتنی) फा वि –उठाने योग्य, ऊँचा करने योग्य।

अफ़्रास (افراس) अ पु –'फरस' का बहु, घोडे।

अफ़्रासियाब (افراسیاب) फा पु –तूरान का एक प्राचीन शासक।

अफ़्रासे आब (افراس آب) फा पु –वे बुलबुले जो पानी बरसते समय उठते हैं।

अफ़्रोख़्तः (افروخته) फा वि –जलाया हुआ, रौशन किया हुआ, क्रुद्ध, गुस्से मे, उत्तेजित, मुश्तइल।

अफ़्रोख़्तगी (افروختگی) फा स्त्री –क्रोध, रोष, उत्तेजना, उकसाहट, रौशनी।

अफ़्रोख़्तनी (افروختنی) फा वि –जलाने योग्य, उत्तेजित करने योग्य, क्रुद्ध करने योग्य।

अफ़्रोज़ (افروز) फा प्रत्य –जलानेवाला, रौशन करनेवाला, उज्ज्वलकारी, वृद्धिकारी, जैसे—दिल-अफ्रोज़, दिल को उज्ज्वल करनेवाला, रौनक-अफ्रोज—शोभावृद्धिकारी।

अफ़्लाक (افلاک) अ पु –'फलक' का बहु, आकाश-समूह, सब आस्मान।

अफ़्लाक़ (فلاق) अ पु –'फलक' का बहु, प्रात काल के उजाले।

अफ़्व (عفو) अ पु –क्षमा, मुआफी।

अफ़्वाज (افواج) अ स्त्री –'फौज' का बहु., फौजें, सेनाएँ।

अफ़्वाह (افواه) अ स्त्री –बहुवचन है, परन्तु एकवचन मे प्रयुक्त होता है, किंवदती, जनश्रुति, लोकोक्ति, उडती हुई शोहरत।

अफ़्वाहन् (افواهاً) अ वि –अफ्वाह के तौर पर, उडते-उडते।

अफ़्श (عفش) अ पु –पथिक का सामान।

अफ़्शाँ (افشاں) फा स्त्री –स्त्रियो के बालो अथवा गालो पर छिडकने का सुनहला या रुपहला चूर्ण, (प्रत्य.) झाडनेवाला, छिडकनेवाला, जैसे—'दस्त अफ्शाँ' हाथ झाडनेवाला।

अफ़्शार (افشار) तु पु –तुर्कों मे 'किज़िलबाश' जाति का एक गोत्र।

अफ़्शुरः (افشره) फा पु –दे 'अफ्शुर्द'।

अफ़्शुर्द. (افشرده) फा वि –निचोडा हुआ, (पु) निचोडा हुआ अरक आदि।

अफ़्शुर्दए अंगूर (افشردهٔ انگور) फा पु –अंगूर का निचोडा हुआ अरक, अंगूर की मदिरा।

अफ़्स (عفص) अ पु –माजू, माजूफल, एक वनौषधि।

अफ़्सर (افسر) अ पु –मुकुट, ताज, पदाधिकारी, ओहदे-दार, सरदार, अध्यक्ष।

अफ़्सरी (افسری) अ स्त्री –पदाधिकार, ओहदादारी, सत्ता, हुकूमत, अध्यक्षता, सरदारी।

अफ्सह (افصح) अ वि —बहुत फसीह, जो बडी विद्वत्ता से बातचीत करता हो और बहुत अच्छे शब्द बोलता हो।

अफ्साँ (افساں) फा पु —धार तेज़ करने का पत्थर, शाण, सान।

अफ्सा (افسا) फा पु —अभिचारक, मायावी, जादूगर।

अफ्सान॰ (افسانہ) फा पु —आख्यायिका, कहानी, उपन्यास, नाविल, लम्बा वृत्तान्त, मनगढत कहानी या हाल।

अफ्सान गो (افسانہگو) फा वि —कहानियाँ कहनेवाला, किस्स गो।

अफ्सानः नवीस (افسانہ نویس) फा वि —कहानियाँ लिखनेवाला, उपन्यास-लेखक।

अफ्सान निगार (افسانہ نگار) फा वि —दे 'अफ्सान नवीस'।

अफ्सार (افسار) फा पु —घोडे की वागडोर।

अफ्सुर्द (افسردہ) फा वि —जाडे से ठिठरा हुआ, वुझा हुआ, ठडा, खिन्न, उदास।

अफ्सुर्द दिल (افسردہدل) फा वि —वुझे दिलवाला, खिन्नचित्त, उदास।

अफ्सुर्द दिली (افسردہدلی) फा स्त्री —दिल का वुझा होना, उदासी।

अफ्सुर्दगी (افسردگی) फा स्त्री —मलिनता, खिन्नता, उदासीनता, ठिठरापन, वेरौनकी, शोभाहीनता।

अफ्सुर्दनी (افسردنی) फा वि —ठिठरने योग्य, मलिन होने योग्य।

अफ्सूँ (افسوں) फा पु —अभिचार, मायाकर्म, इन्द्रजाल, जादू।

अफ्सूँगर (افسوںگر) फा वि —अभिचारक, मायावी, जादूर।

अफ्सूँतराज़ (افسوںطراز) फा वि —दे 'अफ्सूँगर'।

अफ्सून (افسون) फा पु —दे 'अफ्सूँ'।

अफ्सूने सामिरी (افسون سامری) फा अ पु —'सामिरी' का जादू, वहुत सख्त जादू।

अफ्सोस (افسوس) फा पु —शोक, रज, पश्चात्ताप, खेद, पशेमानी।

अफ्सोसनाक (افسوسناک) फा वि —शोकजनक, रजदेह, अशुभ, मनहूस, दयनीय, काविले रह्म।

अव [ब्ब] (عب) अ पु —वार-वार पानी पीना, मुँह भर-भर के खाना।

अवद (عبدہ) अ पु —'आविद' का वहु तपस्वी लोग।

अवद (ابد) अ पु —वह समय जिसका अत न ज्ञात हो, नित्यता, हमेशगी।

अवदन (أبداً) अ वि —कदापि, हरगिज़, नित्य, हमेशा।

अवदी (ابدی) अ वि —नित्य की, हमेशा की, सार्व-कालिक, दायमी।

अवदीयत (ابدیت) अ स्त्री —नित्यता, हमेशगी, अनश्वरता, लाजवालीयत।

अवदुल आवाद (ابدالآباد) अ पु —नित्यता, हमेशगी।

अववी (ابوی) अ वि —वाप का, वाप सववी।

अवस (عبث) अ वि —व्यर्थ, निरर्थक, फज़ूल, वेकार।

अवस (عبس) अ पु —रूखापन, वदमिज़ाजी, सूखा पेशाव-पाखाना।

अवा (عبا) अ पु —लवा चुगा, वस्त्र, लिवास।

अवावील (ابابیل) अ स्त्री —एक प्रसिद्ध काली और छोटी चिडिया, जो उजाड मकानो में रहती है, भाडकी।

अविक़ (عبق) अ वि —सुगधित, खुशवूदार।

अवीद (عبید) अ पु —'अब्द' का वहु, ईश्वर के दास।

अवीर (عبیر) अ पु —एक प्रकार की सुगधित गुलावी वुकनी जो कपडो पर छिडकी जाती हे।

अवूर (عبور) अ पु —नई वकरी या भेड, वह मनुष्य जिसका खत्ना न हुआ हो।

अवूस (عبوس) अ वि —वदमिज़ाज और खुर्रा व्यक्ति, रूखे स्वभाववाला।

अव्अद (ابعد) अ वि —वहुत अधिक दूर।

अव्आद (ابعاد) अ पु —'वो'द' का वहु, दूरियाँ, फासिले।

अव्आदे सलास (ابعاد ثلاثہ) अ पु —तीन फासिले, लवाई, चौडाई और मोटाई या ऊँचाई या गहराई।

अव्इर (ابعرہ) अ पु —'वईर' का वहु, उष्ट्र-समूह, वहुत से ऊँट।

अव्कर (عبقر) अ पु —शोरा, एक क्षार जिसमे वारूद वनती है।

अव्क़र (عبقر) अ पु —भूत-प्रेत और जिनो आदि का एक कल्पित नगर।

अव्करी (عبقری) अ वि —वहुत वढिया और अद्‌भुत वस्तु जिसे मनुष्य न वना सके, वल्कि जिसे जिनो या भूतो ने वनाया हो, उम्दा और नफीस कपडा, हर उत्तम और अद्‌भुत वस्तु।

अव्का (ابکی) अ वि —वहुत रोनेवाला।

अव्कार (ابکار) अ पु —'विक्र' का वहु, कुआँरिया, वुक्र का वहु, सवेरे, प्रात काल के समय।

अव्खर (ابخرہ) अ पु —'वुखार' का वहु, धुएँ, भापे।

अव्खर (ابخر) अ वि —वह व्यक्ति जिसके मुँह मे दुर्गंध आती हो, गदादहन।

अब्खल (ابخل) अ वि –बहुत अधिक कजूस, कृपणतम।

अब्जद (ابجد) अ स्त्री –वर्णमाला, अलिफ, बे, अरबी अक्षरो का वह क्रम जिसमे हर अक्षर का मूल्य एक से हजार तक, क्रमश दिया गया है, और वह इस प्रकार

۴ ۳ ۲ ۱ ۷ ۶ ۵

है, अबजद (ا ب ج د) हव्वज़ (ه و ز) हुत्ती

۱۰ ۹ ۸ ۵۰ ۴۰ ۳۰ ۲۰

(ح ط ی) कलिमन (ک ل م ن) सअफस

۹۰ ۸۰ ۷۰ ۶۰ ۴۰۰ ۳۰۰ ۲۰۰ ۱۰۰

(س ع ف ص) करशत (ق ر س ت) सख़्ख़ज़

۷۰۰ ۶۰۰ ۵۰۰ ۱۰۰۰ ۹۰۰ ۸۰۰

(ث خ ذ) ज़ज्ज़ग (ض ظ غ) –इन अक्षरो की सहायता से लोगो के मरने और पैदा होने का साल निकाला जाता है, और कुछ लोग अपने बच्चो के नाम भी इसी हिसाब से रखते है जिससे उनके जन्म का वर्ष मालूम हो जाता है।

अब्जदख़्वाँ (ابجد خواں) अ फा वि –अलिफ, बे, पढने वाला, नौसिखिया।

अ जार (ابذار) अ पु –'बज्र' का बहु, अनाजो के बीज।

अब्ज़ार (ابزار) अ पु –'बज्र' का बहु, तरकारियो के बीज।

अब्तर (ابتر) अ वि –अस्तव्यस्त, तितर-बितर, दुर्दशा-ग्रस्त, बदहाल।

अब्तरी (ابتری) अ स्त्री –अस्त-व्यस्तता, गडबड, कुव्य-वस्था, बदनज्मी, राज्य-परिवर्तन, इन्किलाब।

अब्द (عبد) अ पु –दास, सेवक, बद, भक्त, फिदाई।

अब्दान (ابدان) अ पु –'बदन' का बहु, बहुत से शरीर।

अब्दीयत (عبدیت) अ स्त्री –दासता, सेवाभाव, बदगी, ईश्वर का दास होना।

अब्दुद्दराहिम (عبدالدراهم) अ पु –रुपये का दास, जिसका धर्म ईमान केवल रुपया हो।

अब्दुल जिन्न. (عبدالجن) अ पु –कादूस रोग, जिसमे रोगी अनुभव करता है कि किसी ने उसका गला घोट दिया।

अब्दुलबत्न (عبدالبطن) अ पु –पेट का बदा, उदर-सर्वस्व, पेटू।

अब्ना (ابنا) अ पु –'इब्न' का बहु, बेटे, पुत्रगण।

अब्नाए ज़मान. (ابناے زمان) अ पु –ससारवाले, दुनियावाले, अवसरवादी लोग, दुनियासाज़ लोग।

अब्नाए जिंस (ابناے جنس) अ पु –एक जातिवाले, एक आयुवाले, समवयस्क।

अब्नाए वतन (ابناے وطن) अ पु –वतनवाले, देशवाले।

अब्नियः (ابنیه) अ स्त्री –'बिना' का बहु, बुनियादे, नीव।

अब्बादान (عبادان) अ पु –फारस की खाडी का एक द्वीप।

अब्बास (عباس) अ पु –रूखे स्वभाव वाला, व्याघ्र, शेर, हज़रत मुहम्मद साहब के चचा, अब्बासी ख़लीफा इन्ही से सम्बन्धित है।

अब्बासियाँ (عباسیاں) अ पु –हजरत अब्बास की सतान-वाले।

अब्बासी (عباسی) अ वि –हज़रत अब्बास का वशज, हजरत अब्बास से सम्बन्धित, एक फूल, गुलाबाँस।

अब्यज़ (ابیض) अ वि –बहुत सफेद, धवलतम।

अब्यस (ابیس) अ वि –बहुत खुश्क, बहुत खुश्की पैदा करनेवाला।

अब्यात (ابیات) अ स्त्री –'बैत' का बहु, शेर।

अब्रः (ابره) अ पु –दोहरे कपडे मे ऊपर वाला कपडा, अस्तर का उलटा।

अब्र (ابر) फा पु –मेघ, बलाहक, बादल।

अब्र (عبر) अ पु –स्वप्न का फल बताना, ता'बीर कहना।

अब्र आलूद (ابرآلود) फा वि –बादल से घिरा हुआ, मेघाच्छादित।

अब्रक (ابرک) फा पु –अभ्रक, एक प्रसिद्ध और बहुत ही उपयोगी पारदर्शी धातु।

अब्रक (ابرق) अ पु –दे 'अब्रक'।

अब्रस (ابرص) अ वि –जिसे सफेद कोढ का रोग हो, सिध्म।

अब्रार (ابرار) अ पु –'बार' का बहु, ऋषि, मुनि लोग।

अब्री (ابری) फा स्त्री –अब्र से सम्बन्धित, एक चित्रित और रगीन कागज, जो प्राय जिल्दो पर चढाया जाता है।

अब्रू (ابرو) फा स्त्री –भ्रू, भृकुटी, भौ।

अब्रूकमाँ (ابروکماں) फा वि –जिसकी भौहे धनुष-जैसी मेहराबदार हो; सुदर भौंहोवाली हसीना।

अब्रू कशीदः (ابروکشیده) फा वि –जिसकी भौहे तनी हो, सकुचित भ्रू।

अब्रेग़लीज़ (ابرغلیظ) फा अ पु –काली घटा, घनघोर घटा।

अब्रेतीर (ابرتیره) फा पु –दे 'अब्रेग़लीज़'।

अब्रेनैसाँ (ابرنیساں) फा पु –चैत के महीने का बादल, जिसके लिए प्रसिद्ध है कि उसकी हर बूंद मोती बन जाती है।

अब्रेबहार (ابربہار) फा पु –बसत ऋतु का मेघ।

अब्रेबाराँ (ابرباراں) अ पु –बरसता हुआ बादल, द्रोण मेघ, वर्षाकाल का बादल।

अब्लक़ (ابلق) अ वि –चितकबरा, काला और सफेद, चितकबरा घोडा, काला और सफेद घोडा।

अब्लह (ابلہ) अ वि –भोला भाला, मूर्ख, वेवकूफ।

अब्लहाँ (ابلہاں) अ पु –'अब्ल' का फारसी वहु, भोले-भाले लोग, मूर्ख लोग।

अब्लही (ابلہی) अ स्त्री –भोलापन, मूर्खता, नादानी।

अब्लूज (ابلوج) फा स्त्री –सफेद शक्कर, शर्करा, मिस्री, खड शर्करा।

अब्स (عبس) अ पु –रूखापन, तुरुशरूई, एक पैरा, सीसवर।

अब्हर (عبہر) अ स्त्री –वह नर्गिस का फूल जिसके भीतर पीलापन हो, वह व्यक्ति जिसके शरीर में मास खूब हो।

अब्हा (ابہی) अ वि –सुदरतम, ज़ेवतर, मनोरम, खुशनुमा।

अब्हार (ابحار) अ पु –'वह्र' का वहु, वहुत से समुद्र।

अम [म्म] (عم) अ पु –चचा, पितृभ्राता।

अमल (عملہ) अ पु –कर्मचारीवर्ग, किसी सस्था या कार्यालय के काम करनेवाले लोग।

अमल (عمل) अ पु –कार्य, कर्म काम, लोकाचार, तर्ज़े अमल, ससार मे अच्छा या वुरा किया हुआ काम, कृत्य, कोई जप या वज़ीफा, मिस्मरेज़्म का अमल।

अमल (امل) अ स्त्री –आशा, आस, उम्मीद।

अमलखान: (عمل خانہ) अ पु –दीवानखान।

अमलदारी (عملداری) अ फा स्त्री –शासन, सत्ता, राज्याधिकार, हुकूमत।

अमलन (عملاً) अ वि –अमल के तौर पर, कार्यान्वित करके।

अमली (عملی) अ वि –कार्य सम्वन्धी, काम का, कर्मनिष्ठ, कर्मठ, वाअमल।

अमलीयात (عملیات) अ पु –जत्र-मत्र जो भूत-प्रेत आदि के लिए प्रयुक्त होते हैं।

अमश (عمش) अ पु –दृष्टि की निर्वलता, आँख से आँसू वहना।

अमा (عما) अ स्त्री –अधता, नावीनाई, कुमार्ग, गुमराही, हलका वादल, गहरा वादल।

अमाइद (عمائد) अ पु –'अमीद' का वहु, वडे लोग, प्रतिष्ठित लोग, उच्च पदाधिकारी लोग।

अमाइम (عمائم) अ पु –'इमाम' का वहु, पगडियाँ, साफे।

अमाकिन (اماکن) अ पु –'मकान' का वहु, वहुत से घर, वहुत से मकान।

अमाजिद (اماجد) अ पु –'अम्जद' का वहु, प्रतिष्ठित जन, पूज्य व्यक्ति, वुज़ुर्ग लोग।

अमान (امان) अ स्त्री –सुरक्षा, हिफाज़त, पनाह, निर्भयता, बेखौफी, शाति, सुकून।

अमानत (امانت) अ स्त्री –न्यास, थाती, धरोहर, किसी को कोई वस्तु सिपुर्द करना।

अमानतदार (امانتدار) अ फा वि –जिसके पास कोई धरोहर रखी हो, न्यासधारी, सत्यनिष्ठ, ईमानदार।

अमानी (امانی) अ पु –'उम्नीयत' का वहु, आशाएँ, आकाक्षाएँ, आर्ज़ूएँ।

अमाम (امام) अ वि –सामने, प्रत्यक्ष।

अमारत (امارت) अ स्त्री –चिह्न, निशान, लक्षण, अलामत।

अमारात (امارات) अ स्त्री –'अमारत' का वहु, निशानात, चिह्न, अलामते, लक्षण।

अमारिद (امارد) अ पु –'अम्रद' का वहु, वे डाढी-मूँछ के खूबसूरत लडके।

अमारी (عماری) अ स्त्री –हाथी का हौदा, अम्मारी।

अमासिल (اماثل) अ पु –'अम्सल' का वहु, उदाहरण, मिसाले।

अमीक़ (عمیق) अ वि –अगाध, गहन, गभीर, गहरा, डुवाऊ, सूक्ष्म, गूढ, दकीक।

अमीद (عمید) अ वि –प्रतिष्ठित, मुअज़्ज़ज़, नेता, रहवर, लीडर।

अमीन (امین) अ वि –न्यासधारी, अमानतदार, सत्यनिष्ठ, ईमानदार।

अमीम (عمیم) अ वि –व्यापक, आम, जो सवके लिए हो।

अमीर (امیر) अ वि –धनाढ्य, दौलतमद, अध्यक्ष, सरदार, लीडर, नेता, शासक, हाकिम।

अमीरज़ाद: (امیرزادہ) अ फा वि –अमीर का लडका, धनीपुत्र, आर्यपुत्र, शरीफज़ादा।

अमीरान: (امیرانہ) अ फा वि –अमीरो जैसा, रईसो की तरह।

अमीरी (امیری) अ स्त्री –श्रेष्ठता, वुज़ुर्गी, धनाढ्यता, मालदारी, स्वामित्व, सरदारी।

अमीरुल अस्कर (امیرالعسکر) अ पु –सेनापति, सिपहसालार, कमाडर।

अमीरुल उमरा (امیرالامرا) अ पु –शाही ज़माने की एक वडी पदवी, अमीरो का अमीर, वहुत वडा अमीर।

अमीरुल वह्र (امیرالبحر) अ पु –नौ-सेनापति, समुद्री फौज का कमाडर।

अमीरे कारवाँ (امیر کارواں) अ फा पु –यात्रीदल का अध्यक्ष।

अमीरे नह्ल (امیرِ نحل) अ पु –हजरत अली की उपाधि ।

अमूद (عمود) अ पु –स्तभ, खभा, वस्त्रपट, ख़ैम , शिश्न, लिंग, अध्यक्ष, सरदार, तराज़ू की मूठ, लव, वह खडी रेखा जो दूसरी पडी रेखा पर गिरकर ९० अश का कोण वनाये ।

अमूदी (عمودی) अ वि –अमूद से सम्वन्धित, अमूद जैसा ।

अमूम (عموم) अ वि –दे शु उच्चारण 'उमूम' ।

अमूर (عمور) अ पु –दाँतो और मसूढो के वीच का मास ।

अमूल (عمول) अ वि –वहुत अधिक काम करनेवाला ।

अम् (عم) अ पु –चचा, वाप का भाई ।

अम्अक (عمعق) अ पु –अरव का एक शायर ।

अम्आ (امعا) अ पु –'मिआ' का वहु , आँते ।

अम्किनः (امکنہ) अ पु –'मकान' का वहु , मकानात ।

अम्जद (امجد) अ वि –अत्यत पवित्र, अत्यत वुजुर्ग ।

अम्जाद (امجاد) अ पु –प्रतिष्ठित जन, वुजुर्ग लोग ।

अम्ज़िज. (امزجہ) अ पु –'मिजाज' का वहु , स्वभाव, मिजाज ।

अम्त (امت) अ पु –ऊँची भूमि, दीवार आदि का पुश्ता ।

अम्तार (امطار) अ पु –'मतर' का वहु , वरसाते, वरसात के पानी ।

अम्तिअः (امتعہ) अ पु –'मताअ' का वहु , मालो अस्वाव ।

अम्द (عمد) अ पु –सकल्प, इराद , इच्छा, ख़्वाहिश ।

अम्दन (عمداً) अ वि –समझते-वूझते हुए, जान-वूझकर, निश्चयपूर्वक, इरादे के साथ ।

अम्न (امن) अ पु –शाति, सुकून, सुख-चैन, आराम ।

अम्न पसंद (امن پسند) अ फा वि –अम्न का हामी, शातिप्रिय, जो यह चाहता हो कि किसी प्रकार का झगडा न हो ।

अम्न पसदी (امن پسندی) अ फा स्त्री –अम्न की हिमायत, शातिप्रियता, झगडा न चाहना ।

अम्मः (عمہ) अ स्त्री –फूफी, वाप की वहन, मनुष्यो का समूह ।

अम्माँ (عماں) अ पु –'अम्म' का वहु , फारसी मे ।

अम्मान (عمان) अ पु –शाम का एक नगर ।

अम्मार. (امارہ) अ वि –पाप की ओर प्रवृत्त करनेवाला, गुनाह की तर्गीव देनेवाला, वहुत हुक्म करनेवाला ।

अम्मार (عمارہ) अ पु –जहाज़ो का वेडा ।

अम्मारी (عماری) अ स्त्री –हाथी का हौदा ।

अम्या (عمیا) अ स्त्री –अधी स्त्री ।

अम्र (امر) अ पु –आदेश, आज्ञा, हुक्म , कर्म, कार्य, काम, विषय, मुआमला , समस्या, मस्अल ।

अम्रद (امرد) फा पु –विना दाढी-मूँछ का सुदर लडका ।

अम्रद परस्त (امرد پرست) फा वि –गुद्भोगी, वच्च - वाज़, सुदर लडको से प्रेम करनेवाला ।

अम्रद परस्ती (امرد پرستی) फा स्त्री –सुदर लडको से प्रेम करना ।

अम्राज (امراض) अ पु –'मरज' का वहु , रोग-समूह, वहुत से रोग ।

अम्लः (عملہ) अ स्त्री –भलाई, उपकार, नेकी ।

अम्लज (املج) अ पु –आँवला, एक प्रसिद्ध फल ।

अम्लस (املس) अ वि –चिकना, मुलायम, समतल, हमवार, नर्म, साफ, मृदुल ।

अम्लाक (املاک) अ पु –'मिल्क' का वहु , सम्पत्तियाँ, जायदादे ।

अम्लाह (املاح) अ पु –'मिल्ह' का वहु , वहुत से नमक ।

अम्वाज (امواج) अ स्त्री –'मौज' का वहु , मौजे, लहरे, तरगे ।

अम्वात (اموات) अ स्त्री –'मौत' का वहु , मौते, मृत्युएँ ।

अम्वाते अहमर (امواتِ احمر) अ स्त्री –वध होनेवाले, शहीद होनेवाले ।

अम्वाल (اموال) अ पु –'माल' का वहु , सम्पत्तियाँ, धन-समूह ।

अम्वाह (امواہ) अ पु –'माअ' का वहु , वहुत पानी ।

अम्स (امس) अ पु –गत कल, गुज़रा हुआ कल ।

अम्सल (امثل) अ वि –पूज्य, श्रेष्ठ, वुजुर्ग ।

अम्सार (امصار) अ पु –'मिस्र' का वहु , वडे-वडे नगर ।

अम्साल (امثال) अ पु –'मसल' का वहु , कहावते, लोकोक्तियाँ, मसले ।

अम्सिल (امثلہ) अ पु –'मिसाल' का वहु , मिसाले, उदाहरण ।

अयाँ (عیاں) अ वि –स्पष्ट, ज़ाहिर, दृष्टिगोचर, इस शव्द का शुद्ध उच्चारण 'इयाँ' है ।

अया (عیا) अ पु –ऐसी पीडा जिसकी चिकित्सा न हो सके ।

अयाक (ایاق) तु पु –दे 'अयाग' ।

अयाग (ایاغ) तु पु –प्याला, पानपात्र, चषक ।

अयाज (ایاز) फा पु –महमूद के गुलाम का नाम जिसे वह वहुत चाहता था,—"न वो गजनवी मे तडप रही, न वो खम है ज़ुल्फे-अयाज मे ।" इकवाल ।

अयादी (ایادی) अ पु –'यद' का वहु , वहुत-से हाथ, वहुत-सी भलाइयाँ ।

अयामा (ایاما) अ वि –'ऐयिम' का बहु, विना पति की स्त्रियाँ, विना स्त्रियो के पुरुष।

अयार (ایار) फा पु –रूमियो का एक महीना जो जेठ मे पडता है।

अयार (عیار) अ पु –तोलना, चाँदी-सोने को कसौटी पर कसना, परख, जाँच।

अयाल (ایال) फा पु –घोडे की गर्दन के लवे वाल, फारसी शब्द 'याल' है।

अयास (ایاس) फा पु –'अयाज' का असली नाम।

अय्यार (عیار) अ वि –वहुत अधिक चालाक, धूर्त, वचक, छली, दे 'ऐयार'।

अय्याश (عیاش) अ वि –भोग-विलास और अच्छे खाने-पीने का शौकीन, व्यभिचारी, दे 'ऐयाश'।

अय्यूक (عیوق) अ पु –एक तारा जो वहुत तेज़ और प्रकाशमान् होता है, दे 'ऐयूक'।

अय्यूव (ایوب) अ पु –एक पैगम्वर जो वडे ही धैर्यवान् थे, दे 'एयूव'।

अरक (عرق) अ पु –जल, दवाओ का खीचा हुआ पानी, मदिरा, शराव, पसीना।

अरक [ग्क] (ارق) अ वि –वहुत अधिक पतला, वहुत रकीक, वहुत अधिक सूक्ष्म, वारीकतर।

अरक (ارق) अ स्त्री –अनिद्रा, वेख्वावी, जागरण, वेदारी।

अरक (ارک) तु पु –कोट, दुर्ग, किला।

अरकगीर (عرق گیر) अ फा पु –अरक खीचने का भभका।

अरकचीं (عرق چیں) अ फा पु –कुलाह जो पगडी के नीचे पहनी जाती है, पसीना पोछने का छोटा रूमाल।

अरकरेज (عرق ریز) अ फा वि –दास, सेवक, नौकर, लज्जा देनेवाला, लज्जित करनेवाला।

अरक़ीयः (عرقیہ) अ पु –पसीना पोछने का छोटा रूमाल।

अरकेबहार (عرق بہار) अ फा पु –मदिरा, शराव।

अरचद (ارچند) फा अव्य –हरचद, अगरचे।

अरज़ (عرض) अ पु –वह चीज़ जो दूसरी के सहारे कायम हो, जैसे–'रग' जो कपडे के सहारे क़ायम होता है, वह उपरोग जो किसी वडे रोग के कारण उत्पन्न हो जाय, जैसे–वुखार में सिर का दर्द।

अरज (عرج) अ पु –लँगडापन, लग।

अरफ़ः (عرفہ) अ पु –अरवी ज़िलहिज्ज महीने का नवाँ दिन, जिस रोज़ हज होता है।

अरफ़ात (عرفات) अ पु –मक्के से नौ कोस पर वह मैदान जहाँ हाजी लोग हज के दिन एकत्र होते और दोपहर और शाम की नमाज़ पढते है।

अरव (عرب) अ पु –अरव देश, अरव का निवासी, अरव का व्यक्ति।

अरव नजाद (عرب نژاد) अ वि –अरव की नस्ल का, अरवी।

अरविस्तान (عربستان) अ फा पु –अरव देश।

अरवी (عربی) अ वि –अरव का निवासी, अरव का व्यक्ति, अरव से सम्वन्ध रखनेवाला, (स्त्री) अरवी भाषा।

अरश (ارش) अ पु –कोहनी से उँगलियो तक का हाथ।

अरस (ارس) फा पु –आज़रवाईजान का एक नगर और उसकी एक नदी।

अरस्तातालीस (ارسطاطالیس) अ पु –'अरस्तू'।

अरस्तू (ارسطو) अ पु –यूनान का एक प्रसिद्ध वैज्ञानिक जो ३८४-३२२ ईसा पूर्व हुआ है। यह अफलातून का शिष्य और सिकदर का गुरु था।

अरा (عرا) अ पु –चटयल मैदान, जहाँ न घास हो न पेड, दरगाह, आश्रम।

अराइक (ارائک) अ पु –'अरीक' का वहु, वहुत से तख्त, सिहासन-समूह।

अराइज़ (عرائض) अ पु –'अर्ज़ी' का वहु, अर्ज़ियाँ, प्रार्थनाएँ।

अराइज़ नवीस (عرائض نویس) अ फा वि –अर्ज़ी लिखनेवाला।

अराइव (ارائب) अ पु –'इर्व' का वहु।

अराइस (عرائس) अ पु –अरूस का वहु, दूल्हा, दुल्हने।

अराक (اراک) अ पु –पीलू का पेड, जमीन का टुकडा।

अराज़िल (اراذل) अ पु –'अर्ज़ल' का वहु, कमीने लोग।

अराजिल (اراجل) अ पु –'रजुल' का वहु, मनुष्य लोग, वहुत से आदमी।

अराज़ी (اراضی) अ स्त्री –'अर्ज़' का वहु, ज़मीनें, भूमियाँ, खेतियाँ, खेतो की ज़मीने।

अराजीफ (اراجیف) अ पु –'अर्जाफ' का वहु, व्यर्थ की वाते, वेहूदा लोग।

अराव (ارابہ) फा पु –गाडी, शकट, छकडा।

अराव (عرابہ) अ पु –दे 'अराव'।

अरावची (ارابچی) फा पु –गाडीवान, गाडी हाँकनेवाला।

अरामिल (ارامل) अ स्त्री –'अर्मल' का वहु, विधवा स्त्रियाँ, विना स्त्रियो के पुरुष, विना पुरुष की स्त्रियाँ।

अराया (عرایا) अ पु –खजूर के पेड जो किसी ग़रीव व्यक्ति को फल खाने के लिए दे दिये गये हो।

अरिज (ارج) अ वि –हर वस्तु जो सुगधित हो।

अरिश (ارش) अ वि –वुद्धिमान्, प्रतिभावान्, होशियार, प्रवीण, चतुर, पटु।

अरी (اری) अ पु —मधु, शहद।
अरीकः (اریکہ) अ पु —सिंहासन, तख़्त, राजमच।
अरीकः (عریکہ) अ पु —अभिमान, गर्व, स्वभाव, तबीयत, ऊँट का कौहान।
अरीज़ः (عریضہ) अ पु —प्रार्थनापत्र, दरख़्वास्त, पत्र, चिट्ठी।
अरीज़ः गुज़ार (عریضہ گزار) अ फा वि —प्रार्थना करने वाला, प्रार्थना पत्र देनेवाला, प्रार्थी, पत्र भेजनेवाला।
अरीज़ः निगार (عریضہ نگار) अ फा वि —पत्र लिखनेवाला, पत्र-लेखक
अरीज़ (عریض) अ वि —चौडा, चौड़ा चकला, एक साल का बकरा।
अरीफ़ (عریف) अ वि —पहचाननेवाला।
अरीशः (عریشہ) अ पु —झोपडा, छप्पर, जहाज़ का डेक।
अरीश (عریش) अ पु —झोपडा, छप्पर, अगूर की बेल चढाने की टट्टी।
अरीस (عریس) अ पु —दूल्हा, वर।
अरुज़्ज़ (ارز) अ पु —चावल, तडुल।
अरूज़ (عروض) अ पु —पिंगल, छदशास्त्र।
अरूज़दाँ (عروض داں) अ फा वि —दे 'अरूज़ी'।
अरूज़ी (عروضی) अ वि —जो पिंगल शास्त्र का अच्छा ज्ञाता हो।
अरूफ़ (عروف) अ वि —बहुत पहचानने वाला, धैर्यवान्, साबिर।
अरूब (عروب) अ स्त्री —वह स्त्री जो अपने पति को बहुत प्यार करती हो; वह स्त्री जिसे उसका पति बहुत चाहता हो, प्राणप्रिया।
अरूस (عروس) अ अव्य —दूल्हा, वर, नौशः, दुल्हन, वधू।
अरूसक (عروسک) अ स्त्री —गुडिया, बीर बहोटी।
अरूसी (عروسی) अ वि —विवाह, शादी, निकाह, विवाह सम्बन्धी।
अरूसुलबिलाद (عروس البلاد) अ पु.—ऐसा नगर जो सब नगरो मे दुल्हन के समान हो।
अर्अर (عرعر) अ पु —चीड का पेड।
अर्क़म (ارقم) अ पु —काला साँप जिसकी पीठ पर सफेद चित्तियाँ होती है।
अर्कान (ارکان) अ पु —'रुक्न' का बहु, खभे, सुतून, सदस्य लोग, मेम्बर।
अर्काने दौलत (ارکان دولت) अ पु —राज्य के प्रमुख पदाधिकारी, बडे-बड़े ओहदेदार।
अर्काने सल्तनत (ارکان سلطنت) अ पु —दे 'अर्काने दौलत'।
अर्काने हुकूमत (ارکان حکومت) अ पु —दे. 'अर्काने दौलत'।
अर्क़ाम (ارقام) अ पु —पत्र-समूह, ख़तूत।
अर्ग़न (ارغن) अ पु —अरगन बाजा।
अर्ग़नू (ارغنوں) अ पु —अरगन बाजा।
अर्ग़ू (ارغوں) अ पु —अरगन बाजा।
अर्ग़वाँ (ارغواں) फा पु —'अर्ग़वान' का लघु, दे 'अर्ग़वान'।
अर्ग़वान (ارغوان) फा पु —एक लाल फूल लानेवाला पेड, एक लाल रग का फूल।
अर्ग़वानी (ارغوانی) फा वि —लाल रग मे रँगा हुआ, लाल, सुर्ख़, "पिये साकिया क्या जवानी मे पानी—मये अर्ग़वानी मये अर्ग़वानी।"—जिगर।
अर्ज़ंग (ارژنگ) फा. पु.—चीन का एक चित्रकार, मानी के चित्रो का अल्बम, मानी का नाम, मानी अर्ज़ंग।
अर्ज़. (عرضہ) अ पु —एक बार ज़ाहिर करना, एक बार सामने रखना।
अर्ज़ः (ارضہ) अ पु —दीमक, एक कीडा।
अर्ज़ (ارض) अ स्त्री —पृथ्वी, ज़मीन, भूमि, वसुन्धरा।
अर्ज़ (عرض) अ स्त्री —प्रार्थना, गुज़ारिश, (पु) चौडाई, घरेलू सामान।
अर्ज़ (ارز) फा पु —मूल्य, दाम, कीमत।
अर्ज़ (ارج) फा पु —मूल्य, कीमत, पद, मर्तबा, सुगध, खुशबू, अनुमान, अटकल, निंदा, हल्क।
अर्ज़गाह (عرضگاہ) अ फा स्त्री —सेना के गिनती करने का स्थान।
अर्ज़ गुज़ार (عرض گزار) अ फा वि —प्रार्थना करनेवाला, प्रार्थी।
अर्ज़दाश्त (عرضداشت) अ फा स्त्री —प्रार्थना, इल्तिजा, प्रार्थनापत्र, दरख़्वास्त।
अर्ज़बेगी (عرض بیگی) अ फा पु —बादशाह के सामने प्रार्थनाएँ और प्रार्थियो को पेश करने वाला व्यक्ति।
अर्जमद (ارجمند) फा वि —प्रतिष्ठित, मान्य, मुअज़्ज़ज़, सफल, कामयाब, प्रतापी, इक्बालमद।
अर्ज़ल (ارذل) अ वि —बहुत ही नीच, बहुत ही कमीना।
अर्जल (ارجل) अ वि —लबी टाँगोवाला व्यक्ति, वह घोडा जिसका एक पाँव सफेद हो।
अर्ज़ाँ (ارزاں) फा वि —सस्ता, मदा, कम दामो का। "शिगुफ्ता देख ले नर्गिस तो मजनूँ यह लगे कहने—चमन मे चश्मे-लैला का नज़ारा कितना अर्ज़ाँ है।"
अर्ज़ाँफ़रोश (ارزاں فروش) फा वि —सस्ता बेचनेवाला, जो बहुत कम लाभ पर सौदा बेचे।

अर्ज़ाँफ़रोशी (ارزاں فروشی) फा स्त्री –कम लाभ पर सौदा वेचना, सस्ता माल वेचना।

अर्ज़ानी (ارزانی) फा स्त्री –सस्तापन, मदा, वाज़ार भाव गिर जाना।

अर्ज़ाल (ارذال) अ पु –'रज़ील' का वहु, रज़ीले, नीच लोग, कमीने।

अर्ज़ी (عرضی) अ स्त्री –प्रार्थनापत्र, दरख्वास्त।

अर्ज़ी (ارضی) अ वि –भूमि सवधी, भौमिक, ज़मीन का।

अर्ज़ीदा'वा (عرضی دعوئی) अ पु –वादपत्र, नालिश के व्यौरे का कागज।

अर्ज़ीन (ارضین) अ पु –'अर्ज़' का वहु, ज़मीनें।

अर्ज़ीर (ارزیز) अ पु –राँगा, राँग, एक धातु।

अर्ज़े उम्र (عرض عمر) अ स्त्री –दे 'अर्ज़े हयात'।

अर्ज़े हयात (عرض حیات) अ स्त्री –जीवन के आनद, सासारिक सुख, सुख-चैन मे जीवन व्यतीत करना।

अर्तंग (ارتنگ) फा पु –चित्रकार का तख्ता जिस पर कागज़ रखकर वह चित्र खीचता है, मानी के चित्रो का सचय।

अर्तजक (ارتجک) फा पु –विजली, विद्युत्, वर्क।

अर्ताल (ارطال) अ पु –'रत्ल' का वहु, आध सेर के वॉट, शराव के ग्लास।

अर्द (ارد) फा पु –क्रोध, रोष, गुस्सा।

अर्दशेर (اردشیر) फा पु –वहमन विन इस्फद यार की उपाधि।

अर्दबेल (اردبیل) फा पु –एक नगर।

अर्नब (ارنب) अ पु –शशक, खरहा, खरगोश।

अर्फ़ (ارف) अ पु –सुगध, खुशवू, कभी-कभी दुर्गन्ध के लिए भी प्रयुक्त होता है।

अर्फ़ा' (ارفع) अ वि –वहुत ऊँचा, उच्चतम।

अर्बईन (اربعین) अ वि –चालीस।

अर्बजी (عربجی) अ पु –गाडीवान, दे अरावजी।

अर्बद: (عربدہ) अ –कुस्वभाव, कुप्रकृति, आदतेवद, वुरा स्वभाव, लडाकापन, कलहप्रियता।

अर्बद:ख़ू (عربدہ خو) अ फा वि –झगडालू, जिसको स्वभाव से झगडा पसद हो, मा'शूक, प्रेमपात्र।

अर्बद जू (عربدہ جو) अ फा वि –झगडे के लिए वहाने ढूंढनेवाला, प्रेमपात्र, माशूक।

अर्बा' (اربع) अ वि –चार, चार की सख्या।

अर्बा (عربا) अ पु –शुद्ध जाति का अरव, खालिस अरव।

अर्बाअ (ارباع) अ पु –स्थान-समूह, मकामात, गृह-समूह, मकानात।

अर्वान: (عربانہ) अ पु –डफ, दाइर, वडी खंजरी।

अर्वान (عربان) अ पु –वैआन, अग्रिम धन, वयाना।

अर्वाव (ارباب) अ पु –'रव' का वहु, वाले, अहल।

अर्वावे अक्ल (ارباب عقل) अ पु –वुद्धिवाले, मेधावीगण, अक्लमद लोग।

अर्वावे इल्म (ارباب علم) अ पु –विद्यावाले, विद्वज्जन, पढे-लिखे लोग।

अर्वावे कमाल (ارباب کمال) अ पु –गुणवान् लोग, हुनरमद लोग।

अर्वावे क़लम (ارباب قلم) अ पु –लेखकगण, लिखने-पढने का काम करनेवाले, साहित्यकार वर्ग, अदीव लोग।

अर्वावे फन (ارباب فن) अ पु –कलाकार लोग, शिल्पकार लोग, साहित्यकार लोग, विद्वज्जन।

अर्वावे वफा (ارباب وفا) अ पु –प्रेमीजन, आशिक लोग, भक्तगण, फिदाई।

अर्वावे शुऊर (ارباب شعور) अ पु –शिष्टजन, तमीज़दार लोग, वुद्धिमान् जन, अक्लमद लोग।

अर्वावे हुज्जत (ارباب حجت) अ पु –न्यायशास्त्र जानने-वाले लोग, मतिक जाननेवाले, नैयायिक, मतिकी, तार्किक।

अर्वावे हुनर (ارباب هنر) अ फा पु –दे 'अर्वावे कमाल' अथवा 'अर्वावे फन'।

अर्मद (ارمد) अ वि –जिसकी आँखे आयी हुई हो।

अर्मन (ارمن) फा वि –एक देश, काकेशिया।

अर्मनी (ارمنی) फा वि –अर्मन का निवासी, काकेशियन।

अर्मान (ارمان) तु पु –इच्छा, ख्वाहिश, उत्कठा, इश्ति-याक, लालसा, लालच।

अर्मुग़ाँ (ارمغاں) फा पु –उपहार, पुरस्कार, तोहफा।

अर्राव (عرادہ) अ पु –एक यन्त्र जिससे दुर्ग पर वडे-वडे पत्थर फेके जाते है।

अर्वाह (ارواح) अ पु –'रूह' का वहु, आत्माएँ, रूहे, फिरिश्ते, मलाइक।

अर्श: (عرشہ) अ पु –घर की छत, जहाज़ की छत।

अर्श (عرش) अ पु –सिंहासन, तख्त, आकाश, आसमान, सव आस्मानो से ऊपर का स्थान।

अर्श (ارش) अ पु –युद्ध, लडाई, झगडा, फसाद, फितना।

अर्शद (ارشد) अ वि –सीधा रास्ता पानेवाला, वह शिष्य जिसपर गुरु ने सव से अधिक परिश्रम किया हो।

अर्शी (عرشی) अ वि –अर्श से सम्वन्ध रखनेवाला, अर्श पर रहनेवाला।

अर्शे आ'ज़म (عرش اعظم) अ पु –ईश्वर के सिहासन का स्थान।

अर्शे सानी (عرش ثانی) अ पु –कुर्सी, वह स्थान जहाँ तारे हैं।

अर्सः (عرصہ) अ पु –क्षेत्र, मैदान, समय, वक्त, अतर, फासिला, शतरज की विसात।

अर्सः गाह (عرصہگاہ) अ फा स्त्री –रणक्षेत्र, मैदाने जग।

अर्सए जंग (عرصۂ جنگ) अ फा पु –रणभूमि, युद्धक्षेत्र, समरागण, मैदाने जग।

अर्सए ज़ीस्त (عرصۂ زیست) अ फा पु –जीवनकाल, ज़िदगी का ज़माना।

अर्सए दराज़ (عرصۂ دراز) अ फा पु –लवा समय, दीर्घकाल।

अर्सए हयात (عرصۂ حیات) अ पु –दे॰ 'अर्सएज़ीस्त'।

अर्सए हश्र (عرصۂ حشر) अ पु –कयामत का मैदान, जहाँ सब मुर्दे एकत्र हो।

अर्सलाँ (ارسلاں) तु पु –व्याघ्र, सिंह, शेर, दास, गुलाम।

अर्हम (ارحم) अ वि –महादयालु, वहुत अधिक दया करनेवाला।

अलक (علق) अ स्त्री –जोक, रक्तपा, जलौका, जमा हुआ रक्त, प्रेम या शत्रुता जो छुटे नही, हर वह चीज़ जो चिपक जाय।

अलत्तवातुर (علی التواتر) अ वि –निरतर, लगातार, मुसल्सल।

अलद [द्द] (الد) अ वि –वहुत ही झगडालू, कलहप्रिय।

अलद्दवाम (علی الدوام) अ वि –नित्य, सर्वदा, सदा, हमेशा, सतत।

अलद्दुलखिसाम (الد الخصام) अ पु –शत्रुओ से वहुत झगडा करनेवाला।

अलन (علن) अ वि –प्रकट, व्यक्त, ज़ाहिर।

अलप अर्सलाँ (الپ ارسلاں) तु पु –वहादुर शेर, तुर्की शासको की उपाधि।

अलफ (علف) अ स्त्री –घास, हरी घास, हरा चारा।

अलफ ज़ार (علفزار) अ फा पु –चरागाह, पशुओ के चरने का स्थान, सब्ज़ाज़ार, गोचर।

अलम (الم) अ पु –दु ख, क्लेश, रज, गम।

अलम (علم) अ पु –ध्वजा, पताका, झडा, प्रसिद्ध, ख्याति-प्राप्त, पहाड़।

अलमअगेज़ (الم انگیز) अ फा वि –शोकजनक, दु खप्रद, रज वढानेवाला।

अलमदार (علمدار) अ फा वि –सेना के आगे झडा लेकर चलनेवाला, ध्वजावाहक, पताकिक।

अलमनश्रह (الم نشرح) अ वि –सवमे ज़ाहिर, सर्व विदित, सवमें फैली हुई वात।

अलमनाक (المناک) अ. फा वि –खेदजनक, कष्टप्रद, रजदेह।

अलम बरदार (علم بردار) अ फा वि –झडा उठानेवाला, सेना के आगे झडा लेकर चलनेवाला, ध्वजावाहक।

अलमीय. (المیہ) अ पु –कष्टसूचक वात, दु खात, ट्रैजिडी, वह कहानी जिसका अत शोकमय हो।

अलर्रग्म (علی الرغم) अ वि –वरखिलाफ, वरअक्स।

अलल इत्तिसाल (علی الاتصال) अ वि –निरतर, लगातार, पैदर पै।

अलल इत्लाक़ (علی الاطلاق) अ वि –नितात, कतई, विलकुल।

अलल ए'लान (علی الاعلان) अ वि –खुलेखज़ाने, खुल्लम-खुल्ला, सव प्रकार से।

अललखुसूस (علی الخصوص) अ वि –मुख्यत, खासकर।

अललहाल (علی الحال) अ वि –तत्क्षण, तत्काल, इसी समय, तुरत, फौरन, सद्य।

अलवी (علوی) अ पु –हज़रत अली की वह सतान जो हजरत फातिमा से अतिरिक्त है।

अलस्त (الست) अ स्त्री –'अलस्तु विरव्विकुम काल्वला' का सक्षेप, सृष्टि की उत्पत्ति के समय ईश्वर ने कहा था "क्या मैं तुम्हारा ईश्वर नही हूँ", तो सवने कहा था कि, अवश्य तू हमारा ईश्वर है। अलस्त कहकर सृष्टिकाल भी मुराद-लिया जाता है।

अलस्सबाह (علی الصباح) अ वि –प्रात काल, वहुत तडके, मुँह अँधेरे, 'अलस्सुव' भी प्रचलित है।

अलस्सवा (علی السواء) अ वि –वरावर-वरावर, एक सा, जितना एक को उतना ही सव को।

अला (الا) अ अव्य –सावधान! खवरदार! होशियार!

अला (علا) अ स्त्री.–सम्मान, वुज़ुर्गी, उच्चता, वुलदी।

अला (الا) फा अव्य –सवोधन-सूचक शब्द, ऐ! आय! हे!

अला (علی) अ अव्य –ऊपर, पर।

अलाइक (علائق) अ पु –'अलाक' का वहु तअल्लुकात, सम्वन्ध।

अलाकः (علاقہ) अ पु –सम्वन्ध, लगाव, प्रेम-व्यवहार, दोस्ती।

अलाच. (الاچہ) तु पु –धारीदार कपडा जो दुरगा हो।

अलात (علات) अ पु –निहाई, अहरन, जिस पर रखकर गर्म लोहा कूटा जाता है।

अलानियः (علانیہ) अ वि –स्पप्ट, साफ तौर से, खुल्लम-खुल्ला प्रकार से, उद्घोपित रूप से, लाक्षणिक अर्थ में–डके की चोट से।

अलामत (علامت) अ स्त्री –चिह्न, निशान, लक्षण, पहचान।

अलामते इम्तियाज़ (علامت امتیاز) अ स्त्री –विल्ला, सम्मान-सूचक चिह्न, पदक, वैज।

अलामते बुलूग़ (علامت بلوغ) अ स्त्री –जवान होने का लक्षण या चिह्न।

अलामते मर्दुमी (علامت مردمی) अ फा स्त्री –पुरुष होने का चिह्न या लक्षण।

अलालत (علالت) अ स्त्री –रोग, वीमारी।

अलाव (علاوہ) अ अव्य –दे 'इलाव' वही शुद्ध है, परतु उर्दू मे अलाव भी बोलते है, सिवा, सिवाय, अतिरिक्त।

अलाहद (علاحدہ) अ वि –पृथक्, अलग, जुदा।

अला हाज़ल क़ियास (علی ھذا القیاس) अ अव्य –इस पर कियास करके, इस विचार के अनुसार।

अलिफ (الف) अ पु –उर्दू वर्णमाला का पहला अक्षर, जो अ, इ और उ का काम देता है, चिह्न।

अलिफ क़ामतां (الف قامتاں) अ पु –पलके, निगाह।

अलिफे कूफी (الف کوفی) अ पु –टेढी वस्तु।

अलिफे ताज़ियान (الف تازیانہ) अ फा पु –शरीर पर कोडा लगने का चिह्न।

अली (علی) अ वि –उच्च, ऊँचा, ईश्वर का एक नाम, हज़रत मुहम्मद के दामाद और चौथे ख़लीफा।

अलीक़ः (علیقہ) अ पु –घोडे को दाना खिलाने का तोवडा।

अलीफ (الیف) अ वि –मित्र, सखा, दोस्त, एक जैसे स्वभाववाले, प्रेमपात्र, महवूब।

अलीम (الیم) अ वि –कष्टजनक, दु खद, पीडा देनेवाला, दर्दनाक।

अलीम (علیم) अ वि –सब कुछ जाननेवाला, सर्वज्ञ, महाज्ञानी, ईश्वर का एक नाम।

अलील (علیل) अ वि –रोगी, वीमार, रुग्ण, दूपित मा'यूव।

अलैहा (علیہا) अ अव्य –उस पर (स्त्री-वाचक)।

अलैहि (علیہ) अ अव्य –उस पर (पुरुष-वाचक)।

अलैहिम (علیہم) अ अव्य –उन सव पर (पुरुप-वाचक)।

अल्अजब (العجب) अ अव्य –आश्चर्य के समय वोलते है, कितने आश्चर्य की वात है।

अल्अजल (العجل) अ वा –जल्दी करो, शीघ्रता करो।

अल्अतश (العطش) अ अव्य –प्यास के समय वोलते है, हाय पानी, हाय पानी, हाय प्यास, हाय प्यास।

अल्अमान (الامان) अ अव्य –घवराहट के समय वोलते है, वचाओ, वचाओ, त्राहि, त्राहि।

अल्आन (الآن) अ अव्य –इस समय, इसी समय, अभी, अभी तक, अव तक।

अल्कत (القط) अ. वि –समाप्त, इतिश्री, वस, खत्म।

अल्कन (الکن) अ वि –तोतला, तुतलाकर वोलनेवाला।

अल्काव (القاب) अ पु –'लकव' का वहु, उपाधियाँ, खितावात, खत का अल्काव, प्रशस्ति।

अल्काहिल (الکاہل) अ पु –सुस्त, प्रशात। वहरुल्काहिल= प्रशात महासागर, पैस्फिक ओशन।

अल्किस्स (القصہ) अ अव्य –किवहुना, किस्सा मुख्तसर, साराश यह कि।

अल्ख़ालुक़ (الخالق) तु पु –एक विशेप वस्त्र।

अल्ग़रज़ (الغرض) अ अव्य –दे 'अल्किस्स'।

अल्ग़यास (الغیاث) अ अव्य –दे 'अल् अमान'।

अल्च (الجہ) तु पु –युद्ध मे शत्रु से प्राप्त माल-अस्वाव और वन आदि।

अल्जज़ाइर (الجزائر) अ पु –अल्जीरिया, अफ्रीका का एक देश।

अल्ज़म (الزم) अ वि –वहुत ही ज़रूरी, अत्यावश्यक, अनिवार्य।

अल्जूअ (الجوع) अ अव्य –भूख के समय कहते है, हाय भूख, हाय भूख, हाय रोटी, हाय रोटी।

अल्तफ (الطف) अ वि –अत्यत मृदुल, कोमल और मुलायम।

अल्तमिश (التمش) तु स्त्री –आगे चलनेवाली सेना, छ की सख्या।

अल्ताफ (الطاف) अ पु –'लुत्फ' का वहु, दयाएँ, कृपाएँ, मेहरवानियाँ।

अल्तून (التون) तु पु –सुवर्ण, सोना।

अल्प अर्सलाँ (الپ ارسلاں) तु पु –दे 'अलप अर्सलाँ', दो शु है।

अल्फ (الف) अ वि –हज़ार, सहस्र।

अल्फाफ (الفاف) अ पु –आपस मे लिपटे हुए वृक्ष।

अल्बत्त (البتہ) अ अव्य –अवश्य, ज़रूर, परतु, लेकिन।

अल्वान (البان) अ पु –'लवन' का वहु, दूध, वहुत से दूध।

अल्वुर्ज़ (البرز) अ पु –एक पहाड।

अल्मई (المعی) अ वि –वह व्यक्ति जिसकी राय सदा ही ठीक होती हो, जो वहुत ही प्रवीण और प्रतिभावान् हो।

अल्मदद (المدد) अ अव्य –दु ख के समय या भय के समय कहते है, सहायता करो, वचाओ।

अल्मस्त (الست) फा वि –नशे मे चूर, वहुत ही मस्त।

अल्मान (المان) अ पु –दे 'अल्मानिय'।

अल्मानियः (المانیہ) अ स्त्री –जर्मनी, यूरोप का एक प्रसिद्ध देश।

अल्मास (الماس) फा पु –हीरा, एक परम मूल्यवान् रत्न।

अल् मुख़्तसर (المختصر) अ अव्य –दे 'अल्क़िस्स'।

अल्यः (الیہ) अ स्त्री –नितंब, कटिदेश, सुरीन।

अल्यौम (الیوم) अ पु –आज, आज का दिन।

अल्लाती (علاتی) अ वि –वह भाई-बहन जो दूसरी माँ से हो, मगर बाप एक हो।

अल्लाफ़ (علاف) अ वि –घास बेचनेवाला, घसेरा, घसियारा।

अल्लाम: (علامہ) अ वि –बहुत बड़ा विद्वान्, महापंडित, जिसके इल्म की थाह न हो।

अल्लाम (علام) अ वि –बहुत बड़ा विद्वान्, बहुविद्य।

अल्लामी (علامی) अ वि –दे 'अल्लाम'।

अल्लाह (اللہ) अ पु –ईश्वर, परमात्मा, ख़ुदा।

अल्वंद (الوند) फा पु –हमदान में ईरान का एक पहाड़।

अल्वान (الوان) अ पु –'लौन' का बहु, बहुत से रंग।

अल्वाह (الواح) अ पु –'लौह' का बहु, तख़्तियाँ, पट्टिकाएँ।

अल्वियः (الویہ) अ पु –'लिवा' का बहु, झंडे, ध्वजाएँ, पताकाएँ।

अल्सग़ (الثغ) अ वि –जो अक्षरों का शुद्ध उच्चारण न कर सके 'र' के स्थान पर 'ल' और 'श' के स्थान पर 'स' बोले।

अल्सिनः (السنہ) अ स्त्री –'लिसान' का बहु, जीभें, जिह्वाएँ, भाषाएँ, ज़बानें।

अल्हक़्क़ (الحق) अ वि –सत्यत, सचमुच, हक़ीक़त में।

अल्हान (الحان) अ पु –'लहन' का बहु, आवाज़ें।

अल्हाल (الحال) अ वि –तत्क्षण, इसी समय, तुरंत, फ़ौरन।

अल्हासिल (الحاصل) अ अव्य –साराश यह कि, खुलासा यह कि।

अवा (اوا) अ पु –शृगाल, सियार, गीदड़।

अवाइक़ (عوائق) अ पु –'आइक़' का बहु, घटनाएँ, बाधाएँ।

अवाइद (عوائد) अ पु –'आइद' का बहु, लौटनेवाले, फिरनेवाले, मुनाफ़े, लाभ, कृपाएँ, बदले, सिले।

अवाइल (اوائل) अ पु –'अव्वल' का बहु, शुरूआत, आरंभ-काल।

अवाक़िब (عواقب) अ पु –'आक़िब' का बहु, नतीजे, फल, परिणाम।

अवातिफ़ (عواطف) अ पु –'आतिफ़' का बहु, कृपाएँ, अनुकंपाएँ, मेहरबानियाँ।

अवान (اوان) अ पु –समय, काल, वक़्त।

अवान (عوان) अ स्त्री –वह स्त्री जिसका पति जीवित हो, सुहागिन, सधवा।

अवानी (اوانی) अ पु –'आनिय' का बहु, बरतन, भाँडे।

अवाम (عوام) अ पु –'आम' का बहु, साधारण जन, सर्वसाधारण, आम लोग।

अवामिर (اوامر) अ पु –'आमिर' का बहु, आदेश, हुक्म, आज्ञा।

अवामिल (عوامل) अ पु –'आमिल' का बहु, अमल करने वाले, अरबी भाषा के कारक।

अवामुन्नास (عوام الناس) अ पु –सर्वसाधारण, जनसाधारण, जनता, अवाम।

अवारात (عوارات) अ पु –'अवार' का बहु, बुराइयाँ, दोष, ऐब।

अवारिजः (اوارجہ) फा पु –हिसाब का रजिस्टर, बही।

अवारिज़ (عوارض) अ पु –'आरिज़' का बहु, बीमारियाँ, रोग-समूह।

अवारिफ़ (عوارف) अ पु –'आरिफ़' का बहु, पहचाननेवाले, उपकार करनेवाले, सुगंधियाँ, बख़्शिशें।

अवालिम (عوالم) अ पु –'आलम' का बहु, बहुत से संसार, बहुत सी दुनयाएँ या दुनियाएँ।

अवाली (عوالی) अ पु –'आलिय' का बहु, ऊँची वस्तुएँ।

अवासिफ़ (عواصف) अ पु –'आसिफ़' का बहु, तेज़ हवाएँ, आँधियाँ।

अविर (عور) अ वि –दुष्टात्मा, बदबातिन।

अवील (عویل) अ पु –रोने के साथ आवाज़।

अवीस: (عویصہ) अ वि –दुष्कर, कठिन, मुश्किल।

अवीस (عویص) अ वि –कठिन, मुश्किल।

अव्वल (اول) अ वि –प्रथम, पहला, प्रमुख, ख़ास, सबसे पहले।

अव्वलन (اولاً) अ वि –पहले-पहल, सबसे पहले, सर्वप्रथम।

अव्वलीं (اولیں) अ फा वि –प्रथम, पहला, सबसे पहले वाला, प्रमुख, ख़ास।

अव्वलीयत (اولیت) अ स्त्री –प्रथमता, पहलापन, प्रधानता, फ़ौक़ियत।

अव्वा (عوا) अ पु –बहुत भूँकनेवाला कुत्ता, बूढ़ा ऊँट, तेरहवाँ नक्षत्र।

अव्वान (عوان) अ वि –अत्याचारी, ज़ालिम, क्षमा न करनेवाला, सख़्त पकड़ करनेवाला।

अव्वारः (عوارہ) अ वि –जिसका चित्त हट गया हो, वददिल।

अव्विदा (اودا) अ पु –'वदीद' का वहु, मित्रगण, यार, दोस्त।

अशक़ [श्क] (اشق) अ वि –वहुत कठिन, वहुत मुश्किल।

अशक़ (عشق) अ पु –किसी को वहुत चाहना, किसी चीज़ मे चिपक जाना, 'इश्क' वहुप्रचलित।

अशज [ज्ज] (اشج) अ वि –जिसका सर टूट गया हो, सर फटा।

अशद [द्द] (اشد) अ वि –वहुत सख्त, प्रचड, अति तीव्र।

अशम (عشم) अ स्त्री –सूखी रोटी।

अशर. (عشرہ) अ पु –दस, दस की सख्या।

अशर [र्र] (اشر) अ वि –वहुत ही शरीर, वहुत ही धूर्त, अत्यधिक दुष्ट, वहुत ही पाजी।

अशर (عشر) अ वि –दस, दस की सख्या।

अशरात (عشرات) अ पु –दहाइयाँ, दस-दस के थोक।

अशल [ल्ल] (اشل) अ वि –लुझा, अपाहज, जिसके हाथ-पाँव काम न दे, अपग।

अशाइर (عشائر) अ पु –'अशीर' का वहु, स्वजनगण, अज़ीज़दार, गोत्र या कुटुम्ववाले।

अशिक़ः (عشقہ) अ पु –इश्कपेचाँ, एक प्रसिद्ध वेल।

अशिद्दा (اشدا) अ पु –'शदीद' का वहु, सख्ती और अनीति करनेवाले।

अशीक़ः (عشیقہ) अ स्त्री –प्रेमिका, प्रेयसी, मा'शूका।

अशीयत (عشیت) अ स्त्री –रात्रि, रात, निशा।

अशीरः (عشیرہ) अ पु –अजीज़, स्वजन, नातेदार, घर-वाले, घर के लोग, वाल-वच्चे।

अशीर (عشیر) अ वि –अज़ीज़, स्वजन, पडोसी, प्रतिवेशी, वह व्यक्ति जो दूसरे किसी व्यक्ति के साथ रहन-सहन करता हो।

अशूक़ (عشوق) अ वि –वहुत अधिक प्रेम करनेवाला।

अशूर (عشور) अ पु –चुगी का भाडा या शुल्क।

अशॅअः (اشعہ) अ स्त्री –'शुआअ' का वहु, किरणे, शुआएँ।

अश्अरीय. (اشعریہ) अ पु –मुसलमानो का एक सप्रदाय जिसका मत है कि मनुष्य अच्छा-वुरा खुद करता है, ईश्वर का इसमें कोई हाथ नही होता।

अश्अश (عشعش) अ अव्य –आश्चर्य, हैरत।

अश्आर (اشعار) अ पु –'शेर' का वहु, वहुत-से शेर।

अश्क (اشک) फा पु –अश्रु, आँसू।

अश्क अफ़्शाँ (اشک افشاں) फा वि –दे 'अश्क फिशाँ'।

अश्क फ़िशाँ (اشک فشاں) फा वि –आँसू वहानेवाला, अर्थात् रोनेवाला।

अश्कवार (اشکبار) फा वि –आँसू वरसानेवाला, अर्थात् रोनेवाला, "तेरी वफा पे जव से मुझको एतवार आया, तेरा ख्याल-अश्कवार वार-वार आया।"

अश्कर (اشقر) अ वि –लाल और सफेद, घोडा जिसकी अयाल और पूँछ लाल हो, हर लाल वस्तु जिसमे पीलापन और कालापन हो।

अश्करेज (اشک ریز) फा वि –दे 'अश्क फिशाँ', अश्रुवर्षक।

अश्कल (اشکل) अ वि –वह डोरी जिससे ऊँट की काठी कसते है, पशुओ के पाँव वाँधन की रस्सी।

अश्क़ा (اشقی) अ वि –वहुत ही निर्दय, वहुत ही शकी।

अश्क़िया (اشقیا) अ पु –'शकी' का वहु, निर्दय और कठोर हृदयवाले।

अश्कील (اشکیل) अ पु –वह घोडा जिसका सीवा हाथ और उलटा पाँव सफेद हो।

अश्ख़ास (اشخاص) अ पु –'शख्स' का वहु, कई व्यक्ति, लोग।

अश्ख़ुस (اشخص) अ पु –'शख्स' का वहु, लोग।

अश्गर्फ (اشگرف) फा वि –प्रतिष्ठित, पूज्य, महान्, अज़ीद, वुज़ुर्ग।

अश्ग़ल (اشغل) अ वि –वहुत अधिक काम मे व्यस्त, वहुत अधिक मश्गूल।

अश्ग़ाल (اشغال) अ पु –'शुग्ल' का वहु कामधधे, मश्गले।

अश्जा' (اشجع) अ वि –वहुत ही वीर, वडा ही शूर, विक्रमी, वहादुरतरीन।

अश्जार (اشجار) अ पु –'शजर' का वहु, वृक्ष-समूह, पेड।

अश्तात (اشتات) अ पु –'शतीत' का वहु, अस्त-व्यस्त और तितर-वितर चीज़े।

अश्ताद (اشتاد) फा पु –ईरानी महीने की छव्वीसवी तारीख।

अश्दक़ (اشدق) अ वि –चौडे दहानेवाला, जिसके मुँह का दहाना चौडा हो।

अश्ना' (اشنع) अ वि –निकृष्टतम, वहुत ही वुरा, वहुत ही खराव।

अश्फा (اشفی) अ स्त्री–चमडा सीने की सुताली।

अश्फा' (اشفع) अ वि –वहुत अधिक सुफारिश (सिफारिश) करनेवाला।

अश्फ़ाक़ (اشفاق) अ पु –'शफकत' का वहु, अनुकपाएँ, कृपाएँ, शफकतें।

अश्वाक (اشواک) अ पु –'शवक' का वहु, वहुत से जाल।

अश्वाल (اشبال) अ पु –'शिव्ल' का वहु, शेर के वच्चे।

अश्वाह (اشداه) अ पु –'शिवह' का वहु, मिसाले, उदाहरण।

अश्वाह (اشداح) अ पु –'शवह' और 'शव्ह' का वहु, अनेक व्यक्ति, लोग, वहुत से शरीर, वहुत से जिस्म।

अश्या (اشیا) अ स्त्री –'शय' का वहु, वस्तुएँ, चीज़े।

अश्याअ (اشیاع) अ पु –'शीअ' का वहु, मित्रो के समूह, मित्रमडल, दोस्तो के गिरोह।

अश्र. (عشره) अ पु –दस, दहाई, मुहर्रम के दस दिन, मुहर्रम की दसवी तारीख।

अश्रफ (اشرف) अ वि –वहुत ही शरीफ, वहुत ही प्रतिष्ठित, वहुत अच्छे कुल का, कुलीनतम।

अश्रफी (اشرفی) अ स्त्री –स्वर्ण-मुद्रा, मोहर, अशर्फी।

अश्रफुल अश्राफ (اشرف الاشراف) अ वि –कुलीन जनो मे सवसे कुलीन, कुलीनतम।

अश्रफुल मख़्लूक (اشرف المخلوق) अ वि –सारे प्राणि-वर्ग मे सवसे श्रेष्ठ, मनुष्य, आदमी।

अश्रम (اشرم) अ वि –नाक फटा हुआ, जिसकी नाक फटी हो।

अश्राफ (اشراف) अ पु –'शरीफ' का वहु, शरीफ लोग, सज्जन लोग, अच्छे खानदानवाले।

अश्रार (اشرار) अ पु –'शरीर' का वहु, धूर्त लोग, दुष्टात्मा लोग, वुरे लोग।

अश्रिवः (اشربه) अ पु –'शराव' का वहु, पीने की चीज़े, मद्य, मदिराएँ, शरावे।

अश्वः (عشوه) अ पु –दे 'इश्व'।

अश्वक (اشوق) अ वि –वहुत शौकवाला, वहुत शौकीन।

अश्वाक (اشواق) अ पु –'शौक' का वहु।

अश्हव (اشہب) अ वि –हर काली चीज़ जिसमे सफेदी अधिक हो, सब्ज़ा घोडा जिसके सफेद वालो मे काले वाल अधिक हो।

अश्हर (اشہر) अ वि –वहुत अधिक प्रसिद्ध, वहुत मशहूर।

अश्हल (اشہل) अ वि –काली आँखो वाला पुरुप, पीलापन लिये हुए काला रग।

अश्हा (اشہیٰ) अ वि –वहुत अधिक उत्कठा रखनेवाला, उत्सुक, वहुत अधिक रुचिकर, वहुत ही मर्गूव।

असद. (اسده) अ स्त्री –व्याघ्री, सिंहिनी, शेरनी।

असद (اسد) अ पु –सिंह, व्याघ्र, शेर।

असदुल्लाह (اسداللہ) अ पु –अल्लाह का शेर, हज़रत अली की उपाधि।

असफ (اسف) अ पु –वहुत अधिक खेद, सख्त रज।

असवः (عصبه) अ पु –पट्ठा, स्नायु, लड़के-वाले, पुत्रादि, स्वजन लोग, अजीज़दार।

असव (عصب) अ पु –स्नायु, पट्ठा।

असवात (عصبات) अ पु –'असव' का वहु, लडके या नातेदार (पुरुप लोग)।

असवीयत (عصبیت) अ स्त्री –दूसरो की अपेक्षा अपने लोगो को लाभ पहुँचाने की भावना, पक्षपात, तरफदारी।

असम[म्म] (اصم) अ. वि –निपट वहरा, वधिर।

असर [र्र] (اسر) अ वि –वहुत ही आनदित, प्रमुदित, वहुत ही मसरूर।

असर (اثر) अ पु –प्रभाव, चिह्न, निशान, गुण, तासीर।

असरअंदाज (اثرانداز) अ फा वि –असर डालनेवाला, प्रभावित करने वाला।

असरअदाज़ी (اثراندازی) अ फा स्त्री –असर डालना, प्रभावित करना।

असर पिज़ीर (اثرپذیر) अ फा वि –जिस पर असर पडा हो, जो प्रभावित हुआ हो, प्रभावित, मुतअस्सिर।

असरपिज़ीरी (اثرپذیری) अ फा स्त्री –प्रभाव पडना, मुतअस्सिर होना।

असल (عسل) अ पु –मधु, शहद।

असस (اسس) अ स्त्री –नीव, वुनियाद।

असस (عسس) अ पु –कोतवाल, शह्न, रात मे गश्त करनेवाला।

असह [ह्ह] (اصح) अ वि –अत्यधिक शुद्ध, वहुत ही ठीक, वहुत ही सही।

असा (عسیٰ) अ अव्य –करीव है कि ऐसा हो, यकीन, निश्चय, शायद।

असा (عصا) अ पु –हाथ मे पकडने की लकडी।

असाकिर (عساکر) अ पु –'अस्कर' का वहु, सेनाएँ, फौजे।

असागिर (اصاغر) अ पु –'असगर' का वहु, छोटे लोग, वच्चे, वालक।

असातिज़ः (اساتذه) अ पु –'उस्ताज़' का वहु, गुरुजन, शिक्षकगण, पढानेवाले।

असातीन (اساطین) अ पु –'उस्तुवान' का वहु, खभे, सुतून।

असातीर (اساطیر) अ पु –'उस्तूर' का वहु, कहानियाँ, कथाएँ, गाथाएँ, किस्से।

असादिक़ (اصادق) अ पु –'अस्दक' का वहु, वहुत ही सच्चे लोग, सत्यनिष्ठ।

असाफिल (اسافل) अ पु –'अस्फल' का वहु, नीच लोग, अधम लोग, लोफर लोग।

असाफी (اثافی) अ पु –'उस्फीय' का वहु, चूल्हे के पाये।

असाफीर (اصافیر) अ पु –'उस्फूर' का वहु , गौरैयाँ, घरेलू चिडियाँ, चटकगण ।

असाबे' (اصابع) अ पु –'इस्बा' का वहु , उँगलियाँ ।

असामी (اسامی) अ पु –'अस्मा' का वहु , नामावली, नाम, किसान, किसी दुकानदार या महाजन से लेन-देन रखनेवाला ।

असामी (اثامی) अ पु –पापी लोग, गुनाहगार लोग, अपराधी लोग, मुज्रिम (मुजरिम) लोग ।

असामीर (عصامیر) अ पु –'उस्मूर' का वहु , वहुत से रहट, वहुत से डोल ।

असार (عسار) अ स्त्री –दरिद्रता, कगाली, फकीरी, साधूपन ।

असारून (اسارون) अ स्त्री –एक इकाई ।

असालत (اصالت) अ स्त्री –खरापन, असलियत, कुलीनता, शराफत ।

असालतन (اصالتاً) अ –स्वय, खुद, वराहे रास्त ।

असालीब (اسالیب) अ पु –'उस्लूब' का वहु , शैलियाँ, पद्धतियाँ, तर्जे ।

असाविरः (اساورہ) अ पु –'अस्विर' का वहु , वाजूवद, एक कौम ।

असास• (اثاثہ) अ पु –सामग्री, सामान, सपत्ति, धन-दौलत, पूँजी, सरमाया ।

असास (اساس) अ स्त्री –नीव, वुनियाद ।

असास (اثاث) अ पु –सामान, असवाव ।

असासुल वैत (اثاث البیت) अ पु –घर का सामान, गृहस्थी का सामान ।

असिर (عسر) अ वि –कठिन, दुष्कर, दुश्वार ।

असिह्हा (اصحا) अ पु –'सहीह' का वहु , स्वस्थ लोग, तनदुरुस्त लोग ।

असी (اسی) अ वि –दु खित, खेदित, गमगीन, म्लान ।

असीद• (عصیدہ) अ पु –एक प्रकार का हलवा ।

असीफ (اسیف) अ वि –दु खित, खेदग्रस्त, मलूल, रजीदा ।

असीब (عصیب) अ वि –पक्षपाती, तरफदार, स्वजन, आत्मीय जन, रिश्तेदार ।

असीम (اثیم) अ वि –पापी, गुनाहगार ।

असीर (عثیر) अ पु –धूलि, गर्द ।

असीर (اثیر) अ पु –उच्च, वलद, अतरिक्ष, फजाए वसीत, आकाश, आस्मान, ईथर, निष्केवल, खालिस ।

असीर (اسیر) अ वि –वदी, कैदी, कारावासी ।

असीर (عصیر) अ पु –निचोडा हुआ अरक, अगूर की मदिरा ।

असीर (عسیر) अ वि –कठिन, दुष्कर, क्लिष्ट, मुश्किल ।

असील (اصیل) अ वि –कुलीन, शरीफ, खरा, उत्तम, अच्छे लोहे का अस्त्र ।

असूफ (عسوف) अ वि –कुमार्गगामी, वेराह, अनीति करनेवाला, अत्याचारी, दुराचारी, जालिम ।

असूफ (عصوف) अ पु –झक्कड, अँधियाव, झझावात ।

असूम (عصوم) अ वि –वहुत खानेवाला, वहुभक्षी ।

अस्अद (اسعد) अ वि –वहुत ही शुभ, वहुत ही मुवारक, अत्यधिक मागलिक ।

अस्क़फ (اسقف) अ वि –लवा और कमर झुका पुरुष ।

अस्कर (عسکر) अ पु –सेना, फौज, एक नगर का नाम ।

अस्करी (عسکری) अ वि –सैनिक, सिपाही ।

अस्करीय (عسکریہ) अ स्त्री –फौजी खिदमत, सैन्य-सेवा ।

अस्क़ल (اثقل) अ वि –वहुत ही भारी, अति गुरु, गुरुतम ।

अस्क़लान (عسقلان) अ पु –शाम का एक नगर ।

अस्क़ाम (اسقام) अ पु –'सुक्म' का वहु , वुराइयाँ, त्रुटियाँ, खरावियाँ, वीमारियाँ, रोग-समूह ।

अस्काल (اثقال) अ पु –'सिक्ल' का वहु , वहुत से वोझ ।

अस्खिया (اسخیا) अ पु –'सखी' का वहु , सखी, दाता लोग, देनेवाले लोग ।

अस्गर (اصغر) अ वि –वहुत अधिक छोटा, सगीर (छोटा) का लघुरूप, लघुतर ।

अस्जद (عسجد) अ पु –सोना, चाँदी और रत्न ।

अस्जाअ (اسجاع) अ पु –'सज्अ' का वहु , मुकफ्फा वाते, ऐसी वाते जिनमे तुक हो, सतुकान्त वाक्यावलि ।

अस्त (است) फा क्रि –अस्ति, है ।

अस्तब्ल (اصطبل) फा पु –तवेला, घुडसाल, अश्वशाला ।

अस्तर (استر) फा पु –खच्चर, अश्वतर, अन्न का उलटा, आस्तर ।

अस्ता' (اسطع) अ वि –वहुत ऊँचा, लवी गरदनवाला ।

अस्तार (استار) अ पु –'सत्र' का वहु , पर्दे ।

अस्तुख्वाँ (استخوان) फा स्त्री –हड्डी, अस्थि ।

अस्दक़ (اصدق) अ वि –वहुत सच्चा, सत्यनिष्ठ ।

अस्दाद (اسداد) अ पु –'सद' का वहु , रुकावटे, रोके ।

अस्दाफ (اصداف) अ पु –'सदफ' का वहु , सीपियाँ, शुक्तियाँ ।

अस्दिक़ा (اصدقا) अ पु –'सदीक' का वहु , मित्र-समूह, सुहृद्-जन, दोस्त लोग ।

अस्ना (اثنا) अ अव्य –मध्य, वीच, दरमियान ।

अस्ना (اسنیٰ) अ वि –वहुत ऊँचा, वहुत उज्ज्वल ।

अस्नाद (اسناد) अ पु –'सनद' का वहु , सनदे, प्रमाणपत्र ।

अस्नान (اسنان) अ पु –'सिन्न' का वहु , दतावली, दाँत।
अस्नाफ (اصناف) अ पु –'सिन्फ' का वहु , किस्मे, प्रकार।
अस्नाम (اصنام) अ पु –'सनम' का वहु , मूर्तियाँ।
अस्नियः (اثنیہ) अ स्त्री –'सना' का वहु , स्तुतियाँ।
अस्प (اسپ) फा पु –अश्व, वाजि, हय, घोटक, घोडा।
अस्पगोल (اسپغول) फा पु –ईसवगोल, एक प्रकार के दाने जो दवा मे चलते है।
अस्पदुवानी (اسپدوانی) फा स्त्री –घुडदौड।
अस्फर (اصفر) अ वि –पीला, पीत, ज़र्द।
अस्फल (اسفل) अ वि –वहुत नीचा, सवसे नीचा, वहुत अवम, कमीना।
अस्फलुस्साफिलीन (اسفلالسافلین) अ स्त्री –नरक का सातवाँ तवका।
अस्फा (اصفی) अ वि –वहुत स्वच्छ, वहुत साफ, निर्मल।
अस्फाद (اصفاد) अ पु –'सफ्द' का वहु , कैदे, ज़जीरे, वख्शिशे।
अस्फार (اسفار) अ पु –'सिफ्र' का वहु , वडे ग्रथ, 'सफीर' का वहु , पथिक लोग, दूत लोग, 'सफर' का वहु , दिनो के प्रकाश।
अस्फार (اصفار) अ पु –'सिफ्र' का वहु , विन्दु, विंदियाँ, नुक्ते।
अस्फिया (اصفیا) अ पु –'सफी' का वहु , पूज्य लोग, वुजुर्ग लोग, ऋषि लोग, वलीअल्लाह।
अस्वः (عصبہ) अ पु –स्नायु, पट्ठा।
अस्वक (اسبق) अ वि –सवसे आगे, सवसे अव्वल।
अस्वक (اسبک) अ पु –वडा तवू, वडा खेमा।
अस्वाक (اسباق) अ पु – 'सवक' का वहु , पुस्तक के पाठ।
अस्वाग़ (اصباغ) अ पु –'सव्ग' का वहु , वहुत से रग।
अस्वात (اسباط) अ पु –'सिव्त' का वहु , नाती, पोते।
अस्वाव (اسباب) अ पु –'सवव' का वहु , कारण-समूह, वजहे, उपकरण, सामान।
अस्वावे ख़ान. (اسباب خانہ) अ फा पु –घर का सामान, गृह-सामग्री।
अस्वाह (اصباح) अ पु –'सुव्ह' का वहु , प्रात काल-समूह, सुवहे।
अस्मन (اسمن) अ वि –वहुत मोटा, वहुत चर्वीला।
अस्लख़ (اسلخ) अ वि –गजा, खल्वाट, वहुत लाल।
अस्लख़ (اصلخ) अ वि –वधिर, वहरा।
अस्मर (اسمر) अ वि –गेहुएँ रगवाला।
अस्मराँ (اسمران) अ पु –गेहूँ, गद्दुम, गोवूम।
अस्मा (اسما) अ पु –'इस्म' का वहु , नामावली, नामो की सूची।
अस्मा' (اصمع) अ वि –छोटे कानोवाला।
अस्माअ (اسماع) अ पु –'समअ' का वहु , कान, वहुत से कान।
अस्मा उर्रिजाल (اسماءالرجال) अ पु –वडे-वडे लोगो का नाम और उनकी कीर्तियो का वर्णन।
अस्मान (اثمان) अ पु 'समन' का वहु , कीमते, मूल्य।
अस्मार (اثمار) अ पु –'समर' का वहु , फल, मेवे।
अस्याफ (اسیاف) अ पु –'सैफ' का वहु , तलवारे।
अस्र (عصر) अ पु –समय, काल, वक्त, सूर्यास्त से पहले का समय, इस समय की नमाज़।
अस्र (اثر) अ पु –तलवार के लोहे की धारियाँ, मुहम्मद साहव की हदीस का वर्णन।
अस्रा' (اسرع) अ वि –वहुत शीघ्र, वहुत जल्द, वहुत तेज़।
अस्रा (اسری) अ पु –'असीर' का वहु , कैदी लोग, कारावासी।
अस्रानः (عصرانہ) अ फा पु –शाम को दी जानेवाली चाय आदि की दावत, ऐट होम।
अस्रार (اسرار) अ पु –'सिर' का वहु , मर्म, भेद, राज़।
अस्रे अतीक (عصرعتیق) अ पुं –प्राचीन काल, पुराना जमाना।
अस्रे कदीम (عصرقدیم) अ पु –दे 'अस्रे अतीक'।
अस्रे जदीद (عصرجدید) अ पु –आधुनिक काल, नवीन काल, आजकल का मौजूदा जमाना।
अस्रे नौ (عصرنو) अ फा पु –दे 'अस्रे जदीद'।
अस्रे हाज़िर (عصر حاضر) अ पु –दे 'अस्रे जदीद।
अस्ल (اصل) अ स्त्री –मूल, जड, आधार, वुनियाद, सत्य, सच, यथार्थ, वाकई।
अस्ल (اثل) अ पु –झाऊ का पेड।
अस्लन (اصلاً) अ वि –यथार्थत , वाकई, अस्ल मे।
अस्लम (اسلم) अ वि –वहुत ही सुरक्षित, विलकुल महफूज, वहुत ही सहिष्णु, मुतहम्मिल।
अस्लम (اصلم) अ वि –वूचा, जिसके कान कटे हो, कनकटा।
अस्लह (اصلح) अ वि –वहुत ही सदाचारी, परम शुद्ध, वहुत ही उचित।
अस्ला (اصلاً) अ वि –कदापि, हरगिज़, नितात, विलकुल, जरा भी।
अस्ला' (اصلع) अ वि –खल्वाट, गजा।
अस्लाफ (اسلاف) अ पु –'सलफ' का वहु , पूर्वज, पुराने वुजुर्ग, पुरखा।
अस्लाव (اصلاب) अ पु –'सुल्व' का वहु , औरस, नुत्फे।

अस्लिह (اسلحہ) अ पु –'सिलाह' का वहु, अस्त्र-शस्त्र, हथियार।

अस्लिह ख़ान (اسلحہ خانہ) अ फा पु –शस्त्रागार, अस्त्रशाला, आयुधागार, हथियारघर।

अस्ली (اصلی) अ वि –जो नकली न हो, अकृत्रिम, सत्य, सच्चा, निष्केवल, ख़ालिस, यथार्थ, वाकई।

अस्लीयत (اصلیت) अ स्त्री –यथार्थता, वाकईयत, सत्यता, सच्चाई, वास्तविकता।

अस्लुलउसूल (اصل الاصول) अ पु –सपूर्ण नियमो की जड, सवसे वडा नियम।

अस्लुस्सूस (اصل السوس) अ स्त्री –एक पेड की जड, मुलेठी।

अस्व (عصو) अ पु –छडी से मारना।

अस्वद (اسود) अ वि –वहुत काला, काला, कृष्ण।

अस्वदोअह्मर (اسود واحمر) अ पु –'हवश' और 'रूम' के देश।

अस्वब (اصوب) अ वि –वहुत ही ठीक, शुद्ध और सही।

अस्वाक (اسواق) अ पु –'सूक' का वहु, वाज़ार, वहुत से वाज़ार।

अस्वात (اصوات) अ स्त्री –'सौत' का वहु, आवाज़े, ध्वनियाँ; स्वर-समूह।

अस्वाव (اثواب) अ पु –'सौव' का वहु, वस्त्र-समूह, कपडे।

अस्वार (اسوار) अ पु –सवार, अश्वारोही।

अस्वार (اثوار) अ पु –'सौर' का वहु, वहुत से वैल।

अस्विल (اسولہ) अ पु –'सवाल' का वहु, वहुत से प्रश्न, प्रश्नावली, सवालात।

अस्सार (عصار) अ पु –तैलकार, तेली, रौगनगर।

अस्हल (اسہل) अ वि –वहुत ही सुगम, वहुत ही आसान।

अस्हाव (اصحاب) अ पु –'साहिब' का वहु, साहिवान, हज़रत मुहम्मद साहिव के सिहावी, वाले।

अस्हाबुर्राय (اصحاب الرائے) अ पु –शुद्ध रायवाले, जिनकी राय हर विषय मे ठीक होती हो।

अस्हाबुश्शिमाल (اصحاب الشمال) अ पु –नरकवाले।

अस्हाबे कह्फ (اصحاب کہف) अ पु –सात ईश्वरभक्त जो दक्यानूस वादशाह के अत्याचार के भय से एक गुहा मे छिप रहे थे।

अस्हाबे फह्म (اصحاب وفہم) अ पु –वुद्धिमान् लोग, समझदार लोग।

अस्हाबे फिक्र (اصحاب وفکر) अ पु –गौरो फिक्र करने-वाले लोग, चिंतनशील लोग।

अस्हावे मिन्क़ल (اصحاب منقل) अ पु –वेतकल्लुफ दोस्त, लँगोटिया यार दोस्त, वूज़म फ्रेड।

असहार (اسحار) अ पु –'सहर' का वहु, सवेरे, प्रात काल।

अहक [वक] (احق) अ वि –जो वहुत अधिक हकदार हो।

अहद (احد) अ वि –एक, एक की सख्या, (पु) ईश्वर, खुदा।

अहम[म्म] (اہم) अ वि –महत्वपूर्ण, जोरदार, वज़नी, मुख्य, ख़ास।

अहम्मीयत (اہمیت) अ स्त्री –महत्ता, महिमा, वज़न, मुख्यता, ख़ुसूसियत।

अहाली (اہالی) अ पु –'अह्ल' का वहु, लोग, अनेक व्यक्ति, वडे लोग, प्रतिष्ठित जन।

अहासिन (احاسن) अ पु –'अह्सन' का वहु, अच्छे लोग, सज्जनगण, अच्छाइयाँ, ख़ूवियाँ।

अहिब्बा (احبا) अ पु –'हवीव' का वहु, मित्रगण, यार-दोस्त।

अहिल्ल (اہلہ) अ पु –'हिलाल' का वहु, नये चाँद।

अह्कम (احکم) अ वि –वहुत वडा हाकिम, वहुत वडा शासक, वहुत अधिक दृढ, वहुत मजवूत।

अह्कमुल हाकिमीन (احکم الحاکمین) अ पु –सारे हाकिमो का हाकिम, सारे शासको का शासक अर्थात् ईश्वर।

अह्क़ाद (احقاد) अ पु –'हिक्द' का वहु, द्वेप, कीने।

अह्काम (احکام) अ पु –'हुक्म' का वहु, आज्ञाएँ, आदेश।

अह्ज़म (احزم) अ वि –वहुत अधिक प्रवीण, वहुत अधिक प्रतिभावान्, अत्यन्त निपुण।

अह्ज़ान (احزان) अ पु –'हुज़्न' का वहु, खेद-समूह, वहुत से रज।

अह्ज़ाव (احزاب) अ पु –'हिज़्व' का वहु, दल, पार्टियाँ।

अह्जार (احجار) अ पु –'हजर' का वहु, पत्थर।

अह्द (عہد) अ पु –प्रतिज्ञा, इकरार, वचन, कौल, युग, काल, ज़माना, समय, वक्त।

अह्दनाम. (عہدنامہ) अ फा पु –प्रतिज्ञापत्र, इकरारनामा।

अह्दाक़ (احداق) अ पु –'हदक' का वहु, आँखो के ढेले।

अह्दी (احدی) अ वि –वहुत ही आलसी, वडा ही काहिल।

अह्देअतीक (عہدعتیق) अ पु –प्राचीन काल, पुराना ज़माना।

अह्देजदीद (عہدجدید) अ पु –आधुनिक काल, नया ज़माना।

अह्देज़री (عہدزریں) अ फा पु –स्वर्ण-युग, वहुत ही अच्छा ज़माना, सुखद समय।

अह्दे संग (عہد سنگ) अ फा पु –प्रस्तर-युग, वह समय जब मनुष्य पत्थर के अस्त्र प्रयोग करता था।

अह्दे हाज़िर (عہد حاضر) अ पु –आधुनिक काल, मौजूदा ज़माना, वर्तमान समय।

अह्दे हुकूमत (عہد حکومت) अ पु –शासन-काल, राज्य-काल, हुकूमत का ज़माना।

अह्नफ़ (احنف) अ वि –जिसके घुटने एक ओर को झुके हो और चलने मे टकराएँ।

अह्फ़ाद (احفاد) अ पु –'हफ्द' का बहु, नाती-पोते, नौकर-चाकर।

अह्बाब (احباب) अ पु –'हबीब' का बहु, मित्र लोग, दोस्त, अहबाब।

अह्बार (احبار) अ पु –'हिब्र' का बहु, बुद्धिमान् लोग, वैज्ञानिक लोग।

अह्मक़ (احمق) अ वि –बहुत ही मूर्ख, निपट अनाडी, मूर्ख, बेअक्ल।

अह्मज़ (احمض) अ वि –खट्टा, अम्ल।

अह्मर (احمر) अ वि –लाल, सुर्ख़, रक्त।

अह्माल (احمال) अ पु –'हम्ल' का बहु, बोझ, बहुत से बोझ।

अह्यान (احیان) अ पु –'हीन' का बहु, काल-समूह, वक्त।

अह्यानन (احیاناً) अ वि –कभी-कभी, सहसा, एकाएक, इत्तिफ़ाक़न।

अह्रमन (اہرمن) फा पु –ईरान के आतशपरस्तो के मतानुसार "बदी" का ख़ुदा।

अह्राम (احرام) अ पु –'हरिम' का बहु, बहुत बूढे लोग।

अह्रार (احرار) अ पु –'हुर' का बहु, आज़ाद लोग।

अह्रुफ़ (احرف) अ पु –'हर्फ़' का बहु, अक्षर-समूह, हुरूफ़।

अह्ल (اہل) अ वि –योग्य, पात्र, मुस्तहक़, वाले।

अह्लकार (اہلکار) अ फा पु –कर्मचारी, सरकारी दफ्तर मे काम करनेवाला व्यक्ति।

अह्लमद (اہل مد) अ पु –माल, दीवानी अथवा फौजदारी न्यायालयो मे काम करनेवाला एक कर्मचारी।

अह्ला (احلی) अ वि –बहुत ही मीठा।

अह्लाम (احلام) अ पु –'हुलुम' या 'हुल्म' का बहु, स्वप्न-समूह, ख्वाब।

अह्लिय (اہلیہ) अ स्त्री –पत्नी, भार्या, स्त्री, जोरू।

अह्लियत (اہلیت) अ स्त्री –दे 'अहलीयत' दो, शु है।

अह्ली (اہلی) अ वि –'वह्शी' का उलटा, पालतू, पालू।

अह्लीयत (اہلیت) अ स्त्री –योग्यता, काबिलीयत, पात्रता इस्तेहक़ाक़, निपुणता, होशयारी।

अह्ले अदम (اہل عدم) अ पु –यमलोक के निवासी, मृत, वे लोग जो मर चुके है।

अह्ले इल्म (اہل علم) अ पु –विद्वान् लोग, पडित जन, आलिम लोग, काफी पढे-लिखे लोग।

अह्ले ख़ैर (اہل خیر) अ पु –वे लोग जो परोपकार में जी खोलकर ख़र्च करते है, दानशील लोग।

अह्ले ज़मी (اہل زمیں) अ फा पु –ससारिक लोग, पृथ्वी पर बसनेवाले लोग।

अह्ले ज़िम्मः (اہل ذمہ) अ पु –वह ग़ैर मुस्लिम जो मुस्लिम राज्य मे रहते हो।

अह्ले वतन (اہل وطن) अ पु –देशवासी, वतनवाले।

अह्ले हक़ (اہل حق) अ पु –सत्यनिष्ठ लोग, ईमानदार लोग, सच्चे लोग, महात्मा लोग।

अह्वज (اہوج) अ वि –लबा-तडगा व्यक्ति, जल्दबाजी करनेवाला मूर्ख।

अह्वन (اہون) अ वि –बहुत आसान, बहुत सुगम।

अह्वल (احول) अ वि –भेगा, जिसे एक वस्तु की दो वस्तुएँ दिखाई दे।

अह्वा (اہوا) अ स्त्री –'हवा' का बहु, इच्छाएँ, ख्वाहिशे।

अह्वाल (احوال) अ पु –'हाल' का बहु, घटनाएँ, हालात, समाचार, हाल, समस्याएँ, मुआमले।

अह्वाल (اہوال) अ पु –'हौल' का बहु, भय, डर, ख़ौफ।

अह्शा (احشا) अ पु –'हश्व' का बहु, आँते, अँतडियाँ, पेट के भीतर की सब चीजे, जिगर, तिल्ली, पाकाशय और आँते पीते सब।

अह्शाम (احشام) अ पु –'हशम' का बहु, नौकर-चाकर।

अह्सत (احسنت) अ वि –साधु-साधु, धन्य-धन्य, वाह-वाह।

अह्सन (احسن) अ वि –अति सुदर, बहुत हसीन, अत्युचित, बहुत मुनासिब, अत्युत्तम, बहुत उम्दा।

अह्सने तक़्वीम (احسن تقویم) अ पु –मानव शरीर, जो ईश्वर की कारीगरी का बेहतरीन नमूना है, ईश्वरीय कृति का सर्वोत्तम कलापूर्ण उदाहरण।

आ

आइंदः (آیندہ) फा वि –आने वाला, जो आने को हो, भविष्य, मुस्तक़्बिल।

आइदः (عائدہ) अ पु –परम्परा, रिवाज, शुल्क, महसूल, लाभ, नफा, उपकार, एहसान, प्रतिकार, बदला, अनुकम्पा, दया।

आइद (عائد) अ वि –लौटनेवाला, पलटनेवाला, लागू होनेवाला, लगनेवाला।
आइन: (آئنہ) फा पु –'आईन' का लघु दे 'आईन'।
आइन (عائن) अ वि –सहायक, मददगार।
आइलः (عائلہ) अ पु –कुल, ख़ानदान, वश, अभिजन।
आइल (عائل) अ वि –सन्यासी, दरवेश, फ़कीर।
आइस (آئس) अ वि –निराश, नाउम्मीद।
आईन: (آئنہ) फा पु –दर्पण, मुकुर, आदर्श, शीशा, (वि०) स्पष्ट, साफ।
आईन:गर (آئنہگر) फा वि –आईन (आईना, शीशा) वनानेवाला, दर्पणकार।
आईन:बदी (آئنہ بندی) फा स्त्री –किसी बडे व्यक्ति के आगमन के समय या किसी वडे उत्सव पर नगर की सडको और वाज़ारो को झाड-फ़ानूस से सजाना।
आईन: साज़ (آئنہ ساز) फा वि –'आईन गर'।
आईन (آئین) फा पु –विधान, कानून, नियम, कायदा, परम्परा, रवाज, व्यवहार, चलन, प्रणाली, पद्धति, तरीका, तर्ज़।
आईनदाँ (آئین داں) फा वि –कानून जाननेवाला, विधानज्ञ, वकील।
आईनबदी (آئین بندی) फा स्त्री –कमरे में झाड आदि सजाना, फर्श मे पत्थर आदि की जुडाई।
आईनसाज़ (آئین ساز) फा वि –विधान वनानेवाला, विधायक, विधान वनानेवाली परिषद्, विधायिका।
आईनी (آئینی) फा वि –कानूनी, वैधानिक, वैध।
आक[क्क] (عاق) अ वि –वह व्यक्ति जिसे उसकी माता या पिता ने उद्दडता के कारण वहिष्कृत कर दिया हो।
आक (اک) फा प्रत्य –सम्बन्ध का वाक्य, जैसे 'खुराक' और 'सोज़ाक', (पु) दोष, ऐव।
आकरकर्हा (عاقرقرحا) अ पु –एक जगली जड जो दवा में चलती है, अकरकरा।
आक़ा (آقا) तु पु –स्वामी, प्रभु, मालिक, अध्यक्ष, सरदार।
आका (آکا) तु पु –वडा भाई, अग्रज।
आकासी (آقاسی) तु पु –दीवानखाने का दारोगा।
आक़िद (عاقد) अ वि –ग्रथि लगानेवाला, गाँठ देनेवाला, वचन देनेवाला, प्रतिज्ञा करनेवाला।
आकिफ (عاکف) अ वि –किसी जगह निवास करनेवाला, किसी चीज़ के चारो ओर फिरनेवाला, मस्जिद मे तपस्या के लिए वैठनेवाला।
आकिव (عاقب) अ वि –किसी के पीछे आनेवाला, किसी की अनुपस्थिति में उसकी जगह काम करनेवाला।
आकिवत (عاقبت) अ स्त्री –यमलोक, आखिरत, परिणाम, अजाम, अत, अख़ीर। (आक़्वत)
आकिवत अदेश (عاقبت اندیش) अ फा वि –हर काम को उसका परिणाम सोचकर करनेवाला, परिणामशोची, परिणामदर्शी।
आकिवत नाअदेश (عاقبت نااندیش) अ फा वि –जो कार्य के परिणाम से वेख़वर (असावधान) रहकर काम करता हो, अपरिणामदर्शी।
आक़िवतवीं (عاقبت بیں) अ फा वि –दे 'आकिवत अदेश'।
आकिर (عاقر) अ वि –नि सतान पुरुष, वाँझ स्त्री, रेत का टीला जिस पर कोई चीज़ न होती हो।
आक़िल: (عاقلہ) अ स्त्री –वुद्धिमती स्त्री, वह शक्ति जिससे पदार्थों का ज्ञान किया जा सके।
आकिल (عاقل) अ वि –वुद्धिमान्, मेघावी, अक्लमद; पहाडो पर भागने-फिरनेवाला हरिन।
आक्च (آقچہ) तु पु –रुपया, अश्रफी, स्वर्णमुद्रा, मोहर।
आख (آخ) फा अव्य –वाह वाह, साधु साधु, (पु) शोर, कोलाहल, विलाप, रोना-धोना।
आख़िज़ (آخذ) अ वि –पकडनेवाला, लेनेवाला, ग्रहणकर्ता, उद्धरणदाता।
आख़िर (آخر) अ वि –अत, अख़ीर, पिछला, आखिरी, अतत, आखिरकार।
आख़िरत (آخرت) अ स्त्री –परलोक, यमलोक, उक्वा, अत, अख़ीर, परिणाम, नतीजा।
आख़िरतवीं (آخرت بیں) अ फा वि –परिणामदर्शी, अततदर्शी, दूरदर्शी, अजाम पर दृष्टि रखनेवाला।
आख़िरी (آخری) अ वि –अतिम, पिछला, अख़ीरी, निश्चित, कतई।
आख़िरुल अम्र (آخرالامر) अ वि –आख़िर को, अतत, आपातत, आखिरकार।
आख़िरेकार (آخرکار) अ फा वि –दे० 'आख़िरुल अम्र'।
आख़ुद (آخوند) तु पु –शिक्षक, पढानेवाला।
आख़ुर (آخور) तु पु –अश्वशाला, मन्दुरा, तवेला, गोचर, चरागाह।
आख़ुरेसंगी (آخورسنگی) तु फा पु –ऐसा स्थान जहाँ घास और हरियाली न हो।
आख़ोर (آخور) तु पु –'आखुर' का विगडा हुआ रूप, कवाड़, फ़ुज़ूल सामान।
आख़्त: (آختہ) फा वि –खींचा हुआ, ख़स्सी, वधिया, वध्रि, मुष्कशून्य।

आख्तः वेगी (اختہ بیگی) फा वि –वधिया करनेवाला।
आख़्शीज (اخشیج) अ पु –दे 'आख़्शेग'।
आख़्शेग (اخشیگ) फा पु –विरोधी वस्तु, उसुर, तत्त्व।
आगंदः (آگندہ) फा वि –भरा हुआ, पूर्ण।
आग़श्तः (آغشتہ) फा वि –सना हुआ, लथड़ा हुआ।
आग़श्तः वख़ूँ (آغشتہ بخوں) फा वि –ख़ून मे लथडा हुआ, ख़ून मे लतपत।
आग़श्तए ख़ूँ (آغشتۂ خوں) फा वि –दे 'आग़श्त वख़ूँ'।
आगही (آگہی) फा स्त्री –'आगाही' का लघु रूप ज्ञान, जानकारी, सूचना, इत्तिलाअ, परिचय, पहचान।
आग़ा (آغا) तु पु –स्वामी, मालिक, भ्राता, भाई, कावुली, अफगानी पठान।
आग़ाज़ (آغاز) फा पु –अनुष्ठान, प्रारम्भ, शुरूआत, इब्तिदा, आदि।
आग़ाज़िदः (آغازندہ) फा वि –शुरू करनेवाला, आरभ-कर्ता।
आग़ाज़ीदः (آغازیدہ) फा वि –शुरू किया हुआ, प्रारब्ध।
आग़ाज़ेकार (آغازکار) फा पु –काम की शुरूआत, कार्यारभ, सूत्रपात।
आग़ारीदः (آغاریدہ) फा वि –गूँधा हुआ, माडा हुआ, साना हुआ।
आग़ाल (آغال) फा पु –जगल मे भेड़-वकरियो के सोने का सुरक्षित स्थान।
आग़ालीदः (آغالیدہ) फा वि –शत्रुता और युद्ध पर उत्तेजित किया हुआ।
आगाह (آگاہ) फा वि –ज्ञात, जाना हुआ, सूचित, मुत्तला, परिचित, वाकिफ।
आगाही (آگاہی) फा स्त्री –ज्ञान, जानकारी, सूचना, इत्तिलाअ, परिचय, जान-पहचान।
आग़ोश (آغوش) फा उभ –अक, क्रोड, गोद, वगल।
आग़ोशकुशा (آغوش کشا) फा वि –गोद फैलाये हुए, किसी को लिपटाने के लिए गोद खोले हुए।
आज़ंग (آژنگ) फा पु –झुर्री, वल, शिकन।
आज (عاج) अ पु –हाथीदाँत, हस्तिदत।
आज़ (آز) फा स्त्री –लोभ, लालच, हिर्स।
आज़ख़ (آزخ) फा पु –मस्सा, मोटा और उठा हुआ तिल।
आ'जज़ (اعجز) अ वि –अत्यन्त विवश, वहुत ही लाचार।
आज़मंद (آزمند) फा वि –लोभी, लालची, हरीस।
आ'ज़म (اعظم) अ वि –वहुत वडा, महान्, विशाल, वसीअ।
आ'जम (اعجم) अ वि –गूँगा, मूक, जो वोल न सके।
आज़ुर्दः (آزردہ) फा. वि –सताया हुआ, पीडित, खिन्न, मलिन, अफ्सुर्दा, दु खित, रजीदा, रुष्ट, नाराज़।
आज़ुर्दः पुश्त (آزردہ پشت) फा वि –कुवडा, कुब्ज, जिसकी पीठ मे कूवड हो।
आज़ुर्द (آزرد) फा पु –वहुत खाना, वहुभक्षण।
आज़ुर्दगी (آزردگی) फा. स्त्री –खिन्नता, उदासी, दु ख, रज, रोष, नाराजगी, सताव।
आज़ुर्दनी (آزردنی) फा. वि.–सताने के काविल, दु खित करने योग्य, रुष्ट करने योग्य।
आज़र्म (آزرم) फा पु –शाति, सलाह, कृपा, दया, लज्जा, शर्म, सम्मान, इज़्ज़त, प्रतिष्ठा, वुज़ुर्गी।
आ'ज़ा (اعضا) अ. पु –'उज़्व' का वहु, शरीर के अग, हाथ, पाँव, सिर आदि।
आज़ाए रईसः (اعضاے رئیسہ) अ पु.–शरीर के वह अवयव जो सर्वश्रेष्ठ है। जैसे—हृदय, जिगर, मस्तिष्क आदि।
आज़ादः (آزادہ) फा वि –स्वच्छद, स्वेच्छाचारी, निरकुश, आज़ाद।
आज़ाद.रवी (آزادہ روی) फा स्त्री –स्वेच्छाचार, मन की मौज।
आज़ादःरौ (آزادہ رو) फा वि –स्वेच्छाचारी, मनमौजी।
आज़ाद (آزاد) फा वि –स्वतत्र, स्वाधीन, वधनमुक्त, गुलुख़लास, निरकुश, ख़ुदराए, एक प्रकार के फकीर जो धर्म आदि के वधनो से मुक्त होते है, रिहा, कारामुक्त।
आज़ाद तबअ (آزادطبع) फा अ. वि –दे 'आज़ाद मिज़ाज'।
आज़ादमनिश (آزادمنش) फा वि –दे 'आज़ाद मिज़ाज'।
आज़ाद मिज़ाज (آزادمزاج) फा अ. वि –मनमौजी, स्वेच्छाचारी, वह व्यक्ति जिसके मन मे जो आये सो करे।
आज़ादानः (آزادانہ) फा वि –स्वतत्रतापूर्वक, आज़ादी के साथ, वे रोक-टोक।
आज़ादी (آزادی) फा स्त्री–स्वतत्रता, ख़ुदमुख़्तारी, निरकुशता, ख़ुदराई, वधनमुक्ति, ख़लासी।
आज़ादीपसंद (آزادی پسند) फा वि –जिसे स्वच्छदता पसद हो, जो निरकुश रहना चाहता हो, जो स्वतत्रता चाहता हो, जिसे गुलामी पसद न हो।
आज़ान (آذان) अ पु –'उज़ुन' या 'उज़्न' का वहु कान।
आजाम (آجام) अ. पु –'अजम' का वहु वृक्षो के झुड, पेडो के समूह।
आज़ार (آزار) फा पु –रोग, वीमारी, आपत्ति, मुसीवत; खेद, रज, दुर्व्यसन, लत। (प्रत्य०) दु ख देनेवाला,

सतानेवाला, जैसे, 'दिल आज़ार' हृदय को दु ख देनेवाला।

आज़ार तलब (آزارطلب) फा अ वि –जिसे कष्टो मे रहना अच्छा लगता हो, दु खप्रिय।

आज़ार देह (آزارده) फा वि –कष्ट देनेवाला, दु खदायी।

आज़ारिंदः (آزارنده) फा वि –सतानेवाला, दु ख देनेवाला।

आजारी (آزاری) फा वि –रोगी, बीमार, अस्वस्थ।

आज़ारीदः (آزاریده) फा वि –सताया हुआ, दु ख पहुँचाया हुआ, पीडित, दु खित।

आजाल (آجال) अ पु –'अजल' का वहु मौत के वक्त, मृत्युएँ, मौतें।

आजिज़ (عاجز) अ वि –निराश्रय, असहाय, बेवस, लाचार, ऊबा हुआ, परीशान, विनम्र, खाकसार।

आजिज़ी (عاجزی) अ स्त्री –असहायता, बेवसी, ऊवना, विनम्रता।

आजिदः (آجده) फा स्त्री –तल की असमानता, सतह की नाहमवारी, रेती का खुर्दरापन।

आज़िम (عازم) अ वि –इच्छा करनेवाला, इरादा करनेवाला।

आजिर (آجر) अ वि –मजूरी (उजरत) देनेवाला।

आजिलः (عاجله) अ स्त्री –मर्त्यलोक, ससार, जिसमे विलव न हो।

आजिल (عاجل) अ वि –जल्दी करनेवाला, जल्दबाज़, जल्दीवाली वस्तु, ससार, दुनिया।

आजिल (آجل) अ वि –जिसमे विलव और देर हो, परलोक, उक़्बा।

आज़ीनः (آزینه) फा पु –छेनी, टाँकी, पत्थर आदि छीलने का यत्र।

आज़ीश (آذیش) फा स्त्री –अग्नि, आग।

आज़ुकः (آزقه) फा पु –दे 'आज़ूक'।

आज़ुर (آذر) फा पु –ईरानियो का नवाँ महीना, स्फुलिंग, चिनगारी।

आजुर (آجر) फा स्त्री –पकी हुई ईंट।

आज़ुर्द. (آزرده) फा वि –दे 'आजर्द' वही शुद्ध है।

आज़ूक़ः (آزوقه) फा पु –जीविका, रोज़ी, मआश, थोड़ी सी गिज़ा जिस से जीवन बना रहे।

आज़ूर (آزور) फा वि –लालची, लोभी, हरीस।

आज़्द (آزده) फा पु –झुर्री, वल, चीन, चिह्न, निशान, कोई नोकदार वस्तु चुभाना।

आज़्मा (آزما) फा प्रत्य –आज़मानेवाला, जैसे, 'किस्मत आज़्मा' भाग्य की परीक्षा करनेवाला।

आज़्माइंदः (آزماىنده) फा वि –आजमानेवाला, परीक्षा करनेवाला।

आज़्माइश (آزمائش) फा स्त्री –परीक्षा, परख, जाँच।

आज़्मूदः (آزموده) फा वि –परखा हुआ, जाँचा हुआ, परीक्षित।

आज़्मूदःकार (آزموده‌کار) फा वि –अनुभवी, कार्यसिद्ध, वहुदर्शी, ताज़िव कार (तजरवाकार)।

आज़्मूदनी (آزمودنی) फा वि –परीक्षा के योग्य, परीक्षणीय, परखे जाने के काविल।

आज़्मून (آزمون) फा पु –जाँच, परीक्षा, इम्तिहान।

आत (آت) तु पु –घोडा, अश्व।

आतश (آتش) फा स्त्री –अग्नि, अनल, वह्नि, कृशानु, आग।

आतशअगेज़ (آتش انگیز) फा वि –आग भड़कानेवाला, उत्तेजित करनेवाला, आग जलानेवाला।

आतश अफ़गन (آتش افگن) फा वि –आग फेंकनेवाला, आग वरसानेवाला।

आतशक (آتشک) फा स्त्री –गरमी का रोग, उपदश।

आतशकदः (آتش کده) फा पु –दे 'आतशखान'।

आतशकार (آتش کار) फा वि –आतशवाज़, रसोइया, वावरची।

आतशखानः (آتش خانه) फा पु –वह स्थान जहाँ पूजा की आग रहती है, अग्निशाला, पारसियो की अग्निशाला जहाँ की आग कभी वुझती नही है, चूल्हा, भट्ठी, वह स्थान जहाँ चूल्हा या भट्ठी जलती हो।

आतशख्वार (آتش خوار) फा पु –आग खानेवाला, चकोर, कव्क, एक पक्षी जो चाँद का प्रेमी है।

आतशगाह (آتش گاه) फा स्त्री –दे 'आतशखान'।

आतशगीर (آتش گیر) फा वि –आग पकड लेनेवाला, वह वस्तु या माद्दा जो तुरत आग पकड़ ले, विस्फोटक, ज्वलनशील, जिस चीज़ से आग पकडी जाय, जैसे, चिमटा।

आतशज़दः (آتش زده) फा वि –जिसमे आग लग गयी हो, आग लगा हुआ, आग से जला हुआ, सोख्ता।

आतशज़दगी (آتش زدگی) फा स्त्री –आग लगना, अग्निकाड।

आतशज़नः (آتش زنه) फा पु –चकमक पत्थर, चुवक; जिस चीज़ से आग फोडें।

आतशज़न (آتش زن) फा वि –आग लगानेवाला, 'कुक्नुस' पक्षी, जिसके गाने से आग लग जाती है।

आतशज़नी (آتش زنی) फा स्त्री –दे 'आतशज़दगी'।

आतशज़बाँ (آتش زباں) फा वि.–धुआँधार, भाषण देने-वाला, वावदूक, व्याख्यान मे आग वरसानेवाला।

आतश ज़ेर पा (آتش زیر پا) फा वि –जिसके पाँव के नीचे आग हो, वहुत ही वेताव, आतुर।

आतश तव्अ (آتش طبع) फा अ वि –दे, 'आतश मिज़ाज'।

आतशताव (آتش تاب) फा वि –आग से तपा हुआ, आग जैसी चमक रखनेवाला।

आतशदस्त (آتش دست) फा वि –फुर्तीला, तेज़, चालाक।

आतशदस्ती (آتش دستی) फा स्त्री –फुर्ती, तेज़ी, चालाकी, प्रभुत्व, गलव।

आतशदान (آتش دان) फा पु –चूल्हा, अँगीठी, भट्ठी।

आतशदीदः (آتش دیدہ) फा वि –आग पर सेका हुआ, आग पर जला हुआ।

आतशनफस (آتش نفس) फा अ वि –जिसकी साँस के साथ आग निकले, अर्थात् प्रेमी, दिलजला।

आतशनफसी (آتش نفسی) फा अ स्त्री –साँस के साथ आग निकलना, दिल का दग्ध होना, प्रेमाग्नि से हृदय का जलना।

आतशनाक (آتش ناک) फा वि –आग की तरह तम-तमाता हुआ, आग से भरा हुआ।

आतशपरस्त (آتش پرست) फा वि –आग की पूजा करनेवाला, अग्नि-पूजक, ईरान का पारसी, ज़रतुश्त का अनुयायी।

आतशपरस्ती (آتش پرستی) फा स्त्री –अग्निपूजा, आग की परस्तिश।

आतशपा (آتش پا) फा वि –दे 'आतश ज़ेर पा'।

आतशपारः (آتش پارہ) फा पु –अग्निकण, चिनगारी, अग्निखड, अगारा।

आतशवजाँ (آتش بجاں) फा वि –जिसके अंदर आग ही आग हो, अग्निगर्भ, प्रेमी, आशिक।

आतशवाज़ (آتش باز) फा. पु –आतशवाज़ी वनानेवाला, वारूद के खिलौने वनाने और वेचनेवाला।

आतशवाज़ी (آتش بازی) फा स्त्री –वारूद के खिलौने वनाने का काम; अग्निक्रीडा, वारूद के ख़िलोने।

आतशमिज़ाज (آتش مزاج) फा अ वि –जिसके स्वभाव मे हद से अधिक रोप हो, क्रुद्धात्मा, गुस्सैल।

आतशमिज़ाजी (آتش مزاجی) फा. अ. स्त्री –स्वभाव का अधिक रोप।

आतशरंग (آتش رنگ) फा वि –आग जैसे रंगवाला, दहकता हुआ, खूब लाल।

आतशीं (آتشیں) फा वि –आग का, आग का वना हुआ, अग्निमय, आग जैसा लाल।

आतशींरुख (آتشیں رخ) फा वि –जिसका मुख आग जैसा भभूका हो, वहुत ही सुदर।

आतशी रुखसार (آتشیں رخسار) फा वि –जिसके गाल आग जैसे लाल हों।

आतशे अफ्सुर्दः (آتش افسردہ) फा स्त्री –वुझी हुई आग।

आतशे खामोश (آتش خاموش) फा स्त्री –वुझी हुई आग, दवी हुई आग।

आतशे जिगर (آتش جگر) फा स्त्री –हृदय की आग, प्रेमाग्नि।

आतशेतर (آتش تر) फा स्त्री –वहती हुई, आग, शराव, मदिरा।

आतशे दरूँ (آتش دروں) फा स्त्री –दे 'आतशे जिगर'।

आतशे दिहकाँ (آتش دہقاں) फा स्त्री –वह आग जो कृपक घास-फूस जलाने के लिए खेतो मे लगा देते हैं।

आतशे नुम्रूद (آتش نمرود) फा अ स्त्री –वह आग जो हज्रत इब्राहीम को जलाने के लिए नुम्रूद वादशाह ने जल-वायी थी।

आतशे फारिस (آتش فارس) फा स्त्री –वह आग जो ज़रतुश्त के समय से ईरान मे जल रही थी, जिसे इस्लाम ने वुझाया।

आतशे वेदूद (آتش بے دود) फा स्त्री.–(धूम्रहीन अग्नि) सूर्य, आफ्ताव, सूरज।

आतशे महलूल (آتش محلول) फा अ स्त्री –पानी मे हलकी हुई आग, शराव, मदिरा।

आतशे सैयाल (آتش سیال) फा अ. स्त्री –पिघली और वहती हुई आग, शराव, मदिरा।

आतशे मुर्दः (آتش مردہ) फा स्त्री –वुझी हुई आग।

आतिफ (عاطف) अ वि –कृपा करनेवाला, मेहरवान।

आतिफत (عاطفت) अ स्त्री –कृपा, दया, मेहरवानी।

आतिर (عاطر) अ वि –सुगधित, सुगधमय, सुगध से प्रेम करनेवाला।

आतिश (آتش) फा स्त्री.–अग्नि, आग, 'आतिश' भी शुद्ध है, मगर 'आतश' अधिक वोलते हैं।

आतूस (عاطوس) अ. पु –छीक लानेवाली वस्तु, हुलास, वह पशु या पक्षी जिसका देखना अशकुन होता है।

आदत (عادت) अ स्त्री –प्रकृति, स्वभाव, खस्लत, व्यसन, लत, अभ्यास, मश्क।

आदत (آدت) अ पु –अस्त्र, हथियार।

आदतन (عادۃً–عادتاً) अ. वि –स्वभाव से, आदत से, स्वभावत।

आदम (آدم) अ पु –हज्रत आदम जो सबसे पहले पुरुष थे, मूल पुरुप, मानव, मनुज, पुरुष, आदमी, इसान।
आदमकद (آدم‌قد) अ वि –दे 'कद्देआदम'।
आदमख़ोर (آدم‌خور) अ फा वि –आदमी को खा जानेवाला, नरभक्षी, मानुपाशी।
आदमगर (آدم‌گر) अ फा वि –दयालु, कृपालु, रहमदिल।
आदमज़ाद (آدم‌زاد) अ फा पु –मनुष्य का पुत्र, मनुष्य, आदमी।
आदमबेज़ार (آدم‌بیزار) अ फा वि –वह व्यक्ति जो मनुष्यो की सगत से घवराता हो।
आदमी (آدمی) अ पु –मनुष्य, मानव, इसान, सभ्य, शिष्ट, मुहज्ज़व।
आदमीज़ादः (آدمی‌زاده) अ फा पु –आदमी की सतान, मनुष्य, आदमी।
आदमीयत (آدمیت) अ स्त्री –मानवता, इसानियत, सभ्यता, शिष्टता, तमीज़दारी, सुशीलता, अख़्लाक।
आदमे आबी (آدم آبی) अ फा पु –पानी मे रहनेवाला मनुष्य की आकृति का जानवर, जलमानुष।
आदमे सह्राई (آدم صحرائی) अ पु –एक वडा वदर, वनमानुप, जगली आदमी, देहाती, उजड्ड, अक्खड।
आदमे सानी (آدم ثانی) अ पु –'हज्रत नूह', तूफान के पश्चात् इन्ही से सतान चली है।
आ'दल (اعدل) अ वि –वहुत अधिक न्याय करनेवाला।
आ'दा (اعدا) अ पु –'अदू' का वहु शत्रु लोग, दुश्मन लोग।
आदात (آدات) अ पु –'आदत' का वहु हथियार।
आदात (عادات) अ स्त्री –'आदत' का वहु आदते, स्वभाव, प्रकृतियाँ।
आ'दाद (اعداد) अ पु –'अदद' का वहु सख्याएँ, गिनतियाँ, हिंदसे।
आदाब (آداب) अ पु –'अदव' का वहु प्रणाम, नमस्कार, तस्लीम, तरीके, ढग, शिष्टाचार, तहज़ीव, सुशीलता, अख़्लाक।
आदाबे फाज़िलः (آداب فاضله) अ पु –अच्छे स्वभाव, चार गुण—शूरता, सतीत्व, न्याय और विद्या।
आदिल (عادل) अ वि –न्यायनिष्ठ, न्यायवान्, मुसिफ-मिज़ाज।
आदी (عادی) अ वि –जिसे कुछ खाने या कुछ करने की लत पड गयी हो, अभ्यस्त, अनुसेवी, व्यसनी।
आदीनः (آدینه) फा –शुक्रवार, जुमा'।
आद्रफ्श (آدرفش) फा पु –चमारो की सुताली (सूजा)।
आन. (عانه) अ पु –उपस्थ, पेडू, ज़ेरेनाफ।
आनः (انه) फा प्रत्य –सम्बन्ध का वाक्य, जैसे, रोज़ाना, सालाना, (पु०) रुपये का सोलहवाँ भाग, एक आना।
आन (آن) अ स्त्री –क्षण, पल, लम्हा।
आन (آن) फा स्त्री –छटा, छवि, शोभा, टेक, वात, नाक, हाव-भाव, नाज़ोअदा।
आ'नक़ (اعنق) अ वि –वडी गर्दनवाला।
आनक आनक (آنک آنک) फा अव्य –वह वह दूरवर्ती।
आनन फ आनन (آناً فآناً) अ वि –तत्क्षण, तुरत, फौरन, फौरन ही, ज़रा सी देर में, बात की वात मे, आनन फानन।
आ'नश (اعنش) अ वि –छ उँगलियोवाला, छगा।
आ'नाक़ (اعناق) अ स्त्री –'उनुक' का वहु, गर्दन, गले।
आनात (آنات) अ पु –'आन' का वहु वहुत से समय, काल-समूह।
आनिद (عاند) अ वि –शत्रु, दुश्मन, वैरी।
आनिफ (عانف) अ वि –वशीभूत, मुतीअ, आज्ञाकारी, फर्मांवरदार।
आनियः (آنیه) अ पु –'इना' का वहु, वहुत से वरतन।
आनिसः (آنسه) अ स्त्री –कुमारी, दोशीज़ः।
आनिस (آنس) अ वि –स्नेह करनेवाला, प्रेमी, हिल जाने-वाला।
आनी (عانی) अ वि –कैदी, वदी, वहता हुआ ख़ून।
आनी (آنی) अ वि – क्षणिक, थोडी देर का, सामयिक, तात्कालिक, वक्ती।
आनुक (آنک) फा पु –सीसा, एक धातु।
आपा (آپا) तु स्त्री –वडी वहन, जीजी।
आफ (عاف) अ वि –क्षमा करनेवाला, अपराव क्षमा करने-वाला।
आफत (آفت) फा स्त्री –आपत्ति, विपदा, मुसीवत, दु ख, कष्ट, तकलीफ, शामत।
आफतज़दः (آفت‌زده) फा. वि –विपद्‌ग्रस्त, मुसीवत का मारा।
आफतनसीव (آفت‌نصیب) फा अ वि –जिसके भाग्य मे आपत्तियाँ ही आपत्तियाँ हो।
आफतरसीदः (آفت‌رسیده) फा वि –दे 'आफतज़द'।
आफते नागहानी (آفت ناگہانی) फा स्त्री –अचानक पड़नेवाली विपत्ति, दैवात्यय, दैवी घटना।
आफाक़ (آفاق) अ पु –'उफुक' का वहु उपाएँ, ससार, दुनिया।
आफाकी (آفاقی) अ वि –दुनियावाला, सासारिक।
आफाके माइलः (آفاق مائله) अ पु –पृथ्वी का वह भाग जो खुश्क है।

आफ़ात (آفات) फा स्त्री. 'आफत' का वहु आपत्तियाँ, मुसीवते।
आफ़िंदी (آفندی) तु पुं –श्रीमान्, महोदय, जनाव।
आफियत (عافیت) अ. स्त्री –सुख, चैन, आराम, शाति, सुकून, नैरुज्य, स्वास्थ्य।
आफियत केश (عافیت کیش) अ फा. वि –शातिप्रिय, अम्नपसंद।
आफियत कोश (عافیت کوش) अ. फा. वि.–शाति के लिए प्रयत्न करनेवाला।
आफियतगाह (عافیت‌گاه) अ फा. स्त्री –शाति का स्थान, जहाँ सुकून और शाति हो, एकातवास।
आफ़िल (آفل) अ वि –नीचे जानेवाला, लोप होनेवाला।
आफ़िलीन (آفلین) अ पु –नीचे जानेवाले, लोप होनेवाले, 'आफिल' का वहु ।
आफ़्तावः (آفتابہ) फा. पु –एक प्रकार का लोटा जिसमे दस्ता होता है।
आफ़्ताव (آفتاب) फा पु –सूर्य, रवि, दिनकर, सूरज।
आफ़्ताव आसार (آفتاب آثار) फा अ वि –जिसमे सूर्य का प्रताप हो, जिसमें सूर्य जैसा जलाल हो।
आफ़्तावगीर (آفتاب‌گیر) फा. पु –छज्जा, साइवान, छतरी, आतपत्र, छाता, धूप रोकने के लिए ताना हुआ कपड़ा आदि।
आफ़्तावपरस्त (آفتاب‌پرست) फा वि –सूरज की पूजा करनेवाला, सूर्यपूजक; गिरगिट, कृकलास।
आफ़्तावपरस्ती (آفتاب‌پرستی) फा. स्त्री –सूरज की पूजा, सूर्य-पूजा, रविभक्ति।
आफ़्ताव सवार (آفتاب سوار) फा वि –वहुत तडके उठनेवाला।
आफ़्तावी (آفتابی) फा वि –धूप मे रखकर वनायी हुई औपधि आदि, सूरज का, सूरजमुखी का फूल।
आफ़्तावे लवे वाम (آفتاب لب بام) फा पु –डूवने के करीव सूरज, मरने के करीव पुरुष, मरणासन्न।
आफ़्तावे सरे शाम (آفتاب سر شام) फा पु –सध्या समय का सूर्य, डूवता हुआ सूरज, वह व्यक्ति जिसका सम्मान उठ जाय।
आफ़्तावे हश्र (آفتاب حشر) अ फा पु –महाप्रलय-काल का सूर्य, जो वहुत निकट होगा।
आफ़्रीं (آفریں) फा अव्य –धन्यवाद, शावाश, साधु साधु।
आफ़्रीदः (آفریدہ) फा. वि –पैदा किया हुआ, उत्पादित।
आफ़्रीदगार (آفریدگار) फा वि –पैदा करनेवाला, उत्पत्तिकर्ता, स्रष्टा।
आफ़्रीदनी (آفریدنی) फा वि –पैदा करने योग्य।
आफ़्रीनिंदः (آفرینندہ) फा. वि –स्रष्टा, उत्पत्तिकर्ता, खालिक, पैदा करनेवाला।
आफ़्रीनिश (آفرینش) फा स्त्री –उत्पत्ति, सृष्टि, पैदाइश।
आव (آب) फा पु –जल, वारि, सलिल, नीर, आप, पानी।
आवकामः (آبکامہ) फा पु –खट्टे पदार्थों से वनाया हुआ पानी।
आवकार (آبکار) फा. वि –मदिरा वेचनेवाला, शराव का व्यवसाय करनेवाला, मद्य-व्यवसायी।
आवकारी (آبکاری) फा स्त्री –मदिरा का व्यवसाय, मदिरा का विभाग, मद्य-विभाग।
आवकोर (آبکور) अ वि –वह व्यक्ति जिसके दाने-पानी मे किसी का भाग न हो, वहुत ही कृपण, मक्खीचूस।
आवख़ानः (آبخانہ) फा पु –पाख़ान , शौचगृह।
आवख़ुर (آب خور) फा पु –दे 'आवख़ुर्द'।
आवख़ुर्द (آبخورد) फा पु –भाग्य, प्रारव्ध, किस्मत, भाग, हिस्सा, वह तालाव जहाँ मनुष्य और पशु पानी पीये।
आवख़ेज़ (آبخیز) फा स्त्री –वह भूमि जिसे जहाँ भी खोदे, थोडी दूर पर पानी निकल आये, लहर, तरग, मौज।
आवख़ोरः (آبخورہ) फा पु –पानी पीने का मिट्टी का पियाला, कुल्हड, पुरवा।
आव गर्दिश (آب گردش) फा स्त्री –जीविका, रोजी, वह रोग जो देश-विदेश मे फिरने और पानी वदलने से उत्पन्न हो।
आवगीनः (آبگینہ) फा पु –वहुत ही वारीक काँच की वड़े पेट की वोतल, जो अव से कुछ पहले शराव और गुलाव जल रखने के काम आती थी, वोतल, शीशा, वहुत ही नाज़ुक शीशा।
आवगीर (آبگیر) फा पु –छोटा तालाव, तलैया, जूहड, क्षुद्र जलाशय।
आवजू (آبجو) फा स्त्री –नदी, नहर, चश्मा।
आवजोश (آبجوش) फा पु –शोरवा, रसा, यख़्नी, गोश्त का पानी, सोडा वाटर, सुर्ख़ मुनक्का।
आवदंदाँ (آبدنداں) फा पु –एक प्रकार का हलवा।
आवदरज़ू (آبدرجو) फा स्त्री –सम्पत्ति, दौलत, सत्ता, हुकूमत।
आवदस्त (آبدست) फा पु –शौच कर्म के पश्चात् पानी लेना, इस्तिजा करना।
आवदस्ताँ (آبدستاں) फा पु –आफ़्ताव, हत्थेदार लोटा।
आवदार (آبدار) फा वि –चमकदार, उज्ज्वल, धारदार, पानीदार, पानी पिलानेवाला।

आबदार ख़ानः (آبدار خانه) फा पु –वह ठडा स्थान जहाँ पिलाने के लिए पानी के घडे आदि रखे जाते हो।

आबदारी (آبداری) फा स्त्री –चमक, आभा, शोभा, छटा, रौनक़।

आबदीदः (آبدیده) फा वि –जिसकी आँखो मे आँसू भरे हो, सजलनयन, रुआँसा।

आब दुज़्द (آب دزد) फा पु –वह रास्ता जिसके नीचे पानी हो, एक तग मुँह का बर्तन जिसकी तली मे छेद होते है।

आबदोज़ (آبدوز) फा वि –पानी के अदर का रास्ता, पानी के भीतर चलनेवाला पोत आदि।

आबनाए (آبنائے) फा पु –पृथ्वी का वह तग भाग जो दो समुद्रो को मिलाता हो, जलडमरूमध्य।

आबपाशी (آبپاشی) फा स्त्री –भूमि और खेती की सिंचाई, सेचन, सिंचन।

आबबाज़ (آب باز) फा वि –तैरनेवाला, तैराक, पैराक।

आबबाज़ी (آب بازی) फा स्त्री –तैरना, पानी मे तैरना।

आबयानः (آبیانه) फा पु –सिंचाई का महसूल, जलकर।

आबयारी (آبیاری) फा स्त्री –सिंचाई, आबपाशी।

आबरुख़ (آبرخ) फा स्त्री –दे 'आबरू'।

आबरू (آبرو) फा स्त्री –प्रतिष्ठा, इज़्ज़त, सतीत्व, इस्मत, कीर्ति, यश, नेकनामी।

आबरूदार (آبرودار) फा वि –प्रतिष्ठित, समानित, बावक्अत, सती, साध्वी, इस्मत मआब।

आबरूरेज़ी (آبروریزی) फा स्त्री –मानहानि, इज़्ज़त उतरना, सतीत्व-हरण, इस्मतदरी।

आबलः (آبله) फा पु –छाला, फफोला।

आबलए फिरंग (آبلهٔ فرنگ) अ पु –गर्मी रोग, आतशक, उपदश।

आबशनास (آبشناس) फा वि –माँझी, मल्लाह, कर्णधार, यह जाननेवाला कि समुद्र में कहाँ कितना पानी है।

आबशार (آبشار) फा पु –झरना, निर्झर, प्रपात।

आबसाल (آبسال) फा पु –बाग, वाटिका।

आबसालाँ (آبسالاں) फा पु –दे 'आबसाल'।

आबा (آبا) अ पु –'अब' का बहु पूर्वज, बाप दादे, पुरखे।

आबाए उ़ल्वी (آبائے علوی) अ पु –नौ आकाश; सप्तग्रह।

आबाद (آباد) फा वि –जिसमे आबादी हो, बसित, वह ज़मीन जो बोई-जोती जाती हो, जहाँ चहल-पहल हो, गुलज़ार।

आबाद (آباد) अ पु –'अबद' का बहु, हमेशगियाँ, नित्यताएँ।

आबादकार (آبادکار) फा वि –वह जो किसी वीरान (बजर) इलाके को आबाद करे, वह किसान जो किसी परती भूमि को उपजाऊ बनाये।

आबादकारी (آبادکاری) फा स्त्री –किसी वीरान इलाके या देश को आबाद करना, किसी बजर भूमि को उपजाऊ बनाना।

आबादान (آبادان) फा वि –दे 'आबाद'।

आबादानी (آبادانی) फा स्त्री –दे 'आबादी'।

आबादी (آبادی) फा स्त्री –बस्ती, बसा हुआ इलाका, चहल-पहल, रौनक।

आबान (آبان) फा पु –ईरानियो का एक महीना जो अगहन मे पडता है।

आबारः (آباره) फा पु –हिसाब, हिसाब-किताब।

आबार (آبار) अ पु –जला हुआ सीसा, सीसे का भस्म।

आबिदः (عابده) अ स्त्री –तपस्विनी, इबादतगुज़ार स्त्री।

आबिद (عابد) अ वि –तपस्वी, इबादत करनेवाला पुरुष।

आबिर (عابر) अ वि –पथिक, बटोही, राहगीर, नदी या पुल आदि को पार करनेवाला।

आबिस्तः (آبستہ) फा स्त्री –गर्भवती, गुर्विणी, हामिला।

आबिस्तनी (آبستنی) फा वि –गर्भवती, अतर्वत्नी, हामिला, पेट से।

आबी (آبی) फा वि –एक मेवा, बिही, जल सम्बन्धी, जल का, पानी की मोटी रोटी जो पलोथन के बिना पकती है।

आ'बुद (اعبد) अ पु 'अब्द' का बहु, सेवकगण, दास लोग।

आबे अंगूर (آب انگور) फा पु –अगूर का अरक, अगूर का शीरा, अगूर की मदिरा।

आबे अनार (آب انار) फा पु –अनार का अरक, अनार के अरक जैसी लाल मदिरा।

आबे आतशरंग (آب آتش رنگ) फा पु –आग के रग का पानी, अर्थात् शराब, मदिरा।

आबे आतशीं (آب آتشیں) फा पु –आग जैसा पानी, अर्थात् मदिरा, शराब।

आबे कमा (آب کماں) फा पु –धनुष का ज़ोर।

आबे कौसर (آب کوثر) अ फा पु –स्वर्ग के हौज़ का पानी।

आबे ख़जर (آب خنجر) फा पु –खजर की धार, छुरी की धार।

आबे खिज़्र (آب خضر) फा अ पु –आबेहयात, अमृतजल।

आबे ख़ुश्क (آب خشک) फा पु –बिल्लूर का पियाला।

आबे गोश्त (آب گوشت) फा पु –गोश्त की यख़्नी या शोरबा।

आबे गौहर (آب گوهر) फा पु —मोतियाबिंद, आँख मे पानी उतरने का रोग।

आबे जारी (آب جاری) अ फा पु —बहता हुआ पानी, प्रवाहित जल।

आबे जाविदाँ (آب جاوداں) फा पु —आबे हयात, अमृत।

आबे ज़ुलाल (آب زلال) अ फा पु —निथरा हुआ पानी; ठडा पानी।

आबे तरब (آب طرب) फा. पु —मदिरा, शराब।

आबे बका (آب بقا) अ फा पु —आबे हयात, मदिरा।

आबे बस्तः (آب بستہ) फा पु —शीशा, काँच, जमा हुआ पानी।

आबे मर्वारीद (آب مروارید) अ फा पु —मोतियाबिंद का रोग।

आबे मुंजमिद (آب منجمد) अ फा पु —जमा हुआ पानी, बिल्लूर का पियाला।

आबे मुर्दः (آب مردہ) फा पु —ठहरा हुआ पानी, जो पानी बहता न हो, स्थिर जल।

आबे रवाँ (آب رواں) फा पु —बहता हुआ पानी, जारी पानी, एक बारीक मलमल।

आबे शोर (آب شور) फा पु —खारा पानी, काला पानी, अडमान।

आबे सियाह (آب سیاہ) फा पु —गहरा पानी, मोतियाबिंद।

आबे हयात (آب حیات) फा अ पु —अमृतजल, सुधा।

आबे हराम (آب حرام) फा अ पु —मदिरा, शराब।

आबे हैवाँ (آب حیواں) फा अ पु —दे 'आबे हयात'।

आबोगिल (آب وگل) फा पु —मनुष्य का ढाँचा।

आबोताब (آب وتاب) फा स्त्री —चमक-दमक, ठाठ-बाट, शानोशौकत, धूमधाम।

आबोदानः (آب ودانہ) फा पु —दाना-पानी, अन्न-जल, जीविका, रोज़ी।

आबोरौगन (آب وروغن) फा अ पु —बातचीत मे नमक-मिर्च, चिकनी-चुपडी बाते।

आबोहवा (آب وہوا) फा अ स्त्री —स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से किसी स्थान का पानी और वायु, जलवायु।

आबनूस (آبنوس) फा पु—एक प्रसिद्ध काली लकडी जो बहुत भारी होती है।

आमः (آمہ) फा स्त्री —दवात, मसिपात्र।

आम (عام) अ वि —सर्वव्यापक, हम गीर, सर्वसाधारण, आम लोग, जो मुख्य न हो, गौण।

आमदः (آمدہ) फा वि —आया हुआ, आगत।

आमद (آمد) फा स्त्री —आगमन, आमद, आय, आमदनी, वह विचार जो मस्तिष्क मे बिना सोचे आया हो।

आमद आमद (آمدآمد) फा स्त्री —किसी के आगमन की धूमधाम, किसी के आने की खबर।

आमदनी (آمدنی) फा स्त्री —आय, आमद, कमाई, उत्पत्ति, पैदावार।

आमदोखर्च (آمدوخرچ) फा पु —आमदनी और खर्चा, आय-व्यय।

आमदोरफ़्त (آمدورفت) फा स्त्री —आना-जाना, यातायात।

आ'मा (اعمی) अ वि —अंधा, नेत्रहीन, अध।

आ'माक (اعماق) अ पु —'उमुक' का बहु लबाइयाँ, चौडाइयाँ और ऊँचाइयाँ या गहराइयाँ।

आमाज (آماج) फा पु —निशाना, लक्ष्य।

आमाजगाह (آماجگاہ) फा स्त्री —वह स्थान जिसे ताककर उसपर निशान लगाया जाय, लक्ष्यस्थान, हरफ, "क़िस्मत मेरे सिवा तुझे कोई मिला नही—आमाजगाहे-जौर बनाया किया मुझे।"

आमादः (آمادہ) फा वि —तत्पर, उद्यत, तैयार, अनुमत, राज़ी।

आमादगी (آمادگی) फा स्त्री —तत्परता, मुस्तैदी, अनुमति, रज़ामदी।

आ'माम (اعمام) अ पु —'अम' का बहु चचा लोग।

आ'मार (اعمار) अ स्त्री—'उम्र' का बहु उम्रें, अवस्थाएँ।

आमाल (آمال) अ स्त्री —'अमल' का बहु आशाएँ, उम्मीदे।

आ'माल (اعمال) अ पु —'अमल' का बहु काम, कार्य-समूह, कृतियाँ, कर्म-समूह, आचार-व्यवहार, जप-तप, विर्द वज़ीफा आदि।

आ'मालनामः (اعمال نامہ) अ फा पु —वह पत्र जिस पर मनुष्य के अच्छे बुरे कर्म लिखे जाते है, वह काग़ज़ जिसमे सरकारी नौकरो की कारगुज़ारियाँ या बद आ'मालियाँ लिखी जाती है।

आमास (آماس) फा पु —सूजन, शोथ।

आमास ज़दः (آماس زدہ) फा वि —सूजा हुआ, शोथित।

आमासिदः (آماسیدہ) फा वि —सूजनेवाला।

आमासीदः (آماسیدہ) फा वि.—सूजा हुआ।

आमिनः (آمنہ) अ स्त्री —निर्भय स्त्री, निडर स्त्री, हज़रत मुहम्मद साहब की श्री माताजी का नाम।

आमिन (آمن) अ वि —निर्भय, निडर, बेखौफ, सुरक्षित, महफूज़।

आमियानः (عامیانہ) अ फा वि —आम लोगो जैसा, बाजारियो जैसा, अश्लील, अशिष्ट, नाशाइस्ता।

आमिरः (عامره) अ पु —भरा हुआ, परिपूर्ण, आवाद करनेवाला, वसानेवाला।
आमिर (عامر) अ वि —वसानेवाला, आवाद करनेवाला, आवाद, वसा हुआ, भरा हुआ, परिपूर्ण।
आमिर (آمر) अ वि.—हुक्म करनेवाला, शासक, हाकिम, डिक्टेटर, अधिनायक।
आमिरीयत (آمریت) अ स्त्री —शासन, हुकूमत, शख्सी हुकूमत, डिक्टेटरी, अधिनायकता।
आमिलः (عامله) अ स्त्री —काम करनेवाली स्त्री, कार्य-कारिणी, विषय निर्धारिणी, मज्लिसे आमिला।
आमिल (عامل) अ वि —शासक, हुक्मराँ, पदाधिकारी, हाकिम, जो मिस्मिरेज़्म आदि का अमल करता हो, जो भूतप्रेत या जिन और परी उतारता हो।
आमिल (آمل) अ वि —इच्छुक, ख्वाहिशमद, आशा करनेवाला, उम्मेदवार।
आमी (عامی) अ वि —सामान्य व्यक्ति, साधारण जन, वाज़ारी आदमी, लोफर, नीच।
आमीन (آمین) अ अव्य —एवमस्तु, तथास्तु।
आमुख़्तः (آموختہ) फा पु —दे 'आमोख़्त', यह भी शुद्ध है।
आमुर्ज़गार (آمرزگار) फा वि —वख़्शनेवाला, मोक्ष देने-वाला अर्थात् ईश्वर।
आमुर्ज़िद (آمرزده) फा वि —मोक्ष देनेवाला, वख़्शने-वाला।
आमुर्ज़िश (آمرزش) फा स्त्री —मोक्ष, कल्याण, नजात, वख़्शिश।
आमुर्ज़ीद (آمرزیده) फा वि —मोक्षप्राप्त, वख़्शा हुआ, नजात पाया हुआ।
आमुर्ज़ीदनी (آمرزیدنی) फा वि —मोक्ष प्राप्त होने के योग्य, नजात पाने के काविल।
आमुल (آمله) अ पु —आँवला, एक फल, आमलक।
आमुल (آمل) फा. पु —'माज़िंदरान' का एक नगर।
आमूद (آموده) फा वि —भरा हुआ, पूर्ण।
आमूदनी (آمودنی) फा वि —भरने योग्य।
आमून (آمون) फा पु —ईरान और तूरान के वीच की एक नदी।
आमेख़्त (آمیختہ) फा वि —मिला हुआ, मिलाया हुआ, कृत्रिम, मिलावट किया हुआ।
आमेख़्तनी (آمیختنی) फा वि —मिलाने योग्य, मिलने योग्य।
आमेग़ (آمیغ) फा प्रत्य —दे 'आमेज़'।
आमेज़ (آمیز) फा प्रत्य —मिलनेवाला, मिलानेवाला, जैसे, 'रग आमेज़'—रग मिलानेवाला।
आमेज़गार (آمیزگار) फा वि —सुशील, खुश अख़्लाक।
आमेज़िदः (آمیزنده) फा वि —मिलनेवाला; मिलानेवाला।
आमेज़िश (آمیزش) फा स्त्री —मिलावट, उपाधि, मिलौनी।
आमेज़ीद (آمیزیده) फा वि —मिलानेवाला।
आमोख़्त (آموختہ) फा पु —पढे हुए पाठ को फिर से पढना, उद्धरणी, (वि) पठित, पढा हुआ, सीखा हुआ।
आमोख़्तनी (آموختنی) फा वि —सीखने योग्य, सिखाने योग्य, पढने योग्य, पढाने योग्य।
आमोज़गार (آموزگار) फा वि —शिक्षक, सिखानेवाला, शिक्षार्थी, सीखनेवाला।
आमोज़िद (آموزنده) फा स्त्री —सिखानेवाला, सीखने-वाला।
आमोज़िश (آموزش) फा स्त्री —शिक्षण, सिखाई, सीख।
आमोज़ीद (آموزیده) फा वि —सीखा हुआ, सिखाया हुआ।
आमोज़ीदनी (آموزیدنی) फा वि —सीखने योग्य, सिखाने योग्य।
आम्म (عامه) अ वि —सार्वजनिक, अवामी, सव जनता की, जैसे 'राए आम्म' अर्थात् सारी जनता का मत।
आम्मतुन्नास (عامة الناس) अ पु —सर्वसाधारण, जन-साधारण, आम जनता, अवाम।
आम्मतुलख़लाइक (عامة الخلائق) अ पु —सर्वसाधारण, अवाम, आम जनता।
आयंद (آینده) फा वि —आनेवाला, आगामी, भविष्य, मुस्तक्विल, आगे चलकर, भविष्य मे।
आयदगानो रविदगाँ (آیندگان و روندگان) फा पु —आने-जानेवाले लोग।
आयत (آیت) अ स्त्री —चिह्न, निशान, कुरान का एक वाक्य, उस वाक्य के अत पर वना हुआ गोल चिह्न।
आयत (اعیط) अ वि —लवी गर्दनवाला।
आयद (عاید) अ वि —दे 'आइद', 'आयद' अशुद्ध है।
आ'यन (اعین) अ वि —वडी-वडी आँखो वाला।
आया (آیا) फा अव्य —एक प्रश्नवाचक शब्द, क्या, किम्, जैसे 'आया आप वहाँ जायँगे', क्या आप वहाँ जायँगे।
आयात (آیات) अ स्त्री —'आयत' का वहु, कुरान की आयते।
आयान (آیان) फा पु —आनेवाला, आगमनकर्ता।
आ यान (اعیان) अ पु —'ऐन' का वहु, वडे-वडे लोग, प्रतिष्ठित जन, महान् व्यक्ति।
आयानी (آیانی) फा स्त्री —'शिष्टता, सभ्यता, सुशी-लता, शाइस्तगी, सुदरता, उत्तमता, अच्छाई।

आ'यानी (اعیانی) अ वि –सगा, एक माँ-वाप का।
आ'युन (اعین) अ स्त्री –'ऐन' का वहु, आँखे।
आर (عار) अ पुं –लज्जा, लाज, ग़ैरत, घृणा, नफरत, घिन, दोप, ऐव।
आ'रज (اعرج) अ वि –लँगड़ा, पगु।
आरज़्म (آرزم) फा स्त्री –युद्ध, समर, लडाई, जग।
आरश (آرش) फा. पु –ईरान का एक पहलवान जो धनुर्विद्या मे अत्यंत निपुण था।
आरा (آرا) फा प्रत्य –सँवारनेवाला, सजानेवाला, जैसे, 'जहाँ आरा'—ससार को सजाने या सँवारनेवाला अथवा वाली।
आरा (آرا) अ स्त्री –'राय' का वहु राये, मत।
आराइद: (آرائندہ) फा वि –सँवारनेवाला, सजानेवाला।
आराइश (آرائش) फा स्त्री –सजावट, सुसज्जा।
आराद (آراد) फा पु –हर ईरानी महीने की पच्चीसवीं तारीख़।
आ'राफ (اعراف) अ पु –स्वर्ग और नरक के वीच का स्थान।
आ'राव (اعراب) अ पु –वे अरव लोग जो जगल मे इधर-उधर घूम-फिरकर जीवन व्यतीत करते है, वद्दू लोग। (यह शब्द वहुवचन है, परतु इसका एकवचन नही है।)
आ'रावी (اعرابی) अ पु –अरव जाति का व्यक्ति, वद्दू।
आराम (آرام) अ पु –'रीम' का वहु, हिरनो के वच्चे।
आराम (آرام) फा. पु –सुख, चैन, ऐश; आनद, हर्प, खुशी, सुगमता, आसानी।
आरामकुर्सी (آرام کرسی) फा स्त्री –वड़ी कुर्सी जिस पर लेट सकते है, सुखासंदी।
आरामख़्वाह (آرام خواہ) फा वि –सुख चाहनेवाला, काम-धधो से जी चुरानेवाला।
आरामगाह (آرامگاہ) फा स्त्री –ठहरने और आराम करने का स्थान, विश्रामालय, शयनागार, सोने का स्थान, ख़्वावगाह।
आरामतलव (آرام طلب) फा अ वि –आराम चाहने-वाला, सुखेच्छु, आलसी, काहिल।
आरामतलवी (آرام طلبی) फा अ स्त्री –सुख की चाह, काहिली, आलस्य, पड़े-पड़े खाना और काम से जी चुराना।
आरामदेह (آرام دہ) फा वि –सुख देनेवाला, आराम पहुँ-चानेवाला, सुखदायी, आराम पहुँचानेवाली वस्तु या काम।
आरामपसंद (آرام پسند) फा वि –दे 'आरामतलव'।
आरामरसाँ (آرام رساں) फा वि –दे 'आरामदेह'।
आरामिंद: (آرامندہ) फा वि –आराम करनेवाला।
आरामिश (آرامش) फा स्त्री –सुख, चैन, राहत।
आरामीद: (آرامیدہ) फा वि.–आराम किया हुआ, जिसने आराम किया हो।
आरामे जाँ (آرام جاں) फा पु –प्राणो का सुख, प्रेमिका, पुत्र।
आ'राश (اعراش) अ पु –'अर्श' का वहु, वहुत से अर्श।
आ'रास (اعراس) अ पु –'उर्स' या 'उरूस' का वहु, वहुत से उर्स।
आरास्त: (آراستہ) फा वि –सुसज्जित, सजा हुआ (घर आदि), शृगारित, आभूपित, ज़ेवर आदि से सजी हुई (स्त्री)।
आरास्त: मू (آراستہ مو) फा वि –वाल सँवारे हुए, चोटी आदि गूँथे हुए।
आरास्तगी (آراستگی) फा स्त्री –घर आदि की सजावट, स्त्री आदि का शृगार, क्रम, तर्तीव।
आरिज़: (عارضہ) अ पुं –रोग, वीमारी, व्याधि, आमय, व्यसन, लत।
आरिज़ (عارض) अ पु –कपोल, गाल, रुख़सार, वाधक, रुकावट डालनेवाला।
आरिज (عارج) अ वि –ऊपर की ओर जानेवाला।
आरिज़ी (عارضی) अ वि –अस्थायी, ग़ैर मुस्तकिल; क्षणिक, थोडी देर का।
आरिफ: (عارفہ) अ स्त्री –आरिफ स्त्री, व्रह्मज्ञानी, पहचाननेवाली।
आरिफ (عارف) अ वि –ज्ञाता, जाननेवाला, परिचित, वाकिफ; व्रह्मज्ञानी, हक़ आगाह, सूफी।
आरिफ विल्लाह (عارف باللہ) अ वि –ईश्वर को पहचानने-वाला, व्रह्मज्ञानी, खुदा रसीद, ऋषि, मुनि, वली।
आरिफान: (عارفانہ) अ फा वि –आरिफो जैसा, सूफियो जैसा, व्रह्मज्ञानियो जैसा, ऋषियो जैसा।
आरियत (عاریت) अ स्त्री –अस्थायित्व, नापाइदारी, किसी वस्तु का माँगा हुआ होना।
आरियतन (عاریتاً) अ वि –थोडी देर के लिए, माँगा हुआ।
आरियती (عاریتی) अ वि –अस्थायी, अल्पकालिक, आरिज़ी, माँगी हुई वस्तु।
आरी (عاری) अ वि –नगा, नग्न, वचित, महरूम, गद्य का एक प्रकार जो सीधा-सादा होता है, और जिसमें अलकार आदि कुछ नही होते, रोज़मर्रा की नस्र।
आरे (آرے) फा स्त्री –हाँ, जी हाँ।
आरोग़ (آروغ) फा स्त्री –डकार, उद्गार, धूम।
आरोग़िद: (آروغندہ) फा वि –डकार लेनेवाला।
आरोग़े तुरुश (آروغ ترش) फा. स्त्री –खट्टी डकार, अम्लो-द्गार, अम्लिका।

आर्ज़ू (آرزو) फा. स्त्री –इच्छा, ख़ाहिश, उत्कठा, इश्तियाक, आश्रय, सहारा, मनोकामना, दिली मुराद, आशा, उम्मीद।

आर्ज़ूए ख़ाम (آرزوے خام) फा स्त्री –वह इच्छा जो पूरी न हो सके।

आर्ज़ूए मुर्द: (آرزوے مردہ) फा स्त्री –मरी हुई आस, बुझी हुई आस, मृतेच्छा।

आर्ज़ूए मुलाकात (آرزوے ملاقات) फा अ स्त्री –मिलने की इच्छा, प्रेमिका से मिलन की इच्छा।

आर्ज़ूए वस्ल (آرزوے وصل) फा अ स्त्री –प्रेमिका से प्रेमी के मिलने की इच्छा।

आर्ज़ूगाह (آرزوگاہ) फा स्त्री –वह स्थान जहाँ से कोई मनोकामना सिद्ध होने की आशा हो।

आर्ज़ूमंद (آرزومند) फा वि –इच्छुक, अभिलाषी, ख्वाहिशमद।

आर्ज़ूमदी (آرزومندی) फा स्त्री –इच्छा, अभिलाषा।

आर्द (آرد) फा पु –आटा, पिसा हुआ अन्न, चून।

आर्दी (آردی) फा पु –शफ्तालू, एक फल।

आलग (آلنگ) तु पु –चरागाह, हरियाली का मैदान, सब्ज़ाज़ार।

आलः (آلہ) अ पु –उपकरण, औज़ार।

आल (آل) अ स्त्री –सतान, औलाद, वाल-बच्चे, वशज, कुलवाले।

आल (آل) तु वि –लाल, सुर्ख़, रक्त।

आलएकार (آلۂکار) अ फा पु –काम करने का यत्र, वह व्यक्ति जो किसी कार्य-सिद्धि में माध्यम हो, वह व्यक्ति जिससे हर काम लिया जा सके।

आलए कुशावर्ज़ी (آلۂ کشاورزی) अ फा पु –खेती के औज़ार।

आलए तनासुल (آلۂ تناسل) अ पु –शिश्न, लिंग।

आलए नक़्बज़नी (آلۂ نقب زنی) अ फा पु –चोरो का सेंध लगाने का यत्र, सावर, सवरी।

आलए मोहलिक (آلۂ مہلک) अ पु –वह हथियार जिससे हत्या हो सके, प्राणघातक शस्त्र।

आलए हर्ब (آلۂ حرب) अ पु –लडाई का हथियार, युद्धास्त्र।

आलची (آلچی) तु पु –लेनेवाला, वसूल करनेवाला।

आलत (آلت) अ पु –शिश्न, लिंग।

आल तम्ग़ा (آل تمغا) तु पु –किसी को पुश्त दर पुश्त के लिए कोई जागीर दे देना।

आ'लन (اعلن) अ वि –बहुत अधिक स्पष्ट।

आ'लम (اعلم) अ वि –बहुत अधिक जाननेवाला, सबसे अधिक जाननेवाला।

आलम (عالم) अ पु –जगत्, ससार, दुनिया, दशा, हालत।

आलम (آلم) अ वि –बहुत अधिक कष्ट देनेवाला।

आलम अफ़्रोज़ (عالم افروز) अ फा वि –ससार को प्रकाशित करनेवाला।

आलम आरा (عالم آرا) अ फा वि –ससार को सुसज्जित और शृगारित करनेवाला।

आलम आराई (عالم آرائی) अ फा स्त्री –ससार की सजावट और शृगार।

आलम आश्कार (عالم آشکار) अ फा वि –विश्व-विदित, ससार भर मे ज़ाहिर।

आलम आश्कारा (عالم آشکارا) अ फा वि –दे 'आलम आश्कार'।

आलम आश्ना (عالم آشنا) अ फा वि –सारे ससार से परिचित, सब का मित्र, जिससे सारा ससार परिचित हो, सर्वप्रिय।

आलम आश्नाई (عالم آشنائی) अ फा स्त्री –सारे ससार का परिचित होना, सारे संसार से परिचित होना।

आलमगीर (عالمگیر) अ फा वि –विश्वव्यापी, ससार मे फैला हुआ, विश्वविजयी, ससार को जीतनेवाला।

आलमताब (عالمتاب) अ फा वि –सारे ससार को प्रकाशित करनेवाला।

आलम फ़रेब (عالم فریب) अ फा वि –विश्वमोहन, सारे ससार को मुग्ध करनेवाला।

आलमी (عالمی) अ वि –सासारिक, दुनियावी, ससार का निवासी, पूर्ण ससार का।

आलमे अज्साम (عالم اجسام) अ पु –मर्त्यलोक, भूलोक, दुनिया।

आलमे अर्वाह (عالم ارواح) अ पु –आत्माओ के रहने का लोक, परलोक, स्वर्ग।

आलमे अलवी (عالم علوی) अ पु –परलोक, स्वर्ग।

आलमे अस्बाब (عالم اسباب) अ पु –जहाँ हर कार्य के लिए कोई कारण अवश्य हो, जगत्, दुनिया।

आलमे आब (عالم آب) अ फा पु –वह स्थान जहाँ पानी ही पानी हो, मद्यपान की अवस्था।

आलमे कुदुस (عالم قدس) अ पु –स्वर्ग, सुरलोक।

आलमे कौनोफ़साद (عالم کون وفساد) अ पु –वह जगत् जहाँ चीज़े पैदा होती और मिटती रहें, अर्थात् ससार।

आलमे ख़याल (عالم خیال) अ पु –कल्पना-जगत्, ऐसी दुनिया जिसे केवल तसव्वुर ने बनाया हो।

आलमे ख़ाक (عالم خاک) अ. फा पुं –भूलोक, मर्त्यलोक, दुनिया।

आलमे ख़्वाब (عالم خواب) अ फा पु –स्वप्न-जगत्, वह स्थान जहाँ मनुष्य स्वप्न में पहुँच जाता है, स्वप्न की अवस्था, नींद की हालत।

आलमे ग़ैब (عالم غیب) अ फा पु –परोक्ष लोक, वह जगत् जो हमें दिखाई नहीं पडता, अदृश्य जगत्।

आलमे जबरूत (عالم جبروت) अ पु –ब्रह्मलोक, आलमे क़ुद्दुस, वह लोक जहाँ ईश्वर ही ईश्वर होता है।

आलमे जावेद (عالم جاوید) अ फा पु –नित्यलोक, जहाँ हमेशा रहना पड़े, स्वर्ग।

आलमे ज़ाहिर (عالم ظاہر) अ पु –वह जगत् जो दृष्टिगत रहता है, ससार, दुनिया।

आलमे तसव्वुर (عالم تصور) अ. पु –वह ससार जहाँ प्रेमी अपनी प्रेमिका के ध्यान मे पहुँच जाता है।

आलमे तस्वीर (عالم تصویر) अ. पु –स्तब्धता और निश्चेष्टता की अवस्था।

आलमे नासूत (عالم ناسوت) अ पु –मर्त्यलोक, मनुष्य-लोक, इहलोक, दुनिया।

आलमे फ़ना (عالم فنا) अ पु –दे 'आलमे फानी'।

आलमे फानी (عالم فانی) अ पु –नश्वर जगत्, वह लोक जिसे नाश होना है, अर्थात् दुनिया।

आलमे बका (عالم بقا) अ पु –वह लोक जिसका कभी नाश नही होता, देवलोक, परलोक, स्वर्ग।

आलमे बर्ज़ख़ (عالم برزخ) अ पु –वह लोक जो स्वर्ग और नरक के बीच मे है।

आलमे बाक़ी (عالم باقی) अ पु –दे 'आलमे बका'।

आलमे बाला (عالم بالا) अ पु –परलोक, देवलोक, आकाश, आस्मान, यमलोक, अदम।

आलमे मलकूत (عالم ملکوت) अ पु –देवलोक, जहाँ केवल फ़िरिश्ते रहते है।

आलमे मा'ना (عالم معنی) अ पु –वह अवस्था, जिसका अनुभव न किया जा सके।

आलमे मिसाल (عالم مثال) अ पु –वह जगत् जो परलोक के अतर्गत है, और जिसमे ससार की हर वस्तु ज्यो की त्यो मौजूद है।

आलमे रोया (عالم رؤیا) अ पु –दे 'आलमे ख़्वाब'।

आलमे लाहूत (عالم لاہوت) अ पु –ब्रह्मलोक, जहाँ ईश्वर के सिवा और कुछ नही होता।

आलमे लौहो कलम (عالم لوح و قلم) अ पुं –अर्श, वह लोक जहाँ ईश्वर का सिंहासन है।

आलमे वुजूद (عالم وجود) अ पु –जीवनावस्था, अस्तित्व।

आलमे शुहूद (عالم شہود) अ पु –वह जगत् जिसमे हम सब कुछ देख सके, मर्त्यलोक, दुनिया।

आलमे सिफ़्ली (عالم سفلی) अ पु –तुच्छ जगत्, अधम-लोक अर्थात् ससार, दुनिया।

आलमे सुग़्रा (عالم صغریٰ) अ पु –मनुष्य का शरीर, जिसमे सूक्ष्म रूप मे वह सब कुछ है जो ससार मे है।

आलमे हयूलानी (عالم ہیولانی) अ पु –जगत्, ससार, मर्त्यलोक, दुनिया।

आ'ला (اعلیٰ) अ वि –सबसे अच्छा, सर्वश्रेष्ठ, उत्तम, श्रेष्ठ, बढिया।

आलाइश (آلائش) फा स्त्री –पेट के अदर का मल, पाप, गुनाह।

आलाईदः (آلائیدہ) फा वि –लथड़ा हुआ, सना हुआ।

आलात (آلات) अ पु –'आल.' का बहु, औज़ार, उपकरण, हथियार, अस्त्र-शस्त्र।

आलाते जंग (آلات جنگ) अ फा –लड़ाई के हथियार, युद्धास्त्र, आयुध।

आलाते हर्ब (آلات حرب) अ पु.–दे 'आलाते जग'।

आलाफ (آلاف) अ पु –'अलफ' का बहु, हज़ारो।

आलाफ (اعلاف) अ पु –'अलफ' का बहु, हरी घासे।

आलाम (آلام) अ पु –'अलम' का बहु, कष्ट-समूह, हर प्रकार के दुख, आपत्तियाँ, मुसीबते।

आ'लाम (اعلام) अ पु –'अलम' का बहु, संज्ञाएँ, नामावली।

आलामे रोज़गार (آلام روزگار) अ. फा पु. –सासारिक कष्ट, दुनिया की आपत्तियाँ।

आलिफ (آلف) अ वि –स्नेह करनेवाला।

आलिमः (عالمہ) अ स्त्री –विद्वान् स्त्री, विदुषी।

आलिम (عالم) अ वि –विद्वान्, पडित, कोविद, ज्ञाता, जाननेवाला।

आलिम (آلم) अ वि –कष्ट देनेवाला, दुखदायी।

आलिमानः (عالمانہ) अ फा वि –विद्वानो जैसा, आलिमो की तरह।

आलिमुलग़ैब (عالم الغیب) अ. वि –अतर्यामी, परोक्षवेत्ता, गैब की बाते जाननेवाला।

आलिमे कुल (عالم کل) अ वि –सब कुछ जाननेवाला, सर्वज्ञ, सर्वविद्।

आलिमे ग़ैब (عالم غیب) अ वि –दे 'आलिमुल ग़ैब'।

आलिमे बाअमल (عالم باعمل) अ पु –ऐसा विद्वान् जिसका आचार व्यवहार विद्वानो जैसा हो, उसने जो कुछ पढ़ा हो उसी के अनुसार उसका आचरण भी हो।

आलिमे बे अमल (عالم بےعمل) अ फा पु –ऐसा विद्वान् जिसका आचरण विद्वानो से विरुद्ध हो, उसका आचरण पढे हुए से प्रतिकूल हो।
आली (عالی) अ वि –उच्च, वलद, श्रेष्ठ, उत्तम, वढ़िया, विशाल, वडा, महान्, अज़ीम।
आलीकद्र (عالی قدر) अ वि –बहुत वडे मर्तबेवाला, महामहिम।
आली ख़ानदान (عالی خاندان) अ फा वि –वहुत ऊँचे वशवाला, उच्चकुल, कुलीनतम।
आली गुहर (عالی گہر) अ.फा वि –दे 'आली खानदान'।
आली जनाव (عالی جناب) अ फा वि –अत्रभवान्', जनावे आली', महामान्य, आलीजाह।
आली जर्फ (عالی ظرف) अ वि –वडे दिलवाला, जो प्रत्येक की वुरी-भली बाते सुनकर सहन करे, उच्चाशय, विशाल-हृदय, उदारमना।
आलीजाह (عالی جاہ) अ वि –वहुत वडे रुत्वेवाला, महामान्य, वड़े आदमियो का सवोधन-वाक्य।
आलीतवार (عالی تبار) अ फा वि –दे 'आली खानदान'।
आली दिमाग़ (عالی دماغ) अ वि –वडी सूझ-वूझवाला, महाप्रज्ञ, उच्चवुद्धि, उदारधी।
आलीनज़र (عالی نظر) अ वि –उच्च दृष्टि, वलद नज़र, उदाराशय, फराख दिल।
आली नसब (عالی نسب) अ वि –दे 'आली खानदान'।
आली मक़ाम (عالی مقام) अ वि –दे आलीकद्र।
आली मनिश (عالی منش) अ फा वि –दे 'आली जर्फ'।
आली मर्तबत (عالی مرتبت) अ वि –दे 'आलीकद्र'।
आली वकार (عالی وقار) अ वि –दे 'आली मर्तवत'।
आलीशान (عالی شان) अ वि –महान्, भव्य, अज़ीमुश्शान, वहुत वडे मर्तवेवाला, महामान्य।
आली हिम्मत (عالی ہمت) अ वि –वडे हौसलेवाला, दिलावर, उच्चोत्साही, महासाहसी।
आलीहौसलः (عالی حوصلہ) अ वि –दे 'आली हिम्मत'।
आलुफ्त. (آلفتہ) फा वि –निरकुश, स्वच्छद, वेवाक।
आलू (آلو) फा पु –आलूबुख़ारा।
आलूच. (آلوچہ) फा पु –एक मीठा मेवा।
आलूद॰ (آلودہ) फा वि –लिप्त, सना हुआ।
आलूद॰ दामन (آلودہ دامن) फा वि –अपराधी, दोपी, जिसका किसी जुर्म मे हाथ हो।
आलूद (آلود) फा वि –दे 'आलूद'।
अलूदए इस्याँ (آلودۂ عصیاں) फा अ वि –पाप से भरा हुआ, पापमय।
आलूदए मा'सियत (آلودۂ معصیت) फा अ वि –दे 'आलूदए इस्याँ'।
आलूदगी (آلودگی) फा स्त्री –अपवित्रता, नापाकी, किसी जुर्म में शुमूलियत, पापलिप्तता, अपराध।
आलू वुख़ारा (آلوبخارا) फा पु –एक मशहूर मेवा, आरूक।
आले अबा (آل عبا) अ पु –हज़्रत फातिमा, हज़्रत अली और इमाम हसन और हुसैन।
आवग (آونگ) फा पु –अलगनी।
आवंद (آوند) फा पु –वरतन, ज़र्फ।
आव (آو) फा पु –पानी, आव।
आवख़ (آوخ) फा अव्य –आह, हाय, उफ, वाह, खूव, अजीव, अद्भुत।
आ'वज (اعوج) अ वि –टेढा, वक्र।
आ'वर (اعور) अ वि –सौतेला भाई, काना, यक चश्म, एक आँत का नाम, कौआ, काक।
आवरिंद. (آورندہ) फा वि –लानेवाला, आक्रमण करनेवाला, हम्लाआवर।
आवर्द. (آوردہ) फा वि –लाया हुआ, (प्र) किसी का ख़ास व्यक्ति, किसी का सिफारिशी, किसी का दलाल, एजेट।
आवर्द (آورد) फा स्त्री –'आमद' का उलटा, वह विचार जो कविता मे सोच-साच कर लाया गया हो, मस्तिष्क मे तुरत न आया हो।
आवर्दनी (آوردنی) फा वि –लाने योग्य।
आवा (آوا) फा स्त्री –'आवाज़' का लघु, स्वर, शव्द, नाद, आवाज़।
आवाज़ः (آوازہ) फा पु –यशोध्वनि, कीर्ति की धूम, शुह्रत, नामवरी।
आवाज (آواز) फा स्त्री –स्वर, शव्द, नाद, ध्वनि, वोली।
आवाज़े पा (آواز پا) फा स्त्री –पाँव की आहट, पगध्वनि।
आवाज़े वाज़गश्त (آواز بازگشت) फा स्त्री –प्रतिध्वनि, प्रतिशव्द, प्रतिवाद, टकराकर लौटी हुई आवाज़।
आवान (آوان) अ पु –'आन' का वहु वहुत से काल।
आ'वान (اعوان) अ पु –'औन' का वहु सहायकगण, मदद करनेवाले।
आवार (آوارہ) फा वि –वदचलन, कदाचारी, दुश्चरित्र, वेकार घूमनेवाला, व्यर्थ भ्रमण करनेवाला, जिसका किसी एक स्थान पर ठिकाना न हो, सचारजीवी।
आवार गर्द (آوارہ گرد) फा वि –व्यर्थ मे इधर-उधर मारा-मारा फिरनेवाला, व्यर्थ भ्रमणशील।

आवारः गर्दी (آوارہ گردی) फा. स्त्री.–व्यर्थ मे इधर-उधर घूमना।

आवारः मनिश (آوارہ منش) फा वि –वदचलन, कुमार्गी, व्यर्थ भ्रमण करनेवाला, आवारा गर्द।

आवारः मिज़ाज (آوارہ مزاج) फा अ वि –दे 'आवार मनिश', दुष्टप्रकृति, दुश्शील।

आवारः मिज़ाजी (آوارہ مزاجی) फा स्त्री –वदचलनी, व्यर्थ भ्रमण, आवारागर्दी।

आवारः वतन (آوارہ وطن) फा अ वि –जो अपना घर-वार छोडकर परदेश मे मारा फिर रहा हो, प्रवासी, परदेशी।

आवारगी (آوارگی) फा स्त्री –वेकार इधर-उधर फिरना, दुराचार, वदचलनी।

आविनः (آونہ) अ पु –'अवान' का वहु, समय और काल।

आवेख़्तः (آویختہ) फा वि –लटका हुआ, लटकाया हुआ।

आवेख़्तनी (آویختنی) फा वि –लटकने योग्य, लटकाने योग्य।

आवेज़ः (آویزہ) फा पु –कान का वुदा, लोलक, लटकन।

आवेज़ (آویز) फा. प्रत्य –लटकन या लटकानेवाला जैसे दिलआवेज़ दिल को लटकानेवाला अर्थात् सुदर।

आवेज़ए गोश (آویزۂ گوش) फा पु –कान का लटकन, वुदा, लोलक।

आवेज़िंद. (آویزندہ) फा वि –लिपटनेवाला, लटकनेवाला, लिपटानेवाला, लटकानेवाला।

आवेजिश (آویزش) फा स्त्री –लाग-डाँट, चढ़ा-ऊपरी, गुत्यमगुत्या, हाथापाई, युद्ध, लडाई।

आश (آش) फा पु –वह पतला खाद्य पदार्थ जो पिया जा सके, पेय।

आशपुज (آش پز) फा वि –रसोइया, वावर्ची।

आ'शा (اعشیٰ) अ वि –रतौंधी का रोगी, रात्र्यध, शवकोर।

आशाम (آشام) फा पु –चावल की पीच, भोजन, खुराक, खीर, (प्रत्य.) 'पीनेवाला', जैसे 'मय आशाम' शराव पीनेवाला, मद्यप।

आशामिंदः (آشامندہ) फा वि –पीनेवाला।

आशामीदः (آشامیدہ) फा वि –पिया हुआ, जो पिया गया हो।

आशामीदनी (آشامیدنی) फा वि –पीने योग्य, पेय।

आशिक (عاشق) अ वि –प्रेमी, अनुरागी, मुहिव, व्यसनी, लती।

आशिक मिज़ाज (عاشق مزاج) अ वि –जिसके स्वभाव मे प्रेम अधिक हो, और जो हर सुदर व्यक्ति से प्रेम करने के लिए तत्पर रहता हो, प्रेमप्रवण।

आशिकानः (عاشقانہ) अ फा वि –प्रेमियो जैसा, प्रेमपूर्ण, प्रेम के भावो से भरा हुआ।

आशिकी (عاشقی) अ स्त्री –प्रेम, अनुराग, स्नेह, चाहत, इश्क।

आशिर (عاشر) अ वि –दसवाँ, दसवाँ भाग।

आशुफ़्तः (آشفتہ) फा वि –अस्त-व्यस्त, तितर-वितर, आतुर, व्याकुल, परीशान।

आशुफ़्तः ख़याल (آشفتہ خیال) फा अ वि –जिसके विचार अस्त-व्यस्त हो, व्यस्तविचारवान्, प्रेमी, आशिक।

आशुफ़्तः ख़ातिर (آشفتہ خاطر) फा अ वि –जिसका मन एकाग्र न हो, उद्विग्नचित्त, जिसका दिल परेशान हो, प्रेमी।

आशुफ्तः तव्अ (آشفتہ طبع) फा अ वि –दे 'आशुफ्त ख़ातिर'।

आशुफ़्तः नवा (آشفتہ نوا) फा वि –व्यर्थ की वकवाद करनेवाला, अनर्थ भाषी, प्रेमी।

आशुफ़्तः वयाँ (آشفتہ بیاں) फा अ वि –दे 'आशुफ्त नवा'।

आशुफ़्तः मिज़ाज (آشفتہ مزاج) फा अ वि –जिसका चित्त परेशान हो, उद्विग्नचित्त; जिसका मन एकाग्र न हो, प्रेमी।

आशुफ़्तः मू (آشفتہ مو) फ़ा वि –वाल विखेरे हुए, शोकग्रस्त, रजीदा, प्रेमी।

आशुफ़्तः रोज़गार (آشفتہ روزگار) फा वि –समय जिसके प्रतिकूल हो, दुखी, कालचक्र-ग्रस्त।

आशुफ़्तः सर (آشفتہ سر) फा वि –जिसका सिर फिर गया हो, विक्षिप्त, पागल, प्रेमी।

आशुफ़्तः हाल (آشفتہ حال) फा वि –कालचक्र-ग्रस्त, हतभाग्य, मुसीवत में फँसा हुआ, प्रेमी।

आशुफ़्तगी (آشفتگی) फा स्त्री –उद्विग्नता, व्यग्रता, परेशानी, वौखलाहट, वदहवासी।

आशूर (عاشور) अ पु –दे 'आशूरा'।

आशूरा (عاشورا) अ पु –मुहर्रम की दसवी तारीख।

आशोब (آشوب) फा. पु.–हलचल, उथल-पुथल, उपद्रव, वलवा, विप्लव, इन्क़िलाव।

आशोब कदः (آشوب کدہ) फा. पु –दे 'आशोब गाह'।

आशोबगाह (آشوب گاہ) फा स्त्री –हलचल और झगड़े-फसाद का स्थान, अर्थात् ससार।

आशोबिंदः (آشوبندہ) फा वि –परेशान होनेवाला, मोहित होनेवाला।

आशोबीदः (آشوبیدہ) फा वि –उद्विग्न, व्याकुल, परेशान, मुग्ध, आसक्त, फरेफ्त।

आशोबे आगही (آشوب آگہی) फा पु –माया-जाल, मोह-बधन, ससार के झगड़े ।

आशोबे चश्म (آشوب چشم) फा पु –आँखे दुखने का रोग, नेत्राभिष्यद ।

आशोबेदह्र (آشوب دہر) फा अ पु –सासारिक उथल-पुथल, इन्किलाबात ज़माना ।

आशोबे रोज़गार (آشوب روزگار) फा पु –दे 'आशोबे दह्र' भाग्यचक्र की उथल-पुथल ।

आशोरद (آشورده) फा वि –गूँधा हुआ, मिलाया हुआ, खमीर किया हुआ ।

आश्कार (آشکار) फा वि –दे 'आश्कारा' ।

आश्कारा (آشکارا) फा वि –व्यक्त, प्रकट, ज़ाहिर, स्पष्ट, साफ ।

आश्ती (آشتی) फा स्त्री –मित्रता, दोस्ती, शाति, सुकून, सधि, सुलह ।

आश्तीकोश (آشتی کوش) फा वि –मित्रता के लिए कोशिश करनेवाला, शान्ति के लिए यत्नवान् ।

आश्ती ख़ू (آشتی خو) फा वि –जो स्वभावत मित्रता और शाति चाहता हो, शातप्रकृति ।

आश्ती पसंद (آشتی پسند) फा वि –जिसे शाति पसद हो, जो अमन चाहता हो, जो मित्रता और सधि पसद करता हो, शातिप्रिय, सधिप्रेमी ।

आश्ना (آشنا) फा पु –मित्र, सुहृद्, दोस्त, जार, उपपति, यार, परिचित, जानकार, वाकिफ ।

आश्नाई (آشنائی) फा स्त्री –मैत्री, दोस्ती, नाजाइज़ सम्बन्ध, जारत्व ।

आश्ना फरोशी (آشنا فروشی) फा स्त्री –मित्र की उसके मुँह पर प्रशसा करना ।

आश्ना रू (آشنا رو) फा वि –जो सूरत पहचानता हो, सूरत आश्ना, मुखचर्या-निरीक्षक ।

आश्ना सूरत (آشنا صورت) फा अ वि –जिसकी शक्ल पहचानी हुई हो, जिसे पहले देखा हो, पर उससे परिचय न हो, परिचित-मुख ।

आश्नाह (آشناه) फा स्त्री –तैरना, पैरना, पैराकी, तैराकी, (वि) तैरनेवाला, तैराक, पैराक ।

आश्माली (آشمالی) फा स्त्री –चापलूसी, चाटुकारिता, खुशामद ।

आश्याँ (آشیاں) फा पु –घोसला, नीड, कुलाय ।

आश्यान. (آشیانه) फा पु –दे 'आश्याँ' ।

आस (آس) फा स्त्री –चक्की, पेषणी, ताश, गजिफ ।

आस (آس) अ पु –एक पेड़ जिसके फल और पत्ते दवा मे प्रयुक्त होते है ।

आस [स्स] (عاس) अ पु –रात में पहरा और गश्त देनेवाला ।

आसफ (آصف) अ पु –हज़रत सुलेमान का वज़ीर जो बहुत ही बुद्धिमान् और निपुण था ।

आसाँ (آساں) फा वि –'आसान' का लघु, दे आसान ।

आसा (آسا) फा अव्य –समान, तुल्य, वत्, सज्ञा के अत मे आकर अर्थ देता है, जैसे–हवाब आसा, बुलबुले के सदृश ।

आसाइद (آسائده) फा वि –आराम पानेवाला, सुख पानेवाला ।

आसाइश (آسائش) फा स्त्री –सुख, चैन, आराम, सुगमता, सुविधा, सुहूलत, समृद्धि, खुशहाली ।

आसाईद. (آسائیده) फा वि –आराम पाया हुआ, जिसे सुख मिला हो ।

आसाईदनी (آسائیدنی) फा वि –सुख पाने योग्य ।

आसान (آسان) फा वि –सुगम, सरल, सुकर, सहज, सहल ।

आसान पसंद (آسان پسند) फा वि –जो हर काम मे सुविधा चाहता हो, परिश्रम या झझट के काम से घबरानेवाला ।

आसानी (آسانی) फा स्त्री –सुविधा, सुगमता, सरलता, सुकरता, सुहूलत ।

आसानी पसद (آسانی پسند) फा वि –दे 'आसान पसद' ।

आ'साब (اعصاب) अ पु –'असब' का बहु, पट्ठे, स्नायु-समूह ।

आसायश (آسایش) फा स्त्री –दे 'आसाइश', वही शुद्ध है ।

आसार (آثار) अ पु –'असर' का बहु, लक्षण, अलामते, चिह्न, निशानात, दीवाल की चौडाई, पुरानी इमारतो के खडहर ।

आसारुस्सनादीद (آثارالصنادید) अ पु –पूर्वजो की निशानियाँ ।

आसारे कदीम. (آثار قدیمه) अ पु –पुरानी काबिले यादगार इमारतो के अवशेष, भग्नावशेष ।

आसारे क़ियामत (آثارقیامت) अ पु –महाप्रलय के लक्षण, कोई बहुत ही भयानक घटना होने के लक्षण ।

आसाल (آصال) अ. पु –'असील' का बहु, सध्याएँ, शाम के वक्त ।

आसास (آساس) अ पु –'असस्' का बहु, नीवे, बुनियादे ।

आसिफ (عاصف) अ पु –आँधी, झक्कड, लक्ष्य से हटनेवाला बाण, जिस दिन तेज़ आँधी चले, तेज़ उडने वाला शुतुरमुर्ग़ ।

आसिम (عاصم) अ वि –अलग रखनेवाला, बाज़ रखनेवाला; पत्नीव्रत, पाकदामन।

आसिम (آثم) अ वि.–पापी, पातकी, गुनहगार।

आसिम (عاثم) अ वि –देर लगानेवाला, विलब करनेवाला, दीर्घसूत्री।

आसिय (آسیہ) अ स्त्री –फ़िरऔन की स्त्री का नाम।

आसिया (آسیا) फा स्त्री –चक्की, पेषणी, "सुन अयजुनूने-इश्क़ तुझे इसमे क्या मिला–मानिंद आसिया के घुमाया किया मुझे।"

आसियाए आब (آسیاے آب) फा स्त्री –पानी से चलनेवाली चक्की, पनचक्की, जलपेषणी।

आसियाए बाद (آسیاے باد) फा स्त्री –वायु के वेग से चलनेवाली चक्की, पवन चक्की, पवन-पेषणी।

आसिया ज़नः (آسیازنہ) फा पु –चक्की टाँकने की छेनी।

आसियाब (آسیاب) फा स्त्री –पानी की चक्की, जलपेषणी।

आसिल (عاسل) अ वि –शहद जमा करनेवाला, शहद निकालनेवाला, (पु) ज़ोर से चलाया हुआ भाला।

आसी (آسی) अ वि –दु खित, ग़मगीन, वह वैद्य या हकीम जो रास्ते मे दुकान लगाता है, उर्दू के एक सुविख्यात दार्शनिक शायर।

आसी (عاسی) अ वि –बहुत ही बूढा, वृद्धतम।

आसी (عاصی) अ वि –पातकी, पापी, पापाचारी, गुनाहगार।

आसीमः (آسیمہ) फा वि –स्तब्ध, चकित, शशदर, आतुर, उद्विग्न, व्याकुल, परेशान।

आसूदः (آسودہ) फा वि –धनवान्, समृद्ध, ख़ुशहाल, सतुष्ट, मुत्मइन, पेट भरा हुआ, अघाया हुआ।

आसूद: ख़ातिर (آسودہ خاطر) फा अ वि –जिसका मन भर गया हो, परितृप्त।

आसूदः दिल (آسودہ دل) फा वि –जिसे पूर्ण सतोष प्राप्त हो, जिसका मन अघाया हुआ हो।

आसूदः हाल (آسودہ حال) फा अ वि –धन-धान्य से परिपूर्ण।

आसूदगी (آسودگی) फा स्त्री –सतोष, तृप्ति, इत्मीनान, समृद्धि, धन-संपन्नता, ख़ुशहाली, पेट भरा होना।

आसूदनी (آسودنی) फा वि –आसूद होने के क़ाबिल, तृप्त होने योग्य।

आसेब (آسیب) फा पु –प्रेत-बाधा, भूत-प्रेत, जिन-परी, कोई बडा अनिष्ट, ख़त्र. (ख़तरा)।

आसेबज़दः (آسیب زدہ) फा वि –जिस पर जिन या भूत का ख़लल हो, प्रेतबाधा-ग्रस्त, भूताविष्ट।

आसेबे बाद (آسیب باد) फा पु –बगूला, वातचक्र, चक्रवात, वातावर्त्त, बवडर।

आस्तर (آستر) फा पु –दोहरे कपडे मे नीचे वाला कपडा, अस्तर।

आस्ताँ (آستاں) फा पु –चौखट, देहलीज़, ड्योढी, किसी ऋषि का आश्रम या वली की ख़ानकाह।

आस्तानः (آستانہ) फा पु –दे 'आस्ताँ', "नसीब हो न सकी दौलते कदमबोसी–अदब से चूम के हज़्रत का आस्तान चले।"

आस्ताने यार (آستان یار) फा पु –प्रेमिका के मकान की चौखट, प्रेमिका का निवासस्थान।

आस्तीं (آستیں) फा स्त्री –आस्तीन का लघु, दे 'आस्तीन'।

आस्तीन (آستین) फा स्त्री –कुर्ते, अँगरखे या कोट का वह भाग, जो बाँहो को छिपाता है।

आस्माँ (آسماں) फा पु –'आस्मान' का लघु, दे 'आस्मान'।

आस्माँ क़द्र (آسماں قدر) फा अ वि –बहुत ऊँची पदवीवाला, बहुत अधिक प्रतिष्ठित, सर्वोच्च प्रतिष्ठित, उच्चासनासीन।

आस्माँजाह (آسماں جاہ) फा वि –दे 'आस्माँ क़द्र'।

आस्माँ रस (آسماں رس) फा वि –आकाश तक पहुँचनेवाला, गगनस्पर्शी।

आस्माँ रिफ़अत (آسماں رفعت) फा अ वि –दे 'आस्माँ क़द्र'।

आस्माँ शिगाफ़ (آسماں شگاف) फा वि –आकाश को फाड देनेवाला, गगनभेदी।

आस्माँ सैर (آسماں سیر) फा अ वि –आकाश पर उडनेवाला, गगनभ्रमी, गगनचारी, आकाशगामी।

आस्मानः (آسمانہ) फा पु –छत।

आस्मान (آسمان) फा पु –आकाश, गगन, अबर, नभ, व्योम, फलक, चर्ख़।

आहंग (آہنگ) फा पु –सकल्प, निश्चय, इरादा; गान, राग, नग्म, समय, काल, वक्त।

आहंज (آہنج) अ पु –दे 'आहग'।

आह (آہ) फा स्त्री –हृदय से निकलनेवाला आर्तनाद, उच्छ्वास, हाय, अफ्सोस।

आहक (آہک) फा पु –चूना, जला हुआ पत्थर।

आहन (آہن) फा पु –लोह, लौह, अय, लोहा।

आहन गर (آہن گر) फा वि –लोहार, लौहकार, अयस्कार।

आहन रुबा (آهن ربا) फा पु –चुबक पत्थर, मक्नातीस।
आहनीं (آهنیں) फा वि –लोहे का, लोहे का बना हुआ, लोहमय, लोहे जैसा।
आहनीं अज़्म (آهنیں عزم) फा अ वि –लोहे की तरह अटूट निश्चयवाला, वह व्यक्ति जो अपने सकल्प पर अटल रहे।
आहनीं जिगर (آهنیں جگر) फा वि –लोहे जसे कठोर हृदयवाला, निर्दय, दयाशून्य, सगदिल, वीर।
आहनी (آهنی) फा वि –लोहे का, लोहे का बना हुआ।
आहर्मन (آهرمن) फा पु –'अहरमन' पार्सियो का बदी का खुदा।
आहा (آها) फा अव्य –वाह-वाह, साधु-साधु।
आहाद (آحاد) अ पु –'अहद' का बहु, दवाइयाँ।
आहार (آهار) फा पु –लेई, जिससे कागज़ आदि चिपकाते है, खाना, भोजन।
आहिरः (عاهره) अ स्त्री –व्यभिचारिणी, कुलटा, ज़ानिय।
आहिर (عاهر) अ वि –व्यभिचारी, विषयी, ज़ानी।
आहिल (آهل) अ पु –जहाँ किसी के बाल-बच्चे हो।
आहिल (عاهل) अ स्त्री –बे शौहरवाली स्त्री, सम्राट्, महाराज, शहशाह, जिसका कोई स्वामी न हो, जो अपना खुद मालिक हो, खुदमुख्तार।
आहिस्तः (آهسته) फा वि –मद, धीमा, शनै शनै, धीरे-धीरे।
आहिस्तःकार (آهسته‌کار) फा वि –बहुत धीरे-धीरे काम करनेवाला, दीर्घसूत्री।
आहिस्त.खिराम (آهسته‌خرام) फा वि –धीरे-धीरे चलनेवाला, मदगामी, मृदुलगति, शनै गामी।
आहिस्तःरवी (آهسته‌روی) फा स्त्री –धीरे-धीरे चलना।
आहिस्त.रौ (آهسته‌رو) फा वि –धीरे-धीरे चलनेवाला, मदगति, मदगामी।
आहिस्तगी (آهستگی) फा स्त्री –मदता, धीमापन, मृदुलता, मुलायमपन, गभीरता, धैर्य, मलानत, तहम्मुल।
आहू (آهو) फा पु –मृग, हरिण, हिरन, छिद्र, दोष, ऐब।
आहूए रम खुर्दः (آهوے رم خورده) फा पु –भागा हुआ हिरन।
आहूगीर (آهوگیر) फा वि –हिरन पकडनेवाला, व्याध, छिद्रान्वेषी, दोष पकडनेवाला, ऐबची।
आहूचश्म (آهوچشم) फा वि –हिरन-जैसी आँखोवाली सुन्दरी, मृगनयनी, मृगाक्षी, हिरन-जैसी आँखोवाला मनुष्य, मृगनयन।
आहूनिगाह (آهو نگاه) फा वि –दे 'आहूचश्म'।
आहूपरस्ती (آهو پرستی) फा स्त्री –हिरन पकडने या मारने का शौक, मृगया-प्रेम।
आहू बचः (آهو بچه) फा पु –हिरन का बच्चा, मृग-शावक।
आहू बरः (آهو بره) फा पु –दे 'आहू बच'।
आहू शिकार (آهو شکار) फा वि –हिरन का शिकार करने-वाला, व्याध, बहेलिया, बडी-बड़ी आँखोवाली सुन्दरी, जो हिरनो को मुग्ध कर ले।
आहेख्तः (آهیخته) फा वि –लटकाया हुआ, खीचा हुआ।
आहेख्तनी (آهیختنی) फा वि –लटकाने के योग्य, खीचने योग्य, आकर्षणीय।
आहेजीदः (آهیزیده) फा वि.–लटकाया हुआ, खीचा हुआ।
आहे नीम कश (آهِ نیم کش) फा स्त्री –वह आह जो बदनामी के भय से खुलकर न खीची जाय, अर्धोच्छ्वास।
आहे नीम शबी (آهِ نیم شبی) फा स्त्री –वह आह जो आधी रात को जब सब सोते है खीची जाय, विरह की रात मे खीची जानेवाली आह।
आहोज़ारी (آه‌وزاری) फा स्त्री –रोना-धोना, रोना-पीटना, विलाप।
आहोबुका (آه‌وبکا) फा अ. स्त्री –दे 'आहोज़ारी'।

इ

इजाज (انجاز) अ पु –प्रतिज्ञा पूरी करना, प्रतिज्ञापूर्ति, वादा वफा करना, किसी की ज़रूरत पूरी करना।
इंज़ाज (انضاج) अ पु –पकाना, फल को पाल आदि द्वारा पकाना, शरीर की दूषित धातुओ को दवाओ द्वारा पकाकर इस काबिल करना कि वे शरीर से निकाली जा सके, दवाओ द्वारा गाढे माद्दे को पतला और पतले को गाढा करना।
इज़ाम (انظام) अ पु –सजाना, सँवारना, व्यवस्थित, करना क्रम से लगाना, विभूषित करना।
इज़ार (انظار) अ पु –मोहलत देना, छुट्टी देना।
इंज़ार (انذار) अ पु –डराना, त्रास देना, डरना, खौफ़ खाना।
इज़ाल (انزال) अ पु –नीचे उतरना, नीचे उतारना, स्त्री-प्रसग अथवा स्वप्न में वीर्यपात होना।
इंजास (انجاس) अ पु –अपवित्र करना, गदा करना।
इजाह (انجاح) अ पु –इच्छा पूरी करना, हाजतबरारी करना, इच्छा पूरी होना।
इंजाहे मराम (انجاحِ مرام) अ पु –मनोकामना सिद्ध होना, मनोरथपूर्ति, दिली मुराद बर आना।
इजिज़ाब (انجذاب) अ पु –जज़्ब होना, आत्मसात् होना, आकृष्ट होना, खिचना।

इंज़िबात (انضباط) अ पु –दृढ़ता, मज़बूती, नियमबद्धता, वाक़ाइदगी।

इंजिमाद (انجماد) अ पु –जम जाना, जमकर ठोस होना, वस्त. होना।

इंज़िमाम (انضمام) अ पु –जुड़ना, सटना, युक्त होना, मिश्रित होना, मिलना।

इज़ियाग़ (انزیاغ) अ पु –यथार्थ को छोड़कर अनृत (झूठ, मिथ्या) की ओर झुकना।

इंजिला (انجلا) अ पु –चमकना, प्रकाशमान होना, घर या देश से निकलना, वादल का छँटना, दुःख का दूर होना।

इंजिलाव (انجذاب) अ पु –आकृष्ट होना, खिचना।

इंज़िवा (انزوا) अ पु –एकान्तवासी होना, गोश नशीनी करना, एकान्त, गोश, तनहाई।

इंज़िहाक़ (انزھاق) अ पु –नष्ट होना, वरवाद होना, मर जाना, हलाक होना।

इंजीर (انجیر) अ पु –एक प्रसिद्ध फल, अजीर। (यह उच्चारण अशुद्ध है।)

इंजील (انجیل) अ स्त्री –ईसाइयो की मुख्य धार्मिक पुस्तक, वाइविल।

इंतिआश (انتعاش) अ पु –ऊपर उठना, वलद होना, समृद्ध होना, खुशहाल होना।

इंतिक़ा (انتقا) अ पु –चुनना, वीनना, स्वीकार करना, क़बूल करना।

इंतिक़ाअ (انتقاع) अ पुं –मुँह फेर लेना, पराङमुख होना।

इंतिक़ाज़ (انتقاض) अ पु –प्रतिज्ञा आदि भग करना।

इंतिक़ाद (انتقاد) अ पुं –नक़्द लेना; भुस मे से अनाज के दाने अलग करना, जाँचना, परखना, आलोचना करना, तनक़ीद करना; आलोचना, तनक़ीद।

इंतिक़ाफ़ (انتقاف) अ पु –किसी वस्तु का घृणास्पद होना।

इंतिक़ाम (انتقام) अ पुं –दुश्मनी चुकाना, वैरशुद्धि, वदी का वदला लेना, प्रत्यपकार।

इंतिक़ामानः (انتقامانہ) अ फा वि –इतिकाम से भरा हुआ, इतिकाम का ध्यान रखते हुए, शत्रुतापूर्ण।

इंतिक़ाल (انتقال) अ पु –एक स्थान से दूसरे स्थान को जाना; मरना, मृत्यु, एक से दूसरे को पहुँचना।

इंतिक़ाले अराज़ी (انتقال اراضی) अ पु –ज़मीन का एक के पास से दूसरे की मिलकियत में चला जाना।

इंतिक़ाले ज़िह्नी (انتقال ذہنی) अ पुं –खयाल का एक ओर से दूसरी ओर जाना, कुछ सोचते हुए कुछ सोचने लगना।

इंतिक़ाश (انتقاش) अ पु –साकार होना; काँटा निकालना, मोचने से वाल उखेड़ना।

इंतिकास (انتکاس) अ पुं –उलटा होना, औंधा होना, उलटा, औंधा, अधोमुख।

इंतिकास (انتکاث) अ पु –वादा पूरा न करना, प्रतिज्ञा भंग करना।

इंतिक़ास (انتقاص) अ पु –कम करना, कम होना।

इंतिख़ाव (انتخاب) अ पु –वहुतो में से थोड़ा-सा छाँट लेना, चुनना, वीनना, चुनाव, निर्वाचन, एलेक्शन, खतियौनी के किसी कागज की वाज़ाब्ता नक़ल।

इंतिख़ावे जुदागान. (انتخاب جداگانہ) अ फा पु –ऐसा चुनाव जो साम्प्रदायिक आधार पर हो, अर्थात् जिसमे मुसलमान मुसलमानो को, हिन्दू हिन्दुओ को, ईसाई ईसाइयो को वोट दे, पृथक् निर्वाचन।

इंतख़ावे मख़्लूत (انتخاب مخلوط) अ पु –वह चुनाव जिसमे सव मिलकर वोट दे, सयुक्त निर्वाचन।

इंतिजा (انتجا) अ पु –किसी को अपना भेदी वनाना।

इंतिज़ाअ (انتزاع) अ पु –उखडना, अस्त-व्यस्त होना, इन्क़िलाव होना, विप्लव होना।

इंतिज़ाए सल्तनत (انتزاع سلطنت) अ पु –राज्य का उथल-पुथल होना, मुल्क मे इन्क़िलाव आना, राज्यक्राति।

इंतिजाव (انتجاب) अ पु –प्रतिष्ठित होना, सम्मानित होना, श्रेष्ठ होना।

इंतिज़ाम (انتظام) अ पु –काम का दुरुस्त होना, काम का दुरुस्त करना, प्रवध करना, वदोवस्त करना, प्रवध, वदोवस्त।

इंतिज़ार (انتظار) अ पु –राह देखना, प्रतीक्षा करना, आस लगाना, सहारा देखना; प्रतीक्षा।

इंतिताह (انتطاح) अ पु –गाय-भैस आदि का किसी को सीग मारना।

इंतिदाव (انتداب) अ पु –किसी काम के लिए वुलाना, अपना प्रतिनिधि वनाना, प्रतिनिधित्व, नियावत।

इंतिफ़ा (انتفا) अ पु –नष्ट करना, नष्ट होना।

इंतिफ़ा (انطفا) अ पु –आग का वुझना, चिराग़ का गुल होना।

इंतिफ़ाअ (انتفاع) अ पु –लाभ उठाना, नफ़ा हासिल करना।

इंतिफ़ाख़ (انتفاخ) अ पु –पेट फूलना, अफार होना, किसी चीज़ मे हवा भरना, आनाह, आध्मान।

इंतिफ़ाश (انتفاش) अ पु –मवेशियो को रात मे चरागाह मे छोड देना विना रखवाले के।

इंतिवाअ (انطباع) अ पु –छपना, मुद्रित होना, कोई

चित्र या लेख दूसरी चीज़ पर ज्यो का त्यो उतरना, यथावत् अवतरण, यथानुरूप चित्रण।

इंतिबाक़ (انطباق) अ पु –एक दूसरे मे मिलना, जुडना, घटित होना, मुताबिक़ होना।

इतिबाश (انتباش) अ पु –नगा करना, कपडे उतारना, क़ब्र मे से मुर्दे का कफन उतार लेना, कफन चुराना।

इतिबाह (انتباه) अ पु –चेतावनी देना, तवीह करना, चेतावनी, तवीह।

इतिमा (انتما) अ पु –किसी से सम्बन्धित होना, विकसित होना, (प्रत्य) अधिक या विकसित करनेवाला जैसे 'सआदत इतिमा' सआदत वढानेवाला, 'लुत्फ-इतिमा' आनन्दवर्धक।

इतिमास (انطماس) अ पु –लुप्त होना, गायव होना।

इतियाअ (انتياع) अ पु –समस्या का हल होना, वहना, प्रवाहित होना।

इतिलाक़ (انطلاق) अ पु –जाना, गमन करना।

इतिवा (انطوا) अ पु –लिपटा हुआ होना।

इतिशार (انتشار) अ पु –तितर-वितर होना, अस्त-व्यस्त होना, अस्त-व्यस्तता, गडवड, घवराहट, परेशानी, वेचैनी, लिंगेंद्रिय का खडा होना।

इतिसाक (انتساق) अ पु –व्यवस्था ठीक करना, प्रवध दुरुस्त करना, क्रमवद्ध करना, तर्तीव देना, शैली, ढग, तरीका, प्रवध, इतिज़ाम।

इतिसाख़ (انتساخ) अ पु –किसी लेख आदि की नकल लेना।

इतिसाफ (انتصاف) अ पु –न्याय पाना, न्याय के अनुसार काम होना, आधा-आधा होना, आधा पाना।

इतिसाब (انتساب) अ पु –किसी वस्तु को किसी से सवधित करना, किसी पुस्तक आदि को किसी के नाम समर्पित करना, डेडीकेशन, समर्पण।

इतिसाब (انتصاب) अ पु –होना, उठ खडा होना, वरपा होना।

इतिसाम (انتسام) अ पु –सुगधित पदार्थ सूँघना, सुगध लेना, खुशवू सूँघना।

इतिसाल (انتسال) अ पु –वश का आगे चलना, लडका उत्पन्न होना, वशवृद्धि।

इतिसाह (انتصاح) अ पु –हित की वात सुनना, नसीहत मानना।

इतिहा (انتہا) अ स्त्री–पराकाष्ठा, आखिरी हद, छोर, सिरा, अत्यधिक, वहुत ज़ियादा, चरम सीमा।

इतिहाई (انتہائی) अ वि –अत्यधिक, वहुत, आखिरी हदवाला, अन्तवाला।

इतिहाज़ (انتہاز) अ पु –फुर्सत पाना, अवसर प्राप्त होना, काबू पाना, वस मे लाना।

इतिहाज़ (انتہاص) अ पु –कूच करना, प्रस्थान करना, कूच, प्रस्थान, उठना, खडा होना।

इंतिहापसंद (انتہاپسند) अ फा वि –हर काम को उसकी अन्तिम सीमा मे पसद करनेवाला, क्रान्ति और हिंसा द्वारा देश मे इन्किलाव लाने का सिद्धान्त माननेवाला।

इतिहापसदी (انتہاپسندی) अ फा स्त्री –क्रान्ति द्वारा देश मे इन्किलाव लाने का सिद्धान्त मानना, हर काम को उसकी अतिम सीमा मे पसद करना।

इतिहाव (انتہاب) अ पु –डाके आदि में लुट जाना, वरवाद हो जाना, गारत करना, लूटना।

इतिहार (انتہار) अ पु –हाँपना, हाँफना।

इतिहाल (انتحال) अ पु –किसी दूसरे की कविता या लेख को अपना वताना।

इंदज़्ज़ुरूरत (عندالضرورت) अ वि –आवश्यकता पडने पर, जव ज़रूरत हो तव।

इदत्तलव (عندالطلب) अ वि –माँगने के समय, जव माँगा जाय तव, एक प्रकार का ऋणपत्र जिसमें जिस समय माँगा जाय उसी समय रुपया देना ज़रूरी है।

इदत्तहकीक़ (عندالتحقيق) अ वि –जाँच के समय, जाँच के अनुसार।

इदन्नास (عندالناس) अ वि –आम जनता की राय मे, सर्वसाधारण के नज़दीक।

इदल्लाह (عندالله) अ वि –ईश्वर के नज़दीक, खुदा के यहाँ।

इदल्हाजत (عندالحاجت) अ वि –दे 'इदज्जुरुरत'।

इदार (اندار) अ पु –डालना।

इदिकाक़ (اندقاق) अ पु –कूटा जाना, कुटना।

इंदिफाअ (اندفاع) अ पु –दूर होना, दफा होना, निराकरण होना।

इदिवाग़ (اندباغ) अ पु –चमडा पकाना और रँगना।

इदिमाज (اندماج) अ पु –घुमना, निकलना, किसी जगह मज़वूती से खडा होना।

इदिमाल (اندمال) अ पु –घाव का भरना, क्षतपूर्ति।

इदिय (عنديه) अ पु –अभिप्राय, उद्देग, मकसद, विचार, खयाल।

इदिराअ (اندراع) अ पु –सामने आना, घटना का उपस्थित होना।

इदिराज (اندراج) अ पु –दर्ज होना, लिखा जाना, रजिस्टर आदि में लिखा जाना।

इदिरास (اندراس) अ पु –जीर्ण होना, पुराना होना, जीर्णता, पुरानापन, नष्ट होना।

इंदिलाअ (اندلاع) अ पुं–तोंद निकल आना, पेट बढ़ जाना।
इंदिलाक़ (اندلاق) अ पुं–उगल पड़ना।
इंदिलास (اندلاص) अ पुं.–गिर पड़ना।
इंदिसास (اندساس) अ पु–छुपना, छिपना, गुप्त होना, मिट्टी मे छिपना।
इंबा (انبا) अ पुं–सूचना देना, खबर देना।
इंबात (انبات) अ पु.–उगना, जमना; उगाना।
इंबार (انبار) अ पु–राशि, ढेर, गल्ला (अनाज) जमा करने का स्थान (अंबार)।
इंबाह (انباہ) अ पुं.–जगाना, वेदार करना, सोते से उठाना।
इंबिआस (انبعاث) अ पु–उत्थान, उठना, उत्तेजित होना, तेज़ होना।
इंबिग़ा (انبغا) अ. पुं–पात्र होना, मुस्तहक होना, इच्छित होना, अभिलषित।
इंबिसात (انبساط) अ पु–खुलना, नगुफ्त होना, आनंद, हर्ष, खुशी, गुस्ताख़ी, धृष्टता।
इंबिसास (انبثاث) अ पुं–तितर-बितर होना, मुतशिर होना।
इंशा (انشا) अ. स्त्री–लेख लिखना, लिखना, तहरीर करना; साहित्य, अदब; उत्पन्न करना; आरंभ करना।
इंशा अल्लाह (انشا الله) अ फा स्त्री–दे 'इन्शा अल्लाह'।
इंशाद (انشاد) अ पु–कविता सुनाना, शेर पढ़ना।
इंशा पर्दाज़ (انشا پرداز) अ. फा वि.–गद्य-लेखक, निबंधकार, नस्रनिगार; साहित्यकार, अदीब।
इंशा पर्दाज़ी (انشا پردازی) अ फा स्त्री–मज्मून निगारी, निबंध-रचना।
इंशिक़ाक़ (انشقاق) अ पु–फट जाना, तड़कना, शक़ होना, दरकना।
इंशिराह (انشراح) अ पुं–हृदय का खुल जाना, दिल का कुशाद हो जाना, चित्त की प्रसन्नता, मसर्रत।
इंशिराहे क़ल्ब (انشراح قلب) अ पुं–हृदय का इस प्रकार विकसित हो जाना कि सारी परोक्ष बाते ज्ञात हो जायँ, दिव्य दृष्टि प्राप्त हो जाना, दबी ज्ञान प्राप्त होना।
इंस (انس) अ. पुं–लोग, मनुष्यवर्ग, यह शब्द बहुवचन के अर्थ में आता है, परन्तु इसका एकवचन नहीं है।
इंसा (انسا) अ पु.–भुला देना।
इंसाक़ (انساق) अ पु.–नियम और दस्तूर बनाना, किसी चीज़ को क़ायदे के अंदर लाना।
इंसान (انسان) अ पु.–मनुष्य, आदमी, मानव जाति, नौए इंसानी, सभ्य, शिष्ट, मुहज़्ज़ब; सज्जन, भलामानस, शरीफ।
इंसानी (انسانی) अ. वि–मानवीय, आदमी का; मनुष्य जैसा, आदमी की तरह का।
इंसानीयत (انسانیت) अ. स्त्री–मानवता, आदमियत, सभ्यता, शिष्टता, तमीज़दारी।
इंसानेऐन (انسان عین) अ पुं–आँख की पुतली, कनीनिका।
इंसाफ़ (انصاف) अ पु.–न्याय, नीति, अद्ल।
इंसाफ़न (انصافاً) अ वि–इंसाफ से, न्यायत, न्याय के अनुसार।
इंसाफ़ पसंद (انصاف پسند) अ फा वि–न्याय की बात कहनेवाला, न्यायप्रिय, पक्षपात न करनेवाला।
इंसाफ़ पसंदी (انصاف پسندی) अ फा स्त्री–न्यायप्रियता, न्याय की बात पसंद करना, पक्षपात न करना।
इंसिकाब (انسکاب) अ पु–पानी गिरना, बहुत रोना।
इंसिदाअ (انصداع) अ पु–फटना, बीच मे दर्ज हो जाना।
इंसिदाद (انسداد) अ पु–बंद होना, रुक जाना, निवारण, खातिमा।
इंसिदादेजुर्म (انسداد جرم) अ पु–जुर्मों का रुक जाना, चोरियाँ डकैतियाँ आदि न होना।
इंसिबाग़ (انصباغ) अ पु.–रंग चढ़ना, रंगीन होना, रँगा जाना।
इंसिबाब (انصباب) अ पुं–पानी या किसी पतली चीज़ का रसना या टपकना।
इंसियाक़ (انسیاق) अ पु–बहना, प्रवाहित होना, रवाँ होना।
इंसिराफ़ (انصراف) अ. पुं–फिरना, लौट आना।
इंसिराम (انصرام) अ पु–कटना, कटकर अलग होना, समाप्त होना, पूरा होना, प्रबंध, व्यवस्था, इंतिज़ाम।
इंसिलाक (انسلاک) अ पुं–एक चीज़ का दूसरी चीज़ मे प्रवेश करना, घुसना।
इंसिलाब (انسلاب) अ पुं–नष्ट होना, जाए जाना, खो जाना, गुम होना।
इंसिहाक़ (انسحاق) अ पु–घिसा जाना।
इंसी (انسی) अ पु–मनुष्य, आदमी, सीधी ओर, दाहिनी तरफ़, शरीर का भीतरी अवयव।
इआद. (اعادہ) अ पु–लौटकर आना, वापस आना, कही हुई बात को फिर से कहना, पुनरावृत्ति, दुहराना।
इआदत (عیادت) अ स्त्री–दे 'एयादत'।
इआनत (اعانت) अ स्त्री–सहायता, मदद, सहयोग, तआवुन।
इआनते मुजि्रमानः (اعانت مجرمانہ) अ स्त्री–किसी अवैध कार्य में सहायता, किसी काम मे ऐसी मदद जो जुर्म हो।

इआर (عيار) अ पु –कसौटी का कस, बानगी, चाशनी, सोना तौलने का काँटा।

इक़ाब (عقاب) अ पु –यातना, कष्ट, दुख, तकलीफ़, पाप कष्ट, अज़ाब।

इकाफ़ (اكاف) अ पु –घोड़े या गधे का पलान, (शिश्न)।

इक़ामत (اقامت) अ स्त्री –किसी स्थान पर ठहरना, रहना, बसना, कायम करना, नमाज़ के लिए तक्बीर।

इक़ामत पज़ीर (اقامت پذیر) अ फा वि –जो कही ठहरा हुआ हो, जो कही रह रहा हो।

इक़ाल (اقاله) अ पु –बेची हुई चीज़ को आपस की रज़ामदी से वापस ले लेना, किसी काम का विचार छोड देना।

इक़ालत (اقالت) अ स्त्री –दे 'इकाल'।

इक़ित (اقط) अ पु –दे 'इक्त'।

इक्त (اقط) अ पु –पनीर, शुष्क दही जिसमें नमक मिलाया गया हो, दे 'इकित'। दोनो शुद्ध है।

इक़आ (اقعا) अ पु –मनुष्य का चूतडो के बल बैठना, जिसमे दोनो पिंडलियाँ खडी रहे।

इक्तिज़ा (اقتضا) अ पु –इच्छा, आकाक्षा, चाह, ख्वाहिश, समय की माँग, वक्त की ज़रूरत।

इक्तिज़ाज़ (اقتضاض) अ पु –कुँआरी स्त्री के साथ सभोग।

इक्तिज़ाब (اقتضاب) अ पु –काटना, टुकड़े करना।

इक्तिताफ़ (اقتطاف) अ पु –मेवा चुनना, फल बीनना, फल पाना, सत्र पाना।

इक्तिताब (اكتتاب) अ पु –किताब आदि में लिखना, चदे की फेहरिस्त खोलना।

इक्तिताम (اكتتام) अ पु –छुपाना, गोपन, गुप्ति, पोशीदगी, बालो में खिज़ाब लगाना।

इक्तिदार (اقتدار) अ पु –सत्ता, प्रभुत्व, ताकत, हुकूमत, राज, शासन, आतक, रोबदाब, सम्मान, इज़्ज़त।

इक्तिदारे आ'ला (اقتدار اعلی) अ पु –राज्य के सर्वोच्च पदाधिकारियो की मडली, हाई कमाड।

इक्तिदा (اقتدا) अ पु –अनुकरण करना, पैरवी करना, अनुकरण, तक्लीद, इमाम के पीछे नमाज़ पढना।

इक्तिना (اقتنا) अ पु –किसी काम और व्यवसाय के लिए पूंजी इकट्ठी करना।

इक़्तिनाअ (اقتناع) अ पु –निस्पृह रहना, जो कुछ मिल जाय उसी पर गुज़र करना, क़नाअत करना।

इक्तिनाफ़ (اكتناف) अ पु –किसी की शरण लेना, पनाह में आना।

इक्तिनास (اقتناص) अ पु –शिकार करना, व्यवसाय करना, जीविका कमाना।

इक्तिनाह (اكتناه) अ पु –बात की तह-तक पहुँचना।

इक्तिफ़ा (اكتفا) अ पु –पर्याप्त होना, काफी होना।

इक्तिफ़ा (اقتفا) अ पु –अनुकरण, पैरवी।

इक्तिफ़ाल (اقتفال) अ पु –कुफ्ल (ताला) में बद होना, मुकफ्फल होना।

इक्तिबास (اقتباس) अ पु –जल उठना, आग पकड लेना, रौशन होना, प्रकाशमान होना, किसी पुस्तक, लेख या काव्य-सग्रह में से आवश्यकतानुसार इबारत (वाक्य) या अश्आर अपनी किताब मे देना, उद्धरण।

इक्तिमान (اكتمان) अ पु –छुपना, छिपकर बैठना, छिपकर घात मे बैठना, छिपाना।

इक्तियाब (اكتئاب) अ पु –दुखी होना, गमगीन होना।

इक्तियास (اقتياس) अ पु –अनुकरण करना, पैरवी करना, अनुमान करना, कियास करना।

इक्तिराज़ (اقتراض) अ पु –उधार लेना, क़र्ज़ लेना।

इक्तिरान (اقتران) अ पु –समीप होना, निकट होना, पास-पास होना।

इक़्तिराब (اقتراب) अ पु –समीप होना, करीब होना, पास आना, समीपता, नज़दीकी।

इक़्तिराह (اقتراح) अ पु –पूछना, जिज्ञासा करना, प्रश्न करना, सवाल करना, इच्छा करना, चाहना।

इक्तिवा (اكتوا) अ पु –बीमारी मे किसी अग को दागना, दाग देना।

इक्तिशाफ़ (اكتشاف) अ पु –प्रकट होना, खुलना, ज़ाहिर होना।

इक्तिसा (اكتسا) अ पु –कपडे पहनना।

इक़्तिसाद (اقتصاد) अ पु –बीच की राह चलना, किफायतशिआरी करना, अर्थ, रुपया।

इक्तिसादी (اقتصادی) अ वि –आर्थिक, माली, रुपये-पैसे से सम्बन्धित।

इक्तिसादीयात (اقتصادیات) अ स्त्री –अर्थव्यवस्था, आर्थिक समस्याएँ, माली मसाइल, अर्थशास्त्र, अर्थ-विज्ञान, एकोनोमिक्स।

इक्तिसाब (اكتساب) अ पु –उपार्जन, कमाना, स्वय अपने प्रयत्न से प्राप्त करना।

इक्तिसाबे इल्म (اكتساب علم) अ पु –विद्योपार्जन, ज्ञान प्राप्त करना, इल्म हासिल करना।

इक्तिसाबे ज़र (اكتساب زر) अ फा पु –धनोपार्जन, रुपया कमाना।

इक्तिसाबे फन (اکتساب فن) अ पु –कोई शिल्प या हुनर प्राप्त करना, फन सीखना।

इक्तिसाबे माल (اکتساب مال) अ. पु –दे 'इक्तिसाबे ज़र'।

इक़्तिसाम (اقتسام) अ पु –बाँटना, तक्सीम करना।

इक़्तिसार (اقتسار) अ पु –ज़बर्दस्ती किसी से कोई काम लेना, ज़बर्दस्ती।

इक़्तिसार (اقتصار) अ पु –कम करना, छोटा करना, एक चीज़ पर खड़ा होना, ऐसी इबारत लिखना जिसमे शब्द बहुत हो और अर्थ कम हो।

इक़्तिसास (اقتصاص) अ पु –खून का बदला लेना, प्रतिहिंसा करना।

इक़्तिहाम (اقتحام) अ पु –इख्तियार करना, धारण करना, किसी चीज़ मे घुसना, अत्याचार करना, अपमानित करना, ज़लील करना।

इक्तिहाल (اکتحال) अ पु –आँखो को अजनसार करना, सुरमा लगाना।

इक़्दाम (اقدام) अ पु –किसी काम करने के इरादे से आगे बढना, पेशकदमी करना, अग्रसरता, पेशकदमी।

इक़्दामे क़त्ल (اقدام قتل) अ पु –मार डालने के लिए आगे बढना, कत्ल के लिए तैयारी करना।

इक़्दाह (اقداح) अ पु –ऐब करना, बुराई करना, निन्दा करना, निंदा, बदगोई।

इक्दिश (اکدش) तु पु –प्रिया, प्रेयसी, महबूब; वह व्यक्ति जिसकी माँ हिन्दुस्तानी और बाप तुर्की हो, वह घोडा जिसकी माँ तुर्की और बाप अरबी हो।

इक़्ना (اقنا) अ पु –किसी व्यवसाय मे पूँजी लगाना, व्यवसाय करना, धन कमाना।

इक़्रान (اقران) अ पु –समीप आना, पास पहुँचना, पास-पास होना।

इक्राम (اکرام) अ पु –सम्मान, सत्कार, आव-भगत, प्रतिष्ठा, श्रेष्ठता, बुज़ुर्गी।

इक्फा (اکفا) अ पु –काफिए का एक दोष जिसमे दो ऐसे अक्षरो का काफिया होता है जो उच्चारण में समीपवर्ती होते हे, जैसे 'सबाह' (صباح) और सिपाह (سپاہ) इनमे एक 'बडी हे' है और एक 'छोटी हे'।

इक्फार (اکفار) अ पु –किसी आस्तिक को नास्तिक बताना, काफिर कहना।

इक्बाब (اکباب) अ पु –औंधे मुँह गिरना, मुँह के बल गिरना।

इक़्बाल (اقبال) अ पु –प्रताप, तेज, जलाल, सौभाग्य, खुशकिस्मती, समृद्धि, फरागत, स्वीकृति, इक़्रार (इकरार)।

इक़्बालमंद (اقبال مند) अ फा वि –प्रतापवान्, तेजस्वी, जिसका इक्बाल जोरो पर हो।

इक्बालमंदी (اقبال مندی) अ फा स्त्री –इक़्बाल का जोर, तेज की प्रबलता।

इक्बाली (اقبالی) अ वि –इकरार करनेवाला, इकरारी, जो अपराधी अपने अपराध को स्वीकार करे।

इक़्बालेजुर्म (اقبال جرم) अ. पु –अपराध करने और दोषी होने का इकरार, स्वीकारोक्ति।

इक़्बाह (اقباح) अ पु –किसी वस्तु को बिगाडकर भोंडा कर देना।

इक़्माअ (اقماع) अ पु –तोडना, खड-खड करना।

इक्माल (اکمال) अ पु –पूरा करना, समाप्त करना, खत्म करना।

इक्मास (اقماس) अ पु –गोता लगाना, डुबकी मारना, निमज्जन।

इक़्माह (اقماح) अ. पु –आकाश की ओर इस प्रकार सिर उठाना कि आँखे पृथ्वी की ओर रहे।

इक्राअ (اقراع) अ पु –लाटरी डालना, पाँसा फेकना।

इक्राज़ (اقراض) अ पु –उधार लेना, कर्ज लेना।

इक़्रार (اقرار) अ पु –प्रतिज्ञा, अहद, वचन, वादा, स्वीकृति, इक्बाल, सविदा, ऐग्रीमेंट।

इक्रारनामः (اقرارنامه) अ फा पु –प्रतिज्ञापत्र, अहदनामा, सविदा, ऐग्रीमेट।

इक्रारे सालेह (اقرار صالح) अ पु –वह प्रतिज्ञा जो सच्चे दिल से की गयी हो, पक्का निश्चय, दृढ प्रतिज्ञा।

इक्राश (اقراش) अ पु –निंदा करना, बदगोई करना, निंदा, बुराई।

इक्राह (اکراه) अ पु –घृणा, नफरत, घिन, कराहत।

इक़्लाअ (اقلاع) अ पु –उखेडना, जड से उखेडना, नष्ट करना, बरबाद करना, सफाया करना।

इक्लीद (اقلید) अ स्त्री –'किलीद' का मुअर्रब (अरबीकृत), कुजी, ताली।

इक्लीदिस [दस] (اقلیدس) अ स्त्री –ज्यामिति, रेखागणित, ज्यामेट्री।

इक्लीम (اقلیم) अ स्त्री –महाद्वीप, बर्रेआ'जम, देश, मुल्क, प्रदेश, इलाका।

इक़्लीमिया (اقلیمیا) अ स्त्री –रूपामक्खी, चाँदी का मैल, सोनामक्खी, सोने का मैल।

इक़्लीमियाए ज़हबी (اقلیمیاے ذهبی) अ स्त्री –सोने का मैल, सोनामक्खी।

इक्लीमियाए फ़िज़्ज़ी (اقلیمیاے وصی) अ स्त्री –चाँदी का मैल, रूपामक्खी।
इक्लील (اکلیل) अ पु –मुकुट, ताज, टोपी।
इक्लीलुलमलिक (اکلیل الملک) अ पु –एक वनस्पति, पुरग, अस्परक।
इक्वा (اقوا) अ पु –काफ़िए का एक दोष जिसमे से रवी से पहले के अक्षर की मात्रा एक-सी न हो। जैसे–गुल और दिल का काफिया, इसमे 'ग' पर पेश है और 'द' पर ज़ेर।
इक्सा (اقسا) अ पु –हृदय का कठोर होना, निर्दय होना।
इक्सा (اقصا) अ पु –अलग करना, हटाना, दूर करना; किनारे पहुँचाना।
इक्साब (اقصاب) अ पु –काटना, टुकडे करना।
इक़्साम (اقسام) अ पु –हिस्से करना, शपथ लेना, कसम खाना।
इक्सार (اکثار) अ –बहुत कहना, बहुत करना, बहुत खाना, अधिकता, इफ़्रात (इफरात)।
इक्सास (اقصاص) अ पु –खून के बदले मे जान लेना, हिंसा के बदले हिंसा, प्रतिहिंसा।
इक्सीर (اکسیر) अ स्त्री –रसायन,कीमिया, (वि),अमोघ, अचूक, जैसे दमे के लिए इक्सीर (अकसीर)।
इक्सीरी (اکسیری) अ वि –कीमियागर, रसायन बनानेवाला।
इक्सून (اکسون) फा स्त्री –एक काला रेशमी कपडा।
इख़ाज (اخاذه) अ पु –तडाग, तालाब, जलाशय।
इख़ाज़ (اخاذ) अ पु –लेना, ग्रहण करना, वह तालाब जो जगल में हो, वह ज़मीन जो राजा अपने लिए अलग कर ले।
इख़्तार (اخطار) अ पु –अपने को जान जोखिम मे डालना, खतरे में फँसाना।
इख़्तिज़ाब (اختضاب) अ पु –बालो मे खिज़ाब लगाना।
इख़्तिताफ (اختطاف) अ पु –उचक लेना, उडा लेना।
इख़्तिताम (اختتام) अ पु –समाप्त होना, खत्म होना, अन्त, समाप्ति।
इख़्तिनाक (اختناق) अ पु –गला बद होना, गला घुटना।
इख़्तिनाकुर्रहिम (اختناق الرحم) अ पु –स्त्रियो का मूर्छा रोग, हिस्टीरिया।
इख़्तिफा (اختفا) अ पु –गोपन, छिपाना, पोशीदा करना।
इख़्तिफार(اختفار) अ पु –प्रतिज्ञा भग करना।
इख़्तिबार (اختبار) अ पु –खबर लेना, परीक्षा करना, परीक्षा, इम्तिहान।
इख़्तिमार (اختمار) अ पु –खमीर उठाना, औषधियो आदि को पानी आदि मे भिगोकर रखना ताकि सडकर उनका खमीर उठ आये।
इख़्तियान (اختیان) अ पु –अमानत मे ख़ियानत करना।
इख़्तियार (اختیار) अ पु –अधिकार, हक, सत्ता, हुकूमत, स्वामित्व, मालिकीयत।
इख़्तियारी (اختیاری) अ वि –जो अनिवार्य न हो, जो लाज़िमी न हो।
इख़्तियारे समाअत (اختیار سماعت) अ पु –मुक़दमा सुनने का अधिकार।
इख़्तियाल (اختیال) अ पु –अवज्ञा, नाफर्मानी, उद्दडता, सरकशी, ध्यान रखना, ख़याल करना।
इख़्तिराअ (اختراع) अ पु –ऐसी चीज़ बनाना जो पहले न हो, आविष्कार, ईजाद।
इख़्तिराआत (اختراعات) अ पु –नयी नयी ईजादे, नये नये आविष्कार।
इख़्तिराई (اختراعی) अ वि –ईजाद से सम्बन्धित, मनगढत, फर्ज़ी, कल्पित।
इख़्तिराक़ (اختراق) अ पु –फटना, विदीर्ण होना, फाडना, विदीर्ण करना।
इख़्तिलाज (اختلاج) अ पु –दिल की धडकन, हौलदिल।
इख़्तिलाजे क़ल्ब(اختلاج قلب) अ पु –दिल की धडकन, हृत्कम्प।
इख़्तिलात (اختلاط) अ पुं –मैत्री, दोस्ती, प्रेम-व्यवहार, मेल-जोल; चुबनालिगन, चूमाचाटी।
इख़्तिलाफ (اختلاف) अ पु –मतभेद, राय का इख़्तिलाफ, वैमनस्य, रजिश, फूट, नाइत्तिफाकी, भिन्नता, अलग-अलग होना।
इख़्तिलाल (اختلال) अ पु –विघ्न, विकार, खलल, कुव्यवस्था, अस्त-व्यस्तता, गडबडी।
इख़्तिलाले दिमाग (اختلال دماغ) अ पु –दे 'इख़्तिलाले हवास'।
इख़्तिलाले हवास (اختلال حواس) अ पु –बुद्धि-विकार, मतिभ्रम, पागलपन, बुद्धि-विक्षेप।
इख़्तिलास (اختلاس) अ पु –उचक ले जाना।
इख़्तिसाम (اختصام) अ पु –शत्रुता करना, दुश्मन होना।
इख़्तिसार (اختصار) अ पु –सक्षिप्त करना, कम करना, सक्षेप, कमी, बडे मज़्मून को काट-छाँटकर छोटा करना।
इख़्तिसास (اختصاص) अ पु –विशेषता, मुख्यता, ख़ुसूसियत।
इख़्दाम (اخدام) अ पु –सेवा करना, ख़िद्मत करना।
इख़्फा (اخفا) अ पु –छिपाना, प्रकट न करना।

इख़्फ़ाए जुर्म (اخفائے جرم) अ पु—अपराध करके उसे छिपाना, जुर्म ज़ाहिर न करना।

इख़्फ़ाए राज़ (اخفاے راز) अ फा पु—भेद छिपाना।

इख़्फ़ाए वारिदात (اخفاے واردات) अ पु—दे. 'इख़्फ़ाए जुर्म'।

इख़्फ़ाफ़ (اخفاف) अ. पु—दूसरो की दृष्टि मे हलका होना, खफीफ होना।

इख़्बार (اخبار) अ पु—खवर देना, सूचना देना, जासूसी करना, भेद वताना।

इख़्मार (اخمار) अ पु—आग वुझाना।

इख़राज (اخراج) अ पु—खारिज करना, निकाल देना, वहिष्कार, खर्च, व्यय।

इख़राजात (اخراجات) अ पु—व्यय, खर्च।

इख़राब (اخراب) अ पु—वीरान करना, सुनसान करना, निर्जन करना, नष्ट करना, मिटाना, खराव करना।

इख़्लाक़ (اخلاق) अ पु—पुराना करना, पुराना होना, पुरानापन।

इख़्लास (اخلاص) अ पु—निश्छलता, निष्कपटता, ख़ुलूस, सच्चा और निष्कपट प्रेम।

इख़्लासमंद (اخلاص مند) अ फा वि—सच्चा और स्वार्थहीन मित्र, खालिस प्रेमी।

इख़्लासमदी (اخلاص مندی) अ फा स्त्री—नि स्वार्थ मित्रता, सच्चा प्रेम।

इख़्वान (اخوان) अ पु—'अख़' का वहु, भाई-वधु, वधुवर्ग।

इख़्वानुश्शयातीन (اخوان الشیاطین) अ पु—शैतानो के भाई-वधु, खल और धूर्त लोग।

इख़्वानुस्सफा (اخوان الصفا) अ पु—सज्जन लोग, भलेमानस।

इख़्सा (اخصا) अ पु—अडकोष निकालना, खस्सी करना।

इग़ारत (اغارت) अ स्त्री—लूटना, गारत करना, दौड़ना, भागना, पीछे दौडना, तआकुव करना।

इग़ासत (اغاثت) अ स्त्री.—किसी दुखी की फर्याद सुनना, किसी अन्याय का न्याय करना।

इग़ज़ा (اغرا) अ पु—किसी को लडाई पर उकसाना, किसीको वरग़लाना, वहकाना।

इग़ज़ा (اغضا) अ पु—चश्मपोशी करना, किसी की गलती पर नोटिस न लेना, ध्यान न देना।

इग़ज़ाल (اغزال) अ पु—चर्खा कातना, सूत कातना।

इग़्तिज़ाब (اغتضاب) अ पु—किसी को गुस्से मे लाना, गुस्सा दिलाना।

इग़्तिज़ाल (اغتزال) अ पु—सूत कातना।

इग़्तिफ़ार (اغتفار) अ पु—मोक्ष, मुक्ति, मग्फिरत।

इग़्तिमास (اغتماس) अ पु—डुवकी लगाना, गोता मारना, निमज्जन।

इग़्तियाव (اغتیاب) अ पुं—गीवत करना, पीठ पीछे वुराई करना, पिशुनता, चुगुलखोरी।

इग़्तिराव (اغتراب) अ पु—परदेसी होना, मुसाफिर होना, अपने कुल से अलग स्त्री से व्याह करना।

इग़्तिराफ (اغتراف) अ पु—ओक से पानी आदि पीना, चुल्लू वनाना।

इग़्तिशाश (اغتشاش) अ पुं—हलचल, आदोलन।

इग़्तिसाव (اغتصاب) अ पु—किसी का माल गायव करना, ज़वरदस्ती छीन लेना, गस्व, अपहरण, मोषण।

इग़्तिसाल (اغتسال) अ पु—स्नान करना, नहाना, शुद्ध-करना, धोना, स्नान, गुसल।

इग़ना (اغنا) अ पु—मालदार वनाना, समृद्धिशाली करना, नि स्पृह करना, वेनियाज वनाना।

इग़नान (اغنان) अ पु—मक्खी आदि का भिनभिनाना।

इग़्मा (اغما) अ पु—वेहोश करना, अचेत कर देना, वेहोशी, सज्ञाहीनता।

इग़्माज़ (اغماض) अ पु—किसी का कुसूर देखते हुए टाल जाना, चश्मपोशी करना, दर गुज़र, चश्मपोशी।

इग़्माज़ (اغماز) अ पु—निंदा, तिरस्कार, वेहुर्मती, पिशुनता, चुगली।

इग़्माम (اغمام) अ पु—वादल घिरकर आना, घटा छाना।

इग़रा (اغرا) अ पु—उत्तेजित करना, भडकाना, उभारना, वहकाना, वरगलाना।

इग़राक़ (اغراق) अ पु—वात वहुत वढा-चढाकर कहना, अतिशयोक्ति, मुवालगा, ऐसी वात जिसका होना वुद्धि के अनुसार सभव हो, पर कभी हुई न हो, डुवाना, ग़र्क करना, कमान ज़ोर से खीचना।

इग़राज़ (اغراض) अ पु—सताना, दु खी करना, उत्पीडित करना।

इग़राव (اغراب) अ पु—अनोखी चीज़ लाना, नयी वात करना, परदेशी होना, मुसाफिर होना, पानी से मश्के भरना।

इग़राम (اغرام) अ पु—मार डालना, लालच करना, तावान लेना, हर्जाना वसूल करना।

इग़ला (اغلا) अ पु—भाव वढाना, मँहगा खरीदना।

इग़लाक़ (اغلاق) अ पु—दरवाज़ा वद करना, मुश्किल वनाना, कठिन, मुश्किल।

इग़लात (اغلاط) अ पु —गलती करना, अशुद्धि करना, अशुद्धि, त्रुटि, गलती।

इग़लाम (اغلام) अ पु —गुदमैथुन करना, गुदमैथुन, पुमैथुन, वालमैथुन, वच्च बाज़ी।

इग़लाल (اغلال) अ पु —अमानत मे खियानत करना, द्वेप रखना, खियानत, द्वेष, कीना।

इग़वा (اغوا) अ पु —वहकाना, वरगलाना, वहकाकर भगा ले जाना, विशेषत स्त्री को।

इग़शा (اغشا) अ पु —पर्दा डालना, आड करना, अधा करना, आँखें फोडना।

इग़सा (اغسا) अ पु —रात का नियत अँधियारा होना।

इज़ा (ازا) अ पु —आमना-सामना, मुकावला, समान, वरावर।

इज़ा (اذا) अ अव्य —जव, जिस समय, आकस्मिक, अचानक।

इज़ाअत (اضاعت) अ. स्त्री —नष्ट करना, वरवाद करना, नाश, वरवादी।

इज़ाअत (اضائت) अ स्त्री —चमकाना, रौशन करना, सुशोभित करना, खुशनुमा करना, खुशनुमाई।

इजाज़त (اجازت) अ स्त्री —अनुमति, आज्ञा, परवानगी। आदेश, निर्देश, हुक्म।

इजाज़तनामः (اجازت نامه) अ फा पु —आज्ञापत्र, अनुमति-पत्र, इस वात की लिखित आज्ञा कि अमुक व्यक्ति को अमुक काम करने का हक है।

इज़ाफ़ः (اضافه) अ पु —वृद्धि, वढोतरी, उन्नति, तरक्की।

इज़ाफ़त (اضافت) अ स्त्री —सम्वन्ध, निस्वत, फार्सी शब्दो के नीचे ज़ेर की मात्रा, फार्सी मे छठे कारक का चिह्न।

इजाबत (اجابت) अ स्त्री —स्वीकृति, कुवूलियत, शौच, दस्त, पाखाना।

इज़ाबत (اذابت) अ स्त्री —पिघलाना, पिघलाकर नर्म करना, धातु आदि को पिघलाना।

इजाबते दुआ (اجابت دعا) अ स्त्री —ईश्वर से जो प्रार्थना की जाय उसका स्वीकृत होना, दुआ का कवूल होना।

इज़ाम (عظام) अ स्त्री —'अज़्म' का वहु, हड्डियाँ, (पु) वड़े लोग, प्रतिष्ठित जन।

इजारः (اجاره) अ पु —ठेका, एकाधिकार, ज़ोर, हक, सत्त्व।

इजारःदार (اجاره دار) अ फा वि —ठेकेदार, एकाधिकारी।

इजारःदारी (اجاره داری) अ फा स्त्री —ठेकेदारी।

इज़ार (ازار) फा स्त्री —पाजामा।

इज़ार (عذار) अ पु —गाल, कपोल, रुखसार।

इज़ारवंद (ازاربند) फा पु —कमरवद, नारा, पाजामा वाँधने का फीता आदि।

इजालः (عجاله) अ पु —हर वह चीज़ जो वहुत जल्द लायी गयी हो, शीघ्रता, जल्दी।

इज़ाल (ازاله) अ पु —निवारण, निराकरण, दफीआ, क्षतिपूर्ति, तलाफी।

इज़ालए मरज़ (ازالهٔ مرض) अ पु —रोग-निवारण, वीमारी का चला जाना।

इज़ालए हैसियते उर्फ़ी (ازالهٔ حیثیت عرفی) अ पु —मानहानि, हत्के इज़्ज़त।

इज़ालत (ازالت) अ स्त्री —दे 'इज़ाल'।

इजालत (عجالت) अ स्त्री —दे 'इज़ाल'।

इजालत (اجالت) अ स्त्री —घुमाना, फिराना, चक्कर देना, आग की वनेठी फिराना।

इज़ाहत (ازاحت) अ स्त्री —दूर करना, हटाना।

इज़् (ज़्ज़) (عز) अ स्त्री —इज़्ज़त, सम्मान, सत्कार।

इज़्आज (ازعاج) अ पु —हिलाना, निकालना, उठाना, लालची वनाना, किसी पर पाप लगाना।

इज़्आन (اذعان) अ पु —आज्ञा-पालन, हुक्म मानना।

इज़्आफ़ (اضعاف) अ पु —दूना करना, निर्वल करना।

इज़्कार (اذکار) अ पु —ज़िक्र करना, चर्चा चलाना, किसी के वारे में वातचीत करना।

इज़्ख़र (اذخر) अ पु —एक ओपधि, सिरकडे की जड।

इज्ज़ (عجز) अ पु —नम्रता, विनीति, आजिज़ी, असमर्थता, वेवसी, कमज़ोरी, नाताकती।

इज़्ज़त (عزت) अ स्त्री —सम्मान, आदर, आवभगत, प्रतिष्ठा, मान-मर्यादा, आवरू, सतीत्व, इस्मत, पद, पदवी, दर्जा।

इज़्ज़त तलव (عزت طلب) अ वि —जो हर व्यक्ति से अपनी इज़्ज़त कराना चाहता हो, मानेच्छुक।

इज़्ज़तदार (عزت دار) अ फा वि —प्रतिष्ठित, मुअज़्ज़ज़, कुलीन, शरीफ, सती, वाइस्मत।

इज्ज़ा (اجزا) अ पु —जिज़्या देना, वदला देना (नेकी का), नि स्पृह करना, वेनियाज़ करना।

इज्जास (اجاص) अ पु —आलू वुखारा, एक प्रसिद्ध फल जो दवा के काम आता है।

इज्तिआद (اجتعاد) अ पु —ऊँट का वहुत ज़ोर से वलवलाना।

इज़्तिजाअ (اضطجاع) अ पु —करवट से सोना।

इज्तिना (اجتنا) अ पु —फल वीनना, मेवा चुनना।

इज्तिनाव (اجتناب) अ पु —दूर रहना, घृणा करना, घृणा, उपेक्षा, नफरत।

इज्तिबा (اجتبا) अ. पु –छाँटना, चुनना, पवित्र करना; पसंद की चीजो मे से सबसे अच्छी चीज़ को अलग करना।

इज्तिमाअ (اجتماع) अ पु –सम्मेलन, कान्फरेस, जनसमूह, भीड़, चंद्र और सूर्य का एक राशि मे होना, जिसमे चाँद दिखाई नही पडता और यह समय अशुभ माना जाता है।

इज्तिमाई (اجتماعی) अ वि –सबका मिला-जुला, सामूहिक।

इज्तिमाए ज़िद्दैन (اجتماع ضدین) अ पु –दो परस्पर विरोधी चीज़ो का एक जगह जमा हो जाना, यह असभव है, मिथ्या योग।

इज्तिमाए नकीज़ैन (اجتماع نقیضین) अ पु –दे 'इज्तिमाए ज़िद्दैन'।

इज्तिराब (اضطراب) अ पु –व्याकुलता, बेचैनी, बेताबी; आतुरता, जल्दी, जल्दबाज़ी, व्यग्रता, "यह इज्तिराबे-शौक तो बुलबुल का देखिए–जी चाहता है गोद मे ले ले बहार को।"

इज्तिराम (اضطرام) अ पु –लपटे उठना, शोले बलंद होना।

इज्तिरार (اضطرار) अ पु –आतुरता, जल्दी, बे इख्तियारी।

इज्तिरारी (اضطراری) अ वि –बेइख्तियाराना, आतुरता मे।

इज्तिहाद (اجتہاد) अ पु –प्रयत्न करना, कोशिश करना, रास्ता ढूँढना, जहाँ कुरान और हदीस का आदेश साफ न हो वहाँ अपनी राय से उचित रास्ता निकालना।

इज्दियाद (ازدیاد) अ पु –आधिक्य, बाहुल्य, इफरात, जियादती।

इज्दिराद (ازدراد) अ पु –निगलना, गले के नीचे उतारना।

इज्दिवाज (ازدواج) अ पु –विवाह, निकाह, पाणिग्रहण।

इज्दिहाम (ازدحام) अ पु –भीड, जन-समूह, जमाव।

इज्नाब (اذناب) अ पु –पाप करना, गुनाह करना।

इज्नाब (اجناب) अ पु –स्नान न किये होना, मैथुन के पश्चात् स्नान न करना।

इज़्फार (اظفار) अ पु –विजय प्राप्त करना, जीतना, विजय, फतेह।

इज्बार (اجبار) अ पु –किसी से ज़बरदस्ती कोई काम लेना।

इज्माअ (اجماع) अ पु –किसी एक बात पर बहुमत होना।

इज्माए उम्मत (اجماع امت) अ पु –सारी जनता का बहुमत, मुसलमानो का किसी धार्मिक समस्या मे बहुमत।

इज्माम (اجمام) अ पु –घोड़े को सवारी के लिए सजाना।

इज़्मार (اضمار) अ पु –किसी वाक्य मे नाम के स्थान पर सवनाम का प्रयोग।

इज़्मार कब्ल ज़िक्र (اضمار قبل ذکر) अ पुं –नाम आने से पहले सर्वनाम लाना, यह दोष है।

इज्माल (اجمال) अ पु –सक्षेप, इख्तिसार, किसी लबे वृत्तात मे से मुख्य-मुख्य बाते लेकर उसे बहुत कम कर देना; बात खोलकर न कहना।

इज्मालन (اجمالاً) अ वि –सक्षिप्त रूप मे, मुख्तसर करके।

इज्माली (اجمالی) अ वि –सक्षेप मे, सक्षिप्त, मुख्तसर।

इज़्मील (ازمیل) अ पु –चमडा काटने का यत्र, राँपी।

इज़्मीर (ازمیر) तु पु –तुर्किस्तान का एक प्रसिद्ध नगर, इस्मरना, समरना।

इज़्मेहलाल (اضمحلال) अ पु –शिथिलता, खिन्नता, श्राति, ग्लानि, अपसुर्दगी।

इज़्यूत (عزیوط) अ पु –वह व्यक्ति जिसे मैथुन के समय पाखाना हो जाने का रोग हो।

इज्रा (اجرا) अ पु –सचालन, अनुष्ठान, शुरूआत, जारी करना, भेजना।

इज्राईल (عزرائیل) अ पु –यमराज, धर्मराज, यमदूत, प्राणातक, मौत का फिरिश्ता, मलकुलमौत।

इज्राए कार (اجرائے کار) अ फा पु –किसी कार्य का सूत्रपात (आरम्भ), अनुष्ठान, काम की शुरूआत।

इज़्राब (اضراب) अ पु –अवज्ञा करना, हुक्म न मानना, एक स्थान पर ठहरना, सर झुकाना, नर का मादा पर छोड़ना, तृप्त करना, अघाना, किसी का सदृश न होना, बेमिस्ल होना, अनुपम होना।

इज़्राम (اضرام) अ पु –आग जलाना।

इज़्रार (اضرار) अ पु –हानि पहुँचाना, नुकसान देना, आघात करना, चोट पहुँचाना।

इज्ल (عجل) अ पु –गाय का बच्चा, बछडा।

इज्लत (عجلت) अ स्त्री –शीघ्रता, जल्दी, आतुरता, जल्दबाज़ी (उजलत)।

इज़्लाक (ازلاق) अ पु –फिसलना, फिसलाना।

इज्लाफ (اجلاف) अ पु –अत्याचार करनेवाला, खाली घडा; हर वह वस्तु जो भीतर से खाली हो।

इज़्लाम (اظلام) अ पु –अधकारमय होना, तारीक होना।

इज्लाल (اجلال) अ पु –श्रेष्ठता, उत्तमता, बुज़ुर्गी, वैभव, शानो शौकत।

इज़्लाल (ازلال) अ पु –किसी को डगमगाना।

इज़्लाल (اضلال) अ पु –किसी को कुमार्ग पर चलाना, गुमराह करना।

इज़्लाल (اظلال) अ पु –छाया डालना।

इज्लास (اجلاس) अ पु –बिठाना, बैठालना, न्यायालय मे

हाकिम के बैठने का स्थान, हिंदी मे इजलास प्रचलित, कोर्ट, अदालत।

इज़्हाक (اضحاک) अ पु –छलकना, घास जमना, हँसाना, ऐसी बात कहना जिससे हँसी आये।

इज़्हात (عرهات) अ पु –नपुसक, क्लीब, नामर्द।

इज़्हाफ (احصاف) अ पु –नुकसान करना, कोई वस्तु उडा लेना, पास आना, किसी के काम मे शरीक होना।

इज़्हाब (اذهاب) अ पु –ले जाना, तेज़ करना, रवाँ करना, ऊपर से सोना चढाना, मुलम्मा करना।

इज़्हाम (احصام) अ पु –रोकना, मना करना, मरने के करीब होना, मृतप्राय होना।

इज़्हार (اظہار) अ पु –प्रकट होना या करना, न्यायालय में वादी-प्रतिवादी या साक्षी आदि का बयान।

इज़्हार (ازهار) अ पु –दीपक जलाना, चिराग रौशन करना।

इज़्हार (احهار) अ पु –ज़ोर से बोलना, व्यक्त करना, ज़ाहिर करना।

इज़्हाल (ازهال) अ पु –गाफिल होना, सतर्क न होना, वेखवर होना।

इताअत (اطاعت) अ स्त्री –आज्ञा-पालन, फर्माबिरदारी, सेवा, खिदमत।

इताअत गुज़ार (اطاعت گزار) अ फा वि –आज्ञाकारी, फर्मांविरदार।

इताअतमंद (اطاعت مند) अ फा वि –दे 'इताअत गुज़ार'।

इताअत शिआर (اطاعت شعار) अ वि –दे 'इताअत गुज़ार'।

इताद (عتاد) अ पु –सामान, उपकरण, तैयारी।

इताब (عتاب) अ पु –कोप, क्रोध, गुस्सा, प्रकोप, गज़व, "जाने क्या लिख गया था उन्हें में इताव में, कासिद की लाश आयी है खत के जवाव मे।"

इताबत (اطابت) अ स्त्री –सुगधित करना, शौच मे पानी लेना, शरीर को पवित्र करना, खुश करना, प्रसन्न करना।

इताबनाम· (عتاب نامہ) अ फा पु –वह पत्र जिसमे क्रोध प्रकट किया गया हो, कोप-पत्र।

इतारत (اطارت) अ स्त्री –चिडिया आदि को उडाना।

इतालः (اطالہ) अ पु –दे 'इतालत'।

इतालत (اطالت) अ स्त्री –लवा करना, तवील करना।

इतालत (عطالت) अ स्त्री –निठल्लापन, बेकारी।

इताहत (اطاحت) अ स्त्री –मार डालना, हलाक करना, डालना, भीतर करना।

इत्आम (اطعام) अ पु –खाना खिलाना, भोजन देना।

इत्तिआद (اتعاد) अ पु –वचन देना, वादा करना।

इत्तिआब (اتعاب) अ पु –दु ख मे डालना, मुसीवत मे फाँसना।

इत्तिक़ा (اتقا) अ पु –सयम, इद्रिय-निग्रह, पारसाई।

इत्तिका (اتکا) अ पु –भरोसा करना, सहारा ढूंढना, भरोसा, सहारा।

इत्तिक़ान (اتقان) अ पु –दृढता करना, मज़बूती करना।

इत्तिकार (اتکار) अ पु –घोसला वनाना।

इत्तिकाल (اتکال) अ पु –भरोसा करना, सहारा पकडना।

इत्तिख़ाज़ (اتخاذ) अ पु –ग्रहण करना, लेना।

इत्तिजार (اتجار) अ पु –व्यवसाय करना, व्यापार करना, तिजारती कारोवार करना।

इत्तिज़ाह (اتضاح) अ पु –प्रकाशित होना, रौशन होना।

इत्तिफाक़ (اتفاق) अ पु –सयोग, दैवयोग, अचानकपन, मैत्री, दोस्ती, एकता, इत्तिहाद, सहमति, राय का एक होना।

इत्तिफाक़न (اتفاقاً) अ वि –सहसा, अचानक, अकस्मात् यदृच्छया, दववशात्, अचानक।

इत्तिफाक़ात (اتفاقات) अ पु –आकस्मिक होनेवाली घटनाएँ।

इत्तिफाक़िय· (اتفاقیہ) अ वि –दे 'इत्तिफाकन'।

इत्तिफाक़ी (اتفاقی) अ वि –आकस्मिक, नागहानी, सयुक्त, मिला-जुला, मुत्तहदा।

इत्तिबाअ (اتباع) अ पु –अनुकरण, पैरवी, धर्म या पथ का अनुसरण, मतानुगमन।

इत्तिलाअ (اطلاع) अ स्त्री –सूचना, खवर, इत्तिला, इत्तला।

इत्तिलाअन (اطلاعاً) अ वि –इत्तिलाअ के लिए, सूचनार्थ।

इत्तिलाअनाम· (اطلاع نامہ) अ फा पु –वह पर्चा जिसमे इत्तिलाअ दर्ज हो, सूचनापत्र।

इत्तिलाई (اطلاعی) अ वि –सूचना से सवद्ध।

इत्तिसाअ (اتساع) अ पु –चौडा होना, विस्तृत होना, आँख का एक रोग।

इत्तिसाक़ (اتساق) अ पु –क्रमवद्ध करना, तर्तीब देना, इकट्ठा होना, एकत्र होना, ठीक होना।

इत्तिसाख़ (اتساخ) अ पु –मैला होना, दूषित होना।

इत्तिसाफ (اتصاف) अ पु –प्रशसा करना, तारीफ करना, किसी विशेष गुण का अधिकारी समझा जाना।

इत्तिसाम (اتسام) अ पु –चिह्न वनाना, निशान करना, अकित करना, नक्श करना।

इत्तिसाल (اتصال) अ पु –मिलना, एक जगह होना, वरावर होना, लगातार होना, मेल-मिलाप, निरतरता, क्रमश·।

इत्तिहाद (اتحاد) अ पु–एकत्व, एकता, मेल-मिलाप, मैत्री, दोस्ती।

इत्तिहादी (اتحادی) अ वि.–परस्पर एकता और मैत्री रखनेवाले, वह राज्य जो परस्पर मित्र हो।

इत्तिहाफ़ (اتحاف) अ पु–भेट देना, तोहफ़ा देना, उपहार, भेट, पुरस्कार, तोहफ़ा।

इत्तिहाब (اتہاب) अ पु–किसी के नाम हिबा करना, वख्शना, वख्शिश स्वीकार करना।

इत्तिहाम (اتہام) अ पु–आरोप लगाना, इल्ज़ाम देना; आरोप, लाछन, दोप, तोहमत।

इत्नाब (اطناب) अ पु–लवा करना, वढाना, वात लवी-चौडी करना।

इत्फ़ा (اطفا) अ पु–आग वुझाना, चिराग गुल करना।

इत्फ़ाल (اطفال) अ पु–छोटा वच्चा होना, शिशु होना।

इत्वाअ (اتباع) अ पु–अनुयायी होना, पैरो होना।

इत्वाक़ (اطباق) अ पु–दरवाज़ा भेडना, किवाड वद करना।

इत्वाख़ (اطباخ) अ पु–खाना पकाना, वावरचीगरी करना।

इत्वाल (اتبال) अ पु–शत्रुता रखना, दुश्मनी रखना, द्वेप, वैर, शत्रुता, अदावत, मित्रता भग करना।

इत्माअ (اطماع) अ पु–किसी को लालच मे डालना, प्रलोभन देना।

इत्माम (اتمام) अ पु–समाप्त करना, खत्म करना, समाप्ति, पूर्ति।

इत्मामे हुज्जत (اتمام حجت) अ पु–किसी को आखिरी तौर पर वुराई-भलाई समझा देना, ताकि फिर अगर वह काम करे तो उसकी जिम्मेदारी दूसरे पर न हो।

इत्मीनान (اطمینان) अ पु–तुप्टि, सतुप्टि, सव्र, विश्वास, प्रत्यय, यकीन, सात्वना, तसल्ली।

इत्मीनानी (اطمینانی) अ वि–इत्मीनानवाला व्यक्ति, विश्वस्त; इत्मीनानवाली वात।

इत्यान (اتیان) अ पु–प्रवेश करना, भीतर जाना, प्रवेश, दाखिला।

इत्र (عطر) अ पु–सुगध, खुशवू, पुष्पसार, फूलो का इत्र।

इत्र आगीं (عطرآگیں) अ फा वि–इत्र मे वसा हुआ।

इत्रत (عترت) अ स्त्री–सतान, औलाद, स्वजन, अज़ीज़।

इत्रदान (عطردان) अ फा पु–इत्र रखने की पिटारी।

इत्रवेज़ (عطربیز) अ फा वि–इत्र की महक फैलानेवाला, सुगध वरसानेवाला।

इत्रा (اطرا) अ पु–किसी की प्रशंसा वढ़ा-चढाकर करना।

इत्राज़ (اطراز) अ पु–अकित करना, नक़्श करना।

इत्राब (اتراب) अ पु–मट्टी मे मिलाना, मट्टी में भर जाना, मालदार होना।

इत्रास (اتراص) अ पुं–दृढ करना, मज़वूत वनाना, वरावर करना।

इत्राह(اطراح) अ पु–नीव रखना, वुनियाद डालना, डालना।

इत्रीफ़ (عطریف) अ पु–शूर, वीर, वहादुर, महारथी, सफ शिक।

इत्रीफ़ल (اطریفل) अ पु–एक यूनानी अवलेह जिसमे हड, वहेडा, आँवला होता है, 'त्रिफला' का मुअर्रव।

इत्रीयः (اطریہ) अ पु–सिवैयाँ।

इत्रीयत (عطریت) अ स्त्री–सुगध, खुशवू, इत्रपन।

इत्लाक़ (اطلاق) अ पु–बधनमुक्त करना, खोलना, कहना, जारी करना; दस्त आना, चरितार्थ होना, मुताविक होना।

इत्लाफ़ (اتلاف) अ पु–नष्ट होना, वरवाद होना, हव होना, मारा जाना।

इत्लाफ़े जाँ (اتلاف جاں) अ फा पु–प्राणो का नाश, प्राणियो का घात।

इत्वाल (اطوال) अ पु–लवा करना, वढाना।

इत्हार (اطہار) अ पु–पवित्र करना, पाक करना।

इदाम (ادام) अ पु–सालन, जिससे रोटी खायी जाती है, व्यजन।

इदामत (ادامت) अ स्त्री–नित्यता, शाश्वतता, हमेशगी।

इदारः (ادارہ) अ पु–सस्था, सभा, अजुमन, कार्यालय, दफ्तर, विभाग, महकमा।

इदारए निज़ामी (ادارۂ نظامی) अ पु–सैन्य विभाग, फौजी महकमा।

इदारत (ادارت) अ स्त्री–सपादन, एडीटरी।

इदारियः (اداریہ) अ पु–सपादकीय लेख, एडीटोरियल।

इद्क़ाक़ (ادقاق) अ पु–वारीक करना, कूटकर चूर्ण करना।

इद्ख़ान (ادخان) अ पु–अलग होना, पृथक् होना।

इद्ख़ाल (ادخال) अ. पु–प्रवेश करना, दाखिल करना, अदर ले जाना, रुपया आदि जमा करना।

इद्ग़ाम (ادغام) अ पु–किसी चीज़ को वे चवाये खाना, घोडे के मुँह मे लगाम देना, किसी अक्षर का दूसरे अक्षर मे मिलकर एक होना, आदेश।

इद्जान (ادجان) अ पु–ज़ोर की वर्षा होना, मेंह की झडी लगना।

इद्दत (عدت)अ स्त्री–गणना, गिनती, मुसलमानो मे पति के मरने या तलाक देने के वाद का वह समय जिसमे स्त्री

पुनर्विवाह नही कर सकती, वह समय सौ दिन का होता है।

इद्दिआ (ادّعا) अ पु—दावा करना, इच्छा करना, दावा।

इद्दिआम (ادّعام) अ पु—तकिया लगाना, सहारा लेना।

इद्दिकार (ادّکار) अ पु—याद करना, नसीहत पकडना।

इद्दिख़ार (ادّخار) अ पु—जमा करना, ज़ख़ीरा करना।

इद्दिलाज (ادّلاج) अ पु—रात्रि का पिछला भाग बीतना।

इद्दिहान (ادّهان) अ पु—तेल चुपडना।

इद्नाफ़ (ادناف) अ पु—सूरज (सूर्य) का अस्त होने के करीब होना।

इद्वाज (ادراج) अ पु—किसी वस्तु को लपेटना।

इद्बार (ادبار) अ पु—दरिद्रता, निर्धनता, कगाली, तवाही, दुर्दशा।

इद्मान (ادمان) अ पु—लोहूलुहान होना, ख़ून मे तर होना।

इद्राक (ادراک) अ पु—अगोचर वस्तुओ का अनुभव, ग़ैर-महसूस चीज़ो की दर्याफ्त, ज्ञान, बोध, समझ-बूझ।

इद्राज (ادراج) अ पु—परस्पर लिपटना।

इद्रार (ادرار) अ पु—जारी होना, तेज़ वर्षा होना, वृत्ति, वज़ीफा, बार-बार पेशाब करना, बार-बार पुरस्कार और बख़शिश देना।

इद्लाज (ادلاج) अ पु—रात मे सैर करना, रात की सैर, रात्रि का पहला भाग बीतना।

इद्हान (ادهان) अ पु—ख़ियानत करना, ख़ियानत, फूट डालना।

इद्हाम (ادهام) अ पु—काला होना, सियाह होना।

इनब (عنب) अ पु—अगूर, द्राक्षा।

इनबीय. (عنبیہ) अ पु—आँख का एक पर्दा।

इनबुस्सा'लब (عنب الثعلب) अ पु—मकोय, एक प्रसिद्ध वनौषधि।

इनाँ (عناں) फा स्त्री—'इनान' का लघु, दे 'इनान', लगाम, बागडोर, अश्वपरिचालक सूत्र।

इनाँ गर्दिश (عناں گردش) फा स्त्री—घोडे का कावा।

इनाँगीर (عناں گیر) फा वि—लगाम पकडकर सवार को रोक लेनेवाला, आगे बढने न देनेवाला, चलते हुए काम मे बाधा डालनेवाला, बाधक, मुज़ाहिम, निरोधक।

इनाँ गुसिस्त (عناں گسستہ) फा वि—जिस घोडे की लगाम टूट गयी हो और वह इधर-उधर मारा-मारा फिर रहा हो, स्वच्छद, निरकुश, मुत्लकुल इनाँ।

इनाँ ताब (عناں تاب) फा वि—वह सधा हुआ घोडा जो लगाम के इशारे पर चले।

इना (انا) अ पु—बरतन, ज़र्फ।

इनाअत (انائت) अ स्त्री—विलब, देर, ढील, सुस्ती, आहिस्तगी, धीमापन।

इनाद (عناد) अ पु—शत्रुता, वैर, दुश्मनी, द्वेष, कीना।

इनान (عنان) अ स्त्री—घोडे की लगाम, कविका।

इनाने हुकूमत (عنان حکومت) अ स्त्री—हुकूमत की बागडोर, शासनसूत्र, शासन-तत्र।

इनाबत (انابت) अ स्त्री—ईश्वर की ओर फिरना, बुरे कामो से अलग हो जाना, तौबा करना।

इनायत (عنایت) अ स्त्री—कृपा, दया, अनुकपा, मेहरबानी, इरादा करना, दुख उठाना किसी के लिए।

इनायतनाम. (عنایت نامہ) अ फा पु—कृपापत्र, किसी दोस्त या बडे आदमी के पत्र के लिए बोलते है।

इनारत (انارت) अ स्त्री—आग जलाना, जलाना, प्रकाशित करना।

इनास (اناث) अ स्त्री—'उसा' का बहु, स्त्रियाँ, महिलाएँ, औरते।

इन्आम (انعام) अ पु—पुरस्कार, बख्शिश, किसी काम के लिए उजरत के अलावा रुपया।

इन्इकाद (انعقاد) अ पु—आयोजन, सभा आदि की व्यवस्था, होना, मुन्अकिद होना, आयोजित होना।

इन्इकास (انعکاس) अ पु—परछाई पडना, प्रतिबिंबित होना, अक्स, प्रतिबिंब।

इन्इताफ़ (انعطاف) अ पु—लौटना, फिरना, प्रवृत्त होना, रुजू होना, झुकना।

इन्इदाम (انعدام) अ पु—नष्ट होना, ध्वस्त होना, मिट जाना।

इन्क़ा (انقا) अ पु—चुनना, बीनना।

इन्काज़ (انقاذ) अ पु—छुडाना, मुक्त कराना।

इन्कार (انکار) अ पु—अस्वीकृति, न मानना, नामजूरी।

इनकास (انکاس) अ पु—औंधा करना, उलटा करना, खोलना।

इन्क़ास (انقاص) अ पु—कम करना, घटाना, नाक़िस करना, अपूर्ण कर देना।

इन्क़िज़ा (انقضا) अ पु—समय पूरा हो जाना, नियत समय का बीत जाना।

इन्क़िज़ाज़ (انقضاض) अ पु—ऊपर गिर पडना।

इन्क़िताअ (انقطاع) अ पु—कटना, विच्छिन्न होना, अलग-अलग होना।

इन्क़िबाज़ (انقباض) अ पु—सिकुडना, मिचना, चित्त का मलिन और उदासीन होना, खिन्नता, अफ़सुर्दगी।

इन्क़िबाब (انکباب) अ पु –मुँह के बल गिरना, ओपधियो की धूनी लेना।
इन्क़िमाअ (انقماع) अ पु –अपमानित और तिरस्कृत होना, ज़लीलो ख्वार होना।
इन्क़ियाद (انقیاد) अ पु –वशीभूत होना, अधीन होना, ताबे' होना।
इन्क़िराज़ (انقراض) अ पु –कटना, टुकडे होना, समय का खत्म होना, मुद्दत पूरी होना।
इन्क़िलाअ (انقلاع) अ पु –उखडा हुआ होना, उखडना।
इन्क़िलाब (انقلاب) अ पु –उलट-पलट, परिवर्तन, काल-चक्र, समय का उलट-फेर, राज्य-परिवर्तन, क्रान्ति, शासन की तब्दीली।
इन्क़िलाबात (انقلابات) अ पु –लगातार इन्क़िलाब।
इन्क़िलाबी (انقلابی) अ वि –इन्क़िलाब लानेवाला, वह व्यक्ति जो किसी बड़े इन्क़िलाब लाने की साज़िश मे शरीक हो।
इन्क़िशाअ (انقشاع) अ पुं –बादल खुल जाना, अब्र छट जाना।
इन्किशाफ (انکشاف) अ पु –प्रकट होना, ज़ाहिर होना, खुलना, पता चलना, गवेषणा, तहक़ीक़।
इन्किसाफ (انکساف) अ पु –सूरज को ग्रहण लगना, सूर्यग्रहण होना।
इन्क़िसाम (انقسام) अ पु –बँटना, विभक्त होना, तक्सीम होना, तक्सीम, विभाजन, बँटवारा।
इन्क़िसाम (انقصام) अ पु –टूटकर टुकड़े-टुकडे होना।
इन्किसार (انکسار) अ पु –टूटना, टुकडे होना, नम्रता, विनय, खाकसारी।
इन्ख़िज़ाअ (انخزاع) अ पुं –कटना, विच्छिन्न होना।
इन्ख़िदाअ (انخداع) अ पु –धोखा खाना, फरेब मे आ जाना।
इन्ख़िफाज़ (انخفاض) अ पु –किसी शब्द के नीचे 'जेर' होना, नीचे गिर पडना।
इन्ख़िफाफ (انخفاف) अ पु –संकुचित होना, लज्जित होना, लज्जा, सकोच, खिफ्फत।
इन्ख़िराक़ (انخراق) अ पु –फटना, तडकना।
इन्ख़िरात (انخراط) अ. पु –आदमियो मे जाना, किसी चीज़ मे घुसना, सुई मे डोरा डालना, डोरे मे पिरोया जाना।
इन्ख़िराम (انخرام) अ पु –छीजना, कम हो जाना।
इन्ख़िलाअ (انخلاع) अ पु –नष्ट होना, बरबाद होना, बँधी हुई हवा का उखड़ना।
इन्ख़िलाक़ (انخلاق) अ पु –बँधना, बाँधा जाना।
इन्ख़िलाल (انخلال) अ पु –नष्ट होना, तबाह होना, नाश, तबाही।
इन्ग़िमाम (انغمام) अ पु –दु खित होना, खेद मे होना, गमगीन होना।
इन्ग़िमास (انغماس) अ पु –डुबकी मारना, गोता लगाना, निमज्जन।
इन्ग़िरास (انغراس) अ पु –वृक्ष लगाना, पेड लगाना।
इन्नीन (عنین) अ वि –क्लीव, नपुसक, नामर्द।
इन्फ़हः (انفحہ) अ पु –पनीर माय, दे 'पनीर माय'।
इन्फ़ाक़ (انفاق) अ पु –व्यय करना, खर्च करना, जीविका देना, रोज़ी देना।
इन्फ़ाज़ (انفاذ) अ पु –जारी करना, भेजना, प्रेषण, रवाना करना, तलवार मारना।
इन्फ़ाल (انفال) अ पु –लडाई मे लूट का माल बाँधना।
इन्फ़िआल (انفعال) अ पु –लज्जित होना, शर्मिदा होना, किसी असर से प्रभावित होना, लज्जा, सकोच, शर्म।
इन्फ़िकाक (انفکاک) अ पु–मुक्त होना, अदा होना, छूटना, अलग-अलग होना।
इन्फ़िजार (انفجار) अ पु –रिसना, टपकना, निकलना, प्रकट होना, पीप बहना।
इन्फ़िताक़ (انفتاق) अ पु –बादल छट जाना, फट जाना।
इन्फ़ितार (انفطار) अ पु –टुकडे-टुकडे होना, उत्पन्न करना, पैदा करना।
इन्फ़िताह (انفتاح) अ पु –खुलना, विस्तृत होना, कुशादा होना।
इन्फ़िराक़ (انفراق) अ पु –फटना, शिगाफ्ता होना।
इन्फ़िराद (انفراد) अ पु –अकेला होना, तनहा होना।
इन्फ़िरादी (انفرادی) अ वि –एक आदमी का, व्यक्तिगत, वैयक्तिक, शख्सी।
इन्फ़िरादीयत (انفرادیت) अ स्त्री –अकेलापन, बेमिस्ली।
इन्फ़िलाक़ (انفلاق) अ पु –फटना, फट जाना।
इन्फ़िसाम (انفصام) अ पु –टूट जाना।
इन्फ़िसाल (انفصال) अ पु –वाद का निर्णय होना, फैसला होना, निर्णय, फैसला।
इन्मास (انماس) अ पु –शिकारी का शिकार के लिए आड मे छिपना, छिपना, लुप्त होना।
इन्मिलाक़ (انملاق) अ पु –मित्रता, दोस्ती, चापलूसी, चाटुकारिता, अनुकपा, दया, मुक्ति पाना, छुटकारा, बराबर होना, एक-सा होना।
इन्हा (انھا) अ पु –जारी करना, फिराना।
इन्हा (انہا) अ पु –खबर पहुँचाना, सूचना देना।

इन्हाब (انہاب) अ पु –लूटना, गारत करना।

इन्हिज़ाज़ (انہضاض) अ पु –टूटना, शिकस्त होना।

इन्हिज़ाम (انہضام) अ पु –पचना, हज़्म होना।

इन्हिज़ाम (انہزام) अ पु –पराजय होना, हारना, पराजय, शिकस्त।

इन्हितात (انحطاط) अ पु –ह्रास होना, घटना, कमी, ह्रास।

इन्हितात (انحتات) अ पु –पतझड, खिज़ाँ।

इन्हिताम (انحطام) अ पु –शिकस्त होना, टूटना।

इन्हिदाब (انحداب) अ पु –कुबडा होना, कुब्ज, कूबड।

इन्हिदाम (انہدام) अ पु –मकान आदि का ध्वस्त होना, गिरना, बरबाद होना, वीरान होना, ध्वस, बरबादी।

इन्हिना (انحنا) अ पु –टेढा होना, झुकना, टेढ, झुकाव, कुब्जपन, कुबडापन।

इन्हिमाक (انہماک) अ पु –तन्मयता, सलग्नता, तल्लीनता, तनदिही, किसी कार्य मे दत्तचित्त होना।

इन्हिमाम (انہمام) अ पु –गलना, घुलना, पिघलना।

इन्हिराफ (انحراف) अ पु –एक ओर को फिर जाना, किसी की ओर से फिर जाना, अवज्ञाकारी हो जाना, अवहेलना, अनाज्ञा, अवज्ञा, नाफर्मानी।

इन्हिलाल (انحلال) अ पु –विस्तृत होना, नष्ट होना, नापैद होना, तुच्छ होना, नाचीज़ होना।

इन्हिलाल (انہلال) अ पु –बहुत अधिक वर्षा होना, मूसलाधार पानी बरसना।

इन्हिसार (انحصار) अ पु –निर्भर होना, आश्रित होना, मुनहसिर होना, निर्भरता, दारोमदार।

इन्हिसार (انحسار) अ पु –बाल झड जाना।

इफाक़ः (افاقہ) अ पु –रोग का स्वास्थ्य की ओर परिवर्तन, आरोग्य-लाभ, फिर से होश मे आना, सँभाल लेना, आरोग्योन्मुखता।

इफाकत (افاقت) अ स्त्री –दे 'इफाक'।

इफाज़ (افاظہ) अ पु –मार डालना, हलाक करना।

इफाज़ (افاضہ) अ पु –यश पहुँचाना, फैज पहुँचाना, बहुत अधिक दान करना।

इफाज़त (افاضت) अ पु –दे 'इफाज़'।

इफाद (افادہ) अ पु –लाभ पहुँचाना (विद्या आदि का, धन का नही)।

इफादत (افادت) अ स्त्री –दे 'इफाद'।

इफादी (افادی) अ वि –ऐसी चीज़ जिससे ज्ञान की वृद्धि हो।

इफादीयत (افادیت) अ स्त्री –लाभकारिता, उपादेयता, फाइदामदी।

इफ्क (افک) अ पु –झूठ, मृषा, मिथ्या, असत्य, आरोप, लाछन, बोहतान, झूठा इल्ज़ाम।

इफ़्क़ार (افقار) अ पु –बिना दाना-पानी के होना, फाके से होना, निर्जल व्रत रहना।

इफ्ज़ाअ (افزاع) अ पु –डराना, भय-प्रदर्शन, ख़ौफ दिलाना।

इफ्ज़ाल (افضال) अ पु –कृपा, दया, अनुकपा, करम, बढाना, वृद्धि करना।

इफ्ज़ाह (افضاح) अ पु –निन्दा करना, बदनाम करना; भर्त्सना करना, फज़ीहत करना।

इफ्ता (افتا) अ पु –'फत्वा' देना, यह बताना कि धर्म के अनुसार अमुक काम कैसा है।

इफ्तार (افطار) अ पु –रोज़ा खोलना, रोज़ा खोलने के लिए कुछ खाना या पीना।

इफ्तारी (افطاری) अ स्त्री –रोज़ा खोलने की खाद्य सामग्री।

इफ़्तिआल (افتعال) अ पु –आरोप, मिथ्या लाछन, बोहतान।

इफ़्तिकाक (افتکاک) अ पु –पृथक् होना, अलग होना, जुदा होना, पृथक्ता, अलाहिदगी।

इफ़्तिकाद (افتقاد) अ पु –अनुकपा करना, मेहरबानी करना, अनुपस्थित करना, खो देना, खोजना, तलाश करना, खोई हुई वस्तु को ढूँढना, अन्वेषण।

इफ़्तिक़ार (افتقار) अ पु –दरिद्रता, कगाली, फकीरी, साधुता, विनीति, आजिज़ी, तिरस्कृति, ख्वारी।

इफ़्तिख़ार (افتخار) अ पु –गर्व, गौरव, मान, फख्र।

इफ़्तिज़ाह (افتضاح) अ पु –फज़ीहत करना, निन्दा करना, भर्त्सना करना, निन्दा, भर्त्सना, रुस्वाई।

इफ्तितान (افتتان) अ पु –झगडा खडा करना, बवडर बनाना, झगड़े मे डाल देना।

इफ्तिताश (افتتاش) अ पु –तफ्तीश करना, जाँच-पड़ताल करना, खोज लगाना।

इफ्तिताह (افتتاح) अ पु –उद्घाटन, अनुष्ठान, शुरूआत, खोलना, खुलना, प्रारम्भ करना।

इफ्तिताहीय (افتتاحیہ) अ पु –सपादकीय लेख, अग्र लेख, एडीटोरियल।

इफ्तिदा (افتدا) अ पु –प्राणो के बदले माल देना, किसी के प्राण ले लेने पर उसके वारिसो को धन देकर राज़ी कर लेना।

इफ्तिरा (افترا) अ पु –आरोप, लाछन, तोहमत।

इफ़्तिराक (افتراق) अ पु –परस्पर एक दूसरे को अलग-अलग कर देना, फूट डालना, फूट, वैमनस्य।

इफ़्तिरा पर्दाज़ (افترا پرداز) अ फा वि –झूठा आरोप लगाने-

वाला; झूठा आरोप लगाकर झगड़ा खड़ा कर देनेवाला।

इफ़्तिरार (افترار) अ पु –दाँत निकालना, दाँत चमकाना।

इफ़्तिराश (افتراش) अ पु –निन्दा करना, बदगोई करना; खोज लेना, टोह लगाना।

इफ़्तिरास (افتراس) अ पु –किसी चिह्न से किसी वस्तु को पहचानना; घोडे पर चढना, गर्दन तोडना, मार डालना।

इफ़्तिराह (افتراح) अ पु –हर्षित होना, खुश होना, खुशी मनाना।

इफ़्ना (افنا) अ पु –नाश करना, नष्ट करना, फना करना।

इफ़्नान (افنان) अ पु –थोड़ा-थोड़ा लाना।

इफ़्फ़त (عفت) अ स्त्री –सतीत्व, पातिव्रत्य, इस्मत, अस्मत।

इफ़्फ़त मआब (عفت مآب) अ वि –सती, पतिव्रता, बाइस्मत।

इफ़्रंज (افرنج) अ पु –फिरंगिस्तान, यूरोप, इंग्लिस्तान।

इफ़्रंजी (افرنجی) अ वि –अंग्रेज़, यूरोपियन।

इफ़्रात (افراط) अ स्त्री –प्राचुर्य, बाहुल्य, बहुतात, कस्रत।

इफ़्राती तफ़्रीत (افراط و تفریط) अ स्त्री –आधिक्य एव न्यूनता, कमोबेश, थोडा-बहुत, तारतम्य, न्यूनाधिक।

इफ़्राश (افراش) अ पु –अधिकता और न्यूनता, ज़ियादती और कमी।

इफ़्राह (افراح) अ पु –हर्षित करना, प्रसन्न करना, खुश करना।

इफ़्रीत (عفریت) अ पु –राक्षस, देव।

इफ़्लाज (افلاج) अ पु –किसी अग का सुन्न हो जाना, फालिज गिरना।

इफ़्लास (افلاس) अ पु –धनहीनता, कगाली, मुफलिसी।

इफ़्लासज़द: (افلاس زده) अ फा वि –दरिद्र, निर्धन, मुफलिस, दरिद्रता से पीडित, निर्धनता से दुखी।

इफ़्लासज़दगी (افلاس زدگی) अ फा स्त्री –दरिद्रता, निर्धनता, मुफलिसी।

इफ़्लाह (افلاح) अ पु –हित करना, भलाई करना, समृद्धि, खुशहाली, मुक्ति, मोक्ष।

इफ़्शा (افشا) अ पु –प्रकट करना, ज़ाहिर करना।

इफ़्शाएराज़ (افشاے راز) अ फा पु –रहस्य का प्रकट हो जाना, भेद खुल जाना।

इफ़्साद (افساد) अ पु –उपद्रव करना, फसाद करना, नष्ट करना, तबाह करना।

इफ़्हाम (افہام) अ पु –समझाना, अच्छी तरह बताना, बोध कराना।

इफ़्हाम (افحام) अ पु –किसी को वाद-विवाद मे तर्क द्वारा चुप कर देना।

इफ़्हामो तफ़्हीम (افہام و تفہیم) अ पु –स्वय समझना और दूसरे को समझाना, विचार-विनिमय, समझौते की बातचीत।

इफ़्हाश (افحاش) अ पु –अश्लील बातें बकना, फुहश बकना, अवाच्यवाद।

इबा (ابا) अ स्त्री –अस्वीकृति, इन्कार, घृणा, नफरत, घिन।

इबाद (عباد) अ पु –'अब्द' का बहु, सेवकगण, दास लोग, गुलाम।

इबादत (عبادت) अ. स्त्री –उपासना, आराधना, पूजा, बदगी, तप, तपस्या।

इबादतख़ान: (عبادت خانہ) अ फा पु –इबादत करने का स्थान, उपासना गृह, मसजिद, मदिर, गिर्जा आदि।

इबादतगाह (عبادت گاہ) अ फा स्त्री –दे 'इबादतख़ान'।

इबादतगुज़ार (عبادت گزار) अ फा वि –बहुत अधिक इबादत करनेवाला, तपस्वी, तप शील।

इबारत (عبارت) अ स्त्री –अक्षर-विन्यास, पदावली, इबारत, श्रुत लेख, अनुलेख, इम्ला, लेख, तहरीर।

इबारत आराई (عبارت آرائی) अ फा स्त्री.–शब्दाडबर, इबारत मे बना-बनाकर शब्द लाना, लेख को अलकारादि से सुसज्जित करना, इबारत को पुरतकल्लुफ बनाना, लेख लिखना।

इबाहत (اباحت) अ स्त्री –किसी खान-पान अथवा कार्य का धर्म के अनुसार विहित होना, मुबाह होना।

इबिल (ابل) अ पु –ऊँट, उष्ट्र, यह शब्द बहुवचन है, इसका एकवचन नही है।

इब्आद (ابعاد) अ पु –दूर करना, हटाना, दूर फेकना।

इब्क़ा (ابقا) अ पु –बाकी रखना, बचा लेना।

इब्का (ابکا) अ पु –रुलाना, रुदित करना।

इब्कार (ابکار) अ पु –प्रात काल, प्रभात, सबेरा, सुबह।

इब्त (ابط) अ स्त्री –बगल, कक्ष।

इब्ता (ابطا) अ पु –देर करना, विलम्ब करना, ढील डालना।

इब्ताल (ابطال) अ पु –झुठलाना, गलत ठहराना, खडन करना, तर्दीद करना, खडन, तर्दीद।

इब्तिआद (ابتعاد) अ पु –दूर होना, पक्ष से हटना।

इब्तिकार (ابتکار) अ पु –नया करना, नवीन करना।

इब्तिग़ा (ابتغا) अ पु –इच्छा करना, चाहना, चाह, इच्छा, ख़ाहिश।

इब्तिज़ाल (ابتذال) अ पु –अपव्यय, फुजूलखर्ची, अश्लीलता, फूहडपन, फक्कडपन।

इब्तिदा (ابتدا) अ स्त्री –प्रारम्भ, आरम्भ, शुरुआत, आदिकाल, इब्तिदाए ज़माना।

इब्तिदाअन् (ابتداءً) अ वि –आरम्भ मे, पहले-पहल, शुरू-शुरू मे ।

इब्तिदाई (ابتدائی) अ वि –प्रारम्भिक, प्राथमिक, आदिम, शुरू का, पहला ।

इब्तिला (ابتلا) अ पु –परीक्षा, आज़माइश, दु ख मे डालना, दु ख, कष्ट, मुसीबत ।

इब्तिलाअ (ابتلاع) अ पु –निगलना, हलक मे उतारना ।

इब्तिलाल (ابتلال) अ पु –भीगना, तर होना ।

इब्तिसाम (ابتسام) अ पु –खिलना, प्रफुल्ल होना, हँसना, मुस्कराना ।

इब्तिहाज (ابتہاج) अ पु –आनन्द, हर्ष, प्रसन्नता, खुशी ।

इब्तिहाल (ابتہال) अ पु –रोना-धोना, रोना, गिडगिडाना ।

इब्दा (ابدا) अ पु –प्रकट करना, जाहिर करना, उत्पन्न करना, पैदा करना ।

इब्दाअ (ابداع) अ पु –ऐसी वस्तु बनाना जो बिलकुल नयी और अनोखी हो, आविष्कार करना ।

इब्दाल (ابدال) अ पु –बदलना, एक अक्षर को दूसरे अक्षर से बदलना ।

इब्न (ابن) अ पु –पुत्र, बेटा ।

इब्न. (ابنہ) अ स्त्री –पुत्री, बेटी ।

इब्ना (ابنا) अ पु –नीव डालना, बनाना ।

इब्नुल अख़ (ابن الاخ) अ पु –भतीजा, भाई का लडका ।

इब्नुल इर्स (ابن العرس) अ पु –नेवला, एक जगली जन्तु ।

इब्नुल उख़्त (ابن الاخت) अ पु –भानजा, बहन का लडका ।

इब्नुल ग़ैब (ابن الغیب) अ पु –वह लडका जिसके पिता का पता नही, जारज, दोगला, अज्ञातकुलशील ।

इब्नुल लबून (ابن اللبون) अ पु –ऊँट का दूध पीता बच्चा ।

इब्नुल वक्त (ابن الوقت) अ पु –वह व्यक्ति जो अपने को समय के अनुसार ढाल ले, अवसरवादी ।

इब्नुस्सबील (ابن السبیل) अ पु –पथिक, मुसाफिर, राहगीर ।

इब्ने आवा (ابن آوی) अ पु –शृगाल, गीदड, सियार ।

इब्ने सुब्ह (ابن صبح) अ पु –सूर्य, सूरज ।

इब्र. (عبرہ) अ पु –नाव या जहाज़ का महसूल, राहदारी का महसूल, नदी पार करना, खिराज ।

इब्र· (ابرہ) अ स्त्री –सुई, सूची ।

इब्रत (عبرت) अ स्त्री –वह मानसिक खेद जो किसी बडे आदमी को बुरी अवस्था मे या किसी अपराधी को कडी सज़ा या दैवी कष्ट मे देखकर होता है ।

इब्रत अंगेज़ (عبرت انگیز) अ फा वि –इब्रत पैदा करनेवाली बात ।

इब्रतखेज़ (عبرت خیز) अ फा वि –ऐसी बात जिससे इब्रत पैदा हो ।

इब्रतनाक (عبرتناک) अ फा वि –इब्रत अगेज़, भयानक, भयकर, बहुत सख्त ।

इब्रा (ابرا) अ पु –बेज़ारी, उपेक्षा, रोगमुक्ति, शिफा, अदा करना, चुकता करना, पवित्र होना, शुद्ध होना, पाक होना ।

इब्राक़ (ابراق) अ पु –बिजली गिराना, बिजली का शाक लगना ।

इब्राज़ (ابراز) अ पु –प्रकट करना, ज़ाहिर करना ।

इब्रानी (عبرانی) अ स्त्री –मुल्क शाम की एक प्राचीन भाषा, इब्री ।

इब्राम (ابرام) अ पु –दृढ करना, मज़बूत करना, कष्ट देना, दु खित करना, रस्सी बटना ।

इब्रार (ابرار) अ पु –भलाई करना, बख्शिश करना, यश देना ।

इब्राहीम (ابراہیم) अ पु –एक पैगम्बर जिन्हे नम्रूद ने आग मे जलाना चाहा था, परन्तु वह आग का समुद्र उनके लिए बाग बन गया ।

इब्री (عبری) अ स्त्री –दे 'इब्रानी' ।

इब्रीक़ (ابریق) अ पु –एक प्रकार का चमडे का टोटीदार लोटा, शराब का जग ।

इब्रीज़ (ابریز) अ पु –खरा सोना और चाँदी ।

इब्रीज (ابریج) अ स्त्री –छाछ बिलोने की रई, मथानी ।

इब्रेशम (ابریشم) अ पु –रेशम, कौशेय, कच्चा रेशम, रेशम का कोया ।

इब्ल (ابل) अ पु –ऊँट, उष्ट्र, दे 'इबिल', दोनो शुद्ध हैं ।

इब्लाग़ (ابلاغ) अ पु –पहुँचाना, भेजना ।

इब्लीस (ابلیس) अ पु –जो ईश्वर की दया से निराश हो, शैतान, दैत्य ।

इब्सार (ابصار) अ पु –देखना, आलोकन, अवलोकन ।

इब्हाम (ابہام) अ पु –चुपके से कहना, चुपके से छोड देना, द्वार बन्द करना, अँगूठा, निगूढता, क्लिष्टता, इग्लाक ।

इमा (اما) अ स्त्री –'अमत' का बहु , लौंडियाँ, दासियाँ, कनीज़े ।

इमाद. (عمادہ) अ पु –स्तम्भ, सुतून ।

इमाद (عماد) अ पु –इमाद का बहु , खभे, सुतून ।

इमाम (عمامہ) अ पु –पगडी, उष्णीष, साफा ।

इमाम (امام) अ पु –नेता, अग्रसर, पेशवा, नमाज़ पढानेवाला, जो नमाज़ मे इमामत करे ।

इमामत (امامت) अ स्त्री –नेतृत्व, नेतापन, पेशवाई, नमाज़ पढाना, नमाज़ पढाने की नौकरी।
इमामतपेशः (امامت پیشہ) अ फा वि –वह व्यक्ति जो किसी मसजिद मे नमाज़ पढाकर जीविका चलाता हो।
इमामियः (امامیہ) अ वि –शीआ मुसलमान।
इमामे नातिक (امام ناطق) अ पु –हज़रत इमाम जा'फरे सादिक, अभिभापक-इमाम, उपदेशक–धर्मगुरु।
इमारत (امارت) अ स्त्री –धनाढ्यता, मालदारी, शासन, राज्य, हुकूमत, हिन्दी मे अमारत प्रचलित 'अमीर' से भाववाचक सज्ञा बनी।
इमारत (عمارت) अ स्त्री –मकान, बिल्डिग।
इमालः (امالہ) अ पु –फार्सी अथवा अरबी मे किसी शब्द के 'अलिफ' को 'ये' बना देना जैसे 'किताब' को 'कितेब' कर देना।
इम्आन (امعان) अ पु –गहरी दृष्टि डालना, गौर से देखना, खूब गौर करना, गहरा सोचना।
इम्आने नजर (امعان نظر) अ पु –गहरी दृष्टि, गाइर नज़र, सूक्ष्म दृष्टि।
इम्कान (امکان) अ पु –सभावना, मुमकिन होना, हो सकने का भाव।
इम्ज़ा (امضا) अ पु –आदेश जारी करना, किसी कागज़ पर मोहर और हस्ताक्षर करना।
इम्ताअ (امتاع) अ पु –लाभ पहुँचाना।
इम्तार (امطار) अ पु –पानी बरसना, वर्षा होना।
इम्तिकाअ (امتقاع) अ पु –रग उतर जाना, रग फीका पड़ जाना।
इम्तिखाख (امتخاخ) अ पु –हड्डी से गूदा निकालना।
इम्तिज़ाज (امتزاج) अ पु –मिलाना, मिश्रित करना, मिश्रण, मिलावट।
इम्तिदाद (امتداد) अ पु –खिचा हुआ होना, दीर्घता, लम्बाई, विस्तार।
इम्तिदादे ज़मान. (امتداد زمانہ) अ पु –अधिक समय बीत जाना, दीर्घकालीनता।
इम्तिनाअ (امتناع) अ पु –निषेध, प्रतिबध, मनाही।
इम्तिनाए शराब (امتناع شراب) अ पु –मद्य-निषेध, शराबबदी।
इम्तिनान (امتنان) अ पु –अच्छी-अच्छी नेमतें देना, एहसान रखना, कृतज्ञ करना।
इम्तियाज़ (امتیاز) अ पु –दो एक-सी चीजो मे भेद करना, विवेक, तमीज, मुख्यता, खुसूसियत, एक को दूसरे पर तर्जीह, परीक्षा में विद्यार्थियों को अच्छे नम्बर लाने के फलस्वरूप डिस्टिंक्शन, विशेष योग्यता।
इम्तियाज़नामः (امتیازنامہ) अ फा पु –लाइसेंस।
इम्तियाज़ी (امتیازی) अ वि –मुख्य, खुसूसी, विशेष।
इम्तिराश (امتراش) अ पु –उचक लेना, छीनकर भागना।
इम्तिला (امتلا) अ पु –पेट मे अन्न का अधिक हो जाना, बदहज़्मी, अजीर्ण, भर जाना, आध्मान, अफारा।
इम्तिशात (امتشاط) अ पु –बालो मे कंघी करना।
इम्तिसाल (امتثال) अ पु –आज्ञा-पालन, फर्माबरदारी।
इम्तिसाले अम्र (امتثال امر) अ पु –हुक्म मानना, आज्ञा-पालन करना।
इम्तिसाले हुक्म (امتثال حکم) अ पु –दे इम्तिसाले अम्र।
इम्तिसास (امتصاص) अ पु –चूसना, चूषण।
इम्तिहात (امتخاط) अ पु –नाक साफ करना।
इम्तिहान (امتحان) अ पु –परीक्षा, जाँच, परख, विद्यार्थियो की परीक्षा, पढाई की जाँच।
इम्तिहान (امتہان) अ पु –अपमानित रखना।
इम्तिहाल (امتہال) अ पु –मोहलत देना, छुट्टी देना।
इम्दाद (امداد) अ स्त्री –सहायता, मदद, सहयोग।
इम्दादे बाहमी (امداد باهمی) अ फा स्त्री –मिल-जुलकर काम करना, सहकारिता।
इम्रा (امرا) अ पु –पेट में अन्न का पचना, खाना हज़्म होना।
इम्रान (عمران) अ पु –आबादी, जनसख्या।
इम्रार (امرار) अ पु –गुज़ारना, गुज़रवाना।
इम्रोज़. (امروزه) फा वि –आज का, आज के दिन का।
इम्रोज (امروز) फा पु –आज, अद्य, आज का दिन।
इम्लः (عملہ) अ पु –काम, मजदूरी।
इम्ला (املا) अ स्त्री –अक्षर-विन्यास, इबारत, श्रुतलेख, अनुलेख, वह इबारत जो बच्चो को पुस्तक दिखाये बिना लिखायी जाती है, भरना।
इम्लाक (املاق) अ पु –दरिद्रता, कगाली, फकीरी, साधुता।
इम्लाक (املاک) अ पु –किसी को किसी वस्तु का स्वामी बनाना, मालिक करना।
इम्लाल (املال) अ पु –दु खित करना, मुलूल करना।
इम्लास (املاص) अ पु –पेट गिराना, भ्रूणपात।
इम्लाह (املاح) अ पु –नमकीन करना, नमक मिलाना।
इम्शब (امشب) फा स्त्री –आज की रात, आज रात।
इम्सा (امسا) अ पु –रात कर देना, हाल बदल जाना, अवस्था का परिवर्तित होना।
इम्साल (امسال) फा पु –इस साल, मौजूदा साल।
इम्साल (امثال) अ पु –कान-नाक काटना।

इम्सास (امساس) अ पु –स्पर्श करना, छूना; मर्दन, मसलना।

इम्हाल (امہال) अ पु –मोहलत देना, समय देना।

इयाँ (عیاں) अ पु –प्रकट, व्यक्त, स्पष्ट, ज़ाहिर (अयाँ)।

इयाज़ (عیاذ) अ स्त्री –त्राण, रक्षा पनाह।

इयादत (عیادت) अ स्त्री –रोगी का हाल पूछने और उसे ढारस देने के लिए उसके पास जाना।

इयाब (ایاب) अ पु –वापस आना, लौटना, प्रत्यागमन।

इयाबोज़हाब (ایاب وذہاب) अ पु –आना-जाना, यातायात।

इयारिज (ایارج) अ पु –एलुआ, गुआरपाठा (घीकुआर) का सुखाया हुआ रस।

इयाल (عیال) अ पु –बाल-बच्चे (अयाल)।

इयालत (ایالت) अ स्त्री –रखवाली करना, निरीक्षण, दड देना, सज़ा देना, डाँट-फटकार करना।

इयालत (عیالت) अ स्त्री –बाल-बच्चोवाला होना।

इयास (ایاس) अ पु –निराश होना, नाउम्मीद होना।

इरम (ارم) अ पु –'आद' नाम की क़ौम का नगर, 'आद' नामक व्यक्ति का पिता, वह कृत्रिम स्वर्ग जो शद्दाद ने बनाया था, स्वर्ग, विहिश्त।

इराअत (ارائت) अ स्त्री–दिखाना, नुमाइश करना।

इराक़ (اراقہ) अ पु –पानी या कोई दूसरी पतली चीज़ गिराना।

इराक़ (عراق) अ पु –पूर्वी अ़रब का एक देश, जिसकी राजधानी 'बगदाद' है

इराक़त (اراقت) अ स्त्री –दे 'इराक़'।

इरागः (ارائہ) अ पु –दे 'इरागत'।

इरागत (ارائت) अ पु –माँगना, तलब करना।

इराद. (ارادہ) अ पु –सकल्प, कस्द, निश्चय, तहैय, इच्छा, ख्वाहिश।

इरादत (ارادت) अ स्त्री –श्रद्धा, आस्था, एतिकाद।

इरादत केश (ارادت کیش) अ फा वि –श्रद्धावान्, श्रद्धालु, मो'तकिद, भक्त, नियाज़मद।

इरादतन (ارادۃً) अ वि –जान-बूझकर, कस्दन।

इरादतमद (ارادت مند) अ फा वि –दे 'इरादतकेश'।

इरादी (ارادی) अ वि –इरादे का, इरादे से सम्बन्धित।

इराबत (ارابت) अ स्त्री –शक करना, सदेह करना, किसी को सदेह में डालना।

इराहत (اراحت) अ स्त्री –मरना, किसी चीज की बू सूंघना, अपवित्र होना, सुख देना, तृप्त होना।

इर्आश (ارعاش) अ पु –दूसरे को कँपाना।

इर्क़ (عرق) अ स्त्री –स्नायु, पट्ठा, रग।

इर्काज़ (ارکاض) अ पु –बच्चे का पेट मे फिरना।

इर्क़ाम (ارقام) अ पु –लेखन, लिखना।

इर्क़ास (ارقاص) अ पु –उछालना, बच्चे को खेल मे लगाना, ऊँट को भगाना।

इर्क़ुन्नसा (عرق النسا) अ स्त्री –वह दर्द जो चूतड से एडी तक उठता है, कुलग, गृध्रसी स्नायु-शूल, साइटिका, नर्वस पेन।

इर्ख़ा (ارخا) अ पु –ढीला करना, शिथिल करना, छोड देना।

इर्ख़ास (ارخاص) अ पु –सस्ता करना, भाव गिराना।

इर्ग़ाम (ارغام) अ पु –अपमानित करना, ज़लील करना, नाक रगडवाना।

इर्जा (ارجا) अ पु –आशान्वित करना, फेंकना, रास्ते का ख़त्म के करीब आना।

इर्ज़ा (ارضا) अ पु –मनाना, राज़ी करना।

इर्जाअ (ارجاع) अ पु –रजूअ करना, आकृष्ट करना, मुतवज्जेह करना।

इर्ज़ाअ (ارضاع) अ पु –स्त्री का बच्चे को दूध पिलाना।

इर्तिआद (ارتعاد) अ पु –कपन, कँपकँपाहट, थरथरी, लर्ज़िश।

इर्तिआश (ارتعاش) अ पु –कँपकँपी, कपन, लर्ज़ा, काँपना, थरथराना।

इर्तिकाज़ (ارتکاز) अ पु –रगडना, मर्दन, भरोसा करना।

इर्तिकाज़ (ارتکاض) अ पु –पेट मे डोलना, बच्चे का पेट मे हरकत करना।

इर्तिकाब (ارتکاب) अ पु –पाप करना, किसी बुरे काम की शुरुआत करना, किसी चीज़ पर सवार होना।

इर्तिक़ाब (ارتقاب) अ पु –आशा रखना, उम्मेद रखना।

इर्तिकाबे गुनाह (ارتکاب گناہ) अ फा पु –पाप करना, गुनाह करना।

इर्तिकाबे जुर्म (ارتکاب جرم) अ पु –अपराध करना, कुसूर करना।

इर्तिख़ास (ارتخاص) अ पु –सस्ता खरीदना, भाव गिराकर मोल लेना।

इर्तिजा (ارتجا) अ पु –आशा रखना, आशान्वित होना।

इर्तिज़ा (ارتضا) अ पु –राज़ी होना, प्रसन्न होना, पसद करना।

इर्तिजाअ (ارتجاع) अ पु –लौटाना, फिराना।

इर्तिज़ाअ (ارتضاع) अ पु –बच्चे का स्त्री का दूध पीना।

इर्तिजाज (ارتجاج) अ पु –हिलना, टोलना, कँपकँपाना, थरथराना।

इर्तिजाल (ارتجال) अ पु –बिना सोचे तुरन्त ही किसी विषय पर बोलने लगना, बिना सोचे तुरन्त ही कविता करना, किसी काम को तुरन्त ही कर देना।

इर्तिजालन् (ارتجالاً) अ वि –इर्तिजाल के तौर पर, फिलवदीह, आशु गति से।

इर्तिताम (ارتطام) अ पुं –दलदल मे फँसना, गिरफ्तार होना, नीचे जाना, कीचड मे कोई चीज़ फेंकना।

इर्तिदा (ارتدا) अ पुं –चादर ओढना।

इर्तिदाद (ارتداد) अ पुं –धर्म-परिवर्तन, अपना धर्म छोड-कर दूसरे धर्म में चला जाना।

इर्तिफाअ (ارتفاع) अ पु –ऊँचा उठना, कही से निकलना, गल्ला उठाना, लगान, देश की आय, ऊँचाई।

इर्तिफाक (ارتفاق) अ पु –साथ देना, दोस्ती निवाहना, कोहनी का तकिया लगाना, कोहनी पर टेक लगाना।

इर्तिवात (ارتباط) अ पुं –एक चीज़ को दूसरी से बाँधना, मेल-मिलाप, मैत्री, दोस्ती।

इर्तिवाह (ارتباح) अ पु –व्यापार मे व्याज लेना।

इर्तियाद (ارتیاد) अ पु –माँगना, तलव करना, ढूँढना, खोज लगाना।

इर्तियाव (ارتیاب) अ पु –शक मे डालना, शका मे डालना।

इर्तियाश (ارتیاش) अ पु –अवस्था का अच्छा होना।

इर्तियाह (ارتیاح) अ पु –प्रसन्न होना, हर्षित होना, खुश होना।

इर्तिशा (ارتشا) अ पु –रिश्वत लेना, घूस लेना, उत्कोच ग्रहण।

इर्तिशाफ (ارتشاف) अ पु –चूसना।

इर्तिसाम (ارتسام) अ पु –चित्रित करना, चित्र वनाना।

इर्तिहान (ارتہان) अ पु –रेहन की वस्तु अपने पास धरना, गिरौं रखना।

इर्तिहाल (ارتحال) अ पु –किसी वस्तु को एक जगह से उठाना, कही जाना, प्रस्थान करना, कूच करना।

इर्दगिर्द (اردگرد) फा वि –चारो ओर, चहुपास, चारो तरफ, आस-पास।

इर्दा (اردا) अ पु –मार डालना।

इर्फान (عرفان) अ पु –विवेक, ज्ञान, तमीज़, ब्रह्मज्ञान, मा'रिफत।

इर्व (ارب) अ स्त्री –आवश्यकता, ज़रूरत।

इर्मन (ارمن) अ पु –एक देश, काकेशिया।

इर्मनी (ارمنی) अ वि –इर्मन का निवासी, काकेशियन।

इर्माग़ (ارماغ) अ पुं –हग मारना, पाखाना निकल जाना।

इर्माज़ (ارماض) अ पु –गर्म रेत से जलना।

इर्वा (اروا) अ पु –पानी देना, सेराव करना, तृप्त करना।

इर्शाद (ارشاد) अ पुं –सीधा रास्ता दिखाना, आज्ञा देना, हुक्म करना, दीक्षा देना, हिदायत करना, आज्ञा, हुक्म, दीक्षा, पीर की हिदायत, धर्मगुरु का उपदेश।

इर्शाश (ارشاش) अ पु –फुहार पड़ना, धीमी वर्षा होना, आँसू गिरना, खून टपकना।

इर्स (ارث) अ स्त्री –किसी काम का पुश्त दर पुश्त चलना, मीरास, मूल, असल, राख; वाकी वची हुई वस्तु, परम्परा, पूर्व-प्रचलित मान्यता।

इर्साद (ارصاد) अ पु –निरीक्षण, निगरानी करना, देखभाल करना।

इर्साल (ارسال) अ पु –प्रेषण, भेजना, भूलना; उपहार, भेंट, तोहफा।

इलल आन (الی الآن) अ अव्य –अव तक, इस समय तक, अव भी, अद्यापि।

इला (الا) अ स्त्री –भलाई, अच्छाई, नेकी, नेमत, दिव्य पदार्थ।

इलाक: (علاقہ) अ पु –क्षेत्र, सर्किल, देश, मुल्क, प्रदेश, खित।

इलाज (علاج) अ पु –उपचार, चिकित्सा, दवा-दारू, उपाय, प्रयत्न, तदवीर।

इलाज पिज़ीर (علاج پذیر) अ फा वि –जो दवा के काविल हो, साध्य।

इलाव: (علاوہ) अ अव्य –अतिरिक्त, सिवाय। हिन्दी में 'अलावा' प्रचलित है। (अलावा)।

इलाह (الہ) अ पु –ईश्वर, अल्लाह, खुदा।

इलाहा (الہا) अ अव्य –हे ईश्वर, ए खुदा।

इलाही (الہی) अ अव्य –मेरा ईश्वर, मेरा खुदा, ईश्वर, खुदा।

इलाहीयात (الہیات) अ स्त्री –ब्रह्मज्ञान से सम्बन्धित शास्त्रादि।

इल्आव (العاب) अ पु –खेलना, क्रीडा करना।

इल्का (القا) अ पु –पहुँचाना, डालना, दैवी शक्ति द्वारा अनायास मन मे कोई विचार उत्पन्न होना, जिससे अनिष्ट से वचाव अथवा इष्ट के ग्रहण की ओर सकेत हो।

इल्गा (الغا) अ पु –डालना, फेकना, हटाना, निवारण करना, झुठलाना।

इल्जा (الجا) अ पु –वुराई और पाप से वचना, अपने काम को ईश्वरेच्छा पर निर्भर कर देना।

इल्ज़ाक (الزاق) अ पु –चिपकना, चिपकाना।

इल्जाम (الجام) अ पु –घोडे के मुँह मे लगाम देना।

इल्ज़ाम (الزام) अ पु –दोष, अपराध, जुर्म, कोई वात अपने ऊपर या दूसरे पर लाज़िम कर देना।

इल्ज़ामात (الزامات) अ पु –'इल्ज़ाम' का वहु, दोप-समूह, वहुत-से अपराध, जराइम।

इल्ताफ (الطاف) अ पु –कृपा करना, दया करना, करम करना (लुत्फ का बहुवचन अल्ताफ)।
इल्तिका (التقا) अ पु –इकट्ठा होना, एक दूसरे मे घुसना, एक दूसरे को देखना।
इल्तिकात (التقاط) अ पु –चुनना, बीनना, चुनकर इकट्ठा करना।
इल्तिकाम (التقام) अ पु –कौर करना, निवाला करना।
इल्तिजा (التجا) अ स्त्री –प्रार्थना करना, दरखास्त करना, प्रार्थना, दरखास्त, दुहाई देना।
इल्तिज़ाक (التزاق) अ पु –चिपकना, सटना।
इल्तिजाज (التجاج) अ पु –लडना, युद्ध करना।
इल्तिज़ाज़ (التذاذ) अ पु –स्वाद लेना, मजा चखना, आनद लेना, लुत्फ उठाना।
इल्तिज़ाम (التزام) अ पु –किसी कार्य को अपने ऊपर लाज़िम और अनिवार्य कर लेना।
इल्तिफात (التفات) अ पु –कनखियो से देखना, कृपा, दया, तवज्जुह, प्रवृत्ति, प्रणय-कटाक्ष, कृपाकोर।
इल्तिबास (التباس) अ पु –एक-सा होना, सदृश होना, सदृशता, मुशाबहत।
इल्तिमाअ (التماع) अ पु –चमकना, प्रकाशमान् होना।
इल्तिमास (التماس) अ स्त्री –प्रार्थना करना, सवाल करना, प्रार्थना, सवाल।
इल्तियाअ (التياع) अ पु –प्रेम की अग्नि से हृदय का दाह।
इल्तियात (التياط) अ पु –चिपकाना, मिलाना, जोडना।
इल्तियाम (التيام) अ पु –घाव का भरना, जख्म का अच्छा होना, परस्पर पैवस्त होना।
इल्तिवा (التوا) अ पु –लिपटना, मुलतवी होना, रुक जाना।
इल्तिसाक़ (التساق, التصاق) अ पु –चिपकना।
इल्तिसाम (التثام) अ पु –किसी चीज़ को चूमना।
इल्तिहा (التحا) अ पु –दाढी निकलना।
इल्तिहाफ (التحاف) अ पु –सिर से कपडा ओढना।
इल्तिहाब (التهاب) अ पु –आग का भड़कना, आग का लपटे मारना।
इल्फ (الف) अ पु –अभ्यस्त होना, आदत पड जाना।
इल्फाफ (الفاف) अ पु –लपेटना।
इल्बाब (الباب) अ. पु –बसना, ठहरना, मुकीम होना।
इल्बास (الباس) अ पु –कपडे पहनना।
इल्म (علم) अ पु –विद्या, विज्ञान, ज्ञान, जानकारी, शिल्प, दस्तकारी, कला, फन, वुद्धि, अक्ल, विवेक, शऊर, शिक्षा, तालीम।
इल्मदाँ (علمداں) अ फा वि –विद्वान्, पडित, आलिम, फाज़िल।
इल्मदोस्त (علم‌دوست) अ फा वि –विद्या से प्रेम करनेवाला, विद्वज्जनो की कद्र करनेवाला, गुणग्राही।
इल्मी (علمی) अ वि –इल्म से सम्बन्धित, इल्म का, विद्वत्तापूर्ण, काविलाना।
इल्मीयत (علمیت) अ स्त्री –विद्वत्ता, पाडित्य, काविलीयत, योग्यता।
इल्मुत्तवारीख़ (علم‌التواریخ) अ पु –इतिहास विज्ञान, तारीख का इल्म।
इल्मुन्निसा (علم‌النسا) अ पु –कोकशास्त्र, कामशास्त्र।
इल्मुल अख़्लाक (علم‌الاخلاق) अ पु –नीतिशास्त्र।
इल्मुल अग़्जिय. (علم‌الاغذیہ) अ पु –आहार-विज्ञान, भोजन-विज्ञान।
इल्मुल अज्साम (علم‌الاجسام) अ पु –शरीर-विज्ञान।
इल्मुल अद्विय: (علم‌الادویہ) अ पु –औषधि-विज्ञान, वनस्पतिशास्त्र, ।
इल्मुल अफ्लाक (علم‌الافلاک) अ पु –अतरिक्ष-विज्ञान।
इल्मुल अब्दान (علم‌الابدان) अ पु –दे 'इल्मुलअज्साम'।
इल्मुल अम्राज (علم‌الامراض) अ पु –रोग-निदान-शास्त्र।
इल्मुल अर्वाह (علم‌الارواح) अ पु –प्रेतविद्या।
इल्मुल अल्सिन: (علم‌الالسنہ) अ पु –भाषा-विज्ञान।
इल्मुल अश्जार (علم‌الاشجار) अ पु –वृक्षायुर्वेद, वनस्पतिशास्त्र, निघण्टु-विज्ञान।
इल्मुल आ'ज़ा (علم‌الاعضا) अ पु –शरीर-रचना-शास्त्र।
इल्मुल इक्तिसाद (علم‌الاقتصاد) अ पु –अर्थशास्त्र।
इल्मुल इर्तिका (علم‌الارتقا) अ पु –विकास-विज्ञान।
इल्मुल इलाज (علم‌العلاج) अ पु –चिकित्सा- शास्त्र।
इल्मुल क़ाबिल: (علم‌القابلہ) अ पु –धात्रीविद्या, दायगरी, रोगीपरिचर्या-विज्ञान।
इल्मुल जराहत (علم‌الجراحت) अ पु –शल्यशास्त्र, शल्यविद्या।
इल्मुल मिसाहत (علم‌المساحت) अ पु –ज्यामिति, क्षेत्रगणित, रेखागणित।
इल्मुल हयात (علم‌الحیات) अ पु –जीव-विज्ञान।
इल्मुल हैवान (علم‌الحیوان) अ पु –प्राणिशास्त्र।
इल्मे अदब (علم‌ادب) अ पु –साहित्य-शास्त्र।
इल्मे अरूज़ (علم عروض) अ पु –पिंगल, छद शास्त्र।
इल्मे इशा (علم انشا) अ पु –गद्य-रचना-शास्त्र।
इल्मे इसाफ (علم انصاف) अ पु –व्यवहार-शास्त्र।
इल्मे इलाज (علم علاج) अ पु –दे 'इल्मुलइलाज'।

इल्मे इलाहीयात (علم الہیات) अ पु —दर्शन-शास्त्र ।
इल्मे कलाम (علم کلام) अ पु —मीमांसा, तर्कशास्त्र ।
इल्मे क़ाफ़ियः (علم قافیہ) अ पु —अनुप्रास-शास्त्र ।
इल्मे क़ियाफ़ः (علم قیافہ) अ पु —सामुद्रिक-शास्त्र, अंगविद्या ।
इल्मे कीमिया (علم کیمیا) अ पु —रसायन-शास्त्र ।
इल्मे ग़ैब (علم غیب) अ पु —परोक्ष-विद्या, भविष्य-ज्ञान, परोक्ष-ज्ञान ।
इल्मे जरासीम (علم جراثیم) अ पु —कीटविद्या, कैटिकी, कीटाणु-विज्ञान ।
इल्मे जिमादात (علم جمادات) अ पु —खनिज-विज्ञान, धातु-विद्या ।
इल्मे तख़्लीक़ (علم تخلیق) अ पु —सृष्टि-विज्ञान ।
इल्मे तबक़ातुलअर्ज़ (علم طبقات الارض) अ पु —भूगर्भ-शास्त्र, भौमिकी, भूगर्भ-विद्या ।
इल्मे तब्ईयात (علم طبعیات) अ पु —प्रकृति-विज्ञान, विज्ञान-शास्त्र ।
इल्मे तमद्दुन (علم تمدن) अ पु —नागरिक-शास्त्र ।
इल्मे तसव्वुफ़ (علم تصوف) अ पु —अध्यात्म, ब्रह्मविद्या ।
इल्मे तस्ख़ीर (علم تسخیر) अ पु —वशीकरण-शास्त्र ।
इल्मे तारीख़ (علم تاریخ) अ पु —दे 'इल्मुत्तवारीख़' ।
इल्मे तिजारत (علم تجارت) अ पु —वाणिज्य-शास्त्र ।
इल्मे तिलिस्म (علم طلسم) अ पु —भोजविद्या, इंद्रजाल ।
इल्मे दस्तबीनी (علم دست بینی) अ फ़ा पु —हस्त-सामुद्रिक विद्या ।
इल्मे दीन (علم دین) अ पु —धर्मशास्त्र ।
इल्मे नफ़्सीयात (علم نفسیات) अ पु —मनोविज्ञानशास्त्र, मानसशास्त्र ।
इल्मे नबातात (علم نباتات) अ पु —वनस्पति-शास्त्र, उद्‌भिज्ज-शास्त्र ।
इल्मे नुजूम (علم نجوم) अ पु —फलित ज्योतिष, ज्योतिष-विज्ञान ।
इल्मे फ़ल्सफ़ः (علم فلسفہ) अ पु —विज्ञान, साइंस, पदार्थ-विज्ञान, दर्शनशास्त्र, वेदान्त, ब्रह्मविद्या ।
इल्मे बयान (علم بیان) अ पु —फ़साहतो बलाग़त का इल्म वर्णन-पटुता, भाषण-कौशल ।
इल्मे मंतिक़ (علم منطق) अ पु —न्यायशास्त्र, तर्कशास्त्र, तर्कविद्या ।
इल्मे मा'क़ूल (علم معقول) अ पु —दर्शनशास्त्र, तर्कशास्त्र ।
इल्मे मा'दनीयात (علم معدنیات) अ पु —खनिज-विज्ञान ।
इल्मे मा'रिफ़त (علم معرفت) अ पु —अध्यात्म-ज्ञान ।
इल्मे मुआशरत (علم معاشرت) अ पु —समाज-शास्त्र ।
इल्मे मुनाज़र: (علم مناظرہ) अ पु —शास्त्रार्थ-विज्ञान ।
इल्मे मूसीक़ी (علم موسیقی) अ पु —संगीतशास्त्र, गान-विद्या, नादशास्त्र ।
इल्मे मौजूदात (علم موجودات) अ पु —सृष्टि-विज्ञान ।
इल्मे रियाज़त (علم ریاضت) अ पु —योगशास्त्र ।
इल्मे रियाज़ी (علم ریاضی) अ पु —गणितशास्त्र ।
इल्मे रीमिया (علم ریمیا) अ पु —इंद्रजाल, जादूगरी ।
इल्मे लदुन्नी (علم لدنی) अ पु —ईश्वरदत्त ज्ञान ।
इल्मे लिसानीयात (علم لسانیات) अ पु —दे 'इल्मुल अल्सिन' ।
इल्मे शे'र (علم شعر) अ पु —काव्यशास्त्र ।
इल्मे सनाअत (علم صناعت) अ पु —शिल्प-शास्त्र ।
इल्मे सनाए (علم صنائع) अ पु —अलंकारादि-शास्त्र ।
इल्मे सिफ़्ली (علم سفلی) अ पु —पिशाचविद्या, भूत-विद्या ।
इल्मे सियासत (علم سیاست) अ पु —राजनीति-शास्त्र ।
इल्मे सीमिया (علم سیمیا) अ पु —परकाय-प्रवेश-विद्या ।
इल्मे सेहत (علم صحت) अ पु —स्वास्थ्य-विज्ञान ।
इल्मे हिंदिस: (علم هندسه) अ पु —गणितशास्त्र, अंकशास्त्र ।
इल्मे हैअत (علم هیئت) अ पु —खगोल-विज्ञान ।
इल्यास (الیاس) अ पु —एक पैग़म्बर जो सदा जीवित रहेंगे, यह समुद्रों के संरक्षक हैं ।
इल्ल (ال) अ पु —वचन, प्रतिज्ञा, पैमान, शरण, अमान, शपथ, सौगंद ।
इल्लत (علت) अ स्त्री —कारण, हेतु, सबब, रोग, बीमारी, दुर्व्यसन, बुरीलत, झंझट ।
इल्लतुल इलल (علت العلل) अ स्त्री —मूल कारण, निदान, सारे कारणों का कारण, ईश्वर, ख़ुदा ।
इल्लतुल मशाइख़ (علت المشائخ) अ स्त्री —बूढ़े लोगों वाला दुर्व्यसन, गुदादान व्यसन, बुरा काम कराने की लत, भवेसिया ।
इल्लते आफ़्ताब (علت آفتاب) अ स्त्री —कमल रोग, यरक़ान ।
इल्लते उब्नः (علت ابنه) अ स्त्री —दे 'इल्लतुल मशाइख़' ।
इल्लते ग़ाई (علت غائی) अ स्त्री —मूल कारण, निदान, अस्ल सबब, जिस कारण के लिए कोई काम किया जाय ।
इल्लते ताम्म: (علت تامه) अ स्त्री —पूरा कारण, कामिल सबब ।
इल्लते फ़ाइली (علت فاعلی) अ स्त्री —किसी कार्य का कारण, जैसे—मकान के लिए राज ।

इल्लते सूरी (علت صوری) अ स्त्री –ज़ाहिरी इल्लत, जैसे —मकान का आकार।
इल्ला (الا) अ अव्य –मगर, परन्तु, नही तो, वरना।
इल्साक़ (الصاق, الساق) अ पु –चिपकाना।
इल्हा (الحا) अ पु –झगडे मे डालना।
इल्हाक (الحاق) पु –मिलाना, जोडना, मूल पुस्तक मे ऊपर से कुछ जोड देना, क्षेपक।
इल्हाद (الحاد) अ पु –नास्तिकता, वेदीनी।
इल्हान (الحان) अ पु –स्वर-माधुर्य, खुशआवाज़ी, गान, नग्म, अच्छी आवाज़, कठ-माधुर्य।
इल्हाब (الهاب) अ पु –आग भडकना, शोले उठना।
इल्हाम (الہام) अ पु –ईश्वर की ओर से हृदय मे आयी हुई वात, देववाणी, आकाशवाणी।
इल्हाह (الحاح) अ पु –गिडगिडाना, आजिजी करना, घिघियाना, खुशामद, विनती, गिडगिडाहट।
इलहाहोज़ारी (الحاح وزاری) अ फा स्त्री –रोना और गिडगिडाना।
इवान (اوان) फा पु –ईवान, प्रासाद, महल।
इशक (اشک) तु पु –गधा, गदहा, खर।
इशा (عشا) अ स्त्री –रात्रि, रात, रात का अँधेरा, रात की नमाज़।
इशाअत (اشاعت) अ स्त्री –प्रचार, प्रसार, मुश्तहरी, सस्करण, एडीशन, प्रकटन, ज़ुहूर।
इशाकत (اشاکت) अ स्त्री –गडाना, चुभोना।
इशादत (اشادت) अ स्त्री –ऊँचे स्वर से पढ़ना।
इशार. (اشاره) अ पु –सकेत, इगित, ईमा, तात्पर्य, मतलव।
इशार·बाज़ी (اشاره بازی) अ फा स्त्री –आपस मे इशारे करना, सकेत करना।
इशारत (اشارت) अ स्त्री –दे 'इशार'।
इशारतन् (اشارتاً) अ वि –सकेत से, इशारे मे, सकेत करके।
इशारात (اشارات) अ पु –इशार का वहु, इशारे।
इश्आर (اشعار) अ पु –सचेत करना, सूचना देना, आगाह करना।
इश्आल (اشعال) अ पु –आग भडकाना।
इश्क़ (عشق) अ पु –प्रेम, अनुराग, आसक्ति, मोह, महव्वत, दुर्व्यसन, लत।
इश्कन (اشکنه) अ पु –वढई का वर्मा।
इश्क़बाज़ (عشق باز) अ फा वि –इश्क़ करनेवाला, प्रेमी।
इश्क़बाज़ी (عشق بازی) अ फा स्त्री –प्रेम-व्यवहार, इश्क करना।
इश्काल (اشکال) अ पु –कठिनता, दुष्करता, दुश्वारी, कठिनाई।
इश्कूख़ (اشکوخ) अ पु –ठोकर, फिसलन।
इश्क़े पेचाँ (عشق پیچاں) अ फा पु –एक वेल, जो पेड पर लिपट जाती है।
इश्के मजाज़ी (عشق مجازی) अ पु –मानव-प्रेम, भौतिक प्रेम, प्राणियो से प्रेम, सासारिक प्रेम।
इश्क़े हक़ीक़ी (عشق حقیقی) अ पु –ईश्वर-प्रेम, ईश्वर-भक्ति, इश्के इलाही।
इश्तात (اشتات) अ पु –तितर-वितर करना।
इश्तिआल (اشتعال) अ पु –उत्तेजना, भडकाना, जोश दिलाकर मारकाट पर आमादा करना, लपट मारना, भडकना।
इश्तिका (اشتکا) अ पु –उलाहना देना, गिला करना।
इश्तिकाक (اشتقاق) अ पु –लकडी आदि का चीरना, एक शब्द से दूसरा शब्द वनाना।
इश्तिकार (اشتکار) अ पु –शिकायत करना, गिला करना।
इश्तिग़ाल (اشتغال) अ पु –काम मे लगना, मश्गूल होना, तन्मयता, सलग्नता, मुँह फेरना, बेज़ार होना।
इश्तिदाद (اشتداد) अ पु –तीव्रता, प्रचडता, तेज़ी, अत्याचार, ज़ुल्म।
इश्तिबाक (اشتباک) अ पु –दोनो हाथो की उँगलियाँ एक दूसरे में पैवस्त करना, पेड की डालियो का एक दूसरे में गुँथना।
इश्तिबाह (اشتباه) अ पु –सदेह, शका, शक।
इश्तिमाल (اشتمال) अ पु –कई चीज़ो को मिलाकर एक करना।
इश्तिमालीयत (اشتمالیت) अ स्त्री –मिलाकर एक करने का सिद्धात।
इश्तिमाले आराज़ी (اشتمال اراضی) अ पु –विभिन्न खेतो की भूमि को मिलाकर एक कर देना, चकवदी।
इश्तियाक (اشتیاق) अ पु –वहुत अधिक शौक, उत्कठा, लालसा।
इश्तियाक़े मालायुताक़ (اشتیاق مالا یطاق) अ पु –ऐसी वढी हुई उत्कठा जो रोकी न जा सके, वहुत ही अधिक लालसा, अभिलाषा।
इश्तियाफ (اشتیاف) अ पु –समानित करना, सर वलद रखना।
इश्तिरा (اشترا) अ पु –मोल लेना, खरीदना।
इश्तिराक (اشتراک) अ पु –भागीदारी, साझा, समानता, मुसावात, साम्यवाद, कम्यूनिज़्म।

इश्तिराकी (اشتراکی) अ वि –यह सिद्धात माननेवाला कि देश के धन मे सब बराबर के भागीदार है, साम्यवादी।
श्तिराकीयत (اشتراکیت) अ स्त्री –साम्यवाद, कम्यूनिज्म।
इश्तिरात (اشتراط) अ पु –बाज़ी बदना, शर्त लगाना।
इश्तिहा (اشتہا) अ स्त्री –क्षुधा, भूख, इच्छा, ख्वाहिश; रुचि, रग्बत।
इश्तिहाए काज़िब (اشتہائے کاذب) अ. स्त्री –झूठी भूख।
इश्तिहाए सादिक (اشتہائے صادق) अ स्त्री –सच्ची भूख, तेज़ भूख।
इश्तिहार (اشتہار) अ पु –प्रचार, प्रसार, प्रोपेगडा, विज्ञापन, मुश्तहरी का पर्चा, मुनादी, घोषणा।
इश्तिहारी (اشتہاری) अ वि –इश्तिहार द्वारा प्रसारित, जैसे–इश्तिहारी दवा, वह अपराधी जो भागा हुआ हो और जिसके पकडने के लिए इश्तिहार जारी हो, इश्तिहार से सम्बन्धित।
इश्नूसः (اشنوسہ) फा स्त्री –छीक, विक्षाव।
इश्फाक (اشفاق) अ पु –कृपा करना, दया करना, कृपादृष्टि, त्रास, डराना, 'अश्फाक' भी प्रचलित।
इश्बाअ (اشباع) अ पु–पेट भर खिलाना, 'ज़बर', 'ज़ेर' और 'पेश' को इतना बढाना कि वह अलिफ, ये और वाव हो जाय, जैसे 'खर' में 'खे' के ज़बर को बढा दे तो 'खार' हो जाय।
इश्बाल (اشبال) अ पु –विधवा का अपने बच्चो के कारण पुनर्विवाह न करना, कृपा करना, मेहरबानी करना।
इश्बाह (اشباہ) अ पु –सदृश होना, तुल्य होना, एक-सा होना।
इश्बेख्तः (اشبیختہ) फा वि –छिडका हुआ, बखेरा हुआ।
इश्माअ (اشماع) अ पु –चिराग की लौ का बढ जाना, चिराग का तेज़ जलना।
इश्माम (اشمام) अ पु –सूँघना, सुँघाना।
इश्रत (عشرت) अ स्त्री –सुख, आनद, चैन, आराम, भोगविलास का सुख, ऐयाशी, हर्ष, खुशी।
इश्रत अंजाम (عشرت انجام) अ फा वि –वह कार्य जिसका अत आनदमय हो।
इश्रतकदः (عشرتکدہ) अ फा पु –रगभवन, रगशाला, ऐशमहल।
इश्रतखानः (عشرتخانہ) अ फा पु –दे 'इश्रतकद'।
इश्रतगाह (عشرتگاہ) अ फा स्त्री –दे 'इश्रतकद'।
इश्रते इम्रोज़ (عشرت امروز) अ फा स्त्री –वह सुख जो आज प्राप्त हो, अर्थात् सासारिक सुख।
इश्रते फर्दा (عشرت فردا) अ फा स्त्री –वह सुख जो कल मिलेगा, अर्थात् पारलौकिक सुख।
इश्रते फानी (عشرت فانی) अ स्त्री –वह सुख जो क्षणिक हो, थोडे दिनो का सुख, अर्थात् सासारिक सुख।
इश्राक (اشراق) अ पु –चमकना, उज्ज्वल होना, सूर्योदय के पश्चात् का समय।
इश्राकी (اشراقی) अ वि –प्राचीन वैज्ञानिको का वह दल अथवा व्यक्ति जो आत्मशक्ति द्वारा दूर बैठे हुए पठन-पाठन करता था। ये लोग यूनान देश के थे।
इश्राफ (اشراف) अ पु –ऊँचा होना, ऊँचे पर बैठना, किसी चीज़ की चोटी पर बैठना, वाकिफ होना, ऊपर से देखना।
इश्रीन (عشرین) अ पु –बीस।
इश्वः (عشوہ) अ पु –सुदर स्त्रियो का हाव-भाव।
इश्वःकार (عشوہکار) अ फा वि –दे इश्व गर।
इशवःकारी (عشوہکاری) अ फा स्त्री –दे 'इश्व गरी'।
इश्वःगर (عشوہگر) अ फा वि –हाव-भाव से दिल मोह लेनेवाला (वाली), नाज़ो अदाज़ दिखानेवाला (वाली)।
इश्वःगरी (عشوہگری) अ फा स्त्री –हाव-भाव दिखाने का भाव।
इश्वःतराज़ (عشوہطراز) अ फा वि –दे 'इश्व गर'।
इश्व.तराज़ी (عشوہطرازی) अ फा स्त्री –दे 'इश्व गरी'।
इश्वःसंज (عشوہسنج) अ फा वि —'इश्व गर'।
इश्व संजी (عشوہسنجی) अ फा स्त्री –दे 'इश्व गरी'।
इसा (اسا) अ पु –अपने साथ बुराई करना।
इसाअः (اساعہ) अ पु –नष्ट करना, ज़ाए करना, त्यागना, छोडना।
इसाअत (اساعت) अ स्त्री –बुराई, बदी, पाप, गुनाह।
इसाखत (اصاخت) अ स्त्री –सुनने के लिए कान लगाना।
इसाद. (اسادہ) अ पु –तकिया, बालिश, उपधान।
इसाबः (اصابہ) अ पु –हैज़े मे मुब्तला होना, हैज़ा हो जाना।
इसाबः (عصابہ) अ पु –सर बाँधने की पट्टी।
इसाब (عصاب) अ पु –पट्टी।
इसाबत (اصابت) अ स्त्री –पहुँच, रसाई, ठीक पाना, यथार्थता, हकीकत।
इसाबते राए (اصابت رائے) अ स्त्री –राय का ठीक और शुद्ध होना।
इसाम (عصام) अ पु –मश्क उठाने का तस्मा, बेद मुश्क।
इस्आद (اسعاد) अ पु –शुभान्वित करना, मगलकारी बनाना, मैत्री, दोस्ती।

इस्आफ (اسعاف) अ पु–इच्छा पूरी करना, काम निकाल देना, किसी का काम उसकी मशा के अनुसार कर देना।
इस्कदर (اسکندر) अ पु–सिकदर, यूनान का प्राचीन शासक।
इस्कंदरीय. (اسکندریہ) अ स्त्री–मिस्र देश का प्रसिद्ध वदरगाह जिसे सिकदर ने वनाया था।
इस्कदार (اسکدار) फा पु–डाकिया, हरकारा, डाक की चौकी।
इस्क़ा (اسقا) अ पु–पानी या शराव आदि पिलाना।
इस्क़ात (اسقاط) अ पु–गिरना, डालना, पेट से वच्चा गिरना या गिराना।
इस्कात (اسکات) अ पु–चुप कर देना, चुप कर देनेवाली वात करना।
इस्क़ाते हम्ल (اسقاط حمل) अ पु–स्त्री के पेट से वच्चा गिरना, गर्भपात, गर्भक्षय, गर्भस्राव।
इस्कान (اسکان) अ पु–शाति, सुकून, अक्षर को हल् करना।
इस्काफ (اسکاف) अ पु–जूता वनानेवाला, मोची।
इस्क़ाल (اثقال) अ पु–भारी होना।
इस्किन (اسکنہ) अ पु–छेद करने का वरमा।
इस्कीज. (اسکیزہ) अ पु–घोडे की दुलत्ती।
इस्क़ील (اسقیل) अ पु–जगली पियाज़।
इस्ग़ा (اسغا) अ पु–वात सुनने के लिए कान झुकाना।
इस्गाव (اسغاب) अ पु–भूखा होना।
इस्जाअ (اسجاع) अ पु–वातो में तुक वाले शब्द वोलना, मुकफ्फा इवारत वोलना, सतुकान्त भाषण।
इस्तंवोल (استنبول) तु पु–यूरोपीय तुर्की की राजधानी, क़ुस्तुतीनिया।
इस्त (است) अ पु–मलद्वार, गुदाद्वार, मक्अद का सूराख।
इस्तखर (استخر–اصطخر) अ पु–तडाग, तालाव, ईरान का एक दुर्ग।
इस्तब्रक (استبرق) अ पु–एक वहुमूल्य रेशमी कपडा।
इस्तव्ल (اصطبل) अ पु–अश्वशाला, घुडसाल, तवेला, 'अस्तवल' भी प्रचलित है। (अस्तव्ल)।
इस्तम (استم) अ पु–अत्याचार, सितम।
इस्ता (استا) फा स्त्री–प्रशसा, तारीफ।
इस्ताज (استاج) अ पु–सूत लपेटने का अटेरन।
इस्ताद. (استادہ) फा वि–सीधा खडा हुआ।
इस्तादगी (استادگی) फा स्त्री–खडे होने का भाव, खडापन, लिंगेंद्रिय का उत्थान।
इस्तादनी (استادنی) फा वि–खडे होने योग्य।
इस्तार. (اسطارہ) अ पु–दे 'उस्तूर'।
इस्तार (استار) अ पु–छिपाना, गोपन, साढे चार मिस्काल या २०$\frac{1}{2}$ माशे का एक भार।
इस्तिंजा (استنجا) अ पु–मूत्र या शौच के पश्चात् पानी लेना, आवदस्त।
इस्तिताक (استنطاق) अ पु–वात पूछना, प्रश्न करना, वोलने की शक्ति चाहना।
इस्तिवात (استنباط) अ पु–वात मे से वात निकालना, किसी वात से कोई निष्कर्ष निकालना।
इस्तिंवाह (استنباہ) अ पु–चेतावनी चाहना, सतर्कता ढूंढना।
इस्तिंशाक (استنشاق) अ पु–नाक से हवा या पानी खीचना, नाक से दवा सुडकना, "नोज़-स्पञ्ज"।
इस्तिसार (استنثار) अ पु–नाक छिनकना, नाक साफ करना, तितर-वितर करना।
इस्तिसार (استنصار) अ पु–सहायता चाहना, मदद माँगना।
इस्तिआज़त (استعاذت) अ स्त्री–त्राण चाहना, पनाह ढूंढना, शरणागति।
इस्तिआदत (استعادت) अ स्त्री–लौटाने की इच्छा करना।
इस्तिआनत (استعانت) अ स्त्री–सहायता चाहना, मदद माँगना।
इस्तिआर· (استعارہ) अ पु–उधार लेना, शाइरी की परिभाषा मे किसी अगोचर वस्तु को साकार मानकर उस से काम लेना जैसे–'सरे होश' होश का सिर और 'पाए फिक्र' फिक्र के पाँव, इसमे होश और फिक्र को आदमी मानकर उसके सिर और पैर वनाये है। 'काव्य मे अमूर्त्त का मानवीकरण', रूपक।
इस्तिकाक (اصطکاک) अ पु–दो कड़ी वस्तुओं की रगड से पैदा होनेवाली आवाज़।
इस्तिकानत (استکانت) अ स्त्री–नम्रता दिखाना, तिरस्कार करना, विनति, नम्रता, आजिजी।
इस्तिकामत (استقامت) अ स्त्री–सीधा होना, दृढ होना, सिधाई, सरलता, दृढता, मज़वूती।
इस्तिक्ताव (استکتاب) अ पु–लिखना, लेखन, किसी चीज के लिखने को कहना।
इस्तिक्दाम (استقدام) अ पु–स्वागत करना, पेशवाई करना, आगे होना।
इस्तिक्फाफ (استکفاف) अ पु–हाथ फैलाना।
इस्तिक्वार (استکبار) अ पु–अपने को महान् जानना, अवज्ञा करना, आगे होने के लिए कहना।

इस्तिक़्बाल (استقبال) अ पु –आगे बढकर लेना, स्वागत करना, स्वागत के लिए आगे जाना, चाँद-सूरज का आमने-सामने होना, यह पूर्णमासी की रात को होता है, भविष्य, मुस्तक्बिल

इस्तिक़्रा (استقرا) अ पु –गवेषणा करना, तलाश करना, अनुसरण करना, पैरवी करना, कुछ बातो से कोई निष्कर्ष निकालना।

इस्तिक़्राज़ (استقراض) अ पु –उधार माँगना, कर्ज़ चाहना, ऋण लेना।

इस्तिक़्रार (استقرار) अ पु –ठहरना, रुकना, शात होना, प्रमाणित होना।

इस्तिक्रार (استکرار) अ पु –बार-बार माँगना।

इस्तिक़्रारे हक़ (استقرار حق) अ पु –अपना हक (स्वत्व, अधिकार) माँगना, हक साबित करना।

इस्तिक्राह (استکراه) अ पु –घृणा करना, नफरत, नापसद करना।

इस्तिक़्लाल (استقلال) अ पु –अपने सहारे खडा होना, थोडा जानना, दृढता, मज़बूती, किसी बात पर अटल रहना।

इस्तिक़्सा (استقصا) अ पु –किसी चीज़ के अत को पहुँचना, बहुत अधिक इच्छा करना, कृपणता, कजूसी, प्रयत्न, आयास, कोशिश।

इस्तिक्साब (استکساب) अ पु –अपनी ज़ाती (निजी) कोशिश से कोई चीज या गुण प्राप्त करना।

इस्तिक़्साम (استقسام) अ पु –भाग करवाना, बटवारे की इच्छा करना, शपथ लेना, कसम खिलवाना।

इस्तिक़्सार (استقصار) अ पु –कम करने की इच्छा करना, कम करना।

इस्तिक्सार (استکثار) अ पु –अधिकता चाहना।

इस्तिख़ारः (استخاره) अ पु –किसी कार्य मे दैवी सहायता चाहना, परोक्ष ज्ञान की इच्छा करना, किसी धार्मिक कृति द्वारा यह जानना कि अमुक काम शुभ है या अशुभ।

इस्तिख़्दाम (استخدام) अ पु –सेवा करने की इच्छा करना, नौकरी चाहना।

इस्तिख़्फ़ाफ़ (استخفاف) अ पु –लज्जा, शर्म, सकोच, नदामत, तिरस्कार, तहकीर।

इस्तिख़्राज (استخراج) अ पु –बाहर निकालना, निष्कासन, निकालने की इच्छा करना।

इस्तिख़्लास (استخلاص) अ पु –बधनमुक्त करना, छोड देना।

इस्तिग़ासः (استغاثه) अ पु –वाद, नालिश, फौजदारी का दावा, मदद की पुकार।

इस्तिग़ासत (استغاثت) अ स्त्री –दे 'इस्तिगास.'।

इस्तिग़ना (استغنا) अ पु –निस्पृहता, अनिच्छा, बेनियाज़ी।

इस्तिग़फ़ार (استغفار) अ पु –ईश्वर से पापो की क्षमा चाहना, मुक्ति चाहना, मोक्ष-प्राप्ति की इच्छा करना।

इस्तिग़्राक़ (استغراق) अ पु –अपनी दशा मे ऐसा मग्न होना कि किसी का पता न चले, तन्मयता, तल्लीनता, सलग्नता, इन्हियाक, महवियत।

इस्तिग़्राब (استغراب) अ पु –आश्चर्य मे डालना, अनोखी बात करना, बहुत अधिक प्रशसा करना, आश्चर्य, हैरत।

इस्तिज़ा (استضا) अ पु –रौशनी पकडना, प्रकाशित होना।

इस्तिजाज़ः (استجازه) अ पु –आज्ञा माँगना, इजाज़त चाहना।

इस्तिजाबत (استجابت) अ स्त्री –प्रश्न का उत्तर देना, प्रार्थना स्वीकार करना।

इस्तिज्बार (استجبار) अ पु –अभिमान करना, अवज्ञा और उद्दडता करना।

इस्तिज्ला (استجلا) अ पु –प्रकाशमान करना, रौशन करना।

इस्तिज़्लाक़ (استزلاق) अ पु –फिसलाना।

इस्तिज्लाब (استجلاب) अ पु –अपनी ओर खीचना, कोई वस्तु प्राप्त करना।

इस्तिज़्लाल (استظلال) अ पु –छाया ढूँढना, छाया मे आना, किसी की रक्षा मे आना।

इस्तिज़्हार (استظهار) अ पु –सहायता चाहना, किसी का सहायक होना, बलवान् होना, कठ पढना।

इस्तिताअत (استطاعت) अ स्त्री –सामर्थ्य, शक्ति, मक्दरत, ज़ोर, बल, कुव्वत।

इस्तिताबत (استتابت) अ स्त्री –पाप न करने की दृढ प्रतिज्ञा करना, तौबा करना।

इस्तिताबत (استطابت) अ स्त्री –पवित्र करना, सुगधित करना, आनद करना।

इस्तितार (استتار) अ पु –पर्दे मे छिप जाना, गायब हो जाना।

इस्तित्राद (استطراد) अ पु –किसी के बाहर आने की इच्छा करना, किसी को भगाने की इच्छा करना, काम की तेज़ी।

इस्तित्लाअ (استطلاع) अ पु –सूचना चाहना, आगाही पाने की इच्छा करना, सूचना, इत्तिलाअ।

इस्तित्लाक़ (استطلاق) अ पु –बधन-मुक्त करना, कैद से छोड़ना, रिहा करना।

इस्तिदामत (استدامت) अ स्त्री –नित्यता चाहना, किसी कार्य के हमेशा होने की इच्छा करना।

इस्तिदारत (استدارت) अ स्त्री –वधक होना, गिरौ होना।

इस्तिद्आ (استدعا) अ पु –प्रार्थना, निवेदन, दरखास्त, 'इस्तिदुआ' भी प्रचलित।

इस्तिद्फ़ाअ (استدفاع) अ पु –अपने से अलग करना, एक चीज़ को दूसरी चीज़ से अलग करना।

इस्तिद्राक (استدراک) अ पु –समझने की इच्छा करना।

इस्तिद्राज (استدراج) अ पु –वह करामात या चमत्कार जो किसी नास्तिक द्वारा प्रकट हो।

इस्तिदलाल (استدلال) अ पु –प्रमाण चाहना, सुबूत माँगना, गवाह माँगना, दलील देना, तर्क करना, तर्क, दलील, प्रमाण, सुबूत।

इस्तिनाअ (اصطناع) अ पु –भलाई करना, नेकी करना, फिरना, घूमना।

इस्तिनाद (استناد) अ पु –सहारा लगाना, सनद (प्रमाणपत्र) चाहना, प्रमाणित होना।

इस्तिनाबत (استنابت) अ स्त्री –किसी का प्रतिनिधित्व चाहना, नियाबत चाहना।

इस्तिनारत (استنارت) अ स्त्री –प्रकाशमान होना, दूसरे प्रकाशित पदार्थ से प्रकाश ग्रहण करना।

इस्तिन्क़ाअ (استنقاع) अ पु –सूखे मेवो आदि को पानी मे भिगोकर और हाथ से मलकर, निचोडकर उनका रस लेना, नुकूअ ग्रहण करना।

इस्तिन्काफ (استنکاف) अ पु –बुरा जानना, घृणा करना।

इस्तिन्फाज़ (استنفاض) अ पु –किसी के कपडो की तलाशी लेना, झाडा लेना, जामातलाशी।

इस्तिन्फास (استنفاس) अ पु –जीवन की इच्छा करना, खून निकलना।

इस्तिफा (اصطفا) अ पु –प्रतिष्ठा, वुजुर्गी, स्वीकार करना, लेना।

इस्तिफाज़ (استفاضہ) अ पु –किसी का यश चाहना, फैज़ तलब करना।

इस्तिफाज़त (استفاضت) अ स्त्री –दे 'इस्तिफाज़'।

इस्तिफाद (استفادہ) अ पु –किसी से लाभान्वित होना, नफा उठाना।

इस्तिफादत (استفادت) अ स्त्री –दे 'इस्तिफाद'।

इस्तिफाफ (اصطفاف) अ पु –पक्तिवद्ध होना, सफ बाँधना।

इस्तिफाफ (استفاف) अ पु –फकी फाँकना।

इस्तिफ्ता (استفتا) अ पु –मुफ्ती से फत्वा माँगना।

इस्तिफ़्राग (استفراغ) अ पु –वमन करना, कै करना, उलटी करना, वमन, कै, उलटी, फुर्सत चाहना।

इस्तिफ़्सार (استفسار) अ पु –प्रश्न, सवाल, जिज्ञासा, पूछताछ, दरयाफ्त।

इस्तिफ़्हाम (استفہام) अ पु –किसी चीज़ को समझना चाहना, समझने की इच्छा करना, पूछना, सवाल करना।

इस्तिफ्हामे इन्कारी (استفہام انکاری) अ पु –ऐसा प्रश्न जिससे किसी वात की अस्वीकृति प्रकट हो।

इस्तिफ्हामे इक़ारी (استفہام اقراری) अ पु –ऐसा प्रश्न जिससे किसी वात की स्वीकृति प्रकट हो।

इस्तिवाग़ (اصطباغ) अ पु –चमडा रँगना, पानी मे गोता देना, ईसाई धर्म मे वपतिस्मा देना।

इस्तिवार (اصطبار) अ पु –धैर्य धरना, सब्र करना।

इस्तिवाह (اصطباح) अ पु –सवेरे की शराव पीना।

इस्तिवाहत (استباحت) अ स्त्री –धर्म विहित करना, उचित करना, हलाल करना, जायज़ करना, मुवाह करना।

इस्तिव्आद (استبعاد) अ पु –दूर हटना, अलग होना, दूर जानना।

इस्तिव्क़ा (استبقا) अ पु –वाकी रखना, वाकी वचाना, शेष छोड देना।

इस्तिव्ता (استبطا) अ पु –देर करना, ढील करना, विलव करना।

इस्तिव्दाद (استبداد) अ पु –अकेले किसी काम मे लगना और किसी की वात न मानना, अत्याचार, जुल्म।

इस्तिव्रा (استبرا) अ पु –दोप से अलग रहने की इच्छा, पवित्रता, शुद्धि।

इस्तिव्शार (استبشار) अ पु –अच्छी खवर पूछना, शुभ समाचार सुनने की इच्छा।

इस्तिव्सार (استبصار) अ पु –दिव्य दृष्टि, वीनाई, वसारत, वुद्धिमत्ता, दानाई।

इस्तिमाअ (استماع) अ पु –सुनना, श्रवण।

इस्तिमालत (استمالت) अ स्त्री –अपनी ओर आकृष्ट करना, अपने से राज़ी करना।

इस्तिम्ज़ाज (استمزاج) अ पु –अनुमति लेना, राय पूछना, आज्ञा, इजाज़त, मर्ज़ी, अनुमति।

इस्तिम्ताअ (استمتاع) अ पु –लाभ-प्राप्ति की इच्छा करना, नफा चाहना, नफे की तलाश।

इस्तिम्दाद (استمداد) अ पु –सहायता चाहना, मदद माँगना, सहायता, मदद।

इस्तिम्ना (استمنا) अ पु—वीर्यपात करने की इच्छा, मनी खारिज करना।

इस्तिम्ना बिलयद (استمنا بالید) अ पु—हाथ से इंद्रिय-संचालन करके वीर्यपात करना, हस्तमैथुन, हथलस।

इस्तिम्रार (استمرار) अ पु—नित्यता, हमेशगी, निरंतरता, लगातारपन, तसल्सुल।

इस्तिम्रारी (استمراری) अ वि—जो सदा के लिए हो, स्थायी, माज़ी अर्थात् भूतकाल का एक प्रकार, 'इस्तमरारी' भी प्रचलित।

इस्तिम्साक (استمساک) अ पु—रोकने की इच्छा करना, रोकना, रोक, निरोध, रुकावट, चंगुल मारना।

इस्तियाद (اصطیاد) अ पु—शिकार मारना, शिकार खेलना, शिकार, आखेट।

इस्तिराक (استراق) अ पु—चोरी से छिपकर किसी की बातें सुनना, कनसुए लेना।

इस्तिरादः (استرادہ) अ पु—फिरना, पलटना।

इस्तिराहत (استراحت) अ स्त्री—सुख चाहना, आराम की इच्छा करना, सुख, चैन, विश्राम, आराम।

इस्तिर्खा (استرخا) अ. पु—ढीला हो जाना, शरीर के किसी अंग का ढीला और शिथिल हो जाना, ढीलापन।

इस्तिर्खाए आ'साब (استرخاے اعصاب) अ पु—पट्ठों का ढीला पड़ जाना।

इस्तिर्खास (استرخاص) अ पु—जाने की आज्ञा लेना, विदा लेना, सस्ता मोल लेना।

इस्तिर्ज़ा (استرضا) अ पु—अनुमति लेना, मर्ज़ी पूछना, राय, अनुमति, मर्ज़ी।

इस्तिर्जाअ (استرجاع) अ पु—दी हुई चीज़ वापस माँगना, 'इन्ना लिल्लाह' पढ़ना।

इस्तिर्दाद (استرداد) अ पु—लौटा लेना, वापस माँग लेना।

इस्तिर्हाब (استرهاب) अ पु—डराना, भयभीत करना।

इस्तिलाम (استلام) अ पु हाथ या मुँह से पत्थर चूमना।

इस्तिलाम (اصطلام) अ पु—जड़ से उखेड़ना, उन्मूलन।

इस्तिलाह (اصطلاح) अ स्त्री—परस्पर संधि करना, किसी शब्द का वह अर्थ जो किसी शास्त्र विशेष में किसी निर्दिष्ट भाव या उद्देश्य के लिए संकेत मान लिया गया हो, परिभाषा।

इस्तिलाहात (اصطلاحات) अ स्त्री—परिभाषिक शब्दावली, इस्तिलाही लफ्ज़ों का मजमूआ।

इस्तिलाही (اصطلاحی) अ वि—पारिभाषिक, परिभाषा-वाला शब्द।

इस्तिल्का (استلقا) अ पु—पेट के बल लेटना, चित लेटना।

इस्तिल्ज़ाज़ (استلذاذ) अ पु—स्वाद ग्रहण करना, मज़ा लेना, आनंद लेना, लुत्फ उठाना।

इस्तिवा (استوا) अ पु—समानता, बराबरी, दोपहर का समय, मध्याह्न, विषुवत रेखा, भूमध्य रेखा, खते इस्तिवा।

इस्तिव्ज़ार (استوزار) अ पु—विज़ारत चाहना, मंत्री के पद की इच्छा करना।

इस्तिशारः (استشارہ) अ पु—परामर्श करना, सलाह-मशवरा करना।

इस्तिशारत (استشارت) अ स्त्री—दे 'इस्तिशार'।

इस्तिश्आर (استشعار) अ पु—मन ही मन में डरना।

इस्तिश्फ़ाअ (استشفاع) अ पु—सिफारिश चाहना, अनुशंसा-याचना।

इस्तिश्माम (استشمام) अ पु—सूँघना।

इस्तिश्हाद (استشہاد) अ पु—गवाही चाहना, गवाह माँगना, साक्षी-याचना।

इस्तिश्हादनामः (استشہادنامہ) अ फा पु—प्रमाणपत्र, सनद, डिप्लोमा, सर्टिफिकेट।

इस्तिसा (استصحا) अ पु—स्वास्थ्य चाहना।

इस्तिस्आद (استسعاد) अ पु—कल्याण चाहना, भलाई चाहना, सहायता चाहना, मदद चाहना।

इस्तिस्का (استسقا) अ पु—पानी माँगना, तृष्णा, पिपासा, प्यास, वर्षा चाहना, जलधर, जलोदर।

इस्तिस्काए ज़िक्की (استسقاے زقی) अ पु—वह जलधर जिसमें सारा शरीर सूजकर मश्क जैसा हो जाता है।

इस्तिस्काए तब्ली (استسقاے طبلی) अ पु—वह जलधर जिसमें केवल पेट नक्कारे की भाँति फूल जाता है।

इस्तिस्ना (استثنا) अ पु—बहुत में से किसी वस्तु को अलग कर देना, किसी व्यापक नियम में से किसी की मुक्ति, अपवाद।

इस्तिस्मार (استثمار) अ पु—पेड़ के नीचे से मेवा चुनना, फल चाहना।

इस्तिस्लाम (استسلام) अ पु—शांति चाहना, क्षमा चाहना; गर्दन झुकाना, आज्ञा मानना।

इस्तिस्लाह (استصلاح) अ पु—परामर्श लेना, सलाह पूछना।

इस्तिस्वाब (استصواب) अ पु—यथार्थता की तलाश, ठीक-ठीक बात जानने की इच्छा, स्वीकृति लेना।

इस्तिस्वाबे राए (استصواب راے) अ पु—किसी विषय में ठीक-ठीक राय जानना चाहना, राय लेना, वोट लेना, मतादान।

इस्तिहाज़ः (استحاضہ) अ पु—मासिक धर्म अधिक मात्रा में आने का रोग, अति रजस्राव, अत्यार्तव ।

इस्तिहानत (استہانت) अ स्त्री—अपमानित और तिरस्कृत जानना।

इस्तिहाल. (استحالہ) अ पु—किसी वस्तु की प्राप्ति असभव होना, एक दशा से दूसरी दशा मे जाना, वहाना करना ।

इस्तिहालत (استحالت) अ स्त्री—दे 'इस्तिहाल'।

इस्तीआब (استیعاب) अ पु—आदि से अत तक सब ले लेना, किसी पुस्तक को आदि से अत तक पढना, जड से उखेडना, उन्मूलन ।

इस्तीजाब (استیجاب) अ पु—योग्य होना, पात्र होना, अधिकारी होना, मुस्तहक होना ।

इस्तीनाफ (استیناف) अ पु—नये सिरे से आरभ करना, शुरू से लेना, अपील ।

इस्तीनास (استیناس) अ पु—किसी से प्रेम-व्यवहार करना, प्रेम, मुहब्बत, किसी वात की आदत पड जाना ।

इस्तीफा (استیفا) अ पु—सव ले लेना, अपना पूरा हक लेना । दे० 'इस्तेफा'।

इस्तीला (استیلا) अ पु—किसी पर विजय पाना, किसी पर गालिव होना ।

इस्तीलाद (استیلاد) अ पु—सतान होने की इच्छा करना ।

इस्तीलाफ (استیلاف) अ पु—किसी से प्रेम की इच्छा करना ।

इस्तीसाक (استیثاق) अ पु—दृढता चाहना, मज़वूत वनाने की इच्छा करना ।

इस्तीसाल (استیصال) अ पु—जड से उखेड फेंकना, उन्मूलन, समूल विनाश ।

इस्ते'जाब (استعجاب) अ पु—आश्चर्य प्रकट करना, तअज्जुब करना, आश्चर्य, तअज्जुव ।

इस्ते'जाल (استعجال) अ पु—किसी वात मे शीघ्रता चाहना, दौडना, भागना, जल्दी करना ।

इस्ते'ताफ (استعطاف) अ पु—दयादृष्टि चाहना, मेहरवानी चाहना, किसी का दिल मुट्ठी मे लेना ।

इस्ते'दाद (استعداد) अ पु—योग्यता, पात्रता, काविलीयत, विद्वत्ता, इल्मीयत, किसी चीज़ से प्रभावित होने की योग्यता ।

इस्ते'फा (استعفا) अ पु—क्षमा चाहना, नौकरी का त्याग, त्यागपत्र, टर्मिनेशन आफ सर्विस ।

इस्ते'बाद (استعباد) अ पु—दास वनाना, गुलामी मे लेना ।

इस्ते'माल (استعمال) अ पु—प्रयोग करना, वरतना, औषध आदि खाना, सेवन करना ।

इस्ते'माश (استعماش) अ पु—दृष्टि कम हो जाना, आँख से कम नजर आना ।

इस्ते'ला (استعلا) अ पु—ऊँचा होना, वलद होना, प्रतिष्ठित होना, वडा होना ।

इस्ते'लाज (استعلاج) अ पु—चिकित्सा कराना, इलाज कराना, खाल का कडा हो जाना ।

इस्ते'लाम (استعلام) अ पु—सूचना चाहना, जानने की ख्वाहिश ।

इस्तेह्क़ाक़ (استحقاق) अ पु—अपना हक माँगना, जाइज़ हक चाहना, हक सावित करना, हक, स्वत्व ।

इस्तेह्काम (استحکام) अ पु—दृढता, मज़वूती, स्थिरता, पायदारी ।

इस्तेह्क़ार (استحقار) अ पु—अपमान करना, हकीर जानना, अपमान, हकारत, निंदा, बुराई ।

इस्तेह्ज़ा (استہزا) अ पु—हँसी उडाना, ठठोल करना, हँसी, मज़ाक, खिल्ली, मखोल ।

इस्तेह्ज़ार (استحضار) अ पु—याद रखना, स्मरण रखना, किसी के सामने रहने की इच्छा, किसी को सामने रखने की इच्छा ।

इस्तेह्फाज़ (استحفاظ) अ पु—निरीक्षण करना, निगरानी करना, निगरानी, निरीक्षण ।

इस्तेह्वाब (استحباب) अ पु—अच्छा जानना, पसद करना ।

इस्तेह्माम (استحمام) अ पु—हम्माम मे नहाना, किसी चीज़ की भाप लेना ।

इस्तेह्लाफ (استحلاف) अ पु—शपथ लेना, कसम खिलाना ।

इस्तेह्लाल (استہلال) अ पु—नया चाँद देखना, वच्चे का पैदा होते समय रोना, व्यक्त होना, ज़ाहिर होना ।

इस्तेह्सा (استحصا) अ पु—गिनना, शुमार करना, क्रमवद्ध करना, तर्तीव से लगाना ।

इस्तेह्सान (استحسان) अ पु—अच्छा जानना, पसद करना, उपकार, भलाई ।

इस्तेह्सार (استحصار) अ पु—निर्भर करना, मुन्हसिर करना, गिनना, हिसाव करना ।

इस्तेह्साल (استحصال) अ पु—प्राप्त करना, लेना, हासिल करना ।

इस्तेह्साल बिलजब्र (استحصال بالجبر) अ पु—जवरदस्ती छीनना, वलात् अपहरण ।

ईता (ایطا) अ पु –पाँव तले रौंदना, काफ़िए का एक दोष, जिसमे दो शब्दो को जो सानुप्रास न हो कोई अक्षर या शब्द वढाकर काफ़िया वनाना, जैसे—'उठ' और 'गिर' से 'उठा' और 'गिरा' वनाना।

ईताअ (ایتاع) अ पुं –फल का वृक्ष मे पकना।

ईताए ख़फ़ी (ایطاےخفی) अ पु –ईता की वह किस्म जिसमें उसका दोष हलका हो, जैसा कि ऊपर के उदाहरण मे दिये गये 'उठा' और 'गिरा' के काफ़िए।

ईताए जली (ایطاےجلی) अ पु –ईता की वह किस्म जिसमे उसका दोष भारी हो, जैसे 'खुशतर' और 'वेहतर' के काफ़िए जिनमे 'खुश' और 'वेह' पर जो सानुप्रास नही है 'तर' वढाया गया है।

ईतान (ایتان) अ पु –आगमन, आना।

ईतान (ایطان) अ पु –किसी दूसरी जगह को अपना वतन वनाना, प्रवास।

ईतिनाफ़ (ایتناف) अ पु –नये सिरे से कोई काम करना।

ईतिमान (ایتمان) अ पु –अमानतदार वनाना।

ईतिमार (ایتمار) अ पु –परस्पर परामर्श करना, आज्ञा-पालन करना, काम वनाना।

ईतिलाक़ (ایتلاق) अ पु –चमकना, प्रकाशमान होना, रौशन होना।

ईतिलाफ़ (ایتلاف) अ पु –एकत्र होना, एक जगह होना, मेल-जोल होना, मित्रता, दोस्ती।

ईद (عید) अ स्त्री –हर्ष, आनद, खुशी, मुसलमानो का एक त्योहार। यह शब्द ऊद (عود) से वना है, अर्थात् प्रतिवर्ष आनेवाला।

ईदगाह (عیدگاہ) अ फा स्त्री –ईद की नमाज पढ़ने का स्थान।

ईदर (ایدر) फा अव्य –इधर, अव, यहाँ।

ईदी (عیدی) अ स्त्री –ईद से सम्बन्धित, पढ़ानेवाले मुल्ला को ईद का इनआम।

ईदुल अज़्हा (عیدالاضحیٰ) अ स्त्री –दे 'ईदे कुर्वा' जो मास (ذوالحجہ) की दस तारीख को होती है।

ईदुल फ़ित्र (عیدالفطر) अ स्त्री –वह ईद जो रोज़े पूरे होने की खुशी मे मनायी जाती है और जिसमे सिवैयाँ पकती है। यह तारीख पहली शव्वाल को होती है।

ईदे अज़्हा (عید اضحیٰ) अ स्त्री –दे 'ईदे कुर्वा'।

ईदे कुर्वां (عید قرباں) अ स्त्री –वह ईद जो हज की खुशी मे मनायी जाती है और जिसमें कुर्वानी होती है, वकरीद।

ईदे रमज़ाँ (عید رمضاں) अ स्त्री –दे 'ईदुल फ़ित्र'।

ईदैन (عیدین) अ स्त्री –दोनो ईदे, ईद और वकरीद।

ईन (عین) अ स्त्री –'ऐना' का वहु, काली आँखो वाली स्त्रियाँ।

ईनक (اینک) अ अव्य –यह, समीपवर्ती।

ईनत (اینت) फा अव्य –साधु-साधु, वाह-वाह, ओहो, वहुत अजीव।

ईनाँ (ایناں) फा अव्य –दे 'ईनाँ'।

ईनास (ایناس) अ पु –अभ्यस्त होना, आदत पड जाना, जानना, सुनना, देखना।

ईफ़ा (ایفا) अ पु –वचन पूरा करना, प्रतिज्ञा-पालन।

ईफ़ाअ (ایفاع) अ पु –लड़के का वालिग होना, ऊँचा होना, उठना।

ईफ़ाए अह्द (ایفاے عہد) अ पु –वचन या प्रतिज्ञा का पालन।

ईफ़ाए क़ौल (ایفاے قول) अ पु –वात का पालन।

ईफ़ाए वा'द. (ایفاےوعدہ) अ पु –प्रतिज्ञा का पालन, वात निवाहना।

ईफ़ाग़ (ایفاغ) अ पु –दे 'ऐफ़ाग'।

ईफ़ाल (ایفال) अ पु –रोगमुक्त होना, जल्दी जाना।

ईवा (ایبا) अ पु –सकेत, इशारा।

ईवास (ایباس) अ पु –सुखाना, खुश्क करना।

ईमाँ (ایماں) अ पु –ईमान का लघु दे 'ईमान'।

ईमाँ फ़रोश (ایماں فروش) अ फा वि –वेईमानी करनेवाला, ईमान वेचनेवाला।

ईमाँ फ़रोशी (ایماں فروشی) अ फा स्त्री –ईमान वेचना, वेईमानी करना।

ईमा (ایما) अ पु –सकेत, इगित, इशारा।

ईमान (ایمان) अ पु –धर्म पर दृढ विश्वास, धर्म, मजहव, विश्वास, यकीन, पथ, पथ, अकीदा।

ईमानदार (ایماندار) अ फा वि –जो धर्म मे पक्का हो, धर्मनिष्ठ, जो लेन-देन मे सच्चा हो, व्यवहारनिष्ठ।

ईमानदारानः (ایماندارانہ) अ फा वि –ईमानदारो जैसा, ईमानदारी का।

ईमानदारी (ایمانداری) अ फा स्त्री –धर्मनिष्ठता, व्यवहारनिष्ठता।

ईमान फरोश (ایمانفروش) अ फा वि –जो अपना ईमान वेच दे, वेईमान, गद्दार।

ईमान फ़रोशी (ایمانفروشی) अ फा स्त्री –ईमान वेच देना, वेईमानी करना, वेईमानी, गद्दारी।

ईमान विलगैव (ایمان بالغیب) अ पु –विना देखे किसी वात पर विश्वास, अनदेखे ईश्वर पर निष्ठा।

ईमाने कामिल (ایمانِ کامل) अ पु—पक्का ईमान, पूर्ण धर्मविश्वास।

ईयल (اِیل) अ पुं—बारहसिंगा, हरिण की एक जाति।

ईयास (ایاس) अ पु—निराश करना, नाउम्मीद करना।

ईर (عیر) अ पु—यात्रीदल, काफिला, हर जानवर जिस पर नाज लादा जाय।

ईराँ (ایراں) फा पु—'ईरान' का लघु, दे 'ईरान'।

ईरा (ایرا) अ पु—आग जलाना, चिमटे से आग निकालना।

ईराक़ (ایراق) अ पु—वृक्ष में से हरे पत्ते फूटना, कोंपल निकलना।

ईराद (ایراد) अ पु—लागू करना, वारिद करना, आपत्ति उपस्थित करना, एतराज़ करना।

ईरान (ایران) फा पु—एशिया का एक प्रसिद्ध देश, फार्स, फारस।

ईरानी (ایرانی) फा वि—ईरान का निवासी, ईरान से सम्वन्धित।

ईरास (ایراس) अ पु—पेड के पत्ते पीले होना।

ईरास (ایراث) अ पु—अपना उत्तराधिकारी वनाना, दाय (रिक्थ) देना, तरिक पहुँचाना, किसी को शेप वस्तु देना।

ईर्मान (ایرمان) अ पु—जो वे वुलाये किसी दूसरे निमन्त्रित व्यक्ति के साथ दावत मे जाय, तुफैली, लज्जा, शर्म, पश्चात्ताप, अफसोस।

ईर्सा (ایرسا) अ स्त्री—इन्द्रधनुप, घनक, सौसन की जड जो दवा में चलती है।

ईल (ایل) तु पु—वर्ष, साल, वशीभूत, ताव'दार, मित्र, दोस्त, अनुकूल, मुआफिक।

ईल (ایل) सु पु—ईश्वर, खुदा।

ईला (ایلا) अ पु—दान देना, वख्शना; पास होना, शपथ खाना।

ईलाक़ात (ایلاقات) तु पु—तुर्कों के रहने के मकानात और उनकी खेतो की ज़मीन आदि।

ईलाज (ایلاج) अ पु—एक वस्तु को दूसरी वस्तु के अन्दर घुसेडना।

ईलाद (ایلاد) अ पु—वच्चा पैदा करना, जनना।

ईलाफ़ (ایلاف) अ पु—अभ्यस्त होना, आदी होना, रुष्ट होना, वेज़ार होना।

ईलाम (ایلام) अ पु—दुखित करना, कष्ट देना।

ईलिया (ایلیا) सु पु—वहुत सच्चा।

ईवा (ایوا) अ पु—वसाना, आवाद करना, स्थान देना, जगह देना।

ईवान (ایوان) फा पु—प्रासाद, भवन, महल, परिषद्, कौंसिल।

ईवाने ज़ेरीं (ایوان زیریں) फा पु—निम्न सदन, लोअर हाउस।

ईवाने वाला (ایوانِ والا) फा पु—उच्च सदन, अपर हाउस।

ईवाने शाही (ایوانِ شاہی) फा पु—राजभवन, राजद्वार, शाही महल।

ईश (عیشہ) अ पु—चैन और सुख का जीवन।

ईश (ایش) अ पु—गुप्तचर, जासूस।

ईशाअ (ایشاع) अ पु—पेड मे कलियाँ निकलना।

ईस (عیس) अ पु—सफेद ऊँट, जिनकी सफेदी में लालिमा हो।

ईस (عیص) अ पुं—पेडो का झुड, भीड, अवोह।

ईसवी (عیسوی) अ वि—हज़रत ईसा से सम्वन्धित वस्तु, जैसे—ईसवी सन्।

ईसा (ایصا) अ पु—उत्तराधिकारी वनाना, अपने वाद अपना वारिस वनाना, उपदेश देना, वसीयत करना।

ईसा (عیسیٰ) अ पु—हज़रत ईसा, ईसा मसीह, ईसाई धर्म के सस्थापक।

ईसाई (عیسائی) अ वि—हज़रत ईसा के धर्म का अनुयायी, खिष्टीय, क्रिश्चियन।

ईसाद (ایصاد) अ पु—पर्दा डालना, ढाँकना, छिपाना; दरवाज़ा वन्द करना।

ईसानफस (عیسیٰ نفس) अ वि—जिसकी फूँक से मृतक प्राणी जी उठें, मुर्दों को जीवन प्रदान करनेवाला।

ईसानफसी (عیسیٰ نفسی) अ स्त्री—मृतक प्राणियो को जीवित करना, मुर्दे जिलाना।

ईसार (ایثار) अ पु—दूसरे के हित के लिए अपना हित त्याग देना, स्वार्थत्याग।

ईसार (ایسار) अ पु—मालदार होना, धनवान् होना।

ईसारपेशः (ایثارپیشہ) अ फा वि—जो दूसरो के लिए अपना हित सदा ही त्याग देता हो।

ईसाल (ایصال) अ पु—पहुँचाना, भेजना।

ईसाले सवाव (ایصالِ ثواب) अ पु—मुर्दों की रूह को कुरान पढने या खाना खिलाने का सवाव पहुँचाना।

ईहाम (ایہام) अ पु—भ्रम, भ्राति, वहम, एक अर्थालकार जिसमें ऐसा शब्द लाते है जिसके दो अर्थ होते है और पासवाला अर्थ छोड़कर दूरवाला अर्थ लगाते है।

उ

उंबूब (انبوبہ) अ पु—टोटी, नली।

उंबूब (انبوب) अ पु –उबूब का बहु, टोटियाँ, नलियाँ।
उंस (انس) अ पु –स्नेह, प्रेम, मुहब्बत, लगाव, तअल्लुक।
उंसा (انثی) अ स्त्री –मादा, स्त्री।
उंसीयत (انسیت) अ स्त्री –स्नेह, मुहब्बत, लगाव, तअल्लुक
उंसुर (عنصر) अ पु –आग, पानी, हवा, मिट्टी, जिनसे आदमी का शरीर बना है, तत्त्व, भूत।
उंसुल (عنصل) अ पु –जगली पियाज़।
उक़द (عقد) अ पु –'उक़्द' का बहु, ग्रथियाँ, गाँठे।
उक़ला (عقلا) अ पु –'आक़िल' का बहु, बुद्धिमान् जन।
उक़ाब (عقاب) अ पु –गरुड, एक शिकारी चिडिया।
उक़ाबीन (عقابین) अ पु –लोहे के काँटे।
उक़ाबैन (عقابین) अ पु –दो लम्बी लकडियाँ जिन पर अपराधियो को लटकाते थे।
उक़ार (عقار) अ स्त्री –मदिरा, शराब, एक प्रकार का लाल कपडा।
उक़ाशः (عکاشه) अ स्त्री –मकडी, लूता।
उक़ूक़ (عقوق) अ पु –माता-पिता की अवहेलना और अवज्ञा।
उक़ूल (عقول) अ स्त्री –'अक़्ल' का बहु, बुद्धियाँ, अक्लें।
उक्काश (عکاش) अ पु –मकडी, लूता।
उक़्द. (عقده) अ पु –ग्रथि, गुत्थी, गाँठ, जटिल समस्या, पेचीदा मसला।
उक़्दःकुशा (عقده کشا) अ फा वि –गाँठ खोलनेवाला, समस्या हल करनेवाला, दुख निवारण करनेवाला।
उक़्दः कुशाई (عقده کشائی) अ फा स्त्री –गाँठ खोलना, समस्या हल करना, दुख मेटना।
उक़्दए ला यन्हल (عقدۂ لاینحل) अ पु –ऐसी गाँठ जो खुल न सके, ऐसी समस्या जो हल न हो सके।
उक्नूँ (اکنوں) फा अव्य –अब, इस समय।
उक़्नूम (اقنوم) अ पु –मूल, जड, ईसाई धर्म की एक किताब जो तीन महान् ग्रथो मे से है।
उक़्बा (عقبیٰ) अ पु –परलोक, यमलोक, आख़िरत।
उक़्बान (عقبان) अ पु –'उक़ाब' का बहु, बहुत से उक़ाब, गरुड-समूह।
उक्र (عقر) अ पु –बाँझपन।
उक़्ल (عقله) अ पु –बद, बाँध, रोक, रमल की एक शक्ल।
उक्लीदिस (اقلیدس) अ स्त्री –रेखागणित, ज्यामिति।
उक़्हुवान (اقحوان) अ पु –एक वनस्पति, बाबून।
उख़्त (اخت) अ स्त्री –बहन, भगिनी।
उख़्दूद (اخدود) अ पु –ज़मीन की लम्बी-लम्बी दर्ज़े और खोहे।

उख़्रवी (اخروی) अ वि –परलोक सम्बन्धी, आख़िरत का; आख़िर का, अन्त का।
उख़्रा (اخریٰ) अ स्त्री –आख़िरी, अतिम।
उख़ुव्वत (اخوت) अ स्त्री –भाईचारा, बधुत्व।
उग़ुल (اوغل) तु पु –लडका, बालक।
उग़्लूतः (اغلوطه) अ पु –कोई वस्तु या बात जिससे दूसरा भ्रम मे पड़ जाय, धोखा।
उचुब (اوچوب) तु वि –विस्तृत, कुशादा।
उज़मा (عظما) अ पु –अज़ीम का बहु, बडे लोग, प्रतिष्ठित जन।
उजाक़ (اوجاق) तु पु –चूल्हा, अँगीठी।
उजाग़ (اوجاغ) तु पु –दे 'उजाक़'।
उजाज (اجاج) अ पु –खारा पानी, कड़वा नमक।
उज़ाद (عضاد) अ पु –दरवाज़े मे बाज़ू की लकडी।
उजाब (عجاب) अ पु –आश्चर्य, विस्मय, तअज्जुब।
उज़ाम (عظام) अ पु –'अज़ीम' का बहु, बडे लोग, महान् अनेक व्यक्ति।
उजालः (عجاله) अ पु –वह वस्तु जो तुरन्त लायी जा सके।
उजालत (عجالت) अ स्त्री –दे 'उजाल'।
उज़ुन (اذن) अ पु –कान, कर्ण।
उजूब. (عجوبه) अ वि –विलक्षण, विचित्र, अद्भुत, अजीबो ग़रीब।
उजूरः (اجوره) अ पु –मज़दूरी, पारिश्रमिक।
उज्जः (عجه) अ पु –अण्डे का ख़ागीन, आमलेट।
उज्ज़ (عجز) अ पु –श्रोणि, कटिदेश, चूतड।
उज़्ज़ा (عزیٰ) अ पु –अरब की एक प्राचीन मूर्ति जिसकी पूजा होती थी।
उज़्ज़ाम (عظام) अ पु –'अज़ीम' का बहु, बडे लोग।
उज़्न (اذن) अ पु –कान, कर्ण, दे 'उज़ुन' दोनो शुद्ध है।
उज्ब (عجب) अ पु –अहकार, अभिमान, गुरूर।
उज़्म (عزم) अ पु –निश्चय, सकल्प, इरादा, दे 'अज़्म', दोनो शुद्ध है।
उज़्म (اوزم) तु पु –अगूर, द्राक्षा।
उज़्र (عذر) अ पु –आपत्ति, एतराज़, विवशता, मजबूरी।
उज्रत (اجرت) अ स्त्री –मज़दूरी, भृति, पारिश्रमिक।
उज़्रदार (عذردار) अ फा वि –आपत्तिकर्ता, एतराज़ करनेवाला, कानूनी उज़्रदारी करनेवाला।
उज़्रदारी (عذرداری) अ फा स्त्री –आपत्ति करना, उज़्र लगाना, किसी दूसरे के मुक़ाबले मे अपने हक़ की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करना।
उज़्रा (اجریٰ) अ पु –वृत्ति, वज़ीफ़ा।

उज्रेजनाँ (عذرزناں) अ फा पु –मासिक धर्म, हैज़।
उज्रेलग (عذرلنگ) अ फा पु –ऐसा उज्र जिसे मानने मे सदेह हो, झूठा उज्र।
उज्लत (عزلت) अ स्त्री –वाल-वच्चो से विरक्त होकर ईश्वर-स्मरण मे लगना, एकान्तवास करना, एकान्त, तन्हाई।
उज्लत (عجلت) अ स्त्री –शीघ्रता, जल्दी, इसका शुद्ध उच्चारण 'इज्लत' है, परन्तु उर्दू मे 'उज्लत' ही वोलते हैं।
उज्लतगुज़ीं (عزلت گزیں) अ फा वि –एकातवासी, ससार के झगडो से विरक्त, गोशानशीन।
उज्लतनशीं (عزلت نشیں) अ फा वि –दे 'उज्लतगुज़ीं'।
उज़्व (عضو) अ पु –अवयव, अग, शरीर का कोई भाग।
उज़्हूकः (اضحوکہ) अ वि –वह जिस पर सब हँसें, हास्यास्पद।
उताकः (اتاقہ) तु –कलगी।
उताक़ (اتاق) तु –घर, गृह, मकान, कोठा, कमरा।
उताग़ (اتاغ) तु –दे 'उताक'।
उतारिद (عطارد) अ पु –वुध ग्रह।
उताश (عطاش) अ स्त्री –प्यास की बीमारी, वह रोग जिसमे प्यास अधिक लगे।
उतास (عطاس) अ स्त्री –छीके आने का रोग, छीक।
उतुल [ल्ल] (عتل) अ पु –वहुत खानेवाला, कडी आवाज़-वाला, अत्याचारी, कडा नैज़ा, मोटा वल्लम।
उतुव्व (عتو) अ वि –अभिमान, गुरूर, उद्दडता, सरकशी, हद से गुज़र जाना, वहुत वूढ़ा हो जाना।
उत्ती (عتی) अ वि –दे 'उतुव्व'।
उत्तू (اتو) फा पु –लोहे का ठप्पा जिसे गरम करके कपडा छापते हैं।
उत्व. (عتبہ) अ पु –अरव का एक व्यक्ति।
उत्वा (عتبیٰ) अ पु –आज्ञा, मर्ज़ी।
उत्रुज (اترج) अ पु –निम्बु, नीवू।
उत्रूब· (اطروبہ) अ पु –वह वस्तु जो आनन्द दे, वाजा-गाजा आदि मनोरजन के साधन।
उत्रूश (اطروش) अ वि –वधिर, वहरा।
उत्लत (عطلت) अ स्त्री –निठल्लापन, वेकारी, काम का अभाव।
उदवा (ادبا) अ पु –अदीव का वहु, साहित्यसेवी लोग, अदीव लोग।
उदात (عدات) अ पु –'आदी' का वहु, शत्रु लोग।
उदूल (عدول) अ पु –अवज्ञा, अवहेलना, नाफर्मानी।
उदूलहुक्मी (عدول حکمی) अ स्त्री –आज्ञा न मानना, आज्ञोल्लघन, नाफर्मानी।
उद्दत (عدت) अ स्त्री –तत्परता, तैयारी, वनावट, साख्त।
उद्व. (عدوہ) अ पु –दूर का स्थान, नदी का किनारा, नदीतट।
उद्वान (عدوان) अ पु –शत्रुता, दुश्मनी, अत्याचार, जुल्म।
उनसा (انسا) अ पु –'अनोस' का वहु, मित्रगण, दोस्त, अहवाव।
उनास (اناث) अ स्त्री –'उसा' का वहु, मादाएँ, स्त्रियाँ।
उनास (اناس) अ पु –लोग, जन-समूह (इस शब्द का एक-वचन नही है)।
उनुक़ (عنق) अ स्त्री –गर्दन, ग्रीवा, गला।
उनुस (انث) अ स्त्री –'उसा' का वहु, मादाएँ।
उनूद (عنود) अ पु –सत्य के प्रतिकूल कार्य करना, युद्ध करना, लडना।
उनूस (عنوس) अ पु –लडकी का वालिग होकर विना पति के वहुत दिनो घर मे वैठना।
उन्क़ (عنق) अ स्त्री –दे 'उनुक', दोनो शुद्ध हैं।
उन्नाव (عناب) अ पु –झरवेरी की तरह के फल जो दवा मे काम आते हैं।
उन्नावी (عنابی) अ वि –उन्नाव जैसे रगवाला, हलका वेंगनी।
उन्फ (عنف) अ पु –खुर्रापन, खुरदरापन, रुखाई, वेरुखी।
उन्फुवान (عنفوان) अ पु –प्रारम्भ, शुरुआत, युवावस्था का आरम्भ।
उन्फुवाने शवाव (عنفوان شباب) अ फा पु –जवानी की उठान, यौवनारम्भ।
उन्मूजज (انموذج) अ पु –नमूना, वानगी।
उन्वान (عنوان) अ पु –शीर्षक, सुर्ख़ी, शैली, पद्धति, तर्ज़, प्रशस्ति, सरनामा, खत का अल्कावो आदाव, प्रस्तावना, दीवाचा, प्रयत्न, युक्ति, तदवीर।
उफ (اف) अ अव्य –हाय, ओह, आह, हा।
उफुक़ (افق) अ पु –क्षितिज, वह स्थान जहाँ आकाश पृथ्वी से मिला हुआ जान पडता है।
उफूनत (عفونت) अ स्त्री –दुर्गन्ध, वदवू, सडाँध, सडने की दुर्गंध।
उफूल (افول) अ पु –अस्त होना, डूवना।
उफूसत (عفوصت) अ स्त्री –कसीलापन, वखटापन।
उफ्ताँ (افتاں) फा वि –गिरता-पडता।

उफ़्तादः (افتادہ) फा वि –गिरा हुआ, पडा हुआ, दु खित, दलित, मुसीबतज़दा।

उफ़्ताद (افتاد) फा स्त्री –आपत्ति, विपत्ति, मुसीबत, दैवी आपत्ति, बला, क़ह्र (कहर)।

उफ़्तादगी (افتادگی) फा स्त्री –गिरना, पडना, विपत्ति, आपत्ति, दु ख, विनय, आजिज़ी।

उफ़्तादनी (افتادنی) फा वि –गिरने योग्य, जो गिराया जा सके, जो गिर सके।

उबाब (عباب) अ पु –छुहारे के पेड का पत्ता, पानी की प्रचड वाढ, बहुतायत, भरा होना, उँचाई; शुरुआत।

उबुव्वत (ابوت) अ स्त्री –बाप होना, पितृत्व।

उबूदीयत (عبودیت) अ स्त्री –दासता, बदगी।

उबूर (عبور) अ स्त्री.–नदी आदि को पार करना, उतरना।

उबूसत (عبوست) अ स्त्री –तुरुश रुई, मुँह बनाना, विमुखता, उपेक्षा।

उब्हुल (ابہل) अ पु –एक वनौषधि, हाऊबेर।

उम(म्म) (ام) अ स्त्री –माता, माँ।

उमम (امم) अ स्त्री –'उम्मत' का बहु, उम्मते, विभिन्न धर्म-समुदाय।

उमर (عمر) अ पु –मुसलमानो के दूसरे खलीफा।

उमरा (امرا) अ पु –'अमीर' का बहु, धनवान् लोग।

उमीद (امید) फा स्त्री –दे 'उम्मीद'।

उमीदवार (امیدوار) फा वि –दे 'उम्मीदवार'।

उमुक़ (عمق) अ पु –गहराई, गभीरता।

उमुद (عمد) अ पु –'अमूद' का बहु, खभे।

उमूम (عموم) अ पु –साधारण, आम।

उमूमन (عموماً) अ वि –प्राय, बहुधा, अक्सर।

उमूमी (عمومی) अ वि –सार्वजनिक, अवामी, जनसाधारण से सम्बन्ध रखनेवाला।

उमूमीयः (عمومیہ) अ स्त्री –जनता, पब्लिक।

उमूमीयत (عمومیت) अ स्त्री –साधारणता (विशेपता का उलटा)।

उमूमीयत (امومیت) अ स्त्री –माँ की ममता, वात्सल्य।

उमूर (امور) अ पु –'अम्र' का बहु, कार्य-समूह, काम, समस्याएँ, मसले।

उमूरेआम्म. (امورعامہ) अ पु –जनसाधारण के हित सम्बन्धी कार्य।

उम्दः (عمدہ) अ वि –उत्तम, श्रेष्ठ, वढिया, सुन्दर, मनोरम, विश्वासपात्र, मा'तमद।

उम्दगी (عمدگی) अ फा स्त्री –उत्तमता, वढियापन, सुन्दरता, खुशनुमाई; श्रेष्ठता, खरापन।

उम्नीयत (امنیت) अ स्त्री –आशा, आर्जू, उम्मीद, झूठ, मिथ्या; उद्देश, मक़्सद, पुस्तक का पाठ।

उम्मः (امہ) अ स्त्री –माता, जननी, माँ।

उम्मत (امت) अ स्त्री –किसी विशेष अवतार या पैगम्बर को माननेवाला समुदाय।

उम्महत (امہت) अ स्त्री –माता, माँ, (केवल मानव जाति की)।

उम्महात (امہات) अ स्त्री –'उम्महत' का बहु, माताएँ। यह शब्द केवल मानवजाति के लिए प्रयुक्त होता है।

उम्महातेसिफ़्ली (امہات سفلی) अ स्त्री –पचभूत, अनासिर, पृथ्वी के तल।

उम्मात (امات) अ स्त्री –'उम्म' का बहु, मानवजाति के अतिरिक्त दूसरी माताएँ।

उम्मान (عمان) अ. पु –अरब के शाम प्रदेश का एक नगर।

उम्माल (عمال) अ पु –आमिल का बहु, कर्मचारी वर्ग, अमला।

उम्मी (امی) अ वि –वह व्यक्ति जिसका पिता बाल्यावस्था मे मर जाय और जिसके कारण वह पढ-लिख न सके, वह व्यक्ति जो लिखना-पढना न जानता हो, चाहे अपने बाप की छत्रछाया मे जवान हुआ हो, मुहम्मद साहब का लकब जिन्होने किसी से पढा न था।

उम्मीद (امید) फा स्त्री –आशा, आस, उमीद, इच्छा, ख्वाहिश, उत्कठा, इश्तियाक; भरोसा, सहारा, आसरा।

उम्मीदवार (امیدوار) फा वि –आशान्वित, आस लगाये हुए, नौकरी आदि का उम्मीदवार।

उम्मुद्दिमाग़ (ام الدماغ) अ स्त्री –सर के भीतर भेजा रहने का स्थान।

उम्मुल उलूम (ام العلوم) अ स्त्री –व्याकरण।

उम्मुल किताब (ام الکتاب) अ स्त्री –कुरान की पहली सूरत, 'फातिहा'।

उम्मुल ख़बाइस (ام الخبائث) अ स्त्री –सारी बुराइयो की माँ अर्थात् शराब।

उम्मुल जराइम (ام الجرائم) अ स्त्री –सारे अपराधो की माँ, दरिद्रता, मुफ़िलसी।

उम्मुस्सिब्यान (ام الصبیان) अ स्त्री –बच्चो का एक रोग, जमोगा।

उम्मेग़ीला (ام غیلاں) अ स्त्री –बबूल का पेड़।

उम्मेमिल्दम (ام ملدم) अ. स्त्री –मौत की माँ, क्षयरोग, तपेदिक।

उम्मेवलद (ام ولد) अ स्त्री –वह दासी जिसने अपने स्वामी के सहवास से पुत्र या कन्या को जन्म दिया हो।

उम्रः (عمرہ) अ पु —हज करनेवालो की एक इवादत, मक्के से तीन कोस पर 'तन्ईम' नामक स्थान पर नमाज़ पढकर वापस आकर, का'बे का तवाफ करते है।

उम्र (عمر) अ स्त्री —आयु, अवस्था, सिन।

उयून (عیون) अ पु —'ऐन' का वहु, चश्मे, सोते, आँखे, नेत्र-समूह।

उयूब (عیوب) अ पु —'ऐब' का वहु, वहुत से दोष।

उयूल (عیول) अ स्त्री —सन्यास, दरवेशी, फकीरी, निर्धनता।

उरफा (عرفا) अ पु —आरिफ का वहु, ब्रह्मज्ञानी लोग, महात्मा लोग।

उराज़ः (عراضہ) अ पु —वह वस्तु जो यात्री विदेश से लाकर उपहार के तौर पर मित्रो को दे।

उरात (عرات) अ पु —'आरी' का वहु, नग्न लोग, नगे।

उरुज (عروج) अ पु —उन्नति, तरक्की, ऊँचाई, वलदी, उत्कर्प, उत्थान, उठान।

उरुज़्ज़ (ارز) अ पु —चावल।

उरुस (عرس) अ पु —दे 'उर्स', दोनो शुद्ध है।

उरूक़ (عروق) अ स्त्री —'इर्क़' का वहु, रगे, नसे।

उरूज़ (عروض) अ पु —प्रकट होना, जाहिर होना, लागू होना, आरिज़ होना।

उरूफ (عروف) अ पु —किसी चीज़ से मुँह फेर लेना, दिल सर्द हो जाना, उत्साह न रहना, लग्नाभाव।

उरेब (اریب) फा पु —तिरछा, टेढा, तिरछापन, टेढ, वक्रता।

उर्ज़. (عرضہ) अ पु —साहस, हिम्मत, मिप, वहाना, वीच में डाला हुआ।

उर्दक (اردک) तु स्त्री —मुर्गावी, एक प्रसिद्ध जल पक्षी।

उर्दक परानी (اردک پرانی) तु फा स्त्री —ठठोल, उपहास, मसखरी।

उर्दी (اردی) फा पु —ईरानी दूसरा महीना, वहार का महीना।

उर्दीबिहिश्त (اردی بہشت) फा पु —दे 'उर्दी'।

उर्दू (اردو) तु पु —सेनावास, छावनी, फौजी पडाव (स्त्री) उर्दू भाषा।

उर्दूए मुअल्ला (اردوئے معلی) तु अ स्त्री —वह उर्दू जो दिल्ली के किले मे वेगमे बोलती थी, उच्च कोटि की उर्दू भाषा।

उर्दूबाज़ार (اردوبازار) तु फा पु —सेनावास, छावनी, सदर वाज़ार।

उर्फ (عرف) अ पु —मुख्य नाम के अतिरिक्त दूसरा छोटा नाम जो प्राय वचपन मे पड जाता है।

उर्फीयत (عرفیت) अ स्त्री —उर्फ होना, उर्फवाला नाम।

उर्वीयः (اربیہ) अ स्त्री —जाँघ की जड, चिड्ढा।

उर्मः (ارمہ) सु पु —उर्मिया का लघु, दे 'उर्मिया'।

उर्मिया (ارمیا) सु पु —खिज्र का नाम।

उर्मुज़्द (ارمز) फा पु —हर ईरानी महीने की पहली तारीख।

उर्यां (عریاں) अ वि —नग्न, नगा, अश्लील, फोह्श।

उर्यां नवीस (عریاں نویس) अ फा वि —अश्लील लेख लिखनेवाला, फोह्श निगार।

उर्यां निगार (عریاں نگار) अ फा वि —दे 'उर्यां नवीस'।

उर्यानी (عریانی) अ स्त्री —नग्नता, नगापन, अश्लीलता, फक्कडपन।

उर्यानीपसद (عریانی پسند) अ फा वि —जिसे अश्लीलता पसद हो।

उर्व. (عروہ) अ पु —हर चीज़ का किनारा, लोटे आदि का दस्ता, हत्था।

उर्वतुलवुस्क़ा (عروۃ الوثقی) अ पु —प्रमाणित, दस्तावेज़।

उर्स (عرس) अ पु —व्याह का खाना, किसी मुसलमान ऋपि का वार्षिक उत्सव।

उलंग (النگ) तु पु —चरागाह, गोचर, सब्ज़ाज़ार।

उलमा (علما) अ पु —'आलिम' का वहु, आलिम लोग, विद्वज्जन।

उला (علا) अ स्त्री —उच्चता, वलदी, श्रेष्ठता, वुज़ुर्गी, उत्तमता, उम्दगी।

उलाक़ (الاق) तु पु —गधा, गदहा, खर, रासभ।

उलाग़ (الاغ) तु पु —दे 'उलाक़'।

उलाचुक़ (الاچق) तु पु —जगली आदमियो की झोपड़ी जो वालो से वनायी जाती है।

उलुग़ (الغ) तु पु —वडा, श्रेष्ठ, महान्।

उलुलअज़्म (اولوالعزم) अ वि —वडी हिम्मतवाला, साहसी, उच्चोत्साही।

उलुलअज्निहः (اولوالاجنحہ) अ पु —परोवाला, फिरिश्त।

उलुलअम्र (اولوالامر) अ वि —शासक, हुक्मरा, युग का महापुरुष।

उलुलअल्वाव (اولوالالباب) अ वि —वुद्धिमान्, अक्लमद।

उलुवीया (علویاں) अ फा पु —सैयद लोग, सादात।

उलुव्व (علو) अ पु —उच्चता, ऊँचाई, वलदी।

उलुश (اولوش) तु पु —अमीरो के आगे का वचा हुआ खाना जो नौकरो का हक होता है, किसी ऋपि मुनि के आगे का वचा हुआ खाना, जो प्रसाद के तौर पर खाया जाता है, तवर्रुक, प्रसाद, भोग।

उलुस (اولوس) तु पु —राष्ट्र, कौम, जाति, वरादरी, विरादरी।

उलूक (علوق) अ पु –लटकना, मित्र रखना, गर्भाशय मे भ्रूण वनने के समय पुरुष के वीर्य के साथ स्त्री के रक्त का जमना।

उलूफ़ः (علوفه) अ पु –खुराक, भोजन; खाद्य पदार्थ, खुर्दनी चीज़।

उलूफ़ (الوف) अ पु –'अल्फ़' का वहु, सहस्रो, हज़ारो।

उलूम (علوم) अ पु –इल्म का वहु, विद्याएँ, शास्त्र समूह।

उलूमेअक़्ली (علوم عقلی) अ पु –वे विद्याएँ जिनका सम्वन्ध वुद्धि और तर्क से है।

उलूमेनक़्ली (علوم نقلی) अ पु –वे विद्याएँ जिनका सम्वन्ध वुद्धि से नही है, वल्कि पुस्तक मे लिखे हुए को मानने से है, जैसे—धर्म-सम्वन्धी विद्याएँ।

उल्कः (الکه) तु. पु –देश, राष्ट्र।

उल्फ़त (الفت) अ स्त्री –प्रेम, स्नेह, मुहव्वत।

उल्या (علیا) अ स्त्री –'आ'ला' का स्त्रीलिंग, जैसे—पुरुष के लिए 'आ'ला हज़्रत' स्त्री के लिए 'उल्या हज़्रत'।

उवैस (اویس) अ पु –एक मुसलमान ऋषि, जो यमन देश के 'करन' गोत्र से थे।

उश(श्श) (عش) अ पु –नीड, घोसला।

उशक़ (اشق) अ पु –एक गोद जो दवा मे काम आता है।

उशाक़ (اشاق) तु पु –विना दाढी मूँछ का सुन्दर लड़का, अम्रद।

उश्तुर (اشتر) फा. पु –उष्ट्र, ऊँट।

उश्तुलुम (اشتلم) तु पु –प्रचंडता, तेज़ी, अत्याचार, ज़ुल्म, प्रभुत्व, गलवा।

उश्नान (اشنان) फा पु –एक घास जिससे खाद वनता है।

उश्बः (عشبه) अ पु –एक वनौपधि जो रक्त शुद्धि के लिए प्रसिद्ध है।

उश्ब (عشب) अ पु –हरी घास।

उश्र (عشر) अ वि –दसवाँ भाग, दशम अश, $\frac{1}{10}$।

उश्रेअशीर (عشر عشیر) अ वि –दसवे का दसवाँ भाग अर्थात् सौवाँ भाग, $\frac{1}{100}$, शताश।

उश्वः (عشوه) अ पु –आग जो रात मे दूर से दिखायी पडे, छिपाकर काम करना।

उश्शाक़ (عشاق) अ पु –'आशिक़' का वहु, प्रेमी लोग।

उस(स्स) (عس) अ पु –वडा पियाला, वादिय।

उसात (عصات) अ पु –'आसी' का वहु, पापी लोग।

उसामः (اسامه) अ पु –व्याघ्र, शेर, एक सिहावी।

उसारः (عصاره) अ पु –किसी पेड के पत्तो आदि का कुचल कर निकाला हुआ रस जो धूप या आग मे जमा लिया जाता है।

उसारा (اساری) अ पु –'असीर' का वहु, वदीजन, क़ैदी लोग।

उसुर (عسر) अ स्त्री –दे 'उस्र, दोनो शुद्ध है।

उसूफ़ (عصوف) अ पु –वायु का वहुत वेग से चलना, झक्कड चलना।

उसूल (اصول) अ पु –'अस्ल' का वहु, जडे, सिद्धान्त समूह, नियम, क़ायदे।

उसूलन (اصولاً) अ वि –उसूल से, नियमानुसार।

उसूली (اصولی) अ वि –मौलिक, आधारभूत, वुनियादी।

उसैलः (عسیله) अ पु –मैथुनानद, हमविस्तरी की लज़्ज़त, वीर्य, मनी।

उस्उस (عصعص) अ पु –चूतडो के वीच की हड्डी, दुमगजा, सुस्त और आलसी व्यक्ति।

उस्कुफ़ (اسقف) अ पु –ईसाइयो का धार्मिक गुरु, पादरी।

उस्कुफ़े आ'ज़म (اسقف اعظم) अ पु –सवसे वडा पादरी, लाट पादरी।

उस्कुफ़्फ़ः (اسکفه) अ पु –देहलीज़, चौखट।

उस्कुरः (اسکره) अ पु –छोटा पियाला, सकोरा।

उस्कुर्जः (اسکرجه) अ पु –दे 'उस्कुर'

उस्गर (اسغر) फा पु –सेही, एक प्रसिद्ध जन्तु।

उस्तः (استه) फा पु –खजूर की गुठली।

उस्ता (اوستا) फा पु –पार्सियो का एक धार्मिक ग्रथ।

उस्ताज़ (استاذ) अ पुं –दे 'उस्ताद'।

उस्ताद (استاد) फा पु –शिक्षक, अध्यापक, कोई शिल्प आदि सिखानेवाला, चालाक, होशियार।

उस्तादानः (استادانه) फा वि –उस्तादो जैसा, चालाकी का।

उस्तादी (استادی) फा वि –उस्ताद से सम्वन्धित (स्त्री) चालाकी, धूर्तता।

उस्तुक़ुस (اسطقس) अ पु –तत्त्व, पचभूत, उसुर।

उस्तुख़्वां (استخوان) फा पु –हड्डी, अस्थि।

उस्तुख़्वांदार (استخوان دار) फा वि –दृढ, मज़वूत, स्थिर, क़ायम।

उस्तुन (استن) अ पु –स्थूण, सुतून, खभा।

उस्तुरः (استره) फा पु –हजामत वनाने का नाई का छुरा।

उस्तुर्दः (استرده) फा वि –मूँडा हुआ, मुडित।

उस्तुर्लाव (اصطرلاب) अ पु –एक यत्र जिससे ग्रहो आदि की पैमाइश होती है।

उस्तुवानः (استوانه) अ पु –स्थून, सुतून, खभ।

उस्तुवार (استوار) फा वि –दृढ, मज़वूत, स्थायी, मुस्तकिल।

उस्तुवारी (استواری) फा वि –दृढता, मज़वूती, स्थायित्व, इस्तिक़्लाल।

उस्तूर (اسطوره) अ पु –कहानी, आख्यायिका, अफ्साना।
उस्तूल (اسطول) अ पु –युद्धपोत, जगी जहाज़।
उस्पुश (اسپش) फा पु –जूँ, स्वेदज।
उस्फुर (عصفر) अ पु –कुसुम का फूल।
उस्फूर (عصفور) अ पु –चटक, गौरैया, एक प्रसिद्ध घरेलू चिडिया।
उस्ब. (عصبه) अ पु –मनुष्यो का समूह जो बीस से चालीस तक हो।
उस्बूअ. (اسبوعه) अ पु –सप्ताह, हफ्ता।
उस्बूअ (اسبوع) अ पु –सप्ताह, हफ्ता, सात वार, सात दिन।
उस्मान (عثمان) अ पु –मुसलमानो के तीसरे खलीफा।
उस्मूर (عصمور) अ पु – पानी का रहट, डोल।
उस्र (عسره) अ पु –दे 'उस्रत'।
उस्र (عسر) अ पु कठिनता, दुश्वारी।
उस्रत (عسرت) अ स्त्री –कठिनता, दुष्करता, असुगमता, दुश्वारी, दरिद्रता, कगाली।
उस्रतजद. (عسرت زده) अ फा वि –दरिद्र, कगाल।
उस्रुब (اسرب) अ पु –सीसा, सीसक, एक प्रसिद्ध धातु जिसकी गोली वनती है।
उस्लूब (اسلوب) अ पु –पद्धति, शैली, ढग, आचरण, वज़ा, व्यवहार, तर्जेअमल।
उस्व (اسوه) अ पु –नेता, पेशवा, ऐसा आचरण जिसका अनुकरण कल्याणकर हो, जटिल समस्याओ को हल करनेवाला नेता।
उस्वएहसन (اسوۂحسنه) अ पु –सदाचार, अच्छा आचरण।
उहूद (عهود) अ पु –'अहद' का वहु, प्रतिज्ञाएँ, वचन, वा'दे।
उहदूसः (احدوثه) अ पु –कहानी, आख्यान, किस्सा।
उह्वत (اهبت) अ पु –हथियार और सामान।

ऊ

ऊ (او) फा अव्य –वह।
ऊक (عوق) अ पु –'ऊज' का पिता।
ऊकिय. (اوقیه) अ पु –आधी छटाँक से कुछ अधिक की एक तोल।
ऊकियानूस (اوقیانوس) अ पु –अतलातिक महासागर।
ऊज (عوج) अ पु –एक वहुत ही लम्बा व्यक्ति जो हज़रत आदम के जमाने मे पैदा हुआ और हज़रत मूसा के जमाने तक रहा, साढे तीन हज़ार वरस की आयु पायी, इसके वाप का नाम 'ऊक' है। जो लोग 'ऊजविन उनुक़' कहते हैं वे गलत कहते हैं, 'ऊजविन ऊक' कहना चाहिए।
ऊद (عود) अ पु –एक सुगधित लकडी, अगर, एक वाजा, वर्वत।
ऊदनवाज़ (عودنواز) अ फा पु –वर्वत वजानेवाला।
ऊदसाज़ (عودساز) अ फा वि –वर्वत वाजा वनानेवाला।
ऊदसोज़ (عودسوز) अ फा पु –ऊद सुलगाने का पात्र, अगरदान।
ऊर (عور) फा वि –नग्न, नगा, वरहन।
ऊरी (عوری) फा वि –नग्नता, नगापन।
ऊस (عوس) अ स्त्री –वकरी की एक जाति।

ए

ए (اے) फा अव्य –ऐ, अयि, वुलाने का सवोवन, 'ए'।
एआद. (اعاده) अ पु –दोहराना, पुनरावृत्ति, लौटना, वापस आना।
एआदए शवाव (اعادۂ شباب) अ फा पु–युवावस्था की पुन वापसी, वूढे का जवान वनना।
एआनत (اعانت) अ स्त्री –सहायता, मदद।
एआनते मुज्रिमान. (اعانت مجرمانه) अ फा स्त्री –अपराध करने में सहायता, अवैध सहायता।
एज़द ((ایزد) फा पु –ईश्वर, ख़ुदा।
एज़द परस्त (ایزد پرست) फा वि –आस्तिक, ईश्वरवादी, खुदा को माननेवाला।
एज़दी (ایزدی) फा वि –ईश्वरीय, ईश्वर का, ईश्वर-सम्वन्वी।
एजाज़ (اعجاز) अ पु –चमत्कार, करामात, —"तेरे एजाज की है धूम ज़माने भर में—मैं जो वच जाऊँ तो समझूँ कि मसीहाई है।"
ए'जाजे ईसवी (اعجاز عیسوی) अ पु –मृतक प्राणियो को जीवित करने का चत्मकार।
ए'जाव (اعجاب) अ पु –अभिमान करना, घमड करना, मान, हर्ष, घमड।
ए'जाल (اعجال) अ पु –शीघ्रता करना, जल्दी करना।
एज़ाज (اعزاز) अ पु –सम्मान, प्रतिष्ठा, इज़्ज़त, राज्य या किमी वडी सभा की ओर से कोई महत्वपूर्ण काम सपुर्द करके सम्मान।
एज़ाज़ी (اعزازی) अ वि –कोई काम जो सम्मान के लिए हो, अवैतनिक कार्य।
ए'ता (اعطا) अ पु –देना, प्रदान करना, अता करना, वख़्शिश, पुरस्कार।

एʼताक़ (اعتاق) अ पु –दास को मुक्त करना, अपने वधन से छोडना।
एʼताश (اعطاش) अ पु –प्यासा करना।
एʼतिकाद (اعتقاد) अ पु –श्रद्धा, आस्था, अकीद ; प्रत्यय, विश्वास, यकीन।
एʼतिकाफ (اعتکاف) अ पु –एकान्त मे ईश्वर की तपस्या, एकान्तवास, गोशानशीनी।
एʼतिज़ाज़ (اعتزاز) अ पु –प्रिय होना, प्यारा होना, अज़ीज़ होना।
एʼतिज़ाम (اعتزام) अ पु –सकल्प करना, इरादा पक्का करना, दृढ-प्रतिज्ञ होना।
'तिज़ार (اعتزار) अ पु –उज्र करना, विवशता प्रकट करना, उज्रदारी करना, उज्र, आपत्ति।
एʼतिज़ाल (اعتزال) अ पु –अलग होना, एकान्तवासी होना, यह अकीदा होना कि मनुष्य अच्छे वुरे कर्मो का स्वय ही कर्ता है, ईश्वरेच्छा का इसमे कोई प्रश्न नही।
एʼतिदा (اعتدا) अ पु –अनीति करना, जुल्म करना।
एʼतिदाल (اعتدال) अ पु –गर्मी-सर्दी या तरी-खुश्की मे वरावर होना, सतुलन, वरावरी।
एʼतिना (اعتنا) अ पु –सहानुभूति करना, हमदर्दी करना, रोगी की देख-रेख करना, दया करना, सहानुभूति, तीमारदारी; दया, कृपा।
एʼतिनाक़ (اعتناق) अ पु –गले मिलना, एक दूसरे के गले मे हाथ डालना।
एʼतिमाद (اعتماد) अ पु.–किसी चीज़ पर पीठ टेकना, सहारा लेना, सहारा, भरोसा; विश्वास, यकीन।
एʼतिमाल (اعتمال) अ पु –काम करना।
एʼतियाक़ (اعتیاق) अ पु –मना करना, वाज़ रखना, रोकना।
एʼतियाज़ (اعتیاض) अ पु –वदला लेना, वदला देना।
एʼतियास (اعتیاص) अ पु –किसी पर कोई कार्य कठिन होना, कठिनाई मे पडना।
एʼतिराज़ (اعتراض) अ पु –आपत्ति, उज्र, हस्तक्षेप, दस्तदाज़ी; वीच मे आ जाना।
एʼतिराफ (اعتراف) अ पु –स्वीकृति, अगीकृति, इक़रार; अपने अपराध को स्वीकृति, इक़ारेजुर्म।
एʼतिला (اعتلا) अ पु –ऊपर उठना, ऊँचा होना, वलद होना।
एʼतिलाफ (اعتلاف) अ पु –पशु का घास खाना।
एʼतिलाल (اعتلال) अ पु –वीमार पड़ना, रोग-ग्रस्त होना।
एʼतिवार (اعتوار) अ. पु –किसी वस्तु को हाथो-हाथ लेना।
एʼतिशाश (اعتشاش) अ पु –वाल-वच्चो के लिए वहुत थोडा खाना लाना।
एʼतिसाफ (اعتساف) अ पु –कुमार्ग पर चलना, अनीति करना, जुल्म करना।
एʼतिसाम (اعتصام) अ पु –सयम, इद्रियनिग्रह, परहेज़गारी।
एʼतिसार (اعتصار) अ पु –निचोड़ना।
एʼतिसास (اعتساس) अ पु –रात को पहरा देना, रात को गश्त लगाना।
एʼदाम (اعدام) अ पु –ध्वस्त करना, वरवाद करना।
एʼफाफ (اعفاف) अ पु –किसी को सयम नियम का पावद वनाना।
एवक (ایبک) तु पु –दास, गुलाम, एलची, दूत, प्रेमपात्र, माʼशूक।
एमन (ایمن) फा वि –'आमन' का इमाल, सुरक्षित, महफूज, अभय, निडर।
एमनी (ایمنی) फा स्त्री –सुरक्षा, हिफाज़त, भयहीनता, निडरपन।
एमिन (ایمن) फा वि –सुरक्षित, अभय, निडर।
एʼराज़ (اعراض) अ पु –किसी की ओर से मुँह फेर लेना, विमुखता, उपेक्षा, प्रकट होना, चौडा चकला होना, वकरी के वच्चे का अंडकोप निकालना, भलाई करना।
एʼराव (اعراب) अ पु –'ज़वर', 'ज़ेर' और 'पेश'।
एलची (ایلچی) तु पु –पत्रवाहक, कासिद, राजदूत, सफीर।
एʼला (اعلا) अ पु –ऊँचा करना, उठाना; प्रसार करना, फैलाना।
एʼलान (اعلان) अ पु –घोपणा, अभिज्ञापन, मुनादी, उद्घोप।
एʼलाम (اعلام) अ पु –ज्ञान कराना, वताना, जताना।
एʼलाल (اعلال) अ पु –वीमार करना, रोगी वनाना।
एʼवास (اعواص) अ पु –शत्रु पर काम मुश्किल कर देना, शत्रु को कठिनाई में डाल देना।
एʼविजाज (اعوجاج) अ पु –टेढा होना, टेढ,वक्रता, कजी।
एशा (ایشاں) फा अव्य –यह लोग, यह सव।
एʼशाश (اعشاش) अ पु –दूसरे के घर मे इस इरादे से आ वैठना कि वह घवराकर घर छोड़कर भाग जाय।
एसार (اعصار) अ पु –लड़की का वालिग होना, वादल का वरसने के करीव होना।
एस्ताद. (ایستادہ) फा वि –दे 'इस्ताद', दोनो शुद्ध है।
एस्तादगी (ایستادگی) फा स्त्री –दे 'इस्तादगी', दोनो शुद्ध है।

एस्तादनी (ایستادنی) फा वि –दे 'इस्तादनी', दोनो शुद्ध है।

एहक़ाक़ (احقاق) अ पु –हक साबित करना, ठीक जानना।

एहकाके हक (احقاق حق) अ पु –अपना हक साबित करना, सच्ची बात साबित करना।

एहज़ान (احزان) अ पु –दु खित करना, गम मे डालना।

एहजार (اهجار) अ पु –अश्लील बाते करना, फुह्श बकना।

एहज़ार (اهزار) अ पु –बहुत बोलना, बहुत बाते करना, वाचालता, बकवास।

एहज़ार (احضار) अ पु –उपस्थित करना, हाज़िर करना, घोडे का दौडना।

एहतिकाक (اهتکاک) अ पु –अपमान करना, अवहेलना करना, हत्क करना।

एहतिकान (احتقان) अ पु –पिचकारी लगाना, इजकशन करना, हुक्न देना, इनेमा करना।

एहतिक़ार (احتقار) अ पु –तिरस्कार करना, अपमानित करना।

एहतिकार (احتکار) अ पु –इस विचार से अन्न सचित करना कि भाव तेज़ होने पर बेचा जायगा।

एहतिजाज (احتجاج) अ पु –वाद-विवाद करना, हुज्जत करना, अपने किसी अहित के लिए अहितकर्ता से रोष प्रकट करना।

एहतिज़ाज़ (احتظاظ) अ पु –आनद लेना, लुत्फ उठाना।

एहतिज़ाज (اهتزاز) अ पु –झूमना, झूमकर मस्त होना।

एहतिजाम (احتجام) अ पु –पछने लगवाना।

एहतिज़ार (احتضار) अ पु –सामने आना, हाजिर होना, मृत्यु का आना, नागरिक होना, घोडा दौडना।

एहतिदा (اهتدا) अ पु –सन्मार्ग पाना, सीधा रास्ता प्राप्त होना।

एहतिफाल (احتفال) अ पु –सभा करना, सभा होना।

एहतिबाल (احتبال) अ पु –जाल से शिकार पकडना।

एहतिबास (احتباس) अ पु –अवरोध, रुकना, बद होना, निरोध, अवरोध, बदिश।

एहतिबासे तम्स (احتباس طمث) अ पु –मासिकधर्म का रुक जाना।

एहतिबासे हैज़ (احتباس حیض) अ पु –दे 'एहतिबासे तम्स'।

एहतिमाम (اهتمام) अ पु –प्रयोजन, इतिज़ाम, तत्त्वावधान, देख-रेख, निरीक्षण, निगरानी, बदोबस्त, प्रबन्ध।

एहतिमाल (احتمال) अ पु –शका करना, शक करना, शका, सदेह, शुबहा।

एहतियाज (احتیاج) अ स्त्री –आवश्यकता, ज़रूरत; दरिद्रता, कगाली।

एहतियाज़ (احتیاز) अ पु –एकत्र होना, इकट्ठा होना, जमा' होना।

एहतियात (احتیاط) अ स्त्री –सावधानी, ख़बरदारी, चौकसी, होशयारी।

एहतियातन (احتیاطاً) अ वि –एहतियात के तौर पर, सावधानी के रूप मे।

एहतियाती (احتیاطی) अ वि –एहतियात सम्बन्धी, जिसमें एहतियात का ध्यान रहे।

एहतियाल (احتیال) अ पु –हीलाबाज़ी करना, बहाने बनाना।

एहतिराक़ (احتراق) अ पु –जलना, चाँद और सूरज को छोडकर बाकी पाँच ग्रहो मे से किसी एक का छिप जाना।

एहतिराज़ (احتراز) अ पु –परहेज़ करना, बचना, अलग रहना, घृणा करना, नफरत करना।

एहतिराम (احترام) अ पु –समान करना, इज्ज़त करना, समान, आदर, इज्ज़त।

एहतिलाम (احتلام) अ पु–सोते मे वीर्यस्खलन होना, स्वप्न-दोष।

एहतिवा (احتوا) अ पु –चारो ओर से घेरना, इहाता करना।

एहतिशाम (احتشام) अ पु –लज्जा करना, बहुत से नौकर चाकर वाला होना, वैभव, शानोशौकत।

एहतिसाब (احتساب) अ पु –हिसाब करना, निषिद्ध वस्तुओ के खान-पान से रोकना।

एहदा (اهدا) अ पु –किसी को उपहार भेजना।

एहदार (اهدار) अ पु –किसी को किसी व्यक्ति की हत्या करने की आज्ञा देना, किसी का हक नष्ट करना।

एहदास (احداث) अ पु –नयी बात निकालना, जिद्दत पैदा करना, आविष्कार।

एहमाल (اهمال) अ पु –भूल से छोड जाना, भूल जाना।

एहमाल (احمال) अ पु –लादना, बोझ उठाना।

एहया (احیا) अ पु –जीवित करना, प्राण दान देना, ज़िंदा करना।

एहराक़ (احراق) अ पु –जलाना।

एहराम (احرام) अ पु –हाजियो का वस्त्र, दो चादरे जो बिना सिली हुई एक बाँधी और एक ओढी जाती हैं।

एहराम (اهرام) अ पु –बहुत बूढा होना, बहुत अधिक बुढापा, परमवृद्धत्व।

एहलाक (اهلاک) अ पु –प्राण ले लेना, मार डालना, हिंसा हलाक करना, वध करना।

एहलील(احليل)अ पु –मूत्र की नली, स्त्री के दूध की नली।

एहलीलज (اهليلج) अ पु –हलेला, हड।

एहसा ('احصا)अ पु –गणना करना, गिनना, सीमित करना, महदूद करना, गिनती, गणना, शुमार।

एहसान (احسان)अ पु –उपकार, आभार, भलाई, नेकी।

एहसान (احصان)अ पु –पुरुष का स्त्री की इच्छा करना, स्त्री का पुरुष की इच्छा करना, गर्भवती होना, सयमी होना, मज़बूत करना, घेरा डालना।

एहसान नाशनास(احسان ناشناس)अ फा वि –अकृतज्ञ, कृतघ्न, नमकहराम, जो उपकार न माने।

एहसान फरामोश (احسان فراموش) अ फा वि –कृतघ्न, नमकहराम, जो किसी का उपकार भूल जाय।

एहसान फरोश (احسان فروش) अ फा वि –जो उपकार करके सबसे कहता फिरे।

एहसानमद (احسان مند) अ फा वि –कृतज्ञ, आभारी, उपकार माननेवाला।

एहसानमंदी (احسان مندی) अ फा स्त्री –कृतज्ञता, उपकार मानना।

एहसान शनास (احسان شناس) अ फा वि –कृतज्ञ, उपकार को पहचाननेवाला।

एहसार (احصار) अ पु –गिनना, शुमार करना, घेरे मे लेना,, खुला रखना, हज को न जाना।

एहसास (احساس) अ पु –अनुभव, सवेदन, हिस, ध्यान, खयाल, पाना, देखना।

एहसासात (احساسات) अ पु –एहसास का वहुवचन।

ऐ

ऐ (اے) अ अव्य –ए, अयि, हे।

ऐक (عيق) अ पु –रोके रखना, वाज़ रखना।

ऐज़न (ايضاً) अ अव्य –जैसा पहले या ऊपर था वैसा ही।

ऐत (عيط) अ पु –गर्दन का लवा होना।

ऐताम (ايتام) अ पु –'यतीम' का वहु, अनाथ वच्चे।

ऐन (عين) अ पु –नेत्र, नयन, आँख, छोटी नदी, स्रोत, चश्म, सदृश, तुल्य, मिस्ल, यथार्थ, वास्तविक वाकई।

ऐनक (عينک) अ फा स्त्री –आँखो मे लगाने का चश्मा, उपनेत्र।

ऐना (عينا) अ स्त्री –सुदर आँखोवाली स्त्री।

ऐनुद्दीक (عين الديک) अ स्त्री –घुघची।

ऐनुलमाल (عين المال) अ पु –मूलधन, असल पूँजी।

ऐनुलयकीन (عين اليقين) अ पु.–वह विश्वास जो आँखो देखकर प्राप्त हो।

ऐफाग़ (ايفاغ) अ पु –पिशुन, चुगल, ऊँघता हुआ, निद्रालु, धृष्ट, शोख़।

ऐबः (عيبه) अ पु –चमडे का थैला, कपडे रखने का पात्र, रहस्य का स्थान।

ऐब (عيب) अ पु –दोष, वुराई, पाप, गुनाह, त्रुटि, भूल, अशुद्धि, गलती।

ऐब गो (عيب گو) अ फा वि –दोप वतानेवाला, दोप निकालनेवाला।

ऐब चीं (عيب چيں) अ फा वि –दोष ढूँढनेवाला, ऐब तलाश करनेवाला, छिद्रान्वेपी।

ऐबजू (عيب جو) अ फा वि –दोप ढूँढनेवाला, छिद्रान्वेषी।

ऐबतराश (عيب تراش) अ फा वि –ऐब लगानेवाला, दोपारोपक, ढूँढ-ढूँढकर ऐब निकालनेवाला।

ऐबदार (عيب دار) अ फा वि –दोपयुक्त, दोपी, जिसमे ऐब हो, खराव, दूपित, धूर्त, पाजी।

ऐबपोश (عيب پوش) अ फा वि –दोपो को छिपाने वाला, ऐवो पर पर्दा डालनेवाला, दोषवारक।

ऐबबीं (عيب بيں) अ फा वि –दे 'ऐवजू'।

ऐबस (ايبس) अ वि –वहुत अधिक खुश्क, वहुत अधिक खुश्की वढानेवाला।

ऐमः (ايمه) फा अव्य –अब, इस समय, मिथ्या, अनर्थ।

ऐम (عيم) अ पु –प्यासा होना, तृप्त होने की इच्छा होना।

ऐम (ايم) अ पु –सफेद साँप।

ऐमन (ايمن) अ वि –वडा कल्याणकारी, वहुत ही शुभान्वित, दाहनी ओरवाला।

ऐमान (ايمان) अ पु –अनेक शपथ, कस्मे, ताकते, वल 'यमीन' का वहु।

ऐयाम (ايام) अ पु –'यौम' का वहु, दिन-समूह।

ऐयार (عيار) अ वि –वचक, छली, चालाक।

ऐयारानः (عيارانه) अ फा वि –वचको जैसा, छलियो की भाँति।

ऐयारी (عياری) अ स्त्री –वचकता, छल, चालाकी।

ऐयाश (عياش) अ वि –व्यभिचारी, विपय-लपट, ज़ानी, अच्छे खाने-पहनने और आराम से रहने का शौकीन।

ऐयाशानः (عياشانه) अ फा वि –ऐयाशो-जैसा।

ऐयाशी (عياشی) अ स्त्री –व्यभिचार, ज़िना, अच्छा खाना-पहनना और आराम से रहना।

ऐयिम (ایم) अ वि –बिना पति की स्त्री, विधवा, विना स्त्री का पुरुप, रँडुआ, विधुर।
ऐयूक़ (عیوق) अ पु –एक तेज़ और चमकदार तारा।
ऐयूब (ایوب) अ पु –एक पैगम्बर जो वडे ही धैर्यवान् थे।
ऐर (ایر) अ पु –शिश्न, लिग।
ऐर (عیر) अ पु –जगली गधा, गोरखर।
ऐल॰ (عیلہ) अ स्त्री –सन्यास, फकीरी।
ऐवान (ایوان) फा पु –प्रासाद, भवन, महल, राजप्रासाद, शाहीमहल, परिपद्, ससद, कौसिल।
ऐवानेज़ेरीं (ایوان زیریں) फा पु –निम्न सदन।
ऐवानेवाला (ایوان بالا) फा पु –उच्च सदन।
ऐश (عیش) अ पु –भोग विलास, विषयवासना, व्यभिचार, खाने-पीने का सुख।
ऐशतलब (عیش طلب) अ फा वि –भोग-विलास का आनद चाहनेवाला।
ऐशतलबी (عیش طلبی) अ फा स्त्री –भोगविलास के आनद की इच्छा।
ऐशपरस्त (عیش پرست) अ फा वि –दे 'ऐयाश'।
ऐशपरस्ती (عیش پرستی) अ फा स्त्री –दे 'ऐयाशी'।
ऐशपसद (عیش پسند) अ फा वि –दे 'ऐशतलब'।
ऐशपसदी (عیش پسندی) अ फा स्त्री –दे 'ऐश तलबी'।
ऐशमजिल (عیش منزل) अ स्त्री –रगभवन, रगमहल, ऐश करने की जगह।
ऐशमहफिल (عیش محفل) अ स्त्री –दे 'ऐशमजिल'।
ऐशेरफ्त. (عیش رفتہ) अ फा पु –वीता हुआ सुख चैन, वीता हुआ सुख का समय।
ऐशोनशात (عیش ونشاط) अ पु –सुख चैन, भोगविलास, सव प्रकार के आनद।
ऐस (عیث) अ पु –भेडिए का वकरियो के झुड को नाश करना, विनाश, वरवादी।
ऐस (ایس) अ पु –निराशा, नैराश्य, नाउम्मेदी।
ऐसर (ایسر) अ वि –वहुत सुगम, अति सरल, वहुत आसान।

ओ

ओ (او) फा अव्य –वह।
ओफ्ताद (اوفتادہ) फा वि –दे 'उफ्ताद', दो शु है।
ओफ्ताद (اوفتاد) फा स्त्री –दे 'उफ्ताद', दो शु है।
ओफ्तादगी (اوفتادگی) फा स्त्री –दे 'उफ्तादगी', दो शु है।
ओफ्तादनी (اوفتادنی) फा वि –दे 'उफ्तादनी', दो शुद्ध है।
ओस्ता (اوستا) फा पु –दे 'उस्ता'।
ओस्ताद (اوستاد) फा पु –दे 'उस्ताद', दो शु है।
ओस्तादान (اوستادانہ) फा वि –दे 'उस्तादान', दो शु है।
ओस्तादी (اوستادی) फा स्त्री –दे 'उस्तादी', दो शु है।
ओहदः (عہدہ) अ पु –पद, दर्जा, पदवी, मर्तवा, पदाधिकार, अफसरी।
ओहदःदार (عہدہ دار) अ फा वि –पदाधिकारी, अफसर।
ओहद.वरा (عہدہ برا) अ फा वि –ज़िम्मेदारी पूरी करनेवाला।
ओहद वराई (عہدہ برائی) अ फा स्त्री –ज़िम्मेदारी की पूर्ति।

औ

औइय. (اوعیہ) अ पु –'विआ' का वहु, वरतन-भाडे।
औकर (اوقر) अ वि –वधिर, वहरा।
औक़स (اوقص) अ वि –छोटी गर्दनवाला, ऐसा माल जिसके वढने पर ज़कात न देना पडे।
औका' (اوکع) अ वि –कृपण, कजूस।
औक़ात (اوقات) अ पु –'वक्त' का वहु, समयावली (स्त्री) प्रतिष्ठा, इज्ज़त, मान मर्यादा।
औक़ाफ (اوقاف) अ पु –'वक्फ' का वहु, वे जायदाद आदि जो समर्पित है, देवोत्तर सम्पत्तियाँ।
औज. (اوصہ) अ पु –क्रम, कोठा।
औज (اوج) अ पु –उच्चता, ऊँचाई, वुलदी, उन्नति, तरक्की, प्रतिष्ठा, मान, वक्अत।
औज (عوج) अ पु –वक्रता, टेढापन।
औज़ह (اوضح) अ वि –अत्यत स्पष्ट, विलकुल साफ।
औजाअ (اوزاع) अ पु –मनुष्यो के समूह।
औजाअ (اوجاع) अ पु –'वजा' का वहु पीडाएँ, दर्द।
औज़ाअ (اوضاع) अ पु –'वज्अ' का वहु, तौर-तरीके।
औज़ान (اوزان) अ पु –'वज्न' का वहु, तौलन के वाँट, तोले।
औज़ार (اوزار) अ पु –'विज्र' का वहु, उपकरण समूह, आलात, कारीगरो के यत्र।
औताद (اوتاد) अ पु –'वतद' या 'वतिद' का वहु, खूँटियाँ, मेखे, खूँटे।
औतान (اوطان) अ पु –'वतन' का वहु जन्मभूमियाँ।
औतार (اوتار) अ पु –'वतर' का वहु, धनुषो की ज्याएँ, वाजे के तार।

औद (عود) अ पु –लौटना, वापसी, पलटना ।
औन (عون) अ वि –सहायक, मददगार ।
औफ (عوف) अ पु –आपत्ति, आपदा, मुसीबत, कष्ट, दु ख, तकलीफ ।
औफ़क़ (اوفق) अ वि –अनुकूलतम, बहुत मुआफिक ।
औबाश (اوباش) अ पु –'बौश' का बहु , लफ़्टजन, शोहदे-लोग, लोफर, दुराचारी ।
औबाशी (اوباشی) अ स्त्री –धूर्तता, लपटता, शुहदपन, लोफरपन ।
औरंग (اورنگ) फा पु –राजसिंहासन, तख़्तेशाही, बुद्धिमत्ता, दानाई ।
औरंगज़ेब (اورنگ زیب) फा वि –राजसिंहासन की शोभा, शासक, हुक्मरा, एक मुगल सम्राट की उपाधि ।
औरंगनशीं (اورنگ نشیں) फा वि –सिंहासनारूढ, तख़्तनशी ।
औरंगे जहाँ बानी (اورنگ جہاں بانی) फा पु –राजसिंहासन, शाही तख़्त, ससार का राजसिंहासन ।
और (عور) अ पु –कानापन, एक आँख का होना ।
औरत (عورت) अ स्त्री –स्त्री, नारी, महिला, जाया, भार्या, पत्नी, जोरू, मनुष्य या स्त्री के गुप्ताग, हर वह चीज़ जिसके देखने से लज्जा आये ।
औराक़ (اوراق) अ पु –'वरक' का बहु , पुस्तक के पन्ने, किताब के वरक, पेड़ो के पत्ते ।
औरात (عورات) अ स्त्री –'औरत' का बहु , स्त्रियाँ, औरते, मनुष्य या स्त्री के गुह्याग ।
औराद (اوراد) अ पु –'विर्द' का बहु जपतप, विर्दवज़ीफ ।
औराम (اورام) अ पु –'वरम' का बहु , सूजने, वरम ।
औरिद. (اورده) अ पु –'वरीद' का बहु , रक्तवाहिनी रगे (नाडियाँ) ।
औल (عول) अ पु –पालन-पोषण करना, रोटी कपडा देना, दान, बख़्शिश ।
औला (اولی) अ वि –बहुत बढिया, अति उत्तम, बहुत मुनासिब, परमोचित ।
औलातर (اولیتر) अ फा वि –उत्तमतर, बहुत उम्दा, उचिततर, मुनासिबतर ।
औलातरीन (اولیترین) अ फा वि –बहुत ही उत्तम, बहुत ही उचित ।
औलाद (اولاد) अ पु –'वलद' का बहु , सतान, बाल-बच्चे ।
औलिया (اولیا) अ पु.–'वली' का बहु , उत्तराधिकारीगण, वारिसीन, ऋषिगण, वली अल्लाह लोग ।
औशंग (اوشنگ) फा स्त्री –अलगनी ।
औस (عوص) अ पु –कठिनता, दुश्वारी, कठिनाई ।
औसक़ (اوثق) अ वि –बहुत ही मजबूत, दृढतम ।
औसत (اوسط) अ वि –मध्य, बीच, दरमियान, माध्यम, दरमियानी, अनुपात, माध्य, एवरेज ।
औसतन (اوسطاً) अ वि –औसत के हिसाब से, अनुपात के अनुसार ।
औसतुल हाल (اوسط الحال) अ वि –ऐसा व्यक्ति जो न बहुत अमीर हो न बहुत गरीब, मध्यवित्त ।
औसा (اوسع) अ वि –बहुत अधिक विस्तृत, वसीअतर ।
औसान (اوثان) अ पु –'वसन' का बहु , मूर्तियाँ, बुत ।
औसान (اوسان) अ पु –हवास, होश, सज्ञा, बुद्धि ।
औसाफ (اوصاف) अ पु –'वस्फ' का बहु , गुणसमूह, खूबियाँ, अच्छाइयाँ ।
औसाफे हमीदः (اوصاف حمیده) अ पु –अच्छे और श्लाघ्य गुण, सत्त्वगुण, प्रशसनीय शालीनता ।
औसिया (اوصیا) अ पु –'वसी' का बहु , रिक़्थाधिकारी, उत्तराधिकारी, वारिस लोग ।
औहद (اوحد) अ वि –अद्वितीय, यगाना, अनुपम ।
औहाम (اوهام) अ पु –'वह्म' का बहु , भ्रातियाँ, मुगालते, धोके ।

क

कंज (کنز) अ पु–कोश, निधि, ख़ज़ाना ।
कंजफ़ीर (قنفیر) अ पु –वृद्धा स्त्री , बूढी औरत ।
कंजे मख़्फी (کنز مخفی) अ पु –ज़मीन के भीतर दबा हुआ ख़ज़ाना, भूनिहित निधि ।
कंतरः (قنطره) अ पु –पुल, सेतु , बडी इमारत, प्रासाद ।
कंतर (قنتر) अ वि –ह्रस्व, छोटा, कोताह ।
कतूरः (قنتوره) अ पु –एक प्रकार का कोट जिसके दामन छोटे होते और जिसमे काज बहुत होते है ।
कंदः (کنده) फा वि –अकित, खुदा हुआ, लिखित, लिखा हुआ, पत्थर आदि पर खुदा हुआ ।
कंदः (کنده) फा पु –खाई, खदक ।
कंदकार (کنده کار) फा वि –चाँदी, सोने, लकड़ी अथवा पत्थर पर बेल-बूटे बनाने का काम करनेवाला ।
कंद.कारी (کنده کاری) फा स्त्री –वे बेल-बूटे जो सोने, चाँदी, लकडी अथवा पत्थर आदि पर बनते है, बेल-बूटे बनाने का काम ।
क़ंद (قند) अ स्त्री –सफेद दाना दार शकर, शर्करा ।
कंद (کند) तु पु –गाँव, ग्राम, देहात ।
कंद (کند) फा स्त्री –कद, शकर, शर्करा, खड ।

क़ंदख़ानः (قندخانہ) अ फा पु –खडसाल, शकर वनाने का कारखाना।

कंदील (کندیل) फा स्त्री –दीपक, चिराग, दे 'किंदील'।

कदूरी (کندوری) फा पु –खाना खाने का कपडा, दस्तरख़ान।

क़बर (قنبر) अ पु –हज़रत अली का एक दास, जो उनका वडा भक्त था।

क़स (قنص) अ पु –शिकार खेलना, जाल लगाना।

कस (کنس) अ पु –घर आदि झाडना, झाडू देना।

क़अलची (قعلچی) तु पु –मीर शिकार, वह व्यक्ति जो वादशाहो के शिकार का प्रवध करता है।

कईद (قعید) अ वि –साथ वैठने-उठनेवाला, सभासद।

कईर (قعیر) अ पु –अथाह, गहरा, अगाध।

कऊर (قعور) अ पु –गहरा, अथाह, गभीर।

कख कख (کخ کخ) फा अव्य –छीछी, घृणावाचक शव्द, खिलखिल हँसने का शव्द।

कचः (کچہ) फा पु –छल्ला, उँगली में पहनने की विना नग की अँगूठी।

कचकोल (کچکول) फा पु –भीख माँगने का पियाला, भिक्षापात्र, दे 'कजकोल' और 'कश्कोल'।

कज़ः (کژہ) फा पु –तालू का कौआ।

कज (کج) फा वि –टेढा, वक्र, तिर्छा।

कज़ (کژ) फा पु –कच्चा रेशम, अवरेशम, कज़, वक्र, टेढा।

कज़ (کز) फा वि –दे 'कज़ کژ।'

कज अ़क़्ल (کج عقل) अ फा वि –ऐसा व्यक्ति जिससे जो कुछ कहा जाय उसका उलटा समझे, वक्रमति, विपरीतवुद्धि।

कज अख़्लाक (کج اخلاق) फा अ वि –वेमुरव्वत, दुःशील, खुर्रा, रूखा।

कज अदा (کج ادا) फा वि –जिसमे शील-सकोच न हो, जो वहुत ही खुर्रा हो।

कज अदाई (کج ادائی) फा स्त्री –शील-सकोच की हीनता, खुर्रापन।

कज आज़ा (کج اعضا) फा अ वि –जिसके शरीर के अग टेढे-मेढे हो, वक्राग।

कजक (کجک) फा पु –अकुश, आँकुस, हाथीवान का यत्र।

कज़क (کژک) फा पु –दे 'कजक'।

कज कुलाह (کج کلاہ) फा वि –टेढी टोपी ओढनेवाला, प्रेमपात्र, मा'शूक, शासक, राजा।

कज कुलाही (کج کلاھی) फा स्त्री –वाँकापन, मा'शूकियत, राजापन।

कजकोल (کجکول) फा पु –भीख माँगने का वर्तन, भिक्षापात्र, दे 'कचकोल' और 'कश्कोल'।

कज ख़ुल्क़ (کج خلق) अ फा वि –दे 'कज अख़्लाक'।

कज ख़ुल्क़ी (کج خلقی) अ फा स्त्री –दुःशीलता, खुर्रापन।

कज़ दुम (کژ دم) फा वि –धूर्त, दगावाज़।

कज तब्अ़ (کج طبع) फा अ वि –दे 'कज मिज़ाज'।

कज़दुम (کژدم) फा पु –विच्छू, वृश्चिक।

कज निगाह (کج نگاہ) फा वि –भेंगा, जो टेढी आँखे करके देखता हो, गुस्सैल, क्रुद्धात्मा।

कज निगाही (کج نگاھی) फा स्त्री –भेंगापन, क्रोध।

कज निहाद (کج نہاد) फा वि –दे 'कज मिज़ाज'।

क़ज़फ़ (قذف) अ पु –चटयल मैदान, लवा-चौडा मैदान।

कज फ़ह्म (کج فہم) फा अ वि –उलटी समझवाला, मूर्ख, वक्रवुद्धि।

कज फ़ह्मी (کج فہمی) फा अ स्त्री –उलटी समझ, मूर्खता।

कज वह्स (کج بحث) फा अ वि –उलटी सीधी वहस करनेवाला, मूर्खता का वाद-विवाद करनेवाला, कुतर्की।

कज वह्सी (کج بحثی) फा अ स्त्री –उलटा सीधा वाद-विवाद, किसी की वात न मानकर केवल अपनी वात मनवाना।

कजवाज़ (کج باز) फा वि –लेन-देन मे व्यवहार-कुशलता न करनेवाला, वदनीयत।

कजवीं (کج بیں) फा वि –केवल वुराइयाँ और त्रुटियाँ देखनेवाला।

कजवीनी (کج بینی) फा स्त्री –केवल वुराइयाँ और त्रुटियाँ देखना।

क़ज़म (قزم) अ स्त्री –अधमता, नीचता, कमीनगी, अधम, नीच, कमीना, कमीने, नीच लोग।

कज मज (کج مج) फा वि –जिसकी जिह्वा वात करते समय लडखडाती हो, जो ठीक से वात न कर सके।

कज मज ज़वाँ (کج مج زباں) फा वि –जिसकी जीभ वातें करते समय लडखडाती हो, जिसे वात करने की तमीज़ न हो, मूर्ख।

कज मज वयाँ (کج مج بیاں) फा अ वि –दे 'कज-मज-ज़वाँ'।

कजमदारो मरेज़ (کج مدار و مریز) फा वा –'टेढा रखो और गिराओ मत'। ऐसी वात का आदेश जो असभव हो और हो न सके।

कज मिज़ाज (کج مزاج) फा अ वि –जिसके स्वभाव मे टेढापन हो, जो सीधी-सादी वात मे भी शका करे।

कज रफ्तार (کج رفتار) फा वि –टेढ़ी चाल चलनेवाला, बुरा आचरण करनेवाला, अत्याचारी, ज़ालिम।

कजरवी (کج روی) फा स्त्री –टेढीचाल, दुराचार, अत्याचार, जुल्म।

कजरौ (کج رو) फा वि –दे 'कज रफ्तार'।

कज़ल (قزل) अ पु –लँगडापन, बहुत अधिक लँगडापन।

कज़ा (قضا) अ स्त्री –आदेश देना, मृत्यु, मौत, न्याय, इसाफ, जो इबादत अपने ठीक समय पर न की गयी हो।

कज़ा (قزی) अ पु –तिनका, घास-फूस; आँख मे तिनका पड जाना।

कज़ाए कार (قضاے کار) अ फा वि –दे 'कज़ारा'।

कज़ाए मुअल्लक (قضاے معلق) अ स्त्री –वह मृत्यु जो आचनक हो, जैसे पेड़ से गिर के, आकस्मिक मृत्यु।

क़ज़ाए मुब्रम (قضاے مبرم) अ स्त्री –वह मृत्यु जो टल न सके, निश्चित मृत्यु।

कज़ाए हाजत (قضاے حاجت) अ स्त्री-शौचकर्म, पाखाना, आकस्मिक आवश्यकता।

कज़ाकंद (کزاکند، قزاکند) फा पु –एक प्रकार का कोट जिसमे कच्चा रेशम लपेटा जाता है, जिसने उस पर तल्वार असर नही करती।

कज़ाया (قضایا) अ पु –'कज़ीय' का बहु, हुक्म, खबरे, झगडे।

कज़ारा (قضارا) अ फा वि –अचानक, अनायास, सहसा, अकस्मात्, नागहाँ।

कजाव. (کجاوہ) फा पु –ऊँट का हौदा जिसमें दोनो ओर अदमी बैठते है।

कज़ा व कज़ा (کزا و کزا) अ अव्य –ऐसे और ऐसे, यो और यो।

कज़िब (کزب) अ वि –झूठा, मिथ्याभापी।

क़ज़िर (قزر) अ वि –अपवित्र, नापाक, मलिन, गदा।

कज़िल (قزل) अ वि –लँगडा, पगु।

कजी (کجی) फा स्त्री–टेढापन, वक्रता।

कजीन (کجین) तु पु –घोडे की पाखर।

कज़ीब (قضیب) अ पु –पेड की डाली, शिश्न, मेहन, लिंग।

कज़ीम (کظیم) अ वि –क्रोध पी जानेवाला।

कज़ीम (قضیم) अ पु.–घोडे को दिये जानेवाले जौ, क्रोध के समय क्रोध न करनेवाला, क्षमाशील।

कजीम (کجیم) तु पु –दे 'कज़ीन'।

कज़ीय. (قضیہ) अ पु –आदेश, हुक्म, झगडा, आपसी झगडा, व्यवहार, मुकदमा।

कज़्ग़ान (قزغان) तु स्त्री –बडी डेगची, कड़ाही।

कज़्ज़ाक (قزاق) तु पु –लुटेरा, डाकू, दस्यु।

कज़्ज़ाकी (قزاقی) तु स्त्री –लूटमार, डकैती।

कज़्ज़ाब (کزاب) अ वि –बहुत बडा झूठा, अनर्गलभापी, गप्पी, वाचाल, मुखर।

कज़्फ (قزف) अ पु –पत्थर मारना, गाली देना, किसी पर व्यभिचार या दुराचार का आरोप लगाना।

कज़्म (کزم) फा पु –काई, जो पानी के किनारे हो जाती है।

कज़्म (کظم) अ पु –गुस्सा पी जाना, क्रोध के समय क्रोध न करना।

कज़्लिक (کزلک) फा पु –छोटा चाकू।

कज़्वीन (قزوین) फा पु –इराक अजम का एक नगर।

कत (قط) अ पु –कलम की नोक, कलम की नोक बनाना।

कतक (قتق) तु पु –वह खटास जो आटे मे मिलाते है।

कतखुदा (کتخدا) फा वि –विवाहित अथवा विवाहिता, गृहस्वामी, घरवाला, गृहस्थ।

कतखुदाई (کتخدائی) फा स्त्री –विवाह, पाणिग्रहण, व्याह, शादी।

कतज़न (قطزن) अ फा पु –वह चीज़ जिस पर रखकर कलम को कत लगाते है।

कतन (قطن) अ पुं –दोनो चूतडो के बीच की हड्डी, पक्षी की पूँछ की जड।

कतम (قطم) अ पु –कामातुरता, शह्वत का ज़ोर।

कताँ (کتاں) फा पु –अलसी, अलसी का बीज, अलसी के पेड के रेशे से बना हुआ कपडा।

कता (قطا) अ पु –एक चिडिया जो पत्थर खाती है।

कताइफ (قطائف) अ पु –'क़तीफ' का बहु, मखमल की चादरें, मखमली कपडे।

कताइब (کتائب) अ पु –'कतीब' का बहु, सेनाएँ, फौजें।

क़ताम (قتام) अ पु –धूल-मिट्टी, गर्द-गुबार।

कताम (کتام) अ पु –छिपना, गुप्त होना।

कतार (قطار) अ स्त्री –शुद्ध शब्द 'कितार' है, परतु उर्दू मे 'क़तार' ही बोलते है, पक्ति, पाँति, पगत।

कतार दर कतार (قطار در قطار) अ फा वि –बहुत-सी पक्तियो मे, पक्तियाँ बनाकर, बहुत अधिक।

कतारीक (قطاریق) अ पु –युद्ध मे सैनिको का कोलाहल, कोलाहल, शोर-गुल।

कतिफ (کتف) अ पु –कधा, स्कध, शाना।

कतीअः (قطیعہ) अ पु –भेड-बकरी या गाय-भैसो का रेवड।

कतीअ (قطیع) अ पु –दे 'कतीअ.'।

क़तीअत (قطیعت) अ स्त्री –जुदाई, विच्छेद, पृथक्ता, अलाहदगी, काटना।

क़तीन (قتین) अ वि –कम खानेवाला, पुरुष अथवा स्त्री।

क़तीफ (قطیفہ) अ पु –मख़मल का कपडा।

कतीबः (کتیبہ) अ पु –सेना, फौज।

कतीब (کتیب) अ वि –लिखित, लिखा हुआ।

कतीर (کتیرہ) अ पु –एक प्रसिद्ध गोद जो दवा के काम आता है, और जिसका अधिक खाना नपुसक बना देता है।

कतील (قتیل) अ वि –जिसे मार डाला गया हो, पुरुष हो अथवा स्त्री, हत, वधित।

क़तूर (قطور) अ पु –पतली दवा जो कान या नाक मे टपकायी जाती है।

क़तूर (قتور) अ वि –बख़ील, कजूस, कृपण।

कत्अ (قطعہ) अ पु –खड, टुकडा, ज़मीन का टुकडा, भूमिखड, ता'दाद, मात्रा, जैसे–चार कत्अ कपडे, उर्दू अथवा फार्सी नज़्म की एक किस्म जिसमे गज़ल की तरह क़ाफिए की पाबदी होती है, और जिसमें कोई एक बात कही जाती है।

क़त्अ (قطع) अ स्त्री –काटना, पृथक् करना, विच्छेद, वेषभूषा, वज्अ, प्रकार, रग।

कत्अन् (قطعاً) अ वि –कदापि, हरगिज़, निताात, बिल्कुल।

क़त्ई (قطعی) अ वि –कदापि, हरगिज, निताात, बिल्कुल, अटल, मजबूत, अतिम, आखिरी।

कत्ईयत (قطعیت) अ स्त्री –अतिमता, आखिरीपन, अटलपन।

क़त्ए तअल्लुक (قطع تعلق) अ पु –परस्पर मेल-मिलाप का खातिमा, सम्बन्ध-विच्छेद, विवाह-विच्छेद, तलाक, "कतअ कीजिए न तअल्लुक हमसे, कुछ नही है तो अदावत ही सही।"–गालिब।

क़त्तात (قتات) अ वि –निंदक, बदगो, पिशुन, चुगुल।

कत्तामः (قطامہ) अ स्त्री –वह स्त्री जिसमें काम-वासना अधिक हो, स्त्रियो के लिए एक गाली, 'छिनाल'।

क़त्ताल. (قتالہ) अ स्त्री –बहुत अधिक कतल करने-वाली, प्रेयसी, प्रेमिका, माशूका।

क़त्ताल (قتال) अ वि –बहुत अधिक कतल करनेवाला, जल्लाद, प्रेमपात्र, माशूक।

क़त्फ (قطف) अ पु –फल आदि बीनना, मेवा चुनना।

कत्फ (کتف) अ पु –कधा, स्कन्ध, धीरे-धीरे चलना, दोनो हाथ पीछे बाँधना, कधे का ऊँचा होना।

कत्ब (کتبہ) अ पु –वह पत्थर जो किसी इमारत या कब्र पर लगाया जाता है, और जिसमे मकान आदि बनने का विवरण या मरनेवाले का नाम और उसके मरने की तारीख आदि दी जाती है, शिलालेख, अतर्लेख, अभिलेख।

कत्म (کتم) अ पु –छिपाव, गुप्ति, पोशीदगी।

कत्मे अदम (کتم عدم) अ पु –वह स्थान जहाँ जीवात्मा उत्पत्ति से पहले रहती है।

क़त्र (قطرہ) अ पु –बिंदु, बूंद।

कत्र:ज़न (قطرہ زن) अ फा वि –बहुत शीघ्र चलने या दौडनेवाला, शीघ्रगामी।

क़त्र दुज़्द (قطرہ دزد) अ फा पु –बादल, अभ्र, सूर्य, सूरज।

क़त्र (قطر) अ पु –वर्षा, बारिश।

क़त्रए अश्क (قطرۂ اشک) अ फा पु –आँसू की बूंद, अश्रुकण।

कत्रए आब (قطرۂ آب) अ फा पु –पानी की बूंद, जलकण।

कत्ल (قتل) अ पु –वध, हनन, हत्या, हिंसा, जान से मार डालना।

कत्लगाह (قتل گاہ) अ फा स्त्री –कत्ल करने का स्थान, वधस्थल, वधभूमि, वधगृह।

कत्ला (قتلی) अ पु –'कतील' का बहु, कतल होनेवाले।

कत्ले अम्द (قتل عمد) अ पु –जान-बूझकर हत्या, प्रयतित वध, वध करने के निश्चय से वध।

कत्ले आम (قتل عام) अ पु –सर्वसाधारण का वध, अप-राधी अनपराधी छोटे-बडे पुरुष स्त्री सब की सिर से हत्या।

कद (کدہ) फा पु –घर, गृह, मकान, प्रत्यय रूप मे—मदिरा+कद =आलय (मदिरालय—मैख़ाना)।

कद (کد) फा पु –दे 'कद'।

क़द [द्द] (قد) अ पु –डील, आकार, कामत।

कद [द्द] (کد) अ स्त्री –वैमनस्य, रजिश, द्वेष, कीना, प्रयत्न, परिश्रम, कोशिश।

कदख़ुदा (کدخدا) फा वि –दे 'कतखुदा'।

कदख़ुदाई (کدخدائی) फा स्त्री –दे 'कत खुदाई'।

कदग़न (قدغن) तु पु –मनाही का हुक्म, निषेधादेश, प्रतिबध, रोक, मनाही।

कदग़नची (قدغنچی) तु पु –रोकनेवाला, मना करने-वाला, निषेधक, प्रतिबधक।

कदबानू (کدبانو) फा स्त्री –गृह-स्वामिनी, घर की मालिक, घर-गृहस्ती वाली स्त्री, महिला, ख़ातून।

क़दम (قدم) अ पु –पद, पाँव, पैर, डग, एक कदम की दूरी।

कदम ब कदम (قدم بقدم) अ फा वि –कदम से कदम मिलाकर, बराबर-बराबर, साथ-साथ।

क़दमबाज़ (قدم باز) अ फा वि –तेज़ चलनेवाला, शीघ्रगति; 'कदम चाल' चलनेवाला घोड़ा।

क़दमबोस (قدم بوس) अ फा वि –पाँव चूमनेवाला, पदचुंबक।

कदमबोसी (قدم بوسی) अ फा स्त्री –पाँव चूमना, पदचुंबन, बड़े व्यक्ति की मुलाकात।

क़दमरंजः (قدم رنجہ) अ फा वि –पदार्पण करनेवाला, आनेवाला, पधारनेवाला।

क़दमरंजगी (قدم رنجگی) अ फा स्त्री –पदार्पण, आना, तशरीफ लाना।

क़दर (قدر) अ स्त्री –आदेश, हुक्म; पराकाष्ठा, इंतिहा; अनुमान, अंदाजा, शक्ति, ताकत; भाग्य, तक्दीर।

कदर (کدر) अ स्त्री –अँधेरा, तीरगी; मलिनता, मैलापन।

कदर (کدر) फा पु –केवड़े का पेड़।

क़दरअंदाज़ (قدر انداز) अ फा वि –ठीक निशाना लगानेवाला, लक्ष्यभेदी, शीघ्रभेदी।

कदरअंदाजी (قدر اندازی) अ फा स्त्री –ठीक निशाना लगाना, निशाने का अचूक होना।

क़दह (قدح) अ पु –पियाला, चषक; शराब पीने का जाम, पान-पात्र, पेयपात्र, प्रत्यय रूप में—मै=मद्य+कदह=प्याला, पात्र (मधुपात्र, मधुप्याला)।

क़दहकश (قدح کش) अ फा वि –शराबी, मद्यप।

क़दहख़्वार (قدح خوار) अ फा वि –दे 'क़दहकश'।

कदहनोश (قدح نوش) अ फा वि –दे 'कदहकश'।

क़दामत (قدامت) अ स्त्री –प्राचीनता, पुरातत्त्व, पुरानापन (समय का)।

क़दामत परस्त (قدامت پرست) अ फा. वि –जो पुरानी बातों को छोड़कर नयी बातें ग्रहण न करे, रूढ़िवादी, प्राचीनतावादी।

क़दामत परस्ती (قدامت پرستی) अ फा. स्त्री –पुरानी बातों को छोड़कर नये खयालात का ग्रहण न करना, 'रूढ़िवाद' प्राचीनतावाद।

कदामत पसंद (قدامت پسند) अ फा वि –दे 'क़दामत परस्त'।

क़दामत पसंदी (قدامت پسندی) अ फा स्त्री –दे 'क़दामत परस्ती'।

कदिर (کدر) अ वि –मैला, गँदला, मलिन, मटीला।

कदीद (کدید) अ स्त्री –कूटी-पीटी ज़मीन।

कदीद (قدید) अ पु –सुखाया हुआ मांस जिसे पकाकर खाते हैं।

कदीम (قدیم) अ वि –पुरातन, पुराना, जो आदि से हो, अनादि, बहुत दिनों का।

कदीमानः (قدیمانہ) अ फा वि –पुराने समय का, पुराना जैसा, कदीमी।

कदीमी (قدیمی) अ वि –पुराना, पुरातन; पुराने समय का।

कदीरः (کدیرہ) अ वि –मलिन, गदला, मटीला, गुप्त, पोशीदा।

कदीर (قدیر) अ पु –शक्तिमान्, ताक़तवर; समर्थ, कुद्रतवाला; सर्वशक्तिमान् ईश्वर।

कदीस (قدیس) अ पु –मुक्ता, मोती।

कदू (کدو) फा पु –लौकी, तूँबी, लौकी का खोल, जिसका पियाला आदि बनाते हैं; पियाला।

कदूअ (قدوع) अ वि –अधम, नीच, कमीना।

कदूए हज्जाम (کدوے حجام) अ फा पु –पछने लगानेवाले का पियाला जिससे वह खून खींचते हैं, फस्द खोलनेवाले नाई का प्याला।

कदूकश (کدو کش) फा पु –लौकी आदि छीलने का यंत्र, कद्दूकश।

कदूद (کدود) अ वि –विपत्ति उठानेवाला व्यक्ति, (पु) वह कुआँ जिसमें से पानी बड़ी कठिनता से निकले।

कदूम (قدوم) अ पु –बढइयों का बसूला, बार-बार आगे आनेवाला व्यक्ति।

कदूस (قدوس) अ वि –तलवार लेकर सामना करनेवाला व्यक्ति।

कदूह (قدوح) अ पुं –वह कुआँ जिसमें से हाथ से पानी निकाल ले, बहुत उथला कुआँ।

कदेवर (کدیور) फा पु –किसान, कृषक, गृहस्वामी, घरवाला; गाँव का मुखिया, पटेल।

कदो क़ामत (قد و قامت) अ पुं –डील-डौल, "क़दो-क़ामत यार का समझा अँधेरी रात में, धोके-धोके में बहुत धोखे लिए शहतीर के।"

कदो काविश (کد و کاوش) फा. स्त्री –दौड-धूप, भाग-दौड़, परिश्रम, मेहनत।

कद्दावर (قد آور) अ फा पु –लंबा-तड़ंगा, गिराडील।

कद्दे आदम (قد آدم) अ वि –मनुष्य की लंबाई के बराबर लंबा।

कद्र (قدر) अ स्त्री –आदर, सत्कार, आवभगत, सम्मान, प्रतिष्ठा, इज्ज़त, मूल्य, कीमत, गुण की परख।

कद्रदाँ (قدر داں) अ फा वि –गुण की कद्र (कदर) पहचाननेवाला, गुण-ग्राहक, गुणज्ञ।

क़द्रदानी (قدردانی) अ फा स्त्री –गुण की कद्र पहचानना, गुण की परख।

कद्रशनास (قدرشناس) अ फा वि –दे 'कद्रदाँ'।

कद्रशनासी (قدرشناسی) अ फा स्त्री –दे 'कद्रदानी'।

कद्रे (قدرے) फा वि –थोडा, ज़रा-सा, किसी कदर, किंचित्, किंचन, किंचिन्मात्र।

कद्ह (قدح) अ स्त्री –निंदा, हज्व, तिरस्कार, अपमान, तहकीर।

कन (کن) फा प्रत्य –खोदनेवाला, जैसे–'कानकन', कान खोदनेवाला।

कनफ (کنف) अ पु –किनारा, तरफ, छोर, दिशा, जानिब, ओर, पनाह, रक्षा, त्राण।

कनब (کنب) अ पु –चटाई बुनने की एक घास, काम की अधिकता से हाथो के छाले, हँसी मे हाथा-पाई।

कनवात (قنوات) अ पु –'कनात' का बहु, पटी हुई नालियाँ, भाले, पीठ के बाँसे (रीढ) की हड्डियाँ।

क़नस (قنس) अ पु –थोडी-सी कै।

कनाअत (قناعت) अ स्त्री –थोडी-सी चीज़ पर सतोप, भाग्यतुष्टि।

कनाअत गुज़ी (قناعت گزیں) अ फा वि –जो कुछ मिल जाय उसी पर प्रसन्नता से जीवन व्यतीत करनेवाला, भाग्यतुप्ट।

क़नाअत शिआर (قناعت شعار) अ वि –दे 'कनाअत गुज़ी'।

कनाइस (کنائس) अ पु –'कनीस' का बहु, ईसाइयो के गिरजे।

क़नात (قنات) अ पु –पटी हुई नाली, भाला, रीढ की हड्डी।

कनात (قنات) तु स्त्री –मोटे कपडे का पर्दा जिसकी दीवार खडी की जाती है।

क़नादील (قنادیل) अ स्त्री –'किंदील' का बहु, किंदीले।

कनान (کنانه) अ वि –पुराना, जीर्ण, कोह्न।

कनान (کنان) अ वि –दे 'कनान'।

कनार. (کناره) फा पु –तट, साहिल, छोर, सिरा, अत, अख़ीर, एकान्त, गोशा।

कनार कश (کنارہ کش) फा वि –पृथक्, अलग, निवृत्त, बेतअल्लुक, एकातवासी, गोशानशीन।

कनार कशी (کنارہ کشی) फा स्त्री –पृथक्ता, अलहदगी, निवृत्ति, बेतअल्लुकी, एकातवास, गोशानशीनी।

कनार (کنار) फा पु –अक, क्रोड, गोद, किनार, छोर, तट, साहिल।

कानद (کنندہ) फा वि –खोदनेवाला।

कनिश (کنش) फा स्त्री –कीना, द्वेप, वैमनस्य, मनमुटाव।

कनीज़ (کنیز) फा स्त्री –दासी, सेविका, लौंडी, बाँदी।

कनीज़क (کنیزک) फा स्त्री –छोटी दासी।

कनीफ (کنیف) अ पु –शौचगृह, पाखाना, तलगृह, तहख़ाना, स्नानागार, गुस्लख़ाना।

कनीस (کنیسه) अ पु –ईसाइयो का उपासना-गृह, गिरजा, दे 'किनीस'।

क़नीस (قنیص) अ पु –शिकार, आखेट, मृगया।

कनूत (قنوط) अ वि –निराश, हताश, नाउम्मीद।

कनूद (کنود) अ वि –कृतघ्न, अकृतज्ञ, एहसान फरामोश।

कन्आँ (کنعان) अ पु –'कन्आन' का लघु, देखो।

कन्आन (کنعان) अ पु –हज़रत यूसुफ की जन्मभूमि।

कन्आनी (کنعانی) अ वि –'कन्आन' का निवासी, 'कन्आन' से सम्वन्धित।

कन्नाद (قناد) अ पु –मिठाई बनानेवाला, हलवाई, शकर बनानेवाला।

क़न्नादख़ान (قنادخانه) अ फा पु –शकर का कारखाना, हलवाई की दुकान।

कन्नास (کناس) अ पु –झाड़ू देनेवाला, मेहतर, भगी, फाँसी देनेवाला, जल्लाद।

कन्फ (کنف) अ पु –देख-रेख करना, निगरानी करना, सहायता करना, फिर जाना, पलट जाना।

क़न्फज़ (قنفز) अ स्त्री –दे शुद्ध शब्द 'कुन्फुज़'।

कपक (کپنک) अ पु –कम्मल।

कपी (کپی) फा पु –वदर, शाखामृग, कपि, वानर।

कप्नक (کپنک) फा पु –कम्मल, कम्वल।

कफ. (کفه) फा पु –अधकुटी वाल जिसमे दाने हो।

कफ (کف) फा पु –फेन, झाग।

कफ [फफ] (کف) अ पु –पजा, हाथ का पजा, हथेली, करतल, उर्दू छद की परिभापा मे सात अक्षरवाले 'गण' का अतिम अक्षर गिराकर 'फाइलातुन्' से 'फाइलातु' और 'मुफाईलुन्' से 'मुफाईलु' आदि बनाना—"पहचानिए तो, किसका यह नक्शे–कफे–पा है, अक्मीर उठा लाया दुश्मन की गली से मै।"—दाग।

कफ (قف) अ स्त्री –घास या तरकारी, जो सूखी हुई हो।

कफगीर (کفگیر) फा स्त्री –चमचा, डोई, एक प्रकार का छेददार चमचा।

कफच. (کفچه) फा पु –कफगीर, डोई, चमचा, साँप का फन।

कफचए मार (کفچۂ مار) फा पु –साँप का फन, फण।

कफद (قفد) अ पु –पाँव की उँगलियो के बल चलना।

कफ़न (كفن) अ पु–मुर्दे को दिया जानेवाला कपड़ा, मृतचैल, मृतावरकवस्त्र।
कफ़न दुज़्द (كفن دزد) अ फा वि–ऐसा धूर्त चोर जो मुर्दे का कफ़न भी न छोड़े, बहुत ही बेईमान, क़ब्र से क़फ़न निकालकर उससे अपना ख़र्च चलानेवाला।
कफ़र: (كفره) अ पु–'काफ़िर' का बहु, काफ़िर लोग।
कफ़र (قفر) अ पु–वन का कम होना; शरीर मे मांस का कम होना।
कफ़ल (كفل) अ पु–उपस्थ, नितंब, चूतड़।
कफ़स (قفس, قفص) अ पु–पिंजड़ा, वितन, कारागार, क़ैदख़ाना।
कफ़सआश्ना (قفس آشنا) अ फा वि–जिसे पिंजड़े में रहने का अभ्यास हो; जो कारागार में रह चुका हो।
कफ़से उंसुरी (قفس عنصری) अ पु–पंचभूत रूपी पिंजड़ा, या पिंजड़ा रूपी पंचभूत, मनुष्य का शरीर, प्राणी का शरीर।
कफ़ा (كفا) अ पु–सिर के बल गिरना, औंधा गिरना, फिराना, लौटाना।
क़फ़ा (قفا) अ पु–गुद्दी, सिर के पीछे का भाग।
कफ़ाफ़ (كفاف) अ पु–अनुमान, अंदाज़ा, प्रतिदिन की जीविका जो गुज़र भर की हो।
क़फ़ार (قفار) अ पु–बे सालन की रोटी, बिना हरियाली की भूमि।
कफ़ालत (كفالت) अ स्त्री–प्रतिभूति, ज़मानत; भरण-पोषण, परवरिश।
कफ़ालतनाम: (كفالت نامه) अ फा पु–प्रतिभूतिपत्र, ज़मानतनामा।
क़फ़ाहीर (قفاهير) फा पुं–सुंदर और प्रियदर्शन मुख।
कफ़ीद: (كفيده) फा वि–फटा हुआ, तड़का हुआ, विदीर्ण।
क़फ़ीफ़ (قفيف) अ पु–सूखी हुई घास।
क़फ़ीर (قفير) अ. पु–एक सौ चवालीस गर्ज़ीगज़ भूमि, छियानवे रतल का पैमाना।
कफ़ील (كفيل) अ वि–प्रतिभू, ज़ामिन, पोषक, परवरिश कुनिंद।
कफ़ूर (كفور) अ वि–कृतघ्न, अकृतज्ञ, नाशुक्रा।
कफ़े दस्त (كف دست) फा पुं–हथेली, करतल।
कफ़े पा (كف پا) फा पु–तलवा, पदतल।
कफ़े मार (كف مار) फा पु–साँप का फन।
कफ़्क़ाज़ (قفقاز) फा पु–काकेशिया, यूरोपीय रूस का प्रदेश।
कफ़्त: (كفته) फा वि–फटा हुआ, विदीर्ण।
कफ़्तार (كفتار) फा पु–बिज्जू, बिल्ली के बराबर एक काला जंतु जो मृत मनुष्य का मांस खाता है।
कफ़्फ़ाफ़ (قفاف) अ पु–चाँदी-सोना।
कफ़्फ़ार: (كفاره) अ. पु–किसी पाप से शुद्धि के लिए किया जानेवाला कृत्य, प्रायश्चित्त।
कफ़्फ़ाल (قفال) अ वि–क़ुफ़्ल बनानेवाला, ताला बनानेवाला।
कफ़्फ़ुल ख़ज़ीब (كف الخضيب) अ. पु–एक तारा।
कफ़्फ़े ख़ज़ीब (كف خضيب) अ पुं–रँगा हुआ हाथ।
कफ़्र (كفر) अ पु–छिपाना, गोपन; बड़ा पियाला।
कफ़्श (كفش) फा स्त्री जूता, पादुका, पदत्राण।
कफ़्शकार (كفش كار) फा वि–जूते बनानेवाला, जूते मारनेवाला, कफ़्शकारी करनेवाला।
कफ़्शकारी (كفش كارى) फा स्त्री–जूते बनाने का काम; जूते मारने का काम, जूतेबाज़ी।
कफ़्शदोज़ (كفش دوز) फा वि–जूते गाँठनेवाला, मोची।
कफ़्शदोज़ी (كفش دوزى) फा स्त्री–जूते गाँठने का काम।
कफ़्शबरदार (كفش بردار) फा वि–जूते उठानेवाला, बहुत बड़ा भक्त, बहुत बड़ा श्रद्धावान्।
कफ़्शबरदारी (كفش بردارى) फा स्त्री–जूते उठाना; भक्ति, श्रद्धा।
कबक (قبق) तु. पु–लौकी, कद्दू।
क़बक़अंदाज़ (قبق انداز) तु फा वि–बहुत अच्छा निशानेबाज़, लक्ष्यभेदी, निशानची, निशाना लगानेवाला।
कबकअंदाज़ी (قبق اندازى) तु फा स्त्री–अच्छा निशाना लगाना, निशानाबाज़ी, कदर अंदाज़ी।
कबकअफ़्गन (قبق افگن) तु फा वि–दे 'क़बक अंदाज़'।
क़बकअफ़्गनी (قبق افگنى) तु फा स्त्री–दे 'क़बक अंदाज़ी'।
कबद (كبد) अ स्त्री कठोरता, सख़्ती, कठिनाई।
कबज़ (قبض) अ पु–पेट की ऐंठन और पीड़ा, 'क़ब्ज़' भी प्रचलित।
कबब (قبب) अ वि–पतली कमरवाला, कृशोदर, कृशकटि।
कबस (قبس) अ पु–अंगारा, अग्निखंड, दहकता हुआ कोयला।
कबस (كبس) अ पु–गाढ़े में मुँह के बल गिरना।
कबा (قبا) अ स्त्री–दोहरा लंबा अँगरखा, चोग़ा, गाउन।
कबाइर (كبائر) अ पुं–'कबीर' का बहु, बड़े-बड़े पाप, महापातक।

कबाइल (قبائل) अ पु –'कबील' का बहु, कबीले, कुटुंब, जरगे।
कबाइली (قبائلی) अ वि –सरहदी, अफगानिस्तान की सरहद के निवासी।
क़बाएह (قبائح) अ पु –'कबीह' का बहु, बुराइयाँ, खराबियाँ।
कबाचा (قباچا) फा पु –छोटी कबा।
कबाद· (كباده) फा पु –बहुत नरम धनुष, लेजुम, जिसे पहलवान हिलाते हैं।
क़बादोज़ (قبادوز) अ फा वि –कबा सीनेवाला, दर्जी।
कबाब (كبابه) अ पु –एक प्रसिद्ध बीज, तोमर के बीज।
कबाब (كباب) अ पु –कीमे की तली हुई टिकियाँ अथवा सीख पर सेकी हुई नलियाँ।
कबाबचीनी (كبابچینی) फा स्त्री –एक प्रसिद्ध बीज, शीतलचीनी।
क़बाल· (قباله) अ पु –ज़मानत करना, घर की बिक्री की दस्तावेज़, बिक्री का कागज़।
कबालःनवीस (قبالهنویس) अ फा वि –कबाला लिखनेवाला, दस्तावेजे लिखनेवाला।
क़बाल·नवीसी (قبالهنویسی) अ फा स्त्री –कबाले और दस्तावेज़े लिखने का पेशा।
क़बाह (قباح) अ पु –निकृष्ट होना, खराब होना, बुरा होना।
कबाहत (قباحت) अ स्त्री –बुराई, खराबी, अनिष्ट, आपत्ति, कठिनता, मुश्किल, बाधा, खलल।
कबिद (كبد) अ पु –जिगर, कलेजा, यकृत्।
क़बीज़ (قبیص) अ वि –बहुत तेज़ चलनेवाला, शीघ्रगामी।
कबीद (كبيده) फा वि –दुखित, पीडित, रजीदा, मलिन, खिन्न, अफसुर्द।
कबीद खातिर (كبيدهخاطر) फा अ वि –मलिनचित्त, खिन्नमनस्क, अप्रसन्न, नाखुश, अफसुर्द।
कबीदगी (كبيدگی) फा स्त्री –मलिनता, अफसुर्दगी, अप्रसन्नता, नाराजी।
कबीब (كبيب) अ वि –औंधे मुँह पडा हुआ, सिर के बल गिरा हुआ, अधोमुख।
कबीरः (كبيره) अ पु –बडी स्त्री, बडा पाप, महापातक।
कबीर (كبير) अ वि –बडा, महान्, श्रेष्ठ, उत्तम, आ'ला।
कबील (قبيله) अ पु –वंश, गोत्र, खानदान, एक दल के आदमी।
कबील (قبيل) अ पु –कबूल करनेवाला, दल, समुदाय, गिरोह।
कबीस· (كبيسه) अ पु –कुआँ या नदी जो मट्टी से पट गयी हो, सिर झुकाये हुए, परीशान, मलमास, लौंद का महीना।
क़बीह (قبيح) अ वि –निकृष्ट, खराब, दूषित, बुरा; अप्रियदर्शन, बदनुमा।
कबीहसूरत (قبيحصورت) अ वि –बुरी सूरत वाला, कुरूप, कदाकार।
क़बुर्ग· (قبرغه) तु पु –पार्श्व, पहलू, बगल, पार्श्वास्थि, पहलू की हड्डी।
कबूतर (كبوتر) फा पु –एक प्रसिद्ध चिडिया, कपोत, पारावत।
कबूतरखान (كبوترخانه) फा पु –कबूतरों के रहने का कावुक, ऐसा स्थान जहाँ लोग आते-जाते रहते हों।
कबूतरदम (كبوتردم) फा पु –लबा चुबन, खूब खीचकर लिया हुआ बोसा।
कबूतरपरपा (كبوترپرپا) फा पु –एक प्रकार का कबूतर जिसके पाँव में पर होते हैं और वह अच्छी तरह उड नही सकता।
कबूतरबाज़ (كبوترباز) फा वि –कबूतर उडानेवाला, कबूतर पालनेवाला।
कबूतरबाजी (كبوتربازی) फा स्त्री –कबूतर उडाने और पालने का काम, कपोत-क्रीडा।
कबूद (كبود) फा पु –हलका नीला रग, हलके नीले रग का।
कबूदी (كبودی) फा वि –नीले रगवाला।
क़बूल (قبول) अ वि –स्वीकृत, मजूर, स्वीकृति, मजूरी, सवेरे की ठडी हवा।
क़बूलसूरत (قبولصورت) अ वि –प्रियदर्शन, जिसकी शक्ल अच्छी हो, सुदर, हसीन, लावण्यानन, सुमुख, निर्दोषरूप।
क़बूली (قبولی) अ स्त्री –चने की दाल का पुलाव या खिचडी।
क़बूलीयत (قبوليت) अ स्त्री –स्वीकृति, अगीकार, मजूरी, मकानदार या ज़मीदार की तरफ से पट्टे या किराये की तसदीक की तहरीर।
कबूह (قبوح) अ वि –निकृष्ट, खराब, बुरा।
कब्क (كبك) फा पु –एक प्रसिद्ध पक्षी जो चाँद का प्रेमी है, चकोर।
कब्काब (قبقب) अ पु –पेट, जठर, उदर।
कब्काब (قبقاب) अ पु –लकडी का खडाऊँ, चट्टी, झूठ बोलना, स्त्री की भग जो बहुत बडी हो।
कब्के दरी (كبك دری) फा पु –पहाडी चकोर, जिसकी चाल बडी सुदर होती है।
कब्ज़ (قبضه) अ पु –अधिकार, इख्तियार, वश, क़ाबू, मूठ, दस्ता, पकड, गिरिफ्त।

क़ब्ज (قدح) अ पु—दे 'कब्क'।
कब्ज (قبض) अ पु—वदहजमी, कोष्ठवद्धता, सिकुडन, खिंचाव, पकड, गिरिफ्त, आनाह, अजीर्ण।
कब्जाए कुद्रत (قبضۂ قدرت) अ पु—दैव शक्ति, खुदाई कुव्वत, अधिकार, कावू, इख्तियार (अख्तियार)।
कब्जुल वुसूल (قبض الوصول) अ पु—प्राप्तिपत्र, रसीद, वसूलयावी का सूचक अधिकारपत्र।
कब्जे रूह (قبض روح) अ स्त्री—शरीर से प्राणो का निकलना।
कब्त (كبت) अ पु—अपमानित करना, तिरस्कृत करना।
कब्द (كبد) अ पु—जिगर, यकृत्, दे 'कविद', वही अधिक वोला जाता है।
कब्वान (قبان) अ पु—एक पल्ले की तराजू, वडी तराजू, तक।
कब्र (قبر) अ स्त्री—वह गर्त जिसमे मुसलमानो के शव गाडे जाते हैं, गोर, समाधि-भवन।
क़ब्रपरस्त (قبر پرست) अ फा वि—मुसलमान महात्माओ की कब्र पर फूल चढाने, दीप जलाने, सफाई करने और चादर आदि चढानेवाला।
क़ब्रिस्तान (قبرستان) अ फा पु—जहाँ वहुत सी कब्रे हो, जहाँ मुर्दे गाडे जाते हो, समाधि-क्षेत्र।
कब्ल (قبل) अ वि—पूर्व, पहले।
क़ब्ल अज वक़्त (قبل از وقت) अ फा वि—समय से पहले, नियत समय से पूर्व।
क़ब्लअजीं (قبل ازیں) अ फा वि—इससे पहले, अव से पहले, तत्पूर्व।
कब्ललवुकूअ (قبل الوقوع) अ वि—घटना से पहले, वाकए से पहले।
कब्श (كبش) अ पु—मेढा, सीगोवाली नर भेड।
कब्स (كبس) अ पु—कुएँ को मिट्टी से पाटना, गर्दन नीचे लटकाना, शवखून मारना, रात में आक्रमण करना।
कमंद (كمند) फा स्त्री—फदा, पाश, एक लम्वी रस्सी जिसके एक सिरे पर गोह वँधी रहती थी, उसके द्वारा ऊँची-ऊँची दीवारो पर चढा जा सकता था, गोह जहाँ चिपक जाती है फिर कितना ही ज़ोर किया जाय वहाँ से नही छूटती, "किस्मत की देखो खूवी टूटी कहाँ कमद—दो-चार हाथ जव कि लवे-वाम रह गया।"
कमद अंदाज (كمند انداز) फा वि—कमद फेकनेवाला।
कमदे जुल्फ (كمند زلف) फा स्त्री—वालो की कमद, केश-पाश।
कम (كم) फा वि—अल्प, न्यून, थोडा, हीन, विहीन, विना।
कम (كم) अ वि—कितने, कितना, वहुत, अधिक।
कमअक़्ल (كم عقل) अ वि—वेवकूफ, नासमझ, अल्पधी।
कम अज कम (كم از كم) फा वि—कम से कम, अधिक न हो तो इतना अवश्य।
कमअस्ल (كم اصل) फा अ वि—अकुलीन, वदनस्ल, अधम, पामर, नीच।
कमआज़ार (كم آزار) फा वि—जो अधिक न सताये, कम दुःख देनेवाला।
कमआमेज (كم آمیز) फा वि—जो लोगो से मिलने-जुलने मे कतराता हो, जिसे मनुष्यो की सगत पसद न हो, "रिज़र्व्ड नेचर"।
कमइख्तिलात (كم اختلاط) फा वि—दे 'कम आमेज'।
कमइयार (كم عيار) फा अ वि—वह सोना या चाँदी जो कसौटी पर खरा न उतरे, खराव व्यक्ति।
कमइल्म (كم علم) फा अ वि—जिसे विद्या सम्वन्धी ज्ञान कम हो, कम पढा-लिखा, अल्पविद्य।
कमउम्र (كم عمر) फा अ वि—छोटी आयुवाला, वयोवाल, अल्पवयस्क, कमसिन।
कमउम्री (كم عمری) फा अ स्त्री—कमसिनी, वाल्यावस्था, अल्पवय।
कमऔकात (كم اوقات) फा अ वि—तिरस्कृत, अनादृत, वेकद्र।
कमक़द्र (كم قدر) फा अ वि—दे 'कम औकात'।
कमकम (كم كم) फा वि—थोडा-थोडा।
कमकीमत (كم قیمت) फा अ वि—थोडे मूल्यवाला, सस्ता, अल्प मूल्य।
कमखर्च (كم خرچ) फा वि—थोडा खर्च करनेवाला, अल्प-व्ययी, मितव्ययी।
कमखर्ची (كم خرچی) फा स्त्री—थोडा खर्च करना, किफायत-शिआरी वरतना, मितव्यय।
कमखाव (كمخاب) फा पु—एक प्रकार का वहुमूल्य कपडा।
कमखोर (كم خور) फा वि—कम खानेवाला, मिताहारी, मितभोजी, स्वल्पाहारी।
कमखोरी (كم خوری) फा स्त्री—कम खाना, मिताहार।
कमख्वाव (كم خواب) फा वि—कम सोनेवाला, मितस्वापी।
कमगो (كم گو) फा वि—कम वोलनेवाला, कम वातें करनेवाला, मितभाषी।
कमची (قمچی) तु स्त्री—कोडा, चावुक, प्रतोद, पतली छडी, साँटी।
कमजन (كم زن) फा वि—कम हिम्मतवाला, अल्पसाहसी।
कमजर्फ (كم ظرف) फा अ वि—ओछा, तुच्छ, कमीना, अनुदार, तग नज़र।

कमज़र्फी (کم ظرفی) फा अ स्त्री –ओछापन, अनुदारता।
कमज़ोर (کمزور) फा वि –दुर्बल, नाताकत, अशक्त।
कमज़ोरी (کمزوری) फा स्त्री –दुर्बलता, नाताकती, अशक्ति।
कमतर (کمتر) फा वि –बहुत कम, न्यूनतर।
कमतरीन (کمترین) फा वि –बहुत ही कम, न्यूनतम, इस शब्द का प्रयोग बोलनेवाला नम्रता दिखाने को अपने लिए भी करता है।
कमतवज्जुही (کم توجہی) फा अ स्त्री –रूखापन, दुःशीलता, उपेक्षा।
कमतालिई (کم طالعی) फा अ स्त्री –भाग्य की खराबी, अभागापन।
कमनसीब (کم نصیب) फा अ वि –बदकिस्मत, हतभाग्य, मदभाग्य।
कमनसीबी (کم نصیبی) फा अ स्त्री –किस्मत की खराबी, भाग्यहीनता।
कमनिगही (کم نگہی) फा स्त्री –उपेक्षा, रूखापन, कृपणता, कजूसी।
कमनिगाही (کم نگاہی) फा स्त्री –दे 'कमनिगही'।
कमपाय. (کم پایہ) फा वि –जो पदवी और सम्मान मे कम हो।
कमपायगी (کم پایگی) फा स्त्री –पदवी और मर्तबे मे कम होना।
कमफह्म (کم فہم) फा अ वि –नासमझ, अल्पबुद्धि, बेअक्ल, मूर्ख।
कमफह्मी (کم فہمی) फा अ स्त्री –समझ की कमी, बेअक्ली, मूर्खता।
कमफुर्सत (کم فرصت) फा अ वि –जिसे काम की अधिकता से छुट्टी न मिले, अवकाशहीन।
कमफुर्सती (کم فرصتی) फा अ स्त्री –छुट्टी न होना, अवकाशहीनता।
कमबख़्त (کم بخت) फा वि –बदकिस्मत, हतभाग्य, शामत का मारा।
कमबख़्ती (کم بختی) फा स्त्री –भाग्य की खराबी, हतभाग्यता, अभागापन, शामत।
कमबीं (کم بیں) फा वि –कम देखनेवाला, अल्पदृष्टि, अनुदार, तगनजर, अदूरदर्शी, आकिब्त ना अदेश।
कमबीनी (کم بینی) फा स्त्री –कम देखना, दृष्टि की खराबी, अनुदारता, तगनज़री, अदूरदर्शिता, आकिब्त नाअदेशी।
कममश्क़ (کم مشق) फा अ वि –जिसे किसी काम का अभ्यास कम हो, नवाभ्यस्त, नौसिखिया।
कममश्क़ी (کم مشقی) फा स्त्री –नवाभ्यास, नौसिखियापन।
कममायः (کم مایہ) फा वि –थोडी पूँजीवाला, टुटपुँजिया, तुच्छ, नीच, कमीना।
कममायगी (کم مایگی) फा स्त्री –पूँजी की कमी, नीचता, कमीनगी।
कमयाब (کم یاب) फा वि –जो बहुत कम मिल सके, दुष्प्राप्य, जो बिलकुल न मिल सके, अप्राप्य।
कमयाबी (کم یابی) फा स्त्री –किसी वस्तु का अभाव, कम मिलना अथवा बिलकुल न मिलना।
कमर (کمر) फा स्त्री –कटि, लक, मध्यदेश।
क़मर (قمر) अ पु –चाँद, चन्द्र, चद्रमा, शशि, राकेश।
क़मर तल्अत (قمر طلعت) अ वि –चाँद-जैसी प्रभा वाला या वाली, चन्द्रप्रभ, चन्द्रकान्त, चन्द्रप्रभा, चन्द्रकान्ता।
क़मर दर अक़्रब (قمر در عقرب) अ फा वि –चद्रमा का वृश्चिक राशि में होना, जो अत्यन्त अशुभ माना जाता है।
क़मर पैकर (قمر پیکر) अ फा वि –चाँद जैसे शरीरवाला या वाली, चद्राग, चद्रागना।
कमरबंद (کمربند) फा पु –पाजामे आदि की डोरी, नाडा, इजारबद, नीवी, (वि) जो किसी काम के लिए कील-काँटे से लैस हो।
कमरबंदी (کمربندی) फा स्त्री –किसी काम के लिए तैयारी, पुलिस आदि के सिपाहियो की कही दबिश या आक्रमण के लिए वर्दी और हथियार, आदि से दुरुस्त होकर कूच की तैयारी।
कमरबस्तः (کمر بستہ) फा वि –कमर बाँधे हुए, तैयार, कटिबद्ध, बद्धपरिकर।
कमरशिकस्त (کمر شکستہ) फा वि –जिसकी कमर टूट गयी हो, जिसका सहारा छिन गया हो।
कमरसी (کم رسی) फा स्त्री –कमइल्मी, कम पढा-लिखा होना, विद्वत्ता का अभाव।
क़मरी (قمری) अ वि –चाँद से सम्बन्ध रखनेवाला; चन्द्रमास, हिंदी या इस्लामी महीना जो चाँद के हिसाब से होता है, चान्द्रमास।
कमरू (کم رو) फा वि –बदसूरत, बुरी शक्लवाला, कुरुप, जो किसी बडे पद पर न जँचे।
कमरे कोह (کمر کوہ) फा स्त्री –पहाड़ का मध्य, पहाड की गुफा।
क़मरैन (قمرین) अ पु –चाँद और सूरज, चन्द्र-सूर्य।
क़मल (قمل) अ पु –जूँ पडना, कपडो या बालो मे जुएँ हो जाना, पेट का बडा हो जाना।
कमसंज (کم سنج) फा वि –कम तोलनेवाला, डडी मारनेवाला।

कमसंजी (کم‌سنجی) फा स्त्री –कम तोलना, डंडी मारना, तुलाकूट।

कमसिन (کم‌سن) फा अ वि.–कम आयुवाला, छोटी उम्र का, अल्पवयस्क, अवयस्क, नावालिग।

कमसिनी (کم‌سنی) फा अ स्त्री –कमउम्री, वाल्यावस्था, अल्पवय, नावालिगी, अवयस्कता।

कमसुखन (کم‌سخن) फा वि –जो वातचीत कम करे, मितभाषी, अल्पवादी, कम वोलनेवाला।

कमसुखनी (کم سخنی) फा स्त्री –कम वोलना, कम वातें करना, मितभाषण।

कमहिम्मत (کم‌ہمت) फा अ वि –जिसमें साहस की कमी हो, अल्पोत्साह, अल्पसाहसी।

कमहिम्मती (کم‌ہمتی) फा अ स्त्री –साहस और हिम्मत की कमी, साहसाभाव।

कमहैसियत (کم‌حیثیت) फा अ वि –वेकद्र, अनादृत, अप्रतिष्ठित, जिसकी आर्थिक दशा अच्छी न हो, अकुलीन, वदनस्ल।

कमहौसलः (کم‌حوصلہ) फा अ वि –दे 'कमहिम्मत'।

कमहौसलगी (کم‌حوصلگی) फा अ स्त्री –दे 'कमहिम्मती'।

क़महदुवः (قمحدوہ) अ पु –खोपडी का पिछला भाग,गुद्दी।

कमाँ (کماں) फा स्त्री –'कमान' का लघु, दे 'कमान'।

कमाँअदाज (کماں انداز) फा वि –तीरदाज़, धनुर्धर।

कमाँअब्रू (کماں ابرو) फा वि –जिसकी भौंहें धनुष की तरह टेढी और सुन्दर हो, अंचितभ्रू, प्रेमिका, प्रेयसी, मा'शूका।

कमाँकश (کماں‌کش) फा वि –धनुर्धर, तीरअंदाज़।

कमाँगर (کماں‌گر) फा वि –धनुष वनानेवाला, धनुष्कार।

कमाँगीर (کماں‌گیر) फा वि –धनुर्धर, तीरदाज़।

कमाँगुरोहः (کماں گروہہ) फा स्त्री –गुलेल, जिसमें गुल्ला चलाते हैं।

कमाँजोल: (کماں جولہ) फा पु –गले में पहना जानेवाला चमडे का तस्मा जिसमें कमान लटकायी जाती है, कमाँदान, क़र्वान।

कमाँदार (کماں‌دار) फा वि –धनुर्धर, तीर चलानेवाला।

कमाँपुश्त (کماں‌پشت) फा वि –कुवडा, कुब्ज।

कमाँवदस्त (کماں بدست) फा वि –हाथ में कमान लिये हुए, धनुष्पाणि।

कमाँवरदार (کماں بردار) फा वि –धनुष लेकर चलनेवाला, धनुर्धर, तीरअंदाज़।

कमात (کمات) अ पुं –कुकुरमुत्ता, वरसात मे पैदा होनेवाली खुवी।

कमानः (کمانہ) फा पु –वढइयों की कमान, जिससे वह वर्मा चलाते हैं।

कमान (کمان) फा स्त्री –धनुष, धनु, धन्व, धन्वा, तीर चलाने का यंत्र, कौस।

कमानचः (کمانچہ) फा पु –छोटी कमान, धनुही, धनुक।

कमानी (کمانی) फा स्त्री –कमान की तरह झुकी हुई चीज़ अथवा पुर्ज़ा।

कमाने शैतां (کمان شیطاں) फा स्त्री –इंद्रधनुष, धनक, कौसे कुज़ह।

कमामंवगी (کماینبغی) अ वि –जैसा चाहिए वैसा, यथेष्ट, यथोचित।

क़मारी (قماری) अ स्त्री –'कुम्री' का वहु, कुम्रियाँ।

कमाल (کمال) अ पु –गुण, खूवी, कला, फन, शिल्प, दस्तकारी, विद्वत्ता, काविलीयत, पूर्णता, पूरापन, चालाकी, धूर्तता, अधिक, वहुत।

कमालात (کمالات) अ पु –'कमाल' का वहु, वहुत-से गुण, वहुत-सी खूवियाँ, वहुत-से हुनर।

कमाले फ़न (کمال فن) अ पु –किसी कला की जानकारी की पराकाष्ठा, कला-नैपुण्य।

कमाही (کماہی) अ वि –पूरी-पूरी, यथेष्ट।

कमीं (کمیں) अ पु –'कमीन' का लघु, दे 'कमीन'।

कमींगाह (کمیں‌گاہ) अ फा स्त्री –वह गुप्त स्थान जहाँ किसी की ताक मे छिपकर वैठा जाय, आड, शिकार की ताक मे छिपकर वैठने का स्थान।

कमी (کمی) फा स्त्री –न्यूनता, थोड़ापन, दोष, नक्स, त्रुटि, गलती।

कमीनः (کمینہ) फा वि –नीच, अधम, खल, धूर्त, पाजी, अकुलीन, गैर शरीफ।

कमीन (کمین) अ पु –दे 'कमीगाह', (उ) कमीन।

क़मीम (قمیم) अ वि –सूखी हुई तरकारी।

कमीस (قمیص) अ स्त्री –एक विशेष प्रकार का कुर्ता, कमीज।

क़मुर्ग़ (قمرغہ) तु पु –शिकार खेलने का जंगल, आखेट-स्थल, शिकारगाह।

कमून (کمون) अ पु –ज़ीरा, जीरक।

कमूनी (کمونی) अ स्त्री –एक यूनानी दवा जिसमे ज़ीरा प्रधान होता है (यथा माजून=अवलेह+कमूनी=ज़ीरे की), जीरकावलेह।

क़मूस (قموس) अ पु –वहुत गहरा कुवाँ।

कमोवेश (کم‌وبیش) फा वि –थोड़ा-वहुत, न्यूनाधिक।

क़म्अ (قمع) अ पु –तोडना, तिरस्कृत करना, उमूद (लब) डालना।

कम्काम (قمقام) अ पु –बडा चाकू, छुरी, नदी, दर्या, श्रेष्ठ, मुअज्ज़ज़।

क़म्तरीर (قمطریر) अ पु –विपत्ति और मुसीबत का दिन।

कम्मह (کمہ) अ वि –जन्माध होना, पैदाइशी अधा होना।

कम्मास (قماس) वि –गोताखोर, डुबकी लगानेवाला।

कम्मी (کمی) अ वि –शूर, वीर, दिलावर।

कम्मीयत (کمیت) अ स्त्री –मात्रा, मिकदार।

कम्मून (کمون) अ पु –ज़ीरा, जीरक।

क़म्रा (قمرا) अ स्त्री –एक चिडिया, चाँदनी रात, चाँद की किरन।

क़म्ल (قمل) अ स्त्री –जूँ, कपडे या बालो में पडनेवाला कीडा।

क़य (کے) फा पु –दे 'कै'।

कयाँ (کیاں) फा पु –'कय' का बहु, सम्राट्, ईरान मे चार सम्राट् हुए हैं–कैकाऊस, कैखुस्रौ, कैकुबाद, कैलोहास्प।

कयानी (کیانی) फा वि –'कयाँ' से सम्बन्धित, ऐसी अद्भुत वस्तु और अमूल्य वस्तु जो बडे-बडे सम्राटो के योग्य हो।

क़यामत (قیامت)–दे 'क़ियामत'।

कय्यूर (قیور) अ वि –जिसके कुल का पता न हो, अज्ञातकुल, वर्णसकर, दोगला।

क़रतीनः (قرطینہ) अ पु –रोककर टीका लगाने का अमल, समुद्र पार जाते हुए रास्ते मे रुकने और टीका लगवाने का स्थान, कोरण्टाइन।

करब (کرب) अ पु –करमकल्ला, एक शाक।

कर (کر) फा वि –बहिरा, बधिर, जिसे ऊँचा सुनाई देता हो।

करख़ (کرخ) फा वि –'करख़्त' का लघु, दे 'करख़्त'।

करख़्त (کرخت)फा वि –कठोर, कर्कश, सख़्त, वह अग जो सुन्न हो गया हो।

करख़्तगी (کرختگی) फा स्त्री –कठोरता, कर्कशता, सख़्ती, अग का सुन्न होना।

क़रन्फ़ुल (قرنفل) अ स्त्री –लौंग, लवग, (आभूपण विशेष, न कि मसाले की लौंग) (यह शब्द सस्कृत के 'कर्णफुल्ल' से बनाया गया है, और अरब में डेढ हज़ार बरस पहले से प्रचलित है, जिससे अरब और भारत के प्राचीन सम्बन्ध का पता चलता है) कान में पहना जानेवाला पुष्पाकृति का आभूषण।

करफ़्स (کرفس) फा स्त्री –एक बीज, जो अजवाइन जैसे होते हैं और दवा में चलते हैं।

करब (کرب) अ वि –बेचैन रहना, दुखित होना।

करम (کرم) अ पु –दया, कृपा, मेहरबानी, दानशीलता, बख़्शिश।

करमगुस्तर (کرم‌گستر) अ फा वि –दयालु, कृपालु, मेहरबान।

करमगुस्तरी (کرم‌گستری) अ फा स्त्री –दया कर्म, कृपा करना।

करमफ़र्मा (کرم‌فرما) अ फा वि –दयालु, मेहरबान, मित्र, दोस्त।

करमफ़र्माई (کرم‌فرمائی) अ फा स्त्री –दया करना, कृपा करना।

कराँ (کراں) फा पु –छोर, किनारा, हद, सीमा, पराकाष्ठा, इतिहा।

करा' (کرع) फा पु –वर्षा का रुका हुआ पानी, तालाब आदि मे मुँह से पानी पीना, (वि) पतली पिंडलियोवाला।

करा (کروا) अ पु –सोने का आरम्भ, स्वापारभ, एक पक्षी, जिसे 'दुबारा' और 'चर्ज़' कहते हैं, अरु का नर।

क़रा (قرا) तु पु –काला रग।

क़रा' (قرع) अ पु –सर के बाल गिरना।

कराइन (قرائن) अ पु –'करीन' का बहु, करीने, आसार, लक्षण, सभ्यताएँ, शिष्टाचार।

क़राक़िर (قراقر)अ पु –'कर्कर' का बहु, पेट की गुडगुडाहट।

क़राकुरम (قراقرم) तु पु –तुर्किस्तान की एक पर्वतमाला।

करातीस (قراطیس) अ पु –'किर्तास' का बहु, कागज़ के तख़्ते, बहुत से कागज़।

करान (کرانہ) फा पु –टल, किनारा, छोर, अख़ीर, हद, सीमा, इतिहा, पराकाष्ठा।

क़राब. (قرابہ) अ पु –शराब की सुराही, बहुत बडी बोतल।

क़राब कश (قرابہ‌کش) अ फा वि –शराबी, मद्यप, बहुत पीनेवाला, पूरी सुराही पी जानेवाला।

कराब नोश (قرابہ‌نوش) अ फा वि –दे 'कराब कश'।

करावत (قرابت) अ स्त्री –समीपता, नज़दीकी, नातेदारी, स्वजनता।

करावतदार (قرابت‌دار) अ फा वि –रिश्तेदार, नातेदार, सगोत्र, स्वजन।

करावतेक़रीब. (قرابت قریبہ) अ स्त्री –बहुत ही क़रीब की रिश्तेदारी।

करावादीन (قرابادین) अ स्त्री –वह ग्रथ जिनमे यूनानी आयुर्वेद सम्बन्धित दवाएँ और नुस्ख़े लिखे रहते हैं। यूनानी

योग-सग्रह, यूनानी भेषज सकलन, जैसे—करावादीन जकाई, करावादीन शिफाई इत्यादि।

करावीन (قراولین) तु स्त्री —एक प्रकार की तोडेदार वदूक, जो अब से सौ वरस पहले तक प्रचलित थी।

करामत (کرامت) अ स्त्री —कृपा, नवाज़िश, प्रतिष्ठा, वुज़ुर्गी, चमत्कार, शो'वद, मो'जिज़, अवतारो का चमत्कार।

करामतनामः (کرامت نامہ) अ फा पु —कृपापत्र, इनायतनामा।

करामात (کرامات) अ स्त्री —करामत का वहु, करामते, चमत्कार, मो'जिज़े।

करामाती (کراماتی) अ वि —करामात दिखानेवाला, चमत्कारी, शो'वदेवाज, मायावी, जादूगर, धूर्त।

क़रार (قرار) अ पु —स्थिरता, सुकून, सान्त्वना, ढाडस, प्रतिज्ञा, इकरार, चैन, आराम।

करारदाद (قرارداد) अ फा स्त्री —प्रस्ताव, तज्वीज; निश्चय, तै, पहले से तै दहेज।

क़रारेवाक़ई (قرارواقعی) अ वि —यथेप्ट, पूरा-पूरा, काफी।

करावुल (قراول) तु पु —सैनिक, सिपाही, शिकारी, आखेटक, वह फौज जो आगे चलती और शत्रु की सेना की खवर देती है।

करासीस (کراسیس) अ पु —'कुरीस' का वहु, पुस्तक के अध्याय, किताव के जुज़, कुरान के सीपारे।

क़राह (قراح) अ पु —स्वच्छ और निर्मल जल, विमल जल, साफ और खालिस पानी।

कराहत (کراہت) अ स्त्री —घृणा, घिन, नफरत, अरुचि, नापसदीदगी, उदासीनता, वददिली।

कराहतन (کراہتاً) अ वि —कराहत के साथ, वददिली के साथ, घिन करते हुए।

कराहीयत (کراہیت) अ स्त्री —दे 'कराहत'।

करिश (کرش) अ पु —जुगाली करनेवाले पशुओ का पाकाशय, छोटे वच्चे, वाल-वच्चे, दे 'कर्श'।

क़रीं (قریں) अ वि —'करीन' का लघु, दे 'करीन'।

करी (کری) फा स्त्री —वहरापन, वधिरता।

करीअ (قریع) अ वि —प्रतिद्वद्वी, हरीफ; तुल्य, समान, मानिंद, श्रेप्ठ, पूज्य, वुजुर्ग।

करीज़ (قریض) अ पु —पद्यात्मक वाक्य, नज़्म किया हुआ कलाम, छदोवद्ध रचना।

करीनः (قرینہ) अ पु —ढग, तर्ज, शिप्टता, तमीज़, क्रम, तर्तीव, प्रसग, अनुमति, अदाज़ा।

करीन (قرین) अ वि —समीप, निकट, नजदीक, सभासद, सखा, मुसाहिव।

करीने अक़्ल (قرین عقل) अ वि —जो वात अक्ल कवूल कर ले, वुद्धिगम्य, मतिग्राह्य।

करीने इसाफ (قرین انصاف) अ वि —जो वात न्याय से ठीक हो, न्यायोचित।

करीने कियास (قرین قیاس) अ वि —जो वात अटकल और अदाजे से ठीक हो, ज्ञानगम्य।

करीने मस्लहत (قرین مصلحت) अ वि —जो वात समय और अवस्था के अनुकूल होते हुए अपने हित मे हो।

करीव (قریب) अ वि —निकट, समीप, पास, नज़दीक, उर्दू की एक वह्र, कम दूर।

करीवतर (قریب تر) अ फा वि —वहुत पास, समीपतर, वहुत कम दूरी पर, निकटतर।

करीवुल इख़्तिताम (قریب الاختتام) अ वि —खत्म होने के करीव, जो शीघ्र ही समाप्त होनेवाला हो, समाप्तप्राय।

करीवुल इन्हिदाम (قریب الانہدام) अ वि —गिरने और ध्वस्त होने के करीव, भग्नप्राय, नप्टप्राय।

करीवुलख़त्म (قریب الختم) अ वि —समाप्त होने के करीव, मरने के करीव, मरणासन्न, मृतप्राय।

करीवुलफह्म (قریب الفہم) अ वि —जिसका समझना सरल हो, सुवोध।

करीवुलमौत (قریب الموت) अ वि —जो मरने के निकट हो, मृतप्राय, मरणासन्न।

करीवुलहज़्म (قریب الہضم) अ वि —जो खाया हुआ पदार्थ पचने के समीप हो, हज़्म होने के करीव, पक्वप्राय।

करीम (کریم) अ वि —कृपालु, मेहरवान, दानशील, सखी, ईश्वर का एक नाम।

करीमी (کریمی) अ स्त्री —कृपा, दया, करम, ईश्वरी माया।

करीमुन्नफ्स (کریم النفس) अ वि —सदाचारी, पुण्यात्मा, सदात्मा, नेकदिल।

करीर (قریر) अ पु —प्रसन्न, हर्पित, खुश, प्रसन्नता, हर्ष, खुशी।

करीस (قریس) अ पु —वहुत कडा जाडा, पुरानी और जीर्ण वस्तु।

करीस (قریص) अ पु —एक प्रकार का सालन।

क़रीहः (قریحہ) अ स्त्री —स्वभाव, प्रकृति, आदत, वह पानी जो कुएँ से पहले निकले, हर चीज का अग्रभाग।

करीह (کریہ) अ वि —घृणास्पद, मकरूह, कदाकार, कुरूप, वदशक्ल, अप्रियदर्शन, कुदर्शन, वदनुमा।

करीह (قریح) अ वि –ख़ालिस और बेमेल वस्तु, विशुद्ध, (पु) घाव, जख़्म।

करीहुलमंज़र (کریہ المنظر) अ वि –जो देखने मे भोंडा हो, जिसे देखकर घिन आये, दुर्दर्शन, घृणित रूप।

करीहुस्सूरत (کریہ الصورت) अ वि –जिसकी शक्ल भद्दी हो, जो देखने में बुरा लगे, दुराकृति, कुरूप, अप्रियदर्शन।

करीहुस्सौत (کریہ الصوت) अ वि –जिसकी आवाज़ बहुत ख़राब हो, कटुस्वर, कर्कश स्वर।

करूबी (کروبی) अ पु –फ़िरिश्ता, देवता।

क़र्अ. (قرعہ) अ पु –लौकी, कद्दू।

क़र्अ (قرع) अ पु –दरवाज़ा खटखटाना, खटखट करना, लौकी।

क़र्क़ (قرق) अ पु –मुर्गियो का शब्द।

क़र्क़ (قرق) तु पु –दुवा, मेदपुच्छ, भेड की वह किस्म जिसकी पूंछ पर चर्बी का चकत्ता होता है।

क़र्क़फ (قرقف) अ पु –मदिरा, शराब, ईसाइयो के तीन धार्मिक ग्रथ।

कर्ग (کرگ) फा पु –'कर्गदन' का लघु, देखो 'कर्गदन'।

कर्गदन (کرگدن) फा पु –गैंडा, एक प्रसिद्ध जगली जानवर जो हाथी से छोटा होता है, तुगमुख, वज्रचर्म।

कर्गन (کرگن) फा पु –अधपका अन्न जिसे भूनकर खाते है।

कर्गस (کرگس) फा पु –गीध, गिद्ध, गृध्र, एक प्रसिद्ध पक्षी।

क़र्ज़ (قرض) अ पु –ऋण, उधार, कर्ज़ा।

क़र्ज़ख़्वाह (قرض خواہ) अ फा वि –कर्ज़ लेनेवाला, ऋणेच्छुक।

क़र्ज़दार (قرضدار) अ फा वि –जिस पर कर्ज़ हो, ऋणी, अधमर्ण।

क़र्ज़े हसन. (قرض حسنہ) अ पु –ऐसा ऋण जिस पर न कोई व्याज हो न उसका तकाज़ा किया जा सके, ऋणी को जब सुविधा हो उसे अदा करे, और न अदा कर सके तो उस पर कोई भार न रहे।

क़र्तबान (قرطبان) अ पु –दय्यूस, भगभोगी, कल्तबान।

क़र्ती (قرطی) अ पु –एक प्रकार का कपडा जो काले और हरे रग का होता है।

कर्दः (کردہ) फा वि –किया हुआ, कृत।

कर्द (کرد) फा पु –कार्य, काम, कृति, अमल।

कर्दगार (کردگار) फा वि –ईश्वर, सर्वशक्तिमान्, दे 'किर्दगार', नियमानुसार 'किर्दगार' अशुद्ध है, परन्तु शुद्ध समझा जाता है।

कर्दनी (کردنی) फा वि –करने योग्य, जो किया जा सके, जिसका करना उचित हो, करणीय।

कर्दार (کردار) फा पु –आचरण, व्यवहार, चलन, दे 'किर्दार', व्याकरण के अनुसार शुद्ध रूप 'कर्दार' ही है, परन्तु प्रचलित 'किर्दार' है।

क़र्न (قرن) अ पु –शृग, विषाण, सीग, वाल, केश, लवा समय जो ३० से १०० वर्ष तक माना जाता है।

कर्नब (کرنب) अ पु –करमकल्ला, एक प्रसिद्ध सब्ज़ी।

कर्ना (کرنا) अ पु –दे 'कर्ना'।

कर्ना (قرنا) अ पु –तुरही, एक प्राचीन वाजा जो फूंककर वजाया जाता है।

कर्पास (کرپاس) फा पु –मोटा कपडा, सस्कृत 'कर्पट' का अपभ्रश।

कर्फ़श (کرفش) फा स्त्री –छिपकली, गृहगोविका।

कर्ब (کرب) अ पु –व्याकुलता, वेचैनी, पीडा, यातना, दु ख।

कर्बला (کربلا) फा पु –इराक का एक प्रसिद्ध स्थान, जहाँ हज़रत इमाम हुसैन शहीद हुए थे, और जहाँ उनकी मजार है।

कर्बलाई (کربلائی) फा वि –कर्बला की ज़ियारत करनेवाला, एक कपडा।

कर्बस (کربس) फा स्त्री –छिपकली, गृहगोधिका।

कर्बासू (کرباسو) फा स्त्री –दे कर्बस, कर्फ़श।

कर्म (کرم) अ पु –अगूर का पेड।

क़र्म (قرم) अ पु –व्याघ्र, शेर, अपनी जाति का सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति।

क़र्य. (قریہ) अ पु –ग्राम, गाँव, मौज़ा।

कर्रत (کرت) अ स्त्री –वार, दफा।

कर्रात (کرات) अ पु –'कर्रत' का वहु, कई वार, वहुत दफा।

कर्रार (کرار) अ वि –शत्रु की सेना पर वारवार आक्रमण करनेवाला, हज़रत अली की उपाधि।

कर्रूबियान (کروبیان) अ पु –'कर्रूबी' का वहु, फ़िरिश्ते।

कर्रूबी (کروبی) अ पु –फ़िरिश्ता, दे 'करूबी', वही अधिक फसीह है, शुद्ध दोनो है।

कर्श (کرش) अ पु –जुगाली करनेवाले पशु का पाकाशय, वाल-वच्चे, दे 'करिश'।

कर्सन (کرسنہ) फा पु –मटर, एक प्रसिद्ध अन्न।

क़र्ह (قرحہ) अ पु –वह घाव जिसमे पीप पट गयी हो।

क़लग़ा (قلغہ) तु पु –घेरे मे लेना, मुहासर करना, वाहर जानेवाले पियादे की ख़ुराक।

कलद (کلند) फा पु –ज़मीन खोदने का एक यत्र, खुर्पी, हल में लगनेवाला फाल।

क़लदर (قلندر) फा पु –एक प्रकार के फकीर जो मस्त

और आज़ाद रहते हैं, मस्त और आज़ाद मनुष्य, धृष्ट, गुस्ताख।

कलंदरानः (قلندرانه) फा वि –कलदरो-जैसा, आज़ादो-जैसा; गुस्ताखो-जैसा।

कलंदरी (قلندری) फा पु –कलदर का काम या पेशा, एक प्रकार का खेमा, रावटी।

कलंसुवः (قلنسوه) अ पु –टोपी, कुलाह।

कल (ल्ल) (کل) अ पु –गूँगा होना, बोल न सकना, बोझ, भार, भारी बोझ, वह व्यक्ति जिसके न बाप हो न लडके।

कल (کل) तु वि –गजा, खल्वाट।

कलक (کلک) फा पु –पछना, चीरा लगाने का नश्तर, शल्य, (स्त्री) आपत्ति, बला, (वि) अशुभ, मनहूस।

कलक (قلق) अ पु –व्याकुलता, बेचैनी, दुख, कष्ट, तकलीफ, शोक, खेद, अफसोस।

क़लकअगेज़ (قلق انگیز) अ फा वि –शोकजनक, दुखप्रद, रज पैदा करनेवाला।

कलक़अफ़्ज़ा (قلق افزا) अ फा वि –दे 'कलक अगेज़'।

कलकआमेज़ (قلق آمیز) अ फा वि –शोक मिला हुआ, शोकान्वित, रजदेह।

कलकखुस्प (کلک خسپ) फा वि –दरिद्र, निर्धन, कगाल।

कलफ (کلف) अ पु –काले दाग जो मुँह पर पड जाते हैं, झाईं।

कलम (قلم) अ पु –लेखनी, किलक, पेड की डाली जो काटकर लगायी जाती है, काटा हुआ, तराशा हुआ, कनपटी के बाल, किसी पदार्थ का पतला और लम्बा टुकड़ा।

क़लमकश (قلم کش) अ. फा वि –लिखनेवाला, कलम से काम करनेवाला, काट देनेवाला, मिटा देनेवाला।

क़लमकार (قلمکار) अ फा पु –कलम से काम करनेवाला, लिखनेवाला, एक फूलदार नक्शीन कपडा।

कलमज़द (قلمزد) अ फा वि –कलम फेरा हुआ, कटा हुआ, मसूख।

क़लमज़न (قلمزن) अ फा वि –लिखनेवाला, चित्रकार, मुसव्विर, कलमज़द करनेवाला, मसूख़ करनेवाला।

कलम दरकशीदः (قلم درکشیده) अ फा वि –मिटाया हुआ, महव किया हुआ।

कलमदस्त (قلمدست) अ फा वि –जो क़लम से काम करता हो, लिखनेवाला, चित्रकार।

कलमदान (قلمدان) अ फा पु –कलम-दवात रखने का पात्र, पद, पदवी, ओहदा।

कलमदाने वज़ारत (قلمدان وزارت) अ पु –मत्री का पद, वज़ीर का ओहदा।

क़लम पाक कुन (قلم پاک کن) अ फा पु –वह कपडा जिससे कलम की सियाही पोछी जाती है।

क़लमबंद (قلم بند) अ फा वि –जो लिखा गया हो, लिपिबद्ध, चित्रकार की कूची बनानेवाला।

कलम बरदाश्त. (قلم برداشته) अ फा वि –कलम उठाकर बिना सोचे लिखा हुआ लेख।

कलमरौ (قلمرو) अ फा स्त्री –राष्ट्र, राज्य, हुकूमत, सल्तनत।

कलमी (قلمی) अ वि –कलम सम्बन्धी, हस्तलिखित ग्रथ, विशेषत पुराने हस्तलिखित ग्रथ, कलम लगाये हुए पेड का फल, लबा और पतला पदार्थ, जैसे—'कलमी शोरा'।

कलमे फौलाद (قلم فولاد) अ फा पु –फाउण्टेन पेन, मसी-गर्भ, लौह-लेखनी।

कलमेरसास (قلم رصاص) अ पु –पेंसिल, सीसाकनी।

क़लमेसुर्ब (قلم سرب) अ पु –दे 'कलमे रसास'।

क़लमेसुर्मः (قلم سرمه) अ पु –दे 'कलमे रसास'।

कलल (کلل) अ स्त्री –कलगी, शिरमौर।

कलह (قلح) अ स्त्री –दाँतो का मैल और उनका पीलापन।

कलाँ (کلاں) फा वि –ज्येष्ठ, बडा, दीर्घ, लबा।

क़ला (قلا) अ पु –किसी से शत्रुता करना, शत्रुता, दुश्मनी।

क़लाइद (قلائد) अ पु –'किलाद' का बहु, गले के पट्टे।

कलातः (کلاته) फा पु –छोटा गाँव, नगला।

कलात (کلات) फा पु –गाँव, ग्राम, पहाडी पर बना हुआ दुर्ग।

कलानी (کلانی) फा स्त्री –ज्येष्ठता, बडापन, दीर्घता, लम्बाई; गुरुत्व, भारीपन।

कलापेसः (کلاپیسه) फा पु –आँखो की रगत का बदल जाना, जैसे—गुस्से मे या मैथुन के समय।

कलाबः (کلابه) फा पु –चर्खे पर काती जानेवाली अटी, पिंडिया।

कलाम (کلام) अ पु –शब्द, वाणी, बोली, वार्तालाप, गुफ्तगू, आपत्ति, ए'तिराज़, मीमासा, इल्मे कलाम।

कलामुल्लाह (کلام الله) अ पु –खुदा का कलाम, ईश्वर की वाणी, कुरानशरीफ।

कलामे मुस्तदाम (کلام مستدام) अ पु –ईश्वर की ओर से पैगम्बर पर आनेवाला आदेश, वही।

कलालः (کلاله) अ पु –दे 'कलालात'।

कलाल (کلال) अ पु –ग्लानि, थकन, माँदगी।

कलालत (کلالت) अ स्त्री –थकन, ग्लानि, माँदगी।

कलाव. (کلاوہ) फा पु –चर्खे पर काती जानेवाली पिंडिया।
क़लावुज़ी (قلاوزی) फा स्त्री –अग्रगमन, आगे चलना, मार्ग-दर्शन, रहबरी, सेना का अग्रभाग।
कलिक़ (قلق) अ वि –व्याकुल, मुज्तरिब, दु:खित, रजीदा।
कलिब (کلب) अ वि –दीवाना, पागल, कटखना (कुत्ता)।
कलिम: (کلمہ) अ पु –शब्द, लफ्ज़, वाक्य, जुम्ला, वचन, वात, मुसलमानो का धर्ममत्र।
कलिम ख़्वाँ (کلمہ خواں) अ फा वि –दे 'कलिम गो'।
कलिम.गो (کلمہ گو) अ फा वि –कलिम (कलमा) पढनेवाला अर्थात् मुसलमान।
कलिम (کلم) अ पु 'कलिम' का वहु, कलिमे, जुम्ले, वाक्य-समूह।
कलिमतुलख़ैर (کلمۃ الخیر) अ पु –भलाई की वात, ऐसी वात जिसमे किसी का हित हो।
कलिमतुलहक़ (کلمۃ الحق) अ पु –सच्ची वात, वेलाग वात, इसाफ की वात, सदुक्ति।
कलिमात (کلمات) अ पु –कलिम का वहु, कलिमे, वाते, शब्द, अल्फाज़।
क़लीद (قلید) अ स्त्री –वटी हुई रस्सी।
कलीदान (کلیدان) फा पु –लकडी का कुदा जो अपराधियो के पाँव मे वाँधा जाता है।
क़लीब (قلیب) अ पु –पुराना कुआँ।
कलीम (کلیم) अ पु –वात करनेवाला, वातचीत करनेवाला, घायल, ज़ख्मी, हज़रत मूसा की उपाधि।
कलीमुल्लाह (کلیم الله) अ पु –ईश्वर से वार्तालाप करनेवाला, हज़रत मूसा की उपाधि।
क़लीय: (قلیہ) अ पु –भुना हुआ गोश्त।
क़लील: (قلیلہ) अ पु –कैलूल करने का समय, दोपहर मे थोडी देर सोने का समय।
कलील (کلیل) अ वि –शिथिल, माँदा, मद, सुस्त, गूँगा, कुद, भोथरा।
क़लील (قلیل) अ वि –अल्प, न्यून, थोडा, ह्रस्व, छोटा।
क़लील तरीन (قلیل ترین) अ फा वि –वहुत ही छोटा।
क़लीलुल क़ीमत (قلیل القیمت) अ वि –थोडी कीमतवाला, कम दामो का, सस्ता।
क़लीलुल बिज़ाअत (قلیل البضاعت) अ वि –जिसके पास पूँजी थोडी हो, जो अप्रतिष्ठित हो, कम हैसियत।
क़लीलुल मिक्दार (قلیل المقدار) अ वि –थोडा, कम, अल्प मात्रा में।
क़लीलुस्समाअत (قلیل السماعت) अ वि –जो कम सुनता हो, वधिर, वहरा।
क़लीस (قلیس) अ वि –कृपण, कजूस, वख़ील।
क़लूस (قلوص) अ स्त्री –जवान ऊँटनी।
क़लौला (قلولا) अ पु –काज़, एक प्रसिद्ध पक्षी।
क़ल्अ: (قلعہ) अ पु –दुर्ग, कोट, गढ, किला।
क़ल्अ गीर (قلعہ گیر) अ फा वि –दुर्ग विजित करनेवाला, महारथी, वहुत वडा शूर।
क़ल्अ शिकन (قلعہ شکن) अ फा वि –दुर्ग को ध्वस्त कर देनेवाला, दुर्गभेदी (तोप या कोई यत्र)।
क़ल्ई (قلعی) अ स्त्री –वग, राँग, फुंका हुआ चूना, मुलम्मा, वर्तनो पर राँगा का मुलम्मा, चूने की पुताई।
क़ल्ईगर (قلعی گر) अ फा वि –वरतनो पर राँग का मुलम्मा करनेवाला।
कल्क (کلک) फा स्त्री –कक्ष, वगल, क्रोड, गोद, आगोश।
कल्कज (کلکج) फा वि –लडनेवाला, युद्ध करनेवाला।
कल्काल: (قلقلہ) अ पु –आवाज़ करना, वोलना, हिलाना।
कल्क़ान (قلقان) तु स्त्री –ढाल, सिपर।
कल्गी (کلغی) फा स्त्री –फुंदना, तुर्रा, पक्षी के सिर का केस।
कल्त (کلتہ) फा वि –पूँछ कटा हुआ, थोडा, न्यून, जो शुद्ध उच्चारण न कर सके, सोटा, डडा, गतका।
क़ल्तवान (قلتبان) फा पु –वह निर्लज्ज मनुष्य जो अपनी स्त्री को पर-पुरुष के पास जाने दे, भगभोजी, स्त्री की कमाई खानेवाला, भँडुआ।
क़ल्तवानी (قلتبانی) फा स्त्री –स्त्री की कमाई खाना, भँडुअई।
कल्पत्र. (کلپترہ) फा वि –मिथ्या, झूठ, अनर्गल, वेहूदा।
कल्पाक (قلپاق) तु स्त्री –टोपी, कुलाह।
क़ल्फ (قلفہ) अ पु –ख़तना का न होना, वे ख़तना होना।
कल्फ (کلف) अ पु –मुग्ध होना, आसक्त होना, शेफ्त होना।
क़ल्ब (قلب) अ पु –हृदय, मन, दिल, मध्य, वीच, कूट, खूँटा, औंधा, उलटा, १७वाँ नक्षत्र।
कल्ब (کلب) अ पु –कुक्कुर, श्वान, कुत्ता।
कल्बतान (کلبتان) अ स्त्री –लोहार की सडसी, सगसी, मोमवत्ती का गुल काटने की कैंची, गुलगीर।
कल्बतैन (کلبتین) अ स्त्री –दे 'कल्बतान'।
कल्बसाज़ (قلب ساز) अ फा वि –खोटा रुपया वनानेवाला, कूटकृत।
कल्बसाज़ी (قلب سازی) अ फा स्त्री –जाली रुपया वनाना।

कल्बी (قلبی) अ वि –हार्दिक, दिली, मानसिक, रूही, हृदय-सम्बन्धी।

क़ल्बे अव्वा (قلب عوا) अ पु –बहुत भोंकनेवाला कुत्ता, एक नक्षत्र।

कल्बे कलिब (کلب کلب) अ पु –कटखना और पागल कुत्ता।

क़ल्बे माहीयत (قلب ماهیت) अ स्त्री –किसी पदार्थ के धर्म और गुण का परिवर्तन, कायाकल्प।

कल्म (کلم) अ पु –घायल करना, ज़ख़्मी करना।

कलमल (کلمل) फा पु –कोलाहल, शोर-गुल।

कल्मुर्ग़ (کلمرغ) फा पु –गिद्ध की एक जाति।

कल्यः (قلیه) उ पु –भुना हुआ मास, शुद्ध शब्द 'कलीय' है, परन्तु प्रचलित यही है। (कलिया)

कल्यान (قلیان) फा पु –हुक्का, चिलम पीने का यंत्र, गुडगुडी, दे 'किल्यान', दोनो शुद्ध है।

कल्ल. (کله) फा पु –जबडा, कनपटी, सिर।

कल्ल.दराज (کله دراز) फा वि –मुखर, जबाँदराज़।

कल्ल मनार (کله منار) फा अ पु –वह जयस्तंभ जो मारे गये सैनिको के सिरो से बनाया जाता था।

कल्लए कंद (کلهٔ قند) फा पु –मिस्री का कूज़ा।

कल्लमा (قلما) अ वि –थोडा, किंचित्।

कल्ला (کلا) अ अव्य –सत्य है, यथार्थ है, ठीक है।

कल्लाब (قلاب) अ वि –छली, वंचक, दगाबाज।

कल्लाबी (قلابی) अ स्त्री –छल, दगाबाज़ी।

कल्लाश (قلاش) तु पु –नीच, कमीना, निर्धन, कंगाल।

कल्लास (قلاس) अ पु –चढी हुई नदी, बाढ पर आयी हुई नदी, समृद्ध, मालामाल।

कल्स (قلس) अ पु –जो एक बार मुँह से निकले, (कई बार निकले तो उसे कै कहते है), नाव की मोटी रस्सी।

कवद (قود) अ पु –कसास, प्रतिहिंसा, किसी की हत्या होने पर उसके खून का बदला लेना।

कवल (کول) फा पु –कम्मल, कवल।

कवाइद (قواعد) अ पु –'काइद' का बहु, नियमावली, ज़ाबिता, व्याकरण, सर्फ़नह्व, सेना की परेड, परम्पराएँ, रस्मोरिवाज़।

कवाइदगाह (قواعدگاه) अ फा स्त्री –परेड करने का मैदान, सैन्य-व्यायाम-क्षेत्र।

कवाइददाँ (قواعدداں) अ फा वि –परेड सीखा हुआ सैनिक, परेड से परिचित, किसी कार्य के नियमो से परिचित।

कवाइफ (کوائف) अ पु –'कैफियत' का बहु, हालात, समाचार, घटनाएँ, समस्याएँ, मसाइल।

कवाइब (کواعب) अ स्त्री –'काइब' का बहु, वे स्त्रियाँ जिनकी छातियाँ कडी हो।

कवाइबे अंजुम (کواعب انجم) अ स्त्री –सप्तर्षि-मडल, बनातुन्ना'श।

कवाइम (قوائم) अ पु –'काइम' का बहु, मनुष्य के हाथ-पाँव, चूल्हे आदि के पाये।

कवाकिब (کواکب) अ पु –'कौकब' का बहु, तारे, उडुगण।

कवानीन (قوانین) अ पु –'कानून' का बहु, हर प्रकार के कानून।

क़वाफ़िल (قوافل) अ पु –'काफिला' का बहु, यात्रियो के काफिले, पतली कमर के घोडे।

कवाफी (قوافی) अ पु –'काफिया' का बहु, काफिए।

कवाम (قوام) अ पु –सत्यता, सच्चाई, सरलता, रास्ती, न्याय, इंसाफ।

कवामीस (قوامیس) अ पु –'कामूस' का बहु, बडी-बडी नदियाँ, महानद-समूह।

कवारीर (قواریر) अ पु –'कारूर' का बहु, कारूरे की शीशियाँ, बोतलें, शीशियाँ।

क़वारे' (قوارع) अ पु –'कारिअ' का बहु, आपत्तियाँ, सख़्तियाँ, सासारिक दुर्घटनाएँ, हादिसे।

कवी (قوی) अ वि –बलवान्, शक्तिशाली, ज़ोरावर, ईश्वर का एक नाम।

कवीउलजुस्सः (قوی الجثه) अ वि –मज़बूत डीलडौल का, दृढाग, हृष्ट-पुष्ट, मोटा-ताज़ा।

कवीतरीन (قوی‌ترین) अ फा वि –बहुत अधिक शक्तिशाली, महाबल।

कवीदस्त (قوی‌دست) अ फा वि –शक्तिशाली, ज़ोरावर।

कवीपजः (قوی پنجه) अ फा वि –दे 'कवी बाज़ू'।

कवीपुश्त (قوی پشت) अ फा वि –जिसे किसी महान् पुरुष का सहारा प्राप्त हो, जिसकी पीठ पर किसी बडे व्यक्ति का हाथ हो, ताकतवर हिमायती, बलिष्ठ पक्षपाती।

कवीबाज़ू (قوی بازو) अ फा वि –जिसकी भुजाएँ काफी दृढ हो, जो अपनी भुजाओ के बल पर हर कार्य करता हो, पराक्रमी, साहसी, जफाकश्।

कवीम. (قویمه) अ स्त्री –सीधी, सरल, दृढ, पुष्ट, मज़बूत (स्त्री)।

कवीम (قویم) अ वि –सीधा, सरल, रास्त, दृढ, पुष्ट, मज़बूत।

कवुर्ग. (کورگه) तु पु –बडा नक्कार (नगाडा), धौसा।

कवुर्म. (قورمه) तु पु –कोर्म, शोरबेदार गोश्त, जिसमें

तरकारी आदि न हो, शुद्ध उच्चारण यही है, पर उर्दू मे, 'कोर्म' बोलते है।

कव्व (کوہ) अ पु –दीवार का छेद चाहे वह आरपार हो या ताकनुमा हो, दरीचा, झरोखा।

कव्वात (قواط) अ पु –भेड-बकरियो के झुड का चरवाहा।

कव्वाल (قوال) अ पु –बहुत बाते करनेवाला, कव्वाली गानेवाला।

क़व्वाली (قوالی) अ स्त्री –वे इसलामी गाने जो मज़ारो आदि पर गाये जाते है, हक्कानी गाने।

क़व्वास (قواس) अ वि –धनुष्कार, कमाने बनानेवाला।

कश (کش) फा पु –कक्ष, बगल, वक्ष स्थल, छाती, दम, खीच, जैसे—हुक्के का कश, (प्रत्य) खीचनेवाला, जैसे—'कमाँकश' धनुष खीचनेवाला, सहन करनेवाला, जैसे—'सितमकश' अत्याचार सहन करनेवाला, मयकश–शराब खीचने या पीनेवाला।

क़श [श्श] (قش) (अ) पु –दुबलेपन के बाद मोटा होना, भलाई पाना।

कशफ (کشف) फा पु –कछवा, कूर्म।

कशफ (قسف) अ पु –सूरज की धूप मे मुँह का झुलस जाना, दरिद्रता और फाको से मुँह की शोभा का चला जाना।

कशमकश (کش مکش) फा स्त्री –खीचातानी, आपाधापी, वैमनस्य, कशीदगी, असमजस, सकोच, दुविधा, पसोपेश, सघर्ष, लडाई, दौड-धूप, पराक्रम।

कशाँ (کشاں) फा प्रत्य –खीचते हुए, जैसे—'मूकशाँ' बाल पकडकर खीचते हुए।

कशाँ कशाँ (کشاں کشاں) फा वि –खीचते-खीचते, खीचते हुए, जबरदस्ती।

कशाकश (کشاکش) फा स्त्री –खीचाखीची, सघर्ष, चढा-ऊपरी, स्पर्धा, असमजस, तज़ब्ज़ुब।

कशावर्ज़ (کشاورز) फा पु –कृषक, काश्तकार, किसान।

कशावर्ज़ी (کشاورزی) फा स्त्री –कृषिकर्म, काश्तकारी, खेती, किसानी।

कशिश (کشش) फा स्त्री –आकर्षण, खिंचाव, रोचकता, जाज़िबीयत, प्रवृत्ति, मनोवृत्ति, रुज्हान।

कशिशे इश्क़ (کشش عشق) फा अ स्त्री –प्रेम का आकर्पण, मुहब्बत का जज्बा।

कशिशे सिक्ल (کشش ثقل) फा अ स्त्री –गुरुत्वाकर्पण।

कशीद (کشیدہ) फा वि –खिचा हुआ, अचित, अप्रसन्न, नाराज़, (पु) बेल-बूटे का काम।

कशीद कमर (کشیدہ کمر) फा वि –झुकी हुई कमरवाला।

कशीदःक़ामत (کشیدہ قامت) फा अ वि –लम्बे आकार वाला, लम्बे कदवाला, लबकाय।

कशीद कार (کشیدہکار) फा वि –कशीदे का काम करनेवाला, चिकन काढनेवाला।

कशीद कारी (کشیدہکاری) फा स्त्री –कपडे पर बेलबूटे बनाना, चिकन बनाना।

कशीद ख़ातिर (کشیدہخاطر) फा अ वि –अप्रसन्न, रुष्ट, नाखुश, खिन्न, मलिन, अफ्सुर्द।

कशीद रू (کشیدہرو) फा वि –लम्बे मुँहवाला, लबोतरे मुँह का, मुँह बिगाडे हुए, रुष्ट, नाराज़।

क़शीब (کشیب) अ पु –नया वस्त्र, पहनने का नया कपडा।

कशीश (کشیش) तु पु –ईसाइयो का धर्मगुरु, पादरी।

कशूर (قشور) अ पु –चेहरे पर मलने की दवा जिससे मुँह का रग साफ होता है।

कश्क़ (قشقہ) अ पु –चदन आदि से माथे पर बनायी जानेवाली लकीरे, तिलक, चित्रक।

कश्क (کشک) फा पु –छिलके उतारे हुए जौ, सूखा दही, जौ का पानी जो रोगियो को दिया जाता है।

कश्काब (کشاب) फा पु –छिलके उतरे हुए जौ का पानी जो रोगियो को दिया जाता है, आशे जौ।

कश्कोल (کشکول) फा पु –भिक्षापात्र, भीख माँगने का बर्तन, दे 'कचकोल', 'कजकोल'।

कश्त्वान (کشتوان) फा पु –दे 'कल्तवान'।

कश्ती (کشتی) फा स्त्री –नाव, नौका, तरणी, "जोशे तूफाँ, शोरे-दर्या, बर्क़ लर्जा, बादे तुद, कश्तीए उम्रे रवाँ यारब बडी मुश्किल मे है"।

कश्तीबान (کشتی بان) फा वि –नाव चलानेवाला, नाविक, कर्णधार, मल्लाह।

कश्तीबानी (کشتی بانی) फा स्त्री –नाव चलाना, नाव खेना।

कश्तीराँ (کشتی راں) फा वि –दे 'कश्तीबान'।

कश्तीरानी (کشتی رانی) फा स्त्री –दे 'कश्तीबानी'।

कश्फ (کشف) अ पु –ज़ाहिर होना, प्रकट होना, आत्मशक्ति द्वारा गुप्त बातो का ज्ञान, मुकाशफ।

कश्मीर (کشمیر) फा पु –भारत का एक प्रसिद्ध प्रदेश।

कश्मीरी (کشمیری) फा वि –कश्मीर से सम्बन्धित, कश्मीर का निवासी, कश्मीर की भाषा, कश्मीर का।

क़श्र (قشر) अ पु –छिलका, भूसी, तुष।

कश्रुलबैज़ (قشر البیض) अ पु –अडे का छिलका।

कश्वर (کشور) फा स्त्री –देश, मुल्क, महाद्वीप, बर्रे-आ'ज़म, प्रदेश, इलाक, दे 'किश्वर', दोनो शुद्ध है।

कश्वर (قشور) अ स्त्री –वह स्त्री जिसे मासिक-धर्म न आता हो, नष्टार्तव।
कश्वरकुशा (کشورکشا) फा.वि –शासक, हाकिम, हुक्मराँ।
कश्वर सिताँ (کشورستاں) फा वि –विश्वविजयी, आलमगीर।
कश्शाफ (کشاف) अ वि –खोलनेवाला, प्रकट करनेवाला।
कस[स्स] (قص) अ पु –वक्षस्थल, सीना, छाती, सीने की हड्डी।
कस (کس) फा पु –व्यक्ति, शख्स।
कसवः (قصبہ) अ पु –डाली, शाखा, छोटा शहर।
कसव (قصب) अ पु –नर्कट, नर्कुल, नम, हर चीज़ जो नर्कट-जैसी भीतर से खाली हो।
क़सवुज्जरीरः (قصب الذریرہ) अ पु –चिरायता, एक वनौषधि।
कसवुलजीब (قصب الذھب) अ पु –काँस, एक घास।
कसवुलजैव (قصب الجیب) अ पु –खत रखने का वाँस आदि का खोल, जिसमे रखकर खत भेजे जाते थे।
कसवुलहवीव (قصب الحبیب) अ पु –गन्ना, नैशकर, ऊख।
कसवुस्सवक (قصب السبق) अ पु –वह वल्लम जो दूर पर गाड दिया जाता है और कुछ सैनिक सवार घोडे दौडाकर उसकी ओर दौडते है, जो उसे पहले उखाड लेता है उसे इनाम दिया जाता है।
कसम (قسم) अ स्त्री –शपथ, सौगद।
कसमपुर्सी (کسمپرسی) फा स्त्री –वेबसी, वेकसी, ऐसा जीवन जिसमे कोई पूछनेवाला न हो।
कसल (کسل) अ पु –शिथिलता, आलस्य, काहिली, क्लाति, श्रान्ति, थकावट।
कसलमंद (کسل مند) अ फा वि –क्लान्त, म्लान, श्रात, थका हुआ।
कसस (قصص) अ पु –किस्सा कहना, कहानी कहना।
क़साइद (قصائد) अ पु –'कसीद' का वहु, कसीदे।
कसाद (کساد) अ पु –सस्तापन, मदता, खरीदारो का अभाव, किसी वस्तु का प्रचलित न होना, वेरिवाजी।
कसादवाज़ारी (کسادبازاری) अ फा स्त्री –वाज़ार भाव का वहुत मदा हो जाना, वाज़ार मे खरीद फरोख्त वहुत कम हो जाना, किसी चीज की पूछताछ न होना, कसमपुर्सी।
कसाफत (کثافت) अ स्त्री –मलिनता, समलता, मैलापन, अशुद्धता, गदगी।
कसारत (قصارت) अ स्त्री –कपडे धोना, वोवी का काम।
कसालत (کسالت) अ स्त्री –दे 'कसल'।
कसावत (قساوت) अ स्त्री –निर्दयता, वेरहमी, कठोरता, सख्ती।
कसावतेकल्वी (قساوت قلبی) अ स्त्री –हृदय का कठोर होना, निर्दयता।
कसी (قسی) अ वि –निर्दय, कठोर, हृदय, वेरहम।
कसी-उल-कल्व (قسی القلب) अ वि –कठोर हृदयवाला, पाषाणहृदय, सख्त दिल।
कसीदः (کسیدہ) अ वि –वह माल जिसकी विक्री न हो, जिसका चलन उठ गया हो।
क़सीदः (قصیدہ) अ पु –पद्यात्मक प्रशसा, नज्म की एक किस्म जिसमे किसी महान व्यक्ति की प्रशसा की जाती है ऐसी प्रशसा जिसमे यथार्थता कम हो, भटई।
कसीदःख्वाँ (قصیدہ خواں) अ फा वि –कसीदा पढनेवाला, झूठी प्रशसा करनेवाला, खुशामदी, भाट, वदी।
कसीदःख्वानी (قصیدہ خوانی) अ फा स्त्री –कसीदा पढना, झूठी प्रशसा करना, भटई करना।
कसीद गो (قصیدہ گو) अ फा वि –कसीदा लिखनेवाला, वह शाइर जो कसीदे अधिक और अच्छे लिखता हो।
कसीद.गोई (قصیدہ گوئی) अ फा स्त्री –कसीदे लिखना।
कसीद (کسید) अ वि –वह माल जिसका चलन न रहा हो।
कसीद (قصید) अ पु –सूखा चमडा, तीन शे'रो से अधिक दस तक, टूटा हुआ, शिकस्ता।
कसीफ (کثیف) अ वि –मलिन, मैला; अपवित्र, गदा।
कसीफुत्तव्अ (کثیف الطبع) अ वि –जिसकी आत्मा अशुद्ध हो, वदवातिन।
कसीफुलवातिन (کثیف الباطن) अ वि –दे 'कसीफुत्तव्अ'।
कसीमः (قسیمہ) अ पु –मुश्क का नाफा।
क़सीम (قسیم) अ वि –भागीदार, साझीदार, शरीफ, वाँटनेवाला, विभाजक।
कसीर (قصیر) अ वि –ह्रस्व, छोटा, वामन, वौना।
कसीर (کثیر) अ वि –अधिक, प्रचुर, वहुत।
कसीर (کسیر) अ वि –टूटा हुआ, शिकस्त, खडित।
कसीरुज्जौजात (کثیرالزوجات) अ पु –जिसकी वहुत-सी पत्नियाँ हो, अनेकभार्य, वहुपत्नीक।
कसीरुत्तहम्मुल (کثیرالتحمل) अ वि –जिसमें धैर्य वहुत हो, वहुक्षम, वहुधैर्य।
कसीरुत्ता'दाद (کثیرالتعداد) अ वि –जो गिनती मे वहुत हो, वहुसख्यक, विपुल, असख्य।
कसीरुलअख़्लाक़ (کثیرالاخلاق) अ वि –जो वहुत सुशील और मिलनसार हो, वहुशील।

कसीरुलअज़्लाअ (كثیرالاضلاع) अ वि –वह क्षेत्र जिसमे बहुत-सी भुजाएँ हो, बहुभुज क्षेत्र ।

कसीरुलअत्फाल (كثیرالاطفال) अ वि –वह व्यक्ति जिसकी सतान बहुत हो, बहुसतति, वह स्त्री जिसने बहुत से बच्चे जने हो, बहुप्रसवा, बहुसू, कृमिला ।

कसीरुलअफ़्कार (كثیرالافکار) अ वि –जिसे चिंताएँ बहुत हो, बहुचिंत ।

कसीरुलअलाइक (كثیرالعلائق) अ वि –जो मायाजाल मे पूरी तरह फँसा हो, जिसके मित्र और रिश्तेदार बहुत हो, जिसके पीछे दुनिया के बहुत से झगडे लगे हो ।

कसीरुलअश्काल (كثیرالاشکال) अ वि –जिसके बहुत से रूप हो, बहुरूप, अनेकाकार ।

कसीरुलइयाल (كثیرالعیال) अ वि –जिसके बाल-बच्चे बहुत हो, जिसकी सतति अधिक और आय कम हो ।

कसीरुलइल्म (كثیرالعلم) अ वि –जो बहुत बडा विद्वान् हो, बहुविद् ।

कसीरुलऔलाद (كثیرالاولاد) अ वि –दे 'कसीरुलइयाल' ।

कसीरुलऔसाफ (كثیرالاوصاف) अ वि –जिसमे बहुत अधिक गुण और अच्छाइयाँ हो, बहुगुण ।

कसीरुलकलाम (كثیرالکلام) अ वि –जो बहुत बातें करता हो, वाचाल, बहुलालाप, बक्की, झक्की ।

क़सीरुलक़ामत (قصیرالقامت) अ वि –बहुत छोटे डील-डौल का, बौना, वामन, ह्रस्वाग ।

कसीरुलख़ैर (كثیرالخیر) अ वि –जो बहुत अधिक दान-शील हो, जो अच्छे कामो मे काफी ख़र्च करता हो, जो ग़रीबो की काफी सहायता करता हो ।

कसीरुलमा'ना (كثیرالمعنی) अ वि –वह शब्द, वाक्य या शे'र जिसके बहुत से अर्थ हो, अनेकार्थ ।

कसीरुलमाल (كثیرالمال) अ वि –जिसके पास धन बहुत हो, धनाढ्य, विपुलद्रव्य, पृथुलधन ।

कसीरुलवुकूअ (كثیرالوقوع) अ वि –ऐसी घटना जो प्राय घटित होती रहती हो ।

कसीरुश्शा'र (كثیرالشعر) अ वि –जिसके शरीर पर बाल बहुत हो, लोमश, बहुलोमा ।

कसीरुश्शह्वत (كثیرالشهوت) अ वि –जिसमे काम-वासना का आधिक्य हो, बहुकाम, अतिकामी, घोर विषयी ।

कसीरुस्समर (كثیرالثمر) अ वि –ऐसा वृक्ष जिसमे फल बहुत आते हो ।

क़सील (قصیل) अ पु –जौ, जो अभी पूरी तरह पके न हो, अधपका जौ ।

कसीस (کسیس) अ पु –सुखाया हुआ कीमा, छुहारे की मदिरा ।

कसीह (کسیح) अ वि –विवश, लाचार, जो एक जगह ठहरकर रह गया हो, हिल-डुल न सके ।

कसूस (کثوث) अ पु –एक बेल जो वृक्षो पर फैलती है, अमर बेल ।

कसे बाशद (کسے باشد) फा वा –कोई हो, चाहे कोई हो ।

कसो को (کس و کو) फा पु –मित्र और स्वजन ।

कसो नाकस (کس و ناکس) फा पु –अच्छा-बुरा, हर प्रकार का व्यक्ति, बडा-छोटा, हर आदमी ।

क़स्द (قصد) अ पु –सकल्प, निश्चय, इरादा, इच्छा, कामना, ख़्वाहिश ।

क़स्दन (قصداً) अ वि –जान-बूझकर, निश्चयपूर्वक ।

क़स्बः (قصبه) अ पु –शहर से छोटी और गाँव मे बडी बस्ती ।

कस्ब (کسب) अ पु –कमाई, उपार्जन, उद्यम, धधा, रोज़गार, वेश्यावृत्ति, वेश्याकर्म, रडीपन ।

क़स्ब (قصب) अ पु –काटना, छेदन ।

कस्बी (کسبی) अ वि –वह विद्या जो कमाने और परिश्रम करने से प्राप्त हो, 'वह्बी' का उलटा, वेश्या, गणिका ।

कस्बे इल्म (کسب علم) अ पु –विद्या प्राप्त करना, विद्योपार्जन ।

कस्बे कमाल (کسب کمال) अ पु –कोई गुण प्राप्त करना, गुणोपार्जन ।

कस्बे ज़र (کسب زر) अ फा पु –रुपया कमाना, धनोपार्जन ।

कस्बे हुनर (کسب هنر) अ फा पु –कोई शिल्प या कला सीखना, शिल्पोपार्जन ।

क़स्म (قسم) अ पु –बाँटना, बटन, दान करना, बख़्शिश करना ।

कस्मत (قسمت) अ स्त्री –हिस्से लगाना, हिस्से बाँटना ।

कस्रः (کسره) अ पु –उर्दू मे 'ज़ेर' की अलामत, ज़ेर की मात्रा ।

कस्र (کسر) अ पु –ज़ेर की मात्रा, टूट, शिकस्तगी, वह सख्या जो एक से कम हो, भिन्न, जैसे, ½, ¼, ⅔, ⅒ ।

क़स्र (قسر) अ पु –किसी से बलात् कोई काम लेना, ज़बरदस्ती किसी काम पर लगाना ।

क़स्र (قصر) अ स्त्री –न्यूनता, कमी, त्रुटि, ख़ामी, (पु) भवन, प्रासाद, महल ।

कस्रत (کسرت) अ स्त्री –व्यायाम, वर्ज़िश ।

कस्रत (کثرت) अ स्त्री –प्राचुर्य, बाहुल्य, अधिकता, प्रचुरता, बहुतात, इफरात ।

कस्रतगाह (کسرت گاہ) अ फा स्त्री—कस्रत करने का स्थान, व्यायामशाला।
कस्रेनफ्सी (کسرنفسی) अ स्त्री—नम्रता, विनीति, खाकसारी।
कस्रेशान (کسرشان) अ स्त्री—शान के खिलाफ, हेठी, अपमान, बेइज्ज़ती।
कस्लान (کسلان) अ वि—आलस, काहिल, सुस्त, आलसी।
कस्व' (قسوہ) अ पु—हृदय की कठोरता, सख्तदिली।
क़स्वरः (قسورہ) अ पु—व्याघ्र, सिंह, शेर।
कस्सा (قثا) अ स्त्री—ककडी।
कस्साब (قصاب) अ पु—गोश्त बेचनेवाला, मास-विक्रेता, पशुवध करनेवाला, कसाई।
क़स्साबखान' (قصاب خانہ) अ फा पु—मास बिकने का स्थान, पशुवध का स्थान, वधस्थल, कसाईखाना।
कस्साम (قسام) अ वि—बाँटनेवाला, वितरण करनेवाला; किस्मत लिखनेवाला, भाग्य-लिपिक।
कस्सामे अज़ल (قسام ازل) अ पु—मनुष्य की उत्पत्ति के समय उसके भाग्य मे उसका भाग लिखनेवाला, ईश्वर।
कस्सार (قصار) अ वि—कपडे धोनेवाला, धोबी, रजक।
कह (کہ) फा स्त्री—'काह' का लघु, घास, तृण।
कहकशाँ (کہکشاں) फा स्त्री—आकाशगगा, छायापथ।
कहगिल (کہگل) फा स्त्री—मट्टी मे घास मिलाकर दीवारो पर लेस करने के लिए बनाया जानेवाला गारा।
कहन. (کہنہ) अ पु—'काहिन' का बहु, शकुन विचारनेवाले।
कहर (کہر) फा पु—कुमैत, कुम्मैत, कुम्मैती रग।
कहरुबा (کہربا) फा पु—एक हलका पत्थर जो घास को अपनी ओर खीचता है, तृणमणि।
कहरुबाई (کہربائی) फा वि—कहरुबा से सम्बन्ध रखनेवाला, बर्क़ी, विद्युत्सम्बन्धी।
कही (کہی) फा पु—वह सैनिक जो सेना के आगे चलकर पडाव के लिए घोडो के दाना-घास का प्रबध करते हैं।
कहूल (کہول) अ वि—खिचडी डाढीवाला, अधेड उम्र वाला।
कह्काह (قہقاہ) फा पु—अट्टहास, कह्कहा "किसी के कहकहे मे प्यार की रगीन अँगडाई, उतर आई हज़ारो वार दिल मे, छू के गहराई।"
कह्त (قحط) अ पु—दुर्भिक्ष, अकाल, अभाव, किल्लत, बहुत अधिक कमी।
क़ह्तज़द' (قحط زدہ) अ फा वि—अकाल का मारा हुआ, जिसे अकाल के कारण खाने को बहुत कम मिला हो, दुर्भिक्षग्रस्त।
कह्तज़दगी (قحط زدگی) अ फा स्त्री—अकाल के कारण भूखो मरना।
कह्तसाली (قحطسالی) अ फा स्त्री—दुर्भिक्ष, अकाल, अवर्षा, पानी की कमी।
कह्तुर्रिजाल (قحط الرجال) अ पु—अच्छे और सज्जन मनुष्यो का अभाव।
कह्फ (کہف) अ पु—गर्त, गढा, गार, खोह, गुफा, कदरा।
कह्व. (قحوہ) अ स्त्री—दे गु उच्चारण कुह्व.'।
कह्र (قہر) अ पु—क्रोध, कोप, गुस्सा, दैवी कोप, अज़ाब, दैवी आपत्ति, बलाए आस्मानी।
कह्र (کہر) अ पु—सूरज निकलना, दिन होना, चिल्लाना, शोर करना, कुपित होना, गुस्सा करना।
कहरमान (قہرمان) तु पु—काम करनेवाला, कर्मचारी, कारकुन।
कह्रमान (قہرمان) फा पु—शासक, हाकिम, शासन, हुकूमत, अत्याचार और अन्याय का शासन।
कह्ल (کہل) अ पु—अधेड आयुवाला मनुष्य।
कहल (کحل) अ पु—दुर्भिक्ष का समय, कह्त का साल।
कह्व' (قہوہ) अ पु—एक दाना जिसे भूनकर पीसते और उबालकर पीते हैं, काफी।
कह्व खान' (قہوہ خانہ) अ फा पु—जहाँ कहवा पिया जाता है, काफी-हाउस।
कह्हार (قہار) अ वि—बहुत अधिक कोप करनेवाला, महाकोपी, ईश्वर का एक नाम।
कह्हाल (کحال) अ वि—आँख के रोगो की चिकित्सा करनेवाला, सथिया, सुरमा बनाने और बेचनेवाला।

का

काअ' (قاع) अ पु—लबी-चौडी ज़मीन, जो समतल भी हो।
काआन (قاآن) तु वि—न्यायशील राजा, आदिल बादशाह।
काइदः (قاعدہ) अ पु—नियम, उसूल, सिद्धात, नज़रीय, विधि, पद्धति, तरीका, बच्चो के पढने की अलिफ बे की पुस्तक।
क़ाइदःदाँ (قاعدہ داں) अ फा वि—काइदा जाननेवाला, जिसे नियम और विधि आदि मालूम हो, आज़म, बडा वैधानिक।
क़ाइद (قائد) अ वि—अधे की लाठी पकडकर उसके आगे चलनेवाला, नेता, लीडर, फौज का सरदार, सेनाध्यक्ष।
काइद (قاعد) अ वि—बैठा हुआ, (स्त्री) वह स्त्री जो रजोधर्म और जनन से फारिग हो, (पु) वह खजूर जिस तक हाथ पहुँच जाय।
काइद (کائد) अ वि—छली, वचक, धूर्त, मक्कार।

काइदए कुल्लीयः (قاعدهٔ کلیه) अ पु—वह नियम जो एक-सी चीज़ो मे सब पर लागू हो, व्यापक नियम।

काइन (کائن) अ वि—उपस्थित होनेवाला, उत्पन्न होनेवाला।

क़ाइन (قائن) तु पु—पति का भाई, देवर, पत्नी का भाई (साला)।

काइनात (کائنات) अ स्त्री—ब्रह्माड, खलाए आस्मानी, ससार, दुनिया, सामर्थ, हैसियत, बिसात।

क़ाइफ (قاعف) अ पु—बहुत ही कडी वर्षा, सख्त बारिश।

काइफ (قائف) अ वि—चेहरा देखकर हाल बता देने-वाला, कियाफ शनास, सामुद्रिक।

काइम (قائمه) अ पु—पाया, खभा, नव्वे अश का कोण, वह खडी लकीर जो पडी लकीर पर गिरकर नव्वे अश का कोण बनाये।

क़ाइम (قائم) अ वि—खडा होनेवाला, उल्लवित, दृढ, मज़बूत, स्थिर, पायदार (कायम)।

काइम अदाज़ (قائم انداز) अ फा वि—शतरज का बहुत बडा उस्ताद, बहुत बडा शक्तिशाली।

क़ाइम बिज्ज़ात (قائم بالذات) अ वि—जिसका अस्तित्व बिना दूसरे के सहारे के हो।

क़ाइम बिलग़ैर (قائم بالغیر) अ वि—जिसका अस्तित्व दूसरे के अस्तित्व पर अवलबित हो, जैसे—रग का अस्तित्व कपडे के सहारे।

काइम मकाम (قائم مقام) अ वि—जो किसी दूसरे के पद या स्थान पर नियुक्त हो, स्थानापन्न (कायम मुकाम)।

क़ाइम मिज़ाज (قائم مزاج) अ वि—जो किसी निश्चय पर अटल रहे, दृढनिश्चय।

काइलः (قائله) अ स्त्री—कहनेवाली, बात करनेवाली, कैलूल करनेवाली।

काइल (قائل) अ वि—कहनेवाला, बोलनेवाला, लाजवाब, निरुत्तर, दोपहर मे खाने के पश्चात् थोडी देर लेटने-वाला (कायल)।

काऊस (کاؤس) फा पु—कैकाऊस, ईरान का सम्राट्, रुस्तम इसी का नौकर था।

क़ाक (قاق) तु पु—सुखाया हुआ मास, सूखा-साखा मनुष्य।

क़ाक (قاق) अ वि—बहुत लम्बा व्यक्ति।

काक (کاک) फा स्त्री—आटे की मोटी और छोटी रोटी, टिकिया।

का'क (کعک) अ स्त्री—दे 'काक'।

काका (کاکا) तु पु—बडा भाई, अग्रज, घर का बडा बूढा नौकर।

काकुम (قاقم) फा पु—एक जगली जन्तु जिसकी खाल बहुत मुलायम होती है और उसका पोस्तीन बनता है, उस जानवर की खाल।

काकुमे उंगुश्तनुमा (قاقم انگشت نما) फा पु—एक प्रकार का काकुम जिसके रोएँ अगुल-अगुल भर उठे होते है।

काकुल (قاقله) अ स्त्री—बडी इलाइची।

काकुल (کاکل) फा स्त्री—बालो की लट, केशपाश, अलक, जुल्फ, माथे पर के बाल।

काकुलतैन (قاقلتین) अ स्त्री—छोटी और बडी दोनो इलाइचियाँ।

काकुले परीशाँ (کاکل پریشاں) फा स्त्री—बिखरे हुए बाल।

काकुले पेचाँ (کاکل پیچاں) फा स्त्री—घुंघरवाले बाल।

काकुले शम्अ (کاکل شمع) फा अ स्त्री—चिराग या शमा का धुवाँ।

काख़ (کاخ) फा पु—भवन, प्रासाद, महल, वर्षा, बारिश।

काग़ (کاغ) फा पु—आग, अग्नि, पशुओ की जुगाली, रोना-धोना, शोरगुल।

काग़ज़ (کاغذ) अ पु—लिखने का कागज, पत्र, दस्तावेज़ आदि।

काग़ज़गर (کاغذگر) अ फा वि—कागज़ बनानेवाला, कागज़ी।

काग़ज़गीर (کاغذگیر) अ फा पु—खिडकी या झरोखा जिस पर कागज़ या अभ्रक मढा गया हो।

काग़ज़ात (کاغذات) अ पु—'कागज़' का बहु, वह काग़ज़ जो किसी विषय से सम्बन्धित हो।

काग़ज़ी (کاغذی) अ वि—कागज़ से सम्बन्धित, कागज़ का, कागज़ बनानेवाला, बहुत हलके छिलके का, काग़ज़ का बना हुआ।

काग़ज़ेज़र (کاغذ زر) अ फा पु—प्रामेसरी नोट, पत्र मुद्रा।

काग़ज़ेबाद (کاغذ باد) अ फा पु—पतग, जो हवा मे उडाई जाती है।

काग़ज़े हल्वा (کاغذ حلوا) अ पु—मिठाई पर लपेटा जानेवाला काग़ज़, व्यर्थ वस्तु, जैसे—मिठाई खा लेने के बाद उसका कागज़ व्यर्थ हो जाता है।

कागद (کاغد) फा पु—दे 'कागज़'।

काचक (کاچک) फा पु—खोपडी की हड्डी।

काचार (کاچار) फा पु—घर का सामान, घर का अस-बाब, गृह-सामग्री।

काचाल (کاچال) फा पु—दे 'काचार'।

काज़ (کاژه) फा पु—वह गढा जिसमे शिकारी छिपकर बैठता है और उस पर पत्ते और घास-फूस डाल लेता है।

काज़ (قاز) तु पु—हस की जाति का एक पक्षी जो

दूसरे ठडे देशो से जाडो मे भारत आ जाता है और जाडो के वाद लौट जाता है।

काज़ (کاز) फा पु –फूस का छप्पर या झोपडा, फूस का मकान।

काज (کاج) फा अव्य –काश, ईश्वर करे, भेगा, जिसे एक की दो चीज़े दिखाई पडती हो।

काज (کاژ) फा पु –भेगा, अह्‌वल, सनोवर की एक जाति।

क़ाज़िए चर्ख़ (قاضئی چرخ) अ फा पु –मुश्तरी, वुध ग्रह।

काज़िए शह्र (قاضئی شہر) अ फा पु –वह काज़ी जो शह्र मे निकाह पढाता है।

काज़िवः (کاذبہ) अ स्त्री –झूठ वोलनेवाली, मिथ्या-वादिनी।

काज़िव (کاذب) अ वि –झूठा, मिथ्यावादी।

क़ाज़िव (قازب) अ वि –लालची व्यापारी, जो माल पर अधिक से अधिक लाभ लेना चाहता हो।

काज़िम (کاظم) अ वि –क्रोध की वात पर क्रोध न करनेवाला, धैर्यवान्, इमाम मूसारिजा की उपाधि।

क़ाज़ियुल हाजात (قاضی الحاجات) अ पु –कामनाएँ पूरी करनेवाला, ईश्वर।

क़ाज़ी (قاضی) अ वि –न्यायकर्ता, मुसिफ, निकाह पढाने-वाला, देनेवाला, अदा करनेवाला।

काजीरः (کاجیرہ) फा पु –दे 'काज़ीर'

काज़ीरः (کازیرہ) फा पु –कुसुम का फूल।

क़ाज़ूरः (قاذورہ) अ स्त्री –अपवित्रता, नापाकी, गदगी, मलिनता।

क़ाज़ूरात (قاذورات) अ स्त्री –नापाकियाँ, गदगियाँ।

कात (کات) फा पु –खुरासान का एक नगर, एक चावल, कत्था।

क़ातईन (قاطعین) अ पु –'काते' का वहु, यात्रा करनेवाले, मुसाफिर लोग, पथिकगण।

क़ातिउत्तरीक़ (قاطع الطریق) अ पु –रास्ते मे लूट लेने-वाला, लुटेरा, कज़्ज़ाक।

क़ातिएतरीक़ (قاطع طریق) अ पु –दे 'कातिउत्तरीक' दोनो शुद्ध है।

क़ातिएवाह (قاطع باہ) अ फा पु –वह खाद्य पदार्थ जो काम-शक्ति के लिए विनाशकर हो, वीर्यनाशक पदार्थ।

क़ातिन (قاطن) अ वि –जो किसी स्थान पर ठहरा हुआ हो, जो सफर मे न हो, 'मुसाफिर' का उलटा।

क़ातिनीन (قاطنین) अ पु –ठहरे हुए लोग।

कातिव (کاتب) अ वि –लिखनेवाला, लेखक, क्लर्क, लिपिक, लीथो प्रेस पर छपने के लिए एक विशेष कागज़ पर विशेष सियाही से लिखने का काम करनेवाला।

कातिवतन (قاطبۃً) अ वि –नितान्त, विलकुल, सर्वथा, सव, तमाम।

कातिवे अज़ल (کاتب ازل) अ पु –मनुष्य की उत्पत्ति के समय भाग्य-रचना करनेवाला, भाग्य-लेखक, ईश्वर।

कातिवे आ'माल (کاتب اعمال) अ पु –भले वुरे कर्म लिखनेवाला फिरिश्ता, कर्म-लेखक।

कातिव क़िस्मत (کاتب قسمت) अ पु –भाग्य-लेखक, कातिवे अजल।

कातिवे कुद्रत (کاتب قدرت) अ पु –दे 'कातिवे अजल'।

कातिवे तक़्दीर (کاتب تقدیر) अ पु –दे कातिवे किस्मत।

क़ातिम (قاتم) अ वि –काला, कृष्ण, सियाह।

कातिर (قاتر) तु पु –अश्वतर, खच्चर।

क़ातिल (قاتل) अ वि –वध करनेवाला, मार डालने-वाला, वधक, हिंसक, वधिक।

क़ाते' (قاطع) अ वि –काटनेवाला, विच्छेदक, सफर करनेवाला, पथिक।

क़ादिम (قادم) अ वि –यात्रा करके लौटा हुआ, सफर से वापस आया हुआ।

क़ादिमुलइंसान (قادم الانسان) अ पु –मनुष्य की खोपडी, आदमी का सिर।

क़ादिर (قادر) अ वि –शक्तिशाली, ताकतवर, समर्थ, कावूदार, ईश्वर का एक नाम।

क़ादिर अंदाज़ (قادر انداز) अ फा वि –जँचा-तुला निशाना लगानेवाला, निशानची, लक्ष्यभेदी, शब्दभेदी।

क़ादिर अंदाज़ी (قادر اندازی) अ फा स्त्री –जँचा-तुला निशाना लगाना, लक्ष्यभेद।

क़ादिर अललइत्लाक (قادر علی الاطلاق) अ पु –सर्वशक्ति-मान्, हर वात करने की शक्ति रखनेवाला, अर्थात् ईश्वर।

क़ादिरदस्त (قادردست) अ फा वि –जिसका हाथ किसी काम मे मँजा हुआ हो।

क़ादिरुलकलाम (قادر الکلام) अ वि –वातचीत करने या भाषण देने मे निपुण, वागीश, वाक्यपटु।

क़ादिरे मुत्लक़ (قادر مطلق) अ पु –दे 'कादिर अलल-इत्लाक'।

क़ादिस (قادس) अ पु –वडी नाव, स्टीमर।

कान (کان) फा स्त्री –खान, खनि, मख़्ज़न।

कान (قان) तु पु –रक्त, लोहू, खून।

कानकन (کان کن) फा वि –खान मे काम करनेवाला मज़दूर, खनक।

कानकनी (کان کنی) फा स्त्री –खान में काम करना, खान मे खुदाई का काम, खनि-कर्म।

क़ानित (قانت) अ वि –आज्ञाकारी, फर्माँबरदार, नमाज़ मे दुआ माँगनेवाला।

क़ानितीन (قانتین) अ पु –'क़ानित' का वहु, आज्ञाकारी लोग, नमाज में दुआ माँगनेवाले।

क़ानिस (قانص) अ वि –शिकार करनेवाला, आखेटक।

कानी (کانی) फा वि –खान से सम्बन्ध रखनेवाली वस्तु, खान से निकला हुआ पदार्थ।

क़ानी (قانی) तु वि –वहुत अधिक लाल।

क़ानून (قانون) अ पु –विधान, आईन, नियम, उसूल, रीति, विधि, तरीका, परम्परा, रिवाज।

कानून (کانون) फा स्त्री –भट्ठी, भ्राष्ट्र, चूल्हा, अँगीठी।

क़ानूनगो (قانون گو) अ फा पु –माल विभाग का एक पदाधिकारी जो पटवारियो के काम की देख-रेख करता है।

क़ानूनदाँ (قانون داں) अ फा वि –कानून जाननेवाला, विधानज्ञ, वकील, अभिभाषक, अभिवक्ता।

क़ानूनदानी (قانون دانی) अ फा स्त्री –कानून जानना, कानून की जानकारी।

क़ानूनन (قانوناً) अ वि –विधान के अनुसार, कानून के मुताविक।

क़ानूनशिकनी (قانون شکنی) अ फा स्त्री –कानून को न मानना, नियम-भग, सिविल नाफर्मानी, सविनय अवज्ञा।

क़ानूनसाज़ (قانون ساز) अ फा वि –कानून बनानेवाला, विधायक, कानून वनानेवाली एसेम्वली, विधायिका।

कानूने अव्वल (کانون اول) फा अ पु –एक तुर्की महीना जो 'पूस' के लगभग पडता है।

कानूने आखिर (کانون آخر) अ पु –एक तुर्की महीना जो 'माघ' के लगभग पडता है।

क़ानूने जग (قانون جنگ) अ फा पु –लडाई का कानून, युद्धविधान।

कानूने ता'ज़ीरात (قانون تعزیرات) अ पु –सज़ा का कानून, दड-विधान।

क़ानूने फ़ित्रत (قانون فطرت) अ पु –प्राकृतिक नियम, नेचर का कानून।

क़ानूने विरासत (قانون وراثت) अ पु –किसके वाद कौन उत्तराधिकारी होता है इसका कानून।

क़ानूने शहादत (قانون شہادت) अ पु –गवाही लिये जाने का कानून, साक्षी-विधान, 'एविडेन्स ऐक्ट'।

क़ानूने हिसस (قانون حصص) अ पु –दाय और रिक्थ मे किसको कितना भाग मिलना चाहिए, इसका कानून।

क़ाने' (قانع) अ वि –जो कुछ मिल जाय उसी पर सतुप्ट रहनेवाला, आत्मसतोपी, स्थितप्रज्ञ, निस्पृह, कालतुष्ट।

काने ज़र (کان زر) फा स्त्री –सोने की खान, स्वर्णाकर।

काने नमक (کان نمک) फा स्त्री –नमक की खान, लवणाकर, वहुत ही सलोना और सुन्दर व्यक्ति।

काने मलाहत (کان ملاحت) फा अ स्त्री –अति लावण्यमयी सुन्दरी, वहुत ही मलीह हसीना।

क़ापी (قاپی) तु पु –दरवाज़ा, द्वार।

क़ापू (قاپو) तु पु –दरवाज़ा, द्वार।

क़ापूची (قاپوچی) तु वि –द्वारपाल, दरवान, ड्योढीदार।

काफ (قاف) फा पु –एक उर्दू अक्षर, कोहे काफ, काकेशिया, जहाँ का सौन्दर्य प्रसिद्ध है।

काफ (کاف) फा पु –एक उर्दू अक्षर, 'शिगाफ' का लघु, दे 'शिगाफ'।

काफ ता क़ाफ (قاف تا قاف) फा वि –सारा ससार, सपूर्ण जगत्, सारी दुनिया।

काफर (کافر) अ पु –दे 'काफिर', शुद्ध उच्चारण वही है परन्तु फार्सीवाले काफर भी लिखते हे।

काफियः (قافیہ) अ पु –अन्त्यानुप्रास, अनुप्रास, तुक।

क़ाफिय वद (قافیہ بند) अ फा वि –वह शेर जिनमे काफिए की पावदी की गयी हो।

काफिय.वदी (قافیہ بندی) अ फा स्त्री –कविता, शाइरी, फुसफुसी शाइरी जिसमे केवल काफिए हो, मज़मून न हो।

काफिर (کافر) अ पु –सत्य को छिपानेवाला, ईश्वर की दी हुई ने'मतो पर कृतज्ञता प्रकट न करनेवाला, नदी, दर्या, कृपक, किसान, 'काफिरिस्तान' देश का निवासी, प्रेमपात्र, मा'शूक़।

काफिर माजरा (کافر ماجرا) अ वि –वह व्यक्ति जिसकी दशा काफिरो जैसी हो।

काफिरी (کافری) अ वि –काफिरपन, नास्तिकता, मा'शूकीयत।

काफिरे ने'मत (کافر نعمت) अ पु –अकृतज्ञ, कृतघ्न, नाशुक्रा।

काफिलः (قافلہ) अ पु –यात्रियो का समूह, मुसाफिरो की जमाअत, यात्रीदल।

काफिल सालार (قافلہ سالار) अ फा पु –यात्रियो के समूह का अध्यक्ष, सार्थपति।

काफिल (کافل) अ वि –प्रतिभू, ज़ामिन।

काफी (کافی) अ वि –पर्याप्त, आवश्यकता के अनुसार; अत्यधिक, वहुत ज़ियादा।

काफ़ूर (کافور) फा पु –कपूर, कर्पूर, स्वर्ग का एक चश्मा।

काफ़ूरख़्वार (کافورخوار) फा वि—नपुसक, क्लीव, नामर्द; कपूर खानेवाला।

काफ़ूरी (کافوری) फा वि—काफ़ूर के रग का, वहुत सफेद, काफ़ूर की वनी हुई वस्तु, काफ़ूर पडी हुई वस्तु, काफ़ूर का।

काफ़ेरॉं (کافراں) फा स्त्री—भग, योनि, फ़ुर्ज।

काफ़्तः (کافتہ) फा वि—फटा हुआ, विदीर्ण, शिगाफ्त।

काफ़्फ़ः (کافہ) अ वि—सर्व, समस्त, कुल, तमाम।

काफ़्फ़तुन्नास (کافۃالناس) अ पु—जनसाधारण, सर्व-साधारण, जनता, अवाम।

काफ़्फ़तुल अनाम (کافۃالانام) अ पु—दे 'काफ्फतुन्नास'।

का'वः (کعبہ) अ पुं—मक्के की एक इमारत जिसे मुसल-मान ईश्वर का घर समझते है, चौकोर चीज़, पाँसा।

काव (قاب) फा पु—चश्मा रखने का घर, आईना रखने का केस, पाँसा।

काव (قاب) तु पु—वडी रिकावी, थाल; खाने का स्थान (पात्र)।

काव (قاب) अ पु—थोडी वस्तु, धनुष की मूठ और वाण रखने के स्थान का अन्तर।

का'व (قعب) अ पु—लकडी का वडा पियाला, इतना वडा पियाला जो एक आदमी के लिए हो।

का'व (کعب) अ पु—टखना, पिडली और पाँव के पजे के वीच की हड्डी।

काव ख़ानः (قاب خانہ) फा पुं—जुआघर, द्यूतागार, किमारख़ाना।

का'वतैन (کعبتین) अ पुं—पाँसो की जोडी, जिससे चौसर खेलते है।

काविज़ (قابض) अ वि—जिसका अधिकार हो, जिसका कब्ज़ा हो, कोष्ठ-ग्राहक, कब्ज़ करनेवाला पदार्थ।

क़ाविज़े अर्वाह (قابض ارواح) अ पु—प्राण निकालने-वाला, यमराज, धर्मराज, मलकुल मौत।

काविर (کابر) अ वि—प्रतिष्ठित, पूज्य, मान्य, वुज़ुर्ग।

काविलः (قابلہ) अ स्त्री—विद्यावती, स्त्री, काविल औरत, वच्चे जनानेवाली स्त्री, धाय, धात्री।

काविल (قابل) अ वि—विद्वान्, इल्मदॉं, योग्य, अह्लिय रखनेवाला, पात्र, मुस्तहक, उचित, मुनासिव, कुशल, माहिर, दक्ष, निपुण, होशियार।

काविलानः (قابلانہ) अ. फा वि—विद्वत्तापूर्ण, आलि-माना, दक्षतापूर्ण, होशयाराना।

काविलीयत (قابلیت) अ स्त्री—विद्वत्ता, कौविद्य, इल्मी-यत, योग्यता, क्षमता, अह्लीयत, पात्रता, इस्तेह्काक़, कुशलता; महारत, दक्षता, निपुणता, होशियारी।

काविले अदव (قابل ادب) अ वि—मान्य, पूज्य, प्रतिष्ठित, जिसका आदर आवश्यक हो।

काविले अदा (قابل ادا) अ वि—जिसका दिया जाना आवश्यक हो, देय।

काविले आज़माइश (قابل آزمائش) अ फा वि—जिसकी परीक्षा ज़रूरी हो, परीक्ष्य।

काविले इतिकाल (قابل انتقال) अ वि—वह सम्पत्ति और जाइदाद जो हस्तान्तरित हो सके, जो वेची या दी जा सके।

काविले इतिखाव (قابل انتخاب) अ वि—वे मजमून आदि जो किसी पुस्तक मे सम्मिलित करने के लिए चुने जा सके, उद्धरणीय, वह व्यक्ति जो किसी निर्वाचन-क्षेत्र से चुना जा सके।

काविले इख़्राज (قابل اخراج) अ वि—निकाल देने योग्य, निष्कासनीय, नाम खारिज कर देने योग्य, वरखास्त कर देने योग्य।

काविले इन्आम (قابل انعام) अ वि—पुरस्कार दिये जाने योग्य व्यक्ति, पुरस्कार के योग्य काम।

काविले इन्क़िसाम (قابل انقسام) अ वि—वँटवारे के योग्य, विभाज्य, तकसीम के लायक, वितरणीय।

काविले इन्फ़िकाक (قابل انفکاک) अ वि—जो वस्तु वधक-मुक्त हो सकती हो, जो चीज़ रेहन से छूट सकती हो।

क़ाविले इन्फ़िसाख़ (قابل انفساخ) अ वि—जो प्रतिज्ञा या वचन भग किया जा सके, जो निर्णय रद किया जा सके, मसूख़ हो सके।

काविले इम्तिहान (قابل امتحان) अ वि—जिसकी परीक्षा की जा सके, परीक्ष्य, जिसकी परीक्षा आवश्यक हो।

काविले इम्दाद (قابل امداد) अ वि—सहायता देने के योग्य, दु खी, लाचार, असहाय।

काविले इल्तिफ़ात (قابل التفات) अ वि—जिसकी ओर ध्यान देना आवश्यक हो।

काविले इल्तिवा (قابل التوا) अ वि—जिस समस्या का स्थगित या मुल्तवी हो जाना आवश्यक हो, जो स्थगित किया जा सके।

काविले इश्तिवाह (قابل اشتباہ) अ वि—जिस पर सदेह किया जा सके, शंकनीय।

क़ाविले इस्ते'माल (قابل استعمال) अ वि—जो प्रयोग किया जा सके, जिसका प्रयोग ज़रूरी हो, प्रयोज्य।

काविले उवूर (قابل عبور) अ वि—जो पार किया जा सके, जिसके आर-पार जाया जा सके।

काविले ए'तिवार (قابل اعتبار) अ वि—जिसका विश्वास किया जा सके, विश्वसनीय, मोतवर, विश्वस्त।

क़ाबिले ए'तिमाद (قابل اعتماد) अ वि –जिस पर भरोसा किया जा सके, विश्वासपात्र, मोतवर, विश्वस्त।

क़ाबिले ए'तिराज़ (قابل اعتراض) अ वि –जो बात एतराज़ के लायक हो, गलत बात, आपत्तिजनक।

क़ाबिले एहतिराम (قابل احترام) अ वि –जिसकी प्रतिष्ठा आवश्यक हो, पूज्य, मान्य।

काबिले एहसास (قابل احساس) अ वि –जो बात हृदय में कोई खटक पैदा करे, दिल को जँचने योग्य, जिसका अनुभव हो सके।

काबिले कबूल (قابل قبول) अ वि –जो बात मानी जा सके, स्वीकरणीय, जो बात मन को लग सके, जिस बात को चित्त कबूल करे, ग्रहणीय, ग्राह्य, जिस वस्तु के लेने मे कोई आपत्ति न हो।

काबिले गुज़ारिश (قابل گزارش) अ फा वि –जो बात कहने योग्य हो, आवेदनीय, जिसका कहा जाना आवश्यक हो, प्रार्थना के योग्य।

क़ाबिले ग़ौर (قابل غور) अ वि –जिस बात पर विचार करना आवश्यक हो, चिंत्य, विचार्य, जो बात अथवा समस्या, साधारण तौर पर तै कर देना उचित न हो, ध्यान देने योग्य।

काबिले ज़िक्र (قابل ذکر) अ वि –जिसकी चर्चा या उल्लेख आवश्यक हो, उल्लेखनीय, वर्णनीय, कथनीय।

काबिले ज़िराअत (قابل زراعت) अ वि –ऐसी भूमि जिसे जोता-बोया जा सके, कृष्य, खेती योग्य।

क़ाबिले तंबीह (قابل تنبیہ) अ वि –ऐसा व्यक्ति जिसे किसी भूल पर डाँटना और चेतावनी देना आवश्यक हो।

क़ाबिले तक़्सीम (قابل تقسیم) अ वि –जो बाँटा जा सके, विभाज्य, जिसका बँटवारा आवश्यक हो।

काबिले तज्वीज़ (قابل تجویز) अ वि –जिसका निर्णय किया जा सके, निर्णेय, जो सोचा जा सके, जिसका निर्णय आवश्यक हो।

काबिले तज़्हीक (قابل تضحیک) अ वि –ऐसा विषय जो उपहास के योग्य हो, जिस पर लोग हँसें, हास्य।

काबिले तब्दील (قابل تبدیل) अ वि –जो बदला जा सके, जिसमें परिवर्तन आवश्यक हो, परिवर्तनीय।

क़ाबिले तरद्दुद (قابل تردد) अ वि –जो चिन्ता के योग्य हो, चिंतनीय, जो भूमि जोतने-बोने के योग्य हो, कृष्य।

क़ाबिले तर्क (قابل ترک) अ वि –छोड़ देने के योग्य, त्याज्य, जिसका त्याग आवश्यक हो।

काबिले तर्जीह (قابل ترجیح) अ वि –ऐसा व्यक्ति या विषय जिसे दूसरे व्यक्ति या विषय पर प्रधानता दी जा सके।

काबिले तर्दीद (قابل تردید) अ वि –जिसका रद्द या खंडन आवश्यक हो, खंडनीय, काबिले-मंसूख़, रद्द करने योग्य।

काबिले तवज्जुह (قابل توجہ) अ वि –जिस पर ध्यान देना आवश्यक हो, ध्यान देने योग्य।

काबिले तस्लीम (قابل تسلیم) अ वि –जिसका मानना ज़रूरी हो, मान्य, ग्राह्य, स्वीकार्य।

काबिले तह्रीर (قابل تحریر) अ वि –जिसका लिखा जाना आवश्यक हो, उल्लेखनीय, जो लिखा जा सके।

क़ाबिले तह्सीन (قابل تحسین) अ वि –जो प्रशंसा के योग्य हो, श्लाघ्य, प्रशंसनीय, जिसे शाबाशी दी जाय, सराहनीय।

काबिले ताईद (قابل تائید) अ वि –जिसका समर्थन किया जाना आवश्यक हो, समर्थनीय, अनुमोदनीय।

क़ाबिले ता'रीफ़ (قابل تعریف) अ वि –दे 'काबिले तह्सीन'।

काबिले दस्तअंदाज़ी (قابل دست اندازی) अ फा वि –जिसमे हस्तक्षेप आवश्यक हो, जिसमे हस्तक्षेप किया जा सके, 'काग्ज़िनेबुल'।

काबिले दस्तमाल (قابل دست مال) अ फा वि –हाथों से मले जाने के लायक।

क़ाबिले दस्तरस (قابل دسترس) अ फा वि –जहाँ पहुँच हो सके, जो प्राप्त हो सके, हस्तप्राप्य, हस्तलभ्य।

काबिले दार (قابل دار) अ फा वि –जो फाँसी की सज़ा के योग्य हो, प्राणदंड के योग्य।

क़ाबिले नफ़्रत (قابل نفرت) अ वि –जो घृणा के योग्य हो, वीभत्स, उपेक्ष्य, गर्हित, घृण्य।

काबिले निकाह (قابل نکاح) अ वि –वह मनुष्य या स्त्री जो व्याह के योग्य हो, जिसका विवाह कर दिया जाना उचित हो।

क़ाबिले पर्वरिश (قابل پرورش) अ फा वि –जिसका पालन-पोषण आवश्यक हो, जिस पर दया आवश्यक हो।

काबिले फ़त्ह (قابل فتح) अ वि –जो जीता जा सके, जेय, जेतव्य।

काबिले फ़ना (قابل فنا) अ वि –जो भंगुर हो, जो मिट जाय, नाशवान्, नश्वर।

काबिले फ़ह्म (قابل فہم) अ वि –जो समझा जा सके, सुबोध, बोधगम्य।

काबिले बरदाश्त (قابل برداشت) अ फा वि –जो सहा जा सके, सहनीय, जो उठाया जा सके, सहनशील, सह्य।

काबिले बाज़पुर्स (قابل بازپرس) अ फा वि –जिससे

जवाब तलब किया जा सके, जिसे उसकी त्रुटि पर दड दिया जा सके।

क़ाबिले मंज़ूरी (قابل منظوری) अ वि—ऐसी बात जिसके लिए स्वीकृति लेना आवश्यक हो, ऐसा विषय जिसकी स्वीकृति दी जा सके।

क़ाबिले मंसूख़ी (قابل منسوخی) अ वि—ऐसी बात जो रद की जा सके, ऐसा निर्णय जो रद हो सके।

क़ाबिले मुआख़ज़ः (قابل مواخذہ) अ वि—दे 'काबिले-बाज़पुर्स'।

क़ाबिले मुआवज़ः (قابل معاوضہ) अ वि—जिस वस्तु के ले लेने पर उसका मूल्य दिया जाना आवश्यक हो, जिस काम का मेहनताना दिया जाना ज़रूरी हो।

क़ाबिले रहम (قابل رحم) अ वि—जिस पर दया की जा सके, दयनीय, दु खित, क्लेशित, बेबस, लाचार।

क़ाबिले राज़ (قابل راز) अ फा. वि—राज़ मे रखने के क़ाबिल, प्रकट न करने के योग्य, गोपनीय।

क़ाबिले वुसूल (قابل وصول) अ. वि—जो प्राप्त हो सके, जो वुसूल किया जा सके, प्राप्य।

क़ाबिले सज़ा (قابل سزا) अ वि—जिसे दड दिया जा सके, जो सज़ा का पात्र हो, दडनीय।

क़ाबिले समाअत (قابل سماعت) अ वि—जो सुना जा सके, जिसकी सुनवाई हो सके।

क़ाबिले सरज़निश (قابل سرزنش) अ फा वि—दे 'काबिले तवीह'।

क़ाबिले सिताइश (قابل ستائش) अ फा वि—दे. 'काबिले तहसीन'।

क़ाबिले सुफारिश (قابل سفارش) अ फा वि.—जिसकी सुफारिश की जा सके, अनुशस्य, अभिस्ताव्य, सिफारिश भी प्रचलित।

क़ाबिले हज्व (قابل ہجو) अ. वि.—जिसकी निन्दा की जा सके, निन्दनीय, गर्ह्य।

काबीन. (کابینہ) अ पु—वज़ीरो की मजलिस, मन्त्रिमडल, कैबिनेट।

काबीन (کابین) फा पु—निकाह मे बँधनेवाला मेह्र।

कावीननामः (کابین نامہ) फा पु—निकाह में मेह्र का कागज़, मेह्रनामा।

कावीशः (کابیشہ) फा पु—कुसुम का फूल।

कावुक (کابک) फा पु—कबूतरो का दरवा, कपोत-पालिका।

कावुल (کابل) फा पु—अफगानिस्तान की राजधानी।

कावुली (کابلی) फा वि—कावुल का निवासी, अफग़ान, खान, कावुल से सम्बन्धित।

काबू (قابو) तु पु—अवसर, फुर्सत, वश, ज़ोर; अधिकार, कब्ज़ा।

क़ाबूची (قابوچی) तु वि—स्वार्थ-साधक, खुदगरज़; द्वारपाल, कापूची।

कावूस (کابوس) अ पु—एक भयानक रोग जिसमें सोते हुए ऐसा जान पडता है कि किसी भूत ने उसका गला दवा दिया है।

कावूस (قابوس) अ पु—दे 'काऊस'।

कामः (کامہ) फा पु—कामना, इच्छा, उद्देश्य, मक़्सद, खट्टा सालन, सस्कृत रूप फारसी मे प्रचलित।

काम (کام) फा पु—इच्छा, मनोरथ, ख्वाहिश, तालू, मूर्द्धा, सस्कृत रूप फारसी में प्रचलित।

कामगर (کامگر) फा वि—दे 'कामगार'।

कामगार (کامگار) फा. वि—सफलमनोरथ, प्राप्त-काम, कामयाब।

कामत (قامت) अ पु—शरीर, देह, जिस्म, डील, लम्बा शरीर।

कामते जेबा (قامت زیبا) अ फा पु—सुन्दर और सुडौल शरीर।

कामदार (کامدار) फा वि—कारकुन।

काम ना काम (کام نا کام) फा वि—चार नाचार, विवशता-पूर्वक, लाचार होकर, विवश होकर।

कामयाब (کامیاب) फा वि—सफल, सफलकाम, प्राप्त-मनोरथ, वामुराद, परीक्षा में उत्तीर्ण, पास, कृतार्थ, कृतकार्य।

कामयाबी (کامیابی) फा स्त्री—सफलता, कामरानी; परीक्षा में सफलता।

कामरवा (کامروا) फा वि—अटके मे काम निकालने-वाला, हाजतरवाई करनेवाला।

कामरवाई (کامروائی) फा स्त्री—अटके पर काम निकालना, हाजतरवाई करना।

कामरां (کامراں) फा वि—दे 'कामयाब'।

कामरानी (کامرانی) फा स्त्री—दे 'कामयाबी'।

कामिन (کامن) अ वि—छिपनेवाला, लुप्त होनेवाला।

कामिल (کامل) अ वि—पूरा, समूचा, सपूर्ण, बिलकुल, मुकम्मल, सर्वांगपूर्ण, निपुण, दक्ष, होशियार, चमत्कारी साधु या फकीर, एक वह्र, एक उर्दू छन्द।

कामिलन (کاملاً) अ वि—पूरे तौर पर, अच्छी तरह, पूर्णतया, पूरा पूरा।

कामिलुल इयार (کامل العیار) अ वि.—वह सोना और चाँदी जो कसौटी पर पूरा कस दे, खरा सोना या चाँदी।

कामिले फ़न (کامل فن) अ वि –किसी फन में या कला में निपुण।
क़ामूस (قاموس) अ पु –गहरी नदी, शब्दकोष, लुगत।
क़ामे' (قامع) अ वि –तोड-फोड देनेवाला, विध्वसक, निरादृत करनेवाला, ख्वार करनेवाला।
क़ा'र (قعر) अ पु –गहराई, गभीरता।
क़ार (قار) तु पु –बर्फ, तुहिन।
कार (کار) फा पु –कार्य, काम, उद्यम, पेशा; कला, फन, विषय, मुआमला।
क़ार [रं] (قار) अ वि –स्थिर रहनेवाला, ठहरनेवाला, एक स्थान पर करार पकडनेवाला।
क़ार (قار) अ स्त्री –कीर, राल, तारकोल।
कारआगाह (کارآگاہ) फा वि –दे 'कार आज्मूद'।
कारआज्मूदः (کارآزمودہ) फा वि –कार्यक्षम, कार्य-कुशल, काम में माहिर, अभनुवी, तज्रिब कार, (तजुरवाकार)।
कारआज्मूदगी (کارآزمودگی) फा स्त्री –काम मे महारत, कार्य-क्षमता, तज्रिब कारी (तजुरवाकारी), अनुभव।
कारआमद (کار آمد) फा वि –उपयोगी, उपयुक्त, वामसरफ।
कारकर्दः (کارکردہ) फा वि –दे 'कारआज्मूद'।
कारकर्दगी (کارکردگی) फा स्त्री –कार्यक्षमता, काम मे महारत, अनुभव, तज्रिब कारी।
कारकुन (کارکن) फा वि –कार्यकर्ता, काम करनेवाला, उहदेदार, कर्मचारी, गुमाश्ता, एजेट, अभिकर्ता।
कारख़ानः (کارخانہ) फा पु –वह स्थान जहाँ चीज़े वनती है, शिल्पशाला, उद्योगशाला, कार्यालय।
कारख़ानःदार (کارخانہدار) फा पु –कारखाने का मालिक।
कारगर (کارگر) फा वि –गुणकारी, फाइदामद, प्रभाव-कर, असरअदाज़।
कारगाह (کارگاہ) फा स्त्री –कार्यालय, काम करने का स्थान, कपडे बुनने का स्थान।
कारगुज़ार (کارگزار) फा वि –सुन्दरता से काम करनेवाला, कार्यपटु, जिसने वडे-वडे और पेचीदा काम किये हो, कार्यक्षम।
कारगुज़ारी (کارگزاری) फा स्त्री –वडे-वडे काम सरलता और सुगमता से करना, कार्य-कौशल, कारनामा, किसी महत्वपूर्ण कार्य का सरअजाम।
कारचोब (کارچوب) फा पु –लकडी का चौखटा जिसमें कपडा कसकर क़सीदे का काम हो, जरदोज़ी।
कारचोबी (کارچوبی) फा पु –ज़रदोज़ी, कसीदाकारी।
कारज़ार (کارزار) फा पु –युद्ध, सग्राम, लडाई, जग।
कारतलब (کارطلب) फा अ वि –शूरवीर, वहादुर, शुजाअ।
कारदाँ (کاردان) फा वि –किसी काम को अच्छे प्रकार से जाननेवाला, अनुभवी, तजुरवाकार।
कारदानी (کاردانی) फा स्त्री –कार्य-कौशल, काम की अच्छी जानकारी, अनुभव, तज्रिवाकारी।
कारदार (کاردار) फा वि –दे 'कारदाँ'।
कारदीदः (کاردیدہ) फा वि –अनुभवी, जिसके हाथ से वहुत से काम निकले हो, परिपक्व, पुख़्ताकार।
कारदीदगी (کاردیدگی) फा स्त्री –अनुभव, परिपक्वता, पुख़्ताकारी।
क़ारन (قارن) फा पु –रुस्तम के समय का एक पहलवान।
कारनामः (کارنامہ) फा पु –ऐसा काम जो यादगार रहे, वहुत वडा काम, चित्रकारो के चित्रो का अल्वम जिसमे वह अपने कला-प्रदर्शन के लिए वढिया-वढिया चित्र रखते है।
कारपर्दाज़ (کارپرداز) फा वि –व्यवस्थापक, मुतज़िम, अभिकर्ता, कारकुन।
कारफ़र्मा (کارفرما) फा वि –काम करनेवाला, असर डालनेवाला, प्रभावकारी।
कारफ़र्माई (کارفرمائی) फा स्त्री –काम करना, असर डालना।
कारबद (کاربند) फा वि –पावद, वाध्य, विवश, मजवूर।
कारबरारी (کاربراری) फा स्त्री –कामनापूर्ति, मशा पूरी होना, स्वार्थसिद्धि, गरज़ निकलना।
कारमद (کارمند) फा वि –दास, नौकर, खिदमतगार।
काररवाई (کارروائی) फा स्त्री –रूदाद, कार्यवाही, कार्य, काम।
कारशनास (کارشناس) फा वि –दे 'कारआज्मूद'।
कारशनासी (کارشناسی) फा स्त्री –दे 'कारआज्मूदगी।
कारसाज़ (کارساز) फा वि –विगडे हुए कामो को वनाने-वाला, अर्थात् ईश्वर।
कारसाज़ी (کارسازی) फा स्त्री –विगडे हुए कामो को वनाना, ईश्वर की माया।
कारिंद. (کارندہ) फा वि –ज़मीदार का एजेट, कर्मचारी, कारकुन।
क़ारिअ (قارعہ) अ पु –दुर्घटना, हादिसा।
क़ारिज़ (قارض) अ वि –उधार देनेवाला, उत्तमर्ण, कर्ज़ देनेवाला, ऋणदाता।

क़ारिब (قارب) अ स्त्री –छोटी नाव जो बडी नाव के साथ चलती है।

क़ारी (قاری) अ वि –पढनेवाला, पाठक, कुरान को शुद्ध उच्चारण से पढनेवाला।

कारी (کاری) फा वि –भरपूर, पूरा-पूरा।

कारीगर (کاریگر) फा वि –शिल्पकार, शिल्पी, दस्तकार; गुणवान्, हुनरमद, दक्ष, कुशल, होशयार, छली, धूर्त।

कारीगरी (کاریگری) फा स्त्री –शिल्पकर्म, दस्तकारी, गुण-ज्ञान, हुनरमदी, दक्षता, होशयारी; छल, कपट, धूर्तता।

क़ारून (قارون) अ पु –एक बहुत बडा धनवान् जो अत्यन्त कृपण था, और अन्त मे अपने धन सहित पृथ्वी मे समा गया, वह व्यक्ति जो मालदार होने के साथ बहुत ही कजूस हो।

क़ारूनी (قارونی) अ वि –क़ारून का काम, क़ारून से सम्बन्धित, कृपणता, कजूसी।

क़ारूरः (قارورہ) अ पु –शीशी, बोतल; बीमार का पेशाब, पेशाब की शीशी, बारूद की कुप्पी।

क़ारे' (قارع) अ वि –शकुन विचारनेवाला, शकुन-विचारक।

कारे आब (کار آب) फा पु –मद्यपान, शराबनोशी।

कारे खैर (کار خیر) फा अ पु –पुण्य का काम, दूसरो की भलाई का काम।

कारेज़ (کاریز) फा पु –पटी हुई नाली, जो खेतो मे पानी देने के लिए बनायी जाती है।

कारे दस्त बस्तः (کار دست بستہ) फा पु –ऐसा कठिन काम जो हरेक के वस का न हो, केवल कोई एक ही व्यक्ति कर सके, जो उसे करता रहा हो।

कारे नुमायाँ (کار نمایاں) फा पु –ऐसा काम जो सारे कामो से ऊपर हो, बहुत बडा काम, कारनामा।

कारे सवाब (کار ثواب) फा अ पु –पुण्य का काम, दूसरो की भलाई का काम, ऐसा काम जिससे परलोक मे पुण्य प्राप्त हो।

कारेह (کارہ) अ वि –घृणा करनेवाला, घिन करनेवाला।

कारोबार (کاروبار) फा पु –व्यवसाय, व्यापार, तिजारत, कामकाज, कामधधा।

कार्द (کارد) फा पुं –चाकू।

कार्वाँ (کاروان) फा पु –काफिला, यात्रीदल, सार्थ।

कार्वाँसरा (کاروان سرا) फा स्त्री –मुसाफिरो के ठहरने की सराय, पथिकाश्रय।

कार्वाँसालार (کاروان سالار) फा पु –काफिले का सरदार, सार्थपति, सार्थवाह।

काल. (کالہ) फा पु –दे 'काला', दोनो शुद्ध है, कच्चा खरबूजा, मदिरा पीने का पात्र, खेती के लिए कमायी हुई भूमि।

क़ाल (قال) अ पु –वचन, कथन, कौल, बात।

क़ालब (قالب) फा पु –दे 'कालब', दोनो शुद्ध है।

क़ालमक़ाल (قال مقال) अ स्त्री –लम्बी चौडी बातचीत, वाद-विवाद, हुज्जत।

काला (کالا) फा पु –गृहस्थी का सामान, घर का अस्बाब।

क़ालिब (قالب) अ पु –शरीर, देह, ढाँचा, साँचा।

क़ाली (قالی) तु पु –कालीन का सामान।

क़ालीचः (قالیچہ) तु पु –छोटा कालीन।

कालीदः (قالیدہ) फा वि –अस्त-व्यस्त, तितर-बितर।

क़ालीन (قالین) तु पु –बिछाने का एक ऊनी और रोयेदार बहुमूल्य वस्त्र, गलीचा।

कालुम (کالم) फा स्त्री –वह स्त्री जो कुमारी न हो, परन्तु जिसका पति या तो मर गया हो या दुखी हो, दिल से परित्यक्ता।

कालेव (کالیو) फा वि –निस्तब्ध, सावूत, शशदर, उद्विग्न, परेशान, पागल, विक्षिप्त रति।

कालेवगी (کالیوگی) फा स्त्री –निस्तब्धता, हैरानी, उद्विग्नता, परेशानी, पागलपन, विक्षेप, दीवानगी।

कालेह (کالہ) अ वि –कटु स्वभाव का, तुरुशरू।

क़ालोक़ील (قال و قیل) अ स्त्री –वाद-विवाद, तर्क-वितर्क, कहा-सुनी, हुज्जत।

क़ालोमक़ाल (قال و مقال) अ स्त्री –दे 'काल मकाल'।

काल्बुद (کالبد) फा पु –शरीर, देह, जिस्म, अस्थि-पजर, ढाँचा।

कावः (کاوہ) फा पु –ईरान के एक लोहार का नाम, जिसने 'जहहाक' के अत्याचारो से तग आकर उसके विरुद्ध लडाई लडी और उसको हराकर 'फिरीदूँ' को उसके स्थान पर उपस्थित किया।

कावकाव (کاو کاو) फा स्त्री –परिश्रम, प्रयास, कोशिश, मेहनत।

कावर्सः (کاورسہ) फा पु –हर वह वस्तु जो छुटाई मे बाजरे जैसी हो।

कावर्स (کاورس) फा पु –बाजरा, एक प्रसिद्ध अन्न।

कावली (کاولی) फा स्त्री –वेश्या, गणिका, रडी।

कावाक (کاواک) फा वि –खोखला, सुपिर, निस्सार, बेमग्ज़।

कावीद. (کاویدہ) फा वि –खोदनेवाला।

काविश (کاوش) फा स्त्री –खोद, कुरेद, टोह, खोज, तलाश, जिज्ञासा, चिन्ता, फिक्र।

कावी (کاوی) अ वि—लोहा आदि गरम करके अंग पर दाग़ देनेवाला, दाग़नेवाला।

कावीदः (کاویده) फा वि—खोदा हुआ।

कावीदनी (کاویدنی) फा वि—खोदने योग्य।

काश (قاش) तु स्त्री—लम्बी फाँक, फाँक, खण्ड, टुकडा।

काश (کاش) फा अव्य—ईश्वर करे, खुदा करे, (पु) काँच, काच, शीशा।

काशके (کاشکے) फा अव्य—दे 'काश'।

काशान. (کاشانه) फा पु—छोटा-सा घर जिसे शीशा आलात से सजाया जाय।

काशान (کاشان) फा पु—ईरान का एक नगर।

काशिफ (کاشف) अ वि—प्रकट करनेवाला, खोलनेवाला, नगा करनेवाला, पर्दा उठानेवाला, उद्घाटक।

काशिफ़े अस्रार (کاشف اسرار) अ पु—भेदो को प्रकट करनेवाला, रहस्योद्घाटक।

काशिर (قاشر) अ वि—छिलका उतारनेवाला।

काशी (کاشی) फा वि—'काशान' का निवासी।

काशुक (قاشق) तु पु—छोटा चमचा, चमस।

क़ाशूर (قاشور) अ वि—अशुभ, मनहूस, जिसका देखना अशकुन करे, बडा दुर्भिक्ष, सख्त क़हत।

काशेज़ीं (قاش زین) तु फा स्त्री—ज़ीन के सामने का उठा हुआ भाग।

काशेह (کاشح) अ पु—वह शत्रु जो शत्रुता प्रकट न करे, मन में ही रखे।

काश्त (کاشته) फा वि—जोता-बोया हुआ, कृपित।

काश्त (کاشت) फा स्त्री—कृषि, काश्तकारी, खेत की भूमि, खेती।

काश्तकार (کاشتکار) फा वि—कृपक, कृपीवल, किसान।

काश्तकारी (کاشتکاری) फा—कृषिकर्म, किसानी।

काश्तनी (کاشتنی) फा वि—जोतने-बोने योग्य, कृषि के योग्य।

कास (کاسه) अ पु—पियाला, चषक।

कास.गर (کاسه گر) अ फा वि—पियाले बनानेवाला, कसकार, मिट्टी के बर्तन बनानेवाला, कुभकार, कुम्हार।

कास.गरी (کاسه گری) अ फा स्त्री—मिट्टी के पियाले बनाने का काम, मिट्टी के बरतन बनाने का काम।

कास.बाज़ (کاسه باز) अ फा वि—छली, वचक, कपटी, धूर्त, मक्कार।

कास.बाज़ी (کاسه بازی) अ फा स्त्री—छलकर्म, धोखेबाज़ी, धूर्तता, मक्कारी।

कास.लेस (کاسه لیس) अ फा वि—चाटुकार, खुशामदी, चापलूस।

कास.लेसी (کاسه لیسی) अ फा स्त्री—खुशामद, चापलूसी, चाटुकर्म।

कास. सर निगूँ (کاسه سر نگوں) अ फा वि—दरिद्र, कगाल, मोहताज।

क़ास [स्स] (قاص) अ वि—कहानी कहनेवाला, किसी के पीछे आनेवाला, सूचना देनेवाला, धर्मोपदेशक, वाइज़।

कास (کاس) फा पु—बड़ा नगाडा, धौंसा, दुदुंभि, शूकर, सुअर।

कास (کاس) अ पु—मदिरा पीने का पियाला, पान-पात्र।

कासए गदाई (کاسهٔ گدائی) अ फा पु—भीख माँगने का ठीकरा, भिक्षापात्र।

कासए चश्म (کاسهٔ چشم) अ फा पु—वह गडा जिसमें आँखो के डेले रहते हैं, चक्षु-गोलक।

कासए सर (کاسهٔ سر) अ फा पु—खोपडी, कपाल।

कासमू (کاسمو) फा पु—सुअर के बाल।

कासात (کاسات) अ पु 'कास' का बहु, पियाले।

क़ासित (قاسط) अ वि—अत्याचारी, ज़ालिम, अन्यायी, नामुनिफ, फर्याद सुननेवाला, न्यायकर्ता।

क़ासिद (قاصد) अ वि—इरादा करनेवाला, चिट्ठी ले जानेवाला, पत्र-वाहक, दूत, एलची।

कासिद (کاسد) अ वि—खोटा, कूट, जाली, जिसका चलन न हो, अप्रचलित।

कासिफ (کاسف) अ वि—छिपानेवाला, दुर्दशाग्रस्त, बदहाल, कडुए स्वभाववाला, तुरुशरू।

कासिब (کاسب) अ वि—कमानेवाला, उपार्जक, परिश्रम से जीविका चलानेवाला, उद्यमी।

क़ासिम (قاسم) अ वि—बाँटनेवाला, वितरक, बँटवारा करनेवाला, विभाजक।

क़ासिर (قاصر) अ वि—कमी करनेवाला, कसर रखनेवाला, असमर्थ, नाकाम।

क़ासिर (قاسر) अ वि—ज़बर्दस्ती किसी से कोई काम लेनेवाला।

कासिर (کاسر) अ वि—तोडनेवाला, भंजक, एक दर्द।

क़ासिरातुत्तर्फ़ (قاصرات الطرف) अ स्त्री—वह पतिव्रता स्त्री जो पर-पुरुष की ओर आँख उठाना पाप समझती हो।

क़ासी (قاسی) अ वि—कठोर हृदयवाला, संगदिल।

क़ासी (قاصی) अ वि—बात की तह को पहुँच जानेवाला, दूर स्थान का रहनेवाला, दूर।

कास्त (کاسته) फा वि—घटा हुआ।

कास्तनी (کاستنی) फा वि—घटने योग्य, कम करने योग्य।

कास्नी (کاسنی) फा स्त्री –एक पौधा जिसकी जड और वीज दवा मे चलते है और जिसके हरे पत्तो का अरक दवा में पिया जाता है ।
काह (کاہ) फा. स्त्री –घास, तृण ।
क़ाह (قاہ) अ पु –आज्ञाकारिता, फर्मावरदारी ।
काहकशाँ (کاہکشاں) फा स्त्री –आकाश गगा, कहकशाँ ।
काह क़ाह (قاہ قاہ) फा पु –अट्टहास, कहकहा ।
काहरुवा (کاہربا) फा पु –दे 'कहरुवा' ।
काहिनः (کاہنہ) अ स्त्री.–शकुन विचारनेवाली स्त्री ।
काहिन (کاہن) अ वि –शकुन विचारनेवाला पुरुष ।
काहिफ (قاحف) अ पु –वहुत अधिक वर्षा ।
काहिरः (قاہرہ) अ वि –वलवान्, ज़ोरावर, अत्याचारी, ज़ालिम, (प्र०) मिस्र की राजधानी ।
क़ाहिर (قاہر) अ वि –प्रकोप करनेवाला, वहुत अधिक गुस्सा करनेवाला ।
काहिल (کاہل) अ वि –आलसी, अलस, सुस्त, मद ।
काहिलवुजूद (کاہل وجود) अ वि –दे 'काहिलुलवुजूद' ।
काहिली (کاہلی) अ स्त्री –आलस्य, सुस्ती, फुर्ती का न होना ।
काहिलुलवुजूद (کاہل الوجود) अ वि –वहुत वडा आलसी, जो काम-धधा न करे, पडा रहे ।
काहिश (کاہش) फा स्त्री –ह्रस्व, घटाव, कमी, क्षीणता ।
काही (کاہی) फा वि –घास का वना हुआ, घास का; घास-जैसे रग का, हरा ।
काहीदः (کاہیدہ) फा वि –घटा हुआ, ह्रस्व, लघु रूप मे होना ।
काहीदःतन (کاہیدہ تن) फा वि –सूखे शरीरवाला, दुवला-पतला, क्षीणाग ।
काहीदःरू (کاہیدہ رو) फा वि –कुम्हलाये हुए मुँह का, उतरे हुए मुँहवाला, म्लानमुख ।
काहीदगी (کاہیدگی) फा स्त्री –घटाव, कमी ।
काहीदनी (کاہیدنی) फा वि –घटने योग्य ।
काहू (کاہو) फा पु –एक पौधा जो दवा मे काम आता है, काहू-कद्दू-वादाम इनके वीजो के तेल मे गुलाव का तेल मिलाकर मस्तिष्क-निर्वलता मे प्रयोग करते हैं ।

कि

किगश (کنگش) तु पु –'किगाश' का लघु, दे 'किगाश' ।
किगाश (کنگاش) तु पु –परामर्श, मशविरा, सलाह ।
कितार (قنطار) अ पु –एक वोरी भर चाँदी या सोना ।
किदील (قندیل) अ स्त्री –दीप, दीपक, चिराग, दिया; एक प्रकार की कागज़ मढी हुई-वडी सी लालटेन, जिसमे कागज़ की तस्वीरे वनी होती है और वह हवा से घूमती है, कन्दील ।
किवील (قنبیل) अ पु –एक दवा, कमीला ।
किज़िल (قزل) तु वि –रक्त, लाल, सुर्ख़ ।
किज़िल अर्सलान (قزل ارسلاں) तु पु –लाल रग का व्याघ्र, लाल शेर, एक वादशाह की उपाधि ।
किज़िलवाश (قزلباش) तु पु –लाल टोपीवाला सैनिक; ईरान के शाह इस्माईल सफवी ने अपनी तुर्की सेना को लाल टोपी पहनायी थी और उनका नाम किज़िलवाश रखा था ।
किज़्व (کذب) अ पु –झूठ, मिथ्या, असत्य, गप, असार वात ।
किज़्वान (قضبان) अ पु –'कज़ीव' का वहु , डालियाँ, लिग ।
किज़्लिक (کزلک) फा पु –छोटा चाकू ।
किताफ (قطاف) अ पु –अगूर और दूसरे फलो के पकने का समय, जव वह तोडे जा सके ।
कितावः (کتابہ) अ पुं –कत्व , वह शिला या तख़्ती, जो इमारतो या कव्रो पर लगती है ।
किताव (قطاب) अ पु –कुर्ते आदि का गला, गिरीवाँ ।
किताव (کتاب) अ स्त्री –पुस्तक, ग्रथ, कापी, मियाज़ ।
किताबख़ानः (کتاب خانہ) अ. फा पु –पुस्तकालय, किताबे विकने की दुकान ।
कितावच. (کتابچہ) अ फा पु –छोटी किताव, पुस्तिका ।
किताबत (کتابت) अ स्त्री –कापीनवीसी का पेशा, लीथो प्रेस के लिए लिखाई का काम ।
किताविस्तान (کتابستان) अ फा पु –पुस्तकालय, मक्तवा ।
कितावी (کتابی) अ वि –पुस्तक सम्वन्धी, पुस्तक जैसी; पुस्तक में लिखी हुई, लवोतरा, जैसे—कितावी चेहरा ।
कितावुल्लाह (کتاب اللہ) अ स्त्री –ईश्वरीय ग्रथ, इलहामी किताव, कुरान शरीफ ।
कितावेरुख़ (کتاب رخ) अ फा स्त्री –प्रेमिका की पुस्तकाकार मुखाकृति, कितावी चेहरा, जिस मुख पर प्रणय-चेष्टाएँ अकित हो ।
क़ितार (قطار) अ स्त्री –श्रेणी, पक्ति, लाइन; परा, सफ, इस शब्द का शुद्ध उच्चारण यही है, परन्तु उर्दू में 'क़तार' वोलते हैं ।
किताल (قتال) अ पु –रक्तपात, मार-काट, खूँरेज़ी, युद्ध, सग्राम, लडाई ।
कित्अः (قطعہ) अ पु –दे 'कत्अ', शुद्ध यही है, परन्तु पढे-लिखे लोग अधिक वही वोलते है ।

क़िल्फ़ (كتف) अ पु –कधा, स्कध, दे 'कतिफ' और 'कत्फ'। तीनो शुद्ध है ।

किल्मान (كتمان) अ. पु.–छिपाव, दुराव, गोपन ।

क़िल्मीर (قطمير) अ पु –थोडी चीज़, छोटा, ह्रस्व, छुहारे मे की बारीक झिल्ली ।

क़ित्र (قطر) अ पु –पिघला हुआ तांबा ।

क़िदम (قدم) अ पु –प्राचीनता, पुरातत्त्व, कदामत, नित्यता, अनश्वरता, लाज़वालपन ।

किदेवर (كديور) फा पु –कृषक, किसान, दे 'कदेवर', दोनो शुद्ध है ।

क़िद्मत (قدمت) अ स्त्री –पुराना होना ।

क़िद्र (قدر) अ पु –हाँडी, देगची ।

क़िद्व: (قدوه) अ पु –नायक, नेता, प्रधान, सरदार ।

क़िद्वतुल आरिफ़ीन (قدوةالعارفين) अ पु –ब्रह्मज्ञानी, महात्माओ मे सर्वश्रेष्ठ ।

क़िद्वतुस्सालिकीन (قدوةالسالكين) अ पु –सन्यासियो और साधुओ मे सर्वश्रेष्ठ ।

किनाय: (كنايه) अ पु –गुप्त सकेत, छिपा हुआ इशारा, छिपी हुई वात, उर्दू साहित्य की परिभाषा में उपमेय का वर्णन न करके, केवल उपमान का वर्णन करना, जैसे—कहा जाय कि 'नर्गिस ने मोती बरसाये' और मतलव यह हो कि प्रेयसी की आँखो से आँसू गिरे। यहाँ 'नर्गिस' 'आँख' का उपमान है और 'मोती' 'आँसू' का। प्रस्तुत के स्थान पर अप्रस्तुत की योजना की जाय, जैसे—"चश्मे-गिरियाँ ने लुटाये थे गुहर–रात भर रोए थे हम, शवनम नही ।"

किनायत (كنايت) अ स्त्री –गुप्त वात, गुप्त सकेत, किनाय ।

किनायतन (كنايتاً) अ वि –गुप्त रीति से, इशारे मे, सकेत मे ।

किनार: (كناره) फा पु –शुद्ध 'कनार' है, परन्तु 'किनार' भी वोलते है, तट, किनारा, साहिल ।

किनार (كنار) फा पु –क्रोड, गोद, आगोश ।

क़िनीन. (قنينه) अ स्त्री –शराब रखने का वरतन, दे 'क़िन्नीन', दोनो शुद्ध है ।

किनीस: (كنيسه) फा पु –ईसाइयो का गिरजा, दे 'कनीस', दोनो शुद्ध है ।

किन्न (كن) अ पु –वस्त्र, लिवास, पहनने के कपडे ।

क़िन्नब (قنب) अ स्त्री –भाँग, भग, विजया, एक घोट-छानकर पी जानेवाली मादक पत्ती ।

क़िन्नीन: (قنينه) अ स्त्री –मदिरा रखने का पात्र, दे 'क़िनीन', दोनो शुद्ध है ।

क़िन्य. (قنيه) अ पु –पूँजी, सरमाया ।

क़िन्व (قنو) अ पु –फलो का गुच्छा, खोश ।

क़िन्वान (قنوان) अ पु –गुच्छे, खोशे ।

किफ़ायत (كفايت) अ स्त्री –पर्याप्त, काफी होना, अल्प व्यय, जुज़रसी ।

किफ़ायतशिआर (كفايت شعار) अ वि –कम खर्च करनेवाला, बचानेवाला, मितव्ययी, जुज़रस, ।

किफ़ायतशिआरी (كفايت شعارى) अ स्त्री –खर्च मे कमी, मितव्यय, जुज़रसी ।

किफ़्ल (كفل) अ पु –खड, अश, टुकडा, हिस्सा, जो घोडे पर न चढ सके, घोडे की पीठ का नमदा ।

क़िबाब (قباب) अ पु –'कुब्ब' का वहु, छोटे गुवद, कुब्बे।

किबार (كبار) अ पु –'कवीर' का वहु, आयु मे वडे लोग, प्रतिष्ठा मे वडे लोग ।

क़िबाल (قبالة) अ पु –वच्चे जनाने का काम, धायकर्म, दाय गीरी, दूसरे अर्थ के लिए, दे 'कवाल' ।

क़िब्चाक (قبچاق) तु पु –तुर्किस्तान और तूरान के वीच का एक जगल, जहाँ के तुर्क निर्दय और उद्दड होते है ।

क़िब्ती (قبطى) अ पु –प्राचीन मिस्री जाति, जो फिरऔन के वशज है ।

किब्र (كبر) अ स्त्री –वडाई, ज्येष्ठता, श्रेष्ठता, वुजुर्गी ।

किब्रसिन (كبرسن) अ वि –वूढा, वयोवृद्ध, जरत् ।

किब्रसिनी (كبرسنى) अ स्त्री –वुढापा, जरा, वृद्धावस्था ।

किब्रिया (كبريا) अ पु –महत्ता, वडाई, ईश्वर, परमात्मा ।

किब्रियाई (كبريائى) अ स्त्री –प्रतिष्ठा, वडप्पन, महत्ता, ईश्वरत्व, खुदाई ।

किब्रीत (كبريت) अ स्त्री –गधक, एक ज्वलनशील पदार्थ, जिससे वारूद वनती है ।

किब्रीते अहमर (كبريت احمر) अ स्त्री –लाल गधक, जो रसायन में काम आती है, अप्राप्य वस्तु, नायाव चीज़ ।

क़िब्ल: (قبله) अ पु –मक्के मे वह स्थान जहाँ हजरे अस्वद (काला पत्थर) स्थापित है, और जिसकी ओर मुँह करके, मुसलमान नमाज़ पढते है का'व, प्रतिष्ठित और सम्मानित व्यक्तियो के लिए सवोवन का शब्द ।

क़िब्ल गाह (قبله گاه) अ फा वि –मान्य, पूज्य, श्रद्धेय ।

क़िब्ल नुमा (قبله نما) अ फा पु –पश्चिम की दिशा वतानेवाला यत्र, दिग्दर्शक यत्र ।

क़िब्ल परस्त (قبله پرست) अ फा वि –मुसलमान ।

क़िब्लएआलम (قبلهٔعالم) अ पु –दे 'क़िब्ल गाह', जगत्पूज्य पीर या वुजुर्ग, "ये वाते राज़ की है, क़िब्लएआलम भी पीते है ।"

क़िब्लएहाजात (قبلہ حاجات) अ पु –आशाकेन्द्र, वह स्थान जहाँ से स्वार्थ-सिद्धि हो; वह व्यक्ति जो आशाएँ पूर्ण करे।

क़िमत्र (قمطر) अ पु –छोटे आकार का मनुष्य, मेठा, ठिगना, मोटा ऊँट, पुस्तको की पेटी।

किमम (قمم) अ स्त्री –'कुम्म' का वहु , चोटियाँ, उँचाइयाँ।

किमात (قماط) अ पु –वह कपडा जिसमे नवजात शिशु लपेटा जाता है।

किमाद (کماد) अ पु –दवाओ की पोटली को गरम करके उससे किसी अग को वार-वार सेकना, टकोर।

किमार (قمار) अ पु –जुआ, द्यूत, कैतव, पण।

क़िमारख़ानः (قمارخانہ) अ फा पु –जुआ खेलने का फड, अक्षवार, पणशाला, द्यूतागार, जुआघर।

किमारवाज़ (قمارباز) अ फा वि –जुआ खेलनेवाला, द्यूतकार, कितव, कैतव, जुआरी, जुएवाज।

क़िमारवाज़ी (قماربازی) अ फा स्त्री –जुए का खेल, द्यूतक्रीडा, द्यूतकर्म, कैतव, जुएवाज़ी।

क़ियम (قیم) अ स्त्री –'कीमत' का वहु , कीमते, मूल्य।

किया (کیا) फा पु –पहलवान, मल्ल, स्वामी, मालिक, पवित्र, पाकीज़, स्वच्छ।

कियादत (قیادت) अ स्त्री –नेतृत्व, रहनुमाई, मार्ग-प्रदर्शन, नेतागिरी, कुरम साकी, भडुआपन, दल्लाली,।

क़ियाफ़ः (قیافہ) अ पु –चेष्टा, हुल्य , चेहरे के आकार-प्रकार और उसके चिह्नो द्वारा मनुष्य के स्वभाव आदि का ज्ञान, सामुद्रिक विद्या, कयाफा भी प्रचलित, "आदमी पहचान लेते है कयाफा देखकर, खत का मज्मूँ भाँप लेते है लिफाफा देखकर।"

कियाफ़ःदाँ (قیافہداں) अ फा वि –दे 'कियाफ शनास', चेहरे को देखकर मनुष्य-स्वभाव पहचाननेवाला।

कियाफ़.शनास (قیافہشناس) अ फा वि.–कियाफा पहचानने वाला, चेष्टा देखकर हाल बता देनेवाला, सामुद्रिकवेत्ता।

कियाफ़ःशनासी (قیافہشناسی) अ फा स्त्री –कियाफा पहचनाने की विद्या, चेहरे से हाल जानना।

कियाम (قیام) अ पु –अस्थायी निवास, थोडे दिनो का वास, किसी सस्था आदि की नीव, स्थापना, नमाज़ मे खडे होने की अवस्था, निश्चय, यकीन, कयाम भी प्रचलित।

कियामगाह (قیامگاہ) अ फा स्त्री –ठहरने का स्थान, रहने का स्थान, निवासस्थान।

कियामत (قیامت) अ स्त्री –महाप्रलय, सारी दुनिया का उलट-पलट, महाप्रलय-काल, हश्र का दिन, वहुत ही सुन्दर और वढिया, वलाका, अत्यन्त, वहुत (कयामत)।

क़ियामतअंगेज़ (قیامتانگیز) अ फा वि –दे 'कियामत खेज़'।

कियामत.आसार (قیامت آثار) अ वि –जिसमे कियामत के लक्षण हो, वहुत अधिक उपद्रवी; जिसमे वहुत उथल-पुथल होने की सभावना हो।

कियामतखेज़ (قیامت خیز) अ फा वि –कियामत उठाने-वाला, प्रलयकर, वहुत उथल-पुथल करनेवाला, विप्लवकारी।

क़ियामतख़ेज़ी (قیامت خیزی) अ फा स्त्री –कियामत उठाना, उथल-पुथल करना।

कियामपिज़ीर (قیامپذیر) अ. फा वि –वसा हुआ, ठहरा हुआ, मुकीम।

क़ियास (قیاس) अ पु –विचार, ख़याल, अनुमान, अटकल, अदाजा।

कियासत (کیاست) अ स्त्री –दक्षता, निपुणता, चातुरी, चतुराई, दानाई।

क़ियासन (قیاساً) अ वि –अटकल से, अदाज़े से, अनु-मानत।

कियासी (قیاسی) अ. वि –अटकलवाली वात, अललटप, कल्पित, फर्ज़ी।

किरब (قرب) अ स्त्री –'किर्व' का वहु , पानी की मश्के।

किरा (کرا) फा अव्य –किसको, किसे।

किरा (کرا) अ पु –किराया, भाडा।

किराअत (قرائت) अ स्त्री –दे 'किअर्त', दोनो शुद्ध है।

किराइदः (کرائندہ) फा वि –किराए पर लेनेवाला।

किरान (قران) अ पु –समीपता, निकटता, नज़दीकी, दो ग्रहो का एक राशि मे होना, योग।

क़िरान (قران) अ पु –'कर्न' का बहु , ज़माने, युग।

किरानुस्सा'दैन (قران السعدین) अ पु –दो शुभ ग्रहो का एक राशि मे होना, शुभ-योग।

किराब (قراب) तु पु –तलवार या भुजाली आदि का नियाम, कोष, मियान।

किराव (قراب) अ पु –समीपता, नज़दीकी, नापने की जरीव, (स्त्री) 'किर्व' का वहु , पानी की मश्के।

किराम (کرام) अ पु –'करीम' का वहु , कृपालु जन, दयालुवर्ग, दानशील जन, फैयाज़ लोग, पूज्य लोग, प्रतिष्ठित लोग।

किराम (قرام) अ पु –हलका और महीन पर्दा, चित्रित और नक्शीन पर्दा।

किरायः (کرایہ) अ पु –भाडा, भाटक।

किराय दार (کرایہدار) अ फा वि –किराये पर कोई चीज़ प्रयोग करनेवाला, किराये पर घर आदि मे रहनेवाला।

किराय·दारी (کرایہ‌داری) अ फा स्त्री –किराये पर कोई चीज़ प्रयोग करना, किराये पर घर आदि में रहना।

किरायःनाम. (کرایہ‌نامہ) फा पु –किराये पर कोई वस्तु लेने का इकरारनामा, भाटकपत्र।

किरिश्म. (کرشمہ) फा पु –आँख या भौं का सकेत, सैन, हाव-भाव, नाज़ोअदा, माया, इन्द्रजाल, जादू, चमत्कार, शा'वद ; आश्चर्य, अचम्भा (करिश्मा)।

किरिश्म·कार (کرشمہ‌کار) फा वि –दे 'किरीश्म साज़'।

किरिश्म कारी (کرشمہ‌کاری) फा स्त्री –दे 'किरिश्म साज़ी'।

किरिश्म साज़ (کرشمہ‌ساز) फा वि –मायावी, शो'वद-वाज़, हाव-भाववाला, नाज़ो-अदाज़वाला, जादूगर।

किरिश्म·साज़ी (کرشمہ‌سازی) फा स्त्री –मायाकर्म, शो'वद वाजी।

किरिश्म (کرشمہ) फा पु –दे 'किरिश्म'।

क़िर्अत (قرأت) अ स्त्री –पढने का भाव, पढाई, कुरान की शुद्ध उच्चारण के साथ पढाई।

क़िर्तबूस (قرطبوس) अ पु –बहुत बडी दैवी आपत्ति।

क़िर्तास (قرطاس) अ पु –कागज़-पत्र।

क़िर्तासि अब्यज़ (قرطاس ابیض) अ पु –सफेद कागज़, श्वेत पत्र, व्हाइट पेपर।

क़िर्द (قردہ) अ पु –वन्दर की मादा, वानरी, वदरिया।

क़िर्द (قرد) अ पु –वदर, वानर, कपि, शाखामृग।

किर्द (کرد) फा पु –दे 'कर्द'।

किर्दगार (کردگار) फा पु –दे 'कर्दगार', परन्तु अधिक किर्दगार ही बोलते हैं, वह यद्यपि अशुद्ध है, परन्तु फारसी और उर्दू के विद्वानो ने शुद्ध माना है।

क़िर्ब· (قربہ) अ पु –पानी भरने की मश्क, भस्त्री।

किर्बास (کرباس) अ पु –सफेद कपडा, श्वेत वस्त्र, सूती कपडा।

किर्म (کرم) फा पु –कीडा, कीट, कृमि, सस्कृत कृमि का फारसी मे प्रचलित रूप।

किर्मक (کرمک) फा पु –छोटा कीडा, कृमिक, कीट।

किर्मकुश (کرم‌کش) फा वि –कीडो को मारनेवाली दवा, कृमिनाशक।

किर्मकेशवताव (کرمک‌شب‌تاب) फा पु –जुगनू, खद्योत, ज्योतिरिंगण, कीटमणि, ज्योतिर्वीज।

किर्मखुर्द. (کرم‌خوردہ) फा वि –कीडो का खाया हुआ, जिसे कीडो ने चाटकर खराव कर दिया हो।

किर्मखुर्दगी (کرم‌خوردگی) फा स्त्री –किसी वस्तु का कीडो का खा जाना।

किर्मपील· (کرم‌پیلہ) फा पु –रेशम का कीडा।

किर्मान (کرمان) फा पु –ईरान का एक प्रसिद्ध नगर जहाँ का ज़ीरा और फर्श प्रसिद्ध है।

क़िर्मिज़ (قرمز) अ पु –एक प्रकार के छोट-छोटे लाल कीडे जिन्हें सुखाकर उनसे रेशम रँगते है।

क़िर्मिज़ी (قرمزی) अ वि –किर्मिज़ के रग का, रक्त, लाल, सुर्ख़।

किर्मे शवअफ़ोज़ (کرم شب افروز) फा पु –दे 'किर्मे शवताव'।

किर्मे शवचिराग़ (کرم‌شب‌چراغ) फा पु –दे 'किर्मे-शवताव'।

किर्मेशवताव (کرم‌شب‌تاب) फा पु –खद्योत, कीटमणि, ज्योतिरिंगण, ज्योतिर्वीज।

किर्मेशिकम (کرم‌شکم) फा पु –पेट के कीडे, उदर-कृमि।

किर्यास (کریاس) अ पु –अट्टालिका, अटारी, वाला-खाना, शौचालय या स्नानागार जो अटारी पर हो, राजभवन, राजद्वार, शाही दरवार।

क़िर्वात (قرواط) अ स्त्री –नाव, नौका, किश्ती, हवा भरी हुई मश्क, जिस पर वैठकर नदी पार करते है।

क़िलाअ' (قلاع) अ पु –'क़ल्अ' का वहु, दुर्ग-समूह, किले।

क़िलाद· (قلادہ) अ पु –गले का पट्टा, कुत्ते या ऊँट के गले का पट्टा, गुलूवद।

किलाव (کلاب) अ पु –'कल्व' का वहु, कुत्ते।

क़िलीच (قلیچ) तु पु –तलवार, खड्ग।

किलीद (کلید) फा स्त्री –कुजी, ताली, कुचिका।

किलीदे कामरानी (کلید کامرانی) फा स्त्री –सफलता की कुजी, सफलता का गुर।

किलीदे फ़त्हेवाव (کلید فتح باب) फा अ स्त्री –दर्वाजा खोलने की कुजी, सफलता का गुर (मूलमत्र)।

किलीदे विहिश्त (کلید بہشت) फा स्त्री –स्वर्ग की कुजी, पुण्यकर्म, नेक आ'माल।

किलीसा (کلیسا) फा पु –ईसाइयो का गिरजा, चर्च।

किलीसाई (کلیسائی) फा वि –ईसाई, ख्रिष्टीय।

किलेसा (کلیسا) फा पु –दे 'किलीसा', दो शु है।

किल्क (کلک) फा स्त्री –नरकट, नरसल, नरकुल, नै, एक विशेष नरकट की वनी हुई क़लम, क़लम, लेखनी।

क़िल्यान (قلیان) फा पु –हुक्का, चिलम पीने की गुडगुडी, दे 'क़ल्यान', दो शु है।

क़िल्लत (قلت) अ स्त्री –न्यूनता, कमी, अभाव, नायावी।

क़िल्लते आव (قلت آب) अ फा स्त्री –पानी की कमी, जलाभाव, जलकष्ट।

क़िल्लते ग़िज़ा (قلت غذا) अ स्त्री –खाने के पदार्थो की कमी, खाद्याभाव।

किल्लते बाराँ (قلت باراں) अ फा. स्त्री.–बरसात की कमी, वर्षाभाव, कहतसाली।

किल्लतो कस्रत (قلت و کثرت) अ पुं –कमी-बेशी, न्यूनता और अधिकता, न्यूनाधिक्य।

किल्स (کلس) अ पु–चूना।

किवाम (قوام) अ पु–मूल, तत्त्व, अस्ल, क्रम, तर्तीब, निज़ाम, शीरा, चाशनी, पक्वस्वरस।

किवेर (کویر) फा. पु–समतल भूमि; बिना पानी की भूमि, मरीचिका, मृगतृष्णा, सराब।

किशावर्ज़ (کشاورز) फा वि–कृषक, किसान, दे 'कशा वर्ज़', दो शुद्ध हैं।

किशावर्ज़ी (کساورزی) फा स्त्री–कृषिकर्म, किसानी, दे 'कशावर्ज़ी', दो शु है।

किशिक (کشک) तु पु–पहरा, चौकसी, निगहबानी, रखवानी।

किशिकची (کشکچی) तु पु–पहरेदार, रखवाला।

किशिकदार (کشکدار) तु फा पु–दे 'किशिकची'।

किश्तः (کشتہ) फा पु–शफ्तालू व ज़र्दालू आदि जिनके बीज निकालकर गूदा सुखा लेते हैं, कस्तूरी, केसर और लोबान आदि का मिश्रण जिसे गुलाब मे घिसकर टिकिया बना लेते और सुलगाते है।

किश्त (کشت) फा स्त्री–कृषि, खेती, शतरंज की 'शह'।

किश्तकार (کستکار) फा वि–कृषक, काश्तकार, किसान।

किश्तकारी (کستکاری) फा स्त्री–कृषिकर्म, किसानी।

किश्तज़ार (کستزار) फा पु–वह स्थान जहाँ बोये हुए खेत ही खेत हो, सब्ज़ ज़ार।

किश्ते ज़ा'फरान (کست زعفران) फा अ स्त्री–ऐसा स्थान जहाँ केसर के खेत हो, वह स्थान जहाँ चित्त में उल्लास और आनद उत्पन्न हो।

किश्फ (قسف) अ वि–विकृत, जिसका रंग-रूप बिगड गया हो, दूषित।

किश्मिश (کشمش) फा स्त्री–मुनक्के की जाति का सूखा हुआ छोटा अंगूर जिसमे बीज नही होता, अबीजा।

किश्मिशी (کشمشی) फा वि–'किश्मिश' जैसे रग का, हलका हरा, जिसमें किश्मिश मिली हो, किश्मिश का।

क़िश्लाक (قسلاق) तु पु–वह गरम 'स्थान जहाँ जाडे गुज़ारे जायँ।

किश्वर (کشور) फा स्त्री–देश, मुल्क, राष्ट्र, सल्तनत, महाद्वीप, बर्रेआ'ज़म, दे 'कश्वर', दो शु हैं।

किश्वर कुशा (کشور کشا) फा वि.–विश्वविजयी, दिग्विजयी, जहाँगीर।

किश्वर सिताँ (کشورستاں) फा वि–दे 'किश्वर कुशा'।

किसस (قصص) अ पुं–'किस्स' का बहु, किस्से, कहानियाँ।

किसास (قصاص) अ पु–खून के बदले मे खून, प्रतिहिंसा।

किस्अः (قصعہ) अ पु–बडा पियाला।

क़िस्त (قسط) अ स्त्री–न्याय, इसाफ; भाग, अंश, हिस्सा; खड, टुकडा; अदाइगी का एक जुज़।

किस्तबंदी (قسطبندی) अ फा स्त्री–अदाइगी के लिए किस्तो की नियति।

किस्तास (قسطاس) अ स्त्री–बडी तराज़ू, नक।

किस्म (قسم) आ स्त्री–प्रकार, भाँति, तरह, जाति, नौअ।

किस्मत (قسمت) अ स्त्री–विभाजन, तक्सीम, भाग्य, अदृष्ट, प्रारब्ध, तकदीर।

किस्मत आज़्मा (قسمت آزما) अ फा वि–भाग्य की परीक्षा करनेवाला, किसी कठिन काम का बीडा उठानेवाला, कोई कडी परीक्षा देनेवाला।

किस्मत आज़्माई (قسمت آزمائی) अ फा. स्त्री.–भाग्य की परीक्षा, किसी कठिन काम का साहस, किसी कड़ी परीक्षा की तैयारी।

किस्मतवर (قسمتور) अ फा वि–भाग्यशाली, भाग्यवान्, खुशनसीब।

किस्मतवरी (قسمتوری) अ फा स्त्री–खुशकिस्मती, भाग्यशीलता, भाग्यशालीनता।

किस्रा (کسری) अ. पु–ईरान के शासको की उपाधि, नौशेरवाँ की उपाधि।

किस्वत (کسوت) अ स्त्री–वस्त्र, वसन, लिबास, पोशाक; नाई की पेटी, नापित-पेटिका।

किस्सः (قصہ) अ पु–कथा, कहानी, उपन्यास, नाविल; वृत्तात, हाल, घटना, वाकिअ, कलह, झगडा, समस्या, मस्अल।

किस्स.कोताह (قصہ کوتاہ) अ फा अव्य–साराश यह कि, किं बहुना, किस्स मुख्तसर।

किस्सःख्वाँ (قصہخواں) अ फा वि–दे 'किस्स गो'।

किस्सःगो (قصہگو) अ फा वि–कहानियाँ कहनेवाला, अब से कुछ पहले किस्से कहनेवालो की एक बडी सख्या सारे देश मे फैली हुई थी और वह कल्पित कहानियाँ सुना-सुनाकर अपना जीवन निर्वाह करती थी, 'दास्ता गो'।

किस्स. मुख्तसर (قصہ مختصر) अ अव्य–दे 'किस्स कोताह'।

किस्सीस (قسیس) अ पुं–ईसाइयो का धर्मगुरु, पादरी, राहिब।

किहीं (کہیں) फा वि–अति क्षुद्र, बहुत छोटा।

क़िहीनः (کہینہ) फा वि–क्षुद्र, छोटा, आयु मे छोटा, अल्पवयस्क।

क़िह्‌फ (قحف) अ पु–खोपडी, कपाल।

की

कीं (کیں) फा पु–'कीन' का लघु, दे 'कीन'।

कीं (کیں) फा अव्य–कि यह।

कीनः (کینہ) फा पु–वह शत्रुता जो दिल में रहे, द्वेप, खुस, अमर्ष, "अय ज़हे रंजिश! कि कल्बे यारकी मंज़िल में है। रुतबा देखो मेरे 'कीने' का कि उनके दिल में है॥"

कीनः अदोज़ (کینہ اندوز) फा वि–दे 'कीन वर'।

कीनः अदोज़ी (کینہ اندوزی) फा स्त्री–दे 'कीन वरी'।

कीनःकश (کینہ کش) फा वि–दे 'कीन वर'।

कीनःकशी (کینہ کشی) फा स्त्री–दे 'कीन वरी'।

कीन तोज़ (کینہ توز) फा वि–दे 'कीन वर'।

कीन तोज़ी (کینہ توزی) फा स्त्री–दे 'कीन वरी'।

कीन पर्वर (کینہ پرور) फा वि–दे 'कीन वर'।

कीन पर्वरी (کینہ پروری) फा स्त्री–दे 'कीन वरी'।

कीन वर (کینہ ور) फा वि–किसी की ओर से हृदय मे द्वेप रखनेवाला, जो मुँह पर तो कुछ न कहे, परतु समय पडने पर पूरी शत्रुता दिखाये।

कीनःवरी (کینہ وری) फा स्त्री–मन में द्वेष रखना और समय पडने पर शत्रुता प्रकट करना।

कीन (کین) फा पु–दे 'कीन', द्वेष, अमर्प, खुस, रंजिश।

क़ीन (قین) अ पु–सेवक, दास, लोहार, लोहकार, लोहारी का काम, दे 'क़ैन', वही अधिक शुद्ध है।

कीपा (کیپا) तु पु–एक प्रकार का पुलाव जो बकरी की आँतो में चावल और मसाला भरकर पकाया जाता है।

कीफ (قیف) फा स्त्री–वोतल आदि मे तेल आदि उँडेलने का यत्र, कीप।

कीफाल (قیفال) अ स्त्री–एक वडी रक्तवाहिनी नाडी जिसकी फस्द ली जाती है, सरोरू।

क़ीमः (قیمہ) फा पु–कुटा हुआ मास, जिसके कोफ्ते या कवाव बनते है।

क़ीमत (قیمت) अ स्त्री–मूल्य, दाम, प्रतिष्ठा, कद्र, श्रेष्ठता, उच्चता, वडाई।

क़ीमतन् (قیمتاً) अ वि–मूल्य देकर, दामो से।

क़ीमती (قیمتی) अ वि–बहुमूल्य, मूल्यवान्, वेशकीमत।

कीमिया (کیمیا) अ स्त्री–रसायन, कैमिस्ट्री, सोना-चाँदी वनाने की कला, धातुवाद।

कीमियाअसर (کیمیااثر) अ वि–अति गुणकारी, वहुत ही फायदेमद, मट्टी को सोना वना देनेवाली चीज़।

कीमियागर (کیمیاگر) अ फा वि–ताँवे आदि से सोना वनानेवाला, वहुत वडा हुनरमद।

कीमियागरी (کیمیاگری) अ फा स्त्री–ताँवे आदि से सोना वनाना, हुनरमद होना।

कीमियादाँ (کیمیادان) अ फा वि–पारे आदि से सोना वनाना जाननेवाला।

कीमियादानी (کیمیادانی) अ फा स्त्री–पारा आदि से सोना वनाना।

कीमियासाज़ (کیمیاساز) अ फा वि–दे 'कीमियागर'।

कीमियासाज़ी (کیمیاسازی) अ फा स्त्री–दे 'कीमियागरी'।

कीमुख़्त (کیمخت) फा पु–घोडे या गधे का कमाया हुआ चमडा।

कीर (قیر) फा पु–राल, तारकोल।

कीरगूँ (قیرگوں) फा वि–काले रग का, तारकोल जैसा।

क़ीरात (قیراط) अ स्त्री–एक तौल जो चार जौ के वरावर होती है, रत्तियो के हिसाव से तीन रत्ती।

क़ीलः (قیلہ) अ पु–अडवृद्धि, फोते वढने का रोग, दोपहर को थोडी देर लेटना, क़ैलूल।

क़ीलोक़ाल (قیل وقال) अ स्त्री–वाद-विवाद, तर्क-वितर्क, वहस-मुवाहसा।

कीसः (کیسہ) अ पु–जेव, पाकेट, खलीता, थैली।

कीस तराश (کیسہ تراش) अ फा वि–जेव काटनेवाला, जेवकतरा, ग्रथिमोचक, पाकेटमार, जेवतराश।

कीस तराशी (کیسہ تراشی) अ फा स्त्री–जेव काटने का काम, जेवकतरापन, पाकटमारी, ग्रथिमोचन।

कीस वुर (کیسہ بر) अ फा वि–दे 'कीस तराश', 'कीसा-वर' भी प्रचलित।

कीस वुरी (کیسہ بری) अ फा स्त्री–दे 'कीस तराशी', 'कीसावरी' भी प्रचलित।

कीस (کیس) अ पु–दे 'कीस'।

कीसे फ़िदा (کیس فدا) अ फा पु–शत्रुओ मे घिर जाने के समय भागते हुए रुपया फेक देना, ताकि लोग उसे वटोरने मे लग जायें और पीछा न करे।

क़ीह (قیح) अ स्त्री–पीप, मवाद, पीव, क्षतस्राव।

कु

कुग (کنگ) फा वि–मोटा-ताज़ा, हृष्ट-पुष्ट, शक्तिशाली, वलवान्, छुहारो का गुच्छा।

कुंगुरः (کنگرہ) फा पु –भवन आदि की गुमटी, छोटा गुवद, कँगूरा ।
कुंगुर (کنگر) फा पु –दे 'कुगुर' ।
कुंज (کنج) फा पु –एकात, गोश, "दुनिया में रजोगम से जो फुर्सत न मिल सकी, आखिर को थक के सो गये कुजे मजार मे।"
कुंजकावी (کنج کاوی) फा स्त्री –तलाश, खोज, जिज्ञासा; परिश्रम, मेहनत, ध्यानपूर्वक विचार, गौर।
कुंजद (کنجد) फा स्त्री –तिल, तिल्ली, एक प्रसिद्ध बीज।
कुंजारः (کنجارہ) फा पु –तेल निकलने के पश्चात् बीज का फोक, खल, खली।
कुजिश्क (کنجشک) फा स्त्री –वह छोटी चिडिया जो घरो मे रहती है, गौरैया, चटक।
कुंजे इंजिवा (کنج انزوا) फा अ पु –एकात, गोश, अकेला स्थान, निर्जनस्थल।
कुजे उज्लत (کنج عزلت) फा अ पु –दे 'कुजे इज्विा'।
कुजे कफस (کنج قفس) फा अ पु –पिंजडे का कोना, पिंजडे का एकात स्थान; कारागार, कैदखाना, ज़ेलखाना।
कुंजे खल्वत (کنج خلوت) फा अ पु –दे 'कुजे इज्विा'।
कुंजे तन्हाई (کنج تنہائی) फा पु –दे 'कुजे इज्विा'।
कुजेदहन (کنج دہن) फा पु –मुँह का दहाना, मुँह का कोना।
कुंजेरां (کنج راں) फा पु –रान की जड, चिड्ढा।
कुंजे लहद् (کنج لحد) फा अ पु –कब्र का कोना, कब्र का एकात स्थान।
कुंदः (کندہ) फा पु –लकडी का मोटा और छोटा टुकडा, वदूक का कुदा।
कुंद.कार (کندہ کار) फा वि –दे शु उच्चारण, 'कद कार'।
कुदः कारी (کندہ کاری) फा स्त्री –दे शु उच्चारण 'कद कारी'।
कुंद (کند) फा वि –मद, मूढ, भोथरा, मद, सुस्त, आलसी।
कुदए नातराश (کندہ ناتراش) फा पु –अक्खड, उजड्डु, असभ्य, घामड, वुद्धू, विना तराशी लकडी का मोटा टुकडा, लाक्षणिक अर्थ मूर्ख।
कुंदएपा (کندہ پا) फा पु –एक मोटी और भारी लकडी जिसमे कई छेद होते हैं जिनमे अपराधी के पाँव डाल दिये जाते हैं।
कुंदज़ेह्न (کند ذہن) फा अ वि –जिसका ज़ेह्न तेज़ न हो, मदप्रतिभ।
कुदपीर (کند پیر) फा स्त्री –वहुत वुढिया स्त्री, सठियाई मूर्खा स्त्री।
कुंदाक (قنداق) तु पु –वदूक का कुदा।
कुदावर (کنداور) फा प –मेधावी, दाना, वैज्ञानिक, हकीम, पहलवान, मल्ल।
कुंदुज़ (قندز) अ पु –कुत्ते के प्रकार का एक जतु, जिसकी खाल से पोस्तीन वनते हैं, उस जानवर की पोस्तीन, जल-कुक्कुर, पानी का कुत्ता।
कुदुर (کندر) फा पु –एक गोद जो दवा के काम आता है।
कुदुलान (کندلان) तु पु –वह वडा खेमा जो वादशाह के दरवाज़े पर लगाया जाता है।
कुंदुश (کندش) अ अव्य –दे कुदुर, दे 'अक्‌अक'।
कुदू (کندو) फा पु –पात्र, वरतन।
कुंदूएआव (کندوے آب) फा पु –पानी की टकी या हौज।
कुंदूएग़ल्लः (کندوے غلہ) फा पु –नाज का कोठार या वखारी।
कुऊद (قعود) अ पु –वैठने का भाव, वैठक, नमाज मे वैठने का अमल।
कुक्नुस (ققنس) अ पु –एक वहुत ही मधुरस्वर चिडिया जिससे यूनानियो ने गानविद्या सीखी, इसके गाने से आग लग जाती है।
कुख कुख (کخ کخ) फा अव्य –खाँसने का स्वर।
कुच (قوچ) तु पु –मेढा, नर भेड जिसके सीग होते हैं, और जो लडाई के काम आता है।
कुज़ह (قزح) अ पु –वह फिरिश्ता जो वादलो का प्रवध करता है, इद्र।
कुजा (کجا) फा अव्य –कहाँ, किस स्थान पर।
कुजाअः (قضاعہ) अ पु –एक समुद्री जतु जिसके अडकोप से 'जुदवे दस्तर' निकलता है, जो दवा मे प्रयुक्त होता है।
कुज़ाज़ (کزاز) अ पु –रगो और पट्ठो के खिचाव से उत्पन्न होनेवाली एक पीडा।
कुज़ात (قضات) अ पु –'काजी' का वहु, निकाह पढानेवाले काजी, न्यायकर्ता काज़ी।
कुज़ुर (قزر) अ स्त्री –अपवित्रता, गदगी, पलीदी।
कुतल (کوتل) तु पु –खास सवारी का घोडा, 'कोतल' भी प्रचलित।
क़ुतास (قوتاس) तु प –पहाडी गाय (सुरा गाय) की पूँछ, जिससे मोरछल वनता है।
कुतुन (قطن) अ पु –कपास, कपास का खेत, रुई, तूल।
कुतुव (کتب) अ स्त्री –'किताव' का वहु, पुस्तकें, कितावे।
कुतुवफरोश (کتب فروش) अ फा वि –पुस्तके वेचनेवाला।
कुतुवफरोशी (کتب فروشی) अ फा स्त्री –पुस्तकें वेचने का काम।
कुतूफ (قطوف) अ पु –'कत्फ' का वहु, मेवे, फल आदि।

कुत्कः (كتكه) तु पु –मोटा और छोटा डडा।
क़ुत्ताअ (قطاع) अ वि –'क़ाते' का वहु, काटनेवाले।
कुत्ता उत्तरीक़ (قطاع الطريق) अ वि –राह में लूटनेवाले, डाकू, लुटेरे, बटमार।
कुत्ती (قتى) तु स्त्री –पिटारी, सदूकची।
कुत्न (قطن) अ पु –कपास, रुई, दे 'कुतुन', दो शु है।
क़ुत्नी (قطنى) अ पु –सूत का वना हुआ कपडा, रेशम और सूत मिला हुआ कपडा।
क़ुत्व (قطب) अ पु –पृथ्वी का धुरा, ध्रुव, एक तारा जो अपने स्थान पर स्थिर रहता है, ध्रुव तारा, एक प्रकार के मुसलमान ऋषि जिनके सिपुर्द कोई वडा इलाका होता है।
क़ुत्वनुमा (قطب نما) अ फा पु –दिशा वतानेवाला यत्र, दिग्दर्शक यत्र।
क़ुत्वे जुनूवी (قطب جنوبى) अ पु –दक्षिणी ध्रुव।
क़ुत्वे शिमाली (قطب شمالى) अ पु –उत्तरी ध्रुव।
कुत्वैन (قطبين) अ पु –उत्तरी और दक्षिणी दोनो ध्रुव।
क़ुत्र (قطر) अ पु –वह रेखा जो किसी परिधि से गुजरती हुई, उसे दो वरावर के भागो में बाँट दे, व्यास।
क़ुत्रुव (قطرب) अ पु –एक वहुत छोटा कीडा जो पानी पर दौडता रहता है और कभी नही थमता, पागलपन की एक किस्म, इस रोग का रोगी किसी एक स्थान पर नही ठहरता और सव से भागता है।
कुदमा (قدما) अ पु –'कदीम' का वहु, पुराने लोग, प्राचीन विद्वान् लोग, प्राचीन वैज्ञानिक लोग।
क़ुदुस (قدس) अ वि –पवित्र, पाक, पवित्रता, पाकीजगी।
क़ुदूम (قدوم) अ पु –आगमन, पदार्पण, आना।
क़ुदूर (قدور) अ स्त्री –'किद्र' का वहु, हाँडियाँ, डेगचियाँ।
कुदूरत (كدورت) अ स्त्री –मैल, मलिनता, गँदलापन, मनोमालिन्य, शकररजी।
क़ुद्दूस (قدوس) अ वि –अत्यत पवित्र, वहुत ही पाक, ईश्वर का एक नाम।
कुद्रत (قدرت) अ स्त्री –प्रकृति, निसर्ग, नेचर, फित्रत, सामर्थ्य, शक्ति, मक्दूर, दैवी माया, खुदा की कुदरत, वश, जोर, शक्ति, ताक़त, समृद्धि, दौलतमदी।
क़ुद्रतन (قدرتاً) अ वि –कुदरती तौर पर।
कुद्रती (قدرتى) अ वि –प्राकृतिक, नेचुरल, ईश्वरीय, दैवी, खुदाई, कुदरत से सम्वन्धित।
क़ुद्रते हक़ (قدرت حق) अ स्त्री –ईश्वर की माया, खुदा की कुदरत।
कुद्स (قدس) अ पु –पवित्रता, पाकीजगी, पवित्र, पाक, यरोशलम का एक पहाड।
क़ुद्सियाँ (قدسياں) अ पु –'कुद्सी' का वहु, फिरिश्ते, ऋषिगण, औलिया अल्लाह।
क़ुद्सी (قدسى) अ वि –फिरिश्ता, देवता।
क़ुद्सी सिफात (قدسى صفات) अ वि –फिरिश्तो जैसे गुणवाला, देवोपम, देवात्मा।
कुन (كن) फा प्रत्य –करनेवाला, जैसे 'कारकुन'–काम करनेवाला।
कुन (كن) अ क्रि –हो जा, ये शब्द ईश्वर की ज़वान से निकले थे, जिनसे सृष्टि की रचना हुई।
कुनाम (كنام) फा पु –पशुओ का निवासस्थान, चिडियो का घोसला, चरागाह, गोचर।
कुनार (قنار) अ पु –लवी लकडी या लोहे की सलाख जिस पर चिकवे वकरी की खाल उधेडकर टाँगते हैं।
कुनार (كنار) फा पु –वेर, वेरी, कोल, वदरी।
कुनारे दश्ती (كنار دشتى) फा पु –जगली वेर, झरवेरी।
कुनास. (كناسه) अ पु –झाड़ू मे वटोरा हुआ कूडा-करकट।
कुनिश्त (كنشت) फा पु –उपासनागृह, इवादतखाना, मूर्तिगृह, वुतखाना, अग्निशाला, आतशकदा।
क़ुनुक़ (قنق) अ पु –मेहमान, अतिथि, आगतुक।
क़ुनूअ (قنوع) अ पु –काने' होना, नि स्पृह होना, जो कुछ मिल जाय उसी पर सतुष्ट रहना।
कुनूज़ (كنوز) अ पु –'कज' का वहु, खज़ाने, निधियाँ।
क़ुनूत (قنوت) अ पु –आज्ञापालन करना, फर्मावरदारी करना; नमाज मे चुप खडा होना, दुआ पढना।
क़ुनूत (قنوط) अ पु –निराशा, नाउम्मेदी।
क़ुनूती (قنوطى) अ वि –निराश, नाउम्मेद, निराशावादी, जिसका विचार हो कि उसे किसी काम मे सफलता न होगी।
क़ुनूतीयत (قنوطيت) अ स्त्री –निराशावाद।
कुन्नियत (كنيت) अ स्त्री –दे शु उच्चारण 'कुन्यत'।
क़ुन्फज (قنفذ) अ स्त्री –दे 'कुन्फुज' दो शु है।
क़ुन्फुज (قنفذ) अ स्त्री –साही, सेहाँ, एक जतु जिसके शरीर पर काँटे होते हैं।
कुन्य. (قنيه) अ पु –पूँजी, सरमाया।
कुन्यत (كنيت) अ स्त्री –वह नाम जिसमे अरवी परपरा के अनुसार अपने पिता, माता या लडके का सम्वन्ध प्रकट किया जाय, जैसे–'अवुलहसन' या 'उम्मेकुलसूम', उपाधि, लकव।
कुफात (كفات) अ पु –'काफी' का वहु, वुद्धिमान् लोग।
कुफुल (قفل) अ पु –ताला, द्वारयत्र, तालिका।
कुफूर (كفور) अ पु –कृतघ्नता, अकृतज्ञता, नाशुक्री।
कुफ्फ. (قفه) अ पु.–उच्च, ऊँचा, ऊँची भूमि, ऊँचा स्थान।

कुफ़्फ़ार (كفار) अ पु –'काफिर' का वहु , काफिर लोग, नास्तिक लोग।

कुफ़्र (كفر) अ पु –अस्वीकृति, कबूल न करना, कृतघ्नता, अकृतज्ञता, नाशुक्री।

कुफ़्र आश्ना (كفر آشنا) अ फा वि –जिसे कुफ़्र से प्रेम हो, जो काफिरो से प्रेम करता हो, जो स्वय आधा काफिर हो, पाप-परायण।

कुफ़्रान (كفران) अ पु –कृतघ्नता, एहसान फरामोशी।

कुफ़्राने ने'मत (كفران نعمت) अ पु –ईश्वर की दी हुई ने'मतो (नियामतो) की अकृतज्ञता।

कुफ़्रिस्तान (كفرستان) अ फा पु –काफिरो के रहने का स्थान, ऐसा स्थान जहाँ अत्याचारी लोगो के कारण न्याय और नीति का व्यवहार न हो।

कुफ़्रोइल्हाद (كفروالحاد) अ पु –वेदीनी, नास्तिकता।

क़ुफ़्ल (قفل) अ पु –ताला, द्वारयत्र, तालिका।

कुफ़्ल शिकनी (قفل شکنی) अ फा स्त्री –घर या दुकान आदि का ताला टूटना, चोरी होना।

कुफ़्ले वस्वास (قفل وسواس) अ पु –गोरखधधा।

कुवव (قبب) अ पु –'कुव्व' का वहु , कुव्वे, गुमटियाँ, छोटे गुवद।

कुवरा (كبرا) अ पु –'कवीर' का वहु , वडे लोग, प्रतिष्ठित जन।

कुवुल (قبل) अ पु –'कवील' का वहु , दल, गरोह, सामने की वस्तु, सामने का रुख, सामने का शरीर।

कुवूब (قبوب) अ पु –धान का सूखना, कोलाहल करना, शोर मचाना, शत्रुता और लडाई, शरीर की खाल और मास का मुरझाना।

कुवूर (قبور) अ स्त्री –'कब्र' का वहु , कब्रे।

कुवूल (قبول) अ पु –सामने आना, उपस्थित होना।

क़ुव्वः (قبه) अ पु –छोटा गुवद, वुर्जी, गुमटी।

क़ुव्वरः (قبره) अ पु –अबावील पक्षी, सुर्खाब पक्षी।

कुब्रा (كبرى) अ स्त्री –'अक्वर' का स्त्री , वहुत वडी, जैसे 'कियामते कुब्रा', वहुत वडी आपत्ति।

क़ुव्लः (قبله) अ पु –चुवन, वोसा, चूमा।

कुव्ल (قبل) अ स्त्री –भग, योनि, फर्ज।

कुव्ह (قبح) अ पु –दोप, ऐव, खरावी, त्रुटि, गलती, भोडापन।

कुम (قم) अ क्रि –'उठ वैठ', 'खडा हो जा', ये वे शब्द है जिनके उच्चारण से हज़रत ईसा मृत व्यक्ति को जीवित कर देते थे।

कुम[म्म] (كم) अ –आस्तीन।

कुमल (قمل) अ स्त्री –वह छोटा कीडा जो वालो और कपडो मे पड जाता है, जूँ।

कुमाचः (كماچه) तु पु –एक प्रकार की रोटी।

कुमामः (قمامه) अ पु –कूडा-करकट जो घर झाडने से निकले, मनुष्यो का दल।

कुमाश (قماش) अ पु –वस्त्र, कपडा, लिवास, घर का सामान, गुण, हुनर।

कुमुक (كمک) तु स्त्री –सहायता, मदद, काम मे अथवा युद्ध मे।

कुमेज़ (كميز) फा पु –पेशाव, मूत्र, मूत।

कुमैत (كميت) अ पु –कालिमा लिये हुए लाल घोडा, जिसकी पूँछ और अयाल के वाल काले हो, अगूर की लाल मदिरा।

कुम्कुमः (قمقمه) अ पु –काँच का गोल लट्टू जो छतो की सजावट के काम आता है, विजली का वल्व, कूज़ा, पियाला।

कुम्मः (قمه) अ पु –हर चीज़ का सिरा, हर चीज़ की ऊँचाई, चोटी, जनसमुदाय, गरोह।

कुम्मल (قمل) अ पु –'कुम्मल' का वहु , किलनियाँ, जो पशुओ की देह में चिपककर उनका रक्त पीती है, टिड्डियाँ।

कुम्मस्रा (كمثرى) अ पु –अमरूद, एक प्रसिद्ध फल।

कुम्मा (قما) तु स्त्री –दासी, लौंडी, कनीज।

कुम्मैत (كميت) अ पु –दे शुद्ध उच्चारण 'कुमैत'।

कुम्री (قمرى) अ स्त्री –एक प्रसिद्ध सफेद पक्षी।

कुम्ल (قمل) अ पु –जूँ।

कुम्लक (كوملک) तु पु –वस्त्र, लिवास, कुर्ता, कमीस।

कुयूस (كيوس) अ पु –'कास' का वहु , पियाले, कटोरे।

कुरग (كرنگ) फा पु –लाल रग का घोडा।

कुरः (كره) अ पु –वर्तुल, परिधि, घेरा, गेद, कदुक, गोला, मडल।

कुर [र्र] (قر) अ पु –जाडे की ऋतु, शीतकाल।

कुरए अर्ज़ (كرۂ ارض) अ पु –भूगोल, भूमडल।

कुरए आतश (كرۂ آتش) अ फा पु –अग्निमडल।

कुरए आफ़्ताव (كرۂ آفتاب) अ फा पु –रविमडल, सूर्यमडल।

कुरए आव (كرۂ آب) अ फा अव्य –सारी पृथ्वी पर फैला हुआ जल।

कुरए आस्माँ (كرۂ آسماں) अ. फा पु –आकाशमडल, खगोल।

कुरए जमीं (كرۂ زمیں) अ फा पु –दे 'कुरए अर्ज़'।

कुरए जम्हरीर (كرۂ زمہریر) अ फा पु –वह वायुमडल जो वहुत ही ठडा है।

कुरए नार (كرۂ نار) अ पु –अग्निमडल।

कुरए फलक (كرۂ فلک) अ पु –दे 'कुरए आस्मान'।

कुरए बाद (کرۂ باد) अ फा पु –वायुमडल।
कुरए माह (کرۂماہ) अ फा पु –चद्रमडल।
कुरए शम्स (کرۂشمس) अ पु –दे 'कुरए आफ्ताव'।
कुरए हवा (کرۂ ھوا) अ पु –दे 'कुरए वाद'।
कुरगः (کورگہ) तु पु –वडा नगाडा, धौंसा, दुदुभि।
क़ुरमसाक़ (قرمساق) तु पु –वह निर्लज्ज व्यक्ति जो अपनी पत्नी की कमाई खाता हो।
क़ुरशी (قرشی) अ वि –कुरैशके वश से सम्वन्ध रखनेवाला, इस अर्थ मे 'कुरैशी' अशुद्ध है।
क़ुरा' (قرع) अ पु –'कुर्अ' का वहु, पाँसे।
क़ुरा (قرا) अ पु –'कर्य' का वहु, वहुत से गाँव, ग्राम-समूह।
कुराअ (کراع) अ पु –गाय-भैंस या वकरी के पाये, पशु की पिंडली, घोडो का समूह, पहाड की चोटी।
कुराजः (قراضہ) अ पु –वह कण जो कैंची से कटकर गिरे, चाँदी और सोने का कण।
क़ुरात (قرات) अ पु –'कारी' का वहु, कारी लोग, कुरान को शुद्ध उच्चारण से पढनेवाले हाफिज़।
कुराद (قراد) अ स्त्री –किलनी, पशुओ का रक्त पीनेवाला कीडा।
कुरान (قران) अ पु –दे 'कुर्आन', शुद्ध उच्चारण वही है, परतु फार्सीवालो ने 'कुरान' भी लिखा है, अत यह भी शुद्ध है।
कुरासः (کراسہ) अ पु –ग्रथ, पुस्तक, किताव, कुरान।
क़ुरुत (قورت) तु पु –दही, दधि।
क़ुरुती (قوروتی) तु पु –एक प्रकार का दलिया जिसमे सूखा दही डाला जाता है।
क़ुरून (قرون) अ पु –'कर्न' का वहु, वहुत से युग, वहुत से ज़माने, वहुत से सीग।
क़ुरूने ऊला (قرون اولی) अ पु –इस्लाम का प्रारभिक काल, प्रारभिक काल, इब्तिदाई ज़माना।
क़ुरूने खालिय (قرون حالیہ) अ पु –पिछले युग, गुजरे हुए ज़माने।
क़ुरूनेवुस्ता (قرون وسطی) अ पु –इस्लाम का मध्यवर्ती समय, मध्यवर्ती समय, दरमियानी ज़माना।
कुरूब (کروب) अ पु –'कर्ब' का वहु, व्याकुलताएँ, कष्ट, पीडाएँ।
क़ुरूह (قروح) अ पु –'कर्ह' का वहु, वहुत से घाव।
कुरैश (قریش) अ पु –अरव का एक प्रतिष्ठित वश, जिसमे हज़रत महम्मद साहिब उत्पन्न हुए थे।
कुरैशी (قریشی) अ वि –दे 'कुरशी', शुद्ध वही है, परतु उर्दू में कुरैशी भी वोलते है।
कुरोह (کروہ) फा पु –एक कोस या दो मील का अतर, कोस, क्रोश।
कुर्अ (قرعہ) अ पु –पाँसा, पाशक, सारि, शारि।
क़ुर्अः अंदाज (قرعہ انداز) अ फा वि –पाँसा फेकनेवाला, शकुन विचारनेवाला।
कुर्अः अदाज़ी (قرعہ اندازی) अ फा स्त्री –पाँसा फेकना, किसी विषय में निर्णय के लिए पाँसा फेककर समझौता करना।
कुर्अए फाल (قرعہ فال) अ पु –शकुन विचारने के लिए पाँसा फेकना।
क़ुर्आन (قرآن) अ पु –मुसलमानो का धर्म ग्रथ, जो उनके मतानुसार आस्मानी किताव है, जिसमे तीस 'पारे', छोटी वडी एक सौ चौदह 'सूरतें', ६६४० 'आयते' और ५४० 'रुकूअ' है।
कुर्क़ (قرق) तु पु –निपिद्ध, मना किया हुआ, रोका हुआ, वर्जित, देखभाल, निगरानी, रोकना, अलग रखना।
कुर्क़ अमीन (قرق امین) तु अ वि –दीवानी या माल का वह कर्मचारी जो डिग्री या मुतालवे मे कुर्की करता है।
क़ुर्क़ी (قرقی) तु स्त्री –किसी डिग्री आदि मे सरकारी कर्मचारी द्वारा जायदाद, माल या रुपये की जब्ती।
कुर्की (کرکی) अ पु –एक पक्षी, कुलग।
कुर्कुम (کرکم) फा पु –केसर, ज़ा'फरान।
कुर्तः (کرتہ) तु पु –पहनने का कमीस जैसा एक वस्त्र।
कुर्त (قرط) अ पु –कान में पहनने का वुदा, लटकन, गोशवारा।
क़ुर्त (قورت) तु पु –दही, जुग्रात, दधि।
क़ुर्तक (قرطق) अ पु –दे 'कुर्त'।
क़ुर्तुम (قرطم) अ पु –कुसुम, कड।
कुर्द (کرد) तु पु –तुर्कों की एक सचारजीवी अर्थात् खाना-वदोश जाति, जो प्राय जगलो मे रहती और वडी वहादुर होती है।
कुर्दक (کردک) फा पु –वहुत मोटा-ताजा और वलवान् व्यक्ति।
कुर्दिस्तान (کردستان) तु फ पु –कुर्द जाति के तुर्कों के रहने का प्रदेश।
कुर्नक (قورنق) तु पु –दास, नौकर, दासी, लौंडी, कनीज़।
कुर्नास (قرناس) अ पु –पिशाच, राक्षस, देव, पहाड की चोटी।
कुर्नुश (کورنش) तु स्त्री –झुककर प्रणाम करना।
कुर्ब (قرب) अ पु –समीपता, निकटता, नज़दीकी।
कुर्बत (قربت) अ स्त्री –सामीप्य, नैकटच, नज़दीकी, सहवास, मैथुन, सोहवत।

कुर्वत (كربت) अ स्त्री –कष्ट, क्लेश, दुख, शोक, रंज।
क़ुर्वां (قرباں) अ पु –'कुर्वान' का लघु, दे 'कुर्वान'।
क़ुर्वांगाह (قرباںگاہ) अ फा स्त्री –वधस्थल, कुर्वानी करने का स्थान।
कुर्वान (قربان) अ पु –वलि, सदक, न्योछावर, निसार।
कुर्वान (قربان) फा पु –गले मे पहनने की पेटी जिसमे धनुप लटकाया जाता है।
कुर्वानी (قربانی) अ स्त्री –किसी पशु का किसी देवता आदि के लिए वध; किसी वडे काम के लिए जान की भेट, त्याग, ईसार।
कुर्वोजुवार (قرب‌وجوار) अ पु –आसपास, चारो ओर, चहुँपास।
कुर्म (کرم) अ पुं –अत्यत शोक और दुख।
क़ुर्रः (قرہ) अ पु –ठडक, शीतलता, सुख, चैन, ज्योति, रौशनी।
कुर्रः (کرہ) अ पु –गधे या घोडे का वच्चा, कोडा, चावुक, प्रतोद।
कुर्रतुलऐन (قرۃالعین) अ पु –आँखो की ठडक, आँखो की ज्योति, इस शब्द का प्रयोग प्राय पुत्र के लिए होता है।
कुर्रमसाक (قرم ساق) तु पु –दे शु उच्चारण 'कुरमसाफ'।
कुर्रासः (کراسہ) अ पु –पुस्तक का एक खड अथवा अध्याय, कुरान का एक पारा।
कुर्रास (کراث) अ पु –गदना, एक दाना जो दवा मे चलता है।
कुर्रासी (کراثی) अ वि –गदने के रग का, मटमैला।
कुर्स (قرص) अ पु –रोटी, नान, रोटिका, टिकिया, वाटिका, दवा की चपटी गोली।
कुर्सी (کرسی) अ स्त्री –वैठने का विशेष प्रकार का आसन, आसदी, चेयर।
कुर्सीनशीं (کرسی‌نشیں) अ फा वि –पदासीन, ओहदेदार, प्रतिष्ठित, समानित, मुअज्जज़।
कुर्सीनामः (کرسی‌نامہ) अ फा. पु –खानदान का शजरा, वशवृक्ष, वशतालिका, वशावली।
कुर्सीनुमा (کرسی‌نما) अ फा वि –कुर्सी के आकार-प्रकार का, कुर्सी जैसा।
क़ुर्सेरोई (قرص‌روئیں) अ फा. पु –घडियाल, जो समय वताता है।
क़ुर्ह. (قرحہ) अ पु –घाव, ज़ख्म।
कुलग (کلنگ) फा पु –एक प्रसिद्ध पक्षी, कलिंग।
क़ुलः (قلہ) अ पु –'गिल्ली' जो डडे से खेली जाती है, और जिस खेल को गिल्ली-डडा कहते हैं।
कुल (کل) अ वि –सर्व, सव, तमाम।
कुल (قل) अ पु –किसी वुजुर्ग के उर्स मे आखिरी फातह, अत, समाप्ति, खातिम, कुरान की चार छोटी सूरते जो प्राय किसी के फातह मे पढी जाती है।
कुलआऊज़ी (قل‌أعوذی) अ पु –दे 'कुलाऊज़ी'।
कुलकुल (قلقل) फा स्त्री –सुराही से शराव के निकलने की आवाज़, व्यर्थ की वातचीत, "हँसी के साथ याँ रोना है मिस्ले कुलकुले-मीना"–ज़ौक।
कुलल (قلل) अ पु –'कुल्ल' का वहु, पहाडो की चोटियाँ।
कुलह (کلہ) फा स्त्री –'कुलाह' का लघु रूप, टोपी, शिश्न, लिंग।
कुलाअ (کلاع) अ पु –मुँह आने का रोग, मुँहाँ।
कुलाऊज़ी (قل‌اعوذی) अ पु –कठमुल्ला, रोटियो पर मस्जिद मे पड़ा रहनेवाला मुल्ला, वहुत ही तुच्छ, नीच और गर्हित व्यक्ति।
कुलाक (قلاق) तु पु –कान, कर्ण, गोश।
कुलाग (کلاغ) फा पु –जगली कौआ, डोम काक।
कुलावः (قلابہ) अ पु –दे 'कुल्लाव' शुद्ध वही है, परतु उर्दू मे 'कुलाव' ही वोलते हैं, किवाडो मे डालने का लोहे का हल्क, नोना खरोचने का यत्र।
कुलालः (کلالہ) फा पु –टेढे वाल, घूँघरवाले वाल, अलक, जुल्फ।
कुलाल (کلال) फा पु –मट्टी के वरतन वनानेवाला, कुम्हार, कुभकार।
कुलाह (کلاہ) फा पु –टोपी; ताज, मुकुट।
कुली (قلی) तु पु –सेवक, दास, नौकर, स्टेशनो पर सामान ढोनेवाला व्यक्ति।
कुलीचः (کلیچہ) फा पु –खमीरी टिकिया।
कुलुंवः (کلنبہ) फा पु –वह कुलीच जिसमे हलवा, खोया और मग्ज़ वादाम आदि भरकर घी मे पकाते हैं, पिराक, गुझिया।
कुलूख़ (کلوخ) फा पु –ढेला, मट्टी का टुकडा, ईंट या पत्थर का टुकड़ा।
कुलूख़अंदाज़ (کلوخ‌انداز) फा वि –ढेला मारनेवाला, दुर्ग मे वनी हुई दराज़े जिनमे से वदूक चलायी जाती है, गोफन, फला खन।
कुलूख़अंदाज़ी (کلوخ‌اندازی) फा स्त्री –ढेले मारना, किले के सूराखो से वदूक चलाना; गोफन से पत्थर फेकना।
क़ुलूव (قلوب) अ पु –'कल्व' का वहु, मनुष्यो के हृदय।
कुलूम (کلوم) अ पु –'कल्म' का वहु, वहुत-से घाव, वहुत-से ज़ख्म।

कुलो (کلو) फा वि –महान् व्यक्ति, बडा आदमी, रईस, धनवान्, महल्ले या गाँव का मुखिया।
कुल्क़तार (قلقطار) फा पु –फिटकरी, एक ओषधि।
कुल्क़ास (قلقاس) फा पु –घुइयाँ, अरुई, अर्वी।
कुल्च (کلچہ) फा पु –दे 'कुलीच'।
कुल्चाक़ (قلچاق) तु पु –लोहे का दस्ताना।
कुल्ज़ुम (قلزم) अ पु –नदी, दर्या, समुद्र, सागर।
कुल्त (قلت) फा स्त्री –मोठ, एक अन्न।
कुल्फ़ः (قلفہ) अ पु –खतना न किये हुए शिश्न का अग्र-भाग, लिंगाग्र।
कुल्फ़त (کلفت) अ स्त्री –कष्ट, दु ख, तकलीफ, रज, क्षोभ, ग़म।
क़ुल्ब (قلبہ) फा पु –हल, लागल, खेत जोतने का यत्र।
कुल्ब (کلبہ) फा पु –छोटा-सा घर, झोपडा, दुकान का कोना,
कुल्बःराँ (قلبہراں) फा वि –हल चलानेवाला, किसान, खेतिहर, कृषक।
क़ुल्बःरानी (قلبہرانی) फा स्त्री –हल चलाना, किसानी, कृषिकर्म।
कुल्बए अह्ज़ाँ (کلبۂ احزاں) फा अ पु –शोकगृह, ग़म का घर, दुखियो के रहने का घर, प्रेमी का घर।
कुल्माश (قلماش) फा पु –अनर्गल, व्यर्थ, वेहूदा।
कुल्य (کلیہ) अ पु –शरीर का एक अग विशेष, गुर्दा।
कुल्यतैन (کلیتین) अ पु –दोनो गुर्दे।
कुल्ल (قلہ) अ पु –पहाड की चोटी, शृग, हर चीज़ की चोटी, बडा घडा जिसमें छ सौ रतल (७½ मन) पानी आता है, मौन, डहर, तलवार की मूठ, कब्ज़ा।
कुल्लए कोह (قلۂ کوہ) अ फा पु –पहाड की चोटी।
कुल्लक्ची (قلقچی) तु पु –वह व्यक्ति जो नौकर तो हो, परन्तु राज्य का नौकर न हो, अधिकारी का निजी नौकर।
कुल्लतैन (قلتین) दो घडे पानी अर्थात् १५ मन पानी।
कुल्लाज (قلاج) तु पु –किसी चीज का बलपूर्वक खीचना, जैसे–धनुष का, दोनो फैले हुए हाथो की लम्बाई।
कुल्लाबः (قلابہ) अ पु –दे 'कुलाब', उर्दू में वही प्रचलित है, परन्तु शुद्ध 'कुल्लाब' है, कुलाब भी प्रचलित।
कुल्लाब (قلاب) अ पु –लोहे का टेढा काँटा जिसमे कोई चीज़ लटकाई जा सके।
कुल्लिय (کلیہ) अ पु –ऐसा नियम जो एक जैसे विषय में सब पर लागू हो सके, व्यापक नियम।
कुल्लियात (کلیات) अ पु –'कुल्लिय' का बहु, बहुत से व्यापक नियम, किसी शायर की तमाम रचनाओ का सग्रह, जिसमें गज़लें, मसनवियाँ, कत्आत, मुसद्दस, मुखम्मस, नज़्मे आदि सभी चीज़े होती हैं, 'दीवान' में केवल गज़लें होती हैं।
कुल्ली (کلی) अ वि –कुल से सम्बन्ध रखनेवाली वस्तु; पूरी तौर पर, समग्र, समस्त, सब।
कुल्लूब (کلوب) अ पु –लोहारो की सँडसी।
कुवा (قویٰ) अ पु –'कुव्वत' का बहु, शक्तियाँ, ज़ोर, बल, इद्रियाँ, हवास।
कुवाए नफ़्सानी (قوائے نفسانی) अ पु –दृष्टि, घ्राण, श्रवण, स्पर्श, स्मरण, स्वाद और विचार आदि की शक्तियाँ।
क़ुवाए शह्वानी (قوائے شہوانی) अ पु –जननेंद्रिय।
कुवाए हैवानी (قوائے حیوانی) अ पु –जीवन-रक्षा करने-वाली शक्तियाँ जो हृदय की गति को सतुलित अवस्था मे रखकर, शरीर की धातुओ को दूषित होने से बचाती और शारीरिक शक्ति को बढाती है।
कुवार (قوارہ) अ पु –कतरन, टुकडा, किसी वस्तु के चारो ओर से कटी हुई वस्तु।
कुव्वः (قوہ) अ पु –दे 'कुव्वत'।
कुव्वः (کوہ) अ पु –दीवार का छेद, ताक, ताखा; दरीचा।
कुव्वत (قوت) अ स्त्री –शक्ति, बल, ज़ोर, सामर्थ्य, ताकत, मक्दिरत, इद्रिय, हिस।
कुव्वते आज़्मा (قوت آزما) अ फा वि –बल दिखानेवाला, किसी कार्य में बल लगानेवाला।
क़ुव्वते आज़्माई (قوت آزمائی) अ फा स्त्री –किसी कार्य में बल लगाना, बल दिखाना, बल-प्रदर्शन।
कुव्वतबख़्श (قوت بخش) अ फा वि –ताकत देनेवाला, ताकत बढानेवाला, बलदायक, बलवर्द्धक।
क़ुव्वते आख़िज़ (قوت آخذہ) अ स्त्री –लेने की कुव्वत, ग्रहण-शक्ति।
कुव्वते इरादी (قوت ارادی) अ स्त्री –इरादे की कुव्वत, सकल्प-शक्ति।
कुव्वते ईजाद (قوت ایجاد) अ स्त्री –नयी बात पैदा करने की शक्ति, आविष्कार-शक्ति, उद्भावना, कल्पशक्ति।
क़ुव्वते कशिश (قوت کشش) अ फा स्त्री –खीचने की कुव्वत, आकर्षण-शक्ति।
क़ुव्वते गोयाई (قوت گویائی) अ फा स्त्री –दे 'कुव्वते नातिक़'।
क़ुव्वते ज़ाइक़ (قوت ذائقہ) अ स्त्री –चखने की कुव्वत, स्वादेंद्रिय।
कुव्वते जाज़िब (قوت جاذبہ) अ स्त्री –जज्ब करने या अपनी ओर खीचने की कुव्वत, आकर्षण-शक्ति।

क़ुव्वते दाफ़िअः (قوت دافعہ) अ स्त्री –हटाने की कुव्वत, निवारण-शक्ति, उत्क्षेप्रक-शक्ति।

क़ुव्वते नातिकः (قوت ناطقہ) अ स्त्री –बोलने की कुव्वत, वाणी, वाक्शक्ति, वाचन-शक्ति, वाक्य-शक्ति।

क़ुव्वते नामियः (قوت نامیہ) अ स्त्री.–बढानेवाली शक्ति, विकास-शक्ति।

कुव्वते फिक्र (قوت فکر) अ स्त्री –विचार करने की शक्ति, विचार-शक्ति।

कुव्वते फैसलः (قوت فیصلہ) अ स्त्री –दो बातो मे अच्छा बुरा सोचकर अच्छी बात ग्रहण करने की शक्ति, अच्छे-बुरे मे तमीज़ करने की कुव्वत, विवेचन-शक्ति, निर्णय-शक्ति।

क़ुव्वते बरदाश्त (قوت برداشت) अ फा स्त्री –कष्ट या कडवी बात सहने की शक्ति, सँभार, सहनशीलता, सहन-शक्ति।

कुव्वते बर्क़ी (قوت برقی) अ स्त्री –बिजली की शक्ति, विद्युत्-शक्ति।

कुव्वते बाज़ू (قوت بازو) अ फा स्त्री –अपनी निजी मेहनत, निजी परिश्रम, बाहुबल।

क़ुव्वते बासिरः (قوت باصرہ) अ स्त्री –देखने की शक्ति, नेत्रशक्ति, दृष्टिशक्ति।

कुव्वते बाह (قوت باہ) अ स्त्री –स्त्री-प्रसग की कुव्वत, रति-शक्ति, काम-शक्ति।

कुव्वते मर्दानगी (قوت مردانگی) अ फा स्त्री –दे 'कुव्वते बाह'।

क़ुव्वते मासिकः (قوت ماسکہ) अ स्त्री –सुरक्षा करनेवाली शक्ति।

कुव्वते मुतख़ैयिलः (قوت متخیلہ) अ स्त्री –ख्याल करने की कुव्वत, विचार-शक्ति, कल्पना-शक्ति।

कुव्वते मुमैयिज़. (قوت ممیزہ) अ स्त्री –दो चीज़ो मे भेद करने की शक्ति, विवेचन-शक्ति।

कुव्वते मुतसर्रिफ़ः (قوت متصرفہ) अ स्त्री –किफायत-शारी की ताकत, मितव्यय की शक्ति, अधिकार करने की शक्ति।

क़ुव्वते मुद्रिकः (قوت مدرکہ) अ स्त्री –दे 'कुव्वते मुफक्किर'।

कुव्वते मुफक्किर. (قوت مفکرہ) अ स्त्री –विचार करने की शक्ति, विचार-शक्ति।

कुव्वते मुशाहदः (قوت مشاہدہ) अ स्त्री –दे 'कुव्वते बासिर'।

कुव्वते रूहानी (قوت روحانی) अ स्त्री –आत्मा की शक्ति, आत्मबल, मनोबल, आत्मशक्ति।

कुव्वते लामिसः (قوت لامسہ) अ स्त्री –छूने की शक्ति, स्पर्श-शक्ति।

कुव्वते वाहिमः (قوت واہمہ) अ स्त्री.–भ्रम मे डालनेवाली शक्ति, कल्पना-शक्ति।

कुव्वते शाम्मः (قوت شامہ) अ स्त्री –सूँघने की शक्ति, घ्राणशक्ति।

कुव्वते सामिअः (قوت سامعہ) अ स्त्री –सुनने की कुव्वत, श्रवण-शक्ति।

कुव्वते हाज़िम. (قوت ہاضمہ) अ स्त्री –हजम करने की शक्ति, पाचन-शक्ति।

कुव्वते हाफिज़ः (قوت حافظہ) अ स्त्री –याद रखने की शक्ति, स्मरण-शक्ति।

कुव्वते हास्सः (قوت حاسہ) अ स्त्री –दरयाफ्त करने की शक्ति, जैसे–श्रवण-शक्ति, स्पर्श-शक्ति आदि।

कुश (کش) फा प्रत्य –मार डालनेवाला, जैसे–'जरासीम कुश' कीडो को मार डालनेवाला।

कुश (قوش) तु पु –बाज, श्येन पक्षी।

कुशक (کوشک) फा पु –दे शु उच्चारण 'कुश्क' और 'कोशक'।

कुशा (کشا) फा प्रत्य –खोलनेवाला, जैसे–'कब्ज़कुशा' कब्ज़ को खोलनेवाला।

कुशाइश (کشائش) फा स्त्री –विस्तार, 'कुशादगी', वृद्धि, बढती।

कुशादः (کشادہ) फा वि –चौडा चकला, फैला हुआ, विस्तृत, वसीअ।

कुशाद.अब्रू (کشادہ ابرو) फा वि –जिसकी दोनो भौहो के बीच काफी अन्तर हो।

कुशादःकफ (کشادہ کف) फा वि –जिसके हाथ देने के लिए खुले रहते हो, दानशील, वदान्य, मुक्तहस्त।

कुशादःज़बाँ (کشادہ زبان) फा वि –हँसमुख, खुश-मिज़ाज।

कुशाद.दस्त (کشادہ دست) फा वि –दे 'कुशाद कफ'।

कुशाद·दिल (کشادہ دل) फा वि –उदारचित्त, उदार-हृदय, मुक्त हृदय, फराखदिल।

कुशादःनफस (کشادہ نفس) फा अ वि –वाचाल, मुखर, वातूनी, बकवासी।

कुशादःपेशानी (کشادہ پیشانی) फा वि –दे 'कुशाद ज़बाँ'।

कुशाद.रू (کشادہ رو) फा वि –जिसका मुँह प्रसन्नता के कारण खिला हुआ हो, प्रफुल्लवदन।

कुशाद (کشاد) फा स्त्री –हर्ष, खुशी, प्राप्ति, लाभ, नफा, विजय, फतह, उद्घाटन, खुलना।

कुशादगी (کشادگی) फा स्त्री –विस्तार, फैलाव, गुंजाइश, समाई, खुलापन, प्रसन्नता, उदारता।

कुशादनी (کشادنی) फा वि –खुलने योग्य।

कुशादे कार (کشادکار) फा स्त्री –सफलता, कामयावी, इच्छापूर्ति, मक्सद वरारी।

कुशा'रीरः (قشعریرہ) अ पु –शरीर के रोंगटे खडे हो जाना।

कुशिंद (کشندہ) फा वि.–मारनेवाला, वध करनेवाला।

क़ुशुन (قوشون) तु पु –सेना, फौज, लश्कर, दे 'कुशून'।

कुशूद. (کشودہ) फा वि –खुला हुआ, खोला हुआ।

कुशूद (کشود) फा स्त्री –खुलाव, खुलापन।

कुशूदे कार (کشودکار) फा स्त्री –दे 'कुशादे कार'।

क़ुशून (قوشون) तु पु –दे 'कुशुन', शुद्ध वही है, परन्तु कुशून भी वोला और लिखा जाता है।

कुशूर (قشور) अ पु –'कश्र' का वहु, छिलके, छाले।

कुशूस (کشوث) अ पु –एक मशहूर दाने जो दवा के काम आते हैं, तुख्मे कशूस।

कुश्क (کشک) फा पु –प्रासाद, भवन, महल, दे 'कोशक'।

कुश्त. (کشتہ) फा वि –मारा हुआ, वध किया हुआ, (पु) भस्म, फूँकी हुई धातु, आशिक, प्रेमी।

कुश्त (کشت) फा पु –मार-धाड, इस शब्द का प्रयोग खून के साथ होता है और 'कुश्तो खून' वोलते हैं।

कुश्तए इश्क़ (کشتۂ عشق) फा अ वि –प्रेमाग्नि मे भस्म किया हुआ, इश्क का मारा हुआ, अर्थात् प्रेमी, आशिक।

कुश्तए ग़म (کشتۂ غم) फा अ वि –दे 'कुश्तए इश्क'।

कुश्तए नाज़ (کشتۂ ناز) फा वि –प्रेमिका की अदाओ का मारा हुआ, प्रेमी, आशिक।

कुश्तए हिज्र (کشتۂ هجر) फा अ वि –प्रेयसी की विरहाग्नि में जला हुआ, फिराक का मारा हुआ, विरह-विदग्ध।

कुश्ती (کشتی) फा स्त्री –दो पहलवानो का परस्पर वाहु-युद्ध, नियुद्ध, मल्लयुद्ध, व्यायाम-युद्ध, वाहुयुद्ध।

कुश्तीगीर (کشتی گیر) फा वि –कुश्ती लडनेवाला, पहलवान, मल्ल, नियोद्धा।

कुश्तीवाज़ (کشتی باز) फा वि –दे 'कुश्ती गीर'।

कुश्तोखून (کشت وخون) फा पु –मारकाट, कटाघनी, रक्तपात, खूँरेजी।

कुश्नीज. (کشنیزہ) फा पु –अगूर के फल जो प्रारम्भ में धनिए के वरावर होते हैं।

कुश्नीज (کشنیز) फा पु –धनिया, धान्यक, मसाले की एक वस्तु।

कुस (کس) फा स्त्री –भग, योनि, फुर्ज।

कुसूफ (کسوف) अ पु –सूर्यग्रहण, सूरज गहन।

कुसूर (قصور) अ पु –'कस्र' का वहु, वहुत से भवन, हवेलियाँ, दोप, अपराध, जुर्म, त्रुटि, गलती, न्यूनता, कमी।

कुसूर (کسور) अ स्त्री –'कस्र' का वहु, भिन्न सख्याएँ।

क़ुसूरवार (قصوروار) अ फा वि –अपरावी, दोपी, मुल्ज़िम।

कुसूरे आ'शारियः (کسور اعشاریہ) अ स्त्री –दशमलव भिन्न, कुसूर या कसर=भिन्न, आशारिया=दशमलव।

कुस्त (قسط) अ स्त्री –एक वनौपधि, कूट।

कुस्तनतीनियः (قسطنطینیہ) अ पु –यूरोपीय टर्की की राजधानी, इस्तम्वोल।

कुस्ता (قسطا) फा पु –पार्सियो का एक धार्मिक ग्रथ।

कुह (کہ) फा पु –'कोह' का लघु, पहाड, पर्वत (यौगिक शब्दो मे प्रयुक्त होता है, जैसे–'कुहसार')।

कुहन (کہن) फा वि –पुरातन, पुराना।

कुह नसाल (کہن سال) फा वि –वयोवृद्ध, वूढा।

क़ुहाव (قحاب) अ पु –खाँसी।

कुहूलत (کہولت) अ स्त्री –अधेड आयु का होना, काले और सफेद वालोवाला होना।

कुह्न (کہنہ) फा वि –पुराना, पुरातन, कदीमी, हमेशा का, वहुत दिनो का।

कुह्नःमश्क़ (کہنہ مشق) फा अ वि –जिसे किसी काम का पुराना अभ्यास हो, चिराभ्यस्त।

कुह्नःमश्क़ी (کہنہ مشقی) फा अ स्त्री –किसी काम का पुराना अभ्यास, चिराभ्यास।

कुह्नःसाल (کہنہ سال) फा वि –वूढा, जरठ, वयोवृद्ध।

कुह्नःसाली (کہنہ سالی) फा स्त्री –वुढापा, जरा, वृद्धावस्था।

कुह्नगी (کہنگی) फा स्त्री –पुरानापन, प्राचीनता, जीर्णता, फटा पुरानापन, वहुत दिनो का हो जाना।

कुह्व (قحبہ) अ स्त्री –व्यभिचारिणी, परपुरुपगामिनी, फाहिश, गणिका, वारमुखी, वेश्या, रडी।

कुह्व ख़ान (قحبہ خانہ) अ फा पु –चकला, वेश्यालय, रडियो का महल्ला।

कुह्राम (کہرام) अ पु –हाहाकार, वावैला, शोरोगुल।

कुह्ल (کحل) अ पु –सुरमा, रसाजन।

कुह्ली (کحلی) अ वि –सुरमे के रग का, सुरमई, एक काला वस्त्र जो ईरानी स्त्रियाँ पहनती हैं।

कुह्लुल जवाहिर (کحل الجواهر) अ पु –ऐसा सुर्मा जिसमें मोती आदि वहुमूल्य रत्न पडे हो।

कुह्लुलवसर (کحل البصر) अ पु –नेत्र-ज्योति वढानेवाला सुरमा।

कुहसार (کہسار) फा पु –दे 'कोहसार', पर्वत-श्रेणियाँ, उपत्यका, पहाडियो का अचल।

कू

कूँ (کوں) फा स्त्री –'कून' का लघु, दे 'कून'।

कू (کو) फा अव्य –कि वह।

कू (کو) फा पु –कूच का लघु, दे 'कूच'।

कूए ख़राबात (کوۓ خرابات) फा पु –दे –'कूए मुग़ाँ'।

कूए मुग़ाँ (کوۓ مغاں) फा पु –मधुशाला की गली, शराबखाने का कूचा।

कूक (کوک) फा स्त्री –ज़ोर की आवाज़, काहू का वीज।

कूकू (کوکو) फा स्त्री –फाख्ता की वोली, (पु) एक प्रकार का पुलाव।

कूख़ (کوخ) अ पु –फूस की झोपडी जिसमे रौशनदान न हो।

कूचः (کوچہ) फा पु –दो घरो के बीच वाली तग गली, वीथी, गली।

कूचःगर्द (کوچہگرد) फा वि –गलियो के चक्कर काटनेवाला, गलियो मे मारा-मारा फिरनेवाला।

कूचःगर्दी (کوچہگردی) फा स्त्री –गलियो मे मारा-मारा फिरना, आवारागर्दी।

कूचः दर कूचः (کوچہ در کوچہ) फा वि. दे –'कूच वकूच'।

कूचःवंद (کوچہبند) फा वि –ऐसी गली जिसमे रक्षार्थ फाटक आदि लगा हो, जो सकट के समय बन्द किया जा सके।

कूचःवंदी (کوچہبندی) फा स्त्री –गली में हिफाजत के लिए फाटक आदि लगाना, जिससे समय पर गली की रक्षा हो सके।

कूचः वकूचः (کوچہ بکوچہ) फा वि –गली-गली, कूचे-कूचे, घर-घर, हर स्थान पर।

कूच (کوچ) फा पु –प्रस्थान, रवानगी, मरण, मौत, सेना का प्रस्थान।

कूच (قوچ) तु पु –मेंढा, नर भेड, दे 'कुच', दो शु हैं।

कूचए इश्क (کوچۂ عشق) फा अ पु –प्रेम की गली।

कूचए ख़मोशाँ (کوچۂ خموشاں) फा पु –कब्रिस्तान, श्मशान।

कूचए नौ (کوچۂ نو) फा पु –चकला, वेश्यालय, रडियो का स्थान।

कूज़ः (کوزہ) फा पु –मट्टी का सकोरा, मृत्कस, कुब्ज, कुवडा।

कूज़ः किमार (کوزہ قمار) फा अ वि –जुआरियो को उधार देकर जुआ खिलानेवाला।

कूज़ःगर (کوزہگر) फा वि –मिट्टी के सकोरे वनानेवाला, कसकार, कसगर।

कूज़ःगरी (کوزہ گری) फा स्त्री –मिट्टी के सकोरे बनाने का काम, कसकर्म, कसगरी।

कूज़ःपुश्त (کوزہپشت) फा. वि –कुवडा, कुब्ज।

कूज़पुश्ती (کوزہپشتی) फा. स्त्री –कुवडापन।

कूज़ःफरोश (کوزہفروش) फा. वि –मिट्टी के सकोरे वेचनेवाला।

कूज़ (کوز) फा वि.–कुवडा, कुब्ज।

कूज़ (کوز) अ पु –कूज़ा, सकोरा।

कूत (قوت) अ स्त्री –भोजन, खाना, गिज़ा।

कूतबसरी (قوت بسری) अ फा स्त्री –गुज़र भर आमदनी, इतनी आमदनी जो केवल खाने भर को काफी हो सके, जीवन व्यतीत करने मे केवल भोजनमात्र की सुविधा।

कूते ला यमूत (قوت لایموت) अ स्त्री –इतना भोजन जिससे ज़ीवन वना रहे, वहुत थोडा भोजन।

कूद (کود) फा. पु –अन्न की राशि, अनाज का ढेर, समाहार, मजमूआ।

कून (کون) फा स्त्री –मलद्वार, गुदा, मनुष्य के पाखाने का मुकाम।

कूनस्तः (کونستہ) फा पु –मनुष्य का चूतड, नितब, कून, गुदा।

कूने ख़र (کون خر) फा स्त्री –गधे का मलद्वार, अत्यन्त मूर्ख और निकम्मे व्यक्ति के लिए वोला जाता है।

कूफः (کوفہ) अ पु –ईराक का एक नगर।

कूफ (کوف) फा पु –उल्लू, उलूक, वायसाराति, वूम, चुग्द।

कूफी (کوفی) अ वि –कूफे का निवासी, वहुत ही निर्दय और वेईमान व्यक्ति, क्योकि कूफियो ने हज़रत इमाम हुसैन को वडे-वडे वचन देकर वुलाया था और फिर उन्हें अकेला छोडकर कत्ल होने दिया था।

कूब्कू (کوبکو) फा वि –दे 'कूच वकूच', गली दर गली।

कूवा (قوبا) अ स्त्री –एक रोग, दाद, दद्रु।

कूरः (کورہ) फा पु –ईंटे पकाने का पजावा, चूना पकाने का भट्ठा।

कूरुत (قورت) तु पु –दही, दधि।

कूलंज (قولنج) अ पु –दे 'कूलिंज', दो शु हैं, परन्तु 'कूलिंज' अधिक प्रचलित है।

कूलिंज (قولنج) अ पु –आँतो की एक पीडा जो कभी-कभी घातक सिद्ध होती है।

कूश (قوش) तु पु –वाज़ पक्षी, श्येन।

कूस (كوس) फा पु –डका, धौसा, दुदुभि, नक्कार।
कूसे रहील (كوس رحيل) फा अ पु –कूच का नक़्क़ार, काफिले के चलते समय वजनेवाला धौसा।
कूसे रेहलत (كوس رحلت) फा अ पु दे –'कूसे रहील', प्रस्थान-वाद्य।

के

केद (كيد) फा पु –एक अशुभ तारा, केतु।
केर (كير) फा पु –शिश्न, मेहन, लिंग, उज़्वे तनासुल।
केश (كيش) फा पु –धर्म, पथ, मश्रब, आचरण, व्यवहार, अमल, तर्कश, तूणीर।
केहाँ (كيهاں) फा पु –ससार, जगत्, दुनिया, काल, समय, ज़माना।
केह्फ़ (قحف) अ स्त्री –खोपडी, कपाल।

कै

कै (قے) अ स्त्री –वमन, उद्गार, उलटी।
कै (کے) फा पु –सम्राट्, शाहशाह, ईरान मे चार सम्राट् हुए हैं–कैकाऊस, कैकुबाद, कैखुस्रौ, कैलोह्रास्प।
कै (کے) अ पु –गर्म लोहे का दाग, अग को दागकर रोग की चिकित्सा।
कैक (كيك) फा पु –काटनेवाला एक लाल कीडा।
कैकाऊस (كيكاؤس) फा पु –ईरान का एक सम्राट्, काऊस।
कैखुस्रौ (كيخسرو) फा पु –ईरान का एक साम्राट्।
क़ैंची (قينچى) तु स्त्री –कतरनी, कपडा आदि काटने का यत्र, कर्तरी, कर्तनी।
क़ैतून (قيطون) तु स्त्री –रेशम की गोट जो दामनो और गलो पर लगती है।
क़ैद (قيد) अ स्त्री –गिरफ्तारी, उपग्रह, कारावास, जेल की सज़ा।
कैद (كيد) अ स्त्री –छल, कपट, धोखा, फिरेब।
क़ैदक (قيدى) अ फा स्त्री –नत्थी, फाइल।
कैदखानः (قيدخانه) अ फा पु –कारागार, कारागृह, जेल, ज़िंदाँ।
कैदी (قيدى) अ वि –कारावासी, जेल में कैद के दिन काटनवाला, आवद्ध, गिरिफ्तार।
कैदे तन्हाई (قيد تنهائى) अ फा स्त्री –ऐसी कैद जिसमे कैदी को अलग कोठरी में वद कर दिया जाता है, वही उससे मशक्क़त ली जाती है और वही खाना आदि दिया जाता है।
कैदे फिरग (قيد فرنگ) अ फा. स्त्री –अग्रजी कैद, जिसकी प्रचडता और निर्दयता प्रसिद्ध है।
कैदे बामशक़्क़त (قيد بامشقت) अ फा स्त्री –ऐसी क़ैद जिसमें मेहनत ली जाय, कठोर कारावास, असाधारण कारावास।
क़ैदे बिला मशक़्क़त (قيد بلامشقت) अ स्त्री –जिस कैद मे मेनहत न करना पडे, साधारण कारावास, सामान्य कारावास।
कैदे महज़ (قيد محض) अ स्त्री –साधारण कारावाम, कैदे बिला मशक्क़त।
क़ैदे शदीद (قيد شديد) अ स्त्री –दे 'कैदे सख़्त'।
कैदे सख़्त (قيد سخت) अ फा स्त्री –कठोर कारावास, असाधारण करावास, कैदे बा मशक्कत।
कैन (قين) अ पु –लोहार, लोहकार।
कैनूनत (كينونت) अ स्त्री –उत्पत्ति, पैदाइश, सृष्टि, आफ़्रीनिश, होना।
कैफ (كيف) अ पु –मद, नशा, आनद, सुरुर, वज्द, हाल, "रफ़्ता रफ्ता ये हुआ कैफे तसव्वर का असर, दिल के आईन मे तस्वीर उतर आयी है।"
कैफदान (كيفدان) अ फा पु –नशे की वस्तु रखने की डिबिया।
कैफर (كيفر) फा पु –बुराई का वदला, प्रत्यपकार।
कैफरे कर्दार (كيفر كردار) फा पु –करनी की सजा, बुरे कर्मों का वदला, कर्म-दण्ड।
कैफी (كيفى) अ वि मत्त, मदोन्मत्त, मख़्मूर।
कैफीयत (كيفيت) अ स्त्री –समाचार, हाल, दशा, हालत, हर्ष, आनन्द, सुरूर, मस्ती, नशा, रिमार्क, नोट, वज्द, हाल, "कैफीयते-चश्म उसकी मुझे याद है 'सौदा'।"
क़ैमाक़ (قيماق) तु स्त्री –मलाई, बालाई, क्षीरसार।
कैमाज़ (قيماز) फा स्त्री –दासी, सेविका, कनीज़।
कैमूस (كيموس) अ पु –खाये हुए अन्न का वह रस जो जिगर के दूसरे पाक में बनता है।
कैयाद (كياد) अ वि –बहुत बडा छली, बहुत बडा धूर्त, बहुत बडा फरेबी।
कैयादी (كيادى) अ स्त्री –छल करना, छल, दग़ाबाजी, कपट।
कैयाल (كيال) अ वि –नापनेवाला, पैमानो से अनाज आदि नापनेवाला।
कैयूम (قيوم) अ वि –अनश्वर, नित्य, लाज़वाल, ईश्वर का एक नाम।
क़ैयूर (قيور) अ वि –जिसके कुल का पता न हो, अज्ञातवश, वर्णसकर।
क़ैरूती (قيروطى) अ स्त्री –मोम रौग़न की भाँति, सीने आदि पर मलने की एक दवा।

कैलः (کیلہ) अ पु –दे 'कैल'।
कैल (کیل) अ पु –सूखी वस्तु नापने का पैमाना।
क़ैलूलः (قیلولہ) अ पु –दोपहर मे खाना खाकर थोडी देर आराम करना।
कैलूस (کیلوس) अ पु –खाये हुए अन्न का पहला हज़्म जो आमाशय मे होता है।
कैलोह्रास्प (کےلہراسپ) फा पु –ईरान के चार सम्राटो मे से चौथा।
कैवाँ (کیواں) फा पु –'कैवान' का लघु दे 'कैवान'।
कैवान (کیوان) फा पु –शनिग्रह, जुहल, सातवाँ आकाश।
कैस (قیس) अ पु –अरव का एक प्रेमी जो लैला पर मुग्ध था। लोग उसे 'मजनूँ' कहते थे।
कैस (قیص) अ पु –दाँतो का जड से निकल जाना, पेट की गति।
कैसर (قیصر) अ पु –रूम के शासको की पदवी, वादशाह, राजा।
कैसरी (قیصری) अ वि –वादशाही, राज्य।
कैसूर (قیصور) अ पु –एक नगर जहाँ का कपूर प्रसिद्ध है।
कैह (قیح) अ पु –घाव की पीप अथवा कचलोहू।
कैहाँ (کیہاں) फा पु –ससार, दुनिया, काल, समय, ज़माना।

को

को (کو) फा अव्य –कि वह।
कोकः (کوکہ) तु पु –वह लडका जिसने किसी दूसरे लडके के साथ एक माँ का दूध पिया हो।
कोक (کوک) फा स्त्री –वाजे के तार ठीक करना, वाजे की आवाज़ मे आवाज़ मिलना, खाँसी, कास।
कोकनार (کوکنار) फा पु –पोस्त, पोस्ता, पोस्ते की वोडी जिसमे दाने हो।
कोकलताश (کوکلتاش) तु पु –वह लडका जिसने किसी दाई के लडके के साथ दूध पिया हो।
कोख़ (کوخ) फा पु –ऐसा झोपडा जिसमे रौशनदान न हो, एक घास जिससे चटाई वनाते है, कीट, कीडा।
कोचक (کوچک) फा वि –छोटा, लघु।
कोचकदिल (کوچکدل) फा वि –थुडदिला, अनुदार, लघुचेता, तगनज़र, मृदुलहृदय, नर्मदिल।
कोचकदिली (کوچکدلی) फा स्त्री –दिल का छोटा होना, तगनज़री, दिल का नर्म होना।
कोचकी (کوچکی) फा स्त्री –छुटाई, लघुता।
कोज़ (کوزہ) फा पु –एक फूल, जो नस्त्री-जैसा होता है।
कोज़ (کوز) अ वि –टेढ़ापन, वक्रता, कुवड़ा, कुब्ज।
कोज़पुश्त (کوزپشت) फा वि –कुवडा, कुब्ज।
कोतल (کوتل) तु पु –दे शुद्ध उच्चारण 'कुतल', परन्तु उर्दू-वाले कोतल भी लिखते है, ख़ास सवारी का घोडा।
कोतह (کوتہ) फा वि –'कोताह' का लघु, दे 'कोताह'।
कोतहअंदेश (کوتہاندیش) फा वि –लघुचेता, अदूरदर्शी, नाअदेश, मूर्ख, वेवकूफ।
कोतहअदेशी (کوتہاندیشی) फा स्त्री –अदूरदर्शिता, ना-अदेशी, मूर्खता, जहालत।
कोतहनज़र (کوتہنظر) फा अ वि –नाआकिबत अदेश, अदूरदर्शी।
कोतहनज़री (کوتہنظری) फा अ स्त्री –नाआकिवत अदेशी, अदूरदर्शिता।
कोतही (کوتہی) फा स्त्री दे –'कोताही'।
कोताह (کوتاہ) फा वि –ह्रस्व, छोटा, अल्प, थोडा।
कोताहअदेश (کوتاہاندیش) फा वि –दे 'कोतहअदेश'।
कोताहअंदेशी (کوتاہاندیشی) फा स्त्री –दे 'कोतहअदेशी'।
कोताहकद (کوتاہقد) फा अ वि –छोटे डीलडौल का, अल्पकाय, ह्रस्वाग।
कोताहकलम (کوتاہقلم) फा अ वि –जो चिट्ठी-पत्री लिखने मे वहुत आलसी हो।
कोताहकलमी (کوتاہقلمی) फा अ –चिट्ठी-पत्री लिखने मे आलस।
कोताहकामत (کوتاہقامت) फा अ वि –दे 'कोताहकद' छोटे डील-डौलवाला मनुष्य।
कोताहकामती (کوتاہقامتی) फा अ स्त्री –डौल-डौल का छोटा होना।
कोताहगर्दन (کوتاہگردن) फा वि –छोटी गर्दन का व्यक्ति, ऐसा मनुष्य चालाक होता है।
कोताहदस्त (کوتاہدست) फा वि –जिसकी पहुँच किसी विशेष स्थान या कार्य तक न हो सके, नारसा, जिसके हाथ छोटे हो।
कोताहदस्ती (کوتاہدستی) फा स्त्री –पहुँच न होना, हाथ की छोटाई।
कोताहदामन (کوتاہدامن) फा वि –जिसके दामन में गुजा-इश कम हो, कम हौसला।
कोताहदामनी (کوتاہدامنی) फा स्त्री –दामन की छोटाई, उमग की कमी।
कोताहनज़र (کوتاہنظر) फा वि –जो दूर तक न देख सके, जो दूर तक न सोच सके, अनुदार, तगदिल।
कोताहनज़री (کوتاہنظری) फा अ –दूर तक न देख सकना, दूर तक न सोच सकना, अनुदारता, तगदिली।

कोताहपाचः (کوتاہ پاچہ) फा वि –दे कोताहकामत, एक जगली चौपाया।

कोताहफह्म (کوتاہ فہم) फा अ वि –जिसकी समझ भोथरी हो, मदवुद्धि।

कोताहफह्मी (کوتاہ فہمی) फा स्त्री –बात की समझ पूरी-पूरी न हो, कमसमझी, वुद्धिमाद्य।

कोताहवीं (کوتاہبیں) फा वि –दे 'कोताहनज़र'।

कोताहवीनी (کوتاہبینی) फा स्त्री –दे 'कोताहनज़री'।

कोताहहिम्मत (کوتاہ ہمت) फा अ वि –कमहिम्मत, अल्पोत्साह, मद साहस।

कोताही (کوتاہی) फा वि –लघुता, छोटाई, न्यूनता, कमी, त्रुटि, खामी, भूल, गफलत।

कोद (کود) फा पु –मल, पाखाना, विष्ठा।

कोदक (کودک) फा पु –वालक, शिशु, वहुत छोटा वच्चा, वाल, किशोर, ज़वानी के करीव लडका।

कोदाव (کوداب) फा पु –अगूर के रस मे पकाया जानेवाला एक पेय।

कोपलः (کوپلہ) फा पु –वे वुलवुले जो पानी और हरेक पतले पदार्थ में उत्पन्न होते हैं।

कोफ्त· (کوفتہ) फा वि –कूटा हुआ, चोट खाया हुआ, परिश्रम से थका हुआ, (पु) वह कमाई जो भडुएपन से प्राप्त हो, कीमे की गोली, पके हुए मास का एक विशिष्ट प्रकार का सालन।

कोफ़्तःवेख़्तः (کوفتہ بیختہ) फा वि –कूटकर छाना हुआ, (पु) कुटी-छनी वस्तु।

कोफ्त (کوفت) फा स्त्री –मनस्ताप, दिली खलिश, दुख, कष्ट, रज, परिश्रम, प्रयास, मेहनत।

कोफ्तनी (کوفتنی) फा वि –कूटने के योग्य।

कोब· (کوبہ) फा पु –मिट्टी आदि कूटने की मोगरी।

कोव·कार (کوبہکار) फा वि –मोगरी से कूटनवाला, मार-पीट करनेवाला।

कोवःकारी (کوبہکاری) फा स्त्री –मोगरी से कुटाई, मार-पीट, मरम्मत।

कोब (کوب) फा प्रत्य –कूटनेवाला, जैसे–'पाकोव' पाँव पीटनेवाला।

कोबाँ (کوباں) फा वि –कूटता हुआ, मारता हुआ।

कोबिंदः (کوبندہ) फा वि –कूटनेवाला।

कोबिंद· (کوبندہ) फा वि –कूटा हुआ।

कोर· (کورہ) फा पु –भाग, अश, हिस्सा, ईरान देश का पाँचवाँ भाग।

कोर (قور) तु पु –अस्त्र, हथियार।

कोर (کور) फा वि –अधा, नेत्रहीन, अध, नावीना।

कोरअक्ल (کورعقل) फा अ वि –अक्ल का अधा, जिसकी समझ मे कुछ न आये, हतवुद्धि, अधवुद्धि, नितान्त मूर्ख।

कोरख़ान (قورخانہ) तु फा पु –शस्त्रागार, हथियारघर, अस्लिह ख़ान।

कोरचश्म (کورچشم) फा वि –नेत्रहीन, अधा।

कोरचश्मी (کورچشمی) फा स्त्री –अधापन, नेत्रहीनता।

कोरची (قورچی) तु पु –सैनिक, सिपाही, फौजी, लोहार, लोहकार, शाही दरवार का प्रवधक।

कोरदिल (کوردل) फा वि –दे कोरवातिन।

कोरदिली (کوردلی) फा स्त्री –दे 'कोरवातिनी'।

कोरदी (کوردیں) फा पु –ऊन का मोटा कपडा, कम्मल, धुस्सा।

कोरदीद (کوردیدہ) फा वि –दे 'कोरचश्म'।

कोरदीदगी (کوردیدگی) फा स्त्री –दे 'कोरचश्मी'।

कोरदेह (کورده) फा पु –ऐसा गाँव जो वडी वुरी जगह वसा हो और जहाँ ज़रूरत की कोई वस्तु न मिले।

कोरनिश (کورنش) तु स्त्री –दे 'कुर्नुश', शुद्ध उच्चारण वही है, परन्तु उर्दू में यही अशुद्ध उच्चारण प्रचलित है, झुककर सलाम करना।

कोरवख़्त (کوربخت) फा वि –अधे भाग्यवाला, अत्यन्त दुर्भागी, हतभाग्य।

कोरवख़्ती (کوربختی) फा स्त्री –वहुत ही अभागापन।

कोरवातिन (کورباطن) फा अ वि –जिसकी आत्मा मे ज्ञान का प्रकाश न हो, अन्धात्मा, जिसमे धर्म न हो।

कोरवातिनी (کورباطنی) फा अ स्त्री –आत्मा मे ज्ञान के प्रकाश का अभाव, धर्म के प्रकाश का अभाव।

कोरवेगी (قوربیگی) तु पु –शस्त्रागार का रक्षक, अस्लिह-खाने का मुहाफिज़।

कोरमग़्ज़ (کورمغز) फा अ वि –जिसकी समझ वहुत मोटी हो, कोढमग्ज़, मदवुद्धि।

कोरमग़्ज़ी (کورمغزی) फा अ स्त्री –समझ का अत्यन्त मोटा और भोथरापन।

कोरी (کوری) फा स्त्री –अधापन, आन्ध्य।

कोरे मादर जाद (کور مادرزاد) फा वि –जो माँ के पेट से ही अधा पैदा हुआ हो, जन्माध।

कोरे मुक़्री (کور مقری) फा अ पु –माँ के पेट से अधा, जन्माध, वच्चो का पढानेवाला, अधा हाफिज़।

कोरोकर (کوروکر) फा वि –अधा और वहरा, जो न कुछ देख सके और न कुछ सुन सके।

कोल (کول) फा पु –ताल, तालाव, तडाग।

कोलाव (کولاب) फा पु –ताल, तालाव, तडाग।
कोश (کوش) फा पु –ईरानी हर महीने का चौदहवाँ दिन, दे 'गोश', दो शु है, (प्रत्य) कोशिश करनेवाला, जैसे 'मस्लहत कोश' हित की कोशिश करनेवाला।
कोशक (کوشک) फा पु –भवन, प्रासाद, महल, दे 'कुश्क', दोनों शुद्ध है।
कोशाँ (کوشاں) फा वि –कोशिश करनेवाला, प्रयत्न मे लगा हुआ, यतमान, यत्नवान्।
कोशिश (کوشش) फा स्त्री –प्रयत्न, उद्यम, प्रयास, जिद्दो-जहद, उपाय, तद्बीर; परिश्रम, मेहनत।
कोसः (کوسہ) फा पु –वह व्यक्ति जिसकी दाढ़ी मूँछ-वयस्क होने के वहुत दिनो वाद निकले।
कोस (کوس) फा पु –नक्कार, दुदुभि, डका, धौसा।
कोस्तः (کوستہ) फा वि –कूटा हुआ।
कोस्त (کوست) फा पु –मनस्ताप, खेद, सदमा।
कोहः (کوہہ) फा. पु –कोहान, ऊँट या वैल की पीठ का उभार।
कोह (کوہ) फा पु –पहाड, पर्वत, गिरि, जबल।
कोहकन (کوہکن) फा वि –पहाड़ काटनेवाला, पर्वतभेदी, (पु) 'शीरीं' के प्रेमी 'फर्हाद' की उपाधि, जिसने शीरीं की आज्ञा से पहाड काटते हुए अपने प्राण दे दिये–"कह दो यह कोहकन से कि मरना नही कमाल, मर मर के हिज्रे-यार में जीना कमाल है।"
कोहकनी (کوہکنی) फा स्त्री –पहाड़ काटना, कोई वहुत कठिन काम करना।
कोहजिगर (کوہ جگر) फा वि –पहाड-जैसा अचल साहस रखनेवाला, वहुत वडा वीर, वज्र-हृदयी, वज्र-साहसी।
कोहपायः (کوہ پایہ) फा वि –पहाड-जैसी महत्ता रखने-वाला (पु) पहाड की तराई की भूमि, गिरि-सा गौरवमय।
कोहपैकर (کوہ پیکر) फा वि –पहाड़-जैसा डीलडौल रखनेवाला, वहुत ही गिराडील, पर्वताकार, महाकाय, भीमकाय।
कोहपैमा (کوہ پیما) फा वि –पहाडो मे मारा-मारा फिरने-वाला, (पु) आधुनिक समय मे पहाडो की चोटियो तक पहुँचने और वहाँ का हाल जानने का प्रयत्न करनेवाला, पर्वतारोही।
कोहपैमाई (کوہ پیمائی) फा स्त्री –पहाड़ो मे फिरना, पहाडो की चोटियो पर चढकर वहाँ की दशा और दूसरे समाचार ज्ञात करना।
कोहवकार (کوہ وقار) फा अ वि –पर्वत-जैसा धैर्य रखनेवाला, महाधैर्य, पर्वत-जैसी प्रतिष्ठा रखनेवाला, महाप्रतिष्ठित।
कोहसार (کوہسار) फा पु –वह देश जहाँ पहाड ही पहाड हो, पहाड़ो का सिलसिला, पर्वतमाला, उपत्यका।
कोहान (کوہان) फा पु –ऊँट या वैल की पीठ का कूवड, ककुद।
कोहिस्तान (کوہستان) फा पु –पहाडी इलाका, पहाडी प्रदेश; पहाड़ी सिलसिला, पर्वतमाला।
कोहिस्तानी (کوہستانی) फा वि –पहाडी प्रदेश का निवासी, पहाडी, पहाडी इलाके से सम्वन्ध रखनेवाला।
कोही (کوہی) फा वि –पहाड से उत्पन्न, पहाड़ से सम्वन्वित, पहाड का।
कोहे आतशफिशाँ (کوہ آتش فشاں) फा पु –आग उगलने-वाला पहाड, ज्वालामुखी।
कोहे आदम (کوہ آدم) फा अ पु –लका के एक पहाड की चोटी।
कोहे काफ (کوہ قاف) फा अ पु –काकेशिया का पहाड जहाँ का सौन्दर्य प्रसिद्ध है।
कोहे तूर (کوہ طور) फा अ पु –वह पहाड जिस पर हज़रत मूसा ने ईश्वर का प्रकाश देखा था।
कोहे नूर (کوہ نور) फा अ पु –प्रकाश का पहाड, वहुत अधिक प्रकाश; विश्व का वह सर्वश्रेष्ठ हीरा जो गोलकुडा से प्राप्त हुआ था और मुगल सम्राटो के कब्जे मे रहा, और अव व्रिटिश सम्राट् के ताज मे जडा है।
कोहे वेसुतूँ (کوہ بیستوں) फा पु –अर्मन देश का वह पहाड जिसे फर्हाद ने काटा था।
कोहे सफा (کوہ صفا) फा अ. पु –मक्के की एक पहाडी, जिससे दो सौ कदम पर दूसरी पहाड़ी मर्व. है और इन दोनो के वीच मे हाजी दौड़ते है।
कोहे सीना (کوہ سینا) फा अ पुं.–शाम का एक पहाड़।
कोहे सैना (کوہ سینا) फा अ पु –दे. 'कोहे सीना'।
कोह्नः (کہنہ) फा वि दे –'कुह्न' प्राचीन, जीर्ण, पुराना।

कौ

कौंसल (قونصل) अ पु –राजदूत, सफीर।
कौंसलखानः (قونصل خانہ) अ फा पु –सफीर के रहने का स्थान, दूतावास, सिफारतखाना।
कौकवः (کوکبہ) अ पु –जनसमूह, भीड, अवोह, ठाट-वाट, शानो-शौकत, धूम-धाम, लोहे का एक चमकदार गेंद जो एक लंवी लकड़ी मे जिसकी नोक टेढी होती है लटकाकर वादशाह की सवारी के आगे-आगे चलाया जाता है।
कौकव (کوکب) अ पु –वडा और तेज़ प्रकाश का तारा, तारा, उडु।

कौवन (کودن) अ वि –मूर्ख, घामड, बहुत ही बेवकूफ, लद्दू घोडा जो बहुत धीरे चलता है, कम चलनेवाला टट्टू, मठ्ठर।

कौन (کون) अ पु –ससार, जगत्, दुनिया, उत्पत्ति, सृष्टि, तख़्लीफ।

कौनोमकान (کون ومکان) अ पु –ससार, जगत्, जहान।

कौनैन (کونین) अ पु –दोनो ससार, यह ससार और ऊपरी ससार अर्थात् परलोक।

कौम: (قومہ) अ पु –नमाज़ में खडे होने की अवस्था।

कौम (قوم) अ पु –जाति, वश, राष्ट्र, सल्तनत, विरादरी, वर्ण, ब्राह्मण, क्षत्रिय या शेख, सैयिद आदि जातियाँ।

क़ौमी (قومی) अ. वि –राष्ट्रीय, मल्की, जातीय, विरादरी का, वर्ण-सम्बन्धी।

कौमीयत (قومیت) अ स्त्री –राष्ट्रीयता, नेशनलिटी, विरादरी, वर्ण।

कौर: (کورہ) अ पु –निर्जन और वीरान स्थान।

क़ौर (قور) अ पु –पजो के बल चलना, ताकि कोई आहट न सुन सके।

कौर (کور) अ पु –वृद्धि, बढती, समृद्धि, फरागत।

क़ौल (قول) अ पु –कथन, वचन, बात, प्रवचन, मकूल., प्रतिज्ञा, इक़ार, वादा।

क़ौलन (قولاً) अ वि –ज़बानी, बातो से, ज़बान से, कौल से, 'फे'लन' का उलटा।

क़ौले सालेह (قول صالح) अ पु –सच्ची बात, ठीक बात, सच्ची राय, सही राय।

क़ौलोक़रार (قول وقرار) अ पु –आपस में प्रतिज्ञा करना, पारस्परिक प्रतिज्ञा और वचन।

क़ौलोक़सम (قول وقسم) अ पु –परस्पर शपथ और प्रतिज्ञा, अह्दोपैमा।

क़ौलो फे'ल (قول وفعل) अ पु –कहना और करना, कथन और कर्म, कथनी और करनी।

क़ौस (قوس) अ स्त्री –धनुप, धनु, धन्व, कमान, धनुराशि, बुर्जे कौस।

कौसज (کوسج) अ पु –वह व्यक्ति जिसकी डाढी-मूछे बहुत समय के पश्चात् निकलें, दे 'कोस'।

क़ौसनुमा (قوس نما) अ फा वि –कमान की शक्ल का, धनुपाकार,

कौसर (کوثر) अ पु –स्वर्ग का एक कुड या हौज़।

क़ौसुन्नहार (قوس النهار) अ स्त्री –सूरज की पूर्व से पश्चिम तक की यात्रा, जो १२ घटे मे समाप्त होती है और पूरा धनुप बनाती है।

क़ौसुस्समा (قوس السما) अ स्त्री –आकाशमडल जो धनुप की तरह दिखाई पडता है।

कौसे क़ुज़ह (قوس قزح) अ स्त्री –इद्रधनु, धनुक।

कौसे शैतान (قوس شیطان) अ स्त्री –दे 'कौसे कुज्ह'।

कौसैन (قوسین) अ स्त्री –दो धनुप, दो कमानें, कोप्ठक, ब्रैकेट।

ख़

ख़जर (خنجر) अ पु –छुरी, भुजाली, बडा चाकू, पेश कब्ज़, क्षुरिका।

खजरज़न (خنجرزن) अ फा वि –खजर मारनेवाला, छुरी भोकनेवाला।

खजरज़नी (خنجرزنی) अ फा स्त्री –छुरा भोकना, ख़जर से घायल करना।

खजरबकफ (خنجر بکف) अ फा वि –हाथ मे छुरी लिए हुए, वधोद्यत।

खजरी (خنجری) अ स्त्री –एक प्रकार की छोटी डफली।

खद: (خندہ) फा पु –मुस्कुराहट, मुस्कान, मदहास, हँसी, जोर की हँसी, अट्टहास, कहकहा।

ख़दहज़न (خندہ زن) फा वि –हँसनेवाला, हँसी उडानेवाला।

ख़द ज़नी (خندہ زنی) फा स्त्री –हँसना, मुस्कुराना, हँसी उडाना।

ख़द.दहन (خندہ دہن) फा वि –हँसमुख, जिसके मुँह पर हर समय हँसी खेलती रहती हो।

ख़द.पेशानी (خندہ پیشانی) फा वि –खुश अख़्लाक, सुशील, जिसके चेहरे पर मुस्कुराहट रहती हो, स्मितमुख।

ख़द.रू (خندہ رو) फा वि –दे 'ख़द पेशानी'।

ख़द.रूई (خندہ روئی) फा स्त्री –चेहरे की मुस्कुराहट; सुशीलता, ख़ुश अख़्लाकी।

ख़द लब (خندہ لب) फा वि –जिसके होठो पर मुस्कान रहती हो, अधर-स्मिति।

ख़द लबी (خندہ لبی) फा स्त्री –होठो पर मुस्कुराहट रहना।

ख़दए ज़ख़्म (خندۂ زخم) फा पु –घाव का मुँह खुला होना, घाव का खुलापन।

ख़दए ज़मीं (خندۂ زمیں) फा पु –फूलो और हरियालियो का भूमि से निकलना।

ख़दए जाम (خندۂ جام) फा पु –शराब उँडेलने का शब्द, शराब के प्याले की लहर।

ख़दए ज़ेरेलब (خندۂ زیرلب) फा पु –ऐसी हँसी जो होठो मे ही रह जाय, मदहास, मुस्कुराहट, तबस्सुम।

खंदए दंदाँ नुमा (خندۂ دنداں نما) फा पु—ऐसी हँसी जिसमे दाँत खुल जायँ, ज़ोर की हँसी।
खंदए सुब्ह (خندۂ صبح) फा अ पु—प्रात काल की सफेदी।
खंदक (خندق) अ स्त्री—दुर्ग आदि के चारो ओर का गहरा गढा, खाई, गार, गर्त, गढा।
खंदरीस (خندریس) अ पु—पुरानी मदिरा, पुराना गेहूँ।
खंदाँ (خنداں) फा वि—हँसता हुआ।
खंस (خنث) अ पु—सुस्त होना, मद होना, दोहरा होना, झुका होना, (वि) मद, सुस्त, वक्र, टेढा।
खच्चर (خچر) तु पु—घोडे और गधे के मेल से उत्पन्न एक प्रसिद्ध पशु, अश्वतर, वेसर, गर्दभाश्व।
खज़ [ख़ज़] (خز) अ पु—एक रेशमी कपडा, रेशम और सूत मिला एक कपडा।
खज़्र (خز) फा पु—'खज़ाँ' का लघु, दे 'खज़ाँ' (स्त्री) उच्चता, ऊँचाई, (पु) एक नगर।
खज़ज़ (خضض) अ पु—रंगविरगी खाना, सफेद मोती जो वालको के गले मे पहनाये जाते है।
खज़न (خزن) अ पु—गोश्त का सड जाना।
खज़फ (خزف) अ स्त्री—ठीकरा, गुट्टी, मट्टी का वरतन, सकोरा, कुल्लहड।
खज़फ (خذف) अ स्त्री—दे 'खज़फ'।
खज़फ (خصف) अ पु—खरवूज़े।
खज़फरेज़ः (خزف ریزہ) अ फा पु—मट्टी का ठीकरा, गुट्टी।
खज़व (خضب) अ पु—रँगना, रग करना।
खज़व (خرب) अ पु—मूर्खता, नादानी, लवाई, दराज़ी।
खज़र (خزر) अ पु—उत्तरी तुर्किस्तान का एक प्रदेश जहाँ के निवासी वहुत ही सुन्दर होते हैं।
खजल (خجل) अ पु—दे 'खजलत'।
खजलत (خجلت) अ स्त्री—लज्जा, व्रीडा, शर्मिदगी।
खजलतज़दः (خجلت زدہ) अ फा वि—लज्जित, शर्मिदा।
खज़ाँ (خزاں) फा स्त्री—पतझड़ की ऋतु, जाडे का मौसिम, खिज़ाँ भी प्रचलित।
खज़ाँआश्ना (خزاں آشنا) फा वि—वह पक्षी जिसे पतझड और ऊजड स्थान मे रहने का अभ्यास हो।
खज़ाँदीदः (خزاں دیدہ) फा वि—वह पत्ता या पेड, जो पतझड का कष्ट उठा चुका हो, जो पतझड़ के दुःख से दुःखित हो।
खज़ाँरसीद. (خزاں رسیدہ) फा वि—जिस पर पतझड का समय आ गया हो, जो पतझड़ के कारण नष्ट होनेवाला हो।
खज़ा' (خزع) अ पु—मित्रो से वचन का पालन न करना, दान करना, देना।
खज़ाइन (خزائن) अ पु—'खिज़ान' का वहु, निधियाँ, खज़ाने।
खज़ान. (خزانہ) अ पु—निधि, कोप, भडार, मख्ज़न, सरकारी खज़ाना, राजकोप, इस शब्द का शुद्ध उच्चारण खिज़ान है, परतु उर्दू मे खज़ान ही वोलते है।
खज़ानए 'आमिरः (خزانۂ عامرہ) अ पु—ऐसा खज़ाना जो भरपूर हो।
खज़ानची (خزانچی) अ फा वि—खज़ाने का हिसाव-किताव रखनेवाला, कोपाध्यक्ष।
खज़ार (خضار) अ पु—वहुत-सा पानी मिला हुआ दूध, नयी तरकारी।
खजालत (خجالت) अ स्त्री—लज्जा, व्रीडा, शर्म, पश्चात्ताप, नदामत, सकोच, पशेमानी।
खज़िम (خزم) अ वि—तेज़ तलवार, शूर व्यक्ति।
ख़ज़िर (خضر) अ पु—हरी डाली; हरियाली, सब्जी, हज़रत खिज़्र।
खजिल (خجل) अ वि—लज्जित, शर्मिदा, पश्चात्तापी, नादिम, सकोच, पशेमानी।
खज़ी (خزی) अ वि—वदनाम, निंदित, रुस्वा।
खज़ीज़ (خضیض) अ पु—वरसात की अधिकता से भीगी हुई भूमि।
खज़ीनः (خزینہ) अ पु—दे 'खज़ान'।
खज़ीव (خضیب) अ वि—रग किया हुआ।
खज़ीर (خضیر) अ वि—उत्तम, अच्छा, रुचिकर, पसदीद।
खज़ूर (خضور) अ वि—हरा होनेवाला।
खज़ूल (خزول) अ वि—लज्जित, शर्मिदा।
खज़्अः (خزعہ) अ पु—एक पाँव का लँगडापन।
खज़्ख़ज़ः (خضخضہ) अ पु.—हस्त-मैथुन, ज़लक।
खज़्न (خزن) अ पु—माल ज़मीन में गाडना, रहस्य को छिपाना, गोश्त का सड जाना।
खज़्फ (خزف)—हाथ-पाँव से चलना।
खज़्फ़ (خصف)—भोजन करना, खाना खाना, जल्दी देना, दिशा, ओर, तरफ।
खज़्म (خزم) अ पु—शका करना, ऊँट, वैल आदि के नथनो में नाथ डालना।
खज़्रज (خزرج) अ पु—अरव का एक वश।
खज़्रा (خضرا) अ पु—हरियाली, सब्ज़, हरी घास।
खज़्राए दिमन (خضرائے دمن) अ फा पु—घूर पर उगी हुई हरियाली या फूल आदि, हर चीज़ जो ऊपर से खूव मजी हुई हो, परतु भीतर से अच्छी न हो, वह स्त्री जो अकुलीना हो, परतु वहुत ही सुदर हो।
खज़्रान (خزران) अ पु—तुर्किस्तान का एक नगर।

खत्री (حزری) अ वि—'खत्रान' का निवासी, अथवा वहाँ से सम्बन्धित।

खज्ल (حجل) अ पु—लज्जा, शर्म, लाज।

खज्लत (حجلت) अ स्त्री—लज्जा, शर्म, व्रीडा, लाज, सकोच, पशेमानी।

खज्लतज़दः (حجلت زده) अ फा वि—लज्जित, शर्मिंदा, सकुचित, पशेमान।

खत [त्त] (حط) अ पु—लकीर, रेखा, पत्र, चिट्ठी, मूँछ, डाढी, लेख, तह्रीर, परवाना, राजादेश, चिह्न, निशान।

खतकशीद (حط کشیده) अ फा वि—लकीर खिंचा हुआ, वह इवारत आदि जिसके नीचे ध्यान दिलाने के लिए लकीर खीची गयी हो।

खततराश (حط تراش) अ फा वि—हजामत वनानेवाला, नाई, नापित।

खतन (حتن) अ पु—दामाद, जामाता, ससुर, श्वशुर, साला, श्यालक, हर वह पुरुष जो स्त्री का नातेदार हो।

खतम (حتم) अ वि—मुँह्र की हुई वस्तु, जिस चीज़ पर मुह्र हो, मुद्राकित।

खतर (حطر) अ पु—भय, त्रास, डर, शका, सदेह, शुव्हा।

खतरनाक (حطرناک) अ फा वि—भयानक, भयकर, हौलनाक, अनिष्टकर, नुक्सानदेह।

खतरनाकी (حطرناکی) अ फा स्त्री—भयानकता, हौलनाकी, अनिष्ट, हानि, नुकसान।

खतल (حطل) अ पु—मदता, सुस्ती, हलकापन, शीघ्रता, जल्दी, आतुरता, उतावलापन, घवडाहट।

खता (حطا) अ स्त्री—दोष, अपराध, पाप, गुनाह, त्रुटि, भूल।

खता (حتا) फा पु—चीन का एक प्रदेश, चीन।

खता (حتا) फा पु—किसी काम से रोकना, फल देना।

खताकार (حطاکار) अ फा वि—दोषी, अपराधी, मुज्रिम, पापी, पातकी, गुनाहगार।

खताकारी (حطاکاری) अ फा स्त्री—दोष करना, दोषी होना, पाप करना, पाप कर्म।

खतागर (حطاگر) अ फा वि—दे 'खताकार'।

खतागरी (حطاگری) अ फा स्त्री—दे 'खताकारी'।

खतापोश (حطاپوش) अ फा वि—पाप और अपराध देखते हुए उन पर पर्दा डालनेवाला।

खतापोशी (حطاپوشی) अ फा स्त्री—पाप और अपराध देखते हुए उन पर पर्दा डालना, उन्हें प्रकट न करना।

खताफ (حطاف) अ पु—देव, राक्षस, पिशाच।

खताब (حطابه) अ पु—खतीवी करना, भाषण देने का काम करना।

खतावख्श (حطابحش) अ फा वि—अपराध क्षमा करनेवाला, पाप क्षमा करनेवाला, मोक्ष देनेवाला।

खतावख्शी (حطابحشی) अ फा स्त्री—अपराध क्षमा करना, पाप क्षमा करना, मोक्ष देना।

खतावीं (حطابیں) अ फा वि—दोष और पापो का देखनेवाला, अर्थात् ईश्वर।

खतावीनी (حطابینی) अ फा स्त्री—दोष और पाप देखना।

खताया (حطایا) अ पु—'खतीय' का वहु, वहुत से अपराध, वहुत से पाप।

खतावार (حطاوار) अ फा वि—अपराधी, सिद्धदोष, कुसूरवार, पापी, गुनहगार।

खताशिआर (حطاشعار) अ वि—जिसका काम ही पाप करना हो, पाप करने मे धृष्ट, पापप्रवण, पापाभ्यस्त।

खतिल (حطل) अ वि—मूर्ख, वेवुकूफ, उतावला, आतुर, जल्दवाज।

खतीअ. (حتیعه) अ पु—धनुष चलानेवालो की अँगूठी जो वह अँगूठे मे पहनते है।

खतीफ (حطیف) अ पु—तेज चलनेवाला ऊँट, आटे और दूध की लपसी।

खतीव. (حطیبه) अ स्त्री—भाषण देनेवाली स्त्री, वक्त्री।

खतीव (حطیب) अ वि—खुत्व पढनेवाला, मस्जिद या निकाह में खुत्व पढनेवाला, भाषण देनेवाला, वक्ता, धर्मोपदेश करनेवाला, वाइज, धर्मोपदेशक।

खतीवानः (حطیبانه) अ फा वि—खतीवो-जैसा, वाइज़ो-जैसा।

खतीवी (حطیبی) अ स्त्री—खुत्व पढने का काम या पेशा, भाषण देने का काम।

खतीय (حطیه) अ पु—पाप, अपराध, गुनाह।

खतीर (حطیر) अ वि—वहुत अधिक, अत्यधिक, वहुत जियादा, महान्, श्रेष्ठ, अर्जाम।

खते अज्रक़ (حط ازرق) अ पु—जामे जमशेद की रेखाओ मे से चौथी रेखा।

खते अफ्व (حط عفو) अ पु—मुआफीनामा, क्षमापत्र।

खते अमान (حط اماں) अ पु—इस वात की तह्रीर कि अमुक व्यक्ति की रक्षा की जायेगी, सरक्षणपत्र।

खते अमूद (حط عمود) अ पु—वह खडी रेखा जो किसी पडी रेखा पर गिरकर ९० अश का कोण वनाये।

खते आज़ादी (حط آزادی) अ फा पु—किसी को वधनमुक्त करने का लिखित प्रमाण, मुक्तिपत्र।

खते इस्तिवा (حط استوا) अ पु—भूमध्य रेखा, विषुवत् रेखा, विपुव रेखा।

खते ए'तिदाल (حط اعتدال) अ पु—दे 'खते इस्तिवा'।

खते गुलामी (خط غلامی) अ. पु—इस बात का लिखित प्रमाण कि अमुक व्यक्ति, फलाँ व्यक्ति का सदैव दास रहेगा, दासता-पत्र।

खते चलीपा (خط چلیپا) अ पुं—हाशिये पर जो इबारत तिरछी लकीरो मे लिखी जाती है।

खते जदी (خط جدی) अ पु—उष्ण कटिबंध की दक्षिणी रेखा, मकर-रेखा।

खते जबीं (خط جبیں) अ. फा पु—दे 'खते पेशानी'।

खते जली (خط جلی) अ पु—मोटी लकीर, मोटे कलम से लिखा हुआ लेख।

खते जवाज़ (خط جواز) अ पु—पर्वानए राहदारी, पासपोर्ट, परिपारपत्र।

खते तक़्दीर (خط تقدیر) अ पु—किस्मत का लिखा, भाग्यलेख, भाग्यरेखा।

खते तहरीर (خط تحریر) अ वि—खत की लिखावट, "मुद्दतो के बाद कासिद आज लाया है पयाम, फ़ैसला किस्मत का ज़ाहिर है खते तहरीर से।"

खते तक़्सीम (خط تقسیم) अ पु—वह रेखा जो किसी भूमि आदि को दो भागो मे बाँट दे, विभाग-रेखा।

खते तर्सा (خط ترسا) अ. फा पु—पारसियो का लेख जो बहुत टेढ़ा-मेढा होता है।

खते तस्दीक़ (خط تصدیق) अ पु—प्रमाणपत्र, सर्टीफिकेट।

खते तस्लीम (خط تسلیم) अ. पु—सरल रेखा, सीधी लकीर।

खते दीवनी (خط دیوانی) अ फा पु—दफ्तर के मुशियो का लेख, जो बहुत घसीट होता है।

खते नस्तालीक़ (خط نستعلیق) अ पु—वह लिपि जिसमे आधुनिक उर्दू की लीथो पुस्तकें छपती हैं।

खते निस्फुन्नहार (خط نصف النہار) अ पु—वह कल्पित रेखा जिस पर आकर, सूरज दिन को दो बराबर भागो मे बाँट देता है।

खते पर्कार (خط پرکار) अ फा पु—वह गोल रेखा जो पर्कार से खीची जाती है।

खते पेशानी (خط پیشانی) अ फा पु—तक़्दीर का लिखा, ललाट-रेखा, भाग्य-रेखा।

खते बंदगी (خط بندگی) अ फा पु—दे 'खते गुलामी'।

खते मंदल (خط مندل) अ पु—वह घेरा जो मत्र द्वारा खीचा जाता है और जिसमे रहने से एक विशेष समय तक कोई अनिष्ट नही होता, अथवा भूत-प्रेत अपना प्रभाव नही डाल सकते।

खते मुख़्तसर (خط مختصر) अ पु—सक्षिप्त लिपि, सकेत-लिपि, शीघ्रलिपि, शार्टहैंड।

खते मुतवाज़ी (خط متوازی) अ पु—वह रेखा जो दूसरी रेखा से बराबर अतर पर हो, समानातर रेखा।

खते मुन्हनी (خط منحنی) अ पुं—टेढी लकीर, वक्र रेखा।

खते मुमास (خط مماس) अ पु—सपात रेखा।

खते मुस्तक़ीम (خط مستقیم) अ पु—सीधी लकीर, सरल रेखा।

खते मुस्तदीर (خط مستدیر) अ पुं—गोल रेखा।

खते राह (خط راہ) अ फा पु—दे 'खते जवाज़'।

खते शिकस्तः (خط شکستہ) अ फा पु—वह लिखावट जो बहुत टेढी-मेढी लिखी जाय।

खते सर्तान (خط سرطان) अ पु—उष्ण कटिबंध की उत्तरीय रेखा, कर्क रेखा।

खते हिलाली (خط ہلالی) अ पु—कमान की तरह आधी गोल रेखा, वन्वाकार रेखा, अर्धवृत्ताकार रेखा, चद्राकार रेखा।

खतो किताबत (خط و کتابت) अ स्त्री—पत्रव्यवहार, चिट्ठियो का आदान-प्रदान।

खत्तार (ختّار) अ वि—मुग्ध होनेवाला, फरेफ्ता होने वाला।

खत्फ़ः (خطفہ) अ पु—एक बार इस प्रकार चमकना कि आँखो मे चकाचौंध उत्पन्न कर दे।

खत्फ़ (خطف) अ पु—बिजली का आँखो मे चकाचौंध उत्पन्न करना।

खत्म (ختم) अ वि—समाप्त, पूरा, मृत, मरा हुआ, सपूर्ण, मुकम्मल, (पु) समाप्ति, खातिम।

खत्म (خطم) अ पु—नाक मे नकेल डालना, नाथ डालने के लिए नथने छेदना।

खत्मी (خطمی) अ स्त्री—एक बीज जो दवा मे काम आता है, दे 'ख़ित्मी'।

खत्मी मआब (ختمی مآب) अ पु—हज़रत मुहम्मद साहिब की उपाधि।

खत्र (ختر) अ पु—मुग्ध होना, फरेफ्ता होना।

खत्ल (ختل) फा पु—बलख के निकट एक नगर, जहाँ के घोडे बहुत अच्छे होते हैं।

खत्ल (ختل) अ पु—भेड़िये का शिकार के लिए छिपना, धोखा देना, छल करना।

खत्लान (ختلان) फा पु—दे 'खत्ल', एक नगर।

खत्ली (ختلی) फा वि—वह घोड़ा जो 'खत्ल' अथवा 'खत्लान' से आता है।

खत्वः (خطوہ) अ पु—एक डग, एक कदम।

खदंग (خدنگ) फा पु—एक विशेष पेड़ जिसके बाण बनते है, छोटा बाण, नावक।

खद [द्द] (خد) अ पु—कपोल, गाल, रुख़सार, भूमि के भीतर की लवी दरार या मार्ग, सुरग।

खदअः (خدعه) अ पु—छल, कपट, कूट, दग़ा, फरेब।

खदम (خدم) अ पु—'खादिम' का वहु, सेवक लोग, नौकर-चाकर।

खदर (خدر) अ पु—आलस्य, सुस्ती, तद्रा, गुनूनदगी।

ख़दरी (خدری) अ पु—एक पीडा जिससे किसी अग की हिस जाती रहती है।

खदाज (خداج) अ पु—दे 'खिदाज', दो शु है।

खदाद (خداد) अ पु—गाल का दाग।

खदिर (خدر) अ वि—सुन्न, वेहिस, मद, सुस्त।

खदीअ (خدیعه) अ पु—छल, कपट, मक्र, एक खाद्य जिसमे गोश्त और ज़ीरा होता है।

खदीज (خدیجه) अ स्त्री—हज़रत मुहम्मद साहिव की पहली पत्नी।

खदीज (خدیج) अ वि—वह शिशु जो समय से पहले उत्पन्न हो, परतु सर्वांगपूर्ण हो।

खदीन (خدین) अ वि—मित्र, दोस्त, प्रेमपात्र, मा'शूक।

खद्अ. (خدعه) अ पु—छल, कपट, व्याज, मक्र।

खद्दाअ' (خداع) अ वि—वहुत अधिक छली, वडा मक्कार, अधम, नीच, खोटा, कूट।

ख़द्ल (خدل) अ पु—पिंडलियो और भुजाओ का भरा हुआ होना।

खद्श (خدشه) अ पु—शका, सदेह, शक, भय, डर।

खद्शात (خدشات) अ पु—'खद्श' का वहु, शकाएँ, शुवहे, डर, भय।

खनस (خنس) अ पु—वापस लौटना, प्रत्यागमन।

खनाक (خناق) अ पु—एक रोग जिसमे रोगी को अपना गला घुटता हुआ लगता है, गला घोटने का स्थान।

खनाजिर (خناجر) अ पु—'खजर' का वहु, छुरियाँ, भुजालियाँ।

खनाज़ीर (خنازیر) अ पु—'खिंज़ीर' का वहु, वहुत से सुअर, एक गले का रोग, कठमाला।

खनाजीर (خناجیر) अ पु 'खिजीर' का वहु, जली हुई हड्डियो की गधे।

खनाफिस (خنافس) अ पु—'खुन्फसा' का वहु, गुवरीले।

खनिक़ (خنق) अ वि—जिसका गला घोटा गया हो।

खनीक (خنیق) अ वि—दे 'खनिक'।

खनीदः (خنیده) फा वि—उत्तम, उम्दा, रुचिकर, पसदीद।

खनीफ (خنیف) अ पु—सफेद अलसी।

खनूर (خنور) फा पु—पात्र, भाजन, वर्तन, चपक, पियाला।

खनूस (خنوس) अ वि—छिपनेवाला।

खन्क़ (خنق) अ पु—गला घोटना, गला घोटकर मारना।

खन्नास (خناس) अ पु—राक्षस, देव, शैतान, पिशाच, अहकार, अभिमान, गुरूर।

खप. (خپه) फा पु—गला घोटना।

ख़फ़. (خفه) अ पु—गला घोटना, गला घोटकर मारना, जिसको गला घोटकर मारा गया हो।

खफ (خف) फा पु—चकमक मे जलाने का फूस, वह चीज़ जिसमें चकमक से आग लगायी जाय।

ख़फ़क़ान (خفقان) अ पु—दिल की धडकन का रोग, हृत्कप, इस्तिलाज, वहशत, घवराहट।

ख़फ़क़ानी (خفقانی) अ वि—जिसे दिल धडकने का रोग हो, जिसके स्वभाव में घवराहट वहुत हो।

ख़फ़गी (خفگی) फा स्त्री—गला घोटने का भाव, अप्रसन्नता, वैमनस्य, नाराज़ी।

ख़फ़र (خفر) अ पु—लज्जा, लाज, शर्म, देखरेख, निगहवानी।

ख़फ़श (خفش) अ पु—दृष्टि की निर्वलता, जन्म से आँख का छोटा होना।

ख़फ़ा (خفا) अ पु—छिपाव, दुराव, पोशीदगी, (वि) क्रुद्ध, रुष्ट, नाराज़,—"गर मुझसे हो खफा तो उसे दीजिए निकाल—तुम कौन रखनेवाले हो मेरे मलाल के।"

ख़फ़ाज. (خفاجه) अ पु—अरव का एक लुटेरा कवीला।

ख़फ़ाया (خفایا) अ पु—'ख़फ़ीय' का वहु, छिपी हुई वाते।

ख़फ़ी (خفی) अ वि—गुप्त, छिपा हुआ, प्रकट. व्यक्त, ज़ाहिर, वारीक, महीन।

ख़फ़ीक़ (خفیق) अ पु—पानी वहने का शब्द, वायु चलने का शब्द।

ख़फ़ीफ़. (خفیفه) अ स्त्री—एक दीवानी न्यायालय, जिसमें छोटे केस सरसरी सुने जाते है, जिनकी अपील नही होती।

ख़फ़ीफ़ (خفیف) अ वि—हलका, सवुक, थोडा, कम, लज्जित, शर्मिंदा, अधम, कमीना, एक वह्र, वृत्त।

ख़फ़ीफ़ुत्तब्अ (خفیف الطبع) अ वि—दे 'ख़फ़ीफ़ुल हरकात'।

ख़फ़ीफ़ुल हरकात (خفیف الحرکات) अ वि—छिछोरी हरकते करनेवाला, टुच्चा, तुच्छप्रकृति, छिछोरा।

ख़फ़ीर (خفیر) अ वि—मार्ग-प्रदर्शक, रहनुमा, सुरक्षक, निगहवान, त्राता, पनाह देनेवाला, निकृष्ट, ज़लील।

ख़फ़्क़ान (خفقان) अ पु—दे 'ख़फ़क़ान', परतु उर्दू मे 'खफ्कान' भी वोलते है।

ख़फ़्चाक (خفچاق) तु पु—जगली तुर्कों की एक जाति।

ख़फ़्ज़ (خفض) अ पु—किसी को उसके पद मे गिराना, हौले-हौले चलना, ऐश्वर्य, ऐश, आरामतलवी।

खफ़्तः (خفته) अ. वि.–झुका हुआ, खमीदा।

खफ़्तान (خفتان) अ. पु–सिपाहियों के पहनने का एक विशेष कोट।

खफ़्द (خفد) अ पुं–तेज़ चलना, शीघ्र गमन।

खफ़्फ़ाफ (خفاف) अ. वि–जूता बनानेवाला; जूता बेचनेवाला; चमडे के मोज़े बनाने और बेचनेवाला।

खफ़्फ़क (خفرق) अ. वि–निकृष्ट, अधम, बुरा, अपमानित, बेइज्ज़त, दुःस्वभाव, बदखू।

खबख्ब (خبخب) अ पु–चुबन का शब्द, बोसे की आवाज़।

खबज़ (خبز) अ पु–रेत, रेग; एक स्थान का नाम।

खबब (خبب) अ पु–नदी का मौजे मारना; घोड़े का कभी इस पाँव और कभी उस पाँव पर खडा होना।

खबर (خبر) अ स्त्री–सूचना, सवाद, इत्तिलाअ, सदेश, सँदेसा, पैगाम, समाचार, हाल; मुहम्मद साहब का प्रवचन, हदीस।

खबरगीर (خبرگیر) अ फा वि–खबर लेनेवाला, पालन-पोषण करनेवाला, रक्षक, देख-रेख करनेवाला।

खबरगीरी (خبرگیری) अ फा स्त्री–पालन-पोषण, रक्षा, देख-रेख।

खबरदार (خبردار) अ फा वि–सचेत, सतर्क, बाखबर, सावधान, चेतावनी देने का शब्द, होशयार।

खबरदारी (خبرداری) अ फा स्त्री–सतर्कता, होशयारी।

खबरदिहंदः (خبردهنده) अ फा वि–सूचना देनेवाला, सूचक।

खबररसाँ (خبررساں) अ फा. वि–सूचना पहुँचानेवाला, सूचना-वाहक, पत्र-वाहक।

खबररसानी (خبررسانی) अ फा स्त्री–सूचना पहुँचाना, खबर ले जाना, खबर लाना।

खबसः (خبثه) अ पु–खबीस का बहु, खबीस लोग।

खबस (خبث) अ स्त्री–अपवित्रता, गदगी, मलिनता, मैलापन।

खबा (خبا) अ पु–छिपाना; छिपाव, गुप्ति, वर्षा, बारिश, घास, सब्ज़ा।

खबाइस (خبائث) अ पु–नापाकियाँ, अपवित्रताएँ।

खबाया (خبایا) अ पु–'खबा' का बहु, छिपाव, 'खिबा' का बहु, खेमे, रावटियाँ।

खबार (خبار) अ पु–मुलाइम और भुरभुरी मट्टी, अथवा भूमि।

खबाल (خبال) अ पुं–विनाश, तबाही, कुमार्गता, गुमराही, हत्या, हलाकी, श्राति, थकान, घातक विष।

खबासत (خباثت) अ स्त्री–दुष्टता, नीचता, कमीनगी, हृदय की अपवित्रता, अतःमलिनता।

खबी (خبی) अ वि–गुप्त, पोशीदा, अतर्धान, गाइब।

खबीर (خبیر) अ वि–जानकार, आगाह, जिसे ज्ञात हो, ईश्वर का एक नाम।

खबीस (خبیث) अ वि–अंतःकुटिल, शरीर, अंतःमलिन, बदबातिन, बहुत बड़ा पापी, बहुत बडा धूर्त, भूत-प्रेत।

खबीस (خبیس) अ वि–विनोदप्रिय, ज़रीफ, मस्ख़रा, हँसमुख, जिंदादिल।

खबीस (خبیص) अ पुं–घी और खजूर से बना हुआ एक भोजन।

खबीस तीनत (خبیث طینت) अ वि दे–'खबीस बातिन'।

खबीस बातिन (خبیث باطن) अ वि–जिसका मन बहुत ही पापी हो, जो बहुत बडा धूर्त हो, अतर्मल।

खबीसुल बातिन (خبیث الباطن) अ वि–दे 'खबीस बातिन'।

खब्जः (خبجه) फा पु–इमली, एक खट्टा फल।

खब्ज़ (خبز) अ पु–रोटी पकाना।

खब्त (خبط) अ पु–बुद्धि में पागलपन की मिलावट, बुद्धि-विकार, पागलपन।

खब्ती (خبطی) अ वि–विकृतबुद्धि, पागल, मिराकी, विकृतमस्तिष्क, दूषितबुद्धि।

खब्तुल हवास (خبط الحواس) अ वि–दे 'खब्ती'।

खब्न (خبن) अ पु–कुर्ते या अगरखे आदि का दामन लपेटना या सीना ताकि वह छोटा हो जाय, छद.शास्त्र के अनुसार किसी 'गण' का दूसरा अक्षर जो हल् हो, उसे गिरा देना, जैसे–'फाइलातुन' से 'फइलातुन्' बनाना।

खब्बाज़ (خباز) अ वि–रोटी पकानेवाला, नानबाई।

खब्बाज़ी (خبازی) अ स्त्री–रोटी पकाने का काम, नानबाईपन।

खम (خم) फा पु–वक्रता, टेढापन, झुकाव, खमी, (वि) वक्र, टेढा, खमीद।

खम [म्म] (خم) अ पु–मास का सड़ जाना, घर या कुएँ का अपवित्र हो जाना।

खमज़दः (خمزده) फा वि–भागा हुआ।

खम दर खम (خم در خم) फा वि–पेचीदा, जिसमे बहुत से पेच हो, जो बहुत उलझा हो।

खमदार (خمدار) फा वि–झुका हुआ, खमीदा, वक्र, टेढा।

खमदीदः (خمدیده) फा वि–दे 'खमदार'।

खमन (خمن) अ पु–अपवित्रता, मलिनता, गदगी।

खमी (خمی) फा स्त्री–वक्रता, कुटिलता, टेढापन, झुकाव।

ख़मीत (خمیط) अ वि—बिना छिलके के भुनी हुई वस्तु
ख़मीदः (خمیده) फा वि—झुका हुआ, ख़मदार, वक्र, टेढा।
ख़मीदःक़द (خمیده قد) फा अ वि—जिसका शरीर झुक गया हो, विनतकाय, वक्रकाय, बहुत बूढा।
ख़मीद कमर (خمیده کمر) फा वि—जिसकी कमर झुक गयी हो, वक्रकटि, बहुत बूढा,—"कमर ख़मीदा नहीं बेवजह जईफी में—ज़मीन ढूँढ रहा हूँ मज़ार के काबिल।"
ख़मीदःक़ामत (خمیده قامت) फा अ वि—दे 'ख़मीद कद'।
ख़मीदःसर (خمیده سر) फा वि—जिसका सर झुका हो, सर झुकाये, नतमस्तक, लज्जित, व्रीडित, शर्मिदा।
ख़मीरः (خمیره) फा पु—चाटनेवाली मीठी और स्वादिष्ठ दवा, पीने का सुगधित तवाकू।
ख़मीर (خمیر) अ पु—ओषधियो मे पानी डालकर सडाया हुआ अरक, आटे में सोडा और नमक डालकर वनाया हुआ खट्टा आटा जिससे ख़मीरी रोटी वनती है।
ख़मीरमायः (خمیرمایه) अ फा पु—वह वस्तु जो किसी वस्तु की वढोतरी का कारण हो।
ख़मीरी (خمیری) अ वि—ख़मीर से वनी हुई चीज, विशेपत रोटी, ख़मीर मिली हुई वस्तु, ख़मीर से सम्वन्धित।
ख़मील (خمیل) अ पु—हलका भोजन, घटा, वादलो का झुड, पैवद लगे हुए कपडे।
ख़मीस (خمیس) अ पु—वृहस्पतिवार, जुमअरात, पाँच अगोवाली सेना।
ख़मीस (خمیص) अ वि—पतले पेट और कमरवाला, कृशोदर।
ख़मूश (خموش) अ पु—पिस्सू, डाँस, मशक, मच्छर।
ख़म्मोचम (خم وچم) फा पु—सुदर स्त्रियो के चलते समय के हाव-भाव।
ख़म्त (خمط) अ पु—पीलू की एक जाति जिसमे छोटे-छोटे फल होते है।
ख़म्मान (خمان) अ पु—कमज़ोर भाला, तुच्छ व्यक्ति।
ख़म्मार (خمار) अ वि—शराव वनानेवाला, शराव वेचने-वाला।
ख़म्मारख़ान. (خمارخانه) अ फा पु—मदिरालय, शराव-ख़ाना।
ख़म्मूद (خمود) अ पु—वह स्थान जहाँ आग सुरक्षित रखते हो।
ख़म्याज़ (خمیازه) फा पु—अँगडाई, नतीजा, परिणाम, जँभाई, जृभा, भुगतमान, करनी का फल।
ख़म्याज़.कश (خمیازه کش) फा वि—अँगडाई लेनेवाला, जँभाई लेनेवाला, भुगतमान भुगतनेवाला, परिणामभोगी।
ख़मयाज़ कशी (خمیازه کشی) फा स्त्री—अँगडाई लेना, जंभाई लेना, भुगतमान भुगतना, करनी का फल भोगना।
ख़मयाज़ए ख़ुश्क (خم یازه خشک) फा पु—ऐसी इच्छा जो कभी पूरी न हो सके।
ख़म्रः (خمره) अ पु—'ख़मीर' का लघु, दे 'ख़मीर'।
ख़म्र (خمر) अ पु—ख़मीर करना, मदिरा, शराव।
ख़म्ल (خمل) अ पु—कपडे के तार, (वि) ख़ालिस, वेमेल।
ख़म्सः (خمسه) अ पु—पाँच वस्तुओ का समाहार, उर्दू नज़्म का एक प्रकार जिसमे पाँच मिस्रे हर वद मे होते है, गज़ल के दो मिस्रो पर तीन मिस्रे वढाकर उसे भी ख़म्स किया जाता है।
ख़म्सए मुतहैयिरः (خمسه متحیره) अ पु—सूर्य और चद्रमा को छोडकर वाकी पाँच ग्रह, जिनकी चाल उलटी-सीधी होती है।
ख़म्सए मुस्तशर्क़ः (خمسه مسترقه) अ पु—ईरानी साल में हर मास तीस दिन का होता है, परतु 'इस्फदार' को ३५ दिन का कर देते है। यह पाँच दिन 'ख़म्सएमुस्तशर्क.' कहलाते है।
ख़यफ (خیف) अ पु—एक आँख काली और एक नीली होना।
ख़याल (خیال) अ पु—विचार, ध्यान, कल्पना, तख़ैयुल, तवज्जुह, प्रवृत्ति, भावना, जज्व, मति, राय, स्मृति, याद, सज्ञा, होश, सलग्नता, इन्हियाक, दुर्भावना, वदगुमानी, भ्रम, वह्म, अनुमान, अदाज़, एक कविता।
ख़यालआराई (خیال آرائی) अ फा स्त्री—परवाज़े फिक्र, कल्पनाएँ, कविता के लिए मज़्मून की तलाश।
ख़यालवंदी (خیال بندی) अ फा स्त्री—अनेक कल्पनाएँ करना, एक विशेष कविता (ख़याल) की रचना करना।
ख़यालात (خیالات) अ पु—'ख़याल' का वहु, ख़यालो का ताँता, विचारधारा।
ख़याली (خیالی) अ वि—काल्पनिक, फर्ज़ी, कपोल-कल्पित, मनगढत, ख़याल से सम्वन्वित।
ख़याले ख़ाम (خیال خام) अ फा पु—असगत और मिथ्या विचार, गलत ख़याल, भ्रम, वह्म।
ख़याले फासिद (خیال فاسد) अ पु—दे 'ख़याले ख़ाम'।
ख़याले वातिल (خیال باطل) अ पु—दे 'ख़याले ख़ाम'।
ख़याशीम (خیاشیم) अ पु—'ख़ैशूम' का वहु, नथने।
ख़यू (خیو) फा पु—थूक, मुखस्राव, दे 'ख़्यू', दो शु है।
ख़य्यात (خیاط) अ वि—दर्ज़ी, कपडा सीनेवाला, सूचिक।

ख़फ़्तः (خفته) अ. वि –झुका हुआ, ख़मीदा।

ख़फ़्तान (خفتان) अ पुं –सिपाहियों के पहनने का एक विशेष कोट।

ख़फ़्द (خفد) अ. पु –तेज़ चलना, शीघ्र गमन।

ख़फ़्फ़ाफ (خفاف) अ. वि –जूता बनानेवाला, जूता बेचनेवाला, चमड़े के मोज़े बनाने और बेचनेवाला।

ख़फ़्रक (خفرق) अ. वि –निकृष्ट, अधम, बुरा, अपमानित, बेइज्जत, दुःस्वभाव, बदखू।

ख़बख़ब (خبخب) अ पुं –चुबन का शब्द, बोसे की आवाज़।

ख़बज़ (خبز) अ पुं –रेत, रेग; एक स्थान का नाम।

ख़बब (خبب) अ पु –नदी का मौजें मारना, घोड़े का कभी इस पाँव और कभी उस पाँव पर खड़ा होना।

ख़बर (خبر) अ स्त्री –सूचना, सवाद, इत्तिलाअ, सदेश, सँदेसा, पैगाम, समाचार, हाल; मुहम्मद साहब का प्रवचन, हदीस।

ख़बरगीर (خبرگیر) अ फा वि –ख़बर लेनेवाला, पालनपोषण करनेवाला, रक्षक, देख-रेख करनेवाला।

ख़बरगीरी (خبرگیری) अ फा स्त्री –पालन-पोषण, रक्षा, देख-रेख।

ख़बरदार (خبردار) अ फा. वि –सचेत, सतर्क, बाख़बर, सावधान, चेतावनी देने का शब्द, होशियार!

ख़बरदारी (خبرداری) अ फा स्त्री –सतर्कता, होशयारी।

ख़बरदिहंदः (خبر دهنده) अ फा वि –सूचना देनेवाला, सूचक।

ख़बररसाँ (خبررساں) अ फा वि –सूचना पहुँचानेवाला, सूचना-वाहक, पत्र-वाहक।

ख़बररसानी (خبررسانی) अ फा स्त्री –सूचना पहुँचाना, ख़बर ले जाना, ख़बर लाना।

ख़बसः (خبثه) अ पु –ख़बीस का बहु, ख़बीस लोग।

ख़बस (خبث) अ स्त्री –अपवित्रता, गदगी, मलिनता, मैलापन।

ख़बा (خبا) अ पु –छिपाना, छिपाव, गुप्ति, वर्षा, बारिश, घास, सब्ज़।

ख़बाइस (خبائث) अ पु –नापाकियाँ, अपवित्रताएँ।

ख़बाया (خبایا) अ पु –'ख़बा' का बहु, छिपाव, 'ख़िबा' का बहु, ख़ेमे, रावटियाँ।

ख़बार (خبار) अ पु –मुलाइम और भुरभुरी मट्टी, अथवा भूमि।

ख़बाल (خبال) अ पु –विनाश, तबाही, कुमार्गता, गुमराही, हत्या, हलाकी; श्राति, थकान, घातक विष।

ख़बासत (خباثت) अ स्त्री.–दुष्टता, नीचता, कमीनगी, हृदय की अपवित्रता, अत.मलिनता।

ख़बी (خبی) अ वि –गुप्त, पोशीदा, अतर्धान, गाइब।

ख़बीर (خبیر) अ वि.–जानकार, आगाह, जिसे ज्ञात हो, ईश्वर का एक नाम।

ख़बीस (خبیث) अ. वि –अंत कुटिल, शरीर; अंत मलिन, बदबातिन, बहुत बड़ा पापी; बहुत बड़ा धूर्त; भूत-प्रेत।

ख़बीस (خبیس) अ वि –विनोदप्रिय, ज़रीफ, मसख़रिया, हँसमुख, ज़िंदादिल।

ख़बीस (خبیص) अ पु –घी और खजूर से बना हुआ एक भोजन।

ख़बीस तीनत (خبیث طینت) अ वि दे –'ख़बीस बातिन'।

ख़बीस बातिन (خبیث باطن) अ वि –जिसका मन बहुत ही पापी हो, जो बहुत बड़ा धूर्त हो, अतर्मल।

ख़बीसुल बातिन (خبیث الباطن) अ वि –दे 'ख़बीस बातिन'।

ख़ब्जः (خبجه) फा पु –इमली, एक खट्टा फल।

ख़ब्ज़ (خبز) अ. पु –रोटी पकाना।

ख़ब्त (خبط) अ पु –बुद्धि मे पागलपन की मिलावट, बुद्धि-विकार, पागलपन।

ख़ब्ती (خبطی) अ. वि –विकृतबुद्धि, पागल, मिराकी, विकृतमस्तिष्क, दूषितबुद्धि।

ख़ब्तुल हवास (خبط الحواس) अ वि –दे 'ख़ब्ती'।

ख़ब्न (خبن) अ पु –कुर्ते या अगरखे आदि का दामन लपेटना या सीना ताकि वह छोटा हो जाय, छंद शास्त्र के अनुसार किसी 'गण' का दूसरा अक्षर जो हल् हो, उसे गिरा देना, जैसे—'फाइलातुन' से 'फइलातुन्' बनाना।

ख़ब्बाज़ (خباز) अ वि –रोटी पकानेवाला, नानबाई।

ख़ब्बाज़ी (خبازی) अ स्त्री –रोटी पकाने का काम, नानबाईपन।

ख़म (خم) फा पु –वक्रता, टेढापन, झुकाव, ख़मी, (वि) वक्र, टेढा, ख़मीद।

ख़म [म्म] (خم) अ पु –मास का सड़ जाना, घर या कुएँ का अपवित्र हो जाना।

ख़मज़दः (خمزده) फा. वि –भागा हुआ।

ख़म दर ख़म (خم در خم) फा वि –पेचीदा, जिसमे बहुत से पेच हों, जो बहुत उलझा हो।

ख़मदार (خمدار) फा वि –झुका हुआ, ख़मीदा, वक्र, टेढा।

ख़मदीदः (خمدیده) फा वि –दे 'ख़मदार'।

ख़मन (خمن) अ पु –अपवित्रता, मलिनता, गदगी।

ख़मी (خمی) फा स्त्री –वक्रता, कुटिलता, टेढापन, झुकाव।

ख़मीत (خميط) अ वि–बिना छिलके के भुनी हुई वस्तु
ख़मीदः (خميده) फा वि–झुका हुआ, ख़मदार, वक्र, टेढा।
ख़मीदःक़द (خميده قد) फा अ वि–जिसका शरीर झुक गया हो, विनतकाय, वक्रकाय, बहुत बूढा।
ख़मीदःकमर (خميده كمر) फा वि–जिसकी कमर झुक गयी हो, वक्रकटि, बहुत बूढा,—"कमर ख़मीदा नही बेवजह ज़ईफी में–ज़मीन ढूंढ रहा हूँ मज़ार के काबिल।"
ख़मीद क़ामत (خميده قامت) फा अ वि–दे 'ख़मीद क़द'।
ख़मीद सर (خميده سر) फा वि–जिसका सर झुका हो, सर झुकाये, नतमस्तक, लज्जित, व्रीडित, शर्मिंदा।
ख़मीरः (خميره) फा पु–चाटनेवाली मीठी और स्वादिष्ठ दवा, पीने का सुगधित तबाकू।
ख़मीर (خمير) अ पु–ओषधियो मे पानी डालकर सडाया हुआ अरक, आटे मे सोडा और नमक डालकर बनाया हुआ खट्टा आटा जिससे ख़मीरी रोटी बनती है।
ख़मीरमाय. (خميرمايه) अ फा पु–वह वस्तु जो किसी वस्तु की बढोतरी का कारण हो।
ख़मीरी (خميرى) अ वि–ख़मीर से बनी हुई चीज़, विशेपत रोटी, ख़मीर मिली हुई वस्तु, ख़मीर से सम्बन्धित।
ख़मील (خميل) अ पु–हलका भोजन, घटा, बादलो का झुड, पैवद लगे हुए कपडे।
ख़मीस (خميس) अ पु–बृहस्पतिवार, जुम्अरात, पाँच अगोवाली सेना।
ख़मीस (خميص) अ वि–पतले पेट और कमरवाला, कृशोदर।
ख़मूश (خموش) अ पु–पिस्सू, डाँस, मशक, मच्छर।
ख़म्मोचम (خم وچم) फा पु–सुदर स्त्रियो के चलते समय के हाव-भाव।
ख़म्त (خمط) अ पु–पीलू की एक जाति जिसमे छोटे-छोटे फल होते हैं।
ख़म्मान (خمان) अ पु–कमज़ोर भाला, तुच्छ व्यक्ति।
ख़म्मार (خمار) अ वि–शराब बनानेवाला, शराब बेचनेवाला।
ख़म्मारख़ानः (خمارخانه) अ फा पु–मदिरालय, शराबख़ाना।
ख़म्मूद (خمود) अ पु–वह स्थान जहाँ आग सुरक्षित रखते हो।
ख़म्याज़ः (خميازه) फा पु–अँगडाई, नतीजा, परिणाम, जँभाई, जृभा, भुगतमान, करनी का फल।
ख़म्याज़ःकश (خميازه كش) फा वि–अँगडाई लेनेवाला, जँभाई लेनेवाला, भुगतमान भुगतनेवाला, परिणामभोगी।
ख़मयाज़ःकशी (خميازه كشى) फा स्त्री–अँगडाई लेना, जंभाई लेना, भुगतमान भुगतना, करनी का फल भोगना।
ख़मयाज़ए ख़ुश्क (خميازه خشك) फा पु–ऐसी इच्छा जो कभी पूरी न हो सके।
ख़म्रः (خمره) अ पु–'ख़मीर' का लघु, दे 'ख़मीर'।
ख़म्र (خمر) अ पु–ख़मीर करना, मदिरा, शराब।
ख़म्ल (خمل) अ पु–कपडे के तार, (वि) ख़ालिस, बेमेल।
ख़म्सः (خمسه) अ पु–पाँच वस्तुओ का समाहार, उर्दू नज़्म का एक प्रकार जिसमे पाँच मिस्रे हर बद मे होते हैं, गज़ल के दो मिस्रो पर तीन मिस्रे बढाकर उसे भी ख़म्स किया जाता है।
ख़म्सए मुतहैयिरः (خمسه متحيره) अ पु–सूर्य और चद्रमा को छोडकर बाकी पाँच ग्रह, जिनकी चाल उलटी-सीधी होती है।
ख़म्सए मुस्तर्शक़ः (خمسه مسترشقه) अ पु–ईरानी साल में हर मास तीस दिन का होता है, परतु 'इस्फदार' को ३५ दिन का कर देते हैं। यह पाँच दिन 'ख़म्सएमुस्तर्शक़.' कहलाते हैं।
ख़यफ (خيف) अ पुं–एक आँख काली और एक नीली होना।
ख़याल (خيال) अ पु–विचार, ध्यान, कल्पना, तख़ैयुल, तवज्जुह, प्रवृत्ति, भावना, जज्ब, मति, राय, स्मृति, याद; सज्ञा, होश, सलग्नता, इन्हियाक, दुर्भावना, बदगुमानी, भ्रम, वह्म, अनुमान, अदाज़, एक कविता।
ख़यालआराई (خيال آرائى) अ फा स्त्री–परवाज़े फ़िक्र, कल्पनाएँ, कविता के लिए मज्मून की तलाश।
ख़यालबंदी (خيال بندى) अ फा स्त्री–अनेक कल्पनाएँ करना, एक विशेष कविता (ख़याल) की रचना करना।
ख़यालात (خيالات) अ पु–'ख़याल' का बहु, ख़यालो का ताँता, विचारधारा।
ख़याली (خيالى) अ वि–काल्पनिक, फर्ज़ी, कपोलकल्पित, मनगढत, ख़याल से सम्बन्धित।
ख़याले ख़ाम (خيال خام) अ फा पु–असगत और मिथ्या विचार, गलत ख़याल, भ्रम, वह्म।
ख़याले फासिद (خيال فاسد) अ पु–दे 'ख़याले ख़ाम'।
ख़याले बातिल (خيال باطل) अ पु–दे 'ख़याले ख़ाम'।
ख़याशीम (خياشيم) अ पु–'ख़ैशूम' का बहु, नथने।
ख़यू (خيو) फा पु–थूक, मुखस्राव, दे 'ख़ियू', दो शु हैं।
ख़य्यात (خياط) अ वि–दर्ज़ी, कपडा सीनेवाला, सूचिक।

खय्याते अजल (حیاط ازل) अ वि –परलोक मे आत्मा को शरीररूपी वस्त्र पहनानेवाला, अर्थात् ईश्वर।

खय्याव (خیاب) अ वि –निराश, नाउम्मीद, वचित, महरूम, अभागा, वदकिस्मत।

खय्याम (خیام) अ वि –खटिया वनानेवाला, खैमे सीनेवाला, फारसी का प्रसिद्ध मधुवादी कवि, जो नैशापुर नगर का निवासी था, मधु की प्रतीकवादी पद्धति मे उसकी काव्याभिव्यजना सर्वोत्तम हुई है।

खरः (خره) फा स्त्री –तेल निकले हुए वीजो की खली, मिट्टी और धूल का ढेर।

खरः (خره) अ पु –गधा, छोटा, लघु।

खर (خر) फा पु –गधा, गर्दभ, रासभ, शराव की गाद, दे खरचोव, (वि) विशाल, महान्।

खर(र्र) (خر) अ पु –ऊपर से नीचे को पाँव फिसलना।

खरक (خرک) फा पु –दे 'खरचोव'।

खरक (خرق) अ पु –लज्जित होना, मूर्खता, हिमाकत।

खरकुस (خرکس) फा वि –मूर्ख, वुद्धू, वेवकूफ।

खरखेज़ (خرخیز) फा पु –चीनी तुर्किस्तान का एक प्रदेश।

खरगह (خرگه) फा पु –'खिरगाह' का लघु, दे 'खरगाह'।

खरगहेमह (خرگهٔ مه) फा पु –कर्क राशि, वुर्जे सर्तान, चद्रमडल, चाँद मे पडनेवाला घेरा, हाल।

खरगाह (خرگاه) फा पु –वडा खैमा, वडी रावटी, दे 'खिरगाह', दोनो शुद्ध हैं।

खरगोश (خرگوش) फा पु –शश, शशक, खरहा।

खरचंग (خرچنگ) फा पु –केकड़ा, कर्कट, सर्तान, कर्कराशि, वुर्जे सर्तान।

खरचोव (خرچوب) फा पु –वह छोटी लकडी जो सितार या रवाव की तुवी पर होती है और जिसमे तार जडते हैं।

खरज़ः (خرزه) फा पु –मोटा और लम्वा लिंग।

खरज़ः (خرزه) अ पु –पीठ की हड्डी की गुरिया, मोहरा।

खरज़ (خرز) अ पु –'खरज़' का वहु, पीठ की हड्डी के मोहरे, रीढ की गुरियाँ।

खरज़न (خرزن) फा पु –चावुक, कोडा, कशा।

खरदलः (خردله) अ पु –दे 'ख़र्दल'।

खरदल (خردل) अ पु –दे 'ख़र्दल'।

खरदिल (خردل) फा वि –डरपोक, भीरु, वुज़दिल।

खरदिली (خردلی) फा स्त्री –भीरुता, डरपोकपन, वुज़दिली।

खरनफ़्स (خرنفس) फा अ वि –वहुत अधिक कामशक्तिवाला, वहुत वडे लिंगवाला।

खरणच (خرپاچه) फा पु –गधे का वच्चा, खर-शावक।

खरपुश्त. (خرپشته) फा पु –वहुत वडा पुश्ता।

खरफ़ (خرف) अ पु –वुद्धि का विनाश, अक्ल की तवाही।

खरवंदः (خربنده) फा पु –गधे का मालिक, गधेवाला।

खरवत (خربط) फा पु –वडी वतख, राजहंस, मूर्ख, घामड़।

खरवुज़ः (خربزه) फा. पु –एक प्रसिद्ध फल, 'खरवूजा'।

खरमगस (خرمگس) फा पु –एक वडी मक्खी, जो घाव पर वैठती है तो उसमे कीड़े पड़ जाते हैं।

खरमस्ती (خرمستی) फा स्त्री –ऐसी मस्ती जिसमें पुरुष विलकुल गधा वन जाय और वेहूदा और अश्लील हरकतें करने लगे, पिशाचोन्माद।

खरमोहरः (خرمهره) फा पु –छोटा घोघा जो तालावो मे होता है।

खरमोहरए कोचक (خرمهرهٔ کوچک) फा पु –कौडी, कर्पादिका, वराटिका।

खरमोहरए ज़र्द (خرمهرهٔ زرد) फा पु –दे 'खरमोहरए कोचक'।

खरमोहरए सफेद (خرمهرهٔ سفید) फा पु –शख, दर, कवु, सख।

खरवार (خروار) फा पु –एक गधे का वोझ, किसी वस्तु का गधे के वरावर ऊँचा ढेर।

खरसंग (خرسنگ) फा पु –वडा पत्थर, शिला।

खरस (خرس) अ पु –गूँगा होना, मूक होना।

खरस (خرص) अ पु –भूखा होना।

खरह (خره) अ पु –कुक्कुट, मुर्गा, मुर्गे के आकार की सुराही।

खरा' (خرع) अ पु –आलस्य, सुस्ती, मदता, सस्तापन, डालियो का टूटकर गिरना।

खराइद (خرائد) अ स्त्री –'खरीद' का वहु, कुँवारी स्त्रियाँ, अनविधे मोती, लज्जावती महिलाएँ।

खराइफ (خرائف) अ पु –'खरीफ' का वहु, खजूर के वे पेड जिनके खजूर तोड़ लिये गये हो।

खराज (خراج) अ पु –लगान, भूमिकर, वह रकम जो अधीन राज वडे राज को देता है, चौथ।

खराजगुज़ार (خراج گزار) अ फा वि –खराज देनेवाला, अधीन राज अथवा राजा।

खरात (خراط) अ पु –लकडी पर रदा करना, लकड़ी खरादना, दे 'खराद'।

खरातीन (خراطین) फा पु –केचुआ, भूलता, महीलता, किंचुलक, भूनाग।

खरातीम (خراطیم) अ पु –'खुर्तूम' का वहु, हाथी की सूँडें, राष्ट्र अथवा जाति के महान् व्यक्ति।

खराद (خراد) फा पु –लकडी खरादने की क्रिया, लकडी खरादने का यत्र, शुद्ध शब्द 'खरात' है, परन्तु उर्दू और फार्सी में 'खराद' ही है।

ख़राबः (خرابه) फा पु –निर्जन और अन्न-जल-रहित स्थान, खँडहर, वीरान, शत्रु शासक का देश।

ख़राबः आबाद (خرابه‌آباد) फा पु –ससार, जगत्, दुनिया।

ख़राब (خراب) अ वि –बिगडा हुआ, विकृत, दूषित, नाकिस, अपवित्र, नापाक, निकृष्ट, बुरा, नीच, कमीना, धूर्त, बदमआश, विध्वस्त, बरबाद, निर्जन, वीरान; उन्मत्त, मतवाला, कदाचारी, बदचलन।

ख़राबहाल (خراب‌حال) अ वि –जिसकी आर्थिक दशा खराब हो, दुर्दशाग्रस्त, जिसकी दशा बिगडी हुई हो, पतले हालवाला।

ख़राबात (خرابات) फा पु –मधुशाला, मदिरालय, शराबखान, कैतवालय, अक्षवार, जुआघर।

ख़राबाती (خراباتی) फा वि –हर समय नशे मे मस्त रहनेवाला, जुआ खेलने का धर्त।

ख़राबी (خرابی) अ स्त्री –विकार, दोष, नक्स, अनिष्ट, हानि, ज़रर, निकृष्टता, ख़िस्ती, उन्माद, मस्ती, निर्जनता, वीरानपन, विध्वस, वरवादी।

ख़राश (خراش) फा स्त्री –उचटता हुआ घाव, छीलन, रगड।

ख़राशीदः (خراشیده) फा वि –खरोच लगा हुआ।

ख़रास (خراس) फा पु –बैल आदि से चलनवाली चक्की, तेल का कोल्हू।

ख़रीफ़ (خریف) अ वि –बहुत बूढा, सठियाया हुआ।

ख़रिब (خرب) अ वि –निर्जन, वीरान, खरावशुदा, ध्वस्त।

ख़रीक़ (خریق) अ वि –जिसका पर्दा फट गया हो, जिसकी बुराइयाँ प्रकट हो गयी हो।

ख़रीज (خریج) अ पु –एक खेल जो अरब में खेला जाता है।

ख़रीतः (خریطه) अ पु –थैला, झोला, लिफाफा, सरकारी आदेशपत्र का लिफाफा।

ख़रीदः (خریده) फा वि –मोल लिया हुआ, क्रीत।

ख़रीदः (خریده) अ स्त्री –कुमारी, दोशीज़, लज्जावती स्त्री (पु) अनविधा मोती।

ख़रीद (خرید) फा स्त्री –मोल लेने का भाव, खरीदारी।

ख़रीदार (خریدار) फा वि –मोल लेनेवाला, ग्राहक।

ख़रीदारी (خریداری) फा स्त्री –मोल लेने का काम, खरीद।

ख़रीदो फ़रोख़्त (خرید و فروخت) फा स्त्री –मोल लेना और बेचना, क्रय-विक्रय।

ख़रीफ़ (خریف) अ स्त्री –फसली साल की दो ऋतुओ में से एक, कार्तिक की फसल।

ख़रूफ़ (خروف) अ पु –घोडे, भेड-बकरी अथवा खरगोश का बच्चा।

ख़र्क़ (خرق) अ पु –फटना, टुकडे होना।

ख़र्क़े आदत (خرقِ عادت) अ पु –प्राकृतिक कार्य के विरुद्ध कार्य, चमत्कार मो'जिज़।

ख़र्क़ो इल्तियाम (خرق و التیام) अ पु –फटना और मिलना, अलग-अलग होकर एक हो जाना, तलवार की कटन भर जाना, घाव भर जाना।

ख़र्च (خرچ) फा पु –व्यय, सर्फ, उपभोग, इस्ते'माल।

ख़र्ज (خرج) अ पु –बाहर निकलना, व्यय, खर्च।

ख़र्ज़ (خرز) अ पु –चमडे का मोज़ा सीना, जूता सीना।

ख़र्त (خرط) अ पु –लकडी पर रदा करना, हर कटी और छिली चीज़ को चिकना करना।

ख़र्दलः (خردله) अ पु –राई का एक कण।

ख़र्दल (خردل) अ स्त्री –राई।

ख़र्फ़ (خرف) अ पु –फल बीनना, मेवा चुनना।

ख़र्बक़ (خربق) अ स्त्री –कुटकी, एक दवा।

ख़र्म (خرم) अ पु –नथना छेदना, काटकर कम करना, किसी 'गण' का पहला अक्षर गिराना, जैसे–'फ़ऊलुन्' से ऊलुन करके 'फ़अ्लुन्' बनाना।

ख़र्मन (خرمن) फा पु –बिना दाँयँ चलाया हुआ खलियान।

ख़र्या' (خریع) अ पु –शश-शावक, खरगोश का बच्चा।

ख़र्राज़ः (خرازه) अ पु –ज़ोर की आवाज़ करके बहनेवाला पानी।

ख़र्राज़ (خراز) अ वि –चमडा सीनेवाला, जूता सीनेवाला, मोची।

ख़र्रात (خراط) अ वि –खराद का काम करनेवाला, बढई।

ख़र्राती (خراطی) अ स्त्री –खराद का काम।

ख़र्राद (خراد) फा वि –खराद का काम करनेवाला, लकडी पर रदा फेरनेवाला।

ख़र्रादी (خرادی) फा स्त्री –खराद का काम, रदे का काम।

ख़र्रास (خراس) अ वि –कुम्हार, कुभकार।

ख़र्रास (خراص) अ वि –कूत करनेवाला, कूतनेवाला, तख़्मीन करनेवाला, झूठा, मिथ्यावादी।

ख़र्श (خرش) अ पु –छीलना, बच्चो के लिए रोटी कमाना, कमाई करना।

ख़र्स (خرس) अ पु –घडा, कुभ, मटका।

ख़र्स (خرص) अ पु –खडी फसल का कूत करना, झूठ बोलना।

ख़लज (خلنج) अ पु –दे 'खदग'।

ख़लः (خله) फा पु –नोकदार सीख, हर चुभनेवाली वस्तु, लम्बी लकडी जिसमे नाव चलाते हैं, पतवार।

ख़ल[ल्ल] (خل) अ पु –सिर्का, एक प्रसिद्ध खटास।

खलक (خلق) अ पु –कपडो का पुराना होना, पुराना वस्त्र, पुराना लिवास।
खलकान (خلقان) अ पु –पुराना लिवास, पुराना वस्त्र।
खलज (خلج) अ पुं –काम की थकन से जोडो का दर्द, आँख या किसी अन्य अंग का फडकना।
खलजान (خلجان) अ पु –दे 'खल्जान', शुद्ध यही है, परन्तु उर्दू मे 'खल्जान' ही वोलते है।
खलद (خلد) अ पु –हृदय, मन, दिल, आत्मा, रूह।
खलफ (خلف) अ पु –सुपुत्र, अच्छा लडका, सपूत, (वि.) पीछे आनेवाला।
खलफुर्रशीद (خلف الرشید) अ पु –सपूत, अच्छा और नेक लडका।
खलफुस्सिद्क (خلف الصدق) अ पु –दे दो 'खलफुर्रशीद'।
खलल (خلل) अ पु –विघ्न, वाधा, अड़चन, हस्तक्षेप, दखलअदाज़ी; विकार, खरावी।
खललअंदाज़ (خلل انداز) अ फा वि –गडवडी और वाधा डालनेवाला, विघ्नकर, हस्तक्षेप करनेवाला।
खललअंदाज़ी (خلل اندازی) अ फा स्त्री.–गडवड करना, वाधा डालना, हस्तक्षेप करना।
खलले दिमाग़ (خلل دماغ) अ पु –दिमाग की खरावी, वुद्धिदोप, पागलपन।
खला (خلا) अ. पु –अंतरिक्ष, फिज़ाए आस्मानी, रिक्त होना, खाली होना, अकेला होना, एकाकी होना, एकान्त मे किसी के साथ आना।
खलाअत (خلاعت) अ स्त्री –माता-पिता की आज्ञा न मानना, वे सामान और परीशान होना, पापकर्म और दुराचार।
खलाइक (خلائق) अ स्त्री –'खलीक' का वहु, जनता, जन-सावारण, अवाम।
खलाइफ (خلائف) अ. पु –'खलीफ' का वहु प्रतिनिधि लोग, जानशीन लोग।
खलाक (خلاق) अ पु –किसी व्यक्ति में सद्‌गुणो की वहुतात।
खलाकत (خلاقت) अ स्त्री –पुराना होना, जीर्णता।
खलावः (خلاوہ) अ पु दे –'खलावत'।
खलाव (خلاب) अ स्त्री –कीचड-पानी मिली हुई मिट्टी।
खलावत (خلابت) अ स्त्री –किसी को वातो से मुग्ध कर लेना।
खलामला (خلاملا) अ पु –गहरा मेलजोल, गहरा प्रेम-व्यवहार।
खलाश. (خلاشہ) फा पु –कूडा-करकट।
खलाश (خلاش) फा पुं –कोलाहल, शोर-गुल।
खलाशां (خلاشاں) फा. पु –'खलाश' का वहु, कूडा-करकट, इसका अर्थ लिया जाता है, ईर्ष्यालु और विरोधी लोग।
खलास (خلاص) अ पु –मुक्ति, छुटकारा, रिहाई, (वि) मुक्त, रिहा, छुटकारा पाया हुआ, रिक्त।
खलासी (خلاصی) तु स्त्री –मुक्ति, छुटकारा, रिहाई।
खलिक (خلق) अ पु –पुराना कपडा।
खलिफ (خلف) अ स्त्री –गाभिन ऊँटनियाँ।
खलिश (خلش) फा स्त्री –चुभन, चुभने का भाव, दर्द की टीस; चिन्ता, फिक्र, उलझन।
खलीअ (خلیع) अ पु –जुआरी और शिकारी जिनका दाँव खाली जाय, अवज्ञाकारी और परेशान व्यक्ति, भेडिया, वृक।
खलीउल इज़ार (خلیع العزار) अ वि –जिसकी वागडोर टूट गयी हो, स्वच्छद, वे लगाम।
खलीकः (خلیقہ) अ पु –जन साधारण, जनता, ससार मे उत्पन्न हर वस्तु, स्वभाव, प्रकृति, तवीअत।
खलीक़ (خلیق) अ वि –सुशील, सुष्ठु, मिलनसार, मुरव्वत-वाला।
खलीज (خلیج) अ स्त्री –नदी आदि की शाखा, खाडी, कुक्षि, समुद्र-कुक्षि।
खलीत (خلیط) अ वि –किसी सपत्ति के भागीदार, पति, शौहर, चचा का लडका, चचाज़ाद भाई।
खलीफः (خلیفہ) अ पु –प्रतिनिधि, नाइव, नुमाइद, किसी की अनुपस्थिति मे उसके स्थान पर काम करनेवाला, हज़रत मुहम्मद साहिव के वाद उनका जानशीन।
खलीफ (خلیف) अ पु –पीछे आनेवाला, दो पहाडो के वीच का मार्ग।
खलीफतुल मुस्लिमीन (خلیفت المسلمین) अ पु –महम्मद साहिव के खलीफाओ की उपाधि, मुसलमान शासको की उपाधि।
खलीय. (خلیہ) अ वि –वह स्त्री जिसे तलाक दे दी गयी हो, विवाह-विच्छिन्ना, वह ऊँट जिसे छोड़ दिया गया हो।
खलील (خلیل) अ वि –मित्र, सखा, दोस्त।
खलीलुल्लाह (خلیل اللہ) अ पु –ईश्वर का मित्र, 'हज़्रत इब्राहीम' की उपाधि।
खलीस (خلیص) अ वि –मिश्रित, मिला हुआ।
खलूक (خلوق) अ पु –सुगध, खुशवू, एक प्रकार का सुगधित मिश्रण।
खल्अ (خلع) अ पु –किसी अग का अपने स्थान से विचलित हो जाना, पहने हुए वस्त्र उतारना, स्थान से हटना, किसी को खिल्अत देना।
खल्एबदन (خلع بدن) अ पु –दे 'खल्एरूह'।

ख़ल्एरूह (خلع روح) अ पु –अपने प्राणो को किसी दूसरे के शरीर मे डालना, प्राण का शरीर से निकाल देना।

ख़ल्क (خلق) अ पु –सृष्टि करना, उत्पत्ति करना, उत्पत्ति, पैदाइश, उत्पन्न, पैदाशुद, जनता, अवाम।

ख़ल्कुल्लाह (خلق الله) अ स्त्री –ईश्वर की मख़्लूक, प्राणी-वर्ग, जानदार, मानवजाति, जन साधारण।

ख़ल्ख़ाल (خلخال) अ स्त्री –नूपुर, अदुक, पाज़ेब।

ख़ल्जान (خلجان) अ पु –झगडा, बखेडा, खटखट, चिन्ता, फ़िक्र, दुबिधा, द्विधा, तज़ब्ज़ुब।

ख़ल्त (خلط) अ पु –मिलाना, मिश्रित करना, मिश्रण।

ख़ल्तमल्त (خلطملط) तु पु –मिला-जुला, मिश्रित, गड्डमड्ड, एक में मिला हुआ, प्रेम-व्यवहार, खिल्तमिल्त।

ख़ल्ते मब्हस (خلط مبحث) अ पु –किसी एक प्रसग के बीच दूसरा प्रसग छेड देना, एक काम के बीच दूसरा काम उपस्थित कर देना।

ख़ल्फ (خلف) अ पु –कपूत, बुरा लडका, कुपुत्र, पीछा।

ख़ल्फिशार (خلفشار) फा पु –गडबड, खलबली, अशाति, आपाधापी, अपनी-अपनी पडना, घबराहट।

ख़ल्लाक़ (خلاق) अ वि –बहुत अधिक उत्पन्न करनेवाला, सृष्टि को उत्पन्न करनेवाला, ईश्वर।

ख़ल्लुज (خلخ) अ पु –तुर्की का एक नगर।

ख़ल्वत (خلوت) अ स्त्री –जहाँ कोई दूसरा न हो, एकान्त, तन्हाई, स्त्री-पुरुष का एकान्तवास।

ख़ल्वतकदः (خلوت کدہ) अ फा पु –वह स्थान जहाँ कोई दूसरा न हो।

ख़ल्वतख़ानः (خلوت خانہ) अ फा पु –दे 'खल्वतकद'।

ख़ल्वतगाह (خلوت گاہ) अ फा स्त्री –दे 'खल्वतकद'।

ख़ल्वतगुज़ीं (خلوت گزیں) अ फा वि –सबसे अलग रहकर एकात मे वास करनेवाला, एकान्तवासी।

ख़ल्वतगुज़ीनी (خلوت گزینی) अ फा स्त्री –सबसे अलग रहकर एकान्त मे रहना।

ख़ल्वतदोस्त (خلوت دوست) अ फा वि –अकेला जीवन व्यतीत करने में आनन्द प्राप्त करनेवाला, एकातप्रिय।

ख़ल्वतनशीं (خلوت نشیں) अ फा वि –दे 'खल्वतगुज़ी'।

ख़ल्वतनशीनी (خلوت نشینی) अ फा स्त्री –दे 'खल्वत-गुज़ीनी'।

ख़ल्वतपसंद (خلوت پسند) अ फा वि –दे 'खल्वत दोस्त'।

ख़ल्वतपसदी (خلوت پسندی) अ फा स्त्री –अकेला जीवन व्यतीत करने में आनन्द लेना।

ख़ल्वतसरा (خلوت سرا) अ फा स्त्री –दे 'खल्वतकद'।

ख़ल्वतियाँ (خلوتیاں) अ फा पु –'खल्वती' का बहु, एकान्त मे वास करनेवाले, किसी एकातवासी के पास आने-जानेवाले।

ख़ल्वती (خلوتی) अ वि –एकात जीवन व्यतीत करने-वाला, किसी एकात निवासी के पास आने-जानेवाला।

ख़ल्वते सहीह (خلوت صحیح) अ स्त्री –निकाह के बाद पुरुष और स्त्री का सभोगार्थ एकात मे रात काटना जहाँ कोई दूसरा प्राणी न हो।

ख़बर (خبر) अ पु –आलस्य, सुस्ती, समाचार।

ख़वर्नक (خورنق) अ पु –वह अद्‌भुत भवन जो नो'मान बिन मुज़िर ने बह्रामगोर के लिए बनवाया था।

ख़वल (خول) अ पु –'खाइल' का बहु, ईश्वर के दिये हुए नौकर-चाकर और धन-सपत्ति आदि।

ख़वाक़ीन (خواقین) अ पु –'ख़ाकान' का बहु, सम्राट् लोग।

ख़वातिफ (خواتف) अ पु –'खातिफ' का बहु, उचक ले जानेवाले, उडा ले जानेवाले, आपत्तियाँ, मुसीबते, सद्‌मे।

ख़वातिम (خواتم) अ पु –'ख़ातिम' का बहु, ख़ातिमे।

ख़वातिर (خواطر) अ पु –'ख़ातिर' का बहु, हृदय मे आने-वाले विचार।

ख़वातीन (خواتین) अ स्त्री –'खातून' का बहु, महिलाएँ, बडे लोगो की स्त्रियाँ।

ख़वातीम (خواتیم) अ पु –'खातम' का बहु, अँगूठियाँ, मुहर करनेवाली अँगूठियाँ।

ख़वानीन (خوانین) अ पु –'खान' का बहु, 'खान' की उपाधि रखनेवाले लोग, बडे-बडे सरदार।

ख़वाफी (خوافی) अ पु –'खाफिय' का बहु, पेड़ के तने के पासवाली शाखाएँ, पक्षी के नीचेवाले पर।

ख़वारिक़ (خوارق) अ पु –'खारिक' का बहु, वह आचार-व्यवहार जो दूसरे व्यक्तियो के लिए आश्चर्यजनक हो।

ख़वारिज (خوارج) अ पु –'खारिजी' का बहु, 'खारिजी' सम्प्रदाय के व्यक्ति जो हज़रत अली को बुरा जानते और कहते हैं।

ख़वास (خواص) अ पु –'खास' का बहु, खास लोग, मुख्य लोग, 'खास्स' का बहु, गुण, धर्म, खासियतें, (स्त्री) शाहीमहल की वह दासी जो बादशाह के पास एकात मे आती-जाती हो।

ख़वासी (خواصی) अ स्त्री –मुसाहिबत, खिदमतगारी, उच्च सेवाकार्य, राजसेवा।

ख़वीद (خوید) फा पु –गेहूँ या जौ का हरा पेड जिसे भूनकर दाने चबाते हैं।

खव्वान (خوان) अ. वि —बहुत अधिक खियानत करनेवाला।

खव्वास (خواص) अ. वि —थैले बनानेवाला; खजूर की चटाइयाँ बनाने और बेचनेवाला।

खशन (خشن) फा पु —पलास, टाट, मोटा कपड़ा।

खशब (خشب) अ पु —लकड़ी, इमारती लकड़ी; ईंधन, जलाने की लकड़ी।

खशम (خشم) अ पु.—मांस सड़ जाना; नाक के नथने चौड़े हो जाना; नाक में रोग से दुर्गन्ध उत्पन्न होना।

खशिन (خشن) अ वि —खुरदरा, खुर्रा, (पु.) एक पीड़ा जिससे शरीर की त्वचा खुरदरी हो जाती है।

खशी (خشی) अ स्त्री —डरना, भय करना।

खशीयत (خشیت) अ. स्त्री —डर, खौफ, भय, त्रास।

खशखशः (خشخشہ) अ पु —काग़ज़ अथवा नये कपड़ो का शब्द।

खशखाश (خشخاش) अ स्त्री —पोस्त का दाना, खशखश, (वि) सशक्त व्यक्ति, मुसल्लह्।

खश्फ (خشف) अ पु.—हिलना, झूमना; पूछना, जानना, पत्थर से सर टकराना, सर फोड़ना।

खश्ब (خشب) अ. पु —किसी चीज़ मे से दूसरी चीज़ छाँटना, किसी चीज़ में दूसरी चीज़ मिलाना।

खश्म (خشم) फा पु —क्रोध, कोप, रोष, गुस्सा, दे 'खिश्म', दोनो शुद्ध हैं।

खश्म (خشم) अ. पु —नथने का टूट जाना।

खश्मगीं (خشمگیں) अ फा वि —रोष से भरा हुआ, क्रोधातुर, प्रकुपित।

खश्मनाक (خشمناک) अ फा वि —दे 'खश्मगीं'।

खश्शाम (خشام) अ. वि —बहुत बडी नाकवाला व्यक्ति, जिसके नथने बहुत उठे हो।

खस (خس) फा स्त्री.—सूखी घास; एक सुगंधित जड़, उशीर; फूस, गाडर।

खस [स्स] (خس) अ पु —कम करना; कंजूस होना, काहू, एक पेड़।

खसक (خسک) फा पु —गोखरू, गोक्षुर, लोहे के गोखरूनुमा काँटे।

खसखान. (خس خانہ) फा पु.—खस का मकान, झोपडा।

खसपोश (خس پوش) फा वि —घास से ढँका हुआ, घास से पाटा हुआ।

खसाइल (خصائل) अ पु —'खस्लत' का बहु, अच्छे स्वभाव, कभी बुरे स्वभावो के लिए भी आता है।

खसाइस (خسائس) अ पु —'खसीस.' का बहु, नीचताएँ, कमीनगियाँ; बुराइयाँ, निकृष्टताएँ।

खसाइस (خصائص) अ पु —'खसीस.' का बहु, विशेषताएँ, खुसूसियतें।

खसारः (خسارہ) अ पु —हानि, क्षति, नुक़सान।

खसारत (خسارت) अ. स्त्री —हानि, नुक़सान; हत्या, हलाकी, कुमार्ग-गमन, गुमराही।

खसास. (خصاصہ) अ पु —दरिद्रता, कगाली, सन्यास, दरवेशी।

खसासत (خساست) अ स्त्री —कृपणता, कजूसी; नीचता, अधमता, कमीनगी।

खसीन (خصین) अ. वि —छोटा, लघु, (पु) कुल्हाडी।

खसीफ (خسیف) अ. पु —पथरीली ज़मीन में खोदा हुआ कुवाँ, जिसका पानी कभी कम न होता हो।

खसीम (خصیم) अ. वि.—शत्रु, दुश्मन।

खसीसः (خصیصہ) अ स्त्री —स्वभाव, प्रकृति, आदत।

खसीस. (خسیسہ) अ स्त्री —अधमता, नीचता, कमीनगी, निकृष्टता, बुराई।

खसीस (خسیس) अ वि —कृपण, मक्खन, व्ययकुंठ, बद्धमुष्टि, कजूस; पामर, अधम, नीच, कमीना।

खसूर (خسور) अ वि —जिसे घाटा आया हो, दिवालिया।

खसूस (خصوص) अ पु —दे 'खुसूस', दोनो शुद्ध हैं।

खसूसीयत (خصوصیت) अ स्त्री —दे 'खुसूसीयत', दोनो शुद्ध हैं।

खस्तः (خستہ) फा वि —क्षत, घायल, ज़ख्मी, दुर्दशाग्रस्त, बदहाल; श्रान्त, क्लान्त, थका हुआ, भुरभुरा, जिसमे खस्तापन हो, (पु) गुठली, फल का बीज।

खस्त.खानः (خستہ خانہ) फा पु —ज़ख्मियो का चिकित्सालय।

खस्त.जाँ (خستہ جاں) फा. वि.—दे 'खस्त दिल'।

खस्तःजानी (خستہ جانی) फा स्त्री —दे. 'खस्त दिली'।

खस्त.जिगर (خستہ جگر) फा वि —दे 'खस्त दिल'।

खस्त जिगरी (خستہ جگری) फा स्त्री —दे 'खस्त दिली'।

खस्तःतन (خستہ تن) फा वि —जिसका तमाम शरीर घायल हो; जिसका शरीर थका हुआ हो।

खस्त तनी (خستہ تنی) फा स्त्री —सारे शरीर का घायल होना, शरीर का थका हुआ होना।

खस्त.दिल (خستہ دل) फा वि —जिसका हृदय घायल हो, क्षत-हृदय, जिसका मन दुखी हो, दु खितहृदय, प्रेमी, आशिक़।

खस्त दिली (خستہ دلی) फा स्त्री —हृदय का घायल होना, मन का दुखी होना।

खस्त.हाल (خستہ حال) फा अ वि —जिसका हाल दु ख ने पतला हो, दु खितहृदय, जिसकी आर्थिक दशा खराब हो, दरिद्र, अकिंचन।

ख़स्त:हाली (خستۂحالی) फा अ स्त्री –दु ख से हाल पतला होना, दरिद्र होना, निर्धन होना, कगाल होना।
ख़स्तएग़म (خستۂغم) फा अ वि –दु ख से वदहाल, प्रेम के रोग से पीडित।
ख़स्तगी (خستگی) फा स्त्री –शिथिलता, थकन, घायल होने का भाव, भुरभुरापन।
ख़स्फ़ (خسف) अ पु –किसी को भूमि का निगलना, चाँद को ग्रहण लगना, आँखो का गढे में वैठ जाना।
ख़स्फ़ (خصف) अ पु –ना'ल ठोकना, एक वस्तु को दूसरी मे जोडना और चिपकाना।
ख़स्म (خصم) अ पु –शत्रु, वैरी, दुश्मन, स्वामी, मालिक, पति।
ख़स्मान. (خصمانہ) अ फा पु –देख-रेख, देख-भाल।
ख़स्ल (خصل) अ पु –वह धन जो जुए के दाँव मे एक वार रखा जाय।
ख़स्लत (خصلت) अ स्त्री –स्वभाव, प्रकृति, आदत, धर्म, गुण, खासियत।
ख़स्साफ़ (خصاف) अ वि –ना'ल जडनेवाला, ना'लवद, मिथ्यावादी, झूठा।
ख़ह (خہ) फा अव्य –अहो, वाह।
ख़ह ख़ह (خہ خہ) फा अव्य –वाह वाह, साधु साधु।
ख़हे (خہے) फा अव्य –वाह, अहो, साधु।

ख़ा

ख़ाँ (خاں) फा पु –'खान' का लघु, दे 'खान'।
ख़ाँ बहादुर (خاں بہادر) फा तु पु –अग्रेजी राज के समय की एक उपाधि जो वह अपने मुसलमान भक्तो को दिया करता था।
ख़ा (خا) फा प्रत्य –खानेवाला, जैसे—'शकरखा' शकर खानेवाला।
ख़ाइन (خائن) अ वि –वददियानत, रुपये-पैसे मे खुर्द-वुर्द करनेवाला, व्यवहारानिष्ठ।
ख़ाइफ़ (خائف) अ वि –भयभीत, त्रस्त, डरा हुआ, डरनेवाला।
ख़ाइब (خائب) अ वि –हताश, निराश, नाउम्मीद, वचित, विहीन, महरूम।
ख़ाइल (خائل) अ वि –किसी वस्तु की चौकसी करनेवाला, टहलनेवाला।
ख़ाईद. (خائیدہ) फा वि –चवाया हुआ, चर्वित, खाया हुआ, भुक्त।
ख़ाईदनी (خائیدنی) फा वि –चवाने योग्य, खाने योग्य।
ख़ाक. (خاکہ) फा पु –रेखाचित्र, तस्वीर का ढांचा, किसी कार्यादि का ढाँचा, रूपरेखा, किसी कहानी आदि का प्लाट, कथावस्तु, किसी कार्यविशेष का प्लाट।
ख़ाक (خاک) फा स्त्री –धूलि, रज, गर्द, मृत्तिका, मिट्टी, भूमि, ज़मीन।
ख़ाकअंदाज़ (خاک انداز) फा पु –कूडा-करकट डालने का पात्र, कूडाखाना, किसी चीज़ के खो जाने पर शकित लोगो से धूल फिकवाने की क्रिया, ताकि वह धूल में मिलाकर चीज़ फेंक दे और किसी को निंदित न होना पडे।
ख़ाकआमेज़ (خاک آمیز) फा वि –मिट्टी मिला हुआ, जिस वस्तु में मिट्टी मिली हो।
ख़ाकआलूद (خاک آلود) फा वि –मिट्टी मे लथडा हुआ, मिट्टी में सना हुआ, मिट्टी या धूल लगा हुआ।
ख़ाकज़ाद (خاک زاد) फा वि –मिट्टी से उत्पन्न, मनुष्य और दूसरे प्राणी।
ख़ाकदान (خاکداں) फा पु –कूडा डालने का स्थान, कूडा-घर, ससार, जगत्, दुनिया।
ख़ाकदाने देव (خاکداں دیو) फा पु –ससार, दुनिया।
ख़ाकनशीं (خاک نشیں) फा वि –भूमि पर वैठनेवाला, विनम्र, विनीत, दीन, दुखी, लाचार।
ख़ाकनशीनी (خاک نشینی) फा स्त्री –विनम्रता, विनति, खाकसारी, दीनता, हीनता, लाचारी।
ख़ाकनाए (خاکنائے) फा पु –पानी का वह तग हिस्सा जो पृथ्वी के दो भागो को अलग करता है।
ख़ाकनिहाद (خاک نہاد) फा वि –दे 'खाकी निहाद'।
ख़ाकवसर (خاک بسر) फा वि –सर पर खाक डालता हुआ, धूल उडाता हुआ, शोक से रोता-पीटता हुआ।
ख़ाकवाज़ (خاک باز) फा वि –धूल-मिट्टी उडानेवाला, मिट्टी से खेलनेवाला।
ख़ाकवेज़ (خاک بیز) फा वि –खाक छाननेवाला, न्यारिया, जो मिट्टी मे से सोना-चाँदी निकालता है।
ख़ाकवेज़ी (خاک بیزی) फा स्त्री –खाक छानना, न्यारा कमाना, न्यारिये का काम करना।
ख़ाकरोब (خاک روبہ) फा पु –झाडू से झडा हुआ कूडा-करकट।
ख़ाकरोब (خاکروب) फा वि –झाडू लगानेवाला, झाडने-वाला, मेहतर, भगी।
ख़ाकरोबी (خاکروبی) फा स्त्री –झाडू लगाने का काम, मेहतर का काम।
ख़ाकशी (خاکشی) फा स्त्री –एक वहुत ही महीन दाने जो दवा मे काम आते है।

ख़ाकसार (خاکسار) फा वि –विनम्र, विनीत, आजिज, बोलनेवाला इस शब्द का प्रयोग अपने लिए भी करता है।

ख़ाकसारी (خاکساری) फा स्त्री –विनम्रता, विनति, आजिजी।

ख़ाक़ान (خاقان) तु पु –सम्राट्, महाराज, शहनशाह, तुर्की शासको की उपाधि, चीनी शासको की उपाधि।

ख़ाकिस्तर (خاکستر) फा स्त्री –राख, भस्म, जली हुई वस्तु का अवशेष।

ख़ाकिस्तरी (خاکستری) फा स्त्री –मटमैला रग, मटमैले रग का।

ख़ाकी (خاکی) फा वि –मिट्टी से सम्बन्धित, मिट्टी का बना हुआ, मृण्मय, ख़ाकी रग।

ख़ाकी निहाद (خاکی نہاد) फा वि –जिसकी रचना मिट्टी से हुई हो; प्राणिवर्ग, मनुष्य।

ख़ाके अंगेख़्तः (خاکِ انگیختہ) फा स्त्री –पृथ्वी, भूगोल।

ख़ाके जिगरगीर (خاکِ جگرگیر) फा स्त्री –ऐसा स्थान जहाँ से मन कही और जाने को न करे।

ख़ाके पा (خاکِ پا) फा स्त्री –पाँव की धूल, पदरज, पदार, बोलनेवाला बडे आदमी से सबोधन करते हुए अपने को भी कहता है।

ख़ाके फ़रामोशाँ (خاکِ فراموشاں) फा स्त्री –समाधि-क्षेत्र, कब्रिस्तान।

ख़ाके मुरक्कब (خاکِ مرکب) फा अ स्त्री –प्राणिवर्ग, वनस्पतिवर्ग और पाषाणवर्ग का समाहार।

ख़ाके मुर्दः (خاکِ مردہ) फा स्त्री –ऐसी भूमि जिसमे कुछ उत्पन्न न हो, ऊसर, बजर।

ख़ाके शिफ़ा (خاکِ شفا) फा अ स्त्री –रोगमुक्त करनेवाली मिट्टी, किसी महात्मा या वली के द्वार की धूल, करबला की मिट्टी जिसकी मालाएँ आदि बनती हैं।

ख़ाके सियाह (خاکِ سیاہ) फा स्त्री –जलकर काली राख बना हुआ, भस्मसात्, भस्मीभूत।

ख़ाग (خاگ) फा पु –मुर्गी का अडा।

ख़ागीनः (خاگینہ) फा पु –अडो का आमलेट।

ख़ाज' (خازہ) फा पु –सनी हुई मिट्टी जो दीवारो पर लेसी जाती है।

ख़ाज (خاج) अ स्त्री –ईसाइयो की सलीब, क्रास।

ख़ाजन' (خازنہ) फा स्त्री –साली, पत्नी की बहन।

ख़ाज़िक़ (خازق) अ पु –निशाने पर लगा हुआ तीर।

ख़ाज़िन (خازن) अ वि –खजानची, कोषाध्यक्ष।

ख़ाज़े' (خاضع) अ वि –विनम्रता और विनती करनेवाला, विनम्र, सुशील।

ख़ात (خات) फा स्त्री –चील, चिल्ल, एक प्रसिद्ध पक्षी।

ख़ातम (خاتم) अ स्त्री –अँगूठी, मुद्रा, मोहर लगाने की अँगूठी।

ख़ातमकार (خاتم کار) अ फा वि –वह व्यक्ति जो हाथी-दाँत आदि के बेलबूटे बनाकर लकडी आदि में जड़ता है।

ख़ातमकारी (خاتم کاری) अ फा –हाथी-दाँत या दूसरी वस्तु के बेलबूटे बनाकर लकडी आदि में जडने का काम।

ख़ातमबंद (خاتم بند) अ फा. दे –'ख़ातमकार'।

ख़ातमबंदी (خاتم بندی) अ फा स्त्री दे –'ख़ातमकारी'।

ख़ातिफ़ (خاطف) अ वि –उचक ले जानेवाला, उडा ले जानवाला, आँखो की ज्योति उडा ले जानेवाला।

ख़ातिब (خاطب) अ वि –वह पुरुष जो स्त्री की चाह मे हो, वह स्त्री जो पुरुष की चाह मे हो, दामाद।

ख़ातिमः (خاتمہ) अ पु –अन्त, अखीर, परिणाम, अजाम, मृत्यु, मौत।

ख़ातिमःबिलख़ैर (خاتمہ بالخیر) अ. पु –सद्गति-लाभ, मोक्ष-प्राप्ति, नजात का हुसूल।

ख़ातिम (خاتم) अ वि –ख़त्म करनेवाला, समाप्त करनेवाला, सबके पीछेवाला, बादवाला।

ख़ातिर (خاطر) अ स्त्री –वह विचार जो मन मे उत्पन्न हो, हृदय, मन, दिल, सम्मान, सत्कार, तवाज़ो', लिहाज़। आदर, लिए, वास्ते, निमित्त।

ख़ातिरख़्वाह (خاطرخواہ) अ फा वि –मनचाहा, मनोवाछित।

ख़ातिरदार (خاطردار) अ फा वि –आदर-सत्कार करनेवाला, आव-भगत करनेवाला।

ख़ातिरदारी (خاطرداری) अ फा स्त्री –आवभगत, आदर-सत्कार, ख़ातिर-तवाजो।

ख़ातिरन् (خاطراً) अ वि –दिल रखने के लिए।

ख़ातिरनशाँ (خاطرنشاں) अ फा वि –दे 'ख़ातिरनशी', वही शुद्ध है।

ख़ातिरनशी (خاطرنشیں) अ फा वि –हृदय मे जमनेवाली बात, बोधगम्य, हृत्यगम।

ख़ाती (خاطی) अ वि –जान-बूझकर अपराध करनेवाला।

ख़ातून (خاتون) तु स्त्री –सभ्य और शिष्ट स्त्री, महिला।

ख़ातूने अरब (خاتونِ عرب) तु अ स्त्री –का'ब।

ख़ातूने ख़ान. (خاتونِ خانہ) तु. फा स्त्री –घर मे रहनेवाली स्त्री, गृहिणी, गृहस्वामिनी, धर्मपत्नी, मनकूहा बीबी, चिरागेखान।

ख़ातूने फ़लक (خاتونِ فلک) तु अ स्त्री –सूर्य, रवि, सूरज।

ख़ातूने महफ़िल (خاتونِ محفل) तु अ स्त्री –सबके सामने

आनेवाली और सबसे मिलनेवाली स्त्री, सोसाइटी गर्ल, शमए-अजुमन।

ख़ातूने यग़मा (خاتون يغما) तु स्त्री –सूर्य, रवि, सूरज।

ख़ाद (خاد) फा स्त्री –दे 'ख़ात'।

ख़ादिमः (خادمہ) अ स्त्री –दासी, परिचारिका, नौकरानी।

ख़ादिम (خادم) अ वि –दास, सेवक, नौकर।

ख़ादिमुलख़ुद्दाम (خادم الخدام) अ वि –नौकरो का नौकर, दासानुदास, बहुत ही तुच्छ।

ख़ादे' (خادع) अ वि –धोखा देनेवाला, छली, मक्कार।

ख़ानः (خانہ) फा पु –गृह, गेह, घर, सदूक आदि का ख़ाना, रजिस्टर आदि का ख़ाना, जन्मकुडली आदि का घर, छेद, विवर।

ख़ानःआबाद (خانہ آباد) फा वा –घर आबाद रहे, एक आशीर्वाद।

ख़ानःआबादाँ (خانہ آبادان) फा अ वि –वह व्यक्ति जो बहुत अधिक परिश्रम करता हो, निडर और बेधडक आदमी।

ख़ान आबादी (خانہ آبادی) फा स्त्री –विवाह, ब्याह, शादी।

ख़ान.कन (خانہ کن) फा वि –घरबार नष्ट कर देनेवाला व्यक्ति, धन-सपत्ति उडा डालनेवाला, कुपूत, कुलघातक।

ख़ान कनी (خانہ کنی) फा स्त्री –घरबार तबाह कर देना, धन में आग लगा देना, कपूतपन।

ख़ान.ख़राब (خانہ خراب) फा वि –जिसका घरबार और धन आदि सब नष्ट हो गया हो, अभागा, भाग्यहीन, बदनसीब।

ख़ानःख़राबी (خانہ خرابی) फा अ स्त्री –घरबार और धन-दौलत का नाश, अभागापन, भाग्यहीनता, बदक़िस्मती।

ख़ानःख़्वाह (خانہ خواہ) फा वि –मुसाफिर के जान-पहचान का घर जहाँ वह उतरे।

ख़ान.जंगी (خانہ جنگی) फा स्त्री –किसी देश के भीतर की आपसी लडाई, अत कलह, गृह-युद्ध।

ख़ान'जाद (خانہ زاد) फा वि –घर में उत्पन्न, घर का पैदा हुआ, घर की लौंडी से उत्पन्न, दासीपुत्र, इस शब्द का प्रयोग वक्ता अपने लिए भी करता है।

ख़ान'तलाशी (خانہ تلاشی) फा तु स्त्री –पुलिस आदि की ओर से घर की तलाशी।

ख़ान'दामाद (خانہ داماد) फा पु –वह दामाद जो अपना घर छोडकर सुसराल मे रहे।

ख़ान दामादी (خانہ دامادی) फा स्त्री –दामाद का अपना घर छोडकर सुसराल मे रहना, दामाद से सुसराल मे रहने की शर्त पर शादी करना।

ख़ान.दार (خانہ دار) फा वि –गृहस्थ, घरेलू जीवन व्यतीत करनेवाला, घर का स्वामी, घर का व्यक्ति, द्वारपाल, दरबान।

ख़ानःदारी (خانہ داری) फा स्त्री –घर-गृहस्थी का जजाल, घरेलू जीवन।

ख़ान नशीं (خانہ نشین) फा वि –सासारिक विषय-वासनाओ से निवृत्त होकर एकान्त मे रहनेवाला।

ख़ानःनशीनी (خانہ نشینی) फा स्त्री –ससार के झगडो से मुक्त होकर एकान्त मे जीवन व्यतीत करना।

ख़ान'पुरी (خانہ پری) फा स्त्री –किसी फार्म या रजिस्टर के ख़ानो का भरना, केवल दिखाने या छूछा उतारने के लिए बेदिली से कोई कार्य करना।

ख़ानःबख़ान' (خانہ بخانہ) फा वि –घर-घर, हर घर मे।

ख़ान बदोश (خانہ بدوش) फा वि –घर का सामान साथ रखकर, इधर-उधर जीवन बितानेवाला, सचारजीवी।

ख़ान.बदोशी (خانہ بدوشی) फा स्त्री –इधर-उधर घूम-फिरकर जीवन बिताना।

ख़ान.बरंदाज (خانہ برانداز) फा वि –घर को विनष्ट करनेवाला, गृह-घातक।

ख़ान. बरअदाज़ (خانہ برانداز) फा वि –दे 'ख़ान बरदाज', दोनो शुद्ध है।

ख़ान.बरबाद (خانہ برباد) फा वि –दे 'ख़ान ख़राब'।

ख़ानःबरबादी (خانہ بربادی) फा स्त्री –दे 'ख़ान ख़राबी'।

ख़ानःबाग़ (خانہ باغ) फा पु –वह बाग जो घर से मिला हो, गृहवाटिका, गृहोद्यान, पाईबाग।

ख़ान'बुस्ताँ (خانہ بستان) फा पु –दे 'ख़ान बाग़'।

ख़ान रस (خانہ رس) फा वि –घर मे पकाया हुआ फल, पाल का मेवा।

ख़ान'वीराँ (خانہ ویران) फा वि –दे 'ख़ान ख़राब'।

ख़ान वीरानी (خانہ ویرانی) फा स्त्री –दे 'ख़ान ख़राबी'।

ख़ान.शुमार (خانہ شمار) फा वि –घरो की गिनती करनेवाला।

ख़ान'शुमारी (خانہ شماری) फा स्त्री –घरो की गिनती।

ख़ान.साज़ (خانہ ساز) फा वि –घर का बना हुआ, घर की बनी हुई वस्तु, गृह-निर्मित।

ख़ान सियाह (خانہ سیاہ) फा वि –अभागा, बदनसीब, कृपण, कजूस।

ख़ान सोज़ (خانہ سوز) फा वि –घर की सपत्ति फूंक डालनेवाला, घर को नष्ट कर देनेवाला।

ख़ान सोज़ी (خانہ سوزی) फा स्त्री –घर की सपत्ति नष्ट कर देना, घर बरबाद कर देना।

खान (خان) तु पु –अध्यक्ष, अमीर, सरदार, बहुत बडा और प्रतिष्ठित व्यक्ति।

खान (خان) फा पु –'खान' का लघु, जो यौगिक शब्दो मे व्यवहृत है, जैसे—'खानमाँ', पठान, काबुली।

खानए खुदा (خانۂ خدا) फा पु –ईश्वर का घर, उपासनालय, मस्जिद।

खानए खुर्शीद (خانۂ خرشید) फा पु –सिहराशि, बुर्जे असद।

खानए चश्म (خانۂ چشم) फा पु –वह गढा जिसमे आँख का ढेला रहता है, आँखरूपी घर, जिसमे प्रेमिका का निवास होता है।

खानए तीर (خانۂ تیر) फा पु –मिथुन राशि, बुर्जे जौज़ा।

खानए दिल (خانۂ دل) फा पु –हृदयरूपी घर, हृद्देश, जिसमे प्रेयसी का निवास रहता है।

खानए बेतकल्लुफ (خانۂ بے تکلف) फा अ पु –ऐसा घर जहाँ तकल्लुफ न करना पडे।

खानए माही (خانۂ ماہی) फा पु –नदी तालाब आदि, जहाँ मछलियाँ रहती हो।

खानक़ाह (خانقاہ) फा स्त्री –फकीरो और साधुओ के रहने का स्थान, आश्रम।

खानगी (خانگی) फा. वि –निजी, ज़ाती, घरेलू, घर-गृहस्थी सम्बन्धी, (स्त्री) वह घरेलू स्त्री जो व्यभिचारिणी हो, बिना ब्याही स्त्री जो घर मे स्त्री की तरह रख ली गयी हो, उपपत्नी, रखेली, रखैल, बैठाली स्त्री।

खानदान (خاندان) फा प –वश, कुल, परिवार, घराना।

खानदानी (خاندانی) फा वि –खानदान का, वश सम्बन्धी, वश का व्यक्ति, स्वजन, अज़ीज़, कुलीन, शरीफ, (व्यग) अकुलीन, दोगला।

खानम (خانم) तु स्त्री –खान की स्त्री, बडे घर की स्त्री, महिला।

खानवादः (خانوادہ) फा पु –वश, कुल, खानदान।

खानसामाँ (خانساماں) फा पु –खाने की मेज या दस्तर-ख्वान का प्रबध करनेवाला, बावरची, रसोइया।

खानिक (خانق) अ वि –गला घोटनेवाला, गला घोटकर मार डालनेवाला।

खानी (خانی) फा वि –छोटा हौज़।

खाने' (خانع) अ वि –दुराचारी, बदकार, बुरा विचार रखनेवाला, बदगुमान।

खानोमाँ (خان ومان) फा पु –गृहस्थी का सामान, गृह-सामग्री।

खान्माँ (خانماں) फा पु –दे 'खानोमाँ'।

खान्माँखराब (خانماں خراب) फा वि –दे 'खान खराब'।

खान्माँबरबाद (خانماں برباد) फा वि –दे 'खान बरबाद'।

खाफ़िक़ैन (خافقین) अ पु –पूरब और पच्छिम।

खाफ़िज़ः (خافضہ) अ स्त्री –वह स्त्री जो स्त्रियो के खत्ने करे।

खाफिज़ (خافض) अ वि –नीचे लानेवाला, पस्त करनेवाला, अक्षर पर 'ज़ेर' देनेवाला, ईश्वर का एक नाम, जिसका अर्थ है, अत्याचारियो को अपमानित करनेवाला।

खाफ़ियः (خافیہ) अ वि –दिया हुआ, गुप्त।

खाबियः (خابیہ) अ पु –सिर्का आदि रखने की मटकी, मर्तबान।

खाबूर (خابور) अ पु –एक घास, एक चश्मा, एक गाँव।

खामः (خامہ) फा पु –लेखनी, कलम।

खाम-फर्सा (خامہ فرسا) फा वि.–कलम घिसनेवाला, अर्थात् लिखनेवाला, खाम बर्दार, लेखक, राइटर।

खामःफर्साई (خامہ فرسائی) फा स्त्री –लिखना, तहरीर करना, खाम बर्दारी, लेखन-कार्य।

खाम (خام) फा वि –कच्चा, अपरिपक्व; असस्कृत, नातज्रिब कार, अनुभवहीन, खालिस, निष्केवल, कच्ची शराब।

खाम [म्म] (خام) अ पु –सडा हुआ मास।

खामअक़्ल (خام عقل) फा वि –जिसकी समझ-बूझ कच्ची हो, अपरिपक्वमति, नातज्रिब कार, अननुभवी।

खामअक़्ली (خام عقلی) फा अ स्त्री –समझ-बूझ का कच्चापन, नातज्रिब कारी, अनुभवहीनता।

खामकार (خامکار) फा वि –मिथ्या कार्य करनेवाला, मिथ्याकारी, अननुभवी।

खामकारी (خامکاری) फा स्त्री –मिथ्या काम करना, अनुभवहीनता।

खामखयाल (خام خیال) फा अ –मूर्ख, बेवकूफ, जिसकी विचारधारा ठीक न हो, जो ठीक बात को गलत समझे, कच्चा विचार, गलत विचार।

खामखयाली (خام خیالی) फा अ स्त्री –मूर्खता, ठीक बात को गलत समझना, विचार ठीक न होना।

खामखू (خام خو) फा वि –नादान, मूर्ख, नातज्रिब कार, अननुभवी।

खामचर्म (خام چرم) फा वि –मनुष्य की देह, इसानी जिस्म।

खामतब्अ (خام طبع) फा अ वि –नासमझ, मदमति।

खामतब्ई (خام طبعی) फा अ स्त्री –नासमझी।

खामतमा' (خام طمع) फा अ वि –लालची, लोभी, लोलुप।

ख़ामदस्त (خام دست) फा वि –जिसे काम का अभ्यास न हो, अनभ्यस्त; फ़ुज़ूलख़र्च, अपव्ययी, अननुभवी।
ख़ामदस्ती (خام دستی) फा स्त्री –काम का अनभ्यास, अनाडीपन, फ़ुज़ूलख़र्ची, अपव्यय; अननुभव।
ख़ामपारः (خام پارہ) फा स्त्री –(गाली) वह स्त्री जिसका कौमार्य नष्ट हो गया हो, क्षतयोनि, व्यभिचारिणी, छिनाल।
ख़ामरीश (خام ریش) फा वि –मूर्ख, घामड, वुद्धू, विदूषक, मस्ख़रा।
ख़ामसोज़ (خام سوز) फा वि –वह पदार्थ जो ऊपर से जल गया हो, परन्तु भीतर कच्चा हो।
ख़ामसोज़ी (خام سوزی) फा स्त्री –ऊपर से जल जाना और भीतर कच्चा रहना।
ख़ामिल (خامل) अ वि –ऐसा व्यक्ति जिसे कोई याद न करे, गुमनाम, तुच्छ।
ख़ामिस (خامس) अ वि –पाँचवाँ, पचम।
ख़ामी (خامی) फा स्त्री –कच्चापन, अपरिपक्वता, नातज्रिबःकारी, अनुभवहीनता।
ख़ामुशी (خامشی) फा स्त्री –'ख़ामोशी' का लघु, दे 'ख़ामोशी'
ख़ामोश (خاموش) फा वि –चुप, निर्वाक्, नीरव, अवाक्, मौन, शान्त, साकिन।
ख़ामोशी (خاموشی) फा स्त्री –नीरवता, मौन, चुप्पी, सन्नाटा।
ख़ाय (خایہ) फा पु –अडा, अड, अडकोष, फोता।
ख़ायःबरदार (خایہ بردار) फा वि –झूठी और गिरी हुई ख़ुशामद करनेवाला, वहुत ही तुच्छ ख़ुशामदी, चाटुकार।
ख़ाय बरदारी (خایہ برداری) फा स्त्री –झूठी और तुच्छ ख़ुशामद, चाटुकर्म।
ख़ाय.रेज़ (خایہ ریز) फा पु –ख़ागीन, आमलेट, अडो का चीला।
ख़ायस्क (خایسک) फा पु –सुनारो या लुहारो का हथौडा।
ख़ायिस्क (خایسک) फा पु –दे 'ख़ायस्क', दोनो शुद्ध हैं।
ख़ार. (خارہ) फा पु –एक वहुत ही कठोर पत्थर, ख़ारा, एक वस्त्र जो सूरज की धूप मे फट जाता है।
ख़ार (خار) फा पु –काँटा, कटक, चुभने और कष्ट देनेवाली वात, पक्षी के पाँव का काँटा।
ख़ारकश (خارکش) फा वि –लकडहारा, लकडी काटने और वेचनेवाला।
ख़ारकशी (خارکشی) फा स्त्री –लकडहारे का काम।
ख़ारख़सक (خارخسک) फा पु –गोखरू, गोक्षुर।
ख़ारख़ार (خارخار) फा वि –सोच मे पडा हुआ, चिन्तित, उद्विग्न, परेशान, (पु) फ़िक्र, चिन्ता, लगाव, सम्वन्ध।
ख़ारचंग (خارچنگ) फा पु –कर्कट, केकडा।
ख़ारचीं (خارچیں) फा पु –काँटो की वाड जो खेतो के चारो ओर लगा देते हैं।
ख़ारदार (خاردار) फा वि –कँटीला, काँटेदार।
ख़ारपुश्त (خارپشت) फा स्त्री –साही, शल्लकी, एक जतु जिसकी पीठ पर लवे काँटे होते हैं।
ख़ारबद (خاربند) फा पु –दे 'ख़ारची'।
ख़ारबस्त (خاربست) फा पु –दे 'ख़ारची'।
ख़ारशुतुर (خارشتر) फा पु –एक काँटेदार झाड, जिसे ऊँट वडे प्रेम से खाता है, ऊँटकटारा।
ख़ारा (خارا) फा पु –एक वहुत ही कठोर पत्थर, ख़ार, एक रेशमी कपडा जो लहरियेदार होता है।
ख़ाराशिकन (خاراشکن) फा वि –दे 'ख़ाराशिगाफ़'।
ख़ाराशिगाफ़ (خاراشگاف) फा वि –पत्थर मे छेद कर देनेवाला, पाषाणभेदी, प्रस्तरभेदी।
ख़ारिंद (خارندہ) फा वि –खुजानेवाला।
ख़ारिक़ (خارق) अ वि –फाडनेवाला, विदारक।
ख़ारिक़े आदात (خارق عادات) अ पु –चमत्कार, मो'जिज़ः करामात, करिश्मा।
ख़ारिज. (خارجہ) अ पु –पृथक्, अलग, रसीद का दूसरा परत, विदेशी, परराष्ट्रीय।
ख़ारिज (خارج) अ वि –निकलनेवाला, निकला हुआ, रद किया हुआ, वहिष्कृत, विरादरी मे ख़ारिज।
ख़ारिज अज़ अक़्ल (خارج از عقل) अ फा वि –जो वात समझ से वाहर हो, ज्ञानातीत, जो व्यक्ति वुद्धि से ख़ारिज हो, मूर्ख।
ख़ारिज अज़ आहंग (خارج از آہنگ) अ फा वि –जो वात विना इरादे के हो, जो स्वर स्थान से विचलित हो।
ख़ारिज अज़ क़ियास (خارج از قیاس) अ फा वि –अनुमान से अधिक, वहुत अधिक।
ख़ारिज अज़ वह्स (خارج از بحث) अ फा वि –जो वात असगत हो, जो वात सर्वमान्य हो, निर्विवाद वात।
ख़ारिज आहंगी (خارج آہنگی) अ फा स्त्री –स्वर का विचलित हो जाना।
ख़ारिज क़िस्मत (خارج قسمت) अ पु –वह सख्या जो भाग देने से प्राप्त हो, लब्धि, भजनफल, भागफल।
ख़ारिजन् (خارجاً) अ वि –उडते-उडते, अविश्वस्त रूप से (सुनने के लिए प्रयुक्त होता है)।
ख़ारिजी (خارجی) अ वि –वाहरी, वाह्य, मुसल्मानो का एक समुदाय जो हज़रत अली को नही मानता।

ख़ारिजुलअक़्ल (خارج العقل) अ वि दे—'ख़ारिज अज अक्ल'।

ख़ारिजुलबलद (خارج البلد) अ वि—वतन से निकाला हुआ, देश-निष्कासित, जलावतन।

ख़ारिफ (خارف) अ वि—खजूरो की देखरेख करनेवाला।

ख़ारिम (خارم) अ वि—नाक काटनेवाला, नथने छेदनेवाला, शरारती, उपद्रवी।

ख़ारिश (خارش) फा स्त्री—खुजली, कडू, खर्जू, विर्चचिका, खाज।

ख़ारिश्त (خارشت) फा स्त्री दे—'ख़ारिश'।

ख़ारिश्ती (خارشتی) फा वि—जिसे खाज हो, खुजली का मरीज।

ख़ारिशी (خارشی) फा वि दे—'ख़ारिश्ती'।

ख़ारिस्तान (خارستان) फा पु—काँटो का जगल, जहाँ काँटे ही काँटे हो।

ख़ारीदः (خاریدہ) फा वि—खुजलाया हुआ।

ख़ारीदनी (خاریدنی) फा वि—खुजलाने के लाइक।

ख़ारे अक़्रब (خار عقرب) अ फा पु—मिर्रीख, कज्दुम, विच्छू का डक, नामुवारक, मनहूस, अशुभ।

ख़ारे मुग़ीलाँ (خار مغیلاں) फा पु—ववूल का काँटा, वब्बूरकटक।

ख़ारोख़स (خاروخس) फा पु—कूडा-करकट।

ख़ारोख़सक (خاروخسک) फा पु दे—'ख़ारख़सक'।

ख़ालः (خالہ) अ स्त्री—माँ की वहन, मामी, मौसी, मातृष्वसा।

ख़ालः (خالہ) फा पु—छाला, फफोला।

ख़ालःज़ाद (خالہزاد) अ फा वि—मौसी का लडका या लडकी।

ख़ाल (خال) अ पु—तिल, बिन्दु, शरीर का काला दाग, मामूँ, माँ का भाई, श्रेष्ठता, वुजुर्गी, मेधा, वुद्धि, अक्ल, अहकार, अभिमान, गुरूर।

ख़ाल ख़ाल (خال خال) अ वि—कही-कही, यदा-कदा, कोई-कोई, वहुत कम।

ख़ालिक (خالق) अ वि—उत्पत्तिकर्ता, पैदा करनेवाला, सृष्टिकर्ता, स्रष्टा, ईश्वर।

ख़ालिके कुल (خالق کل) अ पु—ब्रह्माड की हर वस्तु उत्पन्न करनेवाला, सर्वस्रष्टा, ईश्वर।

ख़ालिद (خالد) अ वि—हमेशा रहनेवाला, नित्य, अनश्वर, इस्लाम का एक प्रसिद्ध सेनापति।

ख़ालिफ़ः (خالفہ) अ वि—वहुत अधिक प्रतिकूल पुरुप, जिससे किसी को यश न हो, रावटी का खभा।

ख़ालिफ (خالف) अ वि—पानी खीचनेवाला, पीछे छूटा हुआ, जो पीछे रह गया हो, ऐसा व्यक्ति जो यशहीन हो।

ख़ालियः (خالیہ) अ वि—प्राचीन, पुरातन, कदीम; पिछला, गुजरा हुआ, गत।

ख़ालिसः (خالصہ) अ पु—राजा की निजी और ज़ाती भूमि और जायदाद, निर्मल, निष्केवल, ख़ालिस, सिक्खो का एक सम्प्रदाय (ख़ालसा)।

ख़ालिस (خالص) अ वि—बेमेल, विशुद्ध, निष्केवल, निश्छल, मुख़्लिस, केवल, सिर्फ।

ख़ालिसुन्नस्ल (خالص النسل) अ वि—जिसके वश मे कोई दोष न हो, कुलीन।

ख़ालिसुलअस्ल (خالص الاصل) अ वि दे—'ख़ालिसुन्नस्ल'।

ख़ाली (خالی) अ वि—जिसमे कुछ भरा न हो, रिक्त, जिसमे कोई रहता न हो, गैर आवाद, केवल, सिर्फ।

ख़ाली अज़ अक़्ल (خالی از عقل) अ फा वि—बुद्धिहीन, मूर्ख, वेवकूफ।

ख़ाली अज़ इल्लत (خالی از علت) अ फा वि—बिना वाधा का, विना दोष का।

ख़ालू (خالو) अ पु—माँ का भाई, मामूँ, परन्तु इस समय माँ की वहन के पति को कहते है, (माँ की वहन, ख़ाला, मौसी)।

ख़ाले' (خالع) अ वि—वह स्त्री जिसे पति ने छोड दिया हो, वह पति जिसे स्त्री ने छोड दिया हो, खूब पका हुआ खजूर।

ख़ाले आरिज़ (خال عارض) अ पु—गाल का तिल।

ख़ाले रुख़ (خال رخ) अ फा पु—मुँह का तिल, गाल का तिल।

ख़ावंद (خاوند) फा वि—खुदावद का लघु, स्वामी, मालिक, पति, शौहर (ख़ाविंद)।

ख़ावंदी (خاوندی) फा स्त्री—स्वामित्व, मालिकीयत, पतित्व, शौहरपन।

ख़ावर (خاور) फा वि—पूर्व दिशा, पूरव, मश्रिक, पश्चिम दिशा, पच्छिम, मग़्रिव।

ख़ावियः (خاویہ) अ वि—रिक्त, ख़ाली, पडा हुआ, उफ्ताद।

ख़ाशः (خاشہ) फा पु—कूडा-करकट।

ख़ाश (خاش) फा स्त्री—सास, पति की माँ, पत्नी की माँ।

ख़ाशाक (خاشاک) फा पु—कूडा-करकट।

ख़ाशे' (خاشع) अ वि—विनम्र, विनीत, खाकसार।

ख़ासः (خاصہ) अ पु—राजाओ और वादशाहो का खाना।

ख़ास(स्स) (خاص) अ वि—विशेप, मख़्सूस, मुख्य, प्रधान।

ख़ासगी (خاصگی) अ फा पु—राजाओ के पास उठने-वैठनेवाला, सेनापति, (स्त्री) वह वाँदी जिससे राजा सभोग करता हो, राजा की रखैल दासी, हर अच्छी और सुन्दर वस्तु।

ख़ासदान (خاصدان) अ फा पु –पान रखने का पात्र-विशेष।
ख़ासनवीस (خاص نویس) अ फा वि –पर्चानवीस, जो बादशाहो को हर बात की सूचना देता हो, निजी लेखक, पर्सनल असिस्टेंट।
ख़ासबरदार (خاص بردار) अ फा पु –वह नौकर जो बदूक या बल्लम लेकर मालिक के आगे चलता है।
ख़ासियत (خاصیت) अ स्त्री –गुण, सिफत, धर्म, गुण, मिज़ाज, स्वभाव, आदत।
ख़ासिरः (خاصره) अ स्त्री –कमर और पेडू।
ख़ासिर (خاسر) अ वि –वह व्यक्ति जो स्वय अपना नुकसान करे, जिसे माल मे घाटा आया हो।
ख़ासीयत (خاصیت) अ स्त्री दे –'ख़ासियत', दोनो शुद्ध है।
ख़ासोआम (خاص و عام) अ पु –छोटे-बडे सब व्यक्ति, सर्व-साधारण, अवाम।
ख़ास्स (خاصه) अ पु दे –'ख़ासियत'।
ख़ास्सीयत (خاصیت) अ स्त्री दे –'ख़ासियत', सबसे अधिक शुद्ध उच्चारण यही है, परन्तु प्रचलित 'ख़ासियत' ही है।
ख़ाहाँ (خاهاں) फा वि दे –'ख़्वाहाँ'।
ख़ाहिश (خواهش) फा स्त्री दे –'ख़्वाहिश'।

ख़ि

ख़िंग (خنگ) फा वि –श्वेत, सफेद, सफेद घोडा, श्वेताश्व।
ख़िंगबुत (خنگ بت) फा पु –श्वेत मूर्ति, सफेद बुत, बिल्लूर का पियाला, गोरा मा'शूक।
ख़िंग मगसी (خنگ مگسی) फा पु –सफेद घोडा, जिस पर काली बुँदकियाँ हो।
ख़िंजीर (خنضیر) अ पु –हड्डी सुलगने की दुर्गंध।
ख़िंजीर (خنزیر) अ पु –शूकर, वराह, सुअर।
ख़िंसर (خنصر) अ स्त्री दे –'ख़िंसिर'।
ख़िंसिर (خنصر) अ स्त्री –हाथ की सबसे छोटी उँगली, छिंगुली, कनिष्ठा, कनिष्ठिका, कनीनिका।
ख़िज़र (خضر) अ पु –यह उच्चारण अशुद्ध है, केवल 'ख़िज़्र' और 'ख़ज़िर' शुद्ध है।
ख़िज़ाँ (خزاں) फा स्त्री –दे शु उच्चारण 'ख़ज़ाँ'।
ख़िज़ान (خزانه) अ पु –दे 'ख़ज़ान', शुद्ध यही है, परन्तु उर्दू मे प्रचलित 'ख़ज़ान' ही है।
ख़िज़ानगी (خزانگی) फा स्त्री –ऐसी सुन्दर और बहुमूल्य वस्तु जो राजाओ के योग्य हो।
ख़िज़ाब (خضاب) अ पु –बालो के रँगने का मसाला, रँगा हुआ हाथ, एक तारा जिसके बीच आशक मे आने पर जो दुआ माँगी जाय वह पूरी होती है।
ख़िज़्र (خضر) अ पु –एक अमर पैगम्बर जिनके अधिकार मे वन है और जो भूले-भटको को मार्ग बताते है, एक समुद्र, कैस्पियन, लम्बी आयु का फरिश्ता—"गुज़ार दूँ तेरे गम मे जो उम्र ख़िज़्र मिले"।
ख़िज़्रसूरत (خضر صورت) अ वि –जो देखने में हज़रत ख़िज़्र की भाँति सहृदय और दयालु हो।
ख़िज़्रे मंज़िल (خضر منزل) अ पु –मार्गदर्शक, रहनुमा, ख़िज़्र की तरह मंज़िल तक रास्ता बतानेवाला,–'क्या मिला ख़िज़्र से सिकंदर को—किसको अब रहनुमा करे कोई।"–ग़ालिब।
ख़िज़्रे राह (خضر راه) अ फा पु दे –'ख़िज़्रेमंज़िल।
ख़िज़्लान (خذلان) अ पु –वचकता, हीनता, महरूमी, अभागापन, बदकिस्मती, मित्र की सहायता न करना।
ख़िता (خطا) अ स्त्री –शुद्ध उच्चारण यही है, परन्तु उर्दू मे 'ख़ता' बोलते है, दे 'ख़ता'।
ख़ितान (ختان) अ पु –ख़त्न, लिंग के सिर की खाल काटना, लिंग का वह भाग जो काटा जाय, लिंगाग्र।
ख़िताब (خطاب) अ पु –उपाधि, लकब, सबोधन, मुख़ातब, सरकार की ओर से मिली हुई उपाधि।
ख़िताबत (خطابت) अ स्त्री –सबोधन, ख़िताब, ख़तीब का काम, भाषण देने का काम, ख़ुत्ब पढने का काम।
ख़िताबयाफ़्तः (خطاب یافته) अ फा वि –जिसे राज की ओर से उपाधि मिली हो, प्राप्तोपाधि, राज्य-प्रदत्त पदवी पाया हुआ व्यक्ति।
ख़ितामः (ختامه) अ पु –दे 'ख़िताम'।
ख़िताम (ختام) अ पु –चपडा या मोम जिसपर मोहर की जाती है।
ख़िताम (خطام) अ पु –ऊँट की नकेल।
ख़ित्तः (خطه) अ पु –क्षेत्र, इलाका, प्रदेश, देश, ज़मीन का प्लाट जिस पर घर बनाया जाय।
ख़ित्बः (خطبه) अ पु –स्त्री की चाह, ब्याह की इच्छा।
ख़ित्बत (خطبت) अ स्त्री –मँगनी, सगाई, वह शब्द जो ख़तीब निकाह के समय पढता है, वह बात जो झगडा तै कर दे।
ख़ित्मी (خطمی) अ स्त्री –शुद्ध उच्चारण यही है, परन्तु उर्दू में ख़त्मी बोलते है, दे 'ख़त्मी'।
ख़िदफ (خدف) अ पु –कुर्ते या अँगरखे के अंग।
ख़िदाअ (خداع) अ पु –छल करना, धोखा देना, फरेब करना, छल, कपट, फरेब।
ख़िदाज (خداج) अ पु –हानि, नुकसान, अपूर्ण, नातमाम, समय से पहले जनना, दे 'ख़दाज', दोनो शुद्ध है।

ख़िदारत (خدارت) अ स्त्री –स्त्री का पर्दे में रहना, पर्दा-नशीनी।

ख़िदेव (خديو) फा पु –राजा, बादशाह, शासक, स्वामी, पति, मालिक।

ख़िद्न (خدن) अ पु –मित्र, दोस्त, प्रेमपात्र, मा'शूक।

ख़िद्मत (خدمت) अ स्त्री –दासता, गुलामी, सेवा, नौकरी; शुश्रूषा, कार्यक्रम।

ख़िद्मतगार (خدمتگار) अ. फा वि –दास, नौकर, खिद्मती।

ख़िद्मतगारी (خدمتگاری) अ फा स्त्री –दासता, नौकरी, परिचर्या।

ख़िद्मतगुज़ार (خدمتگزار) अ फा वि –दिल से सेवा करनेवाला, आज्ञापालक, फर्माबरदार।

ख़िद्मतगुज़ारी (خدمتگزاری) अ फा स्त्री –दिल से सेवा करना, आज्ञापालन करना।

ख़िद्मती (خدمتی) अ वि –सेवक, दास, खिद्मतगार।

ख़िद्मते ख़ल्क़ (خدمت خلق) अ स्त्री –जनता की सेवा, देशसेवा।

ख़िद्र (خدر) अ पु –सिंह के रहने की माँद, आड, पर्दा।

ख़िफ़ा (خفا) अ पु –छिपाव, दुराव, पोशीदगी।

ख़िफ़ार. (خفاره) अ पु –प्रतिज्ञा-पालन का वचन देना, परस्पर कौल-करार करना, प्रतिज्ञा, वचन, कौल-करार।

ख़िफ़्फ़त (خفت) अ स्त्री –लाज, लज्जा, शर्म, सकोच, नदामत, न्यूनता, कमी।

ख़िफ़्रक़ (خفرق) अ वि –निकृष्ट, दूषित, खराब, नाकिस।

ख़िफ़्रिक़ (خفرق) अ वि –दे 'खिफ़्रक़'।

ख़िफ़्रीक़ (خفریق) अ वि –दे 'खिफ़्रक़'।

ख़िबा (خبا) अ पु –खैम, रावटी, तबू।

ख़िब्रत (خبرت) अ स्त्री –परीक्षा, आजमाइश, बुद्धिमत्ता, दानिश, दक्षता, चातुर्य, होशयारी।

ख़िमार (خمار) अ स्त्री –ओढनी, दुपट्टा।

ख़िम्अ (خمع) अ पु –घातक भेडिया।

ख़िम्मीर (خمیر) अ वि –जो हर समय शराब मे मस्त रहता हो।

ख़ियम (خیم) अ पु –'खैम' का बहु, रावटियाँ, तम्बू, खैमे।

ख़ियरः (خیره) अ पु –'खैर' का बहु, सज्जन लोग, अच्छे और नेक लोग।

ख़ियात (خیاط) अ स्त्री –सुई, सूची, सूजी, कपड़ा सीने की सूजी।

ख़ियातत (خیاطت) पु स्त्री –कपडा सीने का काम, सिलाई, सिलाई का पेशा।

ख़ियानत (خیانت) अ स्त्री –गबन, मोषण, अपहरण।

ख़ियानते मुज्रिमानः (خیانت مجرمانه) अ फा स्त्री –निंद्य भावना से धन हथिया लेना।

ख़ियाबाँ (خیابان) फा पु –कियारी, रविश, उद्यान, बाग।

ख़ियाम (خیام) अ पु –'खैम' का बहु, खैमे, तम्बू।

ख़ियार (خیار) अ पु –खीरा, एक प्रसिद्ध फल।

ख़ियारक (خیارک) फा पु –रान की जड मे निकलनेवाला फोडा, बद।

ख़ियारज़ः (خیارزه) अ फा पु –ककडी, एक प्रसिद्ध फल।

ख़ियारशंबर (خیارشنبر) अ पु –अमलतास, आरग्वध।

ख़ियारैन (خیارین) अ पु –खीरा और ककडी दोनो।

ख़ियू (خیو) फा पु –थूक, मुखस्राव, दे 'ख़यू', दोनो शुद्ध है।

ख़िरगाह (خرگاه) फा पु –बडी रावटी, बडा खैम, दे 'ख़रगाह', दोनो शुद्ध है।

ख़िरद (خرد) फा स्त्री –बुद्धि, धी, मनीषा, मेधा, अक्ल।

ख़िरदपर्वर (خردپرور) फा वि –दे 'खिरदमद'।

ख़िरदमंद (خردمند) फा वि –मेधावी, मनीषी, बुद्धिमान्, अक्लमद।

ख़िरदमंदी (خردمندی) फा स्त्री –बुद्धिमत्ता, अक्लमदी।

ख़िरदवर (خردور) फा वि –दे 'खिरदमद'।

ख़िराज (خراج) अ वि –दे शु उच्चारण 'ख़राज'।

ख़िरातत (خراطت) अ स्त्री –लकडी खरादने का काम।

ख़िराम (خرام) फा स्त्री –चाल, गति, रफ्तार, नर्म चाल, मृदुल गति, (प्रत्य) चलनेवाला, जैसे–'सबुकख़िराम' हलकी चाल चलनेवाला।

ख़िरामाँ (خرامان) फा वि –टहलते हुए, टहलनेवाला।

ख़िरामाँ ख़िरामाँ (خرامان خرامان) फा वि –धीरे-धीरे टहलते हुए, हलकी चाल से, मद गति से।

ख़िरामेनाज़ (خرام ناز) फा स्त्री –इठलाती हुई चाल, मा'शूकाना चाल।

ख़िर्कः (خرقه) अ पु –गुदडी, फटा-पुराना लिबास, किसी ऋषि या वली के शरीर से उतरा हुआ लिबास।

ख़िर्क.पोश (خرقه‌پوش) अ फा वि –फकीरो का खिर्क पहननेवाला, फकीर, साधु।

ख़िर्क़ (خرق) अ वि –विनोदी, हँसोड, मखोलिया, शूर, वीर, बहादुर।

ख़िर्निक़ (خرنق) अ पु –खरगोश का बच्चा।

ख़िर्मन (خرمن) फा पु –वह खलियान जिस पर दाँयँ चल गयी हो, भूसा मिला हुआ अन्न, भूसा निकला हुआ अन्न का ढेर।

ख़िर्मने माह (خرمن ماه) फा पु –चाँद का घेरा, हाल, चद्रमडल।

ख़िर्सक (خرسک) फा पु –एक खेल, जिसमें एक घेरे मे एक लडका खडा होता है, और सब लडके उसे मारते हैं, जिस लडके के शरीर मे वह लडका पाँव मार देता है, उसे उस घेरे में खडा होना पडता है।

ख़िल [ल्ल] (خل) अ पु –मित्र, दोस्त, सखा, यार।

ख़िलाअ (خلاع) अ स्त्री –'ख़िल्अत' का बहु, ख़िल्अतें।

ख़िलाअत (خلاعت) अ स्त्री –रोग के कारण दुखी रहना।

ख़िलाक़ (خلاق) अ पु –एक प्रकार की सुगध।

ख़िलात (خلاط) अ पु –बुद्धि-विकार, अक्ल की खराबी, नर और मादा का मेल।

ख़िलाफ़ (خلاف) अ पु –बेत का पेड, वेत्र, (वि) विरुद्ध, मुखालिफ, प्रतिकूल, नामुआफिक, प्रत्युत, बरअक्स, शत्रु, दुश्मन।

ख़िलाफ़त (خلافت) अ स्त्री –प्रतिनिधित्व, नुमाइदगी, स्थानापन्नता, काइममकामी, मुहम्मद साहब के बाद उनकी जानशीनी।

ख़िलाफ़ते राशिद (خلافت راشده) अ स्त्री –हज़रत मुहम्मद के चार खलीफाओ का समय और उनकी खिलाफत।

ख़िलाफ़बयानी (خلاف بیانی) अ स्त्री –झूठ कहना, गलत बयान करना, मिथ्यावाद।

ख़िलाफ़वर्ज़ी (خلاف ورزی) अ फा स्त्री –अवज्ञा, आज्ञोल्लघन, हुक्मउदूली।

ख़िलाफ़े उम्मीद (خلاف امید) अ फा पु –आशा के खिलाफ, जिसकी आशा न हो, आशा से अधिक, आशातीत।

ख़िलाफ़े क़ाइदः (خلاف قاعده) अ पु –नियम के विरुद्ध, उसूल के खिलाफ, कानून के विरुद्ध, अवैध।

ख़िलाफ़े क़ानून (خلاف قانون) अ पु –विधान के विरुद्ध, अवैध, नियम के विरुद्ध, काइदे के खिलाफ।

ख़िलाफ़े क़ियास (خلاف قیاس) अ पु –अनुमान के परे, ज्ञानातीत, जो सोचा हो उसके खिलाफ।

ख़िलाफ़े ज़ाबितः (خلاف ضابطه) अ पु –दे 'खिलाफे काइद'।

ख़िलाफ़े तवक्को' (خلاف توقع) अ पु –आशा के खिलाफ, आशातीत।

ख़िलाफ़े तह्ज़ीब (خلاف تہذیب) अ पु –सभ्यता और शिष्टता के विरुद्ध, अश्लील।

ख़िलाफ़े दस्तूर (خلاف دستور) अ फा पु –दे 'खिलाफे काइद', परपरा के विरुद्ध, रवाज के खिलाफ, नियम-विरुद्ध।

ख़िलाफ़े मर्ज़ी (خلاف مرضی) अ पु –दे 'खिलाफे मिजाज' इच्छा-विरुद्ध।

ख़िलाफ़े मिज़ाज (خلاف مزاج) अ पु –जिस बात को जी न चाहता हो, मर्जी के विरुद्ध, स्वभाव-विरुद्ध।

ख़िलाफ़े मौज़ूअ (خلاف موضوع) अ पु –किसी विषय के अतिरिक्त दूसरा विषय, विषयातर, जो प्रसग चल रहा हो उसके विरुद्ध दूसरा प्रसग, अप्रासगिक।

ख़िलाफ़े वज़्अ' (خلاف وضع) अ पु –अपनी परपरा और वजा'दारी के विरुद्ध, परपरा-विरुद्ध।

ख़िलाफ़े वज़्ए फ़ित्री (خلاف وضع فطری) अ पु –अप्राकृतिक मैथुन, स्त्री के सिवा किसी और से रति-क्रीडा।

ख़िलाफ़े शान (خلاف شان) अ पु –अपनी आनबान के विरुद्ध, अपनी मर्यादा के विरुद्ध।

ख़िलाब (خلاب) अ स्त्री –कीचड, कीच, दे 'खलाब', दोनो शुद्ध हैं परन्तु यह अधिक शुद्ध है।

ख़िलाल (خلال) अ पु –मध्य, बीच, दो वस्तुओ के बीच का अन्तर, मैत्री, दोस्ती, दाँत कुरेदने का तिनका, ताश की बाज़ी में मात।

ख़िलाले माइद. (خلال مائده) अ पु –सिवैयाँ।

ख़िलाश (خلاش) अ पु –रास्ते की कीचड।

ख़िलास (خلاص) अ पु –खालिस, निष्केवल, खरा चाँदी और सोना, श्रेष्ठ, उत्तम, प्रेम और सच्चाई।

ख़िल्अत (خلعت) अ स्त्री –राज की ओर से सम्मानार्थ दिये जानेवाले वस्त्र आदि, जो तीन कपडो से कम नही होते, अपने शरीर से उतारकर दूसरे को वस्त्र पहनाना।

ख़िल्अते फ़ाख़िर (خلعت فاخره) अ स्त्री –पूरा खिल्अत, जिसमे सात कपडे, मोतियो की माला, रत्नजटित पगडी का जीग और तलवार आदि होते हैं।

ख़िल्क़त (خلقت) अ स्त्री –उत्पत्ति, सृष्टि, पैदाइश, जनता, जनसाधारण, अवाम।

ख़िल्क़ी (خلقی) अ वि –पैदाइशी, जन्मसिद्ध, प्राकृतिक, फित्री।

ख़िल्त. (خلطه) अ पु –मिश्रण, मिलना, किसी के साथ रहकर जीवन व्यतीत करना।

ख़िल्त (خلط) अ स्त्री –शरीर के अदर वात, पित्त, कफ आदि रस, धातु।

ख़िल्ते फ़ासिद (خلط فاسد) अ स्त्री –दूषित धातु, प्रकुपित धातु, वह वात, पित्त आदि जो बिगड गया हो।

ख़िल्ते सालेह (خلط صالح) अ स्त्री –शुद्ध धातु, वह ख़िल्त जिसमें कोई विकार न हो।

खिल्फ़. (خلفه) अ पु –एक दूसरे के पीछे आना अथवा जाना, एक दूसरे के पीछे आया हुआ।
खिल्फ (خلف) अ पु –मनुष्य अथवा पशु के स्तन का सिरा, लड़ाका मनुष्य।
खिल्म (خلم) फा पु –नाक से निकलनेवाला रेट।
खिल्म (خلم) अ पु –मित्र, सखा, दोस्त, हरिण का ठाह, उसका निवासस्थान।
खिश्त (خشت) फा स्त्री –ईंट, इष्टिका, छोटा नैज़ा, साँग, शक्ति।
खिश्तक (خشتک) फा पु –कपडे का वह टुकडा जो कुर्ते आदि मे वगल के नीचे लगता है, चौवगला।
खिश्तवारी (خشتباری) फा स्त्री –ईंटे फेकना, ईंटो की मार, ईंटवाजी।
खिश्म (خشم) फा पु –क्रोव, रोप, कोप, गुस्सा, दे 'खश्म' दोनो शुद्ध है।
खिसांदः (خسانده) फा पु –दे 'खेसाद,' दोनो शुद्ध है, परन्तु प्रचलित वही है।
खिसाम (خصام) अ पु –'खस्म' का वहु, शत्रु लोग, लड़नेवाले लोग, युद्ध करना, लडाई लडना।
खिसाल (خصال) अ पु –'खस्लत' का वहु, स्वभाव, आदते, प्रकृतियाँ।
खिस्कदानः (خسکدانه) फा पु –कुसुम के वीज।
खिस्व (خصب) अ पु –विभव, वैभव, समृद्धि, फरागत, घास और सब्ज़ी की वहुतात, गुजान नगर।
खिस्सत (خست) अ स्त्री –कृपणता, कजूसी।
खिस्सतमआव (خست مآب) अ वि –वहुत वड़ा कजूस, मक्खीचूस, कृपण-प्रकृति।

खी

खीक (خیک) फा स्त्री –पानी भरने की मश्क, भस्त्रा।
खीत (خیط) अ वि –सिला हुआ।
खीते वातिल (خیط باطل) अ पु –हवा के वे कण और महीन रेशे जो मकान के सूराख मे से दिखायी पडते है।
खीद (خید) फा पु –गेहूँ और जौ जो पूरे पके न हो और भूनकर चवाये जायँ, दे 'खवीद', दोनो शुद्ध है।
खीफ (خیفه) अ पु –भय, डर, खौफ।
खीम (خیم) अ स्त्री –स्वभाव, प्रकृति, आदत।
खीरः (خیره) फा वि –धृष्ट, ढीठ, वेहया, जिसकी आँखो मे चकाचौंध हो गयी हो, चौंधयाया हुआ, अधकारमय, अँधियारा, चकित, हैरान, स्तव्व, अकारण, वे सवव।
खीरःकुश (خیره کش) फा वि –विना कारण वव करनेवाला, निर्दय, पाषाण-हृदय, सगदिल।
खीर.कुशी (خیره کشی) फा स्त्री –विना कारण प्राण लेने का कर्म, निर्दयता, वेरहमी।
खीरःचश्म (خیره چشم) फा वि –निर्लज्ज, वेहया, धृष्ट, वेवाक, गुस्ताख।
खीर.चश्मी (خیره چشمی) फा स्त्री– निर्लज्जता, वेहयाई, धृष्टता, गुस्ताखी।
खीरःवातिन (خیره باطن) फा अ वि –जिसकी आत्मा पापमयी हो, अत मलिन, वदसिरिश्त।
खीरःवातिनी (خیره باطنی) फा अ स्त्री –आत्मा की अशुद्धि, अत मलिनता, वदसिरिश्ती।
खीरःसर (خیره سر) फा वि –उद्दड, सरकश, अवज्ञाकारी, नाफर्मान, स्वच्छद, खुदराय, लोलुप, लालची।
खीरःसरी (خیره سری) फा स्त्री –उद्दडता, अवज्ञा, स्वच्छदता, लोभ।
खीर खीर (خیر خیر) फा वि –मिथ्या, फुजूल, वेहूद।
खीरगी (خیرگی) अ स्त्री –आँखो की चकाचौध, धृष्टता, वेहयाई, अँधेरा, स्तव्वता, हैरानी।
खीरी (خیری) फा स्त्री –दे 'खत्मी'।
खीरू (خیرو) फा स्त्री –दे 'खत्मी'।
खीवः (خیوه) फा पु –'ख्वारज्म' (रूसी तुर्किस्तान) का एक नगर।
खीवक (خیوق) अ पु –दे 'खीव'।
खीश (خویش) फा पु –दे 'खेश'।
खीस (خیس) अ पु –सिंह के रहने की माँद, कछार; पेडो का झुण्ड।
खीस (خیص) अ स्त्री –मसि, सियाही, लिखने की रौशनाई, थोड़ी सजावट, दे 'खैस', दोनो शुद्ध है।

खु

खुंदगार (خندگار) फा पु –'खुदावदगार' का लघु, सम्राट्, शहशाह, वादशाह, शासक, 'ख्वादगार' का लघु, शिक्षक, पढानेवाला, अध्यापक।
खुंवक (خنبک) फा पु –साज़ के साय ताल देना, ताली वजाना, फकीरो के पहनने का एक मोटा कपडा, सिर और पूँछ हिलाना, कोलाहल, शोर।
खुंसा (خنثی) अ पु –वह पुरुष जिसमे स्त्री और पुरुष दोनो के चिह्न हो, ज़नाना, नरदारा, शिखण्डी।
खुजंद (خجند) फा पु –मावराउन्नह्र का एक छोटा नगर।
खुजस्त. (خجسته) फा वि –कल्याणमय, शुभान्वित, मुवारक।

खुजस्तःपै (خجستہ پے) फा वि –जिसका आगमन कल्याण-कर हो, मुबारकक़दम ।

खुजस्तःराय (خجستہ رائے) फा अ वि –जिसकी सलाह बहुत ठीक और शुभान्वित होती हो।

खुज़ाअः (خزاعہ) अ पु –किसी वस्तु से काटा हुआ खड, टुकडा, अरब का एक वश ।

खुज़ा'बील (خزعبیل) अ वि –अनृत, असत्य, गलत, वातिल ।

खुज़ारः (خضارہ) अ पु –नदी, दर्या।

खुज़ूअ (خضوع) अ पु –नम्रता, विनीति, खाकसारी।

खुज़ूर (خضور) अ पु –'खज़र' का वहु, हरियालियाँ, सब्ज़ियाँ ।

खुज़्रत (خضرت) अ स्त्री –हरियाली, हरिमा, सब्ज़ी।

खुज़्री (خضری) अ स्त्री –तरकारी, शाक, सब्जी ।

खुज़्रीयात (خضریات) अ स्त्री –तरकारियाँ, सब्ज़ियाँ।

खुज़्रूफ (خضروف) अ वि –युद्ध मे फुर्ती से लडनेवाला, युद्ध-कुशला (स्त्री) चमडे की फिरकी जिसमे डोरा डालकर घुमाते है।

खुतन (ختن) फा पु –चीन का एक नगर जहाँ की कस्तूरी प्रसिद्ध है।

खुतार (ختار) अ पु –घास-फूस से खेत को साफ करना, जमे हुए खेत में से घास आदि निकलना।

खुतुवात (خطوات) अ पु –'खुत्व' का वहु, डगें, कदम ।

खुतूत (خطوط) अ पु –'खत' का वहु, लकीरें, रेखाएँ, चिट्ठियाँ ।

खुतून (ختون) अ पु –दामाद वनना ।

खुत्ताफ (خطاف) अ स्त्री –एक प्रसिद्ध चिडिया, अवावील, पानी खीचने के पुर का कुडा।

खुत्वः (خطبہ) अ पु –पुस्तक की भूमिका, प्राक्कथन, उपदेश, धर्मोपदेश, भाषण, वयान, नमाज़ या निकाह का खुत्व ।

खुत्व' (خطوہ) अ पु –एक डग, एक कदम, चलते समय दोनो पाँवो के वीच का अतर।

खुद (خود) फा अव्य –स्वय, आप, स्वत, अपने आप।

खुदअदोख्त. (خود اندوختہ) फा वि –अपने आप कमाकर इकट्ठा किया हुआ धन आदि, स्वोपार्जित।

खुदअ. (خدعہ) अ वि –जो दूसरो को छले।

खुदआरा (خود آرا) फा वि –अपने को वना-सँवारकर रखनेवाला (वाली), स्वयसज्जिता, सुसज्जिता ।

खुदआराई (خود آرائی) फा स्त्री –अपने आपको वनाने-सँवारने की क्रिया।

खुदइत्मीनानी (خوداطمینانی) फा अ स्त्री –अपने पर इत्मीनान होने का भाव, अपने मन को सतोष होने का भाव।

खुदए'तिमाद (خوداعتماد) फा अ वि –अपने पर भरोसा और विश्वास करनेवाला, आत्मविश्वासी।

खुदए'तिमादी (خوداعتمادی) फा अ स्त्री –अपने पर भरोसा और विश्वास करना, आत्म-विश्वास।

खुदक (خودک) फा पु –मन मे उत्पन्न होनेवाले भ्रम और विचार।

खुदकफालत (خودکفالت) फा अ स्त्री –अपना भार खुद उठाना।

खुदकफील (خودکفیل) फा अ वि –अपना भार स्वय उठानेवाला, स्वावलवी, आत्मावलवी।

खुदकाम (خودکام) फा वि –स्वच्छद, निरकुश, खुदराय।

खुदकामी (خودکامی) फा स्त्री –स्वच्छदता, निरकुशता, खुदरायी।

खुदकुश (خودکش) फा वि –आत्महत्या करनेवाला, खुद को मार डालनेवाला।

खुदकुशी (خودکشی) फा स्त्री –खुद को मार डालना, आत्महत्या।

खुदग़रज (خودغرض) फा अ वि –अपने मतलव मे चौकस, केवल अपना स्वार्थ सिद्ध करनेवाला, स्वार्थी, स्वार्थपर।

खुदग़रज़ी (خودغرضی) फा अ स्त्री –स्वार्थपरता, आत्म-लाभ, स्वार्थसाधन, खुदमत्लवी।

खुदद (خدد) अ पु –'खुद्द' का वहु, सुरगें, भूमि के भीतर के रास्ते।

खुददार (خوددار) फा वि –अपनी प्रतिष्ठा का ध्यान रखनेवाला, स्वाभिमानी।

खुददारी (خودداری) फा स्त्री –अपनी प्रतिष्ठा और मर्यादा की रक्षा, स्वाभिमान, आत्मगौरव, आत्मसम्मान।

खुदनविश्त (خودنوشت) फा वि –अपने कलम का लिखा हुआ, स्वय लिखे हुए अपने हालात।

खुदनुमा (خودنما) फा वि –अपने सौंदर्य अथवा वैभव आदि का प्रदर्शन करनेवाला (वाली), आत्मप्रदर्शी।

खुदनुमाई (خودنمائی) फा स्त्री –अपने हुस्न अथवा अपनी शान-शौकत का प्रदर्शन, आत्मप्रदर्शन।

खुदपरस्त (خودپرست) फा वि –हर वात मे अपना गौरव और अपनी महत्ता जतानेवाला, आत्मपूजक।

खुदपरस्ती (خودپرستی) फा स्त्री –अपने ही को सव कुछ जानने का भाव, आत्म-पूजा।

खुदपसंद (خودپسند) फा वि –अपने को सबसे अच्छा और बडा समझनेवाला।

खुदपसंदी (خودپسندی) फा स्त्री –अपने को सबसे अधिक पसद करने का भाव।

खुदफरामोश (خودفراموش) फा वि –ऐसा अचेत जो अपने को भी भूल जाय, आत्म-विस्मारक, "अपना भी मुतज़िर हूँ तेरे इतज़ार मे"।

खुदफरामोशी (خودفراموشی) फा स्त्री –खोया खोया रहना, बेसुध रहना, अपना होश न रहना, आत्म विस्मृति।

खुदफरेब (خودفریب) फा वि –अपने को धोखा देनेवाला, अपने को धोखे मे रखनेवाला, आत्मवञ्चक।

खुदफरेबी (خودفریبی) फा स्त्री –अपने को धोखे मे रखना, आत्मवञ्चना।

खुदफरोश (خودفروش) फा वि –वह व्यक्ति जो धन या पद के लोभ मे अपने राष्ट्र या अपने स्वामी से विश्वासघात करे, आत्म-विक्रेता।

खुदफरोशी (خودفروشی) फा स्त्री –अपने को दूसरो के हाथ बेच देना, गद्दारी करना, आत्म-विक्रय।

खुदफिगन (خودفگن) फा वि –घोडे का अच्छा चढनेवाला।

खुद ब खुद (خود بخود) फा वि –अपने आप, आपसे आप, स्वत, स्वय।

खुदबदौलत (خود بدولت) फा अ पु –श्रीमान्, महोदय, जनाब, स्वय, आप, आप खुद।

खुदबीं (خودبیں) फा वि –अपने को सब कुछ समझनेवाला, आत्मदर्शी, अहकारी, अभिमानी, मगरूर।

खुदबीनी (خودبینی) फा स्त्री –अपने को सब कुछ समझना, आत्मदर्शन, अहकार, अभिमान, गुरूर।

खुदमत्लब (خودمطلب) फा अ वि –दे 'खुदगरज', स्वार्थ-साधक।

खुदमत्लबी (خودمطلبی) फा अ स्त्री –दे 'खुदगरज़ी', स्वार्थ-साधन।

खुदमुख़्तार (خودمختار) फा अ वि –स्वेच्छाचारी, निरकुश, मनमानी करनेवाला, स्वतत्र, स्वाधीन, आज़ाद।

खुदमुख़्तारी (خودمختاری) फा अ स्त्री –स्वच्छदता, मन की मौज, स्वतत्रता, स्वाधीनता, आज़ादी।

खुदरफ़्तः (خودرفتہ) फा वि –जो अपने आपे मे न हो, सज्ञाहीन, निश्चेष्ट, बेसुध।

खुदरफ़्तगी (خودرفتگی) फा स्त्री –अपने आप मे न होना, निश्चेष्टता।

खुदराई (خودرائی) फा अ स्त्री –अपनी ही राय पर चलना, दूसरे का परामर्श न मानना, स्वेच्छाचार, स्वच्छदता।

खुदराए (خودرائے) फा अ वि –जो केवल अपने विचारो पर चले और किसी की बात न माने, स्वेच्छाचारी।

खुदरुस्तः (خودرستہ) फा वि –दे 'खुद रो'।

खुदरो (خودرو) फा वि –अपने आप उगा हुआ, जो बोया न गया हो।

खुदशनास (خودشناس) फा वि –अपना हलकापन या भारीपन पहचाननेवाला, अपनी जगह पहचाननेवाला।

खुदशनासी (خودشناسی) फा स्त्री –अपना हलका-भारीपन पहचान कर वैसी ही बात करना, निजज्ञान।

खुदशाँ (خودشاں) फा पु –वह सब।

खुदशिकन (خودشکن) फा वि –विनम्र, विनीत, खाकसार।

खुदशिकनी (خودشکنی) फा स्त्री –विनम्रता, विनीति, खाकसारी।

खुदसना (خودثنا) फा अ वि –दे 'खुदसिता'।

खुदसर (خودسر) फा वि –उद्दड, उजड्ड, अक्खड, अवज्ञाकारी, नाफर्मान, विद्रोही, बागी।

खुदसरी (خودسری) फा स्त्री –उद्दडता, उजड्डपन, अवज्ञा, हुक्मउदूली, विद्रोह, बगावत।

खुदसवार (خودسوار) फा वि –दे 'खुदराए'।

खुदसवारी (خودسواری) फा स्त्री –दे 'खुदराई'।

खुदसाख़्तः (خودساختہ) फा वि –अपना बनाया हुआ, आत्म-निर्मित, मनगढत, कपोल-कल्पित।

खुदसाज़ (خودساز) फा वि –अपनी बाह्य वेशभूषा को सुसज्जित रखनेवाला, अपने आचरण की शुद्धि का प्रयत्न करनेवाला।

खुदसाज़ी (خودسازی) फा स्त्री –अपनी वेशभूषा को सँवारना, अपने आचरण की शुद्धि की कोशिश करना।

खुदसिता (خودستا) फा वि –अपने मुँह मियाँमिट्ठू बननेवाला, आत्मश्लाघी, आत्म-प्रशसक।

खुदसिताई (خودستائی) फा स्त्री –अपने मुँह से अपनी प्रशसा करना, आत्मश्लाघा, आत्मप्रशसा।

खुदसुपुर्दगी (خودسپردگی) फा स्त्री –अपने को किसी के अधिकार मे दे देना, आत्मसमर्पण, अगदान।

खुदा (خدا) फा पु –परमात्मा, ईश्वर, अल्लाह।

खुदाई (خدائی) फा स्त्री –ससार, जगत्, दुनिया, ईश्वरत्व, खुदापन, (वि) दैवी, गैबी, आस्मानी।

खुदातर्स (خداترس) फा वि –ईश्वर से डरनेवाला, दूसरो पर दया करनेवाला, सदय, दयावान्।

खुदातर्सी (خداترسی) फा स्त्री –ईश्वर का भय, दूसरो पर दयाभाव, सदयता, दयालुता।

ख़ुदादाद (حدادا) फा वि –ख़ुदा का दिया हुआ, ईश्वर-दत्त, जो परिश्रम और प्रयास से न प्राप्त हो बल्कि ईश्वर की कृपा से मिले।

ख़ुदा न ख़्वास्तः (حدانحواسته) फा अव्य –ख़ुदा न करे, ईश्वर ऐसा न करे, एक आशीर्वाद का वाक्य, जो किसी अनिष्ट की शका के समय बोलते हैं, जैसे—'ख़ुदा न ख़्वास्त चोट आ गयी तो क्या होगा ?'

ख़ुदा ना कर्दः (حداناكرده) फा अव्य –दे 'ख़ुदा न ख़्वास्त ।

ख़ुदा ना ख़्वास्त (خداناحواسته) फा अव्य –दे 'ख़ुदा न ख़्वास्त', दोनो शुद्ध है।

ख़ुदा ना तर्स (حدا ناترس) फा वि –ईश्वर से न डरनेवाला, निर्दय, बेरहम।

ख़ुदा ना तर्सी (حدا ناترسی) फा स्त्री –ईश्वर का भय न होना, निर्दयता, बेरहमी।

ख़ुदापरस्त (حداپرست) फा वि –ख़ुदा को पूजनेवाला, धर्मनिष्ठ, ख़ुदा के अस्तित्व का काइल, आस्तिक, सत्य-निष्ठ, ईमानदार, ऋषि, मुनि, वली, दयावान्, रहमदिल, ईश्वर-भक्त।

ख़ुदापरस्ती (حداپرستی) फा स्त्री –धर्मनिष्ठता, आस्तिकता, सत्यता, ऋषित्व, वलीपन, दयालुता, रहमदिली, ईश्वर-भक्ति।

ख़ुदायगाँ (حدایگاں) फा पु –स्वामी, मालिक, राजा, बादशाह।

ख़ुदाया (حدایا) फा अव्य –हे ईश्वर, ऐ ख़ुदा, हे प्रभु, प्रभो।

ख़ुदारा (حدارا) फा अव्य –ईश्वर के लिए, ख़ुदा के वास्ते।

ख़ुदावद (حداوند) फा पु –ईश्वर, ख़ुदा, स्वामी, मालिक।

ख़ुदावदगार (حداوندگار) फा पु –दे 'ख़ुदावद'।

ख़ुदावदा (حداوندا) फा अव्य –दे 'ख़ुदाया'।

ख़ुदावदी (حداوندی) फा स्त्री –ईश्वरत्व, ख़ुदाई।

ख़ुदाशनास (حداشناس) फा वि –ब्रह्मज्ञानी, आरिफ, दयालु, रहमदिल, न्यायवान्, मुसिफमिज़ाज।

ख़ुदाशनासी (حداشناسی) फा स्त्री –ब्रह्मज्ञान, मा'रिफत, दयालुता, रहमदिली, न्यायकर्म, इसाफपरवरी।

ख़ुदासाज (حداساز) फा वि –ख़ुदा का बनाया हुआ, जो अपने परिश्रम से न हो, अपने आप हो जाय।

ख़ुदाहाफिज़ (حدا حافظ) फा अ वा –किसी को विदा करते समय बोला जानेवाला वाक्य, अर्थात् ईश्वर आपकी रक्षा करे।

ख़ुदी (حودی) फा स्त्री –अहकार, अहवाद, यह भाव कि बस हमी हम है, गर्व, अभिमान, घमड।

ख़ुदुक (حدک) फा पु –दे 'ख़ुदूक'।

ख़ुदू (حدو) फा पु –थूक, मुखस्राव।

ख़ुदूक (حدوک) फा पु –क्रोध, गुस्सा, लज्जा, शर्म; उद्विग्नता, परेशानी, मन के बुरे विचार, भ्रम, ईर्ष्या, रश्क।

ख़ुद्अ (حدعه) अ पु –छल, कपट, फरेब, (वि) वह व्यक्ति जिसे दूसरे लोग छलें।

ख़ुद्द (حده) अ पु –भूमि के भीतर का मार्ग, सुरग।

ख़ुद्दाम (حدام) अ पु –'ख़ादिम' का बहु, नौकर लोग, सेवकगण।

ख़ुनाक (خناق) अ पु –दे 'ख़नाक'।

ख़ुनुक (حنک) फा वि –शीतल, ठडा, सुन्दर, अच्छा, क्लीव, नामर्द।

ख़ुनुकी (حنکی) फा स्त्री –शीत, शीतलता, ठडक, शीतकाल, जाडा, नपुसकता, नामर्दी।

ख़ुनूअ (حنوع) अ पु –विनम्रता दिखाना, ख़ाकसारी करना, नम्र करना, नर्म करना।

ख़ुनूस (حنوس) अ पु –पीछे रह जाना, किसी चीज़ के पीछे छिपना।

ख़ुन्फसा (حنفسا) अ पु –गुबरीला, गोबर का एक कीडा।

ख़ुन्या (حنیا) फा पु –गान, राग, नग्म, वाद्य, साज़।

ख़ुन्यागर (حنیاگر) फा वि –गानेवाला, गायक, गवैया।

ख़ुन्यागरी (حنیاگری) फा स्त्री –गाने का काम, गाने का पेशा।

ख़ुफ [फ्फ] (حف) अ पु –मोज़ा, शुतुरमुर्ग, पाँव का तलवा, ठोस ज़मीन, बूढा ऊँट।

ख़ुफाफ (حفاف) अ वि –हलका, अगुरु, लघु।

ख़ुफार (حفاره) अ पु –दे 'ख़िफार', दोनो शुद्ध हैं।

ख़ुफीय. (حفیه) अ पु –छिपा हुआ, गुप्त, पोशीदा।

ख़ुफूक़ (حفوق) अ पु –तारे का डूबना, नीद की अधिकता से सिर हिलना, रात मे चलना, पक्षी का उडना।

ख़ुफूफ (حفوف) अ पु –हलका होना, तेज़ चलना, कम होना।

ख़ुफ्च (حفچه) फा पु –पशुओं के हाँकने की छडी, जिसके सिरे पर नोकदार कील लगी होती है।

ख़ुफ्त (حفته) फा वि –सोया हुआ, सुप्त।

ख़ुफ्त नसीब (حفته نصیب) फा अ वि –जिसका भाग्य सो रहा हो, हतभाग्य, दुर्दैव, दुर्दृष्ट।

ख़ुफ्त नसीबी (حفته نصیبی) फा अ स्त्री –भाग्यहीनता, बदनसीबी।

ख़ुफ्त बख़्त (حفته بحت) फा वि –दे 'ख़ुफ्त नसीब'।

ख़ुफ्त बख़्ती (حفته بحتی) फा स्त्री –दे 'ख़ुफ्त नसीबी'।

ख़ुफ़्तक (خفتک) फा पु –कावूस का रोग, दे 'कावूस'।
ख़ुफ़्तगी (خفتگی) फा स्त्री –सोने का भाव, स्वप्नता।
ख़ुफ़्तनी (خفتنی) फा वि –सोने के काविल।
ख़ुफ़्फ़ाश (خفاش) अ पु –चमगादड, चर्मचटक, वातुलि।
ख़ुफ़्यः (خفیہ) अ वि –'खुफीय' का उर्दू रूप, छिपा हुआ, गुप्त, रहस्यमय, राज़दारान, गुप्तचर, जासूस, (स्त्री) गुप्तचरी, जासूसी।
ख़ुफ़्यःनवीस (خفیہ‌نویس) अ फा वि –छिपकर किसी काम को देखने और उसकी रिपोर्ट करनेवाला।
ख़ुवस (خبث) अ वि –अपवित्र, गदा, मलिन, पलीद।
ख़ुवसा (خبثا) अ पु –'खवीस' का वहु, खवीस लोग, दुष्ट लोग।
ख़ुवात (خباط) अ स्त्री –पागलपन, वुद्धि-विक्षेप, दीवानगी।
ख़ुव्ज़ (خبز) अ स्त्री –रोटी, नान, रोटिका।
ख़ुव्स (خبث) अ पु –मैलकुचैल, दुष्टता, खवासत, पाप, गुनाह, अन्तर्मलिनता, वदवातिनी।
ख़ुव्सुलहदीद (خبث‌الحدید) अ पु –लोहे का मैल, मडूर।
ख़ुव्से नफ़्स (خبث نفس) अ पु –आत्मा की मलिनता, हृदय का पापमय होना।
ख़ुव्से वातिन (خبث باطن) अ पु –दे 'खुव्से नफ्स'।
ख़ुम (خم) फा पु –घडा, मटका, शराव रखने का मटका, "खुम के खुम पी जाऊँगा मैं ऐसा वादानोश हूँ।"
ख़ुम[म्म] (خم) अ पु –मुर्गियो का दरवा।
ख़ुमकदः (خم‌کدہ) फा पु –मदिरालय, सुरालय, शराबखाना।
ख़ुमकश (خم‌کش) फा वि –पूरी मटकी पी जानेवाला, धती शरावी, पान शौंद।
ख़ुमख़ानः (خم‌خانہ) फा पु –दे 'खुमकद'।
ख़ुमाअ' (خماع) अ पु –चलते हुए झूमना, झूमते हुए चलना।
ख़ुमार (خمار) अ पु –नशे के उतार की अवस्था, जिसमें हलका सिरदर्द और हलकी ऐंठन होती है, नशा, मद, उन्माद,—"आँखो ने मए हुस्न पिलाई थी एक रोज़—अँगडाइयाँ लेता हूँ अभीतक खुमार में।"
ख़ुमारआलूदः (خمارآلودہ) फा वि –नशे मे मस्त, मदोन्मत्त, प्राय प्रेमिका की आँखो के लिए आता है। "खुमार-आलूद नज़रें तीरसी दिल मे उतरती है।"
ख़ुमारआलूद (خمار آلود) फा वि –दे 'खुमार आलूद'।
ख़ुमारी (خماری) अ फा वि –दे 'खुमार आलूद'।
ख़ुमाल (خمال) अ पु –गठिया का दर्द, सच्चा मित्र।
ख़ुमासी (خماسی) अ पुं –अरवी का वह शब्द जिसमे पाँच अक्षर हो।
ख़ुमाहन (خم‌آهن) फा पु –लालिमा लिये हुए एक काला पत्थर।
ख़ुमूद (خمود) अ पु –आग का कुम्हला जाना या खत्म हो जाना, अर्थात् वुझ जाना।
ख़ुमूल (خمول) अ पुं –गुमनामी का जीवन व्यतीत करना, अज्ञातवास, गुमनामी।
ख़ुमूश (خموش) अ पु –छीलना।
ख़ुमूस (خموص) अ पु –सूजन का उतर जाना, सूजे हुए अग का ठीक हो जाना।
ख़ुमे अफ़्लातून (خم افلاطون) फा अ पु –वह मटका जिसमे अफ्लातून को मरते समय वद करके पहाड की खोह मे रख दिया गया था।
ख़ुमे ईसा (خم عیسی) फा अ पु –वह घडा जिसमे चाहे जिस रग का कपडा डाला जाता, हज़रत ईसा की दुआ से वह सफेद या काला निकलता था।
ख़ुमे मय (خم مے) फा पु –शराव की मटकी।
ख़ुयूल (خیول) अ पु –'खैल' का वहु, समूह, समुदाय, जमाअतें।
ख़ुरः (خورہ) फा पु –एक रोग जिसमे वाल झडने लगते हैं।
ख़ुर (خور) फा पु –सूर्य, सूरज।
ख़ुरदाद (خرداد) फा पु –फार्सी का एक महीना जो असाढ के लगभग पडता है।
ख़ुरशीद (خرشید) फा. पु –रवि, दिनकर, दिवाकर, सूर्य, सूरज।
ख़ुरशेद (خرشید) फा पु –दे 'खुरशीद', शुद्ध दोनो हैं, मगर 'खुरशीद' फसीह है।
ख़ुराक (خوراک) फा स्त्री –भोजन, खाना, खाद्य, खाने की वस्तु, गिजा।
ख़ुराज (خراج) अ पु –फोडा, व्रण, घाव, ज़ख्म, क्षत।
ख़ुराफत (خرافت) अ स्त्री –वकवास, अनर्गल प्रलाप, वेहूद गोई।
ख़ुराफात (خرافات) अ स्त्री –'खुराफत' का वहु, वेहूदा वाते, वकवासे, वेहूदा और व्यर्थ के काम।
ख़ुरिंदः (خورندہ) फा वि –खानेवाला।
ख़ुरिश (خورش) फा स्त्री –खुराक, भोजन, गिज़ा।
ख़ुरूज (خروج) अ पु –निकलना, नि सरण, शासन के विरुद्ध विद्रोह, वगावत।
ख़ुरूजुल मकअद (خروج‌المقعد) अ पु –वच्चो को काँच निकलने का रोग, गुदभ्रश, गुद-निर्गम।
ख़ुरूर (خرور) अ पु –गिरना, गिर पडना, सोनेवाले के गले का वोलना, खर्राटे लेना।

खुरूस (خروس) फा पु–मुर्गा, कुक्कुट।

खुरोश (خروش) फा पु–कोलाहल, शोर, हाहाकार, कोहराम।

खुर्खजीवन (خورخجیون) फा अ–एक शैतान जो स्त्रियो से सभोग करने के लिए उनके शरीर में प्रवेश कर जाता है।

खुर्जी (خورجین) फा पु–लद्दू गधे या घोडे की पीठ का थैला, गौन, गोण।

खुर्जी (خرجی) फा पु–दे 'खुर्जी'।

खुर्तूम (خرطوم) अ पु–हाथी की सूंड, शुड, तेज नशेवाली मदिरा, क़ौम का सरदार।

खुर्द (خرده) फा वि–खाया हुआ, केवल यौगिक शब्दो के अत में आता है, जैसे–'जख्मखुर्द' घाव खाया हुआ।

खुर्द: (خرده) फा पु–खड, टुकडा, रेज़, दोप, ऐब, रेज़गारी, नावाँ।

खुर्द कार (خردهکار) फा वि–काम मे वारीकी पसद करनेवाला, कठिन काम सुगमता से करनेवाला।

खुर्द कारी (خردهکاری) फा. स्त्री–काम मे वारीकी पसद करना, कठिन काम सरलता से करना।

खुर्द गीर (خردهگیر) फा वि–ऐब ढूंढनेवाला, छिद्रान्वेपी, ऐवची।

खुर्द गीरी (خوردهگیری) फा स्त्री–दोपो की खोज, छिद्रान्वेपण, ऐवचीनी।

खुर्द चीं (خردهچین) फा वि–दे 'खुर्द गीर'।

खुर्द चीनी (خردهچینی) फा स्त्री–दे 'खुर्द गीरी'।

खुर्द फरोश (خردهفروش) फा वि–फुटकर माल वेचनेवाला, थोकफरोश का उलटा।

खुर्द फरोशी (خردهفروشی) फा स्त्री–फुट माल वेचना।

खुर्द बीं (خردهبین) फा वि–दे 'खुर्द गीर'।

खुर्द बीनी (خردهبینی) फा स्त्री–दे 'खुर्द गीरी'।

खुर्द (خورد) फा वि–छोटा, क्षुद्र, लघु, कसीर, ह्रस्व, नाकिस, कण, रेज़, योग्य, लायक़।

खुर्द (خورد) फा क्रि–खाया।

खुर्दनी (خوردنی) फा वि–खाने योग्य, खानेवाली वस्तु।

खुर्दबीं (خردبین) फा वि–छोटी चीज़ को देखनेवाला, दे खुर्दवीन।

खुर्दवीन (خردبین) फा स्त्री–एक यत्र, जिसमे छोटे से छोटी चीज़ वहुत वडी दिखाई देती है।

खुर्दवीनी (خردبینی) फा स्त्री–छोटी वस्तु को देख लेना।

खुर्दबुर्द (خوردبرد) फा वि–गार्त, खूद, नष्ट, वरवाद, गवन, अपहृत।

खुर्दसाल (خردسال) फा वि–अल्पवयस्क, वयोवाल, कमसिन।

खुर्दसाली (خردسالی) फा स्त्री–वाल्यावस्था, अल्पवयस्कता, कमसिनी।

खुर्दी (خردی) फा स्त्री–छोटाई, लघुता।

खुर्नूब (خرنوب) अ पु–एक जगली पेड जिसका फल दवा में काम आता है; उस पेड का फल।

खुर्फ: (خرفه) अ पु–एक साग जिसके वीज दवा मे काम आते हैं।

खुर्मा (خرما) फा पु–छुहारा, सूखा खजूर, हरा छुहारा, पिंड खजूर।

खुर्रम (خرم) फा वि–प्रसन्न, आनदित, हर्पित, खुश।

खुर्रमी (خرمی) फा स्त्री–प्रसन्नता, हर्प, आनद, खुशी।

खुर्सद (خرسند) फा वि–दे 'खुर्रम'।

खुर्सदी (خرسندی) फा स्त्री–दे 'खुर्रमी'।

खुल [ल्ल] (خل) अ पु–मित्र, दोस्त, यार, सखा।

खुलता (خلطا) अ पु–'खलीत' का वहु, साझेदार लोग।

खुलफा (خلفا) अ पु–'खलीफ' का वहु, प्रतिनिधि लोग, स्थानापन्न लोग, हज़रत अवूवक्र आदि खलीफे, मुसलमान शासकगण।

खुलास: (خلاصه) अ पु–सार, सक्षेप, निचोड, परिणाम, नतीजा, साराश, तल्खीस।

खुलुक (خلق) अ पु–दे 'खुल्क', दो शु हैं।

खुलुब (خلب) अ पु–कचला मिट्टी, एक काली और चिपकनेवाली मिट्टी, वटी हुई रस्सी।

खुलुव्व (خلو) अ पु–दे 'खुलू'।

खुलू (خلو) अ पु–खाली होना, रिक्त होना, रिक्तता, खालीपन।

खुलूए मे'द: (خلوے معده) अ पु–आमाशय का भोजन आदि से रिक्त होना, पेट खाली होना।

खुलूज (خلوج) अ पु–आँख का या किसी दूसरे अग का फडकना।

खुलूद (خلود) अ पु–सदा रहना, हमेशा रहना, नित्यता, हमेशगी।

खुलूफ (خلوف) अ पु–'खलफ' का वहु, मृत व्यक्ति के पीछे रहनेवाले वाल-वच्चे; भोज्य पदार्थ का स्वाद विगड जाना, पानी भरना, पुराने कपडे उतारना और नये पहनना, नाश होना, वरवाद होना।

खुलूस (خلوص) अ पु–निष्कपटता, निश्छलता, निष्कदिली, सत्यता, सच्चाई, गाद, तलछट।

खुलूअ (خلع) अ पु–मुसलमान स्त्री का अपने पति से तलाक़ चाहना।

खुल्क (خلق) अ पु–सुशीलता, मुरव्वत, सदाचार, अख्लाक; स्वभाव, आदत।

खुल्कान (خلقان) अ पु–पुरातन, पुराना, पुराना वस्त्र, पुराना लिवास।

खुल्त (خلطہ) अ पुं–भागीदारी, शिर्कत, साझा।

खुल्त (خلت) अ पु–अच्छा स्वभाव, सत्प्रकृति।

खुल्दः (خلدہ) अ पु–कान का बुंदा, लटकन, गोशवारा।

खुल्द (خلد) अ पुं–स्वर्ग, नाक, विहिश्त, नित्यता, हमेशगी, (स्त्री) छछूंदर, एक जंतु।

खुल्द आश्याँ (خلد آشیاں) अ फा वि–जिसका घर स्वर्ग मे हो, स्वर्गवासी, दिवगत।

खुल्दनशीं (خلدنشیں) अ फा वि–दे "खुल्द आश्याँ"।

खुल्दमकाँ (خلدمکاں) अ वि–दे 'खुल्द आश्याँ'।

खुल्देबरीं (خلدبریں) अ फा पु–सबसे ऊँचा स्वर्ग, सातवाँ स्वर्ग।

खुल्फ़ (خلف) अ पु–वचनभग, प्रतिज्ञा-भग, वादाखिलाफी।

खुल्फ़े वा'दः (خلف وعدہ) अ पु–प्रतिज्ञा का पालन न करना, प्रतिज्ञा-भग।

खुल्लत (خلت) अ स्त्री–मैत्री, दोस्ती।

खुल्लब (خلب) अ पु–वह वादल जिसमे पानी न हो।

खुल्लान (خلان) अ पु–खलील का वहु, मित्रगण, दोस्त लोग।

खुल्लास (خلاص) अ पुं–घर के सूराख, घर की बुराइयाँ।

खुल्सः (خلسہ) अ पु–काले और सफेद बाल मिले हुए, खिचडी वाल, सूखी और तर घास मिली हुई।

खुवार (خوار) अ पु–बैल की डौंकन।

खुश (خوش) फा वि–प्रसन्न, मसरूर, शुभान्वित, मुबारक, सुंदर, हसीन, प्रियदर्शन, खुशनुमा, पवित्र, पाक; पुनीत, नेक, उत्तम, श्रेष्ठ, आला।

खुशअंजाम (خوش انجام) फा वि–जिसका परिणाम अच्छा हो वह काम, शुभ परिणाम।

खुशअख्लाक (خوش اخلاق) फा अ वि–सुशील, चारुशील, खुशखुल्क, विनम्र, विनीत, मुन्कसिर।

खुशअख्लाकी (خوش اخلاقی) फा अ स्त्री–सुशीलता, खुशखुल्की, विनीति, इन्किसार।

खुशअत्वार (خوش اطوار) फा अ वि–अच्छे आचरण वाला, सदाचारी।

खुशअदा (خوش ادا) फा वि–जिसकी अदाएँ अच्छी हों; जिसकी वर्णन-शैली अच्छी हो।

खुशअमल (خوش عمل) अ फा वि–शुद्ध आचरण-वाला, सदाचारी।

खुशआब (خوش آب) फा वा–अच्छी चमक-दमक वाला।

खुशआमदेद (خوش آمدید) फा वि–शुभागमन, आपका आना शुभान्वित हो, एक वाक्य, जो किसी बडे व्यक्ति के आने पर कहा जाता है।

खुशआ'माल (خوش اعمال) फा अ वि–अच्छे आचार-विचारवाला, व्यवहार-शील।

खुशआयंद (خوش آیند) फा वि–जिसका भविष्य अच्छा हो, अच्छा, सुदर, उत्तम।

खुशआवाज़ (خوش آواز) फा वि–जिसका स्वर अच्छा हो, कलरव, कलकठ, सुस्वर।

खुशआवाज़ी (خوش آوازی) फा स्त्री–स्वर का अच्छा होना।

खुशइंतिज़ाम (خوش انتظام) फा अ वि–जो प्रवध अच्छा करता हो, प्रवध-कुशल।

खुशइंतिज़ामी (خوش انتظامی) फा अ स्त्री–प्रवव की अच्छाई, प्रवध-कौशल।

खुशइक़्बाल (خوش اقبال) फा अ वि–प्रतापवान्, तेजोमय, तेजस्वी, भाग्यवान्, सुभागीन, भाग्यशाली।

खुशइक़्बाली (خوش اقبالی) फा अ स्त्री–प्रतापवान् होना, भाग्यवान् होना।

खुशइनाँ (خوش عناں) फा अ वि–वह घोड़ा जो लगाम के इशारे पर चले, लगाम का सच्चा।

खुशइयार (خوش عیار) फा अ वि–वह सोना अथवा चाँदी जो कसौटी पर पूरा कस दे, खरा, खालिस।

खुशइल्हान (خوش الحان) फा अ वि–दे 'खुश आवाज़'।

खुशइल्हानी (خوش الحانی) फा अ स्त्री–दे 'खुश आवाज़ी'।

खुशउस्लूब (خوش اسلوب) अ फा वि–जिसका तौर तरीका बहुत अच्छा हो, सद्व्यवहार।

खुशउस्लूबी (خوش اسلوبی) फा अ स्त्री आचार-व्यवहार की अच्छाई।

खुशऔक़ात (خوش اوقات) फा अ वि–जिसका समय अच्छा वीते, जो अपना काम ठीक समय पर करता हो।

खुशक़दम (خوش قدم) फा अ वि–ऐसा व्यक्ति जिसके आने से घर मे वरकत और कल्याण हो।

खुशक़लम (خوش قلم) फा अ वि–अच्छा लिखनेवाला, अच्छा और चिकना कागज़।

खुशकलाम (خوش کلام) फा अ वि–मधुरभाषी, मिष्ट-भाषी, शीरींगुफ्तार।

खुशकलामी (خوش کلامی) फा अ स्त्री–बातचीत का माधुर्य, शीरींगुफ्तारी।

ख़ुशक़ामत (خوش قامت) फा अ वि—जिसके शरीर की बनावट सुंदर और सुडौल हो, सुष्ठु।

ख़ुशक़ामती (خوش قامتی) फा अ स्त्री—शरीर का सुडौल और सुंदरपन, सौष्ठव, तनासुबे आ'जा।

ख़ुशकिस्मत (خوش قسمت) फा अ वि—सौभाग्यशाली, सुभागीन, भाग्यवान्, अच्छी तक्दीर वाला।

ख़ुशकिस्मती (خوش قسمتی) फा अ स्त्री—सौभाग्य, तक्दीर की अच्छाई।

ख़ुशकुन (خوش کن) फा वि—खुश करनेवाला, विशेषत दूसरे शब्द के साथ आता है, जैसे—दिल ख़ुशकुन, चित्त को प्रसन्न करनेवाला।

ख़ुशख़त (خوش خط) फ़ा अ वि—जिसका लिखना अच्छा हो, अच्छा लिखनेवाला, सुलेखक।

ख़ुशख़ती (خوش خطی) फा अ स्त्री—लिखावट का अच्छा होना, अच्छी लिखावट, सुलेख।

ख़ुशख़बरी (خوش خبری) फा अ स्त्री—अच्छा समाचार, शुभ समाचार, शुभ संवाद, ललित सूचना।

ख़ुशख़याल (خوش خیال) फा अ वि—अच्छा विचार रखनेवाला, जिसका विचार किसी की ओर से अच्छा हो।

ख़ुशख़रीद (خوش خرید) फा वि—नकद दामो से खरीदी हुई वस्तु।

ख़ुशख़िराम (خوش خرام) फा वि—अच्छी चाल वाला (वाली), सुगामी, सुगामिनी, गजगामिनी।

ख़ुशख़िरामी (خوش خرامی) फा स्त्री—सुंदर चाल।

ख़ुशख़ुराक (خوش خوراک) फा वि—अच्छा खानेवाला, खाने का शौकीन।

ख़ुशख़ुल्क (خوش خلق) फा अ वि—हरेक से खुश होकर मिलनेवाला, सबसे सुशीलता का व्यवहार करनेवाला, सच्छील, सद्वृत्त, सुशील।

ख़ुशख़ुल्क़ी (خوش خلقی) फा अ स्त्री—शील-सकोच, सद्वृत्ति, अच्छा अख़्लाक।

ख़ुशख़ू (خوش خو) फा वि—अच्छे स्वभाववाला, सत्प्रकृति, अच्छे अख़्लाक वाला, सच्छील, सद्वृत्त।

ख़ुशख़ूई (خوش خوئی) फा स्त्री—अच्छा स्वभाव, अच्छा अख़्लाक।

ख़ुशगप्पी (خوش گپی) फा स्त्री—हँसी-मजाक, वाग्विलास, रसवाद।

ख़ुशगाम (خوش گام) फा वि—दे 'ख़ुशख़िराम'।

ख़ुशग़िलाफ़ (خوش غلاف) फा वि—वह तलवार जो तुरत ही म्यान से निकल आये, अच्छी, हलकी और बाढदार तलवार, वह स्त्री जो ज़रा सी लगावट मे पर-पुरुष के साथ सहवास को तैयार हो जाय।

ख़ुशगुज़रान (خوش گذران) फा वि—अच्छे प्रकार से जीवन व्यतीत करनेवाला, अच्छा खाने-पहननेवाला।

ख़ुशगुफ़्तार (خوش گفتار) फा वि—जिसकी बोलचाल मीठी हो, मधुरभाषी, मिष्टभाषी, अच्छा भाषण देनेवाला, सुवक्ता।

ख़ुशगुफ़्तारी (خوش گفتاری) फा स्त्री—बोलचाल और बातचीत की मिठास, वार्ता-माधुर्य, धुआँधार भाषण देना।

ख़ुशगुमान (خوش گمان) फा वि—जिसके विचार किसी की ओर से अच्छे हो।

ख़ुशगुमानी (خوش گمانی) फा स्त्री—विचार का किसी की ओर से अच्छा होना।

ख़ुशगुलू (خوش گلو) फा वि—जिसका गला सुरीला हो, कलकंठ, मधुरकंठ, खुशइल्हाँ।

ख़ुशगुलूई (خوش گلوئی) फा स्त्री—गले का सुरीला होना, कंठ-माधुर्य।

ख़ुशगवार (خوش گوار) फा वि—जो चित्त के अनुकूल हो, जो मन को अच्छा लगे, मनोवांछित, रुचिकर, सुस्वाद, खुशजाइका।

ख़ुशगवारी (خوش گواری) फा स्त्री—मन को पसंद आने का भाव, अच्छा लगने का भाव, मज़े का अच्छा होना।

ख़ुशगो (خوش گو) फा वि—दे 'ख़ुशगुफ़्तार'।

ख़ुशगोई (خوش گوئی) फा स्त्री—दे 'ख़ुशगुफ़्तारी'।

ख़ुशचश्म (خوش چشم) फा वि—अच्छी आँखो वाला (वाली), सुनेत्र, सुनेत्रा, सुलोचना, चारुनेत्रा।

ख़ुशचश्मी (خوش چشمی) फा स्त्री—आँखो की सुंदरता, नेत्र-सौंदर्य।

ख़ुशचेह्‌र (خوش چہرہ) फा वि—दे 'ख़ुशरू'।

ख़ुशज़बाँ (خوش زباں) फा वि—दे 'ख़ुशगुफ़्तार'।

ख़ुशजमाल (خوش جمال) फा अ वि—अच्छे सौंदर्यवाला (वाली), सुंदर, हसीन, सुंदरी, रूपवती, सुरूप, हसीना।

ख़ुशज़ाइक़ (خوش ذائقہ) फा अ वि—जिसका स्वाद अच्छा हो, सुस्वाद, स्वादिष्ठ, मुखप्रिय।

ख़ुशज़ौक़ (خوش ذوق) फा अ वि—जिसको कविता-सम्बन्धी गुण-दोष का अच्छा ज्ञान हो, जो काव्य-मर्मज्ञ हो, रसिक, सहृदय, रसानुभवी, जिसे दूसरी किसी कला मे रुचि हो।

ख़ुशज़ौक़ी (خوش ذوقی) फा अ स्त्री—काव्य-मर्मज्ञता, रसिकता, सहृदयता, किसी दूसरे विषय मे अच्छी दिलचस्पी।

ख़ुशतक़्दीर (خوش تقدیر) फा अ वि—दे 'ख़ुश किस्मत'।

खुशतब्अ (خوش طبع) फा अ वि –दे 'खुशमिजाज'।

खुशतब्ई (خوش طبعی) फा अ स्त्री –दे 'खुशमिजाजी'।

खुशतर (خوشتر) फा वि –बहुत अच्छा, उत्तमतर।

खुशतरक (خوشتری) फा वि –बहुत ही अच्छा, अत्यधिक उत्तम।

खुशताले' (خوش طالع) फा अ वि –दे 'खुशकिस्मत'।

खुशदामन (خوش دامن) फा स्त्री –सास, श्वश्रू, चारु देवी।

खुशदिल (خوش دل) फा वि –जो हर समय प्रसन्न रहे, प्रसन्नचित्त, सुमनस्क, जो विनोदप्रिय हो, मनोरजक, पुरमजाक।

खुशदिली (خوش دلی) फा स्त्री –हर समय प्रसन्न रहने का भाव, विनोदप्रियता, पुरमज़ाकी।

खुशनवीस (خوش نویس) फा वि –जिसकी लिखावट अच्छी हो, सुलेखक, जो खुशनवीसी का पेश करता हो, कातिव।

खुशनवीसी (خوش نویسی) फा स्त्री –अच्छा लिखना, सुलेख, खुशखती, खुशनवीसी का पेशा।

खुशनशीं (خوش نشین) फा वि –वह व्यक्ति जिसे अगर कोई स्थान पसद आ जाय तो वही का हो रहे।

खुशनशीनी (خوش نشینی) फा स्त्री –कोई स्थान पसद आने पर वही का हो रहना।

खुशनसीब (خوش نصیب) फा अ वि –दे 'खुशकिस्मत'।

खुशनसीबी (خوش نصیبی) फा स्त्री –दे 'खुशकिस्मती'।

खुशनिहाद (خوش نهاد) फा वि –अच्छी प्रकृति वाला, अच्छे स्वभाव वाला, सत्प्रकृति, सदात्मा।

खुशनीयत (خوش نیت) फा अ वि –ईमानदार, व्यवहारनिष्ठ, जो यह चाहता हो कि किसी का पैसा उस पर न रहे, जो यह चाहता हो कि उसका पैसा अच्छे कामो मे व्यय हो।

खुशनीयती (خوش نیتی) फा अ स्त्री –ईमानदारी, किसी का ऋणी न रहने का भाव, अच्छे कामो मे पैसा खर्च करने का भाव।

खुशनुमा (خوش نما) फा वि –जो देखने में अच्छा लगे, नेत्रप्रिय, प्रियदर्शन, मनोरम, सुन्दर, हसीन।

खुशनुमाई (خوش نمائی) फा स्त्री –नेत्रप्रियता, दिलकशी, सुन्दरता, हुस्न।

खुशपोश (خوش پوش) फा वि –जो अच्छे वस्त्र पहनने का शौकीन हो, जो सदा अच्छे कपडे पहनता हो, चारुवेप।

खुशपोशाक (خوش پوشاک) फा वि –दे 'खुशपोश'।

खुशपोशी (خوش پوشی) फा स्त्री –अच्छे वस्त्र का शौक, सुवस्त्रप्रियता।

खुशफहम (خوش فہم) फा अ वि –शीघ्र बात समझ जानेवाला, तीव्रबुद्धि, किसी की ओर से अच्छा विचार रखनेवाला, खुशगुमान।

खुशफहमी (خوش فہمی) फा अ स्त्री –वुद्धि की तीव्रता, अक्ल की तेजी, किसी की ओर से अच्छा गुमान, सुधारणा।

खुशफे'ली (خوش فعلی) फा अ स्त्री –मनोरजन, मनोविनोद, तफ्रीह, चुहल, मजाक।

खुशबख्त (خوش بخت) फा वि –दे 'खुशकिस्मत'।

खुशबख्ती (خوش بختی) फा स्त्री –दे 'खुशकिस्मती'।

खुशबयान (خوش بیان) फा अ वि –दे 'खुशगुफ्तार'।

खुशबयानी (خوش بیانی) फा स्त्री –दे 'खुशगुफ्तारी'।

खुशबाश (خوش باش) फा वि –अच्छे प्रकार से रहनेवाला, रहने के स्थान को सुसज्जित रखनेवाला, बेफिक्री मे जीवन व्यतीत करनेवाला, (वा) एक आशीर्वाद, खुश रहो, स्वस्तु।

खुशबू (خوشبو) फा वि –सुगधित, अच्छी सुगधवाला, (स्त्री) सुगध, अच्छी महक।

खुशबूदार (خوشبودار) फा वि –जिसमे सुगध हो, सौरभित, सुगधित।

खुशमजर (خوش منظر) फा अ वि –जो देखने मे अच्छा लगे, प्रियदर्शन, शुभदर्शन, नेत्रप्रिय।

खुशमआश (خوش معاش) फा अ वि –'वदमआश' का उलटा, अच्छी कमाई से जीवन वितानेवाला, नेकचलन।

खुशमआशी (خوش معاشی) फा अ स्त्री –'वदमआशी' का उलटा, अच्छी कमाई से जीवन विताना, नेकचलनी।

खुशमज़ाक़ (خوش مزاق) फा अ वि –दे 'खुशज़ौक', जिदादिल, विनोद-रसिक।

खुशमज़ाक़ी (خوش مزاقی) फा अ स्त्री –दे 'खुशजौकी', ज़िद दिली, विनोदप्रियता।

खुशमनिश (خوش منش) फा वि –दे 'खुशमिज़ाज', सज्जन, शरीफ।

खुशमनिशी (خوش منشی) फा स्त्री –दे 'खुशमिजाजी', सज्जनता, शराफत।

खुशमिजाज (خوش مزاج) फा अ वि –ज़िंदादिल, हासप्रिय, विनोद-रसिक, सुशील, सच्छील, खुश अख्लाक।

खुशमिजाजी (خوش مزاجی) फा अ स्त्री –जिदादिली, हासप्रियता, सुशीलता, खुश अख्लाकी।

खुशमुआमलः (خوش معاملہ) फा अ वि –लेन-देन का पाक-साफ, व्यवहारनिष्ठ, वा'दे का सच्चा, दृढप्रतिज्ञ।

खुशमुआमलगी (خوش معاملگی) फा अ स्त्री –लेन-देन की सफाई, व्यवहारनिष्ठता, वचनवद्धता, वा'दे की सच्चाई।

खुशरंग (خوش رنگ) फा वि –अच्छे रंगवाला, सुवर्ण।
खुशरंगी (خوش رنگی) फा स्त्री –रंग की सुन्दरता, वर्ण-सौन्दर्य।
खुशरफ़्तार (خوش رفتار) फा वि –दे 'खुशखिराम'।
खुशरफ़्तारी (خوش رفتاری) फा स्त्री –दे 'खुशखिरामी'।
खुशरू (خوش رو) फा वि –रूपवान्, सुरूप, अच्छी शक्ल-वाला, रूपवती, सुरूपा, हसीना।
खुशरूई (خوش روئی) फा स्त्री –मुखमंडल की सुन्दरता, चेहरे की खुशनुमाई।
खुशलगाम (خوش لگام) फा वि –दे 'खुशइनाँ'।
खुशलह्जः (خوش لہجہ) फा अ वि –जिसका लबो लहजा (टोन) सुन्दर हो, जिसकी आवाज़ सुन्दर हो, कलकंठ।
खुशलिबास (خوش لباس) फा अ वि –दे 'खुशपोश'।
खुशलिबासी (خوش لباسی) फा अ स्त्री –दे 'खुशपोशी'।
खुशवक़्त (خوش وقت) फा अ वि –जिसका समय अच्छा हो, समृद्ध, संपन्न, फ़ारिगुल बाल, भाग्यवान्, खुश-किस्मत।
खुशवक़्ती (خوش وقتی) फा अ स्त्री –समय की अनुकूलता, समृद्धि, दौलतमंदी, भाग्यशीलता, खुशकिस्मती।
खुशवज़्अ (خوش وضع) फा अ वि –जो अपनी परंपरा पर दृढ़ रहे, वज़्'दार।
खुशवज़्ई (خوش وضعی) फा अ स्त्री –परम्परा पर दृढ़ता, वज़्'दारी।
खुशसलीक़ः (خوش سلیقہ) फा अ वि –जिसे हर बात का ढंग आता हो, व्यवहार-कुशल, जो हर वस्तु क्रम और तर्तीब से रखता हो, शिष्ट।
खुशसलीक़गी (خوش سلیقگی) फा अ स्त्री –हर बात का ढंग, हर चीज़ को क्रम से रखने की तमीज़।
खुशसवाद (خوش سواد) फा अ वि –वह नगर जिसके चारों ओर का दृश्य अच्छा हो।
खुशसीरत (خوش سیرت) फा अ वि –अच्छी प्रकृतिवाला, अच्छे स्वभाववाला, शील-संकोचवाला।
खुशसीरती (خوش سیرتی) फा अ स्त्री –स्वभाव की शिष्टता, सुशीलता, खुश अख़्लाक़ी।
खुशहाल (خوش حال) फा अ वि –जिसकी आर्थिक दशा अच्छी हो, संपन्न, समृद्ध, मालदार।
खुशहाली (خوش حالی) फा अ स्त्री –संपन्नता, समृद्धि, मालदारी।
खुशा (خوشا) फा अव्य –अहो, क्या खूब, वाह वाह, "खुशा ! नसीब ! तपिशहाए-आलमे-बेदाद, हमारे सर पे तुम्हारा हसीन साया है।"
खुशाक़िस्मत (خوشاقسمت) फा अ अव्य –अहो भाग्य, वाह री तक़्दीर, वाह रे मैं।
खुशानसीब (خوشانصیب) फा अ अव्य –दे 'खुशा-क़िस्मत'।
खुशाम (خشام) अ पु –वह व्यक्ति जिसकी नाक ऊँची हो, वह पहाड़ जिसकी चोटी ऊँची हो।
खुशामद (خوشامد) फा स्त्री –चापलूसी, चाटुकारिता, मिन्नत, समाजत, उल्लाप।
खुशामदगो (خوشامدگو) फा वि –खुशामद करनेवाला, चाटुकार।
खुशामदपसंद (خوشامدپسند) फा वि –जिसे चापलूसी अच्छी लगती हो, जो चाहता हो कि लोग उसकी खुशामद करें, चटुलालस।
खुशामदशिआर (خوشامدشعار) फा अ वि –जिसे खुशामद करने की आदत हो, जिसका काम ही खुशामद करना हो, चाटुपटु।
खुशामदी (خوشامدی) फा वि –खुशामद करनेवाला, चाटु-कार, चाटुलोल, उल्लापी।
खुशी (خوشی) फा स्त्री –हर्ष, आनंद, मसर्रत, इच्छा, रुचि, मर्ज़ी, बच्चे की पैदाइश, बाल-जन्म, स्वीकृति, मंजूरी, आनंदित, हर्षित, खुश।
खुशूअ (خشوع) अ पु –नम्रता, विनय, आजिज़ी, तारे का अस्त होने के निकट होना, नींद से आँख का बंद होना।
खुशूनत (خشونت) अ स्त्री – खुरदरापन, खुरखुरापन, अक्खड़पन, रूखापन, बदमिज़ाजी।
खुश्क' (خشکہ) फा पु –उबाले हुए चावल, भात।
खुश्क (خشک) फा वि –सूखा हुआ, शुष्क, बिना रस का, नीरस, दुःशील, रूखा, अनुदार, तंगदिल, कृपण, कंजूस।
खुश्कदिमाग़ (خشک دماغ) फा अ वि –जिसके मस्तिष्क में खुश्की बहुत हो, चिड़चिड़ा, बदमिज़ाज।
खुश्कमग़्ज़ (خشک مغز) फा अ वि –दे 'खुश्कदिमाग़'।
खुश्कमिज़ाज (خشک مزاج) फा अ वि –बहुत ही रूखा फीका व्यक्ति, नीरसप्रकृति, खुर्रा।
खुश्कमिज़ाजी (خشک مزاجی) फा अ स्त्री –मिज़ाज का रूखापन, खुर्रापन।
खुश्कलब (خشک لب) फा वि –प्यासा, पिपासित, जिसके ओंठ प्यास के कारण सूख गये हों।
खुश्कसाल (خشک سال) फा वि –दे 'खुश्कसाली'।
खुश्कसाली (خشک سالی) फा स्त्री –अवर्षा, बरसात का अभाव, दुर्भिक्ष, क़हतसाली।

खुश्कारी (خوشکاری) फा स्त्री –बे छना आटा, बजर ज़मीन, ऊसर।

खुश्की (خشکی) फा स्त्री –सूखापन, शुष्कता, बद-अख़्लाक़ी, दुःशीलता, खुर्रापन, बदमिज़ाजी, मिज़ाज की खुश्की।

खुसुर (خسر) फा पु –पत्नी का बाप, ससुर, श्वशुर।

खुसुरख़ानः (خسرخانه) फा पु –सुसराल, ससुराल, श्वशुरालय।

खुसूफ़ (خسوف) अ पु –चंद्रग्रहण, चाँद-गहन।

खुसूमत (خصومت) अ स्त्री –द्वेष, कीना, वैर, शत्रुता, अदावत।

खुसूस (خصوص) अ पु –दे 'खुसूसीयत'।

खुसूसन (خصوصاً) अ वि –ख़ास तौर पर, विशेष करके, मुख्यतः, विशेषतः।

खुसूसी (خصوصی) अ वि –मुख्य, प्रधान, ख़ास।

खुसूसीयत (خصوصیت) अ स्त्री –विशेषता, प्रधानता, ख़ासबात, मैत्री, दोस्ती, गाढ़ी मैत्री।

खुस्त (خوست) फा वि –मला-दला, मसला हुआ, मर्दित।

खुस्य. (خصیه) अ पु –अंडकोष, मुष्क, फोता।

खुस्यतैन (خصیتین) अ पु –दोनों फोते।

खुस्र (خسر) अ पु –हानि करना, क्षति पहुँचाना, टोटा होना।

खुस्रान (خسران) अ पु –हानि, क्षति, घाटा, टोटा, वंचकता, हीनता, मह्रूमी, अभागापन, दुर्भाग्य।

खुस्रो (خسرو) फा पु –सम्राट्, शहंशाह, परवेज़ का लड़का जिसने फ़र्हाद को मरवाया था, नौशेरवाँ का लड़का, चौदहवीं शताब्दी के एक भारतीय महाकवि और विद्वान् जिन्होंने सबसे पहले हिंदी भाषा का कविता में प्रयोग किया। इनकी 'मुकरनी' हिन्दी काव्य में बहुत विख्यात है।

खुह्लः (خوهله) फा वि –टेढ़ा, वक्र।

खू

खूँ (خون) फा पु –'खून' का लघु दे 'खून'।

खूँआलूद. (خون آلوده) फा वि –लोहू में लथड़ा हुआ, रक्ताक्त।

खूँआलूद (خون آلود) फा वि –दे 'खूँआलूद', दोनों शुद्ध हैं।

खूँआशाम (خون آشام) फा वि –खून पीनेवाला, रक्तापी, रक्तपायी, निर्दय, पाषाणहृदय, ज़ालिम।

खूँआशामी (خون آشامی) फा स्त्री –खून चूसना, खून पीना, निर्दयता, ज़ुल्म।

खूँकर्दः (خون کرده) फा वि –जिसकी हत्या की गयी हो, वधित।

खूँखुर्दः (خون خورده) फा वि –जिसने खून पिया हो, जिसका खून पिया गया हो।

खूँख़्वार (خونخوار) फा वि –खून पीनेवाला, रुधिराशी, रक्तपायी, प्राण ले लेनेवाला श्वापद आदि, दरिंदा, अत्याचारी, ज़ालिम, निर्दय, बेरह्म।

खूँख़्वारी (خونخواری) फा स्त्री –खून पीना, अत्याचार, निर्दयता।

खूँख़्वाह (خونخواه) फा वि –खून का बदला चाहनेवाला, प्रतिहिंसक।

खूँगर्मी (خون گرمی) फा स्त्री –प्रेम, स्नेह, इश्क़, मैत्री, मुहब्बत।

खूँगश्तः (خون گشته) फा वि –जो खून हो गया हो, जो पिघलकर मांस आदि से खून बन गया हो।

खूँगिरिफ़्तः (خون گرفته) फा वि –जिसकी मृत्यु समीप हो, मरणासन्न, जो वध होना चाहता हो, वधेच्छु।

खूँचिकाँ (خون چکاں) फा वि –रक्त टपकता हुआ, जिसमें से खून बह रहा हो।

खूँचिकानी (خون چکانی) फा स्त्री –खून टपकना, खून का बहाव।

खूँदार (خوندار) फा वि –वधिक, हिंसक, खूनी।

खूँदारी (خونداری) फा स्त्री –वध, हत्या, खून।

खूँनाबः (خونابه) फा पु –खून और पानी मिला हुआ, मिश्रण, खून के आँसू।

खूँनाब फ़िशाँ (خونابه فشاں) फा वि –खून के आँसू बहानेवाला, खून रोनेवाला।

खूँनाब फ़िशानी (خونابه فشانی) फा स्त्री –खून के आँसू बहाना, खून रोना।

खूँनाब (خوناب) फा पु –दे 'खूँनाब'।

खूँफ़िशाँ (خون فشاں) फा वि –खून बहाने या बरसानेवाला, जिससे खून टपके।

खूँफ़िशानी (خون فشانی) फा स्त्री –खून बरसाना।

खूँबहा (خون بہا) फा पु –खून की क़ीमत, प्राणों का मूल्य, किसी की हत्या हो जाने पर उसके उत्तराधिकारियों को धन देकर राज़ी करने की क्रिया, वह धन जो प्राणों के बदले में दिया जाय, खून=क़त्ल+बहा=मूल्य, प्राणों के बदले में प्रदेय धन।

खूँबार (خون بار) फा वि –खून बरसानेवाला, रक्तवर्षक।

खूँबारी (خون باری) फा स्त्री –रक्त बरसाना।

खूँरेख़्तः (خون ریخته) फा वि –जिसका खून बहाया गया हो।

ख़ूँरेज़ (خونریز) फा वि—ख़ून बहानेवाला, हिंसक, हत्यारा, निर्दय, बेरह्म।

ख़ूँरेज़ी (خونریزی) फा स्त्री—ख़ून बहाना, हत्या करना, निर्दयता, बेरह्मी।

ख़ू (خو) फा स्त्री—स्वभाव, प्रकृति, आदत।

ख़ूएबद (خوے بد) फा स्त्री—बुरा स्वभाव, बुरी आदत।

ख़ूक (خوک) फा पु—शूकर, वराह, सुअर।

ख़ूकर्द (خوکرده) फा वि—दे 'ख़ूगर'।

ख़ूगर (خوگر) फा वि—जिसे किसी बात की आदत हो, अभ्यस्त, जिसे कोई लत हो, व्यसनी, लती।

ख़ूत (خوط) फा॰ पु—मृदुल शाखा, नाज़ुक डाली, मोटा-ताज़ा व्यक्ति जो फुर्तीला और हँसमुख हो।

ख़ूद (خود) फा पु—दे 'ख़ोद', दोनों शुद्ध हैं।

ख़ून (خون) फा पु—रक्त, रुधिर, लोहू, वध, क़त्ल, हत्या।

ख़ूनाब (خونابه) फा पु—दे 'ख़ूँनाब'।

ख़ूनाब (خوناب) फा पु—दे 'ख़ूँनाब'।

ख़ूनीं (خونیں) फा वि—ख़ून में सना हुआ, रक्ताक्त, रक्त सम्बन्धी, ख़ून का, ख़ून मिला हुआ।

ख़ूनींकफ़न (خونیں کفن) फा वि—जिसका कफ़न ख़ून में लथड़ा हो, अर्थात् जिसकी हत्या प्रेम ने की हो, शहीदे इश्क़।

ख़ूनींजिगर (خونیں جگر) फा वि—जिसका जिगर (हृदय) ख़ून में सना हो, जिसके दिल को प्रेम ने घायल किया हो, प्रेमी।

ख़ूनींनवा (خونیں نوا) फा वि—जिसकी आवाज़ से सुनने-वालों के हृदय से ख़ून टपकता हो, अत्यन्त द्रवी, प्रेमी, आशिक़।

ख़ूनी (خونی) फा वि—हत्या करनेवाला, वधिक, ख़ून से सम्बन्धित।

ख़ूने कबूतर (خون کبوتر) फा पु—लाल रंग की मदिरा।

ख़ूने नामूस (خون ناموس) फा अ पु—मदिरा, शराब।

ख़ूने नाहक़ (خون ناحق) फा अ पु—बिना अपराध के हत्या, बिना क़ुसूर किसी का क़त्ल।

ख़ूब (خوب) फा वि—सुन्दर, हसीन, उत्तम, उम्दा, स्वच्छ, साफ़, शुभदर्शन, ख़ुशनुमा, शुभ, मुबारक, (अव्य) वाह, क्या ख़ूब।

ख़ूबकलाँ (خوب کلاں) फा स्त्री—एक दवा, ख़ाकशी।

ख़ूबतर (خوب تر) फा वि—बहुत अच्छा, अत्युत्तम।

ख़ूबतरीन (خوب تریں) फा वि—बहुत ही अच्छा, उत्त-मोत्तम, सबसे बढ़िया।

ख़ूबरू (خوبرو) फा वि—रूपवान्, रूप-विशिष्ट, ख़ूबसूरत, सुन्दर, हसीन, माशूक़, प्रियतमा।

ख़ूबरूई (خوب روئی) फा स्त्री—सौन्दर्य, सुन्दरता, ख़ूबसूरती।

ख़ूबसूरत (خوب صورت) फा अ वि—दे 'ख़ूबरू'।

ख़ूबसूरती (خوبصورتی) फा अ स्त्री—दे 'ख़ूबरूई'।

ख़ूबाँ (خوباں) फा पु—'ख़ूब' का बहु, सुन्दर स्त्रियाँ, मा'शूक़ लोग, प्रियतमाएँ।

ख़ूबानी (خوبانی) फा स्त्री—एक मेवा, ज़र्दालू।

ख़ूबी (خوبی) फा स्त्री—गुण, वस्फ़, सुन्दरता, हुस्न, उत्तमता, उम्दगी, सज्जनता, शराफ़त, कला, हुनर, नवीनता, अजूबापन।

ख़ूलिंजान (خولنجان) फा पु—एक दवा, कुलजन, पान की जड़।

ख़े

ख़ेज़ (خیز) फा स्त्री—पानी की लहर, मौज, हिल्लोल, नर से मिलने के समय मादा कबूतर की मस्ती, (प्रत्य) उठानेवाला, जैसे 'तूफ़ाँख़ेज़' तूफ़ान उठानेवाला, बढ़ाने-वाला, जैसे—'वहशत ख़ेज़', हौल बढ़ानेवाला।

ख़ेज़राँ (خیزراں) फा पु—बेंत का वृक्ष, वेत्र, बेंत।

ख़ेज़िश (خیزش) फा स्त्री—उठान, उत्थान, लिंगेंद्रिय की उठान, इस्तादगी।

ख़ेज़ोमेज़ (خیز و میز) फा पु—मेलजोल, रब्तज़ब्त, ज़ौक़-शौक़, चाव।

ख़ेश (خویش) फा पु—स्वयं, ख़ुद, स्वतः आप, स्वजन, अज़ीज़, दामाद, जामाता।

ख़ेश (خیش) फा पु—एक मोटा कपड़ा, ख़ेस।

ख़ेशतन (خویشتن) फा पु—स्वतः, अपने आप, स्वयं ख़ुद।

ख़ेशदार (خویش دار) फा वि—वह व्यक्ति जो अपने को आपत्तियों से बचाता हुआ जीवन व्यतीत करे।

ख़ेशदारी (خویش داری) फा स्त्री—अपने को आपत्तियों से बचाते हुए जीवन व्यतीत करना।

ख़ेशपर्वर (خویش پرور) फा वि—अपने कुन्बेवालों और मित्रों का पालन-पोषण करनेवाला, उनको रिआयत देनेवाला।

ख़ेशपर्वरी (خویش پروری) फा स्त्री—अपने लोगों का पालन-पोषण करने और उनको अनुचित रिआयत देने की प्रवृत्ति।

ख़ेशावंद (خویشاوند) फा पु—अपने रिश्तेदार, अज़ीज़, अक़ारिब, स्वजनगण।

ख़ेशी (خویشی) फा स्त्री—अपनायत, स्वजनता, दामादी।

ख़ेसांदः (خیسانده) फा पु—पानी में भीगी हुई दवाएँ जो बिना औटाये पी जायँ, हेम, 'जोशांदा' में दवा औटायी जाती है, इन दोनों में यही अन्तर है।

खै

खै (خوے) फा पु –पसीना, स्वेद।
खैज़ुरान (خیزران) अ पु –'ख़ेजरान' का अरबी रूप, बेत का वृक्ष, वेत्र।
खैत (خیط) अ पु –डोरा, तागा, सूत्र, हराममग्ज़, रीढ की हड्डी के भीतर का गूदा।
खैते अब्यज़ (خیط ابیض) अ पु –प्रात काल की सफेदी।
खैते अस्वद (خیط اسود) अ पु –रात की कालिमा।
खैफ़ (خیف) अ पु –भय, डर, समुद्र के स्तर से ऊँची और पहाड से नीची भूमि, पहाड के किनारे की हर ऊँचाई अथवा निचाई।
खैबत (خیبت) अ स्त्री –निराशा, नैराश्य, नाउम्मेदी, वंचकता, हीनता, महरूमी।
खैबर (خیبر) अ पु –अरब का एक दुर्ग, जिसे हज़रत अली ने जीता था।
खैमः (خیمہ) अ पुं –कपड़े का मकान, पटवास, खैमा, डेरा, रावटी, तम्बू।
खैम.गाह (خیمہگاہ) अ फा स्त्री –जहाँ तम्बू गडा हो वह स्थान।
खैम दोज़ (خیمہدوز) अ फा वि –तम्बू बनानेवाला, खैमा सीनेवाला।
खैयात (خیاط) अ पु –दर्ज़ी, सूचिक, सीनेवाला, कपड़े सीनेवाला।
खैयाती (خیاطی) अ स्त्री –कपडा सीने का काम या पेशा।
खयाब (خیاب) अ वि –निराश, हताश, नाउम्मेद, वंचित, हीन, महरूम।
खैयाम (خیام) अ वि –तम्बू बनानेवाला, खैमादोज़, फार्सी का एक सुप्रसिद्ध शाइर नैशापुर-निवासी जिसकी रुबाइयो का अनुवाद ससार की प्राय सारी भाषाओ मे हो चुका है, उमर खैयाम, यह बडा वैज्ञानिक, वैद्य (हकीम) तथा ज्योतिषी भी था।
खैर (خیر) अ स्त्री –कुशल, मगल, खैरियत, शुभ, श्रेष्ठ, उम्दा, उपकार, भलाई; पुण्य, सवाब, प्रदान, बख्शिश, अव्य अस्तु।
खैरअदेश (خیر اندیش) अ फा वि –भलाई की बात सोचनेवाला, शुभचिंतक, खैरख्वाह।
खैरअदेशी (خیر اندیشی) अ फा स्त्री –भलाई की बात सोचना, खैरख्वाही।
खैरख्वाह (خیر خواہ) अ फा वि –भलाई चाहनेवाला, शुभचितक, शुभेच्छु।
खैरख्वाही (خیر خواهی) अ फा स्त्री –भलाई चाहना, खैर अदेशी, शुभेच्छा।
खैरबाद (خیرباد) अ फा वा –एक आशीर्वाद, कल्याण हो, विदा के समय का नमस्कार, गुड बाई।
खैरमक़्दम (خیر مقدم) अ पु –स्वागत, इस्तिक्बाल, शुभागमन।
खैरसिगाल (خیر سگال) अ फा वि –भलाई की बात सोचनेवाला, शुभचितक।
खैरसिगाली (خیر سگالی) अ फा स्त्री –भलाई, खैर-अदेशी, शुभकामना।
खैरात (خیرات) अ स्त्री –'खैर' का बहु., दान, धर्मादि।
खैरातख़ानः (خیرات خانہ) अ फा पु –अन्नसत्र, मोहताज-खाना, जहाँ कगालो और अपाहिजो को भोजन आदि दिया जाता हो।
खैराती (خیراتی) अ वि –दान का, खैरात का, खैरात-सम्बन्धी।
खैरियत (خیریت) अ स्त्री –कुशल, मगल, खैरो आफियत।
खैरियतनामः (خیریت نامہ) अ फा पु –खैरियत का खत, कुशल-पत्र।
खैरोआफियत (خیرو عافیت) अ स्त्री –क्षेम-कुशल, शान्ति और कुशल, खैरियत और अमन।
खैरोबरकत (خیرو برکت) अ स्त्री –कल्याण और समृद्धि।
खैल (خیل) अ पु –समुदाय, जनसमूह, जमाअत, घोडो का गल्ला, सवारो का समूह, (वि) अधिक, बहुत।
खैलखान. (خیل خانہ) अ फा पु –वश, कुटुम्ब, कुनबा, खानदान।
खैलताश (خیل تاش) अ तु. पु –एक स्वामी के सेवक, वे सेवक आपस मे खैलताश है।
खैले (خیلے) फा अव्य –बहुत ज़ियादा, अत्यधिक।
खैश (خیش) अ पु –एक मोटा कपडा, खेस।
खैशूम (خیشوم) अ पु –नथना, नासापुट।
खैस (خیص) अ पु लिखने की सियाही, मसि, रौशनाई, थोड़ी सजावट, दे 'खीस', दोनो शुद्ध है।

खो

खोज़िस्तान (خوزستان) फा पु –ईरान का एक प्रदेश।
खोज़ी (خوزی) फा वि –खोज़िस्तान का निवासी।
खोगीर (خوگیر) फा पु घोडे का पालान, घोडे की पीठ का नम्दा, चारजामा, ज़ीन, काठी।
खोगीरदोज़ (خوگیردوز) फा वि –पालान सीनेवाला; ज़ीन सीनेवाला।

खोगीरदोजी (خوگیردوزی) फा स्त्री—पालान सीने का काम, ज़ीन सीने का काम या पेशा।

खोद (خود) फा पु—लोहे की टोपी जो सिपाही ओढते है, शिरस्त्राण।

खोल (خول) फा पु—वेष्टन, गिलाफ, कोष, म्यान।

खोश. (خوشه) फा पु—गेहूँ या जौ की वाल, गुच्छा, मजरी, गुच्छ।

खोश चीं (خوشه‌چیں) फा वि—खेती मे सिला वीननेवाला, उछवृत्त, लाभ उठानेवाला।

खोश.चीनी (خوشه‌چینی) फा स्त्री—सिला वीनना, उछवृत्ति, लाभ, प्राप्ति।

खोशएअंगूर (خوشۂ انگور) फा पु—अगूर का गुच्छा।

खोशएगदुम (خوشۂ گندم) फा पु गेहूँ की वाल।

खोशएचर्ख (خوشۂ چرخ) फा पु—कन्याराशि, वुर्जे जौज़ा।

खोशएपर्वी (خوشۂ پروین) फा पु—कृत्तिका नक्षत्र।

खोशीदः (خوشیده) फा वि—सूखा हुआ, सुखाया हुआ।

खोशीदनी (خوشیدنی) फा वि—सूखने के योग्य, सुखाने के योग्य।

खौ

खौ (خو) फा स्त्री—लकडी की पाड, जिस पर बैठकर राज मकान वनाते है, एक घास जो खेतो में पैदा होती है।

खौक (خوق) अ पु—कान के कुडल का घेरा, गोशवारे का हलका।

खौख (خوخ) अ पु—आड़ू, शफ़ता लू।

खौज (خوز) अ पु—शत्रुता, दुश्मनी।

खौज़ (خوض) अ पु—विचार, मनन, चिन्तन, गौर, यह शब्द गौर के साथ मिलकर आता है, अकेला नही वोला जाता।

खौद (خود) अ स्त्री—कोमल, मृदुल और सुन्दर स्त्री।

खौन (خون) अ पु—दृष्टि की कमी और मदता, धोखा देना और बेवफाई करना।

खौफ (خوف) अ पु—भय, त्रास, डर, शका, सदेह, शुवहा।

खौफज़द (خوف‌زده) अ फा वि—भयभीत, डरा हुआ।

खौफज़दगी (خوف‌زدگی) अ फा स्त्री—भयभीत होना, डरना, खौफ खाना।

खौफनाक (خوفناک) अ फा वि—भीषण, भयकर, डरावना, जहाँ या जिसमें प्राणो का भय हो।

खौफनाकी (خوفناکی) अ फा स्त्री—भयानकता, डरावनापन, जान जोखिम, प्राणो का भय।

खौफे जाँ (خوف جاں) अ फा पु—जान का डर, प्राणभय, मरने का खौफ।

खौश (خوش) अ स्त्री—नितव, कटिदेश, चूतड, (पु) भाला मारना, व्याह करना, लेना, पकडना।

खौस (خوس) अ पु—धोखा देना, दगा करना, खियानत करना, खोटा होना।

खौस (خوص) अ पु—आँखो का गढे मे चला जाना।

ख्व

ख्वाँ (خواں) फा प्रत्य—पढनेवाला, जैसे—'मीलादख्वाँ' मीलाद पढनेवाला।

ख्वाँ (خواں) फा पु—'ख्वान' का लघु, दे 'ख्वान'।

ख्वाद (خوانده) फा वि—पढाया हुआ, शिक्षित, वुलाया हुआ, निमन्त्रित, आहूत।

ख्वादगी (خواندگی) फा स्त्री—पढत, पढाई, परिषद् मे किसी कानून की पढाई।

ख्वांदनी (خواندنی) फा स्त्री—पढने योग्य, पाठ्य।

ख्वाज (خواجه) तु पु—स्वामी, पति, मालिक।

ख्वाज (خواره) फा स्त्री—इच्छा, ख्वाहिश।

ख्वाज.गर (خواره‌گر) फा वि—इच्छुक, चाहनेवाला, ख्वाहिश करनेवाला।

ख्वाज ताश (خواجه‌تاش) तु वि—एक स्वामी के दास, जो आपस मे ख्वाज ताश कहलाते है।

ख्वाजःसरा (خواجه سرا) तु फा पु—महल का रखवाला, जनाना, हीजडा, नरदारा, शिखण्डी।

ख्वान (خوان) फा पु—थाल, ट्रे, खाने से भरा हुआ थाल।

ख्वानपोश (خوان‌پوش) फा पु—ख्वान पर ढँकने का कपडा आदि।

ख्वाना (خوانا) फा वि—वुलानेवाला, पुकारनेवाला।

ख्वानिंद. (خواننده) फा वि—वुलानेवाला, पुकारनेवाला, पढानेवाला, शिक्षक।

ख्वाव (خواب) फा पु—स्वप्न, स्वाप, सोने की क्रिया, स्वप्न, जो सोते में दिखाई दे।

ख्वावआवर (خواب آور) फा वि—नीद लानेवाली ओपधि आदि, निद्राकर, निद्राकारक।

ख्वाबिंद (خوابنده) फा वि—सोता हुआ, सुप्त।

ख्वावीद. (خوابیده) फा स्त्री—सोने और नीद लेने का भाव, सोने की दशा।

ख्वावीदगी (خوابیدگی) फा वि—सोने के योग्य।

ख्वावे खरगोश (خواب خرگوش) फा पु—धोखा, छल, गहरी नीद।

ख्वावे गफलत (خواب غفلت) फा अ पु—गहरी नीद।

ख्वावे परीशाँ (خواب پریشاں) फा पु—उचटती हुई नीद,

ऐसी नीद जो वार-वार उचट जाय, ऐसा स्वप्न जिसका स्वप्नफल न जाना जा सके।

ख़्वाबे सैयाद (خواب صیاد) फा अ –वनावटी नीद, छल, धोखा, फरेव।

ख़्वार (خوار) फा वि –अपमानित, तिरस्कृत, ज़लील, दुर्दशाग्रस्त, वदहाल।

ख़्वारी (خواری) फा स्त्री –अपमान, अनादर, जिल्लत, दुर्दशा, वदहाली।

ख़्वाल (خوال) फा पु –भोजन, खाना।

ख़्वालगर (خوال‌گر) फा वि –रसोइया, वावरची।

ख़्वालगीर (خوال‌گیر) फा वि –दे 'ख़्वालगर'।

ख़्वास्तः (خواستہ) फा वि –चाहा हुआ, माँगा हुआ।

ख़्वास्त (خواست) फा स्त्री –चाह, माँग, सवाल।

ख़्वास्तगार (خواستگار) फा वि –माँगनेवाला, चाहनेवाला, इच्छुक।

ख़्वास्तगारी (خواستگاری) फा स्त्री –इच्छा, चाह, मँगनी, सगाई।

ख़्वास्तगी (خواستگی) फा स्त्री –इच्छा, चाह, माँग।

ख़्वास्तनी (خواستنی) फा वि –चाहने योग्य, माँगने योग्य।

ख़्वाह (خواہ) फा प्रत्य –चाहनेवाला, अच्छा लगनेवाला, जैसे—'दिलख़्वाह' मन को अच्छा लगनेवाला, (अव्य) अथवा, या, चाहे।

ख़्वाहर (خواہر) फा स्त्री –भगिनी, वहन।

ख़्वाहाँ (خواهاں) फा वि –चाहनेवाला, इच्छुक, माँगनेवाला, याचक।

ख़्वाहिंदः (خواهندہ) फा वि –चाहनेवाला, इच्छुक, माँगनेवाला, याचक।

ख़्वाहिश (خواهش) फा स्त्री –इच्छा, चाह, तलव, लालसा, उत्कठा, इश्तियाक।

ख़्वाहीदः (خواهیدہ) फा वि –चाहा हुआ, वाछित, अभीप्सित।

ख़्वाहीदनी (خواهیدنی) फा वि –चाहने योग्य, माँगने योग्य।

ग

गंग (گنگ) फा स्त्री –गगा नदी।

गंगवरार (گنگ‌برار) फा स्त्री –गगा या दूसरी नदी की धारा के नीचे से निकली हुई (नयी) जमीन।

गंगल (گنگل) फा पु –उपचार, जादू, ठठोल, मस्ख़री।

गगोजमन (گنگوجمن) फा स्त्री –गगा और यमुना।

गंज. (گنجہ) फा पु –एक नगर।

गंज (گنج) फा पु –निधि, ख़ज़ाना, कोष।

गंज (غنج) अ पु –आँख अथवा भौह का सकेत, सैन, हावभाव, नाज़ोअदाज़।

गंज़ (غنظ) अ पु –वहुत अधिक दु ख, नित्य का शोक।

गंजदान (گنج‌دان) फा पु –वह स्थान जहा धन गडा हो, ख़ज़ाने का स्थान, कोषागार।

गंजवख़्श (گنج‌بخش) फा वि –ख़जाना वाँटने या देनेवाला, वहुत वडा दाता, एक मुसलमान ऋषि की उपाधि।

गंजारः (گنجارہ) फा पु –गुलगून, मुखचूर्ण, मुख पर मलने का सुगधित लाल पाउडर।

गंजार (غنجار) अ पु –दे 'गजार'।

गंजिदः (گنجندہ) फा वि –समानेवाला, प्रवेश करनेवाला।

गंजिफः (گنجفہ) फा पु –ताश के प्रकार का एक खेल, जो ताश से पहले प्रचलित था, ताश पत्तो का खेल।

गंजीदः (گنجیدہ) फा वि –समाया हुआ।

गजीदनी (گنجیدنی) फा वि –समाने योग्य।

गंजीनः (گنجینہ) फा पु –निधि, कोष, ख़जाना।

गंजीनए ज़र (گنجینۂ زر) फा पु –केवल सोने का ख़ज़ाना, स्वर्णनिधि।

गंजूर (گنجور) फा वि –ख़ज़ाने का मालिक, निधि-स्वामी, ख़ज़ानची, कोषाध्यक्ष।

गजे इलाही (گنج الهی) फा पु –कुरान।

गंजे कारून (گنج قارون) फा पु –'कारून' का ख़ज़ाना जो चार लाख चालीस हजार वोरी भर था और जिसमे से वह एक पैसा भी ईश्वर के नाम पर व्यय नही करता था, अन्त मे हज़रत मूसा के शाप से वह अपनी निधि समेत पृथ्वी मे धँस गया।

गंजे गाव (گنج گاؤ) फा पु –जमशेद की निधियो मे से एक निधि का नाम, जो एक किसान को मिला था।

गंजे वादावर्द (گنج بادآورد) फा पु –दे 'गजे शायगाँ' क्योकि इस ख़ज़ाने को हवा लेकर आयी थी, वायु-प्रेरित निधि, वायु-प्रदत्त निधि।

गंजे रवाँ (گنج رواں) फा पु –दे 'गजे कारून' क्योकि कारून का ख़ज़ाना कियामत तक ज़मीन मे धँसता चला जायगा।

गंजे शहीदाँ (گنج شهیداں) फा पु –क़ब्रिस्तान, समाधि-क्षेत्र, जहाँ वहुत-से शहीद दफ्न हो।

गंजे शायगाँ (گنج شایگاں) फा पु –रूम के कैसर ने पर्वेज़ के भय से अपना धन जहाजो मे भरकर एक द्वीप मे भेजा था, हवा के प्रतिकूल होने से वह पर्वेज़ के देश मे पहुँच गया, चूँकि यह वहुत वड़ा खज़ाना था और विना परिश्रम मिला था इस कारण इसे 'गजे शायगाँ' कहते है।

गदः (گندہ) फा वि—मलिन, मैला, अपवित्र, नापाक, दुर्गंधयुक्त, वदवूदार, दूपित, खराव, अशुद्ध, जिसमे मैल हो, गँदला, मटमैला।

गंद.वहन (گندہ دھن) फा वि—गालियाँ वकनेवाला, दुर्भाषी, जिसको मुँह से दुर्गंध आने का रोग हो।

गंद·दहनी (گندہ دھنی) फा स्त्री—गालियाँ वकने का रोग, मुँह से दुर्गंध आने का रोग।

गंद बगल (گندہ بغل) फा वि—जिसे वगल से दुर्गंध आने का रोग हो।

गदःबगली (گندہ بغلی) फा स्त्री—वगल से दुर्गंध आने का रोग।

गदःमग़ज (گندہ مغز) फा वि—अहकारी, घमडी, डीगिया, शेखीखोर।

गद.मग़ज़ी (گندہ مغزی) फा स्त्री—अहकार, घमड, डीग, शेखी।

गद (گند) फा स्त्री—वदवू, दुर्गंध।

गदगी (گندگی) फा स्त्री—दुर्गंध, वदवू, अपवित्रता, नापाकी, मलिनता, मैलापन, विष्ठा, गू।

गदना (گندنا) फा पु—एक वीज जो दवा मे चलता है।

गदनागूँ (گندناگوں) फा वि—गदने-जैसे रगवाला, खाकी रग का, मटमैला।

गदीद. (گندیدہ) फा वि—सडा हुआ, दुर्गंधित।

गदुम (گندم) फा अ पु—गेहूँ, गोधूम।

गदुमगूँ (گندم‌گوں) फा वि—गेहुएँ रग का।

गदुमनुमा जौफरोश (گندم‌نما جوفروش) फा वि—गेहूँ दिखाकर जौ तौलनेवाला, छली, वचक, ठग।

गदुमी (گندمی) फा वि—गेहूँ से सम्वन्धित, गेहूँ का, गेहुएँ रग का।

गच (گچ) फा स्त्री—चूने की टीप, चूने से पक्की की हुई जगह।

गजद (گزند) फा स्त्री—हानि, अनिष्ट, नुकसान, दुख, कष्ट, तकलीफ।

गज़ (گزہ) फा पु—नगाडा वजाने की लकडी, एक प्रकार का तीर।

गज़ (گز) फा पु—नापने की लकडी जो १६ गिरह या ३६ इच की होती है, झाऊ का पेड।

गज़ [ज्ज] (غز) अ पु—घाव में पीप पडना और उसका घाव से वहना।

गज़ [ज्ज] (غض) अ पु—आँखे वन्द करना, आवाज़ धीमी करना, धैर्य धरना, वुरी वात का सहन करना, हानि करना।

गज़क (گزک) फा पु—शराव के साथ खाने की चीज, एक मिठाई जो शकर और तिल से वनती है।

ग़ज़गाव (غزگاؤ) फा पु—एक जगली गाय जिसकी पूँछ से मोरछल वनते है, सुरा गाय।

गज़पा (گزپا) फा पु—एक लम्वे पाँव का पक्षी, सारस।

ग़ज़न्फर (غضنفر) अ पु—व्याघ्र, शेर, फाड खानेवाला सिंह।

गज़व (غضب) अ पु—क्रोध, गुस्सा, वहुत अधिक क्रोव, प्रकोप, दैवी प्रकोप, ख़ुदाई कहर।

ग़ज़वआलूद (غضب آلود) अ फा वि—कोपयुक्त, गुस्सा मिला हुआ।

ग़ज़वनाक (غضبناک) फा वि—कुपित, प्रकुपित, गुस्से में भरा हुआ।

गज़वाज़ी (گزبازی) फा स्त्री—एक प्रकार का नाच।

गज़र (گزر) फा स्त्री—गाजर, एक प्रसिद्ध शाक।

ग़ज़र (غضر) अ पु—मँहगाई के पश्चात् मदी, दरिद्रता के पश्चात् समृद्धि।

गज़ल (غزل) अ स्त्री—प्रेमिका से वार्तालाप, उर्दू, फार्सी कविता का एक प्रकार विशेप, जिसमे प्राय ५ से ११ शेर होते है। सारे शे'र एक ही रदीफ और काफिए मे होते है, और हर शे'र का मज्मून अलग होता है, पहला शे'र 'मत्ला' कहलाता है जिसके दोनो मिस्रे सानुप्रास होते है, और अतिम शे'र 'मक्ता' होता है जिसमें शाइर अपना उपनाम लाता है। गज़ल के सग्रह को 'दीवान' एव सपूर्ण प्रकार के पद्य-सग्रह को 'वयाज' कहते है।

ग़ज़लगो (غزل‌گو) अ फा वि—वह शाइर जो ग़ज़ल अच्छी कहता हो, जिसकी सारी कविताओ में गजल सर्वश्रेष्ठ हो।

ग़ज़लगोई (غزل‌گوئی) अ फा स्त्री—गज़ल कहना।

ग़ज़लसरा (غزل‌سرا) अ फा वि—गज़ल सुनानेवाला, गज़ल पढनेवाला, गजल गानेवाला।

ग़ज़लसराई (غزل‌سرائی) अ फा स्त्री—गज़ल पढना, गज़ल गाना।

ग़ज़वात (غزوات) अ पु—'गज़्व' का वहु, इस्लाम धर्म की परिभापा मे वे लडाइयाँ जिनमे पैग़म्वर साहिव साथ थे।

ग़ज़ा (غزا) अ पु—धर्मयुद्ध, मज़्हवी लडाई, दे 'ग़िज़ा', दोनो शुद्ध है।

गज़ा (گزا) फा प्रत्य—खानेवाला, जैसे—'जाँगज़ा' प्राणो को खा जानेवाला, हानि पहुँचानेवाला।

ग़ज़ा (غضا) अ पु—खैर-जैसा एक वृक्ष, जिसकी लकडी वहुत देर तक जलती रहती है।

गज़ाज़ः (عضاضه) अ पु—नवीन होना, एक पत्थर खानेवाली चिड़िया, (स्त्री) नवीनता, नयापन।

गज़ात (غضات) अ पु—'गज़ा' का वहु, वेर-जैसे पेड़ जिनकी आग वहुत देर तक रहती है।

गज़ारः (غزاره) अ पु—दूध, पानी अथवा फल आदि का अधिक होना, वहुतात, वाहुल्य, प्राचुर्य, इफ़्रात।

गज़ारः (غضاره) अ पु—एक चिपकनेवाली मिट्टी, कचला मिट्टी, समृद्धि, दौलतमंदी, वैभव, ऐश, मदापन, सस्तापन।

गज़ार (غزار) अ पु—मकान के चारो ओर की दीवार, घर का भीतरी भाग।

गज़ार (غضار) अ स्त्री—एक चिपकनेवाली मट्टी, कचला मट्टी।

ग़ज़ालः (غزاله) अ पु—हिरन का वच्चा, मृगशावक, सूर्य, सूरज, उतूस के निकट एक गाँव, गज़ाल भी प्रचलित, जैसे—"दावा ज़ुवाँ का लखनऊवालो के सामने, इज़्हारे वूए मुश्क गज़ालो के सामने।"

गज़ाल.चश्म (غزاله چشم) अ फा वि—हिरन के वच्चो-जैसी सुन्दर और वडी-वडी आँखोवाला (वाली), मृग-शावक-नयनी।

गज़ाल (غزال) अ पु—हिरन का वच्चा, मृगशावक, सूर्य, सूरज।

गज़ालचश्म (غزال چشم) अ फा वि—दे 'गज़ाल चश्म' मृगनयनी।

गज़ालचश्मी (غزال چشمی) अ फा स्त्री—हिरन के वच्चा-जैसी सुन्दर और वड़ी-वडी आँखे होना।

गज़ाली (غزالی) अ वि—'ग़ज़ाला' का निवासी।

गज़िंदः (گزنده) फा वि—काटनेवाला, काट खानेवाला, डसनेवाला।

गज़िंदः (غژنده) फा वि—वच्चो की भाँति चूतरो के वल घिसट-घिसटकर चलनेवाला।

गज़िंदगी (گزندگی) फा स्त्री—काटने का भाव, डसने का भाव, डसन।

गज़ीज़ (غضیض) अ वि—नवीन, नया; ताजा, प्रफुल्ल, मृदुल और कोमल कली।

गज़ीत (گزیت) फा पु—भूमिकर, लगान, राजकर, खराज, जिज़या।

गज़ीद. (گزیده) फा वि—काटा हुआ, डसा हुआ, दशित।

गज़ीद (گزید) फा स्त्री—दे 'गज़ीत', काटा हुआ।

गज़ीदगी (گزیدگی) फा स्त्री—दे 'गज़िंदगी'।

गज़ीदनी (گزیدنی) फा वि—काटने योग्य, डसने योग्य।

ग़ज़ीर (غزیر) अ वि—हर चीज़ जो वहुत हो; वहुत वर्षा; वहुत अधिक पानीवाला कुँआँ या तालाव, वहुत आँसुओवाली आँख।

गज़ीर (غضیر) अ वि—हर पदार्थ जो हरा और कोमल हो।

ग़ज़ूव (غضوب) अ वि—वहुत अधिक क्रुद्ध, गज़वनाक।

गज़्ज़ाल (غزال) अ वि—रस्सी वनाने और वेचनेवाला।

गज़्नः (غزنه) फा पु—दे 'गज़्नी'।

गज़्नवी (غزنوی) फा वि—'गज़्नी' का निवासी, महमूद गज़्नवी।

गज़्नीं (غزنین) फा पु—अफगानिस्तान का एक प्रसिद्ध नगर, 'गजनी'।

गज़्वान (غضبان) अ वि—वहुत अधिक प्रकुपित, वहुत गज़वनाक, वे पत्थर जो 'मिंजनीक' से दुर्ग पर फेंके जायँ।

ग़ज़्म (غزم) अ पु—अंगूर का फल जो ताज़ा और पका हो।

गज़्म (گزم)—फा पु—झाऊ का पेड।

गज़्ल (غزل) अ पु—रस्सी वटना; रस्सी, रज्जु, डोर।

गज़्लक (گزلک) फा पु—वह चाकू जिसकी नोक मुडी हो, कलम वनाने का चाकू।

ग़ज़्वः (غزوه) अ पु—धर्मयुद्ध, मज़्हवी लड़ाई, हज़रत मुहम्मद साहिव के समय का वह युद्ध जिसमे वह स्वय सम्मिलित हुए।

गज़्वर (غضور) अ स्त्री—चिपकनेवाली मिट्टी, कचला।

गत[त्त] (غط) अ पु—पानी मे गोता देना, पानी में डुवोना।

गतफ़ (غطف) अ पु—आँखो की विशालता और पलको की लम्वाई।

गतम्तम (غطمطم) अ पु—महासागर।

गतात (غطاط) अ पु—एक पक्षी जो पत्थर खाता है, सग-ख्वार।

गतीत (غطیط) अ पु—सोते समय खर्राटो का शव्द, गला घुँटे हुए का शव्द, गला कटे हुए का शव्द।

गतीम (غطیم) अ पु—महासागर।

गतूस (غطوس) अ वि—वह शूर व्यक्ति, जो युद्ध या आपत्ति के समय सवसे आगे वढे।

ग़त्तास (غطاس) अ पु—पनडुव्वी, एक जलपक्षी।

गत्स (غطس) अ पु—पानी मे घुसना, पानी मे डुवाना, वरतन में लेकर पानी पीना।

गद (گد) फा पु—भीख माँगना, दे 'गिद्‌य'।

गद (غد) अ पु—आनेवाला कल।

ग़दक़ (غدق) अ पु—वहुत अधिक पानी।

गदद (غدد) अ पु—महामरी, ववा, ऊँटो का ताऊन।

ग़दफ़ (غدف) अ पु—समृद्धि, सम्पन्नता, फराखी, ने'मत, ईश्वर का दिया हुआ धन आदि।

ग़बर (غبر) अ पु –वह पथरीली भूमि जिसमें कोई जन्तु बिल न बना सके, रात का अँधियारा होना।

ग़दा (غدا) अ पु –आगामी कल।

गदा (گدا) फा वि –भीख माँगनेवाला भिक्षुक, भिखमगा, भिखारी, मँगता।

ग़दाइर (غدائر) अ पु –'ग़दीरा' का बहु, गुँथी हुई चोटियाँ।

गदाई (گدائی) फा स्त्री –भीख माँगने का काम, भिक्षा-वृत्ति, भिक्षाकर्म।

गदागर (گداگر) फा वि –भिक्षुक, भिक्षु, भिखमगा, फकीर।

गदागरी (گداگری) फा स्त्री –भीख माँगने का काम, भिक्षावृत्ति।

ग़दात (غدات) अ स्त्री –प्रात काल, सवेरा।

गदायानः (گدایانه) फा वि –भिखमगो-जैसा, भिखारियो की तरह।

ग़दीरः (غديره) अ पु –गुँथी हुई चोटी, गुँथे हुए बाल।

ग़दीर (غدير) अ पु –वह पानी जो नदी मे बाढ आन के समय नदी से निकलकर कही जमा हो जाय, इस पानी के एकत्र होने का स्थान, जलाशय।

ग़द्दूर (غدور) अ वि –कृतघ्न, बेवफा, गद्दारी करनेवाला।

ग़द्दार (غدار) अ वि –कृतघ्न, नमकहराम, देशद्रोही, मुल्क का दुश्मन, बहुत बडा, विशाल (केवल नगर के लिए)।

ग़द्दारी (غداری) अ स्त्री –कृतघ्नता, बेवफाई, नमक-हरामी, देशद्रोह, मुल्क की दुश्मनी।

ग़द्फ़ (غدف) अ पु –बहुत अधिक दान।

ग़द्र (غدر) अ पु –विप्लव, क्रान्ति, इन्किलाब, सैन्य-द्रोह, बगावत, लूटमार, प्रबध की बहुत ही बुरी व्यवस्था।

ग़द्व. (غدوه) अ पु –प्रात काल और सूर्योदय के बीच का समय।

ग़द्व (غدو) अ पु –आगामी कल, आनेवाला कल।

ग़नज (غنج) अ पु –हाव-भाव दिखाना, बूढ़ा पुरुष।

ग़नम (غنم) अ स्त्री –भेड और बकरी।

ग़ना (غنا) अ पु –लाभ, नफा, प्राप्ति।

ग़नाइम (غنائم) अ पु –'ग़नीमत' का बहु, युद्ध में लूटे हुए माल-अस्बाब और धन आदि।

ग़नी (غنی) अ वि –धनवान्, मालदार, नि स्पृह, अनिच्छुक, बेनियाज़।

ग़नीम (غنيم) अ वि –प्रतिद्वंद्वी, हरीफ, वह राजा जो किसी दूसरे राज पर आक्रमण करे।

ग़नीमत (غنيمت) अ स्त्री –युद्ध में शत्रु की सेना से छीना हुआ माल, (वि) उत्तम, अच्छा।

ग़न्ना (غنا) अ पु –किसी चीज़ के ढेर होने का स्थान, किसी चीज़ के बहुत होने का स्थान।

गप (گپ) फा स्त्री –मिथ्यावाद, अपवाद, व्यर्थ बात, बकवास, उडती हुई बात।

गपबाज़ (گپ باز) फा स्त्री –गप्पी, बकवादी, डीगिया, शेखीखोर।

गपबाज़ी (گپ بازی) फा स्त्री –गप हाँकना, डीग मारना।

ग़फ़र (غفر) अ पु –सफेद बालो को खिज़ाब से छिपाना, छोटी घास, गर्दन और गुद्दी के बाल, डाढी के दोनो ओर के बाल।

ग़फ़ल (غفل) अ पु –निश्चेष्टता, सज्ञाहीनता, बेखबरी, विस्मृति, भूल।

ग़फ़ीर (غفير) अ पु –लोहे की टोपी जो सारे सिर को छिपा ले (वि) छिपानेवाला, इतनी भीड जो शुमार मे न आ सके।

ग़फ़ूर (غفور) अ वि –बहुत अधिक क्षमावान्, मोक्षदाता, बख्शनेवाला, ईश्वर का एक नाम।

ग़फ़ूल (غفول) अ वि –बहुत अधिक निश्चेष्ट, बहुत ही बेखबर।

ग़फ़्फ़ार (غفار) अ वि –बहुत अधिक क्षमा करनेवाला, पापो को छिपानेवाला, मोक्षदाता, ईश्वर का एक नाम।

ग़फ़्फ़ारी (غفاری) अ स्त्री –पापो को छिपाने का कर्म, मोक्षदान, बख्शिश, ईश्वरत्व, खुदाई।

ग़फ़्र (غفر) अ पु –वैभव का आधिक्य, ऐश की फरावानी।

ग़फ़लत (غفلت) अ स्त्री –असावधानी, असतर्कता, बेखबरी, सज्ञाहीनता, निश्चेष्टता, बेहोशी, त्रुटि, भूल, चूक, उपेक्षा, बेपर्वाई, आलस्य, काहिली।

ग़फ़लतआश्ना (غفلت آشنا) अ फा वि –जो बहुत सुस्ती बरतता हो।

ग़फ़लतकद. (غفلت کده) अ फा पु –ग़फलत और असावधानी का स्थान, अर्थात् ससार।

ग़फ़लतज़द (غفلت زده) अ फा वि –असावधान, बेखबर, सज्ञाहीन, बेहोश, आलसी, सुस्त।

ग़फ़लतज़दगी (غفلت زدگی) अ फा स्त्री –असावधानी, सज्ञाहीनता, बेहोशी, ध्यानहीनता, आलस्य, सुस्ती।

ग़फ़लतपेशः (غفلت پیشه) अ फा वि –जिसका स्वभाव ही ग़फलत करने का हो, बहुत ही आलसी, असावधान।

ग़फ़लतशिआर (غفلت شعار) अ वि –दे 'ग़फलतपेश'।

ग़फ़्स (غفص) अ वि –मोटा, गफ।

गब [ब्ब] (غب) अ पु –पशु का एक दिन बीच करके पानी पीना।

गवन (غبن) अ पु —वुद्धि और मति मे कमी, भूल जाना, विस्मृति; निश्चेष्ट करना, गाफिल करना।

गवव (غبب) अ पु —ठुड्डी के नीचे का गोश्त।

ग़वरः (غبره) अ पु —धूल-मिट्टी, गर्द-गुवार, वहुत पेडो-वाली भूमि।

गवस (غبس) अ वि —मटमैले रगवाला, खाकी रगवाला।

गवावत (غباوت) अ स्त्री —ज़ेहन का तीव्र न होना, कुद-ज़ेह्नी, वुद्धि का तेज न होना, कमअक्ली।

गवी (غبی) अ वि —मदवुद्धि, कुदजेह्न, अतीव्रवुद्धि, कमअक्ल, मदमति।

ग़वीत (غبیط) अ पु —समतल भूमि, हमवार ज़मीन।

गवीन (غبین) अ वि —मदमति, जिसकी राय ठीक न होती हो।

गवीसः (غبیسه) मक्खन और पनीर मिला हुआ।

गवूक (غبوق) अ स्त्री —शाम के पीने की शराव, ह्विस्की।

गव्ज़ (گبز) फा पु —मोटा, दवीज़, मोटा-ताज़ा, हृष्ट-पुष्ट।

गव्ग़व (غبغب) अ. स्त्री —वह मास जो ठोडी क नीचे होता है, ठोडी, चिवुक, जकन।

गव्तः (غبطه) अ पु —दे 'गिव्त'।

गव्त (غبط) अ पु —वकरी और दुवे की पीठ और कोख मे उँगलियाँ गड़ाकर यह देखना कि वह चरवीला है या दुवला।

ग़व्न (غبن) अ पु —माल लेने-देने मे घाटा; अमानत मे खियानत, पोषण, अपहरण, खुर्द-वुर्द।

गव्र (گبر) फा वि —आतशपरस्त, पार्सी।

ग़व्रा (غبرا) अ पु —वह भूमि जिसमें पेड वहुत हो, फलदार वृक्ष, भूमि, जमीन, (स्त्री) चकोर की मादा, चकोरी।

गव्रोतर्सा (گبروترسا) फा पु —आतशपरस्त और ईसाई।

गम[म्म] (غم) अ पु —खेद, शोक, क्षोभ, रज, कष्ट, क्लेश, दुख, डाह, ईर्ष्या, हसद, मनस्ताप, सताप, अदरूनी खलिश, चिन्ता, फिक्र।

गमअंगेज़ (غم انگیز) अ फा वि —गम वढानेवाला, शोक-प्रद, खेदजनक।

गमआगीं (غم آگیں) अ फा वि —गम से भरा हुआ, दुखपूर्ण।

गमआलूद (غم آلود) अ फा वि —दे 'गमआगी'।

गमक (غمق) अ पु —भूमि के ऊपरी भाग के पानी से भीग जाना।

गमकदः (غمکده) अ फा पु —गम का घर, जहाँ शोक ही शोक हो, जहाँ शोकग्रस्त लोग रहते हो, जहाँ कोई मृत्यु हो गयी हो।

ग़मकश (غم کش) अ फा वि —दुख सहनेवाला, क्लेश उठानेवाला, क्लेशग्रस्त।

ग़मखानः (غم خانه) अ फा पु —दे 'गमकद'।

गमख़ोर (غم خور) अ फा वि —ग़म खानेवाला, दुख सहन करनेवाला, सहनशील।

गमख्वार (غم خوار) अ फा वि —सहानुभूति करनेवाला, हमदर्द।

गमख़्वारी (غم خواری) अ फा स्त्री —सहानुभूति, हमदर्दी।

गमगीन (غمگین) अ फा वि —दुखित, सतप्त, रजीदा।

गमगुसार (غمگسار) अ फा वि —दे 'गमख्वार'।

गमगुसारी (غمگساری) अ फा स्त्री —दे 'गमख्वारी'।

ग़मचशीदः (غم چشیده) अ. फा वि —दे 'गमज़द'।

गमज़ (غمز) अ पु —वुरी कमाई का धन, निकृष्ट माल, अशक्त पुरुष।

गमज़दः (غمزده) अ फा वि —सतप्त, दुखित, रजीदा, शोकग्रस्त, मातमदार।

गमद (غمد) अ पु —कुएँ में पानी की अधिकता, कुएँ से पानी का ख़त्म हो जाना।

गमदीदः (غم دیده) अ फा वि —दे 'गमगीन'।

गमदोस्त (غم دوست) अ फा वि —जिसे क्लेश और दुख पसद हो, निराशावादी।

गमनाक (غمناک) अ फा वि —दुखपूर्ण, कष्टपूर्ण, शोक-युक्त, दुखित, रजीदा।

गमनाकी (غمناکی) अ फा स्त्री —दुखपूर्णता, गम भरा होना, दुखित होने का भाव, रजीदगी।

गमरसीदः (غم رسیده) अ फा वि —जिसे दुख पहुँचा हो, जिसे दुख दिया गया हो, दुखित।

गमरात (غمرات) अ पु —गम्र का वहु, आपत्तियाँ, मुसीवते, मनुष्यो के समूह।

गमस (غمص) अ पु —आँख का मैल, आँख का मैल जो वाहर वहे।

ग़माँ (غماں) अ फा वि —दे 'गमनाक'।

गमाइम (غمائم) अ पु —'गमाम' का वहु, वादलो के समूह।

गमामः (غمامه) अ पु —सफेद वादल, एक वादल, वादल का एक टुकडा।

गमाम (غمام) अ पु —मेघ, वादल, अब्र, सफेद वादल।

गमार (غمار) अ पु —अधिकता, वहुतायत, समूह होना, जमघट।

गमारत (غمارت) अ स्त्री —मनुष्यो का जमाव, पानी की अधिकता।

गमिक (غمق) अ पु —वह तरकारी या घास जो पानी की सीलन से विगड या सड जाय।

ग़मी (غمی) अ स्त्री –ग़म से सम्बन्धित, मृत्यु, मौत।
ग़मूस (غموص) अ पु –झूठी कसम, एक तारा, ख़ैबर के सात दुर्गो मे से एक।
ग़मूस (غموس) अ पु –ऐसी शपथ जिससे किसी का हक या धन आदि मारा जाय, (वि) झूठी शपथ लेनेवाले को दड देनेवाला।
ग़मे गेती (غم گیتی) अ फा पु –सासारिक दु ख, जीवन की व्यथाएँ, जीवन-कष्ट।
ग़मे दिल (غم دل) अ फा –मनस्ताप, मन पीडा, दिल का रज।
ग़मे दौरॉं (غم دوراں) अ फा पु –दे 'ग़मे गेती'।
ग़मे पिन्हॉं (غم پنہاں) अ फा पु –मानसिक दु ख, मनस्ताप, प्रेम की व्यथा, इश्क का ग़म।
ग़मे रोज़गार (غم روزگار) अ फा पु –दे 'ग़मे गेती'।
ग़मोरंज (غم ورنج) अ फा पु –रज और ग़म, कष्ट-समूह, मुसीबतें।
ग़म्ज़ (غمزہ) अ पु –ऑंख का सकेत, सैन, हावभाव, नाज़ोअदा।
ग़म्ज़ (غمز) अ पु –ऑंख का इशारा, सैन, दबाकर निचोडना, आलोचना, सुखनचीनी।
ग़म्ज़ (غمص) अ पु –नीची भूमि, गुप्त गढा, छिपा हुआ गर्त, ऐसी बात करना जो समझ मे न आये, बात का समझ से परे होना।
ग़म्त (غمط) अ पु –किसी को अपमानित करना, कृतघ्नता, नाशुक्री।
ग़म्द (غمد) अ पु –तलवार को म्यान में करना, किसी का अपराध छिपाना, कुएँ का पानी बढ़ जाना।
ग़म्माज़ (غماز) अ वि –पिशुन, चुग़ुल, ऑंख के इशारे से चुग़ली खानेवाला, गुप्तचर, जासूस, दोष ढूँढनेवाला।
ग़म्र (غمر) अ पु –पानी का किसी वस्तु को छिपा लेना, बहुत पानी, उदार, सखी, शूर, जवॉंमर्द।
ग़म्रुर्रिदा (غمرالردا) अ वि –बहुत ही उदार और दानशील।
ग़म्रुलबर्द (غمرالبرد) अ वि –दे 'ग़मुर्रिदा'।
ग़म्श (غمش) अ पु –भूख-प्यास की तीव्रता से ऑंखो में अँधेरा छा जाना।
ग़म्स (غمس) अ पु –किसी को तुच्छ जानना, आलस्य करना (किसी का हक देन मे), दोष लगाना, कृतघ्नता, नाशुक्री।
ग़यद (غید) अ पु –गर्दन का टेढा होकर एक ओर झुक जाना, शरीर का मृदुल और कोमल होना।
ग़यब (غیب) अ पु –'ग़ाइब' का बहु, ग़ाइब (ग़ायब) होनेवाले, छिपनेवाले, लोप होनेवाले।
ग़यावत (غیابت) अ स्त्री –लुप्त होना, ग़ाइब होना, कुएँ की गहराई, वह वस्तु जो किसी वस्तु को छिपा ले।
ग़यूर (غیور) अ वि –ग़ैरतमद, स्वाभिमानी।
ग़यूरान (غیورانہ) अ फा वि –स्वाभिमानियो-जैसा, ग़ैरत-मदो की तरह।
ग़य्याफ (غیاف) अ वि –जिसकी डाढी बहुत लबी और घनी हो।
गर (گر) फा अव्य –'अगर' का लघु, यदि, जो, अगर।
ग़र (غر) फा स्त्री –व्यभिचारिणी, कुलटा, फाहिशा।
ग़र[र्र] (غر) अ पु –वे दाने जो पक्षी चोच में लेकर अपने बच्चो को खिलाता है, चुग़ा, कपडे की शिकन, सिलवट, भूमि की दरार, ज़मीन के भीतर पानी की नाली, मुग्ध होना।
ग़रक (غرق) अ पु –पानी मे डूब जाना, पानी सिर से ऊँचा हो जाना।
गरगर (گرگر) फा पु –ईश्वर के नामो मे से एक नाम, जिसका अर्थ है सारी निर्मित वस्तुओ का निर्माता।
ग़रज़ (غرض) अ स्त्री –इच्छा, ख्वाहिश, स्वार्थ, मतलब, आशय, मक्सद, किंबहुना, किस्सा मुख़्तसर, सम्बन्ध, तअल्लुक, प्रयोजन, मतलब।
ग़रज़ (غرز) अ पु–एक घास।
गरज़आश्ना (غرض آشنا) अ फा वि –मतलब का यार, स्वार्थसाधक, स्वार्थी।
गरज़मद (غرض مند) अ फा वि –इच्छुक, ख्वाहिशमद, जिसका कोई मतलब अटका हो।
ग़रज़मदी (غرض مندی) अ फा स्त्री –इच्छा, ख्वाहिश-मदी, मतलब अटका होना।
गरज़े कि (غرضے کہ) अ फा अव्य-साराश यह कि।
गरद (غرد) अ पु –गले मे आवाज़ को लुढकाना।
ग़रदिल (غردل) फा वि –डरपोक, भीरु, बुज़दिल।
ग़रर (غرر) अ पु –शंका, भय, डर, शर्त, पण।
ग़रव (غرو) अ पु –नरकट जिससे क़लम बनाते हैं।
गरस (غرث) अ स्त्री –भूख, क्षुधा।
गरॉं (گراں) फा वि –दे 'गिरॉं', शुद्ध दोनो है, परन्तु वह अधिक फसीह है।
गरा (گرا) फा पु –भूमि समतल करने का यत्र।
गरा (غرا) अ पु –हर चिपकनेवाली चीज़, सरेस, मछली का सरेस, हर चुपडनेवाली वस्तु, शिशु, बच्चा, दुबला।

ग़राइब (غرائب) अ पु –'ग़रीब' का बहु, आश्चर्यजनक वस्तुएँ।

ग़राइर (غرائر) अ पु –'गिरार' का बहु, लादने की गोने, खुर्जियाँ।

ग़रानिक़ः (غرانقه) अ पु –दे 'ग़रानीक़'।

ग़रानीक़ (غرانیق) अ पु –'ग़ुर्नूक़' का बहु, कुलंग पक्षी, सुन्दर और युवा लोग, गुँथी हुई चोटियाँ।

ग़राबीब (غرابیب) अ पु –'ग़िर्बीब का बहु, बहुत अधिक काले।

ग़राबत (غرابت) अ स्त्री –अनोखापन, अद्‌भुतता।

ग़राम (غرام) अ पु –दुष्टता, लोभ, लालच, हत्या, हलाकत, पीडा, अज़ाब, मोह, प्रेम।

ग़रामत (غرامت) अ स्त्री –हानि उठाना, पश्चात्ताप, पशेमानी, दुःख, पीडा, अज़ाब।

ग़रारः (غراره) फा पु –मुँह मे पानी भरकर चलाना, ग़र्ग़र, आचमन।

ग़रारः (غراره) अ पु –नातज्रिबःकारी, अनाडीपन, अपरिपक्वता, धोखा खाना, छला जाना।

ग़रास (غراس) अ पु –खाने या पीनेवाली दवा का वह अंश जो गिर जाय।

ग़रिक़ (غرق) अ वि –दे 'ग़रीक़'।

ग़रीक़ (غریق) अ वि –जो पानीमे डूब गया हो, निमग्न, प्लावित, निमज्जित।

ग़रीज़ (غریض) अ पु –नवीन, ताज़ा, नया, प्रफुल्ल, शगुफ्ता, वर्षा का जल, नयी मदिरा, हर सफेद वस्तु, कली, शिगूफा।

ग़रीज़त (غریزت) अ स्त्री –प्रकृति, स्वभाव, आदत।

ग़रीज़ी (غریزی) अ वि –स्वाभाविक, प्राकृतिक, नेचुरल, फित्री, विशेषत 'हरारत' के लिए आता है, 'हरारते ग़र्राज़ी' अर्थात् शरीर की प्राकृतिक गर्मी।

ग़रीब (غریب) अ वि –विदेशी, परदेसी, जो सफर मे हो, दरिद्र, दीन, कंगाल, असहाय, वेचारा, लाचार, दीन, दुखी, वेवस।

ग़रीबआज़ार (غریب آزار) अ फा वि –दीन दुखी व्यक्तियो को सतानेवाला।

ग़रीबख़ानः (غریب خانه) अ फा पु –ऐसा घर जिसमे सुख का कोई साधन न हो, वक्ता अपने घर को भी वोलता है।

ग़रीबज़ादः (غریب زاده) अ फा पु –वेश्यापुत्र, रडी का लडका, रडी-वच्चा।

ग़रीबनवाज़ (غریب نواز) अ फा वि –दीनो दुखियो पर करुणा करनेवाला, प्रणतपाल, दीनवत्सल।

ग़रीबनवाज़ी (غریب نوازی) अ फा स्त्री –दीनो और असहाय व्यक्तियो पर कृपादृष्टि।

ग़रीबपर्वर (غریب پرور) अ फा वि –दे 'ग़रीबनवाज़'।

ग़रीबपर्वरी (غریب پروری) अ फा स्त्री –दे. 'ग़रीबनवाज़ी'।

ग़रीबाँ (گریباں) फा पु –दे शुद्ध उच्चारण 'गिरीबाँ'।

ग़रीबी (غریبی) अ स्त्री –घरबार से दूरी, दरिद्रता, कंगाली, दीनता, लाचारी, एक बहुत बढिया कपडा।

ग़रीबुद्दयार (غریب الدیار) अ वि –दे 'ग़रीबुलवतन'।

ग़रीबुलवतन (غریب الوطن) अ वि –बेवतन, जो अपना घरबार छोड परदेश मे पड़ा हो, प्रवासी, परदेशी।

ग़रीबेशह्र (غریب شهر) अ फा वि –जो नगर मे किसी को जानता पहचानता न हो और मुसाफिर की तरह पडा हो।

ग़रीम (غریم) अ वि –जिसे टोटा हुआ हो, ऋणी, कर्ज़दार, ऋणदाता, कर्ज़ख्वाह।

ग़रीर (غریر) अ वि –वह युवक जो अनुभवी न हो, ज़ामिन, प्रतिभू, (पु) अच्छा स्वभाव, अच्छी आदत।

गरूगर (گروگر) फा पु –ईश्वर के नामो मे से एक, जिस का अर्थ है कामनाएँ पूरी करनेवाला।

ग़रूर (غرور) अ वि –छली, धोखेबाज़, (पु) वह दवाओ का पानी जिससे ग़रारा करे।

ग़र्क़ः (غرقه) अ वि –डूबा हुआ, निमग्न।

ग़र्क़ (غرق) अ पु –पानी में डूबना, निमज्जन, (वि) डूबा हुआ, निमग्न।

ग़र्क़ए ख़ूँ (غرقۀ خوں) अ फा. वि –ख़ून मे डूबा हुआ।

ग़र्क़ाब (غرقاب) अ फा वि –डूबा हुआ, निमज्जित, (पु) डूबना, निमज्जन, डुबाऊ पानी।

ग़र्क़ी (غرقی) अ स्त्री –डूबना, बाढ, तुग्यानी, जुलाहो के कपडा बुनने का गढा।

गर्ग (گرگ) फा पु –खुजली, खर्जूर, एक नगर।

ग़र्ग़रः (غرغره) अ पु –मुँह में पानी लेकर फिराना, ग़रारा करना, आचमन।

ग़र्ग़र (غرغر) अ पु –सूत लपेटने की चर्ख़ी।

गर्गी (گرگیں) फा वि –जिसे खाज का रोग हो।

ग़र्चः (غرچه) फा वि –क्लीव, नपुसक, नामर्द, मूर्ख, नादान, बुद्‌धू।

ग़र्चक (غرچک) फा वि –मूर्ख, घामड, बुद्‌धू।

गर्ज़मान (گرزماں) फा पु –सबसे ऊपर का आकाश।

गर्दंग (گردنگ) फा पु –स्त्री की कमाई खानेवाला, दैयूस, भगभोगी, भँडुवा।

गर्दः (گردہ) फा पुं–पिसा हुआ कोयला जो सुई से छिदे हुए कागज़ पर फेरकर बेल-बूटे बनाने के काम आता है, छिदा हुआ कागज़ जिस पर बेलबूटे बने होते हैं, और जिस पर कोयला फेरा जाता है।

गर्द (گرد) फा स्त्री–रज, धूलि, खाक, नगर, शहर, सूरज, सूर्य, खेद, रज, लाभ, वफा, एक अच्छा रेशम, (प्रत्य) फिरने वाला, जैसे—'जहाँगर्द' ससार में फिरने वाला।

गर्दआलूद (گردآلود) फा वि–दे 'गर्दालूद'।

गर्दन (گردن) फा स्त्री–ग्रीवा, गला, कठ, हल्क।

गर्दनकश (گردن‌کش) फा वि–अवज्ञाकारी, नाफ़र्मान, विद्रोही, बाग़ी, उद्दड, अक्खड।

गर्दनकशी (گردن‌کشی) फा स्त्री–अवज्ञा, नाफर्मानी, विद्रोह, बगावत, उद्दडता, अक्खड़पन।

गर्दनज़दनी (گردن‌زدنی) फा वि–जो गर्दन मारने के योग्य हो, वध्य, हतव्य।

गर्दनज़न (گردن‌زن) फा वि–गर्दन काटनेवाला, जल्लाद, वधिक, कातिल, कसाई।

गर्दनज़नी (گردن‌زنی) फा स्त्री–गर्दन काटने का काम, जल्लादी, हत्यापन, कसाईपन।

गर्दनफराज़ (گردن‌فراز) फा वि–बड़े पदवाला, बडी पदवीवाला, आला रुत्वा, गर्दन ऊँची करके चलनेवाला, गौरवशाली।

गर्दनबारीक (گردن‌باریک) फा वि–लाचार, बेबस, दीन, अधीन, वशीभूत, मुतीअ।

गर्दनी (گردنی) फा पु–चाँटा, थप्पड।

गर्दां (گرداں) फा वि–घूमता हुआ, चक्कर खाता हुआ, घूर्णित।

गर्दान (گردان) फा स्त्री–व्याकरण मे कारकों या लकारो की आदि से अत तक कठ-पुनरावृत्ति।

गर्दालूद (گردآلود) फा वि–धूलि में अटा हुआ, धूलि-धूसर, धूल मिला हुआ, धूल्याक्त।

गर्दिंदः (گردندہ) फा वि–फिरनेवाला, घूमनेवाला, चक्कर खानेवाला।

गर्दिश (گردش) फा स्त्री–चक्कर, फिराव, दुर्भाग्य, बदकिस्मती, कालचक्र, आपत्ति का समय, भ्रमण, सैर-सपाटा।

गर्दिशज़दः (گردش‌زدہ) फा वि–कालचक्रग्रस्त, मुसीबत का मारा।

गर्दिशज़दगी (گردش‌زدگی) फा स्त्री–काल-चक्रग्रस्तता, मुसीबत का मारा होना।

गर्दिशे दौरां (گردش‌دوراں) फा स्त्री–समय का चक्कर, काल-चक्र, समय का उलटफेर।

गर्दिशे पैमानः (گردش‌پیمانہ) फा स्त्री–मदिरा के पियाले का चक्कर, शराब का दौर।

गर्दिशे पैहम (گردش پیہم) फा स्त्री–लगातार चक्कर, लगातार आपत्तियाँ।

गर्दिशे रोज़गार (گردش روزگار) फा स्त्री–दे 'गर्दिशे दौरां'।

गर्दिशे लैलोनहार (گردش‌لیل‌ونہار) फा अ स्त्री–रात-दिन का उलट-फेर, समय का चक्कर, समय का फेर।

गर्दिशे हादिसात (گردش حادثات) फा अ स्त्री–दुर्घटनाओ का चक्कर, आपत्तियो का ताँता।

गर्दीदः (گردیدہ) फा वि–फिरा हुआ, घूमा हुआ, घूर्णित, लौटा हुआ, वापस आया हुआ।

गर्दीदनी (گردیدنی) फा वि–फिरने के योग्य, घूमने के योग्य, चक्कर खाने के योग्य।

गर्दूं (گردوں) फा पु–आकाश, व्योम, आस्मान, शकट, छकडा, गाडी।

गर्दूंअसास (گردوں‌اساس) फा अ वि–जिसकी नीव आकाश में हो, बहुत बडे पदवाला।

गर्दूंइक्तिदार (گردوں اقتدار) फा अ वि–आकाश-जैसी सत्तावाला, बहुत बडा प्रतिष्ठित।

गर्दूंजाह (گردوں‌جاہ) फा वि–दे 'गर्दूंइक्तिदार'।

गर्दूंसरीर (گردوں‌سریر) फा अ वि–जिसका सिंहासन आकाश हो, बहुत बडी महत्तावाला।

गर्दे मलाल (گرد ملال) फा अ स्त्री–मन का मैल, मनोमालिन्य, रंजिश।

गर्दे सफर (گرد سفر) फा अ स्त्री–सफर की थकान।

ग़र्नात (غرناطہ) अ पु–स्पेन का एक नगर।

ग़र्फ़ः (غرفہ) अ पु–चुल्लू से एक बार पानी उठाना।

ग़र्ब (غرب) अ पु–पश्चिम दिशा, पश्चिम, बडा डोल, पुर।

ग़र्बलत (غربلت) अ स्त्री–चलनी मे छानना, काटना, विच्छेदन, हत्या करना, हनन।

ग़र्बाल (غربال) अ स्त्री–आटा आदि छानने का यत्र, चलनी, चालनी, छलनी।

ग़र्बी (غربی) अ वि–पश्चिम दिशा का, पश्चिमी, यूरोप का, मग़िरबी।

ग़र्बीब (غربیب) अ वि–बहुत अधिक काला, काला निगोल।

गर्म (گرم) फा वि–तप्त, उष्ण, जो गर्म हो, गर्म तासीरवाला, उष्णवीर्य, तीव्र, तेज़, शीघ्र, जल्द, क्रुद्ध, कुपित।

ग़र्म (غرم) अ पु–रात का अँधेरा होना।

गर्मइनाँ (گرم عناں) फा अ वि–तेज चलनेवाला घोडा; तेज चलनेवाला सवार।

गर्मक (گرمک) फा पु–उवाले हुए मटर, सफेद खरवूज़ा, सर्दे की एक जाति, (वि) कम गर्म।

गर्मख़ूँ (گرم خوں) फा वि–गाढा मित्र, लँगोटिया यार, दयालु, कृपालु, मेहरवान।

गर्मख़ू (گرم خو) फा वि–तीव्र प्रकृति, तेज़ मिज़ाज।

गर्मख़ेज़ (گرم خیز) फा वि–फुर्तीला और चालाक, हर समय काम के लिए तत्पर।

गर्म गर्म (گرم گرم) फा वि–गर्मागर्म, ताजी सिंकी या भुनी हुई चीज़।

गर्मजोशी (گرم جوشی) फा स्त्री–गाढे प्रेम का प्रदर्शन, सभ्राति, तपाक।

गर्मजौलां (گرم جولاں) फा वि–द्रुतगति, शीघ्रगामी, तेज़ रौ।

गर्मजौलानी (گرم جولانی) फा स्त्री–तेज़ रफ्तारी, तेज़ चलना, शीघ्र गमन।

गर्मतर (گرم تر) फा वि–अधिक गर्म, उष्णतर, जिस ओपधि मे गर्मी के साथ तरी हो।

गर्मतरीन (گرم ترین) फा वि–बहुत अधिक गर्म, उष्णतम, परमोष्ण।

गर्मदिमाग़ (گرم دماغ) फा अ वि–अहकारी, घमडी।

गर्मदिमाग़ी (گرم دماغی) फा अ स्त्री–अहकार, घमड।

गर्मबाजारी (گرم بازاری) फा स्त्री–भाव की तेजी, ग्राहको की वहुतात माल की माँग।

गर्ममिजाज (گرم مزاج) फा अ वि–चिडचिडे स्वभाव-वाला, जिसे जल्दी क्रोध आ जाय, जिसकी प्रकृति गर्म हो।

गर्ममिजाजी (گرم مزاجی) फा अ स्त्री–चिडचिडापन, जल्दी क्रोध आना, प्रकृति की उष्णता।

गर्मरफ़्तार (گرم رفتار) फा वि–तेज चलनेवाला, शीघ्र-गामी, गतिशील।

गर्मरफ़्तारी (گرم رفتاری) फा स्त्री–तेज़ चलना, चाल की तेज़ी, शीघ्र गति।

गर्मरवी (گرم روی) फा स्त्री–दे 'गर्मरफ्तारी'।

गर्मरौ (گرم رو) फा वि–दे 'गर्मरफ्तार'।

गर्मसेर (گرم سیر) फा पु–वह स्थान जहाँ का जल-वायु गर्म हो।

गर्मा (گرما) फा पु–गर्मी का मौसम, ग्रीष्म ऋतु, गर्मी का समय, उष्ण काल।

गर्मागर्मी (گرماگرمی) फा स्त्री–धूमधाम, जोर-शोर, तेजमतेज़ी, वातचीत में तेज़ी, मौखिक युद्ध, वाग्युद्ध।

गर्माबः (گرمابه) फा पु–हम्माम जहाँ पानी गर्म मिले, स्नानागार, गर्म पानी की टकी या सकाव।

गर्मिए बाज़ार (گرمئی بازار) फा स्त्री–वाज़ार मे भाव की तेजी, ग्राहको की वहुतायत, माल की माँग।

गर्मी (گرمی) फा स्त्री–उष्णिमा, उष्णता, हरारत, उपदश, गर्मी रोग, वुखार, ज्वर, ज़ोर, तीव्रता, क्रोध, रोष, गुस्सा, गर्व, अभिमान, घमड।

गर्मीदानः (گرمی دانه) फा पु–अन्हौरी, घर्म-चर्चिका।

गर्मे सुख़न (گرم سخن) फा वि–वाते करता हुआ, वार्तालाप करता हुआ।

गर्मोसर्द (گرم وسرد) फा पु–ठडा और गर्म, शीतोष्ण, सासारिक दुःख सुख, ऊँच नीच, निशेवोफराज।

गर्मोसर्द चशीदः (گرم وسرد چشیده) फा वि–ससार की ऊँच-नीच देखे हुए, ससार के दुःख-सुख उठाये हुए, अनुभवी, वहुदर्शी।

गर्रः (غره) अ पु–मुग्ध होना, फरेफ्ता होना, घमड, गर्व, अकड, हेकडी।

गर्रां (غراں) आ वि–भयानक शब्द से चीख़ता चिल्लाता हुआ।

गर्रा (گرا) फा पु –पछने लगाने वाला, नापित, नाई, सेवक, दास, नौकर।

ग़र्रा (غرا) अ स्त्री–हर स्वच्छ और उज्ज्वल वस्तु जो स्त्रीलिंग हो।

गर्व (غرو) अ पु–नरकट, जिसके कलम बनते है।

ग़र्स (غرث) अ स्त्री–भूख, क्षुधा।

ग़र्स (غرس) अ पु–पेड लगाना, पेड रोपना, वृक्षारोपण, लगाया हुआ पेड।

ग़र्सान (غرثان) अ वि–भूखा, क्षुधित।

गल[ल्ल] (غل) अ पु–भीतर जाना, भीतर ले जाना।

ग़लक़ (غلق) अ. पु–किवाड वद करने की लकडी, अर्गल।

गलत (غلط) अ पु–अशुद्ध, जो ठीक न हो, असत्य, झूठ, त्रुटि, भूल, अनुचित, गैरवाजिव, अशुद्धि, ग़लती।

ग़लत (غلط) अ पु–हिसाव की गलती।

गलत अंदाज़ (غلط انداز) अ फा वि–भ्रम मे डालने वाला (वाली), ऐसी दृष्टि जो हो तो किसी और की ओर परतु समझे कोई अपनी ओर, इस शब्द का प्रयोग दृष्टि के साथ ही होता है, भूलभुलैया।

ग़लतकार (غلط کار) अ फा वि–काम मे वहुधा चूक जाने-वाला, जान वूझकर काम खराव करनेवाला, अट-शट काम करनेवाला।

ग़लतकारी (غلطکاری) अ फा स्त्री –काम मे चूकना, जानते हुए काम खराब करना, अट-शट काम करना।

ग़लतगो (غلطگو) अ फा वि –झूठ वोलनेवाला, मिथ्या-वादी, झूठा।

ग़लतगोई (غلطگوئی) अ फा स्त्री –झूठ बोलना, मिथ्यावाद।

ग़लतनाम (غلطنامه) अ फा पु –किसी पुस्तक आदि के अत मे उसकी अशुद्धियो का परिशिष्ट, शुद्धिपत्र।

ग़लतफह्मी (غلطفہمی) अ स्त्री –कुछ का कुछ समझना, वोधभ्रम, कुधारणा, वदगुमानी।

ग़लतबया (غلطبیاں) अ वि –दे 'गलतगो'।

ग़लतबयानी (غلط بیانی) अ स्त्री –दे 'ग़लतगोई'।

ग़लतबर्दार (غلطبردار) अ फा वि –वह रबर आदि जिससे काग़ज़ से अशुद्ध अक्षर मिटाया जाता है, वह कागज जिसपर अशुद्ध अक्षर सुगमता से वदल जाता है।

ग़लतबीं (غلطبیں) अ फा वि –जिसे किसी व्यक्ति के दोप ही दोप दिखाई दें, उसकी अच्छाइयाँ नजर न आये।

ग़लतबीनी (غلطبینی) अ फा स्त्री –किसी के गुणो को छोडकर केवल उसकी वुराइयाँ ही देखने का भाव।

ग़लतुलअवाम (غلطالعوام) अ पु –वह गलती जो कुपढ और जाहिल लोग करें।

ग़लतुल्आम (غلطالعام) अ पु –वह ग़लती जो विद्वज्जन करें और वह शुद्ध मान ली जाय।

ग़लफ (غلف) अ पु –वैभव की वहुतायत, देश में अन्न की वहुतात, खत्ना न करना।

ग़लब. (غلبه) अ पु –प्रभुत्व, सत्ता, इक्तिदार, प्राचुर्य, वहुतायत, मत-वाहुल्य, कस्रते राय, विजय-प्राप्ति, तसल्लुत, सामूहिक झगडा या मार-काट।

ग़लब (غلب) अ पु –जीतना, गालिव होना, अवज्ञाकारी होना, नाफर्मानी करना।

ग़लबात (غلبات) अ पु –'गलव' का वहु॰, 'ग़लवे'।

ग़लयान (غلیان) अ पु –उवाल, जोश।

ग़लल (غلل) अ स्त्री –पिपासा, प्यास, जलन, सोज़िश, मनस्ताप, खलिश।

ग़लस (غلس) अ स्त्री –रात्रि के अत का अँधियारा।

ग़ला (غلا) अ पु –अन्न आदि का भाव तेज हो जाना, दुर्भिक्ष, कह्त।

ग़लिक़ (غلق) अ पु –वह वात जो कठिनता से समझ मे आये, गूढ, निगूढ।

ग़लिब (غلب) अ वि –विजित, गालिव, अवज्ञाकारी, सरकश।

ग़लिम (غلم) अ वि –तीव्रकाम, तेज़ शहवत।

ग़लीज़ (غلیظ) अ वि –गाढा, निविड, विष्ठा, मल, प्रगाढ, सघन।

गलीज़ (غلیز) अ वि –प्रगाढ, गाढा।

ग़लीज़ुल किवाम (غلیظالقوام) अ वि –जिसकी चाशनी गाढी हो गयी हो, जो धातु आदि दूषित होकर गाढी हो गयी हो।

गलील (غلیل) अ वि –पिपासित, प्यासा, (पु) द्वेप, कीन, मनस्ताप, दिली रज, प्यास की तीव्रता।

ग़लीस (غلیث) अ पु –जौ और गेहूँ मिला हुआ, गुजई, हर वह वस्तु जिसमें दूसरी वस्तु मिली हो।

ग़लूल (غلول) अ पु –वह भोजन जो वूढो और रोगियो को सुगमता से पच जाय।

गल्क़ (غلق) अ पु –दरवाजा वद करना, भूमि मे गह्रे तक घुसना, घृणा, कराहियत, ववन, वाँधना।

गलाल. (غلغله) अ पु –तेज़ चलना, शीघ्र गमन।

गल्ज़ (غلظ) अ पु –वह नीची भूमि जो ऊवड-खावड और असमतल हो।

ग़ल्ज़त (غلظت) अ स्त्री –दे 'गिल्ज़त', दो गु हैं।

गलतक (غلطک) फा पु –करवट लेना, पह्लू वदलना, गाडी का पहिया, चक्र।

ग़ल्तां (غلطاں) फा वि –लुढकता हुआ, लोटता हुआ, लुठायमान।

ग़ल्ता व पेचां (غلطاں و پیچاں) फा वि –लुढ़कता और बल खाता हुआ, असमजस और दुविधा में पडा हुआ।

ग़ल्फ (غلف) अ पु –तलवार आदि को म्यान मे करना, सर अथवा डाढी के वालो में सुगध लगाना।

ग़ल्फक (غلفق) अ पु –काई, जो पानी पर होती है, नर्म धनुष, एक पानी की घास।

ग़ल्ब. (غلبه) अ पु –दे 'ग़लव', शुद्ध वही है, परतु उर्दू-वाले यह भी वोलते हैं।

ग़ल्ब (غلب) आ पु –विद्रोही होना, वागी होना, अवज्ञा-कारी और उद्दड होना।

ग़ल्बा (غلبا) अ पु –वह स्थान जहाँ वहुत घने पेड हो, झुड की लडाई, दो गोलो मे आपसी मारकाट।

ग़ल्म (غلمه) अ पु –काम-वासना की तेज़ी, शह्वत का जोश।

ग़ल्म (غلم) अ पु –कामातुर होना, शह्वत से वेचैन होना, तेज़ चलना।

ग़ल्यान (غلیان) अ पु –दे 'ग़लयान' शुद्ध वही है, पर उर्दूवाले 'ल' को हल् भी कर देते हैं।

ग़ल्लः (غلہ) अ पु—अन्न, अनाज, धान्य, दाना।

गल्लः (گلہ) फा पु—भेड़ो, बकरियो या गायो, भैसो का झुड, रेवड।

ग़ल्लःफरोश (غلہفروش) अ फा वि—अन्न बेचनेवाला, अन्न-विक्रेता।

गल्लःबान (گلہبان) फा वि—रेवड की रखवाली करनेवाला, चरवाहा, गडरिया।

गल्लःबानी (گلہبانی) फा स्त्री—रेवड की रखवली का काम या पेशा, चरवाहापन।

गल्लाब (غلاب) अ वि—वह व्यक्ति जो हर जगह विजय प्राप्त करता हो।

गव (گو) फा पु—गर्त, गढा, नीची भूमि, योद्धा, जवाँमर्द, मल्ल, पहलवान, पूज्य, बुजुर्ग।

गवक (عوق) अ पु—गहरी और गदी भूमि।

गवक (گوک) फा पु—गर्त, गढा, छोटा गढ़ा।

गवज़ (گوز) फा पु—'गवज़्न' का लघु, दे 'गवज़्न'।

गवज़्न (گوزن) फा पु—बारहसिघा, विकटश्रृग।

गवाँ (گواں) फा पु—बहुत से पहलवान, बहुत से योद्धा, श्रेष्ठ लोग, 'गव' का बहुवचन।

ग़वाइल (غوائل) अ पु—'ग़ाइल' का बहु, आपत्तियाँ, अनिष्ट-समूह; दैवी आपत्तियाँ।

ग़वादी (غوادی) अ पु—'ग़ादिय' का बहु, प्रातःकाल के बादल।

ग़वानी (غوانی) अ स्त्री—'ग़निय' का बहु, वे स्त्रियाँ जिन्हे अपने सौन्दर्य और तरुणाई के कारण आभूषण आदि की आवश्यकता न हो।

ग़वाम[म्म] (غوام) अ पु—सर के बाल।

ग़वामिज़ (غوامض) अ पु—'ग़ामिज़' का बहु, बात की गहराइयाँ, गूढताएँ, नुक्ते।

ग़वायत (غوایت) अ स्त्री—कुमार्गता, गुमराही।

गवार (گوار) फा प्रत्य—अच्छा लगनेवाला, जैसे—'खुश गवार', शु उ 'गुवार' है, परतु उर्दू में 'गवार' ही बोलते हैं।

गवारा (گوارا) फा वि—रुचिकर, पसदीदः, सह्य, काबिले बरदाश्त, शुद्ध उच्चारण 'गुवारा' है, परतु उर्दू मे 'गवारा' ही बोलते हैं।

ग़वाशी (غواشی) अ पु—'ग़ाशिय' का बहु, पर्दे, आडे, वस्त्र, लिबास, भीतरी रोग, बेसुध करनेवाले।

गवाह (گواہ) फा पु—गवाही देनेवाला, साखी, साक्षी, शुद्ध उच्चारण 'गुवाह' है, परतु उर्दू मे 'गवाह' बोलते है।

गवाही (گواہی) फा स्त्री—साक्ष्य, शहादत, गवाही देने का काम।

गवाहे ऐनी (گواہعینی) फा अ पु—वह गवाह जिसके सामने कोई घटना घटी हो, प्रत्यक्ष साक्षी, चाक्षुष साक्षी।

गवाहे हाशियः (گواہ حاشیہ) फा अ पु—वह गवाह जिसके हस्ताक्षर किसी दस्तावेज के हाशिये पर हो।

ग़वी (غوی) अ वि—गुमराह, राह से भटका हुआ, भ्रष्टपथ, मार्गभ्रष्ट।

ग़व्वास (غواص) अ वि—गोतखोर, मज्जनार, गोता लगाकर समुद्र से मुक्ता आदि निकालनेवाला।

ग़व्वासी (غواصی) अ स्त्री—गोताखोरी, गोता मारने का का काम, समुद्र मे पैठ कर मोती निकालने का काम।

गश (گش) फा वि—सुदर, हसीन, नाज़ से इठलाकर चलनेवाला (वाली) (वि), मूर्च्छित, बेहोश।

ग़श [श्श] (غش) अ पु—ख़ियानत करना, शोपण, शुभचितक न होना, जो मन मे हो उसके खिलाफ कहना, अच्छी चीज मे घटिया चीज़ मिलाना, मूर्च्छित होना।

गशन (گشن) फा वि—गुजान, घना (पु) समूह, भीड, जमाव, (स्त्री) अधिकता, बहुतायत।

ग़शयान (غشیان) अ पु—मूर्च्छित होना, बेहोश होना।

ग़शश (غشش) अ स्त्री—अँधेरापन, अँधियारा।

ग़शावः (غشاوہ) अ पु—दे 'गिशाव' दोनो शुद्ध है, परतु यह अधिक बोला जाता है।

ग़शाश (غشاش) अ पु—शीघ्रता, जल्दी।

ग़शी (غشی) अ स्त्री—बेहोशी, मूर्च्छा, ग़श।

गश्त (گشت) फा पु—चक्कर, गर्दिश, पर्यटन, दौरा, थानेवालो की रात मे घूम फिर कर देखभाल।

गश्ती (گشتی) फा स्त्री—वह आदेश जो किसी विभाग के सारे कर्मचारियो के लिए हो, सर्कुलर, परिपत्र।

ग़श्न (غشن) अ पु—लकडी या तलवार आदि से मारना।

गश्न (گشن) फा पु—दे 'गशन'।

ग़सक (غسق) अ स्त्री—रात्रि का प्रारभिक अँधेरा, शुरू रात की अँधियारी, मोटा और निकृष्ट अन्न, जैसे—काकुन, सावाँ आदि।

ग़सक (عسک) फा पु—खटमल, मत्कुण।

ग़सफ (غسف) अ स्त्री—रात का अँधेरा।

ग़सयान (غثیان) अ पु—जी मतलाना, मतली।

ग़सर (غسر) अ पु—जो तिनका आदि हवा से उडकर आँख मे गिरे।

ग़सस (غصص) अ पु—निवाले का गले मे अटक जाना।

ग़साक़ (غساق) अ पु—गदी और बदबूदार चीज़, जैसे—पीप आदि।

ग़सिर (غسر) अ वि.—गुप्त और शकित काम।

ग़सील (غسیل) अ वि –धुला हुआ, माँझा हुआ, शुद्ध।
ग़सीस (غسیس) अ पु –वे खजूर या छुहारे जो गल-सड़कर खाने के योग्य न रहे हो।
ग़सूल (غسول) अ पु –वह पानी जिससे कुछ धोया जाय, हाथ या सर धोने की वस्तु, जैसे—साबुन या खली।
ग़स्क़ (غسق) अ पु –आँख की ज्योति का चला जाना, आँख से आँसू बहना, रात का बहुत अधिक अँधियारा होना।
ग़स्ब (غصب) अ पु –जबरदस्ती किसी के माल पर कब्जा कर लेना, बलाद्धरण, निर्दयता से किसी के बाल उखेड़ना।
ग़स्र (عسر) अ पु –ऋणी पर अपना ऋण वुसूल करने के लिए अत्याचार करना।
ग़स्ल (غسل) अ पु –धोना।
ग़स्साक़ (غساق) अ पु –दे 'गसाक।
ग़स्साल (غسال) अ वि –नहलानेवाला, स्नापक, मुर्दे का नहलानेवाला, मृतस्नापक।
ग़स्सूल (غسول) अ पु –दे 'गसूल'।
गह (گہ) फा अव्य –'गाह' का लघु, दे 'गाह'।
गहगीर (گہگیر) फा पु –वह घोड़ा जो अपनी पीठ पर सवार न होने दे।
ग़हब (غہب) अ स्त्री –असावधानी, गफलत, अज्ञान, अनजानपन, विस्मृति, भूल, इरादे का न होना।
गहे (گہے) फा अव्य –'गाहे' का लघु, कभी, किसी समय।
गह्वारः (گہوارہ) फा पु –बच्चो के झूलने और सोने का खटोला, पालना, हिंडोला, आदोलक।
गह्वारः जुंबाँ (گہوارہ جنباں) फा वि –पालना झुलाने-वाला (वाली)।
गह्वारःजुंबानी (گہوارہ جنبانی) फा स्त्री –पालना झुलाने का काम।

गा

गाँ (گاں) फा अव्य –'गान' का लघु, दे 'गान'।
ग़ाइत (غائط) अ पु –नीची और लम्बी-चौडी भूमि, विष्ठा, मल, पाखाना।
ग़ाइब (غائب) अ वि –जो नजर के सामने न हो, लुप्त, तिरोहित (गायब)।
ग़ाइबबाज़ (غائب باز) अ फा वि –शतरंज का वह खिलाडी जो सामने बिसात न रखकर शतरंज खेलता हो, बहुत बड़ा शातिर।
ग़ाइबानः (غائبانہ) अ फा वि –पीठ-पीछे, परोक्षत, अनुपस्थिति में।
ग़ाइर (غائر) अ वि –गहरा पैठनेवाला, गहराई मे दूर तक जानेवाला, नीची भूमि।
ग़ाइलः (غائلہ) अ स्त्री –अनिष्ट, बदी, हानि, गजद, आपत्ति, मुसीबत, अचानक दबोच लेनेवाली।
ग़ाइस (غائص) अ वि –पानी मे पैठनेवाला, डुबकी मारनेवाला।
ग़ाई (غائی) अ वि –अन्तिम, आखिरी, आधारभूत, मौलिक, बुनियादी।
गाईदः (گائیدہ) फा वि –जिसके साथ मैथुन किया हो, सभोग्या।
ग़ाक़ (غاق) अ पु –जलकौआ, पनडुब्बी, कौआ, काक।
ग़ागः (غاغہ) फा पु –पोदीना।
ग़ाग़ (غاغہ) अ पु –तितर-बितर टोलियाँ, मिले-जुले लोग, जनसमूह, भीड।
ग़ाज़ः (غازہ) फा पु –मुँह पर मलने का पाउडर, मुख-चूर्ण।
गाज़ः (گازہ) फा पु –झूला, जिस पर झूलते है, शिकारी के छिपने का स्थान, फालेज़ की झोपडी, पहाड की चोटी पर का मकान।
गाज़ (گاز) फा पु –घास, हरी घास, कैंची, कतरनी, चिराग का गुल काटने की कैंची, गुलगीर।
गाज़ (گاژ) फा पु –स्थान, जगह।
ग़ाज़ [ज़्ज़] (غاض) अ पु –आँख की एक रग, जिसमे से मैल निकलने लगे तो बद नही होता।
ग़ाज़एरुख़ (غازۂ رخ) फा पु –मुख-चूर्ण, मुँह पर मलने का सुगधित और लाल पाउडर।
ग़ाज़िफ़ (عاصف) अ वि –जिसकी दशा अच्छी हो, खुशहाल, जिसका हृदय कोमल हो, नाजुकदिल।
ग़ाज़ियः (غاذیہ) अ स्त्री –हज़्म करने की कुव्वत, पाचन-शक्ति, वह शक्ति जो आमाशय मे अन्न पचाती है।
ग़ाज़िर (عاصر) अ पु –बहुत अच्छा कमाया हुआ और चित्रित किया हुआ चमडा, बहुत तड़के अपने काम को निकल जानेवाला।
ग़ाज़ी (غازی) अ वि –मज़्हबी लडाई लड़नेवाला, धर्मयोद्धा, धर्मवीर।
ग़ाज़ी (غازی) फा वि –नट, रस्सी पर कलाबाज़ी खानेवाला।
गाज़ी (گازی) फा पु –केवडा, एक प्रसिद्ध फूल।
गाज़ुर (گازر) फा पु –कपडा धोनेवाला, धोबी, रजक।
ग़ात्फ़र (غاتفر) फा पु –दे 'गान्फर'।
ग़ादिफ़ (غادف) अ पु –नाव चलानेवाला, नाविक, कर्णधार, मल्लाह, माँझी।

ग़ादियः (غادیہ) अ. पु –प्रात काल का बादल; प्रात-काल, सवेरा।

ग़ादिर (غادر) अ वि –कृतघ्न, नाशुक्रा, वचन-भजक, वा'द खिलाफ; अभक्त, बेवफा।

ग़ादी (غادی) अ पु –सवेरे का बादल, सवेरे की वर्षा, सवेरा, प्रात ।

ग़ादूफ़ (غادوف) अ पु –वे दो लकडियाँ जो नाव के दोनो ओर बँधी होती है, और जिन्हे हिलाने से नाव चलती है।

गानः (گانہ) फा प्रत्य –किसी सख्या के अन्त मे आकर 'वाला' का अर्थ देता है, जैसे—'चहार गान' अर्थात् चार वाला, अपना, जैसे—यगान (यक+गान) अपना अर्थात् स्वजन, बेगान जो अपना न हो, अस्वजन।

गान (گان) फा प्रत्य –कर्ता अथवा कर्मवाचक फारसी शब्द जिनके अन्त में विसर्ग हो। उनके अन्त मे आकर बहुवचन बनाता है, जैसे—कुश्त से 'कुश्तगान', कुशिद से 'कुशिदगान'।

गानिज़ (غانز) अ पु –कठ, गला, कठ मे वह स्थान जहाँ से स्वर निकलता है।

गानियः (غانیہ) अ स्त्री –वह स्त्री जो अपनी सुन्दरता और यौवन के कारण आभूषण आदि से बेनियाज़ हो, वह सुन्दर सदाचारिणी और जवान स्त्री जिसे पुरुष की इच्छा न हो।

ग़ानी (غانی) अ वि –जिसे कोई इच्छा न हो, समृद्ध, दौलतमद।

ग़ान्फ़र (غانفر) फा पु –तुर्किस्तान का एक नगर ।

ग़ाफ़िर (غافر) अ वि –छिपानेवाला, गोपनकर्ता, पाप-नाशक, गुनाह बख्शनेवाला।

ग़ाफ़िल (غافل) अ वि –सज्ञाहीन, बेहोश, असावधान, बेखबर, आलसी, काहिल।

ग़ाफ़िस (غافث) अ स्त्री –एक वनौषधि।

ग़ाबः (غابہ) अ पु –सिंह के रहने की कछार, वन, जगल।

ग़ाब (غاب) अ पु –'गाव' का बहु, सिह की ठाहरे, वनसमूह, जगलात।

ग़ाबात (غابات) अ पु –'गाव' का बहु, दे 'ग़ाब'।

ग़ाबित (غابط) अ वि –किसी की अवनति चाहे बिना स्वय वैसा बनने की इच्छा करनेवाला।

ग़ाबिन (غابن) अ वि –काम करने मे आलसी।

ग़ाबिर (غابر) अ वि –आनेवाला, जानेवाला, बाकी बचा हुआ, शेष, बरसनेवाला।

गाम (گام) फा पु –डग, क़दम, पग, (प्रत्य) चलनेवाला, जैसे—'तेज़गाम' तेज चलनेवाला,—"दो गाम न चल पाये ज़जीर नज़र आयी।"

गामज़न (گامزن) फा वि –चलनेवाला, गमनकर्ता, चलता हुआ।

गामज़नी (گامزنی) फा स्त्री –चलना, जाना, गमन करना।

गामफर्सा (گامفرسا) फा वि –दे. 'गामजन'।

गामफर्साई (گامفرسائی) फा स्त्री –दे 'गामज़नी'।

ग़ामिज़ (غامض) अ वि –वह बात जो समझ से बाहर हो; नीची भूमि, गर्त, गढा, अज्ञात, गुमनाम, अपमानित, ज़लील।

ग़ामिद (غامد) अ पु –भरी हुई नाव, वह कुआँ जिसका पानी उबलता हो।

ग़ामिर (غامر) अ स्त्री –वह भूमि जो पानी मे डूबी रहती हो, बजर ज़मीन, (वि) वह व्यक्ति जो अपने को आपत्ति मे डाले।

ग़ामी (غامی) अ वि –निर्बल, बलहीन, कमज़ोर, असमर्थ, नातवान।

गायंदः (گایندہ) फा वि –मैथुन करनेवाला।

ग़ायत (غایت) अ स्त्री –उद्देश्य, मक्सद, छोर, किनारा, कारण, सबब, पराकाष्ठा, इतिहा, पताका, झडा।

ग़ायत माफ़िलबाब (غایت مافی الباب) अ स्त्री –किसी विषय का अतिम निर्णय, आखिरी बात, साराश, खुलासा।

ग़ायतुलअम्र (غایۃ الامر) अ स्त्री –अतत, आखिरकार, आपातत, अगत्या।

ग़ार (غار) अ पु –गहरा गढा, खड; गर्त, गढा, पहाड की कदरा, गुफा, जतुओ के रहने का भीटा।

गार (گار) अ प्रत्य –करनेवाला, जैसे—'खिदमतगार', सेवा करनेवाला।

ग़ारत (غارت) अ स्त्री –नष्ट करना, बरबाद करना, लुठन, लूटना, (वि) नष्ट, बरबाद, विध्वस्त, तबाह, लुठित, लुटा-पिटा।

ग़ारतगर (غارتگر) अ फा वि.–लूटनेवाला, लुटेरा, डाकू, लुठक, बरबाद करनेवाला, विनाशक।

ग़ारतगरी (غارتگری) अ फा स्त्री –लूटमार, लुटेरापन, विनाश, तबाही।

ग़ारतगाह (غارتگاہ) अ फा स्त्री –लूटमार करने का स्थान, वह स्थान जहाँ लोग लुट जाते हो, वह स्थान जहाँ लुटने का भय हो।

ग़ारतीदः (غارتیدہ) फा वि –लूटमार किया हुआ, नष्ट किया हुआ, गारत किया हुआ।

ग़ारिक़ (غارق) अ वि –डूबनेवाला, डूबा हुआ, निमज्जित।

ग़ारिज (غارز) अ स्त्री –थोडा दूध देनेवाली ऊँटनी।
ग़ारिब (غارب) अ वि –ऊँट की गर्दन और कोहान के बीच का भाग, ऊँट के दोनो कधो के बीच का स्थान।
ग़ारिम (غارم) अ वि –वह ऋणी जो अपना ऋण अदा न कर सके।
ग़ारिस (غارس) अ वि –वृक्ष लगानेवाला, पेड रोपनेवाला, वृक्षारोपक।
ग़ारीक़ून (غاريقون) अ पु –एक ओपधि।
गाल (گال) फा पु –एक अन्न, काकुन, वाजरा, छल, फरेब, दूर, परे, शृगाल, सियार।
ग़ाल [ल्ल] (غال) अ पु –वह नीची जमीन जिसमे पेड़ वहुत हो, पेड उगने का स्थान।
ग़ालिब (غالب) अ वि –शक्तिशाली, ज़बरदस्त, विजेता, फातेह, उर्दू के एक श्रेष्ठ कवि का उपनाम।
ग़ालिबन् (غالباً) अ वि –सभवत, कदाचित्, शायद, निश्चित, यकीनन।
ग़ालिबानः (غالبانه) अ फा वि –ज़बरदस्तो-जैसा।
ग़ालियः (غاليه) फा पु –कई सुगधित पदार्थों को मिलाकर वनाया हुआ एक सुगधित द्रव्य।
ग़ालिय मू (غاليه مو) फा वि –सुगध लगे हुए वाल, सुगधित वाल।
ग़ाली (غالى) अ वि –अपनी सीमा से आगे वढ जानेवाला, अति करनेवाला, भारी, वज्नी, वहुमूल्य, वेशकीमत।
ग़ालीच· (غاليچه) तु पु –छोटा कालीन।
ग़ालीद· (غاليده) फा वि –लुढका हुआ, लुढकाया हुआ।
गालीदः (گاليده) फा वि –जो अलग हो गया हो, निवृत्त।
ग़ालीन (غاليں) तु पु –दे 'कालीन'।
गाव (گاو) फा पु –वैल, वृपभ, गाय, गो, धेनु, शराव का पियाला जो गाय की शक्ल का हो।
गावअवर (گاوعنبر) फा अ पु –गाय-जैसा एक समुद्री पशु, जिसका गोवर 'अवर' होता है।
गावआहन (گاوآهن) फा पु –हल का फल, फ़ाल।
गावकुशी (گاوكشى) फा स्त्री –गाय की हत्या करना, गाय का ज़वह करना, गोवध।
गावकून (گاوكوں) फा वि –मूर्ख, घामड, अहमक।
गावख़रास (گاوخراس) फा स्त्री –वह चक्की जो वैल आदि से चले।
गावख़ान (گاوخانه) फा पु –मवेशियो का वाडा, कांजी-हौस, मवेशीखाना।
गावखुर्द (گاوخورد) फा वि –नष्ट, वरवाद, खुर्द वुर्द, गवन, अपहृत।
गावचश्म (گاوچشم) फा वि –गाय-जैसी आँखोवाला, (पु) एक फूल।
गावज़वाँ (گاوزباں) फा स्त्री –एक प्रसिद्ध ओपधि, भूताशुक, गोजिह्वा।
गावज़ोर (گاوزور) फा वि –वहुत वडा वलवान्, ज़वरदस्ती करनेवाला।
गावज़ोरी (گاوزورى) फा स्त्री –ज़वर्दस्ती, अन्याय, शक्ति-सपन्नता, ज़ोरमदी।
गावतक्यः (گاوتكيه) फा पु –वडा तक्य, मस्नद, जो पीठ के नीचे रखा जाता है।
गावताज़ी (گاوتازى) फा स्त्री –डीग, शेखी, मुकावले मे वुज़दिली दिखाना।
गावदी (گاودى) फा वि –मूर्ख, वुद्धू, वेवकूफ, कुदज़ेहन, मदप्रभ, मन्दमति।
गाववीद· (گاوديده) फा वि –दे 'गावचश्म'।
गावदुम (گاودم) फा वि –गाय की पूँछ-जैसा ऊपर से नीचे को पतला, मख़्रूती, गो-पुच्छ।
गावदोशः (گاودوشه) फा पु –दूध दूहने का वर्तन, दुधाडी।
गावदोश (گاودوش) फा पु –दे 'गावदोश'।
गावपुश्त (گاوپشت) फा वि –गाय की पीठ की तरह ढालू।
गावपैकर (گاوپيكر) फा वि –वैल-जैसे डील-डौलवाला, वृपकाय।
गावमेश (گاوميش) फा स्त्री –भैंस, महिषी।
गावरस (گاورس) फा पु –वाजरा, एक प्रसिद्ध अन्न।
गावरीश (گاوريش) फा वि –मूर्ख, अज्ञानी, घामड, वुद्धू।
गावशीर (گاوشير) फा पु –एक तरल ओपधि, जावशीर।
गावसर (گاوسر) फा वि –वैल-जैसे सिरवाला, (पु) 'फिरीदूँ' के गुर्ज का नाम, गावसार।
गावसार (گاوسار) फा वि –'फिरीदूँ' के गुर्ज का नाम, गावसर।
गावेज़मी (گاوزمى) फा पु –दे 'गावे सरा'।
गावेगर्दूँ (گاو گردوں) फा पु –वृपराशि, वुर्जे सौर।
गावेपर्वारी (گاوپروارى) फा पु –ख़ूव खिला-पिलाकर और धूप से वचाकर मोटा किया हुआ वैल।
गावेसरा (گاو ثرا) फा अ पु –वह गाय जिसके सीगों पर पृथ्वी सधी वतायी जाती है।
गावेसिफालीं (گاو سفاليں) फा पु –शराव का मटका।
ग़ाशिय· (غاشيه) फा पु –वह कपडा जो घोडे के चारजामे पर पडता है, कियामत, महाप्रलय, नरक की आग; भीतरी रोग।

ग़ाशियः वरदोश (عاشیۂ بردوش) फा वि –दे 'ग़ाशिय. वरदार'।

ग़ाशियः वर्दार (عاشیۂ بردار) फा वि –सवारी के समय ज़ीनपोश लेकर चलनेवाला, साईस, नौकर, आज्ञाकारी, अनुयायी।

ग़ासिक (عاسق) अ पु –चद्रमा, चाँद, कृत्तिका नक्षत्र, पर्वी, शिश्न, लिंग।

ग़ासिब (غاصب) अ वि –ज़बर्दस्ती छीन लेनेवाला, गस्ब कर लेनेवाला, अपहारक।

ग़ासिबानः (غاصبانہ) अ वि –ग़ासिबो-जैसा, लुटेरो की तरह।

गाह (گاہ) फा अव्य –कभी, किसी समय, समय, वक्त, स्थान, जगह, सिंहासन, तख्ते शाही, खेमा, रावटी, तम्बू, जुए का दाँव।

गाह गाह (گاہ گاہ) फा वि –कभी-कभी, यदा-कदा।

गाह ब गाह (گاہ بگاہ) फा वि –दे 'गाह गाह'।

गाहे (گاہے) फा वि –किसी समय, कभी, कभी-कभी।

गाहे गाहे (گاہے گاہے) फा वि –कभी-कभी, यदा-कदा, 'सरसरी उनसे मुलाकात है गाहे-गाहे। सोहबते गैर मे गाहे, सरे राहे गाहे॥"

गाहे ब गाहे (گاہے بگاہے) फा वि –दे 'गाह गाहे'।

गाहे माहे (گاہے ماہے) फा वि –कभी-कभी, महीने में एक वार।

गि

ग़िचक (غچک) फा स्त्री –सारगी, एक वाजा।

ग़िज़ा (غذا) अ स्त्री –भोजन, खाद्य, खुराक, अन्न, अनाज।

गिज़ा (غزا) अ पु –धर्मयुद्ध, मज़हवी जग, दे 'गज़ा', दोनो शुद्ध हैं।

ग़िज़ाई (غذائی) अ वि –भोजन सम्बन्धी, अन्न सम्बन्धी।

ग़िज़ाईयत (غذائیت) अ स्त्री –किसी खाद्य पदार्थ में शरीर को पुष्टि पहुँचाने और रस वननेवाला अश, अन्न-तत्त्व।

ग़िज़ाए रूहानी (غذاۓ روحانی) अ स्त्री –आत्मा का भोजन, अर्थात् अच्छी आवाज, गाना।

ग़िज़ाए लतीफ (غذاۓ لطیف) अ स्त्री –शीघ्र पच जानेवाला भोजन, लघुपाक।

ग़िज़ाए सकील (غذاۓ ثقیل) अ स्त्री –देर मे पचनेवाला भोज्य, गरिष्ठ।

ग़िज़ाज (غضاض) अ पु –भीख माँगना, भिक्षाटन।

ग़िज़ाव (غضاب) अ पु –आँख मे उडकर पडनेवाला तिनका, शरीर पर पड़नेवाले फफोले।

गिज़िलक (گزلک) फा पु –कलम बनाने का चाकू।

ग़िता (غطا) अ पु –पर्दा, पहनने के कपडे, वस्त्र।

ग़ित्रीफ (غطریف) अ वि –कुलीन, शरीफ, वीर, वहादुर; पूज्य, बुज़ुर्ग।

ग़ित्रीस (غطریس) अ वि –अत्याचारी, ज़ालिम, अहकारी, मगरूर।

ग़िद्दीर (غدیر) अ वि –बहुत अधिक कृतघ्न, नमकहराम।

गिद्यः (گدیہ) फा स्त्री –भीख माँगना, भिक्षाटन।

ग़िना (غنی) अ पु –समृद्धि, दौलतमदी, नि स्पृहता, वेनियाज़ी।

ग़िना (غنا) अ पु –गान, गाना।

ग़िब[ब्ब] (غب) अ पु –इकतरा, एक दिन बीच देकर आनेवाला ज्वर, सीमा, हद, पराकाष्ठा, जो एक दिन आये और एक दिन न आये, सप्ताह में एक दिन किसी से मिलने जाना।

ग़िब्तः (غبطہ) अ पु –किसी के माल की इच्छा उसे हानि पहुँचाये विना, किसी-जैसा वनने की इच्छा, उसे हानि पहुँचाये विना।

ग़िमामः (غمامہ) अ पु –पशु के मुँह पर चढाने की थैली।

गिमीज़ (گمیز) फा पु –पेशाब, मूत्र।

ग़िम्द (غمد) फा पु –तलवार अथवा छुरी या चाकू का कोष।

ग़ियार (غیار) अ पु –धर्म-चिह्न जो हर समय पास रहे, जैसे—जनेऊ, सलीब या यहूदियो का पीला कपडा जो वे लोग कधे के पास कपडे मे सिला रखते हैं।

ग़ियास (غیاث) अ पु –दु ख और आपत्ति मे सहायता करना, (वि) दु ख और कष्ट के समय सहायता करनेवाला।

ग़िर[र्र] (غر) अ वि –निश्चेष्ट व्यक्ति, वेखबर आदमी, अनुभवहीन व्यक्ति, नातज्रिव कार आदमी।

गिरह (گرہ) फा पु –दे शुद्ध उच्चारण 'गिरिह'।

गिराँ (گراں) फा वि –भारी, वज़नी, वहुमूल्य, कीमती; महँगा, तेज़ भाववाला।

गिराँकद्र (گراں قدر) फा अ वि –वडे पद और रुतवेवाला, वहुमूल्य, कीमती, महत्त्वपूर्ण, अहम।

गिराँक़ीमत (گراں قیمت) फा अ वि –वहुमूल्य, वेशकीमत।

गिराँख़ातिर (گراں خاطر) फा अ वि –वददिल, उदास, मनोमलिन, दु खी।

गिराँख़्वाव (گراں خواب) फा वि –गहरी नीद सोनेवाला।

गिराँगोश (گراں گوش) फा वि –ऊँचा सुननेवाला, वहरा, वधिर।

गिरांजां (گرانجاں) फा वि–आलसी, काहिल, जो कडी आपत्तियाँ झेलकर भी जीवित रहे।

गिरांजानी (گرانجانی) फा स्त्री–आलस्य, काहिली, कडी मुसीबतो मे फँसकर भी उनसे निकल जाना।

गिरांतर (گرانتر) फा वि–बहुत भारी, बहुत महँगा।

गिरांतरीन (گرانترین) फा वि–सबसे अधिक भारी, सबसे अधिक महँगा।

गिरांताब (گران تاب) फा वि–अच्छी तरह तपाया हुआ।

गिरांपायः (گرانپایہ) फा वि–दे 'गिराँकद्र'।

गिराँफरोश (گرانفروش) फा वि–महँगा बेचनेवाला।

गिराँफरोशी (گرانفروشی) फा स्त्री–महँगा बेचना।

गिरांबहा (گرانبہا) फा वि–बहुमूल्य, बेशकीमत, महत्त्वपूर्ण, अहम।

गिराँबार (گرانبار) फा वि–बोझ के नीचे दबा हुआ, ऋण अथवा उपकार के बोझ से दबा हुआ।

गिरांबारी (گرانباری) फा स्त्री–बोझ से दबना, ऋण आदि के बोझ से दबना।

गिरांमाय (گرانمایہ) फा वि–बहुमूल्य, कीमती, महत्त्वपूर्ण, अज़ीम।

गिराँरिकाब (گرانرکاب) फा अ वि–वह घोडा जो चलने में सुस्त हो, वह व्यक्ति जो रणक्षेत्र मे डटकर लडे और पाँव पीछे न हटाये, धैर्यवान्, शान्ति स्वभाव, बातम्कीन।

गिरांसग (گرانسنگ) फा वि–भारी भरकम, गभीर, मलीन, आत्मसतोपी, काने।

गिरांसर (گرانسر) फा वि–अभिमानी, घमडी, रुष्ट, अप्रसन्न, नाखुश।

गिरांसाय (گرانسایہ) फा वि–दे 'गिराँकद्र'।

गिरा (عرا) अ स्त्री–सरेश, जिसके चार पाँव न हो।

गिराइद (گرایندہ) फा वि–चाहनेवाला, इच्छा करनेवाला, इच्छुक।

गिराइश (گرایش) फा स्त्री–रुचि, इच्छा, रग्बत, प्रवृत्ति, रुझान।

गिराईदः (گرائیدہ) फा वि–चाहा हुआ, इच्छित, वाछित, अभिलपित।

गिराईदनी (گرائیدنی) फा वि–चाहने योग्य, वाछनीय।

गिरानी (گرانی) फा स्त्री–भारीपन, बोझ, महँगाई, भाव की तेजी, हज्म की खराबी।

गिराफ(عراف)अ पु–'गुर्फ' का बहु, गुर्फे, झरोखे, एक बडा पैमाना।

गिरामी (گرامی) फा वि–पूज्य, बुज़ुर्ग, महान्, अज़ीम, पुनीत, मुकद्दस, प्रिय, अज़ीज़।

गिरामीक़द्र (گرامی قدر) फा अ पु–महोदय, महाशय, आलीजनाब, महत्त्वपूर्ण, अहम।

गिरामीनामः (گرامی نامہ) फा पु–कृपापात्र, वालानामा।

गिरामीमनिश (گرامی منش) फा वि–पुनीतात्मा, पुण्यात्मा, बुज़ुर्ग निहाद।

ग़िरारः (غرارہ) अ पु–गौन, खुर्जी, गोण।

ग़िरार (عرار) अ पु–आचार-व्यवहार, तौरतरीका, बाजार का मदा होना, हानि, घाटा, कमी, मूर्खता, नादानी।

ग़िरास (عراس) अ पु–पेड लगाने का समय, लगाया हुआ पेड।

ग़िरास (عراث) अ पु–'गरीस' का बहु, भूखे लोग, क्षुधातुर जन।

गिरिफ़्तः (گرفتہ) फा वि–लिया हुआ, पकडा हुआ, गृहीत, सकुचित, डीग, कटाक्ष, तज।

गिरिफ्त ख़ातिर (گرفتہ خاطر) फा अ वि–दे 'गिरिफ्त दिल'।

गिरिफ्त जन (گرفتہ زن) फा वि–डीगिया, दूर की हाँकनेवाला, व्यग करनेवाला, ताना देनेवाला।

गिरिफ्त ज़बां (گرفتہ زباں) फा वि–जिसकी जीभ बात करने मे लडखडाती हो, हकला, तोतला।

गिरिफ़्तःदिल (گرفتہ دل) फा वि–अप्रसन्न, अफ्सुर्द, उदास, दुखित, रजीदा।

गिरिफ्त लब (گرفتہ لب) फा वि–मौन, अवाक्, चुप, खामोश।

गिरिफ्त (گرفت) फा स्त्री–पकड, ग्रहण, हिसाब मे त्रुटि की पकड, अपराध की पकड, आपत्ति, ए'तिराज़, अधिकार, कब्ज़ा, चगुल, पजा, हस्तक, दस्ता।

गिरिफ्तगी (گرفتگی) फा स्त्री–पकड, गिरिफ्त, पड जाना, बैठ जाना (आवाज़), उदासीनता, उदासी, अफ्सुर्दगी।

गिरिफ्तनी (گرفتنی) फा वि–पकडने के योग्य, ग्राह्य, लेने के योग्य, लभ्य।

गिरिफ्तार (گرفتار) फा वि–ग्रस्त, मुब्तला, बदी, कैद, आसक्त, आशिक, फँसा हुआ, बँधा हुआ।

गिरिफ्तारी (گرفتاری) फा स्त्री–ग्रस्त होना, बदी होना; बँधना, फँसना, प्रेम होना।

गिरिह (گرہ) फा स्त्री–ग्रथि, गाँठ, समस्या, मस्अला, उलझन, परेशानी (गिरह)।

गिरिहकुशा (گرہ کشا) फा वि–गाँठ खोलनेवाला, समस्या हल करनेवाला, कठिनता का निवारण करनेवाला।

गिरहिकुशाई (گرہکشائی) फा स्त्री –गाँठ खोलना; समस्या हल करना, कठिनता का निवारण।

गिरिह वर गिरह (گرہ برگرہ) फा वि –गाँठ पर गाँठ, कठिनाई पर कठिनाई, आपत्ति पर आपत्ति।

गिरिहबुर (گرہبر) फा वि –गाँठ काटनेवाला, जेवकतरा।

गिरीवाँ (گریباں) फा पु –'गिरीवान' का लघु, दे 'गिरीवान', कुर्ते व कमीज का गला, दामन, सिरा।

गिरीवांगीर (گریباں گیر) फा वि –गला पकडनेवाला, तकाज़ा करनेवाला।

गिरीवांचाक (گریباں چاک) फा वि –जिसने अपना गिरीवान फाड़ डाला हो, पागल, दीवाना, प्रेमी, आशिक।

गिरीवांदर (گریباں در) फा वि –गिरीवान फाडनेवाला, पागल, प्रेमी।

गिरीवांदरीदः (گریباں دریدہ) फा वि –दे 'गिरीवाचाक'।

गिरीवान (گریبان) फा पु –ग्रीवा, गला, कुर्ते कमीज़ आदि का गला।

गिरीवाने कोह (گریبان کوہ) फा पु –पहाड का दामन, पहाड की तराई।

गिरेवाँ (گریباں) फा. वि –दे 'गिरीवाँ', वही अधिक फसीह है।

गिरेवः (گریوہ) फा पु –टीला, ढूह, पुश्ता, पहाडी, टीकरी।

गिरेव (غریو) फा पु –कोलाहल, गुलगपाडा, शोरोगुल।

गिरेवाँ (غریواں) फा वि –शोर मचाता हुआ, चीखता और चिल्लाता हुआ।

गिरोह (گروہ) फा पु –दे शुद्ध उच्चारण 'गुरोह'।

गिरौ (گرو) फा पु –गिरवी रखना, वधक करना। (वि) गिरवी रखी हुई वस्तु।

गिर्गिर (غرغر) अ स्त्री –जगली मुर्गी, वनकुक्कुटी।

गिर्दः (گردہ) फा पु –गोल टिकिया, अखरोट, एक प्रसिद्ध फल, अक्षरोट।

गिर्द (گرد) फा पु –घेरा, हल्का, आसपास, चारो ओर, आसपास का स्थान।

गिर्दक (گردک) फा स्त्री –रावटी, खेमा, कोठा, कमरा, पहेली, प्रहेलिका।

गिर्दगां (گردگاں) फा पु –अखरोट, अक्षरोट।

गिर्द व गिर्द (گرد بگرد) फा वि –चारो ओर, चहुँपास।

गिर्दवाद (گردباد) फा पु –वातावर्त, चक्रवात, पवनचक्र, वगूला, ववडर।

गिर्दवालिश (گردبالش) फा पु –गोल छोटा तकिया जो गालो के नीचे रखा जाता है, गलतकिया, चक्रगडु।

गिर्दवुर (گردبر) फा पु –वढइयो का वरमा।

गिर्दागिर्द (گرداگرد) फा वि –चारो ओर, हर तरफ, चहुँपास, चहुँओर।

गिर्दाव (گرداب) फा पु –जलावर्त, कलंकुर, भँवर।

गिर्दावर (گرداور) फा वि –हर ओर गश्त लगानेवाला, दौरा करनेवाला।

गिर्दावरी (گرداوری) गश्त लगाने और दौरा करने का काम।

गिर्नौक़ (غرنوق) अ पु –दे 'गुर्नीक'।

गिर्फः (غرفہ) अ पु –चुल्लू मे पानी उठाना।

गिर्वान (غربان) अ पु –'गुराव' का वहु, कौए, काक-समूह।

गिर्वाल (غربال) अ स्त्री –आटा आदि छानने की छलनी, चलनी, चालनी, दे 'गर्वल' दोनो शुद्ध है।

गिर्वीव (غربیب) अ पु –अगूर की एक वहुत वढिया जाति।

गिर्यः (گریہ) फा पु –रुदन, रोना, आँसू बहाना।

गिर्यःआवर (گریہ آور) फा. वि –आँसू लानेवाला, रुलानेवाला।

गिर्यःकुनाँ (گریہ کناں) फा वि –रोता हुआ, आँसू वहाता हुआ।

गिर्यएगम (گریۂ غم) फा अ पु –दुख का रोना, दुख-विलाप, किसी की मृत्यु पर रोना, शोक-विलाप।

गिर्यएशादी (گریۂ شادی) फा पु –खुशी की अधिकता मे आँखो से आँसू निकल आना।

गिर्यओजारी (گریہ وزاری) फा स्त्री –रोना-धोना, हाय-हाय करना।

गिर्रः (غرہ) अ स्त्री –नातज्रिब कारी, अनाडीपन, अननुभव, प्रेम, स्नेह, इश्क।

गिर्वीदः (گرویدہ) फा वि –मुग्ध, मोहित, फरेफ्त, लट्टू, प्रेमी, आशिक।

गिर्वीदगी (گرویدگی) फा स्त्री –किसी ओर हद से वढी हुई दिलचस्पी, मोह, फरेफ्तगी।

गिर्वीदनी (گرویدنی) फा वि –मुग्ध होने योग्य।

गिर्स (غرس) अ पु –वह गाढी रुतूवत जो गर्भाशय से वच्चे के साथ निकलती है, वह झिल्ली जिसमे शिशु गर्भाशय मे लिपटा रहता है।

गिलः (گلہ) फा पु.–उपालभ, उलाहना, शिक्वा।

गिल.गुज़ार (گلہ گزار) फा वि –उलाहना देनेवाला, उपालभक।

गिल (گل) फा स्त्री –मिट्टी, मृत्तिका, मृत्।

गिल[ल्ल] (غل) अ पु –द्वेप, कीना, खियानत, मोपण, मलिनता, गदलापन।

गिलअंदूदः (گل اندودہ) फा वि –मिट्टी से लेपा हुआ, मिट्टी चढाया हुआ।

गिलएरोज़गार (گلۂروزگار) फा पु —दुर्भाग्य का रोना, कालचक्र की शिकायत।
गिलख़ोरः (گل‌خورہ) फा पु —भूलता, केचुआ, ख़रातीन।
ग़िलज़ (غلظ) अ पु —गाढापन, दल, मोटाई।
गिलनाक (گل‌ناک) फा वि —गदला, मटमैला।
गिलमालः (گل‌مالہ) फा पु —राज की करनी जिससे वह प्लास्टर चढाता है।
ग़िलाज़ (غلاظ) अ पु —'ग़लीज़' का बहु, गाढे पदार्थ, गदगियाँ, गू, विष्ठा।
ग़िलाज़त (غلاظت) अ स्त्री —गदगी, मल, मैल, विष्ठा, मल, गू, अपवित्रता, नापाकी, गाढापन, गिल्ज़।
ग़िलाज़तख़ानः (غلاظت‌خانہ) अ फा पु —कूडा-करकट और गू-गोबर फेकने का स्थान।
ग़िलाज़तख़ोर (غلاظت‌خور) अ फा वि —विष्ठा खानेवाला, शूकर, सुअर, बुरी कमाई खानेवाला।
ग़िलाफ़ (غلاف) अ पु —तकिए आदि का खोल, सूखे और दानेदार फल का बकला, पलक, दृगचल, तलवार आदि का कोष।
गिलाबः (گلابہ) फा पु —मिट्टी मे भूसा आदि मिलाकर बनाया हुआ दीवारो का लेस, लेसन, कहगिल।
ग़िलालः (غلالہ) अ पु —वह कुर्ता जो कवच के नीचे पहनते हैं।
गिलीं (گلیں) फा वि —मिट्टी का बना हुआ, मृन्मय, मिट्टी मिला हुआ।
गिली (گلی) फा वि —दे 'गिली'।
गिलेअर्मनी (گل‌ارمنی) फा स्त्री —एक प्रकार का गेरू जो दवा मे चलता है।
गिलेचस्पाँ (گل‌چسپاں) फा स्त्री —चिपकनेवाली मिट्टी, जिससे कहगिल बनता है, कचला मिट्टी।
गिलेमख़्तूम (گل‌مختوم) फा अ स्त्री —एक प्रकार का गेरू जो गिलेअर्मनी से भिन्न है।
ग़िलेवाज़ (غلیواز) फा स्त्री —चील पक्षी, चिल्ल।
ग़िलोग़िश (غل‌وغش) अ स्त्री —मैल, मल, चिन्ता, फिक्र, बाधा, विघ्न।
ग़िल्मः (غلمہ) अ पु —गुलाम का बहु, लडके, बालक, दास, नौकर-चाकर।
ग़िल्माँ (غلماں) अ पु —'ग़िल्मान' का बहु, दे 'ग़िल्मान'।
ग़िल्मान (غلمان) अ पु —स्वर्ग के बालक, यह शब्द 'गुलाम' का बहु है, परन्तु उर्दू और फारसी मे एक वचन मे व्यवहृत है।
ग़िल्लीम (غلیم) अ वि —तीव्र काम-वासनावाला, तेज़ शहवतवाला, तीव्र बटुक-विलासी।
ग़िश[श्श] (غش) अ स्त्री —ख़ियानत, मोषण, अशुभ चिन्तन, बदख़्वाही, द्वेष, कीना, आत्मा की दुष्टता।
ग़िशा (غشا) अ स्त्री —झिल्ली, महीनखाल, पर्दा, पटल; गिलाफ, उपरना, वस्त्र, लिबास।
ग़िशावः (غشاوہ) अ पु —पर्दा, पटल।
ग़िशाश (غشاش) अ पु —अँधेरे का प्रारभिक और अतिम समय, शीघ्रता, जल्दी, थोडी चीज़।
ग़िश्यान (غشیان) अ पु —मैथुन, रतिक्रीडा, जिमाअ।
ग़िसान (غسان) अ पु —बच्चो के पहनने का वस्त्र, विशेषत जो खाल का बनता है।
ग़िस्ल (غسل) अ पु —वह पानी जिससे कुछ धोया गया हो।
ग़िस्लीन (غسلین) अ पु —वह पानी जिससे घाव धोया जाय, वह मवाद जो नरकवासियो की देह से बहे।

गी

गीं (گیں) फा प्रत्य —'गीन' का लघु, दे 'गीन'।
गी (گی) फा प्रत्य —जिस फारसी शब्द के अन्त मे विसर्ग हो, उसके साथ लगाने से भाववाचक सज्ञा बनती है, जैसे 'ख़स्त' से 'ख़स्तगी' 'दरिंद' से 'दरिंदगी'।
ग़ीज़ (غیض) अ पु —कली, कलिका, गुच्छा, ख़ोशा।
गीद (گید) फा पु —चील, चिल्ल, गृध्र, गीध।
गीदी (گیدی) फा वि —भीरु, डरपोक, निर्लज्ज, बेहया।
गीन (گین) फा प्रत्य शब्द के अन्त में आकर 'युक्त' का अर्थ देता है, जैसे—'ग़मगीन', शोकयुक्त, यह शब्द आगीन का लघु है।
गीपा (گیپا) फा पु —एक प्रकार का पुलाव।
ग़ीबत (غیبت) अ स्त्री —पिशुनता, चुगुली।
गीरः (گیرہ) फा पु —लोहे का शिकजा।
गीर (گیر) फा प्रत्य —पकडनेवाला, जैसे—'माहीगीर' मछली पकड़नेवाला, काटनेवाला, जैसे—'गुलगीर' चिराग का गुल काटनेवाला।
गीरख़ (گیرخ) फा स्त्री —पुस्तक रखने की रेहल।
ग़ीरत (غیرت) अ स्त्री —रश्क, होड, ख़ून के बदले मे दिया हुआ धन।
गीरमाल (گیرمال) फा वि —टूटी हुई हड्डी जोडनेवाला, उतरी हुई हड्डी चढानेवाला, शरीर की मालिश करनेवाला, अगमर्दक।
गीराई (گیرائی) फा स्त्री —गिरिफ्त, पकड।
गीरिंद (گیرند) फा वि —पकडनेवाला।
ग़ील (غیل) अ पु —बन, कानन, जगल, सिह की कछार, पानीवाली तराई, पेडो का झुड।

ग़ीलां (غیلاں) अ पु –'ग़ीलान' का लघु, दे 'ग़ीलान'।
ग़ीलान (غیلان) अ पु –'ग़ूल' का वहु भूत-प्रेत।
गीलान (گیلان) फा पु –एक नगर, जीलान।
गीली (گیلی) फा वि –गीलान का निवासी।
गीहा (گیہا) फा स्त्री –घास, गियाह।

गु

गुंग (گنگ) फा वि –जो वोल न सकता हो, मूक, गूँगा।
गुंगमहल (گنگ محل) फा अ पु –वह मकान जिसे अकवर वादशाह ने केवल गूँगो के लिए वनवाया था, इस अनुभव के लिए कि वडे होकर इनके वाल-वच्चे कौन-सी भाषा वोलते है, परन्तु वह अपने माता-पिता की भाँति, गे-गों ही करते रहे।
ग़ुंच. (غنچہ) फा पु –कली, कलिका।
ग़ुंच.दहन (غنچہ دہن) फा वि –कली-जैसे सुन्दर और छोटे मुँहवाला (वाली)।
ग़ुंच.दहाँ (غنچہ دہاں) फा वि –दे. 'गुच दहन'।
ग़ुंच.लव (غنچہ لب) फा वि –कली-जैसे कोमल, मृदुल और गुलावी ओठोवाला (वाली)।
ग़ुंचए नाशिगुफ़्तः (غنچۂ ناشگفتہ) फा पु –वह कली जो खिली न हो, मुकुल, अविकसित कलिका।
ग़ुंचगी (غنچگی) फा स्त्री –कली होने का भाव, गुंच पन।
ग़ुंजः (غنجہ) अ पु –गुच, कली।
ग़ुंज (غنج) अ पु –हावभाव, नाज़ोअदा।
गुंजश्क (گنجشک) फा स्त्री –दे. 'गुजिश्क' दोनो शुद्ध है।
गुंजाइश (گنجائش) फा स्त्री –विस्तार, कुशादगी, सामर्थ्य, मक़्दूर, समाई, जगह, प्रेम, उदारता, फराखदिली।
गुंजान (گنجان) फा वि –घना, गहन।
गुंजिश्क (گنجشک) फा स्त्री –गौरैया, चटक।
गुंदः (گندہ) फा वि –दवीज़, गफ, दलदार।
ग़ुंदः (غندہ) अ वि –लम्पट, धूर्त, लोफर, गुडा।
ग़ुंद (غند) फा वि.–लिपटा हुआ, एकत्र, जमागुदा, जोडा हुआ, उपार्जित।
ग़ुंदर (غندر) फा वि –मोटा-ताज़ा, हृष्ट-पुष्ट, गफ, दलदार, दवीज़, मृदुल, नाजुक; गिडगिडानेवाला।
ग़ुंदुर (غندر) फा वि –दे 'गुदर'।
गुंद्वीर (گندپیر) फा स्त्री –वूढी स्त्री, वृद्धा।
गुंवद (گنبد) फा पु –इमारतो के ऊपर का गोल मडप जो वड़ा हो, गुवज।
गुंवदे आव (گنبد آب) फा पु –पानी का वुलवुला।
गुंवदे गर्दू (گنبد گردوں) फा पु –आकाश का गुवद, आकाश-वर्तुल।
गंवदे गुल (گنبد گل) फा पु –कलिका, कली।
गुंवदे चारवद (گنبد چاربد) फा पु –ससार, दुनिया, आकाश, आस्मान।
गुक (گوک) तु पु –आकाश, गगन, आस्मान।
गुज़र (گزر) फा स्त्री –निर्वाह, गुज़र-वसर, जीविका, रोगी, (पु) प्रवेश, पहुँच, रसाई, आगमन, आमद।
गुज़रगाह (گزرگاہ) फा स्त्री –निकलने-पैठने का स्थान, मार्ग, रास्ता, पथ।
गुज़रनामः (گزرنامہ) फा पु –राहदारी का पर्वाना, खन्ना, पासपोर्ट, पारपत्र।
गुज़रान (گزران) फा. स्त्री –दे 'गुज़र'।
गुज़रिंदः (گزرندہ) फा वि.–गुज़रनेवाला।
गुज़श्त. (گزشتہ) फा वि –गुज़रा हुआ, वीता हुआ, व्यतीत, भूतकाल, माज़ी।
गुज़श्तगां (گزشتگاں) फा पु –'गुज़श्त' का वहु, गुज़रे हुए लोग, पूर्वज।
गुज़श्तनी (گزشتنی) फा वि –गुज़रने योग्य, जहाँ से गुज़र जाना उचित हो।
गुज़ाफ़ः (گزافہ) फा पु –जिसका कूता किया गया हो, तोला नापा न गया हो; असीम, अपार, वेहद।
गुज़ाफ़ (گزاف) फा स्त्री –वकवास, मिथ्यावाद, डीग, शेखी।
ग़ुज़ाव (غضاب) अ पु –वह तिनका आदि जो आँख मे पड़ जाय; शरीर पर पडनेवाले आवले।
गुज़ारः (گزارہ) फा पु –निर्वाह, गुज़र-वसर, नदी पार करना।
गुज़ार (گزار) फा पु –दे 'गुज़र', निवाहना, वसर करना, "गुज़ार दूँ तेरे गम में जो उम्रे-खिज़्र मिले।"
(प्रत्य) करनेवाला, जैसे—'खिदमतगुज़ार' खिदमत करनेवाला।
गुज़ारिंदः (گزارندہ) फा वि –गुज़ारनेवाला, अदा करनेवाला।
गुज़ारिश (گزارش) फा स्त्री –प्रार्थना, निवेदन, आवेदन, अर्ज़।
गुज़ारिशनामः (گزارش نامہ) फा पु –प्रार्थनापत्र, आवेदन-पत्र, दरख्वास्त।
गुज़ारिशपिज़ीर (گزارش پذیر) फा वि –प्रार्थना स्वीकार करनेवाला, वात सुनकर उसे माननेवाला।
गुज़ारिशात (گزارشات) फा स्त्री –'गुज़ारिश' का वहु, प्रार्थनाएँ, गुज़ारिशे, वातें।

गुज़ाश्त: (گذاشته) फा वि –छोडा हुआ, त्यक्त ।
गुज़ाश्त (گذاشت) फा स्त्री –छूट, त्याग ।
गुज़ाश्तनी (گذاشتنی) फा वि –छोडने योग्य, त्याज्य ।
गुज़ीं (گزیں) फा प्रत्य –चुननेवाला, पसद करनेवाला, जैसे—'ख़ल्वत गुज़ी' एकातवास पसद करनेवाला ।
गुज़ीद: (گزیده) फा वि –चुना हुआ, छाँटा हुआ ।
गुज़ीदनी (گزیدنی) फा वि –चुनने योग्य, छाँटने योग्य ।
गुज़ीर: (گزیره) फा पु –उपचार, चिकित्सा, इलाज, उपाय, प्रयत्न, तद्वीर ।
गुज़ीर (گزیر) अ पु –चिकित्सा, इलाज, प्रयत्न, उपाय, चारा ।
गुज़ीरी (گزیری) फा स्त्री –चिकित्सा, उपचार, इलाज ।
गुज़ूज़: (غضوضه) अ पु –नवीनता, नयापन, प्रफुल्लता, शिगुफ्तगी, नया होना ।
गुज़्रूफ़ (غضروف) अ स्त्री –चपनी हड्डी, पस्लियो के सिरे, कधे की हड्डी का सिरा, हर चबाई जानेवाली हड्डी, कुर्री ।
गुतात (غطاط) अ पु –प्रात काल, सवेरा, प्रात काल की सफेदी, रात का अँधेरा ।
गुदद (غدد) अ पु –'गुद्द' का वहु, शरीर के गुद्द, ग्रथियाँ, गिल्टियाँ ।
गुदाख़्त: (گداخته) फा वि –पिघला हुआ, द्रवीभूत, द्रवित ।
गुदाख़्त (گداخت) फा स्त्री –दे 'गुदाख़्तगी' ।
गुदाख़्तगी (گداختگی) फा स्त्री –पिघलाव, गुदाख़्त ।
गुदाख़्तनी (گداختنی) फा वि –पिघलने योग्य, पिघलाने योग्य ।
गुदाज़ (گداز) फा पु –शरीर का मासल होना, शरीर मे ख़ूव गोश्त होना (प्रत्य०) पिघलानेवाला, जैसे—'आहन गुदाज़' लोहे को पिघलानेवाला, 'सोज़-गुदाज़' जलाकर पिघलानेवाला ।
गुदाज़ां (گدازاں) फा वि –पिघलता हुआ, पिघलाता हुआ ।
गुदाज़िद (گدازنده) फा वि –पिघलनेवाला, पिघलाने वाला ।
गुदाफ़ (غداف) अ पु –काले और लवे वाल, काला कौआ, वहुत परोवाला गिद्ध ।
गुदुव (غدو) अ पु –प्रात काल, सवेरा ।
गुदूद (غدود) अ पु –शरीर के भीतर की गिल्टियाँ, ग्रथियाँ ।
गुद्द: (غده) अ पु –शरीर के भीतर की गिल्टी, ग्रथि ।
गुद्र (غدر) अ वि –कृतघ्न, नाशुक्रा, वेवफ़ा ।
गुद्व: (غدوه) अ पु –प्रात काल और सूर्योदय के वीच का समय ।
गुनह (گنه) फा पु –'गुनाह' का लघु, दे 'गुनाह' ।
गुनहगार (گنهگار) फा वि –दे 'गुनाहगार' ।
गुनहगारी (گنهگاری) फा स्त्री –दे 'गुनाहगारी' ।
गुनाह (گناه) फा पु –पाप, पातक, मासियत, दोष, अपराध, कुसूर ।
गुनाहगार (گناهگار) फा वि –पापी, पातकी, आसी, दोषी, अपराधी, कुसूरवार ।
गुनाहगारी (گناهگاری) फा स्त्री –पाप कर्म, मा'सियत, दोष करना, कुसूरवारी ।
गुनाहे कवीर: (گناهکبیره) फा अ पु –वडा पाप, महापातक ।
गुनाहे सग़ीर: (گناهصغیره) फा अ पु –छोटा गुनाह, लघुपातक ।
गुनुज (غنج) अ पु –हावभाव, नाज़ोअदा ।
गुनूद (غنوده) फा वि –जिसकी आँखो मे नीद भरी हो, ऊँघता हुआ, उन्निद्र, तद्रालु ।
गुनूदगी (غنودگی) फा स्त्री –ऊँघ, तद्रा, निद्रालस, प्रमीला ।
गुनूदनी (غنودنی) फा वि –ऊँघने के योग्य, जिसका ऊँघना आवश्यक हो ।
गुन्न: (غنه) अ पु –वह 'न' जो नाक मे पढा जाय 'अनुस्वार', वह अक्षर जिस पर अनुस्वार हो ।
गुन्यत (غنیت) अ स्त्री –धनाढ्यता, मालदारी ।
गुफ़ार (غفار) अ पु –डाढी के दोनो ओर के वाल, गर्दन और गुद्दी के वाल, पिंडली के वाल ।
गुफ़ुर (غفر) अ पु –'गफ़ूर' का वहु, मोक्ष देनेवाले, वख़्शनेवाले ।
गुफ़ूल (غفول) अ पु –भूलना, विस्मृति, किसी वस्तु का त्याग, निश्चेष्टता, वेख़वरी ।
गुफ़्त: (گفته) फा वि –कहा हुआ, उक्त ।
गुफ़्त (گفت) फा स्त्री –कहन, कथन, वात ।
गुफ़्तगू (گفتگو) फा स्त्री –वातचीत, वार्तालाप ।
गुफ़्तनी (گفتنی) फा वि –कहने योग्य, जो वात कही जा सके, जिसका कहना आवश्यक हो ।
गुफ़्तार (گفتار) फा स्त्री –वोली, वाणी, शब्द, आवाज़, वार्तालाप, वातचीत ।
गुफ्तुगू (گفتگو) फा स्त्री –दे 'गुफ्तगू' दो शुद्ध है ।
गुफ़्तोगू (گفتوگو) फा स्त्री –दे 'गुफ़्तगू' दो शु है ।
गुफ़्तोशनीद (گفتوشنید) फा स्त्री –वातचीत, गुफ़्तगू, कहासुनी, वादविवाद, हुज्जत, तर्क-वितर्क ।
गुफ़ां (غفراں) अ पु –'गुफ़ान' का लघु, दे 'गुफ़ान' ।
गुफ़ांमआव (غفرانمآب) अ वि –मोक्षप्राप्त, स्वर्गीय, वड़े लोगो की आतमा के लिए वोला जाता है ।

ग़ुफ़्रान (غفران) अ. पुं—मोक्ष, मुक्ति, सद्गति, वख़्शिश; क्षमा, मुआफ़ी।
ग़ुफ़्ल (غفل) अ वि—वह व्यक्ति जिससे न भलाई की आशा हो, न अनिष्ट का भय हो; हर वह वस्तु जिसका कोई पता-निशान न हो; अनुभवहीन व्यक्ति; वह कवि जिसे कोई जानता न हो; वह व्यक्ति जिसका कुल अज्ञात हो।
ग़ुव [व्व] (عب) अ पुं—वह वाढ़ पर आयी हुई नदी जिसका पानी नदी से निकलकर जंगलों मे वहे, नीची भूमि।
ग़ुवारः (غبارہ) फा. पुं—हवा में उड़नेवाला काग़ज़ का वड़ा गेंद, ग़ुव्वारा; हवाई जहाज़, वायुयान; वैलून।
ग़ुवार (غبار) अ पुं.—धूल, रज, धूलि; मनोमालिन्य, दिल का मैल।
ग़ुवारआलूदः (غبار آلودہ) अ फा वि—धूल मे भरा हुआ, धूलिधूसर; जिस पर धूल पड़ी हो।
ग़ुवारआलूद (غبار آلود) अ.फा. वि—दे 'ग़ुवारआलूद'।
ग़ुवारे ख़ातर (غبار خاطر) अ पुं—मन की मलिनता, दिल का मैल; दिल का वुख़ार, मन की भड़ास, मनोमालिन्य, रंजिश।
ग़ुवूर (غبور) अ पु—वाक़ी रहना, शेष वचना; विलव करना, देर करना, छोड़ देना, क्षमा करना; आगमन, आना।
ग़ुवैस (غبيس) अ अव्य—कदापि, हरगिज़; नित्य, हमेशा।
ग़ुव्वारः (غبارہ) फा पुं—दे. 'ग़ुवार'।
गुम (گم) फा वि—खोया हुआ; भटका हुआ; तल्लीन, मुन्हमिक; अचेत, ग़ाफ़िल; आत्मविस्मृत, ख़ुदरफ़्त।
गुमकर्दः (گم کردہ) फा वि—खोया हुआ, जो खो गया हो, जिसने खो दिया हो; भूला हुआ।
गुमकर्द.राह (گم کردہ راہ) फा वि—जो राह भूल गया हो, जो रास्ते से भटक गया हो, पथ-भ्रष्ट।
गुमगश्तः (گم گشتہ) फा वि—खोया हुआ, जो खो गया हो, "लाओ देखें कहीं मेरा दिले गुमगश्त न हो, आप कहते हैं कि इक चीज़ पड़ी पायी है।"
गुमगश्तगी (گم گشتگی) फा स्त्री—खो जाना, रस्ता भूल जाना।
गुमज़दः (گم زدہ) फा वि—दे 'गुमराह'।
गुमज़न (گم زن) फा वि—नष्ट और ध्वस्त करनेवाला; मृदुल, नाज़ुक।
गुमनाम (گمنام) फा वि—जिसे कोई न जानता हो, अज्ञात, अप्रसिद्ध; जिसका नाम न मालूम हो, अज्ञातनाम।
गुमनामी (گمنامی) फा स्त्री—शोहरत न होना, अख्याति।
गुमवूदगी (گم بودگی) अ स्त्री—दुःखित होना।
गुमराह (گمراہ) फा वि.—जो मार्ग भूल गया हो, रास्ते से भटका हुआ, मार्ग-भ्रष्ट, नास्तिक, लामज़्हव, कदाचारी, वदचलन।
गुमराहकुन (گمراہ کن) फा वि—वदगुमानी पैदा करनेवाला, भ्रमात्मक; गुनाह की ओर प्रवृत्ति करनेवाला।
गुमराही (گمراہی) फा स्त्री.—मार्ग भूलना; नास्तिकता, लामज़्हवीयत; गुनाह की ओर प्रवृत्ति।
गुमशुदः (گم شدہ) फा वि—खोया हुआ, खोई हुई वस्तु।
गुमशुदगी (گم شدگی) फा स्त्री—खो जाना, कही रह जाना; रास्ता भूल जाना।
गुमशुदनी (گم شدنی) फा वि—खोने योग्य।
गुमाँ (گماں) फा पुं—'गुमान' का लघु, दे. 'गुमान'।
गुमाँवरी (گماں بری) फा स्त्री—शंका करना, शुवह् करना; वदगुमानी करना।
गुमान (گمان) फा. पुं—शंका, शुवह्, शक, भ्रम, वह्म, वदगुमानी, कुधारणा।
गुमाने क़वी (گمان قوی) फा अ पु.—ऐसा शुवहा जो यक़ीन के दर्जे तक पहुँच जाय।
गुमाने ग़ालिव (گمان غالب) फा. अ. पुं—दे 'गुमाने क़वी'।
गुमाने वद (گمان بد) फा पुं—किसी की ओर से वुरा विचार, कुधारणा।
गुमाने सहीह (گمان صحیح) फा. अ. पु.—ऐसा गुमान जो ठीक सावित हो।
ग़ुमाम (غمام) अ पुं—ज़ुकाम, प्रतिश्याय, प्रतिश्यान।
ग़ुमार (غمار) अ. पु—आधिक्य, प्राचुर्य, वहुतायत; जनसमूह, जमाव।
गुमारिंदः (گمارندہ) फा वि—नियुक्त करनेवाला, मुक़र्रर करनेवाला।
गुमार्दनी (گماردنی) फा वि—नियुक्ति के योग्य, तक़र्रुर के क़ाविल।
गुमाश्तः (گماشتہ) फा वि—नियुक्त किया हुआ; प्रतिनिधि, नुमाइंद, कारकुन, एजेंट, अभिकर्ता।
गुमाश्तगी (گماشتگی) फा स्त्री—नियुक्ति, तक़र्रुर, एजेंटी, कारिंदागीरी।
गुमाश्तनी (گماشتنی) फा वि—नियुक्त करने योग्य, मुक़र्रर करने के लायक़।
ग़ुमूज़ (غموض) अ पु—भूमि का नीचा और गढ़ेदार होना; वात का गुप्त और समय से वाहर होना।
ग़ुमूज़त (غموضت) अ स्त्री—वात का समझ से परे होना, गुप्त होना, छिपना; भूमि का नीचा होना।
ग़ुमूम (غموم) अ पुं—'ग़म' का वहु, खेद और शोक, छोटे तारे जो दिखाई न पड़ें।

गुम्ज़ः (غمضہ) अ पु—जूठा पानी, पिया हुआ पानी, पिये हुए पानी का घूंट।
गुम्दान (غمدان) अ पु—यमन का अद्भुत और विचित्र भवन, ससार, दुनिया।
गुम्मः (غمہ) अ पु—नदी की तह, हर चीज की तह, गुप्त काम, खेद, गम।
गुम्रक (گمرک) फा पु—चुगी, कस्टम।
गुम्रकख़ानः (گمرک خانہ) फा पु—चुगीघर, कस्टम हाउस।
गुर[र्] (غر) अ पु—'अगर' का बहु, श्रेष्ठ लोग, प्रसिद्ध लोग, माथे की सफेदियाँ।
गुर (غر) फा पु—बढा हुआ अडकोष, गले का घेघा।
गुरफ़ (غرف) अ पु—'ग़ुर्फ़' का बहु, झरोखे।
गुरबा (غربا) अ पु—'गरीब' का बहु, गरीब लोग, दरिद्र और दीन लोग, परदेसी लोग।
गुरबापर्वर (غربا پرور) अ फा वि—दीन और दुखियो पर दया करनेवाला।
गुरमा (غرما) अ पु—'ग़रीम' का बहु, ऋणी, क़र्जदार लोग, ऋणदाता, कर्जख्वाह लोग, जिन्हें टोटा आया हो, वे लोग।
गुरर (غرر) अ पु—'गुर्र' का बहु, महीने की पहली तारीखे, जाति के सर्वश्रेष्ठ लोग, लौंडी गुलाम।
गुरस्नः (گرسنہ) फा वि—भूखा, क्षुधातुर, क्षुधित, दे 'गुस्न' और 'गुसस्न.'।
गुरस्न.चश्म (گرسنہ چشم) फा वि—लोलुप, लालची, कृपण, कजूस, भिक्षुक, भिखारी।
गुरस्नःचश्मी (گرسنہ چشمی) फा स्त्री—लालच, कजूसी, भिखमगापन।
गुराज़ (گراز) फा पु—शूकर, सुअर (वि) अत्याचारी, जालिम, शूर, वीर, वहादुर।
गुराब (غراب) अ पु—कौआ, काक, काग।
गुराबुलबैन (غراب البین) अ पु—वह अशुभ भापी कौआ जिसके बोलने पर घर के व्यक्ति अथवा मित्र लोग अलग-अलग हो जाते हैं।
गुरास (گراس) फा पु—कवल, ग्रास, निवाला।
गुरिंज (گرنج) फा पु—धान से निकला हुआ चावल, तदुल।
गुरिश (غرش) फा स्त्री—दे 'गुर्रिश'।
गुरुफ़ात (غرفات) अ पु—'ग़ुर्फ़' का बहु, झरोखे।
गुरुब (غرب) अ वि—अद्भुत, अभूतपूर्व, अजीबोग़रीब।
गुरुस्न· (گرسنہ) फा वि—भूखा, क्षुधित, दे 'गुरस्न, गुर्स्त'।
गुरूब (غروب) अ पु—डूबना, किसी तारे का विशेषत· सूरज का डूबना, अस्त होना।
गुरूर (غرور) अ पु—अभिमान, अहकार, गर्व, घमड, शेखी, अहवाद।
गुरेख़्तः (گریختہ) फा वि—भागा हुआ, पलायित।
गुरेख़्तगी (گریختگی) फा स्त्री—भगोडापन, पलायन।
गुरेख़्तनी (گریختنی) फा वि—भागने योग्य।
गुरेज़ (گریز) फा पु—वचाव, उपेक्षा, वेएतिनाई, घृणा, नफ़रत, कसीदे मे अनुष्ठान को प्रशस्य (मम्दूह) के गुण-गाथा की ओर मोड देने का अलकार।
गुरेज़पा (گریزپا) फा वि—जो वहुत भाग जाता हो, भगोडा, वह नौकर जो वार-वार भाग जाता हो।
गुरेज़पाई (گریزپائی) फा स्त्री—भगोडापन, वार-वार भागने की क्रिया।
गुरेज़ाँ (گریزاں) फा वि—भागता हुआ, भाग कर जाता हुआ, वचकर निकल जानेवाला, पास न आनेवाला।
गुरेज़िंदः (گریزندہ) फा वि—भागनेवाला, पलायन-कर्ता, वचनेवाला, परहेज़ करनेवाला, उपेक्षक।
गुरेज़ी (گریزی) फा स्त्री—बुद्धिमत्ता, चतुराई, धूर्तता, मक्कारी।
गुरेज़ीदः (گریزیدہ) फा वि—भागा हुआ, पलायित।
गुरोहं (گروہ) फा पु—समुदाय, जमाअत, दल, पार्टी, जनसमूह, हुजूम, झुड, ग़ोल, हिन्दी में 'गिरोह' प्रचलित।
गुरोह दर गुरोह (گروہ در گروہ) फा वि—झुड के झुड, गोल के गोल, अर्थात् वहुत अधिक (मनुष्य)।
गुरोहवद (گروہ بند) फा वि—गुटवद, पार्टीवद, दलवद, प्रचलित 'गिरोहवद'।
गुरोहवदी (گروہ بندی) फा स्त्री—दलवदी, गुटवदी, पार्टीवदी, प्रचलित 'गिरोहवदी'।
गुर्ग (گرگ) फा पु—भेडिया, वृक।
गुर्गज़ादः (گرگ زادہ) फा पु—भेड़िये का वच्चा, वृक-शावक, खल पुरुष का पुत्र।
गुर्गीन. (گرگینہ) फा पु—पोस्तीन, वालोदार खाल का कोट।
गुर्गुन (گرگن) फा पु—हरा अन्न जो भुना हो, चवेना, होरहा।
गुर्गेबग़ल (گرگ بغل) फा पु—वग़ल मे रहनेवाला भेडिया, वगली दुश्मन, आस्तीन का साँप।
गुर्गेबारादीद.(گرگ باراں دیدہ) फा पु—वह भेडिया जिसने वहुत-सी वरसातें देखी हो, वहुत ही धूर्त व्यक्ति, वहुत ही अनुभवी मनुष्य।
गुर्ज़. (گرزہ) फा पु—साँप का वडा और फैला हुआ फन (वि) भयानक, खौफनाक।
गुर्ज़ (گرز) फा पु—एक प्राचीन अस्त्र, गदा।
गुर्ज (گرج) फा पु—दे 'गुर्द'।

गुर्ज़वरदार (گرزبردار) फा वि–गुर्ज़ से लडनेवाला, गुर्ज़ रखनेवाला, गदाधर।

गुर्जिस्तान (گرجستان) फा पु–जारजिया, एक प्रदेश।

गुर्जी (گرجی) फा वि–गुर्जिस्तान का निवासी।

गुर्ज़ूफ (عرضوف) अ स्त्री–दे 'गुज़्रूफ', दो शु. है।

गुर्द (گرد) फा पु–एक देश, मल्ल, पहलवान, योद्धा, वहादुर।

गुर्नीक (غرنیق) अ पु–कुलग पक्षी, गोरा चट्टा और मृदुलाग युवक।

गुर्नूक (غرنوق) अ पु–दे गुर्नीक, घुँघरवाले वाल, गुँधी हुई चोटी।

गुर्पुज़ (گرپز) फा वि–दे 'गुर्बुज़'।

गुर्फः (غرفه) अ पु–झरोखा, गवाक्ष, वातायन, अट्टालिका, वालाखाना।

गुर्फ़ःनशीं (غرفه‌نشیں) अ फा वि–झरोखे मे वैठनेवाला (वाली)।

गुर्फ़ात (غرفات) अ पु–'गुर्फ' का वहु, झरोखे।

गुर्वः (گربه) फा स्त्री–विल्ली, मार्जारी।

गुर्वःगूँ (گربه‌گوں) फा वि–धूर्त्त, मक्कार, छली, वचक।

गुर्वःचश्म (گربه‌چشم) फा वि–दु शील, वेमुरव्वत।

गुर्वएमिस्कीं (گربهٔ مسکیں) अ फा स्त्री–वह व्यक्ति जो देखने मे वहुत सीधा सादा हो, परतु वहुत ही धूर्त और चालाक हो।

गुर्वत (غربت) अ स्त्री–परदेशी होना, परदेश, वेवतनी, दरिद्रता, कगाली।

गुर्वतज़दः (غربت‌زده) अ फा वि–घरवार छोडकर परदेश मे पडा हुआ, प्रवासी, निर्धन, कगाल।

गुर्वत ज़दगी (غربت‌زدگی) अ फा स्त्री–वेवतनी, परदेस मे होना, निर्धनता, कगाली।

गुर्वतदीदः (غربت‌دیده) अ फा वि–दे 'गुर्वतज़द'।

गुर्बुज़ (گربز) फा वि–छली, वचक, ठगिया, मक्कार।

गुर्बुज़ी (گربزی) फा स्त्री–छल, वचकता, ठगई, मक्कारी।

गुर्म (غرم) अ पु–तावान, दड।

गुर्म (غرم) फा स्त्री–पहाडी वकरी।

गुर्म (گرم) फा पु–दु ख, रज, खेद, सताप, गम, कष्ट, तक्लीफ, मनस्ताप, दिलगीरी, इद्रधनुष।

गुर्र. (غره) अ पु–चाँद के महीने की पहली तारीख, जो हिंदी हिसाव से कृष्णपक्ष की तृतीया होती है, घोडे के माथे की सफेदी, हर वह वस्तु जो उत्तम हो, दास अथवा दासी।

गुर्रएशव्वाल (غرهٔ شوال) अ पु–शव्वाल महीने की पहली तारीख़, अर्थात् ईद का दिन।

गुर्रिश (غرش) फा स्त्री–गुर्राहट, गर्जन, आतक, भय, हैवत।

गुर्स (گرس) फा स्त्री–भूख, क्षुधा, प्यास, पिपासा।

गुर्सनः (گرسنه) फा वि–भूखा, क्षुधातुर, दे 'गुरस्न' और 'गुरुस्न', तीनो शुद्ध है।

गुर्सन.चश्म (گرسنه‌چشم) फा वि–लालची, हरीस, कृपण, कजूस, भिक्षुक, फकीर।

गुर्सनःचश्मी (گرسنه‌چشمی) फा स्त्री–लोभ, लालच, कृपणता, कजूसपन, भिखमगापन।

गुर्सनगी (گرسنگی) फा स्त्री–भूख, क्षुधा, वुभुक्षा।

गुल [ल्ल] (غل) अ पु–लोहे का तौक जो कैदियो के गले मे पडता है, प्यासा, सतृष्ण, प्यास की तीव्रता, मनस्ताप, हृदय की जलन।

गुल (غل) फा पु–कोलाहल, शोर, चीख, पुकार।

गुल (گل) फा पु–फूल, पुष्प, सुमन, गुलाव का फूल, चिराग का गुल, आँख की फूली।

गुलअंदाम (گل‌اندام) फा वि–फूल-जैसे कोमल, मृदुल, सुकुमार और सुगधित शरीरवाला (वाली), पुष्पागी, पुष्पागना।

गुलअफ़शा (گل‌افشاں) फा वि–फूल वरसानेवाला, पुष्पवर्ष, जिससे फूल झड़ते है।

गुलअफ़शानी (گل‌افشانی) फा स्त्री–फूल वरसाना, फूल वरसना, मज़ेदार वाते।

गुलइज़ार (گل‌عذار) फा अ वि–गुलाव-जैसे सुकुमार और कोमल गालोवाला (वाली)।

गुलकंद (گلقند) फा पु–गुलाव के फूल और खाँड के मिश्रण से वनी हुई एक औपध।

गुलकदः (گل‌کده) फा पु–वह घर जहाँ फूल ही फूल हो, पुष्पागार, कुसुमालय।

गुलकार (گلکار) फा वि–वेल-वूटे वनानेवाला।

गुलकारी (گلکاری) फा स्त्री–वेल-वूटे वनाने का काम, वेल-वूटे, नक्शोनिगार।

गुलख़न (گلخن) फा पु–भाड, भट्ठी, चूल्हा।

गुलख़ाल (گل‌خال) फा वि–चितकवरा, दागोवाला, चित्तेदार।

गुलगश्त (گل‌گشت) फा पु–वाग की सैर, सैर का स्थान, क्रीडास्थल।

गुलगीर (گل‌گیر) फा पु–चिराग या शमा का गुल कतरने की कैंची।

गुलगुल. (غلغله) अ पु–शोर, कोलाहल, हर्पध्वनि, खुशी का शोर।

गुलगूँ (گلگوں) फा वि–गुलाब-जैसे रगवाला, लाल रग का घोडा, शीरी के घोडे का नाम।

गुलगूनः (گلگونہ) फा पु–मुँह पर मलने का सुगधित और गुलावी पाउडर।

गुलचीं (گل چیں) फा वि–फूल चुननेवाला, पुष्पचायी, माली, मालाकार।

गुलचीनी (گل چینی) फा स्त्री–फूल बीनना, माली का काम।

गुलचेहर. (گل چہرہ) फा वि–दे 'गुलरुख'।

गुलजमीं (گل زمیں) फा स्त्री–ऐसा स्थान जहाँ फूल बहुत पैदा होते हो, पुष्पवन, पुष्पोद्यान, फूलो से लदी हुई जमीन।

गुलज़ार (گلزار) फा पु–उद्यान, आराम, वाटिका, बाग, वह स्थान जहाँ खूब चहल-पहल और रौनक हो।

गुलदस्तः (گلدستہ) फा पु–फूलो का गुच्छा, रग-बिरगी फूलो का मुट्ठा, पुष्पस्तवक,, पत्रिका, रिसाल ।

गुलदान (گلدان) फा पु–गुलदस्ता सजाने का पात्र।

गुलनार (گل نار) फा पु–अनार का फूल, गुले अनार, अनार की एक जाति, जिसमें फल नही आता और जिसके फूल का दवा में प्रयोग होता है।

गुलपाश (گلپاش) फा वि–फूलो की वर्षा करनेवाला, पुष्पवर्षक।

गुलपाशी (گل پاشی) फा स्त्री–फूलो की वर्षा।

गुलपैरहन (گل پیرہن) फा वि–गुलावी कपडे पहनने वाला (वाली), गुलाब के फूल-जैसे रगीन, कोमल और सुगधित कपडे पहननेवाली नायिका।

गुलपैरहनी (گل پیرہنی) फा स्त्री–फूलो-जैसे रगीन और सुगधित कपडे पहनने का भाव।

गुलपोश (گل پوش) फा वि–फूलो से ढका हुआ, फूलो से मढा हुआ, फूलो से लदा हुआ।

गुलपोशी (گل پوشی) फा स्त्री–फूलो से ढका होना।

गुलफाम (گل فام) फा वि–दे 'गुलअदाम'।

गुलफिशा (گل فشاں) फा वि–फूल बरसानेवाला, (स्त्री) फुलझडी, एक प्रसिद्ध आतशबाज़ी।

गुलफिशानी (گل فشانی) फा स्त्री–फूल बरसाना।

गुलबदन (گل بدن) फा वि–फूल-जैसे कोमल और मृदुल अगोवाला (वाली) (पु) एक रेशमी कपडा।

गुलबदनी (گل بدنی) फा स्त्री–फूल-जैसे कोमल मृदुल और सुगधित शरीर का होना।

गुलबर्ग (گل برگ) फा पु–फूल का पत्ता, पुष्पदल।

गुलबाग (گل بانگ) फा स्त्री–वह शोर जो किसी के व्याह-शादी आदि के अवसर पर होता है, हर्षध्वनि, बुलबुल आदि मधुरस्वर पक्षियो की चहचहाहट।

गुलबाज़ी (گل بازی) फा स्त्री–एक दूसरे की ओर फूल फेकने का खेल, पुष्पक्रीडा।

गुलबुन (گلبن) फा पु–गुलाव का वृक्ष।

गुलमेख़ (گل میخ) फा स्त्री–फुल्लीदार बडी कील जो किवाडो आदि मे लगती है।

गुलरग (گل رنگ) फा वि–गुलाव के फूल-जैसे गुलाबी रगवाली वस्तु।

गुलरुख़ (گل رخ) फा वि–फूल-जैसे सुदर, सुकोमल और सुकुमार मुखवाली नायिका, पुष्पमुखी।

गुलरुख़सार (گل رخسار) फा वि–गुलाव के फूल-जैसे सुदर कपोलोवाली नायिका, पुष्पकपोला।

गुलरू (گلرو) फा वि–दे 'गुलरुख'।

गुलरेज (گل ریز) फा वि–जिससे फूल झडते हो (स्त्री) एक आतशबाज़ी, फुलझडी।

गुलल (غلل) अ पु–'गलील' का बहु, प्यासे।

गुलशकर (گل شکر) फा पु–दे 'गुलकद'।

गुलशन (گلشن) फा पु–उद्यान, वाटिका, बाग।

गुलशन आरा (گلشن آرا) फा वि–उद्यानपाल, माली, बाग को सजाने और सँवारनेवाला।

गुलाज (غلاظ) अ वि–मोटा, दलदार, कडा, कठोर, सख्त।

गुलात (غلات) अ पु–'गाली' का बहु, अति करनेवाले, किसी विषय मे बहुत अधिक अति करनेवाले।

गुलाब (گلاب) फा पु–एक प्रसिद्ध फूल, गुल, गुलाब-जल, गुलाब का अरक।

गुलाबपाश (گلاب پاش) फा पु–सभा आदि मे गुलाबजल छिडकने का यत्र।

गुलाबी (گلابی) फा वि–गुलाब-जैसे रगवाली वस्तु, हलका लाल (स्त्री) शराब की रगीन काँच की सुराही।

गुलाम (غلام) अ पु–लडका, बालक, दास, खादिम, पराधीन, महकूम।

गुलामगर्दिश (غلام گردش) अ फा स्त्री–कोठी या मकान के चारो ओर का बरामदा।

गुलामचापार (غلام چاپار) अ फा पु–डाकिया, पोस्टमैन, चिट्ठीरसाँ।

गुलामजाद (غلام زادہ) अ फा पु–दासी-पुत्र, लौंडी-बच्चा, विनय प्रदर्शन के लिए वक्ता अपने पुत्र के लिए भी कहता है।

गुलामान (غلامانہ) अ फा वि–गुलामो-जैसा, दासोचित।

गुलामी (غلامی) अ स्त्री.–दासता, वदगी, पराधीनता, महकूमी।
गुलालः (غلالہ) फा स्त्री–प्रेयसी की अलक, मा'शूका की जुल्फ।
गुलिस्ताँ (گلستاں) फा पु–'गुलिस्तान' का लघु, दे 'गुलिस्तान'।
गुलिस्ताँजादः (گلستاں زادہ) फा पु–पुष्प, फूल, वाग की घास, सब्ज़ा, दासी-पुत्र, लौंडी-वच्चा।
गुलिस्तान (گلستان) फा पु–उद्यान, वाग, वाटिका, आराम।
गुलुफ (غلف) अ पु–'गिलाफ' का वहु, वहुत से गिलाफ अथवा कोष।
गुलुव (غلو) अ पु–दे 'गुलू'।
गुलू (گلو) फा पु–कठ, गला, हुल्कूम।
गुलू (غلو) अ पु–पूरा हाथ उठाना, जनसमूह, भीड, अति करना, हद से गुज़र जाना, ऐसी अत्युक्ति जो न वुद्धि के अनुसार ठीक हो न प्राकृतिक हो।
गुलूखलासी (گلوخلاصی) फा स्त्री–ववनमुक्ति, छुटकारा, किसी जजाल से छुटकारा।
गुलूगीर (گلوگیر) फा वि–गला पकड़नेवाला (वाली), आवाज़ रुँवा देनेवाला (वाली)।
गुलूबंद (گلوبند) फा पु–गले का एक आभूषण, गले और कानो मे लपेटने का मफलर।
गुलूबस्तः (گلوبستہ) फा वि–जिसका स्वर वैठ गया हो।
गुलूबुरीदः (گلوبریدہ) फा वि–जिसका गला कट गया हो, छिन्नग्रीव, वधित।
गुलूलः (غلولہ) अ. पु–जनसमूह, हुजूम, आवेग, जोश।
गुलूलः (گلولہ) फा पु–गुलेल का गुल्ला; वंदूक की गोली, दवा की गोली।
गुलूल (غلول) अ पुं–वृक्षो के वीच मे वहता हुआ पानी, गनीमत के माल मे खियानत।
गुलूसोज (گلوسوز) फा वि–अति सुदर, वहुत अच्छा, वहुत मीठा, चरपरी वस्तु।
गुले अब्वास (گل عباس) फा अ पु–एक प्रसिद्ध फूल और उसका पेड, गुलावाँस।
गुले आतशी (گل آتشیں) फा पु–सदा गुलाव, गुलाव की एक जाति जो सदा फूलती है।
गुले आफ़्तावपरस्त (گل آفتاب پرست) फा पु–सूरजमुखी का फूल।
गुले काग़ज़ी (گل کاغذی) फा अ पुं–कागज़ के फूल जो सजावट के काम आते है; दिखावे की वस्तु।
गुले खंदाँ (گل خنداں) फा पु–खिला हुआ फूल।
गुले खुदरो (گل خودرو) फा पु–जो फूल वोया न गया हो वल्कि अपने आप उगा हो।
गुले चश्म (گل چشم) फा. पु–आँख की फुल्ली, टेंट।
गुले जा'फ़री (گل جعفری) फा अ पु–एक पीले रग का फूल।
गुले तुर्रः (گل طرہ) फा पु–मुर्गकेस, एक प्रसिद्ध फूल।
गुले दाऊदी (گل داؤدی) फा अ पु–एक प्रसिद्ध फूल।
गुले नाफर्मा (گل نافرماں) फा पु–एक फूल।
गुले नाशिगुफ्तः (گل ناشگفتہ) फा पु–विन खिला फूल, कली, गुच, मुकुल, कुँवारी स्त्री, कुमारी, दोशीज़ा।
गुले पलास (گل پلاس) फा पु–टेसू का फूल, ढाक का फूल, 'पलाश' सस्कृत मे भी टेसू को कहते है, सस्कृत और फारसी के प्राचीन सम्वन्ध का परिचायक है।
गुले पियादः (گل پیادہ) फा पु–हर वह फूल जिसकी पियाली छोटी हो, अपने आप उगनेवाला फूल।
गुले वेगानः (گل بیگانہ) फा पु–दे 'गुले खुद रो'।
गुले यासमन (گل یاسمن) फा पु–चमेली का फूल, नवमल्लिका, मालती।
गुले यासमीन (گل یاسمین) फा पु–दे 'गुलेयासमन'।
गुले राना (گل رعنا) फा पु–एक दोरगा फूल जो अदर लाल और वाहर पीला होता है।
गुले लालः (گل لالہ) फा पु–एक मशहूर फूल जो वहुत प्रकार का होता है, विशेषत लाल रग का, पोस्ते का फूल, गुले खशखाश।
गुले वर्द (گل ورد) फा अ पु–गुलाव का फूल।
गुले शवअफ़्रोज़ (گل شب افروز) फा पु–रात की रानी, एक प्रसिद्ध फूल, रजनीगधा।
गुले शब बो (گل شب بو) फा पुं–एक प्रसिद्ध फूल, सुगवरा, (गुल=फूल+शव=रात+वो=वू) रजनीगधा की एक जाति।
गुले शम्अ (گل شمع) फा अ पु–चिराग या मोमवत्ती का गुल।
गुले सद वर्ग (گل صد برگ) फा पु–सौ पखडियो वाला फूल, गुलाव, गुलनार, गेदा, (विशेषत गेंदे के लिए वोलते है)
गुले सर सवद (گل سرسبد) फा पु–वह फूल जो माली की टोकरी मे सवसे ऊपर रहता और सारी टोकरी में सवसे वडा और सुगधित होता है, वह व्यक्ति जो सर्वश्रेष्ठ और सर्वोत्तम हो।
गुले सुर्ख (گل سرخ) फा पु–गुलाव का फूल।
गुले सूरी (گل سوری) फा पु–एक प्रकार का गुलाव।

गुले सौसन (گل سوسن) फा पु—एक प्रसिद्ध आस्मानी रग का फूल, जिसकी पखडी ज़बान की तरह होती है—"सौसन ने चमन में ज़ुबान खोली"।

गुले हज़ारः (گل ہزارہ) फा पु—हज़ारे का फूल।

ग़ुलैम (غلیم) अ पु—छोटा लडका, बहुत प्यारा और छोटा-सा बालक।

ग़ुल्ज़त (غلظت) अ स्त्री—दे 'गिल्ज़त', दो शु हैं।

ग़ुल्फ़ (غلف) अ पु—'गिलाफ़' का बहु, तकिये के गिलाफ़, तलवार आदि के कोष।

ग़ुल्मः (غلمہ) अ पु—कामातुर होना, तेज़ शहवत होना, कामातुरता, शहवत की तेज़ी।

ग़ुल्ल· (غلہ) अ पु—प्यास, पिपासा, हृदय की जलन, दिल की सोज़िश, ज़िरिह् के नीचे पहनने का कुर्ता आदि।

गुवा (گوا) फा पु—'गुवाह' का लघु, दे 'गुवाह'।

गुवार (گوار) फा वि—दे 'गुवारा'।

गुवारा (گوارا) फा वि—शुद्ध उच्चारण यही है, परतु उर्दू में 'गवारा' बोलते है, दे 'गवारा'।

गुवारिंदः (گوارندہ) फा वि—अच्छा लगनेवाला, गवारा होनेवाला, शीघ्र पच जानेवाला।

गुवारिश (گوارش) फा स्त्री—अच्छा लगने का भाव, हज़्म होने का भाव, पचन, सुस्वाद होने का भाव, खुश-मज़गी।

गुवारीदः (گواریدہ) फा वि—जो रुचिकर हो चुका हो, जो पच चुका हो।

गुवारीदनी (گواریدنی) फा वि—रुचिकर होने योग्य, पचने योग्य।

गुवार्दनी (گواردنی) फा वि—दे 'गुवारीदनी'।

ग़ुवास (غواث) अ पु—फर्याद, दुहाई, न्याय-याचना, फर्याद सुननेवाला, न्यायकर्ता।

गुवाह (گواہ) फा पु—साक्षी, गवाह, शुद्ध उच्चारण यही है, परतु उर्दूवाले 'गवाह' बोलते है और यही प्रचलित है।

ग़ुश [श्श] (غش) अ वि—खियानत करनेवाला, मोषक, अशुभ-चिंतक, बदख्वाह, जिसके मन में कुछ और मुँह पर कुछ हो।

ग़ुशाव· (غشاوہ) अ पु—दे 'गिशाव'।

गुश्नी (گشنی) फा स्त्री—मैथुन, सभोग, विषय, प्रसग।

ग़ुस [स्स] (غس) वि—अशक्त, कमज़ोर, दुष्टात्मा, खबीस; अधम, नीच, कमीना।

ग़ुसन (غسن) अ पु—'ग़ुस्न' का बहु, अशक्त जन, कमज़ोर लोग।

ग़ुसस (غصص) अ पु—'ग़ुस्स·' का बहु, 'ग़ुस्से'।

गुसार (گسار) फा प्रत्य—खानेवाला, जैसे—'मयगुसार' शराब पीनेवाला, 'गमगुसार' गम खानेवाला।

गुसारिंदः (گسارندہ) फा वि—खानेवाला, भक्षक, छोडने-वाला, त्यागी।

गुसार्दः (گساردہ) फा वि—छोडा हुआ, खाया हुआ।

ग़ुसाल (غسالہ) अ पु—जिस पानी से स्नान किया गया हो, धोवन।

ग़ुसुल (غسل) अ पु—सारा शरीर धोना, नहाना, स्नान करना, ग़ुस्ल, नखशिख-मार्जन।

ग़ुसून (غصون) अ पु—'ग़ुस्न' का बहु, शाखाएँ, शाखे, डालियाँ।

ग़ुसूस· (غثوثہ) अ पु—दुर्बल होना, दुबला होना।

गुस्तर (گستر) फा प्रत्य—बिछानेवाला, फैलानेवाला, जैसे 'करमगुस्तर' यश का फैलानेवाला, कृपा विस्तारक।

गुस्तरिंदः (گسترندہ) फा वि—बिछानेवाला, फैलानेवाला।

गुस्तर्द· (گستردہ) फा वि—बिछाया हुआ, फैलाया हुआ।

गुस्तर्दनी (گستردنی) फा वि—बिछाने योग्य, फैलाने योग्य।

गुस्ताख़ (گستاخ) फा वि—धृष्ट, ढीठ, दु साहसी, बेबाक, अशिष्ट, बदतमीज़।

गुस्ताख़तब्अ (گستاخ طبع) फा अ वि—फक्कड, मुँहफट, मुखर।

गुस्ताख़दस्त (گستاخ دست) फा वि—चालाक, चतुर, तेज़, होशयार, किसी ऐसे काम के लिए हाथ बढानेवाला जो उसके साहस से परे हो, गुस्ताखी के साथ किसी की ओर हाथ बढानेवाला।

गुस्ताख़ान· (گستاخانہ) फा वि—गुस्ताखो-जैमा, धृष्टता-पूर्वक।

गुस्ताख़ी (گستاخی) फा स्त्री—धृष्टता, ढीठपन, दु साहस, बेबाकी, अशिष्टता, बदतमीजी।

ग़ुस्न (غسن) अ वि—अशक्त, निर्बल, नाताकत।

ग़ुस्न (غصن) अ पु—शाखा, शाख, डाली।

ग़ुस्र (غثر) अ वि अधम, नीच, कमीना।

ग़ुस्ल (غسل) अ पु—स्नान, नहाना, धोना, माँजना।

ग़ुस्लख़ान (غسل خانہ) अ फा पु—नहाने का स्थान, स्नानागार, स्नानगृह।

ग़ुस्ले मय्यित (غسل میت) अ पु—शव का स्नान, मुर्दे को नहलाना, मृतकस्नान।

ग़ुस्ले सेहत (غسل صحت) अ पु—वह स्नान जो रोग-मुक्ति पर किया जाता है, आरोग्य-स्नान।

ग़ुस्स (غصہ) अ पु—क्रोध, कोप, प्रकोप, ग़ज़ब, द्वेष, बुग्ज़।

गुस्सःवर (عصهور) अ फा वि –जिसके स्वभाव में क्रोध अधिक हो, क्रोद्धी।
गुहर (گہر) फा पु –'गौहर' का लघु., मुक्ता, मोती।
गुहरअफ़्शां (گہرافشاں) फा वि –दे 'गौहरअफ्शां'।
गुहरअफ़्शानी (گہرافشانی) फा स्त्री –दे 'गौहरअफ्शानी'।
गुहरवार (گہربار) फा वि –दे 'गौहरवार', मुक्तावर्षक, 'चश्मे गुहरवार' रोती आँख,—"दामन पे तेरे गैर के माथे का पसीना, और वह भी मेरी चश्मे गुहरवार के आगे।"
गुहरवारी (گہرباری) फा स्त्री –दे. 'गौहरवारी'।
गुहररेज़ (گہرریز) फा वि – दे 'गौहररेज़'।
गुहररेज़ी (گہرریزی) फा स्त्री –दे 'गौहररेज़ी'।
गुहरशनास (گہرشناس) फा वि –दे 'गौहरशनास', मोती चुनने या परखनेवाला, विज्ञ पुरुष।
गुहरशनासी (گہرشناسی) फा स्त्री –दे 'गौहरशनासी'।

गू

गूँ (گوں) फा प्रत्य –रगवाला, जैसे—'नीलगूँ' नीले रग वाला, 'गुलगूँ' गुलाव के फूल के रगवाला।
गू (گو) फा पु –गेद, कदुक, लडको के खेलने का गेद, पोलो खेलने का गेंद।
गूक (غوک) फा पु –मेढक, दुर्दुर, मडूक, दादुर।
गूगिर्द (گوگرد) फा स्त्री –गधक।
गूगिर्दे अहमर (گوگرداحمر) फा अ स्त्री –लाल गधक जिससे रसायन वनती है, ऐसा व्यक्ति, जो सर्वगुण-सपन्न हो, और जिसका मिलना दुर्लभ हो।
गूगिर्दे सुर्ख़ (گوگردسرخ) फा स्त्री –दे 'गूगिर्दे अहमर'।
गूच (غوچ) तु पु –मेढा, नर भेड जिसके सीग होते है।
गूत. (غوطہ) अ पु –गोता, डुवकी, शुद्ध उच्चारण यही है, परन्तु उर्दू मे प्रचलित नही है, इसके स्थान पर 'गोत' बोलते है।
गूदः (گودہ) तु पु –शरीर, देह।
गूनः (گونہ) फा पु –रग, रविश, गुना, जैसे—'दोगून' दोगुना।
गून (گون) फा पु –रग, वर्ण, रगत।
गूना (گونا) फा पु –रग, वर्ण, गाज़, मुखचूर्ण, नियम, कायदा, "एक गूना वेख़ुदी मुझे दिन रात चाहिए।"–गालिव,
गूनागून (گوناگون) फा वि –रगविरगी, चित्र-विचित्र।
गूनाव (گوناب) फा पु –मुखचूर्ण, गाज़, गुलगून.।
गूनिया (گونیا) फा पु –एक तिकोना यत्र जिससे राज और वढई इमारत की सीध नापते है।
गूल (غول) फा पु –दे 'ग़ोल'।
गूल (غول) अ पु –भूत, प्रेत, शैतान, खवीस, राक्षस, देव, दैवी आपत्ति, वला, हर वह वस्तु जिससे वुद्धि नष्ट हो जाय।
गूले वियावाँ (غول بیاباں) अ फा पु –जगल में फिरने वाले भूत-प्रेत, मसान, वैताल आदि।
गूले वियावानी (غول بیابانی) अ फा पु –दे 'गूले वियावाँ'।

गे

गेज (گیج) फा वि –उद्विग्न, व्यस्तमना, परेशान, अस्त-व्यस्त, तितर-वितर।
गेती (گیتی) फा स्त्री –जगत्, ससार, दुनिया।
गेतीअफ़्रोज़ (گیتی افروز) फा वि –ससार को ज्योतिर्मय करनेवाला।
गेतीआरा (گیتی آرا) फा वि –ससार को सजाने और सँवारनेवाला।
गेतीनवर्द (گیتی نورد) फा वि –ससार मे फिरनेवाला, विश्वभ्रमी।
गेतीपैमा (گیتی پیما) फा वि –दे 'गेतीनवर्द', विश्व-पर्यटक।
गेसू (گیسو) फा पु –अलक, जुल्फ, लम्वे वाल जो पीठ पर रहते है, वाल, केश।
गेसूदराज़ (گیسودراز) फा वि –जिसके वाल वहुत लवे हो।
गेसूदार (گیسودار) फा वि –लौंडी-वच्चा, दासी-पुत्र; पुच्छल तारा, डुमदार सितारा।
गेसूवुरीदः (گیسو بریدہ) फा वि –जिसके वाल कटे हो, निर्लज्ज, वेहया।
गेव. (گیوہ) फा पु –एक प्रकार का जूता, किर्मिच का जूता।
गेव (گیو) फा पु –ईरान का एक वहुत वड़ा योद्धा, जो गौदर्ज़ का पुत्र था।
गेहाँ (گیہاں) फा पु –दे 'गैहाँ', दोनो शुद्ध है, परन्तु, 'गैहाँ' अधिक मान्य है।

गै

गै (غے) अ पु –निराशा, नाउम्मेदी, कुमार्गता, गुमराही, नरक मे एक स्थान।
गैज़ः (غیضہ) अ पु –सिह की कछार, जगल, वन।
गैज़ (غیظ) अ पु –वहुत अधिक, क्रोध, प्रकोप, भीतरी क्रोध, अमर्ष।
गैज़ (غیض) अ पु –अधूरे दिनो का उत्पन्न शिशु, पृथ्वी मे धँसना, भाव का मदा होना।

ग़ैज़ोग़ज़ब (غیظوغضب) अ पु —बहुत ही क्रोध और गुस्सा।
ग़ैन (غین) अ पु —अभ्र, बादल, तृष्णा, प्यास, अँधेरा, तम।
ग़ैबः (غیبہ) अ पु —तूणीर, तरकश।
ग़ैब (غیب) अ पु —परोक्ष, पीठ पीछा, परलोक, देवताओ का स्थान, नियति, भाग्य,—"काम रुकने का नही अय दिले नाँदा कोई, खुद बखुद ग़ैब से हो जायेगा सामाँ कोई।"
ग़ैबत (غیبت) अ स्त्री —पीठ पीछा, परोक्ष, अतर्धान होना, लोप होना, ग़ायब होना, अनुपस्थिति, ग़ैरमौजूदगी।
ग़ैबदाँ (غیبداں) अ फा वि —जो छिपी हुई बातें जाने, अतर्यामी, जो आनेवाले समय की बातें बता दे, भविष्यवेत्ता।
ग़ैबी (غیبی) अ वि —आकाशीय, आस्मानी, दवी, खुदाई, पीठ पीछे की, परोक्ष की।
ग़ैबूबत (غیبوبت) अ स्त्री —लोप, छिपाव, दुराव, वियोग, जुदाई, अनुपस्थिति, नामौजूदगी।
ग़ैम (غیم) अ पु —बादल, अभ्र, पिपासा, प्यास, आँख की भीतरी गर्मी।
ग़ैयाफ (غیاف) अ वि —जिसकी डाढी बहुत लम्बी और घनी हो, रीशाईल।
ग़ैर (غیر) अ पु —अन्य, दूसरा, विभिन्न, मुख़्तलिफ, अनात्मीय, बेगाना, विरुद्ध, खिलाफ।
ग़ैरअहम (غیراہم) अ वि —जिसका कोई महत्त्व न हो, महत्त्वहीन, साधारण, मामूली।
ग़ैरआईनी (غیرآئینی) अ फा वि —जो कानून के विरुद्ध हो, अवैध।
ग़ैरआबाद (غیرآباد) अ फा वि —जो बसा न हो, निर्जन, जो खँडहर हो, वीरान।
ग़ैरइसानी (غیرانسانی) अ वि —जो मनुष्यो-जैसा न हो, अमानुषिक।
ग़ैरकानूनी (غیرقانونی) अ वि —दे 'ग़ैरआईनी'।
ग़ैरकारआमद (غیرکارآمد) अ फा वि —जो उपयोग के काबिल न हो, अनुपयुक्त, जो काम न दे, बेकार।
ग़ैरजानिबदार (غیرجانبدار) अ फा वि —जो किसी का पक्षपात न करे, तटस्थ, उदासीन।
ग़ैरजानिबदारी (غیرجانبداری) अ फा स्त्री —निष्पक्षता, अतटस्थता।
ग़ैरज़िम्मःदार (غیرذمہدار) अ फा वि —जो अपनी ज़िम्म दारी महसूस न करे, दायित्वहीन।
ग़ैरज़िम्म.दारी (غیرذمہداری) अ फा स्त्री —ज़िम्म दारी का एहसास न होना।
ग़ैरज़ीअक्ल (غیرذیعقل) अ वि —जिसमे बुद्धि न हो, बुद्धिहीन, जिसमे अच्छे बुरे की तमीज़ न हो, विवेकहीन।
ग़ैरज़ीरूह (غیرذیروح) अ वि —जिसमे प्राण न हो, निर्जीव, निष्प्राण।
ग़ैरज़ीशुऊर (غیرذیشعور) अ वि —जिसमे विवेक और चेतना न हो, जड।
ग़ैरज़ुरूरी (غیرضروری) अ वि —जो आवश्यक न हो, अनावश्यक।
ग़ैरत (غیرت) अ स्त्री —लज्जा, लाज, शर्म, स्वाभिमान, खुददारी।
ग़ैरतदार (غیرتدار) अ फा वि —स्वाभिमानी, खुददार।
ग़ैरतनख़्वाहदार (غیرتنخواہدار) अ फा वि —जो वेतन के बिना काम करे, अवैतनिक।
ग़ैरतमंद (غیرتمند) अ फा वि —दे 'ग़ैरतदार'।
ग़ैरतह्ज़ीबयाफ्त (غیرتہذیبیافتہ) अ फा वि —असभ्य, अशिष्ट, नामुहज़्ज़ब।
ग़ैरता'लीमयाफ्त. (غیرتعلیمیافتہ) अ फा वि —बे पढा-लिखा, निरक्षर, अशिष्ट, असभ्य, उजड्ड।
ग़ैरपसदीद (غیرپسندیدہ) अ फा वि —अप्रिय, अरुचिकर, अनुचित, नामुनासिब।
ग़ैरपाएदार (غیرپائدار) अ फा वि —जो टिकाऊ न हो, अदृढ।
ग़ैरपुख़्त (غیرپختہ) अ फा वि —जो कच्चा हो (फल आदि), अपक्व, जो निश्चित न हो, ग़ैरयक़ीनी (वचन आदि), जो कच्ची ईंटो का बना हो।
ग़ैरफसीह (غیرفصیح) अ वि —जिसे साहित्यिक जन असाधु समझें (शब्द आदि), साहित्य मे अप्रचलित या अप्रयुक्त शब्द।
ग़ैरफानी (غیرفانی) अ वि —जो कभी नष्ट न हो, जो कभी न मरे, अनश्वर, शाश्वत।
ग़ैरफित्री (غیرفطری) अ वि —जो प्राकृतिक न हो, अनैसर्गिक, अप्राकृतिक।
ग़ैरमक़्तूअ (غیرمقطوع) अ वि —जो कटा न हो, अविच्छिन्न, अखण्डित।
ग़ैरमक्फूल (غیرمکفول) अ वि —वह सपत्ति आदि जो किसी ऋण आदि में रेहन न हो, बधकहीन।
ग़ैरमक़्बूल (غیرمقبول) अ वि —जिसे लोग पसद न करे, अप्रिय, जो माना न जाय, अमान्य, जो मजूर न हो, अस्वीकृत।
ग़ैरमक्रूह (غیرمکروہ) अ वि —जो देखने मे कुरूप न हो, शुभदर्शन, जिसका खान-पान घृणित न हो।
ग़ैरमख़्सूस (غیرمخصوص) अ वि —जो ख़ास न हो, साधारण, सामान्य।

ग़ैरमग़्शूश (غیرمغشوش) अ वि –जिसमे मिलावट न हो, अकृत्रिम।

ग़ैरमज़्रूअः (غیرمزروعہ) अ वि –वह भूमि जो बोई-जोती न जाती हो, अकृष्य।

ग़ैरमज़्रूअ (غیرمزروع) अ वि –दे 'ग़ैरमज़्रूअ'।

ग़ैरमत्बूअः (غیرمطبوعہ) अ वि –वह पुस्तक जो प्रकाशित न हुई हो, अप्रकाशित, अमुद्रित, हस्तलिखित, पाण्डुलिपि।

ग़ैरमत्बूअ (غیرمطبوع) अ वि –जो मनोवाछित न हो, अरुचिकर, नापसदीद।

ग़ैरमत्रूकः (غیرمتروکہ) अ वि –वह वस्तु जो छोड़ी न गयी हो, वह सपत्ति आदि जो तरीके से अलग हो।

ग़ैरमत्रूक (غیرمتروک) अ वि –वह शब्द जो साहित्य मे व्यवहृत हो, वह वस्तु जो छोड़ी न गयी हो, अत्याज्य।

ग़ैरमत्लूब (غیرمطلوب) अ वि –जिस वस्तु की इच्छा न हो, अवाछित, अनिच्छित।

ग़ैरमद्ऊ (غیرمدعو) अ वि –जो किसी दावत आदि मे बुलाया न गया हो, अनिमत्रित।

ग़ैरमद्ख़ूलः (غیرمدخولہ) अ वि –वह स्त्री जो रखेली न हो, जो वस्तु दाखिल की हुई न हो।

ग़ैरमन्क़ूलः (غیرمنقولہ) अ. वि –वह सपत्ति जो एक स्थान से दूसरे स्थान पर न जा सके, जैसे—भूमि आदि, स्थावर, अचल।

ग़ैरमन्क़ूल (غیرمنقول) अ वि –जो हट न सके, जिसका स्थानान्तरण न हो सके।

ग़ैरमन्कूहः (غیرمنکوحہ) अ स्त्री –वह स्त्री जिसका विवाह न हुआ हो, अविवाहिता।

ग़ैरमन्कूह (غیرمنکوح) अ पु –वह पुरुष जिसका विवाह न हुआ हो, अविवाहित।

ग़ैरमफ़्तूह (غیرمفتوح) अ वि –जो जीता न गया हो, अविजित, जो जीता न जा सके, अजेय, जो हारा न हो, अपराजित।

ग़ैरमम्नूअ (غیرممنوع) अ वि –जिसकी मनाही न हो, अनिषिद्ध, जिसका खान-पान वर्जित न हो।

ग़ैरमम्नून (غیرممنون) अकृतज्ञ, अनाभारी, नाशुक्रा, गैर-मश्कूर।

ग़ैरमर्ई (غیرمرئی) अ वि –जो दिखाई न पडे, अगोचर, अदृश्य।

ग़ैरमर्ऊब (غیرمرعوب) अ वि –जो रोब में आया न हो, जो डरा न हो, बेधड़क, निर्भय।

ग़ैरमर्ग़ूब (غیرمرغوب) अ वि –जो पसदीद न हो, अप्रिय, अरुचिकर।

ग़ैरमर्तूब (غیرمرطوب) अ वि –जो शीतल न हो, जो ठडा न हो, जिसका स्वभाव शीतप्रधान न हो; जिसमें नमी या तरलता न हो।

ग़ैरमर्बूत (غیرمربوط) अ वि –जो क्रमबद्ध न हो, भग्नक्रम, असंबद्ध, जो अट-शट हो (बात), बेरब्त, विश्रृंखल।

ग़ैरमश्कूक (غیرمشکوک) अ वि –जिसमे कोई शका न हो, असदिग्ध।

ग़ैरमश्हूर (غیرمشہور) अ वि –जो प्रसिद्ध न हो, अप्रसिद्ध, अविख्यात।

ग़ैरमस्मूम (غیرمسموم) अ वि –जो विषयुक्त न हो, जो ज़हरीला न हो, निर्विष।

ग़ैरमा'मूली (غیرمعمولی) अ वि –जो साधारण न हो, असाधारण, महत्वपूर्ण, अहम।

ग़ैरमा'यूब (غیرمعیوب) अ वि –जिसमे दोष न हो, दोषहीन।

ग़ैरमायूस (غیرمایوس) अ वि –जो निराश न हो, निराशाहीन, आशान्वित।

ग़ैरमा'सूम (غیرمعصوم) अ वि –जो पाप रहित न हो, पापयुक्त।

ग़ैरमाहिर (غیرماہر) अ वि –जो किसी काम का अच्छा ज्ञाता न हो, अविज्ञ।

ग़ैरमुऐयन (غیرمعین) अ वि –जो निश्चित न हो, अनिश्चित।

ग़ैरमुकम्मल (غیرمکمل) अ वि –जो अधूरा हो, अपूर्ण, नाकिस।

ग़ैरमुक़र्ररः (غیرمقررہ) अ वि –जो मुकर्रर न हो, अनिश्चित।

ग़ैरमुक़र्रर (غیرمقرر) अ वि –दे 'ग़ैरमुकर्रर'।

ग़ैरमुकर्रर (غیرمکرر) अ वि –जो दोबारा न हो, जो दोहराया न गया हो, अपरिचित, अनजान।

ग़ैरमुजज़्ज़ा (غیرمجزا) अ वि –जो अलग-अलग टुकडो मे न हो, सबद्ध, जो अध्यायो और खडो मे न हो।

ग़ैरमुजस्सम (غیرمجسم) अ वि –जिसने शरीर धारण न किया हो, जिसका कोई रूप निश्चित न हो, निराकार।

ग़ैरमुजाज़ (غیرمجاز) अ वि –जिसको किसी कार्य-विशेष की आज्ञा न हो, अनधिकारी।

ग़ैरमुतअल्लिक (غیرمتعلق) अ वि –जो किसी विषय विशेष से सम्बन्धित न हो, असगत, असबद्ध।

ग़ैरमुतअस्सिब (غیرمتعصب) अ वि –जिसमे धार्मिक या जातीय सकीर्णता न हो, उदाराशय, बृहच्चित्त।

ग़ैरमुतअस्सिर (غیرمتاثر) अ वि –जिसने असर न लिया हो, जो प्रभावित न हुआ हो, अप्रभावित, तटस्थ, निष्पक्ष।

ग़ैरमुतअह्हिल (غیرمتاهل) अ वि –जिसका व्याह न हुआ हो, और जिसके बाल-बच्चे न हो।

ग़ैरमुतग़ैयिर (غیرمتغیر) अ वि –जो विगडा न हो, जो खराब न हुआ हो, अविकृत, अरूपान्तरित।

ग़ैरमुतदय्यिन (غیرمتدین) अ वि –जिसमे दियानतदारी न हो, अविश्वस्त, सत्यानिष्ठ।

ग़ैरमुतनाही (غیرمتناهی) अ वि –अपार, असीम, जिसकी सीमा और छोर न हो।

ग़ैरमुतमद्दिन (غیرمتمدن) अ वि –जो सभ्य और शिष्ट न हो, असभ्य, अशिष्ट, जगली, वहशी।

ग़ैरमुतवक्क़े' (غیرمتوقع) अ वि –जिसकी आशा न हो, अप्रत्याशित, जो आशा से अधिक हो, आशातीत।

ग़ैरमुतशद्दिद (غیرمتشدد) अ वि –जो हिंसा पर विश्वास न रखता हो, जो हिंसक न हो, अहिंसक।

ग़ैरमुतशद्दिदान. (غیرمتشددانه) अ फा वि –जिसमे हिंसा का प्रयोग न हो, शान्तिमय।

ग़ैरमुतहक़्क़िक़ (غیرمتحقق) अ वि –जिसकी जॉच-पडताल न हुई हो, जिसका निश्चय न हुआ हो, अनिश्चित, सदिग्ध।

ग़ैरमुतहम्मिल (غیرمتحمل) अ वि –जिसमे सहनशीलता न हो, असहिष्णु।

ग़ैरमुतहर्रिक (غیرمتحرک) जो चलता-फिरता न हो, अचल, जो अपनी जगह से हिल न सके, गतिहीन।

ग़ैरमुदल्लल (غیرمدلل) अ वि –जिसका सुवूत न हो, अप्रमाणित, जिसके लिए कोई दलील न हो, अतर्क्य, अयुक्तिसगत।

ग़ैरमुनज़्ज़म (غیرمنظم) अ वि –जिसका सगठन न हो, असगठित, जो क्रमबद्ध न हो, वेतर्तीब, असवद्ध।

ग़ैरमुनासिब (غیرمناسب) अ वि –जो उचित न हो, अनुचित, अश्लीलतापूर्ण, फोह्श, उद्दडतापूर्ण, नामुहज़्ज़ब।

ग़ैरमुम्किन (غیرممکن) अ वि –जो हो न सके, असभव, अशक्य।

ग़ैरमुरव्वज (غیرمروج) अ वि –जिसका चलन न हो, जो प्रचलित न हो, अव्यवहृत, अप्रचलित।

ग़ैरमुवस्सक़ (غیرموثق) अ वि –जो प्रमाणित न हो, जो निश्चित न हो, जो युक्तिसगत न हो।

ग़ैरमुशख़्ख़स (غیرمشخص) अ वि –जिसका निदान (तशख़ीस) न हुआ हो, जिसके वश और कुल आदि का पता न हो।

ग़ैरमुशाबेह (غیرمشابه) अ वि –जो एक दूसरे से मिलते-जुलते न हो, जो एक-जैसे न हो, असहरूप।

ग़ैरमुश्तवह (غیرمشتبه) अ वि –जिसमे सदेह न हो, असदिग्ध, अविकल्प, यकीनी।

ग़ैरमुसद्दक़ः (غیرمصدقه) अ वि –जिस सूचना या वार्ता के झूठ सच का निश्चय न हुआ हो, अविश्वस्त, जिसकी तसदीक न हुई हो, अप्रमाणित।

ग़ैरमुसद्दक़ (غیرمصدق) अ वि –दे 'ग़ैरमुसद्दक़'।

ग़ैरमुसल्लम (غیرمسلم) अ वि –जो माना न जाय, अमान्य, जिसका सुवूत न हो, अप्रमाणित।

ग़ैरमुसल्लह (غیرمسلح) अ वि –जो हथियारवद न हो, निरस्त्र, शस्त्रहीन।

ग़ैरमुसल्सल (غیرمسلسل) अ वि –जो ज़ंजीर मे जकडा न हो, विशृंखल, जो लगातार न हो, अनिरतर।

ग़ैरमुसावी (غیرمساوی) अ वि –जो वरावर न हो, असमान।

ग़ैरमुस्तक़िल (غیرمستقل) अ वि –जो हमेशा के लिए न हो, जो थोडे दिनो के लिए हो, अस्थायी।

ग़ैरमुस्ततीअ (غیرمستطیع) अ वि –जिसमे सामर्थ्य न हो, अशक्त, जो निर्धन हो, धनहीन, दरिद्र।

ग़ैरमुस्तनद (غیرمستند) अ वि –जिसके पास प्रमाणपत्र न हो, जो सनदयाफ्त न हो, जिसका विश्वास न हो, अविश्वस्त।

ग़ैरमुस्तहक़ (غیرمستحق) अ वि –अपात्र, अयोग्य, नाअह्ल, अनधिकारी, ग़ैरहक़दार।

ग़ैरमुस्ता'मल (غیرمستعمل) अ वि –जिसका प्रयोग न हुआ हो, अप्रयुक्त, जिसका प्रयोग किया न जाता हो, अव्यवहृत।

ग़ैरमुहज़्ज़ब (غیرمهذب) अ वि –दे 'ग़ैरतहज़ीवयाफ्त', अशिष्ट, दुःशील, उजड्ड।

ग़ैरमूहिम (غیرموهم) अ वि –जिसमे सदेह न हो, असदिग्ध, जो भ्रम मे न डाले।

ग़ैरमे'यारी (غیرمیعاری) अ वि –जो आदर्श के अनुसार न हो, जो विद्वत्तापूर्ण न हो, जो दर्जे से गिरा हुआ हो।

ग़ैरमौजूद (غیرموجود) अ वि –अनुपस्थित, ग़ैरहाज़िर, अविद्यमान, नामौजूद।

ग़ैरमौजूदगी (غیرموجودگی) अ फा स्त्री –अनुपस्थिति, ग़ैरहाज़िरी, अविद्यमानता, नामौजूदगी।

ग़ैरमौरूसी (غیرموروثی) अ वि –वह ज़मीन या जायदाद जो मौरूसी न हो, अपैतृक।

ग़ैरवाक़िई (غیرواقعی) अ वि –जो सत्य न हो, असत्य, झूठ, जो ठीक न हो, अयथार्थ, जो उचित न हो, अनुचित।

ग़ैरवाजिब (غیرواجب) अ वि –अनुचित, नामुनासिब, जिसका अदा करना आवश्यक न हो, अदेय।

ग़ैरवाज़ेह (غیرواضح) अ वि –जो साफ-साफ न हो, धुँधला, अस्फुट, जिसका स्पष्टीकरण न हुआ हो, अस्पष्ट।

ग़ैरशरीफ़ (غیرشریف) अ वि –अकुलीन, हीनयोनि, ग़ैरख़ानदानी, अनार्य, असज्जन, अधम, नीच।

ग़ैरशरीफ़ानः (غیرشریفانہ) अ फा वि –नीच लोगोजैसा, अशिष्टतापूर्ण, अनार्योचित।

ग़ैरसहीह (غیرصحیح) अ वि –जो सच न हो, असत्य, झूठ, जो शुद्ध न हो, अशुद्ध, जो तन्दुरुस्त न हो, अस्वस्थ।

ग़ैरसालह (غیرصالح) अ वि –अशुद्ध, दूषित, फासिद, असज्जन, नाशरीफ।

ग़ैरहमदर्द (غیرهمدرد) अ फा वि –जिसमे सहानुभूति न हो, जो दुख आदि में सहायता न करे।

ग़ैरहाज़िर (غیرحاضر) अ वि –जो अपनी ड्यूटी पर हाजिर न हो, अनुपस्थित, जो मौजूद न हो, अविद्यमान।

ग़ैरहाज़िरी (غیرحاضری) अ स्त्री –अनुपस्थिति, अविद्यमानता।

ग़ैल (غیل) अ पु –मोटा-ताज़ा शिशु, भरी हुई बाँहे, वह दूध जो स्त्री सभोग के समय शिशु को दे।

ग़ैलम (غیلم) अ स्त्री –वह लडकी जो पूरी आयु को पहुँच गयी हो और जिसमे कामेच्छा उत्पन्न हो गयी हो, कुएँ का स्रोत।

ग़ैस (غیث) अ पु –वर्षा, वृष्टि, मेह, बारिश, बरसना, बरसाना।

ग़ैसान (غیسان) अ पु –युवावस्था की तेज़ी, जवानी का जोश, युवावेग।

ग़ैहम (غیهم) अ स्त्री –तिमिर, अन्धकार, तारीकी, अँधेरा।

गैहाँ (گیہاں) फा पु –'गैहान' का लघु, दे 'गैहान'।

गैहान (گیہان) फा पु –ससार, जगत्, दुनिया।

गो

गो (گو) फा अव्य –यद्यपि, अगरचे, (प्रत्य) क़हनेवाला, जैसे—'हकगो' सच्ची बात कहनेवाला।

गो (گو) फा पु –गाय, गो, धेनु, कंदुक, गेद, पोलो का गेंद (सस्कृत से साम्य)।

गोइंद. (گوئندہ) फा वि –कहनेवाला, वक्ता, गुप्तचर, जासूस।

गोइया (گوئیا) फा अव्य –दे 'गोया', यह शब्द अब व्यवहृत नही है, इसके स्थान पर 'गोया' बोलते हैं "तुम मेरे पास होते हो गोया"—मोमिन।

गोए (گوے) फा पु –गेद, कदुक, पोलो का गेद।

गोएगिरीबाँ (گوے گریباں) फा पु –गले मे लगाने की घुडी।

गोएचौगाँ (گوے چوگاں) फा पु –पोलो खेलने का गेद।

गोएबाज़ी (گوےبازی) फा स्त्री –गेद-बल्ले का खेल, क्रिकेट।

ग़ोक (غوک) फा पु –मेढक, दर्दुर, मडूक।

गोज़ (گوز) फा पु –अधोवायु, अपान वायु, रियाह।

गोज़ेशुतुर (گوز شتر) फा पु –ऊँट का अपान वायु, अर्थात् ऐसी आवाज़ जिसे कोई न सुने, मिथ्या और फुज़ूल बात।

ग़ोतः (غوطہ) अ पु –डुबकी, मज्जन, पानी मे पैठना, मूल शब्द 'ग़ूत' है, परन्तु वह प्रचलित नही है।

ग़ोतःख़ोर (غوطہخور) अ फा –डुबकी लगानेवाला, मज्जनार।

ग़ोतःख़ोरी (غوطہخوری) अ फा स्त्री –डुबकी लगाना, गोता मारना।

ग़ोतःगाह (غوطہگاہ) अ फा स्त्री –डुबकी लगाने का स्थान।

ग़ोतःज़न (غوطہزن) अ फा वि –दे 'गोत ख़ोर'।

ग़ोतःज़नी (غوطہزنی) अ फा स्त्री –दे 'गोत ख़ोरी'।

गोदबांन (گودبان) फा पु –ऊँट का कोहान।

गोनाब (گوناب) फा पु –गाज़, गुलगून, मुखचूर्ण, फेस पाउडर।

गोमगो (گومگو) फा वि –असमजस, ऊहापोह, दुविधा, तजब्जुब।

गोयाँ (گویاں) फा वि –बोलता हुआ, कहता हुआ।

गोया (گویا) फा अव्य –मानो, जैसे, गोया कि (वि) बोलनेवाला, वक़्ता।

गोयाई (گویائی) फा स्त्री –वाक्शक्ति, वाचन-शक्ति, बोलने की कुव्वत।

ग़ोरः (غورہ) फा पु –कच्चा अगूर।

ग़ोर (غور) फा पु –अफगानिस्तान का एक प्रसिद्ध नगर।

गोर (گور) फा स्त्री –क़ब्र, समाधि-भवन, जगल, कानन, गोरख़र, जगली गधा विशेष।

गोरकन (گورکن) फा वि –क़ब्र खोदनेवाला, बिज्जू, एक प्रसिद्ध जन्तु जो क़ब्र खोदकर मुर्दे खाता है।

गोरकनी (گورکنی) फा स्त्री –क़ब्रें खोदन का काम या पेशा।

गोरख़र (گورخر) फा पु –एक जगली गधा-विशेष, वनगर्दभ।

गोरख़ानः (گورخانہ) फा पु –क़ब्र, समाधि-भवन।

गोरपरस्त (گورپرست) फा वि –क़ब्र पूजनेवाला, मुसलमानों का वह सम्प्रदाय जो महात्माओ की क़ब्रो का सम्मान करता, उन पर चिराग जलाता और फूल आदि चढाता है।

गोरपरस्ती (گورپرستی) फा स्त्री —क़ब्र पर फूल आदि चढाना और रौशनी करना।

गोल: (گولہ) फा पु —गोल पिंड, गोल चीज़, तोप आदि का गोला।

गोल:अंदाज़ (گولہ انداز) फा वि —तोपची, तोप का गोला चलानेवाला।

गोल बारी (گولہ باری) फा स्त्री —तोप से गोलो की वर्षा।

गोल (غول) फा पु —कान, कर्ण, सैनिको का दल, समूह, समुदाय, भीड, दे 'गूल'।

ग़ोल (غول) तु पु —वह सेना जिसके साथ सेनापति हो।

गोल (گول) फा वि —मूर्ख, मूढ, अनाडी।

ग़ोलबियावाँ (غول بیاباں) फा पु —दे 'गूले बियावाँ'।

गोश: (گوشہ) फा पु —घर का कोना, एकान्त, जाविय, कोण।

गोश:गीर (گوشہ گیر) फा वि —दे 'गोश नशी'।

गोश गीरी (گوشہ گیری) फा स्त्री —दे 'गोश नशीनी'।

गोश गुज़ीं (گوشہ گزیں) फा वि —दे 'गोश नशीं'।

गोश गुज़ीनी (گوشہ گزینی) फा स्त्री —दे 'गोश नशीनी'।

गोश नशीं (گوشہ نشیں) फा वि —एकान्तवासी, कोने में बैठनेवाला, सबसे अलग-थलग अकेला रहनेवाला।

गोश नशीनी (گوشہ نشینی) फा स्त्री —एकान्त मे रहना, सबसे अलग होकर अकेला रहना।

गोश (گوش) फा पु —कान, श्रवण, कर्ण।

गोशएइज़िवा (گوشۂ انزوا) फा अ पु —एकान्त, निर्जन स्थान, जहाँ कोई न हो ऐसा छोटा-सा स्थान।

गोशएतनहाई (گوشۂ تنہائی) फा पु —एकान्त, गोशाए इज़िवा,—"सैकडो हस्रते आबाद किये हैं इसको, कौन कहता है कि दिल गोशए तनहाई है।"

गोशएकमाँ (گوشۂ کماں) फा पु —कमान का चिल्ला।

गोशएचश्म (گوشۂ چشم) फा पु —आँख का कोना।

गोशख़ा (گوش خا) फा स्त्री —कनसलाई, एक लंबा और पतला कीडा जो कान में घुसकर बडा कष्ट देता है।

गोशगिराँ (گوش گراں) फा वि —जिसे ऊँचा सुनाई देता हो, बहरा, बधिर।

गोशगुज़ार (گوش گزار) फा वि —कहा हुआ, प्रार्थित, कथित, श्रुत।

गोशज़द (گوش زد) फा वि —कान मे पडी हुई बात, श्रुत, सुना हुआ।

गोश ता गोश (گوش تاگوش) फा वि —इधर से उधर तक, इस सिरे से उस सिरे तक।

गोशदार (گوش دار) फा वि —बात सुनने के लिए कान लगानेवाला, कनसुए लेनेवाला, निरीक्षक, निगहबान।

गोशदारी (گوش داری) फा स्त्री —कनसुए लेना, निरीक्षण, देखरेख।

गोशबरआवाज़ (گوش برآواز) फा वि —आवाज़ की आहट पर कान लगाये हुए, उत्कर्ण।

गोशमाल (گوش مال) फा वि —कान उमेठनेवाला, कान उमेठना।

गोशमाली (گوش مالی) फा स्त्री —कान उमेठना, लडको अथवा छोटे नौकरो को सजा देने के लिए उनके कान मलना।

गोशमाही (گوش ماہی) फा पु —घोघा, सीप, पियाला।

गोशवार: (گوشوارہ) फा पु —किसी हिसाब आदि के अलग-अलग ब्योरे का कागज, कान का लटकन, बुंदा।

गोशे शुन्वा (گوش شنوا) फा पु —सुननेवाला कान, वह कान जो बात गौर से सुने, अर्थात् वह व्यक्ति जो बात पर कान धरे।

गोशे होश (گوش ہوش) फा पु —होश के कान, होशियारी और सतर्कता से बात सुनना।

गोश्त (گوشت) फा पु —मास, आमिष, माँस।

गोश्तख़ोर (گوشت خور) फा वि —गोश्त खानेवाला, मासाहारी, जो प्रकृति से मासाहारी हो, जैसे—सिंह आदि।

गोश्तख़ोरी (گوشت خوری) फा स्त्री —गोश्त खाना, मासाहार, मासभक्षण।

गोसाल: (گوسالہ) फा पु —गाय का बछडा, गोवत्सल।

गोसालए फलक (گوسالۂ فلک) फा अ पु —वृषराशि, बुर्जे सौर।

गोस्पद (گوسپند) फा स्त्री —बकरी, अजा।

गोस्फ़द (گوسفند) फा स्त्री —दे 'गोस्पद'।

ग़ौ

ग़ौग़ा (غوغا) फा पु —कोलाहल, शोर, हाहाकार, कोहराम।

ग़ौग़ाई (غوغائی) फा वि —कोलाहल करनेवाला, शोर मचानेवाला।

ग़ौज़ (عوز) अ पु —संकल्प, निश्चय, इरादा।

ग़ौत (غوط) अ पु —किसी चीज़ में घुसना, एक चीज़ का दूसरी चीज़ में समाना।

ग़ौर (غور) अ पु —चिन्तन, मनन, सोच, विचार, ध्यान, खयाल, तन्मयता, इन्हिमाक, तसव्वुर, अनुध्यान, तवज्जुह, ध्यान।

ग़ौरतलब (غورطلب) अ वि —जिस पर विचार किया जाय, विचारणीय, जिस पर विचार आवश्यक हो।

ग़ौरोख़ौज़ (غوروخوض) अ पु —सोच-विचार, बहुत अधिक गौर।

ग़ौरोपर्दाख़्त (غورو پرداخت) अ फा स्त्री –देखरेख, पालन-पोषण।

ग़ौल (غول) अ पु –दुख, रंज, हत्या, हनन, हलाक, अचानक पकड़ लेना।

ग़ौस (غوث) अ पु –वह मुसलमान महात्मा जो वली से बड़ा पद रखता है, (वि) दुहाई सुननेवाला, न्यायकर्ता, न्याय के लिए पुकारना, दुहाई देना।

ग़ौस (غوص) अ पु –पानी मे पैठना, गोता मारना, अचानक किसी चीज़ पर उतरना।

गौहर (گوهر) फा पु –मुक्ता, मुक्तक, मुक्ताहल, मोती।

गौहरअफ़्शाँ (گوهرافشاں) फा वि –मोती बिखेरनेवाला, ऐसी मीठी बातें करनेवाला मानो मोती बिखर रहे हो।

गौहरअफ़्शानी (گوهرافشانی) फा स्त्री –मोती बिखेरना, मीठी-मीठी बाते करना।

गौहरफरोश (گوهرفروش) फा वि –मोती बेचनेवाला, जौहरी; गुणग्राहको के सामने अपने गुणो का प्रदर्शन करनेवाला।

गौहरफरोशी (گوهرفروشی) फा स्त्री –मोती बेचना, गुण-ग्राहको के सामने गुणो का प्रदर्शन।

गौहरफिशाँ (گوهرفشاں) फा वि –दे 'गौहरअफ्शाँ'।

गौहरफिशानी (گوهرفشانی) फा स्त्री –दे 'गौहरअफ्शानी'।

गौहरबार (گوهربار) फा वि –मोती बरसानेवाला, मुक्तावर्षक, रोनेवाला (विशेपत. आँख)।

गौहरबारी (گوهرباری) फा स्त्री –मोती लुटाना, रोना, आँसू बहाना।

गौहररेज़ (گوهرریز) फा वि –दे 'गौहरबार'।

गौहररेज़ी (گوهرریزی) फा स्त्री –दे 'गौहरबारी'।

गौहरशनास (گوهرشناس) फा वि –मोती की परख रखनेवाला, जौहरी, गुण की परख रखनेवाला, गुणग्राही।

गौहरशनासी (گوهرشناسی) फा स्त्री –मोती की परख, गुणो की परख।

गौहरसंज (گوهرسنج) फा वि –मोती तौलनेवाला, जौहरी, गुणो का परखनेवाला; अच्छी कविता करनेवाला।

गौहरसंजी (گوهرسنجی) फा स्त्री –मोती तौलना, जौहरी का काम, गुणो की परख, अच्छी कविता करना।

गौहरे ताबाँ (گوهر تاباں) फा पु –बहुत अच्छी चमक देने-वाला मोती।

गौहरे दंदाँ (گوهردنداں) फा पु –मोतियो-जैसे दाँत, मोतीरूपी दाँत।

गौहरे यकता (گوهر یکتا) फा पु –वह मोती जो सीप मे एक ही होता है, इसलिए बड़ा और बहुमूल्य होता है।

च

चंग (چنگ) फा पु –एक टेढ़े आकार का बाजा, मुट्ठी, पजा; हर टेढी वस्तु।

चंगनवाज़ (چنگ نواز) फा वि –चग बजानेवाला।

चंगनवाज़ी (چنگ نوازی) फा स्त्री –चग बजाने का काम या पेशा।

चंगलूक (چنگ لوک) फा वि –जिसके हाथ-पाँव टेढे हो, लुझा।

चंगाल (چنگال) फा पु –दे 'चगुल'।

चंगी (چنگی) फा वि –चग बजानेवाला।

चंगुल (چنگل) फा पु –मनुष्य का पजा, पक्षी का पजा, शेर आदि का पजा।

चंगूक (چنگوک) फा वि –दे 'चगलूक'।

चंगेज़ (چنگیز) तु पु –दे शुद्ध उ 'चिंगेज़'।

चंदः (چنده) फा पु –वह धन जो बहुत-से लोगो से लेकर किसी कार्य-विशेष मे व्यय किया जाता है।

चंद (چند) फा वि –थोड़े, कतिपय, कितने।

चंदगाह (چندگاه) फा स्त्री –बहुधा, प्राय, अक्सर।

चंद दर चंद (چند در چند) फा वि –बहुत अधिक।

चंदन (چندن) एक प्रसिद्ध सुगधित लकडी, सदल।

चंदमर्दः (چندمرده) फा वि –वह व्यक्ति जो अकेला कई आदमियो का काम करे।

चंदरोज़ः (چندروزه) फा वि –थोडे दिनो का, अस्थायी, जो अधिक काम न दे, बोदा, जो नाशवान् हो, नश्वर, फानी।

चंदसालः (چندساله) फा वि –जो थोडी आयु का हो, जो थोडे वर्षो के लिए हो; जो थोडे वर्षो में समाप्त हो।

चंदाँ (چنداں) फा अव्य –इतना, इस कदर, कितना, किस कदर, ज़रा भी, कुछ भी।

चंदाल (چندال) फा पु –अधम, नीच, चाडाल, चौकीदार, रखवाला।

चंदीं (چندیں) फा अव्य –इतना, इस कदर, कितना, किस कदर।

चंदे (چندے) फा वि –थोड़े दिन, थोडी देर।

चंबर (چنبر) फा वि –परिधि, मुहीत, बड़ी डफली, डफ, घेरा, हल्का; तौक़, गले का एक आभूपण, कमद, ऊपर चढने की रस्सी, कैद, कारावास, चक्कर देना।

चंबरीं (چنبریں) फा वि –गोल, मडलाकार।

चक (چک) फा पु –दस्तावेज़, लेख्य, बैनामा, विक्रय-लेख, सीमा, हद, क्षेत्र, रक्बा, उद्यान, बाग, आदेशपत्र,

हुक्मनामा, धुनकी की मूठ, खलियान समेटने की पाँच शाखावाली लकडी, पचा, वृत्ति, वजीफा।

चकश (چکش) फा पु –श्येन का घोसला, वाज के रहने का स्थान।

चकस (چکس) फा पु –दे 'चकश'।

चकाद (چکاد) फा स्त्री –ललाट, माथा।

चकावक (چکاوک) फा पु –चडूल, एक मधुरस्वर पक्षी, टटीरी, टिट्टिभि।

चकीदः (چکیدہ) फा वि –टपका हुआ, गिरा हुआ।

चकीदनी (چکیدنی) फा वि –टपकने योग्य, गिरने योग्य।

चकुश (چکش) तु पु –लोहार का हथौडा।

चकोचान (چک وچانہ) फा पु –योग्यता, विद्वत्ता, काविलीयत, पात्रता, इस्ते'दाद।

चक्मः (چکمہ) तु पु –मोज़ा, जुर्राव, वूट जूता।

चक्माक़ (چقماق) तु पु –एक आग देनेवाला पत्थर, अग्नि प्रस्तर, व्यग, कटाक्ष, तंज़।

चक्रः (چکرہ) फा पु –वूँद-वूँद टपकना।

चक्लः (چکلہ) तु पु –वेश्यालय, रडियो का महल्ला।

चक्श (چکش) तु पु –लोहारो का हथौडा, दे 'चकुश', दोनो शुद्ध है।

चक्श (چکش) फा पु –वुलवुल अथवा वाज़ आदि के विठाने की लकडी, अड्डा।

चक्स (چکسہ) फा पु –पुडिया, जिसमे सौदा वँधा होता है।

चख (چخ) फा स्त्री –कलह, झगडा, कहा-सुनी, तू-तू, मैं-मैं।

चखश (چخش) फा स्त्री –गले की वतौडी, रसौली।

चखिंदः (چخندہ) फा वि –लडनेवाला।

चखीं (چخیں) फा वि –दुखित, क्लेशित, रजीदा।

चखीद (چخیدہ) फा वि –लडा हुआ, जो लडा हो।

चखीदनी (چخیدنی) फा वि –लडने योग्य।

चग़ (چغ) फा स्त्री –मठा फेरने की रई।

चग़रिश्त. (چغرشتہ) फा पु –सूत की पिडिया, अटी।

चग़ाज़ (چغاز) फा स्त्री –व्यभिचारिणी, फाहिशा, कुलटा, मुँहफट और वाचाल स्त्री।

चग़ान (چغانہ) फा पु –धुनिए की मूठ-जैसी एक लकडी में झाँझे डालकर बजाने का एक वाजा।

चग़ान ज़न (چغانہ زن) फा वि –चगाना वजानेवाला।

चग़िल (چگل) फा पु –दे 'चिगिल'।

चग़ूक (چغوک) फा पु –चटक, गौरैया पक्षी, सुर्खाव पक्षी।

चग़्ज़ (چغز) फा पु –मेढक, दर्दुर, मडूक, वह फोडा जिसका मुँह वद हो और भीतर पीप हो।

चज़ (چز) फा पु –कपि, वदर, वानर।

चतूक (چتوک) फा पु –दे 'चगूक'।

चत्र (چتر) फा पु –छत्री, छाता, वह छाता जो राजाओ के सर पर लगाया जाता है।

चत्रज़न (چترزن) फा वि –ज़मीन पर हाथ टेककर और पाँव ऊपर करके खडा होनेवाला।

चत्रपोश (چترپوش) फा वि –जो छाते से ढँका हो, जिस पर छाता लगा हो।

चत्रवश (چتروش) फा वि –छाते-जैसा, छाते की तरह गोल और सायादार।

चत्रसाँ (چترساں) फा वि –दे 'चत्रवश'।

चत्रे अब्री (چتر عنبریں) फा अ पु –रात्रि, रात, निशा।

चत्रे आवगूँ (چتر آبگوں) फा पु –आकाश, आस्मान।

चत्रे कुहली (چتر کحلی) फा अ पु –आकाश, आस्मान, काली घटा।

चत्रे ज़रनिगार (چتر زرنگار) फा पु –सोने के काम से सुसज्जित छाता, ताराओ जडा आकाश।

चत्रे नूर (چتر نور) फा अ पु –सूर्य, सूरज।

चत्रे शाही (چتر شاہی) फा पु –वादशाहो के सर पर लगाया जानेवाला वडा छाता।

चत्रे सीमावी (چتر سیمابی) फा पु –दे 'चत्रे सीमी'।

चत्रे सीमीं (چتر سیمیں) फा पु –पूरा चाँद, पूर्णचद्र।

चनाव (چناب) फा पु –रावटी की लकडी का छेद।

चनार (چنار) फा पु –एक प्रसिद्ध वृक्ष, कहते है कि रात को इसमें से चिनगारियाँ झडती है।

चप (چپ) फा वि –वायाँ, वाम, वायी ओर, उलटी तरफ।

चपअदाज़ (چپ انداز) फा वि –वह तीरअदाज़ जिसका तीर निशाने पर पडकर लौट आये, छली, ठगिया।

चपकन (چپکن) फा स्त्री –अचकन के प्रकार का एक वस्त्र, अँगरखा।

चपक़ुलश (چپقلش) तु स्त्री –खीचातानी, आपाधापी, भीड-भाड, जगह की तगी, झगडा, वखेडा, लडाई।

चपचल (چپچلہ) फा पु –झूला, झूलने का यत्र, रपटन, फिसलन।

चपत (چپت) फा स्त्री –दे 'चपात'।

चपदाद (چپ دادہ) फा वि –छोडा हुआ, त्यक्त।

चपदिहद (چپ دہندہ) फा वि –छोडनेवाला, त्यागी।

चपरास (چپراس) फा स्त्री –कमर मे वाँधने की पेटी, जो चौकीदार और सरकारी पियादे लगाते है।

चपरासी (چپراسی) फा पु –चपरास वाँधनेवाला, माल के विभाग का सम्मन आदि ता'मील करनेवाला व्यक्ति।

चपात (چپات) फा स्त्री –चपत, थप्पड।

चपाती (چپاتی) फा स्त्री –पतली रोटी, जो हाथ पर बढायी गयी हो और बडी हो।
चपार (چپار) फा पु –'चापार' का लघु , डाक, डाकिया।
चपोरास्त (چپوراست) फा पु –दाये-बायें, इधर-उधर, दोनो ओर।
चप्पः (چپه) फा पु –जो उलटे हाथ से सारा काम करता हो, खब्वा।
चफालः (چفاله) फा पु –सेना, फौज, पक्षियो का झुड।
चफीदः (چفیده) फा वि –चिपका हुआ।
चफीदनी (چفیدنی) फा वि –चिपकने योग्य।
चफ़्तः (چفته) फा वि –वक्र, टेढा, धन्वाकार, खमीद , मिथ्यारोप, तोहमत, बकरी का सिर, सिरी।
चफ़्त (چفت) फा स्त्री –अगूर आदि की टट्टी, बाँस की खपच्चियो से बनी हुई चौकोर टट्टी।
चफ्सीदः (چفسیده) फा वि –चिपका हुआ।
चबाग (چباغ) फा स्त्री –एक मछली।
चबूतरः (چبوتره) फा पु –दे 'चौतरा'।
चबगुत (چبغت) फा पु –रुई भरा हुआ पुराना कपडा।
चम (چم) फा पु –इठलाती हुई चाल, पेच।
चमर्गर्दिश (چم گردش) फा स्त्री –इठलाकर चलना, खिरामेनाज़।
चमन (چمن) फा पु –उद्यान, आराम, वाटिका, बाग।
चमनआरा (چمن آرا) फा वि –बाग को सँवारने और सजानेवाला, माली, उद्यानपाल।
चमनआराई (چمن آرائی) फा स्त्री –बाग के सजाने का काम।
चमनपैरा (چمن پیرا) फा वि –दे 'चमनआरा'।
चमनपैराई (چمن پیرائی) फा स्त्री –दे 'चमनआराई'।
चमनबद (چمن بند) फा वि –बाग सजानेवाला, बाग लगानेवाला।
चमनबंदी (چمن بندی) फा स्त्री –बाग की सजावट, बाग के लिए पेड लगाना।
चमनिस्ताँ (چمنستاں) फा पु –'चमनिस्तान' का लघु , दे 'चमनिस्तान'।
चमनिस्तान (چمنستان) फा पु –चमन, बाग।
चमाँ (چماں) फा वि –इठलाकर चलनेवाला, चलने मे इठलाता हुआ।
चमानः (چمانه) फा पु –तोबी का पियाला जिसमे खाते पीते है (वि) इठलाता हुआ, इठलाकर चलता हुआ।
चमान (چمان) फा पु –पेशाब-पाखाने के कीडे।
चमिंद (چمنده) फा वि –इठलाते हुए टहलनेवाला।
चमिश (چمش) फा स्त्री –लचक, इठलाहट।
चमी (چمی) फा वि –जो भौतिक न हो, मानसिक, मानवी।
चमीदः (چمیده) फा वि –जो इठलाकर टहला हो, टहलता या चलता हो।
चमीद (چمید) फा स्त्री –लचक, मटक, इठलाहट।
चमीदनी (چمیدنی) फा वि –लचकने योग्य, नाज से चलने योग्य।
चमीन (چمین) फा पु –पेशाब, पाखाना।
चमोख़म (چم و خم) फा पु –नाज़ोअदाज, हावभाव।
चम्चः (چمچه) तु पु –हाँडी चलाने का पात्रविशेष, खाने का पात्रविशेष।
चरंदः (چرنده) फा पु –दे 'चरिंद', दो शु है।
चर (چر) फा प्रत्य –चरनेवाला, जैसे–'काहचर' घास चरनेवाला।
चरस (چرس) फा पु –शिकज, अडगडा, चरागाह, गोचर, भीख का माल।
चरा (چرا) फा अव्य –क्यो, किसलिए, किस कारण, (पु) चरागाह, पशुओ के चरने का स्थान, चरना।
चराग़ (چراغ) फा पु –दीप, दीपक, दिया, चरना।
चरागदान (چراغدان) फा पु –चराग रखने का पात्र, दीवट आदि।
चराग़पा (چراغپا) फा पु –दीवट, चिरागदान, (वि) जो अलफ हो गया हो, जो गुस्से मे आपे से बाहर हो गया हो।
चरागर (چراگر) फा वि –चरनेवाला।
चराग़वारः (چراغواره) फा पु –दीवट, चरागदान, कदील।
चरागा (چراغاں) फा पु –जलते हुए चरागो की कतारे, दीपावली, पक्तियो मे बहुत-से दीपक जलाने का कर्म, अपराधी को शारीरिक यातना देने की एक अमानुषिक शैली, जिसमे उसके सिर पर बहुत से घाव बनाकर हर घाव मे एक जलती हुई बत्ती रखते थे।
चरागाह (چراگاه) फा स्त्री –गो आदि के चरने का स्थान, गोचर।
चरागी (چراغی) फा स्त्री –किसी बुज़ुर्ग के मज़ार पर फातेहा दिलानेवाले से रोशनी के लिए लिया जानेवाला पैसा।
चरागे आस्मानी (چراغ آسمانی) फा पु –विद्युत्, बिजली।
चरागे कुश्त. (چراغ کشته) फा पु –बुझा हुआ दीपक।
चरागे तहेदामन (چراغ تہ دامن) फा पु –हवा के वेग से बचाने के लिए दामन के नीचे किया हुआ दीपक।

चरागे मज़ार (چراغِ مزار) फा अ पु—कब्र पर जलनेवाला दिया, आशिक की कब्र पर जलनेवाला दीपक, यह शब्द विशेषत इन्ही अर्थों में बोला जाता है।

चराज़न (چرازن) फा वि—चरनेवाला, घास खानेवाला, पशु, जानवर।

चरिंद: (چرنده) फा वि—पशु, चौपाया, मवेशी, चरनेवाला।

चरिंद (چرند) फा पु—दे 'चरिंद'।

चरीद: (چریده) फा वि—चरा हुआ, जिसे चरा गया हो।

चरीदनी (چریدنی) फा वि—चरने योग्य।

चर्कस (چرکس) तु पु—एक तुर्की जाति।

चर्ख़ (چرخه) फा पु—सूत या ऊन कातने का यंत्र, चर्खा।

चर्ख़ (چرخ) फा पु—चक्कर, चक्र, आकाश, आस्मान, कुम्हार का चाक, पहिया, चक्र, कडा धनुष, रहट, कुएँ से पानी निकालने का गर्रा, दामन का घेर, चारो ओर फिरना, घूमना, कुर्ते का गला।

चर्ख़अंदाज़ (چرخ انداز) फा वि—अच्छा तीर चलानेवाला, धनुर्धर।

चर्ख़कबा (چرخ قبا) फा अ पु—एक प्रकार की अतलस।

चर्ख़गी (چرخگی) फा स्त्री—पहलवान का अखाडे में जीतने के समय खुशी से नाचना-कूदना।

चर्ख़ज़न (چرخ زن) फा वि—नाचनेवाला, (वाली) नर्तक, नर्तकी, पर्यटन करनेवाला, सैयाह।

चर्ख़ज़नी (چرخ زنی) फा स्त्री—नाचना, पर्यटन करना।

चर्ख़जी (چرخچی) फा स्त्री—सेना का आगे चलनेवाला दस्ता।

चर्ख़रीसक (چرخ ریسک) फा पु—झींगुर।

चर्ख़ाब (چرخاب) फा पु—जलावर्त, भँवर, (चर्ख़=चक्कर+आब=पानी) गिर्दाब।

चर्ख़ी (چرخی) फा स्त्री—कपास ओटने का यंत्र, पतंग की डोर लपेटने का हुचका, एक आतशबाज़ी, फिरकी।

चर्ख़ुश्त (چرخشت) फा पु—कोल्हू।

चर्ख़ूक (چرخوک) फा पु—लट्टू।

चर्ख़े कमाँ (چرخِ کماں) फा पु—धनुष का घेरा।

चर्ख़े फलक (چرخِ فلک) फा अ पु—सब से ऊँचा आकाश, जिस पर ईश्वर का सिंहासन है, अर्श।

चर्ख़े बरीं (چرخِ بریں) फा पु—ऊँचा आकाश, सबसे ऊपरवाला आकाश।

चर्ग़ (چرغ) फा पु—श्येन, शिक्रा बाज़, शिकारी पक्षी, लकडबग्घा, चर्खा।

चर्ग़द (چرغد) फा पु—झींगुर।

चर्ग़ीन: (چرغینه) फा वि—नीच, कमीना, अधम।

चर्ज़: (چرزه) फा पु—मनुष्य अथवा पशु की खाल।

चर्ज़ (چرز) फा पु—एक पक्षी।

चर्त: (چرته) फा पु—दे 'चर्द:'।

चर्द: (چرده) फा पु—रंग, वर्ण, परंतु यह शब्द केवल 'सियाह' के साथ बोला जाता है, और 'काले रंगवाला' का अर्थ देता है।

चर्ब: (چربه) फा पु—वह महीन और चिकना काग़ज़ जो दूसरे काग़ज़ पर रखकर उसके बेलबूटे उतारने के काम आता है, अक्सी काग़ज़, इस प्रकार उतारा हुआ काग़ज़, ख़ाका, रेखाचित्र, नक्ल, प्रतिलिपि।

चर्ब (چرب) फा वि—चिकना, स्निग्ध, घी मे चुपडा या मला हुआ, घी मे तलना, सेकना।

चर्बआख़ोर (چرب آخور) फा वि—वह व्यक्ति जो बिना परिश्रम के तर माल खाता हो, मुफ्तख़ोर।

चर्बक (چربک) फा पु—पूरी, घी मे तला हुआ फुलका, मलाई, क्षीरस्तर, वह महीन काग़ज़ जिस पर दूसरे चित्र का अक्स लिया जाता है।

चर्बक़ामत (چرب قامت) फा अ वि—अच्छे डीलडौल का, सुडौल।

चर्बज़बाँ (چرب زباں) फा वि—चापलूस, चाटुकार, ख़ुशामदी, मुखर, वाचाल, बातूनी, ख़ुशामद से मीठी-मीठी बातें करनेवाला।

चर्बज़बानी (چرب زبانی) फा स्त्री—चापलूसी, बातूनी होना, मीठी-मीठी बातें करना।

चर्बदस्त (چرب دست) फा वि—किसी काम मे होशियार, सिद्धहस्त, दस्तकार, शिल्पकार।

चर्बदस्ती (چرب دستی) फा स्त्री—काम मे कुशलता, दस्तकार होना।

चर्बपहलू (چرب پہلو) फा वि—चर्बीला, मोटा-ताज़ा, वह व्यक्ति जिसके पास बैठना उठना लाभदायक हो।

चर्बिंद: (چربنده) फा वि—जीतनेवाला, विजेता।

चर्बिंदगी (چربندگی) फा स्त्री—विजय, जीत।

चर्बीद: (چربیده) फा वि—जीता हुआ, जो जीत गया हो, प्राप्तविजय।

चर्बीदनी (چربیدنی) फा वि—जीतने योग्य, जेय।

चर्बू (چربو) फा स्त्री—चर्बी, मेदा।

चर्बोख़ुश्क (چرب و خشک) फा पु—अच्छा-बुरा, बुरा-भला, उदार और कंजूस।

चर्म: (چرمه) फा पु—गोन, ख़ुर्जी।

चर्म (چرم) फा पु—चमडा, चर्म, (सस्कृत का फ़ार्सी में प्रचलित तत्सम रूप)।

चर्मदाँ (چرمدان) फा पु –चमड़े का थैला।
चर्मदोज़ (چرمدوز) फा. वि –चमडा सीनेवाला, मोची, चर्मकार।
चर्मदोज़ी (چرمدوزی) फा स्त्री –चमडा सीने का काम, मोचीपन।
चर्मी (چرمیں) फा वि –चमडे का वना हुआ।
चर्मीनः (چرمینہ) फा पु –चमडे की वनी हुई वस्तु।
चर्मे आहू (چرم آھو) फा पु –हिरन का चमडा।
चर्विंदः (چروندہ) फा वि –दौड़नेवाला, उपाय ढूँढने-वाला।
चर्वीदः (چرویدہ) फा वि –दौडा हुआ, उपाय ढूँढा हुआ।
चलंजू (چلنجو) फा वि –वह व्यक्ति जो कपडा जल्द मैला करता हो।
चलपची (چلپچی) फा स्त्री –हाथ धोने का एक विशेप-पात्र।
चलाली (چلالی) फा पु –छीका।
चलिंदः (چلندہ) फा वि – चलनेवाला।
चलीदः (چلیدہ) फा वि –चला हुआ।
चलीदनी (چلیدنی) फा वि –चलने योग्य।
चलीपा (چلیپا) फा वि –सलीव, क्रास।
चलीपाई (چلیپائی) फा वि –सलीव के आकार का।
चल्पक (چلپک) फा स्त्री –पूरी, घी मे सिंकी हुई रोटी।
चल्पास· (چلپاسہ) फा स्त्री –छिपकली, गृहगोधा, दे 'चिल्पास', दो गु है।
चल्व (چلب) फा स्त्री –झाँझ।
चश. (چسہ) फा पु –चटनी, चाटने की खट-मिट्ठी चीज़, अवलेह, लऊक।
चश (چش) फा प्रत्य –चखनेवाला, जैसे—'लज्जत-चश' मजा चखनेवाला।
चशक (چشک) फा स्त्री –चखावट।
चशिंदः (چشندہ) फा वि –चखनेवाला।
चशीदः (چشیدہ) फा वि –चखा हुआ।
चशीदनी (چشیدنی) फा वि –चखने योग्य।
चश्पर (چشپر) फा पु –पॉव का चिह्न।
चश्म. (چشمہ) फा पु –सोता, स्रोत, सरिता, छोटी नदी, उपनेत्र, ऐनक, प्राकृतिक स्रोत, कुड।
चश्म.गाह (چشمہ گاہ)–फा स्त्री –चश्मे का स्थान।
चश्म.ज़ार (چشمہ زار) फा पु –जहाँ चश्मे ही चश्मे हों।
चश्म.सार (چشمہ سار) फा पु –दे 'चश्म ज़ार', चश्मो से भरा हुआ स्थान।

चश्म (چشم) फा पु –नेत्र, नयन, चक्षु, आँख; आशा, उम्मीद।
चश्मए आफ़ताव (چشمۂ آفتاب) फा पु –सूरज, सूर्य।
चश्मए ख़िज़्र (چشمۂ خضر) फा अ पु –आवेहयात का चश्मा, अमृत कुड।
चश्मए गर्म (چشمۂ گرم) फा पु –वह सोता जहाँ से गर्म पानी निकलता हो।
चश्मए सीमाव (چشمۂ سیماب) फा पु –सूरज, सूर्य।
चश्मए होर (چشمۂ ھور) फा पु –सूरज, सूर्य।
चश्मए हैवाँ (چشمۂ حیواں) फा अ पु –दे 'चश्मए ख़िज़्र'।
चश्मक (چشمک) फा स्त्री –गुप्त बात के लिए आँख का सकेत, उपनेत्र, ऐनक।
चश्मकज़न (چشمک زن) फा वि –आँख से सकेत करने-वाला।
चश्मकज़नी (چشمک زنی) फा स्त्री –आँख से सकेत करना।
चश्मख़ानः (چشم خانہ) फा पु –वह गढा जिसमे आँख का ढेला रहता है, चक्षु गोलक।
चश्मगश्तः (چشم گشتہ) फा वि –विपम दृष्टि, भेगा।
चश्मज़ख़्म (چشم زخم) फा पु –बुरी दृष्टि का प्रभाव।
चश्मज़द (چشم زد) फा पु –नज़र लगाना, आँख का सकेत करना, डरना, पलक झपकना, पल, लमहा।
चश्मज़दन (چشم زدن) फा पु –पलक झपकना, निमेप।
चश्मज़ाग़ (چشم زاغ) फा वि –निर्लज्ज, वेहया।
चश्मदरीद. (چشم دریدہ) फा वि –निर्लज्ज, धृष्ट, वेहया।
चश्मदाश्त (چشم داشت) फा स्त्री –आशा, भरोसा, उम्मेद, आँख लगाना।
चश्मदीद (چشم دید) फा वि.–आँख से देखा हुआ, जो आँखो के सामने घटित हुआ हो।
चश्मनुमाई (چشم نمائی) फा स्त्री –आँखे तरेरना, आँखे तरेरकर धमकी देना।
चश्मपोशी (چشم پوشی) फा स्त्री –किसी का दोष देखते हुए भी निगाह वचा जाना, दर गुजर।
चश्मबंद (چشم بند) फा वि –वह मत्र या जादू जिससे नीद उड जाती है।
चश्मवदी (چشم بندی) फा स्त्री –मत्र या जादू के द्वारा नीद का उड जाना।
चश्मवरजा (چشم برجا) फा वि –टकटकी वाँधे हुए, एक टक देखता हुआ।

चश्मबराह (چشم براہ) फा वि –रस्ते पर आँखें लगाये हुए, बेचैनी से प्रतीक्षा करनेवाला।
चश्मरसीदः (چشم رسیدہ) फा वि –जिसे नज़र लग गयी हो।
चश्मरौशनी (چشم روشنی) फा स्त्री –मुबारकवाद, बधाई।
चश्महादीदः (چشم ہا دیدہ) फा वि –बहुत-सी आँखें देखे हुए, अर्थात् बहुत ही अनुभवी।
चश्मारू (چشمارو) फा पु –खेत रखाने के लिए बनाया हुआ फूँस आदि का मनुष्य, धोखा।
चश्मे ख़ुरूस (چشم خروس) फा स्त्री –घुँघची, घुमचिल।
चश्मे ख़ूँआलूद (چشم خوں آلود) फा स्त्री –ऐसी आँखें जो क्रोध के वेग से लाल हो रही हों, मानो उनमें ख़ून उतर आया है।
चश्मे ज़ाहिर (چشم ظاہر) फा अ स्त्री –साधारण आँख जिससे देखते हैं, चर्मचक्षु।
चश्मे नम (چشم نم) फा स्त्री –गीली आँख, जो आँसुओं से तर हो।
चश्मे नीमबाज़ (چشم نیم باز) फा स्त्री –अधखुली आँख, ऊँघते हुए की आँख, नशे में मस्त की आँख।
चश्मे नीमवा (چشم نیم وا) फा स्त्री –दे 'चश्मे नीमबाज़'।
चश्मे पुरआब (چشم پر آب) फा स्त्री –जिस आँख में आँसू भरे हुए हों, रोनेवाली आँख, डबडबाई हुई आँख।
चश्मे पुरनम (چشم پرنم) फा स्त्री –दे 'चश्मे पुरआब'।
चश्मे फिरंगी (چشم فرنگی) फा स्त्री –उपनेत्र, चश्मा, ऐनक।
चश्मे बद (چشم بد) फा स्त्री –बुरी नज़र, कुदृष्टि, लगनेवाली नज़र।
चश्मे बद्दूर (چشم بد دور) फा वा –एक आशीर्वाद, तुम्हें बुरी नज़र न लगे।
चश्मे बातिन (چشم باطن) फा अ स्त्री –'चश्मे ज़ाहिर' का उलटा, दिल की आँख, अंतर्दृष्टि, ज्ञानचक्षु, दिव्य दृष्टि।
चश्मे बीना (چشم بینا) फा स्त्री –देखनेवाली आँख, जिस आँख में ज्योति हो, स्वस्थ आँख।
चश्मे बीमार (چشم بیمار) फा स्त्री –अधखुली आँख, विशेषत: प्रेमिका की आँख के लिए बोलते हैं।
चश्मे बेआब (چشم بے آب) फा स्त्री –जिस आँख में पानी न हो, अर्थात् निर्लज्ज।
चश्मे बेदार (چشم بیدار) फा स्त्री –जागती हुई आँख, खुली हुई आँख, सजग, सचेष्ट।
चश्मे शब (چشم شب) फा स्त्री –चंद्रमा, चाँद।
चश्मे शोर (چشم شور) फा स्त्री –दे 'चश्मेबद'।
चश्मे सियाह (چشم سیاہ) फा स्त्री –इस शब्द का प्रयोग जब प्रेमिका के लिए हो तो सुन्दर आँख और जब अपने लिए हो तो अंधी आँख।
चश्मे हिस्सी (چشم حسی) फा अ स्त्री –दे 'चश्मे ज़ाहिर'।
चश्मोचराग़ (چشم و چراغ) फा पु –अपने लिए आँख और घर के लिए दीपक, अर्थात् पुत्र, बेटा।
चस्तः (چستہ) फा पु –घोड़े, गधे अथवा ऊँट की खाल की बनी हुई एक वस्तु विशेष, पशु की रान का मांस।
चस्तःख़्वार (چستہ خوار) फा वि –मुफ़्तख़ोर।
चस्पाँ (چسپاں) फा वि –चिपका हुआ, चरितार्थ, मुताबिक़।
चस्पानीदः (چسپانیدہ) फा वि –चिपकाया हुआ।
चस्पिंदः (چسپندہ) फा वि –चिपकानेवाला।
चस्पीदः (چسپیدہ) चिपका हुआ।
चस्पीदगी (چسپیدگی) फा स्त्री –चिपकन, चिपक।
चस्पीदनी (چسپیدنی) फा वि –चिपकने योग्य।
चह (چہ) फा पु –'चाह' का लघु, दे 'चाह'।
चहचहः (چہچہہ) फा पु –चिड़ियों की चहकार, चहचहाहट।
चहार (چہار) फा वि –चार, चार की संख्या।
चहारगानः (چہارگانہ) फा वि –चार से सम्बन्ध रखनेवाला, चार सूत्रवाला, चार प्रकारवाला।
चहारगाह (چہارگاہ) फा पु –गाने का एक प्रकार।
चहारचंद (چہارچند) फा वि –चौगुना।
चहारजानिब (چہار جانب) फा अ वि –चारों ओर, चारों तरफ़।
चहारतारः (چہارتارہ) फा पु –एक साज़ जिसमें चार तार होते हैं।
चहारदह (چہاردہ) फा वि –चौदह, चतुर्दश।
चहारदहुम (چہاردہم) फा वि –चौदहवाँ, चतुर्दश, चौदहवीं, चतुर्दशी।
चहारदांग (چہار دانگ) फा वि –चारों ओर, सब तरफ़, संसार भर।
चहारपहलू (چہار پہلو) फा वि –चार कोनेवाला, चौखूँटा, चतुष्कोण।
चहारमीर (چہار میر) फा अ पु –चारों ख़लीफ़ा, अबूबक्र, उमर, उस्मान, अली।
चहार मेख़े हयात (چہار میخ حیات) फा अ स्त्री –आग, पानी, वायु, पृथ्वी, चारों तत्त्व।
चहारशंबः (چہارشنبہ) फा पु –बुधवार, बुध का दिन।
चहारुम (چہارم) फा वि –चौथा, चतुर्थ।
चहारुमी (چہارمیں) फा वि –चौथे का, चौथावाला, चौथा।

चा

चाउश (چاوش) तु पु –दे. 'चाऊश', दो शु हैं।

चाऊश (چاوش) तु पु –सेना अथवा काफिले के आगे आगे चलनेवाला चारक, नकीब।

चाक (چاق) तु वि –स्वस्थ, हृष्ट-पुष्ट; सतर्क, सचेत, चौकस, तत्पर, मुस्तइद।

चाक (چاک) फा पु –दरार, दर्ज, शिगाफ, विदीर्ण, फटा हुआ, फटन, फटने का भाव।

चाक चाक (چاک چاک) फा वि –पुर्जे-पुर्जे, टुकडे-टुकडे, भिन्न-भिन्न।

चाकमाक़ (چاقماق) तु पु –बदूक का घोडा, दे 'चक़माक'।

चाकर (چاکر) फा पु –सेवक, दास, नौकर।

चाकरी (چاکری) फा स्त्री –सेवा कर्म, दासता, नौकरी।

चाकश (چاکش) फा पु –बदूक का घोडा।

चाकू (چاقو) फा पु –एक विशेष प्रकार की दस्तेदार छोटी छुरी।

चाके गिरीबाँ (چاک گریباں) फा पु –कुर्ते आदि के गले की फटन।

चाके जिगर (چاک جگر) फा पु –हृदय की फटन, हृदय का घाव, प्रेम का जख्म।

चाके दामन (چاک دامن) फा पुं –दामन की फटन, जो प्रेम के आवेग में फाडा जाता है।

चाके राँ (چاک راں) फा पु –रान की फटन, भग, योनि।

चागर (چاغر) फा पु –चिडियो का बीट, जिसमे अन्न रहता है।

चाच (چاچ) फा पु –रूसी तुर्किस्तान का एक प्राचीन नगर जो अब ताशकद कहलाता है, यहाँ का धनुष बहुत बढिया होता था।

चाची (چاچی) फा वि –चाच की बनी हुई वस्तु, विशेषत धनुष, ढँढोरिया, घोषणा करनेवाला।

चाची कमाँ (چاچی کماں) फा स्त्री –चाच का बना हुआ धनुष।

चादर (چادر) फा स्त्री –ओढने का वस्त्र, प्रच्छादन, खेमा, रावटी, तख्ता, शीट।

चादरबदोश (چادربدوش) फा वि –कधे पर चादर डाले हुए, चादर ओढे हुए।

चादरे आब (چادر آب) फा स्त्री –पानी की सतह, जलस्तर।

चादरे महताब (چادر مہتاب) फा स्त्री –सफेद चादर की तरह बिछी हुई चाँदनी, चाँदनी का फर्श।

चानः (چانہ) फा पु –नीचे का जबडा, नीचे जबडे की हड्डी।

चाप (چاپ) फा पु –छाप, मुद्रण, छपना, अर्धवृत्त, कौस।

चापची (چاپچی) फा वि –छापनेवाला, मुद्रक।

चापाती (چاپاتی) फा स्त्री –चपाती, पतली और बडी रोटी, जो हाथ से बढायी गयी हो।

चापार (چاپار) फा पु –डाक, पोस्ट, डाकिया, चिट्ठी-रसाँ।

चाप्लूस (چاپلوس) फा वि –चाटुकार, खुशामदी।

चाप्लूसी (چاپلوسی) फा स्त्री –खुशामद, चाटूक्ति।

चाबुक (چابق) तु पु –चषक, पियाला।

चाबुक (چابک) फा पु –कोडा, कशा, प्रतोद, तीव्र, तेज़, निपुण, होशयार।

चाबुकख़िराम (چابک خرام) फा वि –तेज़ चलनेवाला, तीव्रगति, शीघ्रगामी।

चाबुकख़िरामी (چابک خرامی) फा स्त्री –तेज चलना, शीघ्र गति, शीघ्र गमन।

चाबुकज़न (چابک زن) फा वि –कोडा मारनेवाला।

चाबुकज़नी (چابک زنی) फा स्त्री –कोडा मारना।

चाबुकदस्त (چابک دست) फा. वि –कारीगरी मे कुशल, क्षिप्रहस्त, कुशलहस्त, तेज़ काम करनेवाला।

चाबुकदस्ती (چابک دستی) फा स्त्री –कारीगरी मे कुशलता, काम की तेज़ी।

चाबुकसवार (چابک سوار) फा पु –घोडे का अच्छा चढने-वाला, वह व्यक्ति जो घोडो को सधाता और सिखाता है।

चाबुकसवारी (چابک سواری) फा स्त्री –घोडे पर अच्छा चढना, घोडो को सधाने और सिखाने का काम।

चाबुकी (چابکی) फा स्त्री –निपुणता, दीक्षता, होशियारी (पु) तेज़ घोडा।

चामः (چامہ) फा पु –कविता, काव्य, शे'र, गज़ल।

चाम.गो (چامہ گو) फा वि –कविता करनेवाला, कवि, शाइर।

चाम (جام) फा. पु –पहाडी की घाटी।

चामक़ (چامق) तु पु –दे 'चामग़'।

चामग़ (چامغ) तु पु –गहरा कुआँ।

चामिंदः (چامندہ) फा वि –मूतनेवाला, पेशाब करनेवाला।

चामीं (چامیں) फा पु –'चामीन' का लघु, दे 'चामीन'।

चामीदः (چامیدہ) फा वि –जिसने पेशाब किया हो।

चामीदनी (چامیدنی) फा वि.–पेशाब करने योग्य।

चामीन (چامیین) फा पु –पेशाव और पाखाना, गू और मत।

चारः (چارہ) फा पु –उपाय, तदवीर, प्रयत्न, कोशिश, उपचार, इलाज, आश्रय, सहारा, छल, मक्र।

चार·गर (چارہگر) फा वि –चिकित्सक, उपचारक, वैद्य, तवीब।

चार·गरी (چارہگری) फा स्त्री –चिकित्सा, उपचार, इलाज, दवा-दारू।

चार जोई (چارہجوئی) फा स्त्री –प्रयत्न, तदवीर, दौड-भाग, कोशिश।

चार पिज़ीर (چارہپزیر) फा वि –जिसकी चिकित्सा हो सके, साध्य, जिसका उपाय हो सके।

चार·पिज़ीरी (چارہپزیری) फा स्त्री –इलाज हो सकना, उपाय हो सकना।

चार.साज़ (چارہساز) फा वि –दे 'चार गर'।

चार साज़ी (چارہسازی) फा स्त्री –दे 'चार गरी'।

चार (چار) फा वि –चार की सख्या, चत्वर, जो चार हो, चिकित्सा, इलाज, उपाय, तदबीर।

चारअब्रू (چارابرو) फा पु –डाढी, मूँछ, सिर और भौह के बाल।

चारआईन· (چارآئنہ) फा पु –एक चौकोर लोहे का पत्र जो तीर आदि के वचाव के लिए कपडो के नीचे छाती पर पहना जाता था।

चारएकार (چارہٗکار) फा पु –कार्य का उपाय, प्रयत्न, अतिम उपाय, आखिरी कोशिश।

चारएदर्द (چارہٗدرد) फा पु –पीडा की चिकित्सा, प्रेम के रोग का इलाज।

चारक (چارک) फा वि –नकीव, चोवदार।

चारकुब (چارقب) तु पु –धनवान् लोगो के पहनने का एक वस्त्र-विशेष।

चारख़म (چارخم) फा पु –पूरा, खिंचा हुआ धनुष, एक प्रकार का धनुष।

चारख़ान. (چارخانہ) फा पु –चौकोर खानोवाला कपडा, जिसमें चार खानें हो।

चारगाम (چارگامہ) फा वि –तेज़ चलनेवाला घोडा।

चारगाह (چارگاہ) फा पु – एक रागिनी, आदमी का शरीर जो आग, पानी, वायु और मिट्टी इन चार तत्त्वो से वना है।

चारज़बाँ (چارزباں) फा वि –वहुत अधिक वोलनेवाला, वातूनी, वाचाल।

चारज़ानू (چارزانو) फा पु –आलती पालती (पलथी) मारकर वैठने की मुद्रा।

चारजाम. (چارجامہ) फा पु –एक प्रकार की जीन, ज़ीनपोश।

चारताक़ (چارطاق) फा पु –एक प्रकार की रावटी।

चारताक अफ़गन (چارطاق افگن) फा वि –रावटी गाडने और फर्श आदि विछानेवाला, फराश।

चारदह (چاردہ) फा वि –चौदह, चतुर्दश।

चारदहुम (چاردہم) फा वि –चौदहवाँ, चतुर्दश।

चारदाँग (چاردانگ) फा पु –चारो ओर, सव तरफ, सारा ससार।

चारदीवार (چاردیوار) फा स्त्री –रात्रि, रात, निशा।

चारदीवारी (چاردیواری) फा स्त्री –घर, कोठी, वाग या इमारत आदि के घेरे की दीवार, प्राचीर, प्राकार, इहाता।

चारपा (چارپا) फा पु –चौपाया, पशु, मवेशी।

चारपाय· (چارپایہ) फा पु –दे 'चारपा'।

चारपार (چارپارہ) फा पु –वदूक में भरा जानेवाला छर्रा।

चारवर्ग (چاربرگ) फा पु –एक फूल, पहाडी लाला।

चारवाग (چارباغ) फा पु –वहुत वडा और सुदर वाग, जिसमें हर प्रकार के पेड और फूल हो।

चारवालिश (چاربالش) फा पु –वडा तकिया, मस्नद, गावतकिया।

चारबेख़ (چاربیخ) फा स्त्री –चार वनौषधियो की जड, कासनी, सौफ, करफ्स और अगूर की जड।

चारमग़्ज़ (چارمغز) फा पु –अख़रोट, अक्षरोट, एक प्रसिद्ध फल, तथा चार वनस्पतियो के वीज जो दवा मे पडते हैं।

चारमेख़ (چارمیخ) फा स्त्री –अपराधी को सज़ा देने का एक तरीका, जिसमे चार खूँटियाँ गाडकर उसमे उसके हाथ-पाँव वाँध दिये जाते थे।

चारमौज. (چارموجہ) फा पु –भँवर, जलावर्त, गिर्दाव।

चारशब. (چارشنبہ) फा पु –वुधवार, वुध।

चारशान. (چارشانہ) फा वि –मोटा ताज़ा, हृष्ट-पुष्ट, वहुत वडे डीलडौल का, गिराडील।

चारसू (چارسو) फा पु –चारो ओर, हर हरतरफ, वह वाजार जिसमे चारो ओर रास्ते और दुकाने हो, चौक-वाज़ार।

चारुक (چارق) तु पु –जगली तुर्को के पहनने की एक प्रकार की जूती।

चारुम (چارم) फा वि –चहारुम, चतुर्थ, चौथा।

चारुमीं (چارمیں) फा वि –चौथा, चतुर्थ, चौथे का।

चारोनाचार (چارونا چار) फा वि –विवशतापूर्वक, मज्बूर होकर।

चाय (چاے) फा स्त्री –पीने की एक प्रसिद्ध पत्ती, चाह।

चाल (چال) फा पु –गर्त, गढा, कुआँ, कूप, चकोर पक्षी, जुए का दाँव, वह घोडा जिसके लाल और सफेद बाल मिले हुए हो।

चालाक (چالاک) फा वि –निपुण, दक्ष, होशियार, धूर्त, वचक, छली, फुर्तीला, चुस्त, व्यवहारानिष्ठ, बेईमान, तीव्र, तेज।

चालाकदस्त (چالاک دست) फा वि –जिसके हाथ मे बहुत फुर्ती हो, जो आँखो के सामने से चीज उडा ले, हाथ की सफाई दिखानेवाला।

चालाकदस्ती (چالاک دستی) फा स्त्री –काम की तेज़ी, हाथ की सफाई।

चालाकी (چالاکی) फा स्त्री –धूर्तता, ठगी, बेईमानी, फुर्ती, चुस्ती, दक्षता, महारत, तीव्रता, तेज़ी।

चालिश (چالش) फा स्त्री –आक्रमण, चम्ला, धावा, चढाई।

चालीक (چالیک) फा पु –गिल्ली-डडे का खेल।

चालीश (چالیش) फा पु –इठलाकर टहलने का भाव।

चावली (چاولی) फा पु –सूप, छाज, जिससे नाज फटका जाता है।

चावीदः (چاویده) फा वि –चबाया हुआ।

चाश (چاش) तु पु –भूसा से निकाला हुआ गल्ला।

चाश्त (چاشت) फा स्त्री –सूर्योदय से एक पहर तक का समय, इस समय का हलका खाना, नाश्ता, जलपान, इस समय की नमाज।

चाश्नी (چاشنی) फा स्त्री –शकर आदि का किवाम, चखावट, चखने का भाव।

चाश्नीगीर (چاشنی گیر) फा वि –चाश्नी लेनेवाला, बावरची, रसोइया।

चाह (چاه) फा पु –कुआँ, कूप, गढा, गर्त।

चाहकन (چاه کن) फा वि –कुआँ खोदनेवाला, कूपकार, दूसरे के काम मे विघ्न डालनेवाला, छली, वचक, फरेबी।

चाहकनी (چاه کنی) फा स्त्री –कुआँ खोदने का काम, दूसरे के काम मे बाधा डालना, छल करना, दगाबाज़ी।

चाहजू (چاه جو) फा पु –कुएँ में गिरी हुई वस्तु निकालने का काँटा।

चाहमग (چاه مغ) फा पु –गहरा कुआँ।

चाहे कन्आँ (چاه کنعان) फा अ पु –वह अधा कुआँ जिसमे हज़रत यूसुफ को उनके भाइयो ने डाला था।

चाहे खसपोश (چاه خس پوش) फा पु –घास से ढँका हुआ कुआँ, तृणाच्छन्न कूप।

चाहे गब्गब (چاه غبغب) फा पु –दे 'चाहे ज़कन'।

चाहे ज़क़न (چاه ذقن) फा अ पु –वह गढा जो ठोडी के बीच मे होता है, चिबुक-कूपिका।

चाहे जनख़ (چاه زنخ) फा पु –दे 'चाहे जकन'।

चाहे जनख़दाँ (چاه زنخدان) फा पु –दे 'चाहे जकन'।

चाहे नख़्शब (چاه نخشب) फा. पु –नख़्शब (तुर्किस्तान का एक नगर) का वह गार जहाँ से उस समय के प्रसिद्ध वैज्ञानिक हकीम इब्ने मुकन्ना ने एक कृत्रिम चद्रमा उदय किया था, जो चारो ओर बारह-बारह मील रौशनी देता था, और दिन को गार मे छिप जाता था।

चाहे नाफ (چاه ناف) फा पु –नाभिकूप, टुडी, तुडी।

चाहे निस्याँ (چاه نسیان) फा अ पु –अधा कुआँ, जिसमें पानी न हो और ध्वस्त हो गया हो।

चाहे बाबुल (چاه بابل) फा पु –वह कुआँ जिसमे 'हारुत' और 'मारुत' नाम के दो फिरिश्ते बद है, और जो लोगो को जादू सिखाते है।

चि

चिगेज़ (چنگیز) तु पु –हुलाकू ख़ाँ का दादा, जो बडा अत्याचारी था, बारहवी शताब्दी (ईसवी) मे।

चिगेजनज़ाद (چنگیز نژاد) तु फा वि –उज्बुक वश के लोग।

चिदावुल (چنداول) तु पु –सेना का वह दल जो सेना के पीछे उसकी रक्षा के लिए चलता है।

चि (چه) फा अव्य –क्या, कि।

चिक (چق) तु –चिलमन।

चिकाँ (چکان) फा वि –टपकता हुआ, टपकानेवाला (प्रत्य) टपकानेवाला, जैसे–'खूँचिका' खून टपकानेवाला।

चिकानिंदः (چکاننده) फा वि –टपकानेवाला।

चिकानीदः (چکانیده) फा वि –टपकाया हुआ।

चिकारः (چکاره) फा वि –निकम्मा, नाकार।

चिकिंदः (چکنده) फा वि –टपकनेवाला।

चिकिन (چکن) फा. स्त्री –एक प्रकार का कशीदा जो रेशम या सूत से कपड पर काढा जाता है, इस कशीदे का कपडा।

चिकिश (چکش) फा स्त्री –टपकन, टपक।

चिकीदः (چکیده) फा वि –टपका हुआ।

चिकीदनी (چکیدنی) फा वि –टपकने योग्य।

चिख़ुश (چه خوش) फा वा –एक व्यगात्मक शब्द, क्या खूब, बहुत खूब।

चिग़ (چغ) तु स्त्री –दे 'चिक'।

चिगिल (چگل) फा पु –तुर्किस्तान का एक प्राचीन नगर, जहाँ का सौन्दर्य प्रसिद्ध है।

चिर्गी (چرگیں) फा पु –कढा हुआ कपडा, चिकिन।
चिगूनः (چگونہ) फा अव्य –किस प्रकार, कैसे, क्योकर।
चिगूनगी (چگونگی) फा स्त्री –क्या है, क्यो है, कैसा है, यह भाव, वृत्तात, हाल, कैफियत।
चिग्ता (چغتا) तु पु –तुर्कों की एक कौम।
चिग्ताई (چغتائی) तु वि –चिग्ता कौम का व्यक्ति।
चिज़िक (چزک) फा स्त्री –साही, एक काँटेदार जतु।
चिदार (چدار) फा स्त्री –गाडी, शकट।
चिप्लक (چپلک) फा वि –अपवित्र, नापाक, मलिन, मलिष्ठ, गदा।
चिरा (چرا) फा अव्य –क्यो, किसलिए, किस कारण।
चिराग (چراغ) फा पु –दे 'चराग', दो शु हैं।
चिरागाँ (چراغاں) फा पु –दे 'चरागाँ', दो शु है।
चिरिंग (چرنگ) फा पु –धमाका, चोट लगने का शब्द।
चिर्क (چرک) फा पु –मैल, गदगी, विष्ठा, गू, पीप, रीम, आँख का मैल।
चिर्कआलूद (چرک آلود) फा वि –मलयुक्त, गदा।
चिर्की (چرکیں) फा वि –'चिर्कीन' का लघु, दे 'चिर्कीन'।
चिर्कीन (چرکیں) फा वि –मलिन, मलिष्ठ, गदा।
चिर्म (چرم) फा पु –दे शु उ 'चर्म', यह अशुद्ध है।
चिल (چل) फा वि –'चिहिल' का लघु, चालीस, मूर्ख, बुद्धू (पु) चीड का पेड।
चिलगोज़ः (چلغوزہ) फा पु –चीड का फल, जो मशहूर मेवा है।
चिलचिल (چلچلہ) फा पु –चील, चिल्ल, कछुआ, कच्छप।
चिलत. (چلتہ) फा पु –कवच, ज़िरिह।
चिलिम (چلم) फा स्त्री –तम्बाकू पीने का पात्र, जो हुक्के पर रखकर या हाथ से पिया जाता है। (चिलम)
चिलिमपोश (چلم پوش) फा पु –चिलिम पर ढाँकने का ढक्कन, जिससे आग न उडे।
चिली (چلی) फा वि –मूर्ख, बेवक़ूफ, बुद्धू।
चिल्कद (چلقد) फा पु –कवच, ज़िरीह, दे चिल्कव और 'चिल्त'।
चिल्क़ब (چلقب) फा पु –दे 'चिल्कद' और 'चिल्त'।
चिल्त (چلتہ) फा पु –कवच, ज़िरिह, दे चिल्कद और 'चिल्कब'।
चिल्पास. (چلپاسہ) फा स्त्री –छिपकली, गृहगोधा, दे 'चलपास' दोनो शुद्ध हैं।
चिल्ल (چلہ) फा पु –कोना, गोशा, चालीस दिन मे होनेवाला काम, चालीस दिन का समय, चालीस दिन तक लगातार पढा जानेवाला मत्र आदि।
चिल्लःकश (چلہ کش) फा वि –चालीस दिन तक नियमपूर्वक मत्र आदि पढनेवाला।
चिल्ल कशी (چلہ کشی) फा स्त्री –किसी कार्यविशेष की सिद्धि के लिए नियमपूर्वक चालीस दिन कोई जप अथवा मत्र उच्चारण करना।
चिल्लए कमाँ (چلۂ کماں) फा पु –धनुष का कोना।
चिश्त (چشت) फा पु –अफगानिस्तान का एक गाँव।
चिश्ती (چشتی) फा वि –चिश्त गाँव का निवासी, हज़रत मुईनुद्दीन चिश्ती जिनका मज़ार अजमेर में है, चिश्ती खानदान का मुरीद।
चिहा (چہا) फा अव्य –क्या-क्या, कैसा-कैसा, कितना कुछ, क्या कुछ, बहुत कुछ।
चिहिल (چہل) फा वि –चालीस।
चिहिलकदमी (چہل قدمی) फा अ स्त्री –धीरे-धीरे टहलना, हवाखोरी करना, मन-बहलाव के लिए थोडी दूर तक टहलना। (चहलकदमी)
चिहिलत (چہلتہ) फा पु –दे. 'चिलत'।
चिहिलतन (چہلتن) फा पु –चालीस बडे महात्मा जिन पर सारे ससार का भार होता है।
चिहिल रोज़. (چہل روزہ) फा वि –चालीस दिन मे खत्म होनेवाला काम, चालीस दिन के प्रोग्राम का काम।
चिहिलुम (چہلم) फा वि –चालीसवाँ, मुर्दे का चालीस दिन में होनेवाला सस्कार, कर्बला के शहीदो का चालीसवाँ।
चिह. (چہرہ) फा पु –दे 'चेह्र'।
चिह्र (چہر) फा पु –दे 'चेह्र'।
चिह्लुम (چہلم) फा पु –दे 'चेहलुम'।

ची

चीं (چیں) फा प्रत्य –'चीन' का लघु, दे 'चीन'।
चीं बअब्रू (چیں بابرو) फा वि –भौंह पर बल पडे हुए, भौं तनी हुई, जिसकी भौंह पर अप्रसन्नता से बल पडे हो, रुष्ट।
चीं ब जबीं (چیں بجبیں) फा वि –जिसके माथे पर नाखुशी से बल पड गये हो, अप्रसन्न, रुष्ट, नाखुश।
चीं बर जबीं (چیں برجبیں) फा वि –दे 'ची ब जबीं'।
ची (چی) तु प्रत्य –वाला, शब्द के अन्त मे आकर अर्थ देता है, जैसे—'तोपची'।
चीक चीक (چیک چیک) फा स्त्री –चिड़ियो की चेह्कार।
चीज़ (چیز) फा स्त्री –वस्तु, पदार्थ, द्रव्य, शय।
चीज़मीज़ (چیزمیز) फा स्त्री –थोडा, न्यून, अल्प।
चीज़लीज़ (چیز لیز) फा स्त्री –पूँजी, सरमाया, सामर्थ्य, बिसात।

चीदः (چیدہ) फा वि –चुना हुआ, छाँटा हुआ।
चीदःचीद. (چیدہ چیدہ) फा वि –चुने-चुने, छटे-छटे; मुख्य-मुख्य, खास-खास।
चीदनी (چیدنی) फा वि –चुनने योग्य, छाँटने योग्य।
चीनः (چینہ) फा पु –वे अन्न के दाने जो पक्षी खाते है, दीवार का रद्दा।
चीनःदानः (چینہ دانہ) फा पु –पक्षी का पोटा।
चीन.दान (چینہ دان) फा पु –दे 'चीन दान'।
चीन (چین) फा प्रत्य –चुननेवाला, जैसे—'गुलचीन' फूल चुननेवाला (पु) एक प्रसिद्ध देश (स्त्री) झुर्री, शिकन, बल।
चीनिंदः (چینندہ) फा वि –चुननेवाला।
चीनी (چینی) फा वि –चीन का निवासी, चीन की भाषा, चीन की सफेद मिट्टी।
चीने अब्रू (چین ابرو) फा स्त्री –भौहो का तनाव, भौं का बल, जो क्रोध का चिह्न है।
चीने जबीं (چین جبیں) फा स्त्री –माथे का बल, जो अप्रसन्नता का चिह्न है।
चीने पेशानी (چین پیشانی) फा स्त्री –दे 'चीने जबीं'।
चीरः (چیرہ) फा वि –शक्तिशाली, ताकतवर, विजेता, गालिब (पु) पगडी, उष्णीष।
चीरःदस्त (چیرہ دست) फा वि –अत्याचारी, अन्यायी, ज़ालिम, ज़ोरावर, ज़बर्दस्त।
चीर.दस्ती (چیرہ دستی) फा स्त्री –अत्याचार, जुल्म, ज़ोरावरी, ज़बर्दस्ती।
चीरःबंद (چیرہ بند) फा वि –पगडी बाँधनेवाला, (स्त्री) वह वेश्या-पुत्री जो अभी कुमारी हो।
चीर.बंदी (چیرہ بندی) फा स्त्री –पगडी बाँधना।
चीरगी (چیرگی) फा स्त्री –शूरता, वीरता, बहादुरी, ज़बरदस्ती, अन्याय।
चीलदो (چیلدو) तु पु –इन्आम, पुरस्कार, बख्शिश।
चीस्त (چیست) फा अव्य –क्या है?
चीस्ताँ (چیستاں) फा स्त्री –पहेली, प्रहेलिका, मुअम्मा।

चु

चुग (چغک) फा स्त्री –चोंच, चचु।
चुंदुर (چندر) फा पु –चुकंदर, एक तरकारी।
चुंबल (چنبل) फा पु –भिक्षापात्र, कमडल।
चुकंदर (چقندر) फा पु –एक तरकारी।
चुकुस (چکس) फा पु –बुलबुल आदि के बैठाने का अड्डा।
चुख़ा (چوخا) तु पु –एक प्रकार का कोट जो प्राय फकीर पहनते है, दे 'चूख़ा'।
चुग़ा (چوغا) तु पु –एक प्रकार का अँगरखा।
चुग़ल (چغل) तु वि –पिशुन, चुग्ली खानेवाला।
चुग़लख़ोर (چغل خور) अ वि –काइदे से यह शब्द अशुद्ध है, क्योकि 'चुग़ल' का अर्थ चुग्ली खानेवाले के है।
चुग़लख़ोरी (چغل خوری) अ स्त्री –चुग्ली खाना, पिशुनता, काइदे से यह शब्द अशुद्ध है, इसके स्थान पर 'चुग़ुली' शुद्ध है।
चुग़ुली (چغلی) तु स्त्री –चुग्ली खाना, पिशुनता।
चुग़्ज़ (چغز) फा पु –मेढक, मडूक, बद फोडा, दे 'चग़्ज़' दो शुद्ध है।
चुग़द (چغد) फा पु –उलूक, पेचक, उल्लू (वि) मूर्ख बुद्धिहीन, मूढ, उल्लू।
चुग़ली (چغلی) तु स्त्री –पिशुनता, चुग़लख़ोरी।
चुनां (چناں) फा अव्य –वैसा, उस प्रकार का, उतना, वैसा, इतना, ऐसा।
चुनांचे (چنانچہ) फा अव्य –अत, इसलिए, फलस्वरूप, नतीजे मे।
चुनाक (چناق) तु पु –दे 'चुनाग', दो शु है।
चुनाग (چناغ) तु पु –ज़ीन, घोडे की काठी, पालान, नमदा।
चुनीं (چنیں) फा अव्य –ऐसा, इस प्रकार का, ऐसे, इस तरह, यूँ।
चुनीदः (چنیدہ) फा वि –चुना हुआ, छाँटा हुआ।
चुनू (چنو) फा अव्य –'चूँ' का लघु, दे 'चूँ'।
चुफ़्त (چفت) फा वि –मोटा-ताज़ा, चर्बीला, फुर्तीला, तेज़, मोटा, दलदार।
चुमाक (چماق) तु पु –वह गदा जो लोहे का होता है और जिसका गोला षट्कोण होता है, शिश्न, मेहन, लिंग।
चुम्चः (چمچہ) तु पु –चम्च, चमस, शु उ नही है, परतु उर्दूवाले 'चम्च' बोलते है, दे 'चम्च'।
चुर्बक (چربک) फा पु.–असत्य, झूठ, चाटुकर्म, खुशामद, व्यग, तंज़, अश्लीलता, फक्कडपन, लज्जा, पहेली।
चुलाव (چلاؤ) तु पु –भात, खुश्क, सादे चावल।
चुलिस्ताँ (چولستاں) तु पु –वह जगल जिसमे न पेड हो न पानी।
चुली (چلی) फा स्त्री –भीरुता, कायरता, डरपोकपन, नपुसकता, क्लीवता, नामर्दी।
चुलूक (چلوک) फा स्त्री –गाडी, शटक, धतूरा, धत्तूर, एक विषैला फल।
चुवाक (چواک) फा स्त्री –पूरी, घी मे बना हुआ फुलका।
चुस (چس) फा पु –वह अपान वायु जिसमे शब्द न हो।

चुस्तः (چستہ) फा पु –बकरी आदि का ऐन, खीरी।
चुस्त (چست) फा वि –फुर्तीला, मुस्तइद, दक्ष, होशियार, कसा हुआ लिबास, ठीक, फिट, दृढ, मज़बूत।
चुस्ती (چستی) फा स्त्री –फुर्तीलापन, दक्षता, होशयारी, दृढता, मजबूती।
चुह्र· (چہرہ) फा पु –विना डाढी-मूछो का लडका, अम्रद।

चू

चूं (چوں) फा अव्य –कैसे, किस प्रकार, जव, जिस समय, तुल्य, समान।
चूंकि (چونکہ) फा अव्य –क्योकि।
चूख़ा (چوخا) तु पु –ऊनी कोट जो फकीरो का लिवास है।
चूज (چوجہ) फा पु –दे 'चूज़'।
चूज़· (چوزہ) फा पु –मुर्गी का वच्चा (व्यग) नयी और सुदर स्त्री।
चूज़रुबा (چوزہ ربا) फा स्त्री –चील, चिल्ल।
चूज़ (چوز) फा पु –चकोर, कब्क, वह शिकारी पक्षी का वच्चा जिसने अभी शिकार करना न सीखा हो।
चूनीं (چونیں) फा अव्य –दे 'चुनी'।
चूनोचरा (چون وچرا) फा स्त्री –वाद-विवाद, कहा-सुनी।

चे

चेख़ (چیخ) फा पु –वह मनुष्य जिसकी पलकें झड गयी हो, चुधा।
चेचक (چیچک) तु स्त्री –फूल, गुल, सीतला रोग, माता, शीतला, विस्फोटक, मसूरिका, खसा।
चेन (چینہ) फा पु –दे 'चीन'।
चेन दान (چینہ دان) फा पु –दे 'चीन दान'।
चेहर· (چہرہ) फा पु –मुखाकृति, मुखमडल, शक्ल, सूरत, सामने का भाग, हुल्या।
चेहर कुशा (چہرہ کشا) फा वि –मुँह पर से पर्दा उठानेवाला, मुँह खोलनेवाला।
चेहर.कुशाई (چہرہ کشائی) फा स्त्री –मुँह खोलना, किसी की तस्वीर पर से पर्दा उठाने की रस्म।
चेहर·खेज (چہرہ خیز) फा वि –स्वच्छ, साफ, प्रकाशित, रौशन।
चेहर.नवीस (چہرہ نویس) फा वि –हुल्या लिखनेवाला।
चेहर.नवीसी (چہرہ نویسی) फा स्त्री –हुल्या लिखने का काम।
चेहर·पर्दाज (چہرہ پرداز) फा वि –चित्रकार, मुसव्विर, चितेरा।
चेहरःपर्दाजी (چہرہ پردازی) फा स्त्री –चितेरे का काम, मुसव्विरी।

चो

चो (چو) फा अव्य –जो, अगर, यदि, जव, जिम समय।
चोखीदः (چوخیدہ) फा वि –फिसला हुआ।
चोख़ीदनी (چوخیدنی) फा वि –फिसलने योग्य।
चोव· (چوبہ) फा पु –वाण, तीर, छोटी कील।
चोव (چوب) फा स्त्री –काप्ठ, काठ, लकडी, लाठी, यप्टि।
चोवक (چوبک) फा स्त्री –छोटा डडा, नक्कारा वजाने की लकडी।
चोवकज़न (چوبک زن) फा वि –नक्कारची, नक्कारा वजानेवाला, चौकीदारो का मेट जो एक लकडी और एक तख्ता लेकर रात में गश्त करता और तख्ते पर लकडी ठोकता था, जिससे सारे पहरा देनेवाले होशयार हो जाते थे।
चोवकी (چوبکی) फा वि –चोवदार, दडधारी।
चोवख़्वार (چوب خوار) फा वि –लकडी खानेवाला कीडा, दीमक।
चोवगज (چوب گز) फा पु –कपडा नापने का गज़।
चोवगीं (چوبگیں) फा स्त्री –कपास ओटने की चर्खी।
चोवचीनी (چوب چینی) फा स्त्री –चीन देश की एक लकडी जो दवा के काम आती है। लाल रग की तथा अत्यन्त रक्त-शोधक होती है।
चोवदस्त (چوبدست) फा स्त्री –दे 'चोवदस्ती'।
चोवदस्ती (چوبدستی) फा स्त्री –हाथ मे पकडने की छडी।
चोवदार (چوبدار) फा पु –लकडी लेकर आगे चलनेवाला व्यक्ति, नकीव, प्रतिहारी, द्वारपाल, दरवान।
चोवा (چوبا) फा पु –लकडी की थूनी, थुनकी, लोहे की पतली और लवी कील।
चोवीं (چوبیں) फा वि –लकडी का वना हुआ, काप्ठमय।
चोवी (چوبی) फा वि –दे 'चोवी'।
चोवे तरीक (چوب طریق) अ फा स्त्री –पवलिक को किसी वात से रोकने के हेतु डराने के लिए कर्मचारियो का डडा।
चोवे ता'लीम (چوب تعلیم) फा अ स्त्री –पढानेवाले का डडा, जिससे वह मारता है।
चोवे मुहस्सिल (چوب محصل) फा अ स्त्री –चुगी आदि वसूल करनेवाले का डडा।
चोवे शिगाफ (چوب شگاف) फा स्त्री –चिरी हुई लकडी की फटन मे दी जानेवाली पच्चर।
चोशिद (چوشدہ) फा वि –चूसनेवाला।
चोशीद· (چوشیدہ) फा वि –चूसा हुआ।

चोशीद (چوشید) फा स्त्री –दे 'चोशीदगी'।
चोशीदगी (چوشیدگی) फा स्त्री –चूसने का भाव, चूस।
चोशीदनी (چوشیدنی) फा वि –चूसने के योग्य।

चौ

चौगाँ (چوگاں) फा पु –'चौगान' का लघु, दे 'चौगान'।
चौगाँबाज (چوگاں باز) फा वि –चौगान (पोलो) खेलनेवाला।
चौगाँबाजी (چوگاں بازی) फा स्त्री –पोलो का खेल।
चौगान (چوگان) फा पु –एक खेल जिसमे घोडो पर चढकर गेद खेला जाता है, पोलो।
चौगानी (چوگانی) फा पु –वह घोडा जो पोलो पर सधा हो।
चौतर. (چوترہ) फा पु –मकान के आगे का फर्श, चबूतरा।
चौपाँ (چوپاں) फा पु –'चौपान' का लघु, दे 'चौपान'।
चौपान (چوپان) फा पु –रेवड चरानेवाला, चरवाहा।
चौपानी (چوپانی) फा स्त्री –रेवड चराने का काम, चरवाहागीरी, गल्लबानी।
चौसिंदः (چوسندہ) फा वि –चिपकनेवाला।
चौसीदः (چوسیدہ) फा वि –चिपका हुआ।
चौसीदनी (چوسیدنی) फा वि –चिपकने के लायक।

ज

जंग (جنگ) फा स्त्री –युद्ध, रण, समर, सग्राम, सयुग, लडाई, हर्ब, कलह, झगड़ा, झडप, उपद्रव, फसाद, वैर, शत्रुता, दुश्मनी, प्रतिद्वद्विता, रुकावत।
जंग (زنگ) फा पु –ठड और तरी से धातुओ मे लगने वाला मैल, कसाव, मोरचा, मडूर, मैल, गदगी, पाप, गुनाह, घटा, घडियाल, हवश देश।
जंगआज़्मा (جنگ آزما) फा वि –लडाई का अनुभवी, युद्ध-कुशल, लडाई मे मशगूल, युद्धरत।
जगआज़्माई (جنگ آزمائی) फा स्त्री –लडाई का अनुभव, लडाई मे मशगूलियत, लडाई।
जगआज़्मूद (جنگ آزمودہ) फा वि –लडाई के मैदान मारे हुए, अनुभवी योद्धा, युद्ध-कुशल।
जगआज़्मूदगी (جنگ آزمودگی) फा स्त्री –लडाई का अनुभव रखना, युद्ध-अनुभव, युद्ध-कौशल।
जगआलूद. (زنگ آلودہ) फा वि –मोरचा खाया हुआ, ज़ग लगा हुआ।
जगआलूदगी (زنگ آلودگی) फा स्त्री –मोरचा लग जाना, ज़ग लगकर खराब हो जाना।

जंगख़ुर्दः (زنگ خوردہ) फा वि –दे 'जगआलूद'।
जगख़ुर्दगी (زنگ خوردگی) फा स्त्री –दे 'जगआलूदगी'।
जंगख़्वाह (جنگ خواہ) फा वि –लडाई चाहनेवाला, जो चाहता हो युद्ध हो जाय।
जंगगाह (جنگ گاہ) फा स्त्री –लडाई का मैदान, रणभूमि, रणस्थल, युद्ध-क्षेत्र।
जंगजू (جنگ جو) फा वि –प्रकृति से लडाई-झगडा पसद करनेवाला, लडाका, सैनिक, सिपाही।
जंगजूई (جنگ جوئی) फा स्त्री –लडाकापन, सैनिकता, सिपाहीपन, युद्ध, लडाई।
जंग ना आज़्मूदः (جنگ نا آزمودہ) फा वि –जिसे युद्ध का अनुभव न हो।
जंगपसद (جنگ پسند) फा वि –जिसे युद्ध और रक्तपात अच्छा लगता हो, युद्धप्रिय।
जंगपसंदी (جنگ پسندی) फा स्त्री –युद्ध और रक्तपात को पसद करना।
जंगबाज़ (جنگ باز) फा वि –जो हर समय लडाई की ही बात सोचता रहता हो, जिसे हर समस्या का हल युद्ध मे दीख पडता हो।
जंगबाज़ी (جنگ بازی) फा स्त्री –हर समय लडाई की ही बात सोचना, हर समस्या को लड़ाई द्वारा ही हल करने की कोशिश करना।
जंगल (جنگل) फा पु –वन, विपिन, कानन, सह्रा, चटयल मैदान, बियाबान।
जंगली (جنگلی) फा वि –जगल का निवासी, असभ्य, अशिष्ट, वहशी, जगल मे मिलनेवाली वस्तु।
जंगली यकपा (جنگلی یک پا) फा पु –एक जानवर जो मनुष्य की आकृति का होता है, केवल एक पाँव रखता है और बोल नही सकता, घामड व्यक्ति, हवन्नक।
जंगार (زنگار) फा पु –मडूर, ज़ग, ज़ग से बनी हुई एक औषध।
जंगारी (زنگاری) फा वि –जिसमे ज़गार पडा हो, ज़गार डालकर बनायी हुई ओषधि, ज़गार के रग का।
जंगाह (جنگاہ) फा स्त्री –'जगगाह' का लघु, युद्ध-भूमि, रणागण, मैदाने जग।
जगी (جنگی) फा वि –लडाई से सम्बन्ध रखनेवाला, लडाई मे काम आनेवाला।
जंगी (زنگی) फा वि –हवश देश का निवासी, हवशी, बहुत ही काले रग का व्यक्ति।
जंगी नजाद (زنگی نژاد) फा वि –हवशी नस्ल का, हवशी।
जंगुलः (زنگلہ) फा पु –झाँझ, बड़े मजीरे, घुँघरू।

जगूलः (زنگوله) फा पु.—दे 'ज़गुल'।
जंगे आजादी (جنگ آزادی) फा स्त्री—देश को पराधीनता से मुक्त कराने की लडाई।
जंगे जरगरी (جنگ زرگری) फा स्त्री—झूठमूठ की केवल दूसरो को दिखाने की लडाई, कूटयुद्ध।
जगे बर्री (جنگ بری) फा अ स्त्री—खुश्की की लडाई, स्थल-युद्ध।
जगे बह्री (جنگ بحری) फा अ स्त्री—समुद्र में जहाजो की लडाई, जलयुद्ध।
जगे साख्त (جنگ ساخته) फा स्त्री—दे 'जगे जरगरी'।
जगे हवाई (جنگ هوائی) फा अ स्त्री—आकाश मे वायुयानो द्वारा लडाई, वायु-युद्ध।
जगोजदल (جنگ وجدل) फा अ स्त्री—मारकाट, रक्तपात, लडाई-झगडा।
जगोजिदाल (جنگ وجدال) फा अ स्त्री—दे 'जगोजदल'।
जचक (زنچک) फा स्त्री—व्यभिचारिणी, कुलटा, फाहिशा।
जज (زنج) अ पु—दे जग (देश)।
जंजबार (زنجبار) अ पु—पूर्वी अफ्रीका का एक साहिली टापू जहाँ से लौंग आती है।
जजबील (زنجبیل) अ स्त्री—सोठ, शुठि, सूखा हुआ अदरक।
जजर (زنجره) अ पु—झींगुर, एक प्रसिद्ध कीडा।
जजी (زنجی) अ वि—दे 'ज़गी', हवश का निवासी, हवशी।
जजीर (زنجیره) फा पु—तरग, मौज, लहर, एक प्रकार की सिलाई।
जजीर बदी (زنجیره بندی) फा स्त्री—एक वस्तु का दूसरी वस्तु से अनिवार्य सम्बन्ध।
जजीर (زنجیر) फा स्त्री—शृखला, साँकर, क्रम, तर्तीव।
जजीरकशीद. (زنجیر کشیده) फा वि—दे 'जजीर गुसिस्त'।
जजीरखान. (زنجیرخانه) फा पु—कारावास, जेलखाना।
जजीरगर (زنجیرگر) फा वि—शृखलाकार, जजीर वनानेवाला।
जजीरगुसिस्त (زنجیرگسسته) फा वि—जिसके पाँव का वधन टूट गया हो, स्वच्छद, स्वतत्र, आजाद।
जजीरदार (زنجیردار) फा वि—सम्बन्ध रखनेवाला, अनुयायी, मुत्तबे'।
जजीरफर्सा (زنجیر فرسا) फा वि—जजीर को रगडनेवाला।
जजीरबान (زنجیربان) फा वि—कारागार का अध्यक्ष, जेलर।
जजीरमू (زنجیرمو) फा वि—घुँघराले वालोवाला (वाली)।
जंजीरसर (زنجیرسر) फा वि—दे 'ज़जीरमू'।
जंजीरसाज (زنجیرساز) फा वि—दे 'ज़जीरगर'।
जंजीरसोज (زنجیرسوز) फा वि—ज़जीर को जला देने वाला, ज़जीर को खत्म कर देनेवाला, वधनो को तोड देनेवाला।
जजीरी (زنجیری) फा वि—वदी, कैदी, पागल, दीवाना।
ज़जीरे आहन (زنجیرآهن) फा स्त्री—लोहे की जजीर, लोहपाश।
जंजीर जुनूँ (زنجیر جنوں) फा अ स्त्री—वह जजीर जो पागल व्यक्ति को पहनायी जाती है।
जंद॰ (زنده) फा वि—महान्, वडा, अज़ीम।
जद पील (زنده‌پیل) फा पु—वहुत वडा हाथी।
जद रोद (زنده‌رود) फा पु—वहुत वडी नदी, महानद।
जंद (زند) फा वि—वडा, महान्, अजीम, चकमाक, अग्नि-प्रस्तर।
जद (زند) अ पु—पहुँचा, कलाई।
जद (ژند) फा पु—जरदुश्त का ग्रथ, जो पार्सियो का मूल धार्मिक ग्रथ है।
जदख्वाँ (زندخواں) फा वि—दे 'ज़दवाफ'।
जदपील (زند پیل) फा पु—दे 'ज़दपील'।
जदवाफ (زندباف) फा वि—गानेवाला पक्षी, वुलवुल, कुमरी अथवा फाख्ता आदि।
जदर्म (جندرمه) अ पु—पुलीस।
जंदल (جندل) अ पु—वडा पत्थर, शिला।
जंदलाफ (زندلاف) फा वि—दे 'ज़दवाफ'।
जदो उस्ता (ژند و اوستا) फा पु—'ज़द' का मूल गथ और उसका महाकाव्य 'उस्ता'।
जदोपाजद (ژند و پاژند) फा पु—'ज़द' का मूल और उसका महाभाष्य 'पाज़द'।
जब (جنب) अ पु—पार्श्व, पहलू, वक्ष स्थल, सीना, पस्ली।
जब (ذنب) अ पु—पाप, पातक, गुनाह।
जबक (زنبق) अ पु—चपा, एक प्रसिद्ध फूल।
जबर (زنبر) फा पु—वोझ उठाने की सीढी के आकार की एक चीज, मझी।
जंबील (زنبیل) अ स्त्री—थैला, वेग, पिटारा।
जबूर. (زنبوره) फा पु—छोटी तोप, वाण का फल, भिड, वर्र।
जबूर (زنبور) फा पु—छोटी तोप, वाण का फल, भिड, वर्र, एक औजार, शहद की मक्खी।
जबूरक (زنبورک) तु पु—छोटी और हलकी तोप, जो ऊँट आदि पर लादी जा सके।

जंबूरखानः (زنبورخانه) फा पुं –भिड़ों का छत्ता।
जंबूरची (زنبورچی) तु पु –तोप चलानेवाला, तोपची।
जंबूरी (زنبوری) फा. पु –जालीदार कपड़ा, 'जंबूर' से सम्बन्ध रखनेवाला।
जंबूरे असल (زنبور عسل) फा अ पु –शहद की मक्खी।
ज़ईफः (ضعیفه) अ स्त्री –वृद्धा स्त्री, निर्बला स्त्री।
ज़ईफ (ضعیف) अ वि –वृद्ध, वयोगत, वयोवृद्ध, बूढ़ा, निर्बल, शक्तिहीन, कमज़ोर।
ज़ईफ आवाज़ (ضعیف آواز) अ फा. वि –जिस की आवाज़ बहुत कमज़ोर हो, जो बहुत धीमे से बोले।
ज़ईफी (ضعیفی) अ स्त्री –वृद्धावस्था, बढ़ापा, निर्बलता कमज़ोरी।
ज़ईफुद्दिमाग़ (ضعیف الدماغ) अ वि –जिसका मस्तिष्क कमज़ोर हो; जिसे बात याद न रहती हो।
ज़ईफुन्नज़र (ضعیف النظر) अ वि –जिसकी नेत्र-शक्ति कमज़ोर हो, मद दृष्टि।
ज़ईफुलअक़्ल (ضعیف العقل) अ वि –जिसकी बुद्धि कमज़ोर हो, जिसमें समझ-बूझ की कमी हो, मदमति।
ज़ईफुलईमान (ضعیف الایمان) अ वि –जिसका विश्वास धर्म पर दृढ न हो, मदनिष्ठ।
ज़ईफुलउम्र (ضعیف العمر) अ वि –वयोवृद्ध, बडी आयु-वाला।
ज़ईफुलएतिकाद (ضیف الاعتقاد) अ वि –जिसकी श्रद्धा किसी पर कम हो, जो सतो-साधुओ पर विश्वास कम रखता हो।
ज़ईफुलक़ल्ब (ضعیف القلب) अ वि –जिसका दिल कमज़ोर हो, जो किसी दुर्घटना की खबर से तुरत हो व्याकुल जाय।
ज़ईफुलक़ुवा (ضعیف القوا) अ वि –जिसके हाथ-पाँव कमज़ोर हो गये हो, जो शक्तिहीन हो गया हो।
ज़ईफुलबसर (ضعیف البصر) अ वि –दे 'ज़ईफुन्नज़र'।
ज़ईफुलबुन्यान (ضعیف البنیان) अ वि –जिसकी नीव कमज़ोर हो।
ज़ईफुलमेदः (ضعیف المعدہ) अ वि –जिसकी पाचनशक्ति कमज़ोर हो।
ज़ईफुलहज़्म (ضعیف الہضم) अ वि –दे 'ज़ईफुलमेद' या मेदा, दो शु है।
ज़ईम (زعیم) अ पु –नेता, लीडर, रहनुमा।
ज़ईमुलमिल्लत (زعیم الملت) अ पु –राष्ट्र का नेता, पूरी क़ौम का नेता।
ज़कंद (زقند) फा स्त्री –छलाँग, फलाँग, उछाल।

ज़क (زک) फा. स्त्री –हानि, अनिष्ट, नुक्सान; पराजय, हार, शिकस्त, लज्जा, शर्म, अपमान, तिरस्कार, ज़िल्लत।
ज़कन (ذقن) अ स्त्री –चिबुक, ठुड्डी।
ज़कर (ذکر) अ पु –शिश्न, मेहन, लिंग, नर, पुरुष प्राणी।
ज़करीया (زکریا) अ पु –एक पैगबर जो आरे से चीरे गये थे।
ज़का (زکا) अ स्त्री –बढना, विकास, फलना - फूलना, अधिक होना, सुखचैन करना।
ज़का (ذکا) अ स्त्री –बुद्धि, मति, समझ, अक्ल, विवेक, तमीज़।
ज़कात (زکات-زکوٰۃ) अ स्त्री –इस्लाम धर्म के अनुसार अढाई प्रतिशत का दान जो उन लोगो को देना पडता है जो मालदार हो और उन लोगो को दिया जाता है जो अपाहिज या असहाय और साधनहीन हो।
ज़काब (زکاب) अ स्त्री –लिखने की सियाही, मसि, मसिजल, रोशनाई।
ज़कावत (ذکاوت) अ स्त्री –बुद्धिमत्ता, मनीषा, अक्लमदी, प्रतिभा, तेज़फहमी।
ज़कावत (زکاوت) अ स्त्री –वृद्धि, विकास, तीव्रता, तेज़ी तीक्ष्णता।
ज़कावते हिस (زکاوت حس) अ स्त्री –सवेदन शक्ति का बढ जाना, कुव्वते एहसास का अधिक हो जाना।
ज़की (ذکی) अ वि –बुद्धिमान्, मेधावी, अक्लमद।
ज़की (زکی) अ वि –पवित्र, शुद्ध, पाक, अनीह, नि स्पृह, अनिच्छुक, बेनियाज़।
ज़कीउलहिस (زکی الحس) अ वि –जिसकी हिस तेज़ हो जाय, जिसकी सवेदन शक्ति बढ जाय।
ज़कीक (زکیک) अ स्त्री –धीमी चाल, मद गति।
ज़कीयः (زکیه) अ स्त्री –बुद्धिमती, अक्लमद स्त्री, प्रतिभावती, तेज़ तबा स्त्री।
ज़कूम (زقوم) फा पु –थूहड का पेड।
ज़कूमाब (زقوم آب) फा पु –थूहड के पेड को कूटकर निचोडा हुआ पानी।
ज़क्कूम (زقوم) अ पु –थूहड का पेड।
ज़खाइर (ذخائر) अ पु –'ज़ख़ीर' का बहु, 'ज़खीरे'।
ज़ख़ाम (ضخام) अ वि –हर चीज़ जो बडे डीलडौल की हो।
ज़ख़ामत (ضخامت) अ स्त्री –मोटाई, दल, स्थूलता, मुटापा।
ज़खारिफ (زخارف) अ पु –'ज़ख़्रफ' का बहु, झूठी और बनावटी बाते।
ज़ख़ीम (ضخیم) अ वि –मोटा, दलदार, स्थूल, फर्बेह।

ज़ख़ीरः (ذخیره) अ पु –जमा किया हुआ, सचित किया हुआ, स्कंध।

ज़ख़ीर अदोज (ذخیره‌اندوز) अ फा वि –नाज आदि का सचय करनेवाला।

ज़ख़ीर अदोजी (ذخیره‌اندوزی) अ फा स्त्री –नाज आदि अथवा दूसरी विकनेवाली वस्तुओ को इस आशय से जमा करना कि जब महँगी होगी तब वेचेंगे।

ज़ख़ीरएअमल (ذخیرهٔ عمل) अ पु –अच्छे-वुरे कर्मो का परलोक के लिए सचय।

ज़ख़ीरएआख़िरत (ذخیرهٔ آخرت) अ पु –परलोक मे काम आनेवाले कर्म अर्थात् जप-तप आदि का सचय।

ज़ख़्ख़ार (زخار) अ वि –अपार, जिसका छोर न मिले, मौजें मारती हुई (नदी)।

ज़ख़्ख़ार (زخار) फा वि –शोर करनेवाला, घोर नाद करनेवाला।

ज़ख़्म. (زخمه) फा पु –हर वह चीज जिससे कोई वाजा वजाए, मिज़्राव, वाद्ययष्टि।

ज़ख़्म ज़न (زخمه‌زن) फा वि –मिज़्राव से साज वजानेवाला।

ज़ख़्म.ज़नी (زخمه‌زنی) फा स्त्री –मिज़्राव से साज़ वजाना।

ज़ख़्म (زخم) फा पु –आघात, क्षति, घाव, अनिष्ट, हानि, जरर।

ज़ख़्मकोस (زخم‌کوس) फा पु –वडा नगाडा, धौसा।

ज़ख़्मख़ुर्द (زخم‌خورده) फा वि –जिसे जख्म लगा हो, क्षत, आहत, घायल, जख़्म खाया हुआ।

ज़ख़्मख़ुर्दगी (زخم‌خوردگی) ज़ख़्म खाना, घायल होना।

ज़ख़्मदीद (زخم‌دیده) फा वि –दे 'जख़्मख़ुर्द'।

ज़ख़्मनाख़ुर्द (زخم‌ناخورده) फा वि –जिसने ज़ख़्म न खाया हो, जो घायल न हुआ हो।

ज़ख़्मनादीद. (زخم‌نادیده) फा वि –दे 'जख़्मनाख़ुर्द'।

ज़ख़्मरसीद (زخم‌رسیده) फा वि –क्षत, आहत, घायल, नुक्सान उठाया हुआ।

ज़ख़्मरसीदगी (زخم‌رسیدگی) फा स्त्री –ज़ख़्मी होना, नुक्सान उठाना।

ज़ख़्मी (زخمی) फा वि –घायल, आहत, क्षत, मज्रूह, आशिक, नायक।

ज़ख़्मीदिल (زخمی‌دل) फा वि –जिसका हृदय प्रेम से जख़्मी हो, क्षतहृदय, मर्माहत।

ज़ख़्मेकारी (زخم‌کاری) फा पु –गहरा घाव, भरपूर घाव।

ज़ख़्मेकुह्न (زخم‌کہنہ) फा पु –पुराना घाव।

ज़ख़्मेख़दा (زخم‌خنداں) फा पु –खुला हुआ ज़ख़्म, ख़ून देनेवाला जख्म, जिस घाव मे टाँके न लगे हो।

ज़ख़्मेजिगर (زخم‌جگر) फा पु –जिगर का घाव, इश्क़ का ज़ख़्म।

ज़ख़्मेताज़ (زخم‌تازه) फा पु –नया नया घाव।

ज़ख़्मेतेज़ (زخم‌تیز) फा पु –गहरा ज़ख़्म।

ज़ख़्मेदामनदार (زخم‌دامن‌دار) फा पु –चौडा ज़ख़्म, फैला हुआ घाव।

ज़ख़्मेदिल (زخم‌دل) फा पु –हृदय का घाव, प्रेम का घाव।

ज़ख़्मेपिन्हाँ (زخم‌پنہاں) फा पु –भीतरी घाव, दिल का जख़्म, प्रेम का जख़्म।

ज़ख़्रफ (زخرفه) अ पु –झूठी और वनावटी वात।

ज़ग़द (زغند) फा स्त्री –दे 'ज़कद'।

ज़ग़न (زغن) फा स्त्री –चील, चिल्ल, एक प्रसिद्ध पक्षी।

ज़ग़्तः (ضغطه) अ पु –अटकाव, भिमचाव, रुकाव।

ज़च (زچه) फा स्त्री –दे 'जच्चा'।

ज़च्च. (زچه) फा स्त्री –वह स्त्री जिसने वच्चा जना हो, प्रसूता, सूतिका, प्रजाता, जातापत्या।

ज़च्च ख़ान (زچه‌خانه) फा पु –सूतिकागृह, प्रसवगृह, सूतिकागार, जच्चा के रहने का कमरा आदि।

ज़च्च गरी (زچه‌گری) फा स्त्री –वच्चा पैदा कराने का काम, दायागरी, कौमारभृत्य, धात्री-कर्म।

जज़ा' (جزع) अ स्त्री –आतुरता, अधीरता, वेसब्री।

जज़ा (جزا) अ स्त्री –प्रतिकार, वदला, इवज़, अच्छे काम का वदला, प्रत्युपकार।

जज़ाइर (جزائر) अ पु –वहुत-से जज़ीरे, द्वीप-समूह।

जज़ालत (جزالت) अ स्त्री –दृढता, मज़वूती, सुन्दरता, हुस्न, उत्तमता, श्रेष्ठता, ख़ूवी।

जज़ीर (جزیره) अ पु –टापू, द्वीप, वह जमीन जो समुद्र के वीच में हो।

जज़ीर नुमा (جزیره‌نما) अ फा पु –खुश्की का वह भाग जो तीन ओर पानी से घिरा हो, प्रायद्वीप।

जज़ील (جزیل) अ वि –दृढ, मजवूत, सुन्दर, हसीन, उत्तम, श्रेष्ठ, उम्दा।

जज़्व (جذبه) अ पु –भावना, मनोवृत्ति।

जज़्व (جذب) अ पु –आकर्षण, कशिश, ब्रह्मलीनता, नेस्ती, (वि) आत्मसात्, एक मे समाया हुआ।

जज़्वएइश्क़ (جذبهٔ عشق) अ पु –प्रेमाकर्षण, मुहव्वत की कशिश।

जज़्वएकामिल (جذبهٔ کامل) अ पु –पूर्णाकर्षण, पूरी कशिश; प्रेमाकर्षण, इश्क की कशिश,—"रफ्ता-रफ्ता जज़्वेकामिल ने दिखाया यह असर, पहले जो मुझ मे थी उल्फत अव वो उनके दिल में है।"

जज़्बएदिल (جذبهٔ دل) अ. फा पु –दिल की कशिश, हृदाकर्षण।
जज़्बात (جذبات) अ पु –भावनाएँ, जज़्बे; ख़यालात, विचार।
जज़्बाती (جذباتی) अ वि –भावनाओ की रौ मे वह जानेवाला, भावुक।
जज़्बातीयत (جذباتیت) अ स्त्री –भावुकता, भावनाओ का वेग।
जज़्बी (جذبی) अ वि –जज़्ब से सम्बन्ध रखनेवाला।
जज़्बेदिल (جذبِ دل) अ फा पु –दिल की कशिश, प्रेम का आकर्षण।
जज़्बोकशिश (جذب وکشش) अ फा स्त्री –जज़्ब और कशिश।
जज़्म (جزم) अ पु –दृढ, पक्का, मजबूत, अक्षर को हल करने का चिह्न (ْ)
जज़्र (جذر) अ पु –वह सख्या जो किसी सख्या मे उतनी ही बार भाग देने से प्राप्त हो, जैसे—१६ का जज़्र ४।
जज़्र (جزر) अ पु –घटाव, उतार, पानी का उतार, भाटा।
ज़ज्र (زجر) अ स्त्री –डाँट-डपट, झिडकी, फटकार, भर्त्सना, तर्जन।
ज़ज्रोतौबीख़ (زجروتوبیخ) अ स्त्री –डाँट-फटकार, डाँट-डपट।
जज़्रोमद (جزرومد) अ पु –समुद्र के पानी का उतार-चढाव, ज्वारभाटा।
ज़दः (زده) फा वि –मारा हुआ, आहत, हत, (प्रत्य) मारा हुआ, जैसे—'ग़मज़द' ग़म का मारा हुआ।
ज़द (زد) फा स्त्री –चोट, मार, निशाना, सामना।
जद (جد) अ पु –दादा, पितामह, नाना, मातामह।
जदल (جدل) अ स्त्री –युद्ध, समर, जग, कलह, झगडा, वाक्कलह, वाद-विवाद, हुज्जत।
जदाविल (جداول) अ पु –'जद्वल' का वहु, सारणी-समूह।
जदी (جدی) अ पु –वकरी का वच्चा, अजाशावक, मकर राशि, वुर्जेजदी।
जदीद (جدید) अ वि –नूतन, नवीन, नया, आधुनिक, हाल का, प्रतीच्य, मग़्रिवी।
जदीदान (جدیدان) अ पु –दिनरात, अहर्निश।
ज़दोकोव (زدوکوب) फा स्त्री –मार-पीट, लात-घूँसा।
जद्इ (جدی) अ स्त्री –दे 'जदी', शुद्ध उच्चारण यही है।
जद्द॰ (جده) अ स्त्री –दादी, पितामही, नानी, माता-मही।

जद्देअम्जद (جدِ امجد) अ पु –दादा, पितामह।
जद्देआला (جدِ اعلیٰ) अ पु –मूल पुरुष, वंश प्रवर्तक, मूरिसेआ'ला, जिससे ख़ान-दान चला हो।
जद्देफ़ासिद (جدِ فاسد) अ पु –नाना, मातामह।
जद्वल (جدول) अ स्त्री –नहर, छोटी नदी, पुस्तक के चारो ओर का हाशिया, सारिणी, ख़ानोदार तफ़सीली नक्शा।
जद्वार (جدوار) फा स्त्री –एक प्रसिद्ध दवा निरविसी।
ज़न (زن) फा स्त्री –स्त्री, जनि, नारी, योषित्, औरत, भार्या, जाया, पत्नी, जोरू, वीवी, (प्रत्य) मारनेवाला, जैसे—'तेग़ज़न' तलवार मारनेवाला।
ज़न (ظن) अ पु –विचार, ख़याल, धारणा, गुमान।
ज़नख़-दाँ (زنخداں) फा स्त्री –चिवुक, ठुड्डी।
ज़नचक (زن چک) फा स्त्री –व्यभिचारिणी, फ़ाहिशा, पुश्चली।
ज़नपरस्त (زن پرست) फा वि –स्त्री की पूजा करनेवाला, स्त्री-पूजक, पत्नी की वात के ख़िलाफ न करनेवाला, पत्नी-भक्त।
ज़नब (ذنب) अ पुं –पुच्छ, पूँछ, दुम, राहु, एक सितारा।
ज़नबमुज़्द (زن بمزد) फा पु –स्त्री की कमाई खानेवाला, भार्याट, दैयूस, भँडुवा।
ज़नमुरीद (زن مرید) फा अ वि –अपनी पत्नी को ही सव कुछ समझनेवाला, स्त्रीजित, भार्याजित, पत्नीभक्त, पत्नीव्रती।
ज़नबुलफ़रस (ذنب الفرس) अ पु –एक सितारा, राहु।
ज़नाँ (زناں) फा स्त्री –'ज़न' का वहु, स्त्रियाँ, (वि) मारता हुआ (प्रत्य) मारता हुआ, जैसे—ख़द जनाँ, कहकहा मारता हुआ।
जनाज़ः (جنازه) अ पु –कफ़न में लपेटा हुआ शव, कपडे मे लिपटी हुई लाश, दे 'जिनाज़'।
जनाज़ःवरदार (جنازه بردار) अ फा वि –जनाज़ा उठानेवाला।
जनाज़ःवरदोश (جنازه بردوش) अ फा वि –कधे पर जनाज़ा उठाये हुए।
जनाज़एरवाँ (جنازهٔ رواں) अ फा पु –घोडा, अश्व, घोडे का सवार, अश्वारोही।
ज़नादिक़ (زنادقه) अ पु –'ज़िंदीक़' का वहु, नास्तिक और अधर्मी लोग।
ज़नानः (زنانه) फा॰ पु –स्त्रियो-जैसे स्वभाववाला पुरुष, नरदारा, क्लीव, हिजडा, स्त्रियो का, स्त्रियो के योग्य।
ज़नानख़ानः (زنانخانه) अ पु –स्त्रियो का घर, जहाँ स्त्रियाँ रहती हो, अन्त पुर।

जनानेबाजारी (زنان بازاری) फा स्त्री—वेश्याएँ, रडियाँ, बाज़ारू औरते, सतीत्व बेचनेवाली।

जनाब (جناب) अ स्त्री—ड्योढी, चौखट, आस्तान, सम्मुख, सामने, श्रीमान्, महोदय, महाशय, पार्श्व, पहलू, दरगाह, आश्रम।

जनाबत (جنابت) अ स्त्री—मैथुन के पश्चात् स्नान की आवश्यकता, अशुचि, अपवित्रता, दूरी, अलाहिदगी, पृथक्ता।

जनाबीर (زنابیر) अ पु—'जबूर' का बहु, भिडे।

जनाबील (زنابیل) अ पु—'जबील' का बहु, थैले।

जनाबे आली (جناب عالی) अ वि—श्रीमन्महोदय, मान्यवर।

जनाबे मुकर्रम (جناب مکرم) अ वि—दे 'जनाबे आली'।

जनाबे मोहतरम (جناب محترم) अ वि—दे 'जनाबे आली'।

जनाबे वाला (جناب والا) अ वि—दे 'जनाबे आली'।

जनाशोई (زناشوئی) फा स्त्री—दाम्पत्य, स्त्री-पुरुष का, मियाँ-बीबी का।

जनाह (جناح) अ पु—पक्ष, पख, पुर, बाहु, भुजा, बाज़ू, सेनाग्र, हिरावुल।

जनीन (جنین) अ पु—पेट के भीतर का बच्चा, गर्भस्थ, भ्रूण।

जनीने मुर्दः (جنین مردہ) अ फा पु—वह बच्चा जो पेट में मर गया हो।

जनीबत (جنیبت) फा पु—कोतल घोडा जो बादशाहो और राजाओ की सवारी का हो।

जनीम (زنیم) अ वि—वह व्यक्ति जो किसी वश का प्रसिद्ध हो, परन्तु उस वश का न हो, वह व्यक्ति जो दुष्टता और कृपणता में प्रसिद्ध हो।

जनूब (جنوب) अ पु—दक्षिण, दक्खिन, दकन।

जनूबी (جنوبی) अ वि—दक्षिणीय, दक्खिन का।

जन्नत (جنت) अ स्त्री—स्वर्ग, नाक, देवलोक, सुरलोक, बिहिश्त; उद्यान, आराम, वाटिका, बाग।

जन्नत आरामगाह (جنت آرامگاه) अ फा वि—जो स्वर्ग मे आराम कर रहा हो, दिवगत, स्वर्गीय, मर्हूम।

जन्नतनशीं (جنت نشیں) अ फा वि—जो स्वर्ग में रह रहा हो, अर्थात् जो मर गया हो, स्वर्गवासी।

जन्नतमका (جنت مکاں) अ वि—जिसका घर स्वर्ग हो, अर्थात् मरा हुआ व्यक्ति, स्वर्गीय, स्वर्ग-वेश्म।

जन्नती (جنتی) अ वि—जिसको मरने के पश्चात् स्वर्ग प्राप्त हुआ हो, स्वर्गीय, स्वर्ग के योग्य व्यक्ति, सदाचारी, पुण्यात्मा।

जन्नतुलफिर्दौस (جنت الفردوس) अ स्त्री—सब से ऊँचा (स्वर्ग), वह बाग जिसमे हर वह चीज़ हो जो दूसरे बागो मे हो।

जन्नतुलमावा (جنت الماوی) अ स्त्री—सबसे ऊपर का स्वर्ग।

जन्नते नज़र (جنت نظر) अ स्त्री—ऐसी सुन्दर और अद्भुत चीज़ जो दृष्टि के लिए स्वर्ग के समान हो, जो दृष्टि को स्वर्ग का आनन्द दे।

जन्नते निगाह (جنت نگاه) अ फा स्त्री—दे, 'जन्नते नज़र'।

जन्नी (ظنی) अ वि—काल्पनिक, कल्पित, ख़याली, भ्रमात्मक, मौहूम।

जन्नेबद (ظن بد) अ फा पु—कुधारणा, बुरा गुमान।

जन्नेबातिल (ظن باطل) अ पु—बिलकुल मिथ्या विचार, गलत गुमान।

जफर (ظفر) अ स्त्री—जय, विजय, जीत, सफलता, कामयाबी।

जफरकरी (ظفر قرین) अ वि—विजेता, विजयी, फातेह।

जफरनसीब (ظفر نصیب) अ वि—जिसके भाग्य मे विजय हो, विजयशील।

जफरनिशाँ (ظفر نشاں) अ फा वि—विजेता, फतहमद।

जफरपैकर (ظفر پیکر) अ फा वि—दे 'जफरयाब'।

जफरमौज (ظفر موج) अ फा वि—दे 'जफरयाब'।

जफरयाब (ظفر یاب) अ फा वि—जिसे विजय प्राप्त हुई हो, विजयी, जित्वर, विजेता, जिष्णु।

जफरयाबी (ظفر یابی) अ फा स्त्री—जीत, विजय-प्राप्ति।

जफा (جفا) फा स्त्री—अत्याचार, अन्याय, अनीति, जुल्म, सितम।

जफाएचर्ख (جفاء چرخ) फा स्त्री—आस्मान की जफा, दैवीकोप, भाग्यचक्र, दिनो की गर्दिश।

जफाकश (جفاکش) फा वि—देह पर कष्ट उठानेवाला, कठिन परिश्रम करनेवाला, पराक्रमी, मेहनती, कर्मशूर।

जफाकार (جفاکار) फा वि—अत्याचार करनेवाला, ज़ालिम।

जफाकेश (جفاکیش) फा वि—जिसकी प्रकृति मे अत्याचार हो, बहुत बडा अत्याचारी।

जफाखू (جفاخو) फा वि—दे 'जफाकश'।

जफाजू (جفاجو) फा वि—नयी-नयी जफाएँ और नये-नये अत्याचार तलाश करनेवाला।

जफापरस्त (جفاپرست) फा वि—महा अत्याचारी, जो अनीति को पूजता हो, जो प्रेमिका के अत्याचारो की पूजा करता हो, आशिक।

जफापर्वर (جفاپرور) फा वि—अत्याचारो को प्रोत्साहन देनेवाला, घोर अत्याचारी।

जफापेशः (جفاپیشه) फा वि–जिसका काम केवल अत्याचार करना हो, बहुत बडा अन्यायी।

जफापेशगी (جفاپیشگی) फा स्त्री–अत्याचार का व्यवहार।

जफाशिआर (جفاشعار) फा वि–दे 'जफाकेश'।

जफ़्दे (ضفدع) अ पु–मेढक, दर्दुर, भेक, दे 'जिफ्दे' दोनो शुद्ध है।

जफ़्न (جفن) अ पु–आँख का पपोटा।

जफ़्र (جفر) अ पु–बकरी या भेड का बच्चा, एक विद्या जिससे परोक्ष ज्ञान प्राप्त होता है।

जफ़्रदां (جفرداں) अ फा वि–जफ्र की विद्या जाननेवाला, भविष्यवक्ता, परोक्षवादी।

जब [ब्ब] (ضب) अ स्त्री–गोह, गोधिका।

जबद (زبد) अ पु–झाग, फेन।

जबर (زبر) फा. पु–उर्दू मे (ऊ) का चिह्न (ॅ) वि ऊपर, उपरि, शक्तिशाली, ताकतवर, भारी, बोझिल।

जबरजद (زبرجد) फा पु–एक रत्न, पीत मणि, पुखराज।

जबरदस्त (زبردست) फा वि–शक्तिशाली, ताकतवर, प्रचड, अति तीव्र, बहुत तेज।

जबरदस्ती (زبردستی) फा स्त्री–अत्याचार, जुल्म, हठात्, बलात्, बलपूर्वक, जब्रन।

जबरूत (جبروت) अ पु–प्रतिष्ठा, श्रेष्ठता, बुजुर्गी।

जबल (جبل) अ पु–पर्वत, अचल, पहाड।

जबलुत्तारिक (جبل الطارق) अ पु–जिब्राल्टर।

जबाँ (زباں) फा स्त्री–जिह्वा, रसना, रसेंद्रिय, जीभ, किसी देश की बोली, भाषा, कौल, करार, सविदा, वचन, कथन।

जबाँआवर (زباں آور) फा वि–भाषा का बहुत अच्छा ज्ञाता, भाषापटु, कवि, शाइर।

जबाँआवरी (زباں آوری) फा स्त्री–भाषा का अच्छा ज्ञान, कविता, शाइरी।

जबाँगीर (زباں گیر) फा वि–गुप्तचर, जासूस।

जबाँजद (زباں زد) फा वि–जो सबकी जबानो पर हो, जनता मे प्रसिद्ध बात।

जबाँदराज (زباں دراز) फा वि–जिसकी जीभ बहुत लम्बी हो, गुस्ताख, मुक्तकठ, बदजबान, दुर्मुख।

जबाँदराजी (زباں درازی) फा स्त्री–गुस्ताखी, बदजबानी, दुर्मुखता, दुर्वचन।

जबाँदाँ (زباں داں) फा वि–किसी भाषा का विद्वान्, भाषाविज्ञ, भाषाविद्।

जबाँफरोश (زباں فروش) फा वि–बक्की, मुखर, वाचाल।

जबाँबंदी (زباں بندی) फा. स्त्री–बोलने की मनाही, राज की ओर से जनता मे भाषण देने का निषेध।

जबानः (جبانه) अ पु–वन, जगल, कानन।

जबानः (زبانه) फा पु–लौ, लपट, अग्नि-ज्वाला, अग्निशिखा।

जबान (جبان) अ वि–क्लीब, नपुसक, भीरु, डरपोक।

जबान (زبان) फा स्त्री–दे 'जबाँ'।

जबानत (جبانت) अ स्त्री–क्लीबता, नामर्दी, भीरुता, डरपोकपन।

जबानी (زبانی) फा वि–मौखिक, मुँह से कहा हुआ, कठ, मुखाग्र, बर जबाँ, मुँह से, जबान से।

जबाने कलम (زبانِ قلم) फा अ स्त्री–कलम की नोक, होल्डर का निब, कलमरूपी मनुष्य की जबान।

जबाने खामः (زبانِ خامه) फा स्त्री–दे 'जबाने कलम'।

जबाने शीरीं (زبانِ شیریں) फा स्त्री–मीठी जबान, जिस जबान से मीठी-मीठी बातें निकलती हो।

जबाने हाल (زبانِ حال) फा अ स्त्री–दशा, हालत, दशारूपी मनुष्य की जिह्वा।

जबीं (جبیں) फा स्त्री–माथा, ललाट, भाल, पेशानी।

जबीं फर्सा (جبیں فرسا) फा वि–माथा रगडनेवाला, जमीन पर माथा टेककर सलाम करनेवाला, बहुत ही दीनता प्रकट करनेवाला।

जबींसा (جبیں سا) फा वि–दे 'जबींफर्सा'।

जबींसाई (جبیں سائی) फा स्त्री–माथा रगडना, बहुत ही झुककर सलाम करना, दीनता और नम्रता का प्रदर्शन, "मुआज़ल्ला! तसव्वर का यह अदाजे-जबीसाई। कि होता ही नही महसूस उनका दूर हो जाना।"

जबी (ظبی) अ पु–हरिण, मृग, हिरन, आहू।

जबीन (جبین) फा स्त्री–दे 'जबीं'।

जबीब (زبیب) अ पु–सूखा हुआ अगूर, शुष्क द्राक्षा मुनक्का।

जबीयः (ظبیه) अ स्त्री–हरिणी, मृगी, हरनी।

जबीरः (جبیره) अ स्त्री–टूटी हड्डी पर बाँधने की लकडी।

जबीहः (ذبیحه) अ पु–जबह किया हुआ जानवर, वध, जबह।

जबीह (ذبیح) अ वि वधित, जबह किया हुआ।

जबीहुल्लाह (ذبیح الله) अ पु–हज़रत 'इस्माईल' की उपाधि जिन्हे उनके पूज्य पिताजी ने ईश्वर की आज्ञा से वध करना चाहा था।

जबूँ (زبوں) फा वि–निकृष्ट, दूषित, खराब।

जबूँहाल (زبوں حال) फा अ वि–दुर्दशाग्रस्त, फटेहाल, बुरी हलात मे।

जबूँहाली (زبوں حالی) फा अ स्त्री–दुर्दशा, बदहाली।

जबून (زبون) फा वि–दे 'जबूँ'।

ज़बूनी (زبونی) फा स्त्री —निकृष्टता, ख़राबी, तिरस्कार, ज़िल्लत, दु ख, क्लेश, कष्ट, तकलीफ।

ज़बूनीकश (زبونی کش) फा वि —कष्ट और दु ख उठानेवाला, तिरस्कार सहनेवाला।

ज़बूर (زبور) अ स्त्री —वह आसमानी किताव जो हज़रत 'दाऊद' पर उतरी थी।

ज़ब्त (ضبط) अ पु —सहन, सहनशीलता, वरदाश्त, क्रम, तर्तीब, प्रवध, व्यवस्था, इतजाम, ज़ब्तशुद, जो चीज़ ज़ब्त हो गयी हो।

ज़ब्ती (ضبطی) अ स्त्री —किसी चीज़ पर जवरदस्ती कब्ज़ा, सरकारी हुक्म से किसी चीज़ पर कब्ज़ा।

ज़ब्ते अश्क (ضبط اشک) अ फा पु —आँसू रोकना।

ज़ब्ते आह (ضبط آہ) अ फा पु —आह रोकना, मुँह से आह न निकलने देना।

ज़ब्ते ग़म (ضبط غم) अ फा पु —कष्ट और दु ख प्रकट न होने देना, प्रेम की व्यथा का इज्हार न करना।

ज़ब्ते गिर्यः (ضبط گریہ) अ फा पु —आँसू न निकलने देना, रोने पर काबू रखना।

ज़ब्ते नाल. (ضبط نالہ) अ फा पु —मुँह से चीख़ पुकार न निकलने देना, रोना-धोना न करना।

ज़ब्ते फ़ुग़ाँ (ضبط فغاں) अ फा पु —दे 'ज़ब्ते नाला'।

जब्र (جبر) अ पु —अत्याचार, अन्याय, ज़ुल्म, किसी वात के लिए मजवूर करना, हठ, यह सिद्धान्त कि मनुष्य नितान्त वेवश है जो कुछ करता है ईश्वर करता है।

जब्रन (جبراً) अ वि —ज़वरदस्ती, हठात्, वलात्।

जब्री (جبری) अ वि —ज़बरदस्ती का, यह सिद्धान्त माननेवाला कि मनुष्य विलकुल विवश है।

जब्रीय. (جبریہ) अ वि —ज़बरदस्ती का, जब्री, यह सिद्धान्त माननेवाला कि मनुष्य खुद कुछ नही करता, सव कुछ ईश्वर कराता है।

जब्रे मशीयत (جبر مشیت) अ पु —दैव की ज़वरदस्ती, भाग्य का हठ।

जब्रोक़द्र (جبر وقدر) अ पु —यह सिद्धान्त कि ईश्वर सव कुछ करता है और मनुष्य कुछ नही कर सकता।

जब्रोतअद्दी (جبر وتعدی) अ स्त्री —अत्याचार और अन्याय।

जब्रोमुक़ाबल. (جبر ومقابلہ) अ पु -'अलजब्रा' वीजगणित।

जब्ल (زبل) अ पु —घोडे और गधे की लीद।

जब्ह (جبهہ) अ स्त्री —पेशानी, माथा, ललाट, भाल, दसवाँ नक्षत्र, मघा।

जब्ह फर्सा (جبهہ فرسا) अ फा वि —दे 'जवीफर्सा'।

जब्ह सा (جبهہ سا) अ फा वि —दे 'जवीसा'।

ज़ब्ह (ذبح) अ पु —वध, जवीह, हत्या, हिंसा, कत्ल।

जम (جم) फा पु —जमशेद का लघुरूप, दे 'जमशेद'।

जम (جم) अ पु —भीड, जमाव।

ज़म (ذم) अ पु —निंदा, बुराई, हजो, अश्लीलता, फुहश होना।

ज़म (زم) अ पु —शीत, सर्दी।

ज़म (ضم) अ पु —मिलना, मिल जाना, मिला हुआ, सवद्ध, सयुक्त, पेश का चिह्न (ُ) ज़वर।

ज़मज़म (زمزم) अ पु —मक्के का एक कुआँ जिसका पानी वहुत ही पवित्र समझा जाता है, उस कुएँ का पानी।

जमजाह (جم جاہ) फा वि —जमशेद-जैसी शानोशौकत रखनेवाला, महाप्रतापवान्।

जमन (جمن) फा स्त्री —जमना नदी, यमुना।

ज़मन (زمن) अ पु —ज़माना, ससार, जगत्, विश्व, काल, समय, वक्त, आपत्ति, विपत्ति, मुसीवत।

जमल (جمل) अ पु —ऊँट, उष्ट्र, नर ऊँट।

जमशेद (جمشید) फा पु —ईरान का एक प्राचीन शासक, जिसके पास एक प्याला था जिससे उसे ससार भर का हाल ज्ञात हो जाता था।

ज़माँ (زماں) अ पु —ज़माना, काल, समय, ससार, विश्व, दुनिया।

जमाअत (جماعت) अ स्त्री —पक्ति, कतार, वर्ग, तवक़, कक्षा, क्लास।

जमाद (جماد) अ स्त्री —जड पदार्थ, वह चीज़ जिसमें विकास आदि न हो, जैसे—पत्थर आदि।

जमादात (جمادات) अ स्त्री —वेजान औ जड चीज़े।

जमादी (جمادی) अ वि —जड सम्वन्धी।

ज़मान. (زمانہ) अ पु —समय, काल, वक्त, युग, कर्न, विलव, देर, अतिकाल, मुद्दत, अर्सा, दशा, हालत।

ज़मान शनास (زمانہ شناس) अ फा वि —समय को पहचाननेवाला, समय के अनुकूल काम करनेवाला।

ज़मानःसाज़ (زمانہ ساز) अ फा वि —मुतफन्नी, धूर्त, छली, इवनुल वक्त, अवसरवादी।

ज़मान (زمان) अ पु —दे 'ज़मान'।

ज़मानए क़दीम (زمانۂ قدیم) अ पु —प्राचीनकाल, पुराना ज़माना।

ज़मानए जदीद (زمانۂ جدید) अ पु —आधुनिक काल, मौजूद ज़माना।

ज़मानए जाहिलीयत (زمانۂ جاہلیت) अ पु —मूर्खता-काल, वेवकफी का ज़माना, इस्लामी परिभाषा के अनुसार इस्लाम से पूर्व का समय।

ज़मानए दराज़ (زمانۂدراز) अ फा पु—लम्बा समय, दीर्घ काल।

ज़मानए माक़ब्ले तारीख़ (زمانۂماقبل تاریخ) अ पुं—वह समय जब इतिहास नही लिखा जाता था, इतिहास-पूर्वकाल, पूर्वेतिहासिक काल।

ज़मानए माज़ी (زمانۂماضی) अ पु—गुज़रा हुआ समय, बीता हुआ जमाना; भूतकाल।

ज़मानए मुसीबत (زمانۂمصیبت) अ पु—व्यसनकाल, विपत्तिकाल, सकटकाल, आफ़तो का ज़माना।

ज़मानए सलफ़ (زمانۂ سلف) अ पु—प्राचीन काल, पुरातन काल, बहुत पिछला ज़माना।

ज़मानत (ضمانت) अ स्त्री—प्रतिभूति, ज़ामिनी।

ज़मानतदार (ضمانتدار) अ फा पु—प्रतिभू, ज़ामिन।

ज़मानतनामः (ضمانت نامہ) अ फा पु—प्रतिभूति पत्र, जमानत की तहरीर।

ज़मानती (ضمانتی) अ पुं—दे 'ज़मानतदार', ज़मानत का।

जमाल (جمال) अ पु—सौन्दर्य, रूप, सुन्दरता, हुस्न, शोभा, छटा, छवि, मुखकाति, मुखाभा, तल्अत।

जमालिस्तान (جمالستان) अ फा पु—वह जगह जो सुन्दरता की खान हो, जहाँ सुन्दरिया ही सुन्दरिया हो।

जमाली (جمالی) अ वि—रूप से सम्बन्ध रखनेवाला, 'जलाली' का उलटा, वह जाप (अमल) जिसके जप मे प्राणभय न हो।

जमालीयात (جمالیات) अ पु—सौंदर्य सम्बन्धी बाते।

जमाहीर (جماهیر) अ पु—'जुमहूर' का बहु, बडे-बडे व्यक्ति।

ज़मिस्ताँ (زمستاں) फा पुं—जाडे की ऋतु, जाडे का मौसिम, शीतकाल।

ज़मिस्तानी (زمستانی) फा वि—जाडेवाला, शरद ऋतु-वाला।

ज़मी (زمیں) फा पु—पृथ्वी, धरा, अवनि, कुरए ज़मीन, भूमि, भूखड, जमीन का टुकडा, देश, मुल्क, पेशवदी, पुरश्चरण, गज़ल की रदीफ, काफिय और वह्र।

ज़मीदार (زمیندار) फा पु—ज़मीन का मालिक, भूस्वामी, भूमिपति।

ज़मींदारी (زمیندارى) फा स्त्री—राज की ओर से गाँव के ठेके की पद्धति।

जमीअ (جمیع) अ वि—समस्त, समग्र, कुल, सब, सपूर्ण, समूचा, पूरा।

ज़मीन (زمین) फा स्त्री—दे 'ज़मी'।

ज़मीम (ذمیمہ) फा वि—ज़मीम की स्त्री निकृष्टा, बुरी।

ज़मीमः (ضمیمہ) अ पु—किसी विशेष और आवश्यक समाचार के लिए अखबार का ततिम्म, किसी पुस्तक का विशेष भाग, परिशिष्ट।

ज़मीम (ذمیم) अ वि—बुरा, खराब, निकृष्ट।

ज़मीर (ضمیر) अ पु—अतरात्मा, अत करण, कानशस, सर्वनाम, मन, दिल, जी।

ज़मीरआगाह (ضمیرآگاہ) अ फा वि—अतर्यामी, दिल की बात जाननेवाला।

ज़मीरफरोश (ضمیرفروش) अ फा वि—आत्मविक्रेता, गद्दार, अवसरवादी।

ज़मीरफरोशी (ضمیرفروشی) अ फा स्त्री—गद्दारी, आत्म-विक्रय।

ज़मीरे गाइब (ضمیر غائب) अ स्त्री—प्रथम पुरुष का सर्वनाम, 'वह'।

ज़मीरे मुख़ातब (ضمیر مخاطب) अ स्त्री—मध्यम पुरुष का सर्वनाम, 'तुम'।

ज़मीरे मुतकल्लिम (ضمیر متکلم) अ स्त्री—उत्तम पुरुष का सर्वनाम, मैं।

ज़मीरे हाज़िर (ضمیر حاضر) अ स्त्री—दे 'ज़मीरे मुख़ातब'।

जमील (جمیل) अ वि—सुन्दर, रूपवान्, हसीन।

जम्अ (جمع) अ स्त्री—आय, आमद; उपार्जित, सचित, जमाशुद, निशाना।

जम्अअंदाज़ (جمع انداز) अ फा वि—बहुत अच्छा निशाना लगानेवाला, लक्ष्यभेदी, निशानची।

जम्अदार (جمعدار) अ फा पु—सिपाहियो का नायक।

जम्अबंदी (جمع بندی) अ फा स्त्री—ज़मीदारी की सारी आमदनी।

जम्ईयत (جمعیت) अ स्त्री—दल, यूथ, समूह, जमाअत, समुदाय, सतोप, इत्मीनान, सभा, गोष्ठी, परिषद्, इदार।

जम्ईयतुलउलमा (جمعیت العلما) अ स्त्री—आलिमो की जमाअत, विद्वानो की मडली।

जम्ईयते ख़ातिर (جمعیت خاطر) अ स्त्री—आत्मसतोष, इत्मीनाने क़ल्ब।

ज़म्ज़मः (زمزمہ) फा पु—चहचह, चहकार, चिडियो की चहक, कलरव, गान, गीत, नग्म।

ज़म्ज़म·ख़्वाँ (زمزمہخواں) फा वि—चहचहानेवाला पक्षी, गानेवाला, गायक।

ज़म्ज़म परदाज़ (زمزمہپرداز) फा वि—दे 'ज़म्ज़म ख़्वाँ'।

ज़म्ज़म पैरा (زمزمہپیرا) फा वि—दे 'ज़म्ज़म ख़्वाँ'।

ज़म्ज़म·संज (زمزمہسنج) फा वि—गानेवाला, चहचहानेवाला; मधुर स्वर मे बातचीत करनेवाला।

ज़म्ज़मःसंजी (زمزمہ سنجی) फा स्त्री–गाना, चहचहाना, मधुर स्वर में बातचीत करना।

ज़म्ज़म (زمزم) अ पु–मक्के का एक पवित्र कुआँ, उस कुएँ का पानी।

ज़म्ज़मी (زمزمی) अ स्त्री–ज़म्ज़म रखने की कुप्पी।

ज़म्द (ضمد) अ पु–मर्‌हम लगाना, दवा चुपड़ना।

ज़म्मः (ضمہ) अ पु–'पेश' का चिह्न, 'उ' की मात्रा।

जम्माज़ः (جمازہ) अ स्त्री–तेज चलनेवाली ऊँटनी, साँडनी।

जम्माश (جماش) अ वि–चपल, चंचल, शोख़, शरीर, साहसी, हिम्मती, शूर, वीर।

जम्मे गफ़ीर (جم غفیر) अ पु–बहुत बड़ा जमाव, बहुत बड़ी भीड़।

जम्रः (جمرہ) अ पु–चिनगारी, अग्निकण, स्फुलिंग, कंकरी, ठीकरी, एक प्रकार की फुंसियाँ जिनमें बड़ी जलन होती है।

ज़म्र (ضمر) अ पु–छरहरे और दुबले शरीर का व्यक्ति।

ज़म्‌हरीर (زمہریر) फा पु–बहुत ही कड़ा जाड़ा, वायुमंडल का वह भाग जो बहुत ही ठंडा है।

ज़र (زر) फा पु–स्वर्ण, सुवर्ण, हेम, हाटक, कांचन, सोना, धन, संपत्ति, दौलत, बहुत बूढ़ा या बूढ़ी।

जर[र्] (جر) अ पु–खींचना, आकर्षण, खिंचाव, ज़ेर की हरकत।

ज़र[र्] (ضر) अ पु–दुःख, कष्ट, तकलीफ़, दुर्दशा, बद-हाली, निर्धनता, गरीबी, निर्बलता, दुबलापन।

ज़रअंदूदः (زراندودہ) फा वि–सोने से मढ़ा हुआ, सोना चढ़ा हुआ।

ज़रअफ़्शाँ (زرافشاں) फा वि–दे 'ज़रफ़्शाँ'।

ज़रअफ़्शानी (زرافشانی) फा स्त्री–दे 'जरफ़्शानी'।

ज़रक (زرک) फा पु–सोने के वरकों का चूरा।

ज़रकश (زرکش) फा वि–सोने-चाँदी के तारों से कलाबत्तू बनानेवाला, सोने-चाँदी के तारों से बना हुआ कपड़ा।

ज़रकशी (زرکشی) फा स्त्री–सोने-चाँदी के तारों का काम, कलाबत्तू का काम।

ज़रकार (زرکار) फा वि–सुनहले काम की चीज़।

ज़रकोब (زرکوب) फा वि–सोने-चाँदी के वरक बनाने-वाला, वह चीज़ जिसपर सोने के पत्र चढ़े हों।

ज़रकोबी (زرکوبی) फा स्त्री–सोने-चाँदी के वरक बनाना।

ज़रख़रीद (زرخرید) फा वि–अपने दामों से मोल लिया हुआ, मोल लिया हुआ दास।

ज़रख़ेज़ (زرخیز) फा वि–अच्छी उपजाऊ भूमि, उर्वरा, सस्यप्रद।

ज़रख़ेज़ी (زرخیزی) फा स्त्री–जमीन का उपजाऊ होना।

ज़रगर (زرگر) फा पु–स्वर्णकार, सुनार, सोने-चाँदी के जेवर बनानेवाला।

ज़रगरी (زرگری) फा स्त्री–स्वर्णकर्म, सोने-चाँदी का काम बनाना, सोने-चाँदी के जेवर बनाना।

ज़रगूनी (زرعونی) अ स्त्री–एक यूनानी दवा।

ज़रतार (زرتار) फा वि–सोने के तारों से बना या गुँथा हुआ।

ज़रतुश्त (زرتشت) फा पु–दे 'ज़रदुश्त'।

ज़रदार (زردار) फा वि–धनी, धनाढ्य, मालदार।

ज़रदारी (زرداری) फा स्त्री–धनाढ्यता, धनवानी, माल-दारी।

ज़रदुश्त (زردشت) फा पु–'मिनूचेह्र' का वंशज एक ईरानी महात्मा, जो यूनान के हकीम फीसागोरस का शिष्य था। इसने सम्राट् गुश्तास्प के समय में एक धर्म चलाया जिसका मुख्य उद्देश्य अग्निपूजा था, इसका धर्मग्रंथ 'जेंद' है।

ज़रदोज़ (زردوز) फा वि–ज़रदोज़ी का काम करनेवाला, कारचोब, सलमासितारा और कलाबत्तू का काम बनानेवाला।

ज़रदोज़ी (زردوزی) फा स्त्री–कारचोबी, सल्मेसितारा और ज़री का काम।

ज़रदोस्त (زردوست) फा वि–धन का लोभी, बहुत ही लोभी और कंजूस।

ज़रदोस्ती (زردوستی) फा स्त्री–धन का लोभ, धन का बहुत अधिक प्रेम, कृपणता, कंजूसी।

ज़रनिगार (زرنگار) फा वि–सोने के काम से सजा हुआ, सोने के बेलबूटे बना हुआ।

ज़रपरस्त (زرپرست) फा वि–रुपये की पूजा करनेवाला, धन-पिशाच, बहुत बड़ा कंजूस।

ज़रपरस्ती (زرپرستی) फा स्त्री–रुपये की पूजा, हद से बढ़ा हुआ लोभ।

ज़रपाश (زرپاش) फा वि–सोना बरसानेवाला, दान-शील, फ़ैयाज़।

ज़रपाशी (زرپاشی) फा स्त्री–सोना बरसाना, बहुत अधिक दानशीलता।

ज़रफ़िशाँ (زرفشاں) फा वि–दे 'ज़रफ़्शाँ'।

ज़रफ़िशानी (زرفشانی) फा स्त्री–दे 'ज़रफ़्शानी'।

ज़रफ़्शाँ (زرافشاں) फा वि–सोना बरसानेवाला अर्थात् बहुत अधिक दानशील।

ज़रफ़्शानी (زرافشانی) फा स्त्री–सोना बरसाना, बहुत बड़ी दानशीलता।

जरब (جرب) अ स्त्री–खुजली, ख़ारिश, ख़र्जू, कंडू।

ज़रब (ضرب) अ पु–सफ़ेद शहद, श्वेत मधु।

जरव (درب) अ पु —पेट का एक रोग जिसमे कभी दस्त होने लगते है कभी वद हो जाते है।

जरवफ़्त (زربفت) फा पु —सोने-चाँदी के तारो से वना हुआ कपडा।

जरवान (ضربان) अ पु —हृदय की धडकन, दर्द की लपक।

जरवाफ (زرباف) फा वि —जरवफ्त वनानेवाला।

जरवाफी (زربافی) फा स्त्री —जरवफ्त वुनना।

जरवी (ضربی) अ वि —शहदवाली वस्तु।

जरम (حرم) अ पु —उपचार, इलाज, उपाय, तद्वीर।

जरयान (حریان) अ पु —स्राव, प्रवाह, वहाव, प्रमेह, धातुस्राव रोग।

जरयाने ख़ून (جریان خون) अ फा पु —शरीर से रक्त का स्राव।

जरयाने तम्स (حریان طمس) अ पु —रज का स्राव, मासिक धर्म का अधिक मात्रा में आना।

जरयाने दम (حریان دم) अ पु —रक्त का स्राव, खून का खारिज होना।

जरयाने मनी (حریان منی) अ पु —वीर्य का स्राव, वीर्य का पतला होकर मूत्र के साथ निकलना, एक रोग, प्रमेह।

जरर (ضرر) अ पु —हानि, नुक्सान, आघात, चोट, अनिष्ट, खरावी।

जररसाँ (ضررساں) अ फा वि —हानिकारक, नुक्सानदेह।

जररसानी (ضررسانی) अ फा स्त्री —हानिकारिता, नुक्सानदिही।

जररसी (ضررسی) अ फा स्त्री —नुक्सान पहुँचना, हानि पहुँचना।

जररसीद. (ضررسیدہ) अ फा वि —हानि पहुँचा हुआ, हानि-पीडित।

जररेज (زرریز) फा वि —सोना वरसानेवाला, अतिदानी।

जररेज़ी (زرریزی) फा स्त्री —सोना वरसाना, फैयाज़ी करना।

जरस (جرس) फा पु —घटा, घडियाल, वह घटा जो यात्रियो के दल के साथ रहता है।

जरा (ذرع)अ पु —लोभ, लालच, जगली गाय का वच्चा।

जरा (ذرا) तु वि —तनिक, किंचित, अल्प, थोडा।

जरा (ضرا) अ पु —रोना धोना, क्रन्दन, विनम्रता, आजिजी।

जराअत (زراعت) अ स्त्री —दे शु उ 'जिराअत'।

जराअत(ضراعت) अ स्त्री —रोना, क्रन्दन, विनती करना, घिघियाना।

जराइद (جرائد) अ पु —'जरीद' का वहु, समाचारपत्र।

जराइफ (طرائف) अ पु —'ज़रीफ' का वहु, ज़राफते, मनोरजन की वातें।

जराइम (جرائم) अ पु —'जरीम' का वहु, अनेक प्रकार के अपराध, वहुत से अपराध।

जराइमपेश: (جرائم پیشہ) अ फा वि —जिसे जुर्म करने की आदत हो, जो प्रकृति से ही जुर्म का आदी हो।

जराइमपेशगी (جرائم پیشگی) अ फा स्त्री —अपराधकरने का स्वभाव।

जराइर (ذرائر) अ पु —'ज़र्र' का वहु, छोटे-छोटे च्यूंटे।

जराए' (ذرائع) अ पु —'ज़रीअ' का वहु, ज़रीए, साधन।

जराद (جراد) अ पु —टीडी, टिड्डी, जो खेत खा जाती है।

जराफ (زراف) अ पु —एक जगली पशु जो ऊँट के वरावर होता है, और तेंदुए जैसी शरीर पर धारियाँ होती है, दे 'जिराफ' दोनो शुद्ध है।

जराफत (ظرافت) अ स्त्री —हँसी, ठठोल, मसखरापन, खुशतव्ई, मनोरजन, व्यग, तज़, हास्यरस, मिज़ाह-निगारी।

जराफतअंगेज (ظرافت انگیز) अ फा वि —जराफत पैदा करनेवाला।

जराफतआमेज़ (ظرافت آمیز) अ फा वि —जिसमे हँसी-दिल्लगी की वाते मिली हो, परिहासपूर्ण।

जराफतनिगार (ظرافت نگار) अ फा वि —हास्य-लेखक, मिज़ाहनिगार।

जराफतनिगारी (ظرافت نگاری) अ फा स्त्री —हास्य-लेख लिखना, मिज़ाहनिगारी।

जराफतपसंद (ظرافت پسند) अ फा वि —जिसे मनोरजन पसद हो, परिहासप्रिय।

जराफतपसदी (ظرافت پسندی) अ फा स्त्री —मनोरजन की वातो का अच्छा लगना।

जराव (زرآب) फा पु —सोने का पानी, पानी की शक्ल मे सोना, हल किया हुआ सोना, पीले रग की मदिरा।

जरारत (ضرارت) अ स्त्री —हानि पहुँचाना, नुक्सान करना, अवा होना।

जरारीह (ذراریح) अ पु —'जुरूह' का वहु, एक प्रकार के कीडे जो दवा में काम आते है, यह शब्द एकवचन मे प्रयुक्त है।

जरावद (زراوند) फा स्त्री —एक दवा जो गोल और लम्वे दानो के आकार की होती है, गोल को 'मुदव्वर' और लवे को 'तवील' कहते है।

जरासीम (جراثیم) अ पु —'जुर्सूम' का वहु, छोटे-छोटे कीड़े, कीटाणुगण।

जरासीमकुश (جراثیم کش) अ फा वि—कीडे मारने-वाली दवा, कीटनाशक।

जराहत (جراحت) अ स्त्री—इस शब्द का शुद्ध उच्चारण 'जिराहत' है, परतु उर्दू में दोनो तरह बोलते हैं, घाव, ज़ख्म, चीरफाड, शल्यक्रिया।

जराहतखुर्द. (جراحت خوردہ) अ फा वि—घायल, ज़ख्मी, आहत, क्षत।

जराहतनसीब (جراحت نصیب) अ वि—जिसके भाग्य में घायल होना ही हो, जिसे हर जगह जख्म खाने को मिले।

ज़रीं (زریں) फा वि—सोने का बना हुआ, स्वर्णमय, सोने का, स्वर्णिम, सोने से सम्बन्ध रखनेवाला।

जरी (جری) अ वि—वीर, शूर, बहादुर, उत्साही, साहसी, जवाँमर्द।

ज़री (زری) फा स्त्री—दे 'ज़री', सोने-चाँदी के तार जिन पर सुनहरा मुलम्मा हो, गोटा किनारी का कपडा।

ज़रीअ. (ذریعہ) अ प—साधन, वसीला, माध्यम, वासिता, द्वारा, मारिफत, उपाय, तदबीर।

जरीद (جریدہ) अ पु—एकाकी, अकेला, समाचारपत्र, अखबार।

जरीद.निगार (جریدہ نگار) अ फा वि—पत्रकार, अखबार-नवीस।

जरीद निगारी (جریدہ نگاری) अ फा स्त्री—पत्रकारी, अखबारनवीसी।

जरीद (جرید) अ पु—पत्रवाहक, क़ासिद, गुप्तचर, जासूस।

जरीदिल (جری دل) अ फा वि—साहसी, जवाँमर्द, जिसे भय न हो।

ज़रीन (زرینہ) फा स्त्री—सुनहरी।

ज़रीफ (ظریف) अ वि—हँसोड, मसखरा, खुश मिज़ाज, विनोदप्रिय, प्रतिभाशाली, ज़हीन।

ज़रीफतब्अ (ظریف طبع) अ वि—दिल्लगी बाज, हँसोड, मनोविनोदी।

ज़रीफमिज़ाज (ظریف مزاج) अ वि—जिसके स्वभाव मे मनोविनोद और हँसी मज़ाक बहुत हो, विनोदप्रिय।

ज़रीफान (ظریفانہ) अ फा वि—मनोविनोद से भरा हुआ, हास्यपूर्ण।

ज़रीफुत्तब्अ (ظریف الطبع) अ वि—दे 'ज़रीफतब्अ'।

ज़रीफुलमिज़ाज (ظریف المزاج) अ वि—दे 'ज़रीफमिज़ाज'।

ज़रीब (ضریبہ) अ स्त्री—स्वभाव, आदत, तलवार की तीक्ष्णता (वि) तलवार से घायल।

जरीब (جریب) फा स्त्री—खेत नापने की जजीर, हाथ में पकड़ने की छडी।

जरीबकश (جریب کش) फा वि—जरीब से खेत नापने-वाला।

जरीबकशी (جریب کشی) फा स्त्री—जरीब द्वारा खेतो की पैमाइश।

ज़रीबत (ضریبت) अ स्त्री—स्वभाव, प्रकृति, आदत।

ज़रीबाफ (زری باف) फा वि—सोने-चाँदी के तार या सुनहरी लैस बनानेवाला।

जरीम. (جریمہ) अ पु—पाप, पातक, गुनाह, दोष, अपराध, कुसूर।

जरीम (جریم) अ वि—जड से काटा हुआ, उन्मूलित, बडे डीलडौल का।

ज़रीम (ضریم) अ वि—जला हुआ, दग्ध।

जरीर. (جریرہ) अ पु—पाप, गुनाह।

ज़रीर (ضریر) अ वि—अधा, अध, नेत्रहीन, अशक्त, निर्बल, दुबला।

जरीश (جریش) अ पु—दलया, जो पकाया जाता है।

जरीस (جریس) अ वि—बहुत भूखा, क्षुधातुर।

जरीह (جریح) अ वि—आहत, घायल, ज़ख्मी।

ज़रीह (ضریح) अ स्त्री—कब्र, समाधि।

ज़रूर (ضرور) अ वि—अवश्य, यकीनी, निश्चित रूप से, नि सदेह, बेशुब्ह।

ज़रूर (ذرور) अ पु—दवा की बुकनी जो घाव या आँख आदि मे छिडकी जाय।

ज़रूरत (ضرورت) अ स्त्री—आवश्यकता, चाह, आकाक्षा, ख्वाहिश, कारण, सबब।

ज़रूरतन् (ضرورتاً) अ वि—कारणवश, आवश्यकता से।

ज़रूरतमद (ضرورت مند) अ फा वि—इच्छुक, ख्वाहिश-मद, मोहताज, दरिद्र, भिक्षुक, भिखारी।

ज़रूरी (ضروری) अ वि—आवश्यक, यकीनी, अनिवार्य, लाजिमी।

ज़रूरीयात (ضروریات) अ स्त्री—'जरूरी' का बहु, आवश्यक-ताएँ, जरूरते।

ज़रे अस्ल (زر اصل) अ फा पु—मूलधन, अस्ल रुपया।

ज़रे कल्ब (زر قلب) फा अ पु—खोटा सिक्का, खोटा सोना या चाँदी।

ज़रे खालिस (زر خالص) फा अ पु—खरा सिक्का, खरा सोना या चाँदी।

ज़रे गुल (زر گل) फा पु—पराग, पुष्परज, फूल का ज़ीरा।

ज़रे नक्द (زر نقد) फा अ पु—नक्द रुपया, कैश।

ज़रे नातिक (زر ناطق) फा अ पु—बोलनेवाला धन, नौकर-चाकर, दाम आदि, पशुधन।

ज़रे पेशगी (زر پیشگی) फा पुं—अग्रिम धन, किसी काम के लिए पहले दिया हुआ रुपया।

ज़रे फ़ाज़िल (زر فاضل) फा अ पु—अतिरिक्त धन, फालतू रुपया, लेने या देने से अधिक रुपया।

ज़रे बैआन. (زر بیعانہ) फा अ पु—अग्रिम धन, पेशगी, रुपया।

ज़रे मस्कूक (زر مسکوک) फा अ पु—रुपया या अशर्फ़ी।

ज़रे महलूल (زر محلول) फा अ पु—पानी के रूप मे पिघला हुआ सोना।

ज़रे मुआवज़ः (زر معاوضہ) फा अ पु—किसी चीज़ के बदले का रुपया।

ज़रे मुतालबः (زر مطالبہ) फा. अ. पुं—डिग्री आदि का वाजिब रुपया।

ज़रे मुनाफ़अः (زر منافعہ) फा अ पु—कारोबार मे लाभ का रुपया।

ज़रे सफ़ेद (زر سفید) फा पु—चाँदी, रजत।

ज़रे सामित (زر صامت) फा अ पु—न बोलनेवाला धन, रुपया-पैसा या जाइदाद।

ज़रे सुर्ख़ (زر سرخ) फा पु—सोना, स्वर्ण।

ज़रोगौहर (زروگوہر) फा पुं—सोना और मोती।

ज़रोजवाहिर (زروجواہر) फा. अ पु—सोना और रत्न।

ज़र्अ (ذرع) अ पु—शक्ति, बल; हाथ से नापना।

ज़र्अ (زرع) अ स्त्री—उगना, जमना, कृषि, खेती।

ज़र्अ (ضرع) अ पु—गाय, बकरी आदि का थन।

ज़र्क़ (زرق) अ वि—छल, मक्र, असत्य, झूठ, मुँह पर कुछ होना और ज़बान पर कुछ।

ज़र्क़ (ذرق) अ. स्त्री—पक्षी का बीट।

ज़र्क़बर्क़ (زرق برق) अ वि—तडक-भड़कवाला, भड़कदार, चमकीला, भडकीला।

ज़र्क़ा (زرقا) अ स्त्री—नीली आँखोवाली स्त्री।

जर्गः (جرگہ) तु पु—दल, समूह, जमाअत, गोत्र, वंश, ख़ानदान, जिर्ग भी शुद्ध है।

ज़र्ग़ब (زرغب) फा पु—कीमुख़्त, एक प्रकार का चमडा।

ज़र्ग़ूनी (زرغونی) अ स्त्री—एक दवा जो यूनानी मे प्रचलित है।

ज़र्द. (زردہ) फा पु.—एक प्रकार के मीठे चावल, खुशबूदार पत्ती का तबाकू।

ज़र्द (جردہ) फा पु—दे 'चर्द' इस अर्थ में 'जर्द' अशुद्ध है।

ज़र्द (زرد) फा वि—पीत, पीला, पीले रगवाला, पीला रग।

ज़र्द (زرد) अ पुं—निवाला निगलना, गला घोटना, कवच बिनना।

ज़र्दआब (زردآب) फा पु—दे 'ज़र्दाब', वही उच्चारण अधिक शुद्ध है।

ज़र्दआलू (زردآلو) फा पु—दे 'ज़र्दालू', वही उच्चारण अधिक शुद्ध है।

ज़र्दक (زردک) फा स्त्री—गाजर, पीत कद, एक प्रसिद्ध कद।

ज़र्दगोश (زردگوش) फा पु—छली, धूर्त, मक्कार; द्वय भाषी, मुवाफ़िक़, दुविधा में पडा हुआ, मुज़ब्ज़ब।

ज़र्दचश्म (زردچشم) अ पुं—बाज़ और उसकी जाति के शिकारी पक्षी।

ज़र्दचोब (زردچوب) फा स्त्री—हल्दी, हरिद्रा।

ज़र्दरू (زردرو) फा वि—लज्जित, शर्मिदा, जिसके शरीर मे ख़ून न हो, लागर, दुबला।

ज़र्दरूई (زردروئی) फा स्त्री—लज्जा, शर्म, शरीर मे ख़ून न होना।

ज़र्दाब (زرداب) फा पु—फोडे से बहनेवाला कच-लोहू।

ज़र्दालू (زردآلو) फा पुं—ताज़ी ख़ूबानी।

ज़र्दी (زردی) फा स्त्री—पीतिमा, पीलापन, अडे की ज़र्दी।

ज़र्नब (زرنب) फा स्त्री—एक दवा, तालीस पत्र।

ज़र्नीख़ (زرنیخ) फा स्त्री—हडताल, एक ओषधि।

ज़र्फ़ (ظرف) अ पु—बर्तन, भाजन, पात्र, योग्यता, सलाहीयत, गभीरता, तहम्मुल, सहनशीलता, बुर्दबारी।

ज़र्फ़े आब (ظرف آب) अ फा पु—पानी रखने का बरतन, जलपात्र।

ज़र्फ़े ज़मां (ظرف زماں) अ पु—वह सज्ञा जो समय की सूचक हो, जैसे—प्रात. और सध्या।

ज़र्फ़े मकां (ظرف مکاں) अ पुं—वह सज्ञा जो स्थान की सूचक हो, जैसे—घर या पाठशाला।

ज़र्फ़े मय (ظرف مے) अ फा पु—शराब का बरतन, सुरापात्र।

ज़र्फ़े शीर (ظرف شیر) अ फा—दूध रखने का बरतन, क्षीरपात्र।

ज़र्बः (ضربہ) अ पु—चोट, आघात, ज़र्ब, पाँसा, कुर्अ।

ज़र्ब (ضرب) अ स्त्री—आघात, चोट, (पु) गुणा, दो सख्याओ का गुणा।

ज़र्बख़ान. (ضرب خانہ) अ फा पु—टकशाला, टकसाल, जहाँ रुपया ढलता है।

ज़र्बत (ضربت) अ स्त्री—ज़र्ब, चोट, आघात।

ज़र्बात (ضربات) अ स्त्री—'ज़र्बत' का बहु, चोटे, मारे।

ज़र्बीय. (ضربیہ) अ पु—टैक्स, कर, महसूल।

ज़र्बुलमसल (ضرب المثل) अ पु—कहावत, लोकोक्ति, मसल।

जर्बे ख़फ़ीफ़ (ضرب خفیف) अ स्त्री—हलकी चोट, जिसमें हड्डी आदि न टूटे।
जर्बे दस्त (ضرب دست) अ फा स्त्री—हाथ की चोट, थप्पड, हस्ताघात।
जर्बे पा (ضرب پا) अ फा स्त्री—पाँव की ठोकर, पदाघात।
जर्बे फ़त्ह् (ضرب فتح) अ स्त्री—लडाई जीतने की खुशी मे वजनेवाला बाजा।
जर्बे मुफ़्रद (ضرب مفرد) अ पु—साधारण गुणा, किसी पूरी सख्या का पूरी सख्या से गुणा।
जर्बे मुरक्कब (ضرب مرکب) अ पु—रुपया, आना और पाई या मन, सेर और छटाँक आदि का गुणा।
जर्बे लाज़िब (ضرب لازب) अ स्त्री—वह चोट जिसका चिह्न अच्छे होने पर भी वाकी रहे।
जर्बे शदीद (ضرب شدید) अ स्त्री—गहरी चोट जिसमे हड्डी टूट जाय या और कोई ऐसा ही घाव आये जिससे प्राणभय हो।
जर्बे शम्शीर (ضرب شمشیر) अ फा स्त्री—तलवार का घाव।
ज़र्रः (ذرہ) अ पु—कण, अणु, रेणु, वहुत ही वारीक रेज़ा, अति तुच्छ, वहुत ही हकीर, छोटा चीटा।
जर्रः (ضرہ) अ स्त्री—वह स्त्री जो एक स्त्री की उपस्थिति मे व्याह कर लायी जाय, सौकन, सौत।
ज़र्रः नवाज़ (ذرہ نواز) अ फा वि—छोटो पर दया करनेवाला, दीनदयालु, दीनवधु।
ज़र्रः पर्वर (ذرہ پرور) अ फा वि—दे 'ज़र्रः नवाज़'।
ज़र्रए नाचीज़ (ذرہ ناچیز) अ फा पु—वहुत ही छोटा और सूक्ष्म कण, अर्थात् अत्यत तुच्छ व्यक्ति, वक्ता अपने लिए भी इस शब्द का प्रयोग करता है।
ज़र्रए वेमिक़्दार (ذرۂ بےمقدار) अ फा पु—दे 'ज़र्रए नाचीज़'।
जर्रतान (ضرتان) अ स्त्री—वे दो स्त्रियाँ जो एक पुरुष के व्याह में हो, 'जर्रः' का द्विवचन, दो सौतें।
ज़र्राक़ (زراق) अ वि—जिसके मन मे कुछ हो और मुँह पर कुछ, द्विजिह्व, मुनाफिक।
जर्राअ (ضراع) अ स्त्री—कष्ट, आपत्ति, दुःख, हानि, नुक्सान।
ज़र्राक़ख़ानः (زراق خانہ) अ फा पु—ऐसा स्थान जहाँ वे सव लोग एकत्र हो जिनके दिलो में कुछ होता है और मुँह पर कुछ, धूर्त्तावास।
ज़र्राद (زراد) अ वि—ज़िरिहवक्तर वनानेवाला।
ज़र्राफ़ (ظراف) अ वि—वहुत अधिक हँसोड, वडा दिल्लगी वाज, वडा प्रतिभाशाली, वहुत ज़हीन।
ज़र्रादख़ानः (زرادخانہ) अ फा पु—शस्त्रागार, हथियार-घर।
जर्राब (ضراب) अ वि—सिक्के पर ठप्पा लगानेवाला, मुद्रा छापनेवाला।
जर्रारः (جرارہ) अ पु—एक अत्यत विषैला विच्छू जो पूँछ ज़मीन पर घसीटता हुआ चलता है, वहुत वडी सेना।
जर्रार (جرار) अ वि—वहुत वडी सेना, वहुत वडी भीड जो लोगो के हुजूम के कारण धीरे-धीरे चलती हो, अपनी ओर खीचनेवाला।
जर्राह् (جراح) अ पु—चीर-फाड मे ज़ख्मो का इलाज करनेवाला, शल्य-चिकित्सक।
जर्राही (جراحی) अ स्त्री—जर्राह का काम, घावो और फोडे-फुसियो की चिकित्सा, चीर-फाड, शल्य-क्रिया।
ज़र्री (زریں) फा वि—सोने का, सोने से मढा हुआ, सोना चढा हुआ, सुनहला।
जर्रे सक़ील (جر ثقیل) अ पु—भारी वोझ खीचने और उठाने की विद्या।
जर्ह् (جرح) अ स्त्री—चोट, आघात, किसी वात के झूठ सच की जाँच के लिए प्रश्न।
जर्होक़द्ह् (جرح وقدح) अ स्त्री—वाद-विवाद, तर्क-वितर्क, वहस, हुज्जत।
जलक़ (جلق) अ स्त्री—हाथ से इंद्रिय-सचालन द्वारा वीर्यपात, हस्त-मैथुन, हथलस।
ज़लक़ (زلق) अ स्त्री—फिसलन, फिसलना, साफ और चौरस मैदान या ज़मीन, हस्तमैथुन, हथलस।
जलक़ज़द (جلق زدہ) अ फा वि—हस्तमैथुनिक, जिसे हथलस का दुर्व्यसन हो।
जलक़ी (جلقی) अ वि—हथलस करनेवाला, जलक लगानेवाला, हस्तमैथुनिक।
ज़लक़ुलअम्आ (زلق الامعا) अ स्त्री—आँतो की फिसलन, एक रोग जिसमे आँतें मवाद रोक नही सकती और दस्त आते रहते हैं।
ज़लमः (ظلمہ) अ पु—'ज़ालिम' का वहु, निर्दय और अत्याचारी लोग।
ज़लमानी (ظلمانی) अ वि—तमिस्र, अधकारमय, तारीक।
ज़लल (زلل) अ पु—फिसलन, फिसलना, फिसलने की जगह, ह्रास, कमी, त्रुटि, गलती।
जला (جلا) अ वि—किसी को देश निकाला देना, स्वय देश त्याग करके परदेश जाना।
जलाजिल (جلاجل) अ पु—'जुल्जुल' का वहु, वह घुंघरू जो किसी कपडे पर टाँककर पशु आदि के गले मे डालते है। वे मजीरे जो डफ की परिधि मे होते है, वडे मजीरे झाँझ।

जलाज़िल (زلازل) अ पु–'जल्ज़ल' का बहु, जल्ज़ले, भूकप।

ज़लाक़त (ذلاقت) अ स्त्री–वाक्पटुता, तेज़ बयानी, बात को अच्छे ढग से और जोरदार शब्दो मे कहना।

जलादत (جلادت) अ स्त्री–स्फूर्ति, फुर्ती, चुस्ती, शूरता, वीरता, बहादुरी।

ज़लाम (ظلام) अ पु–सध्या के बाद की अँधेरी, शुरू रात का हलका अँधेरा।

ज़लाल (ظلال) अ पु–बादल की छाया, सायदार जगह।

ज़लाल (ضلال) अ पु–गुमराही, मार्ग भ्रश, रस्ते से भटक जाना, पाप, गुनाह।

जलाल (جلال) अ पु–प्रताप, तेज, अजमत, हैबत, किसी महात्मा या ऋषि, मुनि का रोब।

जलालत (جلالت) अ स्त्री–श्रेष्ठता, महत्ता, बुजुर्गी।

जलालत मआब (جلالت مآب) अ वि–श्रेष्ठतायुक्त, अतिश्रेष्ठ।

जलालते शान (جلالت شان) अ स्त्री–व्यक्तित्व की महत्ता।

जलाली (جلالی) अ वि–जलालवाला, प्रतापवान्, 'जमाली' का उलटा, वह मत्र, जाप या वज़ीफा जिस मे जान जाने का भय हो।

जलावत (جلاوت) अ: स्त्री–उज्ज्वलता, प्रकाश, रौशनी, स्वच्छता, धवलता, सफाई।

जलावतन (جلاوطن) अ वि–वह व्यक्ति जो अपना देश त्याग कर परदेश मे रह रहा हो, निर्वासित, पुरुषार्थी, शरणार्थी।

जलावतनी (جلاوطنی) अ स्त्री–स्वदेश त्याग, अपना घर-वार छोडकर दूसरे देश मे रहना, अज्ञात वास।

जली (جلی) अ वि–व्यक्त, प्रकट, ज़ाहिर, मोटे अक्षरो मे लिखा हुआ लेख।

जलील (جلیل) अ वि–प्रतिष्ठित, महान्, अजीम, मान्य, पूज्य, मोहतरम।

ज़लील (ذلیل) अ वि–भ्रष्ट, अधम, पामर, नीच, कदर्थित, कमीना, तिरस्कृत, अनाहत, अपमानित, वेइज्जत।

जलीलुलकद्र (جلیل القدر) अ वि–वडे मरतवेवाला, महत्प्रतिष्ठ, महामना।

जलीस (جلیس) अ पु–पास वैठनेवाला, सखा, पार्श्ववर्ती, हमनशी, पापर्द, सहवर्ती।

ज़लू (زلو) फा स्त्री–जोक, जलौका, रक्तपा।

ज़लूक (زلوک) फा स्त्री–दे 'ज़लू'।

ज़लूम (ظلوم) अ वि–अत्यत अत्याचारी, वहुत वड़ा ज़ालिम।

ज़ल्ज़ल: (زلزلہ) अ पु–भूकप, भूडोल, भूचाल, भूप्रकप।

ज़ल्ज़ल:अफगन (زلزلہ افگن) अ फा वि–जो जल्ज़ल: डाल दे, जो पृथ्वी को हिला दे।

जल्द (جلد) फा वि–शीघ्र, त्वरित, सत्वर, तुरत, फौरन।

जल्द अज़ जल्द (جلد از جلد) फा वि–शीघ्रातिशीघ्र, जल्द से जल्द, जितनी जल्दी हो सके।

जल्दतर (جلدتر) फा वि–अतिशीघ्र, वहुत जल्द, फौरन, तुरत ही।

जल्दबाज़ (جلدباز) फा वि–जो चाहता हो कोई काम जल्द हो जाय, उतावला, आतुर।

जल्दबाज़ी (جلدبازی) फा स्त्री–तुरत काम हो जाने की चाह, तुरत करने की उत्कठा।

जल्ब (جلب) अ स्त्री–लेना, ग्रहण करना, हासिल करना, उपार्जन।

जल्बे मन्फअत (جلب منفعت) अ स्त्री–लाभोपार्जन, नफा कमाना।

जल्ल: (زلہ) अ पु–वह भोजन जो किसी के लिए रख दिया जाय, वचा हुआ खाना, जूठन, उच्छिष्ट, वह भोजन जो दासो और दासियो को दिया जाता है।

ज़ल्ल: (زلہ) फा पु–झीगर।

जल्ल:जलालुहू (جل جلالہ) अ अव्य–ईश्वर के नाम के साथ आता है, अर्थात् उसका जलाल (प्रताप) अति महान् है।

ज़ल्ल:रुबा (زلہ ربا) अ फा वि–जूठन खानेवाला, किसी वडे व्यक्ति के सहारे रहनेवाला।

ज़ल्लत (زلت) अ स्त्री–फिसलन, फिसलना, त्रुटि, भूल, लग्जिश।

जल्लाद (جلاد) अ पु–वह व्यक्ति जो अपराधियो को कोडे मारता है, वह व्यक्ति जो अपराधियो की गर्दन मारता है, वह व्यक्ति जो फाँसी पर चढाता है, अत्यत निर्दय और अत्याचारी।

जल्लादी (جلادی) अ स्त्री–जल्लाद का काम या पेशा, घोर अत्याचार करनेवाला।

जल्लाब (جلاب) अ वि–ले जानेवाला, एक स्थान से दूसरे स्थान को ले जानेवाला, पशुओ को वेचने के लिए एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जानेवाला।

जल्व: (جلوہ) अ पु–अपने को वनाव सिगार करके दिखाना, अपने को दूसरे के सामने पेश करना, दर्शन, दीदार, प्रदर्शन, नुमाइश।

जल्व आरा (جلوہ آرا) अ फा वि–वनाव सिंगार और ठाट-वाट से किसी स्थान पर उपस्थित, किसी श्रेष्ठ और महान् व्यक्ति की उपस्थिति के लिए भी आता है।

जल्व:आराई (جلوہ آرائی) अ फा स्त्री –बनाव सिंगार के साथ उपस्थित, किसी श्रेष्ठ व्यक्ति की उपस्थिति।

जल्व:गर (جلوہ گر) अ फा वि –दे 'जल्व आरा'।

जल्व:गरी (جلوہ گری) अ फा स्त्री –दे 'जल्व आराई'।

जल्व.गाह (جلوہ گاہ) अ फा स्त्री –जल्व दिखाने का स्थान, प्रेमिका का घर।

जल्व:फर्मा (جلوہ فرما) अ फा वि –दे 'जल्व आरा'।

जल्व'फर्माई (جلوہ فرمائی) अ फा स्त्री –दे जल्व आराई।

जल्वत (جلوت) अ स्त्री –अपने को सब को दिखाना, 'खलवत' का उलटा भीड, जमाव।

जल्स· (جلسہ) अ पु –सभा, मजलिस, नाच गाने की महफिल, वैठक, किसी कमेटी आदि की निशस्त।

जलस:गाह (جلسہ گاہ) अ फा स्त्री –जहाँ जल्सा हो रहा हो, जल्से की जगह, सभास्थल।

जल्सए ता'जियत (جلسۂ تعزیت) अ पु –किसी की मृत्यु पर शोक प्रकट करने का जल्सा, शोकसभा।

जव (جو) अ पु –अतरिक्ष, खला, जमीन और आस्मान के वीच की जगह।

जवां (جواں) फा पु –जवान का यौगिक रूप, जवान, युवा, युवक, तरुण, वयस्क, वालिग।

जवांताले' (جواں طالع) अ फा वि –दे 'जवाँवख्त'।

जवांदौलत (جواں دولت) फा अ वि –जिसका धन तरुण हो, समृद्ध, धनाढ्य, वहुत ही मालदार।

जवांवख्त (جواں بخت) फा वि –जिसका भाग्य पूरी जवानी पर हो, महा भाग्यशाली।

जवांमर्ग (جواں مرگ) फा वि –जो युवावस्था मे मर जाय।

जवांमर्गी (جواں مرگی) फा स्त्री –जवानी की मृत्यु, युवावस्था की मौत।

जवांमर्द (جواں مرد) फा वि –वीर, शूर, वहादुर, साहसी, हिम्मतवर, दानी, वदान्य, सखी।

जवांमर्दी (جوانمردی) फा स्त्री –शूरता, वहादुरी, साहस, हिम्मत, दानशीलता, सखावत।

जवांमीर (جواں میر) फा वि –दे 'जवाँमर्ग'।

जवांसाल (جواں سال) फा वि –नयी उम्र का, नवयुवक, नवल, नव यौवन, नौ जवान, उठती जवानी का।

जवांहिम्मत (جواں ہمت) फा अ वि –वडे हौसलेवाला, पूर्णोत्साही, महोत्साह।

जवाइद (زوائد) अ पु –'ज़ाइद' का वहु, फालतू चीजें, वतोडियाँ।

जवाज (جواز) अ पु –जाइज होना, औचित्य, धर्म के अनुसार जायज होना, पारपत्र, पासपोर्ट।

जवाद (جواد) अ वि –मुक्तहस्त, वदान्य, दानशील, सखी, फैयाज।

जवान (جوان) फा पु –तरुण, युवा, नौजवान, वयस्क, व्यवहार प्राप्त, वालिग, रूपवान्, सजीला।

जवानान (جوانانہ) फा वि –जवानो की तरह।

जवानामर्ग (جوانامرگ) फा वि –दे 'जवाँमर्ग'।

जवानामर्गी (جوانامرگی) फा स्त्री –दे 'जवाँमर्गी'।

जवानी (جوانی) फा स्त्री –युवावस्था, तरुणिमा, तारुण्य, नौजवानी।

जवाव (جواب) अ पु –उत्तर, प्रश्न का जवाव, अस्त्रीकृति, इन्कार, जोड, मद्दे मुकाविल।

जवावतलव (جواب طلب) अ वि –वह पत्र आदि जिसका उत्तर जाना आवश्यक हो।

जवावतलवी (جواب طلبی) अ स्त्री –किसी त्रुटि या अपराध पर पूछ-ताछ।

जवाबदावा (جواب دعوی) अ पु –नालिश के दावे का उत्तर, जिसमे यह दिखाया जाता है कि वाद अमुक कारणो से झूठा है।

जवाबदेह (جواب دہ) अ फा वि –उत्तरदाता, जवाव देनेवाला, उत्तरदायी, जिम्मे दार।

जवाबदेही (جواب دہی) अ फा स्त्री –उत्तरदायित्व, जिम्मे दारी।

जवावित (ضوابط) अ पु –जावित का वहु, नियमावली, कायदे।

जवावी (جوابی) अ वि –जवाव में, वदले में, जैसे—जवावी हम्ला, जवाव के लिए दूसरा परत, जैसे—जवावी तार अथवा खत।

जवावुलजवाव (جواب الجواب) अ पु –किसी प्रश्न के उत्तर में दिया हुआ उत्तर, प्रत्युत्तर।

जवावे वा सवाव (جواب باصواب) अ फा पु –ठीक-ठीक और उचित उत्तर।

जवामीस (جوامیس) अ पु –जायूस का वहु, भैंसे।

जवामे (جوامع) अ पु –जामिअ का वहु, समग्र, समस्त, सव, कुल।

जवाया (زوایا) अ पु –'ज़ाविय' का वहु, ज़ाविए, कोण।

जवारिश (جوارش) फा स्त्री –एक यूनानी, अवलेह के प्रकार की स्वादिष्ठ औषध जो पेट की वीमारियो मे दी जाती है और वहुत प्रकार की होती है।

जवारेह (جوارح) अ पु –'जारिह' का वहु, हाथ, पांव और दूसरे अवयव, शिकारी जानवरो का गोल।

ज़वाल (زوال) अ पुं—गिराव, पतन, अवनति, उन्नति का उलटा, ह्रास, कमी।

ज़वालआबाद (زوال آباد) अ फा वि—ससार, जगत्, दुनिया।

ज़वालआमादः (زوال آمادہ) अ फा वि—जो पतन की ओर जाने को तैयार हो, पतनोन्मुख, जो नाशवान् हो, नश्वर।

ज़वालपिज़ीर (زوال پذیر) अ फा—वि जिसका पतन हो रहा हो, अवनतिशील, पतनशील।

जवासीस (جواسیس) अ पु—'जासूस' का बहु, गुप्तचरो का समूह।

जवाहिर (جواہر) अ पु—'जौहर' का बहु, रत्नसमूह।

ज़वाहिर (زواہر) अ पुं—'ज़ाहिर' का बहु, उज्ज्वल वस्तुएँ; ऊँचे स्थान, कलियाँ, शगूफे।

ज़वाहिर (ظواہر) अ पु—'ज़ाहिर' का बहु, व्यक्त और प्रकट वस्तुएँ, ऊपरी और ज़ाहिरी हालते।

जवाहिरख़ानः (جواہر خانہ) अ फा पु—जहाँ जवाहिरात हो, रत्नागार।

जवाहिरनिगार (جواہر نگار) अ फा वि—रत्न जटित, रत्न जडा हुआ।

जवाहिररकम (جواہر رقم) अ वि—जैसे रत्न जडे हो ऐसी सुदर लिखावट लिखनेवाला।

ज़विलअर्हाम (ذوی الارحام) अ पु—साहिबे रहम, कृपावान, दयालुजन।

ज़विलकुर्बा (ذوی القربیٰ) अ पु—रिश्तेदार, स्वजन, नातेदार।

ज़विलफ़राइज़ (ذوی الفرائض) अ पु—साहबे फ़रायज़् (फ़र्ज़ का बहु) कर्त्तव्यवान्, कर्मनिष्ठ।

ज़विलफ़ुरूज़ (ذوی الفروض) अ पु—दे ज़विलफ़रायज़।

जव्व (جو) अ पु—अतरिक्ष, खला, पृथ्वी और आकाश के बीच का वायुमडल।

ज़व्वार (زوار) अ वि—तीर्थयात्री, ज़ियारत करनेवाला।

जव्वाल. (جوالہ) अ पु—बहुत अधिक चक्कर खानेवाली वस्तु।

जश्न (جشن) फा पु—उत्सव, समारोह, कोई बहुत बड़ी खुशी जिसे सारा देश या किसी सम्प्रदाय या दल के सारे आदमी मनायें।

जश्ने अज़ीम (جشن عظیم) अ फा पु—बहुत बडा समारोह, महोत्सव।

जश्ने अरूस (جشن عروس) फा अ पु—ब्याह की खुशी, विवाहोत्सव।

जश्ने आज़ादी (جشن آزادی) फा पु—किसी देश के पराधीनता से मुक्त होने का जश्न।

जश्ने ईद (جشن عید) फा अ पु—ईद की खुशी, ईदोत्सव।

जश्ने चरागां (جشن چراغاں) फा पु—दिवाली का जश्न, दीपावली, किसी खुशी मे चरागाँ, दीपोत्सव।

जश्ने जुमहूरियत (جشن جمہوریت) फा अ पु—गणतत्र-महोत्सव।

जश्ने ताजपोशी (جشن تاج پوشی) फा पु—अभिषेकोत्सव, किसी राजा आदि की राजगद्दी का जश्न।

जश्ने नौरोज़ (جشن نوروز) फा पु—नये साल के आने की खुशी, नव वर्षोत्सव।

जश्ने फ़त्ह (جشن فتح) फा अ पु—विजय प्राप्ति की खुशी, जयोल्लास, विजयोत्सव।

जश्ने मीलाद (جشن میلاد) फा अ पु—दे 'जश्ने विलादत'।

जश्ने विलादत (جشن ولادت) फा अ पु—किसी के पैदा होने का जश्न, जन्मोत्सव।

जश्ने सालगिरिह (جشن سالگرہ) फा पु—किसी महान् व्यक्ति की वर्षगाँठ की खुशी, जयती।

जश्ने सीमीं (جشن سیمیں) फा पु—पचास वर्षो की आयु पूरी होने पर मनाया जानेवाला उत्सव, रजतोत्सव, आजकल इसे 'स्वर्णजयन्ती' कहते है।

जश्ने सुल्ह (جشن صلح) फा अ पु—दो राष्ट्रो मे सधि होने का जश्न, सधि-उत्सव।

जस (جص) अ पु—चूना, गच।

जसद (جسد) अ पु—शरीर, देह, जिस्म।

जसदी (جسدی) अ वि—शरीर से सम्बन्ध रखनेवाली वस्तु, शरीर का।

जसदे ख़ाकी (جسد خاکی) अ फा पु—मिट्टी से बना हुआ शरीर, तुच्छ और नश्वरदेह।

जसामत (جسامت) अ स्त्री—लबाई, चौडाई और (मोटाई, गहराई या ऊँचाई) हज्म, दल, मोटापा, पीनता, स्थूलता।

जसारत (جسارت) अ स्त्री—शूरता, वीरता, बहादुरी, दिलेरी, धृष्टता, दु साहस, बेबाकी।

जसीम (جسیم) अ वि—स्थूल, पीवर, पीन, मोटा ताज़ा।

जसूर (جسور) अ वि—वीर, शूर, बहादुर।

जस्त. (جستہ) फा वि—कूदा हुआ।

जस्त. जस्त. (جستہ جستہ) फा वि—कही-कही से, विशेषत पुस्तक पढने के लिए आता है।

जस्त (جست) फा स्त्री—उछाल, कुदान, उत्फाल।

जस्तोख़ेज़ (جستوخیز) फा स्त्री—दौड-धूप, कोशिश, प्रयत्न ।

जस्र (جسر) अ पु—पुल, सेतु ।

जह (زه) फा पु—नुत्फ, वीर्य, भ्रूण, जनीन, शिशु, वच्चा ।

जहदान (زهدان) फा पु—गर्भाशय, जरायु, वच्चादानी, रहिम ।

जहन्नम (جہنم) फा पु—नरक, रौरव, दोजख, वहुत ही दुख और कष्ट की जगह ।

जहन्नमज़ार (جہنمزار) फा पु—ऐसा स्थान जहाँ चारो ओर नरक-जैसा भीषण और भयानक वातावरण हो ।

जहन्नमी (جہنمی) फा अ वि—नरकवासी, नारकी, ऐसा कर्म करनेवाला जिसके फलस्वरूप उसे नरक मे जाना पडे ।

ज़हब (ذهب) अ पु—सोना, कुदन, स्वर्ण, कनक ।

जहल (جہلہ) अ पु—'जाहिल' का वहु, मूर्खगण, घामड लोग ।

जहाँ (جہاں) फा पु—जहान का लघुरूप, ससार, विश्व, दुनिया ।

जहाँआरा (جہاں آرا) फा वि—ससार को सुशोभित करनेवाला ।

जहाँआफ़्रीं (جہاں آفریں) फा वि—ससार की उत्पत्ति करनेवाला, सृष्टिकर्ता ।

जहाँगर्द (جہاں گرد) फा वि—ससार भर मे फिरनेवाला, विश्वभ्रमी ।

जहाँगीर (جہانگیر) फा वि—ससार को अपने वश मे करनेवाला, विश्वविजयी ।

जहाँदार (جہاندار) फा वि—पृथ्वीपाल, सम्राट्, शासक, वादशाह ।

जहाँदीद (جہاندیدہ) फा वि—दुनिया देखे हुए, वहुदर्शी, वडा अनुभवी और तजरिवाकार, वृहदनुभवी ।

जहाँपनाह (جہاں پناہ) फा वि—विश्वपाल, ससार को अपनी शरण मे लेनेवाला, राजाओ और वादशाहो के लिए सवोधन का शब्द ।

जहाँवानी (جہاں بانی) फा स्त्री—शासन कर्म, राज्य, हुकूमत ।

जहाज़ (جہاز) अ पु—समुद्र मे चलनेवाली वहुत वडी नाव, पोत, वहिल ।

जहाज़राँ (جہازراں) अ फा वि—जहाज़ चलानेवाला, पोतचालक ।

जहाज़रानी (جہازرانی) अ फा स्त्री—जहाज चलाने का काम या पेशा ।

जहाज़ी (جہازی) अ वि—जहाज़ से सम्वन्ध रखनेवाला, जहाज़ का, एक प्रकार की सुपारी ।

जहाज़े आवी (جہازآبی) अ फा पु—पानी में चलनेवाला जहाज़, जलयान, पोत ।

जहाज़े वह्री (جہازبحری) अ पु—समुद्र में चलनेवाला जहाज, पोत, जलयान ।

जहाज़े हवाई (جہازهوائی) अ पु—हवा में उडनेवाला जहाज, वायुयान, विमान ।

ज़हादत (زهادت) अ स्त्री—सयम, इद्रिय निग्रह, परहेज़-गारी, मुनिवृत्ति, मनोनिग्रह ।

जहान (جہان) फा पु—ससार, विश्व, दुनिया, लोक, आलम ।

ज़हानत (ذهانت) अ स्त्री—ज़ेहन की तेजी, प्रतिभा, दक्षता, विवेक, समझ वूझ, नयी वात निकालने की शक्ति ।

जहाने फ़ानी (جہان فانی) फा अ पु—नश्वर ससार, मृत्युलोक, इहलोक, दुनिया, नाश हो जानेवाला ससार ।

जहाने वाक़ी (جہان باقی) फा अ पु—शाश्वत ससार, नित्यलोक, परलोक, नाश न होनेवाली दुनिया ।

ज़हाब (ذهاب) अ पु—गमन, जाना, गुज़रना ।

जहालत (جہالت) अ स्त्री—मूर्खता, मूढता, वेवकूफी, अज्ञान, जडता, नादानी, निरक्षरता, वेइल्मी, असभ्यता, वदतहजीवी, उद्दडता, अक्खडपन ।

ज़हीन (ذهین) अ वि—जिसमें ज़हानत हो, दक्ष, कुशल, प्रतिभावान् ।

जहीर (جہیر) अ वि—वह आदमी जिसकी आवाज़ ऊँची हो, जोर से वोलनेवाला ।

ज़हीर (زهیر) अ वि—उज्ज्वल, रौशन, मुकुलित, प्रफुल्ल, खिला हुआ, कलियो से लदा हुआ वृक्ष ।

ज़हीर (ظهیر) अ वि—सहायक, पृष्ठपोषक, मददगार, जिसकी पीठ मे दर्द हो, (यह शब्द एक वचन भी है और वहुवचन भी) ।

ज़हीर (زحیر) अ स्त्री—पेचिश, अतिसार, आव, मरोड ।

ज़हीरे काज़िव (زحیرکاذب) अ स्त्री—झूठी पेचिश ।

ज़हीरे सादिक़ (زحیرصادق) अ स्त्री—सच्ची पेचिश ।

जहूक (ضحوک) अ वि—वहुत हँसनेवाला, चौडा और खुला हुआ मार्ग ।

जहूद (جہود) फा पु—यहूदी ।

जहूल (جہول) अ वि—वहुत वडा जाहिल, निपट मूर्ख ।

जह्द (جہد) अ पु—शक्ति, ज़ोर, प्रयत्न, प्रयास, कोशिश, कष्ट, दुख, तक्लीफ ।

जह्दे जहीद (جہدجہید) अ पु –भरसक प्रयत्न, पूरी कोशिश।

ज़ह्मत (زحمت) अ स्त्री –कष्ट, क्लेश, तक्लीफ।

ज़ह्रः (زہرہ) फा पुं –पित्ता, पित्ताशय, वह थैली जिसमे पित्त (सफ़्रा) रहता है, पित्त, सफ़्रा; जीवट, साहस, हिम्मत; वीरता, बहादुरी।

ज़ह्र.शिगाफ (زہرہ‌شگاف) फा वि –पित्ता पानी कर देनेवाला, साहस तुड़वा देनेवाला, भयंकर, भयानक, ज़ोरदार।

ज़ह्र (زہر) फा पु –विष, गरल, हलाहल।

जह्र (جہر) अ. पु –ज़ोर की आवाज़, ऐसी आवाज़ जो पासवाला सुन सके।

ज़ह्रआगीं (زہرآگیں) फा वि –ज़हरीला, विषैला, विषाक्त।

ज़ह्रआमेज़ (زہرآمیز) फा वि –विष मिला हुआ, विष मिश्रित, विषदुष्ट।

ज़ह्रआलूद.[द] ([ہ]زہرآلود) फा वि –दे 'ज़ह्रआमेज़'।

ज़ह्रखंद (زہرخند) फा पु –खिसयानी हँसी, झेंप की हँसी।

ज़ह्रखुरानी (زہرخورانی) फा स्त्री –विष खिलाना, किसी को मारने के लिए खाने आदि मे मिलाकर विष देना।

ज़ह्रखुर्द. (زہرخوردہ) फा वि –जिसने विष खाया हो, जिसे विष दिया गया हो।

ज़ह्रखूरी (زہرخوری) फा स्त्री –विष खा लेना, ज़हर खाकर खुदकुशी करना।

ज़ह्रगिया (زہرگیا) फा स्त्री –एक विषैली घास, वछनाग।

ज़ह्रताब (زہرتاب) फा वि –ज़ह्र मे बुझा हुआ, तीर, तलवार आदि जो विष मे बुझे हो।

ज़ह्रदार (زہردار) फा वि –विष मिला हुआ, विषैला, जिसके डक या दाँत मे ज़हर हो, विषैला कीडा।

ज़ह्रदारू (زہردارو) फा स्त्री –विष की दवा, विष दूर करनेवाली औषध, तिर्याक, विषहर।

ज़ह्रदुम (زہردم) फा वि –जिसकी पूँछ में विष हो, जैसे–बिच्छू, लूनविष, लूमविष, विषपुच्छ।

ज़ह्रनवा (زہرنوا) फा वि –बहुत ही कड़वी बाते करनेवाला, कटुभाषी।

ज़ह्रनाक (زہرناک) फा वि –दे 'ज़ह्रआलूद'।

ज़ह्रनोश (زہرنوش) फा वि –विषपायी, ज़हर पीनेवाला, बहुत ही तेज़ शराब पीनेवाला, किसी की कड़वी बातो को सहन करनेवाला।

ज़ह्रनोशी (زہرنوشی) फा स्त्री –विष पीना, कड़वी बात को बरदाश्त करना।

ज़ह्रबा (زہربا) फा वि –विष मिला हुआ खाना, शत्रु को मारने के लिए।

ज़ह्रबाद (زہرباد) फा पुं –एक रोग जिसमे सारे शरीर में विष फैल जाता है।

ज़ह्रमोहरः (زہرموہرہ) फा पु –एक कीमती पत्थर जो दवा के काम आता है, एक मनका जिससे विष उतारा जाता है।

ज़ह्रा (زہرا) अ वि –गोरे रग की स्त्री, गौरागना, गौरवर्णा, हज़रते फातिमा की उपाधि, 'उज़्ज़ोह्रा' भी शुद्ध है।

ज़ह्राबः (زہرابہ) फा पु –दे 'ज़ह्रराब'।

ज़ह्रराब (زہراب) फा पु –विष मिला हुआ पानी, ज़हर का पानी।

ज़ह्राबए ग़म (زہرابۂ غم) फा अ पु –दे 'ज़ह्राबेग़म'।

ज़ह्राबे ग़म (زہرابِ غم) फा अ पु –दु ख रूपी विष का पानी।

ज़ह्रे कातिल (زہرِ قاتل) फा अ पु –ऐसा विष जो घातक हो, बहुत ही तीव्र और प्रचंड विष।

ज़ह्रे मार (زہرِ مار) फा पु –साँप के काटे का विष, साँप की थैली से निकाला हुआ विष।

ज़ह्रे हलाहिल (زہرِ ہلاہل) फा पु –दे 'ज़ह्रे कातिल'।

जह्ल (جہل) अ पु –मूर्खता, बेवकूफी, अज्ञान, नासमझी, असभ्यता, उजड्डपन।

जह्ले बसीत (جہلِ بسیط) अ पु –किसी बात को सिरे से न जानना।

जह्ले मुत्लक (جہلِ مطلق) अ पु –दे 'जह्ले बसीत'।

जह्ले मुरक्कब (جہلِ مرکب) अ पु –किसी बात को बिलकुल गलत जानना और उस पर विश्वास रखना, जैसे राँगे को चाँदी समझना और बताने पर भी न मानना।

ज़ह्हाक (ضحاک) अ पु –बहुत हँसनेवाला, ईरान का एक बहुत ही अत्याचारी बादशाह जिसे फिरीदूँ ने गिरफ्तार किया था।

जा

जाँ (جاں) फा स्त्री –'जान' का लघुरूप जो यौगिक शब्दो में प्रयोग होता है, दे 'जान'।

जाँआज़ार (جاں‌آزار) फा वि –सतानेवाला, दु खदायी।

जाँआज़ारी (جاں‌آزاری) फा स्त्री –जान को दु ख देना, जानदारो को सताना, अत्याचार, जुल्म।

जाँआफ़्रीं (جاں‌آفریں) फा वि –शरीर मे प्राण डालनेवाला, मनुष्य की सृष्टि करनेवाला, ईश्वर।

जाँआहन (جاں‌آہن) फा वि –निष्ठुरता, पाषाण-हृदय, बहुत ही बेरहम, शूर, वीर, दिलावर।

जाँकंदनी (جاں‌کندنی) फा स्त्री –दे 'जाँकनी'।

जांकनी (جاں کنی) फा स्त्री–शरीर से प्राण निकलने की अवस्था, चद्रा, नज्अ की हालत, यम-यातना।

जांकाह (جانکاہ) फा वि–प्राणो को घुलानेवाला, अत्यंत कष्ट देनेवाला, हृदयद्रावी।

जांकाही (جاں کاہی) फा स्त्री–प्राणो को घुलाना, अत्यत कष्ट और परिश्रम।

जांगुजा (جاں گزا) फा वि–प्राणो को काटने और डसने वाला, घोर कष्टदायक, अत शल्य।

जांगुसिल (جاں گسل) फा वि–हृदय विदारक, प्राण-घातक।

जांदाद (جاں داده) फा वि–मुग्ध, आसक्त, फिरेफ्त।

जांदार (جاندار) फा पु–प्राणी, जिसके जान हो, जीवधारी, हथियारवद, मित्र, दोस्त।

जांदारू (جاں دارو) फा स्त्री–विषहर, तिर्याक।

जांदेही (جاں دہی) फा स्त्री–परिश्रम, प्रयास, कोशिश, सलग्नता, तन्मयता, मश्गूलियत।

जांनवाज (جاں نواز) फा वि–प्राणो को आनद देनेवाला, मनोरम।

जांनिसार (جاں نثار) फा वि–प्राण न्योछावर कर देने-वाला, समय पडने पर जान की बाज़ी लगा देनेवाला (दूसरे के लिए)।

जांनिसारी (جاں نثاری) फा स्त्री–सम्य पडने पर प्राण तक दे देना (दूसरे के लिए)।

जांपनाह (جاں پناه) फा वि–प्राणो की रक्षा करनेवाला, प्राणरक्षक।

जांपेश (زاں پیش) फा अव्य–इससे पहले।

जांफर्सा (جاں فرسا) फा वि–दे 'जॉकाह'।

जांफिजा (جانفزا) फा वि–प्राणो को बढानेवाला, प्राणवर्द्धक, आयुवर्द्धक।

जांफिशानी (جاں فشانی) फा स्त्री–जान तोड कोशिश, पूर्ण प्रयत्न।

जांबख़्श (جاں بخش) फा वि–प्राण देनेवाला, मरनेसे बचानेवाला, फाँसी आदि के हुक्म को रद्द कर देनेवाला।

जांबख़्शी (جانبخشی) फा स्त्री–प्राणदान, मरनेसे बचाना, अभयदान देना।

जांबर (جانبر) फा वि–जान बचा ले जानेवाला, जिंदा रह जानेवाला।

जांबरी (جانبری) फा स्त्री–जीवित रह जाना, प्राण बच जाना।

जांबलब (جاں بلب) फा वि–जिमके प्राण होठो पर आ गये हो, मृतप्राय, आसन्न मृत्यु।

जांबहक़ (جاں بحق) फा अ वि–प्राण ईश्वर के समर्पित, मृत।

जांबाज (جانباز) फा वि–किसी काम के लिए प्राणो की बाजी लगा देनेवाला, प्राण घातक।

जां बा'द (زاں بعد) फा अ अव्य–इसके पश्चात्, इसके बाद।

जांसितां (جاستاں) फा वि–प्राणद्रोही, प्राणघातक, जान ले लेनेवाला, दिल सिता, प्रेम पात्र, मा'शूक।

जांसितानी (جاستانی) फा स्त्री–प्राण लेना, अत्या-चार करना।

जांसिपार (جاں سپار) फा वि–किमी को (प्रेमिका को) अपनी जान का मालिक बना देनेवाला।

जांसिपारी (جاں سپاری) फा स्त्री–किसी को अपने प्राण सिपुर्द कर देना।

जांसोख़्त (جاں سوخته) फा वि–जिसके प्राण जल गये हो, दग्धहृदय, प्रेमी।

जांसोज (جاں سوز) फा वि–अपनी जान को जलानेवाला, सताप सहनेवाला, सहानुभूति करनेवाला, हमदर्द।

जा (جا) फा स्त्री–स्थान, जगह।

ज़ा (زا) फा प्रत्य–उत्पादक, पैदा करनेवाला, जैसे–'फर्हत ज़ा' प्रसन्नता उत्पन्न करनेवाला।

ज़ाइक़ः (ذائقه) अ पु–स्वाद, रस, लज्ज़त, प्रतिकार, प्रत्यपकार, बुरा बदला।

ज़ाइक़ःचश (ذائقه چش) अ फा वि–मजा चखनेवाला, स्वादक, सजा भोगनेवाला।

ज़ाइक़ दार (ذائقه دار) अ फा वि–स्वादिष्ठ, सुस्वाद, मज़ेदार।

ज़ाइक़ पसंद (ذائقه پسند) अ फा वि–जिसे ज़बान का जाइक अच्छा लगता हो, चटोरा, स्वादु काम, जिह्वालोलुप।

ज़ाइक़ (ذائق) अ वि–चखनेवाला।

ज़ाइच (زائچه) फा पु–जन्मकुडली, जन्मपत्री, लग्न कुडली।

जाइज़ (جائزه) अ पु–काम या सामान की पूरी जाच-पडताल और हिसाब, निरीक्षण, परीक्षा, इम्तिहान, निगरानी, देखभाल।

ज़ाइद (زائده) अ पु–शरीर के किसी स्थान का बढा हुआ मास, अतिरिक्त मास, बढी हुई वस्तु।

ज़ाइद (زائد) अ वि–अधिक, बहुत, प्रचुर, अतिरिक्त, फालतू।

ज़ाइद अज़ उम्मीद (زائد از امید) अ फा वि–जितनी आशा हो उससे अधिक, आशातीत।

जाइद अज जुरूरत (زائد از ضرورت) अ फा वि–जितनी आवश्यकता हो उससे अधिक।

जाइद अज हिसाब (زائد از حساب) अ फा वि–हिसाव से या जितना चाहिए उससे अधिक।

जाइदुलउम्र (زائد العمر) अ वि–वडी उम्रवाला, वूढा, वयोधिक, वयोवृद्ध।

जाइदुलमीआद (زائد المیعاد) अ वि–लवी मुद्दतवाला, जिसके लिए लवा समय चाहिए, जो लवे समय के लिए हो।

जाइदुलवस्फ़ (زائد الوصف) अ वि–जिसमे वहुत अधिक गुण हो।

जाइब (ذائب) अ वि–पिघलनेवाला, पिघला हुआ, द्रवीभूत।

जाइरः (زائره) अ स्त्री–किसी पूज्य स्थान या व्यक्ति के दर्शनार्थ आनेवाली स्त्री।

जाइर (زائر) अ वि–किसी पुनीत स्थान या पुण्यात्मा व्यक्ति के दर्शन करनेवाला पुरुप।

जाइर (جائر) अ वि–अत्याचार करनेवाला, अनीतिकर्ता।

जाइरात (زائرات) अ स्त्री–'ज़ाइर' का वहु, ज़ियारत करनेवाली स्त्रियाँ।

जाइरीन (زائرین) अ पु–'जाइर' का वहु, जियारत करनेवाले पुरुप।

जाइरे कर्वला (زائر کربلا) अ फा पु–कर्वला (इराक) जाकर हज्रत इमाम हुसैन के रौज़े की ज़ियारत करनेवाला।

जाइरे हरम (زائر حرم) अ पु–मक्का (अरव) जाकर का'वे की जियारत करनेवाला।

जाइरे मदीना (زائر مدینه) अ पु–मदीना की जियारत करनेवाला।

जाइरे हरमैन (زائر حرمین) अ पु–'मक्का' और 'मदीना' दोनो पुनीत स्थानो की जियारत करनेवाला।

जाइल (جاعل) अ वि–उत्पन्न करनेवाला, निर्मित करनेवाला, स्रष्टा।

जाइल (زائل) अ वि–नष्ट, वरवाद, समाप्त, खत्म, निराकृत, रफअ'।

जाई (جائی) फा वि–स्थान-सम्वन्धी (स्त्री) जूही का फूल, जुही।

जाईदः (زائیده) फा वि–उत्पन्न, जनित, जन्मा हुआ, जना हुआ।

जाईदनी (زائیدنی) फा वि–जन्म लेने के योग्य, जनने के योग्य।

जाए' (ضائع) अ वि–नष्ट, वरवाद; व्यर्थ, वेकार।

जाए' (جائع) अ. वि–क्षुधातुर, भूखा।

जाए (جائے) फा स्त्री–'जा' का यौगिक रूप, जैसे–'जाए जुरूर'।

जाएअम्न (جائے امن) फा अ स्त्री–शाति और सुकून का स्थान, जहाँ की झझट न हो, जहाँ जान जोखिम न हो।

जाएआफ़ियत (جائے عافیت) अ फा स्त्री–रक्षा और शाति का स्थान, जाए अम्न।

जाएकियाम (جائے قیام) फा अ स्त्री–ठहरने का स्थान, रहने का स्थान, निवासस्थान।

जाएगाह (جائیگاه) फा स्त्री–जगह, स्थान।

जाएजुरूर (جائے ضرور) फा अ स्त्री–सडास, शौचागार, टट्टी, पाखाना।

जाएदाद (جائداد) फा स्त्री–भूसपत्ति, गाँव गिराँव, मकान आदि।

जाएदादे ग़ैरमन्कूल (جائداد غیر منقوله) फा अ स्त्री–स्थावर सपत्ति, जो सपत्ति जगह से हट न सके, जैसे–जमीदारी आदि।

जाएदादे ग़ैरमर्हूनः (جائداد غیر مرهونه) फा अ स्त्री–वह सपत्ति जो कही गिरवी न हो, अवधक सपत्ति।

जाएदादे मक्फूलः (جائداد مکفوله) फा अ स्त्री–वह सपत्ति जो कही गिरी हो, वंधक सपत्ति।

जाएदादे मन्कूलः (جائداد منقوله) फा अ स्त्री–जगम सपत्ति, जो सपत्ति इधर-उधर हटायी जा सके, जैसे–मवेशी आदि।

जाएदादे मर्हूनः (جائداد مرهونه) फा अ स्त्री–दे 'जाएदादे मक्फूल'।

जाएदादे मौकूफ़ः (جائداد موقوفه) फा अ स्त्री–वह सपत्ति जो किसी कार्य विशेष के लिए उत्सर्गित हो।

जाएदीगर (جائے دیگر) फा स्त्री–अन्य स्थान, दूसरी जगह।

जाएनमाज (جائے نماز) फा अ स्त्री–नमाज पढने का स्थान, नमाज पढने का वस्त्रादि।

जाएपनाह (جائے پناه) फा स्त्री–वचाव का स्थान, सुरक्षा स्थान।

जाक (زاک) फा स्त्री–फिटकरी।

जाकिर (ذاکر) अ वि–वर्णन करनेवाला, इमाम हुसैन की शहादत का हाल वयान करनेवाला व्यक्ति।

जाख़िल (زاخل) फा पु–थूहड का पेड।

जाग़ (زاغ) फा पु–काक, वायस, आत्मघोप, कौआ।

जाग़चश्म (زاغ چشم) फा वि–कजी आँखोवाला, कजा, नीलाक्ष।

जाग़ज़वां (زاغ زبان) फा वि–जिसका कोसना तुरत ही लगे, कलत्म जिव्हा, शापसिद्ध।

ज़ाग़दिल (زاغدل) फा वि –निर्दय, निष्ठुर, वेरहम।
ज़ाग़नोल (زاغنول) फा पु –कुदाल, कुदाली, लोहे का एक यंत्र।
ज़ाग़पा (زاغپا) फा पु –व्यग, कटाक्ष, ताना।
जाग़र (حاغر) तु पुं –चिडियो का पोटा।
जागीर (جاگیر) फा स्त्री –जाइदाद या ज़मीदारी, जो सरकार से किसी बडे काम के बदले मिले।
जागीरदार (جاگیردار) फा पु –जागीर का मालिक, तअल्लुक दार।
जागीरदाराना (جاگیردارانہ) फा वि –जागीरदारो-जैसा।
जागीरदारी (جاگیرداری) फा स्त्री –जागीरदाराना निज़ाम, जागीर का शासन।
ज़ाग़ूत (صاغوت) अ पु –एक रोग जिसमे रोगी ऐसा अनुभव करता है जैसे कोई वडा देव उसका गला घोट रहा है, कावूस।
ज़ाग़े आबी (زاغ آبی) फा पु –जलकौआ, पनडुव्वी।
ज़ाग़े कमाँ (زاغ کماں) फा पु –सीग के काले टुकडे जो धनुष के दोनो किनारो पर लगाये जाते हैं।
ज़ाग़े कोही (زاغ کوہی) फा पु –पहाडी कौआ, द्रोणकाक, काकोल।
ज़ाज (زاج) अ स्त्री –फिटकरी, फटिक।
ज़ाज (ژاژ) फा वि –मिथ्या, निरर्थक, व्यर्थ, वेहूदा।
ज़ाजख़ा (ژاژخا) फा वि –मिथ्यावादी, गप्पी, फुजूलगो।
ज़ाजख़ाई (ژاژخائی) फा स्त्री –मुखरता, वाचालता, वकवास।
जाज़िव (جاذبہ) अ स्त्री –आकर्षण शक्ति, खीचनेवाली कुव्वत।
जाज़िब (جاذب) अ वि –जज्व करनेवाला, आत्मसात् करनेवाला, अपने अन्दर मिला लेनेवाला।
जाज़िबीयत (جاذبیت) अ स्त्री –आकर्षण, कशिश।
जाज़िबे तवज्जोह (جاذب توجہ) अ वि –ख़याल को अपनी ओर खीचनेवाला (वाली), चित्ताकर्षक।
जाज़िबे नज़र (جاذب نظر) अ वि –दृष्टि को अपनी ओर खीचनेवाला (वाली) दृष्ट्याकर्षक।
जाज़िबे निगाह (جاذب نگاہ) अ फा वि –दे 'जाज़िवे नज़र'।
जाजिम (جاجم) तु स्त्री –छपा हुआ दोमूती मोटा विछावन।
जाज़िम (جازم) अ वि –दृढ निश्चयवाला, अक्षर को हल करनेवाला।
ज़ाजिर (زاجر) अ वि –झिडकनेवाला, डाँट-डपट करनेवाला, भर्त्सक।
ज़ाजिर (ضاجر) अ वि –आतुर, व्याकुल।
जाज़े' (جازع) अ वि –अधीर, वेसव्र।
ज़ात (ذات) अ स्त्री –कुल, वंश, नस्ल, जाति विरादरी, कौम, व्यक्तित्व, शख़्सीयत, स्वयं, ख़ुद, अस्तित्व, हस्ती (उप) वाला, जैसे—'ज़ातुलवुरूज' वुर्जोवाला।
ज़ातियात (ذاتیات) अ स्त्री –निजी और ज़ाती वातें।
ज़ाती (ذاتی) अ वि –निजी, व्यक्तिगत, आत्मीय, ख़ुद का, निजी, प्राइवेट।
ज़ातुर्रिय (ذات الریہ) अ पु –फेफडे का वरम, निमोनिया, क्लोमपाक।
ज़ातुलइमाद (ذات العماد) अ वि –वहुत-से खभोवाली इमारत, वहुत वडा प्रासाद।
ज़ातुलकुर्सी (ذات الکرسی) अ वि –आस्मानी शक्लो मे से एक जो औरत की तरह है।
ज़ातुलजंव (ذات الجنب) अ पु –पसली का दर्द, उरोग्रह, प्लूरिसी।
ज़ातुलवुरूज (ذات البروج) अ पु –राशियोवाला आकाश, अर्थात् सवसे ऊपरी आकाश।
ज़ातुलवैन (ذات البین) अ पु –दो व्यक्तियो का मामला पटानेवाला, विचौलिया, दल्लाल।
ज़ातुलयमीन (ذات الیمین) अ वि –वे व्यक्ति जिनके कर्मपत्र कियामत के दिन सीधे हाथ मे होगे, सदाचारी।
ज़ातुलयसार (ذات الیسار) अ वि –वे व्यक्ति जिनके कर्मपत्र कियामत के दिन उलटे हाथ में होंगे, पापी लोग।
ज़ातुश्शिमाल (ذات الشمال) अ वि –दे 'ज़ातुलयसार'।
ज़ातुस्सद्र (ذات الصدر) अ पु –अन्तर्यामी, दिलो की वात जाननेवाला, छाती का वरम।
ज़ातेशरीफ (ذات شریف) अ वि –केवल व्यग में धूर्त और फितरती व्यक्ति के लिए आता है, जैसे—हिन्दी में 'महापुरुष'।
ज़ाद (زاده) फा वि –उत्पन्न, जन्मा हुआ, पुत्र, वेटा।
जाद. (جاده) फा पु –पगडडी, रास्ते के अतिरिक्त पतला रास्ता, पथ, मार्ग, रास्ता।
जाद (جعده) अ स्त्री –चोटी, केशकलाप, वेणी, घुँघराले वाल।
जाद·पैमा (جاده پیما) फा वि –पथिक, राहगीर।
ज़ाद (زاد) फा पुं –खाद्य सामग्री, खाने का सामान, पीढी, वश, नस्ल (प्रत्य) उत्पन्न, जैसे—'ख़ान ज़ाद' घर मे उत्पन्न होनेवाला।
जा'द (جعد) अ स्त्री –चोटी, वेणी।
ज़ादए ख़ाक (زادۂ خاک) फा पु –धन-दौलत, सोना-चादी।

जादए मुस्तकीम (جادۂمستقیم) अ पु –सीधा रास्ता सरल मार्ग।

जादबूम (زادبوم) फा स्त्री –पैदाइश की जगह, जन्म-स्थान, जन्मभूमि।

जादिल (جادل) अ वि –लडनेवाला, योद्धा, वाद-विवाद करनेवाला।

जादू (جادو) फा पु –अभिचार, मार डालने, नुकसान पहुँचाने आदि का कर्म, इद्रजाल, माया, तिलिस्म, दृष्टिवध, नजरवदी, हस्तकौशल, हाथ की सफाई।

जादूकुश (جادوکش) फा वि –जादूगरो का वध करनेवाला।

जादूगर (جادوگر) फा वि –जादू करनेवाला, मायावी, ऐंद्रजालिक, शोवद गर, दृष्टिवधक।

जादूगरी (جادوگری) फा स्त्री –माया कर्म, जादू का काम, दृष्टिवध, शो'वद वाजी।

जादूनजर (جادونظر) फा वि –जिसकी आँखो मे जादू हो, जिसकी आँखो मे मोहनी हो।

जादूनिगाह (جادونگاہ) फा वि –दे 'जादूनज़र'।

जादूफन (جادوفن) फा वि –जादूगर।

जादूवयाँ (جادوبیاں) फा अ वि –जिसकी वातचीत मे मोहनी हो, जो अपने वक्तव्य और भापण से सवको मोहित कर ले।

जादे उक्वा (زادعقبیٰ) फा अ पु –परलोक के लिए सामान, अच्छी कृतियाँ, नेकअमल।

ज़ादे राह (زادراہ) फा पु –रास्ते का खाना और खर्च, पाथेय, सवल, मार्गव्यय।

जादे सफर (زادسفر) फा अ पु –दे 'जादेराह'।

जान दार (جانہدار) फा वि –हथियारवद, सशस्त्र, मित्र, दोस्त।

जान (جان) फा स्त्री –प्राणवायु, रूह, जीवन, ज़िदगी, शक्ति, जोर, साहस, हिम्मत।

जान (جان) अ पु –जिन कौम का सर्वप्रथम व्यक्ति, अवुलहसन, सारे जिन जिसकी सतान हैं।

जानदार (جاندار) फा पु –प्राणी, जीवधारी, ज़ी रूह, मानव, मनुष्य, इसान, जीवित, जिंदा, शक्तिशाली, ताकतवर।

जाननाज़ (جانماز) फा अ स्त्री –नमाज़ पढने की दरी या चटाई आदि।

जानशीन (جانشین) फा पु –जो किसी की जगह पर वैठा हो, स्थानापन्न, काइम मकाम, उत्तराधिकारी, वारिस।

जानवर (جانور) फा पु –पशु और पक्षी आदि प्राणी, मनुष्य के अतिरिक्त और सव प्राणी।

जानाँ (جاناں) फा पु –प्रेमपात्र, महवूब, प्रेमिका, प्रेयसी, महवूब'।

जानानः (جانانہ) फा वि –प्रेमिका से सम्वन्ध रखनेवाली वस्तु, प्रेमिका का (की)।

जानिव (جانب) अ स्त्री –पक्ष, ओर, तरफ, पार्श्व, पहलू।

जानिवदार (جانبدار) अ फा वि –पक्षपाती, तरफदारी करनेवाला।

जानिवदारी (جانبداری) अ फा स्त्री –पक्षपात, तरफदारी।

जानिवैन (جانبین) अ पु –उभय पक्ष, दोनो पार्टियाँ।

ज़ानियः (زانیہ) अ स्त्री –व्यभिचारिणी, स्वैरिणी, असती, वधकी, भ्रष्टा, जारिणी, र्धापणी, फाहिशा।

ज़ानी (زانی) अ पु –व्यभिचारी, परस्त्रीगामी, विषयलपट, विपयाम्यस्त, वदचलन, रतनारीच।

जानी (جانی) फा वि –जान का, प्राणो का, घनिष्ठ, गहरा।

जानी (جانی) अ वि –पापी, पातकी, गुनाहगार, दोषी, अपराधी, मुजरिम।

ज़ानू (زانو) फा पु –घुटना, जानु।

ज़ानूपोश (زانوپوش) फा पु –वह कपडा जो खाना खाते समय घुटनो पर डाला जाता है।

ज़ानूवज़ानू (زانوبہزانو) फा वि –घुटने से घुटना मिला-कर (वैठना) एक पक्ति मे वरावर-वरावर (वैठना)।

जाने जहाँ (جانِ جہاں) फा पु –सारे ससार वासियो का प्राण, विश्वजीवन अर्थात् नायिका, ईश्वर।

जाने जाँ (جانِ جاں) फा पु –प्राणाधार, प्राणो का प्राण अर्थात् प्रेमिका, ईश्वर।

जाने जानाँ (جانِ جاناں) फा पु –दे 'जाने जाँ'।

ज़ा'फ (ضعف) अ पु –मूर्च्छा, वेहोशी, वुद्धि की हानि अक्ल की कमी।

ज़ा'फ (زعف) अ पु –किसी को जान से मार डालना, इस तरह मारना कि उसी ठौर मर जाय।

जा'फर (جعفر) अ पु –न'ह्र, (नहर) नदी, खरवूज़ा, चौदह इमामो मे से एक।

ज़ा'फर (زعفر) अ पु –दे 'ज़ा'फरान'।

ज़ा'फराँ (زعفراں) अ पु –'ज़ा'फरान' का लघु, दे 'ज़ा'फरान'।

ज़ा'फराँज़ार (زعفرانزار) अ फा पु –जहाँ चारो ओर केसर के खेत हो।

ज़ा'फरान (زعفران) अ पु –कुकुम, केसर।

ज़ा'फ़रानी (زعفرانی) अ वि–केसर के रंग का, केसरी, केसर से बना हुआ।

ज़ा'फ़री (جعفری) अ वि–एक पीले रंग का फूल, पीला रंग, पीत।

जा'बः (جعبہ) अ पु–तूणीर, निषंग, तरकश।

जा ब जा (جابجا) फ़ा वि–जगह-जगह, यदा-कदा, जहाँ-तहाँ।

ज़ाबितः (ضابطہ) अ पु–नियम, क़ाइद, प्रणाली, पद्धति, दस्तूर, गुर, आसान क़ाइद।

ज़ाबित (ضابط) अ वि–सहनशील, मुतहम्मिल, प्रबंधक, मुतज़िम।

ज़ाबितए दीवानी (ضابطۂدیوانی) अ फ़ा पुं–दीवानी अदालत का क़ानून।

ज़ाबितए फ़ौजदारी (ضابطۂفوجداری) अ फ़ा पु–फ़ौजदारी अदालत का क़ानून।

जाबिर (جابر) अ वि–अत्याचार करनेवाला, अनीति करनेवाला, ज़बरदस्ती करनेवाला, नाजाइज़ दबाव डालनेवाला।

ज़ाबिलिस्तान (زابلستاں) फ़ा पु–सीसतान, ईरान का एक प्राचीन प्रदेश जो रुस्तम की जन्म-भूमि था।

ज़ाबुलिस्तान (زابلستان) फ़ा पु–दे 'ज़ाबिलिस्तान', दो शुद्ध है।

जाबुल्क़ा (جابلقا) फ़ा पु–पूर्व दिशा के अंत में एक बहुत बड़ा कल्पित नगर।

जाबुल्सा (جابلسا) फ़ा पु–पश्चिम दिशा के अंत मे एक बहुत बड़ा कल्पित नगर।

ज़ाबेह (ذابح) अ वि–वध करनेवाला, वधिक।

जाम. (جامہ) फ़ा पु–वस्त्र, वसन, पहनने का कपड़ा, कुर्ता, कमीस; बरात में दूल्हा के पहनने के कपड़े।

जाम·कन (جامہکن) फ़ा पु–स्नानागार का पहला कमरा जहाँ कपड़े उतारे जाते और लुंगी बाँधी जाती है।

जामःज़ेब (جامہزیب) फ़ा वि–वह व्यक्ति जिसके शरीर पर कपड़े शोभा दें।

जाम.ज़ेबी (جامہزیبی) फ़ा स्त्री–शरीर पर कपड़ो का शोभा देना और सजना।

जाम तलाशी (جامہتلاشی) फ़ा स्त्री–सरकारी तौर पर किसी शुबहे में शरीर पर पहने हुए कपड़ो की तलाशी।

जाम दर (جامہدر) फ़ा वि–कपड़े फाड़नेवाला, शोकातिरेक या पागलपन से कपड़े फाड़नेवाला।

जाम.दरी (جامہدری) फ़ा स्त्री–शरीर पर पहने हुए कपड़ो को फाड़ना, पागलपन की अवस्था।

जामःवार (جامہوار) फ़ा पु–एक प्रकार की बढ़िया छींट, जिसके अँगरखे या शेरवानियाँ बनती हैं।

जाम (جام) फ़ा पु–पियाला, कस, शराब पीने का पियाला, पानपात्र, चषक।

ज़ा'म (زعم) अ पु–विचार, ख़याल, धारणा, गुमान।

जामए एहराम (جامۂاحرام) अ फ़ा पु–वह चादर जो हाजी लोग हज के समय बाँधते हैं।

जामए ग़ूक (جامۂغوک) फ़ा पु–काई, जो पानी पर जम जाती है।

जामए फ़त्ह (جامۂفتح) फ़ा अ पु–वह कपड़ा जिस पर मंत्र आदि लिखे होते हैं और लड़ाई के दिन विजय-प्राप्ति के लिए पहना जाता है।

जामए सूरत (جامۂصورت) फ़ा अ पु–वह कपड़ा जिस पर चित्र बने हो, चित्रपट।

जामगी (جامگی) फ़ा स्त्री–रोज़ीन, रातब, पियाले मे शराब की तलछट, पुराना कपड़ा।

जामग़ूल (جامغول) तु वि–दुरात्मा, शरीर, पापात्मा, ख़बीस।

जामबकफ़ (جامبکف) फ़ा वि–हाथ मे शराब का पियाला लिये हुए।

जामबलब (جامبلب) फ़ा वि–ओठो से शराब का पियाला लगाये हुए, अर्थात् शराब पीता हुआ।

जामिअः (جامعہ) अ स्त्री–विश्वविद्यालय, यूनीवर्सिटी।

जामिईयत (جامعیت) अ स्त्री–योग्यता, विद्वत्ता, क़ाबिलीयत, व्यापकता, हावी होने का भाव।

जामि उल उलूम (جامع العلوم) अ पु–सार-संग्रह, इंसाइक्लोपेडिया, विद्याओ का भंडार।

जामि उल कमालात (جامع الکمالات) अ वि–जिसमे बहुत से गुण हो, बहुगुणसंपन्न।

जामि उल मुतफ़र्रिक़ीन (جامع المتفرقین) अ पु–बिछुड़े हुओ को एकत्र करनेवाला, वियोगियो को मिलानेवाला।

जामि उल लुग़ात (جامع اللغات) अ पु–ऐसा शब्द-कोश जिसमें किसी भाषा के शब्दो का पूर्ण संग्रह हो।

जामिद (جامد) अ वि–ठोस, घन, जड़, चेतनारहित। (पु) वह शब्द जो किसी दूसरे शब्द से न बना हो, (व्या)

जामिदुलअक़्ल (جامد العقل) अ वि–जिसकी बुद्धि ठप हो, जिसकी समझ मे बात न आये, मन्दमति, घामड़।

ज़ामिन (ضامن) अ वि–ज़मानत करनेवाला, प्रतिभू, दूध जमाने की चीज़, आतंचन।

ज़ामिनी (ضامنی) अ स्त्री–ज़मानत करनेवाला, ज़मानत।

जामी (جامی) फा वि–'जाम' (नगर) से सम्बन्ध रखनेवाला; मद्यप, मयनोश।

जामी (ظامی) अ वि–पिपासु, तृषित, प्यासा।

जामूसः (جاموسہ) अ स्त्री–भैंस।

जामूस (جاموس) अ पु–भैंसा।

जामे' (جامع) अ वि–संग्रह करनेवाला संग्रहीता; संपादन करनेवाला, संपादक, व्यापक, बहुत ही विस्तृत।

जामे आली (جام عالی) फा अ पु–बहुत बड़ा पियाला।

जामे जम (جام جم) फा पु–प्रसिद्ध है कि ईरान के शासक 'जमशेद' ने एक पियाला बनाया था, जिससे संसार का हाल ज्ञात होता था। जहाँ तक इस विषय में गौर किया गया है, ऐसा प्रतीत होता है कि उस पियाले में कोई भंग-जैसी मादक वस्तु पिलायी जाती होगी, जिससे पीनेवाले को खयाली चीज़े दिखाई पड़ती होगी, जैसा कि आजकल भी अधिक नशा हो जाने पर हम देखते हैं।

जामे जमशेद (جام جمشید) फा पु–दे 'जामे जम'।

जामे जहाँनुमाँ (جام جہاں نماں) फा पु–दे 'जामे जम'।

जामे जहाँबी (جام جہاں بیں) फा पु–दे 'जामे जम'।

ज़ा'मेबातिल (زعم باطل) अ पु–गलत गुमान, कुधारणा, भ्रम, वहम।

जामे मय (جام مے) फा पु–शराब का पियाला, शराब पीने का पियाला; शराब से भरा हुआ पियाला।

जामे शराब (جام شراب) फा पु–दे 'जामे मय'।

जामे सिफाली (جام سفالیں) फा पु–मिट्टी का कुल्हड़, डबुआ, जामे सिफाल,–"जामे जम से तो मेरा जामे सिफाल अच्छा है"—'गालिब'।

जामेह (جامح) अ वि–उद्दंड, सरकश, विद्रोही, बागी।

ज़ाये (ضائع) अ वि–नष्ट, बरबाद, व्यर्थ, बेकार, प्रभावहीन, बेअसर।

जार (جار) अ पु–प्रतिवासी, पड़ोसी, भागीदार, साझी, शरणागत, पनाहयाफ्त।

जार [र्र] (جار) अ वि–खींचनेवाला, रक्षक, निगहबान, ज़ेर देनेवाला कारक।

जार (جار) तु पु–समुदाय, जनसमूह, जमाअत, ढिंढोरा, मुनादी।

ज़ार (زار) फा वि–क्षीण, लागर, दुबला-पतला, अशक्त, बेज़ोर, दीन, दुःखी, बेकस।

ज़ार(र्र) (ضار) अ वि–हानिकर, अनिष्टकर, नुकसानदेह।

जारची (جارچی) तु पु–ढिंढोरिया, ढिंढोरा पीटनेवाला, मुनादी करनेवाला।

ज़ारज़ार (زارزار) फा वि–बहुत अधिक, फूट-फूटकर (रोना)।

ज़ारनाली (زارنالی) फा स्त्री–रोना-पीटना, बहुत व्याकुल होकर रोना।

ज़ारिब (ضارب) अ वि–मारनेवाला, प्रहारक, आघातक।

जारियः (جاریہ) अ स्त्री–दासी, लौंडी, वह लौंडी जिससे उसका स्वामी सहवास करे, नौका, नाव।

जारिहः (جارحہ) अ पु–हाथ-पाँव आदि अवयव, शिकारी जानवर।

जारी (جاری) अ वि–संचालित, चलता हुआ (काम आदि), प्रवाहित, बहता हुआ (पानी), लागू, चालू (कानून)।

ज़ारी (زاری) फा स्त्री–विलाप, रोना।

ज़ारीदः (زاریدہ) फा वि–रोया हुआ, रोदित।

ज़ारोकितार (زاروقطار) फा अ वि–दे 'ज़ारज़ार'।

ज़ारोनज़ार (زارونزار) फा वि–बहुत ही दुबला और अशक्त, मरयल।

ज़ारोनालाँ (زارونالاں) फा वि–दुखी और रोता हुआ, बहुत अधिक दीन और दुखी।

जारोब (جاروب) फा स्त्री–झाड़ू, मार्जनी।

जारोबकश (جاروب کش) फा वि–झाड़ू देनेवाला, सफाई करनेवाला, झाड़ू से ज़मीन साफ करनेवाला।

जारोबकशी (جاروب کشی) फा स्त्री–झाड़ू देना, झाड़ू से ज़मीन साफ करना।

जालः (جالہ) फा पु–नदी पार करने के लिए कई मश्कों में हवा भरकर और उनके ऊपर लकड़ियों का ठाठ कसकर बनायी जानेवाली नौका।

ज़ालः (ژالہ) फा पु–हिमोपल, घनोपल, ओला।

ज़ालःज़दगी (ژالہ زدگی) फा स्त्री–ओला पड़ना, शिलावर्षा, करकापात।

ज़ालःबारी (ژالہ باری) फा स्त्री–दे 'ज़ाल ज़दगी'।

जा'ल (جعل) अ पु–कूटता, जालसाजी, छल, वंचकता, फरेब।

ज़ाल [ल्ल] (ضال) अ वि–मार्गभ्रष्ट, गुमराह, पापी, गुनाहगार।

ज़ाल (زال) फा वि–सफेद बालोंवाला बूढ़ा पुरुष, सफेद बालोंवाली बूढ़ी स्त्री, बूढ़ा पुरुष या स्त्री।

जा'लसाज़ (جعل ساز) अ फा वि–कूटकार, जाली काम करनेवाला, नकली रुपया या दस्तावेज बनानेवाला।

जा'लसाज़ी (جعل سازی) अ फा स्त्री–कूट कर्म, नकली रुपया या दस्तावेज़ बनाना।

जालिफ (حالف) अ पु –महामारी, ववा, मरी।

जालिब (حالب) अ वि –ग्रहण करनेवाला, लेनेवाला, अपनी ओर खीचनेवाला।

जालिम (ظالم) अ वि –अन्यायी, अत्याचारी, निर्दय, कठोर हृदय, निष्ठुर।

जालिमान (ظالمانه) अ फा वि –अत्याचारियो-जैसा।

जालिमे अज़्लम (ظالم اظلم) अ वि –बहुत वडा अत्याचारी।

जालिस (حالس) अ वि –बैठनेवाला, बैठा हुआ, आसीन, बैठानेवाला।

जा'ली (جعلی) अ वि –कृत्रिम, बनावटी, नक्ली, कल्पित, फर्ज़ी।

जाली (حالی) अ वि –शुद्ध करनवाला, चमकानेवाला, प्रकाशित करनेवाला।

जालीनोस (حالینوس) अ पु –एक प्रसिद्ध यूनानी हकीम।

जालूक़ (دالوق) फा पु –गुल्ला, (गुलेल में चलानेवला), गोली (वदूक मे चलनेवाली)।

जालूत (حالوت) अ पु –एक वहुत ही अत्याचारी शासक जिसे हज़रत दाऊद की आज्ञा से 'तालूत' ने मारा था।

जाले' (حالع) अ वि –निर्लज्ज, वेहया, धृष्ट, गुस्ताख, ढीठ।

जावर्स (حاورس) फा पु –वाजरा, एक प्रसिद्ध अन्न।

जाविदाँ (حاوداں) फा वि –नित्य, शाश्वत, अनश्वर, हमेशा रहनेवाला।

जाविदानी (حاودانی) फा वि –दे 'जाविदाँ'।

जाविय (زاویه) अ पु – कोना, एकान्त, गोश, कोण (रेखागणित)।

जावियए क़ाइमः (زاویهٔ قائمه) अ पु –नब्वे अश का कोण, समकोण।

जावियए ख़ारिज. (زاویهٔ خارجه) अ प –वहिष्कोण।

जावियए दाखिल. (زاویهٔ داخله) अ पु –अत कोण।

जावियए नज़र (زاویهٔ نظر) अ पु –दृष्टिकोण, नुक्तए नज़र।

जावियए निगाह (زاویهٔ نگاه) अ फा पु –दे 'जावियए नज़र'।

जावियए मुन्फरिज (زاویهٔ منفرجه) अ पु –नव्वे अश से वडा कोण, अधिककोण।

जावियए हाद्द (زاویهٔ حاده) अ पु –नव्वे अश से छोटा कोण, न्यूनकोण।

जावेद (حاوید) फा वि –नित्य, शाश्वत, दाइमी।

जावेदाँ (حاویداں) फा वि –दे 'जावेद'।

जासूस (حاسوس) अ पु –गुप्तचर, सूची, अपसर्पक, प्रतिष्क, चारचक्षु, मुख़विर।

जासूसी (حاسوسی) अ पु –गुप्तचर का काम, मुखविरी।

जाह (حاه) फा स्त्री –प्रतिष्ठा, इज़्ज़त, पद, रुत्वा, सत्कार, कद्र।

जाहपरस्त (حاه‌پرست) फा वि –प्रतिष्ठा पाने का इच्छुक, पदलोलुप, केवल प्रतिष्ठित लोगो का भक्त।

जाहपरस्ती (حاه‌پرستی) फा स्त्री –प्रतिष्ठा प्राप्ति की इच्छा, प्रतिष्ठित लोगो की भक्ति।

ज़ाहिक (ضاحک) अ वि –हँसनेवाला, हँसोड, प्रहासी।

ज़ाहिद (زاهده) अ स्त्री –तपस्विनी, साध्वी, विरक्ता, सयम नियम का पालन करनेवाली स्त्री।

ज़ाहिद (زاهد) अ पु –जितेंद्रिय, सयमी, विरक्त, विषय-विरक्त, सयम-नियम और जप-तप करनेवाला व्यक्ति।

ज़ाहिदे ख़ुश्क (زاهدخشک) अ फा पु –ऐसा नीरस ज़ाहिद जिसके हृदय मे जरा भी उदारता न हो।

ज़ाहिर (ظاهر) अ वि –व्यक्त, प्रकट, अयाँ, स्पष्ट, प्रत्यक्ष, वाज़ेह।

ज़ाहिर (زاهر) अ वि –उज्ज्वल, प्रकाशमान, चमकता हुआ, उच्च, उत्तुग, ऊँचा, वलद।

ज़ाहिरदार (ظاهردار) अ फा वि –दिखावे की वाते करनेवाला, दुनियासाज़, अवसरवादी।

ज़ाहिरदारी (ظاهرداری) अ फा स्त्री –वनावट, दिखावा, दुनियासाज़ी, व्याज-व्यवहार।

ज़ाहिरन (ظاهراً) अ वि –देखने में, ज़ाहिर मे।

ज़ाहिरपरस्त (ظاهر پرست) अ फा वि –जो ऊपरी टीम-टाम पर मरता हो, केवल वाह्यरूप देखनेवाला।

ज़ाहिरपरस्ती (ظاهرپرستی) अ फा स्त्री –केवल वाह्य रूप पर मुग्धता।

ज़ाहिरवीं (ظاهربیں) अ फा वि –वाहरी तडक-भडक का दीवाना, ज़ाहिरपरस्त।

ज़ाहिरवीनी (ظاهربینی) अ फा स्त्री –केवल वाहरी टीम-टाम का मोह, ज़ाहिरपरस्ती।

ज़ाहिरा (ظاهرا) अ वि –दे 'ज़ाहिरन'।

ज़ाहिरी (ظاهری) अ वि –वाहरी, वाह्य, ऊपरी, देखने भर का।

ज़ाहिरो वातिन (ظاهروباطن) अ पु –अदर और वाहर, मन और मुख, ज़वान और दिल।

जाहिल (جاهل) अ वि –जो कुछ न जानता हो, अज्ञानी, मूर्ख, वेवकूफ, असभ्य, नामुहज्ज़व, अशिष्ट, वदनलीम, उद्दड, अक्खड, निरक्षर, वेइल्म।

जाहिलीयत (جاهلیت) अ स्त्री–दे. 'जहालत'।
जाहिले मुत्लक (جاهل مطلق) अ वि–जो कुछ भी न जानता हो, निपट मूर्ख, बिलकुल बे पढा-लिखा।
जाहोजलाल (جاہ و جلال) अ पु–शानोशौकत, रोबो-दाब।
जाहोमंसब (جاہ و منصب) अ पु–पदवी और प्रतिष्ठा।
जाहोहशम (جاہ و حشم) अ पु–दे 'जाहोजलाल'।

जि

जिंजार (زنجار) अ पु–दे 'ज़ंगार'।
ज़िंद: (زندہ) फा वि–जीवित, जीता हुआ, नवीन, ताज़ा, जैसे–'ज़िंद खून'।
ज़िंद:दरगोर (زندہ درگور) फा वि–जिसका जीवन मुर्दो-जैसा नीरस और व्यर्थ हो, जीवन्मृत।
ज़िंद:दार (زندہ دار) फा वि–बहुत जागनेवाला।
ज़िंद:दिल (زندہ دل) फा वि–हर समय प्रसन्न रहने और मज़ेदार बाते करनेवाला, विनोदरसिक।
ज़िंद:दिली (زندہ دلی) फा स्त्री–प्रसन्न रहने और मनो-विनोद करने का भाव।
ज़िंद बशक्ले मुर्द (زندہ بشکل مردہ) फा वि–ऐसा व्यक्ति जो जीते हुए भी शव के समान हो, अत्यत दीन दुखी और कष्टग्रस्त, हतजीवित।
ज़िंद:बाद (زندہ باد) फा वा–चिरजीव हो, जीवित रहो, साधुवाद, शाबाश, "ज़िंदाबाद अय रजे उल्फत जानोदिल तुझ पर निसार, क्योकि इक तेरे सबब से याद उसकी दिल मे है।"
ज़िंद:बाश (زندہ باش) फा वा–आयुष्मान् हो, बडी उम्र मिले, शाबाश, धन्यवाद।
ज़िंदए जावेद (زندۂ جاوید) फा पु–जो सदा जीवित रहे, जो कभी न मरे।
ज़िंदगानी (زندگانی) फा स्त्री–दे 'ज़िंदगी'।
ज़िंदगी (زندگی) फा स्त्री–जीवन, प्राण, हयात।
ज़िंदगीबख़्श (زندگی بخش) फा वि–जीवन देनेवाला, जीवन बढानेवाला।
ज़िंदाँ (زندان) फा पु–कारागार, कारागृह, कैदख़ाना।
ज़िंदाँख़ान. (زندان خانہ) फा पु–दे 'ज़िंदा'।
ज़िंदानी (زندانی) फा वि–कारावासी, कैदी, बदी।
ज़िंदीक (زندیق) अ वि–नास्तिक, ला मज़हब, अग्निपूजक, आतशपरस्त, ज़रदुश्त का अनुयायी।
जिंस (جنس) अ स्त्री–वस्तु, पदार्थ, चीज़, अन्न, गल्ला, जाति।
जिंसख़ान: (جنس خانہ) अ फा पु–अनाज आदि रखने का कोठा, मोदीख़ाना।
जिंसवार (جنس وار) अ फा स्त्री–पटवारी का काग़ज़ जिसमें बोई हुई जिंस का ब्योरा होता है।
जिंसी (جنسی) अ वि–जिंस से सम्बन्ध रखनेवाला।
जिंसीयत (جنسیت) अ स्त्री–लिंगता, नर या मादा होना, जातीयता, कौमियत।
जिंसेकासिद (جنس کاسد) अ स्त्री–ऐसी खोटी वस्तु जो बाज़ार मे न बिके।
जिंसनाकार: (جنس ناکارہ) अ फा स्त्री–दे 'जिंसेकासिद'।
जिंसेनाकिस (جنس ناقص) अ स्त्री–दे 'जिंसेकासिद'।
ज़िक [क़्क] (زق) अ स्त्री–पानी भरने का खाल का पात्र, परवाल, मश्क, भस्त्री।
ज़िक्की (زقی) अ. वि–पानी की मश्क-जैसा, जलधर का एक प्रकार जिसमे सारा शरीर सूज जाता है।
ज़िक्र (ذکر) अ पुं–चर्चा, तज्किर, एक प्रकार का जप।
ज़िक्रे अर्र. (ذکر ارہ) अ पु–योग मे एक जप जो ज़बान और सीने से होता है।
ज़िक्रे ख़फी (ذکر خفی) अ पु–ऐसा जप जो मन में किया जाय, उपांशु।
ज़िक्रे ख़ैर (ذکر خیر) अ पु–शुभ-चर्चा, अच्छा ज़िक्र, किसी बडे व्यक्ति की याद और उसकी चर्चा।
ज़िक्रे ग़ैर (ذکر غیر) अ पु–अन्य-चर्चा, दूसरा ज़िक्र; रकीब की चर्चा।
ज़िक्रे जहर (ذکر جہر) अ पु–ऐसा जप जो ध्वनित हो, जो आवाज़ के साथ हो।
जिगर (جگر) फा वि–शरीर का एक विशेष अवयव, यकृत, साहस, हिम्मत।
जिगरअफ़गार (جگر افگار) फा वि–दे 'जिगरफ़िगार'।
जिगरकावी (جگر کاوی) फा स्त्री–कडा परिश्रम, सख़्त मेहनत।
जिगरख़राश (جگر خراش) फा वि–बहुत अधिक दुख देनेवाला, हृदय-विदारक।
जिगरख़्वार: (جگر خوارہ) फा वि–जिगर को खानेवाला, दुख देनेवाला।
जिगरख़्वारी (جگر خواری) फा स्त्री– जिगर को खाना, दुख, शोक।
जिगरगोश. (جگر گوشہ) फा पु–जिगर का टुकडा अर्थात् पुत्र।
जिगरताब (جگر تاب) फा वि–जिगर को गर्म करनेवाला।
जिगरताबी (جگر تابی) फा स्त्री–कलेजा गर्म करना।
जिगरदोज़ (جگر دوز) फा वि–दे 'जिगरख़राश'।

जिगरपार॰ (جگرپارہ) फा पु–दे 'जिगरगोश'।
जिगरफिगार (جگرفگار) फा वि–जिसका हृदय टुकडे-टुकडे हो, भग्न हृदय, अत्यधिक दुखी।
जिगरबंद (جگربند) फा पु – दे 'जिगरगोश'।
जिगरसा (جگرسا) फा वि–जिगर को छीलनेवाला, कष्ट देनेवाला।
जिगरसोख़्तः (جگرسوختہ) फा वि–दिल जला, जिसका हृदय शोक की आँच से जल गया हो, भृष्ट हृदय, दग्ध-हृदय।
जिगरसोख़्तगी (جگر سوختگی) फा स्त्री–हृदय का दग्ध होना।
जिगरसोज़ (جگرسوز) फा वि–हृदयदाही, दुखदायी, सहानुभूति करनेवाला।
जिगरसोज़ी (جگرسوزی) फा स्त्री–हृदय जलाना, गम उठाना, सहानुभूति करना।
जिगरी (جگری) फा वि–हार्दिक, दिली, घनिष्ठ, गहरा, जिगर के रग का, गहरा लाल।
जिज़बिज़ (جزبز) फा वि–रुष्ट, अप्रसन्न, नाराज़।
जिज़्य॰ (جزیہ) अ पु–एक टैक्स जो हिन्दुस्तान मे बाज़ मुसलमान शासको ने हिंदुओ से लिया था और जो तीन से बारह रुपये प्रति वर्ष लगता था, धर्म-कर।
जिद (جد) अ स्त्री–प्रयास, पराक्रम, कोशिश।
जिद [द्द] (ضد) अ स्त्री–हठ, अड, विपरीत, विरुद्ध, उलटा, वैमनस्य, रजिश।
जिदा (زدا) फा॰ प्रत्य–शुद्ध करनेवाला।
जिदाइंद (زدائندہ) फा वि–साफ करनेवाला, परिमार्जित करनेवाला।
जिदाइश (زدائش) फा स्त्री–परिमार्जन, सफाई, चमक दमक, जिला।
जिदूद॰ (زدودہ) फा वि परिमार्जित, साफ किया हुआ, माँजा हुआ।
जिदूदनी (زدودنی) फा वि–माँजकर साफ करने के काबिल, परिमार्जनीय।
जिदार (جدار) अ स्त्री–भीत, भित्त, दीवार।
जिदाल (جدال) अ पु–युद्ध, लडाई, वादविवाद, बहस।
जिदालोकिताल (جدال وقتال) अ पु–लडाई और रक्त-पात, खून-खराबी।
जिद्द (جدہ) अ पु–अरब का एक नगर जो प्रसिद्ध बदरगाह है, जिद्दत।
जिद्दत (جدت) अ स्त्री–अद्भुतता, अनोखापन, नवीनता, नयापन, आविष्कार, ईज़ाद।
जिद्दतआमेज़ (جدت آمیز) अ फा वि–वह बात जिसमे जिद्दत हो।
जिद्दततराज़ (جدت طراز) अ फा वि–जिद्दत पैदा करने वाला, नयी-नयी बातें निकालनेवाला, आविष्कारक।
जिद्दततराज़ी (جدت طرازی) अ फा स्त्री–नयी-नयी बाते निकालना, आविष्कार।
जिद्दतपसद (جدت پسند) अ फा वि–जिसे हर बात में जिद्दत अच्छी लगती हो।
जिद्दतपसदी (جدت پسندی) अ फा स्त्री–हर बात मे जिद्दत अच्छी लगना।
जिद्दत मआब (جدت مآب) अ वि–दे 'जिद्दततराज़'।
जिद्दन (جداً) अ स्वि–प्रयास से, कोशिश करके।
जिद्दन (ضداً) अ वि–हठ से, हठ के कारण।
जिद्दी (ضدی) अ वि–हठ करनेवाला, हठी, आग्रही, जो बात ठान ले या कह दे उसी पर अड जानेवाला।
जिद्दैन (ضدین) अ पु–दो परस्पर विरोधी चीज़े, जैसे आग और पानी।
जिद्दोजहद (جدوجہد) अ स्त्री–पराक्रम और प्रयास, दौड-धूप।
जिन [न्न] (جن) अ पु–एक प्राणी जिसकी उत्पत्ति अग्नि से मानी जाती है, और वह दिखाई नही पडता।
जिनाँ (جناں) अ स्त्री–'जिनान' का लघु, दे 'जिनान'।
जिनाँ (زنا) अ पु–व्यभिचार, परायी स्त्री या पराये पुरुष के पास जाना।
जिनाकार (زناکار) अ फा वि–व्यभिचारी, व्यभिचारिणी।
जिनाकारी (زناکاری) अ फा स्त्री–व्यभिचार, जार-कर्म, हरामकारी।
जिनाज़ (جنازہ) अ पु–दे 'जनाज़', दो शुद्ध है, परतु उर्दू मे 'जनाज़' ही बोलते है।
जिनान (جناں) अ स्त्री–'जन्नत' का बहु, जन्नतें, बाग-समूह, उर्दू मे एक वचन के अर्थ मे व्यवहृत है।
जिनायत (جنایت) अ स्त्री–पाप, पातक, गुनाह।
जिनायात (جنایات) अ स्त्री–'जिनायत' का बहु, बहुत से पाप।
जिन्न (جنہ) अ पु–जिनका बहु, जिनो का समूह, जिनो की जाति।
जिन्नत (ظنت) अ स्त्री– आरोप, लाछन, तोहमत।
जिन्नात (جنات) अ पु–'जिन' का बहु, बहुत से जिन, जिनो की जाति।
जिन्नी (جنی) अ पु–जिनका, जिन सम्बन्धी, एक जिन।

जिन्हार (زنہار) फा स्त्री–शरण, त्राण, पनाह। (अव्य) कदापि, हरगिज।

ज़िन्हारख़्वार (زنہارخوار) फा वि–प्रतिज्ञा भग करने वाला, वा'दा शिकन।

ज़िन्हारख़्वाह (زنہارخواہ) फा वि–पनाह या रक्षा चाहनेवाला, शरणार्थी।

ज़िन्हारी (زنہاری) फा वि–त्राण चाहनेवाला, शरणागत, प्रतिज्ञा करनेवाला।

ज़िफाफ (زفاف) अ पु–दुल्हन को दूल्हा के घर भेजना, दूल्हा का दुल्हन से पहली बार मिलना।

ज़िफ़्त (زفت) फा स्त्री–चीड का गोद, राल।

ज़िफ़्दे (ضفدع) अ पु–दुर्दुर, भेक, मेढक, मडूक।

ज़िवस (زبس) फा वि–वहुत, अधिक।

ज़िवा (ظبا) अ पु–'ज़वी' का वहु, हरिनो का समूह।

ज़िवाव (ضباب) अ स्त्री–'ज़व' का वहु, गोहे।

जिवायत (جبایت) अ स्त्री–धन एकत्र करना, कर एकट्ठा करना।

जिवाल (جبال) अ पु–'जवल' का वहु, पर्वतमाला, वहुत से पहाड।

जिवाले रासियात (جبال راسیات) अ पु–ऊँचे-ऊँचे और वडे-वडे पहाड।

जिवाह (جباہ) अ स्त्री–'जव्ह' का वहु, माथे, ललाट।

जिविल्लत (جبلت) अ स्त्री–प्रकृति, स्वभाव, नेचर।

जिविल्ली (جبلی) अ वि–प्राकृतिक, स्वाभाविक, नेचुरल।

जिव्त (جبت) अ पु–हर वह चीज़ जो ईश्वर के अतिरिक्त पूजी जाय।

ज़िव्र: (زبرہ) अ स्त्री–एक पुस्तक, एक पत्र।

ज़िव्र (زبر) अ स्त्री–पुस्तक, किताव।

ज़िव्रिकान (زبرقان) अ पु–सपूर्ण चद्र, राकेश, सकलेदु, पूरा चाँद।

जिब्रील (جبریل) अ पु–एक फिरिश्ता जो पैगवरो के पास ईश्वर का आदेश पहुँचाया करता था।

ज़िव्ल (زبل) अ प–घोडे या गवे की लीद।

ज़िव्ह (ذبح) अ वि–वधित, जो जव्ह किया गया हो।

ज़िव्हे अक्वर (ذبح اکبر) अ पु–वह दुवा जो हज़्रत इस्माईल के वदले मे ज़व्ह हुआ।

ज़िव्हेअज़ीम (ذبح عظیم) अ पु–हज़्रत इमाम हुसैनकी शहादत

जिमाअ (جماع) अ पु–स्त्रीप्रसग, मैथुन, मुवाशरत।

जिमाउलइस्म (جماع الاثم) अ पु–मद्यपान, शरावनोशी।

जिमाद (جماد) अ पु–'जुम्द' का वहु, ऊँची और कठोर भूमि।

ज़िमाद (ضماد) अ पु–प्रलेप, अग विशेष पर दवा का लेप।

ज़िमाम (ذمام) अ पु–प्रतिष्ठा, इज्जत, स्वत्व, हक।

ज़िमाम (زمام) अ स्त्री–ऊँट की नकेल।

ज़िमामे हुकूमत (زمام حکومت) अ स्त्री–शासन की वागडोर, शासनसूत्र।

ज़िमार (ضمار) अ पु–खोया हुआ माल जिसके मिलन की आशा न हो।

जिमार (جمار) अ स्त्री–'जम्र' का वहु, ककरियाँ, हज की एक प्रथा जिसमे शैतान को ककरियाँ मारते है।

जिमाल (جمال) अ पु–'जमल' का वहु, वहुत-से ऊँट।

ज़िम्न (ضمن) अ प–अतर्गत, अदर, प्रसग, वात का सिलसिला, विपय।

ज़िम्नन (ضمناً) अ वि–किसी प्रसग मे आयी हुई चर्चा।

ज़िम्नी (ضمنی) अ वि–किसी मुख्य विपय के अतर्गत वाला, गैर अहम, गौण।

ज़िम्म: (ذمہ) अ पु–उत्तरदायित्व, ज़िम्मेदारी, प्रतिभूति, ज़मानत।

ज़िम्म.दार (ذمہ دار) अ फा वि–उत्तरदायी, जवावदेह, प्रतिभू, ज़ामिन, ज़िम्मेदारी महसूस करनेवाला।

ज़िम्म.दारी (ذمہ داری) अ फा स्त्री–उत्तरदायित्व, जवावदेही, प्रतिभूति, ज़मानत, कार्यभार, वार।

ज़िम्मत (ذمت) अ स्त्री–प्रतिज्ञा, इक़रार, प्रतिभूति, ज़मानत।

ज़िम्मी (ذمی) अ प–इस्लामी राज्य मे गैर मुस्लिम नागरिक।

ज़ियाँ (زیاں) फा पु–हानि, अनिष्ट, ज़रर, टोटा, क्षति, घाटा।

ज़ियाँ (ژیاں) फा वि–फाड खानेवाला, हिंसक, श्वापद, व्याघ्र।

ज़ियाँकार (زیاں کار) फा वि–टोटा देनेवाला, घाटा पहुँचानेवाला, कदाचारी, वदआमाल।

ज़ियाँकारी (زیاں کاری) फा स्त्री–टोटा देना, कदाचार, वदआमाली।

ज़िया (ضیا) अ स्त्री–प्रकाश, ज्योति, आभा, चमक, सूर्य का प्रकाश।

ज़ियागुस्तर (ضیاگستر) अ फा वि–दे 'ज़ियापाश'।

ज़ियाद: (زیادہ) अ वि–अधिक, प्रचुर, वहुत, तिअरिक्त, फालतू।

ज़ियाद.ख़ोर (زیادہ خور) अ फा वि–वहुत खानेवाला, पेटू, वहुभक्षी, पिंडीशूर।

ज़ियाद.गो (زیادہ گو) अ फा वि–वहुत वाते वनानेवाला, मुखर, वाचाल, मिथ्यावादी, गप्पी।

जियाद गोई (زیادہگوئی) अ फा स्त्री –बहुत बातें करना, गप हाँकना।

जियाद.तर (زیادہتر) अ फा वि –अधिकतर, बहुधा, अक्सर।

जियादःतलबी (زیادہطلبی) अ फा स्त्री –हिस्से या हिसाब से अधिक माँगना।

जियाद सरी (زیادہسری) अ फा स्त्री –स्वच्छदता, खुद-राई, अभिमान, घमड।

जियाद.सितानी (زیادہستانی) अ फा स्त्री –अपने भाग से अधिक ले लेना।

जियाद (زیاد) अ पु –अधिक, बहुत, 'इब्ने जियाद' इमाम हुसैन का कातिल।

जियादत (زیادت) अ स्त्री –अधिकता, बहुतायत।

जियादती (زیادتی) अ स्त्री –अधिकता, अत्याचार, अनीति, हठधर्मी।

जियापाश (ضیاپاش) अ फा वि –प्रकाश फैलानेवाला।

जियापाशी (ضیاپاشی) अ फा स्त्री –प्रकाश फैलाना।

ज़ियाफत (ضیافت) अ स्त्री –अतिथि पूजा, मेहमादारी, प्रीतिभोज, दावत।

जियाफतखान. (ضیافتخانہ) अ फा पु –अतिथियो की भोजनशाला।

जियाबार (ضیابار) अ फा वि –दे 'ज़ियापाश'।

जियावारी (ضیاباری) अ फा स्त्री –दे 'ज़ियापाशी'।

जियावीतुस (ذیابیطس) अ पु – एक रोग जिसमे पेशाव वहुत आता है, वहुमूत्र।

जियारत (زیارت) अ स्त्री –दर्शन, दीदार, तीर्थाटन, किसी वुज़ुर्ग के मजार आदि के दर्शनार्थ सफर, किसी वुज़ुर्ग का रौज़ा आदि।

जियारतकद (زیارتکدہ) अ फा पु –दे 'ज़ियारतगाह'।

जियारतगाह (زیارتگاہ) अ फा स्त्री –ऐसी जगह जहाँ किसी बुज़ुर्ग का मज़ार या उसके तवर्रुकात हो।

जिराअ (ذراع) अ पु –एक हाथ की नाप, सातवाँ नक्षत्र, पुनर्वसु।

जिराअत (زراعت) अ स्त्री –कृषि, खेती, काश्त।

जिराअतपेश (زراعتپیشہ) अ फा वि –कृपक, किसान।

जिराअती (زراعتی) अ वि –कृपि सम्वन्धी, खेती से मुत-अल्लिक, खेती का।

जिराब (ضراب) अ पु –नर का मादा पर चढना।

जिरार (ضرار) अ पु –एक दूसरे को हानि पहुँचाना, मक्के की एक मस्जिद जिसमे मुहम्मद साहव के शत्रु बैठकर परामर्श करते थे।

जिराहत (جراحت) अ स्त्री –घाव, ज़ख्म, आघात, चीर-फाड, शल्यक्रिया, दे 'जराहत'।

ज़िरिश्क (زرشک) फा स्त्री –एक खट्टा फल जो चने के वरावर होता है और सुखाकर दवाई के काम आता है।

ज़िरिह (زرہ) फा स्त्री –लोहे की ज़ंजीरो का एक पह-नावा जो लडाई मे पहना जाता है, कवच, अगरक्ष।

ज़िरीहपोश (زرہپوش) फा वि –जो ज़िरिह पहने हो, कवचधारी।

ज़िरीहवाफ (زرہباف) फा वि –ज़िरिह वनानेवाला, कवच वनानेवाला, कवचकार।

ज़िरिहसाज (زرہساز) फा वि –दे 'ज़िरिहवाफ'।

ज़िर्ग़ाम (ضرغام) अ पु –सिंह, व्याघ्र, शेर।

ज़िर्नीख (زرنیخ) अ स्त्री –हडताल, हरिताल, काचनक, दे 'ज़र्नीख', दो शु हैं।

ज़िर्ज़ीक (ضرزیک) एक प्रकार की तोप।

जिर्म (جرم) अ पु –पिंड, देह, यह शब्द अधिक अधिक आकाशीय अथवा जड पदार्थों के लिए प्रयुक्त होता है।

ज़िर्फ़ीन (زرفین) अ पु –शृखला, ज़ंजीर, दरवाजे की ज़ंजीर, दे 'ज़ुर्फ़ीन', दो शु हैं।

जिर्यान (جریان) अ पु –शुक्र-प्रमेह, मूत्र-शुक्र, पेशाव के साथ मनी आने का रोग, शुद्ध उच्चारण, 'जरयान' है।

ज़िर्व. (زروہ) अ पु –शृंग, चोटी, ऊँचा स्थान।

ज़िर्स (ضرس) अ स्त्री –डाढ, वडा दाँत, जभ, दाढक।

ज़िल (ظل) अ पु –छाया, साया, परछाई।

जिला (جلا) अ स्त्री –आभा, प्रभा, चमक, सैकल, वर्तनो या हथियारो की चमक।

ज़िला (ضلع) अ पु –पार्श्वास्थि, पसली, जनपद, मडल, प्रात का एक भाग जो एक कलक्टर के अधीन होता है।

जिलादार (جلادار) अ फा वि –आभा युक्त, चमकदार, जिस पर सैकल हो।

ज़िलेवा (زلیبا) फा पु – प्रसिद्ध मिठाई, वडी जलेवी।

जिलौ (جلو) तु पु –कोतल घोडा, जो सरदारो और राजाओं की सवारी में काम आता है, लगाम, कविका।

जिलौखान (جلوخانہ) तु फा पु –अश्वशाला, अस्तवल।

जिलौदार (جلودار) तु फा पु –श्रेष्ठ अश्वका स्वामी।

जिलौरेज़ (جلوریز) तु फा वि –तेज़ घोडा दौडानेवाला, सरपट जानेवाला।

ज़िल्अ (ضلع) अ पु –पसली, पार्श्वास्थि, जनपद, मडल, ज़िला, इस शब्द का उच्चारण 'ज़िला' भी है।

ज़िलक़ा'द (ذی القعدہ) अ पु –इस्लामी ग्यारहवा महीना।

ज़िल्ज़ाल (زلزال) अ पु –हिलाना, कँपाना, हिलाना-डुलाना।

जिल्द (جلد) अ स्त्री–त्वचा, त्वक्, शरीर की ऊपरी खाल, किताब की एक प्रति, जैसे—'अमुक पुस्तक की चार जिल्दें', पुस्तक पर चढा हुआ कपडा आदि, जुजवदी, किसी वडी पुस्तक का एक भाग, ग्रंथ-खड।

जिल्दसाज (جلدساز) अ फा पुं– पुस्तक की जिल्दें वाँधनेवाला।

जिल्दसाजी (جلدسازی) अ फा स्त्री–पुस्तक की जिल्दें वनाने का काम।

जिल्दौ (جلدو) तु पु–पुरस्कार, इन्आम, वख्शिश।

जिल्फ (جلف) अ वि–जो अदर से खाली हो, छूँछा, पोला, खोखला आदमी, ओछा।

जिल्वाव (جلباب) अ स्त्री–चादर, प्रच्छादन।

जिल्लत (ذلت) अ स्त्री–ख्वारी, तिरस्कार, अपमान, अनादर।

जिल्लत (زلت) अ स्त्री– लग्ज़िश, फिसलने की क्रिया, पतन, चूक, त्रुटि, भूल, पाप, गुनाह।

जिल्लत (ضلت) अ स्त्री– गुमराही, मार्गभ्रंश, रस्ता भूल जाना, पातक, पाप, गुनाह।

जिल्लत आमेज (ذلت آمیز) अ फा वि–अपमानजनक, तिरस्कारयुक्त, जिल्लत से भरा हुआ।

जिल्लुल्लाह (ظل اللہ) अ पु–ईश्वर की छाया, अच्छा शासक।

जिल्ले आतिफत (ظل عاطفت) अ पु–छत्रछाया, ज़ेरेसाया।

जिल्ले इनायत (ظل عنایت) अ पु–दे 'जिल्ले आफियत'।

जिल्ले जमीं (ظل زمیں) अ फा पु–रात्रि, निशा, रात।

जिल्ले सुवहानी (ظل سبحانی) अ पु–दे 'ज़िल्लुल्लाह'।

जिल्ले हक (ظل حق) अ पु–ईश्वर की छाया, ईश्वर की कृपा।

जिल्ले हिमायत (ظل حمایت) अ–दे 'जिल्ले आतिफत'।

जिल्ले हुमा (ظل ہما) अ फा पु–हुमा पक्षी की छाया, जिसके पड़ने से मनुष्य राजा हो जाता है।

जिल्वः (جلوہ) अ पु–सही शब्द यही है, परन्तु उर्दू मे 'जल्व' वोला जाता है, दे 'जल्व'।

जिलहिज्जः (ذی الحجہ) अ पु–इस्लामी वारहवाँ महीना।

जिवार (جوار) अ पु–'जवार' गलत है, 'जिवार' या 'जुवार' शुद्ध है; पडोस, प्रतिवास, हमसायगी, आस-पास, चारो ओर।

जिश्त (زشت) फा वि–निकृष्ट, खराव, वुरा।

ज़िश्तआमाल (زشت اعمال) अ फा वि–कदाचारी, दुराचारी, वदआमाल।

जिश्तकार (زشت کار) फा वि–दे 'ज़िश्त आ'माल'।

जिश्तखू (زشت خو) फा वि–वुरी आदतोवाला, दु स्वभाव, दुष्प्रकृति, वदअखलाक, दु शील, कुशील।

जिश्तरू (زشت رو) फा वि–वुरी शक्लवाला, कुरूप, कदाकृति, कुदर्शन।

जिश्तरूई (زشت روئی) फा स्त्री–कुरूपता, वदशक्ली।

जिश्तिएकार (زشتی کار) फा स्त्री–कर्मों की निकृष्टता, पाप, गुनाह।

जिश्ती (زشتی) फा वि–निकृष्टता, खरावी, कुरूपता, वदशक्ली।

जिस [स्स] (جص) अ पु–चूना, गच।

जिस्म (جسم) अ पु–शरीर, काया, देह, घनत्व, स्थूलता, लंवाई चौडाई मोटाई, जसामत।

जिस्मानी (جسمانی) अ वि–शारीरिक, वदनी, शरीर सम्वन्धी, जिस्मी।

जिस्मानीयत (جسمانیت) अ स्त्री–लवाई चौडाई और मोटाई या गहराई और ऊँचाई, स्थूलता, घनत्व।

जिस्मी (جسمی) अ वि–दैहिक, शारीरिक, जिस्मानी।

जिस्मीयत (جسمیت) अ स्त्री–स्थूलता, घनत्व, जसामत।

जिस्मेखाकी (جسم خاکی) अ फा पु–मिट्टी का वना हुआ शरीर, नश्वर देह, मानवशरीर।

जिस्मे ता'लीमी (جسم تعلیمی) अ पु–लवाई चौडाई और मोटाई, घनत्व, स्थूलता।

जिस्मेफानी (جسم فانی) अ पु–नश्वर देह, मिट जाने-वाला शरीर, मानवदेह।

जिस्र (جسر) अ पु–सेतु, पुल, दे 'जस्र' दो शु हैं।

जिह (زہ) फा स्त्री–धनुष का कनारा, चिल्ला (आक) साधु, धन्य, वाह।

जिहगीर (زہگیر) फा. स्त्री–वह अँगूठी जो तीर चलाते समय उँगली की रक्षा के लिए पहनी जाती है, अगुलि-त्राण।

जिहत (جہت) अ स्त्री–दिशा, ओर, तरफ, कारण, हेतु, सवव।

जिहाज (جہاز) अ पु–व्याह का दहेज, मृतक का सामान, कफन आदि, यात्रा की सामग्री, पाथेय।

जिहात (جہات) अ स्त्री–'जिहत' का वहु, दिशाएँ, सिम्तें, कारण समूह, वजूहे।

जिहाद (جہاد) अ पु–धर्म के लिए विधर्मियो से युद्ध।

जिहादे अक्वर (جہاد اکبر) अ पु–वडा जिहाद, इद्रियो का दमन।

जिहादे अस्गर (جہاد اصغر) अ पु–छोटा जिहाद, धर्मयुद्ध।

ज़िहाफ़ (زحاف) अ पु –न्यूनता, कमी, छद के गणो मे से मात्राओ की कमी।

ज़िहाब (ذهاب) अ पु –जाना, गमन करना, दे 'ज़हाब' दो शु हैं।

ज़िहाम (زحام) अ पु –भीड, जनसमूह, अधिकता, वहुतायत।

ज़िहार (ظہار) अ पु –पुरुष का स्त्री से यह कहना कि तू मेरे लिए माँ की पीठ है, इससे वह स्त्री व्याह से विछिन्न हो जाती है।

ज़िहार (زہار) अ पु –उपस्थ, कटिदेश, पेडू।

ज़िहिंद. (جہندہ) फा वि –उछलनेवाला, कूदनेवाला।

ज़िहे (زہے) फा अव्य –अहो, क्या ख़ूब, वाह-वाह।

जिहेज़ (جہیز) फा पु –व्याह में दुल्हन को दिया जानेवाला सामान, दहेज।

ज़िह्क (ضحک) अ पु –ज़ोर की हँसी, अट्टहास, कहकहा।

ज़िह्न (ذہن) अ पु –प्रतिभा, तव्बाई, धारणाशक्ति, समझ-बूझ, स्मरणशक्ति, हाफ़िज़, दक्षता, कुशलता, होशियारी।

ज़िह्ननशीं (ذہن نشیں) अ फा वि –जो वात समझ में आ गयी हो, चित्त पर चढी हुई वात, हृदयगम, वोधगम्य।

ज़िह्नी (ذہنی) अ वि –हार्दिक, मानसिक, रूहानी।

ज़िह्नीयत (ذہنیت) अ. स्त्री –प्रकृति, स्वभाव, आदत, अत करण, अदरूँ, धारणा, गुमान।

ज़िह्ने रसा (ذہن رسا) अ फा पु –किसी वात को जल्दी समझ लेनेवाला ज़िह्न।

ज़िह्ने सालेह (ذہن صالح) अ पु –अच्छे-बुरे मे पूर्ण विवेक करनेवाला ज़िह्न।

ज़िह्मत (زہمت) अ स्त्री –सडे हुए माँस या मछली की दुर्गंध जो असह्य हो।

ज़ी

ज़ीं (زیں) फा स्त्री –'ज़ीन' का लघुरूप, जो समास में व्यवहृत होता है (अव्य) इससे।

ज़ी (ذی) अ उप –एक उपसर्ग जो सज्ञा से पहले आकर 'वाला' का अर्थ देता है, जैसे–'ज़ीअक्ल' अक्लवाला।

ज़ीअक्ल (ذی عقل) अ वि –वुद्धिवान्, मेधावी, अक्लमद।

ज़ीआवरू (ذی آبرو) अ फा वि –प्रतिष्ठित, सम्मानित, इज़्ज़तदार।

ज़ीइख़्तियार (ذی اختیار) अ वि –जिसे अधिकार प्राप्त हो, प्राप्ताधिकार, जो किसी के अधीन न हो, खुद मुख़्तार, स्वाधीन।

ज़ीइज़्ज़त (ذی عزت) अ वि – दे 'ज़ीआवरू'।

ज़ी इस्तेदाद (ذی استعداد) अ वि –विद्वान्, योग्य, शिक्षित, पढा-लिखा, काविल।

ज़ीक (ضیق) अ वि –तगी, सकोच, सकीर्णता, क्राप्ट, दु ख, क्लेश, मुसीवत।

ज़ीकमाल (ذی کمال) अ वि –गुणवान्, गुणी, हुनरमद।

ज़ीका'दः (ذی قعدہ) अ पु –इस्लामी ग्यारहवाँ महीना।

ज़ीकुन्नफ़स (ضیق النفس) अ पु –दमे की वीमारी, श्वास-कास, श्वास रोग, श्वास कष्ट, उर स्तभ।

जीग़ः (جیغہ) फा पु –पगडी मे वाँधने का एक रत्नजटित आभूषण।

ज़ीज (زیج) फा स्त्री –ज्योतिप की किताव जिसमे ग्रहो की गति का विवरण और दूसरी तफ़्सीलें होती हैं।

ज़ीजाह (ذی جاہ) अ वि –वडे पद या वडी प्रतिष्ठावाला।

ज़ीन (زینہ) फा पु –सोपान, निश्रेणी, सीढी, इमारतो की पक्की सीढियाँ।

ज़ीन (زیں) फा पु –घोडे की पीठ पर कमी जानेवाली काठी, पल्ययन।

ज़ीनत (زینت) अ स्त्री –शृगार, सज्जा, सजावट, शोभा, श्री, रौनक।

ज़ीनतकद. (زینت کدہ) अ फा पु –सुसज्जित और शृगारित मकान कोठी आदि, प्रेयसी का निवासस्थान।

ज़ीनतदिह (زینت دہ) अ फा वि –शोभा वढानेवाला, सुशोभित करनेवाला, ज़ीनत देनेवाला।

ज़ीनते आग़ोश (زینت آغوش) अ फा स्त्री –गोद मे वैठा हुआ, गोद में वैठकर गोद की शोभा वढानेवाला।

ज़ीनते वज़्म (زینت بزم) अ फा स्त्री –सभा मे वैठकर सभा की शोभा को चार चाँद लगानेवाला।

ज़ीनते महफ़िल (زینت محفل) अ स्त्री –दे 'ज़ीनते वज़्म'।

ज़ीनपोश (زیں پوش) फा पु –ज़ीन के ऊपर डालनेवाला कपडा।

ज़ीनसाज़ (زیں ساز) फा पु –ज़ीन वनानेवाला।

जीफ़ (جیفہ) फा पु –मरा हुआ पशु आदि, मुर्दार, मृत, गतप्राण।

जीफ़ख़्वार (جیفہ خوار) अ फा वि –मुर्दा खानेवाला, मृताशी, पूयभुक्।

ज़ीफ़ह्म (ذی فہم) अ वि –वुद्धिमान्, मतिमान, मेधावी, अक्लमद, प्रतिभाशाली, धारणासम्पन्न, ज़हीन, दूरदर्शी, अग्रशोची, पेशवीं।

ज़ीफ़िरासत (ذی فراست) अ वि –दे 'ज़ीफ़ह्म'।

ज़ीबक़ (زیبق) अ पु –पारद, पारा, सीमाव।

जीबाल (ذی بال) अ फा वि–जिसके पर हो, पक्षी, प्रतिष्ठित, मान्य, मुअज़्ज़ज।
जीमर्तबत (ذی مرتبت) अ वि–बडे रुत्बेवाला, प्रतिष्ठावान्, सम्मानित।
जीरः (زیره) फा पु–जीरक, मसाले की एक प्रसिद्ध चीज।
ज़ीर (زیر) फा पु–धीमी आवाज, नीचा स्वर।
जीरए सफ़ेद (زیرۂ سفید) फा पु–श्वेतजीरक, सफेद जीरा।
जीरए सियाह (زیرۂ سیاه) फा पु–कृष्ण जीरक, सुषा, काला ज़ीरा।
ज़ीरक (زیرک) फा वि– प्रवीण, प्रतिभाशाली, धारणावान्, चतुर, होशयार।
ज़ीरकी (زیرکی) फा स्त्री–चातुर्य, दक्षता, कुशलता, प्रवीणता, प्रतिभा, तव्बाई।
ज़ीरुत्बः (ذی رتبه) अ वि–दे 'ज़ीमर्तबत'।
ज़ीरूह (ذی روح) अ वि–प्राणी, जीवधारी, जानदार।
ज़ीरोबम (زیروبم) फा पु–स्वर का उतार-चढाव, षड्ज, निषाद इत्यादि।
जीवः (جیوه) फा पु–पारद, पारा, सीमाब।
ज़ीवक़ार (ذی وقار) अ वि–दे 'ज़ीमर्तबत'।
ज़ीवजाहत (ذی وجاهت) अ वि–दे 'ज़ीमर्तबत'।
ज़ीस्त (زیست) फा स्त्री–जीवन, ज़िंदगी।
ज़ीस्तनी (زیستنی) फा वि–जीने के लाइक़, जिस का जीना आवश्यक हो, जीवनीय।
ज़ीहयात (ذی حیات) अ वि–दे 'ज़ीरूह'।
ज़ीहशम (ذی حشم) अ वि–जिसके पास नौकर चाकर बहुत हो, वैभवशाली।
ज़ीहिस (ذی حس) अ वि–जिसे अपनी बुराई-भलाई का एहसास हो, ख़ुददार, स्वाभिमानी।
ज़ीहैसियत (ذی حیثیت) अ वि–अच्छी हैसियतवाला, धनवान्, धनी, प्रतिष्ठित, मुअज़्ज़ज।
ज़ीहोश (ذی هوش) अ वि–सज्ञावान्, सुचेत, जो होश में हो, बुद्धिमान्, अक्लमद, दूरदर्शी, दूरदेश।

जु

जुंद (جند) अ पु–सेना, फौज, पलटन।
जुंदबेदस्तर (جندبیدستر) फा पु–एक समुद्री ऊदबिलाव के अडकोप का सुखाया हुआ रस जो दवा मे चलता है।
जुंदी (جندی) अ पु–सैनिक, सिपाही, लश्करी, फौजी।
जुंबाँ (جنباں) फा वि–कपायमान, हिलता हुआ (प्रत्य) हिलानेवाला, जैसे—'सिलसिल जुंबाँ' ज़ंज़ीर हिलानेवाला।
जुंबिश (جنبش) फा स्त्री– कप, हिलन, हरकत, टस से मस होने की हालत, गति, चाल।
जुंबीदः (جنبیده) फा वि–हिला हुआ, जुबिश खाया हुआ।
ज़ुअफ़ा (ضعفا) अ पु–'ज़ईफ़' का बहु, निर्बल और अशक्त लोग, दीन, दुखी, बेकस लोग।
ज़ुअमा (زعما) अ पु–'ज़ईम' का बहु, लीडर लोग, नेतागण।
ज़ुअमाए मिल्लत (زعماے ملت) अ पु–राष्ट्र के नेता, कौम के लीडर।
ज़ुआफ़ (ذعاف) अ वि–हालाहल, कालकूट, घातक विष, घातक, जान लेनेवाला।
ज़ुका (ذکا) अ स्त्री–सूर्य, रवि, सूरज, प्रात काल, सबेरा।
ज़ुगाल (زگال) फा पु–बुझा हुआ अगारा, कोयला।
ज़ुग़ाल (زغال) फा पु–दे 'ज़ुगाल'।
ज़ुग़तः (ضغطه) अ पु–सकोच, तगी, कठोरता, सख़्ती।
जुग़ात (جغرات) फा पु–दधि, दही।
जुग़्राफ़ियः (جغرافیه) अ पु–भूगोल, भूगोलशास्त्र।
जुग़्राफ़िय.दाँ (جغرافیه داں) अ फा वि–भूगोल जाननेवाला।
जुग़्राफ़ियःनवीस (جغرافیه نویس) अ फा वि–भूगोल लिखनेवाला।
जुज़ (جز) अ पु–खड, भाग, टुकडा, ग्रथ खड, जिल्द, अध्याय, बाब, अतिरिक्त, अलावा, सिवाय, पुस्तक के सोलह पेज का फार्म, जो पूरा न हो, कम, अधूरा, इस शब्द का शुद्ध रूप 'जुज़्व' है।
जुज़दान (جزدان) अ फा पु–बच्चो की किताबे रखने का बस्ता।
जुज़बंदी (جزبندی) अ फा स्त्री–जिल्दसाजी मे किताब के हर जुज की सिलाई, जिल्दबदी।
जुज़रस (جزرس) अ फा वि–मितव्ययी, कम खर्च, कृपण, कजूस।
जुज़रसी (جزرسی) अ फा स्त्री–खर्च कम करना, मितव्यय, कृपणता, कजूसी।
ज़ुजाज (زجاج) अ पु–काच, काँच, शीशा।
जुज़ाम (جزام) अ पु–कुष्ठ रोग, कोढ।
जुज़ामी (جزامی) अ वि–कुष्ठी कोढी।
जुज़ई (جزئی) अ वि–दे 'जुज़्वी'।
जुज़ईयात (جزئیات) अ पु–किसी बात के तमाम पहलू, छोटी-छोटी बाते।
जुज़्व (جزو) अ पु–दे 'जुज', शुद्ध रूप यही है।

जुज़्वी (جزوی) अ वि –कुल मे से एक जुज़, थोडा, कम।
जुज़्वेला पतजज़्ज़ा (جزولایتجزی) अ पु –वह सूक्ष्म यत्र जिसके फिर टुकडे न हो सकें, त्रसरेणु, अनुरेणु।
जुज़्वेला यन्फक(क्क) (جزولاینفک) अ पु –ऐसा अश जो अपने मूल से पृथक् न हो सके।
जुदा (جدا) फा वि –पृथक्, अलग, भिन्न, मख़्तलिफ, विरहग्रस्त, अन्य, दूसरा।
जुदाई (جدائی) फा स्त्री –पृथक्ता, अलगाव, वियोग, फिराक, वैमनस्य, रजिश।
जुदागान (جداگانہ) फा वि –अलग-अलग, पृथक-पृथक।
जुदै (جدی) अ पु –उत्तरीय ध्रुवतारा, वह ध्रुवतारा जो उत्तरीय ध्रुव के पास है।
जुद्री (جدری) अ स्त्री –शीतला रोग, चेचक।
जुनू (جنوں) अ पु –'जुनून' का लघु, दे 'जुनून', यह रूप यौगिक शब्दो मे हो जाता है।
जुनूंअगेज (جنوں انگیز) अ फा वि –जुनून वढानेवाला, उन्मादवर्द्धक।
जुनूंख़ेज (جنوں خیز) अ फा वि –जुनून पैदा करनेवाला, उन्मादोत्पादक।
जुनूंजौलां (جنوں جولاں) अ फा वि –जुनून वढानेवाला, तीव्र उन्मादक।
जुनूद (جنود) अ पु –'जुद' का वहु, सेनाएँ, फौजें।
जुनून (جنون) अ पु –उन्माद, विक्षिप्तता, पागलपन।
जुनूने इश्क (جنون عشق) अ पु –प्रेमोन्माद, मुहव्वत का पागलपन,—"सुन अय जुनूने इश्क तुझे इसमें क्या मिला ? वरसो जो कोहोदश्त घुमाया किया मुझे।"
जुनैद (جنید) अ पु –वगदाद के एक वहुत वडे ऋषि।
जुन्नार (زنار) अ पु –यज्ञोपवीत, जनेऊ।
जुन्नारगुसिस्त (زنارگسستہ) अ फा वि –जिसने जनेऊ तोड डाला हो, जो हिंदू धर्मभ्रष्ट हो गया हो।
जुन्नारदार (زناردار) अ फा वि –जनेऊ धारण करनेवाला, हिंदू।
जुन्नारपोश (زنارپوش) अ फा वि –दे 'जुन्नारदार'।
जुन्नारबद (زناربند) अ फा वि –दे 'जुन्नारदार'।
जुन्नून (ذوالنون) अ पु –हज्रत यूनुस की उपाधि, आपको मछली निगल गयी थी।
जुफ्त (جفت) फा पु –जोडा, युग्म, युगल, वह सख्या जो दो से वँट जाय, समसख्या, जूता, पादुका।
जुफ्तक (جفتک) फा पु –चकवा-चकवी, सुर्खाव का जोडा।
जुफ्तफरोश (جفت فروش) फा वि –जूते वेचनेवाला।
जुफ्तसाज (جفت ساز) फा वि –जूता वनानेवाला, शू-मेकर।
जुफ्ती (جفتی) फा स्त्री –पशुओ आदि का मैथुन।
जुफ्र (ظفر) अ पु –नख, नाखून।
जुबानः (زبانہ) फा पु –आग की लपट, अग्नि-शिखा, तराजू की डडी के वीच का डोरा, दे 'जवान', दोनो शुद्ध है।
जुबान (زبان) फा स्त्री –दे 'जवान', दोनों शुद्ध है।
जुबाना (زبانا) अ पु –सोलहवॉ नक्षत्र, विशाखा।
जुबाब (ذباب) अ स्त्री –मक्षिका, मक्खी।
जुबुन (جبن) अ पु –फाडे हुए दूध का खोवा या पनीर, दे 'जुब्न न० २'।
जुबूल (ذبول) अ पु –क्षीणता, दुर्वलता, लागरी, मलिनता, खिन्नता, अफ्सुर्दगी।
जुब्द (زبدہ) अ पु –सार, तत्त्व, खुलासा, नवनीत, मक्खन, शिरोमणि, सरताज।
जुब्दतुलहुकमा (زبدۃالحکما) अ पु –चिकित्सको मे शिरोमणि, वैज्ञानिको मे सर्वश्रेष्ठ।
जुब्न (جبن) अ पु –भीरुता, कायरता, डरपोकपन, फटे हुए दूध का मावा, पनीर, दे 'जुवुन'।
जुब्ब (جبہ) अ पु –लवा अँगरखा, चुगा।
जुब्ब पोश (جبہ پوش) अ फा वि –चुगा पहननेवाला, चुगा पहने हुए।
जुब्र (زبر) अ पु –ग्यारहवाँ नक्षत्र, पूर्वा फाल्गुनी।
जुमल (جمل) अ पु –अवजद के अक्षरो का हिसाव, अवजद के अक्षर।
जुमादल उख़्रा (جمادی الاخری) अ पु –इस्लामी छठा महीना।
जुमादलऊला (جمادی الاولی) अ पु –इस्लामी पाँचवाँ महीना।
जुमान (جمان) अ पु –मोती, मुक्ता, मोती के आकार की चाँदी की घुडियाँ।
जुमाम (جمام) अ पु –वर्तन का पानी से लवालव भर जाना।
जुमुअ (جمعہ) अ पु –शुक्रवार, दे 'जुम्अ' दोनो तरह शुद्ध है।
जुमुख़्त (زمخت) फा पु –वरवटा, कसैला, ऐसा स्वाद जैसा हड का होता है।
जुमुर (ضمر) अ पु –दुवलेपन की वजह से पेट का पीठ से चिपक जाना।
जुमुर्रुद (زمرد) फा पु –एक हरे रग का रत्न, पन्ना।
जुमूद (جمود) अ पु –जमना, जम जाना (पानी आदि का), खिन्नता, मलिनता, अफ्सुर्दगी, ठप हो जाना, गत्यावरोध, डैडलाक।

जुसूर (جسور) अ पु–दुबलापन, क्षीणता, लागरी।

जुमुअः (جمعه) अ पु–शुक्रवार, दे 'जुमुअ.', दोनो उच्चारण सही है।

जुम्जुमः (جمجمه) अ पु–कपाल, भगाल, खोपड़ी।

जुम्रः (زمره) अ पु–दल, यूथ, जत्था, पार्टी।

जुम्र (جمر) अ पु–दे 'जुमूर।

जुम्रए अहबाब (زمرۂ احباب) अ पु–मित्रमडली, मित्रगण, दोस्तो की पार्टी।

जुम्लः (جمله) अ पु–समस्त, समग्र, सब, सर्व; वाक्य, शब्दसमूह, फिक्र।

जुमलए इंशाइयः (جملۂ انشائیه) अ पु–दे 'जु इस्मिय'।

जुम्लए इस्तिफ़्हामिय. (جملۂ استفهامیه) अ पु–ऐसा वाक्य जिसमे प्रश्न हो।

जुम्लए इस्मियः (جملۂ اسمیه) अ पु–ऐसा वाक्य जिसमे क्रिया न हो, सज्ञात्मक वाक्य।

जुम्लए खबरीयः(جملۂ خبریه)अ पु–दे 'जु० इस्मिय।'

जुम्लए मो'तरिज़ः (جملۂ معترضه) अ पु–इबारत या तक्रीर के बीच मे ऐसा वाक्य, जो किसी दूसरी बात से सम्बन्धित हो और मूल विषय से उसका कोई सम्बन्ध न हो।

जुम्लगी (جملگی) अ फा वि–सर्वत्व, समस्तत्व, पूर्णता, सारापन।

जुम्हूर (جمهور) अ पु–सर्वसाधारण, जनसाधारण, जनता, अवाम।

जुम्हूरियत (جمهوریت) अ स्त्री–गणतत्र, जनतत्र, प्रजातत्र।

जुम्हूरी (جمهوری) अ वि–सार्वजनिक, सार्वजनीन।

जुरफा (ظرفا) अ पु–'ज़रीफ' का बहु, हँसोड लोग।

जुम्हूरे अनाम (جمهور انام) अ वि–जन साधारण, अवामुन्नास।

जुरात (ضراط) अ पु–तीव्र, तेज़, वह अपान वायु जो शब्द के साथ निकले।

जुरूफ (ظروف) अ पु–जर्फ का बहु, बर्तन-भाँडे।

जुराफ (زراف) अ पु–ऊँट के बराबर एक जगली जानवर जिसकी पीठ चित्तीदार होती है, दे 'ज़राफ', दोनो शुद्ध है।

जुर्अ. (جرعه) अ पु–एक घूंट, इतना पानी आदि जो एक बार मे पिया जाता है।

जुर्अ कश (جرعه کش) अ फा वि–घूंट-घूंट करके पीनेवाला, मदिरा पीनेवाला, मद्यप।

जुर्अःकशी (جرعه کشی) अ फा स्त्री–घूंट-घूंट करके पीना; मदिरा पीना, शराबनोशी।

जुर्अःनोश (جرعه نوش) अ फा वि–दे 'जुर्अ कश'।

जुर्अएमय (جرعۂ مے) अ फा वि–मदिरा का घूंट।

जुर्अत (جرأت) अ. स्त्री–साहस, हिम्मत, उत्साह, उमग, हौसला, धृष्टता, दु साहस, बेबाकी।

जुर्अतअफजा (جرأت افزا) अ फा वि–साहसवर्द्धक, हिम्मत बढानेवाला।

जुर्अतआजमा (جرأت آزما) अ फा वि–हिम्मत की परीक्षा करनेवाला, यह देखनेवाला कि अमुक काम हो सकेगा या नही।

जुर्अतआजमाई (جرأت آزمائی) अ फा स्त्री–हिम्मत की परीक्षा, ताकत का इम्तिहान।

जुर्अतमंद (جرأت مند) अ फा वि–साहसी, उत्साही, हिम्मती, आरभट।

जुर्अतमंदानः (جرأت مندانه) अ फा अव्य–साहसपूर्ण, हिम्मत से भरा हुआ।

जुर्अतमदी (جرأت مندی) अ फा स्त्री,–उत्साहशीलता, साहसपरता, हौसलामदी।

जुर्त (ذرت) फा स्त्री–एक प्रसिद्ध अन्न, ज्वार, दे 'जुर्रत', दोनो शुद्ध है।

जुर्फीन (زرفین) अ पु–दे 'ज़िर्फीन' दोनो शुद्ध है।

जुर्म (جرم) अ पु–अपराध, दोष, कुसूर, आरोप, लाछन, इत्तिहाम।

जुर्म ना कर्दः (جرم ناکرده) अ फा वि–जिसने अपराध न किया हो, अकृतापराध।

जुर्मानः (جرمانه) अ फा पु–वह सजा जो धन के रूप मे दी जाय, अर्थदड।

जुर्रः (ذره) अ स्त्री–ज्वार एक अन्न।

जुर्रः (جره) फा. पु–नर बाज़, श्येन, बाज़ का नर जुर्र होता है और माद बाज़।

जुर्रः (ضره) अ स्त्री–सौकन, सौत।

जुर्रत (ذرت) फा स्त्री–एक अन्न, ज्वार, दे 'जुर्त'।

जुर्राफः (زرافه) अ पु–दे 'जुराफ'।

जुर्राब (جراب) अ पु–मोज़ा।

जुर्रीयत (ذریت) अ स्त्री–सतान, बाल-बच्चे, हाली-मवाली, पिछलग्गू।

जुरूंह (ذروح) अ पु–भ्रमर के आकार का एक लाल रग का विषैला कीडा जिसके परो पर काली बुदकियाँ होती है। यह कीडा दवा में काम आता है और शरीर मे छाला डालता है, इसे 'जरारीह' कहते है जो इसका बहुवचन है।

ज़ुर्ब. (ذروہ) अ पु –शृंग, चोटी, ऊँचा स्थान, शिरोमणि, सर्वश्रेष्ठ।

जुर्ह (جرح) अ पु –घाव, क्षत, जख़्म।

ज़ुलम (ظلم) अ पु –'ज़ुल्मत' का बहु, अँधेरे।

ज़ुलल (ظلل) अ पु –'ज़ुल्ल' का बहु, बहुत-से सायवान।

ज़ुलाल (زلال) अ पु –स्वच्छ और शीतल पानी, निथरा हुआ पानी, एक-दो इच लबे कीडे जिन्हें निचोडने से बहुत ही ठडा पानी निकलता है।

ज़ुलुमात (ظلمات) अ पु –'ज़ुल्मत' का बहु, अँधेरे, अधकार-समूह।

जुलूस (جلوس) अ पु –बैठना, राजा आदि का गद्दी पर बैठना, समारोह के साथ गश्त, उत्सव यात्रा, शोभा-यात्रा, चल समारोह।

ज़ुलैख़ा (زليخا) अ स्त्री –मिस्र के नरेश 'अज़ीज़' की स्त्री, जो हज़्रत यूसुफ पर मुग्ध हो गयी थी।

ज़ुल्क़र्नैन (ذوالقرنين) अ पु –सम्राट् सिकदर की उपाधि, जिसके दोनो कधो पर बालो की लटें पडी रहती थी।

ज़ुल्जनाह (ذوالجناح) अ पु –हज़्रत इमाम हुसैन का घोडा, बहुत तेज चलने के कारण 'परोवाला घोडा' कहलाता था।

ज़ुल्जलाल (ذوالجلال) अ पु –तेज और प्रतापवाला, अर्थात् ईश्वर।

ज़ुल्फ (زلف) फा स्त्री –केशपाश, बालो की लट, कनपटी के पासवाले बाल, अलक, केश, बाल।

ज़ुल्फ़क़ार (ذوالفقار) अ स्त्री –हज़्रत अली की तलवार, जो बद्र के युद्ध में उन्हे रसूल ने प्रदान की थी।

ज़ुल्फबदोश (زلف بدوش) फा वि –कधो पर बाल बिखेरे हुए।

ज़ुल्फीन (زلفين) फा स्त्री –शृखला, ज़जीर।

ज़ुल्फ़ुनून (ذوالفنون) अ वि –बहुत से गुणो का ज्ञाता।

ज़ुल्फे दराज़ (زلف دراز) अ स्त्री –लबी ज़ुल्फ, बालो की लबी लट।

ज़ुल्फेपरीशाँ (زلف پریشاں) फा स्त्री –बिखरी हुई ज़ुल्फ, बिखरे हुए बाल।

ज़ुल्फेपुरख़म (زلف پرخم) फा स्त्री –घुघराले बाल।

ज़ुल्फेबरहम (زلف برهم) फा स्त्री –बिखरे हुए बाल।

ज़ुल्फेरसा (زلف رسا) फा स्त्री –लबी ज़ुल्फ़ जो कमर से नीचे तक हो।

ज़ुलबह्रैन (ذوالبحرين) अ वि –ऐसा शेर जो कई बह्रो मे पढा जा सके।

ज़ुल्म (ظلم) अ पु –अत्याचार, कमज़ोर को सताना, अन्याय, बेइसाफी करना, किसी का हक मारना, नदी मे पानी की बाढ, बलात्, जबरदस्ती।

ज़ुल्मत (ظلمت) अ स्त्री –अधकार, तम, तिमिर, अँधेरा, तारीकी।

ज़ुल्मतआबाद (ظلمت آباد) अ फा पु –बहुत ही अँधेरी जगह, ससार, दुनिया।

ज़ुल्मतकद· (ظلمت کدہ) अ फा पु –जहाँ अँधेरा ही अँधेरा हो, ससार, दुनिया।

ज़ुल्मदोस्त (ظلم دوست) अ फा वि –जो अत्याचार करना पसद करता हो, अन्यायप्रिय।

ज़ुल्मपर्वर (ظلم پرور) अ फा वि –अत्याचारी, अन्यायी, जिसके राज्य में अत्याचार का पालन-पोषण होता हो।

ज़ुल्मरसीद· (ظلم رسیدہ) अ फा वि –जिस पर अत्याचार हुआ हो, नृशसित, अत्याचार-पीडित।

ज़ुल्मशिआर (ظلم شعار) अ वि –जिसके स्वभाव में ही अत्याचार हो, अन्यायप्रकृति।

ज़ुल्मात (ظلمات) 'ज़ुलमत' का बहु, अँधेरे, वह घोर अधकार जो सिकदर को अमृतकुड तक पहुँचने में पडा था।

ज़ुलमिनन (ذوالمنن) अ वि बहुत अधिक ने'मतें देनेवाला, ईश्वर।

ज़ुल्ल (ظلہ) अ पु –धूप से बचानेवाली चीज़, सायवान, छज्जा।

जुल्लाब (جلاب) अ पु –रेचक, विरेचक, दस्तावर दवा।

जुवार (جوار) अ पु –पडोस, प्रतिवेश, हमसायगी, आसपास, चारो ओर।

जुशाद (جوشاندہ) फा पु –औटाई हुई दवा का पानी।

जुशा (جشا) अ स्त्री –डकार, धूम, उद्गार।

जुस्त (جست) फा स्त्री –दे 'जुस्तजू'।

जुस्तजू (جستجو) फा स्त्री –तलाश, मार्गण, गवेषणा।

जुस्तोजू(जुस्तुजू) (جست وجو) फा स्त्री –दे 'जुस्तजू'।

जुस्स (جثہ) अ पु –देह, शरीर, जिस्म।

ज़ुहल (زحل) अ पु –एक ग्रह शनि।

जुहला (جہلا) अ पु –जाहिल का बहु, जाहिल लोग।

ज़ुहक· (ضحوکہ) अ पु –हास्यास्पद, उज्जूहक।

ज़ुहूक (زهوق) अ पु –विनाश, नाश, नापैदी, निशान चुकना।

ज़ुहक (ضحکہ) जिस पर सब लोग हँसे, हास्यास्पद, हास्य।

ज़ुहूर (ظہور) अ पु –प्रकट, ज़ाहिर होना, उत्पत्ति, पैदाइश, आविर्भाव, अवतार।

ज़ुह्द (زهد) अ पु –इद्रिय-निग्रह, सयम, मनोगुप्ति, मुनिवृत्ति, पारसाई, परहेज़गारी, इत्तिक़ा।

जुह्द (جهد) अ पु—शक्ति, वल, ताकत, प्रयत्न, पराक्रम, कोशिश।

जुह्दशिआर (زهدشعار) अ वि—सयमी, यतेंद्रिय, जितेंद्रिय, सयतेंद्रिय।

जुह्ल: (زهره) अ स्त्री—एक ग्रह, शुक्र।

जुह्ल.जबीं (زهرهجبیں) अ फा वि—उज्ज्वल ललाट, शुभ्र भाल, सुन्दरी, चद्रमुखी, माहरू।

जुह्ल:नवा (زهرهنوا) अ फा वि—वहुत सुन्दर और मधुर स्वरवाली स्त्री।

जुह्ल रुख (زهرهرخ) अ फा वि—दे 'जुह्ल जवीं'।

जुह्ल.शमाइल (زهرهشمائل) अ वि—दे 'जुह्ल जवीं'।

जुह्ल (ظہر) अ स्त्री—दोपहर की नमाज़ का वक्त।

जुह्हाद (زهاد) अ पु—'ज़ाहिद'का वहु जाहिद लोग।

जुह्हाल (جہال) अ पु—'जाहिल' का वहु, जाहिल लोग।

जू

जू (جو) फा स्त्री—नदी, छोटी नदी, नहर, कुल्या; स्रोत, सोता, चश्मा।

जू (ذو) अ. उप—वाला के अर्थ मे आता है, जैसे—'जू-माना' कई अर्थवाला।

जूअ (جوع) अ स्त्री—भूख, क्षुधा, वुभुक्षा।

जूउलअर्ज़ (جوع الارض) अ स्त्री—ज़मीन की भूख, राज वढाने का हौका।

जूउलकल्व (جوع الکلب) अ स्त्री—एक रोग जिससे पेट भरा होने पर भी सारे अग भूखे होते हैं।

जूउलवकर (جوع البقر) अ स्त्री—एक रोग जिसमे कितना भी खाया जाय भूख नही जाती।

जूएखू (جوےخوں) फा स्त्री—रक्त की नदी।

जूएशीर (جوےشیر) फा स्त्री—दूध की नहर, जो फर्हाद शीरीं के लिए निकालना चाहता था।

जूक (جوق) तु स्त्री—समूह, झुड, गिरोह।

जूक दर जूक (جوق درجوق) तु फा वि—झुड के झुड, गिरोह के गिरोह, वहुत अधिक भीड।

जूजसदैन (ذوجسدین) अ वि—दो शरीरोवाला, मिथुन राशिवाला, वुध ग्रह, जिसका घर कन्याराशि है।

जूज़ुनाव. (ذوذنابه) अ पु—वह पुच्छल तारा जिसकी पूँछ पूरव की ओर हो।

जूज़ुवाब (ذوذوابه) अ. पु—वह पुच्छल तारा जिसकी पूँछ पच्छिम की ओर हो।

जूद (جود) अ पु—दानशीलता, वदान्यता, सख़ावत, वख़्शिश।

ज़ूद (زود) अ वि—शीघ्र, त्वरित, तुरत, जल्दी।

ज़ूदअसर (زوداثر) फा अ वि—तुरत असर करनेवाली ओपधि, शीघ्रकारी।

ज़ूदआश्ना (زودآشنا) फा वि—वहुत जल्द घुल-मिल जानेवाला, जल्दी दोस्त वन जानेवाला, आशुमित्र।

ज़ूदखेज़ (زودخیز) फा वि—फुर्तीला, चुस्तोचालाक।

ज़ूदगो (زودگو) फा वि—जल्द शे'र कहनेवाला, शीघ्रकवि, उपस्थित कवि, उपस्थित वक्ता, आशु कवि।

ज़ूदगोई (زودگوئی) फा स्त्री—तुरत कविता करने की क्रिया, आशुकविता करना।

ज़ूदतर (زودتر) फा वि—शीघ्रतर, वहुत जल्द।

ज़ूदनवीस (زودنویس) फा वि—जल्द लिखनेवाला, त्वरालेखक।

ज़ूदनवीसी (زودنویسی) फा स्त्री—जल्द लिखना, त्वरालेखन।

ज़ूदपशेमाँ (زودپشیماں) फा वि—अपनी भूल पर वहुत जल्द पछतानेवाला।

ज़ूदफह्म (زودفہم) फा अ वि—जल्द वात समझ जानेवाला, शीघ्रवुद्धि।

ज़ूदवूद (زودبود) फा वि—अपार, असीम, वेहद, अनुचित, वेजा।

ज़ूदरंज (زودرنج) फा वि—किसी वात पर जल्द वुरा मान जानेवाला, आशुरोप।

ज़ूदरंजी (زودرنجی) फा स्त्री—जल्द वुरा मान जानेवाला।

ज़ूदरफ़्तार (زودرفتار) फा वि—तेज़ चलनेवाला, शीघ्रगामी, द्रुतगामी।

ज़ूदरफ़्तारी (زودرفتاری) फा स्त्री—तेज़ चलना, शीघ्र गमन।

ज़ूदरस (زودرس) फा वि—जो किसी वात की तह तक तुरत ही पहुँच जाय, कुशाग्रवुद्धि।

ज़ूदरसी (زودرسی) फा स्त्री—किसी वात की तह तक शीघ्र पहुँच जाना।

ज़ूदसेर (زودسیر) फा वि—किसी वात से शीघ्र ही उकता जानेवाला, जिसका पेट जल्द भर जाय।

ज़ूदसेरी (زودسیری) फा स्त्री—किसी वात से जल्द उकता जाना, जल्द पेट भर जाना।

ज़ूदहज़्म (زودهضم) फा अ वि—शीघ्र पच जानेवाला खाद्य पदार्थ, लघु पाक।

ज़ूदहज़्मी (زودهضمی) फा अ स्त्री—खाद्य पदार्थ का जल्द पच जाना।

जूदी (جودی) अ पु—वह पहाड जिस पर हज़्रत नूह की किश्ती जाकर ठहरी थी।
ज़ूदी (زودی) फा स्त्री—शीघ्रता, जल्दी।
ज़ूनाब (ذوناب) अ पु—फाड खानेवाले दरिंदे, श्वापद, व्याघ्र, हिंसक प्राणी।
ज़ूफ़ा (زوفا) फा पु—एक घास जो दवा में काम आती है।
ज़ूफ़ुनून (ذوفنون) अ वि—बहुत-से हुनर जाननवाला, बहुगुना, वेत्ता।
ज़ूबह्रैन (ذوبحرین) अ वि—वह शे'र जो दो बह्रों में पढा जा सके।
ज़ूमा'ना (ذومعنی) अ वि—वह शब्द, वाक्य या शे'र जिसके दो अर्थ हो।
ज़ूमानी (ذومعنی) अ वि—दे 'ज़ूमा'ना' दोनो शुद्ध है।
ज़ूर (زور) फा पु—छल, कपट, फिरेब।
ज़ूरोमक्र (زورومکر) फा अ पु—छल और कपट, वचकता और ठगी।
जूलाँ (جولاں) फा स्त्री—जूलान का लघु, दे 'जूलन'।
जूलान (جولان) फा स्त्री—वह जजीर जो वदियो को पहनायी जाती है, वेडी।
ज़ूलुबाब (ذولباب) अ वि—वुद्धिमान्, मेवावी, अक्लमद।

जे

ज़े'ब (ذئب) अ पु—भेडिया, वृक।
जेव (جیب) अ स्त्री—वह थैली जो कुर्ता या अचकन आदि मे रुपया आदि रखने की होती है, पाकेट, खलीता।
जेवखर्च (جیب خرچ) अ फा पु—वह खर्च जो खाने-पीने के अतिरिक्त दूसरे निजी कामो के लिए हो।
जेवतराश (جیب تراش) अ फा वि—जेव काटनेवाला, गिरहकट, ग्रथि-मोचक, ग्रथिच्छेदक, पाकेटमार।
जेबतराशी (جیب تراشی) अ फा स्त्री—जेव काटना, गिरिहकटी करना, पाकेटमारी।
ज़ेबा (زیبا) फा वि—सुन्दर, मनोरम, मनोज्ञ, दिलकश, शोभनीय, श्रीमान्, वारौनक, ललित, सूक्ष्म, लतीफ।
ज़ेबाअदाम (زیبااندام) फा वि—सुडौल और सुन्दर शरीरवाला (वाली) शोभनाग, शोभनागना।
ज़ेबाइश (زیبائش) फा स्त्री—सज्जा, शृगार, सजावट।
ज़ेबाई (زیبائی) फा स्त्री—दे 'ज़ेबाइश'।
ज़ेबाक़ामत (زیباقامت) फा अ वि—दे 'ज़ेबा-कामत'।
ज़ेबाकामती (زیباقامتی) फा अ स्त्री—शरीर का साँचे में ढला होना, अगसौष्ठव।
ज़ेबातल्अत (زیباطلعت) फा अ वि—जिसकी मुखाकृति अत्यन्त सुन्दर हो, ललित, कात।
ज़ेबारू (زیبارو) फा वि—जिसका चेह्रा-मोह्रा वहुत ही सुन्दर और प्यारा हो।
ज़ेबाशमाइल (زیباشمائل) फा अ वि—जिसका स्वभाव वहुत ही सुन्दर और सुशील हो।
ज़ेबिंद: (زیبندہ) फा वि—अच्छा लगनेवाला, छजनेवाला, शोभा देनेवाला।
ज़ेबीद: (زیبیدہ) फा वि—सुशोभित, ललित, सुन्दर।
ज़ेबीदनी (زیبیدنی) फा वि—छजने योग्य, शोभा देने योग्य।
ज़ेबोज़ीनत (زیب وزینت) फा अ स्त्री—वनाव-सिंगार, वेशभूषा, ठाट-वाट, शृगार और सजावट।
ज़ेबोज़ैन (زیب وزین) फा अ स्त्री—दे 'ज़ेबोज़ीनत'।
ज़ेरदाज़ (زیرانداز) फा पु—किसी चीज़ की हिफाज़त के लिए उसके नीचे विछाया जानेवाला कपडा, कालीन, फर्श।
ज़ेर (زیر) फा वि—उर्दू में 'इ' की मात्रा (ِ), निम्न, नीचे, निर्वल, नाताकत, परास्त, पराजित, मग्लूव, नि सहाय, निराश्रय, वेकस, अधीन, तावे'।
ज़ेर अदाज़ (زیرانداز) फा पु—दे 'ज़ेरदाज', शुद्ध उच्चारण वही है।
ज़ेरअफ़्गन (زیرافگن) फा पु—दे 'ज़ेरफ्गन', अधिक शुद्ध उच्चारण वही है।
ज़ेरचाक़ (زیرچاق) फा वि—अधीन, तावे'दार, जिसे गुदा मैथुन कराने का व्यसन हो, कोनी।
ज़ेरजाम (زیرجامہ) फा पु—कमर से नीचे पहनने का कपडा, अधोवस्त्र, वह कपडा जो ज़ीन के नीचे घोडे की पीठ पर डाला जाता है।
ज़ेरदस्त (زیردست) फा वि—अधीन, वशीभूत, तावे', दीन, दु खी, असहाय।
ज़ेरदस्ती (زیردستی) फा स्त्री—अधीनता, मातहती, दीनता, नि सहायता।
ज़ेरफ्गन (زیرافگن) फा पु—दरी, तोशक, भैरव राग।
ज़ेरबद (زیربند) फा पु—घोडे के पेट पर कसा जाने-वाला तस्मा।
ज़ेरबार (زیربار) फा वि—जो वोझ के नीचे दवा हो, ऋणी, कर्जदार, आभारी, एहसानमद।
ज़ेरबारी (زیرباری) फा स्त्री—कर्ज का वोझ, ऋणभार, एहसान का वोझ, कृतज्ञता।
ज़ेरा (زیرا) फा अव्य—क्योंकि, किसलिए, इसलिए।
ज़ेराव (زیراب) फा स्त्री—ज़मीदोज़ नाली, ज़मीन के अदर के नल।

ज़ेरीं (زیریں) फा वि –निम्नगत, नीचेवाला।

ज़ेरेअसर (زیراثر) फा अ वि –जो किसी के प्रभाव मे हो; जो किसी के अधीन हो।

ज़ेरेआब (زیرآب) फा वि –वह ज़मीन जो पानी मे डूब गयी हो, पानी के भीतर।

ज़ेरेआस्माँ (زیرآسما) फा वि –आकाश के नीचे, अर्थात् सारे संसार में।

ज़ेरेइस्तेमाल (زیراستعمال) फा अ वि –प्रयोग आ रही हुई वस्तु, सेवन की जानेवाली ओषधि।

ज़ेरेक़दम (زیرقدم) फा अ वि –पाँव के तले, सुगम, सहल।

ज़ेरेख़ाक (زیرخاک) फा वि –मिट्टी के भीतर अर्थात् क़ब्र मे।

ज़ेरेग़ौर (زیرغور) फा अ वि –जिस पर गौर हो रहा हो, विचाराधीन।

ज़ेरेतज्वीज़ (زیرتجویز) फा अ वि –जिस पर निर्णय के लिए विचार किया जा रहा हो, निर्णयाधीन।

ज़ेरेतन्क़ीद (زیرتنقید) फा अ वि –जिस पर आलोचना लिखी जा रही हो।

ज़ेरेतस्नीफ़ (زیرتصنیف) फा अ वि –जिसकी रचना की जा रही हो।

ज़ेरेता'मीर (زیرتعمیر) फा अ वि –जो बनाया जा रहा हो, जिसका निर्माण हो रहा हो।

ज़ेरेतालीफ़ (زیرتالیف) फा अ वि –जिसका संपादन हो रहा हो, जो लिखा जा रहा हो।

ज़ेरेनगीं (زیرنگیں) फा वि –शासनाधीन, मातहत देश या प्रदेश।

ज़ेरेनाफ़ (زیرناف) फा पु –उपस्थ, कटि देश, पेडू।

ज़ेरेमश्क़ (زیرمشق) फा अ वि –जिस पर किसी काम की मश्क़ की जाय अर्थात् हाथ साफ किया जाय, ऐसा व्यक्ति जो किसी विवशता के कारण किसी का हर एक काम करने को बाध्य हो, वह लडका जिसका किसी पुरुष के साथ अप्राकृतिक सम्बन्ध हो।

ज़ेरेराँ (زیرراں) फा वि –रान के नीचे, काबू मे, सवारी मे।

ज़ेरेलब (زیرلب) फा वि –ओठो में, वह बात जो ओठो-ओठो मे हो।

ज़ेरेसाय (زیرسایہ) फा वि –किसी का आश्रित, किसी की छत्रछाया मे।

ज़ेरेहुकूमत (زیرحکومت) फा अ वि –दे 'ज़ेरेनगीं'।

ज़ेरोज़बर (زیروزبر) फा वि –तले-ऊपर, उथल-पुथल, अस्त-व्यस्त।

ज़ेरोबाला (زیروبالا) फा वि –दे 'ज़ेरोज़बर'।

ज़ेवः (جیوہ) फा पु –पारा, सीमाब।

ज़ेवर (زیور) फा पु –आभूषण, आभरण, भूषण, अलंकार, गहना।

ज़ेवरात (زیورات) फा पु –'ज़ेवर' का बहु, बहुत-से आभूषण, गहने।

ज़ेह्न (ذہن) अ पु –प्रतिभा, तब्बाई, बुद्धि, समझ, स्मरण शक्ति, याददाश्त।

ज़ेह्नीयत (ذہنیت) अ स्त्री –धारणा, विचार, प्रकृति, स्वभाव।

ज़ेह्नेरसा (ذہن رسا) अ फा पु –बात की तह को पहुँचनेवाला ज़ेहन।

ज़ेहगीर (زہگیر) फा पु –वह अँगूठी जो तीर चलानेवाले उँगली की रक्षा के लिए पहनते हैं।

ज़ै

ज़ैअः (ضیعہ) अ स्त्री –नष्ट होना, व्यापार, उद्योग, खेती की भूमि।

ज़ैअ (ضیع) अ पु –नष्ट होना, मरना।

ज़ैग़म (ضیغم) अ पु –व्याघ्र, सिंह, शेर।

ज़ैग़मशिकार (ضیغم شکار) अ फा वि –सिंह का शिकार करनेवाला, बहुत बहादुर।

ज़ैत (زیت) अ पु –दे 'ज़ैतून'।

ज़ैतून (زیتون) अ पु –एक प्रसिद्ध बीज जिसका तेल निकलता है और दवा मे काम आता है, उन बीजो का तेल।

ज़ैद (زید) अ पु –अमुक व्यक्ति के लिए व्यवहृत शब्द।

ज़ैदी (زیدی) अ वि –शीओ का एक वंश।

ज़ैन (زین) अ स्त्री –सज्जा, शृंगार, सजावट।

ज़ैनब (زینب) अ स्त्री –हज़रत इमाम हुसैन की बहन जिन्होने उनकी शहादत के पश्चात् बड़ी वीरता से 'यज़ीद' के शासन की बुराइयो का पर्दाफाश किया था।

ज़ैफ़ (ضیف) अ पु –आगंतुक, अतिथि, मेहमान।

ज़ैफ़ (زیف) अ पु –रुपया या अशरफी का खोटापन।

ज़ैब (جیب) कुर्ते या अचकन आदि का गला, गिरीबान।

ज़ैयान (طیبان) अ पु –जंगली चमेली, शहद, मधु।

ज़ैयिद (جید) अ वि –धुरंधर, प्रचंड, बहुत बडा (विद्वान्), खरा, अच्छा, जो खोटा न हो।

ज़ैल (ذیل) अ पु –दामन, कुर्ते आदि का नीचे लटकनेवाला भाग, निम्न, नीचे।

ज़ैलदार (ذیلدار) अ फा पु –एक निम्न कोटि का राजकर्मचारी।

जैली (ذیلی) अ वि —तुफ़ैली, जो किसी के साथ हो।
जैश (جیش) अ पु —सेना, फौज, हाँडी का उवाल, हृदय का वेग।
जैशे मलाइकः (جیش ملائکہ) अ पु —फिरिश्तो की सेना, देवताओ की फौज।
जैहून (جیحون) अ पु —मध्य एशिया की एक नदी जो 'वलख' के किनारे वहती है।

जो

जोइंदः (جوئندہ) फा वि —ढूँढनेवाला, तलाश करनेवाला, खोजी, जिज्ञासु।
जोईदः (جوئیدہ) फा वि —ढूँढा हुआ, खोजा हुआ।
जोईदनी (جوئیدنی) फा वि —ढूँढने योग्य, खोजने लाइक।
जोग़न (جوغن) फा स्त्री —ओखली, उलूखल।
जो'फ (ضعف) अ पु —निर्वलता, कमज़ोरी, वीमारी की कमज़ोरी, दीनता, वेकसी।
जो'फे आ'साब (ضعف اعصاب) अ पु —शरीर के पट्ठो की कमजोरी।
जो'फे इश्तिहा (ضعف اشتہا) अ पु —भूख की कमी, मदाग्नि।
जो'फे एतिक़ाद (ضعف اعتقاد) अ पु —आस्था या एतिकाद की कमी, निष्ठामाद्य।
जो'फे कल्व (ضعف قلب) अ पु —दिल की कमज़ोरी, हृदय-दौर्वल्य।
जो'फे जिगर (ضعف جگر) अ फा पु —एक रोग जिसमें यकृत् अपना कर्तव्य पूरे तौर पर पूरा नही करता।
जो'फे दिमाग़ (ضعف دماغ) अ पु —स्मरण-शक्ति की कमी, समझ-बूझ की कमी।
जो'फे दिल (ضعف دل) अ फा पु —दे 'जो फे कल्व'।
जो'फे नजर (ضعف نظر) अ पु —दृष्टि की कमज़ोरी, कम दिखाई पडना, नेत्र-दुर्वलता।
जो'फे बसर (ضعف بصر) अ पु —दे जो'फे नजर।
जो'फे बसारत (ضعف بصارت) अ पु —दे 'ज़ोफे नज़र।'
जो'फे बाह (ضعف باہ) अ फा पु —काम शक्ति में कमी, काम-दौर्वल्य।
जो'फे मसान (ضعف مثانہ) अ पु —मूत्राशय की नसो की शिथिलता, जिससे पेशाव जल्दी-जल्दी होता है।
जो'फे मे'दः (ضعف معدہ) अ पु —पाचन-शक्ति की कमी, मदाग्नि, अग्निमाद्य।
जो'फे हाज़िमः (ضعف هاضمہ) अ पु —अग्निमाद्य, पाचन-शक्ति में कमी।
जो'फे हाफिज़ः (ضعف حافظہ) अ पु —स्मरण-शक्ति की कमी।
जो'म (زعم) अ पु —धारणा, गुमान, खयाल, अहकार, अभिमान, घमड।
जो'मे वातिल (زعم باطل) अ पु —गलत गुमान, कुधारणा, झूठा घमड।
जोयां (جویاں) फा वि —ढूँढता हुआ, तलाश करता हुआ।
जोया (جویا) फा वि —ढूँढनेवाला, खोजी।
जोयानीदः (جویانیدہ) फा वि —ढुँढवाया हुआ।
जोर (زور) फा पु —वल, शक्ति, ताकत, वश, वस, कावू, प्रयत्न, कोशिश, अनीति, अत्याचार, ज़वर्दस्ती, आश्रय, सहारा, प्रवलता, प्रचडता, तेज़ी, धाक, रोव।
जोरआज़्मा (زور آزما) फा वि —ज़ोर दिखानेवाला, मुकावला करनेवाला, युद्ध करनेवाला, लडनेवाला।
जोरआज़्माई (زور آزمائی) फा स्त्री —मुकावला करना, लडना।
जोरआवर (زور آور) फा वि —शक्तिशाली, वलवान्, ताकतवर।
जोरआवरी (زور آوری) फा स्त्री —वलवत्ता, ताकतवरी।
जोरदार (زوردار) फा वि —शक्तिशाली, ताकतवर, प्रचड, तेज़, जोशीला, आवेगपूर्ण, महत्त्वपूर्ण।
जोरमद (زورمند) फा वि —शक्तिशाली, जोरावर।
जोरमदी (زورمندی) फा स्त्री —शक्तिशालिता, ताकतवरी।
जोरशिकन (زورشکن) फा वि —ज़ोर तोडनेवाला, दमन करनेवाला।
जोरशिकनी (زورشکنی) फा स्त्री —ज़ोर तोडना, दमन करना।
जोरेवाज़ू (زور بازو) फा पु —वाहुवल, अपना परिश्रम, स्वय अपना प्रयास।
जोरोशोर (زور و شور) फा पु —कोलाहल, शोरगुल, धूम-धाम, तीव्रता, तेज़ी, उत्साह, हौसला।
जोल (جولہ) फा पु —कपडा विननेवाला, मकडी, लूता।
जोल (جول) फा पु —वन, जगल, चटियल मैदान, वियावान।
जोलीद (ژولیدہ) फा वि —उलझा हुआ, गुजलक, अस्त-व्यस्त, तितर-वितर।
जोलीद वयां (ژولیدہ بیاں) फा वि —उलझी-उलझी वाते करनेवाला, अनर्गल भाषी, वेतुकी वाते करनेवाला।
जोलीद वयानी (ژولیدہ بیانی) फा अ स्त्री —उलझी-उलझी वातें करना, व्यर्थ की वाते करना, वेतुकी वाते।
जोलीद'मू (ژولیدہ مو) फा वि —उलझे हुए वालोंवाला, व्यस्तकेश।

जोलीदः मूई (ژولیدہمویٔی) फा स्त्री –बाल उलझे होना।
जोलीदःहाल (ژولیدہحال) फा अ वि –दुर्दशाग्रस्त, फटे हालो।
जोलीदःहाली (ژولیدہحالی) फा अ स्त्री –दुर्दशा, फटे-हालो होना।
जोश (جوش) फा पु –आवेग, जोर, उफान, उवाल, उमग, उत्साह, उत्तेजना, इश्तिआल, तीव्रता, तेजी, क्रोध, गुस्सा।
जोशजन (جوش‌زن) फा वि –जोश मारनेवाला, उफनता हुआ, उबलता हुआ।
जोशजनी (جوش‌زنی) फा स्त्री –जोश मारना, उवाल आना।
जोशन (جوشن) फा पु –कवच, ज़िरिह, भुजवद, केयूर, अगद, बाजूबद।
जोशनबंद (جوشن‌بند) फा वि –कवचधारी, जिरिहपोश।
जोशाँ (جوشاں) फा वि –जोश मारता हुआ, उवलता हुआ।
जोशांदः (جوشاندہ) फा पु –क्वाथ, काढा, औटी हुई दवाओ का पानी।
जोशानीदः (جوشانیدہ) फा वि –औटाया हुआ, उवाला हुआ।
जोशिश (جوشش) फा. स्त्री –उवाल, उफान, तीव्रता, जोर।
जोशिशेदहन (جوشش‌دہن) फा स्त्री –मुँह आ जाने का रोग, मुहाँ।
जोशीदः (جوشیدہ) फा वि –औटा हुआ, जोश खोया हुआ।
जोशीदनी (جوشیدنی) फा वि –औटने के योग्य, उवालने के लाइक।
जोशेअश्क (جوش‌اشک) फा पु –आँसुओ का जोर, रोने का वेग।
जोशेइश्क़ (جوش‌عشق) फा अ. पु –प्रेमावेग, मुहब्बत का जोश।
जोशेखूँ (جوش‌خوں) फा पु –खून का जोश, खानदान की मुहब्बत, खून का विगाड, रक्तदोप।
जोशेग़जब (جوش‌غضب) फा अ पु –गुस्से का जोश, क्रोधावेग।
जोशेग़ैज (جوش‌غیظ) फा अ पु –दे 'जोशेगजव'।
जोशेजुनूँ (جوش‌جنوں) फा अ पु –उन्माद और पागलपन का जोश।
जोशोखरोश (جوش‌وخروش) फा पु –जोर-शोर, धूम-धाम, उत्साह, उमग, आवेग, जोश।

जोहीदः (ژوهیدہ) फा वि –वर्पा के वेग से टपकी हुई छत आदि।

जौ

जौ (جو) फा पु –एक प्रसिद्ध अन्न, यव।
जौ (ضو) अ स्त्री –प्रकाश, आभा, रौशनी, चमक-दमक, शोभा, छटा।
जौआन (جوعان) अ वि –क्षुधातुर, वहुत भूखा, अशनापित।
ज़ौक (ذوق) अ पु –स्वाद, मजा, रसानुभव, लुत्फ लेना, आनन्द, हज, रसिकता, मज़ाक, रुचि, शौक।
ज़ौकआफ़्रीं (ذوق‌آفریں) अ फा वि –ज़ौक पैदा करनेवाला।
ज़ौकेशे'र (ذوق‌شعر) अ पु –काव्य रसिकता, सहृदयता, कविता करने या समझने का शौक।
ज़ौकेसलीम (ذوق‌سلیم) अ पु –शुद्ध रसिकता, काव्य-मर्मज्ञता की शुद्धता।
ज़ौकेसुखन (ذوق‌سخن) अ फा पु –दे 'ज़ौकेशे'र'।
जौकोब (جوکوب) फा वि –दरदरा कुटा हुआ, मोटा कुटा हुआ, जिसमे दरदरापन हो।
ज़ौकोशौक (ذوق‌وشوق) अ पु –पूरी रुचि और रसिकता।
ज़ौजः (زوجہ) अ स्त्री,–पत्नी, भार्या, अर्धांगिनी, गृहिणी, जोरू, जाया।
ज़ौज (زوج) अ पु –पति, स्वामी, खाविंद, वह सख्या जो दो से वँट जाय, तम, युगल, युग्म, जोड़ा।
जौज (جوز) अ पु –अखरोट, अक्षोट।
ज़ौजएसानी (زوجۂ‌ثانی) अ स्त्री –दूसरी व्याहता पत्नी, दूसरी स्त्री, नयी स्त्री।
जौजन (جوزن) फा पु –अभिचारक, जादूगर।
जौजबोया (جوزبویا) अ फा पु –जायफल, जातीकोश, जातीफल।
जौजमासिल (جوزماثل) अ पु –धतूरा, धत्तूर।
जौजर (جوزر) अ पु –नील गाय का बछडा।
जौज़ा (جوزا) अ पु –मिथुन राशि, तीसरा वुर्ज।
ज़ौजीयत (زوجیت) अ स्त्री –शौहरपन, पतित्व, जोरुपन, स्त्रीत्व।
ज़ौजैन (زوجین) अ पु –पति और पत्नी दोनो, दम्पती, जायापती, मियाँ-बीवी।
जौद (جود) अ पु –अच्छा, उम्दा, अच्छी वस्तुएँ, जोर की वर्षा, दानशीलता।
जौदत (جودت) अ स्त्री –पुनीतता, नेकी, अच्छाई, उम्दगी, मनोविनोद।
जौदतेतब्अ (جودت‌طبع) अ स्त्री –स्वभाव का मनोविनोद।

जौपाश (ضوپاش) अ फा वि —रौशनी फैलानेवाला अर्थात् ज्योतिर्मय, द्युतिमान।

जौपाशी (ضوپاشی) अ फा स्त्री —रौशनी फैलाना, जगमगा देना।

जौफ (جوف) अ पु —भीतर का ख़ाली भाग, पेट, उदर।

जौफरोश (جوفروش) फा वि —जौ वेचनेवाला।

जौफिगन (ضوفگن) अ फा वि —दे 'जौपाश'।

जौफिशाँ (ضوفشاں) अ फा वि —दे 'जौफिगन'।

जौबअ (زوبعہ) अ पु —बगूला, ववडर, वातावर्त, वातचक्र।

जौबजौ (جوبجو) फा वि —सपूर्ण, समग्र, पूरा।

जौवान (ذوبان) अ पु —पिघलना, द्रवण।

जौवार (ضوبار) अ फा वि —दे 'जौपाश'।

जौर (جور) अ पु —अत्याचार, अनीति, जुल्म।

जौरक (زورق) अ पु —छोटी नाव, नौका, कश्ती।

जौरब (جورب) अ पु —जुर्राव, मोज़ा।

जौरेबेजा (جوربیجا) अ फा पु —अकारण और अनुचित अत्याचार।

जौरेबेहद (جوربیحد) अ फा पु —बहुत अधिक अत्याचार।

जौलक़ी (جولقی) अ स्त्री —साधुओ की कमली।

जौलाँ (جولاں) अ पु —घोडे को कावा देना, घोडे को फिराना, दौडना, फिरना।

जौलाँगाह (جولاںگاہ) अ फा स्त्री —घोडे के दौडाने का मैदान, दौडने का मैदान।

जौलानी (جولانی) अ स्त्री —घोडा, अश्व, शराब का पियाला, तेजी, फुर्ती, मनोविनोद।

जौश (جوش) अ पु —वक्षस्थल, सीना, आधी रात।

जौशन (جوشن) अ पु —कवच, जिरिह।

जौसग (جوسنگ) फा वि —एक जौ के वरावर वजन।

जौसक़ (جوسق) अ पु —प्रासाद, भवन, महल।

जौहर (جوہر) अ पु —गुण, सिफत, दक्षता, होशियारी, सार, सत, रत्न, मणि, कला,फन, धर्म, ख़ासियत, वे वारीक धारियाँ जो अच्छी तलवार पर होती हैं।

जौहरदार (جوہردار) अ फा वि —गुणी, हुनरमद, वह खरी तलवार जिस पर जौहर हो।

जौहर नाशनास (جوہرناشناس) अ फा वि —जो गुण को न पहचान सके।

जौहरशनास (جوہرشناس) अ फा वि —जो गुण को पहचानता हो, गुण-ग्राहक।

जौहरी (جوہری) अ वि —रत्न वेचनेवाला, मणिकार।

जौहरेअदेश (جوہراندیشہ) अ फा पु —कल्पना शक्ति की सूक्ष्मता।

जौहरेआईनः (جوہرآئینہ) अ फा पु —दर्पण पर पडी हुई धारियाँ, (जब दर्पण लोहे का होता था)।

जौहरेफर्द (جوہرفرد) अ पु —वह सूक्ष्म कण जिसके खड न हो सकें।

जौहरेलतीफ (جوہرلطیف) अ पु —किसी पदार्थ का असली सत, खालिस जौहर।

जौहरेशम्शीर (جوہرشمشیر) अ फा पु —तलवार पर पडी हुई वारीक लहरे, जो अच्छे लोहे की अलामत है।

त

तग. (تنگہ) तु पु —चालू सिक्का, वह मुद्रा जिसका लेन-देन हो।

तग (تنگ) फा वि —सकीर्ण, सकुचित, कोताह, अल्प, न्यून, थोडा, कम, दरिद्र, कगाल, दीन, दुखी, वेवस, आजिज़, परेशान, क्लेशग्रस्त, मुसीवत का मारा, दुष्कर, मुश्किल, अपर्याप्त, नाकाफी, (पु) जीन कसने का तस्मा।

तंगऐश (تنگعیش) फा अ वि —दरिद्र, कगाल, दुखित, खस्ता हाल, जिसे जीवन दूभर हो।

तंगऐशी (تنگعیشی) फा अ स्त्री —दरिद्रता, कगाली, दुख, दीनता, खस्तगी, जीवन दूभर होना।

तगख़याल (تنگ خیال) फा अ वि —अनुदार, सकीर्ण-चित्त, लघुचेता, तग नज़र, धर्मांध, मुतअस्सिव।

तगख़याली (تنگخیالی) अ फा स्त्री —अनुदारता, तग नज़री, धर्मांधता, तअस्सुव।

तगचश्म (تنگچشم) फा अ वि —कृपण, कजूस, नीच प्रकृति, कमीना।

तगचश्मी (تنگچشمی) फा अ स्त्री —कृपणता, कजूसी, प्रकृति की नीचता, कमीनापन।

तगजर्फ (تنگظرف) फा अ वि —छोटे वर्तनवाला, सकीर्ण पात्र, छोटे हृदयवाला, अनुदार, नीच, कमीना।

तगजर्फी (تنگظرفی) फा अ स्त्री —वरतन की छोटाई, हृदय की छोटाई, नीचता।

तगजीस्त (تنگزیست) फा वि —दे 'तगऐश'।

तगतलवी (تنگطلبی) फा अ स्त्री —इस प्रकार मांगना कि देनवाला परेशान हो जाय, ज़िद करके माँगना।

तगताव (تنگتاب) फा वि —अशक्त, वलहीन।

तंगतावी (تنگتابی) फा स्त्री —अशक्ति, वलहीनता।

तगदस्त (تنگدست) फा वि —जिसका हाथ ख़ाली हो, जिसके पास धन न हो, निर्धन, कगाल।

तगदस्ती (تنگدستی) फा स्त्री —हाथ खाली होना, अर्थात् निर्धनता, कगाली।

तंगदहन (تنگ دهن) फा वि –जिसका मुँह छोटा हो, कलिकामुख, गुंच दहन।

तंगदहनी (تنگ دهنی) फा स्त्री –मुँह का कली की भाँति छोटा होना।

तंगदिल (تنگ دل) फा वि –थुडदिला, कृपण, कजूस, अनुदार, जो खुले दिमाग का न हो, ओछा, कमीना, तुच्छ, जिसमे मज़हवी तग खयाली हो, कूप-मडूक।

तंगदिली (تنگ دلی) फा स्त्री –थुडदिलापन, अनौदार्य, ओछापन, धर्मांधता।

तंगनज़र (تنگ نظر) फा अ वि –सकुचित दृष्टि, अनुदार, मुतअस्सिव, धर्मांध।

तंगनज़री (تنگ نظری) फा अ स्त्री –दृष्टि सकोच, अनुदारता, धर्माधता, तअस्सुव।

तंगनाए (تنگ نائے) फा पु –तग और सकुचित स्थान, समावि, कब्र, तग गली, वीथी।

तंगपोश (تنگ پوش) फा वि –चुस्त कपडे पहनने का शौकीन या पहननेवाला।

तंगपोशी (تنگ پوشی) फा स्त्री –चुस्त कपडे पहनने का शौक।

तंगफुर्सत (تنگ فرصت) फा अ वि –अवकाशहीन, जिसके पास समय कम हो।

तंगफुर्सती (تنگ فرصتی) फा अ स्त्री –अवकाशहीनता, समय की कमी।

तंगबख़्त (تنگ بخت) फा वि –मदभाग्य, हतभाग्य, वदकिस्मत।

तंगबख़्ती (تنگ بختی) फा स्त्री –भाग्य की मदता, वदकिस्मती।

तंगबार (تنگ بار) फा वि –वह व्यक्ति जिसके पास हर कोई न जा सके, वह स्थान जहाँ हर किसी की पहुँच न हो।

तंगबारी (تنگ باری) फा स्त्री –किसी की रसाई और पहुँच न होना।

तंगमआश (تنگ معاش) फा अ वि –निर्धन, कगाल, मद जीविका, कम आमदनीवाला।

तंगमआशी (تنگ معاشی) फा अ स्त्री –निर्धनता, जीविका की कमी।

तंगमायः (تنگ مایہ) फा वि –निर्धन, कगाल; अधम, नीच, कमइल्म, विद्याहीन।

तंगमायगी (تنگ مایگی) फा स्त्री –निर्धनता, अधमता, विद्वत्ता की कमी।

तंगसार (تنگ سار) फा वि –वुद्धि की कमी।

तंगसाल (تنگ سال) फा वि –दुर्भिक्ष, कहत।

तंगवर्ज़ी (تنگ ورزی) फा स्त्री –मितव्यय, पसअदाज़ी।

तंगहाल (تنگ حال) फा अ वि –दुर्दशाग्रस्त, तवाह हाल, निर्धन, कंगाल।

तंगहाली (تنگ حالی) फा अ स्त्री –दुर्दशा, निर्धनता।

तंगहौसलः (تنگ حوصلہ) फा अ वि –मदोत्साह, पस्त-हिम्मत।

तंगहौसलगी (تنگ حوصلگی) फा अ स्त्री –उत्साहमाद्य, पस्तहौसलगी।

तंगार (تنگار) फा पु –सुहागा, एक दवा।

तंगिएजा (تنگی جا) फा स्त्री –जगह की तगी, स्थान की सकीर्णता।

तंगिएमआश (تنگی معاش) फा अ स्त्री –जीविका की कमी, धन की कमी।

तगिएरिज़्क (تنگی رزق) फा अ स्त्री –अन्नकष्ट, रोटी की कमी।

तंगिएरोज़गार (تنگی روزگار) फा स्त्री –कालचक्र, दिनो का फेर, गर्दिश।

तंगी (تنگی) फा स्त्री –न्यूनता, कमी, सकीर्णता, कोताही, क्लेश, कष्ट, मुसीवत, दरिद्रता, कगाली, कृपणता, कजूसी, कठिनता, मुश्किल।

तंगुज़ (تنگوز) तु पु –शूकर, वराह, सुअर।

तंज़ (طنز) अ स्त्री –व्यग, ताना, कटाक्ष।

तंज़आमेज़ (طنز آمیز) अ फा वि –व्यगपूर्ण, तज़िया, दे 'तज़ामेज़', वह अधिक शुद्ध है।

तंज़न (طنزاً) अ वि –व्यंग के रूप मे, तज़ के तौर पर।

तंज़निगार (طنز نگار) अ फा वि –व्यगपूर्ण लेख लिखने-वाला।

तंज़निगारी (طنز نگاری) अ फा स्त्री –व्यगपूर्ण लेख लिखना।

तंज़ामेज़ (طنز آمیز) अ फा वि –व्यगपूर्ण, तज़ भरा हुआ।

तंज़ियः (طنزیہ) अ वि –व्यगपूर्ण, तज़वाला।

तंज़ीम (تنظیم) अ स्त्री –प्रवध, वदोवस्त, किसी दल, समुदाय अथवा सस्था को किसी विशेष कार्य के लिए निर्मित करना, सघटन, निर्माण, बनाना।

तंजीम (تنجیم) अ स्त्री –ग्रहो आदि की दशा ज्ञात करना, ज्योतिष, नजूम।

तंज़ीयः (طنزیہ) अ वि –व्यगपूर्ण, तज़आमेज़।

तंज़ीयात (طنزیات) अ स्त्री –व्यगपूर्ण रचनाओ का सग्रह, व्यगपूर्ण वातें।

तंज़ीर (تنذیر) अ स्त्री –डराना, त्रासना, भीत करना।

तंज़ील (تنزیل) अ स्त्री –नीचे उतारना, आकाशवाणी, इल्हाम, कुरान।

तजीस (تنجيس) अ स्त्री –अपवित्र करना, गदा करना।

तजीह (تنزيه) अ स्त्री –शुद्ध करना, पवित्र करना, दोष-रहित करना।

ततनः (طنطنه) अ पु –आतक, रोव, कोप, रोप, गुस्सा, अभिमान, घमड, गुरूर, आनवान, धाक।

तदूर (تندور) उ पु –दे गु शब्द 'तन्नूर'।

तवाकू (تنباكو) फा पु –एक प्रसिद्ध पत्ती जिसका धुआँ पिया जाता है, तमाखू, तमाकू।

तबाकूनोश (تنباكونوش) फा वि –तमाकू पीनेवाला।

तबाकूफरोश (تنباكوفروش) फा वि –तमाकू वेचनेवाला।

तवीक (تنميق) अ स्त्री –लिखना, लेखन।

तबीत (تنبيت) अ स्त्री –उत्पादन, उगाना, जमाना।

तवीह (تنبيه) अ स्त्री –चेतावनी, प्रवोध, आगाही, भर्त्सना, तर्जन, डाँट-डपट, हलकी, सजा, ताकीद, सख्ती।

तवीहन (تنبيهاً) अ वि –तवीह के तौर पर,चेतावनी, डाँट, सजा या ताकीद के तौर पर।

तबुल (تنبل) फा वि –काहिल, आलसी; वहुत मोटा, फप्फस।

तबुली (تنبلی) फा स्त्री –आलस, काहिली, वहुत अधिक मुटापा, फप्फसपन।

तबूरः (تنبوره) फा पु –एक तारवाला वाजा, जिसमें नीचे की ओर तुबी होती है।

तवूर (تنبور) फा पु –दे 'तवूरा'।

तबूरची (تنبورچی) फा तु वि –तवूरा वजानेवाला।

तसीक (تنسيق) अ स्त्री –प्रवध करना, इतिज़ाम करना, क्रमवद्ध करना, तर्तीव देना।

तसीख (تنسيخ) अ स्त्री –मसूख करना, रद्द करना, निरसन।

तसीफ (تنصيف) अ स्त्री –आधा-आधा करना, दो वरावर भाग करना।

तसीम (تنسيم) अ स्त्री –साँस लेना, दम खीचना।

तअक्क़ुद (تعقد) अ पु –वँधा होना, अलग रखना।

तअक्क़ुब (تعقب) अ पु –पीछे जाना, पीछा करना।

तअक्क़ुल (تعقل) अ पु –समझना, सोचना, विचार करना, गौर करना।

तअक्कुल (تاكل) अ पु –खाना, खान।

तअख़्ख़ुर (تاخر) अ पु –पीछे होना, देर होना।

तअज़्ज़ी (تاذی) अ स्त्री –कष्ट पाना, क्लेश पाना, खिन्न होना, मलिन होना।

तअज्जुब (تعجب) अ पु –आश्चर्य, विस्मय, हैरत।

तअज्जुबअगेज़ (تعجب انگیز) अ फा वि –आश्चर्यजनक, अचभे में डालनेवाली वात।

तअज्जुबख़ेज़ (تعجب خیز) अ फा वि –दे 'तअज्जुब अगेज'।

तअज्जुबनाक (تعجب ناک) अ फा वि –दे 'तअज्जुब अगेज़'।

तअज़्ज़ुम (تعظم) अ पु –पूज्य होना, वुज़ुर्ग होना।

तअज़्ज़ुर (تعذر) अ पु –काम में अडचन पडना, वाधा, विघ्न, उज्र करना, विवशता प्रकट करना।

तअत्तुफ (تعطف) अ पु –कृपा, दया, अनुकम्पा, मेहरवानी।

तअत्तुर (تعطر) अ पु –सुगधित होना, महकना।

तअत्तुल (تعطل) अ पु –निठल्लापन, वेकारी, गत्यवरोध, डेडलाक।

तअत्तुश (تعطش) अ पु –पियासा होना, पियासा, प्यास।

तअद्दा (تعدا) अ पु –दे 'तअद्दी'।

तअद्दी (تعدی) अ स्त्री –अत्याचार, अनीति, जुल्म।

तअद्दुद (تعدد) अ पु –गिनना, गिनती करना, नियम या हिसाव से अधिक होना।

तअन्नी (تانی) अ स्त्री –विलम्व, ढील, टाल मटोल।

तअल्ली (تعلی) अ स्त्री –दु खित होना, शोक करना।

तअल्लुत (تعلت) अ पु –निंदा, गर्हा, ऐवजोई।

तअल्लुद (تعلد) अ पु –शत्रुता करना, लडाई ठानना, कलह, लडाई।

तअल्लुफ (تعلف) अ पु –निन्दा करना, सख्ती करना।

तअन्नुस (تانس) अ पु –प्रेम होना, मुहव्वत होना, आदत होना, टेव पडना।

तअफ़्फ़ुन (تعفن) अ पु –सडाँध, गदगी, दुर्गंध।

तअफ़्फ़ुफ (تعفف) अ पु –सयम, इद्रियनिग्रह, पारसाई।

तअब (تعب) अ पु –परिश्रम, मेहनत, दु ख, तकलीफ, क्लाति, थकावट।

तअब्बुद (تعبد) अ पु –उपासना करना, उपासना, पूजा।

तअम्मुक़ (تعمق) अ पु –किसी वात की तह तक पहुँचने के लिए चिन्तन करना।

तअम्मुल (تامل) अ पु –विचार, सोच, गौर, विलम्व, ढील, वक्फ, शका, अदेशा, भ्रम, सदेह, शुव्हा, सकोच, असमजस, पसोपेश।

तअम्मुल (تعمل) अ पु –कार्यान्वित होना, अमलीजामा पहनना, अमल मे आना।

तअय्युन (تعین) अ पु –निश्चय करना, ठहराना, एक मिक्दार मुकर्रर करना, नियुक्ति, तैनाती, अस्तित्व, हस्ती।

तअय्युनात (تعینات) अ पु –'तअय्युन' का वहु, हस्तियाँ।

तअय्युश (تعیش) अ पुं –भोग-विलास, एगोइश्रत, गुलछर्रे उड़ाना, मज़े करना।

तअय्युशात (تعیشات) अ पु –'तअय्युश' का वहु, भोग-विलास, इंद्रियसुख।

तअर्री (تعری) अ स्त्री –नग्न होना, नगा होना।

तअर्रुज़ (تعرض) अ पु –सामने होना, घटित होना; रोक, विरोध।

तअर्रुफ (تعرف) अ पु –जान-पहचान, ढूंढना, पूछना।

तअल्ली (تعلی) अ पु –डीग, शेखी, अत्युक्ति, मुवालग़ा।

तअल्लुक़: (تعلقہ) अ पु –भू-सपत्ति, जाइदाद; क्षेत्र, इलाका; वडी ज़मीदारी, रियासत, सरकार की ओर से किसी पुरस्कार मे मिली हुई रियासत।

तअल्लुक़:दार (تعلقہ دار) अ फा वि –जो वहुत वडी ज़मीदारी का स्वामी हो, जिसे पुरस्कार मे भू-सपत्ति मिली हो।

तअल्लुक़:दारी (تعلقہ داری) अ फा स्त्री –तअल्लुका का स्वामी होना, वहुत वड़ा ज़मीदार होना।

तअल्लुक (تعلق) अ पु –सम्वन्ध, सपर्क, लगाव, स्वजनता, रिश्तेदारी, प्रेम व्यवहार, उस; सेवा, नौकरी, वास्ता, सम्वन्ध, पक्षपात, तरफदारी, नाजाइज़ सपर्क; आश्नाई।

तअल्लुकात (تعلقات) अ पु –'तअल्लुक' का वहु, सम्वन्ध-समूह।

तअल्लुकेखातिर (تعلق خاطر) अ. पु –दिली लगाव, चित्तासग; प्रेम, स्नेह।

तअल्लुम (تالم) अ पु –पीडित होना, दर्द से दु खित होना, कष्ट होना, दु ख होना।

तअल्लुम (تعلم) अ पु –पढना, पठन, शिक्षा प्राप्त करना।

तअव्वुज़ (تعوذ) अ पु –पनाह लेना, शरण में आना, 'अऊज़ु विल्लाह' कहना।

तअव्वुद (تعود) अ पु –अभ्यस्त होना, आदी होना।

तअश्शी (تعشی) अ स्त्री –शाम का खाना खाना।

तअश्शुक (تعشق) अ पु –आसक्त होना, मुग्ध होना, प्रेम, स्नेह।

तअश्शुफ (تعشف) अ पुं –वेराह चलना, कुमार्ग गमन।

तअस्सुफ (تاسف) अ. पुं –पश्चात्ताप, सताप, अफ्सोस।

तअस्सुफ (تعسف) अ पु –कुमार्ग पर चलना,, पथ-भ्रष्ट होना।

तअस्सुव (تعصب) अ पु –धार्मिक पक्षपात, नस्ली और खानदानी पक्षपात, अनुचित पक्षपात, वेजा तरफदारी।

तअस्सुर (تاثر) अ पु –प्रभावित होना, असर लेना, प्रभाव, असर।

तअस्सुर (تعسر) अ पु –कठिन होना, मुश्किल होना, कठिनता, मुश्किल।

तअहहुद (تعہد) अ पु –किसी काम का वीडा उठाना, प्रतिज्ञा करना, प्रतिज्ञा, सविदा, इकरार, प्रतिभूति, ज़मानत।

तअहहुल (تاہل) अ पु –घर वसाना, व्याह करना, वाल-वच्चेदार होना।

तआकुद (تعاقد) अ पु –परस्पर प्रतिज्ञा करना, मिलकर किसी काम का वचन देना।

तआकुव (تعاقب) अ पु –एक का दूसरे के पीछे भागना, भागनेवाले को पकडने के लिए उसके पीछे जाना।

तआतुफ (تعاطف) अ पु –परस्पर कृपा करना, एक दूसरे पर मेहरवानी करना, कृपा, दया।

तआनुक (تعانق) अ पु –एक दूसरे से गरदन मिलाना, आलिंगन करना; आलिंगन, वग़लगीरी।

तआनुद (تعاند) अ पु –परस्पर शत्रुता रखना, शत्रुता, वैर।

तआमुल (تعامل) अ पु –आपस मे मिलकर काम करना।

तआरुज़ (تعارض) अ पु –आमने-सामने होना; मुंह आना, वरावरी करना, हस्तक्षेप करना, विघ्न डालना, कलह, झगड़ा, वाद-विवाद, हुज्जत।

तआरुफ (تعارف) अ पु –एक दूसरे को पहचानना, परिचय, जान-पहचान।

तआला (تعالی) अ वि –श्रेष्ठ, महान्।

तआवुन (تعاون) अ पु –एक दूसरे की सहायता करना, सहयोग, मदद।

तआहुद (تعاهد) अ पुं –परस्पर प्रतिज्ञा करना, प्रतिज्ञा, इकरार।

तऐयुन (تعین) अ पु –दे 'तअय्युन'।

तऐयुनात (تعینات) अ पु –दे 'तअय्युनात'।

तऐयुनेवक़्त (تعین وقت) अ पु –समय निश्चित होना, वक्त मुकर्रर होना।

तऐयुश (تعیش) अ पु –दे 'तअय्युश'।

तऐयुशात (تعیشات) अ. पु –भोग-विलास के सामान, भोग-विलास।

तकत्तो (تقطع) अ पु –टुकड़े-टुकडे करना, टुकडे-टुकडे होना।

तकद्दुम (تقدم) अ पु –पहले होना, आगे होना, प्रधानता, तर्जीह।

तकद्दुम विज्ज़मान (تقدم بالزمان) अ पु –पहले होने के कारण श्रेष्ठ और अग्रगण्य होना।

तक़द्दुम बिश्शरफ (تقدم بالشرف) अ पु –श्रेष्ठता के कारण अग्रगण्य होना।
तकद्दुर (تكدر) अ पु –मैला होना, गँदला होना, मलिनता, गँदलापन, अप्रसन्नता, उदासी।
तक़द्दुस (تقدس) अ पु –पवित्रता, पुनीतता, पाकीज़गी, महत्ता, श्रेष्ठता, बुज़ुर्गी।
तक़द्दुसमआब (تقدس مآب) अ वि –अति श्रेष्ठ, अति महान्, बहुत बुज़ुर्ग, धर्मात्मा।
तकफ़्फ़ुल (تكفل) अ पु –किसी बात की ज़िम्मेदारी, ज़मानत, किसी के भरण-पोषण का भार, प्रतिभूति, ज़मानत।
तकब्बुर (تكبر) अ पु –अभिमान, अहकार, दर्प, गुरूर, अहवाद, अकड, शेखी।
तक़ब्बुल (تقبل) अ पु –स्वीकार करना, अगीकार करना, मजूर करना, स्वीकृति, मजूरी।
तक़य्युद (تقيد) अ पु –बदी होना, कैद होना, पावन्दी, शर्त।
तक़र्रुब (تقرب) अ पु –समीपता, निकटता, नज़दीकी।
तकर्रुम (تكرم) अ पु –कृपा करना, दान करना, कृपा, दया, अनुकपा।
तक़र्रुर (تقرر) अ पु –नियुक्ति, तैनाती, निश्चय, तऐयुन।
तक़र्रो (تقرع) अ पु –करवटे बदलना।
तक़ल्क़ुल (تقلقل) अ पु –व्याकुलता, बेचैनी, खेद, दु ख, उँडेलने मे सुराही का शब्द करना।
तकल्तू (تكلتو) तु पु –ज़ीन का नमदा, खोगीर, डाढी-मूँछे।
तक़ल्लुद (تقلد) अ पु –ज़िम्मेदार होना, अनुयायी होना।
तकल्लुफ (تكلف) अ पु –कष्ट सहन करना, तकलीफ उठाना, दिखावा, ज़ाहिरदारी, टीम-टाम, ज़ाहिरी, सजावट, सकोच, पसोपेश, वनावट, शील-सकोच, लिहाज़, लज्जा, शर्म, वेगानगी, परायापन।
तकल्लुफन (تكلفاً) अ वि –तकल्लुफ मे, तकल्लुफ के तौर पर।
तकल्लुफात (تكلفات) अ पु –'तकल्लुफ' का वहु, वहुत-से तकल्लुफ।
तक़ल्लुब (تقلب) अ पु –पलटना, उलटा हो जाना, परिवर्तन, रद्दोबदल।
तकल्लुम (تكلم) अ पु –वातचीत करना, वातचीत, वार्तालाप।
तकल्लुस (تكلس) अ पु –चूना वनाना।
तकव्वुन (تكون) अ पु –होना, उत्पन्न होना, सृजन, तख़्लीक।
तक़श्शुफ (تقشف) अ पु –मोटा-झोटा खाना पहनना, सन्यास, दरवेशी, खुरदरापन।
तकश्शुफ (تكشف) अ पु –नग्न होना, नगा होना।
तकश्शुफेजिल्द (تقشف جلد) अ पु –काम की अधिकता से खाल का मोटा और कडापन।
तकस्सुर (تكثر) अ पु –अधिकता, प्राचुर्य, वाहुल्य, कस्रत।
तकस्सुर (تكسر) अ पु –टूटना, टुकडे होना।
तकस्सुल (تكسل) अ पु –आलस्य, काहिली, सुस्ती।
तक़ाउद (تقاعد) अ पु –काम छोड वैठना।
तक़ाज़ा (تقاضا) अ पु –दिये हुए रुपये या वस्तु की माँग, आवश्यकता, जरूरत, किसी काम के लिए किसी से वरावर कहना।
तक़ाज़ाए उम्र (تقاضائے عمر) अ पु –उम्र की माँग, उम्र के लिहाज़ से कोई काम करना या न करना।
तकाज़ाए वक्त (تقاضائے وقت) अ पु –समय की माँग, समय की आवश्यकता, किसी समय क्या करना है, यह माँग।
तकाज़ाए शदीद (تقاضائے شدید) अ पु –कडा तकाज़ा।
तकाज़ाए सिन (تقاضائے سن) अ पु –दे 'तकाज़ाए उम्र'।
तकातुर (تقاطر) अ पु –वूँद-वूँद टपकना, वूँदा-वाँदी होना।
तक़ातुल (تقاتل) अ पु –एक दूसरे का वध करना।
तकातो' (تقاطع) अ पु –एक दूसरे को लाँघना, एक रेखा का दूसरी रेखा को काटना।
तक़ादीर (تقادیر) अ पु –'तकदीर' का वहु, तकदीरे, भाग्य, ईश्वरेच्छाएँ।
तक़ादुम (تقادم) अ पु –कदीम होना, पुराना होना, पुरानापन।
तकान (تكان) फा स्त्री –झटकना, छोडना, हिलाना, थकावट, थकन।
तकाफी (تكافی) अ स्त्री –दे 'तकाफू'।
तकाफू (تكافو) अ पु –परस्पर वरावर होना, सहगोत्र होना।
तकावुल (تقابل) अ पु -एक दूसरे के आमने-सामने होना।
तकामुल (تكامل) अ पु –पूरा होना, पूर्ण होना।
तकारीर (تقاریر) अ पु –'तक्रीर' का वहु, तक्रीरे।
तक़ारुब (تقارب) अ पु –परस्पर समीप होना, समीपता, नज़्दीकी।
तकारुम (تكارم) अ पु –परस्पर वख्शिश करना।
तकालीफ (تكاليف) अ पु –'तक्लीफ' का वहु, तक्लीफे।
तक़ालीव (تقاليب) अ पु –'तक्लीव' का वहु, दिनो के फेर, काल के चक्र।

तक़ावी (تقاوی) अ स्त्री –शक्ति देना, बली बनाना, वह सरकारी कर्ज़ा जो किसानो को जमीन की दशा सुधारने और अच्छे बैल और बीज आदि के लिए दिया जाता है।

तक़ावीम (تقاویم) अ पु –'तक़्वीम' का बहु, जतरियाँ।

तक़ावुम (تقاوم) अ पु –एक दूसरे के बराबर खडा होना।

तक़ावुल (تقاول) अ पु –परस्पर वचन देना, परस्पर वार्तालाप करना।

तकासुफ (تکاثف) अ पु –दलदार होना, मोटा होना, एकत्र होना, खट्टा होना।

तक़ासुम (تقاسم) अ पु –परस्पर शपथ लेना; परस्पर बाँटना।

तकासुर (تکاثر) अ पु –प्रचुर होना, बहुतात होना, प्रचुरता, बहुतात।

तकासुल (تکاسل) अ पु –अपने को काहिल और सुस्त दिखाना।

तकाहुल (تکاهل) अ पु –अपने को काहिल दिखाना।

तक़ी (تقی) अ वि –सयमी, इद्रियनिग्रही।

तक़ीयः (تقیہ) अ पु –कोई बात जो भय से की या कही जाय यद्यपि उसके कहने या करने को जी न चाहता हो। (स्त्री) साध्वी, तपस्विनी।

तक़ैयुद (تقید) अ पु –दे 'तक़य्युद'।

तक़ईद (تقئید) अ स्त्री –कैद करना, बदी बनाना, रोक लगाना।

तक़्क़ार (تقار) अ पु –बहुत बोलनेवाला, बहुभाषी, बहुत अच्छा भाषण देनेवाला, भाषण-पटु।

तक्जीब (تکذیب) अ स्त्री –किसी की बात का खडन करना, किसी की बात को झुठलाना।

तक़्तीअ (تقطیع) अ स्त्री –टुकडे-टुकडे करना, पुस्तक की लम्बाई-चौडाई, पद्य के किसी चरण के अक्षरो को गणो की मात्राओ के मुकाबले मे रखकर यह देखना कि अमुक पद शुद्ध है या नही, किसी वस्तु को टुकडो मे बाँटना।

तक़्तीर (تقطیر) अ पु –बूँद-बूँद करके टपकाना, अरक खीचना।

तक़्दिमः (تقدمہ) अ पु –सामने करना, सामने होना, स्वागत, नेता; साई, पेशगी रकम।

तक़्दीम (تقدیم) अ स्त्री –आगे करना, तर्जीह देना; प्रधानता, तर्जीह।

तक़्दीर (تقدیر) अ स्त्री –भाग्य, प्रारब्ध, अदृश्य, अदृष्ट, दैव, किस्मत।

तक़्दीर आज़्माई (تقدیرآزمائی) अ फा स्त्री –भाग्य-परीक्षा, किस्मत का इम्तिहान।

तक़्दीस (تقدیس) अ स्त्री –पुनीतता, पवित्रता, श्रेष्ठता, बुजुर्गी।

तक्फ़ीन (تکفین) अ स्त्री –मुर्दे को कफन पहनाना, यह शब्द अकेला नही बोला जाता 'तज्हीज' के साथ बोलते है।

तक्फ़ीर (تکفیر) अ स्त्री –मुसलमान पर कुफ़्र का फत्वा लगाना, प्रायश्चित्त देना, कफ्फारा देना।

तक़्फ़ील (تقفیل) अ स्त्री –ताला लगाना, ताले मे बद करना, कुफुल देना।

तक्बीर (تکبیر) अ स्त्री –'अल्लाहो अक्बर' (ईश्वर सबसे बडा है) कहना, नमाज़ मे झुकने, खडे होने अथवा बैठने के लिए 'अल्लाहो अक्बर' कहना।

तक़्बील (تقبیل) अ स्त्री –चुम्बन, चूमना, (किसी पदार्थ को चूमना, मनुष्य को नही)।

तक़्बीह (تقبیح) अ स्त्री –बुराई करना, बुरा काम करना।

तक्मिलः (تکملہ) अ पु –पूर्ति, समाप्ति, किसी काम की पूर्ति मे कोई कसर न रहना, परिशिष्ट, ज़मीमा।

तक्मीद (تکمید) अ स्त्री –पोटली मे दवा भरकर उससे अग विशेष को सेकना।

तक्मील (تکمیل) अ स्त्री –पूर्ति, समाप्ति, किसी काम की पूर्ति मे कोई कसर न रहना।

तक्यः (تکیہ) अ पु –सिर के नीचे रखने का नर्म और गुदगदा वस्त्र, उपधान, पीठ से लगाने का बडा वस्त्र, मस्नद, मुसलमानो के मुर्दे दफ्न होने का स्थान, कब्रिस्तान।

तक्यः कलाम (تکیہ کلام) अ पु –वह बात जो कोई व्यक्ति बातो के बीच मे बेजरूरत बार-बार बोलता है।

तक्रार (تکرار) अ स्त्री –वाद-विवाद, बहस, वाक्कलह, कहा-सुनी, पुनरावृत्ति, दुहराना, कही हुई बात को बार-बार कहना।

तक़्रीअ (تقریع) अ स्त्री –निंदा करना, मलामत करना।

तक़्रीज़ (تقریظ) अ स्त्री –जीवित व्यक्ति की प्रशसा, आलोचना, समालोचना, तफ़्सिर।

तक़्रीज़ (تقریض) अ स्त्री –दे 'तक़्रीज़'।

तक़्रीज़निगार (تقریظ نگار) अ फा वि –आलोचना लिखने-वाला, आलोचक।

तक़्रीब (تقریب) अ स्त्री –समीप आना, कारण, हेतु, सबब, उत्सव, शादी आदि, किसी व्यक्ति से मुलाकात कराने से पहले उसके सम्बन्ध में कुछ कहना, अवसर, मौका, साधन, जरीया।

तक़्रीबन (تقریباً) अ वि –प्राय, अमूमन, बहुधा, अक्सर, अनुमानत, अदाज़न।

तक़्रीबात (تقریبات) अ स्त्री –'तक़्रीब' का बहु, शादियाँ, उत्सव।

तक्रीम (تکریم) अ स्त्री –आदर, सत्कार, इज़्ज़त, आव-भगत, तवाज़ो'।

तक़्रीर (تقریر) अ स्त्री –वार्तालाप, बातचीत, भाषण, वक्तव्य, बयान, वाद-विवाद, हुज्जत।

तक्रीर (تکریر) अ स्त्री –बार-बार करना, दुहराना।

तक्रीह (تکریه) अ स्त्री –घृणा करना, नफ़्रत करना, शत्रु बनाना, अप्रसन्न रखना।

तक्लीद (تقلید) अ स्त्री –अनुसरण, अनुकरण, अनुयाय, पैरवी, देखा-देखी कोई काम करना।

तक्लीफ़ (تکلیف) अ स्त्री –दुःख, कष्ट, पीडा, व्यथा, दर्द, खेद, शोक, रंज, आमय, रोग, मर्ज़, मनोव्यथा, रूही कुल्फ़त, आपत्ति, मुसीबत, निर्धनता, मुफ्लिसी।

तक्लीफ़दिही (تکلیف دہی) अ फा स्त्री –कष्ट देना, ज़हमत देना, दुःख देना, रंज पहुँचाना।

तक्लीफ़देह (تکلیف دہ) अ फा स्त्री –दुःखदायी, रंज पहुँचानेवाला।

तक्लीफ़फ़र्मा (تکلیف فرما) अ फा वि –कष्ट उठानेवाला, (किसी के काम के लिए), आनेवाला, पधारनेवाला।

तक्लीफ़ फ़र्माई (تکلیف فرمائی) अ फा स्त्री –किसी के काम के लिए कष्ट उठाना, पधारना, आना।

तक्लीफ़े नज़्अ (تکلیف نزع) अ स्त्री –मरते समय का कष्ट, चढ़ा, यमयातना।

तक्लीफ़े मालायुताक़ (تکلیف مالایطاق) अ स्त्री –वह परिश्रम जो सहन न हो सके।

तक्लीब (تقلیب) अ स्त्री –उलट देना, उलटा कर देना, उलट-पलट, परिवर्तन।

तक्लीम (تقلیم) अ स्त्री –नख काटना, नाखून तराशना, काटना, विच्छिन्न करना।

तक्लीम (تکلیم) अ स्त्री –घायल करना, ज़ख़्मी करना, बात करना, वार्तालाप करना।

तक्लील (تقلیل) अ स्त्री –कम करना, कमी करना, न्यूनता, कमी।

तक्लीलेग़िज़ा (تقلیل غذا) अ स्त्री –कम खाना, मिताहार।

तक्वा (تقوا) अ पु –संयम, इंद्रियनिग्रह, परहेज़गारी।

तक्वाशिआर (تقوی شعار) अ वि –संयमी, इंद्रियनिग्रही, जितेंद्रिय।

तक्वाशिकन (تقوی شکن) अ फा वि –जो संयम को भंग कर दे (रूप आदि)।

तक़्वियत (تقویت) अ स्त्री –बल, शक्ति, ज़ोर, सान्त्वना, ढारस, तसल्ली, सहायता, मदद, आश्रय, सहारा, पृष्ठ-पोषण, पुश्तपनाही।

तक्वीन (تکوین) अ स्त्री –सृजन, तख़्लीक़, उत्पत्ति, पैदाइश।

तक़्वीम (تقویم) अ स्त्री –सीधा करना, मूल निश्चित करना, पत्रा, पंचांग, जंतरी।

तक़्वीमुलबुल्दान (تقویم البلدان) अ स्त्री –भूगोल, जुग़्राफ़िया।

तक़्वीमे पारीनः (تقویم پارینہ) अ फा स्त्री –पुरानी जंतरी, जो बेकार हो जाती है, बेकार वस्तु।

तक़्शीर (تقشیر) अ स्त्री –छिलके उतारना।

तक़्सीत (تقسیط) अ स्त्री –क़िस्तबंदी करना।

तक़्सीम (تقسیم) अ स्त्री –बँटवारा, विभाजन, हिस्सा आदि बाँटना, बाँट, बड़ी संख्या में छोटी संख्या से विभाजन, भाग, विभाजन।

तक़्सीमेकार (تقسیم کار) अ फा स्त्री –हर एक को अलग-अलग काम या ड्यूटी का बँटवारा।

तक़्सीमेमुल्क (تقسیم ملک) अ स्त्री –देश का बँटवारा, देश-विभाजन।

तक़्सीमेवतन (تقسیم وطن) अ स्त्री –देश या राष्ट्र का बँटवारा, राष्ट्र-विभाजन, देश-विभाजन।

तक़्सीमेहिसस (تقسیم حصص) अ स्त्री –दाम का बँटवारा, अंशीकरण, नफ़े के हिस्सों का बँटवारा।

तक़्सीर (تقصیر) अ स्त्री –दोष, अपराध, क़ुसूर, न्यूनता, कमी, त्रुटि, भूल, कर्तव्य में कमी।

तक्सीर (تکسیر) अ स्त्री –तोड़ना, टुकड़े करना, किसी तावीज़, यंत्र या चक्र में संख्याएँ इस प्रकार भरना कि हर ओर से जोड़ बराबर आये।

तक्सीर (تکثیر) अ स्त्री –बढ़ाना, अधिक करना, प्रचुरता, अधिकता, बढ़ोत्तरी, बहुतायत।

तक़्सीरवार (تقصیروار) अ फा वि –दोषी, अपराधी, क़ुसूरवार, पापी, गुनाहवार।

तख़त्ती (تخطی) अ स्त्री –दोषारोपण, इल्ज़ाम लगाना।

तख़ब्बुत (تخبط) अ पु –कुमार्ग पर चलना, प्रेत का सिर चढ़ कर पागल कर देना।

तख़य्युल (تخیل) अ पु –सोचना, विचारना, ख़याल करना, कल्पना करना, उड़ान भरना, कविता के लिए मज़्मून तलाश करना, कल्पना, उड़ान, भ्रम, वह्म, ध्यान, ख़याल।

तख़य्युलात (تخیلات) अ पु –'तख़य्युल' का बहु, कल्पनाएँ, ख़यालात, भ्रमजाल, वाहिमे।

तख़र्रुक (تخرق) अ पु –फटना, फटा होना, झूठ बोलना।
तख़ल्खुल (تخلخل) अ पु –बिखर जाना।
तख़ल्लुक़ (تخلق) अ पु –स्वभाव बनाना, आदत डालना, सुशील होना।
तख़ल्लुफ़ (تخلف) अ पु –प्रतिज्ञा भग करना, पीछे रहना।
तख़ल्लुस (تخلص) अ पु –शाइर या कवि का वह नाम जो वह अपनी कविता मे लिखता है, उपनाम।
तख़श्शी (تخشی) अ स्त्री –डरना, भयभीत होना, डराना, त्रासन।
तख़श्शो (تخشع) अ पु –नम्रता, विनीत, आजिज़ी, ख़ाकसारी।
तख़ारुज (تخارج) अ पु –बँटना, तक्सीम होना।
तख़ालुज (تخالج) अ पु –हृदय मे भ्रम होना, शका होना, शक होना।
तख़ालुफ़ (تخالف) अ पु –शत्रुता, वैर, प्रतिकूलता, मुख़ालफ़त, परिवर्तन, उलट-पलट।
तख़ावुफ़ (تخاوف) अ पु –एक दूसरे से डरना।
तख़ासुम (تخاصم) अ पु –परस्पर शत्रुता करना।
तख़ैयुल (تخیل) अ पु –दे 'तख़य्युल'।
तख़ैयुलात (تخیلات) अ पु –दे 'तख़य्युलात'।
तख़ईल (تخئیل) अ स्त्री —किसी को ध्यान मे लाना, ध्यान करना, ध्यान, ख़याल, कल्पनाशक्ति, कुव्वते फ़िक्र।
तख़्तः (تختہ) फा पु –लकड़ी का लम्बा, चौडा और थोडा मोटा टुकडा, जहाज़ के फर्श का हर टुकडा जो लकडी का हो, कागज़ का एक शीट, वह लकडी का पटरा जिस पर मुर्दा नहलाया जाता है, ज़मीन का साफ और हमवार टुकडा, बाग का कता', खेत आदि की कियारी।
तख़्त (تخت) फा पु –बडी चौकी, बादशाह या राजा के बैठने की चौकी, राज्य, राष्ट्र, हुकूमत, पलग, चारपाई, ज़ीन (वि) बडा, ज्येष्ठ, कलाँ।
तख़्त.बंद (تختہ بند) फा वि –बदी, कैदी, कैद, कारावास, लकडी की वह खपची जो टूटी हड्डी को जोड़ने के लिए बाँधी जाती है।
तख़्त.बंदी (تختہ بندی) फा स्त्री –दीवारो को अदर से तख़्ते जड़वाकर सुरक्षित करना, बाग की कियारियो आदि को ढग से सजाना।
तख़्तए कागज़ (تختۂ کاغذ) फा अ पु –कागज़ का ताव, शीट।
तख़्तए ताबूत (تختۂ تابوت) फा. अ पु –वह सदूक या पलंग जिसमें मुर्दे को ले जाते है।
तख़्तए तालीम (تختۂ تعلیم) फा अ पु –वह काला पटरा जिस पर बच्चो को अक्षर और गिनती सिखाते है, शिक्षा-पटल, ब्लैक बोर्ड।
तख़्तए नर्द (تختۂ نرد) फा पु –चौसर खेलने का तख़्ता।
तख़्तए मय्यित (تختۂ میت) फा अ पु –मुर्दे को नहलाने का तख़्ता।
तख़्तए मश्क (تختۂ مشق) फा अ पु –बच्चो की तख़्ती, वह चीज़ जो बहुत प्रयुक्त हो।
तख़्तए मीना (تختۂ مینا) फा पु –आकाश, आस्मान।
तख़्तए मुसत्तह (تختۂ مسطح) फा अ पु –एक प्रकार की मेज़ जो पैमाइश मे काम देती है।
तख़्तए याददाश्त (تختۂ یادداشت) फा पु –वह कागज़ का तख़्ता जिसमे याददाश्त के लिए आवश्यक बाते नोट रहती है, स्मृतिपट।
तख़्तगाह (تختگاہ) फा स्त्री –राजधानी, राजकेंद्र, दारुस्सल्तनत।
तख़्तनशी (تخت نشیں) फा वि –तख़्त पर बैठनेवाला, बादशाह, राजा, शासक।
तख़्तनशीनी (تخت نشینی) फा स्त्री –तख़्त पर बैठना, बादशाह बनना, तख़्त पर बैठने की रस्म, ताजपोशी, अभिषेक, राज्याभिषेक, अपने शासक होने की घोषणा।
तख़्तियः (تخطیہ) अ पु –किसी के काम की गलती पकडना।
तख़्ती (تختی) फा स्त्री –बच्चो के लिखने का लकडी का छोटा तख़्ता, पाटी, लकडी का बहुत छोटा तख़्ता जो गले आदि मे डाला जाता है।
तख़्तेआबनूसी (تخت آبنوسی) फा पु –रात्रि, रात।
तख़्तेख़्वाब (تخت خواب) फा पु –पलग, चारपाई।
तख़्तेताऊस (تخت طاؤس) फा पु –शाहजहाँ का बनवाया हुआ सिंहासन जिस पर एक रत्नजटित मोर-पर फैलाये बादशाह के सर पर छाया किये था, नादिरशाह इस तख़्त को ईरान ले गया।
तख़्तेरवाँ (تخت رواں) फा पु –वह तख़्त जो कहारो के द्वारा कधो पर चलता है और जिस पर बादशाह सैर को जाता है।
तख़्तेशाही (تخت شاہی) फा पु –राजसिंहासन, बादशाह के बैठने का तख़्त।
तख़्तेसुलैमानी (تخت سلیمانی) फा अ पु –वह तख़्त जिस पर बैठकर हज़रत सुलेमान उडा करते थे।
तख़्तोताज (تخت و تاج) फा पु –शासनसूत्र, राज्यभार, हुकूमत का इतिज़ाम।

तख्दीर (تخدیر) अ स्त्री –शरीर के किसी अग को दवाओ के द्वारा सुन्न कर देना, स्त्री को पर्दे में बिठाना।

तख़्फ़ीफ़ (تخفیف) अ स्त्री –न्यूनीकरण, कमी करना, हलकापन, कमी।

तख़्मीनः (تخمینہ) अ पु –अनुमान, अटकल, अदाज़ा, विचार, कियास।

तख़्मीन (تخمین) अ स्त्री –अनुमान करना, अदाज़ा लगाना।

तख़्मीनन (تخمیناً) अ वि –अदाज़न, अनुमानत, कम से कम, या ज़ियादा से ज़ियादा।

तख़्मीर (تخمیر) अ स्त्री –ख़मीर उठाना, आटे मे नमक और सोडा मिलाकर रखना, दवाओ मे रस या पानी आदि डालकर धूप मे रखना या ज़मीन में गाडना।

तख़्मीस (تخمیس) अ स्त्री –पाँच करना, पाँच बनाना; उर्दू शाइरी की परिभाषा में, शे'र के दो मिस्रो मे तीन मिस्रे और जोडकर पाँच कर देना, ख़म्स, वह शे'र अपना हो या किसी और का, प्राय: ख़म्स, एक शे'र का नही होता बल्कि पूरी गज़ल का होता है।

तख़्रिज. (تخرجہ) अ पु –निकालना, खारिज करना, निष्कासन, उर्दू काव्य-परिभाषा में किसी तारीख़ी मिस्रे मे से कोई सख्या कम करना, ताकि मिस्रे से ठीक साल निकल सके।

तख़्रीब (تخریب) अ स्त्री –तामीर का उलटा, विनष्ट करना, बरबाद करना, ध्वस्त करना, मुहदिम करना, किसी काम को विगाडना, विनाश, बरबादी, विध्वस, तबाही, विगाड, ख़राबी।

तख़्लिय (تخلیہ) अ पु –खाली करना, खाली कराना, एकान्त, ख़ल्वत।

तख़्लीक़ (تخلیق) अ स्त्री –उत्पत्ति करना, सृजन, पैदा करना।

तख़्लीत (تخلیط) अ स्त्री –गडबड करना, गडमड करना, खल्तमल्त करना, मिलाना, किसी मूल ग्रथ मे कुछ इधर-उधर का जोड देना, सच्ची बात में अपनी ओर से कुछ झूठ मिला देना।

तख़्वीफ़ (تخویف) अ स्त्री –त्रासन, त्रासना, डराना, धमकी देना, आतक दिखाना।

तख़्वीफ़े मुज्रिमानः (تخویف مجرمانہ) अ स्त्री –अवैध त्रास, नाजाइज़ धमकी देकर कुछ प्राप्त करने की कोशिश।

तख़्सीस (تخصیص) अ स्त्री –विशेषता, मुख्यता, ख़ुसूसियत।

तख़्सीसी (تخصیصی) अ वि –ख़ुसूसियत का, विशेष रूप से।

तग (تگ) फा स्त्री –दौड, भाग, प्रयत्न, कोशिश, उर्दू में अकेला नही आता दूसरे शब्द से मिलकर आता है, जैसे–'तगोदौ'।

तग़ज़्ज़ी (تغدی) अ स्त्री –खाना खाना, सवेरे का खाना खाना।

तग़ज़्ज़ुल (تغزل) अ पु –गजल का रग, ग़ज़लीयत।

तग़न्नी (تغنی) अ स्त्री –गाना, अलापना, नि स्पृह होना, वेनियाज़ी।

तग़य्युर (تغیر) अ पु –बदलना, पलटना, परिवर्तन होना, परिवर्तन, तब्दीली, विकार, ख़राबी, रूप, गध या दशा का बदल जाना, क्रान्ति, इन्क़िलाब।

तग़य्युरपसंद (تغیرپسند) अ फा वि –जो परिवर्तन को पसद करता हो, परिवर्त्तनप्रिय।

तग़य्युरात (تغیرات) अ पु –'तगय्युर' का बहु, परिवर्तन, तब्दीलियाँ, दुर्घटनाएँ, कालचक्र।

तगर्ग (تگرگ) फा पु –ओला, घनोपल, मरुत्फल, वार्पिला, मेघपुष्प, करका।

तगल (تگل) फा पु –सेना, फौज।

तग़ल्लुब (تغلب) अ पु –ग़बन, ख़ुर्दबुर्द, अपहरण, छल-हरण, मोषण, ख़ियानत।

तग़श्शी (تغشی) अ स्त्री –छिपाना, गोपन, पहनना, ओढना।

तगापो (تگاپو) फा स्त्री –पराक्रम, दौड-धूप, प्रयत्न, कोशिश, तलाश, खोज, चिन्ता, फ़िक्र।

तग़ाफ़ुल (تغافل) अ पु –उपेक्षा, बेतवज्जुही, "क्यो तगाफ़ुल मुझ से अय अब्रे करम बहरे सख़ा—मै ही क्यो महरूम तेरे फ़ैज़े आलमगीर से।" असावधानी, गफ़लत, ढील, विलब, देर।

तग़ाफ़ुलआश्ना (تغافل آشنا) अ फा वि –जान-बूझकर वेपरवाही बरतनेवाला, ढील डालनेवाला, वेपरवा माशूक़।

तग़ाफ़ुलकेश (تغافل کیش) अ फा वि –दे 'तगाफ़ुल आश्ना, "अय निगाहे नाज़ तेरी यह तगाफ़ुल केशियाँ ? लुत्फ़े-तनहाई मुझे हासिल तेरी महफ़िल में है।"

तग़ाफ़ुल दस्तगाह (تغافل دستگاہ) अ फा वि –दे 'तगा-फ़ुलआश्ना'।

तग़ाफ़ुलदोस्त (تغافل دوست) अ फा वि –दे 'तग़ा-फ़ुलआश्ना'।

तग़ाफ़ुलदोस्ती (تغافل دوستی) अ फा स्त्री –जान-बूझकर वेपरवाही बरतना, देर लगाना।

तग़ाफ़ुलपसंद (تغافل پسند) अ फा वि –दे 'तगाफ़ुल-आश्ना'।

तग़ाफ़ुलपसंदी (تغافل پسندی) अ फा. स्त्री.—दे 'तग़ाफ़ुलदोस्ती'।
तग़ाफ़ुलपेशः (تغافل پیشہ) अ फा वि—दे 'तग़ाफ़ुल आश्ना'।
तग़ाफ़ुलपेशगी (تغافل پیشگی) अ फा स्त्री—दे. 'तग़ाफ़ुलदोस्ती'।
तग़ाफ़ुलमनिश (تغافل منش) अ फा वि—दे 'तग़ाफ़ुलआश्ना'।
तग़ाफ़ुलमनिशी (تغافل منشی) अ फा स्त्री—दे 'तग़ाफ़ुलदोस्ती'।
तग़ाफ़ुलशिआर (تغافل شعار) अ वि—दे 'तग़ाफ़ुलआश्ना'।
तग़ाफ़ुलशिआरी (تغافل شعاری) अ स्त्री—दे 'तग़ाफ़ुलदोस्ती'।
तग़ाफ़ुलशेवः (تغافل شیوہ) अ फा वि—दे 'तग़ाफ़ुलआश्ना'।
तग़ाफ़ुलशेवगी (تغافل شیوگی) अ फा स्त्री—दे 'तग़ाफ़ुलदोस्ती'।
तग़ाबुन (تغابن) अ पु—एक दूसरे को घाटा पहुँचाना, टोटा, घाटा।
तगामशी (تگامشی) फा स्त्री—दौड़-धूप, तगापो, परिश्रम, प्रयास जाँफ़िशानी।
तग़ायुर (تغایر) अ पु—परस्पर एक दूसरे से विपरीत होना, विभिन्नता, इख़्तिलाफ़।
तग़ार (تغار) फा पु—बड़ा तसला, गारे का कुंड, मिट्टी की नाँद।
तग़ीर (تغیر) अ स्त्री.—दे 'तग़ईर'।
तग़ैयुर (تغیر) अ पु—दे 'तग़य्युर', परिवर्तन, क्रान्ति।
तग़ैयुरात (تغیرات) अ पु—दे 'तग़य्युरात'।
तगोताज़ (تگ وتاز) फा स्त्री—दे 'तगापो'।
तगोदौ (تگ ودو) फा स्त्री—दे 'तगापो'।
तग़ईर (تغییر) अ स्त्री—बदलना, कुछ का कुछ कर देना, परिवर्तन, तब्दीली।
तग़्जियः (تغذیہ) अ पु—खाना देना, अन्न देना, परवरिश करना, विकास देना।
तग़्फ़ील (تغفیل) अ स्त्री.—भूलचूक करना, गफ़लत करना।
तग़्मीज़ (تغمیض) अ स्त्री—आँखे बन्द करना।
तग़्रीक़ (تغریق) अ स्त्री—डुबोना, गर्क करना।
तग़्रीब (تغریب) अ स्त्री—देश निकाला देना, जलावतन करना।
तग़्रीम (تغریم) अ स्त्री—तावान लेना, हर्जा वसूल करना।
तग़्लीक़ (تعلیق) अ स्त्री—बाँधना, लपेटना।
तग़्लीज़ (تغلیظ) अ स्त्री—गाढ़ा करना, सख़्ती करना।
तग़्लीत (تغلیط) अ स्त्री—गलती में डालना, भुला देना।
तग़्लील (تغلیل) अ स्त्री—सुगंधित करना, ख़ुशबू में बसाना।
तज़क्की (تزکی) अ स्त्री—पाक करना, पवित्र करना, माल मे से ज़कात देना।
तज़क्कुर (تذکر) अ पु—स्मरण करना, याद करना, स्मरण होना, याद आना।
तजज़्ज़ी (تجزی) अ स्त्री—टुकड़े-टुकड़े होना।
तज़ब्ज़ुब (تذبذب) अ पु—असमंजस, ऊहापोह, दुविधा, संदेह, शंका, शक।
तज़म्मुन (تضمن) अ पु—स्वीकार करना, अंतर्गत करना, या होना।
तजम्मुल (تجمل) अ पु—सौन्दर्य, हुस्न, वैभव, शानोशौकत, धन-संपत्ति, शृंगार और आभूषणादि से शरीर की सजावट।
तज़य्युन (تزین) अ पु—सुसज्जित होना, शृंगारित होना, शोभित होना, शृंगार, सजावट; शोभा।
तजर्रुद (تجرد) अ पु—अकेलापन, तनहाई, स्त्री के विना जीवन व्यतीत करना, सन्यास, वैराग्य, दरवेशी, संसार से विरक्ति, निस्पृहता, नग्नता, नंगापन।
तज़र्रुर (تضرر) अ पु—हानि उठाना, नुकसान पाना, दुःखित होना, रंजूर होना।
तजर्री' (تجرع) अ पु—घूँट-घूँट करके पीना।
तज़र्रो' (تضرع) अ पु—गिड़गिड़ाहट, मिन्नत, ख़ुशामद।
तज़र्व (تذرو) फा पु—एक प्रसिद्ध चिड़िया, चकोर।
तज़ल्ज़ुल (تزلزل) अ पु—कंपन, हिलना-डोलना, भूकंप, ज़ल्ज़ला, हलचल, खलबली, सनसनी, क्रान्ति, इन्क़िलाब, अस्थिरता, डगमगाहट।
तजल्लियात (تجلیات) अ स्त्री—तजल्ली का बहु, प्रकाश-समूह, रौशनियाँ।
तजल्ली (تجلی) अ स्त्री—प्रकाश, आभा, नूर, तेज, प्रताप, जलाल, अध्यात्मज्योति, नूरेहक़।
तजल्लीख़ेज़ (تجلی خیز) अ फा वि—दे 'तजल्लीरेज़'।
तजल्लीगाह (تجلی گاہ) अ फा स्त्री—रौशनी और प्रकाश का स्थान, सुन्दरियो का स्थान।
तजल्लीज़ार (تجلی زار) अ फा पु—वह स्थान जहाँ प्रकाश ही प्रकाश हो, जहाँ सौन्दर्य ही सौन्दर्य हो।
तजल्लीरेज़ (تجلی ریز) अ फा वि—प्रकाश फैलानेवाला, रौशनी बरसानेवाला।
तज़ल्लुम (تظلم) अ पु—किसी के अत्याचार पर दुहाई देना और विलाप करना।

तज़ल्लुल (تزلزل) अ पु –लडखडाहट, लग्ज़िश।
तज़व्वुज (تزوج) अ पु–ब्याह करना, बीबी बनाना, पति बनाना, 'तज़व्वुद' (अ) भी शुद्ध है।
तजस्सुस (تجسس) अ पु –जिज्ञासा, पूँछताछ, गवेषणा, मार्गण, तलाश, खोज, दौड-धूप, प्रयास।
तजस्सुसकुनाँ (تجسس کناں) अ फा वि –खोज करता हुआ, ढूँढता हुआ, पूछताछ करता हुआ।
तज़ाउफ (تضاعف) अ पु –दूना होना, दुगुना होना।
तज़ाद (تضاد) अ पु –एक दूसरे के विरुद्ध होना, एक दूसरे का शत्रु होना, विरोध, प्रतिकूलता, इख़्तिलाफ, शत्रुता, रिपुता, दुश्मनी।
तज़हहुद (تزہد) अ पु –जाहिद बनना, आबिद बनना, जगत् से विरक्त होना, 'जुह्द' से बना।
तज़ायुक़ (تضایق) अ पु –तग होना।
तज़ायुद (تزاید) अ पु –अधिक होना, ज़ियादा होना, अधिकता, बहुतायत से बना।
तजारिब (تجارب) अ पु –'तज्रिब' का बहु, तज्रिबे, 'तजुर्बा' भी प्रचलित है।
तजावुज़ (تجاوز) अ पु –अपनी हद से बढ जाना, सीमोल्लघन, अपने इख़्तियार से बाहर कोई काम करना, अवज्ञा, हुक्मउदूली, धृष्टता, गुस्ताखी।
तजाहुल (تجاہل) अ पु –जान-बूझकर अनजान बनना, बेखबर और अनजान होना, उपेक्षा, लापरवाही।
तजाहुले आरिफानः (تجاہل عارفانہ) अ पु –जानते हुए यह जाहिर करना कि जानते नही, जान-बूझकर अनजान बनना।
तज़ीअ' (تضئیع) अ स्त्री –व्यर्थ खोना, बरबाद करना।
तज़ीइए औक़ात (تضئیع اوقات) अ स्त्री –समय का व्यर्थ नष्ट करना।
तज़ईन (تزئین) अ स्त्री –अपने को बनाना, सँवारना, शृगार, सज्जा, बनाव, सिंगार।
तज़ईफ (تضعیف) अ स्त्री –दूना करना, निर्बल करना।
तज़्कार (تذکار) अ पु –चर्चा करना, जिक्र करना, स्मृति, यादगार, चर्चा, जिक्र।
तज़्किय. (تزکیہ) अ पु –शुद्ध करना, पवित्र करना, माल की ज़कात देना, शुद्धि, सफाई।
तज़्किर. (تذکرہ) अ पु –चर्चा, जिक्र, वार्तालाप, बातचीत, ख्याति, शुहरत, परिपत्र, पास्पोर्ट, प्रसग, सिलसिला।
तज़्कीर (تذکیر) अ स्त्री –पुल्लिग बनाना, याद दिलाना, पुल्लिग।
तज़्कीरो तानीस (تذکیروتانیث) अ स्त्री –पुल्लिग और स्त्रीलिंग, याद करना और उन्स (प्रेम) करना।
तज्ज़िय' (تجزیہ) अ पु –अलग-अलग करना, टुकडे-टुकडे करना, किसी पदार्थ के सारे अवयव अलग-अलग करके उनकी जाँच करना।
तज्दीद (تجدید) अ स्त्री –नवीनीकरण, नया बनाना, नवीनता, नयापन।
तज्दीदेअह्द (تجدید عہد) अ स्त्री –प्रतिज्ञा भग हो जाने पर फिर से प्रतिज्ञा करना, नये सिरे से दुबारा वादा करना, नव्य प्रतिज्ञा।
तज्दीदे मुलाकात (تجدید ملاقات) अ स्त्री –मुलाकात को बहुत दिन हो जाने पर फिर से मुलाकात करना।
तज्नीस (تجنیس) अ स्त्री –एकलिंगता, एक जिंस होना, एकरूपता, हमशक्ली, एक शब्दालकार, जिसमे किसी शे'र मे एक-जैसे शब्द लाये जाते है, यमक।
तज्फीफ (تجفیف) अ स्त्री –सुखाना, खुश्क करना।
तज़्मीद (تضمید) अ स्त्री –किसी अग विशेष पर दवा का लेप करना, लेप, प्रलेप, ज़िमाद।
तज़्मीन (تضمین) अ पु –किसी को ज़ामिन बनाना, किसी को अपनी पनाह में लेना, किसी के शे'र या मिस्रे को अपने शेरो में प्रयोग करना, खम्स करना, दो मिस्रो पर तीन मिस्रे और लगाना।
तज्रिब' (تجربہ) अ पु –परीक्षा, जाँच, अनुभव, जानकारी, किसी विषय या कार्य के सारे ऊँच-नीच या अच्छे-बुरे की खबर, 'तजुर्बा' और 'तज्रबा' दोनो ही प्रचलित है।
तज्रिबःकार (تجربہ کار) अ फा वि –जिसे किसी काम का काफी तज्रिबा हो, अनुभवी, जिसे सासारिक व्यवहार का अनुभव काफी हो, बहुदर्शी।
तज्रीद (تجرید) अ स्त्री –किसी चीज़ पर से उसका सामान उतारकर उसे अपनी असली दशा मे कर देना, नगा कर देना; सँवारना, सजाना, (काट छाँटकर), सुधार करना, दुरुस्ती करना, अकेला जीवन व्यतीत करना, ब्रह्मचर्य।
तज़्लील (تذلیل) अ स्त्री –अपमान, तिरस्कार, बेइज़्ज़ती, 'ज़िल्लत' से बना।
तज्वीज़ (تجویز) अ स्त्री –विचार, खयाल, मति, सलाह, राय, प्रबध, इतिजाम, योजना, मसूबा, प्रयत्न, उपाय, कोशिश, निर्णय, फैसला, रिजोल्यूशन, प्रस्ताव।
तज़्वीज (تزویج) अ स्त्री –विवाह, पाणिग्रहण, ब्याह, निकाह।
तज्वीद (تجوید) अ स्त्री –निर्मल और स्वच्छ करना, किसी शब्द का शुद्ध उच्चारण करना, हाफिजो की परि-

भापा मे कुरान को शुद्ध उच्चारण और पूर्ण नियम से पढना।

तज्वीफ (تجويف) अ स्त्री –अन्दर से खुख्खल करना, खोखला, सुपिर।

तज्वीर (تزوير) अ स्त्री –धोका, छल, कपट, फरेब; मिथ्या, असत्य, झूठ।

तज्हीक (تضحيك) अ स्त्री –हँसी उडाना, ठठोल करना, तिरस्कार करना, निन्दा करना।

तज्हीज़ (تجهيز) अ स्त्री –मुर्दे के लिए जरूरी सामान तैयार करना, जैसे–कफ़न के लिए कपडा, गुस्ल के लिए इत्र, काफूर, कब्र के लिए तख्ते, गुलावजल आदि, यह शब्द अकेला प्रयुक्त नही है तक्फीन के साथ आकर 'तज्हीज़ो तक्फीन' वोला जाता है, जैसे—तक्फीन अलग नही वोला जाता।

तज्हीज़ोतक्फीन (تجهيزوتكفين) अ स्त्री –मुर्दे को यथा-नियम नहला-धुलाकर और कफन में लपेटकर जनाज़ा तैयार करना।

तज्हीब (تذهيب) अ स्त्री –सोना चढाना, सोने का मुलम्मा चढाना, सोने का खोल चढाना।

ततब्बो' (تتبع) अ पु –अनुसरण, अनुकरण, तक़्लीद, इत्तिवाअ।

ततर (تتر) फा पु –'तातार' का लघुरुप, दे 'तातार'।

ततरी (تترى) फा वि –तातार का, तातारियो का; तातार या तातारियो से सम्बद्ध।

तताबुक़ (تطابق) अ पु –समानता, सदृशता, बरावरी, तुलना, उपमा, मुशावहत।

ततार (تتار) फा पु –'तातार' का लघुरुप, दे 'तातार'।

ततावुल (تطاول) अ पु –अहकार, घमड, द्रोह, सरकशी; अत्याचार, दस्तदराज़ी।

ततिम्म. (تتمه) अ पु –हर चीज का वकीया और आखिरी हिस्सा, किताव का शेप अश जो वाद को उसमें जोड़ा जाय, पूरक, परिशिष्ट।

तत्बीक़ (تطبيق) अ स्त्री –एक चीज़ को दूसरे के मुताविक करना।

तत्वील (تطويل) अ स्त्री –लम्वा करना, फैलाना, लम्वाई, फैलाव।

तत्हीर (تطهير) अ स्त्री –पवित्र करना, शुद्ध करना, पाक करना, पवित्रता, शुद्धता, पाकीज़गी।

तदव्वुर (تدبر) अ पु –काम करने से पहले उसका परिणाम सोचना, दूरदर्शिता, दूरवीनी।

तदय्युन (تدين) अ पु –धर्मनिष्ठता, दीनदारी, सत्य-निष्ठता, दियानतदारी।

तदर्व (تدرو) फा पु –एक पक्षी, चकोर, दे 'तज़र्व'।

तदाख़ुल (تداخل) अ पु –एक चीज़ का दूसरी चीज़ में दाखिल होना, एक खाना हज़्म होने से पहले दूसरा खाना खा लेना।

तदख़ुले फस्लैन (تداخل فصلين) अ पु –दो ऋतुओ की सधि, दो ऋतुओ का सधिकाल, दो मौसिमो के मिलने का समय।

तदावीर (تدابير) अ स्त्री –'तद्वीर' का वहु, तद्वीरे।

तदारुक (تدارک) अ पु –खायी हुई चीज़ का पता लगाना, रोक, प्रतिरोध; सुधार, इस्लाह, यत्न, उपाय, तद्वीर, ऐसा उपाय जिससे कोई वुरा काम रुक जाय।

तदावी (تداوى) अ स्त्री –चिकित्सा, उपचार, इलाज।

तदैयुन (تدين) अ पु –दे 'तदय्युन'।

तद्क़ीक़ (تدقيق) अ स्त्री –वारीक करके कूटना, खूब सोचना-विचारना।

तद्फीन (تدفين) अ स्त्री –मुर्दे को ज़मीन मे गाडना, दफ्न करना, दफन से वना।

तद्वीर (تدبير) अ स्त्री –उपाय, तरकीव, प्रयत्न, कोशिश, उपचार, इलाज; चालाकी, चतुराई, फित्रत, प्रवव, इतिज़ाम, पेशवदी, एहतियात।

तद्वीरे मजिल (تدبير منزل) अ स्त्री –घर-गृहस्थी का प्रवध।

तद्रीज (تدريج) अ स्त्री –धीरे-धीरे होना, शनै शनै।

तद्रीस (تدريس) अ स्त्री –पढाना, पाठन।

तद्वीन (تدوين) अ स्त्री –एकत्र करना, सग्रह करना, रचना, वनाना, सपादन करना।

तद्वीर (تدوير) अ स्त्री –चारो ओर घुमाना, ज्योतिप की परिभाषा मे आकाश का वह विशेप भाग जो किसी आकाश के अतर्गत हो।

तद्हीन (تدهين) अ स्त्री –तेल चुपडना, चिकना करना।

तनः (تنه) फा पु –वृक्ष का वह भाग जो उसकी जड से वहाँ तक हो जहाँ से डालियाँ निकलती है, पेडी।

तन (تن) फा पु –देह, शरीर, काया, वपु, तनु, गात्र, जिस्म, वदन; व्यक्ति, पुरुष, आदमी।

तनआसाँ (تن آساں) फा वि –दे 'तनासाँ'।

तनआसानी (تن آسانى) फा स्त्री –दे 'तनासानी'।

तनख़्वाह (تنخواه) फा स्त्री –काम की वह उज्रत जो महीने पर मिले, वेतन, तलव।

तनख़्वाहदार (تنخواه دار) फा वि –तनख़्वाह पर काम करनेवाला, तनख़्वाह पानेवाला, वेतनभोगी, भृतक।

तनग़्गुस (تنغص) अ पु –खिन्नता, मलिनता, तकद्दुर, बदमज़गी।

तनज़्ज़ुल (تنزل) अ पु –नीचे उतरना, नीचे आना, अवनति, पतन, ज़वाल, दरजा टूटना, पद ह्रास, तनख्वाह मे कमी होना, ह्रास, कमी, इनहितात, अपदस्थता।

तनदिही (تن دهی) फा स्त्री –तन्मयता, सलग्नता, इन्हिमाक, पराक्रम, परिश्रम, मेहनत।

तनदुरुस्त (تندرست) फा वि –जिसके शरीर में किसी प्रकार का विकार न हो, निरामय, नीरोग, सुस्थ, स्वस्थ।

तनदुरुस्ती (تن درستی) फा स्त्री –स्वास्थ्य, नीरोगिता, सेहतमदी।

तनपरस्त (تن پرست) फा वि –काम न करनेवाला, आलसी, आरामतलव, सुखेच्छु।

तनपरस्ती (تن پرستی) फा स्त्री –निकम्मापन, निठल्लापन, आलस, काहिली, सुस्ती।

तनपर्वर (تن پرور) फा वि –दे 'तनपरस्त'।

तनपर्वरी (تن پروری) फा स्त्री –दे 'तनपरस्ती'।

तनफ़्फ़ुर (تنفر) अ पु –घृणा, नफरत, घिन।

तनफ़्फ़ुस (تنفس) अ पु –साँस की आमदरफ्त, प्राणवृत्ति, श्वासकास, श्वास रोग, दमे की बीमारी।

तन ब तक्दीर (تن بہ تقدیر) फा अ अव्य –भाग्य के सहारे, किस्मत के भरोसे पर, जो भी हो।

तनब्बुह (تنبه) अ पु –आगाह होना, जानना, सतर्क होना, चेत जाना, सावधान होना, होशियार हो जाना।

तनव्वो' (تنوع) अ पु –चित्र-विचित्र होना, रगविरगी होना, भाँति-भाँति होना, नवीनता, नयापन, जिद्दत।

तनहा (تنہا) फा वि –एकाकी, अकेला, एकमात्र, केवल, सिर्फ, रिक्त, खाली।

तनहाई (تنہائی) फा स्त्री –अकेलापन, एकान्त, गोशा।

तना'उम (تنعم) अ पु –लाड-प्यार और सुख-चैन में जीवन व्यतीत हो, सुख, चैन, लाड-प्यार, ऐश।

तनाक़ुज़ (تناقض) अ पु –एक दूसरे के विपरीत और उलटा होना, प्रतिकूलता, विपरीतता, वैमनस्य, मनमुटाव, रजिश।

तनाक़ुस (تناقص) अ पु –दोष, ऐब, त्रुटि, भूल, अशुद्धि, गलती।

तनाज़ो' (تنازع) अ पु –सघर्ष, कशाकश, खीचातानी।

तनाज़ो' लिलबक़ा (تنازع للبقا) अ पु –जिंदा रहने के लिए परिश्रम और पराक्रम, जीवन-सघर्ष।

तनाफ़ुर (تنافر) अ पु –एक दूसरे से घृणा करना, एक दूसरे से भागना, साहित्य की परिभाषा के अनुसार किसी पद में दो शब्दो के उन दो अक्षरो का पास-पास होना जिनका उद्गम एक हो।

तनाब (طناب) अ स्त्री –रावटी और तबू में लगनेवाली रस्सी, जिसके सहारे वे खडे होते है।

तनाबे अमल (طناب امل) अ स्त्री –उम्मेद की डोरी, आशारूपी डोर, आशा-सूत्र, आशा, आस, उम्मेद।

तनाबे उम्र (طناب عمر) अ स्त्री –आयुसूत्र, आयुकाल, उम्र की लम्बाई।

तनावर (تناور) फा वि –स्थूल, मोटा-ताज़ा, दृढाग, कवीजुस्स।

तनावुल (تناول) अ पु –भोजन आदि खाना, सहन करना, उठाना।

तनासाँ (تن آساں) फा वि –काहिल, सुस्त, आलसी, आरामतलव, निकम्मा, वेकार।

तनासानी (تن آسانی) फा स्त्री –निकम्मापन, आलस, सुस्ती, आरामतलवी।

तनासुख (تناسخ) अ पु –प्राण का एक शरीर से निकलकर दूसरे शरीर में जाना, आवागवन, आवागमन।

तनासुब (تناسب) अ पु –परस्पर निस्वत रखना, किसी पदार्थ के तमाम अगो मे जिसको जितना होना चाहिए उतना होना, किन्ही दो चीज़ो मे परस्पर मुनास्वत।

तनासुबे अज्ज़ा (تناسب اجزا) अ पु –किसी नुस्खे की तमाम दवाओ की वाहमी मुनासवत, जैसे—किसी साबुन के नुस्खे मे कास्टिक १ सेर, सेलीकेट १½ सेर, पानी चार सेर, तेल आठ सेर आदि, भागानुपात।

तनासुबे आ'ज़ा (تناسب اعضا) अ पु –शरीर मे अगो का सुडौलपन, अग-सौष्ठव, अग-सहति, अगानुपात।

तनासुल (تناسل) अ पु –नर और मादा का मिलकर सतान उत्पन्न करना, नस्ल बढाना। यह शब्द अकेला प्रयुक्त नही होता, तवालुद के साथ 'तवालुदो तनासुल' वोला जाता है, दे 'तवालुद'।

तनीन (طنین) अ स्त्री –भिनभिनाहट, सनसनाहट।

तनूर (تنور) फा पु –खमीरी रोटी पकाने की गहरी डहर-नुमा भट्ठी, तदूर, तन्नूर।

तने तन्हा (تن تنہا) फा वि –बिलकुल अकेला, एकाकी, नकददम, फकतदम।

तने बेजाँ (تن بےجاں) फा वि –शव, लाश, प्राणहीन शरीर।

तनोतोश (تن وتوش) फा पु –शरीर का भारी भरकमपन, मोटाताज़ापन।

तनोमद (تنومند) फा वि –स्वस्थ, नीरोग, तन्दुरुस्त, हृष्टपुष्ट, मोटा-ताज़ा, दृढाग।

तन्क़ः (تنکہ) तु पु –प्रचलित मुद्रा, चाहे वह सोने की हो या चाँदी की या ताँबे की या किसी अन्य धातु की।

तनकियः (تنقیہ) अ पु –पेट साफ करना, जुलाव लेना, विरेचन।

तन्कियए ताम (تنقیۂتام) अ पु –ऐसा जुलाव जिससे शरीर के सारे अगो का दूपित मवाद निकल जाय।

तन्कीद (تنقید) अ स्त्री –परख, पडताल, समीक्षा, किसी पुस्तक या निवध के मजमून की समीक्षा, समालोचना।

तन्कीस (تنقیص) अ स्त्री –कम करना, घटाना, तिरस्कार, अपमान, वेइज्जती, निन्दा, हजो।

तन्कीह (تنقیح) अ स्त्री –किसी चीज मे से मिलावट निकालकर उसे शुद्ध और निर्मल करना, न्यायालय की परिभाषा मे वाद या अभियोग के आधारभूत विपयो की समीक्षा।

तन्क़ीहतलव (تنقیح طلب) अ वि –जिस विपय की तन्कीह होना आवश्यक हो।

तन्नाज (طناز) अ वि –वहुत अधिक व्यगोक्तियाँ कसनेवाला (वाली), वहुत तज करनेवाला (वाली), वहुत ही इठलाकर और नाज से चलनेवाला (वाली), वहुत अधिक हावभाव और नाज-नख़रे दिखानेवाली।

तन्मियः (تنمیہ) अ पु –वढना, विकास, नश्वोनमा।

तन्वीन (تنوین) अ स्त्री –अनुस्वार पैदा करना, नकार का स्वर निकालना, अरवी शब्द के अतिम अक्षर पर के दो 'जवर', दो 'जेर' या दो 'पेश' जैसे, دوراً पर के दो ज़वर।

तन्वीर (تنویر) अ स्त्री –प्रकाशित करना, रौशन करना, प्रकाश, ज्योति, रौशनी, नूर,—"उसके जल्वो मे खिचा हुस्न का नकशा कामिल, उसकी तन्वीर मे तस्वीर की रानाई है।"

तपंचः (تپنچہ) फा पु –'तपाच' का लघुरूप, थप्पड, पिस्तौल, तमचा।

तप (تپ) फा स्त्री –ताप, तपन, गर्मी, ज्वर, वुख़ार।

तपाँ (تپاں) फा वि –जलता हुआ, तपा हुआ, उत्तप्त, तडपता हुआ, फड़कता हुआ।

तपांचः (طپانچہ-تپانچہ) फा पु –तमाचा, थप्पड, चाँटा।

तपाक (تپاک) फा पु –गर्मजोशी, सभ्रान्ति, आवभगत, तवाज़ो', प्रेम, प्यार, सादर, सोत्साह।

तपिश (تپش) फा स्त्री –पतन, गरिमा, गर्मी, दहन, जलन, सोज़िश, मनस्ताप, हार्दिक व्यथा, दिली गम, आतुरता, व्याकुलता, वेकरारी, आतप, धूप।

तपीदः (تپیدہ) फा वि –तपा हुआ, उत्तप्त, तप्त।

तपे कुह्नः (تپ کہنہ) फा स्त्री –पुराना वुख़ार, जीर्ण ज्वर।

तपे दरूँ (تپ دروں) फा स्त्री –मनस्ताप, मानसिक व्यथा, रूही तकलीफ, मनोदाह।

तपे दिक (تپ دق) फा स्त्री –राजयक्ष्मा, क्षयरोग, यक्ष्मा, क्षयी रोग।

तपे नौवत (تپ نوبت) फा अ स्त्री –वारी से आनेवाला ज्वर, जैसे—इकतरा, तिजारी, चौथिया आदि।

तपे मोहरकः (تپ محرقہ) फा अ स्त्री –मीआदी वुख़ार, टाईफाइड, मोतीझरा।

तपे लर्ज़ः (تپ لرزہ) अ फा स्त्री –कपकपी के साथ आनेवाला वुख़ार, मलेरिया, शीत ज्वर।

तपोलर्ज़ः (تپ ولرزہ) अ फा पु –वुख़ार और कपकपी।

तफ (تف) अ स्त्री –उष्णिमा, गरिमा, गर्मी, हरारत।

तफक्कुद (تفقد) अ पु –खोई हुई चीज़ की तलाश, खोज, दया, कृपा, अनुकपा, मेहरवानी।

तफक्कुर (تفکر) अ पु –चिन्ता, शोच, फिक्र, भय, शका, अदेशा।

तफक्कुरात (تفکرات) अ पु –चिन्ताएँ, फिक्रे, 'तफ़क्कुर' का वहुवचन।

तफक्कुह (تفکہ) अ पु –मेवा खाना, फल खाना।

तफज्जुल (تفضل) अ पु –श्रेष्ठता, पुनीतता, वुजुर्गी, दया, कृपा, इनायत, दान, प्रदान, वख़शिश।

तफत्तुत (تفتت) अ पु –टुकडे-टुकडे हो जाना, टूटकर रेज़ा-रेज़ा हो जाना, चिथरा हो जाना।

तफन्नुन (تفنن) अ पु –मनोरजन, मनोविनोद, हँसी-मजाक, तफ़ीह, रग-विरगी होना, विचित्रता।

तफन्नुने तब्अ (تفنن طبع) अ पु –आमोद-प्रमोद, मनोविनोद, दिल का वहलाव।

तफर्रुक (تفرق) अ पु –अलग-अलग होना, भिन्न-भिन्न होना।

तफर्रुके इत्तिसाल (تفرق اتصال) अ पु –क्षति, घाव, ज़ख़्म।

तफर्रुज (تفرج) अ पु –दरिद्रता और हीनता से समृद्धि और उन्नति की ओर आना, सैर, तमाशा, क्रीडा, कौतुक, आनन्द-विहार।

तफर्रुजगाह (تفرج گاہ) अ फा स्त्री –सैर-तमाशे का स्थान, तफ़ीहगाह, क्रीडास्थल, विनोदस्थल।

तफर्रुद (تفرد) अ पु –अद्वितीय होना, अनुपम होना, लासानी होना, एकान्तवासी होना, गोशानशीन होना।

तफल्सुफ (تفلسف) अ पु –विज्ञान, हिकमत।

तफव्वुक (تفوق) अ पु –श्रेष्ठता, प्रधानता, वडाई, तर्जीह।

तफहहुश (تفحش) अ पु –गाली-गलौज करना, फुहश वकना, अश्लीलता, अशिष्टता, फक्कडपन, 'फुहुश' से वना।

तफहहुस (تفحص) अ पु –खोज लगाना, ढूँढना, तलाश करना, खोज, तलाश, गवेषणा।

तफाउल (تفاؤل) अ पु –शगुन विचारना, फाल लेना।

तफाखुर (تفاخر) अ पु –गर्व, अभिमान, फख्र, गौरव।

तफारीक (تفاریق) अ स्त्री –'तफ्रीक' का वहु, जुदाइयाँ, फर्क, किस्तें।

तफारुक (تفارق) अ पु –एक दूसरे से जुदा होना, पृथक्ता, अलाहिदगी।

तफावुज (تفاوض) अ पु –साझा, भागीदारी, परस्पर परामर्श करना, विचार-विनिमय।

तफावुत (تفاوت) अ पु –अन्तर, फासिला, दूरी, पृथक्ता, जुदाई, विलव, देरी।

तफावुल (تفاول) अ पु –अच्छा शकुन लेना, शकुन विचारना।

तफासीर (تفاسیر) अ स्त्री –'तफ्सीर' का वहु, तफ्सीरें, महाभाष्य।

तफासील (تفاصیل) अ स्त्री –'तफ्सील' का वहु, तफ्सीले, विवरण।

तफासुल (تفاصل) अ पु –परस्पर अलग-अलग होना।

तफूलियत (طفولیت) अ स्त्री –वाल्यावस्था, वचपन।

तफखीम (تفخیم) अ स्त्री –श्रेष्ठ मानना, श्रेष्ठ वनाना।

तफ्जीअ (تفجیع) अ स्त्री –पीडित करना, दु खित करना।

तफ्जील (تفضیل) अ स्त्री –एक को दूसरे पर प्रधानता देना, प्रधानता, तर्जीह, हज़रत अली को पहले तीन खलीफाओ से श्रेष्ठ मानना।

तफ्ज़ीली (تفضیلی) अ पु –वह सुन्नी मुसलमान जो हजरत अली को बाक़ी खलीफाओ मे सर्वश्रेष्ठ मानता हो।

तफ़्ज़ीह (تفضیح) अ स्त्री –निन्दा करना, वदनाम करना, निंदा, अपयश, वदनामी।

तफ्तः (تفتہ) फा वि –तप्त, दग्ध, जला हुआ।

तफ़्त'जाँ (تفتہ جاں) फा वि –दे 'तफ्त जिगर'।

तफ्त जिगर (تفتہ جگر) फा वि –दिलजला, दग्धहृदय, प्रेमी, आशिक़।

तफ्ताँ (تفتاں) फा पु –रौगनी पराठा, धूप या आग पर सेंकी हुई चीज़।

तफ़्तीत (تفتیت) अ स्त्री –टुकडे-टुकडे करना, चूर-चूर करना।

तफ्तीद (تفتیدہ) फा वि –तपा हुआ, गर्म किया हुआ।

तफ़्तीर (تفطیر) अ स्त्री –रोज़ा खुलवाना।

तफ्तीश (تفتیش) अ स्त्री –खोज, तलाश, गवेषणा, पुलिस अफसर द्वारा किसी केस की जाँच-पडताल।

तफ्तीह (تفتیح) अ स्त्री –खोलना।

तफ्तीहे मसामात (تفتیح مسامات) अ स्त्री –पसीना के लिए शरीर के रोमकूपो को खोलना, (दवाओ द्वारा) वफारा द्वारा।

तफ़्नीद (تفنید) अ पु –भर्त्सना करना, डाँटना, फटकारना।

तफ्रिकः (تفرقہ) अ पु –फूट, परस्पर विरोध, शत्रुता, दुश्मनी, पृथक्ता, जुदाई।

तफ्रिकःअंगेज (تفرقہ انگیز) अ फा वि –दे 'तफ्रिक-अदाज़'।

तफ्रिक'अगेजी (تفرقہ انگیزی) अ फा स्त्री –दे 'तफ्रिक-अदाज़ी'।

तफ्रिक'अंदाज (تفرقہ انداز) अ फा वि –दो व्यक्तियो या दलो मे परस्पर फूट डलवानेवाला।

तफ्रिक़'अंदाजी (تفرقہ اندازی) अ फा स्त्री –परस्पर विरोध-भाव उत्पन्न करना।

तफ्रिक़'परदाज (تفرقہ پرداز) अ फा वि –दे 'तफ्रिक अदाज'।

तफ्रिक परदाजी (تفرقہ پردازی) अ फा स्त्री –दे 'तफ्रिक-अदाज़ी'।

तफ्रिक पर्वर (تفرقہ پرور) अ फा वि –दे 'तफ्रिक अदाज'।

तफ्रिक़'पर्वरी (تفرقہ پروری) अ फा स्त्री –दे 'तफ्रिक-अदाज़ी'।

तफ्रिक' सामाँ (تفرقہ ساماں) अ फा वि –फूट के सामान एकत्र करनेवाला, फूट फैलानेवाला।

तफ्रिक़' सामानी (تفرقہ سامانی) अ फा स्त्री –फूट के सामान एकत्र करके फूट फैलाना।

तफ्रीक (تفریق) अ स्त्री –पृथक् करना, अलग करना, फूट डालना, दिलो मे भेद डालना, पृथक्ता, जुदाई, फूट, तफ्रिक, वडी सख्या मे से छोटी सख्या घटाना, वाकी, व्यवकलन।

तफ्रीत (تفریط) अ स्त्री –किसी काम मे आलस्य और वेपरवाही करना, नष्ट करना, वरवाद करना।

तफ्रीद (تفرید) अ स्त्री –अकेला रह जाना, सवमे जुदा हो जाना, अकेला छोड देना।

तफ्रीश (تفریش) अ स्त्री –फर्श विछाना, फर्श विछाकर मकान सजाना।

तफ्रीस (تفریس) अ स्त्री –किसी दूसरी भाषा के शब्द को फार्सी वनाना।

तफ़ीह (تفریح) अ स्त्री –मनोविनोद, मनोरजन, दिल्लगी मजाक, सैर-सपाटा, विहार, क्रीडा, कौतुक, खेल-तमाशा, वक्त काटने के लिए मनबहलाव।

तफ़ीहगाह (تفریحگاہ) अ फा स्त्री –तफ़ीह की जगह, विनोदस्थल, क्रीडा-क्षेत्र।

तफ़ीहन (تفریحاً) अ वि –तफ़ीह और मनवहलाव के लिए, मज़ाक के तौर पर, दिल्लगी मे।

तफ़ीही (تفریحی) अ वि –मनवहलाव का, मनवहलाव से सम्वन्ध रखनेवाला।

तफ़ीहे तब्अ (تفریح طبع) अ स्त्री –मनवहलाव, मनोविनोद, मनोरजन।

तफ़्वीज़ (تفویض) अ स्त्री –सिपुर्द करना, हवाले करना, हस्तान्तरण।

तफ़्साँ (تفساں) फा वि –वहुत अधिक गर्म।

तफ़्सीदः (تفسیدہ) फा वि –वहुत गर्म।

तफ़्सीर (تفسیر) अ स्त्री –व्याख्या, तश्रीह, किसी धर्म-ग्रथ की व्याख्या, भाष्य।

तफ़्सील (تفصیل) अ स्त्री –विस्तार, विवरण, स्पष्टता, तौजीह।

तफ़्हीम (تفہیم) अ स्त्री –समझाना, वोध कराना।

तब (تب) फा स्त्री –दे 'तप', दोनो शुद्ध है।

तबक़ (طبقہ) अ पु –दे 'तब्क', शुद्ध उच्चारण यही है, परन्तु उर्दू मे 'तब्क' ही वोलते है।

तबक (طبق) अ पु –वडी रिकावी, थाल, परत, तह, तल, सतह, भग, योनि।

तब्क़गर (طبق گر) अ फा वि –तब्क वनानेवाला।

तबक़्चः (طبقچہ) अ फा पु –छोटा तवाक, छोटी रिकावी।

तबक़्ज़न (طبق زن) अ फा स्त्री –चपटी लडानेवाली स्त्री, सा'तरबाज।

तबकात (طبقات) अ पु –'तवक' का बहु, तब्के, परतें।

तबकातुलअर्ज़ (طبقات الارض) अ पु –पृथ्वी के परत, जमीन के भीतरी परत या दर्जे।

तबख़ाल (تبخالہ) फा पु –वह छोटा फफोला जो गर्मी से होठो पर निकल आता है।

तबख़्तुर (تبختر) अ पु –नाज और गुरूर से चलना, नाज, गुरूर।

तबद्दुल (تبدل) अ पु –वदल जाना, वदलना, वदला करना, परिवर्तन, इन्किलाव।

तबन्नी (تبنی) अ स्त्री –किसी वालक को गोद लेना, वेटा वनाना।

तबर (تبر) फा पु –कुल्हाडा, फरसा।

तवरज़द (طبرزد) फा स्त्री –कद, शर्करा, मिश्री, सफेद दानेदार चीनी।

तवरज़न (تبرزن) फा वि –कुल्हाडी चलानेवाला, लकड-हारा, तवर वाँधे हुए सिपाही।

तवरज़ी (تبرزین) फा पु –वह तवर जो सवार की ज़ीन के साथ हर वक्त कसा रहता है।

तवर्रा (تبرا) अ पु –उपेक्षा, घृणा, वेज़ारी, धिक्कार, ला'नत, मलामत, गाली-गलौज, अपशव्द, लानत मलामत जो शीआ लोग पहले तीन खलीफाओ की करते है।

तवर्राई (تبرائی) अ फा वि –गालियाँ वकनेवाला, तीनो खलीफाओ को वुरा-भला कहनेवाला, तवर्रावाज।

तवर्रावाज़ (تبراباز) अ फा वि –दे 'तवर्राई'।

तवर्रुक (تبرک) अ पु –वह चीज जिसमे वरकत होने का विश्वास हो, वह चीज़ जो किसी महात्मा या दरवेश से मिले, वह प्रसाद जो किसी वुजुर्ग आदि की फातहा का हो, वुजुर्गो से सम्वन्ध रखनेवाली चीज, वहुत थोडी-सी वस्तु (व्यग), प्रसाद।

तवर्रुकन (تبرکاً) अ वि –तवर्रुक के तौर पर, वरकत और मगल के लिए, प्रसादरूप से।

तवर्रुकात (تبرکات) अ पु –'तवर्रुक' का बहु, तवर्रुक की चीजे, वुजुर्गो से सम्वद्ध चीजे।

तवस्सुम (تبسم) अ पु –हलकी हँसी, मुस्कुराहट, मृदुहास, स्मित, मंदहास, मुस्कान।

तवस्सुमकुनाँ (تبسم کناں) अ फा वि –मुस्कुराता हुआ।

तवह (تبہ) फा वि –'तवाह' का लघु, दे 'तवाह'।

तवहकार (تبہ کار) फा वि –दे 'तवाहकार'।

तवहहाल (تبہ حال) फा वि –दे 'तवाह हाल'।

तवहहुर (تبحر) अ पु –विद्वत्ता, पाडित्य, इल्म की गहराई, धुरंधरता।

तवाअत (طباعت) अ स्त्री –मुद्रण, छपाई।

तवाउद (تباعد) अ पु –एक दूसरे से दूर होना, अन्तर, दूरी, फासिला।

तवाए (طبائع) अ स्त्री –'तवीअत' का बहु, प्रकृतियाँ, तवीअते।

तवाक (طباق) तु पु –वडी रिकावी, थाली, परात, खाना मेज का वर्तन, ख्वान।

तवाक़ी (طباقی) उ वि –दस्तरख्वान के साथी, खाने भर के मीत, हाली मवाली।

तवादुर (تبادر) अ पु –परस्पर दौडना, दौड मे आगे निकल जाना, किसी काम को दूसरे से पहले कर लेना।

तबादुरे ज़ेह्न (تبادرذهن) अ पु —ज़ेह्न का किसी ओर तुरत जाना, तुरत ही कोई बात ध्यान में आना।

तबादुल (تبادل) अ पु —बदलना, एक चीज़ की जगह दूसरी चीज़ लेना, एक चीज़ के स्थान पर दूसरी चीज़ रखना।

तबायुन (تباين) अ पु —विपरीतता, प्रतिकूलता, उलटापन, अंतर, भेद, फ़र्क, पृथक्ता, अलाहिदगी।

तबार (تبار) फा पु —वंश, कुल, गोत्र, खानदान।

तबाशीर (تباشير) फा पु —वंशलोचन, तवक्षीर, एक प्रसिद्ध दवा, सवेरे की सफ़ेदी, ऊषा, उषा।

तबाह (تباه) फा वि —नष्ट, ध्वस्त, बरबाद, जनशून्य, निर्जन, वीरान, निकृष्ट, दूषित, ख़राब, दुर्दशाग्रस्त, बदहाल।

तबाहकार (تباهكار) फा वि —तबाही मचानेवाला, बरबादी फैलानेवाला, विनाशकारी, अत्याचारी, ज़ालिम, बदचलन, कदाचारी।

तबाह रोज़गार (تباه روزگار) फा वि —ज़माने की गर्दिश का शिकार, कालचक्रग्रस्त, दुर्दशाप्राप्त, भाग्यध्वस्त।

तबाहहाल (تباه حال) फा अ वि —मुसीबत का मारा, कालचक्र-पीड़ित, मुफ्लिस, दरिद्र, निर्धन।

तबाही (تباهى) फा स्त्री —विनाश, बरबादी, विध्वंस, ख़राबी, खँडहरपन, अत्याचार, ज़ुल्म, निर्धनता, दरिद्रता, मुफ्लिसी, आपत्ति, विपत्ति, मुसीबत।

तबाहीज़द: (تباهى زده) फा वि —आफ़त का मारा, विपत्ति-ग्रस्त, निर्धन, कंगाल, बेज़र, भाग्यहीन, बदकिस्मत।

तबीअत (طبيعت) अ स्त्री —धर्म, स्वभाव, ख़ासीयत, प्रकृति, निसर्ग, नेचर, जिबिल्लत, स्वभाव, आदत, रुचि, रग़बत, जी, मन, दिल, चित्त, स्वास्थ्य या रोग के दृष्टिकोण से शरीर की दशा, मिज़ाज।

तबीई (طبيعى) अ वि —दे 'तब्ई', एक वैज्ञानिक शाखा जिसमें शारीरिक परिवर्तनों और गुणों का विवरण होता है, शरीर धर्मशास्त्र।

तबीख़ (طبيخ) अ पु —औटाई हुई दवा आदि का पानी, जोशाँद:।

तबीब (طبيب) अ पु —दवा करनेवाला, उपचारक, चिकित्सक, वैद्य।

तबीर (تبيره) फा पु —नक्कारा, धौंसा, दुन्दुभी, भेरी।

तबीर ज़न (تبيره زن) फा वि —नक्कारा बजानेवाला, भेरीकार।

तब्अ (طبع) अ स्त्री —स्वभाव, आदत, मुद्रण, छापना।

तब्अ आज़माई (طبع آزمائى) अ फा स्त्री —काव्य-रचना-शक्ति की जाँच, किसी समस्या की पूर्ति या किसी विषय पर कविता लिखना।

तब्अज़ाद (طبع زاد) अ फा वि —मन की प्रेरणा से उत्पन्न, गढ़त, अपनी विचार-शक्ति की पैदावार, कल्पित, फ़र्ज़ी।

तब्अन् (طبعاً) अ वि —स्वभावत, स्वभाव से, दिल से।

तब्ई (طبعى) अ वि —स्वाभाविक, प्राकृतिक, नेचुरल, "अय शम्मा तेरी उम्र तबई (तबीई) है एक रात"—"ज़ौक"।

तब्ईज़ (تبئيض) अ स्त्री —सफ़ेद करना, सफ़ेदी फेरना।

तब्ईन (تبئين) अ स्त्री —व्यक्त करना, ज़ाहिर करना, कहना, बयान करना।

तब्ईयत (تبعيت) अ स्त्री —अनुकरण, पदानुसरण, पैरवी।

तब्ए रवाँ (طبع رواں) अ फा स्त्री —प्रतिभाशील तबीअत, तेज़ तबीअत, प्रवाहित कल्पना-शक्ति, उर्वरा प्रतिभा।

तब्ए रसा (طبع رسا) अ फा स्त्री —ऊँची उड़ान भरनेवाली तबीअत या काव्य-शक्ति।

तब्क (طبقه) अ पु —वर्ग, श्रेणी, दर्जा, लोक, आलम, परत, तह, तल, दर्जा।

तब्क वारान: (طبقه وارانه) अ फा वि —वर्ग और श्रेणीवाला, छोटे बड़ेवाला, धार्मिक, फ़िर्का वारान।

तब्ख़ (طبخ) अ पु —पकना, पाक।

तब्ख़ीर (تبخير) अ स्त्री —एक रोग जिसमें खाने के पश्चात् आमाशय से भाप उठती है, भाप बनाना, वाष्पीकरण।

तब्ज़ीर (تبذير) अ स्त्री —फ़ुज़ूलखर्ची करना, अपव्यय, अतिव्यय, तितर-बितर करना, अस्त-व्यस्त करना।

तब्जील (تبجيل) अ स्त्री —सत्कार और आदर करना, श्रेष्ठ और महान् जानना।

तब्दील (تبديل) अ स्त्री —बदलना, एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाना, एक वस्तु देकर दूसरी वस्तु लेना।

तब्दीली (تبديلى) अ स्त्री —परिवर्तन, उथल-पुथल, एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाना, स्थानांतरण, एक वस्तु के बदले दूसरी वस्तु लेना, क्रान्ति, इनकिलाब।

तब्दीले आबोहवा (تبديل آب وهوا) अ फा स्त्री —जलवायु का बदलना, एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाना।

तब्दीले मज़्हब (تبديل مذهب) अ स्त्री —धर्म-परिवर्तन, मज़हब की तब्दीली।

तब्दीले सूरत (تبديل صورت) अ स्त्री —रूप-परिवर्तन, शक्ल बदल जाना, हुलया बदलना, बहुरूपिया बनना।

तब्दीले हैअत (تبديل هئيت) अ स्त्री —दे 'तब्दीले सूरत'।

तब्नियत (تبنيت) अ स्त्री —ले पालक बनाना, गोद लेना, मुतबन्ना करना।

तव्बाअ (طباع) अ वि –प्रतिभाशाली, ज़हीन, जीनियस।
तव्बाई (طباعی) अ स्त्री –प्रतिभा, जहानत।
तव्बाख़ (طباخ) अ पु –रोटी पकानेवाला, नानवाई, खाना पकानेवाला, वावरची, सूपकार, रसोइया।
तव्बाख़ी (طباخی) अ स्त्री –नानवाई का पेशा, वावरची का पेशा।
तब्रीद (تبرید) अ स्त्री –ठडाई, वह ठडाई जो जुलाव के वाद दी जाती है।
तब्रेज़ (تبریز) फा पु –ईरान के आज़रवाईजान प्रान्त का एक प्रसिद्ध नगर।
तब्रेज़ी (تبریزی) फा वि –तब्रेज का निवासी।
तब्लः (طبله) फा पु –सदूकची, पिटारी, खाल मढा हुआ एक रुखा प्रसिद्ध वाजा, तवला।
तब्ल (طبل) फा. पु –दुन्दुभि, भेरी, धौसा, नक्कारा।
तब्लए अंवर (طبلهٔعنبر) फा अ पु –अवर की पिटारी, वह डव्वा जिसमे अवर रहता है।
तब्लक (طبلق) तु स्त्री –वह कागज जो पैकिट वनाने के लिए ऊपर चढाया जाता है, दोनो ओर से खुला हुआ लिफाफा, कागज़ो का मुट्ठा।
तब्ली (طبلی) अ वि –ढोल-जैसा, ढोलनुमा, जलधर की एक किस्म जिसमे पेट ढोल की तरह वजता है।
तब्लीग़ (تبلیغ) अ स्त्री –प्रोपेगडा, प्रचार, किसी वात को दूर तक फैलाना, प्रसार।
तब्लीगे मज़्हव (تبلیغِمذهب) अ स्त्री –धर्म प्रचार, मजहव की तब्लीग।
तब्लेजंग (طبلِجنگ) फा पु –लडाई मे वजनेवाला, नक्कारा, रणभेरी, रणदुन्दुभि।
तब्लोअलम (طبل وعلم) फा अ पु –लडाई का झडा और नक्कारा, वह झडा और नक्कारा जो सूवेदारो और वजीरो की सवारी के साथ चलता है।
तव्वीव (تبویب) अ स्त्री –पुस्तक का परिच्छेदो और अध्यायो मे विभाजन, वाव=अध्याय से यह शब्द वना है।
तब्शीर (تبشیر) अ स्त्री –शुभ सूचना देना, अच्छी ख़वर सुनाना, आशीर्वाद देना।
तब्सिरः (تبصره) अ पु –आँखो मे रौशनी पहुँचाना, अँख्यारा करना, आलोचना, समीक्षा, तन्कीद।
तब्सिर.निगार (تبصره‌نگار) अ फा वि –समालोचक, समीक्षक, तन्कीदनिगार।
तमए ख़ाम (طمعِخام) अ फा स्त्री –झूठी अभिलापा, ऐसी इच्छा जो पूरी न हो, मृगतृष्णा।
तमक्कुन (تمکن) अ पु –जगह पकडना, स्थिर होना, ठहरना, टिकना।
तमत्तो' (تمتع) अ पु –लाभ-प्राप्ति, नफा उठाना, लाभ, प्राप्ति, नफा।
तमद्दुद (تمدد) अ पु –खिचाव, तनाव, लवा होना, दराज होना।
तमद्दुन (تمدن) अ पु –शहर मे एक जगह मिल-जुलकर रहना और वहाँ का प्रवध करना, नागरिकता, किसी देश की वेश-भूपा, उनके रहने-सहने का ढग और उनके आचार-व्यवहार।
तमन्ना (تمنا) अ स्त्री –कामना, लालसा, अभिलापा, आकाक्षा, स्पृहा, इच्छा, ख़्वाहिश, आरज़ू, "वज्म मे वर्क नजर है सद तमन्ना-आफ्री—दिल मे है महफिल कोई या दिल मेरा महफिल मे है।"
तमन्नाई (تمنائی) अ वि –इच्छुक, अभिलापी, लालसी, स्पृही, आकाक्षी, लिप्सु, ख़्वाहिशमद।
तमर (تمر) अ पु –सूखा हुआ खजूर, छुहारा, खुर्मा।
तमर हिंदी (تمرهندی) फा स्त्री –इमली, इमली का पेड, इमली का फल, तितिडी।
तमरिस्तान (تمرستان) अ फा पु –खजूर का वाग।
तमर्रुद (تمرد) अ पु –द्रोह, सरकशी, अवज्ञा, नाफरमानी, अहकार, गर्व, घमड, धृष्टता, ढिठाई, गुस्ताख़ी।
तमल्लुक (تملق) अ पु –चापलूसी, लल्लोपत्तो, चाटुकारिता, खुशामद।
तमल्मुल (تململ) अ पु –व्याकुलता, आतुरता, वेचैनी, वेआरामी, जागने और सोने के वीच की अवस्था, जव मनुष्य सोता है परन्तु कुछ-कुछ होश मे होता है।
तमव्वुज (تموج) अ पु –पानी का मौजें मारना, पानी मे ज़ोर-ज़ोर से लहरें उठना, हिल्लोल।
तमव्वुल (تمول) अ पु –धनाढचता, समृद्धि, मालदारी, धनसपन्नता।
तमश्शी (تمشی) अ स्त्री –जाना, चलना, गति, गमन।
तमस्ख़ुर (تمسخر) अ पु –मस्ख़रापन, अभिहास, ठठोल, मनोरजन, दिल्लगी, तफ़्रीह।
तमस्सुक (تمسک) अ पु –ग्रहण करना, लेना, पकडना; ऋणपत्र, कर्ज़नामा, लेख्य, दस्तावेज़।
तमा' (طمع) अ स्त्री –लोभ, लोलुपता, हिर्स, इच्छा, अभिलाषा, ख़्वाहिश।
तमाचः (تماچه) उ पु –दे 'तपाच'।
तमाज़त (تمازت) अ स्त्री –धूप की गर्मी, सूरज की गर्मी।

तमाज़ते आफ़्ताब (تمازت آفتاب) अ फा स्त्री –सूरज की गर्मी, धूप की गर्मी।

तमादी (تمادی) अ स्त्री –अन्त होना, अन्त तक पहुँच जाना, समाप्त हो जाना, लम्बा होना, बढना, बढ जाना।

तमानियत (طمانیت) उ स्त्री –सतोष, इत्मीनान, सान्त्वना, तसल्ली, विश्वास, एतिबार, मुख्य शब्द 'तुमानीनत' अथवा 'तुमानीयत' है।

तमाम (تمام) अ वि –समस्त, समग्र, सब, सपूर्ण, कुल, समाप्त, खत्म, निर्मल, ख़ालिस, अत्यधिक, बहुत ज़ियादा।

तमामतर (تمام‌تر) अ फा वि –सर्व, सारे का सारा, मुकम्मल, पूरा-पूरा।

तमाश. (تماشہ) फा पु –दे शु शब्द 'तमाशा'।

तमाशबीन (تماش‌بین) फा वि –ऐयाश, वेश्यागामी, रडीबाज़।

तमाशबीनी (تماش‌بینی) फा स्त्री –ऐयाशी, वेश्यागमन, रडीबाज़ी।

तमाशा (تماشا) अ पु –सैर, तफ़्रीह, विहार, दर्शन, दीदार, आनन्द, लुत्फ, क्रीडा, खेल, बाज़ीगरो या मदारियो आदि का खेल, नाटक आदि का खेल, अद्‌भुतता, अजूबापन, मनोविनोद, हँसी-मज़ाक़, भाँड़ो या बहुरूपियो की नकल या स्वाँग।

तमाशाई (تماشائی) अ फा वि –तमाशा देखनेवाला या देखनेवाले, कौतुकदर्शी।

तमाशाकुनाँ (تماشاکناں) अ फा वि –सैर करता हुआ, सैर से दिल बहलाता हुआ।

तमाशा ख़ानम (تماشاخانم) अ तु स्त्री –हँसने-हँसानेवाली औरत, ऐसी स्त्री जिसकी बातें बडी मनोरजक हो।

तमाशागर (تماشاگر) अ फा वि –तमाशा करनेवाला, कौतुकी।

तमाशागाह (تماشاگاہ) अ फा स्त्री –वह स्थान जहाँ तमाशा होता हो, क्रीडास्थल, कौतुकागार, लीलागृह।

तमाशाबीं (تماشابیں) अ फा वि –तमाशा देखनेवाला, कौतुकदर्शी।

तमासील (تماثیل) अ स्त्री –'तिम्साल' और 'तम्सील' का बहु, आकृतियाँ, मूर्तियाँ, उपमाएँ, तस्वीहें।

तमासुख़ (تماسخ) अ पु –सूरत बिगाड देना, किसी की सूरत इतनी बिगाड देना कि वह पहचान मे न आ सके।

तमीज़ (تمیز) अ स्त्री –'तम्ईज़' का लघु, विवेक, दो वस्तुओ में अन्तर समझ सकने की बुद्धि, पहचान, परख, शिष्टता, सभ्यता, तहज़ीब, बुद्धि, मेधा, अक्ल, ज्ञान, सज्ञा, होश, सलीका, कौशल, योग्यता, परीक्षा में मिलनेवाला विशेष चिह्न, डिस्टिक्शन, विशेष योग्यता।

तमीज़दार (تمیزدار) अ फा वि –शिष्ट, सभ्य, मुहज़्ज़ब, कुशल, योग्य, सलीकामद।

तमूज़ (تموز) फा स्त्री –धूप की कडी गर्मी, जेठ-बैसाख की गर्मी।

तम्अ (طمع) अ स्त्री –दे 'तमा', दोनो उच्चारण सही हैं।

तम्ईज़ (تمئیز) अ स्त्री –दे 'तमीज़', उर्दू मे तमीज़ ही बोला जाता है।

तम्कनत (تمکنت) अ स्त्री –अभिमान, गर्व, घमड, गुरूर, तडक-भडक, टीम-टाम।

तम्कीन (تمکین) अ स्त्री –स्थिरता, पायदारी, प्रतिष्ठा, सम्मान, वक्अत, गभीरता, मतानत, सजीदगी, पद, पदवी, दरजा।

तम्ग़ा (تمغا) तु पु –पदक, मेडिल, राजचिह्न, शाही मुहर, माफी की ज़मीन की सनद, भूमिधर-पत्र।

तम्जीद (تمجید) अ स्त्री –किसी को महत्ता और प्रतिष्ठा देना, किसी की महत्ता या प्रतिष्ठा का वर्णन करना, स्तुति, कीर्तन, गुणगान, यशोगान, हम्दोसना।

तम्दीद (تمدید) अ स्त्री –खीचना, बढाना, लबा करना, खिचाव, बढाव, लबाई।

तम्मत (تمت) अ क्रि –समाप्त हुआ, खत्म हुआ।

तम्मत बिलख़ैर (تمت بالخیر) अ क्रि –अच्छाई और सुन्दरता के साथ समाप्त हुआ, जो काम सुगमता और शुद्धतापूर्वक समाप्त हो, उसके लिए कहते हैं।

तम्माअ् (طماع) अ वि –बहुत अधिक लोभी, अति लोलुप, लिप्सु, लुब्ध।

तम्सील (تمثیل) अ स्त्री –उपमा, तुलना, तश्बीह, समानता, बराबरी, दृष्टान्त, उदाहरण, मिसाल।

तम्सीलन् (تمثیلاً) अ अव्य –उदाहरणार्थ, मिसाल के तौर पर।

तम्सीली (تمثیلی) अ वि –उपमा या तुलनावाला, जिसमे कोई तम्सील हो अर्थात् जिसमें किसी असली व्यक्ति के स्थान पर किसी दूसरे व्यक्ति ने उसका पार्ट अदा किया हो।

तय (طے) अ पु –निर्णीत, फैसल, परिपक्व, पुख़्ता, समाप्त, खत्म, निश्चित, यक़ीनी, यमन (अरब) का एक वश जिसमें 'हातिम' हुआ है।

तय्यार (طیارہ) अ पु –वायुयान, विमान, हवाई जहाज़।

तय्यार शिकन (طیارہ‌شکن) अ फा स्त्री –वह तोप जो हवाई जहाज़ को मार गिराये।

तय्यार (تیار) अ वि –तत्पर, बद्धकटि, आमादा, समाप्त, खत्म, हृष्ट-पुष्ट, मेदुर, लहीम शहीम, परिपूर्ण, मुकम्मल, सुसज्जित, आरास्ता, कोई पदार्थ खाने या प्रयोग करने की अवस्था मे, जैसे–भोजन अथवा कपडा जो सिलने को दिया हो, वस्त्राभूषण आदि से सुसज्जित, कूच, हमले या छापे के लिए कील-काँटे से लैस, उपस्थित, मौजूद, विद्यमान।

तय्यारची (طیارچی) अ तु वि –वायुयान-चालक, हवाई जहाज़ चलानेवाला, पाइलेट।

तय्यिवः (طیبہ) अ स्त्री –पवित्रा, पुनीता, मुकद्दस स्त्री, धार्मिक दृष्टिकोण से पवित्र नगरो के विशेषत मदीने के आगे लगाया जानेवाला शब्द।

तय्यिव (طیب) अ वि –पवित्र, शुद्ध, पाक, विहित, जायज़, हलाल, वह धन आदि जो पूरे परिश्रम और पूरी ईमानदारी से कमाया गया हो।

तय्यिवात (طیبات) अ स्त्री –'तय्यिव' का वहु, पवित्रा और पुनीतात्मा स्त्रियाँ।

तरंजुवीन (ترنجبین) अ स्त्री –एक प्रकार की रेचक शकर जो वाज़ पौदो पर जम जाती है और अधिकतर खुरासान (ईरान) से आती है, तुरजवीन, शिकजी, नीवू का शर्वत।

तरः (تره) फा पु –शाक, भाजी, साग, तरकारी।

तर (تر) फा वि –आर्द्र, गीला, नवीन, नया, तत्कालीन, ताज़ा, हाल का, हरा, सब्ज़, सरसब्ज़, लतपत, लथडा हुआ, घी आदि से चुपड़ा या उसमे डूवा हुआ, तरतराता, धनवान्, मालदार, (प्रत्य) अत्यधिक, जैसे—'खूवतर' वहुत अधिक उत्तम या सुन्दर।

तरकश (ترکش) फा पु –तीर रखने का लम्वा खोल जो कमर मे लटकाया जाता है, तूणीर, निषग, त्रोण।

तरकशवंद (ترکش بند) फा वि –तूणीरधारी, तरकश वाँधे हुए, निपगधर।

तरक़्क़ी (ترقی) अ स्त्री –उत्थान, उन्नति, उरूज, अधिकता, वहुतायत, ज़ियादती, वृद्धि, वढती, पद या ओहदे में वृद्धि।

तरक़्क़ीपसंद (ترقی پسند) अ फा वि –उन्नति और तरक्की चाहनेवाला, एक साहित्यिक दल जो साम्यवादी विचारो का प्रचारक और देश मे साम्यवाद का हामी है।

तरक़्क़ी पिज़ीर (ترقی پذیر) अ फा वि –दे 'तरक्कीयाफ्त', उन्नतिप्राप्त (पिज़ीर=प्राप्त)।

तरक़्क़ीयाफ्तः (ترقی یافتہ) अ फा वि –समुन्नत, वर्द्धमान, तरक्की को पहुँचा हुआ, सुसभ्य, सुशिष्ट, मुहज़्ज़व।

तरज़वान (ترزبان) फा वि –किसी की प्रशसा करनेवाला, मद्हख़्वाँ, सुन्दर और शिष्ट भाषण देनेवाला, सुवक्ता।

तरजुमान (ترجمان) अ पु –एक भाषा से दूसरी भाषा में वदलनेवाला, भाषान्तरकार, दो ऐसे व्यक्तियो के वीच में मध्यस्थता करनेवाला जो एक दूसरे की भाषा न समझते हो, द्विभाषी।

तरजुमानी (ترجمانی) अ फा स्त्री –दो भाषाओ का उल्था, दो भाषाभाषियो मे मध्यस्थता।

तरज्जी (ترجی) अ स्त्री –ऐसी वस्तु के मिलने की आशा जिसकी प्राप्ति सभव हो, आशा, आस, उम्मेद।

तरदस्त (تردست) फा वि –स्फूर्तियुक्त, चुस्त, फुर्तीला, हाथ से होनेवाली कारीगरी (दस्तकारी, हस्तशिल्प) में दक्ष और होशियार, प्रवीण, कुशल, माहिर।

तरदामन (تردامن) फा वि –जो दामन वचाकर न निकल सका हो वल्कि जिसका दामन सन गया हो अर्थात् किसी अपराध मे लिप्त, मुज्रिम, पापी, गुनाहगार।

तरदिमाग़ (تردماغ) फा वि –मस्त, मतवाला, वुद्धिमान्, अक्लमद, ठडादिमाग, स्थिरप्रज्ञ, सावधान।

तरद्दुद (تردد) अ पु –चिन्ता, शोच, सोच, फ़िक्र, असमजस, दुविधा, पसोपेश, घवराहट, आतुरता, परेशानी, खेत की जुताई-वुवाई आदि, कृषि-कर्म।

तरन्नुम (ترنم) अ पु –स्वर-माधुर्य, ख़ुश इल्हानी, हलका गाना, मधुर गान।

तरन्नुमज़ा (ترنم زا) अ फा वि –ऐसा स्वर जिससे तरन्नुम टपके, अत्यन्त मधुर स्वर, मधुर स्वर उत्पादक।

तरन्नुमरेज़ (ترنم ریز) अ फा वि –तरन्नुम से पढनेवाला, तरन्नुम से पढता हुआ।

तरन्नुमरेज़ी (ترنم ریزی) अ फा स्त्री –तरन्नुम से पढना।

तरफ़ (طرف) अ स्त्री –दशा, ओर, सिम्त, सिरा, किनारा, जानिव, लिहाज़, आदर, पास, पक्ष, पार्टी।

तरफ़दार (طرفدار) अ फा वि –पक्षपाती, हिमायती, सहायक, मददगार।

तरफ़दारी (طرفداری) अ फा स्त्री –पक्षपात, हिमायत, सहायता, मदद।

तरफ़ैन (طرفین) अ स्त्री –दोनो पक्ष, दोनो पार्टियाँ, उभय पक्ष।

तरफ़्फ़ुह (ترفہ) अ पु –समृद्धि, विभव, सपन्नता, खुशहाली।

तरफ़्फ़ो' (ترفع) अ पु –अपने को सवसे ऊँचा समझना, अहकार, अहवाद, गर्व, गुरूर।

तरव (طرب) अ पु –आनन्द, आह्लाद, हर्ष, उल्लास, सौमनस्य, खुशी, मसर्रत।

तरबअंगेज (طرب انگیز) अ फा वि –खुशी बढानेवाला, आनन्दवर्धक, हर्षजनक।

तरबअफ्ज़ा (طرب افزا)-अ फा वि –दे 'तरबअगेज'।

तरबगाह (طرب گاہ) अ फा स्त्री –वह स्थान जहाँ खुशियाँ मनाई जा रही हो।

तरबखेज (طرب خیز) अ फा वि –दे 'तरबअगेज'।

तरबज़ा (طرب زا) अ फा वि –खुशी उत्पन्न करनेवाला, हर्षजनक, आनदोत्पादक।

तरबसंज (طرب سنج) अ फा वि –तोल-तोलकर आनन्द का ढेर लगानेवाला, बहुत अधिक खुशियो का मालिक।

तरबुज़ (تربز) फा पु –तरबूज़, एक प्रसिद्ध फल, कलीदा, कालिंद, कलिग, चित्रफल, मासफल, फलवर्तुल।

तरश्शुह (ترشح) अ पु –हल्की-हल्की फुहार, बूंदा-बाँदी, रिसना, झरना, टपकना, प्रकट होना, ज़ाहिर होना।

तरह (طرح) अ स्त्री –न्यास, नीव, बुनियाद, पद्धति, शैली, तर्ज़, वेशभूषा, वज़्अ, समान, भाँति, मिस्ल, घटाना, व्यवकलन, तफ़्रीक, प्रकार, ढग, टालना, झगडे को बढने न देना, युक्ति, तरकीब, जुगत, मुशाइरे के लिए मिस्रा, जिससे उसकी बह्र और रदीफो काफिया जाना जाता है, समस्या।

तरहदार (طرح دار) अ फा वि –बाँका, छबीला, चुटपुटा, नाज़ोअदाज़वाला, (माशूक) वज़अ्दार।

तरहदारी (طرح داری) अ फा स्त्री –बाँकापन, छबीलापन, हाव-भाव, नाज़-नख्रा, हुस्न, सौन्दर्य।

तराइक़ (طرائق) अ पु –'तरीक़ा' का बहु, तरीके।

तराज़ (طراز) फा पु –दे 'तिराज़', वही शुद्ध है।

तराज़िदः (طرازندہ) फा वि –दे 'तिराज़िद' वही शुद्ध है।

तराजिम (تراجم) अ पु –'तर्जम' का बहु 'तर्जमे'।

तराज़िए तरफ़ैन (تراضئ طرفین) अ स्त्री –दोनो पक्षो की रज़ामदी, उभयपक्ष की स्वीकृति।

तराजी (تراجی) अ स्त्री –एक दूसरे से आशा रखना।

तराज़ी (تراضی) अ स्त्री –एक दूसरे से रज़ामद होना, रज़ामदी, अगीकृति।

तराज़ू (ترازو) फा स्त्री –तौलने का यत्र, तुला, तखरी, मीज़ान।

तराज़ूए अद्ल (ترازوے عدل) फा अ स्त्री –वह तराज़ू जिसके दोनो पल्लो मे तनिक भी अन्तर न हो, न्याय-तुला।

तराज़ूए सगज़न (ترازوے سنگ زن) फा स्त्री –वह तराज़ू जिसमे पासग हो।

तरान (ترانہ) फा पु –गान, गाना, नग्म, एक विशेष प्रकार का गीत।

तरान.ज़न (ترانہ زن) फा वि –गानेवाला, गायक, गाता हुआ।

तरान.रेज़ (ترانہ ریز) फा वि –दे तरान ज़न।

तरान.सज (ترانہ سنج) फा वि,–दे 'तरान ज़न'।

तरान.सरा (ترانہ سرا) फा वि –दे 'तरान ज़न'।

तरान.साज़ (ترانہ ساز) फा वि –दे 'तरान ज़न'।

तरारः (طرارہ) उ पु –दे 'तर्रार', वही शुद्ध है।

तरावत (طراوت) अ स्त्री –शीतलता, ठडक, तरी, सर-सब्ज़ी, हरियालापन, ताज़गी, दिल और दिमाग की ठडक।

तराविश (تراوش) फा स्त्री –टपकन, रजिश।

तराविशे कलम (تراوش قلم) फा अ स्त्री –कलम की टपकन, अर्थात् सियाही की तहरीर।

तराविशे फ़िक्र (تراوش فکر) फा अ स्त्री –कल्पना-शक्ति की टपकन, दिमाग की उतरन, मज्मून, निबन्ध आदि।

तरावीह (تراویح) अ स्त्री –रमजान के महीने की नमाज़ जो रात मे पढी जाती और जिसमे, कुरान सुनाया जाता है।

तराश. (تراشہ) फा पु –किसी वस्तु को छीलने मे निकला हुआ फोक, छीलन, पत्थर तराशने की छेनी, टाँकी, फाँक, काश।

तराश (تراش) फा स्त्री –कटाव, काट-छाँट, कतर-व्योत, काटने का ढग, कटाव की शक्ल, आविष्कार, ईजाद, धार, बुरिश, काट, (प्रत्य०) काटनेवाला, जैसे—'जेबतराश' जेब काटनेवाला।

तराश खराश (تراش خراش) फा स्त्री –वेशभूषा, वज़ा कता, काट-छाँट, कतरव्योत।

तराशिद. (تراشندہ) फा वि –काटनेवाला, छीलनेवाला, कतरनेवाला।

तराशीद (تراشیدہ) फा वि –काटा हुआ, छीला हुआ, कतरा हुआ, मनगढत, कपोल-कल्पित।

तरिकः (ترکہ) अ पु –वह धन और सपत्ति जो किसी के मरने पर उसके उत्तराधिकारियो को मिलती है, दाय, रिक्थ।

तरी (تری) फा स्त्री –आर्द्रता, गीलापन, खुश्की का उलटा, पानी का स्थान, सील, नमी, सीड, समृद्धि, धनाढ्यता, मालदारी।

तरी (طری) अ वि –ताज़ा, सरसब्ज़, हरा भरा।

तरीक़. (طریقہ) अ पु –प्रणाली, शैली, तर्ज़, युक्ति, तरकीब, पथ, मश्रब, नियम, काइदा, परम्परा, रिवाज, चाल-ढाल, रविश, वेशभूषा, वज़ा कता।

तरीक़ (طریق) अ पु –"बका का नाम कोई भूलकर नही लेता–तेरे तरीक़ ने चौका दिया, ज़माने को", मार्ग, रास्ता,

शैली, रविश, परम्परा, रिवाज, धर्म, मज्हब, युक्ति, तरकीब, नियम, दस्तूर।

तरीकए ता'लीम (طریقۂ تعلیم) अ पु –शिक्षा-प्रणाली, शिक्षणशैली, पढाने का ढंग।

तरीकत (طریقت) अ स्त्री –आत्मशुद्धि, अत शुद्धि, दिल की पाकीज़गी, ब्रह्मज्ञान, अध्यात्म, तसव्वुफ।

तरीके अमल (طریق عمل) अ पु –काम करने का तरीका, कार्य-प्रणाली, कार्य-पद्धति।

तरीन (ترین) फा प्रत्य –सबसे अधिक, जैसे—'बदतरीन' सबसे अधिक खराब, निकृष्टतम।

तरोताज़ः (تروتازہ) फा वि –सरसब्ज, हरा-भरा, प्रफुल्ल, आनदित, हशशाश, बश्शाश।

तर्क (ترک) अ पु –त्याग, परित्याग छोडना, भूल, भूल मे छूट जाना, सह्व।

तर्क़ीक (ترقیق) अ स्त्री –पतला करना, पानी की तरह पतला करना, पतलापन, तरलता, रकीक (द्रव) से बना।

तर्कीब (ترکیب) अ स्त्री –मिश्रण, मिलाना, बनावट, साख्त, युक्ति, तद्बीर, ढग, प्रणाली, तरीका, किसी विशेष चीज़ के बनाने का ढग, व्याकरण मे किसी वाक्य के शब्दो का परिच्छेद।

तर्कीब बद (ترکیب بند) अ फा पु –नज्म की एक किस्म, जिसमे कई बद होते है, हर बद अलग-अलग रदीफ काफिए मे होता है और हर बद के खतम पर एक नया शे'र लाते है जो अलग रदीफ काफिए का होता है, इसमे और 'तर्जीअ बद' मे यही भेद है कि उसमे टीप का शे'र एक ही होता है जो बार-बार आता है और इसमे टीप के सब शेर अलग-अलग होते है।

तर्कीबे इस्ते'माल (ترکیب استعمال) अ स्त्री –किसी दवा के खाने की तरकीब, सेवनविधि।

तर्कीबे नह्वी (ترکیب نحوی) अ स्त्री –वाक्य-विश्लेषण, विग्रह।

तर्कीबे सर्फी (ترکیب صرفی) अ स्त्री.–शब्द-निरुक्ति, सधि-विच्छेद, पदान्वय।

तर्क़ूह (ترقوہ) अ स्त्री –हँसली की हड्डी।

तर्के अदब (ترک ادب) अ. पु –किसी के साथ जिस सम्मान या नम्रता से पेश आना चाहिए उसका त्याग देना, आदर-त्याग, गुस्ताखी, बदतहज़ीबी।

तर्के अलाइक (ترک علائق) अ पु –सासारिक विषयवासना का त्याग, गृहस्थी और बाल-बच्चो का त्याग, निवृत्ति।

तर्के दुन्या (ترک دنیا) अ पु –ससार के झगडो का त्याग, मोहत्याग, विषयत्याग।

तर्के वतन (ترک وطن) अ पु –स्वदेश-त्याग, प्रवास, निर्वासन, जलावतनी।

तर्के लज़्ज़ात (ترک لذات) अ पु –सुख-चैन और अच्छा खाना-पीना छोड देना, निवृत्ति।

तर्के मुवालात (ترک موالات) अ पु –मिल-जुलकर काम करना छोड देना, असहयोग, अदमे तआउन।

तर्गीब (ترغیب) अ स्त्री –लालच देना, प्रलोभन, उत्तेजना, इश्तिआल; प्रेरणा, शौक, बरगलाना, बहकाना।

तर्ज़ (طرز) अ उभ –शैली, पद्धति, ढग, स्वभाव, आदत, वेशभषा, वजा-कता।

तर्जमः (ترجمہ) अ. पु –अनुवाद, भाषान्तर, उल्था, तर्जुमा भी प्रचलित है।

तर्जीअ (ترجیع) अ स्त्री –जाकर वापस आना, प्रत्यागमन, किसी के मरने पर 'इन्नालिल्लाह' कहना।

तर्जीअबंद (ترجیع بند) अ फा पु –नज्म की एक किस्म जिसमे कई बद होते है, हर बद अलग-अलग रदीफ काफिए मे होता है और हर बद की समाप्ति पर एक शे'र आता है जिसका रदीफ काफिया जुदा होता है, और यह शे'र हर बद की समाप्ति पर आता है, बरखिलाफ 'तर्कीबबद' के जिसमे बीच का हर शे'र नया होता है।

तर्जीह (ترجیح) अ स्त्री –प्रधानता, श्रेष्ठता, फौकियत, किसी व्यक्ति, विषय या वस्तु को उसी जैसे दूसरे व्यक्ति, विषय या वस्तु पर प्रधानता देना।

तर्जीहे बिलामुरज्जेह (ترجیح بلا مرجح) अ स्त्री –एक को दूसरे पर बिना कारण के प्रधानता देना।

तर्जुमान (ترجمان) अ पु –दे 'तरजुमान'।

तर्ज़े अदा (طرز ادا) अ फा उभ –काव्य प्रणाली, शाइरी का तर्ज़, हाव-भाव का तर्ज़, नाज़ोअदाज़।

तर्ज़े कलाम (طرز کلام) अ उभ –बात करने का ढग, वाक्शैली।

तर्ज़े गुफ़्तुगू (طرز گفتگو) अ फा उभ –वार्ताशैली, बात-चीत करने का तरीका।

तर्ज़े तक़रीर (طرز تقریر) अ उभ –भाषण-शैली, वाक् प्रणाली, तक्रीर करने का ढग।

तर्ज़े तहरीर (طرز تحریر) अ उभ –लेखन-शैली, लिखने का ढग।

तर्ज़े रफ़्तार (طرز رفتار) अ फा उभ –चलने का ढग, गमनप्रकार।

तर्ज़ोअंदाज़ (طرز و انداز) अ फा पु –वज़ा-कता, रग-ढग, चाल-ढाल।

तर्तीब (ترتیب) अ स्त्री –क्रम, सिलसिला, प्रबंध, बंदोबस्त, सज्जा, दुरुस्ती, चंद चीज़ों को यथास्थान ठीक-ठीक रखना, हर चीज का उसके मुताबिक दर्जा नियुक्त करना।

तर्तीब (ترطیب) अ स्त्री –ठंडा करना, शीतल करना, शरीर के किसी अंग मे तरी पहुँचाना।

तर्तीबवार (ترتیب وار) अ फा वि –तर्तीब से एक के बाद एक।

तर्तील (ترتیل) अ स्त्री –कुरान को उसके शुद्ध उच्चारण के साथ, धीरे-धीरे और इत्मीनान से पढना।

तर्दीद (تردید) अ स्त्री –रद्द करना, लौटाना, खंडन करना, काटना, किसी बात को झूठ साबित करना, किसी के लगाए हुए दोष को गलत प्रमाणित करना।

तर्फ़ः (طرفہ) अ पु –एक बार पलक झपकाना, नवाँ नक्षत्र, श्लेषा, नाख़ून रोग, जिसमे आँख मे एक लाल बूँद पड जाती है।

तर्फ़ (طرف) अ पु –पलक झपकाना, आँख, देखना, कोना, कनारा, गोशा, सुनहरी पेटी जो कमर मे सजावट के लिए बाँधते है, सोने-चाँदी की ज़ंजीर जो कमर में बाँधी जाती है।

तर्फ़ुलऐन (طرفۃالعین) अ पु –एक बार पलक का झपकना, बहुत ज़रा-सी देर।

तर्बियत (تربیت) अ स्त्री –पालन-पोषण, परवरिश शिक्षा, तालीम, सभ्यता और शिष्टाचार की शिक्षा, तादीब, ट्रेनिंग, प्रशिक्षण, सुधार।

तर्बियतयाफ़्तः (تربیت یافتہ) अ फा वि –जो शिष्टता और सभ्यता की शिक्षा पा चुका हो, सभ्य, शिष्ट, ट्रेनिंग पाया हुआ, प्रशिक्षित।

तर्मीम (ترمیم) अ स्त्री –मरम्मत करना, सँवारना, दुरुस्त करना, काट-छाँट, इस्लाह, संशोधन, किसी प्रस्ताव में काट-छाँट, परिवर्तन।

तर्रार (طرار) अ वि –तेज़ बोलनेवाला, वाचाल, मुखर, चालाक, दक्ष, कुशल, छली, वंचक, हीलागर, चुलबुला, चपल, शोख।

तर्रारी (طراری) अ स्त्री –छल, कपट, ठगी, चपलता, चंचलपन, शोखी, वाचालता, मुखरता, चौकडी, कुलाच।

तर्वीज (ترویج) अ स्त्री –रिवाज देना, प्रचलित करना, फैलाना, प्रचार करना, तब्लीग़ करना।

तर्स (ترس) फा पु –भय, डर, ख़ौफ।

तर्सनाक (ترسناک) फा वि –भयभीत, डरा हुआ, भयाक्रांत, भयत्रस्त।

तर्साँ (ترساں) फा वि –भयभीत, त्रस्त, भयार्त, ख़ौफज़दा।

तर्सा (ترسا) फा पु –ईसाई, ख्रिष्टीय, आतशपरस्त, अग्निपूजक, पार्सी।

तर्साबच्चः (ترسابچہ) फा पु –ईसाई ख़ूबसूरत लडका, पार्सी ख़ूबसूरत लडका।

तर्सिंदः (ترسندہ) फा वि –डरनेवाला।

तर्सीअ (ترصیع) अ स्त्री –किसी जेवर पर नगीने जडना, इबारत के दो जुमलो मे एक वज़्न और काफ़िए के शब्द लाना।

तर्सीदः (ترسیدہ) फा वि –डरा हुआ, भयत्रस्त।

तर्सील (ترسیل) अ स्त्री –भेजना, प्रेषण, रुपया या ख़त आदि भेजना।

तर्ह (طرح) अ स्त्री –दे 'तरह', दोनो शुद्ध है, बुनियाद, नींव।

तर्हअंदाज़ (طرح انداز) अ फा वि –नींव डालनेवाला, बुनियाद रखनेवाला।

तर्हअफ़गन (طرح افگن) अ फा वि –दे 'तर्हअंदाज़'।

तर्ही (طرحی) अ वि –तर्हवाला, वह मिस्रा जो किसी मुशायरे की तर्ह हो।

तर्हेनौ (طرح نو) अ फा स्त्री –नयी बुनियाद, नये सिरे से कोई तामीर, नये सिरे से कोई काम, अनुष्ठान।

तल (طل) अ स्त्री –ओस, शबनम।

तलज़्ज़ुज़ (تلذذ) अ पु –मज़ा पाना, स्वाद पाना, स्वाद, मज़ा, लज़्ज़त, आनन्द।

तलत्तुफ़ (تلطف) अ पु –कृपा, दया, मेहरबानी।

तलफ़ (تلف) अ पु –नष्ट, विनष्ट, बरबाद, तबाह, हत, हलाक, मृत।

तलफ़्फ़ुज़ (تلفظ) अ पु –उच्चारण, मुँह से शब्द निकालना।

तुलबः (طلبہ) अ पु –'तालिब' का बहु, विद्यार्थी लोग।

तलब (طلب) अ स्त्री –माँगना, याचना, अभियाचना, तक़ाज़ा, वेतन, तनख़्वाह, इच्छा, चाह, ख़्वाहिश, बुलावा, तलबी, किसी नशीली वस्तु–जिसके खाने या पीने का अभ्यास हो—की चाह।

तलबगार (طلبگار) अ फा वि –इच्छुक, अभिलाषी, ख़्वाहिशमंद, "इक बार दिखाकर चले जाओ झलक अपनी, हम जल्वए-पैहमके तलबगार कहाँ है ?"—हसरत मोहानी।

तलबा (طلبا) अ पु –'तालिब' का बहु, विद्यार्थीगण, तालिबेइल्म।

तलबानः (طلبانہ) अ फा पु –अदालत मे गवाहों आदि के बुलाने को जमा होनेवाला सफरख़र्च आदि।

तलबी (طلبی) अ स्त्री –आवाहन, बुलावा, न्यायालय मे सम्मन द्वारा बुलावा।
तलबीदः (طلبیدہ) फा वि –बुलाया हुआ, आहूत, सम्मन द्वारा बुलाना।
तलब्बुस (تلبس) अ पु –कपडे पहनना।
तलम्मुज (تلمذ) अ पु –शिष्य होना, शागिर्द होना, शिष्यता, शागिर्दी, विशेषत शाइरी की शागिर्दी।
तलव्वुन (تلون) अ पु –रग बदलना, कभी कुछ होना कभी कुछ।
तलव्वुन मिजाज (تلون مزاج) अ वि –जो कभी कुछ सोचे कभी कुछ, जिसकी राय हर समय बदलती रहे, अस्थिर-चित्त।
तलव्वुस (تلوث) अ पु –सनना, लथडना, भरना।
तलाक़ (طلاق) अ स्त्री –विवाह-विच्छेद, मियाँ-बीवी का सम्बन्ध समाप्त करनेवाला अमल।
तलाक़त (طلاقت) अ स्त्री –ज़बान की तेज़ी, वाक्य-पटुता।
तलाकी (طلاقی) अ स्त्री –परस्पर मिलना, मुलाकात करना, भेंट करना।
तलाके बाइन (طلاق بائن) अ स्त्री –वह तलाक जिसमे विच्छिन्ना स्त्री जब तक दूसरे आदमी से विवाह न कर ले और उसके साथ सहवास न हो जाय, तब तक पहला आदमी उससे विवाह नही कर सकता।
तलाक़े मुग़ल्लज़ः (طلاق مغلظہ) अ स्त्री –वह तलाक जिसमे फिर पुरुष, विच्छिन्ना स्त्री से विवाह कदापि नही कर सकता।
तलाके रज्ई (طلاق رجعی) अ स्त्री –वह तलाक जिसमे पुरुष स्त्री से पुन विवाह कर सकता है।
तलाके शिकम (طلاق شکم) अ स्त्री –पेट चलना, दस्त आना।
तलातुम (تلاطم) अ पु –पानी का मौजे मारना, तुग्यानी, बाढ।
तलाफी (تلافی) अ स्त्री –क्षतिपूर्ति, हानि की पूर्ति, नुक्सान का बदला, तदारुक।
तलाफीए माफात (تلافئی مافات) अ स्त्री –नुक्सान की तलाफी, क्षतिपूर्ति।
तलामिजः (تلامذہ) अ पु –'तिलमीज़' का बहु, शागिर्द लोग।
तलामीज (تلامید) अ पु –दे 'तलामिज'।
तलायः (طلایہ) तु पु –रात्रि मे पहरा देनेवाली सेना।
तलाय गर्दी (طلایہ گردی) तु फा स्त्री –सेना की रात्रि में पहरा देने की ड्यूटी।
तलायःदार (طلایہ دار) तु फा पु –तलाय का नायक।
तलाश (تلاش) तु स्त्री –खोज, टोह, जुस्तुजू।
तलाशी (تلاشی) तु स्त्री –ढूँढ, खोज, जुस्तुजू, सरकारी आज्ञा से किसी के मकान आदि की छानबीन।
तलीअः (طلیعہ) अ पु –दे 'तलाय'।
तलीक (طلیق) अ वि –स्वच्छद, मुक्त, आज़ाद, निरकुश।
तलीकुल्लिसान (طلیق اللسان) अ वि –जिसकी ज़बान आज़ाद हो, जो चाहे कहे, मुँहफट, मुक्तकठ, वाक्यपटु, तक्कार।
तलीकुल यदैन (طلیق الیدین) अ वि –मुक्तहस्त, फैयाज़, दोनो हाथो से देनेवाला।
तल्अत (طلعت) अ स्त्री –मुख, आकृति, चेहरा, रूप, शोभा, छटा, दर्शन, दीदार।
तल्ईन (تلئین) अ स्त्री –'नर्म करना, मुलाइम करना, हलका जुलाब।
तल्क़ (طلق) अ पु –अब्रक, अभ्रक, मदिरा, शराब, दर्दे जेह, प्रसव-कष्ट।
तल्कीन (تلقین) अ स्त्री –दीक्षा देना, गुरुमत्र देना, पीर का मुरीद को अमल आदि पढ़ाना, सदुपदेश, वा'ज़, नसीहत।
तल्ख़ः (تلخہ) फा पु –पित्त, सफ़ा, पित्ताशय, सफ़ा की थैली।
तल्ख़ (تلخ) फा वि –कडवा, कटु, अरुचिकर, नागवार।
तल्ख़काम (تلخ کام) फा वि –असफलमनोरथ, नामुराद।
तल्ख़गो (تلخ گو) फा वि –कटुभाषी, कडवी बाते करने-वाला, सत्यभाषी, ठीक बात कहनेवाला।
तल्ख़ज़बाँ (تلخ زباں) फा वि –दे 'तल्खगो'।
तल्ख़ाबः (تلخابہ) फा पु –दे 'तल्खाब' (तल्ख=कड़ुवा+आब=पानी)।
तल्ख़ाब (تلخاب) फा पु –ज़हर का पानी, ऐसा पानी जो पिया न जा सके।
तल्ख़ाबे ग़म (تلخاب غم) फा अ पु –प्रेम के दुख का पानी रूपी विष।
तल्ख़ी (تلخی) फा स्त्री –कटुता, कडवापन, सत्यता, सच्चाई, दु शीलता, कज अख़्लाकी।
तल्ख़ीस (تلخیص) अ स्त्री –सक्षिप्त, साररूप, खुलासा, निर्मलता, शुद्धता, खालिसपन।
तल्मीज़ (تلمیذ) अ पु –दे 'तिलमीज़', शुद्ध यही है।
तल्मीह (تلمیح) अ स्त्री –किसी की ओर उचटती हुई दृष्टि डालना, शे'र या बयान मे किसी किस्से की ओर सकेत।

तल्मीहतलब (تلمیح طلب) अ वि –ऐसा शे'र या मज़्मून जिसमें किसी क़िस्से या बात की व्याख्या ज़रूरी हो।

तल्वीन (تلوین) अ स्त्री –रंग भरना, रंग-बिरंगी करना।

तवक्कुफ़ (توقف) अ पु –विलंब, ढील, देर।

तवक्कुल (توکل) अ पु –सांसारिक साधनों का भरोसा हटाकर सारे काम ईश्वर की मर्ज़ी पर छोड़ देना।

तवक़्क़ो' (توقع) अ पु –आशा, भरोसा, उम्मीद।

तवज्जोह (توجہ) अ पु –किसी की ओर मुँह करना, ध्यान देना, ध्यान, रुजूअ, ग़ौर, अधिक ध्यान, कृपा, दया, मेहरबानी।

तवत्तुन (توطن) अ पु –वतन बनाना, रहने लगना।

तवर्रो (تورع) अ पु –संयम, यतिधर्म, आत्मसंयम, परहेज़गारी, ज़ुहद्।

तवल्ला (تولی) अ पु –प्रेम, स्नेह, भक्ति, मुहब्बत।

तवल्लुद (تولد) अ पु –उत्पत्ति, पैदाइश, लड़का पैदा होना।

तवस्सुत (توسط) अ पु –बीच की राह पकड़ना, न बहुत अधिकता न बहुत कमी, मध्यस्थता, बिचौलियापन।

तवस्सुल (توسل) अ पु –किसी को किसी काम के लिए वसीला बनाना, सहारा पकड़ना, मा'रिफ़त, ज़रीअ।

तवह्हुम (توهم) अ पु –भ्रम में डालना, भ्रम में पड़ना, भ्रम, भ्रान्ति, वह्म।

तवह्हुमपरस्त (توهم پرست) अ फ़ा वि –वह्म की बातों को माननेवाला, ऐसी बातों पर विश्वास रखनेवाला जिनका कोई अस्तित्व नहीं है, भ्रमवादी।

तवह्हुमपरस्ती (توهم پرستی) अ फ़ा स्त्री –निराधार और काल्पनिक चीज़ों पर विश्वास रखना।

तवह्हुश (توحش) अ पु –वहशी बनना, वहशत होना, किसी चीज़ से घबराना, भागना।

तवाइफ़ (طوائف) अ स्त्री –'ताइफ़' का बहु, रंडी, गणिका, वारमुखी, क्रीडानारी, वर्चटी, विभावरी, नगरनायिका, वेश्या, मंगलामुखी।

तवाइफ़ज़ाद (طوائف زاد) अ फ़ा पु –गणिकात्मज, वेश्या-पुत्र, रंडी का लड़का।

तवाइफ़ुल मुलूकी (طوائف الملوکی) अ स्त्री –देश का उथल-पुथल, राज का कुप्रबंध, राजगद्दी का बार-बार परिवर्तन, गृह-युद्ध आदि का कुचक्र।

तवाज़ुन (توازن) अ पु –दोनों पल्लों में बोझ बराबर होना, संतुलन, एतिदाल, हमवज़्नी।

तवाज़ुनेक़ुव्वत (توازن قوت) अ पु –दोनों ओर शक्ति की समानता।

तवाज़ी (توازی) अ स्त्री –परस्पर बराबर होना, परस्पर बराबर अन्तर होना, समानान्तर।

तवाज़ो' (تواضع) अ पु –आदर, सत्कार, इज़्ज़त, आव-भगत, ख़ातिरदारी, आतिथ्य, मेहमाँदारी, नम्रता, विनति, आजिज़ी, ख़ाकसारी।

तवातुर (تواتر) अ पु –निरंतरता, अनवरतता, लगातारपन, तसलसुल।

तवाफ़ (طواف) अ पु –किसी चीज़ के चारों ओर फिरना, परिक्रमण, परिक्रमा, प्रदक्षिणा, पैकरमा।

तवाफ़ुक़ (توافق) अ पु –परस्पर एक जगह रहना, एक दूसरे के अनुकूल होना, एक दूसरे की सहायता करना, एक जैसा होना, सदृशता, यकसानियत।

तवाफ़ुक़े लिसानैन (توافق لسانین) अ पु –दो विभिन्न भाषाओं के किसी शब्द का एक जैसा होना, बनावट में भी और अर्थ में भी, जैसे—"फुल्ल" अरबी और संस्कृत दोनों में फूल को कहते हैं।

तवाबिल (توابل) फ़ा पु –गरम मसाले, काली मिर्च, लौंग, इलाइची, जीरा आदि।

तवाबे' (توابع) अ पु –'ताबे' का बहु, अधीन लोग, अनुयायी लोग।

तवारी (تواری) अ स्त्री –छुपना, पोशीदा होना, गुप्ति, गोपन, लोप, पोशीदगी।

तवारीख़ (تواریخ) अ स्त्री –'तारीख़' का बहु, तारीखें, तिथियाँ, इतिहास, किसी देश की तारीख़।

तवारुद (توارد) अ पु –परस्पर एक जगह उतरना, दो शाइरों के किसी शे'र का मज़्मून एक हो जाना, भावसाम्य।

तवालत (طوالت) अ स्त्री –लम्बाई, दीर्घता, आयाम, विलम्ब, ढील, देर, बखेड़ा, झंझट, दर्दसर, मुद्दत की लम्बाई।

तवालिए इज़ाफ़ात (توالئ اضافات) अ स्त्री –किसी वाक्य के शब्दों में बहुत-सी इज़ाफ़तों का इकट्ठा हो जाना, जैसे—'आप के घर के मालिक के बेटे का नौकर' या जैसे—'गुले सरसब्ज़े बाग़े ख़ुल्देबरीं', यह दोष है।

तवाली (توالی) अ स्त्री –लगातार आना या होना।

तवालुद (توالد) अ पु –संतान उत्पन्न करना, यह शब्द अकेला नहीं आता वरन् 'तनासुल' के साथ मिलकर 'तवालुदो तनासुल' बोला जाता है, दे 'तनासुल'।

तव्वाब (تواب) अ पु –तौबः (पापों की क्षमा याचना) स्वीकार करनेवाला, ईश्वर का नाम।

तशक्क़ुक़ (تشقق) अ पु –फटना, शक होना।

तशक्कुक (تشکک) अ पु –भ्रम और शका मे पडना, सदेह, गका, भ्रम, गक।

तशक्कुर (تشکر) अ पु –शुक्रिय अदा करना, वन्यवाद देना, कृतज्ञता प्रकट करना।

तशक्कुल (تشکل) अ पु –किसी चीज़ का साकार होना।

तशक्की (تشکی) अ स्त्री –गिला करना, उलाहना देना।

तशख्खुस (تشخص) अ पु –निश्चित होना, मुअय्यन होना।

तशत्तुत (تشتت) अ पु –तितर-वितर होना, अस्त-व्यस्त होना, मुतशिर होना।

तशद्दुद (تشدد) अ पु –सख्ती करना, जुल्म करना, अत्याचार करना, मारपीट करना।

तशन्नुज (تشنج) अ पु –किसी अग का अकड़ना, इस प्रकार अकडना कि झुके नही, अकडन, ऐठन।

तशफ्फी (تشفی) अ स्त्री –सान्त्वना, ढाढस, तसल्ली, रोगमुक्ति, शिफा।

तशव्वुह (تشبه) अ पु –सदृश होना, एक-जैसा होना, एकरूपता, सादृश्य, हमशक्ली।

तशय्यो' (تشیع) अ पु –शीआ होना, अपने को शीआ वताना।

तशरों' (تشرع) अ पु –शरीअत (धर्मशास्त्र) पर चलना।

तशहहुद (تشہد) अ पु –'कलिमए शहादत' पढना।

तशाउर (تشاعر) अ पु –अपने को शाइर (कवि) वताना, झूठा शाइर (शायर) वनना।

तशावुह (تشابہ) अ पु –परस्पर एक-जैसा होना, एक-जैसी आयते (कुरान के वाक्य) होने के कारण हाफिज़ का कुरान की आयतो को कही का कही मिला देना।

तशावुर (تشاور) अ पु –परस्पर सलाह-मशवरा करना, विचार-विनिमय करना, परामर्श करना।

तश्कीक (تشکیک) अ स्त्री –किसी को शका या भ्रम मे डालना।

तश्खीस (تشخیص) अ स्त्री –नियुक्ति करना, निश्चय करना, जाँचना, जानकारी के लिए परखना।

तश्खीसे मरज़ (تشخیص مرض) अ स्त्री –रोग-निदान, वीमारी की जाँच।

तश्त (تشت) फा पु –थाली, वडी रिकेवी, थाल, परात।

तश्त अज़ वाम (تشت از دام) फा अव्य –भेद खुलना, वात सवमे फैल जाना।

तश्तरी (تشتری) फा. स्त्री –रिकावी, प्लेट।

तश्दीद (تشدید) अ स्त्री –एक अक्षर को दो वार पढना, द्वित्व, उर्दू मे तश्दीद का चिह्न (ّ)।

तश्नः (تشنہ) फा वि –प्यासा, तृषित, पिपासित, अतृप्त, जिसका जी न भरा हो, तिश्ना भी प्रचलित।

तश्नःकाम (تشنہ‌کام) फा वि –तृषित, प्यासा, असफल-मनोरथ, नाकाम।

तश्नःजिगर (تشنہ‌جگر) फा वि –असफलकाम, नाकामयाव, अभिलाषी, मुश्ताक।

तश्न.लव (تشنہ‌لب) फा वि –जिसके ओठ प्यास के मारे सूख गये हो, वहुत प्यासा,—'उम्मीदे लुत्फ आपसे है इक खयाले खाम–कव तश्नालव की प्यास वुझी है सराव से।"

तश्नए खूँ (تشنۂ خوں) खून का प्यासा, जान का दुश्मन, प्राणघातक।

तश्नए दीदार (تشنۂ دیدار) देखने का भूखा, वहुत अधिक अभिलाषी।

तश्नगी (تشنگی) फा स्त्री –प्यास, तृष्णा, पिपासा, लालसा, अभिलाषा, इश्तियाक।

तश्नीअ' (تشنیع) अ स्त्री –वुरा-भला कहना, लानत-मलामत करना।

तश्वीव (تشبیب) अ स्त्री –कसीदे मे शुरु के शे'र जिनमे कोई दृश्य या किसी घटना का वर्णन होता है और उसके वाद ही गुरेज़ होता है।

तश्वीह (تشبیہ) अ स्त्री –एक अर्थालकार जिसमे एक वस्तु की तुलना दूसरी वस्तु से करके उसे घटाया या वढाया या वरावर किया जाता है, उपमा।

तश्वीहे ताम (تشبیہ تام) अ स्त्री –ऐसी उपमा जो पूरी-पूरी घटित हो, पूर्णोपमा।

तश्वीहे नाकिस (تشبیہ ناقص) अ स्त्री –ऐसी उपमा जो दो वस्तुओ मे केवल एक वात मे ठीक उतरे, सवमें न हो, लुप्तोपमा।

तश्रीफ (تشریف) अ स्त्री –प्रतिष्ठा, सम्मान, वुज़ुर्गी, खिल्अत, राज की ओर से सम्मानार्थ दिये जानेवाले वस्त्राभूषण आदि, पदार्पण, आगम, शुभागम।

तश्रीफ अर्ज़ानी (تشریف ارزانی) अ फा स्त्री –दे 'तश्रीफ आवरी'।

तश्रीफ आवरी (تشریف آوری) अ फा स्त्री –विराजमान होना, पदार्पण करना, तश्रीफ लाना, शुभागमन।

तश्रीफफर्माई (تشریف‌فرمائی) अ फा स्त्री –ठहरना, वैठना, तशरीफ रखना।

तश्रीफवरी (تشریف‌بری) अ फा स्त्री –तश्रीफ ले जाना, वापस जाना, जाना, रुखसत होना।

तश्रीफात (تشریفات) अ स्त्री.–जुलूस, शोभायात्रा, खिलअत।

तश्रीह (تشریح) अ स्त्री –खोलकर बयान करना, स्पष्टीकरण, तौजीह, व्याख्या, टीका, तफ़सील, भाष्य, तफ्सीर, भाषान्तर, उल्था, तर्जमा, शरीर के अगो, नसो, हड्डियो आदि का विवरण, अनाटमी, शारीर।

तश्रीहुलअब्दान (تشریح الابدان) अ स्त्री –शरीर का डाक्टरी विवरण, एनाटोमी, शरीर, शरीर-विज्ञान।

तश्विय' (تشویہ) अ पु –भूनना, भृष्टि, दवा को पोटली में रखकर गर्म रेत या राख में दवाकर भूनना।

तश्वीश (تشویش) अ स्त्री –चिन्ता, सोच, फ़िक्र, भय, त्रास, डर, आतुरता, व्याकुलता, घवराहट।

तश्वीशअगेज (تشویش انگیز) अ फा वि –चिन्ताजनक, फ़िक्र पैदा करनेवाला।

तश्वीशनाक (تشویش ناک) अ फा वि –भय-सकुल, पुरखतर।

तश्हीर (تشہیر) अ स्त्री –किसी को वुरी तरह जनता में वदनाम करना, जैसे—गधे पर चढाकर निकालना या मुँह काला करके चारो ओर घुमाना।

तसद्दुक़ (تصدق) अ पु –न्योछावर होना, सदके होना, कृपा, दया, अनुकम्पा, मेहरबानी, भेंट, वलिदान, सद्क, —"जिस जगह देख लिया जान तसद्दुक कर दी—मैं तो पावन्द नही कावे या वुतख़ाने का।"

तसन्नुन (تسنن) अ पु –सुन्नी होना, पैगम्वर के फरमान का अनुकरण करना।

तसन्नो (تصنع) अ पु –कृत्रिमता, वनावट, दिखावा, ज़ाहिरदारी, ज़ाहिरी ख़ातिरदारी, कपट-व्यवहार, चापलूसी, चाटुकारिता।

तसर्रुफ़ (تصرف) अ पु –प्रयोग, व्यवहार, इस्तेमाल, अधिकार, कब्ज़ा, परिवर्तन, रद्दोवदल, गवन, मोपण, किसी चीज़ में कतर-व्योत करके अपने मतलव का वना लेना, चमत्कार, करामात।

तसर्रुफ़े वेजा (تصرف بیجا) अ फा –खियानत, गवन, मोपण, अपहरण।

तसल्ली (تسلی) अ स्त्री –सान्त्वना, ढाढस, दिलासा, मतोप, सब्र।

तसल्लुत (تسلط) अ पु –अधिकार, कब्ज़ा, दखल, प्रभुत्व, गलव।

तसल्सुल (تسلسل) अ पु –निरतरता, लगातारपन, लडी में लडी गूँथना, शृखलावद्ध।

तसव्वुफ़ (تصوف) अ पु –ब्रह्मवाद, अध्यात्मवाद, सूफ़ीइज़्म, मन की सासारिक विपयो से विरक्ति, परहेज़गारी, वेदान्त, ज्ञानकाड, इल्मे तसव्वुफ़।

तसव्वुर (تصور) अ पु –चित्त को एकाग्र करके किसी को ध्यान मे प्रत्यक्ष करना, अनुध्यान, ध्यान, विचार, ख़याल, कल्पना, तख़ैयुल।

तसाउद (تصاعد) अ पु –ऊपर चढना, वलद होना।

तसादुम (تصادم) अ पु –परस्पर टकराना, एक दूसरे को धक्का देना, मुठभेड, लडाई, सघर्ष, टक्कर, टकराव, हानि पहुँचाना, ज़रर देना

तसानीफ़ (تصانیف) अ स्त्री –'तस्नीफ' का वहु, तस्नीफ़े, रचनाएँ।

तसावीह (تسابیح) अ स्त्री –'तस्वीह' का वहु, जपमालाएँ, जप करने की मालाएँ।

तसामुह (تسامح) अ पु –वीरता, वहादुरी, दरगुज़र, चश्मपोशी, वक्ता का कुछ कहना और सुननेवाले का कुछ समझना, दुटप्पी वात, जिससे सुननेवाला गलती कर मके, या कर दे।

तसावी (تساوی) अ स्त्री –परस्पर वरावर होना, समानता, वरावरी।

तसावीर (تصاویر) अ स्त्री –'तस्वीर' का वहु 'तस्वीरें'।

तसाहुल (تساہل) अ पु –आलस्य, अवसन्नता, काहिली, सुस्ती, आसान समझना।

तसीर (تسیر) अ स्त्री –सैर करना, विहार करना, सैर-सपाटा, तफ़्रीह।

तसुईद (تصعید) अ स्त्री –ऊँची जगह पर चढना, वलन्द होना, दो हँडियो या प्यालो मे विधिपूर्वक दवाओ का जौहर उडाना।

तस्कीन (تسکین) अ स्त्री –सान्त्वना, ढाढस, दिलासा, सतोप, इत्मीनान, रोग मे कमी, इफाक, पीडा और दर्द में कमी, आराम, किसी अच् अक्षर को हल करना।

तसीर (تصغیر) अ स्त्री –छोटा करना, मक्षिप्त करना, किसी शब्द के अर्थ मे छोटाई पैदा करना, जैसे—'वाल' से 'वालक' वनाना, इस प्रकार वनाया हुआ शब्द।

तस्ख़ीन (تسخین) अ स्त्री –गर्म करना, गर्मी पहुँचाना।

तस्ख़ीर (تسخیر) अ स्त्री –वशीभूत करना, ताव' करना, जीतना, जीतकर कब्ज़ा करना, भूत-प्रेत या जिन-परी को वस मे करना, किसी को अपने ऊपर मुग्ध करना।

तस्ख़ीरे कुलूव (تسخیر قلوب) अ स्त्री –लोगो के मन को अपने आचार-व्यवहार से मोह लेना।

तस्ख़ीरे हमज़ाद (تسخیر ہمزاد) अ फा स्त्री –मत्र आदि के द्वारा 'हमज़ाद' को अपने वम मे कर लेना, कहते है कि हमज़ाद के वशीभूत हो जाने पर मनुष्य जो चाहे कर मकता है, क्योकि 'हमज़ाद' वडा शक्तिशाली होता है।

तस्जीन (تسجین) अ स्त्री –कारागार में वद करना, जेल में डाल देना।

तस्जील (تسجیل) अ स्त्री –तमस्सुक लिखना; रजिस्ट्री (दस्तावेज़) करना, लेख्य, दस्तावेज़।

तस्तीर (تسطیر) अ स्त्री –लिखना, लेखन-क्रिया, लकीरे खीचना, रेखाकन।

तस्तीर (تستیر) अ स्त्री –छिपाना, गोपन, परदा डालना, परिवेष्टन।

तस्दीअः (تصدیعہ) अ पु –एक वार कष्ट देना, एक वार दर्द सर देना; कष्ट, दु ख, तक्रलीफ।

तस्दीअ (تصدیع) अ स्त्री –सिर की पीडा, सर-दर्द, कष्ट, क्लेश, दु ख, तक्लीफ।

तस्दीक (تصدیق) अ स्त्री –सच्चे होने की ताईद करना, सच्चा वताना, प्रमाण, सुवूत।

तस्नियः (تثنیہ) अ पु –एकवचन और वहुवचन के वीच का, 'द्विवचन', यह हिंदी और उर्दू फारसी में नही है, परन्तु सस्कृत और अरवी में है।

तस्नीफ (تصنیف) अ स्त्री –पुस्तक लिखना, किताव वनाना, रचना, लिखी हुई पुस्तक, वनाई हुई कविता, मनगढत, कपोल-कल्पित, फर्ज़ी वात।

तस्नीफात (تصنیفات) अ स्त्री –'तस्नीफ' का वहु, रचनाएँ, तस्नीफे।

तस्नीम (تسنیم) अ स्त्री –स्वर्ग की एक (नहर)।

तस्फियः (تصفیہ) अ पु –आपस का निवटारा, समझौता, निर्णय, फैसला, शुद्ध करना, साफ करना, शुद्धि, सफाई, वाहम-परस्पर–दिलो की सफाई, मेल।

तस्फियःतलव (تصفیہطلب) अ फा वि –वे वाते जिनकी सफाई होनी आवश्यक है।

तस्फिय.नामः (تصفیہنامہ) अ फा. पु –वह कागज़ जिसमे आपस के तस्फिए की लिखता-पढती हो।

तस्वीग़ (تصبیغ) अ स्त्री –रग करना, रँगना।

तस्वीह (تسبیح) अ. स्त्री –सुव्हानल्लाह (ईश्वर अत्यन्त पवित्र है) कहना, जपमाला, माला।

तस्वीहख़्वाँ (تسبیحخواں) अ फा वि –तस्वीह पढनेवाला; 'सुव्हानल्लाह' का जप करनेवाला।

तस्म. (تسمہ) फा पु –चमडे की कम चौडी और लम्वी पट्टी, जूते का फीता; चमडे का कोडा, दुर्रा।

तस्म कश (تسمہکش) फा वि.–गले में फदा डालकर मार डालनेवाला, ठग; जल्लाद, कातिल।

तस्मःपा (تسمہپا) फा पु –जिसका पाँव तस्मे से वँधा हो।

तस्मःवाज (تسمہباز) फा वि –धूर्त, छली, वचक, मक्कार, द्यूतकार, जुआरी।

तस्मःवाजी (تسمہبازی) फा स्त्री –छल, कपट, फरेव, एक प्रकार का जुआ।

तस्मियः (تسمیہ) अ पु –'विस्मिल्लाह' (ईश्वर के नाम से आरम्भ) कहना, नामकरण, नाम रखना।

तस्मियःख़्वानी (تسمیہخوانی) अ फा स्त्री –वच्चे को पढने विठाने का सस्कार, विद्यारम्भ।

तस्मीन (تسمین) अ स्त्री –मोटा करना, स्थूल वनाना, खूव घी और चरवी खिलाना।

तस्मीम (تصمیم) अ स्त्री –दृढ करना, मज़वूत वनाना, दृढ, पुख्ता।

तस्लीख (تسلیخ) अ स्त्री –खाल उतारना, शरीर की खाल अलग करना।

तस्लीव (تصلیب) अ स्त्री –सूली पर चढाना, सूली देना, फाँसी देना।

तस्लीम (تسلیم) अ स्त्री –सौंपना, सिपुर्द करना, सलाम करना, प्रणाम करना, कवूल करना, स्वीकार करना, आज्ञा का पालन करना, फरमाँवरदारी करना।

तस्लीमात (تسلیمات) अ स्त्री –'तस्लीम' का वहु, परन्तु एकवचन के अर्थ मे आता है, प्रणाम, सलाम।

तस्लीस (تثلیث) अ स्त्री –तीन भाग करना, तीन में वाँटना, ईसाइयो का तीन खुदा मानना।

तस्विय (تسویہ) अ पु –समान करना, वरावर वनाना, सीधा करना।

तस्वीद (تسوید) अ स्त्री –काला करना, काला रग चढाना, लिखना, तहरीर करना, मुसव्वदा लिखना।

तस्वीर (تصویر) अ स्त्री –मूर्ति वनाना, चित्र खीचना, चित्र, प्रतिकृति, शवीह, छायाचित्र, आलोकचित्र, फोटो, वहुत ही सुन्दर और हसीन शक्ल, प्रतिमा, मूर्ति, वुत।

तस्वीरकशी (تصویرکشی) अ फा स्त्री –चित्रण, चित्रकर्म, तस्वीर वनाना।

तस्वीरख़ान. (تصویرخانہ) अ फा पु –वह स्थान जहाँ वहुत से चित्र हो, जो चित्रो से सजाया गया हो, जहाँ वहुत-सी सुन्दर स्त्रियाँ एकत्र हो, परीखाना, सनमखाना।

तस्वीरे अक्सी (تصویر عکسی) अ स्त्री –फोटो, छायाचित्र।

तस्वीरे खयाली (تصویر خیالی) अ स्त्री –किसी की आकृति जो चित्त मे आये, तसव्वुर मे आया हुआ नक्शा, काल्पनिक चित्र, फरज़ी तस्वीर।

तस्वीरे गिली (تصویر گلی) अ फा स्त्री –मिट्टी की मूर्ति।

तस्वीरे नीमरुख (تصویر نیم‌رخ) अ फा स्त्री –एक तरफ से लिया हुआ चित्र, वह चित्र जिसमे मुख का एक रुख आये।

तस्सूज (طسوج) अ पु –पात्र, भाजन, वर्तन, तट, किनारा, दो रत्ती की एक तौल, चौथाई 'दाग'।

तस्हील (تسہیل) अ स्त्री –सुगम वनाना, सरल करना, आसानी पैदा करना, सुगमता, सरलता, आसानी।

तस्हीले विलादत (تسہیل ولادت) अ स्त्री –वच्चा पैदा होने की आसानी, प्रसव की सुगमता।

तस्हीह (تصحیح) अ स्त्री –शुद्ध करना, दुरुस्त करना, इवारत आदि की गलतियाँ ठीक करना, प्रेस की कापियो या प्रूफो की दुरुस्ती।

तह (تہ) फा स्त्री –निचला हिस्सा, तली, थाह, अन्त, इतिहा, परत, तवक, पेंदी, तला, रहस्य, भेद, नुक्ता।

तहक्कुम (تحکم) अ पु –हुक्म जताना, ज़ोर दिखाना, ज़वर्दस्ती करना।

तहखान (تہخانہ) फा पु –ज़मीनदोज़ मकान, तलगृह, अधोगृह, भूगेह, भूगर्भगृह।

तहजुर्अ (تہ‌جرعہ) फा अ स्त्री –तलछट, गाद, नीचे का वचा हुआ पानी या मदिरा, पीने से वची हुई मदिरा।

तहज्जी (تہجی) अ स्त्री –किमी की निन्दा या हजो करना, शव्दो के हिज्जे करना।

तहज्जुद (تہجد) अ पु –रात मे सोना और रात मे ही जाग जाना, (स्त्री) आधी रात के वाद की नमाज।

तहज्जुन (تحزن) अ पु –शोकग्रस्त होना, रजीदा होना।

तहज्जुर (تحجر) अ पु –पत्थर की तरह कठोर हो जाना, कठोरता, कडापन, सख्ती।

तहत्तुक (تہتک) अ पु –तू-तू, मैं-मैं, वाक्कलह, निन्दा, अपमान, रुस्वाई।

तहदार (تہدار) फा वि –सार्थक, वामा'नी, गभीर, गहरा, गूढ, दकीक।

तहदेगी (تہ‌دیگی) फा स्त्री –नीचे की खुर्चन, देग या हाँडी की तह में जमी हुई खुर्चन।

तहनशीं (تہ‌نشیں) फा वि –नीचे वैठी हुई चीज़, तलछट।

तहपेच (تہ‌پیچ) फा पु –पगडी के नीचे की टोपी या कपडा, लुगी के नीचे का कपडा।

तहपोश (تہ‌پوش) फा पु –सारी के नीचे का जाँघिया, अडरवियर।

तहफ्फुज़ (تحفظ) अ पु –सुरक्षा, हिफाज़त, वचाव, रक्षा।

तहफ्फुज़े हुकूक (تحفظ حقوق) अ पु –अपने हको की रक्षा।

तहवद (تہبند) फा पु –अधोवस्त्र, नीचे पहनने का कपडा, लुगी, तहमद।

तह व तह (تہ بہ تہ) फा वि –एक के नीचे एक, परत पर परत।

तहवाज़ारी (تہ‌بازاری) फा स्त्री –राज्य की ओर से वाज़ार की जमीन का ठेका या उसके किराए की उगाही।

तहव्वुज (تہبج) अ पु –वहुत हलकी सूजन, भरभराहट।

तहमतन (تہمتن) फा पु –महारथी, वहुत वडा योद्धा, रुस्तम की उपाधि।

तहमतनी (تہمتنی) फा स्त्री –शौर्य, वीरता, वहादुरी, शुजाअत।

तहमैदानी (تہ‌میدانی) फा पु –खानावदोश, मचारजीवी।

तहम्मुल (تحمل) अ पु –सहिष्णुता, वुर्दवारी, गभीरता, सजीदगी, धैर्य, सव्र, नम्रता, नर्मी।

तहय्युज (تہیج) अ पु –ज़मीन से गर्दोगुवार उठना।

तहय्युर (تحیر) अ पु –अचम्भा, विस्मय, हैरत, तअज्जुव।

तहर्रुक (تحرک) अ पु –हिलना, हरकत होना, हिलना-डुलना।

तहव्वुर (تہور) अ पु –वहादुरी, वीरता, जवाँमर्दी।

तहव्वुर शिआर (تہور شعار) अ वि –शूर, वीर, वहादुर।

तहश्शुम (تحشم) अ पु –वहुत नौकर-चाकरवाला होना, रोव दिखाना, क्रोध प्रकट करना।

तहस्सुर (تحسر) अ पु –शोक, रज, पश्चात्ताप, अफमोस।

तहाइफ (تحائف) अ पु –तुहफा का वहु, तोहफे।

तहाकुम (تحاکم) अ पु –परस्पर मिलकर हाकिम के पास जाना।

तहालुफ (تحالف) अ पु –वाहम किमी पड्यन्त्र करने की शपथ लेना, आपस की कस्माकस्मी, किसी वात के झूठ-सच होने के लिए आपस मे कस्मा परतीती।

तहारत (طہارت) अ स्त्री –शुद्धता, पवित्रता, पाकीज़गी, शौच, इस्तिजा, स्नान, गुस्ल।

तहावुर (تحاور) अ पु –परस्पर वार्तालाप, वातचीत।

तहीन (طحین) अ वि –पिसा हुआ आटा।

तहीय (تہیہ) अ पु –इराद, मकल्प, निश्चय, तय, तत्परता, आमादगी।

तहीयत (تحیت) अ स्त्री –सलाम, तस्लीम, प्रणाम, वदना, रसूल पर दुरुद, जीवनदान करना, ज़िन्दगी देना, सत्ता, राज्य, हुकूमत।

तहीयात (تحیات) अ स्त्री –'तहीयत' का वहु, 'वदनाएँ, दुरूदो सलाम।

तहूर (طہور) अ वि –पवित्र, निर्मल, शुद्ध, पाक।

तहेख़ाक (تہخاک) फा अव्य –ज़मीन के नीचे, अर्थात् क़ब्र मे।

तहेतेग़ (تہ تیغ) फा वि –हत, वधित, मक़्तूल।

तहोबाला (تہ وبالا) फा वि –तले-ऊपर, अस्त-व्यस्त, गडवड, विनष्ट, विध्वस्त, बरबाद।

तहैयुर (تحیر) अ पु –दे 'तहय्युर'।

तहक़ीक़ (تحقیق) अ स्त्री –जाँच-पडताल, गवेपणा, तफ्तीश, तलाश, जिज्ञासा, विदित, ज्ञात, दरयाफ्त, अनुसधान, रिसर्च।

तहक़ीक़ात (تحقیقات) अ स्त्री –'तहकीक' का वहु, परन्तु एकवचन में वोलते हैं, सरकारी तौर पर किसी मुआमले की जाँच-पडताल।

तहक़ीक़े हक़ (تحقیق حق) अ स्त्री –सत्य की खोज, सत्यान्वेषण, अस्लियत की तलाश।

तहक़ीर (تحقیر) अ स्त्री –अपमान, अनादर, वेइज्ज़ती, निंदा, अपयश, वदनामी, घृणा, उपेक्षा।

तहज़ीब (تہذیب) अ स्त्री –सभ्यता, शिष्टता, शाइस्तगी, सस्कृति, परिष्कृति, आरास्तगी, सुशीलता, ख़ुशअख़्लाक़ी, उठने-वैठने, वातचीत करने, और के सामने जाने का सलीका।

तहज़ीबे अख़्लाक़ (تہذیب اخلاق) अ स्त्री –अख़्लाक़ की दुरुस्ती, आचार-व्यवहार और नागरिकता के नियमो का पालन।

तहज़ीबे जदीद (تہذیب جدید) अ स्त्री –नवीन सभ्यता, पाश्चात्य सस्कृति, मग़्रिवी तहज़ीव।

तहत (تحت) अ वि –निम्न, नीचे, अधीन, मातहत; अधिकार, इख़्तियार, दवाव।

तहतुल्लफ़्ज़ (تحت اللفظ) अ वि –नज़्म या ग़ज़ल को तरन्नुम से न पढकर साधारण ढग से पढना, गाकर न पढना, गद्य की भाँति पढी हुई कविता।

तहतश्शुआअ (تحت الشعاع) अ वि –चाद्र मास के वे दो या तीन दिन जव चंद्रमा इतना महीन होता है कि दिखाई नही देता। ये दिन अशुभ माने जाते हैं।

तहतस्सरा (تحت الثرا) अ पु –पृथ्वी का सवसे नीचे का तल, पाताल।

तहतानी (تحتانی) अ वि –उर्दू का वह अक्षर जिसके नीचे नुक्ते हो।

तह्दियः (تہدیہ) अ पु –किसी को कोई चीज़ भेट करना, तोहफा देना, भेंट, उपहार, उपायन, तोहफा।

तहदीद (تہدید) अ स्त्री –त्रासना, डराना, भय दिखाना, धमकाना, घुडकना, भर्त्सना।

तह्दीद (تحدید) अ स्त्री –हद वाँधना, सीमावद्ध करना, सीमित या नियत करना, तीव्र करना, तेज़ करना।

तह्दीस (تحدیث) अ स्त्री –ह्दीस वयान करना।

तह्न (طحن) अ पु –पीसना, आटा पीसना।

तह्मीद (تحمید) अ स्त्री –स्तुति करना, हम्द करना।

तह्रीक (تحریک) अ स्त्री –हिलाना, हरकत देना, प्रवृत्त करना, रग्वत दिलाना, वरगलाना, वहकाना, प्रस्तावना, आन्दोलन।

तह्रीफ़ (تحریف) अ स्त्री –किसी चीज की दशा और आकृति वदल देना, किसी वात को कुछ का कुछ कर देना, किसी शब्द के अक्षरो मे परिवर्तन करके कुछ का कुछ वना देना।

तह्रीम (تحریم) अ स्त्री –किसी चीज को अपने या किसी के लिए हराम कर देना, पवित्र करना।

तह्रीर (تحریر) अ स्त्री –लिखना, लिखने का अमल, हस्तलिपि, हाथ की लिखावट, अक्षरन्यास, लिखावट, लेख्य, लेखपत्र, दस्तावेज, लिखित प्रमाण, तह्रीरी सुवूत, मज्मून, इवारत, हलकी लकीर या खत, सुरमे की लकीर, सनद, प्रमाणपत्र, इक़्रारनामा, सविदापत्र, लिखने की उजरत, लिखाई।

तह्रीरी (تحریری) अ वि –लिखित, लिखा हुआ।

तह्रीस (تحریص) अ स्त्री –लालच देना, प्रलोभन, प्रेरणा, रग्वत दिलाना, प्रलोभ, लालच।

तह्ल[लु]कः (تہلکہ) अ पु –कोलाहल, कोहराम, खलवली, हलचल, मरना, निधन।

तह्लील (تحلیل) अ स्त्री –विलयन, घुलना, पचन, हज्म होना, क्षीणता, दुवला होना, किसी पदार्थ का गलना या पिघलना, किसी चीज़ को अलग-अलग करना।

तह्लील (تہلیل) अ स्त्री –'ला इलाह इल्लल्लाह' (एक ईश्वर के सिवाय कोई ईश्वर नही है) कहना, ईश्वर-स्तुति करना, हम्दो सना करना।

तह्वील (تحویل) अ स्त्री –फिरना, फिराना, सिपुर्द करना, हस्तान्तरित करना, प्रवेश करना, दाखिल होना, किसी ग्रह का किसी राशि में प्रवेश, दुकान का वकाया रुपया जो हर रोज़ वही मे लिखा जाता है, रोकड।

तह्वीलदार (تحویل دار) अ फा पु –जिसके पास तह्वील हो, रोकडिया, ख़ज़ानची।

तह्वीले आफ़्ताव (تحویل آفتاب) अ फा स्त्री –सूर्य का एक राशि से दूसरी राशि मे प्रवेश, सक्रान्ति।

तह्शियः (تحشیہ) अ पु –किसी पुस्तक आदि पर फुटनोट लिखना।

तह्सीन (تحسین) अ स्त्री –प्रशसा, श्लाघा, तारीफ।

तह्सीने नाशनास (تحسینِ ناشناس) अ फा स्त्री –किसी हुनर या काव्य की ऐसे व्यक्ति द्वारा प्रशसा जो उससे बिल्कुल अनजान हो।

तह्सील (تحصیل) अ स्त्री –हासिल करना, उपार्जन, एकत्र करना, इकट्ठा करना, मालगुजारी, राजस्व, ज़िले का एक भाग, तहसीलदार की कचहरी।

तह्सीलदार (تحصیلدار) अ फा पु –तहसील का अफसर, जिसका काम मालगुज़ारी इकट्ठा करना होता है।

तह्सीलदारी (تحصیلداری) अ फा स्त्री –तहसीलदार का पद, तहसीलदार का काम।

तह्सीले इल्म (تحصیلِ علم) अ स्त्री –इल्म हासिल करना, विद्योपार्जन।

तह्सीले ख़ाम (تحصیل خام) अ फा स्त्री –जमीदारी का सारा रुपया, सारी तहसील, कच्ची तह्सील।

तह्सीले ज़र (تحصیل زر) अ फा स्त्री –रुपया कमाना, धनोपार्जन।

तह्सीले हासिल (تحصیل حاصل) अ स्त्री –जो प्राप्त है उसकी प्राप्ति का प्रयत्न, व्यर्थ काम।

ता

ता (تا) फा अव्य –तक, तलक।

ताअत (طاعت) अ स्त्री –उपासना, आराधना, पूजा, इबादत, बंदगी।

ताआत (طاعات) अ स्त्री –'ताअत' का बहु, आराधनाएँ, पूजाएँ, इबादतें।

ताइन (طاعن) अ वि –बाण मारनेवाला, तीर से घायल करनेवाला; ता'ना देनेवाला।

ताइफ़ (طائفه) अ पु –दल, समुदाय, जमाअत, रडी और उसके साज़िदे आदि।

ताइफ (طائف) अ वि –परिक्रमा करनेवाला, किसी चीज़ के चारो ओर फिरनेवाला, तवाफ करनेवाला, सोते मे आनेवाला ख़याल।

ताइब (تائب) अ वि –तौबा करनेवाला, पाप या किसी बुरी आदत पर लज्जित होकर उससे अलग रहने की प्रतिज्ञा करनेवाला।

ताइर (طائر) अ पु –वायु में उडनेवाला, पक्षी, चिड़िया, परद।

ताइरे अर्श (طائرِ عرش) अ पु –अर्श (ईश्वर का निवास-स्थान) तक उडनेवाला, 'जिब्रील' फिरिश्ता, आकाशगामी पक्षी।

ताइरे क़िब्ल नुमा (طائرِ قبله‌نما) अ फा पु –क़ुतुबनुमा की सुई।

ताइरे क़ुद्स (طائرِ قدس) अ पु –दे 'ताइरे अर्श'।

ताइरे लाहूत (طائرِ لاهوت) अ पु –दे 'ताइरे अर्श', ब्रह्म-लोक तक उडकर जानेवाला।

ताइरे सिद्र (طائرِ سدره) अ पु –दे 'ताइरे अर्श'।

ताइल (طائل) अ पु –लाभ, फायदा।

ताई (طائی) अ पु –अरब का एक कबील (वश) जिसमे 'हातिम' हुआ है।

ताईद (تائید) अ स्त्री –सहायता, मदद, पक्षपात, हिमायत, पुष्टि, तस्दीक, दावे के प्रमाण मे कोई दस्तावेज आदि।

ताईदे आस्मानी (تائید آسمانی) अ फा स्त्री –दैवी सहायता, गैबी मदद, अनायास ऐसी बात हो जाना जिससे किसी कठिन काम मे सफलता प्राप्त हो जाय।

ताईदे ग़ैबी (تائید غیبی) अ स्त्री –दे 'ताईदे आस्मानी।

ताईदे रब्बानी (تائید ربانی) अ स्त्री –दे 'ताईदे आस्मानी'।

ता'ईन (تعئین) अ स्त्री –निश्चय, तऐयुन, नियुक्ति, तकर्रुर।

ता'ऊन (طاعون) अ पु –एक महामारी, एक वबा, प्लेग।

ताऊस (طاؤس) अ पु –मयूर, बर्ही, शिखी, मोर।

ताए क़रशत (تاے قرشت) अ स्त्री –'अबजद' के हिसाब से 'करशत'वाली ते (ت)।

ताए सक़ील (تاے ثقیله) अ स्त्री –हिंदी का 'ट' (ٹ)।

ताक़ः (طاقه) अ पु –कपडे का थान, जिस प्रकार घोडे के लिए 'रास', हाथी के लिए 'जजीर', रुपये के लिए 'मुल्लिग' आता है उसी तरह कपडे के थान के लिए 'ताक' आता है।

ताक (طاق) अ पु –दीवार में बना हुआ छोटा मेहराबदार खोल, मोखल, वह अक जो दो से न बँटे, जसे–३, ५, ७, ९, दक्ष, निपुण, चतुर, समाप्त, खत्म, इस अर्थ में केवल 'ताकत' के लिए आता है, जैसे–'ताकत ताक हो गयी' अर्थात् शक्ति समाप्त हो गयी।

ताक़च (طاقچه) अ फा पु –छोटा ताक।

ताक़त (طاقت) अ स्त्री –शक्ति, बल, ज़ोर, सामर्थ्य, शक्ति, मक्दरत, साहस, मजाल, उत्साह, उमग, हौसला, सत्ता, राज, हुकूमत, पात्र, ज़र्फ।

ताक़तआज़माई (طاقت آزمائی) अ फा स्त्री –ज़ोर लगाना, कोशिश करना।

ताक़तवर (طاقت‌ور) अ फा वि –शक्तिशाली, बलवान्, ज़ोरावर।

ताक़ी (طاقی) फा स्त्री –एक लम्बी टोपी जो ताक के

आकार की होती है, एक घोडा जिसकी एक आँख छोटी और दूसरी वडी होती है।

ताकीद (تاکید) अ स्त्री –कोई बात जोर देकर कहना, किसी बात का ज़रूर करने या न करने का हुक्म देना, इस्रार, हठ, ज़िद।

ता'कीद (تعقید) अ स्त्री –इस तरह पर्दे में वात करना कि समझ मे न आये, बहुत-सी गाँठे डाल देना, किसी वाक्य मे शव्दो का ऐसा उलट-फेर कर देना कि अर्थ समझने मे कठिनाई हो।

ताकीदन (تاکیداً) अ वि –ताकीद के साथ, ज़ोर देकर।

ताकीदी (تاکیدی) अ वि –जिस वात की ताकीद की गयी हो, जरूरी, सख़्त।

ताकीदे अकीद (تاکید اکید) अ स्त्री –वहुत ही कडी ताकीद।

ताकीदे मा'नवी (تعقید معنوی) अ स्त्री –किसी वाक्य या शे'र मे किसी शव्द का ऐसा अर्थ लेना जो उसके साधारण अर्थ के विपरीत हो।

ता'कीदे लफ़्ज़ी (تعقید لفظی) अ स्त्री –किसी वाक्य या शे'र मे शव्दो का ऐसा उलट-फेर जिससे अर्थ वदल जाय।

ताकीदे शदीद (تاکید شدید) अ स्त्री –दे 'ताकीदे अकीद'।

ता कुजा (تا کجا) फा अव्य –कव तक, कहाँ तक।

ताके निस्याँ (طاق نسیاں) अ पु –विस्मृति का ताक, विस्मृति रूपी ताक, जिसमे रखकर हर चीज भुला दी जाती है।

ताके (تاکے) फा अव्य –दे 'ता कुजा'।

ताख़ीर (تاخیر) अ स्त्री –विलव, ढील, देर, "सब्र वडा दुश्वार तलव—चाह वडी ताखीर-पसद"।

ताख़्त: (تاختہ) फा वि –दौडा हुआ, भागा हुआ।

ताख़्त (تاخت) फा स्त्री –आक्रमण, हमला, धावा, छापा, लूटमार, गारतगरी।

ताख़्तोताराज (تاخت و تاراج) फा स्त्री –वरवादी, तवाही, विनाश, विध्वस, लूटमार, लूट-खसोट।

ताग़ी (طاغی) अ वि –अवज्ञाकारी, नाफरमान, सरकश, विद्रोही, राजद्रोही, वागी।

ताग़ूत (طاغوت) अ पु –एक बुत, एक पिशाच, अत्यन्त निर्दय और अत्याचारी व्यक्ति।

ताग़ूती (طاغوتی) अ वि –पिशाचपन, शैतानी; पिशाच-वृत्त, शैतान।

ताचद (تاچند) फा अव्य –कव तक, कहाँ तक।

ताज: (تازہ) फा वि –नवीन, नूतन, नया, सरसब्ज, हरा-भरा, तत्कालीन, हाल का, हाल का वना हुआ, हाल का किया हुआ, हाल का पका हुआ, हाल का आया हुआ, शादाव, तरोताज़ा।

ताज़:कार (تازہ کار) फा वि –नौसिखिया, नवाभ्यस्त।

ताज़:दम (تازہ دم) फा वि –जिसे थकन और कसल न हो, फ्रेश।

ताज़:दिमाग़ (تازہ دماغ) फा अ वि –जिसका दिमाग थका हुआ न हो, जिस दिमाग पर अभी जरा भी ज़ोर न पडा हो।

ताज़' व ताज़: (تازہ بتازہ) फा वि –विलकुल नया, विल्कुल हाल का, ताजा ताजा, गर्मागर्म।

ताज़:मश्क़ (تازہ مشق) फा अ वि –दे 'ताज़ कार'।

ताज़.वारिद (تازہ وارد) फा अ वि –जो अभी-अभी वाहर से आया हो, नवागत।

ताज़:विलायत (تازہ ولایت) फा अ वि –जो अभी-अभी किसी अन्य देश से आया हो और इस देश की वोल-चाल और चाल-ढाल से अनभिज्ञ हो।

ताज (تاج) फा पु –मुकुट, शाही टोपी, परद के सर की कलगी, शिखा।

ताज़ (تاز) फा प्रत्य –हमला करनेवाला, जैसे–'यक्क ताज़' अकेला हमला करनेवाला, (स्त्री) आक्रमण, हमला, दौड, ताख़्त।

ताज़गी (تازگی) फा स्त्री –नवीनता, नयापन, हरा-भरापन, सरसब्जी, चेहरे की रौनक, मुखश्री, प्रफुल्लता, फरहत, प्रसन्नता, ख़ुशी, तरावट, तरी, शीतलता।

ताजदार (تاجدار) फा पु.–मुकुटधारी, नरेश, राजा, वादशाह।

ताजपोशी (تاج پوشی) फा स्त्री –राजगद्दी, अभिषेक, राज्याभिषेक, वादशाह का गद्दी पर वैठना।

ताजवर (تاجور) फा पु –दे 'ताजदार'।

ताज़िदगी (تا زندگی) अ फा अव्य –तमाम उम्र, आजन्म, यावज्जीवन।

ता'ज़िय: (تعزیہ) अ पु –हज़्रत इमाम हुसैन के रौज़े की नक्ल जिसका जुलूस मुहर्रम मे उठता है।

ता'ज़िय दार (تعزیہ دار) अ फा पु –ताज़िया वनाने और उठानेवाला।

ता'ज़िय:दारी (تعزیہ داری) अ फा स्त्री –ताज़िया बनाना, उठाना और रोशनी वगैर करना।

ता'ज़ियत (تعزیت) अ स्त्री –किसी के मर जाने पर उसके घर शोक प्रकट के लिए जाना, पुरसा।

ता'ज़ियतख़ान: (تعزیت خانہ) अ फा पु –वह घर जिसमे कोई गमी हो गयी हो, शोक-गृह।

ता'ज़ियतगाह (تعزیت گاہ) अ फा स्त्री –दे "ताज़ियतख़ान"।

ताज़ियतनाम (تعزیت نامہ) अ फा पु –किसी के मरने पर उसके उत्तराधिकारियो के शोक का ख़त, शोकपत्र।

ताज़ियान. (تازیانه) फा पु –कोडा, प्रतोद, कशा, चावुक।

ताजिर (تاجر) अ पु –व्यापारी, सौदागर, व्यवसायी, वणिक्।

ताजिरान· (تاجرانه) अ फा अव्य –व्यापारियो-जैसा, जैसा व्यापारियो के लिए होता है वैसा।

ताज़ी (تازی) फा वि –अरव की भाषा, अरवी, अरव का घोडा, शिकारी कुत्ता, अरव का रहनेवाला।

ताजीक (تاجیک) फा पु –अरव की वह सतान जो ईरान मे रहकर जवान हुई हो।

ताज़ीख़ान (تازی خانه) फा पु –कुत्तो के रहने का घर, जहाँ कुत्ते पाले और रखे जायँ, श्वानागार।

ताज़ीनज़ाद (تازی نژاد) फा वि –अरव की नस्ल का घोडा।

ता'ज़ीब (تعذیب) अ स्त्री –कष्ट देना, दु ख देना, मुसीवत पहुँचाना।

ता'ज़ीम (تعظیم) अ स्त्री –आदर, सत्कार, सम्मान, इज्ज़त, प्रणाम, तस्लीम।

ता'ज़ीर (تعزیر) अ स्त्री –सज़ा देना, दड देना।

ता'ज़ीरात (تعزیرات) अ स्त्री –'ता'ज़ीर' का वहु, सज़ाएँ, सज़ाओ से सवद्ध न्याय की पुस्तक, दड-विधान।

ता'जील (تعجیل) अ स्त्री –जल्दी करना, शीघ्रता करना, शीघ्रता, जल्दी।

ताज़ीस्त (تازیست) फा अव्य –ज़िदगी भर, आजन्म।

तातार (تاتار) फा पु –तुर्किस्तान का एक इलाका जहाँ तातारी रहते हैं।

तातारी (تاتاری) फा पु –तातार देश का रहनेवाला।

ता'तीर (تعطیر) अ स्त्री –इत्र में वासना, सुगधित करना।

ता'तील (تعطیل) अ स्त्री –अवकाश, फ़ुर्सत, निठल्लापन, वेकारी, छुट्टी, कारखाने, दफ्तर या स्कूल के वद होने का दिन।

तातूरः (تاتوره) फा पु –धतूरा, धत्तूर, एक प्रसिद्ध विषैला फल।

तादमेज़ीस्त (تادم زیست) फा अव्य –जव तक आखिरी साँस है तव तक, ताज़ीस्त, जीवनभर।

ता'दाद (تعداد) अ स्त्री –गणना, गिनती, अनुमिति, अदाज, सख्या, शुमार।

ता'दिय (تعدیه) अ पु –रोग का एक स्थान से दूसरे स्थान तक या एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक जाना, अकर्मक क्रिया को सकर्मक वनाना।

तादीव (تادیب) अ स्त्री –अदव सिखाना, शिष्ट वनाना, तवीह करना, घुडकी देना, कान मरोडना, सज़ा देना।

ता'दील (تعدیل) अ स्त्री –एक वस्तु को दूसरी वस्तु के वरावर करना, समता, वरावरी, ठीक करना, दुरुस्त करना, सीधा करना, टेढ निकालना।

ता'न· (طعنه) अ पु –व्यग, कटाक्ष, तज, उपालम्भ, गिला, निंदा, वुराई।

ता'न ज़न (طعنه زن) अ फा वि –ता'न देनेवाला, व्यग करनेवाला।

ता'न ज़नी (طعنه زنی) अ फा स्त्री –ता'न देना, व्यग करना।

ता'न (طعن) अ उभ –कटाक्ष, व्यग, ता'न, तीर मारना।

तानीस (تانیث) अ स्त्री –स्त्रीलिंग होना, स्त्रीलिग।

ता'नोतश्नीअ (طعن و تشنیع) अ स्त्री –व्यग और कटाक्ष, तरह-तरह के ताने, लानत-मलामत।

ताफ़्त. (تافته) फा वि –वटा हुआ, वल दिया हुआ, चमका हुआ, चमकदार, रौशन, एक प्रकार का रेशमी कपडा।

ताव· (تاوه) फा पु –रोटी पकाने का वर्तन, तवा।

ताब (تاب) फा स्त्री –उष्णता, गर्मी, उष्णिमा, ज्योति, आभा, चमक, वल, पेच, खम, शक्ति, जोर, सहन-शक्ति, वरदाश्त, सामर्थ्य, मक्दूर, (प्रत्य) रौशन करनेवाला, जैसे—'आलमताव' ससार को चमकानेवाला।

तावइम्काँ (تاوه امکان) फा अ अव्य –अपने इम्कान भर, यथासभव, यथाशक्ति।

ता व कमर (تا بہ کمر) फा अव्य –कमर तक, कमर तक आया या पहुँचा हुआ, जैसे—ता व कमर पानी या ता व कमर ज़ुल्फ।

ताव कुजा (تاوه کجا) फा अव्य –कहाँ तक, कव तक, ता कुजा, ताकि।

ता वके (تا بکے) फा अव्य –दे 'ताव कुजा'।

तावख़ान (تابخانه) फा पु –गर्म किया हुआ कमरा, गर्म मकान, गर्म हम्माम, गर्म स्नानागार, वह कमरा जहाँ चूल्हा या भट्ठी हो।

तावख़ान (تابخانه) फा अव्य –घर तक, मकान तक।

ता व गुलू (تا بہ گلو) फा अव्य –गले तक।

ता व ज़ीस्त (تا بہ زیست) फा अव्य –जीवन भर, जीते-जी, आजीवन, आजन्म।

तावदाद (تابداده) फा वि –वटा हुआ, वल दिया हुआ, वलित।

तावदान (تابدان) फा पु –मकान का रौशनदान, गवाक्ष, झरोखा, वातायन।

तावदार (تابدار) फा वि –ज्योतिर्मय, जाज्वल्यमान, तावाँ, वटा हुआ, वल दिया हुआ, वलित।

तावनाक (تابناک) फा वि –रौशन, प्रकाशमान, ज्योतिर्मय, चमकता हुआ।

तावनाकी (تابناکی) फा स्त्री –चमक, प्रकाश, ज्योति, नूर।

ता व मक़्दूर (تا بہ مقدور) फा अ अव्य –यथाशक्य, यथाशक्ति, अपनी ताकत भर, भरसक।

ता व हद्दे (تا بہ حدے) फा अ अव्य –इस हद तक, यहाँ तक, जिस हद तक, जहाँ तक।

ता व हयात (تا بہ حیات) फा अ अव्य –दे 'ता व ज़ीस्त'।

तावाँ (تاباں) फा वि –प्रकाशमान, दीप्त, ज्वलन्त, रौशन, मुनव्वर।

तावानी (تابانی) फा स्त्री –प्रकाश, आभा, ज्योति, रौशनी, नूर।

ताविदः (تابندہ) फा वि –चमकनेवाला, प्रकाशमान, रौशन।

ताविदगी (تابندگی) फा स्त्री –चमक, जिला, जगमगाहट, ज्योति, प्रकाश, नूर, रौशनी।

ताविई (تابعی) अ पु –वह अरव जिसने रसूल के किसी सिहावी (निकट जन) को देखा हो।

ताविए फरमान (تابع فرمان) अ वि –आज्ञापालक, हुक्म माननेवाला, भक्त, वफादार।

ताविए मुहमल (تابع مہمل) अ पु –वह अनर्थक शब्द जो किसी शब्द से मिलाकर वोला जाता है, जैसे—'रोटी-वोटी'। इसमे वोटी का कोई अर्थ नही है, परन्तु वोलते है।

ता'वियः (تعبیہ) अ पु –सजाना, सँवारना, क्रमवद्ध करना, तर्तीव देना, लडाई के लिए फौज सजाना, पच्ची-कारी करना, जडना।

ताविश (تابش) फा स्त्री –तपन, उष्णता, गर्मी, ज्योति, प्रकाश, तावानी, जगमगाहट, चमक-दमक।

ताविशे आफ़्ताव (تابش آفتاب) फा स्त्री –धूप की गर्मी, सूरज की तेज़ चमक।

ताविस्तान (تابستان) फा पु –ग्रीष्मकाल, गर्मी की ऋतु।

तावीदः (تابیدہ) फा वि –ज्योतिर्मय, प्रकाशित, चमकता हुआ, चमका हुआ।

ता'वीर (تعبیر) अ स्त्री –ख़्वाव का नतीजा वयान करना, स्वप्नफल वताना, कष्ट कल्पना करना, तौजीह करना, कहना, वताना।

तावूत (تابوت) अ पु –वह सदूक जिसमे शव को वन्द करके गाडते है, एक प्रकार का ताज़िया जो शीआ उठाते है।

तावे' (تابع) अ वि –वशवर्ती, वशीभूत, अधीन, ज़ेरे हुक्म, आज्ञाकारी, फरमाँवरदार, अनुयायी, अनुकर्ता, मुकल्लिद।

तावे गम (تابِ غم) फा अ स्त्री –दुख सहने की शक्ति, गम की वरदाश्त।

तावे ज़ब्त (تابِ ضبط) फा अ स्त्री –दुख और कष्ट की सहन-शक्ति, प्रेम के कष्ट सहने की शक्ति।

तावे'दार (تابعدار) अ फा वि –अनुयायी, आज्ञाकारी, हुक्म माननेवाला, फर्मावरदार।

तावे फुग़ाँ (تابِ فغاں) फा स्त्री –आह करने की शक्ति।

तावो तुवाँ (تاب و تواں) फा स्त्री –शक्ति, सामर्थ्य, ज़ोर, कुव्वत।

ता'म (طعم) अ पु –स्वाद, रस, जाइका, मजा।

ताम (تام) अ वि –समस्त, सर्व, सव, पूर्ण, समग्र, कुल।

तामात (طامات) अ स्त्री –डीग, अहवाद, लाफ, वनावटी फकीरो और साधुओ की वे डीगे जो वे अपनी दुकानदारी चलाने के लिए दूसरे लोगो के सामने मारते है और जिनमें वे अपनी करामातो और चमत्कारो का वर्णन वडे चित्ताकर्पक और रोचक ढग से करते है।

ता'मियः (تعمیہ) अ पु –अधा करना, आँखे फोडना, छिपाना, गोपन करना, 'अवजद' के हिसाव से निकाली हुई तारीख़ में कोई सख्या वढाना, जिससे वर्पो की सख्या पूरी हो जाय, परन्तु इस प्रकार वढाई हुई सख्या 'नौ' से अधिक नही हो सकती, वरखिलाफ 'तख़्रिज' के जिसमें सख्या घटाने की कोई हद नियत नही है।

ता'मीम (تعمیم) अ स्त्री –किसी वात को आम कर देना, व्याप्ति, हर एक के लिए कर देना, 'तख़्सीस' न रखना।

ता'मीर (تعمیر) अ स्त्री –निर्माण, रचना, वनाना, इमारत वनाना, वास्तु-क्रिया, सुधार, इस्लाह, वनावट, साख़्त, इमारत, विल्डिग।

ता'मीरी (تعمیری) अ वि –इस्लाही, रचनात्मक।

ता'मीरे कौम (تعمیر قوم) अ स्त्री –राष्ट्र-निर्माण, देश का सुधार, जाति-निर्माण, अपनी विरादरी, कौम या ख़ानदान का सुधार।

ता'मीरे मुल्क (تعمیر ملک) अ स्त्री –राष्ट्र-निर्माण, देश का सुधार।

ता'मील (تعمیل) अ स्त्री –आज्ञा का पालन करना, हुक्म मानना, किसी परवाने, सम्मन या वारट की तक्मील, निष्पादन।

ता'मीलात (تعمیلات) अ स्त्री –अदालत मे सम्मन आदि की तामीलो का काम, इनकी तामीलें।

ता'मीले हुक्म (تعمیل حکم) अ स्त्री –आज्ञा का पालन, हुक्म की तामील।

तामे' (طامع) अ वि –लोलुप, लिप्सु, लालची, लोभी।

तामेह (طامیح) अ वि –उद्दड, उजड्ड, अवज्ञाकारी, सरकश, उच्च, वलद।

ताम्मः (تامہ) अ स्त्री –सपूर्ण, सव, तमाम।

तार (تار) फा पु –तन्तु, डोरा, किसी धातु का पतला सूत, क्रम, सिलसिला, धागा, सूत्र, तार की खवर, टेलीग्राम, लस, लस का चेप, झडी, कतार, (वि) 'तारीक' का लघु, अँधेरा, तमिस्र, तारीक।

तारक (تارک) फा पु –माँग, सीमत, चोटी, शृग, शिरस्त्राण, खोद।

तारकश (تارکش) फा पु –धातुओ के तार वनानेवाला।

तारकशी (تارکشی) फा स्त्री –सोने-चाँदी के तार वनाना, कपडे के तार अलग करके वेल-वूटे वनाने का काम।

तार तार (تارتار) फा वि –टुकडे-टुकडे, धज्जी-धज्जी, रेज़ा-रेज़ा, बिल्कुल फटा पुराना कपडा।

तारपोद (تارپود) फा पु –दे 'तारोपोद'।

ताराज (تاراج) फा पु –विनाश, वरवादी, लूटमार, गारतगरी, नष्ट, विनष्ट, वरवाद।

ताराजगाह (تاراجگاہ) फा स्त्री –लूट-मार की जगह, वह स्थान जहाँ डाकू रहते हो और लोग लुट जाते हो।

तारिक़ (طارق) अ पु –दुर्घटना, सख्त हादिसा, प्रात काल मे उदय होनेवाला एक तारा, हर वह चीज़ जो रात मे निकले, इसी लिए चोर और राहगीर को भी कहते है, इस्लाम का एक प्रसिद्ध सेनापति।

तारिक (تارک) अ वि –त्याग करनेवाला, छोडनेवाला, अहकारी, घमडी।

तारिकुद्दुन्या (تارک الدنیا) जिसने ससार से पूर्णतया सम्वन्ध विच्छिन्न कर लिया हो, विरक्त, निवृत्त, पति।

तारिके दुन्या (تارک دنیا) अ वि –दे 'तारिकुद्दुन्या'।

तारिके लज़्ज़ात (تارک لذات) अ वि –जिसने ससार के सारे आनदो पर लात मार दी हो, निस्पृह, निग्रही।

तारी (طاری) अ वि –छा जानेवाला, ढँक लेनेवाला, छाया हुआ, ढाँके हुए।

ता'रीक (تعریق) अ स्त्री –पसीना निकालना, औषधियो के द्वारा शरीर से पसीना निकालना।

तारीक (تاریک) फा वि –तमिस्र, अधकारमय, अँधियारा।

तारीक ज़मीर (تاریک ضمیر) फा अ वि –अत मलिन, जिसका वातिन पापमय हो।

तारीक दरूँ (تاریک دروں) फा वि –दे 'तारीक दिल'।

तारीक दिल (تاریک دل) फा वि –जिसके दिल में ईमान की रौशनी न हो, अधात्मा, खवीस, दुष्टात्मा।

तारीक बातिन (تاریک باطن) फा अ वि –दे 'तारीक दिल'।

तारीकिए शव (تاریکئی شب) फा स्त्री –रात का अँधेरा।

तारीकी (تاریکی) फा स्त्री –अँधियारी, अधकार, अँधेरा, धुंधलापन।

तारीख़ (تاریخ) अ स्त्री –महीने की तिथि, डेट, मुकद्दमे की सुनवाई का दिन, पिछले हालात का ज़िक्र, इतिहास, तवारीख, इतिहास की किताव, 'अवजद' के हिसाव से निकाला हुआ किसी वाकिए का साल, इतिहास-विज्ञान, वह इल्म जिसमे पिछले हालात और वाकियात का वर्णन हो।

तारीख़गो (تاریخ گو) अ फा वि –वह शाइर जिसे 'अवजद' के हिसाव से किसी घटना की तारीख़ निकालने का अभ्यास हो।

तारीख़दाँ (تاریخ داں) अ फा वि –इतिहासवेत्ता, इल्मे तारीख़ का माहिर।

तारीख़नवीस (تاریخ نویس) अ फा वि –इतिहासकार, तारीख़ लिखनेवाला, मुअर्रिख़।

तारीख़ी (تاریخی) अ वि –प्राचीन इतिहास से सम्वन्ध रखनेवाला, जैसे 'तारीख़ी मकाम', तारीख़ का, ऐतिहासिक।

ता'रीज़ (تعریض) अ स्त्री –सामने रखना, पेश करना, दूसरे पर टालकर वात कहना, व्यग करना, कटाक्ष, व्यग, आपत्ति, एतिराज़, गिरिफ्त।

ता'रीफ (تعریف) अ स्त्री –प्रशसा, श्लाघा, मद्ह, परिचय, जानकारी, गुण, जौहर, व्याख्या, तशीह।

ता'रीफुल मजहूल (تعریف المجہول) अ वाक्य–किसी अज्ञात चीज का परिचय अज्ञात चीज़ से, जैसे—कोई पूछे 'चुर्ज़क' किसे कहते है और उत्तर मे कहा जाय 'उलमक' को।

ता'रीव (تعریب) अ स्त्री –किसी दूसरी भाषा के शब्द को अरवी वनाना।

तारुम (طارم) अ पु –प्रासाद, महल, अट्टालिका, वाला-खाना, लकडी का मकान।

तारे अन्कवूत (تار عنکبوت) फा अ पु –मकडी के जाले का तार, वहुत ही कमज़ोर चीज़।

तारे अश्क (تار اشک) फा पु –आँसुओ का तार, रोने का सिलसिला।

तारे नज़र (تار نظر) फा अ पु –दे 'तारे निगाह'।

तारे नफस (تار نفس) फा अ पु –साँस का डोरा, साँस का आना-जाना।

तारे निगाह (تار نگاہ) फा पु –दृष्टि का रश्मि-समूह, निगाह की शुआएँ।

तारे वर्क़ी (تار برقی) फा अ पु –विजली का तार।

तारे बाराँ (تار باراں) फा पु –वरसात के पानी की झडी।

तारे मिस्तर (تار مسطر) फा अ पु –'मिस्तर' का तार, लकीरे बनाने के पट्ठे का डोरा।

तालबे गोर (تالب گور) फा अव्य –क़ब्र के किनारे तक, क़ब्र के मुँह तक।

तालल्लाह (طال اللہ) अ अव्य.–ख़ुदा ज़ियादा करे, ख़ुदा बढ़ाये।

तालाब (تالاب) फा पु –तडाग, कासार, वापी।

तालार (تالار) फा पु –चार खभो पर वनाया हुआ मच, जो खेतो की रखवाली के लिए होता है, मचान, टाँड।

तालिए ख़ुफ़्तः (طالع خفتہ) अ. फा पु –सोता हुआ नसीब, दुर्भाग्य।

तालिए ख़्वाबीदः (طالع خوابیدہ) अ फा पु –दे 'ता० ख़ुफ़्त'।

तालिएबेदार (طالع بیدار) अ फा पु –जागता हुआ नसीब, सौभाग्य।

तालिब (طالب) अ पु –इच्छुक, ख़्वाहिशमद, याचक, माँगनेवाला, अभिलापी, आर्जूमद, लालायित, लिप्सु, मुश्ताक़।

तालिबे इल्म (طالب علم) अ पु –विद्यार्थी, पढनेवाला, छात्र।

तालिबे उक़्बा (طالب عقبیٰ) अ पु –मोक्ष, स्वर्ग और पुण्य का इच्छुक, दीनदार, धर्मनिष्ठ।

तालिबे ज़र (طالب زر) अ फा पु –धनेच्छुक, रुपये का ख़्वाहाँ, दुनियादार।

तालिबे दीदार (طالب دیدار) अ फा पु –दर्शनो का अभिलापी।

तालिबे दुन्या (طالب دنیا) अ पु –दे 'तालिबे जर'।

तालिबो मतलूब (طالب و مطلوب) अ पु –प्रेमी और प्रेमिका, नायक और नायिका, आशिक और माशूक।

ता'लीक़ः (تعلیقہ) अ पु –जमीदार या सरकार की ओर से खेतो की जिस पर लगायी हुई रोक, ताकि वाद के निर्णय से पहले माल उठाया न जा सके।

ता'लीक़ (تعلیق) अ स्त्री –लटकाना, किसी चीज़ को दूसरे चीज़ के सहारे से ठहराना।

तालीफ़ (تالیف) अ स्त्री –दो या कई वस्तुओ को परस्पर सयुक्त करना, कई लेखको की कृतियो में से छाँटकर अलग एक पुस्तक बनाना, सपादन करना, इस प्रकार बनाई हुई पुस्तक।

तालीफ़े क़ुलूब (تالیف قلوب) अ स्त्री –लोगो के मन अपनी ओर इस प्रकार आर्कषित करना जिसमे श्रद्धा और कृतज्ञता का भाव हो।

ता'लीम (تعلیم) अ स्त्री –शिक्षा देना, पढाना, सिखाना, बताना, शिक्षा, पढाई, उपदेश, नसीहत, गुरुमत्र, दीक्षा, तलक़ीन, नाचने-गाने की शिक्षा।

ता'लीमगाह (تعلیم گاہ) अ फा स्त्री –पढने का स्थान, पाठशाला, मदरसा।

ता'लीमयाफ़्तः (تعلیم یافتہ) अ फा वि –शिक्षित, पढा-लिखा, शिष्ट, सभ्य, तमीजदार।

ता'लीमे जदीद (تعلیم جدید) अ स्त्री –नई तालीम, आज कल की पश्चिमी शिक्षा, नवीन शिक्षा, आधुनिक शिक्षा।

तालीमे निस्वाँ (تعلیم نسواں) अ स्त्री –औरतो की तालीम, स्त्री-शिक्षा।

ता'लीमे बालिग़ाँ (تعلیم بالغاں) अ स्त्री –ऐसे लोगो की शिक्षा जिनकी आयु काफी हो चुकी हो और जो अपने अपने धधो मे लगे हो, प्रौढ-शिक्षा।

ता'लील (تعلیل) अ स्त्री –कारण बताना, प्रमाण देना, 'अलिफ' 'वाव' अथवा 'ये' को किसी दूसरे अक्षर से बदलना, (व्या.)।

तालूत (طالوت) अ पु –इस्राईल जाति का एक शासक जो भिश्ती था, उसने जालूत नाम के एक बडे अत्याचारी नास्तिक को हज़रत दाऊद की सहायता से मारा था जो उस समय उसकी फौज के सेनापति थे।

ताले (طالع) अ पु –उदय होनेवाला, निकलनेवाला, भाग्य, किस्मत, प्रारब्ध।

ताले'आज़माई (طالع آزمائی) अ फा स्त्री –भाग्य की परीक्षा, प्रयत्न, कोशिश।

ताले'मंद (طالع مند) अ फा वि –भाग्यवान्, सुभागीन, ख़ुश इक़्बाल।

ताले'वर (طالع ور) अ फा वि –दे 'ताले'मद'।

ताले'शनास (طالع شناس) अ फा वि –ज्योतिषी, नुजूमी।

तालेह (طالح) अ वि –दुराचारी, कदाचारी, दुष्प्रकृति, बदआ'माल।

तावक़्तेकि (تاوقتیکہ) फा अ अव्य –जब तक कि।

तावान (تاوان) अ पु –नुकसान का मुआवज़ा, क्षतिपूर्ति, अर्थदड, जुर्माना, वह धन या सामान आदि जो हारा हुआ राष्ट्र विजेता को देता है।

तावाने जंग (تاوان جنگ) अ फा पु –वह रकम और सामान जो पराजित राज्य विजेता को देता है।

ता'वीक़ (تعویق) अ स्त्री –विलब, अति काल, ढील, देर, टालमटोल, आजकल।

ता'वीज़ (تعویذ) अ पु –वह कागज जिस पर कोई मत्र आदि लिखकर गले मे डालते या बाहु पर बाँधते है, कवच,

मत्रचक्र, रक्षाकवच, कब्र पर बना हुआ ईटो या पत्थर का निशान, गले का एक आभूपण।

तावील (تاويل) अ स्त्री –स्पष्टीकरण, तौजीह, किसी बात का अस्ली अर्थ से हटकर दूसरा अर्थ, किसी बात का ऐसा कारण बताना जो करीब-करीब ठीक जान पडे, स्वप्न-फल कहना, ता'बीर बताना।

ताश (تاش) तु प्रत्य –सगी, साथी, शरीक, साझेदार, जैसे—'स्वाज़ ताश' एक स्वामी के शरीक, अर्थात् वह नौकर जो दासता मे एक स्वामी के शरीक हो।
(उ) पु –खेलने के पत्ते, गजिफा।

ताशकद (تاشقند-تاشكند) फा पु –रूसी तुर्किस्तान का एक नगर, जो पहले ईरान के पास था।

तास (تاس-طاس) फा पु –बडा तश्त, परात, वह कटोरा जो जल घडी की नाँद में पडता था, एक सुनहरे तारो का जडाऊ कपडा।

तासीस (تاسيس) अ स्त्री –नीव रखना, बुनियाद डालना, आधार, न्यास, बुनियाद।

तासे' (تاسع) अ वि –नवाँ, नवम।

ताहम (تاهم) फा अव्य –तौ भी, फिर भी, तथापि, तदपि, तद्यपि।

ताहिर (طاهر) अ वि –पवित्र, शुद्ध, पुनीत, पाक।

ति

तिक्कः (تكّه) फा पु –कटिवध, कमरबद, गोश्त की लबी और पतली बोटी, गोश्त का लोथडा।

तिनाब (طناب) अ स्त्री –दे 'तनाव', दोनो उच्चारण शुद्ध हैं।

तिफ्ल (طفل) अ पु –बाल, बालक, बच्चा।

तिफ़्लक (طفلك) अ फा पु –छोटा बच्चा, शिशु।

तिफ्लमश्रब (طفل مشرب) अ वि –दे 'तिफ्लमिज़ाज'।

तिफ्लमिज़ाज (طفل مزاج) अ वि –बच्चो-जैसी हरकतें करनेवाला, जिसके मिज़ाज में लडकपन हो।

तिफ्लान. (طفلانه) अ फा वि –बच्चो-जैसा, बालोचित, शैशव।

तिफ्लाने चमन (طفلان چمن) अ फा पु –बाग के छोटे पौदे, फूल और कलियाँ।

तिफ्ली (طفلى) अ स्त्री –बाल्यावस्था, बचपन, लडकपन।

तिफ्ले अश्क (طفل اشك) अ फा पु –आँसुओ की बूँदें, अश्रु-बिंदु।

तिफ़्ले आतश (طفل آتش) अ फा पु –अग्निकण, स्फुलिंग, चिनगारी।

तिफ्ले मक्तब (طفل مكتب) अ पु –अलिफ-बे पढनेवाला, निरक्षर, मूर्ख, बेवक़ूफ, अनभिज्ञ, अनाडी।

तिफ्ले शीरख़्वार (طفل شيرخوار) अ फा उभ –दुध मुँहा बच्चा, स्तनपायी।

तिफ्ले हिंदू (طفل هندو) अ फा पु –आँख की पुतली, कनीनिका।

तिब (طب) अ स्त्री –चिकित्साशास्त्र, वैद्यक, आयुर्वेद, हिक्मत।

तिबाअ (تباع) अ पु –अनुसरण, अनुकरण, पैरवी।

तिबाअ (طباع) अ पु –प्रकृति, स्वभाव, आदत, 'तबीअत' और 'तब्अ' का बहु, प्रकृतियाँ।

तिबाबत (طبابت) अ स्त्री –तबीब का पेशा, चिकित्सा-कर्म, वैद्यक, आयुर्वेद, हिक्मत।

तिब्न (تبن) अ स्त्री –घास, सूखी घास।

तिब्बी (طبى) अ वि –चिकित्सा-सम्बन्धी, तिब से सम्बन्ध।

तिब्बे कदीम (طب قديم) अ स्त्री –प्राचीन चिकित्सा-पद्धति, पुराने तरीके का इलाज।

तिब्बे जदीद (طب جديد) अ स्त्री –नवीन चिकित्सा-प्रणाली, पाश्चात्य आयुर्वेद।

तिब्यान (تبيان) अ पु –प्रकट होना, व्यक्त होना, वाजेह होना, व्यक्त करना, ज़ाहिर करना, कथन, वचन, कलाम, कौल।

तिमुर (تيمور - تمر) तु पु –लोह, लोहा, फौलाद, तैमूर लग, इस शब्द का उच्चारण तैमूर अशुद्ध है, परतु बोला जाता है।

तिम्साल (تمثال) अ स्त्री –आकृति, शक्ल, मूर्ति, प्रतिमा, तस्वीर, राजादेश, फरमान।

तिम्सालगर (تمثال گر) अ फा पु –मूर्तिकार, बुतनराश, चित्रकार, मुसव्विर।

तिम्सालदार (تمثال دار) अ फा पु –दे 'तिम्सालगर'।

तिम्साह (تمساح) अ पु –घडियाल, मगरमच्छ, कुभीर, ग्राह।

तिर्याक (ترياق) अ पु –विपहर, विप का नाशक, जह्‌र-मोहरा, अफ्यून, अहिफेन।

तिर्याक (ترياك) फा पु –दे 'तिर्याक'।

तिर्याकी (ترياكى) फा वि –अफीमखानेवाला, अफीमची।

तिराज (طراز) फा प्रत्य –चित्रकारी करनेवाला, चित्र, नक्शोनिगार।

तिला (طلا) फा पु –सुवर्ण, सोना, कामवर्द्धक तेल जो लिंग पर लगाया जाता है।

तिलाई (طلائى) फा वि –जिस पर सोने का काम हो, जो बिलकुल सोने का हो, सुनहरे रगवाला।

तिलाए अहमर (طلاے احمر) फा अ पु –कुदन, खालिस सोना।

तिलाए नाव (طلاے ناب) फा पु –खालिस सोना।

तिलाकार (طلاکار) फा वि –जिस पर सोने की चित्रकारी हो।

तिलाकारी (طلاکاری) फा स्त्री –सोने का काम वनाना, सोने का काम; सोने के काम वनाने का व्यवसाय।

तिलाकोव (طلاکوب) फा पु –सोने के वरक वनानेवाला।

तिलादोज़ (طلادوز) फा पु –दे 'तिलाकार'।

तिलावाफ (طلاباف) फा पु –दे 'तिलाकार'।

तिलावत (تلاوت) अ स्त्री –पढना, किसी धर्मग्रथ को पढना, कुरान पढना।

तिलासाज़ (طلاساز) फा पु –सोना वनानेवाला, कीमियागर।

तिलिस्म (طلسم) अ पु –माया, इद्रजाल, जादू, दृष्टिवध, नजरवदी, वह मायारचित विचित्र स्थान जहाँ अत्यत अजीवो गरीव व्यक्ति और चीज़े दिखायी पडे और जहाँ जाकर आदमी खो जाय फिर उसे घर पहुँचने का रास्ता न मिले।

तिलिस्मे ज़ीस्त (طلسم زیست) अ पु –जीवन का मायाजाल, ज़िदगी रूपी जादू का घर, "छोड दे, जो कुछ वचे हैं तीर वह भी छोड दे, टूट जाये जो तिलिस्मे-ज़ीस्त आवोगिल मे है।"

तिलिस्मवंद (طلسم بند) अ फा वि –तिलिस्म और जादू के असर मे आया हुआ, मायाग्रस्त।

तिलिस्मवंदी (طلسم بندی) अ फा स्त्री –जादू के असर मे आ जाना, माया और तिलिस्म की रचना।

तिलिस्मात (طلسمات) अ पु –'तिलिस्म' का वहु, मायारचित स्थान, मायाजाल।

तिलिस्माती (طلسماتی) अ वि –मायापूर्ण, तिलिस्मी, मायावी, जादूगर।

तिलिस्मी (طلسمی) अ वि –मायानिर्मित, जादू का वना हुआ, माया सम्वन्वी, जादू का।

तिस्अ. (تسعه) अ वि –नौ, नौ की सख्या।

तिस्ईन (تسعین) अ वि –नव्वे, नवति।

तिहाल (طحال) अ स्त्री –तिल्ली, प्लीहा।

तिही (تہی) फा. अ वि –रिक्त, खाली।

तिहीकिस्मत (تہی قسمت) फा अ वि –जिसके भाग्य मे कुछ न हो।

तिहीगाह (تہی گاہ) फा स्त्री –कुक्षि, कोख, उपस्थ, पेडू।

तिहीदस्त (تہی دست) फा वि –जिसका हाथ खाली हो, दरिद्र, रिक्तहस्त।

तिहीदामन (تہی دامن) फा वि –जिसका दामन खाली हो, वचित, महरूम।

तिहीदिमाग (تہی دماغ) फा अ वि –जिसका मस्तिष्क खुक्खल हो, निर्वुद्धि।

तिहीमग्ज़ (تہی مغز) फा वि –निर्विवेक, ज्ञानशून्य, मूर्ख, जिसकी समझ मे वात न आये।

ती

तीन (طین) अ स्त्री –मृत्तिका, मिट्टी।

तीन (تین) अ पु –इजीर, एक प्रसिद्ध फल।

तीनत (طینت) अ स्त्री –स्वभाव, प्रकृति, आदत।

तीव (طیب) अ स्त्री –प्रसन्नता, खुशी, स्वीकृति, रज़ामदी।

तीवत (طیبت) अ स्त्री –मनोविनोद, मनोरजन, तफ़ीह, मिज़ाह।

तीमार (تیمار) फा स्त्री –वीमार की खिदमत, रोगी की देखभाल और शुश्रूपा।

तीमारदार (تیماردار) फा वि –रोगी की शुश्रूपा करनेवाला, परिचारक।

तीमारदारी (تیمارداری) फा स्त्री –रोगी की सेवा, परिचर्या।

तीर. (تیرہ) फा वि –अवकारमय, तमिस्र, तारीक।

तीर.खाकदाँ (تیرہ خاکداں) फा पु –मृत्युलोक, ससार, दुनिया।

तीरःदरूँ (تیرہ دروں) फा वि –वदवातिन, खवीस, अतर्मलिन, अधात्मा, जिसका मन विलकुल ही काला हो।

तीरःदिल (تیرہ دل) फा वि –दे 'तीर दरूँ'।

तीरःवख्त (تیرہ بخت) फा वि –हतभाग्य, वदकिस्मत जिसके भाग्य मे अँधेरा ही अँधेरा हो।

तीर.वातिन (تیرہ باطن) फा अ वि –दे 'तीर दरूँ।'

तीर.रोज़ (تیرہ روز) फा वि –दे तीर रोज़गार', छली, वचक, ठग।

तीर.रोजगार (تیرہ روزگار) फा वि –जिसके लिए दुनिया विलकुल अँधेरी हो, हतभाग्य।

तीर (تیر) फा पु –वाण, शर, नावक, एक ईरानी महीना जो हिंदी हिसाव से सावन होता है, वुध ग्रह, उतारिद, शक्ति, वल, ज़ोर।

तीरअदाज़ (تیرانداز) फा वि –तीर चलानेवाला, तीर मारनेवाला, तीर से शिकार करनेवाला।

तीरअंदाज़ी (تیراندازی) फा स्त्री –तीर चलाना, तीर से शिकार करना, धनुर्विद्या, तीरदाज़ी का फन।

तीरअफ़गन (تیرافگن) फा वि –दे 'तीरअदाज़'।

तीरओतार (تیرہ‌وتار) फा वि–बिलकुल अधकारमय, घोर अँधियारा।

तीरकश (تیرکش) फा वि– तरकश, तूणीर, निषग, वह सूराख जो किले में बदूक चलाने के लिए बनाये जाते हैं।

तीरखुर्दः (تیرخوردہ) फा वि–तीर खाया हुआ, घायल, जख्मी।

तीरगर (تیرگر) फा पु– तीर बनानेवाला।

तीरगी (تیرگی) फा स्त्री–अधकार, अँधेरा, तिमिर।

तीरज़न (تیرزن) फा वि–दे 'तीरअफ्गन'।

तीरदान (تیردان) फा पु–तरकश, निषग, तूणीर, त्रोण।

तीरपरताब (تیرپرتاب) फा पु–वह दूरी जो एक तीर चलकर गिरने की हो, वह तीर जो दूर तक फेकने के काम आता है, निशाने के लिए नही होता।

तीरबहदफ (تیربہدف) फा वि–अचूक, जो खता न करे, जो ठीक निशाने पर बैठे, अमोघ, रामबाण।

तीराबर (تیرآور) फा वि–धूर्त, छली, मक्कार, कुरम साक, औरत की कमाई खानेवाला।

तीरे निगाह (تیرنگاہ) फा पु–दृष्टि का बाण, दृष्टि का घाव।

तीरेनीमकश (تیرنیم‌کش) फा पु–वह तीर जो घाव मे से आधा खीचकर छोड दिया गया हो, "कोई मेरे दिल से पूछे तेरे तीरेनीमकश को"—गालिब।

तीरे हवाई (تیر ہوائی) फा अ पु–वह तीर जो हवा मे फेका जाय, निशाने पर न लगाया जाय, एक आतशबाजी।

तीर हुक्मी (تیر حکمی) फा अ पु–वह तीर जिसका निशाना कभी न चूके, अमोघ।

तीह (تیہ) फा पु–वह भयानक जगल जहाँ से जानेवाला फिर न लौटे और वही मर जाय, वह वन जिसमें हज़रत मूसा कई हज़ार आदमियो के साथ चालीस साल भटकते रहे।

तीहूज (تیہوج) फा पु–एक चिडिया, लवा।

तु

तुग (تنگ) फा पु–मिट्टी का वह बर्तन जिसका पेट चौड़ा, गर्दन छोटी और मुँह तग हो।

तुंद (تند) फा वि–तीव्र, प्रचड, तेज़, पुरज़ोर, आवेगपूर्ण, पुरजोश, क्रुद्ध, कुपित, गुस्से मे, शीघ्र, त्वरित, तेज़।

तुंदखू (تندخو) फा वि–तेज मिज़ाजवाला, गुस्सैल, तीव्र स्वभाव,—"जिधर निगाह उठी बिछ गई सफे उश्शाक, बला है, कह्र है, वह तुर्के तुदखू क्या है ?"

तुंदबाद (تندباد) फा स्त्री–आँधी, झक्कड, झझावात।

तुंदमिज़ाज (تندمزاج) फा अ वि–दे 'तुदखू'।

तुंदर (تندر) फा पु–मेघ-गर्जन, बादल की गरज, बुल-बुल, एक प्रसिद्ध मधुरस्वर चिडिया।

तुंदरफ़्तार (تندرفتار) फा वि–बहुत तेज चलनेवाला, द्रुतगामी, शीघ्रगति, वायुवेग।

तुंदराय (تندرای) फा वि–अदूरदर्शी, अपरिणामदर्शी, आकबत का अदेश।

तुंदरौ (تندرو) फा वि–दे 'तुदरफ्तार'।

तुंदी (تندی) फा स्त्री–तीव्रता, तेज़ी, आवेग, जोश, स्वभाव की तीव्रता, बदमिज़ाजी, लिंगोत्थान, इस्तादगी, कोप, गुस्सा।

तुबान (تنبان) तु पु–एक प्रकार का ढीला-ढाला पाजामा, शलवार।

तुक्मः (تکمہ) तु पु–बटन की जगह लगायी जानेवाली घुडी, परतु उर्दू मे उस फदे को कहते हैं जिसमे घुडी फँसाई जाती है।

तुक्लान (تکلان) अ पु–विश्वास, आस्था, श्रद्धा, एतिकाद, कालतुष्टि, ईश्वरेच्छा, तवक्कुल।

तुख्मः (تخمہ) फा पु–सतान, औलाद, अडा, अड, बैज।

तुख्मः (تخمہ) अ पु–सख्त किस्म की बदहज्मी जो हैज़े की शक्ल इख्तियार कर ले।

तुख्म (تخم) फा पु–बीज, दाना, गुठली, अड, अडा, सतान, औलाद, वीर्य, नुत्फा।

तुख्मपाशी (تخم‌پاشی) फा स्त्री–खेत मे बीज बोना, बीजारोपण।

तुख्मरेज़ी (تخم‌ریزی) फा स्त्री–दे 'तुख्मपाशी'।

तुख्मी (تخمی) फा वि–जो बीज बोकर उत्पन्न किया गया हो, देशी आम जो कलमी न हो।

तुख्मेकताँ (تخم‌کتاں) फा पु–अलसी का बीज, अलसी।

तुख्मे मुर्ग (تخم مرغ) फा पु–मुर्गी का अडा।

तुख्मे रैहाँ (تخم ریحاں) फा अ पु–दौने मडुए का बीज।

तुग्यान (طغیان) अ पु–अवज्ञा, अवहेलना, सरकशी, उद्दडता, जहालत, अत्याचार, अनीति, जुल्म, पाप, पातक, गुनाह।

तुग्यानी (طغیانی) अ स्त्री–जलप्लावन, सैलाब, बाढ।

तुग्रा (طغرا) तु पु–एक प्रकार का खत जिसमे कोई शक्ल बना देते हैं, बादशाहो के फरमानो पर शाही अल्काबो आदाब लिखने का खत।

तुग्राकश (طغراکش) तु फा वि–तुग्राखत मे बेल-बूटे या तस्वीरें बनानेवाला।

तुग्रानवीस (طغرانویس) तु फा–दे 'तुग्राकश'।

तुग़्रिल (طغرل) तु पु –सलजूकी खानदान का पहला वादशाह।

तुज़ुक (توزک) तु पु –सज्जा, सजावट, आराइश, प्रबध, व्यवस्था, इतिजाम, सैन्यसज्जा, फौज की तर्तीव, राजसभा की सजावट, विधान, कानून, अपने कलम से लिखी हुई अपनी जीवनी, आत्मचरित, ख़ुद-नविश्त हालात।

तुनुक (تنک) फा वि –सूक्ष्म, वारीक, अल्प, थोडा, मृदुल, नाजुक, क्षीण, दुवला-पतला।

तुनुकज़र्फ़ (تنک ظرف) फा अ वि –छिछोरा, लोफर, अकुलीन, कमीना, पेट का हलका, जो राज़ की बात दूसरो से कह दे, जो थोडी-सी शराव पीकर वहक जाय, जो किसी वडे आदमी के पास पहुँचकर या वडा दरजा पाकर घमड के कारण आदमी न रहे।

तुनुकदिल (تنک دل) फा वि –वहुत छोटे दिल का, अनुदार।

तुनुकमायः (تنک مایہ) फा वि –वेहैसियत, अनादृत, तुच्छ, नीच, कमजर्फ़।

तुनुकमिज़ाज (تنک مزاج) फा अ वि –जो जरा-सी वात पर रूठ जाय, चिडचिडे स्वभाववाला।

तुनुकसब्र (تنک صبر) अ फा वि –जिसको धैर्य न हो, आतुर, त्वरावान्, जल्दवाज़, वेसब्रा।

तुपक (تپک) तु पु –'तोप' का अल्प रूप, छोटी तोप, वदूक।

तुफ़ग (تفنگ) फा स्त्री –वदूक, तुपक।

तुफ़ंगअदाज़ (تفنگ انداز) फा वि –वदूकची, निशानेवाज।

तुफ़गची (تفنگچی) फा वि –वदूक चालेवाला, वदूक रखनेवाला, निशानची।

तुफ़ंगे तहपुर (تفنگ تہ پر) फा स्त्री –कारतूसी वदूक, ब्रीच लोडिंग।

तुफ़ंगे दहनपुर (تفنگ دہن پر) फा स्त्री –टोपीदार वदूक, मुँह की ओर से भरी जानेवाली वदूक।

तुफ़गे सोज़नी (تفنگ سوزنی) फा स्त्री –ब्रीच लोडिग राइफल, जिसमे घोडा नही होता।

तुफ़ (تف) फा अव्य –आखथू, धिक्, किसी के वुरा काम करने पर धिक्कारते हुए कहते हैं।

तुफ़क (تفک) फा स्त्री –वदूक, तुफग, तुपक।

तुफ़ू (تفو) फा स्त्री –दे 'तुफ'।

तुफ़ैल (طفیل) अ पु –द्वारा, कारण, वसवव।

तुफ़ैली (طفیلی) अ पु –वह व्यक्ति जो विना निमत्रण के किसी दूसरे निमत्रित व्यक्ति के साथ दावत मे जाय, किसी सहारे पर रहनेवाला, आश्रित।

तुफ्फ़ाह (تفاح) अ पु –सेव, एक प्रसिद्ध फल।

तुमतुराक (طمطراق) फा पु –वैभव, शानो-शौकत, धूम-धाम, तडक-भडक, अहकार, घमड।

तुमानीयत (طمانیت) अ स्त्री –सतोप, इत्मीनान, सात्वना, ढारस, उर्दू मे यह शव्द 'तमानियत' वोला जाता है।

तुमानीनत (طمانینت) अ स्त्री –दे 'तमानियत', इस शव्द का शुद्धतम उच्चारण यही है।

तुरंजवीन (ترنجبین) अ स्त्री –दे 'तरजुवीन'।

तुराव (تراب) अ स्त्री –मृत्तिका, मिट्टी, सूखी मिट्टी, खाक।

तुरुंज (ترنج) फा पु –मीठा नीवू, मिट्ठा, शिकन, झुर्री, सिलवट।

तुरुंजीदः (ترنجیدہ) फा वि –जिसके माथे पर सिलवटें पडी हो, खफा, कुपित, क्रुद्ध।

तुरुक (طرق) अ पु –'तरीक' का वहु, तरीके, रास्ते।

तुरुश (ترش) फा वि –अम्ल, खट्टा, तुर्श।

तुरुश अब्रू (ترش ابرو) फा वि –जिसकी भौहे क्रोध से तनी ही रहती हो, वदमिज़ाज, क्रुद्धात्मा।

तुरुशमिज़ाज (ترش مزاج) फा अ वि –वदमिजाज, रूखा, खुरदरा, चिडचिडा।

तुरुशरू (ترش رو) फा वि –दे. 'तुरुशमिज़ाज'।

तुयूर (طیور) फा पु –'ताइर' का वहु, चिडियाँ, परदे।

तुर्क (ترک) तु पु –तुर्किस्तान का निवासी, सैनिक, योद्धा, प्रेमपात्र, माशूक।

तुर्कज़ादः (ترک زادہ) तु फा पु –तुर्क का लडका, सुदर, हसीन, प्रेमपात्र, मा'शूक।

तुर्कताज़ (ترکتاز) तु फा स्त्री –लूटमार, गारतगरी, (पु) लुटेरा, गारतगर, सैनिक, सिपाही।

तुर्कबच. (ترک بچہ) तु फा पु –तुर्क का लडका, सुदर, खूवसूरत।

तुर्कमान (ترکمان) तु पु –तुर्कों के अतर्गत एक जाति।

तुर्कमिज़ाज (ترک مزاج) तु अ वि –लुटेरा, गारतगर, माशूको-जैसे नाज़ोअदाज़ वाला।

तुर्किस्तान (ترکستان) तु फा पु –तुर्कों का मुल्क, तुर्की, टर्की।

तुर्की (ترکی) तु पु –तुर्क, तुर्किस्तान का निवासी, तुर्किस्तान, तुर्कों का देश, तुर्कों की भाषा।

तुर्की तमामशुद (ترکی تمام شد) तु अ फा वाक्य–सारी शेखी किरकिरी हो गयी, सारा ज़ोर खत्म हो गया।

तुर्व (ترب) फा स्त्री –मूली, एक प्रसिद्ध कद, मूलक।

तुर्वत (تربت) अ स्त्री –क़ब्र, समाधि, गोर।

तुर्वुद (تربد) फा स्त्री –एक रेचक जड, निसोत।

तुर्रः (طره) अ पु —जुल्फ, अलक, वालो की लट, केश-पाश, सुनहरे तारो का गुच्छा जो पगडी पर लगाते हैं, टोपी का फुंदना, फूलो की लडियो का गुच्छा, पक्षियो के सर की चोटी, कलगी, शाख, वात मे वात, अच्छाई, उम्दगी, अद्भुतता, अजूबापन, वढकर, सर्वश्रेष्ठ।

तुर्रए तर्रार (طرۂ طرار) अ पु —वल खाये हुए वाल।

तुर्रए दस्तार (طرۂ دستار) अ फा पु —पगडी का झुपा।

तुर्श (ترشہ) फा पु —एक खट्टी पत्ती, चूक।

तुर्श (ترش) फा वि —खट्टा, अम्ल, तुरुश।

तुर्शी (ترشی) फा स्त्री —खटास, अम्लता, खट्टापन, वैर, अदावत।

तुर्रहत (ترهت) अ स्त्री —व्यर्थ, मिथ्या, झूठ।

तुर्रहात (ترهات) अ स्त्री —'तुर्रहत' का वहु, अनर्गल और अनर्थक वाते।

तुलूअ (طلوع) अ पु —किसी सितारे का निकलना, उदय होना, उदय।

तुल्लाव (طلاب) अ पु —'तालिव' का वहु, विद्यार्थी लोग।

तुवगर (توںگر) फा पु —धनवान्, धनी, मालदार, शक्ति-शाली, समर्थ।

तुवाँ (تواں) फा स्त्री —शक्ति, वल, जोर, सामर्थ्य, कुद्रत।

तुवागर (توانگر) फा पु —दे 'तुवगार'।

तुवाना (توانا) फा वि —शक्तिशाली, वलवान्, जोरमद।

तुवानाई (توانائی) फा स्त्री —शक्ति, वल, जोर।

तुवानाए मुत्लक़ (توانائے مطلق) फा अ वि —सर्वशक्ति-मान्, कादिरे मुतलक।

तुह्लव (طحلب) अ स्त्री —काई जो पानी पर जम जाती है।

तुह्मत (تہمت) अ स्त्री —आरोप, लाछन, गलत इल्जाम-वुहतान, सदेह, शका, शक।

तुह्र (طہر) अ पु —स्त्री का रजोमालिन्य से पवित्र होना, औरत की हैज की हालत खत्म होना, वह दिन जव स्त्री रजोधर्म में न हो, रजस्वला न होनेवाले दिन।

तू

तूत (توت) फा पु —एक प्रसिद्ध पेड और उसका फल, शहतूत।

तूतिया (توتیا) अ पु —सुर्मा, रसाजन।

तूती (توتی—طوطی) फा स्त्री —एक चिडिया जो सिखाने पर मनुष्य की तरह वात करती है, मैना, सारिका, शुक, तोता, जो 'तूत' वहुत खाता है।

तूद (تودہ) फा पु —मिट्टी का ढेर, ढूह, अवार, ढेर, राशि, समूह।

तूदवदी (تودہبندی) फा स्त्री —हदवदी, मिट्टी के ढेर वनाकर किसी जमीन की हदो को सीमित करना।

तूदए खाक (تودۂ خاک) फा पु —मिट्टी का ढेर।

तूफाँ (طوفاں) अ पु —'तूफान' का लघु, दे 'तूफान'।

तूफाँज़द (طوفاں زدہ) अ फा वि —जो पानी की वाढ आ जाने से पीडित हो, जिमका वाढ मे घर-वार या खेत आदि तवाह हो गये हो।

तूफाँरसीदः (طوفاں رسیدہ) अ फा वि —दे 'तूफाँजद'।

तूफान (طوفان) अ पु —पानी की वाढ, सैलाव, प्लावन, वहुत ही तेज़ आँधी, वहुत ज़ोर की वारिश, आरोप, लाछन, तुहमत, कोलाहल, हगामा, शोरोगुल, आपत्ति, विपत्ति, मुसीवत।

तूफानी (طوفانی) अ वि —तूफान की तरह तेज़ और जल्दी का, जैसे—तूफानी दौरा, तूफान मे फँसा हुआ, जैसे—तूफानी कश्ती, तूफान उठानेवाला, आफ्त का परकाला, मुतफन्नी, तूफान से सम्वन्ध रखनेवाला।

तूफाने आतश (طوفان آتش) अ फा पु —आग का तूफान, ज़ोर की आग।

तूफाने आव (طوفان آب) अ फा पु —पानी का तूफान, वाढ, सैलाव।

तूफाने वाद (طوفان باد) अ फा पु —हवा का तूफान, मस्त आँधी।

तूफाने वेतमीज़ी (طوفان بےتمیزی) अ फा पु —हुल्लड, वेकार का शोरोगुल।

तूवा (طوبیٰ) अ पु —स्वर्ग का एक वृक्ष, (वि) वहुत ही अधिक सुगधित, वहुत ज़ियादा पवित्र, (स्त्री) मुवारक-वाद, शुभ सवाद।

तूमार (طومار) अ पु —लम्वा-चौडा पत्र, लम्वा-चौडा वृत्तान्त, किसी विषय के वारे में कागजो का पुलिदा, झूठी वातो की भरमार, वहुत अधिक चीज़, वडा ढेर।

तूर (تور) फा पु —'फ़िरेदूँ' का वडा वेटा जिसने 'तूरान' वसाया था, महारथी, वहुत वडा वहादुर।

तूर (طور) अ पु —शाम (सीरिया) का एक पहाड, जिस पर हज़रत मूसा ने ईश्वर का जल्वा देखा था, तूरे सीना।

तूरान (توران) फा पु —तातार, तुर्किस्तान।

तूरानी (تورانی) फा पु —तूरान का निवासी, तुर्की, तातारी।

तूल (طول) अ पु —आयाम, लम्वाई, दीर्घता, विलम्व, देर, तवालत।

तूलानी (طولانی) अ फा वि —दीर्घ, लम्वा, टीलवाला, देर का।

तूलुल्वलद (طول البلد) अ पु —देशान्तर-रेखा।

तूले अमल (طول امل) अ पु —आशा की लम्बाई, मोहजाल।
तूले अमल (طول عمل) अ पु —झंझट, बखेडा, किसी नाम की तवालत।
तूस (طوس) फा पु —खुरासान का एक शह्र, मश्हद।
तूसी (طوسی) फा पु —तूस देश का निवासी।

ते

तेगः (تیغہ) फा पु —छोटी तलवार।
तेग (تیغ) फा स्त्री —खड्ग, असि, कृपाण, तलवार।
तेगआज़मा (تیغ آزما) फा वि —तलवार चलानेवाला, लडनेवाला, वीर, योद्धा, बहादुर।
तेगआज़माई (تیغ آزمائی) फा स्त्री —युद्ध, समर, लडाई, जंग।
तेगज़न (تیغ زن) फा वि —सिपाही, योद्धा, जंगजू।
तेगज़नी (تیغ زنی) फा स्त्री —सिपाही का पेशा, तलवार चलाने का काम।
तेगबकफ (تیغ بکف) फा वि —हाथ मे तलवार लिये हुए, मरने-मारने पर आमादा, वध करने को तत्पर।
तेगराँ (تیغ راں) फा वि —दे 'तेगज़न'।
तेगसाज़ (تیغ ساز) फा पु —तलवार बनानेवाला, खड्गकार।
तेगे अजल (تیغ اجل) फा अ स्त्री —मौत की तलवार, अर्थात् मौत, मृत्यु।
तेग़े कोह (تیغ کوہ) फा स्त्री —पहाड की चोटी।
तेगे दुदम (تیغ دودم) फा स्त्री —वह तलवार जिसके दोनो ओर धार हो।
तेगे दुपैकर (تیغ دوپیکر) फा स्त्री —दे 'तेगे दुदम'।
तेगे दुसर (تیغ دوسر) फा स्त्री —दे 'तेगे दुदम'।
तेग़े फलक (تیغ فلک) फा अ स्त्री —मंगल ग्रह, मिर्रीख।
तेग़े बुर्राँ (تیغ براں) फा स्त्री —अच्छी काटवाली तलवार, जिसकी धार बहुत ही अच्छी हो।
तेग़े रवाँ (تیغ رواں) फा स्त्री —पैनी और तेज़ तलवार।
तेज़ (تیز) फा वि —जिसमे धार हो, तीव्र, प्रचंड, शदीद, शीघ्र, द्रुत, जल्द, कुपित, गुस्से, होशियार, धूर्त, चालाक, दक्ष, कुशल, माहिर, जोशीला, उत्साहपूर्ण, प्रतिभाशाली-ज़हीन, बुद्धिमान्, अक्लमद, तत्पर, मुस्तइद, दूर तक देखनेवाली (नज़र), महँगा, गिराँ।
तेज़अक़्ल (تیز عقل) अ फा वि —तीव्रबुद्धि, जल्द बात समझ लेनेवाला; ज़हीन, प्रतिभाशाली।
तेज़क़दम (تیز قدم) अ फा वि —तेज चलनेवाला, जल्दी-जल्दी डग मारनेवाला, शीघ्रगति।
तेज़ कलम (تیز قلم) अ फा वि —जल्द लिखनेवाला, शीघ्र लिपिक।
तेज़गाम (تیزگام) फा वि —तेजकदम, शीघ्रगामी।
तेज़गामी (تیزگامی) फा स्त्री —तेज़ चलना, शीघ्र गमन।
तेज़गोश (تیزگوش) फा वि —जल्द बात सुन लेनेवाला, दूर की बात सुन लेनेवाला, आहिस्ता बात सुन लेनेवाला।
तेज़ तब्अ (تیزطبع) फा अ वि —प्रतिभाशाली, ज़हीन, तीव्रबुद्धि, तेज़अक्ल।
तेज़तर (تیزتر) फा वि —बहुत तेज़, शीघ्रतर, तीव्रतर।
तेज़तरीन (تیزترین) फा वि —सबसे अधिक तेज़, शीघ्रतम, तीव्रतम।
तेज़दंदाँ (تیزدنداں) फा वि —जिसके दाँत तेज़ हो, फाड खानेवाला; लोभी, लालची, हरीस।
तेज़दम (تیزدم) फा वि —जोशीला, उत्साही, फुर्तीला, चालाक, ताज़ दम, दमदार।
तेज़दस्त (تیزدست) फा वि —जल्द काम करनेवाला, क्षिप्रहस्त।
तेज़दस्ती (تیزدستی) फा स्त्री —फुर्ती, चालाकी, जल्द काम करना।
तेज़दिमाग (تیزدماغ) फा अ वि —दे 'तेज़अक्ल'।
तेज़नज़र (تیزنظر) फा अ वि —जिसकी दृष्टि तीव्र हो, जो दूर तक देख सके, जो बारीक चीज़े देख सके, तीव्र-दृष्टि।
तेज़नाखुन (تیزناخن) फा वि —जिसके नख तीव्र हो, जो नाखूनो से ज़ख्मी कर सके।
तेज़निगाह (تیزنگاہ) फा वि —दे 'तेज़नज़र'।
तेज़पर (تیزپر) फा वि —दे 'तेज़परवाज़'।
तेज़परवाज़ (تیزپرواز) फा वि —जल्द उडनेवाला, ऊँचा उडनेवाला, दूर की लेनेवाला।
तेज़ फह्म (تیزفہم) फा अ वि —शीघ्र ही बात की तह को पहुँच जानेवाला, ज़ूदरस, बुद्धिमान्, अक्लमद।
तेज़बू (تیزبو) फा वि —जिसकी गंध तेज़ हो, तीव्रगंध।
तेज़मिज़ाज (تیزمزاج) फा अ. वि —चिडचिडे मिजाज-वाला, किसी की बात न सह सकनेवाला, किसी बात पर जल्द बिगड जानेवाला, गुस्सैल, क्रोधी।
तेज़रफ़्तार (تیزرفتار) फा वि —दे 'तेज़गाम'।
तेज़रवी (تیزروی) फा स्त्री —दे 'तेज़गामी'।
तेज़रौ (تیزرو) फा वि —दे 'तेज़गाम'।
तेज़होश (تیزہوش) फा वि —बुद्धिमान्, अक्लवर, प्रतिभावान्, तब्बाअ, दक्ष, कुशल, होशियार।

तेज़ाब (تیزاب) फा पु –एक रासायनिक पानी जो नमक, शोरा आदि चीज़ो से बनता है, अम्ल।

तेज़ाबियत (تیزابیت) फा स्त्री –तेज़ाबपन।

तेज़ाबी (تیزابی) अ वि –तेज़ाब सम्बन्धी, तेज़ाब का, तेज़ाब से बना हुआ, तेज़ाब मिला हुआ, तेज़ाब के असर से बिगडा या बना हुआ।

तेज़ी (تیزی) फा वि –धार, बाढ, तीव्रता, शिद्दत, महँगाई, गिरानी, न्यूनता, कमी, चालाकी, होशियारी, दक्षता, महारत, प्रतिभा, ज़हानत, जोश, उत्साह, हिम्मत, साहस, तत्परता, आमादगी, शीघ्रता, जल्दी, आतुरता, बेसब्री, बेचैनी।

तेज़ोतुंद (تیزوتند) फा वि –बहुत तेज, प्रचड, अति तीव्र।

तेश· (تیشہ) फा पु –कुद्दाल, कदाल।

तेश ज़न (تیشہ‌زن) फा वि.–कुदाल से जमीन आदि खोदनेवाला।

तेश ज़नी (تیشہ‌زنی) फा स्त्री –कुदाल का काम, कुदाल से खुदाई।

तै

तै (طے) अ पु –'हातिम' का वश, रस्ता चलना, जैसे—मजिल तै कर ली, निर्णय, फैसला, निर्णीत, फैसल, समाप्ति, खातिमा, चुकता, बेबाकी।

तैए अर्ज़ (طے ارض) अ पु –रस्ता तै करना, सफर तै करना।

तैए लिसान (طے لسان) अ पु –चुप रहना, अवाक् हो जाना, कुछ न कहना।

तैयार· (طیارہ) अ पु –वायुयान, विमान, हवाई जहाज।

तैयारःबरदार (طیارہ بردار) अ फा पु –वह हवाई जहाज़ जो और जहाजो को अपने अदर रखकर लाता है।

तैयारःशिकन (طیارہ شکن) अ फा पु –वह तोप जो हवाई जहाज़ को गिराती है।

तैयार (تیار) अ वि –तत्पर, कटिबद्ध, आमादा, पक्व, पुख्ता, समाप्त, खत्म, सपूर्ण, मुकम्मल, हृष्ट-पुष्ट, फरबेह, मोटा-ताज़ा, सुसज्जित, आरास्ता, इस्तेमाल या प्रयोग के काबिल, जैसे—खाना तैयार या कोट तैयार, लैस, फिट।

तैयारची (طیارچی) अ तु पु –हवाई जहाज चलानेवाला, पाइलेट, वायुयान-चालक।

तैयारी (تیاری) अ वि –तत्परता, मुस्तैदी, समाप्ति, खातिमा, पूर्ति, तक्मील, सज्जा, आरास्तगी, प्रयोग के क़ाबिल होना, रचना, ता'मीर, निर्माण, सृष्टि, तख्लीक।

तैयिब (طیب) अ वि –पवित्र, शुद्ध, पाक, निमल।

तैयिबात (طیبات) अ स्त्री –सती और साध्वी स्त्रियाँ।

तैर (طیر) अ पु –चिडिया, परद, पक्षी, चिडियाँ, परदे।

तैरान (طیران) अ पु –हवा मे उडना, उड्डयन।

तैल[लि]सान (طیلسان) अ स्त्री –चादर, दुपट्टा, वह रूमाल जो खतीब या वाइज़ खुत्बे के वक्त कधो पर डाल लेते हैं।

तैश (طیش) अ –क्रोध, कोप, गुस्सा।

तैसीर (تیسیر) अ स्त्री –सुगम करना, आसान बनाना, सुगमता, सरलता, आसानी।

तो

तोज़ (توز) फा प्रत्य –ढूँढनेवाला, एकत्र करनेवाला, जैसे—'कीन तोज़' द्वेष मन मे एकत्र करनेवाला।

तोप (توپ) तु स्त्री –गोला फेकनेवाला यत्र।

तोपखान· (توپخانہ) तु फा –वह सेना जो तोपें चलती है, तोपें रखने का स्थान।

तोपची (توپچی) तु पु –तोप चलानेवाला, तोप से गोला मारनेवाला।

तोबर (توبرہ) फा पु –घोडे के दाना खाने का थैला।

तो'म (طعمہ) अ पु –खुराक, खाद्य, भोजन, जीविका, रोजी।

तोल. (تولہ) फा पु –कुत्ते का बच्चा, पिल्ला, एक प्रकार का कुत्ता जो शिकार की बू पाकर उसे पकडता है।

तोलच (تولچہ) फा पु –बारह माशे की तौल, तोला।

तोश· (توشہ) फा पु –सफर का सामान खाने-पीने का।

तोश खान. (توشہ‌خانہ) फा पु –वह स्थान जहाँ खाने-पीने का सामान रहता है, 'तोशकखाना' का अपभ्रश।

तोश दान (توشہ‌دان) फा पु –दे 'तोशदान'।

तोश (توش) फा पु –शक्ति, बल, ज़ोर।

तोशएआक़िबत (توشۂ عاقبت) फा अ पु –अच्छी कृतियाँ जो यमलोक मे काम आयें।

तोशक (توشک) फा स्त्री –पलँग पर बिछाने का रूईदार गद्दा, निहाली, घर-गृहस्थी का सामान, खाने-पीने की सामग्री।

तोशकखान (توشک‌خانہ) फा पु –दे 'तोश खान'।

तोशदान (توشدان) फा पु –सिपाहियो के कारतूस रखने की चमडे की पेटी, सफर के लिए खाना रखने का बर्तन।

तोशमाल (توشمال) फा पु –खानसामाँ, बावरची, रसोइया, पाचक।

तौ

तौअनोकर्हन (طوعاًوکرہاً) अ अव्य –बिना इच्छा के विवशतापूर्वक, दिल पर जब्र करके।

तौक (طوق) अ पु –स्त्रियो के गले मे पहनने की सोने-चाँदी की गोल हँसली, लोहे की गोल हँसली जो कैदियो के गले मे डाली जाती है, वह गोल लकीर जो वाज़ चिडियो के गले मे होती है, मन्नत की वह हँसली जो वच्चो को पहनाते हैं।

तौकीअ (توقیع) अ स्त्री –वादशाह का किसी राजादेश पर हस्ताक्षर करना, मोहर, निशान, वह राजादेश जिसमे किसी वात पर क्रोध प्रकट किया गया हो।

तौकीर (توقیر) अ स्त्री –प्रतिष्ठा, मान्यता, एहतिराम, सत्कार, सम्मान, ताज़ीम, इज्ज़त।

तौके ग़ुलामी (طوق غلامی) अ पु –पराधीनता की ला'नत।

तौके माह (طوق ماہ) अ फा पु –चाँद मे पडनेवाला घरा, चन्द्रविम्व।

तौके ला'नत (طوق لعنت) अ पु –धिक्कार की वौछार, धिक्काररूपी गले का तौक।

तौज़ीअ (توزیع) अ स्त्री –विखेरना, फैलाना, टुकडे करना, हिस्से वख़्रे करना।

तौज़ीन (توزین) अ स्त्री –तुलवाना, वज्न कराना, तोलना, वज्न करना, तोल, वज्न।

तौज़ीह (توضیح) अ स्त्री –स्पष्टीकरण, खोलकर कहना, व्याख्या, विवरण, तफ्सील।

तौजीह (توجیہ) अ स्त्री –कारण वताना, वजह ज़ाहिर करना, किसी की ओर मुँह करना, मुतवज्जेह होना, स्पष्ट करना, साफ करना, यह वताना कि ऐसा क्यो है।

तौदीअ (تودیع) अ स्त्री –विदा करना, रुख़्सत करना, रवाना करना; सौंपना, हस्तान्तरित करना।

तौफ़ (طوف) अ पु –किसी के चारो ओर फिरना, परिक्रमा।

तौफ़ीक़ (توفیق) अ. स्त्री –दैवयोग से ऐसे कारण पैदा हो जाना जिससे अभिलपित वस्तु की प्राप्ति मे सुगमता हो, ईश्वर की कृपा, दैवानुग्रह, सामर्थ्य, शक्ति, मक्दरत, उत्साह, उमग, हौसला, योग्यता, पात्रता, अहलियत।

तौफ़ीकेखैर (توفیق خیر) अ स्त्री –अच्छी कृतियो की तौफ़ीक।

तौफ़ीर (توفیر) अ स्त्री –आधिक्य, प्राचुर्य, इफ़ात।

तौवः (توبہ) अ स्त्री –किसी वुरे काम से वाज़ रहने की दृढ प्रतिज्ञा, इस्तिग्फार, त्याग, तर्क, छोड देना, पछतावा, पश्चात्ताप, (अव्य) धर्म के विरुद्ध या किसी वडे अहकार की वात सुनकर वोला जानेवाला शब्द, जिससे घृणा और नफ़त का इज़्हार मंज़ूर होता है।

तौव नामः (توبہ نامہ) अ फा पु –किसी वात से तौवा करने का लिखित पत्र।

तौवःशिकन (توبہ شکن) अ फा वि –की हुई तौवा को तुडवा देनेवाली वात, "किस कदर तौव शिकन शोख की अँगडाई है, मैकदा गूँज उठा देखो घटा छाई है।"

तौवीख़ (توبیخ) अ स्त्री –झिडकी, घुडकी, भर्त्सना, यह शब्द अकेला नही वोला जाता, ज़ज्र के साथ मिलकर 'ज़ज्रो तौवीख़' वोला जाता है, अर्थात् डॉट-फटकार।

तौर (طور) अ पु –शैली, पद्धति, ढग, आचरण, व्यवहार, तर्ज़े अमल, चाल-ढाल, रविश, रग-ढग, लक्षण, लच्छन, अलामत।

तौरात (تورات) अ स्त्री –वह आस्मानी ग्रथ जो हज़्रत 'मूसा' पर उतरा था, तौरैत।

तौरियः (توریہ) अ पु –दिल मे कुछ होना और मुँह पर कुछ, मुनाफ़कत।

तौरीव (توریب) अ स्त्री –टेढा करना, ख़म डालना, टेढापन, वक्रता।

तौरैत (توریت) अ स्त्री –दे 'तौरात'।

तौलियः (تولیہ) अ स्त्री –दे 'तौलियत'।

तौलियत (تولیت) अ स्त्री –किसी को किसी काम का प्रवधक नियुक्त करना, वली या मतवल्ली वनाना।

तौलियतनाम. (تولیت نامہ) अ फा पु –मुतवल्ली वनाने की तहरीर।

तौलीद (تولید) अ स्त्री –जनना, पैदा कराना; पालन-पोपण करना, उत्पन्न करना, पैदा करना, उत्पत्ति, पैदाइश।

तौलीद ख़ून (تولید خون) अ. फा स्त्री –ख़ून की उत्पत्ति, ख़ून की पैदाइश, ख़ून की वृद्धि।

तौलीदेमनी (تولید منی) अ स्त्री –वीर्य की उत्पत्ति, मनी की वृद्धि।

तौशीह (توشیح) अ स्त्री –गले मे हार डालना, सजाना, सँवारना, एक अलकार जिसमें चद शेरो या मिस्रो के पहले अक्षर एकत्र करने से किसी का नाम अथवा अक्षरो की सख्या 'अवजद' के हिसाव से जोडने पर कोई विशेप साल निकलता है।

तौसन (توسن) फा पु –अश्व, घोडा, तुरग।

तौसीअ (توسیع) अ स्त्री –अधिक करना, ज़ियादा करना, विस्तृत करना, वसीअ करना, विस्तार, कुशादगी, फैलाव।

तौसीए मीआद (توسیع میعاد) अ स्त्री –किसी काम का नियत समय वढा देना।

तौसीक़ (توثیق) अ स्त्री –दृढ़ करना, मज़वूत करना, दृढता, मज़वूती, पुष्टि करना, समर्थन करना, पुष्टि, समर्थन।

तौहीद (توحید) अ स्त्री –ईश्वर को एक मानना, अद्वैतवाद।

तौहीदपरस्त (توحیدپرست) अ फा वि –ईश्वर को एक माननेवाला, अद्वैतवादी।

तौहीन (توہین) अ स्त्री –अपमान, अनादर, तिरस्कार, बेइज्ज़ती।

तौहीने अदालत (توہین عدالت) अ स्त्री –किसी न्यायालय का अपमान।

द

दंग (دنگ) फा वि –चकित, निस्तब्ध, हक्का-बक्का, शशदर, हैरान।

दंगल (دنگل) फा पु –जनसमूह, भीड, हुजूम, पहलवानो के कुश्ती लडने का अखाडा, पहलवानो की कुश्ती।

ददाँ (دندان) फा पु –दाँत, दत।

ददाँजनी (دندان‌زنی) फा स्त्री –शत्रुता, द्वेष, दुश्मनी, वैर।

ददाँदराज (دندان‌دراز) फा वि –लोलुप, लोभी, लालची।

ददाँनुमा (دندان‌نما) फा वि –दाँत दिखानेवाला, जिसमें दाँत दिखाई पडे, जैसे—'ख़दए ददाँनुमा'।

ददाँशिकन (دندان‌شکن) फा वि –मुँहतोड, जैसे—'ददाँशिकन जवाब'।

ददाँसाज़ (دندان‌ساز) फा पु –दन्तकार, डेंटिस्ट।

ददान' (دندانہ) फा पु –किसी आरी आदि का दाँता, दाँतुआ।

दअवात (دعوات) अ स्त्री –'दा'वत' का बहु, दुआएँ।

दआवी (دعاوی) अ पु –दा'वा का बहु, दा'वे।

दक़ [**दक्क़**] (دق) अ पु –कूटना, पीसना, ठोकना, खटखटाना।

दकन (دکن) फा पु –दक्षिण, दक्खिन, कुछ साल पहिले निज़ाम की रियासत के अर्थ में भी प्रयुक्त।

दक़ाइक़ (دقائق) अ पु –'दकीक' का बहु, बारीकियाँ, नुक्ते।

दक़ीक़ः (دقیقہ) अ पु –गूढता, बारीकी, कसर, कमी, एक घटे का साठवाँ भाग, एक मिनट।

दक़ीक़ःरस (دقیقہ‌رس) अ फा वि –बात की तह को पहुँच-जानेवाला, कुशाग्रबुद्धि, तीव्रप्रतिभ।

दक़ीक़ःशनास (دقیقہ‌شناس) अ फा वि –दे 'दकीक-रस'।

दक़ीक़ (دقیق) अ वि –बारीक, महीन, सूक्ष्म, गूढ, नाज़ुक, कठिन, मुश्किल।

दक़्क़ाक़ (دقاق) अ वि –कूटनेवाला, महीन करनेवाला, गूढ और सूक्ष्म बात कहनेवाला, सूक्ष्मवादी।

दक़्क़ुलबाब (دق‌الباب) अ पु –दरवाजा खटखटाना, दस्तक देना।

दक्कोलक (دق‌ولق) अ वि –चटियल मैदान।

दक्यानूस (دقیانوس) अ पु –इतिहास-काल मे पहले का एक बहुत ही अत्याचारी नरेश।

दक्यानूसी (دقیانوسی) अ वि –दक्यानूस के समय का अर्थात् बहुत पुराना, बडी आयुवाला, बहुत दुनिया देखे हुए, बहुत ही पुरानी और निकम्मी वस्तु।

दख़ील (دخیل) अ वि –काबिज़, उपभोक्ता, प्रभाव रखनेवाला, पहुँच रखनेवाला।

दख़ीलकार (دخیل‌کار) अ फा वि –वह किसान जिसे अपनी जमीन पर कब्जे का हक हासिल हो।

दख़्म' (دخمہ) फा पु –आतशपरस्तो का कब्रिस्तान जो कुएँ की शक्ल का होता है।

दख़्ल (دخل) अ पु –पहुँच, रसाई, अधिकार, कब्ज़ा, हस्तक्षेप, मुज़ाहमत, थोडी-बहुत जानकारी, शुदबुद।

दख़्ल दर मा'कूलात (دخل در معقولات) अ फा अव्य –किसी विषय में बिना कारण दख़्ल देना, अनधिकार चर्चा।

दख़्लदिहानी (دخل‌دہانی) अ फा स्त्री –कब्ज़ा दिलाना, किसी जायदाद आदि पर किसी एक की जगह दूसरे को हकदार और मालिक बनाना।

दख़्लनामः (دخل‌نامہ) अ फा पु –दख़्ल दिलाने की तहरीर।

दख़्लयाब (دخل‌یاب) अ फा वि –दख़्ल पाया हुआ, जिसे कब्ज़ा मिल गया हो।

दख़्लयाबी (دخل‌یابی) अ फा स्त्री –कब्ज़ा पाना, अधिकार-प्राप्ति।

दग़ल (دغل) फा पु –छल, कपट, फरेब, खोटा सोना या चाँदी।

दग़ा (دغا) फा स्त्री –छल, वचना, ठगी, मक्कारी।

दग़ाबाज़ (دغاباز) फा वि –वचक, छली, ठगिया।

दग़ाबाज़ी (دغابازی) फा स्त्री –विश्वासघात, कटकर्म, फरेबकारी।

दग़्दग़' (دغدغہ) फा पु –शका, भय, खटका, धडका।

दजाज (دجاج) अ स्त्री –मुर्ग़ी, स्त्री कुक्कुट, (पु) मुर्ग़ा, कुक्कुट, दे 'दिजाज'।

दज्जाल (دجال) अ वि –बहुत बडा छली, बहुत बडा मायावी, (पु) मुसलमानो के मतानुसार एक व्यक्ति जो कियामत से कुछ पहले पैदा होगा और खुदा होने का दावा करेगा।

दज्ल (دجلہ) अ पु –एक नदी जो बग़दाद के नीचे बहती है, नदी, दर्या, दे 'दिज्ल'।

ददः (ددہ) तु स्त्री–वह स्त्री जो बच्चो को दूध पिलाती और उसकी देखरेख करती है।

ददः (ددہ) फा पु–फाड खानेवाला दरिद, श्वापद।

दद (دد) फा पु–श्वापद, हिंसक पशु, दद।

दनस (دنس) अ स्त्री–मलिनता, मैलापन, गदगी, अपवित्रता, नजासत।

दनानीर (دنانیر) अ पु–दीनार (अरबी 'दिन्नार') का बहु, अशरफियाँ, मुह्रे।

दनी (دنی) अ वि–पाजी, कमीना, अधम, पामर, नीच।

दनीउत्तब्अ (دنی الطبع) अ वि–जलील तबीअत का, नीचाशय।

दनीउलफित्रत (دنی الفطرت) अ वि–दे 'दनीउत्तब्अ'।

दफ (دف) फा पु–एक गोलाकार खाल मढा हुआ बाजा, बडी डफ्ली।

दफाइन (دفائن) अ पु–'दफीन' का बहु, दफीने, निधियाँ।

दफातिर (دفاتر) अ पु–'दफ्तर' का बहु, कार्यालय, दफ्तर (एक से अधिक)।

दफीन (دفینہ) अ पु–गडा हुआ खज़ाना, निधि।

दफ्अः (دفعہ) अ स्त्री–एक बार, बार, धारा, कानून की दफा।

दफ्अतन (دفعتاً) अ अव्य–सहसा, अकस्मात्, अचानक।

दफ्आत (دفعات) अ स्त्री 'दफ्अ' का बहु, बहुत बार, कानून की धाराएँ।

दफ्ईयः (دفعیہ) अ पु–रोक, निवारण, तदारुक।

दफ्ए मरज़ (دفع مرض) अ पु–रोग-निवारण, रोग का खातिमा, रोगमुक्ति।

दफ्तर (دفتر) फा पु–कार्यालय, आफिस, किसी बडी किताब का एक भाग, जिल्द, ग्रथखड, वालूम, कोई लम्बी-चौडी बात, तूमार, जैसे—शिकायतो का दफ्तर।

दफ्तरनिगार (دفترنگار) अ फा पु–दफ्तर का मुहर्रिर, क्लर्क, लिपिक।

दफ़्तरी (دفتری) अ पु–दफ्तर के रजिस्टरो और कागजो की जिल्दसाज़ी और रजिस्टरो आदि पर लकीरे वगैरह खीचनेवाला।

दफ्न (دفن) अ पु–जमीन मे गाडना, दफ्न करना, (वि) गाडा हुआ, मद्फून।

दबरान (دبران) अ पु–चौथा नक्षत्र, रोहिणी।

दबाज़त (دبازت) स्थूलता, मोटापन, गाढापन।

दबिस्ताँ (دبستاں) फा पु–अदबिस्ताँ का लघु, पाठशाला, मदरसा, छोटे बच्चो का स्कूल, मक्तब।

द[illegible] (دبیر) फा वि–मोटा, गफ, सगीन।

दबीर (دبیر) फा पु–मुहर्रिर, क्लर्क, लिपिक, लेखक, इशापरदाज़।

दबीरिस्तान (دبیرستان) फा पु–मुशीखाना, दफ्तर, पाठशाला, मक्तब।

दबीरे फलक (دبیر فلک) फा अ पु–बुध ग्रह, उतारिद।

दबीलः (دبیلہ) अ पुं–गोल और बडा बरम, फोडा, व्रण।

दबूर (دبور) अ स्त्री–पछवा हवा, पछयाव।

दबूसः (دبوسہ) फा पु–जहाज का कमरा या कैबिन जो महिलाओ के लिए होता है।

दब्दबः (دبدبہ) अ पु–रोबोदाब, तेज, प्रताप, प्रभाव, आतक, कर्रोफर।

दब्बः (دبہ) फा पु–चमडे का कुप्पा, घी का कुप्पा।

दब्बाग़ः (دباغہ) अ पु–चमडा पकाने और रँगने का कारखाना, टैनरी।

दब्बाग़ (دباغ) अ वि–चमडा कमानेवाला, चमडा पकाने और रँगनेवाला।

दमः (دمہ) फा पु–दमे का रोग, श्वासकास, श्वासरोग, जीकुन्नफस।

दम (دم) फा पु–साँस, श्वास, छल, धोखा, फरेब, शेखी, डीग, धार, तीक्ष्णता, तेज़ी, प्राण वायु, रूह, व्यक्तित्व, जात, हुक्के या चिलम का कश, क्षण, पल, लम्हा, कुछ पढ़ के फूँकना, मन्त्र, टोटका, समय, काल, वक्त, बल, शक्ति, ज़ोर।

दम (دم) अ पु–रक्त, लोहू, खून, जीवन, प्राण, ज़िदगी।

दमकश (دم‌کش) फा वि–मौन, चुप, खामोश, गवैए के साथ स्वर मिलानेवाला।

दमकशी (دم‌کشی) फा स्त्री–मौन, चुप्पी, खामोशी, गानेवाले के स्वर में स्वर मिलाना।

दमखम (دم‌خم) फा पु–शक्ति, ज़ोर, ताकत, उत्साह, उमग, हौसला, तलवार की धार और उसकी वक्रता।

दमज़दन (دم‌زدن) फा पु–दम मारना, कुछ कहना, क्षण, लमहा, ज़रा-सी देर।

दमदमः (دمدمہ) फा पु–वह कृत्रिम कोट जो युद्ध के समय थैलो मे मिट्टी भरकर बनाते है, धुस, मोरचा।

दमदार (دمدار) फा वि–ज़ोरदार, शक्तिशाली, प्राणी, जान्दार।

दमपुख्त (دم‌پخت) फा पु–हाँडी का मुँह बद करके हल्की आँच पर पकाई हुई चीज़, (मुर्ग के) पेट मे कोई चीज़ भरकर पकाया हुआ मुर्ग, देग का मुँह बन्द करके पकाई हुई बिरयानी या पुलाव।

दम बखुद (دم بخود) फा वि–मौन, चुप, खामोश, "शमा

चुप, पर्वाना शस्दर, अहले महफिल 'दम बखुद', हाय क्या तस्वीर का आलम तेरी महफिल में है।"—जिगर।

दम बदम (دم بدم) फा वि –हरदम, क्षण-प्रतिक्षण, निरन्तर, लगातार।

दमबाज (دمباز) फा वि –धूर्त, छली, वचक, मक्कार।

दमबाजी (دمبازی) फा स्त्री –धूर्तता, मक्कारी, छल, फरेब।

दमवी (دموی) अ वि –रक्त सम्बन्धी, खून से निस्वत रखनेवाला, खून के दवाव या दोष से होनेवाला।

दमशुमारी (دمشماری) फा अ स्त्री –मरते समय की आखिरी साँसें, मरते समय की साँसे गिनना।

दमसाज (دمساز) फा वि –मित्र, सखा, दोस्त, हमदम, गाने या नफीरी आदि में साथ देनेवाला।

दमाँ (دماں) फा वि –क्रोध के वेग मे डौंकने, दहाडने और चिंघाडनेवाला, यह शब्द विशेपत हाथी, शेर, अजगर और मगर के लिए आता है, वसे बाढ में आयी हुई नदी और पानी की बाढ के लिए भी प्रयुक्त होता है।

दमादम (دمادم) फा अव्य –निरतर, लगातार, मुसल्सल, क्षण-प्रतिक्षण, हरदम।

दमाम (دمامہ) फा पु –वडा नक्कारा, धौसा।

दमामील (دمامیل) अ पु –'दुम्मल' का बहु, फोडे।

दमार (دمار) अ पु –वध, हनन, हलाकी।

दमीद (دمیدہ) फा वि –उगा हुआ, ज़मीन से निकला हुआ, फूँका हुआ।

दमीदगी (دمیدگی) फा स्त्री –उगाव, जमाव, फूँक।

दमीम (دمیم) अ वि –कुरूप, कदाकार, वदसूरत।

दमे आव (دم آب) फा पु –पानी का एक घूँट।

दमे ईसा (دم عیسیٰ) फा अ पु –हज़्रत ईसा की फूँक, जिससे मृत प्राणी जीवित हो जाते थे, प्राण देनेवाला, जीवित करनेवाला।

दमे एहतिज़ार (دم احتضار) फा अ पु –प्राण निकलते समय, प्राण निकलने का समय।

दमे चद (دم چند) फा पु –थोडी देर, क्षण भर, इतनी देर जिसमें चार-छ साँसें ली जा सके।

दमे तस्लीम (دم تسلیم) फा अ पु –मरते वक्त की साँसें, मौन, चुप्पी, खामोशी, आज्ञा चाहना।

दमे तेग़ (دم تیغ) फा पु –तलवार की धार।

दमे पसीं (دم پسیں) फा पु –दे 'दमे वापसी'।

दमे बाज़पसीं (دم بازپسیں) फा पु –दे 'दमे वापसी'।

दमे वापसीं (دم واپسیں) फा पु –मरते समय की अतिम साँसे।

दमे शमशीर (دم شمشیر) फा पु –दे 'दमे तेग'।

दमे सर्द (دم سرد) फा पु –ठडी साँस, सर्द आह।

दमे सुवह (دم صبح) फा अ पु –प्रात काल, तडका।

दमे सूर (دم صور) फा अ पु –'सूर' फूंकने का समय, महाप्रलय-काल।

दयाकूज़ (دیاقوزہ) अ पु –एक यूनानी दवा।

दरग (درنگ) फा स्त्री –विलम्व, ढील, वक्फ, देर, आलस्य, सुस्ती, दे 'दिरग', दोनो शुद्ध हैं।

दरदाज़ (درانداز) फा वि –दो आदमियो मे लडाई करा देनेवाला, पिशुन, दे 'दर अदाज़'।

दरंदाजी (دراندازی) फा स्त्री –पिशुनता, चुगुलखोरी, इधर की उधर लगाकर आपस मे लडाई कराना।

दरः (درہ) फा पु –दो पहाडो के वीच का तग रास्ता, घाटी, दे 'दर्र'।

दर (در) फा पु –दरवाजा, द्वार (अव्य) मे, भीतर, जव एक ही दो शब्दो के वीच मे आता है तो कभी 'वहुत' का अर्थ देता है जैसे 'सह्रा दर सह्रा' जगलो मे। कभी 'ऊपर' का अर्थ देता है जैसे, 'सूद दर सूद' व्याज पर व्याज। कभी गुणा का अर्थ देता है जैसे,'दह दर दह' अर्थात् १० × १०। (प्रत्य) चीरनेवाला जैसे,'सफदर' सेना की पक्तियो को चीर डालनेवाला। (उप) शब्द के अर्थ में विशेषता पैदा कर देता है, जैसे, 'दरगुज़र' किसी का दोप देखते हुए गुजर जाना। कही-कही केवल शब्द-सौन्दर्य के लिए भी आता है जैसे, 'दरमियान' इसका अर्थ वही है जो 'मियान' का यानी 'वीच'।

दरअदाज़ (درانداز) फा वि –दे 'दरदाज़'।

दरअंदाजी (دراندازی) फा स्त्री –दे 'दरदाजी'।

दरअस्ल (دراصل) फा अ अव्य –वास्तव मे, वस्तुत, हकीकत मे, अस्ल मे।

दरआमद (درآمد) फा स्त्री –दे 'दरामद'।

दरक (درکہ) अ पु –नीचे का तल, अधोतल, 'दरज' का उलटा वह ऊपर की मज़िल के लिए आता है, नरक, दोजख, दे 'दर्क'।

दरकात (درکات) अ पु –नीचे के तल, सारे नरक, सारे दोजख।

दरकार (درکار) फा अव्य –वाछित, अभिलषित, मनलूब।

दरकिनार (درکنار) फा अव्य –एक तरफ, अलग, एक तरफ रहा, अलग रहा, जैसे—राम तो दरकिनार कृष्ण भी नही आया।

दरखुर (درخور) फा अव्य –योग्य, काबिल जैसे—'दरखुरे अर्ज़' कहनेयोग्य, दरुल, पैठ, रसाई।

दरखुरे एतिना (درخور اعتنا) फा अ अव्य –तवज्जुह के काविल, ध्यान देने योग्य।

दरखुर्द (درخور) फा वि –योग्य पात्र, लाइक (लायक)।

दरख़्त (درخت) फा पु –वृक्ष, द्रुम, पादप, पेड़।

दरख़्वास्त (درخواست) फा स्त्री –प्रार्थनापत्र, निवेदन पत्र, अर्जी, निवेदन, कथन, कहना।

दरगाह (درگاہ) फा पु –चौखट, देहलीज़, आस्तान, राजसभा, दरबार, किसी वली का मजार, रौजा।

दरगुज़र (درگزر) फा स्त्री –दोष देखकर उसे अनदेखा कर देना, चश्मपोशी, क्षमा, मुआफी।

दरजः (درجہ) अ पु –पद, उहदा, श्रेणी, वर्ग, तब्का, राशिचक्र का $\frac{1}{360}$ वाँ हिस्सा, मकान की माला, मजिल, स्वर्ग की माला या मज़िल, दुर्गति, बुरी हालत, कक्षा, जमाअत, क्लास, मिनिट, दे 'दर्ज', उर्दू मे वही बोला जाता है और वही शुद्ध भी है।

दरजात (درجات) अ पु –'दरज' का बहु, दर्जे।

दरदम (دردم) फा अव्य –तत्क्षण, उसी समय, तुरत, फौरन।

दरपए आज़ार (درپئے آزار) फा अव्य –सताने और हानि पहुँचाने की घात मे।

दरपए जाँ (درپئے جاں) फा अव्य –प्राण लेने की घात मे, मार डालने की ताक मे।

दरपए तज़्हीक (درپئے تضحیک) फा अ अव्य –निन्दा और बदनामी की घात मे, बदनाम करने की फ़िक्र मे।

दरपर्दः (درپردہ) फा अव्य –पर्दे मे, छुपकर, खुफ्या तौर पर।

दरपेश (درپیش) फा अव्य –किसी समस्या या कार्य की उपस्थिति, जैसे—'मुआमला दरपेश' है' या जैसे—'सफर दरपेश' है।

दरपै (درپے) फा अव्य –पीछे पडा हुआ, सलग्न, घात मे, ताक में, इच्छुक, ख्वाहिशमद।

दरफ़्शाँ (درفشاں) फा वि –प्रकाशमान, ज्योतिर्मय, रौशन, दे 'दुरफशाँ', दोनो शुद्ध हैं।

दरबंद (دربند) फा पु –परकोट, चारदीवारी, बडा दरवाज़ा, नदी का घाट, दो राष्ट्रों के बीच का अन्तर।

दरबदर (دربدر) फा अव्य –घर-घर, गली-गली, एक दरवाज़े से दूसरे दरवाज़े।

दरबान (دربان) फा पु –द्वारपाल, दरवाजे की रक्षा पर नियुक्त व्यक्ति, ड्योढीदार।

दरबाब (درباب) फा अव्य –बारे मे, सम्बन्ध में।

दरबार. (دربارہ) फा अव्य –दे 'दरबाब'।

दरबार (دربار) फा पु –राजसभा, बादशाही कचहरी, किसी ऋषि, मुनि या वली का आश्रम या खानकाह।

दरबारदारी (درباداری) फा स्त्री –किसी बडे आदमी के यहाँ खुशामद में रोज़ाना की हाज़िरी।

दरबारी (درباری) फा वि –दरबार से सम्बन्धित, वह व्यक्ति जो दरबार मे निमत्रित होता हो, राजा या बादशाह का सभासद, पारिपद।

दरबारे आम (دربارعام) फा अ पु –वह दरबार जिसमे सर्व साधारण जा सके, जनता का दरबार।

दरबारे खास (دربارخاص) फा अ पु –वह दरबार जिसमे केवल राज्याधिकारी और बडे-बडे लोग ही सम्मिलित हो सके।

दरमाद. (درماندہ) फा वि –दु खित, हीन, नि सहाय, निराश्रय, आजिज, बेकस।

दरमांदगी (درماندگی) फा स्त्री –हीनता, दीनता, नि·सहायता, बेकसी, मज़बूरी।

दरमाहः (درماہہ) फा पु –महीने पर मिलनेवाला वेतन।

दरमाह·दार (درماہہدار) फा वि –महीने पर तनख़्वाह पानेवाला।

दरमियान (درمیان) फा पु –में, बीच, मध्य, वस्त।

दरमियानः (درمیانہ) फा वि –बीचवाला, न बडा न छोटा।

दरमियानी (درمیانی) फा वि –दरमियानवाला, बीच का, बिचौलिया, मध्यस्थ, बीच मे पडकर वाद या झगडे को खत्म करानेवाला व्यक्ति।

दरयाफ़्त (دریافت) फा स्त्री –जॉच, टोह, जिज्ञासा, अनुसधान, गवेषणा, तहकीक।

दरयाब (دریاب) फा स्त्री –समझ-बूझ, बुद्धि, नदी, दर्या।

दरयूजः (دریوزہ) फा पु –भीख माँगना, भिक्षाटन।

दरयूज़.गर (دریوزہگر) फा वि –भीख माँगनेवाला, भिक्षुक, भिखारी, मँगता।

दरयूज़ःगरी (دریوزہگری) फा स्त्री –भीख माँगना, भिक्षावृत्ति, भिक्षाकर्म, भिक्षाटन।

दरयूज़गी (دریوزگی) फा स्त्री –दे 'दरयूज़ गरी'।

दरवाज़. (دروازہ) फा पु –द्वार, दरे।

दरवेज़ः (دریوزہ) फा पु –दे 'दरयूज़'।

दरवेश (درویش) फा पु –भिखारी, भिक्षुक, पुनीतात्मा, सिद्ध, खुदा रसीद, विनीत, विनम्र, खाकसार, सन्यासी, तारिकुद्दुनिया।

दरवेश सिफ़त (درویش صفت) फा अ वि –दरवेशो-जैसा सीधा-सादा स्वभाव रखनेवाला।

दरवेशान. (درویشانہ) फा अव्य –दरवेशो-जैसा, जैसे—'दरवेशान ज़िंदगी' सीधी-सादी और मोटी-झोटी जीवनचर्या।

दरवेशी (درویشی) फा स्त्री –फ़कीरी, सन्यास।

दरहम (درهم) फा वि –अस्त-व्यस्त, तितिर-बितर, यह शब्द अकेला नही बोला जाता 'बरहम' के साथ 'दरहम बरहम' बोला जाता है।
दरा (درا) फा पु –घटा, घडियाल, वह घटा जो यात्रिदल अर्थात् काफिले के साथ रहता है, दे 'दिरा', दोनो उच्चारण शुद्ध है।
दराए कार्वां (دراے کارواں) फा पु –काफिले में बजनेवाला घटा।
दराज़ (دراز) फा वि –लबा, दीर्घ, लब, तवील।
दराज़क़द (درازقد) फा वि –दे 'दराजकामत', प्रलबकाय।
दराज़क़ामत (درازقامت) फा अ वि –लम्बे शरीरवाला, लबकाय, दीर्घकाय।
दराज़गोश (درازگوش) फा वि –लबे कानवाला, लबकर्ण (पु) एक प्रकार का गधा।
दराज़दस्त (درازدست) फा वि –अन्यायी, अत्याचारी, ज़ालिम।
दराज़दस्ती (درازدستی) फा स्त्री –अन्याय, अत्याचार, ज़ुल्म।
दराज़दुम (درازدم) फा पु –लम्बी पूँछवाला, लबपुच्छ, गिरगट, कृकलास।
दराज़नफसी (درازنفسی) फा अ स्त्री –वाचालता, बहुत बोलना, बहुत बातें करना।
दराज़िए उम्र (درازیٔ عمر) फा अ स्त्री –आयु की लबाई, अधिक जीना, दीर्घायु।
दराज़ी (درازی) फा स्त्री –लबाई, दीर्घता, तवालत।
दरामद (درآمد) फा स्त्री –वह माल जो किसी राष्ट्र मे बाहरी राष्ट्रो से आये, आयात।
दराहिम (دراهم) अ पु –'दिर्हम' का बहु, बहुत से दिर्हम।
दरिंद. (درنده) फा पु –फाड खानेवाला जगली जानवर, श्वापद।
दरीं (دریں) फा अव्य –इसमे।
दरींअस्ना (دریں اثنا) फा अ अव्य –इस बीच, इसी बीच, इसी दरमियान।
दरीं ख़ुसूस (دریں خصوص) फा अ अव्य –इस विषय मे, इस बारे मे, इस सम्बन्ध मे।
दरी (دری) फा स्त्री –फारसी भाषा की एक शाखा।
दरीच. (دریچه) फा पु –खिडकी, झरोखा, गवाक्ष, जालार।
दरीद (دریده) फा वि –फटा हुआ, विदीर्ण।
दरीद दहन (دریده دهن) फा वि –मुँहफट, मुक्तकठ।
दरूँ (دروں) फा पु –'दरून' का लघु, दे 'दरून'।
दरून (درون) फा पु –हृदय, मन, चित्त, आत्मा, बातिन, कल्ब।
दरूना (درونا) फा पु –वह फोडा या घाव जिसका मुँह भीतरी हो।
दरूनी (درونی) फा वि –भीतरी, अदरूनी, मानसिक, हार्दिक, रूहानी।
दरोग़ (دروغ) फा पु –झूठ, असत्य, मिथ्या, गलत, दे 'दुरोग' दोनो शुद्ध है।
दरोग़गो (دروغ گو) फा वि –झूठ बोलनेवाला, मिथ्यावादी, झूठा, काज़िब।
दरोग़गोई (دروغ گوئی) फा स्त्री –झूठ बोलना, मिथ्यावाद।
दरोग़ज़न (دروغ زن) फा वि –दे 'दरोगगो'।
दरोग़बयाँ (دروغ بیاں) फा अ वि –दे 'दरोगगो'।
दरोग़बाफ (دروغ باف) फा वि –झूठ गढनेवाला, अपने मन से झूठ बाते बनानेवाला।
दरोग़हल्फी (دروغ حلفی) फा अ स्त्री –झूठी कसम खाना।
दर्क. (درکه) अ पु –दे 'दरक' उर्दू मे 'दर्क' ही बोलते है।
दर्क (درک) अ पु –बुद्धि, अक्ल, समझ, विवेक, तमीज़, ज्ञान, जानकारी।
दर्ज. (درجه) अ पु –दे 'दरज', उर्दू मे अधिकतर 'दर्ज' ही बोलते है।
दर्ज (درج) अ वि –लिखा हुआ, प्रविष्ट, रजिस्टर या बही आदि मे लिखा हुआ, लिखना, दर्ज करना।
दर्ज़ (درز) फा स्त्री –दरार, शिगाफ, फटन, खाना, जैसे–मेज़ की दर्ज़।
दर्ज़ी (درزی) फा पु –कपडा सीनेवाला, सूचिक।
दर्द (درد) फा पु –कष्ट, व्यथा, यातना, तकलीफ, करुणा, दया, तरस, रहम, दुख, क्लेश, मुसीबत, पीडा, टीस, चसक।
दर्दअगेज़ (دردانگیز) फा वि –दर्द पैदा करनेवाला, पीडोत्पादक, कष्टजनक।
दर्दअफ्ज़ा (دردافزا) फा वि –दर्द बढानेवाला, पीडा-वर्द्धक।
दर्दआश्ना (دردآشنا) फा वि –जो किसी के दर्द को जानता हो, जो किसी के दुख से वाकिफ हो, सहानुभूतिकर्ता, हमदर्द, दुख मे सहायता देनेवाला, मित्र।
दर्द ना आश्ना (دردناآشنا) फा वि –जो किसी का दर्द न समझे, निर्दय, कठोर हृदय, सगदिल।
दर्दनाक (دردناک) फा वि –दे 'दर्दअगेज़'।
दर्दफिज़ा (دردفزا) फा वि –दे 'दर्दअफ्ज़ा'।
दर्दमद (دردمند) फा वि –हमदर्द, सहानुभूति करनेवाला, दिलासा देनेवाला।
दर्दमदी (دردمندی) फा स्त्री –हमदर्दी, सहानुभूति, दया और करुणा का भाव।

दर्दा (دردا) फा अव्य –हाए अफसोस, हा हत, हाए हाए।
दर्देजिगर (دردجگر) फा पु –दे 'दर्देदिल'।
दर्देज़ेह (دردزه) फा पु –बच्चा पैदा होने के समय की पीडा, प्रसववेदना, प्रसवपीडा।
दर्देदिल (درددل) फा पु –मन की व्यथा, मनस्ताप, प्रेम का दुःख, इश्क का गम।
दर्देसर (دردسر) फा पु –सिर का दर्द, शिर-पीडा, झझट, खटराग।
दर्दोग़म (دردوغم) फा अ पु –बहुत-सी मुसीबते, कष्टसमूह।
दर्मां (درماں) फा पु –उपचार, इलाज, चिकित्सा।
दर्मांतलब (درماں طلب) फा अ वि –इलाज या उपचार का इच्छुक।
दर्मांतलबी (درماں طلبی) फा अ स्त्री –इलाज की इच्छा।
दर्मांपिज़ीर (درماں پزیر) फा वि –चिकित्सा के योग्य, इलाज के काबिल।
दर्या (دریا) फा पु –नद, नदी, तरगिणी, सरिता, आपगा, शैवलिनी, तटिनी, निम्नगा।
दर्याई (دریائی) फा वि –नदी सम्बन्धी, नदी मे रहनेवाला जैसे–दर्याई जानवर, नदी मे उत्पन्न होनेवाला, जैसे–दर्याई सदफ, दर्या का।
दर्याएअह्मर (دریاۓ احمر) फा अ पु –लालसागर, बह्रे कुल्जुम।
दर्याएज़ख़्ख़ार (دریاۓ زخار) फा अ पु –ठाठे मारता हुआ दर्या, लबालब बहनेवाली नदी।
दर्याएशोर (دریاۓ شور) फा पु –खारे पानी की नदी, खारा समदर, लवण-सागर, वह समुद्र जिसमे अडमान और निकोबार के टापू है और जहाँ अग्रेजी शासन काल में आजन्म कारावासी भेजे जाते थे।
दर्याचः (دریاچہ) फा पु –छोटी नदी।
दर्यादिल (دریادل) फा वि –जो बहुत दानी हो, सखी, दाता, दिलदर्याव, मुक्तहस्त, वदान्य, उदारमना।
दर्याबरामद (دریابرآمد) फा स्त्री –वह भूमि जो किसी नदी के स्थान छोडने से निकली हो, पुलिन, नद्युत्सृष्ट।
दर्याबरार (دریابرار) फा स्त्री –दे 'दर्याबरामद'।
दर्याबार (دریابار) फा वि –सखी, फैयाज़, वदान्य, बहुत बरसनेवाला जैसे–'अब्रे दर्याबार'।
दर्याबुर्द (دریابرد) फा स्त्री –वह भूमि जो नदी की बाढ मे डूब गयी हो, वह भूमि जो बाढ से कटकर नष्ट हो गयी हो।
दर्याबेगी (دریابیگی) फा पु –बह्री फौज का सिपहसालार, जल-सेनापति, नवाधिपति, अमीरुल बह्र।
दर्राक (دراک) अ वि –प्रतिभाशाली, कुशाग्र बुद्धि, बहुत ही तेज़ फहम।
दर्स (درس) अ पु –पढना, पठन, पढाना, पाठन, शिक्षा, नसीहत, उपदेश, सदुपदेश, वा'ज।
दर्सोतद्रीस (درس وتدریس) अ पु –पढना-पढाना, पढने-पढाने का व्यापार।
दलाइल (دلائل) अ पु –'दलील' का बहु, दलीले।
दलालत (دلالت) अ पु –लक्षण, चिह्न, अलामत, तर्क, युक्ति, दलील, मार्ग-प्रदर्शन, रहनुमाई।
दलीदः (دلیدہ) फा पु –दलिया, मोटा दला हुआ अनाज (वि) दला हुआ।
दलील (دلیل) अ स्त्री –तर्क, युक्ति, बुर्हान, प्रमाण, सुबूत।
दलीले कवी (دلیل قوی) अ स्त्री –मज्बूत दलील, पुष्ट प्रमाण।
दलीले कामिल (دلیل کامل) अ स्त्री –पूरा सुबूत, पूर्ण प्रमाण, ऐसी दलील या तर्क जिसका खडन न हो सके।
दलीले नाक़िस (دلیل ناقص) अ स्त्री –वह दलील जो बोदी हो और जिसका खडन हो सकता हो, कुतर्क।
दल्क़ (دلق) अ स्त्री –भिखमगो की गुदडी, सूफियो के पहनने का ऊनी लिबास।
दल्क (دلک) अ पु –अगमर्दन, जिस्म को मलना।
दल्क़पोश (دلق پوش) अ फा वि –भिक्षुक, फकीर, सूफी, ब्रह्मवादी।
दल्लाक (دلاک) अ पु –वह व्यक्ति जो हम्माम (स्नानागार) में शरीर मलता और मैल छुडाता है।
दल्लालः (دلالہ) अ स्त्री –कुटनी, कुट्टनी।
दल्लाल (دلال) अ पु –बिकवाल और लिवाल के बीच मे सौदा तय करानेवाला, दलाल, आढती, एजेट।
दल्लाली (دلالی) अ स्त्री –बीच मे पडकर सौदा तै कराने का काम, कुटनीपन, आढत का काम।
दवाँ (دواں) फा वि –दौडता हुआ, भागता हुआ।
दवा (دوا) अ स्त्री –ओषधि, औषध, भेषज, दवाई, उपचार, इलाज, चिकित्सा, उपाय, तद्बीर।
दवाइर (دوائر) अ पु –'दाइर' का बहु, दाइरे।
दवाउलमिस्क (دواءالمسک) अ स्त्री –एक यूनानी औषध जो हृदय के लिए शक्तिवर्द्धक है।
दवाएदिल (دواۓ دل) अ फा स्त्री –दिल के रोग की ओषधि, प्रेम-रोग की दवा।
दवाख़ानः (دواخانہ) अ फा पु –जहाँ दवाएँ बिकती हो, औषधालय।
दवात (دوات) अ स्त्री –सियाही रखने का पात्र, मसिपात्र।

दवादविश (دوادوش) फा अव्य –दौड भाग, कोशिश, परिश्रम।

दवावौ (دوادو) फा अव्य –दे 'दवादविश'।

दवापिज़ीर (دواپذیر) अ फा वि –दवाई के काबिल, साध्य, जो इलाज से अच्छा हो सके।

दवाफरोश (دوافروش) अ फा पु –दवा बेचनेवाला।

दवाब [व्व] (دواب) अ पु –'दाव्व' का बहु, चौपाए, पशु, मवेशी।

दवाम (دوام) अ पु –नित्यता, स्थायित्व, हमेशगी, नित्य, हमेशा।

दवामी (دوامی) अ वि –हमेशा रहनेवाला, अनश्वर, नित्य, हमेशा के लिए, स्थायी, जीवन भर के लिए, हीन-हयाती।

दवाल (دوال) फा स्त्री –दे 'दुवाल', दोनो शुद्ध है।

दवावीन (دواوین) अ पु –दीवान का बहु, शाइरो के दीवान।

दवासाज़ (دواساز) अ फा –पु –दवाएँ बनानेवाला, अत्तार।

दवी (دوی) अ स्त्री –कान मे होनेवाली झन्झनाहट।

दवीद (دویده) फा वि –दौडा हुआ।

दश्त (دشت) फा पु – कानन, वन, जगल, वियावान।

दश्तआवारः (دشت آواره) फा वि –जगलो मे मारा-मारा फिरनेवाला, वनभ्रमी, काननचारी।

दश्तगर्द (دشت گرد) फा वि –दे 'दश्तआवार'।

दश्तगर्दी (دشت گردی) फा स्त्री –जगलो मे मारा-मारा फिरना, वन-भ्रमण।

दश्नः (دشنه) फा पु –खजर, जबिया, भुजाली, दे 'दिश्न', दोनो शुद्ध है।

दसाइस (دسائس) अ पु –'दसीस' का बहु, साज़िशे, कुचक्र-समूह।

दसातीर (دساتیر) अ पु –'दुस्तूर' का बहु, काइदे, क़ानून, रीतियाँ, पारसियो का धार्मिक ग्रथ।

दसीस (دسیسه) अ पु –कुचक्र, दुरभिसधि, साजिश, षड्यन्त्र।

दस्तदाज़ (دست انداز) फा वि –दे 'दस्तअदाज'।

दस्तदाज़ी (دست اندازی) फा स्त्री –दे 'दस्तअदाजी'।

दस्तबू (دستنبو) फा पु –कई सुगधित पदार्थों और इत्रो को मिलाकर बनाया हुआ गुल्ला, जो सूंघने के लिए हाथ में रखा जाय, हर सुगधित फल जो सूंघा जा सके, कचरी, सुंधिया।

दस्तबूयः (دستنبویه) फा पु –दे 'दस्तबू'।

दस्तः (دسته) फा पु –चाकू या छुरी आदि की मूठ, जग या डोगे आदि का हैडिल, मुट्ठा, जैसे—गुलदस्ता, २५ कागजो का मुट्ठा, रीम का बीसवाँ हिस्सा, खरल का मूसला, फौज की टुकडी, गारद, मजाफ, हाशिया।

दस्त (دست) फा पु –कर, हस्त, हाथ, पतला शौच, विरेचन, इस्हाल।

दस्तअदाज़ (دست انداز) फा वि –किसी काम मे हस्तक्षेप करनेवाला, बाधा डालनेवाला, बाधक, विघ्नकारक, मुज़ाहिम, दे 'दस्तदाज़'।

दस्तअदाज़ी (دست اندازی) फा स्त्री –हस्तक्षेप करना, बाधा डालना, मुजाहमत, दे 'दस्तदाज़ी'।

दस्तअफ़्राज़ (دست افراز) फा पु –कारीगर के काम करने का यत्र, हथियार, औज़ार, उपकरण, दे 'दस्तफ़्राज़'।

दस्तअफ्शाँ (دست افشاں) फा वि –किसी काम से विरक्त होनेवाला, त्यागनेवाला, त्यागी, विरक्त, दे 'दस्तफशाँ'।

दस्तआमोज़ (دست آموز) फा वि –हाथ पर सधाया हुआ जानवर, दे 'दस्तामोज़'।

दस्तावर (دستاور) फा वि –दस्त लानेवाली दवाई, रेचक, जुल्लाब, दे 'दस्तावर'।

दस्तक (دستک) फा स्त्री –ताली, करताल, चर्चरी, खटखटाना, राजादेश, हुक्मनामा, कुर्की।

दस्तक़लम (دست قلم) फा अ अव्य –दे शुद्ध 'दस्तोकलम'।

दस्तकश (دست کش) फा वि –विरक्त, बेतअल्लुक।

दस्तकशी (دست کشی) फा स्त्री –किसी काम मे से अपने को नि सम्बन्ध कर लेना, उपेक्षा।

दस्तकार (دستکار) फा पु –शिल्पी, शिलाकार, कारीगर, हाथ के काम का माहिर, वह चीज़ जिस पर हाथ का काम बना हो।

दस्तकारी (دستکاری) फा स्त्री –शिल्प, कला, हस्तशिल्प।

दस्तकी (دستکی) फा स्त्री –हाथ मे लेने या जेब आदि मे रखने के काबिल छोटी चीज़।

दस्तख़त (دستخط) फा पु –हस्ताक्षर, स्वाक्षर, अपने कलम से लिखा हुआ अपना नाम, जो किसी तहरीर की सनद के लिए हो।

दस्तख़ती (دستخطی) फा वि –जिस पर दस्तखत हो।

दस्तगर्दां (دست گرداں) फा वि –बगैर तहरीर का कर्जा, हथ उधार।

दस्तगह (دستگه) फा स्त्री–'दस्तगाह' का लघु, दे 'दस्तगाह'।

दस्तगाह (دستگاه) फा स्त्री –सामर्थ्य, शक्ति, कुद्रत, योग्यता, विद्वत्ता, इल्मीयत।

दस्तगिरिफ्त (دست گرفته) फा वि –जिसका हाथ सहारे के लिए पकडा हो, जिसे सहायता दी हो।

दस्तगी (دستگی) फा स्त्री –वह दस्ताना जो बाज पक्षी को हाथ पर बैठाते समय पहिनते है, दस्ता, हैंडिल, पानी का लोटा जिससे वजू या शौच करते है।

दस्तगीर (دستگیر) फा वि –हाथ पकडकर सहारा देनेवाला, अर्थात्, सहायक, मददगार।

दस्तगीरी (دستگیری) फा अ स्त्री –सहायता, मदद, गिरते को थामना।

दस्तचर्ब (دستچرب) फा वि –किसी दस्तकारी मे निपुण, (पु) सहायता, मदद।

दस्तचीर (دستچیر) फा वि –अन्यायी, अत्याचारी, गालिव, वलवान्, ताकतवर।

दस्तदराज़ (دستدراز) फा वि –अन्यायी, जाविर, हथा छुट, मार वैठनेवाला, निडर, वेवाक।

दस्तदराज़ी (دستدرازی) फा स्त्री –जुल्म, अत्याचार, गुस्ताखी, दु साहस, मारपीट।

दस्तनिगर (دستنگر) फा वि –दूसरो का मुँह ताकने-वाला, दूसरो के सहारे जीवन व्यतीत करनेवाला, मुखा-पेक्षी, पराश्रय।

दस्तपनाह (دستپناہ) फा पु –चीमटा, चूल्हे से आग निकालने का यत्र।

दस्तपरवर्दः (دستپروردہ) फा वि –हाथ का पला हुआ, लालन-पालन मे रखा हुआ।

दस्तपाक (دستپاک) फा अ पु –वह कपडा जिससे भोजन के वाद मुँह-हाथ पोछते है, रूमाल।

दस्तपेच (دستپیچ) फा पु –दस्तावेज, लेखपात्र, साधन, ज़रीया।

दस्तपैमाँ (دستپیماں) फा पु –वे कपडे, धन और आभूपण आदि जो व्याह से पहले दूल्हन के घर जाते है।

दस्तफरोश (دستفروش) फा वि –वह व्यक्ति जो चीज़ो को हाथ मे लेकर वेचता है।

दस्तफाल (دستفال) फा स्त्री –सबसे पहली विक्री, वौनी, वुहनी।

दस्तफ़राज़ (دستفراز) फा पु –उर्दू मे 'दस्त अफराज़' का शुद्ध उच्चारण यही है, परतु गलत वह भी नही है।

दस्तवंद (دستبند) फा पु –पहुँची, कलाई का एक आभूषण, नृत्य का एक प्रकार।

दस्तवखैर (دستبخیر) फा अ अव्य –जव किसी को यह वताना होता है कि अमुक व्यक्ति के शरीर में कोई वाधा या फोडा आदि किस स्थान पर है, तो उसके शरीर पर उसी जगह हाथ रखते हुए यह वाक्य कहते है, जैसे—कहे दस्तवखैर, उनके भी इस स्थान पर फोडा है या था।

दस्तवदस्त (دستبدست) फा अव्य –हाथो-हाथ, तुरत, आमने-सामने की, हाथो की, जैसे—'दस्त वदस्त जग'।

दस्तवदुआ (دستبدعا) फा अ अव्य –ईश्वर से प्रार्थना के लिए हाथ उठाये हुए।

दस्तवरदार (دستبردار) फा वि –वेतअल्लुक, विरक्त।

दस्तवरदिल (دستبردل) फा वि –व्याकुल, वेचैन, मुज़्तरिव

दस्तवसर (دستبسر) फा वि –सिर पर हाथ रखे हुए, पश्चात्ताप करनेवाला, चकित, हैरान।

दस्तवस्तः (دستبستہ) फा वि –हाथ वाँधे हुए, हाथ जोडे हुए, वद्धकर, वडी नम्रता के साथ।

दस्तवाफ (دستباف) फा वि –सरल, सुगम, आसान।

दस्तविरंजन (دستبرنجن) फा पु –कगन।

दस्तवुक्चः (دستبقچہ) फा पु –छोटी गठरी जो हाथ से उठाई जा सके।

दस्तवोस (دستبوس) फा वि –हाथ चूमनेवाला, किसी पूज्य व्यक्ति के हाथो को वोसा देनेवाला।

दस्तवोसी (دستبوسی) फा स्त्री –हाथ चूमना, किसी पूज्य व्यक्ति के हाथो को वोसा देना।

दस्तमायः (دستمایہ) फा पु –पूँजी, सरमाया।

दस्तमाल (دستمال) फा पु –हाथ पोछने का कपडा, रूमाल, वावरचीखाने की साफी।

दस्तमुज़्द (دستمزد) फा पु –उज्रत, मज़दूरी, भृति, पारिश्रमिक।

दस्तयाव (دستیاب) फा वि –हस्तगत, प्राप्त, उपलब्ध, हासिल।

दस्तयावी (دستیابی) फा स्त्री –हुसूल, प्राप्ति, उपलब्धि, उपलब्धता।

दस्तयार (دستیار) फा वि –सहायक, मददगार (पु) उपकरण, हथियार।

दस्तयारी (دستیاری) फा स्त्री –सहायता, मदद।

दस्तरंज (دسترنج) फा पु – श्रम, मेहनत।

दस्तरख्वान (دسترخوان) फा पु –वह कपडा जिस पर खाना खाते है।

दस्तरस (دسترس) फा स्त्री –पहुँच, रसाई, पैठ।

दस्तरसीदः (دسترسیدہ) फा वि –जहाँ तक हाथ पहुँच गया हो।

दस्तलाफ (دستلاف) फा स्त्री – वोहनी, दस्तफाल।

दस्तवानः (دستوانہ) फा पु –कगन, पहुँची।

दस्तसाज़ (دستساز) फा वि – हाथ का वनाया हुआ।

दस्तां (دستاں) फा पु –'दस्त' का वहु, छल, फरेव, गति, नग्मा।

दस्तान. (دستانه) फा पु –हाथो की हिफाजत के लिए पहना जानेवाला एक विशेष वस्त्र, हस्तत्राण।
दस्तामोज (دستاموز) फा वि –'दस्तआमोज' का शुद्ध उच्चारण यही है, वह भी गलत नही है।
दस्तार (دستار) फा स्त्री –पगडी, अम्मामा।
दस्तारच (دستارچه) फा पु –छोटी पगडी।
दस्तारबद (دستاربند) फा वि –जिसने अरबी की पूरी योग्यता प्राप्त कर ली हो और उसे पगडी बाँध दी गयी हो, स्नातक।
दस्तारबदी (دستاربندی) फा स्त्री –पूर्ण विद्योपार्जन के पश्चात् पगडी बाँधने की रस्म या सस्कार।
दस्तारबुज़ुर्ग (دستاربزرگ) फा पु –कुरंम साक, वेश्याघटक।
दस्तावर (دستاور) फा वि –'दस्त आवर' का शुद्ध रूप, दे 'दस्त आवर'।
दस्तावेज (دستاویز) फा स्त्री –व्यवस्थापत्र, लेखपत्र, साधनपत्र, तमस्सुक, किवाला।
दस्तास (دستاس) फा स्त्री –हाथ की चक्की।
दस्ती (دستی) फा वि –हाथ का, हाथ से सम्बन्ध रखनेवाला, हाथ में रखनेवाली चीज़, मशाल, फलीता।
दस्तूर (دستور) फा पु –नियम, काइदा, विधान, कानून, परपरा, रवाज, मत्री, सचिव, वज़ीर, पद्धति, शैली, ढग, व्यवहार, रविश, हक, कटौती, कमीशन।
दस्तूरियः (دستوریه) फा स्त्री –जुमहूरिय, गणतत्र, जनतत्र।
दस्तूरी (دستوری) फा वि –वैधानिक, कानूनी (स्त्री) कमीशन, हक, कटौती।
दस्तूरुलअमल (دستورالعمل) फा अ पु –काम का तरीका, कार्य-प्रणाली, कार्यक्रम, लाहियए अमल।
दस्तेक़ुद्रत (دستقدرت) फा अ पु –सामर्थ्य, शक्ति, मक्दरत।
दस्तेग़ैब (دستغیب) फा अ पु –दैवी आय, गैबी आमदनी।
दस्तेदुआ (دستدعا) फा अ पु –दुआ के लिए उठा हुआ हाथ
दस्तेशफकत (دستشفقت) फा अ पु –छत्रछाया, परवरिश।
दस्तेशिफा (دستشفا) फा अ पु –रोग-निवारण की शक्ति
दस्तोक़लम (دستوقلم) फा अ वि –शिक्षित, पढा-लिखा।
दस्तोगिरीबाँ (دستوگریباں) फा वि –एक दूसरे का गिरीबान पकडे हुए, हाथापाई करते हुए।
दस्तोपा (دستوپا) फा पु –हाथ-पाँव, प्रयास, प्रयत्न, मेहनत, कोशिश।
दस्तोबग़ल (دستوبغل) फा वि –आलिंगन, बगलगीर।
दह (ده) फा वि –दस, दश।
दहचद (دهچند) फा वि –दस गुना।
दह दर दह (ده در ده) फा वि –वह हौज़ जो दस गज़ लबा और दस गज़ चौडा हो।
दहदिल (دهدله) फा वि –वीर, बहादुर, चिंतित, फिक्रमद, लोलुप, लालची।
दहन (دهن) फा पु –मुख, मुँह, छिद्र, छेद, सूराख़।
दहनदर. (دهندره) फा पु –जँभाई, जृभा।
दहनदरीद. (دهندریده) फा वि –मुँहफट, गुस्ताख़।
दहनेज़ख़्म (دهنزخم) फा पु –ज़ख़्म का मुँह।
दहनेतेग़ (دهنتیغ) फा पु –तलवार की धार, मौत का मुँह।
दहबाशी (دهباشی) फा तु पु –दस सिपाहियो पर नायक।
दहमर्द. (دهمرده) फा वि –मिथ्यावादी, फुज़ूलगो, अनर्गलवादी, बहुभाषी, वाचाल, वक्की।
दहरोज़ (دهروزه) फा वि –थोडे दिन का, अस्थायी, चदरोजा, आरिज़ी।
दहाँ (دهاں) फा पु –दे 'दहन'।
दहाँबद (دهاںبند) फा पु –वह कवच जिससे शत्रु का मुँह बद हो जाता है।
दहा (دها) अ स्त्री –बुद्धिकुशाग्रता, तेज़ अक्ली, प्रतिभा, ज़हानत।
दहाक़ीन (دهاقین) अ पु –'देहकान' का बहु, किसान लोग, गाँववाले।
दहान (دهانه) फा पु –मुँह, दहन, समुद्र मे नदी के गिरने का स्थान, भिश्ती की मश्क का मुँह, घोडे की काँटादार लगाम, मोरी, नाली।
दहानए फिरंग (دهانهفرنگ) फा पु –एक सब्ज़ पत्थर जो रासायनिक गुण रखता है, और विष-नाशक है।
दहुम (دهم) फा वि –दसवाँ, दशम।
दह्न. (دهنه) फा पु –नदीतट, दर्या का किनारा, किसी देश की सरहद, दहानए फिरग।
दह्नए फिरग (دهنهٔ فرنگ) फा पु –दे 'दहानए फिरग'।
दह्र (دهر) अ पु –काल, समय, वक्त, युग, कर्न।
दह्रिय (دهریه) अ वि –दे 'दह्री'।
दह्री (دهری) अ वि –अनीश्वरवादी, ख़ुदा को न माननेवाला, नास्तिक, लामज़हब।
दह्शत (دهشت) अ स्त्री –डर, भय, ख़ौफ।
दह्शतअगेज़ (دهشت انگیز) अ फा वि –भयानक, भीषण, डरावना।
दह्शतअगेज़ी (دهشتانگیزی) अ फा स्त्री –भयानकपन, डरावनापन, ख़ौफ्नाकी, डरा-धमकाकर किसी से कुछ प्राप्त करने की अवैध कोशिश, किसी क्षेत्र मे जनता को

डरा-धमकाकर इस बात पर बाध्य करना कि वह अमुक व्यक्ति या दल का पक्षपात न करे या उसे सहयोग न दे या उसके कामो मे गड़बड डाले।

दह्शतकदः (دهشت‌کده) अ फा पु –वह स्थान जो बहुत ही भयकर हो।

दह्शतज़दः (دهشت‌زده) अ फा वि –भयभीत, त्रस्त, डरा हुआ।

दह्शतनाक (دهشتناک) अ फा वि –भयसकुल, दहशत से भरा हुआ, खौफनाक।

दाँ (داں) फा प्रत्य –जाननेवाला, जैसे–'हम दाँ' सब कुछ जाननेवाला, सर्वज्ञ।

दांग (دانگ) फा पु –छ रत्ती की तौल, ओर, दिशा, तरफ।

दाइन (دائن) अ पु –ऋणदाता, कर्ज़ देनेवाला।

दाइम (دائم) अ वि –नित्य, सदा, हमेशा।

दाइमन (دائماً) अ अव्य –नित्यप्रति, हर वक्त, हर समय, सदा, हमेशा।

दाइमी (دائمی) अ वि –नित्य का, हमेशा का, स्थायी, मुस्तकिल।

दाइमुलख़म्र (دائم‌الخمر) अ वि –सदा शराब के नशे मे रहनेवाला, हर वक्त का पीनेवाला, नित्यमद्यप।

दाइमुलमरज़ (دائم‌المرض) अ वि –सदा बीमार रहनेवाला, जन्मरोगी, नित्यरुग्ण।

दाइमुलहब्स (دائم‌الحبس) अ वि –जिसे पूरे जन्म की सजा मिली हो, आजन्म कारावासी, पूरी उम्र की सज़ा, आजन्म कारावास।

दाइयः (داعیہ) अ पु –ज़ोर, अधिकार।

दाइरः (دائرہ) अ पु –परिधि, घेरा, गोल, गोला, वृत्त, मडल, हल्का, परिषद्, सभा, मजलिस, आश्रम, खानकाह, टोला, महल्ला, एकबाजा, दफ, अक्षरो की गोलाई, जैसे–'जीम' या 'सीन' का दाइरा।

दाइर:नुमा (دائرہ‌نما) अ फा वि –गोलाकार, वर्तुलाकार, वृत्ताकार, मडलाकार, गोल।

दाइर (دائر) अ वि –फिरनेवाला, घूमनेवाला, उपस्थित, दरपेश, उपस्थित करना, चलाना, (वाद)।

दाइरतुलबुरूज (دائرة‌البروج) अ पु –क्रातिमडल, भचक्र, राशिचक्र, वह दाइरा जिसमे बारह बुर्ज है।

दाइरतुलमआरिफ (دائرة‌المعارف) अ पु –इसाइक्लोपीडिया, विश्वकोश।

दाई (داعی) अ वि –बुलानेवाला, निमत्रणकर्ता, दुआ करनेवाला, आशीर्वाददाता।

दाउ (داو) फा पु –जुए की बारी, दाँव, मक्र, छल, फरेब।

दाउलअसद (داوالاسد) अ स्त्री –कुष्ठरोग, कोढ।

दाऊद (داؤد) अ पु –एक पैगम्बर जिनका स्वर बहुत ही मधुर था।

दाख़िल: (داخلہ) अ पु –हस्तातरण, सपुर्दगी, रुपया दाखिल करने की रसीद, पहुँच, रसाई, स्कूल या कालिज मे प्रवेश।

दाख़िल (داخل) अ वि –भीतर आनेवाला, प्रविष्ट, अदर पहुँचा हुआ, समिलित, शामिल।

दाख़िल कुनिंदः (داخل‌کنندہ) अ फा वि –दाखिल करनेवाला, जमा करनेवाला।

दाख़िल ख़ारिज (داخل‌خارج) अ पु –ज़मीन या जाइदाद पर से एक व्यक्ति का नाम कटकर दूसरे का चढना, एक व्यक्ति की जगह दूसरे का मालिक नियुक्त होना।

दाख़िली (داخلی) अ वि –भीतरी, आतरिक, अदरूनी, मानसिक, हार्दिक, रूहानी, दिली।

दाख़िले दफ़्तर (داخل‌دفتر) अ अव्य –किसी प्रार्थना पत्र का अस्वीकृत होकर, मिसिल मे किसी सुबूत आदि के लिए सुरक्षित रहना।

दाख़ूल (داخول) फा पु –वह लकडी आदि जिसे मनुष्य का रूप देकर खेतो मे डराने के लिए लगा देते है, बादशाहो और राजाओ के मकान के आगे लोगो के बैठने के लिए बनी हुई इमारत।

दाग़ (داغ) फा पु –चिह्न, धब्बा, निशान, किसी की मृत्यु का गम, कलक, दोष, अपराध, दुख, क्लेश, रज, जैसे–'दागे हिज्र' विरह का दुख, ईर्ष्या, डाह, हसद, जलने का चिह्न, फल पर गलने या सडने का निशान, घाव का चिह्न।

दाग़गाह (داغگاہ) फा स्त्री –कचहरी, जहाँ कागजात पर मुह्रे लगायी जाती है।

दाग़दार (داغدار) फा वि –जिसमे दाग हो, धब्बेवाला, दोषी, ऐबदार, किसी अपराध मे लिप्त, आलूद दामन।

दाग़ी (داغی) फा वि –दागदार, जिस पर धब्बा या निशान हो, दूषित, मा'यूब, सज़ायाब, दडित, दागा हुआ, जलाया हुआ, अपराधी, मुज्रिम।

दाग़े जिगर (داغ‌جگر) फा पु –सतान की मृत्यु का शोक, प्रेम की आग का दाग।

दाग़ेदिल (داغ‌دل) फा पु –प्रेमाग्नि से जलने का दाग, हृदय का दाग।

दाज (داج) अ पु –घटाटोप अधकार, घोर अँधेरा।

दादः (دادہ) फा वि –दिया हुआ।

दाद (داد) फा स्त्री –न्याय, इसाफ, दान, बख़शिश, प्रशसा, तहसीन, वाह-वाह (प्रत्य) दिया हुआ, जैसे—'ख़ुदादाद' ख़ुदा का दिया हुआ।
दादख़्वाह (دادخواہ) फा वि –फर्यादी, न्याय चाहनेवाला।
दादगर (دادگر) फा वि –न्याय करनेवाला, मुसिफ।
दादगुस्तर (دادگستر) फा वि –दे 'दादगर'।
दादतलब (دادطلب) फा अ वि –दाद चाहनेवाला, न्याय-याचक, किसी अच्छे काम की प्रशसा चाहनेवाला।
दाददेही (داددهی) फा स्त्री –न्याय करना, फर्याद सुनना, दाद देना।
दादनी (دادنی) फा अव्य –देने योग्य, देने के लाइक, किसी चीज़ के लिए पेशगी रुपया देना।
दादबख़्श (دادبخش) फा वि –न्यायकर्ता, मुसिफ, दादगर।
दादरस (دادرس) फा वि –दे 'दादगर'।
दादरसी (دادرسی) फा स्त्री –न्याय, इसाफ।
दादार (دادار) फा पु –न्यायकर्ता, मुसिफ।
दादोदिहिश (دادودهش) फा स्त्री –दानशीलता, फैयाज़ी, सख़ावत।
दादोसितद (دادوستد) फा स्त्री –लेन-देन, रुपये के लेन-देन का कारोवार।
दान (دانہ) फा पु –अनाज, गल्ला, अनाज के खोशे मे लगा हुआ वीज, अगूर का एक फल, खील, भुना हुआ वीज, छोटी फुसी, चेचक का आवला, आमो की सख्या के लिए, जैसे—'वीस दाने लँगडे के', रत्नो की गिंती के लिए जैसे—'याकूत का एक दाना'।
दान:ख़ोर (دانہخور) फा वि –दाना खानेवाला मवेशी।
दान:ख़ोरी (دانہخوری) फा पु –जानवर को दाना खिला-कर मोटा ताजा करना।
दान:जद (دانہزد) फा वि –कमीना, खस्ताहाल, कजूस।
दान:दार (دانہدار) फा वि –जिसमे दाने हो।
दान (دان) फा प्रत्य –पात्र, वर्तन जैसे—'कलमदान' कलम रखने का पात्र, 'उदूदान' अगर जलाने का वर्तन।
दानए गदुम (دانۂگندم) फा पु –गेहूँ का एक दाना या वीज।
दानए ज़जीर (دانۂزنجیر) फा पु –ज़जीर की कडी, ज़जीर का हल्का।
दानए याक़ूत (دانۂیاقوت) फा अ –एक याकूत (पद्मराग)।
दानए सीर (دانۂسیر) फा अ पु–लहसुन का जवा।
दानए हील (دانۂهیل) फा पु –इलायची का एक वीज।
दाना (دانا) फा वि– बुद्धिमान्, मेधावी, अक्लमद, चतुर, कुशल, प्रवीण, होशियार।
दानाई (دانائی) फा स्त्री –बुद्धिमत्ता, मनस्विता, अक्ल-मदी, चातुर्य, दक्षता, निपुणता, होशियारी।
दानाए राज़ (داناےراز) फा वि –भेदो का जाननेवाला, मर्मज्ञ।
दानाए रोज़गार (داناےروزگار) फा वि –अपने समय का सबसे वडा वुद्धिमान, ससार मे सर्वोत्तम वुद्धिवाला।
दानाए हाल (داناےحال) फा अ वि –वास्तविकता जानने-वाला, सच्ची हालत समझनेवाला।
दानादिल (دانادل) फा वि –रौशनजमीर, अतर्यामी।
दानावबीना (داناوبینا) फा वि –जो देखता भी हो और जानता भी हो, वहुत अधिक वुद्धिमान् और अनुभवी।
दानिंद: (دانندہ) फा वि –जाननेवाला, ज्ञाता।
दानियाल (دانیال) फा पु –एक पैगम्वर।
दानिश (دانش) फा स्त्री –बुद्धि, अक्ल, विवेक, तमीज़, विद्या, इल्म।
दानिश आमोज़ (دانش آموز) फा वि –विद्या सीखनेवाला (शिष्य), विद्या सिखानेवाला (गुरु)।
दानिशमद (دانشمند) फा वि –वुद्धिमान्, अक्लमद, वैज्ञानिक, हकीम, विद्वत्तम, मुतवहहिर।
दानिशमदी (دانشمندی) फा स्त्री –वुद्धिमत्ता, मनीषा, अक्लमदी, विद्वत्ता, पाडित्य, इल्मीयत, निपुणता, कुशलता, होशियारी।
दानिशवर (دانشور) फा वि –दे 'दानिशमद'।
दानिस्त: (دانستہ) फा वि –जाना हुआ, ज्ञात, जान-वूझकर, कस्दन।
दानिस्त (دانست) फा स्त्री –ज्ञान, जानकारी।
दानिस्तगी (دانستگی) फा स्त्री –दे 'दानिस्त'।
दानिस्तनी (دانستنی) फा अव्य –जानने के योग्य, ज्ञातव्य।
दाफ़िअ (دافعہ) अ स्त्री –वह शक्ति जो शरीर से मल-मूत्र और पसीना आदि वाहर निकालती है।
दाफ़िउलवलाया (دافع البلایا) अ वि –आपत्तियो का नाश करनेवाला, दु खो का निवारण करनेवाला।
दाफिए कब्ज़ (دافع قبض) अ वि –कब्ज़ को रफा करनेवाला।
दाफिए गम (دافع غم) अ वि –रज और गम हटानेवाला, कष्टमोचन।
दाफिए ज़ह्र (دافع زهر) अ फा वि –विष दूर करनेवाला, विष-दोपहर।
दाफिए दर्द (دافع درد) अ फा वि –दर्द मेटनेवाला, वेदनाहर, शूलघ्न।
दाफिए मरज़ (دافع مرض) अ वि –व्याधिहर, वीमारी का नाशक, रुजघ्न।

दाफ़िए वरम (دافع ورم) अ फा वि–शोथनाशक, वरम को दूर करनेवाला।

दाफ़े' (دافع) अ वि–निवारक, हटानेवाला, दूर करनेवाला, मोचक।

दाब (داب) अ पु–ढग, तरीका, वैभव, शानोशौकत।

दाबे मज्लिस (داب مجلس) अ पु–सभा मे उठने-बैठने और वातचीत करने का ढग, आदाबे मज्लिस, सभा-चातुर्य।

दाबे मह्फ़िल (داب محفل) अ पु–दे 'दाबे मज्लिस'।

दाबे सल्तनत (داب سلطنت) अ पु–शासन करने का ढग, राज्य-कौशल।

दाबे सोहबत (داب صحبت) अ पु–वडे लोगो के पास उठने-बैठने, उनसे वार्तालाप करने और उनकी आज्ञा पालन करने के ढग, शिष्टता, सभ्यता।

दाब्वः (دابه) अ पु–चौपाया, पशु, मवेशी।

दाम (دام) फा पु–फदा, पाश, वधन, जाल, जगली चौपाए जो हिंसक न हो, दवाओ की एक तौल, एक रुपये का चालीसवाँ भाग, एक पैसे का पचीसवाँ भाग।

दामगाह (دامگاه) फा स्त्री–वह स्थान जहाँ जाल विछा हो, जहाँ फँसने का भय हो, फरेब की जगह।

दामन (دامن) फा पु–कुरते या अँगरखे आदि का वह भाग जो लटकता रहता है, अचल,—"दामन पै तेरे गैर के माथे का पसीना और वह भी मेरी चश्मेगुहरवार के आगे।" मैदान, समतल भूमि।

दामनअफ़्शाँ (دامن افشاں) फा वि–दामन झाडता हुआ, विना कुछ लिये हुए खाली हाथ, दामन झटकता हुआ, नाज़ से चलता हुआ।

दामनकशाँ (دامن کشاں) फा· वि–दामन वचाता हुआ, वेतअल्लुक, यह खयाल रखकर चलता हुआ कि दूसरे से उसका दामन न छू जाय, अभिमानी, घमडी।

दामनगीर (دامن گیر) फा वि–दामन पकडनेवाला, दामन पकडकर रोकनेवाला।

दामनदार (دامن دار) फा वि–चौडा चकला (केवल घाव के लिए आता है)।

दामनसवार (دامن سوار) फा वि–दामन को घोडा वनाकर उस पर सवार होनेवाला वालक (वच्चो का एक खेल)।

दामनी (دامنی) फा स्त्री–औरतो की ओढनी, वह कपडा जो घोडे के पुट्ठो पर पसीने से दामन वचाने को डाला जाता है, एक पाट की वह चादर जो औरतो के जनाजे पर पडती है।

दामने कोह (دامن کوه) फा पुं–वह मैदान जो किसी पहाड के नीचे स्थित हो।

दामने दौलत (دامن دولت) फा अ पु–सरक्षता, हिमायत, छत्रछाया।

दामने मर्यम (دامن مریم) फा अ पु–हज़्रत मर्यम का दामन जो दाग-धव्बे से विल्कुल पाक था, अर्थात् सतीत्व, साधुता।

दामने मह्शर (دامن محشر) फा अ पु–कियामत का मैदान।

दामने शब (دامن شب) फा पु–रात का अतिम भाग।

दामाद (داماد) फा पु–लडकी का पति, जामाता।

दामान (دامان) फा पु–दे 'दामन'।

दामे अजल (دام اجل) फा अ पु–मौत का फदा, कालपाश।

दामे गेसू (دام گیسو) फा पु–केशपाश, वालो की लट।

दामे ज़ुल्फ़ (دام زلف) फा पु–दे 'दामे गेसू'।

दामे तज़्वीर (دام تزویر) फा अ पु–दे 'दामे फ़िरेब'।

दामे फ़िरेब (دام فریب) फा पु–छल रूपी जाल, कूटपाश, कूटवध।

दामे महब्बत (دام محبت) फा अ पु–प्रेमपाश, प्रेमवधन, इश्क का फदा।

दायः (دایه) फा स्त्री–दूसरे के वच्चे को दूध पिलानेवाली स्त्री, अकपाली, अन्ना, पिलाई, वच्चा जनानेवाली स्त्री, धाय, धात्री।

दाय:गरी (دایه گری) फा स्त्री–वच्चा जनाने का पेशा, धात्री-कर्म, कौमारभृत्य, वच्चा जनाने की विद्या, धात्री-विद्या।

दार (دار) फा स्त्री–सूली, फाँसी (प्रत्य०) वाला, जैसे—हिस्सेदार।

दार (دار) अ पु–घर, गृह, मकान, स्थान, जगह, लोक, आलम।

दारचीनी (دارچینی) फा स्त्री– एक दरख़्त की छाल, दारुसिता।

दारचोब (دارچوب) फा स्त्री– अलगनी।

दार फ़िल्फ़िल (دار فلفل) फा स्त्री–वडी पीपल, गज पिप्पली।

दारबस्त (داربست) फा स्त्री–लकडी और तख़्तो की वाढ जिस पर बैठकर राज और मजदूर इमारत बनाते हैं, अगर या कोई दूसरी वेल चढाने की टट्टी।

दारवाज़ (داراز) फा वि–नट, वाज़ीगर; छली, धोकेवाज़।

दारहल्द (دارهلد) फा स्त्री.– एक दवा, दारुहरिद्रा।

दारा (دارا) फा पु–ईरान का एक वादशाह जिसे सिकदर ने विजित किया था, वादशाह, नरेश, राजा; धनवान्, मालदार, ईश्वर, विश्वरक्षक।

दाराई (دارائی) फा स्त्री –बादशाहत, राज, खुदाई, ईश्वरत्व, एक रेशमी कपडा, दरयाई।

दाराए ख़ल्क (داراےخلق) फा अ पु –सारे जगत् का पालन-पोषण और रक्षा करनेवाला, ईश्वर।

दारिंदः (دارندہ) फा वि –रखनेवाला।

दारुज़्ज़र्ब (دارالضرب) अ पु –टकसाल, टकशाला।

दारुज़्ज़ैफ़ (دارالضیف) अ पु –मेहमानखाना, अतिथिशाला।

दारुत्तर्बियत (دارالتربیت) अ पु –जहाँ किसी चीज की ट्रेनिंग दी जाय, प्रशिक्षण स्थान, जहाँ शिष्टता और सभ्यता सिखायी जाय।

दारुन्नईम (دارالنعیم) अ पु –स्वर्ग, बिहिश्त।

दारुलअदालत (دارالعدالت) अ पु –न्यायालय, कचहरी।

दारुलअमल (دارالعمل) अ पु –ससार, दुनिया, प्रयोग-शाला, गवेषणालय।

दारुलअमान (دارالامان) अ पु –वह स्थान जहाँ लडाई-झगडा न हो।

दारुलअम्न (دارالامن) अ पु –दे 'दारुलअमान'।

दारुलआखिरत (دارالآخرۃ) अ पु –परम धाम, परलोक, उक्बा।

दारुलइकाम (دارالاقامہ) अ पु –बोर्डिंग हाउस, छात्रावास।

दारुलइमारत (دارالامارت) अ पु –राजधानी, शासनकेंद्र।

दारुलइयार (دارالعیار) अ पु –वह स्थान जहाँ खरा-खोटा सोना-चाँदी परखा जाता है।

दारुलउलूम (دارالعلوم) अ पु –यूनीवर्सिटी, विश्वविद्यालय।

दारुलऐताम (دارالایتام) अ पु –यतीमखाना, अनाथालय।

दारुलकजा (دارالقضا) अ पु –न्यायालय, कचहरी।

दारुलकरार (دارالقرار) अ पु –परम धाम, स्वर्ग, बिहिश्त।

दारुलकुतुब (دارالکتب) अ पु –किताब-घर, पुस्तकालय, जहाँ किताबें बिकती हैं।

दारुलखिलाफत (دارالخلافت) अ पु –राजधानी।

दारुलखैर (دارالخیر) अ पु –जहाँ लोगो को दान आदि बहुत मिलता हो।

दारुलजजा (دارالجزا) अ पु –जहाँ किये का फल भोगना पडे, यमलोक, परलोक।

दारुलफना (دارالفنا) अ पु –दुनिया, ससार, नाशवान् ससार।

दारुलबका (دارالبقا) अ पु –परलोक, आखिरत, नित्य लोक।

दारुलबवार (دارالبوار) अ पु –नरक, दोजख।

दारुलमर्जा (دارالمرضیٰ) अ पु –मरीजो की जगह, रुग्णालय।

दारुलमिहन (دارالمحن), अ पु –दुःख और क्लेश का स्थान, अर्थात्, ससार।

दारुलमुकाफात (دارالمکافات) अ पु –ससार, दुनिया।

दारुलमुतालअ. (دارالمطالعہ) अ पु –वाचनालय, लाइब्रेरी।

दारुलमुल्क (دارالملک) अ पु –राजधानी।

दारुलहर्ब (دارالحرب) अ पु –वह देश जहाँ गैर-मुस्लिम हुकूमत हो और वहाँ का नरेश मुसलमानो को उनकी धार्मिक कृतियाँ न करने दे।

दारुलहुकूमत (دارالحکومت) अ पु –राजधानी।

दारुश्शर्अ (دارالشرع) अ पु –इस्लामी न्यायालय।

दारुश्शिफा (دارالشفا) अ पु –आरोग्यशाला, शिफाखाना।

दारुश्शूरा (دارالشوریٰ) अ पु –परामर्श का स्थान, जहाँ बैठकर सलाह की जाय, प्रेक्षागार।

दारुस्सनम (دارالصنم) अ पु –बुतखाना, मूर्तिगृह, मदिर।

दारुस्सफा (دارالصفا) अ पु –पवित्र घर, मक्का।

दारुस्सलाम (دارالسلام) अ पु –शाति का स्थान, स्वर्ग, बिहिश्त।

दारुस्सल्तनत (دارالسلطنت) अ पु –राजधानी।

दारुस्सुरूर (دارالسرور) अ पु –हर्ष और आनद का स्थान अर्थात्, स्वर्ग, परम धाम।

दारू (دارو) फा स्त्री –इलाज, उपचार, चिकित्सा, बारूद, अग्नि-क्रीडा, मदिरा, शराब।

दारैन (دارین) अ पु –दोनो लोक, ससार और परलोक, उभयलोक।

दारोग (داروغہ) फा पु –निरीक्षक, निगरॉं, सब-इस्पेक्टर, पुलिस, थानेदार।

दारोगए तोपखान (داروغۂتوپخانہ) फा पु –तोपखाने का अफसर।

दारोगाए महबस (داروغۂمحبس) अ फा पु –जेल का अध्यक्ष, जेलर, कारागार-रक्षक।

दारोगीर (داروگیر) फा स्त्री –पकड-धकड, गिरिफ्तारियाँ, पूछगच्छ, बाजपुर्स।

दारोमदार (دارومدار) फा पु –निर्भरता, इनहिसार।

दाल [ल्ल] (دال) अ वि –राह दिखानेवाला, पथ-प्रदर्शक।

दालान (دالان) फा पु –बडा और लबा कमरा जिसमे मेहराबदार दरवाजे होते है, या तिदरी होती है।

दालान दर दालान (دالان در دالان) फा पु –दुहरा दालान, दालान के अदर दालान।

दा'वत (دعوت) अ स्त्री –बुलावा, आवाहन, खाने का बुलावा, निमत्रण, भोज, खाना।

दा'वतनाम (دعوت نامہ) अ फा पु –किसी सभा आदि मे सम्मिलित होने के लिए बुलाने का पत्र, किसी भोज मे सम्मिलित होने के लिए बुलाने का पत्र, निमत्रण-पत्र।

दा'वते आम (دعوت‌عام) अ स्त्री –सर्वसाधारण को वुलावा, "दावते आम है, राहे वफा है, मैं हूँ–वह मेरे साथ चला आये जो आसाँ समझे", सार्वजनिक प्रीतिभोज।
दा'वते जंग (دعوت‌جنگ) अ फा स्त्री –युद्ध की चुनौती, युद्ध का आवाहन।
दा'वते वलीमः (دعوت‌ولیمہ) अ. स्त्री –व्याह के पश्चात् दूल्हा की ओर से भोज, विवाह-भोज।
दा'वते शीराज़ (دعوت‌شیراز) अ फा स्त्री –सीधी सादी दावत, जो कुछ मौजूद है उसकी दा'वत, वेतकल्लुफी का खाना।
दा'वते समरकंद (دعوت‌سمرقند) अ फा स्त्री –ठाटदार दावत, बहुत ही तकल्लुफ का खाना।
दावर (داور) फा पु –न्यायकर्ता, मुसिफ, ईश्वर, खुदा।
दावरी (داوری) फा स्त्री –न्याय, इसाफ, हुकूमत, राज्य।
दावरीगाह (داوری‌گاہ) फा स्त्री –न्यायालय, पचायत की जगह।
दावरे महशर (داورمحشر) फा अ पु –कियामत के दिन इसाफ करनेवाला, ईश्वर।
दावरे हश्र (داورحشر) फा अ पु –दे 'दावरे महशर'।
दा'वा (دعوی) अ पु –वाद, नालिश, अभ्यर्थ, क्लेम, स्वत्व, हक, गर्व, अभिमान, घमड, जो गुण न आता हो अपने मे उसे वताना, इद्दिआ, डीग, शेखी।
दा'वीदार (دعویدار) अ फा पु –दावा करनेवाला, अपना अधिकार जतानेवाला, वादी, मुद्दई।
दाश्त. (داشتہ) फा स्त्री –घर मे डाली हुई स्त्री, रखेली, उपपत्नी।
दाश्त (داشت) फा स्त्री –देखरेख, रखवाली, खबरगीरी।
दाश्तनी (داشتنی) फा अव्य –रखने के लाइक।
दास्ताँ (داستاں) फा स्त्री –दास्तान का लघु, दे 'दास्तान'।
दास्ताँ गो (داستاں‌گو) फा पु –किस्से सुनानेवाला, किस्से सुनाकर जीविका चलानेवाला, किस्स ख़्वाँ।
दास्ताँसरा (داستاں‌سرا) फा पु –दे 'दास्ताँगो'।
दास्तान (داستان) फा स्त्री –कथा, कहानी, वृत्तात, हाल, लवी-चौडी कथा।
दाह (داہ) फा पु –दास, गुलाम।
दाहिय. (داہیہ) अ स्त्री –जीवन की कठिनता, ससार का कुचक्र।
दाही (داہی) अ वि –वुद्धिमान्, चतुर, अक्लमद।
दाहूल (داہول) फा पु –वह कृत्रिम चित्र जो खेतो में जानवरो को डराने के लिए वना देते है, दाखूल।

दि

दिक [क़्क़] (دق) अ स्त्री –तपेदिक, क्षयरोग, यक्ष्मा, तग, परेशान।
दिक्कत (دقت) अ स्त्री –कठिनता, मुश्किल, सूक्ष्मता, वारीकी।
दिक्कततलव (دقت‌طلب) अ वि –जिसमें कठिनाई का सामना हो, कठिन, दुष्कर, मुश्किल, कष्टसाध्य।
दिक़्क़तपसंद (دقت‌پسند) अ फा वि –जो दूर की कौडी लाना चाहता हो, जिसकी तवीयत गहरे मे डूबकर मज्मून आदि लाने की आदी हो, मुश्किलपसद।
दिक़्क़ते नज़र (دقت‌نظر) अ स्त्री –नज़र की वारीकी, नज़र की दूर तक गहराई मे पहुँच, तलाश।
दिगर (دگر) फा पु –दीगर का लघु, दे 'दीगर'।
दिगरगूँ (دگرگوں) फा वि –अस्त-व्यस्त, उथल-पुथल, उलट-पलट।
दिजाज (دجاج) अ स्त्री –मुर्गी, स्त्री कुक्कुट (प्र) मुर्ग़ा, कुक्कुट, दे 'दजाज', दोनो शुद्ध है।
दिज्लः (دجلہ) अ पु –वगदाद के नीचे वहनेवाली नदी, नदी, दर्या, दे 'दज्ल' दोनो शुद्ध है।
दिनाअत (دنائت) अ स्त्री –अधमता, नीचता, कमीनगी, लोफरपन।
दिफाअ (دفاع) अ पु –रक्षा, वचाव, हिफाज़त, प्रतिरक्षा।
दिफाई (دفاعی) अ वि –वचाव सम्वन्धी, हिफाजती।
दिवाग़त (دباغت) अ स्त्री –चमडा रगना और वनाना, चमडा कमाना।
दिमन (دمن) अ पु – गू, गोवर, वह स्थान जहाँ गू-गोवर और मैला आदि डाला जाय।
दिमाग़ (دماغ) अ पु –मस्तिष्क, मस्तक, वुद्धि, अक्ल, अहकार, गर्व, गुरूर, सहन शक्ति, वरदाश्त, सज्ञा, होश, ध्यान, खयाल।
दिमाग़दार (دماغ‌دار) अ फा वि –अभिमानी, मग़रूर।
दिमागदारी (دماغ‌داری) अ फा स्त्री –अभिमान, गर्व, गुरूर।
दिमाग़सोज़ी (دماغ‌سوزی) अ फा स्त्री –दिमागी मेहनत, माथा पच्ची।
दिमाग़ी (دماغی) अ वि –मस्तिष्क सम्वन्धी, दिमाग से सम्वन्ध रखनेवाला।
दिमिश्क़ (دمشق) फा पु –इराक की राजवानी (दमिश्क)।
दियत (دیت) अ स्त्री –खून की कीमत, किसी से कोई आदमी मर जाय, तो मरनेवाले की औलाद अगर हत्यारे से उसके प्राणदड के वदले मे रुपया लेना चाहती थी तो

उसको दिला दिया जाता था, और हत्यारे को मुक्त कर दिया जाता था, इस रुपये को 'दियत' कहते हैं।

दियानत (دیانت) अ स्त्री –ईमानदारी, सत्य निष्ठा।

दियानतदार (دیانتدار) अ फा वि –ईमानदार, सत्य-निष्ठ, जो धरोहर आदि मे जरा भी गडवड न करे।

दियानतदारी (دیانتداری) अ फा स्त्री –ईमानदारी, सत्यनिष्ठा।

दियार (دیار) अ पु –'दार' का वहु, परतु उर्दू मे एक० मे वोला जाता है। जैसे—घर, मकान, स्थान, मुकाम।

दियारे ग़ैर (دیارغیر) अ फा पु –दूसरो का देश, परदेश।

दिरंग (درنگ) फा स्त्री –दे 'दरग', दोनो शुद्ध हैं।

दिरम (درم) फा पु –३½ माशे की एक तौल, दिर्हम, चाँदी का एक छोटा सिक्का, चवन्नी।

दिरा (درا) फा पु –कारवाँ के साथ चलनेवाला घडयाल, दे 'दरा', दोनो शुद्ध हैं।

दिरायत (درایت) अ स्त्री –वुद्धि, मेधा, अक्ल, प्रतिभा, ज़हानत, ज्ञान, जानकारी।

दिरासत (دراست) अ स्त्री –वुद्धि, विवेक, दाना़ई, सवक पढना, पठन, सवक पढाना, पाठन।

दिरेग़ (دریغ) फा पु –हाय, अफसोस, हा, कृपणता, कजूसी, सकोच, तअम्मुल।

दिरेग़ा (دریغا) फा अव्य –हाय, अफसोस, हा हत।

दिरौ (درو) फा स्त्री –खेत काटना, बुनाई करना।

दिरौगर (دروگر) फा वि –खेत काटनेवाला।

दिर्र. (دره) अ पु –चमडे का कोडा, जिससे पहले ज़माने में सज़ा दी जाती थी, दुर्र।

दिल (دل) फा पु –मानस, हृदय, कल्व, उत्साह, उमग, हौसला, साहस, हिम्मत, वीरता, शौर्य, वहादुरी, रुचि, इच्छा, ख्वाहिश, मर्ज़ी, दानशीलता, सखावत।

दिलअफ़्ग़ार (دل افگار) फा वि –दे 'दिलफगार'।

दिलअफ़्रोज़ (دل افروز) फा वि –दे 'दिलफ़ोज'।

दिलआज़ार (دل آزار) फा वि –दे 'दिलाज़ार'।

दिलआज़ारी (دل آزاری) फा स्त्री –दे 'दिलाजारी'।

दिलआज़ुर्द (دل آزرده) फा वि –दे 'दिलाज़ुर्द'।

दिलआज़ुर्दगी (دل آزردگی) फा स्त्री –दे 'दिलाज़ुर्दगी'।

दिलआरा (دل آرا) फा वि –दे 'दिलारा'।

दिलआराई (دل آرائی) फा स्त्री –दे 'दिलाराई'।

दिलआराम (دل آرام) फा वि –दे 'दिलाराम'।

दिलआवर (دل آور) फा वि –दे 'दिलावर'।

दिलआवेज़ (دل آویز) फा वि –दे 'दिलावेज़'।

दिलकश (دلکش) फा वि –मनोहर, चित्ताकर्षक, दिल को अपनी ओर खीचनेवाला।

दिलकशी (دلکشی) फा स्त्री –मनोहरता, मनोज्ञता, सुदरता, खुशनुमाई।

दिलकुशा (دل کشا) फा वि –रमणीक, रम्य, दिल को आनद देनवाला।

दिलख़राश (دل خراش) फा वि –वहुत ही कष्ट देनेवाला, हृदय-विदारक।

दिलख़स्त (دل خسته) फा वि –जिसका हृदय घायल हो, क्षत हृदय।

दिलख़ुशकुन (دل خوش کن) फा वि –दिल को खुश कर देनेवाला, आनददाता।

दिलख़्वाह (دل خواه) फा वि –मर्ज़ी के मुताबिक, इच्छानुसार।

दिलगर्मी (دل گرمی) फा स्त्री –सभ्राति, तपाक, जोश, गर्मजोशी।

दिलगिरिफ्त (دل گرفته) फा वि –खिन्नचित्त, उदास, रजीदा, अफ्सुर्द।

दिलगीर (دلگیر) फा वि –दु खित, रजीदा।

दिलगुदाज़ (دل گداز) फा वि –हृदयद्रावी, मन को पिघला डालनेवाला, कष्टजनक, दु खप्रद।

दिलगुर्द (دل گرده) फा पु –साहस, उत्साह, उमग, हिम्मत।

दिलचस्प (دلچسپ) फा वि –दिल को अच्छा लगनेवाला, मनोरजक, रोचक।

दिलचस्पी (دل چسپی) फा स्त्री –रुचि, रगवत, रोचकता, मनोरजन, तफ़रीह।

दिलज़द. (دل زده) फा वि –मनोहृत, जिसका दिल घायल हो, दु खित।

दिलजमई (دل جمعی) फा अ स्त्री –ढारस, सात्वना, दिलासा, यकसूई, चित्तैकाग्रता, मनोयोग, सलग्नता।

दिलजू (دل جو) फा वि – सुदर, शुभदर्शन, हसीन।

दिलजोई (دل جوئی) फा स्त्री –सात्वना, ढारस, तसल्ली।

दिलतग (دل تنگ) फा वि –दु खित, क्लेपित, रजीदा, कृपण, कजूस।

दिलतगी (دل تنگی) फा स्त्री– दु ख, क्लेश, रज, कृपणता, कजूसी।

दिलतफ्त (دل تفته) फा वि –दग्ध हृदय, प्रेमदग्ध, दिलजला।

दिलदाद (دل داده) फा वि –मुग्ध, आसक्त, फिरेफ्त, मोहित।

दिलदादगी (دل دادگی) आसक्ति, मुग्धता, फ़िरेफ्तगी।

दिलदार (دلدار) फा वि –प्यारा, प्रेमपात्र, प्रेयसी प्रेमिका, माशूका।

दिलदारी (دل داری) फा स्त्री –सात्वना, ढारस, दिलासा, तस्कीन।

दिलदिही (دل دهی) फा स्त्री –दे 'दिलदारी'।

दिलदुज़्द (دل دزد) फा वि –दिल का चोर, हृदय-चोर, प्रेमपात्र, माशूक।

दिलदोज़ (دل دوز) फा वि –दिल मे घुस जानेवाला, दिल पर असर करनेवाला।

दिलनवाज़ (دل نواز) फा वि –दिल को तसल्ली देनेवाला, ढारस बँधानेवाला, प्रेमपात्र, महबूब।

दिलनवाज़ी (دل نوازی) फा स्त्री –मैत्री, दोस्ती, सान्त्वना, ढारस।

दिलनशीं (دل نشیں) फा वि –जो दिल मे बैठ गया हो, हृदयस्थ, जो समझ मे आ गया हो, हृदयगम।

दिलनिहाद (دل نہاد) फा वि –जिस पर दिल को रुचि हो, प्रेमपात्र, महबूब।

दिलपसंद (دل پسند) फा वि –जो दिल को पसद हो, रुचिकर, मर्ग़ूब।

दिलपिज़ीर (دل پذیر) फा वि –दे 'दिलपसद'।

दिलफरेब (دل فریب) फा वि –दे 'दिलफिरेब'।

दिलफरोज़ (دل فروز) फा वि –दिल को प्रकाशित करनेवाला।

दिलफरोश (دل فروش) फा वि –दिल बेचनेवाला, आशिक, नायक।

दिलफिगार (دل فگار) फा वि –क्षत हृदय, घायल दिलवाला, दुखित, नायक, आशिक।

दिलफिरेब (دل فریب) फा वि –दिल को फरेब देनेवाला, नायिका।

दिलफ़्गार (دل افگار) फा वि –दे 'दिलफिगार'।

दिलफ़्रोज़ (دل افروز) फा वि –दे 'दिलफरोज़'।

दिलवद (دل بند) फा पु –दिल का टुकड़ा, पुत्र, वेटा।

दिलवर (دلبر) फा पु –दिल उडा ले जानेवाला, प्रेमपात्र, माशूक, नायिका।

दिलवरी (دلبری) फा स्त्री –मा'शूकी, नायिकात्व।

दिलवरदाश्तः (دل برداشتہ) फा वि –उदास, खिन्न, उचाटमन।

दिलवस्तः (دل بستہ) फा वि –जिसका दिल कही लगा हो, नायक, आशिक।

दिलवस्तगी (دل بستگی) फा स्त्री –दिल की लगन, प्रेम, इश्क; मनोरजन, तफ़्रीह, दिलचस्पी।

दिलवाख़्तः (دل باختہ) फा वि –जो प्रेम की वाज़ी में अपना दिल हार गया हो, आशिक।

दिलवाज़ (دل باز) फा वि –साहसी, उत्साही, हौसलामद; शूर, वीर, बहादुर, जाँवाज़।

दिलवाज़ी (دل بازی) फा स्त्री –जान की वाजी लगा देना, जान को ख़तरे मे डाल देना, जाँवाज़ी।

दिलविरिश्तः (دل برشتہ) फा वि –जिसका दिल प्रेम की आग मे जलभुन गया हो, दग्ध हृदय।

दिलरुवा (دل ربا) फा वि –दिल को उचक ले जानेवाला, माशूक।

दिलरुवाई (دلربائی) फा स्त्री –माशूकियत, नायिकापन, नाजो अदाज़, हावभाव।

दिलरेश (دل ریش) फा वि –क्षत हृदय, जिसका दिल जख़्मी हो, प्रेमी।

दिलशाद (دل شاد) फा वि –ख़ुश, प्रसन्न चित्त।

दिलशिकन (دل شکن) फा वि –दिल को तोड़नेवाला, रज पहुँचानेवाला, हिम्मत तोडनेवाला।

दिलशिकनी (دل شکنی) फा स्त्री –दिल तोडना, रज पहुँचाना, हिम्मत तोडना।

दिलशिकस्तः (دل شکستہ) फा वि –जिसका दिल टूट गया हो, दुखित, हतोत्साह, पस्त हौसला।

दिलशिकस्तगी (دل شکستگی) फा स्त्री –दे 'दिलशिकनी'।

दिलशिगाफ (دل شگاف) फा वि –हृदय विदारक, रूहफर्सा।

दिलशुदः (دل شدہ) फा वि –जिसका दिल खो गया हो, अर्थात् प्रेमी।

दिलसाज़ (دل ساز) फा वि –आनदित, हर्षित, खुश।

दिलसिताँ (دل ستاں) फा वि –दे 'दिलरुवा'।

दिलसितानी (دل ستانی) फा स्त्री –दे 'दिलरुवाई'।

दिलसोख़्तः (دل سوختہ) फा वि –दिलजला, दग्ध हृदय।

दिलसोज़ (دل سوز) फा वि –सहानुभूति करनेवाला, हमदर्द।

दिलसोज़ी (دل سوزی) फा स्त्री –हमदर्दी, सहानुभूति।

दिलहा (دلها) फा पु –बहुत से दिल, दिल का वहु।

दिला (دلا) फा अव्य –ए दिल, हे मन, दिल का सवोधन।

दिलाज़ार (دل آزار) फा वि –सतानेवाला, कष्ट देनेवाला, दुखदायी, दिल दुखानेवाला नाखादार।

दिलाज़ारी (دل آزاری) फा स्त्री –सताना, कष्ट देना, कोई ऐसी वात कहना या करना जिससे किसी का दिल दुखे।

दिलाज़ुर्दः (دل آزردہ) फा वि –जिसका दिल दुखित हो, गमगीन।

दिलाजुर्दगी (دل آزردگی) फा स्त्री—दिल का खिन्न और मलिन होना, अफसुर्दगी।

दिलारा (دل آرا) फा वि—दिल की शोभा बढानेवाला, प्रेमपात्र।

दिलाराई (دل آرائی) फा स्त्री—दिल में वसकर उसकी शोभा वढाने का काम।

दिलाराम (دل آرام—دلارام) फा वि—हृदय को शान्ति देनेवाला, अर्थात् प्रेमपात्र।

दिलावर (دلاور) फा वि—शूर, वीर, बहादुर, साहसी, उत्साही, हौसलामद।

दिलावरी (دلاوری) फा स्त्री—शूरता, वीरता, वहादुरी, साहस, उत्साह, हौसला।

दिलावेज़ (دل آویز—دلاویز) फा वि—सुन्दर, शुभ दर्शन, प्रियदर्शन, खुशनुमा।

दिलावेज़ी (دل آویزی) फा स्त्री—सौन्दर्य, शोभा, छटा, हुस्न, ख़ूबसूरती।

दिली (دلی) फा वि—हार्दिक, मानसिक, कल्वी, हृदय से सम्बन्ध रखनेवाली चीज़, घनिष्ठ, गहरा जैसे 'दिलीदोस्त'।

दिलेआगाह (دل آگاہ) फा पु—ऋषियो और मुनियो जैसा दिल, दिव्य दृष्टि रखनेवाला हृदय।

दिलेज़िंदः (دل زندہ) फा पु—ऐसा हृदय जो हर्ष और आनन्द से परिपूर्ण हो, ऐसा हृदय जो ईश्वर भक्ति मे सलग्न हो।

दिलेबेकरार (دل بے قرار) फा पु—प्रेमव्यथा मे तडपता हुआ हृदय, व्यथितहृदय।

दिले मुज़्तर (دل مضطر) फा अ पु—दे 'दिले वेकरार'।

दिले मुज़्तरिव (دل مضطرب) फा पु—दे 'दिले वेकरार'।

दिलेमुर्दः (دل مردہ) फा वि—'दिलेज़िंद' का उलटा, वुझा हुआ दिल, ईश्वर-भक्ति से रिक्त दिल।

दिलेर (دلیر) फा वि—शूर, वीर, वहादुर, साहसी, उत्साही, हौसलामद, अभय, निडर।

दिलेरान (دلیرانہ) फा अव्य—वीरोचित, वीरतापूर्वक।

दिलेरी (دلیری) फा स्त्री—शूरता, वहादुरी, साहस, उमग, ,निडरपन।

दिले सदचाक (دل صدچاک) फा पु—ऐसा हृदय जिसे प्रेम के निष्ठुर हाथो ने टुकडे-टुकडे कर दिया हो।

दिश्न (دشنہ) फा पु—दे 'दश्न', दोनो उच्चारण शुद्ध है।

दिहिश (دہش) फा स्त्री—दानशीलता, सखावत, यह शब्द उर्दू मे दाद के साथ मिलकर 'दादोदिहिश' वोला जाता है, अकेला नही वोला जाता।

दिहक़ान (دہقان) अ पु—कृपक, किसान, गँवार, उजड्ड।

दिहक़ानीयत (دہقانیت) अ स्त्री—गँवारपन, उजड्डपन।

दिहक़ानी (دہقانی) अ पु—गँवार, उजड्ड, कृपक, किसान, किसान का, देहाती।

दी

दी (دیں) अ पु—'दीन' का लघु, देखिए 'दीन'।

दींदार (دیں دار) अ फा वि—धर्मनिष्ठ, दीन मे पक्का।

दींपनाह (دیں پناہ) अ फा वि—दीन की हिफाज़त करनेवाला, धर्मरक्षक।

दींपर्वर (دیں پرور) अ फा वि—दीन की परवरिश करनेवाला, धर्मपाल।

दी (دی) फा पु—वीता हुआ कल।

दीक (دیک) अ पु—मुर्ग़ा, कुक्कुट।

दीगर (دیگر) फा वि—अन्य, और, दूसरा, फिर, दुवारा, पुन।

दीद (دیدہ) फा पु—आँख का ढेला, आँख, साहस, जुर्अत।

दीदःदिलेर (دیدہ دلیر) फा वि—ढीठ, वेहया, निर्लज्ज, धृष्ट।

दीद दिलेरी (دیدہ دلیری) फा स्त्री—ढिठाई, निर्लज्जता, धृष्टता, वेहयाई।

दीद वाज़ (دیدہ باز) फा वि—नज़र लडानेवाला, घूरनेवाला, जिसे हसीनो को घूरने की आदत हो।

दीद बाज़ी (دیدہ بازی) फा स्त्री—नज़र लडाना, घूरना, ताक-झाँक करना।

दीद रेज़ी (دیدہ ریزی) फा स्त्री—ऐसा वारीक काम करना जिसमे आँखो पर अधिक जोर डालना पडे, किसी विपय मे वहुत अधिक सोच-विचार करना।

दीद.वर (دیدہ ور) फा वि—जौहरी, पारखी, किसी चीज़ के गुण-दोष अच्छी तरह समझनेवाला।

दीद'वरी (دیدہ وری) फा स्त्री—परख, पहचान, किसी चीज़ की अच्छे वुरे की तमीज़।

दीद (دید) फा स्त्री—दर्शन, दीदार।

दीदएतर (دیدہ تر) फा पु—रोती हुई आँख, आँसुओ से भीगी हुई आँख।

दीदएनम-नमनाक (دیدۂ نم نمناک) फा पु—दे 'दीदएतर'।

दीदए मिक़्राज़ (دیدۂ مقراض) फा अ पु—कैंची के घेरे जिनमें उँगलियाँ रहती है।

दीदओदानिस्त (دیدہ و دانستہ) फा अव्य—जान-बूझकर, जानते वूझते हुए, कस्दन, इच्छापूर्वक।

दीदनी (دیدنی) फा अव्य—देखने योग्य, देखने के लायक़।

दीदवाज़ी (دیدبازی) फा स्त्री—दे 'दीद वाज़ी'।

दीदबान (دیدبان) फा पु –वह ऊँची जगह जहाँ से कोई इधर-उधर आने-जानेवालो की चौकसी कर सके, वह व्यक्ति जो इस प्रकार देख-भाल करे, बदूक की मक्खी जिससे निशाना लगाते है, जासूस।

दीदबानी (دیدبانی) फा स्त्री –किसी ऊँचे स्थान पर वैठकर आने-जानेवालो अथवा ख़तरो की निगरानी।

दीद वा दीद (دیدوادید) फा स्त्री –परस्पर एक का दूसरे की मुलाकात को जाना।

दीदान (دیدان) अ पु – 'दूद' का वहु, कीडे।

दीदानुलअम्आ (دیدان الامعا) अ पु –पेट के कीडे, पेट मे कीडे पड जाने का रोग।

दीदार (دیدار) फा पु –दर्शन, दीद, जल्वा, छवि।

दीदारपरस्त (دیدارپرست) फा वि –दर्शनो का अभिलाषी, सूरत और जल्वे का फिदाई।

दीदारबाज़ी (دیداربازی) फा स्त्री –ताक-झाँक, नज़र-वाजी, आँखे लडाना।

दीदारू (دیدارو) फा वि –शुभ दर्शन, खुशनुमा, रूपवान्, हसीन।

दीन (دین) अ पु –धर्म, मज़्हब, पथ, मश्रव, विश्वास, एतिकाद।

दीनार (دینار) फा पु –एक सोने की मुद्रा, अशरफी।

दीनारेसुर्ख़ (دینارسرخ) फा पु –सोने का दीनार, मोहर, अशरफी।

दीनी (دینی) अ वि –धर्म सम्बन्धी, दीन का।

दीनेकय्यिम (دین قیم) अ पु –सच्चा धर्म, इस्लाम धर्म।

दीने हनीफ (دین حنیف) अ. पु–हज़रत इब्राहीम का धर्म।

दीबा (دیبا) फा स्त्री –एक वारीक और चित्रित रेशमी कपडा।

दीबाचः (دیباچہ) फा पु –प्रस्तावना, प्राक्कथन।

दीबाजः (دیباجہ) फा पु –दे 'दीवाच'।

दीबाज (دیباج) अ पु –एक वहुत वढिया रेशमी कपडा, दीबा।

दीमक (دیمک) फा स्त्री –एक प्रसिद्ध कीडा।

दीमक खुर्दः (دیمک خوردہ) फा वि –जिसे दीमक ने चाट लिया हो, दीमक का खाया हुआ।

दीरोज़ः (دی روزہ) फा वि –गत कल।

दीरोज़ (دی روز) फा पु –गत कल, वीता हुआ कल।

दीवानः (دیوانہ) फा पु –पागल, विक्षिप्त, सिडी, प्रेमी, आशिक, किसी काम मे तन्मय।

दीवानःगर (دیوانہ گر) फा वि –पागल वना देनेवाला।

दीवानःनवाज़ (دیوانہ نواز) फा वि –दीवानो पर दया करनेवाला, प्रेमी पर कृपा करनेवाली प्रेमिका।

दीवान (دیوان) फा पु –न्यायालय, कचहरी, मत्री, वज़ीर, अर्थमत्री, वजीरेमाल, गजलो की किताव।

दीवानख़ानः (دیوان خانہ) फा पु –वैठक, निशस्तगाह, कचहरी का दफ्तर, वडे लोगो के वैठने का स्थान।

दीवानगी (دیوانگی) फा स्त्री –पागलपन, बुद्धि-विक्षेप।

दीवानी (دیوانی) फा स्त्री –वह अदालत जिसमे रुपये के लेन-देन और जायदाद के मुकदमे तै होते है, व्यवहार-न्यायालय।

दीवाने आम (دیوان عام) फा अ पु –दरवारे आम, वडा दरवार करने का स्थान।

दीवाने आ'ला (دیوان اعلی) फा अ पु –महामत्री, प्रधान मत्री, वज़ीरे आ'ज़म।

दीवाने ख़ालिसः (دیوان خالصہ) फा अ पु –वह मत्री जिसके पास शाही मुहर रहती है।

दीवाने ख़ास (دیوان خاص) फा अ पु –मुख्य लोगो का दरवार।

दीवाने जज़ा (دیوان جزا) फा अ पु –दे 'दीवाने महशर'।

दीवानेमहशर (دیوان محشر) फा अ पु –वह महकमा जो कियामत के दिन हिसाव-किताव करेगा।

दीवार (دیوار) फा स्त्री –भीत, भित्ति, दिवाल।

दीवारगीरी (دیوارگیری) फा स्त्री –वह कपडा जो दीवारो मे सुन्दरता के लिए लगा देते है, दीवार मे लगाने का लैम्प।

दीवार ब दीवार (دیواربہ دیوار) फा अव्य –दीवार से दीवार मिली हुई।

दीवारे कहकहः (دیوار قہقہہ) फा स्त्री –चीन की एक दीवार जिसके लिए प्रसिद्ध है कि जो उसमे से झाँकता है वह अनायास बहुत हँसता है—"दीदार दिलरुवा का दीवारे कह-कहा है–जिसने उधर को झाँका, वह फिर इधर न झाँका।"

दीवारे ज़िंदाँ (دیوار زندان) फा स्त्री –जेल की दीवार, कैदख़ाने की दीवार।

दीशव (دی شب) फा स्त्री –बीती हुई रात, कल की रात।

दु

दुंबः (دنبہ) फा पु –एक प्रकार का मेढा जिसकी पूंछ पर चर्वी की बडी-सी चकती होती हैं, मेदपुच्छ।

दुंब (دنب) फा स्त्री –पुच्छ, पूंछ, दुम।

दुंबल (دنبل) फा पु –फोडा, व्रण।

दुंबालः (دنبالہ) फा पु –पूँछ-जैसी चीज़, पूंछ के आकार का, पूंछ, दुम।

दुंबाल.दार (دنبالہ دار) फा वि –जिसमें पुछल्ला लगा हो, दुमछल्लेवाला, जिसमे लम्वी नोक निकली हो।

दुंबाल (دنبال) फा पु –दुम, पूंछ, पशुओ की पूंछ, पशु-पुच्छ।

दुअम्ली (دوعملی) फा अ स्त्री –दो प्रकार का राज्य, कही कोई कानून, कही कोई कानून, दो शासको का राज, एक का कुछ हुक्म, दूसरे का कुछ और।

दुअस्पः (دواسپه) फा पु –शीघ्र गति, तेज़ रफ्तारी।

दुआ (دعا) अ स्त्री –ईश्वर से किसी चीज़ की प्रार्थना, धार्मिक मत्र, वज़ीफा वग़ैरह, स्तुति, कीर्तन।

दुआएखैर (دعاےخیر) अ स्त्री –वह दुआ जो किसी की भलाई के लिए की जाय।

दुआएदौलत (دعاےدولت) अ स्त्री –किसी की उन्नति और समृद्धि के लिए ईश्वर से प्रार्थना।

दुआज़्द: (دوازده) फा वि –बारह, द्वादश।

दुआज़्दहुम (دوازدهم) फा वि –बारहवाँ, द्वादश।

दुआतश (دوآتشه) फा पु –दो बार खीचा हुआ अरक, तेज़ अरक।

दुआब (دوآبه) फा पु –दो नदियो के बीच का क्षेत्र, गगा और जमुना के बीच का देश।

दुआलम (دوعالم) फा अ पु –उभय लोक, दुनिया और उक्बा, लोक-परलोक।

दुआश्यानः (دوآشیانه) फा पु –एक प्रकार का तबू जिसमें दो कमरे होते हैं।

दुकाँ (دکاں) फा स्त्री –'दुकान' का लघु, दे 'दुकान'।

दुकान (دکان) फा स्त्री –सौदा बेचने की जगह, पण्यशाला।

दुकानच: (دکانچه) फा पु –छोटी दुकान।

दुकानदार (دکاندار) फा पु –दुकान मे सौदा बेचनेवाला, पेशावर, किसी विषय में दुकानदारो-जैसा मोल-भाव करनेवाला।

दुकानदारी (دکانداری) फा स्त्री –दुकान मे सौदा बेचने का काम, किसी विषय में मोल-भाव करना।

दुकौन (دوکون) फा अ पु –दोनो लोक।

दुख़ान (دخان) अ पु –धुआँ, धूम, भाप, वाष्प।

दुख़ानी (دخانی) अ वि –आग और भाप के ज़ोर से चलनेवाला, जैसे—'दुख़ानी जहाज़'।

दुख़ूल (دخول) अ पु –प्रवेश, घुसना, अदर जाना।

दुख़्त (دخت) फा स्त्री –'दुख़्तर' का लघु, दे 'दुख़्तर'।

दुख़्तर (دختر) फा स्त्री –पुत्री, लडकी, कन्या।

दुख़्तरे ख़ान: (دخترخانه) फा स्त्री –कुमारी, बिना ब्याही लडकी।

दुख़्तरे रज़ (دختررز) फा स्त्री –अगूर की बेटी, अर्थात् अगूर की मदिरा।

दुख़्ते रज़ (دخت رز) फा स्त्री –दे 'दुख़्तरे रज़'।

दुख़्ते हव्वा (دخت حوا) फा अ स्त्री –हव्वा (हज़रत आदम की पत्नी) की लडकी, अर्थात् स्त्री जाति।

दुगान (دوگانه) फा पु –वह फल जिसमे दो फल जुडे हो, जैसे, दुगान आम, ऐसा फल जब किसी को धोखे से दे दिया जाता है तो वह उसके बदले दो सौ फल देता है, शुक्राने की नमाज़ की दो रक्अते।

दुगून (دوگونه) फा वि –दो प्रकार का, दो तरह का, दूना, दोचद।

दुचद (دوچند) फा वि –दूना, दुगुना, द्विगुण।

दुचदाँ (دوچنداں) फा वि –दे 'दुचद'।

दुचार (دوچار) फा वि –आमना-सामना, मुलाकात, साक्षात्।

दुचोब (دوچوبه) फा पु –दो बाँसोवाला खेमा।

दुज़वाँ (دوزباں) फा वि –जिसके दो ज़बाने हो, अर्थात् कभी कुछ कहे, कभी कुछ या किसी से कुछ कहे और किसी से कुछ, मुनाफिक दुमुँहाँ।

दुजहाँ (دوجہاں) फा पु –उभयलोक, दुनिया और आख़िरत, ससार और परलोक।

दुजा (دجی) अ पु –रात की अँधियारी।

दुज़ानू (دوزانو) फा वि –घुटनो के बल बैठने की मुद्रा।

दुज़्द (دزد) फा पु –चोर, तस्कर।

दुज़्दिदः (دزدنده) फा वि –चोरी करनेवाला, चुरानेवाला।

दुज़्दी (دزدی) फा स्त्री –चोरी, चौर्य, चोरी का पेशा, चौर्य-कर्म।

दुज़्दीद (دزدیده) फा वि –चुराया हुआ, चुराई हुई चीज़।

दुज़्दीद नज़री (دزدیدهنظری) फा अ स्त्री –दे 'दुज़्दीद-निगाही'।

दुज़्दीद.निगाही (دزدیدهنگاهی) फा स्त्री –कनखियो से देखना।

दुज़्देशाहीं (دزدشاہیں) फा पु –नज़र के सामने से चीज़ उडा ले जानेवाला, शातिर चोर, पश्यतोहर।

दुज़्देहिना (دزدحنا) फा पु –मेहदी लगाते समय हाथ मे एक छल्ला रख लेते हैं, जिससे हथेली पर एक गोल निशान बन जाता है, उसी को 'दुज़्दे हिना' कहते हैं।

दुतर्फ़ (دوطرفه) फा वि –दोनो तरफ, इधर भी, उधर भी।

दुता (دوتا) फा वि –दुहरा, झुका हुआ, ख़मीद, जैसे 'पुश्तेदुता' झुकी हुई कमर।

दुतार (دوتاره) फा पु –एक बाजा जिसमें दो तार होते हैं।

दुदम (دودم) फा वि –दोहरी धारवाली तलवार।

दुदस्त (دودسته) फा वि –दोनो तरफ, दुतर्फ़ा।

दुदस्ती (دودستی) फा स्त्री –दोनो हाथो से तलवार चलाना, कुश्ती का एक दाँव।

दुदिलः (دودله) फा वि –चिन्तित, फिक्रमद, वहमी, भ्रमी; दुमुहाँ, मुनाफिक।

दुनीम (دونیم) फा वि –आधा-आधा, दो टुकडे।

दुन्यवी (دنیوی) अ वि –ससार सम्वन्धी, सासारिक, दुनियावाला, दुनिया का।

दुन्या (دنیا) अ स्त्री –मर्त्यलोक, मृत्युलोक, जगत्, ससार, आलम, ससार-निवासी, दुनिया के लोग।

दुन्याएदनी (دنیائےدنی) अ स्त्री –अधम और निकृष्ट ससार, पापमय संसार, माया और मोह-जैसी नीच प्रवृत्तियोवाला ससार।

दुन्याएदूँ (دنیائےدوں) अ फा स्त्री –दे 'दुन्याएदनी'।

दुन्याएफानी (دنیائےفانی) फा स्त्री –नश्वर और विनाश कारी ससार।

दुन्यादार (دنیادار) अ फा वि –ससार के मोह मे लिप्त, घर गृहस्थीवाला, अवसरवादी, इब्नुल वक्त।

दुन्यापरस्त (دنیاپرست) फा वि –दे 'दुन्यादार'।

दुन्या व माफीहा (دنیاومافیہا) अ स्त्री –समार और ससार के भीतर की सव वस्तुएँ।

दुन्यावी (دنیاوی) अ वि –दे 'दुनयवी', वहुत से विद्वान् 'दुनयावी' को अशुद्ध कहते हैं।

दुन्यासाज़ (دنیاساز) अ फा वि –मुँह पर झूठी और खुशामद की वाते करनेवाला, ज़ाहिरदार, चाटुकार।

दुन्यासाज़ी (دنیاسازی) अ फा स्त्री –ज़ाहिरदारी, वनावट की वाते।

दुपल्का (دوپلکا) फा पु –एक पत्थर जिससे अँगूठी वनती है (उ) एक प्रकार का नगीना, एक प्रकार का पतग, एक प्रकार का कवूतर।

दुपाय. (دوپایه) फा वि –दो टाँगोवाला।

दुपारः (دوپاره) फा वि –दो टूक, दो टुकडे, फटा हुआ, टुकडे-टुकडे।

दुपियाज़ः (دوپیازه) फा पु –एक प्रकार का गोश्त जिसमे केवल पियाज पडती है।

दुपैकर (دوپیکر) फा वि –मिथुन राशि, जौज़ा, दुधारी तलवार।

दुफ (دف) अ पु –डफ, दाइरा, वडी डफली।

दुफनवाज़ (دف نواز) अ फा पु –डफ वजानेवाला।

दुफस्ली (دوفصلی) फा अ वि –वह पेड जो साल में दो वार फले, वह ज़मीन जो साल मे दो वार वोयी जाय, दुटप्पी, गोल-मोल (वात)।

दुवारः (دوباره) फा वि –फिर, पुन, नये सिरे से, फिर से, दूसरी वार, दूसरी मरतवा।

दुवाला (دوبالا) फा वि –दुगुना, दूना, दुचद।

दुवुर (دبر) अ स्त्री –पीछा, पुश्त, उपस्थ, मलद्वार, गुदा।

दुव्वे अक्वर (دب اکبر) अ पु –उत्तरी ध्रुव के पास तारो से वनी हुई रीछ की दो आकृतियो मे से वडी आकृति, सप्तर्षिमण्डल।

दुव्वे अस्गर (دب اصغر) अ पु –उत्तरी ध्रुव के निकट कुछ तारो से मिलकर वनी हुई रीछ की दो आकृतियो मे से छोटी आकृति, लघु सप्तर्षिमण्डल।

दुब्र (دبر) अ स्त्री –दे 'दुवुर'।

दुमंज़िलः (دومنزله) फा अ पु –वह मकान जिसमें दो मालाएँ हो, दो मालावाला घर।

दुमाहः (دوماهه) फा पु –दो महीने की तनख्वाह।

दुम्मल (دمل) अ पु –फोडा, व्रण।

दुरंगी (دورنگی) फा वि –कभी कुछ होना कभी कुछ, कभी कुछ कहना और कभी कुछ।

दुर (در) फा पु –मुक्ता, मोती, रत्न, जौहर, कान का आवेज।

दुरअफ़्शाँ (درافشاں) फा वि –दे 'दुरफशाँ'।

दुरकाबः (دورکابه) फा पु –वहुत ऊँचा घोडा, जिस पर दो रकावो द्वारा चढा जा सके।

दुरख़्श (درخش) फा स्त्री –विद्युत्, चपला, चचला, विजली, प्रकाश, ज्योति, रौशनी।

दुरख़्शाँ (درخشاں) फ़ा वि –प्रकाशमान, ज्योतिर्मय, पुरनूर।

दुरगा (دورگا) फा वि –दोगला, वर्ण-सकर।

दुरदानः (دردانه) अ फा पु –मोती का दाना, एक मोती।

दुरफ़्श (درفش) फा पु –वह तिकोना कपडा जो झडे के सिरे पर लगाते हैं और जो हवा मे उडता रहता है।

दुरफ्शाँ (درفشاں) फा वि –हिलता हुआ, लहराता हुआ।

दुरफ्शाँ (درافشاں) फा वि –मोती लुटानेवाला, दानी, सखी, मधुरभाषी, खुशगो।

दुरफ़्शानी (درافشانی) फा स्त्री –मोती लुटाना, दान-शीलता, सखावत।

दुरफ्शे कावियानी (درفش کاویانی) फा पु –ईरान के 'काव' नामी लुहार का झंडा, जिसमे उसने अपनी धौकनी वाँधी थी और जिसके द्वारा उसने जनता को एकत्र करके फियानी राज्य को नष्ट किया था।

दुरवार (دربار) फा वि –मोतियो की वर्षा करनेवाला, वदान्य, सखी, मधुरभाषी, खुशवयाँ।

दुररेज (دررېز) फा वि –दे 'दुरबार'।
दुराहः (دوراهه) फा पु –वह स्थान जहाँ दो रास्ते मिले हो।
दुरुखः (دورخه) फा पु –दोनो तरफ, दुतर्फा, दुमुँहाँ, मुनाफिक।
दुरख्श (درخش) फा स्त्री –दे 'दुरख्श', दोनो शुद्ध है।
दुरख्शाँ (درخشاں) फा वि –दे 'दुरख्शाँ', दोनो शुद्ध है।
दुरख्शिदः (درخشنده) फा वि –चमकनेवाला, ज्योतिर्मय।
दुरख्शिदगी (درخشندگی) फा स्त्री –आभा, चमक, ज्योति।
दुरुफश (درفش) फा पु –दे 'दुरफ्श', दोनो शुद्ध है।
दुरुफशाँ (درفشاں) फा वि –दे 'दुरफ्शाँ', दोनो शुद्ध है।
दुरुश्त (درشت) फा वि –खुरदरा, खुर्रा, कठोर, सख्त।
दुरुश्तखू (درشت خو) फा वि –खुर्रेमिजाजवाला, रूखा, फीका।
दुरुश्त मिजाज (درشت مزاج) फा अ वि –दे 'दुरुश्त खू'।
दुरुश्ती (درشتی) फा स्त्री –खुर्रापन, कठोरता।
दुरुस्त (درست) फा वि –ठीक, शुद्ध, सही, सत्य, सच, उचित, मौजूँ, सावित, सपूर्ण, अखडित, जो टूटा न हो, स्वस्थ, तन्दुरुस्त।
दुरुस्ती (درستی) फा स्त्री –शुद्धि, सशोधन, इस्लाह, गोशमाली।
दुरूद (درود) फा स्त्री –लकडी काटने, छीलने और वनाने का काम, खेती की कटाई।
दुरूद (درود) अ उभ –दुआ और सलाम विशेषत रसूल पर।
दुरूदगर (درودگر) फा पु –वढई, काष्ठकार, तक्षक।
दुरूदोसलाम (درودوسلام) अ पु –मुसलमानो की ओर से उनके पैगवर पर दुरुद और सलाम।
दुरूयः (درویه) फा वि –दुतर्फा, दोनो तरफ।
दुरूर (درور) अ पु –पसीना या दूध निकलना।
दुरे खुश आब (درخوش آب) फा पु –अच्छी चमक-दमक का मोती।
दुरेनायाव (درنایاب) फा पु –ऐसा मोती जैसा दूसरा मिल न सके, सुपुत्र।
दुरेनासुफ्त (درناسفته) फा वि –अनविधा मोती, वह मोती जिसमे छेद न किया गया हो, कुमारी स्त्री, अक्षता।
दुरेयकता (دریکتا) फा पु –वह मोती जो सीप मे एक ही होता है और इस कारण वहुत वडा होता है।
दुरेयकदानः (دریکدانه) फा पु –दे 'दुरेयकता'।
दुरेशहवार (درشهوار) वादशाहो के योग्य मोती, वहुत वडा और वहुमूल्य मोती।
दुरोग़ (دروغ) फा पु –मिथ्या, असत्य, झूठ, अपराध, लाछन, तुहमत, दे 'दरोग', दोनो शुद्ध है।
दुरोग़गो (دروغ گو) फा वि –झूठ वोलनेवाला, मिथ्यावादी, असत्यभाषी।
दुरोग़जन (دروغ زن) फा वि –दे 'दुरोगगो'।
दुरोग़वयाँ (دروغ بیاں) फा अ वि –दे 'दुरोगगो'।
दुरोग़वयानी (دروغ بیانی) फा अ स्त्री –झूठ वोलना।
दुरोग़वाफ (دروغ باف) फा वि –झूठ गढनेवाला, अपने मन से झूठी वाते उत्पन्न करनेवाला।
दुरोग़ेमस्लहत आमेज (دروغ مصلحت آمیز) फा अ पु –ऐसा झूठ जो किसी के हित के लिए या झगडा खत्म कराने के लिए वोला जाय।
दुरोज (دوروزه) फा वि –दो दिन का, थोडे दिन का, अस्थायी, आरिज़ी।
दुर्ज (درج) अ स्त्री –मजूषा, पिटारी।
दुर्द (درد) फा स्त्री –तरल पदार्थ के नीचे जमी हुई कीट, गाद, शराव की तलछट।
दुर्दआशाम (دردآشام) फा वि –दे 'दुर्दकश'।
दुर्दकश (دردکش) फा वि –तलछट पीनेवाला, वर्ना शरावी।
दुर्दी (دردی) अ स्त्री –तलछट, नीचे वची हुई शराव।
दुर्दीकश (دردی کش) अ फा वि –दे 'दुर्दकश'।
दुर्दे तहे जाम (درد ته جام) फा स्त्री –पियाले मे नीचे वची हुई तलछट।
दुर्र (دره) अ पु –वडा मोती।
दुर्रतुत्ताज (درة التاج) अ पु –वादशाहो के ताज मे जडे जाने के योग्य मोती।
दुर्राज (دراج) अ पु –तीतर पक्षी।
दुर्रेनजफ (درنجف) अ पु –एक पत्थर जिसमे वाल से दिखायी पडते है, जिनको एक सम्प्रदाय हज़रत अली के वाल वताता है और इसलिए इस पत्थर को पवित्र मानता है।
दुर्रेमकनून (درمکنون) अ पु –वह मोती जिसे छिपाकर रखा जाय, वहुत ही वहुमूल्य मोती।
दुर्रेयतीम (دریتیم) अ पु –वह वडा और आवदार मोती जो सीप मे अकेला पैदा हुआ हो।
दुर्रेशहवार (درشهوار) अ पु –वादशाहो के लायक मोती, वडा और मूल्यवान् मोती।
दुलदुल (دلدل) अ पु –एक मादा खच्चर जो इस्कदरीया के शासक ने हज़रत मुहम्मद साहव को भेंट किया था और आपने उसे हज़रत अली को दे दिया था, घोडे के आकार का एक ताज़िया, वह घोडा जिस पर सामान मातम लादकर अज़ाखाने मे ले जाते है।
दुलदुल सवार (دلدل سوار) अ फा पु –हज़रत अली की उपाधि।

दुलमः (دلمه) फा पु –एक प्रकार का सालन जो बैगन और गाजर मे कीमा और पनीर डालकर पकाते है।

दुवल (دول) अ स्त्री –'दौलत' का वहु, वहुत से राष्ट्र।

दुवार (دوار) अ पु –सर चकराना, सर का चक्कर।

दुवाल (دوال) फा स्त्री –चमडे का तसमा, पेटी, वह तसमा जिससे नक्कारा वजाते है।

दुवालबंद (دوال بند) फा पु –पेटी वाँधनेवाला, सिपाही।

दुवालबाज़ (دوال باز) फा वि –छली, वचक, ठग, दगावाज।

दुवुम (دوم) फा वि –द्वितीय, दूसरा।

दुवुमी (دومیں) फा वि –दूसरा, द्वितीय।

दुशंवः (دوشنبه) फा पु –सोमवार, पीर।

दुशाखः (دوشاخه) फा पु –दो शाखोवाली लकडी, दो शाखोवाला पेड, दो शम्एँ जलाने का शम्अदान, भग छानने की लकडी।

दुशालः (دوشاله) फा पु –जिसमे दो शाल एक साथ जुडे हो, ऊन की कामदार दोहरी चादर।

दुश्त (دشت) फा वि –निकृष्ट, दुष्ट, ख़राव़।

दुश्नाम (دشنام) फा स्त्री –अपशब्द, गाली।

दुश्नामतराज़ी (دشنام ترازی) फा स्त्री –गालियाँ देना, गाली वकना।

दुश्नामतराशी (دشنام تراشی) फा स्त्री –गालियाँ गढना, नयी-नयी गालियाँ गढना।

दुश्नामदेही (دشنام دہی) फा स्त्री –गालियाँ देना।

दुश्मन (دشمن) फा पु –शत्रु, रिपु, वैरी, अदू, प्रतिद्वद्वी, रकीव।

दुश्मनकाम (دشمن کام) फा वि –वह व्यक्ति जो अपने शत्रुओ की इच्छा के मुताबिक आपत्तियो मे फँसा हो।

दुश्मनी (دشمنی) फा स्त्री –शत्रुता, वैर, अदावत, प्रतिद्वद्विता, रकावत।

दुश्मने जाँ (دشمن جاں) फा पु –जानी दुश्मन, जान का घातक।

दुश्वार (دشوار) फा वि –कठिन, दुरूह, मुश्किल।

दुश्वारगुज़ार (دشوارگزار) फा वि –जहाँ से गुज़रना कठिन हो।

दुश्वारी (دشواری) फा स्त्री –कठिनता, मुश्किल, तगीतुर्शी, दरिद्रता, आपत्ति, मुसीवत।

दुसर (دوسر) फा वि –दो सरवाला।

दुसरा (دوسرا) फा पु.–दोनो जहान, उभयलोक।

दुसरी (دوسری) फा स्त्री –निफाक, मुनाफकत, दिल मे कुछ होना और मुँह पर कुछ।

दुसाल. (دوساله) फा वि –दो वर्ष का, दो वर्ष की आयु का, दो वरस का पुराना।

दुसुख़नः (دوسخنه) फा पु –अमीर ख़ुस्रो की पहेलियो की एक किस्म, जिसमे कई सवालो का एक जवाव होता है।

दुसूमत (دسومت) अ स्त्री –चिकनाई, चाहे घी की हो, चाहे तेल की और चाहे चर्वी आदि की।

दुहर्फ़ी (دوحرفی) फा अ वि –दो हर्फ़ोवाला, दो अक्षरोवाला, वहुत छोटा, वहुत ही सक्षिप्त।

दुहुल (دهل) फा पु –ढोल, धौसा, नक्कारा।

दुहुलज़न (دهل زن) फा वि –नक्कारा वजानेवाला।

दुहुल दरीदः (دهل دریده) फा वि –निंदित, गर्हित, वदनाम, रुसवा, चुप, मौन।

दुहूर (دهور) अ. पु –'दह्‌र' का वहु, ज़माने।

दुह्न (دهن) अ पु –तेल, तैल, रोगन, घी, घृत, वसा, मेदा, चर्वी।

दुह्नियत (دهنیت) चिकनाई चाहे तेल की हो, चाहे घी और चाहे चर्वी आदि की।

दुह्मत (دهمت) अ स्त्री –कालिमा, सियाही, कालौंच।

दू

दूँ (دوں) फा वि –अधम, नीच, पामर, सिफला, कमीना, गुडा।

दूँनवाज़ (دوں نواز) फा वि –कमीनो को मुँह लगानेवाला, नीच आदमियो की पीठ ठोकनेवाला।

दूँपरस्त (دوں پرست) फा वि –गुडो की रक्षा करनेवाला, कमीनो को वढावा देनेवाला।

दूँपर्वर (دوں پرور) फा वि –दे 'दूँपरस्त'।

दूँहिम्मत (دوں همت) फा वि –पस्त हिम्मत, हतोत्साह, हतसाहस।

दूँहिम्मती (دوں همتی) फा स्त्री –पस्त हिम्मती।

दूक (دوک) फा पु –चरखे का तकला।

दूकदान (دوکدان) फा पु –चर्खा, सूत कातने का यत्र।

दूदः (دوده) अ पु –कीट, कीडा।

दूद् (دود) अ पु –कीट, कीडा।

दूद (دود) फा पु –धुआँ, धूम, दुख़ान।

दूदआहंग (دودآهنگ) फा पु –दे "दूदकश"।

दूदकश (دودکش) फा पु –धुआँ निकलने का सूराख़, धुआँ निकालने की चिमनी।

दूदमान (دودمان) फा पु –वश, कुल, ख़ानदान।

दूदी (دودی) फा वि –भाप या स्टीम से चलनेवाला।

दूवी (دوبی) अ वि –नाडी का एक प्रकार जिसमे वह वहुत कमज़ोर हो जाती है और मरने के करीव चलती है।

दूदुलहरीर (دودالحریر) अ पु –रेशम का कीडा।

दूदे आह (دودآہ) फा पु –आह का धुआँ, आह की आग का धुआँ।

दूदे जिगर (دودجگر) फा पु –जिगर की आग का धुआँ, आह।

दून (دون) फा वि –दे 'दूँ'।

दूनाँ (دوناں) फा पु –'दून' का वहु, अधम लोग, पामर लोग, कमीने, गुडे।

दूवदू (دوبدو) फा अव्य –आमने-सामने, मुहाँमुँह।

दूर (دور) फा वि –अन्तर पर, फासिले पर, पृथक्, अलग, जुदा, हट! अलग!, असम्भव, नामुम्किन।

दूरअदेश (دوراندیش) फा वि –दूरदर्शी, आगमसोची, परिणामदर्शी।

दूरअदेशी (دوراندیشی) फा स्त्री –दूरदर्शिता, परिणाम-दर्शिता।

दूरअज़हाल (دورازحال) फा अ अव्य –अव से दूर, अच्छी दशा में आने के वाद जव वुरी दशा का वर्णन करते हैं तो यह फिक्रा कहते हैं।

दूरतर (دورتر) फा वि –वहुत दूर, काफी दूर।

दूरतरक (دورتری) फा वि –वहुत ही दूर, वहुत अधिक दूर, दूरतम।

दूरदस्त (دوردست) फा वि –काले कोसो, वहुत दूर।

दूरवाश (دورباش) फा अव्य –अलग रहो, दूर हटो, एक दुशाख नेज़ जो वादशाह की सवारी के आगे चलता था और जिसे देखकर लोग रास्ते से हट जाते थे, वह दुशाख नेज़ जिससे दुश्मन के हरवे को काट देते थे, आह, विश्वास।

दूरवीं (دوربیں) फा वि –दूरदर्शी, दूर तक सोचनेवाला।

दूरवीन (دوربین) फा स्त्री –एक यत्र जिससे दूर की चीज़े देखी जाती हैं, दूरदर्शक यत्र।

दूरवीनी (دوربینی) फा स्त्री –दूर तक देखना, दूर तक सोचना।

दूरोदराज़ (دورودراز) फा पु –वहुत दूर, काले कोसो।

दूलाब (دولاب) फा पु –दे 'दौलाव' और 'दोलाव', तीनो उच्चारण शुद्ध हैं।

दे

देग (دیگ) फा स्त्री –छोटे मुँह और वडे पेट का एक ताँबे का वर्तन जिसमे चावल आदि पकाये जाते हैं।

देगच (دیگچہ) फा पु –देग से छोटा, देग-जैसा ही वरतन, छोटी देग।

देगदान (دیگدان) फा पु –चूल्हा, आतशदान।

देगशो (دیگ‌شو) फा पु –देग माँजनेवाला, वावरची का मुलाज़िम।

देज़ (دیز) फा पु –रग, वर्ण, जैसे—'शवदेज़' काले रग का।

देवा (دیبا) फा स्त्री –दे 'दीवा', शुद्ध 'देवा' ही है, परतु उर्दूवाले 'दीवा' वोलते हैं।

देर (دیر) फा स्त्री –विलव, ढील, ताखीर।

देरआश्ना (دیرآشنا) फा वि –दे 'देराश्ना'।

देरगाह (دیرگاہ) फा स्त्री –देर तक, वहुत दिनो तक।

देरपा (دیرپا) फा वि –टिकाऊ, मज़वूत।

देरवाज़ (دیرباز) फा पु –'देरयाज़' 'देरवाज़' गलत है।

देरसाँ (دیرساں) फा वि –स्थायी, दृढ, मज़वूत, (स्त्री) दृढता, मजवूती, स्थायित्व।

देरयाज़ (دیریاز) फा पु –प्राचीन काल, पुराना जमाना, पुरातत्त्व, पुरानापन।

देराश्ना (دیرآشنا) फा वि –वह व्यक्ति जो वहुत देर मे दोस्त वने, जो जल्दी घुलना-मिलना न जानता हो, जो हर काम देर मे करने का आदी हो।

देरीं (دیریں) फा वि –पुरातन, पुराना, देरीन।

देरीन. (دیرینہ) फा वि –पुराना, प्राचीन, देरी।

देरीन साल (دیرینہ سال) फा वि –वहुत वूढा, वयो-वृद्ध।

देव (دیو) फा पु –राक्षस, एक नरभक्षी प्राणी वर्ग, वहुत लवा चौडा आदमी, ख़वीस, पलीत, पिशाच, भूतप्रेत, वदरूह, परियो के पति।

देवच (دیوچہ) फा पु –दीमक, जोक।

देवज़द (دیوزدہ) फा वि –जिस पर भूतो का खलल हो, प्रेतवाधाग्रस्त।

देवज़ाद (دیوزاد) फा पु –ग्राडील और तेज घोडा, वहुत भारी-भरकम और भयानक आदमी।

देवदार (دیودار) फा पु –चीड का पेड।

देवदिली (دیودلی) फा स्त्री –वहादुरी, शुजाअत।

देववाद (دیوباد) फा पु –चक्रवात, वगूला, ववडर, वात्यायन, वातचक्र।

देवमर्दुम (دیومردم) फा पु –वनमानुस, ख़वीस और अत्याचारी व्यक्ति।

देवमार (دیومار) फा पु –अजगर, अज़्दहा।

देवलाख (دیولاخ) फा पु –राक्षसो के रहने का स्थान।

देवसार (دیوسار) फा वि –देव-जैसा, राक्षस की मानिद।

देवसीरत (دیوسیرت) फा अ वि –जिनका स्वभाव राक्षसो-जैसा हो, असुरप्रकृति।

देवसूरत (دیوصورت) फा अ वि –जिसकी शक्ल राक्षसो जैसी भयानक हो।
देह (ده) फा पु –ग्राम, गाँव।
देहकान (دهقان) फा पु –गाँववाला, किसान, देहाती।
देहकानियत (دهقانیت) फा स्त्री –गँवारपन, उजड्डपन।
देहकानी (دهقانی) फा पु –गाँव का निवासी, गँवार, उजड्ड।
देहिश (دهش) फा स्त्री –दानशीलता, सखावत।

दै

दै (دے) फा पु –एक ईरानी महीना जो हिंदी का माघ होता है, पतझड का महीना।
दैजूर (دیجور) फा स्त्री –अँधेरी रात, अमावस्या।
दैन (دین) अ पु –ऋण, कर्ज़।
दैने मेह्र (دین مہر) अ पु –स्त्री के मेह्र का ऋण।
दैयान (دیان) अ पु –पाप-फल देनेवाला, अच्छी-बुरी कृतियो का हिसाब करनेवाला, ईश्वर।
दैयूस (دیوث) अ पु –वह व्यक्ति जो अपनी स्त्री की कमाई खाये, उसे दूसरो के पास जाने दे।
दैयसी (دیوثی) अ स्त्री –अपनी स्त्री की कमाई खाना, अपनी स्त्री से पेशा कराना।
दैर (دیر) फा पु –इबादतखाने का गुबद, ईसाइयो का गिरजा, बुतखाना, मूर्तिगृह।
दैरेखराबात (دیر خرابات) फा पु –मधुशाला, मदिरालय, शराबखाना।
दैरे मुकाफात (دیر مکافات) फा अ पु –ससार, दुनिया।
दैरे मुग़ाँ (دیر مغاں) फा पु –मधुशाला, शराबखाना।
दैहीम (دیہیم) फा पु –राजमुकुट, ताज।

दो

दो (دو) फा वि –एक और एक, द्वय।
दोख़्त (دوختہ) फा वि –सिला हुआ।
दोख़्त लब (دوختہ لب) फा वि –जिसके होठ सिले हो, अर्थात् बिलकुल चुप, अवाक्, मौन।
दोख़्त (دوخت) फा स्त्री –सिलाई, सीवन।
दोग (دوغ) फा पु –छाछ, मट्ठा, रायता।
दोगल. (دوغلہ) फा पु –जारज, वर्णसकर, क्षेत्रज, बदनस्ल।
दोज़ (دوز) फा प्रत्य –सीनवाला, जैसे—'ख़ैम दोज़' रावटियाँ सीनेवाला।
दोज़ख़ (دوزخ) फा पु –नरक, जहन्नम।
दोज़ख़ी (دوزخی) फा वि –जो नरक मे जल रहा हो, नारकी, जो नरक मे पडने के काम करता हो।
दोज़िंद· (دوزندہ) फा वि –सीनेवाला।
दोपियाज़ः (دوپیازہ) फा पु –दे 'दुपियाज़'।
दोल (دول) फा पु –कुएँ से पानी निकालने का वर्तन, डोल।
दोलाब (دولاب) फा पु –दे 'दौलाब' दोनो उच्चारण शुद्ध है दे 'दूलाब'।
दोशः (دوشہ) फा पु –दूध दुहने का वर्तन, दूध देनेवाला पशु।
दोश (دوش) फा पु –कधा, स्कध, मोढा, गत रात्रि, गुज़री हुई रात।
दोशाब (دوشاب) फा पु –अगूर का शीरा जिस पर दो-एक दिन गुज़र जायँ और उसमे नशा पैदा हो जाय, अगूर या छुहारे का शीरा।
दोशीज. (دوشیزہ) फा स्त्री –जवान और अल्हड लडकी, कुमारी, अकुरितयौवना।
दोशीज़गी (دوشیزگی) फा स्त्री –अल्हडपन, कुमारपन।
दोशीद· (دوشیدہ) फा वि –दुहा हुआ दूध।
दोशीनः (دوشینہ) फा वि –गत रात्रि का, कल रात का।
दोस्त (دوست) फा पु –मित्र, सखा, यार, प्रेमपात्र, माशूक।
दोस्तकाम (دوستکام) फा वि –'दुश्मनकाम' का उलटा, वह व्यक्ति जिसे अपने मित्रो के इच्छानुसार सब सुख प्राप्त हो।
दोस्तदार (دوستدار) फा वि –सच्चा दोस्त, शुभचिंतक, ख़ैरख़्वाह, मुख़्लिस।
दोस्त नाशनास (دوست ناشناس) फा वि –दोस्त की कद्र न पहचाननेवाला।
दोस्तानः (دوستانہ) फा पु –मैत्री, मित्रता, दोस्ती।
दोस्ती (دوستی) फा स्त्री –मित्रता, मैत्री, दोस्ताना।

दौ

दौ (دو) फा स्त्री –दौड, भाग, अकेला नही बोला जाता, विशेषत 'तग' के साथ, 'तगोदौ' बोलते है।
दौरः (دورہ) अ पु –चक्र, चक्कर, गर्दिश, बारी, नौबत, अफसरो का गश्त।
दौर (دور) अ पु –चक्कर, गर्दिश, गिर्दागिर्द, चारो ओर, बारी, नौबत, परिवर्तन, उलट-फेर, युग, अह्द, शराब या चाय आदि का एक चक्कर जो सारे बैठनेवालो के लिए हो, मुशाअरे या मज्लिस में पढने का चक्कर जो एक-एक बार सबके पढ लेने पर खत्म हो।
दौरान (دوران) अ पु –चक्कर, दौर, बीच, अस्ना।
दौराने ख़ूँ (دوران خوں) अ फा पु –ख़ून का शरीर मे दौरा, रक्तसचार।

दौराने सर (دوران سر) अ फा पु —सर के चक्कर।
दौरी (دوری) अ वि —जो बारी से पडता हो।
दौरे अव्वल (دور اول) अ पु —प्रारभिक काल, शुरू का जमाना।
दौरे आख़िर (دور آخر) अ पु —अतिम काल, आख़िरी ज़माना।
दौलत (دولت) अ स्त्री —धन, सम्पत्ति, रुपया-पैसा, राज्य, सत्ता, हुकूमत, भाग्य, नसीबा।
दौलतकद (دولت‌کده) अ फा पु —दे 'दौलतख़ान'।
दौलतख़ानः (دولت‌خانه) अ फा पु —वडे आदमियो के घर के लिए वोलते है।
दौलतमद (دولتمند) अ फा वि —धनवान्, समृद्ध, धन-सम्पन्न, मालदार।
दौलतसरा (دولت‌سرا) अ फा स्त्री —दे दौलतख़ाना।
दौलते ख़ुदादाद (دولت خداداد) अ फा स्त्री —ईश्वर का दिया हुआ धन, वहुत अधिक धन।
दौलते ख़्वावीद (دولت خوابیده) अ फा स्त्री —सोता हुआ इक्वाल, वदनसीवी, दुर्भाग्य।
दौलते दारैन (دولت دارین) अ स्त्री —दुनिया और दीन, दोनो दौलतें।
दौलते वेदार (دولت بیدار) अ फा स्त्री —जागता हुआ इक्वाल, खुश नसीवी, सौभाग्य।
दौलते हुस्न (دولت حسن) अ स्त्री —रूप की दौलत (सपत्ति)।
दौलाव (دولاب) अ पु —रहट, वह चर्खी जिससे कुएँ से पानी खीचते है, दे 'दोलाव' और 'दूलाव'।

न

नग (ننگ) फा पु —लज्जा, शर्म, दोष, आर।
नगे अज्दाद (ننگ اجداد) फा अ पु —जो व्यक्ति अपने दुराचरण के कारण अपने वाप-दादा के नाम को वट्टा लगाता हो, कुलघालक।
नगे अस्लाफ (ننگ اسلاف) फा अ पु —दे 'नगे अज्दाद'।
नगे इसानियत (ننگ انسانیت) फा अ पु —ऐसा कार्य जो मानवता के दृष्टिकोण से लज्जाजनक हो।
नगे ख़लाइक् (ننگ خلائق) फा अ पु —जो व्यक्ति अपने दुर्व्यवहार से सर्वसावारण के लिए लज्जा का कारण हो।
नगे ख़ानदान (ننگ خاندان) फा पु —अपने कुल के लिए निंदा का कारण, कुलागार, कुलकलङ्क।
नगोनाम (ننگ و نام) फा पु —लज्जा, ग़ैरत, मर्यादा, वकार, सतीत्व, इस्मत।
नगोनामूस (ننگ و ناموس) फा अ पु —दे 'नगोनाम'।
नअम (نعم) अ अव्य —हाँ, जी हाँ, (पु) पशु, चौपाया।
नआइम (نعائم) अ स्त्री —वीसवाँ नक्षत्र, पूर्वापाट।
नईक़ (نعیق) अ स्त्री —कौए की आवाज़, काँव-काँव।
नईम (نعیم) अ पु —स्वर्ग, विहिश्त, पुण्य, नेकी, ने'मत, दिव्योपहार।
नऊज़ु विल्लाह (نعوذ باللہ) अ अव्य —हम ईश्वर मे पनाह माँगते है।
नकवी (نقوی) अ पु —दसवे इमाम हज़रत अली नकी की सतान का व्यक्ति।
नकाइस (نقائص) अ पु —'नक्स' का वहु, ख़रावियाँ, वुराइयाँ, त्रुटियाँ।
नक़ावत (نقاوت) अ स्त्री —पवित्रता, पुनीतता, शुद्धता, निर्मलता, पाकीज़गी।
नकाहत (نقاهت) अ स्त्री —वह निर्वलता जो रोग-मुक्ति के वाद वाकी रहती है, निर्वलता, अशक्ति, नातुवानी।
नकिर (نکره) अ पु —वह सज्ञा जो एक जाति की सव चीज़ो पर वोली जाय, जातिवाचक सज्ञा (व्या), अपरिचय, अनजानपन।
नकी (نقی) अ वि —पवित्र, निर्मल, ख़ालिस, (पु) वारह इमामो मे से दसवें इमाम का नाम।
नक़ीज़ (نقیض) अ स्त्री —वैर, शत्रुता, दुश्मनी, (वि) वैरी, शत्रु, दुश्मन, विपरीत, उलटा, वरअक्स।
नकीव (نقیب) अ पु —वह व्यक्ति जो किसी राजा-महाराजा की सवारी के समय आगे आवाज़ लगाता चलता है, चोवदार, वह व्यक्ति जो दरवार के समय, वादशाह से भेट के लिए जानेवाले का नाम ज़ोर से पुकारता है।
नकीरैन (نکیرین) अ पु —वे दो फ़िरिश्ते जो मरनेवाले से क़ब्र मे सवाल-जवाव करते है, मुन्कर नकीर।
नकीह (نقیه) अ वि —निर्मल, वेमेल, शुद्ध, ख़ालिस।
नकूअ (نقوع) अ पु —वह पानी जिसमे दवाएँ या मेवा-जात भिगोये जायँ।
नक्काद (نقاد) अ पु —खोटा-खरा परखनेवाला, पारखी, साहित्यिक गुण-दोप वतानेवाला, समालोचक।
नक्क़ादान (نقادانه) अ फा अव्य —नक्काद की तरह से, गुण-दोप परखने के दृष्टिकोण से।
नक्कादी (نقادی) अ स्त्री —नक्क़ाद का काम, समालोचना।
नक्क़ारः (نقاره) अ पु —धौसा, दुदुभी, भेरी, नगाडा।
नक्क़ार'जन (نقاره‌زن) अ फा पु —नक्कार वजानेवाला।
नक्क़ार'नवाज़ (نقاره‌نواز) अ फा पु —दे 'नक्कार ज़न'।
नक़्क़ारख़ान (نقارخانه) अ फा पु —वह स्थान जहाँ नक्कारे वजते है।

नक़्क़ारची (نقارچی) अ फा पु —नौबत और नक्कारा बजानेवाला, एक कौम जो शहनाई और नौबत बजाती है।

नक़्क़ाल (نقال) अ पु —नक्ले करनेवाला, भाँड, रूप भरनेवाला, बहुरूपिया, अनुकर्ता।

नक़्क़ाली (نقالی) अ स्त्री —नक्ल का काम—भाँड़ो का काम, बहुरूपिये का काम, तक्लीद, अनुकरण।

नक़्क़ाश (نقاش) अ. पु —चित्र खीचनेवाला, चित्र मे रग भरनेवाला, चित्रकार, चितेरा, मुसव्विर।

नक़्क़ाशी (نقاشی) अ स्त्री —चित्र खीचना, तस्वीर बनाना।

नक्काशे अज़ल (نقاش ازل) अ पु —जगत्स्रष्टा, सृष्टि की रचना करनेवाला, ससार बनानेवाला।

नक़्ज़ (نقض) अ पु —तोडना, भग करना।

नक्ज़े अम्न (نقض امن) अ पु —शातिभग करना, अम्न मे ख़लल डालना, झगडा और बल्वा करना, शान्तिभग।

नक़्द (نقد) अ पु —सोने-चाँदी का सिक्का, रुपया-पैसा, उधार का उलटा, कैश, पूँजी, सरमाया।

नक़्दी (نقدی) अ स्त्री —नक्द रुपया, धन-दौलत।

नक़्दीनः (نقدینہ) अ फा पु —नक्द रुपया, नक्दी।

नक़्दे जाँ (نقد جاں) अ. फा पु —प्राणरूपी धन, प्राणधन।

नक़्दे दिल (نقد دل) अ फा. पु —हृदयरूपी धन।

नक़्दोजिंस (نقدوجنس) अ पु —नक्द रुपया और सामान-अस्बाब आदि।

नक़्दोनिस्यः (نقدونسیہ) अ पु —नक्द और उधार, नक्द का अर्थ है ससार के सुख जो इस समय उपलब्ध है, और निस्य अर्थात् उधार का मतलब है वे सुख जो परलोक मे मिलेंगे।

नक़्ब (نقب) अ स्त्री —सेंध, सिंदिल।

नक़्बज़न (نقب زن) अ फा पु —सेंध लगानेवाला, कुभिल, खानिल, सधितस्कर।

नक़्बज़नी (نقب زنی) अ फा स्त्री —सेंध करना, सेंध लगाकर चोरी करना, सधिभेद, अभिहार।

नक्बत (نکبت) अ स्त्री —दरिद्रता, निर्धनता, इफ्लास, कगाली।

नक़्ल (نقل) अ पु —स्थानातरण, एक स्थान से दूसरे स्थान को जाना, (स्त्री) प्रतिलिपि, कापी, अनुकरण, तक्लीद, आदर्श, नमूना, चुटकुला, लतीफा, भाँडो का स्वाँग, कथा, कहानी।

नक़्ल नवीस (نقل نویس) अ फा पु —वह कर्मचारी जो सरकारी कागज़ो की नक्ले देता है।

नक़्ली (نقلی) अ वि —कृत्रिम, बनावटी, मस्नूई, काल्पनिक, फर्ज़ी, मिथ्या, झूठ, कूट, जाली।

नक़्ले मकान (نقل مکان) अ पु —एक स्थान से दूसरे स्थान को जाना, जगह बदलना, स्थानातरण।

नक़्ले वतन (نقل وطن) अ पु —अपना देश छोडकर दूसरे देश मे जाकर रहना, स्वदेश-त्याग, प्रवास।

नक़्शः (نقشہ) अ पु —आकृति, शक्ल, चेहरे की साख़्त, मुखाकृति, ढग, शैली, तर्ज, सज-धज, वज़ा कता; चेष्टा, हुलया, किसी देश आदि का चित्र, मानचित्र, दशा, हालत, साँचा, कालिब, "हाथ दिल पर, आह लब पर आँख से आँसू रवाँ, अब तो यह नक़्शा है तेरे आशिके नाशाद का।"—दाग़। रेखाचित्र, ख़ाका, नमूना, आदर्श; छवि, छटा।

नक़्श-जात (نقشہ جات) अ फा पु —नक्शा का बहु, नक्शे।

नक्श नवीस (نقشہ نویس) अ. फा पु —नक्शा बनानेवाला, एक राजकर्मचारी जो गाँव या इमारतो के चित्र बनाता है।

नक़्श (نقش) अ पु —चित्र, तस्वीर, अकित, खुदा हुआ, कवच, ता'वीज़; बेल-बूटे, उभरा हुआ चिह्न।

नक़्शए हद्दोबस्त (نقشۂ حدوبست) अ फा पु —किसी गाँव की चौहद्दी और खेतो की नाप-तोल का नक्शा।

नक़्श कल हजर (نقش کالحجر) अ पु —पत्थर का चिह्न, पत्थर की लकीर, न मिटनेवाली चीज़।

नक़्शगर (نقش گر) अ फा पु —चित्रकार, नक्काश।

नक़्शतराज़ (نقش طراز) अ फा पु —दे 'नक्शगर'।

नक़्शपरदाज़ (نقش پرداز) अ फा पु —दे 'नक्शगर'।

नक़्शबद (نقش بند) अ फा पु —चित्रकार, मुसव्विर, अकित, लिखित, एक बुज़ुर्ग की उपाधि।

नक़्शबंदी (نقش بندی) अ फा स्त्री —चित्रकारी, मुसव्विरी, ख्वाजा नक्शबद का अनुयायी।

नक़्श बदीवार (نقش بدیوار) अ फा पु —दीवार पर बनाया हुआ चित्र, दीवार के चित्र का प्रकार—निस्तब्ध, मौन और निश्चल।

नक़्श बर आब (نقش برآب) अ फा पु —पानी पर बनाया हुआ चित्र, अर्थात् नश्वर और भगुर, अथवा असभव, अशक्य।

नक़्श बरदीवार (نقش بردیوار) अ फा पु —दे 'नक्श बदीवार' भित्तिलिखित चित्र।

नक़्शी (نقشی) अ फा वि —जिस पर नक्श हो।

नक़्शे अव्वल (نقش اول) अ पु —चित्रकार का बनाया हुआ सर्वप्रथम चित्र, जिसमे कुछ त्रुटियाँ अवश्य रहती है।

नक़्शे कदम (نقش قدم) अ पु —पाँव का निशान, पद-चिह्न।

नक़्शे ख़याली (نقش خیالی) अ पु —काल्पनिक चित्र, फर्ज़ी तस्वीर, हवाई किले, फर्ज़ी मसूबे।

नक्शे जमाली (نقش جمالی) अ पु—वह यत्र जिसके भरने में कोई भय नही होता।

नक्शे जलाली (نقش جلالی) अ पु—वह यत्र जिसे बनाने में प्राणो का भय होता है।

नक्शे तस्ख़ीर (نقش تسخیر) अ पु—वशीकरण यत्र, वह तावीज़ जो किसी को मुग्ध करने के लिए, अपने वश में करने के लिए लिखा जाय।

नक्शे पा (نقش پا) अ फा पु—दे 'नक्शे कदम'।

नक्शे बातिल (نقش باطل) अ पु—वह गलत या अशुद्ध चित्र अथवा लेख जिसे मिटा दिया जाता है।

नक्शे मुराद (نقش مراد) अ फा पु—वह यत्र जो मनोरथ की पूर्ति के लिए होता है।

नक्शे सानी (نقش ثانی) अ पु—वह चित्र जो चित्रकार का दूसरा प्रयास होता है और जो पहले चित्र की अपेक्षा बहुत सुदर और कलापूर्ण होता है।

नक्शे सुवैदा (نقش سویدا) अ. पु—एक काला तिल जो हृदय पर होता है।

नक्शे हुब (نقش حب) अ पु—दे 'नक्शे तस्ख़ीर'।

नक्शोनिगार (نقش و نگار) अ फा पु—बेल-बूटे, फूल-पत्ती।

नक्स (نقص) अ पु—त्रुटि, भूल, न्यूनता, कमी, दोष, ऐब, अशुद्धि, गलती, नुक्स भी प्रचलित।

नक्हत (نکہت) अ स्त्री—सुगध, ख़ुशबू, महक, निक्हत भी प्रचलित है—"है तेरे पैरहने पाक की हसरत उसको, वर्ना क्यो नक्हते गुल जामे से बाहर होती।"—अमीर।

नख़ (نخ) फा स्त्री—रेशम की डोर, कच्चा रेशम, पतग लडाने की डोर।

नख़ाअ (نخاع) अ पु—हराम मग्ज़, रीढ की हड्डी, मेरुदड।

नख़ील (نخیل) अ पु—खजूर का एक पेड, खजूर के बहुत से पेड।

नख़ुद (نخود) फा पु—चना, चणक, एक प्रसिद्ध अन्न।

नख़्ख़ास (نخاس) अ पु—वह बाज़ार जिसमे दासो की खरीद-फरोख़्त होती थी, घोडो और मवेशियो का बाज़ार।

नख़्चीर (نخچیر) फा पु—आखेट, शिकार, मारा हुआ शिकार, शिकार किया हुआ जानवर।

नख़्ल (نخل) अ पु—खजूर का पेड, कोई पेड, वृक्ष, द्रुम, विटप।

नख़्लबद (نخل بند) अ फा पु—माली, बागवान।

नख़्लबदी (نخل بندی) अ फा स्त्री—पेड लगाना, बाग को सजाना।

नख़्लिस्तान (نخلستان) अ फा पु—रेगिस्तानी इलाके मे वह हरा-भरा टुकडा जहाँ खजूरो के दरख़्त हो।

नख़्ले तावूत (نخل تابوت) अ पु—ईरान मे शव को ले जाते समय उसे सजाते थे, यह सजावट नख़्ले तावूत कहलाती थी।

नख़्ले तूर (نخل طور) अ पु—वह पेड जिस पर हज़रत मूसा को ईश्वर का प्रकाश दिखायी पडा था।

नख़्ले मर्यम (نخل مریم) अ पु—खजूर का वह सूखा पेड जिसके नीचे हजरत मर्यम प्रसव-कष्ट से दु खित होकर बैठ गयी थी और वह पेड हरा-भरा हो गया था।

नख़्ले मातम (نخل ماتم) अ फा पु—दे 'नख़्ले तावूत'।

नख़्वत (نخوت) अ स्त्री—दे शुद्ध शब्द 'निख़्वत'।

नख़्शब (نخشب) फा पु—तुर्किस्तान का एक नगर जहाँ से हकीम इब्नेअता (मुकन्ना) ने एक चाँद निकाला था जो १२ मील रोशनी फेकता था।

नख़्स (نخس) अ पु—चुभाना, कोचना।

नग (نگ) फा पु—'नगीन' का लघु, दे 'नगीन'।

नग़म (نغم) अ पु—'नग़्म' का बहु, नग्मे, गाने।

नगीं (نگیں) फा पु—दे 'नगीन', अगूँठी का वह नग जिस पर नाम आदि खुदा रहता है।

नगीन (نگینہ) फा पु—नग, रत्न, अँगूठी पर जडा जानेवाला पत्थर।

नगीन गर (نگینہ گر) फा प—दे 'नगीन साज़'।

नगीन साज़ (نگینہ ساز) फा पु—अँगूठी पर नगीना जडनेवाला।

नग़्ज़ (نغز) फा वि—उत्तम, श्रेष्ठ, उम्दा, अद्भुत, विचित्र, अजीव, प्रहेलिका, पहेली।

नग़्ज़क (نغزک) फा वि—श्रेष्ठ, उत्तम, अच्छा, सुदर' ख़ुशनुमा, (पु) आम, आम्र, एक प्रसिद्ध फल।

नग़्ज़गो (نغزگو) फा वि—अच्छी कविता करनेवाला।

नग़्म. (نغمہ) अ पु—सुरीली आवाज़, गीत, गान।

नग़्म ज़न (نغمہ زن) अ फा वि—अच्छी आवाज़ से गानेवाला।

नग़्म तराज़ (نغمہ طراز) अ फा वि—दे 'नग़्म ज़न'।

नग़्म रेज़ (نغمہ ریز) अ फा वि—दे 'नग़्म ज़न'।

नग़्म सज (نغمہ سنج) अ फा वि—दे 'नग़्म ज़न'।

नग़्म सरा (نغمہ سرا) अ फा वि—दे 'नग़्म ज़न'।

नग़्मात (نغمات) अ पु—'नग़्म' का बहु, नग्मे, गाने।

नगूद (نگوں) फा वि—अधोमुख, औंधा, अधम, नीच, कुपित, गुस्से से भरा हुआ।

नजफ (نجف) अ पु—अरब का एक प्रसिद्ध नगर जहाँ हज़रत अली का मज़ार है।

नज़र (نظر) अ स्त्री—दृष्टि, निगाह, विचार, गौर, ध्यान, खयाल, जाँच, परख, कुदृष्टि, बुरी नज़र जिससे विशेषकर बच्चों को हानि पहुँचती है।

नजरअंदाज़ (نظرانداز) अ फा वि –जिस पर ध्यान न दिया गया हो, उपेक्षित।

नजरतंग (نظرتنگ) अ फा वि –सकुचितदृष्टि, अनुदार, तगख़याल।

नजरनवाज़ (نظرنواز) अ फा वि –आँखो को आनद देनेवाली चीज, नेत्रप्रिय।

नजरफरेब (نظرفریب) अ फा वि –आँखो को लुभानेवाला, शुभदर्शन।

नजरबंद (نظربند) अ फा वि –वह व्यक्ति जो राजादेश से किसी एक स्थान पर खुले तौर पर रहे, परतु न तो कही आ-जा सके और न किसी से मिल सके।

नजरबंदी (نظربندی) अ फा स्त्री –ऐसी कैद जिसमे ज़ाहिरा आजादी हो, परन्तु आदमी कही जा न सके और न किसी से मिल सके, जादू का खेल, दृष्टिवध।

नजरवाज (نظرباز) अ फा वि –ताडनेवाला, पारखी, आँखे लडानेवाला, ताक-झाँक करनेवाला।

नजरवाज़ी (نظربازی) अ फा स्त्री –परख, जाँच, अच्छे-वुरे की तमीज़, आँख लडाना, घूरना, ताक-झाँक करना।

नजरी (نظری) अ वि –सरसरी, जो तवज्जुह के काविल न हो।

नजरीयः (نظریہ) अ पु –दृष्टिकोण, नुक्तए नजर।

नजरीयात (نظریات) अ पु –'नज़रीय' का वहु, नज़रीए, कई दृष्टिकोण।

नजरे गलत अंदाज (نظر غلط انداز) अ फा स्त्री –ऐसी दृष्टि जो हर व्यक्ति अपनी तरफ समझे, भ्रम मे डालनेवाली दृष्टि।

नजरे सानी (نظر ثانی) अ स्त्री –किसी तै शुदा विपय पर पुन विचार।

नजाइर (نظائر) अ पु –'नज़ीर' का वहु, नज़ीरे।

नज़ाकत (نزاکت) फा स्त्री –मृदुलता, सुकुमारता, कोमलता, सूक्ष्मता, वारीकी, क्षीणता, लागरी, नाज़ुकमिजाजी।

नजात (نجات) अ स्त्री –छुटकारा, वधन-मुक्ति, गुलू खलासी, भारमुक्ति, किसी वोझ से छुटकारा, मोक्ष, वख्शिश्।

नजातदिहंद (نجات دہندہ) अ फा वि –छुटकारा दिलानेवाला, मोक्ष देनेवाला।

नजाद (نژاد) फा स्त्री – कुल, वश, खानदान।

नजाफत (نظافت) अ स्त्री –पवित्रता, निर्मलता, पाकीज़गी।

नजावत (نجابت) अ स्त्री –कुलीनता, शराफत।

नजारः (نظارہ) अ पु –दे 'नज्ज़ार'।

नजार (نزار) फा वि.–क्षीण, दुर्वल, लागर, कमज़ोर।

नजारत (نضارت) अ स्त्री –हराभरापन, ताज़गी।

नजारत (نظارت) अ स्त्री –निरीक्षण, निगरानी, नाज़िर का पद, नाज़िर का दफ्तर।

नजाशी (نجاشی) अ पु –हवश (एवीसीनिया) का नरेश, जिसने मुहम्मद साहव के जमाने में मुसलमानो को अपने देश मे पनाह दी थी।

नजासत (نجاست) अ स्त्री –अपवित्रता, नापाकी, विष्ठा, गिलाज़त।

नजाह (نجاح) अ स्त्री –वधन-मुक्ति, छुटकारा, समृद्धि, खुशहाली, इच्छापूर्ति, हाजत रवाई।

नजिस (نجس) अ वि –अपवित्र, अशुद्ध, गदा, मल-दूषित, गलीज़।

नजिसुलऐन (نجس العین) अ वि –वह चीज़ जो सिर से पाँव तक नापाक हो, जिसका छूना भी वर्जित हो।

नज़ीफ (نظیف) अ वि –पवित्र, शुद्ध, पाक।

नजीव (نجیب) अ वि –कुलीन, शुद्ध रक्तवाला, जिसके खानदान मे मेल न हो।

नजीवुत्तरफैन (نجیب الطرفین) अ वि –माता और पिता दोनो ओर से कुलीन।

नज़ील (نزیل) अ पु –वह व्यक्ति जो किसी सराय या धर्मशाला मे मुसाफिर के रूप मे उतरे, अतिथि, मेहमान।

नज़ीर (نذیر) अ वि –डरानेवाला, पैगवर साहव की उपाधि।

नज़ीर (نظیر) अ स्त्री –सदृश, समान, मिस्ल, उदाहरण, दृष्टात, मिसाल, हाईकोर्ट या प्रीवी कौंसिल का फैसला, जो किसी मुकदमे मे दावे की पुष्टि के लिए पेश किया जाय।

नज़अ (نزع) अ स्त्री –प्राणो का अत, दम टूटना, चद्रा, जाकनी।

नज़ए रवाँ (نزع رواں) अ फा स्त्री –चद्रा, जाकनी।

नज्ज़ारः (نظارہ) अ पु –दर्शन, दीदार, सैर, दृश्य, तमाशा।

नज्ज़ार.गाह (نظارہگاہ) अ फा स्त्री –सैरगाह, विनोदस्थल।

नज्ज़ार:पसद (نظارہپسند) अ फा वि –जिसे नज़्ज़ार-वाज़ी पसद हो, जो अच्छे-अच्छे दृश्य देखने का शौकीन हो।

नज्ज़ार:फरेव (نظارہفریب) अ फा वि –निगाहो को लुभानेवाला।

नज्जर.वाज़ (نظارہباز) अ फा वि –नज़्ज़ार देखने का शौकीन, ताकाझाँकी और घूराघारी करनेवाला।

नज्ज़ार.वाज़ी (نظارہبازی) अ फा स्त्री – घूराघारी, ताकाझाँकी, आँखे लड़ाना, आँखे सेकना।

नज्ज़ार.संज (نظارہسنج) अ फा वि –दे 'नज्ज़ार पसद'।

नज्जार (نجار) अ पु –वढई, काष्ठ-शिल्पी, तक्षक।

नज़्ज़ारए जमाल (نظارۂ جمال) अ पु अच्छी सूरतो के दर्शन।

नज़्ज़ारगी (نظارگی) अ फा स्त्री –नज़्ज़ारबाजी, दृष्टि, नज़र।

नज्जारी (نجاری) अ स्त्री –वढई का काम, वढई का पेशा।

नज्द (نجد) अ पु –ऊँची भूमि, टीला, अरव का एक प्रदेश जहाँ से 'वहाविय' मम्प्रदाय का जन्म हुआ।

नज़्द (نزد) फा वि –'नज़्दीक' का लघु, दे 'नज़्दीक' और दे 'निज़्द', दोनो रूप शुद्ध है।

नज़्दीक (نزدیک) फा वि –समीप, निकट, करीव, (अव्य) राय मे, ख़याल मे।

नज़्दीकवीं (نزدیک بیں) फा वि –'दूरवीं' का उलटा, जो केवल अपने आसपास देखे, दूर तक दृष्टि न डाले।

नज़्दीकी (نزدیکی) फा स्त्री –समीपता, निकटता, कुर्वत।

नज्म (نجم) अ पु –तारा, उडु, सितारा।

नज़्म (نظم) अ स्त्री – पद्य, काव्य, शाइरी, (पु) प्रवध, व्यवस्था, इतिजाम, क्रम, तर्तीव, सघटन, तज़ीम।

नज़्मगुस्तर (نظم گستر) अ फा वि –काव्यकार, शाइर।

नज़्मगो (نظم گو) अ फा वि –ऐसा शाइर जो शाइरी की तमाम किस्मो मे से केवल नज़्म (गज़ल-शैली के प्रतिकूल एक ही विषय पर की जानेवाली शाइरी) कहता हो।

नज़्मसज (نظم سنج) अ फा वि –दे 'नज़्मगुस्तर'।

नज्मुस्साक़िव (نجم الثاقب) अ पु –टूटनेवाला तारा, उल्का।

नज्मे साक़िव (نجم ثاقب) अ पु –उल्का, टूटनेवाला तारा।

नज़्मोनसक़ (نظم و نسق) अ पु –प्रवध, वदोवस्त।

नज़्मोनस्र (نظم و نثر) अ स्त्री –गद्य और पद्य।

नज़्र (نذر) अ स्त्री –उपहार, भेट, तोहफा, चढावा, मन्नत, नियाज़, फातहा, प्रदान, देना।

नज़्रान (نذرانہ) अ फा पु –उपहार, उपायन, तोहफा, दक्षिणा, पुरोहित या गुरु आदि को भेट।

नज़्रे अक़ीदत (نذر عقیدت) अ स्त्री –ऐसी भेट जो भक्ति या श्रद्धा ज़ाहिर करने के लिए दी जाय।

नज़्ल (نزلہ) अ पु –ज़ुकाम की एक दशा जिसमें वलगम निकलता है।

नज्वा (نجوی) अ स्त्री –काना-फूँसी, कान से मुँह लगाकर चुपके-चुपके बाते करना।

नताइज (نتائج) अ पु –'नतीज' का वहु, नतीजे।

नतीज. (نتیجہ) अ पु –परिणाम, फल, अजाम, परीक्षाफल, जाँच का फल, अत, आख़ीर, इच्छा, गरज।

नतीजःख़ेज़ (نتیجہ خیز) अ फा वि –जिसमे अच्छा नतीजा निकले, सारगर्भ।

नतीजए इम्तिहान (نتیجۂ امتحان) अ पु –पढाई की जाँच का नतीजा, परीक्षाफल।

नतीजतन (نتیجتاً) अ अव्य –नतीजे मे, फलस्वरूप, फलत।

नतीन (نتین) अ वि –दुर्गन्धयुक्त, वदवूदार।

नतूल (نطول) अ पु –वह पानी जिसमे दवाएँ औटायी गयी हो, और जिससे शरीर के किसी अग पर धार दी जाय।

नत्न (نتن) अ पु –दुर्गंध, वदवू।

नदम (ندم) अ पु –नदामत, लज्जा, व्रीडा।

नदामत (ندامت) अ स्त्री –लज्जा, लाज, हया, पश्चात्ताप, पछतावा।

नदामतज़द (ندامت زدہ) अ फा वि –लज्जित, शर्मिंद, जिसे अपने किये पर पछतावा हो, पश्चात्तापी।

नदारद (ندارد) फा वि –विहीन, लुप्त, रिक्त, गाइव, खाली।

नदीद. (ندیدہ) फा वि –जिसे देखा न हो, मरभुक्खा, जो हर एक के खाने पर नज़र रखे, अत्यत लोभी।

नदीद (ندید) अ वि –समान, तुल्य।

नदीम (ندیم) अ पु –पार्श्ववर्ती, सखा, पास वैठनेवाला।

नद्दाफ (نداف) अ पु –रुई धुनकनेवाला, धुनिया, तूलकार।

नद्दाफी (ندافی) अ स्त्री –रुई धुनकने और कपडो मे भरने का काम, तूलकर्म, धुनियापन।

नद्मान (ندمان) अ वि –लज्जित, सकुचित, खजिल।

नद्व (ندوہ) अ पु –सभास्थान, लोगो के वैठकर विचार-विनिमय करने का स्थान, परामर्श-गृह।

नफक (نفقہ) अ पु –वीवी-वच्चो का रोटी-कपडा।

नफर (نفر) अ पु –व्यक्ति, शख़्स, नौकर, दास, मज़्दूर, श्रमिक।

नफस (نفس) अ पु –श्वास, साँस, दम, क्षण, पल, लम्हा।

नफसशुमारी (نفس شماری) अ फा स्त्री –आख़िरी साँसे जव मौत की घडियाँ गिनी जाती है।

नफसे वाज़पसीं (نفس بازپسیں) अ फा पु –दे 'नफसे वापसी'।

नफसे वापसी (نفس واپسیں) अ फा पु –आख़िरी साँस, जिस साँस के वाद जीवन समाप्त हो जाता है।

नफह (نفحہ) अ पु –सुगध, ख़ुशवू।

नफहात (نفحات) अ स्त्री –ख़ुशवूएँ, सुगध।

नफाइस (نفائس) अ पु –'नफीस' का वहु, वढिया और वहुमूल्य वस्तुएँ।

नफाज़ (نفاذ) अ पु –नाफिज़ होना, जारी होना।

नफासत (نفاست) अ स्त्री –स्वच्छता, निर्मलता, सफाई, मृदुलता, कोमलता, लताफत, सूक्ष्मता, गूढ़ता, नजाकत।

नफासतपसंद (نفاست‌پسند) अ फा वि –स्वय साफ-सुथरा रहने और सब चीजो मे सफाई और आरास्तगी पसद करनेवाला।

नफासतपसंदी (نفاست‌پسندی) अ फा स्त्री –खुद साफ रहना और हर चीज़ को साफ देखने का शौक।

नफासते तब्अ (نفاست طبع) अ स्त्री –स्वभाव की स्वच्छता और मृदुलता।

नफी (نفی) अ स्त्री –अस्वीकृति, नामजूरी।

नफीर (نفیر) अ स्त्री –वह स्वर जो सोने की अवस्था मे निकलता है, स्वर, आवाज, नफीरी।

नफीरची (نفیرچی) अ फा पु –नफीरी और शहनाई वजानेवाला।

नफीरी (نفیری) अ फा स्त्री – शहनाई।

नफीस (نفیس) अ वि –उत्तम, वढिया, उम्दा, स्वच्छ, निर्मल, साफ, कोमल, मृदुल, लतीफ।

नफूख़ (نفوخ) अ पु –वह सूखी हुई दवाओ का चूर्ण जो नाक मे फूँका जाता है, हुलास, सुँघनी।

नफूर (نفور) अ वि –नफरत करनेवाला, घृणी।

नफ्अ (نفع) अ पु –लाभ, प्राप्ति, फाइदा, फल, परिणाम, नतीजा, व्याज, सूद।

नफ्अअंदोज़ी (نفع اندوزی) अ फा स्त्री –लाभ कमाना, नफा उठाना।

नफ्अरसाँ (نفع‌رساں) अ फा वि –फाइदा पहुँचानेवाला, लाभदायक।

नफ्अरसानी (نفع‌رسانی) अ फा स्त्री –फाइदा पहुँचाना, लाभकारिता, उपादेयता।

नफ्ए ज़ाती (نفع ذاتی) अ पु –निजी लाभ, केवल व्यक्तिगत फाइदा।

नफ़्ख़ (نفخ) अ पु –फूँकना, फूलना, विशेषत पेट फूलना।

नफ़्ख़े शिकम (نفخ شکم) अ पु –पेट का फूलना, अफार।

नफ़्ख़े सूर (نفخ صور) अ पु –हज़रत इस्राफील का कियामत के दिन ससार को विध्वस करने के लिए सूर (तुरही) फूँकना।

नफ़्त (نفت) फा पु –मिट्टी का तेल, उडनेवाला माद्द, वारूद, दे 'निफ्त', दोनो शुद्ध है।

नफ़्फ़ाख़ (نفاخ) अ वि –अफार पैदा करनेवाला आहार, वादी चीज़े।

नफ़्फ़ाख़ी (نفاخی) अ स्त्री –अफार पैदा करना।

नफ़्रत (نفرت) अ स्त्री –घृणा, घिन, कराहत, परहेज़, वचाव।

नफ़्रतअंगेज़ (نفرت‌انگیز) अ फा वि –घिन पैदा करनेवाला।

नफ़्रतज़दः (نفرت‌زده) अ फा वि –वह व्यक्ति जिससे घृणा की जाय, घृणित।

नफ़्रीं (نفریں) फा स्त्री –धिक्कार, फटकार, ला'नत-मलामत, दे 'निफ्री', शुद्ध रूप वही है परतु उर्दू मे 'नफ्री' है।

नफ़्ल (نفل) अ उभ –वह नमाज़ जिसके पढने का हुक्म न हो, मगर सवाव के लिए पढी जाय।

नफ़्स (نفس) अ पु –अस्तित्व, वुजूद, सत्यता, सच्चाई, काम-वासना, शहवत, सार, खुलासा, लिंग, शिश्न, आलत, प्राणवायु, रूह।

नफ़्सकुश (نفس‌کش) अ फा वि –काम-वासनाओ को दमन करनेवाला, इद्रियजित, इद्रियनिग्रही, ज़ाहिद, पारसा।

नफ़्सकुशी (نفس‌کشی) अ फा स्त्री –भोग-विलास की इच्छा का दमन, इद्रिय-दमन, ज़ुह्द, पारसाई।

नफ़्सपरस्त (نفس‌پرست) अ फा वि –विषय-लोलुप, वासनाओ का रसिया, शहवतपरस्त, ऐयाश।

नफ़्सपरस्ती (نفس‌پرستی) अ फा स्त्री –ऐयाशी, काम-लोलुपता, विपय-लपटता।

नफ़्सपर्वर (نفس‌پرور) अ फा वि –दे 'नफसपरस्त'।

नफ़्सानियत (نفسانیت) अ स्त्री –अभिमान, अहवाद, गुरूर, स्वार्थपरायणता, खुदगरजी।

नफ़्सानी (نفسانی) अ वि –कामवासना से सम्बन्ध रखने-वाली चीजे।

नफ़्सी नफ़्सी (نفسی نفسی) अ अव्य –आपाधापी, अपनी-अपनी, जहाँ हर व्यक्ति को केवल अपनी फिक्र हो वहाँ वोलते है।

नफ़्सीयात (نفسیات) अ स्त्री –मनोविज्ञान।

नफ़्सुलअम्र (نفس‌الامر) अ पु –सच्ची वात, असली हकीकत, यथार्थता।

नफ़्से अम्मारः (نفس اماره) अ पु –वह मानसिक शक्ति जो वुरे कामो की ओर प्रवृत्त करती है।

नफ़्से नातिकः (نفس ناطقه) अ पु –मुख्यार्थ, प्राणवायु, रूह, वह व्यक्ति जो किसी की नाक का वाल हो।

नफ़्से मत्लव (نفس مطلب) अ पु –अस्ल मत्लव, मुख्यार्थ, उद्देश, आशय, मक्सद।

नफ़्से मुत्मइन्नः (نفس مطمئنه) अ पु –वह मनोवृत्ति जो आत्मा में सतोष उत्पन्न करती है।

नफ़्से लव्वामः (نفس لوامه) अ पु –वह मनोवृत्ति जो वुरे कामो पर घृणा प्रकट करती है, जिससे मनुष्य पछताता है।

नफ़्ह (نفحه) अ पु—सुगंध, अच्छी महक, खुशबू।
नबर्दः (نبرده) फा पु—शूर-वीर, बहादुर।
नबर्द (نبرد) फा स्त्री—युद्ध, लडाई, जंग।
नबर्दआज़्मा (نبرد آزما) फा वि—युद्ध-कुशल, रणशूर, जंग आज़मूद।
नबर्दआज़्माई (نبرد آزمائی) फा स्त्री—युद्ध, लडाई।
नबर्दआज़्मूदः (نبرد آزموده) फा वि—जिसे लडाई का काफी अनुभव हो, युद्धानुभवी।
नबर्दगाह (نبردگاه) फा स्त्री—मैदाने जंग, रणक्षेत्र, समरांगण, रंगभूमि, युद्धस्थल।
नबर्दपेश (نبردپیشه) फा वि—जिसका काम ही लडना और मरना-मारना हो, रणशूर।
नबवी (نبوی) अ वि—नबी से सम्बन्ध रखनेवाली वस्तु।
नबात (نبات) फा स्त्री—मिश्री, खड-शर्करा।
नबात (نبات) अ स्त्री—जमीन से उगनेवाली सब्ज़ी और पेड-पौदे।
नबातात (نباتات) अ स्त्री—ज़मीन से उगनेवाली चीजे, उद्भिज्ज।
नबाती (نباتی) अ वि—नबातात का, नबाताती।
नबातीयात (نباتیات) अ स्त्री—उद्भिज्ज-विज्ञान, नबातात का इल्म, वृक्षायुर्वेद।
नबिश्त (نبشته) फा वि—लिखा हुआ, अंकित, नविश्त।
नबी (نبی) अ पु—ईशदूत, अवतार, पैगम्बर।
नबीज (نبید) अ स्त्री—जौ या खजूर की मदिरा।
नबीद (نبید) फा स्त्री—दे 'नबीज़'।
नबीरः (نبیره) फा पु—बेटे का बेटा, पोता, पौत्र।
नबीस (نبیسه) फा पु—बेटी का बेटा, दौहित्र, नवासा।
नबील (نبیل) अ वि—श्रेष्ठ, महान्, अज़ीम, बुद्धिमान्, मेधावी, अक्लमंद, उत्तम, उम्दा, स्थूल, मेदुर, मोटा-ताज़ा।
नब्ज़ (نبض) अ स्त्री—नाडी, शिरा, रोग निदान के लिए देखी जानेवाली नाडी।
नब्ज़शनास (نبض شناس) अ फा वि—नब्ज़ पहचाननेवाला, हकीम, वैद्य, डाक्टर।
नब्बाज़ (نباض) अ वि—नाडी पहचानने मे बहुत बडा निपुण।
नब्बाज़ी (نباضی) अ स्त्री—नब्ज़ की अच्छी पहचान।
नब्बाश (نباش) अ पु—क़ब्र खोदकर कफन चुरानेवाला, कफनचोर।
नब्बाशी (نباشی) अ स्त्री—क़ब्र खोदकर कफन उतारना।
नब्श (نبش) अ पु—क़ब्र खोदना, क़ब्र खोदकर मुर्दे का कफन उतारना।
नब्शे कुबूर (نبش قبور) अ पु—क़ब्रे खोदकर, कफन चुराना।
नम (نم)—फा पु—आर्द्र, गीला, तर, आर्द्रता, तरी, नमी।
नमआलूद (نم آلود) फा वि—आर्द्र, तर, गीला।
नमक (نمک) फा पु—लवण, लोन, मिल्ह, लावण्य, मलाहत, काव्य-सौन्दर्य, हुस्ने कलाम।
नमकअफ़्शाँ (نمک افشاں) फा वि—नमक छिडकनेवाला (ज़ख्म पर)।
नमकअफ़्शानी (نمک افشانی) फा स्त्री—ज़ख्म पर नमक छिडकना।
नमकआलूद (نمک آلوده) फा वि—वह चीज़ जिसमें नमक लगाया गया हो।
नमककोर (نمک کور) फा वि—नमकहराम, विश्वासघाती, कृतघ्न, मुहसिनकुश।
नमकख़ुर्द (نمک خورده) फा वि—दे 'नमकख़्वार'।
नमकख़्वार (نمک خوار) फा वि—जिसने नमक खाया हो—नमकहलाल, स्वामिभक्त, नौकर, मुलाज़िम।
नमकचशी (نمک چشی) फा स्त्री—खाने का स्वाद मालूम करने के लिए खाने का नमक चखना, पहले पहल बच्चे को नमक चटाने की रस्म, अन्नप्राशन, स्वाद, मज़ा।
नमकज़ार (نمک زار) फा पु—'नमकसार'।
नमकदान (نمک دان) फा पु—नमक रखने का बर्तन।
नमकपर्वर (نمک پرور) फा वि—नमक लगाया हुआ।
नमकपर्वर्द (نمک پرورده) फा वि—नमकख़्वार, नमक के पाले हुए, स्वामिभक्त, वफादार, सेवक, नौकर।
नमकपाश (نمک پاش) फा वि—घाव पर नमक छिडकनेवाला, कष्ट देनेवाला, व्यंग करनेवाला,—"तुम्हारा नाज़ नमकपाश बरकरार रहे, हमारे जख्म को अब हाजते-रफू क्या है?"
नमकपाशी (نمک پاشی) फा स्त्री—व्यंग और कटाक्ष करना, घाव पर नमक छिडकना, दुख देना।
नमकसार (نمک سار) फा पु—नमक की खान, लवणाकर।
नमकहराम (نمک حرام) फा अ वि—कृतघ्न, स्वामिघ्न, मुहसिनकुश, विश्वासघाती।
नमकहलाल (نمک حلال) फा अ वि—कृतज्ञ, स्वामिभक्त, हकशनास।
नमकी (نمکیں) फा वि—नमक मिला हुआ, लावण्यमय, मलीह।
नमकीन (نمکینه) फा पु—दही मे नमक-मिर्च मिलाकर बना हुआ खाद्य-विशेष, रायता।
नमकीनी (نمکینی) फा स्त्री—सॉवलापन, सलोनापन, मलाहत, सौन्दर्य, हुस्न।

नमखुर्दः (نم‌خورده) फा. वि –जिसमे सीलन पहुँच गयी हो, सीड़ा हुआ।
नमगीरः (نمگیره) फा पु –एक छोटा शामियाना जो ओस से बचने के लिए होता है, शामियाना, वितान।
नमत (نمط) अ पु –प्रकार, किस्म।
नमद (نمد) फा पु –ऊन या पश्म का मोटा विस्तर, मुलाइम वालो का विस्तर या गद्दा, नम्दा।
नमदज़ीं (نمدزین) फा पु –वह नम्दा जो जीन के नीचे घोडे की पीठ पर डालते है।
नमदपोश (نمدپوش) फा वि –मोटे कम्मल का लिवास पहननेवाला, कम्मलपोश।
नमदीद. (نم‌دیده) फा वि –दे 'नमखुर्द'।
नमनाक (نمناک) फा वि –गीला, तर, आर्द्र।
नमरसीदः (نم‌رسیده) फा वि –जिसे सीलन पहुँच गयी हो, नमखुर्द।
नमा (نما) फा पुं.–विकास, उपज, वढोतरी, यह शब्द अकेला नही आता, 'नशवोनमा' वोला जाता है।
नमाज़ (نماز) अ स्त्री –मुसलमानो की ईश्वर-प्रार्थना, जो पाँच वक्त होती है और जिसमे ४२ रक्अत नमाज़ पढी जाती है, एक रक्अत एक वार खडे होकर वैठने तक की होती है, जिसमे दो सज्दे और एक रुकूअ होता है।
नमाज़गुज़ार (نمازگزار) अ फा वि –पावदी से नमाज़ पढनेवाला, दीनदार, धर्मनिष्ठ।
नमाज़ी (نمازی) अ वि –नमाज़ का पावंद, नमाज़ पढनेवाला।
नमाज़े ईद (نماز عید) अ स्त्री –ईद की नमाज़ जो दो रक्अत होती है।
नमाज़े कज़ा (نماز قضا) अ स्त्री –वह नमाज़ जो उसके नियत समय पर न पढी जाकर वाद मे पढी जाय।
नमाज़े कस्र (نماز قصر) अ स्त्री –वह नमाज़ जो यात्रा की दशा में पढी जाय, उसमे फर्ज़ नमाज़ आधी पढी जाती है और वाकी नमाज़े नही पढ़ी जाती।
नमाज़े जनाज़ः (نماز جنازه) अ स्त्री –वह नमाज़ जो मुसलमानो के जनाज़े पर मृतक की आत्मा की शान्ति के लिए पढ़ी जाती है।
नमिर (نمر) अ पु –व्याघ्र, वाघ, तेंदुआ।
नमी (نمی) फा स्त्री –आर्द्रता, तरी, सीडन, सील।
नमीक. (نمیقه) अ पु –पत्र, चिट्ठी।
नमीम (نمیم) अ पु –पिशुन, चुगुलखोर।
नमू (نمو) अ पु –दे शुद्ध रूप 'नुमू'।
नमून (نمونه) फा पु –वानगी, आदर्श, मिसाल, ढव, ढग, तर्ज़, प्रकार, किस्म।
नम्माम (نمام) अ पु –वहुत अधिक चुगली खानेवाला, पिशुन।
नम्मामी (نمامی) अ स्त्री –पिशुनता, चुगलखोरी।
नम्लः (نمله) अ पु –च्यूँटी, एक च्यूँटी।
नम्ल (نمل) अ पु –पिपीलिका, च्यूँटी।
नम्ली (نملی) अ वि –नाडी-गति का एक प्रकार जिसमें उसकी चाल च्यूँटी-जैसी मद हो जाती है।
नय (نے) फा स्त्री.–नरकट, नरसल; वाँसुरी, वशी।
नयचः (نیچه) फा पु –हुक्के की निगाली।
नयनवाज़ (نے نواز) फा वि –वशी वजानेवाला, मुरलीधर।
नयसाज़ (نےساز) फा वि –वाँसुरी वनानेवाला, वशीकार।
नयस्ताँ (نیستاں) फा पु –नरकट का जगल, वन, जगल।
नयस्तानी (نیستانی) फा. वि –जंगली, वन्य।
नय्यिर (نیر) अ पु –सूर्य, सूरज।
नरः (نره) फा पु –शाखा, टहनी, लिंग, शिश्न, दूषित, निकृष्ट, नर, पुरुष प्राणी।
नरःदेव (نره‌دیو) फा पु –भयानक राक्षस, विकट मूर्ति।
नर (نر) फा पु –मादा का उलटा, पुरुष प्राणी।
नरमेश (نرمیش) फा पु –मेढा, नर भेड।
नरी (نری) फा स्त्री –नरपन।
नरीनः (نرینه) फा. पु –नर, जैसे–'फर्ज़ंदे नरीन' अर्थात् लडका।
नरीमान (نریمان) फा पु –रुस्तम के दादा का नाम।
नर्गः (نرغه) फा पु –घेरा, घिराव, मुहासरा, भीड, जमाव, विपत्ति, मुसीवत।
नर्गए आ'दा (نرغهٔ اعدا) फा अ पु –शत्रुओ का घेरा।
नर्गिस (نرگس) फा स्त्री –एक फूल, आँख।
नर्गिसी (نرگسی) फा वि –नर्गिस-जैसा, नर्गिस का, नर्गिसी कवाव, जो अडो पर कीमा चढाकर वनते है।
नर्गिसे जादू (نرگس جادو) फा स्त्री –वह सुन्दर आँख जिसमें 'मोहनी' हो।
नर्गिसे वीमार (نرگس بیمار) फा स्त्री –चश्मे वीमार।
नर्गिसे शहला (نرگس‌شہلا) फा स्त्री –वह नर्गिस का फूल जिसमे उसके भीतर पीलेपन के वदले कालापन हो।
नर्द (نرد) फा स्त्री –चौसर का खेल, चौसर की गोट।
नर्दवाज़ (نردباز) फा वि –चौसर का खिलाडी।
नर्दवान (نردبان) फा उभ –निश्रेणी, सोपान, सीढी।
नर्म· (نرمه) फा पु –कान की लौ।
नर्म (نرم) फा वि –मृदुल, मुलाइम, कोमल, नाजुक, पिलपिला, शिथिल, ढीला, लोचदार, सुगम, सरल,

आसान, हलका, अगुरु, सहिष्णु, बुर्दबार, जिसका कोप धीमा पड गया हो।

नर्मआवाज़ (نرم آواز) फा वि –मधुर और कोमल स्वर-वाला।

नर्मआहनी (نرم آهنی) फा स्त्री –दीनता, हीनता, दरिद्रता, बदहाली।

नर्मए गोश (نرمۂ گوش) फा पु –कान की लौ, कर्णलता।

नर्मख़ू (نرم خو) फा वि –नम्र स्वभाववाला, विनीत, मतीन, सजीद, नेकदिल।

नर्मगर्दन (نرم گردن) फा वि –वशीभूत, आज्ञाकारी।

नर्मज़बान (نرم زبان) फा वि –मधुरभाषी, शीरीज़बान।

नर्मतबीअत (نرم طبیعت) फा अ वि –दे 'नर्मख़ू'।

नर्मदिल (نرم دل) फा वि –सदय, आर्द्र हृदय, रहमदिल।

नर्ममिज़ाज (نرم مزاج) फा अ वि –दे 'नर्मख़ू'।

नर्मरौ (نرم رو) फा वि –सुस्त चलनेवाला, मदगति।

नर्मी (نرمی) फा वि –मृदुलता, मुलाइमत, कोमलता, नज़ाकत, सदयता, रहमदिली, मदता, आहिस्तगी, धीमा-पन, सुगमता, आसानी, अगुरुत्व, लघुत्व, हलकापन, गभीरता, बुर्दबारी।

नवद (نود) फा वि –नव्वे, दस कम सौ।

नवर्द (نورد) फा प्रत्य –लपेटनेवाला अर्थात् सफर तै करनेवाला, जैसे—'राहनवर्द' रस्ता तै करनेवाला।

नवर्दीदः (نوردیدہ) फा वि –लपेटा हुआ।

नवा (نوا) फा स्त्री –स्वर, ध्वनि, आवाज़, गान, गाना, सामान, अस्वाब, उपकरण।

नवाइब (نوائب) अ पु –'नाइब' का वहु, आपत्तियाँ, मुसीबतें।

नवाख़ान (نواخانہ) फा पु –कारागार, कैदख़ाना, जेल।

नवाख़्त (نواخت) फा वि –अनुकूल, मुआफिक, समान, तुल्य, बरावर।

नवागर (نواگر) फा वि –गायक, गवैया।

नवाज़ (نواز) फा प्रत्य –बजानेवाला, जैसे—'नयनवाज़' बाँसुरी बजानेवाला, कृपा करनेवाला, जैसे—'ग़रीबनवाज़'।

नवाज़िंद (نوازندہ) फा पु –बजानेवाला, कृपा करनेवाला।

नवाज़िंदगी (نوازندگی) फा स्त्री –बजाना।

नवाज़िश (نوازش) फा स्त्री –कृपा, अनुकपा, दया, मेहरबानी।

नवाज़िशनाम (نوازش نامہ) फा पु –कृपापत्र, करमनाम।

नवाज़िशात (نوازشات) फा स्त्री –'नवाज़िश' का वहु, कृपाएँ, दयाएँ।

नवादिर (نوادر) अ पु –'नादिर' का वहु, अद्‌भुत वस्तुएँ, अजीबो गरीब चीज़ें।

नवापरदाज़ (نواپرداز) फा वि –दे 'नवागर'।

नवाफ़िज़ (نوافذ) अ पु –'नाफ़िज़' का वहु, कान, नाक, मुँह आदि के सूराख़।

नवाफ़िल (نوافل) अ पु –'नफ़िल' का वहु, वे नमाज़ें जो केवल सवाव के लिए पढी जायँ, फर्ज़ या वाजिब न हों।

नवामीस (نوامیس) अ पु –'नामूस' का वहु, मर्यादाएँ।

नवाल (نوالہ) फा पु –दे 'निवाल', दोनों उच्चारण शुद्ध हैं।

नवाल (نوال) अ स्त्री –उपकार, एहसान, दानशीलता, वख़्शिश, अनुकपा, दया।

नवासंज (نواسنج) फा वि –दे 'नवागर'।

नवास (نواسہ) फा पु –वेटी का वेटा, नाती, दौहित्र।

नवासाज़ (نواساز) फा वि –दे 'नवागर'।

नवासिव (نواصب) अ पु –'नासिवी' का वहु, नासिवी सप्रदाय के लोग, हज़रत अली को न माननेवाले।

नवासीर (نواصیر-نواسیر) अ स्त्री –'नासूर' का वहु, भगदर, मलद्वार का फोडा।

नवाह (نواح) अ पु –चारों ओर का क्षेत्र, मुज़ाफ़ात।

नवाही (نواحی) अ पु –'नाहिय' का वहु, नगर का चारों ओर।

नवाही (نواهی) अ पु –'नहइ' का वहु, वे विषय जो धर्मानुसार निषिद्ध हैं।

नवाहे मुल्क (نواح ملک) अ पु –किसी देश के चारों ओर का वाहरी इलाका।

नवाहे शह्र (نواح شهر) अ फा पु –नगर के आसपास का क्षेत्र, मुज़ाफ़ात।

नविश्त (نوشتہ) फा वि –लिखा हुआ, लिखित, (पु) तमस्सुक, स्टाम्प, लेखपत्र, दे 'निविश्त'।

नविश्त (نوشت) फा स्त्री –लिखावट, तहरीर, दे 'निविश्त'।

नविश्तए किस्मत (نوشتۂ قسمت) फा अ पु –भाग्यलेख, तक्दीर का लिखा, प्रारब्ध, मुकद्दर।

नविश्तए तक्दीर (نوشتۂ تقدیر) फा अ पु –दे 'नविश्तए किस्मत'।

नविश्तोख़्वांद (نوشت و خواند) फा स्त्री –लिखा-पढी, लिखना-पढना।

नवी (نوی) फा वि –नया, नवीन, आधुनिक, जदीद, पाश्चात्य, मग्रिवी।

नवीस (نویس) फा प्रत्य –लिखनेवाला, जैसे—अर्ज़ीनवीस, अर्ज़ियाँ लिखनेवाला।

नवीसिंद (نویسندہ) फा वि –लिखनेवाला, लिपिक।

नवेद (نوید) फा स्त्री—शुभ सूचना, खुशखबरी; निमन्त्रण-पत्र, दावतनामा, दे 'नुवेद', दोनो रूप शुद्ध है।

नवेदे जाँफिज़ा (نوید جانفزا) फा स्त्री—प्राणो को आनद देनेवाली शुभ सूचना।

नवेदे मक़्दम (نوید مقدم) फा अ स्त्री—किसी महान् व्यक्ति के आने की शुभ सूचना।

नव्वाव (نواب) अ वि—वादशाह का नाइव, किसी रियासत का मुसलमान शासक।

नव्वावज़ाद: (نواب زاده) अ फा पु—नव्वाव का लडका।

नव्वावी (نوابی) अ स्त्री—नव्वाव का पद, राज, हुकूमत, समृद्धि, दौलतमदी; अपव्यय, फुज़ूलखर्ची।

नव्वावे वेमुल्क (نواب بے ملک) अ फा पु—ऐसा नव्वाव जिसके पास रियासत न हो, ऐसे शख्स के लिए कहते है जिसके पास कुछ न हो, मगर उसकी वाते लवी-चौडी हो।

नशाँ (نشاں) फा पु—'नशान' का लघु, दे 'नशान'।

नशा (نشا) अ पु—शुद्ध रूप 'नश्श' है, परतु उर्दू मे 'नशा' भी वोलते है।

नशात (نشاط) अ स्त्री—आनंद, हर्ष, खुशी, निशात भी प्रचलित।

नशातअंगेज़ (نشاط انگیز) अ फा वि—खुशी पैदा करनेवाला, हर्षोत्पादक।

नशातअफ़्ज़ा (نشاط افزا) अ फा वि—आनदवर्धक, खुशी वढानेवाला।

नशातेकार (نشاط کار) अ फा स्त्री—काम करने की उमंग।

नशातेरूह (نشاط روح) अ. स्त्री—रूह का आनद।

नशान (نشان) फा पु—दे 'निशान', दोनो रूप शुद्ध है, परतु उर्दू मे निशान वोलते है।

नशास्त: (نشاستہ) फा पु—गेहूँ का सत, गोवूमसार।

नशीं (نشیں) फा प्रत्य—वैठनेवाला, जैसे—'तख्तनशीं' तख्त पर वैठनेवाला।

नशीद (نشید) फा पु—गान, नग्म, दे 'निशेद', दोनो शुद्ध है।

नश्अत (نشاءت) अ स्त्री—आविर्भाव, उत्पत्ति, पैदाइश।

नश्अते सानिय (نشاءۃ ثانیہ) अ स्त्री—दुवारा जन्म, पुनर्जन्म, पुनर्जीवन, दुवारा तरक्की, पुनरुद्धार।

नश्अतैन (نشاءتین) अ स्त्री—दो पैदाइशें, एक मसार की दूसरी क़ियामत के दिन की।

नश्र: (نشرہ) अ पु—वच्चे के कुरान कठ कर लेने का सस्कार।

नश्र (نشر) अ पु—घास का फिर से हरा होना; मृतक का फिर से जीवित होना, खवर का सव मे फैलाना।

नश्रुस्सौत (نشر الصوت) अ पु—आवाज़ का हर तरफ़ फैलाना, ब्राडकास्ट, ध्वनि-सचार।

नश्व (نشو) अ पु—विकास, उपज, वालीदगी।

नश्वोनमा (نشوونما) अ पु—उगना और विकसित होना, परवरिश पाना।

नश्श: (نشہ) अ पु—मादकता, नशा, उन्माद, मस्ती, अभिमान, घमड।

नश्श:आमेज़ (نشہ آمیز) अ फा वि—जिस चीज़ में मादक पदार्थ मिला दिया गया हो।

नश्श आवर (نشہ آور) अ फा वि—नशा पैदा करनेवाली चीज़, मादक।

नश्श.वाज़ (نشہ باز) अ फा वि—जिसे किसी नशेवाली चीज़ खाने या पीने की लत हो।

नश्शए मै (نشۂ مے) अ फा पु—शराव का नशा।

नश्शए सहवा (نشۂ صہبا) अ फा पु—शराव का नशा।

नस[स्स] (نص) अ स्त्री—कुरान की वे सूक्तियाँ जिनका अर्थ स्पष्ट है, ऐसी वात जिसमे कोई सन्देह न हो, ऐसी वात जिसका पालन आवश्यक हो।

नसक (نسق) अ पु—प्रवंध, व्यवस्था, इंतिज़ाम, क्रम, सिलसिला, तर्तीव, यह शब्द प्राय अकेला नही वोलते, नज़्म के साथ मिलाकर 'नज़्मो नसक' वोलते है।

नसकवंद (نسق بند) अ फा वि—व्यवस्थापक, प्रवन्धक, मुतज़्ज़िम।

नसफ़त (نصفت) अ स्त्री—आधो आध करना, वरावर दो भागो मे वाँटना, न्याय, इसाफ (निस्फ़त)।

नसव (نسب) अ पु—कुल, वश, गोत्र, ख़ानदान।

नसवनाम: (نسب نامہ) अ फा पु—वशावली, वशक्रम, वशवृक्ष, कुर्सीनामा, शज्र।

नसवी (نسبی) अ. वि—नसव से सम्वन्ध रखनेवाला।

नसा (نسا) अ स्त्री—एक रग जो चूतड से टखने तक आती है, इर्कुन्नसा, गृध्रसी स्नायु, साइटिक नर्व।

नसाइह (نصائح) अ उभ—'नसीहत' का वहु, नसीहतें, सदुपदेश।

नसारा (نصارا) अ पु—'नस्रानी' का वहु, ईसाई लोग।

नसीज (نسیج) अ वि—वुना हुआ, वस्त्र, लिवास, एक रेशमी कपडा।

नसीव. (نصیبہ) अ पु—भाग्य, प्रारव्ध, किस्मत, मुकद्दर।

नसीव वर (نصیبہ ور) अ फा वि—भाग्यशाली, भाग्यवान्, खुशकिस्मत।

नसीव (نصیب) अ पु—भाग्य, किस्मत, लव्ध, प्राप्त, मुयस्सर, अंश, भाग, हिस्सा।

नसीबे आ'दा (نصیب اعدا) अ पु –वह चीज़ जो अपने लिए न हो अपने दुश्मनो को हो, एक आशीर्वाद, जब कोई व्यक्ति किसी रोग या कष्ट में फँसा हो तो उसके मित्र उसका ज़िक्र करते हुए बोलते है, जैसे—नसीबे आ'दा, उनका मिज़ाज कुछ नासाज़ है।

नसीबे खुफ्तः (نصیب خفتہ) अ फा पु –सोया हुआ नसीब, दुर्भाग्यता, बदकिस्मती।

नसीबे दुश्मनाँ (نصیب دشمناں) अ फा पु –दे 'नसीबे आ'दा'।

नसीम (نسیم) अ स्त्री –मृदुल मद समीर, ठडी और धीमी हवा।

नसीमासा (نسیم آسا) अ फा अव्य –'नसीम' की तरह, बहुत ही आहिस्ता और मृदुल चाल से।

नसीमे सहर (نسیم سحر) अ स्त्री –सवेरे की मद, शीतल और सुगधित हवा।

नसीमे सुब्ह (نسیم صبح) अ स्त्री –दे 'नसीमे सहर'।

नसीर (نصیر) अ पु –सहायक, सहाय, मददगार।

नसीहत (نصیحت) अ स्त्री –सदुपदेश, सीख, सत्परामर्श, अच्छी सलाह, इब्रत।

नसीहत आमेज़ (نصیحت آمیز) अ फा वि –वह बात जिसमे उपदेश शामिल हो।

नसीहतगर (نصیحت گر) अ फा वि –नसीहत करने-वाला, सदुपदेशक।

नसीहतगुज़ार (نصیحت گزار) अ फा वि –दे 'नसीहतगर'

नसीहतगो (نصیحت گو) अ फा वि –दे 'नसीहतगर'।

नसीहतनामः (نصیحت نامہ) अ फा पु –वह पत्र जिसमें किसी बात के सम्बन्ध में नसीहते लिखी हो।

नसीहतपिज़ीर (نصیحت پزیر) अ फा वि –नसीहत मानने-वाला, जिस पर सदुपदेश का असर हो, नसीहतपसद।

नसूह (نصوح) अ वि –शुद्ध, निर्मल, खालिस, किसी बुरी बात के त्याग की दृढ प्रतिज्ञा।

नस्ख (نسخ) अ पु –मिटाना, रद करना, एक प्रसिद्ध लिपि जिसमे अरबी लिखी जाती है, किसी चीज को हटाकर उससे अच्छी चीज़ लेना।

नस्तरन (نسترن) फा स्त्री –सेवती का फूल, सेवती।

नस्ता'लीक (نستعلیق) अ पु –सभ्य, शिष्ट, सस्कृत, मुहज़्ज़ब, एक प्रसिद्ध लिपि जिसमे उर्दू लिखी जाती है।

नस्नास (نسناس) अ पु –मनुष्य के आकार का एक जानवर जिसके केवल एक हाथ, एक पाँव और एक कान होता है।

नस्ब (نصب) अ पु –स्थापना, रखना, काइम करना, ज़बर की मात्रा।

नस्बुलऐन (نصب العین) अ पु –उद्देश, आशय, मक़सद।

नस्या मसिया (نسیا منسیا) अ अव्य –जो बात बिलकुल भूली जा चुकी हो, अरबी का उच्चारण 'नस्य मसीया' है।

नस्र (نثر) अ स्त्री –गद्य, इबारत, नज्म का उलटा।

नस्र (نسر) अ पु –गृद्ध, गिद्ध, गीध, कर्गस, एक बुत जो अरब मे पूजा जाता था।

नस्र (نصر) अ स्त्री –सहायता, मदद।

नस्रनिगार (نثرنگار) अ फा पु –गद्य-लेखक, नस्र लिखनेवाला।

नस्रनिगारी (نثرنگاری) अ फा स्त्री –गद्य-रचना, नस्र लिखना।

नस्रानियत (نصرانیت) अ स्त्री –ईसाईपन, ईसाईयत।

नस्रानी (نصرانی) अ पु –ईसाई, ख्रिष्टीय।

नस्रे आरी (نثر عاری) अ स्त्री –वह गद्य जो अलकारादि से रिक्त बिल्कुल सीधा-सादा हो।

नस्रे ताइर (نسر طائر) अ पु –राशिचक्र के उत्तर मे तारो की एक शक्ल जो उडते हुए गिद्ध के समान है।

नस्रे मुकफ्फा (نثر مقفی) अ स्त्री –वह गद्य जिसका हर वाक्य सानुप्रास हो।

नस्रे मुरज्जज (نثر مرجز) अ स्त्री –वह गद्य जिसके एक वाक्य के तमाम शब्द दूसरे वाक्य के शब्दो के समान हो।

नस्रे मुसज्जा (نثر مسجع) अ स्त्री –दे 'नस्रे मुकफ्फा'।

नस्रे वाक़े' (نسر واقع) अ पु –दक्षिणी ध्रुव के पास ठहरे हुए गिद्ध के आकार के तारो की शक्ल।

नस्ल (نسل) अ स्त्री –वश, गोत्र, कुल, सतान, सतति, औलाद।

नस्लअफ्ज़ाई (نسل افزائی) अ फा स्त्री –नस्ल बढाना, सतान-वृद्धि।

नस्लकशी (نسل کشی) अ फा स्त्री –नस्ल बढाना, सतान-वृद्धि।

नस्लन बाद नस्लन (نسلاً بعد نسلاً) अ अव्य –एक नस्ल के बाद दूसरी नस्ल मे, पुश्त दर पुश्त।

नस्साज (نساج) अ पु –बुननेवाला, जुलाहा।

नस्साब (نساب) अ पु –वशविद्या जाननेवाला।

नस्सार (نثار) अ पु –गद्य-लेखक।

नहग (نہنگ) फा पु –घडियाल, कुभीर, ग्राह, नाका।

नहज (نہج) अ पु –चौडी और कुशाद सडक, पद्धति, शैली, ढग, दे 'नहज', दोनो शुद्ध है, परन्तु अधिक प्रचलित 'नहज' है।

नहाफत (نحافت) अ स्त्री –क्षीणता, दुबलापन, लागरी, निर्बलता, अशक्ति, कमज़ोरी।

नहार (نہار) अ पु–दिन, दिवस, रोज़।

नहार (نہار) फा वि–'नाहार' का लघु, सवेरे से कुछ न खाये हुए, नहारमुँह।

नहारगाह (نہارگاہ) फा स्त्री–सवेरे का समय, प्रात काल।

नहारी (نہاری) फा स्त्री–वह थोडा सा खाना जिससे सुवह का फाका तोडते है, नाशता, एक प्रकार का शोरवादार गोश्त जिसे खमीरी रोटी से खाते है।

नही (نہی) अ स्त्री–निपेध, रोक, निपेधाज्ञा, मुमानिअत का हुक्म, शुद्ध उच्चारण 'नह्इ' है।

नहीक (نہیق) अ स्त्री–गधे के रेकने की आवाज।

नहीफ (نحیف) अ वि–क्षीण, क्षाम, दुवला, लागर, दुर्वल, अशक्त, कमजोर।

नहीफुलजुस्सः (نحیف الجثہ) अ वि–दुवले शरीरवाला, क्षीणकाय।

नहीफुलवदन (نحیف البدن) अ वि–दे 'नहीफुलजुस्स'।

नहीव (نہیب) अ पुं–डाकू, लुटेरा, गारतगर।

नह्ज (نہج) अ पु–ढग, प्रकार, तर्ज, युक्ति, तर्कीव, मार्ग, पथ, रास्ता।

नह्व (نہب) अ पु–लूटमार, गारतगरी।

नह्र (نہر) अ स्त्री–नदी से काटकर निकाली हुई शाखा, कुल्या (नहर)।

नह्र (نحر) अ पु–ऊँट की कुर्वानी, उष्ट्रवध।

नह्री (نہری) अ वि–नह्र से सम्वन्ध रखनेवाला, नह्र के पानी से सीची जानेवाली भूमि।

नह्रे फुरात (نہر فرات) अ फा स्त्री–कूफे मे वहनेवाली नदी, जिसका पानी हज्रत इमाम हुसैन पर वन्द कर दिया गया था।

नह्रे लवन (نہر لبن) अ स्त्री–दूध की नह्र।

नह्व (نحو) अ पुं–पद्धति, शैली, ढग, समान, तुल्य, मिस्ल, (स्त्री) व्याकरण की वह शाखा जिससे वाक्यो मे शव्दो का परस्पर सम्वन्ध और उनकी स्थिति जानी जाती है।

नह्वी (نحوی) अ वि–इल्मे नह्व जाननेवाला।

नह्स (نحس) अ वि–अशुभ, अमागलिक, मनहूस।

नह्सकदम (نحس قدم) अ वि–जिसका आना मनहूस हो।

नह्सरू (نحس رو) अ फा वि–जिसकी सूरत मनहूस हो, जो देखने मे वुरा लगे, अशुभदर्शन।

ना

नाँ (ناں) फा स्त्री–'नान' का लघु, दे 'नान'।

ना (نا) फा उप–शव्द के शुरू मे आकर नही का अर्थ देता है, जैसे—'नाउम्मीद'।

नाअंदेश (نا اندیش) फा वि–न सोचनेवाला।

नाअह्ल (نا اہل) फा अ वि–अयोग्य, नाकाविल, अपात्र, गैर मुस्तहक।

नाअह्लियत (نا اہلیت) फा अ स्त्री–अयोग्यता, नाकाविलीयत, अपात्रता, नाइस्तेहकाकी।

नाअह्ली (نا اہلی) फा अ स्त्री–दे 'नाअह्लियत'।

नाआकिवत अंदेश (نا عاقبت اندیش) फा अ वि–अदूरदर्शी, अपरिणामदर्शी।

नाआगाह (نا آگاہ) फा वि–नावाकिफ, अनभिज्ञ, अनजान, अनाडी।

नाआज़्मूदः (نا آزمودہ) फा वि–जो आज़माया न गया हो, अपरीक्षित।

नाआज़्मूदःकार (نا آزمودہ کار) फा वि–जिसे कामो का तज्रिव न हो, अननुभवी, अनाडी।

नाआज़्मूदःकारी (نا آزمودہ کاری) फा स्त्री–नातज्रिव-कारी, अनुभव, अनाडीपन।

नाआश्ना (نا آشنا) फा वि–अपरिचित, नावाकिफ, अनभिज्ञ, अनाडी।

नाआश्नाए मह्ज (نا آشنائے محض) फा अ वि–जो विलकुल कुछ न जानता हो।

नाइंसाफ (نا انصاف) फा अ वि–न्याय न करनेवाला, अन्यायी।

नाइंसाफी (نا انصافی) फा अ स्त्री–अनीति, अन्याय, वेईमानी।

नाइचः (نائچہ) फा पु–नयचा, निगाली, हुक्के की नाल।

नाइज़ः (نائزہ) अ पु–नल की टोंटी, शिश्न, लिंग, नयचा।

नाइत्तिफाकी (نا اتفاقی) फा अ स्त्री–फूट, विगाड, रंजिश।

नाइवः (نائبہ) अ वि–दुर्घटना, हादिसा, वारी से आनेवाला ज्वर, 'नाइव' का स्त्री।

नाइव (نائب) अ पु–सहायक, असिस्टेंट, स्थानापन्न, काइममकाम, 'नायव' भी प्रचलित।

नाइम (نائم) अ पु–सोनेवाला, स्वापक।

नाइर. (نائرہ) अ पु–अग्निज्वाला, लपट, शोल।

नाइल्तिफाती (نا التفاتی) फा अ स्त्री–वेतवज्जुही, उपेक्षा।

नाइहः (نائحہ) अ पु–आपत्ति, विपत्ति, मुसीवत।

नाउम्मीद (نا امید) फा वि–निराश, हताश, हतोत्साह, हतसाहस, पस्तहौसला।

नाउम्मीदी (ناامیدی) फा स्त्री–निराशा, मायूसी, उत्साहहीनता, पस्तहिम्मती।

नाए (نائے) फा स्त्री –बाँसुरी, वशी, नय।

नाकः (ناقہ) अ पु –ऊँटनी, साँडनी।

नाकः सवार (ناقہ سوار) अ फा वि –साँडनी-सवार, अर्थात् दूत, कासिद।

नाक (ناک) फा प्रत्य –भरा हुआ, जैसे—दर्दनाक, दुख से भरा हुआ।

नाकतखुदा (ناکتخدا) फा वि –दे 'नाकदखुदा'।

नाकतखुदाई (ناکتخدائی) फा स्त्री –दे 'नाकदखुदाई'।

नाकदखुदा (ناکدخدا) फा वि –विन व्याहा हुआ, कुमार, अविवाहित, विन व्याही हुई, अविवाहिता, कुमारी।

नाकदखुदाई (ناکدخدائی) फा स्त्री –विन व्याहा होना, कुँआरापन।

नाकद्र (ناقدر) फा अ वि –जो कद्र न जानता हो, जो कद्र न करता हो।

नाकद्री (ناقدری) फा अ स्त्री –कद्र न जानना, कद्र न करना।

नाक़बूल (ناقبول) फा अ वि –अस्वीकृत, नामजूर।

नाकर्द. (ناکردہ) फा वि –न किया हुआ।

नाकर्द कार (ناکردہکار) फा वि –जिसने कोई विशेष कार्य न किया हो, अननुभवी, नातज्रिब कार।

नाकर्द.गुनाह (ناکردہگناہ) फा वि –जिसने कुसूर न किया हो, वेकुसूर, वेखता।

नाकर्द जुर्म (ناکردہجرم) फा अ वि –दे 'नाकर्द गुनाह'।

नाकर्दनी (ناکردنی) फा अव्य –जो करने के योग्य न हो, जिसका करना उचित न हो, अकरणीय।

नाकस (ناکس) फा वि –अधम, नीच, कमीना, पतित, गर्हित।

नाकसी (ناکسی) फा स्त्री –अधमता, नीचता, लोफरपन।

नाकाबिल (نا قابل) फा अ वि –अयोग्य, अपात्र, नाअहल।

नाक़ाबिलानः (نا قابلانہ) फा अ अव्य –जाहिलो और मूर्खो-जैसा, मूर्खतापूर्ण।

नाकाबिलीयत (نا قابلیت) फा अ स्त्री –अयोग्यता, अपात्रता, नाअहली, शिक्षाभाव, कमलियाकती।

नाकाबिले अदा (نا قابل ادا) फा अ वि –जो अदाइगी के काविल न हो, न दी जा सकनेवाली रकम।

नाकाबिले अफ्व (نا قابل عفو) फा अ वि –जो मुआफ किये जाने के योग्य न हो, अक्षम्य।

नाक़ाबिले अमल (نا قابل عمل) फा अ वि –जिस पर अमल न किया जा सके, जो व्यवहार मे न आ सके, अव्यवहार्य।

नाक़ाबिले आजमाइश (ناقابل آزمائش) फा अ –जिसकी परीक्षा न हो सके।

नाकाबिले इतिकाल (نا قابل انتقال) फा अ वि –वह सपत्ति जो दूसरे के नाम मुतकिल न हो सके।

नाकाबिले इतिखाव (نا قابل انتخاب) फा अ वि –जो चुनाव के अयोग्य हो, जो गद्य या पद्य उद्धरण के योग्य न हो।

नाक़ाबिले इतिजाम (نا قابل انتظام) फा अ वि –जिसकी व्यवस्था न हो सके।

नाकाबिले इतिजार (نا قابل انتظار) फा अ वि –जिसकी प्रतीक्षा न की जा सके।

नाकाबिले इदिमाल (نا قابل اندمال) फा अ वि –वह घाव जो भरने के योग्य न हो।

नाकाबिले इदिराज (نا قابل اندراج) फा अ वि –जिसका नाम किसी रजिस्टर या खाते मे लिखा न जा सके, जो रकम जमाखर्च मे डाली न जा सके किसी मद मे या किसी के नाम।

नाक़ाबिले इसिदाद (نا قابل انسداد) फा अ वि –जिसका निवारण न हो सके, जो रोका न जा सके।

नाकाबिले इआदः (نا قابل اعادہ) फा अ वि –जो वात दुहरायी न जा सके।

नाकाबिले इआनत (نا قابل اعانت) फा अ वि –जिसकी मदद न की जा सके, जो मदद करने के अयोग्य हो।

नाक़ाबिले इक़्रार (نا قابل اقرار) फा अ वि –जिसका इक़्रार न किया जा सके, जो माना न जा सके।

नाकाबिले इख्तिलाफ (ناقابل اختلاف) फा अ वि –जिससे मतभेद न किया जा सके, सहमति योग्य।

नाक़ाबिले इख्फा (ناقابل اخفا) फा अ वि –जो छिपाया न जा सके।

नाक़ाबिले इख्राज (ناقابل اخراج) फा अ वि –जो खारिज न किया जा सके, जो निकाला न जा सके।

नाक़ाबिले इज़्हार (ناقابل اظہار) फा अ वि –जो कहा न जा सके।

नाकाबिले इत्तिलाअ (ناقابل اطلاع) फा अ वि –जिसकी सूचना न दी जा सके।

नाकाबिले इत्मीनान (ناقابل اطمینان) फा अ वि –जो भरोसे के काविल न हो, अविश्वस्त।

नाकाबिले इन्कार (ناقابل انکار) फा अ वि –जिसमे इन्कार न किया जा सके।

नाकाबिले इन्किसाम (ناقابل انقسام) फा अ वि –जो बाटा न जा सके, अविभाज्य।

नाकाबिले इन्फिकाक (ناقابل انفکاک) फा अ वि –जो रेहन रखी हुई चीज या जमीन, रेहन से छूट न सके।

नाकाबिले इन्फ़िसाल (ناقابل انفصال) फा अ वि –जिसका फैसला न हो सके।

नाक़ाबिले इम्तिहान (ناقابل امتحان) फा अ वि –जिसकी परीक्षा न हो सके, जो परीक्षा के अयोग्य हो।

नाकाबिले इम्दाद (ناقابل امداد) फा अ वि –जिसकी सहायता न हो सके।

नाकाबिले इलाज (ناقابل علاج) फा अ वि –जिसकी चिकित्सा न हो सके, दुसाध्य।

नाकाबिले इल्तिफात (ناقابل التفات) फा अ वि –जिसकी ओर तवज्जुह न की जा सके, उपेक्ष्य।

नाकाबिले इशाअत (ناقابل اشاعت) फा अ वि –जिसका प्रचार न हो सके, अप्रकाश्य।

नाकाबिले इस्तिदलाल (ناقابل استدلال) फा अ वि –वह कागज़ या दस्तावेज जो मुकदमे मे काम न आ सके।

नाकाबिले इस्ते'साल (ناقابل استعمال) फा अ वि –जो प्रयोग के लाइक न हो, जो खाने के योग्य न हो, जो व्यवहार के अयोग्य हो।

नाकाबिले इस्लाह (ناقابل اصلاح) फा अ वि –जिसका सुधार न हो सके, जिसकी त्रुटियाँ न निकल सके।

नाक़ाबिले ईफा (ناقابل ایفا) फा अ वि –वह प्रतिज्ञा जो पूरी न हो सके।

नाकाबिले उज़्र (ناقابل عذر) फा अ वि –जिस पर उज्र या एतिराज न किया जा सके।

नाकाबिले उबूर (ناقابل عبور) फा अ वि –वह नदी आदि जिसे पार न किया जा सके।

नाकाबिले ए'तिना (ناقابل اعتنا) फा अ वि –जो ध्यान देने के लाइक न हो, उपेक्ष्य।

नाकाबिले एतिमाद (ناقابل اعتماد) फा अ वि –जो भरोसे के लाइक न हो, अविश्वस्त।

नाकाबिले एतिराज़ (ناقابل اعتراض) फा अ वि –जिस पर एतिराज़ न लगाया जा सके, आपत्तिहीन।

नाकाबिले ए'लान (ناقابل اعلان) फा अ वि –जिसकी घोषणा न की जा सके, जिसका एलान उचित न हो।

नाकाबिले एहतियात (ناقابل احتیاط) फा अ वि –जिसमे सावधानी की आवश्यकता न हो।

नाकाबिले एहसाल (ناقابل احصال) फा अ वि –जो लिया न जा सके।

नाकाबिले कबूल (ناقابل قبول) फा अ वि –जो स्वीकार न किया जा सके।

नाकाबिले कुर्बानी (ناقابل قربانی) फा अ वि –वह पशु जिसकी कुर्बानी जाइज़ न हो, वह व्यक्ति जिस पर कुर्बानी वाजिब न हो।

नाकाबिले ख़रीद (ناقابل خرید) फा अ वि –जो मोल न लिया जा सके।

नाकाबिले गिरिफ़्त (ناقابل گرفت) फा अ वि –जिसकी पकड न हो सके, जो पकडा न जा सके।

नाकाबिले गिरिफ़्तारी (ناقابل گرفتاری) फा अ वि –जो गिरिफ्तार न हो सके।

नाकाबिले गुज़ारिश (ناقابل گزارش) फा अ वि –जो कहा न जा सके, अकथनीय।

नाक़ाबिले ग़ौर (ناقابل غور) फा अ वि –जिस पर ध्यान न दिया जा सके।

नाकाबिले ज़ब्त (ناقابل ضبط) फा अ वि –जो सहनीय न हो, जिसका सहन मुश्किल हो, जो ज़ब्त न किया जा सके।

नाकाबिले ज़ब्ती (ناقابل ضبطی) फा अ वि –वह रकम या जाइदाद आदि जिसकी ज़ब्ती न हो सके।

नाकाबिले ज़मानत (ناقابل ضمانت) फा अ वि –जिसकी जमानत न ली जा सके।

नाक़ाबिले जवाज़ (ناقابل جواز) फा अ वि –जो जाइज़ न हो सके।

नाक़ाबिले जवाब (ناقابل جواب) फा अ वि –जिसका जवाब देना ज़रूरी न हो।

नाक़ाबिले ज़वाल (ناقابل زوال) फा अ वि –जिसका कभी पतन न हो, जिसकी अवनति न हो सके।

नाकाबिले ज़िक्र (ناقابل ذکر) फा अ वि –अकथनीय, जिसका कहना उचित न हो, जो कहा न जा सके।

नाक़ाबिले जिमाअ (ناقابل جماع) फा अ वि –वह स्त्री जिससे सहवास न हो सके, बीमारी के कारण, छोटी अवस्था के कारण या धर्म-निषेध के कारण।

नाक़ाबिले ज़िराअत (ناقابل زراعت) फा अ वि –वह भूमि जो खेती के अयोग्य हो।

नाक़ाबिले तअज्जुब (ناقابل تعجب) फा अ वि –जिसमे अचभे की कोई बात न हो।

नाक़ाबिले तआरुज़ (ناقابل تعارض) फा अ वि –जिससे पूछताछ न की जा सके, जिसमें हस्तक्षेप न हो सके।

नाकाबिले तआवुन (ناقابل تعاون) फा अ वि –जिसमे सहयोग न दिया जा सके।

नाकाबिले तकर्रुर (ناقابل تقرر) फा अ वि –जिसकी नियुक्ति न हो सके।

नाकाबिले तक्ज़ीब (ناقابل تکذیب) फा अ वि –जिसे झुठलाया न जा सके।

नाक़ाबिले तक़्लीद (ناقابل تقلید) फा अ वि—जिसका अनुकरण न हो सके, जिसका अनुकरण उचित न हो।

नाक़ाबिले तक़्सीम (ناقابل تقسیم) फा अ वि—जो बाँटा न जा सके, जिसका बँटवारा न हो सके, अविभाज्य।

नाक़ाबिले तख़ैयुल (ناقابل تخیل) फा अ वि—जिसकी कल्पना न की जा सके, जो सोचा न जा सके, अचिन्त्य।

नाक़ाबिले तग़ैयुर (ناقابل تغیر) फा अ वि—जिसमे परिवर्तन न हो सके।

नाक़ाबिले तद्बीर (ناقابل تدبیر) फा अ वि—जिसका इलाज न हो सके, असाध्य, जिसका कोई उपाय न हो।

नाक़ाबिले तफ़्हीम (ناقابل تفہیم) फा अ वि—जो समझाया न जा सके।

नाक़ाबिले तब्दील (ناقابل تبدیل) फा अ वि—जो बदला न जा सके।

नाक़ाबिले तरक़्क़ी (ناقابل ترقی) फा अ वि—जो तरक्की के योग्य न हो।

नाक़ाबिले तरद्दुद (ناقابل تردد) फा अ वि—वह खेती जिसे जोता बोया न जा सके, वह विषय जिस पर गौर न किया जा सके।

नाक़ाबिले तरहहुम (ناقابل ترحم) फा अ वि—दया के अयोग्य, जिस पर रहम न किया जा सके।

नाक़ाबिले तर्क (ناقابل ترک) फा अ वि—जो छोडा न जा सके, अत्याज्य।

नाक़ाबिले तर्जीह (ناقابل ترجیح) फा अ वि—जिसे प्रधानता न दी जा सके।

नाक़ाबिले तर्दीद (ناقابل تردید) फा अ वि—जिसका खडन न हो सके, अकाट्य।

नाक़ाबिले तर्मीम (ناقابل ترمیم) फा अ वि—जिसमे कोई सशोधन न हो सके, जिसमें कमी-वेशी या काट-छाँट न हो सके, अपरिवर्तनीय।

नाक़ाबिले तवज्जुह (ناقابل توجہ) फा अ वि—जिस पर ध्यान न दिया जा सके।

नाक़ाबिले तश्रीह (ناقابل تشریح) फा अ वि—जिसकी व्याख्या न हो सके, जिसकी तफ्सील न वतायी जा सके।

नाक़ाबिले तश्वीश (ناقابل تشویش) फा अ वि—जिसके लिए चिंता और तश्वीश की जरूरत न हो।

नाक़ाबिले तस्दीअ (ناقابل تصدیع) फा अ वि—जिसके लिए किसी दर्दसर अथवा खटखट की आवश्यकता न हो।

नाक़ाबिले तस्दीक़ (ناقابل تصدیق) फा अ वि—जिसके लिए प्रमाण की आवश्यकता न हो।

नाक़ाबिले तस्ख़ीर (ناقابل تسخیر) फा अ वि—जिसका पराजित करना असभव हो, जिसे वशीभूत करना कठिन हो।

नाक़ाबिले तस्रीह (ناقابل تصریح) फा अ वि—जिसका स्पष्टीकरण न हो सके, जिसकी तफ्सील न वतायी जा सके।

नाक़ाबिले तस्लीम (ناقابل تسلیم) फा अ वि—जिसे माना न जा सके।

नाक़ाबिले दख़्ल अदाज़ी (ناقابل دخل اندازی) फा अ वि—जिसमे वाधा न डाली जा सके।

नाक़ाबिले दस्त अदाज़ी (ناقابل دست اندازی) फा अ वि—जिसमे हस्तक्षेप न किया जा सके।

नाक़ाबिले दस्तरस (ناقابل دسترس) फा अ वि—जहाँ तक रसाई न हो सके, जहाँ तक हाथ न पहुँच सके।

नाक़ाबिले दाद (ناقابل داد) फा अ वि—जिसकी प्रशसा न की जा सके, अप्रशसनीय।

नाक़ाबिले दादरसी (ناقابل دادرسی) फा अ वि—जो किसी दादरसी के काविल न हो, जिसे न्याय के अनुसार कुछ मिलने को न हो।

नाक़ाबिले दुरुस्ती (ناقابل درستی) फा अ वि—जिसकी मरम्मत न हो सके, जिसका सुधार न हो सके।

नाक़ाबिले नफ़रत (ناقابل نفرت) फा अ वि—जो नफ़रत के काविल न हो, जिससे घृणा न की जा सके, अघृण्य।

नाक़ाबिले निगारिश (ناقابل نگارش) फा अ वि—जो लिखने योग्य न हो, अलेखनीय।

नाक़ाबिले नुमाइश (ناقابل نمائش) फा अ वि—जिसकी नुमाइश न की जा सके, जो सबको न दिखाया जा सके।

नाक़ाबिले परवाज़ (ناقابل پرواز) फा अ वि—जो उड न सके।

नाक़ाबिले परस्तिश (ناقابل پرستش) फा अ वि—जो पूजने के योग्य न हो, जो पूजा न जा सके।

नाक़ाबिले पामाल (ناقابل پامال) फा अ वि—जो पाँव तले मसला न जा सके।

नाक़ाबिले पिज़ीराई (ناقابل پذیرائی) फा अ वि—जो कबूल न किया जा सके।

नाक़ाबिले पुर्सिश (ناقابل پرسش) फा अ वि—जो पूछने के काविल न हो, जिसकी पूछ-ताछ न की जा सके।

नाक़ाबिले पैमाइश (ناقابل پیمائش) फा अ वि—जिसकी पैमाइश न हो सके, जिसका क्षेत्रफल न निकाला जा सके।

नाक़ाबिले पैरवी (ناقابل پیروی) फा अ वि—जिसका अनुकरण न हो सके, जिसकी पैरोकारी न हो सके।

नाक़ाबिले फ़त्ह (ناقابل فتح) फा अ वि—जो जीता न जा सके, अजेय।

नाकाबिले फरामोश (ناقابل فراموش) फा अ वि—जो भुलाया न जा सके, जो बात कभी न भूली जा सके।

नाकाबिले फरोख़्त (ناقابل فروخت) फा अ वि—जो बेचा न जा सके।

नाकाबिले फ़ह्म (ناقابل فہم) फा अ वि—जो समझा न जा सके।

नाकाबिले फ़ैसलः (ناقابل فیصلہ) फा अ वि—जिसका निर्णय न हो सके।

नाकाबिले बयान (ناقابل بیان) फा अ वि—जो कहा न जा सके, अकथनीय।

नाकाबिले बरदाश्त (ناقابل برداشت) फा अ वि—जो सहन न हो सके, असहनीय।

नाकाबिले बुत्लान (ناقابل بطلان) फा अ वि—जो झुठलाया न जा सके।

नाकाबिले मदद (ناقابل مدد) फा अ वि—जिसकी सहायता न की जा सके।

नाकाबिले मरम्मत (ناقابل مرمت) फा अ वि—जिसकी दुरुस्ती न की जा सके।

नाकाबिले मलामत (ناقابل ملامت) फा अ वि—जिसकी निंदा न की जा सके, जो भर्त्सना के योग्य न हो।

नाकाबिले मुआलजः (ناقابل معالجہ) फा अ वि—जिसकी चिकित्सा न हो सके, असाध्य।

नाकाबिले मुकाबलः (ناقابل مقابلہ) फा अ वि—जिसका मुकाबला न किया जा सके।

नाकाबिले मुदाखलत (ناقابل مداخلت) फा अ वि—जिसमें हस्तक्षेप न किया जा सके।

नाकाबिले मुदावा (ناقابل مداوا) फा अ वि—दे 'नाकाबिले मुआलज'।

नाकाबिले मुफ़ाहमत (ناقابل مفاہمت) फा अ वि—जिसमे समझौता न हो सके।

नाकाबिले मुवालात (ناقابل موالات) फा अ वि—जिसमे सहयोग न हो सके।

नाकाबिले मुसालहत (ناقابل مصالحت) फा अ वि—जिसमे सधि अथवा सुलह न हो सके।

नाकाबिले रजामदी (ناقابل رضامندی) फा अ वि—वह मुकद्दमा जिसमें दोनो पक्ष राज़ीनामा न कर सके।

नाक़ाबिले रह्म (ناقابل رحم) फा अ वि—जिस पर दया न की जा सके, जो दया का पात्र न हो।

नाकाबिले रिआयत (ناقابل رعایت) फा अ वि—जिसके साथ किसी प्रकार का शील-सकोच और रिआयत न हो सके।

नाकाबिले वक्अत (ناقابل وقعت) फा अ वि—जिसकी कोई प्रतिष्ठा न हो।

नाकाबिले वफा (ناقابل وفا) फा अ वि—वह प्रतिज्ञा जो पूरी न हो सके, वह वादा जो वफा न हो सके।

नाकाबिले शक (ناقابل شک) फा अ वि—जिसमे किसी सदेह की गुजाइश न हो, असदिग्ध।

नाकाबिले शनाख़्त (ناقابل شناخت) फा अ वि—जिसकी पहचान न हो सके।

नाकाबिले शिकस्त (ناقابل شکست) फा अ वि—जिसे हराया न जा सके, जिससे होड न की जा सके।

नाकाबिले शिकायत (ناقابل شکایت) फा अ वि—जिसकी शिकायत न की जा सके।

नाकाबिले शिफा (ناقابل شفا) फा अ वि—वह रोगी जो अच्छा न हो सके, असाध्य।

नाकाबिले शुमार (ناقابل شمار) फा अ वि—जो गिना न जा सके।

नाकाबिले सताइश (ناقابل ستائش) फा अ वि—जिसकी प्रशसा न हो सके।

नाकाबिले सज़ा (ناقابل سزا) फा अ वि—जिसे सज़ा न दी जा सके, अदडनीय।

नाक़ाबिले समाअत (ناقابل سماعت) फा अ वि—जो बात सुनने के योग्य न हो।

नाकाबिले सराहत (ناقابل صراحت) फा अ वि—दे नाकाबिले तस्रीह।

नाकाबिले सिफारिश (ناقابل سفارش) फा अ वि—जिसकी सिफारिश न की जा सके।

नाकाबिले सुल्ह (ناقابل صلح) फा अ वि—दे 'नाकाबिले मुसालहत'।

नाकाबिले हिफाजत (ناقابل حفاظت) फा अ वि—जिसकी रक्षा न हो सके, जो रक्षा करने के योग्य न हो।

नाकाबिले हुकूमत (ناقابل حکومت) फा अ वि—जो राज करने के योग्य न हो, जिस पर शासन न चल सके।

नाकाबिले हुसूल (ناقابل حصول) फा अ वि—जो प्राप्त न हो सके, जो हासिल न किया जा सके।

नाकाम (ناکام) फा वि—असफल, नाकामयाव, निराश, मायूस।

नाकामयाव (ناکامیاب) फा वि—असफलमनोरथ, नाकाम, अनुत्तीर्ण, फेल, असफल।

नाकामयावी (ناکامیابی) फा स्त्री—असफलता, नाकामी, उत्तीर्ण न होना, फेल हो जाना।

नाकामी (ناکامی) फा स्त्री—असफलता, नाकामयाबी, निराशा, नाउम्मीदी।

नाकामिए तक़दीर (ناکامئی تقدیر) फा स्त्री—भाग्य की वचना, भाग्य की कुटिलता—"बढते-बढते हद्दे मज़िल से भी आगे बढ गये, हम तो आजिज़ आ गये नाकामिए तक़दीर से।"

नाकामे आर्ज़ू (ناکام آرزو) फा वि—जो मनोरथ मे सफल न हो, जिसके प्रेम की आशाएँ असफल हो गयी हो।

नाकार' (ناکارہ) फा वि—निष्कर्म, निकम्मा, व्यर्थ, बेकार, निष्प्रयोजन, बेमतलब।

नाकारआमद (ناکار آمد) फा वि—जिसका कोई प्रयोजन न हो, निष्प्रयोजन।

नाकाश्त' (ناکاشتہ) फा वि—वह ज़मीन जो बोई जोती न गयी हो।

नाक़िद (ناقد) अ वि—आलोचक, समालोचक, तन्क़ीद निगार।

नाक़िल (ناقل) अ वि—नक्ल करनेवाला, प्रतिलिपिक, दूसरे से सुनी हुई बात कहनेवाला।

नाक़िस (ناقص) अ वि—अपूर्ण, नामुकम्मल, दूषित, विकृत, खराब, मिथ्या, कूट, खोटा, धूर्त, पाजी, अरबी का वह शब्द जिसका अतिम अक्षर अलिफ, वाव या ये हो।

नाक़िसुलअक़्ल (ناقص العقل) अ वि—मदबुद्धि, विकृत-बुद्धि, कमअक्ल।

नाक़िसुलख़िलक़त (ناقص الخلقت) अ वि—जिसके शरीर में कोई अग कम हो, विकलाग।

नाक़िसुलफ़हम (ناقص الفہم) अ वि—दे 'नाकिसुलअक्ल'।

नाक़ूस (ناقوس) अ पु—दर, कबु, शख, सख।

नाकेह (ناکح) अ वि—ब्याह (नकाह) करनेवाला।

नाख़ (ناخ) फा पु—नास्पाती की एक जाति।

नाख़लफ़ (ناخلف) फा अ वि—जो लडका बाप के सदाचरण पर न चले, कपूत।

नाख़िस (ناخس) अ वि—चुभनेवाला, गडनेवाला।

नाख़ुदा (ناخدا) फा पु—कर्णधार, नाविक, मल्लाह।

नाख़ुदातर्स (ناخداترس) फा वि—जो ईश्वर से न डरता हो, अर्थात् निर्दय, बेरहम।

नाख़ुदाई (ناخدائی) फा स्त्री—नाव चलाना, किश्तीरानी।

नाख़ुन (ناخنہ) फा पु—आँख का एक रोग जिसमे रक्त की एक बिंदी पड जाती है।

नाख़ुन (ناخن) फा पु—हाथ या पाँव के नाखून, नख।

नाख़ुनतराश (ناخن تراش) फा पु—नाखुन काटने का यत्र, नहन्नी।

नाख़ुश (ناخوش) फा वि—अप्रसन्न, नाराज़, रोगी, बीमार, क्रुद्ध, गुस्सा।

नाख़ुशगवार (ناخوش گوار) फा वि—जो मन को अच्छा न लगे, अरुचिकर।

नाख़ुशगवारी (ناخوش گواری) फा स्त्री—अप्रसन्नता, नाखुशी, अरुचि, बेरग़बती।

नाख़ुशी (ناخوشی) फा स्त्री—अप्रसन्नता, नाराज़ी, रोग, बीमारी, क्रोध, गुस्सा।

नाख़ूब (ناخوب) फा वि—जो अच्छा न हो, निकृष्ट, बुरा।

नाख़्वाद (ناخواندہ) फा वि—बे बुलाया हुआ, बे पढा-लिखा, अशिक्षित।

नाख़्वादगी (ناخواندگی) फा स्त्री—बे बुलाया हुआ होना, बे पढा-लिखा होना।

नाख़्वास्त' (ناخواستہ) फा वि—न चाहा हुआ।

नाख़्वास्त (ناخواست) फा वि—अनायास, अकस्मात्, बेइख्तियार।

नाख़्वाह (ناخواہ) फा वि—जो राजी न हो, अस्वीकृत।

नाग़ (ناغہ) तु पु—अनुपस्थिति, ग़ैरहाज़िरी।

नाग़ नवीस (ناغہ نویس) तु फा पु—एक कर्मचारी जो राजाओ या नव्वाबो की ड्योढी के मुलाज़िमीन की हाज़िरी लेता है।

नागवार (ناگوار) फा वि—जो पसद न हो, जो अच्छा न लगे, निस्स्वाद, बेमज़ा।

नागवारा (ناگوارا) फा वि—दे 'नागवार'।

नागवारी (ناگواری) फा स्त्री—अच्छा न लगना, पसद न होना।

नागह (ناگہ) फा वि—'नागाह' का लघु, दे 'नागाह'।

नागहाँ (ناگہاں) फा वि—अकस्मात्, अचानक, बेमौका, कुसमय, बिना इत्तिलाअ दिये।

नागहानी (ناگہانی) फा वि—आकस्मिक, इत्तिफ़ाक़ी, दैविक, ग़ैबी।

नागाह (ناگاہ) फा वि—अचानक, अकस्मात्, यकायक, सूचना दिये बग़ैर, बेख़बरी मे।

नागुज़ीर (ناگزیر) फा वि—जिसमे छुटकारा न हो, अनिवार्य, आवश्यक, लाज़िमी।

नागुफ़्त (ناگفتہ) फा वि—जो कहा न गया हो, अकथित।

नागुफ़्त बेह (ناگفتہ بہ) फा वि—जिसका न कहना ही अच्छा हो, जिसके कहने मे खराबी हो या लज्जा पडे, अकथ्य।

नागुफ़्तनी (ناگفتنی) फा अव्य—न कहने योग्य, अकथनीय।

नाचाक़ (ناچاق) फा तु वि—जो स्वस्थ न हो, अस्वस्थ।

नाचाकी (ناچاقی) फा तु स्त्री.—वैमनस्य, मनमुटाव, अनबन, बीमारी, रोग ।

नाचार (ناچار) फा वि—बेबस, असहाय, निराश्रय, दुखी, दीन, मुसीबतज़दा, मज्बूर, असमर्थ ।

नाचारी (ناچاری) फा स्त्री—बेबसी, बेकसी, आश्रय-हीनता, दुख, कष्ट, तकलीफ, असामर्थ्य, मज्बूरी ।

नाचीज (ناچیز) फा वि—हेच, पोच, नाकार, निकम्मा, नम्रता-प्रदर्शन के लिए वक्ता अपने को भी कहता है ।

नाज (ناز) फा पु—हाव-भाव, नाजोअदा, मान, अभिमान, घमड, गर्व, फख्र ।

नाजनीं (نازنیں) फा वि—मृदुल, कोमल, नाजुक, सुकुमारी, सुन्दरी ।

नाजपर्वर (ناز پرور) फा वि—दे 'नाज़पर्वर्द' ।

नाजपर्वर्दः (ناز پروردہ) फा वि—जिसका पालन-पोषण बडे लाड-प्यार से हुआ हो, सुकुमार, नाजुकवदन ।

नाजपेशः (ناز پیشہ) फा वि—जिसे हाव-भाव दिखाने की आदत हो, गणिका, तवाइफ, प्रेयसी, माशूका ।

नाजपेशगी (ناز پیشگی) फा स्त्री—नाज़ो अदा दिखाना, हाव-भाव से दिल लुभाना ।

नाजबरदार (ناز بردار) फा वि—नाज उठानेवाला, नायक, आशिक ।

नाजबरदारी (ناز برداری) फा स्त्री—नाज़ उठाना, खिदमत करना ।

नाजबालिश (ناز بالش) फा पु—पहलू का तकिया, वह तकिया जो बडे तकिए के अतिरिक्त इधर-उधर सहारे के लिए रहता है ।

नाजबू (ناز بو) फा स्त्री—एक प्रकार की चमेली ।

नाजाँ (نازاں) फा वि—अठलाता हुआ, नाज़ करता हुआ, गर्वान्वित, मग्रूर ।

नाजाईदः (نازائیدہ) फा वि—जो उत्पन्न न हुआ हो, अज्ञात ।

नाजिंस (ناجنس) फा अ वि—असभ्य, अशिष्ट, ना-मुहज़्ज़ब, जो सोसाइटी के काबिल न हो ।

नाजिम (ناظم) अ पु—व्यवस्थापक, मुतज़िम, मत्री, सेक्रेटरी ।

नाजिरः (ناظرہ) अ स्त्री—नाज़िर की स्त्री, देखनेवाली, (पु) कुरान का देखकर पढना, कठ न करना ।

नाजिरःख्वाँ (ناظرہ خواں) अ फा वि—कुरान को देखकर पढनेवाला, जो हाफिज न हो ।

नाजिर (ناظر) अ पु—देखनेवाला, दर्शक, एक कर्मचारी ।

नाजिरीन (ناظرین) अ पु—दर्शकगण, देखनेवाले, पढनेवाले ।

नाजिल. (نازلہ) अ पु—आपत्ति, विपद्, मुसीबत, सानिह ।

नाजिल (نازل) अ वि—उतरनेवाला, ऊपर से नीचे आने-वाला, उतरा हुआ, आया हुआ ।

नाजिश (نازش) फा स्त्री—नाज, हाव-भाव, गर्व, फख्र ।

नाजी (ناجی) अ वि—मुक्ति पानेवाला, मोक्ष प्राप्त करनेवाला, मुक्त, नजातयाफ्त ।

नाजीदः (نازیدہ) फा वि—गर्वान्वित, मग्रूर ।

नाजुक (نازک) फा वि—मृदुल, मुलाइम, कोमल, नर्म, सूक्ष्म, लतीफ, हलका-फुलका, बोदा, कमज़ोर, गूढ, दकीक, पेचदार, उलझा हुआ, दुबला-पतला, तीव्र, तेज़ ।

नाजुकअंदाम (نازک اندام) फा वि—जिसका शरीर दुबला-पतला हो, कृशाग ।

नाजुककमर (نازک کمر) फा वि—वह हसीन जिसकी कमर पतली हो, कटिक्षीणा ।

नाजुकख़याल (نازک خیال) फा अ वि—वह कवि जो कविता मे गूढ अर्थवाले भाव लाता हो ।

नाजुकतब्अ (نازک طبع) फा अ वि—दे 'नाजुकमिज़ाज' ।

नाजुकदिमाग़ (نازک دماغ) फा अ वि—चिडचिडे मिजाज का, जो बात-बात पर बिगडे, जो किसी की बात सहन न कर सके ।

नाजुकदिल (نازک دل) फा वि—जिसका हृदय कोमल हो, मृदुलहृदय ।

नाजुकवदन (نازک بدن) फा वि—दे 'नाजुकअदाम' ।

नाजुक मिजाज (نازک مزاج) फा अ वि—जिसका स्वभाव बहुत ही मृदुल हो, जिसका मिजाज चिडचिडा हो ।

नाजुकमिज़ाजी (نازک مزاجی) फा अ स्त्री—स्वभाव की कोमलता, चिडचिडापन ।

नाजूरः (ناطورہ) अ स्त्री—मालिन, मालिनी, प्रेयसी, प्रेमिका, महबूब ।

नाजूर (ناطور) अ पु—रक्षक, देख-रेख करनेवाला, निगह-बान ।

नाजेबा (نازیبا) फा वि—अनुचित, नामुनासिब, अश्लील, नामुहज़्ज़ब ।

नाज़ोनियाज (ناز و نیاز) फा पु—आशिक और माशूक के मुआमलात, आशिक की तरफ से नियाज़ और मा'शूक की तरफ से नाज़ ।

नाजोर (نازور) फा वि—अशक्त, निर्बल, नाताकत ।

ना'त (نعت) अ स्त्री—हज्रत मुहम्मद साहब की छदोबद्ध स्तुति ।

ना'तख्वाँ (نعت خواں) अ फा वि—मीलाद के जलसो में ना'त के शे'र पढनेवाला ।

ना'तगो (نعت گو) अ फा वि –वह शाइर जो केवल ना'त लिखता हो।

नातज्रिबःकार (ناتجربہ کار) फा अ वि –जिसे अनुभव न हो, अनाडी।

नातज्रिबःकारी (ناتجربہ کاری) फा अ स्त्री –अनुभवहीनता।

नातमाम (ناتمام) फा अ वि –अपूर्ण, अधूरा।

नातराशीद: (ناتراشیدہ) फा वि –असभ्य, अशिष्ट, नामुहज्ज़ब।

नातर्बियतयाफ्तः (ناتربیت یافتہ) फा अ वि –जिसने सभ्यता की शिक्षा न पायी हो, जो ट्रेंड न हो।

नातर्स (ناترس) फा वि –निर्दय, वेरहम।

नातर्सी (ناترسی) फा स्त्री –निर्दयता, वेरहमी।

नातलबीदः (ناطلبیدہ) फा वि –जो वुलाया न गया हो, अनाहूत।

नाताक़त (ناطاقت) फा अ वि –निर्बल, अशक्त, वेज़ोर।

नाताक़ती (ناطاقتی) अ फा स्त्री –निर्बलता, अशक्ति, कमज़ोरी।

नाता'लीमयाफ्त: (ناتعلیم یافتہ) फा अ वि –जो पढा-लिखा न हो, अशिक्षित, असभ्य, अशिष्ट, वेतमीज।

नातिक़ (ناطقہ) अ पु –वाक्यशक्ति, वाणी, कुव्वते गोयाई।

नातिक़ (ناطق) अ वि –वोलनेवाला, वक्ता, अतिम, आखिरी, जो टले नही।

नातुवाँ (ناتواں) फा वि –अशक्त, निर्बल, वेज़ोर।

नातुवाँबीं (ناتواں بیں) फा वि –डाह करनेवाला, ईर्ष्यालु, हासिद।

नातुवानी (ناتوانی) फा स्त्री –शक्तिहीनता, निर्बलता, कमजोरी।

नादान (نادان) फा वि –अनभिज्ञ, अनाडी, मूर्ख, नासमझ।

नादानिस्त (ندانستہ) फा वि –अनजान मे, वे जाने-वूझे।

नादानिस्तगी (ندانستگی) फा स्त्री –अनजानपन।

नादानी (نادانی) फा स्त्री –मूर्खता, वेवकूफी, अज्ञान, जहालत।

नादार (نادار) फा वि –दरिद्र, निर्धन, कगाल, मुफलिस।

नादारी (ناداری) फा स्त्री –दरिद्रता, निर्धनता, मुफलिसी।

नादाश्त (نداشت) फा वि –दरिद्र, कगाल, मुफलिस।

नादाश्ती (نداشتی) फा स्त्री –दरिद्रता, कगाली, गरीवी।

नादिम (نادم) अ वि –लज्जित, सकुचित, शर्मिंदा, पछतानेवाला।

नादिर (نادرہ) अ वि –अद्भुत, अजीवोगरीव।

नादिर (نادر) अ वि –अद्भुत, अजीवोगरीव, श्रेष्ठ, उत्तम, वढिया।

नादिरए रोज़गार (نادرۂ روزگار) अ फा वि –दुनिया भर मे सबसे श्रेष्ठ।

नादिरी (نادری) अ स्त्री –नादिर वादशाह से सम्वन्धित, गजिफे का इक्का, एक प्रकार की वडी।

नादिहद (نادہند) फा वि –जो रुपया लेकर देने मे वहुत टालमटोल करे, लेकर न देनेवाला।

नादिहदगी (نادہندگی) फा स्त्री –रुपया उधार लेकर फिर न देना।

नादी (نادی) अ वि –पुकारनेवाला, वुलानेवाला।

नादीद (نادیدہ) फा वि –जिसे देखा न हो, अनदेखा, अदृष्ट।

नादीद मुश्ताक (نادیدہ مشتاق) फा अ वि –देखने का अभिलाषी, जिसने कभी न देखा हो।

नानेजवीं (نان جویں) फा स्त्री –जौ की रोटी, मोटी-झोटी रोटी।

नादीदनी (نادیدنی) फा अव्य –जो देखने के काविल न हो, अदर्शनीय।

नादुरुस्त (نادرست) फा वि –जो शुद्ध न हो, अशुद्ध, जो सत्य न हो, झूठ, गैर सरम्मतशुदा।

नादुरुस्ती (نادرستی) फा स्त्री –अशुद्धि, ठीक न होना, असत्यता, झूठ, वेमरम्मती।

नान (نان) फा स्त्री –रोटी, रोटिका, खमीरी रोटी, नाँद।

नानकार (نان کار) फा स्त्री –वह ज़मीन जो सेवक को उसकी गुज़र-वसर के लिए पुरस्कार के तौर पर दी जाय।

नानकोर (نان کور) फा वि –कृतघ्न, विश्वासघाती, नमकहराम।

नानख़ताई (نان خطائی) फा स्त्री –एक प्रकार का मीठा विस्कुट।

नानखुरिश (نان خورش) फा स्त्री –सालन, वह चीज़ जिसके साथ रोटी खायी जाय।

नानख़्वाह (نانخواہ) फा स्त्री –अजवाइन, यमानिका।

नानपज (نان پز) फा पु –रोटी पकानेवाला, नानवाई।

नानफरोश (نان فروش) फा पु –रोटी वेचनेवाला, नानवाई।

नानवा (نانبا) फा पु –नानपज, नानवाई।

ना'ना'अ (نعناع) अ पु –एक प्रकार का पोदीना।

नाने आवी (نان آبی) फा स्त्री –आवी रोटी।

नाने खुश्क (نان خشک) फा स्त्री –सूखी रोटी, मोटी-सोटी रोटी।

नापदीद (ناپدید) फा वि –गुप्त, अव्यक्त, छिपा हुआ।

नापर्वा (ناپروا) फा वि –बेपर्वा, जिसे किसी बात की चिन्ता न हो।

नापर्हेज़गार (ناپرهیزگار) फा वि –जो पर्हेज़गार न हो।

नापसंद (ناپسند) फा वि –अरुचिकर, ग़ैर मर्ग़ूब।

नापसंदीदः (ناپسندیده) फा अ वि –जो पसद न हो, अरुचिकर, अप्रिय।

नापसंदीदःकार (ناپسندیده‌کار) फा वि –वह व्यक्ति जो ऐसे काम करता हो जो अच्छे न हों, अप्रियकर।

नापसंदीदगी (ناپسندیدگی) फा स्त्री –पसद न होने का भाव, अरुचि।

नापाइदार (ناپائدار) फा वि –अदृढ, जो मजबूत न हो, अस्थायी, आरिज़ी, अनिश्चित, गैर यकीनी।

नापाक (ناپاک) फा वि –अपवित्र, अशुचि, जो पाक न हो, मलदूपित, नजासत आलूद।

नापाकी (ناپاکی) फा स्त्री –अशुद्धता, अपवित्रता, गदगी।

नापुख़्तः (ناپخته) फा वि –जो पक्का न हो, अपक्व, जो मजबूत न हो, अदृढ।

नापुख़्तःकार (ناپخته‌کار) फा वि –नातज्रिब कार, अननुभवी।

नापुख़्तगी (ناپختگی) फा स्त्री –अपरिपक्व, कच्चापन, अदृढता, वोदापन।

नापैद (ناپید) फा वि –अप्राप्य, नायाब, अन्तर्द्धान, गाइब, लुप्त, पोशीदा।

नापैदा (ناپیدا) फा वि –दे 'नापैद'।

नापैदाकनार (ناپیداکنار) फा वि –जिसका छोर न मिल सके, जिसका किनारा न मिले, अपार।

नाफः (نافه) फा पु –मृगनाभि।

नाफ (ناف) फा स्त्री –नाभि, तुदी, तुद कूपी।

नाफ़ए आहू (نافۂ آهو) फा पु –मृगनाभि।

नाफ़ए मुश्क (نافۂ مشک) फा पु –मृगनाभि, वह थैली जिसमे मुश्क रहती है।

नाफपेच (نافپیچ) फा स्त्री –पेचिश।

नाफ़र्जाम (نافرجام) फा वि –जिसके काम का परिणाम अच्छा न हो, बदअजाम।

नाफ़र्मान (نافرمان) फा वि –अवज्ञाकारी, हुक्म न मानने-वाला, उद्दड, सरकश।

नाफ़र्मानी (نافرمانی) फा स्त्री –अवज्ञा, हुक्मउदूली, उद्दडता, सरकशी।

नाफ़ह्म (نافهم) फा अ वि –जिसकी समझ मोटी हो, जो बात न समझ सके।

नाफ़ह्मी (نافهمی) फा अ स्त्री –बेअक्ली, अज्ञान, मूर्खता।

नाफ़िज़ (نافذ) अ वि –हुक्म जारी होना, कानून लागू होना।

नाफ़िर (نافر) अ वि –घिन करनेवाला, घृणी।

नाफ़ी (نافی) अ वि –नफी करनेवाला।

नाफ़े' (نافع) अ वि –लाभदायक, लाभकारक, नफा देने-वाला।

नाफ़े ज़मीं (ناف زمیں) फा स्त्री –मक्का।

नाफ़े हफ़्तः (ناف هفته) फा स्त्री –मगलवार, मगल।

नाबः (نابه) फा वि –शुद्ध, निर्मल, ख़ालिस, तेज़ और निर्मल मदिरा।

नाब (ناب) फा वि –ख़ालिस, निर्मल।

नाब (ناب) अ पु –दत, दाँत।

नाबकार (نابکار) फा वि –नालाइक, अधम, पामर, नीच।

नाबदान (نابدان) फा स्त्री –मकान की मोरी।

नाबलद (نابلد) फा वि –अनभिज्ञ, अनजान, नावाकिफ।

नाबाइस्तः (نابائسته) फा वि –नाशाइस्त, अशिष्ट, असभ्य।

नाबालिग़ (نابالغ) फा अ वि –जो बालिग न हो, अवयस्क।

नाबालिग़ी (نابالغی) फा अ स्त्री –अवयस्कता, जवानी को न पहुँचना।

नाबित (نابت) अ वि –उगनेवाला, उपजनेवाला।

नाबीना (نابینا) फा पु –अध, अधा, नेत्रहीन।

नाबूद (نابود) फा वि –नष्ट, विध्वस्त, बरबाद, लुप्त, गाइब।

नामंज़ूर (نامنظور) फा अ वि –अस्वीकृत, अनगीकृत, जो मजूर न हो, रद, ख़ारिज।

नामंज़ूरी (نامنظوری) फा अ स्त्री –अस्वीकृति, ख़ारिज होना, रद होना।

नामः (نامه) फा पु –चिट्ठी, ख़त, पत्र, ग्रथ, पुस्तक, (योग मे) जैसे—'शाहनाम'।

नामःनिगार (نامه‌نگار) फा पु –सवाददाता, सवाददाता, करस्पाडेट।

नामःबर (نامه‌بر) फा पु –ख़त ले जानेवाला, डाकिया, पत्रवाहक।

नामःरसाँ (نامه‌رساں) फा पु –दे 'नाम बर'।

नामःसियाह (نامه‌سیاه) फा वि –जिसका नामए आमाल (कर्मपत्र) बिलकुल काला हो, पापी, दुष्कर्मी, गुनाहगार।

नाम (نام) फा पु –सज्ञा, इस्म, यश, नामवरी, ख्याति, शोहरत, प्रतिष्ठा, इज़्ज़त, स्मरण-चिह्न, यादगार, उपाधि, लकब, धूम, गुह्र।

नामआवर (نام آور) फा वि—ख्यातिप्राप्त, मशहूर, यशस्वी, कीर्तिवान्, साहिबे फ़ैज।

नामआवरी (نام آوری) फा स्त्री—सुख्याति, शोहरत, यश, कीर्ति, फ़ैज़।

नामए अमल (نامۂ عمل) फा अ पु—दे 'नामए आ'माल'।

नामए आ'माल (نامۂ اعمال) फा अ पु—वह कागज़ जिस पर यमदूत हरेक व्यक्ति के सत्कर्म और कुकर्म लिखते हैं, कर्मपत्र।

नामए शौक़ (نامۂ شوق) फा अ पु—मुहब्बत का खत, प्रेमपत्र।

नामक़्बूल (نامقبول) फा अ वि—जो स्वीकार न किया जा सके, अस्वीकृत।

नामज़द (نامزد) फा वि—दे 'नामज़द'।

नामज़द (نامزد) फा वि—ख्यात, मशहूर, किसी काम या चुनाव के लिए मुतख़ब, मनोनीत, नाम निर्दिष्ट, वह लड़की जो किसी की मँगेतर हो चुकी हो।

नामज़दगी (نامزدگی) फा स्त्री—चुनाव आदि मे नामज़द होना, नामनयन, नाम-निर्देशन, किसी काम के लिए किसी का तकर्रुर।

नामजू (نامجو) फा वि—नामवरी चाहनेवाला।

नामत्बूअ (نامطبوع) फा अ वि—अप्रिय, अरुचिकर, नामर्गूब, अप्रकाशित, जो छपा न हो।

नामत्लूब (نامطلوب) फा अ वि—जिसकी चाह न हो, अवांछित।

नामदार (نامدار) फा वि—यशवान्, नामवर, प्रतिष्ठित, जी इज्ज़त, ख्यातिप्राप्त, मशहूर।

नामवरदार (نامبردار) फा वि नामी, प्रतिष्ठित।

नामबुर्द (نامبرده) फा वि—पहले कहा हुआ व्यक्ति, जिस आदमी का पहले जिक्र हो चुका हो, पूर्वोक्त।

नामर्द (نامرد) फा वि—भीरु, डरपोक, बुज़दिल, क्लीव, नपुसक, हीजड़ा।

नामर्दी (نامردی) फा स्त्री—भीरुता, डरपोकपन, बुज़दिली, क्लीवत्व, नपुसकता, जनानापन।

नामर्दुम (نامردم) फा वि—अधम, पामर, नीच, लोफर।

नामर्दुमी (نامردمی) फा स्त्री—अधमता, नीचता, कमीनगी।

नामर्बूत (نامربوط) फा अ वि—जो क्रमबद्ध न हो, असबद्ध, अनमिल, बेजोड, अड-बड।

नामवर (نامور) फा वि—मशहूर, प्रसिद्ध, ख्यातिप्राप्त, यशवान्, पुण्यश्लोक, बाफ़ैज।

नामवरी (ناموری) फा स्त्री—ख्याति, शोहरत, यश, कीर्ति, फ़ैज़।

नामशुरूअ (نامشروع) फा अ वि—जो काम शर्अ के विरुद्ध हो, अविहित।

नामस्मूअ (نامسموع) फा अ वि—जो सुना न हो, अश्रुत।

नामहूदूद (نامحدود) फा अ वि—अपार, असीम, जिसकी हद न हो।

नामहूरूम (نامحروم) फा अ वि—वह मर्द जिससे स्त्री का पर्दा जाइज़ हो, अपरिचित, अजनबी।

नामा'क़ूल (نامعقول) फा अ वि—अनुचित, नामुनासिब, अश्लील, फुहश, अनर्थक, बेहूद, बुद्धि मे आ न सकनेवाली बात, अरुचिकर, नापसदीद, असभ्य, अशिष्ट, गैर मुहज्ज़ब।

नामानूस (نامانوس) फा अ वि—जिसकी ओर रुचि और लगाव न हो, जो पसद न हो।

नामा'लूमुलइस्म (نامعلوم الاسم) फा अ वि—जिसका नाम न मालूम हो, अज्ञातनाम।

नामा'लूम (نامعلوم) फा अ वि—जिसका पता न हो, अज्ञात।

नामिय (نامیہ) अ स्त्री—उगने और बढने की कुव्वत, विकास-शक्ति।

नामी (نامی) फा वि—प्रसिद्ध, मशहूर, यशवान्, बाफ़ैज़, श्रेष्ठ, मुअज़्ज़ज।

नामीद (نامیده) फा वि—नाम रखा हुआ।

नामुआफ़िक़ (ناموافق) फा अ वि—प्रतिकूल, अननुकूल, मुख़ालिफ।

नामुकम्मल (نامکمل) अ फा वि—जो पूरा न हो, अपूर्ण, अधूरा, जो अभी खत्म न हुआ हो, असमाप्त।

नामुतनाही (نامتناہی) फा अ वि—असीम, अपार, बेहद, जिसकी इतिहा न हो।

नामुनासिब (نامناسب) फा अ वि—जो उचित न हो, अनुचित, जो श्लील न हो, अश्लील, फुहश।

नामुबारक (نامبارک) फा अ वि—जो शुभ न हो, अशुभ, अमांगलिक।

नामुम्किन (ناممکن) फा अ वि—जो हो न सके, असभव।

नामुराद (نامراد) फा वि—असफलमनोरथ, नाकाम, दुर्भाग्यवान्, अभागा, बदनसीब।

नामुरादी (نامرادی) फा स्त्री—मनोरथ में असफलता, नाकामी, बदनसीबी, दुर्भाग्य।

नामुलाइम (ناملائم) फा अ वि—जो मुलाइम न हो, कठोर, सख़्त, जो श्लील न हो, अश्लील, नामुहज़्ज़ब।

नामुशख़्ख़स (نامشخص) फा अ वि—जिसकी तशख़ीस न हुई हो, अज्ञात, अकुलीन, अज्ञातकुल।

नामुसाअदत (نامساعدت) फा अ स्त्री—प्रतिकूलता, नामुआफकत, नासाज़गारी।

नामुसाइद (نامساعد) फा अ वि—प्रतिकूल, मुख़ालिफ।

नामुसावी (نامساوی) फा अ वि—जो बराबर न हो, विपम, जो यकसाँ न हो, असमान।

नामूस (ناموس) अ पु—लज्जा, लाज, ग़ैरत, सतीत्व, इस्मत, मर्यादा , पत्नी, स्त्री।

नामूसियः (ناموسیہ) अ स्त्री—मच्छरदानी।

नामूसे अक्बर (ناموس اکبر) अ पु—नियम, काइदा, विधान, दस्तूर, जिब्रील।

नामे ख़ुदा (نام خدا) फा अव्य—जहाँ नज़र लगने का भय हो वहाँ बोलते हैं, जैसे—अब वह नामे ख़ुदा तनदुरुस्त है, वाह वाह, माशा अल्लाह की जगह, प्रशसा के लिए।

नामेह्रबाँ (نامہرباں) फा वि—बेरहम, दयाहीन, दुश्मन, शत्रु।

नामेह्रबानी (نامہربانی) फा स्त्री—बेरहमी, निर्दयता, शत्रुता, बैर ।

नामो'तबर (نامعتبر) फा अ वि—जिसका एतिबार न हो, अविश्वस्त।

नामौज़ूँ (ناموزوں) फा अ. वि—अनुचित, नामुनासिब, अश्लील, नामुहज्जब, वह शेर या मिस्रा जो वज़्न से खारिज हो ।

नामौजूद (ناموجود) फा अ वि—जो मौजूद न हो, अनुपस्थित।

नामौजूदगी (ناموجودگی) फा अ स्त्री—अनुपस्थिति, अविद्यमानता।

नामौज़ूनी (ناموزونی) फा अ स्त्री—अनुचितपन, नामुनासिब होना, शे'र या मिस्रे का वज़्न में न होना।

नायाब (نایاب) फा वि—जिसका मिलना सभव न हो, अप्राप्य।

नायाबी (نایابی) फा स्त्री—अप्राप्ति, फुक्दान।

नारंज (نارنج) फा पु—सगतर, सतरा, नारगी ।

नारंजी (نارنجی) फा वि—नारगी के रग का।

ना'रः (نعرہ) अ पु—जोर की आवाज, ललकार, माँग, मुतालबा, किसी माँग या मुतालबे के लिए, उसी आशय के सक्षिप्त शब्दो की घोषणा।

ना'र ज़न (نعرہزن) अ फा वि—नारा लगानेवाला।

ना'र.ज़नी (نعرہزنی) अ फा स्त्री—नारे लगाना।

नार (نار) अ स्त्री—आग, अग्नि, नरक, दोजख़।

नार (نار) फा पु—अनार, दाडिम।

नारजील (نارجیل) फा पु—नारियल, नारिकेल, गरी, खोपरा।

नारजीले दर्याई (نارجیل دریائی) अ फा पु—समुद्र मे पैदा होनेवाला नारियल, पपीता जो हैजे मे काम आता है।

नारदान (ناردان) फा पु—अनार के बीज, खट्टे अनार के दाने।

नारपिस्ताँ (نار پستاں) फा वि—वह स्त्री जिसकी छातियाँ कठोर हो।

नारबुन (ناربن) फा पु—अनार का पेड, दाडिम वृक्ष।

नारवन (ناروں) फा पु—गुलनार, अनार का एक प्रकार।

नारवा (ناروا) फा वि—जो उचित न हो, अनुचित, नामुनासिब, जो जाइज न हो, अविहित।

नारस (نارس) फा वि—वह फल जो अभी पका न हो, कच्चा।

नारसा (نارسا) फा वि—जो पहुँच न सके, जो पा न सके।

नारसाई (نارسائی) फा स्त्री—पहुँच न होना, पा न सकना।

नारसी (نارسی) फा स्त्री—दे 'नारसाई'।

नारसीदः (نارسیدہ) फा वि—जो फल पका न हो, जो बालिग न हो, अवयस्क, जो अनुभवहीन हो, अनाडी।

नारसीदगी (نارسیدگی) फा स्त्री—फल का पका न होना, कच्चापन, अनुभवहीनता, अनाडीपन।

नाराज(ناراض)फा अ वि—अप्रसन्न, नाखुश, क्रुद्ध, गुस्से मे।

नाराज़ी (ناراضی) फा अ स्त्री—अप्रसन्नता, नाखुशी, क्रोध, कोप, गुस्सा।

नारास्त (ناراست) फा वि—जो सीधा न हो, वक्र, टेढा, जो सच न हो, असत्य, झूठ, खोटा आदमी, धूर्त।

नारास्ती (ناراستی) फा स्त्री—वक्रता, टेढापन, असत्यता, झूठ, खोटापन, धूर्तता।

नारी (ناری) अ वि—नारकी, दोजखी, अग्नि से उत्पन्न प्राणिवर्ग, जिन, परी।

नारे जहन्नम (نار جہنم) अ स्त्री—नरक की आग, दोज़ख की आग।

नारे दोजख़ (نار دوزخ) अ फा स्त्री—दे 'नारे जहन्नम'।

नारे फार्सी(نار فارسی) अ फा स्त्री—उपदश, गर्मी रोग।

नारे सईर (نار سعیر) अ स्त्री—दे 'नारे जहन्नम'।

नालः (نالہ) फा पुं—आर्तनाद, फर्याद, चीत्कार, चीख, कोलाहल, शोर।

नालःकश (نالہکش) फा वि—नाला करनेवाला, फर्याद करनेवाला।

नालःकुनाँ (نالہکناں) फा वि—नाल करता हुआ, फर्याद करता हुआ।

नालःगर (نالہگر) फा वि—दे 'नाल कश'।

नालःज़न (نالہزن) फा वि—दे 'नाल कश'।

नाल (نال) फा स्त्री—वह महीन सूत-जैसे रेशे जो कलम के भीतर होते हैं, भीतर से खाली नरकट, नलकी।

ना'ल (نعل) अ पु—जूता, पादुका, घोडे या बैल आदि के पाँव मे जडा जानेवाला लोहे का हल्क, जूते मे जडा जानेवाला लोहे का हल्क।

ना'लैन (نعلین) अ पु—दोनो जूते, जूते का जोडा।

ना'ल दर आतश (نعل در آتش) अ फा वि—व्याकुल, आतुर, बेकरार।

ना'लबंद (نعل بند) अ फा वि—जूतो या चौपायो के पाँव मे नाल बाँधनेवाला।

ना'लबहा (نعل بہا) अ फा पु—खिराज, चौथ, राजकर।

नालाँ (نالاں) फा वि—रोता-चिल्लाता हुआ, वावैला करता हुआ,—"बहार आयी चमन मे, और तू इतनी परीशाँ है, बता बुलबुल! तुझे क्या दर्द है, तू जिससे नालाँ है!", अनुचित, नामुनासिब।

नालाइक़ (نالائق) फा अ वि—अयोग्य, नाअह्ल, नीच, कमीना, अशिष्ट, उजड्ड, धूर्त, चालाक, दुरात्मा, बदवातिन।

नालिंद (نالندہ) फा वि—रोनेवाला, नाल करनेवाला।

नालिश (نالش) फा स्त्री—आर्तनाद, फर्याद, वाद, दावा, किसी के अत्याचार की शिकायत।

नालिशी (نالشی) फा वि—फर्याद करनेवाला, दावा करनेवाला, वादी।

नालीद (نالیدہ) फा वि—रोया हुआ, रुदित।

नालीदनी (نالیدنی) फा अव्य—रोने के लाइक।

ना'ले चोबीं (نعل چوبیں) अ फा पु—खडाऊँ, चट्टी, पादुका।

नाव' (ناوہ) फा पु—परनाला, वह लकडी या मिट्टी का परनाला जो छतो में लगता है।

नाव (ناو) फा स्त्री—किश्ती, नौका, नाव।

नावक (ناوک) फा पु—एक प्रकार का छोटा तीर, जिसकी मार कडी होती है।

नावकदाज (ناوک انداز) फा वि—दे नावक अदाज, उच्चारण दोनो तरह होता है।

नावकअदाज (ناوک انداز) फा वि—तीर चलानेवाला, काडीर।

नावकअफ्गन (ناوک افگن) फा वि—दे 'नावकअदाज'।

नावकफिगन (ناوک فگن) फा वि—दे 'नावकअंदाज'।

नावदान (ناودان) फा पु—मोरी, नावदान, परनाला।

नायनोश (نایونوش) फा स्त्री—पीना-पिलाना, मयनोशी, शराव और नग्म, रगरलयाँ।

नावर्द (ناورد) फा स्त्री—युद्ध, लडाई, जग।

नावाकिफ (ناواقف) फा अ वि—अनभिज्ञ, अनाडी, अपरिचित, अनजान, अज्ञात, नामालूम।

नावाकिफीयत (ناواقفیت) फा अ स्त्री—अनभिज्ञता, अनाडीपन, अपरिचय, अनजानपन।

नावाजिब (ناواجب) फा अ वि—जो उचित न हो, नामुनासिब, जो श्लील न हो, नामुहज्जब।

ना'श (نعش) अ स्त्री—जनाजा, शव, अरथी।

नाशनास (ناشناس) फा वि—न पहचाननेवाला, जो पहचानता न हो, अपरिचित।

नाशनासाई (ناشناسائی) फा स्त्री—परिचय न होना, न पहचानना, अपरिचय।

नाशाइस्त: (ناشائستہ) फा वि—अनुचित, नामुनासिव, अशिष्ट, वदतहजीव, अश्लील, फुहश।

नाशाइस्त:अत्वार (ناشائستہ اطوار) फा अ वि—जिसका आचरण श्लील और सभ्य न हो।

नाशाइस्तगी (ناشائستگی) फा स्त्री—अशिष्टता, वदतहजीवी, अश्लीलता, फक्कडपन।

नाशाद (ناشاد) फा वि—जो खुश न हो, अप्रसन्न, खिन्न, मलिन, अफसुर्द, अभागा, बदनसीब।

नाशादमाँ (ناشادماں) फा वि—दे 'नाशाद'।

नाशादमानी (ناشادمانی) फा स्त्री—अप्रसन्नता, नाखुशी, खिन्नता, मलिनता, अफसुर्दगी।

नाशिकेब (ناشکیب) फा वि—दे 'नाशिकेबा'।

नाशिकेबा (ناشکیبا) फा वि—आतुर, व्याकुल, बेचैन, असहिष्णु, नामुतहम्मिल, अधीर, बेसब्र।

नाशिकेबाई (ناشکیبائی) फा स्त्री—आतुरता, बेचैनी, अधीरता, बेसब्री, असहिष्णुता, बेतहम्मुली।

नाशिता (ناشتا) फा पु—सवेरे से नहार मुँह होना, दे 'नाश्ता'।

नाशिर (ناشر) अ पु—प्रसारक, सबमे फैलानेवाला, प्रकाशक, पब्लिशर।

नाशिरात (ناشرات) अ स्त्री—आँधियाँ और झक्कड।

नाशी (ناشی) अ वि—उत्पन्न होनेवाला, पैदा होनेवाला, युवक, युवा, नौजवान।

नाशुक्र (ناشکر) फा अ पु—अकृतज्ञ, कृतघ्न, एहसान फरामोश, नमकहराम।

नाशुक्रगुज़ार (ناشکرگزار) फा अ वि—जो किसी की भलाई का शुक्रिया अदा न करे, कृतघ्न।

नाशुक्रगुज़ारी (ناشکرگزاری) फा अ स्त्री—उपकार पर कृतज्ञता न प्रकट करना, कृतघ्नता, एहसान फरामोशी।

नाशुदनी (ناشدنی) फा वि –असभव, अशक्य, नामुम्किन, अभागा, वदनसीव।

नाशुन्वा (ناشنوا) फा वि –जो किसी की वात न सुनता हो, जिसके यहाँ किसी की पूछताछ न हो।

नाश्ता (ناشتا) फा पु –सवेरे का थोडा-सा खाना, जलपान, उपाहार।

नाश्पाती (ناشپاتی) फा स्त्री –एक प्रसिद्ध फल, नासपाती।

नास (ناس) अ पु –एक आदमी, वहुत-से आदमी।

नासज़ा (ناسزا) फा वि –अनुचित, नामुनासिव, अश्लील, नाजेवा।

नासबूर (ناصبور) फा अ वि –अधीर, वेसव्रा, आतुर, जल्दवाज।

नासब्र (ناصبر) फा अ वि –दे 'नासवूर'।

नासरः (ناسره) फा वि –वह सिक्का जो वाजार मे न चले, खोटा, कूट, वह सोना या चाँदी जिसमे मिलावट या आमेजिश हो।

नासवाव (ناصواب) फा अ वि –जो सत्य न हो, झूठ, जो ठीक न हो, अशुद्ध।

नासाज़ (ناساز) फा वि –नादुरुस्त, गैरसहीह, अननुकूल, प्रतिकूल, नामुआफिक।

नासाजगार (ناسازگار) फा वि –अननुकूल, प्रतिकूल, मुख़ालिफ।

नासाज़ी (ناسازی) फा स्त्री –नादुरुस्ती, खरावी, प्रतिकूलता, मुखालफत।

नासाफ (ناصاف) फा अ वि –जो साफ और स्वच्छ न हो, जो ख़ालिस न हो।

नासिक (ناسک) अ वि –ईश्वराराधना करनेवाला, इवादतगुजार, वलिदान करनेवाला, कुर्वानी करनेवाला।

नासिख़ (ناسخ) अ वि –लिखनेवाला, लिपिक, रद करनेवाला, निरसक (उर्दू के एक प्रसिद्ध कवि)।

नासितूदः (ناستوده) फा वि –अप्रशसित, जिसकी तारीफ न की गयी हो।

नासिपास (ناسپاس) फा वि –नाशुक्रा, अकृतज्ञ, नमकहराम।

नासिपासगुजार (ناسپاس‌گزار) फा वि –उपकार की कृतज्ञता न माननेवाला।

नासिपासी (ناسپاسی) फा स्त्री –उपकार न मानना, कृतघ्नता, नमकहरामी।

नासिव (ناصب) अ वि –स्थापना करनेवाला, लगानेवाला; ज़वर देनेवाला।

नासिवी (ناصبی) अ वि –हज़्रत अली को वुरा कहनेवाला सप्रदाय, उक्त संप्रदाय का व्यक्ति।

नासियः (ناصیه) अ पु –माथा, ललाट, भाल, पेशानी।

नासियःफर्सा (ناصیه‌فرسا) अ फा वि –माथा रगडनेवाला अर्थात् ख़ुशामद करनेवाला, ज़मीन पर माथा रखकर पूजा या प्रणाम करनेवाला।

नासिय.सा (ناصیه‌سا) अ फा वि –दे 'नासिय फर्सा'।

नासिर (ناصر) अ वि –सहायक, मददगार, पृष्ठ-पोषक, हिमायती।

नासिर (ناثر) अ वि –नस्र लिखनेवाला, गद्यलेखक।

नासी (ناسی) अ वि –भूल जानेवाला, भूलनेवाला।

नासुतुर्दः (ناسترده) फा वि –जिसका सर मूँडा न गया हो।

नासुफ्तः (ناسفته) फा वि –जिसमे छेद न हुआ हो, अनविधा (मोती), कुमारी, अक्षता, वाकिंर।

नासूत (ناسوت) अ पु –हमारा ससार, मर्त्यलोक, दुनिया।

नासूर (ناسور) अ पु –एक प्रकार का घाव जो हमेशा रिस्ता रहता है और कभी अच्छा नही होता, नाडीव्रण।

नासेह (ناصح) अ पु –नसीहत करनेवाला, सदुपदेशक, साहित्यिक परिभाषा मे प्रेम-त्याग का उपदेश देनेवाला।

नासेहे मुश्फिक़ (ناصح مشفق) अ पु –दयावान् और नम्र स्वभाववाला, नासेह।

नास्पाल (ناسپال) फा पु –अनार का छिलका।

नाहंजार (ناهنجار) फा वि –अधम, नीच, कमीना, कदाचारी, दुष्कर्मी, वदचलन।

नाहक (ناحق) फा अ वि –अकारण, वेसवव, अन्याय, अनीति, नाइसाफी।

नाहककोश (ناحق‌کوش) फा अ वि –अनीति और अन्याय की ओर प्रवृत्त रहनेवाला।

नाहक़शनास (ناحق‌شناس) फा अ वि –सच्चाई को न पहचाननेवाला, खुदा को न पहचाननेवाला।

नाहक़शनासी (ناحق‌شناسی) फा अ स्त्री –खुदा को न पहचानना, सच्चाई को न पहचानना, अन्याय, अनीति।

नाहमदर्द (ناهمدرد) फा वि –जिसमे सहानुभूति न हो, वेमुरव्वत, दु शील।

नाहमवार (ناهموار) फा वि –जो समतल न हो, ऊँचा-नीचा, जो सभ्य और शिष्ट न हो, उजड्ड, असम।

नाहार (ناهار) फा वि –जो सवेरे से भूखा हो, नहारमुँह।

नाहियः (ناحیه) अ पु –किनारा, छोर, हद, किसी देश की आख़िरी हद।

नाही (ناهی) अ वि –रोकनेवाला, निवारक, मना करनेवाला, निपेधक।

नाही (ناحی) अ वि –इरादा करनेवाला, सकल्पकर्ता।

नाहीद (ناهید) फा स्त्री –शुक्र ग्रह, जुह्ल।

नि

निअम (نعم) अ स्त्री –'ने'मत' का वहु , ने'मतें, अच्छी-अच्छी चीज़े।

निआल (نعال) अ पु –'ना'ल' का वहु , जूते, पादुकाएँ, घोडे के नाल ।

निकात (نقاط) अ पु –'नुक्त ' का वहु , विंदियाँ, नुक्ते, शून्य।

निकात (نكات) अ पु –'नुक्त ' का वहु , सूक्ष्म और गूढ वातें।

निक़ाब (نقاب) अ स्त्री –मुखावरण, मुखपट, वुर्क़ा, ओट, पर्दा (नकाब) ।

निक़ाबकुशाई (نقاب‌كشائی) अ फा स्त्री –दुल्हन के मुँह से निकाव उठाने की रस्म, किसी चित्र पर से पर्दा उठाने का उत्सव, अनावरण।

निकाबपोश (نقاب‌پوش) अ फा वि –जो अपना मुँह छिपाये हो, जिसके मुँह पर निकाव पडी हो।

निकाबे रुख़ (نقاب رخ) अ फा स्त्री –मुखपट, वुर्क़ा, घूँघट।

निकार (نقار) अ पु –द्वेष, वैर, कीना ।

निकाह (نكاح) अ पु –पाणि-ग्रहण, विवाह, व्याह।

निकाहनाम. (نكاح‌نامه) अ फा पु –वह पत्र जिसमें व्याह की शर्तें लिखी हो ।

निकाहे सानी (نكاح ثانى) अ पु –दूसरा व्याह, पहले पति के मरने पर दूसरे व्यक्ति के साथ व्याह, पुनर्विवाह।

निको (نكو) फा वि –उत्तम, श्रेष्ठ, अच्छा, सुन्दर, हसीन।

निकोई (نكوئى) फा स्त्री –उत्तमता, अच्छाई, सुन्दरता, हुस्न।

निकोकार (نكوكار) फा वि –अच्छे आचरणवाला, सदाचार।

निकोख़्वाह (نكوخواه) फा वि –भलाई चाहनेवाला, शुभ-चिंतक, हितैषी ।

निकोनाम (نكونام) फा वि –नामवर, उत्तमयश, कीर्तिमान्।

निकोहिश (نكوهش) फा स्त्री –भर्त्सना, डाँट-फटकार, निंदा, बुराई ।

निकोहीद (نكوهيده) फा वि –निंदित, कुत्सित, धिक्कृत।

निक्मत (نقمت) अ स्त्री –कष्ट, पीडा, यातना, अज़ाव, द्वेष, कीना ।

निक़्रिस (نقرس) अ पु –कमर की जड से अँगूठे तक पूरे पाँव में होनेवाला एक दर्द ।

निख़्वत (نخوت) अ स्त्री –अभिमान, अहकार, गुरूर।

निख़्वतपसद (نخوت‌پسند) अ फा वि –अभिमानी, अहकारी, मग़रूर ।

निगर (نگر) फा प्रत्य –ताकनेवाला, देखनेवाला, जैसे —'दस्तनिगर' दूसरे के हाथ की तरफ देखनेवाला, अर्थात् पराश्रय।

निगराँ (نگران) फा वि –निरीक्षक, जाँच-पड़ताल करनेवाला, सरक्षक, मुहाफ़िज़, अभिभावक, गार्जियन, प्रतीक्षक, रस्ता देखनेवाला।

निगरानी (نگرانى) फा स्त्री –निरीक्षण, देख-रेख, सरक्षण, हिफाज़त, अभिभावकता, सरपरस्ती।

निगह (نگه) फा स्त्री –'निगाह' का लघु , दे 'निगाह'।

निगहदाश्त (نگهداشت) फा स्त्री –सरक्षण, निगरानी।

निगहवान (نگهبان) फा वि –सरक्षक, देख-रेख करनेवाला।

निगार (نگار) फा पु –मूर्ति, प्रतिमा, वुत, चित्र, नक्श, प्रेमपात्र, महवूव, प्रेयसी, प्रेमिका, महवूव , हाथ-पाँव पर मेहदी से वनाये हुए चित्र (प्रत्य) चित्रित, जैसे—'ज़रनिगार' स्वर्णचित्रित।

निगारख़ानः (نگارخانه) फा पु –चित्रालय, तस्वीर-घर, सजा हुआ मकान, मूर्तिगृह, वुतख़ाना, जहाँ वहुत-सी सुन्दरियाँ एकत्र हो वह स्थान।

निगारिंद. (نگارنده) फा वि –लिखनेवाला, चित्र वनानेवाला।

निगारिश (نگارش) फा स्त्री –लेख, तहरीर, चित्र, नक्श।

निगारिस्तान (نگارستان) फा पु –चित्रालय, जहाँ वहुत-सी तस्वीरे हो, जहाँ वहुत-सी हसीन शक्ले हो, मूर्ति-गृह।

निगारीं (نگارين) फा वि –चित्रित, नक्शीन, शृंगारित, मुरस्सा।

निगारेअर्मनी (نگارارمنى) फा स्त्री –फर्हाद की प्रेमिका, शीरीं।

निगाश्त (نگاشته) फा वि –लिखा हुआ, लिखित, चित्रित, मुनक्कश।

निगाश्तनी (نگاشتنى) फा अव्य –लिखने योग्य, चित्र वनाने योग्य।

निगाह (نگاه) फा स्त्री –दृष्टि, नज़र, प्रेक्षा।

निगाहदार (نگاهدار) फा वि –सरक्षक, निगहवान ।

निगाहदाश्त (نگاهداشت) फा स्त्री –सरक्षा, हिफाज़त, निगरानी, देख-रेख।

निगाहवान (نگاهبان) फा वि –सरक्षक, निगराँ, देख-रेख करनेवाला।

निगाहेक़ह्र (نگاه‌قهر) फा अ स्त्री –क्रोध की दृष्टि, गुस्से की नज़र।

निगाहे ग़लत अदाज (نگاه‌غلط‌انداز) फा वि –ऐसी दृष्टि जिसे हर व्यक्ति यह समझे कि उसी की ओर है, भ्रम में डालनेवाली दृष्टि।

निगाहे तअम्मक़ (نگاه‌تعمق) फा अ स्त्री –सूक्ष्म दृष्टि, गहरी नज़र।

निगाहेनाज़ (نگاہ‌ناز) फा स्त्री –नाज़ो अदाज की दृष्टि।
निगाहे पर्वरिश (نگاہ‌پرورش) फा स्त्री –कृपादृष्टि, मेह्रबानी की नज़र, दयादृष्टि।
निगाहेवद (نگاہ‌بد) फा स्त्री –बुरी नजर, कुदृष्टि, पाप-दृष्टि।
निगाहेमेह्र (نگاہ‌مہر) फा. स्त्री –कृपा-दृष्टि, दया-दृष्टि, करम की निगाह।
निगूँ (نگوں) फा वि –औंधा, उलटा, अधोमुख।
निगूँताले' (نگوں‌طالع) फा अ वि –दे 'निगूँवख़्त'।
निगूँबख़्त (نگوں‌بخت) फा. वि –औंधी किस्मतवाला, हतभाग्य।
निगूँसार (نگوں‌سار) फा वि –औंधा, उलटा, अधोमुख।
निगूँहिम्मत (نگوں‌ہمت) फा अ वि –हतसाहस, हतोत्साह, पस्त हिम्मत।
निज़ाअ (نزاع) अ स्त्री –झगडा, दगा, फसाद, वैर, शत्रुता, दुश्मनी।
निज़ाएलफ़्ज़ी (نزاع‌لفظی) अ स्त्री –केवल बातो का झगडा, ज़बानी झगडा, वाक्कलह, शाब्दिक-कलह।
निज़ाद (نژاد) फा स्त्री –कुल, वश, नसब, दे 'नजाद', अधिक शुद्ध वही है।
निज़ाम (نظام) अ पु –प्रबध, व्यवस्था, इतिजाम, क्रम, सिलसिला, शैली, पद्धति, तर्ज़, सघटन, तजीम।
निज़ामी (نظامی) अ वि –सैनिक, फौजी; प्रबध से सम्बन्ध रखनेवाला।
निज़ामेफीसागोर्स (نظام‌فیثاغورث) अ पु –दे 'निज़ामे शम्सी'।
निज़ामेबत्लीमूस (نظام‌بطلیموس) अ पु –जिसमे यह माना गया है कि पृथ्वी अचल है और चाँद-सूरज आदि ग्रह इसके चारों ओर घूमते हैं।
निज़ामेशम्सी (نظام‌شمسی) अ पु –जिसमे यह माना गया है कि सूरज अचल है, और पृथ्वी तथा दूसरे ग्रह उसके चारो ओर घूमते हैं, आधुनिक वैज्ञानिको का मत भी यही है।
निज़ामेसल्तनत (نظام‌سلطنت) अ. पु –राज्य-प्रबध, राज की व्यवस्था।
निज़ामेहुकूमत (نظام‌حکومت) अ पु –दे 'निज़ामेसल्तनत'।
निज्द (نزد) फा वि –समीप, निकट, करीब, दे 'नज्द', दोनो शुद्ध है।
निदा (ندا) अ स्त्री –बुलाना, पुकारना, आवाहन, वह शब्द जो बुलाने के लिए प्रयुक्त हो जैसे, 'ओ' 'ए' आदि।
निदाएग़ैव (ندائےغیب) अ स्त्री –आकाशवाणी, गैबी आवाज़।
निफ़ाक़ (نفاق) अ पु –फूट, एकता का न होना, शत्रुता, वैर, दुश्मनी।
निफ़ाक़अंगेज़ (نفاق‌انگیز) अ फा वि –फूट डालने-वाली बात, विरोध करानेवाली बात।
निफ़ाक़पर्वर (نفاق‌پرور) अ फा वि –फूट डालनेवाला व्यक्ति, भेदकर्ता।
निफ़ाक़ेवाहमी (نفاق‌باہمی) अ फा स्त्री –आपस की फूट, पारस्परिक विरोध।
निफ़ास (نفاس) अ पु –वह रक्तस्राव जो प्रसूतिका के शरीर से बच्चा जनने के चालीस दिन तक होता रहे।
निफ़्तः (نفطہ) अ पु –छाला, फफोला, आब्ला।
निफ़्त (نفت) फा पु –मिट्टी का तेल, बारूद।
निफ़्तअंदाज़ (نفت‌انداز) फा वि –बारूदी हथियार चलाने-वाला, गोलदाज, तोप दागनेवाला।
निफ़्री (نفریں) फा स्त्री –धिक्कार, लानत।
निब्रास (نبراس) अ पु –दीप, दीपक, चिराग।
निया (نیا) फा पु –प्रतिप्ठा, इज़्ज़त, दादा, पितामह, नाना, मातामह, मामूँ, मातुल।
नियाइश (نیائش) फा स्त्री –स्तुति, हम्दोसना, प्रशसा, तारीफ, साधुवाद, शाबाश।
नियागाँ (نیاگاں) फा पु –'निया' का बहु, पूर्वज, पुरखे, बुज़ुर्ग।
नियाज़ (نیاز) फा पु –प्रार्थना, गुज़ारिश, इच्छा, आर्ज़ू, परिचय, जान-पहचान, साक्षात्, मुलाकात (स्त्री) चढावा, भेट, चढावे की मिठाई, फातहा, मुर्दे या किसी बुज़ुर्ग का खाना आदि।
नियाज़आगीं (نیازآگیں) फा वि –दे 'नियाज़मद'।
नियाज़केश (نیازکیش) फा वि –दे 'नियाज़मद'।
नियाज़नामः (نیازنامہ) फा पु –विनयपत्र, वक्ता अपने पत्र के लिए बोलता है।
नियाज़मंद (نیازمند) फा वि –आज्ञाकारी, तावेदार, परिचित, मुलाकाती, भक्त, फिदाई, मित्र, दोस्त।
नियाज़मंदानः (نیازمندانہ) फा अव्य –भक्तो-जैसा, आज्ञाकारियो-जैसा, नम्रतापूर्ण।
नियाज़मंदी (نیازمندی) फा स्त्री –आज्ञाकारिता, भक्ति, मैत्री, दोस्ती।
नियाव (نیاب) अ पु –'नाव' का बहु, सामने के दाँतो और डाढो के बीचवाले दाँत।
नियावत (نیابت) अ स्त्री –प्रतिनिधित्व, काइममुकामी; दूत-कर्म, एलचीपन, अभिकर्म, एजेंटी, स्थानापन्नता, काइममुकामी।

नियाम (نیام) फा पु –कोप, मियान, तलवार का गिलाफ।

नियोश (نیوش) फा प्रत्य –सुननेवाला, जैसे—'हकनियोश' सच्ची बात सुननेवाला।

नियोशिंदः (نیوشندہ) फा वि –सुननेवाला, श्रोता।

निवाल (نوالہ) फा पु –कवल, ग्रास, लुक्मा।

निविश्त (نوشتہ) फा पु –लिखित, लिखा हुआ, लेख, तहरीर।

निविश्त (نوشت) फा वि –लिखा हुआ, लिखित।

निविश्तए तक़दीर (نوشتۂ تقدیر) फा अ पु –भाग्य-रेखा, किस्मत का लिखा।

निशस्त (نشتہ) फा वि –वैठा हुआ।

निशस्त (نشست) फा स्त्री –वैठक, वैठने की मुद्रा, गोष्ठी, मज्लिस, एक वार की वैठक या जलसा।

निशस्तगाह (نشستگاہ) फा स्त्री –वैठने का स्थान, दीवानखाना।

निशस्तो बरखास्त (نشست و برخاست) फा स्त्री –उठना-वैठना, आना-जाना।

निशाँ (نشاں) फा पु –'निशान' का लघु, दे 'निशान', (प्रत्य) वैठानेवाला, जैसे—'खातिरनिशाँ' दिल मे विठाने या जमानेवाला।

निशाँजद (نشاں زدہ) फा वि –जिस पर निशान हो, चिह्नित, अकित।

निशाँदेही (نشاں دهی) फा स्त्री –पता देना, निशान वताना।

निशान (نشانہ) फा पु –वह स्थान जिस पर निशाना लगाया जाय, लक्ष्य, ताकना, निशाना मारना।

निशानअदाज (نشانہ انداز) फा वि –ठीक निशाना लगानेवाला, लक्ष्यभेदी।

निशान (نشان) फा पु –चिह्न, अलामत, वव्वा, दाग, खोज, तलाश, पता, सुराग, मुह्र का चिह्न, झडा, पताका।

निशानची (نشانچی) फा वि –झडा हाथ में लेकर आगे चलनेवाला, अच्छा निशाना लगानेवाला।

निशानी (نشانی) फा स्त्री –स्मृति-चिंह्न, यादगार, पहचान, शनाख्त, चिह्न, निशान, लक्षण, अलामत।

निशानेकदम (نشان قدم) फा अ पु –पाँव का चिह्न, पद-चिह्न।

निशानेपा (نشان پا) फा पु –दे 'निशानेकदम'।

निशानेमजिल (نشان منزل) फा अ पु –मजिल का पता, गतव्य स्थान का चिह्न।

निशानेमील (نشان میل) फा अ पु –सडक पर मीलो का चिह्न।

निशानेराह (نشان راہ) फा पु –रस्ते का पता, रस्ता किधर है यह पता, राह के मील, फर्लांग आदि का चिह्न।

निशेद (نشید) फा पु –गान, नग्मा, गाने की आवाज़।

निशेदख्वाँ (نشیدخواں) फा वि –गानेवाला, गायक, मीठी आवाज़ से पढनेवाला, तरन्नुमरेज़।

निशेव (نشیب) फा पु –नीची ज़मीन, निचाई, पस्ती, नशेव भी प्रचलित।

निशेवोफराज (نشیب و فراز) फा पु –ऊँचा-नीचा, वलदी और पस्ती, ससार की ऊँच-नीच।

निशेमन (نشیمن) फा पु –घोसला, कुलाय (नशेमन)।

निश्कुज (نشکنج) फा स्त्री –चुटकी, वकोटा।

निश्तर (نشتر) फा पु –शल्य, चीरफाड का आला (नश्तर)।

निश्तरकद (نشترکدہ) फा पु –आपरेशन रूम, चीरघर।

निश्तरजन (نشترزن) फा वि –निश्तर मारनेवाला, आपरेशन करनेवाला।

निश्तरे फस्साद (نشتر فصاد) फा अ पु –वह निश्तर जिसमे रगो का खून निकाला जाता है।

निश्तरे रगजन (نشتر رگ زن) फा पु –दे 'निश्तरे फस्साद'।

निश्वर (نشوار) फा स्त्री –जुगाली।

निसा (نسا) अ स्त्री –स्त्रियाँ, औरते।

निसाव (نصاب) अ पु –पूँजी, सरमाया, मूल, आधार।

निसावे ज़कात (نصاب زکات) अ पु –वह धन जिस पर ज़कात वाजिव हो जाती है और वह ५० तोला चाँदी और साढे सात तोला सोना होता है।

निसावे ता'लीम (نصاب تعلیم) अ पु –वे पुस्तके जो किसी पाठशाला या कक्षा मे पढायी जाती हो, पाठयक्रम।

निसार (نثار) अ पु –वलि, कुर्वान, सद्क, न्योछावर; मुग्ध, फिरेफ्त।

निसारे यार (نثار یار) अ फा पु –प्रेमिका पर न्योछावर।

निस्फ (نصف) अ वि –अर्द्ध, आधा।

निस्फुन्नहार (نصف النہار) अ पु –दोपहर, मध्याह्न।

निस्फुल्लैल (نصف اللیل) अ स्त्री –आधीरात, अर्द्धरात्रि।

निस्वत (نسبت) अ स्त्री –सम्वन्ध, तअल्लुक, लगाव, सपर्क, सगाई, मँगनी, तुलना, समता, वरावरी।

निस्य (نسیہ) अ पु –उधार, ऋण, कर्ज़।

निस्याँ (نسیاں) अ पु –'निस्यान' का लघु, दे 'निस्यान'।

निस्यान (نسیان) अ पु –भूल, विस्मृति।

निस्रीं (نسریں) अ पु –एक फूल, सेवती।

निस्वत (نسوت) अ स्त्री –नारियाँ, स्त्रियाँ, औरते।

निस्वाँ (نسواں) अ स्त्री –'इम्रअत' का वहु, स्त्रियाँ, महिलाएँ।

निस्वानियत (نسوانیت) अ स्त्री –स्त्रीत्व, औरतपन, ज़नानापन, नरदारत्व।

निस्वानी (نسوانی) अ वि –स्त्रियो का, स्त्रियो से सम्बन्ध रखनेवाला।

निस्वानीयत (نسوانیت) अ स्त्री –दे 'निस्वानियत', दोनो तरह शुद्ध है।

निहाँ (نہاں) फा वि –गुप्त, छिपा हुआ।

निहाँख़ानः (نہاںخانہ) फा पु –तहख़ाना, तलगृह, अधोगृह।

निहानी (نہانی) फा वि –भीतरी, आन्तरिक, अदरूनी।

निहादः (نہادہ) फा वि –रखा हुआ।

निहाद (نہاد) फा स्त्री –स्वभाव, प्रकृति, आदत, आधार, वुनियाद, (प्रत्य) स्वभाववाला, जैसे—'नेकनिहाद' अच्छे स्वभाववाला, रखा हुआ, जैसे—'दिलनिहाद' जहाँ दिल रक्खा हो।

निहायत (نہایت) अ स्त्री –अत, छोर, हद, अत्यन्त, वहुत अधिक।

निहायतदर्जः (نہایتدرجہ) अ वि –वहुत अधिक, वहुत ज़ियादा।

निहाल (نہال) फा पु –पौधा, छोटा पेड, (वि) प्रफुल्ल, प्रसन्न, खुश, समृद्ध, मालामाल।

निहालचः (نہالچہ) फा पु –छोटे वच्चो का विछौना, जिस पर वह गू-मूत करते है।

निहालीं (نہالیں) फा स्त्री –दे 'निहाली'।

निहाली (نہالی) फा स्त्री –तोशक, विस्तर।

निहिंदः (نہندہ) फा वि –रखनेवाला।

निहुफ़्तः (نہفتہ) फा वि –गुप्त, छिपा हुआ, पोशीद।

निहुफ़्त (نہفت) फा वि –गुप्ति, छिपाव, पोशीदगी।

निहुफ़्तगी (نہفتگی) फा स्त्री –छिपाव, पोशीदगी।

निहुफ़्तनी (نہفتنی) फा अव्य –छिपाने योग्य, गुह्य, गोप्य, गोपनीय।

निहेब (نہیب) फा पु –भय, त्रास, डर, ख़ौफ, भयानक आवाज़, घोर नाद, लूटमार, गारतगरी।

नी

नी (نی) फा प्रत्य –के योग्य, जैसे—'कर्दनी', करने के योग्य, 'गुफ्तनी' कहने के योग्य।

नीज़ (نیز) फा अव्य –और, अथवा, भी, अपि।

नीम (نیمہ) फा वि –अर्द्ध, अर्ध, आधा, एक प्रकार का ऊँचा पाजामा।

नीम आस्तीं (نیمہ آستیں) फा पु –दे 'नीमआस्ती'।

नीम (نیم) फा वि –अर्द्ध, आधा, निस्फ, अल्प, न्यून, थोडा।

नीमआस्तीं (نیم‌آستیں) फा पु –एक प्रकार का कुर्ता जिसकी आस्तीने छोटी होती है।

नीमकश (نیم‌کش) फा वि –आधा अन्दर आधा बाहर (विशेपत वाण), कम खीचकर चलाये हुए धनुष का तीर जो शरीर मे से पार न हो सके।

नीमकारः (نیم‌کارہ) फा वि –अपूर्ण, नाकिस।

नीमकार (نیم‌کار) फा वि –वह कारीगर जो दूसरो के औज़ार से काम करे और मजदूरी मे उसे हिस्सा दे।

नीमकुश्तः (نیم‌کشتہ) फा वि –अधमुआ, जिसका गला काटकर छोड दिया हो और वह तडप रहा हो।

नीमखुर्दः (نیم‌خوردہ) फा वि –आधा खाया हुआ, जूठा, जूठन, उच्छिष्ट, भुक्तशेप।

नीमखेज़ (نیم‌خیز) फा वि –किसी के सम्मानार्थ आधा खडा होना।

नीमख़्वाव (نیم‌خواب) फा वि –वह आँख जिसमे कच्ची नीद से जगा देने की-जैसी लालिमा और मस्ती हो, अर्धसुप्त।

नीमख़्वावी (نیم‌خوابی) फा स्त्री –कच्ची नीद से जागने की कैफियत, कच्ची नीद।

नीमगर्म (نیم‌گرم) फा वि –गुनगुना, कदुष्ण, कवोष्ण, जो न वहुत गर्म हो न वहुत ठडा।

नीमगुफ़्तः (نیم‌گفتہ) फा वि –आधा कहा हुआ, जो वात कुछ कही जा चुकी हो और कुछ कहना वाकी हो।

नीमच. (نیمچہ) फा पु –छोटी तलवार, खड्गपुत्री।

नीमजाँ (نیم‌جاں) फा वि –अधमुआ, जो मरने के करीव हो, आसन्नमृत्यु, मृतप्राय।

नीमजोश (نیم‌جوش) फा वि –आधी उवाली हुई चीज़।

नीमतस्लीम (نیم‌تسلیم) फा वि –एक प्रकार का सलाम जिसमे झुककर हाथ पेट तक ले जाते है।

नीमदस्त (نیم‌دست) फा वि –वडे आदमियो के वैठने की मस्नद, छोटी मस्नद।

नीमदस्ती (نیم‌دستی) फा स्त्री –दे 'नीमदस्त'।

नीमनिगाह (نیم‌نگاہ) फा स्त्री –कनखियो से देखना, तिरछी निगाह, कटाक्ष-पात।

नीमनिगाही (نیم‌نگاہی) फा स्त्री –कनखयो से देखने का भाव।

नीमपुख़्तः (نیم‌پختہ) फा वि –जो पूरी तरह पका न हो, अर्द्धपक्व।

नीमपुख़्त (نیم‌پخت) फा वि –दे 'नीमपुख़्त'।

नीमवाज़ (نیم‌باز) फा वि –आधा खुला हुआ, विशेपतः आधी खुली हुई आँख, नशीली आँख।

नीमबिरिश्त (نیم برشت) फा वि—आधा भुना हुआ, आधा उबला हुआ, जैसे—नीमबिरिश्त अडा।
नीमबिर्याँ (نیم بریاں) फा वि—आधा भुना हुआ, अवजला।
नीमबिस्मिल (نیم بسمل) फा वि—दे 'नीमकुश्त'।
नीममस्त (نیم مست) फा वि—जिसे मस्ती के साथ कुछ-कुछ होश भी हो, अर्द्धमत्त।
नीमरस (نیم رس) फा वि—जो मेवा अभी पूरे तौर से पका न हो, गद्दर।
नीमराज़ी (نیم راضی) फा वि—जो कुछ-कुछ रज़ामद हो, मगर पूरी तरह राज़ी न हो, अर्धसहमत।
नीमरिज़ा (نیم رضا) फा अ स्त्री—आधी रज़ामदी, अर्ध-सहमति।
नीमरुख़ (نیم رخ) फा वि—चेहरे के एक पार्श्व की तस्वीर।
नीमरोज़ (نیم روز) फा पु—दोपहर, मध्याह्न।
नीमवा (نیم وا) फा वि—आधा खुला हुआ, आधा खुला और आधा वद।
नीमशगुफ्त. (نیم شگفتہ) फा वि—जो फूल आधा खिल गया हो, अर्द्ध-मुकुलित।
नीमशव (نیم شب) फा स्त्री—आधीरात, अर्द्धरात्रि।
नीमशिकस्त (نیم شکستہ) फा वि—आधा टूटा हुआ।
नीमसुफ्तः (نیم سفتہ) फा वि—आधा पिरोया हुआ।
नीमसेर (نیم سیر) फा वि—जिसका पेट कुछ-कुछ भर गया हो, परन्तु पूरी तरह तृप्त न हुआ हो, जिसकी इच्छा अभी कुछ-कुछ वाकी हो, अर्धतृप्त।
नीमसोख़्तः (نیم سوختہ) फा वि—आधा जला हुआ।
नीयत (نیت) अ स्त्री—सकल्प, इरादा, आशय, मक्सद, ध्यान, ख़याल।
नीयते बद (نیت بد) अ फा स्त्री—वुरा आशय, वुरा इरादा।
नीरान (نیران) अ स्त्री—'नार' का वहु, 'अग्नियाँ'।
नीरू (نیرو) फा पु—शक्ति, वल, ज़ोर।
नीलः (نیلہ) फा पु—नील गाय।
नील (نیل) फा वि—नील का रग, नील का पौधा।
नीलगर (نیل گر) फा वि—नील वनानेवाला।
नीलगाव (نیل گاو) फा पु—नीलगाय, नीला।
नीलगूँ (نیلگوں) फा वि—नीले रग का।
नीलफ़ाम (نیل فام) फा वि—नीले शरीरवाला, कृष्ण।
नीलम (نیلم) फा पु—एक प्रसिद्ध रत्न, नीलमणि, नील-कान्त, शनिप्रिय।
नीली (نیلی) फा वि—नीले रग का।
नीलीफ़ाम (نیلی فام) फा वि—नीले रग का आकाश।
नीलीरवाक (نیلی رواق) फा पु—जिसकी छत नीली हो, अर्थात् आकाश।
नीलोफ़र (نیلوفر) फा पु—नीलोत्पल, कुमुद, कुई।
नालोफ़रे आफ़तावी (نیلوفر آفتابی) फा पु—कमल, पद्म, नीरज, पकज, अरविंद, राजीव, तामरस, सरसीरुह, पुष्कर, अभोज, कँवल का फूल।
नीलोफ़रे माहतावी (نیلوفر ماهتابی) फा पु—कुमुद, कुमुदिनी।

नु

नुआस (نعاس) अ स्त्री—तद्रा, ऊँघ, गुनूदगी।
नुऊज़ (نعوظ) अ पु—लिंगोत्थान, कामवेग से लिंग का खडा होना।
नुक़त (نقط) अ पु—'नुक्त' का वहु, विदियाँ, नुक्ते, शून्य।
नुक़वा (نقبا) अ पु—'नकीव' का वहु, 'चोवदार'।
नुक़ूद (نقود) अ पु—'नक्द' का वहु, 'नक्दियाँ'।
नुक़ूल (نقول) अ स्त्री—'नक्ल' का वहु, नक्ले, प्रतिलिपियाँ।
नुक़ूश (نقوش) अ पु—'नक्श' का वहु, चित्र, रेखाएँ।
नुक्त (نقطہ) अ पु—विदी, विंदु, सिफ़र, वुँदकी, चिह्न, निशान।
नुक्त. (نکتہ) अ पु—तह की वात, सूक्ष्मता, वारीकी, रहस्य, मर्म, भेद, चुटकुला, लतीफा।
नुक्त गाह (نقطہ گاہ) अ फा स्त्री—वृत्त के केन्द्र का विंदु।
नुक्त.चीन (نکتہ چیں) अ फा वि—मीन-मेख निकालने-वाला, ऐव ढूँढनेवाला, छिद्रान्वेषी, आलोचक।
नुक्त दाँ (نکتہ داں) अ फा वि—किसी कलाविशेष की वारीकी जाननेवाला, काव्य-मर्मज्ञ, शे'र की वारीकियाँ समझनेवाला, कला-मर्मज्ञ।
नुक्त दानी (نکتہ دانی) अ फा स्त्री—मर्म और वारीकियाँ समझना।
नुक्त नवाज़ (نکتہ نواز) अ फा वि—ज़रा-सी वात पर प्रसन्न हो जानेवाला, आशुतोष, ईश्वर।
नुक्त नवाज़ी (نکتہ نوازی) अ फा स्त्री—ज़रा-सी वात पर प्रसन्न हो जाना।
नुक्त रस (نکتہ رس) अ फा वि—दे 'नुक्त दाँ'।
नुक्त रसी (نکتہ رسی) अ फा स्त्री—दे 'नुक्त दानी'।
नुक्त सज (نکتہ سنج) अ फा वि—दे 'नुक्त दाँ'।
नुक्त सजी (نکتہ سنجی) अ फा स्त्री—दे 'नुक्त दानी'।
नुक्तए इतिख़ाब (نقطۂ انتخاب) अ पु—वह नुक्त जो किसी शे'र आदि के पसद आने पर, किताव के हाशिए पर लगा देते है।

नुक़्तए तक़ातो' (نقطۂ تقاطع) अ पु—वह विंदु जहाँ पर दो सरल रेखाएँ एक दूसरी को काटें।

नुक़्तए पर्कार (نقطۂ پرکار) अ फा पु—वृत्त का वह विंदु जहाँ से परिधि तक जितनी रेखाएँ खीची जायँ सब वरावर हो, केन्द्रविन्दु।

नुक़्तए मुक़ाविल (نقطۂ مقابل) अ पु—प्रतिद्वद्वी, हरीफ।

नुक़्तए मौहूम (نقطۂ موهوم) अ पु—वह विन्दु जो इतना सूक्ष्म हो कि अटकल से ही समझा जा सके।

नुक़्तए सुवैदा (نقطۂ سویدا) अ पु—वह काला तिल जो हृदय पर होता है।

नुक्र: (نقره) फा पु—रजत, चाँदी।

नुक्रई (نقرئی) फा वि—चाँदी-जैसा उज्ज्वल, चाँदी का वना हुआ, चाँदी का मुलम्मा किया हुआ।

नुक़्ल (نقل) अ पु—शराव के साथ खायी जानेवाली चीज़; एक मिठाई, गज़क, चुटकुला, लतीफ, मित्रगोष्ठी मे खायी जानेवाली चीज़।

नुक़्लफरोश (نقل فروش) अ फा वि—गज़क वेचनेवाला।

नुक़्लेख़्वाज: (نقل خواجه) अ फा पु—चिरौजी, एक प्रसिद्ध मेवा।

नुक़्ले मज्लिस (نقل مجلس) अ पु—वह मिठाई जो मित्र-मडली में तफ़्रीह के तौर पर खायी जाय, वह व्यक्ति जो सभा आदि में लोगो के मनोरजन का विषय हो।

नुक़्ले महफ़िल (نقل محفل) अ पु—दे 'नुक़्ले मज्लिस'।

नुक़्सान (نقصان) अ पु—हानि, क्षति, खसारा, त्रुटि, कमी, हरज, वाधा, तावान, दड।

नुक़्सानदेह (نقصان ده) अ फा वि—हानिकर, नुकसान पहुँचानेवाला।

नुक़्सानरसाँ (نقصان رساں) अ फा वि—दे 'नुक़्सानदेह'।

नुक़्साने अज़ीम (نقصان عظیم) अ पु—वहुत वडी हानि।

नुक़्साने माय: (نقصان مایه) अ फा पु—माली नुक़्सान, अर्थ-हानि।

नुज़्हतगाह (نزهت گاه) अ फा स्त्री—सैर तफ़्रीह की जगह, क्रीडास्थल, सरसब्ज़ और हरा-भरा मुक़ाम।

नुज़्हते ख़ातिर (نزهت خاطر) अ स्त्री—चित्त की प्रसन्नता।

नुख़ाअ (نخاع) अ पु—रीढ की हड्डी, मेरुदड।

नुख़ाल: (نخاله) अ पु—भूसी, तुष, चोकर।

नुख़ुस्त (نخست) फा वि—पहला, प्रथम।

नुख़ुस्तीं (نخستیں) फा वि—प्रथम, प्रायमिक, पहला।

नुजवा (نجبا) अ पु—'नजीव' का वहु, कुलीन लोग।

नुजूम (نجوم) अ पु—'नज्म' का वहु, उडुगण, तारे, ज्योतिष, इल्मे नुजूम।

नुजूमदाँ (نجوم داں) अ फा वि—ज्योतिषी, नुजूमी।

नुजूमी (نجومی) अ वि—ज्योतिपी, इल्मेनुजूम जाननेवाला।

नुज़ूल (نزول) अ पु—उतरना, ऊपर से नीचे आना, ठहरना, उतरना, सरकारी जमीन, 'मोतियाविंद।

नुज़ूलेइज्लाल (نزول اجلال) अ पु—किसी महान् व्यक्ति का पदार्पण।

नुज़ूलेमा (نزول ما) अ पुं—आँखो मे पानी उतरने का रोग, मोतियाविंद।

नुज़ूलेवही (نزول وحی) अ पु—किसी पैगम्वर पर ईश्वर का आदेश उतरना।

नुज़्ज (نضج) अ पु—पकना, शरीर मे दूपित धातु या मवाद का पककर इस योग्य होना कि वह दवा के ज़ोर से वाहर निकल सके।

नुज़्जेकामिल (نضج کامل) अ पु—मवाद का पूरी तरह पककर इस काविल हो जाना कि शरीर से निकाला जा सके।

नुज़्ल (نزل) अ पु—आतिथ्य, ज़ियाफत, मेहमानदारी।

नुज़्हत (نزهت) अ स्त्री—उत्तमता, उम्दगी, पवित्रता, पाकीज़गी, दोप न होना; समृद्धि, ख़ुशहाली।

नुज़्हतकद: (نزهت كده) अ फा पु—दे 'नज़्हतगाह'।

नुतूल (نطول) अ. पु—जोश दिये हुए दवाओ के पानी से शरीर के किसी अग को धोना।

नुतुव्व (نتو) अ पु—जगह से हट जाना, टल जाना।

नुतुव्वेरहिम (نتو رحم) अ पु—गर्भाशय का अपनी जगह से हट जाना, गर्भच्युति।

नुत्क़ (نطق) अ पु—शव्द, वाणी, वोली, वाक्शक्ति, वाचनशक्ति, गोयाई।

नुत्फ: (نطفه) अ पु—वीर्य, शुक्र, मनी, सतान, औलाद, औरस, पुश्त।

नुत्फ़एनातहक़ीक़ (نطفۂ ناتحقیق) अ फा पु—जिसके वाप का पता न हो, सकर, जारज।

नुद्व: (ندبه) अ पु—मृतक के लिए रोना, उसके शोक के शेर पढना।

नुद्रत (ندرت) अ स्त्री—नूतनता, नवीनता, नयापन, अद्भुतता, विचित्रता, अजूवापन।

नुफूज़ (نفوذ) अ पु—अदर घुसना, सरायत करना।

नुफ़ूस (نفوس) अ पु—'नफ्स' का वहु, व्यक्तियाँ, लोग।

नुफूसे कुद्सीय (نفوس قدسیه) अ पु—पुनीतात्मा लोग, पाकनफ्स लोग।

नुवुव्वत (نبوت) अ स्त्री—पैगम्वरी, नवी होना।

नुद्ल. (ندله) अ पु—ढेला जिससे इस्तिंजा करते हैं।

नुमा (نما) फा प्रत्य –दिखानेवाला, जैसे–'राहनुमा' रस्ता दिखानेवाला।

नुमाइदः (نمايندہ) फा पु –प्रतिनिधि, किसी व्यक्ति की जगह उसका नाइब।

नुमाइंदए ख़ुसूसी (نمايندۂ خصوصی) अ पु –किसी विशेष काम के लिए नियुक्त किया हुआ व्यक्ति-विशेष, मुख्य प्रतिनिधि।

नुमाइंदगी (نمايندگی) फा स्त्री –प्रतिनिधित्व, नियाबत।

नुमाइश (نمائش) फा स्त्री –प्रदर्शन, दिखावा, शृगार, सज्जा, सजावट, आराइश, वह मेला जिसमे किसी विशेष चीज को सबके सामने पेश किया जाय, जैसे–फूलो की नुमाइश, आम मेला, प्रदर्शनी।

नुमाइशगाह (نمائش گاہ) फा स्त्री –वह स्थान जहाँ नुमाइश लगी हो।

नुमाइशी (نمائشی) फा वि –केवल देखने भर का, जो बोदा और कमजोर हो और काम मे न आ सके, नुमाइश से सम्बन्ध रखनेवाला।

नुमायाँ (نمایاں) फा वि –व्यक्त, ज़ाहिर, स्पष्ट, वाज़ेह।

नुमू (نمو) अ स्त्री –उगना, बढना, विकसित होना।

नुमूद (نمود) फा स्त्री –आविर्भाव, ज़ुहूर, धूम-धाम, तडक-भडक, ख्याति, शोहरत, उगना, निकलना,, अस्तित्व, हस्ती, प्रकट, प्रकाशित।

नुमूदार (نمودار) फा वि –आविर्भूत, व्यक्त, ज़ाहिर, अध्यक्ष, नायक, सरदार।

नुमून. (نمونہ) फा पु –बानगी, नमूना, उदाहरण, मिसाल, आकृति, नक्शा।

नुम्रूद (نمرود) फा पु –एक बहुत बडा अत्याचारी नरेश, जो अपने को ईश्वर कहता था और जिसने हज़्रत इब्राहीम को आग मे डलवाया था।

नुवेद (نوید) फा स्त्री –शुभ सूचना, खुशखबरी, निमत्रण, बुलावा, दे 'नवेद', उर्दू में वही अधिक व्यवहृत है।

नुशूर (نشور) अ पु –मरे हुए व्यक्तियो का कियामत के दिन फिर से उठना।

नुशख़्वार (نشخوار) फा स्त्री –जुगाली।

नुसुक (نسک) अ स्त्री –'नस्क' का बहु, इबादते, कुर्बानियाँ।

नुसैरी (نصیری) अ पु –एक संप्रदाय जो हज़्रत अली को ख़ुदा मानता है।

नुस्क (نسک) अ स्त्री –पूजा, आराधना, इबादत, कुर्बानी, बलि।

नुस्रत (نصرت) अ स्त्री –सहायता, मदद, समर्थन, ताईद, पृष्ठ-पोषण, हिमायत।

नुस्रतेहक (نصرت حق) अ स्त्री –ईश्वर की सहायता, सत्य की शक्ति।

नुह (نہ) फा वि –नव, नौ, आठ और एक।

नुहाक (نہاق) अ पु –गधे की रेंकन।

नुहाल (نحالہ) अ पु –गेहूँ आदि की भूसी, दे 'नुख़ाल'।

नुहास (نحاس) अ पु –ताम्र, ताँबा।

नुहुम (نہم) फा वि –नवम, नवाँ।

नुहूसत (نحوست) अ स्त्री –दुर्भाग्य का होना, बदकिस्मती, अमगल, नामुबारकी, अविभूति, बेबरकती।

नुह्ज़त (نہضت) अ स्त्री –प्रस्थान, प्रयाण, कूच, रवानगी।

नुह्ज़तफर्मा (نہضت فرما) अ फा वि –जानेवाला, कूच करनेवाला, प्रस्थायी।

नुह्बत (نہبت) अ स्त्री –लूटमार, गारतगरी।

नू

नूँ (نوں) अ पु –नून का लघु, दे 'नून'।

नून (نون) अ पु –एक अक्षर 'न', मत्स्य, मछली।

नूनेगुन्न. (نون غنہ) अ पु –अनुस्वार, वह 'न' जो नाक मे बोला जाय।

नूर (نور) अ पु –प्रकाश, ज्योति, आभा, रोशनी, शोभा, छटा, रौनक, चमक-दमक, मुखछटा, चेहरे की आबोताब, उजाला, हल्की रोशनी।

नूरअफ्ज़ा (نورافزا) अ फा वि –रोशनी बढानेवाला।

नूरअफ्शाँ (نورافشاں) अ फा वि –रोशनी फैलानेवाला।

नूरपाश (نورپاش) अ वि –प्रकाश फैलानेवाला।

नूरफिशाँ (نورفشاں) अ फा वि –दे 'नूरअफ्शाँ'।

नूरबख़्श (نوربخش) अ फा वि –प्रकाश देनेवाला।

नूरबाफ (نورباف) अ फा वि –कपडा बुननेवाला, जुलाहा।

नूरबार (نوربار) अ फा वि –प्रकाश फैलानेवाला।

नूरानी (نورانی) अ वि –प्रकाशमान, उज्ज्वल, मुनव्वर।

नूरी (نوری) अ वि –नूर का, (फा) एक प्रकार का लाल तोता, ख़ूबानी, जर्दालू।

नूरुन अलानूर (نورون علی نور) अ वि –नूर के ऊपर नूर, अत्यधिक प्रकाश, बहुत ही मागलिक और शुभ।

नूरुलऐन (نورالعین) अ पु –आँख की रोशनी, नेत्र-ज्योति, लडके के लिए बोलते है।

नूरे ऐन (نور عین) अ पु –दे 'नूरुलऐन'।

नूरे चश्म (نور چشم) अ फा पु –आँख की रोशनी, लडका, सुपुत्र।

नूरे जहाँ (نور جہاں) अ फा पु –ससार को प्रकाश देनेवाला।

नूरे दीद (نور دیدہ) अ फा पु –दे 'नूरे चश्म'।

नूरे नज़र (نور نظر) अ पु —दे 'नूरे चश्म'।
नूरे निगाह (نور نگاہ) अ फा पु —दे 'नूरे चश्म'।
नूरे माह (نور ماہ) अ फा पु —चाँद की रोशनी, चाँदनी, ज्योत्सना, चद्रप्रभा, कौमुदी, चद्रिका, चद्रातप।
नूरे मुजल्ला (نور مجلی) अ पु —छिटका हुआ और साफ नूर, प्रकाश।
नूरे मुजस्सम (نور مجسم) अ पु —जो सर से पाँव तक नूर ही नूर हो, जो नूर से वना हो, आपादमस्तक प्रकाश।
नूरे शम्अ (نور شمع) अ पु —मोमवत्ती का प्रकाश।
नूरे शम्स (نور شمس) अ. पु —सूरज का प्रकाश, धूप, आतप।
नूरे सहर (نور سحر) अ पु —प्रात काल का उजाला।
नूह (نوح) अ पु —एक पैगम्बर जिनके ममय मे पानी का वहुत वडा तूफान आया था, जिसमे सारा ससार नष्ट हो गया था, कुछ आदमी वचे थे, जिनकी सतान इस समय है।

ने

नेक (نیک) फा वि —उत्तम, श्रेष्ठ, अच्छा, मागलिक, शुभ, मुवारक; सदाचारी, खुश अमल, पुनीतात्मा, पार्सा, सीवा-सादा, सरलस्वभाव, कुलीन, शरीफ, सदय, रहमदिल।
नेकअंजाम (نیک انجام) फा वि —वह काम जिसका परिणाम अच्छा हो।
नेकअंदेश (نیک اندیش) फा वि —भलाई सोचनेवाला, शुभचितक।
नेक अख़्तर (نیک اختر) फा वि —जिसके ग्रह अच्छे हो, भाग्यवान्।
नेकअख़्लाक (نیک اخلاق) अ वि —जिसका स्वभाव मिलनसार हो, सुशील, सज्जन।
नेकअमल (نیک عمل) फा अ वि —जिसका आचरण अच्छा हो, सदाचारी।
नेकआ'माल (نیک اعمال) फा अ वि —दे 'नेक अमल'।
नेकआ'माली (نیک اعمالی) फा अ स्त्री —सदाचार, अच्छा आचरण, सावु भाव।
नेकक़दम (نیک قدم) फा अ वि —जिसका आना कल्याण-कारी हो।
नेककर्दार (نیک کردار) फा वि —शुद्धाचारी, साधुवृत्त।
नेकख़याल (نیک خیال) फा अ वि —जिसके विचार शुद्ध हो, शुचिव्रत, पावनचरित, वुद्धिशुद्ध।
नेकख़स्लत (نیک خصلت) फा अ वि —जिसका स्वभाव अच्छा हो, अत शुद्ध, साधु शील।
नेकख़ू (نیک خو) फा वि —जिसका स्वभाव शुद्ध हो, सत्प्रकृति, पुण्यस्वभाव।
नेकख़ूई (نیک خوئی) फा स्त्री —प्रकृति की शुद्धि, स्वभाव की पवित्रता।
नेकख़्वाह (نیک خواہ) फा वि —शुभचिंतक, हितैषी, हमदर्द।
नेकगुफ़्तार (نیک گفتار) फा वि —साधुभाषी, अच्छी वाते करनेवाला, मिष्टभापी, मीठी-मीठी वाते करनेवाला।
नेकगुमान (نیک گمان) फा वि —जिसके विचार किसी की ओर से अच्छे हो, जिसकी विचारधारा शुद्ध हो।
नेकतब्अ (نیک طبع) फा अ वि —दे 'नेकख़ू'।
नेकतरीन (نیک ترین) फा वि —सवसे अच्छा, सवसे अधिक नेक।
नेकतीनत (نیک طینت) फा अ वि —दे 'नेकख़ू'।
नेकदिल (نیک دل) फा वि —जिसका हृदय नेक हो, जो स्वभाव से पुनीत हो, अत शुद्ध, पुण्यात्मा।
नेकनफ़्स (نیک نفس) फा अ वि —दे 'नेकदिल'।
नेकनफ़्सी (نیک نفسی) फा अ स्त्री —आत्मशुद्धि, दिल की सफाई।
नेकनाम (نیک نام) फा वि —जो वडा कीर्तिमान् हो, उत्तम-यश, पुण्यश्लोक।
नेकनामी (نیک نامی) फा स्त्री —कीर्ति, यश, नामवरी।
नेकनिहाद (نیک نہاد) फा वि —अच्छे अख़्लाकवाला, सदाशय, पावनचरित।
नेकनीयत (نیک نیت) फा अ वि —धर्मात्मा, सत्य-सकल्प, अन्त शुद्ध, ईमानदार, दियानतदार, धर्मनिष्ठ।
नेकनीयती (نیک نیتی) फा अ स्त्री —अन्त शुद्धि, पाक-दिली, ईमानदारी, दियानतदारी।
नेक फ़र्जाम (نیک فرجام) फा वि —पुण्यात्मा, नेकदिल, दे 'नेकअजाम'।
नेकफाल (نیک فال) फा वि —जिसका मिलना, जिसके दर्शन, जिसकी चर्चा मगलकारी हो।
नेकवख़्त (نیک بخت) फा वि —भाग्यवान्, खुशकिस्मत, सीवा-सादा, भोला-भाला।
नेकवीं (نیک بیں) फा वि —केवल अच्छाई देखनेवाला, साधुदर्शी, हर चीज़ का अच्छा पहलू देखनेवाला।
नेकमंज़र (نیک منظر) फा अ वि —जो देखने मे अच्छा लगे, शुभदर्शन, नेत्रप्रिय।
नेकमआश (نیک معاش) फा अ वि —'वदमआश' का उलटा, जिसकी जीविका अच्छे पैसे से हो, जिसकी कमाई शुद्ध हो।
नेकमनिश (نیک منش) फा वि —सत्प्रकृति, साधुशील, सज्जन, भला आदमी।
नेकमर्द (نیک مرد) फा वि —भलामानस, सज्जन।

नेकमहज़र (نیک محضر) फा अ वि –वह व्यक्ति जो दूसरो को उपस्थिति अथवा अनुपस्थिति में अच्छाई से ही याद करे।

नेकमिज़ाज (نیک مزاج) फा अ वि –दे 'नेकख़ू' अथवा 'नेकदिल'।

नेकमिज़ाजी (نیک مزاجی) फा अ स्त्री –स्वभाव की सरलता, चित्त की शुद्धता।

नेकरविश (نیک روش) फा वि –सदाचारी, सत्प्रकृति।

नेकराय (نیک رائے) फा वि –जिसकी राय और जिसकी सलाह सदा ठीक होती हो, सद्बुद्धि, साधुधी।

नेकराह (نیک راه) फा वि –सन्मार्गी, सत्पथीन, अच्छी राह पर चलनेवाला, सदाचारी।

नेकरोज़ (نیک روز) फा वि –समय जिसके अनुकूल हो, भाग्यवान्, जिसका वक्त वना हो।

नेकशिआर (نیک شعار) फा अ वि –जिसका व्यवहार नेक हो, साधुशील।

नेकसिफात (نیک صفات) फा अ वि –जिसमें अच्छे-अच्छे गुण हो, उत्तमयश।

नेकसियर (نیک سیر) फा अ वि –जिसके स्वभाव शुद्ध हो, अत पवित्र, पुनीतात्मा।

नेकसिरिश्त (نیک سرشت) फा वि –दे 'नेकख़ू'।

नेकसीरत (نیک سیرت) फा अ वि –दे 'नेकख़ू'।

नेकसूरत (نیک صورت) फा अ वि –जिसकी शक्ल सुन्दर हो, शुभदर्शन, जिसकी सूरत पर बुज़ुर्गी वरसती हो।

नेकू (نیکو) फा वि –दे 'नेक'।

नेकूई (نیکوئی) फा स्त्री –अच्छाई, भलाई, सुन्दरता, हुस्न।

नेकूकार (نیکوکار) फा वि –सदाचारी, पुण्यात्मा।

नेकूख़साइल (نیکوخصائل) फा अ वि –दे 'नेकख़ू'।

नेकूशमाइल (نیکوشمائل) फा अ वि –दे 'नेकख़ू'।

नेकूसिफात (نیکوصفات) फा अ वि –दे 'नेकसिफात'।

नेकूसियर (نیکوسیر) फा अ वि –दे 'नेकख़ू'।

नेको (نیکو) फा वि –दे 'नेकू', दोनो उच्चारण शुद्ध हैं।

नेफ़ (نیفه) फा पु –पाजामे का सूराख़ जिसमें कमरवद डाला जाता है।

ने'मत (نعمت) अ स्त्री –ईश्वर का दिया हुआ धन आदि, धन, दौलत, अच्छी-अच्छी चीज़ें।

ने'मतकद (نعمت کده) अ फा पु –वह स्थान जहाँ अच्छी-अच्छी चीजे मिलें, स्वर्ग, विहिश्त।

ने'मतख़ान (نعمت خانه) अ फा पु –वह मकान जिसमे भोज की सामग्री रहती हो, वह लकडी आदि का जालीदार सदूक जिसमे खाना रखा जाता है।

ने'मते उज़्मा (نعمت عظمی) अ स्त्री –वहुत वडी ने'मत।

ने'मते गैरमुतरक़्क़िव (نعمت غیرمترقبه) अ स्त्री –ऐसी नेमत जिसका हिसाव न लगाया जा सके, वहुत ही अधिक नेमत।

ने'मलबदल (نعم البدل) अ पु –किसी गयी या खायी हुई चीज की जगह विलकुल वैसी ही चीज़।

नेश (نیش) फा पु –डक, दश, सुअर के आगे निकले हुए दाँत।

नेशज़न (نیش زن) फा वि –डक मारनेवाला, जो डंक से डसता है, वह व्यक्ति जो हानि पहुँचाने की ताक मे रहता हो।

नेशज़नी (نیش زنی) फा स्त्री –विच्छू आदि का डक मारना, हानि पहुँचाना।

नेशदुम (نیش دم) फा पु –वृश्चिक, विच्छू।

नेशे अक़्रव (نیش عقرب) फा अ पु –विच्छू का डक।

नेशे ज़वूर (نیش زنبور) फा पु –भिड का डक।

नेस्त (نیست) फा वि –नही है, नास्ति, ध्वस्त, नष्ट, वरवाद।

नेस्ती (نیستی) फा स्त्री –ध्वस, वरवादी, नुहूसत, तवाही, दरिद्रता, कगाली।

नेस्तोनावूद (نیست و نابود) फा वि –विनष्ट, विध्वस्त, जो विलकुल वरवाद हो गया हो।

नै

नै (نے) फा स्त्री –नरकट, नरसल, नय, वाँसुरी, वसी, अलगोज़ा।

नैच (نیچه) फा पु –हुक्के की नै।

नैज (نیزه) फा पु –कुत, शक्ति, शकु, भाला, वर्छी, कलम का नरकट।

नैज़ दार (نیزه دار) फा वि –नैज़ा चलानेवाला।

नैज़ वरदार (نیزه بردار) फा वि –नैज़ा लेकर चलनेवाला, वरछी वाँधकर चलनेवाला।

नैज़ वरदारी (نیزه برداری) फा स्त्री –वरछी या भाला वाँधकर चलना।

नैज़ वाज़ (نیزه باز) फा वि –वर्छी और भाला चलाना जाननेवाला।

नैज़ वाज़ी (نیزه بازی) फा स्त्री –वर्छी और भाला चलाने की महारत।

नैज़क (نیزک) फा पु –छोटा नैज़ा।

नैज़ार (نیزار) फा पु –नरकट या जगह, जहाँ नरसल वहुत हो।

नैयिर (نیر) अ पु –सूर्य, सूरज, रवि, आफताव।

नैयिरेन (نیرین) अ पु –दोनो सूरज, दो सूरज, चाँद और सूरज।
नैरंग (نیرنگ) फा पु –छल, धोखा, फरेव, माया, तिलिस्म।
नैरंगवाज़ (نیرنگ‌باز) फा वि –मायावी, धूर्त, जादूगर, छली, मक्कार।
नैरंगवाज़ी (نیرنگ‌بازی) फा स्त्री –मायाकर्म, जादूगरी, छल, फरेव।
नैरंगसाज़ (نیرنگ‌ساز) फा वि –दे 'नैरंगवाज़'।
नैरंगसाज़ी (نیرنگ‌سازی) फा स्त्री –दे 'नैरंगवाज़ी'।
नैरंगिए ज़मानः (نیرنگئ زمانہ) फा स्त्री –कालचक्र, दुनिया का उलट-फेर।
नैरंगिए नज़र (نیرنگئ نظر) फा अ स्त्री –दृष्टि की विचित्रता, दृष्टि का भ्रम।
नैरंगिए हुस्न (نیرنگئ حسن) फा अ स्त्री –सौन्दर्य का मायाजाल। हुस्न की शोवदवाजी।
नैरंगिए रोज़गार (نیرنگئ روزگار) फा अ स्त्री –भाग्य-चक्र, भाग्य का उलट-फेर।
नैरंगी (نیرنگی) फा स्त्री –माया-कर्म, जादूगरी, छल, कपट, फरेव, तलव्वुन, चित्त की चचलता।
नैरंगीए ख़याल (نیرنگئ خیال) फा अ पु –ख़याल का धोका, विचार-भ्रम,—"नैरंगिए ख़याल की अल्ला रे शोखियाँ—मैं सैर कर रहा हूँ चमन की वहार मे।"
नैरंगे आलम (نیرنگ‌عالم) फा अ पु –ससार की चित्र-विचित्रता, दुनिया का उलट-फेर।
नैरंगे ज़मानः (نیرنگ زمانہ) फा पु –दे 'नैरंगे आलम'।
नैरंगे नज़र (نیرنگ نظر) फा अ पु –वह चीज़ जो आँखो को भ्रम में डाल दे।
नैल (نیل) अ पु –प्राप्त होना, मिलना।
नैले मराम (نیل‌مرام) अ पु –मनोरथ की प्राप्ति, मक्सद हासिल होना।
नैशकर (نےشکر) ईख, इक्षु, गन्ना।
नैसाँ (نیساں) फा पु –फर्वरदीन (वैसाख) की वारिश, जिसके लिए प्रसिद्ध है कि इस पानी की हर बूँद सीप मे मोती वन जाती है, फर्वरदीन, वैसाख का मास।

नो

नोक (نوک) फा स्त्री –हर चीज़ का तेज़ सिरा, वाँकपन, दून, डीग, आन-वान।
नोकदार (نوک‌دار) फा वि –जिसमे नोक हो।
नोज़दह (نوزدہ) फा वि –उन्नीस।
नोज़दहुम (نوزدہم) फा वि –उन्नीसवाँ।
नोश (نوش) फा पु –अमृत, सुधा, आवेहयात, स्वादिष्ठ पेय, (प्रत्य) पीनेवाला, जैसे—'मयनोश' शराव पीनेवाला।
नोशख़ंद (نوش خند) फा पु –'ज़ह्र खद' का उलटा, मधुर हास, शीरी हँसी।
नोशदारू (نوشدارو) फा स्त्री –ज़ह्र उतारनेवाली दवा, तिर्याक, विपहर, मदिरा, मद्य, शराव।
नोशादुर (نوشادر) फा पु –नौसादर, एक क्षार, उर्दू मे यह उच्चारण नही है।
नोशावः (نوشابہ) फा पु –दे नोशाव, आज़र वाईजान (ईरान) की एक रानी जिसे सिकदर ने कष्ट से छुडाया था।
नोशाव (نوشاب) फा पु –अमृत-जल, सुधा, आवेहयात, शराव, मदिरा।
नोशानोश (نوشانوش) फा स्त्री –खूब पीना और वार-वार पीना।
नोशिदः (نوشندہ) फा वि –पीनेवाला।
नोशीं (نوشیں) फा वि –स्वादिष्ठ, सुस्वादु, खुशमज़ा।
नोशीदः (نوشیدہ) फा वि –पिया हुआ।
नोशीदनी (نوشیدنی) फा अव्य –पीने के लाइक, पेय।
नोशेजाँ (نوش‌جاں) फा पु –पीना।
नोशेरवाँ (نوشیرواں) फा पु –दे 'नौशेरवाँ', दोनो रूप शुद्ध है।

नौ

नौ (نو) फा वि –नवीन, नूतन, नया, तत्कालीन, हाल का, ताज़ा, हरा-भरा।
नौअ (نوع) अ स्त्री –जाति, जो एक-सी सव चीज़ो को शामिल हो, जैसे—आदमी, घोडा आदि, प्रकार, किस्म, तरह, आकार-प्रकार, वजा-कता।
नौअरूस (نوعروس) फा अ वि –नवविवाहित, नव-विवाहिता।
नौअरूसाने चमन (نوعروسان چمن) फा अ वि –वाग मे नये जमे हुए पौधे।
नौअरूसी (نوعروسی) फा अ स्त्री –नया विवाह।
नौआईन (نوآئین) फा वि –शोभनीय, ललित, ज़ेवा, शृंगारित, सुसज्जित, आरास्ता।
नौआवाद (نوآباد) फा वि –वह प्रदेश या इलाका जो हाल मे ही वसाया गया हो, नववसित, वह वजर ज़मीन जो हाल में ही काश्त के लिए तोडी गयी हो।
नौआवादियात (نوآبادیات) फा स्त्री –वे इलाके या प्रदेश जो पश्चिमी राष्ट्रो ने दुनिया के भिन्न-भिन्न स्थानो पर वसाये है और वहाँ उनका राज था या है, कालोनीज़, उपनिवेश।

नौआबादी (نوآبادی) फा स्त्री –नया आवाद किया हुआ मुल्क, कालोनी, उपनिवेश।

नौआमद (نوآمده) फा वि –हाल का आया हुआ, जो अभी आया हो, नवागत।

नौआमोज़ (نوآموز) फा वि –नौसिखिया, अनाडी, जिसने कोई काम अभी सीखना आरभ किया हो, नव-शिक्षित।

नौआमोज़ी (نوآموزی) फा स्त्री –नौसिखियापन।

नौईजाद (نوایجاد) फा अ वि –जो चीज़ अभी हाल मे आविष्कृत हुई हो, नवाविष्कृत।

नौईयत (نوعیت) अ स्त्री –प्रकार, किस्म, विशेषता, खुसूसियत।

नौउम्र (نوعمر) फा अ वि –अल्पवयस्क, कमसिन, लडका, वालक।

नौउम्री (نوعمری) फा अ स्त्री –वाल्यावस्था, अल्प-वयस्कता, कमसिनी।

नौए इसानी (نوع انسانی) अ स्त्री –मानव-जाति, आदम की सतान।

नौए दिगर (نوع دگر) अ फा स्त्री –दूसरे प्रकार का, वदला हुआ, विकृत, विगडा हुआ, अस्त-व्यस्त, उथल-पुथल।

नौकर (نوکر) तु पु –सेवक, दास, चाकर।

नौकर्दःकार (نوکردہکار) फा वि –जिसने कोई काम नया-नया किया हो।

नौकार (نوکار) फा वि –ताज़ा, हाल का, जिसने अभी काम प्रारभ किया हो।

नौकीस. (نوکیسه) फा वि –दे 'नौदौलत'।

नौख़त (نوخط) फा वि –जिसकी मूँछ-दाढी के वाल निकलना शुरू हुए हो, अकुरितयौवन।

नौख़ास्त. (نوخاسته) फा वि –नया जमा हुआ, नया पट्ठा, नवयुवक, नातज्रिबाकार, अननुभवी।

नौख़ेज़ (نوخیز) फा वि –दे 'नौख़ास्त', नया उगा हुआ, नवोदित, नवाकुरित।

नौगिरिफ्तार (نوگرفتار) फा वि –जो नया-नया फँसा हो, जो हाल मे ही कैद हुआ हो, जो नया-नया किसी काम मे पडा हो, जिसने नया-नया किसी को दिल दिया हो।

नौच (نوچه) फा पु –नवयुवक, नयी जवानीवाला, (स्त्री) नौची, नवयुवती।

नौजवाँ (نوجواں) फा पु –'नौजवान' का लघु, दे 'नौजवान'।

नौजवान (نوجوان) फा पु –जिसकी युवावस्था का आरभ हुआ हो, नया पट्ठा, नवयुवक।

नौजवानान. (نوجوانانه) फा अव्य –नये जवानो की तरह।

नौजवानी (نوجوانی) फा स्त्री –युवावस्था, नयी जवानी।

नौज़ाईद. (نوزائیده) फा वि –जो हाल मे ही उत्पन्न हुआ हो, नवजात।

नौदामाद (نوداماد) फा पु –वर, दूल्हा।

नौदौलत (نودولت) फा अ वि –जिसने नयी-नयी सपत्ति पायी हो, जो नया-नया अमीर हुआ हो, जो नयी-नयी दौलत पाकर इतरा गया हो।

नौदौलती (نودولتی) फा अ स्त्री –नयी-नयी सपत्ति की प्राप्ति, नया-नया धनवान् होना।

नौनियाज़ (نونیاز) फा वि –वह लडका जिसने अभी पढना-लिखना आरभ किया हो, वह व्यक्ति जो नया-नया किसी पर मोहित हुआ हो।

नौनिहाल (نونہال) फा वि –नया पौधा, नया पेड, नौउम्र, वालक, वच्चा।

नौनिहालाने चमन (نونہالان چمن) फा वि –वाग के नये-नये पौधे।

नौपैदा (نوپیدا) फा वि –जो हाल में ही उत्पन्न हुआ हो, नवजात, नौज़ाईद।

नौवत (نوبت) अ स्त्री –ओसरी, वारी, दशा, हालत, वार, दफा, राजाओ और अमीरो के दरवाजे पर वजने-वाली शहनाई।

नौवतख़ान: (نوبتخانه) अ फा पु –जहाँ शहनाई वजती हो, नक्कारख़ाना।

नौवतगाह (نوبتگاه) अ फा स्त्री –दे 'नौवतख़ान', कारागार, कैदख़ाना।

नौवतज़न (نوبتزن) अ फा वि –नौवत वजानेवाला, नक्कारची।

नौवतनवाज़ (نوبتنواز) अ फा वि –दे 'नौवतज़न'।

नौवत व नौवत (نوبت بنوبت) अ फा वि –वारी-वारी से, एक के वाद दूसरा, अपनी-अपनी वारी पर।

नौवती (نوبتی) अ वि –वारी का, वारी से होनेवाला, नक्कारची, नौवतनवाज़, पहरेदार, पासवान, वडा खेमा।

नौ व नौ (نو بنو) फा वि –नया-नया, ताज़ व ताज़।

नौवर्ग (نوبرگ) फा वि –नया पत्ता, मजरी।

नौवर्द (نوبرده) फा तु वि –नया ख़रीदा हुआ दास।

नौवहार (نوبہار) फा वि –वसत ऋतु, वहार का मौसम, वह चीज जिस पर ताज़ा रौनक हो।

नौम (نوم) अ पु –सोना, स्वप्न, स्वाप।

नौमश्क (نومشق) फा अ वि –नौसिखिया, अनाडी।

नौमश्की (نومشقی) फा अ स्त्री –नौसिखयापन।

नौमीद (نومید) फा वि –निराश, हताश, नाउम्मीद।

नौमीदानः (نومیدانہ) फा अव्य –निराशा की हालत मे, नाउम्मीदो-जैसा।

नौमीदी (نومیدی) फा स्त्री –निराशा, नाउम्मीदी।

नौमुस्लिम (نومسلم) फा अ वि –जो नया-नया मुसलमान हुआ हो, जो ख़ानदानी मुसलमान न हो।

नौरः (نورہ) अ पु –चूना, जिसकी दीवारो पर पुताई होती है।

नौरस (نورس) फा वि –नया पका हुआ फल, हर नयी चीज़।

नौरुस्तः (نورستہ) फा वि –नया उगा हुआ।

नौरोज़ (نوروز) फा पु –साल का पहला दिन, ईरानियो मे फर्वरदीन मास का पहला दिन जिसमे वह वहुत वडा उत्सव मनाते है।

नौरोज़ी (نوروزی) फा वि –साल के पहले दिन का, जैसे —जश्ने नौरोज़ी।

नौवारिद (نووارد) फा अ वि –नया आया हुआ, नवागत, पथिक, मुसाफिर।

नौशः (نوشہ) फा पु –वर, दूल्हा।

नौशेरवॉ (نوشیرواں) फा पु –सासानी वश का एक ईरानी नरेश जो अपनी न्यायपरायणता के लिए प्रसिद्ध है। यह सन् ५३१ ई० मे तख़्त पर वैठा था, हज़्रत मुहम्मद साहव इसी के समय मे उत्पन्न हुए थे।

नौसफर (نوسفر) फा अ वि –जिसने पहले-पहल सफर किया हो।

नौसवार (نوسوار) फा वि –जिसने घोडे की सवारी नयी-नयी सीखी हो।

नौहः (نوحہ) अ पु –मृतक के लिए रोना-पीटना, वैन करना, उर्दू पद्य की एक किस्म जिसमे करवला के शहीदो पर शोक प्रकट होता है।

नौह.ख़्वॉं (نوحہ‌خواں) अ फा वि –मृतक पर विलाप करनेवाला, करवला के शहीदो का नौह पढनेवाला।

नौह.ख़्वानी (نوحہ‌خوانی) अ फा स्त्री –मृतक के लिए विलाप, मुहर्रम की मज्लिस मे नौह पढना।

नौह:गर (نوحہ‌گر) अ फा वि –दे 'नौह ख़्वॉं'।

नौह.गरी (نوحہ‌گری) अ फा स्त्री –दे 'नौह ख़्वानी'।

नौहए गम (نوحۂ غم) अ पु –मृतक-शोक, मुर्दे का मातम।

नौहए मातम (نوحۂ ماتم) अ फा पु –दे 'नौहए गम'।

प

पंचक (پنچک) फा स्त्री –चर्खे की पोनी, जिसमे से तार निकलता है।

पंजः (پنجہ) फा पु –उँगलियो समेत हथेली, प्रहस्त, अलवुप, प्रतल, अधिकार, कव्जा, ताश का पॉच वुँदकियो-वाला पत्ता, पाँच वस्तुओ की समष्टि, सहायता, मदद।

पंजः (پنجرہ) फा पु –नृत्य का एक प्रकार जिसमे वहुत-सी स्त्रियाँ एक दूसरे का हाथ पकडकर नाचती है।

पंजःकश (پنجہ‌کش) फा वि –पजा लडानेवाला, (पु) लोहे का पजा-जैसा एक यत्र जिसमे पजा डालकर ज़ोर किया जाता है।

पंजःकशी (پنجہ‌کشی) फा स्त्री –पजा लडाना, पजे द्वारा ज़ोर करना, वल-परीक्षा, ज़ोर आज़माना।

पंज.नुमा (پنجہ‌نما) फा वि –पजे के आकार का, पजा-जैसा।

पंजगुश्त (پنجنگشت) फा पु –एक वृक्ष, सँभालू।

पंज (پنج) फा वि –पाँच, पच, पॉच की सख्या, पाँच वस्तुएँ।

पंजअर्कान (پنج ارکان) फा अ पु –मुसलमानो की पाँच धार्मिक कृतियाँ—कलिम, नमाज, रोज़ा, ज़कात और हज।

पंजआयत (پنج آیت) फा अ स्त्री –कुरान की पाँच छोटी-छोटी आयते जो प्राय फातह मे पढी जाती है।

पंजए अल्मास (پنجۂ الماس) फा पु –पजे के आकार का वह लौहिक यत्र, जिसमे पहलवान पजा डालकर ज़ोर करते है, पज कश।

पंजए आफ़्ताव (پنجۂ آفتاب) फा पु –सूर्य अपनी किरणो समेत।

पंजएख़ुरशीद (پنجۂ خورشید) फा पु –दे 'पजए आफ्ताव'।

पंजए निगारी (پنجۂ نگاریں) फा पु –प्रेमिका का चित्रित पजा जिसमे मेहदी या महावर से नक्शो निगार वने हो।

पंजए मर्जां (پنجۂ مرجاں) फा अ पु –मूँगे का पेड, जो पजे के आकार का होता है।

पंजए मर्यम (پنجۂ مریم) फा अ पु –पजे की आकृति का एक मुट्ठीवद पौवा, जो पानी मे डालने से खुलता है, और प्रसववेदनाग्रस्ता यदि उसे देखती रहे तो उसकी पीडा जाती रहती है और वच्चा सुगमता से उत्पन्न हो जाता है।

पंजए मिज़्गाँ (پنجۂ مژگاں) फा पु –पलको की कतार।

पंजगंज (پنج گنج) फा पु –पाँचो इद्रियाँ, पाँचो वक्त की नमाज़, पर्वेज़ की आठ निधियो मे से पाँच।

पंजगान. (پنجگانہ) फा वि –पाँच प्रकार का, पॉच उसूलोवाला, पचसूत्री, पाँच समय की नमाज़।

पंजगुश्त (پنج‌گشت) फा पु –दे 'पजगुश्त'।

पंजगूनः (پنج‌گونہ) फा वि –पाँच गुना, पाँच प्रकार का।

पंजगोश. (پنج گوشه) फा वि—पाँच कोनोवाला, पचकोण, पँचकोना, जिसमें पाँच पहलू हो।

पंजतन (پنج تن) फा पु—पाँच व्यक्ति, अर्थात्, हज़्रत मुहम्मद, हज़्रत अली, हज़्रत फातिमा और उनके दोनो पुत्र, इमाम हसन और इमाम हुसैन।

पंजनोश (پنج نوش) फा पु—मडूर, लोहे का मैल, पारा, ताँबा, लोहा, अभ्रक और मडूर का एक रासायनिक मिश्रण।

पंजनौबत (پنج نوبت) फा अ स्त्री—वह नौबत जो राजाओ और बादशाहों के द्वार पर पाँचो वक्त बजती है, वह पाँच बाजे जो नौबत मे बजते हैं, पाँचो वक्त की अज़ान।

पंजपा (پنج پا) फा पु—पाँच पाँववाला, अर्थात् केकडा।

पंजपाय (پنج پایه) फा पु—दे 'पंजपा'।

पंजर (پنجره) फा पु—हर वह वस्तु जो जालीदार हो, मकान की जाली, पिंजडा, वितस, खिडकी, गवाक्ष।

पंजर (پنجر) फा पु—'पंजर' का लघु, शरीर का ढाँचा, अस्थि-पंजर।

पंजरोज़ (پنج روزه) फा वि—पाँच दिनो का, पाँच दिनो मे समाप्त होनेवाला, थोडे दिनो का, अस्थायी।

पंजवक्त (پنج وقته) फा अ वि—पाँचो समयवाला, पाँचो समय की नमाज़।

पंजशबह (پنج شنبه) फा पु—बृहस्पतिवार, वीर वार, जुमेरात।

पंजशाख़ (پنج شاخه) फा पु—पाँच शाखाओवाली वस्तु, एक लम्बी लकडी जिसमे बहुत-सी मशाले खोस लेते हैं और बरात आदि मे जलाते हैं।

पंजसाल (پنج ساله) फा वि—पाँच साल मे समाप्त होनेवाला, पाँच साल मे एक बार पडनेवाला, पाँच साल की आयु का।

पंजसूरः (پنج سوره) फा स्त्री—कुरान की पाँच बहुत छोटी सूरते जो फातहे मे पढी जाती हैं।

पंजहज़ारी (پنج هزاری) फा पु—मुगल शासन-काल का एक बहुत बडा पद।

पंजहिस[स्स] (پنج حس) फा अ स्त्री—पाँचो इंद्रियाँ—श्रवण शक्ति, नेत्र शक्ति, स्पर्श शक्ति, घ्राण शक्ति, स्वादेंद्रिय।

पंजाह (پنجاه) फा वि—पचास।

पंजाहुम (پنجاهم) फा वि—पचासवाँ।

पंजुम (پنجم) फा वि—पाँचवाँ।

पंजुमीं (پنجمیں) फा वि—पाँचवाँ।

पंद (پند) फा स्त्री—हितोपदेश, नसीहत, सदुपदेश, वा'ज़, परामर्श, सलाह, शिक्षा, सीख, अच्छी बात का ज्ञान।

पंदआमेज़ (پندآمیز) फा वि—नसीहत से भरा हुआ, शिक्षापूर्ण, उपदेशपूर्ण।

पंदआमोज़ (پندآموز) फा वि—नसीहत सिखानेवाला, नसीहत सीखनेवाला।

पंदगर (پندگر) फा वि—उपदेश देनेवाला, उपदेशक, नसीहत करनेवाला।

पंदगो (پندگو) फा वि—दे 'पंदगर'।

पंदसूदमंद (پند سودمند) फा पु—लाभप्रद उपदेश।

पंदनाम (پندنامه) फा पु—वह पत्र जिसपर उपदेश लिखे हो, उपदेशो की पुस्तक।

पंदनियोश (پندنیوش) फा वि—उपदेश सुननेवाला, उपदेश सुनकर उस पर कान धरनेवाला, माननेवाला।

पंदिद. (پندده) फा वि—उपदेश देनेवाला, उपदेशक।

पंदीद (پندیده) फा वि—जिसे उपदेश दिया गया हो।

पंदोनसीहत (پندونصیحت) फा अ स्त्री—नसीहत की बाते।

पंब. (پنبه) फा पु—कपास, रुई, तूल।

पंब दरगोश (پنبه درگوش) फा वि—कानो मे रुई ठूँसे हुए, अर्थात् किसी की बात न सुननेवाला।

पंब दहन (پنبه دهن) फा वि—मुँह मे रुई भरे हुए, अर्थात् चुपचाप, मौन।

पंब दहाँ (پنبه دهاں) फा वि—दे 'पंब दहन'।

पंब दान. (پنبه دانه) फा पु—कपास का बीज, बिनौला।

पंब बगोश (پنبه بگوش) फा वि—दे 'पंब दरगोश'।

पंबए ज़ख़्म (پنبهٔ زخم) फा पु—घाव पर रखने की रुई, फाहा।

पंबए मीना (پنبهٔ مینا) फा पु—शराब के शीशे पर लगी हुई रुई, रुई की डाट, पहले कार्क के स्थान पर रुई की डाट होती थी।

पंबकी (پنبکی) फा वि—रुई से बना हुआ, सूती।

पक्न (پکنه) फा वि—मोटा और बौना व्यक्ति।

पख (پخ) फा स्त्री—अडगा, पच्चड, दोष, ऐब, कठिनता, दिक्कत, विघ्न, बाधा।

पख्च (پخچ) फा वि—कूटा हुआ, फैलाया हुआ, नीचा, पस्त, मुर्झाया हुआ।

पख़्त (پخته) फा पु—बिनौला निकली हुई कपास, रुई, तूल।

पख़्तो (پختو) फा स्त्री—दे शु उ 'पुख़्तो'।

पख़्मान (پخمان) फा वि—उदास, गमगीन, मलिन, खिन्न, अफ़्सुर्द।

पख़्लीच (پخلیچه) फा पु—दे 'पख़्लच', दो शु हैं।

पख्लूच. (پخلوچ) फा पु –गुदगुदी।

पख्स (پخس) फा वि –पिघला हुआ, द्रवित, अप्रफुल्ल, पजमुर्द।

पख्सीदः (پخسیده) फा वि –खिन्न, मलिन, अफ्सुर्द, दुःखित, रंजीद।

पग (پگ) फा पु –गोली, गुल्ला।

पगह (پگه) फा स्त्री –'पगाह' का लघु, दे 'पगाह'।

पगाह (پگاه) फा स्त्री –प्रातःकाल, सवेरा, तड़का।

पगाहतर (پگاهتر) फा स्त्री –गजरदम, बहुत तड़के, वासर सग, ब्राह्म मुहूर्त।

पचवाक (پچواک) फा पु –अनुवाद, उल्था, तर्जुमा।

पजः (پزه) फा पु –दोहरे कपड़े में नीचे का कपड़ा, अस्तर।

पज (پج) फा पु –पर्वत, पहाड़।

पज़ (پز) फा प्रत्य –पकानेवाला जैसे 'खिश्तपज़' ईंटे पकानेवाला।

पज (پز) फा पु –पीप, मवाद, मल, मैल, जीर्ण, पुराना।

पजन (پزن) फा स्त्री –चील पक्षी, चिल्ल।

पजमान (پژمان) फा वि –दे 'पज़्मान'।

पजमुर्दः (پژمرده) फा वि –खिन्न, मलिन, उदास, दुःखित, गमगीन, दे 'पिज़मुर्द' दो शुद्ध हैं।

पजमुर्दः खातिर (پژمرده خاطر) फा अ वि –दे 'पज़-मुर्द दिल'।

पजमुर्द.दिल (پژمرده‌دل) फा वि –जिसका मन उदास हो, खिन्नमनस्क, अप्रसन्नचित्त।

पजमुर्द रू (پژمرده‌رو) फा वि –जिसका चेहरा उदास हो, मलिनमुख, अप्रसन्नमुख।

पजमुर्दगी (پژمردگی) फा स्त्री –उदासीनता, खिन्नता, अफ्सुर्दगी।

पजमुर्दनी (پژمردنی) फा वि –खिन्न होने योग्य, पज़मुर्दा होने के काबिल।

पजार (پزار) फा पु –पर्वत, पहाड़।

पजावः (پزاوه) फा पु –ईंट या चूना पकाने का भट्ठा, उर्दू मे केवल ईंट के भट्ठे के लिए आता है।

पज़ीर (پذیره) फा पु –स्वीकार करना, कबूल करना; किसी के सामने जाना, मक्बूल, माना हुआ, दे 'पिज़ीर', दोनो शुद्ध हैं।

पज़ीर (پذیر) फा अव्य –स्वीकार करनेवाला, जैसे 'पोज़िश पज़ीर' उज्र कबूल करनेवाला, दे 'पिज़ीर', दोनो शुद्ध हैं।

पज़ीरा (پذیرا) फा वि –स्वीकृत, अंगीकृत, कबूल, दे 'पिज़ीरा', दोनो शुद्ध हैं।

पज़ीराई (پذیرائی) फा स्त्री –स्वीकृति, अंगीकृति, मंज़ूरी, क़बूलियत, दे 'पिज़ीराई', दोनो शुद्ध हैं।

पजोह (پژوه) फा प्रत्य –ढूँढनेवाला, जैसे—'हकपजोह' सत्य का खोजी, दे 'पिजोह', दोनो शुद्ध हैं।

पज़ोहिंदः (پژوهنده) फा वि –ढूँढनेवाला, जिज्ञासु, खोजी, दे 'पिज़ोहिंद' दोनो शुद्ध हैं।

पज़ोहिश (پژوهش) फा स्त्री –खोज, जिज्ञासा, तलाश, दे 'पिज़ोहिश' दोनो शुद्ध हैं।

पजोहीदः (پژوهیده) फा वि –खोजा हुआ, ढूँढा हुआ, जिज्ञासित, दे 'पिजोहीद', दोनो शुद्ध हैं।

पतग (پتنگ) फा पु –गवाक्ष, खिड़की, रोशनदान।

पतगीर (پتگیر) फा स्त्री –छेनी, टाँकी।

पतर (پتر) फा पु –लोहे का तख़्ता, पत्र।

पतीरः (پتیره) फा पु –घिनावनी और निकृष्ट वस्तु।

पतील (پتیل) फा पु –चिराग की बत्ती।

पत्यारः (پتیاره) फा पु –आपत्ति, विपदा, मुसीबत, दैवी आपत्ति, बला।

पद (پد) फा पु –वह पेड़ जिसमे फल न लगते हो।

पदरख़्तः (پدرخته) फा वि –दुःखित, क्लेशित, रंजीदा, खिन्न, मलिन, उदास।

पदीद (پدید) फा वि –प्रकट, व्यक्त, आविर्भूत, ज़ाहिर, दे 'पिदीद', दोनो शुद्ध हैं।

पदीदार (پدیدار) फा वि –दे 'पदीद'।

पद्रूद (پدرود) फा स्त्री –विदा, रुख़्सत, त्याग, तर्क।

पनाह (پناه) फा स्त्री –रक्षा, त्राण, हिफाजत, आश्रय, सहारा, पृष्ठ-पोषण, हिमायत, प्राण-रक्षा, जान का बचाव।

पनाहगाह (پناهگاه) फा स्त्री –वह स्थान जहाँ सुरक्षित रहा जा सके, वह स्थान जहाँ से भरण-पोषण हो और सहायता मिले।

पनाह बख़ुदा (پناه بخدا) फा वा –ईश्वर बचाये।

पनाहे बेकसाँ (پناه بےکساں) फा स्त्री –निराश्रय लोगो की रक्षा करनेवाला।

पनीर (پنیر) फा पु –दही का पानी निकालकर उसमे नमक मिलाकर बनाया हुआ एक खाद्य।

पनीरमायः (پنیرمایه) फा पु –एक दवा जो बकरी या ऊँट आदि के हाल के व्याये हुए बच्चे को उसकी माँ का खूब दूध पिलाकर और फिर उसका वध करके उसके आमाशय को सुखाकर बनाते हैं।

पनीरी (پنیری) फा वि –पनीर का, पनीर लगा हुआ, पनीर से सम्बन्ध रखनेवाला।

पयंबर (پیمبر) फा पु —ईश-दूत, अवतार, पैगम्बर।
पयंबरान (پیمبرانه) फा वि —पयबरो-जैसा, अवतारो-जैसा।
पयंबरी (پیمبری) फा स्त्री —पयबर का पद, पयबर सम्बन्धी, पयंबर का।
पयंबरे वक्त (پیمبر وقت) फा अ पु —अपने समय में ऐसे चमत्कारपूर्ण कार्य करनेवाला, जिन्हे केवल ईशदूत ही कर सकता हो।
पय (پے) फा पु —पाँव, चरण, पदचिह्न, पाँव का निशान, पीछा, बार, दफा, पट्ठा, स्नायु, दे 'पै'।
पय दर पय (پے در پے) फा वि —बार-बार, बारबार, लगातार, निरन्तर, मुसल्सल, दे 'पै दर पै'।
पय ब पय (پے بہ پے) फा वि —दे 'पय दर पय'।
पयाद (پیادہ) फा पु —पैदल चलनेवाला, चपरासी, सिपाही, हरकारा, डाकिया, सेना का पैदल सिपाही, शत्रज का पैदल।
पयाद निज़ाम (پیادہ نظام) फा अ पु —सैनिक, फौजी, पियादा, फौजी।
पयाद पा (پیادہ پا) फा वि —पाँव-पाँव चलनेवाला, पैदल चलनेवाला।
पयाद पाई (پیادہ پائی) फा स्त्री —पाँव-पाँव बिना सवारी के चलना।
पयापय (پیاپے) फा वि —दे 'पय दर पय'।
पयाम (پیام) फा पु —समाचार, खबर, सदेश, सदेसा, सगाई की बातचीत।
पयामबर (پیامبر) फा वि —खबर ले जानेवाला, सदेश पहुँचानेवाला, दूत, सदेशवाहक।
पयामबरी (پیامبری) फा स्त्री —खबर ले जाना, सदेश पहुँचाना।
पयामबुर्द (پیامبردہ) फा वि —सदेश या खबर लेकर गया हुआ।
पयामरसाँ (پیامرساں) फा वि —सदेश अथवा खबर पहुँचानेवाला।
पयामरसानी (پیامرسانی) फा स्त्री —सदेश या खबर पहुँचाना।
पयामरसी (پیامرسی) फा स्त्री —सदेश या खबर पहुँचना।
पयामी (پیامی) फा वि —पयाम ले जानेवाला, सदेश-वाहक, समाचार ले जानेवाला, खबररसाँ।
पयामोसलाम (پیام وسلام) फा अ पु —दूसरे के द्वारा दो व्यक्तियो की बातचीत।
परद (پردہ) फा पु —पक्षी, चिडिया।
परद (پرند) फा पु —पक्षी, तलवार, सादा रेशमी कपडा, तलवार का जौहर, कृत्तिका नक्षत्र, पर्वी।
परः (پرہ) फा पु —पक्ति, कतार, कुफुल की झड, घास का तिन्का, छोर, किनारा।
पर (پر) फा पु —पक्ष, पख।
परअफ्गंद (پرافگندہ) फा वि —जिसके पर झड गये हो, अर्थात् विवश, लाचार।
परअफ्गदगी (پرافگندگی) फा स्त्री —पर झड जाना, विवशता, लाचारी।
परअफ्शाँ (پرافشاں) फा वि —दे 'परफिशाँ'।
परअफ्शानी (پرافشانی) फा स्त्री —दे 'परफिशानी'।
परक़ाज़ (پرقازہ) फा पु —चित्रकार की कूची, तूलिका।
परकार (پرکار) फा स्त्री —दे 'पर्कार'।
परकाल (پرکالہ) फा पु —दे 'पर्काल'।
परखाश (پرخاش) फा स्त्री —दे 'पर्खाश'।
परगन (پرگنہ) फा पु —दे 'पर्गन'।
परचीं (پرچیں) फा स्त्री —दे 'पर्चीं'।
परताब (پرتاب) फा पु —दे 'पर्ताब'।
परतौ (پرتو) फा पु —दे 'पर्तौ'।
परदाख़्त (پرداختہ) फा वि —दे 'पर्दाख़्त'।
परदाख़्त (پرداخت) फा स्त्री —दे 'पर्दाख़्त'।
परदाज (پرداز) फा पु —दे 'पर्दाज'।
परदार (پردار) फा वि —जिसके पर हो।
परदोख़्त (پردوختہ) फा वि —जिसके पर सी दिये गये हो, जो उड न सके, अर्थात् विवश, लाचार।
परन (پرن) फा स्त्री —कृत्तिका नक्षत्र, पर्वी।
परनियाँ (پرنیاں) फा पु —दे 'पर्नियाँ'।
परपा (پرپا) फा पु —धाघम कबूतर, वह कबूतर जिसके पाँव मे पर होते है।
परफिशाँ (پرفشاں) फा वि —पर झाडनेवाला, पर फट-फटानेवाला, अर्थात् सासारिक सुखो का त्यागी।
परफिशानी (پرفشانی) फा स्त्री —सासारिक सुखो का त्याग, निवृत्ति।
परवद (پربند) फा वि —दे 'परवस्त'।
परवस्त (پربستہ) फा वि —जिसके पर बँधे हो, जो उडने मे असमर्थ हो, विवश, लाचार।
परबुरीद (پربریدہ) फा वि —जिसके पर काट दिये गये हो, अर्थात् असमर्थ, मजबूर।
पररेख़्त (پرریختہ) फा वि —पर झडा हुआ, जो उड न सके, असमर्थ, विवश।
परवरिश (پرورش) फा स्त्री —दे 'पर्वरिश'।

परवर्दः (پروردہ) फा. वि –दे 'पर्वर्द'।

परवाज़ (پرواز) फा स्त्री –उडना, दे 'पर्वाज', अपने मर्कज़ की तरफ मायले परवाज़ था हुस्न, भूलता ही नही आलम तेरी अँगडाई का।—अजीज़।

परवान. (پروانہ) फा पु –पतगा, शलभ, आदेशपत्र, हुक्मनामा, राजादेश, फर्मान, भक्त, फिदाई, मुग्ध, आसक्त, फरेफ्त, वह कुत्ते वरावर जतु जो सिंह के आगे-आगे चलता है।

परवान वार (پروانہوار) फा अ वि –परवाने की तरह, जैसे शलभ दीपक की ओर जाता है, ऐसे वडे वेग और उत्साह के साथ।

परवानए गिरिफ्तारी (پروانۂ گرفتاری) फा पु –गिरिफ्तारी का वारट।

परवानए राहदारी (پروانۂ راهداری) फा पु –पासपोर्ट, पारपत्र।

परवानगी (پروانگی) फा स्त्री –आज्ञा, अनुमति, इजाज़त।

परवीं (پروین) फा स्त्री –दे 'पर्वी'।

परवेज़ (پرویز) फा पु –दे 'पर्वेज़'।

परवेज़न (پرویزن) फा स्त्री –दे 'पर्वेज़न'।

परशिकस्तः (پرشکستہ) फा वि –जिसके पर टूट गये हो, जो उड न सके, अर्थात् विवश, असमर्थ, अशक्त, लाचार।

परसियावशाँ (پرسیاوشاں) फा स्त्री –एक वनस्पति, हसराज।

परसुम (پرسم) फा पु –दे 'पर्सुम'।

परसोख़्तः (پرسوختہ) फा वि –जिसके पर जल गये हो, अर्थात्, असमर्थ, लाचार, विवश।

परस्त (پرست) फा अव्य –पूजनेवाला, जैसे—'वुतपरस्त' मूर्ति पूजनेवाला।

परस्तार (پرستار) फा वि –पूजनेवाला, उपासक, आविद, भक्त, फिदाई।

परस्तारज़ाद. (پرستارزادہ) फा पु –दासीपुत्र, लौंडी-वच्चा।

परस्तारी (پرستاری) फा स्त्री –पूजा, आराधना, इवादत, भक्ति, फिदाइयत।

परस्तिदः (پرستندہ) फा वि –पूजनेवाला, पूजक, आराधक।

परस्तिश (پرستش) फा स्त्री –पूजा, आराधना, इवादत, वहुत अधिक प्रेम।

परस्तिशकदः (پرستش کدہ) फा पु –दे 'परस्तिशगाह'।

परस्तिशख़ान. (پرستش خانہ) फा पु –दे 'परस्तिशगाह'।

परस्तिशगाह (پرستش گاہ) फा. स्त्री –पूजा का स्थान, आराधनालय, इवादतख़ाना।

परस्तीदः (پرستیدہ) फा वि –जिसकी पूजा की जाय, पूजित, आराधित, पूज्य, आराध्य।

परस्तीदनी (پرستیدنی) फा वि –पूजने योग्य, पूजनीय, आराधनीय।

परहेज़ (پرهیز) फा पु –दे 'पर्हेज़'।

परागंद. (پراگندہ) फा वि –अस्त-व्यस्त, तितर-वितर, असवद्ध, वेतर्तीव, उद्विग्न, परेशान।

परागंद ख़ातिर (پراگندہ خاطر) फा वि –जिसका मन ठिकाने न हो, व्यस्तचित्त।

परागंद.दिल (پراگندہ دل) फा वि –दे 'परागद ख़ातिर'।

परागद मू (پراگندہ مو) फा वि –जिसके वाल विखरे हुए हो, वाल विखेरे हुए।

परागंद.रोज़गार (پراگندہ روزگار) फा वि –समय जिसके अनुकूल न हो, कालचक्रग्रस्त।

परागंदःरोज़ी (پراگندہ روزی) फा वि –जिसकी जीविका निश्चित न हो, अनिश्चित जीविका।

परागंद हाल (پراگندہ حال) फा अ वि –जिसकी दशा वहुत ही अस्त-व्यस्त हो, व्यस्तावस्था, दुर्दशाग्रस्त, व्यस्तभाग्य।

परागंदगी (پراگندگی) फा स्त्री –अस्तव्यस्तता, तितर-वितरपन, असवद्धता, वेतर्तीवी।

पराज़द (پرازدہ) फा पु –लोई, गुँधे हुए आटे का पेडा।

परानिद. (پرانندہ) फा वि –उडानेवाला।

परानीद. (پرانیدہ) फा वि –उडाया हुआ।

परिंदः (پرندہ) फा पु –पक्षी, चिड़िया।

परिंद (پرند) फा पु –पक्षी, चिडिया।

परिंदगी (پرندگی) फा स्त्री –उडना।

परिस्तान (پرستان) फा पु –परियो का स्थान, जहाँ वहुत-सी परियाँ रहती हो।

परी (پری) फा स्त्री –एक कल्पित प्राणीवर्ग, जिनके लिए प्रसिद्ध है कि वह अत्यन्त सुन्दरी होती है, अप्सरा, वहुत अधिक सुन्दर स्त्री।

परीअंदाज़ (پری انداز) फा वि –परियो-जैसे हावभाव रखनेवाला (वाली)।

परीअंदाम (پری اندام) फा वि –परियो-जैसे सुदर शरीर-वाला (वाली)।

परीइज़ार (پری عذار) फा अ वि –परियो-जैसे कपोलो-वाला (वाली)।

परीकामत (پری قامت) फा अ वि –परियो-जैसे आकार-वाला (वाली)।

परीख़ान. (پریخانہ) फा पु –परियो के रहने का घर, वह स्थान जहाँ वहुत-सी सुदर स्त्रियाँ एकत्र हो।

परीख़्वाँ (پریخواں) फा वि –जादूगर, इंद्रजाली, भूत-प्रेत उतारनेवाला, भगत, ओझा, जादू के ज़ोर से भूतो की आत्माओ को बुलानेवाला, अज़ीमतख़्वाँ।

परीख़्वानी (پریخوانی) फा स्त्री –माया-कर्म, जादूगरी, भूत-प्रेत उतारना, भूत-प्रेत-आत्माओ को बुलाना।

परीचम (پری چم) फा वि –परियो-जैसी अठलाती हुई चाल से चलनेवाला (वाली)।

परीचश्म (پری چشم) फा वि –परियो-जैसी सुन्दर आँखो-वाला (वाली)।

परीचेह्र (پری چہرہ) फा वि –दे 'परीरू'।

परीज़द (پری زدہ) फा वि –जिस पर आसेब का ख़लल हो, प्रेतबाधा-ग्रस्त, भूताविष्ट।

परीजमाल (پری جمال) फा अ वि –परियो-जैसा सौन्दर्य रखनेवाला (वाली)।

परीज़ाद (پری زادہ) फा पु –परियो की औलाद, परियो का लडका, अप्सरा-पुत्र।

परीज़ाद (پری زاد) फा पु –दे —'परीज़ाद'।

परीतल्अत (پری طلعت) फा अ वि –दे 'परीजमाल'।

परीतिम्साल (پری تمثال) फा अ वि –परियो-जैसी सूरत-वाला (वाली), अप्सरामुखी।

परीद (پریدہ) फा वि –उडा हुआ, जैसे—परीद रग।

परीद.रग (پریدہ رنگ) फा वि –जिसका रग उड गया हो।

परीदोश (پریدوش) फा स्त्री –बीती हुई, परसो की रात।

परीपैकर (پری پیکر) फा वि –दे 'परीअदाम'।

परीफाम (پری فام) फा वि –परियो-जैसे गोरे रगवाला (वाली)।

परीबद (پری بند) फा पु –भुजबध, बाज़ू का एक ज़ेवर।

परीर (پریر) फा पु –दे 'परीरोज़'।

परीरुख़ (پری رخ) फा वि –दे 'परीरू'।

परीरुख़सार (پری رخسار) फा वि –दे 'परीरू'।

परीरू (پری رو) फा वि –परियो-जैसी शक्ल-सूरतवाला (वाली)।

परीरोज़ (پری روز) फा पु –बीता हुआ परसो का दिन।

परीलिक़ा (پری لقا) फा अ वि –दे 'परीतलअत'।

परीवश (پری وش) फा वि –परियो-जैसा (-जैसी)।

परीशब (پری شب) फा स्त्री –बीती हुई परसोवाली रात।

परीशाँ (پریشاں) फा वि –अस्त-व्यस्त, तितर-बितर, व्याकुल, आतुर, बेचैन, दु खित, क्लेशित, रजीदा, चिंतित, फिक्रमद, स्तब्ध, चकित, हैरान, ध्वस्त, बरबाद।

परीशाँख़याल (پریشاں خیال) फा अ वि –जिसका मन बेठिकाने हो, जो ठीक-ठीक सोच न सकता हो।

परीशाँख़याली (پریشاں خیالی) फा अ स्त्री –ख़यालात की बेतरतीबी, मन की व्यस्तता।

परीशाँख़ातिर (پریشاں خاطر) फा अ वि –व्यग्रचित्त, व्यस्तमना, जिसका मन ठिकाने न हो।

परीशाँख़ातिरी (پریشاں خاطری) फा अ स्त्री –चित्त की व्यग्रता, मन का बेठिकाने होना।

परीशाँगोई (پریشاں گوئی) फा स्त्री –बकवास, मिथ्या-वाद, व्यालाप।

परीशाँदिल (پریشاں دل) फा वि –दे 'परीशाँख़ातिर'।

परीशाँनज़री (پریشاں نظری) फा स्त्री –निगाह का ठिकाने न होना।

परीशाँमू (پریشاں مو) फा वि –जिसके बाल बिखरे हुए हो।

परीशाँरू (پریشاں رو) फा वि –जिसका मुँह उतरा हुआ हो, जिसके चेहरे पर परीशानी के आसार हो।

परीशाँरोज़गार (پریشاں روزگار) फा वि –जिसका समय प्रतिकूल हो, दुर्दशाग्रस्त।

परीशाँरोज़ी (پریشاں روزی) फा वि –जिसको जीविका की ओर से सतोष न हो, बेरोज़गार।

परीशाँसूरत (پریشاں صورت) फा अ वि –जिसकी सूरत से परेशानी टपकती हो।

परीशाँहाल (پریشاں حال) फा वि –दुर्दशाग्रस्त, मुफलिस, कगाल, अकिंचन।

परीशाँहाली (پریشاں حالی) फा अ स्त्री –दुर्दशा, गरीबी, कगाली, अकिंचनता।

परीशान (پریشان) फा वि –दे 'परीशाँ'।

परीशानकुन (پریشاں کن) फा वि –परीशान करनेवाला।

परीशानी (پریشانی) फा स्त्री –व्याकुलता, बेचैनी, चिंता, फिक्र, दु ख, तक्लीफ।

परीसीरत (پری سیرت) फा अ वि –परियो-जैसे स्वभाव-वाला (वाली)।

परीसूरत (پری صورت) फा अ वि –दे 'परीरू'।

परेकाह (پرکاہ) फा पु –घास का तिनका।

परेताऊस (پر طاؤس) फा पु –मोर का पर, मयूरपक्ष।

परेशाँ (پریشاں) फा वि –'परेशान' का लघु, दे 'परेशान'।

परेशान (پریشاں) फा वि –अस्त-व्यस्त, तितर-बितर, व्याकुल, आतुर, दु खित, रजीदा, चिंतित, फिक्रमद, स्तब्ध, हैरान, ध्वस्त, बरबाद।

परेशानी (پریشانی) फा स्त्री –व्याकुलता, बेचैनी, चिंता, फिक्र, दु ख, तक्लीफ।

परेहुमा (پرہما) फा पु –कलगी, केम, तुर्रा; हुमा पक्षी का पर, जिसकी परछाई पडने से मनुष्य राजा हो जाता है।

परोवाल (دروبال) फा पु –पक्षियो के डैने और पर, वल, शक्ति, जोर, सहायता, मदद, सामर्थ्य, मक्दूर।

पर्कार (پرکار) फा स्त्री –गोलाई खीचने का यत्र।

पर्कालः (پرکالہ) फा पु –अश, खण्ड, हिस्सा, चिनगारी, स्फुलिग, पतगा।

पर्कालए आतश (پرکالۂ آتش) फा पु –आग की चिनगारी, अग्निकण, वहुत ही धूर्त और चालाक व्यक्ति।

पर्खाश (پرخاش) फा स्त्री –वैर, शत्रुता, दुश्मनी, द्वेष, कीना, वुग्ज, वैमनस्य, रजिश।

पर्गनः (پرگنہ) फा पु –जिले का एक भाग, तहसील, ग्राम, गाँव।

पर्गार (پرگار) फा स्त्री –दे 'पर्कार', दोनो शुद्ध है, परन्तु 'पर्कार' व्यवहृत है।

पर्चः (پرچہ) फा पु –कागज का छोटा टुकडा, चिट्ठी जो दस्ती भेजी जाय, पत्र, अख्वार, पुलिस की रिपोर्ट, परीक्षापत्र, प्रश्नपत्र।

पर्च.नवीस (پرچہ‌نویس) फा वि –सवादकार, अख्वारी नुमाइद, गुप्त रिपोर्ट लिखनेवाला, जासूस।

पर्चए इम्तिहाँ (پرچۂ امتحاں) फा अ पु –परीक्षा के प्रश्नो का पर्चा, परीक्षापत्र।

पर्चए हिसाव (پرچۂ حساب) फा अ पु –वीजक, वही के हिसाव की नक्ल, परीक्षा मे गणित का पर्चा।

पर्चम (پرچم) फा पु –झडे का कपडा, फरैरा, सुरा गाय की पुच्छ, अलक, जुल्फ।

पर्चमकुशाई (پرچم‌کشائی) फा स्त्री –झडा लहराना, झडा आरोहण, झडा लहराने का उत्सव या रस्म, ध्वजोत्तोलन।

पर्चीं (پرچیں) फा स्त्री –काँटो या लकडियो की वाड जो खेत या घर के चारो ओर लगाते है।

पर्ताव (پرتاب) फा पु –वह अतर जो तीर फेकने और जाकर गिरने के स्थानो के वीच में हो, एक प्रकार का वाण जो वहुत दूर तक जाता है।

पर्तावी (پرتابی) फा वि –तीर चलानेवाला, धनुर्धर, तीरदाज़।

पर्तौ (پرتو) फा पु –प्रकाश, रोशनी, आभा, चमक, झलक, प्रतिविंव, अक्स, हलका प्रभाव, छाया, साया।

पर्दः (پردہ) फा पु –आड, ओट, टट्टी, मुखपट, नकाव, घूंघट, स्त्री का परपुरुष से छिपना, आँख, कान आदि की झिल्ली, वाजे का पुर्ज़ा जो स्वर वताता है, राग, नग्म, द्वारपट, चिलमन या कपडा आदि।

पर्द.दर (پردہ‌در) फा वि –दोष प्रकट करनेवाला, निंदक, स्त्री का पर्दा तोड़नेवाला।

पर्द.दरी (پردہ‌دری) फा स्त्री –दोष प्रकट करना, छिद्रान्वेषण, स्त्री का पर्दा भग करना, उसे पर्दे मे न रहने देना।

पर्द.दार (پردہ‌دار) फा वि –दोष छिपानेवाला, द्वारपाल, दरवान।

पर्द.दारी (پردہ‌داری) फा स्त्री –दोष छिपाना, दरवानी।

पर्द.नशीं (پردہ‌نشیں) फा वि –पर्दे मे रहनेवाली स्त्री, अनिष्कासिनी।

पर्दःनशीनी (پردہ‌نشینی) फा स्त्री –स्त्री का पर्दे मे रहना, वाहर खुले मुँह न निकलना।

पर्द.पोश (پردہ‌پوش) फा वि –दूसरे का दोष छिपानेवाला, दोष और अपराध देखते हुए क्षमा करनेवाला।

पर्द.पोशी (پردہ‌پوشی) फा स्त्री –दोष और अपराध पर दृष्टि न डालना, उन्हे छिपाना, क्षमा करना।

पर्द.सरा (پردہ‌سرا) फा स्त्री –अत पुर, जनानखाना, खेमा, डेरा, तम्बू, स्त्रियो के रहने का घर।

पर्द.सोज़ (پردہ‌سوز) फा वि –दे 'पर्द दर'।

पर्दए इनबी (پردۂ عنبی) फा अ पु –आँख के सात पर्दो मे से एक।

पर्दए इस्मत (پردۂ عصمت) फा अ पु –दे 'पर्दए वकारत', सतीत्व, सतीपन, इफ्फत।

पर्दए गोश (پردۂ گوش) फा पु –कान की झिल्ली, जिससे टकराकर आवाज़ सुनाई देती है, श्रवण-पटल।

पर्दए चश्म (پردۂ چشم) फा पु –आँख की सात झिल्लियाँ, चक्षु-पटल।

पर्दए ज़ंबूर (پردۂ زنبور) फा पु –एक प्रकार का जालीदार वुर्का।

पर्दए ज़बूरी (پردۂ زنبوری) फा पु –खिडकियोवाला घर।

पर्दए दर (پردۂ در) फा पु –दरवाज़े पर पडा हुआ पर्दा।

पर्दए नामूस (پردۂ ناموس) फा अ पु –सतीत्व, इस्मत, प्रतिष्ठा, मर्यादा।

पर्दए वकारत (پردۂ بکارت) फा अ पु –वह झिल्ली जो योनि पर होती है और पहले सहवास में फट जाती है, योनिपटल, योनिच्छद।

पर्दए बीनी (پردۂ بینی) फा पु –नाक अथवा दोनो नथनो के वीच की दीवार, नासापट।

पर्दए सीमीं (پردۂ سیمیں) फा पु –सिनेमा का पर्दा जिस पर चित्र दिखाई देते है, रजत-पट।

पर्दक (پردک) फा पु –पहेली, प्रहेलिका, मुअम्मा।

पर्दगी (پردگی) फा स्त्री –पर्दे मे रहनेवाली नायिका, द्वारपाल, दरवान।

पर्दाख़्त· (پرداختہ) फा वि –सँवारा हुआ, सज्जित, पाला हुआ, पोषित।

पर्दाख़्त (پرداخت) फा स्त्री –देखभाल, संरक्षण, रक्षा, हिफ़ाज़त, पालन-पोषण, पर्वरिश।

पर्दाख़्तनी (پرداختنی) फा वि –सँवारने योग्य, रक्षा करने योग्य, देखभाल के योग्य, पालन-पोषण के योग्य।

पर्दाज़ (پرداز) फा पु –शौर्य, ढंग, सज्जा, सजावट, संलग्नता, मश्ग़ूली, चित्र की महीन रेखाएँ आदि, (प्रत्य) सँवारनेवाला, जैसे—'इंशापरदाज़' शब्दों को सुसज्जित करनेवाला।

पर्दाज़िंदः (پردازندہ) फा वि –सँवारनेवाला।

पर्नां (پرنا) फा पु –एक चित्रित रेशमी कपड़ा।

पर्नियाँ (پرنیاں) फा पु –एक प्रकार का चित्रित रेशमी कपड़ा।

पर्पहन (پرپہن) फा पु –ख़ुर्फ़ा का साग।

पर्मक (پرمک) तु स्त्री –उँगली।

पर्मला (پرملہ) फा स्त्री –मुर्ग़ाबी, एक जल-पक्षी।

पर्र (پرہ) फा पु –फ़ौज की पंक्ति, पर, कुफ़्ल की झड़, घास की पत्ती, तिनका, छोर, किनारा।

पर्रए बीनी (پرۂ بینی) फा पु –नासापटल, नथनों के बीच की दीवार।

पर्रां (پراں) फा वि –उड़ता हुआ, उड़ती हुई अवस्था में।

पर्वज़ (پروز) फा स्त्री –कुर्ते आदि के दामन पर टाँकी जानेवाली गोट।

पर्वर (پرور) फा प्रत्य –पालनेवाला, जैसे—'अद्‌ल पर्वर' न्याय का पालन करनेवाला।

पर्वरिंद· (پرورندہ) फा वि –पालनेवाला, पालन-पोषण करनेवाला।

पर्वरिश (پرورش) फा स्त्री –पालन-पोषण, कृपा, दया, सहायता, मदद।

पर्वरिशख़ान· (پرورش خانہ) फा पु –दे 'पर्वरिशगाह'।

पर्वरिशगाह (پرورش گاہ) फा स्त्री –वह स्थान जहाँ बच्चों का पालन-पोषण होता है।

पर्वरिशयाफ़्त (پرورش یافتہ) फा वि –पाला हुआ, पोषित, पालित।

पर्वर्द (پروردہ) फा वि –पाला हुआ, (प्रत्य) जैसे—'बर्फ़ पर्वर्द' बर्फ़ में सुरक्षित किया हुआ।

पर्वर्द (پرورد) फा वि –दे 'पर्वर्द'।

पर्वर्दए नमक (پروردۂ نمک) फा वि –जिसने किसी के घर पर्वरिश पायी हो, और नमक खाकर बड़ा हुआ हो, दास।

पर्वर्दए ने'मत (پروردۂ نعمت) फा अ वि –दे 'पर्वर्दए नमक'।

पर्वर्दगार (پروردگار) फा पु –ईश्वर, परमात्मा, ख़ुदा।

पर्वर्दनी (پروردنی) फा वि –पालन-पोषण करने योग्य।

पर्वा (پروا) फा स्त्री –चिंता, फ़िक्र, भय, डर, ध्यान, ख़याल, इच्छा, चाह।

पर्वाज़ (پرواز) फा स्त्री –उड़ान, उड़ने का भाव, (प्रत्य) उड़नेवाला, जैसे—'बलंदपर्वाज़' ऊँचा उड़नेवाला।

पर्वान (پروانہ) फा पु –पतंगा, शलभ, आदेशपत्र, हुक्मनामा, राजादेश, फ़र्मान, मुग्ध, फ़रेफ़्त, भक्त, फ़िदाई, एक लोमड़ी-जैसा जन्तु जो शेर के आगे-आगे चलता है।

पर्वानःवार (پروانہوار) फा वि –जैसे शलभ दीपक की ओर दौड़ता है वैसे, शलभवत्।

पर्वानए राहदारी (پروانۂ راهداری) फा पु –पासपोर्ट, पारपत्र।

पर्वानक (پروانک) फा पु –वह लोमड़ी-जैसा जन्तु जो शेर के आगे-आगे चलता है, पर्वाना।

पर्वानगी (پروانگی) फा स्त्री –आज्ञा, अनुमति, इजाज़त।

पर्वार· (پرواره) फा पु –टेकी, अड़गा, झरोखा, ग़ुर्फ़ा।

पर्वार (پروار) फा पु –ज़मीन के नीचे बनाया हुआ घर जिसमें धूप से बचाकर पशु पाले जाते और मोटे किये जाते हैं।

पर्वारी (پرواری) फा वि –पर्वार में पला हुआ, वह पशु जो धूप से बचाकर और ख़ूब खिला-पिलाकर मोटा किया गया हो।

पर्वीं (پروین) फा स्त्री –कृत्तिका नक्षत्र, परन, गुच्छा, गुच्छ, ख़ोश।

पर्वेज़ (پرویز) फा पु –प्रतिष्ठित, सम्मानित, शकर छानने की चलनी, नौशेरवाँ का पोता जो शीरीं का आशिक़ था।

पर्वेज़न (پرویزن) फा स्त्री –छलनी, आटा आदि छानने का यंत्र।

पर्सुम (پرسم) फा पु –पलेथन, रोटी पकाते समय लोई में लगाया जानेवाला आटा।

पर्हेज़ (پرهیز) फा पु –अलग रहना, बचाव, घृणा, नफ़्रत, रोगी के खान-पान का बचाव, निषेध।

पर्हेज़गार (پرهیزگار) फा वि –संयम नियम का पालन करनेवाला, इंद्रियों को वश में रखनेवाला।

पर्हेज़गारी (پرهیزگاری) फा स्त्री –संयम-नियम का पालन, यति-धर्म, इंद्रिय-निग्रह।

पर्हेज़िंद (پرهیزنده) फा वि –पर्हेज़ करनेवाला।

पर्हेज़ी (پرهیزی) फा वि –वह खाना जो रोगी को उसकी दशा के अनुसार दिया जाय।

पहेंजीदः (درھیزیدہ) फा वि –जिस वस्तु का पहेंज हो।

पलंग (دلنگ) फा पु –एक हिंसक जन्तु, तेंदुआ, जो इसका अर्थ चीता करते हैं, गलत करते हैं।

पलंगीनः (دلنگینہ) फा पु –एक ऊनी कपडा जिसमें तेंदुए की खाल-जैसे चिह्न होते हैं।

पलः (پلہ) फा पु –ढाक का पेड, पलाश, टेसू।

पलक (للک) फा स्त्री –नयनपट, दृगचल।

पलश्त (پلشت) फा वि –मलिन, मैला, अपवित्र, गदा।

पलारक (دلاری) फा पु –एक प्रकार का वढिया लोहा, तलवार का जौहर, तलवार, खड्ग।

पलाव (دلاؤ) फा पु –पुलाव, एक प्रसिद्ध भोज्य पदार्थ, इस शब्द का शुद्ध उच्चारण 'पलाव' है, परन्तु उर्दू मे 'पुलाव' ही कहते हैं।

पलास (دلاس) फा पु –ढाक का पेड, टेसू, पलाश, सन का कपडा, टाट, बहुत मोटा और खुरदरा कपडा।

पलीतः (پلیتہ) फा पु –चराग की वत्ती, वह वत्ती जो प्रेतवाधा उतारने के लिए जलायी जाती है।

पलीद (پلید) फा वि –अपवित्र, नापाक, मल-दूपित, गदा, दुष्ट, खबीस।

पलीदी (پلیدی) फा स्त्री –अपवित्रता, नापाकी, मलिनता, गदगी।

पल्क (پلک) फा पु –आँख का पपोटा।

पल्खम (پلخم) फा पु –गोफन, ढेला फेकने का यत्र, फलाखन।

पल्लः (پلہ) फा पु –तराजू का पलडा, तुला घट, पद, पदवी, दरजा, सीढी का डडा।

पशंग (پشنگ) फा पु –अफ्रासियाव के पिता का नाम, जो वडा महारथी शासक था, दे 'पुशग', दोनो शुद्ध हैं।

पशः (پشہ) फा पु –दे 'पश्श।

पशीं (نشیں) फा पु –कैकुबाद का लडका।

पशीज (دشیز) फा पु –पैसा, ताँबे का सिक्का, ताँबे का कण।

पशेमाँ (پشیماں) फा वि –'पशेमान' का लघु, दे 'पशेमान'।

पशेमान (پشیمان) फा वि –लज्जित, शर्मिंदा, सकुचित, नादिम, पश्चात्तापी, पछतानेवाला।

पशेमानी (پشیمانی) फा स्त्री –लज्जा, शर्मिंदगी, सकोच, नदामत, पश्चात्ताप, अफ्सोस।

पश्म (پشم) फा स्त्री –ऊन, ऊर्ण, उर्दू मे पेडू के नीचे के वालो के लिए भी बोलते हैं।

पश्मक (پشمک) फा स्त्री –एक मिठाई जो वालो के लच्छे-जैसी होती है, वुढिया का सूत।

पश्मक़ुली (پشم‌قلی) फा तु पु –दे 'पश्मदी'।

पश्मदीं (پسم‌دیں) फा पु –एक गाली, जो किसी को अपमानित करने के लिए उसके नाम के स्थान पर बोलते हैं।

पश्माक (پشماق) फा पु –अश्व, वाजि, घोडा।

पश्मीं (پشمیں) फा वि –ऊन का वना हुआ, ऊनी।

पश्मीनः (پشمینہ) फा पु –एक वहुत वढिया ऊनी कपडा, जो वडा मुलाइम और मजवूत होता है और कश्मीर मे सवसे अच्छा वनता है।

पश्शः (پشہ) फा पु –मच्छर, मशक।

पश्शःखानः (پشہ‌خانہ) फा पु –मच्छरदानी, मशकहरी।

पसदः (پسندہ) फा पु –मास के पतले टुकडे जो आग पर सेंके जाते या मसाले मे तले जाते हैं।

पसद (پسند) फा वि –रुचिकर, मर्गूव, स्वीकृत, मजूर, (स्त्री) रुचि, रग्वत, इच्छा, मशा, स्वीकृति, मजूरी, (प्रत्य) पसद करनेवाला, जैसे—'हक़पसद' सच को पसद करनेवाला, पसद आनेवाला, जैसे—'दिलपसद' मन को भानेवाला।

पसदाज (پس‌انداز) फा वि –व्यय के पश्चात् बचा हुआ धन आदि, सचित, वचाकर एकत्र करनेवाला, किफायत-शिआर।

पसंदाजी (پس‌اندازی) फा स्त्री –व्यय करके धन आदि बचाना, ताकि आगे आवश्यकता पर काम दे, किफायत-शिआरी।

पसदीदः (پسندیدہ) फा वि –पसद किया हुआ, रुचिकर, मर्गूब, मन को अच्छा लगनेवाला, मनोवाछित, दिलपसद।

पसदीदः औसाफ (پسندیدہ اوصاف) फा अ त्रि.–अच्छे और उत्तम गुणोवाला व्यक्ति, सद्‌गुणसपन्न।

पसदीद.तर (پسندیدہ‌تر) फा वि –वहुत अधिक अच्छा और रुचिकर।

पसंदीदगी (پسندیدگی) फा स्त्री –रुचि, रग्वत।

पसदेश (پس‌اندیش) फा वि –केवल पीछे की वात सोचनेवाला, आगे न देखनेवाला, सकुचितबुद्धि।

पसदेशी (پس‌اندیشی) फा स्त्री –पीछे की वात सोचना, आगे न देखना, बुद्धि-सकोच।

पस (پس) फा अव्य –पीछे, वाद, अतत, आखिरकार, पुन, फिर।

पसअंदाज (پس‌انداز) फा वि –दे 'पसदाज', शुद्ध उच्चारण वही है।

पसअंदाज़ी (پس‌اندازی) फा स्त्री –दे 'पसदाज़ी', शुद्ध उच्चारण वही है।

पसअदेश (پس اندیش) फा वि—दे 'पसदेश', शुद्ध उच्चारण वही है।

पसअदेशी (پس اندیشی) फा स्त्री—दे 'पसदेशी', शुद्ध उच्चारण वही है।

पसअफ्गद. (پس افگندہ) फा पु—दे 'पसफ्गद', वह उच्चारण अधिक शुद्ध है।

पसआवर्द (پس آوردہ) फा पु—दे 'पसावर्द', वह उच्चारण अधिक शुद्ध है।

पसआहग (پس آھنگ) फा पु—दे 'पसाहग' वह उच्चारण अधिक शुद्ध है।

पसकूच. (پس کوچہ) फा पु—गली के अदर की गली, बहुत पतली और तग गली।

पसखुर्दः (پس خوردہ) फा वि—बचा हुआ खाना, भुक्तशेष, उच्छिप्ट।

पसखेज (پس خیز) फा पु—पहलवानो का नया-नया शिष्य।

पसखेम. (پس خیمہ) फा पु—सेना की सबसे पिछली रावटी, नतीजा, निष्कर्ष।

पसतर (پس تر) फा वि—बहुत पीछे, सबसे पीछे।

पसतर फर्दा (پس تر فردا) फा पु—परसो के बादवाला दिन, नरसो, अगली नरसो।

पसपा (پسپا) फा वि—लडाई मे पीछे हटा हुआ, हारा हुआ, पराजित।

पसपाई (پسپائی) फा स्त्री—युद्ध मे पीछे हटना, पराजय, हार।

पसफर्दा (پس فردا) फा पु—कल के बादवाला दिन, परसो, अगली परसो।

पसफ्गंदः (پس افگندہ) फा वि—खर्च से बची हुई वस्तु जो दूसरे समय काम आने के लिए उठा रखी जाय, बीट, गोबर।

पसमाद (پسماندہ) फा वि—बचा हुआ, बची हुई वस्तु, मृत पुरुष के बाल-बच्चे, सफर मे साथियो से पीछे रह जानेवाला।

पसमादगाँ (پسماندگاں) फा पु—मृत पुरुपके सम्बन्धी जन, बाल-बच्चे, सफर में साथियो से पीछे रह जानेवाले।

पसमादगी (پس ماندگی) फा स्त्री—सफर मे साथियो से पीछे रह जाना, हीनता, दीनता, लाचारी।

पसरवी (پس روی) फा स्त्री—पीछे-पीछे चलना, अनुकरण करना।

पसरौ (پس رو) फा वि—पीछे चलनेवाला, अनुकरणकर्ता।

पसावर्द. (پساوردہ) फा पु—वह लडका जो स्त्री के प्रथम पति का हो।

पसावीदः (پساویدہ) फा वि—रगडा हुआ, मसला हुआ, मला-दला हुआ।

पसावीदनी (پساویدنی) फा वि—रगडने योग्य, मसलने योग्य, मलने-दलने योग्य।

पसाहग (پس آھنگ) फा पु—सेना का पिछला भाग।

पसीं (پسیں) फा वि—अतिम, आखिरी, पिछला, पीछेवाला।

पसेज (پسیج) फा पु—सकल्प, इरादा, तत्परता, तैयारी, कटिबद्धता, आमादगी।

पसेपर्दा (پس پردہ) फा पु—पर्दे के पीछे, आड मे, गुप्त रूप से, "आ गया कौन है पसेपर्दा—नूर से झिलमिलाती है चिलमन'।

पसेपुश्त (پس پشت) फा पु—पीठ-पीछे, परोक्ष मे।

पसेमर्ग (پس مرگ) फा पु—मरने के बाद, मरण-पश्चात्।

पसेमुर्दन (پس مردن) फा पु—दे 'पसेमर्ग'।

पस्त (پستہ) फा वि—ह्रस्व, पस्त, लघु, छोटा।

पस्त कद (پستہ قد) फा वि—ह्रस्वकाय, वामन, बौना, ठिगना।

पस्त (پست) फा वि—नीचा, निशेबी; अधम, नीच, कमीना, ह्रस्व, पस्त, लघु, छोटा।

पस्तअदेश (پست اندیش) फा वि—लघुचेता, मन्दबुद्धि, तगखयाल।

पस्तअदेशी (پست اندیشی) फा स्त्री—तगखयाली, बुद्धिमाद्य।

पस्तक (پستک) फा वि—बहुत अधिक नीचा, बहुत अधिक कमीना, बहुत अधिक लघु।

पस्तकद (پست قد) फा वि—दे 'पस्त कद'।

पस्तकामत (پست قامت) फा अ वि—दे 'पस्त कद'।

पस्तकामती (پست قامتی) फा अ स्त्री—डीलडौल का छोटा होना, बौनापन, वामनता।

पस्तखयाल (پست خیال) फा अ वि—दे 'पस्तअदेश'।

पस्तखयाली (پست خیالی) फा अ स्त्री—दे 'पस्तअदेशी'।

पस्तफित्रत (پست فطرت) फा अ वि—तुच्छ प्रकृतिवाला, कमीना, दुष्टात्मा, खबीस।

पस्तफित्रती (پست فطرتی) अ फा स्त्री—प्रकृति की निकृष्टता, कमीनापन, दुष्टता, खबासत।

पस्तहिम्मत (پست ھمت) फा अ वि—हतोत्साह, अल्प-साहस, कमहौसला।

पस्तहिम्मती (پست ھمتی) फा अ स्त्री—उत्साहहीनता, हौसले और उमग की कमी।

पस्तहौसल. (پست حوصلہ) फा अ वि—दे 'पस्तहिम्मत'।

पस्तहौसलगी (پست حوصلگی) फा अ स्त्री—दे 'पस्त-हिम्मती'।

पस्ती (پستی) फा स्त्री—निचाई, निशेव, नीचता, कमीनगी।

पस्तोवलंद (پست و بلند) फा पु—ऊँचा-नीचा, ऊँच-नीच, दु ख-सुख, रज-राहत, अच्छा-बुरा, नेकी-वदी।

पह (پہ) फा अव्य—साधु, वाह, धन्य।

पह पह (پہ پہ) फा अव्य—वाह-वाह, धन्य-धन्य, साधु-साधु।

पह्न (پہن) फा वि—चौडा-चकला, विस्तृत, महान्, अज़ीम।

पह्नक (پہنک) फा पु—फीता।

पह्नचश्म (پہن چشم) फा वि—निर्लज्ज, वेहया।

पह्नचश्मी (پہن چشمی) फा स्त्री—निर्लज्जता, वेहयाई।

पह्ना (پہنا) फा वि—विस्तृत, चौडा-चकला।

पह्नाई (پہنائی) फा स्त्री—विस्तार, लम्वाई-चौडाई, वुसअत।

पह्लवान (پہلوان) फा पु—कुश्ती लडनेवाला, मल्ल, शक्तिशाली, ताकतवर, हट्टा-कट्टा, मोटा-ताज़ा।

पह्लवानी (پہلوانی) फा स्त्री—कुश्ती लडने का काम, कुश्ती लडने का फन।

पह्लवी (پہلوی) फा स्त्री—ईरान की एक प्राचीन भाषा।

पह्लू (پہلو) फा पु—पार्श्व, वगल, कुक्षि, कोख, दिशा, ओर, तरफ, पद्धति, तर्ज़, अक, क्रोड, आगोश, युक्ति, तर्कीव, ढव, समीपता, नज्दीकी, सकेत, रम्ज़, मिष, वहाना, पसली।

पह्लूतिही (پہلو تہی) फा स्त्री—उपेक्षा, वेइल्तिफाती, वचना, अलग रहना।

पह्लूनशीं (پہلونشیں) फा वि—पास वैठनेवाला, पार्श्ववर्ती, सभासद, मुसाहिव।

पह्लूनशीनी (پہلونشینی) फा स्त्री—पास वैठना, मुसाहवत।

पा

पांज़दः (پانزدہ) फा वि—पदरह की सख्या, पदरह वस्तुएँ।

पांज़दहुम (پانزدهم) फा वि—पदरहवाँ, चौदह के वादवाला।

पा (پا) फा पु—पद, चरण, पग, पाँव।

पाअंदाज़ (پا انداز) फा पु—वह टाट या चटाई आदि जो कमरे आदि के दरवाज़े पर पाँव पोछने के लिए पडी रहती है।

पाअफ़ज़ार (پا افزار) फा पु—जूता, पादुका।

पाअफ़्शार (پا افشار) फा पु—लकडी का जूता, खडाऊँ, पादुका, चट्टी।

पाअलमख़्वाँ (پا علم خواں) फा वि—वह व्यक्ति जो मुहर्रम के दिनो मे अलम के नीचे खडे होकर मर्सिया पढता है।

पाइंदः (پائندہ) फा वि—हमेशा रहनेवाला, नित्य, अनश्वर, स्थायी, पाएदार।

पाइंदःवाद (پائندہ باد) फा वा—एक आशीर्वाक्य, अमर रहो, हमेशा रहो, अमर रहे, हमेशा रहे, ज़िंदवाद, चिरजीवी।

पाइंदगी (پائندگی) फा स्त्री—हमेशगी, नित्यता, स्थायित्व, इस्तिक्लाल, पाएदारी।

पाइँ (پائیں) फा वि—'पाईन' का लघु, दे 'पाईन'।

पाइँकोह (پائیں کوہ) फा पु—पहाड की तराई।

पाइँपरस्ती (پائیں پرستی) फा स्त्री—दासता, ख़िदमतगारी।

पाइँवाग़ (پائیں باغ) फा पु—वह वाग जो मकान या कोठी से मिला हो, गृह-उद्यान, गृहवाटिका।

पाईज़ (پائیز) फा पु—पतझड़ की ऋतु, खज़ाँ का मौसिम।

पाईदः (پائیدہ) फा वि—पाएदार, स्थायी, ठहरा हुआ, दृढ, स्थित।

पाईदनी (پائیدنی) फा वि—ठहरने योग्य।

पाईन (پائینہ) तु पु—दर्पण, मुकुर, आईना।

पाईन (پائیں) फा वि—पिछला, आखिरी, निचला, नीचेवाला, (स्त्री) पाएँती, सिरहाने का उलटा।

पाउफ़्तादः (پاافتادہ) फा वि—गिरा हुआ, पतित, लाचार, विवश, हीन, दीन, दु खित, कष्टग्रस्त।

पाउफ़्तादगी (پاافتادگی) फा स्त्री—गिरना, पतन, हीनता, लाचारी, दु ख में होना।

पाएकार (پائکار) फा पु—वह स्थान जहाँ किसी इमारत वनाने का मसाला इकट्ठा हो।

पाएकाश्त (پاے کاشت) फा पु—वह कृपक जो किसी अन्य गाँव की ज़मीन जोते हो।

पाएकुलाग़ (پاے کلاغ) फा पु—लेखनी, कलम, वहुत बुरी और टेढी-मेढी लिखावट।

पाएख़ुस्त (پاے خوست) फा वि—दे 'पाएमाल'।

पाएगाह (پائگاہ) फा स्त्री—अश्वशाला, तवेला, किसी वडे रईस या अफ्सर की डयोढी।

पाएच (پائچہ) फा पु—पाजामे का वह भाग जो नीचे लटकता है।

पाएजाम (پائجامہ) फा पु—दे 'पाजाम', दोनो शुद्ध है, परन्तु वह अधिक फसीह है।

पाएतख़्त (پاےتخت) फा पु –राजधानी, शासन-केन्द्र, तख़्तगाह।

पाएतर्सा (پاےترسا) फा पु –मदिरा का प्याला, पानपात्र।

पाएतोग़ (پاےتوغ) तु पु –सेना आदि मे आगे झडा लेकर चलनेवाले का पद।

पाएदान (پاےدان) फा पु –सभा मे जूते उतारने का स्थान, गाडी, मोटर, रेल आदि के दरवाज़े का तख़्ता जिस पर पाँव रखकर चढते है।

पाएदार (پائدار) फा वि –दृढ, मज़्बूत, स्थायी, मुस्तक़िल, अचल, स्थिर।

पाएपिस्त (پاےپست) फा वि –दे 'पाएमाल'।

पाएबद (پاےبند) फा वि –दे 'पाबद'।

पाएमाल (پائمال) फा वि –पाँव के नीचे मसला हुआ, रौंदा हुआ, पददलित, पदध्वस्त।

पाएरंज (پاےرنج) फा पु –वह पुरस्कार जो एलची, दूत, पत्रवाहक अथवा अतिथि को विदा करते समय सम्मानार्थ दिया जाय।

पाक (پاک) फा वि –पवित्र, मुक़द्दस, शुद्ध, ठीक, निष्केवल, ख़ालिस, स्वच्छ, साफ, निर्दोप, बेक़ुसूर, निर्मल, बेमेल, निर्लिप्त, बेतअल्लुक़, सुरक्षित, महफ़ूज़।

पाकज़ाद (پاک زاد) फा वि –स्वच्छ प्रकृतिवाला, शुद्धात्मा।

पाकतीनत (پاک طینت) फा अ वि –दे 'पाकज़ाद'।

पाकदामन (پاک دامن) फा वि –सदाचारी पुरुष, सती और साध्वी स्त्री।

पाकदामानी (پاک دامانی) फा स्त्री –नेकचलनी, सदाचार, सतीत्व।

पाकदिल (پاک دل) फा वि –जिसके मन में खोट न हो, शुद्धमनस्क, अन्त पवित्र।

पाकनजर (پاک نظر) फा अ वि –वह व्यक्ति जिसकी दृष्टि बुराई पर न पडे, समदर्शी।

पाकनिगाह (پاک نگاہ) फा वि –दे 'पाकनजर'।

पाकनिहाद (پاک نہاد) फा वि –दे 'पाकदिल'।

पाकनीयत (پاک نیت) फा अ वि –दे 'पाकदिल', जो किसी की अमानत में खियानत न करे।

पाकबाज़ (پاک باز) फा वि –सदाचारी, शुद्ध आचरणवाला।

पाकबाज़ी (پاک بازی) फा स्त्री –सदाचार।

पाकबीं (پاک بیں) फा वि –दे 'पाकनजर'।

पाकबीनी (پاک بینی) फा स्त्री –केवल अच्छाई देखना, बुराई पर दृष्टि न डालना।

पाकरू (پاک رو) फा वि –स्वच्छरूप, सुदर मुखवाला (वाली)।

पाकसिरिश्त (پاک سرشت) फा वि –सत्प्रकृति, शुद्धात्मा।

पाकार (پاکار) फा पु –तहसील का प्यादा, दास, ख़िदमती, मज़्दूर, श्रमिक, मेहतर, भगी।

पाकी (پاکی) फा वि –शुद्धता, पवित्रता, स्वच्छता, निर्दोपता, नीचे के बाल।

पाकीज़ (پاکیزہ) फा वि –शुद्ध, पवित्र, स्वच्छ।

पाकीज़ख़याल (پاکیزہ خیال) फा अ वि –अच्छे विचारोंवाला, सद्विचारवान्।

पाकीज़ ख़ू (پاکیزہ خو) फा वि –स्वच्छ प्रकृतिवाला।

पाकीज़ गौहर (پاکیزہ گوہر) फा वि –अच्छे वशवाला, कुलीन।

पाकीज़ तीनत (پاکیزہ طینت) फा अ वि –सत्प्रकृति, पुनीतात्मा।

पाकीज़नफ़्स (پاکیزہ نفس) फा अ वि –दे 'पाकीज़-तीनत'।

पाकीज़ बूम (پاکیزہ بوم) फा वि –अच्छे और पुनीत स्थान का रहनेवाला।

पाकीज़ मनिश (پاکیزہ منش) फा वि –दे 'पाकीज़ तीनत'।

पाकीज़ शिआर (پاکیزہ شعار) फा अ वि –अच्छे आचरण-वाला, शुद्धाचारी।

पाकीज़ सिरिश्त (پاکیزہ سرشت) फा वि –दे 'पाकीज़-तीनत'।

पाकीज़ सीरत (پاکیزہ سیرت) फा अ वि –दे 'पाकीज़-तीनत'।

पाकीज़ सूरत (پاکیزہ صورت) फा अ वि –अच्छी सूरत-वाला, सुन्दर, (वाली) सुन्दरी।

पाकीज़गी (پاکیزگی) फा स्त्री –पवित्रता, शुद्धता, स्वच्छता।

पाकोब (پاکوب) फा वि –नाचनेवाला, नर्तक, नाचने-वाली, नर्तकी।

पाकोबी (پاکوبی) फा स्त्री –नाचना, नर्तन, नृत्य।

पाख़ान (پاخانہ) फा पु –मल-त्याग का स्थान, शौचालय, पुरीप, विष्ठा, गू।

पागाह (پاگاہ) फा स्त्री –दे 'पाएगाह'।

पागिरिफ्त (پاگرفتہ) फा वि –ठहरा हुआ, जो चल न रहा हो, स्थावर।

पागीर (پاگیر) फा स्त्री –कुश्ती का एक दाँव।

पागुद (پاغندہ) फा पु –धुनकी हुई रुई का गाला।

पागुर (پاغر) फा अ पु –पाँव का एक रोग, पीलपा, श्लीपद।

पागोश (پاغوش) फा पु –गोता, डुबकी, निमज्जन।

पाचंग (پاچنگ) फा पु –गवाक्ष, खिडकी, जूता, पदत्राण।

पाचक (پاچک) फा स्त्री –उपला, सूखा गोवर।

पाचक दश्ती (پاچک دشتی) फा स्त्री –जगल मे पडा हुआ सूखा गोवर जो गोल उपले के आकार का होता है।

पाचाँ (پاچاں) फा पु –छिड़कता हुआ, वरसाता हुआ, दे 'पाशाँ'।

पाचाक (پاچاک) फा स्त्री –दे 'पाचक'।

पाचायः (پاچایہ) फा पु –पेशाव-पाखाना, गू-मूत्र।

पाचाल (پاچال) फा पु –गर्की, वह गढा जिसमे जुलाहे कपडा विनते समय पाँव लटकाते हैं।

पाचाहः (پاچاہہ) फा पु –दे 'पाचाल'।

पाचाह (پاچاہ) फा पु –दे 'पाचाल'।

पाचिल. (پاچلہ) फा पु –वरफ पर चलने का जूता, पातावा।

पाचुनार (پاچنار) फा पु –ईरान मे एक नगर जहाँ के निवासी आचरण के दृष्टिकोण से वहुत पवित होते हैं।

पाचुनारी (پاچناری) फा स्त्री –पाचुनार के निवासियो-जैसा, अवम, लोफर, कमीना, सेवक, दास।

पाजंग (پازنگ) फा पु –दे 'पाचग'।

पाज़ह्र (پازہر) फा पु –दे 'पादज़ह्र'।

पाजाज (پاراج) फा. स्त्री –धाय, दाया, वच्चे जनानेवाली स्त्री।

पाजामः (پاجامہ) फा पु –एक विशेप अधोवस्त्र, इज़ार।

पाजी (پاجی) फा वि –पामर, अधम, नीच, धूर्त्त, दुष्ट।

पाज़ेव (پازیب) फा स्त्री –पाँव का एक आभूपण, अदुक, नूपुर।

पात (پات) फा पु –चौकी, तख्त।

पातावः (پاتابہ) फा पु –जूते के भीतर का तला, मोजे के ऊपर पहनने का कपडे का जूता-जैसा खोल।

पातिलः (پاتلہ) फा पु –पतीला, चौडे मुँह का देगनुमा देगचा।

पातुराव (پاتراب) फा वि –यात्रा के समय इस विचार से कि शुभ मुहूर्त खडित न हो, एक स्थान से दूसरे स्थान पर चला जाना, चाहे वह स्थान थोडी दूर ही क्यो न हो।

पादंग (پادنگ) फा स्त्री –धान आदि कूटने की ढेकली।

पादज़ह्र (پادزہر) फा पु –विपनाशक एक ओपधि।

पादरगिल (پادرگل) फा वि –दे 'पावगिल'।

पा दर रिकाब (پا در رکاب) फा वि –दे 'पा व रिकाव'।

पा दर हवा (پا در ہوا) फा वि –निराधार, वेवुनियाद, काल्पनिक, ख़याली।

पादशह (پادشہ) फा पु –'पादशाह' का लघु, दे 'पादशाह'।

पादशाह (پادشاہ) फा पु –राजा, नरेश, वादशाह।

पादशाहज़ादः (پادشاہزادہ) फा पु –शाहजादा, राजकुमार।

पादशाही (پادشاہی) फा स्त्री –राज्य, सल्तनत, शासन, हुकूमत, वादशाह सम्वन्धी, वादशाह का।

पादस्त (پادست) फा पु –हथ उधार, वह धन जो तुरन्त अदा कर देने के लिए लिया जाय।

पादाम (پادام) फा वि –जाल मे वँधा हुआ पक्षी आदि।

पादाश (پاداش) फा स्त्री –प्रतिकार, वदला, प्राय वुरे वदले के लिए व्यवहृत है।

पादाशन (پاداشن) फा स्त्री –दे 'पादाश'।

पादाशे अमल (پاداش عمل) फा अ स्त्री –कर्मफल, काम का वदला, कर्मदड, पाप की सज़ा।

पादाशे जुर्म (پاداش جرم) फा अ स्त्री –अपराध का दड, पाप की सज़ा।

पानः (پانہ) फा स्त्री –आरे से लकडी चीरते समय दराज़ मे लगाया जानेवाला पच्चर।

पान (پان) फा पु –एक प्रसिद्ध पत्ता जो कत्था-चूना लगाकर खाया जाता है।

पानदान (پاندان) फा पु –पान रखने की पिटारी।

पापयाद. (پاپیادہ) फा वि –पैदल चलनेवाला, पैदल।

पापा (پاپا) फा पु –पोप, ईसाइयो का वडा पादरी।

पापाए रोम (پاپاے روم) फा पु –रोम का वडा पादरी जो सारे ससार के रोमन कैथलिक पादरियो पर शासन करता है।

पापियाद. (پاپیادہ) फा वि –दे 'पापयाद', दोनो शुद्ध हैं।

पापोश (پاپوش) फा स्त्री –पादुका, पादत्र, जूता।

पापोशकार (پاپوش‌کار) फा वि –जूते वनानेवाला, मोची, पादुकाकार।

पापोशकारी (پاپوش‌کاری) फा स्त्री –जूते वनाने का काम, मोचीपन, जूते पडना, किसी की जूतो से मरम्मत।

पावंद (پابند) फा वि –वदी, गिरिफ्तार, विवश, लाचार, वाध्य, मजवूर, वचनवद्ध, जिसने ज़वान दी हो, समय या नियम का पालन करनेवाला।

पावंदी (پابندی) फा स्त्री –वाध्यता, मजवूरी, वचन-वद्धता, कौल-करार, समय आदि मे नियमवद्धता।

पावदे ज़ंजीर (پابند زنجیر) फा वि –जजीर मे वँधा हुआ, शृखलित, पाँव में ज़जीर पडी हुई।

पावदे सलासिल (پابند سلاسل) फा अ वि –दे 'पावदे ज़जीर'।

पाबगिल (پاۓگل) फा वि –दलदल में फँसा हुआ, विवश, लाचार, किंकर्तव्यविमूढ, हक्का-बक्का ।

पाबजंजीर (پابزنجیر) फा वि –पाँव मे जंजीर पडा हुआ, शृंखलित, कैदी, बंदी, विवश, मजबूर।

पाबजूलाँ (پابجولاں) फा वि –पाँव में बेडी पडी हुई, कैदी, बंदी।

पाबरजा (پابرجا) फा वि –एक स्थान पर पाँव जमाये हुए, डटा हुआ, साबितकदम, दृढनिश्चय।

पाबरहन· (پابرهنه) फा वि –नंगे पाँव, पादुकाहीन, पुराना, जिस पर एक साल बीत गया हो।

पाबरिकाब (پابرکاب) फा वि –रिकाब मे पाँव डाले हुए, चलने के लिए तैयार, मरने के लिए तैयार, मरणासन्न।

पाबर्हन· (پابرهنه) फा वि –दे 'पाबरहन', दोनो शुद्ध हैं।

पाबस्तः (پابسته) फा वि –पाँव बँधा हुआ, गिरिफ्तार।

पाबस्त (پابست) फा वि –दृढ, मजबूत, न्यास, नीव, प्रतीक्षक, मुतजिर, बंदी, कैदी ।

पाबिरंजन (پابرنجن) फा स्त्री –नूपुर, पाजेब ।

पाबोस (پابوس) फा वि –पाँव चूमनेवाला, पदचुबक, (पु) पाँव चूमना, पद-चुबन ।

पाबोसी (پابوسی) फा स्त्री –पाँव चूमना, पद-चुबन।

पामर्द (پامرد) फा वि –सहायक, मददगार, साहसी, उत्साही, बाहिम्मत, शूर, वीर, बहादुर।

पामर्दी (پامردی) फा स्त्री –सहायता, मदद, उत्साह, हिम्मत, शूरता, बहादुरी।

पामाल (پامال) फा वि –पाँव-तले रौंदा हुआ, पद-दलित, दुर्दशाग्रस्त, मुसीबतजद ।

पामाली (پامالی) फा स्त्री –पाँव-तले मसला जाना, दुःख से दलित होना ।

पामाले ग़म (پامال غم) फा वि –दुःखो के भार से परास्त, प्रेम के दुःख से आक्रात।

पामुज़्द (پامزد) फा स्त्री –वह मजदूरी जो पाँव द्वारा चल-फिरकर की जाय।

पायद· (پاینده) फा वि –दे 'पाइद', दोनो शुद्ध हैं।

पायदगी (پایندگی) फा स्त्री –दे 'पाइदगी', दोनो शुद्ध हैं।

पाय (پایه) फा पु –स्तभ, खभा, पलग का मचवा, पद, दरजा, मान, प्रतिष्ठा, इज़्ज़त ।

पाय· ब पाय (پایه به پایه) फा वि –क्रमश, धीरे-धीरे, दर्ज ब दर्ज ।

पाय·शनास (پایه‌شناس) फा वि –किसी की प्रतिष्ठा और कद्र पहचाननेवाला।

पायक (پایک) फा पु –हरकारा, पियादा ।

पायाँ (پایاں) फा पु –'पायान' का लघु, दे 'पायान'।

पायान (پایان) फा पु –तट, किनारा, अन्त, आखीर, छोर, सिरा, पराकाष्ठा, इन्तिहा।

पायानेकार (پایان‌کار) फा पु –आखिरकार, अतत ।

पायाब (پایاب) फा वि –जो गहरा न हो, उथला, गाव (पानी) ।

पायाबी (پایابی) फा स्त्री –नदी, ताल आदि के पानी का डुबाऊ न होना, उथलापन, गावता ।

पार· (پاره) फा पु –भाग, अश, हिस्सा, खड, टुकडा, कण, रेज़ा, जोड, पैवद, उत्कोच, रिश्वत, उपहार, भेंट, तोहफा।

पार कार (پاره‌کار) फा वि –नीच, कमीना, लोफर।

पार·कारी (پاره‌کاری) फा स्त्री –नीचता, कमीनगी।

पार दोज (پاره‌دوز) फा वि –पैवद गाँठनेवाला, थिगडी लगानेवाला।

पार दोजी (پاره‌دوزی) फा स्त्री –पैवद सीना, थिगली लगाना।

पार·पार (پاره‌پاره) फा वि –टुकडे-टुकडे, धज्जी-धज्जी, पुर्जे पुर्जे।

पार (پار) फा पु –गत वर्ष, पिछला साल।

पारए नाँ (پارهٔ ناں) फा पु –रोटी का टुकडा।

पारगानः (پارگانه) फा पु –तराजू का पासग, पसगा, गवाक्ष, खिडकी, झरोखा, ख्याति, यशोगान, दे 'पालगान'।

पारगीं (پارگیں) फा पु –पुरानापन, प्राचीनता, फटा-पुरानापन।

पारगी (پارگی) फा स्त्री –कुडी जिसमे घर और रसोई-खाने आदि का पानी इकट्ठा हो।

पारच· (پارچه) फा पु –दे 'पार्च'।

पारदुम (پاردم) फा स्त्री –दे 'पार्दुम'।

पारसग (پارسنگ) फा पु –पासग, तराजू का पसँगा।

पारसाल (پارسال) फा पु –पिछला वर्ष, गत वर्ष, अगला साल, आगामी वर्ष।

परार (پارار) फा पु –पिछला तीसरा वर्ष, त्योरस।

पारिकाबी (پارکابی) फा स्त्री –बहुत थोडी मात्रा, किंचित्।

पारीन· (پارینه) फा वि –पुरातन, पुराना।

पारोब (پاروب) फा स्त्री –वह लकडी जिससे घोडे के सुमो की लीद छुडाते हैं।

पार्गीं (پارگیں) फा पु –दे 'पारगीं', दोनो शुद्ध हैं।

पार्गी (پارگی) फा स्त्री –दे 'पारगी', दोनो शुद्ध हैं।

पार्च· (پارچه) फा पु –कपडा, वसन, वस्त्र, लिबास।

पार्चःफरोश (دارچه فروش) फा वि –कपडा बेचनेवाला, बज़ाज ।

पार्चःफरोशी (دارچه فروشی) फा स्त्री –कपडा बेचने का काम ।

पार्चःबाफ (پارچه داف) फा वि –कपडा बुननेवाला, जुलाहा, कोरी ।

पार्चःबाफी (دارچه دافی) फा स्त्री –कपडा बुनने का काम।

पार्दुम (پاردم) फा स्त्री –घोडे की जीन की दुमची ।

पार्सः (پارسه) फा पु –भिक्षुक, भिखारी, फकीर, मँगता ।

पार्स (دارس) फा पु –एक प्रसिद्ध देश, ईरान ।

पार्सा (دارسا) फा वि –सयमी, इद्रिय-निग्रही, जाहिद ।

पार्साई (دارسائی) फा स्त्री –सयम, इद्रिय-निग्रह, पर्हेजगारी ।

पार्सी (دارسی) फा पु –ईरान की प्राचीन अग्निपूजक जाति, जो अब भारत मे आवाद है, ईरान की भापा, फारसी ।

पालगानः (دالگانه) फा पु –तराजू का पासग, गवाक्ष, दरीच , ख्याति, शोहरत, दे 'पारगान ।'

पालग़्ज़ (دالغز) फा पु –ऐसा स्थान जहाँ पाँव फिसल जाय, ऐसा अवसर जहाँ दोप या पाप हो जाय, पाँव फिसलना, अपराध, पाप, दोष, कुसूर, खरावी, वुराई।

पालहंग (پالهنگ) फा पु –घोडे की वागडोर।

पाला (دالا) फा पु –कोतल घोडा ।

पालाइश (دالائش) फा स्त्री –सफाई, मार्जन ।

पालाईदः (دالائیده) फा. वि –साफ किया हुआ, मार्जित ।

पालान (پالان) फा पु –गधे या टट्टू की पीठ पर डालने का टाट ।

पालानी (دالانی) फा वि –वह घोडा जिससे वोझ ढोने का काम लिया जाता है, लद्दू ।

पालानेख़र (دالان خر) फा पु –गधे की पीठ पर डाला जानेवाला टाट ।

पालीदः (دالیده) फा वि –साफ किया हुआ, मार्जित, ढूँढा हुआ, गवेषित ।

पालूदः (پالوده) फा वि –साफ किया हुआ, मार्जित, (पु) एक पेय, फालूद ।

पालूनः (دالونه) फा पु –छानने का कपडा, साफी, छननी ।

पालेज़ (دالیز) फा स्त्री –तरबूज या खरबूज़े का खेत।

पालोश (پالوش) फा पु –वह कपूर जो कृत्रिम हो।

पावरक (داورق) फा अ पु –पुस्तक के पन्ने के अन्त मे लिखा हुआ अतिम अक्षर जो अगले पन्ने पर लिखा जाय। (जब किताव के पन्नो पर नम्वर नही पडते थे उस समय ऐसा लिखा जाता था ।)

पाशग (داشنگ) फा पु –वह ककडी आदि जो वीज के लिए छोड दी जाय, दे 'पाहग'।

पाश (داش) फा प्रत्य –छिडकनेवाला, जैसे—'गुलावपाश' गुलाव छिडकनेवाला, फैलानेवाला, जैसे—'ज़ियापाश', प्रकाश फैलानेवाला ।

पाश पाश (داش داش) फा वि –चूर-चूर, टुकडे-टुकडे ।

पाशाँ (داشاں) फा वि –छिडकता हुआ, फैलाता हुआ, ऐसी लिखावट जिसमे अक्षर दूर-दूर हो ।

पाशा (پاشا) तु पु –एक उपाधि जो तुर्की में वडे पदाधिकारियो को दी जाती है, गवर्नर, राजपाल, वजीर।

पाशिंदः (داشنده) फा वि –छिडकनेवाला, फैलानेवाला।

पाशिकस्तः (داشکسته) फा वि –जिसके पाँव टूटे हो, जो चलने-फिरने मे असमर्थ हो, विवश, लाचार।

पाशीदः (داشیده) फा वि –छिडका हुआ ,विखेरा हुआ।

पाशीदनी (داشیدنی) फा वि –छिडकने योग्य, विखरने योग्य ।

पाशोयः (داشویه) फा पु –दवाओ के पानी से रोगी के पाँव धोना, अथवा दवाओ की वुकनी पावो पर मलना।

पाश्नः (پاشنه) फा स्त्री –एडी ।

पाश्नःकोब (پاشنه‌کوب) फा वि –पीछे दौडनेवाला, पीछा करनेवाला, तआकुब करनेवाला।

पाश्नःकोबी (پاشنه‌کوبی) फा स्त्री –तआकुब करना, भागते हुए को पकडने के लिए उसके पीछे दौडना ।

पासः (پاسه) फा पु –आतुरता, बेचैनी, दु ख, क्लेश, रज।

पास (داس) फा पु –एक पहर का समय, प्रहर, निरीक्षण, निगरानी, रक्षा, हिफाजत, शील सकोच, लिहाज़ ।

पासक (داسک) फा स्त्री –जँभाई, जृंभा ।

पासताँ (پاستاں) फा वि –दे 'पास्ताँ'।

पासदार (پاسدار) फा वि –निरीक्षक, निगराँ, पृष्ठ-पोपक, हिमायती, सहायक, मददगार, पक्षपाती, तरफदार ।

पासदारी (داسداری) फा स्त्री –निरीक्षण, निगरानी, पृष्ठ पोषण, हिमायत, सहायता, मदद, पक्षपात, तरफदारी ।

पासबान (داسبان) फा वि –निरीक्षक, निगराँ, द्वारपाल, डचोढीवान।

पासबानी (داسبانی) फा स्त्री –निरीक्षण, निगरानी, डचोढीवानी ।

पासब्ज़ (داسبز) फा वि –जिसका आगमन अशुभ और अनिष्टकर हो, दलाल, एजेट, अभिकर्ता।

पासब्ज़ी (داسبزی) फा स्त्री –नुहूसत, अकल्याण, अमगल।

पासिन (داسن) फा स्त्री –एडी ।

पासुख़ (پاسخ) फा पु –उत्तर, जवाब।
पासे अदब (پاس ادب) फा अ पु –किसी की प्रतिष्ठा का ख़याल, प्रतिष्ठा के अनुसार उसका आदर-सत्कार।
पासे अन्फ़ास (پاس انفاس) फा अ पु –मुसलमान सूफ़ियो का एक योगाभ्यास, जिसमे उनके हर श्वास के साथ, 'अल्लाह' का शब्द उच्चरित होता है।
पासे आबरू (پاس آبرو) फा पु –प्रतिष्ठा का ख़याल, सतीत्व-रक्षा का ख़याल।
पासे ख़ातिर (پاس خاطر) अ फा पु –किसी को रुष्ट न करने के लिए उसका मन रखना।
पासे नमक (پاس نمک) फा पु –नमकहलाली, स्वामि-भक्ति, कृतज्ञता।
पासे नामूस (پاس ناموس) फा अ पु –दे 'पासे आबरू'।
पासोलिहाज़ (پاس ولحاظ) फा अ पु –शील सकोच, मुरव्वत, लिहाज।
पास्ताँ (پاستاں) फा वि –'पास्तान' का लघु, दे 'पास्तान'।
पास्तान (پاستان) फा वि –पुरातन, प्राचीन, पुराना।
पास्तानी (پاستانی) फा वि –प्राचीनकाल का, पुराने समय का।
पाहंग (پاهنگ) फा पु –दे 'पाशग'।

पि

पिगाँ (پنگاں) फा स्त्री –वह कटोरी जो पानी की नाँद मे समय बताने के लिए डाली जाती है।
पिंदार. (پندارہ) फा पु –ध्यान, ख़याल, अनुध्यान, तसव्वुर, चितन, फ़िक्र।
पिंदार (پندار) फा पु –ध्यान, ख़याल, कल्पना, तख़ैयुल, अभिमान, गर्व, ग़ुरूर।
पिंदारिंदः (پندارندہ) फा वि –सोचनेवाला, विचारने-वाला, जाननेवाला।
पिंदाश्त (پنداشتہ) फा वि –सोचा हुआ, जाना हुआ।
पिंदाश्तनी (پنداشتنی) फा वि –सोचने योग्य, जानने योग्य, ज्ञेय।
पिज़मुर्द. (پژمردہ) फा वि –दे 'पज़मुर्द' दोनो शुद्ध है, परन्तु यह अप्रचलित है।
पिज़िश्क (پزشک) फा पु –चिकित्सक, उपचारक, वैद्य, तबीब, डाक्टर, हकीम।
पिज़िश्की (پزشکی) फा वि –चिकित्सा, उपचार, इलाज।
पिज़ीर (پذیر) फा प्रत्य –स्वीकृत करनेवाला, जैसे—'पोज़िश पिज़ीर' उज्र स्वीकार करनेवाला, दे 'पज़ीर', दोनो शुद्ध है, परन्तु यह अधिक व्यवहृत है।
पिज़ीरफ़्त. (پذیرفتہ) फा वि –स्वीकृत, माना हुआ, कबूल किया हुआ।
पिज़ीरफ़्तगार (پذیرفتگار) फा वि –दे 'पिज़ीरफ़्तार'।
पिज़ीरफ़्तार (پذیرفتار) फा वि –स्वीकार करनेवाला, माननेवाला, आज्ञाकारी, फर्माबरदार।
पिज़ीरा (پذیرا) फा वि –स्वीकार करना, कबूल करना, स्वीकृत, मंजूर, दे 'पिज़ीरा', दोनो शुद्ध है।
पिज़ीराई (پذیرائی) फा स्त्री –स्वीकृति, अगीकृति, कबूलियत, मजूरी, दे 'पज़ीराई', दोनो शुद्ध है।
पिज़ीरिश (پذیرش) फा स्त्री –दे 'पिज़ीराई'।
पिज़ोलीद (پژولیدہ) फा वि –सताया हुआ, परीशान किया हुआ, उलझाया हुआ।
पिज़ोह (پژوہ) फा प्रत्य –दे 'पज़ोह', दोनो शुद्ध है, परन्तु वह अधिक बोला जाता है।
पिज़ोहिंद. (پژوہندہ) फा वि –दे 'पज़ोहिंद', दोनो शुद्ध है, परन्तु वह अधिक व्यवहृत है।
पिज़ोहिश (پژوہش) फा स्त्री –दे 'पज़ोहिश', दोनो शुद्ध है, परन्तु वह अधिक बोला जाता है।
पिज़ोहीद (پژوہیدہ) फा वि –दे 'पज़ोहीद', दोनो शुद्ध है, परन्तु वह अधिक बोलते है।
पिदंदर (پدندر) फा पु –सौतेला बाप।
पिदर (پدر) फा पु –जनक, पिता, बाप।
पिदरान (پدرانہ) फा वि –बाप की तरह स्नेहपूर्ण, बाप-जैसा।
पिदरी (پدری) फा वि –बाप का, पैतृक।
पिद्राम (پدرام) फा वि –सुसज्जित, शृगारित, विभूषित, आरास्त, प्रसन्न मुख, हर्षित चित्त, बश्शाश।
पिद्रूद (پدرود) फा पु –विदा करना, रुख़्सत करना, त्यागना, छोडना।
पिनहाँ (پنہاں) फा वि –गुप्त, छिपा हुआ।
पिन्हाँशिकंज (پنہاں شکنج) फा वि –मन ही मन मे सतप्त होनेवाला, अपने दुःख को प्रकट न करनेवाला।
पिन्हाँशिकंजी (پنہاں شکنجی) फा स्त्री –अपने दुःख को प्रकट न करना, मन ही मन मे घुलना।
पिन्हानी (پنہانی) फा वि –भीतरी, आन्तरिक, मान-सिक, रुहानी।
पियाज़ (پیاز) फा स्त्री –एक प्रसिद्ध कद जो खाया जाता है, पलाडु, महाकद।
पियाज़ी (پیازی) फा वि –पियाज़ के रग का, हलका गुलाबी।
पियाद (پیادہ) फा पु –दे 'पयाद', दोनो शुद्ध है, परन्तु उर्दू में 'पियाद' अधिक प्रचलित है।

पियाद:पा (پیادہپا) फा वि –जो सवारी पर न हो, पैदल, पाँव-पाँव।

पियाल: (پیالہ) फा पु –चपक, कस, कटोरा, शराब पीने का पियाला, पान-पात्र, सागर।

पियाल.नुमा (پیالہنما) फा वि –पियाले के आकार का, पियाले-जैसा।

पिरिस्तुक (پرستک) फा स्त्री –अबाबील, भाडीक, एक प्रसिद्ध पक्षी, जो खँडहरो मे रहता है।

पिरिस्तो (پرستو) फा स्त्री –दे 'पिरिस्तुक'।

पिरिस्तोक (پرستوک) फा स्त्री –दे 'पिरिस्तुक'।

पिरेज़ीदान (پریزیدان) फा पु –प्रेसीडेंट, सभापति।

पिरेश (پریش) फा वि –परेशान होनेवाला।

पिरेशान (پریشان) फा वि –दे 'परीशान' और 'परेशान', उर्दू मे 'पिरेशान' नही बोलते।

पिल्लगाँ (پلگاں) फा पु –लकडी की सीढी, निसेनी, नि श्रेणी।

पिशक (پشک) तु स्त्री –पिल्ली, मार्जारी।

पिशेज़ (پشیز) फा पु –सबसे छोटा सिक्का, जैसे—भारत मे पाई, पैसा, ताँबे का कण, दे 'पशेज', दोनो शुद्ध है।

पिशोइंद: (پشوئندہ) फा वि –अस्त-व्यस्त होनेवाला।

पिश्क (پشک) फा स्त्री –'पिश्किल' का लघु, दे 'पिश्किल'।

पिश्किल (پشکل) फा स्त्री –ऊँट या बकरी आदि की मेगनी, केवल मेगनी के अर्थ में आता है, गोबर के अर्थ में नही।

पिश्वाज़ (پشواز) फा स्त्री –'पेशवाज़' का लघु, परन्तु उर्दू मे इसका अर्थ नृत्य के समय पहना जानेवाला लहँगा है।

पिसंदर (پسندر) फा पु –सौतेला लडका।

पिसर (پسر) फा पु –पुत्र, आत्मज, तनय, बेटा, लडका।

पिसरख़्वाँद: (پسرخواندہ) फा पु –दत्तक पुत्र, लैपालक, मुतबन्ना।

पिसरज़ाद: (پسرزادہ) फा पु –बेटे का बेटा, पोता।

पिसरे मुतबन्ना (پسرمتبنّیٰ) फा अ पु –दत्तक पुत्र, लेपालक।

पिस्त: (پستہ) फा पु –एक प्रसिद्ध मेवा।

पिस्त.लब (پستہلب) फा वि –जिसके होठ पतले और छोटे हो।

पिस्त (پست) फा पु –सत्तू, भुने हुए जौ, गेहूँ अथवा चने आदि का आटा जो एक प्रसिद्ध खाद्य है।

पिस्ताँ (پستاں) फा स्त्री –'पिस्तान' का लघु, दे 'पिस्तान'।

पिस्तान (پستان) फा स्त्री –स्तन, उरोज, कुच, छाती, वक्षोज।

पी

पीख़ाल (پیخال) फा स्त्री –चिडियो का मल, बीट।

पीन: (پینہ) फा पु –पैवद, टिकली, काम की अधिकता से हाथ या पाँव का गट्टा।

पीन.दोज़ (پینہدوز) फा वि –पैवद लगानेवाला।

पीन:दोज़ी (پینہدوزی) फा स्त्री –पैवद लगाना।

पीनक (پینک) फा स्त्री –अफीम की झोक।

पीनकी (پینکی) फा वि –अफीम खाकर पीनक मे ऊँघनेवाला।

पीनू (پینو) फा पु –सुखाया हुआ दही, वह दही जिसका पानी निकाल दिया जाय।

पीर (پیر) फा वि –वृद्ध, जरत्, वयोवृद्ध, बूढा, धर्मगुरु, मुर्शिद, सोमवार, दोशब।

पीरअफ़शानी (پیرافشانی) फा स्त्री –बुढापे मे जवानो-जैसे कार्य करना।

पीरज़न (پیرزن) फा स्त्री –वृद्धा स्त्री, वृद्धा, जरिणी, जरतिका, बूढी स्त्री।

पीरज़ाद: (پیرزادہ) फा पु –पीर का लडका, धर्मगुर का बेटा।

पीरज़ाल (پیرزال) फा स्त्री –दे 'पीरज़न'।

पीरपरस्त (پیرپرست) फा वि –जो अपने पीर को ही सब कुछ समझता हो, धर्मगुरु का भक्त होना।

पीरपरस्ती (پیرپرستی) फा स्त्री –अपने पीर को ही सब कुछ समझना, धर्मगुरु-भक्ति।

पीरमर्द (پیرمرد) फा पु –ऐसा व्यक्ति जो बूढा भी हो और सदाचारी भी।

पीरसाल (پیرسال) फा वि –वयोवृद्ध, बूढा, वृद्धा, बूढी।

पीरान: (پیرانہ) फा वि –बूढो-जैसा, बुढापे का।

पीरान:सर (پیرانہ سر) फा वि –बुढापे की अवस्थावाला, बूढा, सफेद बालोवाला।

पीरान सरी (پیرانہ سری) फा स्त्री –बुढापा, वृद्धावस्था, बालो की सफेदी।

पीरान:साल (پیرانہ سال) फा वि –बूढा, वृद्ध, बूढी, वृद्धा।

पीरान साली (پیرانہ سالی) फा स्त्री –बुढापा, वृद्धावस्था।

पीराय. (پیرایہ) फा पु –दे 'पैराय', उर्दू मे वही बोलते है, परन्तु शुद्ध यही है।

पीरी (پیری) फा स्त्री–वृद्धावस्था, बुढापा, पीर का पद या पेशा, धूर्तता, मक्कारी, दावा, इजारा।

पीरे कन्आँ (پیر کنعاں) फा अ पु–हज़रत या'कूब, जो हज़रत यूसुफ के पिता थे।

पीरे ख़राबात (پیر خرابات) फा पु–मदिरालय का बूढा प्रबंधक।

पीरे ज़मींगीर (پیر زمیں گیر) फा पु–जिसकी कमर बुढापे के कारण इतनी झुक गयी हो कि उसका सिर पृथ्वी से लग गया हो।

पीरे तरीक़त (پیر طریقت) फा पु–धर्मगुरु, मुर्शिद।

पीरे नाबालिग़ (پیر نابالغ) फा अ पु–वह बूढा जो बच्चो-जैसे काम करे।

पीरे फलक (پیر فلک) फा अ पु–शनि ग्रह, ज़ुहल, पुराना आकाश।

पीरे फर्तूत (پیر فرتوت) फा पु–वह व्यक्ति जिसकी बुद्धि बुढापे के कारण नष्ट हो गयी हो, बहुत बूढा, जर्जर, जराजीर्ण।

पीरे मुग़ाँ (پیر مغاں) फा पु–दे 'पीरे ख़राबात', आतश-परस्तो का धर्मगुरु।

पीरे हरम (پیر حرم) फा अ पु–का'बे की सेवा करनेवाला बूढा व्यक्ति, पूज्य व्यक्ति।

पीरोज (پیروزہ) फा पु–दे 'फीरोज', उर्दू मे वही बोलते है।

पीरोमुर्शिद (پیرومرشد) फा अ पु–धर्मगुरु के लिए बोला जानेवाला शब्द, किसी प्रतिष्ठित और वृद्ध व्यक्ति के लिए सबोधन का शब्द।

पील (پیلہ) फा पु–रेशम का कीडा, रेशम का कोया, पलक, दृगचल, शत्रज का एक मोहरा, पील।

पील.वर (پیلہور) फा वि–शीशगर, कचकार, अत्तार, गधकार, रेशम का व्यापारी, औषधियाँ बेचनेवाला।

पील (پیل) फा पु–हस्ती, सिंधुर, गज, करि, पीलु, हाथी, शत्रज का एक मोहरा, पील, दे 'फील', उर्दू उच्चारण वही है।

पीलतन (پیلتن) फा वि–हाथी-जैसे डील-डौलवाला, रुस्तम की उपाधि।

पीलनशीं (پیل نشیں) फा वि–जिसके द्वार पर हाथी झूमता हो।

पीलपा (پیل پا) फा पु–पाँव सूज जाने का एक रोग, श्लीपद, पादगडीर।

पीलपाय (پیل پایہ) फा पु–पत्थर या चने का खभा।

पीलपैकर (پیل پیکر) फा वि–दे 'पीलतन'।

पीलबद (پیل بند) फा पु–शत्रज का एक खेल, जिसमे दोनो पील दो-दो पियादो के जोर पर होते है और सब घर बद कर लेते है।

पीलबाग़ (پیل باغ) फा पु–पटका, पेटी, कमरपट्टी।

पीलबान (پیل باں) फा वि–हाथीवान, हस्तिपक, अकुश-ग्रह, दे 'फीलबान', उर्दू उच्चारण वही है।

पीलबानी (پیل بانی) फा स्त्री–हाथीवानी, हाथी चलाने का काम, उर्दू उच्चारण 'फीलबानी' है, दे 'फीलबानी'।

पीलबाला (پیل بالا) फा वि–हाथी के बराबर ऊँचे डील का।

पीलमाल (پیل مال) फा वि–हाथी के पाँव के नीचे ममला हुआ, हाथी के पाँव-तले मसलवाना।

पीलमुर्ग़ (پیل مرغ) फा पु–एक कल्पित पक्षी जो हाथी को चगुल मे उठा ले जाता है।

पीलस्त (پیلستہ) फा पु–हाथीदाँत।

पीले गर्दू (پیل گردوں) फा पु–हाथी रूपी आकाश, जो सबको अपने पाँव-तले रौंदता है।

पीले दमाँ (پیل دماں) फा पु–गुस्से मे बिफरा हुआ और चिंघाडता हुआ हाथी।

पीले माल (پیل مال) फा पु–इतना धन जो एक हाथी पर चले, बहुत अधिक धन।

पीह (پیہ) फा स्त्री–चर्बी, मेदा, वसा।

पीहे ख़ूक (پیہ خوک) फा स्त्री–सुअर की चर्बी।

पीहे ग़ूक (پیہ غوک) फा स्त्री–मेढक की चर्बी।

पीहे बत (پیہ بط) फा स्त्री–बतख़ की चर्बी।

पीहे बुज़ (پیہ بز) फा स्त्री–बकरी की चरबी।

पीहे मार (پیہ مار) फा स्त्री–साँप की चर्बी।

पीहे मुर्ग़ (پیہ مرغ) फा स्त्री–मुर्गे की चर्बी।

पीहे शेर (پیہ شیر) फा स्त्री–सिंह की चर्बी।

पीहे सूसमार (پیہ سوسمار) फा स्त्री–गोह की चर्बी।

पु

पुंब (پنبہ) फा पु–कपास, रुई, दे, 'पंब', वही अधिक बोला जाता है।

पुंब दान (پنبہ دانہ) फा पु–कपास का बीज, बिनौला, दे 'पंब दान', वह अधिक बोला जाता है।

पुख़ (پوخ) तु पु–मल, विष्ठा, पुरीष, गू।

पुख़्त (پختہ) फा वि–दृढ, मज़्बूत, परिपक्व, पका हुआ, चूना, गच या सीमेट से जुडा हुआ, स्थिर, पाएदार, टिकाऊ, नियत, तैशुद।

पुख़्त अक्ल (پختہ عقل) फा अ वि–जिसकी समझ-बूझ पुख़्त हो, स्थिरबुद्धि, परिपक्वमति।

पुख़्तःकार (پختہ‌کار) फा वि –जिसे काम का अनुभव हो, कृतकार्य।

पुख़्तःमग़्ज़ (پختہ‌مغز) फा अ वि –दे 'पुख़्त अक़्ल'।

पुख़्तःमिज़ाज (پختہ‌مزاج) फा अ वि –जो किसी बात पर अटल रहे, स्थिरचित्त, दृढनिश्चय।

पुख़्तःमिज़ाजी (پختہ‌مزاجی) फा अ स्त्री –किसी बात पर जमा रहना, चल-विचल न होना।

पुख़्तःराए (پختہ‌رائے) फा अ वि –जिसकी सलाह उचित और शुद्ध होती हो, जो ठीक राय देता हो।

पुख़्त (پخت) फा स्त्री –पकने की क्रिया, पकाव, खाना पकाने का कार्य।

पुख़्तगी (پختگی) फा स्त्री –पक्कापन, दृढता, परिपक्वता, पकने का भाव।

पुख़्तनी (پختنی) फा वि –पकने योग्य, पकाने योग्य।

पुख़्तो (پختو) फा स्त्री –अफ़गानियो की भाषा, पुश्तो।

पुख़्तोन (پختون) फा पु –पुख़्तो भाषाबोलनेवाला।

पुख़्तोनिस्तान (پختونستان) फा पु –वह देश जहाँ पुख़्तो भाषा बोली जाती हो।

पुत्क (پتک) फा पु –लोहा कूटने का हथौडा, घन।

पुफ (پف) फा स्त्री –फूँक, फूँक मारना।

पुर (پر) फा वि –भरा हुआ, पूर्ण, भरपूर, पूरा।

पुरअंदोह (پراندوہ) फा वि –दु खपूर्ण, क्लेशपूर्ण, मुसीबत से भरा हुआ।

पुरअम्न (پرامن) फा अ वि –शान्तिपूर्ण, शान्तिमय।

पुरअलम (پرالم) फा अ वि –दे 'पुरअदोह'।

पुरअश्क (پراشک) फा वि –आँसुओ से भरी हुई आँख, आर्द्र नयन।

पुरआब (پرآب) फा वि –पानी से भरा हुआ, आँसुओ से भरा हुआ।

पुरआबलः (پرآبلہ) फा वि –छालो से भरा हुआ, जिसमे बहुत-से छाले हो।

पुरआर्ज़ू (پرآرزو) फा वि –जिसके मन मे बहुत-सी अभिलाषाएँ हो।

पुरआशोब (پرآشوب) फा वि –घटनाओ और आपत्तियो से भरा हुआ।

पुरउम्मीद (پرامید) फा वि –जिसके मन में अभिलाषा हो, जिसे किसी काम के हो जाने की आशा हो।

पुरकार (پرکار) फा वि –चालाक, मक्कार, चतुर, होशियार।

पुरकीं (پرکیں) फा वि –जिसके मन मे द्वेष हो, जो गुप्त शत्रुता रखे।

पुरख़तर (پرخطر) फा अ वि –आपत्तियो और ख़तरो से भरा हुआ, बहुविघ्न, भयानक, भीषण, ख़तरनाक।

पुरख़म (پرخم) फा वि –टेढा, तिरछा, घूँघरवाला (बाल), लेख मे इबारत आराई, शब्दाडबर।

पुरख़ार (پرخار) फा वि –काँटो से भरा हुआ, कटक-सकुल, वह जगल आदि जहाँ बहुत काँटे हो।

पुरख़ुमार (پرخمار) फा अ वि –नशे मे चूर, मस्त।

पुरख़ूँ (پرخوں) फा वि –ख़ून से भरा हुआ, रक्तपूर्ण, गुस्से से भरी हुई आँख।

पुरग़म (پرغم) फा अ वि –रज से भरा हुआ, शोकपूर्ण, मुसीबत से भरा हुआ, दु खपूर्ण।

पुरग़ुरूर (پرغرور) फा अ वि –घमड मे भरा हुआ, अभिमानी, मग़रूर।

पुरगो (پرگو) फा वि –बातूनी, वाचाल, बहुत कविता करनेवाला, बहुत शेर कहनेवाला।

पुरगोई (پرگوئی) फा स्त्री –वाचालता, बकवास, बहुत कविता करना।

पुरचीं (پرچیں) फा वि –बल पडा हुआ (माथा आदि), झुर्री पडा हुआ (खाल)।

पुरज़र (پرزر) फा वि –रुपयो से भरा हुआ, धन-सपन्न, दौलत से पुर।

पुरजोश (پرجوش) फा वि –जोशीला, जोश से भरा हुआ, आवेगपूर्ण, ज़ोरदार, उत्साहपूर्ण, उमग से भरा हुआ।

पुरतकल्लुफ (پرتکلف) फा अ वि –जिसमे बहुत तकल्लुफ किया गया हो।

पुरताब (پرتاب) फा वि –रोशन, प्रकाशमय, शक्तिशाली, ताकतवर।

पुरदग़ल (پردغل) फा वि –दे 'पुरदगा'।

पुरदग़ा (پردغا) फा वि –छली, फरेबी, धूर्त, चालाक।

पुरदर्द (پردرد) फा वि –दु खपूर्ण, गमनाक।

पुरदिल (پردل) फा वि –शूर, वीर, बहादुर, उत्साही, साहसी, हिम्मतवर।

पुरनम (پرنم) फा वि –गीला, भीगा, आँसुओ से भरी हुई आँख।

पुरनूर (پرنور) फा अ वि –ज्योतिर्मय, प्रकाशमान्, रोशन।

पुरपेच (پرپیچ) फा वि –पेचदार, टेढा-मेढा, बलदार, पुरशिकन।

पुरपेचोख़म (پرپیچ‌وخم) फा वि –जिसमे बहुत टेढ-मेढ हो, जो बहुत जटिल और पेचीदा हो।

पुरफ़न (پرفن) फा अ वि.–धूर्त, वचक, छली, मक्कार।

पुरफरेब (پرفریب) फा वि –दे 'पुरदगा'।
पुरफिज़ा (پرفضا) फा अ वि –खुला हुआ, हवादार, सरसब्ज और विस्तृत स्थान।
पुरबजिद (پرسجد) फा अ वि –तत्पर, कटिवद्ध, तैयार।
पुरवहार (پربہار) फा वि –फूलो से लदा हुआ सुदर स्थान, हवादार, खुला हुआ और रमणीक स्थान।
पुरबाद (پرباد) फा वि –हवा से भरा हुआ, फूला हुआ, गर्व से भरा हुआ, अभिमानी।
पुरबार (پربار) फा वि –वौर अथवा फल से लदा हुआ पेड, गर्भवती स्त्री, गुर्विणी।
पुरबास (پرباس) फा वि –दु खपूर्ण, कप्टपूर्ण, शोकपूर्ण, खेदपूर्ण।
पुरमग़ज़ (پرمغز) फा अ वि –सारगर्भ, तत्त्वपूर्ण।
पुरमज़ाक (پرمزاق) फा अ वि –विनोदप्रिय, जिदादिल, हँसी और विनोद से भरी हुई वात।
पुरमलाल (پرملال) फा अ वि –दु खपूर्ण, रज से भरा हुआ, खिन्न, मलिन, उदास।
पुरमिजाह (پرمزاح) फा अ वि –ठठोलिया, विनोदी, हँसी की वात।
पुरमिहन (پرمحن) फा अ वि –मुसीवतो से भरा हुआ, कष्ट-सकुल।
पुरमेव (پرمیوه) फा वि –मेवो से लदी हुई डाली, मेवो से भरा हुआ पात्र।
पुररौनक (پررونق) फा वि –जहाँ वहुत रौनक हो।
पुरशिकन (پرشکن) फा वि –झुर्रियाँ पडी हुई खाल या देह, वल पडे हुए बाल।
पुरशिकम (پرشکم) फा वि –जिसका पेट भरा हो, जो अफरा हो, उदरपूर्ण।
पुरशिकोह (پرشکوه) फा वि –भीषण, भयानक, डरावना।
पुरशुऊर (پرشعور) फा वि –तमीज़दार, शिष्ट, वुद्धिमान्, अक्लमद।
पुरशुकोह (پرشکوه) फा वि –वैभवशाली, विभवसपन्न, शानो-शौकतवाला।
पुरशोर (پرشور) फा वि –शोरोगुल से भरा हुआ, कोलाहल-पूर्ण, नमक से भरा हुआ, वहुत अधिक नमकीन।
पुरशौकत (پرشوکت) फा वि –वैभवशाली, शानदार।
पुरसुकून (پرسکون) फा अ वि –शातिमय, शातिपूर्ण, मुतयइन, सारे झझटो से पाक।
पुरसोज़ (پرسوز) फा वि –जलन और तपन से भरा हुआ।
पुरहस्रत (پرحسرت) फा अ वि –निराशापूर्ण, नाउमेदी से भरा हुआ।

पुरहीलः (پرحیلہ) फा अ वि –वहान वाज़, वहाना करनेवाला, छली।
पुरहैबत (پرہیبت) फा अ वि –डरावना, भयानक।
पुरहौल (پرہول) फा अ वि –भीपण, भयकर, डरावना।
पुरहौसल (پرحوصلہ) फा अ वि –उत्साही, साहसी, हौसल मद।
पुरिंद (پرنده) फा वि –भरनेवाला।
पुरी (پری) फा स्त्री –भराव, भरा हुआ पन।
पुरीद (پریده) फा वि –भरा हुआ, परिपूर्ण।
पुरीदनी (پریدنی) फा वि –भरने योग्य।
पुर्ज़: (پرزه) फा पु –खड, टुकडा, पर्चे, कागज़ का टुकडा, मशीन का कोई खड।
पुर्ज़ (پرز) फा पु –रोम, लोम, रोआँ, ओढनी, दुपट्टा, दवात मे डालने का लत्ता।
पुर्स: (پرسہ) फा पु –मृत्यु हो जाने पर किसी के यहाँ शोक प्रकट करने और सहानुभूति दिखाने के लिए जाना।
पुर्स (پرس) फा प्रत्य –पूछनेवाला, जैसे—'हालपुर्स' दशा पूछनेवाला, (स्त्री) पूछ-ताछ, पूछ।
पुर्साँ (پرساں) फा वि –पूछनेवाला, पृच्छक, जिज्ञासु।
पुर्साने हाल (پرسان حال) अ फा वि –हाल पूछनेवाला, खवर लेनेवाला।
पुर्सिद: (پرسنده) फा वि –पूछनेवाला, पृच्छक।
पुर्सिश (پرسش) फा स्त्री –पूछ-ताछ, आदर-सत्कार, इज्ज़त।
पुर्सीद: (پرسیده) फा वि –पूछा हुआ, जिज्ञासित।
पुर्सीदनी (پرسیدنی) फा वि –पूछनेयोग्य।
पुल (پل) फा पु –सेतु, नदी आदि के उतरने का साधन, मछली का सिन्ना।
पुल (پول) तु पु –पैसा।
पुलची (پولچی) तु वि –पैसे वेचनेवाला।
पुलाव (پلاؤ) फा पु –एक प्रसिद्ध खाद्य जो गोश्त और चावल से वनता है, इसका शुद्ध उच्चारण 'पलाव' है, परतु उर्दू मे पुलाव ही वोलते है।
पुलपत (پلپته) फा पु –स्फुलिंग, अग्निकण, चिनगारी।
पुश्क (پشک) फा पु –मेंगनी।
पुश्क (پشک) तु स्त्री –विल्ली, मार्जारी।
पुश्त (پشته) फा पु –टीला, ढूह, वह मिट्टी या ककड चूना आदि जो दीवार को मज़वूत करने के लिए उसकी जड में लगाते है, वह मिट्टी का वद या दीवार जो नदी के किनारे चढाव का पानी रोकने को वनाते है।

पुश्त.वंदी (پشتہبندی) फा. स्त्री–दीवार का पुश्ता लगाना, नदी का बंद बाँधना।

पुश्त (پشت) फा स्त्री–पृष्ठ, पीठ, पिछाडी, पीछा, सहायता, मदद;- वश, नस्ल।

पुश्तक (پشتک) फा स्त्री–घोडे की दुलत्ती।

पुश्तख़म (پشتخم) फा वि–कुवडा, कुब्ज।

पुश्तख़ार (پشتخار) फा पु–पीठ खुजलाने का पजा।

पुश्तगर्मी (پشتگرمی) फा स्त्री–सहायता, मदद, पृष्ठ-पोषण, हिमायत।

पुश्त दर पुश्त (پشت در پشت) फा. अव्य–पीढी दर पीढी, नस्ल दर नस्ल।

पुश्तपनाह (پشتپناہ) फा वि–सहायक, मददगार, पृष्ठपोषक, हिमायती।

पुश्तपनाही (پشتپناہی) फा स्त्री–सहायता, मदद, पृष्ठ-पोषण, हिमायत।

पुश्त वदीवार (پشت بدیوار) फा वि–निस्तब्ध, चकित, हैरान।

पुश्त व पुश्त (پشت بہ پشت) फा अव्य–दे 'पुश्त दर पुश्त।

पुश्तमाही (پشت ماہی) फा स्त्री–रात्रि, रात, निशा।

पुश्तवारः (پشتوارہ) फा पु–दे 'पुश्तार'।

पुश्तारः (پشتارہ) फा पु–'पुश्तवार' का लघु, इतना वोझ जो पीठ पर उठाया जा सके, पोट, वोझ, गट्ठर।

पुश्ती (پشتی) फा स्त्री–सहायता, मदद, समर्थन, ताईद, पालन-पोषण, पर्वरिश।

पुश्तीवान (پشتیبان) फा वि–सहायक, मददगार, टेक, थूनी, आड।

पुश्तीवानी (پشتیبانی) फा स्त्री–सहायता, मदद, सहारा, टेक।

पुश्ते दस्त (پشت دست) फा स्त्री–हथेली की पीठ, करपृष्ठ।

पुश्ते पा (پشت پا) फा स्त्री–तलवे का ऊपरी भाग।

पुश्तो (پشتو) फा स्त्री–दे 'पुश्तो'।

पुस (پس) फा स्त्री–पुत्र, तनय, आत्मज, लडका, वेटा।

पू

पूच (پوچ) फा वि–दे 'पोच', शुद्ध 'पूच' है, परतु प्रचलित 'पोच' है।

पूद (پود) फा पुं–वाना, कपडे की वुनाई मे अर्ज़ मे पड़ने-वाला डोरा।

पूरः (پورہ) फा पु–दे 'पूर', दोनो शुद्ध हैं।

पूर (پور) फा पु–पुत्र, वेटा, आत्मज, तनय।

पूरे पुशंग (پور پشنگ) फा पुं–पुशग का पुत्र, अफ़ासियाव।

पूरे सीना (پور سینا) फा अ पु–हकीम वू अली सीना।

पूरे हाजिर (پور ہاجر) फा अ पु–हज़्रत इस्माईल पैगवर।

पे

पेख़्त. (پیختہ) फा पु–मैदा, वारीक आटा।

पेग़ारः (پیغارہ) फा पु–दे 'पैगार', दोनो शुद्ध है।

पेच. (پیچہ) फा पु–अमरवेल, आकाशवेल।

पेच (پیچ) फा पु–घुमाव, चक्कर; वल, लपेट, पेचीदगी, जटिलता; छल, चाल, धोखा, कल, मशीन, कठिनता, दुश्वारी, विघ्न, वाधा, कुडली, हल्क़।

पेचक (پیچک) फा स्त्री–वटे हुए महीन सूत की गोली, हर लिपटी हुई वस्तु।

पेचकश (پیچکش) फा पु–ढिवरी आदि खोलने और कसने का यत्र।

पेच दर पेच (پیچ در پیچ) फा वि–जिसमे पेच के अदर पेच हो, वहुत अधिक जटिल, वहुत पेचीदा।

पेचदार (پیچدار) फा वि–जिसमे पेच हो, जिसमे वल हो, जटिल, पेचीदा; उलझा हुआ।

पेचरिश्तः (پیچرشتہ) फा पु–अटी, पिंडया, चर्खे से निकली हुई सूत की अडिया।

पेचाँ (پیچاں) फा वि–पेचदार, वलदार, लिपटा हुआ, उलझा हुआ।

पेचाक (پیچاک) फा पु–वल, शिकन, टेढ, वक्रता, अलक, जुल्फ, तुर्रे, कलगी, घोघा।

पेचानीद. (پیچانیدہ) फा वि–लपेटा हुआ।

पेचिश (پیچش) फा स्त्री–आँतो की ऐठन के साथ वार-वार पाखाने जाने का रोग, मरोड।

पेचीद. (پیچیدہ) फा वि–पेचदार, जटिल, कठिन, मुश्किल, लिपटा हुआ।

पेचीद.दस्त (پیچیدہدست) फा वि–निर्बल, कमज़ोर।

पेचीदगी (پیچیدگی) फा स्त्री–जटिलता, उलझाव, कठिनता, मुश्किल, लपेट, लिपटापन।

पेचीदनी (پیچیدنی) फा वि–लिपटने के योग्य, लपेटने के योग्य।

पेचोख़म (پیچوخم) फा पु–टेढ-मेढ, चक्कर, जटिलता, दुश्वारी, ऊँच-नीच, मारपेच।

पेचोताव (پیچوتاب) फा पु–क्रोध, गुस्सा, मनस्ताप, दिली खलिश।

पेज़न (پیزن) फा स्त्री–छानने की वस्तु, छन्नी।

पेज़ीद. (پیزیدہ) फा वि –छाना हुआ।

पेरा (پیرا) फा प्रत्य –दे 'पैरा', दो शु हैं, परतु वोला वही जाता है।

पेराइश (پیرائش) फा स्त्री –दे 'पैराइश', दो शु हैं, परन्तु व्यवहृत वही है।

पेरामुन (پیرامن) फा पु –दे 'पैरामुन', दो शु हैं, परतु प्रचलित वही है।

पेरामून (پیرامون) फा पु –दे 'पैरामून', दो शु हैं, परतु वोलते वही है।

पेरास्तः (پیراستہ) फा वि –दे 'पैरास्त', दो शु हैं, परतु वोला वही जाता है।

पेशः (پیشہ) फा पु –व्यवसाय, धन्धा, उद्योग, उद्यम, रोज़गार, वेश्या-वृत्ति, कमाई।

पेश·वर (پیشہور) फा वि –उद्यमी, रोज़गारी, जिसने किसी कार्य-विशेष को अपनी जीविका का साधन बना लिया हो, जैसे—पेश वर शाइर।

पेश वरान (پیشہوران) फा वि –पेश वरो, जैसा, जो पेश वरो का ढग है वैसा ढग।

पेशःवरी (پیشہوری) फा स्त्री –उद्यम करना, रोज़गार करना।

पेश (پیش) फा पु –समुख, सामने, प्रथम, पहले, अगला भाग, उर्दू में 'उ' की मात्रा।

पेशअदेश (پیش اندیش) फा वि –दे 'पेशवी'।

पेशअदेशी (پیش اندیشی) फा स्त्री –दे 'पेशवीनी'।

पेशअदाज (پیش انداز) फा पु –खाना खाते समय घुटनो पर डाला जानेवाला कपडा।

पेशआमद (پیش آمد) फा स्त्री –दे 'पेशामद', वह उच्चारण फसीह है।

पेशआहग (پیش آهنگ) फा पु –दे 'पेशाहग', वह उच्चारण फसीह है।

पेशक़दमी (پیش قدمی) फा अ स्त्री –पहल, सबकत, सेना का आक्रमण के लिए आगे वढना।

पेशक़ब्ज़ (پیش قبض) फा पु –भुजाली, जम्विया, छोटी कटार।

पेशकश (پیشکش) फा स्त्री –पुरस्कार, भेट, नज़रान, प्रस्ताव, तज्वीज, प्रार्थना, इल्तिजा।

पेशकार (پیشکار) फा पु –किसी हाकिम की पेशी मे काम करनेवाला।

पेशकारी (پیشکاری) फा स्त्री –पेशकार का पद, पेशकार का कर्तव्य या काम।

पेशख़ानः (پیش خانہ) फा पु –घर-गिरस्ती का सामान।

पेशख़िद्मत (پیش خدمت) फा अ पु –सेवक, नौकर, प्राइवेट सेक्रेटरी।

पेशख़ुर्द (پیش خورد) फा पु –सवेरे का नाश्ता, प्रातराशन, खाने का नमक चखना।

पेशख़ेज (پیش خیز) फा पु –तेज़ और फुर्तीला नौकर, राग, नग्म।

पेशख़ेमः (پیش خیمہ) फा अ पु –किसी होनेवाले काम की तम्हीद, वह खेमा जो अगले पडाव पर पहले से लगा दिया जाता है, ताकि दौरे के पदाधिकारियो को कप्ट न हो, वह खेमा जो फौज मे सवसे आग लगाया जाता है।

पेशख़्वाँ (پیش خواں) फा वि –वह व्यक्ति जो सभा की काररवाई प्रारम्भ होने से पहले कविता आदि पढता है।

पेशख़्वानी (پیش خوانی) फा स्त्री –सभा के प्रारभ मे कविता आदि पढने का कार्य।

पेशगाह (پیشگاہ) फा स्त्री –वह फर्श जो वादशाहो के तख़्त और मस्नद के आगे विछाया जाता है, सभापति, सद्रे मज्लिस, अजिर, आँगन।

पेशगी (پیشگی) फा स्त्री –वैआन, अग्रिम धन, पहले से।

पेशगीर (پیشگیر) फा पु –मुँह पोछने का रूमाल।

पेशगो (پیش گو) फा वि –दे 'पेशीगो'।

पेशगोई (پیش گوئی) फा स्त्री –दे 'पेशीगोई'।

पेशतख़्त (پیش تختہ) फा पु –डेस्क, ढलवा सदूक।

पेशतर (پیشتر) फा वि –पहले, आगे।

पेशतरक (پیشترک) फा वि –वहुत पहले।

पेशताक़ (پیش طاق) फा पु –अजिर, आँगन, अमीरो और राजाओ के महल का वडा दरवाज़ा, दरवाज़े के सामने का आँगन।

पेशददाँ (پیش دنداں) फा पु –सवेरे का जलपान, प्रातराशन, नाश्ता।

पेशदस्त (پیش دست) फा वि –पेशकार, प्रतिनिधि, नाइव, सहायक, मददगार, पहल करनेवाला, विजेता, गालिव।

पेशदस्ती (پیش دستی) फा स्त्री –पेशकारी, सहायता, पहले-पहले हाथ उठाना, छेडख़ानी करना।

पेशदाद (پیش داد) फा स्त्री –किसी कार्य-विशेष के लिए पहले दिया हुआ धन, साई।

पेशदादी (پیش دادی) फा वि –'होशग' का वशज।

पेशदामन (پیش دامن) फा पु –सेवक, नौकर।

पेशनशीं (پیش نشیں) फा वि –जो सभा आदि मे सवमे आगे विठाया जाय, अग्रासन।

पेशनिहाद (پیش نہاد) फा पु –इच्छा, इरादा, कामना, मक्सद।

पेशबद (پیش بند) फा पु –घोडे का ज़ेरबद ।
पेशबंदी (پیش بندی) फा स्त्री –किसी काम की पेशगी तमहीद, साजिश, षड्यत्र ।
पेशबाज़ (پیش باز) फा पु –स्वागत, इस्तिक्वाल, स्वागत करनेवाला ।
पेशबीं (پیش بیں) फा वि –आगे की वात सोचनेवाला, दूरअदेश, बुद्धिमान्, अक्लमद ।
पेशबीनी (پیش بینی) फा स्त्री –आगे की वात सोचना, दूरअदेशी, बुद्धिमत्ता, अक्लमदी ।
पेशयार (پیش یار) फा पु –पेशकार ।
पेशरफ़्त (پیش رفت) फा स्त्री –आगे वढना, तरक्की करना, वश, जोर, काबू ।
पेशरवी (پیش روی) फा स्त्री –आगे चलना, अग्रगमन, राहनुमाई करना, पथ-प्रदर्शन ।
पेशरस (پیش رس) फा पु –वह फल जो पेड मे सवसे पहले पके ।
पेशरसी (پیش رسی) फा स्त्री –फल का अपनी जाति के फलो मे सवसे पहले पकना ।
पेशरौ (پیش رو) फा वि –आगे चलनेवाला, अग्रगामी, पेशवा, पथ-प्रदर्शक ।
पेशवा (پیشوا) फा वि –अगुआ, नेता, लीडर ।
पेशवाई (پیشوائی) फा स्त्री –किसी आनेवाले का, आगे वढकर इस्तिक्वाल ।
पेशवाए मुल्क (پیشوائے ملک) फा अ पु –देश का नेता ।
पेशवाज़ (پیشواز) फा पु –दे 'पेशवाज़', दे 'पिश्वाज़' ।
पेशानी (پیشانی) फा स्त्री –ललाट, भाल, माथा, भावी, होनहार, भाग्य, किस्मत ।
पेशाब (پیشاب) फा पु –मूत, मूत्र, प्रस्राव ।
पेशामद (پیش آمد) फा पु –अनुकपा, दया, पहुँच, रसाई, रिआयत, छूट ।
पेशाहग (پیش آہنگ) फा पु –सेना अथवा यात्रीदल के आगे चलनेवाला व्यक्ति ।
पेशीं (پیشیں) फा वि –पहला, प्रथम, पुराना, प्राचीन, पहलेवाला, सवसे पहला ।
पेशींगो (پیشیں گو) फा वि –आगे की वात वतानेवाला, भविष्यवक्ता, आगमज्ञानी ।
पेशींगोई (پیشیں گوئی) फा स्त्री –आगे की वात वताना, आगमज्ञान, भविष्यवाद ।
पेशी (پیشی) फा स्त्री –सामने आने का भाव, मुकदमे आदि मे हाकिम के सामने पेश होने का भाव ।
पेशीनः (پیشینہ) फा वि –अगला, पहला, पुरातन, पुराना ।
पेशीनगो (پیشین گو) फा वि –दे 'पेशींगो' ।
पेशीनगोई (پیشین گوئی) फा स्त्री –दे 'पेशींगोई' ।
पेशीनाँ (پیشیناں) फा पु –पहलेवाले लोग, पूर्वज ।
पेशे नज़र (پیش نظر) फा अ पु –दृष्टि के सामने, आँखो के सामने, ध्यान मे, ख़याल मे ।
पेशे निगाह (پیش نگاہ) फा पु –दे 'पेशे नजर' ।
पेशोपस (پیش وپس) फा पु –आगा-पीछा, असमजस, तज़ब्ज़ुव ।
पेसः (پیسہ) फा पु –जिसे शरीर मे सफेद दागो का रोग हो, सिध्मी, मब्रूस ।
पेस (پیس) फा पु –सफेद कोढ, वरस, सिध्म, सफेद कोढ का रोगी, सिध्मी ।

पै

पै (پے) फा पु –स्नायु, पट्ठा; पद-चिह्न, पाँव का निशान, पीछा, तआकुव, वार, दफा, शक्ति, वल; लिए, वास्ते, प्रति, पट्ठे के रेशे जो धनुष आदि पर चिपकाये जाते है, पाँव, चरण ।
पैक (پیک) फा पु –पत्रवाहक, चिट्ठीरसाँ, हरकारा, पियादा, दूत, कासिद, एलची ।
पैकर (پیکر) फा पु –देह, शरीर, आकृति, शक्ल ।
पैकाँ (پیکاں) फा पु –'पैकान' का लघु, दे 'पैकान' ।
पैकान (پیکان) फा पु –वाण की नोक, वरछी की अनी ।
पैकानी (پیکانی) फा वि –एक प्रकार का पद्मराग अर्थात् ला'ल, एक प्रकार का नौसादर, एक प्रकार का याकूत ।
पैकार (پیکار) फा पु –युद्ध, समर, लडाई, जग ।
पैके अजल (پیک اجل) फा अ पु –यमदूत, मौत का पयामी ।
पैके ख़याल (پیک خیال) फा अ पु –कल्पना रूपी दूत जो हर स्थान पर पहुँच सकता है ।
पैके निगाह (پیک نگاہ) फा पु –दृष्टि का दूत, या दूत रूपी दृष्टि ।
पैग़बर (پیغمبر) फा पु –ईशदूत, अवतार, पयबर ।
पैग़बरी (پیغمبری) फा स्त्री –ईश-दूत का पद, ईश-दूत का कर्तव्य, ईशदूत वाला ।
पैग़ाम (پیغام) फा पु –सदेश, सँदेसा, पयाम, समाचार, ख़बर, लडके की ओर से लडकीवालो से सगाई की वातचीत ।
पैग़ामवर (پیغامبر) फा वि –सदेश ले जानेवाला, दूत, कासिद, वार्तावह, सदेशवाहक ।
पैग़ामवरी (پیغامبری) फा स्त्री –सदेश ले जाने का काम, वार्तावहन ।
पैग़ामरसाँ (پیغام رساں) फा वि.–दे "पैग़ामवर' ।

पैग़ामरसानी (پیغام‌رسانی) फा॰ स्त्री —दे 'पैगामवरी'।

पैग़ामरसी (پیغام‌رسی) फा स्त्री —सदेश पहुँचना, पयाम जाना।

पैग़ामे ज़बानी (پیغام زبانی) फा पु —वह खवर जो किसी कारण लिखकर नही बल्कि ज़वानी कही जाय।

पैग़ारः (پیغارہ) फा पु —भर्त्सना, डाँट-फटकार, कटाक्ष, ताना।

पैगार (پیگار) फा पु —दे 'पैकार', दोनो शुद्ध है, परतु यह अप्रचलित है।

पैगुल (پیغلہ) फा पु —'पैगूल' का लघु, दे 'पैगूल'।

पैगूल (پیغولہ) फा पु —कोना, एकात, गोश।

पैज़ार (پیزار) फा स्त्री —जूता, पादुका।

पै दर पै (پے در پے) फा अव्य —लगातार, निरतर, वार-वार, वारवार।

पैदा (پیدا) फा वि —उत्पन्न, प्रसूत, जाईद, आविर्भूत, व्यक्त, ज़ाहिर, प्राप्त, हासिल, (पु) प्राप्ति, हुसूल।

पैदाइश (پیدائش) फा स्त्री —उत्पत्ति, जन्म, आविर्भाव, जुहूर, प्राप्ति, लाभ, प्रारभ, शुरूआत, उपज, जमना।

पैदाइशी (پیدائشی) फा वि —प्राकृत, फित्री, जन्मसिद्ध, जो उत्पन्न होते समय से प्राप्त हो।

पैदावार (پیداوار) फा स्त्री —खेती की उपज, व्यवसाय की आयु, माल की उत्पत्ति।

पैदावारी (پیداواری) फा स्त्री —दे 'पैदावार'।

पै ब पै (پے بہ پے) फा अव्य —दे 'पै दर पै'।

पैमाँ (پیماں) फा पु —'पैमान' का लघु, दे 'पैमान'।

पैमाँगुसिल (پیماں‌گسل) फा वि —प्रतिज्ञा भग करनेवाला, कौल से हट जानेवाला, वचनभेदी।

पैमाँशिकन (پیماں‌شکن) फा वि —वचन-भजक, प्रतिज्ञाभेदी, कौल तोड देनेवाला।

पैमाँशिकनी (پیماں‌شکنی) फा स्त्री —वादे से फिर जाना, वचन भग कर देना।

पैमा (پیما) फा प्रत्य —नापनेवाला, जैसे—कोह पैमा, पहाड नापनेवाला, पीनेवाला, जैसे—'वाद पैमा', शराव पीने-वाला, फिरनेवाला, जैसे—'दश्त पैमा', जगल में फिरनेवाला।

पैमाइंद (پیمائندہ) फा वि —नापनेवाला।

पैमाइश (پیمائش) फा स्त्री —नाप, किसी क्षेत्र के रक्वे की नाप, किसी स्थान की लवाई-चौडाई आदि की नाप।

पैमान (پیمانہ) फा पु —लवाई नापने का यत्र, इस्केल, तरल पदार्थ नापने का यत्र, शराव का गिलास, पान-पात्र।

पैमान कश (پیمانہ‌کش) फा वि —शराव पीनेवाला, मद्यप, रसाशी।

पैमान कशी (پیمانہ‌کشی) फा स्त्री —शराव पीना, मदिरा-पान, मद्यपान, रसाशन।

पैमान वकफ (پیمانہ بکف) फा वि —हाथ मे मदिरापूर्ण गिलास लिये हुए, चपकपाणि।

पैमान वदस्त (پیمانہ بدست) फा वि —दे 'पैमान वकफ'।

पैमान शिकन (پیمانہ‌شکن) फा वि —शराव का गिलास तोड देनेवाला, अर्थात् मद्यनिषेधक, मुहृतसिव।

पैमान (پیمان) फा पु —प्रतिज्ञा, वादा, वचन, कौल, शपथा-शपथी, कसमा-कसमी।

पैमानए ग़म (پیمانۂ غم) फा अ पु —प्रेम की मदिरा का प्याला।

पैमानए मय (پیمانۂ مے) फा पु —शराव का प्याला, पानपात्र।

पैमूदः (پیمودہ) फा वि —नापा हुआ।

पैमूदनी (پیمودنی) फा वि —नापने योग्य।

पैमून. (پیمونہ) फा पु —पैमाना।

पैरवी (پیروی) फा स्त्री —अनुकरण, अनुसरण, तक्लीद, किसी की ओर से किसी मुकदमे आदि की पैरोकारी।

पैरहन (پیرهن) फा पु —कुर्ता, कमीस, वस्त्र, वसन, लिवास।

पैरा (پیرا) फा प्रत्य —सजाने और सँवारनेवाला, जैसे—'चमनपैरा' वाग को सजानेवाला।

पैराइंद. (پیرائندہ) फा वि —सजानेवाला, सुसज्जित करनेवाला।

पैराइश (پیرائش) फा स्त्री —सजावट, सज्जा, आराइश, काट-छाँट करके सजाना।

पैरामन (پیرامن) फा पु —दे 'पैरामून'।

पैरामुन (پیرامن) फा पु —'पैरामून' का लघु, दे 'पैरामून'।

पैरामून (پیرامون) फा पु —चारो ओर, इर्द-गिर्द, दौर, गिर्दागिर्द, कपडे का दामन।

पैराय. (پیرایہ) फा पु —शैली, पद्धति, तर्ज़, सजावट, ज़ीनत, वस्त्र, लिवास, आभूषण, ज़ेवर।

पैरास्त (پیراستہ) फा वि —सजा हुआ, सुसज्जित।

पैरास्तगी (پیراستگی) फा स्त्री —सजावट, आरास्तगी।

पैरास्तनी (پیراستنی) फा वि —सजाने योग्य।

पैराहन (پیراهن) फा पु —दे 'पैरहन'।

पैरौ (پیرو) फा वि —अनुयायी, अनुसरणकर्ता, पैरवी करनेवाला।

पैवद (پیوند) फा पु —जोड, थिगली, रिश्तेदारी, खून का तअल्लुक, वृक्ष की कलम।

पैवदी (پیوندی) फा वि —जिसमे पैवद लगा हो; जो कलमी हो (फल)।

पैवस्तः (پیوستہ) फा वि –सटा हुआ, मिला हुआ, निरतर , लगातार, गत, गुजरा हुआ, सर्वदा, हमेशा ।

पैवस्त (پیوست) फा वि –मिला हुआ, जुडा हुआ, अदर घुसा हुआ ।

पैवस्तगी (پیوستگی) फा स्त्री –सटा हुआ (होना) निरतरता, लगातारपन, नित्यता, हमेशगी, अदर घुसने या पैवस्त होने का भाव ।

पैवस्तनी (پیوستنی) फा वि –पैवस्त होने योग्य ।

पैसः (پیسہ) फा पु –ताँवे का सिक्का, तीन पाई की मुद्रा ।

पैसिपुर (پےسپر) फा वि –पददलित, पैरो तले कुचला हुआ ।

पैसिपुरी (پےسپری) फा स्त्री –पामाली, पैरोतले कुचलना ।

पैसुराक (پےسراک) तु पु –खच्चर, अश्वतर ।

पैहम (پیہم) फा वि –निरतर, लगातार, वारवार, वार-वार,—"हम जल्वए-पैहम के तलवगार कहाँ है ?"–हसरत मोहानी ।

पो

पोक (پوک) फा पु –खेती का अन्न ।

पोच. (پوچہ) फा स्त्री –जोक, रक्तपा, जलौका ।

पोच (پوچ) फा वि –अधम, नीच, व्यर्थ, फुजूल, निकम्मा, नाकार , अश्लील, फोह्श, निरर्थक, वेमा'नी, अकुलीन, वदनस्ल, लंपट, लोफर, वह वस्तु जो विलकुल ही व्यर्थ हो ।

पोचगो (پوچ‌گو) फा वि –अनर्थवादी, व्यर्थभापी, फुजूल की वाते करनेवाला ।

पोचगोई (پوچ‌گوئی) फा स्त्री –वकवास, मिथ्यावाद ।

पोचवाफ (پوچ‌باف) फा वि –दे 'पोचगो' ।

पोचवाफी (پوچ‌بافی) फा स्त्री –दे 'पोचगोई' ।

पोचवीं (پوچ‌بیں) फा वि –सकुचितदृष्टि, तगनजर ।

पोचवीनी (پوچ‌بینی) फा स्त्री –तगनजरी, दृष्टि-सकोच ।

पोज़ः (پوزہ) फा पु –दे 'पोज़' ।

पोज वंद (پوزہ‌بند) फा पु –दे 'पोजवद' ।

पोज़ (پوز) फा पु –थूथन, थूथनी, पशुओ का मुँह नथने समेत ।

पोजवंद (پوزبند) फा पु –पशुओ के मुँह पर चढाने का छीका, मुसीका ।

पोजमाल (پوزمال) फा पु –थूथनी मे डालने का फदा ।

पोजशि (پوزش) फा स्त्री – दे 'पोज़िश' ।

पोजिश (پوزش) फा स्त्री –उज्र, विवशता, मज्वूरी ।

पोजिशपजीर (پوزش‌پزیر) फा वि –उज्र माननेवाला, विवशता पर ध्यान देकर क्षमा करनेवाला ।

पोजीदः (پوزیدہ) फा वि –जिसने अपनी विवशता प्रकट की हो, जिसने उज्र किया हो ।

पोतः (پوتہ) फा पु –भाडागार, मख़्जन, लगान, माल-गुज़ारी, राजस्व ।

पोत (پوت) फा पु –पेट और सीने मे जो कुछ हो, आँतें, तिल्ली, जिगर, हृदय आदि ।

पोदीन. (پودینہ) फा पु –एक सुगधित पत्ती, प्रणास ।

पोयः (پویہ) फा पु –घोडे की एक चाल ।

पोयाँ (پویاں) फा वि –दौडता हुआ ।

पोया (پویا) फा वि –दौडता हुआ, दौडनेवाला ।

पोल. (پولہ) फा पु –विगडा और पला हुआ फल ।

पोल (پول) फा पु –पैसा, ताँवे का सिक्का ।

पोलाद (پولاد) फा पु –दे 'फौलाद' ।

पोलाव (پولاو) फा वि –जो दिखाई पडे, दृष्टिगोचर, मर्ई ।

पोलावी (پولاوی) फा वि –अनुभव होनेवाली वस्तु, हिस्सी ।

पोले सफेद (پول سفید) फा पु –रुपया, चाँदी का सिक्का ।

पोले सिपाह (پول‌سیاہ) फा पु –पैसा, ताँवे का सिक्का ।

पोश (پوش) फा प्रत्य –छिपानेवाला, जैसे—'ऐवपोश' दोप छिपानेवाला ।

पोशाक (پوشاک) फा स्त्री –पहनने के कपडे, वस्त्र, वसन, परिच्छद ।

पोशिंदः (پوشندہ) फा वि –पहननेवाला, छिपानेवाला ।

पोशिश (پوشش) फा स्त्री –वस्त्र, लिबास, पहनावा ।

पोशीद. (پوشیدہ) फा वि –पहनाया हुआ, छिपाया हुआ, गुप्त, खिल्अत, शिकारी का जाल ।

पोशीदगी (پوشیدگی) फा स्त्री –छिपाव, दुराव, पहनाव ।

पोशीदनी (پوشیدنی) फा वि –पहनाने योग्य, पहनने के कपडे, छिपाने योग्य ।

पोसीद. (پوسیدہ) फा वि –पुराना होकर घिसा-पिसा, जीर्ण, जर्जर, शीर्ण ।

पोस्त. (پوستہ) फा पु –डाकखाना, पोस्ट आफिस ।

पोस्त (پوست) फा पु –खाल, त्वचा, जिल्द, पेड की छाल, पिशुनता, गीवत ।

पोस्तकद (پوست‌کندہ) फा वि –स्पप्ट, विलकुल साफ, खुला हुआ ।

पोस्ततख्त (پوست‌تخت) फा पु –साधुओ का विछौना जो हिरन या शेर की खाल का हो ।

पोस्तमाल (پوست‌مال) फा पु –चमडा मढी हुई वस्तु ।

पोस्तीं (پوستیں) फा स्त्री –'पोस्तीन' का लघु, दे 'पोस्तीन' ।

पोस्तींदोज़ (پوستیں‌دوز) फा वि —पोस्तीन सीनेवाला, अर्थात् बनानेवाला।

पोस्ती (پوستی) फा वि —अफीम खानेवाला, मदक पीनेवाला, मदकची।

पोस्तीख़ान. (پوستی‌خانه) फा पु —मदकखान ।

पोस्तीन (پوستین) फा स्त्री —लोमडी, समूर, सिंजाव आदि रुवेदार जतुओ की खाल से वनाया हुआ कोट जो शीतप्रधान देशो मे पहना जाता है, इसके रुएँ भीतर और खाल ऊपर रहती है।

पोस्तीने गुर्ग (پوستین گرگ) फा स्त्री —भेडिए की खाल या उसका पोस्तीन।

पोस्तीने रोबाह (پوستین روباه) फा स्त्री —लोमडी की खाल या उसका पोस्तीन।

पोस्तीने शेर (پوستین شیر) फा स्त्री —शेर की खाल या उसका पोस्तीन।

फ़

फंजनोश (فنجنوش) फा पु —लोहे का मैल, मडूर, खुब्सुल हदीद।

फद (فند) अ पु —छल, कपट, मक्र, फरेब।

फअ़्आल (فعال) अ वि —वहुत काम करनेवाला।

फक (فق) अ वि —चेहरे की रगत का विकार या उड जाना।

फक [क्क] (فک) अ पु —जवडा, कल्ला, मोचन, छूटना।

फकत (فقط) अ वि —वस, खतम, समाप्त, केवल, सिर्फ, इतिश्री, तम्मत।

फकार (فقار) अ पु —'फिक्र' का वहु, पीठ के गुरिए।

फकाह (فقاه) अ स्त्री —वुद्धिमत्ता, मेधा, दानाई।

फक़ाहत (فقاهت) अ स्त्री —वुद्धिमत्ता, मनीषा, मेधा, अक्लमदी।

फकीअ (فقیع) अ स्त्री —जौ की शराव।

फक़ीद (فقید) अ वि —अप्राप्य, नायाव।

फकीदुन्नज़ीर (فقید‌النظیر) अ वि —जिसके समान दूसरा न हो, अद्वितीय, अनुपम, लाजवाव।

फक़ीदुलमिसाल (فقید‌المثال) अ वि —दे 'फकीदुन्नज़ीर'।

फकीदुलमिस्ल (فقید‌المثل) अ वि —दे 'फकीदुन्नज़ीर'।

फकीर (فقیر) अ वि —भिक्षुक, मँगता, भिखमगा, सन्यासी, दरवेश, आसक्त, आशिक, नम्रता-प्रदर्शन के लिए वक्ता अपने को भी कहता है।

फकीरदोस्त (فقیردوست) अ फा वि —साधु-सतो मे भक्ति भाव रखनेवाला।

फक़ीरमनिश (فقیرمنش) अ फा वि —साधुओ-जैसे सीधे-सादे आचार-व्यवहारवाला।

फकीरान (فقیرانه) अ फा वि —फकीरो और साधुओ-जैसा।

फकीरी (فقیری) अ स्त्री —साधुता, दरवेशी, भिखमगापन, मँगताई।

फक़ीह (فقیه) अ वि —धर्मशास्त्र का विद्वान्, मुस्लिम धर्मशास्त्र को पूर्णरूपेण जाननेवाला।

फकीहाँ (فقیهاں) अ फा पु —'फकीह' का वहु, फकीह लोग।

फक्रैफ (فکیف) अ अव्य —पस, क्योकर।

फक्कुर्रहन (فک‌الرهن) अ पु —वधक-मोचन, रेहन से चीज का छूटना।

फक्के अस्फल (فک‌اسفل) अ पु —नीचे का जवडा।

फक्के आ'ला (فک اعلی) अ पु —ऊपर का जवडा।

फक्के रहन (فک رهن) अ पु —वधन-मोचन।

फक्र (فقر) अ पु —दरिद्रता, कगाली, साधुता, दरवेशी।

फख़ामत (فخامت) अ स्त्री —प्रतिष्ठा, इज़्जत, श्रेष्ठता, वुजुर्गी, आदर, क़द्र, मोटापन।

फखिज़ (فخذ) अ स्त्री —जाँघ, रान।

फख़ीम (فخیم) अ वि —प्रतिष्ठावान्, ज़ी इज़्ज़त।

फख़्ज़ (فخذ) अ स्त्री —रान, जाँघ, दे 'फखिज़', दो शु है।

फख़्र (فخر) अ पु —गर्व, गौरव, नाज, अभिमान, अहकार, घमड, शेखी, डीग।

फख़्रआमेज़ (فخرآمیز) फा अ वि —गर्वपूर्ण, फख्रिय ।

फख़्रन (فخراً) अ अव्य —गर्वसहित, घमड के साथ।

फख़्रिय (فخریه) अ अव्य —गर्व के तौर पर, घमड से।

फख़्री (فخری) अ वि —एक किस्म का अगूर, शाह फख़्रुद्दीन के सिलसिले का मुरीद।

फख़्रे क़ौम (فخر قوم) अ पु —वह व्यक्ति जिस पर राष्ट्र गर्व करे।

फख़्रे खानदान (فخر خاندان) अ फा पु —जिससे कुल की मर्यादा वढे, वह व्यक्ति, कुलभूषण।

फख़्रे मिल्लत (فخر ملت) अ पु —दे 'फख़्रे कौम'।

फख़्रे मुल्क (فخر ملک) अ पु —देश के लिए गर्व का कारण व्यक्ति।

फख़्रे वतन (فخروطن) अ पु —दे 'फख़्रे मुल्क'।

फग (فغ) फा पु —मूर्ति, प्रतिभा, वुत।

फग़्फूर (فغفور) अ पु —चीन के शासको की उपाधि।

फज [ज्ज] (فج) अ पु —दो पहाडो के बीच का चौडा रास्ता।

फजरः (فجره) अ पु —फाजिर का वहु, व्यभिचारी लोग, कदाचारी लोग।

फ़ज़ा' (فزع) अ पु –भय, त्रास, डर।
फ़ज़ा (فضا) अ स्त्री –खुली हुई जगह, मैदान, वातावरण, माहौल, शोभा, रौनक, बहार, खुली हुई हरियालीदार जगह।
फ़ज़ाइल (فضائل) अ पु –'फ़ज़ीलत' का बहु, अच्छाइयाँ, खूबियाँ।
फ़ज़ाई (فضائی) अ वि –फ़ज़ा से सम्बन्धित।
फ़ज़ाए चर्ख़ (فضاے چرخ) अ फा स्त्री –वह खाली स्थान जो आकाश और पृथ्वी के बीच मे है, अंतरिक्ष, शून्य।
फ़ज़ाए ज़ह्र आलूद (فضاے زہر آلود) अ फा स्त्री –दूषित वातावरण, जहरीला माहौल।
फ़ज़ाहत (فضاحت) अ स्त्री –दे 'फ़ज़ीहत'।
फ़ज़ीअत (فضیعت) अ स्त्री –पीडा, वेदना, दर्द, आपत्ति, विपदा, मुसीबत।
फ़ज़ीलत (فضیلت) अ स्त्री –प्रतिष्ठा, श्रेष्ठता, बुज़ुर्गी, प्रधानता, तर्जीह।
फ़ज़ीलतमआब (فضیلت مآب) अ वि –प्रतिष्ठावान्।
फ़ज़ीह (فضیح) अ वि –निंदित, रुस्वा, अपमानित, अनादृत, ज़लील।
फ़ज़ीहत (فضیحت) अ स्त्री –निंदा, अपयश, रुस्वाई, अपमान, जिल्लत।
फ़ज़ूर (فجور) अ वि –व्यभिचारी, लपट, हरामकार, दुराचारी, कदाचारी, बद आ'माल।
फ़ज्जार (فجار) अ वि –बहुत अधिक दुराचारी और लपट।
फ़ज्र (فجر) अ स्त्री –प्रातःकाल, भोर, सवेरा, सवेरे की नमाज़।
फ़ज्री (فجری) अ वि –एक प्रकार का कलमी आम।
फ़ज़्ल (فضل) अ पु –कृपा, दया, मेह्रबानी, प्रतिष्ठा, श्रेष्ठता, बुज़ुर्गी, विद्वत्ता, फज़ीलत।
फ़ज़्ले इलाही (فضل الٰہی) अ पु –ईश्वर की दया, दैवी अनुकंपा।
फ़ज़्ले ख़ुदा (فضل خدا) अ फा पु –ईश्वर की कृपा।
फ़ज़्ले मौला (فضل مولیٰ) अ पु –दे 'फज़्ले ख़ुदा', फकीरो की दुआ, जिसका अर्थ है तुम पर खुदा का साया रहे।
फ़ज़्ले रब्बी (فضل ربی) अ पु –दे 'फज़्ले ख़ुदा'।
फ़ज़्ले हक़ (فضل حق) अ पु –दे फज़्ले ख़ुदा।
फ़ज़्ह (فضح) अ स्त्री –फज़ीहत, निंदा, रुस्वाई।
फ़ता (فتیٰ) अ पु –युवा, युवक, तरुण, जवान मर्द।
फ़तात (فتات) अ स्त्री –युवती, नवला, तरुणी, जवान स्त्री।
फ़तानत (فطانت) अ स्त्री –बुद्धिमत्ता, मेधा, अक्लमदी।
फ़तिन (فطن) अ वि –बुद्धिमान्, मेधावी, अक्लमद; चतुर, होशियार, प्रतिभाशाली, ज़हीन।
फ़तीन (فطین) अ वि –बुद्धिमान्, अक्लमद, प्रतिभावान्, तब्बाअ, चतुर, होशियार।
फ़तीर (فطیر) अ वि –ख़मीर का उलटा, पतला गुँधा हुआ आटा जिसकी चपाती पकती है।
फ़तील: (فتیلہ) अ पु –चिराग की बत्ती, भूत और जिन उतारनेवालो की बत्ती जिसे वह चिराग मे जलाकर प्रेतबाधा-ग्रस्त को दिखाते है।
फ़तीलसोज़ (فتیل سوز) अ फा पु –चौमुखा दीवट।
फ़त्क़ (فتق) अ पु –आँत उतरने का रोग, अन्त्रवृद्धि।
फ़त्ताँ (فتان) अ वि –फित्न पैदा करनेवाला।
फ़त्ताह (فتاح) अ वि –खोलनेवाला, ईश्वर।
फ़त्वा (فتوا) अ पु –किसी धार्मिक विषय मे धर्मशास्त्र-वेत्ता का लिखित आदेश, धर्मादेश, व्यवस्था।
फ़त्ह: (فتحہ) अ पु –उर्दू मे 'अ' की मात्रा, ज़बर (—')
फ़त्ह (فتح) अ स्त्री –विजय, जय, जीत, सफलता, कामयाबी।
फ़त्हनाम: (فتح نامہ) अ फा पु –वह गद्य या पद्य का लेख जो किसी विजय के सुअवसर पर लिखा जाय।
फ़त्हमंद (فتح مند) अ फा वि –विजय प्राप्त, विजेता।
फ़त्हमनार (فتح منار) अ पु –वह स्तभ जो किसी विजय की निशानी के रूप मे बनाया जाय, जयस्तभ।
फ़त्हयाब (فتح یاب) अ फा वि –जिसने विजय प्राप्त की हो, विजेता।
फ़त्हयाबी (فتح یابی) अ फा स्त्री –विजय-प्राप्ति, जीत हासिल करना, जीतना।
फ़त्हे मुबीन (فتح مبین) अ स्त्री –खुली हुई और स्पष्ट जीत।
फ़त्होज़फ़र (فتح وظفر) अ स्त्री –विजय, जीत।
फ़त्होशिकस्त (فتح وشکست) अ फा स्त्री –जीत और हार, विजय और पराजय।
फ़दक (فدک) अ पु –एक गाँव जिसमे हज़्रत मुहम्मद साहिब का खजूरो का बाग था।
फ़दामत (فدامت) अ स्त्री –अनीति, अन्याय, ज़ुल्म, उद्दडता, अक्खडपन।
फ़न (فن) अ पु –कला, आर्ट, हस्तशिल्प, दस्तकारी, छल, फरेब, इद्रजाल, बाज़ीगरी, गुण, हुनर, विद्या की कोई शाखा, जैसे—'तिब का फन' अर्थात् चिकित्साशास्त्र।
फ़नकार (فن کار) अ फा पु –कलाकार, कलावान्।
फ़नकारान: (فن کارانہ) अ फा अव्य –कलापूर्ण।
फ़नकारी (فن کاری) अ फा स्त्री –कलाकारी।
फ़नदाँ (فن داں) अ फा वि –कलाविज्ञ, कला-मर्मज्ञ, कला-निपुण।

फनदानी (فن دانی) अ फा स्त्री –कला जानना, कला का मर्म जानना।

फना (فنا) अ स्त्री –मृत्यु, मरण, मौत, लुप्त, गाइव, नष्ट, वरवाद।

फनाअंजाम (فنا انجام) अ फा –जिसका परिणाम मृत्यु हो।

फनाआमाद (فنا آمادہ) अ फा वि –जो नष्ट होने के लिए तैयार हो, नाशोन्मुख।

फनाईयत (فنائیت) अ स्त्री –फना हो जाना, आत्मसात् हो जाना, विलीन हो जाना।

फनापिज़ीर (فنا پزیر) अ फा वि –जिसे अंत मे नाश होना हो, मरणधर्मा।

फनाफिल्लाह (فنا فی اللہ) अ वि –वह जो ईश्वर मे लीन हो गया हो, ब्रह्मलीन।

फनाफिश्शैख (فنا فی الشیخ) अ वि –जो अपने पीर में लीन हो।

फन्नी (فنی) अ वि –किसी फन से सम्वन्धित।

फन्ने कितावत (فن کتابت) अ पु –कापीनवीसी की कला, लिपि-कला।

फन्ने जर्राही (فن جراحی) अ पु –चीर-फाड अर्थात् शल्य-चिकित्सा की कला।

फन्ने ता'मीर (فن تعمیر) अ पु –वास्तुकला, वास्तुविद्या।

फन्ने तीरदाज़ी (فن تیراندازی) अ फा पु –धनुर्वेद, धनुर्विद्या।

फन्ने मुसव्विरी (فن مصوری) अ पु –चित्रकला, चित्रविद्या।

फन्ने मूसीकी (فن موسیقی) अ पु –गानकला, सगीत-कला, सगीतविद्या, गानविद्या।

फन्ने लतीफ (فن لطیف) अ पु –ललित कला, सत्कला।

फविहा (فبہا) अ अव्य –ठीक, खूब।

फम (فم) अ पु –मुख, मुँह।

फमे मे'द (فم معدہ) अ पु –आमाशय का मुँह या द्वार।

फमे रहिम (فم رحم) अ पु –गर्भाशय का मुँह।

फय्याज़ (فیاض) अ पु –दे 'फ़ैयाज़'।

फरग (فرنگ) फा पु –दे 'फरगिस्तान'।

फरगिस्तान (فرنگستان) फा पु –फरगियो का देश, इँगलैंड।

फरगी (فرنگی) फा पु –फरगिस्तान का निवासी, अग्रेज़।

फर (فر) फा स्त्री –वैभव, शानोशौकत, ज्योति, प्रकाश, चमक, प्रतिविंव, अक्स।

फरज (فرجہ) अ पु –दरिद्रता और तगी से छुटकारा पाना, दशा का उन्नतिशील होना।

फरज (فرج) अ स्त्री –सुगमता, आसानी, सुख, चैन, आराम।

फरफरः (فرفرہ) फा स्त्री –फिरकी।

फरफर (فرفر) फा अव्य –जल्दी-जल्दी।

फरस (فرس) अ पु –अश्व, घोडा।

फरह (فرح) अ पु –हर्ष, आनद, खुशी, फर्हत।

फरहबख़्श (فرح بخش) अ फा वि –खुशी देनेवाला, फर्हत देनेवाला, आनन्ददाता।

फरहमद (فرح مند) अ फा –हर्षित, आनदित, खुश।

फराइज़ (فرائض) अ पु –'फरीज़' का वहु, कर्तव्य।

फराइज़े कौमी (فرایض قومی) अ पु –वह कर्तव्य जो राष्ट्र की ओर से आवश्यक हो।

फराइज़े मसवी (فرائض منصبی) अ पु –वह कर्तव्य जो नौकरी के लिए ज़रूरी हो, वह कर्तव्य जो मानवता के नाते लाज़िमी हो।

फराइज़े मिल्ली (فرائض ملی) अ पु –दे 'फराइज़े कौमी'।

फराइज़े मुल्की (فرائض ملکی) अ पु –वह कर्तव्य जो एक देशवासी के लिए अनिवार्य है।

फराइद (فرائد) अ पु –'फरीद' का वहु, अकेले लोग, अद्वितीय वस्तुएँ।

फराइन (فراعنہ) अ पु –'फ़िर्औ़न' का वहु, मिस्र के प्राचीन शासक जिनके शव अह्राम मे मिलते हैं।

फराख़ (فراخ) फा वि –विस्तृत, वसीअ, चौडा-चकला।

फराखअब्रू (فراخ ابرو) फा वि –हँसमुख, ज़िंद दिल।

फराखआस्तीं (فراخ آستیں) फा वि –मुक्तहस्त, दानी, सखी।

फराखचश्म (فراخ چشم) फा वि –खूव खर्च करनेवाला, दिल खोलकर खाने-खिलानेवाला।

फराख़दस्त (فراخ دست) फा वि –खूव देने-लेनेवाला, दौलतमद, सपन्न।

फराखदामन (فراخ دامن) फा वि –धनसपन्न, समृद्ध, दौलतमद।

फराख़दिल (فراخ دل) फा वि –दे 'फराखचश्म'।

फराख़पेशानी (فراخ پیشانی) फा वि –चौडी पेशानीवाला, भाग्यवान्, हँसमुख, शीलवान्।

फराखसीन (فراخ سینہ) फा वि –चौडे सीनेवाला, वहादुर।

फराखहौसल (فراخ حوصلہ) फा अ वि –वडे हौसलेवाला, उच्चोत्साही।

फराखहौसलगी (فراخ حوصلگی) फा अ स्त्री –हिम्मत वडी होना।

फराखी (فراخی) फा स्त्री –विस्तार, फैलाव, कुशादगी।

फराखुर (فراخور) फा पु –योग्य, पात्र, लाइक।

फराग़ (فراغ) अ प –दे 'फरागत'।

फरागत (فراغت) अ स्त्री –अवकाश, छुट्टी, फुर्सत, छुटकारा, मुक्ति, नजात, समृद्धि, दौलतमदी, सुख, आराम, सतोप, इत्मीनान।

फरागबाल (فراغ بال) अ फा वि –सतोप और सुख के साथ जीवन व्यतीत करनेवाला।

फरागबाली (فراغ بالی) अ फा स्त्री –सुख और वेफिक्री से जीवन गुजारना।

फरागे कुल्ली (فراغ کلی) अ पु –पूर्ण सतोप, पूरा इत्मीनान।

फरागे खातिर (فراغ خاطر) अ पु –मन का सतोष, चित्त की एकाग्रता।

फरागे दिल (فراغ دل) अ फा पु –दे 'फरागे खातिर'।

फरागे बातिन (فراغ باطن) अ पु –दे 'फरागे खातिर'।

फराज (فراز) फा पु –ऊँचाई, वलदी।

फ़राजिंदः (فرازنده) फा वि –उठानेवाला, ऊँचा करनेवाला, उन्नायक।

फ़राजोनिशेब (فرازونشیب) फा पु –ऊँच-नीच, उतार-चढाव।

फरादीस (فرادیس) अ पु –'फिर्दौस' का वहु, स्वर्ग-समूह।

फरामीन (فرامین) फा पु –'फर्मान' का वहु, राजादेश।

फ़रामुश (فرامش) फा वि –'फरामोश' का लघु, दे फरामोश, भूला हुआ, विस्मृत।

फ़रामुशी (فرامشی) फा स्त्री –'फरामोशी' का लघु, दे फरामोशी, भूल।

फ़रामोश (فراموش) फा वि –भूला हुआ, विस्मृत, (प्रत्य) भूल जानेवाला, जैसे—'वाद फरामोश' वादा करके भूल जानेवाला।

फरामोशकार (فراموش کار) फा वि –भुलक्कड, वहुत भूलनेवाला।

फरामोशकारी (فراموش کاری) फा स्त्री –वहुत भूलना।

फरामोशी (فراموشی) फा स्त्री –भूल, भूलने का भाव।

फरार (فرار) फा पु –पलायिन, भागना, छुप जाना, रूपोशी, दे 'फिरार', परतु उर्दू मे 'फरार' ही वोलते है।

फ़राश (فراش) अ पु –पतगा, शलभ, पर्वाना।

फ़रासिख (فراسخ) अ पु –'फर्सख' का वहु।

फराहत (فراهت) अ स्त्री –बुद्धि की तीव्रता, चतुरता, होशियारी, घोडे की अच्छी चाल।

फराहम (فراهم) फा वि –एकत्र, इकट्ठा, एक जगह।

फराहमी (فراهمی) फा स्त्री –एकत्र होना, इकट्ठा होना।

फरीक (فریق) अ पु –पक्ष, पार्टी, दल, गुरोह, वादी और प्रतिवादी।

फरीके मुखालिफ (فریق مخالف) अ पु –विरोधी पक्ष या दल।

फरीके मुतखासिम (فریق متخاصم) अ पु –शत्रु या लडनेवाला पक्ष।

फरीके सानी (فریق ثانی) अ पु –दूसरे पक्ष अर्थात् विरोधी दल का व्यक्ति।

फरीकैन (فریقین) अ पु –उभय पक्ष, दोनो पार्टियाँ।

फरीज़. (فریضه) अ पु –कतव्य, फर्ज, नमाज।

फरीजए मजहवी (فریضهٔ مذهبی) अ पु –धार्मिक कृत्य, जैसे—नमाज, रोज़ा, हज आदि।

फरीद (فرید) अ वि –एकाकी, अकेला, अद्वितीय, वेमिस्ल।

फरीदुलअस्र (فرید العصر) अ वि –जो अपने समय मे अकेला हो, अद्वितीय, अनुपम, वेमिसाल।

फरेफ़्त. (فریفته) फा वि –शुद्ध उच्चारण 'फिरेफ्त' है, परतु उर्दू मे 'फरेफ्त' वोलते है, मुग्ध, आसक्त, आशिक, छलित, धोखा खाया हुआ।

फरेब (فریب) फा पु –छल, कपट, धोखा, मिप, मिस, वहाना, इसका शुद्ध उच्चारण 'फिरेव' है, परतु उर्दू मे 'फरेब' है, (प्रत्य) छलनेवाला, जैसे—'दिल फरेब' मन को छलनेवाला।

फरेबकार (فریب کار) फा वि –छली, कपटी, धोखेवाज़।

फरेबखुर्द. (فریب خورده) फा वि –छलित, वचित, ठगा हुआ, फरेब खाया हुआ।

फरेबखुर्दगी (فریب خوردگی) फा स्त्री –छला जाना, फरेब खाना, धोखे मे आ जाना।

फरेबदादः (فریب داده) फा वि –जिसे धोखा दिया गया हो।

फरेबदिहिंद. (فریب دهنده) फा वि –धोखा देनेवाला, छल करनेवाला।

फरेबदिही (فریب دهی) फा स्त्री –धोखा देना, छल करना।

फरेबी (فریبی) फा वि –धोखेवाज, छली।

फरेबे अक्ल (فریب عقل) फा अ पु –बुद्धिभ्रम, अक्ल का धोखा, वुद्धि का धोखे मे पड जाना।

फरेबे नजर (فریب نظر) फा अ पु –दृष्टिभ्रम, निगाह का धोखा, दृष्टि का धोखे मे पड जाना।

फरोख्तः (فروخته) फा वि –वेचा हुआ, फारसी 'फिरोख्त' है, परतु उर्दू में यही है।

फरोख्त (فروخت) फा स्त्री –विक्री।

फरोख्तगी (فروختگی) फा स्त्री –विक्री, वचने का काम।

फरोग (فروغ) फा पु –प्रकाश, ज्योति, रोशनी, उन्नति, तरक्की, शोभा, रौनक, यह शब्द 'फुरोग' है, परतु

उर्दू में 'फरोग' ही है। जैसे—"जितना फरोग शोलए-हुस्ने-सनम मे है, उतनी तपिश कहाँ है, दिले बेकरार मे।"

फरोगुज़ाश्त (فروگذاشت) फा स्त्री—दे 'फिरोगुज़ाश्त', वही शुद्ध है।

फरोज़ाँ (فروزاں) फा वि—दे 'फुरोज़ाँ', वह शुद्ध है।

फरोदगाह (فرودگاہ) फा स्त्री—वह स्थान जहाँ कोई व्यक्ति, पथिक के रूप मे थोडे दिन ठहरे, शुद्ध 'फिरोद' है परतु उर्दू मे 'फरोद' भी है।

फरोश (فروش) फा प्रत्य—बेचनेवाला,जैसे—'मेव फरोश', मेवा बेचनेवाला।

फरोशिंद (فروشندہ) फा वि—बेचनेवाला।

फरोशीद (فروشیدہ) फा वि—बेचा हुआ, वेची हुई वस्तु।

फरोशीदनी (فروشیدنی) फा अव्य—बेचने के योग्य, जो वस्तु बेची जा सके।

फर्अ (فرع) अ स्त्री—शाखा, डाली, किसी मूल का कोई अश।

फर्ई (فرعی) अ वि—जो मूल मे से निकला हो।

फर्क (فرق) अ पु—शिर, सिर, सर, अतर, भेद, दो सख्याओ का शेप, दूरी, फासिला, पृथक्ता, जुदाई, मतभेद, इख्तिलाफ, ह्रास, कमी।

फर्क़दैन (فرقدین) अ पु—दो तारे जो उत्तरी ध्रुव मे है और शाम से सवेरे तक बरावर दिखाई पडते है, कभी छिपते नही।

फर्खंद. (فرخندہ) फा वि—दे 'फर्खुंद', दोनो, शुद्ध है।

फर्खुंद. (فرخندہ) फा वि—शुभान्वित, कल्याणकारी, मुवारक।

फर्खुंद खू (فرخندہخو) फा वि—अच्छे स्वभाववाला, सत्प्रकृति।

फर्खुंद ताले' (فرخندہطالع) फा अ वि—भाग्यशाली, सौभाग्यवान्।

फर्खुंद.पै (فرخندہ پے) फा वि.—जिसका कही आना शुभान्वित हो, मुवारक कदम।

फर्खुंद फाल (فرخندہفال) फा वि—भाग्यवान्, खुशनसीव।

फर्खुंद बख्त (فرخندہبخت) फा वि—दे 'फर्खुंद ताले'।

फर्खुंद राय (فرخندہراے) फा अ वि—जिसका परामर्श और जिसकी सलाह वहुत अच्छी होती हो।

फर्खुंद सिफात (فرخندہصفات) फा अ वि—अच्छे गुणोवाला, सद्गुण-सपन्न।

फर्गुल(-फर्गुल) (فرغل-فرگل) फा उभ—रुईदार लवादा, रुईदार चुगा, वह रुईदार छोटा कोट जो वच्चो को पहनाते हैं और जिसमे टोपी भी लगी रहती है।

फर्ज. (فرجہ) अ पु—खोलना,, खुलना।

फर्ज़ंद (فرزند) फा पु—आत्मज, तनय, पुत्र, वेटा, लडका।

फर्ज़ंदी (فرزندی) फा वि—बेटापन, पुत्रत्व, वाप-वेटे का नाता।

फर्ज़ंदे अर्जमद (فرزند ارجمند) फा पु—सपूत, होनहार वेटा, भव्य पुत्र।

फर्ज़ंदे नरीनः (فرزند نرینہ) फा पु—वेटा, पुत्र।

फर्ज (فرج) अ स्त्री—दो चीज़ो के वीच की दरार, शिगाफ, फटन, विवर, छेद, योनि, भग।

फर्ज़ (فرض) अ पु—कर्तव्य, ड्यूटी, ईश्वर की ओर से लगाया हुआ धार्मिक कृत्यो का आदेश, अनिवार्य, ज़ुरूरी, ज़िम्मेदारी, वह नमाज़ जिसका कुरान में आदेश है।

फर्जज. (فرجہ) अ पु—दवा मे भिगोकर योनि या गुदाद्वार मे रखने का कपडा।

फर्ज़न (فرضاً) अ अव्य—कर्तव्य द्वारा फर्ज़ की रु से।

फर्ज़शनास (فرض‌شناس) अ फा वि—जो अपने कर्तव्य को कर्तव्य समझकर करे, कतर्व्य-पालक।

फर्ज़शनासी (فرض‌شناسی) अ फा स्त्री—अपनी ड्यूटी को कर्तव्य समझकर अजाम देना।

फर्ज़ाद (فرزاد) फा वि—बुद्धिमान्, मेधावी, अक्लमद।

फर्ज़ान. (فرزانہ) फा वि—वुद्धिमान्, अक्लमद, चतुर, होशियार, कुशल, दक्ष।

फर्ज़ान खू (فرزانہخو) फा वि—वुद्धिमान्, चतुर।

फर्ज़ानगी (فرزانگی) फा स्त्री—वुद्धिमत्ता, अक्लमदी, चतुरता, होशियारी, दक्षता, काविलीयत।

फर्जाम (فرجام) फा पु—अत, अखीर, परिणाम, नतीजा, (प्रत्य) अत या परिणामवाला, जैसे—'नेकफर्जाम' जिसका अत या परिणाम सुदर हो।

फर्ज़ी (فرزیں) फा पु—शत्रज का एक मोहरा, वज़ीर।

फर्ज़ी (فرضی) अ वि—जिसकी केवल कल्पना हो, मूल मे न हो, काल्पनिक, कियासी।

फर्जी (فرجی) फा स्त्री—विना घुडी तुक्मे की कवा जो कपडो के ऊपर पहनी जाती है, गाउन।

फर्ज़े ऐन (فرض‌عین) अ पु—मूल कर्तव्य, सही ड्यूटी।

फर्ज़े किफाय (فرض‌کفایہ) अ पु—वह फर्ज जो एक आदमी के अदा करने से सव की ओर से अदा हो जाय, जैसे—किसी सभा मे किसी के सलाम का जवाब एक आदमी दे दे ता सव की ओर से हो जाता है।

फर्ज़े मसवी (فرض‌منصبی) अ पु—वह कर्तव्य जो किसी के लिए मुकर्रर हो, जैसे—पुलिस के लिए रक्षा का।

फर्जे मुहाल (فرض محال) अ पु–ऐसी बात मान लेना या फर्ज़ कर लेना जो हो ही न सके।

फर्त (فرط) अ पु–अधिकता, बाहुल्य, इफ़ात।

फर्तूत (فرتوت) फा वि–बहुत बूढा।

फर्ते ऐश (فرط عیش) अ पु–भोग-विलास और धन-दौलत का बाहुल्य।

फ़र्ते गज़ब (فرط غضب) अ पु–क्रोध का आवेग, कोप का प्रकोप।

फर्ते ग़म (فرط غم) अ पु–शोक और दुख का आधिक्य।

फ़र्ते मसर्रत (فرط مسرت) अ पु–हर्ष और आनद की प्रचुरता, हर्षातिरेक।

फर्ते महब्बत (فرط محبت) अ पु–प्रेम की झोंक, प्रेम का आवेग।

फर्ते शादी (فرط شادی) अ फा पु–दे 'फर्ते मसर्रत'।

फर्ते शौक (فرط شوق) अ पु–अभिलाषा का जोश।

फर्द (فرد) अ पु–एक व्यक्ति, एक शख्स, एकाकी, अकेला, अद्वितीय, बेमिस्ल, दुलाई, रजाई, चादर।

फर्द (فرد) फा स्त्री–हिसाब का रजिस्टर, हुक्मनामा, निमत्रण का सूचीपत्र।

फर्दन फर्दन (فرداً فرداً) अ अव्य–एक-एक करके, हर व्यक्ति को, अलग-अलग।

फर्दा (فردا) फा पु–आनेवाला कल।

फर्दाए क़ियामत (فردائے قیامت) फा अ पु–प्रलय का दिन, जब सब के हिसाब-किताब होगे।

फर्दाए महशर (فردائے محشر) फा अ पु–दे 'फर्दाए कियामत'।

फर्दाए हश्र (فردائے حشر) फा अ पु–दे 'फर्दाए कियामत'।

फर्दे आ'माल (فرد اعمال) अ फा स्त्री–कर्मपत्र, आ'माल-नाम।

फर्दे करारदादे जुर्म (فرد قرارداد جرم) अ फा स्त्री–अभियोगपत्र, चार्जशीट।

फर्दे जुर्म (فرد جرم) फा अ स्त्री–अभियोग-पत्र, फर्दे करारदादे जुर्म।

फर्दे बशर (فرد بشر) अ पु–एक व्यक्ति, एक आदमी।

फर्दे बातिल (فرد باطل) फा अ स्त्री–हिसाब का गलत कागज, वह कागज़ जो कटा-फटा हो और माना न जा सके, निकम्मी चीज़।

फर्दे वाहिद (فردواحد) अ पु–एक आदमी, एक व्यक्ति।

फर्दे हिसाब (فرد حساب) फा अ स्त्री–हिसाब का कागज़, चिट्ठा, बीजक, वह कागज़ जिस पर कोई लेन-देन या हिसाब उतारा गया हो।

फर्फियून (فرفیون) अ स्त्री–थूहड का सुखाया हुआ दूध जो दवा के काम आता है।

फर्बिही (فربہی) फा स्त्री–मोटापा, मोटापन, स्थूलता।

फर्बेह (فربہ) फा वि–मोटा-ताजा, लहीम-शहीम, स्थूल।

फर्बेहअंदाम (فربہ اندام) फा वि–स्थूलकाय, मोटे-ताज़े शरीरवाला।

फर्मां (فرماں) फा पु–आज्ञा, शाहीहुक्म, राजादेश, दे 'फर्मान'।

फर्मांगुज़ार (فرماں گزار) फा वि–शासक, हाकिम, राजा, बादशाह।

फर्मांगुज़ारी (فرماں گزاری) फा स्त्री–शासन, हुकूमत, राज्य।

फर्मांदेही (فرماں دہی) फा स्त्री–शासन, हुकूमत, राज्य।

फर्मांपिज़ीर (فرماں پذیر) फा वि–दे 'फर्मांबरदार'।

फर्मांफर्मा (فرماں فرما) फा वि–शासक, हुक्म चलानेवाला, राज करनेवाला।

फर्मांबरदार (فرماں بردار) फा वि–आज्ञाकारी, आज्ञा-पालक, ताबे'दार।

फर्मांबरदारी (فرماں برداری) फा स्त्री–आज्ञापालन, हुक्म मानना।

फर्मांरवा (فرماں روا) फा वि–शासक, राजा, बादशाह।

फर्मांरवाई (فرماں روائی) फा स्त्री–शासन, राज, हुकूमत।

फर्मा (فرما) फा प्रत्य–फरमानेवाला, जैसे–'हुक्मफर्मा' हुक्म फर्मानेवाला, आज्ञादाता।

फर्माइश (فرمایش) फा स्त्री–माँगना, तलब करना, किसी काम या किसी चीज़ के लिए कहना, कारखाने या दुकान के माल का आर्डर।

फर्माइशी (فرمایشی) फा वि–जिसकी फर्माइश की गयी हो, जो फर्माइश द्वारा किया गया हो, याचित।

फर्मान (فرمان) फा पु–राजादेश, शाही हुक्म, आज्ञा, आदेश, हुक्म।

फर्मूदः (فرمودہ) फा वि–उक्त, कहा हुआ, फर्माया हुआ।

फर्याद (فریاد) फा स्त्री–सहायता के लिए पुकार, दुहाई, नालिश, न्याय-याचना, इस्तिगास, शिकायत, परिवाद, अनुयोग, आर्तनाद, दुख की आवाज़।

फर्यादख़्वाह (فریادخواہ) फा वि–नालिशी, न्याय-याचक।

फर्यादख़्वाही (فریادخواہی) फा स्त्री–न्याय-याचना, जुल्म की दादरसी चाहना।

फर्यादरस (فریادرس) फा वि–फर्याद सुननेवाला, न्यायकर्ता।

फर्यादरसी (فریادرسی) फा स्त्री–न्याय करना, फर्याद सुनना।

फ़र्यादशनवा (فریادشنوا) फा वि–फर्याद सुननेवाला।
फ़रार (فرار) अ वि–पलायन, भागना, शुद्ध उच्चारण 'फिरार' है, परन्तु उर्दू मे 'फरार' ही है।
फ़र्राश (فراش) अ वि–वह व्यक्ति जिसके ज़िम्मे दरवार या मज्लिस आदि मे फर्श आदि विछाने और रोशनी आदि करने का प्रवध हो।
फ़र्राशख़ान (فراش خانه) अ फा पु–वह मकान जिसमे फर्श वगैरह रखे जाते हो।
फ़र्राशी (فراشی) अ वि–फर्राश का काम।
फ़र्रुख़ (فرخ) फा वि–शुभ, कल्याणकारी, सुन्दर, अच्छा।
फ़र्रुख़क़दम (فرخ قدم) फा अ वि–जिसका आना शुभान्वित हो, मुवारक पै।
फ़र्रुख़तबार (فرخ تبار) फा वि–कुलीन, अच्छे ख़ानदान वाला, आर्यभद्र।
फ़र्रुख़निहाद (فرخ نہاد) फा वि–सत्प्रकृतिवाला।
फ़र्वरदीन (فروردین) फा पु–पहला ईरानी महीना।
फ़र्श (فرش) अ पु–विछौना, विछाने की चीज, वडी जगह में विछायी जानेवाली वडी दरी, समतल भूमि, हमवार ज़मीन, चौरस गच या सीमेंट से पक्की की हुई जमीन, पृथ्वीतल, जमीन की सतह।
फ़र्शी (فرشی) अ वि–फर्श पर रखी जानेवाली चीज, जैसे फर्शी हुक्का, फर्श से सम्वन्ध रखनेवाली वस्तु।
फ़र्शे आव (فرش آب) अ फा पु–समुद्र या नदी का तल।
फ़र्शे ख़ाक (فرش خاک) अ फा पु–पृथ्वी का तल, सत्हे ज़मीन।
फ़र्शे गुल (فرش گل) अ फा पु–फूलो का फर्श।
फ़र्शे ज़मीं (فرش زمیں) अ फा पु–दे 'फर्शे ख़ाक'।
फ़र्शे राह (فرش راه) अ फा पु–जमीन में विछा हुआ, रास्ते में विछी हुई, विनम्र, विनीत,—"पाँव रखता हूँ जव मुहव्वत में, वेकसी फर्शे राह होती है।"—जिगर।
फ़र्संग (فرسنگ) फा पु–दे 'फर्सख़'।
फ़र्स (فرص) अ पु–काटना, फाडना, चीरना।
फ़र्सख़ (فرسخ) अ पु–४००० गज़ की दूरी, अंग्रेज़ी मील के हिसाव से लगभग सवा दो मील।
फ़र्सा (فرسا) फा प्रत्य–घटानेवाला, जैसे—'रूहफर्सा' रूह का कम करनेवाला, घिसनेवाला, जैसे—'जवीफर्सा' माथा रगडनेवाला।
फ़र्सूद (فرسوده) फा वि–घिसा हुआ, पुराना, कम, शीर्ण, जीर्ण।
फ़र्सूद हाल (فرسوده حال) फा वि–पतले हालोवाला, जिसकी दशा वहुत खराव हो, क्षीण दशावाला।
फ़र्सूदगी (فرسودگی) फा स्त्री–घिसा-पिसा होना, फटा-पुराना होना।
फ़र्सूदनी (فرسودنی) फा वि–घिसने के योग्य।
फ़र्हंग (فرهنگ) फा स्त्री–वुद्धि, विवेक, शुऊर, अक्ल, शव्दकोश, लुगात।
फ़र्हाद (فرهاد) फा पु–शीरी का प्रेमी जिसने शीरी की आज्ञा से पहाड काटा था और एक कुटनी के धोखा देने से उसने अपना सर फोड लिया और मर गया।
फ़लक (فلک) अ पु–आकाश, गगन, अवर, व्योम, आस्मान।
फ़लक़ (فلق) अ स्त्री–सवेरे का उजाला, उषा।
फ़लक असास (فلق اساس) अ वि–वहुत मजवूत और वहुत वलद।
फ़लकक़द्र (فلک قدر) अ वि–वहुत वडे रुतवे और पदवी-वाला।
फ़लकज़दः (فلک زده) अ फा वि–आपत्ति मे फँसा हुआ, दशाचक्रग्रस्त।
फ़लकजनाव (فلک جناب) अ वि–जिसके मकान की चौखट आकाश हो, वहुत वडे मरतवेवाला।
फ़लकताज़ (فلک تاز) अ फा वि–आकाश पर धावा वोलनेवाला, वहुत वडा साहसी।
फ़लकनवर्द (فلک نورد) अ फा वि–आस्मान पर घूमनेवाला, गगनचारी।
फ़लकपरवाज़ (فلک پرواز) अ फा वि–आकाश पर उडनेवाला, नभश्चर।
फ़लकपाय. (فلک پایه) अ फा वि–आकाश जैसी महान् प्रतिष्ठावाला।
फ़लकपैमा (فلک پیما) अ फा वि–वह व्यक्ति या मडली जो किसी पहाड की चोटी तक पहुँचने के लिए प्रयत्नशील हो, पर्वतारोही।
फ़लकफ़र्सा (فلک فرسا) अ फा वि–दे 'फलकपरवाज़'।
फ़लकवारगाह (فلک بارگاه) अ फा वि–दे 'फलक जनाव'।
फ़लकवोस (فلک بوس) अ फा वि–आकाश को चूमने-वाला, आकाश को छूनेवाला, गगनचुवी, नभ स्पर्शी।
फ़लकमआव (فلک مآب) अ वि–वहुत वडी प्रतिष्ठा-वाला।
फ़लकमक़ाम (فلک مقام) अ वि–दे 'फलकमआव'।
फ़लकमर्तव (فلک مرتبه) अ वि–अकाश-जैसी प्रतिष्ठा-वाला, वहुत वडे मरतवेवाला।
फ़लकरसा (فلک رسا) अ फा वि–दे 'फलकवोस'।

फ़लकरिकाब (فلک رکاب) अ फा वि –दे 'फलकमर्तब'।
फलकरिफ़्अत (فلک رفعت) अ वि –दे 'फलकपाय'।
फ़लकशिकन (فلک شکن) अ फा वि– दे 'फलकशिगाफ'।
फ़लकशिगाफ (فلک شگاف) अ फा वि –आकाश को छेद डालनेवाला, गगनभेदी।
फलकसरीर (فلک سریر) अ वि –दे 'फलकपाय' जिसका सिंहासन स्वय अकाश हो।
फलकसैर (فلک سیر) अ वि –दे 'फलकपरवाज़'।
फलकी (فلکی) अ वि –आकाशीय, आस्मानी।
फ़लकीयात (فلکیات) अ स्त्री –आस्मानो का इल्म, अतरिक्ष विज्ञान, इल्मुल अफ्लाक।
फ़लकुलअफ़्लाक (فلک الافلاک) अ पु –सब आस्मानो से ऊँचा अर्थात् सब आस्मानो के ऊपरवाला आस्मान, नवाँ आकाश।
फलके अत्लस (فلک اطلس) अ पु –सब से ऊपर का आकाश, जो अतलस की भाँति बिलकुल सादा है।
फ़लके आ'जम (فلک اعظم) अ पु –दे 'फलकुल अफ्लाक'।
फलाकत (فلاکت) अ स्त्री –दरिद्रता, निर्धनता, गरीबी, मुफ्लिसी।
फलाकतजदः (فلاکت زدہ) अ फा वि –कगाली का मारा हुआ, दुर्दशाग्रस्त।
फ़लाकतजदगी (فلاکت زدگی) अ फा स्त्री –कगाली, दुर्दशा, दरिद्रता, गरीबी।
फलाखन (فلاخن) फा पु –गोफन, जिसमे रखकर ढेला फेका जाता है।
फ़लातून (فلاطون) अ पु –अफ्लातून का लघु, दे 'अफ्लातून'।
फ़लासग (فلاسنگ) फा पु –फलाखन, गोफन, कानन, वन, जगल, बियाबान।
फ़लासिफ़ः (فلاسفہ) अ पु –'फल्सफी' का बहु, दार्शनिक-गण, वैज्ञानिकगण, नैयायिकगण।
फलाह (فلاح) अ स्त्री –भलाई, कल्याण, उपकार, नेकी, मोक्ष, निजात।
फलाहत (فلاحت) अ स्त्री –खेती, काश्तकारी।
फलाहतपेशः (فلاحت پیشہ) अ फा वि –किसान, कृपक, खेतिहर, काश्तकार।
फलाहे दारैन (فلاح دارین) अ स्त्री –ससार और परलोक दोनो लोको की भलाई।
फ़लिहज़ा (فلہذا) अ अव्य –बस इस कारण।
फलीत. (فلیتہ) तु पु –दे मूल शब्द 'फतील', उर्दू मे बेपढे लोग 'फलीत' भी बोलते हैं।
फल्स (فلس) अ पु –पैसा, तीन पाई का सिक्का, मछली का सिन्ना, शल्क, शकल।
फल्सफः (فلسفہ) अ पु –दर्शनशास्त्र, विज्ञानशास्त्र, न्यायशास्त्र, तर्क, दलील, मतिक, विज्ञान, हिक्मत।
फल्सफःदाँ (فلسفہ داں) अ फा पु –फलसफ जाननेवाला।
फल्सफ़ःदानी (فلسفہ دانی) अ फा स्त्री –फलसफ जानना।
फल्सफियान. (فلسفیانہ) अ अव्य –फलसफियो-जैसा।
फल्सफी (فلسفی) अ वि –फलसफ जाननेवाला।
फल्से माही (فلس ماهی) अ फा पु –मछली के सिन्ने, शल्क, शकल।
फल्से हूत (فلس هوت) अ पु –दे 'फल्से माही'।
फवाइद (فوائد) अ पु –'फाइद' का बहु, बहुत से लाभ।
फवाकेह (فواکہ) अ पु –'फाकिह' का बहु, मेवे।
फवाहिश (فواحش) अ प –'फाहिश' का बहु, दुराचार, बुरे काम।
फव्वारः (فوارہ) अ पु –पानी उछालने का एक यत्र, धारायत्र, जलयत्र, फुहारा।
फशार (فشار) फा पु –निचोडना, भीचना, दबाना, मुर्दे को कब्र की ज़मीन का भीचना, मुसलमानो के धर्म के अनुसार पापी मनुष्य को कब्र बडे ज़ोर से भीचती है।
फशारे कब्र (فشار قبر) फा अ पु –दे 'फशार' न ३।
फशुर्दः (فشردہ) फा वि –निचोडा हुआ।
फशुर्दनी (فشردنی) फा अव्य –निचोडने के लाइक।
फसक़ः (فسقہ) अ पु –'फासिक' का बहु, दुराचारी लोग।
फसदः (فسدہ) अ पु –'फासिद' का बहु, फसाद करनेवाले, बलवाई, शरारती।
फसाँ (فساں) फा पु –वह पत्थर जिस पर सान रखी जाती है, दे 'फिसाँ', दोनो शुद्ध है।
फसाद (فساد) अ पु –दगा, उपद्रव, बल्व, विकार, ख़राबी, विघ्न, बाधा, खलल, साम्प्रदायिक झगडा, फिर्क-वारान मारकाट।
फसादअगेज़ (فساد انگیز) अ फा वि –उपद्रव मचानेवाला।
फसादअगेज़ी (فساد انگیزی) अ फा स्त्री –उपद्रव करना।
फसादज़दः (فساد زدہ) अ फा वि –वह क्षेत्र अथवा स्थान जहाँ कोई दगा या बल्व हो गया हो, बल्व या दगे मे हानि उठानेवाला।
फसादज़दगी (فساد زدگی) अ फा स्त्री –बल्व या दगे मे प्रभावित होना, नुक्सान उठाना अथवा मारा जाना।
फसादी (فسادی) अ वि –फसाद करनेवाला, उपद्रवकर्ता।
फसादे ख़ून (فساد خون) अ फा पु –ख़ून की ख़राबी, रक्त-दोष।

फसादे मे'द. (فساد معدہ) अ पु –पेट का विकार, हाज़िमे की खराबी, मदाग्नि।

फसादे हज़्म (فساد هضم) अ पु –हाज़िमे अथवा पाचन-शक्ति की ख़राबी, अजीर्ण, अपच।

फसान (فسانہ) फा पु –कहानी, कथा, उपन्यास, नाविल, वृत्तात, हाल।

फसान ख़्वाँ (فسانہخواں) फा वि –कहानी कहनेवाला।

फसान गो (فسانہگو) फा वि –दे 'फसान ख़्वाँ'।

फसान नवीस (فسانہنویس) फा वि –कहानियाँ लिखने-वाला, उपन्यासकार।

फसान निगार (فسانہنگار) फा वि –दे 'फसान नवीस'।

फसानए इश्क़ (فسانۂ عشق) फा अ पु –प्रेम की कहानी, प्रेम मे अपने ऊपर बीता हुआ वृत्तात।

फसानए ग़म (فسانۂ غم) फा अ पु –ग़म अर्थात्, प्रेम के गम की कथा।

फसानए दिल (فسانۂ دل) फा पु –प्रेम मे मन की व्यथा का वृत्तान्त।

फसाहत (فصاحت) अ स्त्री –वह लेखन-शैली जिसमें रोज़मर्र के सरल और हलके-फुलके शब्दो का प्रयोग हो और अलकार आदि या तो बिलकुल न हो और हो भी तो बहुत कम और सुन्दर हो।

फसील (فصیل) अ स्त्री –वह दीवार जो नगर के चारो ओर बनायी जाय, वह दीवार जो किले के चारो ओर खीची जाय।

फसीह (فصیح) अ वि –जिसमे फसाहत हो, ऐसा कलाम, जो फसाहत के साथ बातचीत करे, ऐसा व्यक्ति।

फसीहुलबयान (فصیح البیان) अ वि –मँजी हुई सरल और सुन्दर भाषा बोलनेवाला।

फसुर्द (فسردہ) फा वि –अफ्सुर्द का लघु, खिन्न, मलिन, उदास, मुरझाया हुआ, ठिठुरा हुआ।

फसुर्द ख़ातिर (فسردہخاطر) फा अ वि –जिसका मन उदास हो, खिन्नमनस्क, मलिनचित्त।

फसुर्द दिल (فسردہدل) फा वि –दे 'फसुर्द ख़ातिर'।

फसुर्द रुख़ (فسردہرخ) फा वि –जिसका चेहरा कुम्हलाया हुआ हो, मलिनमुख।

फसुर्दगी (فسردگی) फा स्त्री –खिन्नता, मलिनता, उदासी, कुम्हलाहट, ठिठुरन।

फस्ख़ (فسخ) अ वि –निश्चय बदल देना, तोड देना।

फस्ख़े अज़ीमत (فسخ عزیمت) अ पु –निश्चय बदल देना, निश्चय-भग, इरादे की तबदीली।

फस्ख़े निकाह (فسخ نکاح) अ पु –विवाह-विच्छेद, विवाह टूट जाना।

फस्ख़े बैअ (فسخ بیع) अ पु –मोल ली हुई चीज का वापस हो जाना।

फस्द (فصد) अ स्त्री –रगो से ख़ून निकालना, रक्त-मोचन, रक्त-मोक्षण।

फस्दज़न (فصدزن) अ फा वि –रगो से फस्द के द्वारा ख़ून निकालनेवाला, रक्त-मोक्षक।

फस्ल (فصل) अ स्त्री –ऋतु, समय, मौसिम, किताब का बाब, परिच्छेद, अतर, दूरी, पैदावार, किसी चीज के पैदा होने का समय।

फस्ल बफस्ल (فصل بفصل) अ फा अव्य –हर फस्ल मे।

फस्लान (فصلانہ) अ फा पु –फस्ल पर दिया जानेवाला हक या नज़्रान।

फस्ली (فصلی) अ वि –फस्ल से सम्बन्ध, फस्ल का, किसानो का साल।

फस्ले अब. (فصل انبہ) अ फा स्त्री –आमो की फस्ल।

फस्ले इस्ताद. (فصل استادہ) अ फा स्त्री –खडी फस्ल जो अभी काटी न गयी हो।

फस्ले ख़रीफ (فصل خریف) अ स्त्री –हिन्दुस्तान की वह फस्ल जिसमें मक्का, ज्वार, बाजरा और धान आदि उत्पन्न होता है, कतकिहाई।

फस्ले ख़िज़ाँ (فصل خزاں) अ फा स्त्री –पतझड की ऋतु।

फस्ले गर्मा (فصل گرما) अ फा स्त्री –गर्मी का मौसिम, ग्रीष्म ऋतु।

फस्ले गुल (فصل گل) अ फा स्त्री –बसत ऋतु, बहार का मौसिम।

फस्ले बहार (فصل بہار) अ फा स्त्री –दे 'फस्ले गुल'।

फस्ले बाराँ (فصل باراں) अ फा स्त्री –बरसात का मौसिम, वर्षाकाल।

फस्ले रबीअ (فصل ربیع) अ स्त्री –वह फसल जिसमें गेहूँ, जौ चना आदि उत्पन्न होता है, रब्बी।

फस्ले शिता (فصل شتا) अ फा स्त्री –जाडे का मौसिम।

फस्ले सर्मा (فصل سرما) अ फा स्त्री –जाडे का मौसिम, हिमऋतु, शिशिर, शीतकाल।

फस्साद (فصاد) अ पु –रक्त-मोक्षक, रगो से ख़ून निकालने-वाला।

फहीम (فہیم) अ वि –बुद्धिमान्, अक्लमद, समझदार, विवेकी।

फहुवलमुराद (فہوالمراد) अ वा –तो ठीक है, तो गनीमत है, अगर ऐसा हुआ के बाद यह वाक्य आता है और उस वाक्य के बाद वरन के साथ कोई वाक्य आता है, जैसे—

अगर उसने रुपया दे दिया फहुवलमुराद, वरन मुझे नालिश करनी पड़ेगी।

फ़ह्म (فحم) अ पु—कोयला।

फ़ह्म (فہم) अ स्त्री—बुद्धि, समझ, विवेक, तमीज़।

फह्माइश (فہمائش) फा स्त्री—चेतावनी, हिदायत, तवीह, आगाही।

फ़ह्मीद: (فہمیدہ) फा वि—समझा हुआ।

फ़ह्मीद (فہمید) फा स्त्री—समझ, वुद्धि, विवेक।

फह्मीदनी (فہمیدنی) फा अव्य—समझने के योग्य।

फ़ह्मे नाक़िस (فہم ناقص) अ स्त्री—कच्ची समझ, नासमझी।

फ़ह्मे सहीह (فہم صحیح) अ स्त्री—ठीक समझ।

फ़ह्ल (فحل) अ पु—नर, पुल्लिग।

फह्हाश (فحاش) अ वि—अश्लील वाते करनेवाला।

फ़ह्हाशी (فحاشی) अ फा स्त्री—अश्लीलता।

फाइक (فائق) अ वि—श्रेष्ठ, उत्तम, वढिया, जो प्रवान हो, जिसे तर्जीह दी जा सके।

फाइक़तर (فائق‌تر) अ फा वि—सवसे वढिया, सर्वोपरि, सर्वोच्च।

फाइज़ (فائز) अ वि—सफल, कामयाव, पहुँचनेवाला।

फ़ाइज़ (فائض) अ वि—फैज़ देनेवाला, लाभप्रद।

फ़ाइज़ुलमराम (فائزالمرام) अ वि—सफलमनोरथ, मक्सद मे कामयाव।

फ़ाइद: (فائدہ) अ पु—लाभ, नफा, प्राप्ति, हुसूल, निष्कर्प, नतीज, गुण, तासीर, रोगमुक्ति, सेहत।

फाइद:वख्श (فائدہ‌بخش) अ फा वि—लाभदायक, मुफीद।

फाइद:मंद (فائدہ‌مند) अ फा वि—दे 'फाइद वख्श'।

फाइद:रसाँ (فائدہ‌رساں) अ फा वि.—दे 'फाइद वख्श'।

फाइद:रसानी (فائدہ‌رسانی) अ फा स्त्री—लाभकारिता, नफा पहुँचाना।

फाइल (فاعل) अ वि—काम करनेवाला, व्याकरण का 'कर्ता', गुदामैथुन-कर्ता।

फ़ाइलीयत (فاعلیت) अ स्त्री—फाइल होना।

फाइले मुख़्तार (فاعل مختار) अ पु—वह कार्यकर्ता जिसे पूरे अधिकार प्राप्त हो।

फाइले हकीकी (فاعل حقیقی) अ पु—ईश्वर, अस्ली काम करनेवाला।

फाक: (فاقہ) अ पु—अनशन, निराहार, उपवास, कुछ न खाना, वीमार की ग़िज़ा का वद होना।

फाक:कश (فاقہ‌کش) अ फा वि—फाके करनेवाला, भूखो मरनेवाला।

फ़ाक:कशी (فاقہ‌کشی) अ फा स्त्री—फाक़े करना, भूखो रहना।

फ़ाक:ज़द: (فاقہ‌زدہ) अ फा वि—भूख का मारा हुआ।

फाक:मस्त (فاقہ‌مست) अ फा वि—जो फाको मे भी मस्त रहे।

फाक:मस्ती (فاقہ‌مستی) अ फा स्त्री—फाको मे वसर करना।

फाक:शिकनी (فاقہ‌شکنی) अ फा स्त्री—फाका तोडना, कुछ खाना।

फाक (فاق) तु पु—सूफार अर्थात् तीर की चुटकी या तीर का पर, जिधर से तीर धनुप मे रखते है।

फाकिद (فاقد) अ वि—खोनेवाला, जो कोई चीज़ खो दे।

फाकिदुन्नज़र (فاقدالنظر) अ वि—दृष्टिहीन, अधा, जो अपनी दृष्टि खो चुका हो।

फाकिदुलवसर (فاقدالبصر) अ वि—नेत्रविहीन, अंधा, जो अपनी आँखे खो चुका हो।

फाकेह: (فاکہہ) अ पु—मेवा, हरा मेवा, जैसे—सेव, अनार, अंगूर आदि।

फाकेहात (فاکہات) अ पु—'फाकिह' का वहु, मेवे।

फाख़्ित: (فاختہ) अ स्त्री—दे 'फाख्त', उर्दू मे वही वोलते है।

फाखिर: (فاخرہ) अ वि—अच्छी और वढिया चीज़, वहुमूल्य वस्तु।

फाखिर (فاخر) अ वि—फख्र करनेवाला, वहुमूल्य चीज़।

फाख़्त. (فاختہ) फा स्त्री—एक प्रसिद्ध पक्षी, पंडुक।

फाख़्तई (فاختئی) अ फा वि—फाख्त-जैसे रग की वस्तु।

फाज़: (فازہ) फा पु—जँभाई, मुख-व्यादान, जृभा, अँगडाई।

फ़ाज़:कश (فازہ‌کش) फा वि—जँभाई लेनेवाला, अँगडाई लेनेवाला।

फाज़ह् (فازہر) फा पु—दे 'फादज़ह्'।

फाजिर: (فاجرہ) अ स्त्री—कदाचारिणी, स्वैरिणी, दुश्चरित्रा, वदचलन औरत।

फाजिर (فاجر) अ पु—दुष्टाचारी, दुश्चरित, वदचलन मर्द।

फाज़िल (فاضل) अ वि—जिसने पूरी विद्या पढ ली हो, स्नातक, फारिगुत्तहसील, अतिरिक्त, फालतू, अधिक, ज़ियादा, वचा हुआ, वाक़ी।

फाज़िलात (فاضلات) अ पु—फाज़िल रुपया, जमा-खर्च के वाद वाकी वचा हुआ रुपया।

फाज़िले अजल्ल (فاضل اجل) अ वि—वहुत वडा फाज़िल, धुरधर विद्वान्, प्रकाण्ड पण्डित।

फातह़ (فاتحه) अ उभ—दे 'फातिह़' उर्दू मे दोनो तरह बोलते हैं।

फातिन (فاطن) अ वि—चतुर, दक्ष, कुशल, दाना, बुद्धिमान्, अक्लमद।

फातिम (فاطمه) अ स्त्री—वह स्त्री जो दो वरस के वच्चे का दूध छुडा दे, हज़्रत मुहम्मद साहिब की सुपुत्री और हज़्रत इमाम हुसेन की माता जी।

फातिर (فاتر) अ वि—मद, सुस्त, गुनगुना पानी, विकृत, दूपित, जिसमे फुतूर हो।

फातिर (فاطر) अ वि—सृष्टिकर्ता, ईश्वर।

फातिरुलअक्ल (فاتر العقل) अ वि—पागल, विकृतमस्तिष्क।

फातिरुस्स्मावात (فاطر السماوات) अ वि—आकाशो की सृष्टि करनेवाला।

फातिह़ (فاتحه) अ उभ—कुरान की पहली सूरत, मुर्दे की नियाज़।

फातिह़ (فاتح) अ वि—विजेता, जेता, जीतनेवाला, खोलनेवाला।

फातिह़ए ख़ैर (فاتحهٔ خیر) अ फा उभ—फातिह़, तिलाजलि।

फातिहान (فاتحانه) अ फा अव्य—जीतनेवालो की तरह, विजयपूर्ण।

फातिहे आ'ज़म (فاتح اعظم) अ वि—सव से वडा विजेता, महाजयी, दिग्विजयी।

फातिहे आ'लम (فاتح عالم) अ वि—ससार को जीत लेनेवाला, विश्वविजयी।

फातिहे कुल (فاتح کل) अ वि—सव को जीत लेनेवाला, सर्वविजयी।

फातिहे नफ्स (فاتح نفس) अ वि—अपनी इद्रियो को जीत लेनेवाला, जितेन्द्रिय, इद्रियजयी।

फादज़ह्र (فاد زهر) फा पु—एक ओपधि जो हर प्रकार के विपो की नाशक है, विपहर।

फानी (فانی) अ वि—नश्वर, नाशवान्, मिट जानेवाला, न रहनेवाला।

फानीज़ (فانیذ) अ पु—सफेद शकर, दाना चीनी।

फानूस (فانوس) फा पु—लैम्प की चिमनी, जिसमें से रोशनी छनती है, वह काँच का प्याला-जैसा पात्र जिसमें मोमवत्ती जलती है, आलोचक, निंदक, वडी किंदील, कडील।

फानूसे ख़याल (فانوس خیال) फा अ पु—एक प्रकार का कागज़ी कडील जिसमे हाथी-घोडे आदि की तस्वीरें घूमती हैं।

फानूसे ख़याली (فانوس خیالی) फा अ. पु—दे 'फानूसे ख़याल'।

फानूसे गर्दां (فانوس گرداں) फा पु—दे 'फानूसे ख़याल'।

फाम (فام) फा पु—रग, समान, मिस्ल, (प्रत्य) रगवाला, जैसे—'सब्ज़ फाम' हरे रगवाला, समान, जैसे—गुल फाम, फूल-जैसा।

फार. (فاره) अ पु—एक चूहा, मूपक।

फार (فار) अ पु—'फार' का वहु, वहुत से चूहे।

फारॉं (فاراں) अ पु—'फारान' का लघु, दे 'फारान'।

फारान (فاران) अ पु—एक पहाड।

फारिक़ (فارق) अ वि—दो चीज़ो को अलग करनेवाला।

फारिग़ (فارغ) अ वि—मुक्त, आज़ाद, निश्चिन्त, वेफिक्र, अवकाशप्राप्त, सावकाश, फुर्सत पाया हुआ, जो अपना काम कर चुका हो।

फारिग़ख़त्ती (فارغ خطی) अ फा स्त्री—रुपया अदा होने की रसीद, ऋणमुक्तिपत्र, तलाकनामा।

फारिग़ुत्तहसील (فارغ التحصیل) अ वि—स्नातक, पारगत, निष्णात, फाज़िल, जिसने सवसे ऊँची डिग्री पा ली हो।

फारिग़ुलख़िदमत (فارغ الخدمت) अ वि—सेवा-मुक्त, जो वुढापे या किसी और कारणवश पेंशन पा गया हो।

फारिग़ुलवाल (فارغ البال) अ वि—निश्चिन्त, वेफिक्र, जिसे कोई चिन्ता न हो, समृद्ध, सम्पन्न, आसूद हाल।

फारिस (فارس) अ वि—घुडसवार, अश्वारोही।

फारूक़ (فاروق) अ वि—सच और झूठ मे फर्क करनेवाला, सत्य को असत्य से अलग करनेवाला, दे 'फारूके आ'ज़म'।

फारूक़ी (فاروقی) अ वि—शेखो की एक जाति जो हज़्रत फारूक के वशज है, फारूकी शेख़।

फारूक़े आ'ज़म (فاروق اعظم) अ वि—दूसरे ख़लीफा हज़्रत उमर की उपाधि।

फार्स (فارس) फा पु—ईरान, पारसीक।

फार्सी (فارسی) फा स्त्री—ईरान की भाषा।

फार्सीख़्वॉं (فارسی خواں) फा वि—फार्सी वोलनेवाला, फार्सी पढनेवाला, फार्सी पढा हुआ।

फार्सीगो (فارسی گو) फा वि—फार्सी मे कविता करनेवाला।

फार्सीदॉं (فارسی داں) फा वि—फार्सी भाषा जाननेवाला।

फाल (فال) अ स्त्री—सगुन, शकुन।

फालगो (فال گو) अ फा वि—शकुन-विचारक, शकुन वतानेवाला।

फालगोई (فال گوئی) अ फा स्त्री—शकुन वताना।

फालनाम (فالنامه) अ फा पु—वह किताव जिसमे फाल देखी जाती है।

फ़ालिज (فالج) अ. पु.–एक रोग जिसमे आधा शरीर बेकाम हो जाता है, पक्षाघात, अर्धांग, लकवा।

फ़ालिजज़दः (فالج‌زده) अ फा वि–जिसे फालिज मार गया हो, अर्द्धांगी।

फ़ालूद. (فالوده) फा पु–एक प्रसिद्ध शर्बत के साथ पी जानेवाली चीज।

फ़ालेज़ (فاليز) फा स्त्री–तर्बूज या खीरे-ककडी का खेत।

फाले नेक (فال نيک) अ फा स्त्री–अच्छा शकुन, अच्छी अलामत, अच्छे लक्षण।

फ़ाले बद (فال بد) अ फा स्त्री–बुरा शकुन, बुरी अलामत, बुरे लक्षण।

फाल्स. (فالسه) फा पु–एक प्रकार का खट्टा और छोटा फल, परूपक।

फ़ाश (فاش) फा वि–व्यक्त, ज़ाहिर, प्रकट, स्पष्ट, खुला हुआ।

फाशगो (فاش‌گو) फा. वि.–स्पष्ट वक्ता, साफ-साफ कहनेवाला, लगी-लिपटी न रखनेवाला।

फ़ाशगोई (فاش‌گوئی) फा स्त्री–बात साफ-साफ कह देना, कोई झिझक न करना।

फ़ासिक. (فاسقه) अ स्त्री–पापिनी, असाध्वी, व्यभिचारिणी, कुलटा।

फ़ासिक (فاسق) अ वि–पापी, गुनाहगार, व्यभिचारी, दुराचारी, हरामकार।

फासिख (فاسخ) अ वि–खराब और नष्ट करनेवाला, नष्ट और विकृत होनेवाला।

फ़ासिद (فاسد) अ वि–दूषित, विकृत, खराब, बिगडा हुआ।

फासिदुलअकीद. (فاسدالعقيده) अ वि–जिसका धर्म-विश्वास बिगड गया हो।

फ़ासिल. (فاصله) अ पु–अंतर, दूरी, भेद, फर्क।

फासिल (فاصل) अ. वि–अतर डालनेवाला, अलग करनेवाला।

फासिलए दराज (فاصلهٔ دراز) अ. फा पु–लंबी दूरी, लम्बा फासिला।

फाहिश. (فاحشه) अ स्त्री–व्यभिचारिणी, पुश्चली, स्वैरिणी, जघनचपला, पासुला, कुलटा, बंधकी, असती, जारिणी, धर्षिणी, भ्रष्टा, लट्वा, बवुरा।

फाहिश (فاحش) अ वि–बहुत अधिक बुरा, लज्जाजनक।

फि

फिंजान (فنجان) अ स्त्री–कहवा पीने की काँच की छोटी पियाली।

फिंदुक (فندق) अ. स्त्री–दे 'फुंदुक'।

फिक़्दान (فقدان) अ पु–अभाव, नायाबी, बहुत अधिक कमी।

फिक़्र: (فقره) अ पु–वाक्य, जुम्ला; छल की बात, बहाना, मिष, रीढ का गुरिया, तंज़, व्यंग, कटाक्ष।

फिक़्रःतराश (فقره‌تراش) अ फा. वि–छल की बात गढनेवाला।

फिक़्रःबंद (فقره‌بند) अ फा वि–तुकबद।

फिक्र बंदी (فقره‌بندی) अ फा स्त्री–तुकबंदी।

फिक़्रःबाज़ (فقره‌باز) अ फा वि–फिक्रे कसनेवाला, कटाक्ष करनेवाला।

फिक़्रःबाज़ी (فقره‌بازی) अ फा स्त्री–फिक़्रे कसना, व्यग करना।

फिक्र (فکر) अ उभ–चिंता, सोच, विचार, ध्यान, शका, शुबहा, खटका, अदेशा, दुख, रज, गौर, विचार, उपाय, तदबीर, पर्वा, चिंता, देख-रेख, ख़याल, ध्यान, दुविधा, एहतिमाल।

फिक्रत (فکرت) अ स्त्री–फिक्र।

फिक्रमंद (فکرمند) अ फा वि–जिसे किसी बात का खटका हो, चिंतित।

फिक्रमंदी (فکرمندی) अ फा स्त्री–चिंता, सोच, खटका।

फिक्रात (فقرات) अ पु–'फिक्र' का बहु, जुम्ले, वाक्य-समूह, रीढ के गुरिए।

फिक्रे इमरोज़ (فکر امروز) अ फा स्त्री–आज की चिंता, हाल की फिक्र।

फिक्रे उक़्बा (فکر عقبیٰ) अ स्त्री–परलोक की चिंता।

फिक्रे फर्दा (فکر فردا) अ फा स्त्री–कल की चिंता, आनेवाले समय की फिक्र।

फिक्रे मआश (فکر معاش) अ स्त्री–जीविका की चिंता, रोटी कमाने की फिक्र।

फिक्रे मईशत (فکر معیشت) अ स्त्री–दे 'फिक्रे मआश'।

फिक्रे शे'र (فکر شعر) अ स्त्री–कविता करना, काव्य-रचना मे तन्मयता।

फिक्रे सुखन (فکر سخن) अ फा स्त्री–दे 'फिक्रे शे'र'।

फ़िक़्ह (فقه) अ स्त्री–इस्लामी धर्मशास्त्र।

फिक़्ही (فقهی) अ वि–इस्लामी धर्मशास्त्र सम्बन्धी।

फिगंदः (فگنده) फा वि–'अफगद' का लघु, डाला हुआ, छोडा हुआ, लटकाया हुआ।

फिगन (فگن) फा प्रत्य–डालनेवाला, लटकानेवाला, फैलानेवाला, जैसे–'जल्व फिगन'।

फिगार (فگار) फा वि—घायल, आहत, ज़ख्मी, (प्रत्य) जख्म खाया हुआ, आहत, जैसे—'दिलफिगार' जिसका दिल घायल हो अर्थात् प्रेमी।

फिगारी (فگاریں) फा वि—आहत, ज़ख्मी।

फिजा (فزا) फा प्रत्य—'अफ्ज़ा' का लघु, बढानेवाला, जैसे—'जाँफिज़ा' ज़िंदगी बढानेवाला।

फिज़ाइंद (فزائندہ) फा वि—बढानेवाला।

फिज़ाइश (فزائش) फा स्त्री—अफ्ज़ाइश, बढोतरी।

फिजाजत (فجاجت) अ स्त्री—कच्चापन, खामी।

फिज़्ज़ (فضہ) अ स्त्री—रजत, चाँदी।

फितन (فتن) अ पु—'फित्न' का बहु, फित्ने, दगे, गडबडियाँ, हलचले।

फित्तीन (فتین) अ वि—धूर्त, मक्कार, चालाक, वचक।

फित्नः (فتنہ) अ पु—उपद्रव, दगा, फसाद, विद्रोह, बगावत, बहुत ही नटखट, बहुत ही शरीर, एक इत्र, लगाई-बुझाई करनेवाला, पिशुन, हर्फों का बना हुआ।

फित्न·अगेज़ (فتنہ‌انگیز) अ फा वि—उपद्रव करानेवाला, लोगो को भडकाकर दगा करा देनेवाला, इधर की उधर लगानेवाला, षड्यत्री, साजिशी।

फित्न·अगेज़ी (فتنہ‌انگیزی) अ फा स्त्री—लोगो को भडकाकर आपस में लडा देना, इधर की उधर लगाना, कोई षड्यत्र खडा करना।

फित्न·अदाज़ (فتنہ‌انداز) अ फा वि—दे 'फित्न अगेज़'।

फित्न अदाज़ी (فتنہ‌اندازی) अ फा स्त्री—दे 'फित्न अगेज़ी'।

फित्न·क़द (فتنہ‌قد) अ वि—बहुत छोटे डील-डौल का माशूक।

फित्न ख़ू (فتنہ‌خو) अ फा वि—जिसका स्वभाव ही फित्न खडा कर देना हो।

फित्न·खेज़ (فتنہ‌خیز) अ फा वि—दे 'फित्न अगेज़'।

फित्न गर (فتنہ‌گر) अ फा वि—दे 'फित्न अगेज़'।

फित्न·गरी (فتنہ‌گری) अ फा स्त्री—दे 'फित्न अगेज़ी'।

फित्न ज़ा (فتنہ‌زا) अ फा वि—दे 'फित्न अगेज़'।

फित्न जू (فتنہ‌جو) अ फा वि—फित्ने तलाश करनेवाला, उपद्रव और षड्यत्र के लिए बहाने ढूँढनेवाला।

फित्न परदाज़ (فتنہ‌پرداز) अ फा वि—दे 'फित्न अगेज़'।

फित्न·परदाज़ी (فتنہ‌پردازی) अ फा स्त्री—दे 'फित्न अगेज़ी'।

फित्न पर्वर (فتنہ‌پرور) अ फा वि—दे 'फित्न अगेज़'।

फित्न·शिआर (فتنہ‌شعار) अ वि—दे 'फित्न खू'।

फित्न सज (فتنہ‌سنج) अ फा वि—दे 'फित्न अगेज़'।

फित्न·सामाँ (فتنہ‌ساماں) अ फा वि—दे 'फित्न अगेज़'।

फित्नःसामानी (فتنہ‌سامانی) अ फा स्त्री—दे 'फित्न-अगेज़ी'।

फित्न सिगाल (فتنہ‌سگال) अ फा वि—दे 'फित्न अगेज़'।

फित्नए आलम (فتنۂ عالم) अ पु—सारे ससार मे उपद्रव मचानेवाला, अर्थात् मा'शूक।

फित्नए ख़्वाबीदः (فتنۂ خوابیدہ) अ फा पु—सोया हुआ फित्न, वह विपत्ति जो अभी आयी न हो।

फित्नए दौराँ (فتنۂ دوراں) अ पु—दे 'फित्नए आलम'।

फित्नए रोज़गार (فتنۂ روزگار) अ फा पु—दे 'फित्नए आलम'।

फित्नत (فطنت) अ स्त्री—दक्षता, चतुरता, होशियारी, बुद्धिमत्ता, अक्लमदी।

फित्र· (فطرہ) अ पु—वह दान या खैरात जो ईद मे नमाज़ से पहले अदा हो।

फित्र (فطر) अ पु—लोगो का रोज़ा खुलवाना, रोजा खोलनेवाले लोग।

फित्रत (فطرت) अ स्त्री—प्रकृति, नेचर, स्वभाव, आदत, उत्पत्ति, पैदाइश, धूर्तता, चालाकी, शरारत।

फित्रतन (فطرتاً) अ अव्य—स्वभावत, आदतन।

फित्रती (فطرتی) उ वि—चालाक, धूर्त, शरीर, उत्पाती, बातूनी, झूठी बाते बनानेवाला, प्राकृतिक के अर्थ मे फित्री है।

फित्रते सानियः (فطرت ثانیہ) अ स्त्री—किसी चीज़ की आदत।

फित्राक (فتراک) फा उभ—वह डोरी जो घोडे की जीन मे दोनो ओर शिकार या दूसरी चीज़ बाँधने के लिए लगाते है।

फित्री (فطری) अ वि—प्राकृतिक, नैसर्गिक, नेचुरल।

फिदा (فدا) अ वि—मुग्ध, आसक्त, आशिक़, न्योछावर, निसार।

फिदाई (فدائی) अ फा वि—भक्त, वफादार, आशिक, जाँनिसार।

फिदाए कौम (فدائے قوم) अ वि—जाति या राष्ट्र के लिए सब कुछ न्योछावर कर देनेवाला, तन, मन, धन से जाति या राष्ट्र की सेवा करनेवाला।

फिदाए मिल्लत (فدائے ملت) अ वि—राष्ट्र की सेवा मे तन, मन, धन सब कुछ कुर्बान कर देनेवाला।

फिदाए हक (فدائے حق) अ वि—सत्यता के लिए सब कुछ त्याग देनेवाला, सच्चाई पर बलिदान हो जानेवाला।

फिदाकार (فداکار) अ फा वि—फिदाई, भक्त।

फिद्यः (فدیہ) अ पु –वह धन जो किसी कैदी की मुक्ति के लिए दिया जाय, वह व्यक्ति जो किसी व्यक्ति के वदले मे अपनी जान दे, वह धन जो हिंसक से किसी खून के वदले मे दिलाया जाय, दियत, ईद के दिन की खैरात, फित्र ।

फिद्वी (فدوی) अ वि –भक्त, जाँनिसार, प्रार्थी अपने प्रार्थनापत्र में खुद को भी लिखता है।

फिन्नार (فی النار) अ अव्य –'नरक मे जाय' जव कोई दुष्ट व्यक्ति मरता है तो कहते है।

फिरक (فرق) अ पु –'फिर्क़' का वहु, 'फिर्क़े'।

फिराक (فراق) अ. पु –पृथक्ता, अलाहिदगी, वियोग, जुदाई; ध्यान, धुन, ख़याल।

फिरार (فرار) अ पु –पलायन, भागना, दे 'फरार', शुद्ध 'फिरार' है, परन्तु उर्दू मे 'फरार' ही वोलते है।

फिरावाँ (فراواں) फा वि –वहुत अधिक, प्रचुर।

फिरावानी (فراوانی) फा स्त्री –प्रचुरता, वहुलता, अधिकता, इफ़ात।

फिराश (فراش) अ पु –सोने का फर्श या विस्तर, सोने के कपडे।

फिरासत (فراست) अ स्त्री –दक्षता, प्रवीणता, चतुरता, चातुरी, दानाई, किसी वात को देख या सुनकर फौरन ताड जाना, कियाफ, सामुद्रिक।

फिरासतशनास (فراست شناس) अ फा वि –क़ियाफ शनास, सामुद्रिक।

फिरासतुलयद (فراست الید) अ स्त्री –हाथ की रेखाओ की विद्या, हस्त सामुद्रिक विद्या।

फिरिश्त (فرشتہ) फा. पु –देवता, सुर, फरिश्त, वहुत ही सज्जन और सरल स्वभाव का व्यक्ति।

फिरिश्त ख़स्लत (فرشتہ خصلت) फा अ वि –देवताओ-जैसी पुनीत और पावन प्रकृति वाला व्यक्ति, देवतात्मा, देवात्मा।

फिरिश्त ख़िसाल (فرشتہ خصال) फा अ वि –दे 'फिरिश्त ख़स्लत'।

फिरिश्त ख़ू (فرشتہ خو) फा वि –दे 'फिरिश्त ख़स्लत'।

फिरिश्त सिफत (فرشتہ صفت) फा अ वि –जिसमे देवताओ-जैसे गुण हो।

फिरिश्त सीरत (فرشتہ سیرت) फा अ वि –दे 'फिरिश्त ख़स्लत'।

फिरिश्त सूरत (فرشتہ صورت) फा अ वि –जिसकी सूरत देवताओं-जैसी सुंदर और तेजस्वी हो, देवता-स्वरूप।

फिरिस्तादः (فرستادہ) फा वि –भेजा हुआ, प्रेपित।

फिरिस्तादनी (فرستادنی) फा अव्य –भेजने योग्य, प्रेष्य।

फिरिंस्तिदः (فرستندہ) फा वि –भेजनेवाला, प्रेपक।

फिरेफ़्तः (فریفتہ) फा वि –मुग्ध, आसक्त, आशिक, जो किसी काम मे वहुत ही रुचि रखे।

फिरेव (فریب) फा पु –शुद्ध उच्चारण यही है, परतु उर्दू मे 'फरेव' वोलते है, दे 'फरेव'।

फिरोकश (فروکش) फाः वि.–ठहरा हुआ, मुकीम, अस्थायी रूप मे किसी जगह ठहरनेवाला।

फिरोख़्तः (فروختہ) फा. वि –वेचा हुआ, शुद्ध 'फिरोख़्त' ही है, परन्तु उर्दू में 'फरोख़्त' है।

फिरोख़्त (فروخت) फा स्त्री –विक्री, विचवाली, विक्रीत, विका हुआ।

फ़िरोख़्तगी (فروختگی) फा स्त्री –विक्री, फरोख़्त।

फिरोगुज़ाश्त (فروگزاشت) फा स्त्री –भूल, गफलत, त्रुटि, कमी, कोताही।

फिरोतन (فروتن) फा वि –विनीत, विनम्र, आजिज, खाकसार।

फिरोतनी (فروتنی) फा स्त्री –विनम्रता प्रकट करना, खाकसारी वरतना।

फिरोतर (فروتر) फा वि –वहुत नीचे, निम्नतर।

फिरोद (فرود) फा वि –निम्न, नीचा, उर्दू मे 'फरोद' भी है।

फिरोदगाह (فرودگاہ) फा स्त्री –पथिक के रूप मे थोडे दिन ठहरने का स्थान।

फिरोदस्त (فرودست) फा वि –अधीन, मातहत, जेरदस्त।

फिरोदाश्त (فروداشت) फा वि –अत, समाप्ति, अख़ीर।

फिरोमांदः (فرومانده) फा वि –लाचार, विवश, दलित, पामाल, शिथिल, अफ्सुर्द।

फिरोमांदगी (فروماندگی) फा स्त्री –लाचारी, विवशता, दलितपन, पामाली, शिथिलता, अफ्सुर्दगी।

फिरोमाय. (فرومایہ) फा वि –अधम, नीच, कमीना, अकुलीन।

फिरोमायगाँ (فرومایگاں) फा पु –'फिरोमाय' का वहु, नीच लोग।

फिरोमायगी (فرومایگی) फा स्त्री –अधमता, नीचता, कमीनगी।

फिर्औन (فرعون) अ पु –मिस्र का नरेश जो वडा अत्याचारी था और जो हज़्रत मूसा के शाप से मरा था, वहुत ही अहकारी।

फिर्औन मिज़ाज (فرعون مزاج) अ वि –जो फिर्औन की तरह अहकारी और घमडी हो।

फिर्औनियत (فرعونیت) अ स्त्री—फिर्औन-जैसा अभिमानी होना।
फिर्औने बेसामाँ (فرعون بےساماں) अ फा पु—ऐसा व्यक्ति जिसके पास कुछ न हो, परन्तु अभिमान बहुत हो।
फिर्क़ (فرقہ) अ पु—दल, जमाअत, पार्टी, पक्ष, फरीक, सम्प्रदाय, मज़्हब, ज़ाति, कौम।
फिर्क़:परस्त (فرقہ‌پرست) अ फा वि—साम्प्रदायिकता रखनेवाला, मज़्हबी तअस्सुब रखनेवाला, साम्प्रदायिक भेदभाव फैलाकर आपस में लडानेवाला।
फिर्क़ परस्ती (فرقہ‌پرستی) अ फा स्त्री—धार्मिक भेदभाव फैलाकर आपस में लडाना।
फिर्क़ बद (فرقہ‌بند) अ फा वि—जो गुटबद हो, दलबद, पार्टीबद, जो धार्मिक आधारो पर दलबदी करे।
फिर्क़ बदी (فرقہ‌بندی) अ फा स्त्री—दलवदी, गुटवदी, धार्मिक आधार पर गुटवदी।
फिर्क़ वारान: (فرقہ‌وارانہ) अ फा अव्य—साम्प्रदायिक, धार्मिक, मज़्हबी, जैसे—'फिर्क वाराना' झगडा।
फिर्क़ वारी (فرقہ‌واری) अ फा वि—दलवदी, गुटवदी, धार्मिक आधार पर गुटवदी।
फिर्क़ वारीयत (فرقہ‌واریت) अ फा स्त्री—दे 'फिर्क वारी'।
फिर्ज़ीन (فرزین) अ पु—शतरज का एक मोह्‌रा, वज़ीर।
फिर्दौस (فردوس) अ पु—स्वर्ग, नाक, विहिश्त।
फिर्दौसआश्याँ (فردوس‌آشیاں) अ फा वि—स्वर्गस्थ, स्वर्गीय।
फिर्दौसमजलत (فردوس منزلت) अ वि—वह स्थान जो सजावट में फिर्दौस की तरह हो।
फिर्दौसमकाँ (فردوس مکاں) अ वि—दे 'फिर्दौस आश्याँ'।
फिर्दौसी (فردوسی) अ वि—फिर्दौस का निवासी, ईरान का एक प्राचीन और महान् कवि जिसने शाहनामा लिखा है, जो फार्सी साहित्य मे सवसे वडा और महत्त्वपूर्ण महाकाव्य है।
फिर्दौसेबरीं (فردوس بریں) अ फा पु—सवसे ऊपर का स्वर्ग।
फिर्नी (فرنی) फा स्त्री—दूध और चावल के आटे की विशेष खीर।
फिलिज़्ज़ (فلز) अ पु—धातु, सोना, चाँदी, लोहा, ताँवा आदि।
फिलिज़्ज़ात (فلزات) अ उभ—'फिलिज़्ज़' का वहु, धातुएँ।
फिलिज़्ज़ी (فلزی) अ वि—धातु से वना हुआ, खान से निकला हुआ।
फिलअस्ल (فی‌الاصل) अ अव्य—मूलत, यथार्थत, हकीकत में, सचमुच।
फिलजुम्ल: (فی‌الجملہ) अ अव्य—कुछ-कुछ, थोडा-वहुत, सवमें से कुछ।
फिलफिल (فلفل) अ स्त्री—मरिच, मिर्च।
फिलफिलगिर्द (فلفل گرد) अ फा स्त्री—गोल मिर्च, काली मिर्च।
फिलफिल मोय (فلفل مویہ) अ फा स्त्री—एक ओपधि, पीपलामूल।
फिलफिल सफेद (فلفل سفید) अ फा स्त्री—सफेद काली मिर्च।
फिलफिल सियाह (فلفل سیاہ) अ फा स्त्री—काली मिर्च।
फिलफिल सुर्ख (فلفل سرخ) अ फा स्त्री—लाल मिर्च।
फिलफौर (فی‌الفور) अ अव्य—तुरत, त्वरित, शीघ्र, फौरन।
फिलवदीह (فی‌البدیہ) अ वि—विना सोचे कही हुई कोई वात जो वहुत ही ठीक, सुदर और चमत्कारपूर्ण हो, वरजस्त।
फिलवदीह गो (فی‌البدیہ گو) अ फा वि—तुरत विना सोचे कविता करनेवाला, आशुकवि, विना सोचे वोलनेवाला, उपस्थित वक्ता।
फिलमसल (فی‌المثل) अ अव्य—सदृश, समान, ऐसा, इस प्रकार का।
फिलवक्त (فی‌الوقت) अ वि—तत्क्षण, तत्काल, उसी समय, फौरन।
फिलवाक़े' (فی‌الواقع) अ वि—दे 'फिलअस्ल'।
फिलहक़ीकत (فی‌الحقیقت) अ वि—दे 'फिलअस्ल'।
फिलहाल (فی‌الحال) अ वि—इस समय, सरेदस्त।
फिशाँ (فشاں) फा प्रत्य—छिडकनेवाला, विखेरनेवाला, जैसे—'ज़रफिशाँ' सोना विखेरनेवाला।
फिशाद (فشادہ) फा वि—छिडका हुआ, वखेरा हुआ।
फिशादनी (فشادنی) फा वि—छिडकने के काविल।
फिशार (فشار) फा पु—दे 'फशार', दोनो शुद्ध हैं।
फिशारद (فشاردہ) फा वि—निचोडा हुआ, चुभोया हुआ।
फिशारदनी (فشاردنی) फा वि—निचोडने योग्य, चुभोने योग्य।
फिसाँ (فساں) फा पु—दे 'फसाँ', दोनो शुद्ध हैं।
फिसाल (فصال) अ पु—वच्चे का दूध छुडाना, वियोग, जुदाई, पृथक्ता, अलाहिदगी, 'फसील' का वहु, फ़सीलें।
फिसोस (فسوس) फा पु—खेल, क्रीडा, परिहास, दिल्लगी,

मनोविनोद, मनोरजन, तफ़्रीह; फक्कडपन, शोक, दुख, अफसोस।

फ़िस्क़ (فسق) अ पु –दुराचार, कदाचार, दुष्कर्म, वदआ'माली, सच्चाई और सत्य को छोड देना।

फ़िस्कोफ़जूर (فسق وفجور) अ पु –दुराचार, दुष्कर्म, वदचलनी।

फ़िस्तक़ (فستق) अ पु –दे 'फुस्तक', दोनो शुद्ध है, पिस्ता जो एक प्रसिद्ध मेवा है।

फी

फी (فی) फा स्त्री –छल, फरेव, भेद, रहस्य, त्रुटि, गलती।

फ़ी (فی) अ अव्य –मे, वीच, जैसे—'फी मावैन' दोनो के वीच मे।

फ़ीअमानिल्लाह (فی امان اللہ) अ वा –ईश्वर की रक्षा मे, अर्थात् ईश्वर रक्षा करे, किसी को विदा करते समय कहते है।

फ़ीज़मानिना (فی زماننا) अ वा –हमारे समय मे अर्थात् इस उपस्थित समय मे, साम्प्रत।

फ़ीतः (فیتہ) फा पु –कपडे की लवी और पतली पट्टी।

फ़ीनफ़्सिही (فی نفسہ) अ वि –वह स्वय, वह अपनी जात से, जैसे—वह फी नफसिही वहुत अच्छा है, अर्थात् वह स्वय वहुत अच्छा है।

फ़ीमावैन (فی مابین) अ अव्य –दोनो के वीच मे।

फ़ीरोज़ः (فیروزہ) फा पु –एक प्रसिद्ध रत्न, हरित मणि।

फ़ीरोज़ (فیروز) फा वि –सफलमनोरथ, कामयाव, शुभान्वित, कल्याणकारी, मुवारक।

फ़ीरोज़बख़्त (فیروز بخت) फा वि –सौभाग्यशाली, खुशकिस्मत।

फ़ीरोज़बख़्ती (فیروز بختی) फा स्त्री –भाग्य की सफलता, खुशकिस्मती।

फ़ीरोज़मंद (فیروزمند) फा वि –सफलकाम, कामराँ, सौभाग्यवान्, खुशनसीव।

फ़ीरोज़मंदी (فیروزمندی) फा स्त्री –कामना की सफलता, कामयावी, भाग्य की सुदरता, खुशनसीवी।

फ़ीरोज़ी (فیروزی) फा वि –फीरोज़े के रग का, सफलता, कामयावी।

फ़ील. (فیلہ) फा पु –शत्रज का एक मोहा, पील।

फ़ील (فیل) फा पु –हाथी, करि, हस्ती, गज, सिंधुर, पीलु, पील।

फ़ीलक़ामत (فیل قامت) फा अ वि –हाथी-जैसे डील-डौल का।

फ़ीलख़ानः (فیل خانہ) फा पु –हस्तिशाला, हाथीखाना।

फ़ीलतन (فیلتن) फा. वि –हाथी-जैसे भारी-भरकम शरीरवाला, विशाल देहवाला।

फ़ीलददाँ (فیل دنداں) फा पु –हाथी जैसे दाँतोवाला।

फ़ीलनशीं (فیل نشیں) फा वि –जिसके दरवाजे पर हाथी वँधा हो, जो हाथी पर चढता हो, पहले समय मे यह बडी इज्ज़त की चीज़ थी।

फ़ीलपा (فیل پا) फा पु –एक रोग जिसमे पाँव सूजकर वहुत मोटे हो जाते है, श्लीपद, शिलीपद, पादगडिर।

फ़ीलपायः (فیل پایہ) फा पु –चूने या सीमेंट या पत्थर का मोटा और वडा स्तभ, खभा।

फ़ीलवान (فیلبان) फा पु –हाथी चलानेवाला, हस्तिपक, अकुशग्रह, निषादी।

फ़ीलवाराँ (فیل باراں) फा पु –वरसात की अतिम वर्षा (हथिया या हस्त नक्षत्र)।

फ़ीलमुर्ग़ (فیل مرغ) फा पु –अमरीका का एक वहुत वडा पक्षी जो 'पीरू' के राष्ट्र मे पाया जाता है।

फ़ीलसवार (فیل سوار) फा वि –हाथी पर वैठा हुआ, हस्त्यारूढ।

फ़ीसद (فی صد) फा वि –दे 'फीसदी'।

फ़ीसदी (فی صدی) फा वि –प्रतिशत, फीसद, जैसे—'वीस फीसदी' यानी सौ मे वीस।

फ़ीसबीलिल्लाह (فی سبیل اللہ) अ वा –ईश्वर की राह में, ईश्वर के नाम पर, ईश्वर के लिए।

फु

फ़ुंदुक़ (فندق) अ स्त्री –छोटे वेर के वरावर लाल रग का एक मेवा।

फ़ुआक़ (فواق) अ स्त्री –हिचकी का रोग, हिक्का।

फ़ुआद (فواد) अ पु –हृदय, दिल।

फ़ुक़रा (فقرا) अ पु –'फकीर' का वहु, फकीर लोग।

फ़ुक़हा (فقہا) अ पु –'फकीह' का वहु, वहुत से फकीह।

फ़ुक़ाअ (فقاع) अ स्त्री –चावलो की मदिरा, जो नशा लाती है, एक नशा न लानेवाली शराव, शीशा, पियाला, कूज़, वुल्वुला, हवाव।

फ़ुकाहत (فکاہت) अ स्त्री –मनोविनोद, मनोरजन, दिलवहलाव, खुशतब्ई।

फ़ुक़्दान (فقدان) अ पु –अभाव, विलकुल न प्राप्त होना, वहुत कमी, दे 'फिक्दान', दोनो शुद्ध है।

फ़ुक़्दाने ग़ैरत (فقدان غیرت) अ पु –स्वाभिमान की कमी या अभाव, निर्लज्जता।

फुक़्दाने हया (فقدان حیا) अ पु –लज्जा का अभाव, निर्लज्जता।

फुग़ (فغ) फा पु –मूर्ति, प्रतिमा, बुत, दे 'फग', दोनो शुद्ध हैं।

फुग़ाँ (فغاں) फा स्त्री –आर्तनाद, नाला, दुहाई।

फुग़ानी (فغانی) फा वि –दुहाई देनेवाला, चिल्लानेवाला; नाला करनेवाला, एक ईरानी शाइर।

फुज़ला (فضلا) अ पु –'फाज़िल' का बहु, विद्वज्जन, पडित लोग।

फुज़ूँ (فزوں) फा वि –अफ्ज़ूँ का लघु, अधिक, प्रचुर, बहुत, ज़ियादा।

फुज़ूद: (فزودہ) फा वि –'अफ्ज़ूद' का लघु, अधिक किया हुआ, बढाया हुआ।

फुज़ूनी (فزونی) फा स्त्री –'अफ्ज़ूनी' का लघु, अधिकता, प्रचुरता, बहुतात।

फुजूर (فجور) अ पु –पाप, गुनाह, व्यभिचार, दुराचार, हरामकारी।

फुज़ूल (فضول) अ वि –व्यर्थ, बेकार, निरर्थक, बेमतलब; निकम्मा, फिज़ूल।

फुज़ूलख़र्च (فضول خرچ) अ. फा वि –बेकार मे रुपया ख़र्च करनेवाला, अपव्ययी।

फुज़ूलख़र्ची (فضول خرچی) अ फा स्त्री –बेकार में रुपया ख़र्च करना, अपव्यय।

फुज़ूलगो (فضول گو) अ फा वि –बेकार की बातें बनानेवाला, वाचाल, मिथ्यावादी, चित्रजल्पी।

फुज़ूलगोई (فضول گوئی) अ फा. स्त्री –बेकार की बातें बनाना, वाचालता, मिथ्यावाद, चित्रजल्प।

फुज़ूली (فضولی) अ वि –वह व्यक्ति जो बेकार के काम करता फिरे, मिथ्याभाषी, फुज़ूल आदमी।

फुज़ूलीयात (فضولیات) अ पु –फुज़ूल और निरर्थक बातें।

फुज्जार (فجار) अ पु –'फाजिर' का बहु, पापी लोग, व्यभिचारी लोग।

फुज़्ल. (فضلہ) अ पु –जूठन, बचा हुआ खाना; विष्ठा, पुरीष, गू, फोक, वह चीज़ जो किसी पदार्थ से रस आदि निकाल लेने पर बचती है, जैसे—मूली के पत्तो का अरक निकालकर उसका फोक या फुज़्ल।

फुज़्लात (فضلات) अ पु –'फुज़्ल' का बहु, 'फुज़्ले'।

फुताद. (فتادہ) फा वि –गिरा हुआ, पडा हुआ।

फुतादगी (فتادگی) फा स्त्री –गिरा हुआ होना, पडा हुआ होना।

फुतादनी (فتادنی) फा वि –गिरने के योग्य।

फुतुव्वत (فتوت) अ स्त्री –वीरता; शूरता, बहादुरी, शील, मुरुव्वत।

फुतूर (فتور) अ पु –विकार, दोष, ख़राबी, शरारत, उत्पात।

फुतूरे अक्ल (فتور عقل) अ पु –बुद्धि-विकार, अक्ल की ख़राबी।

फुतूरे दिमाग (فتور دماغ) अ पु –मस्तिष्क-दोष, दिमाग़ की ख़राबी, बुद्धि-दोष, अक्ल की ख़राबी।

फुतूरे हज़्म (فتور هضم) अ पु –मदाग्नि, हाज़िम का बिगाड।

फुतूह (فتوح) अ स्त्री –प्राप्ति, लाभ, फाइदा, हुसूल, समृद्धि, उन्नति, कुशाइश, ऊपर की आय, 'फत्ह' का बहु, जीते।

फुतूहात (فتوحات) अ स्त्री –'फ़ुतूह' का बहु, प्राप्तियाँ, लाभ।

फुतूही (فتوحی) उ स्त्री –बिना आस्तीनो की बडी।

फुनून (فنون) अ पु –'फन' का बहु, 'कलाएँ'।

फुनूने लतीफ़: (فنون لطیفہ) अ पु –ललित कलाएँ।

फुयूज़ (فیوض) अ पु –'फैज़' का बहु, फैयाज़ियाँ, बख़्शिशे।

फुरात (فرات) फा स्त्री –इराक़ की नदी जिसके किनारे हज़्रत इमाम हुसैन कर्बला मे शहीद हुए।

फुराद: (فرادی) अ वि –'फर्द' का बहु, एक-एक करके, अलग-अलग।

फुरुश (فرش) अ पु –'फिराश' का बहु, बिछौने, बिस्तरे।

फुरूअ (فروع) अ स्त्री –'फर्अ' का बहु, शाखाएँ, मूल वस्तु से निकली हुई वस्तुएँ।

फुरूक़ (فروق) अ पु –दो वस्तुओ मे फर्क करना।

फुरूज (فروج) अ स्त्री –'फर्ज' का बहु, भग, योनियाँ।

फुरूश (فروش) अ पु –'फर्श' का बहु, बहुत से फर्श।

फुरोग़ (فروغ) फा पु –दे 'फरोग', शुद्ध 'फुरोग' है, परतु उर्दू मे 'फरोग' भी बोलते है।

फुरोज़ (فروز) फा प्रत्य –रौशन करनेवाला, जैसे—'दिल फुरोज़' दिल को रौशनी देनेवाला।

फुरोज़ाँ (فروزاں) फा. वि –प्रकाशमान्, रौशन।

फुरोज़िंद: (فروزندہ) फा वि –प्रकाशक, उज्ज्वल करनेवाला, चमकानेवाला।

फुरोद (فرود) फा वि –निम्न, नीचे।

फुरोदगाह (فرودگاہ) फा स्त्री –दे 'फरोदगाह', उर्दू मे वही बोलते हैं।

फुर्क़त (فرقت) अ स्त्री –वियोग, विरह, जुदाई, फिराक़।

फुर्क़तज़द: (فرقت زدہ) अ फा वि –विरहग्रस्त, वियोगी, विरह-पीडित।

फ़ुर्क़तनसीव (فرقت‌نصیب) अ वि–जिसके भाग्य मे जीवन भर वियोग ही वियोग हो।
फ़ुर्क़ान (فرقان) अ पु–क़ुर्आन।
फ़ुर्ज़ः (فرجه) अ पु–अवकाश, छुट्टी, फ़ुर्सत, शिगाफ़, फटन।
फ़ुर्ज़ःजू (فرجه‌جو) अ फा वि–फ़ुर्सत ढूँढनेवाला, छुट्टी का वक्त तलाश करनेवाला।
फ़ुर्सत (فرصت) अ स्त्री–अवकाश, छुट्टी, सतोप, इत्मीनान, मुक्ति, नजात, निवटारा, फ़रागत।
फ़ुर्सततलव (فرصت‌طلب) अ. वि–जिसके लिए फ़ुर्सत की ज़रूरत हो, जो फ़ुर्सत मे इत्मीनान से हो सके।
फ़ुर्सते ज़ीस्त (فرصت زیست) अ फा स्त्री–जीवन-काल, ज़िदगी का ज़माना।
फ़ुलाँ (فلاں) अ. पु–अमुक, फलाना।
फ़ुलूस (فلوس) अ पु–'फ़ल्स' का वहु, पैसे।
फ़ुल्कः (فلکه) अ पु–चर्खे के तकले मे लगायी जानेवाली चमडे की गोल टिकिया, खेमे के वाँसो मे लगायी जानेवाली गोल टिकली।
फ़ुल्क (فلک) अ स्त्री–नाव, नौका, किश्ती।
फ़ुव्वः (فوه) फा पु–मजीठ, एक लकडी जो रग के काम आती है।
फ़ुशुर्दः (فشرده) फा वि–निचोडा हुआ, अफ़शुर्दः का लघु।
फ़ुशुर्दनी (فشردنی) फा वि–निचोडने योग्य, निचोडे जाने के लाइक़।
फ़ुसहा (فصحا) अ पु–'फ़सीह' का वहु, फ़सीह लोग।
फ़ुसहाए वक़्त (فصحاے‌وقت) अ पु–अपने समय के सारे 'फ़सीह' व्यक्ति।
फ़ुसूँ (فسوں) फा पु–'अफ़्सूँ' का लघु, जादू, माया-कर्म, इद्रजाल, शावद वाज़ी।
फ़ुसूँकार (فسوں‌کار) फा वि–दे 'फ़ुसूँगर'।
फ़ुसूँगर (فسوں‌گر) फा वि–जादूगर, मायावी।
फ़ुसूँतराज़ (فسوں‌طراز) फा वि–दे 'फ़ुसूँगर'।
फ़ुसूँसाज़ (فسوں‌ساز) फा वि–दे 'फ़ुसूँगर'।
फ़ुसूल (فصول) अ स्त्री–फ़स्ल का वहु, ऋतुएँ, पुस्तक के परिच्छेद।
फ़ुसोस (فسوس) फा पु–अफ़्सोस का लघु, शोक, अफ़्सोस, दु ख, पछतावा, पश्चात्ताप।
फ़ुस्तक़ (فستق) अ पु–पिस्ता जो एक प्रसिद्ध मेवा है।
फ़ुस्साक़ (فساق) अ पु–'फ़ासिक़' का वहु, दुराचारी लोग।
फ़ुस्हत (فسحت) अ स्त्री–मकान की लवाई-चौडाई, विस्तार, वुसअत।

फ़ू

फ़ूतः (فوطه) अ पु–तौलिया, अँगौछा।
फ़ूफ़ल (فوفل) अ स्त्री–सुपारी, छालिया, दे 'फ़ौफ़ल', दोनो शुद्ध है।
फ़ूफ़लतराश (فوفل‌تراش) अ फा पु–सुपारी काटने का यत्र, सरौता।
फ़ूम (فوم) अ पु–लहसुन, लशुन, गेहूँ, गोधूम।

फ़े

फ़े'ल (فعل) अ पु–कार्य, काम, क्रिया, वर्व, कृत्य, कर्म, अमल, वुरी हरकत, वुरा कर्म।
फ़े'लन (فعلاً) अ अव्य–अमल और कर्म से, कर्मणा।
फ़े'ले अवस (فعل عبث) अ पु–व्यर्थ का काम, निरर्थक कार्य, जिस काम मे कोई लाभ न हो।
फ़े'ले जाइज़ (فعل جائز) अ पु–अच्छा काम, ठीक काम, जिसके करने में न कोई हानि हो न किसी को आपत्ति।
फ़े'ले नाक़िस (فعل ناقص) अ पु–अपूर्ण क्रिया।
फ़े'ले नाजाइज़ (فعل ناجائز) अ पु–वह काम जो उचित न हो, जिसके करने मे हानि भी हो और आपत्ति भी, हरामकारी, व्यभिचार।
फ़े'ले नाशाइस्तः (فعل ناشائسته) अ फा पु–अश्लील और फ़ुह्श काम, व्यभिचार, हरामकारी।
फ़े'ले वद (فعل بد) अ फा पु–वुरा काम, दुराचार, व्यभिचार, हरामकारी।
फ़े'ले मक्रूह (فعل مکروه) अ पु–वह काम जिसके करने मे तवीअत घिन करे।
फ़े'ले मजहूल (فعل مجهول) अ पु–वह क्रिया जिसका कर्ता ज्ञात न हो।
फ़े'ले मा'रूफ़ (فعل معروف) अ पु–वह क्रिया जिसका कर्ता ज्ञात हो।
फ़े'ले मुतअद्दी (فعل متعدی) अ पु–सकर्मक क्रिया।
फ़े'ले लाज़िम (فعل لازم) अ पु–अकर्मक क्रिया।
फ़े'ले शनीअ (فعل‌شنیع) अ पु–दे 'फ़ेले वद', कुकर्म।
फ़ेहरिस्त (فهرست) अ स्त्री–सूचीपत्र, सूची।
फ़ेहरिस्ते मज़ामीन (فهرست مضامین) अ स्त्री–विपय-सूची, किताव के सारे मज़्मूनो की सूची।

फ़ै

फ़ैज़ (فیض) अ पु–दानशीलता, फ़ैयाज़ी, लाभ, नफ़ा, उपकार, भलाई, यश, कीर्ति।

फ़ैज़गुस्तर (فیض گستر) अ फा वि—यशस्वी, कीर्तिमान्, वदान्य, फ़ैयाज़, मुक्तहस्त।

फ़ैज़तलब (فیض طلب) अ वि—जो किसी से यश की याचना करता हो, यशोलिप्सु, यशस्काम।

फ़ैज़बख़्श (فیض بخش) अ फा वि—यश देनेवाला, दान देनेवाला, बख़्शिश करनेवाला।

फ़ैज़मआब (فیض مآب) अ वि—यशस्वी, कीर्तिमान्, फ़ैयाज़, वदान्य।

फ़ैज़याब (فیض یاب) अ फा वि—जिसने फ़ैज़ पाया हो, प्राप्त-यश, प्राप्त-लाभ।

फ़ैज़यावी (فیض یابی) अ फा स्त्री—फ़ैज़ पाना, यश पाना, लाभ उठाना।

फ़ैज़रसाँ (فیض رساں) अ फा वि—दे 'फ़ैज़बख़्श'।

फ़ैज़रसानी (فیض رسانی) अ फा स्त्री—फ़ैज़ पहुँचाना, यश देना।

फ़ैज़रसी (فیض رسی) अ फा स्त्री—यश देना।

फ़ैज़ान (فیضان) अ पु—दे 'फ़ैज़'।

फ़ैज़े आम (فیض عام) अ पु—ऐसी बख़्शिश और ऐसा यश जो सर्वसाधारण के लिए हो।

फ़ैयाज़ (فیاض) अ वि—बहुत देनेवाला, सख़ी, दाता, मुक्तहस्त, वदान्य।

फ़ैयाज़तरीन (فیاض ترین) अ फा वि—सब से अधिक बख़्शिश करनेवाला, वदान्यतम।

फ़ैयाज़ी (فیاضی) अ स्त्री—बख़्शिश, दानशीलता, सख़ावत।

फ़ैलसूफ़ (فیلسوف) अ पु—वैज्ञानिक, विद्वान्, धूर्त, छली, वचक।

फ़ैसलः (فیصلہ) अ पु—निर्णय, तै, समझौता, तस्फ़िया, अत, ख़ातिमा, न्याय, इसाफ।

फ़ैसल.तलब (فیصلہ طلب) अ वि—जिसका फ़ैसला होना ज़रूरी हो, जिसका निर्णय होना बाकी हो।

फ़ैसल (فیصل) अ वि—निर्णीत, तै, निर्णय, फ़ैसला।

फ़ो

फ़ोतः (فوتہ۔فوطہ) फा. पु—लगान, महसूल, भूमि-कर, अडकोश, पोता।

फ़ोत ख़ान (فوتہ خانہ) फा पु—कोषागार, लगान का रुपया रखने का घर।

फ़ोत दार (فوتہ دار) फा पु—ख़ज़ानची, तहसीलदार, पोतदार।

फ़ौ

फ़ौक़ (فوق) अ वि—ऊपर, सिरे पर, प्रधानता, तरजीह।

फ़ौक़ुज़्ज़िक्र (فوق الذکر) अ वि—जिसका उल्लेख ऊपर हो चुका हो, उपर्युक्त।

फ़ौक़ुलआदत (فوق العادت) अ वि—प्रकृति के विरुद्ध।

फ़ौक़ानी (فوقانی) अ वि—ऊपर नुक्ते रखनेवाला अरबी-फ़ार्सी या उर्दू का अक्षर।

फ़ौक़ियत (فوقیت) अ स्त्री—प्रधानता, तरजीह, श्रेष्ठता, उत्तमता, बडप्पन।

फ़ौक़ी (فوقی) अ वि—ऊपरवाला, ऊपरी।

फ़ौज (فوج) अ स्त्री—सेना, बल, वाहिनी, अनीकिनी, वरूथिनी, चमू, अनीक, लश्कर।

फ़ौज़ (فوز) अ पु—कल्याण, भलाई, सफलता, कामयाबी।

फ़ौजकशी (فوج کشی) अ फा स्त्री—दुश्मन के मुल्क पर चढाई, युद्धयात्रा।

फ़ौजदारी (فوجداری) अ फा स्त्री—वह न्यायालय जिसमे लडाई-झगडे और क़त्ल, ख़ून के केस हो, मारपीट, लाठी या हथियार की लडाई।

फ़ौजी (فوجی) अ वि—फ़ौज का जवान, सैनिक, फ़ौज का, सेना का, सेना से सम्बद्ध।

फ़ौज़े अज़ीम (فوز عظیم) अ पु—बहुत बडी सफलता।

फ़ौजे बर्री (فوج بری) अ स्त्री—वह सेना जो ज़मीन पर लडे।

फ़ौजे बह्री (فوج بحری) अ स्त्री—वह सेना जो समुद्र मे जहाज़ो की लडाई लडे, जलसेना।

फ़ौजे हवाई (فوج ہوائی) अ फा स्त्री—वह सेना जो वायु-यानो द्वारा लडे, वायुसेना।

फ़ौज़ोफ़लाह (فوز و فلاح) अ स्त्री—उन्नति और भलाई।

फ़ौत (فوت) अ वि—मरण, मृत्यु, मौत, मृत, मरा हुआ।

फ़ौती (فوتی) अ वि—मरने से सम्बन्ध रखनेवाला।

फ़ौतीनाम (فوتی نامہ) अ फा—वह रजिस्टर जिसमे मरनेवालो का नाम, उम्र, तारीख़ आदि लिखी जाती ह।

फ़ौफ़ल (فوفل) अ स्त्री—सुपारी, छालिया, दे 'फ़ूफ़ल', दोनो शुद्ध है।

फ़ौर (فور) अ वि—फ़ौरन, तुरत, उर्दू मे अकेला नही बोला जाता, 'फ़िल फ़ौर' बोलते है।

फ़ौरन (فوراً) अ वि—तुरत, तत्क्षण, त्वरित, शीघ्र, सद्य, उसी क्षण, उसी समय।

फ़ौरान (فوران) अ पु—आवेग, जोश, तीव्रता, तेज़ी।

फौरी (فوری) अ वि –शीघ्र, त्वरित, फौरन, अर्जेंट, अतिपाती।

फौलाद (فولاد) अ पु –अस्ली लोहा, लोहसार, कातिसार।

फ़ौलादी (فولادی) अ वि –फौलाद का बना हुआ, लोहमय, फौलाद का, लौहिक।

ब

बग (بنگ) फा स्त्री –भाँग, भग, विजया, एक प्रसिद्ध मादक बूटी।

बंगनोश (بنگ‌نوش) फा वि –भाँग पीनेवाला, भगड।

बंगफरोश (بنگ‌فروش) फा पु –भाँग बेचनेवाला, भंग का ठेकेदार।

बगिश (بنگش) फा पु –पठानो की एक जाति-विशेष।

बंज (بنج) अ स्त्री –अजवाइन खुरासानी, एक दवा।

बंदः (بندہ) फा पु –दास, गुलाम, अधीन, वशीभूत, ताबे', मनुष्य, आदमी, भक्त, फिदाई, आज्ञाकारी, उपासक, इबादत करनेवाला; नम्रता दिखाने के लिए वक्ता अपने लिए भी कहता है।

बंदःज़ादः (بندہ‌زادہ) फा पु –अपना लडका, बडे आदमी से अपने लडके के लिए कहते हैं।

बंदःनवाज़ (بندہ‌نواز) फा वि –अपने सेवको और भक्तो पर दया करनेवाला, भक्त-वत्सल।

बंदःनवाज़ी (بندہ‌نوازی) फा स्त्री –अपने सेवको और भक्तो पर कृपादृष्टि।

बंदःपर्वर (بندہ‌پرور) फा वि –दे 'बद नवाज़'।

बंदःपर्वरी (بندہ‌پروری) फा स्त्री –दे बद नवाज़ी।

बंद (بند) फा पु –अग का जोड, कारावास, कैद, फदा, पाश, मेड, पुश्ता, पेच, दाँव, रोक, रुकावट, गाँठ, गिरिह, ग्रथि, बद किया हुआ, ढाँका हुआ, कविता मे 'मुसद्दस' या 'मुखम्मस' की एक कडी जिसमें छ अथवा पाँच मिस्रे होते हैं, 'तर्कीबबद' या 'तर्जीअबद' का एक भाग जिसमे कई शे'र होते हैं, (प्रत्य) बँधा, जैसे—'पावद' जिसके पाँव बँधे हो, बाँधनेवाला, जैसे—'नालबद' नाल बाँधनेवाला।

बंदए आज़ाद (بندۂ آزاد) फा पु –वह सेवक जो सेवा-मुक्त कर दिया गया हो।

बंदए आजिज़ (بندۂ عاجز) फा अ पु –वक्ता अपने लिए कहता है अर्थात् बहुत ही विनीत और विवश सेवक।

बदए इश्क़ (بندۂ عشق) फा अ पु –प्रेम का बदा, प्रेमिका का भक्त।

बंदए ख़ुदा (بندۂ خدا) फा पु –ईश्वर का बदा, ईश्वर का उपासक, मनुष्य, व्यक्ति।

बंदए ज़र (بندۂ زر) फा पु –रुपये का बदा, धनोपासक।

बंदए दरगाह (بندۂ درگاہ) फा पु –किसी महान् व्यक्ति का परम भक्त।

बंदए दिरम (بندۂ درم) फा पु –दे 'बदए जर'।

बदए नाचीज़ (بندۂ ناچیز) फा पु –दे 'बदए आजिज़'।

बंदए बेज़र (بندۂ بےزر) फा पु –वह भक्त या दास जो बिना खरीदे ही भक्त या दास हो।

बंदए बेदाम (بندۂ بےدام) फा पु –वह व्यक्ति जो परम भक्त हो अर्थात् बगैर फदे और जाल के ही प्रेमपाशाबद्ध।

बंदए मिस्कीं (بندۂ مسکیں) फा अ पु –दे 'बदए आजिज़'।

बंदए मुख़्लिस (بندۂ مخلص) फा अ पु –वह भक्त जो बहुत ही श्रद्धापूर्वक सेवा करे।

बदए शिकम (بندۂ شکم) फा पु –पेट का बदा, पेट का कुत्ता, उदर-कृमि।

बंदए हल्क़ःबगोश (بندۂ حلقہ‌بگوش) फा अ पु –वह दास जिसके कानो मे दासता का कुडल पडा हो।

बंदगी (بندگی) फा स्त्री –प्रणाम, सलाम, दासता, गुलामी, उपेक्षा, इज्तिनाब, विनम्रता, इन्किसारी, पूजा, उपासना, इबादत, आज्ञापालन।

बंद बद (بند بند) फा पु –शरीर का एक-एक जोड।

बंदर (بندر) अ पु –समुद्रतट, साहिल, बदरगाह, पोर्ट।

बंदिश (بندش) फा स्त्री –ग्रथि, गाँठ, गिरिह, षड्यन्त्र, साजिश, पेशबदी, पुरश्चरण, रोक, रुकावट, प्रतिबंध, मनाही; बनावट, साख्त, बाँधने का काम।

बंदिशे अल्फ़ाज़ (بندش الفاظ) फा अ स्त्री –गद्य या पद्य मे शब्दो का यथास्थान उपयोग तथा शुद्ध और चमत्कारपूर्ण विन्यास।

बंदिशे इबारत (بندش عبارت) फा अ स्त्री –दे 'बंदिशे अल्फाज़'।

बंदिशे मज़्मून (بندش مضمون) फा अ स्त्री –किसी प्रबंध या मज़्मून का नैसर्गिक और मन को लगनेवाला बयान।

बंदी (بندی) फा वि –कैदी, कारावासी।

बंदीख़ानः (بندی‌خانہ) फा पु –कैदखाना, कारावास।

बंदूक (بندوق) अ. स्त्री –गोली चलाने का प्रसिद्ध यत्र, शतघ्नी।

बंदूक़ची (بندوقچی) अ फा पु –बदूक चलानेवाला, निशानची, निशान बाज, लक्ष्यभेदी।

बंदूक़साज़ (بندوق‌ساز) अ फा पु –बदूक बनानेवाला, बदूको की मरम्मत करनेवाला।

बंदे क़बा (بند قبا) फा अ पु—कबा या कुर्ते की घुडी, चोली की घुडी, "गुल्चीं से कहियो आये चमन मे पुकार के, बदे कवा खुले है उरूस वहार के।"

बंदे ग़म (بند غم) फा अ पु—दु ख का फदा; प्रेम का फदा।

बंदे दस्त (بند دست) फा पु—पहुँचा, हाथ और कलाई के बीच का जोड।

बंदे दाम (بند دام) फा पुं—जाल का फदा।

बंदे निक़ाब (بند نقاب) फा अ पु—वुर्के की गिरिह।

बंदोकुशाद (بندوکشاد) फा पु—खोलना और वद करना, अर्थात् प्रवध, व्यवस्था, इतिज़ाम।

बंदोबस्त (بندوبست) फा पु—प्रबंध, व्यवस्था, इतिज़ाम, खेतो की हदवदी, उनकी मालगुज़ारी का निर्णय और उनके नवर आदि की व्यवस्था जो नये सिरे से हो।

बंदोबस्ते आरिज़ी (بندوبست عارضی) फा अ पु—कृपि सम्वन्धी वह बदोवस्त जो चद वर्षों के लिए हो, स्थायी न हो।

बंदोबस्ते इस्तिम्रारी (بندوبست استمراری) फा अ पु—दे 'वदोवस्ते दवामी'।

बंदोबस्ते दवामी (بندوبست دوامی) फा अ पु—खेतो और ज़मीनो का वह वदोवस्त जो एक वार हो जाय और फिर कभी न वदले, जैसे—वगाल का वदोवस्त।

ब अक्सात (بہ اقساط) फा अ अव्य—किस्तो मे करके, थोडा-थोडा करके, कई वार मे।

ब अदब (بہ ادب) फा अ अव्य—नम्रता और आदर के साथ, आदरपूर्वक।

ब अल्फ़ाज़े दीगर (بہ الفاظ دیگر) फा अ अव्य—दूसरे शब्दो में, दूसरे प्रकार से।

ब अह्सने वुजूह (بہ احسن وجوہ) फा अ अव्य—वहुत अच्छे प्रकार से, सुदर रूप से।

ब आज़ादी (بہ آزادی) फा अव्य—स्वतन्त्रता के साथ, खुले रूप से।

ब आबोताब (بہ آب وتاب) फा अव्य—चमक-दमक के साथ, शानो-शौकत के साथ।

ब आराम (بہ آرام) फा अव्य—आराम से, इत्मीनान से, सुख-चैन से, सुगमता से, सरलता से।

ब आसाइश (بہ آسائش) फा अव्य—दे 'ब आराम'।

ब आसानी (بہ آسانی) फा अव्य—सुगमतापूर्वक, सरलता से, आसानी से।

ब आसूदगी (بہ آسودگی) फा अव्य—सुख-चैन से, ऐशो-आराम से, आराम से, सुगमता से।

ब इख़्तियारे ख़ुद (بہ اختیار خود) फा अव्य—अपने अधिकार से।

ब इख़्तिसार (بہ اختصار) फा अ अव्य—सक्षेप में, सक्षिप्त रूप से।

ब इज़्ज़तो एहतिराम (بہ عزت و احترام) फा अ अव्य—पूरे समान के साथ, पूरे आदर-सत्कार के साथ, पूर्ण प्रतिष्ठा तथा सम्मान-सहित।

ब इत्तिफ़ाक़े राय (بہ اتفاق رائے) फा अ अव्य—सवकी सहमति से, सर्वसम्मति से।

ब इत्मीनान (بہ اطمینان) फा अ अव्य—दे 'व आराम'।

ब इफ़रात (بہ افراط) फा अ अव्य—अत्यधिक, वहुत ज़ियादा, ज़रूरत और आवश्यकता से अधिक।

ब इवज़ (بہ عوض) फा अ अव्य—वदले में, इवज़ में।

बईर (بعیر) अ पु—उष्ट्र, ऊँट।

ब उज्लत (بہ عجلت) फा अ अव्य—शीघ्रतापूर्वक, जल्दी से।

ब एहतियात (بہ احتیاط) फा अ अव्य—सावधानतापूर्वक, एहतियात के साथ।

ब क़द्र (بہ قدر) फा अ अव्य—अनुसार, मुताविक, मात्रा मे, मिक्दार मे।

ब क़द्रे ज़र्फ़ (بہ قدر ظرف) फा अ अव्य—जितना वर्तन हो उतना, जितनी योग्यता हो उतनी, जितना सामर्थ्य हो उतना।

ब क़द्रे ज़ुरूरत (بہ قدر ضرورت) फा अ अव्य—जितनी आवश्यकता हो उतनी।

ब क़द्रे वुस्अत (بہ قدر وسعت) फा अ अव्य—जितना सामर्थ्य हो उतना, जितनी समाई हो उतनी।

ब क़द्रे शौक़ (بہ قدر شوق) फा अ अव्य—जितनी अभिलापा हो उतनी।

ब क़द्रे हैसियत (بہ قدر حیثیت) फा अ अव्य—जितना सामर्थ्य हो उतना, जितना धन हो उतना।

ब क़द्रे हौसल (بہ قدر حوصلہ) फा अ अव्य—जितना साहस हो उतना।

बक़र (بقرہ) अ स्त्री—एक गाय, एक वैल।

बक़र (بقر) अ पु—गो, गाय, वृपभ, वैल।

बक़र ईद (بقر عید) अ स्त्री—मुसलमानो की वह ईद जो ज़ीहिज्जा की दसवी तारीख को होती है।

ब कराहत (بہ کراہت) फा अ अव्य—घिन के साथ, नफ़रत के साथ, जी न चाहने के साथ, मज्बूरी से।

ब कर्रोफ़र (بہ کروفر) फा अ अव्य—तडक-भडक के साथ।

ब क़लमे ख़ुद (بہ قلم خود) फा अ अव्य—अपने कलम से, स्वय अपने हाथ की लिखावट से।

बक़ा (بقا) अ स्त्री—नित्यता, अनश्वरता, दवाम,

अस्तित्व, वुजूद, जीवन, जिंदगी, रक्षा, हिफ़ाजत; सलामती।

बक़ाए दवाम (بقاے دوام) अ स्त्री –नित्यता, अनश्वरता।

बक़ाए सालिह (بقاے صالح) अ स्त्री –अच्छी चीज का बाकी रहना।

बक़ायः (بقایہ) अ पु –शेष, बचा हुआ, बची हुई रकम, रोकड, खर्च से बची हुई रकम।

बकारत (بکارت) अ. स्त्री –कौमार्य, कुँआरापन, योनि-पटल का भग्न न होना, अक्षतत्व, अक्षत योनि, यह शब्द 'बिकारत' अथवा 'बुकारत' नही है।

बकावल (بکاول) तु पु –शाही रसोईघर का अध्यक्ष, दे 'बुकावुल', दोनो शुद्ध हैं।

ब क़ैदे हयात (بہ قید حیات) फा अ. अव्य –जीवन-पाश मे आबद्ध, जीवित, जिंदा।

ब क़ौले शख़्से (بہ قول شخصے) फा अ अव्य –किसी विशेष व्यक्ति के कथनानुसार।

बक़्क़ाल (بقال) अ पु –सब्जीफ़रोश, कुँजडा, वणिक्, बनिया, आटा-दाल बेचनेवाला, परचूनिया।

बक्तर (بکتر) फा पु –कवच, जिरिह।

बक्तरगर (بکترگر) फा पु –कवच बनानेवाला, कवचकार।

बक्तरपोश (بکترپوش) फा वि –कवचधारी, बक्तर पहने हुए।

बक्तरबंद (بکتربند) फा वि –बक्तर पहने हुए, कवचधारी; बक्तर से मढी हुई गाडियाँ आदि।

बक्तरसाज़ (بکترساز) फा वि –दे 'बक्तरगर'।

बक़्रात (بقراط) अ पु –एक प्रसिद्ध यूनानी वैज्ञानिक जो हज़्रत ईसा से ४६० वर्ष पूर्व पैदा हुआ था।

बख़ील (بخیل) अ पु –कृपण, बद्धमुष्टि, तद्धन, व्यय-कुंठ, कंजूस।

बख़ीली (بخیلی) अ स्त्री –कृपणता, व्ययकुंठता, कंजूसी।

बख़ुदा (بخدا) फा अव्य –ईश्वर के लिए, खुदा के लिए, ईश्वर की सौगध, खुदा की कसम।

ब ख़ुशी (بہ خوشی) फा अव्य –खुशी के साथ, प्रसन्नता पूर्वक, सानद, सहर्ष।

ब ख़ूबी (بہ خوبی) फा अव्य –पूर्ण रूप से, पूर्णतया, पूर्णत।

बख़ूर (بخور) अ पु –धूनी, लोबान आदि सुलगाकर उसकी सुगंध फैलाना, दवाओ की धूनी लेना।

बख़ूरदान (بخوردان) अ फा पु –वह पात्र जिसमे धूप आदि सुलगायी जाय, धूपदानी, ऊददानी।

ब ख़ैर (بخیر) फा अ अव्य –सकुशल, अच्छी तरह, स्वस्थ, तनदुरुस्त।

ब ख़ैरोआफ़ियत (بہ خیروعافیت) फा अ अव्य –कुशल-पूर्वक, आनंदपूर्वक।

ब ख़ैरोख़ूबी (بہ خیرو خوبی) फा अ. अव्य –आनंदपूर्वक, कुशलपूर्वक, बहुत अच्छी तरह से।

बख़्त (بخت) फा पु –भाग्य, प्रारब्ध, अदृश्य, दैव, अदृष्ट, किस्मत।

बख़्तआज़माई (بخت آزمائی) फा स्त्री –भाग्य-परीक्षा, किसी काम मे पड़ना, यह देखना कि अमुक काम मे भाग्य साथ देता है या नही अर्थात् वह होता है या नही।

बख़्तआवर (بخت آور) फा वि –दे 'बख़्तावर'।

बख़्तबरगश्तः (بخت برگشتہ) फा वि –जिसका भाग्य उसके विरुद्ध हो, हतभाग्य, अभागा।

बख़्तयार (بختیار) फा वि –जिसका भाग्य उसका मित्र हो, सौभाग्यवान्।

बख़्तवर (بختور) फा वि –सौभाग्यशाली, भाग्यवान्, प्रारब्धी, खुशनसीब।

बख़्तवरी (بختوری) फा स्त्री –भाग्य की अच्छाई, भाग्यशीलता, खुशनसीबी।

बख़्तावर (بختاور) फा वि –भाग्यशाली, भाग्यवान्, प्रारब्धी, किस्मतवर।

बख़्ते ख़ुफ़्तः (بخت خفتہ) फा वि –सोता हुआ नसीब, अभागापन।

बख़्ते जवाँ (بخت جواں) फा पु –वह भाग्य जो उन्नति-शील और समृद्धिवान् हो।

बख़्ते तीरः (بخت تیرہ) फा पु –अँधेरी किस्मत, बद-किस्मती, दुर्भाग्य।

बख़्ते ना फ़र्जाम (بخت نا فرجام) फा पु –खोटी तक्दीर, दुर्भाग्य।

बख़्ते नारसा (بخت نارسا) फा पु –अधूरी किस्मत, अपूर्ण भाग्य।

बख़्ते नासाज़गार (بخت ناسازگار) फा पु –प्रतिकूल भाग्य, मुख़ालिफ़ किस्मत।

बख़्ते बरगश्तः (بخت برگشتہ) फा पु –फिरा हुआ नसीबा, विरुद्ध और प्रतिकूल भाग्य।

बख़्ते बलंद (بخت بلند) फा पु –ऊँचा नसीबा, सौभाग्य।

बख़्ते बेदार (بخت بیدار) फा पु –जागता हुआ नसीबा, उन्नतिशील भाग्य।

बख़्ते रसा (بخت رسا) फा पु –अच्छा और पूरा नसीबा, सौभाग्य।

बख़्ते सब्ज़ (بخت سبز) फा पु –अच्छा नसीबा, सौभाग्य।

बख़्तोइत्तिफ़ाक़ (بخت و اتفاق) फा अ पु –भाग्य और दैवयोग।

बख़्य: (بخیه) फा पु –एक प्रकार की मज़्बूत सिलाई।

बख़्य:गर (بخیه‌گر) फा वि –बख़्य करनेवाला, सीनेवाला।

बख़्य:गरी (بخیه‌گری) फा स्त्री –बख़्य करना, सीना।

बख़्र (بخر) अ पु –दुर्गंध, बास, मुँह की बास।

बख़्रुलफ़म (بخرالفم) अ पु –एक रोग जिसमे मुँह से बास आती है।

बख़्श (بخش) फा पु –अश, खड, जुज़, भाग्य, हिस्सा, (प्रत्य) देनेवाला, जैसे—'जाँबख़्श' प्राण प्रदान करनेवाला, बख़्शनेवाला, जैसे—'ख़ताबख़्श' अपराध क्षमा करनेवाला।

बख़्शाइश (بخشائش) फा स्त्री –मुक्ति, मोक्ष, बख़्शिश।

बख़्शिंदः (بخشنده) फा वि –बख़्शनेवाला, देनेवाला, दाता, मोक्ष देनेवाला।

बख़्शिश (بخشش) फा स्त्री –दान, ख़ैरात, पुरस्कार, इनआम, अनुदान, अतीय, प्रदान, देना।

बख़्शिशनाम: (بخشش نامه) फा पु –'दानपत्र', वह काग़ज़ जिसमे कुछ प्रदान करने की लिखा-पढी हो।

बख़्शी (بخشی) फा पु –सैनिको को वेतन बाँटनेवाला, कस्बो में टैक्स वुसूल करनेवाला।

बख़्शीदः (بخشیده) फा वि –बख़्शा हुआ, दिया हुआ, क्षमा किया हुआ, मोक्ष दिया हुआ।

बख़्शूद: (بخشوده) फा वि –बख़्शा हुआ, दिया हुआ।

बग़ल (بغل) फा स्त्री –कुक्षि, काँख, पार्श्व, पहलू, छोर, किनारा, एक ओर, एक तरफ, कुर्ते या अगे आदि मे वगल के नीचे लगनेवाला कपडा।

बग़लगीर (بغل‌گیر) फा वि –आलिंगित, जो गले मिला हो, पार्श्ववर्ती, पार्श्वस्थ।

बग़ली (بغلی) फा वि –वगल से सम्बन्ध रखनेवाली वस्तु, वग़ल का, क़ब्र का वह गढा जो ज़मीन काटकर एक पहलू में बनाते है।

बग़ावत (بغاوت) अ स्त्री –द्रोह, सरकशी, सैन्य-द्रोह, फौजी ग़द्र, अशाति, वद अम्नी, अवज्ञा, हुक्म उदूली।

बग़ी (بغی) अ वि –अवज्ञाकारी, नाफरमान, उद्दड, सरकश।

बग़ैर (بغیر) फा अ अव्य –विना, बे।

बग़ौर (بغور) फा अ अव्य –ग़ौर से, समीक्षापूर्वक।

बग़्तत्न (بغتتًا) अ अव्य –अचानक, आकस्मिक, सहसा।

बग़्दाद (بغداد) फा पु –इराक की राजधानी, एक प्रसिद्ध और प्राचीन नगर।

बग़्ल (بغل) अ पु –खच्चर, अश्वतर, वेसर।

बग़्लक (بغلک) फा स्त्री –वगल का एक फोडा, कखौरी।

बच: (بچه) फा पु –दे 'बच्च', दोनो शुद्ध है, परतु उर्दू मे 'बच्च' बोलते है।

ब चश्मे अश्कबार (به چشم اشکبار) फा अव्य –रोती हुई आँखो के साथ, अर्थात् रोते हुए।

ब चश्मे तर (به چشم تر) फा अव्य –भीगी हुई आँखो के साथ, अर्थात् आँखो मे आँसू भरे हुए।

ब चश्मे नम (به چشم نم) फा अव्य –दे 'ब चश्मे तर'।

बच्च. (بچه) फा पु –बालक, शिशु, अवयस्क, नाबालिग, छोकरा, लडका, पुत्र, बेटा, हरेक प्राणी का शिशु, नासमझ, अबोध।

बच्च.कश (بچه‌کش) फा स्त्री –वह स्त्री जो बहुत से बच्चो की माँ हो, बहुप्रसूता।

बच्च.दान (بچه‌دان) फा पु –गर्भाशय, रहिम।

बच्च बाज़ (بچه‌باز) फा वि –गुदमैथुनिक, इग्लामी।

बच्च बाज़ी (بچه‌بازی) फा स्त्री –गुदमैथुन, इग्लाम।

बच्चए आहू (بچۂ آهو) फा पु –हिरन का बच्चा, मृग-शावक।

बच्चए नौ (بچۂ نو) फा पु –नयी घटना, नया वाकिया, नवजात शिशु।

बच्चए फ़ील (بچۂ فیل) फा अ पु –हाथी का बच्चा, हस्ति-शावक।

बच्चए मीना (بچۂ مینا) फा पु –मदिरा, शराब।

बच्चए शुतुर (بچۂ شتر) फा पु –ऊँट का बच्चा, उष्ट्र-शावक।

ब जब्र (به جبر) अ फा अव्य –बलात्, ज़बरदस्ती, बलपूर्वक।

बजाँ (بجاں) फा वि –हृदय से, प्रसन्नतापूर्वक (प्रत्य), प्राणो मे लिये हुए, जैसे—'आतशबजाँ' आग प्राणो मे लिये हुए अर्थात् प्राण तपता हुआ।

बजाँ आमद (بجاں آمده) फा अव्य –जान से तग आया हुआ।

बजा (بجا) फा वि –उचित, मुनासिव, सत्य, ठीक, सच, शुद्ध, दुरुस्त।

बजाआवरी (بجاآوری) फा स्त्री –आज्ञा-पालन, हुक्म पूरा करना।

बजाए ख़ुद (بجاے خود) फा अव्य –अपनी जगह पर, स्वय, खुद।

बजानोदिल (بجان و دل) फा अव्य –हृदय और प्राण से अर्थात् पूरी तरह से, पूर्णरूपेण।

ब ज़ा'मे ख़्वेश (به زعم خویش) फा अ अव्य –अपने ग़लत विचार मे।

ब ज़िद (بہ ضد) फा अ अव्य.–हठपूर्वक, हठात्, ज़िद के साथ।

बजुज़ (بجز) फा अ अव्य –अतिरिक्त, अलावा।

ब ज़ोर (بہ زور) फा अव्य –दे 'बजब्र'।

बज़्ज़ाज़ (بزاز) अ पु –कपडे का व्यापारी, वस्त्र-वणिक्।

बज़्ज़ाज़ख़ानः (بزازخانہ) अ फा पु –बाज़ार में कपडे की मडी, वह स्थान जहाँ कपडे की दुकाने हो।

बज़्ज़ाज़ी (بزازی) अ स्त्री –कपडे का रोज़गार, कपडा बेचने का काम।

बज़्म (بزم) फा स्त्री –सभा, गोष्ठी, महफिल, उदा — "बज़्म मे वर्के नज़र है सद तमन्ना-आफ्ी, दिल में है महफिल कोई या दिल मेरा महफिल मे है।"

बज़्मआरा (بزم آرا) फा वि –सभा की शोभा बढानेवाला, सभा मे विराजमान।

बज़्मगाह (بزمگاہ) फा स्त्री –सभा का स्थान।

बज़्मनशीं (بزم نشیں) फा वि –सभापति, सद्रे मज्लिस।

बज़्मे अरूसी (بزم عروسی) फा अ. स्त्री –विवाह की महफिल।

बज़्मे ऐश (بزم عیش) फा अ स्त्री –राग-रग और खुशी का जल्सा।

बज़्मे क़दह (بزم قدح) फा अ स्त्री –पान-गोष्ठी, शराब की मज्लिस।

बज़्मे नशात (بزم نشاط) फा स्त्री –दे 'बज़्मे ऐश'।

बज़्मे नाज़ (بزم ناز) फा. स्त्री –प्रेमिका की गोष्ठी।

बज़्मे मय (بزم مے) फा स्त्री –शराब की महफ़िल, पान-गोष्ठी।

बज़्मे मातम (بزم ماتم) फा स्त्री –शोक-सभा, मरनेवाले के शोक मे होनेवाली सभा।

बज़्मे मुशाअर. (بزم مشاعرہ) फा अ स्त्री –कवि-सम्मेलन, मुशाअरे की महफिल।

बज़्मे रक़्स (بزم رقص) फा अ स्त्री –नाच-गाने का जल्सा।

बज़्मे शादी (بزم شادی) फा स्त्री –विवाह का जल्सा।

बज़्मे शे'र (بزم شعر) फा अ स्त्री –कविगोष्ठी, मुशाअरा।

बज़्मे सुख़न (بزم سخن) फा स्त्री –दे 'बज़्मे शे'र'।

बज़्मे सुरूर (بزم سرور) फा अ स्त्री –दे 'बज़्मे ऐश', दे 'बज़्मे मय'।

बज़्मोरज़्म (بزم ورزم) फा स्त्री –नाच-रग की गोष्ठी भी और रगभूमि अर्थात् युद्ध-क्षेत्र भी।

बज़्र (بذر) अ पु.–हर वह बीज जो चने से छोटा हो।

बज़्ल. (بذلہ) फा पु –मनोरजन, विनोद, हँसी-मज़ाक।

बज़्ल गो (بذلہ گو) फा. वि –विनोदी, परिहासक, हँसी-मज़ाक की बातें करनेवाला।

बज़्ल:गोई (بذلہ گوئی) फा. स्त्री –विनोद, परिहास, हँसी-मज़ाक की बाते करना।

बज़्ल:संज (بذلہ سنج) फा वि –दे 'बज़्ल गो'।

बज़्ल:संजी (بذلہ سنجی) फा स्त्री.–दे 'बज़्ल गोई'।

बज़्ल (بذل) अ. पु –दानशीलता, फैयाज़ी।

बज़्लोजूद (بذل وجود) अ पु –दानशीलता, बख़्शिश।

बज़्लोसख़ा (بذل وسخا) अ. पु –दे 'बज़्लो जूद'।

बत[त्त] (بت) अ पु –काटना, तराशना, विच्छेद, खडन।

बत (بط) फा स्त्री –हस, बतख़।

ब तअम्मुल (بہ تامل) फा अ अव्य –सोच-विचार के, धीरे से।

ब तकल्लुफ (بہ تکلف) फा अ अव्य –तकल्लुफ के साथ, सकोच के साथ।

ब तक़्रीब (بہ تقریب) फा अ अव्य –अवसर पर, जैसे— 'बतक़्रीबे शादी' विवाह के अवसर पर।

ब तद्रीज (بہ تدریج) फा अ अव्य –क्रमश, तरतीब से, शनै-शनै, धीरे-धीरे।

बतर (بتر) फा वि –'बदतर' का लघु, निकृष्ट, ख़राब।

ब तराज़िए तरफ़ैन (بہ تراضئی طرفین) फा अ अव्य– दोनो दलो की रज़ामदी से।

ब तरीक़े अदावत (بہ طریق عداوت) फा अ अव्य –शत्रुता के रूप में।

ब तरीक़े दोस्ती (بہ طریق دوستی) फा अ अव्य –मित्रता के रूप मे।

ब तरीक़े मश्वुरत (بہ طریق مشورت) फा अ अव्य– परामर्श के रूप मे।

बतल (بطل) अ वि –शूर, वीर, बहादुर।

बतले हुर्रीयत (بطل حریت) अ वि –स्वातत्र्यशूर, आज़ादी के सग्राम मे वीरता दिखानेवाला।

ब तवस्सुत (بہ توسط) फा अ अव्य –द्वारा, ज़रीए से।

ब तवस्सुल (بہ توسل) फा अ अव्य –दे 'ब तवस्सुत'।

ब ताईद (بہ تائید) फा अ अव्य –सहायता से, समर्थन से।

ब ता'जील (بہ تعجیل) फा अ अव्य –शीघ्रता से, जल्दी से।

बतालत (بطالت) अ स्त्री –बेकार अर्थात् कार्यहीन होना, छुट्टी मे होना।

बती (بطی) अ वि –मद, सुस्त, देर करनेवाला, विलब-कर्ता।

बतीउलअसर (بطی الاثر) अ वि –जो अपना गुण अर्थात् तासीर देर मे दिखाये, जो दवा देर में असर करे।

बतीउलहरकत (بطی الحرکت) अ वि –जो बहुत धीरे-धीरे चले, मदगामी।

ब तीबे ख़ातिर (بہ طیب خاطر) फा अ अव्य –हर्षपूर्वक, प्रसन्नता के साथ।

बतूल (بتول) अ वि –सासारिक मोह और माया के बधनो को तोड फेंकनेवाला (वाली), हज़्रत फातिमा की उपाधि।

ब तौए-ख़ातिर (بہ طوع خاطر) फा अ अव्य –दे 'ब तीबे ख़ातिर'।

ब तौरे ख़ुद (بہ طور خود) फा अ अव्य –अपने तौर पर, निजी तरीके से, अपनी राय से, अपनी तरफ से।

ब तौरे मिज़ाह (بہ طور مزاح) फा, अ अव्य –हँसी के तौर पर, मनोरजन के लिए।

बत्ताल (بطال) अ वि –निकम्मा, निरर्थक, मिथ्यावादी, झूठा, शूर, वीर, बहादुर।

बत्न (بطن) अ पु –उदर, पेट, जठर।

बत्नन बाद बत्निन (بطناً بعد بطناً) अ अव्य –पुश्त दर पुश्त, नस्ल दर नस्ल, वशानुगत।

बत्ने मादर (بطن مادر) अ फा पु –माँ का पेट।

बत्श (بطش) अ स्त्री –कडा पडना, सख़्ती करना, आक्रमण, हम्ला।

बत्हा (بطحا) अ स्त्री –मक्के की एक घाटी, मक्का, वह चौडी जगह जहाँ पानी बहता हो और जहाँ पत्थर बहुत हो।

बद (بد) फा वि –निकृष्ट, खराब, उत्पाती, शरीर, उपद्रवी, फसादी, निकम्मा, नाकिस, अशुभ, मनहूस, दुराचारी, वदचलन।

वदअजाम (بدانجام) फा वि –जिसका परिणाम अशुभ हो, जो अत में विपत्ति का कारण हो।

वदअदेश (بداندیش) फा वि –बुरा सोचनेवाला, दुश्चितक, वदख़्वाह।

बदअदेशी (بد اندیشی) फा स्त्री –बुरा सोचना, वदख़्वाही।

बदअक़ीदः (بدعقیدہ) फा अ वि –जिसका धर्म-विश्वास ठीक न हो, अनास्थ, जिसे किसी व्यक्ति विशेष में जो सब का श्रद्धापात्र हो, श्रद्धा न हो।

वदअकीदगी (بد عقیدگی) फा, अ स्त्री –धर्म-विश्वास का ठीक न होना, ऐसे व्यक्ति मे श्रद्धा न होना जिस पर प्राय सभी श्रद्धा रखते है, बुरा विश्वास, गलत चीज़ पर विश्वास करना।

बदअक्ल (بدعقل) फा अ वि –हतबुद्धि, मूर्ख, वेवकूफ।

बदअख़्तर (بداختر) फा वि –अभागा, कुभागीन, वद-क़िस्मत।

बदअख़्लाक़ (بداخلاق) फा अ वि –दु शील, वेमुरव्वत, दुर्व्यवहार, जिसका व्यवहार अच्छा न हो।

वदअत्वार (بداطوار) फा अ वि –दुराचारी, दुश्चरित, वदआ'माल।

वदअफ़्आल (بدافعال) फा अ वि –दे 'वदअत्वार'।

वदअमल (بدعمل) फा अ वि –दुष्कर्मी, दुष्कृत्य-कर्ता, जिसका अमल अच्छा न हो।

वदअम्नी (بدامنی) फा अ स्त्री –अशाति, गडवड, उपद्रव, दगा, विद्रोह, वग़ावत।

वदअस्ल (بداصل) फा अ वि –अकुलीन, गैरशरीफ।

वदअह्द (بدعہد) फा अ वि –वादे पर काइम न रहने-वाला, वचन-भजक।

वदअह्दी (بدعہدی) फा अ स्त्री –वादे पर अटल न रहना, वचन-भजन।

वदआईन (بدآئین) फा वि –जिसका कोई नियम न हो, वेउसूला।

वदआईनी (بدآئینی) फा स्त्री –सिद्धान्तहीनता, कोई नियम न होना।

वदआग़ाज़ (بدآغاز) फा वि –जिसकी शुरुआत अच्छी न हो, जिसका प्रारभ ही अनिष्टकर हो।

वदआ'माल (بداعمال) फा अ वि –बुरे आचार-विचार वाला, दुराचारी।

वदआ'माली (بداعمالی) फा अ स्त्री – दुराचार।

वदआमोज़ (بدآموز) फा वि –जिसको बुरी शिक्षा मिली हो।

वदआमोज़ी (بدآموزی) फा स्त्री –बुरी शिक्षा मिलना।

वदइतिज़ामी (بدانتظامی) फा अ स्त्री –प्रवध की खरावी, कुव्यवस्था, कुप्रवन्ध।

वदउन्वानी (بدعنوانی) फा अ स्त्री –वे कायदगी, नियम-विरुद्धता।

वदउसूल (بداصول) फा अ वि –दे 'वदआईन'।

वदउस्लूब (بداسلوب) फा अ वि –वेढगा, वदनुमा, कदा-कार, दुराचारी, कुकर्मी, वदअमल।

वदएतिक़ाद (بداعتقاد) फा अ वि –दे 'वदअकीद'।

वदएतिक़ादी (بداعتقادی) फा अ स्त्री –दे 'वदअकी-दगी'।

वदएतिमाद (بداعتماد) फा अ वि –अविश्वस्त, गैर मात-वर।

वदएतिमादी (بداعتمادی) फा अ स्त्री –वेएतिवारी, अविश्वास।

वदऔसान (بداوسان) अ वि –वदहवास, घवडाया हुआ।

वदक़त्अ (بدقطع) फा अ वि –कदाकार, कुरूप, वदसूरत।

वदक़दम (بدقدم) फा अ वि –जिसका आना अनिष्टकर हो, अशुभचरण।

वदकर्दार (بدکردار) फा. वि—दुराचारी, कदाचारी, व्यभिचारी, हरामकार।

वदकर्दारी (بدکرداری) फा स्त्री—दुराचार, कदाचार, दुष्टाचार; व्यभिचार, कामुकता, लपटता।

वदकलाम (بدکلام) फा अ वि—वदकलामी करनेवाला, गालियाँ वकनेवाला, गुस्ताख़ी से वात करनेवाला।

वदकार (بدکار) फा वि—दुराचारी, दुष्कर्मा, वुरे चाल-चलनवाला।

वदकिर्दार (بدکردار) फा वि—वुरे काम करनेवाला, कदाचारी।

वदकिस्मत (بدقسمت) फा अ वि—दुर्भाग्यवान्, वुरी तक्दीरवाला, भाग्यहीन, हतभाग्य।

वदकिस्मती (بدقسمتی) फा अ स्त्री—तक्दीर का खोटापन, दुर्भाग्य।

वदकुमाश (بدقماش) फा वि—दे 'वदकार'।

वदकुवार. (بدقواره) फा वि—वुरी सूरतवाला, कदाकृति, कुरूप।

वदकेश (بدکیش) फा वि—दुष्प्रकृति, दुष्टात्मा, वुरे स्वभाववाला।

वदकौम (بدقوم) फा अ वि—अकुलीन, कमीना, नीच।

वदख़त (بدخط) फा वि—जिसकी लिखावट अच्छी न हो, कुलेख, कदक्षर, वुरा लिखा हुआ।

वदख़ती (بدخطی) फा स्त्री—वुरा लिखना, कुलेख।

वदखस्लत (بدخصلت) फा अ वि—वुरी प्रकृतिवाला, दुष्ट स्वभाववाला, नीच प्रकृति।

वदख़स्लती (بدخصلتی) फा अ स्त्री—प्रकृति का खोटापन, स्वभाव की नीचता।

वदखिसाल (بدخصال) फा अ वि—दे 'वदखस्लत'।

वदखुल्क (بدخلق) फा अ वि—दे 'वदअख़्लाक'।

वदखुल्की (بدخلقی) फा अ स्त्री—वदअख़्लाकी, दु शीलता, वेमुरव्वती, दुराचार, वदआ'माली।

वदख़ू (بدخو) फा वि—वुरे और कड़ुए स्वभाववाला, रूखा, दु शील।

वदख़ूई (بدخوئی) फा स्त्री—स्वभाव का रूखा और कडवापन।

वदख़्वावी (بدخوابی) फा स्त्री—ठीक तौर से नीद न आना, नीद का वार-वार उचटना, विलकुल नीद न आना; नीद न आने का रोग, अनिद्रा।

वदख़्वाह (بدخواه) फा वि—अहितचिंतक, दुश्चितक, वुराई चाहनेवाला।

वदख़्वाही (بدخواهی) फा स्त्री—वदी चाहना, हित न चाहना, अशुभ चाहना।

वदख़्श (بدخش) फा पु—वदख़्शाँ का लघु, दे 'वदख़्शाँ'।

वदख़्शाँ (بدخشاں) फा पु—अफगानिस्तान का एक प्रदेश जहाँ का लाल (पद्मराग) वहुत वहुमूल्य होता है।

वदख़्शानी (بدخشانی) फा वि—जो वदख़्शाँ का हो, जो वदख़्शाँ से सम्वन्ध रखता हो।

वदख़्शी (بدخشی) फा वि—दे 'वदख़्शानी'।

वदगिल (بدگل) फा वि—कुरूप, वदसूरत, कदाकार।

वदगुमान (بدگمان) फा वि—जो किसी की ओर से वुरी धारणा रखे।

वदगुमानी (بدگمانی) फा स्त्री—किसी की ओर से वुरा खयाल, कुधारणा।

वदगुहर (بدگہر) फा वि—अकुलीन, कुल का हेठा, वर्णसकर, दोगला।

वदगो (بدگو) फा वि—वदगोई करनेवाला, गालियाँ वकनेवाला, पिशुन, चुगल, निंदक, झूठी वुराई करनेवाला।

वदगोई (بدگوئی) फा स्त्री—गाली-गलौज, अपशब्द, पिशुनता, चुगुलख़ोरी, निंदा, वदनामी।

वदगोश्त (بدگوشت) फा पु—वह अतिरिक्त मास जो शरीर के किसी अग मे रोग के तौर पर उत्पन्न हो जाता है।

वदगौहर (بدگوہر) फा वि—अकुलीन, वदनस्ल।

वदचश्म (بدچشم) फा वि—जिसकी नज़र तुरत लगती हो, दुरक्ष, ईर्ष्यालु, मत्सरी, हासिद।

वदज़न (بدظن) फा अ वि—जो किसी की ओर से वुरा विचार रखे, वदगुमान।

वदज़नी (بدظنی) फा अ स्त्री—किसी की ओर से वुरा विचार, कुधारणा, वदगुमानी।

वदज़ाइक़ः (بدذائقہ) फा अ वि—जो स्वाद मे अच्छा न हो, नीरस, नि स्वाद, कुस्वाद, दु स्वादु।

वदज़ात (بدذات) फा अ वि—नीच, अधम, कमीना, छली, ठग, धूर्त, फित्तीन, दुष्टाचारी, ख़वीस।

वदज़ाती (بدذاتی) फा अ स्त्री—नीचता, अधमता, छल, कपट, धूर्तता, मक्कारी, दुष्टाचार, ख़वासत।

वदजिलौ (بدجلو) फा तु वि—वह घोडा जो वहुत ही मुँहज़ोर हो।

वदज़ेव (بدزیب) फा वि—भद्दा, वदनुमा, श्रीहीन।

वदज़ेह्न (بدذہن) फा अ वि—जिसका ज़ेह्न अच्छा न हो, मदप्रतिभ।

वदज़ेह्नी (بدذہنی) फा अ स्त्री—ज़ेह्न का अच्छा न होना, वुद्धि का तेज़ न होना।

वदज़ौक (بدذوق) फा अ वि—जो पढने-लिखने मे दिल

न लगाये; जो किसी विशेष काम करने मे दिलचस्पी न ले, जो काव्य-रसिक न हो।

वदज़ौक़ी (بدذوقی) फा अ स्त्री –पढने-लिखने मे दिल न लगाना, किसी विशेष कार्य मे रुचि न रखना, कलारसिक न होना।

वदतबार (بدتبار) फा वि –अकुलीन, बुरे वश का।

वदतमीज़ (بدتمیز) फा अ वि –अशिष्ट, असभ्य, उद्दड, उजड्ड, फूहड, वदसलीक , धृष्ट, गुस्ताख़, वदजवान।

वदतमीज़ी (بدتمیزی) फा अ स्त्री –अशिष्टता, उद्दडता, फूहडपन, धृष्टता, अपशब्द, वदजबानी।

वदतर (بدتر) फा वि –बुरे से बुरा, बहुत खराव।

वदतरीन (بدترین) फा वि –सव से बुरा, सव से ख़राव।

वदतह्ज़ीब (بدتہذیب) फा अ वि –अशिष्ट, असभ्य, उद्दड, उजड्ड, धृष्ट, गुस्ताख़, अपशब्दी, वदजबान।

वदतह्ज़ीबी (بدتہذیبی) फा अ स्त्री –अशिष्टता, उद्दडता, धृष्टता, अपशब्द।

वदतीनत (بدطینت) फा अ वि –दुष्प्रकृति, अत कुटिल, वदवातिन।

वदतीनती (بدطینتی) फा अ स्त्री –प्रकृति की निकृष्टता, स्वभाव की अधमता।

वददिमाग़ (بددماغ) फा अ वि –अहकारी, अभिमानी, घमडी, ज़रा-सी वात पर बुरा मान जानेवाला, नाज़ुक दिमाग।

वददिमाग़ी (بددماغی) फा अ स्त्री –अहकार, गुरूर, जरा जरा-सी वात पर विगड जाने की आदत, नाज़ुक दिमागी।

वददियानत (بددیانت) फा अ वि –जो अमानत मे खियानत करे, वेईमान।

वददियानती (بددیانتی) फा अ स्त्री –अमानत मे खियानत करना, वेईमानी।

वददिल (بددل) फा वि –निराश, नाउम्मेद, मलिनचित्त, अफ़्सुर्द , उदास, गमगीन।

वददिली (بددلی) फा स्त्री –निराशा, नाउम्मेदी, चित्त की मलिनता, उदासी।

वददुआ (بددعا) फा अ स्त्री –शाप, श्राप, अनिष्ट का वचन, कोसना, बुरा कहना।

वदन (بدن) अ पु –शरीर, देह, जिस्म, योनि, भग, फुर्ज।

वदनज़र (بدنظر) फा अ वि –जिसकी नज़र जल्द लग जाती हो, जो दूसरो को बुरी नज़र अर्थात् पाप की दृष्टि से देखता हो।

वदनज़री (بدنظری) फा अ स्त्री –पाप की दृष्टि से देखना, बुरी नज़र का असर होना।

वदनज़ाद (بدنژاد) फा वि –अकुलीन, अज्ञात वश का, तुच्छ वश का।

वदनज़्मी (بدنظمی) फा अ स्त्री –कुव्यवस्था, कुप्रवन्ध, वदइतिज़ामी।

वदनतीज. (بدنتیجہ) फा अ वि –दे 'वदअजाम'।

वदनफ़्स (بدنفس) फा अ वि –दे 'वदवातिन'।

वदनफ़्सी (بدنفسی) फा अ स्त्री –मनकी निकृष्टता, अत -कौटिल्य।

वदनसीव (بدنصیب) फा अ वि –अभागा, मद भाग्य, वदकिस्मत।

वदनसीवी (بدنصیبی) फा अ स्त्री –भाग्य का खोटापन, तकदीर की ख़रावी, वदकिस्मती।

वदनस्ल (بدنسل) फा अ वि –अकुलीन, वशहीन, तुच्छ वशीय।

वदनाम (بدنام) फा वि –कुख्यात, जिसकी शोहरत बुरे रूप मे हो।

वदनामी (بدنامی) फा स्त्री –कुख्याति, वदशोह्रती, अपयश, कुकीर्ति, निंदा, रुस्वाई।

वदनिगाह (بدنگاہ) फा वि –दे 'वदनजर'।

वदनिहाद (بدنہاد) फा वि –दे 'वदनजाद'।

वदनी (بدنی) अ वि –शरीर सम्वन्धी, शरीर का, शरीर जनित।

वदनीयत (بدنیت) फा अ वि –वेईमान, वददियानत, लोभी, लालची।

वदनीयती (بدنیتی) फा अ स्त्री –वेईमानी, वददियानती, लोभ, लालच।

वदनुमा (بدنما) फा वि –कुरूप, वदशक्ल, दुर्दर्शन, दुर्दृश्य, भोंडा।

वदनुमाई (بدنمائی) फा स्त्री –कुरूपता, वदशक्ली, भोंडा, भद्दा।

वदनुमूद (بدنمود) फा वि –दे 'वदनुमा'।

वदपरहेज़ (بدپرہیز) फा वि –वह वीमार जो परहेज़ न करता हो, वद एहतियात।

वदपरहेज़ी (بدپرہیزی) फा स्त्री –वीमार का खाने-पीने में परहेज़ न करना।

वदफ़र्जाम (بدفرجام) फा वि –दे 'वदअजाम'।

वदफ़े'ली (بدفعلی) फा अ स्त्री –बुरा काम, व्यभिचार, लपटता।

वदफ़आत (بدفعات) फा अ अव्य –थोडा-थोडा करके, कई वार मे।

वदवख़्त (بدبخت) फा वि –वदकिस्मत, अभागा।

वदवख़्ती (بدبختی) फा स्त्री–भाग्य की खरावी, अभागापन, वदकिस्मती।
वदवला (بدبلا) फा स्त्री–चुडैल, डाइन; पापी, खवीस।
वदवातिन (بدباطن) फा अ स्त्री–बुरी प्रकृतिवाला, दुरात्मा, खवीस।
वदवीं (بدبین) फा वि–बुराई देखनेवाला, छिद्रान्वेपी।
वदवीनी (بدبینی) फा स्त्री–बुराई देखना, छिद्रान्वेपण।
वदवू (بدبو) फा वि–जिसमें बुरी महक हो, दुर्गंधयुक्त, बुरी वास, दुर्गंध।
वदवूदार (بدبودار) फा वि–दुर्गंधयुक्त, जिसमे बुरी वास हो।
वदमंज़र (بدمنظر) फा अ वि–जो देखने मे बुरा और भद्दा हो, दुर्दर्शन, कुदृश्य।
वदमआल (بدمآل) फा अ वि–दे 'वदअंजाम'।
वदमआश (بدمعاش) फा अ वि–लुच्चा, गोह्दा, गुडा, लोफर, जिसकी जीविका बुरे कामो से चले, चोर, उठाईगीरा, दुप्ट।
वदमआशी (بدمعاشی) फा अ स्त्री–लुच्चापन, गुडापन, बुरे कामो से जीविका चलाना, चोरी, उठाईगीरापन आदि।
वदमज़ः (بدمزہ) फा वि–कुस्वाद, जिसमें मज़ा न हो, खिन्न, मलिन, उदास, अफ्सुर्द।
वदमज़गी (بدمزگی) फा स्त्री–स्वाद का न होना, मन की अप्रसन्नता, उदासी, वेलुत्फी, किसी काम मे मज़ा न आना।
वदमज़न्नः (بدمظنہ) फा अ वि–वह व्यक्ति जिस पर किसी अपराव का शुव्हा हो।
वदमज़्हव (بدمذہب) फा अ वि–जिसने अपना धर्म त्याग दिया हो, जो विधर्मी हो गया हो, नास्तिक।
वदमज़हवीयत (بدمذہبیت) फा अ स्त्री–अपना धर्म त्याग देना, नास्तिक हो जाना।
वदमस्त (بدمست) फा वि–जो शराव आदि के कारण वहुत अधिक अचेत हो, मदोन्मत्त।
वदमस्ती (بدمستی) फा स्त्री–शराव आदि के नशे मे मस्त होना।
वदमिज़ाज (بدمزاج) फा अ वि–चिड़चिडे मिज़ाज का, बुरी प्रकृति का, गुस्सैल, क्रुद्धात्मा।
वदमिज़ाजी (بدمزاجی) फा अ स्त्री–चिडचिडापन, बुरा स्वभाव, स्वभाव का गुस्सैल होना।
वदमिह्‌र (بدمہر) फा वि.–वेवफा, विश्वासघाती।
वदमुआमल. (بدمعاملہ) फा अ वि–जो लेन-देन मे साफ न हो, व्यवहार कुटिल, जो मिलने-जुलने मे अच्छा न हो।
वदमुआमलगी (بدمعاملگی) फा अ. स्त्री–लेन-देन के सम्वन्ध मे व्यवहार की खरावी, मिलने-जुलने में व्यवहार की खरावी।
वदमुह् (بدمہر) फा वि–सुअर, शूकर।
वदयक़ीन (بدیقین) फा अ वि.–दे 'वदएतिकाद'।
वदयुम्न (بدیمن) फा अ वि–अशुभ, अनिष्टकर, अकल्याणकारी, मन्हूस।
वदयुम्नी (بدیمنی) फा अ स्त्री–अनिप्टि, अशुभ, अकल्याण, नुहूसत।
वदरंग (بدرنگ) फा वि–बुरे रग का, जिसका रग फीका हो गया हो, खोटा, खराव, ताश मे रग के विरुद्ध पत्ता।
वदरंगी (بدرنگی) फा स्त्री–बुरे रग का होना, रग का फीकापन, खोटापन, ताश मे रग का पत्ता न होना।
वदर (بدر) फा वि–वाहर।
वदरग (بدرگ) फा वि–अकुलीन, सकर, दोगला।
वदररौ (بدرر) फा स्त्री–पानी निकलने की नाली, मोरी।
वदरवी (بدروی) फा स्त्री–बुरी राह चलना, कुमार्ग गमन।
वदरवैयः (بدرویہ) फा अ वि–खराव व्यवहारवाला, जिसका रवैया अच्छा न हो।
वदराह (بدراہ) फा वि–बुरी राह चलनेवाला, कुमार्गगामी।
वदरिकाव (بدرکاب) फा वि–वह घोडा जो सवारी के वक्त शरारत करे।
वदरू (بدرو) फा वि–बुरी सूरतवाला, कुरूप, कदाकार, दुर्मुख।
वदरोज़ (بدروز) फा वि–दे 'वदरोज़गार'।
वदरोज़गार (بدروزگار) फा वि–जो दिनो के फेर में फँसा हो, कालचक्रग्रस्त, वदकिस्मत, हतभाग्य, दुर्दैव।
वदरौ (بدرو) फा वि–बुरे रस्ते पर चलनेवाला, बदराह, कुमार्गगामी।
वदरौनक (بدرونق) फा वि–हतश्री, भग्नश्री, जिसमें कोई रौनक न हो, उजाड।
वदरौनकी (بدرونقی) फा स्त्री–शोभा न होना, उजाडपन।
वदर्जए ग़ायत (بدرجۂ غایت) फा अ पु–वहुत अधिक, अत्यधिक, वहुत ज़ियादा।
वदर्जए मज्वूरी (بدرجۂ مجبوری) फा अ पु–जव कोई न रहे, जव विवशता हो, मज्वूरी की हालत में।
वदर्जहा (بدرجہا) फा अ वि–कई गुना, वहुत अधिक।
वदल (بدل) अ पु–प्रतिकार, वदला, क्षतिपूर्ति, मुआवज़ा, वदले मे दी हुई वस्तु, तुल्य, समान, मिस्ल।

बदलगाम (بدلگام) फा वि –मुँहज़ोर घोडा, मुहफट आदमी।

बदलहज़ (بدلهجه) फा अ वि –जिसके पढने का ढग अच्छा न हो, जिसकी आवाज़ खराब हो।

बदलिहाज़ (بدلحاظ) फा अ वि –दु शील, बेमुरव्वत, धृष्ट, गुस्ताख, जिसे किसी का लिहाज़ न हो, निर्लज्ज।

बदले इश्तिराक (بدل اشتراک) अ पु –समाचार पत्र का मूल्य, अथवा वार्षिक या मासिक मूल्य।

बदले मायतहल्लल (بدل مایتحلل) अ पु –जो छीज जाय या कम हो जाय उसकी पूर्ति।

बदवजाहत (بدوجاهت) फा अ वि –जो चेहरे से रोबदार न जँचे।

बदवज़्अ (بدوضع) फा अ वि –जिसकी वेष-भूषा अच्छी न हो, जिसका शील-स्वभाव शिष्ट न हो।

बदवतीर (بدوطیره) फा वि –दे 'बदखू'।

बदवी (بدوی) अ वि –बुद्धू, जगली, गँवार।

बदशक्ल (بدشکل) फा अ वि –कदाकार, कुरूप, बुरी सूरत, बदसूरत का।

बदशक्ली (بدشکلی) फा अ स्त्री –कुरूपता, सूरत की खराबी, बदसूरती।

बदशिआर (بدشعار) फा अ वि –दे 'बदतीनत'।

बदशुऊर (بدشعور) फा अ वि –अशिष्ट, बेतमीज़, मूर्ख, नादान।

बदशुऊरी (بدشعوری) फा अ स्त्री –अशिष्टता, बेतमीज़ी, मूर्खता, नादानी।

बदशुगून (بدشگون) फा वि –मनहूस, अशुभ।

बदशुगूनी (بدشگونی) फा स्त्री –नुहूसत, शगुन का खराब होना।

बदशौक़ (بدشوق) फा अ वि –जिसे पढने-लिखने मे दिलचस्पी न हो।

बदशौकी (بدشوقی) फा अ स्त्री –पढने-लिखने मे रुचि का अभाव।

बदसरजाम (بدسرانجام) फा वि –जिस कार्य की पूर्ति खराब तरह से हुई हो, जिसका अजाम अच्छा न हो।

बदसरअजामी (بدسرانجامی) फा स्त्री –किसी कार्य की पूर्ति बुरे प्रकार से होना, किसी कार्य का परिणाम बुरा होना।

बदसलीक़ा (بدسلیقه) फा अ वि –जिसमें शिष्टता न हो, बेतमीज़, जिसे अच्छी तरह काम करने का ढग न आता हो, बदशुऊर, फूहड।

बदसलीक़गी (بدسلیقگی) अ फा स्त्री –शिष्टता का अभाव, अच्छी तरह काम करने के ढग का अभाव, बदशुऊरी।

बदसिगाल (بدسگال) फा वि –अशुभचिंतक, दुश्मन।

बदसिगाली (بدسگالی) फा स्त्री –बुराई सोचना, दुश्मनी।

बदसिरिश्त (بدسرشت) फा वि –दे 'बदतीनत'।

बदसीरत (بدسیرت) फा अ वि –दे 'बदखस्लत'।

बदसीरती (بدسیرتی) फा अ स्त्री –दे 'बदखस्लती'।

बदसुलूकी (بدسلوکی) फा अ स्त्री –बुरा बर्ताव, दुर्व्यवहार।

बदसूरत (بدصورت) फा अ वि –दे 'बदशक्ल'।

बदसूरती (بدصورتی) फा अ स्त्री –दे 'बदशक्ली'।

बदसोहबती (بدصحبتی) फा अ स्त्री –बुरी सोहबत, बुरे लोगो मे उठना-बैठना, कुसगति।

बदस्तयारी (بدستیاری) फा अव्य –सहायता से, मदद मे।

बदस्तूर (بدستور) फा वि –पहले की तरह, जैसा पहले था वैसा ही, यथावत्, यथापूर्व।

बदहज़्मी (بدهضمی) फा अ स्त्री –खाना पूरी तरह न पचना, मदाग्नि, अजीर्ण।

बदहवास (بدحواس) फा अ वि –जिसकी अक्ल मारी गयी हो, हतबुद्धि, जो बौखलाया हुआ हो, उद्विग्न।

बदहवासी (بدحواسی) फा अ स्त्री –बुद्धि मारी जाना, बौखलाहट, उद्विग्नता।

बदहाल (بدحال) फा अ वि –दुर्दशाग्रस्त, बुरे हालो, कगाल, रोग-पीडित, रोग से बेहाल।

बदहाली (بدحالی) फा अ स्त्री –दुर्दशा, कगाली, बीमारी से दशा की खराबी।

बदहीयात (بدهیات) अ स्त्री –दे 'बदीहीयात', दोनो शुद्ध है।

बदहैअत (بدهیئات) फा अ वि –कुरूप, कदाकार, बदसूरत।

बदहैसियत (بدحیثیت) फा अ वि –अकुलीन, गैर शरीफ, निर्धन, कगाल, नीच, लोफर।

बदाँ (بداں) फा अव्य –बद का बहु, बुरे लोग।

बदाए' (بدائع) अ पु –'बदीअ' का बहु, नयी-नयी चीजे।

बदाहत (بداهت) अ स्त्री – ऐसी स्पष्टता जिसमे प्रमाण की आवश्यकता न हो, किसी बात या चीज़ का अचानक आना।

बदाहाल (بدا حال) फा अ अव्य –बुरी दशा, बुरा हाल।

ब दिक़्क़त (بدقت) फा अ अव्य –कठिनाई के साथ, मुश्किल से, कठिनतापूर्वक।

ब दिलोजाँ (بدل وجاں) फा अव्य –प्राण और हृदय मे, तन-मन-धन से, पूरी तरह से।

बदीं (بدیں) फा अव्य –इससे।

बदींगरज़ (بدیں غرض) फा अ अव्य –इस उद्देश से, इस आशा से, इस गरज़ से।

वदींलिहाज़ (بدیں لحاظ) फा अ अव्य –यह विचार करके, इस विचार से, इस वात को ध्यान में रखते हुए।

वदींवज्ह (بدیں وجہ) फा अ अव्य –इस कारण से, इस कारण को ध्यान मे रखते हुए।

वदींसवव (بدیں سبب) फा अ अव्य –इस कारण से, इस सवव से।

वदी (بدی) फा स्त्री –पाप, गुनाह, दोप, ऐव, अपराध, कुसूर, निंदा, गीवत, बुराई, खरावी, अपकार, नुक्सान, वदख्वाही, कृतघ्नता।

वदीअ (بدیع) अ वि –अनुपम, अभूत पूर्व, अजीवोगरीव, नयी वात, अनोखी वस्तु।

वदीउज्ज़माँ (بدیع ازماں) अ वि –सारे ससार मे अद्वितीय, अपने समय मे सवसे अनोखा।

वदीउल जमाल (بدیع الجمال) अ वि –जिसके रूप और सौन्दर्य का जवाव न हो।

वदीउल मिसाल (بدیع المثال) अ वि –जिसका दूसरा नापैद हो, जिसके-जैसा दूसरा न हो, अनुपम, अद्वितीय।

वदीउल मुल्क (بدیع الملک) अ वि –सारे देश मे जिसकी तुलना न हो।

वदीद (بدید) फा वि –दे 'पदीद', दोनो शुद्ध है, परतु उर्दू में 'पदीद' है।

वदील (بدیل) अ वि –किसी चीज़ के वदले मे मिली हुई दूसरी चीज़।

वदीह (بدیہہ) अ वि –विना सोचे किसी वात का मन मे आना, विना सोचे तुरत कहा हुआ शे'र आदि।

वदीहगो (بدیہہ گو) अ फा वि –विना विचारे किसी विपय पर तुरत वोलनेवाला, उपस्थित वक्ता, विना सोचे।

वदीहगोई (بدیہہ گوئی) अ फा स्त्री –विना विचारे तुरत भाषण देना, विना विचारे तुरत कविता करने वाला।

वदीही (بدیہی) अ वि –स्पष्ट, साफ, जिसके लिए प्रमाण की आवश्यकता न हो।

वदीहीयात (بدیہیات) अ स्त्री –'वदीही' का वहु, वे वाते जो स्पष्ट है और जिनके लिए प्रमाण की आवश्यकता न हो।

वद्दू (بدو) अ पु –अरव का खानावदोश व्यक्ति, जगल और गाँव मे रहनेवाला अरव।

वदौलत (بدولت) फा अ अव्य –कारण से, सवव से, द्वारा, तुफैल मे।

व नज़रे इस्लाह (بہ نظر اصلاح) फा अ अव्य –सुधार और दुरुस्ती की दृष्टि से।

व नज़रे तअम्मुक (بہ نظر تعمق) फा अ अव्य –गहरी नज़र से, सूक्ष्म दृष्टि से, वड़े गौर से।

व नज़रे तहकीक (بہ نظر تحقیق) फा अ अव्य –जाँच की दृष्टि से, गवेपणा की दृष्टि से।

व नज़रे तहसीन (بہ نظر تحسین) फा अ अव्य –कृतज्ञता की दृष्टि से, सराहनीय तौर पर।

व नज़रे फिरासत (بہ نظر فراست) फा अ अव्य –ताडनेवाली दृष्टि से, जेहन से।

व नज़रे हिक़ारत (بہ نظر حقارت) अ फा अव्य –तिरस्कार की दृष्टि से, घृणापूर्वक।

वनफ़्शः (بنفشہ) फा पु –कश्मीर का एक पौदा जो दवा के काम आता है।

वनफ़्शःज़ार (بنفشہ زار) फा पु –वह स्थान जहाँ वनफशा ही वनफशा हो।

व नाचारी (بہ ناچاری) फा अव्य –विवशतापूर्वक, मजबूरी से, लाचारी की हालत मे।

वनात (بنات) अ स्त्री –'वित' का वहु, 'लडकियाँ'।

वनातुन्ना'श (بنات النعش) अ स्त्री –वे सात तारे जो ध्रुव के गिर्द घूमते है, सप्तर्षि।

वनादिर (بنادر) अ पु –'वदर' का वहु, समुद्र के तट, समदर के साहिल।

वनानः (بنانہ) अ स्त्री –पाँव की उँगली।

व निगाहे इताव (بہ نگاہ عتاب) फा अ. अव्य –क्रोध की दृष्टि से, गुस्सा भरी आँखो से।

व निगाहे करम (بہ نگاہ کرم) फा अ अव्य –दया की दृष्टि से, मेहरवानी की नजर से।

व निगाहे गर्म (بہ نگاہ گرم) फा अव्य –तेज़-तेज आँखो से, क्रोध की दृष्टि से।

व निगाहे गैज़ (بہ نگاہ غیظ) फा अ अव्य –दे 'व निगाहे इताव'।

व निगाहे तेज़ (بہ نگاہ تیز) फा अव्य –दे 'व निगाहे गर्म'।

व निगाहे मेह्र (بہ نگاہ مہر) फा अव्य –दे 'व निगाहे करम'।

व निगाहे रह्म (بہ نگاہ رحم) फा अ अव्य –करुणा की दृष्टि से, तरस खाते हुए।

व निगाहे लुत्फ (بہ نگاہ لطف) फा अ अव्य –दे 'व निगाहे करम'।

व निगाहे शौक़ (بہ نگاہ شوق) फा अ अव्य –उत्कठा और लालसा की दृष्टि से, शौक की आँखो से।

व निगाहे हस्रत (بہ نگاہ حسرت) फा अ अव्य –हस्रत भरी दृष्टि से, ऐसी दृष्टि से जिसमे निराशा के साथ दया और करुणा की माँग हो।

वनीअम (بنی عم) अ पु –चचा के लडके, चचेरे भाई।

बनीआदम (بنی آدم) अ पु –मनुजात, मनुष्य, मानव, आदमी।

बनीइस्राईल (بنی اسرائیل) अ पु –यहूदी, यहूदियो की उपाधि ।

बनीजान (بنی جان) अ पु –जिन्नो की जाति।

बनुफ्श (بنفش) अ वि –नीले रग का, कवूदी।

बनीनौअ (بنی نوع) अ पु –जाति, किसी जाति के लडके।

बनीनौए इंसान (بنی نوع انسان) अ पु –मानव जाति, मनुष्यो की जाति, मानव समष्टि।

बनीनौए बशर (بنی نوع بشر) अ पु –दे 'बनीनौए इसान'।

बपा (بپا) फा वि –उपस्थित, काइम।

ब पासे ख़ातिर (بپاس خاطر) फा अ अव्य –दिल रखने के लिए।

ब फ़ज़्ले एज़दी (بفضل ایزدی) फा अ अव्य –ईश्वर की कृपा से, भगवान् की दया से।

ब फ़राग़त (بفراغت) फा अ अव्य –सतोषपूर्वक, इत्मीनान से, सुगमतापूर्वक, आसानी से।

बफा (بفا) उ स्त्री –सर में पड जानेवाली भूसी।

ब फ़िरासत (بفراست) फा अ अव्य –ताडनेवाले अनुभव से।

ब फ़ौर (بفور) फा अ अव्य –तुरत, तत्क्षण, शीघ्र ही, फौरन।

बबर (ببر) अ पु –दे 'बब्र' दोनो शुद्ध है, परतु 'बब्र' अधिक बोलते है।

ब बांगे दुहुल (ببانگ دهل) फा अव्य –ढोल बजाते हुए (कहना) ज़ोर-ज़ोर से सबके सामने (कहना)।

बबांगे बलद (ببانگ بلند) फा अव्य –चिल्लाकर, ज़ोर-ज़ोर से (कहना) उद्‌घोष।

बब्र (ببر) अ पु –एक जतु जो बिल्ली के बराबर होता है, जिसके पूँछ नही होती और जो शेर को मार डालता है, शेर की एक जाति, यह शब्द शेर के साथ उसके विशेषण के रूप मे अधिक आता है।

बम (بم) फा पु –थप्पड, चाँटा, ऊँचा स्वर।

ब मंज़िल (بمنزل) फा अ अव्य –दशा मे, हालत मे।

ब मदारिज (بمدارج) फा अ अव्य.–कई दरजे, कई गुना।

ब मरातिब (بمراتب) फा अ अव्य –दे 'मदारिज'।

ब मिस्दाक़ (بمصداق) फा अ अव्य –अनुसार, मुताबिक।

ब मुक्तज़ा (بمقتضا) फा अ अव्य –कारण से, के नाते।

ब मुश्किल (بمشکل) फा अ अव्य –कठिनाई से, कठिनतापूर्वक, मुश्किल से।

ब मूजिब (بموجب) फा अ अव्य –अनुसार, मुताबिक।

बमूजिबे हुक्म (بموجب حکم) फा अ अव्य –आज्ञानुसार, आदेशानुसार, फरमाने के मुताबिक।

ब यक वक्त (بیک وقت) फा अ अव्य –एक समय में, एक वक्त मे, एक साथ।

बयाज़ (بیاض) अ स्त्री –श्वेतता, सफेदी, कविता की कापी जो हाथ की लिखी हो।

बयाज़े शे'र (بیاض شعر) अ स्त्री –कविता का हस्त-लिखित सग्रह जो साथ रह सके।

ब यादगार (بیادگار) फा अव्य –स्मरण मे, यादगारी में।

बयान (بیان) अ पु –बात-चीत, वार्तालाप, भाषण, व्याख्यान, लेक्चर, तक़रीर, चर्चा, जिक्र, सूचना, इत्तिलाअ, परिच्छेद, बाब (पुस्तक का), अलकार-विद्या, मुकदमे मे वादी-प्रतिवादी या साथी का इज़्हार।

बयानात (بیانات) अ पु –'बयान' का बहु।

बयाबान (بیابان) फा पु –दे 'बियाबान', शुद्ध दोनो है, परतु वह अधिक शुद्ध और व्यवहृत है।

बयारः (بیاره) फा पु –बेलदार पेड, जैसे—लौकी या ककडी का।

बरगेख़्त (برانگیخته) फा वि –क्रोध मे भरा हुआ, क्रुद्ध, कुपित, उकसाया हुआ।

बरदाज़ (برانداز) फा वि –नष्ट करनेवाला, उजाडनेवाला।

बर (بر) फा अव्य –पर, ऊपर, (उप) किसी शब्द पर आकर विशेष अर्थ देता है, जैसे—'आमदन' आना, 'बर आमदन' निकलना, प्रकट होना।

बरअंगेख़्त (برانگیخته) फा अव्य –दे 'बरगेख़्त', शुद्ध उच्चारण वही है।

बरअंदाज़ (برانداز) फा वि –दे 'बरदाज', शुद्ध उच्चारण वही है।

बरअक्स (برعکس) फा अ वि –विसदृश, प्रतिकूल, खिलाफ, प्रत्युत, बरखिलाफ।

बरअफ़्रोख़्त (برافروخته) फा वि –दे 'बरफ़ोख़्त', शुद्ध उच्चारण वही है।

बरआवर्द (برآورد) फा वि –दे 'बरावर्द' शुद्ध उच्चारण वही है।

बरआशुफ्त (برآشفته) फा वि –दे 'बराशुफ्त', शुद्ध उच्चारण वही है।

बरउफ़्ताद (برافتاده)–दे 'बरुफ्ताद', शुद्ध उच्चारण वही है।

बरकंद (برکنده) फा वि –उन्मूलित, जड से उखेडा हुआ, उखेडकर फेंका हुआ।

वरकत (برکت) अ स्त्री –वढती, वढोतरी, ज़ियादती, प्रचुरता, इफ़ात, सौभाग्य, खुश किस्मती, कल्याण, वहवूद, ईश्वर की ओर से गुप्तरूप मे धन आदि की वढोतरी।

वरकरार (برقرار) फा अ वि –स्थिर, सावित, जीवित, ज़िंद, दृढ, अचल, काइम, वहाल, पुनर्नियुक्त।

वरकात (برکات) अ उ भा –'वरकत' का वहु, वरकतें।

वरख़ास्तः (برخاستہ) फा वि –उठा हुआ।

वरख़ास्त ख़ातिर (برخاستہ‌خاطر) फा अ वि –उच्चाटन, जिससे मन उचट गया हो, वददिल।

वरख़ास्त.दिल (برخاستہ‌دل) फा वि –दे 'वरख़ास्त ख़ातिर'।

वरख़ास्त (برخاست) फा वि –समाप्त, ख़त्म, पदच्युत, वरतरफ, पृथक्।

वरख़ास्तगी (برخاستگی) फा स्त्री –समाप्ति, अत, ख़ातिम, पदच्युति, वरतरफी, नौकरी से हटना।

वरख़िलाफ (برخلاف) फा अ वि –प्रतिकूल, उलटा, विरुद्ध, मुख़ालिफ, प्रत्युत, वरअक्स।

वरख़ुदगलत (برخودغلط) फा अ वि –जो अपने को कम होते हुए वहुत अधिक समझता हो।

वरख़ुर्द (برخورد) फा वि –सफलता, कामयावी, सौभाग्य, खुशकिस्मती।

वरख़ुर्दार (برخوردار) फा वि –सौभाग्यशाली, खुशनसीव, सफल मनोरथ, कामरा, वेटा, पुत्र, सपन्न, फला-फूला।

वरख़ुर्दारी (برخورداری) फा स्त्री –सौभाग्य, खुशकिस्मती, सफलता, कामयावी, सपन्नता, फलना-फूलना।

वरगश्त. (برگشتہ) फा वि –फिरा हुआ, प्रतिकूल, अवज्ञाकारी, उद्दड, सरकश।

वरगश्त.ऐयाम (برگشتہ‌ایام) फा अ वि –जिसके दिन प्रतिकूल हो, हतभाग्य।

वरग्रश्त.किस्मत (برگشتہ‌قسمت) फा अ वि –जिसका भाग्य उलटा हो गया हो, अभागा।

वरगश्त.ताले' (برگشتہ‌طالع) फा अ वि –दे 'वरगश्त किस्मत'।

वरगश्त दौलत (برگشتہ‌دولت) फा अ वि –जिसकी समृद्धि उससे मुँह फेर गयी हो, दुर्दशा-पीडित।

वरगश्त नसीव (برگشتہ‌نصیب) फा अ वि –दे 'वरगश्त किस्मत'।

वरगश्त वख़्त (برگشتہ‌بخت) फा वि –दे 'वरगश्त-किस्मत'।

वरगश्त सर (برگشتہ‌سر) फा वि –सर फिरा, पागल।

वरगुज़ीद (برگزیدہ) फा वि –छाँटा हुआ, चुना हुआ, मनोनीत, पसदीद, पुनीतात्मा, मुकद्दस।

वरगुज़ीदगी (برگزیدگی) फा स्त्री –पुनीतता, तकद्दुस, छाँटना, चुनना, पसद करना।

वरचीदः (برچیدہ) फा वि –चुना हुआ, छाँटा हुआ।

वरज़वाँ (برزباں) फा वि –जो ज़वानी याद हो, जो रटा हुआ हो, कठस्थ, मुखाग्र।

वरजस्तः (برجستہ) फा वि –तडाक से, तुरत, फौरन, आशु, उपस्थित।

वरजस्त गो (برجستہ‌گو) फा वि –उपस्थित वक्ता, विना सोचे किसी विषय पर भाषण दे सकनेवाला, उपस्थित-कवि जो तुरत कविता कर सके, हाजिरजवाव, वचन-पटु, प्रगल्भ।

वरजस्तःगोई (برجستہ‌گوئی) फा स्त्री –तुरत किसी विषय पर वोलना, तुरत कविता करना, हाज़िर जवावी।

वरजा (برجا) फा वि –एक स्थान पर।

ब रज़ाओरग्वत (بہ‌رضاورغبت) फा अ अव्य –प्रसन्नता और रुचिपूर्वक, राज़ी-खुशी से।

ब रज़ामदी (بہ‌رضامندی) फा अ अव्य –प्रसन्नतापूर्वक, सहर्ष, राज़ी के साथ।

वरजामांदः (برجاماندہ) फा वि –एक जगह पर ठहरा या रुका हुआ।

वरतक्दीर (برتقدیر) फा अ अव्य –भाग्यवश, तक्दीर से।

वरतवक (برطبق) फा अ अव्य –अनुसार, मुताविक, तुरत, फौरन।

वरतर (برتر) फा वि –श्रेष्ठ, उत्तम, आला, ऊँचा, वलद।

वरतरफ (برطرف) फा अ वि –पदच्युत, वरख़ास्त।

वरतरफी (برطرفی) फा अ स्त्री –पदच्युति, मौकोफी, वरख़ास्तगी।

वरतरी (برتری) फा स्त्री –श्रेष्ठता, उत्तमता, वडप्पन, ऊँचाई, वलदी।

वरद (برد) अ पु –ओला, हिमोपल।

वरदार (بردار) फा प्रत्य –उठानेवाला, जैसे—'नाज़ वरदार', नाज़ उठानेवाला।

वरदाश्त. (برداشتہ) फा वि –उठाया हुआ।

वरदाश्त.ख़ातिर (برداشتہ‌خاطر) फा वि –जिसने अपना मन किसी चीज़ से उठा लिया हो, वेतअल्लुक, रिक्त, खिन्न, उदास।

वरदाश्तःदिल (برداشتہ‌دل) फा वि –दे 'वरदाश्त ख़ातिर'।

वरदाश्त (برداشت) फा स्त्री –सहनशीलता, तहम्मुल, सहन, वोझ उठाना।

वरदाश्तख़ानः (برداشت‌خانہ) फा पु –सामान रखने का मकान, गोदाम।

बरदोख़्त (بردوختہ) फा वि –सिला हुआ, जुडा हुआ।
बररुए यार (بررویےیار) फा वि –प्रिय-मुख पर, प्रिय-आनन पर।
बरदोश (بردوش) फा अव्य –कधे पर, कधे पर उठाये हुए, जैसे—'जनाज़ बरदोश' कधे पर अरथी घरे हुए।
बरपा (برپا) फा वि –उपस्थित, काइम, खडा हुआ।
बरफ़ौर (برفور) फा अ वि –तुरत, शीघ्रतर, फौरन।
बरफ़्रोख़्त (برافروختہ) फा वि –क्रोध में भरा हुआ, कुपित।
बरबस्त (بربست) फा वि –नियम, काइदा, विधान, कानून, शैली, तर्ज़।
बरबाद (برباد) फा वि –ध्वस्त, तबाह, नष्ट, वेनामो-निशान, निर्जन, वीरान, विकृत, खराव, ज़ाए, नष्ट।
बरबादकुन (بربادکن) फा वि –वरवाद करनेवाला।
बरबादी (بربادی) फा स्त्री –विनाश, खातिम, ध्वस, तवाही, विकृत, खराबी।
बरबिना (بربنا) फा अ अव्य –के नाते, के कारण।
बरबिनाए अदावत (بربنائےعداوت) फा अ अव्य –शत्रुता के कारण, अदावत के नाते।
बरबिनाए इख़्लास (بربنائےاخلاص) फा अ अव्य –मित्रता के नाते, सच्चे प्रेम के कारण।
बरबिनाए ख़ुलूस (بربنائےخلوص) फा अ अव्य –दे 'वर बिनाए इख़्लास'।
बरबिनाए महब्बत (بربنائےمحبت) फा अ अव्य –प्रेम के नाते, प्रेम के कारण।
बरबिनाए मुलाक़ात (بربنائےملاقات) फा अ अव्य –मेल-जोल के कारण।
बरमला (برملا) फा वि –मुँह पर, सामने, खुल्लम-खुल्ला।
बरमहल (برمحل) फा अ वि –ठीक मौके पर, ठीक समय पर, उचित, मौज़ूँ, वरजस्त, मुँहतोड।
बररू (بررو) फा वि –मुँह पर, सामने।
बररूएकार (برروےکار) फा अव्य –कार्यान्वित, अमल मे आया हुआ।
बरवक़्त (بروقت) फा अ वि –ठीक समय पर।
बरस (برص) अ पु –सफेद कोढ, चित्र कुष्ठ, सिध्म, श्वेत्र।
बरसबील (برسبیل) फा अ अव्य –के तौर पर, के रूप मे, के प्रसग में।
बरसबीले ज़िक्र (برسبیل‌ذکر) फा अ अव्य –चर्चा चलने पर, चर्चा के तौर पर, चर्चा के प्रसग मे।
बरसबीले तज़्किर. (برسبیل‌تذکرہ) फा अ अव्य –दे 'वर-सबीले ज़िक्र'।
बरसबीले दवाम (برسبیل‌دوام) फा अ अव्य –हमेशा के लिए, नित्य के लिए।
बरसबीले शिकायत (برسبیل‌شکایت) फा अ अव्य –उला-हने के रूप में।
बरसरे आम (برسرعام) फा अ वि –सबके सामने, सारे लोगो के सामने, खुल्लम खुल्ला।
बरसरे कार (برسرکار) फा वि –काम पर लगा हुआ, वाकार।
बरसरे कीं (برسرکین) फा वि –दे 'वरसरेकीन'।
बरसरे कीन (برسرکینہ) फा वि –अदावत पर आमादा, मरने-मारने पर तैयार।
बरसरे ख़ुद (برسرخود) फा वि –'वरसरे ख़्वेश'।
बरसरेख़्वेश (برسرخویش) फा वि –स्वेच्छाचारी, स्वच्छन्द, खुदराए।
बरसरे जग (برسرجنگ) फा वि –लडने-मरने पर तैयार, लडाई करने के लिए आमादा।
बरसरे बाज़ार (برسربازار) फा अव्य –बाज़ार मे, सारी जनता के सामने।
बरसरे मत्लब (برسرمطلب) फा अ अव्य –अस्ली मतलब पर।
बरसरे मौक़ा (برسرموقعہ) फा अ अव्य –ठीक मौके पर, घटनास्थल पर।
बरसे अब्यज़ (برص‌ابیض) अ पु –वह 'वरस' जो सफेद हो, जिसके धव्वे सफेद हो, धवल कुष्ठ, श्वेत कुष्ठ।
बरसे अस्वद (برص‌اسود) अ पु –वह श्वेत कुष्ठ जिसके धव्वे काले हो।
बरहम (برہم) फा वि –तितर-बितर, अस्त-व्यस्त, खफा, उलझा हुआ, क्रुद्ध, नाराज, अप्रसन्न।
बरहमी (برہمی) फा स्त्री –क्रोध, गुस्सा, अप्रसन्नता, नाराज़ी, अस्त-व्यस्तता, तितर-बितरपना—"नियाजे इश्क मे कोई कमी मालूम होती है, तुम्हारी वरहमी क्यो वरहमी मालूम होती है ?"—मजज़ूब।
बरह्न (برہنہ) फा वि –नग्न, नगा, जो कपडे न पहने हो, दिगवर।
बरह्न गो (برہنہ‌گو) फा वि –साफ-साफ कहनेवाला, लगी-लिपटी न रखनेवाला, स्पष्टवक्ता।
बरह्न गोई (برہنہ‌گوئی) फा स्त्री –साफ-साफ कहना, लगी-लिपटी न रखना, स्पष्ट कथन।
बरह्न पा (برہنہ‌پا) फा वि –नग्न पग, नगे पाँव, जिसके पाँव में जूता आदि न हो।
बरह्न पाई (برہنہ‌پائی) फा स्त्री –नगे पाँव होना, नगे पाँव चलना।

बरहन.सर (برهنه‌سر) फा वि –नगे सर, जिसके सर पर टोपी आदि न हो, नग्नशिर।

बरहनगी (برهنگی) फा स्त्री –नग्नता, नगापन।

बरहम (برهم) फा वि –अस्त-व्यस्त, तितर-बितर, क्रुद्ध, नाराज़, अप्रसन्न, खफा, उलझा हुआ।

बरहमन (برهمن) फा पु –ब्राह्मण, हिंदुओ मे सर्वोच्च जाति।

बरहमोदरहम (برهم‌ودرهم) फा पु –तितर-वितर, परीशान, "तुमको नसीव रोज़ बनाना हो जुल्फ का। अपना तो हाल बरहमोदरहम बहुत है याँ।"

बराअत (براءت) अ स्त्री –दे 'वरीयत'।

बराए (برائے) फा अव्य –लिए, प्रति, वास्ते।

बराए ख़ुदा (برائےخدا) फा अव्य –ईश्वर के लिए।

बराए चदे (برائےچندے) फा अव्य –थोडी देर के लिए।

बराए नाम (برائےنام) फा अव्य –नाममात्र को, कहनेभर को।

बराए वैत (برائےبیت) फा अ अव्य –देखो 'वराए नाम', व्यर्थ, फुजूल, शेर की पूर्ति के लिए, भर्ती।

बराज़ (براز) अ पु – दे शुद्ध उच्चारण 'विराज़'।

बरात (برات) अ स्त्री –आदेश-पत्र, हुक्मनामा, वह पत्र जिससे ख़ज़ाने से रुपया मिले, चेक।

बरादर (برادر) फा पु –भ्रातृ, भाई।

बरादरकुश (برادرکش) फा वि –भाई को मार डालने वाला, भाई को नुकसान पहुँचाकर अपना भला करनेवाला।

बरादरकुशी (برادرکشی) फा स्त्री –भाई को मार डालना, भाई को नुक्सान पहुँचाकर अपना भला करना।

बरादरज़ाद. (برادرزاده) फा वि –भाई का लडका, भतीजा, भ्रातृ-सुत।

बरादरज़ादगी (برادرزادگی) फा स्त्री –भाई का लडका होने का नाता।

बरादरानः (برادرانه) फा अव्य –भाइयो-जैसा।

बरादरी (برادری) फा स्त्री –एक जाति, एक जाति का व्यक्ति, भाई-वदी।

बरादरे अख़्याफ़ी (برادراخیافی) फा अ पु –वह भाई जिनका वाप एक हो और माँएँ अलग-अलग हो, सौतेले भाई।

बरादरे अल्लाती (برادرعلاتی) फा अ पु –वह भाई जिनकी माँ एक हो और वाप अलग-अलग हो।

बरादरे कलाँ (برادرکلاں) फा पु –बडा भाई, पूर्वज।

बरादरे खुर्द (برادرخرد) फा पु –छोटा भाई, अनुज।

बरादरे ख़्वाद. (برادرخوانده) फा पु –जिसे भाई बना ले, मुँह वोला भाई।

बरादरे तौअम (برادرتوام) फा अ पु –एक साथ पैदा होने वाले भाई, जो एक योनि से एक समय मे तले ऊपर पैदा हो, युग्म, यमल।

बरादरे निस्वती (برادرنسبتی) फा अ पु –साला, वीवी का भाई।

बरादरे बत्नी (برادربطنی) फा अ पु –सहोदर, एक पेट से पैदा, सगा भाई।

बरादरे बुज़ुर्ग (برادربزرگ) फा पु –दे 'बरादरे कलाँ'।

बरादरे रिज़ाई (برادررضاعی) फा अ –वे दो व्यक्ति जिन्होने किसी एक स्त्री का दूध पिया हो।

बरादरे सुल्बी (برادر صلبی) फा अ प –दे "बरादरे बत्नी'।

बरादरे हकीक़ी (برادر حقیقی) फा अ पु –सहोदर, सगा भाई।

बराबर (برابر) फा वि –समान, तुल्य, यकसाँ, सदृश, मिस्ल, एक साथ, इकट्ठे, क्रमबद्ध, सिलसिलेवार, निरन्तर, लगातार, पास, समीप, वारम्बार, वार-बार, समत, हमवार।

बराबर बराबर (برابر برابر) फा वि –पास-पास, करीव-करीव, आधा-आधा।

बराबरी (برابری) फा स्त्री –समता, यकसानी, धृष्टता, गुस्ताखी, मुकाबला, सामना, उद्दडता, सरकशी।

बरामदः (برآمده) फा पु –मकान के आगे वगैर दरवाज़े का कोठा, दालान, गुलाम गर्दिश।

बरामद (برآمد) फा वि –बाहर आया हुआ, वाहर जानेवाला माल, निर्यात।

बरामदगी (برآمدگی) फा स्त्री –वाहर आना, बरामद होना, खोये माल का किसी के पास निकलना, माल का देश के बाहर जाना।

बरामिकः (برامکه) अ पु –'बर्मक' का बहु, बर्मक वश के व्यक्ति, जो बडे प्रतिष्ठित और दानशील थे।

बराया (برایا) अ स्त्री –'बरीय' का बहु, मानव जाति, मनुष्य वर्ग।

बरावर्द. (برآورده) फा वि –वाहर लाया हुआ, एक मद से निकाल कर दूसरी मद मे डाला हुआ।

बरावर्द (برآورد) फा स्त्री –तनख्वाह का बिल, ख़र्च के हिसाब का पर्चा, तख्मीने की फर्द।

बरावेख़्तः (برآویخته) फा वि –लटकाया हुआ।

बराशुफ्तः (برآشفته) फा वि –क्रुद्ध, कुपित, गुस्से मे भरा हुआ।

बराहिमः (براهمه) अ पु –बरहमन का बहु, ब्राह्मण लोग।

बराहीन (براهین) अ स्त्री –'बुर्हान' का बहु, दलीलें।

बराहे अदब (براہ ادب) फा अ अव्य —आदर और सम्मान के विचार से, अदब के साथ, शिष्टतापूर्वक।

बराहे आश्ती (براہ آشتی) फा अव्य —मित्रता के विचार से।

बराहे इंसाफ (براہ انصاف) फा अ अव्य —इंसाफ और न्याय की दृष्टि से।

बराहे एहतियात (براہ احتیاط) फा अ अव्य —सावधानता के विचार से।

बराहे करम (براہ کرم) फा अ अव्य —कृपया, कृपा करके।

बराहे नवाज़िश (براہ نوازش) फा अव्य —कृपा की दृष्टि से, कृपया, कृपा करके।

बराहे रास्त (براہ راست) फा वि —सीधे तौर पर, जिससे काम हो सीधा उसी से, किसी दूसरे को बीच मे डाले बिना।

बरींबिना (بریں بنا) फा अव्य —इस कारण से, इस आधार पर, इसलिए, अत।

बरी (بری) अ वि —मुक्त, आज़ाद, रिहा, बंधनमुक्त, निर्दोष, बेक़ुसूर, पृथक, अलग।

बरी उज़्ज़िम्मः (بری الذمہ) अ वि —जो किसी उत्तरदायित्व से अलग हो, भारमुक्त।

बरीद (برید) अ पु —पत्रवाहक, क़ासिद, दूत, एलची, डाक।

बरीय (بریہ) अ स्त्री —प्राणी, जानदार, मख़लूक़।

बरीयत (بریت) अ स्त्री —दे 'बरीय', बरी होना, मुक्त होना, निरपराध होना, बेक़ुसूरी।

बरुफ्ताद (برافتادہ) फा वि —नष्ट, ध्वस्त, नाबूद, दूर किया हुआ, निर्बल, पराजित।

बरुफ्तादगी (برافتادگی) फा स्त्री —विनाश, ध्वंस, नाबूदगी, दूर होना, अलग होना, निर्बलता, कमज़ोरी, पराजय, हार।

बरूएकार (بروےکار) फा अव्य —दे 'बररूएकार'।

बरोमंद (برومند) फा वि —लाभान्वित, मुस्तफ़ीज़, सफल, कामयाब, सौभाग्यशाली, ख़ुशक़िस्मत।

बरोमंदी (برومندی) फा स्त्री —लाभ उठाना, सफल होना, सौभाग्य।

बर्उस्साअः (برأساعہ) अ पु —वह दवा जो एक क्षण के अन्दर रोग से मुक्त कर दे।

बर्क़ंदाज़ (برق انداز) उ वि —चपरासी, सिपाही, हरकारा, बंदूक़ची, तोपची।

बर्क़ंदाज़ी (برق اندازی) उ स्त्री —चपरासी, सिपाही या हरकारे का काम, तोप या बंदूक़ चलाना।

बर्क़ (برق) अ स्त्री —चपला, तडित, चंचला, बिजली, विद्युत्, प्रयोग में आनेवाली बिजली, इलेक्ट्रिसिटी।

बर्क़अंदाज़ (برق انداز) अ फा वि —दे 'बर्क़ंदाज़'।

बर्क़अंदाज़ी (برق اندازی) अ फा स्त्री —दे 'बर्क़ंदाज़ी'।

बर्क़अफ्गन (برق افگن) अ फा वि —बिजली गिरानेवाला, बिजलियाँ गिराकर तबाह करनेवाला, दे 'बर्क़फ्गन'।

बर्क़आसा (برق آسا) अ फा वि —दे 'बर्क़ीमा', दोनों शुद्ध हैं, परन्तु दूसरा अधिक शुद्ध है।

बर्क़आहंग (برق آہنگ) अ फा वि —दे 'बर्क़ाहंग', दोनों शुद्ध हैं, परन्तु दूसरा अधिक शुद्ध है।

बर्क़इनाँ (برق عناں) अ फा वि —बिजली के साथ चलनेवाला, अर्थात् बहुत ही चंचल और चपल।

बर्क़ख़िराम (برق خرام) अ फा वि —बिजली की भाँति बहुत ही शीघ्र गतिवाला।

बर्क़गाम (برق گام) अ फा वि —दे 'बर्क़ख़िराम'।

बर्क़ज़दः (برق زدہ) अ फा वि —जिसे बिजली मार गयी हो, जिसे बिजली का शाक लग गया हो, जिस पर बिजली गिरे।

बर्क़ज़दगी (برق زدگی) अ फा स्त्री —बिजली का मार जाना।

बर्क़जौलाँ (برق جولاں) अ फा वि —दे 'बर्क़ख़िराम'।

बर्क़ताज़ (برق تاز) अ फा वि —बिजली की तरह गिरनेवाला।

बर्क़ताब (برق تاب) अ फा वि —बिजली की तरह चमकनेवाला।

बर्क़दम (برق دم) अ फा वि —बहुत ही तीक्ष्ण, बहुत ही धारदार।

बर्क़निगाह (برق نگاہ) अ फा वि —जिसकी आँखों मे बिजलियाँ हों, जिसकी आँखें बिजलियाँ गिराती हों।

बर्क़नुमा (برق نما) अ फा पु —एक यंत्र जिससे बिजली का हाल जाना जाता है।

बर्क़फ्गन (برق افگن) अ फा वि —बिजलियाँ गिरानेवाला।

बर्क़रफ्तार (برق رفتار) अ फा वि —दे 'बर्क़ख़िराम'।

बर्क़रफ्तारी (برق رفتاری) अ फा स्त्री —बिजली की भाँति जल्द चलना।

बर्क़रुबा (برق ربا) अ फा वि —बिजली का कंडक्टर, बिजली उतारनेवाला।

बर्क़वश (برق وش) अ फा वि —बिजली की भाँति चंचल, चपल और तेज़।

बर्क़शिताब (برق شتاب) अ फा वि —बिजली की तरह तेज़ी से काम करनेवाला।

बर्क़सामाँ (برق ساماں) अ फा वि —बिजली की चपलता, चंचलता और उसका प्रकाश आदि रखनेवाला।

बर्क़ासा (برق آسا) अ फा वि —दे 'बर्क़वश'।

वर्काहंग (برق آهنگ) अ फा वि –विजली-जैसी कडक-वाला।

वर्किय: (برقیه) अ पु –तार, टेलीग्राफ।

वर्की (برقی) अ वि –विजली का, विजली से सम्वन्ध रखनेवाला।

वर्के खातिफ (برق خاطف) अ स्त्री –वह विजली जो आँखो मे चकाचौंध कर दे।

वर्के खिर्मनसोज (برق خرمن سوز) अ फा स्त्री –वह विजली जो खलियान को जला डाले।

वर्के जिहिंद: (برق جہندہ) अ फा स्त्री –तडपनेवाली विजली।

वर्के तपाँ (برق تپاں) अ फा स्त्री –तड़पनेवाली विजली।

वर्के दमाँ (برق دماں) अ फा स्त्री –कुपित विजली।

वर्के नाज (برق ناز) अ फा स्त्री –नाजोअदा की विजली, विजली की भाँति जला देनेवाले नाजोअदा।

वर्के नजर (برق نظر) अ फा स्त्री –निगाह की विजली, प्रेयसी का कटाक्षपात–"वज्म मे वर्के नजर है सदतमन्ना आफ्रो, दिल मे है महिफल कोई या दिल मेरा महफिल मे है।"

वर्के निगाह (برق نگاہ) अ फा स्त्री –निगाहो की विजली।

वर्के वेअमाँ (برق بےاماں) अ फा स्त्री –वह विजली जिससे वचाव न हो सके, जो अवश्य ही गिरकर जान ले ले।

वर्के वेजिन्हार (برق بےزنہار) अ फा स्त्री–दे 'वर्के वेअमाँ'।

वर्ख (برخ) फा पु –अश, भाग, हिस्सा, टुकड़ा।

वर्ग (برگ) फा पु –दल, पत्ता, पत्ती।

वर्गरेज (برگ ریز) फा वि –खिज़ा का मौसिम, पतझड़।

वर्गुस्तुवाँ (برگستواں) फा पु –ज़ीन पर डालने का कपड़ा, पाखर।

वर्गे खज़ाँ (برگ خزاں) फा पु –वह पत्ता जो पतझड़ के कारण पीला पड गया हो या पेड से गिर गया हो।

वर्गे ख़ज़ाँदीद: (برگ خزاں دیدہ) फा पु –पतझड़ मे गिरा हुआ पत्ता।

वर्गे ख़ज़ाँरसीद: (برگ خزاں رسیدہ) फा पु –वह पत्ता जिसको पतझड ने पीला कर दिया हो।

वर्गे गुल (برگ گل) फा पु –गुलाव की पखडी।

वर्गे नौ (برگ نو) फा पु –नया पत्ता, किसलय।

वर्गे सब्ज़ (برگ سبز) फा पु –हरा पत्ता।

वर्गो नवा (برگ ونوا) फा पु –खाने-पीने की सामग्री, जीवन व्यतीत करने के साधन।

वर्गोवार (برگ وبار) फा पु –फल और पत्ते, फल-फूल।

वर्गोसाज (برگ وساز) फा पु –साज़ोसामान।

वर्ज़ (برز) फा पु –कृषि, खेती, ज़िराअत, सुन्दरता, शोभा, ज़ेवाई।

वर्ज़ख (برزخ) अ पु –परस्पर विरुद्ध रखनेवाली दो चीजो के वीच की तीसरी चीज़ जो दोनो से सपर्क रखे, जैसे–वदर जो मनुष्यो और हैवानो के वीच वर्ज़ख है।

वर्ज़गर (برزگر) फा पु –कृषक, किसान।

वर्ज़गरी (برزگری) फा स्त्री –कृषि, खेती, किसानी, काश्तकारी।

वर्ज़न (برزن) फा पु –गली, वीथी, कूचा।

वर्द: (بردہ) तु पु –दास, गुलाम, दासी, कनीज़, दाय, धाय।

वर्द:फरोश (بردہ فروش) तु फा वि –आदमियो की खरीद फरोख्त करनेवाला।

वर्द:फरोशी (بردہ فروشی) तु फा स्त्री –आदमियो की खरीद-फरोख्त करना।

वर्द (برد) अ पु –शीत, जाडा, ठड।

वर्दे अजूज़ (برد عجوز) अ पु –फागुन के आखिरी दिनो का जाडा जव वह वूढा हो जाता है।

वर्दे अत्राफ (برد اطراف) अ पु –वीमार के अन्तिम समय मे उसके हाथ-पाँव का ठडा हो जाना।

वर्दे लयाली (برد لیالی) अ पु –जाड़े की रातो की ठड।

वर्ना (برنا) फा वि –तरुण, युवा, जवान।

वर्नाई (برنائی) फा स्त्री –तरुणता, युवावस्था, जवानी।

वर्फ (برف) फा उभ –जमा हुआ पानी, जो मशीन से वनाते है और पानी ठडा करने के काम आता है, हिम, पाला, तुषार, वहुत अधिक ठडा।

वर्फपर्वर्द: (برف پروردہ) फा वि –जो वर्फ मे लगाकर ढडा किया गया हो।

वर्फपोश (برف پوش) फा वि –जो वर्फ से ढँका हो, हिमाच्छादित, जैसे–वर्फपोश पहाड।

वर्फफरोश (برف فروش) फा वि –वर्फ वेचनेवाला।

वर्फवारी (برف باری) फा स्त्री –वर्फ गिरना, पाला पडना।

वर्फानी (برفانی) फा वि –वर्फ से सम्वन्ध रखनेवाली वस्तु, वर्फ-जैसी ठडी, वर्फीली।

वर्फाव (برفاب) फा पु –वर्फ से ठडा किया हुआ पानी।

वर्फिस्तान (برفستان) फा पु –वह स्थान जहाँ वर्फ ही वर्फ हो, जहाँ वहुत वर्फ पडती हो।

वर्फी (برفی) फा स्त्री –एक प्रसिद्ध मिठाई, कलाकद।

वर्वत (بربط) फा पु –एक वाजा, जो सितार की तरह होता है, परन्तु उसकी तुंवी वडी और लम्वाई कम होती है।

वर्वतनवाज (بربط نواز) फा पु –वर्वत वजानेवाला।

बर्बर (بربر) अ पु –अफ्रीका का एक प्रदेश, इस प्रदेश के निवासी।

बर्बरीयत (بربریت) अ स्त्री –अत्याचार, अन्याय, जुल्म, पशुता, हैवानियत।

बर्मः (برمہ) फा पु –लकडी मे छेद करने का यत्र, भेदीसार।

बर्मक (برمک) फा पु –एक आतशपरस्त जो वलख के आतशकदे का अग्निहोत्री था, इसकी सतान वडे-वडे पदो पर पहुँची और अपनी विद्वत्ता और दानशीलता के कारण वहुत प्रतिष्ठित हुई, इस सतान के व्यक्ति वर्मक नाम के कारण 'वरामिक' कहलाये।

बर्शकाल (برشکال) फा पु –वरसात, वर्षाकाल।

बर्साम (برسام) फा पु –सीने का शोथ, ज़ातुलजव, उरोग्रह, प्लूरसी।

बर्हमन (برھمن) फा पु –दे 'वरहमन', दोनो शुद्ध है, ब्राह्मण, विप्र।

बर्हमनज़ाद (برھمن زاد) फा पु –वरहमन का लडका, ब्राह्मणपुत्र।

बर्हमनबच (برھمن بچہ) फा पु –दे 'वर्हमनज़ाद'।

बर्राक़ (براق) अ वि –उज्ज्वल, शुभ्र, वहुत सफेद, धवल।

बर्राद (براد) अ पु –ठडा करनेवाला, चायदानी।

बलद (بلند) फा वि –उच्च, ऊँचा, प्रतिष्ठित, मुअज्ज़ज़, महान्, अज़ीम, लवा, दराज़, अधिक, वहुत।

बलदअख़्तर (بلنداختر) फा वि –जिसके ग्रह उन्नत हो, प्रतापी, तेजस्वी, इक्वालमद।

बलदआवाज़ (بلندآواز) फा वि –जिसकी आवाज़ ऊँची अथवा ज़ोरदार हो, ज़ोर से वोलनेवाला, ज़ोरदार वात कहनेवाला।

बलदआशियाँ (بلندآشیاں) फा वि –जिसका घोसला वहुत ऊँचा हो, अर्थात् वलद रुत्वेवाला।

बलदआहग (بلندآھنگ) फा वि –ज़ोर से वोलनेवाला, ज़ोरदार वात कहनेवाला, अर्थात् वडा दा'वा करनेवाला।

बलदइक्वाल (بلنداقبال) फा अ वि –प्रतापवान्, तेजस्वी, इक्वालमद।

बलदइक्वाली (بلنداقبالی) फा अ स्त्री –प्रताप, तेज, इक्वाल।

बलदकामत (بلندقامت) फा अ वि –लवा-तडगा, दीर्घकाय।

बलदख़याल (بلندخیال) फा अ वि –उच्चाशय, विशाल हृदय, फराख़दिल।

बलदख़याली (بلندخیالی) फा अ स्त्री –फराख़दिली।

बलदतर (بلندتر) फा वि –वहुत ऊँचा, उच्चतर।

बलदतरीन (بلندترین) फा वि –सवसे ऊँचा, उच्चतम।

बलदनज़र (بلندنظر) फा अ वि –उच्चदर्शी, उच्चाशय, वहुत ऊँची नज़र रखनेवाला।

बलदनज़री (بلندنظری) फा अ स्त्री –दृष्टि का ऊँचा होना, केवल वडी चीज़ो और वडे उद्देशो पर नज़र रखना।

बलदनिगाह (بلندنگاہ) फा वि –दे 'वलदनज़र'।

बलदनिगाही (بلندنگاھی) फा स्त्री –दे 'वलदनज़री'।

बलदपरवाज़ (بلندپرواز) फा वि –ऊँचा उडनेवाला, वलदख़याल, उच्चाशय।

बलदपरवाज़ी (بلندپروازی) फा स्त्री – फा स्त्री –ऊँची उडान, आशय का उच्च होना।

बलदपाय (بلندپایہ) फा वि –वडे पदवाला, वडी प्रतिष्ठा वाला।

बलदपायगी (بلندپایگی) फा स्त्री –पद और प्रतिष्ठा का महान् होना।

बलदफ़ित्रत (بلندفطرت) फा अ वि –जिसकी प्रकृति उच्च दर्शिनी हो।

बलदबख़्त (بلندبخت) फा वि –वडे भाग्यवाला, सौभाग्यशाली, भाग्यवान्।

बलदबाँग (بلندبانگ) फा वि –जोर से वोलनेवाला, जोरदार दा'वा करनेवाला।

बलदबाला (بلندبالا) फा वि –दे 'वलदकामत'।

बलदबीं (بلندبیں) फा वि –उच्चदर्शी, वलदनज़र, केवल वडे उद्देशो पर दृष्टि रखनेवाला।

बलदबीनी (بلندبینی) फा स्त्री –उच्चदर्शिता, वलदनज़री।

बलदमर्तब (بلندمرتبہ) फा अ वि –दे 'वलदपाय'।

बलदसीरत (بلندسیرت) फा अ वि –दे 'वलदफ़ित्रत'।

बलदहिम्मत (بلندھمت) फा अ वि –वडी हिम्मतवाला, उच्चोत्साही।

बलदहौसल (بلندحوصلہ) फा अ वि –दे 'वलदहिम्मत'।

बलदी (بلندی) फा स्त्री –उत्तुगता, ऊँचाई, महत्त्व, अज़्मत, श्रेष्ठता, वडाई।

बलदोपस्त (بلندوپست) फा पु –ऊँचा-नीचा, ऊँच-नीच।

बलख़ (بلخ) फा पु –अफगानिस्तान का एक प्राचीन नगर जो इस समय एक छोटा-सा गाँव है।

ब लजाजत (بلجاجت) फा अ अव्य –नम्रतापूर्वक, आजिजी के साथ, गिडगिडाते हुए, विनती करते हुए।

ब लताइफुल हियल (بلطائف الحیل) फा अ अव्य –अच्छे-अच्छे वहानो के साथ, नये-नये वहाने वनाकर।

बलद (بلد) अ पु –नगर, शह्र (शहर)।

बलद (بلد) फा पु –पथ-प्रदर्शक, राहनुमा, नेता, लीडर।

बला (بلی) अ अव्य –हाँ, अवश्य, ज़रूर।

वला (بلا) अ स्त्री—विपत्ति, आपत्ति, मुसीवत, दैवी आपत्ति, आस्मानी मुसीवत, प्रेतवाधा, आसेव, दुष्ट, शरीर, धूर्त, खवीस, भयानक, खौफनाक, वहुत अधिक, कुशल, चालाक—"ऐसे झगडे मेरी वला जाने, मै कहाँ वह कहाँ खुदा जाने।"

वलाए अजीम (بلاے عظیم) अ स्त्री—वहुत वडी आपत्ति।

वलाए आस्मानी (بلاے آسمانی) अ फा स्त्री—दैवी आपत्ति, गैवी मुसीवत, अजावे इलाही।

वलाए जाँ (بلاے جاں) फा स्त्री—प्राणो के लिए आपत्ति का कारण, जान का जजाल।

वलाए नागहानी (بلاے ناگہانی) फा स्त्री—आकस्मिक विपत्ति, अचानक आनेवाली मुसीवत।

वलाए वेदर्मां (بلاے بےدرماں) अ फा स्त्री—ऐसी आपत्ति जिसका कोई तोड न हो, जो टल न सके।

वलाए मुजस्सम (بلاے مجسم) अ स्त्री—साकार विपत्ति, वह व्यक्ति जो सर से पाँव तक मुसीवत ही मुसीवत हो।

वलाए रोजगार (بلاے روزگار) अ फा स्त्री—जमाने के लिए विपत्ति का कारण।

वलाकश (بلاکش) अ फा वि—विपत्तियाँ सहनेवाला, आफते झेलनेवाला।

वलाग (بلاغ) अ पु—पहुँचाना, भेजना।

वलागत (بلاغت) अ स्त्री—गद्य या पद्य की वह शैली जिसमे अलकारादि का प्रयोग चमत्कारपूर्वक किया जाय, साहित्य की आलकारिक शैली।

वलागत आईन (بلاغت آئیں) अ फा वि—वलागत से भरा हुआ, वलीग।

वलागत आमेज (بلاغت آمیز) अ फा वि—जिस लेख मे वलागत हो।

वलागर्दा (بلا گرداں) अ फा वि—वह जो वलि चढा दिया गया हो।

वलाजद. (بلازدہ) अ. फा वि—विपत्तिग्रस्त, मुसीवत का मारा।

वलादत (بلادت) अ स्त्री—कुदजेह्नी, वुद्धि की मदता, प्रतिभा की कमी।

वलादते जेह्न (بلادت ذہن) अ स्त्री—जेहन का कुदपन, प्रतिभा का कुठितपन।

वलादुर (بلادر) अ पु—भिलावाँ, भल्लातक।

वलानसीव (بلانصیب) अ वि—जिसके भाग्य मे आपत्तियाँ ही आपत्तियाँ हो।

वलानोश (بلانوش) अ फा वि—वहुत अधिक पीनेवाला शरावी।

वलानोशी (بلانوشی) अ फा स्त्री—वहुत अधिक शराव पीना।

वलाया (بلایا) अ स्त्री—'वलीय' का वहु, विपत्तियाँ।

वलाहत (بلاہت) अ स्त्री—व्यावहारिक विपयो मे ज्ञान की कमी, मूर्खता, नादानी, दे 'विलाहत', दोनो शुद्ध है।

वलीग (بلیغ) अ वि—जो वलागत का ज्ञाता हो, जो लेख वलागत से पूर्ण हो, अलकार-शास्त्री।

वलीद (بلید) अ वि—जिसका जेह्न मद हो, कुठित-वुद्धि, मदप्रतिभ, मन्दमति।

वलीदुज्जेह् न (بلیدالذہن) अ वि—मदप्रतिभ, लुप्त-वुद्धि, कुद जेह्न।

वलीयः (بلیہ) अ पु—विपत्ति, आपत्ति, मुसीवत।

वलीयत (بلیت) अ स्त्री—आपत्ति, विपत्ति, मुसीवत।

वलीयात (بلیات) अ स्त्री—'वलीयत' का वहु, विपत्तियाँ, आपदाएँ, वलाएँ।

वलूत (بلوط) अ पु—दे 'वल्लूत', वही शुद्ध है।

वलूर (بلور) फा अ पु—वल्लूर का लघु दे, 'वल्लूर'।

वलेलः (بلیلہ) अ पु—वहेडा, एक प्रसिद्ध फल, जो त्रिफला का अश है।

वल्अमेवाऊर (بلعم باعور) अ पु—एक वाक्-सिद्ध यहूदी सत जिसके श्राप से हज्रत मूसा चालीस साल वनो मे भटकते फिरे, 'वाऊर' उसका वाप था।

वल्कान (بلقان) अ पु—यूरोप का एक प्रायद्वीप जिसमे रोमानिया, वल्गारिया, सर्विया, मक्दूनिया अल्वानिया, यूनान और रोम सम्मिलित है।

वल्कि (بلکہ) अ फा अव्य—वरन्, वरच, अपितु।

वलगम (بلغم) अ पु—एक धातु, श्लेष्मा।

वल्गमी (بلغمی) अ वि—श्लेष्मा सम्वन्धी।

वल्द. (بلدہ) अ पु—नगर, पुरी, शह्र, २१वाँ नक्षत्र, उत्तरापाढा।

वल्दियः (بلدیہ) अ स्त्री—नगरपालिका, म्यूनिस्पैलिटी।

वल्लूर (بلور) अ पु—एक मूल्यवान् शीशा, स्फटिकमणि।

वल्वा (بلوی) अ पु—उपद्रव, दगा, फसाद, विद्रोह, वगावत, अशाति, वदअम्नी।

वल्साँ (بلساں) अ पु—एक पेड जिसके पत्तो से तेल निकलता है, जिसे 'रौगने वल्साँ' कहते है, यह पेड अरव और मिस्र आदि मे पैदा होता है।

ववज्हे अह् सन (بوجہ احسن) फा अ अव्य—वहुत अच्छी तरह से।

ववज्हे हलाल (بوجہ حلال) फा अ अव्य—हलाल की कमाई से।

ववातिन (بواطن) अ पु—'वातिन' का वहु, हृदयसमूह।

बवादी (بوادی) अ पु –'वादी' का बहु, 'घाटियाँ'।
बवारिक़ (بوارق) अ स्त्री –'वारिक़' का बहु, बिजलियाँ।
बवासिर (بواسیر) अ स्त्री –'बासूर' का बहु, एक रोग, अर्श।
बव्वाब (بواب) अ वि –द्वारपाल, ड्योढीवान, दरबान।
बव्वाल (بوال) अ वि –बहुत पेशाब करनेवाला, मुतोडा।
बशरः (بشرہ) अ पु –त्वचा, त्वक्, जिल्द, ऊपरी चमडा।
बशर (بشر) अ पु –मनुष्य, मानव, आदमी।
बशरी (بشری) अ वि –मानुषिक, आदमी का, मनुष्य सम्बन्धी।
बशरीयत (بشریت) अ स्त्री –मानवता, इसानीयत।
बशर्ते कि (بشرطیکہ) फा अ अव्य –शर्त यह है कि, इस शर्त के साथ कि।
ब शर्हे सद्र (بشرح صدر) फा अ अव्य –जैसा लिखा है उसी के अनुसार।
बशाशत (بشاشت) अ स्त्री –प्रसन्नता, खुशी, आनद, उल्लास, मसर्रत, प्रफुल्लता, शगुफ्तगी।
बशाशते क़ल्ब (بشاشت قلب) अ स्त्री –हृदय की प्रफुल्लता।
बशाशते रूह (بشاشت روح) अ स्त्री –आत्मा की प्रसन्नता।
बशीर (بشیر) अ वि –बुशारत देनेवाला, शुभ सूचना सुनानेवाला।
बशीरोनजीर (بشیرونذیر) अ वि –शुभ सूचना देनेवाला और डरानेवाला, स्वर्ग की सूचना देनेवाला और नरक से डरानेवाला, पैंगबर।
बश्काल (بشکال) फा स्त्री –वर्षा ऋतु, बरसात।
बश्शाश (بشاش) अ वि –हर्षित, आनदित, खुश।
बसद (بسند) फा वि –पर्याप्त, काफी, प्रचुर, बहुत।
बस (بس) फा वि –पर्याप्त, काफी, अधिक, बहुत, समाप्त, खत्म, केवल, सिर्फ।
बसकि (بسکہ) फा अव्य –चूँकि।
बसदउम्मीद (بصد امید) फा अव्य –सैकडो आशाओ के साथ।
बसदमुश्किल (بصد مشکل) अ फा अव्य –सैकडो कठिनाइयो के साथ।
बसबब (بسبب) फा अ अव्य –कारण से।
बसबीले जिक्र (بسبیل ذکر) फा अ अव्य –ज़िक्र अथवा चर्चा चलने पर।
बसबीले तज्किर (بسبیل تذکرہ) अ फा अव्य –दे 'बसबीले ज़िक्र'।
बसबीले दवाम (بسبیل دوام) अ अव्य –हमेशा के लिए।
बसर (بصر) अ स्त्री –दृष्टि, नजर।
बसर (بسر) फा स्त्री –गुजार, गुजर, जीवन-निर्वाह।
बसरऔकात (بسراوقات) फा अ स्त्री –जिंदगी काटना, गुज़ारा करना।
बसराहत (بصراحت) फा अ अव्य –स्पष्टता पूर्वक।
बसरी (بصری) अ वि –दृष्टि-सम्बन्धी।
बसरे औकात (بسراوقات) फा अ स्त्री –जीवन-यापन, जिंदगी गुज़ारना, जीविका चलाना, रोज़ी कमाना।
बसरो चश्म (بسروچشم) फा अव्य –सर आँखो पर, सहर्ष, खुशी के साथ।
बसाँ (بسان) फा वि –तुल्य, समान, मिस्ल।
बसा (بسا) फा वि –प्राय, बहुधा, अक्सर, बहुत, अधिक।
बसाअते सईद (بساعت سعید) फा अ अव्य –शुभ मुहूर्त मे, अच्छी घडी मे।
बसाइत (بسائط) अ पु –'बसीत' का बहु।
बसाऔकात (بسااوقات) फा अ अव्य –बहुधा, प्राय, अक्सर।
बसातीन (بساتین) फा पु –'बुस्तान' का बहु, बागात।
बसारत (بصارت) अ स्त्री –दृष्टि, नजर।
बसालत (بسالت) अ स्त्री –शूरता, वीरता, बहादुरी।
बसीगए राज (بصیغۂ راز) फा अ अव्य –जो बात या पत्र गोपनीय हो।
बसीत् (بسیط) अ वि –विशाल, विस्तृत, चौडा चकला, वह पदार्थ या तत्त्व जो अमिश्रित और निष्केवल हो।
बसीर (بصیر) अ वि –देखनेवाला, द्रष्टा, दिव्य दृष्टि-वाला, ईश्वर।
बसीम (بسیم) अ वि –मुस्कुरानेवाला।
बसीरत (بصیرت) अ स्त्री –दिल की नजर, प्रतिभा, चातुर्य, बुद्धिमत्ता, दानाई।
बसुर्अत (بسرعت) फा अ वि –शीघ्रता से, तेज़ी से, जल्दी से, शीघ्र, तुरत, जल्द।
बसूरते दीगर (بصورت دیگر) फा अ अव्य –दूसरी अवस्था मे, अन्यथा, वरना।
बस्त (بستہ) फा वि –बँधा हुआ, जमा हुआ, तह किया हुआ, गाँठ, अचल, किताबे या कागज़ बाँधने का कपडा (प्रत्य) बाँधे हुए, जैसे—कमरबस्त, कमर कसे हुए, दस्तबस्त, हाथ बाँधे हुए।
बस्त आवाज (بستہ آواز) फा वि –जिसकी आवाज़ बैठ गयी हो।
बस्त कमर (بستہ کمر) फा वि –कमर बाँधे हुए।
बस्त दहन (بستہ دہن) फा वि –जिसका मुँह बद हो, मौन, खामोश चुप, जो बोल न सके।

वस्त पा (بستہ پا) फा वि –जिसके पाँव वँधे हो, पावद, मज्बूर, विवश।

वस्त मू (بستہ مو) फा वि –जिसके वाल वँधे हो।

वस्त लव (بستہ لب) फा वि –जिसके ओठ वद हो, जो वोल न सके, चुप, अवाक्।

वस्त (بست) फा वि –वदिश, वँवाई, गाँठ।

वस्त (بسط) अ पु –विस्तार, फैलाव, कुशादगी, विवरण, तफ्सील।

वस्तए ज़ंजीर (بستۂ زنجیر) फा वि –ज़ंजीर में वँधा हुआ, शृंखलित।

वस्तए दाम (بستۂ دام) फा वि –जाल मे फँसा हुआ, रस्सी मे वँधा हुआ।

वस्तए रसन (بستۂ رسن) फा वि –रस्सी मे वँधा हुआ।

वस्तगी (بستگی) फा स्त्री –वँधा होना, लगाव, तअल्लुक़।

वस्तत (بسطت) अ स्त्री –विस्तार, फैलाव, लवाई-चौडाई।

वस्तोकब्ज़ (بسط و قبض) अ पु –फैलना और सुकडना, जैसे—नाडी (नब्ज़) का।

वस्तोकुशाद (بست و کشاد) अ पु –वद होना और खुलना, खोल-वाँव, अर्थात् प्रवव, इतिज़ाम।

वस्तोवंद (بست و بند) फा पु –वदोवस्त, प्रवध, इतिज़ाम।

वस्मल. (بسملہ) अ पु –'विस्मिल्लाह' (पूरी) कहना।

वहक (بہق) अ पु –त्वचा के हलके धव्वे, छाप, झाईं।

वहज़ार दिक़्क़त (بہزار دقت) फा अ अव्य –सहस्रो आपत्तियो के साथ, हजारो कठिनाइयो के पश्चात्।

वहज़ार दुश्वारी (بہزار دشواری) फा अव्य –दे 'वहज़ार दिक्कत'।

वहज़ार दुश्वारी (بہزار مشکل) फा अ अव्य –दे 'वहज़ार दिक्कत'।

वहज़ार मुसीवत (بہزار مصیبت) फा अ अव्य –हज़ारो आपत्तियाँ और विपत्तियाँ झेल कर, हज़ारो मुसीवतो के साथ।

वहज़ार शौक (بہزار شوق) फा अ अव्य –सहस्रो अभिलापाओ के साथ, वहुत वडी उत्कठा के साथ।

वहद्दे (بہ حدے) फा अ अव्य–इस हद तक, यहा तक, इतना।

वहद्दे कि (بہ حدے کہ) फा अ अव्य –यहाँ तक कि, इतना कि, इतना तक हुआ कि।

वहम.वुजूह (بہمہ وجوہ) फा अ अव्य –पूरे तौरपर, सर्वांगपूर्ण, पूर्णतया।

वहम. सिफत मौसूफ (بہمہ صفت موصوف) फा अ वि –सारी खूवियो से आरास्त, सर्वगुणसम्पन्न।

वहम (بہم) फा वि –'वाहम' का लघु, परस्पर, आपस मे, मिलकर, साथ होकर, एक साथ।

वहमदीगर (بہم دیگر) फा वि –एक-दूसरे के साथ, परस्पर।

वहमरसानी (بہم رسانی) फा स्त्री –एकत्र करना, इकट्ठा करना, तलाश करके लाना।

वहमरसीदः (بہم رسیدہ) फा वि –तलाश करके लाया हुआ, एकत्र किया हुआ।

वहरउन्वान (بہر عنوان) फा अ वि –हर प्रकार से, जैसे वने तैसे, पूरे तौर से, पूर्णतया।

वहरजा (بہر جا) फा अव्य –हर जगह, हर स्थान पर, जिस जगह, जहाँ।

वहरतक़्दीर (بہر تقدیر) फा अ वि –हर प्रकार से, हर अवस्था मे।

वहरतौर (بہر طور) फा अ वि –दे 'वहरहाल', हर प्रकार से।

वहरसूरत (بہر صورت) फा अ वि –दे 'वहरहाल' हर तरह से,—'वहरसूरत मेरे दिल की परेशानी नही जाती।" —जिगर।

वहरहाल (بہر حال) फा अ वि –हर हाल मे, हर अवस्था मे, हर प्रकार से, जैसे वने वैसे।

वहा (بہا) फा पु –मूल्य, कीमत, उत्तमता, अच्छाई, शोभा, रौनक़, प्रकाश, रौशनी।

वहाइम (بہائم) अ पु –'वहीम' का वहु, चौपाये, मवेशी, पशु।

वहाए खूँ (بہاے خوں) फा पु –खूँवहा, वह धन जो किसी व्यक्ति के मार डाले जाने पर हत्यारे से दिलवाया जाय।

वहादुर (بہادر) तु वि –शूर, वीर, सूरमा।

वहादुरानः (بہادرانہ) तु फा वि –वहादुरो-जैसा, वीरोचित।

वहादुरी (بہادری) तु वि –शूरता, वीरता, शजाअत।

वहान (بہانہ) फा पु –मिष, व्याज, हीला, छल, धोखा, फरेव, टालमटोल, हीला हवाला, अवसर, मौका, ऐसी वात जिसकी आड मे कोई काम वन सके।

वहान खू (بہانہ خو) फा वि –जिसका स्वभाव वहानेवाज़ी का हो।

वहानःगर (بہانہ گر) फा वि –दे 'वहान वाज़'।

वहान गरी (بہانہ گری) फा स्त्री –दे 'वहान वाज़ी'।

वहान जू (بہانہ جو) फा वि –जो ढूँढ-ढूँढकर वहाने तलाश करे।

वहान जूई (بہانہ جوئی) फा स्त्री –रोज़ नये-नये वहाने तलाश करना।

वहान.तलव (بہانہ طلب) फा अ वि –दे 'वहान जू'।

बहान बाज़ (بہانہ‌باز) फा वि –बहाने करनेवाला।
बहान बाज़ी (بہانہ‌بازی) फा स्त्री –बहाने बनाना।
बहान'साज़ (بہانہ‌ساز) फा वि –दे 'बहान बाज़'।
बहान'साज़ी (بہانہ‌سازی) फा स्त्री –दे 'बहान बाज़ी'।
बहार (بہار) फा स्त्री –वसत ऋतु, पुष्पकाल, फूलो का मौसिम, शोभा, रौनक, मनोविनोद, तफ़्रीह, कौतुक, तमाशा, आनद, लुत्फ, जोवन-उठान, अच्छी अवस्था, परिहास, दिल्लगी।
बहारआगीं (بہارآگیں) फा वि –पुरबहार, शोभायमान, पुष्पित, आनन्दपूर्ण, कौतुकपूर्ण।
बहार ब दामाँ (بہاربہ‌داماں) फा वि –दामन मे बहार की शोभाएँ लिये हुए, अपने साथ बहार की छटाएँ लिये हुए।
बहाराँ (بہاراں) फा पु –वसत ऋतु, बहार।
बहारिस्तान (بہارستان) फा पु –बहारो का स्थान, जहाँ बहार ही बहार हो।
बहारीं (بہاریں) फा वि –बहार का, बसत ऋतु का, बहार सम्बन्धी।
बहारे बेख़ज़ाँ (بہاربےخزاں) फा स्त्री –वह बहार जिसमे खिज़ाँ (पतझड) न हो।
बहाल (بحال) फा अ वि –नीरोग रोगमुक्त, पुनर्नियुक्त, मुअत्तली से मुक्त, स्वस्थ-तन्दुरुस्त, आनदित, खुश।
बहालते परीशाँ (بحالت‌پریشاں) फा अ वि –बुरे हालो मे, बुरी अवस्था में, कगाली मे।
बहालते मौजूद (بحالت موجودہ) फा अ वि –उपस्थित अवस्था में, इस समय, इस हालत मे।
बहालाते मौजूद (بحالات‌موجودہ) फा अ वि –इस समय के हालात देखते हुए, इन दशाओ मे।
बहाली (بحالی) फा अ वि –नीरोगिता, रोगमुक्ति, पुनर्नियुक्ति, मुअत्तली से मुक्ति, स्वास्थ्य, तन्दुरुस्ती, आनद, प्रसन्नता, खुशी, मुखच्छटा, चेहरे की रौनक।
बहाले अब्तर (بحال‌ابتر) फा अ वि –बुरे हाल में, फटे हालो, दरिद्रता की दशा मे।
बहाले कि (بحالےکہ) फा अ अव्य –इस अवस्था मे कि, ऐसे हाल में कि।
बहाले ख़राब (بحال‌خراب) फा अ वि –दे 'बहाले अब्तर'।
बहाले ख़स्त (بحال‌خستہ) फा अ वि –फटे हालो, मे, दरिद्रता की दशा मे।
बहाले परीशाँ (بحال‌پریشاں) फा अ वि –दे 'बहालते परीशाँ'।
बहाले बद (بحال‌بد) फा अ वि –दे 'बहाले अब्तर'।
बहिफ़ाज़त (بحفاظت) फा अ वि –हिफाज़त के साथ।
बहिस्सए मुसावी (بحصۂ‌مساوی) फा अ वि –बराबर-बराबर के भागो मे, बराबर बराबर।
बहीज (بہیج) अ वि –हर्षित, आनदित, शादमाँ।
बहीम (بہیمہ) अ वि –पशु, चौपाया, मवेशी।
बहीमान (بہیمانہ) अ अव्य –पशुओ-जैसा, उद्दडतापूर्ण, वहशियाना।
बहीर (بحیرہ) अ पु –उपसागर, छोटा समुद्र, इसका शुद्ध उच्चारण 'बुहैर' है, परतु उर्दू मे 'बहीर' बोलते है।
बहीरए अख़्ज़र (بحیرۂ‌اخضر) अ पु –दे 'बह्रे अख़्ज़र'।
बहीरए अब्यज़ (بحیرۂ‌ابیض) अ पु –दे 'बह्रे अब्यज़'।
बहीरए अस्वद (بحیرۂ‌اسود) अ पु –दे 'बह्रे अस्वद'।
बहीरए क़ुल्ज़ुम (بحیرۂ‌قلزم) अ पु –दे 'बह्रे क़ुल्ज़ुम'।
बहुक्म (بحکم) फा अ अव्य –आज्ञानुसार, आदेशानुसार, हुक्म से।
बहेच (باہیچ) फा अव्य – व्यर्थ, निरर्थक।
बहैअते मज्मूई (بہیئت‌مجموعی) फा अ अव्य –पूर्णरूपेण, पूरे तौर पर।
बह्जत (بہجت) अ स्त्री –प्रसन्नता, आनद, हर्ष, खुशी, हराभरापन, सरसब्ज़ी, शोभा, छटा, जेबाई।
बह्ज़ाद (بہزاد) फा पु –दे शुद्ध उच्चारण 'बिह्ज़ाद'।
बह्त (بحت) अ वि –बेमेल, निर्मल, निष्केवल।
बह्बूद (بہبود) फा स्त्री –शुद्ध उच्चारण 'बिह्बूद' है, परतु उर्दू में यही है, उन्नति, भलाई, कल्याण।
बह्मन (بہمن) फा पु –ईरानी ग्यारहवाँ महीना जो खज़ा का महीना है, जो हिंदुस्तानी फागुन होता है, एक कद जो दवा में काम आता है और लाल-सफेद होता है, इस्फद-यार का पुत्र।
बह्र (بہرہ) फा पु –भाग, अश, हिस्सा।
बह्र'मद (بہرہ‌مند) फा वि –सौभाग्यशाली, खुशनसीब।
बह्रयाब (بہرہ‌یاب) फा वि –जिसने अपना भाग पा लिया हो, भाग्यवान्, खुशकिस्मत।
बह्रवर (بہرہ‌ور) फा वि –दे 'बह्र मद'।
बह्र (छद) (بحر) अ स्त्री –शे'र का वज़्न, वृत्त, छद।
बह्र [भू] (بحر) अ पु –समुद्र, सागर, ओशन, महा-सागर।
बह्र (بہر) फा अव्य –लिए, वास्ते, प्रति।
बह्रए वाफ़िर (بہرۂ‌وافر) फा अ –बड़ा भाग, बड़ा हिस्सा, दूसरो से अधिक भाग।
बह्राम (بہرام) फा पु –मगल राशि, मिर्रीख़, एक ईरानी नरेश।
बह्रामगोर (بہرام‌گور) फा पु –ईरान के शासक यज्दजुर्द

का लडका सन् ४२० ई० मे गद्दी पर बैठा, गोरखर के शिकार का शौकीन था, इस कारण बह्राम गोर कहलाया।

बह्रामे चोबी (بہرام چوبیں) फा पु –ईरान के चतुर्थ हुर्मुज़ का सेनापति था, उसे गद्दी से उतारकर आप नरेश बन बैठा (सन् ई ५९०) और आठ महीने पश्चात् खुस्रो परवेज से हारकर भाग गया।

बह्रिय: (بحریہ) अ पु –जलसेना, जगी बेडा।

बह्री (بحری) अ वि –समुद्रीय, समुन्दर की, समुद्र सम्बन्धी।

बह्रुलउलूम (بحرالعلوم) अ पु –विद्याओ का समुद्र, अर्थात् बहुत बडा और प्रचड विद्वान्, विद्यासागर।

बह्रुलकाहिल [भू.] (بحرالکاہل) अ पु –शात महासागर।

बह्रुसीन (بحرالصین) अ पु –चीन का समुद्र।

बह्रे अख़्ज़र [भू.] (بحراخضر) अ पु –कैसपियन (समुद्र)।

बह्रे अज़्रक़ [भू] (بحرازرق) अ पु –नील नदी की पूर्वी शाखा जो नौ सौ मील लंबी है, आकाश, आस्मान।

बह्रे अब्यज़ [भू.] (بحرابیض) अ पु –रूस के उत्तर मे एक छोटा समुद्र, श्वेतसागर।

बह्रे अल्मास [भू.] (بحرالماس) अ पु –वह समुद्र जिसके द्वीपो मे बहुमूल्य रत्नो की खाने हो।

बह्रे असम [छ.] (بحراصم) अ स्त्री –एक वृत्त जो उर्दू मे प्रचलित नही है, (ररमय ऽ।ऽ, ऽ।ऽ, ऽऽऽ ।ऽऽ) पूरे शे'र मे दोबार।

बह्रे अस्वद [भू.] (بحراسود) अ पु –कृष्णसागर, ब्लैक सी, रूस के दक्षिण और अनातूलिया के उत्तर का समुद्र।

बह्रे अह्मर [भू.] (بحر احمر) अ पु –दे 'बह्रे कुल्ज़ुम'।

बह्रे आ'ज़म [भू.] (بحر اعظم) अ पु –महासागर, ओशन।

बह्रे औक़ियानूस [भू.] (بحر اوقیانوس) अ पु –अतलातक महासागर।

बह्रे उम्मान [भू.] (بحر عمان) अ पु –पूर्वी दक्षिणी अरब का समुद्र।

बह्रे कबीर [छ.] (بحر کبیر) अ स्त्री –व्यवहृत नही (मल+मल+तगु=ऽऽऽ,।+ऽऽऽ,।+ऽऽ।,ऽ) —दो बार।

बह्रे करीब [छं] (بحر قریب) अ स्त्री –उर्दू मे व्यवहृत नही है (मल+मल+रल=।ऽऽ,।+।ऽऽ,।+ऽ।ऽ,।) शे'र मे दो बार।

बह्रे कलीब [छ.] (بحر قلیب) अ स्त्री –उर्दू मे प्रचलित नही है (रगु+रगु+पगु=ऽ।ऽ,ऽ+ऽ।ऽ,ऽ+।ऽऽ,ऽ) एक शे'र में दो बार।

बह्रे कामिल [छं.] (بحر کامل) अ स्त्री –उर्दू की प्रचलित बह्र (सलगु ।।ऽ,।,ऽ) एक शे'र मे आठ बार।

बह्रे काहिल [भू.] (بحر کاہل) अ पु –प्रशात महासागर।

बह्रे क़ुल्ज़ुम [भू.] (بحر قلزم) अ पु –अरब और अफ्रीका के बीच का समुद्र, लालसागर।

बह्रे ख़फीफ [छ] (بحر خفیف) अ स्त्री –इसकी शाखाएँ प्रचलित है, (सगु+जगु+सगु=।।ऽ,ऽ+।ऽ।,ऽ+।।ऽ,ऽ) शे'र में दो बार।

बह्रे ख़ुदा (بحرخدا) फा अव्य –ईश्वर के लिए।

बह्रे चीन [भू.] (بحر چین) अ फा पु –चीनी समुद्र।

बह्रे जग [भू.] (بحر زنگ) अ फा –वह समुद्र जो हब्श के पूर्व मे है।

बह्रे जदीद [छं.] (بحر جدید) अ स्त्री - इसकी शाखाएँ प्रचलित है, (सगु+सगु+जगु=।।ऽ,ऽ+।।ऽ,ऽ+।ऽ।,ऽ) दो बार।

बह्रे ज़ुल्मात (بحر ظلمات) अ पु –दे 'बह्रे औकियानूस'।

बह्रे तवील [छ.] (بحر طویل) अ पु –यह और इसकी शाखाएँ प्रचलित है (य, य, गु+य, य गु=।ऽऽ,।ऽऽ,ऽ+।।ऽ,।ऽऽ,ऽ) शे'र मे दो बार।

बह्रे नदामत (بحر ندامت) अ पु –लज्जा का समुद्र, बहुत अधिक लज्जा।

बह्रे फ़ना (بحر فنا) अ पु –मृत्यु का समुद्र।

बह्रे बसीत [छं.] (بحر بسیط) अ स्त्री –कम व्यवहृत है, इसकी शाखाएँ चलती है (तगु+र+तगु+र=ऽऽ।,ऽ+ऽ।ऽ ऽऽ।,ऽ+ऽ।ऽ) दो बार।

बह्रे बेकराँ (بحر بے کراں) अ फा पु –वह समुद्र जिसका किनारा न हो।

बह्रे बेपायाँ (بحر بے پایاں) अ फा पु –वह समुद्र जिसका किनारा न हो, वह समुद्र जो अथाह हो।

बह्रे मग़्रिब [भू.] (بحر مغرب) अ पु –यूरोप का समुद्र।

बह्रे मदीद [छ.] (بحر مدید) अ स्त्री –कम व्यवहृत है, शाखाएँ व्यवहृत है, (रगु+र+रगु+र=ऽ।ऽ,ऽ+ऽ।ऽ+ऽ।ऽऽ ऽ।ऽ) दो बार।

बह्रे मव्वाज (بحر مواج) अ पु –मौजे मारता हुआ समुद्र।

बह्रे मुंजमिद [भू.] (بحر منجمد) अ पु –वह समुद्र जिसका पानी जमा हुआ हो।

बह्रे मुंजमिद जुनूबी [भू.] (بحر منجمد جنوبی) अ पु –दक्षिणीय ध्रुव के आस-पास का समुद्र जो बहुत अधिक ठड के कारण जमा हुआ है।

बह्रे मुंजमिद शिमाली (भू.) (بحر منجمد شمالی) अ पु –उत्तरीय ध्रुव का समुद्र जो बहुत अधिक ठड के कारण जमा हुआ है।

बह्रे मुंसरेह [छ.] (بحر منسرح) अ स्त्री –बहुत व्यवहृत है इसकी शाखाएँ भी (भगु+रल=ऽ।।,ऽ+ऽ।ऽ,।) चार बार।

बह्रे मुक्तजिब [छ.] (بحر مقتضب) अ स्त्री –प्रचलित (रल + भगु = SIS,I + SII,S) चार बार।

बह्रे मुज़ारे' [छं] (بحر مضارع) अ स्त्री –प्रचलित है, शाखाएँ भी (यल + रल = ISS,I + SISI) चार बार।

बह्रे मुज़ील [छ] (بحر مذیل) अ स्त्री –प्रचलित नही है, (रगु=SIS,S) छै बार।

बह्रे मुजास [छ] (بحر مجتث) अ स्त्री –बहुत चालू है, शाखाएँ भी (जगु + सगु = ISI,S + IIS,S) चार बार।

बह्रे मुतकारिब [छ] (بحر متقارب) अ स्त्री –बहुत चालू है, (य=ISS) आठ बार भुजगप्रयात।

बह्रे मुतदारिक [छ.] (بحر متدارک) अ स्त्री –बहुत चालू है (र=SIS) आठ बार।

बह्रे मुर्दार [भू.] (بحر مردار) अ फा पु –डेड सी, मृत-सागर।

बह्रे मुशाकिल [छ] (بحر مشاکل) अ स्त्री –चालू नही, (रल+यगु+यगु=SIS,I+ISS,S+ISS,S) दो बार, इसकी शाखाएँ भी बहुत चालू है।

बह्रे रजज़ [छ] (بحر رجز) अ स्त्री –बहुत चालू है, इसकी शाखाएँ भी बहुत चालू है, (तगु=SSI,S) आठ बार।

बह्रे रमल [छ] (بحر رمل) अ स्त्री –यह और इसकी शाखाएँ बहुत चालू है, (रगु=SIS,S) आठ बार।

बह्रे रवाँ (بحر رواں) अ फा पु –नौका, नाव, किश्ती।

बह्रे रूम [भू] (بحر روم) अ पु.–रूमसागर।

बह्रे वाफिर [छ] (بحر وافر) अ स्त्री –इसकी शाखाएँ चालू है, स्वय बहुत कम है (जलगु=ISI,I,S) आठ बार।

बह्रे सग़ीर [छ.] (بحر صغیر) अ स्त्री –चालू नही (तगु+रगु+तगु=SSI,S+SIS,S+SSI,S) दो बार।

बह्रे सरीअ [छ] (بحر سریع) अ स्त्री –बहुत चालू है (भगु+भगु+रल=SIS,S+SIS,S+SIS,I) दो बार।

बह्रे सरीम [छ] (بحر صریم) अ स्त्री –चालू नही (यगु+रगु+रगु=ISS,S+SIS,S+SIS,S) दो बार।

बह्रे सलीम [छ] (بحر سلیم) अ स्त्री –चालू नही (तगु+मल+मल=SSI,S+SSS,I+SSS,I) दो बार।

बह्रे हजज [छ] (بحر ہزج) अ स्त्री –बहुत चालू, इसकी शाखाएँ भी बहुत चालू है, रुबाई इसी से निकली है (यगु=ISS,S) आठ बार।

बह्रे हमीद [छ] (بحر حمید) अ स्त्री –चालूनही (मल+तगु+मल=SSS,I+SSI,S+SSS,I) दो बार।

बह्रे हमीम [छ] (بحر حمیم) अ स्त्री –चालू नही (रगु+तगु+तगु=SIS,S+SSI,S+SSI,S) दो बार।

बह्रैन [भू] (بحرین) पु –श्वेतसागर और कृष्णसागर, कृष्णसागर और रूमसागर, फारिस की खाडी जहाँ से मोती निकलता है।

बह्स (بحث) अ स्त्री –वादविवाद, मुबाहस, वाक्कलह, लफ्ज़ीजग, मुकदमे मे सुबूत और सफाई आदि के बाद वकीलो का हाकिम के सामने तर्क-वितर्क।

बह्सतलब (بحث طلب) अ वि –जिसमे तर्क-वितर्क की आवश्यकता हो।

बह्सोतम्हीस (بحث وتمحیص) अ स्त्री –तर्क-वितर्क, वादविवाद।

बह्सोमुबाहस (بحث ومباحثہ) अ. पु –दे 'बह्सो तम्हीस'।

बह्हास (بحاث) अ वि –बहुत अधिक वाद-विवाद करने-वाला, वादरत।

बा

बाँग (بانگ) फा स्त्री –स्वर, ध्वनि, नाद, आवाज, नमाज की अज़ान, मुर्ग़ की बोली।

बाँगे अज़ाँ (بانگ اذاں) फा अ स्त्री –अज़ान की आवाज, अज़ान।

बाँगे जरस (بانگ جرس) फा स्त्री –काफिले मे बजनेवाले घटे की आवाज़।

बाँगे दिरा (بانگ درا) फा स्त्री –दे 'बाँगे जरस'।

बा (با) फा उप –शब्द शुरुआत मे आकर, साथ, वाला, पूर्ण, आदि का अर्थ देता है, जैसे—'बा आबो ताब', चमक-दमक के साथ, बाईमान, ईमानवाला, बाअसर, प्रभावपूर्ण।

बाअख़्लाक़ (بااخلاق) फा अ वि –अच्छे शील-स्वभाव-वाला, सुशील, शिष्ट।

बाअदब (باادب) फा अ वि –तमीज़दार, शिष्ट।

बाअसर (بااثر) फा अ वि –प्रभावशाली, असरवाला।

बाआंकि (باآں کہ) फा अव्य –इसके बावुजूद।

बाआबरू (باآبرو) फा वि –प्रतिष्ठित, इज़्ज़तदार।

बाआबो ताब (باآب وتاب) फा वि –चमक-दमक के साथ, शान के साथ।

बाइक़्तिदार (بااقتدار) फा अ वि –जिसके हाथ मे सत्ता हो, सत्तावान्।

बाइख़्तियार (بااختیار) फा अ वि –जिसके हाथ मे अधिकार हो, प्राप्ताधिकार।

बाइख़्लास (بااخلاص) फा अ वि –जिसमे खुलूस और निष्कपटता हो।

बाइत्मीनान (بااطمینان) फा अ वि –विश्वस्त, मो'तबर, विश्वासपात्र, ईमानदार।

बाइस (باعث) अ पु –कारण, हेतु, निमित्त, सबब, मूल कारण, बुन्याद ।
बाइसे इन्फिआल (باعث انفعال) अ पु –लज्जा का कारण, पश्चात्ताप का कारण ।
बाइसे इफ़्तिराक़ (باعث افتراق) अ पु –फूट का कारण ।
बाइसे इब्तिहाज (باعث ابتہاج) अ पु –हर्ष का कारण ।
बाइसे इश्तिआल (باعث اشتعال) अ पु –उत्तेजना का कारण ।
बाइसे ख़ुशी (باعث خوشی) अ फा पु –हर्ष का कारण ।
बाइसे तफ़ाख़ुर (باعث تفاخر) अ पु–गर्व या मान का कारण ।
बाइसे तबाही (باعث تباہی) अ. फा. पु –बरबादी अथवा नाश का कारण ।
बाइसे दिरंग (باعث درنگ) अ फा पु –ढील और देर का कारण ।
बाइसे नदामत (باعث ندامت) अ पु –दे 'बाइसे इन्फिआल' ।
बाइसे निफ़ाक़ (باعث نفاق) अ पु –फूट का कारण ।
बाइसे परवरिश (باعث پرورش) अ फा पु –कृपा का कारण ।
बाइसे फ़ख़्र (باعث فخر) अ पु –गर्व का कारण ।
बाइसे मन्फ़अत (باعث منفعت) अ पु –लाभ का कारण, भलाई का कारण ।
बाइसे मर्हमत (باعث مرحمت) अ पु –अनुकपा और दया का कारण ।
बाइसे मसर्रत (باعث مسرت) अ पु –हर्ष और आनद का कारण ।
बाइसे शकररजी (باعث شکررنجی) अ फा पु –वैमनस्य का कारण ।
बाइसे शर्म (باعث شرم) अ फा पु –लज्जा का कारण ।
बाइसे शुक्र (باعث شکر) अ पु –धन्यवाद का कारण ।
बाइस्तः (بائستہ) फा वि –योग्य, लाइक, उत्तम, बेहतर ।
बाइस्तितअत (بااستطاعت) फा अ वि –समर्थ, योग्य, धनवान्, मालदार ।
बाइस्ते'दाद (بااستعداد) फा अ वि –विद्वान्, पडित, काफी पढ़ा-लिखा ।
बाइस्मत (باعصمت) फा अ वि –सती, साध्वी, इस्मत-मआब ।
बाईहम. (بااین همه) फा अव्य –इन सब बातों के बावुजूद ।
बाईमान (باایمان) फा अ वि –धर्मनिष्ठ, ईमान का पक्का, दियानतदार, ईमानदार ।
बाईसार (باایثار) फा अ वि –त्यागशील ।
बाए (بائع) अ वि –बेचनेवाला, विक्रेता ।
बाएतिक़ाद (بااعتقاد) फा अ वि –श्रद्धावान्, मोतक़िद, अच्छे एतिक़ादवाला ।
बाएतिबार (بااعتبار) फा अ वि –विश्वस्त, मो'तबर ।
बाएतिमाद (بااعتماد) फा अ वि –विश्वस्त, मो'तमद ।
बाएहतियाज (بااحتیاج) फा अ वि –जरूरतमद, मुहताज ।
बाएहतियात (بااحتیاط) फा अ वि –सावधान, सावधानी से रखनेवाला, एहतियात करनेवाला ।
बाएहसास (بااحساس) फा अ वि –स्वाभिमानी, ख़ुददार ।
बाऔलाद (بااولاد) फा अ वि –सतानवाला ।
बाक (باک) फा पु –भय, डर, ख़ौफ, लज्जा, शर्म, सकोच, पसोपेश, आशका, अदेशा ।
बाकोदो काविश (باکدوکاوش) फा अव्य –पूरी दौड़-धूप से ।
बाक़ाइद. (باقاعدہ) वि फा –क़ाइदे से, क़रीने से, क्रम से, बाज़ाबिता ।
बाकमाल (باکمال) फा अ वि –गुणवान्, हुनरमद, किसी काम या हुनर में बहुत बडी महारत रखनेवाला ।
बाकार (باکار) फा वि –जो काम मे लगा हो, जिसका जरीएमआश मौजूद हो, साधनसपन्न ।
बाक़ियात (باقیات) अ उभ पु –बाक़ी बची हुई वस्तुएँ ।
बाक़ियातुस्सालिहात (باقیات الصالحات) अ स्त्री-वे अच्छे काम जिनसे नाम बाक़ी रहे, अच्छी औलाद ।
बाकिरः (باکرہ) अ स्त्री –कुमारी, अक्षता, बिन ब्याही लडकी, दोशीज़ ।
बाक़िर (باقر) अ पु –सिह, व्याघ्र, शेर, विद्वान्, कोविद, फ़ाज़िल ।
बाक़िल्लः (باقلہ) अ पु –मटर ।
बाक़ी (باقی) अ स्त्री –शेष, बचा हुआ, अमर, अनश्वर, हमेशा रहनेवाला, जो रकम अदा होने को हो, ईश्वर का एक नाम ।
बाकी (باکی) अ वि –रोनेवाला ।
बाक़ीदार (باقی دار) अ फा वि –जिसके ज़िम्मे कर्ज़ बाक़ी हो, जिसे कुछ देना रह गया हो ।
बाक़ीमांदः (باقی ماندہ) अ फा वि –बाक़ी बचा हुआ ।
बाख़ (باخہ) तु पु –कछवा, कच्छप, कूर्म ।
बाख़बर (باخبر) फा अ. वि –सचेत, सतर्क, होशियार, अभिज्ञ, वाक़िफ, ज्ञाता, जानकार ।
बाख़बरी (باخبری) फा अ स्त्री –सतर्कता, होशियारी, अभिज्ञता, वाक़िफ़ीयत, ज्ञान, जानकारी ।

बाख़िर (باخره) अ स्त्री –स्टीमर, अग्निवोट।
बाख़िरद (باخرد) फा वि –बुद्धिमान्, मेधावी, मनीषी, अक्लमद।
बाख़ुदा (باخدا) फा वि –सदात्मा, पुण्यात्मा, खुदा-रसीद।
बाख़ैर (باخیر) फा अ वि –दानशील, फैयाज़, जो सवके साथ भलाई करता हो।
बाख़्त (باخته) फा वि –हारा हुआ, जुए के दाँव पर हारा हुआ, (प्रत्य०) इन्ही अर्थों मे, जैसे—'दिलवाख़्त' प्रेम मे मन हारा हुआ।
बाख़्तनी (باختنی) फा अव्य –हारनेयोग्य।
बाख़्तर (باختر) फा पु –पूर्व, मश्रिक़, कभी पश्चिम के लिए भी आता है, खुरासान।
बाग़ (باغ) फा पु –उद्यान, आराम, वाटिका, गुलिस्ताँ।
बाग़च (باغچہ) फा पु –छोटा बाग, फुलवारी।
बाग़पैरा (باغ پیرا) फा वि –माली, उद्यानपाल।
बाग़बाग़ (باغ باغ) फा वि –बहुत खुश, अति आनदित।
बाग़बान (باغبان) फा पु –उद्यानपाल, बाग की रख-वाली करनेवाला, माली।
बाग़बानी (باغبانی) फा स्त्री –माली का काम, बाग मे पौदे और फूल उगाने और उनकी देख-रेख का काम।
बाग़बाने अज़ल (باغبان ازل) फा अ पु –ईश्वर।
बाग़ियानः (باغیانہ) अ फा अव्य –विद्रोहियो-जैसा, बागियो-जैसा।
बाग़ी (باغی) अ वि –विद्रोही, बगावत करनेवाला, अवज्ञाकारी, सरकश।
बाग़े अद्न (باغ عدن) फा अ पु –स्वर्ग, विहिश्त।
बाग़े आम (باغ عام) फा अ पु –कपनीबाग, पुरोद्यान।
बाग़े इरम (باغ ارم) फा पु –वह बाग जो शद्दाद ने बनाया था, जन्नते शद्दाद।
बाग़े कुदुस (باغ قدس) फा अ पु –स्वर्ग, विहिश्त।
बाग़े ख़ुल्द (باغ خلد) फा अ पु –स्वर्ग, विहिश्त।
बाग़ेविहिश्त (باغ بہشت) फा अ पु –स्वर्ग,–"बागे विहिश्त से मुझे हुक्मे सफर दिया था क्यो? कारे जहाँ दराज़ है अब मेरा इतिज़ार कर।"—इकबाल।
बाग़े जिनाँ (باغ جناں) फा अ पु –स्वर्ग, विहिश्त।
बाग़े रिज़्वाँ (باغ رضواں) फा अ पु –स्वर्ग, जिहिश्त।
बाग़े वह्श (باغ وحش) फा अ पु –अजाइव घर जिसमे हर प्रकार के जीव जतु हो, जतुशाला।
बाग़े शद्दाद (باغ شداد) फा अ पु –वह कृत्रिम स्वर्ग जो शद्दाद ने बनाया था, और जिसमे प्रवेश करते समय, वह घोडे से गिरकर मर गया।
बाग़ैरत (باغیرت) फा अ वि –स्वाभिमानी, खुद्दार, लज्जावान्, बाहया।
बाग़ोबहार (باغ وبہار) फा स्त्री –शोभायमान्, बारौनक।
बाचश्मेतर (باچشم تر) फा अव्य –आँखो मे आँसू डबडवाते हुए, रोते हुए।
बाचश्मेनम (باچشم نم) फा अव्य –दे 'बा चश्मेतर'।
बाज (باج) फा पु –ख़िराज, चौथ।
बाज़ (باز) फा पु –एक प्रसिद्ध पक्षी, श्येन, पुन, फिर, (प्रत्य)।
बा'ज़ (بعض) अ वि –कतिपय, चद, कोई-कोई।
बाज़ख़्वास्त (بازخواست) फा स्त्री –खोज, तलाश, वापस माँगना।
बाज़ख़्वाह (بازخواہ) फा वि –वापस माँगनेवाला।
बाज़ख़्वाही (بازخواہی) फा स्त्री –वापस माँगना।
बाज़गश्त (بازگشت) फा स्त्री – वापसी, लौटना।
बाजगीर (باج گیر) फा वि –ख़िराज लेनेवाला।
बाजगुज़ार (باج گزار) फा वि –ख़िराज देनेवाला।
बाजदार (باج دار) फा वि –दे 'बाजगीर'।
बाज़दा'वा (بازدعوا) फा अ पु –दावे से दस्तवरदार होना, नालिश वापस लेना।
बाज़दीद (بازدید) फा स्त्री –जवावी मुलाकात, किसी के मिलने के लिए आने पर उसकी मुलाक़ात को उसके घर जाना।
बाज़पसीं (بازپسیں) फा वि –आख़िरी वक्त, मरने का समय, अतिम काल।
बाज़पुर्स (بازپرس) फा स्त्री –पूछगछ, मूआख़ज।
बाजमाअत (باجماعت) फा अ वि –जमाअत के साथ नमाज़, मस्जिद मे सवके साथ की नमाज़।
बाज़मानत (باضمانت) फा अ वि –ज़मानत के साथ जिसके साथ जमानत भी देना पडे।
बाजमाल (باجمال) फा अ वि –रूपवान्, सुदर, मनोहर, हसीन।
बाज़याफ्त (بازیافتہ) फा वि –फिर पाया हुआ।
बाज़याफ्तगी (بازیافتگی) फा स्त्री –फिर मे पाना, गयी हुई चीज़ का मिल जाना।
बाज़यावी (بازیابی) फा स्त्री –दे 'बाज़यापतगी'।
बाज़रगाँ (بازرگاں) फा पु –'बाज़ारगाँ' का लघु, सौदागर, व्यापारी, वणिक्।
बाज़रगानी (بازرگانی) फा पु –व्यापार, सौदागरी।

बाज़राए (باذرائع) फा अ वि –जिसके पास साधन हो, जो वसीले रखता हो।

बाज़ाइक़ः (باذائقہ) फा अ वि –स्वादिष्ठ, मजेदार, सुस्वाद।

बाज़ाबितः (باضابطہ) फा अ वि –कानूनी तौर पर नियमपूर्वक, नियमबद्ध, बाकाइद।

बाज़ार (بازار) फा पु –हाट, बजार।

बाजारगाँ (بازارگاں) फा पु –वणिक्, व्यापारी।

बाजारी (بازاری) फा वि –बाज़ार का; बाज़ार से सम्बन्ध रखनेवाला, लोफर, कमीना, अगर स्त्री के लिए हो तो वेश्या।

बाजारे हुस्न (بازارِحسن) फा अ पु –चकला, रडीखाना; वह स्थान जहाँ बहुत-सी रूपवती स्त्रियाँ एकत्र हो।

बाज़िदः (بازندہ) फा वि –धूर्त, चालाक, ऐयार, वचक, छली, खिलाड, खिलाडी।

बाज़िदगी (بازندگی) फा स्त्री –धूर्तता, मक्कारी, वचकता, छल, खिलाडीपन।

बाज़िल (باذل) अ वि –वदान्य, दानशील, सखी, फैयाज़।

बाजी (باجی) फा वि –बाज देनेवाला, खिराज देनेवाला।

बाजी (باجی) तु स्त्री –बडी बहन, आपा, अत्तिका।

बाज़ी (بازی) फा स्त्री –कौतुहल, तमाशा, खेल, शर्त, पण, शर्त पर लगाया हुआ रुपया, धोखा, छल, ताश, शत्रज आदि का एक वार का खेल, ठठोल, मस्खर पन।

बाज़ीगर (بازیگر) फा वि –कौतुकी, तमाशा करनेवाला, मायावी, शोबद बाज़।

बाज़ीगरी (بازیگری) फा स्त्री –कौतुक दिखाना, खेल तमाशे करना, शोबद बाज़ी करना, माया-कर्म।

बाज़ीगाह (بازیگاہ) फा स्त्री –खेलने की जगह, क्रीडा-स्थल, कौतुक-स्थान।

बाज़ीगोश (بازی گوش) फा स्त्री –खिलाडी, शरीर, चचल, चपल, वह लडका जो खिलाडी लडको की आवाज़ पर कान लगाये रहे।

बाज़ीचः (بازیچہ) फा पु –खिलौना, जिससे वच्चे खेलें, खेल, तमाशा, क्रीडा, कौतुक।

बाज़ीचए अत्फाल (بازیچۂ اطفال) फा अ पु –बच्चो का खिलौना, बच्चो का खेल।

बाज़ू (بازو) फा पु –भुजा, वाहु, बाँह, चिडियो के डैने जिनमे पख लगते हैं, सहायता, मदद, वल, ज़ोर, गवैए के साथ स्वर मिलानेवाला।

बाज़ूबंद (بازوبند) फा पु –अगद, केयूर, विजायठ, भुजबद।

बाज़ूशिकन (بازوشکن) फा वि –शक्तिशाली, ज़ोरावर।

बाज़ूशिकस्तः (بازوشکستہ) फा वि –जिसकी भुजाएँ टूट गयी हो, भग्नबाहु, बेबस, लाचार, दुखी।

बाज़ौक़ (باذوق) फा अ वि –रसिक, सहृद्, सुखनशनास।

बातद्बीर (باتدبیر) फा वि –प्रवीण, कुशल, होशियार, हर काम को ढग से करनेवाला, मुदब्बिर।

बातनख्वाह (باتنخواہ) फा वि –जो तनख्वाह लेकर काम करता हो, जिसे वेतन दिया जाता हो।

बातमीज़ (باتمیز) फा अ वि –जो सारे काम सुगढतापूर्वक करे, तमीजदार, शिष्ट, सभ्य, मुहज्ज़ब, शाइस्ता।

बातम्कीन (باتمکین) फा अ वि –गभीर, सजीद, प्रतिष्ठित, मुअज्जज़।

बातर्जमः (باترجمہ) फा अ वि –जिस मूल पुस्तक के साथ उसका अनुवाद भी हो, सटीक, सानुवाद।

बातर्तीब (باترتیب) फा अ वि –क्रम से लगा हुआ, क्रमवद्ध, शृखलित।

बातसल्सुल (باتسلسل) फा अ वि –लगातार, अनवरत, अविच्छिन्न, क्रम-बद्ध, तर्तीब से।

बातहज़ीब (باتہذیب) फा अ वि –सभ्य, शिष्ट, महज्ज़ब।

बातिन (باطن) अ पु –मन, हृदय, दिल, अदर, भीतर, अदरूनी हालत।

बातिनी (باطنی) अ वि –मानसिक, दिली, आतरिक, अदरूनी।

बातनीयः (باطنیہ) अ पु –मुसलमानो का एक सम्प्रदाय।

बातिल (باطل) अ वि –असत्य, झूठ, गलत, खडित, रद, व्यर्थ, बेकार, निकम्मा, बेअसर।

बातिलपरस्त (باطل پرست) अ फा वि –जो सत्यता का पालन न करके असत्यता को अपना ध्येय बनाये।

बातिलशिकन (باطل شکن) अ फा –जो असत्य का खडन करे, सत्यवान्।

बातौक़ीर (باتوقیر) फा अ वि –प्रतिष्ठित, सम्मानित, पूज्य।

बातौफीक़ (باتوفیق) फा अ वि –सपन्न, समृद्ध, धनी, समर्थ, वामक्दरत।

बादजान (بادنجان) फा पु –बैगन, भटाकी, भाँटा।

बादः (بادہ) फा स्त्री –मदिरा, मद्य, वारुणी, कादंबिनी, हाला, माधुरी, सुरा, शराब।

बादःआशाम (بادہ آشام) फा वि –शराब पीनेवाला, पानकर्ता, मद्यप, रसाशी, पानप।

बादःआशामी (بادہ آشامی) फा स्त्री –शराब पीना, मद्यपान।

बाद'कश (بادکش) फा वि—दे 'बाद आशाम'।
बाद कशी (بادکشی) फा स्त्री—दे 'बाद आशामी'।
बाद खोर (بادخور) फा वि—दे 'बाद आशाम'।
बाद खोरी (بادخوری) फा वि—दे 'बाद आशामी'।
बाद ख्वार (بادخوار) फा वि—दे 'बाद आशाम'।
बाद ख्वारी (بادخواری) फा स्त्री—दे 'बाद आशामी'।
बाद गुसार (بادگسار) फा वि—दे 'बाद आशाम'।
बाद गुसारी (بادگساری) फा स्त्री—दे 'बाद आशामी'।
बाद चश (بادچش) फा वि—थोडी-सी शराब पीनेवाला, केवल मुँह का स्वाद बदलने को ज़रा-सी पीनेवाला।
बाद चशी (بادچشی) फा स्त्री—मुँह का मजा बदलने को ज़रा-सी शराब पीना।
बाद नोश (بادنوش) फा वि—दे 'बाद आशाम'।
बाद नोशी (بادنوشی) फा स्त्री—दे 'बाद आशामी'।
बाद परस्त (بادپرست) फा वि—बहुत अधिक पीने-वाला, मदिराभक्त, पानरत।
बाद परस्ती (بادپرستی) फा स्त्री—मदिरा-प्रेम, बहुत पीना।
बाद पैमा (بادپیما) फा वि—दे 'बाद आशाम'।
बाद पैमाई (بادپیمائی) फा स्त्री—दे 'बाद आशामी'।
बाद फरोश (بادفروش) फा वि—शराब बेचनेवाला, सुराजीवी, कल्यपाल, शौंडिक, मद्यवणिक्।
बाद फरोशी (بادفروشی) फा स्त्री—शराब बेचना, मद्य-व्यवसाय।
बाद'फर्सा (بادفرسا) फा वि—दे 'बाद आशाम'।
बाद'फर्साई (بادفرسائی) फा स्त्री—दे 'बाद आशामी'।
बाद बजाम (بادبجام) फा वि—पियाले में शराब भरे हुए।
बाद बलब (بادبلب) फा वि—मुँह से शराब का पियाला लगाये हुए।
बाद सज (بادسنج) फा वि—दे 'बाद आशाम'।
बाद सजी (بادسنجی) फा स्त्री—दे 'बाद'आशामी'।
बाद साज (بادساز) फा वि—शराब बनानेवाला, सुराकार।
बाद साजी (بادسازی) फा स्त्री—शराब बनाना, मद्य सधान।
बाद (باد) फा वि—बात, वायु, हवा, घमड, 'बबाद' का लघु, हो, आशीर्वाद,—(प्रत्य) हो, रहो, या शाप के लिए शब्द के अत मे आता है, जैसे—'जिंद बाद' जीवित रहो अथवा 'मुर्द बाद' नष्ट हो।
बा'द (بعد) अ वि—पश्चात्, उपरात, पीछे।

बादअगेज़ (بادانگیز) फा वि—बात यानी मौदा पैदा करनेवाला।
बा'दअज़ाँ (بعدازاں) फा वि—तत्पश्चात्, इनके बा'द।
बादअफ़्राह (بادافراه) फा पु—यह उच्चारण अशुद्ध है, दे 'बादाफ्राह'।
बादआवर्द (بادآورد) फा पु—खुस्रौ परवेज़ का ख़ज़ाना, एक बनौषधि।
बादए अगूर (بادۂ انگور) फा स्त्री—अगूरी शराब, मालिका, द्राक्षासव।
बादए अग्बीं (بادۂ انگبیں) फा स्त्री—शहद की शराब, माधवी।
बादए अर्ग़वानी (بادۂ ارغوانی) फा स्त्री—सुर्ख़ शराब।
बादए अह्मरीं (بادۂ احمریں) फा अ स्त्री—लाल रग की मदिरा।
बादए आतशीं (بادۂ آتشیں) फा स्त्री—आग के रग की मदिरा, अग्निवर्णा।
बादए इनबी (بادۂ عنبی) फा अ स्त्री—अगूरी शराब, द्राक्षासव।
बादए इश्क़ (بادۂ عشق) फा अ स्त्री—प्रेम-मदिरा, मुहब्बत की शराब।
बादए कुहन (بادۂ کہن) फा स्त्री—पुरानी मदिरा, जो बहुत तेज़ होती है।
बादए गुलफाम (بادۂ گلفام) फा स्त्री—गुलाब के रग-जैसी शराब, गुलाबी शराब।
बादए गुलरग (بادۂ گلرنگ) फा स्त्री—दे 'बादए गुलफाम'।
बादए तल्ख़ (بادۂ تلخ) फा स्त्री—कडवी शराब, पुरानी शराब, बहुत तेज़ और अच्छी शराब।
बादए तहूर (بادۂ طہور) फा अ स्त्री—पवित्र मदिरा, स्वर्ग में मिलनेवाली मदिरा।
बादए तुद (بادۂ تند) फा स्त्री—तेज़ शराब।
बादए दोशीन (بادۂ دوشینہ) फा स्त्री—रात की रखी हुई शराब, रात को पी हुई शराब।
बादए नाब (بادۂ ناب) फा स्त्री—बहुत बढिया शराब, ख़ालिस और बेमेल शराब।
बादए नैशकर (بادۂ نیشکر) फा स्त्री—गन्ने की शराब, गुड की शराब, ठर्रा, सीधु।
बादए नोशीं (بادۂ نوشیں) फा स्त्री—आबेहयात मिली हुई शराब, अमृत-जैसी शराब।
बादए पसखुर्द (بادۂ پس خوردہ) फा स्त्री—पीने मे बची हुई शराब।

वादए रैहानी (بادۂ ریحانی) फा अ स्त्री –एक शराव जो वहुत सारे फूलो से वनती है और वडी स्वादिष्ठ और सुगधित होती है।
वादए लाल.फाम (بادۂ لالہ فام) फा स्त्री –लाल-जैसे रग की वहुत ही सुर्ख शराव।
वादए शवीनः (بادۂ شبینہ) फा स्त्री –रात की पी हुई शराव।
वादए शौक (بادۂ شوق) फा अ स्त्री –प्रेम की मदिरा।
वादए साफी (بادۂ صافی) फा अ स्त्री –स्वच्छ और निर्मल मदिरा।
वादकश (بادکش) फा पु –छत का पखा, धौंकनी।
वादख़ाय. (بادخایہ) फा पु –फोते वढने का मरज, अत्र-वृद्धि।
वादख़्वाँ (بادخواں) फा वि –डीगिया, शेखीवाज़, चाटुकार, खुशामदी, भाट, भटई करनेवाला।
वादगीर (بادگیر) फा स्त्री –हवादार खिडकी, गवाक्ष, वातायन।
वादज़न (بادزن) फा पु –पखा, व्यजन, हाथ का पखा।
वाददस्त (باددست) फा वि –फुज़ूल खर्च, अपव्ययी, दरिद्र, कगाल।
वाददस्ती (باد دستی) फा स्त्री –फज़ूलखर्ची, अपव्यय, दरिद्रता, कगाली।
वादनुमा (باد نما) फा पु –वायु का वेग वतानेवाला यत्र।
वादपराँ (باد پراں) फा वि –डीगिया, हवा वाँधनेवाला।
वादपर्वा (باد پروا) फा पु –वातायन, गवाक्ष, हवा आने की खिडकी।
वादपा (باد پا) फा वि –शीघ्रगति, वहुत तेज़ चलने वाला, प्राय घोडे के लिए आता है।
वादपैमा (باد پیما) फा वि –शीघ्र गति, तेज़ रफ्तार, मिथ्यावादी, वकवासी, जगलो में फिरनेवाला, वनचर।
वादपैमाई (باد پیمائی) फा अ स्त्री –तेज़ चलना, वकवास, जगलो मे फिरना।
वादफर (بادفر) फा स्त्री –फिरकी।
वादफराह (بادفراہ) फा पु –पापदड, गुनाही सजा, प्रत्युपकार, वुराई का वदला।
वादफरोश (باد فروش) फा वि –वातूनी, गप्पी, चाटुकार, खुशामदी, शेखी खोरा, डीगिया।
वादफरोशी (باد فروشی) फा स्त्री –वकवास, खुशामद, शेखी।
वादवाकी (باد باقی) फा अ स्त्री –रोकड, तहवील।
वादवान (بادبان) फा पु –जहाज़ मे लगाया जानेवाला पर्दा जिसमे हवा भरकर जहाज़ चलता है, पोतपट, मरुत्पट।
वादवानी (بادبانی) फा वि –वादवान द्वारा चलनेवाला पोत, वादवान से सम्वन्ध रखनेवाला।
वादवाने अख़्जर (بادبان اخضر) फा अ पु –आकाश, आस्मान।
वादवेज़न (باد بیزن) फा पु –फर्शीपखा।
वादव्दवः (بادبدبہ) फा वि –जिसका दव्दवा वहुत हो।
वादमे नक़्द (بادم نقد) फा अ वि –एकाकी, अकेला, तने तनहा।
वादमे सर्द (بادم سرد) फा वि –ठडी आह भरकर।
वादमोहरः (باد مہرہ) फा पु –साँप का फन, सर्पमणि, एक विष नाशक पत्थर।
वादयान (بادیان) फा स्त्री –सौफ, शत पुष्पा।
वादयाने ख़ताई (بادیان ختائی) फा स्त्री –एक दवा।
वादरजवोय. (باد رنجبویہ) फा पु –एक दवा, विलाई लोटन।
वादरफ़्तार (بادرفتار) फा वि –हवा की भाँत शीघ्र गति-वाला, वायुवेग।
वादरफ़्तारी (بادرفتاری) फा स्त्री –हवा की भाँति तेज़ चलना।
वादरीश (بادریش) फा वि –अभिमान, अहकार, घमड।
वा'दलममात (بعدالممات) अ अव्य –मौत के वा'द, मरण-पश्चात्।
वादशह (بادشہ) फा पु –'वादशाह' का लघु, दे 'वादशाह'।
वादशाह (بادشاہ) फा पु –शासक, नरेश, राजा।
वादशाही (بادشاہی) फा स्त्री –शासन, राज, हुकूमत, राष्ट्र, राज्य, सल्तनत।
वादसंज (بادسنج) फा वि –व्यर्थ के काम करनेवाला, व्यर्थकारी, लोलुप, लोभी, लालची।
वादसैर (بادسیر) फा अ वि –दे 'वादपा'।
वादहवाई (بادھوائی) फा स्त्री –गप, वाचालता, व्यर्थ की वकवाद।
वादा (بادا) फा अव्य –हो।
वादाफ़राह (باادافراہ) फा पु –पाप-दड, गुनाह की सज़ा, प्रत्यपकार, वदी का वदला।
वादाम (بادام) फा पु –एक प्रसिद्ध मेवा, वाताम, वदाम।
वादामी (بادامی) फा वि –वादाम का रग, हलका पीला जो सफेदी लिये हो।
वादिंजान (بادنجان) फा पु –वैंगन, दे 'वादजान' दोनो शुद्ध है।
वादियः (بادیہ) अ पु –वन, कानन, विपिन, जगल।

वादियः (بادیہ) तु पु –बडा पियाला।
वादिय गर्द (بادیہگرد) अ फा वि –जगलो मे मारा-मारा फिरनेवाला, वनभ्रमी, वनचारी।
वादियःनशी (بادیہنشیں) अ फा वि –जगल मे रहनेवाला, जगली, खान बदोश।
वादिय पैमा (بادیہپیما) अ फा वि –दे 'वादिय गर्द'।
वादिय.पैमाई (بادیہپیمائی) अ फा स्त्री –जगलो मे मारा-मारा फिरना।
वादियुन्नजर (بادی النظر) अ स्त्री –पहली दृष्टि, ऊपरी दृष्टि।
वादिर्राय (بادی الرائے) अ स्त्री –ऊपरी विचार।
वादिले ख़ारख़ार (بادلخارخار) फा अव्य –दुखी मन से, विवशता से, बहुत ही दु ख से।
वादिले जार (بادلزار) फा अव्य –रोते हुए दिल से, दुखी हृदय से।
वादिले ना ख्वास्त (بادلناخواستہ) फा अव्य –इच्छा के विरुद्ध , मन न चाहते हुए, विवशता से।
वादी (بادی) अ वि –प्रारभकर्ता, शुरूअ करनेवाला, आरभ, इब्तिदा, व्यक्त, ज़ाहिर।
वादी (بادی) फा वि –वायु से सम्वन्धित, हवाई।
वादीदए तर (بادیدۂتر) फा अव्य –भीगी आँखो के साथ, अर्थात् रोते हुए, वहुत ही दु ख के साथ।
वादीदए नम (بادیدۂنم) फा अव्य –दे 'वादीदए तर'।
वादे ईसा (باد عیسیٰ) फा अ स्त्री –हज्रत ईसा की फूंक, जिससे मुर्दे जी उठते थे।
वादे ख़जाँ (باد خزاں) फा स्त्री –पतझड की ऋतु की हवा।
वादे जम्हरीर (باد زمہریر) फा स्त्री –शीतकाल की वहुत ही ठडी वायु, जिससे हाथ-पाँव ठिठुर जाते है।
वादे तुंद (باد تند) फा स्त्री –तेज वायु, झझावात, झक्कड।
वादे नसीम (باد نسیم) फा अ स्त्री –शीतल, मद और सुगधित समीर।
वादे फत्क़ (باد فتق) फा अ स्त्री –अत्र-वृद्धि, फोते का वढ जाना।
वादे फरग (باد فرنگ) फा स्त्री –उपदश,आतशक,गर्मी रोग।
वादे बहार (باد بہار) फा स्त्री –वसत ऋतु की सुगधित और शीतल वायु।
वादे वहारीं (باد بہاریں) फा स्त्री –दे 'वादे वहार'।
वादे बहारी (باد بہاری) फा स्त्री –दे 'वादे वहार', "न छेड ऐ नक्हते वादे वहारी राह लग अपनी। तुझे अठखेलियाँ सूझी हे, हम वेज़ार वैठे है।"
वादे मुआफिक (باد موافق) फा अ स्त्री –वह वायु जो नाव के रुख पर चले, जिससे नाव शीघ्र और ठीक चले।
वादे मुख़ालिफ (باد مخالف) फा अ स्त्री –वह वायु जो नाव की विरुद्ध दिशा मे चले, जिससे नाव न चल सके।
वादे मुराद (باد مراد) फा स्त्री –दे 'वादे मुआफिक'।
वादे शुर्त (بادشرط) फा अ स्त्री –दे 'वादे मुआफिक'।
वादे सवा (باد صبا) फा स्त्री –सवेरे की पुर्वा हवा।
वादे समूम (باد سموم) फा अ स्त्र –कडी और घातक लपट, वह वायु जिसमे विष पैदा हो गया हो।
वादे सर्सर (باد صرصر) फा स्त्री –झझावात, झक्कड।
वादे सहर (باد سحر) फा अ स्त्री –सवेरे के वक्त पूर्व से चलनेवाली शीतल और मद वायु।
वान. (بانہ) फा पु –उपस्थ, पेडू, नाभि के नीचेवाले का स्थान।
वान (بان) फा प्रत्य –वाला, जैसे—'शुतुरवान', ऊँटवाला, (पु) वर्ण, रग।
वान (بان) अ पु –एक पेड जिसके फल का तेल दवा मे काम आता है।
वानवा (بانوا) फा वि –समृद्ध, धनवान्, मालदार।
वानसीव (بانصیب) फा अ वि –भाग्यवान्, भाग्यशाली, खुशकिस्मत।
वानिए कार (بانئی کار) अ फा पु –किसी कार्य का प्रवर्तक, किसी काम का प्रथम करने वाला।
वानिए जफा (بانئی جفا) अ वि –अत्याचार करनेवाला।
वानिए ज़ुल्म (بانئی ظلم) अ वि –दे 'वानिए जफा'।
वानिए जौर (بانئی جور) अ वि –दे 'वानिए जफा'।
वानिए फसाद (بانئی فساد) अ फा वि –झगडे की जड, झगडा करानेवाला, जिसके कारण कोई झगडा हुआ हो।
वानिए फित्न (بانئی فتنہ) अ फा वि –दे 'वानिए फसाद'।
वानिए फिरेव (بانئی فریب) अ फा वि –धोखा देनेवाला, वचक, ठग।
वानिए वेदाद (بانئی بیداد) अ फा वि –दे 'वानिए जफा।
वानिए शर (بانئی شر) अ वि –दे 'वानिए फसाद'।
वानिए सितम (بانئی ستم) अ फा वि –दे 'वानिए जफा'।
वानी (بانی) अ वि –किसी काम की शुरुआत करनेवाला।
वानीकार (بانی کار) फा वि –वहुत ही घूर्त और फित्तीन।
वानीमवानी (بانی مبانی) अ फा वि –मूल कारण, अस्ल जड।
वा परहेज (باپرہیز) फा वि –परहेज़ करनेवाला, वीमारी की दशा मे खाने-पीने मे ठीक-ठीक रहनेवाला।
वाफ (باف) फा प्रत्य –वुननेवाला, जैसे—'शालवाफ' शाल वुननेवाला।

बाफकार (بافکار) फा वि –बुननेवाला, जुलाहा।

बाफरा़ग़त (بافراغت) फा अ वि –सतोषपूर्वक, इत्मीनान से, सुगमतापूर्वक, आसानी से।

बाफ़िदः (بافندہ) फा वि –बुननेवाला, वायक, कुविंद।

बाफ़िदगी (بافندگی) फा स्त्री –कपडा बुनने का काम।

बाफ़्तः (بافتہ) फा वि –बुना हुआ।

बाफ़्त (بافت) फा स्त्री –बुनाई, बुनने का कार्य, विनावट, बुनत।

बाब (باب) फा पु –योग्य, लाइक, सम्वन्ध, वार।

बाब (باب) अ पु –द्वार, दरवाजा, परिच्छेद, फस्ल (पुस्तक का)।

बाबक (بابک) फा पु –सत्यनिष्ठ, अमीन, ईरान का एक प्राचीन शासक।

बाबज़न (بابزن) फा स्त्री –कबाब सेकने की लोहे की सीख।

बाबत (بابت) फा स्त्री –वास्ते, लिए, सम्वन्ध मे, बारे मे।

बाबर (بابر) तु पु –तुर्की मे यह शब्द 'बाबुर' है, परतु उर्दू मे 'बाबर' हो गया, प्रसिद्ध नरेश जो हुमायूँ का बाप था।

बाबवार (باب وار) अ फा वि –पुस्तक के परिच्छेदो के हिसाब से।

बाबा (بابا) अ पु –पिता, बाप, दादा, नाना, सरदार।

बाबिल (بابل) अ पु –इराक का एक प्राचीन नगर जो ईसा से दो हजार वर्ष पूर्व इराक की राजधानी था, अब खडहर है। बगदाद से ६० मील दूर फुरात के किनारे था।

बाबी (بابی) फा पु –एक धर्म जो सैयदअली मुहम्मद ईरानी ने निकाला था, इस धर्म का अनुयायी।

बाबुल (بابل) अ पु –दे शुद्ध उच्चारण 'बाबिल', यह असाधु है।

बाबुस्समाए (باب السماء) अ पु –आकाश-गगा।

बाबूनः (بابونہ) फा पु –एक पत्ती जो दवा के काम आती है।

बाबूर (بابور) अ पु –स्टीमर, मशीन से चलनेवाली वडी नाव।

बाबे अदम (باب عدم) अ पु –यमलोक का द्वार, यमलोक।

बाबे इजाबत (باب اجابت) अ पु –दुआ या प्रार्थना की स्वीकृति का द्वार।

बाबे इल्म (باب علم) अ पु –विद्यारूपी घर का द्वार।

बाबे कबूल (باب قبول) अ पु –दे 'बाबे इजाबत'।

बाम (بام) फा पु –छत, अटारी,—"जो निकाबे रुख उठा दी तो कैद भी लगा दी, उठे हर निगाह लेकिन कोई बाम तक न पहुँचे।"

बामगाह (بامگاہ) फा स्त्री –प्रात काल, तडका, सवेरा।

बामज़ः (بامزہ) फा वि –स्वादिष्ठ, सुस्वाद, मज़ेदार।

बामज़ाक़ (بامذاق) फा अ वि –सहृदय, रसिक, परिहास-प्रिय, विनोदी, दिल्लगीबाज।

बामदाद (بامداد) फा पु –तडके, सबेरे, प्रात काल।

बामदादाँ (بامداداں) फा पु –दे 'बामदाद'।

बामूए परीशाँ (باموے پریشاں) फा अव्य –बाल बिखेरे हुए।

बामे अर्श (بام عرش) फा अ पु –अर्श की चोटी, बहुत ऊँचा स्थान।

बामे गर्दूं (بام گردوں) फा पु –आकाश की छत, अर्थात् आकाश।

बामे दुन्या (بام دنیا) फा अ –ससार की छत, अर्थात् पामीर, जो मध्य एशिया का एक देश है।

बामे नुहुम (بام نہم) फा पु –नवाँ आकाश, अर्थात् अर्श, जहाँ ईश्वर का सिंहासन है।

बामे मसीह (بام مسیح) फा अ पु –चौथा आकाश, जहाँ हज़रत ईसा रहते है।

बायद (باید) फा क्रि –चाहिए।

बायदोशायद (باید وشاید) फा वि –अद्भुत, विचित्र, अनोखा।

बायस्तः (بایستہ) फा वि –योग्य, लाइक; उत्तम, श्रेष्ठ, आ'ला।

बायस्तगी (بایستگی) फा स्त्री –उत्तमता, उम्दगी, योग्यता, लियाकत।

बायस्तनी (بایستنی) फा वि –होने के योग्य, जिसको होना चाहिए, आवश्यक, जुरूरी।

बारः (بارہ) फा पु –घेरा, इहाता, प्राचीर, बार, दफा, सम्बन्ध, मुआमला।

बार (بار) फा स्त्री –बोझ, भार, आज्ञा, इजाज़त, पहुँच, रसाई, दफा, मरतबा, गर्भ, हम्ल, ऋण, कर्ज़, (प्रत्य) बरसानेवाला, जैसे—'अश्कबार' आँसू बरसानेवाला।

बारअंदाज़ (بار انداز) फा पु –ठहरना, उतरना, कही कियाम करना।

बारआवर (بار آور) फा वि –फलदार, जिसमे फल लगे हो, गर्भवती, हामिला, नतीज खेज़, सफल।

बारकल्लाह (بارک اللہ) अ पु –ईश्वर बरकत अर्थात् समृद्धि और कल्याण प्रदान करे।

बारकश (بارکش) फा वि –बोझ ढोनेवाला, हम्माल, भारवाहक, लद्दू जानवर।

बारकशी (بارکشی) फा स्त्री –बोझ ढोना, भारवाहन।

बारख़ान. (بارخانہ) फा पु –सामान रखने का मकान, गोदाम।

बारगह (بارگہ) फा स्त्री –'बारगाह' का लघु, दे 'बारगाह'।

बारगाह (بارگاه) फा स्त्री –दरबार, राजसभा, राजमहल, शाही मकान, कचहरी।
बारगी (بارگی) फा पु –अश्व, घोडा।
बारगीर (بارگیر) फा वि –साईस, अश्वपाल, अश्व, घोडा, उष्ट्र, ऊँट, बैल, वृषभ।
बारतग (بارتنگ) फा स्त्री –एक दाना जो दवा मे चलता है।
बारदानः (باردانہ) फा पु –दे 'बारदान'।
बारदान (باردان) फा पु –वह चीज़ जिसमे बोझ अर्थात् सामान रखे, खुर्जी, बोरा आदि।
बारदार (باردار) फा वि –फला हुआ, फलित, गर्भवती, हामिला।
बा रद्दोकद (باردوکد) फा अ अव्य –बडी हुज्जतो के साथ, वाद-विवाद होकर।
बारफरोश (بارفروش) फा वि –थोक सौदा बेचनेवाला।
बारबद (باربد) फा पु –एक गवैया, जो खुस्रौ परवेज के दरबार मे था।
बारबर (باربر) फा वि –बोझ ले जानेवाला, बोझ ढोनेवाला।
बारबरदार (باربردار) फा वि –बोझ उठानेवाला, भार-वाहक।
बारबरदारी (باربرداری) फा स्त्री –बोझ उठाना, भार-वहन।
बारयाब (باریاب) फा वि –जिसे किसी बडी जगह पहुँचने की आज्ञा मिल गयी हो, जो पहुँच गया हो।
बारयाबी (باریابی) फा स्त्री –रसाई, पहुँच, किसी बडे और प्रतिष्ठित आदमी के पास पहुँच।
बारवर (بارور) फा वि –फलित, फल आया हुआ, सफल, कामयाब, सतानवान्, औलादवाला।
बारहा (بارها) फा वि –बहुधा, प्राय, अक्सर, बारबार, बार-बार।
बारां (باران) फा पु –वर्षा, बरसात, वर्षाजल, बरसात का पानी, वर्षाऋतु, बरसात का मौसिम।
बारांगीर (بارانگیر) फा पु –घर या मकान का छज्जा, सायवान।
बारांगुरेज (بارانگریز) फा पु –दे 'बारांगीर'।
बारांदीद. (باراندیدہ) फा वि –जिस पर मेह पड चुका हो, अनुभवी, तज्रिब कार।
बारांबार (بارانبار) फा पु –वर्षा प्रधान देश, वह देश जहाँ पानी बहुत बरसता हो।
बारानी (بارانی) फा स्त्री –बरसाती कोट आदि, वह भूमि जो केवल वर्षा के सहारे हो।
बाराने रहमत (باران رحمت) फा अ पु –वर्षा, बारिश, ऐसी वर्षा जो लाभ दायक हो, अनिष्ट न करे।
बारिक़ः (بارقہ) अ पु –बिजली, तडित, चमकनेवाली चीज़, तलवार।
बारिक़ (بارق) अ वि –प्रज्वलित, प्रकाशमान, नूरानी, चमकदार।
बारिज़ (بارز) अ वि –प्रकट, व्यक्त, ज़ाहिर, स्पष्ट, वाज़िह, आविर्भूत, उत्पन्न।
बारिद (بارد) अ वि –ठडा, सर्द, निस्वाद, नीरस, बेमज़ा।
बारिया (باریا) फा वि –पाखडी, धर्मध्वजी।
बारियाज़त (باریاضت) फा अ वि –तपस्वी, योगी।
बारिश (بارش) फा स्त्री –वर्षा, बरसात, वर्षाकाल, बरसात का मौसिम, वर्षाजल, बरसात का पानी।
बारिशी (بارشی) फा वि –वर्षा सम्बन्धी, वर्षाका, बरसाती।
बारिशे खूं (بارش خوں) फा स्त्री –रक्तवर्षा, खून बरसना।
बारिशे गुल (بارش گل) फा स्त्री –पुष्पवर्षा, फूल बरसना
बारिशेज़र (بارش زر) फा स्त्री –स्वर्णवर्षा, सोना अर्थात् धन बरसना, धन का बाहुल्य।
बारी (باری) अ पु –स्रष्टा, पैदा करनेवाला, ईश्वर।
बारी (باری) फा स्त्री –नौबत, पारी, जैसे—बुखार की बारी।
बारीक (باریک) फा वि –महीन, पतला, सूक्ष्म, लतीफ, गूढ, दकीक।
बारीकख़याल (باریک خیال) फा अ वि –नाज़ुक खयाल, सूक्ष्म विचार।
बारीकनज़र (باریک نظر) फा अ वि –बारीकी देखनेवाला, किसी चीज के गुण-दोष पहचाननेवाला, मर्मज्ञ।
बारीकनिगाह (باریک نگاہ) फा वि –दे 'बारीकनज़र'।
बारीकबीं (باریک بیں) फा वि –सूक्ष्मदर्शी, बारीक नजर।
बारीकबीनी (باریک بینی) फा स्त्री –सूक्ष्मदर्शिता, बारीकी देख लेना।
बारीकमियां (باریک میاں) फा वि –जिसकी कमर पतली हो, कृशोदरी।
बारीकरौ (باریک رو) फा वि –किफायत शिआर, मितव्ययी।
बारीकी (باریکی) फा वि –पतलापन, सूक्ष्मता, लताफ्त, गूढता, जटिलता, बात की बारीकी।
बारीद (باریدہ) फा वि –वर्षित, बरसा हुआ।
बारीदनी (باریدنی) फा अव्य –वर्षणीय, बरसने योग्य।
बारूत (باروت) फा स्त्री – दे 'बारूद'।
बारूद (بارود) फा स्त्री –शोरा, श्वेतक्षार, गधक और शोरे का मिश्रण, अग्निचूर्ण।

बारूदी (باروى) फा वि–बारूद सम्बन्धी, बारूद की, बारूद बिछी हुई, जैसे—बारूदी सुरग।
बारे (بارے) फा अव्य–अस्तु, खैर, अतत., आखिरकार।
बारे अज़ीम (بارعظیم) फा अ पु–बहुत बडा बोझ, बहुत बडी जिम्मेदारी।
बारे अमानत (باراماںت) फा अ पु–अमानत या धरोहर की ज़िम्मेदारी।
बारे अलम (بارالم) फा अ पु–दुख का भार, प्रेमके दुख का भार।
बारे आम (بارعام) फा अ पु–सब की पहुँच, सब को आने जाने की आज्ञा।
बारे आलाम (بارآلام) फा अ पु–मुसीबतो के पहाड, अर्थात् मुसीबतें।
बारे कफालत (بارکفالت) फा स्त्री–जायदाद पर ऐसा कर्ज़ जिसके बदले में जायदाद रेहन की गयी हो।
बारे कर्ज़ (بارقرض) फा अ पु–ऋण का बोझ।
बारे खातिर (بارخاطر) फा अ पु–तबीअत का बोझ, ऐसी बात या ऐसा काम जिसे मन न चाहे।
बारे गरां (بارگراں) फा पु–भारी बोझ, जो उठ न सके या जिसके उठाने मे कष्ट हो, बडी ज़िम्मेदारी।
बारे गुनाह (بارگناه) फा पु–गुनाहो का बोझ, पाप-भार।
बारे दिगर (باردگر) फा स्त्री–पुन, फिर, दूसरी बार।
बारो'ब (بارعب) फा अ वि–रोबो'दाबवाला व्यक्ति।
बाल (بال) अ पु–प्राण, जान, दशा, हाल, समृद्धि, दौलत, ऐश, सुख, श्रेष्ठता, बडप्पन, वैभव, शान।
बाल (بال) फा पु–कधे से उँगलियो तक, पूरा हाथ; चिडियो का डैना, जिसमें पर लगते है, बाजू, पर, पक्ष, पख।
बा'ल (بعل) अ पु–पति, भर्ता, खाविंद, शौहर, अरब की एक मूर्ति जिसकी पूजा होती थी।
बालअफ़्शां (بال‌افشاں) फा वि–पर फैलाये हुए, पर झाडता हुआ, पर फडफडाता हुआ।
बालअफ़्शानी (بال‌افسانی) फा स्त्री–पर झाडना, पर फडफडाना, पर तोलना।
बालकुशा (بال‌کشا) फा वि–पर खोले हुए।
बालजुंबानी (بال‌جنبانی) फा स्त्री–पर फटफटाना, पर फैलाना
बालफिशां (بال‌فساں) फा वि–दे 'बालअफ़्शां'।
बाला (بالا) फा वि–ऊँचा, बलद, शरीर, देह, आगे, सामने, प्रधान, श्रेष्ठ, जिसे तर्जीह हो, ऊपर, उपरि।
बालाई (بالائی) फा वि–ऊपरवाला, ऊपर का, अस्ल के अलावा, मूल के अतिरिक्त, क्षीरसार, मलाई।
बालाए ताक (بالائےطاق) फा वि–ताक पर, पृथक्, अलग, जिससे कोई सम्बन्ध न हो।
बालाए बाम (بالائےبام) फा वि–अटारी पर, छत पर, "आखिरे शबदीद के काबिल थी बिस्मिल की तडप। सुबह दम कोई अगर बालाए बाम आया तो क्या ?"
बालाओपस्त (بالاوپست) फा पु–ऊँच-नीच, नीचा-ऊँचा।
बालाखान: (بالاخانہ) फा पु–अट्टालिका, छत के ऊपर का मकान।
बालातर (بالاتر) फा वि–बहुत ऊँचा, किसी विशेष चीज़ से ऊँचा।
बालादवी (بالادوی) फा स्त्री–शीघ्र गति, तेज़ी, जल्दी।
बालादस्त (بالادست) फा वि–श्रेष्ठ, प्रतिष्ठित, उच्च, आ'ला, ज़बर्दस्त, अफज़ल बुलद मर्तबा।
बालानशीं (بالانشیں) फा वि–मान्य, पूज्य, प्रतिष्ठित, सभापति, सद्र।
बालापोश (بالاپوش) फा पुं–सब कपडो से ऊपर पहनने का कपडा, उत्तरीयक, निचोल।
बालाबलंद (بالابلند) फा वि–लबे कद का, लबे शरीर-वाला, लबे शरीर की नायिका।
बालावपस्त (بالاوپست) फा वि–ऊँचा-नीचा, ऊँच-नीच, आकाश और पृथ्वी।
बालिगू (بالنگو) फा पु–एक दाने जो दवा मे काम आते है।
बालिग़ (بالغ) अ वि–वह लडका या लडकी जो युवा-वस्था को प्राप्त हो चुकी हो, वयस्क, वय प्राप्त।
बालिग़नज़र (بالغ‌نظر) अ वि–अनुभवी, परिपक्व, तज्रिब कार, मर्मज्ञ, दोषगुण का पारखी।
बालिग़नज़री (بالغ‌نظری) अ स्त्री–अनुभव, तज्रिब, दोषगुण की परख, मर्मज्ञान।
बालिग़निगार (بالغ‌نگار) अ फा वि–जिसकी रचना सार-गर्भित और मर्मपूर्ण हो।
बालिग़निगारी (بالغ‌نگاری) अ फा स्त्री–रचना मे गूढता और सूक्ष्मता होना।
बालिग़निगाह (بالغ‌نگاه) अ फा वि–दे 'बालिगनज़र'।
बालिग़निगाही (بالغ‌نگاهی) अ फा स्त्री–दे 'बालिग नज़री।'
बालिश (بالش) फा पु–तकिया, उपधान, कशिफ, मसनद, सिरहाना।
बालिशे पर (بالش‌پر) फा पु–परो का तकिया, वह तकिया जिसके भीतर पर भरे हो।
बालिश्त (بالشت) फा पु–उपधान, तकिया, वितस्ति, वित्ती, नौ इच की नाप।

बालिश्तक (بالشتک) फा पु –आल्पीने खोसने की गद्दी, पिन-कुशन ।

बालीं (بالیں) फा स्त्री –तकिया, उपधान, सिरहाना, शिरोहण ।

बालींपरस्त (بالیں پرست) फा वि –पलग पर पडा रहने-वाला, आरामतलब ।

बालींपरस्ती (بالیں پرستی) फा स्त्री –पलग पर पडा रहना, आरामतलबी ।

बालीदः (بالیدہ) फा वि –बढा हुआ, विकसित ।

बालीदगी (بالیدگی) फा स्त्री –विकास, बढाव ।

बालूअः (بالوعہ) अ पु –कुडी, जिसमे बरसात या घर का खराब पानी जाता हो ।

बालून (بالون) अ पु –गुब्बारा, बागोल, अभ्रपथ ।

बाले जिब्रील (بال جبریل) फा अ पु –जिब्रील के पर, जिब्रील की उडान ।

बाले हुमा (بال ہما) फा पु –हुमा पक्षी का पर, जिसकी परछाई पडने से मनुष्य राजा हो जाता है ।

बालोपर (بال وپر) फा पु –पर और बाज़ू, शक्ति, बल, सामर्थ्य ।

बालोपर शिकस्तः (بال وپر شکستہ) फा वि –जिसके बाजू और पर टूट गये हो, अर्थात् विवश, लाचार ।

बावक़ार (باوقار) फा अ वि –प्रतिष्ठित, सम्मानित, श्रेष्ठ, मुअज़्ज़ज़ ।

बावक़्अत (باوقعت) फा अ वि –दे 'बावक़ार' ।

बावक़्र (باوقر) फा अ वि –दे 'बावकार' ।

बावज़्अ (باوضع) फा अ वि –वज़्अदार, जो अपनी वज़्अ का पाबद हो ।

बावफ़ा (باوفا) फा अ वि –नमक हलाल, स्वामिभक्त, आज्ञानुयायी, फर्माबरदार ।

बावर (باور) फा पु –विश्वास, प्रत्यय, एतिबार ।

बावरची (باورچی) फा पु –खाना पकानेवाला, सूपकार, पाचक, रसोइया ।

बावरचीख़ानः (باورچی خانہ) फा पु –खाना पकाने का स्थान, महानस, पाकशाला ।

बावरचीगरी (باورچی گری) फा स्त्री –रसोइया का काम, खाना पकाना, रसोइया का पेशा ।

बावस्फ़ (باوصف) फा अ अव्य –बावुजूद, यद्यपि, सत्यपि ।

बावुजूद (باوجود) फा अ अव्य –बावस्फ, यद्यपि, सत्यपि ।

बावुजूदे कि (باوجودے کہ) फा अ अव्य –यद्यपि, अगरचे ।

बाश (باشہ) फा पु –एक शिकारी पक्षी, शिक्र ।

बाश (باش) फा प्रत्य –रहनेवाला, जैसे—'हाजिरबाश' उपस्थित रहनेवाला ।

बाशद (باشد) फा क्रि –हो, शायद ।

बाशद्दोमद (باشد ومد) फा अ अव्य –ज़ोर-शोर के साथ, धूमधाम के साथ, साहस और उमग के साथ, दा'वे के साथ ।

बाशा (باشا) तु पु –एक बडा खिताब, पाशा ।

बाशिंदः (باشندہ) फा पु –निवासी, रहनेवाला ।

बाशी (باشی) तु पु –नायक, सरदार ।

बाशुऊर (باشعور) फा अ वि –बुद्धिमान, अक्लमद, शिष्ट, तमीजदार ।

बा'स (بعث) अ पु –जगाना, उठाना, कियामत, महा-प्रलय ।

बासक (باسک) फा स्त्री –जँभाई, जृभा ।

बासलीक़ः (باسلیقہ) फा अ वि –तमीजदार, शिष्ट, जिसे चीजो को ढग से रखने और काम को शिष्टता पूर्वक करने की आदत हो ।

बासलीक़ (باسلیق) अ स्त्री –हाथ की एक रग जो फस्द के लिए खोली जाती है ।

बासलीक़ून (باسلیقون) अ स्त्री –मसी, सियाही, कालिमा, कालापन ।

बासित (باسط) अ वि –उन्नति और विकास देनेवाला, ईश्वर का एक नाम ।

बासिरः (باصرہ) अ स्त्री –दृष्टि, नज़र, नेत्रशक्ति, कुव्वते बासिर ।

बासिलसिलः (باسلسلہ) फा अ अव्य –क्रमबद्ध, सिल-सिलेवार ।

बासुकून (باسکون) फा अ अव्य –शातिमय, सतोषपूर्ण ।

बासूर (باسور) अ स्त्री –एक बीमारी, बवासीर, अर्श, नाक का बढा हुआ मास ।

बासूरी (باسوری) अ वि –बासूरसम्बन्धी ।

बासूरे दमवी (باسور دموی) अ स्त्री –खूनी बवासीर, रक्तार्श ।

बासूरे रियाही (باسور ریاحی) अ स्त्री –बादी बवासीर, वातार्श ।

बा'सोनश्र (بعث ونشر) अ पु –कियामत का दिन, जिस दिन सब लोग उठेंगे और चारो तरफ फैल जायेंगे ।

बास्ताँ (باستاں) फा वि –प्राचीन, पुरातन, पुराना, इस शब्द का पास्ताँ कहना अशुद्ध है ।

बाह (باہ) अ स्त्री –कामशक्ति, मैथुनशक्ति ।

बाहम ओ बेहम (باہمہ وبے ہمہ) फा अव्य –सबके साथ, और किसीके साथ न हो, ऐसा व्यक्ति जो भलाई मे सबके साथ हो, और बुराई मे किसी के साथ न हो ।

वाहम (باهم) फा वि –परस्पर, अन्योन्य, आपस में, एक साथ, मिलकर।

वाहमदिगर (باهمدگر) फा वि –परस्पर, एक-दूसरे से मिलकर।

वाहमी (باهمی) फा वि –पारस्परिक, आपस का।

वाहमीयत (باحمیت) फा अ वि –स्वाभिमानी, ख़ुददार, लज्जावान्, हयादार।

वाहया (باحیا) फा अ वि –जिसमे लज्जा वहुत हो, शर्मीला, ग़ैरतमद, लज्जावान्।

वाहवास (باحواس) फा अ वि –जो होशोहवास मे हो, सचेत।

वाहिर (باهر) अ वि –स्पष्ट, व्यक्त, जाहिर, प्रकाशमान, रौशन।

वाहूर (باحور) अ पु –अत्यत गर्मी, ग्रीष्म ऋतु के आठ दिन जो वहुत गर्म होते है और असाढ के अत मे पडते है।

वाहैसियत (باحیثیت) फा अ वि –प्रतिष्ठित, सम्मानित, इज्ज़तदार, समर्थ, समृद्ध, मालदार।

वाहौसलः (باحوصله) फा अ वि –हिम्मतवाला, उत्साही।

बि

विंत (بنت) अ स्त्री –लडकी, पुत्री, सुता, दुहिता, तनया।

विंतुलअम्म (بنت العم) अ स्त्री –चचा की लडकी।

विंतुलइनव (بنت العنب) अ स्त्री –अगूर की लडकी, अर्थात् अगूर की शराव, द्राक्षासव, मदिरा, सुरा।

विंतुलउख़्त (بنت الاخت) अ स्त्री –वहन की लडकी, भानजी, भगिनीसुता, भागिनेयी।

विंतुलकर्म (بنت الکرم) अ स्त्री –दे 'विंतुलइनव'।

विंतुलकाफ (بنت القاف) अ स्त्री –काफ की परी, काकेशिया-निवासिनी।

विंतुलवह्र (بنت البحر) अ स्त्री –समुद्र-सुता, जलपरी, लक्ष्मी।

विंते आदम (بنت آدم) अ स्त्री –आदम की लडकी, अर्थात् स्त्रीवर्ग, स्त्री, नारी, औरत।

विंते इनव (بنت عنب) अ स्त्री –शराव, मदिरा।

विंते हव्वा (بنت حوا) अ स्त्री –हव्वा की पुत्री, अर्थात् स्त्रीवर्ग, स्त्री, नारी।

विंसर (بنصر) अ स्त्री –दूसरी छोटी उँगली, अनामिका।

वि अल्का विंदी (بالقاب) अ अव्य –अपने सारे अल्कावो के साथ, जिस किसी के नाम के साथ वहुत-सी उपाधियाँ लगती हो उन्हे न लिखकर केवल यह शव्द लिख देते हैं।

विआद (بعاد) अ स्त्री –दूरी, फासिला।

विक (بک) तु पु –दे 'विग'।

विकवाशी (بکباشی) तु पु –दे 'विगवाशी'।

विक्र (بکر) अ स्त्री –कुमारी, दोशीज़ (वि) ऐसा काम जो पहले न हुआ हो।

विक्रनिगाह (بکرنگاه) अ फा स्त्री –वह नायिका जिसे अभी हाव-भाव न आते हो।

विग (بگ) तु पु –'वेग' का लघु नायक, सरदार।

विगताश (بگتاش) तु पु –जिसके वहुत से दास-दासियाँ हो, जो एक ही स्वामी के दास हो, ख़्वाजःताश।

विगवाशी (بگباشی) तु पु –फौज का मेजर, सेनानायक।

विगयारुक (بگیارق) तु पु –एक स्वामी के दास, ख़्वाज़-ताश।

विजन (بزن) फा पु –वध, कत्ल (क्रि) मार, जान से मार डाल।

विज़नगाह (بزن گاه) फा स्त्री –वधस्थल, मक्तल, कत्लगाह।

विज़ाअत (بضاعت) अ स्त्री –सामर्थ्य, मक्दूर; पूँजी, सरमाय।

विज़ातिही (بذاته) अ अव्य –अपने दम से, स्वय आप।

विंजिसिही (بجنسه) अ अव्य –विलकुल वैसा ही, तद्रूप, तदाकार, तत्सम।

विज़्अ (بضع) अ पु –तीन से नौ तक की सख्या, इनके वीच की कोई संख्या।

विज्ज़ुरूर (بالضرور) अ अव्य –अवश्य, ज़ुरूर ज़ुरूर।

विज्ज़ुरूरत (بالضرورت) अ अव्य –आवश्यकता पडने पर, ज़ुरूरत पर।

वितमामिही (بتمامه) अ अव्य –पूर्णतया, पूरे तौर पर, सवका सव, कुल, सपूर्ण।

विताल‌त (بطالت) अ स्त्री –शूरता, वीरता, वहादुरी।

वित्तक़्दीर (بالتقدیر) अ अव्य –भाग्यवश, किस्मत से।

वित्तख़्सीस (بالتخصیص) अ अव्य –विशेषत, ख़ास तौर पर।

वित्तफ़्सील (بالتفصیل) अ अव्य –विस्तारपूर्वक, तफ्सील के साथ।

वित्तवअ (بالطبع) अ वि –स्वभावत, स्वभाव से, तवीअत से, दिल से।

वित्तमाम (بالتمام) अ वि –सवका सव, पूरे का पूरा।

वित्तर्तीव (بالترتیب) अ वि –क्रम के साथ, तर्तीव के साथ, एक के वाद एक, सिलसिलेवार।

वित्तश्रीह (بالتشریح) अ वि –व्याख्या के साथ, तश्रीह के साथ, विस्तार के साथ, तफ्सील के साथ।

वित्तस्रीह (بالتصریح) अ वि –विस्तारपूर्वक, तफ्सील के साथ, स्पष्टतया, वज़ाहत के साथ।

बित्तहक़ीक़ (بالتحقیق) अ वि.–निश्चयपूर्वक।
बित्तीख़ (بطیخ) अ पु –खरबूज़ा।
बित्तीख़े अख़्ज़र (بطیخ احضر) अ पु –तरबूज़।
बित्यार (بتیاره) फा पु –आपत्ति, विपत्ति, मुसीबत, बला, दैवी आपत्ति, अभिचार, जादू, छल, फरेब, देव, पिशाच।
बित्रीक़ (بطریق) अ पु –पादरी, किलीसाई।
बिदाअत (بدائت) अ स्त्री –आरम्भ, प्रारम्भ, अनुष्ठान शुरूआत।
बिदिस्त (بدست) फा स्त्री –बालिश्त, बित्ती, बित्ता, वितस्ति।
बिदून (بدون) अ अव्य –बिना, बगैर।
बिद्अत (بدعت) अ स्त्री –नयी बात, नवीनता, धर्म मे नयी बात, इस्लाम धर्म मे वह बात जो रसूल के समय में न हो।
बिद्अती (بدعتی) अ वि –धर्म मे व्यवस्था करनेवाला।
बिद्आत (بدعات) अ स्त्री –'बिद्अत' का बहु बिद्अतें, धर्म में नयी बातें।
बिद्राम (بدرام) फा वि –दे 'पिद्राम', वही शुद्ध है।
बिद्रूद (بدرود) फा स्त्री –विदा करना, रुख़सत करना, त्याग करना, छोडना।
बिना (بنا) अ स्त्री –नीव, आधार, बुनियाद, कारण, सबब।
बिना अन अलैह (بناءً علیه) अ वि –इस कारण से, इस बुनियाद पर।
बिनाए ज़ुल्म (بناے ظلم) अ स्त्री –अत्याचार की शुरूआत।
बिनाए दा'वा (بناے دعوا) अ स्त्री –दावे के बुनयाद, वादाधार।
बिनाए मुख़ासमत (بناے مخاصمت) अ स्त्री –झगडे की जड, फसाद की बुनयाद, वाद का मूल आधार।
बिनाबर (بنابر) अ फा अव्य –इस कारण, इसलिए।
बिनीय. (بنیه) अ स्त्री –दे 'बुनीय', दोनो शुद्ध हैं।
बिफज़्लिही (بفضله) अ वि –उसके (ईश्वर के) फज़्ल से, ईश्वर की कृपा से।
बिमिन्निही (بمنّهٖ) अ वि –उसकी (ईश्वर की) दया से, ईश्वर की अनुकपा से।
बियाबाँ (بیاباں) फा पु –'बियाबान' का लघु, दे 'बियाबान'।
बियाबाँगर्द (بیاباں گرد) फा वि –काननचारी, वनभ्रमी, जगल मे फिरनेवाला।
बियाबाँनवर्द (بیاباں نورد) फा वि –दे 'बियाबाँगर्द'।
बियाबाँनशीं (بیاباں نشیں) फा वि –जगल मे रहनेवाला, वनवासी।
बियाबान (بیابان) फा पु –वन, कानन, विपिन, अरण्य, जगल।
बियाबानी (بیابانی) फा वि –जगल का, जगली, जगल सम्बन्धी।
बियाबाने कुद्स (بیابان قدس) फा अ पु –बैतुल मुकद्दस (यरोशलम) का जगल।
बिरज (برنج) फा पु –चावल, तदुल।
बिर [र्र] (بر) अ पु –उपकार, भलाई, यश, पुण्य, दान, बख़्शिश।
बिरजीस (برجیس) अ पु –बृहस्पति, मुश्तरी, दे 'बिर्जीस'।
बिरजीसकद्र (برجیس قدر) अ वि –बहुत बडी प्रतिष्ठावाला।
बिरजीसशियम (برجیس شیم) अ वि –बृहस्पति-जैसी बुद्धिवाला, बहुत बडा बुद्धिमान्।
बिरिंज (برنج) अ पु –पीतल, पित्तल, जस्ता और ताँबे के योग से बनी हुई एक धातु।
बिरिंजासफ (برنجاسف) अ पु –एक पत्ती जो दवा के काम आती है।
बिरिश्त. (برشته) फा. वि –भुना हुआ, भृष्ट।
बिरिश्त.कल्ब (برشته قلب) फा अ वि –जिसका हृदय प्रेमाग्नि मे जलभुन गया हो, अर्थात् प्रेमी।
बिरिश्त.जिगर (برشته جگر) फा वि –दे 'बिरिश्त कल्ब'।
बिरिश्त दिल (برشته دل) फा वि –दे 'बिरिश्त कल्ब'।
बिर्जीस (برجیس) अ पु –बृहस्पति, मुश्तरी।
बिर्यां (بریاں) फा वि –भुना हुआ, भृष्ट।
बिर्यानी (بریانی) फा स्त्री –एक प्रकार का पुलाव जिसमे गोश्त भूनकर पडता है।
बिलअक्स (بالعکس) अ वि –विरुद्ध, प्रत्युत, बरख़िलाफ।
बिलआख़िर (بالآخر) अ वि –अतत, आख़िरकार।
बिलइज्माअ (بالاجماع) अ वि –सम्मतिपूर्वक, सबके मतैक्य से।
बिलइज्माल (بالاجمال) अ वि –सक्षेपत, सक्षेप मे।
बिलइत्तिफाक (بالاتفاق) अ वि –सबकी समति से, सबकी सलाह मे।
बिलइन्फिराद (بالانفراد) अ वि –एक-एक करके, इन्फिरादी तौर पर, व्यक्तिगत।
बिलइराद (بالاراده) अ वि –निश्चयपूर्वक, इरादे से।
बिलइल्तिज़ाम (بالالتزام) अ वि –निश्चित रूप से, लाज़िमी तौर पर।

विलइश्तिराक (بالاشتراک) अ वि –साझे में, शिर्कत मे।

विलउमूम (بالعموم) अ वि –प्राय, बहुधा, आमतौर पर, अक्सर।

विलए'लान (بالاعلان) अ वि –सबके सामने, अलानिया तौर पर, डके की चोट।

विलकस्द (بالقصد) अ वि –जान-बूझकर, जानते हुए, विलइराद।

बिलकिनायः (بالکنایہ) अ वि –इशारे मे।

विलकुल (بالکل) अ वि –नितात, सर्वथा, सर्व, समस्त, पूर्णतया, पूरेतौर पर।

विलकुल्लियः (بالکلیہ) अ वि –सागोपाग, पूर्णतया, पूरे तौर पर।

विलखासियत (بالخاصیت) अ अव्य –दे 'विलखास्स।

विलखास्सः (بالخاصہ) अ अव्य –अपने गुण के प्रभाव से।

विलखुसूस (بالخصوص) अ अव्य –मुख्यत, खास तौर पर।

विलजब्र (بالجبر) अ वि –वलपूर्वक, वलात्, जब्रन्।

विलजुम्ल. (بالجملہ) अ अव्य –किवहुना, किस्स मुख्त-सर, प्राय, अमूमन, सर्वथा, विलकुल।

विलमर्रः (بالمرہ) अ वि –नित्य प्रति, रोजाना, हमेशा।

विलमा'ना (بالمعنی) अ अव्य –सत्यत, हकीकत मे, गुप्त रूप मे, दूसरे अर्थ मे।

विलमुकाविल (بالمقابل) अ अव्य –समुख, आमने-सामने, मुकाविले मे।

विलमुक्ता (بالمقطع) अ वि –अलल हिसाब, हिसाव किये विना दी हुई रकम।

विलमुज़ाअफ (بالمضاعف) अ. अव्य –दूना, द्विगुण, दुचद।

विलमुनासफः (بالمناصفہ) अ. अव्य –आधा-आधा, दो भागो मे वरावर-वरावर।

विलमुवाजहः (بالمواجہ) अ वि –मुकाविले मे, समुख, सामने।

विलमुशाफहः (بالمشافہہ) अ अव्य –दे 'विलमुवाजह।

विलमुशाहदः (بالمشاہدہ) अ अव्य –दे 'विलमुवाजह'।

विलयकीन (بالیقین) अ अव्य –निश्चयपूर्वक, यकीनन।

विलवज्ह (بالوجہ) अ अव्य –कारणवश, कारण से, सवव के साथ, सवव की विना पर।

विलवास्तिः (بالواسطہ) अ अव्य –किसी के द्वारा, किसी को वीच मे डालकर।

विला (بلا) अ अव्य –विना, वग़ैर, विन।

विला अदेश (بلا اندیشہ) अ फा अव्य –दे 'विलातरद्दुद'।

विला इराद. (بلا ارادہ) अ अव्य –विना इरादे के।

विला इश्तिवाह (بلا اشتباہ) अ वि –विना सदेह के, नि सदेह, वेशक।

विला इस्तिस्ना (بلا استثناء) अ अव्य –विना किसी को अलग किये हुए।

विला उज्र (بلا عذر) अ अव्य –विना किसी उज्र के।

विला कैद (بلا قید) अ अव्य –विना किसी पावदी के, विना किसी शर्त के।

विला जमानत (بلا ضمانت) अ अव्य –विना जमानत का, जिसकी जमानत न हो सके।

विला तकल्लुफ (بلا تکلف) अ अव्य –विना किसी तकल्लुफ के, विना किसी सकोच के, विना किसी चिन्ता के, विना किसी विचार के।

विला तरद्दुद (بلا تردد) अ अव्य –नि शक, विना चिता और फिक्र के।

विला तवक्कुफ (بلا توقف) अ वि –विना विलव के, विना देर किये, तुरत, फौरन।

विला तश्वीह (بلا تشبیہ) अ अव्य –विना उपमा दिये, विना वरावरी किये।

विला तश्रीह (بلا تشریح) अ अव्य –विना टीका-टिप्पणी के, विना व्याख्या किये।

विला तसन्नो (بلا تصنع) अ अव्य –विना बनावट के, विना किसी हेरफेर के।

विला तहाशा (بلا تحاشا) अ अव्य –अवाधुध, वहुत अधिक, वे सोचे समझे, विना रुके।

विलाद (بلاد) अ पु –'वलद' का वहु, नगर-समूह, राष्ट्र-समूह।

विला दिक़्कत (بلا دقت) अ अव्य –विना किसी कठिनाई के, सुगमतापूर्वक।

विला दिरेग़ (بلا دریغ) अ फा अव्य –दे 'विला तहाशा'।

विलादे इस्लामियः (بلاد اسلامیہ) अ पु –वह देश जिनमें मुसलमान शासको का राज है।

विलादे मग़्रिव (بلاد مغرب) अ पु –यूरोप के राष्ट्र।

विलादे मश्रिक (بلاد مشرق) अ पु –पूर्वी राष्ट्र, एशियाई देश।

विलादे हिंद (بلاد ہند) अ फा पु –भारत के प्रदेश, भारत के देश।

विला नाग़ः (بلا ناغہ) अ तु अव्य –एक दिन नागा किये विना, नित्य प्रति, रोज़ाना।

विला पर्द. (بلا پردہ) अ फा अव्य –विना किसी आड के, विना मुँह ढाँके, विना गुप्त रूप के।

बिला पसोपेश (بلا پس و پیش) अ फा अव्य –बिना सकोच, बिना कुछ सोचे-विचारे, बिना किसी दुविधा के।

बिला फस्ल (بلا فصل) अ अव्य –बिना अतर के, बिना दूरी के।

बिला फाइद (بلا فائدہ) अ वि –बेफाइद व्यर्थ, बेकार।

बिला फासिल (بلا فاصلہ) अ वि –अतर के बिना।

बिला रूओ रिआयत (بلا رو و رعایت) अ फा वि –बिना किसी शील-सकोच के, बिना किसी पक्षपात के।

बिला वज्ह (بلا وجہ) अ अव्य –अकारण, बेसबब।

बिला वासित (بلا واسطہ) अ अव्य –बराहे रास्त, सीधा, डाइरेक्ट।

बिला शक (بلا شک) अ वि –नि सदेह, नि सशय, नि शक, बेशक, बेशुव्ह।

बिला शुव्ह (بلا شبہ) अ वि –दे बिला शक।

बिला सबब (بلا سبب) अ अव्य –दे 'बिला वज्ह', अकारण, बिला सबब।

बिलाहत (بلاهت) अ स्त्री –सासारिक विषयो में बुद्धि की कमी।

बिलौर (بلور) अ पु –बिल्लौर का लघु, दे 'बिल्लौर'।

बिल्लौर (بلور) अ पु –एक कीमती शीशा, स्फटिक मणि।

बिशारत (بشارت) अ स्त्री –खुशखबरी, शुभ समाचार, सुख-सवाद, दे 'बुशारत', दोनो शुद्ध है।

बिसात (بساط) अ स्त्री –फर्श, बिछौना, स्तर, सतह, साहस, हिम्मत, सामर्थ्य, मक्दरत, शतरज का तख्ता, पूँजी, सरमाय, हैसियत, पहुँच, दस्तरस।

बिसातख़ान (بساطخانہ) अ फा पु –बिसाती का सामान, बिसाती की दुकान।

बिसाती (بساطی) अ पु –बिसातखाने का सामान बेचनेवाला, जनरल मर्चेंट।

बिसाते खाक (بساطخاک) अ फा स्त्री –पृथ्वीतल, जमीन की सतह।

बिसाते नर्द (بساطنرد) अ फा स्त्री –चौसर खेलने का तख्ता।

बिसाते शत्रज (بساطشطرنج) अ फा स्त्री –शत्रज खेलने का तख्ता, चेसबोर्ड।

बिस्त (بست) फा वि –बीस की सख्या, बीस।

बिस्तर (بستر) फा पु –शय्या, बिछौना।

बिस्तरबद (بستربند) फा पु –बिस्तर बाँधने की पेटी आदि, होलडाल।

बिस्ताम (بسطام) फा पु –ईरान मे खुरासान के प्रदेश का एक प्रसिद्ध नगर, जो महात्मा 'बायजीद' का स्थान था।

बिस्तुम (بستم) फा वि –बीसवाँ।

बिस्मिल (بسمل) फा वि –आहत, क्षत, घायल, जख्मी।

बिस्मिलगाह (بسملگاہ) फा स्त्री –वधस्थल, कत्लगाह।

बिस्मिल्लाह (بسم اللہ) अ वा –कुरान की एक आयत, जिसका अर्थ है 'मै ईश्वर के नाम से प्रारम्भ करता हूँ जो बडा दयालु और महा कृपालु है।'

बिस्यार (بسیار) फा वि –अधिक, प्रचुर, बहुल, बहुत।

बिस्यारख़ोर (بسیارخور) फा वि –बहुत खानेवाला, बहुभोजी।

बिस्यारख़ोरी (بسیارخوری) फा स्त्री –बहुत खाना, थूरना।

बिस्यारगो (بسیارگو) फा वि –बहुत बोलनेवाला, बहुभाषी, फुजूलगो, मिथ्याभाषी।

बिस्यारगोई (بسیارگوئی) फा स्त्री –बहुत बोलना, फुजूल बाते करना।

बिसयारी (بسیاری) फा वि –अधिकता, बाहुल्य, कसरत।

बिह (بہ) फा वि –उत्तम, बढिया, अच्छा।

बिहिल (بحل) फा वि –मुआफ।

बिहिश्त (بہشت) फा पु –स्वर्ग, फिर्दौस, जन्नत—"बिहिश्त एक नाम है शायद उसी पाकीज़ा गोशे का।"

बिहिश्ती (بہشتی) फा वि –स्वर्गीय, स्वर्ग का, स्वर्ग सम्बन्धी, स्वर्ग का निवासी।

बिहिश्ते बरीं (بہشت بریں) फा पु –सबसे ऊँचा स्वर्ग।

बिहिश्ते शद्दा (بہشت شداد) फा अ पु –वह स्वर्ग जो शद्दाद ने बनाया था।

बी

बीं (بیں) फा प्रत्य –देखनेवाला, जैसे—'दूरबीं' दूर का देखनेवाला।

बीच (بیچہ) फा पु –'बीबी' का लघु, प्रेमपात्र, मा'शूक, (स्त्री) नायिका, प्रेमिका, महबूब।

बीज़ (بیض) स्त्री –'बैज़ा' का बहु, गोरी चिट्टी औरते, पूरी चाँदनीवाली रातें।

बीना (بینا) फा वि –देखनेवाला, जिसके आँखे हो।

बीनाई (بینائی) फा स्त्री –आँखो की ज्योति, दृष्टि, नज़र।

बीनादिल (بینادل) फा वि –रौशन जमीर, अतर्यामी।

बीनिंद (بینندہ) फा वि –देखनेवाला, दर्शक।

बीनिश (بینش) फा स्त्री –दृष्टि, नज़र, देखना।

बीनी (بینی) फा स्त्री –नासा, नासिका, नाक।

बीम (بیم) फा पु –भय, त्रास, डर, निराशा, नाउम्मेदी।

बीमार (بیمار) फा वि –रोगी, रुग्ण, अस्वस्थ, व्याधित, मरीज ।

बीमारखानः (بیمارخانہ) फा पुं –रुग्णालय, अस्पताल ।

बीमारदार (بیماردار) फा वि –रोगी की देखभाल करनेवाला, परिचारक, उपचारक ।

बीमारदारी (بیمارداری) फा स्त्री –रोगी की देखभाल, उपचार, परिचार ।

बीमारपुर्सी (بیمارپرسی) फा स्त्री –रोगी का हाल पूछना ।

बीमारिस्तान (بیمارستان) फा पु –दे 'बीमारखान ।'

बीमारी (بیماری) फा स्त्री –रोग, व्याधि, मरज़, कोई बुरी लत ।

बीमारे इश्क (بیمارعشق) फा अ पु –प्रेम के रोग का रोगी, नायक, आशिक ।

बीमारे ग़म (بیمارغم) फा पु –दे 'बीमारे इश्क' ।

बीमारे फिराक (بیمارفراق) फा अ पु –विरह के रोग से पीडित, जो सदा वियोगी रहे ।

बीमेजाँ (بیمجاں) फा पु –प्राणभय, जान का खतरा ।

बीमोरजा (بیمورجا) फा अ पु –निराशा और आशा, उम्मेद और नाउम्मेदी ।

बीमोहिरास (بیموهراس) फा पु –खौफ और निराशा ।

बीर (بیر) अ पु –कुआँ, कूप ।

बीश (بیش) फा स्त्री –सिंघिया, मीठा तेलिया ।

बु

बुंदुकः (بندقہ) अ पु –गोली, वदूक की गोली ।

बुंदुक (بندق) अ पु –मिट्टी की गोली, गुल्ला ।

बुका (بکا) अ स्त्री –रोना, रोदन ।

बुकावुल (بکاول) फा पु –शाही बावरचीखाने का दारोगा, दे 'वकावल', दोनो शुद्ध है ।

बुक़ूल (بقول) अ स्त्री –'वक्ल' का वहु, सब्जियाँ, तरकारियाँ, सागपात ।

बुक्अः (بقعہ) अ पु –घर, मकान, स्थान, जगह ।

बुक्अए नूर (بقعۂ نور) अ पु –वह घर या स्थान जहाँ वहुत रौशनी हो ।

बुखला (بخلا) अ पु –'वखील' का वहु, कजूस लोग ।

बुख़ार (بخار) फा पु –वाष्प, भाप, ज्वर, ताप, तप, क्रोध, गुस्सा, द्वेष, बुग्ज ।

बुखारा (بخارا) फा पु –रूसी तुर्किस्तान का एक प्रसिद्ध नगर, जो वहाँ की राजधानी भी है, यहाँ का सौन्दर्य प्रसिद्ध है ।

बुखारात (بخارات) फा पु –'बुख़ार' का वहु , भापे ।

बुखारी (بخاری) फा वि –भाप सम्वन्धी, भाप द्वारा चलनेवाला यत्र, बुखारा का रहनेवाला, नाज रखने की कोठानुमा खत्ती ।

बुख़ूर (بخور) अ पु –धूनी, धूप आदि की धूनी, दवाओ की धूनी जो किसी विशेष अग को दी जाय ।

बुख़ूरदान (بخوردان) अ फा पु –जिस बर्तन मे अगर या लोवान आदि सुलगाया जाय, धूपदान, अगरदान ।

बुख्तनस्सर (بخت نصر) फा पु –वाबुल के १२ वे खानदान का नरेश (१,२०० ई० पू०), वाबुल के १९ वें खानदान का दूसरा नरेश जो ६०४ ई० पू० मे गद्दी पर बैठा, बडे दवदवे का शासक था, वाबुल को वहुत उन्नत किया ।

बुख़्ल (بخل) अ पु –कृपणता, कजूसी ।

बुग्चः (بغچہ) फा पु –छोटी पोटली जो बगल मे दवायी जा सके ।

बुग्ज़ (بغض) अ पु –वह वैर जो मन ही मन मे वढाया जाय, और प्रकट न किया जाय, द्वेष, कीन ।

बुज़ (بز) फा स्त्री –अजा, बकरी ।

बुज़कदम (بزقدم) फा वि –दुर्वलता के कारण धीरे-धीरे चलनेवाला, तुच्छ ।

बुज़गर (بزگر) फा पु –मेंढा लडानेवाला ।

बुज़गालः (بزغالہ) फा पु –वकरी का बच्चा, अजा-शावक, पहाडी वकरी ।

बुज़गीर (بزگیر) फा वि –छली, मक्कार, तस्कर, चोर ।

बुज़जिगर (بزجگر) फा वि –भयभीत, भीरु, डरपोक ।

बुज़दिल (بزدل) फा वि –भीरु, डरपोक, बुज़जिगर ।

बुज़दिली (بزدلی) फा स्त्री –भीरुता, डरपोकपन ।

बुज़बाज़ (بزباز) फा वि –वकरी और बदर का खेल करनेवाला ।

बुज़बाज़ी (بزبازی) फा स्त्री –बकरी और बदर का खेल ।

बुज़ाक (بزاق) अ पु –मुखस्राव, राल, थूक ।

बुज़ुर्ग (بزرگ) फा पु –श्रेष्ठ प्रतिष्ठित, मुअज्ज़ज़, वयोवृद्ध, वूढा, पूर्वज, वापदादे, महात्मा, पुण्यात्मा, वली, खुदारसीद , (व्यग) धूर्त, उत्पाती, शरीर, वदमआश ।

बुज़ुर्गज़ादः (بزرگ زادہ) फा पु –बुज़ुर्ग का लडका ।

बुज़ुर्गदाश्त (بزرگداشت) फा स्त्री –बुज़ुर्गों की ओर से छोटो पर अनुकपा और दया ।

बुज़ुर्गमनिश (بزرگ منش) फा वि –सदात्मा, पुनीतात्मा, महान् व्यक्तियो-जैसे आचरणवाला ।

बुज़ुर्गवार (بزرگوار) फा पु –पूज्य, मान्य, प्राय अपने से वडो के लिए पत्रो मे लिखते है ।

बुज़ुर्गसाल (بزرگسال) फा वि –बडी उम्रवाला, वयोवृद्ध, जरत् ।
बुज़ुर्गान (بزرگانہ) फा वि –बुज़ुर्गों-जैसा ।
बुज़ुर्गी (بزرگی) फा स्त्री –प्रतिष्ठा, मान, बडाई, समान, इज़्ज़त, महात्मापन ।
बुज़ुर्गे कौम (بزرگ قوم) फा अ पु –जाति या राष्ट्र का प्रतिष्ठित व्यक्ति ।
बुज़ुर्गे ख़ानदाँ (بزرگ خانداں) फा पु –वंश और कुल का प्रतिष्ठित और पूज्य व्यक्ति ।
बुज़ूर (بزور) अ पु –'बज़्र' का वहु, तरकारियो आदि के बीज ।
बुज़ूरी (بزوری) अ वि –बीजोवाला, बीजो से बना हुआ, एक शर्बत जो बीजो से बनता है ।
बुज़े अख़्फ़श (بز اخفش) फा अ पु –ऐसा व्यक्ति जो लाख समझाने पर भी कुछ न समझे, महामूर्ख ।
बुत (بت) फा पु –मूर्ति, प्रतिमा, प्रतिकृति, मुजस्सम, वह मूर्ति जिसकी पूजा होती है, देवमूर्ति, नायिका मा'शूक ।
बुतकद (بتکدہ) फा पु –मंदिर, मूर्तिगृह, बुतख़ाना जहाँ मूर्तिपूजा की जाती हो ।
बुतख़ान (بتخانہ) फा पु –दे 'बुतकद' ।
बुततराश (بت تراش) फा वि –मूर्तिकार, पत्थर की मूर्तियाँ बनानेवाला ।
बुततराशी (بت تراشی) फा स्त्री –मूर्तियाँ बनाने का काम, मूर्तियाँ बनाकर बेचने का पेशा, मूर्ति बनाने की विद्या, मूर्तिकला ।
बुतपरस्त (بت پرست) फा वि –मूर्तियो की पूजा करनेवाला, मूर्तिपूजक, साकारोपासक ।
बुतपरस्ती (بت پرستی) फा स्त्री –मूर्तिपूजा, बुतो की इबादत ।
बुतफ़रोश (بت فروش) फा वि –मूर्तियाँ बेचनेवाला, मूर्ति-व्यवसायी ।
बुतशिकन (بت شکن) फा वि –मूर्तियो को तोडनेवाला, मूर्तिभंजक ।
बुतशिकनी (بت شکنی) फा स्त्री –मूर्तियो को तोडना, मूर्ति-खंडन ।
बुताने आज़री (بتان آزری) फा पु –आज़र (हज़रत इब्राहीम के पिता) की बनायी हुई मूर्तियाँ, जो बडी कलापूर्ण होती थी ।
बुतून (بطون) अ पु –'बत्न' का वहु, पेट, गुप्ति, छिपाव, पोशीदगी ।
बुते पुरफ़न (بت پرفن) फा पु –बहुत ही चालबाज़ नायिका ।
बुते बेपीर (بت بے پیر) फा पु –बडी निर्दय और कठोर मन की नायिका ।
बुतैन (بطین) अ पु –दूसरा नक्षत्र, भरणी ।
बुत्लान (بطلان) अ पु –खंडन, काट, तर्दीद, नाश, ज़ाए होना ।
बुद [द्द] (بد) अ पु –उपचार, उपाय, तद्बीर ।
बुद (بد) फा क्रि –'बूद' का लघु, था ।
बुदूर (بدور) अ पु –'बद्र' का वहु, चौदहवी रात का चाँद ।
बुदूह (بدوح) अ वि –ईश्वर का एक नाम ।
बुन (بنہ) फा पु –उपकरण, सामान ।
बुन (بن) फा स्त्री –वृक्ष, पेड, पेड की जड, मूल, हर चीज़ का अन्त, अख़ीर, कहवा के बीज, जिन्हें भून और पीसकर कहवा बनाते है ।
बुनगह (بن گہ) फा स्त्री –'बुनगाह' का लघु, दे 'बुनगाह' ।
बुनगाह (بن گاہ) फा स्त्री –कुठार, वह कोठा जहाँ सामान रहता है ।
बुनागोश (بناگوش) फा स्त्री –कान की लौ, कर्णलता ।
बुनीय (بنیہ) अ स्त्री –आधार, बुन्याद, प्रकृति, स्वभाव, सृष्टि, तख़्लीक, अस्तित्व, वुजूद ।
बुनेरान (بن راں) फा स्त्री –रान की जड, चिड्ढा ।
बुन्कराँ (بنکراں) फा स्त्री –खुर्चन, वे चावल जो देगचे की तली मे लग जाते है ।
बुन्याद (بنیاد) फा स्त्री –आधार, नीव, सामर्थ्य, मक्दूर, सृष्टि, ख़िल्कत, अस्तित्व, वुजूद, अनुष्ठान, आरम्भ, इब्तिदा, मूल, जड ।
बुन्यादी (بنیادی) फा वि –आधार भूत, अस्ली, प्रारम्भिक, इब्तिदाई ।
बुन्यान (بنیان) अ स्त्री –नीव, आधार, बुनयाद ।
बुन्याने मर्सूस (بنیان مرصوص) अ स्त्री –इमारत की ऐसी नीव जिसमें सीसे से जुडाई हुई हो, बहुत ही मज़बूत नीव ।
बुयूत (بیوت) अ पु –'बैत' का वहु, घरो का समूह, बहुत से घर ।
बुराक़ (براق) अ पु –मुसलमानो के मतानुसार वह घोडा जिस पर उनके रसूल आस्मानो पर गये थे ।
बुराद (برادہ) फा पु –लकडी या धातु की छीलन, जो ख़रादने या आरे से चीरने में गिरती है ।
बुरादए आज (برادۂ عاج) फा अ पु –हाथी-दाँत का बुरादा जो दवा मे चलता है ।
बुरादए आबनूस (برادۂ آبنوس) फा पु –आबनूस का बुरादा जो दवा के काम आता है ।

बुरिदः (بردہ) फा वि.–काटनेवाला।
बुरिश (برش) फा स्त्री –काट, धार, तीक्ष्णता।
बुरीदः (بریدہ) फा वि –काटा हुआ, कटा हुआ, विच्छिन्न।
बुरीद.गोश (بریدہگوش) फा वि –जिसके कान कटे हो, कनकटा।
बुरीद.दस्त (بریدہدست) फा वि –जिसके हाथ कटे हो।
बुरीद.पा (بریدہپا) फा वि –जिसके पाँव कटे हो।
बुरीद.बीनी (بریدہبینی) फा वि –जिसकी नाक कटी हो।
बुरीद.मू (بریدہمو) फा वि –जिसके बाल कटे हो।
बुरीदःशाख़ (بریدہشاخ) फा वि –जिसकी शाखाएँ काट दी गयी हो।
बुरीद सर (بریدہسر) फा वि –जिसका सर काट डाला गया हो, जिसका सर धड से अलग हो।
बुरीद (برید) फा स्त्री –काट, कटन, कटाव।
बुरीदगी (بریدگی) फा स्त्री –काट, कटाव।
बुरीदनी (بریدنی) फा वि –काटने योग्य, जो काटने के लाइक हो।
बुरूँ (بروں) फा वि –'बेरूँ' का लघु, बाहर, दे. 'बिरूँ', दोनो शुद्ध है।
बुरूज (بروج) अ पु –'बुर्ज' का बहु, राशियाँ।
बुरूज़ (بروز) अ पु –प्रकट होना, निकलना।
बुरूत (بروت) अ स्त्री –मूँछ, मुच्छ।
बुरूदत (برودت) अ स्त्री –शीतलता, ठंडक, ठड।
बुरूने ख़ानः (برونخانہ) फा वि –घर के बाहर।
बुरूने दर (برون‌در) फा वि –दरवाज़े के बाहर।
बुर्क़ा (برقع) अ पु –मुह छिपाने का एक सर से पाँव तक का चुगानुमा वस्त्र, निकाब, मुखपट।
बुर्क़ापोश (برقع‌پوش) अ फा वि –'बुर्क़ा' पहने हुए।
बुर्ज (برج) अ पु –गुबद, मडप, राशि, दाइरतुल बुरूज का बारहवाँ अश।
बुर्जे अक्रब (برج‌عقرب) अ पु –वृश्चिक राशि, आठवाँ बुर्ज।
बुर्जे असद (برج‌اسد) अ पु –सिहराशि, पाँचवाँ बुर्ज।
बुर्जे आतशी (برج‌آتشی) अ फा पु –अग्नि तत्त्व से सम्बन्ध रखनेवाली तीन राशियाँ, मेष, सिह, धनु।
बुर्जे आबी (برج آبی) अ फा पु –जल तत्त्व से सम्बन्ध रखनेवाली तीन राशियाँ, कर्क, वृश्चिक, मीन।
बुर्जे कबूतर (برج‌کبوتر) अ फा पु –कबूतरो का दरबा, काबुक।
बुर्जे क़ौस (برج قوس) अ. पु –धनु राशि, नवाँ बुर्ज।
बुर्जे ख़ाकी (برج خاکی) अ फा पु –पृथ्वीतल से सम्बन्ध रखनेवाली तीन राशियाँ, वृष, कन्या, मकर।
बुर्जे जदी (برج جدی) अ पु –मकर राशि, दसवाँ बुर्ज।
बुर्ज जौज़ा (برج جوزا) अ पु –मिथुन राशि, तीसरा बुर्ज।
बुर्जे दलव (برج‌دلو) अ पु –कुभराशि, ग्यारहवाँ बुर्ज।
बुर्जे बादी (برج‌بادی) अ फा पु –वायुतत्त्व से सम्बन्ध रखनेवाली तीन राशियाँ, मिथुन, तुला, कुभ।
बुर्जे मीज़ान (برج میزان) अ पु –तुलाराशि, सातवाँ बुर्ज।
बुर्जे संबुलः (برج سنبلہ) अ पु –कन्याराशि, छठा बुर्ज।
बुर्जे सर्तान (برج سرطان) अ पु.–कर्कराशि, चौथा बुर्ज।
बुर्जे सौर (برج‌ثور) अ पु –वृषराशि, दूसरा बुर्ज।
बुर्जे हमल (برج‌حمل) अ पु –मेषराशि, पहला बुर्ज।
बुर्जे हूत (برج‌حوت) अ पु –मीनराशि, बारहवाँ बुर्ज।
बुर्तलः (برطلہ) अ पु –टोपी।
बुर्दः (بردہ) अ स्त्री –ले जाया हुआ।
बुर्द (برد) फा स्त्री –शत्रज की वह बाज़ी जिसमें आधी मात मानी जाती है और जिसमे हारनेवाले के पास बादशाह के सिवा कोई मोहरा नही रहता, नक्शी चादर।
बुर्दबार (بردبار) फा वि –गभीर, शान्तचित्त, मलीन, सहनशील, हलीम।
बुर्दबारी (بردباری) फा. स्त्री –गभीरता, महत्ता, सहनशीलता, तहम्मुल, बरदाश्त।
बुर्दे यमानी (برد یمانی) अ. स्त्री –यमन की एक विशेष बहुमूल्य चादर।
बुर्राँ (براں) फा वि –काटता हुआ, धारदार, तीक्ष्ण।
बुर्रिश (برش) फा स्त्री –काट, धार, तीक्ष्णता।
बुर्हान (برهان) अ पु –तर्क, दलील, प्रमाण, सुबूत।
बुलंद (بلند) फा वि –यह उच्चारण भी शुद्ध है, परन्तु 'बलद' अधिक शुद्ध और अधिक साधु है, दे 'बलद'।
बुलगा (بلغا) अ पु –'बलीग' का बहु, वे लोग जिनके बोलने और लिखने मे बलागत होती है।
बुलाक (بلاق) तु स्त्री –नाक के बीच की हड्डी, नासापट, इसमे पहने जानेवाली छोटी-सी नथ।
बुलूग़ (بلوغ) अ पु –युवावस्था, जवानी, जवानी की अवस्था की प्राप्ति।
बुल्अजब (بوالعجب) अ वि –अद्भुत, विलक्षण, विचित्र, (व्यक्ति)।
बुल्फुजूल (بوالفضول) अ वि –फुजूल की बाते करनेवाला, मुखर, बक्की; फुजूल के काम करनेवाला।
बुल्फुनून (بوالفنون) अ वि –बहुत-से गुण जाननेवाला, बहुगुण वेत्ता (व्यग) धूर्त, छली, वचक।
बुल्बुल (بلبل) फा अ –एक सुप्रसिद्ध गानेवाली चिड़िया, गोवत्सक।

बुल्बुले शीराज़ (بلبل شیراز) फा पु –शीराज़ का वुलवुल, शेख़ सादी की उपाधि जो फ़ारसी के बहुत बडे कवि थे।

बुल्बुले हज़ारदास्ताँ (بلبل ہزارداستاں) फा पु –वहुत प्रकार के गाने गानेवाली, वुलवुल।

बुल्हवस (بوالہوس) अ फा वि –लोलुप, लिप्सु, लोभी, लालची।

बुशक़ाव (بشقاب) तु स्त्री –वडी काव, परात, थाल।

बुशारत (بشارت) अ स्त्री –शुभ सवाद, ख़ुशख़बरी।

बुश्र: (بشرہ) अ पु –चेहरा, मुखाकृति, हुल्या।

बुश्रा (بشریٰ) अ पु –शुभ सवाद, वुशारत।

बुसुद (بسد) अ पु –मूँगा, प्रवाल, विद्रुम, मर्जां, दे 'वुस्सुद' दोनो शुद्ध हैं।

बुस्ताँ (بستاں) फा पु –उद्यान, आराम, वाटिका, बाग।

बुस्ताँअफ़्रोज़ (بستاں افروز) फा पु –एक फूल, मुर्गकेस।

बुस्ताँपैरा (بستاں پیرا) फा पु –वाग को सजानेवाला, माली, उद्यानपाल।

बुस्ताँसरा (بستاں سرا) फा पु –खान वाग़, गृहोद्यान।

बुस्तानी (بستانی) फा वि –वाग का, वाग में पैदा होनेवाला, खेत मे काश्त किया जानेवाला।

बुस्सुद (بسد) अ पु –मूँगा, प्रवाल, विद्रुम, दे 'वुसुद' दोनो शुद्ध हैं।

बुहूर (بحور) अ पु –'वह्र' [छद] का वहु, वृत्तसमूह।

बुहैर: (بحیرہ) अ पु –छोटा समुद्र, सी।

बुहतत (بہتت) अ स्त्री –आश्चर्य, विस्मय, निस्तब्धता, हैरत।

बुह्तान (بہتان) अ पु –आरोप, झूठा इल्ज़ाम, तुहमत।

बुह्तानतराशी (بہتان تراشی) अ फा –झूठा इल्ज़ाम लगाना, मिथ्यारोपण।

बुह्रान (بحران) अ पु –सघर्ष, कशमकश, रोग मे अचानक परिवर्तन, कमी की ओर हो चाहे वढती की ओर, और यह प्रकृति और रोग के परस्पर सघर्ष से होता है। अगर प्रकृति जीत गयी तो रोग का ज़ोर टूट जाता है, अगर रोग विजयी हुआ तो प्रकृति हार जाती है और रोग का प्रकोप वढ जाता है (यूनानी तिव)।

बुह्लूल (بہلول) अ पु –हँसमुख व्यक्ति, जाति का सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति, एक महात्मा।

बुह्हतुस्सौत (بحۃ الصوت) अ स्त्री –आवाज़ वैठ जाने का रोग, स्वरभग।

बू

बू (بو) फा स्त्री –गंध, महँक; वदवू, वुरी गध, लक्षण, आसार, भेद, सुकसुक।

बूए अफ़्राज़ (بوے افراز) फा पु –गर्म मसाला।

बूए खुश (بوے خوش) फा स्त्री –अच्छी महँक, सुगध।

बूए तेज़ (بوے تیز) फा स्त्री –तेज वू, तीव्र गध।

बूए बद (بوے بد) फा स्त्री –वुरी वू, वदवू, दुर्गंधि।

बूए महब्वत (بوے محبت) फा अ स्त्री –प्रेम की सुगध।

बूक़ (بوق) फा पु –नरसिघा, तुरुही।

बूकलमूँ (بوقلموں) फा वि –चित्र-विचित्र, रगविरग, अद्भुत, विलक्षण, अजीवोगरीव, एक रेशमी कपडा जो क्षण-क्षण पर रग वदलता है।

बूकलमूनी (بوقلمونی) फा स्त्री –विचित्रता, वुलअजवी, रग-विरगापन।

बूज़ (بوزہ) फा स्त्री –जौ की शराव, वियर।

बूज़ ख़ान (بوزہ خانہ) फा पु –शरावखान, मदिरालय, शराव वनाने की जगह, भट्ठी।

बूज़िन. (بوزنہ) फा पु –'बूज़ीन' का लघु, कपि, मर्कट, वानर, शाखा-मृग, वदर।

बूज़िन चश्म (بوزنہ چشم) फा वि –वदर-जैसी आँखोंवाला, ज़रा-सी देर मे आँखे फेर लेनेवाला, वेमुरव्वत, दु शील।

बूज़िन'वश (بوزنہ وش) फा वि –वदर-जैसी प्रकृतिवाला, वेमुरव्वत, शरीर, नटखट।

बूज़ीदान (بوزیدان) फा स्त्री –एक लकडी जो दवा के काम आती है।

बूज़ीन. (بوزینہ) फा पु –वानर, मर्कट, कपि, वदर, वलिमुख।

बूत (بوتہ) फा पु –सुनारो की चाँदी-सोना गलाने की घरिया, वोत, दे 'वोत', दोनो शुद्ध हैं, वह वृक्ष जो वडा न हो।

बूतए ख़ाक (بوتۂ خاک) फा पु –मानव-शरीर, आदमी का जिस्म।

बूतए ज़र (بوتۂ زر) फा पु –सोना गलाने की घरिया।

बूतीमार (بوتیمار) फा पु –वक, वगला।

बूतुराव (بوتراب) अ पु –हज्रत अली की उपाधि।

बूद (بودہ) फा क्रि –था।

बूद (بود) फा क्रि –था, (स्त्री) अस्तित्व, हस्ती, हैसियत, मर्यादा।

बूदगी (بودگی) फा स्त्री –होना, हस्ती, अस्तित्व, हैसियत, मर्यादा।

बूदनी (بودنی) फा अव्य –होने योग्य।

बूदमे वेदाल (بودمِ بیدال) फा पु –बूम, उल्लू, (बूदम शब्द से दाल अक्षर अर्थात् 'द' निकल जाय तो 'बूम' रह जाता है)।

बूदार (بودار) फा वि –बदबूदार, दुर्गंधयुक्त।

बूदोबाश (بودوباش) फा स्त्री –रहन-सहन, रहाइश।

बूद्नः (بودنہ) फा पु –दे शुद्ध उच्चारण, 'बोदन'।

बूबक्र (بوبکر) अ पु –'अबूबक्र' का लघु, हज़्रत अबूबक्र सिद्दीक़, पहले ख़लीफा।

बूम (بوم) फा पु –उलूक, पेचक, उल्लू, बजर भूमि, प्रकृति, स्वभाव, मूर्ख, बेवकूफ।

बूमख़स्लत (بوم خصلت) फा अ वि –उल्लू-जैसे स्वभाववाला, जहाँ रहे वहाँ वीरान बना दे।

बूमतिला (بوم طلا) फा वि –वह चीज़ जिसकी ज़मीन सुनहरी हो और बेलबूटे दूसरे रंग के।

बूमसिफत (بوم صفت) फा अ वि –दे 'बूमख़स्लत'।

बूमी (بومی) फा वि –देशीय, देसी, देशवासी, हमवतन।

बूया (بویا) फा वि –सुगंध देनेवाली वस्तु, खुशबूदार, सुगंधित।

बूयीदः (بوئیدہ) फा वि –सूँघा हुआ।

बूरः (بورہ) फा पु –सुहागा।

बूरए अर्मनी (بورۂ ارمنی) फा पु –एक प्रकार का नमक, एक प्रकार का सोडा।

बूरक (بورق) अ पु –कचलोन।

बूरानी (بورانی) फा स्त्री –बैंगन का राइता।

बे

बेअंदाज़ः (بے اندازہ) फा वि –बहुत अधिक, जिसका अंदाज़ा न हो सके।

बेअंदाम (بے اندام) फा वि –धृष्ट, गुस्ताख, अशिष्ट, बदतमीज।

बेअक़्ल (بےعقل) फा अ वि –निर्बुद्धि, मूर्ख, बेशऊर।

बेअदब (بےادب) फा अ वि –धृष्ट, गुस्ताख, अशिष्ट, बेतमीज, उद्दंड, उजड्ड, असभ्य, बेतहज़ीब।

बेअदबी (بےادبی) फा अ स्त्री –धृष्टता, गुस्ताखी, अशिष्टता, बेतमीज़ी, उद्दंडता, उजड्डपन, असभ्यता, बदतहज़ीबी।

बेअमल (بےعمل) फा अ वि –जो जानता हो मगर उसके अनुसार व्यवहार न करता हो, अकर्मण्य, निकम्मा।

बेअसर (بےاثر) फा अ वि –निष्फल, बेनतीजा, अगुणकर, जो तासीर न दिखाये (दवा आदि)।

बेअस्ल (بےاصل) फा वि –निर्मूल, निराधार, वस्तुशून्य, बेबुनियाद।

बेआज़ार (بےآزار) फा वि –जो किसी को कष्ट न दे।

बेआबरू (بےآبرو) फा. वि –अपमानित, तिरस्कृत।

बेआबोदानः (بےآب و دانہ) फा वि –बेकुछ खाये-पिये, अन्न-जलहीन।

बेआबोरंग (بےآب و رنگ) फा वि –निःश्री, बेरौनक।

बेआराम (بےآرام) फा. वि –बेचैन, अशान्त, व्याकुल, निरानंद, विसुख, ग़ैर मस्रूर।

बेआरामी (بےآرامی) फा स्त्री –बेचैनी, व्याकुलता, आनंदाभाव, तकलीफ।

बेइंतिहा (بےانتہا) फा अ वि –असीम, अपार, बेहद।

बेइख़्तियार (بےاختیار) फा अ वि –सहसा, बेतहाशा, अधिकारहीन—"ग़ैरों को आज बज़्म में उसको रुला दिया, बेइख़्तियार नालए बेइख़्तियार ने।"—दाग़।

बेइख़्तियारानः (بےاختیارانہ) फा अ अव्य –बेतहाशा, सहसा।

बेइख़्तियारी (بےاختیاری) फा अ स्त्री –विवशता, मजबूरी।

बेइज़्ज़त (بےعزت) फा अ वि –अपमानित, तिरस्कृत, निंदित, गर्हित, रुसवा।

बेइज़्ज़ती (بےعزتی) फा अ स्त्री –अपमान, तिरस्कार, निंदा, रुसवाई।

बेइल्म (بےعلم) फा अ वि –विद्याहीन, इल्म से खाली, निरक्षर, बेपढ़ा-लिखा, जाहिल।

बेइल्मी (بےعلمی) फा अ स्त्री –विद्याभाव, इल्म न होना, निरक्षरता, जहालत।

बेइश्तिबाह (بےاشتباہ) फा अ वि –निःसंदेह, निःशंक, बेशुब्ह।

बेईमान (بےایمان) फा अ वि –बददियानत।

बेईमानी (بےایمانی) फा अ स्त्री –बददियानती।

बेउज़्र (بےعذر) फा अ वि –जिसे किसी काम के करने में आपत्ति न हो, वह जिससे जो कुछ कहा जाय उसे तुरन्त करे।

बेउसूल (بےاصول) फा अ वि –जिस व्यक्ति का कोई नियम न हो।

बेएतिदाली (بےاعتدالی) फा अ स्त्री –किसी काम में हद से आगे बढ़ जाना, बदपरहेज़ी।

बेएतिनाई (بےاعتنائی) फा अ स्त्री –तवज्जुह न करना, ध्यान न देना, उपेक्षा।

बेएतिबार (بےاعتبار) फा अ वि –अविश्वस्त, अविश्वसनीय, नामो'तबर।

बेएतिबारी (بےاعتباری) फा अ स्त्री –अविश्वास, एतिबार न होना।

बेऐब (بےعیب) फा अ वि –निर्दोष, निर्मल, जिसमें कोई खोट न हो।

बेऔलाद (بےاولاد) फा अ वि –जिसके कोई सतान न हो, अनपत्य, नि सतान।

बेक़द्र (بےقدر) फा अ वि –अप्रतिष्ठित, अनादृत, बेइज्जत, अपमानित, ज़लील।

बेक़द्री (بےقدری) फा अ स्त्री –अप्रतिष्ठा, बेइज्ज़ती, अपमान, जिल्लत।

बेकमोकास्त (بےکم وکاست) फा वि –दे 'बेकमोबेश'।

बेकमोबेश (بےکم وبیش) फा वि –घटाये-बढाये वगैर, ज्यो-का-त्यो, यथावत्।

बेकराँ (بےکراں) फा वि –जिसका किनारा न हो, अपार, असीम।

बेकरान (بےکرانہ) फा वि –दे 'बेकराँ'।

बेकरार (بےقرار) फा अ वि –व्याकुल, आतुर, बेचैन, घबडाया हुआ, उद्विग्न।

बेक़रारी (بےقراری) फा अ स्त्री –व्याकुलता, बेचैनी, घबराहट, बदहवासी।

बेक़रीन (بےقرینہ) फा अ वि –बेतर्तीब, क्रमहीन, असबद्ध, अशिष्ट, बेतमीज़।

बेकस (بےکس) फा वि –दु खित, दुखी, कष्टग्रस्त, पीडित, तक्लीफज़द, निस्सहाय, निराश्रय, बेयारो मददगार।

बेकसी (بےکسی) फा स्त्री –दु ख, कष्ट, विपत्ति, तक्लीफ, नि सहायता, बेबसी।

बेकाइद (بےقاعدہ) फा अ वि –बेतर्तीब, असबद्ध, नियम-विरुद्ध, बेज़ाबित।

बेक़ाइदगी (بےقاعدگی) फा अ स्त्री –असबद्धता, बेतर्तीबी, नियम-विरोध, बेज़ाबितगी।

बेक़ाबू (بےقابو) फा वि –जो काबू में न आ सके, निरकुश, उच्छासन।

बेकार (بیکار) फा वि –जो काम मे न लगा हो, निरुद्यम, व्यर्थ, निरर्थक फुजूल, निकम्मा, अपाहज, प्रयोगहीन, नाकाबिले इस्तेमाल।

बकारी (بیکاری) फा स्त्री –काम का अभाव, व्यर्थपन, निकम्मापन, प्रयोगहीनता।

बेक़ियास (بےقیاس) फा अ वि –बेहिसाब, अत्यधिक।

बेकुसूर (بےقصور) फा अ वि –निरपराध, निर्दोष, बेगुनाह।

बेक़ैद (بےقید) फा अ वि –बिला शर्त, बिला पाबदी के।

बेकैफोकम (بےکیف وکم) फा अ वि –ठीक-ठीक, यथार्थ।

बेख़ (بیخ) फा स्त्री –मूल, जड।

बेख़कन (بیخ کن) फा वि –जड खोदनेवाला, नाश करनेवाला।

बेख़कनी (بیخ کنی) फा स्त्री –उन्मूलन, जड खोदना, नाश करना।

बेख़तर (بےخطر) फा अ वि –निडर होकर, निर्भय होकर, जिससे अनिष्ट की आशका न हो।

बेख़ता (بےخطا) फा अ वि –अमोघ, कारगर, अचूक।

बेख़बर (بےخبر) फा अ वि –सज्ञाहीन, बेहोश, सूचना-हीन, जिसे इत्तिलाअ न हो, अज्ञात, नावाकिफ।

बेख़बरी (بےخبری) फा अ स्त्री –सज्ञाहीनता, बेसुधपन, सूचना न होना, नावाकफीयत।

बेख़ानोमाँ (بےخان وماں) फा वि –जिसका घर-बार नष्ट हो गया हो।

बेख़ार (بےخار) फा वि –जिस मे काँटे न हो, निष्कटक।

बेख़िरद (بےخرد) फा वि –बुद्धिहीन, बेअक्ल।

बेख़ुद (بےخود) फा वि –अचेत, निश्चेष्ट, बेसुध।

बेख़ुदी (بےخودی) फा स्त्री –अचैतन्य, बेख़बरी।

बेख़ुरोख़्वाब (بےخوروخواب) फा वि –वगैर खाये और सोये, वगैर आराम के।

बेख़ेश (بےخویش) फा वि –जिसका कोई अपना न हो।

बेख़ोबुन (بیخ وبن) फा स्त्री –जडबुनयाद।

बेख़्त (بیختہ) फा वि –छाना हुआ।

बेख़्तगी (بیختگی) फा स्त्री –छानन।

बेख़्तनी (بیختنی) फा वि –छानने के काबिल।

बेख़्वाब (بےخواب) फा वि –जिसे नीद न आये, अनिद्र।

बेख़्वाबी (بےخوابی) फा स्त्री –नीद न आना, नीद न आने का रोग, अनिद्रा।

बेख़्वास्त (بےخواست) फा वि –बे बुलाया हुआ, अनियन्त्रित, विना चिंता और तलाश के स्वय आया हुआ।

बेख़्वाहिशी (بےخواہشی) फा स्त्री –इच्छा का अभाव, इच्छा न होना, निस्पृहता, अनिच्छा।

बेग (بیگ) तु पु –नायक, अध्यक्ष, सरदार, मुगलो का कौमी लक़ब।

बेग़म (بیغم) तु स्त्री –दे 'बेगम'।

बेग़म (بےغم) फा अ वि –जिसे कोई चिंता न हो, निश्चिंत।

बेगम (بیگم) तु स्त्री –श्रीमती, महोदया, पत्नी, बीबी, शुद्ध उच्चारण 'बेगिम' है, परन्तु उर्दू मे 'बेगम' ही व्यवहृत है।

बेगमात (بیگمات) तु फा स्त्री –'बेगम' का बहु, बेगमें, महिलाएँ।

बेग़मी (بےغمی) फा अ स्त्री –बेफिक्री, निश्चितता।

बेग़रज़ (بےغرض) फा अ वि –नि स्वार्थ, जिसका कोई स्वार्थ न हो।

बेग़रज़ानः (بےغرضانہ) फा अ अव्य –नि स्वार्थतापूर्वक।

बेग़रज़ी (بےغرضی) फा अ स्त्री –नि स्वार्थता, ख़ुलूस।

बेगानः (بیگانہ) फा वि –अस्वजन, पराया, गैर आदमी, अपरिचित, अनजान।

बेगान.ख़ू (بیگانہ‌خو) फा वि –बेगानो-जैसा व्यवहार करनेवाला, मेल-जोल न रखनेवाला।

बेगानःवश (بیگانہ‌وش) फा वि –बेगानो की तरह रहनेवाला, मेलजोल न रखनेवाला।

बेगान·वशी (بیگانہ‌وشی) फा स्त्री –बेगानो की भाँति रहना, मेलजोल न रखना।

बेगानःवार (بیگانہ‌وار) फा वि –बेगानो की तरह, जैसे कभी की जान-पहचान ही न हो।

बेगान सिफ़त (بیگانہ‌صفت) फा अ वि –दे 'बेगान वार'।

बेगानगी (بیگانگی) फा स्त्री –अस्वजनता, परायापन, अपरिचय, अनजानपन, ज्ञान का न होना, बेइल्मी।

बेग़ायत (بےغایت) फा अ वि –बेहद, अत्यत, अत्यधिक, बहुत ज़ियादा।

बेगार (بیگار) फा स्त्री –वह काम जो ज़बरदस्ती लिया जाय और मज्दूरी न दी जाय, विष्टि, वह काम जो दिल लगाकर न किया जाय।

बेगारी (بیگاری) फा वि –बेगार में काम पर पकडा हुआ, उचाटमन से काम करनेवाला।

बेगाह (بےگاہ) फा वि –नावक्त, शाम का वक्त, सायकाल।

बेगाहाँ (بےگاہاں) फा वि –दे 'बेगाह'।

बेग़िलोग़िश (بےغل‌وغش) फा अ वि –बिना खटके, निश्चित।

बेगुनाह (بےگناہ) फा वि –निर्दोष, निष्पाप, बेकुसूर।

बेगुनाही (بےگناہی) फा स्त्री –निर्दोपता, बेकुसूरी।

बेगुमाँ (بےگماں) फा वि –सहसा, अचानक, नि सदेह, बेशुब्हा।

बेग़ैरत (بےغیرت) फा अ वि –निर्लज्ज, बेहया, अस्वाभिमानी, गैर ख़ुददार।

बेग़ैरती (بےغیرتی) फा अ स्त्री –निलज्जता, बहयाई, अस्वाभिमान, ख़ुददारी न होना।

बेगोरोकफ़न (بےگوروکفن) फा अ वि –वह मृत व्यक्ति जिसे न कफन मिला हो न दफ्न हुआ हो।

बेचारः (بےچارہ) फा वि –दुखी, नि सहाय, निरुपाय, बेकस, दरिद्र, कगाल।

बेचारगी (بےچارگی) फा स्त्री –दीनता, हीनता, बेकसी, दरिद्रता, मुफ़लिसी।

बेचिराग़ (بےچراغ) फा वि –जिसके घर मे चिराग न हो, दरिद्र, जिसके औलाद न हो, नि सतान।

बेचूँ (بےچوں) फा वि.–अद्वितीय, अनुपम, बेमिस्ल।

बेचूनोचरा (بےچون‌وچرا) फा वि –ब कुछ कहे सुने, बिना किसी उज्र के, बिना कान हिलाये।

बेचूनोचिगूँ (بےچون‌وچگوں) फा वि –दे 'बेचूनोचरा'।

बेज़ (بیز) फा प्रत्य –छाननेवाला, फैलानेवाला, जैसे–'मुश्कबेज़' मुश्क की सुगध फैलानेवाला।

बेज़बान (بےزبان) फा वि –जो कुछ कहना न जानता हो, जो किसी बात की शिकायत न करता हो।

बेज़बानी (بےزبانی) फा स्त्री –चुप रहना, कोई शिकायत आदि न करना।

बेज़र (بےزر) फा वि –निर्धन, धनहीन, कगाल, मुफ़लिस।

बेज़रर (بےضرر) फा अ वि –जिससे कोई हानि न पहुँचे।

बेज़री (بےزری) फा स्त्री –निर्धनता, कगाली।

बेजा (بےجا) फा वि –अनुचित, नामुनासिब, असगत, बेतुका।

बेजान (بےجان) फा वि –निर्जीव, निष्प्राण, बेरूह।

बेज़ार (بیزار) फा वि –पराङ्मुख, विमुख, मुह फेरे हुए, क्रुद्ध, अप्रसन्न, नाख़ुश।

बेज़ारी (بیزاری) फा स्त्री –पराङ्मुखता, विमुखता, मुँह फेरना, रोप, कोप, नाख़ुशी।

बेजिगर (بےجگر) फा वि –निडर, निर्भय, बेख़ौफ, (फ़ार्सी मे डरपोक, भीरु)।

बेजिगरी (بےجگری) फा स्त्री –निभयता, निडरपन, बेख़ौफ़ी, (फ़ार्सी मे भीरुता, डरपोकपन)।

बेज़िनहार (بےزنہار) फा वि –बेपनाह, जिससे बचाव न हो सके, घातक।

बेजिहत (بےجہت) फा अ वि –अकारण, बिला सबब।

बेजुर्म (بےجرم) फा अ वि –निर्दोष, निष्पाप, बेकुसूर।

बेजुर्मी (بےجرمی) फा अ स्त्री –निर्दोषता, निरपराधता, बेकुसूरी।

बेतअम्मुल (بےتامل) फा अ वि –नि सकोच, बेखटके।

बेतअल्लुक़ (بےتعلق) फा अ वि –बेलगाव, जिसे कोई लगाव न हो, किसी प्रकार का सम्बन्ध न हो, जो दख़्ल न दे।

बेतअल्लुक़ी (بےتعلقی) फा अ स्त्री –सम्बन्ध का न होना, लगाव न होना।

बेतअस्सुब (بےتعصب) फा अ वि –जिसमे धार्मिक पक्षपात न हो।

बेतअस्सुबी (بےتعصبی) फा अ. स्त्री –धर्म-सम्बन्धी पक्षपात न होना।

बेतकल्लुफ (بےتکلف) फा अ वि –घनिष्ठ, अतरग, गहरा, नि सकोच, वेखटके, सतोषपूर्वक, आराम से।

बेतकल्लुफी (بےتکلفی) फा अ स्त्री –घनिष्ठता, गहराई; सकोच न होना, झक न होना।

बेतकान (بےتکان) फा वि –बिना थके हुए, निरतर, लगातार।

बेतमा (بےطمع) फा अ वि –जिसे कोई लालच न हो, नि स्पृह, वेनियाज़।

बेतमीज (بےتمیز) फा अ वि –अशिष्ट, वेसलीक, असभ्य, नामुहज़्ज़व, उद्दड, सरकश, धृष्ट, गुस्ताख।

बेतमीजी (بےتمیزی) फा अ स्त्री –अशिष्टता, असभ्यता, उद्दडता, धृष्टता।

बेतरद्दुद (بےتردد) फा अ वि –वेखटके, निश्चित; वे जोती बोई जमीन।

बेतरह (بےطرح) फा अ वि –वुरी तरह, खूब-खूब, वहुत अधिक।

बेतर्तीब (بےترتیب) फा अ वि –जिसमे कोई क्रम न हो, असवद्ध, क्रमहीन।

बेतर्तीबी (بےترتیبی) फा अ स्त्री –कोई क्रम न होना, असवद्धता।

बेतलब (بےطلب) फा अ वि –विना माँगे हुए, विना वुलाये हुए।

बेतहाशा (بےتحاشا) फा अ वि –अचानक, अकस्मात्, सहसा, यकायक, अधाधुध, वहुत अधिक।

बेताक़त (بےطاقت) फा अ वि –निर्वल, अशक्त, वेज़ोर।

बेताक़ती (بےطاقتی) फा अ स्त्री –निर्वलता, अशक्ति, वेजोरी।

बेताब (بےتاب) फा वि –व्याकुल, वेचैन, अधीर, वेसब्र, उत्कठित, मुश्ताक, अशक्त, नाताकत।

बेताबान• (بےتابانہ) फा अव्य –बेतावी के साथ, अधैर्य-पूर्वक, उत्कठा के साथ।

बेतावी (بیتابی) फा स्त्री –व्याकुलता, बेचैनी, अधैर्य, वेसब्री, उत्कठा, इश्तियाक, अशक्ति, वेज़ोरी।

बेतासीर (بےتاثیر) फा अ वि –जिसमे असर न हो, अभाव-कारी।

बेतौक़ीर (بےتوقیر) फा अ वि –वेइज्जत, अपमानित, तिरस्कृत।

बेद (بید) फा पु –एक प्रकार की लचीली लकडी, वेत्र, वेत।

बेदइजीर (بیدانجیر) फा पु –अरड, अडी।

बेदख़्ल (بےدخل) फा अ वि –जिसका कब्ज़ा हट गया हो, अधिकार-च्युत।

बेदख़्ली (بےدخلی) फा अ स्त्री –कब्ज़ा हट जाना।

बेदबाफ (بیدباف) फा पु –बेत की बुनाई का काम करने-वाला।

बेदम (بےدم) फा वि –अशक्त, निर्वल, वेज़ोर।

बेदर्द (بےدرد) फा वि –जिसमे दर्द न हो, निर्दय, वेरहम, पाषाण-हृदय, सगदिल।

बेदर्दी (بےدردی) फा स्त्री –दर्द का अभाव, निर्दयता।

बेदस्तोपा (بےدست وپا) फा वि –जिसके हाथ-पाँव न हो, नि सहाय, निराश्रय।

बेदस्तोपाई (بےدست وپائی) फा स्त्री –हाथ-पाँव न होना, आश्रय न होना, सहारा न होना।

बेदहन (بےدهن) फा वि –दे 'वेज़वाँ'।

बेदाग (بےداغ) फा वि –जिसमे दाग वव्वा न हो, निर्दोष, वेऐब।

बेदाद (بےداد) फा स्त्री –अत्याचार, अनीति, जुल्म।

बेदादख़ू (بیدادخو) फा वि –जिसका स्वभाव अत्याचार करना हो।

बेदादगर (بیدادگر) फा वि –अत्याचार करनेवाला, अत्याचारी।

बेदादगरी (بیدادگری) फा स्त्री –अत्याचार, अनीति, जुल्म।

बेदादपेश• (بیدادپیشہ) फा वि –दे 'वेदादगर'।

बेदादफन (بیدادفن) फा वि –दे 'वेदादगर'।

बेदान• (بےدانہ) फा वि –जिसके अदर वीज न हो, जैसे—वेदाना अमरूद।

बेदानिश (بےدانش) फा वि –वेइल्म, विद्याहीन, वुद्धिहीन, मूर्ख।

बेदानिशी (بےدانشی) फा स्त्री –विद्या का अभाव, वुद्धि हीनता।

बेदार (بےدار) फा वि –जाग्रत, सचेत, सोने से उठा हुआ।

बेदारदिल (بےداردل) फा वि –जिसका दिल जागता रहता हो, जाग्रतात्मा, महात्मा।

बेदारदिल (بیداردل) फा वि –हर वात की ऊँच-नीच समझकर उसी के अनुसार काम करनेवाला, वुद्धि-कुशल।

बेदारमाज़ी (بیدارمغزی) फा स्त्री –समय के अनुमार काम करना।

बेदारी (بیداری) फा स्त्री –जाग्रति, जागरण।

बेदाश्त (بےداشت) फा वि –वेपर्वा, निश्चित।

बेदिमाग़ (بےدماغ) फा अ वि –वदमिज़ाज, चिड़चिड़ा, अप्रसन्न, नाराज़।

बेदिरग (بےدرنگ) फा वि –विना विलव के, तुरत, शीघ्र, तत्क्षण, फौरन।

वेदिरेग़ (بےدریغ) फा वि –वे सोचे-समझे; अधाधुध, वहुत अधिक, विना सकोच के।

वेदिल (بےدل) फा वि –उदास, खिन्न, अफ्सुर्द , मनउचाट, वददिल।

वेदिली (بےدلی) फा स्त्री –उदासी, मनउचाट होना।

बेदीन (بےدین) फा अ वि –नास्तिक, नेचरी, विधर्मी, धर्मरहित, ला मज़्हव।

वेदीनी (بےدینی) फा अ स्त्री –नास्तिकता, नेचरीयत, धर्महीनता, ला मज़्हवी।

बेदे मज्नूँ (بید مجنوں) फा अ पु –एक प्रकार का वेद।

वेदे मुश्क (بید مشک) फा पु –एक प्रकार का वेद, जिसके पत्तो के अरक से वेद मुश्क वनता है।

वेदे सादः (بید سادہ) फा पु –विना खुशवूवाला वेद, जो दवा मे चलता है।

वेदौलती (بے دولتی) फा अ स्त्री –वद इक्वाली, प्रताप-हीनता, निर्धनता, मुफलिसी।

वेनंगोनामूस (بےننگ وناموس) फा अ वि –जिसे न अपनी और न अपने कुल के मर्यादा की लज्जा हो, निर्लज्ज।

वेनज़ीर (بےنظیر) फा अ वि –अद्वितीय, अनुपम, वेमिस्ल।

वेनमक (بےنمک) जिसमे नमक न हो (खाना), जिसमें लावण्य न हो, जो सुदर न हो।

वेनमकी (بےنمکی) फा स्त्री –खाने मे नमक न होना, अप्रसन्नता, वैमनस्य, रजिश, मज़ा किरकिरा होना, वेलुत्फी।

वेनवा (بےنوا) फा वि –जिसके पास जीवनयापन की कोई सामग्री न हो, दरिद्र, कगाल।

वेनवाई (بےنوائی) फा स्त्री –दरिद्रता, कगाली।

वेनसीब (بےنصیب) फा अ वि –वदकिस्मत, मदभाग्य, भाग्यहीन।

वेनसीवी (بےنصیبی) फा अ स्त्री –वदकिस्मती, भाग्य-हीनता।

वेनाम (بےنام) फा वि –जिसका कोई नाम न हो, अनामक।

वेनामोनिशाँ (بےنام ونشاں) फा वि –जिसका कोई अता-पता न हो, गुमनाम।

वेनामोनुमूद (بےنام و نمود) फा वि –दे 'वेनामोनिशाँ'।

वेनियाज़ (بےنیاز) फा वि –जिसे किसी से कुछ लेने की इच्छा न हो, नि स्पृह, स्वच्छद, आज़ाद, वेपर्वा।

वेनियाम (بےنیام) फा वि –म्यान से वाहर, नगी तलवार, आपे से वाहर, गुस्से मे वेकावू।

वेनियाज़ी (بےنیازی) फा स्त्री –निस्पृहता, किसी चीज़ की इच्छा न होना, वेपर्वाई, उपेक्षा।

वेनिहायत (بےنہایت) फा अ वि –अत्यधिक, अपार, असीम, जिसका अत न हो।

वेनुक़्त (بےنقط) फा अ वि –शब्दो पर नुक्ते न हो, ऐसी इवारत, वहुत अधिक गालीगलौज।

वेनैले मराम (بےنیل مرام) फा अ अव्य.–उद्देश्य मे सफलता के विना, असफल मनोरथ, नाकाम।

बेपनाह (بےپناہ) फा वि –जिससे रक्षा न हो सके, वेअमान।

वेपर (بےپر) फा वि –जिसके पर न हो, विवश, लाचार, नि सहाय, वेमदद।

वेपरोवाल (بےپروبال) फा वि –जिसके पर और वाज़ू न हो, विवश, लाचार, निराश्रय, वेसहारा।

वेपरोवाली (بےپروبالی) फा स्त्री –विवशता, लाचारी, नि सहायता, वेसहारापन।

वेपर्दः (بےپردہ) फा वि –विना आड के, खुल्लमखुल्ला, स्पष्ट, वाज़ेह, विना वुर्का ओढे हुए (स्त्री)।

वेपर्दगी (بےپردگی) फा स्त्री –स्त्री का पर्दे मे न रहना, स्त्रियो का अन्य पुरुष के सामने होना।

वेपर्वा (بےپروا) फा वि –निश्चित, वेफिक्र, निस्पृह, वेनियाज़, अभय, निडर।

वेपर्वाई (بےپروائی) फा. स्त्री –निश्चितता, नि स्पृहता, भयहीनता।

वेपायाँ (بےپایاں) फा वि –जिसका अत न हो, असीम, वेहद।

वेपीर (بےپیر) फा वि –जिसका कोई गुरु न हो, निर्दय, निष्ठुर, ज़ालिम।

वेफाइदः (بےفائدہ) फा अ वि –व्यर्थ, वृथा, वेकार, फुज़ूल, विना प्रयोजन का, निष्प्रयोजन, रद्दी।

वेफिक्र (بےفکر) फा अ वि –निश्चित, वेपर्वा, अदूरदर्शी, नाआकिवत वी, अभय, निडर।

वेफिक्री (بےفکری) फा अ स्त्री –निश्चितता, अदूरदर्शिता, निडरपन, निर्भयता।

वेफैज़ (بےفیض) फा अ वि –अनुपकारी, जिससे किसी को लाभ न हो, अपयशी, जिसका कोई यश न हो, कृपण, कजूस।

वेवका (بےبقا) फा अ वि –अनित्य, नश्वर, नाशवान्, फानी।

वेवदल (بےبدل) फा अ वि –जिसका जोडा न हो, अकेला, अद्वितीय, लासानी।

बेबर्गोनवा (بےبرگ ونوا) फा वि –बेसाज़ो सामान, निर्धन, निराश्रय, नि सहाय, बेकस।

बेबर्गोबार (بےبرگ وبار) फा वि –बेफलफूल का अर्थात् बे औलाद, नि संतान, निर्धन, कगाल।

बेबसर (بےبصر) फा अ वि –दृष्टिहीन, अधा।

बेबहा (بےبہا) फा वि –अमूल्य, बहुमूल्य, बेशकीमत।

बेबह्‌र (بےبہرہ) फा वि –वचित, महरूम, अभागा, बद-किस्मत।

बेबाक़ (بےباق) फा अ वि –जिसके ज़िम्मे ऋण आदि का बकाया न रहा हो, परिशुद्ध, ऋणमुक्त।

बेबाक (بےباک) फा वि –धृष्ट, गुस्ताख, निर्लज्ज, बेहया, अभय, निडर, मुक्तकठ, मुँहफट।

बेबाकानः (بےباکانہ) फा अव्य –धृष्टतापूर्वक, निर्लज्जता-पूर्वक, निडरता के साथ, मुँहतोड।

बेबाक़ी (بےباقی) फा अ स्त्री –ऋण आदि की चुकती, परिशोधन।

बेबाकी (بےباکی) फा स्त्री –धृष्टता, निर्लज्जता, निडरपन, मुँहफटपना।

बेबालोपर (بےبال وپر) फा वि –नि सहाय, निराश्रय, बेकस, बेबस, निर्धन, कगाल, जिसके पास जीविका का कोई साधन न हो।

बेबिज़ाअत (بےبضاعت) फा अ वि –जिसके पास पूँजी न हो, निर्धन, जो असमर्थ हो, जो कमइल्म हो।

बेबुन्याद (بےبنیاد) फा वि –निराधार, बेअस्ल, मिथ्या, झूठ।

बेमक्दूर (بےمقدور) फा अ वि –असमर्थ, बेमक्दरत, अप्रतिष्ठित, बेइज़्ज़त।

बेमग़्ज़ (بےمغز) फा अ वि –निर्बुद्धि, बेअक्ल, पोच, तुच्छ, लचर, नि सार, खोखला।

बेमज़ा (بےمزہ) फा वि –निस्वाद, नीरस, फीका, आनद-रहित, बेलुत्फ।

बेमज़गी (بےمزگی) फा स्त्री –नीरसता फीकापन, स्वाद की खराबी, आनद का अभाव, बेलुत्फी।

बेमस्रफ़ (بےمصرف) फा अ वि –निरर्थक, बेकार, निष्प्र-योजन, नाकार आमद।

बेमहल (بےمحل) फा अ वि –बेमौका, अवसर के विरुद्ध, बेवक्त, अनुचित, नामुनासिब।

बेमहाबा (بےمحابا) फा वि –बेधडक, सकोच के विना, तडातड, बेतहाशा, बेपर्दा, खुले मुँह।

बेमा'ना (بےمعنی) फा अ वि –निरर्थक, जिसका कोई अर्थ न हो, व्यर्थ, बेकार, फुजूल, निष्फल, बेनतीजा।

बेमानिंद (بےمانند) फा वि –जिमकी कोई तुलना न हो, अद्वितीय, अनुपम, बेमिस्ल।

बेमा'नी (بےمعنی) फा अ वि –दे 'बेमा'ना'।

बेमाय (بےمایہ) फा वि –जिसके पास पूँजी न हो, निर्धन, जिसके पास विद्या रूपी पूँजी न हो, बेइल्म।

बेमायगी (بےمایگی) फा स्त्री –दरिद्रता, निर्धनता, विद्या-हीनता, बेइल्मी, अपाडित्य।

बेमिक्दार (بےمقدار) फा अ वि –अपमानित, तिरस्कृत, बेइज़्ज़त, अधम, नीच, कमीना।

बेमिन्नते ग़ैरे (بےمنت غیرے) फा अ अव्य –दूसरे की खुशा-मद किये विना, दूसरे का एहसान लिये विना।

बेमिसाल (بےمثال) फा अ वि –अनुपम, असमान, अतुल्य, बेनज़ीर, लाजवाब।

बेमिस्ल (بےمثل) फा अ वि –दे 'बेमिसाल'।

बेमिहार (بےمہار) फा वि –जिसकी नाक मे नकेल न हो, अर्थात् निरकुश, स्वच्छद, आज़ाद, बेलगाम।

बेमुरव्वत (بےمروت) फा अ वि –जिसमे शील सकोच न हो, दु शील, तोताचश्म, अख्खड, उजड्ड, निष्ठुर, बेरहम।

बेमुरव्वती (بےمروتی) फा अ स्त्री –दु शीलता, तोता-चश्मी, अख्खडपन, निर्दयता, बेरह्‌मी।

बेमेह्‌र (بےمہر) फा अ वि –निर्मम, जिसमे ममता न हो, निर्दय, निष्ठुर, बेरह्‌म।

बेमेह्‌री (بےمہری) फा अ स्त्री –निर्ममता, निर्दयता।

बेमौका (بےموقعہ) फा अ वि –दे 'बेमहल'।

बेमौसिम (بےموسم) फा अ वि –विना ऋतु का (फल आदि)।

बेयारोमददगार (بےیارومددگار) फा वि –जिसका कोई सहायक और खबरगीर न हो, निराश्रय, नि सहाय, बेकस।

बेरग (بےرنگ) फा वि –जिसका कोई रग न हो, अवर्ण, जिसका रग उतर गया हो, बदरग, कुवर्ण।

बेरग (بےرگ) फा वि –निर्लज्ज, बेग़ैरत।

बेरब्त (بےربط) फा अ वि –असबद्ध, ग़ैर मर्बूत, बेढगा, बेमेल।

बेरब्ती (بےربطی) फा अ स्त्री –असबद्धता, बेढगापन, बेजोडपन।

बेरह्‌म (بےرحم) फा अ वि –निष्ठुर, निर्दय, ज़ालिम।

बेरह्‌मी (بےرحمی) फा अ स्त्री –निर्दयता, निष्ठुरता, जुल्म।

बेराह (بےراہ) फा वि –पथभ्रष्ट, कुमार्गी, गुमराह।

बेराहरवी (بےراہروی) फा स्त्री –बुरी राह चलना, कुमार्ग-गमन।

बेराहरौ (بےراہرو) फा वि –कुमार्गी, पथभ्रष्ट, बुरी राह चलनेवाला, पापाचरण करनेवाला।

वेरिया (بےریا) फा वि –निश्छल, मुख़्लिस, आडवर-हीन, पाखड न करनेवाला।
वेरियाई (بےریائی) फा स्त्री –निश्छलता, निष्कपटता, आडवरहीनता ।
वेरीशः (بےریشہ) फा पु –दे 'वेरीश'।
वेरीश (بےریش) फा वि –जिसके दाढ़ी न निकली हो, जो अभी पूरी उम्र का न हो, लडका, अमरद।
वेरुख़ी (بےرخی) फा स्त्री –वेतवज्जुही, उपेक्षा, वेमुरव्वती, दु शीलता, मुँह फेरना, विमुखता।
वेरूँ (بیروں) फा वि –वाहर।
वेरूँजात (بیرونجات) फा पु –नगर के वाहर की वस्तियाँ, मुफस्सलात।
वेरू (بےرو) फा वि –वेमुरव्वत, दु शील।
वेरूओरिआयत (بےروورعایت) फा अ. वि –विना किसी के पक्षपात और रियाअत किये।
वेरेशः (بےریشہ) फा. वि –जिसमे झुथडे या रेशे न हो, जैसे—वेरेश आम।
वेरैवोरिया (بےریب‌وریا) फा. वि.–विना छल और कपट के, ठीक-ठीक, सीधा-सीधा।
वेरोजगार (بےروزگار) फा वि –जिसके पास धधा न हो, अनुद्यमी, व्यवसायहीन, वेकार।
वेरोजगारी (بےروزگاری) फा स्त्री –रोज़गार न होना, लोगो को काम न मिलना, वेकारी।
वेरौनक (بےرونق) फा वि –जिसमे कोई शोभा न हो, शोभाशून्य, श्रीहीन, जहाँ चहल-पहल न हो, सूना, उजाड, जिसमें प्रफुल्लता न हो, अफ्सुर्द।
वेरौनकी (بےرونقی) फा स्त्री –शोभा न होना, चहल-पहल न होना, प्रफुल्लता न होना।
वेल (بیل) फा पु –वेलचा, फावड़ा; पतवार, नाव खेने का डाँड।
वेलकश (بیل‌کش) फा वि –फावडा चलानेवाला।
वेलगाम (بےلگام) फा वि –जिसके मुँह मे लगाम न हो, निरकुश, स्वच्छद, मुँहफट, वदलगाम।
वेलच. (بیلچہ) फा पु –फावडा, फावडे के आकर का एक खोदने का यत्र, जिसका दस्ता सीधा होता है।
वेलच.कार (بیلچہ‌کار) फा वि –वेलचे से खोदाई करने-वाला, फावडा चलानेवाला।
वेलचक (بیلچک) फा पु –वेलचा, फावडा।
वेलज़न (بیل‌زن) फा वि –फावडा चलानेवाला, किसान, कृपक।
वेलुत्फ (بےلطف) फा अ वि –निरानद, वेमजा, जिसमे कोई दिलचस्पी न हो।
वेलुत्फी (بےلطفی) फा अ स्त्री –आनद का न होना, मजा न आना, दिलचस्पी न होना।
वेलौस (بےلوث) फा अ वि –नि स्वार्थ, मुख़्लिस, जिस पर कोई लाछन न हो, जो पाक-साफ हो।
वेलौसी (بےلوثی) फा अ स्त्री –नि स्वार्थता, इख़्लास, निर्लिप्तता, वेतअल्लुकी।
वेवः (بیوہ) फा स्त्री –विधवा, अधवा, वह स्त्री जिसका पति मर गया हो, राँड।
वेवकार (بےوقار) फा अ वि –दे 'वेवक्अत', निर्धन, वेपूँजी।
वेवक्अत (بےوقعت) फा अ –जिसकी कोई इज्ज़त न हो, तिरस्कृत, जो माना न जाय, अमान्य।
वेवक्अती (بےوقعتی) फा अ स्त्री –अपमान, तिरस्कार, वेइज्ज़ती, तुच्छता, नीचता, ज़लालत।
वेवक़्त (بےوقت) फा अ वि –कुसमय, अकाल, नावक्त।
वेवक्र (بےوقر) फा अ वि –दे 'वेवक्अत'।
वेवक्री (بےوقری) फा अ स्त्री –दे 'वेवक्अती'।
वेवगी (بیوگی) फा स्त्री –वेवा होने की अवस्था, विधवा-पन, विधवात्व, वैधव्य, रँडापा।
वेवजह (بےوجہ) फा अ वि –अकारण, विला वजह।
वेवफा (بےوفا) फा अ वि –जिसमे वफा न हो, कृतघ्न, दगावाज़, जो वादे का पक्का न हो।
वेवफाई (بےوفائی) फा अ स्त्री –कृतघ्नता, दगावाज़ी, वादाख़िलाफी, वचन-भग।
वेवासितः (بےواسطہ) फा अ. वि –अकारण, वेसवव, विलावास्त, इन डाइरेक्ट।
वेवुकूफ (بےوقوف) फा अ वि –वुद्धिहीन, निर्वुद्धि, मूर्ख, नादान।
वेवुकूफी (بےوقوفی) फा अ स्त्री –मूर्खता, वुद्धिहीनता, मूर्खता, नादानी।
वेशः (بیشہ) फा पु –शेर के रहने की माँद, कछार, वन, जगल
वेश नशीं (بیشہ‌نشیں) फा वि –जगल मे रहनेवाला, तपस्या के लिए जगल मे रहनेवाला।
वेश (بیش) फा वि –अधिक, ज़ियादा, मीठा तेलिया, सिंघिया।
वेश अज पेश (بیش‌ازپیش) फा वि –अधिकाधिक, ज़ियादा से जियादा।
वेश अज वेश (بیش‌از بیش) फा वि –पहले की अपेक्षा अधिक, पहले से ज़ियादा।

बेशक (بےشک) फा अ वि –नि सदेह, नि शक, बेशुबह, अवश्य , जुरूर।

बेशक़रार (بیش قرار) फा अ वि –पर्याप्त, काफी, अत्यधिक, बहुत ।

बेशकीमत (بیش قیمت) फा अ वि –बहुमूल्य, बडे दामो की वस्तु ।

बेशक्कोशुब्ह (بےشک وشبہ) फा अ वि –नि सदेह, नि शक, बिना किसी शका और सदेह के ।

बेशतर (بیش تر) फा वि –अधिकतर, प्राय , बहुधा, अमूमन ।

बेशबहा (بیش بہا) फा वि –दे 'बेशकीमत' ।

बेशर्म (بےشرم) फा अ वि –निर्लज्ज, बेहया, बेगैरत, स्वाभिमानरहित।

बेशर्मी (بےشرمی) फा अ स्त्री –निर्लज्जता, बेहयाई, अस्वाभाविमान, बेगैरती ।

बेशाइब (بےشائبہ) फा अ वि –नि सदेह, यकीनन,।

बेशी (بیشی) फा स्त्री –अधिकता, जियादती, इज़ाफा, बढती, वृद्धि ।

बेशीराज़. (بےشیرازہ) फा वि –असबद्ध, बेतर्तीब ।

बेशुऊर (بےشعور) फा अ वि –निर्बुद्धि, बेअक्ल, अशिष्ट, नाशाइस्त , अविवेकी, अच्छे-बुरे की तमीज़ न रखनेवाला।

बेशुऊरी (بےشعوری) फा अ स्त्री –बुद्धिहीनता, बेअक्ली, बेतमीज़ी, अविवेक ।

बेशुब्ह (بےشبہ) फा अ वि –नि सदेह, नि शक, बेशक ।

बेशुमार (بےشمار) फा अ वि –असख्य, अनगिनत, जिनकी गिनती न हो सके, बहुत अधिक ।

बेशोकम (بیش وکم) फा वि –थोडा-बहुत ।

बेसत्री (بےستری) फा अ स्त्री –बे पर्दगी, पर्दा न होना, कपडे का शरीर पर से हट जाना या न होना ।

बेसबब (بےسبب) फा अ वि –बिना कारण, अकारण, बेवजह ।

बेसबब आज़ार (بےسبب آزار) फा अ वि –बिना कारण के कष्ट देनेवाला, अकारण-द्रोही ।

बेसब्र (بےصبر) फा अ वि –अधीर, आतुर, जिसे धीरज न हो, जल्दबाज़ ।

बेसब्री (بےصبری) फा अ स्त्री –अधीरता, आतुरता, जल्दबाज़ी ।

बेसरोपा (بےسروپا) फा वि –बे सर और पैर का, जिसका सिर-पैर कुछ न हो, झूठा, निराधार ।

बेसर्फ (بےصرفہ) फा अ. वि –व्यर्थ, निरर्थक, बेकार ।

बेसलीक (بےسلیقہ) फा अ वि –जिसे किसी काम करने का ढग न आता हो, जो शिष्ट न हो, असभ्य ।

बेसलीकगी (بےسلیقگی) फा अ स्त्री –काम का ढग न आना, अशिष्टता, असभ्यता ।

बेसवा (بیسوا) फा स्त्री –वेश्या, गणिका, तवाइफ ।

बेसवाद (بےسواد) फा अ वि –निश्री, बेरौनक, निरक्षर, जाहिल, मूर्ख ।

बेसाख्त (بےساختہ) फा वि –सहसा, बेतहाशा, तुरत, जो बना-सँवरा न हो, सादा, बे सोचे हुए, फिलबदीह ।

बेसाख्तगी (بےساختگی) फा स्त्री –बेतहाशापन, शीघ्रता, बनाव-सिंगार न होना, बरजस्तगी ।

बेसाज़ोबर्ग (بےسازوبرگ) फा वि –दे 'बेबर्गोनवा' ।

बेसिक्क (بےسکہ) फा वि –तुच्छ, नीच, जलील, अपमानित, तिरस्कृत ।

बेसियाकोसिबाक (بےسیاق وسباق) फा अ वि –बिना पूर्वापर सम्बन्ध के, (सियाक (अर्बी) = चलाना, रविश) सिबाक–अ वि =आगे दौडनेवाला, फार्सी और उर्दू में 'सियाक' और 'सिबाक' समानार्थक शब्द हैं ।

बेसुकून (بےسکوں) फा अ वि –अशान्ति, जिसे शान्ति न मिले, उद्विग्न, परीशान, चचल, चपल, शोख़ ।

बेसुतून (بےستوں) फा पु –वह पहाड जिसे फर्हाद ने काटा था ।

बेसूद (بےسود) फा वि –निरर्थक, व्यर्थ, बेकार, निष्फल, बेनतीज ।

बेहगाम (بےہنگام) फा वि –कुसमय, नावक्त ।

बेहक़ीकत (بےحقیقت) फा अ वि –तुच्छ, ज़लील, असत्य, झूठ, निराधार, बेबुनियाद ।

बेहद (بےحد) फा अ वि –असीम, अपार बेहिसाब, अत्यधिक, बहुत ज़ियादा ।

बेहद्दोहिसाब (بےحدوحساب) फा अ वि –जो गिनती और हिसाब से बाहर हो, असख्य, अपार ।

बेहमओबाहम (بےہمہ وباہمہ) फा वि –किसी के साथ नही और सबके साथ, सबसे अलग और सबके साथ, अच्छाई में सबके साथ, बुराई में सबसे अलग ।

बेहमगी (بےہمگی) फा स्त्री –किसी के साथ न होना, सबसे अलग होना ।

बेहमता (بےہمتا) फा वि –अनुपम, बेमिसाल ।

बेहमाल (بےہمال) फा वि –अद्वितीय, अनुपम, बेमिस्ल ।

बेहमीयत (بےحمیت) फा अ वि –बेग़ैरत, निर्लज्ज ।

बेहमीयती (بےحمیتی) फा अ स्त्री –निर्लज्जता, बेग़ैरती ।

बेहया (بےحیا) फा अ वि –निर्लज्ज, लज्जा-शून्य, अपत्रप, निस्त्रप, क्षपणक, बेह्या ।

वेहयाई (بےحیائی) फा अ स्त्री —लज्जाहीनता, निर्लज्जता, वेशर्मी।
वेहाल (بےحال) फा अ वि —अचेत, वेखवर, सज्ञाहीन; मरणासन्न, मरने के करीव, दुर्दशाग्रस्त, वदहाल।
वेहासिल (بےحاصل) फा अ वि —व्यर्थ, निरर्थक, वेकार, निष्फल, वेनतीजा।
वेहिजाव (بےحجاب) फा अ वि —वेपर्दा, खुलेवदो, घूँघट खोले हुए।
वेहिजावानः (بےحجابانہ) फा अ वि —पर्दा उठाये हुए, घूँघट हटाये हुए, मुँह खोले हुए, वेपर्दा।
वेहिजावी (بےحجابی) फा अ स्त्री —वेपर्दगी, घूँघट उठा देना, खुलेवदो फिरना (स्त्री का)।
वेहिफाजत (بےحفاظت) फा अ वि —जिसकी रक्षा न हो, अरक्षित।
वेहिफाजती (بےحفاظتی) फा अ स्त्री —रक्षा का अभाव, अरक्षा।
वेहिम्मत (بےہمت) फा अ वि —निरुत्साही, हतोत्साही, जिसकी हिम्मत टूट गयी हो, जिसमे हिम्मत न हो।
वेहिम्मती (بےہمتی) फा अ स्त्री —उत्साह की कमी, उत्साह का अभाव।
वेहिस [स्स] (بےحس) अ वि —जिसे एहसास न हो, जिसमे स्वाभिमान न हो, चेतनाशून्य, गाफिल, सुन, जडीभूत।
वेहिसाव (بےحساب) फा अ वि —असख्य, वेशुमार।
वेहिसी (بےحسی) फा अ स्त्री —एहसास का अभाव, चेतना का अभाव, सुन्न हो जाना।
वेहिस्सी (بےحسی) फा अ स्त्री —दे 'वेहिसी', दोनो शुद्ध है।
वेहिस्सोहरकत (بےحس وحرکت) फा अ वि —जो गति और चेतना दोनो से शून्य हो, जडवत्, निस्तव्ध।
वेहुजूर (بےحضور) फा अ वि —अनुपस्थित, नामौजूद, लुप्त, गाइव।
वेहुजूरी (بےحضوری) फा अ स्त्री —अनुपस्थिति, गैर मौजूदगी, लोप, गाइव होना।
वेहुद. (بیہدہ) फा वि —'वेहूद' का लघु, दे 'वेहूद'।
वेहुनर (بےہنر) फा अ वि —जिसमें कोई हुनर न हो, निर्गुण, गुणहीन।
वेहुनरी (بےہنری) फा अ स्त्री —गुण का न होना, निर्गुणता, वैगुण्य।
वेहुर्मत (بےحرمت) फा अ वि —अपमानित, तिरस्कृत, वेइज्जत, गर्हित, निंदित, रुस्वा।
वेहुर्मती (بےحرمتی) फा अ स्त्री —अपमान, वेवकुअती, गर्हा, निंदा, रुसवाई।
वेहूदः (بیہودہ) फा वि —व्यर्थ, अनर्थ, वेकार, निष्प्रयोजन, निकम्मा, असभ्य, अशिष्ट, वदतमीज़, दु शील, वद-अख्लाक, अश्लील, फुहृश, दुश्चरित्र, आवारा।
वेहूद.कलाम (بیہودہ کلام) फा अ वि —दे 'वेहूदगी'।
वेहूदःगो (بیہودہ گو) फा वि —व्यर्थवादी, फुजूल वातें करने-वाला, अश्लील वक्ता, फुहशगो।
वेहूद.गोई (بیہودہ گوئی) फा स्त्री —व्यर्थ की वकवास, अश्लील वातें।
वेहूद.मिज़ाज (بیہودہ مزاج) फा अ वि —असभ्य, अशिष्ट, वदतमीज, उजड्ड, अख्खड।
वेहूद.शिआर (بیہودہ شعار) फा अ वि —दे 'वेहूद-मिज़ाज'।
वेहूदःसिरिश्त (بیہودہ سرشت) फा वि —दे 'वेहूद-मिज़ाज'।
वेहूदगी (بیہودگی) फा स्त्री —अश्लीलता, फुहशपन, असभ्यता, अशिष्टता, वदतमीज़ी।
वेहैसियत (بےحیثیت) फा अ वि —अप्रतिष्ठित, वेइज़्ज़त, निर्धन, मुफ्लिस।
वेहैसियती (بےحیثیتی) फा अ स्त्री —प्रतिष्ठा न होना, अप्रतिष्ठा, निर्धनता।
वेहोश (بےہوش) फा वि —निश्चेष्ट, अचेत, गाफिल, उन्मत्त, वदमस्त।
वेहोशी (بےہوشی) फा स्त्री —निश्चेष्टता, गफलत, उन्मत्तता, वदमस्ती।
वेहोशोहवास (بےہوش وحواس) फा अ वि —जिसकी न अक्ल ठिकाने हो, न होश, वहुत ही गाफिल।
वेहौसलः (بےحوصلہ) फा अ वि —दे 'वेहिम्मत'।
वेहौसलगी (بےحوصلگی) फा अ स्त्री —दे 'वेहिम्मती'।

वै

वैअ (بیع) अ स्त्री —वेचना, फरोख्त करना।
वैअत (بیعت) अ स्त्री —किसी पीर के हाथ पर उसका मुरीद होना।
वैअनामः (بیع نامہ) अ फा पु —वेचीनामा, विक्रय-पत्र, वेचने की कानूनी तहरीर।
वैआनः (بیعانہ) अ फा पु —वह धन जो मूल्य तय हो जाने पर खरीदार वेचनेवाले को इसलिए देता है कि वात पक्की हो जाय।
वैओशिरा (بیع وشرا) अ स्त्री —खरीद-फरोख्त, क्रय-विक्रय।

बैज़. (بیضہ) अ पु –अडा, अड, अडकोष, फोता, सिपाहियो का खोद, लोहे की टोपी, पूरे सर का एक दर्द।
बैज़ (بیض) अ पु –'बैज़' का बहु, अडे।
बैज़ए माकियाँ (بیضۂ ماکیاں) अ फा पु –मुर्गी का अडा।
बैज़ए मार (بیضۂ مار) अ फा पु –साँप का अडा।
बैज़ए मुर्ग़ (بیضۂ مرغ) अ फा पु –मुर्गी का अडा।
बैज़ए मोर (بیضۂ مور) अ फा पु –च्यूँटी का अडा।
बैज़क (بیذق) अ पु –दे 'बैदक़', दोनो शुद्ध हैं।
बैज़वी (بیضوی) अ वि –अण्डे के आकार का, अडाकार।
बैज़ा (بیضا) अ वि –प्रकाशमान्, उज्ज्वल, रौशन, श्वेत, सफेद, सूर्य, सूरज, ईरान का एक नगर।
बैज़ावी (بیضاوی) अ वि –बैज़ा (ईरान का एक नगर), से सम्बन्ध रखनेवाला।
बैत (بیت) अ पु –घर, गृह, मकान, स्थान, जगह, (स्त्री) एक शेर, दो मिस्रे।
बैतबहसी (بیت بحثی) अ स्त्री –दे 'बैतबाज़ी' अन्त्याक्षरी।
बैतबाज़ी (بیت بازی) अ फा स्त्री –लडको का एक इल्मी मश्ग़ला जिसमे एक लडका एक शे'र पढता है और दूसरा लडका उस शेर के अन्तिम अक्षर से प्रारम्भ होने-वाला दूसरा शे'र पढता है या उसी विषय पर दूसरी उक्ति पढता है।
बैतार (بیطار) अ पु –पशुओ की चिकित्सा करनेवाला, अश्व-चिकित्सक।
बैतुन्नुतफ (بیت النطف) अ पु –चकला, वेश्यालय।
बैतुलअतीक़ (بیت العتیق) अ पु –पुराना घर, का'ब, खानए का'ब।
बैतुलअरूस (بیت العروس) अ पु –दुल्हन का कम्रा, खानए का'ब।
बैतुलउलूम (بیت العلوم) अ पु –यूनीवर्सिटी, विश्व-विद्यालय।
बैतुलख़ला (بیت الخلا) अ पु –शौचालय, पाखाना।
बैतुलग़ज़ल (بیت الغزل) अ स्त्री –ग़ज़ल का सबसे अच्छा शे'र।
बैतुलमा'मूर (بیت المعمور) अ पु –चौथे आस्मान पर बनी हुई मस्जिद जो खानए का'ब के ठीक ऊपर है।
बैतुलमाल (بیت المال) अ पु –वह कोष जिसका धन सार्वजनकि कामो मे खर्च हो।
बैतुलमुक़द्दस (بیت المقدس) अ पु –यरोशलम।
बैतुल्लाह (بیت اللہ) अ पु –खानए का'ब, ईश्वर का घर।
बैतुलहज़न (بیت الحزن) अ पु –शोकगृह, ग़मी का घर, नायक का घर।
बैतुलहमल (بیت الحمل) अ पु –मेषराशि, पहला बुर्ज।
बैतुलहराम (بیت الحرام) अ पु –खानए का'ब।
बैतुलहुज़्न (بیت الحزن) अ पु –दे 'बैतुलहज़न', दोनो शुद्ध है।
बैतुश्शरफ (بیت الشرف) अ पु –वह राशि जिसमे किसी ग्रह की उन्नति हो।
बैतुस्सक़र (بیت السقر) अ पु –नरक, दोज़ख।
बैतुस्सनम (بیت الصنم) अ पु –बुतख़ाना, मूर्तिगृह, मदिर।
बैतुस्सिलाह (بیت السلاح) अ पु –शस्त्रागार, अस्लिह खान, मैगजीन।
बैदक़ (بیدق) अ पु –शत्रज का पियादा।
बैदा (بیدا) अ पु –वन, कानन, जगल, दश्त।
बैन (بین) अ वि –बीच, मध्य, दरमियान।
बैनलअक्वाम (بین الاقوام) अ वि –अन्तर्रा।
बैनलअक्वामी (بین الاقوامی) अ वि –अन्तर्राष्ट्रीय।
बैनलमिल्ली (بین الملی) अ वि –अतर्राष्ट्रीय।
बैनलमुल्की (بین الملکی) अ वि –अतर्देशीय।
बैनस्सुतूर (بین السطور) अ पु –दो सत्रो के बीच मे छोडी हुई जगह।
बैयाअ (بیاع) अ वि –बेचनेवाला, विक्रेता, अभिकर्ता, दल्लाल।
बैयिन (بین) अ वि –स्पष्ट, वाज़ेह, ज्वलन्त।
बैरक़ (بیرق) तु पु –छोटा झडा, झडी, वह झडा जो जमीन पर कब्ज़ा करने या आबाद करने के निशान के लिए गाडते हैं।

बो

बोईद॰ (بوئیدہ) फा वि –सूँघा हुआ।
बोत (بوتہ) फा पु –सुनारो की घरिया, कुठाली, बूत।
बोदन (بودنہ) तु पु –बटेर।
बोया (بویا) फा वि –सुगंधित, सुवासित, खुशबूदार।
बोरिया (بوریا) फा पु –चटाई, खजूर की चटाई, मदुरा।
बोरियानशीं (بوریانشیں) फा वि –चटाई पर बैठनेवाला, फकीर।
बोरियाबाफ (بوریاباف) फा वि –चटाइयाँ, बुननेवाला।
बोरियाबाफी (بوریابافی) फा स्त्री –चटाइयाँ बुननेका काम।
बोस (بوس) फा प्रत्य –चूमनेवाला, जैसे—'फलकबोस' आस्मान चूमनेवाला, गगनचुबी।
बोस (بوسہ) फा पु –चुबन, चूमा।

वोस.गाह (بوسه‌گاه) फा स्त्री —वह स्थान जिसे चूमा जाय।
वोस.जन (بوسه‌زن) फा वि —चूमनेवाला, चुवक।
वोसःवपैगाम (بوسه‌وپیغام) फा वि —दूसरे के ज़रिए अपने मकसद को पा लेना,—"कासिद के हाथ चूम लिये मैने लेके खत, ये एक तरह का वोस व पैगाम हो गया।"
वोस.वाजी (بوسه‌بازی) फा स्त्री —चुवाचुवी, एक-दूसरे को चूमना।
वोसीदः (بوسیده) फा वि —चुवित, चूमा हुआ, सडा-गला, फटा-पुराना।
वोसीदगी (بوسیدگی) फा स्त्री —सडा-गलापन, फटा-पुरानापन।
वोसीदनी (بوسیدنی) फा वि —चूमने के लाइक, चुवन-योग्य, चुवनीय।
वोस्ताँ (بوستاں) फा पु —उद्यान, वाग, आराम, वाटिका।
वोस्ताँपैरा (بوستاں‌پیرا) फा वि —माली, उद्यानपाल।

बौ

वौजक (بوزک) फा स्त्री —फफूँदी, श्वेता।
वौल (بول) अ पु —मूत्र, प्रस्राव, पेशाव, मूत।
वौलगाह (بول‌گاه) अ फा स्त्री —मूत्रालय, पेशाव करने की जगह, यूरिनल।
वौलदान (بول‌دان) अ फा पु —पेशाव का वरतन, रोगियो का मूत्र-पात्र, यूरिन-पाट।
वौलफिलफिराश (بول فی الفراش) अ पु —एक रोग जिसमे रोगी सोते हुए पलग पर पेशाव कर देता है, प्राय यह रोग दस वारह वरस के वच्चो को होता है, शय्यामूत्र।

म

मंज़र (منظر) अ पु —दृश्य, नज्ज़ार, मुखाकृति, चेह्र, कौतुकस्थान, तमाशागाह, क्रीडास्थल, सैरगाह, दृष्टि का अत, हद्दे नज़र।
मंज़रे आम (منظر عام) अ पु —खुली जगह, जहाँ सव लोग आ-जा सके, सार्वजनिक स्थान।
मज़िल (منزل) अ स्त्री —उतरन की जगह, पडाव, जहाँ जाना हो, गतव्य, एक दिन की मात्रा, मकान का खड, माला, नक्षत्र, चाँद का घर, लम्वी यात्रा।
मंज़िलगाह (منزل‌گاه) अ फा स्त्री —जहाँ जाकर ठहरना हो।
मज़िलत (منزلت) अ स्त्री —आदर, सत्कार, इज्ज़त, पदवी, दरजा।
मंज़िले अव्वल (منزل اول) अ स्त्री —कब्र, श्मशान, जहाँ मनुष्य मरने पर पहली वार जाता है।
मज़िले कमर (منزل قمر) अ स्त्री —नक्षत्र, चाँद के रास्ते मे पडनेवाले २७ स्थानो मे से एक, (दे मनाजिले कमर)।
मंज़िले मक्सूद (منزل مقصود) अ स्त्री —वह स्थान जहाँ पहुँचना है, आशय, उद्देश्य।
मंज़िले हस्ती (منزل هستی) अ फा. स्त्री —जीवनयात्रा, आयु, उम्र।
मंज़ूअ (منزوع) अ वि —निकाला हुआ, किसी चीज मे से अलग किया हुआ।
मंज़ूम (منظوم) अ वि —पद्यात्मक, छदोवद्ध, नज्म की सूरत मे लाया हुआ, छद के रूप में परिवर्तित किया हुआ।
मज़ूमात (منظومات) अ स्त्री —नज्मो का संग्रह, वह सग्रह जिसमे 'गज्लें' न हो, केवल नज्मे हो।
मंज़ूर (منظور) अ वि —दृष्टिगत, दृष्टिगोचर, जो देखा जाय, स्वीकृत, तस्लीम, रुचिकर, पसदीद।
मंज़ूरे नज़र (منظور نظر) अ वि —प्रिय, प्यारा, कृपापात्र, जिस पर किसी की कृपादृष्टि हो, आँखो को पसद।
मंद (مند) फा प्रत्य —वाला, जैसे—'ज़ुरूरतमद' 'ज़ुरूरत-वाला।
मंदल (مندل) फा पु —घेरा, इहाता, मडल।
मंदूबः (مندوبه) अ स्त्री —डेलीगेट स्त्री, प्रतिनिधि महिला।
मंदूब (مندوب) अ पु —डेलीगेट, प्रतिनिधि।
मंदूवीन (مندوبین) अ पु —'मदूब' का वहु, प्रतिनिधि मडल, वहुत-से प्रतिनिधि।
मंबा' (منبع) अ पु —स्रोत, चश्मा, उद्गम, मख़्रज।
मवित (منبت) अ पु —उगने का स्थान, जहाँ कोई पौदा उगे।
मंशा (منشا) अ पु —उद्देश्य, आशय, मक्सद, अर्थ, मतलव, इच्छा, ख़्वाहिश, कारण, हेतु, सवव, मनोकामना, मनोरथ, दिली मक्सद।
मंशाए इलाही (منشاے الٰہی) अ पु —ईश्वरेच्छा, खुदा की मर्ज़ी।
मंशाए दिली (منشاے دلی) अ फा पु —मनोरथ, मनो-कामना, दिली आर्ज़ू।
मंशाए मशीअत (منشاے مشیت) अ पु —दे 'मशाए इलाही'।
मंशूर (منشور) अ पु —अस्त-व्यस्त, तितर-वितर, विखरा हुआ, राजाज्ञा, शाहीफर्मान।
मसक (منسک) अ पु —वह स्थान जहाँ पूजा की जाय, उपासना-गृह, वह स्थान जहाँ कुर्वानी की जाय।
मंसव (منصب) अ पु —पद, उहदा, वडी पदवी, अधिकार, हक, कर्तव्य, फर्ज़।

मंसबदार (منصبدار) अ फा वि –पदाधिकारी, उहदेदार, पीढी दर पीढी वज़ीफा पानेवाला।

मसबी (منصبی) अ वि –मसबवाला, पद-सम्वन्धी, जैसे–'कारे मसवी', अपना पद-सम्वन्धी काम।

मसूख (منسوخ) अ वि –खारिज, रद्द, निरस्त।

मसूखी (منسوخی) अ वि –मसूख होना, निरसन, रद्द होना।

मंसूब' (منصوبہ) अ पु –सकल्प, इरादा, योजना, स्कीम, षड्यत्र, साजिश, इच्छा, ख्वाहिश।

मसूब बदी (منصوبہبندی) अ फा स्त्री –मसूवा गाँठना, इरादा करना, योजना वनाना, स्कीम वनाना।

मंसूब (منسوب) अ वि –सम्वन्धित, जिसकी किसी की ओर निस्वत की गयी हो, जिसकी कही मँगनी की गयी हो।

मसूब (منصوب) अ वि –वह अक्षर जिस पर जबर हो।

मसूबइलैह (منسوبالیہ) अ वि –जिसकी ओर निस्वत की गयी हो, जिसकी मँगनी की गयी हो।

मसूर (منثور) अ वि –गद्यात्मक लेख, नस्र का कलाम, अनविधा मोती, तितर-वितर, विखरा हुआ।

मसूर (منصور) अ वि –विजेता, विजयी, फातेह, एक वली जिन्होने "अनलहक" कहा था और इस अपराध मे उनकी गरदन काटी गयी थी।

मसूरोमुज़फ्फर (منصورومظفر) अ वि –जो वडी शान से जीता हो, प्रशसनीय विजयी।

मसूस (منصوص) अ वि –गवेषणा को प्राप्त, तहकीकशुद, वह बात जो कुरान की स्पष्ट आयतो से प्रमाणित हो।

मअन (معاً) अ वि –सहसा, अकस्मात्, अचानक, तुरत, फौरन, तत्क्षण।

मआइब (معائب) अ पु –'मईव' का वहु दोष-समूह।

मआखिज़ (مآخذ) अ पु –'आखज़' का वहु, वे किताबें जिनसे मवाद लेकर कोई किताब लिखी गयी हो।

मआज़ (معاذ) अ वि –रक्षास्थान, पनाह की जगह।

मआज़ल्लाह (معاذاللہ) अ वा –खुदा की पनाह, ईश्वर वचाये।

मआजीन (معاجین) अ स्त्री –'मा'जून' का वहु, मा'जूने, अवलेह।

मआद (معاد) अ पु –लौटकर जाने की जगह, यमलोक।

मआदिन (معادن) अ पु –'मा'दिन' का वहु, खाने।

मआनी (معانی) अ पु –'मा'ना' का वहु, अर्थसमूह।

मआव (مآب) अ प्रत्य –युक्त, जैसे–'फजीलत मआव' विद्वत्ता से युवत।

मआविद (معابد) अ पु –'मा'वद' का वहु, उपासना के स्थान, मदिर, मस्जिदे, गिर्जा।

मआविर (معابر) अ पु –'मा'वर' का वहु, नदियो का घाट या पुल।

मआरिक (معارک) अ पु –'मा'रिक' का वहु, लडाई के मैदान, युद्धक्षेत्र, लडाइयाँ, युद्ध।

मआरिज (معارج) अ पु –'में'राज' का वहु, सीढियाँ।

मआरिफ (معارف) अ पु –'मा'रफ' का वहु, पहचानने के स्थान, परिचय, पहचान, 'मा'रिफ' का वहु, परिचित लोग, दोस्त लोग, मित्रगण, विद्वज्जन, इल्मवाले।

मआल (مآل) अ पु –परिणाम, निष्कर्ष, नतीजा, अत, खातिमा, फल, प्रतिकार, वदल,–"मआलेसोजे गमहाए निहानी देखते जाओ"–फानी।

मआलअदेश (مآلاندیش) अ फा वि –परिणामदर्शी, नतीजा सोचकर काम करनेवाला।

मआलअदेशी (مآلاندیشی) अ फा स्त्री –परिणामदर्शिता, नतीज सोचकर काम करना।

मआलनाअदेश (مآلنااندیش) अ फा वि –जो नतीजा न सोचे और काम कर डाले, अपरिणामशोची।

मआलनाअदेशी (مآلنااندیشی) अ फा स्त्री –नतीजा सोचे विना काम कर डालना, अपरिणामदर्शिता।

मआलवी (مآلبیں) अ फा वि –दे 'मआल अदेश'।

मआलवीनी (مآلبینی) अ फा स्त्री –दे, 'मआल अदेशी'।

मआली (معالی) अ पु –'मा'ली' का वहु, ऊँचाइयाँ, वलदियाँ।

मआले कार (مآلکار) अ फा पु –काम का नतीजा, कार्यपरिणाम।

मआले वद (مآلبد) अ फा पु –वुरा नतीजा, कुफल, दुष्परिणाम।

मआश (معاش) अ स्त्री –जीविका, रोज़ी, जमीन या जागीर जो किसी काम के इनआम स्वरूप मिले।

मआशदार (معاشدار) अ फा पु –वह व्यक्ति जिसे कोई ज़मीन या जागीर 'मआश' के रूप मे मिली हो।

मआशी (معاشی) अ वि –जीविका-सम्वन्धी, अर्थ-सम्वन्धी, आर्थिक, इक्तिसादी।

मआशीयात (معاشیات) अ स्त्री –अर्थशास्त्र, इल्मे इक्तिसादीयात।

मआसिर (مآثر) अ पु –'मासुर' का वहु, अच्छी निशानियाँ, अच्छे स्मृति-चिह्न, अच्छे काम, सुकृतिया।

मआसी (معاصی) अ पु –'मा'सियत' का वहु, पाप-समूह, गुनाह।

मईब (معیب) अ पु –दोष, अवगुण, दूषण, ऐब।
मईयत (معیت) अ स्त्री –साथ, हमराही।
मईशत (معیشت) अ स्त्री –जीवन, ज़िंदगी, जीविका, मआश, वह चीज़ जो जीवन का सहारा हो।
मऊनत (معونت) अ स्त्री –सहायता, मदद।
मऊल (معول) अ वि –भरोसा किया हुआ, विश्वस्त।
मए अंगूर (مے انگور) फा स्त्री –अंगूर से बनायी हुई मदिरा, द्राक्षासव।
मए अंग्बीं (مے انگبیں) फा स्त्री –शहद की शराब, माधवी।
मए आतशी (مے آتشیں) फा स्त्री –आग-जैसी तेज और लाल मदिरा, अग्निवर्णा।
मए ऐश (مے عیش) फा अ स्त्री –भोग-विलासरूपी मदिरा।
मए हुस्न (مے حسن) फा अ स्त्री –सौंदर्य-सुरा, रूप-मद, "जब मए-हुस्न मे है कैफ़े फरामोशी भी, नासिहा काम नही अब तेरे समझाने का।"
मए कौसर (مے کوثر) फा अ स्त्री –स्वर्ग की मदिरा।
मए गुलगूं (مے گل گوں) फा स्त्री –गुलाब के फूल-जैसी सुगंधित और गुलाबी मदिरा।
मए गुलफाम (مے گل فام) फा स्त्री –दे 'मए गुलगूं'।
मए गुलरंग (مے گل رنگ) फा स्त्री –दे 'मए गुलगूं'।
मए तहूर (مے طہور) फा अ स्त्री –पवित्र मदिरा, वह मदिरा जो स्वर्ग मे मिलेगी।
मए तुंद (مے تند) फा स्त्री –तेज नशेवाली मदिरा।
मए दुआतशः (مے دوآتشہ) फा स्त्री –दो बार खिंची हुई शराब, बहुत तेज़ शराब।
मए दोशीनः (مے دوشینہ) फा स्त्री –रात की बची हुई-बासी शराब।
मए नाब (مے ناب) फा स्त्री –निर्मल और खालिस मदिरा।
मए नौ (مے نو) फा स्त्री –हाल की खिंची हुई शराब।
मए पिंदार (مے پندار) फा स्त्री –अहंकार की मदिरा, अहंकाररूपी मदिरा।
मए मुग़ान. (مے مغانہ) फा स्त्री –आतशपरस्तो की शराब।
मए रंगीं (مے رنگیں) फा स्त्री –रंग-बिरंगी शराब।
मए वस्ल (مے وصل) फा अ स्त्री –संभोग, मैथुन, नायिका का सहवास।
मए शबीन. (مے شبینہ) फा स्त्री –रात की बची हुई शराब।
मए शीराज़ (مے شیراز) फा स्त्री –वह मदिरा जो शीराज़ की बोतलो मे हो, हाफिज़ शीराज़ी की कविता।
मए शौक़ (مے شوق) फा अ स्त्री –प्रेम की मदिरा।
मए हराम (مے حرام) फा अ स्त्री –वह मदिरा जिसका पान धर्म मे निषिद्ध है।
मए हलाल (مے حلال) फा अ स्त्री –वह मदिरा जिसका पान धर्म में विहित है, स्वर्ग की मदिरा।
मकर[र्र] (مقر) अ पु –ठहरने का स्थान, अड्डा, पड़ाव।
मकर्रुलखिलाफत (مقر الخلافت) अ पु –शासनकेंद्र, राजधानी।
मकर्रुलहुकूमत (مقر الحکومت) अ पु –राजधानी।
मक़र्रुस्सल्तनत (مقر السلطنت) अ पु –राजधानी।
मकर्रे खिलाफत (مقرخلافت) अ पु –'राजधानी'।
मकस[स्स] (مقص) अ पु –काटने का स्थान, दंशित स्थल।
मकाइद (مکائد) अ पु –'मकीद' का बहु, छल और फरेब, पाखंड, ऐयारियाँ।
मकाइद (مقاعد) अ पु –'मक्अद' का बहु, बैठने के स्थान।
मकातिब (مکاتب) अ पु –'मक्तब' का बहु, प्रारंभिक पाठशालाएँ।
मकातिबे इब्तिदाई (مکاتب ابتدائی) अ पु –प्रारम्भिक पाठशालाएँ, जिनमे शुरूआत की शिक्षा दी जाय।
मकातीब (مکاتیب) अ पु –'मक्तूब' का बहु, चिट्ठियाँ, पत्र-समूह, खुतूत।
मकादीर (مقادیر) अ स्त्री –'मिक्दार' का बहु, अंदाजे, अनुमान, वज़्न, संख्याएँ, आ'दाद।
मकादीरे मज्हूलः (مقادیر مجہولہ) अ स्त्री –वे संख्याएँ जो ज्ञात न हो (गणित)।
मकादीरे मा'लूमः (مقادیر معلومہ) अ स्त्री –वे संख्याएँ जो ज्ञात हो (गणित)।
मकान (مکان) अ पु –गृह, गेह, आवास, निकेतन, भवन, सदन, सद्म, घर, वेश्म, स्थान, जगह।
मकानदार (مکان دار) अ फा वि –घर का मालिक, गृह-स्वामी।
मकानात (مکانات) अ पु –मकान का बहु, बहुत-से घर।
मकाने मस्कूनः (مکان مسکونہ) अ पु –रहने का मकान, जिस मकान मे कोई रहता हो।
मक़ाबिर (مقابر) अ पु –'मक्बर' का बहु, क़ब्रे, मक्बरे, मज़ारात।
मकाम (مقام) अ पु –स्थान, जगह, ठहरने का स्थान, घर, मकान, मंज़िल, पड़ाव, अवसर, मौका, प्रतिष्ठा, इज़्ज़त। 'मुकाम' भी प्रचलित है।
मकामात (مقامات) अ पु –मकाम का बहु, बहुत-से स्थान।
मकामी (مقامی) अ. वि –स्थानीय, लोकल।

मकारिम (مکارم) अ पु.—'मक्रुमत' का वहु, कृपाएँ, इनायतें।

मकारह (مکارہ) अ पु—'मुक्र' का वहु।

मक़ाल· (مقالہ) अ पु—निवध, लेख, किसी विशेष विषय पर गवेपणापूर्ण लेख, रेखागणित का कोई साध्य।

मकाल·नवीस (مقالہ‌نویس) अ फा वि—निवधकार।

मक़ाल·निगार (مقالہ‌نگار) अ फा वि—दे 'मकाल नवीस'।

मकाल·निगारी (مقالہ‌نگاری) अ फा स्त्री—निवध लिखना, प्रवन्व रचना।

मकाल (مقال) अ पु—वार्तालाप, वातचीत, गुफ्तुगू।

मकालात (مقالات) अ पु—'मकाल' का वहु, गुफ्तुगू, वातचीतें, मकाले, निवध।

मकालीद (مقالید) अ पु—'मिक्लीद' का वहु, कुजियाँ।

मक़ासिद (مقاصد) अ पु—'मक्सिद' का वहु, उद्देश्य समूह, मशाएँ।

मकासिब (مکاسب) अ पु—'कस्ब' का वहु, पेशे, उद्योग।

मकीन (مکین) अ वि—मकान का रहनेवाला, निवासी।

मकूलः (مقولہ) अ पु—कथन, वात, कौल, कही हुई वात।

मकूलात (مقولات) अ पु—'मकूल' का वहु, कौल, वातें।

मक्अद (مقعد) अ स्त्री—मलद्वार, गुदा, मब्रज।

मक्क (مکہ) अ पु—हज्रत मुहम्मद साहिव का जन्म-स्थान, अरव की राजधानी, यही मुसलमान हज के लिए एकत्र होते हैं, का'व इसी में है।

मक्कारः (مکارہ) अ स्त्री—धूर्त्ता, मायाविनी, वचिका, हरीफ, वहुत ही चालाक स्त्री।

मक्कार (مکار) अ वि—धूर्त, छली, वहुत ही चालाक।

मक्कारी (مکاری) अ स्त्री—धूर्त्तता, फित्तीनी, चालाकी।

मक्तव (مکتب) अ पु—पाठशाला, विद्यागृह, वच्चों का स्कूल, मदरसा।

मक्तवखान· (مکتب‌خانہ) अ फा पु—इस शब्द मे 'खान' अधिक है, क्योकि मक्तव का अर्थ खुद ही पढाई की जगह है, परन्तु कुछ लोग लिख देते है, न लिखना अधिक उचित है।

मक्तवगाह (مکتب‌گاہ) अ फा स्त्री—दे 'मक्तवखान' इसमें भी 'गाह' स्थान के अर्थ में है और वह अशुद्ध है।

मक्तवे इश्क़ (مکتب‌عشق) अ पु—प्रेम-पाठशाला।

मक्तल (مقتل) अ पु—कत्ल करने की जगह, ववस्थान, वधभूमि।

मक्तूअ (مقطوع) अ वि—विच्छिन्न, कटा हुआ।

मक्तूउन्नस्ल (مقطوع‌النسل) अ वि—जिसका वंश समाप्त हो गया हो, जिसकी सतान मे कोई न रहा हो, नष्टवश।

मक्तूउलयद (مقطوع‌الید) अ वि—जिसका हाथ कट गया हो, विकल पाणिक, विच्छिन्न हस्त।

मक्तूव (مکتوب) अ पु—लिखित, लिखा हुआ, पत्र, चिट्ठी।

मक्तूवइलैह (مکتوب‌الیہ) अ वि—जिनको पत्र लिखा जाय।

मक्तूम (مکتوم) अ वि—गुप्त, गुह्य, छिपा हुआ।

मक्तूल (مقتول) अ वि—जिसे कत्ल कर दिया गया हो, हत, निहत, ववित।

मक़्तूलीन (مقتولین) अ पु—'मक्तूल' का वहु, मारे गये लोग।

मक्तूलो मज्रूह (مقتول‌ومجروح) अ पु—जो कत्ल हुए और जो घायल हुए, हताहत।

मक्दिरत (مقدرت) अ स्त्री—दे 'मक्दूर'।

मक्दूनिय· (مقدونیہ) अ पु—'वलकान' का एक प्रदेश जो पहले तुर्कों के पास था, सिकदर यही राज करता था।

मक्दूर (مقدور) अ पु—शक्ति, वल, ज़ोर, सामर्थ्य, मक्दिरत, माहस, हिम्मत, समाई, गुजाइश, धन, दौलत, वस, कावू।

मक्ना' (مقنع) अ पु—वह महीन कपडा जो निकाह के समय दूल्हा को पिन्हाते है, इसका शुद्ध उच्चारण 'मिक्ना' है, परन्तु उर्दू में 'मक्ना' भी प्रचलित है।

मक्नातीस (مقناطیس) अ पु—वह पत्थर जो लोहे को खीचता है, चुवक, अयस्कात, आकर्प, वज्रलोहक, दे 'मिक्नातीस', दोनो शुद्ध है।

मक्नून (مکنون) अ वि—छिपाया हुआ, दिया हुआ, भेद, रहस्य, मन की वात, मशा।

मक्नूने ख़ातिर (مکنون‌خاطر) अ वि—मन मे छिपायी हुई वात, दिल का भेद।

मक्फूफ (مکفوف) अ वि—कपडा लपेटा हुआ, उर्दू छद मे मे सप्त अक्षरीयगण (मुस्तफअलुन्, मफाईलुन्, फाइलातुन् मे से अन्तिम अक्षर कम करके मुस्तफ्अलु, मफाईलु, फाइ-लातु वनाना)।

मक्फूल (مکفول) अ वि—रेहन रखा हुआ, गिरौं, ववक।

मक्बर (مقبرہ) अ पु—वह कब्र जिस पर इमारत या गुवद हो।

मक्बूज (مقبوضہ) अ वि—जो चीज क़ब्ज़े मे हो, मिल्कियत।

मक्बूल (مقبول) अ वि—सर्वप्रिय, हरदिल अज़ीज़, स्वीकृत, मजूर, रुचिकर, पसदीद।

मक्बूलियत (مقبولیت) अ स्त्री—सर्वप्रियता, हरदिल-अज़ीज़ी, पसदीदगी, रुचि।

मक़्बूलुद्दुआ (مقبول الدعا) अ. वि –जिसकी दुआ तुरत कबूल होती हो, वाक्सिद्ध।

मक़्बूले बारगाह (مقبول بارگاہ) अ फा वि –ईश्वर का प्यारा, किसी बडे आदमी के यहाँ बहुत समानित व्यक्ति।

मक्र (مکر) अ पु –छल, धोखा, वचना, ठगी, मिष, बहाना, धूर्तता, चालाकी।

मक्रुमत (مکرمت) अ स्त्री –कृपा, दया, अनुकपा, संमान, प्रतिष्ठा, वक़ार।

मक्रुमतनामः (مکرمت نامہ) अ फा पु –कृपापत्र।

मक्रूक़ (مقروق) तु वि –वह माल जो कुरुक हो गया हो, आसजित।

मक्रूज़ (مقروض) अ वि –ऋणी, क़र्ज़दार।

मक्रून (مقرون) अ. वि –समीप, पास, नज़दीक, मिलाया हुआ, पास किया हुआ।

मक्रूब (مکروب) अ वि –दुःखित, ग़मगीन, शोक-सतप्त।

मक्रूह (مکروہ) अ वि –घृणित, जिसे देखकर घिन आये; भद्दा, बदनुमा, इस्लाम धर्म मे वह चीज़ जिसका खाना अच्छा न हो, परन्तु वह हराम न हो।

मक्रूहात (مکروہات) अ. पु –'मक्रूह' का बहु, घृणित वस्तुएँ, व्यर्थ के काम।

मक्रूहाते दुनयवी (مکروہات دنیوی) अ पु –ससार के झझट, जीवन की बाधाएँ, दुनिया के झगडे।

मक्रूहे तह्रीमी (مکروہ تحریمی) अ पु –इस्लाम धर्म के अनुसार ऐसा मक्रूह खाद्य पदार्थ, जो हराम के लगभग पहुँच गया हो।

मक़्लूब (مقلوب) अ वि –उलटा हुआ।

मक़्लूबुलइज़ाफ़त (مقلوب الاضافت) अ पु –वह समासगत शब्द जिसकी इज़ाफत उलट गयी हो, जैसे—'ख़ानए ख़ुदा' का 'ख़ुदाख़ान'।

मक़्लूबे कुल (مقلوب کل) अ पु –वह शब्द जो क्रम से बिलकुल उलट गया हो, जैसे—'कमर' से रमक।

मक़्लूबे बा'ज़ (مقلوب بعض) अ पु –वह शब्द जिसमे अक्षर क्रम से न उलटे, जैसे—'कमर' से 'रकम'।

मक़्लूबे मुस्तवी (مقلوب مستوی) अ पु –वह शब्दसमूह या इबारत जो क्रम से बिलकुल उलट गयी हो।

मक्शूफ़ (مکشوف) अ वि –प्रकट, व्यक्त, ज़ाहिर, जो खोला गया हो।

मक़्सद (مقصد) अ पु –शुद्ध उच्चारण 'मक़्सिद' है परन्तु, उर्दू मे 'मक़्सद' ही बोलते है, उद्देश्य, आशय, मशा, इच्छा, ख़्वाहिश।

मक़्सिद (مقصد) अ पु –दे 'मक़्सद', शुद्ध यही है, परन्तु उर्दू मे 'मक़्सद' बोलते और लिखते है।

मक्सूबः (مکسوبہ) अ वि –पैदा की हुई, कमायी हुई जाइदाद आदि।

मक्सूब (مکسوب) अ वि –कमाया हुआ, पैदा किया हुआ।

मक़्सूद (مقصود) अ वि –उद्देश्य, आशय, मशा; इच्छा, ख़्वाहिश।

मक़्सूदबिज़्ज़ात (مقصود بالذات) अ वि –वह वस्तु जिसकी वास्तविक मे इच्छा हो।

मक़्सूदमिन्हु (مقصود منہ) अ वि –जिससे मतलब हो।

मक़्सूम (مقسوم) अ वि –विभाजित, बाँटा हुआ, भाग्य, क़िस्मत, भाग, हिस्सा, वह सख्या जो बाँटी जाय, भाज्य।

मक़्सूम अलैह (مقسوم علیہ) अ पु –वह सख्या जिससे किसी सख्या में भाग दे, भाजक, हारक।

मक़्सूमअलैहे आ'ज़म (مقسوم علیہ اعظم) अ पु –वह बडी से बडी सख्या जो कई सख्याओ को पूरा बाँट दे, जैसे ६, जो १२, १८, २४, ३०, ३६, ४२, ४८ को पूरा-पूरा बाँट देती है।

मक़्सूर (مقصور) अ वि –छोटा किया गया, जो कम या छोटा किया गया हो, कम, छोटा, ह्रस्व।

मक्सूर (مکسور) अ वि –भग्न, शिकस्त, जिस अक्षर पर 'ज़ेर' दिया गया हो।

मक़्हूर (مقہور) अ वि –जिस पर कोप हो, जो कोप का पात्र हो, जिस पर ख़ुदा का कह्र हो, दैवकोप-ग्रस्त।

मख़र (مخر) फा प्रत्य –मोल न लिया जानेवाला, जैसे—'हेचमख़र' जिसे कोई दो कौडी मे भी मोल न ले, तुच्छ, नाचीज़।

मख़ाज़िन (مخازن) अ पु –'मख़्ज़न' का बहु, ख़ज़ाने, ढेर।

मख़ादीम (مخادیم) अ पु –'मख़्दूम' का बहु, स्वामिगण, प्रतिष्ठितजन।

मख़ाफ़ (مخاف) अ पु –भय का स्थान, ख़त्रे की जगह।

मख़ाफ़त (مخافت) अ स्त्री –भय, त्रास, डर, शका, चिंता, फ़िक्र।

मख़ारिज (مخارج) अ पु –'मख़रज' का बहु, निकलने के स्थान, शब्द उच्चारण के स्थान।

मख़ाविफ़ (مخاوف) अ पु –'मख़वफ़' का बहु, भय के स्थान, ख़ौफ की जगहे।

मख़ीज़ (مخیض) अ पु –छाछ, मट्ठा।

मख़्ज़न (مخزن) अ पु –भाडागार, कोष्ठागार, गोदाम, खानि, कान; कोषागार, ख़ज़ाना, शस्त्रागार, मैगज़ीन।

मख़्ज़ून (مخزون) अ वि –ख़ज़ाने मे रखा हुआ, छिपा हुआ, गड़ा हुआ, गुप्त, रक्षित।

मख़्ज़ूल (مخذول) अ वि –अपमानित, तिरस्कृत, ज़लील, ख़्वार।

मख़्तूतः (مخطوطہ) अ पु –प्राचीन हस्तलिखित पत्र आदि।

मख़्तूतात (مخطوطات) अ पु –'मख़्तूत' का बहु, प्राचीन हस्तलिखित पत्रसमूह।

मख़्तून (مختون) अ वि –जिस मनुष्य के ख़त्ने हो गये हों।

मख़्तूबः (مخطوبہ) अ स्त्री –जिस लड़की की सगाई हो गयी हो, मँगेतर।

मख़्तूम (مختوم) अ वि –मोह्र लगा हुआ, मुद्रांकित, बंद किया हुआ।

मख़्तूर (مخطور) अ वि –वह विचार जो मन में उत्पन्न हो, जान जोखिम में डाला हुआ।

मख़्तूरात (مخطورات) अ पु –दिल में उत्पन्न होनेवाली विचार धाराएँ।

मख़्दूमः (مخدومہ) अ स्त्री –स्वामिनी, मालिक, श्रीमती, महोदया, देवी (संबोधन में)।

मख़्दूम (مخدوم) अ वि –स्वामी, आक़ा, प्रतिष्ठित व्यक्ति, मान्य, पूज्य।

मख़्दूमी (مخدومی) अ वि –(संबोधन में) हे स्वामी, हे मालिक, (शब्दार्थ) मेरे स्वामी।

मख़्दूश (مخدوش) अ वि –भयसंकुल, पुरख़तर, भयानक, डरावना, धूर्त, धोखेबाज़, जिसके मन में शंकाएँ हों।

मख़्नूक़ (مخنوق) अ वि –जिसका गला घोंटकर मारा गया हो, गला मरोड़ा हुआ।

मख़्फ़ी (مخفی) अ वि –गुप्त, छिपा हुआ।

मख़्बूत (مخبوط) अ वि –ख़ब्ती, जिसका दिमाग़ ख़राब हो, विकृत-मस्तिष्क।

मख़्बूतुलहवास (مخبوط الحواس) अ वि –जिसके होशो-हवास जाते रहे हों, विकृत मस्तिष्क, वातुल, पागल।

मख़्मल (مخمل) फ़ा स्त्री –एक प्रकार का रंगीन और मुलाइम रुएँदार कपड़ा।

मख़्मली (مخملی) फ़ा वि –मख़्मल का बना हुआ, मख़्मल मढ़ा हुआ, मख़्मल-जैसा।

मख़्मसः (مخمصہ) अ पु –बखेड़ा, झंझट, झमेला, चिंता, फ़िक्र, भय, डर।

मख़्मसात (مخمصات) अ पु –बखेड़े, जंजाल, झंझट।

मख़्मूर (مخمور) अ वि –नशे में चूर, उन्मत्त, मदोन्मत्त।

मख़्रज (مخرج) अ पु –निकलने की जगह, उद्गम, नदी के निकलने का स्थान, अक्षर के उच्चारण का स्थान, कंठ आदि।

मख़्रूत (مخروط) अ वि –ख़राद किया हुआ, छीला हुआ, वह पदार्थ जो गाजर की भाँति एक ओर मोटा और दूसरी ओर पतला हो, शुंडाकार।

मख़्रूती (مخروطی) अ वि –शुंडाकार, गवाकार, गाजर की तरह एक ओर मोटा और एक ओर पतला।

मख़्लसी (مخلصی) फ़ा स्त्री –बंधनमुक्ति, छुटकारा, रिहाई, इस अर्थ में 'मुख़्लिसी' अशुद्ध है।

मख़्लूअ (مخلوع) अ वि –बाहर लाया हुआ, निकाला हुआ।

मख़्लूक़ (مخلوق) अ स्त्री –उत्पन्न, जनित, संसार, जगत्, दुन्या, दुन्यावाले, मनुष्य, लोग।

मख़्लूक़ात (مخلوقات) अ स्त्री –वे सब चीज़ें जो संसार में हैं।

मख़्लूत (مخلوط) अ वि –मिश्रित, मिला-जुला, गड्ड-बड्ड।

मख़्लूतुन्नस्ल (مخلوط النسل) अ वि –जिसके वंश में गड़बड़ हो, जिसमें दूसरा रक्त भी सम्मिलित हो।

मख़्सूस (مخصوص) अ वि –प्रमुख, प्रधान, ख़ास।

मख़्सूसन (مخصوصاً) अ अव्य –ख़ास तौर पर, मुख्यतः, प्रधानतः।

मग़ (مغ) फ़ा वि –गंभीर, गहरा, छोटी नदी।

मगर (مگر) फ़ा अव्य –परंतु, लेकिन।

मगस (مگس) फ़ा स्त्री –मक्षिका, मक्खी।

मगसगीर (مگس گیر) फ़ा वि –मक्खी पकड़नेवाला, (स्त्री) मकड़ी, लूता।

मगसराँ (مگس راں) फ़ा वि –चँवर, मोरछल, मक्खियाँ उड़ानेवाला।

मगसरानी (مگس رانی) फ़ा स्त्री –मक्खियाँ उड़ाना, मोरछल झलना।

मगसी (مگسی) फ़ा वि –मक्खी के रंग का, मटमैला।

मग़ाक (مغاک) फ़ा पु –गर्त, गढ़ा, गड्ढा।

मग़ाज़ी (مغازی) अ पु –'मग़्ज़ा' का बहु, वह किताब जिसमें ग़ाज़ियों के कारनामों का वर्णन हो।

मग़ारः (مغارہ) अ पु –पहाड़ की खोह, गुफा, कंदरा, लूट-मार का स्थान।

मग़ार (مغار) फ़ा पु –खोह, गुफा, कंदरा, पहाड़ की खोह।

मग़ारिब (مغارب) अ पु –'मग़्रिब' का बहु, सूरज डूबने की जगहें।

मग़्ज़ (مغز) फ़ा पु –मस्तिष्क, भेजा, गिरी, गूदा, सार, तत्त्व, बुद्धि, अक़्ल, निष्कर्ष, नतीजा।

मग़्ज़ूब (مغضوب) अ वि –जिस पर कोप हो, कोप का पात्र।

मग़्ज़े उस्तुख़्वाँ (مغز استخواں) फ़ा पु –हड्डी का गूदा, मज्जा।

मग़्ज़े सर (مغز سر) फ़ा पु –भेजा, मस्तिष्क।

मग्ज़े सुख़न (مغزسخن) फा पु –बात का सार, बात की तह, बात का ख़ुलासा, लुब्बेलुबाब, साराश।

मग्फ़िरत (مغفرت) अ स्त्री –मोक्ष, मुक्ति, नजात, "कहते हैं आज ज़ौक़ जहाँ से गुज़र गया, क्या ख़ूब आदमी था, ख़ुदा मग्फ़िरत करे।"—ज़ौक़।

मग्फ़ूर (مغفور) अ वि –जिसका मोक्ष हो गया हो, जो मोक्ष को प्राप्त हो गया हो।

मग्बूत (مغبوط) अ वि –जिस पर दूसरे लोग ईर्ष्या करें।

मग्बून (مغبون) अ वि –जिसे हानि पहुँचायी गयी हो, जिसका ग़बन किया गया हो।

मग्मूज़ (مغموز) अ वि –जिस पर आरोप लगाया गया हो, दूषित, विकृत, मा'यूब।

मग़्मूम (مغموم) अ वि –दु खित, अनुतप्त, क्लेशित, रजीदा।

मग्रिब (مغرب) अ पु –सूरज डूबने की जगह, अस्ताचल, पश्चिम, मग़्रिब।

मग़्रिबज़दः (مغرب‌زده) अ फा वि –जो रहन-सहन मे यूरोपीय देशो का अनुकरण करने का गर्व करता हो।

मग़्रिबज़दगी (مغرب‌زدگی) अ फा स्त्री –रहन-सहन और वेप-भूपा मे यूरोप का अनुसरण।

मग़्रिबपरस्त (مغرب‌پرست) अ फा वि –जो हर बात मे यूरोप को ही मान्यता देता हो।

मग़्रिबपरस्ती (مغرب‌پرستی) अ फा स्त्री –हर बात मे यूरोप को ही अच्छा और अनुकरणीय जानना।

मग़्रिबी (مغربی) अ वि –पश्चिमी, पच्छिम का, यूरोप का, पाश्चात्य।

मग़्रिबीयत (مغربیت) अ स्त्री –यूरोप का असर, नवीन सभ्यता का प्रभाव।

मग़रूर (مغرور) अ वि –अहकारी, घमडी।

मग़्लतः (مغلطه) अ पु –वह स्थान जहाँ कोई व्यक्ति भ्रम मे पड जाय।

मग़्लूक़ (مغلوق) अ वि –वह दरवाज़ा जिसके किवाड बद हो।

मग़्लूब (مغلوب) अ वि –पराजित, परास्त, हारा हुआ, अधीन, ज़ेर, दुर्बल।

मग़्लूबुलग़ज़ब (مغلوب الغضب) अ वि –वह व्यक्ति जो क्रोध मे आपे से बाहर हो जाय।

मग़्लूबुश्शहवत (مغلوب الشهوت) अ वि –वह व्यक्ति जो काम शक्ति के वश में हो।

मग़्लूल (مغلول) अ वि –शृखलित, जिसके गले मे सज़ा का तौक पडा हो।

मग़्शूश (مغشوش) अ वि –मिलावटवाली चीज, वह शुद्ध वस्तु जिसमे कुछ अशुद्ध वस्तु मिली हो।

मग़्स (مغص) अ स्त्री –मरोड, पेचिश।

मग़्सूल (مغسول) अ वि –नहलाया हुआ, वह दवा जो किसी अरक आदि मे खरल करके महीन की गयी हो, जैसे—'लाजवर्द मग़्सूल', स्नात, मार्जित।

मज़ः (مزه) फा पु –स्वाद, जाइक़ा, आनद, लुत्फ़, तमाशा, सैर, दड, सजा।

मज़ःदार (مزه‌دار) फा वि –स्वादिष्ठ, लज़ीज़, मनोरजक, दिलचस्प, उल्लासपूर्ण, पुरलुत्फ़।

मज़न्न (مظنه) अ पु –दे शु 'मज़िन्न'।

मज़म्मत (مذمت) अ स्त्री –तिरस्कार, बेइज़्ज़ती, निंदा, रुसवाई, बुराई, हज्व।

मज़र्रत (مضرت) अ स्त्री –हानि, नुक्सान।

मज़र्रतदिही (مضرت‌دهی) अ फा स्त्री –हानि पहुँचाना, नुक्सान देना।

मज़र्रतदेह (مضرت‌ده) अ फा वि –हानिदायक, हानिकारक, नुक्सान देनेवाला।

मज़र्रतरसाँ (مضرت‌رساں) अ फा वि –दे 'मज़र्रत देह'।

मज़र्रतरसानी (مضرت‌رسانی) अ फा स्त्री –दे 'मज़र्रत-दिही'।

मज़र्रतरसी (مضرت‌رسی) अ फा स्त्री –हानि पहुँचना।

मजल्लः (مجله) अ पु –पत्रिका, रिसाला, अख़्बार, समाचारपत्र।

मज़ल्लत (مذلت) अ स्त्री –तिरस्कार, ज़िल्लत, निंदा, बदनामी।

मज़ल्लत (مزلت) अ स्त्री –पाँव फिसलने का स्थान, चूकने का मौक़ा।

मजस [स्स] (مجس) अ स्त्री –नब्ज़ पर हाथ रखने की जगह, दे 'मिजस', दोनो शुद्ध हैं।

मज़ा (مضی) अ क्रि –गुज़रा, गत।

मज़ाक़ (مذاق) अ पु –परिहास, दिल्लगी, मनोविनोद, तफ़्रीह, रसिकता, ज़ौक़, सुरुचि, सहृदयता।

मज़ाक़न (مذاقاً) अ अव्य –दिल्लगी मे, मजाक के तौर पर।

मज़ाक़पसद (مذاق‌پسند) अ फा वि –जिसके मिज़ाज मे मज़ाक बहुत हो, दिल्लगीबाज, परिहासप्रिय, विनोदी, प्रमोदशील।

मज़ाक़ियः (مذاقیه) अ वि –मज़ाक पसद, परिहासपूर्ण, पुरमज़ाक।

मज़ाक़े अदब (مذاق ادب) अ पु –साहित्य-रसिकता।

मज़ाक़े शे'र (مذاق شعر) अ पु –काव्यरसिकता।

मज़ाक़े सुख़न (مذاق سخن) अ फा पु –दे 'मज़ाक़े शे'र'।

मजाज़ (مجاز) अ पु –जो वास्तविक न हो, भ्रम, लक्षण, ईश्वर के अतिरिक्त सारा ससार।

मजाज़न (مجازاً) अ अव्य –लाक्षणिक अर्थ मे।

मजाज़ी (مجازی) अ वि –जो हकीकी न हो, भौतिक।

मजाज़ीब (مجاذیب) अ पु –'मज्ज़ूब' का वहु, मज्ज़ूब लोग।

मजानीन (مجانین) अ पु –'मज्नून' का वहु, पागल लोग।

मज़ा मा मज़ा (مضیٰ ما مضیٰ) अ वा –जो हो चुका सो हो चुका।

मज़ामीन (مضامین) अ पु –'मज्मून' का वहु, लेख-समूह।

मज़ामीर (مزامیر) अ पु –'मिज्मार' का वहु, वाँसुरियाँ, वसियाँ, वजानेवाले सव बाजे।

मज़ार (مزار) फा पु –दर्शन का स्थान, किसी पीर फकीर की कब्र।

मज़ार [रं] (مضار) अ पु –'मज़र्रत' का वहु, हानियाँ, नुक्सानात।

मज़ारात (مزارات) अ पु –'मज़ार' का वहु, वुजुर्गो के मज़ार।

मजारी (مجاری) अ पु –'मज्रा' का वहु, निकलने के स्थान, चालू रस्ते।

मजाल (مجال) अ स्त्री –शक्ति, वल, साहस, हिम्मत, सामर्थ्य, मक्दूर।

मज़ालिम (مظالم) अ पु –'मज्लम' का वहु, अत्याचार, जियादतियाँ, जुल्म।

मजालिस (مجالس) अ स्त्री –'मज्लिस' का वहु, सभाएँ, मुहर्रम की मज्लिसें।

मजाले दमज़दन (مجال دم زدن) अ फा स्त्री –उफ करने की ताकत, दम मारने का साहस।

मजाले सुखन (مجال سخن) अ फा स्त्री–वात करने का साहस।

मज़ाहिब (مذاهب) अ पु –'मज्हव' का बहु, धर्मसमूह।

मज़ाहिर (مظاهر) अ पु –'मज़्हर' का वहु, प्रकट होने के स्थान।

मज़िन्न (مظنه) अ पु –जिस पर शक किया जा सके, शका का स्थान।

मज़िल्लत (مزلت) अ स्त्री –फिसलना, फिसलन।

मज़िल्लत (مضلت) अ स्त्री –रस्ता भटकने का स्थान, वह स्थान जहाँ रस्ता गुम हो गया हो।

मज़ी (مذی) अ स्त्री –एक लेस जो काम वेग के समय निकलता है।

मजीद (مجید) अ वि –पूज्य, मान्य, प्रतिष्ठित।

मज़ीद (مزید) अ वि –अतिरिक्त, फालतू, अधिक, ज़ियादा, और भी।

मज़ीदअलैह (مزیدعلیه) अ वि –जिस पर कुछ वढाया हो।

मज़ीदवराँ (مزیدبراں) अ फा वि –इसके अतिरिक्त।

मजीदी (مجیدی) अ स्त्री –अरव का एक सिक्का।

मजूस (مجوس) अ पु –अग्निपूजक लोग, आतशपरस्त लोग, पार्सी लोग, चाँद या सूरज के पूजनेवाला।

मजूसी (مجوسی) अ पु –अग्निपूजक, आतशपरस्त, सूर्य-पूजक, अथवा चद्रपूजक, सूरज या चाँद को पूजनेवाला।

मज़्ऊम (مزعوم) अ वि –विचारा हुआ, सोचा हुआ।

मज़्कूरः (مذکوره) अ वि –कही हुई, कही हुई वात।

मज़्कूर (مذکور) अ वि –कहा हुआ, चर्चा, जिक्र।

मज़्कूरएवाला (مذکورۂ بالا) अ फा वि –जिसकी चर्चा ऊपर की इवारत मे हो चुकी हो, उपर्युक्त।

मज़्कूरए सद्र (مذکورۂ صدر) अ वि –उपर्युक्त, पूर्वोक्त, जिसकी चर्चा ऊपर या पहले हो चुकी हो।

मज़्कूरी (مذکوری) अ पु –चपरासी, पियादा, सम्मन आदि की ता'मील करनेवाला चपरासी।

मज़्ग़ (مضغ) अ पु –चवाना, चर्वण।

मज्ज़ूब (مجذوب) अ वि –वह फकीर जो देखनेवालो की दृष्टि में वावला हो, परन्तु ब्रह्मलीन हो,—"तेरा मज्ज़ूब जो महरूमे पिजीराई है, क्या जुनूँ में अभी आमेजिशे-दानाई है।"

मज्ज़ूबसिफत (مجذوب صفت) अ वि –जिसमे मज्ज़ूबो-जैसी वातें हो।

मज्ज़ूबानः (مجذوبانه) अ फा अव्य –मज्ज़ूबो की भाँति, मज्ज़ूबो-जैसा (काम आदि)।

मज्ज़ूबियत (مجذوبیت) अ स्त्री –जज्व, मज्ज़ूब का भाव, तन्मयता, तल्लीनता।

मज्ज़ूम (مجذوم) अ वि –जिसे कोढ हो, कुष्ठी।

मज्ज़ूम (مجزوم) अ वि –निश्चित, यकीनी, विच्छिन्न, काटा हुआ, हलन्त, वह अक्षर जिस पर 'जज़्म' हो, हल्।

मज्ज़ूर (مجذور) अ वि –वह सख्या जो दो सख्याओ के गुणन से प्राप्त हो, घात, गुणनफल, हासिले जर्व।

मज़्जूर (مزجور) अ वि –जिसे झिडकियाँ दी गयी हो, जिसे डाँट-डपट की गयी हो।

मज्द (مجد) अ पु –श्रेष्ठता, पवित्रता, पुनीतता, वुजुर्गी।

मज्दूद (مجدود) अ पु –पुनीतात्मा, श्रेष्ठ, वुजुर्ग।

मज़्दूर (مزدور) अ फा पु –मज़्दूरी करनेवाला, श्रमिक।

मज़्दूरी (مزدوری) फा स्त्री –हाथ-पाँव की मेहनत से जीविका पैदा करना, मेहनत, श्रम।

मज्नूँ (مجنوں) अ वि —वातुल, विक्षिप्त, पागल।
मज्नून (مظنون) अ वि —जिसकी तरफ किसी बात का गुवहा हो।
मज़्बल: (مزبلہ) अ पु —वह स्थान जहाँ कूडा-करकट और मैला आदि डाला जाय।
मज़्बल.ख़ान: (مزبلخانہ) अ फा पु —गंदगी डालने का स्थान, इस शब्द मे 'ख़ान' अधिक है, क्योंकि 'मज़्बल' मे स्थान का अर्थ मौजूद है।
मज़्बह (مذبح) अ पु —जव्ह किये जाने की जगह, वधभूमि, वधस्थल।
मज़्बूत (مضبوط) अ वि —दृढ, पक्का, निश्चित, यकीनी, शक्तिशाली, ताकतवर, तगडा, अधिक ज़ोरवाला, स्थायी, देरपा।
मज़्बूती (مضبوطی) अ स्त्री —दृढता, पक्कापन, निश्चय, यकीन, शक्ति, ज़ोर, तगडापन, स्थायित्व।
मज्बूर (مجبور) अ वि —विवश, लाचार, बाध्य,, पाबद, नि सहाय, निराश्रय, दरिद्र, कगाल।
मज़्बूर (مذبور) अ वि —उक्त, कहा हुआ, उल्लिखित, लिखा हुआ, प्रोक्त, कथित।
मज़्बूर (مزبور) अ वि —उक्त, कहा हुआ, लिखित, लिखा हुआ।
मज्बूरन (مجبوراً) अ अव्य —विवशतापूर्वक, विवश होकर, अतत, आख़िरकार।
मज्बूरी (مجبوری) अ वि —विवशता, लाचारी, नि सहायता, वेकसी।
मज्बूल (مجبول) अ वि —प्राकृतिक, फित्री, प्रकृति पर उत्पन्न किया हुआ।
मज़्बूह (مذبوح) अ वि —जव्ह किया हुआ, वधित।
मज्मउलउलमा (مجمع العلما) अ पु —विद्वज्जनो की गोष्ठी, अकादमी।
मज्मउलजज़ाइर (مجمع الجزائر) अ पु —द्वीपसमूह, समुद्र का वह स्थान जहाँ पास-पास बहुत से द्वीप हो।
मज्मए आम (مجمعِ عام) अ पु —साधारण लोगो का जमाव।
मज्मए ख़िलाफे क़ानून (مجمعِ خلافِ قانون) अ पु —ऐसे लोगो का जमाव जिनसे किसी झगडे की सभावना हो, अवैध समुदाय।
मज़्मज़: (مضمضہ) अ पुं —कुल्ली करना, आचमन, दवाओ के पानी से कुल्ली करना।
मज्मा' (مجمع) अ पु —भीड, जमाव, सभा, गोष्ठी।
मज्मूअ: (مجموعہ) अ पु —कई चीज़ो का समूह, समाहार, समष्टि, लेखो या कविताओ का सकलन, सग्रह।
मज्मूअ (مجموع) अ वि —एकत्र, इकट्ठा, समस्त, कुल।
मज्मूई (مجموعی) अ वि —सामूहिक, कुल मिलाकर।
मज़्मून (مضمون) अ पु —निबंध, मकाल, लेख, विषय, सब्जेक्ट, मुआमला, दशा।
मज़्मूननवीस (مضمون نویس) अ फा वि —लेखक, निबंधकार।
मज़्मूननवीसी (مضمون نویسی) अ फा स्त्री —लेख या निबंध लिखने का काम।
मज़्मूननिगार (مضمون نگار) अ फा वि —दे 'मज़्मूननवीस'।
मज़्मूननिगारी (مضمون نگاری) अ स्त्री —दे 'मज़्मून नवीसी'।
मज़्मूम (مضموم) अ वि —वह अक्षर जिस पर पेश ('उ' की मात्रा) हो।
मज़्मूम (مذموم) अ वि —अश्लील, फुहश, दूषित, ख़राव, निंदित, कवीह।
मज़्रए आख़िरत (مزرعۂ آخرت) अ पु —परलोक की खेती अर्थात् पाप और पुण्य।
मज्रा (مجریٰ) अ पु —जारी होने की जगह, बहने का स्थान।
मज़्रा' (مزرع) अ पु —खेती, खेत, छोटा गाँव।
मज़्रूअ. (مزروعہ) अ स्त्री —जोती बोयी हुई ज़मीन।
मज़्रूअ (مزروع) अ वि —जोता-बोया हुआ।
मज़्रूब (مضروب) अ वि —जिसे पीटा गया हो, जिसे दुश्मनी मे मारा गया हो, जिस सख्या को गुणा किया गया हो।
मज़्रूबफीहि (مضروب فیہ) अ पु —वह सख्या जिसमे गुणा किया गया हो, गुण्य, जैसे—बीस को पाँच से गुणा किया हो तो बीस 'मज़्रूबफीह' है।
मज़्रूबमिनहु (مضروب منہ) अ पु —जिस सख्या से गुणा किया जाय, गुणक, जैसे—२० को ६ से गुणा किया हो तो ६ 'मज़्रूब मिनहु' है।
मज़्रूफ (مظروف) अ पु —वह वस्तु जो बरतन मे हो।
मज्रूर (مجرور) अ वि —वह अक्षर जिसे ज़ेर ('इ' की मात्रा) दिया गया हो।
मज्रूह (مجروح) अ वि —घायल, क्षत, आहत, ज़ख्मी, वह बयान जो जिरह मे बिगड गया हो, (न्याय)।
मज्रूहीन (مجروحین) अ पु —बहुत से घायल।
मज़्लिम. (مظلمہ) अ पु —दादख्वाही, न्याययाचना, अत्याचार और अनीति का पाप, बवाल।
मज़्लिम (مظلم) अ पु —अँधेरी जगह, अधकारमय स्थान।
मज्लिस (مجلس) अ स्त्री —सभा, अजुमन, गोष्ठी, महफिल, समिति, कमेटी, सघ, एसोसीएशन, करबला के शहीदो की शोकसभा।

मज्लिसी (مجلسی) अ वि –जो मज्लिस मे सम्मिलित हो।

मज्लिसे अदब (مجلس ادب) अ स्त्री –साहित्य-गोष्ठी, अदवी जल्सा।

मज्लिसे आमिलः (مجلس عاملہ) अ स्त्री –कार्यकारिणी समिति, विपय निर्वाचिनी समिति।

मज्लिसे उदबा (مجلس ادبا) अ स्त्री –साहित्यगोष्ठी, कवि-गोष्ठी।

मज्लिसे उमूमी (مجلس عمومی) अ स्त्री –दे 'दारुल अवाम'।

मज्लिसे कानूनसाज़ (مجلس قانون ساز) अ फा स्त्री –विधानसभा, कानून वनानेवाली एसेम्वली।

मज्लिसे तहक़ीकात (مجلس تحقیقات) अ स्त्री –परिपृच्छा समिति।

मज्लिसे ता'मीरात (مجلس تعمیرات) अ स्त्री –लोक-कर्म-समिति।

मज्लिसे मातम (مجلس ماتم) अ फा स्त्री –शोकसभा।

मज्लिसे मुतज़िमः (مجلس منتظمہ) अ स्त्री –अतरग सभा, व्यवस्थापिका।

मज्लिसे मै (مجلس مے) अ फा स्त्री –पानगोष्ठी।

मज्लिसे रक्सो सरोद (مجلس رقص و سرود) अ फा स्त्री –नाच-रग की महफिल।

मज्लिसे वा'ज़ (مجلس وعظ) अ स्त्री –उपदेश सभा, धर्मोपदेशसभा।

मज्लिसे शुअरा (مجلس شعرا) अ स्त्री –कविगोष्ठी।

मज्लिसे शूरा (مجلس شوری) अ स्त्री –मत्रणालय।

मज्लिसे शे'र (مجلس شعر) अ स्त्री –साहित्यगोष्ठी, कवि-गोष्ठी।

मज्लिसे सुखन (مجلس سخن) अ फा स्त्री –दे 'मज्लिसे शे'र'।

मज्लूम (مظلوم) अ वि –जिस पर जुल्म हुआ हो।

मज्लूमियत (مظلومیت) अ स्त्री –मज्लूम होने का भाव।

मज्लूमी (مظلومی) अ वि –दे 'मज्लूमियत'।

मज़्हक (مضحکہ) अ पु –हँसी, ठट्ठा, परिहास, निंदा, रुस्वाई, हजो।

मज़्हक अगेज़ (مضحکہ انگیز) अ फा वि –जिस पर हँसी आये, जो परिहास का विषय हो।

मज़्हक आमेज़ (مضحکہ آمیز) अ फा वि –परिहासपूर्ण, जिसमे हँसी-ठठोल शामिल हो।

मज़्हक ख़ेज़ (مضحکہ خیز) अ फा वि –दे 'मज़्हक अगेज़'।

मज़्हव (مذہب) अ पु –धर्म, दीन, मत, अक़ीद।

मज़्हवी (مذہبی) अ वि –धार्मिक, दीनी, धर्मसम्वन्धी।

मज़्हवीयत (مذہبیت) अ स्त्री –धर्म मे निप्ठा, धर्मित्व।

मज़्हर (مظہر) अ पु –प्रकट होने का स्थान, जहाँ या जिसमे कोई चीज़ प्रकट हो, जैसे—"वह ख़ुदा के नूर का मज़्हर है" अर्थात् उसके रूप में ईश्वर की ज्योति प्रकट हुई है।

मज़्हरुल अजाइव (مظہر العجائب) अ पु –अद्भुत और विचित्र वाते ज़ाहिर होने का स्थान।

मज्हूल (مجہول) अ वि –जो ज्ञात न हो, अज्ञात, नामा'लूम, आलसी, सुस्त, काहिल।

मज्हूलुन्नसव (مجہول النسب) अ वि –अज्ञात कुल, जिसके वश का अता-पता न हो।

मज्हूलुलइस्म (مجہول الاسم) अ वि –अज्ञात नाम, जिसका नाम न मालूम हो।

मज्हूलुलहाल (مجہول الحال) अ वि –जिसका हाल न ज्ञात हो कि वह कैसा व्यक्ति है और किस प्रकार का है, अज्ञातशील।

मतव (مطب) अ पु –वह स्थान जहाँ चिकित्सक रोगियो के रोग का निदान करता है।

मतर (مطر) अ पु –वर्पा, वरसात।

मताअ' (متاع) अ उभ –पूँजी, सरमाया, सामान, माल-अस्वाव, उदा —"किसी के काम आयेगा मताए रायगाँ होकर, कहाँ जाता है यारव, दिल मेरा अश्केरवाँ होकर।"

मताइन (مطاعن) अ पु –'ता'न', का वहु, ता'ने।

मताइव (متاعب) अ पु –'तअव' का वहु, दु ख-समूह, रजोगम, थकान।

मताए आख़िरत (متاع آخرت) अ उभ –परलोक के लिए पूँजी, पुण्य, अच्छे काम।

मताए दिल (متاع دل) अ फा उभ –दिल रूपी पूँजी।

मताए दो (दु) जहाँ (متاع دو جہاں) अ फा उभ –ससार और यमलोक दोनो लोको के लिए पूँजी, यश, पुण्य।

मतानत (متانت) अ स्त्री –गभीरता, धीरता, सजीदगी।

मताफ (مطاف) अ पु –परिक्रमा करने का स्थान।

मतावे' (مطابع) अ पु –'मत्वा' का वहु, मुद्रालय समूह।

मतार (مطار) अ पु –उडने की जगह, जहाँ उडा जाय, जहाँ से उडा जाय।

मतालिव (مطالب) अ पु –'मतलव' का वहु, अर्थसमूह।

मतीन (متین) अ वि –जिसमे मतानत हो, गभीर, धीर, शातचित्त, सजीद।

मतीर (مطیر) अ वि –वरसनेवाला (वादल)।

मतऊन (مطعون) अ वि –कुख्यात, वदनाम, निंदित, गर्हित, कुत्सित, रुस्वा।

मत्ऊने खलाइक (مطعون خلائق) अ वि —जो सब मे बद-नाम हो, लोकनिंदित।

मत्ऊम (مطعوم) अ वि —खाने की चीज, खाद्य, जो चीज खायी जाय।

मत्ऊमात (مطعومات) अ पु —'मत्ऊम' का बहु, खाने की चीजे, खाद्य-पदार्थ।

मत्न (متن) अ पु —पुस्तक का मूल लेख जिसकी टीका की जाय, बीच, मध्य, शाल या रजाई आदि का वह भाग जो हाशिए के बीच मे होता है।

मत्बख (مطبخ) अ पु —रसोईघर, पाकशाला, महानस, बावरचीखाना।

मत्बखी (مطبخی) अ वि —रसोइया, सूपकार, बावरची।

मत्बा' (مطبع) अ पु —वह स्थान जहाँ किताबे आदि छपती है, मुद्रणशाला, यन्त्रालय।

मत्बूअ (متبوع) अ वि —जिसका अनुकरण किया जाय, अनुसरणीय।

मत्बूअः (مطبوعه) अ वि —मुद्रित, छपी हुई।

मत्बूआत (مطبوعات) अ वि —मुद्रित, छपा हुआ, रुचिकर, पसदीद, मनोवाछित।

मत्बूअ (مطبوع) अ पु —किसी प्रेस या कार्यालय के ओर से छापी हुई पुस्तके।

मत्बूख (مطبوخ) अ वि —आग पर पकी हुई चीज़, जोश दी हुई दवा, जोशादा, क्वाथ, काढा।

मत्मह (مطمح) अ पु —ऊँचा स्थान जिस पर दृष्टि पडे, दृष्टि पडने की जगह।

मत्महे नज़र (مطمح نظر) अ पु —दृष्टि पडने की ऊँची जगह, आशय, उद्देश्य, मक्सद।

मत्रूद (مطرود) अ वि —बहिष्कृत, निकाला हुआ, भगाया हुआ, राँद।

मत्लब (مطلب) अ वि —उद्देश्य, मशा, अर्थ, मा'नी, प्रयोजन, वास्ता, इच्छा, ख्वाहिश, क्या गरज, क्या वास्त ?, स्वार्थ, गरज़।

मत्लबआश्ना (مطلب آشنا) अ फा वि —स्वार्थी, खुदगरज़।

मत्लबदोस्त (مطلب دوست) अ फा वि —गौं का यार, स्वार्थपरायण।

मत्लबपरस्त (مطلب پرست) अ फा वि —स्वार्थसाधक, स्वार्थी।

मत्लबपरस्ती (مطلب پرستی) अ फा स्त्री —अपनी गरज़ निकालना, स्वार्थपरायणता।

मत्लबबरारी (مطلب براری) अ फा स्त्री —स्वार्थ सिद्ध करना, गरज निकालना।

मत्लबी (مطلبی) अ वि —स्वार्थी, स्वार्थपरायण।

मत्ला' (مطلع) अ पु —गजल का पहला शे'र जिसके दोनो मिस्रे सानुप्रास होते है।

मत्लूबः (مطلوبه) अ वि —वाछित वस्तु, प्रेमिका।

मत्लूब (مطلوب) अ वि —वाछित, मनोनीत, जिसकी इच्छा की जाय, प्रेमपात्र, मा'शूक।

मत्वी (مطوی) अ वि —लिपटा हुआ।

मत्हूल (مطحول) अ वि —जिसे तिल्ली का रोग हो, जिसकी तिल्ली बढ गयी हो।

मद [द्द] (مد) अ पु —अलिफ के ऊपर बनायी जानेवाली लकीर जिसमे वह लबा करके पढा जाता है, समुद्र के पानी का चढाव, ज्वार, (स्त्री) वह लबी लकीर जो बही में खीचकर उसके नीचे भिन्न-भिन्न रकमे लिखते है, जैसे—'खर्च' की मद, पेटा।

मदद (مدد) स्त्री —सहायता, इम्दाद, पक्षपात, हिमायत, आश्रय, सहारा, राज मज्दूरो का काम।

मददख्वाह (مددخواه) अ फा वि —सहायता माँगनेवाला।

मददगार (مددگار) अ फा वि —सहायक, मदद करनेवाला, पक्षपाती, तरफदार, पृष्ठपोषक, हिमायती, आश्रयदाता, सहारा देनेवाला।

मददखर्च (مددخرچ) अ फा वि —वह धन जो सहायता के रूप मे खर्च को दिया जाय।

मददे मआश (مددمعاش) अ स्त्री —गुज़ारे के लिए सहायता, पिंशिन, वज़ीफा, वह जागीर जो गुज़ारे के लिए दी जाय।

मदनी (مدنی) अ वि —मदीने का निवासी, नागरिक, शह्री।

मदनीउत्तब्अ (مدنی الطبع) अ वि —वह जो बहुत से आदमियो के साथ मिल-जुलकर रहने का अभ्यस्त हो।

मदाएह (مدائح) अ पु —'मदीह' का बहु, प्रशसाएँ, तारीफे।

मदाख़िल (مداخل) अ पु —'मद्खल' का बहु, आम-दनियाँ, लगान।

मदार (مدار) अ पु —धुरी, कीली, निर्भरता, इन्हिसार।

मदारअलैह (مدارعلیه) अ पु —जिस पर कोई चीज़ निर्भर हो, आधार वस्तु, आधेय।

मदारिज (مدارج) अ पु —'मद्रज' का बहु, पद, दर्जे रुतबे।

मदारिस (مدارس) अ पु —'मद्रस' का बहु, पाठशालाएँ।

मदारुलमहाम (مدارالمهام) अ पु —प्रधान मत्री, वज़ीरे आ'ज़म।

मदारे कार (مدارکار) अ फा पु —कार्यभार, कार्य की निर्भरता।

मदारे ज़ीस्त (مدارزیست) अ फा पु –जीवन की निर्भरता, जिंदगी का इन्हिसार।

मदीद (مدید) अ वि –दीर्घ, लबा, दे 'बह्ले मदीद'।

मदीन. (مدینہ) अ पु –नगर, शहर, अरब का एक प्रसिद्ध नगर।

मदीह (مدیح) अ वि –प्रशसा, तारीफ, स्तुति, हम्दोसना।

मद्ऊ (مدعو) अ वि –नियन्त्रित, बुलाया हुआ, दा'वत मे बुलाया हुआ।

मद्क़ूक़ (مدقوقہ) अ स्त्री –तपेदिक की रोगिणी।

मद्क़ूक़ (مدقوق) अ वि –तपेदिक का रोगी।

मद्ख़न (مدخنہ) अ स्त्री –धुवाँ निकलने का स्थान, चिमनी।

मद्ख़ल (مدخل) अ पु –दाखिल होने का स्थान, प्रवेश-द्वार, आय, आमदनी।

मद्ख़ूल. (مدخولہ) अ स्त्री –वह स्त्री जो डाल ली हो, रखेली, उपपत्नी।

मद्ख़ूल (مدخول) अ वि –दाखिल किया गया, भीतर किया गया।

मद्दजिल्लुहू (مدظلہ) अ वा –उनकी परछाईं लबी हो अर्थात् उनकी उम्र बडी हो।

मद्दाह (مداح) अ वि –प्रशसक, श्लाघी, तारीफ करनेवाला, स्तुतिकर्ता, हम्दोसना करनेवाला।

मद्दाही (مداحی) अ स्त्री –प्रशसा, श्लाघा, तारीफ, स्तुति, वदना, हम्दोसना।

मद्दाहे रसूल (مداح رسول) अ वि –रसूल की प्रशसा और स्तुति करनेवाला, ना'त लिखनेवाला, ना'त गो शाइर,

मद्देअमानत (مد امانت) अ स्त्री –धरोहर की मद का, धरोहर के तौर पर।

मद्दे नज़र (مدنظر) अ वि –जो दृष्टि के सामने हो, दृष्टिगत, मनोवाछित, दिली मक्सूद, चित्त पर चढा हुआ, मन मे बसा हुआ।

मद्दे फाज़िल (مد فاضل) अ स्त्री –फालतू मद, व्यर्थ, निष्प्रयोजन, निकम्मा।

मद्दे मुकाबिल (مد مقابل) अ पु –प्रतिद्वद्वी, रकीव, बराबर का जोड, बराबर की चोट, विपक्ष, हरीफ, शत्रु, दुश्मन।

मद्दे सुर्म (مد سرمہ) अ फा स्त्री –सुरमे की लकीर, जो कनपटी की तरफ खीच दी जाती है।

मद्दोजज्र (مدوجزر) अ पु –समुद्र के पानी का चढाव-उतार, ज्वार-भाटा।

मद्फन (مدفن) अ पु –मुर्दे के दफन होने की जगह, कब्र, समाधि-भवन।

मद्फ़ूअ (مدفوع) अ वि –दफ्अ किया हुआ, हटाया हुआ, निवारित।

मद्फ़ून (مدفون) अ वि –भूनिहित, दफ्न किया हुआ, ज़मीन में गाडा हुआ, (आदमी या धन आदि), गुप्त, गुह्य, पोशीदा।

मद्बूग़ (مدبوغ) अ वि –कमाया हुआ चमडा।

मद्यून (مدیون) अ वि –ऋणी, कर्ज़दार, अधमर्ण।

मद्रिस. (مدرسہ) अ पु –पढने-पढाने का स्थान, पाठ-शाला, विद्यालय।

मद्लूल (مدلول) अ वि –जिसके लिए दलील दी गयी हो, तर्कित।

मद्ह (مدح) अ स्त्री –प्रशसा, श्लाघा, ता'रीफ, स्तुति, वदना, हम्दोसना।

मद्हख़्वाँ (مدح خواں) अ फा वि –प्रशसक, मद्दाह।

मद्हख़्वानी (مدح خوانی) अ फा स्त्री –प्रशसा करना, ता'रीफ करना।

मद्हगो (مدح گو) अ फा वि –दे 'मद्हख़्वाँ'।

मद्हगोई (مدح گوئی) अ फा स्त्री –दे 'मद्हख़्वानी'।

मद्हसज (مدح سنج) अ फा वि –दे 'मद्हख़्वाँ'।

मद्हसरा (مدح سرا) अ फा वि –दे 'मद्हख़्वाँ'।

मद्हसराई (مدح سرائی) अ फा स्त्री –दे 'मद्हख़्वानी'।

मद्हूश (مدھوش) अ वि –दे 'मद्होश' उर्दू मे वही बोलते है।

मद्हे बेजा (مدح بیجا) अ फा स्त्री –झूठी, प्रशसा, गलत ता'रीफ।

मद्हे वाक़िई (مدح واقعی) अ स्त्री –सच्ची ता'रीफ, सच्ची प्रशसा।

मद्होश (مدھوش) फा वि –निश्चेप्ट, बेसुध, गाफिल, उन्मत्त, अटागफील, नशे में चूर।

मद्होशी (مدھوشی) फा स्त्री –बेसुधपन, निश्चेप्टता, उन्मत्तता, मतवालापन।

मन (من) फा पु –दो रतल का एक प्रमाण, सेर, चालीस सेर का प्रमाण, (सर्वनाम) मैं, अहम्।

मन [न्न] (من) अ पु –कौन, एक प्रकार का मीठा पदार्थ जो पौधो पर जम जाता है और खाया जाता है, शीर खिश्त।

मनस्स (منصہ) अ पु –प्रकट होने का स्थान, जलव गाह, वह मच जिस पर विवाह के पश्चात् दुल्हन को बिठाकर सबको दिखाते है।

मनस्सए शुहूद (منصۂ شہود) अ पु –वह स्थान जहाँ ईश्वर की महिमा प्रकट हो।

मनाइर (مناير) अ पु –'मनार' का वहु, 'मीनारे'।
मनाक़िब (مناقب) अ पु –'मन्कवत' का वहु, धार्मिक महात्माओ के यशोगान।
मनाज़िर (مناظر) अ पु –'मज़र' का वहु, दृश्यसमूह।
मनाज़िल (منازل) अ स्त्री –'मज़िल' का वहु, मज़िले, मरहले।
मनाज़िले क़मर (منازل قمر) अ स्त्री –नक्षत्र, जिनकी सख्या २७ है। १ अश्विनी (शुर्तैन–नत्‌ह), २ भरणी (बुतैन), ३ कृत्तिका (सुरैया), ४ रोहिणी (दवरान), ५ मृगशिरा (हकअ), ६ आर्द्रा (हनअ), ७ पुनर्वसु (ज़िराअ), ८ पुष्य (नस्र), ९ श्लेषा (तर्फ़), १० मघा (जब्ह), ११ पूर्वा फाल्गुनी (ज़ुब्र), १२ उत्तरा फाल्गुनी (सर्फ़), १३ हस्त (अव्वा), १४ चित्रा (सिमाक), १५ स्वाती (अफर), १६ विशाखा (ज़ुबाना), १७ अनुराधा (इक्लील), १८ ज्येष्ठा (क़ल्ब), १९ मूल (शौल), २० पूर्वाषाढा (नआइम), २१ उत्तराषाढा (वल्द), २२ श्रवण (सा'-देज़ाबेह), २३ धनिष्ठा (वुला'), २४ शतभिषा (आव्विय), २५ पूर्वा भाद्रपद (सऊद), २६ उत्तरा भाद्रपद (मुक़द्दम), २७ रेवती (मुअख़्ख़र), कुछ लोग २८ मानते हैं उसका नाम अभिजित (वैतुलहूत) है।
मनात (منات) अ पु –अरव की एक प्रतिष्ठित मूर्ति, जो इस्लाम से पूर्व पूजी जाती थी।
मनादील (منادیل) अ पु –'मिदील' का वहु, सर से बाँधने के रूमाल, कमर से बाँधने के पटके।
मनाफ़िज़ (منافذ) अ पु –'मन्फ़ज़' का वहु, छेद, सूराख, छिद्र-समूह।
मनाफ़े' (منافع) अ पु –'मन्फ़अत' का बहु, लाभ, प्राप्तियाँ, नफ़े' फ़ाइदे।
मनाव (مناب) अ पु –खडे होने का स्थान, किसी दूसरे के स्थान पर खडा होना, स्थानापन्नता।
मनाबिर (منابر) अ पु –'मिंवर' का वहु, बहुत-से मिंवर।
मनाम (منام) अ पु –सोने का स्थान, शयनागार, सोना, स्वाप।
मनार. (منارہ) अ पु –मीनार, बहुत ऊँचा खभा, रौशनी का मीनार, दीपस्तभ।
मनार (منار) अ पु –दे 'मनार'।
मनाल (منال) अ पु –धन, सपत्ति, रकम, जायदाद।
मनासिक (مناسک) अ पु –'मसक' का वहु, हाजियो की इबादत की जगहे, वे कृतियाँ और सस्कार जो हज करनेवालो को मक्के मे करने पडते हैं।
मनासिब (مناصب) अ पु –'मसब' का वहु, पदवियाँ, दर्जे।
मनाहिज (مناہج) अ पु –'मिन्हज' और 'मिन्हाज' का वहु, रास्ते, मार्ग, खुले हुए और सीधे मार्ग।
मनाही (مناہی) अ पु –'मन्ही' का वहु, वह काम जिनसे रोका गया हो (धर्म मे)।
मनिश (منش) फा स्त्री –प्रकृति, स्वभाव, तबीअत। (प्रत्य) प्रकृतिवाला, जैसे—'आज़ाद मनिश', स्वच्छन्द प्रकृतिवाला।
मनी (منی) अ स्त्री –वीर्य, शुक्र, धातु।
मनी (منی) फा वि –ममत्व, मेरापन, अहकार, अभिमान, ख़ुदी।
मनीअ (منیع) अ वि –रोकनेवाला, हटानेवाला, दृढ, मजबूत।
मनीयत (منیت) अ स्त्री –मृत्यु, मरण, मौत।
मनूब (منوب) अ वि –जिसका प्रतिनिधित्व किया जाय।
मनूबअनहु (منوب عنہ) अ वि –प्रतिनिधि, नाइब।
मन्अ (منع) अ पु –रोकना, मना करना, निषेध, मनाही, अविहित, नाजाइज, निषिद्ध, मना किया हुआ।
मन्ए मै (منع مے) अ फा पु –मद्य-निषेध, शराब की मनाही।
मन्क़बत (منقبت) अ स्त्री –ख़ुदारसीद लोगो की गुणगाथा, महात्माओ का यशोगान, अहलेबैत और असहाब की गुणगाथा।
मन्क़ल (منقل) अ स्त्री –अँगीठी, अगारधानी, गोरसी।
मन्क़िसत (منقصت) अ स्त्री –परस्पर विरोध, नकीज़, खडत्व, तोड।
मन्क़िसत (منقصت) अ स्त्री –नक्स, ह्रास, न्यूनता, कमी, दोष, ऐब, निंदा, हज्व, तिरस्कार, अपमान, वेइज्जती।
मन्क़ूतः (منقوطہ) अ वि –वह अक्षर जिस पर नुक्त हो, जैसे— ب ، ت ، ج ، ذ ، ش आदि।
मन्क़ूत (منقوط) अ वि –दे 'मन्कूत'।
मन्कूब (منکوب) अ वि –दरिद्र, कगाल, दुर्दशाग्रस्त।
मन्क़ूलः (منقولہ) अ वि –एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जायी हुई चीज़, नक्ल की हुई, प्रतिलिपित।
मन्क़ूल (منقول) अ वि –एक स्थान से हटाकर दूसरी जगह पहुँचाया हुआ, नक्ल किया हुआ, प्रतिलिपित, एक से सुनकर दूसरे से कहा हुआ, न्याय की वह शाखा जिसमे केवल उन्ही प्रमाणो पर तर्क हो जो शास्त्रादि में लिखित है।
मन्क़ूल अनहु (منقول عنہ) अ वि –वह व्यक्ति जिसके मुँह

से सुनी हुई बात कहीं गयी हो, वह असल कागज़ जिसकी प्रतिलिपि की गयी हो।

मन्क़ूलात (منقولات) अ पु –वे पुस्तकें जिनमे 'मन्कूल' का वर्णन हो, (दे मन्कूल न० ४)।

मन्क़ूश (منقوش) अ वि –चित्रित, नक्शोनिगार बना हुआ, अंकित, गहरा लिखा हुआ।

मन्क़ूशे खातिर (منقوش خاطر) अ वि –हृदयगम, ज़ेहननशी।

मन्क़ूस (منقوص) अ वि –जिसमे कमाई की गई हो, ह्रसित।

मन्कूहः (منکوحہ) अ स्त्री –विवाहित, व्याही हुई स्त्री।

मन्कूह (منکوح) अ पु –विवाहित, व्याहा हुआ पुरुष।

मन्खिर (منخر) अ पु –नथना, नासा विवर, दे 'मिन्खर' दोनो शुद्ध है।

मन्नाअ' (مناع) अ वि –निषेधक, प्रतिरोधक, मना करनेवाला, रोकनेवाला।

मन्नान (منان) अ वि –बहुत अधिक उपकार करनेवाला, ईश्वर का एक नाम।

मन्नोसल्वा (من وسلوی) अ पु –मन (शीरखिश्त) और सल्वा (बटेर) ये दोनो चीज़े हज़्रत मूसा को उस समय ईश्वर की ओर से मिली जब उनकी सेनाएँ भूखी थी और बराबर मिलती रही।

मन्फ़अत (منفعت) अ स्त्री –लाभ, फाइद, फल, नतीजा।

मन्फ़ज़ (منفذ) अ पु –विवर, छिद्र, सूराख, मार्ग, राह, रास्ता।

मन्फ़ी (منفی) अ वि –नष्ट किया हुआ, मिटाया हुआ, रद किया हुआ, वह क्रिया जिसमें काम का न होना पाया जाय, ऋण, घटाना।

मन्फ़ूश (منفوش) अ वि –धुनकी हुई रुई या और कोई वस्तु।

मन्हूी (منہی) अ वि –वर्जित, रोका हुआ, अविहित, निषिद्ध।

मन्हीयात (منہیات) अ स्त्री – वे वस्तुएँ जिनका खानपान धर्म मे वर्जित हो, वे कर्म जो धर्म में वर्जित हो।

मन्हूस (منحوس) अ वि –अशुभ, अनिष्ट, अकल्याणकारी, बद, अभागा, दुर्भाग्यवान्, बदकिस्मत।

मन्हूससूरत (منحوس صورت) अ वि –जिसकी सूरत देखना अनिष्टकर हो, जिसे सवेरे-सवेरे देखने में मुसीबते पडे।

मफर [र्] (مفر) अ पु –भागने का स्थान, वह स्थान जहाँ भागकर छिपा जा सके, रक्षा, बचाव, उपाय, तद्बीर।

मफ़ाखिर (مفاخر) अ पु –'मफ्खर' का बहु, बुज़ुर्गियाँ, बडाइयाँ।

मफ़ाज़ (مفاز) अ पु –पहुँच का स्थान, गतव्य, मंज़िल, मक़ाम।

मफ़ातीह (مفاتیح) अ स्त्री –'मिफ्ताह' का बहु, कुंजियाँ, चाबियाँ।

मफ़ाद (مفاد) अ पु –लाभ, फाइदा, नफा।

मफ़ादात (مفادات) अ पु –फाइदे, लाभ।

मफ़ादे आम्म. (مفاد عامہ) अ पु –लोकहित, सर्वार्थ, सब की भलाई के काम।

मफ़ादे क़ौमी (مفاد قومی) अ पु –जाति की भलाई, जातिहित, राष्ट्र की भलाई, देशहित।

मफ़ादे खलाइक़ (مفاد خلائق) अ पु –दे 'मफादे आम्म'।

मफ़ादे ज़ाती (مفاد ذاتی) अ पु –स्वार्थ, अपनी भलाई, आत्महित।

मफ़ादे मिल्ली (مفاد ملی) अ पु –राष्ट्रहित, देश की भलाई।

मफ़ादे मुल्की (مفاد ملکی) अ पु –देशहित, मुल्क की भलाई।

मफ़ादे वतन (مفاد وطن) अ पु –देशहित, वतन अथवा मुल्क की भलाई।

मफ़ासिद (مفاسد) अ पु –'मफ्सिद' का बहु, शरारतें, उत्पात, दगे, उपद्रव, बुराइयाँ, दोष।

मफ़ासिल (مفاصل) अ पु –'मस्फिल' का बहु, शरीर के जोड, गाँठे।

मफ्ऊल (مفعول) अ वि –(व्या) कर्म, जिस पर क्रिया का प्रभाव पडे, दूसरा कारक, वह पुरुष जिसे गुदादान का व्यसन हो, छद का एक वज्न, हिंदी 'तगण' (ऽऽı)।

मफ्ऊलफीह (مفعول فیہ) अ पु –सातवाँ कारक, अधिकरण।

मफ्ऊलबेह (مفعول بہ) अ पु –तीसरा कारक, करण।

मफ्ऊल मालम युसम्म फाइलुहू (مفعول مالم یسم فاعلہ) अ पु –वह कर्म जिसका कर्ता अज्ञात हो।

मफ्ऊल मा'हू (مفعول معہ) अ पु –जिसके साथ कोई काम हो।

मफ्ऊल मिन्हु (مفعول منہ) अ पु –पाँचवाँ कारक, अपादान।

मफ्ऊललहू (مفعول لہ) अ पु –चौथा कारक, सप्रदान।

मफ्ऊले मुत्लक (مفعول مطلق) अ पु –सामान्य कर्म, मफ्ऊल।

मफ्ऊले सानी (مفعول ثانی) अ पु –किसी क्रिया का दूसरा कर्म, द्वितीय कर्म।

मफ़्क़ूद (مفقود) अ वि –अप्राप्य, नायाव, अज्ञात, नामा'लूम, खोया हुआ, गुम, अतर्द्धान, गाइव।

मफ्क़ूदुल ख़बर (مفقود الخبر) अ वि –जिसकी ख़बर न मिले, जो गाइव हो गया हो।

मफ्तूँ (مفتوں) अ वि –मुग्ध, मोहित, फ़िरेफ़्त, जो आपत्तियो मे डाल दिया गया हो।

मफ़्तून (مفتون) अ वि –दे 'मफ्तूँ', उर्दू मे वही वोलते है।

मफ्तूह (مفتوح) अ वि –जो खोला गया हो, जो विजित किया गया हो, जिस अक्षर पर 'ज़वर' हो।

मफ़्रूक़ (مفروق) अ वि –वह सख्या जो किसी वडी सख्या मे से घटायी गयी हो, वियोज्य, पृथक् किया गया, अलग किया गया।

मफ़्रूक़मिन्हु (مفروق منہ) अ वि –वह वडी सख्या जिसमें से कोई छोटी सख्या घटायी गयी हो, वियोजक।

मफ़्रूज़ः (مفروضہ) अ पु –काल्पनिक वात, फर्ज की हुई वात, भ्रम, वह्म।

मफ़्रूज़ (مفروض) अ वि –काल्पनिक, फर्जी, ईश्वर की ओर से फर्ज की गयी वात, जिसका करना अनिवार्य हो।

मफ़्रूज़ात (مفروضات) अ पु –'मफ़्रूज़' का वहु, कल्पनाएँ, तीर के तुक्के।

मफ़्रूर (مفرور) अ वि –पलायित, भागा हुआ, कोई अपराध करके भागा हुआ, वारटी।

मफ़्रूश (مفروش) अ वि –विछा हुआ, जो विछाया गया हो, फर्श, विछौना।

मफ़्लूक (مفلوک) अ वि –दुर्दशाग्रस्त, दरिद्र, मुफ्लिस।

मफ़्लूकुलहाल (مفلوک الحال) अ वि –दुर्दशाग्रस्त, कगाल, विद्वानो के नजदीक यह तर्कीव अशुद्ध है।

मफ़्लूज (مفلوج) अ वि –जिस पर फालिज गिरा हो, पक्षाघाती, अर्द्धांगी, लकवा मारा हुआ।

मफ़्लूजुद्दिमाग़ (مفلوج الدماغ) अ वि –जिसके दिमाग पर फालिज गिरा हो, जो कुछ सोच-समझ न सकता हो।

मफसदः (مفسدہ) अ पु –उत्पात, शरारत, उपद्रव, दगा, फसाद।

मफसद परदाज (مفسدہ پرداز) अ फा वि –दगा-फसाद करानेवाला, उपद्रव खडा करानेवाला, लगाई-वुझाई करके आपस मे लडानेवाला।

मफ़्सद.परदाज़ी (مفسدہ پردازی) अ फा स्त्री –दगा-फसाद कराना, लगाई-वुझाई करके आपस मे लडाना।

मफ़्सदःपर्वर (مفسدہ پرور) अ फा वि –दे 'मफ्सिद परदाज़'।

मफ़्सदःपर्वरी (مفسدہ پروری) अ फा स्त्री –दे 'मफ्सिद परदाज़ी'।

मफ़्सिल (مفصل) अ पु –शरीर के अग का जोड, अगसन्धि।

मफ़्हूम (مفہوم) अ पु –अस्ली मतलव, भाव, मंशा, उद्देश्य, अर्थ, तात्पर्य।

मवाद (مباد) फा वा –दे 'मवादा'।

मवादा (مبادا) फा वा –ऐसा न हो।

मवादियात (مبادیات) अ पु –'मवादी' का वहु, शुरू की वे वाते जो किसी विद्या पढने से पहले सीखी जाती हैं और जिनके जाने विना वह विद्या नही आती।

मवादी (مبادی) अ पु –'मब्दा' का वहु, किसी विद्या से सम्वन्धित उसकी प्रारम्भिक वाते, जिनके जाने विना वह विद्या नही आ सकती।

मवाल (مبال) अ पु –मूत्रेंद्रिय, पेशाव का मकाम।

मवीअ. (مبیعہ) अ स्त्री –विकी हुई चीज़, ख़रीदी हुई चीज़।

मवीअ (مبیع) अ वि –विका हुआ, वेचा हुआ, विक्रीत, मोल लिया हुआ, क्रीत।

मव्ऊस (مبعوث) अ वि –अवतरित, जिसने अवतार लिया हो, जो ईश्वर की ओर से भेजा गया हो।

मव्ग़ूज़ (مبغوض) अ वि –जिससे द्वेष हो, शत्रु, वैरी।

मव्ज़ूल (مبذول) अ वि –दिया गया, वख्शा गया, आकृष्ट, प्रवृत्त, रुजूअ।

मव्दा (مبدا) अ पु –प्रारम्भ करने का स्थान, प्रकट होने की जगह।

मव्नी (مبنی) अ वि –जिसकी नीव रखी गयी हो, निर्भर, मुनहसिर, निर्धारित, वह शब्द जिसका आखिरी अक्षर किसी कारक में भी न वदले, अव्यय।

मव्रज़ (مبرز) अ पु –मलद्वार, गुदा, मक्अद।

मव्रूर (مبرور) अ वि –जिस पर ईश्वर की दया हो, जो ईश्वर की ओर से सम्मानित किया गया हो, पापमुक्त, मोक्ष-प्राप्त।

मव्रूस (مبروص) अ वि –जिसे श्वेत कोढ हो, सिध्म, श्वित्री।

मव्लग़ (مبلغ) अ पु –सीमा, हद, अत, अख़ीर, मात्रा, मिक्दार, सख्या, ता'दाद।

मव्लग़े इल्म (مبلغ علم) अ पु –विद्या की मात्रा, इल्म की मिक्दार, विद्वत्ता, इल्मीयत।

मब्सूत (مبسوط) अ वि—विस्तार के साथ कहा हुआ, विस्तृत।

मबहूत (مبہوت) अ वि—चकित, स्तब्ध, शशदर।

ममर [र्र] (ممر) अ पु—गुज़रने का स्थान, मार्ग, रास्ता, कारण, सबब।

ममात (ممات) अ स्त्री—मृत्यु, मरण, निधन, मौत।

ममालिक (ممالک) अ पु—'मम्लुकत' का बहु, बहुत-से देश, बहुत-से राष्ट्र।

ममालिके इस्लामियः (ممالک اسلامیہ) अ पु—वे राष्ट्र जिनमें मुसलमान शासक हैं।

ममालिके ग़ैर (ممالک غیر) अ पु—अन्य देश, दूसरे राष्ट्र।

ममालिके मफ़्तूह (ممالک مفتوحہ) अ पु—वह देश जो लड़ाई में जीते गये हो।

ममालिके मुत्तहद (ممالک متحدہ) अ पु—वह देश जो मिलकर एक हो गये हो, सयुक्त देश।

ममालिके मुफव्वज़ (ممالک مفوضہ) अ पु—वह देश जो उसके शासक की ओर से किसी को प्रबंध के लिए दे दिये गये हो।

ममालिके महरूस. (ممالک محروسہ) अ पु—वे देश जो किसी अन्य देशीय शासक के अधीन हो।

ममालिके हरीफ (ممالک حریفہ) अ पु—वह राष्ट्र जो दूसरे राष्ट्र के विरोधी दल मे हो।

ममालिके हलीफ (ممالک حلیفہ) अ पु—वह राष्ट्र जो एक-दूसरे के मित्र और सहायक हो।

ममालीक (ممالیک) अ पु—'मम्लूक' का बहु, गुलाम लोग।

मम्ज़ूज (ممزوج) अ वि—मिश्रित, मिला हुआ।

मम्दूद. (ممدودہ) अ वि—वह अलिफ जिस पर 'मद' हो और खीचकर पढा जाय।

मम्दूद (ممدود) अ वि—खीचा गया, बढाया गया, लबा किया गया।

मम्दूहः (ممدوحہ) अ स्त्री—वह स्त्री जिसकी तारीफ की जाय, प्रशसिता।

मम्दूह (ممدوح) अ वि—जिसकी मद्ह की गयी हो, प्रशसित।

मम्नूअ (ممنوع) अ वि—निषिद्ध, वर्जित, मना, जिससे रोका गया हो, धर्म में वर्जित वस्तु।

मम्नूअ अनहु (ممنوع عنہ) अ वि—जिस बात से रोका गया हो।

मम्नूआत (ممنوعات) अ पु—वे वस्तुएँ जिनका खान-पान धर्म के अनुसार वर्जित हो।

मम्नून (ممنون) अ वि—कृतज्ञ, आभारी, अनुगृहीत, शुक्रगुज़ार, मश्कूर।

मम्नूनीयत (ممنونیت) अ स्त्री—कृतज्ञता, शुक्रगुज़ारी।

मम्लकत (مملکت) अ स्त्री—दे 'मम्लुकत', यह उच्चारण भी शुद्ध है, परन्तु 'मम्लुकत' अधिक शुद्ध है।

मम्लिकत (مملکت) अ स्त्री—दे 'मम्लुकत', यह उच्चारण भी शुद्ध है, परन्तु 'मम्लुकत' अधिक शुद्ध है।

मम्लुकत (مملکت) अ स्त्री—राष्ट्र, राज्य, सल्तनत, दे 'मम्लकत' और 'मम्लिकत' यह दोनो भी शुद्ध हैं, परन्तु 'मम्लुकत' अधिक शुद्ध है।

मम्लू (مملو) अ वि—पूर्ण, परिपूर्ण, भरा हुआ, लबरेज़।

मम्लूक (مملوکہ) अ वि—वह वस्तु जो मिल्कियत में हो।

मम्लूक (مملوک) अ वि—दास, गुलाम।

मम्लूह (مملوح) अ वि—नमक मिलाया हुआ, नमकीन, लवणमय।

मयामिन (میامن) अ पु—'मैमनत' का बहु, बरकते, सआदते, कल्याण, समृद्धियाँ, 'मैमन' का बहु, शरीर की सीधी ओर के अग।

मरजांमरज (مرجاں مرنج) फा वि—वह व्यक्ति जो खुद भी दुखित न हो और दूसरो को भी दुखी न करे।

मरजोमरजाँ (مرنج و مرنجاں) फा वि—दे 'मरजाँ मरज'।

मरज (مرج) अ पु—काम का बिगाड, नाश, तबाही।

मरज़ (مرض) अ पु—रोग, आमय, व्याधि, बीमारी, लत, व्यसन, बुरी आदत।

मरज़ुलमौत (مرض الموت) अ पु—वह रोग जो मृत्यु का कारण बने।

मरज़े मुतअद्दी (مرض متعدی) अ पु—छूतवाला रोग, उडकर लगनेवाली बीमारी, सक्रामक रोग।

मरज़े मोहलिक (مرض مہلک) अ पु—वह रोग जो प्राण लेकर पीछा छोडे, घातक रोग।

मरम्मत (مرمت) अ स्त्री—जीर्णोद्धार, टूटी-फूटी चीज़ की दुरुस्ती, जैसे—मकान या जूते की मरम्मत।

मरम्मततलब (مرمت طلب) अ वि—जिसमे मरम्मत की आवश्यकता हो।

मराकिज़ (مراکز) अ पु—'मर्कज़' का बहु, बहुत-से मर्कज़, बहुत से केन्द्र।

मराकिब (مراکب) अ पु—'मर्कब' का बहु, सवारियाँ, घोडे।

मराकिश (مراکش) अ पु—अफ्रीका का एक प्रसिद्ध प्रदेश, मराको।

मराजे (مراجع) अ पु –'मर्जा' का वहु , फिरने के स्थान, लौटने के स्थान, सर्वनाम जिनकी ओर फिरे।

मरातिव (مراتب) अ पु –'मर्तव' का वहु , मर्तवे, दर्जे।

मरावित (مرابط) अ पु –'मिर्वत' का वहु , वधन, रस्सियाँ, डोरे, 'मर्वत' का वहु , चौपाए वाँधने के वाडे।

मराम (مرام) अ पु –इच्छा, आशा, मनोकामना, ख्वाहिश।

मरारः (مرارہ) अ पु –पित्ता, पित्ताशय, पित्ते का पानी।

मरारत (مرارت) अ स्त्री –कड़वाहट, कटुता।

मरासिम (مراسم) अ पु –'रस्म' का वहु , मेल-जोल, प्रेम-व्यवहार।

मराहिम (مراهم) अ पु –'मर्हम' का वहु , वहुत-से मर्हम।

मराहिम (مراحم) अ पु –'मर्हमत' का वहु , अनुकपाएँ, कृपाएँ।

मराहिमे खुस्रवान. (مراحم خسروانہ) अ फा पु –शासकीय कृपाएँ, शाही मेहरवानियाँ।

मराहिल (مراحل) अ पु –'मर्हल' का वहु , मज़िलें, पडाव।

मरीज़ः (مریضہ) अ स्त्री –वीमार स्त्री, रोगिणी, व्याधिता।

मरीज़ (مریض) अ पु –रोगी, व्याधित, रुग्ण, वीमार।

मरीद (مرید) अ वि –अवज्ञाकारी, उद्दड, सरकश, अहकारी, अभिमानी, घमडी।

मरई (مرعی) अ वि –जिसका लिहाज़ या ध्यान रखा जाय।

मऊव (مرعوب) अ वि –रोव मे आया हुआ, आतकित, दवा हुआ, डरा हुआ।

मर्कज़ (مرکز) अ पु –केन्द्र, परिधि के वीच का विन्दु, सद्र मुकाम, मुख्यालय, राजधानी, दारुस्सलतनत।

मर्कज़ी (مرکزی) अ वि –केन्द्रीय, मर्कज़ का, मर्कज़ से सम्वन्वित।

मर्कज़े सिक़्ल (مرکز ثقل) अ पु –गुरुत्व-केन्द्र।

मर्कद (مرقد) अ पु –समाधि-भवन, कव्र।

मर्कव (مرکب) अ पु –वाहन, सवारी, अश्व, घोडा।

मर्कूज़ (مرکوز) अ वि –केन्द्रित, एक मर्कज़ पर लाया हुआ, जमाया हुआ, दृढ किया हुआ।

मर्कूज़े ख़ातिर (مرکوز خاطر) अ वि –हृदयगम, दिल मे वैठा हुआ।

मर्कूव (مرکوب) अ वि –जिस पर सवारी की जाय।

मर्कूमः (مرقومہ) अ वि –लिखित, लिखा हुआ।

मर्कूम (مرقوم) अ वि –लिखित, लिखा हुआ।

मर्कूमए ज़ैल (مرقومۂ ذیل) अ वि –निम्नलिखित, जो नीचे लिखा हो, जिसका जिक्र वाद को हो।

मर्कूमए वाला (مرقومۂ بالا) अ फा वि –उपर्युक्त, ऊपर लिखा हुआ, जिसकी चर्चा ऊपर हो चुकी हो।

मर्ग (مرگ) फा स्त्री –मृत्यु, मरण, मौत।

मर्ग (مرغ) फा पु –दूव, घास, दूर्वा।

मर्ग़ज़ार (مرغزار) फा पु –वह मैदान जहाँ दूव वहुत हो, सव्ज़ ज़ार, चरागाह, गोचर।

मर्गपेच (مرگ پیچ) फा पु –पगडी वाँधने का एक विशेष ढग, जो इस वात का चिह्न होता है कि पगडी वाँधनेवाला प्राण देने पर आमादा है।

मर्गानिर्गी (مرگامرگی) फा स्त्री –महामारी, ववा।

मर्ग़ूव (مرغوب) अ वि –जो मन को पसद हो, मनोनीत, रुचिकर, मनोवाछित, पसदीद।

मर्ग़ूवे तव्अ (مرغوب طبع) अ वि –जो मन को अच्छा लगे, मनोवाछित, मनोनीत।

मर्ग़ूल. (مرغولہ) अ पु –टेढ़ा-मेढ़ा, पेचदार, धुएँ का छल्ला, वल खाये हुए, घूँघरवाले वाल, आवाज़ की गिटकिरी।

मर्गे जवानान. (مرگ جوانانہ) फा स्त्री –जवानी की मृत्यु।

मर्गे तवई (مرگ طبع) फा अ स्त्री –वह मृत्यु जो ठीक समय पर आये, जो आयु पूरी होने पर आये, प्राकृतिक मृत्यु।

मर्गे नागहाँ (مرگ ناگہاں) फा स्त्री –वह मृत्यु जो अचानक आ जाये, जैसे–हार्टफेल होने से या डूव जाने आदि से।

मर्गे नौ (مرگ نو) फा स्त्री –नयी घटना, नया हादिसा।

मर्गे मुअल्लक (مرگ معلق) फा अ स्त्री –दे 'मर्गे नागहाँ'।

मर्गे मुफाजात (مرگ مفاجات) अ फा स्त्री –दे 'मर्गे नागहाँ'।

मर्गे मुव्रम (مرگ مبرم) फा अ स्त्री –वह मृत्यु जो अटल हो, जो प्राण लेकर टले।

मर्ज़जोश (مرزنجوش) फा स्त्री –एक वनौपधि।

मर्ज़ (مرز) फा पु –खेती की भूमि, ऐसी भूमि जिस पर खेती हो सके, सरहद, सीमात, कियारी, उद्यान, वाग़, मूपक, चूहा।

मर्जअ (مرجع) अ पु –रक्षा-स्थान, वचाव की जगह, पनाहगाह, वह सज्ञा जिसकी ओर कोई सर्वनाम फिरे।

मर्ज़वान (مرزبان) फा वि –कृपक, कृपिकार, किसान, काश्तकार।

मर्ज़वानी (مرزبانی) फा स्त्री –कृपि-कर्म, खेती, किसनई, काश्तकारी।

मर्ज़वूम (مرزبوم) फा स्त्री –जन्मभूमि, पैदा होने का स्थान, देश, वतन।

मर्जां (مرجاں) अ पु –दे 'मर्जान'।

मर्ज़ा (مرضی) अ पु –'मरीज़' का वहु , वीमार लोग, रोगी लोग।

मर्जान (مرجان) अ पु –प्रवाल, विद्रुम, मूँगा।
मर्ज़ी (مرضی) अ स्त्री –इच्छा, ख्वाहिश, स्वीकृति, रज़ामदी, आज्ञा, इजाज़त, आदेश, हुक्म।
मर्जूअ. (مرجوعہ) अ पु –रुजूअ, आकर्षण, किसी व्यक्ति की ओर किसी कार्य विशेष के लिए लोगो का झुकाव।
मर्जूअ (مرجوع) अ वि –रुजूअ किया हुआ, लौटाया हुआ, वह व्यक्ति जिसकी ओर लोग झुके, अर्थात् रुजूअ हो।
मर्जूम (مرجوم) अ वि –जिसे पत्थरो से मारा जाय, जिसका वहिष्कार किया जाय।
मर्ज़ूह (مرجوح) अ वि –पराजित, हारा हुआ, मग्लूव।
मर्तव (مرتبہ) अ पु –पद, दर्जा, वर्ग, तवका, श्रेणी, जमाअत, वार, दफा, प्रतिष्ठा, इज़्ज़त।
मर्तव दाँ (مرتبہداں) अ फा वि –इज़्ज़त पहचाननेवाला।
मर्तव.दानी (مرتبہدانی) अ फा स्त्री –इज़्ज़त पहचानना।
मर्तव.शनास (مرتبہشناس) अ फा वि –दे 'मर्तव दाँ'।
मर्तवत (مرتبت) अ स्त्री –प्रतिष्ठा, इज़्ज़त, पद, उह्दा।
मर्तूव (مرطوب) अ वि –आर्द्र, तर, भीगा, गीला, वह ओषधि जिसमे वादी का गुण हो, वादी-गुण रखनेवाली चीज़, जैसे––'मूर्तूव आवोहवा'।
मर्द (مردہ) फा वि –वीर, शूर, वहादुर, साहसी, उत्साही हिम्मती।
मर्द (مرد) फा पु –मनुष्य, आदमी, पुरुष, नर, पति, शौहर, शूर, वहादुर, साहसी, हिम्मतवर।
मर्दअफगन (مردافگن) फा वि –शक्तिशाली, ज़ोरावर, पहलवानो को पछाड देनेवाला, दे 'मर्दफगन' वह उच्चारण अधिक शुद्ध है।
मर्दआज्मा (مردآزما) फा वि –दे 'मर्द अफगन', दे 'मर्दाज्मा', वह उच्चारण अधिक शुद्ध है।
मर्दक (مردک) फा वि –तुच्छ व्यक्ति, अधम, नीच, ज़लील।
मर्दफगन (مردافگن) फा वि –वहादुर, वलवान्, योद्धाओ को पछाड देनेवाला, वहुत वडा योद्धा, महारथी।
मर्दवच (مردبچہ) फा वि –आदमी का वच्चा अर्थात् आदमी, मनुष्य, वहादुर, शूर।
मर्दवच्च (مردبچہ) फा वि –दे 'मर्दवच', अच्छे-वुरे व्यक्ति की परख रखनेवाला।
मर्दशनास (مردشناس) फा वि –मनुष्य को पहचाननेवाला।
मर्दाज्मा (مردازما) फा वि –दे 'मर्दफगन'।
मर्दान (مردانہ) फा वि –मर्दो की तरह, मर्दो-जैसा, जैसे––मर्दाना लिवास, मर्दो-जैसे, मर्दाना दर्जा।
मर्दानवार (مردانہوار) फा वि –मर्दो की तरह, साहसपूर्वक, वहादुराना।
मर्दानगी (مردانگی) फा स्त्री –मर्दानापन, पुरुपत्व, साहस; हिम्मत, शूरता, वहादुरी।
मर्दाने ख़ुदा (مردان خدا) फा पु –महात्मा लोग, औलिया अल्लाह।
मर्दी (مردی) फा वि –मानवता, इसानियत, शूरता, वहादुरी, कामशक्ति, कुव्वतेवाह।
मर्दुम (مردم) फा पु –मनुष्य, आदमी, सभ्य, मुहज्ज़व, आँख की पुतली, कनीनिका।
मर्दुमआज़ार (مردم آزار) फा वि –लोगो को सतानेवाला, अत्याचारी, ज़ालिम, सर्वदु खद।
मर्दुमआमेज़ (مردم آمیز) फा वि –लोगो मे घुल-मिलकर रहनेवाला।
मर्दुमआज़ारी (مردم آزاری) फा स्त्री –लोगो को सताना, अत्याचार, जुल्म।
मर्दुमक (مردمک) फा स्त्री –आँख की पुतली, कनीनी, कनीनिका, नयनी।
मर्दुमकुश (مردم کش) फा वि –मनुष्य को मार डालनेवाला, नरहिसक।
मर्दुमकुशी (مردم کشی) फा स्त्री –मनुष्य को मार डालना, नरहिसा।
मर्दुमकेदीदः (مردمک دیدہ) फा स्त्री –आँख की पुतली, नयनी, कनीनिका, कनीनी।
मर्दुमखेज़ (مردم خیز) फा वि –वह स्थान जहाँ से प्रतिभाशाली, प्रतिष्ठित और विद्वज्जन उत्पन्न होते हो।
मर्दुमख़ोर (مردم خور) फा वि –मनुष्य को खा जानेवाला, नरभक्षी, नराशी, पुरुपाशी।
मर्दुमख़ोरी (مردم خوری) फा स्त्री –मनुष्य को खा जाना, नरभक्षण।
मर्दुमख़्वार (مردم خوار) फा वि –दे 'मर्दुमख़ोर'।
मर्दुमगिया (مردم گیاہ) फा स्त्री –एक जड जो आदमी की आकृति की होती है, लक्ष्मिनी, यव्रूह।
मर्दुमज़न (مردم زن) फा वि –वधिक, जल्लाद।
मर्दुमज़ाद (مردم زاد) फा पु –मनुजात, आदमी, मनुष्य, मानुष।
मर्दुमदर (مردم در) फा वि –मनुष्य को फाड खानेवाला, विदारक, श्वापद, व्याघ्र।
मर्दुमदारी (مردم داری) फा स्त्री –सुशीलता, सद्व्यवहार, खुश अख्लाकी।
मर्दुमवेज़ार (مردم بیزار) फा वि –वह व्यक्ति जो मनुष्यो के साथ वैठने-उठने से घवराता हो।
मर्दुमशनास (مردم شناس) फा वि –अच्छे-वुरे आदमी

की परख रखनेवाला, अच्छे आदमी की कद्र करनेवाला।

मर्दुमशनासी (مردم‌شناسی) फा स्त्री –अच्छे-बुरे आदमी की परख, अच्छे आदमी की कद्र।

मर्दुमशुमारी (مردم‌شماری) फा स्त्री –किसी देश के निवासियो की गणना जो किसी नियत समय पर हुआ करती है, जन-गणना।

मर्दुमी (مردمی) फा स्त्री –मानवताः, इसानियत, पुरुषत्व, पुस्त्व, कामशक्ति, वीरता, बहादुरी, सुशीलता, सहृदयता, खुश अख़लाकी।

मर्दुमे आबी (مردم آبی) फा पु –समुद्र मे रहनेवाला मनुष्य, जल-मनुष्य।

मर्दुमे दीदः (مردم دیدہ) फा पु –आँख की पुतली, कनीनिका।

मर्दूद (مردود) अ वि –बहिष्कृत, बाहर निकाला हुआ, तिरस्कृत, बेइज्जत, अस्वीकृत, नामक्बूल।

मर्दूदुश्शहादत (مردودالشہادت) अ वि –वह व्यक्ति जिसकी गवाही मानी न जा सके।

मर्दूदे बारगाह (مردودِ بارگاہ) फा वि –वह व्यक्ति जो किसी बडे स्थान से निकाल दिया गया हो।

मर्दे आख़िरबीं (مرد آخربیں) फा वि –वह व्यक्ति जो परिणाम देखकर कोई काम करे।

मर्दे आदमी (مرد آدمی) फा वि –सज्जन व्यक्ति, भला-मानस, शरीफ आदमी।

मर्दे कार (مرد کار) फा पु –काम का आदमी, अनुभवी, शूर, साहसी, बहादुर।

मर्दे खुदा (مرد خدا) फा पु –सदात्मा, पुनीतात्मा, खुदा-रसीद, ईश्वरभक्त, ईश्वरभीरु।

मर्दे मा'कूल (مرد معقول) फा अ पु –सभ्य, शिष्ट और सज्जन व्यक्ति।

मर्दे मैदाँ (مرد میداں) फा पु –महारथी, रण-क्षेत्र मे बडे-बडो के मुँह फेर देनेवाला।

मर्दे हकआगाह (مردحق آگاہ) फा अ पु –ईश्वर अथवा सत्य का पहचाननेवाला व्यक्ति।

मर्फ़ूअ (مرفوع) अ वि –ऊँचा किया हुआ, उठाया हुआ, पेश ('उ' की मात्रा) दिया हुआ अक्षर।

मर्फ़ूउलकलम (مرفوع القلم) अ वि –जिस पर से कलम उठा लिया गया हो, जिसके सम्बन्ध मे कुछ लिखा न जा सके। अर्थात् पागल, बावला।

मर्बूत (مربوط) अ वि –क्रमबद्ध, मुसल्सल, प्रसगयुक्त, बासिल्सिला (गुत्फ्गू)।

मर्मर (مرمر) फा पु –एक विशेष सफेद तथा श्वेत प्रस्तर।

मर्मरी (مرمریں) फा वि –मर्मर का बना हुआ, मर्मर-जैसा।

मर्मूज़ (مرموز) अ वि –जिसकी ओर इगित या इशारा किया गया हो, राज़ और इशारे मे कही हुई बात।

मर्मूज़ात (مرموزات) अ पु –इशारो मे कही हुई बाते, इशारो मे लिखे हुए खत या नुस्खे आदि।

मर्यम (مریم) अ स्त्री –हज़्रत ईसा की माताजी।

मर्यमपंज (مریم‌پنجہ) अ फा पु –एक घास जो प्रसव वेदनाग्रस्ता स्त्री की पीडा दूर करने के लिए व्यवहृत है।

मर्व (مروہ) अ पु –मक्के की एक पहाडी।

मर्व (مرو) फा पु –खुरासान के इलाके का एक प्रसिद्ध नगर, एक सुगधित घास।

मर्वारीद (مروارید) फा पु –मुक्ता, मुक्ताहल, मौक्तिक, मोती।

मर्वारीदेना सुफ्तः (مروارید نا سفتہ) फा पु –अनविधा मोती।

मर्वी (مروی) अ वि –रिवायत किया गया, दूसरे का सुना हुआ कहा गया।

मर्सूब (مرسوب) अ वि –तली मे बैठा हुआ, तलछट, गाद।

मर्सूम (مرسوم) अ वि –विधान किया हुआ, कानून बनाया हुआ, रोज़ का या महीने का वेतन, चिह्न किया हुआ, चिह्नित।

मर्सूस (مرصوص) अ वि –नीव मे सीसा पिलाया हुआ, अच्छी तरह मज्बूत किया हुआ।

मर्हब (مرحب) अ पु –खुला हुआ स्थान।

मर्हबा (مرحبا) अ स्त्री –धन्य, साधु, बहुत खूब, शाबाश।

मर्हम (مرہم) फा पु –घाव पर लगाने का लेप, स्नेह-लेप।

मर्हमत (مرحمت) अ स्त्री –दया, कृपा, अनुकपा, अनुग्रह, मेहरबानी, अनुदान, बख्शिश।

मर्हमे काफूर (مرہم کافور) फा पु –कपूर से बना हुआ मर्हम जो घाव मे ठडक पहुँचाता है।

मर्हमे जंगार (مرہم زنگار) फा पु –ज़गार से बना हुआ मर्हम, जो घाव को काट देता है।

मर्हल (مرحلہ) अ पु –गतव्य, उतरने का स्थान, मज़िल, लबी यात्रा, बडा काम, कठिन काम।

मर्हून (مرہون) अ वि –वह वस्तु जो गिरौ रखी हो।

मर्हूने मिन्नत (مرہونِ منت) अ वि –कृतज्ञ, आभारी, मम्नून, शुक्रगुज़ार।

मर्हूमः (مرحومہ) अ स्त्री –वह स्त्री जो मर गयी हो, दिवगता, स्वर्गगामिनी, स्वर्गीया।

मर्हूम (مرحوم) अ पु –दिवगत, स्वर्गीय, जन्नतनशी।

मलग (ملنگ) फा पु —आजाद फकीर, निश्चित व्यक्ति, बेफिक्रा।

मलक (ملکہ) अ पु —अभ्यास, हस्तकौशल, महारत, प्रकृति, सृष्टि, फित्रत, शौक, रुचि।

मलक (ملک) अ पु —देवता, फिरिश्ता।

मलकजमाल (ملک جمال) अ वि —देवताओ-जैसी सुदरता रखनेवाला।

मलकनिहाद (ملک نہاد) अ फा वि —देवताओ-जैसी प्रकृतिवाला, देवात्मा।

मलकसिफात (ملک صفات) अ वि —फिरिश्तो-जैसी सिफतोवाला, दैवीगुणसपन्न।

मलकसिरिश्त (ملک سرشت) अ फा वि —दे 'मलकनिहाद'।

मलकसीरत (ملک سیرت) अ वि दे —'मलकनिहाद'।

मलकसूरत (ملک صورت) अ वि —जिसकी आकृति फिरिश्तो-जैसी हो, देवता-स्वरूप।

मलकात (ملکات) अ पु —'मलक' का बहु, प्रकृतियाँ, प्रकृति के गुण।

मलकाते फाजिल. (ملکات فاضلہ) अ पु —सत्त्व गुण।

मलकाते रवीय (ملکات ردیہ) अ पु —रजोगुण।

मलकाते मजमूम (ملکات مذموم) अ पु —तमोगुण।

मलकी (ملکی) अ वि —देवताओ का, फिरिश्ते का, देवता-सम्बन्धी।

मलकीसिफात (ملکی صفات) अ वि —देवताओ के गुण रखनेवाला व्यक्ति।

मलकुलमौत (ملک الموت) अ पु —मौत का फिरिश्ता, यमराज, धर्मराज, प्राणातक।

मलकूत (ملکوت) अ पु —सत्ता, राज्य, शासन, हुक्मरानी, देवलोक, फिरिश्तो का मकाम, फिरश्ते, देवता-समूह।

मलकूती (ملکوتی) अ वि —देवताओवाला।

मलकूतीसिफात (ملکوتی صفات) अ वि —देवताओ के गुणवाला, देवताओ-जैसा।

मलख (ملخ) फा स्त्री —टीडी, टिड्डी, शलभ।

मला (ملا) अ पु —सज्जन और श्रेष्ठ लोगो की मडली।

मलाइक. (ملائکہ) अ पु —'मलक' का बहु, देवतागण, फिरिश्ते।

मलाइक (ملائک) अ पु —दे 'मलाइक'।

मलाइक फिरेब (ملائک فریب) अ फा वि —देवताओ को मुग्ध करनेवाला, फिरिश्तो को लुभानेवाला, प्राय हुस्न (सौंदर्य) की सिफत के लिए आता है।

मलाइन (ملاعنہ) अ पु —'मल्ऊन' का बहु, दुष्ट और पापाचारी व्यक्ति।

मलाइन (ملاعن) अ पु —'मल्अनत' का बहु, वे चीजे जो निदित और तिरस्कृत हो।

मलाइब (ملاعب) अ पु —'लइब' का बहु, खेल-कूद।

मलाईन (ملاعین) अ पु —दे 'मलाइन'।

मलाए आ'ला (ملاء اعلیٰ) अ पु —देवलोक के रहनेवाले, देवता, फिरिश्ते।

मलाज (ملاذ) अ पु —रक्षा-स्थान, पनाह की जगह।

मलाबिस (ملابس) अ पु —'मिल्बस' का बहु, पहनने के कपडे।

मलाम (ملام) अ पु —दे 'मलामत'।

मलामत (ملامت) अ स्त्री —झिडकी, डाँट-डपट, भर्त्सना, निंदा, कुत्सा।

मलामती (ملامتی) अ वि —जिसकी मलामत की गयी हो।

मलाल (ملال) अ पु —दुख, रज, वैमनस्य, रजिश, पश्चात्ताप, अफ्सोस, कष्ट, तक्लीफ।

मलालत (ملالت) अ स्त्री —दे 'मलाल'।

मलासत (ملاست) अ स्त्री —नम्रता, विनय, नर्मी, स्वच्छता, सफाई, समता, बराबरी।

मलाहत (ملاحت) अ स्त्री —लावण्य, नमकीनी, सौंदर्य, हुस्न।

मलाहिद (ملاحدہ) अ पु —'मुल्हिद' का बहु, नास्तिक लोग, बेदीन लोग, विधर्मी लोग।

मलाही (ملاهی) अ पु —'लह्व' का बहु, खेल-कूद, अच्छे कामो से रोकनेवाली चीजे।

मलिक (ملکہ) अ स्त्री —रानी, राज्ञी, महारानी, बादशाह की बेगम।

मलिक (ملک) अ पु —बादशाह, राजा, शासक, नरेश, सम्राट्, नृपाल।

मलिकजाद (ملک زادہ) अ फा पु —बादशाह का लडका।

मलिकुत्तुज्जार (ملک التجار) अ पु —व्यापारियो का सरदार, सबसे बडा व्यापारी, वणिग्राज।

मलिकुश्शुअरा (ملک الشعرا) अ पु —एक उपाधि जो दरबार के सर्वश्रेष्ठ कवि को मिलती थी, कविसम्राट्।

मलीक (ملیک) अ पु —स्वामी, पति, मालिक।

मलीद. (ملیدہ) उ पु —'मालीद' उर्दू में 'मलीद' ही व्यवहृत है, चूरमा।

मलीह (ملیح) अ वि —जिसमे लवण यानी नमक हो, नमकीन, साँवला, सलोना।

मलूम (ملوم) अ वि —निंदित, गर्हित, भर्त्सित, जिस पर मलामत की गयी हो।

मलूल (ملول) अ वि –उदास, खिन्न, अफ्सुर्द , दुखित, रंजीदा।

मल्अब (ملعب) अ पु –खेल का स्थान, क्रीडास्थल, तफ़्रीहगाह।

मल्ऊन (ملعون) अ वि –जिस पर ला'नत की गयी हो, धिक्कृत, दुष्टात्मा, ख़बीस, तिरस्कृत।

मल्ग़ोबा (ملغوبا) तु पु –बहुत-सी गीली चीज़ो का समाहार।

मल्जा (ملجا) अ पु –रक्षा-स्थान, जान बचाने या सुरक्षित रहने की जगह।

मल्जाओमावा (ملجاوماوا) अ पु –जहाँ सब कुछ हो, जिस जगह का बडा सहारा हो, जहाँ से हर प्रकार की सहायता आदि मिले।

मल्ज़ूम (ملزوم) अ वि –जिस पर कोई चीज लाज़िम कर दी गयी हो, जो वस्तु अलग न हो सके, संबद्ध।

मल्फ़ूज़: (ملفوظه) अ वि –बोला हुआ, कहा हुआ।

मल्फ़ूज़ (ملفوظ) अ वि –बोला हुआ, कहा हुआ, उच्चरित, प्रतिष्ठित जनो और महात्माओ के प्रवचन।

मल्फ़ूज़ात (ملفوظات) अ पु –'मल्फ़ूज़' का बहु , महात्माओ आदि के प्रवचन, वह पुस्तक जिसमे इन प्रवचनो का संग्रह हो।

मल्फ़ूज़ी (ملفوظی) अ वि –मल्फ़ूज़ सम्बन्धी।

मल्फ़ूफ़ (ملفوف) अ वि –लपेटा हुआ, कपडा या कागज चढाया हुआ; लिफाफे मे बंद किया हुआ; लिफाफे मे बंद ख़त।

मल्बूस (ملبوس) अ पु –वस्त्र, वसन, लिबास।

मल्बूसात (ملبوسات) अ पु –पहनने के कपडे, वस्त्र।

मल्मस (ملمس) अ पु –त्वचा, जिल्द, शरीर के खाल का वह ऊपरी तल जो छुआ जाता है।

मल्लाह (ملاح) अ पु –नाविक, नौचालक, कर्णधार, खेवनहार, कश्तीवान, नमक बनानेवाला।

मल्हमः (ملحمه) अ पु –बहुत बडा उपद्रव, बहुत बडी हलचल, बहुत बडा युद्ध, बहुत बडी लडाई; लडाई का मैदान, रणभूमि।

मल्हूज़ (ملحوظ) अ वि –जिसका लिहाज रखा जाय, ध्यान में रखा हुआ।

मल्हूज़े खातिर (ملحوظ خاطر) अ पु –जो बात ध्यान मे हो, जिस बात का ख्याल हो।

मवद्दत (مودت) अ. स्त्री –मित्रता, मैत्री, दोस्ती।

मवाइज़ (مواعظ) अ पु.–'मौइज़त' का बहु , धर्म-सम्बन्धी उपदेश और नसीहते।

मवाइद (مواعد) अ पु –'मौइद' का बहु , वादे के समय, वा'दे की जगहे।

मवाईद (مواعید) अ पु –'मीआद' का बहु , आपस के कौल-करार।

मवाक़िफ़ (مواقف) अ पु –'मौक़िफ़' का बहु , खडे होने के स्थान, जगह, स्थान।

मवाकिब (مواکب) अ पु –'मौकिब' का बहु , सवारो की फौज, सवारो के झुंड।

मवाक़ीत (مواقیت) अ स्त्री –'मीक़ात' का बहु , वादे के स्थान, काम के समय।

मवाक़े' (مواقع) अ पु –'मौक़' का बहु , मौके, अवसर।

मवाजिब (مواجب) अ पु –'मौजिब' का बहु , तनख़्वाहें, वेतन।

मवाज़ीन (موازین) अ स्त्री –'मीज़ान' का बहु , तराजुएँ, तुलाएँ।

मवाज़े' (مواضع) अ पु –'मौज़ा' का बहु , ग्राम-समूह, बहुत-से गाँव।

मवात (موات) अ वि –निष्प्राण, बे जान, (स्त्री) ऊसर भूमि, ऐसी भूमि जिसमें कुछ उपज न सके।

मवातिन (مواطن) अ पु –'मौतिन' का बहु , जन्म-भूमियाँ, वतन।

मवाद (مواد) अ पु –सामग्री, मसाला, पीप और ख़ून जो घाव या फोडे से निकले, सबूत, प्रमाण।

मवादे फ़ासिद (مواد فاسد) अ पु –सडा हुआ मवाद या ख़ून और पीप, शरीर के अंदर की दूषित धातुएँ।

मवाने' (موانع) अ पु –'माने' का बहु , बाधाएँ, विघ्न, रुकावटे।

मवाली (موالی) अ पु –'मौला' का बहु , यार-दोस्त, संगी-साथी, गुडा, बदमाश।

मवालीद (موالید) अ पु –'मौलूद' का बहु , लडके, बच्चे।

मवालीदे सलास. (موالید ثلاثه) अ पु –सृष्टि के तीनो वर्ग—प्राणी, वनस्पति, जड पदार्थ।

मवाशी (مواشی) अ पु –'माशिय' का बहु , चौपाए, मवेशी।

मवासीक़ (مواثیق) अ पु –'मीसाक़' का बहु , आपस के कौल-करार।

मवाहिब (مواهب) अ पु –'मौहिब' का बहु , कृपाएँ, दयाएँ, मेहरबानियाँ, बख़्शिशे।

मवीज़ (مویز) अ पु –सूखा हुआ अंगूर, शुष्कद्राक्ष, मुनक्क़ा।

मवीज़े मुनक़्क़ा (مویز منقی) अ पु –वह मवीज़ जिसके बीज निकाल डाले गये हो, मुनक़्क़ा का अर्थ है–

पेट साफ किया हुआ, चूँकि मुनक्के के बीज निकालने से उसका पेट साफ हो जाता है, इस कारण उसे मुनक्का कहते है, मगर अब मुनक्का उसका नाम ही पड गया है।

मव्वाज (مواج) अ वि –मौजे मारता हुआ, जोर की लहरे लेता हुआ।

मशक्कत (مشقت) अ स्त्री –कष्ट, दु ख, तक्लीफ, श्रम, मेहनत, मज्दूरी, परिश्रम, दौड-धूप, तपस्या, रियाजत।

मशाइख (مشائخ) अ पु –'शैख' का बहु, पीर लोग, सूफी लोग।

मशाम (مشام) अ पु –'मशम्म' का बहु, परतु एकवचन के अर्थ मे व्यवहृत है, मस्तिष्क, दिमाग, वह स्थान जहाँ सूँघने की शक्ति रहती है।

मशामे जाँ (مشام جاں) अ फा पु –आत्मा का मस्तिष्क अर्थात् आत्मा।

मशारिक (مشارق) अ पु –'मश्रिक' का बहु, सूर्योदय के स्थान।

मशारिब (مشارب) अ पु –'मश्रब' का बहु, पानी पीने के स्थान।

मशाहिद (مشاهد) अ पु –'मश्हद' का बहु, कब्रिस्तान।

मशाहीर (مشاهير) अ पु –'मश्हूर' का बहु, महान् व्यक्ति, नामवर लोग।

मशाहीरे आलम (مشاهير عالم) अ पु –ससार के महान् व्यक्ति, बडे-बडे लोग।

मशाहीरे वक़्त (مشاهير وقت) अ पु –अपने समय के बडे-बडे लोग।

मशी (مشی) अ पु –चलना, टहलना।

मशीखत (مشیخت) अ स्त्री –बुजुर्गी, बडप्पन, डीग, शेखी।

मशीखतपनाह (مشیخت پناه) अ फा वि –दे 'मशीखतमआब'।

मशीखतमआब (مشیخت مآب) अ वि –शेखीखोर, डीगिया।

मशीम (مشیمه) अ पु –वह झिल्ली जो उत्पत्ति के समय शिशु के ऊपर लिपटी रहती है, आँवल का छटा पर्दा।

मशीयत (مشیت) अ स्त्री –ईश्वरेच्छा, खुदा की मर्जी, दैवशक्ति, कुदरत।

मशूम (مشوم) अ वि –दे 'मश्ऊम', दोनो शुद्ध है, अशुभ, अनिष्ट, मन्हूस।

मशूरः (مشوره) अ पु –परामर्श, सलाह, दे 'मश्वुर' दोनो शुद्ध है।

मश्अलः (مشعله) अ पु –दे 'मश्अल'।

मश्अल (مشعل) अ स्त्री –एक लबी लकडी मे कपडा लपेटकर और उसे तेल मे तर करके जलाते है, यही 'मश्अल' है, मशाल।

मश्अलची (مشعلچی) अ फा पु –मश्अल लेकर आगे चलनेवाला, मश्अल दिखानेवाला, मशालची।

मश्ऊफ (مشعوف) अ वि –मुग्ध, आसक्त, शेफ्त।

मश्ऊम (مشئوم) अ वि –दे 'मशूम', दोनो शुद्ध है, अनिष्ट, अशुभ, मन्हूस।

मश्क़ (مشق) अ स्त्री –अभ्यास, किसी काम को बार-बार करना, हस्त-कौशल, महारत, टेव, आदत।

मश्क (مشک) फा स्त्री –परवाल, पानी भरने की चमडे की खाल।

मश्कीजः (مشکیزه) अ पु –छोटी मश्क।

मश्कूक (مشکوک) अ वि –जिसमें शक हो, सदिग्ध, जिसे शक हो, शकित।

मश्कूर (مشکور) अ वि –जिसका शुक्रिया अदा किया जाय, प्रशसित।

मश्के आब (مشک آب) फा स्त्री –पानी से भरी हुई मश्क।

मश्के सुखन (مشق سخن) अ फा स्त्री –काव्य-रचना का अभ्यास।

मश्कोए (مشکوے) फा पु –मूर्तिगृह, बुतखाना, अत पुर, हरमसरा।

मश्ग़लः (مشغله) अ पु –व्यापार, शुग्ल, व्यवसाय, उद्यम, रोज़गार, कार्य, काम।

मश्ग़ूल (مشغول) अ वि –सलग्न, प्रवृत्त, लीन, मुनहमिक।

मश्ग़ूलियत (مشغولیت) अ स्त्री –सलग्नता, तल्लीनता, प्रवृत्ति, इनहिमाक।

मश्मूम (مشموم) अ वि –सूँघा हुआ।

मश्मूल (مشمول) अ वि –शामिल किया हुआ, सम्मिलित।

मश्रब (مشرب) अ पु –पानी पीने का स्थान, मत, अकीद।

मश्रिक़ (مشرق) अ पु –पूर्व, पूरब, सूर्य निकलने का स्थान, उदयाचल।

मश्रिक़ी (مشرقی) अ वि –पूर्वीय, पूरब का, हिंदुस्तानी, देशी, जो यूरोपीय न हो, बल्कि एशियाई हो।

मश्रिक़ीयात (مشرقیات) अ स्त्री –एशियाई सस्कृति और सभ्यता से सम्बन्धित विज्ञान।

मश्रिक़ैन (مشرقین) अ पु –दोनो पूर्व, अर्थात् पूरब और पच्छिम।

मश्रूअ (مشروع) अ वि –शास्त्र के अनुसार किया हुआ, इस्लामी धर्मशास्त्र के अनुसार किया हुआ।

मश्रूत (مشروط) अ वि –जो किसी शर्त पर निर्धारित हो।

मश्रूब (مشروب) अ. वि –पीनेवाली वस्तु, पानीय, पेय, पिया हुआ; पीत।

मश्रूबात (مشروبات) अ पु –पीनेवाली वस्तुएँ, पेय।

मश्रूह (مشروح) अ वि –विवरण और विस्तार के साथ कहा हुआ।

मश्रूहन (مشروحاً) अ अव्य –विस्तारपूर्वक, पूरी तफ़्सील से, स्पष्टतया।

मश्वरः (مشورہ) अ पु –शुद्ध उच्चारण 'मश्वुर' है, परतु उर्दू में 'मश्वर' ही बोलते हैं, परामर्श, सलाह।

मश्वी (مشوی) अ वि –भुना हुआ, भ्रष्ट, बियी।

मश्वुरः (مشورہ) अ पु –दे 'मश्वर' शुद्ध मश्वुर ही है, परतु उर्दू मे 'मश्वर' बोलते है, परामर्श, मत्रणा, सलाह।

मश्वुरत (مشورت) अ स्त्री –दे 'मश्वुर'।

मश्वुरतखानः (مشورت خانہ) अ फा पु –मत्रणागार, दारुश शूरा।

मश्शाई (مشائی) अ वि –'मश्शाईन' मे का एक व्यक्ति।

मश्शाईन (مشائین) अ पु –वैज्ञानिक विद्वानो का वह सप्रदाय जो एक दूसरे के पास जाकर पठन-पाठन करते थे, बरखिलाफ 'इशाकीन' के जो आत्मशक्ति द्वारा पठन-पाठन कर्म करते थे।

मश्शाक (مشاق) अ वि –किसी विशेष काम का बहुत अच्छा जानकार, दक्ष, कुशल, विशेषज्ञ।

मश्शाकी (مشاقی) अ स्त्री –दक्षता, कुशलता, प्रवीणता।

मश्शातः (مشاطہ) अ स्त्री –स्त्रियो का बनाव-सिंगार करनेवाली स्त्री, प्रसाधिका।

मश्शातगी (مشاطگی) अ स्त्री –स्त्रियो का बनाव सिंगार कराने का काम, प्रसाधन।

मश्हद (مشہد) अ पु –उपस्थित होने का स्थान, शहीद होने का स्थान, शहादतगाह, शहीदो का कब्रिस्तान, ईरान का एक नगर जिसे 'तूस' भी कहते है।

मश्हूद (مشہود) अ वि –जो उपस्थित किया गया हो, जिस पर गवाही दी गयी हो, ध्येय, मक्सूद।

मश्हून (مشحون) अ वि –जो भरा गया हो, परिपूर्ण।

मश्हूर (مشہور) अ वि –ख्याति प्राप्त, शुहरत पाया हुआ, प्रसिद्ध, विख्यात।

मश्हूरोमा'रूफ़ (مشہور و معروف) अ वि –बहुत अधिक प्रसिद्ध, जिसे प्राय सभी जानते हो, सुप्रसिद्ध, बहुख्यात।

मस [स्स] (مس) अ पु –स्पर्श, छूना, रुचि, रग्बत।

मस [स्स] (مص) अ पु –चूसना, चूषण।

मसर्रत (مسرت) अ स्त्री –हर्ष, आनद, खुशी।

मसर्रतअगेज (مسرت انگیز) अ फा वि –हर्षवर्द्धक, खुशी बढानेवाला।

मसर्रतअफ़्ज़ा (مسرت افزا) अ फा वि –दे 'मसर्रतअगेज़'।

मसर्रतआमेज (مسرت آمیز) अ फा वि –हर्षपूर्ण, आनदमय, खुशी से भरा हुआ।

मसर्रते क़ल्बी (مسرت قلبی) अ स्त्री –हार्दिक आनद, दिली खुशी।

मसर्रते बेहद (مسرت بے حد) अ फा स्त्री –अत्यधिक हर्ष, बहुत ज़ियादा खुशी।

मसर्रते रूहानी (مسرت روحانی) अ स्त्री –दे 'मसर्रते कल्बी'।

मसल (مثل) अ स्त्री –लोकोक्ति, कहावत, समान, तुल्य, मिस्ल।

मसलन (مثلاً) अ अव्य –जैसे, मानो, उदाहरणार्थ।

मसल्तुमसलन (مثلت مثلاً) अ क्रि –मैं एक उदाहरण देती हूँ, जैसे, मानो, मसलन।

मसाइब (مصائب) अ पु –'मुसीबत' का बहु, मुसीबते, आपत्तियाँ; कठिनाइयाँ, दुशवारियाँ।

मसाइल (مسائل) अ पु –'मस्अल' का बहु, मसअले, समस्याएँ।

मसाई (مساعی) अ स्त्री –'मस्आत' का बहु, कोशिशे, प्रयत्न।

मसाकिन (مساکن) अ पु –'मस्कन' का बहु, बहुत-से घर, बहुत-सी जगहें।

मसाकीन (مساکین) अ पु –'मिस्कीन' का बहु, गरीब लोग, मँगता लोग।

मसाजिद (مساجد) अ स्त्री –'मस्जिद' का बहु, मस्जिदे।

मसादिर (مصادر) अ पु –'मस्दर' का बहु, बहुत से मस्दर, धातुएँ।

मसानः (مثانہ) अ पु –पेशाब की थैली, मूत्राशय, मूत्रकोष।

मसाफ (مصاف) अ पु –युद्ध, समर, जग, लडाई।

मसाफत (مسافت) अ स्त्री –दो स्थानो के बीच की दूरी, फ़ासिला, दूरी, रास्ते की दूरी, यात्रा, सफर।

मसाफते बईदः (مسافت بعیدہ) अ स्त्री –लबी यात्रा, दूर की यात्रा, लबा सफर।

मसाम (مسام) अ पु –रोमकूप, रोमगर्त, लोमकूप, लोमविवर, रोमछिद्र।

मसामात (مسامات) अ पु –'मसाम' का बहु., शरीर के रोम-कूप।

मसारिफ़ (مصارف) अ पु –'मस्रिफ' का बहु., इख़राजात, खर्च, व्यय।

मसारिफे ख़ानगी (مصارف خانگی) अ फा पु –घर का ख़र्च, ज़ाती ख़र्च ।

मसारिफे ख़ुरोनोश (مصارف خورونوش) अ फा पु –खाने-पीने का ख़र्च ।

मसारिफे बारबरदारी (مصارف باربرداری) अ फा पु –सामान एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने का ख़र्च, गाडी-भाडा आदि ।

मसारिफे बेजा (مصارف بیجا) अ फा पु –अनुचित व्यय, गलत ख़र्च ।

मसारिफ़े सफर (مصارف سفر) अ पु –यात्रा-व्यय, सफर का ख़र्च, मार्ग-व्यय ।

मसालिक (مسالک) अ पु –'मस्लक' का वहु, रास्ते, मार्ग, पथ ।

मसालेह(مصالح)अ पु –'मस्लहत' का वहु, दूरअंदेशिया ।

मसावीक (مساویک) अ पु –'मिस्वाक' का वहु, दाँत साफ करने की मिस्वाके, दातून, दतधावन ।

मसास (مساس) अ पु –मैथुन के समय स्त्री केअगो का मर्दन, दे 'मिसास', शुद्ध वही है, परतु उर्दू में 'मसास' ही है ।

मसीर (مسیر) अ पु –गमन, जाना ।

मसीर(مصیر)अ पु –लौटना, प्रत्यागमन, लौटने का स्थान ।

मसील (مثیل) अ वि –समान, तुल्य, सदृश, मिस्ल ।

मसीह (مسیح) अ पु –हज़्रत ईसा, ख्रीष्ट ।

मसीहनफस (مسیح نفس) अ पु –वह व्यक्ति जिसकी फूँक मे हज़्रत ईसा की फूँक का गुण हो, जो मुर्दों को जिला देती थी ।

मसीहा (مسیحا) अ पु –दे 'मसीह' ।

मसीहाई (مسیحائی) अ वि –ईसा का काम करना, अर्थात् मुर्दे जिलाना, उदा –"तू जो चाहे तो मरीजे गमे उल्फत बच जाय, तेरी रहमत में निहाँशाने मसीहाई है ।"

मसीहादम (مسیحادم) अ फा वि –दे 'मसीहनफस' ।

मसीहानफस (مسیحانفس) अ वि –दे 'मसीहनफस' ।

मसीहासिफत (مسیحاصفت) अ वि –मसीह के गुण रखनेवाला, मुर्दे जिलानेवाला ।

मसीहावश (مسیحاوش)अ फा वि –दे 'मसीहासिफत', मसीह की भाँति ।

मसीही (مسیحی) अ वि –हज़्रत मसीह को माननेवाला, ईसाई, ख्रिष्टीय ।

मसून (مصون) अ वि –सुरक्षित, महफूज ।

मस्अलः (مسئلہ) अ पु –समस्या, पेचीदा मुआमला, विषय, मौज़ूअ, धर्मशास्त्र सम्बन्धी हुक्म ।

मस्अलत (مسئلت) अ स्त्री –पूछना, प्रश्न करना ।

मस्ऊद (مسعود), अ वि –इष्ट, कल्याणकर, शुभ, नेक, मुबारक ।

मस्ऊन (مصئون) अ वि –दे शुद्ध उच्चारण 'मसून', यह उच्चारण अशुद्ध है ।

मस्ऊल (مسئول) अ वि –जो पूछा जाय, जिससे जवाव लिया जाय, जवाबदेह, जिम्मादार, उत्तरदायी ।

मस्क (مسکہ) फा पु –मक्खन, नवनीत, क्षीरसार ।

मस्क़त (مسقط) अ पु –अरव की एक खुद मुख़्तार छोटी-सी रियासत, उस रियासत की राजधानी ।

मस्कन (مسکن) अ पु –रहने का स्थान, घर, गृह, मकान ।

मस्कनत (مسکنت) अ स्त्री –नम्रता, विनय, विनीत, आजिजी, निर्धनता, दरिद्रता, कगाली ।

मस्क़ित (مسقط) अ पु –गिरने का स्थान ।

मस्क़ितुर्रास (مسقط الراس) अ पु –सर गिरने का स्थान, चूँकि जन्म लेते समय पहले सर ज़मीन पर आता है, इसलिए पैदा होने के स्थान को कहते है, जन्मभूमि ।

मस्कूक (مسکوک) अ वि –ठप्पा लगाया हुआ, टकसाल मे गढा हुआ, टकसाल में वनाया हुआ ।

मस्कून (مسکونہ) अ वि –जिसमें रहाइश हो, आबाद ।

मस्कून (مسکون) अ वि –आवाद, वसित ।

मस्क़ूल (مصقول) अ वि –सैकल किया हुआ, माँजा हुआ, उज्ज्वल, चमकदार, प्रकाशमान्, रौशन ।

मस्ख़ (مسخ) अ वि –विकार, अच्छी से बुरी सूरत हो जाना, विकृत, विगडे हुए रूपवाला ।

मस्ख़रः (مسخرہ) अ पु –हँसोड, हँसी ठट्ठेवाला आदमी, भाँड, नकलें करनेवाला, नक्काल, विदूषक ।

मस्ख़रगी (مسخرگی) अ फा स्त्री –हँसी-ठट्ठा, मस्ख़रा-पन, विदूषकता ।

मस्ख़शुद (مسخ شدہ)अ फा वि –विकृत, रूपातरित, रूप-भ्रष्ट, जो विगडकर कुछ का कुछ हो गया हो ।

मस्जिद (مسجد) अ स्त्री –नमाज पढने की जगह, मसीत ।

मस्जिदे जामे (مسجد جامع) अ स्त्री –वह मस्जिद जिसमे शुक्रवार की वडी नमाज होती है, वडी मसीत ।

मस्जूद (مسجود) अ वि –जिसको सज्दा किया जाय, जिसके लिए पूजा मे सर झुकाया जाय, ईश्वर ।

मस्जूदे मलाइक (مسجود ملائک) अ वि –'हज़्रते आदम' जिनको फ़िरिश्तो ने सज्दा किया था ।

मस्त (مست) फा वि –नशे मे चूर, मदोन्मत्त, उन्मत्त, मतवाला, कामातुर, पुरशहवत, निश्चेष्ट, अचेत, बेख़बर, वेसुध, वहुत अधिक प्रसन्न, लाउवाली, वेपर्वा, निस्पृह ।

मस्तगी (مصطگی) फा स्त्री—एक वृक्ष का गोंद, अरबी शब्द 'मुस्तका' है।

मस्तब. (مسطبه-مصطبه) अ पु—मधुशाला, मदिरालय, शराबख़ाना, दे 'मिस्तब', दोनों शुद्ध हैं।

मस्तानः (مستانه) फा वि—मस्तों की तरह, मस्तों-जैसा, मस्त, मत्त।

मस्ती (مستی) फा स्त्री—उन्माद, नशा, काम-वेग, जोशे शहवत, निश्चेष्टता, बेख़बरी, ईश्वर-प्रेम का आधिक्य, बेखुदी।

मस्तूरः (مستوره) अ वि—छिपी हुई वस्तु।

मस्तूर (مستور) अ वि—छिपा हुआ, गुप्त, पोशीदा।

मस्तूर (مسطور) अ वि—लिखा हुआ, लिखित।

मस्तूरात (مستورات) अ स्त्री—'मस्तूर' का बहु, महिलाएँ, स्त्रियाँ।

मस्तूरी (مستوری) अ वि—छिपाव, दुराव, पोशीदगी।

मस्तूल (مستول) फा पु—जहाज़ का वह लंबा खंभा जिसमें बादबान (मस्तूलपट, झंडा) बाँधा जाता है।

मस्ते अलस्त (مست الست) फा अ वि—जो प्रकृति से मस्त हो, जो हर समय मस्त रहता हो, वह मस्त जो ब्रह्मलीन हो।

मस्ते मैं (مست مے) फा वि.—शराब के नशे में चूर, मदिरामत्त, मदोन्मत्त।

मस्ते राह् (مست راح) फा अ वि—शराब के नशे में मस्त, मदोन्मत्त।

मस्ते शबाब (مست شباب) फा अ वि—जवानी के नशे में चूर।

मस्ते शराब (مست شراب) फा अ वि—दे 'मस्ते मैं'।

मस्दर (مصدر) अ पु—उद्गम, उत्पत्तिस्थान, वह शब्द जिससे क्रियाएँ और कर्ता, धातु-कर्म आदि बनते हैं।

मस्दरे ग़ैरवज़्ई (مصدر غیروضعی) अ. पु—वह मस्दर जो किसी दूसरी भाषा के शब्द से बनाया जाय, जैसे—'आज़माना'।

मस्दरे मुतअद्दी (مصدر متعدی) अ पु—वह मस्दर जिससे सकर्मक क्रियाएँ बनें।

मस्दरे लाज़िम (مصدر لازم) अ पु—वह मस्दर जिसकी क्रियाएँ अकर्मक हों।

मस्दरे वज़्ई (مصدر وضعی) अ पु—वह मस्दर जो उसी भाषा का हो।

मस्दूद (مسدود) अ वि—रोका हुआ, बंद किया हुआ अवरुद्ध, निरुद्ध।

मस्नद (مسند) अ पु—तकिया लगाकर बैठने की जगह, वह फ़र्श जिस पर प्रतिष्ठित जन बैठते हैं, बड़ा तकिया।

मस्नदआरा (مسندآرا) अ फा वि—मस्नद की शोभा बढ़ानेवाला, अर्थात् मस्नद पर बैठनेवाला।

मस्नदनशीं (مسندنشیں) अ फा वि—मस्नद पर बैठनेवाला, गद्दीनशीन, तख़्तनशीन।

मस्नदनशीनी (مسندنشینی) अ फा स्त्री—मस्नद पर बैठना, किसी साधु या फकीर की गद्दी पर बैठना, राजसिंहासन पर बैठना।

मस्नवी (مثنوی) अ स्त्री—उर्दू पद्य की एक किस्म, जिसमें कोई कहानी या उपदेश एक ही वृत्त में होता है और उसका हर शे'र दूसरे शे'र से रदीफ काफिए में नहीं मिलता, और हर शे'र के दोनों मिस्रे सानुप्रास होते हैं।

मस्नूअः (مصنوعه) अ वि—बनी हुई वस्तु, कारीगर के हाथ की बनी हुई वस्तु।

मस्नूअ (مصنوع) अ वि—बना हुआ, निर्मित।

मस्नूआत (مصنوعات) अ स्त्री—किसी देश या स्थान की बनी हुई चीज़ें, वे चीज़ें जो किसी देश विशेष की कारीगरी हो।

मस्नूई (مصنوعی) अ वि—कृत्रिम, बनावटी, मिथ्या, झूठा, अप्राकृतिक, अस्वाभाविक, अननेचुरल।

मस्फ़ूफ़ (مسفوف) अ वि—चूर्णित, पिसा हुआ।

मस्बूक़ (مسبوق) अ वि—पहले गुज़रा हुआ, पहले आया हुआ।

मस्बूक़ुज़्ज़िक्र (مسبوق الذکر) अ वि—जिसकी चर्चा पहले हो चुकी हो, पूर्वकथित, पूर्वोक्त।

मस्बूग़ (مصبوغ) अ वि—रँगा हुआ, रंगीन, रंजित।

मस्मूअ (مسموع) अ वि—सुना हुआ, श्रुत।

मस्मूम (مسموم) अ वि—ज़हर मिला हुआ, ज़हरीला, विषाक्त।

मस्रिफ़ (مصرف) अ पु—व्यय करने की जगह, प्रयोजन, इस्तेमाल।

मस्रूअ (مصروع) अ वि—जिसे मिरगी की बीमारी हो, अपस्मारी।

मस्रूक़ः (مسروقه) अ वि—चुराया हुआ, चोरी का।

मस्रूक़ (مسروق) अ वि—चुराया हुआ, चोरी किया हुआ।

मस्रूफ़ (مصروف) अ वि—काम में लगा हुआ, निरत, प्रवृत्त, संलग्न, मश्ग़ूल, जिसे फ़ुर्सत न हो, अवकाशहीन, अदीमुल फ़ुर्सत।

मस्रूफ़ियत (مصروفیت) अ स्त्री—संलग्नता, मश्ग़ूली; अवकाशहीनता, अदीमुल फ़ुर्सती।

मस्रूर (مسرور) अ वि—प्रसन्न, प्रफुल्ल, हर्षित, आनंदित,

खुश, उल्लसित, उदा०—"किसी का सामने आना मेरा मस्रूर हो जाना, निगाहे मस्त का मिलना मेरा मख़्मूर हो जाना।"

मस्लक (مسلک) अ पु—पथ, रास्ता, पथ, मत, अकीद, पद्धति, तरीका।

मस्लख़ (مسلخ) अ पु—जहाँ पशुओ का वध करके उनकी खाल उतारी जाती है, कमेला, बूचडखाना।

मस्लहत (مصلحت) अ स्त्री—परामर्श, सलाह, भेद, राज, हित, भलाई, अपने बनाव या बिगाड का ध्यान रखते हुए कोई काम करना।

मस्लहतअदेश (مصلحت اندیش) अ फा वि—भला-बुरा सोचकर काम करनेवाला।

मस्लहतआमेज़ (مصلحت آمیز) अ फा वि—जिसमें कोई मस्लहत हो।

मस्लहतख़्वाह (مصلحت خواہ) अ फा वि—दे 'मस्लहत-पसद'।

मस्लहतन (مصلحتاً) अ वि—मस्लहत से, कारणवश।

मस्लहतपसद (مصلحت پسند) अ फा वि—शातिप्रिय, सुलहजू, शुभेच्छु, ख़ैरख़्वाह, अच्छा-बुरा समझकर काम करनेवाला।

मस्लहतबीं (مصلحت بیں) अ फा वि—दे 'मस्लहत-अदेश'।

मस्लहतबीनी (مصلحت بینی) अ फा स्त्री—बुरा-भला समझकर काम करना।

मस्लहते वक़्त (مصلحت وقت) अ स्त्री—समय की पुकार।

मस्लूक (مسلوک) अ वि—जिसके साथ उपकार किया जाय, गया हुआ।

मस्लूब (مصلوب) अ वि—जिसे सूली पर चढ़ाया गया हो।

मस्लूब (مسلوب) अ वि—जो सल्ब कर लिया गया हो, जो छीन लिया गया हो, हृत, विनष्ट।

मस्लूबुलअक़्ल (مسلوب العقل) अ वि—जिसकी बुद्धि सल्ब हो गयी हो, हतबुद्धि।

मस्लूबुलहवास (مسلوب الحواس) अ वि—जिसके होशो-हवास सल्ब हो गये हो, हतसज्ञ।

मस्लूल (مسلول) अ वि—जिसे सिल की बीमारी हो, जिसके फेफडो से ख़ून आता हो, रक्तकाशी।

मस्साह (مساح) अ वि—पैमाइश करनेवाला।

मसह (مسح) अ पु—वजू के समय सर पर गीला हाथ फेरना।

मसूहक़ (مسحوق) अ वि—पिसा हुआ, रगडा हुआ।

मसूहब (مصحوب) अ वि—साथी, हमराही।

मसूहर (مسحور) अ वि—जिस पर जादू किया गया हो, मन्त्रमुग्ध।

मह (مہ) फा पु—'माह' का लघु, चद्र, सोम, चाँद।

महक [क्क] (محک) अ स्त्री—कसौटी का पत्थर, कसौटी, निकष, कसवटी।

महताब (مہتاب) फा पु—'माहताब' का लघु, चद्रमा, चाँद, कौमुदी, चाँदनी।

महताबी (مہتابی) फा वि—एक प्रकार की आतशबाज़ी, जिसे छुडाने से चाँदनी-सी छिटक जाती है, ज़रबफ्त, बादला, कमख़्वाब, ज़री, वह अड्डा जिसे कोठे की सीढियो के ऊपर बनाते हैं।

महफ़फ़ः (محفّفہ) अ पुं—दे 'मुहाफ़'।

महब्बत (محبت) अ स्त्री—प्रेम, स्नेह, प्यार, इश्क, मित्रता, मैत्री, दोस्ती, यारी, ममता, मामता, माँ-बाप का प्यार, कृपा, दया, मेह्रबानी।

महब्बतआमेज (محبت آمیز) अ फा वि—जिससे प्रेम टपकता हो, प्रेमपूर्ण।

महब्बतनाम (محبت نامہ) अ फा पु—प्रेमपत्र, आशि-कान ख़त, कृपापत्र, नवाज़िशनामा।

महम [म्म], **मुहिम** (مہم) अ पु—चिता, फ़िक्र, बडा और महत्त्वपूर्ण काम।

महमाअम्कन (مہما امکن) अ वा—जब तक हो सके, जहाँ तक मुम्किन हो।

महल [ल्ल] (محل) अ पु—मकान, घर, स्थान, जगह, अवसर, मौका, प्रासाद, हवेली, बीवी, पत्नी।

महलसरा (محل سرا) अ फा पु—अत पुर, रनवास, बडे लोगो का ज़नानख़ाना।

महल्ल: (محلہ) अ पु—नगर का एक भाग, टोला।

महल्लःदार (محلہ دار) अ फा पु—महल्ले का चौधरी या मुखिया।

महल्लात (محلات) अ पु—'महल' का बहु, अवसर, मौके, बडे लोगो की स्त्रियाँ, हरम।

महल्ले ख़तर (محل خطر) अ पु—जानजोखिम का स्थान, ख़त्रे की जगह।

महल्ले नज़र (محل نظر) अ पु—शक या एतिराज़ का स्थान, जहाँ कोई शका या आपत्ति उत्पन्न हो।

महवश (مہوش) फा वि—चाँद-जैसी आभा और आकृति वाला (वाली)

महाकिम (محاکم) अ पु—'मह्कम' का बहु, महकमे, विभाग।

महाज़ (محاذ) अ पु—मुकाबले या लडाई का स्थान।

महाज़े जग (محاذ جنگ) अ फा पु—युद्ध-क्षेत्र, रणभूमि, रणस्थल, मैदाने जग।

महाफिल (محافل) अ पु –'महफिल' का वहु, गोष्ठियाँ, सभाएँ।

महाब (مہاب) अ पु –भय का स्थान, डरावनी जगह।

महावत (مہابت) अ स्त्री –आतक, रोव, भय, त्रास, डर, श्रेष्ठता, बुजुर्गी।

महाम [म्म], मुहाम (مہام) अ. पु –'महम' का वहु, वडे और महत्त्वपूर्ण काम।

महामिद (محامد) अ पु –'मह्मदत' का वहु, कीर्तियाँ, गुणसमूह।

महार (مہار) फा स्त्री –ऊँट की नकेल, दे 'मिहार', दोनो शुद्ध है।

महारत (مہارت) अ स्त्री –निपुणता, चतुरता, काविलीयत, अभ्यास, मश्क, हस्त-कौशल, चावुकदस्ती, उस्तादी, कारीगरी।

महारिम (محارم) अ पु –'म'ह्रम' का वहु, राजदार लोग।

महारीव (محاریب) अ स्त्री –'मे'ह्राव' का बहु, 'मे'ह्रावे'।

महालः (محالہ) अ पु –उपाय, यत्न, तद्वीर।

महाल [ल्ल] (محال) अ पु –'महल' का वहु, जगहे, स्थान।

महाल (مہال) अ वि –भयानक, भीषण, खौफनाक।

महालिक (مہالک) अ पु –'महलक' का वहु, जान-जोखिम के स्थान।

महासिन (محاسن) अ पु –'हुस्न' का वहु, अच्छाइयाँ; डाढी, श्मश्रू।

महासिल (محاصل) अ पु –आय, आमदनी, राजस्व, मालगुजारी, भूमिकर, लगान।

महासिले खाम (محاصل خام) अ फा पु –कच्ची निकासी, गाँव की कुल आमदनी जिसमे मालगुजारी और नफा' सव शामिल हो।

महीज (محیض) अ स्त्री –स्त्री के रजस्वला होने की दशा, हालते हैज।

महीनः (مہینہ) फा पु –'माहीन' का लघु, साल का १२ वाँ अश, मास।

महीन (مہین) अ वि –वोदा, कमजोर, जीर्ण, झन्ना, तुच्छ, हकीर।

महीव (مہیب) अ वि –भीपण, भयानक, कराल, विकट, डरावना, जिसे देखकर डर लगे।

महीवशक्ल (مہیب شکل) अ वि –दे 'मुहीवुशशक्ल'।

महीवसूरत (مہیب صورت) अ वि –दे 'महीवुशशक्ल'।

महीवुलऐन (مہیب العین) अ वि –जिसकी आँखे खौफनाक हो, विकटाक्ष, भीपणनेत्र।

महीवुलकामः (مہیب القامہ) अ वि –दे 'महीवुल जुस्स'।

महीवुलजुस्सः (مہیب الجثہ) अ वि –जिसका डीलडौल भयानक हो, भीमकाय।

महीवुलवज्ह (مہیب الوجہ) अ वि –दे 'महीवुशशक्ल'।

महीवुशशक्ल (مہیب الشکل) अ वि –जिसकी सूरत डरावनी हो, विकट मूर्ति, विकटानन।

महीवुस्सूरत (مہیب الصورت) अ वि –दे 'महीवुशशक्ल'।

महीवुस्सौत (مہیب الصوت) अ वि –जिसकी आवाज भयानक हो, भैरव।

महील (مہیل) अ वि –भय का स्थान, खौफ की जगह।

मह्कमः (محکمہ) अ पु –कचहरी, अदालत, न्यायालय, विभाग, सीगा, डिपार्टमेंट।

मह्कमःजात (محکمہ جات) अ फा पु –वहुत से मह्कमे, अन्य विभाग।

मह्कमए आवकारी (محکمۂ آبکاری) अ फा पु –मादक-विभाग।

मह्कमए आवपाशी (محکمۂ آبپاشی) अ फा पु –सिंचन-विभाग, सिंचाई-विभाग।

मह्कमए आवादकारी (محکمۂ آبادکاری) अ फा पु –पुनर्वास-विभाग।

मह्कमए इंसाफ (محکمۂ انصاف) अ पु –न्याय-विभाग।

मह्कमए कजा (محکمۂ قضا) अ पु न्याय-विभाग।

मह्कमए कानून (محکمۂ قانون) अ पु –न्याय-विभाग।

मह्कमए जिराअत (محکمۂ زراعت) अ पु –कृषि-विभाग।

मह्कमए ता'मीर (محکمۂ تعمیر) अ पु –निर्माण-विभाग।

मह्कमए ता'लीम (محکمۂ تعلیم) अ पु –शिक्षा-विभाग।

मह्कमए तौसीए तालीम (محکمۂ توسیع تعلیم) अ पु –शिक्षा-प्रसार-विभाग।

मह्कमए दिफाअ (محکمۂ دفاع) अ. पु –रक्षा-विभाग।

मह्कमए नश्रोइशाअत (محکمۂ نشرواشاعت) अ पु –प्रचार-विभाग।

मह्कमए फौज (محکمۂ فوج) अ पु –सैन्य-विभाग।

मह्कमए माल (محکمۂ مال) अ पु –राजस्व-विभाग, अर्थ-विभाग।

मह्कमए मेहनत (محکمۂ محنت) अ पु –श्रम-विभाग।

मह्कमए सन्अतोहिर्फत (محکمۂ صنعت و حرفت) अ पु –उद्योग तथा शिल्प-विभाग।

महकमए सेहत (محکمۂ صحت) अ पु –स्वास्थ्य-विभाग।

महकमए हिफ्जानेसेहत (محکمۂ حفظان صحت) अ पु –स्वास्थ्य-विभाग, स्वास्थ्य-रक्षा-विभाग।

महकूक (محکوک) अ वि –छीला हुआ, कटा-फटा।

महकूम (محکوم) अ वि –वशीभूत, अधीन, जेरहुक्म; प्रजा, रिआया, दास, गुलाम।

महकूमी (محکومی) अ स्त्री –दासता, गुलामी, पराधीनता, नामुख्तारी।

महज़ (محض) अ वि –केवल, सिर्फ, निर्मल, खालिस।

महज़र (محضر) अ पु –उपस्थित होने का स्थान, दे 'महज़रनाम'।

महज़रनामः (محضرنامہ) अ फा पु –वह प्रार्थनापत्र जो बहुत-से आदमियो की ओर से दिया जाय, वह प्रमाणपत्र जिस पर बहुत-से व्यक्तियो के तस्दीकी हस्ताक्षर हो।

महज़ूँ (محزوں) अ वि –शोकान्वित, गमगीन, कष्टग्रस्त, तक्लीफजद।

महज़ूज़ (محظوظ) अ वि –हर्षित, आनदित, प्रसन्न, खुश।

महज़ून (محزون) अ वि –दे 'महज़ूँ।

महज़ूनी (محزونی) अ स्त्री –शोक, ग़म, दु ख, तक्लीफ।

महज़ूफ (محذوف) अ वि –वह अक्षर जो लुप्त हो, वह शब्द जो लुप्त हो।

महजूब (محجوب) अ वि –लज्जित, शर्मिदा।

महज़ूम (مہزوم) अ वि –पराजित, परास्त, हारा हुआ।

महज़ूम (مہضوم) अ वि –पचित, जो हज़्म हो गया हो।

महजूर (مہجور) अ वि –विरहग्रस्त, वियोगी, फिराकजद।

महजूरी (مہجوری) अ स्त्री –विरह, वियोग, जुदाई, फिराक।

महज़ूल (مہزول) अ वि –दुबला-पतला, क्षीण, जीर्ण।

महद (مہد) अ. पु –हिंडोला, पालना, गहवार।

महदी (مہدی) अ वि –दीक्षित, जिसे हिदायत मिली हो, धर्मनेता, हादी, शीआ सप्रदाय के १२ वें इमाम जिनके प्रति उनका विश्वास है कि वह कियामत के करीब फिर आस्मान से आयेंगे।

महदूद (محدود) अ वि –सीमित, हद के भीतर, कतिपय, थोडे, चद, घिरा हुआ।

महदूम (مہدوم) अ वि –ध्वस्त, नष्ट, मुन्हदिम।

महदे उल्या (مہد علیا) अ स्त्री –बादशाह, राजा या नवाब आदि की वह पत्नी जो युवराज की माँ हो।

महफिज़' (محفظہ) अ पु –याददाश्त की कापी, नोटबुक।

महफिल (محفل) अ स्त्री –सभा, गोष्ठी, मज्लिस, जल्सा।

महफिले रक्स (محفل رقص) अ स्त्री –नाच-गाने का जल्सा।

महफिले वा'ज़ (محفل وعظ) अ स्त्री –धर्मोपदेश की सभा।

महफिले शे'र (محفل شعر) अ स्त्री –शे'रो शाइरी का जल्सा, कवि-गोष्ठी।

महफूज़ (محفوظ) अ वि –निरापद, सहीह-सलामत, आवश्यकता के लिए बचाकर रखी हुई चीज़, सुरक्षित, कठ, मुखाग्र, बरज़बाँ।

महबस (محبس) अ पु –कारागार, कैदखाना, जेल।

महबित (مہبط) अ पु –जिस जगह कोई बडा व्यक्ति उतरता हो अर्थात् ठहरता हो।

महबिल (مہبل) अ स्त्री –भग का मुँह, योनिद्वार, योनि-मुख।

महबूबः (محبوبہ) अ स्त्री –प्रेयसी, प्रेमिका, मा'शूक।

महबूब (محبوب) अ पु –प्रेमपात्र, मा'शूक, बहुत अधिक प्यारा, अज़ीज़तरीन।

महबूबी (محبوبی) अ वि –मा'शूकपन, मा'शूकियत।

महबूस (محبوس) अ वि –कैद में पडा हुआ, कारावासी, बदी।

महमिदत (محمدت) अ स्त्री –गुण-गाथा, कीर्ति-वर्णन, यशोगान, प्रशसा, सिताइश।

महमिल (محمل) अ पु –ऊँट पर बाँधने का कजावा जिसमे स्त्रियाँ बैठती है।

महमिलनशीं (محمل نشیں) अ फा वि –महमिल मे बैठनेवाली, अर्थात् मज्नूँ की प्रेमिका, लैला।

महमूज़ (مہموز) अ वि –विकृत, दूषित, नाकिस, अरबी का वह शब्द जिसके अक्षरो में से एक अक्षर अलिफ हो।

महमूद (محمودہ) अ स्त्री –प्रशसिता, जिसकी तारीफ की गयी हो, सुकमूनिया, एक दवा।

महमूद (محمود) अ वि –प्रशसित, जिसकी तारीफ हो, श्रेष्ठ, उत्तम, उम्दा, शुभ, इष्ट, मुबारक।

महमूदी (محمودی) अ स्त्री –एक प्रकार की बारीक मलमल, महमूद सम्बन्धी।

महमूम (محموم) अ वि –जिसे बुख़ार हो, ज्वरित, जिसका शरीर गर्म हो।

महमूम (مہموم) अ वि –दु खित, शोकान्वित, सतप्त, गमगीन।

महमूलः (محمولہ) अ वि –लादी गयी वस्तु, कल्पना की हुई बात, कल्पित बात।

महमूल (محمول) अ वि –जो लादा गया हो, जिसकी कल्पना की गयी हो ।

मह्र (مہر) फा पु –वह रकम जो निकाह के समय दुल्हन को दिये जाने के लिए तै होती है।

मह्रम (محرم) अ पु –भेद जाननेवाला, राज़दार, मित्र, दोस्त, परिचित, जान-पहचान का, वह व्यक्ति जिससे विवाह जाइज न हो ।

मह्रमे राज़ (محرم راز) अ फा पु –भेद जाननेवाला, मर्मज्ञ ।

महरुख़ (مہرخ) फा वि –चाँद-जैसी सूरतवाला (वाली), चंद्रमुखी, अर्थात् नायिका ।

महरू (مہرو) फा वि –दे 'महरुख़' ।

मह्रूक़ (محروق) अ वि –जला हुआ, दग्ध ।

मह्रूम (محروم) अ वि –सम्बन्धित, जिसे न मिला हो, निराश नाउम्मेद, अभागा, बदकिस्मत, असफल, ना-कामयाब ।

मह्रूमियत (محرومیت) अ स्त्री –दे 'मह्रूमी' ।

मह्रूमी (محرومی) अ वि –दुर्भाग्य, बदकिस्मती, निराशा, नाउम्मेदी, असफलता, नाकामी, वंचित रहना, न पाना, प्राप्त न होना, उदा०—'किससे मह्रूमीए किस्मत की शिकायत कीजे, हमने चाहा था कि मर जायँ सो वो भी न हुआ ।"—गालिब ।

मह्रूर (محرور) अ वि –तप्त, तपा हुआ, गर्म, गर्म मिज़ाजवाला ।

मह्रूरुलमिजाज (محرورالمزاج) अ वि –जिसके स्वभाव में क्रोध अधिक हो, जिसे क्रोध जल्दी आता हो ।

मह्रूसः (محروسہ) अ वि –अधीन वस्तु, वह वस्तु या देश आदि जो किसी की निगरानी या नियंत्रण में हो ।

मह्रूस (محروس) अ वि –नियंत्रित, ज़ेरे निगरानी, कंट्रोल में आया हुआ ।

महलकः (مہلکہ) अ पु –जान जोखिम का स्थान, जान जोखिम ।

महलूल (محلول) अ वि –घुला हुआ, हल किया हुआ, विलीन ।

महव (محو) अ वि –मिटाना, हटाना, तन्मय, तल्लीन, मुस्तग्रक ।

महवियत (محویت) अ स्त्री –तल्लीनता, इनहिमाक, ब्रह्मलीनता, खुदा में इस्तिग्राक ।

महवीयत (محویت) अ स्त्री –दे 'महवियत' ।

महवीयते हक़ (محویت حق) अ स्त्री –खुदा में तन, मन और धन से महवियत, ब्रह्मलीनता ।

महवेज़ात (محوذات) अ वि –जो ईश्वर में लीन हो, ब्रह्मलीन ।

महवे दीदार (محودیدار) अ. फा वि.–जो प्रेमिका के दर्शन में तल्लीन हो ।

महवे नज़्ज़ारः (محو نظارہ) अ वि –दे 'महवे दीदार' ।

महवे हक़ (محوحق) अ वि –दे 'महवे ज़ात' ।

महशर (محشر) अ पु.–महाप्रलय, कियामत, कियामत का दिन, कियामत का मैदान ।

महशरअंगेज़ (محشرانگیز) अ फा वि –कियामत उठानेवाला ।

महशरख़िराम (محشرخرام) अ फा वि –जो अपनी चाल से दुनिया मे कियामत मचा दे ।

महशरखिरामी (محشرخرامی) अ फा स्त्री –ऐसी चाल जिससे कियामत आ जाय ।

महशरज़ा (محشرزا) अ फा वि –दे 'महशरअंगेज़' ।

महशरिस्तान (محشرستان) अ फा पु –कियामत का मैदान ।

महशूर (محشور) अ वि –कियामत के दिन उठाया गया, जो कियामत के दिन ज़िंदा किया जाय ।

महसूद (محسود) अ वि –जो लोगों की हसद का निशाना हो, जिससे लोग ईर्ष्या करे, ईर्षित ।

महसूब (محسوب) अ वि –हिसाब मे जोडा हुआ, हिसाब में से मिनहा किया हुआ ।

महसूर (محصور) अ वि –घिरा हुआ, घेरे में आया हुआ, दुश्मन के घेरे में आया हुआ ।

महसूल (محصول) अ पु –वह रकम जो माल भेजने या मँगाने मे उसकी मज़दूरी मे दी जाय, किराया, भाडा ।

महसूली (محصولی) अ वि –वह भूमि जिस पर लगान देना पडता हो, वह चीज़ जिस पर महसूल (टैक्स) लगे ।

महसूस (محسوس) अ वि –वह चीज़ जो इंद्रियों द्वारा जानी जाय, अनुभूत, ज्ञात, मा'लूम, स्पष्ट, प्रकट, ज़ाहिर ।

महसूसात (محسوسات) अ पु –महसूस की हुई चीज़ें, अनुभूतियाँ ।

मा

मा (ما) अ अव्य –नहीं, क्या, जोकि, इसके ।

माँ (ماں) फा स्त्री –माता, अम्मा ।

माँदः (ماندہ) फा वि –शिथिल, क्लांत, श्रान्त, थका हुआ, बचा हुआ, छोडा हुआ, रहा हुआ, (प्रत्य)—रहा हुआ, छोडा हुआ ।

माँद (ماند) फा वि –रहा हुआ, बचा हुआ ।

माँदगी (ماندگی) फा स्त्री –क्लान्ति, शिथिलता, थकावट, आलस्य, सुस्ती, रोग, बीमारी ।

माँदोबूद (ماندوبود) फा स्त्री –रहने-सहने का ढग, रहन-सहन ।

मा (ماء) अ पु –जल, पानी, अरक ।

माइदः (مائدہ) अ पु –खानो से भरा हुआ ख्वान ।

माइल (مائل) अ वि –आकर्षित, सजूअ, प्रवृत्त, मुतवज्जेह, आसक्त, आशिक, झुकाव रखनेवाला, झुका हुआ, आमादा ।

माइल व उरूज (مائل بہ عروج) अ फा वि –उन्नति की ओर आकृष्ट, धीरे-धीरे उन्नति और तरक्की करनेवाला ।

माइल ब औज (مائل بہ اوج) अ फा वि –ऊपर की ओर आकर्षित, धीरे-धीरे ऊपर की ओर चढनेवाला ।

माइल व करम (مائل بہ کرم) अ फा वि –दया की ओर प्रवृत्त, मे'ह्रबानी करनेपर आमादा ।

माइल ब जर्दी (مائل بہ زردی) अ फा वि –कुछ-कुछ पीलापन लिये हुए ।

माइल व ज़वाल (مائل بہ زوال) अ फा वि –अवनति की ओर प्रवृत्त, पतनोन्मुख, नीचे को जाता हुआ ।

माइल व पस्ती (مائل بہ پستی) अ फा वि –दे 'माइल व ज़वाल" ।

माइल व फना (مائل بہ فنا) अ फा वि –नाश की ओर जानेवाला, विनाशोन्मुख ।

माइल व सफेदी (مائل بہ سفیدی) अ फा वि –कुछ कुछ श्वेतता लिये हुए, हलकी सफेदी लिये हुए ।

माइल व सब्जी (مائل بہ سبزی) अ फा वि –हलका हरापन लिये हुए, हरिताभ ।

माइल व सियाही (مائل بہ سیاہی) अ फा वि –हलका कालापन लिये हुए ।

माइल व सुर्खी (مائل بہ سرخی) अ फा वि –हलकी लालिमा लिये हुए ।

माई (مائی) अ वि –पानी का ।

माईयत (مائیت) अ स्त्री –पानीपन, तरी ।

माउलक़र्अ (ماءالقرع) अ पु –लौकी का पानी ।

माउलजुबन (ماءالجبن) अ पु –फटे हुए दूध का पानी, जो बीमारो को दिया जाता है ।

माउल्लह्म (ماءاللحم) अ पु –दवाओ मे गोश्त डालकर खीचा हुआ एक पुष्टिकर अरक ।

माउलवर्द (ماءالورد) अ पु –गुलाब-जल, गुलाव का अरक ।

माउलहयात (ماءالحیات) अ पु –अमृत-जल, अमृत, आवेहयात, कीमियागरो की परिभाषा में घी, शहद और सुहागे का मिश्रण, जिसके द्वारा हरेक भस्म धातु फिर से जी उठती है ।

माऊफ (ماؤف) अ वि –विकृत, दूपित, बिगडा हुआ ।

माऊफुद्दिमाग़ (ماؤف الدماغ) अ वि –विकृतमस्तिष्क, जिसके दिमाग मे खलल हो ।

माए (مائع) अ पु –हर वहनेवाला पदार्थ, द्रव, तरल ।

माए जारी (ماء جاری) अ पु –वहता हुआ पानी, प्रवाहित जल, जैसे—नदी का पानी ।

माए साकिन (ماء ساکن) अ पु –ठहरा हुआ पानी, स्थिर जल, जैसे—तालाव का जल ।

माकदिर (ماکدر) अ वि –जो मैला हो, अस्वच्छ, अशुद्ध, मैला, गदला ।

माक़ब्ल (ماقبل) अ वि –जो पहले हो, जो दूसरे से पहले हो, वह शब्द जो दूसरे शब्द से पहले हो ।

माक़ब्लज्जिक्र (ماقبل الذکر) अ वि –वह, जिसकी चर्चा पहले हो चुकी हो, पूर्वकथित ।

माकियान (ماکیان) फा स्त्री –कुक्कुटी, मुर्ग़ी, कुक्कुट, मुर्ग़ा ।

माकिर (ماکر) अ वि –छल करनेवाला, छली ।

माक़ूद (معقود) अ वि –ग्रथित, गाँठ लगा हुआ, विवाहित, व्याह किया हुआ ।

मा'कूल (معقول) अ वि –उचित, मुनासिव, उत्तम, उम्दा, सभ्य, शिष्ट, शाइस्ता, शुद्ध ।

माकूल (ماکول) अ वि –खाया हुआ, खायी हुई चीज़, खाने की वस्तु, खाद्य-पदार्थ, खुराक, गिज़ा ।

मा'क़ूलात (معقولات) अ स्त्री –न्यायशास्त्र और विज्ञान की पुस्तके अथवा कोर्स ।

माकूलात (ماکولات) अ पु –खाने की चीज़े, वह पदार्थ जो मनुष्य खाता है ।

मा'क़ूली (معقولی) अ पु –न्यायशास्त्र का पडित, नैयायिक ।

मा'कूलीयत (معقولیت) अ स्त्री –औचित्य, वाजिबीयत, उत्तमता, उम्दगी, सज्जनता, शराफत ।

मा'कूस (معکوس) अ वि –उलटा, औंधा, अधोमुख, विपरीत, वरअक्स ।

माख़ज़ (ماخذ) अ पु – लेने का स्थान, वह पुस्तक जिनमे किसी लेख या पुस्तक मे मवाद लिया जाय ।

माख़ूज़ (ماخوذ) अ वि –लिया हुआ, गृहीत, पकडा हुआ, गिरिफ्तार ।

माख़ूलिया (ماخولیا) अ पु –मालीखूलिया, अथवा मालनखूलिया का लघु, मिराक़, खब्त ।

माचीन (ماچین) फा पु –चीन के दक्षिण और भारत के पूर्व मे एक देश, इडोचाइना, हिन्दचीन ।

माजरा (ماجرا) अ पु –हाल, वृत्तांत, घटना, वाकिआ।

माजराए दिल (ماجراے دل) अ फा पु –हृदय की व्यथा, प्रेम की कहानी।

माजिदः (ماجده) अ स्त्री –साध्वी, शुद्धचरित्रा, सदाचारिणी, बुजुर्ग स्त्री।

माजिद (ماجد) अ वि –पुनीत, अत शुद्ध, पवित्रात्मा, बुजुर्ग।

माजियः (ماضیه) अ वि –गत, गुजरी हुई।

मा'जिरत (معذرت) अ स्त्री –उज्र, विवशता, मजबूरी।

माज़ी (ماضی) अ पु –गुजरा हुआ, विगत, भूतकाल, जमानए माज़ी।

माज़ी इस्तिम्रारी (ماضی استمراری) अ पु –वह माज़ी जिसमे काम का बराबर होना पाया जाय, जैसे—वह करता था।

माज़ी एहतिमाली (ماضی احتمالی) अ पु –वह माजी जिसमे काम के होने में शका पायी जाय, जैसे—किया होगा।

माज़ी करीब (ماضی قریب) अ पु –वह माज़ी जिसमे काम अभी खत्म होना पाया जाय, जैसे—किया है।

माज़ी तमन्नाई (ماضی تمنائی) अ पु –जिसमें किसी काम करने की इच्छा पायी जाय, जैसे—करता।

माज़ी नातमाम (ماضی ناتمام) अ फा पु –दे 'माज़ी इस्तिम्रारी'।

माज़ी बईद (ماضی بعید) अ पु –वह माजी जिसमे काम समाप्त हुए देर हो चुकी हो, जैसे—किया था।

माज़ी मा'तूफ (ماضی معطوفه) अ पु –वे दो माजियाँ जिनके बीच मे और आये, जैसे—खाया और गया या खाकर गया।

माज़ी मुत्लक (ماضی مطلق) अ पु –आम माज़ी, सामान्य भूत, जैसे—किया, खाया आदि।

माज़ी शक्की (ماضی شکی) अ पु –दे 'माज़ी एहतिमाली'।

माज़ी शर्ती (ماضی شرطی) अ पुं –जिस माज़ी मे शर्त पायी जाय, जैसे— अगर वह गया था, या है, या होता।

माज़ू (مازو) फा पु –एक गोल फल जो दवा मे चलते हैं, माजूफल।

मा'जून (معجون) अ स्त्री –कुटी हुई दवाओ को शहद या शकर के किवाम मिलाकर बनाया हुआ अवलेह, इसके लिए यह आवश्यक नही है कि वह स्वादिष्ठ भी हो, जैसी जवारिश होती है।

मा'जूर (معذور) अ वि –विवश, लाचार, अपाहज, चलने-फिरने मे असमर्थ।

माजूर (ماجور) अ वि –जिसे किसी श्रम या सेवा का फल दिया गया हो, प्रतिफलित।

मा'जूरुलखिद्मत (معذورالخدمت) अ वि –जो सेवा करने के अयोग्य हो चुका हो, जिससे सेवा न हो सके।

मा'जूल (معزول) अ वि –जो पद से हटा दिया गया हो, पदच्युत, अपदस्थ।

मा'जूली (معزولی) अ स्त्री –पद से हटाया जाना, पदच्युति।

मात (مات) अ पु –शब्दार्थ, 'मर गया', शत्रज की बाजी की हार, हार, शिकस्त।

मातकद्दम (ماتقدم) अ वि –वह चीज जो पहले हो चुकी हो।

मातम (ماتم) फा पु –मरनेवाले का गम, मृत्यु-शोक।

मातमअंगेज (ماتم انگیز) फा वि –शोकजनक, गमअगेज।

मातमकदः (ماتم کده) फा पु –दे 'मातमखान'।

मातमखानः (ماتم خانه) फा पु –जहाँ किसी मरनेवाले का शोक मनाया जा रहा हो, शोक-गृह।

मातमजदः (ماتم زده) फा वि –जो किसी मरनेवाले का शोक मना रहा हो, शोकग्रस्त, शोकपीडित।

मातमदार (ماتم دار) फा वि –शोक मनानेवाला, शोकग्रस्त, शोकी, सोगवार।

मातमदारी (ماتم داری) फा स्त्री –मरनेवाले का शोक मनाना, शोक मनाने की दशा।

मातमनशी (ماتم نشیں) फा वि –जो किसी के शोक मे बैठा हो, और कही आता-जाता न हो।

मातमपुर्सी (ماتم پرسی) फा स्त्री –किसी के मरने पर सहानुभूति प्रकट करने के लिए उसके घरवालो के पास जाना।

मातमसरा (ماتم سرا) फा स्त्री –दे 'मातमखान'।

मातमी (ماتمی) फा वि –शोकसम्बन्धी, जैसे—मातमी लिबास, मातम करनेवाला, सोगवार, शोकी।

मातहत (ماتحت) अ पु –अधीन, आज्ञाधीन, जेर हुक्म; सहायक, एसिस्टेंट, पराधीन, गुलाम, अस्वतत्र।

मा'तूफ (معطوف) अ वि –वह शब्द जो किसी दूसरे शब्द के साथ मिलकर बोला जाय। जैसे—राम और लछमन, इसमे राम शब्द मातूफ है।

मा'तूफअलैह (معطوف علیه) अ वि –वह शब्द जो किसी दूसरे शब्द के साथ मिलकर आये, जैसे—राम और लछमन, मे लछमन।

मा'तूब (معتوب) अ वि –जिस पर कोप हो, कोप-भाजन, क्रोध-पात्र।

मातह्ती (ماتحتی) अ स्त्री –अधीनता, जेरअसरी, पराधीनता, अस्वतंत्रता, गुलामी।

मादः (ماده) फा स्त्री–नर का उलटा, स्त्री प्राणी।

मादःरू (مادہ رو) फा वि –वह व्यक्ति जिसके दाढी-मूँछे न हो, लडका, वह व्यक्ति जिसकी दाढी-मूँछे मूडी गयी हो, जनाना, हिजडा ।

मादए अस्प (مادۂ اسپ) फा स्त्री –घोडी, अश्विनी ।

मादए आहू (مادۂ آہو) फा स्त्री –हरनी, मृगागना, हरिणी ।

मादए ख़र (مادۂ خر) फा स्त्री –गधी, गर्दभी ।

मादए ख़ूक (مادۂ خوک) फा स्त्री –सुअरनी, शूकरी, वराही ।

मादए गाव (مادۂ گاو) फा स्त्री –गो, गाय ।

मादए ताऊस (مادۂ طاؤس) फा स्त्री –मोरनी, मयूरी, शिखावली ।

मादए फील (مادۂ فیل) अ फा स्त्री –हथनी, गजपत्नी, हस्तिनी, मनाका ।

मादए शुतुर (مادۂ شتر) फा स्त्री –ऊँटनी, उष्ट्रिका, उष्ट्री ।

मादए सग (مادۂ سگ) फा स्त्री –कुतिया, शुनी, कुक्कुरी ।

मादरादर (مادرادر) फा स्त्री –उपमाता, सौतेली माँ ।

मादर (مادر) फा स्त्री –माता, जननी, माँ, अम्माँ ।

मादरज़न (مادرزن) फा स्त्री –सास, श्वश्रू ।

मादरज़ाद (مادرزاد) फा वि –जन्मजात, पैदाइशी, जन्म का, जन्म से, जन्मजात, जैसे—'मादरज़ाद अधा', नितात, विलकुल, जैसे—'मादरज़ाद नगा' ।

मादर बख़ता (مادربختا) फा वि –एक गाली, हरामी, दोगला ।

मादरान' (مادرانہ) फा अव्य –माता-जैसा, ममतापूर्वक, माँ का, माता का ।

मादरी (مادری) फा वि –माता-सम्बन्धी, माता का, पैदाइशी, जो माँ की गोद में पाया हो ।

मादरे अल्लाती (مادر علاتی) फ अ स्त्री –सौतेली माँ, उपमाता ।

मादरे गेती (مادرگیتی) फा स्त्री–मातृभूमि, प्यारी ज़मीन ।

मादरे रिज़ाई (مادر رضائی) फा स्त्री –दूध पिलानेवाली, अन्ना, धात्री ।

मादरे वतन (مادر وطن) फा स्त्री –मातृभूमि, प्यारा वतन ।

मादरे हक़ीक़ी (مادر حقیقی) फा स्त्री –अस्ली माँ, मातृ, जननी, माता ।

मादाम (مادام) अ वि –सर्वदा, सदा, हमेशा ।

मादामलहयात (مادام الحیات) अ वि –ज़िंदगी भर, सारी उम्र, आजन्म, यावज्जीवन ।

मा'दिन (معدن) अ पु –खनि, खान, कान ।

मा'दिनी (معدنی) अ वि –खान से निकला हुआ, खनिज ।

मा'दिनीयात (معدنیات) अ स्त्री –खान से निकली हुई चीज़े, खनिज पदार्थ, खनिज विज्ञान, इल्मेजिमादात ।

मा'दिल (معدل) अ पु –दे 'मुअद्दिल' ।

मा'दिलत (معدلت) अ स्त्री –न्याय, इसाफ ।

मा'दिलतगुस्तर (معدلت گستر) अ फा वि –न्यायशील, न्यायनिष्ठ, मुसिफ मिज़ाज ।

मा'दिलतपर्वर (معدلت پرور) फा वि –दे 'मा'दिलत गुस्तर' ।

मा'दिलुन्नहार (معدل النہار) अ पु –दे शुद्ध शब्द 'मुअ-द्दिलुन्नहार', उर्दू मे कुछ लोगो ने इसका यह उच्चारण अशुद्ध लिख दिया है ।

मादिह (مادح) अ वि –प्रशसक, श्लाघी, ता'रीफ करने-वाला, स्तुति-पाठक, हम्दोसना करनेवाला ।

मादीन (مادین) फा स्त्री –मादा, स्त्री प्राणी ।

मा'दूद (معدود) अ वि –कतिपय, थोडे, चद, इने-गिने ।

मा'दूदे चद (معدودے چند) अ फा वि –बहुत थोडे, इने-गिने ।

मादून (مادون) अ अव्य –अतिरिक्त, सिवाय, अलावा ।

मा'दूम (معدوم) अ वि –नष्ट, विनष्ट, बरबाद, ज़ाए, अतर्द्धान, गाइब ।

मा'दूमुलबसर (معدوم البصر) अ वि –नेत्रहीन, नष्ट दृष्टि, अधा, नाबीना ।

मा'दूमी (معدومی) अ वि –विनाश, तबाही, बरबादी ।

माद्द (مادہ) अ पु –वह मूल पदार्थ जिससे कोई चीज बने, योग्यता, पात्रता, सलाहियत, मूल, जड, बुनियाद, विवेक, तमीज़, बोध, ज्ञान, समझ, पीप, मवाद, वे तत्त्व जिनसे मिलकर सृष्टि की रचना हुई है, प्रकृति, नेचर ।

माद्द परस्त (مادہ پرست) अ फा वि –वस्तुवादी, नेचरी ।

माद्द परस्ती (مادہ پرستی) अ फा स्त्री –वस्तुवाद, प्रकृति-वाद, नेचरीयत ।

माद्दए फासिदः (مادۂ فاسدہ) अ पु –शरीर की दूषित धातु जो बीमारी पैदा करती है, फोडे आदि का ख़राब मवाद ।

माद्दए मनवीयः (مادۂ منویہ) अ पु –वीर्य, शुक्र, रेतस्, मनी ।

माद्दए रदीय (مادۂ ردیہ) अ पु –दे 'माद्दए फासिद' ।

माद्दी (مادی) अ वि –माद्दे से सम्बन्धित, माद्दे का, भौतिक, जो आत्मिक न हो ।

माद्दयित (مادیت) अ स्त्री –माद्दे का भाव ।

मानंद (مانند) फा वि.–शुद्ध उच्चारण यही है, परन्तु उर्दू मे 'मानिद' है, दे 'मानिद' ।

मा'नन (معنًا) अ वि –अर्थ के विचार से, मतलब की रु से ।

मा'नवी (معنوی) अ वि –अर्थवाला, अर्थ का, भीतरी, आतरिक, आभ्यन्तरिक ।

मा'नवीयत (معنویت) अ स्त्री –अर्थ की गभीरता ।

मा'ना (معنی) अ पु –अर्थ, मत्लब, आशय, मशा, कारण, सबब, अतर, बातिन, बहुवचन के अर्थ मे भी आता है ।

माना (مانا) फा वि –समान, तुल्य, मिस्ल ।

मानिद (مانند) फा वि –समान, सदृश, तुल्य, मिस्ल ।

मा'नी (معنی) अ पु –दे 'माना', परन्तु यह बहुवचन में व्यवहृत नही है ।

मानी (مانی) फा पु –एक बहुत ही प्रसिद्ध चित्रकार। यह ८३१ ई० मे बाबिल (ईरान) मे पैदा हुआ। मदाइन में पढा, जवान होकर इसने नबी होने का दावा किया, जिससे लोग इसके दुश्मन हो गये और यह चीन और तुर्किस्तान की ओर चला गया। बीस साल के बाद वापस लौटा। ८८९ ई० मे जब इसकी आयु ५८ साल की थी, बहराम ने इसे मार डाला। इसने एक नया धर्म भी चलाया था और बहुत-सी पुस्तके भी लिखी थी ।

मा'नीआफ़रीनी (معنی آفرینی) अ फा स्त्री –काव्य मे अर्थ का चमत्कार दिखाना, कविता करना ।

मानूस (مانوس) अ वि –हिला हुआ, जिसकी घबराहट दूर हो गयी हो, मुहब्बत करनेवाला ।

माने' (مانع) अ वि –रोकनेवाला, निवारक, खलल डालनेवाला, बाधक, दख्लअदाजी करनेवाला, हस्तक्षेपक।

माफात (مافات) अ पु –जो जाता रहा हो, जो गुज़र चुका हो ।

माफिज़्ज़मीर (مافی الضمیر) अ पु –मन की बात, जो कुछ दिल मे हो, आशय, मशा ।

माफिद्ज़ेह्न (مافی الذهن) अ पु –जो कुछ दिमाग मे हो, जो कुछ याद हो ।

माफीहा (مافیہا) अ पु –जो कुछ उसमे है, यह शब्द दुनिया के साथ आता है, अर्थात् ससार और जो कुछ ससार के भीतर है वह सब ।

माफ़ौक़ (مافوق) अ पु –ऊपर ।

माफ़ौक़ज़्ज़िक्र (مافوق الذکر) अ पु –जिसका ज़िक्र पहले हो चुका है, पूर्वकथित ।

माफ़ौक़लआदत (مافوق العادت) अ पु –जो बात प्रकृति के ऊपर अर्थात् प्रकृति के विरुद्ध है, अप्राकृतिक, असभव ।

माफ़ौक़लफित्रत (مافوق الفطرت) अ पु –दे 'माफौकल-आदत' ।

माफौकलबशर (مافوق البشر) अ पु –वह चीज जो मनुष्य की शक्ति के बाहर है ।

माबक़ा (مابقا) अ पु –जो बाकी रह गया हो, बकाय, शेष ।

मा'बद (معبد) अ पु –उपासना-गृह, इबादत-गाह ।

मा'बर (معبر) अ पु –नदी आदि को पार करने का स्थान, घाट, तट ।

माबा'द (مابعد) अ पु –जो पीछे आये, पीछेवाला, बाद का, पिछला ।

माबा'दत्तबीआत (مابعد الطبیعات) अ पु – वे वस्तुएँ जो प्राकृतिक वस्तुओ के अतिरिक्त है, ब्रह्मज्ञान आदि ।

माबिहिन्निज़ाअ (مابه النزاع) अ पु –वह वस्तु जो झगडे का कारण हो, जिसके विषय मे वाद-विवाद हो ।

माबिहिल्इम्तियाज़ (مابه الامتیاز) अ पु –जो लक्षण या बात दो चीज़ो मे भेद बताये अर्थात् उनका फर्क बताये, चिह्न, निशान ।

माबिहिल्एहतियाज (مابه الاحتیاج) अ पु –जिन वस्तुओ की आवश्यकता हो, ज़रूरी बाते ।

मा'बूद (معبود) अ वि –जिसको पूजा जाय, ईश्वर ।

मा'बूदियत (معبودیت) अ स्त्री –ईश्वरत्व ।

माबून (مابون) अ वि –जिसे गुदादान का व्यसन हो, जिसे इगलाम कराने की लत हो, भवेसिया ।

माबैन (مابین) अ पु –बीच मे, दरमियान मे, बीच, दरमियान ।

माबैने तहकीकात (مابین تحقیقات) अ पु –जाँच के बीच मे, जाँच होते समय ।

माबैने फरीकैन (مابین فریقین) अ पु –दोनो पक्षो के बीच मे ।

मामज़ा (مامضی) अ वा –जो बीत गया, जो हो चुका, गुज़रा हुआ, बीता हुआ, पहलेवाला ।

मामन (مامن) अ पु –रक्षा का स्थान, बचाव की जगह, सहारे और आसरे का स्थान ।

मामा (ماما) अ स्त्री –घर का कामकाज करनेवाली स्त्री, परिचारिका, दासी ।

मामीरान (ماميران) फा पु –ममीरा, जो एक जड होती है और आँखो की दवा में पडती है ।

मामीसा (ماميثا) अ स्त्री.–एक वनस्पति जो दवा मे चलती है, इस दवा का उसारा या सत प्रयुक्त होता है ।

मामून (مامون) अ वि –सुरक्षित, महफ़ूज़, अम्न में ।

मामूर. (معموره) अ पु –बस्ती, आबादी ।

मा'मूर (معمور) अ वि –बसा हुआ, आबाद, भरा हुआ, परिपूर्ण, लबरेज़,, बंद, मुकफ्फल, आदमियो से भरा हुआ, खचाखच ।

मामूर (مامور) अ वि –जिसे आदेश दिया गया हो, आदेशित, जिसे कही मुकर्रर किया गया हो, नियुक्त ।

मामूर मिनल्लाह (مامورمن اللہ) अ पु –किसी विशेष काम के लिए ईश्वर की ओर से नियुक्त ।

मा'मूरी (معموری) अ स्त्री –भरा पूरा होना, आबाद होना, मकान का बंद होना ।

मा'मूलः (معموله) अ वि –जो स्त्री अभिचार द्वारा बेसुध की जाय, रोज का काम ।

मा'मूल (معمول) अ वि –वह बात जो रोज़ की जाय, दस्तूर, नित्य नियम, वह व्यक्ति जिसे अभिचार द्वारा बेसुध किया जाय, जिस पर अमल किया जाय ।

मामूल (مامول) अ वि –आशान्वित, पुरउम्मीद, वह चीज़ जिसकी आशा हो ।

मा'मूलात (معمولات) अ पु –रोज़मर्राके काम, नित्य-कर्म ।

मा'मूलाते रोज़मर्रः (معمولات روزمره) अ फा पु –वह काम जो रोज़ के बँधे हुए हो, जैसे—सवेरे उठकर नमाज़, फिर कुरान, फिर वज़ीफ़, फिर नाश्ता, फिर अख़्बार पढना, फिर लोगो से मिलना आदि ।

मा'मूली (معمولی) अ वि –रोजमर्रा का, साधारण, नाकाबिले तवज्जुह, रस्मी, जिसका रवाज हो ।

मा'मूले मज़्हबी (معمول مذهبی) अ पु –धार्मिक कृति, मज़हबी काम, जो नियत समय पर हो ।

मायः (مایه) फा पु –धन, दौलत, पूँजी, अस्लज़र, उपकरण, सामान, योग्यता, काबिलीयत ।

मायःदार (مایه‌دار) फा वि –पूँजीवाला, धनी, मालदार ।

मायए नाज़ (مایهٔ ناز) फा पु –जिस पर गर्व किया जा सके ।

मायतहल्लल (مایتحلل) अ पु –जो हल हो गया हो, जो तहलील होकर कम हो गया हो, जो नष्ट और ज़ाए हो गया हो ।

मायहताज (مایحتاج) अ पु–आवश्यक वस्तु, जिसकी मनुष्य को ज़रूरत हो, जीवन-साधन की वस्तु ।

मायुक़्रा (مایقرا) अ वि –जो पढा जा सके, ऐसा लिखा हुआ जो पढने में आ सके ।

मा'यूब (معیوب) अ वि –निकृष्ट, दूषित, खराब, बुरा, लज्जाजनक, काबिले शर्म, ऐब से भरा, दोषपूर्ण ।

मायूस (مایوس) अ वि –निराश, हताश, नाउम्मेद ।

मायूसकुन (مایوس کن) अ फा वि –निराश करनेवाला निराशाजनक ।

मायूसान (مایوسانه) अ फा अव्य –निराशापूर्ण, मायूसी के साथ ।

मायूसी (مایوسی) अ स्त्री –निराशा, नाउम्मेदी ।

मार (مار) फा पु –सर्प, अहि, भुजग, भुजग, नाग, साँप ।

मारगज़ीदः (مارگزیده) फा वि –साँप का डसा हुआ, सर्प-दंशित ।

मारगीर (مارگیر) फा वि –साँप पकडनेवाला, सँपेरा ।

मा'रज़ (معرض) अ पु –दे 'मा'रिज़', दोनो शुद्ध है ।

मारगुर्ज़ (مارگرزه) फा पु –फनवाला साँप, काला साँप, नाग ।

मारपेच (مارپیچ) फा वि –टेढा, वक्र, वह चित्र जिसमे कई साँप परस्पर गुँथे हो ।

मारमाही (مارماهی) फा स्त्री –बाम मछली, सर्प मीन ।

मारमुहरः (مارمهره) फा पु –साँप का मन, मणि ।

मा'रिकः (معرکه) अ पु –मैदान, क्षेत्र, युद्ध, सग्राम, लडाई, वाद-विवाद, बहस, धूम-धाम, हगामा, उपद्रव, फसाद ।

मा'रिकःआरा (معرکه‌آرا) अ फा वि –लडनेवाला, योद्धा ।

मा'रिक आराई (معرکه‌آرائی) अ फा स्त्री –लडाई, युद्ध, जग ।

मा'रिकःगाह (معرکه‌گاه) अ फा स्त्री –लडाई का स्थान, युद्ध-क्षेत्र, समराङ्गण, मैदानजग ।

मा'रिज़ (معرض) अ पु–ज़ाहिर होने की जगह, प्रकट होने का स्थान, दौरान, दरमियान, के लिए ।

मा'रिज़े इल्तिवा (معرض التوا) अ पु –स्थगित होने के लिए, अर्थात् स्थगित, दे 'मा'रिज़' दोनो शुद्ध है, यह 'मे' के साथ बोला जाता है जैसे—मा'रिज़े इल्तिवा मे ।

मा'रिज़े ख़तर (معرض خطر) अ पु –ख़त्रे के बीच मे अर्थात् ख़त्रे मे (मे के साथ बोला जाता है, जैसे–मा'रिज़े ख़तर मे) ।

मारिफ़. (معرفه) अ पु –व्यक्तिवाचक सज्ञा, किसी खास चीज का नाम, जैसे—राम, अली आदि ।

मा'रिफ़त (معرفت) अ स्त्री –द्वारा, हस्ते, जरिये से, अध्यात्म, तसव्वुफ, परिचय, जान-पहचान ।

मा'रूज़ (معروضه) अ पु –प्रार्थना, गुज़ारिश, प्रार्थना-पत्र, अर्ज़ी ।

मा'रूज़ (معروض) अ वि –वह बात जो कही गयी हो, कथित, उक्त ।

मा'रूज़ात (معروضات) अ स्त्री –प्रार्थनाएँ, गुज़ारिशें।

मारूत (ماروت) अ पु –एक फ़िरिश्ता जिसके सम्बन्ध मे प्रसिद्धि है कि वह दूसरे फ़िरिश्ते 'हारूत' के साथ, 'बाबिल' के कुएँ मे बन्द है, और लोगो को जादू सिखाता है।

मा'रूफ़ (معروف) अ वि –प्रसिद्ध, ख्यात, मशहूर, वह क्रिया जिसका कर्ता ज्ञात हो।

मारे आस्तीं (مار آستیں) फा पु –आस्तीन का साँप, वह दुश्मन जो पास रहता है।

मारे दुज़बाँ (مار دزباں) फा पु –दो जीभोवाला साँप, वह व्यक्ति जो इधर कुछ कहे और उधर कुछ, द्विजिह्व, चुगलख़ोर, मुनाफ़िक़।

मारे सियाह (مار سیاہ) फा पु –काला साँप, नाग।

माल (مال) फा प्रत्य –मला-दला हुआ, जैसे—'पामाल' पैरो से मला-दला हुआ।

माल (مال) अ पु –धन, रक़म, दौलत, अच्छे-अच्छे खाने, बहुमूल्य वस्तु, महत्त्व, हक़ीक़त।

मालख़ानः (مال خانہ) अ फा पु –माल रखने का मकान, गोदाम, कोषागार, खज़ाना, कलक्टरी आदि का वह सरकारी मकान जिसमे तलाशी से मिला हुआ या इसी प्रकार कोई सामान रखा जाता है।

मालगुज़ार (مال گزار) अ फा वि –मालगुज़ारी अदा करनेवाला, ज़मीदार।

मालगुज़ारी (مال گزاری) अ फा स्त्री –ज़मीन का वह कर जो सरकार को दिया जाता है।

मालज़ब्ती (مال ضبطی) अ स्त्री –माल की कुर्की और उस पर सरकारी कब्ज़ा।

मालज़ादः (مال زادہ) अ फा पु –रंडी का लड़का, वेश्या-पुत्र।

मालज़ादी (مال زادی) अ फा स्त्री –वेश्या-पुत्री, व्यभिचारिणी, एक गाली।

मालज़ामिन (مال ضامن) अ पु –वह व्यक्ति जो इस बात की जमानत करे कि यदि अमुक व्यक्ति भाग जायगा या रुपया न अदा कर सकेगा तो उसके बदले मे अदा करूँगा।

मालदार (مال دار) अ फा वि –धनी, धनवान्, समृद्ध, दौलतमंद।

मालनख़ूलिया (مالنخولیا) अ पु –शुद्ध उच्चारण यही है, परन्तु 'मालीख़ूलिया' बोला जाता है, दे 'मालीख़ूलिया'।

मालमुज्रिम (مال مجرم) अ पु –माल का चोर, चोर।

मा लहू व मा अलैह (مالہٗ وما علیہ) अ वा –विवरण, तफ़सील, अच्छाई-बुराई।

मालामाल (مالامال) अ फा वि –समृद्ध, सम्पन्न, जिसके पास बहुत माल हो; भरपूर, बहुत अधिक।

माला यन्हल (مالاینحل) अ वि –वह समस्या जो हल न हो सके, असाध्य।

मालायुताक़ (مالایطاق) अ वि –जिसकी शक्ति न हो, ऐसा काम, बस से बाहर का काम, वह काम जो न हो सके।

मालिकः (مالکہ) अ स्त्री –स्वामिनी, मालिक स्त्री।

मालिक (مالک) अ पु –स्वामी, आक़ा, पति, शौहर, ईश्वर, ख़ुदा; उपभोक्ता, क़ाबिज़, अधिकारी, मुख़्तार, पदाधिकारी, अफ़्सर, अध्यक्ष, सरदार; नरक का अध्यक्ष देवता।

मालिकानः (مالکانہ) अ फा अव्य –मालिको-जैसा, मिलिकयत का।

मालिकुलमुल्क (مالک الملک) अ पु –मुल्क का मालिक, देश का स्वामी, नरेश, ईश्वर।

मालिके हक़ीक़ी (مالک حقیقی) अ पु –सच्चा स्वामी अर्थात् ईश्वर।

मालियः (مالیہ) अ पु –राजस्व, लगान।

मालियत (مالیت) अ स्त्री –धन-दौलत, कुल कीमत, पूरा मूल्य।

मालियात (مالیات) अ स्त्री –मालियत का बहु, मालियते, सम्पत्तियाँ।

मालियानः (مالیانہ) अ फा अव्य –राजस्व, लगान, मालिया।

मालिश (مالش) फा स्त्री –मलाई, मर्दन, मतली, जी मतलाना।

मालीदः (مالیدہ) फा पु –मला हुआ, मर्दित।

माली (مالی) अ वि –माल-सम्बन्धी, माल का।

मालीख़ूलिया (مالیخولیا) अ पु –मिराक़, ख़ब्त, उन्माद, मस्तिष्क-विकृति, एक रोग विशेष।

मालीदःगोश (مالیدہ گوش) फा वि –जिसके कान उमेठे गये हो, चौकन्ना, चौकस, होशियार।

मालीदनी (مالیدنی) फा वि –मलने के काबिल, मर्दनीय।

मालूफ़ (مالوف) अ वि –जिससे प्रेम हो, प्यारा, अज़ीज़, जैसे—'वतने मालूफ़'।

मा'लूम (معلوم) अ वि –ज्ञात, जाना हुआ, स्पष्ट, वाज़ेह, प्रकट, ज़ाहिर; असभव, नामुमकिन।

मा'लूमात (معلومات) अ उभ –जानकारी, इल्म, ज्ञान, अनुभव, तज्रिबा, पाडित्य, इल्मीयत।

मा'लूल (معلول) अ वि –वह चीज़ जिसका कोई कारण हो, कारण सहित।

माले अम्वात (مال اموات) अ पु –मुर्दो का माल, लावारिसी माल।
माले कासिद (مال کاسد) अ पु –खोटा माल, खोटा सोना-चाँदी इत्यादि।
माले ग़नीमत (مال غنیمت) अ पु –युद्ध में शत्रु के देश से लूटा हुआ माल।
माले ग़ैरमन्क़ूलः (مال غیرمنقولہ) अ पु –वह सपत्ति जो एक जगह से दूसरी जगह न जा सके, जैसे—मकान आदि, अचल सपत्ति।
माले तैयिब (مال طیب) अ पु –हलाल की कमाई, पसीने की कमाई, पवित्र धन।
माले मक़्रूक़ (مال مقروق) अ तु पु –कुर्की किया हुआ माल, वह माल जो कुर्क हो गया हो।
माले मत्रूकः (مال متروکہ) अ पु –वह धन और सपत्ति जिसे मृत व्यक्ति ने छोडी हो, दाय।
माले मन्क़ूलः (مال منقولہ) वह सपत्ति जो हटायी जा सके, जैसे—रुपया, मवेशी आदि, चल सपति।
माले महमूलः (مال محمولہ) अ पु –वह माल जो किसी सवारी पर लदा हो, जैसे—गाडी पर, रेल पर या जहाज पर।
माले मुफ़्त (مال مفت) अ फा पु –वह धन जो विना परिश्रम के फोकट मे मिला हो।
माले लावारिस (مال لاوارث) अ पु –वह धन या सपत्ति जिसका कोई उत्तराधिकारी न हो।
माले वक़्फ़ (مال وقف) अ पु –वह धन या सपत्ति जो किसी कार्य-विशेष के लिए समर्पित हो।
माले साइर (مال سائر) अ पु –मालगुजारी के अतिरिक्त दूसरी आमदनी से प्राप्त धन, जैसे—कस्टम आदि से।
मालेह (مالح) अ वि –नमकीन, लवणयुक्त, सुन्दर, लावण्य।
माले हराम (مال حرام) अ पु –वह धन जो अविहित उपायो से कमाया गया हो, बुरी कमाई, अविनीत सपत्ति।
माले हलाल (مال حلال) अ पु –दे. 'माले तैयिव'।
मालोज़र (مال وزر) अ फा पु –धन-दौलत, रुपया-पैसा।
मालोमताअ (مال ومتاع) अ फा पु –धन और दूसरा सामान।
मालोमनाल (مال ومنال) अ पु –दे 'मालोमताअ'।
मावजब (ماوجب) अ. वि –जो उचित हो, जैसा मुनासिब हो, यथोचित।
मावरा (ماورا) अ वि.–परे, पर, अतीत; अतिरिक्त, अलावा।
मावराउन्नह्र (ماوراءالنہر) अ पु –नदी के उस पार का इलाका, चूँकि तूरान (तुर्किस्तान) जैहून नदी के उस पार था, इसलिए ईरानियो ने उसे 'मावराउन्नह्र' कहा।
मावराए अक़्ल (ماورائے عقل) अ वि –बुद्धि की पहुँच से आगे, बुद्धि से परे, दुर्बोध।
मावराए तख़ैयुल (ماورائے تخیل) अ वि –ख़याल की पहुँच से परे, कल्पनातीत, जहाँ खयाल न पहुँच सके।
मावराए नज़र (ماورائے نظر) अ वि –नजर की पहुँच से आगे, जहाँ तक दृष्टि न पहुँच सके, दृष्टि से परे अचक्षु-विषय।
मावराए फ़ह्म (ماورائے فہم) अ वि –समझ से वाहर, ज्ञानातीत, अज्ञेय, बोधागम्य।
मावराए हिस (ماورائے حس) अ वि –इद्रियो की पहुँच से आगे, इद्रियो से परे, अतीन्द्रिय।
मावा (ماوا) अ पु –रक्षा-स्थान, पनाह की जगह, मामन।
माश. (ماشہ) फा पु –आठ रत्ती का एक भार, आठ रत्ती की तौल, तोले का वारहवाँ भाग।
माश (ماش) फा पु –उरद, माष, एक गल्ला।
मा'शर (معشر) अ पु –मित्रो और परिजनो की मडली, दोस्तो और अजीजो की जमाअत, दल, समुदाय, जमाअत।
माशाअल्लाह (ماشاءاللہ) अ वा –साधु-साधु, वाह-वाह, ईश्वर नज़र लगने से वचाये, (व्या), वाह-वाह, ख़ूब-ख़ूब, जैसे—माशाअल्लाह आपने अच्छा इसाफ किया (जव अन्याय किया हो)।
माशित. (ماشطہ) अ स्त्री –स्त्रियो या दुल्हनो की कघी-चोटी करनेवाली, नाइन, प्रसाधिका, मश्शात।
माशिय (ماشیہ) अ पु –चौपाया, पशु, मवेशी।
माशी (ماشی) अ वि –पैरो से चलनेवाला, चुगुलख़ोर, पिशुन।
मा'शूक. (معشوقہ) अ स्त्री –वह स्त्री जिससे इश्क हो, प्रेमिका, प्रेयसी, प्रणयिनी, प्रेमास्पदा, प्रियतमा, प्रिया, काता, वल्लभा, महवूव।
मा'शूक़ (معشوق) अ वि –प्रेमपात्र, प्रियतम, प्रिय।
मा'शूक़ान (معشوقانہ) अ फा अव्य –मा'शूको-जैसा, मा'शूकियत लिये हुए, नाज़ोअदाज़ से भरा हुआ।
मा'शूकियत (معشوقیت) अ स्त्री –मा'शूकपन, नाजो-अदाज, हाव-भाव।
माशूक़े मजाज़ी (معشوق مجازی) अ पु –वह मा'शूक जो मानवजाति से सम्वन्ध रखता हो, आदमी।
माशूक़े हक़ीक़ी (معشوق حقیقی) अ पु –वह मा'शूक जिसका सम्वन्ध आत्मा से हो, ईश्वर।

मासफ़ा (ماصفا) अ वि –वह चीज़ जो स्वच्छ और पवित्र हो साफ और अच्छी चीज़।

मासदक (ماسبق) अ. वि –जो पहले गुज़र चुका हो, पहलेवाला, पूर्वकथित, पहले कहा हुआ।

मासलफ (ماسلف) अ. वि.–गुज़रा हुआ, विगत, बीता हुआ।

मासिकः (ماسکہ) अ स्त्री –वह शक्ति जो आमाशय में ग़िज़ा को रोकती है, आमाशय की ग्राह्यशक्ति।

मा'सियत (معصیت) अ स्त्री –पाप, पातक, गुनाह, अवज्ञा, नाफरमानी, उद्दंडता, सरकशी।

मा'सियत शिआर (معصیت شعار) अ वि –पापी, पातकी, जिसका काम ही पाप करना हो।

मासिवल्लाह (ماسواﷲ) अ वि –ईश्वर के अतिरिक्त शेष और सब कुछ, सांसारिक वस्तुएँ।

मासिवा (ماسوا) अ वि –'मासिवल्लाह' का लघु, दे 'मासिवल्लाह'।

मा'सूम (معصوم) अ वि –जिसने पाप न किया हो, निष्पाप, वह व्यक्ति जो ईश्वर के यहाँ से निष्पाप आया हो।

मा'सूम सिफत (معصوم صفت) अ वि –मा'सूमो-जैसा, भोला-भाला, निर्दोष।

मा'सूमियत (معصومیت) अ स्त्री –मा'सूमपन, भोलापन, सिधाई।

मा'सूमी (معصومی) अ. वि –दे 'मा'सूमियत'।

मास्त (ماست) फा पु –दही, दधि।

मास्तबंद (ماست بند) फा पु –पनीर बनानेवाला।

माह (ماہ) फा पु –चंद्र, चंद्रमा, शशि, इंद्र, विधु, सोम, चाँद, शशांक।

माहचः (ماہچہ) फा पुं –वह चाँद जो टोपी आदि में या झंडे के सिरे पर लगाते हैं।

माहजबीं (ماہجبیں) फा वि –चाँद-जैसा उज्ज्वल माथा रखनेवाला (वाली) चंद्रभाल।

माहज़र (ماحضر) अ. पुं –जो कुछ उपस्थित है, जो मौजूद है, वह खाना जो घर में तैयार है, बेतकल्लुफी का खाना, रूखा-सूखा जो कुछ है वह।

माहतल्अत (ماہطلعت) फा अ वि –जो देखने में बिलकुल चाँद जान पड़े, अत्यन्त सुन्दर, (सुंदरी) चंद्रानना।

माहताब (ماہتاب) फा पु –चंद्र, चंद्रमा, चाँद, ज्योत्स्ना, चंद्रातप, चंद्रिका, चाँदनी; गंजिफे का वज़ीर; एक आतशबाज़ी, महताब।

माहताबी (ماہتابی) फा स्त्री –एक प्रकार की आतशबाज़ी, महताब; वह छोटी इमारत जो बाग के हौज़ पर चाँदनी की सैर के लिए बनी हो।

माहदरअक्रब (ماہ درعقرب) फा अ वि –चंद्रमा का वृश्चिक राशि में प्रवेश जो बहुत अशुभ होता है।

माहनामः (ماہنامہ) फा पु –वह पत्रिका जो महीने में एक बार निकले, मासिकपत्र।

माहपारः (ماہپارہ) फा वि –चाँद का टुकड़ा, चाँद-जैसी आकृतिवाला (वाली)।

माहपैकर (ماہپیکر) फा. वि –चाँद-जैसे सुन्दर डीलडौलवाला (वाली)।

माह ब माह (ماہ بماہ) फा वि –हर महीने, मास प्रतिमास।

माहरुख़ (ماہرخ) फा वि –चाँद-जैसे मुँहवाला (वाली) चंद्रवदन, चंद्रवदना, चंद्रमुख, चंद्रमुखी।

माहरू (ماہرو) फा वि –दे 'माहरुख़'।

माहलिक़ा (ماہلقا) फा अ वि –दे. 'माहतल्अत'।

माहवश (ماہوش) फा वि –चाँद-जैसा (-जैसी)।

माहवार (ماہوار) फा वि –हर महीने, मासिक।

माहवारी (ماہواری) फा. वि –दे 'माहवार', (स्त्री) मासिक-धर्म, हैज़।

माहशमाइल (ماہشمائل) फा अ वि –दे 'माहतल्अत'।

माहसल (ماحصل) अ. पु –जो कुछ मिला हो, जो हासिल हुआ हो, निष्कर्ष, नतीजः सारांश, खुलासा।

माहसीमा (ماہسیما) फा अ वि –दे 'माहजबीं'।

माहसूरत (ماہصورت) फा अ वि –दे 'माहरुख़'।

माहानः (ماہانہ) फा अव्य –हर महीने का, माहवार, प्रतिमास।

माहिए बेआब (ماہئی بےآب) फा स्त्री –बिना पानी की मछली, जलहीन मीन, अर्थात् बहुत दुखी, बहुत व्याकुल।

माहियानः (ماہیانہ) फा पु –वेतन, तनख्वाह, माहवारी तनख्वाह, माहवारी, महीने का, मासिक।

माहिर (ماہر) अ. वि –दक्ष, कुशल, होशियार; अभ्यस्त, मश्शाक़।

माहिरे कामिल (ماہر کامل) अ. वि –किसी फन का पूरा माहिर, पारंगत।

माहिरे ख़ुसूसी (ماہر خصوصی) अ वि –किसी विशेष फन का विशेष ज्ञाता, विशेषज्ञ, वैशेषिक।

माहिरे फ़न (ماہر فن) अ वि –फन का ज्ञाता, कलामर्मज्ञ, कलाकार।

माही (ماحی) अ वि –महव करनेवाला, मिटानेवाला, नष्टकर्ता।

माही (ماهی) फा पु –मीन, मत्स्य, माछी, मछली।

माहीगीर (ماهی گیر) फा वि –मछली पकड़नेवाला, मछलियो का रोजगार करनेवाला, मत्स्यजीवी।

माहीच. (ماهیچه) फा स्त्री –सिवैयाँ।

माहीखोर (ماهی خور) फा वि –मछली खानेवाला, मत्स्य-भोजी।

माहीनः (ماهینه) फा अव्य –महीना, मास।

माहीपुश्त (ماهی پشت) फा वि –वह जो वीच मे ऊँचा और इधर-उधर नीचा हो, उन्नतोदर, मुहद्दब।

माहीफरोश (ماهی فروش) फा वि –मछली वेचनेवाला, मत्स्य-वणिक्, मीन-व्यवसायी।

माहीमरातिव (ماهی مراتب) फा अ पु –मछली आदि के आकार के वह निशानात जो वादशाहो की सवारी के आगे हाथियो पर चलते है।

माहीयत (ماهیت) अ स्त्री –वास्तविकता, हकीकत, गुण, खासियत, क्या है, कैसा है, किस प्रकार का है, यह सब विवरण।

मा'हूद (معهود) अ वि –वह वात जो दिल में वैठी हो।

मा'हूदानः (ماهودانه) फा पु –जमालगोटा।

मा'हूदे खारिजी (معهود خارجی) अ पु –वह जातिवाचक सज्ञा जो कारण-विशेष से व्यक्तिवाचक वन जाय, जैसे—'खलील' जो जातिवाचक है, परन्तु हज्रत इब्राहीम के लिए वोला जाता है।

माहूदे जेह्नी (معهود ذهنی) अ वि –वह सज्ञा जो हो तो जातिवाचक, परन्तु किसी के जेहन में व्यक्तिवाचक हो, जैसे—शत्रु जातिवाचक है, परन्तु कोई शत्रु कहकर, मन में उससे 'व्यक्ति-विशेष' को समझता है।

माहे कन्आँ (ماه کنعان) फा अ पु –हज्रत यूसुफ।

माहे क़मरी (ماه قمری) फा अ पु –चाँद का महीना, चान्द्र-मास, जिस महीने का हिसाव चाँद की घटा-वढी से हो।

माहे कामिल (ماه کامل) फा अ पु –चौदहवी का चाँद, पूरा चाँद, पूर्णचंद्र, राकेश।

माहे खानगी (ماه خانگی) फा स्त्री –घर गिरिस्तिनी, जिससे इश्क किया जाय, जो वाज़ारी स्त्री न हो।

माहे गिरिफ्त: (ماه گرفته) फा पु –ग्रस्त (ग्रहण लगा) हुआ चाँद।

माहे चारदहुम (ماه چاردهم) फा पु –चौदहवी रात का चाँद, पूर्णचद्र।

माहे तावाँ (ماه تابان) फा पु –चमकता हुआ चाँद, पूरा चाँद, प्रेयसी का चन्द्रानन।

माहे दुहफ्त: (ماه دو هفته) फा पु –चौदहवी का चाँद, राकेश।

माहे नख़्शव (ماه نخشب) फा पु –वह चाँद जिसे हकीम इव्ने मुकन्ना ने वनाया था।

माहे नौ (ماه نو) फा अ पु –नया चाँद, नवचन्द्र, वालेंदु।

माहे मिस्र (ماه مصر) फा अ –हज़रत यूसुफ।

माहे मुनीर (ماه منیر) फा अ पु –चमकनेवाला चाँद, पूरा चाँद।

माहे मुवारक (ماه مبارک) फा अ पु –रम्ज़ान शरीफ का महीना, रोजो का चाँद।

माहे शम्सी (ماه شمسی) फा अ पु –वह महीना जिसका हिसाव सूर्य के चक्कर से होता है, ईसवी महीना।

माहे शिकस्त: (ماه شکسته) फा पु –नया चाँद, नवचद्र।

माहे सियाम (ماه صیام) फा अ पु –दे 'माहे मुवारक'।

मि

मिंजल (منجل) अ स्त्री –खेत काटने का हँसिया, दराँती।

मिंतक़: (منطقه) अ पु.–कटिवध, सर्दी-गर्मी आदि के दृष्टि-कोण से पृथ्वी के खड, हर खड एक मिंतका कहलाता है, पटका, कमर मे वाँधने की पेटी।

मिंतक (منطق) अ पु –पटका, पेटी, कटिवध।

मिंतकए वारिद: (منطقۂ بارده) अ पु –शीत कटिवध, वह मिंतक़ा जो वहुत अधिक ठडा है।

मिंतकए मा'तदिल (منطقۂ معتدله) अ पु –सम शीतोष्ण कटिवध, वह मिंतका जहाँ न वहुत ठड है न गर्म।

मिंतक़ए मोह्रक: (منطقۂ محرقه) अ पु –दे 'मिंतक़ए हार्र'।

मिंतक़ए हार्र (منطقۂ حاره) अ पु –उष्ण कटिवध, वह मिंतका जो वहुत गर्म है।

मिंतक़तुल वुरूज (منطقة البروج) अ पु –राशिचक्र, भचक्र।

मिंतकात (منطقات) अ पु –'मिंतक' का वहु, मिंतक़े।

मिंदील (مندیل) अ पु –कमर में वाँधने का विशेष रुमाल, सर पर वाँधने का विशेष रुमाल।

मिंवर (منبر) अ पु –मस्जिद मे वह ऊँचा स्थान जहाँ इमाम खुत्वा पढता है।

मिंशफ (منشف) अ पु –तौलिया, जिस्म पोछने का अँगोछा।

मिंशार (منشار) अ पु –आरा, लकडी चीरने का यत्र, जरर फैलाने का यत्र।

मिसफ (مسفه) अ पु –वह पाँच शाखोवाली लकडी जिससे खलियान का लाँक ऊपर-नीचे करते है, पचा।
मिआ (معا) अ स्त्री –अन्न, आँत।
मिआए मुस्तक़ीम (معاء مستقیم) अ स्त्री –सीधी आँत, शरीर की एक आँत।
मिकस [स्स] (مقص) अ स्त्री –वह रस्सी जिससे दुहते समय जानवर के पाँव बाँधते है।
मिक़्तल (مقتل) अ पु –कत्ल करने का आला।
मिक़्ताल (مقتال) अ पुं –वध करने का यत्र, छुरी।
मिक़्दार (مقدار) अ स्त्री.–मात्रा, वज्न, तोल, अनुमिति, अदाजा (तोल का)।
मिक्नस (مكنسه) अ स्त्री –झाडू, मार्जनी।
मिक़्ना (مقنع) अ. पु –दूल्हा के ओढने का महीन कपड़ा, जिस पर सेहरा रहता है; स्त्रियो के ओढने की महीन चादर, ओढनी।
मिक़्नातीस (مقناطیس) अ पु –चुम्वक पत्थर, दे 'मक़्नातीस', दोनो शुद्ध है।
मिक्नास (مكناس) अ पु –दे 'मिक्नस'।
मिक्याल (مكيال) अ पु –सूखी वस्तु नापने का वर्तन।
मिक़्यास (مقیاس) अ पु –मानयत्र, नापने का आला, अनुमान का यत्र।
मिक़्यासुलमतर (مقیاس المطر) अ पु –वर्षा का जल नापने का यत्र, वर्षामान।
मिक़्यासुलमा (مقیاس الما) अ पु –पानी का हलका भारीपन जानने का यत्र।
मिक़्यासुलमौसिम (مقیاس الموسم) अ पु –मौसम का हाल जानने का यत्र।
मिक़्यासुललवन (مقیاس اللبن) अ पु –दूध की मिलावट जानने का यत्र।
मिक़्यासुलहरारः (مقیاس الحرارہ) अ पु –शरीर की गर्मी, बुखार नापने का यत्र, थर्मामीटर, तापमापक।
मिक़्यासुलहवा (مقیاس الہوا) अ पु –हवा का वेग जानने का यत्र, वायुयत्र।
मिक़राज़ (مقراض) अ स्त्री –कैंची, कर्त्री, कर्तरी, कर्तनी।
मिक़्वल (مقول) अ पु –ज़बान, जीभ, जिह्वा।
मिक़्वा (مقوی) अ पु –दफ्ती, पट्ठा, वह चीज़ जिससे कोई वस्तु पुष्ट की जाय।
मिक्वात (مكوات) अ स्त्री –शरीर के दागने का यंत्र, कपडो पर करने की इस्त्री।
मिक्हल (مكحل) अ स्त्री –सुर्मा लगाने की सलाई, अजन-शलाका।
मिख़लात (مخلات) अ. पु –घोडे का तोवडा जिसमे उसे दाना खिलाया जाता है।
मिग़फ़र (مغفر) अ पु –खोद, शिरस्त्राण, लोहे की फौजी टोपी।
मिग़्रफ़ः (مغرفه) अ. पु –डोई, चमचा, कफगीर।
मिजस (مجس) अ पु –नव्ज़ पर हकीम के हाथ रखने का स्थान, नाडी देखने का स्थान।
मिज़ाज (مزاج) अ पु.–स्वभाव, आदत, गुण, खासियत, प्रकृति, तबीअत, अभिमान, घमड, नाज़-नख़्रा, जी, मन।
मिज़ाजदाँ (مزاجدان) अ फा वि –जो किसी की प्रकृति से परिचित हो, जो स्वभाव पहचानकर उसी के अनुसार बात करता हो।
मिज़ाजदानी (مزاجدانی) अ फा. स्त्री –मिज़ाज पहचानना, स्वभाव के अनुसार बात करना, हाँ मे हाँ मिलाना।
मिज़ाजपुर्सी (مزاجپرسی) अ फा स्त्री –रोगी को देखने और उसे दिलासा देने के लिए जाना, साधारण किसी से मिलने जाना।
मिज़ाजशनास (مزاجشناس) अ फा वि –दे. 'मिज़ाजदाँ'।
मिज़ाजशनासी (مزاجشناسی) अ फा स्त्री –दे 'मिज़ाजदानी'।
मिज़ाजे आली (مزاج عالی) अ पु –दे 'मिज़ाजे मुबारक'।
मिज़ाजे मुबारक (مزاج مبارک) अ पु –आपका मिज़ाज कैसा है? मुलाकात के वक़्त कहते है।
मिज़ाजे शरीफ (مزاج شریف) अ पु –'दे मिज़ाजे मुबारक'।
मिज्दाफ (مجداف) अ पु –वह तिकोनी चौडी लकडी जो नाव में बाँधते है और उससे नाव को चलाते है, डाँड।
मिज़्मर (مزمر) अ पु –एक बाजा, बर्बत, बाँसुरी, मुरली।
मिज्मर (مجمر) अ स्त्री –धूपदानी, अगरदानी, अँगीठी, अंगारधानी, गोरसी।
मिज़्मार (مضمار) अ पु –घोडो को सधाने के लिए दौडाने का मैदान।
मिज़्मार (مزمار) अ स्त्री –बाँसुरी, बसी, वंशी, मुरली।
मित्रक़ः (مطرقه) अ पु –हथौड़ा, जिससे निहाई पर लोहा कूटते है, घन।
मित्हन (مطحن) अ स्त्री –आटा पीसने की चक्की, पेषणी।
मिदाद (مداد) अ स्त्री –मसि, सियाही, रौशनाई।
मिदफ़ा' (مدفع) अ पु –तोप।
मिद्हत (مدحت) अ स्त्री –प्रशसा, श्लाघा, ता'रीफ, स्तुति, कीर्तन, हम्दोसना।

मिद्हतसरा (مدحت‌سرا) अ फा वि –प्रशसक, श्लाघी, तारीफ करनेवाला, स्तुतिपाठक, हम्दोसना करनेवाला।

मिन (من) अ अव्य–से।

मिन अव्वलिही इला आख़िर ही (من اوله الی آخره) अ वा –शुरू से आख़ीर तक, आद्योपान्त।

मिन कुल्लिलवुजूह (من کل الوجوه) अ वा –हर प्रकार से, पूरे तौर पर, सव तरह से।

मिनख़ल (منخل) अ स्त्री –चालनी, चलनी।

मिनजानिब (منجانب) अ अव्य –ओर से, तरफ से।

मिनजानिबिल्लाह (من جانب الله) अ वा –ईश्वर की ओर से, ईश्वर की महिमा से।

मिनजुम्ल. (من جمله) अ अव्य –सब मे से।

मिना (منا) अ पु –मक्के का एक स्थान जहाँ हज के दूसरे दिन हाजी लोग कुर्बानी करते और हजामत वनवाते हैं।

मिनोअन (من وعن) अ वि –पूरा-पूरा, साफ-साफ, जैसा का तैसा, ज्यो का त्यो, अक्षरश।

मिन्क़ार (منقار) अ स्त्री –चोच, चचु।

मिन वजहिन (من وجه) अ अव्य –एक प्रकार से, एक तरह से, एक सूरत से।

मिनहा (منها) अ वि –उन सव में से, निकाला हुआ, कम किया हुआ, घटाया हुआ, तफ़्रीक किया हुआ।

मिनहाई (منهائی) अ स्त्री –कमी, कटौती, तफरीक, व्यवकलन।

मिन्हाज (منهاج) अ स्त्री –मार्ग, पथ, रास्ता, राजमार्ग, सडक।

मिफ़्ताह (مفتاح) अ स्त्री –कुजी, ताली, कुचिका।

मिब्ज़ाक़ (مبزاق) अ पु –उगालदान, थूकने का पात्र।

मियाँ (میاں) फा वि –'मियान' का लघु, दे 'मियान'।

मियांजी (میانجی) फा पु –एलची, दूत, एलचीगरी, दूत-कर्म, दौत्य।

मियांतिही (میاں تہی) फा वि –जिसका वीच खाली हो, वह विस्तर जिसके वीच में रूई न हो।

मियांबंद (میاں بند) फा पु –पटका, कमर की पेटी, कटिबंध।

मियांबाला (میاں بالا) फा वि –दरमियानी कद का, न ठिगना न लंवा।

मियान (میانہ) फा पु –एक प्रकार की पालकी, (वि) दरमियानी, बीच का, माध्यमिक।

मियान.क़द (میانہ‌قد) फा. अ वि –वीच के कद का, न लम्वा न ठिगना।

मियान.क़ामत (میانہ‌قامت) फा अ वि –दे 'मियान कद'।

मियान.गीर (میانہ‌گیر) फा वि –वीच की चीज़ लेनेवाला, हर काम मे एतिदाल वरतनेवाला।

मियानःरवी (میانہ‌روی) फा स्त्री –वीच की चाल, सरलाचार।

मियानःरौ (میانہ‌رو) फा वि –वीच की चाल चलनेवाला, सरलाचारी।

मियान (میان) फा वि –मध्य, वीच (स्त्री), तलवार की मियान, कोप, कमर, कटि।

मियाने राह (میان راہ) फा पु –रास्ते के वीच मे, रास्ते में, रास्ते का बीचोवीच।

मियाने शह्र (میان شہر) फा पु –नगर मे, नगर का वीच।

मिराक (مراق) अ पु –खब्त, पागलपन।

मिराक़ी (مراقی) अ वि –खब्ती, पागल।

मिर्आत (مرآت) अ पु –आईन, दर्पण, मुकुर, शीशा।

मिर्क़ात (مرقات) अ पु –सोपान, सीढी, ज़ीना।

मिर्ज़ा (مرزا) फा पु –मीर्जा का लघु, दे 'मीर्जा'।

मिर्ज़ाइयत (مرزائیت) फा स्त्री –मिर्ज़ापन, कादिया-नियत।

मिर्फ़क़ (مرفق) अ स्त्री –कुहनी।

मिर्वह. (مروحه) अ पु –पखा, व्यजन।

मिर्साद (مرصاد) अ पु –चौडा रास्ता, राजमार्ग, सडक।

मिल्ह (ملح) अ पु –नमक, लवण।

मिश्क (مشک) फा पु –दे 'मुश्क'।

मिश्कात (مشکوات) अ स्त्री –वह वडा ताक जिसमे चिराग, फानूस या किंदील रखा जाय।

मिश्कीं (مشکیں) फा वि –दे 'मुश्कीं'।

मिश्कीं मू (مشکیں مو) फा वि –दे 'मुश्कीं मू'।

मिश्त (مشط) अ स्त्री –कघी, प्रसाधनी।

मिस (مس) फा पु –एक प्रसिद्ध धातु, ताँवा, ताम्र।

मिसगर (مس‌گر) फा वि –ताँवे का काम करनेवाला, ठठेरा।

मिसाल (مثال) अ स्त्री –उदाहरण, नज़ीर, समान, वरावर, चित्र, तस्वीर, आदेशपत्र, पर्वाना, आदर्श, नमूना।

मिसालन (مثلاً) अ अव्य –उदाहरणार्थ, मिसाल के तौर पर।

मिसाली (مثالی) अ वि –आदर्श, नमूने के तौर पर, नमूने का।

मिसी (مسی) फा स्त्री.–ताँबे का; एक मजन जिसे स्त्रियाँ वतौर सिगार के इस्तेमाल करती हैं, मिस्सी।

मिसीमालीदः (مسی مالیدہ) फा. वि–मिस्सी मले हुए होंठ।

मिस्क (مسک) अ. स्त्री–दे 'मुश्क'।

मिस्कल. (مصقلہ) अ पु–लोहे का एक यत्र जिससे तलवार आदि चमकाये जाते हैं।

मिस्कल (مصقل) अ. पु–हथियारो को चमकाने का यत्र, मिस्कल.।

मिस्काल (مثقال) अ पु–साढ़े चार माशे की एक तौल।

मिस्कीं (مسکیں) अ. वि–दीन, असहाय, आजिज, दरिद्र, मुफ्लिस, विनम्र, खाकसार, भोला-भाला, सीधा-सादा, सरल।

मिस्कींतब्अ (مسکیں طبع) अ. वि–वहुत ही सीधा साधा, सरल स्वभाव।

मिस्कीनवाज (مسکیں نواز) अ फा वि–दीनो दुखियो को सहारा देनेवाला, दीन-पोषक।

मिस्कींसूरत (مسکیں صورت) अ वि–जिसकी सूरत से सिवाई और नम्रता टपकती हो।

मिस्कीन (مسکین) अ. वि–दे 'मिस्कीं'।

मिस्तवः (مستبہ-مصطبہ) अ वि.–मदिरालय, शराव-खाना, दे 'मस्तव', दोनो शुद्ध हैं।

मिस्तर (مسطر) अ पु.–कागज की दफ्ती, जिसपर मोटा डोरा सतरो की पैमाइश का लगा देते हैं और वरक को उस पर रखकर दवाते हैं जिससे कागज पर सतरें बन जाती हैं।

मिस्दाक (مصداق) अ वि–वह, जिस पर कोई वात ठीक-ठीक घटित हो, चरितार्थ।

मिस्वाह (مصباح) अ पु–दीप, दीपक, चिराग, दिया।

मिस्मार (مسمار) अ वि–नष्ट, ध्वस्त, मुनहदिम, सलाख, मेख।

मिस्र (مصر) अ पुं–एक प्रसिद्ध राष्ट्र जो अफ्रीका मे है।

मिस्रए तरह (مصرع طرح) अ पु–वह मिस्रा' जो रदीफ काफिया और वज्न वताने के लिए मुशायरे मे दिया जाता है।

मिस्रा' (مصرع) अ. पु–आधार शेर, एक चरण।

मिस्रा'अ (مصراع) अ. पु.–दे. 'मिस्रा'।

मिस्री (مصری) अ पु–मिस्र देश का निवासी, (स्त्री) मिस्र देश की भाषा; कूज़े या थाल मे जमी हुई शकर।

मिस्वाक (مسواک) अ स्त्री–दाँत साफ करने की रेशेदार लकडी, दतधावन, दतौन।

मिह (مہ) फा वि–वडा, महान्, वुजुर्ग।

मिहतर (مہتر) फा वि.–महत्तम, वहुत वडा, सरदार, नायक, भंगी, मैला उठानेवाला।

मिहार (مہار) अ स्त्री–ऊँट की नकेल, दे 'महार', दोनो शुद्ध हैं।

मिहतरी (مہتری) फा स्त्री–महत्त्व, वड़ाई; सरदारी, अध्यक्षता।

मिह्र (مہر) फा स्त्री–सूर्य, रवि, भानु, सूरज, प्रेम, दोस्ती। ममता, मामता, कृपा, दया।

मिह्रपर्वर (مہرپرور) फा वि.–दे 'मिह्रवान'।

मिह्रवान (مہربان) फा. वि–दयावान्, कृपालु, मित्र, दोस्त।

मिह्रवानी (مہربانی) फा स्त्री–कृपा, दया, अनुग्रह, अनुकपा, करम।

मिह्रवर (مہرور) फा वि–दे 'मिह्रवान'।

मी

मीअः (میعہ) अ पु–सलारस, एक गाढी दवा, मीअए साइला।

मीअए साइलः (میعۂ سائلہ) अ पु–सलारस।

मीआद (میعاد) अ स्त्री–समय, काल, वक्त, निश्चित काल, मुकर्रर वक्त, वादा, करार, अवधि, मुद्दत (हिन्दी में 'मियाद' इसी अर्थ में प्रचलित है।)

मीआदगाह (میعادگاہ) अ फा स्त्री–वह स्थान जहाँ मिलने का वादा हो, जहाँ मिलना नियत हो।

मीआदी (میعادی) अ वि–मीआदवाला, जो किसी नियत समय तक रहे, जैसे—मीआदी वुखार।

मीआदे मुऐयनः (میعاد معینہ) अ स्त्री–नियत समय, निश्चित समय।

मीआदे मुकर्रर. (میعاد مقررہ) अ स्त्री–दे 'मीआदे मुऐयन।

मीकलः (میکلہ) अ स्त्री.–हाँडी, देगची।

मीकाईल (میکائیل) अ पु–रोज़ी का फिरिश्ता।

मीकात (میقات) अ स्त्री–वादे का स्थान, हाजियो के एहराम वाँधने का स्थान।

मीकाल (میکال) अ. पु–दे 'मीकाईल'।

मीज़नः (میذنہ) अ पु–मस्जिद मे अज़ान देने का स्थान।

मीज़ान (میزان) अ स्त्री–तराज़ू, तुला, कई सख्याओ का जोड, योगफल।

मीज़ानियः (میزانیہ) अ पु–वजट, आयव्ययक, आय-व्यय का सरकारी अनुमान।

मीज़ाने अद्‌ल (میزان عدل) अ स्त्री–सच्ची तराज़ू, जिसमे फेर न हो, वह तराज़ू जिसमे कियामत के दिन अच्छे-वुरे कर्म तुलेंगे।

मीज़ाने अमल (میزانِ عمل) अ स्त्री –दे 'मीज़ाने अद्ल'।

मीज़ाब (میزاب) अ पु –वह परनाला जिससे छनकर पानी आये।

मीना (مینا) फा पु –शराब का जग, शराब का बडा कटर, वह रगीन शीशा जिससे चाँदी-सोने पर नक्काशी होती है।

मीनाई (مینائی) फा वि –शराब के शीशे से सम्बन्धित, एक वश, शाहमीना का वशज।

मीनाए मय (مینائے مے) फा पु –शराब का बडा कटर, क़रावा।

मीनाए लाजवर्द (مینائے لاجورد) फा पु –आकाश, आस्मान।

मीनाकार (میناکار) फा वि –जडाऊ काम करनेवाला, जिस पर जडाऊ काम हो।

मीनाकारी (میناکاری) फा स्त्री –जडाऊ काम, चाँदी-सोने पर मुरस्सासाज़ी।

मीनाख़ानः (میناخانہ) फा पु –जहाँ शीशे हो।

मीना दर बग़ल (مینادربغل) फा वि –बगल में शराब की बोतल दबाये हुए।

मीनाफाम (مینافام) फा वि –नीले रगवाला।

मीनाबदस्त (مینابدست) फा वि –हाथ मे शराब का शीशा लिये हुए।

मीनाबदोश (مینابدوش) फा वि –कधे पर शराब का कटर रखे हुए।

मीनाबाज़ार (مینابازار) फा पु –वह बाज़ार जिसमे केवल स्त्रियाँ क्रय-विक्रय करे, जिसे अकबर ने प्रचलित किया था।

मीनारग (مینارنگ) फा वि –दे 'मीनाफाम'।

मीनार (مینار) उ पु –लबी लाट, मनार, वह ऊँची जगह जहाँ रोशनी करें।

मीनू (مینو) फा पु –स्वर्ग, बिहिश्त, नीले रग का, वह शीशा जो ज़ेवरो पर जडा जाता है, मीना।

मीनूअसास (مینواساس) फा अ वि –स्वर्ग-जैसा सुन्दर और शोभित।

मीनूसवाद (مینوسواد) फा अ वि –दे 'मीनूअसास'।

मीनूसिरिश्त (مینوسرشت) फा वि –दे 'मीनूअसास'।

मीम (میم) अ पु –उर्दू एक अक्षर जो 'म' की आवाज़ देता है, नायिका के मुँह के दहाने से इसकी उपमा दी जाती है।

मीर (میر) अ पु –'अमीर' का लघु, अग्रगण्य, सरआमद, अध्यक्ष, नायक, सरदार, आगे बढ जानेवाला; सैय्यदो की उपाधि।

मीरअर्ज़ (میرعرض) अ पु –वह व्यक्ति जो लोगो के प्रार्थनापत्र बादशाह के सामने उपस्थित करता है।

मीरआख़ुर (میرآخور) अ फा पु –अश्वशाला का निरीक्षक, दारोग़ए अस्तबल।

मीरआखुरबाशी (میرآخورباشی) तु पु –अश्वशाला के दारोगाओ का अध्यक्ष।

मीरआतश (میرآتش) अ फा पु –तोपख़ाने का अध्यक्ष।

मीरआब (میرآب) अ फा पु –जलसेना का नायक।

मीरइमारत (میرعمارت) अ पु –शाही इमारतो की देख-रेख करनेवाला, चीफ इजीनियर।

मीरक़ाफ़िल॰ (میرقافلہ) अ पु –काफिले का सरदार।

मीरकार्वां (میرکارواں) अ फा पु –दे 'मीरे काफिल'।

मीरज़ा (میرزا) फा पु –शाही ख़ानदान के लोगो की उपाधि, मुग़ल जाति का व्यक्ति।

मीरज़ाई (میرزائی) फा वि –मीरज़ापन, सरदारी, शहज़ादगी।

मीरज़ाद॰ (میرزادہ) फा पु –मीर का लडका, शहज़ादा।

मीरज़ामनिश (میرزامنش) अ फा वि –भलामानस, शरीफ।

मीरतुज़ुक (میرتوزک) अ तु पु –सेना का प्रबध करनेवाला, सेनानायक।

मीरफ़र्श (میرفرش) अ पु –वह भारी पत्थर जो फर्श को दबाने के लिए चारो कोनो पर रखे जाते है, वह व्यक्ति जो अपने स्थान से हिले-डुले नही।

मीरबख़्शी (میربخشی) अ फा पु –वेतन बाँटनेवाला अफसर।

मीरबह्र (میربحر) अ पु –जलसेना का अध्यक्ष।

मीरमज़िल (میرمنزل) अ पु –वह व्यक्ति जो सेना के आगे चलकर पडाव का प्रबध करता है।

मीरमत्बख़ (میرمطبخ) अ पु –बावरचीख़ाने का दारोगा।

मीरमह्फिल (میرمحفل) अ पु –सभापति, सदरे मज्लिस।

मीरमहल्ल (میر محلہ) अ पु –महल्ले का चौधरी या मुख्या (मुखिया)।

मीरमुंशी (میرمنشی) अ पु –दफ्तर के तमाम क्लर्कों का नायक।

मीरमुशाअर॰ (میرمشاعرہ) अ पु –कवि-सम्मेलन का सभापति।

मीरमैदाँ (میرمیداں) अ फा पु –योद्धा, जगजू, वीर, शूर, बहादुर।

मीरशबगीर (میرشبگیر) अ फा पु –शह्र कोतवाल, रात में गश्त करनेवाला।

मीरसामाँ (میرساماں) अ फा. पु –खानसामाँ।

मीराँ (میراں) फा पु –'मीर' का बहु, बडे लोग।

मीरास (میراث) अ स्त्री –दाम, तरिका, वह ज़मीन आदि जो किसी को गुजारे के लिए दी गयी हो, नानकार।

मीरासी (میراثی) अ वि –मुसलमानो की एक जाति विशेष जो गाने-बजाने का काम करती है।

मीरी (میری) अ वि –अमीरी, सरदारी, सबसे अव्वल आनेवाला।

मीरे अर्ज़ (میر عرض) अ पु –बादशाह के सामने प्रार्थनापत्र पेश करनेवाला (पेशकार)।

मीरे शिकार (میر شکار) अ फा पु –बादशाहो के शिकारगाह का प्रबध करनेवाला।

मील (میل) अ पु –सुर्मा लगाने की सलाई, अजन-शलाका, १७६० गज़ का फासिला, यह दूरी बतानेवाला पत्थर।

मीलाद (میلاد) अ पु –जन्म का समय, हज़्रत मुहम्मद के कथा की सभा।

मीलादख़्वाँ (میلادخواں) अ फा वि –मीलाद पढनेवाला, हज़्रत मुहम्मद साहब का गुणगान करनेवाला।

मीलादी (میلادی) अ वि –हज़्रत मुहम्मद साहब के जन्मतिथि से प्रारभ होनेवाला साल।

मीलादे मुबारक (میلاد مبارک) अ पु –मीलाद का जल्सा।

मीसाक़ (میثاق) अ पु –प्रतिज्ञा, अहद, वादा, अभिवचन।

मु

मुंजज़िब (منجذب) अ वि –जज्ब होनेवाला, लीन होनेवाला।

मुंज़जिर (منزجر) अ वि –अलग रहनेवाला, बाज़ रहनेवाला।

मुंजमिद (منجمد) अ वि –जमा हुआ, ठड से जमी हुई वस्तु।

मुंजर (منجر) अ वि –खिंचा हुआ, परिवर्तित।

मुंज़ल (منزل) अ वि –नीचे उतरता हुआ, होनेवाली।

मुंजली (منجلی) अ वि –प्रकाशमान्, रौशन, उज्ज्वल, गपफाफ, स्पष्ट, वाज़ेह, देश से बाहर जानेवाला, जलावतन होनेवाला।

मुंज़वी (منزوی) अ वि –ससार से विरक्त होकर एकात में रहनेवाला।

मुंजिज (منضج) अ पु –पकानेवाला, वह दवा जो दूषित धातुओ को पकाकर इस काबिल कर दे कि जुल्लाब देने पर सुगमता से निकल जायें।

मुंजिद (منجد) अ वि –सहायक, मददगार।

मुंज़िर (منذر) अ वि –डरानेवाला।

मुंज़िल (منزل) नीचे उतरनेवाला, वीर्यपात करनेवाला।

मुंजिस (منجس) वि –अपवित्र करनेवाला।

मुंजी (منجی) अ वि –नजात दिलानेवाला।

मुंतकल [ल्ल] (منتقل) अ वि –एक स्थान से दूसरे स्थान को गया हुआ, एक स्थान से दूसरे स्थान को हटाया हुआ।

मुंतक़ल इलैह (منتقل الیه) अ वि –जिसकी ओर मुतकिल किया गया हो, जिसके नाम कोई वस्तु लिखी हो या दी हो।

मुंतकिम (منتقم) अ वि –बदी का बदला लेनेवाला, प्रत्यपकारी।

मुंतकिल (منتقل) अ वि –एक स्थान से दूसरे स्थान को जानेवाला, एक स्थान से दूसरे स्थान को हटनेवाली वस्तु, एक स्थान से दूसरे स्थान को तबादले पर जानेवाला नौकर।

मुंतक़िली (منتقلی) अ वि –एक स्थान से दूसरे स्थान को जाना, एक जगह की चीज का दूसरी जगह जाना, नौकर का तबादला।

मुंतख़ब (منتخب) अ वि –छाँटा हुआ, चुना हुआ, सकलित, चुना हुआ कलाम या मजमून, निर्वाचित, चुना हुआ आदमी।

मुंतख़बात (منتخبات) अ पु –पुस्तक के रूप मे चुने हुए गद्य और पद्य का संग्रह।

मुंतज़र (منتظر) अ वि –जिसकी प्रतीक्षा देखी जा रही हो, प्रतीक्ष्य।

मुंतज़िमः (منتظمه) अ स्त्री –प्रबधकारिणी, इतिज़ाम करनेवाली।

मुंतज़िम (منتظم) अ वि –प्रबधक, व्यवस्थापक, इतिज़ाम करनेवाला।

मुंतजिम (منتجم) अ वि –प्रकाशमान्, दीप्त, रोशन।

मुंतज़िर (منتظر) अ वि –प्रतीक्षक, इतिजार करनेवाला।

मुंतज़े (منتزع) अ वि –उखडनेवाला, अस्त-व्यस्त होनेवाला।

मुंतफ़ी (منتفی) अ वि –नष्ट होनेवाला।

मुंतफ़ी (منطفی) अ वि –बुझनेवाला, बुझनेवाली आग या बुझनेवाला चिराग आदि।

मुंतफ़े' (منتفع) अ वि –लाभ उठानेवाला, लाभान्वित।

मुंतबिक़ (منطبق) अ वि –चरितार्थ, ठीक-ठीक घटित होनेवाला।

मुंतबे (منطبع) अ. वि –छपनेवाला, अकित होनेवाला।

मुंतशिर (منتشر) अ वि —अस्त-व्यस्त, तितर-वितर, उद्विग्न, परेशान।

मुंतसिब (منتسب) अ वि —सम्बन्ध रखनेवाला, सम्बद्ध।

मुंतहा (منتہا) अ वि —पराकाष्ठा, अंतिम सीमा, आखिरी हद, जो पराकाष्ठा को प्राप्त हो।

मुंतही (منتہی) अ वि —पराकाष्ठा या अंत को पहुँचनेवाला, विद्या में पारगत होनेवाला, स्नातक।

मुंतिज (منتج) अ वि —फल देनेवाला, परिणाम देनेवाला।

मुंतिन (منتن) अ वि —बदबूदार, दुर्गंधयुक्त।

मुंदफे (مندفع) अ वि —निवारित, निराकृत, जो दफा हो गया हो।

मुंदमिल (مندمل) अ वि —वह घाव जो भर आया हो, रोपित।

मुंदरिज (مندرج) अ वि —लिखित, दर्ज, प्रविष्ट, अंकित।

मुंदरिजे ज़ैल (مندرج ذیل) अ वि —निम्नलिखित, नीचे लिखा हुआ।

मुंदरिस (مندرس) अ वि —फटा-पुराना, कपडा, जीर्ण-शीर्ण।

मुंबइस (منبعث) अ वि —उठनेवाला।

मुंबसित (منبسط) अ वि —प्रसन्न, हर्षित, खुश।

मुंशआत (منشعات) अ पु —खतो या मज़्मूनो का सग्रह।

मुंशइब (منشعب) अ वि —शाखो में बटा हुआ, तितर-बितर, मुतशिर।

मुंशक़[क़्क़] (منشق) अ वि —फटा हुआ, जो फट गया हो, विदीर्ण।

मुंशरेह (منشرح) अ वि —खुलनेवाला, खुला हुआ।

मुंशिद (منشد) अ वि —शेर पढनेवाला।

मुंशियानः (منشیانہ) अ फा अव्य —मुंशियो-जैसा, जैसे—'मुंशियाना खत'।

मुंशी (منشی) अ वि —गद्य लेखक, अदीब, लिपिक, क्लर्क, वकील का मुहर्रिर, कचहरी मे अर्जियाँ लिखनेवाला, जिसकी लिखावट अच्छी हो।

मुंशीखानः (منشی خانہ) अ फा पु —मुंशियो के बैठने का स्थान, उर्दू का दफ्तर।

मुंशीगरी (منشی گری) अ फा स्त्री —लिखने का काम, मुहर्रिरी।

मुंशीए फलक (منشی فلک) अ पु —बुध ग्रह, उतारिद।

मुंसद[द्द] (منسد) अ वि —रुका हुआ, अवरुद्ध, जिसका इंसिदाद कर दिया गया हो।

मुंसबिग़ (منصبغ) अ वि —रंजित, रँगा हुआ।

मुंसरिफ (منصرف) अ वि —एक दशा से दूसरी दशा मे परिवर्तित होनेवाला, व्याकरण मे अरबी का वह शब्द जो कारक से प्रभावित होकर अपने अंतिम अक्षर पर जेर, ज़बर, पेश दे, अनव्यय।

मुंसरिम (منصرم) अ पु —प्रबंध, इंतिज़ाम करनवाला, दीवानी का एक उहदेदार।

मुंसलिक (منسلک) अ पु —पिरोया हुआ, लडी मे डाला हुआ, सूत्रित, नत्थी।

मुंसिफ (منصف) अ वि —न्यायकर्ता, इंसाफ करनेवाला, दीवानी का एक उच्च पदाधिकारी, न्यायधिकर्ता।

मुंसिफमिज़ाज (منصف مزاج) अ वि —जिसके स्वभाव मे न्याय-प्रियता हो, न्यायनिष्ठ।

मुंसिफानः (منصفانہ) अ फा अव्य —मुंसिफो-जैसा, न्यायपूर्ण, न्यायोचित।

मुंसिफी (منصفی) अ स्त्री —न्याय, इंसाफ, मुंसिफ की कचहरी, मुंसिफ का पद।

मुअंबर (معنبر) अ वि —अबर की सुगध मे बसा हुआ, अबर-जैसी सुगध देनेवाला।

मुअंबरी (معنبریں) अ फा वि —दे 'मुअबर'।

मुअक़्क़द (معقد) अ वि —ग्रथित, गठीला, जिस इबारत में ता'कीद का दोष हो।

मुअक़्क़र (موقر) अ वि —प्रतिष्ठित, पूज्य, काबिले एहतिराम, जिम्मेदार, मान्य।

मुअक़्क़िद (معقد) अ वि —गाँठ लगानेवाला।

मुअज़्ज़ज़ (معزز) अ वि —प्रतिष्ठित, जी इज़्ज़त, समानित, मोहतरम।

मुअज़्ज़मः (معظمہ) अ वि —पूज्य स्त्री, पूज्य स्थान, जैसे—मक्कए मुअज़्ज़मा।

मुअज़्ज़म (معظم) अ वि —प्रतिष्ठित, इज़्ज़तदार, श्रेष्ठ, बुज़ुर्ग।

मुअज्जल (معجل) अ वि —शीघ्रित, जल्दी किया हुआ।

मुअज़्ज़िन (معذن) अ पु —मस्जिद में अज़ान देनेवाला।

मुअज़्ज़िब (معذب) अ वि —सख्त कष्ट देनेवाला, अज़ाब यानी पापदड देनेवाला।

मुअज्जिल (معجل) अ वि —जल्दी करनेवाला, उतावला।

मुअत्तर (معطر) अ वि —सुगधित, सुवासित, खुशबू मे बसा हुआ।

मुअत्तल (معطل) अ वि —जो काम करने से रोक दिया गया हो, जिसके पास काम न हो, बेकार, जो संस्था अपना काम न कर रही हो, सस्पेण्ड।

मुअत्तिश (معطش) अ वि —प्यास लगानेवाली चीज, जिसके खाने से प्यास अधिक लगे।

मुअर्बद (معربد) अ वि –तीव्र प्रकृतिवाला, कटु स्वभाववाला, बदखू, लडाका, कलहप्रिय।
मुअद्दिल (معدل) अ वि –दो बराबर भागो मे बाँटनेवाला।
मुअद्दिलुन्नहार (معدل النہار) अ. पु –वह वृत्त जिस पर सूर्य के पहुँचने से दिन-रात बराबर होते हैं, नाडीवृत्त।
मुअद्दी (موَدی) अ वि –पहुँचानेवाला, भेजनेवाला, प्रेपक।
मुअन्वन (معنون) अ वि –किसी के नाम समर्पित की गयी पुस्तक।
मुअद्दद (معدد) अ. वि –गणित, गिना हुआ, शुमार किया हुआ।
मुअद्दब (مودب) अ वि –शिष्ट, सभ्य, तमीजदार, अदब के साथ, शिष्टतापूर्ण।
मुअद्दा (مودیٰ) अ वि –अदा किया हुआ, वेबाक, शोधित।
मुअन्नस (مونث) अ. स्त्री –स्त्रीलिंग।
मुअम्मर (معمر) अ वि –वडी आयुवाला, बूढा, वयोवृद्ध।
मुअम्मा (معما) अ पु –प्रतियोगिता।
मुअय्यिद (موید) अ वि.–ताईद करनेवाला, हाँ मे हाँ मिलानेवाला, समर्थक।
मुअय्यन (معین) अ वि –निश्चित, नियत, मुकर्रर।
मुअर्रब (معرب) अ वि.–अन्य भाषा का शब्द जो अरबी बना लिया जाय।
मुअर्रा (معرا) अ वि –विहीन, रिक्त, खाली, वह पुस्तक जिसकी टीका न हो, वह गद्य जो बिलकुल सादा हो।
मुअर्रिक (معرق) अ वि –पसीना लानेवाली दवा।
मुअर्रिख (مورخ) अ वि –इतिहास लेखक, तारीखदाँ।
मुअर्रिखानः (مورخانہ) अ फा अव्य –इतिहास लेखकों-जैसा।
मुअर्रिखे वक्त (مورخِ وقت) अ पु –समयरूपी इतिहास लेखक।
मुअर्रिफ (معرف) अ वि –प्रशसक, ता'रीफ करनेवाला।
मुअल्लकः (معلقہ) अ वि –बीच मे लटकी हुई चीज़, बीच मे लटकी हुई स्त्री जिससे पति न तो छोडे, न अपने पास रखे।
मुअल्लक़ (معلق) अ. वि –अधर में लटका हुआ, हवा मे ठहरा हुआ, वह मृत्यु जो टल जाय, वह काम जो बीच मे रुका हो।
मुअल्लफः (مولفہ) अ वि –तालीफ की हुई पुस्तक, संपादित पुस्तक।
मुअल्लफ (مولف) अ. वि –सपादित, रचित, तालीफ किया हुआ।
मुअल्लफात (مولفات) अ. पु –सपादित पुस्तकें, लिखी हुई किताबें।
मुअल्ला (معلیٰ) अ वि –उच्च, उत्तुग, ऊँचा, श्रेष्ठ, उत्तम, आला।
मुअल्ला अल्काब (معلیٰ القاب) अ वि –बडे अल्कावोंवाला, अर्थात् श्रेष्ठ व्यक्ति।
मुअल्लिफः (مولفہ) अ स्त्री –सपादिका, तालीफ करनेवाली, पुस्तक सपादित करनेवाली।
मुअल्लिफ (مولف) अ पु –सपादक, सकलन करनेवाला।
मुअल्लिमः (معلمہ) अ स्त्री –अध्यापिका, पढानेवाली।
मुअल्लिम (معلم) अ पु –अध्यापक, पढानेवाला।
मुअल्लिमुल मलकूत (معلم الملکوت) अ पु –फिरिश्तों को पढानेवाला, शैतान।
मुअल्लिमुल मलाइक (معلم الملائک) अ पु –दे 'मुअल्लिमुल मलकूत'।
मुअव्वज (معوج) अ वि –टेढा, वक्र, खमीद।
मुअस्फ़र (معصفر) अ पु –कुसुम का पेड, कुसुम।
मुअस्सिर (موثر) अ वि –असर डालनेवाला, तासीर दिखानेवाला, गुणकारी।
मुअस्सिस (موسس) अ वि –नीव रखनेवाला, शिलान्यासकर्ता।
मुआकबत (معاقبت) अ स्त्री –कष्ट पहुँचाना, पीडा देना।
मुआकलत (مواکلت) अ स्त्री –साथ-साथ खाना खाना।
मुआक़िब (معاقب) अ वि –पीडा देनेवाला, कष्टदायी।
मुआखज़ः (مواخذہ) अ पु –पकड, गिरिफ्त, भूल या अपराध की पकड, प्रतिकार, बदला।
मुआख़ात (مواخات) अ स्त्री –भाईचारा, बन्धुत्व, भाई-बिरादरीपन।
मुआख़िज (مواخذ) अ वि –मुआखज़ा करनेवाला, दोष या अपराध पर कडी पकड करनेवाला।
मुआज़दत (معاضدت) अ स्त्री –सहायता, पुष्टि, हिमायत।
मुआज़नः (موازنہ) अ पु –तुलना, समानता, बराबरी।
मुआज़िद (معاضد) अ वि –सहायक, हिमायती।
मुआतफत (معاطفت) अ स्त्री –कृपा, अनुग्रह, दया, मेहरबानी।
मुआतबत (معاتبت) अ स्त्री –परस्पर क्रोध करना, एक-दूसरे पर गुस्सा होना।
मुआतात (معاطات) अ. स्त्री –देना, अता करना।
मुआतिफ (معاطف) अ वि –कृपा करनेवाला, दयालु।
मुआतिब (معاتب) अ वि –क्रोध करनेवाला, क्रोधी।
मुआदलत (معادلت) अ स्त्री –न्याय, नीति, इसाफ़।

मुआदा (معادا) अ पु –'मुआदात' का लघु, दे 'मुआदात'।

मुआदात (معادات) अ स्त्री –परस्पर शत्रुता, आपसी वैर।

मुआदिल (معادل) अ वि –न्याय-कर्ता, मुसिफ़, वरावर के दो टुकडे करनेवाला।

मुआनक़ः (معانقہ) अ पु –गले मिलना, एक का दूसरे से गले मिलना, आलिंगन, वगलगीरी।

मुआनदत (معاندت) अ स्त्री –परस्पर द्वेष, आपसी वैर।

मुआनसत (موانست) अ स्त्री –परस्पर मैत्री, दोस्ती, मित्रता।

मुआनिक़ (معانق) अ वि –गले मिलनेवाला, वगलगीर होनेवाला।

मुआनिद (معاند) अ वि –शत्रु, वैरी, दुश्मन।

मुआनिदीन (معاندین) अ पु –'मुआनिद' का वहु, विरोधी लोग, द्वेष रखनेवाले।

मुआनिस (موانس) अ वि –मित्र, सखा, दोस्त।

मुआफ़ (معاف) अ वि –क्षमा प्राप्त, क्षमित।

मुआफ़क़त (موافقت) अ स्त्री –समानता, यकसानियत, अनुकूलता, इत्तिफ़ाक, मैत्री, दोस्ती।

मुआफ़िक़ (موافق) अ वि –अनुकूल, मुत्तफिक, मित्र, दोस्त।

मुआफ़िक़ीन (موافقین) अ पु –'मुआफिक' का वहु, अनुकूल लोग।

मुआफ़ी (معافی) अ स्त्री –क्षमा, वख़शिश।

मुआफ़ीदार (معافی دار) अ फा वि –जिसे मुआफी की ज़मीन या जागीर मिली हो।

मुआफ़ीनामः (معافی نامہ) अ फा पु –वह पत्र जिसमे कोई व्यक्ति अपने अपराध-क्षमा की लिखित तह्रीर दे, क्षमापत्र।

मुआमरत (موامرت) अ स्त्री –परस्पर सलाह मशवुर, विचार-विनिमय, परामर्श।

मुआमलः (معاملہ) अ पु –परस्पर मिलकर कोई काम करना, व्यवसाय, कारोवार, लेन-देन, घटना, हादिसा, समझौता, तस्फिया, कलह, झगडा, विषय, सम्वन्ध, मुकद्दमा, वरताव, साविका।

मुआमल'अंदेश (معاملہ اندیش) अ फा वि –मुआमले को सोचकर काम करनेवाला।

मुआमल अंदेशी (معاملہ اندیشی) अ फा स्त्री –मुआमला सोच-समझकर काम करना।

मुआमलःदाँ (معاملہ داں) अ फा वि –मुआमले को समझनेवाला, दूरदर्शी, वात की तह को समझनेवाला, अनुभवी, तज्रवाकार।

मुआमलःदानी (معاملہ دانی) अ फा स्त्री –मुआमला समझकर काम करना, वात की तह को पहुँचना, तज्रवाकारी।

मुआमलःनादाँ (معاملہ ناداں) अ फा वि –जो मुआमला न समझे, मूर्ख, वेवक़ूफ़।

मुआमल पसद (معاملہ پسند) अ फा वि –मुआमले की वात को पसद करनेवाला।

मुआमल.पसदी (معاملہ پسندی) अ फा स्त्री –मुआमले की वात पसद करना, मुआमले की वात मानना।

मुआमल फ़ह्म (معاملہ فہم) अ वि –दे 'मुआमल दाँ'।

मुआमल.फ़ह्मी (معاملہ فہمی) अ स्त्री –दे 'मुआमल दानी'।

मुआमल.बंद (معاملہ بند) अ फा वि –मुआमल वदी करनेवाला।

मुआमल'वदी (معاملہ بندی) अ फा स्त्री –शे'र अर्थात् कविता में नायक और नायिका के प्रेम के मुआमलो को इस प्रकार वाँधना कि उनका प्राकृतिक चित्र आँखो के सामने फिर जाय।

मुआमल वीं (معاملہ بیں) अ फा वि –दे 'मुआमल-अदेश'।

मुआमलःवीनी (معاملہ بینی) अ फा वि –दे 'मुआमल अदेशी'।

मुआमल शनास (معاملہ شناس) अ फा वि –दे 'मुआमल दाँ।'

मुआमलःशनासी (معاملہ شناسی) अ फा स्त्री –दे 'मुआमल दानी'।

मुआमलःसज (معاملہ سنج) अ फा वि –दे 'मुआमल दाँ'।

मुआमल'सजी (معاملہ سنجی) अ फा स्त्री –दे 'मुआमल´दानी'।

मुआमलत (معاملت) अ स्त्री –वाहमी मुआमल, पारस्परिक व्यवहार।

मुआमलात (معاملات) अ पु –'मुआमल' का वहु, काम, उमूर, तअल्लुकात, सम्वन्ध, व्यवहार, तर्ज़ेअमल, मुकद्दमे।

मुआमलाते क़ौमी (معاملات قومی) अ पु –राष्ट्र के राजनीतिक मुआमले, जातीय समस्याएँ, जाति और विरादरी के मुआमले।

मुआमलाते ख़ानगी (معاملات خانگی) अ फा पु –घरेलू झगडे, घरेलू और निजी मुआमले।

मुआमलाते ख़ुफ़्य. (معاملات خفیہ) अ फा पु –वह मुआमले जो कहे न जा सके, गुप्त वाते, रहस्य।

मुआमलाते जाती (معاملات ذاتی) अ पु –निजी मुआमले, घरेलू समस्याएँ, वैयक्तिक समस्याएँ ।

मुआमलाते मुल्की (معاملات ملکی) अ. पु –राष्ट्र की समस्याएँ, राजनीतिक उलझने, सियासी मुआमले ।

मुआमलाते शख़्सी (معاملات شخصی) अ पु.–दे 'मुआमिलाते जाती' ।

मुआमलाते सल्तनत (معاملات سلطنت) अ पु –राज्य की समस्याएँ, राजनीति की उलझने या मुआमले ।

मुआमलाते हुकूमत (معاملات حکومت) अ पु –दे 'मुआमलाते सल्तनत' ।

मुआमिल (معامل) अ वि –मुआमला करनेवाला ।

मुआयनः (معاینہ) अ पु –किसी चीज या विषय मे पूरा गौर करना, पर्यवेक्षण, किसी कार्यालय आदि के कामो की जाँच-पडताल करना, निरीक्षण ।

मुआरजः (معارضہ) अ पु –कलह, झगडा, टटा, वाद-विवाद, वहस ।

मुआरिज (معارض) अ वि –कलह और झगडा करनेवाला, वाद-विवाद करनेवाला, प्रतिद्वन्द्वी, हरीफ, विरोधी, मुखालिफ ।

मुआलजः (معالجہ) अ पु –चिकित्सा, उपचार, इलाज, यत्न, तदवीर, उपाय ।

मुआलजात (معالجات) अ पु –'मुआलज' का वहु, इलाज, उपचार, वह ग्रथ जो चिकित्सा के सम्वन्ध मे हो, नुस्खो की किताबें, किसी वडे हकीम के मतव के नुस्खो का सग्रह ।

मुआलफत (مؤالفت) अ स्त्री –पस्पर मैत्री, प्रेम-व्यवहार, दोस्ती, मित्रता ।

मुआला (موالا) अ पु –'मुआलात' का लघु, दे 'मुआलात' ।

मुआलात (موالات) अ स्त्री –परस्पर मित्रता और सहायता, दोस्ती और एक दूसरे की मदद ।

मुआलिज (معالج) अ पु –इलाज करनेवाला, चिकित्सक, वैद्य, भिषक् ।

मुआवजः (معاوضہ) अ पु –किसी वस्तु का मूल्य जो वस्तु के बदले मे दिया जाय, मूल्य, वह धन जो किसी क्षति के बदले मे दिया जाय, क्षति-पूर्ति के लिए धन देना ।

मुआवदत (معاودت) अ स्त्री –प्रत्यागमन, लौटना, वापसी ।

मुआवनत (معاونت) अ स्त्री –एक दूसरे की सहायता, सहायता, मदद ।

मुआविन (معاون) अ वि –सहायक, मददगार, वह नदी जो किसी बडी नदी मे मिले, सहायक नदी, पक्षपाती, पृष्ठ-पोषक, हिमायती ।

मुआविने जुर्म (معاون جرم) अ वि –जो किसी अपराध या षड्यन्त्र में किसी का सहायक हो ।

मुआशरः (معاشرہ) अ. पु.–दे 'मुआशरत' ।

मुआशरत (معاشرت) अ स्त्री –वहुत-से लोगो का एक स्थान पर रहकर मेल-जोल और एक-दूसरे को सहायता देकर जीवन व्यतीत करना, नागरिकता, सभ्यता, तहज़ीव ।

मुआशिर (معاشر) अ वि –मुआशरत करनेवाला, नागरिक, मित्र, सखा, दोस्त, हमदम ।

मुआसरत (معاصرت) अ स्त्री –दो या अधिक व्यक्तियो का समकालीन होना ।

मुआसा (مواسا) अ पु –'मुआसात' का लघु, दे 'मुआसात' ।

मुआसात (مواسات) अ. स्त्री –सहायता, मदद, सहानुभूति, गमख्वारी, शील, मुरव्वत ।

मुआसिर (معاصر) अ वि –एक समय मे होनेवाला, एक समय में होनेवाले व्यक्ति, समकालीन ।

मुआसिरीन (معاصرین) अ पु –'मुआसिर' का वहु, समकालीन लोग ।

मुआहदः (معاہدہ) अ पु –परस्पर कौलकरार, आपस मे किसी बात की प्रतिज्ञा, ऐग्रीमेंट, सप्रतिज्ञा ।

मुआहदत (معاہدت) अ स्त्री –दे 'मुआहद' ।

मुआहिद (معاہد) अ वि –प्रतिज्ञा करनेवाला, ऐग्रीमेंट करनेवाला ।

मुइज्ज (معز) अ वि –समान, प्रतिष्ठा देनेवाला, ईश्वर का एक नाम ।

मुइद [द्द] (معد) अ वि –कटिवद्ध और तैयार करनेवाला ।

मुईद (معید) अ वि –किसी कार्य को बारबार करनेवाला ।

मुईन (معین) अ वि –सहायक, मददगार, पृष्ठ-पोषक, हिमायती ।

मुऐयनः (معینہ) अ वि –नियत, मुकर्रर, जैसे—'तारीखे मुअय्यन' ।

मुऐयन (معین) अ वि –नियत, निश्चित, मुकर्रर, दे 'मुअय्यन' ।

मुऐयिद (موید) अ वि –समर्थक, ताईद और पुष्टि करनेवाला, दे 'मुअय्यिद' ।

मुकज्जव (مکذب) अ वि –जिसकी बात को झूठ बताया या सावित किया गया हो, जो बात झूठ सावित की गयी हो ।

मुकज्जिव (مکذب) अ वि –किसी को झूठा बतानेवाला, किसी की बात को झूठ सावित करनेवाला ।

मुक़त्तर (مقطر) अ वि –बूँद-बूँद करके टपकाया हुआ, कर्अइबीक़ में खीचा हुआ, निथार, ऊपर का साफ पानी या दवा आदि ।

मुक़त्ता' (مقطع) अ वि—छाँटा तराशा हुआ, शिष्ट, सस्कृत, शाइस्ता, जिसकी डाढी तर्शी हुई हो।

मुकद्दमः (مقدمہ) अ पु—वाद, नालिश, दावा, किताव की भूमिका, प्रस्तावना, प्राक्कथन, पेश लफ्ज, विषय, मुआमला, कार्य, काम।

मुकद्दमःवाज़ (مقدمہ باز) अ फा वि—जो वहुत मुकदमे लडता हो, जो ज़रा-ज़रा-सी वात पर मुकदमे कर देता हो, जो मुकदमावाजी मे वहुत होशियार हो।

मुकद्दम (مقدم) अ वि—प्रधान, मुरज्जह, मुख्य, खास, (पु) गाँव का मुखिया, अगला हिस्सा।

मुक़द्दर (مقدر) अ पु—प्रारब्ध, भाग्य, अदृष्ट, तक्दीर, भाग, किस्मत, वह शब्द जो इवारत में न हो परतु अर्थ में लिया जाय, लुप्त।

मुकद्दर (مکدر) अ वि—मलिन, मैला, गदला, अप्रसन्न, नाखुश।

मुक़द्दरआज़माई (مقدرآزمائی) अ फा स्त्री—भाग्य-परीक्षा, तक्दीर की आज़माइश, किसी काम में हाथ डालना और यह देखना कि होता है या नही।

मुकद्दरात (مقدرات) अ पु—तकदीर की वाते, भाग्य मे लिखे हुए मुआमलात।

मुक़द्दस (مقدسہ) अ वि—पवित्र, पाक चीज़।

मुकद्दस (مقدس) अ वि—पवित्र, पाक, पुनीतात्मा, वुज़ुर्गी।

मुकद्दिसः (مقدمہ) अ वि—आगे चलनेवाली।

मुक़द्दिमतुलजैश (مقدمۃالجیش) अ पु—वह थोडी सेना जो वडी सेना के आगे चलकर उसके पडाव आदि का प्रवध करती या शत्रु की सेना के समाचार प्राप्त करती है, हिरावुल, नायक, सरदार, नेता, लीडर।

मुकन्नित. (مقننہ) अ स्त्री—विधानसभा, लेजिस्लेटिव एसैम्वली।

मुकन्निन (مقنن) अ वि—कानून जाननेवाला, क़ानून-पेश वकील, कानून वनानेवाला, विधायक।

मुक़फ़्फल (مقفل) अ वि—जिसमें कुफुल पडा हो, यत्रित, जैसे—'मुक़फ्फल सदूक'।

मुक़फ़्फा (مقفی) अ वि—वह गद्य जो अनुप्रासात्मक हो।

मुकव्वर (مکبر) अ पु—मस्जिद में वह ऊँचा स्थान जहाँ तक्वीर कहनेवाला खडा होता है—यह स्थान केवल वहुत वडी मस्जिदो में होता है।

मुकव्विर (مکبر) अ वि—तक्वीर कहनेवाला, वह जो मुकव्वर पर चढकर नमाज़ में तक्वीरें कहे ताकि दूर के नमाज़ी सुन लें।

मुकम्मल (مکمل) अ वि—सपूर्ण, कामिल, समाप्त, खत्म, सर्वांगपूर्ण, हर तरह से मुकम्मल।

मुकम्मिल (مکمل) अ वि—पूर्ति करनेवाला, समाप्ति करनेवाला।

मुक़य्यद (مقید) अ वि—जो क़ैद में हो, वदी, कैदी, जिसमे कोई शर्त लगा दी गयी हो।

मुकय्यश (مقیش) अ वि—सोने-चाँदी के तारो का वना हुआ कपडा, दे 'मुकैश', उर्दू में अधिकतर यूँ ही वोलते हैं।

मुकर्नस (مقرنس) अ वि—वडी और भव्य इमारत, चित्रित, मुनक्कश, पाड जिस पर वैठकर राज इमारत वनाता है।

मुक़र्रज़ (مقرض) अ वि—जिसे कैंची मे काटकर महीन किया गया हो।

मुकर्रव (مقرب) अ वि—समीपवर्ती, निकटस्थ, हमनशी, पास का वैठनेवाला, सभासद्।

मुकर्रवीन (مقربین) अ पु—'मुकर्रव' का वहु, सभासद्जन, मुसाहिव लोग।

मुकर्रम (مکرم) अ वि—प्रतिष्ठित, पूज्य, मोहतरम।

मुक़र्ररः (مقررہ) अ वि—नियत, निश्चित।

मुकर्रर (مقرر) अ वि—नियत, निश्चित, मुअय्यन, नियुक्त, मुअय्यन, अवश्य, यकीनी।

मुकर्रर (مکرر) अ वि—पुन, फिर, दुवारा।

मुकर्ररात (مکررات) अ पु—वे वाते जो किसी लेख में वार-वार आयी हो।

मुकर्रिर (مقرر) अ वि—तक़रीर करनेवाला, वक्ता, भाषण देनेवाला।

मुकर्रिरीन (مقررین) अ पु—'मुकर्रिर' का वहु, भाषण देनेवाले, वक्तागण।

मुकल्लफ (مکلف) अ वि—जिसमें तकल्लुफ किया गया हो, पुर तकल्लुफ, जो खूव सजाया गया हो, सुमज्जित।

मुकल्लफात (مکلفات) अ पु—पुर तकल्लुफ चीज़ें।

मुकल्लल (مکلل) अ वि—ताज पहने हुए, टोपीदार, छत्तेदार, चमकता हुआ, मुलम्मा किया हुआ।

मुकल्लस (مکلس) अ वि—जलाकर चूना वनाया हुआ।

मुकल्लिद (مقلد) अ वि—तक्लीद करनेवाला, अनुकारी, अनुकरण करनेवाला, अनुयायी, पैरौ, शिष्य, चेला, मुरीद, मुसलमानो का वह समुदाय जो खुदा और रसूल के अतिरिक्त चारो इमामो को भी मानता है।

मुक़ल्लिदीन (مقلدین) अ पु—वे मुसलमान जो हनफी शाफिई आदि मतो को माननेवाले हैं।

मुकल्लिफ (مکلف) अ वि—कष्टदाता, तक्लीफ़ देने-

वाला, निमन्त्रण दाता, चूँकि वह अपने घर बुलाने का कष्ट देता है, इसलिए स्वय को 'मुकलिफ' कहता है।

मुक़ल्लिब (مقلب) अ वि –पलट देनेवाला, उलटा कर देनेवाला, फेर देनेवाला।

मुकल्लिबुल कुलूब (مقلب القلوب) अ वि –दिलो को बदल देनेवाला, बुरो को अच्छा बना देनेवाला, दिलो मे दयाभाव उत्पन्न कर देनेवाला, ईश्वर की सिफत।

मुकव्वस (مقوس) अ वि –वह चीज जो धनुप की भाँति टेढी हो, झुका हुआ, नमित।

मुकव्वी (مقوی) अ वि –शक्ति देनेवाला, बलवर्द्धक, काम-शक्ति बढानेवाला, पुष्टिकर, कामवर्द्धक।

मुकव्वीए आसाब (مقوی اعصاب) अ वि –रगो और पट्ठो को शक्ति देनेवाली दवा।

मुक़व्वीए बाह (مقوی باه) अ वि –मैथुनबल और काम-शक्ति को बढानेवाली ओषधि, कामवर्द्धक।

मुक़श्शर (مقشر) अ वि –छिलका उतरा हुआ।

मुक़स्सर (مقصر) अ वि –कम किया हुआ, छोटा किया हुआ।

मुकस्सर (مکسر) अ वि –टूटा हुआ, टुकडे-टुकडे किया हुआ।

मुकस्सर (مکثر) अ वि –अधिक किया हुआ, दो असमान सख्याओ का गुणनफल।

मुकस्सिर (مکسر) अ वि –तोडनेवाला, टुकडे-टुकडे करने-वाला।

मुक़स्सिर (مقصر) अ वि –कम करनेवाला, छोटा करने-वाला, त्रुटि करनेवाला, गलती करनेवाला।

मुकह्हल (مکحل) अ वि –आँखो मे सुर्मा लगाये हुए, सुर्मा लगी हुई आँखे।

मुक़'अर (مقعر) अ वि –गहरा, अथाह, गर्त, गढा, भीतरी तल जो खोखला हो।

मुक़ातअः (مقاطعه) अ पु –काटना, खडन करना।

मुकातबत (مکاتبت) अ स्त्री –परस्पर पत्र व्यवहार, आपस की खतोकिताबत।

मुक़ातलः (مقاتله) अ पु –एक-दूसरे को वध करना, परस्पर मारकाट, युद्ध, सग्राम, जग।

मुक़ातिल (مقاتل) अ वि –वधिक, हिंसक, कत्ल करनेवाला।

मुक़ाते (مقاطع) अ वि –काटनेवाला, विच्छेदक, ठेका लेनेवाला, ठेकेदार।

मुकाफात (مکافات) अ स्त्री –बुराई का बदला, प्रत्य-पकार,, पापदड, गुनाह की सज़ा।

मुकाबरः (مکابره) अ पु –परस्पर अपने को दूसरे से बडा बताना या साबित करना, कलह, युद्ध, लडाई।

मुक़ाबलः (مقابله) अ पु.–आमना-सामना, समुखता, समानता, बराबरी; उद्दंडता, सरकशी, सम्बन्धी, कम्पी-टीशन, प्रतियोगिता, जाँच का मुकाबला, नक़्ल का अस्ल पुस्तक या लेख से मिलान।

मुक़ाबलतन (مقابلتاً) अ. अव्य –मुकाबले मे, अपेक्षा।

मुक़ाबिल (مقابل) अ. वि –प्रत्यक्ष, समुख, सामने, समान, बराबर, सदृश, मिस्ल, विरोधी, बैरी, प्रतिद्वद्वी, रक़ीब।

मुक़ाम (مقام) अ पु –देर तक ठहराव, कियाम।

मुक़ामी (مقامی) अ. वि –मुकाम से सम्बन्ध रखनेवाला।

मुक़ारनत (مقارنت) अ स्त्री –एक स्थान पर एकत्र होना, इकट्ठा होना, दो ग्रहो का एक राशि मे एकत्र होना।

मुक़ारबत (مقاربت) अ स्त्री –करीब होना, समीप होना, समीपता, नज़दीकी।

मुक़ारिन (مقارن) अ वि –एकत्र, इकट्ठा, एक जगह।

मुकारिब (مقارب) अ वि –समीप होनेवाला।

मुकालमः (مکالمه) अ पु –वार्तालाप, परस्पर बातचीत, सवाद, कथोपकथन, डायलाग।

मुकालमःनवीस (مکالمه‌نویس) अ फा वि –नाटक आदि मे डायलाग लिखनेवाला, सवाद-लेखक।

मुकालमःनवीसी (مکالمه‌نویسی) अ. फा स्त्री –सवाद लिखना।

मुक़ावमत (مقاومت) अ स्त्री –किसी के साथ बराबरी करना।

मुक़ावलः (مقاوله) अ. पु –परस्पर कौल-करार, मुआहद, ठेका।

मुकाशफः (مکاشفه) अ पु –आत्मशक्ति द्वारा वह कुछ देखना, जो दूसरे नही देख सकते, खुले तौर पर शत्रुता करना, खुल्लमखुल्ला लडाई लडना।

मुकाशफ़ात (مکاشفات) अ पु –'मुकाशफ' का बहु, दिव्य दृष्टि के ज्ञान।

मुकाशहत (مکاشحت) अ स्त्री –विरोध, वैर, शत्रुता।

मुक़ासमत (مقاسمت) अ स्त्री –परस्पर बँटवारा करना, आपस मे बाँटना।

मुक़ासात (مقاسات) अ स्त्री –दु ख उठाना, कष्ट झेलना।

मुकिब [ब्ब] (مکب) अ वि –मुँह के बल औंधा गिरने अथवा गिरानेवाला।

मुकिर [र्र] (مقر) अ वि –इक़ार करनेवाला, वचन देने-वाला, वादा करनेवाला।

मुक़िल [ल्ल] (مقل) अ वि –भिक्षुक, मँगता, कम करनेवाला।

मुक़ी (مقی) अ. वि –वह ओषधि जिसके खाने से क़ै हो, वमि।

मुक़ीत (مقیت) अ वि—अन्नदाता, रोज़ी देनेवाला, वलवान्, ताकतवर, रक्षक, रखवाला, साक्षी, गवाह, साखी, उपस्थित, हाज़िर।

मुकीद (مکید) अ वि.—छली, वचक, फरेबी।

मुक़ीम (مقیم) अ वि—थोडे दिनो के लिए कही ठहरा हुआ, निवासी, रहनेवाला।

मुक़ैयद (مقید) अ वि—बदी, कैदी।

मुक़ैयश (مقیش) अ पु—दे 'मुक्कैश'।

मुकौकब (مکوکب) अ वि—वह चीज जिस पर सितारे जडे हो, वह चीज़ जिस पर सुनहले या रुपहले चाँद-तारे बने हो, जिसमे सोने-चाँदी की सलाखे गडी हो।

मुक्क़ैश (مقیش) फा पु—चाँदी-सोने के चौडे तार, इन तारो का बना हुआ कपडा।

मुक्कैशी (مقیشی) फा वि—वादले का, ज़री का, सोने-चाँदी के तारो का।

मुक्तज़ब (مقتضب) अ वि—काटा हुआ, दे 'वह्ले मुक्तज़ब'।

मुक्तज़ा (مقتضا) अ वि—तकाज़ा, माँग, इच्छा।

मुक्तज़ाए उम्र (مقتضاے عمر) अ वि—आयु की माँग, उम्र का तकाज़ा।

मुक्तज़ाए फ़ित्रत (مقتضاے فطرت) अ वि—स्वभाव का तकाज़ा।

मुक्तज़ाए वक़्त (مقتضاے وقت) अ वि—समय की माँग, समय का आदेश।

मुक्तज़ाए शराफत (مقتضاے شرافت) अ वि—सज्जनता का तकाज़ा।

मुक्तज़ाए सिन (مقتضاے سن) अ वि—दे 'तकाज़ाए उम्र'।

मुक्तज़िब (مقتضب) अ पु—काटनेवाला।

मुक्तज़ी (مقتضی) अ वि—माँग करनेवाला, तक़ाज़ा करनेवाला, ख्वाहाँ, इच्छुक।

मुक्ततम (مکتتم) अ वि—गुप्त, छिपा हुआ, पोशीदा।

मुक्तदर (مقتدر) अ वि—अधीन, वशीभूत।

मुक़्तदा (مقتدا) अ वि—जिसका सब लोग अनुकरण करें, अग्रसर, नेता, पूज्य, श्रेष्ठ।

मुक्तदाए क़ौम (مقتداے قوم) अ.पु—राष्ट्र का नेता, क़ौम का रहनुमा।

मुक्तदिर (مقتدر) अ वि—सत्तावान्, इक्तिदारवाला।

मुक्तदी (مقتدی) अ वि—जो अनुकरण करे, अनुयायी, अनुकर्ता।

मुक्तनिफ (مکتنف) अ वि—एकातवासी, निवृत्त, रक्षा का स्थान ढूंढनेवाला।

मुक्तनिस (مقتنص) अ वि—शिकार करनेवाला, वदी वनानेवाला, कमानेवाला।

मुक्तफी (مکتفی) अ वि—पर्याप्त, काफी, पूरा।

मुक्तफी (مقتفی) अ वि—पीछे से आनेवाला।

मुक्तर [र्र] (مقتر) अ वि—दरिद्र, कगाल, भिक्षुक, फकीर।

मुक्तसब (مکتسب) अ वि—कमाया हुआ, उपार्जित।

मुक्तसिब (مکتسب) अ वि—कमानेवाला, उपार्जन करनेवाला।

मुक्तसिर (مقتصر) अ वि—कम करनेवाला।

मुक्तसी (مکتسی) अ वि—कवल ओढनेवाला, कवल बगल मे रखनेवाला, कपडे पहननेवाला।

मुक्तहिम (مقتحم) अ वि—अत्याचारी, जालिम, विजेता, गालिव, धारण करनेवाला।

मुक्नत (مکنت) अ स्त्री—शक्ति, ताकत, धनाढचता, मालदारी, सामर्थ्य, कुद्रत।

मुक्विल (مقبل) अ वि—स्वीकार करनेवाला, किसी की ओर मुँह करनेवाला, भाग्यशाली, समृद्ध।

मुक्फी (مکفی) अ वि—काफी, पर्याप्त।

मुक्री (مقری) अ वि—पढानेवाला, अध्यापक।

मुक्लः (مقلہ) अ पु—आँख का ढेला गोलक।

मुक्ल (مقل) अ स्त्री—गूगल, एक प्रसिद्ध गोद।

मुख़ [ख़्ख़] (مخ) अ पु—मज्जा, हड्डी का गूदा, मस्तिष्क, भेजा, सार, तत्त्व, खुलासा।

मुख़ज़्ज़ब (مخضب) अ वि—जिसने खिज़ाब किया हो।

मुख़त्तत (مخطط) अ वि—धारीदार, जिस पर धारियाँ हो, वह चेहरा जिस पर दाढी के बाल निकल आये हो।

मुख़द्दरः (مخدره) अ वि—पर्दे मे रहनेवाली स्त्री।

मुख़द्दर (مخدر) अ वि—जो सुन्न हो गया हो।

मुख़द्दरात (مخدرات) अ स्त्री—पर्दे में रहनेवाली महिलाएँ, बडे घर की पर्दा नशीन औरते।

मुख़द्दिर (مخدر) अ वि—सुन्न कर देनेवाली दवा।

मुख़न्नस (مخنث) अ पु—जो न मर्द हो न स्त्री, नरदारा, नपुसक, हीजडा।

मुख़फ़्फ़फ़ (مخفف) अ वि—जिसमे तख्फ़ीफ अर्थात् कमी हुई हो, वह शब्द जिसमे कुछ अक्षर कम कर दिये गये हो, जैसे—'माह' का 'मह'।

मुख़म्मर (مخمر) अ वि—जिसका खमीर उठाया गया हो, खमीर उठा हुआ।

मुख़म्मस (مخمس) अ पु—वह नज्म जिसमे हर बद मे पाँच-पाँच मिस्रे हो।

मुख़य्यलः (مخیلہ) अ पु –सोचा हुआ, विचारा हुआ, कल्पना किया हुआ, कल्पित, मस्तिष्क, दिमाग।
मुख़य्यिर (مخیر) अ वि –मुक्तहस्त, वदान्य, दानशील, सख़ी, फ़ैयाज़।
मुख़य्यिलः (مخیلہ) अ. स्त्री –विचार-शक्ति, ख़याल की कुव्वत, कल्पना-शक्ति, कुव्वते मुतख़ैयिल।
मुख़र्रब (مخرب) अ वि –ध्वस्त, नष्ट, वरवाद।
मुख़र्रिब (مخرب) अ वि –ध्वस्तकारी, बरबाद करनेवाला।
मुख़र्रिबे अख़लाक (مخرب اخلاق) अ वि –अख़्लाक और आचरण को ख़राव करनेवाला।
मुख़र्रिबे आ'माल (مخرب اعمال) अ वि –आचरण को दूषित करनेवाला, बुरा काम।
मुख़लख़ल (مخلخل) अ वि –वह चीज़ जिसके टुकडे परस्पर मिले और जुडे हुए न हो, जिनके बीच मे कुछ अतर हो।
मुख़ल्लद (مخلد) अ वि –नित्य, हमेशा, नश्वर, दवामी।
मुख़ल्ला' (مخلع) अ वि –जिसे खिलअत दी गयी हो।
मुख़ल्ला (مخلی) अ वि –रिक्त किया हुआ, खाली किया हुआ, स्वच्छद छोडा हुआ, स्वतत्र।
मुख़ल्लाबित्तब्अ (مخلی بالطبع) अ वि –जिसे उसके मन पर स्वच्छद छोड़ दिया जाय, ब्रेतकल्लुफ।
मुख़व्वक (مخوف) अ वि –भयभीत, डरा हुआ, डराया हुआ।
मुख़व्विफ (مخوف) अ वि –डरानेवाला, त्रासक।
मुख़स्सस (مخصص) अ वि –मख़्सूस, जिसके साथ कोई ख़ुसूसियत बरती गयी हो, प्रधान।
मुख़ात (مخاط) अ स्त्री –नासा-स्राव, नाक।
मुख़ातबः (مخاطبہ) अ पु –सम्बोधन, किसी की ओर मुँह करके उससे वात करना।
मुख़ातब (مخاطب) अ वि –सम्वोधित, जिससे वात की जाय।
मुख़ातबात (مخاطبات) अ पु –'मुख़ातव' का वहु; परस्पर वात-चीत, पत्रव्यवहार, ख़तोकितावत।
मुख़ातरः (مخاطرہ) अ पु –भय, शका, ख़त्रा।
मुख़ातिब (مخاطب) अ वि –सम्वोधन कर्ता, वोलनेवाला, वात करनेवाला।
मुख़ादअत (مخادعت) अ स्त्री –छल, मक्र, धोखा।
मुख़ादे' (مخادع) अ वि –छली, वचक, फरेबी।
मुख़ाफतत (مخافتت) अ स्त्री.–धीरे-धीरे पढना।
मुख़ाती (مخاطی) अ वि –अपराध करनेवाला, ख़ताकार, विगडा हुआ वलगम जो नाक के रेंट के समान हो जाता है।
मुख़ादआत (مخادعات) अ पु –'मुख़ादअत' का वहु, छल, धोखे, फरेब।
मुख़ालतत (مخالطت) अ स्त्री –घनिष्ठता, वहुत अधिक मेल-जोल, प्रेम-व्यवहार।
मुख़ालफत (مخالفت) अ स्त्री –विरोध, इख़्तिलाफ, शत्रुता, दुश्मनी, हठ, जिद, वैमनस्य, कशीदगी।
मुख़ालिफ (مخالف) अ. वि –विरोधी, प्रतिकूल, मुख़ालफत करनेवाला, शत्रु, दुश्मन।
मुख़ालिफीन (مخالفین) अ पु –'मुख़ालिफ' का वहु, विरोध करनेवाले, विरोधी गण, शत्रुगण, दुश्मन लोग।
मुख़ासमत (مخاصمت) अ स्त्री –परस्पर झगडा करना, शत्रुता, दुश्मनी, परस्पर द्वेप रखना, द्वेष, कीना।
मुख़ासिम (مخاصم) अ वि –शत्रु, दुश्मन, द्वेषी, वुग्ज़ रखनेवाला।
मुख़ासिमीन (مخاصمین) अ. पु –'मुख़ासिम' का वहु, शत्रुओ का दल।
मुख़िल (مخل) अ. वि –वाधक, खलल डालनेवाला, हस्तक्षेपी, मुज़ाहिम।
मुख़्ततम (مختتم) अ वि –समाप्त, ख़तम, आख़िरी तौर पर ख़तम, निर्णीत।
मुख़्तफी (مختفی) अ वि –गुप्त, छिपा हुआ, पोशीदा।
मुख़्तम [म्म] (مختم) अ वि –मुहलगा हुआ, मुहवद, क़ुफुल लगा हुआ, कुफुल वद।
मुख़्तरआत (مخترعات) अ पु –'मुख़्तरा' का वहु, आविष्कृत वस्तुएँ।
मुख़्तरा' (مخترع) अ पु –आविष्कृत, ईजाद की हुई चीज़।
मुख़्तरे' (مخترع) अ वि –आविष्कारक, मूजिद, कोई नयी उपज करनेवाला, नयी वात निकालनेवाला।
मुख़्तल [ल्ल] (مختل) वि –दूषित, विकृत, विगडा हुआ, अस्त-व्यस्त, गड़बड।
मुख़्तलत (مختلط) अ वि –जिसके साथ प्रेम-व्यवहार हो, मिलाजुला, गडमड।
मुख़्तलफ (مختلف) अ वि –जिससे विरोध हो।
मुख़्तलफ़फीह (مختلف فیہ) अ वि –जिस विषय मे मतभेद हो, विवादग्रस्त।
मुख़्तलित (مختلط) अ वि –मेल-जोल रखनेवाला।
मुख़्तलिफ (مختلف) अ वि –विभिन्न, दूसरे प्रकार का, अन्य, दूसरा, पृथक्, अलग।
मुख़्तलिफ मिज़ाज (مختلف مزاج) अ वि –दे 'मुख़्तलिफुलमिज़ाज'।

मुख्तलिफुत्तबाए' (مختلف الطبائع) अ वि –विभिन्न प्रकृतियोवाले, विभिन्न स्वभावोवाले।

मुख्तलिफुत्तमद्दुन (مختلف التمدن) अ वि –जिनकी सस्कृतियाँ भिन्न-भिन्न हों, जिनका रहन-सहन एक-जैसा न हो।

मुख्तलिफुत्तह्ज़ीब (مختلف التہذیب) अ वि –जिनकी सभ्यताएँ अलग-अलग हो।

मुख्तलिफुन्नस्ल (مختلف النسل) अ वि –भिन्न-भिन्न नस्लो के, भिन्न-भिन्न जातियो के।

मुख्तलिफुन्नौअ (مختلف النوع) अ वि –जिनके प्रकार अलग-अलग हो, जो एक-जैसे न हो।

मुख्तलिफुलअक़ाइद (مختلف العقائد) अ वि –जिनके मत और विचार जुदा-जुदा हो, जिनके धर्म विचार एक न हो।

मुख्तलिफुलअश्काल (مختلف الاشكال) अ वि –जिनकी आकृतियाँ विभिन्न हो।

मुख्तलिफुलमिज़ाज (مختلف المزاج) अ वि –जिनके स्वभाव एक-दूसरे से अलग हो।

मुख्तल्लुलहवास (مختل الحواس) अ वि –जिसका मस्तिष्क दूषित हो, विक्षिप्त, पागल, खब्तुल्हवास।

मुख्तस [स्स] (مختص) अ वि –खास, मख्सूस, विशेष।

मुख्तसर (مختصر) अ वि –सक्षिप्त, सार रूप, खुलासा, न्यून, थोडा।

मुख्तसरन (مختصراً) अ वि –सक्षिप्त रूप मे, सक्षेपत।

मुख्तसरनवीस (مختصرنویس) अ फा वि –सक्षिप्त लिपिक, सकेत लिपिक।

मुख्तसरनवीसी (مختصرنویسی) अ फा स्त्री –सक्षिप्त लिपि, सकेत लिपि, शार्टहैंड।

मुख्तस्सुलमक़ाम (مختص المقام) अ वि –किसी विशेष स्थान पर आसीन, प्रतिष्ठित, पूज्य।

मुख्तार (مختار) अ वि –स्वतत्र, आज़ाद, स्वच्छद, खुद-राय, अधिकर्ता, एजेट, कलक्ट्री में वकील से कम दर्जे का वकील, किसी जागीर आदि का व्यवस्थापक।

मुख्तारनामः (مختارنامہ) अ फा पु –वह पत्र जिसमें किसी को मुख्तार बनाने का लिखित प्रमाण हो।

मुख्तारी (مختاری) अ स्त्री –कलक्ट्री और तहसील मे वकालत का काम, जो वकील के दर्जे से कम होता है।

मुख्तारे आम (مختار عام) अ पु –वह मुख्तार जिसे किसी रियासत में सारे अधिकार प्राप्त हो।

मुख्तारे कार (مختار کار) अ फा वि –काम करने का अधिकारी, कर्मचारी, कारिंदा।

मुख्तारे कुल (مختار کل) अ पु –दे 'मुख्तारे आम'।

मुख्तारे खास (مختار خاص) अ पु –वह मुख्तार जिसे केवल किसी विशेष काम के लिए रखा गया हो।

मुख्तारे मुत्लक़ (مختار مطلق) अ पु –दे 'मुख्तारे आम'।

मुख्ताल (مختال) अ वि –अभिमानी, अहकारी, घमडी।

मुख्ती (مخطی) अ वि –अपराधी, दोषी, कुसूरवार।

मुख्नक़ (مخنق) अ वि –जिसका गला घोटा गया हो, गला घोटकर मारा हुआ।

मुख्बिर (مخبر) अ पु –किसी विशेष बात की खबर देने-वाला, गुप्तचर, जासूस।

मुख्बिरी (مخبری) अ स्त्री –जासूसी, गुप्त चर्या, सूची-कर्म।

मुख्बिरे सादिक़ (مخبر صادق) अ पु –सच्ची खबर देने-वाला, रसूल की उपाधि।

मुख्रिज (مخرج) अ वि –निकालनेवाला, निष्कासक।

मुख्लिस (مخلص) अ वि –जिसमे कोई बनावट न हो, निश्छल, सद्भावक।

मुख्लिसान (مخلصانہ) अ फा वि –निश्छलतापूर्ण, सच्चाई के साथ।

मुख्लिसी (مخلصی) अ स्त्री –निश्छलता, इख्लास, छुट-कारा और मुक्ति के अर्थ में यह शब्द बोलना अशुद्ध है, वह 'मख्लसी' है, दे 'मख्लसी'।

मुग़ (مغ) फा पु –अग्नि-पूजक, आतशपरस्त, शराब पिलानेवाला, साक़ी।

मुग़न्निय (مغنیہ) अ स्त्री –गानेवाली, गायिका, गायकी।

मुग़न्नी (مغنی) अ पु –गानेवाला, रागी, गायक।

मुग़बचः (مغ بچہ) फा पु –उर्दू साहित्य मे साक़ी का वह सुदर लडका जो शराब पिलाता है।

मुग़य्यर (مغیر) अ वि –परिवर्तित, बदला हुआ।

मुग़य्यिर (مغیر) अ वि –परिवर्तन कर्ता, बदलनेवाला।

मुग़र्रा (مغرا) अ वि –जो अचभे मे पड गया हो, चकित, निस्तब्ध, जो सरेस से चिपकाया गया हो।

मुग़ल (مغل) तु पु –तुर्किस्तान का निवासी, तुर्क, इसका शुद्ध उच्चारण 'मुगुल' है, परतु उर्दू मे यही है।

मुग़लज़ादः (مغل زادہ) तु फा पु –तुर्क का लडका, तुर्की, मुगुल।

मुग़ल्लज़ (مغلظ) अ वि –गाढा, ग़लीज़, गदी गाली।

मुग़ल्लज़ात (مغلظات) अ स्त्री –गदी गालियाँ।

मुग़ल्लिज़ (مغلظ) अ वि –गाढा करनेवाला, धातु को गाढा करनेवाली दवा।

मुगल्लिज़ात (مغلظات) अ स्त्री —वे दवाएँ जो धातु को गाढा करती हैं।

मुग़ल्लिज़े मनी (مغلظ منی) अ पु —वीर्य को गाढ़ा करनेवाली ओषधि।

मुगल्लिज़े माद्दः (مغلظ مادہ) अ पु —दे 'मुगल्लिज़े मनी'।

मुगां (مغاں) फा पु.—अग्निपूजक, आतशपरस्त, शराव पिलानेवाला, साकी।

मुगाइर (مغائر) अ वि —प्रतिकूल, मुखालिफ; वेगाना, अनजान।

मुगादरत (مغادرت) अ स्त्री — एक-दूसरे के साथ वेवफाई और क्रूरता का व्यवहार करना, क्रूरता, वेवफाई।

मुगादिर (مغادر)अ वि —क्रूरता और वेवफाई करनेवाला।

मुग़ान. (مغانہ) फा वि —आतशपरस्तो-जैसा, मा'शूको-जैसा।

मुगायरत (مغایرت) अ स्त्री —वेगानापन, अनजानपन, गरियत, प्रतिकूलता, नामुआफकत।

मुगालतः (مغالطہ) अ पु —धोखा, छल, फरेव, भ्रम, वह्म, त्रुटि, भूल; सदेह, शुव्हा।

मुगालत.दिही (مغالطہ دہی) अ फा स्त्री —धोखा देना, वचना, ठगी।

मुगील (مغیل) अ पु —दे 'मुगीला'।

मुगीलाँ (مغیلاں) अ पु.—ववूल का पेड, कीकर।

मुगीस (مغیث) अ वि —फर्याद सुननेवाला, दुहाई सुननेवाला, न्यायकर्ता।

मुगुल (مغل) तु पु —तुर्क, तुर्किस्तान का निवासी, मुगल, उर्दू मे 'मुगल' वोलते हैं।

मुग़ीर (مغیر) अ वि —लूटनेवाला, गारत करनेवाला, दस्यु, डाकू।

मुग़्तज़ी (مغتذی) अ. वि —खुराक पानेवाला।

मुग़्तनमः (مغتنمہ)अ स्त्री—गनीमत, स्त्री वाचक शब्दो के लिए।

मुग़्तनम (مغتنم) अ वि —गनीमत, जो सव मे से अच्छा हो, यद्यपि वहुत अच्छा न हो, परंतु वोलने में वहुत अच्छा के स्थान पर ही वोलते हैं।

मुग़्तनमात (مغتنمات) अ वि —वे लोग जो वचे हुए लोगो मे से ग़नीमत हो।

मुग़्नी (مغنی) अ. वि —समृद्धि और सपन्नता देनेवाला; ईश्वर का एक नाम।

मुग़्वर (र) (مغبر) अ वि —मटमैला, खाकी रग का धुमैला।

मुग़्लक़ (مغلق) अ वि —वह घर जिसके दरवाजे वद हो, वह कलाम जिसका समझना मुश्किल हो, गूढ, कूट।

मुग़्लिम (مغلم) अ वि —गुदामैथुनिक, वच्च'वाज़।

मुग़्वियः (مغویہ) अ स्त्री —कुमार्ग पर ले जानेवाली, भडकानवाली, इग्वा करनेवाली।

मुग़्वियानः (مغویانہ) अ वि —इग्वा करनेवालो-जैसा।

मुग़्वी (مغوی) अ वि —इग्वा करनेवाला, वहकानेवाला।

मुग़्सिल (مغسل) अ वि —नहलानेवाला, स्नान करानेवाला।

मुचल्का (مچلکا) तु पु —वह प्रतिज्ञापत्र जो अपराधी की ओर से इस वात के लिए हो कि यदि वह फिर अपराध करेगा तो इतने रुपये देगा।

मुजअ्अद (مجعد)अ पु —चोटी वाँध हुए, गुधे हुए वाल।

मुज़क्कर (مذکر) अ वि —नर, पुरुष प्राणी, पुँल्लिग, मेल।

मुज़क्का (مزکی) अ वि —वह माल जिसकी ज़कात निकल गयी हो, पवित्र, पाक, शुद्ध।

मुज़ख़रफ़ (مزخرف) अ पु —वह झूठी वात जो सच जान पडे, वनावट की वात, वकवाद, अनर्थक गल्प।

मुज़ख़रफ़ात (مزخرفات)अ प्रत्य —'मुज़ख़रफ़' का वहु, झूठी वातें, वकवास।

मुजज्ज़ा (مجزا) अ वि —जुज़-जुज़ किया हुआ, टुकडे-टुकडे किया हुआ।

मुजद्दिद (مجدد) अ पु —पुरानी चीज को नये सिरे से वनानेवाला, सुवार करनेवाला, सुवारक, रिफार्मर, वह व्यक्ति जो इस्लाम धर्म में सुधार करे।

मुजद्दिदन (مجدداً) अ वि —नये सिरे से, फिर से।

मुजफ़्फ़फ़ (مجفف) अ वि.—सुखाया हुआ, खुश्क किया हुआ।

मुज़फ़्फ़र (مظفر) अ वि —विजेता, विजित, जीता हुआ।

मुजफ़्फ़िफ़ (مجفف) अ वि —सुखानेवाला, खुश्क करनेवाला।

मुज़ब्ज़व (مذبذب)अ वि —दुविधा में पडा हुआ, डाँवाडोल, अनिर्धारित।

मुज़म्मः (مزمہ) अ पु —वह रस्सी जो घोडे की पिछाडी के साथ वाँधते है, डाँट-डपट, गोशमाली।

मुज़य्यन (مزین) अ वि —सुसज्जित, शृगारित, आरास्ता।

मुज़य्यव (مزیب) फा वि —सुन्दर, शोभित, शुभ दर्शन, ज़ेवा।

मुज़य्यिन (مزین)अ वि —सजानेवाला, आरास्ता करनेवाला।

मुजर्रद (مجرد) अ. वि —एकाकी, अकेला, अविवाहित, गैर शादीशुदा, वह फकीर जो विवाह न करे, वह वस्तु जिसका सम्वन्ध पंच भूत से न हो।

मुजरंब (مجرب) अ वि –वह बात जो आज़मायी जा चुकी हो, अनुभूत, परीक्षित, वह दवा जो परीक्षित हो।
मुजर्रबात (مجربات) अ पु –आजमाई हुई दवाएँ या नुस्खे, अनुभूत योग।
मुजल्लद (مجلد) अ वि –जिल्द बँधी हुई पुस्तक, सजिल्द।
मुज़ल्लफ (مزلف) फा वि –जुल्फोवाला, जुल्फे विखेरे हुए।
मुजल्ला (مجلی) अ वि –प्रकाशमान, दीप्त, ज्योतिर्मय, रौशन, जिसे माँजकर या सैकल करके चमकाया गया हो।
मुजल्ली (مجلی) अ वि –रौशन करनेवाला, प्रकाशक।
मुजव्वज़ः (مجوزه) अ वि –निश्चित, तै किया हुआ, निर्णीत।
मुजव्वज़ (مجوز) अ वि –दे 'मुजव्वज'।
मुजव्वफ (مجوف) अ वि –अन्दर से खाली, खोखला, सुषिर।
मुजव्विज़ (مجوز) अ वि –तज्वीज़ करनेवाला, निर्णय करनेवाला, निर्णेता।
मुजव्विज़ीन (مجوزين) अ पु –निर्णय करनेवालो की मडली, निर्णायक-मडल।
मुजव्विज़े कानून (مجوز قانون) अ पु –कानून वनानेवाला, विधायक।
मुजस्समः (مجسمه) अ पु –प्रतिमा, मूर्ति, स्टेचू, रूप, आकृति, शक्ल।
मुजस्सम (مجسم) अ वि –साकार, मूर्तिमान्, साक्षात्, (शरीर के साथ)।
मुज़ह्हब (مذهب) अ वि –सोने का काम किया हुआ, सोना मढा हुआ, सोने का पानी चढा हुआ।
मुज़ाअफ (مضاعف) अ वि –दूना, दोचद, द्विगुण।
मुज़ाकरः (مذاكره) अ पु –आपस की वातचीत, वार्तालाप, चर्चा, जिक्र।
मुज़ाकरात (مذاكرات) अ पु –'मुज़ाकर' का वहु, आपस की वातचीत।
मुजाज़ (مجاز) अ वि –जिसे इजाजत प्राप्त हो, जो कोई काम करने का अधिकारी हो, प्राधिकारी, अथार्टी।
मुजादलः (مجادله) अ पु –युद्ध, लडाई, वाद-विवाद, मुवाहसा।
मुजादिल (مجادل) अ वि –युद्ध करनेवाला, लडनेवाला।
मुजानसत (مجانست) अ स्त्री –एक जिंस का होना, जैसे—आदमी होना या पशु होना।
मुजानिस (مجانس) अ वि –हमजिस, हमकौम।
मुज़ाफ (مضاف) अ वि –जोडा गया, मिलाया गया, निस्वत किया गया।
मुज़ाफ इलैह (مضاف اليه) अ पु –जिसमे जोडा या मिलाया गया, जिसकी ओर निस्वत की जाय, जैसे—रमेश का घोडा, इसमे घोडे की निस्वत रमेश की ओर है, इसलिए रमेश 'मुजाफ इलैह' है, और घोडा 'मुज़ाफ' है।
मुज़ा'फ़र (مزعفر) अ पु –एक प्रकार का मीठा पुलाव जिसमें केसर पडता है।
मुज़ाफात (مضافات) अ पु –'मुज़ाफ' का वहु, निस्वतें, नगर आदि का आस-पास का इलाका।
मुज़ाफाते शह्र (مضافات شهر) अ पु –नगर के आस-पास का इलाका।
मुज़ाब (مذاب) अ वि –पिघला हुआ।
मुजाब (مجاب) अ वि –जवाव दिया हुआ, उत्तरित।
मुजामअत (مجامعت) अ स्त्री –सभोग, सहवास, मैथुन, रति, हमविस्तरी।
मुजामे (مجامع) अ वि –मैथुन करनेवाला, रति-क्रीडक।
मुज़ायकः (مضايقه) अ पु –आपत्ति, कवाहत, हानि, हरज, समय की तगी।
मुज़ारवत (مضاربت) अ स्त्री –किसी को व्यवसाय के लिए इस शर्त पर माल देना कि लाभ मे साझा रहेगा।
मुज़ारे' (مضارع) अ वि –सदृश, मिस्ल, साझी, शरीक, वह क्रिया जिसमे वर्तमान और भविष्य दोनो काल पाये जायँ।
मुज़ारे' (مزارع) अ वि –कृपक, किसान, काश्तकार।
मुजालसत (مجالست) अ स्त्री –परस्पर एक जगह वैठना, साथ-साथ वैठना।
मुज़ावजत (مزاوجت) अ स्त्री –विवाह, निकाह, व्याह।
मुजावरत (مجاورت) अ स्त्री –पडोस, प्रतिवास, हमसायगी।
मुज़ावलत (مزاولت) अ स्त्री –किसी काम को वरावर करना, मश्क, अभ्यास।
मुजाविर (مجاور) अ वि –प्रतिवेशी, पडोसी, किसी दरगाह आदि का खिदमती।
मुजाविरी (مجاوری) अ वि –मुजाविर का पेशा, दरगाह आदि की सेवा।
मुज़ाहकः (مضاحكه) अ वि –आपस मे हँसी-दिल्लगी करना।
मुजाहदः (مجاهده) अ पु –तपस्या, इवादत, इद्रिय-निग्रह, नफसकुशी, पराक्रम, जाँफिशानी।
मुज़ाहमत (مزاحمت) अ स्त्री –हस्तक्षेप, दस्तअदाज़ी, रोक-टोक, मनाही।
मुज़ाहरः (مظاهره) अ पु –राज मे किसी माग के लिए लोगो का सामूहिक रूप मे नारे आदि लगाना और जुलूस निकालना, प्रदर्शन करना।

मुजाहिद (مجاهد) अ वि —पराक्रमी, प्रयत्नशील, कोशिश करनेवाला, विधर्मियो से युद्ध करनवाला।

मुजाहिदानः (مجاهدانہ) अ वि —मुजाहिदो की तरह।

मुजाहिदीन (مجاهدين) अ पु —'मुजाहिद' का बहु, विधर्मियो से लडनेवाले योद्धा।

मुजाहिम (مزاحم) अ वि —मुज़ाहमत करनेवाला, हस्तक्षेप करनेवाला, रोक-टोक करनेवाला।

मुज़िर [र्र] (مضر) अ वि —हानिकर, नुक्सानदेह।

मुज़िर्रे सेहत (مضر صحت) अ पु —स्वास्थ्य के लिए हानिकारक, अनारोग्य, अपथ्य।

मुज़िल [ल्ल] (مضل) अ वि —गुमराह करनेवाला।

मुज़ीअ (مضيع) अ वि —नष्ट करनेवाला, बरबाद करनेवाला, विनाशक।

मुजीब (مجيب) अ वि —जवाब देनेवाला, उत्तरदाता, स्वीकार करनेवाला।

मुज़ीब (مذيب) अ वि —पिघलानेवाला।

मुजीबुद्दा'वात (مجيب الدعوات) अ पु —दुआएँ स्वीकार करनेवाला, ईश्वर।

मुज़ील (مزيل) अ वि —ज़ाइल करनेवाला, निवारक, नष्टकर्त्ता।

मुज़ैयन (مزين) अ वि —सुसज्जित, शृंगारित, आरास्ता।

मुज़्इफ (مضعف) अ वि —कमज़ोर करनेवाला, शक्तिहीन करनेवाला।

मुज़्इफे बाह (مضعف باه) अ वि —कामशक्ति को कम करनेवाली दवा या गिज़ा।

मुज़्गः (مضغہ) अ. पु —लोथडा, मासपिंड।

मुज़्गए गोश्त (مضغۂ گوشت) अ फा पु —मासपिंड, गोश्त का लोथडा।

मुज़्ज़म्मिल (مزمل) अ वि —कुरान की एक सूरत।

मुज़्ज़ात (مزجات) अ पु —थोडा, अल्प, न्यून।

मुज्तबा (مجتبى) अ वि —सम्मानित, प्रतिष्ठित, बुज़ुर्ग।

मुज्तमा' (مجتمع) अ वि —एकत्र, इकट्ठा, एक जगह।

मुज्तमे' (مجتمع) अ वि —एकत्र करनेवाला, इकट्ठा करनेवाला, इकट्ठा होनेवाला।

मुज़्तर [र्र] (مضطر) अ वि —व्याकुल, बेचैन, बेबस, लाचार।

मुज़्तरिब (مضطرب) अ वि —व्याकुल, आतुर, बेचैन, अधीर, बेसब्र, घबराया हुआ।

मुज़्तरिबानः (مضطربانہ) अ फा वि —व्याकुलो-जैसा, व्याकुलतापूर्ण।

मुज़्तरिबुलहाल (مضطرب الحال) अ वि —घबराया हुआ, उद्विग्न, परेशान।

मुज्तस [स्स] (مجتث) अ वि —उन्मूलित, जड से उखाडा हुआ; दे 'बहे मज्तस'।

मुज्तहिद (مجتہد) अ पु —परिश्रमी, कोशिश करनेवाला, धार्मिक विषयो मे विवेकपूर्ण निर्णय करनेवाला, शीआ सम्प्रदाय का आलिम।

मुज्दः (مژدہ) फा पु —शुभ सूचना, शुभ सवाद, खुशखबरी।

मुज्दः बाद (مژدہ باد) फा वा —मुबारक हो, धन्यवाद।

मुज्द (مزد) फा स्त्री —पारिश्रमिक, मज़दूरी, भृति।

मुज्दगानी (مژدگانی) फा स्त्री —खुशखबरी लाने का पुरस्कार।

मुज्दवर (مزدور) फा वि —कर्मकार, श्रमिक, मज़दूर।

मुज़्दहम (مزدحم) अ वि —भीड के रूप मे आया हुआ।

मुज़्दहिम (مزدحم) अ वि —भीड करनेवाला।

मुज्दूर (مزدور) फा. पु —श्रमिक, कर्मकार, भृतिक, मजूर।

मुज्दूरी (مزدوری) फा वि —भृति, पारिश्रमिक।

मुज्निब (مذنب) अ वि —पापी, पातकी, गुनाहगार।

मुज्बतः (محضطة) अ. पु —मेमोरियल, प्रार्थनापत्र।

मुज्मर (مضمر) अ वि —गुप्त, छिपा हुआ, पोशीदा।

मुज्मल (مجمل) अ वि —सक्षिप्त, साररूप, मुख्तसर।

मुज़्महिल (مضمحل) अ वि —क्लात, श्रान्त, शिथिल, अफ्सुर्दः।

मुज्माअलैह (مجمع عليه) अ वि —वह बात जिस पर सब सहमत हो, सर्वमान्य।

मुज़्मिन (مزمن) अ वि —देर का बसा हुआ, पुराना, बहुत दिनो का।

मुज्मिर (مضمر) अ वि —छिपानेवाला, गोपक।

मुज्रा (مجرا) अ पु —जारी किया हुआ, बहाया हुआ, छोटे व्यक्तियो का बडे आदमियो को प्रणाम, मिन्हा, वज़ा', रडी का वह गाना जो बैठकर हो।

मुज्राई (مجرائی) अ फा वि —मुज्रा करनेवाला, सलाम करनेवाला।

मुज्रिम (مجرم) अ वि —अपराधी, दोषी, कुसूरवार।

मुज्रिमानः (مجرمانہ) अ फा वि —अपराधियो-जैसा, अपराधपूर्ण।

मुज्रिमे आदी (مجرم عادی) अ पु —वह अपराधी जो अपराध करने का व्यसनी हो।

मुज़्लिक (مزلق) अ वि —फिस्लानेवाला।

मुज़्लिम (مظلم) अ वि —अँधियारा, तारीक, तमिस्र।

मुज़्हिक (مضحک) अ वि —हँसानेवाला, उपहासक।

मुज़्हिकात (مضحكات) अ. स्त्री —हँसानेवाली चीजे, जिहे सुनकर हँसी आये।

मुज़्हिर (مظہر) अ वि –ज़ाहिर करनेवाला, प्रकट करनेवाला, कचहरी में इज़्हार देनेवाला, गवाह, साक्षी, साखी।

मुतजन (متنجن) फा पु –इक किस्म का मीठा पुलाव जिसमे खटाई भी डाली जाती हैं, मुतजन-तुरज (नीवू) मिश्रित मीठा पुलाव।

मुतअख़्ख़िर (متاخر) अ वि –पीछे आनेवाला, जो वाद में हुआ हो, पहले से वा'दवाला।

मुतअख़्ख़िरीन (متاخرین) अ पु –वादवाले समय के लोग, पहलेवालो के वाद होनेवाले लोग।

मुतअज्जिब (متعجب) अ वि –आश्चर्य में पडा हुआ, आश्चर्यित, चकित।

मुतअज़्ज़िब (متعذب) अ वि –स्वादिष्ठ, मज़ेदार, रोचक, दिलचस्प।

मुतअज़्ज़िर (متعذر) अ वि –कठिन, दुष्कर, मुश्किल।

मुतअज़्ज़ी (متاذی) अ वि –कष्टग्रस्त, क्लेश पानेवाला।

मुतअद्दिद (متعدد) अ वि –वहुत, वहुत-से, अधिक, कतिपय, चद, थोडे।

मुतअद्दी (متعدی) अ वि –अपनी सीमा से आगे वढ जानेवाला, छूतदार वीमारी, सक्रामक रोग।

मुतअन्निद (متعند) अ वि –द्वेपी, शत्रु, वैरी, दुश्मन।

मुतअफ़्फ़िन (متعفن) अ वि –दुर्गंधयुक्त, वदवूदार, सडा हुआ।

मुतअब्बिद (متعبد) अ वि –आराधना करनेवाला, वनावटी आराधना करनेवाला।

मुतअम्मिल (متامل) अ वि –असमजस मे पडा हुआ, सकुचित।

मुतअर्रिज़ (متعرض) अ वि –घटित होनेवाला, पेश आनेवाला, अर्ज़ करनेवाला, माँगनेवाला, याचक।

मुतअल्लिक़ः (متعلقہ) अ वि –सम्वन्ध रखनेवाली वस्तु, सपर्क रखनेवाली चीज।

मुतअल्लिक (متعلق) अ वि –सम्वन्धित, सवद्ध, वावस्ता, वारे में, विपय में, सम्वन्व मे, नौकर, मुलाजिम।

मुतअल्लिकात (متعلقات) अ पु –सम्वन्वित वातें, वे वाते जिनका किसी विपय से सम्वन्व हो।

मुतअल्लिक़ीन (متعلقین) अ पु –घरवाले, वाल-वच्चे।

मुतअल्लिमः (متعلمہ) अ स्त्री.–पाठिका, पढनेवाली, छात्रा।

मुतअल्लिम (متعلم) अ पु –पाठक, पढनेवाला, छात्र।

मुतअल्लिम (متالم) अ वि –पीडित, दु खित, दर्द मे मुब्तला।

मुतअव्विद (متعود) अ वि –व्यमनी, आदी, खूगर।

मुतअस्सिफ (متاسف) अ वि –अफ्सोम करनेवाला, पश्चात्तापी।

मुतअस्सिव (متعصب) अ वि –धर्म सम्वन्धी पक्षपात करनेवाला, तगनज़र, लघुचेता, जातपात या प्रान्तीय पक्षपात करनेवाला।

मुतअस्सिर (متاثر) अ वि –प्रभावित, जिस पर किसी वात का असर हुआ हो।

मुतअस्सिर (متعسر) अ वि –कठिन, दुष्कर, मुश्किल।

मुतअह्हिद (متعہد) अ वि –प्रतिज्ञा करनेवाला, परिचारक, तीमारदार, ज़िम्मेदार, उत्तरदायी।

मुतअह्हिल (متاہل) अ वि –वाल-वच्चोवाला, विवाहित, व्याहा हुआ, वीवीवाला।

मुतआक़िद (متعاقد) अ वि –आपस मे कौल-करार करनेवाला।

मुतआक़िदैन (متعاقدین) अ पु –वे दो व्यक्ति जिनमें परस्पर कोई कौल-करार हुआ हो।

मुतआक़िब (متعاقب) अ वि –पीछे दौडनेवाला, पीछा करनेवाला, पीछे से आनेवाला।

मुतआरिज़ (متعارض) अ वि –एक-दूसरे का विरोध करनेवाला, ऐसी वात जो दूसरे के विरुद्ध हो।

मुतआरिक (متعارک) अ वि –कान उमेठनेवाला, मिटानेवाला, कामना पूरी करनेवाला, सफल होनेवाला, युद्ध करनेवाला, छीला हुआ।

मुतआरिफ (متعارف) अ वि –परिचित, पहचाननेवाला, शनासा।

मुतआल (متعال) अ वि –ऊँचा होनेवाला, पूज्य, ममानित, प्रतिष्ठित।

मुतऐयिन (متعین) अ वि –निश्चित, मुकर्रर, नियुक्त, तईनात।

मुतकद्दिम (متقدم) अ वि –पहले होनेवाला, पहलेवाला।

मुतकद्दिमीन (متقدمین) अ पु –वे लोग जो पहले गुज़र चुके हैं, 'मुतअख़्ख़िरीन' का उलटा, पुराने लोग।

मुतकफ़्फ़िल (متکفل) अ वि –प्रतिभू, जामिन, पालन-पोषण करनेवाला।

मुतकब्बिर (متکبر) अ वि –अहकारी, अभिमानी, घमडी, मग़रूर।

मुतकल्लिफ (متکلف) अ वि –तकल्लुफ करनेवाला।

मुतकल्लिम (متکلم) अ वि –कलाम करनेवाला, वार्तालाप करनेवाला, इल्मेकलाम जाननेवाला, मीमासक।

मुतकव्विन (متکون) अ वि –पैदा होनेवाला, रूप धारण करनेवाला।

मुतकल्लिमीन (متکلمین) अ. पु.—मीमासा जाननेवाले विद्वज्जन, मीमासक।
मुतकस्सिर (متکسر) अ. वि.—टूटनेवाला, टूटा हुआ, भग्न, खडित।
मुतक़ाज़ी (متقاضی) अ वि—तकाज़ा करनेवाला, माँग उपस्थित करनेवाला।
मुतक़ाबिल (متقابل) अ. वि—आमने-सामने, प्रत्यक्ष, साक्षात्।
मुतक़ारिब (متقارب) अ वि.—समीप होनेवाला; समीप, करीव, दे. 'बह्रे मुतक़ारिब'।
मुतकासिफ (متکاثف) अ. वि—ठोस, दबीज, गाढा, गलीज़।
मुतख़य्यलः (متخیلہ) अ पु—सोचने का स्थान, मस्तिष्क, दिमाग।
मुतख़य्यिल (متخیلہ) अ वि—विचार-शक्ति, सोचने की कुव्वत, कल्पना शक्ति, वाहिमा।
मुतख़ल्ख़ल (متخلخل) अ वि—खोखला, पोला, सुषिर।
मुतख़ल्लिक़ (متخلق) अ वि—सुशील, सद्वृत्त, सदाचारी, खुशखुल्क।
मुतख़ल्लिल (متخلل) अ वि—विघ्न डालनेवाला।
मुतख़ल्लिस (متخلص) अ. वि.—तखल्लुस रखनेवाला तखल्लुसवाला।
मुतख़ासिम (متخاصم) अ वि—शत्रु, बैरी, दुश्मन।
मुतख़ासिमीन (متخاصمین) अ पु—शत्रु गण, वैरी लोग, दुश्मन।
मुतग़ज़्ज़िल (متغزل) अ वि—केवल गज़ल कहनेवाला शाइर, जो गज़ल अधिक कहता हो और दूसरी चीज़ें बहुत कम।
मुतग़ज़्ज़िलीन (متغزلین) अ पु—गज़ल कहनेवाले शाइर।
मुतग़य्यिर (متغیر) अ वि—परिवर्तित, बदला हुआ, विकृत, विगडा हुआ।
मुतग़ाइर (متغائر) अ वि—पृथक् अलग, जुदा, एक-दूसरे के विरुद्ध, वरअक्स।
मुतग़ैयिर (متغیر) अ वि—दे 'मुतगय्यिर'।
मुतज़क्किरः (متذکرہ) अ वि—ज़िक्र किया हुआ, कथित, चर्चित, कहा हुआ।
मुतज़क्किरए बाला (متذکرۂ بالا) अ फा वि—ऊपर कहा हुआ, पूर्वोक्त, पूर्वकथित।
मुतज़ब्ज़िब (متذبذب) अ वि—असमजस मे पडा हुआ, दुविधा मे पड़ा हुआ, दोलायमान।
मुतज़म्मिन (متضمن) अ. वि—सम्मिलित, शामिल।
मुतज़र्रर (متضرر) अ वि—जिसे हानि पहुँचायी गयी हो, हानिग्रस्त।
मुतज़र्रिर (متضرر) अ वि—हानि पहुँचानेवाला, हानि-कारक।
मुतज़र्रे' (متضرع) अ वि—फूटनेवाला, निकलनेवाला, जड मे से शाखा के रूप मे निकलनेवाला।
मुतज़ल्ज़िल (متزلزل) अ वि—हिलने-डोलनेवाला, कपायमान।
मुतजल्ली (متجلی) अ वि—चमकनेवाला, प्रकाशित होनेवाला, प्रकाशमान।
मुतजस्सिस (متجسس) अ. वि—खोजी, जिज्ञासु, तलाश करनेवाला, गवेषक।
मुतज़ाद (متضاد) अ वि—एक-दूसरे के विरुद्ध कथन आदि, (व्यक्ति नही)।
मुतजाविज़ (متجاوز) अ वि—हद से वढ़ जानेवाला, उल्ल-घन करनेवाला।
मुतदय्यिन (متدین) अ वि—दियानतदार, ईमानदार, अमानत मे खियानत न करनेवाला।
मुतदारिक (متدارک) अ वि—खोई हुई वस्तु पानेवाला, दे 'बह्रे मतदारिक'।
मुतदाविल (متداول) अ वि—एक से दूसरे के पास पहुँचने-वाला, एक हाथ से दूसरे हाथ मे फिरनेवाला, अर्थात् प्रच-लित, राइज।
मुतनफ़्फ़िर (متنفر) अ वि—घृणा करनेवाला, भागने-वाला, अलग रहनेवाला।
मुतनफ़्फ़िस (متنفس) अ वि—साँस लेनेवाला, अर्थात् प्राणी; मनुष्य, आदमी।
मुतनब्बी (متنبی) अ वि—झूठा नबी बननेवाला, नबी होने का दावा करनेवाला, अरब का एक प्रसिद्ध कवि।
मुतनब्बेह (متنبہ) अ वि—चौकस, खबरदार, सावधान, होशियार।
मुतनव्वे' (متنوع) अ वि—भाँति-भाँति का होनेवाला, विचित्र, अजीबो ग़रीब।
मुतनाइम (متنعیم) अ वि—लाड़-प्यार में पलनेवाला।
मुतनाफ़िज़ (متناقض) अ वि—एक दूसरे के विपरीत, एक दूसरे का उल्टा।
मुतनाज़िअः (متنازعہ) अ वि—जिस बात के लिए वाद-विवाद हो।
मुतनाज़ा' (متنازع) अ वि—जिस बात (विषय) के लिए झगडा हो।

मुतनाज़ा'फ़ीह (متنازع‌فیہ) अ वि –जिस बात में झगडा हो, विवादग्रस्त।

मुतनाज़े (متنازع) अ वि –वाद-विवाद करनेवाला।

मुतनाफ़िर (متنافر) अ वि –परस्पर घृणा करनेवाला, घृणा करनेवाला।

मुतनासिब (متناسب) अ वि –जिसमे हर चीज़ सही तनासुब से हो, समानुपातिक।

मुतनासिबुल आ'ज़ा (متناسب‌الاعضا) अ वि –जिसके शरीर के तमाम अग जैसे सुडोल होने चाहिए वैसे हो।

मुतनाही (متناہی) अ वि –अन्त को पहुँचा हुआ, अत्यधिक, बहुत ज़ियादा।

मुतफ़क्किर (متفکر) अ वि –चिंतित, चिंताकुल, सचित, किसी विशेष फ़िक्र से परेशान।

मुतफ़न्निन (متفنن) अ वि –बहुत से फन जाननेवाला।

मुतफ़न्नी (متفنی) अ वि –वचक, धूर्त, ठग, चालाक।

मुतफ़र्रिक (متفرق) अ वि –विविध, विभिन्न, मुख़्तलिफ़, पृथक्, जुदा, अस्त-व्यस्त, तितर-बितर, फुटकर जो इकट्ठा न हो, जैसे—मुतफ़र्रिक ख़र्च।

मुतफ़र्रिकात (متفرقات) अ पु –'मुतफ़र्रिक' का बहु, विभिन्न वस्तुएँ, हिसाब की भिन्न-भिन्न रकमें।

मुतफ़र्रे' (متفرع) अ वि –मूल में से निकलनेवाली शाखा।

मुतफ़ाइल (متفائل) अ वि –शगुन लेनेवाला, इस शब्द को 'मतफ़ाविल' नही कहना चाहिए न 'वाव' से लिखना ही चाहिए।

मुतबन्ना (متبنّی) अ पु –गोद लिया हुआ लडका, लेपालक, दत्तक पुत्र।

मुतबर्रिक (متبرک) अ वि –पवित्र, पुनीत, पाक, प्रतिष्ठित, पुण्यात्मा, बुज़ुर्ग।

मुतबस्सिम (متبسم) अ वि –मुस्कुरानेवाला, सुस्मित।

मुतबह्हिर (متبحر) अ वि –विद्या का समुद्र, प्रचड विद्वान्, विद्वत्तम, कृतमुख।

मुतबाइन (متباین) अ वि –एक-दूसरे के बिलकुल विरुद्ध, बिलकुल उलटा।

मुतबादिर (متبادر) अ वि –जल्दी हृदयगम होनेवाला, तुरन्त समझ में आ जानेवाला।

मुतबादिल (متبادل) अ वि –अदल-बदल होनेवाला।

मुतमक्किन (متمکن) अ वि –ठहरा हुआ, जगह पकडनेवाला, स्थिर।

मुतमत्ते' (متمتع) अ वि –लाभ पानेवाला, लाभान्वित।

मुतमद्दिन (متمدن) अ वि –नागरिक, शहरी, सभ्य, शिष्ट, मुहज़्ज़ब।

मुतमन्ना (متمنّی) अ वि –अभिलषित, इच्छित, जिसकी तमन्ना हो।

मुतमन्नी (متمنی) अ वि –उत्सुक, अभिलाषी, इच्छुक, आकांक्षी, तमन्ना करनेवाला।

मुतमय्यिज़ (متميز) अ वि –पृथक् होनेवाला, पहचाना जानेवाला।

मुतमर्रिद (متمرد) अ वि –उद्दड, सरकश, विद्रोही, बाग़ी, अवज्ञाकारी, नाफ़रमान।

मुतमल्लिक़ (متملق) अ वि –ख़ुशामदी, चाटुकार, चापलूस।

मुतमव्विज (متموج) अ वि –मौजें मारता हुआ, लहरे लेता हुआ, तरगित।

मुतमव्विल (متمول) अ. वि –धनाढ्य, धनी, मालदार।

मुतमादी (متمادی) अ. वि –लबा, दराज़, जिसमे तमादी आरिज़ हो, जिसका नियत समय बीत चुका हो।

मुतमासिल (متماثل) अ वि –समान, तुल्य, एक-सा, एकरूप, समरूप, समाकार।

मुतम्मिम (متمم) अ वि –समाप्त करनेवाला, ख़त्म करनेवाला, पूर्ण करनेवाला, ख़त्म करनेवाला।

मुतयक़्क़न (متیقن) अ. वि.–निश्चित, यकीनी, दृढ, मज़्बूत।

मुतयक़्किन (متیقن) अ वि –विश्वास करनेवाला, विश्वासी।

मुतयम्मिन (متیمن) अ वि –शुभान्वित, बा बरकत, कल्याणकारी।

मुतयय्यन (مطین) अ वि –मिट्टी से पोता हुआ, मिट्टी चढाया हुआ।

मुतयय्यब (مطیب) अ वि –ख़ुशबू में बसा हुआ, सुगन्धित, सुगधयुक्त।

मुतय्यिब (مطیب) अ वि –ख़ुशबूदार करनेवाला, ख़ुशबू फैलानेवाला।

मुतरक़्क़बः (مترقبہ) अ वि –वह वस्तु जिसके मिलने की उम्मीद लगी हो, जिसके आने का इतिज़ार हो।

मुतरक़्क़ब (مترقب) अ वि –जिसकी आस हो, जिसकी प्रतीक्षा हो।

मुतरक़्क़िब (مترقب) अ वि –आस लगानेवाला, प्रतीक्षा देखनेवाला।

मुतज़ल्लिम (متظلم) अ वि –ज़ुल्म की फ़र्याद करनेवाला, दादख़्वाह, न्याययाचक।

मुतरत्तिब (مترتب) अ. वि –क्रमबद्ध, क्रमागत, तर्तीब मे लगा हुआ।

मुतरद्दिद (متردد) अ. वि –चिंतित, फिक्रमद, सोच मे पड़ा हुआ।

मुतरन्निम (مترنم) अ वि –गानेवाला, गायक, जिसमे तरन्नुम हो, सुरीली (आवाज)।

मुतरश्शेह (مترشح) अ वि –टपकनेवाला, रिसनेवाला, अर्थात् प्रकट होनेवाला।

मुतरस्सिद (مترصد) अ वि –इच्छुक, अभिलाषी, उम्मेदवार।

मुतरस्सिल (مترسل) अ वि –पत्र भेजनेवाला।

मुतराकिब (متراکب) अ वि –परस्पर बैठनेवाला।

मुतराकिम (متراکم) अ वि –भीड करनेवाला।

मुतराक़ी (متراقی) अ वि –जादू-टोना करनेवाला, जादूकार।

मुतरादिफ (مترادف) अ वि –एक के पीछे एक सवार होनेवाला, निरतर, बराबर, समानार्थक, पर्यायवाची।

मुतरादिफुलमा'ना (مترادف المعنی) अ वि –वह शब्द जो एक ही अर्थ रखते हो, समानार्थक, पर्यायवाची।

मुतर्जमः (مترجمہ) अ वि –अनुवाद की हुई पुस्तक, अनूदित।

मुतर्जम (مترجم) अ वि –अनुवादित, भाषातरित, अनूदित, तर्जुमा किया हुआ।

मुतर्जिम (مترجم) अ वि –अनुवादकर्ता, अनुवादकार, भाषातरकार, अनुवादक, तर्जमा करनेवाला।

मुतलक़्क़ा (متلقّٰی) अ वि –जिससे मुलाकात की गयी हो।

मुतलक्की (متلقی) अ वि –मुलाकात करनेवाला।

मुतलज्जिज़ (متلذذ) अ वि –आनद उठानेवाला, लज्ज़त उठानेवाला।

मुतलत्तिफ (متلطف) अ वि –कृपा करनेवाला, इल्तिफात करनेवाला।

मुदलव्विन (متلون) अ वि –रग बदलनेवाला, घडी मे कुछ घडी मे कुछ होनेवाला।

मुतलव्विन तब्अ (متلون طبع) अ वि –दे 'मुतलव्विन मिजाज'।

मुतलव्विन मिजाज (متلون مزاج) अ वि –जिसका चित्त स्थिर न रहे, कभी कुछ सोचे कभी कुछ, अनियतात्मा, चचल चित्त, विषयशील।

मुतलव्विन मिजाजी (متلون مزاجی) अ. स्त्री –दे मु० 'मिज़ाज'।

मुतलातिम (متلاطم) अ वि –एक-दूसरे को थपेडे मारनेवाला, मौजे मारनेवाली नदी।

मुतलाशी (متلاشی) अ वि,–ध्वस्त, नष्ट, बरबाद, यह शब्द तलाश करनेवाले के अर्थ में अशुद्ध है।

मुतलाशी (متلاشی) तु. वि.–ढूँढनेवाला, खोजी, तलाश करनेवाला।

मुतल्लक़ः (مطلقہ) अ वि –वह स्त्री जिसे तलाक दे दी गयी हो।

मुतल्ला (مطلا) अ. वि –जिस पर सोने का काम हो।

मुतवक़्क़िफ (متوقف) अ वि –ठहरनेवाला, देर लगानेवाला।

मुतवक्किल (متوکل) अ वि –खुदा पर भरोसा रखनेवाला, जिसकी कोई निश्चित आय न हो, ऐसा साधु या फकीर।

मुतवक्किलन अलल्लाह (متوکلاً علی اللہ) अ वि –ईश्वर के भरोसे पर, ईश्वर का भरोसा करके।

मुतवक्किलानः (متوکلانہ) अ फा वि –मुतवक्किलो-जैसा, फकीराना।

मुतवक़्क़े' (متوقع) अ वि –आशा रखनेवाला, आशान्वित।

मुतवज़्ज़े' (متوزع) अ वि –अस्त-व्यस्त, तितर-बितर; उद्विग्न, परेशान।

मुतवज्जेह (متوجہ) अ वि –ध्यान देनेवाला, खयाल करनेवाला, मुँह करनेवाला, रुख मिलानेवाला।

मुतवत्तिन (متوطن) अ वि –निवासी, साकिन।

मुतवफ़्फ़ी (متوفی) अ वि –मृत, मृतक, दिवगत, स्वर्गीय, मरहूम।

मुतवर्रिम (متورم) अ वि –सूजा हुआ, शोथित।

मुतवर्रे (متورع) अ वि –सयमी, इद्रिय-निग्रही, परहेजगार।

मुतवल्लिद (متولد) अ वि –उत्पन्न होनेवाला, जात, उत्पन्न।

मुतवल्ली (متولی) अ वि –किसी वक्फ जाइदाद की देख-रेख करनेवाला, अधिष्ठाता।

मुतवस्सित (متوسط) अ वि –न बडा न छोटा, बीच का, मध्यम, माध्यम।

मुतवस्सितुलक़ामत (متوسط القامت) अ वि –न बहुत लम्बा न बहुत ठिगना, बीच के डील-डौल का।

मुतवस्सितुलहाल (متوسط الحال) अ वि –न बहुत अमीर न बहुत गरीब, दरमियानी जिंदगी गुज़ारनेवाला, मध्यवर्गीय।

मुतवस्सिल (متوسل) अ वि.–आश्रय ढूँढनेवाला, सहारा पकडनेवाला, जो किसी के सहारे पर हो, अवलबित, आश्रित।

मुतवस्सिलीन (متوسلین) अ. वि –आश्रित जन, वे लोग जो सहारे पर हो।

मुतवह्हिम (متوہم) अ. वि –वहमी, भ्रमी, भ्रान्त।

मुतवह्हिश (متوحش) अ वि–घबराया हुआ, उद्विग्न।

मुतवाज़िन (متوازن) जिसका वज्न दोनो ओर बराबर हो, तुला हुआ, सतुलित, मोतदिल।

मुतवाज़ी (متوازی) अ वि–एक-दूसरे के बराबर चलनेवाला, एक-दूसरे से बराबर अन्तर रखनेवाला, वह रेखा जो किसी रेखा के बराबर अन्तर पर चले, समानान्तर।

मुतवाज़े' (متواضع) अ वि–आवभगत और खातिरदारी करनेवाला, विनम्रता और विनीतता का व्यवहार करनेवाला।

मुतवातिर (متواتر) अ वि–निरन्तर, अनवरत, सतत, लगातार, बराबर।

मुतवारिद (متوارد) अ वि–साथ-साथ उतरनेवाला, वह मज़्मून जो साथ-साथ दो शाइरो के घ्यान मे आये, जिसे दो शाइर बाँधे।

मुतवारी (متواری) अ वि–छिपनेवाला, गुप्त, दिया हुआ।

मुतवाली (متوالی) अ वि–बारबार आनेवाला, लगातार होनेवाला।

मुतव्वक़ (مطوق) अ वि–जिसके गले में तौक पडा हो, जिसके गले में कैदियो का तौक हो, अर्थात् जो कैद में हो।

मुतव्वज (متوج) अ वि–जिसे ताज पहनाया गया हो।

मुतव्वल (مطول) अ वि–लम्बा, दीर्घ, तवील, जो लम्बा किया गया हो।

मुतव्विफ़ (مطوف) अ वि–परिक्रमण करनेवाला, किसी के चारो ओर फिरनेवाला।

मुतव्विल (مطول) अ वि–लबा करनेवाला।

मुतशक्किर (متشکر) अ वि–कृतज्ञता प्रकट करनेवाला, शुक्रिय अदा करनेवाला, कृतज्ञ, आभारी, मम्नून।

मुतशक्किल (متشکل) अ वि–साकार, साक्षात्, किसी रूप में परिवर्तित।

मुतशक्की (متشکی) अ वि–सदेह करनेवाला, शक करनेवाला।

मुतशत्तित (متشتت) अ वि–अस्त-व्यस्त, गडवड, तितर-वितर, उद्विग्न, परीशान।

मुतशद्दिद (متشدد) अ वि–सख्ती करनेवाला, अत्याचार करनेवाला।

मुतशद्दिदानः (متشددانه) अ फा वि–तशद्दुद आमेज़, अत्याचारपूर्ण, हिंसात्मक।

मुतशन्निज (متشنج) अ वि–अकडनेवाला, ऐंठनेवाला, जिसमे ऐंठन न हो।

मुतशर्रे' (متشرع) अ वि–शर्अ पर चलनेवाला, शास्त्र-विहित आचरण करनेवाला।

मुतशाइर (متشاعر) अ वि–झूठ-मूठ का शाइर बननेवाला, जो शाइर न हो मगर शाइर बनता हो।

मुतशाबिहात (متشابهات) अ स्त्री–कुरान के वे वाक्य जिनका अर्थ स्पष्ट न हो, प्रत्युत 'मुह्कमात'।

मुत शाबेह (متشابه) अ वि–समान, सदृश, तुल्य।

मुतसद्दी (متصدی) अ वि–प्रबधक, मुतज़िम, हिसाब-किताब रखनेवाला, अभिकर्ता, गुमाश्ता, पेशकार, लिपिक, मुहर्रिर।

मुतसद्दे (متصدع) अ वि–कष्टदाता, तकलीफ देनेवाला।

मुतसन्ने' (متصنع) अ वि–बनावट करनेवाला।

मुतसर्रिफ़ (متصرف) अ वि–तसर्रुफ करनेवाला, अधिकार जमानेवाला।

मुतसल्लत (متسلط) अ वि–जिस पर तसल्लुत किया जाय, वशीभूत, अधिकृत।

मुतसल्लित (متسلط) अ वि–तसल्लुत करनेवाला, विजेता, अधिकार प्राप्त करनेवाला।

मुतसल्ली (متسلی) अ वि–सान्त्वना पानेवाला, जिसकी तसल्ली हो गयी हो।

मुतसव्वर (متصور) अ वि–जिसका ध्यान किया जाय, जिसका तसव्वर किया जाय।

मुतसव्विर (متصور) अ वि–ध्यान करनेवाला।

मुतसाइद (متصاعد) अ वि–ऊपर चढनेवाला, ऊपर पहुँचनेवाला।

मुतसादिम (متصادم) अ वि–एक-दूसरे से टकरानेवाला।

मुतसावियुज़्ज़वाया (متساوی الزوایا) अ पु–वह शक्ल जिसके कोण बराबर हो।

मुतसावियुलअज़्लाअ' (متساوی الاضلاع) अ पु–वह शक्ल जिसकी भुजाएँ बराबर हो।

मुतसावियुस्साक़ैन (متساوی الساقین) अ पु–वह त्रिभुज जिसकी दोनो भुजाएँ बराबर हो, समद्विबाहुक त्रिभुज।

मुतसावी (متساوی) अ वि–सम, बराबर, एक-दूसरे के बराबर।

मुतहक़्क़िक़ (متحقق) अ वि–निश्चित, यकीनी, प्रमाणित, दुरुस्त।

मुतहज्जिर (متحجر) अ वि–पत्थर बन जानेवाला, पत्थर की तरह कडा पड जानेवाला।

मुतहज़्ज़ी (متحظی) अ वि–सफल, भाग्यवान्, किसी चीज का आनन्द लेनेवाला।

मुतहम्मिल (متحمل) अ वि–तहम्मुल करनेवाला, सहिष्णु, सहनशील।

मुतहय्यिर (متحیر) अ. वि –हैरत मे पडा हुआ, स्तब्ध, चकित।

मुतहर्रिक (متحرک) अ वि –हिलने-डुलनेवाला, गतिशील, गतिमान्, चलनेवाला।

मुतहल्ली (متحلی) अ वि –भूषण और वस्त्र से सुसज्जित।

मुतहस्सिन (متحصن) अ वि –किले मे वद, वह राजा जो शत्रु की सेना के भय से दुर्गस्थ हो गया हो।

मुतहारिव (متحارب) अ वि –परस्पर युद्ध करनेवाला, आपस मे लडनेवाला।

मुतहाविन (متہاون) अ वि –तिरस्कृत, अपमानित, जलील, आलस्य करनेवाला।

मुतहैयिर (متحیر) अ वि –दे 'मुतहय्यिर'।

मुतह्हर (مطہر) अ वि –पवित्र, शुद्ध, पाक।

मुतह्हिर (مطہر) अ वि –पवित्र करनेवाला।

मुताअ (مطاع) अ वि –जिसका हुक्म माना जाय, जिसकी इताअत की जाय।

मुताजरः (متاجرہ) अ पु –आपस मे व्यवसाय करना, परस्पर लेन-देन करना।

मुताजरत (متاجرت) अ. स्त्री –दे 'मुताजर'।

मुताबअत (متابعت) अ स्त्री –आज्ञापालन, हुक्म मानना, अनुकरण, तक्लीद।

मुताबक़त (مطابقت) अ स्त्री –सदृशता, अनुरूपता, मुशाबहत, समानता, यकसानियत, अनुकूलता, मुआफ़कत।

मुताबिक़ (مطابق) अ वि –सदृश, मिस्ल, समान, वराबर, अनुसार, वमूजिब।

मुतायवः (مطایبہ) अ पु –परस्पर मनोविनोद करना, आपस में हँसी-मज़ाक करना, हँसी-मजाक, मनोरजन, मनोविनोद।

मुतायबात (مطایبات) अ पु –'मुतायव' का वहु, मनोविनोद की वाते, परस्पर दिल वहलाव की वातें।

मुतारह. (مطارحہ) अ पु –परस्पर तरह पर गज़ले कहना, परामर्श करना, वार्तालाप करना, खुशामद करना।

मुतारहात (مطارحات) अ वि –तरह पर होनेवाले मुशाअरे; आपस की बात-चीत।

मुतालअः (مطالعہ) अ पु –किसी चीज की पूरी जानकारी के लिए गौर से देखना, समीक्षा, निरीक्षण, पाठ को शुरू से पढने के पूर्व स्वयं पढना ताकि शुद्ध पढा जा सके।

मुतालबः (مطالبہ) अ पु –तलब करना, माँगना, माँग, तकाज़ा, अपने हक अर्थात् सत्त्व की माँग, वकाया रकम जो अदा करना है; प्रार्थना, इल्तिजा।

मुतालवात (مطالبات) अ पु –'मुतालव.' का वहु, माँगे।

मुतावअत (مطاوعت) अ स्त्री –आज्ञापालन, फर्मांवरदारी।

मुताव' (مطاوع) अ वि.–आज्ञापालक, फर्मांवरदार।

मुतिम[म्म] (متم) अ. वि –पूरा करनेवाला, समाप्त करनेवाला, अधूरे काम को पूरा करनेवाला।

मुतीअ (مطیع) अ वि –आज्ञाकारी, फर्मांवरदार, अनुयायी, पैरौ, अधीन, मातहत।

मुतीओमुन्क़ाद (مطیع و منقاد) अ वि –जो पूरी तरह अधीन और वशीभूत हो।

मुत्तका (متکیٰ) अ वि –जिस चीज़ का सहारा लिया जाय, सहारा, आश्रय।

मुत्तक़ी (متقی) अ वि –सयमी, इद्रियनिग्रही पार्सा।

मुत्तकी (متکی) अ. वि –सहारा लेनेवाला।

मुत्तफ़क़ः (متفقہ) अ वि –दे 'मुत्तफ़क़'।

मुत्तफ़क़ (متفق) अ वि –जिस वात या विपय या कार्य से इत्तिफ़ाक किया जाय।

मुत्तफ़क़ अलैह (متفق علیہ) अ वि –जिस पर सवका इत्तिफ़ाक हो, सर्वमान्य, सर्वसमत।

मुत्तफ़िक़ (متفق) अ वि –इत्तिफ़ाक करनेवाला, सहमत।

मुत्तफ़िक़ुर्राय (متفق الرائے) अ वि –राय से इत्तिफ़ाक करनेवाला, सहमत।

मुत्तफ़िक़ुल्लफ़्ज़ (متفق اللفظ) अ वि –सहमत, हमज़वान।

मुत्तला' (مطلع) अ वि –सूचित, जिसे सूचना दी गयी हो।

मुत्तलिव (مطلب) अ वि –हज़्रत मुहम्मद साहव के दादा का शुभनाम, ढूँढनेवाला।

मुत्तले (مطلع) अ वि –सूचना देनेवाला, सूचक।

मुत्तसफ़ (متصف) अ वि –जिसकी तारीफ की गयी हो, प्रशसित।

मुत्तसम (متسم) अ. वि –दागा हुआ, दग्ध, अकित, निशान लगाया हुआ।

मुत्तसिफ़ (متصف) अ वि –प्रशसक, तारीफ करनेवाला।

मुत्तसिम (متسم) अ वि –दागनेवाला, अकित करनेवाला।

मुत्तसिल (متصل) अ वि –समीपवर्ती, क़रीवी, समीप, करीव, निरन्तर, लगातार, मिला हुआ।

मुत्तसिलन (متصلاً) अ वि –समीप, करीब।

मुत्तहदः (متحدہ) अ वि –सयुक्त, मिला हुआ।

मुत्तहद (متحد) अ वि –सयुक्त, मिला हुआ, सहमत, हमराय।

मुत्तहदुर्राय (متحد الرائے) अ वि –सहमत, एकराय।

मुत्तहदुल अक़ीदः (متحد العقیدہ) अ वि –सहधर्मी, सहमत, एक मश्रववाले।

मुत्तहदुलउम्र (متحدالعمر) अ वि –समवयस्क, एक आयु-वाले, बराबर की आयुवाले।

मुत्तहदुलख़याल (متحدالخیال) अ वि –एक-से विचार रखनेवाले।

मुत्तहदुलबत्न (متحدالبطن) अ वि –एक पेट से उत्पन्न होनेवाले, सहोदर।

मुत्तहदुलमज़्हब (متحدالمذهب) अ वि –एक धर्म रखने-वाले, सहधर्मी।

मुत्तहदुलमफ़्हूम (متحدالمفهوم) अ वि –एक भाव-वाला, जिनका भावार्थ एक हो।

मुत्तहदुलमा'ना (متحدالمعنیٰ) अ वि –एक अर्थवाले, समानार्थक।

मुत्तहदुलवतन (متحدالوطن) अ वि –एक देश के रहने-वाले, सहदेशीय।

मुत्तहदुश्शक्ल (متحدالشکل) अ वि –एक-जैसी आकृति-वाले, सहरूप, समाकृति।

मुत्तहफ़ (متحف) अ वि –जिसे भेंट या उपहार दिया गया हो, उपहृत, पुरस्कृत।

मुत्तहम (متہم) अ वि –जिस पर झूठा आरोप लगाया गया हो, आरोपित।

मुत्तहिद (متحد) अ वि –मेल-मिलाप रखनेवाला।

मुत्तहिफ़ (متحف) अ वि –उपहार देनेवाला।

मुत्तहिम (متہم) अ वि–आरोप लगानेवाला।

मुत्निब (مطنب) अ वि –लंबी बात करनेवाला, बकवादी, बढानेवाला, लंबा करनेवाला।

मुत्फ़ी (مطفی) अ वि –आग बुझानेवाला, चिराग बुझाने-वाला।

मुत्मइन (مطمئن) अ वि – संतुष्ट, जिसे इत्मीनान हो, निश्चिन्त, बेफ़िक्र, आनन्दपूर्वक, खुशहाल।

मुत्रिबः (مطربہ) अ स्त्री –गानेवाली स्त्री, गायिका, गायकी।

मुत्रिब (مطرب) अ पु –गानेवाला, गायक, रागी।

मुत्लक़ (مطلق) अ वि –स्वच्छंद, निरंकुश, आज़ाद, नितान्त, बिलकुल, सामान्य, मामूली, जैसे—'माज़ी मुत्लक़' सामान्य भूत।

मुत्लक़न (مطلقاً) अ वि –नितान्त, बिलकुल।

मुत्लक़ुलइनान (مطلق العنان) अ वि –स्वच्छंद, निरंकुश, बेमहार।

मुत्लक़ुलइनानी (مطلق العنانی) अ स्त्री –स्वच्छंदता, निरंकुशता, बेलगामी।

मुत्लिफ़ (متلف) अ वि –नष्ट करनेवाला, बरबाद करने-वाला, ख़राब करनेवाला, बिगाड़नेवाला।

मुदक़्क़िक़ (مدقق) अ वि –बाल की खाल निकालनेवाला।

मुदन (مدن) अ पु –'मदीन' का बहु, नगरसमूह, बहुत से शह्र।

मुदब्बर (مدبر) अ वि –वह ओषधि जो यथाविधि शुद्ध कर ली गयी हो, ताकि हानि न करे।

मुदब्बिर (مدبر) अ वि –प्रबंधकुशल, इंतिज़ाम में निपुण, दूरदर्शी, पेशबीं, बुद्धिमान्, अक्लमंद, राजनीति में निपुण, राजनीतिज्ञ।

मुदब्बिराने क़ौम (مدبران قوم) अ पु –राष्ट्र के नेता, क़ौम के लीडर।

मुदम्मिग़ (مدمغ) अ वि –अहंकारी, अभिमानी, घमंडी, मग़्रूर।

मुदम्मिल (مدمل) अ वि –घाव को भरनेवाला, वह दवा जो घाव को भर दे।

मुदर्रिस (مدرس) अ पु –पढानेवाला, अध्यापक।

मुदर्रिसी (مدرسی) अ स्त्री –पढाने का काम, अध्यापन।

मुदल्लल (مدلل) अ वि –जो तर्क से परिपुष्ट हो, युक्ति-संगत, युक्तियुक्त।

मुदव्वन (مدون) अ वि –संगृहीत, संपादित, संकलित, इंतिख़ाब और तर्तीब के साथ जमा किया हुआ।

मुदव्वर (مدور) अ वि –गोलाकार, वृत्ताकार, गोल।

मुदव्विन (مدون) अ वि –संपादक, तर्तीब देनेवाला।

मुदह्रज (مدحرج) अ वि –गोल, वर्तुलाकार।

मुदाअबत (مداعبت) अ स्त्री –मनोरंजन, आमोद-प्रमोद, हँसी-मज़ाक, क्रीडा, खेलकूद, तफ़्रीह।

मुदाख़लत (مداخلت) अ स्त्री –विघ्न, बाधा, हस्तक्षेप, दख़्लअंदाज़ी, दख़्ल देना, बीच में टोकना, कब्ज़ा, अधिकार।

मुदाख़लते बेजा (مداخلت بیجا) अ फा स्त्री –ऐसा हस्तक्षेप जो क़ानून के ख़िलाफ़ हो।

मुदाफ़अत (مدافعت) अ स्त्री –हमले की रोक, बचाव, निवारण, इज़ाल, हटाना, अलग करना।

मुदाफ़े' (مدافع) अ वि –हटानेवाला, हमले को रोकने-वाला।

मुदाम (مدام) अ वि –नित्य, सदा, हमेशा, निरन्तर, लगातार, मदिरा, शराब।

मुदामी (مدامی) फा स्त्री –नित्यता, हमेशगी।

मुदारा (مدارا) अ पु –'मुदारात' का लघु, दे 'मुदारात'।

मुदारा (مداری) अ वि –जिसकी मुदारात की गयी हो, जिसकी आवभगत की गयी हो।

मुदारात (مدارات) अ स्त्री –ख़ातिर तवाज़ो', आवभगत, सम्मान, आदर, एज़ाज़।

मुदावमत (مداومت) अ स्त्री –नित्यता, हमेशगी; किसी काम को हमेशा करना।

मुदावा (مداوا) अ पु –'मुदावात' का लघु, दे. 'मुदावात'।

मुदावात (مداوات) अ स्त्री –चिकित्सा, उपचार, दवा-दारू इलाज।

मुदाहनत (مداهنت) अ. स्त्री –दिल मे कुछ और जबान पर कुछ होना, चापलूसी, चाटुकारिता, रौगने काज मलना।

मुदाहिन (مداهن) अ वि –मुनाफिक, जिसके मन मे कुछ हो और मुँह पर कुछ, चाटुकार, खुशामदी।

मुदिर [र्र] (مدر) अ वि –पेशाब अधिक लानेवाली दवा।

मुदिर्रात (مدرات) अ स्त्री –वे दवाएँ जो पेशाब अधिक लाएँ, जो रजस्राव अधिक करे।

मुदीरः (مديره) अ स्त्री –सपादक महिला, सपादिका।

मुदीर (مدير) अ. पु –सपादक, अख्बार का इडीटर।

मुदीरे आ'ला (مديراعلى) अ पु –प्रधान सपादक।

मुदीर मसऊल (مدير مسؤل) अ पु –वह सपादक जो अख्बार के मज्मूनो का उत्तरदायी हो, समाचार सपादक।

मुदीरे मुआविन (مدير معاون) अ पु –सहायक सपादक, उपसपादक।

मुदुन (مدن) अ पु –'मदीन' का बहु, बहुत-से नगर।

मुद्ग़म (مدغم) अ वि –मिला हुआ, समन्वित, मिले हुए, मिश्र, एक-जैसे दो अक्षर।

मुद्दआ (مدعا) अ पु –दावा किया गया, अर्थ, मतलब, आशय, उद्देश, मशा, स्वार्थ, गरज, तात्पर्य, खुलासा।

मुद्दआअलैह (مدعاعليه) अ पु –जिस पर दावा किया गया हो, प्रतिवादी।

मुद्दआअलैहा (مدعاعليها) अ स्त्री –वह स्त्री जिस पर दावा किया गया हो, प्रतिवादिनी।

मुद्दआबिहा (مدعابها) अ वि –वह वस्तु जिसके लिए वाद उपस्थित किया गया हो, जिस चीज का दावा हो।

मुद्दई (مدعى) अ पु –दावा करनेवाला, वादी, नालिशी।

मुद्दईयः (مدعيه) अ स्त्री –दावा करनेवाली स्त्री, वादिनी।

मुद्दत (مدت) अ स्त्री –अवधि, मीआद, समय, काल, वक्त, विलब, देर, अर्सा।

मुद्दते मदीद (مدت مديد) अ स्त्री –लबा अर्सा, लबा समय।

मुद्दते हयात (مدت حيات) अ स्त्री –जीवनकाल, जीने का समय, पूरी आयु।

मुद्रिकः (مدركه) अ स्त्री –तमीज़ की कुव्वत, विवेक-शक्ति।

मुद्रिक (مدرك) अ वि –विवेकी, बुद्धिमान्, समझदार, भले-बुरे की पहचान रखनेवाला।

मुद्रिकात (مدركات) अ वि –'मुद्रिक' का बहु, विवेक की शक्तियाँ।

मुनक़्क़श (منقش) अ वि.–चित्रित, जिस पर बेलबूटे हो; अकित, जिस पर लिखा हो।

मुनक़्क़ह (منقح) अ वि.–वह बात जिसे झूठ से पाक कर दिया गया हो, सच्ची बात, शुद्ध और निर्मल, जो विषय या मुआमला छानबीन करके स्पष्ट कर दिया गया हो।

मुनक़्क़ा (منقى) अ वि –जिसका पेट साफ कर दिया गया हो, सूखा अगूर, दाख, इसे मुनक्का इसलिए कहते है कि इसके बीज निकालकर इसका पेट साफ कर दिया जाता है, जो शुद्ध किया गया हो, शुद्ध, निर्मल।

मुनक़्क़िद (منقد) अ वि –आलोचक, तन्कीद करनेवाला, खोटा-खरा बतानेवाला।

मुनक़्क़िस (منقص) अ वि –अपमान करनेवाला, तिरस्कर्ता, कम करनेवाला।

मुनक़्क़ी (منقى) अ वि –पेट साफ करनेवाला, पेट साफ करनेवाली दवा, साफ करनेवाला, शुद्धकर्ता।

मुनक़्क़ेह (منقح) अ वि.–तन्कीह करनेवाला, सच को झूठ से अलग करनेवाला, मुआमले की जाँच करके सच और झूठ निकालनेवाला।

मुनग़्ग़स (منغص) अ वि –मलिन, मैला, मुकद्दर, अप्रसन्न, खिन्न, रजीद.।

मुनग़्ग़िस (منغص) अ वि –मैला करनेवाला; अप्रसन्न करनेवाला।

मुनज़्ज़म (منظم) अ वि –क्रमबद्ध, क्रियागत, बातर्तीब, सघटित, वे लोग जो किसी उद्देश्य से एक और मज़बूत होकर कोई काम करे।

मुनज़्ज़ल (منزل) अ वि –नीचे उतरा हुआ।

मुनज़्ज़ह (منزه) अ वि –पवित्र, पाक, दोषो और त्रुटियो से पाक।

मुनज्जिम (منجم) अ वि –ज्योतिषी, नुजूमी।

मुनज़्ज़िम (منظم) अ वि –सघटन करनेवाला, लोगो को किसी कार्य विशेष के लिए एकत्र करके उन्हे नियमो पर चलानेवाला।

मुनज़्ज़िल (منزل) अ वि –नीचे उतारनेवाला।

मुनब्बत (منبت) अ. वि.–वे बेल-बूटे जो उभरे हुए हो, कपडे पर हो या लकडी आदि पर।

मुनब्बतकारी (منبت كارى) अ फा स्त्री –बेल-बूटो का वह काम जो लकडी आदि पर किया जाता है।

मुनव्वर (منور) अ वि –उज्ज्वल, प्रकाशमान, दीप्त, रौशन।

मुनश्शी (منشی) अ वि –नशा पैदा करनेवाली चीज़, मादक।

मुनश्शीयात (منشیات) अ स्त्री –नशे की चीज़ें, जैसे— शराब, अफीम गाँजा, भाँग आदि।

मुनाक़ज़ः (مناقضہ) अ पु –एक-दूसरे की वात को काटना, वाक्कलह, झगडा, दगा, कलह, फसाद, द्वेप, वैर, मुखालफत, दुश्मनी।

मुनाक़ज़त (مناقضت) अ स्त्री –दे 'मुनाकज़'।

मुनाक़बत (مناقبت) अ स्त्री –अचानक देखना, मन्कवत करना, रसूल के घरानेवालो का स्तुतिगान।

मुनाक़श (مناقشہ) अ पु –आपस का लडाई-झगडा, झगडा, कलह, फसाद।

मुनाकसत (مناقصت) अ स्त्री –परस्पर एक-दूसरे की वुराई करना।

मुनाकहत (مناکحت) अ स्त्री –स्त्री और पुरुष का आपस में विवाह करना, विवाह, पाणिग्रहण, शादी।

मुनाकिज़ (مناقض) अ वि –मुखालिफ, शत्रु दुश्मन, झगडा डालनेवाला।

मुनाक़िब (مناقب) अ वि –अचानक देखनेवाला, मन्कवत करनेवाला, गुणगान और कीर्तिगान करनेवाला।

मुनाज़अः (منازعہ) अ पु –कलह, झगडा, फसाद, वाद-विवाद, तर्क-वितर्क, वहस।

मुनाज़अत (منازعت) अ स्त्री –दे 'मुनाजअ'।

मुनाज़मः (مناظمہ) अ पु –परस्पर नज़्में सुनाना, वह मुशाअर जिसमें ग़ज़लो की जगह नज़्में पढी जायँ।

मुनाज़रः (مناظرہ) अ पु –किसी विषय पर और विशेपत धार्मिक विषय पर दो विरोधी दलो का शास्त्रार्थ, वह विद्या जिसमें तर्कशास्त्र के नियम और उसके विषय मे ज्ञान वढानेवाली वातो का वर्णन हो।

मुनाजात (مناجات) अ स्त्री –ईश-प्रार्थना, खुदा की हम्दोसना, ऐसा स्तुति गान जिसमें अपने लिए कुछ प्रार्थना भी हो।

मुनाजाती (مناجاتی) अ वि –मुनाजात करनेवाला, स्तुतिगान-कर्ता।

मुनाज़ा'फीहि (منازع فیہ) अ वि –वह चीज़ जिस के विषय में परस्पर झगडा हो, झगडेवाली चीज़।

मुनाज़िर (مناظر) अ वि –मुनाज़र करनेवाला, शास्त्रार्थ-कर्ता।

मुनाज़िरीन (مناظرین) अ पु –'मुनाज़िर' का वहु, शास्त्रार्थ करनेवाले।

मुनाज़े' (منازع) अ वि –झगडा करनेवाला, झगडालू, विवादी।

मुनादमत (منادمت) अ स्त्री –पास वैठना, हाज़िर वाश रहना।

मुनादा (منادیٰ) अ वि –जिसे पुकारा जाय, सम्वोधित, आहूत।

मुनादी (منادی) अ वि –पुकारनेवाला, एलान करनेवाला, घोषणा करनेवाला, एलान, घोपणा।

मुनादीनवाज़ (منادی نواز) अ फा वि –एलान करने के लिए डुग्गी पीटनेवाला।

मुनाफ़अ. (منافعہ) अ पु –लाभ, प्राप्ति, फाइदा, व्यवसाय और रोजगार का लाभ, फल, नतीजा।

मुनाफ़अत (منافعت) अ स्त्री –लाभ होना, प्राप्ति।

मुनाफ़क़त (منافقت) अ स्त्री –दिल में कुछ होना और ज़वान पर कुछ, मिथ्याचार, कूटाचार।

मुनाफ़रत (منافرت) अ स्त्री –घृणा, नफ़रत।

मुनाफ़सः (منافسہ) अ पु –किसी चीज़ मे वरावरी चाहना, ईर्ष्या करना, हसद करना, वरावरी करना, तुलना करना।

मुनाफ़ात (منافات) अ स्त्री –एक-दूसरे को वरवाद और नप्ट करना, एक-दूसरे को अलग करना।

मुनाफ़िक़ (منافق) अ स्त्री –मुनाफकत करनेवाला, जिसके मुँह पर कुछ हो और पेट पर कुछ, वहुमुख।

मुनाफ़िर (منافر) अ वि –घृणा करनेवाला।

मुनाफ़ी (منافی) अ वि –विरुद्ध, प्रतिकूल, उलटा, मुखालिफ।

मुनाफ़े' (منافع) अ वि –लाभ देनेवाला, लाभदायक।

मुनासख़ः (مناسخہ) अ पु –एक काइदा जिसके द्वारा दाय भाग होता है।

मुनासबत (مناسبت) अ स्त्री –सम्वन्ध, लगाव, अनुकूलता, मुआफकत, अनुपात, निस्वत।

मुनासर. (مناثرہ) अ पु –गद्य के लेखको की गोप्ठी, एक जगह वैठकर परस्पर गद्य के लेख सुनाना।

मुनासरत (مناصرت) अ स्त्री –परस्पर एक-दूसरे की सहायता करना, सहयोग।

मुनासिब (مناسب) अ वि –उचित, ठीक, योग्य, काविल, पात्र, अहल, यथेष्ट, काफी, सतुलित, मौज़ूं।

मुनासिबे मौक़ा (مناسب موقعہ) अ पु –अवसर के अनुसार, समय के अनुसार।

मुनासिबे वक़्त (مناسب وقت) अ पु –समय के अनुसार, समयोचित।

मुनासिबे हाल (مناسب حال) अ पु –दशा के अनुसार, दशानुकूल, हालत के मुनासिव।

मुनीफ़ (منيف) अ वि –पवित्र, पाक, श्रेष्ठ, वुजुर्ग, उच्च, बलद, अधिक, ज़ियादा।

मुनीब (منيب) अ वि.–प्रतिनिधि, नुमाइद, अभिकर्ता, एजेंट, गुमाश्ता।

मुनीर (منير) अ वि –उज्ज्वल, प्रकाशमान, दीप्त।

मुन्अक़िद (منعقد) अ वि –उपस्थित होनेवाला, होनेवाला, प्राय जल्से या सभा के लिए आता है।

मुन्अकिस (منعكس) अ वि –प्रतिविंवित, छाया या प्रतिविम्ब पडा हुआ।

मुन्अतिफ़ (منعطف) अ वि –फिरनेवाला, आकृष्ट होनेवाला, आकृष्ट हुआ चित्त।

मुन्अदिम (منعدم) अ. वि –नष्ट होनेवाला, नष्ट, ध्वस्त, नावूद।

मुन्इम (منعم) अ. वि –इन्आम देनेवाला, नेमते देनेवाला, पुरस्कारदाता, समृद्ध, धनाढ्य, मालदार।

मुन्इमे हक़ीक़ी (منعم حقيقى) अ पु –सच्ची नेमते देनेवाला, ईश्वर।

मुन्क़ज़ी (منقضى) अ वि –गुजरनेवाला, समाप्त, खत्म।

मुन्क़ते' (منقطع) अ वि –खडित, विच्छिन्न, कटा हुआ।

मुन्कदिर (منكدر) अ वि –गदला, मलिन, मैला, धुंधला, नासाफ।

मुन्क़ने' (منقنع) अ वि –नि स्पृह, निवृत्त, क़ाने', सतुष्ट।

मुन्क़बिज़ (منقبض) अ वि –अप्रसन्न, खिन्न, (मिज़ाज)।

मुन्कर (منكر) अ. वि.–घृणित, मक्रूह, निकृष्ट, खराब।

मुन्करनकीर (منكرنكير) अ पु –दो फिरिश्ते जो मुसलमानो के मतानुसार क़ब्र मे मुर्दों से पूछताछ करते हैं।

मुन्क़लिब (منقلب) अ वि –पलटा हुआ, औंधा, अस्त-व्यस्त, उथल-पुथल।

मुन्क़लिबात (منقلبات) अ पु –वृष, कर्क, तुला और मकर ये चार राशियाँ, क्योकि इनमे काम उलटा होता है।

मुन्क़ले (منقلع) अ वि –उखडनेवाला, उखडा हुआ।

मुन्कशिफ़ (منكشف) अ वि –प्रकट, व्यक्त, ज़ाहिर।

मुन्क़सिम (منقسم) अ वि –विभाजित, तक्सीम, बँटनेवाला।

मुन्कसिर (منكسر) अ वि –भग्न, टूटा हुआ, नम्र, विनीत, खाकसार, शीलवान्, खुश अख़्लाक।

मुन्कसिर मिज़ाज (منكسرمزاج) अ वि –दे 'मुन्कसिरुल मिजाज'।

मुन्कसिरुल मिज़ाज (منكسرالمزاج) अ वि –विनीतात्मा, विनम्र स्वभाव, खाकसारी बरतनेवाला।

मुन्क़ाद (منقاد) अ. वि.–आज्ञाकारी, फर्मांबरदार, अधीन, वशीभूत, ताबे'।

मुन्किर (منكر) अ वि.–इन्कार करनेवाला, कृतघ्न, एहसान-फरामोश।

मुन्किराने ख़ुदा (منكران خدا) अ फा. पु –ख़ुदा को न माननेवाले, नास्तिक लोग।

मुन्किरे क़ियामत (منكر قيامت) अ वि –क़ियामत पर विश्वास न रखनेवाला, नास्तिक, नेचरी (मुसलमान)।

मुन्किरे ख़ुदा (منكر خدا) अ फा वि –ईश्वर को न माननेवाला, नास्तिक, अनीश्वरवादी।

मुन्किरे ने'मत (منكر نعمت) अ. फा वि –नाशुक्रा, कृतघ्न, नमकहराम।

मुन्क़ुलः (منقله) अ स्त्री –अँगीठी, अगारधानी।

मुन्क़ुल (منقل) अ स्त्री –दे 'मुन्कुल', दे 'मन्कल'।

मुन्ख़फ़िज़ (منخفض) अ. वि –गढे मे पडा हुआ, नीचे जानेवाला, पस्त, अवनत।

मुन्ग़मिस (منغمس) अ वि –जलमग्न, पानी मे डूवा हुआ, गरीक़, निमग्न।

मुन्फ़इल (منفعل) अ वि –लज्जित, शर्मिंदा, सकुचित, पशेमान, प्रभाव कबूल करनेवाला।

मुन्फ़क [फ्फ] (منفك) अ. वि –अलग होनेवाला, पृथक्, अलग, मोचित, मुक्त, छूटा हुआ।

मुन्फ़जिर (منفجر) अ वि –वहनेवाला स्रोत।

मुन्फ़तिर (منفطر) अ वि –विदीर्ण, फटा हुआ, शिगाफ पडा हुआ।

मुन्फ़रिजः (منفرجه) अ वि –चौडा, चकला, वह कोण जो ९० अश से अधिक हो, अधिक कोण।

मुन्फ़रिज (منفرج) अ वि.–विस्तृत, विशाल, चौडा चकला, तुष्ट, समृद्ध, आसूदा।

मुन्फ़रिद (منفرد) अ वि –एकाकी, अकेला, अद्वितीय, बेजोड।

मुन्फ़रेह (منفرح) अ वि –हर्षित, आनदित, प्रसन्न, खुश।

मुन्फ़सिख़ (منفسخ) अ वि –दूषित, विकृत, खराव।

मुन्फ़सिल (منفصل) अ वि –पृथक्, अलग, जुदा, निर्णीत, फैसल।

मुन्यत (منيت) अ स्त्री –उद्देश्य, आशय, मक्सद, मशा।

मुन्शइब् (منشعب) अ वि –शाख-शाख होनेवाला, मूल में से शाखाएँ वनकर फैलनेवाला।

मुन्हज़िम (منهزم) अ वि –पराजित, परास्त, विजित, हारा हुआ।

मुन्हज़िम (منهضم) अ. वि –पचित, जो हज़्म हो गया हो।

मुनहतिक (منہتک) अ वि –पर्दा फटनेवाला, जिसका पर्दा फट जाय, जिसका दोष प्रकट हो जाय, अपमानित, तिरस्कृत।

मुनहदिम (منہدم) अ वि –ध्वस्त, नष्ट, बरबाद (इमारत आदि)।

मुनहदिर (منحدر) अ वि –ऊपर से नीचे उतरनेवाला।

मुनहनी (منحنی) अ वि –दुबला-पतला, कमज़ोर, क्षीण, क्षाम, कृशांग।

मुनहनी अंदाम (منحنی اندام) अ फा वि –दे 'मुनहनी जिस्म'।

मुनहनी जिस्म (منحنی جسم) अ वि –क्षीणकाय, कृशांग, दुबले-पतले शरीरवाला।

मुनहमिक (منہمک) अ वि –तन्मय, तल्लीन, दत्तचित्त, तत्पर, संलग्न, बहुत अधिक मशगूल।

मुनहरिफ़ (منحرف) अ वि –विमुख, बरगश्त, अवज्ञा-कारी, नाफ़र्मान, उद्दंड, सरकश।

मुनहल [ल्ल] (منحل) अ वि –विस्तृत, चौड़ा, चकला, कुशादा।

मुनहसिर (منحصر) अ वि –निर्भर, निर्धारित, मौक़ूफ़।

मुनहसिर अलैह (منحصر علیہ) अ वि –जिस पर कोई मुआमला निर्भर हो, आधेय, पंच, जो दो व्यक्तियों के बीच में उनका झगड़ा तै करने के लिए मध्यस्थ बना दिया जाय।

मुफ़क्किर (مفکر) अ वि –विचारक, सोचनेवाला।

मुफ़क्किरीन (مفکرین) अ पु –'मुफ़क्किर' का बहु।

मुफ़ख़्ख़म (مفخم) अ वि –प्रतिष्ठित, सम्मानित, बुज़ुर्ग।

मुफ़ख़्ख़र (مفخر) अ वि –जिस पर सब गर्व करें, ऐसा व्यक्ति, प्रतिष्ठित, पूज्य, मान्य।

मुफ़ख़्ख़रे मौजूदात (مفخر موجودات) अ वि –संसार के लिए गर्व का विषय, संसार में सबसे बड़ा आदमी।

मुफ़ज़्ज़ल (مفضل) अ वि –अधिक किया हुआ, बढ़ाया हुआ, प्रधानता दिया हुआ, तर्जीह पाया हुआ।

मुफ़त्तिन (مفتن) अ वि –उपद्रवकारी, झगड़े खड़े करनेवाला, धूर्त, फ़ित्तीन।

मुफ़त्तिश (مفتش) अ वि –तफ़्तीश करनेवाला, खोज लगानेवाला, ढूँढ़नेवाला, तलाश करनेवाला।

मुफ़त्तेह (مفتح) अ वि –खोलनेवाला।

मुफ़र्रिहुल क़ुलूब (مفرح القلوب) अ वि –दिलों को आनन्द और उल्लास देनेवाला।

मुफ़र्रेह (مفرح) अ वि –मन में उमंग और उल्लास उत्पन्न करनेवाला; वह औषध जो हृदय को आनंदित करे।

मुफ़र्रेहात (مفرحات) अ स्त्री –वे दवाएँ जो हृदय में आनंद और विकास की वृद्धि करें।

मुफ़व्वज़ (مفوضہ) अ वि –सिपुर्द की हुई वस्तु।

मुफ़व्वज़ (مفوض) अ वि –सिपुर्द किया हुआ, हस्तांतरित।

मुफ़व्विज़ (مفوض) अ वि –हस्तांतरण करनेवाला, प्रदान करनेवाला, सिपुर्द करनेवाला।

मुफ़स्सलः (مفصلہ) अ वि –विवरण किया हुआ।

मुफ़स्सल (مفصل) अ वि –विस्तारपूर्ण, सविस्तार, विस्तृत, स्पष्ट, वाज़ेह, मुशर्रह।

मुफ़स्सलए ज़ैल (مفصلہ ذیل) अ वि –जिसका विवरण नीचे दिया गया हो, निम्नांकित।

मुफ़स्सलात (مفصلات) अ पु –किसी नगर के आस-पास की छोटी आबादियाँ।

मुफ़स्सिर (مفسر) अ पु –तफ़सीर करनेवाला, भाष्यकार, इस्लाम में हदीसों की तफ़्सीर करनेवाला।

मुफ़स्सिरीन (مفسرین) अ पु –'मुफ़स्सिर' का बहु, हदीस की व्याख्या करनेवाले विद्वज्जन।

मुफ़स्सिल (مفصل) अ वि –स्पष्टीकरण करनेवाला, तफ़्सील बतानेवाला।

मुफ़ाकह (مفاکہ) अ पु –परस्पर आमोद-प्रमोद करना, मनोरंजन, मनोविनोद।

मुफ़ाख़रत (مفاخرت) अ स्त्री –परस्पर गर्व करना, गर्व, गौरव, डींग, शेख़ी।

मुफ़ाख़िर (مفاخر) अ वि –गर्व करनेवाला, डींग मारने-वाला, अभिमानी।

मुफ़ाजा (مفاجا) अ पु –'मुफ़ाजात' का लघु, दे 'मुफ़ाजात'।

मुफ़ाजात (مفاجات) अ स्त्री –आकस्मिक, सहसा, एका-एक, अचानक, एकबारगी।

मुफ़ारक़त (مفارقت) अ स्त्री –पृथक्ता, अलाहिदगी, वियोग, जुदाई, तलाक़, विवाह-विच्छेद।

मुफ़ारिक़ (مفارق) अ वि –जुदा होनेवाला, अलग होने-वाला; पृथक्, जुदा।

मुफ़ावज़ः (مفاوضہ) अ पु –वह पत्र जो बड़े की ओर से छोटे को लिखा जाय, पत्र, चिट्ठी, बराबरी, समानता।

मुफ़ावज़त (مفاوضت) अ स्त्री –एक-दूसरे का सिपुर्द करना, साझा करना, बराबरी करना, मैथुन करना।

मुफ़ावज़ात (مفاوضات) अ पु –'मुफ़ावज़ः' का बहु, ख़तो-किताबत के काग़ज़ात जो बड़े की तरफ़ से छोटों को हों।

मुफ़ाहमत (مفاہمت) अ स्त्री –एक-दूसरे को समझाना; समझौता, फ़ैसला।

मुफ़िर [र्र] (مفر) अ वि –भागनेवाला, पलायक।

मुफ़ीज़ (مفیض) अ वि –फ़ैज़ पहुँचानेवाला, यश देनेवाला।

मुफीदे ज़िंदगी (مفیدزندگی) अ फा वि.—जीवनोपयोगी, ज़िंदगी मे काम आनेवाला।

मुफीद (مفید) अ वि —उपयोगी, कार आमद, लाभकारी, फाइदामंद, हितवर।

मुफीदे आम (مفیدعام) अ वि —सबके लिए, लाभकारी, सर्वोपकारी।

मुफीदे मत्लब (مفیدمطلب) अ वि —अपने उद्देश्य के लिए फाइदामद, प्रयोजनानुकूल।

मुफ़्त (مفت) फा वि —बेदाम, व्यर्थ, बेकार,, नष्ट, ज़ाए', अकारण, बेसबव , विना परिश्रम, बेमेहनत।

मुफ्तकिर (مفتقر) अ वि —दरिद्र, कगाल, भिखारी, मँगता।

मुफ्तखर (مفتخر) अ वि —गर्वान्वित, जिस पर फख्र हो।

मुफ़्तख़िर (مفتخر) अ वि —गर्व करनेवाला, फख्र करनेवाला, मग़रूर।

मुफ़्तख़ोर (مفت خور) फा वि —जो दूसरे के सिर पडा हो, जो मेहनत न करे और खाना चाहे, दूसरो का माल मारनेवाला।

मुफ़्तख़ोरी (مفت خوری) फा स्त्री —दूसरे के सिर रहना, बेमेहनत किये खाना चाहना, दूसरो का माल मारना।

मुफ्ततन (مفتتن) अ वि —फितने में डाला हुआ।

मुफ्तबर (مفت بر) फा वि —दूसरो का माल मारनेवाला।

मुफ्तबरी (مفت بری) फा स्त्री —दूसरो का माल मारना।

मुफ़्तरज़ात (مفترضات) अ पु —कल्पित बाते, ख़याली मसूबे।

मुफ़्तरिक (مفترق) अ वि —फर्क डालनेवाला, फूट डालनेवाला, दो दोस्तो के बीच मे दुश्मनी पैदा करा देनेवाला।

मुफ़्तरी (مفتری) अ वि —धूर्त, शरीर, झूठा इल्ज़ाम लगानेवाला, आरोपक।

मुफ़्तरे' (مفترع) अ वि —शाखाएँ निकालनेवाला।

मुफ्तसिताँ (مفت ستاں) फा वि —मुफ्त छीननेवाला, बेदाम दिये लेनेवाला।

मुफ़्तसितानी (مفت ستانی) फा स्त्री —बेदाम दिये चीज़ का छीन लेना।

मुफ्तिए आ'ज़म (مفتئ اعظم) अ पु —सबसे बडा मुफ्ती।

मुफ्ती (مفتی) अ. पुं —फत्वा देनेवाला, मुसलमानो का वह धर्मशास्त्रवेत्ता मौलवी जो धार्मिक समस्याओ का समाधान प्रश्नोत्तर के रूप मे करता है।

मुफ़्रद (مفرد) अ वि —एक, अकेला।

मुफ्रदात (مفردات) अ स्त्री —वे अक्षर जो अलग-अलग लिखे जायँ, जैसे—अ, ब, स, वे दवाएँ जो मिश्रित न हो, वल्कि पृथक् रूप में हो, वह किताब जिसमें मुफ्रद दवाओ का वर्णन हो।

मुफ़्रित (مفرط) अ. वि —अत्यधिक, वहुत ज़ियादा, प्रचुर।

मुफ़्लिस (مفلس) अ वि —दरिद्र, निर्धन, धनहीन, कगाल, गरीब।

मुफ़्लिसी (مفلسی) अ स्त्री —दरिद्रता, निर्धनता, कगाली, गरीबी।

मुफ्सिद (مفسد) अ वि —उपद्रवी, फिसादी, फूट डलवानेवाला, उत्पाती, शरीर, दूषित करनेवाला, विगाडनेवाला, धूर्त, छली।

मुफ़्सिदानः (مفسدانہ) अ वि.—मुफ्सिदो-जैसा, शरारत और उपद्रव से भरा हुआ।

मुफ़्सिदेअख़्लात (مفسداخلاط) अ. वि —शरीर की धातुओ को दूषित करनेवाला।

मुफ़्सिदे ख़ून (مفسدخون) अ. फा वि —रक्तदूषक, ख़ून को खराव करनेवाला।

मुबज़्ज़िर (مبذر) अ वि —व्यर्थ और अधिक ख़र्च करनेवाला, अपव्ययी।

मुबद्दल (مبدل) अ वि —बदला हुआ, परिवर्तित।

मुबद्रिक़ (مبدرق) अ वि —पथप्रदर्शक, मार्गदर्शक, राहनुमा, रास्ता वतानेवाला।

मुबय्यज़ः (مبیضہ) अ. वि —सफेद किया हुआ।

मुबय्यनः (مبینہ) अ वि —बयान किया हुआ, कहा हुआ, कथित, उक्त।

मुबय्यिन (مبین) अ वि —बयान करनेवाला, कहनेवाला।

मुबर्रा (مبرا) अ वि —बरी किया हुआ, मुक्त, पवित्र, पाक, पृथक्, अलग, दूर, वेतअल्लुक, विरक्त, नि सम्बन्ध।

मुबर्रिद (مبرد) अ वि —ठडा करनेवाला, ठडक पहुँचानेवाला वह दवा जो ठडक पहुँचाये।

मुबर्रिदात (مبردات) अ पु —ठडक पहुँचानेवाली ओषधियाँ।

मुबर्सम (مبرسم) अ वि —जो व्यक्ति 'बर्साम' रोग-से पीडित हो।

मुबर्हन (مبرهن) अ वि —जो बात प्रमाणो से पूरे तौर पर सावित की गयी हो, प्रमाणित, युक्तिसगत।

मुबल्लिग़ (مبلغ) अ वि —प्रचार करनेवाला, प्रचारक, विशेषत धर्मप्रचारक।

मुबव्वब (مبوب) अ वि —अध्यायो और परिच्छेदो मे बँटी हुई पुस्तक, सर्गबद्ध।

मुबश्शिर (مبشر) अ वि —शुभ सूचना देनेवाला, खुशखबरी सुनानेवाला, शुभसूचक।

मुबस्सिर (مبصر) अ वि —पारखी, परख रखनेवाला, अच्छे-बुरे की तमीज़ रखनेवाला, मर्मज्ञ।

मुबह्ही (مبہی) अ वि —काम-शक्ति बढानेवाला, काम-वर्द्धक, वाजीकरण रसायन।

मुबादरत (مبادرت) अ स्त्री —फुरती दिखाना, जल्दी करना, वीरता दिखाना, फुर्ती, शीघ्रता, वीरता।

मुबादल. (مبادلہ) अ पु.—अदल-बदल, एक चीज देकर दूसरी लेना, आदान-प्रदान।

मुबादिर (مبادر) अ वि —फुर्ती करनेवाला, वीरता दिखानेवाला।

मुबादिल (مبادل) अ वि —एक चीज़ को दूसरी चीज से बदलनेवाला।

मुबारक (مبارک) अ. वि.—शुभान्वित, कल्याणकारी, बाबरकत, भाग्यशील, खुशकिस्मत, शुभसूचना, खुशखबरी, किसी खुशी के मौके पर कहा जानेवाला शब्द, धन्यवाद, बधाई, मागलिक।

मुबारकअंजाम (مبارک انجام) अ फा वि —जिसका परिणाम कल्याणकर हो।

मुबारकक़दम (مبارک قدم) अ वि —जिसका आगमन शुभदायक हो।

मुबारकदम (مبارک دم) अ फा वि —जिसकी फूंक से बीमार अच्छे हो, जिसके आशीर्वाद से लोगो का कल्याण हो।

मुबारकबाद (مبارک باد) अ फा वि —मुबारक हो, कल्याण हो, यह वाक्य प्राय खुशी के अवसर पर एक-दूसरे से कहते है, शुभ सूचना, खुशखबरी।

मुबारक सलामत (مبارک سلامت) अ स्त्री —एक दूसरे को मुबारकबाद देना और उनकी सलामती अर्थात् चिरजीव होने की दुआ करना।

मुबारज़त (مبارزت) अ स्त्री —सग्राम, युद्ध, समर, लडाई, जग, युद्ध क्षेत्र में दोनो ओर से एक-एक योद्धा का निकलकर लडना, यह अरब का प्राचीन नियम था।

मुबारात (مبارات) अ स्त्री —किसीके साथ झगडा करना, किसीके साथ युद्ध मे पक्ष करना।

मुबारिज़ (مبارز) अ वि —योद्धा, लडाकू, लडनेवाला वीर, एक योद्धा से दूसरे पक्ष का लडनेवाला योद्धा।

मुबालग़ः (مبالغہ) अ पु —बात को बढा-चढाकर कहना, अत्युक्ति, अतिरजना।

मुबालग़ःआमेज़ (مبالغہ آمیز) अ फा वि —मुबालगे से भरा हुआ, अतिरजित।

मुबालग़.आमेज़ी (مبالغہ آمیزی) अ फा स्त्री —सच्ची बात में अपनी ओर से और कुछ मिलाकर उसे बहुत बढा देना।

मुबालात (مبالات) अ स्त्री —किसी बात की शका करना, किसी बात से डरना।

मुबाशरत (مباشرت) अ स्त्री —सहवास, सभोग, रतिक्रीडा, मैथुन, हमबिस्तरी।

मुबाशिर (مباشر) अ वि —मैथुनकर्ता, सहवास करनेवाला।

मुबाह (مباح) अ वि —विहित, जाइज़, जिसका खाना जाइज हो।

मुबाहल (مباہلہ) अ पु —एक-दूसरे को शाप देना, एक-दूसरे को कोसना।

मुबाहसः (مباحثہ) अ पु —वाद-विवाद, तर्क-वितर्क, बहसो-तम्हीस।

मुबाहात (مباہات) अ स्त्री —गर्व, फख्र, डीग, शेखी, अभिमान, घमड।

मुबाहात (مباحات) अ पु —वे चीज़े जिनका खानपान धर्मशास्त्रानुसार वर्जित न हो।

मुबीन (مبین) अ वि —स्पष्ट, व्यक्त, वाज़ेह, साफ।

मुबैयनः (مبینہ) बयान किया हुआ, कथित।

मुबैयन (مبین) अ वि —दे 'मुबैयन'।

मुबैयिन (مبین) अ वि —बयान करनेवाला, कहनेवाला, वक्ता।

मुब्तज़ल (مبتذل) अ वि —अपमानित, तिरस्कृत, बेइज़्ज़त, अधम, नीच, लोफर।

मुब्तदा (مبتدا) अ वि —शुरू किया गया, प्रारम्भित, जुम्लए इस्मिय का पहला अग।

मुब्तदी (مبتدی) अ वि —शुरू करनेवाला, प्रारम्भिक, शुरू की पुस्तकें पढनेवाला, पारगत का उलटा, नौसिखिआ, नौमश्क, जिसे अभी अच्छा अभ्यास न हो।

मुब्तदे (مبتدع) अ वि —विद्अती, दीन अर्थात् धर्म मे नयी बात निकालनेवाला।

मुब्तला (مبتلا) अ वि —ग्रस्त, पकडा हुआ, फँसा हुआ, मुग्ध, फिरेफ्त, आसक्त, आशिक, जो परीक्षार्थ आपत्तियो में फँसाया गया हो।

मुब्तलाए अज़ाब (مبتلائے عذاب) अ वि —पापदड से पीडित, आपत्तिग्रस्त।

मुब्तलाए अलम (مبتلائے الم) अ वि —दे 'मुब्तलाए ग़म'।

मुब्तलाए आफत (مبتلائے آفت) अ फा वि —आफतो मे फँसा हुआ, सकटापन्न, विपद्ग्रस्त क्लेशग्रस्त।

मुब्तलाए आलाम (مبتلائے آلام) अ वि —भिन्न-भिन्न आपत्तियो मे ग्रस्त, तरह-तरह के दु खो से पीडित।

मुब्तलाए इश्क़ (مبتلائے عشق) अ वि —प्रेम के कष्ट में फँसा हुआ, प्रेमाबद्ध।

मुब्तलाए ग़म (مبتلائے غم) अ वि –शोक मे गिरिफ्तार, शोकग्रस्त, शोकपीड़ित; प्रेमावद्ध, प्रेमदु खग्रस्त।

मुब्तलाए मुसीबत (مبتلائے مصیبت) अ वि.–दे 'मुब्तलाए आफत'।

मुब्तली (مبتلی) अ वि –आजमाइश के लिए आपत्तियो मे फँसानेवाला।

मुब्तसिम (مبتسم) अ वि –मुस्कुरानेवाला, खिलनेवाला।

मुब्तहिज (مبتہج) अ वि –प्रसन्न, आनदित, हर्पित, मस्रूर।

मुब्तिल (مبطل) अ वि –खडन करनेवाला, काट करनेवाला, झूठा ठहरानेवाला।

मुब्दल (مبدل) अ वि –वदला हुआ, परिवर्तित; वह शब्द जो किसी दूसरे शब्द से वदला गया हो।

मुब्दलमिन्हु (مبدل منہ) अ पु –जिस शब्द से वदला गया, वह शब्द।

मुब्दा (مبدء) अ पु –प्रकट करने का स्थान, आरम्भ करने का स्थान, ईश्वर।

मुब्दिए फैयाज (مبدءٔ فیاض) अ पु –वहुत अधिक फैज़ पहुँचानेवाला अर्थात् ईश्वर।

मुब्दे (مبدع) अ वि –अपने मन से कोई निकालनेवाला।

मुब्दे (مبدء) अ वि –आरम्भ करनेवाला, प्रकट करनेवाला, सृष्टि करनेवाला, ईश्वर।

मुब्रम (مبرم) अ वि –दृढ, मजबूत, अटल, अवश्यभावी।

मुब्लग़ (مبلغ) अ वि –भेजा हुआ, प्रेप्य, खरा, जो खोटा न हो, रुपये के साथ लगाया जानेवाला शब्द जिसका अर्थ यह है कि भेजनेवाला खरा रुपया भेज रहा है।

मुब्लिग़ (مبلغ) अ वि –भेजनेवाला।

मुब्हम (مبہم) अ. वि –गैरवाजेह, अस्फुट, अस्पप्ट, निगूढ, मुग्लक।

मुमक्कन (ممکن) अ वि –ठहराया हुआ, स्थिर किया हुआ।

मुमक्किन (ممکن) अ वि –ठहरानेवाला, स्थिर करनेवाला।

मुमज्जद (ممجد) अ वि –प्रतिप्ठित, संमानित, पूजित, वुजुर्ग।

मुमद्दद (ممدد) अ वि –जो खीचा गया हो।

मुमद्दिद (ممدد) अ वि –खीचनेवाला, एक दर्द जिसमे शरीर खिचता है।

मुमय्यज (ممیز) अ वि –दूसरे से पृथक् किया गया, छाँटकर अलग किया गया, अच्छा जानकर छाँटा गया।

मुमय्यिज (ممیز) अ वि –छाँटकर अलग करनेवाला, वुरे-भले मे अतर और भेद करनेवाला।

मुमस्सिल. (ممثلہ) अ स्त्री –अभिनेत्री, ऐक्ट्रेस, अदाकार स्त्री।

मुमस्सिल (ممثل) अ पु –अभिनेता, ऐक्टर, अदाकार।

मुमानअत (ممانعت) अ. स्त्री –निपेव, प्रतिपेध, मनाही, रोक।

मुमारसत (ممارست) अ स्त्री –अभ्यास, मश्क, अनुभव, तज्रिव, काम मे कोशिश और मेहनत।

मुमारात (ممارات) अ स्त्री –किसी के साथ जाना, शत्रुता करना; युद्ध करना।

मुमारिस (ممارس) अ वि –काम मे कोशिश करनेवाला, अभ्यस्त, मश्शाक, अनुभवी, तज्रिवाकार।

मुमास (مماس) अ वि –घिसा हुआ, घिसनेवाला, घिसने की जगह।

मुमासखत (مماسخت) अ स्त्री –अच्छी सूरत को वुरी सूरत मे परिवर्तित कर देना।

मुमासलत (مماثلت) अ स्त्री –एक-जैसा होना; सदृशता, एकरूपता, हमशक्ली; समानता, वरावरी।

मुमासिख (مماسخ) अ. वि –अच्छे रूप को कुरूपता में परिवर्तित कर देनेवाला।

मुमासिल (مماثل) अ वि –सदृश, एकरूप, हमशक्ल, समान, वरावर।

मुमिद [द्द] (ممد) अ वि –सहायक, मददगार; पक्षपाती, हिमायती, आश्रयदाता, सहारा देनेवाला।

मुमिर [र्र] (ممر) अ वि –गुज़रनेवाला, जानेवाला।

मुम्किन (ممکن) अ वि –हो सकनेवाली वात, सभव, शक्य, सभाव्य, शक्ति, ताकत, सामर्थ्य, मक्दूर।

मुम्किनात (ممکنات) अ पु –'मुम्किन' का वहु, वे वातें जिनका होना संभव हो।

मुम्किनुलअमल (ممکن العمل) अ वि –जिस पर अमल करना सभव हो।

मुम्किनुलइलाज (ممکن العلاج) अ वि –जिसकी चिकित्सा (इलाज) सभव हो।

मुम्किनुलवुजूद (ممکن الوجود) अ वि –जिसका होना और न होना दोनो अनावश्यक हो, अर्थात् मानवजाति।

मुम्किनुलहुसूल (ممکن الحصول) अ वि –जिसका मिलना संभव हो, प्राप्य।

मुम्तद (ممتد) अ वि –खीचा हुआ, लम्वा, दराज़।

मुम्तने (ممتنع) अ. वि –निषेधक, रोकनेवाला।

मुम्तली (ممتلی) अ वि –भरा हुआ, पूर्ण।

मुम्तहन (ممتحن) अ वि –जिसकी परीक्षा ली जाय, परीक्षित, आज़माया हुआ।

मुत्तहन (ممتہن) अ वि –तिरस्कृत, अपमानित, निंदित, वेइज्जत।

मुम्तहिन (ممتحن) अ वि –इम्तिहान लेनेवाला, परीक्षक।

मुम्ताज़ (ممتاز) अ वि.–बहुतो मे से चुनकर अलग किया हुआ, प्रतिष्ठित, समानित, मुअज्ज़ज़, मुख्य, विशिष्ट, खास।

मुम्तिर (ممطر) अ वि –बरसनेवाला बादल।

मुम्सिक (ممسک) निकलने से रोकनेवाला, कृपण, कजूस, बख़ील।

मुर [र्र] (مر) अ वि –कडवा, कटु, तल्ख, मुरमक्की, एक गोद जो दवा मे चलता है।

मुरक्कब (مرکب) अ वि –मिश्रित, मिला हुआ, वह दवा जो कई दवाओ से मिलकर बनी हो।

मुरक्कबात (مرکبات) अ पु –'मुरक्कब' का बहु, मुरक्कब दवाएँ।

मुरक़्क़म (مرقم) अ वि –लिखित, लिखा हुआ।

मुरक़्क़ा (مرقع) अ पु –चित्र, तस्वीर, तस्वीरो का अल्बम, चित्रावली।

मुरख़्ख़म (مرخم) अ वि –मुलाइम किया हुआ, वह शब्द जिसका अतिम अक्षर हटा दिया गया हो।

मुरख़्ख़स (مرخص) अ वि –रुखसत किया गया, जिसे जाने की आज्ञा दे दी गयी हो, जो विदा कर दिया गया हो।

मुरग़्ग़न (مرغن) फा वि –तेल या घी मे तरतराता हुआ, घी में तरबतर।

मुरज्जज (مرجز) अ वि –वह गद्य जिसके वाक्य परस्पर सतुलित और सानुप्रास हो।

मुरज्जब (مرجب) अ वि –प्रतिष्ठित, समानित।

मुरत्तब (مرتب) अ वि –क्रमबद्ध किया हुआ, सिलसिले से लगाया हुआ क्रमागत, सपादित, समाहृत, सगृहीत।

मुरत्तब (مرطب) अ वि –जिसको तर किया हो, जिसे तरी पहुँचायी गयी हो।

मुरत्तिब (مرتب) अ वि –क्रमबद्ध करनेवाला, सग्रह करनेवाला।

मुरत्तिब (مرطب) अ वि –ठड पहुँचानेवाला, तरी पहुँचानेवाला।

मुरद्दद (مردد) अ वि –जिसका खडन किया गया हो।

मुरद्दफ (مردف) अ वि –रदीफ के हिसाब बनाया हुआ, रदीफवार किया हुआ।

मुरद्दिद (مردد) अ वि –खडन करनेवाला, तर्दीद करनेवाला।

मुरफ़्फ़ह (مرفه) अ वि–सम्पन्न, समृद्ध, आसूदा।

मुरफ़्फ़हहाल (مرفهحال) अ वि –धनाढय, मालदार, धनी, सम्पन्न।

मुरब्बा (مربی) अ वि –वह मेवा जो विशेष रूप से गलाकर शक्कर के किवाम मे रखा गया हो।

मुरब्बा' (مربع) अ वि –वह समकोण चतुर्भुज जिसकी सब रेखाएँ बराबर हो, वर्गाकार, चौखूंटा।

मुरब्बी (مربی) अ वि –पालनेवाला, सरपरस्त, अभिभावक।

मुरमक्की (مرمکی) अ स्त्री –एक गोद जो दवा के काम आता है।

मुरम्मम (مرمسه) अ वि –सशोधित, तर्मीम किया हुआ।

मुरम्मम (مرمم) अ वि –दे 'मुरम्मम'।

मुरम्मिम (مرمم) अ वि –सशोधनकर्ता, तर्मीम करनेवाला।

मुरव्वक (مروق) अ वि –किसी वनस्पति के पत्तो आदि का कोट का निकाला हुआ अरक जिसे आग पर पकाकर उसकी हरियाली दूर कर दी गयी हो।

मुरव्वजः (مروجه) अ वि –प्रचलित, राइज, जिसका रवाज या चलन हो।

मुरव्वज (مروج) अ वि –दे 'मुरव्वज'।

मुरव्वत (مروت) अ स्त्री –शुद्ध उच्चारण 'मुरुव्वत' है, परन्तु उर्दू मे 'मुरव्वत' ही बोलते है, शील सकोच, लिहाज, रिआयत।

मुरव्वतकेश (مروتکیش) अ फा वि –जिसमे मुरव्वत बहुत हो।

मुरव्वतन (مروتاً) अ वि –मुरव्वत के खयाल से, मुरव्वत मे।

मुरव्वतशिआर (مروتشعار) अ वि –जिसके स्वभाव में मुरव्वत हो।

मुरव्विज (مروج) अ वि –रवाज देनेवाला, प्रचार करनेवाला, राइज करनेवाला।

मुरव्विह (مروح) अ वि –आनन्द देनेवाला, रत्नजटित, सुगध फैलानेवाला।

मुरस्सा (مرصع) अ वि –जडाऊ, जटित, मुमज्जित, आरास्त, सस्कृत, शुस्त।

मुरस्साकार (مرصع کار) अ फा वि –ज़ेवर में नगीने और जवाहिर जडनेवाला, जडिया, नगीने जडा हुआ, रत्नजटित, जटित, खचित।

मुरस्साकारी (مرصع کاری) अ फा स्त्री –ज़ेवरो मे नगीने जडने का काम।

मुरस्सा ग़ज़ल (مرصع غزل) अ फा –मुमज्जिता ग़ज़ल, सपूर्ण अलकृता गजल।

मुरस्सा'निगार (مرصع نگار) अ फा वि –जिनका लिखना बहुत अच्छा हो, जो लिखने मे नगीने मे जडता हो, जडाऊ, जटित।

मुरस्सा'निगारी (مرصع نگاری) अ फा. स्त्री.—खुशनवीसी।

मुरस्सासाज़ (مرصع ساز) अ. फा वि—दे. 'मुरस्साकार'।

मुराआत (مراعات) अ स्त्री—रक्षा, देख-रेख; रिआयत, मुरव्वत, कनखियो से देखना।

मुराआतुन्नज़ीर (مراعات النظیر) अ स्त्री—एक शब्दालंकार जिसमे एक चीज़ के वर्णन में उससे सबद्ध और चीज़ो को भी लाया जाय, जैसे—धनुष के साथ वाण, निषग अथवा प्रत्यचा आदि का उल्लेख हो।

मुराई (مراعی) अ वि—रिआयत करनेवाला, देख-रेख करनेवाला; चरानेवाला।

मुराक़बः (مراقبہ) अ पुं—ससार से हटकर ईश्वर में ध्यान लगाना, समाधि, अवधान, योग, धारणा।

मुराक़िब (مراقب) अ. वि—समाधिस्थ, मुराक़बे मे गया हुआ, अतर्लीन।

मुराख़तः (مراختہ) फा पु—परस्पर रेख़्ता मे कलाम सुनाना, रेख़्ते का मुशाअरा।

मुराग़बत (مراغبت) अ स्त्री.—इच्छा, अभिलाषा, ख़्वाहिश, रुचि, रग़्बत।

मुराजअत (مراجعت) अ स्त्री—वापस आना, प्रत्यागमन।

मुराज़अत (مراضعت) अ. स्त्री—दूसरे के वालक को दूध पिलाना।

मुराजे' (مراجع) अ वि—वापस आनेवाला, लौटनेवाला, प्रत्यागामी।

मुराद (مراد) अ स्त्री.—इच्छा, कामना, अभिलाषा, आर्ज़ू, आशय, उद्देश्य, मक्सद, मन्नत, मानता।

मुरादिफ़ (مرادف) अ वि—किसी के पीछे वैठनेवाला, वह शब्द जो किसी दूसरे शब्द का समानार्थक हो।

मुरादिफ़ुलमा'ना (مرادف المعنی) अ वि—पर्यायवाची, समानार्थक।

मुरादी (مرادی) अ वि—आशय के अनुकूल, काल्पनिक, क़ियासी; आनो के साथ लगनेवाला शब्द, जैसे—'मुरादी आठ आना'।

मुराफ़अः (مرافعہ) अ पु—अपील, पुर्नविचार-प्रार्थना, पुनर्न्याय-प्रार्थना।

मुराफ़क़त (مرافقت) अ स्त्री—सहचारिता, हमराही; मैत्री, दोस्ती।

मुराफ़िक़ (مرافق) अ वि—सहचर, साथी, मित्र, दोस्त।

मुराफ़े (مرافع) अ वि—अपील करनेवाला, पुनर्वादी, पुनरावेदक।

मुरावहत (مرابحت) अ. स्त्री—लाभ उठाकर किसी वस्तु को वेचना।

मुरासलः (مراسلہ) अ पु—पत्र, चिट्ठी, ख़त।

मुरासलत (مراسلت) अ स्त्री—पत्र-व्यवहार, ख़तोकितावत।

मुरासलात (مراسلات) अ पु—'मुरासलत' का वहु, आपसी पत्र-व्यवहार के काग़ज़ात।

मुराहिक़ (مراہق) अ पु—वह लडका जो वालिग होने के करीव हो, अकुरित यौवन।

मुरुव्वत (مروت) अ स्त्री—शील सकोच, लिहाज़, रिआयत; आदर, इज्ज़त, शुद्ध उच्चारण यही है, परन्तु उर्दू में 'मुरव्वत' अधिक वोलते हे।

मुरीद (مرید) अ वि—शिष्य, चेला, धर्मगुरु का अनुयायी।

मुरीदी (مریدی) अ स्त्री—मुरीद का पद, मुरीद का कर्तव्य।

मुरूर (مرور) अ पु—जाना, गमन करना, व्यतीत होना, वीतना।

मुरूरे ऐयाम (مرور ایام) अ पु—समय वीतना, वक्त गुज़रना।

मुर्ग़ (مرغ) फा पु—पक्षी, खग, विहग, शकुत, अडज, चिडिया; कुक्कुट, मुर्गा।

मुर्ग़अंदाज़ (مرغ انداز) फा. पु—वह निवाला (कौर) जिसे विना चवाये निगल लिया जाय।

मुर्ग़बाज़ (مرغ باز) अ. फा वि—जो मुर्गों की पाली बदकर उन्हे लडाता है।

मुर्ग़बाज़ी (مرغ بازی) फा स्त्री—मुर्गों की पाली, मुर्गे लडाना।

मुर्ग़े आतशख़्वार (مرغ آتش خوار) फा. पु—आग खानेवाली चिडिया, चकोर; समदर।

मुर्ग़े क़फ़स (مرغ قفس) फा पु.—वह चिडिया जो पिंजडे में वद हो।

मुर्ग़े क़िब्लःनुमा (مرغ قبلہ نما) फा अ प—कुतुवनुमा की सुई।

मुर्ग़े गिरिफ़्तार (مرغ گرفتار) फा पु—वह चिडिया जिसके पाँव मे डोरा वँधा हो या जो पिंजडे में क़ैद हो।

मुर्ग़े दस्तआमोज़ (مرغ دست آموز) फा वि.—वह चिडिया जो हाथ पर सधायी जाती है।

मुर्ग़े नामःवर (مرغ نامہ بر) फा. पु—ख़त ले जानेवाली चिडिया, कवूतर; हुदहुद।

मुर्ग़े शानःसर (مرغ شانہ سر) फा पु—सर पर कँलगी रखनेवाली चिडिया, हुदहुद।

मुर्ग़े सहर (مرغ سحر) फा अ पु—सवेरे वोलनेवाली चिडिया, कुक्कुट; वुलवुल।

मुर्ज़िअः (مرضعه) अ स्त्री –दूध पिलानेवाली स्त्री, धाय, धात्री।

मुर्तइश (مرتعش) अ वि –कपायमान, हिलता हुआ, स्पन्दमाना।

मुर्तकिब (مرتکب) अ वि –पाप या दोष का करनेवाला।

मुर्तज़वी (مرتضوی) अ वि –मुर्तज़ा अर्थात् हज़्रतअली से सम्बन्धित, हज़्रतअली का।

मुर्तज़ा (مرتضی) अ वि –रोचक, मनोवाछित, पसदीद, हज़्रत अली की उपाधि, हज़्रतअली।

मुर्तद [द्द] (مرتد) अ वि –जो अपना धर्म छोडकर दूसरे के धर्म मे चला जाय, विधर्मी।

मुर्तफ़े' (مرتفع) अ वि –उच्च, उत्तुग, ऊँचा, बलद।

मुर्तशी (مرتشی) अ वि –रिश्वत लेनेवाला, उत्कोचक।

मुर्तसम (مرتسم) अ वि –अकित, नक्श।

मुर्तसिम (مرتسم) अ वि –नक्श कबूल करनेवाला।

मुर्ताज़ (مرتاض) अ वि –तपस्वी, इबादत करनेवाला, इद्रियनिग्रही, नफ्सकुश।

मुर्द (مرده) फा पु –मृत, निष्प्राण, मरा हुआ, मृतक, मरा हुआ आदमी या प्राणी, दुर्बल, अशक्त, कमज़ोर, मरयल, बहुत अधिक बूढा, बुझी हुई आग या चिराग, खिन्न, अफ्सुर्द, शव, लाश।

मुर्द ख़ोर (مرده‌خور) फा वि –मुर्दारख़्वार, मृताशी, मृत-भोजी।

मुर्द दिल (مرده‌دل) जिसका मन बहुत ही उचाट और नीरस हो, मृतहृदय, हतमानस, हतचित्र।

मुर्द दिली (مرده‌دلی) फा स्त्री –मन का खिन्न और मलिन होना।

मुर्द शो (مرده‌شو) फा वि –मृतक शरीर को स्नान करानेवाला, मृतस्नापक।

मुर्द संग (مرده‌سنگ) फा पु –एक पत्थर जो दवा के काम आता है, मुर्दासख।

मुर्दगाँ (مردگاں) फा पु –'मुर्द' का बहु, मरे हुए लोग।

मुर्दनी (مردنی) फा वि –मृत्यु के चिह्न जो मरते समय मनुष्य के मुख पर प्रकट होते है, मृत्यु, मरण, मौत।

मुर्दाद (مرداد) फा पु –ईरानी पाँचवाँ महीना, जो हिंदी के भादो से मिलता है।

मुर्दार (مردار) फा वि –वह पशु जो अपनी मौत से मर गया हो, मृत पशु, अपवित्र, नापाक, मृतक, निष्प्राण (पशु आदि), कुलटा, व्यभिचारिणी, फाहिशा, एक तिरस्कार का शब्द जो क्रोध के समय स्त्री के लिए बोला जाता है।

मुर्दारख़्वार (مردارخوار) फा वि –मरे हुए जीव को खानेवाला, मृताशी।

मुर्दारसंग (مردارسنگ) फा पु –एक पत्थर-जैसा पदार्थ जो दवा मे काम आता है, मुर्दासख, लघुतिक्त।

मुर्शिद (مرشد) अ वि –धर्म-गुरु, पीर, (व्यग) धूर्त, वचक, चालाक।

मुर्शिदज़ाद: (مرشدزاده) अ फा पु –धर्मगुरु का पुत्र, पीर का बेटा।

मुर्शिदे कामिल (مرشد کامل) अ पु –पहुँचा हुआ पीर, बहुत बडा वली, महायोगी।

मुर्सल: (مرسله) अ वि –भेजी हुई वस्तु, प्रेषित।

मुर्सल (مرسل) अ वि –भेजा हुआ, वह पैगबर जिस पर कोई इलहामी किताब उतरी हो।

मुर्सलइलैह (مرسل الیه) अ वि –जिसको भेजा जाय, जिसको कोई चीज भेजी गयी हो।

मुर्सलीन (مرسلین) अ पु –'मुर्सल' का बहु, वह रसूल जिन पर दिव्य ग्रथ उतरे हो।

मुर्सिल (مرسل) अ वि –भेजनेवाला, प्रेषक, इर्साल (प्रेषण) करनेवाला।

मुल (مل) फा स्त्री –मदिरा, सुरा, शराब।

मुलक़्क़ब (ملقب) अ वि –उपाधित, लकब दिया गया।

मुलख़्ख़स (ملخص) अ वि –सक्षिप्त, ख़ुलासा, तत्त्व, सार।

मुलज़्ज़िज़ (ملذذ) अ वि –आनद देनेवाला, वह दवा जो लिंगेंद्रिय पर लगा लेने से सहवास का आनद बढा दे।

मुलत्तिफ (ملطف) अ वि –वह औषध जो दूषित धातुओ को पतला कर दे।

मुलम्मा' (ملمع) अ पु –गिलिट किया हुआ, चाँदी या सोने का पानी चढाया हुआ, कलई।

मुलम्मा'कार (ملمع‌کار) अ फा वि –मुलम्मो का काम करनेवाला, जिसके मुँह पर कुछ हो और पेट मे कुछ, चापलूस, चाटुकार।

मुलम्माकारी (ملمع‌کاری) अ फा स्त्री –मुलम्मे का काम बनाना, चाटुकारी, चापलूसी।

मुलम्मागर (ملمع‌گر) अ फा वि –मुलम्मे का काम बनानेवाला।

मुलम्मा'साज़ (ملمع‌ساز) अ फा वि –दे 'मुलम्मागर'।

मुलम्मा'साज़ी (ملمع‌سازی) अ फा स्त्री –मुलम्मे का काम बनाना।

मुलय्यिन (ملین) अ वि –नर्मी पैदा करनेवाला, वह दवा जो पेट को नर्म करके असानी से पाख़ाना लाये, हल्की रेचक दवा।

मुलव्वन (ملون) अ. वि.—रग किया हुआ, रजित, रग-विरंगी, चित्र-विचित्रि।

मुलव्वस (ملوث) अ. वि —लिथडा हुआ, सना हुआ; किसी पाप या अपराध मे भागीदार।

मुलव्विन (ملون) अ. वि.—रगनेवाला, रंजक।

मुलाअवत (ملاعبت) अ स्त्री.—खेल-कूद, क्रीडा, मनोविनोद, आमोद-प्रमोद, तफ़ीह, चूमा-चाटी, प्यार का खेल।

मुलाअमत (ملائمت) अ स्त्री —नर्मी, कोमलता, दो चीज़ो का इकट्ठा करना, दे 'मुलायमत'।

मुलाइब (ملاعب) अ वि —खेलनेवाला, क्रीडा करनेवाला।

मुलाइम (ملائم) अ वि.—नर्म, कोमल, नाज़ुक, मृदुल, लतीफ, सूक्ष, मधुर, शीरी, धीमा, ठडा।

मुलाकात (ملاقات) अ स्त्री —एक दूसरे से मिलना, भेंट, साक्षात्कार; परिचय, जान-पहचान, मेल-मिलाप, मैत्री, प्रेम-व्यवहार, सहवास, हमबिस्तरी।

मुलाक़ाती (ملاقاتی) अ वि —मेल-जोल का व्यक्ति, मित्र, जो प्राय मिलने आता रहता हो।

मुलाकाते बाजदीद (ملاقات بازدید) अ. फा स्त्री.—किसी के मिलने के लिए आने पर उस के घर मिलने जाना।

मुलाक़ी (ملاقی) अ वि —मिलनेवाला, सयुक्त, मित्र, दोस्त, मुलाकाती।

मुलाज़मत (ملازمت) अ स्त्री —किसी के पास बराबर रहना, सेवा, नौकरी; बडे व्यक्ति की मुलाकात।

मुलाज़मतपेशः (ملازمت پیشہ) अ. फा वि —जिसकी गुजर-बसर का साहारा नौकरी हो।

मुलाज़िमः (ملازمہ) अ स्त्री —नौकरानी, दासी, परिचारिका।

मुलाज़िम (ملازم) अ पु —दास, खिदमतगार; सेवक, नौकर।

मुलातफः (ملاطفہ) अ पु —कृपा, दया, अनुग्रह, नम्रता, विनीति, खाकसारी, कोमलता, नर्मी, कृपापत्र, इनायतनामा।

मुलातफत (ملاطفت) अ. स्त्री —कृपा, दया, नम्रता, आजिज़ी, कोमलता, नर्मी।

मुलाबसत (ملابست) अ स्त्री —एक दूसरे के सदृश होना, एकरूपता।

मुलायमत (ملايمت) अ. स्त्री —कोमलता, नर्मी, दो चीज़ो का एक जगह करना।

मुलाहज़ः (ملاحظہ) अ पु —देखना, गौर करना, अनुशीलन, लिहाज, सम्मुख, सामने।

मुलूक (ملوک) अ. पु —'मलिक' का वहु, बादशाह लोग।

मुलूकानः (ملوکانہ) अ फा वि —बादशाहो-जैसा, शाही।

मुलैयिन (ملین) अ वि.—दे 'मुलय्यिन'।

मुल्क (ملک) अ पु.—देश, राष्ट्र, सल्तनत, जन्मभूमि, वतन, क्षेत्र, इलाका।

मुल्कगीरी (ملک گیری) अ फा स्त्री —दूसरे देशो को जीतना, दूसरे देशो को अपने अधीन करना।

मुल्करानी (ملک رانی) अ फा स्त्री —राज करना, शासन करना, हुकूमत करना।

मुल्कसितानी (ملک ستانی) अ फा स्त्री —दे 'मुल्कगीरी'।

मुल्की (ملکی) अ वि.—देशीय, देश का, देशनिवासी, देश का रहनेवाला, देशी, नेटिव।

मुल्के अदम (ملک عدم) अ पु —यमलोक, परलोक, जहाँ मरकर जाते है।

मुल्के खमोशाँ (ملک خموشاں) अ फा पु —मुर्दों का देश, श्मशान भूमि, कब्रिस्तान।

मुल्के फ़ना (ملک فنا) अ पु —नश्वर जगत्, ससार, दुनिया।

मुल्के बक़ा (ملک بقا) अ पु —वह जगत् जहाँ हमेशा रहना है, परलोक।

मुल्ज़मः (ملزمہ) अ स्त्री —अपराधिनी, जुर्म करनेवाली स्त्री।

मुल्ज़म (ملزم) अ पु.—अपराधी, अभियोगी, कुसूरवार जिस पर अपराध लगाया गया हो।

मुल्ज़िम (ملزم) अ वि —इल्ज़ाम या अपराध लगानेवाला, किसी चीज़ को अपने ऊपर लाजिम करनेवाला।

मुल्तक़त (ملتقط) अ वि —बीना हुआ, चुना हुआ, उठाया हुआ, रफू किया हुआ।

मुल्तक़ित (ملتقط) अ वि —चुननेवाला, रफू करनेवाला, उठानेवाला।

मुल्तज़िम (ملتزم) अ वि —अपने ऊपर लाज़िम या ज़ुरुरी करनेवाला।

मुल्तजी (ملتجی) अ. वि —प्रार्थना करनेवाला, निवेदक, प्रार्थी, कहनेवाला, अर्ज़ करनेवाला, इच्छुक, ख़ाहिशमद।

मुल्तफित (ملتفت) अ वि —आकृष्ट, प्रवृत्त, रुजूअ।

मुल्तबस (ملتبس) अ वि —जो छिपाया गया हो; जिस पर शुव्हा किया गया हो।

मुल्तमिस (ملتمس) अ वि —प्रार्थना करनेवाला, निवेदक, कहनेवाला।

मुल्तवी (ملتوی) अ. वि —रुकनेवाला, रुका हुआ, स्थगित।

मुल्तहब (ملتهب) अ. वि —भड़का हुआ।

मुल्तहम (ملتحم) अ. वि.—भरा हुआ घाव, वह ज़ख्म जो अच्छा हो गया हो।

मुल्तहिब (ملتہب) अ वि –लपटे देनेवाली आग, वह आग जिसमें से लपटें निकल रही हो।

मुल्तहिमः (ملتحمہ) अ स्त्री.–आँख का एक पर्दा, चक्षु-पटल।

मुल्ला (ملا) अ.पु.–मौलवी, फाजिल, मस्जिद में अज़ान देनेवाला, मक्तब में छोटे बच्चो को पढ़ानेवाला।

मुल्लाए मक्तबी (ملاے مکتبی) अ पु –मक्तब में छोटे-छोटे बच्चो को पढानेवाला अर्थात् कम इल्म।

मुल्हक़ (ملحق) अ वि –चिपका हुआ, जुडा हुआ, मिला हुआ।

मुल्हिक़ (ملحق) अ वि –जुडनेवाला, मिलनेवाला, वह चीज़ जो किसी चीज़ के आखिर मे जोड दी जाय।

मुल्हिक़ात (ملحقات) अ पु –'मुल्हिक' का बहु, आखीर में जोडी हुई चीज़ें।

मुल्हिद (ملحد) अ वि –नास्तिक, विधर्मी, अनीश्वरवादी, खुदा पर यकीन न रखनेवाला।

मुल्हिदानः (ملحدانہ) अ वि –मुल्हिदो-जैसा, विधर्मियो-जैसा, धर्म के विरुद्ध।

मुल्हिम (ملہم) अ वि –हृदय में बात डालनेवाला, वह दैवी शक्ति जो मन को सचेत करती है, कान्शेन्स।

मुलहिमेग़ैब (ملہم غیب) अ पु –हृदय में ग़ैब से बात डालने-बोलनेवाला, भविष्य की बात से सूचित करनेवाला।

मुवक़्क़र (موقر) अ. वि –प्रतिष्ठित, मान्य, मुअज्ज़ज।

मुवक्किल (موکل) अ पु –देवता, हर काम के लिए नियुक्त एक फिरिश्ता, वकील का असामी, जो अपना मुकद्दमा वकील को देता है, वह रूह जिसे आमिल वश में करता है।

मुवज्जल (موجل) अ. वि –वह म'ह्र जो तुरत न अदा किया जाय।

मुवज्जह (موجہ) अ वि –उचित, मुनासिब, यथार्थ, ठीक, प्रमाणित, तर्क सगत, मुदल्लल।

मुवद्दत (مودت) अ स्त्री –दे शुद्ध उच्चारण 'मवद्दत' यह उच्चारण बिलकुल ग़लत है।

मुवस्सा (موصی) अ वि –जिसे वसीयत की गयी हो।

मुवस्सी (موصی) ग वि –वसीयत करनेवाला, रिक्थ पत्र-कर्ता, उत्तर साधक।

मुवह्हिद [**मुवहिद**] (موحد) अ वि –ईश्वर को एक माननेवाला, एक सम्प्रदाय जो केवल ईश्वर को मानता है, उसके सब अवतारो को या किताबो आदि को नही मानता।

मुवह्हिदानः (موحدانہ) अ फा वि –मुवह्हिदो-जैसा।

मुवह्हिश (موحش) अ. वि –भगानेवाला।

मुवाख़ज़ः (مواخذہ) अ पु –दे 'मुआख़ज़', शुद्ध उच्चारण वही है।

मुवाख़ात (مواخات) अ स्त्री –दे 'मुआमुख़ात', शुद्ध उच्चारण वही है।

मुवाज़नः (موازنہ) अ पु –दे 'मुआज़न', शुद्ध उच्चारण वही है।

मुवाज़बत (مواظبت) अ स्त्री –काम मे लगा रहना, किसी काम को नित्यप्रति करते रहना।

मुवाज़रत (موازرت) अ स्त्री –मत्री का पद ग्रहण करना, मत्री बनना, मत्री का काम करना, वज़ीरी।

मुवाजहः (مواجہہ) अ पु –समुख होना, आमने-सामने होना।

मुवाज़ात (موازات) अ स्त्री –मुकाबला, बराबरी, समानता।

मुवाज़ी (موازی) अ वि –मुकाबिल, बराबर, बराबर-बराबर।

मुवातात (مواطات) अ. स्त्री –अनुकूलता, मुआफकत।

मुवादअत (موادعت) अ स्त्री –एक-दूसरे से विदा होना, विदा करना।

मुवानसत (موانست) अ स्त्री –दे 'मुआनसत', वही उच्चारण शुद्ध है।

मुवाफ़क़त (موافقت) अ स्त्री –दे 'मुआफकत', वही उच्चारण शुद्ध है।

मुवाफ़िक़ (موافق) अ वि –दे 'मुआफिक', वही उच्चारण शुद्ध है।

मुवामरत (موامرت) अ स्त्री.–दे 'मुआमरत', वही उच्चारण शुद्ध है।

मुवाला (موالا) अ पु –'मुवालात' का लघु, दे 'मुवालात'।

मुवालात (موالات) अ स्त्री –परस्पर मैत्री, परस्पर सहयोग, दे. 'मुआलात', दोनो शुद्ध हैं।

मुवासलत (مواصلت) अ स्त्री –मुलाकात, मेल, सहवास, हमबिस्तरी।

मुवासा (مواسا) अ. पु –दे 'मुआसा', शुद्ध उच्चारण वही है।

मुवासात (مواسات) अ स्त्री –दे 'मुआसात', शुद्ध उच्चारण वही है।

मुवाहनत (مواہنت) अ स्त्री –आलस्य, सुस्ती, काहिली।

मुवाहबत (مواہبت) अ स्त्री –दान, प्रदान, बख्शिश।

मुवाहिन (مواہن) अ वि –आलसी, काहिल, सुस्त।

मुवाहिब (مواہب) अ वि –प्रदाता, बख्शिश करनेवाला।

मुशग (مشنگ) फा पु –डाकू, लुटेरा, दस्यु, एक अनाज।

मुशक्कल (مشکل) अ वि –साकार, साक्षात्, किसी विशेष शक्ल में आया हुआ।

मुशख़्ख़स (مشخص) अ वि–परीक्षित, जाँचा हुआ; अनुमानित, अदाजा किया हुआ, तश्ख़ीस अर्थात् रोग निदान किया हुआ।

मुशज्जर (مشجر) अ वि–बेल-बूटे बना हुआ, एक बेल-बूटेदार कपडा, एक पत्थर जिस पर प्राय वृक्षो के चित्र बने होते है।

मुशत्तत (مشتت) अ वि–अस्त-व्यस्त, परागद, चिंतित, फिक्रमद, उद्विग्न, परेशान।

मुशद्द (مشدد) अ वि–वह अक्षर जिस पर तश्दीद हो, जो दो बार पढा जाय।

मुशब्बक (مشبک) अ वि.–जालीदार, जिसमे बहुत से छेद हो।

मुशब्बह (مشبه) अ पु–वह वस्तु जिसे किसी दूसरी वस्तु से उपमा दी जाय, उपमेय। जैसे—मुख की उपमा चद्र से दी जाय तो मुख 'मुशब्बह' अर्थात् उपमेय है।

मुशब्बहबिही (مشبهبه) अ पु–वह वस्तु जिससे किसी वस्तु की उपमा की जाय, उपमान, उपमित, जैसे—मुख की उपमा चद्र से दी जाय तो चद्र 'मुशब्बहबिही' अर्थात् उपमान है।

मुशब्बेह (مشبه) अ वि–उपमा देनेवाला।

मुशय्यन (مشین) अ वि–शानदार, रोब-दाबवाला, रूपवान, सुदर।

मुशर्रफ (مشرف) अ वि.–प्रतिष्ठित, समानित, इज्जत दिया गया।

मुशर्रह (مشرح) अ वि–जिसकी व्याख्या हो गयी हो, व्याख्यात, विस्तृत, भाष्य।

मुशर्रेह' (مشرح) अ वि–व्याख्या करनेवाला, व्याख्याता, भाष्यकार।

मुशव्वश (مشوش) अ वि–घबराया हुआ, उद्विगन, परेशान।

मुशव्वा (مشوی) अ वि–भूना हुआ, भृष्ट।

मुशव्विश (مشوش) अ वि–घबरा देनेवाला, परेशान करनेवाला।

मुशशदर (مششدر) फा वि–चकित, निस्तब्ध, शश्दर।

मुशह्हर (مشہر) अ वि–जिसकी शोह्रत हो, कीर्तिवान्, यशस्वी, नेकनाम, जो बहुत प्रसिद्ध हो, सुप्रसिद्ध, विख्यात।

मुशह्ही (مشہی) अ वि–भूख लगानेवाली दवा।

मुशाअरः (مشاعرہ) अ पु–बहुत-से कवियो का एक जगह बैठकर परस्पर कविता सुनाना, कवि-गोष्ठी, कवि-सम्मेलन, बहुत-से आदमियो के समुख कविता सुनाना।

मुशाकलत (مشاکلت) अ स्त्री.–एक रूपता, सदृशता, एक-जैसी शक्ल होना।

मुशाकिल (مشاکل) अ वि–सहरूप, सदृश, हम शक्ल, दे. 'वह्ले मुशाकिल'।

मुशाजरः (مشاجرہ) अ पु–दे 'मुशाजरत'।

मुशाजरत (مشاجرت) अ स्त्री.–प्रतिकूलता, मुख़ालफत, विरोध।

मुशातमत (مشاتمت) अ. स्त्री–एक दूसरे को गाली-गलौज करना।

मुशाफहः (مشافہہ) अ पु.–समुखता, आमना-सामना।

मुशा'बद (مشعبد) अ. वि–जिस चीज का शोबदा दिखाया जाय।

मुशाबहत (مشابہت) अ. वि–एक रूपता, हमशक्ली, समानता, बराबरी।

मुशा'बिद (مشعبد) अ. वि–बाजीगर, मायावी, छली, फिरेबी, लीलाकार, कौतुकी।

मुशाबेह (مشابہ) अ वि–एकरूप, सदृश, हम शक्ल, तुल्य, समान, बराबर।

मुशायअत (مشایعت) अ. स्त्री–किसी की विदा के समय थोडी दूर उसके साथ चलना, जनाज़े के साथ जाना।

मुशार (مشار) अ वि–जिसकी ओर सकेत किया जाय, सकेतित।

मुशारकत (مشارکت) अ स्त्री–साझा, भागीदारी, शिर्कत।

मुशारुन इलैह (مشارالیہ) अ वि–जिसकी ओर सकेत किया जाय, उक्त, कथित, उपलक्षित, मश्वुर।

मुशावरत (مشاورت) अ स्त्री–परस्पर परामर्श और विचार विनिमय करना, परामर्श, मश्वुर.।

मुशाविर (مشاور) अ वि–परामर्शकर्ता, मश्वुर करनेवाला।

मुशा'शा (مشعشع) अ वि–दीप्त, ज्योतिर्मय, रौशन।

मुशाहदः (مشاهده) अ पु–निरीक्षण, दर्शन, देखना, अनुभव, तज्रिबा।

मुशाहदात (مشاهدات) अ पु–'मुशाहद' का बहु, देखी हुई वस्तुएँ, तज्रिबात।

मुशाहरः (مشاهره) अ पु–माहवारी तनख्वाह, मासिक वेतन।

मुशाहिद (مشاهد) अ पु–मुशाहदा करनेवाला, देनेवाला; किसी विशेष कार्य का देखने और उसके सम्बन्ध में गवाही देनेवाला व्यक्ति, आबज़र्वर।

मुशाहिदीन (مشاهدین) अ. पु.–मुशाहद करनेवालो की जमाअत, आबज़र्वर्स।

मुशीर (مشیر) अ वि.—परामर्शदाता, मश्वुरा देनेवाला, सलाहकार।

मुशैयन (مشین) अ वि—दे 'मुशय्यन'।

मुश्क (مشک) फा पु—कस्तूरी, कस्तूरिका, मिश्क।

मुश्कअफ्शाँ (مشک‌افشاں) फा वि—मुश्क छिडकनेवाला अर्थात् अत्यत सुगधित।

मुश्कआहू (مشک‌آهو) फा. पु—वह हिरन जिसकी नाभि से कस्तूरी निकलती है, कस्तूरी मृग, पुष्कलक।

मुश्कनाफ़ः (مشک‌نافہ) फा पु—कस्तूरी की थैली, मृग-नाभि।

मुश्कपाश (مشک‌پاش) फा वि—दे 'मुश्कवार'।

मुश्कफाम (مشک‌فام) फा वि—कृष्ण वर्ण, काले रग का।

मुश्कफिशाँ (مشک‌فشاں) फा. वि—दे 'मुश्कअफ्शाँ'।

मुश्कबार (مشک‌بار) फा वि—सुगध वर्षक, मुश्क—जैसी सुगध फैलानेवाला, अर्थात् वहुत खुशवूदार।

मुश्कबू (مشک‌بو) फा वि—कस्तूरी-जैसी सुगध रखने-वाला।

मुश्कबेज़ (مشک‌بیز) फा वि—दे—'मुश्कबार'।

मुश्कबेद (مشک‌بید) फा पु—वेद की एक जाति जो वहुत सुगधित होता है और जिसके पत्तो का अरक 'वेद मुश्क' कहलाता है।

मुश्करग (مشک‌رنگ) फा वि—मुश्क-जैसे रग का।

मुश्कसा (مشک‌سا) फा वि—मुश्क-जैसा खुशवूदार।

मुश्कसार (مشک‌سار) फा वि—दे 'मुश्कसा'।

मुश्क़ाब (مشقاب) तु स्त्री—वडी रिकावी, काब, दे 'वुशकाब'।

मुश्किल (مشکل) अ स्त्री—कठिनता, कठिनाई, जटिलता, पेचीदगी, गूढता, दकीकपन, सूक्ष्मता, वारीकी, (वि) कठिन, दुष्कर, जटिल, पेचीदा, गूढ, दकीक, सूक्ष्म, वारीक।

मुश्कीं (مشکیں) फा वि—मुश्क-जैसा सियाह, मुश्क-जैसा सुगधित।

मुश्कींइज़ार (مشکیں‌عزار) फा अ वि—जिसके गाल पर काला तिल हो।

मुश्कींकमद (مشکیں‌کمند) फा वि—काली और सुगधित जुल्फो वाला (वाली)।

मुश्कींकुलाह (مشکیں‌کلاہ) फा वि—काली टोपी लगाने वाला।

मुश्कींख़त (مشکیں‌خط) फा. वि—सब्ज़ आगाज़, वह सुदर लडका जिसकी मूँछ दाढी के वाल निकलने शुरू हो गये हो।

मुश्कींमू (مشکیں‌مو) फा वि—काले और सुगधित वालो-वाला (वाली)।

मुश्कींमोह्‌रः (مشکیں‌مہرہ) फा वि—धरती, पृथ्वी, ज़मीन।

मुश्कींरग (مشکیں‌رنگ) फा. वि—मुश्क के रग का, काला, कृष्ण।

मुश्कींसमंद (مشکیں‌سمند) फा वि—काले घोडे पर चढनेवाला, मा'शूक।

मुश्की (مشکی) फा वि—मुश्क-जैसा काला, काले रग का घोडा।

मुश्के अज़्फर (مشک‌اذفر) फा. अ. पु—तेज़ वूवाला मुश्क।

मुश्के ख़ता (مشک‌خطا) फा पु—दे 'मुश्केची'।

मुश्के ख़ुतन (مشک‌ختن) फा पु—चीन या तिव्वत का मुश्क जो सवसे अच्छा होता है।

मुश्के चीं (مشک‌چیں) फा पु—चीन की कस्तूरी, खालिस मुश्क।

मुश्के तर (مشک‌تر) फा पु—ताज़ी और निर्मल कस्तूरी।

मुश्के नाब (مشک‌ناب) फा पु—शुद्ध और वेमेल की कस्तूरी।

मुश्के सारा (مشک‌سارا) फा पु—खालिस मुश्क।

मुश्कोए (مشکوے) फा पु—अत पुर, हरमसरा, रनवास, गृह उद्यान, पाइँ वाग, वडे व्यक्तियो का निवासस्थान, प्रासाद, महल।

मुश्कोए मुअल्ला (مشکوے معلیٰ) अ पु—शाही ज़नान-खाना, रनवास।

मुश्त (مشت) फा स्त्री—मुट्ठी, मुष्टिका, घूसा, मुष्टी, मुट्ठी भर चीज़।

मुश्तइल (مشتعل) अ वि—उत्तेजित, गुस्से मे आया हुआ, प्रज्वलित, भडकता हुआ।

मुश्तग़िल (مشتغل) अ वि—लग्न, तन्मय, लीन, मुन्हमिक।

मुश्तक़ [क़्क़] (مشتق) अ पु—वह शब्द जो किसी दूसरे शब्द से वना हो, वह शब्द जो मस्दर से निकलता हो।

मुश्तज़न (مشت‌زن) फा वि—पहलवान, मल्ल, हस्त मैथुन करनेवाला।

मुश्तज़नी (مشت‌زنی) फा. स्त्री—पहलवानी, हस्तमैथुन, हथलस, हैंडप्रेक्टिस।

मुश्तपर (مشت‌پر) फा पु—एक मुट्ठी पर, वहुत ज़रा-सी जानवाला पक्षी।

मुश्तब्ह (مشتبہ) अ वि—सदिग्ध, सदेहयुक्त, मश्कूक, अनिश्चित, गैर यकीनी।

मुश्तवेह (مشتبہ) अ वि—सदेह में डालनेवाला।

मुश्तमाल (مشت‌مال) फा वि –मलना-दलना, मसलना, पहलवानो का एक-दूसरे के शरीर को जोर-जोर से मलना ताकि पुप्ट और कठोर हो।
मुश्तमाली (مست‌مالی) फा स्त्री –दे 'मुश्तमाल'।
मुश्तमिल (مشتمل) अ वि –सम्मिलित, शामिल, व्यापक, हावी।
मुश्तरकः (مشترکه) अ वि –साझे का, मिला हुआ।
मुश्तरक (مشترک) अ वि –दे 'मुश्तरक'।
मुश्तरकन (مشترکاً) अ वि –साझे मे।
मुश्तरी (مشتری) अ वि –खरीदार, क्रेता, वृहस्पति, विर्जीसे।
मुश्तवारः (مشتوارہ) फा पु –मुट्ठी भर, मुट्ठी भर जौ या गेहूँ की वाले।
मुश्तरस (مشت‌رس) फा वि –चुरायी हुई चीज, मुट्ठी मे आयी हुई वस्तु, मुट्ठी भर वस्तु।
मुश्तहर (مشتہر) अ वि –जिसका इश्तिहार हो, प्रसिद्ध।
मुश्तहरी (مشتہری) अ वि –इश्तिहार द्वारा प्रचार।
मुश्तहिर (مشتہر) अ वि –इश्तिहार देनेवाला, विज्ञापक।
मुश्तही (مشتہی) अ वि –इच्छा करनेवाला, इच्छुक, यह शब्द भूख वढानेवाले के अर्थ मे अशुद्ध है।
मुश्ताक (مشتاق) अ वि –उत्कठित, अभिलाषी, उत्सुक, आर्जूमद।
मुश्ताकानः (مشتاقانہ) अ फा. वि –अभिलाषापूर्ण, शौक के साथ।
मुश्ताके जमाल (مشتاق جمال) अ वि –दे 'मुश्ताके दीद'।
मुश्ताके दीद (مشتاق دید) अ फा वि –दर्शनाभिलाषी, देखने का आर्जूमद।
मुश्ते उस्तुख्वाँ (مشت استخواں) फा पु –मुट्ठी भर हड्डियाँ, अर्थात् वहुत ही दुवला-पतला और कमजोर व्यक्ति।
मुश्ते खाक (مشت خاک) फा स्त्री –मुट्ठीभर खाक, मनुप्य, आदमी।
मुश्ते खाकिस्तर (مشت خاکستر) फा स्त्री –वह मुट्ठी भर राख जो आदमी के जलने पर वाकी रहती है।
मुश्ते गिल (مشت گل) फा स्त्री –दे 'मुश्ते खाक'।
मुश्ते गुब्बर (مشت‌غبار) फा वि.–दे 'मुश्ते खाक', वह एक मुट्ठी धूल जो हवा में उडा दी जाय, मरे हुए व्यक्ति की खाक।
मुश्ते पर (مشت پر) फा पु.–मुट्ठी भर पर, जो किसी पक्षी को मारकर मिलते हैं।
मुशफिक (مشفق) अ. वि –कृपा करनेवाला, दयालु, मित्र, दोस्त, डरानेवाला, त्रासक।
मुश्फिक़ानः (مشفقانہ) अ वि –मित्रतापूर्ण, कृपापूर्ण, दोस्ताना।
मुश्रफ (مشرف) अ वि –ऊँचा-स्थान, वलद जगह।
मुश्रिकः (مشرکہ) अ स्त्री –वह स्त्री जो मुश्रिक हो, जो वहुत-से ईश्वर मानती हो।
मुश्रिक (مشرق) अ वि.–चमकनेवाला, ज्योतिर्मय, तारा, तारिका, उडु।
मुश्रिक (مشرک) अ वि –वह व्यक्ति जो ईश्वर को एक नही मानता, वल्कि उसके गुणो मे औरो को भी सम्मिलित करता है।
मुश्रिकात (مشرقات) अ पु –'मुश्रिक' का वहु, तारे, उडुगण।
मुश्रिकात (مشرکات) अ स्त्री –'मुश्रिक' का वहु, मुश्रिक स्त्रियाँ, जो ईश्वर को एक न मानती हो।
मुश्रिकान. (مشرکانہ) अ फा वि –मुश्रिको-जैसा, नास्तिको-जैसा।
मुश्रिकीन (مشرکین) अ पु –'मुश्रिक' का वहु, मुश्रिक लोग, वहुत से ईश्वर माननेवाले।
मुश्रिफ (مشرف) अ वि –उत्तुग, ऊँचा, वलद, ज्ञाता, जानकार, वडा मुनीम, वडा मुशी, हेड मुर्हरिर, किसी अच्छी या वुरी घटना का आनेवाले निकट समय में घटित होना।
मुसंदल (مصندل) अ वि.–चदन की सुगध मे वसा हुआ।
मुसअ्अद (مصعد) अ वि –दो हाँडियो या सकोरो मे विधि अनुसार उड़ाया हुआ दवा का जौहर।
मुसक़्क़फ (مسقف) अ वि –पटी हुई छत, छतवाला, जिसकी छत पटी हो।
मुसक्किन (مسکن) अ. वि –आराम देनेवाला, शाति पहुँचानेवाला, वह दवा जो रोग विशेष मे शाति पहुँचाये।
मुसक्किनात (مسکنات) अ पु –'मुसक्किन' का वहु, वे ओषधियाँ जो किसी रोग विशेष मे शाति पहुँचायें।
मुसख़्खर (مسخر) अ वि –विजित, जीता हुआ, वशीभूत, कावू में आया हुआ, मुग्ध, फिरेफ्त।
मुसख्खिर (مسخر) अ. वि –विजेता, फातेह, वश में करनेवाला, मुग्ध करनेवाला।
मुसग़्गर (مصغر) अ वि –छोटा किया हुआ, लघूकृत।
मुसज्जल (مسجل) अ वि –सुसज्जित, आरास्ता, मोह्र किया हुआ, मुद्राकित, रजिस्ट्री किया हुआ, पजीयित।
मुसज्जा (مسجع) अ. वि –वह वात जो काफियो मे हो, सानुप्रास, मुक़फ्फा, (पु.) एक शव्दालकार जिसमें शे'र के चार टुकड़े करके, तीन टुकडे सानुप्रास कर दिये जाते हैं,

जैसे—"जब वह् जमाले दिल फरोज, सूरते मेह्रेनीमरोज, आप ही हो नज़ार सोज, पर्दे में मुँह छुपाये क्यो"—गालिब। इसमें फरोज, रोज और सोज के काफिए है।

मुसत्तर (مسطر) अ वि –लकीरें किया हुआ, सत्रोदार।

मुसत्तर (مستتر) अ. वि –गुप्त, गुह्य, छिपा हुआ, पोशीदा।

मुसत्तह (مسطح) अ वि –समतल, चौरस, हमवार।

मुसद्दक़ः (مصدقہ) अ वि –प्रमाणित।

मुसद्दक़ (مصدق) अ वि –तस्दीक किया गया, तस्दीक किया गया।

मुसद्दस (مسدس) अ. वि –छ पहलूवाला, (पु) छ फाइर का तमचा, नज्म की एक किस्म जिसमें चार मिस्रे एक काफियो में और दो मिस्रे अलग दूसरे काफिए मे होते है, और यह छ मिस्त्रो का एक वद कहलाता है। ऐसे वहुत-से वदो का समूह मुसद्दस होता है। प्राय मुसद्दस मे कोई उपदेश या किसी घटना का वर्णन होता है, अगर इस मुसद्दस मे करवला की शहादत का वर्णन हो तो 'मरसिय' कहलाता है, अगर अपने प्रेम के त्याग का वर्णन हो तो 'वासोख्त' होता है और नायिका के नखशिख का वर्णन हो तो 'सारापा' होता है, मुसद्दस के किसी वद का अतिम अर्थात् तीसरा शेर 'टीप' कही जाती है।

मुसद्दिक़ (مصدق) अ वि –प्रमाणित करनेवाला, तस्दीक करनेवाला।

मुसन्नफः (مصنفہ) अ वि –सपादित पुस्तक, रचित, प्रणीत।

मुसन्नफ (مصنف) अ वि –सपादित, रचित, प्रणीत।

मुसन्नफात (مصنفات) अ वि –'मुसन्नफ' का वहु, रचित पुस्तकें।

मुसन्ना (مثنی) अ वि –दो किया हुआ, दो टुकडे किया हुआ, दो परत का कागज, जैसे—रसीद, प्रतिलिपि, नकल।

मुसन्ना विही (مثنی بہٖ) अ वि –जिससे प्रतिलिपित हो, मूल, अस्ल।

मुसन्निफः (مصنفہ) अ स्त्री –किसी पुस्तक आदि की लेखिका, प्रणेत्री।

मुसन्निफ (مصنف) अ पु –ग्रथकार, लेखक, रचयिता, तस्नीफ करनेवाला।

मुसफ़्फा (مصفی) अ वि –साफ किया हुआ, शुद्ध, उज्ज्वल, चमकदार, निथरा हुआ, कलई किया हुआ, विधिपूर्वक शुद्ध की हुई दवा।

मुसफ़्फ़िए ख़ून (مصفی خون) अ पु –दूपित ख़ून को साफ करनेवाली दवा, रक्तशोधक।

मुसफ़्फ़ियात (مصفیات) अ पुं –'मुसफ्फी' का वहु, वे ओषधियाँ जो ख़ून को शुद्ध करती है।

मुसफ्फी (مصفی) अ वि –साफ करनेवाला, शोधक।

मुसव्वव (مسبب) अ वि –कारण किया गया, कारण, सवव।

मुसव्वर (مصبر) अ पु –एक ओषधि, एलुवा।

मुसव्वा' (مسبع) अ पु –सात भाग किया हुआ, सात भुजाओ का क्षेत्र, वह नज्म जिसमे सात मिस्रे हो, अर्थात् हर तीन शे'र के वाद एक मिस्रा आया करे, चाहे वह मिस्रा एक ही हो, या हर वार नया मिस्रा हो।

मुसव्विव (مسبب) अ वि –कारण पैदा करनेवाला, साधन उपस्थित करनेवाला।

मुसव्विवुलअस्वाव (مسبب الاسباب) अ वि –कारण और साधन उत्पन्न करनेवाला, ईश्वर।

मुसव्विवे हक़ीक़ी (مسبب حقیقی) अ वि –सच्चा साधन उत्पन्न करनेवाला, ईश्वर।

मुसव्विहः (مسبحہ) अ स्त्री –अँगूठे के पासवाली उँगली, तर्जनी, ईश्वर का नाम जपनेवाली स्त्री।

मुसव्वेह (مسبح) अ वि –तस्वीह पढनेवाला, ईश्वर का गुणगान करनेवाला।

मुसम्मत (مسمط) अ पु –लडी मे पिरोया हुआ, मोतियो की लडी, मुक्तावली, नज्म की एक किस्म, जिसमे चद मिस्रे एक काफिए मे कहकर, एक या दो मिस्रे दूसरे काफिए के लाये जाते है, 'मुखम्मस' और 'मुसद्दम' आदि इसी की किस्मे है।

मुसम्मन (مثمن) अ वि –आठ पहलूवाला, जिसमे आठ कोने हो, अष्टकोण।

मुसम्मन (مسمن) अ वि –चर्वीला किया हुआ, मोटा ताज़ा वनाया हुआ, खिला-पिलाकर चर्वी चढाया हुआ।

मुसम्मम (مصمم) अ वि –दृढ, मज्वूत, निश्चित, यकीनी।

मुसम्मर (مسمر) अ वि –कीलो से जडा हुआ, कीले ठोका हुआ, कीलित।

मुसम्मा (مسمی) अ वि –नाम रखा हुआ, नामधारी, पुरुषो के नाम के पहले लगाया जानेवाला शब्द जो विशेपत सरकारी कागजो में लगाया जाता है।

मुसम्मात (مسماۃ) अ स्त्री –नाम रखी हुई, नामधारिणी, स्त्रियो के नाम से पहले लगाया जानेवाला शब्द, जो प्राय सरकारी और अदालती काग़ज़ो में लगाया जाता है, श्रीमती।

मुसम्मिम (مصمم) अ वि –निश्चय करनेवाला।

मुसर्रह (مصرح) अ वि –स्पष्ट कहा हुआ, व्याख्यात।

मुसर्रेह (مصرح) अ वि –स्पष्ट वक्ता, साफगो, व्याख्या करनेवाला, तस्रीह करनेवाला।

मुसल्मान (مسلمان) अ पु –इस्लाम धर्म का अनुयायी, मुस्लिम।

मुसल्मानी (مسلمانی) अ. स्त्री —मुसलमान का धर्म, मुसल्मान का कर्तव्य; खत्ना, सुन्नत।

मुसल्लत (مسلط) अ वि —चारो ओर से छाया हुआ, आच्छादित, विवश किया हुआ।

मुसल्लमः (مسلمه) अ वि —जो वात सव को तस्लीम हो, सर्वमान्य, जो सावित हो, प्रमाणित, अखण्ड, सपूर्ण।

मुसल्लम (مسلم) अ वि —सर्वमान्य, तस्लीम शुदा, समग्र, सपूर्ण, समूचा, प्रमाणित, मुसद्दक।

मुसल्लमात (مسلمات) अ पु —'मुसल्लम' का वहु, वे वातें जो सर्वमान्य हों।

मुसल्लमुश्शहादत (مسلم الشہادت) अ वि —वह व्यक्ति जिसकी साक्षी मान्य हो, जो साक्षी द्वारा प्रमाणित हो।

मुसल्लमुस्सुवूत (مسلم الثبوت) अ वि —जो सुवूत से सावित हो, प्रमाणसिद्ध, सावनक्षम, प्रत्यक्षसिद्ध।

मुसल्लह (مسلح) अ वि — हथियार वद, सगस्त्र, अस्त्र-सज्ज, सज्जित।

मुसल्ला (مصلا) अ पु —नमाज़ पढ़ने की चटाई अथवा दरी।

मुसल्ली (مصلی) अ वि —नमाज़ पढनेवाला।

मुसल्सल (مسلسل) अ वि —लगातार, निरतर, अनवरत, ज़ंजीर मे वँधा हुआ, कैद, शृखलित, क्रमवद्ध, क्रमागत, वातरतीव, वारवार, वारवार।

मुसव्वद (مسوده) अ पु —किसी लेख का प्रारभिक रूप, पाडुलिपि, प्रारूप।

मुसव्वदात (مسودات) अ पु —'मुसव्वद' का वहु, मुसव्वदे, पाडुलिपियाँ।

मुसव्वरः (مصوره) अ वि —दे 'मुसव्वर'।

मुसव्वर (مصور) अ वि —सचित्र, तस्वीरदार, चित्रित, नक्शीन, तस्वीर वना हुआ।

मुसव्विद (مسود) अ वि —मुसव्वदा लिखनेवाला, पाडु-लिपिक।

मुसव्विरः (مصوره) अ वि —तस्वीर वनानेवाली स्त्री, चित्रकारिणी।

मुसव्विर (مصور) अ वि —तस्वीर वनानेवाला, चित्रकार, चित्रशिल्पी, चितेरा।

मुसव्विरी (مصوری) अ स्त्री —तस्वीरें वनाने का काम, चित्र कर्म, तस्वीर वनाने का फन, चित्रकला।

मुसह्हद (مسہد) अ वि —जगाया हुआ, जाग्रत किया हुआ।

मुसह्हे (مصحح) अ वि —दुरुस्त करनेवाला, शुद्ध करने वाला, वह व्यक्ति जो प्रेस के पत्थर की कितावत को ठीक करता है।

मुसाअदत (مساعدت) अ. स्त्री —सहायता करना, मदद करना, सहायता, मदद।

मुसाइद (مساعد) अ वि.—सहायक, मददगार; अनुकूल, मुआफिक।

मुसादमत (مصادمت) अ स्त्री —एक दूसरे को कष्ट देना।

मुसादरत (مصادرت) अ. स्त्री —प्रत्यागमन, वापस लौटना।

मुसाफरत (مسافرت) अ स्त्री —यात्रा करना, सफर करना, यात्रा, सफर, यात्रा की अवस्था, सफर की हालत।

मुसाफहः (مصافحه) अ पु —मुलाकात के समय हाथ मिलाना।

मुसाफहः (مسافحه) अ पु —व्यभिचार, दुराचार, पाप कर्म।

मुसाफात (مصافات) अ स्त्री.—मैत्री, दोस्ती, निष्कपटता, इख्लास।

मुसाफिर (مسافر) अ पुं —यात्री, पथिक, राहगीर, वटोही, गरीव मुसाफिर।

मुसाफिरखानः (مسافرخانه) अ फा. पु —मुसाफिरो के ठहरने का स्थान, पथिकाश्रम, धर्मशाला।

मुसाफिरानः (مسافرانه) अ फा वि —मुसाफिरो-जैसा, सफर की अवस्था मे।

मुसाव (مصاب) अ वि —दुःखित, क्लेपित, रजीदा।

मुसावकत (مسابقت) अ स्त्री —पहले करना, आगे वढ़ जाना।

मुसावरत (مصابرت) अ स्त्री —धीरज धरना, सतोप करना, सब्र करना।

मुसामरत (مسامرت) अ स्त्री —एक दूसरे को किस्से सुनाना।

मुसामहत (مسامحت) अ स्त्री —किसी काम को आसान समझकर उसकी ओर ध्यान न देना, मैत्री, दोस्ती।

मुसारअत (مصارعت) अ स्त्री —एक दूसरे को ज़मीन पर डाल कर रगड़ना, परस्पर कुश्ती लड़ना।

मुसालमत (مسالمت) अ स्त्री —परस्पर सधि करना, मित्रता, दोस्ती।

मुसालहत (مصالحت) अ स्त्री —परस्पर सधि करना, सधि, समझौता, तस्फ़िय; राज़ीनामा, फैसला।

मुसालहतनाम. (مصالحت نامه) अ फा पु —राज़ी-नामा, समझौते का कागज़।

मुसावमत (مساومت) अ स्त्री —किसी चीज़ के वेचने मे देर करना इस विचार से कि दाम वढ़ जायेंगे।

मुसावात (مساوات) अ. स्त्री —समानता, वरावरी, सवको एक-जैसे अधिकार मिलने का सिद्धात।

मुसावियुज़्ज़वाया (مساوی الزوایا) अ पु —वह त्रिभुज या चतुर्भुज जिसके आमने-सामने के कोण वरावर हों।

मुसावियुलअज़्लाअ (مساوی الاضلاع) अ पु–वह शक्ल जिसकी सब भुजाएँ बराबर हो, समभुज क्षेत्र।

मुसावियान. (مساویانہ) अ फा वि–बराबर बराबर, एक-जैसा।

मुसावी (مساوی) अ वि–समान, तुल्य, बराबर।

मुसाहक़ः (مساحقہ) अ पु–चपटी, स्त्रियो का आपस मे चपटी लडाना।

मुसाहबत (مصاحبت) अ स्त्री–किसी बडे व्यक्ति के यहाँ हाज़िर बाशी, बडे व्यक्ति के यहाँ सोहबत बरतना, उठना-बैठना।

मुसाहमत (مساهمت) अ स्त्री–भागीदारी, साझा, शिर्कत।

मुसाहलत (مساهلت) अ स्त्री–आलस्य, ढील, सुस्ती।

मुसाहिब (مصاحب) अ पु–किसी बडे आदमी के पास उठने-बैठनेवाला, पार्षद।

मुसाहिम (مساهم) अ वि–भागीदार, साझीदार, शरीक।

मुसीन [न्न] (مسن) अ वि–बूढा, वयोवृद्ध।

मुसिर [र्र] (مصر) अ वि–ज़िद करनेवाला, बारबार किसी काम के लिए कहनेवाला।

मुसीब (مصیب) अ वि–किसी बात की तह को पहुँचने वाला, ठीक पानेवाला, तलस्पर्शी।

मुसीबत (مصیبت) अ स्त्री–दु ख, क्लेश, कष्ट, तक्लीफ, खेद, सताप, विषाद, गम, दुर्घटना, सानिह, कठिनता, मुश्किल, दुर्दशा, नुहूसत, कालचक्र, गर्दिश, विपत्ति, आफत।

मुसीबतअंगेज़ (مصیبت انگیز) अ फा वि–कष्टजनक, दु खदायी, मुसीबत देनेवाला।

मुसीबतज़द (مصیبت زدہ) अ फा वि–मुसीबत मे मुब्तला, कष्टग्रस्त, विपन्न, दुरागत।

मुसीबतनाक (مصیبت ناک) अ फा वि–दे 'मुसीबतज़द'।

मुसीबते नागहानी (مصیبت ناگہانی) अ फा स्त्री–आकस्मिक विपत्ति, अचानक आनेवाली आफत।

मुसैक़ल (مصیقل) अ वि–सैकल किया हुआ, चमकदार, शफ्फाफ।

मुसैतिर (مسیطر) अ वि–नियुक्त, मुकर्रर।

मुस्क़ित (مسقط) अ वि–गिरानेवाला, बात मे त्रुटि करनेवाला।

मुस्कित (مسکت) अ वि–चुप कर देनावाला, काइल कर देनेवाला।

मुस्किर (مسکر) अ वि–नशा पैदा करनेवाली चीज, मादक।

मुस्किरात (مسکرات) अ वि–'मुस्किर' का बहु, नशे की चीज़े।

मुस्तजिम (مستضیم) अ वि–प्रकाशमान, प्रज्वलित, दीप्त, रौशन, प्रकाश चाहनेवाला।

मुस्तंबत (مستنبط) अ वि–निकाला हुआ, नतीजा निकाला हुआ।

मुस्तंबित (مستنبط) अ वि–नतीजा निकालनेवाला।

मुस्तंसर (مستنصر) अ वि–जिसकी मदद की गयी हो।

मुस्तंसिर (مستنصر) अ वि–मदद माँगनेवाला।

मुस्तआन (مستعان) अ वि–जिससे सहायता माँगी जाय।

मुस्तआर (مستعار) अ वि–माँगी हुई चीज, थोडे दिनो के लिए माँगा हुआ।

मुस्तइद [द्द] (مستعد) अ वि–तत्पर, सन्नद्ध, कटिबद्ध, तैयार, निरालस, सचेष्ट, जिसमे सुस्ती और काहिली न हो, तेज़, फुर्तीला, चाबुकदस्त।

मुस्तइद्दी (مستعدی) अ स्त्री–तत्परता, तैयारी, निरालस्य, तेजी, फुर्ती।

मुस्तईन (مستعین) अ वि–सहायता चाहनेवाला, मदद माँगनेवाला।

मुस्तईर (مستعیر) अ वि–रिआयत चाहनेवाला।

मुस्तकर [र्र] (مستقر) अ पु–ठहरने का स्थान, ठिकाना।

मुस्तक़र्रुलखिलाफत (مستقرالخلافت) अ पु–राजधानी, शासन-केंद्र।

मुस्तक़र्रुलहुकूमत (مستقرالحکومت) अ पु–दे 'मुस्तक़र्रुल खिलाफत'।

मुस्तकिल [ल्ल] (مستقل) अ वि–अटल, दृढ, मुस्तहकम, दृढ, निश्चिय, साबित कदम, चिरस्थायी, पाइदार, वह मुलाज़िम जो अस्थायी न हो, स्थायी, निरतर, लगातार।

मुस्तक़िल मिज़ाज (مستقل مزاج) अ वि–जो एक बात तै करके उस पर जमा रहे, दृढ चित्त, स्थिरनिश्चयी।

मुस्तकिल मिजाजी (مستقل مزاجی) अ स्त्री–एक बात तै करके उस पर डटा रहना, निश्चय की स्थिरता।

मुस्तक़िल्लन (مستقلاً) अ वि–स्थिर रूप मे, अटल तौर पर, निरतर, बराबर।

मुस्तक़ीम (مستقیم) अ वि–सीधा, सरल, ऋजु, जो टेढ़ा न हो।

मुस्तक़ीमुलअज़्लाअ (مستقیم الاضلاع) अ पु–वह शक्ल जिसकी सब रेखाएँ सीधी हो, सरल रेखाओवाला।

मुस्तक्बिर (مستکبر) अ वि–अहकारी, अभिमानी, घमडी, मग़्रूर।

मुस्तक़्बिल (مستقبل) अ पु —आगे आनेवाला, आगामी, भविष्य, आइंदा ज़माना।

मुस्तख़ीफ (مستخفیف) अ वि —भयभीत, त्रस्त, डरा हुआ, भीषण, भयानक, ख़ौफनाक।

मुस्तख़्दिम (مستخدم) अ वि.—दूसरो से खिदमत चाहनेवाला।

मुस्तखिल्स (مستخلص) अ वि —आज़ादी चाहनेवाला, बंधन मुक्ति का इच्छुक, निर्मल करनेवाला।

मुस्तग़ास (مستغاث) अ वि —जिसके पास इस्तिगासा ले जायँ, जिससे न्याय याचना करे, दडाधिकारी मेजिस्ट्रेट।

मुस्तग़ीसः (مستغیثہ) अ वि —इस्तिगासा करनेवाली स्त्री, न्याय चाहनेवाली, फौजदारी मे दावा करनेवाली।

मुस्तग़ीस (مستغیث) अ वि —इस्तिगास करनेवाला, अभियोक्ता, फौजदारी मे दावा दाइर करनेवाला।

मुस्तग़नी (مستغنی) अ वि —जिसे किसी बात की इच्छा न हो, नि स्पृह, अनीह, अनपेक्ष्य, निरीह।

मुस्तग़नी मिज़ाज (مستغنی مزاج) अ वि —जिसके मन में कोई लालच या इच्छा न हो, निवृत्तचित्त।

मुस्तग़्फिर (مستغفر) अ वि —ईश्वर से पापो की क्षमा चाहनेवाला, मुक्ति चाहनेवाला।

मुस्तग़्रक (مستغرق) अ वि —डूबा हुआ, मग्न, मज्जित, निमज्जित, मुनहमिक, तल्लीन, तन्मय, दत्तचित्त।

मुस्तज़ाद (مستزاد) अ वि —बढाया हुआ, अतिरिक्त, फालतू, नज्म की एक किस्म जिसमे किसी गज़ल मे उसके हर मिस्रे के अत मे एक टुकडा वढा देते है।

मुस्तजाब (مستجاب) अ वि —स्वीकृत, मजूर किया हुआ, कबूल किया हुआ।

मुस्तजाबुद्दा'वात (مستجاب الدعوات) अ वि —वह सिद्ध व्यक्ति जिसकी हर बात ईश्वर के यहाँ कबूल हो जाय, वाक्सिद्ध।

मुस्तजाबुद्दआ (مستجاب الدعا) अ. वि —दे 'मुस्तजाबुद्दा'वात'।

मुस्तजार (مستجار) अ. वि.—जिससे रक्षा की प्रार्थना की जाय, जिससे बचाने को कहा जाय, पनाह देनेवाला, त्राणदाता, रक्षक।

मुस्तजीब (مستجیب) अ. वि —कबूल करनेवाला, स्वीकार करनेवाला, प्रार्थना स्वीकार करनेवाला।

मुस्तजीर (مستجیر) अ वि —पनाह चाहनेवाला, रक्षा का इच्छुक, रक्षा का स्थान ढूंढनेवाला, कही-कही पनाह देनेवाले के अर्थ में भी आया है।

मुस्तज्मउस्सिफात (مستجمع الصفات) अ. वि —जिसमें बहुत-सी सिफते एकत्र हो, बहुगुणसपन्न।

मुस्तज्मा' (مستجمع) अ. वि.—एकत्र, इकट्ठा।

मुस्तज्मे' (مستجمع) अ. वि.—एकत्र करनेवाला, इकट्ठा करनेवाला।

मुस्तताअ' (مستطاع) अ वि —आज्ञाकारी, फर्मांवरदार।

मुस्तताब (مستطاب) अ. वि —शुभान्वित, कल्याणकारी, मुवारक, स्वादिष्ठ, वामज़.।

मुस्ततिर (مستتر) अ वि —गुप्त, छिपा हुआ, पोशीदा।

मुस्ततीअ' (مستطیع) अ. वि —समृद्ध, धनाढ्य, मालदार, समर्थ, कादिर।

मुस्ततील (مستطیل) अ पु —वह शक्ल जो लवाई-चौडाई मे वरावर न हो और उसके चारो कोण वरावर हो, समकोण चतुर्भुज, आयत।

मुस्तदाम (مستدام) अ वि —नित्यता, हमेशगी, चाहनेवाला, नित्य, हमेशा, सर्वदा, सदा।

मुस्तदीर (مستدیر) अ. वि —गोलाकार, वर्तुलाकार, गोल, मुदव्वर।

मुस्तदई (مستدعی) अ वि —प्रार्थना करनेवाला, दरख्वास्त करनेवाला, कहनेवाला।

मुस्तनद (مستند) अ वि —प्रमाणित, तस्दीकशुदा, विश्वस्त, मोतबर, जिसने किसी चीज़ की सनद पायी हो।

मुस्तनीर (مستنیر) अ. वि —प्रकाशमान, दीप्त, रौशन।

मुस्तन्किर (مستنکر) अ वि —निकृष्ट, दूषित, वद, कुरूप, अप्रियदर्शन, ज़िश्तरू।

मुस्तफवी (مصطفوی) अ वि —मुस्तफा से सम्बन्ध रखनेवाला, मुस्तफा का।

मुस्तफा (مصطفیٰ) अ वि —पवित्र, पुनीत, वरगुज़ीदा, निर्मल, शुद्ध, स्वच्छ, साफोशफ्फाफ, हज़्रत महम्मद साहिब का खिताब।

मुस्तफाई (مصطفائی) अ वि —'मुस्तफा' का, मुस्तफा से सम्बन्ध रखनेवाला।

मुस्तफाद (مستفاد) अ वि —प्राप्त, लब्ध, हासिल।

मुस्तफीज़ (مستفیض) अ वि —फ़ैज़ चाहनेवाला, नफा उठानेवाला, लाभप्राप्तकर्त्ता।

मुस्तफीद (مستفید) अ वि —फाइदा चाहनेवाला, लाभ उठानेवाला, लाभान्वित, लाभेच्छुक।

मुस्तफ़्ती (مستفتی) अ वि —फत्वा पूछनेवाला, फतवे का जवाब चाहनेवाला।

मुस्तफ़्सिर (مستفسر) अ पु —पूछनेवाला, पृच्छक, प्रश्नकर्ता।

मुस्तबिद [द्द] (مستبد) अ. वि.—किसी काम पर अकेला

खड़ा हो जानेवाला, किसी चीज़ पर अकेला हक़ जतानेवाला, अनीति और अन्याय करनेवाला, अत्याचारी, ज़ालिम।

मुस्तब्अद (مستبعد) अ वि –जो बात कियास में न आ सके, कल्पनातीत, दुष्कर, कठिन, दुशवार, दूर, बईद।

मुस्तबइद (مستبعد) अ वि –पृथक्ता चाहनेवाला, दूरी का इच्छुक।

मुस्तब्सिर (مستبصر) अ पु –दिव्य दृष्टि रखनेवाला, रौशन ज़मीर।

मुस्तमंद (مستمند) फा वि –इच्छुक, अभिलाषी, ख्वाहिशमद, दुःखित, ग़मगीन, जिसे किसी बात की आवश्यकता हो, ज़रूरतमद।

मुस्तमा' (مستمع) अ वि –सुना हुआ, श्रुत।

मुस्तमिद [द्द] (مستمد) अ वि –मदद चाहनेवाला, सहायेच्छु।

मुस्तमिर [र्र] (مستمر) अ वि –हमेशा रहनेवाला, स्थिर, नित्य, अनश्वर, स्थायी, चिरस्थायी, पायदार।

मुस्तमिरः (مستمره) अ वि –दे 'मुस्तमिर', स्त्री लिंग शब्दो के साथ, सदैव रहनेवाली।

मुस्तमे' (مستمع) अ वि –सुननेवाला, श्रोता।

मुस्तरक (مسترق) अ वि –चुराया हुआ, चुराया हुआ माल।

मुस्तरक [क्क] (مسترق) अ वि –बंदी बनाया हुआ, क़ैद किया हुआ।

मुस्तरद [द्द] (مسترد) अ वि –लौटा हुआ, वापस दिया हुआ, ख़ारिज किया हुआ, रद्द किया हुआ।

मुस्तराह (مستراح) अ पु –आराम करने की जगह, विश्राम स्थान, शौचगृह, सडास, पाख़ाना।

मुस्तर्ख़ी (مسترخی) अ वि –ढीला, शिथिल।

मुस्तर्शिद (مسترشد) अ वि –सच्चा रास्ता चाहनेवाला, सन्मार्गेच्छुक, चेला, धर्मशिष्य, मुरीद।

मुस्तलह. (مصطلحہ) अ वि –वह शब्द जो पारिभाषिक रूप में आ गया हो, पारिभाषिक।

मुस्तलह (مصطلح) अ वि –दे 'मुस्तलह'।

मुस्तलहात (مصطلحات) अ पु –पारिभाषिक शब्दावली।

मुस्तलिज़ [ज़्ज़] (مستلذ) अ वि –स्वाद लेनेवाला, मज़ा चखनेवाला, आनंदित, लज़्ज़तयाव।

मुस्तल्क़ी (مستلقی) अ. वि –चित्त लेटा हुआ, जिसकी पीठ ज़मीन पर हो और पेट ऊपर।

मुस्तल्ज़िम (مستلزم) अ. वि –कोई चीज़ अपने ऊपर लाज़िम कर लेनेवाला, योग्य, पात्र।

मुस्तल्ज़िमुस्सज़ा (مستلزم السزا) अ वि –दे 'मुस्तलज़िमे सज़ा'।

मुस्तल्ज़िमे सज़ा (مستلزم سزا) अ वि –सज़ा के योग्य, दंडनीय।

मुस्तवी (مستوی) अ वि –समतल, हमवार, सम, समान, बराबर।

मुस्तशार (مستشار) अ वि –जिससे सलाह ली जाय परामर्शदाता, सलाह ली हुई बात, परामर्शित।

मुस्तशीर (مستشیر) अ वि –सलाह लेनेवाला, परामर्शकर्ता।

मुस्तश्फ़ा (مستشفی) अ वि –अस्पताल, चिकित्सालय, रुग्णालय, शिफ़ाख़ाना।

मुस्तश्फ़ी (مستشفی) अ वि –रोग मुक्ति चाहनेवाला।

मुस्तश्रिक़ (مستشرق) अ वि –दीप्त, ज्वलत, प्रकाशित, रौशन, वह ग़ैर एशियाई व्यक्ति जिसे एशियाई भाषाओ अथवा विद्याओ का पूरा-पूरा ज्ञान हो और उसने इन विषयो पर काफ़ी अनुसधान और गवेषणा की हो।

मुस्तश्रिक़ीन (مستشرقین) अ पु –'मुस्तश्रिक़' का बहु, वह ग़ैरएशियाई लोग जिन्होंने एशियाई भाषा, विद्या अथवा दूसरी विद्याओ में पूरी जानकारी प्राप्त की हो।

मुस्तस्क़ी (مستسقی) अ वि –जिसे जलोदर का रोग हो, जलोदरी, बहुत अधिक पानी माँगनेवाला।

मुस्तसनयात (مستثنیات) अ पु –'मुस्तस्ना' का बहु, वे चीज़ें या व्यक्ति जो मुस्तस्ना हो।

मुस्तस्ना (مستثنیٰ) अ वि –जिस पर से कोई शर्त, क़ानून या पाबंदी उठा ली गयी हो, मुक्त, जिस पर कोई क़ानून-विशेष लागू न होता हो, जो किसी शर्त या पाबंदी के भीतर न आता हो, चुना हुआ, प्रतिष्ठित, अपवादित, एक्ज़ेम्प्टेड।

मुस्तस्नामिनहू (مستثنی منہ) अ वि –वे चीज़ें या व्यक्ति जिनमें से 'मुस्तस्ना' को अलग किया गया हो।

मुस्तहक़ [क़्क़] (مستحق) अ वि –हक़ रखनेवाला, स्वत्वाधिकारी, योग्य, पात्र, लाइक़, सहायता के योग्य, ज़रूरतमद।

मुस्तहक़्क़ीन (مستحقین) अ वि –'मुस्तहक़' का बहु, मुस्तहक़ लोग, हक़दार लोग, योग्य लोग, ज़रूरतमद लोग।

मुस्तहक़्क़ेतरिक (مستحق ترکہ) अ पु –जो तरिके का हक़दार हो, दायाधिकारी, दायबंधु।

मुस्तहक़्क़े नवाज़िश (مستحق نوازش) अ फा पु –कृपा का पात्र, दया के योग्य।

मुस्तहक़्क़े रहम (مستحق رحم) अ पु.–दया किये जाने का हक़दार, जो दया का सच्चा पात्र हो, करुणापात्र।

मुस्तहक़्क़े सहीह (مستحق صحیح) अ पु —सबसे उचित हक़दार, सत्पात्र।

मुस्तहब [व्ब] (مستحب) अ वि —अच्छा जाना हुआ, प्रिय, पुनीत; वह कृत्य जिसके करने से पुण्य की प्राप्ति हो और न करने पर कोई दोप न लगे, वह इबादत जिसे हज़्रत मुहम्मद साहब ने स्वयं किया हो, उसकी अच्छाइयाँ बतायी हो, परंतु उसके करने को स्पष्ट रूप से न कहा हो।

मुस्तहान (مستہان) अ वि —अपमानित, तिरस्कृत, ज़लील, दूसरों की दृष्टि में निंदित और गर्हित।

मुस्तहाम (مستہام) अ वि —उद्विग्न, व्यग्र, परेशान, चकित, निस्तब्ध, हैरान।

मुस्तहील (مستحیل) अ. वि —असंभव, अशक्य, नामुम्किन, बहानाबाज़, छली; एक अवस्था से दूसरी अवस्था में परिवर्तित।

मुस्तह्कम (مستحکم) अ वि —निश्चल, अटल, लाज़ुब, दृढ, मज्बूत, चिरस्थायी, पाइदार, निश्चित, अटल, यक़ीनी।

मुस्तह्कमतरीन (مستحکم‌ترین) अ फा वि —बहुत अधिक मज्बूत, सुदृढतम।

मुस्तह्कमुलअक़ीदः (مستحکم العقیدہ) अ वि —जिसका धर्मविश्वास अटल हो।

मुस्तह्कमुलअदावत (مستحکم العداوت) अ वि —जिसके चित्त में किसी की शत्रुता घर कर गयी हो, बद्धवैर।

मुस्तह्कमुलअह्द (مستحکم العہد) अ वि —अपने वादे का पक्का, सत्यप्रतिज्ञ, दृढसंकल्प, वचनबद्ध।

मुस्तह्कमुलइरादः (مستحکم الارادہ) अ वि —जो अपने इरादे में अटल हो, बद्ध निश्चय, सत्य संकल्प।

मुस्तह्ज़र (مستحضر) अ वि —जो दिमाग में हर समय सुरक्षित रहे, जो हर समय याद रहे।

मुस्तह्ज़ी (مستہزی) अ वि —हँसी उडानेवाला, उपहास-कर्ता।

मुस्तह्फ़ज़ (مستحفظ) अ वि —सुरक्षित, मह्फ़ूज़, जिसकी देख-रेख और निगरानी की गयी हो।

मुस्तह्लक (مستہلک) अ वि —हत, बधित, मारा हुआ; नष्ट, बरबाद।

मुस्तह्सन (مستحسن) अ वि —उत्तम, श्रेष्ठ, उम्दा, पुनीत, पवित्र, नेक।

मुस्ताजिर (مستاجر) अ वि —ठेकेदार, एकाधिकारी।

मुस्ताजिरानः (مستاجرانہ) अ फा वि —ठेकेदारों-जैसा।

मुस्ताजिरी (مستاجری) अ वि —ठेकेदारी, एकाधिकार।

मुस्ता'जिल (مستعجل) अ वि —अधीर, आतुर, जल्द-बाज़, उतावला।

मुस्तानिस (مستانس) अ वि —प्रेम रखनेवाला, रुचि रखने-वाला, अभ्यस्त, व्यसनी, आदी।

मुस्ता'फ़ी (مستعفی) अ. वि —त्यागपत्र देनेवाला, इस्ते'फ़ा देनेवाला।

मुस्ता'मन (مستامن) अ वि —रक्षा या पनाह चाहा हुआ, रक्षित।

मुस्ता'मरः (مستعمرہ) अ वि —नौआबादी, उपनिवेश।

मुस्ता'मर (مستعمر) अ वि —नया बसा हुआ, नौआबाद, नवबसित।

मुस्ता'मरात (مستعمرات) अ पु —'मुस्ता'मर' का बहु, नौआबादियाँ, उपनिवेश-समूह।

मुस्ता'मल (مستعمل) अ वि —काम में लाया हुआ, प्रयुक्त, व्यवहृत, प्रचलित, व्यवहृत, मुरव्वज।

मुस्तामिन (مستامن) अ. वि —अमन और रक्षा चाहने-वाला, शान्तीच्छु।

मुस्तासल (مستاصل) अ वि —उन्मूलित, जड़ से उखाड़ फेंका हुआ, समूल विनष्ट।

मुस्तासिल (مستاصل) अ वि —उन्मूलन करनेवाला, जड़ से उखाड़ फेंकनेवाला।

मुस्तैक़िज़ (مستیقظ) अ वि —जागता हुआ, सजग, जाग्रत, जागरूक, सजागर, बेदार।

मुस्तैसिर (مستیسر) अ वि —तत्पर और कटिबद्ध होनेवाला, तैयार होनेवाला।

मुस्तौक़िद (مستوقد) अ वि —आग भड़कानेवाला।

मुस्तौजिब (مستوجب) अ वि.—योग्यपात्र, लाइक।

मुस्तौजिबे सज़ा (مستوجب سزا) अ वि —सज़ा के लाइक, दंडनीय।

मुस्तौफ़ी (مستوفی) अ वि —व्यापक, गृहीत, हेड मुनीम, हेड एकाउंटेंट।

मुस्तौली (مستولی) अ वि —छा जानेवाला, ढाँक लेने-वाला, आच्छादक; किसी पर विजय पा लेनेवाला, क़ाबू में कर लेनेवाला।

मुस्तौसा' (مستوسع) अ वि —विस्तृत, विशाल, फ़राख़, कुशादा।

मुस्दे' (مصدع) अ. वि —पृथक्-पृथक् करनेवाला, सर में पीडा उत्पन्न करनेवाला।

मुस्नद (مسند) अ वि —काल, समय, दत्तक पुत्र, लेपालक, जारज, दोगला; वह चीज़ जिस पर सहारा ले; (व्या) ख़बर।

मुस्नदइलैह (مسندالیہ) अ. वि—(व्या.) मुब्तदा, जैसे—

'राम अच्छा है' में 'राम' मुस्नदइलैह है और 'अच्छा', 'मुस्नद'।

मुस्बतः (مثبتہ) अ वि –साबित की हुई चीज।

मुस्बत (مثبت) अ वि –साबित किया हुआ, प्रमाणित, जो मन्फी न हो।

मुस्मन (مسمن) अ वि –पैदाइशी मोटा-ताज़ा।

मुस्रिफ (مسرف) अ वि –बहुत अधिक खर्च करनेवाला, बहुव्ययी, फुजूल खर्च करनेवाला, अपव्ययी।

मुस्रिफ (مصرف) अ वि –व्यय करनेवाला।

मुस्रिफीन (مسرفين) अ पु –'मुस्रिफ' का बहु, फुजूल खर्च करनेवाले।

मुस्रे' (مسرع) अ वि –जल्दी काम करनेवाला, शीघ्रकारी, तेज़ चलनेवाला पत्रवाहक।

मुस्लिमः (مسلمہ) अ स्त्री –मुसलमान स्त्री।

मुस्लिम (مسلم) अ पु –मुसलमान पुरुष, मुसलमान।

मुस्लिमात (مسلمات) अ स्त्री –'मुस्लिम' का बहु, 'मुसल्मान स्त्रियाँ।

मुस्लिमीन (مسلمين) अ पु –'मुस्लिम' का बहु, मुसलमान मर्द।

मुस्लिहीन (مصلحين) अ पु –'मुस्लेह' का बहु, सुधार करनेवाले, सुधारक, रिफार्मर्स।

मुस्लेह (مصلح) अ वि –राजनीतिक, आर्थिक या सामाजिक आदि सुधार करनेवाला, सुधारक, शरीर की धातुओ का दोष दूर करनेवाली दवा, शोधक।

मुस्लेहे क़ौम (مصلح قوم) अ पु –जातीय सुधार करनेवाला, जाति-विशेष का सुधारक, राष्ट्र का सुधारक, देश सुधारक।

मुस्हिल (مسہل) अ पु –दस्त लानेवाली औषध, रेचक, विरेचक, मलभेदक।

मुस्हिलात (مسہلات) अ पु –'मुस्हिल' का बहु, रेचक ओषधियाँ।

मुहंदिस (مہندس) अ पु –गणितज्ञ, रियाजीदाँ, इजिनियर।

मुहक़्क़क (محقق) अ वि –प्रमाणित, मुसल्लम, गवेपित, जाँचा हुआ।

मुहक्कर (محقر) अ वि –तुच्छ, अधम, जलील, कम कीमत, हकीर।

मुहक़्क़िक़ (محقق) अ वि –किसी बात की वैज्ञानिक जाँच-पडताल करनेवाला, गवेपी, अन्वेषक, अनुसधाता, वैज्ञानिक, फिलास्फर, वह व्यक्ति जो किसी बात को प्रमाण से सिद्ध करे।

मुहक़्क़िक़ीन (محققين) अ पु –'मुहक्किक' का बहु, गवेपणा और अनुसधान करनेवाले।

मुहज़्ज़ब (مہذب) अ वि –सभ्य, शिष्ट, तमीज़दार, नागरिक, शहरी, शिक्षित, ता'लीमयाफ्ता, अदब काइदे का खयाल रखनेवाला, शाइस्ता, शिष्ट, सुशील, विनीत, खुशखुल्क, सस्कृत, आरास्ता।

मुहद्दिस (محدث) अ पु –हदीस का विद्वान्, हदीसो की पूरी जानकारी रखनेवाला, यह जाननेवाला कि कौन-सी हदीस सहीह और कौन-सी गलत, किस हदीस को किसने बयान किया है और बयान करनेवाला किस श्रेणी का है, आदि आदि।

मुहद्दिसीन (محدثين) अ पु –'मुहद्दिस' का बहु, हदीस के आलिम।

मुहन्नद (مہند) अ वि –वह शब्द जो किसी दूसरी भाषा का हो, परन्तु उसे हिंदी कर लिया गया हो जैसे—'जारुब' से झाडू, 'आबखोरह' का अमखोरा आदि, हिंद के लोहे की बनी हुई तलवार जो काट मे प्रसिद्ध होती थी।

मुहम्मद (محمد) अ वि –प्रशसित, स्तुत, सराहा हुआ, हज़्रत पैगंबर साहब का शुभ नाम।

मुहम्दी (محمدی) अ पु –मुहम्मद का, मुहम्मद से सम्बन्ध रखनेवाला; मुसलमान।

मुहर्रफ (محرف) अ वि –टेढा किया हुआ, वक्रित, वक्र, फेरी हुई बात या इबारत, मूल अर्थ से हटाया हुआ।

मुहर्रम (محرم) अ वि –हराम अर्थात् निषिद्ध किया हुआ, पहला इस्लामी महीना, चूँकि इस्लाम से पहले अरब मे इस महीने मे रक्तपात धार्मिक रूप मे हराम था, इसलिए इस महीने का यह नाम पडा।

मुहर्रा (مہرا) अ वि –अच्छी तरह पकाया हुआ, वह चीज़ जो आग पर अच्छी तरह गला ली जाय।

मुहर्रिक (محرک) अ वि –गति देनेवाला, चलानेवाला, उत्तेजना देनेवाला, उभारनेवाला, उत्तेजक, सभा या कमेटी में कोई सुझाव रखनेवाला, प्रस्तावक।

मुहर्रिफ (محرف) अ वि –टेढा करनेवाला, बात को कुछ का कुछ बनानेवाला।

मुहर्रिर (محرر) अ वि –लेखक, लिखनेवाला, लिपिक, क्लर्क, वकील आदि का मुशी।

मुहर्रिरी (محرری) अ वि –मुहर्रिर का पेशा, मुहर्रिर का काम।

मुहर्रिरीन (محررين) अ पु –'मुहर्रिर' का बहु, मुहर्रिर लोग।

मुहल्लल (محلل) अ वि –तहलील किया हुआ।

मुहल्लिल (محلل) अ वि –तहलील करनेवाला।

मुहल्लिलात (محللات) अ पु.–'मुहल्लिल' का वहु, तहलील करनेवाली दवाएँ।

मुहव्वतः (محوطه) अ पु –कोई चीज सुरक्षित रखने का स्थान, घेरने का स्थान, एकत्र करने का स्थान।

मुहव्वलः (محوله) अ वि –सिपुर्द की गयी चीज, हवाला दी गयी वस्तु।

मुहव्वल (محول) अ वि –सिपुर्द किया गया, हवाला दिया गया।

मुहव्वलए बाला (محولۂ بالا) अ फा वि –जिसका हवाला ऊपर दिया गया हो, जिसका उल्लेख ऊपर हो चुका हो।

मुहव्वलए हाशियः (محولۂحاشیہ) अ वि –जिसका हवाला हाशिए पर दिया गया हो, जो फुटनोट या टिप्पणी मे लिखा गया हो, टिप्पणाङ्कित, मार्जिनली नोटेड।

मुहव्विस (مہوس) फा वि –कीमियागर, रसायनविद्, रसायनी।

मुहव्विसी (مہوسی) फा स्त्री –कीमियागरी, रसायन विद्या, धातुवाद।

मुहव्विसीन (مہوسین) फा पु –'मुहव्विस' का वहु, कीमियागर लोग।

मुहश्शा (محشی) अ वि –हाशिया वनाया हुआ, हाशिए पर लिखा हुआ, टिप्पणी-सहित।

मुहश्शी (محشی) अ वि –हाशिया वनानेवाला, टिप्पणी लिखनेवाला।

मुहाकमः (محاکمہ) अ पु –हाकिम के पास न्याय को जाना, वीच में पडकर न्याय करना, निर्णय, फैसला।

मुहाका (محاکا) अ पु –'मुहाकात' का लघु, दे 'मुहाकात'।

मुहाक़ात (محاکات) अ स्त्री –वार्तालाप, वातचीत, एक-दूसरे को कहानी सुनाना, कथनोपकथन।

मुहाजरत (مہاجرت) अ स्त्री –देश छोडकर विदेश मे रहना, घरबार छोडकर परदेश में रहना।

मुहाज़ात (محاذات) अ स्त्री –एक-दूसरे के आमने-सामने होना, एक चीज़ का दूसरी चीज़ के बराबर होना।

मुहाजात (مہاجات) अ स्त्री –एक-दूसरे की निन्दा करना, एक दूसरे की हजो मे कविता लिखना।

मुहाजिरः (مہاجرہ) अ स्त्री –घरबार छोडकर परदेस मे रहनेवाली स्त्री, शरणार्थिनी।

मुहाजिर (مہاجر) अ पु –घरबार त्याग कर परदेस मे रहनेवाला, पुरुषार्थी, शरणार्थी।

मुहाजिरात (مہاجرات) अ स्त्री –'मुहाजिर' का वहु, मुहाजिर औरतें।

मुहाजिरीन (مہاجرین) अ पु –'मुहाजिर' का बहु, शरणार्थी लोग।

मुहाज़ी (محاذی) अ वि –सम्मुख, सामने, बराबर।

मुहाफः (محافہ) फा. वि –वडी पर्देदार डोली, अरवी मे 'महफ्फ था, फारसी मे 'मुहाफ' हो गया।

मुहाफ़ज़त (محافظت) अ स्त्री –रक्षा हिफाज़त, देख-रेख, निगरानी; पालन-पोषण, पर्वरिश।

मुहाफिज़ (محافظ) अ वि –रक्षक, हिफाज़त करनेवाला, निरीक्षक, निगराँ, अभिभावक, सरपरस्त।

मुहाफिज़ीन (محافظین) अ पु –'मुहाफिज़' का वहु, हिफाज़त करनेवाले।

मुहाबा (محابا) अ पु –'मुहाबात' का लघु, भय, त्रास, डर, सकोच, पसोपेश, चिन्ता, फिक्र,उर्दू मे प्राय 'वेमहाबा' वोला जाता है।

मुहाबात (محابات) अ. स्त्री –दे 'मुहाबा'।

मुहारबः (محاربہ) अ पु –परस्पर युद्ध, युद्ध, सग्राम, लडाई।

मुहारबात (محاربات) अ पु –'मुहारब' का वहु, लडाइयाँ, जगे।

मुहारिब (محارب) अ वि –लडनेवाला, योद्धा।

मुहाल (محال) अ वि –असंभव, नामुमकिन, दुष्कर, कठिन।

मुहालफः (محالفہ) अ पु –आपस मे कस्माकस्मी, परस्पर किसी बात के लिए शपथ लेना।

मुहालबिज्जात (محال بالذات) अ वि –जिसका जैसा होना असभव हो।

मुहालिफ (محالف) अ वि –किसी के साथ किसी प्रतिज्ञा पर शपथ लेनेवाला।

मुहाले क़त्ई (محال قطعی) अ वि –जो बिलकुल असभव हो।

मुहाले मुत्लक़ (محال مطلق) अ वि –दे 'मुहाले क़त्ई'।

मुहावरः (محاورہ) अ पु –रोजमर्रे, बोलचाल, किसी भाषा के वाक्यो का वह प्रयोग जो उस भाषा के बोलनेवाले करते है और जिसका अर्थ अभिधेय अर्थ से पृथक् होता है, जैसे–'लात खाना', या 'आँख आना', क्योकि लात रोटी की तरह खाया नही जाता, और आँख सफर नही करती, इनका अर्थ है, लात की मार सहना और आँखो मे पीडा होना, यही मुहावरा है।

मुहावरत (محاورت) अ स्त्री –आपस मे बातचीत करना।

मुहावरात (محاورات) अ पुं –'मुहावर' का बहु, मुहावरे।

मुहासदः (محاسدہ) अ पु –एक-दूसरे से हसद या ईर्ष्या करना, ईर्ष्या, डाह, हसद।

मुहासबः (محاسبہ) अ पु –हिसाब समझना, हिसाब-किताब, पूछ-गछ, पूछ-ताछ, बाजपुर्स।

मुहासरः (محاصرہ) अ पु –घेरा डालना, चारो ओर से घेरना, हदबदी, सीमित करना, घेरा, हल्का।

मुहासिद (محاسد) अ वि –हसद करनेवाला, ईर्षालु, डाही।

मुहासिब (محاسب) अ वि –हिसाब करनेवाला, हिसाबदाँ, गणितज्ञ, पूछ-गाँछ करनेवाला।

मुहासिर (محاصر) अ वि –घेरा डालनेवाला, किसी को घेरे में लेनेवाला।

मुहासिरीन (محاصرین) अ वि –'मुहासिर' का बहु, घेरे डालनेवाले लोग।

मुहिब [ब्ब] (محب) अ वि –मित्र, सखा, दोस्त, प्रेमी, आशिक।

मुहिब्बीन (محبین) अ पु –'मुहिब' का बहु, मित्रगण, दोस्त अहबाब।

मुहिम [म्म] (مہم) अ स्त्री –कोई बडा काम, कठिन काम, युद्ध, सग्राम, लडाई।

मुहिम्मात (مہمات) अ स्त्री –'मुहिम' का बहु, बडे-बडे काम, युद्ध, लडाइयाँ।

मुही (محی) अ वि –ज़िंदा करनेवाला, जिलानेवाला, प्राणदाता।

मुहीज (مہیج) अ वि –उठानेवाला, बढानेवाला, गर्द उडानेवाला।

मुहीत (محیط) अ वि –आच्छादित, छाया हुआ, व्यापक, फैला हुआ, नदी, दरया।

मुहीन (مہین) अ वि –तिरस्कार करनेवाला, अपमानी, तिरस्कर्ता, जलील करनेवाला।

मुहीब (مہیب) अ वि –दे शुद्ध उच्चारण 'महीब'।

मुहीलः (محیلہ) अ स्त्री –छली, स्त्री, मायाविनी, धूर्ता, वचिका।

मुहील (محیل) अ वि –धोखेबाज, छली, कपटी, धूर्त, वचक।

मुहै (محی) अ. वि –जीवित करनवाला, जिंदा करने-वाला, पुन प्राण देनेवाला।

मुहैया (مہیا) अ वि –एकत्र, इकट्ठा, फराहम, उपस्थित, मौजूद, उपार्जित, ज़खीरा, तत्पर, तैयार, उपलब्ध।

मुहैयाकुन (مہیاکن) अ फा वि –एकत्र करनेवाला, फराहम करनेवाला, देनवाला, दाता।

मुहैयिर (محیر) अ वि –अचभे मे डाल देनेवाला।

मुहैयिरुलउक़ूल (محیرالعقول) अ वि –अक्लो को अचभे मे डाल देनेवाला, ऐसी बात जो अचभे मे डाल दे, आश्चर्य-जनक, चित्रमति।

मुहैयिरेउक़ूल (محیرعقول) अ वि –दे 'मुहैयिरुल उक़ूल'।

मुह्‌कम (محکم) अ वि –दृढ, मजबूत, चिरस्थायी, पाए-दार, टिकाऊ, निश्चित, अटल, यकीनी, नि सदेह, गैर मुश्तवह।

मुह्‌कमतरीन (محکم‌ترین) अ फा वि –बहुत अधिक मजबूत, सुदृढ।

मुह्‌कमात (محکمات) अ स्त्री –कुरान के वे वाक्य जिनका अर्थ स्पष्ट हो, 'प्रत्युत', 'मुतशाबिहात'।

मुह्‌तकिन (محتقن) अ वि –अनीमा देनेवाला।

मुह्‌तकिर (محتکر) अ वि –इस आशा पर अन्न सचित करनेवाला कि भाव तेज़ होने पर बेचेगा।

मुह्‌तजिब (محتجب) अ वि –छिपनेवाला, छिपा हुआ, गुप्त।

मुह्‌तदा (مہتدی) अ वि –जिसे हिदायत या सदुपदेश मिला हो, दीक्षित।

मुह्‌तदी (مہتدی) अ वि –हिदायत या सदुपदेश देनेवाला।

मुह्‌तम [म्म] (مہتم) अ वि –जिसका एहतिमाम किया गया हो, व्यवस्थित, क्रमागत।

मुह्‌तमबिश्शान (مہتم‌بالشان) अ वि –जिसका प्रबध बहुत शान से किया गया हो, शानदार, भव्य, विशाल, बृहत्।

मुह्‌तमल (محتمل) अ वि –जिसमे सदेह हो, सदिग्ध, शकित, मुशाबह।

मुह्‌तमिम (مہتمم) अ वि –प्रबधकर्ता, सचालनकर्ता, सचालक, व्यवस्थापक।

मुह्‌तरमः (محترمہ) अ स्त्री –श्रीमती, महोदया, देवी, मान्या, श्रद्धेया, वरिष्ठा, भट्टारिका।

मुह्‌तरम (محترم) अ वि –श्रीमान्, महोदय, पूज्य, श्रद्धेय, प्रतिष्ठित, महानुभाव, मुअज्ज़ज़, मान्य, पूज्य, श्रेष्ठ बुजुर्ग।

मुह्‌तरमात (محترمات) अ स्त्री –'मुहतरम' का बहु, देवियाँ।

मुह्‌तरमीन (محترمین) अ पु –'मुहतरम' का बहु, प्रतिष्ठित जन।

मुह्‌तरिक़ (محترق) अ वि –जलनेवाला, जला हुआ, दग्ध, तप्त, ज्वलित।

मुह्‌तरिज़ (محترز) अ वि –बचनेवाला, दूर रहनेवाला, परहेज़ करनेवाला।

मुह्‌तरिफ (محترف) अ वि –एक-सा पेशा करनेवाला, सहव्यवसायी।

मुह्तलिम (محتلم) अ वि –जिसको स्वप्नदोष हो जाय, (एहेत्‌लाम, स्वप्नदोष) से बना शब्द ।
मुह्तवी (محتوی) अ वि –व्यापी, घेरे हुए आच्छादित, ढके हुए ।
मुह्तशिम (محتشم) अ वि –नौकर-चाकरवाला, शानो-शौकतवाला ।
मुह्तसिब (محتسب) अ वि.–हिसाब लेनेवाला, पूछ-ताछ करनेवाला, वह कर्मचारी जो लोगो को शराब पीने से रोके और शराबखानो की निगरानी करे।
मुह्मलः (مہملہ) अ पु –वह उर्दू अक्षर जिस पर बिंदी न हो, जैसे––सीन, हे, दाल, आदि।
मुह्मल (مہمل) अ वि –अर्थहीन, बेईमानी, व्यर्थ, बेकार, वह व्यक्ति जिसका कोई एतिबार न हो।
मुह्मल गो (مہمل گو) अ फा वि –अनर्गलवादी, बकवासी, फुजूल की बाते बनानेवाला।
मुह्मलात (مہملات) अ पु –'मुह्मल' का बहु , फ़ूजूल बाते, फ़ूजूल काम ।
मुह्मलीयत (مہملیت) अ स्त्री –अर्थहीनता, अनर्गलता, बकवाद, फ़ूजूलपन।
मुह्रः (مہرہ) फा पु –एक पत्थर जिससे साँप का विष दूर करते है, साँप का मन, मणि, शत्रज की गोट, कौडी, सीप या घोघा, पीठ या गर्दन का गुरिया।
मुह्रःचीं (مہرہ چیں) फा वि –छली, धूर्त, ठग।
मुह्रः बाज (مہرہ باز) फा वि –धूर्त, छली, धोखेबाज।
मुह्रबाजी (مہرہ بازی) फा स्त्री –छल, धूर्तता, ठगी।
मुह्र (مہر) फा स्त्री –मुद्रिका, अँगूठी, ठप्पा, अशरफी, स्वर्णमुद्रा, अकक, सील, मोहर।
मुह्रए जाँदार (مہرۂ جاندار) फा पु –साँप का मन, मणि।
मुह्रए मार (مہرۂ مار) फा पु –साँप का मन, मणि।
मुह्रए सफेद (مہرۂ سفید) फा पु –सख, दर, शख।
मुह्रकः (محرقہ) अ वि –जलानेवाली, टाईफाइड ज्वर।
मुह्रक (محرق) अ वि –जला हुआ, भस्म, भस्मीभूत।
मुह्रकन (مہرکن) फा वि –मुह्र खोदनेवाला ।
मुह्रबलब (مہر بلب) फा वि –मौन धारण किये हुए, चुप, मौन, खामोश ।
मुह्रे खामोश (مہر خاموشی) फा. स्त्री –मौन, चुप्पी, खामोशी ।
मुह्रे सुकूत (مہر سکوت) फा अ स्त्री –दे 'मुह्रे खामोशी'।
मुह्लत (مہلت) अ. स्त्री –अवकाश, छुट्टी, फुर्सत, विलब, ढील, देर, समय, काला।
मुह्लततलब (مہلت طلب) अ वि –छुट्टी चाहनेवाला, ऐसा काम जिसके लिए समय और फुर्सत की आवश्यकता हो।
मुह्लिकः (مہلکہ) अ स्त्री –मार डालनेवाली, घातिका, जानलेवा।
मुह्लिक (مہلک) अ वि –घातक, प्राणघातक, जानलेवा।
मुह्सिनः (محسنہ) अ स्त्री –उपकार करनेवाली स्त्री।
मुह्सिन (محسن) अ वि –उपकार करनेवाला, उपकारी, भलाई करनेवाला, आडे वक्त पर काम आनेवाला, सहायक, हामी।
मुह्सिनकुश (محسن کش) अ फा वि –कृतघ्न, अकृतज्ञ, नमकहराम ।
मुह्सिनकुशी (محسن کشی) अ फा स्त्री –कृतघ्नता, नमकहरामी।
मुह्सिनात (محسنات) अ स्त्री –'मुह्सिन' का बहु, उपकार करनेवाली स्त्रियाँ।
मुह्सिनीन (محسنین) अ पु –'मुह्सिन' का बहु , उपकारी लोग ।

मू

मू (مو) फा पु –बाल, कच, कुतल, लोम, रोम, रोआँ, सर के बाल, केश।
मूईनः (موئینہ) फा पु –बालोदार खाल का पहनने का वस्त्र, पोस्तीन, चर्मचेल।
मूए आतशदीदः (موے آتش دیدہ) फा वि –आग मे तपाया हुआ बाल, जो टेढा पड जाता है।
मूए जिहार (موے زہار) फा अ पु –नाभि के नीचे के बाल, पेड़ू के बाल।
मूकलम (موقلم) फा अ पु –चित्रकार की कूँची, कूर्चिका।
मूकशाँ (موکشاں) फा वि –बाल खीचते हुए।
मूचीनः (موچینہ) फा पु –बाल उखाडने की चिमटी, मोचना ।
मूजज (موجز) अ वि –सार रूप, खुलासा, सक्षिप्त, मुख्तसर।
मूजिद (موجد) अ. वि –ईजाद करनेवाला, आविष्कारक।
मूजिबः (موجبہ) अ स्त्री –आवश्यक वस्तु, वह कृत्य जिसका बदला परलोक मे मिले।
मूजिब (موجب) अ पु –कारण, हेतु, सबब, द्वारा, जरिये।
मूजिबात (موجبات) अ पु –'मूजिब' का बहु , कारण समूह, वुजूह।
मूजिबे कलक (موجب قلق) अ पु –खेद का कारण।
मूजी (موذی) अ वि –कष्ट देनेवाला, दुख देनेवाला, अत्याचारी, ज़ालिम, खबीस, शरीर।

मूजे' (موجع) अ वि –पीड़ा उत्पन्न करनेवाला, दर्द पैदा करनेवाला।

मूज़ेह (موضح) अ वि –स्पष्ट करनेवाला, साफ करनेवाला।

मूतमिन (موتمن) अ वि –जिसके पास धरोहर रखी जाय, अमानतदार।

मूतमिर (موتمر) अ वि –आज्ञाकारी, फर्माबरदार, परामर्श करनेवाला।

मूतराश (موتراش) फा वि –बाल बनाने का उस्तुरा, छूरा, क्षुर।

मूदे' (مودع) अ वि –रुखसत करनेवाला।

मूनिस (مونس) अ वि –मित्र, दोस्त, साथी, रफीक।

मूपरीशाँ (موپریشاں) फा वि –जिसके बाल बिखरे हुए हो, बाल बिखेरे हुए।

मूबद (موبد) फा पु –दे 'मूबिद', दोनो शुद्ध है।

मूबमू (موبمو) फा वि –अक्षरश, हर्फ ब हर्फ, ज़रा-ज़रा, ज़र्रा ज़र्रा।

मूबाफ (موباف) फा पु –चोटी गूँधने का फीता।

मूबिद (موبد) फा पु –अग्नि पूजको का पुरोहित, अग्निहोत्री, पारसियो का मुल्ला, वैज्ञानिक, फलास्फर, बुद्धिमान्, दाना, ज्ञानी, पडित, आलिम, शराब बेचनेवाला, दे 'मूबद' दोनो शुद्ध है।

मूमा (مومی) अ वि –जिसकी ओर सकेत किया जाय, साकेतिक।

मूमा इलैह (مومی الیہ) अ वि –जिसकी ओर सकेत किया जाय, उपलक्षित।

मूमी (مومی) अ वि –सकेत करनेवाला, सकेतक।

मूरिस (مورث) अ वि –पूर्वज, बापदादा, वश प्रवर्तक, बानिए खानदान, उत्पन्न करनेवाला।

मूरिसे अव्वल (مورث اول) अ वि.–खानदान का सबसे पहला आदमी, जिससे वश चला हो, वश प्रवर्तक, मूल पुरुष।

मूरिसे आ'ला (مورث اعلیٰ) अ पु –दे 'मूरिसे अव्वल'।

मूरिसे जुज़ाम (مورث جذام) अ पु –कोढ पैदा करनेवाला, कुष्ठोत्पादक।

मूरिसे फासिद (مورث فاسد) अ पु –नाना, मातामह।

मूलिम (مولم) अ वि –पीड़ा पैदा करनेवाला, दर्द उत्पन्न करनेवाला।

मूश (موش) फा पु –मूषक, चूहा, उदुर, आखु।

मूशक (موشک) फा स्त्री –चुहिया, छोटा चूहा, छछूँदर।

मूशकदवानी (موشک دوانی) फा स्त्री –लगाई-बुझाई, लुतरापन।

मूशिगाफ (موشگاف) फा वि –बाल की खाल निकालनेवाला, दीद रेजी करनेवाला, बाल चीरनेवाला, सूक्ष्मदर्शी, आलोचक।

मूशिगाफी (موشگافی) फा स्त्री –बाल की खाल निकालना, दीद रेज़ी करना, छिद्रान्वेषण, सूक्ष्मालोचना।

मूशे कोर (موش کور) फा पु –छछूँदर, पूति मूषिका, वेश्मनकुल।

मूशे खुर्मा (موش خرما) फा स्त्री –गिलहरी।

मूशे दश्ती (موش دشتی) फा पु –जगली चूहा जो खेत खा जाता है।

मूशे पर्रा (موش پراں) फा पु –चमगादड, चर्मचटक, जन्तु।

मूशे सह्राई (موش صحرائی) फा पु –दे 'मूशे दश्ती', गिलहरी।

मूसवी (موسوی) फा वि –हज़्रत मूसा से सम्बन्ध रखनेवाला, हज़्रत मूसा का।

मूसा (موسیٰ) अ पु –एक पैगबर जिन्होने फिरऔन को मारा था।

मूसा (موصیٰ) अ वि –वसीयत किया गया, जिसके नाम रिक्थपत्र लिखा गया हो।

मूसा इलैह (موصیٰ الیہ) अ वि –जिसके नाम वसीयत लिखी गयी हो।

मूसाई (موسائی) अ वि –हज़्रत मूसा का अनुयायी यहूदी।

मूसाबिहि (موصیٰ بہ) अ वि –दे 'मूसाइलैह'।

मूसालहू (موصیٰ لہ) अ वि –दे 'मूसाइलैह'।

मूसिय (موصیہ) अ स्त्री –वसीयत लिखनेवाली स्त्री।

मूसिर (موثر) अ पु –स्वार्थ त्याग करनेवाला, ईसार करनेवाला।

मूसिर (موسر) अ वि –शक्तिशाली, ताकतवर, धनाढ्य, दौलतमद।

मूसिल (موصل) अ वि –पहुँचानेवाला, भेजनेवाला, प्रपक।

मूसी (موصی) अ वि –वसीयत करनेवाला, रिक्थ पत्र कर्ता।

मूसीकार (موسیقار) अ वि –गान विद्या का अच्छा जाननेवाला, सगीतज्ञ, सगीत कलाकार।

मूसीकी (موسیقی) अ स्त्री –गानविद्या, सगीतकला, गाने का फन, गाना, नग्म।

मूहिन (موہن) अ पु –अपमान करनेवाला, तिरस्कर्ता, बेइज़्ज़ती करनेवाला, नौहीन करनेवाला।

मूहिम (موہم) अ वि –भ्रम मे डालनेवाला, भ्रम उत्पन्न करनेवाला, भ्रमजनक।

मूहिश (موحش) अ वि –दुःख पहुचानेवाला, खेदजनक।

मे

मेख (میخ) फा स्त्री –कील, शकु; खूंटी।
मेखकोव (میخ کوب) फा स्त्री.–खूंटी ठोकने की मुंगरी।
मेखचू (میخ چو) उ स्त्री –खूंटी ठोकने की मुंगरी।
मेखदोज (میخ دوز) फा वि –जो चल-फिर न सके, एक जगह बैठा रहे, जो निकम्मा हो, वस वैठा रहना जानता हो।
मेग़ (میغ) फा पु –मेघ, वादल, काला वादल, घटा, काला।
मेज (میز) फा. स्त्री –दावत का सामान, भोज-सामग्री, वह चौकी जिस पर रखकर खाना खाते हैं। (टेविल के अर्थ में यह शब्द पुर्तगाली है)।
मेजवान (میزبان) फा वि –मेहमानी करनेवाला, अतिथि-पूजक, दावत या भोज करानेवाला, आतिथेय।
मेजवानी (میزبانی) फा. स्त्री –मेहमानदारी, आतिथ्य, भोज, दावत।
मेवः (میوہ) फा पु –फल, प्राय सूखे फल, जैसे—वादाम, पिस्ता आदि।
मेवःख़ोर (میوہ خور) फा वि –मेवा खानेवाला, फलाहारी।
मेवःजात (میوہ جات) फा पु –'मेव' का वहु, मेवे, फल।
मेवःदार (میوہ دار) फा वि –वह पेड जिसमें मेवा लगा हो, फलदार, फला हुआ, फलित।
मेवःफरोश (میوہ فروش) फा वि –मेवा वेचनेवाला, फल-विक्रेता, सब्जी वेचनेवाला, कूंजड़ा, शाकविक्रेता।
मेश (میش) फा स्त्री.–भेड, मेष।
मेशचश्म (میش چشم) फा वि –जिसकी आँखें भेड-जैसी काली हो, वहुत काली आँखोवाला।
मेह्माँ (میہماں) फा पु –अतिथि, आगन्तुक, गृहागत, मिहमान।
मेह्माँदार (میہماں دار) फा वि –जिसके यहाँ कोई मेह-मान हो, अतिथिपूजक, मेहमाननवाज़।
मेह्माँदारी (میہماں داری) फा स्त्री –अतिथिपूजा, आतिथ्य, मेहमाननवाजी।
मेह्माँनवाज़ (میہماں نواز) फा वि –जो मेहमानो की आवभगत वहुत करता हो, अतिथिपूजक, आतिथेय।
मेह्वाँनवाजी (میہماں نوازی) फा स्त्री –मेहमानदारी, अतिथिपूजा, आतिथ्य।
मेह्मान (میہمان) फा पु –दे 'मेहमाँ' दोनो प्रकार से शुद्ध है, अकेला वोलने मे 'मेहमान' अधिक शुद्ध है।
मेह्मानी (میہمانی) फा स्त्री –दे 'मेहमानदारी'।
मेहमेज़ (مہمیز) फा स्त्री –एड, वह लोहे की कील जो सवार अपने जूते की एडी में लगाते हैं।
मेह्र (مہر) फा स्त्री –प्रेम, मुहव्वत, प्यार, ममता, मामता, दया, शफकत, रहम, करुणा, तरस।
मेह्रवाँ (مہرباں) फा वि –मेह्रवान का लघु, दे 'मेह्रवान'।
मेह्रवान (مہربان) फा वि –दया करनेवाला, दयालु, करुणा करनेवाला, सकरुण, मित्र, दोस्त।
मेह्रवानी (مہربانی) फा स्त्री –कृपा, दया, करुणा, तरस, ममता, शफकत।

मै

मै (مے) फा स्त्री –सुरा, हाला, इरा, वारुणी, कादम्वरी, माधुरी, मदिरा, मद्य, शराव।
मैआशाम (مے آشام) फा वि –शराव पीनेवाला, मद्यप, रसाशी, सुराद।
मैकदः (مے کدہ) फा पु –दे 'मैख़ान'
मैकश (میکش) फा वि.–मै पीनेवाला, मद्यप, सुराशी, शरावी।
मैख़ानः (مے خانہ) फा पु –जहाँ शराव विकती है, मधु-शाला, मदिरालय।
मैख़ुश (مے خوش) फा वि –खटमिट्ठा।
मैख़्वार (مے خوار) फा वि.–दे, 'मैकश'।
मैगुसार (مے گسار) फा वि –दे 'मैकश'।
मैगूं (مے گوں) फा. वि –शराव–जैसा लाल रग लिये हुए, सुर्ख़ी माइल, रक्ताभ, पियाज़ी।
मैतः (میتہ) अ पु –मरा हुआ, मृतक, मुर्दः।
मैदः (میدہ) फा पु –वारीक छना हुआ आटा, समिता।
मैदान (میدان) फा पु –काफी खुली हुई और लवी चौडी जगह, जहाँ पेड आदि न हो, घोडा दौडाने का स्थान। काम करने का हल्का, कार्यक्षेत्र, समतल भूमि, चौरस जगह, युद्धक्षेत्र, लडाई का मैदान।
मैदानी (میدانی) फा वि –मैदान का, मैदान से सम्वद्ध; चोवदार; मकान में लगायी जानेवाली वडी लालटेन।
मैदाने अमल (میدان عمل) फा अ पु –काम का हल्क़ः, कार्य-क्षेत्र।
मैदाने कलम (میدان قلم) फा पु –कलम का उतना हिस्सा जो तराशा जाता है।
मैदाने कारज़ार (میدان کارزار) फा. पु –दे 'मैदाने जग'।
मैदाने जंग (میدان جنگ) फा पु –युद्धक्षेत्र, रणभूमि, समरागण, रगमच, रणस्थल, युद्धाजिर, सडिका, समरक्षेत्र, रणाजिर, लडाई का मैदान।

मैदाने हश्र (میدان حشر) फा अ पु –कियामत का मैदान जहाँ मुसलमानो के मतानुसार सबका हिसाव-किताव होगा।
मैनोश (مے نوش) फा. वि.–शराब पीनेवाला, मद्यप।
मैनोशी (مے نوشی) फा स्त्री –शरावखोरी, मदिरापान।
मैपरस्त (مے پرست) फा वि –वहुत अधिक शराव पीनेवाला, मदिराभक्त, मद्य सर्वस्व।
मैपरस्ती (مے پرستی) फा स्त्री –वहुत शराव पीना।
मैफरोश (مے فروش) फा वि –शराब वेचनेवाला, मद्यव्यवसायी, शौंडिक, पानिक।
मैफरोशी (مے فروشی) फा. स्त्री –शराब का कारोवार, मद्यव्यवसाय, कल्यपाल।
मैमन (میمنہ) अ पु –वह सेना जो दाएँ ओर रहती है।
मैमन्त (میمنت) अ स्त्री –कल्याण, भलाई, वरकत।
मैमनतलुज़ूम (میمنت لزوم) अ वि –कल्याणकर, शुभान्वित।
मैमिन (میمن) अ वि –वह स्थान जहाँ वरकत और कल्याण मिले।
मैमून (میمون) अ वि –शुभ, कल्याण, मुवारक।
मैमूनः (میمونہ) फा पु –वदर, वानर, कपि।
मैयित (میت) अ स्त्री –मृतक, मरा हुआ आदमी।
मैल (میل) अ पु –रुचि, रगवत, आकर्षण, तवज्जुह, प्रवृत्ति, रूजहान।
मैलान (میلان) अ पु –दे 'मैल'।
मैलाने तब्अ (میلان طبع) अ पु –अभिरुचि, दिली ख्वाहिश, तवीअत का झुकाव।
मैले खातिर (میل خاطر) अ पु–दे 'मैलानेतब्अ'।
मैसर (میسرہ) अ पु –वह सेना जो उलटे हाथ को रहे।
मैसाज (مے ساز) फा वि –शराव खीचनेवाला, सुराकार।
मैसाजी (مے سازی) फा स्त्री –शराव वनाना, सुरा-कर्म।
मैसूर (میسور) अ वि –सुगम, सरल, आसान, सम्पन्न, भरापुरा, हराभरा, सरसब्ज़।
मैवः (میوہ) फा पु –दे 'मेव', दोनो उच्चारण शुद्ध हैं।

मो

मोजः (موزہ) फा पु –पाँव में पहनने का जुर्राव।
मोजःगीर (موزہ گیر) फा पु –वह घोडा जो सवार के पाँव को पकडे या काटे।
मो'जमः (معجمہ) अ वि –वह उर्दू अक्षर जिस पर विंदी हो, जैसे–जीम, शीन, ये, आदि।
मो'जिजः (معجزہ) अ पु –वह चमत्कार जो पैगवर दिखाये, वह काम जो मानव-शक्ति से परे हो।
मो'जिज़ (معجز) अ वि –अक्ल को आश्चर्य मे डालनेवाला, मोजिज़।
मो'जिज़निगार (معجز نگار) अ फा वि –ऐसा अच्छा लेखक जो आश्चर्य मे डाल दे।
मो'जिज़नुमा (معجز نما) अ फा वि –मो'जिज़ दिखानेवाला, चमत्कारी।
मो'जिज़नुमाई (معجز نمائی) अ फा स्त्री –मो'जिज़ दिखाना।
मो'जिज़बयाँ (معجز بیاں) अ फा वि –वहुत अच्छा वोलनेवाला।
मो'जिज़ बयानी (معجز بیانی) अ फा स्त्री –वहुत अच्छी तक्रीर या भाषण।
मो'जिज़ात (معجزات) अ पु –'मो'जिज़' का लघु, मो'जिज़े।
मो'जिब (معجب) अ वि –आभिमानी, घमडी।
मो'तकद (معتقد) अ वि –एतिकाद रखा हुआ, वह वात जिसका एतिकाद या विश्वास हो।
मो'तक़दात (معتقدات) अ पु –'मो'तकद' का वहु, वे वातें जिनका विश्वास हो, अकीदे।
मो'तक़िद (معتقد) अ. वि –धर्म विश्वास या एतिकाद रखनेवाला, श्रद्धालु, श्रद्धावान्।
मो'तकिफ (معتکف) अ.वि –एक कोने में वैठकर ईश्वरावना करनेवाला, सवसे अलग होकर एकान्तवासी हो जानेवाला।
मो'तज़ल. (معتزلہ) अ पु –एक सप्रदाय जो कहता है कि ईश्वर दिखाई नही दे सकता, और आदमी जो कुछ करता है स्वय करता है ईश्वर कुछ नही कराता।
मो'तज़िली (معتزلی) अ वि –मो'तज़ल सप्रदाय का अनुयायी।
मो'तद [द्द] (معتد) अ वि –गिना हुआ, शुमार किया हुआ।
मो'तदविहि (معتدبہ) अ वि –काफी, पर्याप्त, अत्यधिक, वहुत।
मो'तदिल (معتدل) अ वि –जिसमे गर्मी-सर्दी वरावर हो, समशीतोष्ण, जिसमें कोई वात आवश्यकता से कम या अधिक न हो, सतुलित, दरमियानी, मध्यम।
मो'तवर (معتبر) अ वि –जिसका एतिवार हो, विश्वस्त।
मो'तमद (معتمد) अ वि –जिस पर भरोसा हो, विश्वासपात्र, विश्वासी।
मो'तमद अलैह (معتمد علیہ) अ वि –जिस पर भरोसा हो, विश्वासी, विश्वस्त।

मो'तरज़ात (معترضات) अ पु –एतिराज़ की बाते।
मो'तरिज़ (معترض) अ वि –एतिराज करनेवाला, आपत्ति-कर्ता।
मो'तरिफ़ (معترف) अ वि.–एतिराफ़ करनेवाला, स्वीकार करनेवाला, इक़रार करनेवाला।
मो'ताद (معتاد) अ वि –मात्रा, मिक्दार, पूरी ख़ुराक, पूरी मात्रा, आदी, व्यसनी।
मो'ती (معطی) अ वि.–अता करनेवाला, दाता, प्रदाता, अनुदाता, ईश्वर का एक नाम।
मोम (موم) फा पु –सिक्थ, मधुशिष्ट, माक्षिज।
मोमजामः (موم جامہ) फा पु –वह कपडा जो मोम मे तर कर लिया गया हो, मोम चढाया हुआ कपडा।
मोमरौग़न (موم روغن) फा पु.–तेल मे मोम मिलाकर बनाया हुआ तेल।
मोमिनः (مومنہ) अ स्त्री –मुसलमान स्त्री।
मोमिन (مومن) अ पु.–मुसलमान मर्द।
मोमिनात (مومنات) अ स्त्री –'मोमिन' का बहु, मुसलमान स्त्रियाँ।
मोमियायी (مومیائی) अ स्त्री –पत्थर से टपकनेवाला एक मद, औषध, शिलाजतु, सलाजीत, शिलाजीत।
मोर (مور) फा स्त्री –पिपीलिका, च्यूँटी, च्यूँटा, चीटा।
मोरचः (مورچہ) फा पु –जग, मैल, मल।
मोरचाल (مورچال) फा. पु –वह गढा जिसमे बैठकर शत्रु पर गोली चलाते है, मोरचा।
मोरे ज़ईफ़ (مور ضعیف) फा अ स्त्री –कमज़ोर च्यूटी अर्थात् असमर्थ और दीन व्यक्ति।
मोरे नातुवाँ (مور ناتواں) फा स्त्री –दे 'मोरे ज़ईफ़'।
मोरोमलख़ (مور و ملخ) फा पु –चीटी और टिड्डी, अर्थात् छोटे-छोटे प्राणी।
मोहमल (مہمل) अ वि –निरर्थक, बेमानी, व्यर्थ, बेकार, लफ़गा, बेएतिबार, बकवास।
मोहमलगो (مہمل گو) अ वि–बकवासी, फुज़ूल की बातें करनेवाला।
मोहमलगोई (مہمل گوئی) अ फा स्त्री –बकवास, फुज़ूल की बाते करना।
मोहलत (مہلت) अ स्त्री –अवकाश, फ़ुर्सत, छुट्टी, ता'तील, समय, वक़्त, विलब, ढील, देर।

मौ

मौइज़त (موعظت) अ स्त्री –सदुपदेश, हितोपदेश, पंद, नसीहत।
मौइदत (موعدت) अ स्त्री –प्रतिज्ञा, वचन, वादा, अह्द।
मौऊद (موعود) अ वि –वह चीज़ जिसका वादा किया गया हो, जिसका वचन दिया गया हो।
मौक़ा' (موقع) अ पु –अवसर, ठीक समय, समय, वक़्त, घटनास्थल, जाए वुक़ूअ, स्थान, जगह।
मौक़िफ़ (موقف) अ पु –खडे होने की जगह, स्थान, जगह, निश्चय, तहैय।
मौकिब (موکب) अ पु –सेना, फौज, सवारो का समूह।
मौक़ूफ़ (موقوف) अ वि –स्थगित, मुल्तवी, पदच्युत, बरखास्त, त्यक्त, छोडा हुआ, निर्भर, मुनहसिर, वह हल् अक्षर जिससे पहलेवाला अक्षर भी हल् हो।
मौज. (موجہ) अ पु –दे 'मौज', लहर, उमग, तरग।
मौज (موج) अ स्त्री –तरग, वीचि, हिल्लोल, लह्र, उत्साह, उमग, वल्वल, धुन, ख़याल, आनद, ख़ुशी।
मौज़ (موز) अ पु.–केला, कदली, रम्भा।
मौजए तबस्सुम (موجۂ تبسم) अ पु –मुस्कुराहट की लहर।
मौजख़ेज़ (موج خیز) अ फा वि –नदी, दर्या।
मौजज़न (موج زن) अ फा वि –मौजे मारता हुआ, तरगित, हिल्लोलित।
मौज़ा' (موضع) अ पु –स्थान, जगह, ग्राम, गाँव।
मौज़ूँ (موزوں) अ वि.–उचित, मुनासिब, योग्य, लाइक, पात्र, अह्ल, यथोचित, वाजिब, तुला हुआ, सतुलित, वह शेर जिसका वज़्न ठीक हो, जँचा-तुला, ठीक-ठीक।
मौज़ूँतब्अ (موزوں طبع) अ वि –जो कविता कर लेता हो, जो शेर वज़्न के अदर कहता हो।
मौज़ूअ (موضوع) अ वि –रखा हुआ, विषय, सबजेक्ट।
मौजूदः (موجودہ) अ वि –आधुनिक, हाल का, उपस्थित, हाज़िर, जो इस समय मौजूद है, वर्तमान।
मौजूद (موجود) अ वि.–उपस्थित, हाज़िर, सम्मुख, सामने, जीवित, ज़िंदा, तत्पर, तैयार, कटिबद्ध, मुस्तइद, उप-लब्ध, दस्तयाब।
मौजूदफ़िलख़ारिज (موجود فی الخارج) अ पु –जो ससार में होता हो, काल्पनिक न हो।
मौजूदात (موجودات) अ स्त्री –'मौजूद' का बहु, ससार की सब चीज़े, सारा सामान,, शुमार, गिनती, हाज़िरी।
मौज़ून (موزون) अ. वि.–दे 'मौज़ूँ'।
मौज़ूनियत (موزونیت) अ स्त्री.–मौज़ूँ होने का भाव, औचित्य, मुनासबत, तबीअत का ठीक होना, शेर का वज़्न के अदर होना, योग्यता, काबिलीयत।
मौज़ूनी (موزونی) अ वि.–दे "मौज़ूनियत'।

मौजे आब (موج آب) अ फा स्त्री –नदी की तरग, पानी की लह्र।

मौजे कौसर (موج کوثر) अ स्त्री.–स्वर्ग के पानी की लह्र।

मौजे तबस्सुम (موج تبسم) अ स्त्री –मुस्कुराहट की लह्र।

मौजे नसीम (موج نسیم) अ स्त्री –सवेरे की हवा का झोका, समीर की लह्र।

मौजे बला (موج بلا) अ फा. स्त्री –आपत्तियो की लहरो के थपेडे।

मौजे बोरया (موج بوریا) अ फा स्त्री –चटाई विछाने से बनी हुई लकीरे, लकीरो की चटाई।

मौजे रंग (موج رنگ) अ फा स्त्री –दे 'मौजे सराब'।

मौजे सब्ज़ः (موج سبزہ) अ फा स्त्री –वह लह्र जो हवा चलने से सब्ज़े में पैदा होती है।

मौजे सराब (موج سراب) अ फा स्त्री –रेत की लह्रें जो दूर से पानी जान पडती है।

मौजे हवा (موج هوا) अ स्त्री –हवा की लह्र, हवा का सर्द झोका।

मौत (موت) अ स्त्री –मृत्यु, निधन, मरण, वफात, विनाश, बरवादी, शामत, दुर्दशा।

मौता (موتی) अ पु –'मैयित' का बहु, मरे हुए लोग।

मौतिन (موطن) अ पु –जन्मभूमि, वतन।

मौफ़ूर (موفور) अ वि –प्रचुर, अधिक, बहुत।

मौरिद (مورد) अ वि –उतरने का स्थान, ठहरने का स्थान, योग्य, पात्र, अह्ल।

मौरिदे इनायत (مورد عنایت) अ पु –कृपापात्र, जिस पर कृपा हो।

मौरिदे इन्आम (مورد انعام) अ पु –पुरस्कार के योग्य, इन्आम का मुस्तहक।

मौलवी (مولوی) अ पु –इस्लाम धर्म का विद्वान्, बच्चो को पढानेवाला, विद्वान्, आलिम।

मौला (مولا) अ पु –स्वामी, मालिक, ईश्वर, परमेश्वर; वह दास जिसे मुक्ति मिल गयी हो।

मौलाई (مولائی) अ वि –सरदारी, अध्यक्षता, प्रतिष्ठा, वुजुर्गों को लिखने का एक शब्द।

मौलाना (مولانا) अ पु –आलिमो का एजाज़ी खिताब।

मौलिद (مولد) अ वि –जन्मभूमि, पैदा होने का स्थान, वतन।

मौलूद (مولود) अ पु –बालक, शिशु, नवजात बच्चा, मीलाद।

मौसम (موسم) अ पु –शुद्ध उच्चारण 'मौसिम' है, परन्तु उर्दू मे दोनो प्रकार से बोला जाता है।

मौसिम (موسم) अ पु –ऋतु, फस्ल, समय, वक्त।

मौसिमे गर्मा (موسم گرما) अ फा पु –गर्मी का मौसिम, ग्रीष्म ऋतु।

मौसिमे ख़ज़ाँ (موسم خزاں) अ फा पु –पतझड की ऋतु, शिशिर ऋतु।

मौसिमे गुल (موسم گل) अ फा पु –वसत ऋतु, वहार का समय।

मौसिमे बहार (موسم بہار) अ फा पु –वसत ऋतु।

मौसिमे बाराँ (موسم باراں) अ फा पु –वरसात का मौसिम, वर्षाकाल।

मौसिमे सर्मा (موسم سرما) अ फा पु –ठढी ऋतु, जाडे का समय।

मौसूफ (موصوف) अ वि –जिसकी प्रशसा की जाय, प्रशसित, (व्या) विशेष्य, जिस शब्द के साथ कोई विशेषण हो।

मौसूम. (موسومہ) अ वि –नाम रखा हुआ।

मौसूम (موسوم) अ वि –नाम रखा हुआ, नामधारी।

मौहूब (موهوبہ) अ वि –बख्शिश की गयी चीज़, दी हुई चीज़।

मौहूब (موهوب) अ वि –हिबा किया गया, बख्शा गया।

मौहूबइलैह (موهوب الیہ) अ वि –जिसके नाम हिबा हो।

मौहूबलहू (موهوب لہ) अ वि –जिसके नाम हिबा किया जाय।

मौहूम (موهوم) अ वि –भ्रममूलक, भ्रमात्मक, जो केवल भ्रम ही भ्रम हो, उसका अस्तित्व न हो।

य

यग (یﻨگ) फा पु –विधान, कानून, परपरा, रिवाज (वि) प्रकाशमान्, रौशन, समान, तुल्य।

यगा (ینگا) फा स्त्री –भाई की पत्नी, भाभी, चचा की पत्नी, चची, विवाहिता, गृहस्वामिनी, नाइन, मश्शात।

यबूअ (ینبوع) अ पु –नदी, दर्या, सरिता, चश्मा, स्रोत, सोता।

यआफीर (یعافیر) अ पु –'या'फूर' का बहु, बहुत-से हिरन।

यआबीब (یعابیب) अ पु –'या'बूब' का बहु, तेज़ चलनेवाले घोडे, तेज़ बहनेवाली नदियो के धारे।

यआमिल (یعامل) अ पु –'या' मल' का बहु, खूब काम करनेवाले ऊँट।

यआमीर (یعامیر) अ पु –'या' मूर' का बहु, बकरी के बच्चे।

यआलील (یعالیل) अ पु –'या' लूल' का बहु, पानी के बुलबुले, मनुष्यो के लिंग।

यआसीब (يعاسيب) अ पु –'या'सूब' का बहु, शहद की मक्खियों के राजा, जाति के सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति।
यऊक़ (يعوق) अ पु –घोड़े के आकार की एक मूर्ति, जिसे हज़्रत 'नूह' के अनुयायियों ने पूजा था।
यऊस (يئوس) अ वि –निराश, हताश, नाउम्मीद।
यक (یک) फा वि –एक की संख्या, एक वस्तु।
यकअस्पः (یک اسپه) फा वि –दे 'यकस्प', वह उच्चारण अधिक शुद्ध है, एक घोड़ा।
यकआतशः (یک آتشه) फा वि –दे 'यकातश', वह उच्चारण अधिक फसीह है, एक आग।
यक़क़ (يقق) अ वि –बहुत अधिक सफेद।
यकक़लम (یک قلم) अ फा वि –सिरे से, नितांत, बिलकुल।
यकगूनः (یک گونه) फा अ वि –किंचित्, किसी क़दर, थोड़ा।
यकचन्द (یک چند) फा वि –किंचित्, थोड़ा।
यकचश्म (یک چشم) फा वि –काण, काना, सूर्य, सूरज, सबको एक आँख से देखनेवाला, समदर्शी।
यकचश्मी (یک چشمی) फा स्त्री –कानापन; समदर्शिता।
यकचोबः (یک چوبه) फा पु –वह छोटा शामियाना जो एक लकड़ी पर खड़ा होता है।
यक़्ज़ः (يقظه) अ पु –जाग्रति, जागरण, बेदारी, नींद न आने का रोग, अनिद्रा।
यक़्ज़ (يقظ) अ वि –दे 'यक़िज़', दोनों शुद्ध हैं, एक-से।
यकजदी (یک جدی) फा. अ वि –एक दादा का, एक दादा की संतान।
यकज़बाँ (یک زباں) फा वि –सहमत, एक राय।
यकज़बानी (یک زبانی) फा स्त्री –सहमति, इत्तिफाक़।
यकजाँ (یک جاں) फा वि –घनिष्ठ, दिली।
यकजा (یک جا) फा वि –एक जगह, एकत्र, इकट्ठा, सम्मिलित, शामिल।
यकजाई (یک جائی) फा स्त्री –इकट्ठापन, एकत्रता।
यकजिंसी (یک جنسی) फा स्त्री –एक ही वंश या नस्ल का होना, एक उम्र का होना, एक प्रकृति का होना।
यकजिलौ (یک جلو) फा वि –तेज़ चलनेवाला घोड़ा।
यकजिहत (یک جہت) फा अ वि –सहमत, मुत्तफ़िक़, मित्र, दोस्त।
यकजिहती (یک جہتی) फा अ स्त्री –सहमति, इत्तिफ़ाक़, मित्रता, दोस्ती।
यकतनः (یک تنه) फा स्त्री –अकेला, एकाकी, तन्हा।
यकतन (یک تن) फा वि –एक व्यक्ति, एक मनुष्य।
यकतरफ़ः (یک طرفه) फा अ वि –एक ओर का, एक कतार का, दाहिना या बायाँ, एक ओर का पक्षपात लिये हुए।
यकतही (یک تہی) फा वि –जिसमें एक परत हो, गरमियों का हलका लिबास।
यकता (یکتا) फा वि –अद्वितीय, अनुपम, बेमिस्ल।
यकताई (یکتائی) फा स्त्री –अद्वैत, अकेलापन, बेमिस्ली– "रगे-यकताई भला इतना तो पैदा करते, अपनी तस्वीर में हरदम तुम्हें देखा करते।"
यकताए अस्र (یکتائے عصر) फा अ वि –अपने समय का सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति, (किसी कला या विद्या में)।
यकताए अह्द (یکتائے عہد) फा अ वि –दे 'यकताए अस्र'।
यकताए फ़न (یکتائے فن) फा अ वि –किसी कला विशेष में अद्वितीय और अनुपम।
यकताज़ (یکتاز) फा वि –दे 'यक्क ताज़'।
यकतारः (یکتاره) फा पु –एक तारवाला बाजा, इकतारा।
यकतार (یکتار) फा वि –किंचित्, ईषत्, थोड़ा।
यकदंदानः (یکدندانه) फा वि –एक-सा, समान, बराबर।
यकदक (یکدک) फा वि –कदुष्ण, गुनगुना।
यकदस्त (یکدست) फा वि –समस्त, संपूर्ण, सब, समान, यकसाँ।
यकदस्ती (یکدستی) फा स्त्री –संपूर्णता, समस्तता, समानता, एकसानियत।
यकदिगर (یکدگر) फा वि –परस्पर आपस में, बाहम।
यकदिलः (یکدله) फा वि –शूर, वीर, बहादुर, सहमत, मुत्तफ़िक़।
यकदिल (یکدل) फा वि –संयुक्त, संघटित, मुत्तहद, मित्र, दोस्त, सहमत, मत्तफ़िक़।
यकदिली (یکدلی) फा स्त्री –एकता, इत्तिहाद, मित्रता, दोस्ती, सहमति, इत्तिफ़ाक़।
यकदिश (یکدش) फा वि –संकर, जारज, दोगला।
यकदीगर (یکدیگر) फा वि –परस्पर, आपस में, बाहम।
यकनफ़स (یک نفس) अ फा वि –क्षण भर, थोड़ी देर, सहचर, साथी, मित्र, दोस्त।
यकनफ़सी (یک نفسی) फा अ स्त्री –मित्रता, दोस्ती, सहचरता, साथ।
यकना'ल (یک نعل) फा अ वि –बड़ी मात्रा में, बहुत अधिक, बइफ़रात।
यकनिशस्त (یک نشست) फा वि –साथ उठने-बैठनेवाला, हमनशीं।
यकपा (یکپا) फा वि –एक पाँववाला, एक पद।
यकपायः (یکپایه) फा वि –जिसमें केवल एक खंभा हो, एक-जैसे पदवाले, समपद, समान पद।

यकपिदरी (یک پدری) फा वि—एक पिता की संतान, एक पिता की संपत्ति आदि।

यकफ़नी (یک فنی) फा वि—किसी कला विशेष में निपुण, अनुपम, बेनज़ीर।

यकफ़र्दी (یک فردی) फा वि—एक व्यक्तिवाला, जिसे एक व्यक्ति कर सके, जो एक व्यक्ति के योग्य हो।

यकफ़स्ली (یک فصلی) फा अ वि—वह भूमि जिसमें केवल एक फ़स्ल पैदा होती हो।

यकफ़ीसदी (یک فیصدی) फा अ वि—सौ में एक, सौ में एक के अनुपात से, एक प्रतिशत।

यकबग़ल (یک بغل) फा वि—बहुत बड़ी मात्रा में, बहुत अधिक।

यक ब यक (یک بیک) फा वि—सहसा, अचानक, अनायास, अकस्मात्।

यकबारः (یکبارہ) फा वि—अचानक, सहसा, आकस्मिक।

यकबार (یکبار) फा वि—दे 'यकबार'।

यकबारगी (یکبارگی) फा वि—अचानक, अकस्मात्, बे ग़ुमानोगुमान।

यकमंज़िल. (یک منزلہ) फा अ वि—वह मकान जिसमें केवल एक ही माता हो, अर्थात् उस पर इमारत न हो।

यकमनी (یک منی) फा वि—एक-से खुदी पसंद, एक-से तकब्बुरवाले, एक-से ग़ुरूरवाले, एक नुत्फ़े के, एक बीज के।

यकमर्तबः (یک مرتبہ) फा अ वि—एक-जैसा श्रेणी और पदवाले, समानपद, समवर्ग।

यकमादरी (یک مادری) फा वि—एक माता की संतान।

यकमुश्त (یک مشت) फा वि—इकट्ठा, सब का सब, जो थोड़ा-थोड़ा अथवा क़िस्तों में न हो, बल्कि सब हो।

यकरंग (یکرنگ) फा अ वि—एक-जैसे रंगवाले, निश्छल, मुख़्लिस, जो सदा एक-जैसा रहे।

यकरंगी (یکرنگی) फा स्त्री—एक रंग का होना, निश्छलता, ख़ुलूस, सदा एक-जैसा रहना।

यकरक़ीब (یک رقیب) फा पु—ईश्वर, ख़ुदा।

यकरह (یکرہ) फा वि—समस्त, समग्र, सब, एक बार, एक दफ़ा, निश्चल, बेरिया।

यकराँ (یکراں) फा पु—अस्ली और कुलीन घोड़ा।

यकराई (یکرائی) फा स्त्री—एक मत होना, मक्तैय, सहमति।

यकराए (یک رائے) फा वि—सहमत, एकमत, मुत्तफ़िक़।

यकरिकाबी (یک رکابی) फा स्त्री—कार्य में संलग्नता, शीघ्रता, जल्दी, कोतल घोड़ा, कार्यतत्परता, कार्यसंलग्नता, मुस्तइद्दी।

यकरिश्त: (یک رشتہ) फा वि—अनुकूल, मुआफ़िक़।

यकरुख़ी (یک رخی) फा वि—एक पक्षीय, एक तरफ़ का, जिसमें किसी पक्ष की तरफ़दारी हो, जैसे—'यकरुख़ी फ़ैसल'।

यकरू (یک رو) फा वि—एक दिल, घनिष्ठ, सच्चा दोस्त।

यकरूई (یک روئی) फा स्त्री—घनिष्ठता, सच्ची दोस्ती।

यकरोज़ (یک روزہ) फा वि—वह कार्य जो एक दिन में समाप्त हो जाय, जो एक दिन के लिए हो।

यकलख़्त (یک لخت) फा वि—सिरे से, नितांत, बिलकुल, आकस्मिक, अचानक।

यकवरक़. (یک ورقہ) फा अ वि—जिसमें केवल एक पन्ना हो, एक वरक़ का लेख।

यकशंब: (یک شنبہ) फा पु—रविवार, इतवार।

यकशब (یک شبہ) फा वि—जो रातभर में समाप्त हो जाय, जो रात भर का हो।

यकशिस्त (یک شست) फा वि—सहचर, साथी, सभासद, मुसाहिब।

यकसर (یکسرہ) फा वि—सिरे से, सब, नितांत, बिलकुल।

यकसर (یکسر) फा वि—नितांत, बिलकुल, समग्र, समस्त, सब, एक सिरे से दूसरे सिरे तक।

यकसवार. (یکسوارہ) फा वि—अकेला, एकाकी, तन्हा।

यकसाँ (یکساں) फा वि—समान, बराबर, सदृश, मिस्ल, चौरस, समतल।

यकसानियत (یکسانیت) फा स्त्री—समता, साम्य, मुसावात, सदृशता, तुल्यता, बराबरी, चौरसपन।

यकसाल: (یکسالہ) फा वि—एक साल की आयुवाला, एक वर्ष में एक बार होनेवाला, एक वर्ष में समाप्त होनेवाला।

यकसू (یکسو) फा वि—एक ओर, एक तरफ़, निश्चित, बेफ़िक्र, एकाग्रचित्त, मुनहमिक, अवकाश प्राप्त, फ़ारिग़।

यकसूई (یکسوئی) फा स्त्री—निश्चितता, बेफ़िक्री, अवकाश, फ़ुर्सत, सारे झंझटों से निवृत्ति, एकांत, तन्हाई।

यकस्प (یک اسپہ) फा वि—धीरे-धीरे साधारण चाल से चलने वाला सवार, एक-एक मंज़िल पर रुकनेवाला सवार, अकेला, एकाकी।

यकातश (یک آتشہ) फा वि—वह मदिरा अथवा अरक़ जो एक बार खींचा गया हो।

यकायक (یکایک) फा वि—आकस्मिक, अचानक, सहसा, तुरंत, शीघ्र, फ़ौरन।

यक़्क़िक़ (یقق) अ पु—बहुत अधिक सफ़ेद; दे 'यक़क़', दोनों शुद्ध हैं।

यक़िज़ (يقظ) अ वि —सजग, जागरूक, सावधान, जाग्रत, जागता हुआ, वेदार।

यकीता (يكيتا) फा पु —शिक्षक, अध्यापक, पढ़ानेवाला।

यक़ीन (يقين) अ पु —विश्वास, एतिवार, श्रद्धा, एतिकाद; सदेह का अभाव, शुव्हा न होना।

यक़ीनन (يقيناً) अ वि —सभवत, अवश्यमेव, यकीनी, नि सदेह, विला शुवहा।

यक़ीनी (يقينى) अ वि —दे 'यकीनन'।

यकीने कामिल (يقين كامل) अ पु —दृढ विश्वास, पूरा भरोसा, पूरा यकीन, अटल धर्म विश्वास, पूरा ईमान।

यकीने मोह्कम (يقين محكم) अ पु —दे 'यकीने कामिल'।

यक़ीने वासिक (يقين واثق) अ पु —दे 'यकीने कामिल'।

यक़ुज़ (يقظ) अ वि —दे 'यकिज़' दोनो शुद्ध है, सजग, सचेष्ट, सावधान।

यकुम (يكم) फा वि —प्रथम, पहला, पहली तारीख।

यके (يكے) फा वि —एक, एक व्यक्ति, कोई एक, कोई एक व्यक्ति।

यके बा'दे दीगरे (يكےبعدديگرے) फा अ वि —एक के पश्चात् दूसरा, उत्तरोत्तर।

यक्कः (يكه) फा वि —अकेला, तन्हा, अनुपम, वे मिस्ल, एक्का, एक घोडे से चलनेवाली गाडी विशेष, इक्का।

यक्क:ताज़ (يكه تاز) फा वि —अकेला बहुतो-से लडनेवाला, महारथी।

यक्क:ताज़ी (يكه تازى) फा स्त्री —अकेले बहुतो-से लडना।

यक्क:वान (يكه بان) फा पु —इक्का हाँकनेवाला।

यक्कओतन्हा (يكه وتنها) फा वि —विलकुल अकेला।

यक्ज़ान (يقظان) अ वि —जाग्रत, जागरूक, जागता हुआ, वेदार।

यक्तीन (يقطين) अ स्त्री —हर वह बेल जो जमीन पर फैलती है, जैसे—लौकी, कद्दू आदि की।

यख़ (يخ) फा पु —ठढ से जमा हुआ पानी, वर्फ, हिम।

यख़खुरिद: (يخ خورده) फा वि —उपेक्षा करनेवाला, वे तवज्जुही वरतनेवाला।

यख़ख़ुर्द: (يخ خورده) फा वि —उपेक्षित, जिसके साथ वे तवज्जुही की गयी हो।

यख़च: (يخچه) फा पु —ओला, हिमोपल।

यख़दरविहिश्त (يخ در بهشت) फा अ पु —एक प्रकार का हल्वा।

यख़दान (يخدان) फा पु —खाना रखने की अलमारी, वर्फ का खाना रखने का सदूक, रैफ्रीजेटर।

यख़पर्वर्द: (يخ پرورده) फा वि —जो वर्फ में लगाकर ठडा किया गया हो।

यख़बस्त: (يخ بسته) फा वि —जो ठंड से जम गया हो।

यख़ाच (يخاچ) अ पु —हज़्रत ईसा का चित्र जो गिरजा में रखा जाता है।

यख़्त (يخت) फा पु —वह नाव जिस पर नदी मे सैर करते है और अपनी निजी होती है।

यख़्नी (يخنى) फा स्त्री —अन्न या धन जो आवश्यकता पडने पर काम आने के लिए सचित किया जाय, ज़ख़ीरा; गोश्त का शोर्वा जिसमे मसाला न डाला गया हो, और जो रोगियो को दिया जाता है।

यख़्शी (يخشى) तु वि —सुदर, प्रियदर्शन, ख़ुशनुमा, शुभ, कल्याण कर, मुवारक, उत्तम, उम्दा।

यगाँ (يگاں) फा वि.—अकेला, एकाकी, अनोखा, अनुपम, मनुष्य लोग, सामान्य जन, आम लोग।

यगाँ यगाँ (يگاں يگاں) फा वि —एक-एक करके, एक के वाद दूसरा।

यगान: (يگانه) फा वि —स्वजन, आत्मीय, अजीज़, अद्वितीय, ला जवाव, एकाकी, अकेला।

यगान:गो (يگانه گو) फा वि —सत्यवादी, सच्चा, सच वोलनेवाला।

यगान.गोई (يگانه گوئى) फा स्त्री —सत्य वोलना, सच्चाई।

यगानगत (يگانگت) उ स्त्री —दे 'यगानगी'।

यगानगी (يگانگى) फा स्त्री —स्वजनता, रिश्तेदारी, सह-मति, इत्तिफ़ाकेराय, अकेलापन।

यगाम (يغام) फा पु —गूले वियावानी, जगल मे फिरने-वाले भूत-प्रेत।

यगूस (يغوث) अ पु —सिंह के आकार की एक मूर्ति जिसकी पूजा इस्लाम से पूर्व अरव मे होती थी।

यग़मा (يغما) तु पु —लूटमार, लुठन, उचकना, झपटना, छीनना, लूट मे प्राप्त माल।

यग़माई (يغمائى) तु वि —जो लूटा गया हो।

यज़क (يزک) तु पु —सेना का अग्र भाग जो आगे चलता और शत्रु की सेना के समाचार देता है, सेनाग्र, सेना, फौज।

यज़कदार (يزكدار) तु फा पु —आगे चलनेवाली सेना का सेनापति।

यज़ीद (يزيد) अ पु —अमीर मुआविय. का लड़का जो वडा ही वदचलन, शराबी और अत्याचारी था, और जिसने हज्रत इमाम हुसैन को शहीद कराया था, क्योकि वह इसके शासन के विरुद्ध था।

यज़ीदी (يزيدى) अ वि —वह व्यक्ति जो यज़ीद-जैसा निष्ठुर, अत्याचारी और अभिमानी हो, यज़ीद सम्बन्धी, यज़ीद का।

यज़ीदे वक़्त (یزید وقت) अ पु –अपने समय का वहुत ही अत्याचारी, अभिमानी और अनीति पर चलनेवाला शासक।

यज़्द (یزد) फा पु –शीराज़ के प्रात का एक नगर।

यज़्दाँ (یزداں) फा पु –'यज़्दान' का लघु, दे 'यज़्दान'।

यज़्दाँपरस्त (یزداں پرست) फा वि –ईश्वरवादी, आस्तिक, खुदा को माननेवाला।

यज़्दाँपरस्ती (یزداں پرستی) फा स्त्री –ईश्वर को मानना, आस्तिकता।

यज़्दाँशनास (یزداں شناس) फा वि –दे 'यज़्दाँपरस्त', ईश्वर को पहचान कर सत्य और सन्मार्ग पर चलनेवाला।

यज़्दाँशनासी (یزداں شناسی) फा स्त्री –दे 'यज़्दाँ-परस्ती', सत्य और सन्मार्ग पर चलना, धर्मनिष्ठा।

यज़्दान (یزدان) फा पु –आतशपरस्तो (ईरान के पुराने अग्निपूजक जो ज़रदुश्त के अनुयायी थे) के मतानुसार, नेकी का खुदा, वे लोग दो खुदा मानते हैं, एक नेकी का दूसरा वदी का जिसे 'अह्‌रमन' कहते हैं।

यज़्दानी (یزدانی) फा वि –ईश्वरीय, खुदाई।

यज़्दी (یزدی) फा वि –'यज़्द' का निवासी।

यज़्नः (یزنہ) फा पु –बहन का पति, बहनोई।

यताक़ (یتاق) तु पु –पहरा, चौकी, देखभाल, निगरानी।

यताक़ी (یتاقی) तु वि –पहरेदार, चौकीदार।

यतामा (یتامیٰ) अ पु –'यतीम' का वहु, वे वच्चे जिनके पिता मर गये हो, अनाथ।

यतीम (یتیم) अ वि –वह बालक जिसका पिता मर गया हो, अनाथ।

यतीमखान. (یتیم خانہ) अ फा पु –यतीम वालको के पालन-पोषण का स्थान जो किसी सस्था की देख-रेख मे हो, अनाथालय।

यतीमी (یتیمی) अ स्त्री –अनाथपन, वे वाप का हो जाना।

यतीमोयसीर (یتیم یسیر) अ पु –वह बालक जिसके माता-पिता दोनो मर गये हो, यह शब्द उर्दूवालो ने बनाया है।

यतूअ (یتوع) अ पु –दे 'यत्तूअ'।

यत्तूअ (یتوع) अ पु –वह पेड जिसमे दूध होता है, जैसे—आक, थूहड आदि।

यत्न (یتن) अ पु –वह वालक जो उलटा उत्पन्न हुआ हो, जिसके पाँव पहले निकले हो।

यद (ید) अ पु –हाथ, कर, हस्त।

यदक (یدک) फा पु –कोतल घोडा।

यदुल्लाह (یداللہ) अ पु –ईश्वर का हाथ, अर्थात् ईश्वर की सहायता।

यदे क़ुद्रत (ید قدرت) अ पु –कुद्रत का हाथ अर्थात् दैवी माया, दैवी शक्ति।

यदे तूला (ید طولیٰ) अ पु –वडा लवा हाथ, अर्थात् किसी कार्य विशेष में वहुत अधिक कुशलता।

यदे वैज़ा (ید بیضا) अ पु –चमकता हुआ हाथ, हज़्रत मूसा का हाथ, जिसे खोल देने से प्रकाश फैल जाता था।

यदैन (یدین) अ पु –दोनो हाथ।

यनप्लू (ینبلو) फा स्त्री –मडी, जहाँ चारो ओर से माल विकने आता है, यात्रीदल, काफिला।

यनाबीअ (ینابیع) अ पु –'यवूअ' का वहु, नदियाँ, चश्मे, सोते।

यनूफ (ینوف) अ पु –ऊँचा-नीचा टीला।

यपल्लू (یپلو) फा स्त्री –दे 'यन्पल्', दोनो शुद्ध है।

यफन (یفن) अ पु –वहुत वूढा व्यक्ति जो सठ्या गया हो, पीरे फर्तूत।

यफाअ (یفاع) अ पु –ऊँचा टीला, टीकरा, पहाडी।

यफ्तः (یفتہ) फा पु –साइनवोर्ड, नाम पट्टिका।

यव (یب) फा वि –वूढा, वृद्ध।

यवस (یبس) अ पु –सूखना, शुष्क होना।

यवाब (یباب) अ वि –ध्वस्त, वरवाद।

यब्रूह (یبروح) अ स्त्री –दे 'यब्रूहुस्सनम'।

यब्रूहुस्सनम (یبروح الصنم) अ स्त्री –एक वनौषधि, लक्ष्मी, लखमनी, गर्दुमगिया।

यब्स (یبس) अ पु –सूखना, खुश्क होना।

यम (یمہ) फा पु –वह खुराक या धन जो किसी को रोज दिया जाय।

यम (یم) फा पु –नदी, तरगिणी, दर्या।

यमक (یمک) फा पु –एक नगर जहाँ का सौंदर्य प्रसिद्ध है।

यमन (یمن) अ पु –अरब का एक देश, जहाँ का ला'ल और याकूत सारे ससार से अच्छा होता है।

यमनी (یمنی) अ वि –यमन का निवासी, यमन सम्वन्धी, यमन की वस्तु।

यमान (یمان) अ वि –यमन से सम्वन्ध रखनेवाला।

यमानी (یمانی) अ वि –यमन का, यमन-सम्वन्धी।

यमाम (یمامہ) अ पु –कवूतर, जगली कवूतर, कवूतरी, अरव की एक नीली आँखोवाली स्त्री जो मैदान में ४०-५० मील तक की वस्तु देख लेती थी।

यमाम (یمام) अ पु –जगली कवूतर, वनकपोत।

यमीन (یمینہ) अ पु –आमाशय, पक्वाशय, मेदा।

यमीन (یمین) अ वि –दाहनी ओर, दाहना, शपथ, सौगन्ध, वल, शक्ति, श्रेष्ठता, वुज़ुर्गी।

यमीनोयसार (یمین ویسار) अ पु –दाहनी और बायी ओर, दोनो ओर।
यमूम (یموم) अ पु –'यम' का वहु, नदियाँ।
यम्न. (یمنہ) अ पु –सीधे हाथ की ओर।
यम्सू (یمسو) तु पु – बारूद, अग्निचूर्ण।
यरः (یرہ) तु पु –पृथ्वी, ज़मीन, भूमि।
यरकाँ (یرقاں) अ पु –'यरकान' का लघु, दे 'यरकान'।
यरकाँज़दः (یرقاں زدہ) अ फा वि –जिसे यरकान का रोग हो, कमलरोगी।
यरकान (یرقان) अ पु –एक रोग जिसमे सारा शरीर, विशेपत आँखे पीली पड जाती है, कमलरोग।
यरकानी (یرقانی) अ वि –यरकान का मरीज, कमल रोग-ग्रस्त, कमलरोगी।
यरा (یرا) फा स्त्री –झुर्री, वल, सिलवट, शिकन।
यराअ. (یراعہ) अ पु –कलम वनाने का नरकट, वजाने की वाँसुरी, जुगनू, खद्योत।
यराअ (یراع) अ पु –दे 'यराअ'।
यराक़ (یراق) तु पु –अस्त्र-शस्त्र, अस्लिह, हथियार, उपकरण, सामान, युद्ध-सामग्री, सामाने जग।
यराग (یراغ) तु पु –डाक का घोडा।
यरावीअ (یرابیع) अ पु –'यर्वूअ' का वहु, 'जगली चहे', दो पाँववाले चूहे।
यर्गमाल (یرغمال) तु पु –वह राजवश का व्यक्ति जो किसी राज की ओर से दूसरे राज को ज़मानत मे दिया जाय, ताकि वह राज अपनी प्रतिज्ञा भग न कर सके।
यर्गा (یرغا) तु पु –तेज़ घोडा, तेज़ चलनेवाला व्यक्ति, आक्रमण, हम्ला।
यर्गू (یرغو) तु स्त्री –राजनीति, सियासत, दड, सज़ा।
यर्निश (یرنش) फा वि –एक गाँव या नगर के रहनेवाले।
यर्बूअ (یربوع) अ पु –जगली चूहा, एक चूहा जो दो पाँव का होता है।
यर्मलून (یرملون) अ पु –अरवी के छ अक्षरो का समाहार, जब हल् न (न्) के वाद इनमें से कोई अक्षर आता है तो वह 'न्' वही अक्षर वन जाता है, जैसे —'मिन् रव्वी' का मिर्रव्वी, 'मिन्लवन' का मिल्लबन, हो गया।
यर्मा' (یرمع) अ पु –सफेद और चमकदार पत्थर।
यर्मुग़ाँ (یرمغاں) तु पु –दे 'अर्मुगाँ'।
यलः (یلہ) फा पु –मुक्त किया हुआ, रहा शुदा, छोडा हुआ, त्यक्त, वदूक या तोप छोडी हुई, दौडता हुआ, आक्रमण करता हुआ, (स्त्री) व्यभिचारिणी, फाहिशा।
यल (یل) फा पु –शूर, वीर, वहादुर, मल्ल, पहलवान।
यलक (یلق) अ पु –हर वह वस्तु जो सफेद हो।
यलदगज़ (یلدگز) फा पुं – किज़िल अर्सलाँ के पिता।
यलवः (یلبہ) अ पु –चमडे की ढाल, चमडे का कवच।
यलव (یلب) अ पु –दे 'यलव'।
यलवुज (یلوج) तु पु – ईश-दूत, पैगवर।
यलाक (یلاق) तु पु – एक तुर्की वादशाह का नाम, मट्टी का टूटा हुआ वरतन।
यलामिक (یلامق) अ पु –'यलमक' का वहु, कगन।
यलूज (یلوج) तु पु – दे शुद्ध उच्चारण 'यलबुज'।
यलूअ (یلع) अ पु –वह जगल जिसमे दूर-दूर तक वृक्ष और पानी न हो, वियावान, मृगतृष्णा, मरीचिका, सराव।
यलग़र (یلغر) तु स्त्री –दे 'यल्ग़ार', दोनो शुद्ध है, परतु इसका उच्चारण अधिक शुद्ध है।
मलग़ार (یلغار) तु स्त्री –आक्रमण, चढाई, धावा, शुद्ध उच्चारण 'यलग़र' है।
यल्गुर (یلغر) तु वि –अकेला, एकाकी, तन्हा।
यल्दा (یلدا) फा स्त्री –एक रात जो साल मे सव रातो से अधिक लवी होती है, जव सूर्य धनुराशि के ११ वे अश पर पहुँचता है (पूस में) तो यह रात पडती है और उस रोज़ सवसे छोटा दिन होता है, यह रात अशुभ मानी जाती है।
यल्मः (یلمہ) फा पु –कवा, दोहरे कपडे का लवा चुगा।
यल्मक (یلمق) अ पु –दे 'यलम'।
यल्मान (یلمان) फा पु –तलवार, खड्ग।
यल्सव (یلسب) अ पु –वह व्यक्ति जो विवाह-सम्वन्धी सारे सस्कार की पूर्ति करे।
यल्लले (یل للے) फा अव्य –वह शब्द जो मस्ती और खुशी के समय वोलते है, जैसे—अहाहा, उहो हो।
यवाक़ीत (یواقیت) अ पु –याकूत का वहु, वहुत-से याकूत।
यश्क (یشک) फा पु –नुकीले और वडे दाँत, हाथी के वाहर निकले हुए दाँत, शेर आदि के लबे दाँत, कुत्ते के नुकीले दाँत।
यश्कुर (یشکر) अ पु –एक पैगवर का नाम।
यश्व (یشب) अ. पु –एक हरा और कठोर पत्थर जो दवा मे चलता है और दिल धड़कने की वीमारी मे लाभ देता है।
यश्मः (یشمہ) अ पु –कच्चा चमडा, कच्ची खाल।
यश्म (یشم) फा पु –दे 'यश्व', दोनो शुद्ध है।
यश्माक़ (یشماق) तु पु –स्त्रियो के सर का रुमाल।
यसरः (یسرہ) अ पु –वे लिपियाँ जो उलटे हाथ की ओर से लिखी जाती है, जैसे—हिंदी, अंग्रेज़ी आदि।
यसल (یسل) अ पु –सेना की पक्ति, फौज़ की कतार।

यसाक़ (یساق) तु पु –लडाई की तैयारी, सैन्य-सज्जा, दरबार, राजसभा।

यसार (یسار) अ वि –बायी ओर, वामपक्ष, धनाढचता, अमीरी, उलटा हाथ।

यसारत (یسارت) अ स्त्री –धनाढ्यता, मालदारी।

यसाल (یسال) अ पु –दे 'यसल', दोनो शुद्ध है।

यसावुल (یساول) तु पु –चोबदार, दडधारी, दरबार, सेना अथवा सभा का प्रबध करनेवाला, बदी, नकीब।

यसिर (یسر) अ वि –सुगम, सरल, आसान, सहज।

यसीर (یسیر) अ वि –सुगम, सरल, सहज, न्यून, थोडा, वह बालक जिसकी माँ न हो, (इस अर्थ में उर्दू है)।

यस्त्रः (یسرہ) अ पु –उलटी ओर, बायी तरफ, वामपक्ष।

यस्त्र (یسر) अ पु –ऊँट हलाल करना, दान देना, बख्शना।

यस्त्रिब (یثرب) अ पु –मदीन, अरब का एक प्रसिद्ध नगर।

यहूद (یہود) अ पु –'यहूदी' का बहु, यहूदी लोग।

यहूदा (یہودا) अ पु –हज्रत यूसुफ के बडे भाई।

यहूदी (یہودی) अ पु –हज्रत मूसा के धर्म का अनुयायी, इस्राईली, जलील किस्म का सरमायादार, धन पिशाच।

यहफ़ूफ़ (یہفوف) अ वि –दक्ष, प्रवीण, जीरक, तीव्र बुद्धि, तेज अक्ल, उदास, मलिन, बद दिल।

यहमूम (یحموم) अ पु –काला धुवाँ, काली रात, रस्सी बटना।

यहमूर (یحمور) अ पु –जगली गधा, वनगर्दभ, गोरखर।

यह्या (یحییٰ) अ पु –एक पैगबर।

या

या (یا) फा अव्य –सबोधन का शब्द, हे, ऐ, ओ, अरे, अथवा, ख्वाह।

याअसफा (یااسفیٰ) अ वा –हाए अफसोस।

याए तहतानी (یاے تحتانی) अ स्त्री –वह 'ये' जिसके नीचे नुक्ते हो, चूँकि फार्सी मे 'ता' और 'या' एक से लिखे जाते है, केवल ऊपर और नीचे के नुक्तो का फर्क है, इसलिए तहतानी लिखने से 'ये' ही समझा जायगा, यह उस समय के लिए था जब किताबे कलमी लिखी जाती थी और बहुत गलतियाँ होती थी।

याए फार्सी (یاے فارسی) अ फा स्त्री –दे 'याए मजहूल'।

याए मजहूल (یاے مجہول) अ स्त्री –वह 'ये' जो लबी लिखी जाती है, और 'ए' की आवाज़ देती है।

याए मा'कूस (یاے معکوس) अ स्त्री –दे 'याए मजहूल'।

याए मा'रूफ (یاے معروف) अ स्त्री –वह 'ये' जो गोल लिखी जाती है और 'ई' की आवाज़ देती है।

याक़. (یاقہ) तु पु –कमीस का कालर, कुर्ते का गला।

याक़ (یاق) अ पु –कगन।

याकिस्मत (یاقسمت) फा अ वा –हाए रे बुरे भाग्य।

याकूत (یاقوت) अ पु –एक प्रसिद्ध रत्न, पुलक, एक बहुत बडा खुशनवीस।

याक़ूत रक़म (یاقوت رقم) अ वि –याकूत खुशनवीस-जैसा लिखनेवाला, अर्थात् बहुत अच्छा लिपिकार।

याकूती (یاقوتی) अ स्त्री –एक यूनानी दवा जिसमे याकूत पडता है।

याकूते जिगरी (یاقوت جگری) अ फा पु –कलेजी के रग का याकूत।

याक़ूते रवाँ (یاقوت رواں) अ फा पु –तरल और बहता हुआ याकूत अर्थात् लाल मदिरा।

याक़ूते रुम्मानी (یاقوت رمانی) अ पु –अनार के दानो-जैसा गुलाबी याकूत।

याक़ूते सय्याल (یاقوت سیال) अ पु –बहता हुआ याकूत, अर्थात् लाल शराब।

या'क़ूब (یعقوب) अ पु –हज्रत यूसुफ के पूज्य पिता जो उनके विरह में अधे हो गये थे, चकोर।

याख़्तः (یاختہ) फा वि –ज़ाहिर किया हुआ, प्रकटित, बाहर निकाला हुआ, बहिष्कृत, किसी काम के करने के लिए बढा हुआ।

याख़्तनी (یاختنی) फा वि –प्रकट करने योग्य, बाहर निकालने योग्य, काम के लिए बढने योग्य।

याग़ (یاغ) तु पु –तेल, स्नेह, तैल, रौगन।

याग़िस्तान (یاغستان) फा पु –अफगानिस्तान का एक इलाका।

याग़ी (یاغی) तु वि –विद्रोही, राजद्रोही, बागी।

याज़. (یازہ) फा पु –कँपकँपी, थरथरी, कप, लर्ज।

याज़ (یاز) फा पु –इच्छा, ख्वाहिश, सकल्प, इरादा।

याज़दः (یازدہ) फा वि –दे 'याज़्द'।

याज़ाँ (یازاں) फा वि –आक्रमण करता हुआ, हाथ बढाता हुआ।

याज़िंद (یازندہ) फा वि –इच्छा करनेवाला, इच्छुक, किसी काम के लिए हाथ बढानेवाला।

याज़िश (یازش) फा स्त्री –इच्छा, इरादा, काम के लिए बढना, हस्तक्षेप, दस्तदाजी।

याज़िद. (یازیدہ) फा वि –जिस वस्तु की इच्छा की गयी हो, जिस कार्य के लिए हाथ बढाया गया हो।

याजूज (یاجوج) अ पु –एक प्राचीन जाति जिसका वर्णन कुरान में है।

याजूजोमाजूज (یاجوج وماجوج) अ पु –याजूज और माजूज दो प्राचीन जातियाँ, जिनके आक्रमण से वचने के लिए दीवारे चीन में वनी थी।

याज़्दः (یازدہ) फा वि –ग्यारह, एकादश।

याज़्दहुम (یازدہم) फा वि –ग्यारहवाँ, एकादशा।

यादः (یادہ) फा पु –स्मरण शक्ति, कुव्वते हाफिज़ा।

याद (یاد) फा स्त्री –स्मृति, याददाश्त, स्मरण शक्ति, हाफिज़ा, ध्यान, खयाल, ज़ेह्न, प्रतिभा, चित्त, मन, अनुधान, तसव्वुर, स्मारक, यादगार।

यादआवरी (یادآوری) फा स्त्री –दे 'यादावरी', वह अधिक फसीह है।

यादगार (یادگار) फा स्त्री –निशानी, स्मृति-चिह्न, स्मारक, यादगारी का कोई विशेष चिह्न, जैसे—मीनार आदि, पुत्र, बेटा।

यादगारी (یادگاری) फा स्त्री –दे 'यादगार'।

यादगारे ज़मानः (یادگار زمانہ) फा स्त्री –ऐसा व्यक्ति जो सबके लिए स्मृति का कारण हो।

याद्दाश्त (یادداشت) फा स्त्री –स्मरण शक्ति, हाफिज़ा, ज्ञापन, मेमोरैन्डम।

याददेहानी (یاددہانی) फा स्त्री –भूली हुई वात को स्मृति मे लाना, याद दिलाना, स्मरण कराना।

यादफरामोश (یادفراموش) फा वि –जिसे वात याद न रहती हो, जो किसी व्यक्ति को याद न रखता हो, स्मृति-विस्मारक।

यादफर्माई (یادفرمائی) फा स्त्री –याद करना, पास वुलाना।

यादबूद (یادبود) फा स्त्री –स्मृति-चिह्न, निशानी।

यादर (یادر) फा पु –हर ईरानी महीने की वारहवी तारीख़।

यादश बख़ैर (یادش بخیر) फा अ वा –किसी व्यक्ति की चर्चा चलने पर उसके लिए वोलते है, उसकी याद अच्छी रहे।

यादावरी (یادآوری) फा स्त्री –याद करना, पास वुलाना।

यादे ऐयाम (یاد ایام) फा अ स्त्री –पिछले अच्छे दिनो का स्मरण।

यानः (یانہ) तु पु –ओर, तरफ, दिशा, जानिव।

यान (یان) फा पु –वकवास, मिथ्यावाद, वीमारी की वकवास, हज़यान।

यानसीब (یانصیب) फा अ वा–दे 'याकिस्मत'।

या'नी (یعنی) अ अव्य –मत्‌लव यह कि, अर्थात्।

या'नीचे (یعنی چہ) अ फा अव्य –इसका क्या अर्थ है, ऐसा क्यो है, इसके क्या मा'नी ?

याने' (یانع) अ पु.–वह फल अथवा मेवा जो पक गया हो और खाने के योग्य हो।

याफः (یافہ) फा वि –दे 'माव', दोनो शुद्ध है।

याफःदिरा (یافہ درا) फा वि –अनर्थवादी, झूठा, वकवासी, वाचाल, डीगिया, शेख़ीखोरा।

याफ़ःदिराई (یافہ درائی) फा स्त्री –झूठ वोलना, वकवास करना, डीग मारना।

याफर (یافر) फा पु –कौतुकी, वाज़ीगर, चित्रकार, मुसव्विर।

याफूख़ (یافوخ) अ पु –तालू, तालव।

या'फूर (یعفور) अ पु –मृग, हरिण, हरिन।

याफे' (یافع) अ पु –लवे डील-डौल का जवान।

याफ़्तः (یافتہ) फा वि –पाया हुआ, जिसे मिला हो, दूसरे शब्द के साथ मिलकर आता है, अकेला नही वोला जाता, जैसे—ख़िताबयाफ्त, सनदयाफ्त आदि।

याफ़्त (یافت) फा स्त्री –लाभ, प्राप्ति, नफा', आय, आमदनी, उत्कोच, रिशवत।

याफ़्तनी (یافتنی) फा वि –पाने योग्य, मिलने योग्य; जो किसी से मिलना हो (धन)।

याव (یاب) फा प्रत्य.–प्राप्त होनेवाला, मिलनेवाला जैसे—'कमयाव' कम प्राप्त होनेवाला।

यावान (یابان) अ पु –जापान, एक प्रसिद्ध देश।

याविंदः (یابندہ) फा वि –पानेवाला, प्राप्त करनेवाला।

याविंदगी (یابندگی) फा स्त्री –पाना, प्राप्ति।

याविस (یابس) अ वि –ख़ुश्क, सूखा हुआ, शुष्क, मिज़ाज में ख़ुश्की पैदा करनेवाला।

यावू (یابو) तु पु –टट्टू, छोटा घोडा, लद्दू घोडा, जिस पर वोझ लादते है।

या'वूव (یعبوب) अ पु –तेज चलनेवाला घोडा, तेज़ वहनेवाली नदी की धारा।

यामः (یامہ) फा पु –डाक की चौकी, महॅला।

याम (یام) अ पु – नूह का एक पुत्र।

या'मरः (یعمرہ) अ पु –वकरा जो सिंह के शिकार के लिए वाँधा जाय।

या'मलः (یعملہ) अ स्त्री –तगडी और लद्दू ऊँटनी।

या'मल (یعمل) अ पु –तगडा और लद्दू ऊँट।

यामिन (یامن) अ पु –सीधी ओर, दायी तरफ।

यामी (یامی) फा वि –रोगी, वीमार।

या'मूर (یعمور) अ पु –वकरी या भेड का वच्चा।

या या (یایا) फा अव्य –शिकारी चिडिया।

यारः (یارہ) फा पु –कगन, ककण, घाव, ज़ख्म, कर, महसूल।

यार (یار) फा पु –मित्र, दोस्त, सहायक, मददगार, प्रेमपात्र, मा'शूक, शब्द के अंत मे 'वाला' का अर्थ देता है, जैसे—'होशयार'।

यारकंद (یارقند) तु पु –चीनी तुर्किस्तान का एक प्राचीन नगर।

यारक (یارک) फा स्त्री –बच्चादानी, गर्भाशय, रहिम।

यारक (یارق) अ पु –कंगन, कलाई मे पहनने का एक आभूषण, कंकण।

यारगी (یارگی) फा स्त्री –बल, शक्ति, ज़ोर, सामर्थ्य, मक्दूर।

यारनाम: (یارنامه) फा पु –पुण्य और यश का काम, नेकनामी का काम।

यारफ़रोश (یارفروش) फा वि –मित्र की प्रशंसा करनेवाला।

यारफ़रोशी (یارفروشی) फा. स्त्री –मित्र की प्रशंसा करना।

यारबाज़ (یارباز) फा वि –दे 'यारबाश'।

यारबाश (یارباش) फा वि –मित्रो में घुल-मिलकर रहने वाला, मित्रो मे अधिक समय व्यतीत करनेवाला।

यारबाशी (یارباشی) फा स्त्री –मित्रो मे खूब घुल-मिलकर रहना।

यारमंद (یارمند) फा. वि –दोस्ती निवाहनेवाला, सच्चा दोस्त, सहायक, मददगार।

यारमंदी (یارمندی) फा स्त्री –दोस्ती मैत्री, सहायता, मदद।

यारस (یارس) फा वि –सहायक, मददगार।

यारस्त: (یارسته) फा पु –शक्तिशाली, ताकतवर।

यारॉं (یاراں) फा पु –'यार' का बहु, मित्रगण, मित्रमंडली।

यारा (یارا) फा पु –बल, शक्ति, ज़ोर, सामर्थ्य, मक्दूर, सहनशीलता, तहम्मुल।

याराई (یارائی) फा स्त्री –सहायता, मदद, उपचार, इलाज।

याराए ज़ब्त (یاراۓ ضبط) फा अ पु –सहन करने की शक्ति, सहनशीलता।

याराए सब्र (یاراۓ صبر) फा अ पु –धैर्यशक्ति, धीरज धरने की शक्ति।

यारान: (یارانه) फा पु –मित्रता, मैत्री, दोस्ती।

याराने अदम (یاران عدم) फा अ पु –मरे हुए मित्र, यमलोक निवासी, मरनेवाले।

याराने क़दीम (یاران قدیم) फा अ पु –पुराने मित्र, लँगोटिया यार।

याराने रफ़्त: (یاران رفته) फा पु - दे. 'याराने अदम'।

यारी (یاری) फा स्त्री –मित्रता, दोस्ती, सहायता, मदद।

यारीगर (یاری گر) फा वि –सहायक, मददगार।

यारीगरी (یاری گری) फा स्त्री –सहायता, मदद।

यारे अज़ीज़ (یار عزیز) फा अ पु –बहुत ही घनिष्ठ मित्र, बहुत ही प्यारा माशूक।

यारे ग़ार (یار غار) फा अ पु –सच्चा और घनिष्ठ मित्र, यह हज़्रत अबूबक्र सिद्दीक़ की ओर संकेत है, जो हज़्रत मुहम्मद साहब के ग़ार मे छिपने के समय उनके साथ थे।

यारे जानी (یار جانی) फा पु –प्राणों की भाँति प्यारा मित्र, बहुत ही घनिष्ठ मित्र।

यारे शातिर (یار شاطر) फा अ पु –ऐसा मित्र जो दुःख और चिंता मे मन बहलाए।

याल: (یاله) फा पु –विषाण, शृंग, सींग।

याल (یال) तु पु –गला, गर्दन, घोडे के गले के बाल।

यालगूपाल (یال گوپال) फा पु –स्थूलता, मुटापा, वैभव, शानोशौकत।

या'लूल (یعلول) अ पु –पानी का बुलबुला, शिश्न, लिंग।

याव: (یاوه) तु वि –अनर्थ, अनर्गल, बेहूदा, अप्राप्य, नापैद।

याव:कार (یاوه کار) तु फा वि –अनर्थ के कार्य करनेवाला, ऐसे काम करनेवाला जिनका कोई फल न हो, मिथ्याकार।

याव:कारी (یاوه کاری) तु फा स्त्री –व्यर्थ के कार्य करना, मिथ्या कर्म।

याव:गो (یاوه گو) तु फा वि –अनर्थवादी, झूठा, वाचाल, बकवासी, डींगिया, शेखीखोर।

याव:गोई (یاوه گوئی) तु फा स्त्री –अनर्थवाद, झूठ बोलना, वाचालता, बकवास करना, डींग मारना।

याव:दिरा (یاوه درا) तु फा वि –दे 'याव:गो'।

याव:दिराई (یاوه درائی) तु फा स्त्री –दे 'याव:गोई'।

याव:सरा (یاوه سرا) तु फा वि –दे 'याव:गो'।

याव:सराई (یاوه سرائی) तु फा स्त्री –दे 'याव:गोई।'

यावंद (یاوند) फा पु –राजा, बादशाह, प्राप्तकाम, सफल मनोरथ।

यावर (یاور) फा वि –सहायक, पोषक, मददगार।

यावरी (یاوری) फा स्त्री –सहायता, मदद।

यास: (یاسه) फा पु –इच्छा, अभिलाषा, आर्ज़ू, आदेश, हुक्म, राजनीति, सियासत, विधान, कानून।

यास (یاس) फा स्त्री –चमेली, नव मल्लिका।

यास (یاس) अ स्त्री –निराशा, नैराश्य, नाउम्मेदी।

यासअंगेज़ (یاس انگیز) अ फा वि –निराशा उत्पन्न करनेवाला, निराशाजनक।

यासआमेज़ (یاس آمیز) अ फा वि –निराशापूर्ण, जिसमे नाउम्मेदी हो।
यासज (یاسج) फा पु –वह वाण जिसमे फल हो, वाण का फल जिसमे दुहरी धार हो, भाला, वरछा, दुखी की हाय।
यासमन (یاسمن) अ स्त्री –दे 'यासमीन'।
यासमी (یاسمیں) अ स्त्री –'यासमीन' का लघु, दे 'यासमीन'।
यासमीइज़ार (یاسمیں عذار) अ वि –जिसके गाल फूल-जैसे कोमल, मृदुल और सफेद हो।
यासमींबू (یاسمیں بو) अ फा वि –चमेली-जैसी सुगंध रखनेवाला (वाली)।
यासमीरुख (یاسمیں رخ) अ फा वि –दे 'यासमी इज़ार'
यासमींरू (یاسمیں رو) अ फा वि –दे 'यासमी इज़ार'।
यासमीन (یاسمین) अ स्त्री –चमेली का फूल, नव-मल्लिका।
यासमून (یاسمون) अ स्त्री –दे 'यासमीन'।
यासा (یاسا) तु पु –मृतशोक, मातम, वध, हिंसा, कत्ल, लूटमार, प्रतिहिंसा, खून का वदला।
यासान (یاسان) फा पु –योग्य, पात्र, लाइक।
यासिम (یاسم) अ स्त्री –दे 'यासमीन'।
यासीन (یاسین) अ स्त्री –कुरान की एक सूरत, जो मरते समय मुसलमान को सुनायी जाती है।
यासीनख्वाँ (یاسین خواں) अ फा वि –यासीन पढनेवाला, मरते समय यासीन सुनाने वाला।
या'सूब (یعسوب) अ पु –शहद की मक्खियो का राजा, अपनी जाति का सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति, जिसकी आज्ञा का पालन सब करे।
याह याह (یاہ یاہ) अ अव्य –ऊँट हाँकते समय वोला जाने-वाला शब्द।
याहू (یاہو) फा पु –एक कबूतर, जो 'याहू याहू' वोलता है।

यि

यिमः (یمہ) तु स्त्री –भोजन, खुराक।
यिर्लीग़ (یرلیغ) तु पु –राजादेश, राजाज्ञा, फर्मान।

यी

यील (ییل) तु पु –वर्ष, वत्सर, साल।
यीलाक (ییلاق) तु पु –ग्रीष्म काल मे रहने का ठडा स्थान
यीलान (ییلان) तु पु –सर्प, साँप।

यु

युक (یوق) तु वि –समीप, निकट, नज़दीक।
युग़ला (یغلا) अ पु –तलने की छोटी कडाही, फ्राईपैन।
युवूसत (یبوست) अ स्त्री –शुष्कता, खुश्की, सूखापन, मिज़ाज की खुश्की, तासीर की खुश्की।
युब्स (یبس) अ पु –दे 'युवूसत'।
युब्सेवत्न (یبس بطن) अ पु –पेट की खुश्की, अर्थात् कोष्ठ-वद्धता, कब्ज़।
युम्किन (یمکن) अ वि –सभव है, मुम्किन है।
युम्न (یمن) अ पु –कल्याण, शुभ कारिता, सआदत।
युम्ना (یمنیٰ) अ स्त्री –सीधे ओर की, सीधे पक्ष की।
युराश (یراش) फा पु –प्रस्थान, कूच, खानगी, ध्यान, खयाल, तवज्जोह।
युरुश (یورش) तु स्त्री –आक्रमण, धावा, चढाई, युद्ध मे जाने के लिए घोडे पर चढना, शीघ्रता करना।
युर्त (یرت) तु स्त्री –पडाव, ठहराव, मज़िल, आवास, कियामगाह; गृह, घर, मकान।
युर्तगः (یرتگہ) तु पु –घर, गेह, मकान; चौकी, पडाव, महल्ला।
युल (یول) तु पु –पथ, मार्ग, राह, रस्ता।
युलची (یول چی) तु वि –पथप्रदर्शक, राहवर, पथिक, मुसाफिर; हरकारा, क़ासिद; रस्ते मे वैठकर भीख माँगने-वाला।
युल्मः (یلمہ) तु पु –पशुओ को नाँद मे खिलायी जाने-वाली वस्तु, सानी।
युवाश (یواش) तु पु –सधाया हुआ मृदु चाल चलने-वाला घोडा, जो वड़े लोगो की सवारी के योग्य हो।
युसुर (یسر) अ पु –सुगम होना, आसान होना, जुआ खेलना, द्यूत-कर्म।
युस्र (یسر) अ पु –सुगमता, सरलता, आसानी, जुआ खेलना, क़िमारवाजी।

यू

यूक (یوک) फा स्त्री –वह पोटली, जिस पर नान रखकर तनूर मे लगाते है।
यूजः (یوجہ) फा पु –वूँद, विंदु, क़त्रा।
यूज़ः (یوزہ) फा पु –पेड का तना, पेड़ी, स्कंध।
यूज़ (یوز) फा पु –चीता, एक प्रसिद्ध हिंसक जतु; खोज, जिज्ञासा, तलाश।
यूज़ (یوز) तु वि –एक सौ, शत।

यूज़क (یوزک) फा पु –छोटा चीता, चीते का बच्चा, एक शिकारी कुत्ता जो शिकार की बू पाकर उसका पीछा करता है।

यूज़बाशी (یوزباشی) तु पु –सौ सवारो का अध्यक्ष।

यूज़ीदः (یوزیدہ) फा वि –ढूँढा हुआ, तलाश किया हुआ, जिज्ञासित; बुलाया हुआ, आहूत।

यूनान (یونان) अ पु –यूरोप का एक प्रसिद्ध देश जहाँ के वैज्ञानिक लोग सारे ससार के मान्य हुए है, और आज साइस की जितनी उन्नति है, इसकी पहली ज्योति वही जगी थी, अब से तीन हज़ार वर्ष पूर्व यह स्थान विद्या का घर था।

यूनानी (یونانی) अ वि –यूनान का निवासी, यूनान की भाषा, एक चिकित्सा पद्धति।

यूनुस (یونس) अ पु –एक पैगम्बर, यह शब्द 'यूनस' और 'यूनिस' भी है।

यूफ़ी (یوفی) फा वि –बकवासी, वाचाल, मुखर।

यूसुफ (یوسف) अ पु –एक पैगम्बर जो अत्यत सुन्दर थे।

यूसुफजबी (یوسف جبیں) अ वि –युसूफ-जैसा माथा रखनेवाला (वाली) अर्थात् बहुत ही सुदर।

यूसुफजमाल (یوسف جمال) अ वि –युसुफ-जैसा सौन्दर्य रखनेवाला (वाली)।

यूसुफतल्अत (یوسف طلعت) अ वि –दे 'यूसुफजमाल'।

यूसुफतिम्साल (یوسف تمثال) अ. वि –दे 'यूसुफ़जमाल'।

यूसुफशमाइल (یوسف شمائل) अ वि –यूसुफ-जैसे स्वभाव-वाला

यूसुफसिफात (یوسف صفات) अ वि –युसुफ-जैसे गुणोवाला।

यूसुफे सानी (یوسف ثانی) अ पु –जो देखने में विलकुल यूसुफ जान पडे, अत्यत सुन्दर, यूसुफ का जोड।

यूह (یوح) अ पु –सूर्य, रवि, सूरज।

यो

योग़ (یوغ) फा पु –बैल की गर्दन पर रखा जानेवाला जुआ।

योयः (یویہ) फा पु –इच्छा, इरादा, सकल्प, अज़्म।

यौ

यौम (یوم) अ पु –दिन, दिवस, दिवा।

यौमन फ यौमन (یوماً فیوماً) अ अव्य –दिन प्रतिदिन, रोजब रोज, धीरे-धीरे, क्रमश

यौमियः (یومیہ) अ वि –दैनिक, रोजाना, हररोज़, प्रतिदिन, रोजीना, रोज मिलनेवाला धन या खुराक।

यौमीय (یومیہ) अ वि –दे 'यौमिय', शुद्ध उच्चारण यही है, परंतु बहुत कम बोला जाता है।

यौमुत्तनाद (یوم التناد) अ पु – दे 'यौमुलकियामत'।

यौमुन्नुशूर (یوم النشور) अ पु –दे 'यौमुलकियामत'।

यौमुलअर्बआ (یوم الاربعا) अ पु –बुधवार।

यौमुलअहद (یوم الاحد) अ पु –रविवार, इतवार।

यौमुल इस्नैन (یوم الاثنین) अ पु –सोमवार, पीर।

यौमुलक़ियामत (یوم القیامت) अ पु –कियामत का दिन, जब मुर्दे कब्रो से निकलकर उठ खडे होगे, वह सब एक बडे मैदान मे एकत्र होगे और उनके कर्मों का हिसाब-किताब होगा, और दड अथवा पुरस्कार दिया जायगा।

यौमुलख़मीस (یوم الخمیس) अ पु –बृहस्पतिवार, जुमेरात।

यौमुलजज़ा (یوم الجزا) अ पु –दे 'यौमुलकियामत'।

यौमुलबाहूर (یوم الباحور) अ पु –'बोहरान' का दिन, यूनानी चिकित्सा में इस सिद्धात के अनुसार युद्धवाला दिन। इस दिन प्रकृति और रोग मे युद्ध होता है, जब प्रकृति जीत जाती है तो रोग नष्ट हो जाता है और रोग जीत जाता है तो मृत्यु हो जाती है। इस युद्ध को 'बोहरान' कहते है।

यौमुलहश्र (یوم الحشر) अ पु –दे 'यौमुलकियामत'।

यौमुलहिसाब (یوم الحساب) अ पु –दे 'यौमुल-कियामत'।

यौमुस्सब्त (یوم السبت) अ पु –शनिवार, शनीश्चर।

यौमुस्सल्सा (یوم الثلثا) अ पु –मगलवार, मगल।

यौमे आज़ादी (یوم آزادی) अ फा पु –स्वतत्रता दिवस।

यौमे वफात (یوم وفات) अ पु –मरने का दिन।

यौमे विलादत (یوم ولادت) अ पु –जन्म लेने का दिन, जिस दिन जन्म हो, जन्म-दिन।

यौमे हुसैन (یوم حسین) अ पु –हज़्रत हमाम हुसैन की शहादत के दिन का उत्सव।

र

रंग (رنگ) फा पु –चीज़ो का रग, वर्ण, रगने का मसाला, रग, आनद, लुत्फ, हर्ष खुशी, शोभा, रौनक, पद्धति, तर्ज़, भोग-विलास, ऐश, आचार व्यवहार, रग-ढग, होली का अबीर और गुलाल आदि, वदन या चेहरे की रगत, वर्ण, विचित्र स्थिति या हालत,—"वह रग होगा हश्र को मुन्ताके यार का, जैसे कि ईद को हो रुखे रोज़ा-दार सुर्ख।

रगअंदाज (رنگ انداز) फा वि –रग डालनेवाला, रग छिडकनेवाला (वाली)।

रगअदाज़ी (رنگ اندازی) फा स्त्री –रग छिडकना।

रगअफ्शाँ (رنگ افشاں) फा वि –रग फैलानेवाला (वाली)

रंगअफ़्शानी (رنگ افشانی) फा. स्त्री.–रग विखेरना, रग फैलाना।

रंगआमेज़ (رنگ آمیز) फा. वि.–रग भरनेवाला, अर्थात् चित्रकार, नक़्काश।

रंगआमेज़ी (رنگ آمیزی) फा. स्त्री.–चित्र-कर्म, नक्काशी, अतिरजन, अत्युक्ति, मुबालग ।

रंगत (رنگت) अ स्त्री –रग, वर्ण, दशा, हालत, तौर तरीका, रग-ढग; शोभा, रौनक, आनद, लुत्फ, मजा, बदन या चेहरे का रग, वर्ण।

रंगतरः (رنگترہ) फा पु –सतरा, मीठी नारगी।

रंगदार (رنگدار) फा. वि –रगा हुआ, रजित।

रंगपरीदः (رنگ پریدہ) फा वि –उडे हुए रगवाला, फीके रगवाला, जिसका रग भय या लज्जा से उड गया हो।

रंगपरीदगी (رنگ پریدگی) फा स्त्री –रग का फीका पड जाना; लज्जा या भय से चेहरे का रग उड जाना।

रंगपाश (رنگ پاش) फा वि.–रग छिडकनेवाला (वाली)।

रंगपाशी (رنگ پاشی) फा स्त्री –रग छिडकना, होली आदि खुशी के अवसर पर एक-दूसरे पर रग डालना।

रंगफ़रोश (رنگ فروش) फा वि –रग वेचनेवाला।

रंगफरोशी (رنگ فروشی) फा स्त्री –रग वेचने का काम।

रंगफिशाँ (رنگ فشاں) फा. वि –'रगअफ्शाँ' का लघु, दे 'रगअफ़्शाँ'।

रंगफिशानी (رنگ فشانی) फा स्त्री –'रग अफ्शानी' का लघु, दे 'रगअफ़्शानी'।

रंगबरंग (رنگ برنگ) फा वि –चित्र-विचित्र, रगारंग।

रंगबस्त (رنگ بست) फा वि –पक्का रग।

रंगबार (رنگ بار) फा. वि.–दे 'रगपाश'।

रंगबारी (رنگ باری) फा स्त्री –दे 'रगपाशी'।

रंगमहल (رنگ محل) फा अ पु –बडे लोगो के भोग-विलास का स्थान, ऐशगाह।

रंगरज़ (رنگرز) फा वि –रगनेवाला, कपडे रँगनेवाला, रँगरेज़।

रंगरेज़ (رنگریز) फा वि –चित्रकार, चितेरा, रँगनेवाला, रँगरेज़, कपडे रँगनेवाला।

रंगशिकस्तः (رنگ شکستہ) फा. वि –जिसका रग फीका पड गया हो, उतरे हुए रगवाला।

रंगसाज़ (رنگساز) फा वि –रग वनानेवाला; रँगनेवाला, पेंटर।

रंगसाज़ी (رنگسازی) फा स्त्री –रग बनाने का काम, रँगने का काम, पेंटरी।

रगारंग (رنگارنگ) फा वि –रग-वरगी, चित्र-विचित्र।

रंगीं (رنگیں) फा वि.–'रगीन' का लघु, दे. 'रगीन'।

रंगींअंदाम (رنگیں اندام) फा वि.–गोरे शरीरवाला, गौरवर्ण।

रंगींअदा (رنگیں ادا) फा वि –सुदर अदाओवाला (वाली)।

रंगींअदाई (رنگیں ادائی) फा स्त्री –प्रेमिका की सुदर अदाओ का भाव।

रंगींइज़ार (رنگیں عذار) फा अ वि –सुर्ख़ गालोवाला, (वाली)।

रंगींइज़ारी (رنگیں عذاری) फा अ स्त्री –गोरापन, गालो की सुर्ख़ी।

रंगींक़ामत (رنگیں قامت) फा वि –दे 'रगींअंदाम'।

रंगींचेह्रः (رنگیں چہرہ) फा अ वि –रूपवान्, सुन्दर मुखवाला (वाली)।

रंगींजमाल (رنگیں جمال) फा अ वि –गोरे रगवाला, गौरवपूर्ण।

रंगींतकल्लुम (رنگیں تکلم) फा अ वि.–जिसकी बातचीत वहुत ही सुन्दर और श्रुतिप्रिय हो।

रंगींतवस्सुम (رنگیں تبسم) फा अ वि –जिसकी मुस्कुराहट मे मुँह से फूल झडते हो।

रंगींतब्अ (رنگیں طبع) फा अ वि –खुशमिज़ाज, जिंद दिल, विनोद रसिक, ऐयाश या शराबी।

रंगींतरन्नुम (رنگیں ترنم) फा. अ वि –जिसका गला बहुत ही सुन्दर हो।

रंगींनग़्मः (رنگیں نغمہ) फा वि –मधुर स्वरवाला (वाली) कलकंठ।

रंगींनज़र (رنگیں نظر) फा अ. वि –जिसकी दृष्टि केवल अच्छी चीजो पर पडे, जो सौंदर्य को देखता हो।

रगींनज़री (رنگیں نظری) फा अ स्त्री –सौंदर्य को देखना, अच्छी चीजो पर नजर डालना।

रगींनवा (رنگیں نوا) फा वि –अच्छी आवाज़वाला (वाली) कलकठ, मधुरस्वर।

रंगींनवाई (رنگیں نوائی) फा स्त्री –आवाज़ अच्छी होना, कलकठता, स्वरमाधुर्य।

रंगींनिगाह (رنگیں نگاہ) फा वि –दे 'रगीनज़र'।

रंगींनिगाही (رنگیں نگاهی) फा. स्त्री –दे 'रगीनज़री'।

रंगींमश्रब (رنگیں مشرب) फा अ वि –ऐयाशी और शराबनोशी करनेवाला, रँगीला, रसिया।

रंगींमिज़ाज (رنگیں مزاج) फा अ वि –हुस्नपरस्त, अच्छी सूरतो का कद्रदान; शराबनोश, रसाशी।

रगींमिजाजी (رنگیں مزاجی) फा अ स्त्री –हुस्नपरस्ती, शराबनोशी ।

रंगींरुख (رنگیں رخ) फा वि –रूपवान्, सुदर, हसीन (पुरुष अथवा स्त्री) ।

रंगींलब (رنگیں لب) फा वि –लाल होठोवाली, सुदर होठोवाली नायिका ।

रंगींला'ल (رنگیں لعل) फा वि –दे 'रगीलब' ।

रंगींलिबास (رنگیں لباس) फा अ वि –रग-बरगी कपडे पहननेवाला (वाली) ।

रंगींलिबासी (رنگیں لباسی) फा अ स्त्री –रग-बरगी कपडो का शौक ।

रंगीन (رنگین) फा वि –रँगा हुआ, रजित, विनोदप्रिय, खुशमिजाज; चित्रित, मुनक्कश, शोभित, खुशनुमा, चपल, चुलबुला, शोख, शराब-कबाब और भोग विलास का शौक़ीन, विलासप्रिय ।

रंगीनिए अदा (رنگینئی ادا) फा स्त्री –अदाओ का सौंदर्य ।

रंगीनिए ग़ाजः (رنگینئی غازہ) फा स्त्री –मुख पर मलने के पाउडर का रग ।

रंगीनिए जमाल (رنگینئی جمال) फा अ स्त्री –सुदरता की विचित्रता रूप का सौंदर्य ।

रंगीनिए तकल्लुम (رنگینئی تکلم) फा अ स्त्री –बातचीत का माधुर्य, वार्तालाप का रस ।

रंगीनिए तखातुब (رنگینئی تخاطب) फा अ. स्त्री –सबोधन का माधुर्य, प्रेयसी का प्रेमी की ओर मुखातब होने का माधुर्य ।

रगीनिए तबस्सुम (رنگینئی تبسم) फा अ स्त्री –मुस्कान का माधुर्य और सौंदर्य ।

रंगीनिए नज़र (رنگینئی نظر) फा अ स्त्री –दृष्टि का अच्छी चीज़ पर पडने का भाव ।

रंगीनिए निगाह (رنگینئی نگاہ) फा स्त्री –दे 'रगीनिए नज़र' ।

रंगीनिए बहार (رنگینئی بہار) फा स्त्री –वसत ऋतु की छटा और शोभा, बहार की रगारगी ।

रंगीनिए माहौल (رنگینئی ماحول) फा अ स्त्री –वातावरण का सौदर्य, आस-पास का रूप और सुदरता का वातावरण ।

रगीनिए रुख़ (رنگینئی رخ) फा स्त्री –मुखच्छटा, चेहरे का सौंदर्य और गुलाबीपन ।

रंगीनिए लब (رنگینئی لب) फा स्त्री –होठो की लाली, होठो का रस ।

रंगीनिए लिबास (رنگینئی لباس) फा अ. स्त्री –कपडो की रगीनी और सुदरता ।

रंगीनिए शबाब (رنگینئی شباب) फा अ स्त्री –यौवन का सौंदर्य, यौवन का निखार, यौवन का जोश ।

रगीनिए शराब (رنگینئی شراب) फा अ स्त्री –शराब की रगीनी, शराब का नशा; शराब की मस्ती ।

रंगीनिए सहबा (رنگینئی صہبا) फा स्त्री –दे 'रगीनिए शराब' ।

रंगीनिए हया (رنگینئی حیا) फा अ स्त्री –लज्जा का सौदर्य, प्रेमिका के मुँह छिपाने या आँखे नीची करने की छटा ।

रंगीनिए हयात (رنگینئی حیات) फा अ स्त्री –जीवन का रूप और सौंदर्य या भोग-विलास के बीचमे गुज़रना ।

रंगीनिए हुस्न (رنگینئی حسن) फा अ स्त्री –सुदरता की विचित्रता और रगीनी ।

रंगीनी (رنگینی) फा वि –रगा हुआ होना, मस्ती, उन्माद; शोभा, छटा, ऐश, भोग-विलास ।

रगे गुल (رنگ گل) फा पु –फूल का रग, गुलाब की लाली; फूल की ताजगी और हरा-भरापन, वसत ऋतु की रगीनी ।

रंगे परीदः (رنگ پریدہ) फा पु –उडा हुआ रग, उतरा हुआ रग, फीका रग ।

रंगे बहार (رنگ بہار) फा पु –वसत ऋतु की छटा, हर तरफ फूलो की शोभा ।

रगे बादः (رنگ بادہ) फा पु –दे 'रगे शराब' ।

रंगे मीना (رنگ مینا) फा पु –शराब के शीशे का सुदर रग जो शराब के कारण हो जाता है ।

रंगे मै (رنگ مے) फा पु –दे 'रगे शराब' ।

रगे शिकस्तः (رنگ شکستہ) फा पु –हलका रग, उतरा हुआ रग, फीका रग ।

रगे शीशः (رنگ شیشہ) फा पु –शराब की बोतल का रग जो शराब के कारण हो जाता है ।

रगे हुस्न (رنگ حسن) फा अ पु –हुस्न की शोभा और छटा ।

रंगो बू (رنگ و بو) फा पु –फूलो का रग और उनकी सुगध ।

रंगोरौग़न (رنگ و روغن) फा पु –रूप और छटा, हुस्न और आबोताब, लकडी आदि का रग और वारनिश ।

रजः (رنجہ) फा पु –कष्ट, क्लेश, तक्लीफ, दुख, शोक, गम ।

रजःख़ातिर (رنجہ خاطر) फा. अ वि –दुखित हृदय, मनस्तप्त, खिन्न, रंजीदा दिल ।

रंज (رنج) फा पु –कष्ट, तक्लीफ, दुख, रज, विपत्ति, मुसीबत, आघात, सद्म, पीडा, दर्द, शोक, ग़म; मृत-शोक, मातम ।

रंजे उल्फत (رنج الفت) फा स्त्री –प्रेम-वेदना, प्रणय-पीडा,

उदा.—"रजे उल्फत में भी हँस-हँस के सहर करते हैं, हम हैं वह फूल जो काँटो में बसर करते हैं।"

रंजअफ़्ज़ा (رنج افزا) फा वि —दु ख बढानेवाला, कष्टवर्द्धक।

रंजआगीं (رنج آگیں) फा. वि —दु ख से भरा हुआ, दु खपूर्ण।

रंजआश्ना (رنج آشنا) फा वि —दे. 'रजाश्ना'।

रंजकशीदः (رنج کشیده) फा. वि —जिसने दु ख उठाया हो, जो दु ख उठा चुका हो।

रंजज़ा (رنج زا) फा वि —दु ख पैदा करनेवाला, कष्टजनक, दु.खोत्पादक।

रंजदिहिंदः (رنج دهنده) फा वि —कष्ट देनेवाला, कष्ट-दायक, दु खदायी।

रंजदीदः (رنج دیده) फा वि —जिसने कष्ट और दु ख उठाया हो, उत्तप्त।

रंजदेह (رنج ده) फा वि —कष्टदायक, दु खदायी, रज देने-वाला।

रंजफिज़ा (رنج فزا) फा वि.—'रजअफ्ज़ा' का लघु, दे 'रजअफ्ज़ा'।

रंजाश्ना (رنج آشنا) फा. वि —दे 'रजदीद'।

रंजिश (رنجش) फा. स्त्री —वैमनस्य, मनोमालिन्य, मन-मुटाव, नाराज़ी, अप्रसन्नता, खफगी।

रंजिशे बेजा (رنجش بیجا) फा स्त्री —विना कारण का वैमनस्य, अकारण क्रोध, फुज़ूल की खफगी।

रंजीदः (رنجیده) फा. वि —दु खित, संतप्त, ग़मगीन।

रंजीदःख़ातिर (رنجیده خاطر) फा अ. वि —दु खित हृदय, मनस्तप्त, गमगीन।

रंजीदःदिल (رنجیده دل) फा वि —दु खित हृदय, ग़मगीन।

रंजीदःदिली (رنجیده دلی) फा स्त्री —हृदय का दु खित होना, गमगीनी।

रंजीदगी (رنجیدگی) फा स्त्री —सताप, दु ख, रज, ग़म।

रंजीदनी (رنجیدنی) फा वि —दु ख मनाने योग्य, दु खित होने योग्य।

रंजूर (رنجور) फा. वि —दु खित, ग़मगीन, रुग्ण, रोगी, बीमार।

रंजूरी (رنجوری) फा. स्त्री.—दु.ख, कष्ट, गम, आमय, रोग, बीमारी।

रंजोअलम (رنج و الم) फा. अ. पु —शोक और दु ख, बहुत अधिक शोक।

रंजोग़म (رنج و غم) फा अ पु.—कष्ट और दु ख, हर प्रकार के कष्ट।

रंजोतअब (رنج و تعب) फा अ पु —कष्ट और थकन, परिश्रम और थकावट।

रंजोमिहन (رنج و محن) फा अ पु —कष्ट और प्रयास, मेहनत और रज।

रंदः (رنده) फा पु —बढई का लकड़ी पर रदा करने का यंत्र।

रआया (رعایا) अ स्त्री —'रईयत' का बहु, प्रजा, जनता, पब्लिक।

रआयापर्वर (رعایاپرور) अ फा वि —रईयत को पालने वाला, प्रजापालक, अर्थात् राजा, नरेश।

रईयत (رعیت) अ स्त्री —प्रजा, रिआया, जनता, अवाम।

रईयतनवाज़ (رعیت نواز) अ फा वि —प्रजा पर दया करने-वाला, प्रजाप्रोषक।

रईयतपर्वर (رعیت پرور) अ फा वि —प्रजा को पालने और परवरिश करनेवाला, प्रजापाल।

रईस (رئیس) अ वि —अध्यक्ष, सरदार; शासक, फ़र्मा-रवा, धनाढ्य, मालदार।

रईसज़ादः (رئیس زاده) अ फा पु —रईस का लडका।

रईसे आ'ज़म (رئیس اعظم) अ पु —सबसे बडा रईस।

रऊफ़ (رؤف) अ वि —बहुत अधिक दया और अनुकपा करनेवाला, (पु) ईश्वर का एक नाम।

रक़बः (رقبه) अ पु —गर्दन, ग्रीवा।

रकम (رقم) अ. स्त्री —लिखना, मदद, अक, रुपया-पैसा, धन, माल, (प्रत्य) लिखनेवाला, जैसे—'ज़ूदरकम' अर्थात् तेज़ लिखनेवाला।

रक़मज़न (رقم زن) लेखक, लिखनेवाला, लिपिक।

रकमतराज़ (رقم طراز) अ. फा वि —दे. 'रक़मज़न'।

रकमपिज़ीर (رقم پزیر) अ. फा वि —लिखित, लिखा हुआ।

रकमसंज (رقم سنج) अ. फा वि —'दे 'रकमज़न'।

रकमी (رقمی) अ. वि —लिखित, लिखा हुआ, अकित, निशान किया हुआ।

रकाइम (رقائم) अ पु —'रकीम' का बहु, लिखित पत्र।

रकाकत (رکاکت) अ. स्त्री —अधमता, तुच्छता, कमीनगी, तिरस्कार, बेइज़्ज़ती।

रकाबत (رقابت) अ स्त्री —एक नायिका के दो प्रेमियो की परस्पर लाग-डाँट; एक पुरुष की दो चाहनेवालियो में परस्पर डाह।

रक़ीक़ (رقیق) अ वि —पतला, तरल, कोमल, मुलाइम; द्रवीभूत, पिघला हुआ।

रकीक (رکیک) अ. वि —अधम, तुच्छ, कमीना।

रकीकुलकल्ब (رقیق القلب) अ वि —जिसका हृदय बहुत ही कोमल हो, जो दूसरो के दु ख पर तुरत ही पिघल जाय।

रकीकुलहरकात (رکیک الحرکات) अ वि —जो बहुत तुच्छ प्रकृति का हो और ओछे काम करे।

रकीन (رکین) अ वि —दृढ, मज़्बूत।
रक़ीब (رقیبہ) अ स्त्री —वह स्त्री जो किसी पुरुष से प्रेम रखने के सम्बन्ध मे दूसरी स्त्री से डाह रखती हो।
रक़ीब (رقیب) अ पु —किसी स्त्री से प्रेम करनेवाले दो व्यक्ति परस्पर रकीब होते है।
रक़ीम. (رقیمہ) अ वि —लिखित काग़ज़, पत्र, खत।
रक़ीम (رقیم) अ वि —लिखित, लिखा हुआ।
रकीमए नियाज़ (رقیمۂ نیاز) अ फा वि —आवेदनपत्र, विनयपत्र, आजिज़ानाखत।
रक्अत (رکعت) अ स्त्री —नमाज़ में एक क़याम (खडा होना) एक रुकूअ (झुकना) और दो सज्दो (ज़मीन पर माथा टेकना) का मजमूअ।
रक्क़ास. (رقاصہ) अ स्त्री —नर्तकी, लासिका, नाचनेवाली।
रक्क़ास (رقاص) अ. पु —नर्तक, नाचनेवाला, ताडवी।
रक्क़ासे फ़लक (رقاص فلک) अ पु —शुक्र ग्रह, ज़ोहरा।
रक्बः (رقبہ) अ पुं —ज़मीन की नाप, क्षेत्रफल; क्षेत्र, इलाका।
रक़्स (رقص) अ पु —ताडव, मर्द का नाच, लास्य, स्त्री का नाच, नृत्य, नर्तन, आम नाच।
रक्सकुनाँ (رقص کناں) अ. फा वि —नाचता हुआ।
रक़्सख़ानः (رقص خانہ) अ फा पु —दे 'रक्सगाह'।
रक्सगाह (رقص گاہ) अ फा स्त्री —नाटयशाला, नाचघर।
रक्सपसंद (رقص پسند) अ फा वि —जिसे नाचना पसद हो, जिसे नाच देखना पसद हो।
रक्साँ (رقصاں) अ फा वि —नाचता हुआ, नृत्य करता हुआ।
रक्सिंदः (رقصندہ) अ फा वि —नाचनेवाला, नर्तन-कर्ता।
रक्सीदः (رقصیدہ) अ फा वि —नाचा हुआ, जिसने नाच किया हो, जो नाचा हो।
रक्सीदनी (رقصیدنی) अ फा वि —नाचने के लाइक़, जिसका नाचना अच्छा हो।
रक्से ताऊस (رقص طاؤس) अ फा पु —एक नाच, मोर-नाच।
रक्से पैहम (رقص پیہم) अ फा पु —बराबर नाच, ऐसा नाच जो खत्म न हो।
रक़्से फानूस (رقص فانوس) अ फा पु —कदील के अंदर तस्वीरो का नाच।
रक़्से बिस्मिल (رقص بسمل) अ फा पु —आधा वध किया हुआ प्राणी का जमीन पर तडपना और लोटना।
रक़्से मुसलसल (رقص مسلسل) अ पु —दे 'रक्से पैहम'।
रक़्सोसुरोद (رقص وسرود) अ फा पु —नाचगाना, नाचरग।
रख़ावत (رخاوت) अ स्त्री —शिथिलता, ढीलापन, मदता, सुस्ती।
रख़ीम (رخیم) अ वि —जिसका स्वर धीमा हो, नर्म आवाज़वाला, संयमी, निग्रही, ज़ाहिद।
रख़ीस (رخیص) अ वि —मदा, सस्ता, कम दामो का।
रख़्त (رخت) फा पु —अस्वाव, उपकरण, सामान, वसन, वस्त्र, लिवास।
रख़्तकश (رخت کش) फा वि —अस्वाव उठानेवाला, अस्वाव लेकर चलनेवाला, अर्थात् मुसाफिर, पथिक।
रख़्ते सफर (رخت سفر) फा अ पु —यात्रा के लिए आवश्यक सामान और अस्वाव।
रख़्नः (رخنہ) फा पु —छिद्र, सूराख़, दोष, ऐब, हस्तक्षेप, मुज़ाहमत, बाधा, रोक, झगड़ा, टटा, कलह, उपद्रव, फसाद।
रख़्न.अदाज़ (رخنہ انداز) फा वि —हस्तक्षेप करनेवाला, बाधा डालनेवाला।
रख़्न.अदाज़ी (رخنہ اندازی) फा स्त्री —हस्तक्षेप करना, बाधा डालना, अडचन पैदा करना।
रख़्नःबदी (رخنہ بندی) फा स्त्री —छेद बंद करना, झगडा खत्म करना, बाधा हटाना।
रख़्श. (رخشہ) फा पु —आग की लपट, अग्निवाला, अग्निशिखा।
रख़्श (رخش) फा पु —घोडा, अश्व, किरण, शुआअ, प्रभा, चमक।
रख़्शाँ (رخشاں) फा वि —चमकता हुआ, दीप्त, प्रकाशमान।
रख़्शिंद. (رخشندہ) फा वि —चमकनेवाला।
रख़्शिंदगी (رخشندگی) फा स्त्री —चमक, आभा, प्रभा, प्रकाश।
रख़्शीद. (رخشیدہ) फा वि —दीप्त, प्रकाशित, प्रज्ज्वलित, चमका हुआ।
रग (رگ) फा स्त्री —स्नायु, नस, नाडी, शिरा, खन की नाली।
रगज़न (رگ زن) फा पु —फस्द खोलनेवाला, निश्तर से खून निकालनेवाला, फस्साद, रक्तमोचक।
रगज़नी (رگ زنی) फा स्त्री —फस्द खोलना, रगो से खून निकालना, रक्तमोक्षण।
रगबद (رگ بند) फा वि —पट्टी, ज़ख्म पर बाँधने का कपडा आदि।
रग़ीफ (رغیف) अ स्त्री —वटी, टिकिया, रोटी, रोटिका।
रग़ीब (رغیب) अ वि —लोभी, लोलुप, लालची, इच्छुक, ख़्वाहिशमंद।

रगे अब्र (رگ ابر) फा स्त्री –बादल की स्याह धारी।
रगे गर्दन (رگ گردن) फा स्त्री.–गर्दनवाली खून की रग, अहकार, अभिमान, घमड।
रगे ग़ैरत (رگ غیرت) फा अ. स्त्री.–स्वाभिमान, खुददारी।
रगे जां (رگ جاں) फा स्त्री.–सबसे बडी खून की रग जो दिल में जाती है।
रगे तंबूर (رگ تنبور) फा स्त्री.–सितार का तार।
रगोपै (رگ و پے) फा पु –सारा शरीर, नस और पट्ठे।
रगोरेशः (رگ و ریشہ) फा पु –स्वभाव, प्रकृति; भीतरी हालात।
रग़्बत (رغبت) अ स्त्री –इच्छा, अभिलाषा, चाह, रुचि, अभिरुचि, दिलचस्पी।
रग़्म (رغم) अ पु –विपरीत, उलटा।
रजः (رجہ-رژہ) फा स्त्री –अलगनी, कपडे आदि टाँगने की रस्सी।
रज़ (رز) फा पु.–दाक्षा, अगूर (प्रत्य.) रँगनेवाला जैसे–‘रगरज़’।
रजज़ (رجز) अ स्त्री –युद्ध-क्षेत्र में अपने कुल की शूरता और श्रेष्ठता का वर्णन; दे ‘बह्ले रजज़’।
रजब (رجب) अ पु –इस्लामी सातवाँ महीना।
रजा (رجا) अ. स्त्री –आशा, आस, उम्मेद।
रज़ाअत (رضاعت) अ स्त्री –बच्चे के दूध पीने की अवस्था।
रजाई (رجائی) अ वि –आशावादी, जिसके धर्म में निराश होना पाप हो।
रज़ालः (رذالہ) अ पु –अधम, नीच, लपट, लोफर, रज़ील।
रज़ालत (رذالت) अ स्त्री –अधमता, नीचता, कमीनापन।
रंजिदः (رزندہ) फा वि –रँगनेवाला, रजक।
रज़ी (رضی) अ वि –रुचिकर, मनोनीत, मनोवाछित, पसदीद.।
रज़ीअः (رضیعہ) अ स्त्री –दूध शरीक बहिन।
रज़ीअ (رضیع) अ पु –दूध शरीक भाई।
रजीअ (رجیع) अ पु –फेकी हुई चीज, हटायी हुई वस्तु; विष्ठा, मल, गू.।
रज़ीदः (رزیدہ) फा वि –रँगाहुआ, रजित।
रज़ीदनी (رزیدنی) फा वि –रँगने के लाइक, रजनीय।
रजीम (رجیم) अ वि –जिसे पत्थर मारे गये हो, जो भगाया गया हो, जो धिक्कृत हो।
रज़ीयः (رضیہ) अ स्त्री –राजी की गयी, प्रसन्न की गयी।
रज़ीयः (رزیہ) अ स्त्री.–विपत्ति, आपत्ति, मुसीबत।
रज़ील (رذیل) अ वि –अघम, नीच, कमीना।
रजुल (رجل) अ.पु –मनुष्य, मनुज, मानव, आदमी।
रजूम (رجوم) अ. वि –पत्थर मारकर भगानेवाला।
रज्अत (رجعت) अ. स्त्री.–वापस लौटना, प्रत्यागमन।
रज्अतपरस्त (رجعت پرست) अ. फा. वि.–दे. ‘रज्अत पसद’।
रज्अतपरस्ती (رجعت پرستی) अ फा स्त्री.–दे. ‘रज्अत-पसदी’।
रज्अतपसंद (رجعت پسند) अ फा वि –प्रतिक्रियावादी, जिसे तरक्की पसद विचार न आते हो।
रज्अतपसंदी (رجعت پسندی) अ फा स्त्री –प्रतिक्रिया-वाद, विचारो में प्रगतिशीलता का अभाव।
रजअते क़हक़री (رجعت قہقری) अ स्त्री –उलटे पाँव वापस लौटना, जहाँ से चले थे वही लौट आना, अवनति।
रज़्ज़ाक़ (رزاق) अ. वि –खाना देनेवाला, अन्नदाता, पेट भरनेवाला।
रज़्ज़ाक़ी (رزاقی) अ स्त्री –खाना देना, अन्न दान करना, भूखो का पेट भरना।
रज़्ज़ाक़े मुत्लक़ (رزاق مطلق) अ पु.–वास्तविक में सबका पेट भरनेवाला, ईश्वर।
रज्फः (رجفہ) अ पु –भूकप, भूचाल, जलजल.।
रज्फ (رجف) अ. पु –दे ‘रज्फः।
रज़्मः (رزمہ) फा पु.–गठरी, पोटली, बुग्च।
रज्म (رجم) अ पु –पत्थराव करना, पत्थर मारना, पत्थरो से मार-मारकर मार डालना।
रज़्म (رزم) फा स्त्री –युद्ध, समर, रण, जग, लडाई।
रज़्मआरा (رزم آرا) फा वि –युद्धकर्ता, लडनेवाला।
रज़्मआराई (رزم آرائی) फा स्त्री –युद्धकर्म, लडना।
रज़्मख़्वाह (رزم خواہ) फा वि –युद्ध चाहनेवाला, लडाई का इच्छुक।
रज़्मगाह (رزم گاہ) फा. स्त्री –लडाई का मैदान, युद्धक्षेत्र रगभूमि, रणस्थल, समरागण।
रज़्मपसंद (رزم پسند) फा वि –जिसे लडाई अच्छी लगे, जो चाहता हो कि जग रहे।
रज्मल लिल ग़ैब (رجما للغیب) अ. अव्य –तीर का तुक्का, अक़्ल के गद्दे, अटकलपच्चू।
रज़्मियः (رزمیہ) फा वि –युद्ध सम्बन्धी।
रज़्मी (رزمی) फा वि.–युद्ध सम्बन्धी।
रज्मे शयातीन (رجم شیاطین) अ.पु.–शैतानो को पत्थर मारना, हज का एक संस्कार।
रतीब (رطیب) अ पु –ताज़ा खजूर।
रतूबत (رطوبت) अ. स्त्री –तरी, आर्द्रता, गीलापन; शरीर की कोई धातु, शरीर के भीतर की तरी, लसीका।

रतूबते अस्लीयः (رطوبت اصلیه) अ स्त्री –शरीर के भीतर की अस्ली तरी।

रत्क़ (رتق) अ पु –बाँधना, बंधन।

रत्ब (رطب) अ वि –ताज़ा, तर।

रत्बुल्लिसान (رطب اللسان) अ वि –प्रशंसक, श्लाघी, तारीफ करनेवाला।

रत्बोयाबिस (رطب و یابس) अ पु –तर और खुश्क, गीला और सूखा, अर्थात्, सब, समस्त।

रत्ल (رطل) अ पु –एक पौंड का भार, शराब पीने का प्याला।

रत्ले गराँ (رطل گراں) अ फा पुं –बड़ा प्याला जिसमें बहुत शराब आती है।

रदः (رده) फा पु –दीवार पर रखा जानेवाला रद्दा।

रद(द्द) (رد) अ. पु –फेरना, वापस करना, खारिज करना, नापसंद करना।

रदाअ (رداع) अ पु –कीचड़, कर्दम, जलकल्क, जबाल।

रदाअत (رداعت) अ स्त्री –खराबी, विकार, दोष।

रदी (ردی) अ. वि –विकृत, दूषित।

रदीउलकैमूस (ردی الکیموس) अ पु –वह अन्न जिससे आमाशय में अच्छा रस न बने।

रदीउलहाल (ردی الحال) अ पु –दुर्दशाग्रस्त, जिसकी दशा बड़ी रद्दी हो।

रदीफ (ردیف) अ वि–पीछे चलनेवाली, (स्त्री) गज़ल में क़ाफिए के बाद आनेवाला शब्द या शब्द-समूह।

रदीफवार (ردیف وار) अ फा. वि –वह दीवान जो रदीफ के हिसाब से क्रमबद्ध किया गया हो।

रदीफोक़ाफियः (ردیف و قافیه) अ पु –ग़ज़ल का काफिय और उसके बाद की रदीफ।

रद्द. (رده) अ पु –दीवार का रद्दा।

रद्दे अमल (رد عمل) अ पु –प्रतिक्रिया, किसी कार्य के फलस्वरूप दूसरी ओर से होनेवाला जवाबी कार्य।

रद्दे क़दह (رد قدح) अ पु –शराब का पियाला न लेना, लौटा देना।

रद्दे खल्क़ (رد خلق) अ वि –तमाम संसार का ठुकराया और रद किया हुआ।

रद्दे दा'वत (رد دعوت) अ स्त्री –किसी का भोज निमंत्रण स्वीकार न करना।

रद्दे बला (رد بلا) अ पु –आपत्ति का निवारण, आयी हुई बला का टल जाना।

रद्दे सलाम (رد سلام) अ पु –सलाम का उत्तर न देना।

रद्दे सवाल (رد سوال) अ पु –किसी की माँग ठुकरा देना, भिक्षुक के सवाल पर कुछ न देना।

रद्दोकद (رد و کد) अ उभ –वाद-विवाद, कहा-सुनी, बहस-मुबाहसा।

रद्दोक़द्ह (رد و قدح) अ उभ –दे 'रद्दोकद'।

रद्दोक़बूल (رد و قبول) अ उभ –स्वीकार करना या अस्वीकार करना, लेना या लौटा देना।

रद्दोबदल (رد و بدل) अ उभ –परिवर्तन, तब्दीली।

रफ (رف) अ पु –मचान, मंच, दरवाज़े का बड़ा ताक।

रफ़ाक़त (رفاقت) अ स्त्री –मैत्री, दोस्ती, सहचरता, साथ, संगत, सोहबत, सहकारिता, एक साथ मिलकर काम करना।

रफ़ाक़ते सफर (رفاقت سفر) अ स्त्री –यात्रा या पर्यटन में साथ रहना।

रफाहत (رفاهت) अ स्त्री –सुख, चैन, आराम, कल्याण, बहबूद।

रफाहीयत (رفاهیت) अ स्त्री –दे 'रफाहत'।

रफीअ (رفیع) अ वि –उच्च, उत्तुंग, बलंद, श्रेष्ठ, विशिष्ट, उत्तम, शरीफ।

रफीउद्दरजात (رفیع الدرجات) अ वि –दे 'रफीउश्शान'।

रफीउलक़द्र (رفیع القدر) अ वि –दे 'रफीउश्शान'।

रफ़ीउलमंजलत (رفیع المنزلت) अ वि –दे 'रफीउश्शान'।

रफीउश्शान (رفیع الشان) अ वि –बहुत बड़ी शान, प्रतिष्ठा और इज़्ज़त वाला।

रफीक़ः (رفیقه) अ स्त्री –मित्र स्त्री, सहचरी, सखी।

रफीक़ (رفیق) अ पु –मित्र, सखा, दोस्त, सहचर, हमराही।

रफीक़ए जीस्त (رفیقهٔ زیست) दे 'रफीक़ए हयात'।

रफीक़ए हयात (رفیقهٔ حیات) अ. स्त्री –जीवन-संगिनी, अर्धांगिनी, भार्या, पत्नी, बीबी।

रफीक़े राह (رفیق راه) अ फा पु –दे 'रफीक़े सफर'।

रफीक़े सफर (رفیق سفر) अ पु –यात्रा का साथी, सहयात्री, सहचर।

रफू (رفو) फा उभ –एक प्रकार की सिलाई, जिसमें कटा हुआ कपड़ा बेजोड़ हो जाता है, सिलाई।

रफ़ूगर (رفوگر) फा पु –रफू का काम करनेवाला।

रफ्अः (رفعه) अ पु –'उ' की मात्रा, 'पेश' की हरकत।

रफ्अ (رفع) अ पु –उठाना, ऊँचा करना; 'उ' की मात्रा, पेश।

रफ्ए क़लम (رفع قلم) अ पु –किसी पर से कलम उठा लेना, अर्थात् उसके सम्बन्ध में कुछ न लिखना, उसका इस

क़ाबिल न रहना जिसके विषय में कुछ लिखा जाय, ऐसा व्यक्ति 'मर्फ़ूउल क़लम' कहलाता है।

रफ़ए निज़ाअ (رفع نزاع) अ पु —झगडा तै हो जाना, परस्पर विरोध मिट जाना।

रफ़ए फ़साद (رفع فساد) अ पु —लडाई खत्म हो जाना, झगडा तय हो जाना।

रफ़ए यदैन (رفع یدین) अ पु —दोनो हाथ उठाना, इमाम शाफ़िई के अनुयायियो का नमाज़ पढते समय, हर तक्बीर पर दोनो हाथ कानो तक उठाना, जिसे अन्य मुसलमान जाइज़ नही समझते।

रफ़ए शक (رفع شک) अ पु —शका-समाधान, शक दूर होना।

रफ़ए शर (رفع شر) अ. पु —लड़ाई-झगडा खत्म होना, विरोध का दूर होना।

रफ़ओजर (رفع و جر) अ पु.—पेश और ज़ेर 'उ' और 'ई' की मात्राएँ।

रफ़्ज़ (رفض) अ पु —अपने स्वामी का परित्याग, जान-जोखिम के समय स्वामी को छोड कर भाग जाना।

रफ़्तः (رفتہ) फा वि —गया हुआ, गत, विगत, मरा हुआ, मृत।

रफ़्तः रफ़्तः (رفتہ رفتہ) फा. वि —शनै-शनै, धीरे-धीरे, आहिस्त -आहिस्त।

रफ़्तःहोश (رفتہ ہوش) फा वि —जिसके होश जाते रहे हो, हतसज्ञ, बेहोश, निश्चेष्ट, संज्ञाहीन।

रफ़्तगाँ (رفتگاں) फा पु —'रफ्त' का वहु, गये हुए लोग, अर्थात् मरे हुए व्यक्ति।

रफ़्तगाने ख़ाक (رفتگان خاک) फा पु —जमीन के अदर गये हुए लोग, अर्थात् मुर्दे।

रफ़्तनी (رفتنی) फा वि —जाने के योग्य, जिसका जाना उचित हो, जो जानेवाला हो।

रफ़्तार (رفتار) फा पु —चाल, गति, ढग, तरीका, आचरण, अमल, आचार-व्यवहार, तर्ज़े अमल, प्रगति (तरक्की) या अवनति (तनज्जुल) की ओर गमन, दशा, हालत।

रफ़्तारे क़दीम (رفتار قدیم) फा. अ स्त्री —पुरानी चाल, पुरानी रविश, पुराना तरीका।

रफ़्तारे ज़मानः (رفتار زمانہ) फा. अ. स्त्री —सासारिक दशा, दुनिया की हालत।

'**रफ़्तारे वक़्त** (رفتار وقت) फा. अ स्त्री —समय की गति, समय की दशा; वर्तमान समय की माँग।

रफ़्तारे हालात (رفتار حالات) फा अ स्त्री.—अपने हालात का रुख अथवा सासारिक दशाओ की परिस्थिति।

रफ़्तारो करदार (رفتار و کردار) फा पु —आचार और व्यवहार, चाल-ढाल।

रफ़्तारो गुफ़्तार (رفتار و گفتار) फा. स्त्री —चाल-ढाल और वातचीत।

रफ़्तो गुज़श्त (رفت و گزشت) फा वि —गया-बीता हुआ, गया-गुजरा, समाप्त, खत्म।

रफ़्फ़ (رفرف) अ पु —एक बहुत तेज़ चाल का घोडा, बुराक।

रफ़ाफ़ (رفراف) अ पु —शुतुरमुर्ग, उष्ट्र पक्षी।

रफ़्ह (رفہ) अ पु —हित, भलाई, सुख, आराम, दे 'रिफ़्ह', दोनो शुद्ध है।

रब [ब्ब] (رب) अ पु —स्वामी, पति, मालिक, वडा भाई, अभिभावक, सरपरस्त, ईश्वर, परमात्मा, खुदा।

रबात (رباط) अ स्त्री.—मुसाफिरखान, सराय, पथिकाश्रय।

रबाब (رباب) फा पु —सितार के प्रकार का एक वाजा।

रबाबी (ربابی) फा वि —'रबाव' बजानेवाला।

रबीअ (ربیع) अ. स्त्री —वसत ऋतु, बहार का मौसिम।

रबीई (ربیعی) अ वि —वसत ऋतु सम्बन्धी, बहार का।

रबीउल अव्वल (ربیع الاول) अ पु —इस्लामी तीसरा महीना।

रबीउल आखिर (ربیع الآخر) अ पु —इस्लामी चौथा महीना।

रबीउस्सानी (ربیع الثانی) अ. पु —दे 'रबीउल आखिर'।

रबीबः (ربیبہ) अ स्त्री.—सौतेली लडकी, वह लडकी जो दूसरे बाप से हो, पहले व्याह की लडकी।

रबीब (ربیب) अ पु —सौतेला लडका, वह लडका जो दूसरे बाप से हो, पहले व्याह का लड़का।

रबून (ربون) अ पु —बैआना, अग्रिम धन, बियाना।

रबूबीयत (ربوبیت) अ स्त्री —स्वामित्व, मालिकीयत, ईश्वरत्व, खुदावदी।

रब्त (ربط) अ पु —लगाव, सम्बन्ध, तअल्लुक, मेल-जोल, मैत्री, दोस्ती।

रब्ते बाहम (ربط باہم) अ फा पु —परस्पर मेल-जोल और दोस्ती।

रब्तो ज़ब्त (ربط و ضبط) अ. पु —आपस का मेल-मिलाप, बैठना-उठना, मित्रता, दोस्ती।

रब्बानियत (ربانیت) अ. स्त्री.—ईश्वरत्व, खुदाई।

रब्बानी (ربانی) अ वि —ईश्वरीय, दैवी, खुदा की तरफ़ से। ग़ैबी, आस्मानी, आकस्मिक।

रब्बी (ربی) अ. वि —ईश्वरीय, ईश्वर का, खुदा की तरफ से।

रब्बुन्नौअ (رب النوع) अ. पु —देवता, फिरिश्त।

रब्बुलअर्बाब (رب الارباب) अ पु —सारे स्वामियो का स्वामी, अर्थात् ईश्वर।

रब्बुलआलमीन (رب العالمین) अ पु –सारे ब्रह्मांड का (जिसमें बहुत-से जगत् हैं) स्वामी, ईश्वर।
रब्बुलमलाइकः (رب الملائکہ) अ पु –सारे फ़िरिश्तों का स्वामी, ईश्वर।
रब्बुस्समावात (رب السماوات) अ पु –सारे आकाशों का स्वामी, ईश्वर।
रब्व (ربو) अ पु –वामन, ठिगना, छोटे डील-डौल का आदमी।
रमः (رمہ) फा. पु –भेड़-बकरी का गल्ल, रेवड़।
रम (رم) फा पु –भगदड़, भागना।
रमक़ (رمق) अ स्त्री –अत्यल्प, बहुत थोड़ा, अंतिम प्राण, थोड़ी-सी जान।
रमकर्दः (رم کردہ) फा वि –भागा हुआ, पलायित।
रमक़े (رمقے) अ. फा वि –बहुत थोड़ी मात्रा में, ज़रा-सा।
रमख़ुर्दः (رم خوردہ) फा वि –भागा हुआ, पलायित।
रमज़ान (رمضان) अ. पु –इस्लामी नवाँ महीना जिसमें मुसलमान दिन भर रोज़ा रखते और रात में तरावीह पढ़ते हैं, जिसमें महीने भर में पूरा कुरान सुनते हैं।
रमद (رمد) अ पु –आँख आना, आयी हुई आँख, आशोबे चश्म, नेत्राभिष्यंद।
रमदीदः (رمیدہ) फा. वि –भागा हुआ, पलायित, रमख़ुर्दः।
रमदे चश्म (رمد چشم) अ फा पु –आशोबे चश्म, नेत्राभिष्यंद, आयी हुई आँख।
रमल (رمل) अ स्त्री –एक विद्या जिससे भविष्य में होनेवाली घटनाएँ बता दी जाती हैं, इस विद्या का मूलाधार नुक्ते (शून्य) या बिंदियाँ हैं।
रमाद (رماد) अ स्त्री –राख, चूल्हे की राख, जले हुए ईंधन की राख, भस्म।
रमानीदः (رمانیدہ) फा वि –भगाया हुआ।
रमिंद (رمندہ) फा वि –भागनेवाला, पलायक।
रमिश (رمش) फा स्त्री –भागने का अमल, भगदड़।
रमीदः (رمیدہ) फा वि –भागा हुआ, पलायित।
रमीदगी (رمیدگی) फा स्त्री –भगदड़, पलायन।
रमीम (رمیم) अ वि –पुराना, पुरातन, जीर्ण, शीर्ण, कोहन।
रम्कः (رمکہ) अ स्त्री –घोड़ी, अश्विनी।
रम्ज़ (رمز) अ पु –संकेत, इशारा, रहस्य, भेद, राज़।
रम्ज़आगाह (رمزآگاہ) अ फा वि –दे 'रम्ज़आश्ना'।
रम्ज़आश्ना (رمزآشنا) अ फा वि –भेद जाननेवाला, भेद से वाक़िफ़, मर्मज्ञ, रहस्यवेत्ता।
रम्ज़शनास (رمزشناس) अ फा वि –दे 'रम्ज़आशना'।
रम्नः (رمنہ) फा पु –गल्ल चराने का मैदान, चरागाह, गोचर।
रम्माज़ (رماز) अ वि –गुप्तचर, भेदिया, भेद जाननेवाला, भेद बतानेवाला।
रम्माल (رمال) अ वि –'रमल' का इल्म जाननेवाला, रमलवेत्ता।
रम्माह (رماح) अ वि –बरछा चलानेवाला, बरछेबाज़।
रम्ल (رمل) अ पु –रेत, बालुका, बालू, रेग।
रवाँ (رواں) फा वि –प्रवाहित, बहता हुआ, तीक्ष्ण, धारदार, (स्त्री) प्राण, प्राण वायु, जान, रूह।
रवाँ दवाँ (رواں دواں) फा वि –ज़ोर से बहता हुआ, तेज़ी से जाता हुआ।
रवा (روا) फा वि –उचित, वाजिब, विहित, हलाल, (प्रत्य) पूरा करनेवाला, जैसे—'हाजतरवा' इच्छा पूरी करनेवाला।
रवाई (روائی) फा स्त्री –पूरी होना (आशा), रौनक, शोभा, चलन, रवाज, प्रथा, परंपरा।
रवाएह (روائح) अ पु –'राइह' का बहु, सुगंधियाँ, ख़ुशबूएँ।
रवाक़ (رواق) अ पु –मकान के ऊपर बना हुआ मकान, अट्टालिका, दे 'रुवाक़', और 'रिवाक़'।
रवाज (رواج) अ पु –प्रथा, रूढ़ि, परंपरा, परिपाटी, तरीक़ा, दस्तूर, दे 'रिवाज', दोनों शुद्ध हैं।
रवाज़िन (روازن) अ पु –'रौज़न' का बहु, सूराख़, छेद।
रवाजे ख़ानदानी (رواج خاندانی) अ फा पु –वंश-परंपरा से चला आनेवाला दस्तूर, वंश-परम्परा, पुरुषानुक्रम, रूढ़ि।
रवादार (روادار) फा वि –जो इस बात का बहुत ख़याल रखता हो कि इसकी बात से किसी का दिल न दुखे, उदारचेता, सहन करनेवाला, बरदाश्त करनेवाला।
रवादारी (رواداری) फा स्त्री —किसी का दिल न दुखे यह भावना, सहृदयता, उदारता।
रवादारानः (روادارانہ) फा वि –रवादारों-जैसा, रवादारी का।
रवानः (روانہ) फा वि –जो कहीं से चल पड़ा हो, प्रस्थित, प्रयात, भेजा हुआ, प्रेषित।
रवानः कुनिंदः (روانہ کنندہ) फा वि –भेजनेवाला, प्रेषक।
रवानगी (روانگی) फा स्त्री –प्रस्थान, प्रयाण, कूच, प्रेषण, भेजना।
रवानी (روانی) फा स्त्री –प्रवाह, बहाव, तीक्ष्णता, धार, तेज़ी, किताब आदि के पढ़ने में कहीं न अटकना, भाषण

देने या बात करने मे कही न रुकना और शुद्ध और ठीक बोलना।

रवाफ़िज़ (روافض) अ पु –'राफ़िज़ी' का बहु, समय पड़ने पर अपने स्वामी को छोड़ भागनेवाले।

रवाबित (روابط) अ पु –'राबित' का बहु, मेल-जोल, मेल-मिलाप।

रवारवी (رواروی) फा स्त्री –सरसरी, जल्दी, शीघ्रता, चल-चलाव, कूच की जल्दी।

रवारौ (رواررو) फा स्त्री.–यातायात, आना-जाना, चला-फिरी।

रवाहिल (رواحل) अ. पु –'राहिल' का बहु, सवारी के जानवर, ऊँट घोड़े आदि।

रवाहाल (رواحال) अ पु –तेज़ चलनेवाली सवारी, तेज़ ऊँट या घोड़ा।

रविंदः (روندہ) फा. वि –जानेवाला, प्रस्थान करनेवाला।

रविश (روش) फा स्त्री –आचार-व्यवहार, तर्ज़ोतरीका, पद्धति, शैली, तर्ज़, आचरण, चाल-चलन, बाग के अन्दर के पतले रास्ते।

रविशे आम (روش عام) फा अ स्त्री –आम लोगो का तरीका।

रविशे ख़ास (روش خاص) फा अ स्त्री –ख़ास लोगो का तरीका।

रवी (روی) अ स्त्री –क़ाफ़िए का अस्ली हर्फ़, जिससे पहले हर्फ़ की मात्रा का एक होना आवश्यक है। जैसे—'नज़र' और 'कमर' मे 'र' हर्फ़ रवी है और 'म' और 'ज़' दोनो अकार है।

रवीयः (رویہ) अ पु –आचार-व्यवहार, तर्ज़े अमल, आचरण, रविश, सुलूक, व्यवहार, नियम, क़ाइदा, दस्तूर।

रशद (رشد) अ. क्रि –दीक्षा, पीर की हिदायत, सन्मार्ग, सीधा और अच्छा रास्ता, दे 'रुश्द', दोनो शुद्ध है।

रशाक़त (رشاقت) अ स्त्री –शरीर का सुडौल और सुन्दर-पन, ख़ुशक़ामती।

रशाद (رشاد) अ. पु.–एक दवा, तरातेजक, हालौन; सन्मार्ग, सदाचार, नेकदिली।

रशादत (رشادت) अ. स्त्री –धर्मदीक्षा, मुर्शिद की तल्क़ीन, सन्मार्ग, राहे रास्त, सदाचार, नेक कर्दारी।

रशाशः (رشاشہ) अ पु –फुहार, छीट, स्राव, बहाव।

रशाश (رشاش) अ पु –दे 'रशाश'।

रशीद (رشید) अ वि –सन्मार्ग-प्रदर्शक, सीधा रास्ता दिखानेवाला, सन्मार्गप्राप्त, सीधा रास्ता पानेवाला, जिसने गुरु की सेवा और उसके प्रसाद से किसी विद्या या कला-विशेष मे पूरी कुशलता प्राप्त कर ली हो।

रश्क़ (رشق) अ पु –तीर चलाना, बाण चलाना, धनु-र्विद्या।

रश्क (رشک) फा. पु –किसी को हानि पहुँचाये बिना उस जैसा बनने की भावना, यह जज़्ब कि अमुक व्यक्ति ऐसा है हम क्यो नही है, हमे भी वैसा होना चाहिए, 'रश्क' और 'हसद' मे यही फ़र्क है, 'हसद' मे केवल व्यक्ति अपने लिए चाहता है दूसरे को नही देख सकता।

रश्कआमेज़ (رشک آمیز) फा. वि –रश्क से भरा हुआ, जिसमें रश्क हो।

रश्कीं (رشکیں) फा. वि –रश्क करनेवाला।

रश्के परी (رشک پری) फा वि –परी के सौन्दर्य को लज्जित करनेवाली नायिका।

रश्के माह (رشک ماہ) फा स्त्री –चाँद की प्रभा को मन्द कर देनेवाले मुखवाली नायिका।

रश्के मेह्‌र (رشک مہر) फा स्त्री –सूर्य की चमक-दमक को फीका कर देनेवाले मुखवाली प्रेयसी।

रश्के यूसुफ़ (رشک یوسف) फा अ स्त्री –यूसुफ की सुन्दरता को लजानेवाली सुन्दरी।

रश्के रिज़वाँ (رشک رضواں) अ. पु –स्वर्ग के अध्यक्ष को लज्जित करनेवाला मकान, अर्थात् बहुत ही सुसज्जित और शृंगारित भवन।

रश्के हूर (رشک حور) अ. फा. स्त्री –स्वर्गांगनाओ के सौन्दर्य को लज्जित करनेवाली प्रेमिका।

रश्फ़ (رشف) अ. पु –चूसना, चूषण।

रश्मीज़ (رشمیز) फा स्त्री –दीमक, वम्री, वल्मी, उत्पादिका।

रश्ह्‌ः (رشحہ) अ पु –बिंदु, बूँद, क़त्र, स्राव, टपकना, टपकन, रिसाव।

रश्ह्‌ (رشح) अ. पु –प्रतिश्याय, शीत, ज़ुकाम, रिसाव, रेज़िश।

रश्ह्‌ए क़लम (رشحۂ قلم) अ पु.–लेखनी की टपकन अर्थात् लेख, निबंध, अथवा कविता।

रश्ह्‌ए फ़िक्र (رشحۂ فکر) अ. पु –विचार का स्राव अर्थात् लेख आदि, विशेषत कविता।

रश्ह्‌ात (رشحات) अ पु –'रश्ह्‌' का बहु, टपकने, रेज़िशें।

रस (رس) फा प्रत्य –पहुँचनेवाला, जैसे—'फ़लक रस' आकाश तक पहुँचनेवाला।

रसद (رسد) अ स्त्री –अंश, हिस्सा, खाद्य सामग्री, खाने-पीने का सामान।

रसद (رصد) अ स्त्री.–देख-भाल का स्थान, जहाँ किसी चीज़ को ताका जाय।

रसदगाह (رصدگاہ) अ फा स्त्री –वह स्थान जहाँ से ग्रहो और तारो की गति आदि का निरीक्षण किया जाता है, वेधशाला, मानशाला, यन्त्रशाला।

रसदी (رسدی) अ वि –भाग के अनुसार, हिस्से के मुताबिक़।

रसन (رسن) फा स्त्री –रज्जु, पाश, रस्सी।

रसनबाज (رسن باز) फा वि –रस्सी पर कलाबाजियाँ खानेवाला, नट, वचक, छली, मक्कार।

रसनबाजी (رسن بازی) फा स्त्री –नट का काम, छल, फिरेब, धूर्तता।

रसनबाफ (رسن باف) फा वि –रस्सी बटनेवाला, रज्जुकार।

रसनबाफी (رسن بافی) फा स्त्री –रस्सी बटने का काम, या पेशा।

रसाँ (رساں) फा प्रत्य –पहुँचानेवाला, जैसे–'नाम रसा' खत पहुँचानेवाला।

रसा (رسا) फा वि –पहुँचनेवाला, जिसकी किसी जगह पहुँच हो, जो हर जगह पहुँच जाता हो या पहुँचने की राह निकाल लेता हो।

रसाइल (رسائل) अ पु –'रिसाल' का बहु॰, पत्रिकाएँ, रिसाले।

रसाई (رسائی) फा स्त्री –पहुँच, प्रवेश।

रसानत (رصانت) अ स्त्री –दृढता, मजबूती।

रसानिदः (رسانندہ) फा वि –पहुँचानेवाला, भेजनेवाला।

रसास (رصاص) अ पु –सीसा, सीसक, एक प्रसिद्ध धातु जिसके बदूक की गोलियाँ बनती हैं, राँग, राँगा।

रसिंदः (رسندہ) फा वि –पहुँचनेवाला।

रसीदः (رسیدہ) फा वि –पहुँचा हुआ।

रसीद (رسید) फा स्त्री –रुपये आदि की वसूली का कागज, प्राप्तिपत्र, पहुँच, प्राप्ति, वसूली।

रसीदगी (رسیدگی) फा स्त्री –पहुँच।

रसीदनी (رسیدنی) फा वि –पहुँचने योग्य।

रसूम (رسوم) अ पु –कर, शुल्क, फीस।

रसूल (رسول) अ पु –ईशदूत, ईश्वरावतार, नबी।

रसूलुल्लाह (رسول اللہ) अ पु –ईशदूत, ईश्वर की ओर से सर्वसाधारण के सुधार के लिए भेजा हुआ व्यक्ति।

रस्तः (رستہ) फा वि –बधनमुक्त, छूटा हुआ, पक्ति, कतार, दुकानो की कतार, पथ, राह।

रस्तगार (رستگار) फा वि –बधनमुक्त, छूटा हुआ, आजाद।

रस्तगारी (رستگاری) फा स्त्री –मुक्ति, छुटकारा, रिहाई।

रस्ताखेज (رستاخیز) फा स्त्री –महाप्रलय, कियामत।

रस्तोखेज (رستوخیز) फा स्त्री –दे 'रस्ताखेज'।

रस्तखेज (رستخیز) फा स्त्री –दे 'रस्ताखेज'।

रस्तगार (رستگار) फा वि –बधनमुक्त, आजाद, छुटकारा पाया हुआ।

रस्तगारी (رستگاری) फा स्त्री –बधन-मुक्ति, रिहाई, छुटकारा।

रस्म (رسم) अ स्त्री –परम्परा, रूढि, रवाज, नियम, दस्तूर, कर, महसूल, वेतन, तनख्वाह, कोई काइदा जो बहुत दिनो से किसी खानदान, बस्ती या देश मे चला आता हो, सस्कार, तर्कीब।

रस्मन (رسماً) अ वि –परपरानुसार, रिवाज की मुताबिक, रस्मी तौर पर, छुछा उतारने को, यूँ ही।

रस्मी (رسمی) अ वि –परपरा सम्बन्धी, जो बाक़ाइदा न हो, प्राईवेट, मामूली, साधारण।

रस्मुलखत (رسم الخط) अ पु –लिपि, अक्षर लिखने की प्रणाली, जैसे–'उर्दू रस्मुलखत' या 'हिंदी रस्मुलखत'।

रस्मे निकाह (رسم نکاح) अ स्त्री –विवाह-सस्कार, व्याह की तरकीब।

रस्मे बद (رسم بد) अ स्त्री –बुरी परपरा, बुरा दस्तूर।

रस्मे मुल्क (رسم ملک) अ स्त्री –किसी देश की परपरा, किसी मुल्क का रिवाज।

रस्मोराह (رسم و راہ) अ फा स्त्री –मेल-जोल, मेल-मिलाप।

रस्मोरिवाज (رسم و رواج) अ स्त्री –रूढि और परपरा, दस्तूर और काइदे।

रस्ल (رسل) अ पु –खबर भेजना, सूचना पहुँचाना, धीमी चाल।

रस्साम (رسام) अ वि –चित्रकार, चितेरा, नक्काश, मुसव्विर।

रह (رہ) फा स्त्री –'राह' का लघु, रस्ता, रास्ता, मार्ग, पथ।

रहआवर्द (رہ آورد) फा पु –दे 'रहावर्द'।

रहगीर (رہگیر) फा वि –दे 'रहरौ'।

रहगुजर (رہگزر) फा स्त्री –'राहगुजर' का लघु, आम रास्ता, राजमार्ग, सडक।

रहजन (رہزن) फा पु –'राहज़न' का लघु, बाटमार, लुटेरा।

रहजनी (رہزنی) फा स्त्री –'राहज़नी' का लघु, लुटेरापन, रास्ते में पथिको को लूटने का काम।

रहनशीं (رہنشیں) फा वि –'राहनशीं' का लघु पथस्थ, मार्गस्थ, रास्ते मे बैठा हुआ।

रहनुमा (رہنما) फा वि –'राहनुमा' का लघु, पथ-प्रदर्शक, रस्ता बतानेवाला, आगे-आगे चलनेवाला।

रहनुमाई (رہنمائی) फा स्त्री –'राहनुमाई' का लघु, पथ-प्रदर्शन, रास्ता बताना, आगे-आगे चलना।

रहनुमू (رہنمو) फा वि –दे 'रहनुमा'।

रहबर (رہبر) फा वि –'राहबर' का लघु, दे 'रहनुमा'।

रहबरी (رہبری) फा स्त्री –दे 'रहनुमाई'।

रहरवी (رہروی) फा स्त्री –'राहरवी' का लघु, रस्ता चलना, यात्रा करना, मुसाफिरत।

रहरौ (رہرو) फा वि –'राहरौ' का लघु, रस्ता चलनेवाला, पथिक, बटोही, मुसाफिर।

रहवार (رہوار) फा पु –अश्व, हय, घोडा।

रहा (رحا) अ पु –चक्की का एक पाट।

रहा (رہا) फा वि –मुक्त, बंधन-मुक्त, छूटा हुआ, खलास।

रहाई (رہائی) फा स्त्री –बंधन मुक्ति, छुटकारा, खलासी।

रहावर्द (رہاورد) फा. पु –वह उपहार जो यात्रा मे जानेवाला व्यक्ति बाहर से लाकर दे।

रहिम (رحم) अ पु –गर्भाशय, जरायु, बच्चादानी।

रही (رہی) फा पु –दास, सेवक, गुलाम, दे 'रिही', दोनों शुद्ध हैं।

रहीक़ (رحیق) अ. स्त्री.–मदिरा, सुरा, शराब।

रहीज़ाद (رہی زادہ) फा पु –दासी-पुत्र, गुलाम-बच्चा।

रहीन (رہین) अ वि –गिरौं रखी हुई वस्तु, बंधक।

रहीने ग़म (رہین غم) अ वि.–शोकग्रस्त, दु खग्रस्त, पीडाग्रस्त, रंज या मुसीबत मे फँसा हुआ।

रहीने मिन्नत (رہین منت) अ वि –कृतज्ञ, आभारी, मम्नून।

रहीने सितम (رہین ستم) अ वि –अत्याचारपीडित, जो किसी के अत्याचारो से दु खित हो।

रहीब (رحیب) अ वि –बहुत खानेवाला, पेटू, बहुभक्षी, अमिताशी, घस्मर।

रहीम (رحیم) अ वि –दयालु, कृपालु, महादयालु, ईश्वर का एक नाम।

रहील (رحیل) अ वि –प्रस्थान, प्रमाण, कूच, चलाव।

रह्त (رھط) अ पु –जनसमूह, भीड, समुदाय, यूथ, गिरोह।

रह्न (رہن) अ. पु –बंधक, गिरवी।

रह्न दर रह्न (رہن در رہن) अ फा पु –ऐसी जायदाद जो दो जगह रेहन हो, जिसे मुर्तहिन ने किसी और के पास रेहन रख दिया हो।

रह्ननामः (رہن نامہ) अ फा पु –बंधकपत्र, रेहन की तह्रीर।

रह्नबिलकब्ज़ (رہن بالقبض) अ पु –ऐसा रेहन जिसमें मुर्तहिन को बंधक पर क़ब्ज़ा दिला दिया गया हो और वह उससे लाभ उठाता हो, भोग-बंधक।

रह्नबिलबैअ (رہن بالبیع) अ पु –वह रेहन जिसमें नियत समय पर रुपया न अदा होने पर वह बंधक मुर्तहिन का हो जाय।

रह्नबिलाकब्ज़ (رہن بلاقبض) अ पु –वह रेहन जिस पर मुर्तहिन का कब्ज़ा न हो, दृष्टबंधक।

रह्ने दख़्ली (رہن دخلی) अ पु –ऐसा रेहन जिस पर मुर्तहिन का कब्ज़ा हो और वह ज़मीन या जायदाद का नफा अपने सूद में वसूल करता हो।

रह्ने बिलादख़्ल (رہن بلادخل) अ पु –ऐसा रेहन जिसमें मुर्तहिन को ज़मीन या जायदाद पर कब्ज़ा न हासिल हो, केवल उसके पास रेहन हो।

रह्बानियत (رہبانیت) अ. स्त्री –सारी उम्र ब्रह्मचारी रहना और अच्छे खाने छोड देना, कामवासना से बचने के लिए लिंग कटवा देना और सबसे अलग-अलग रहना।

रह्म (رحم) अ पु –करुणा, तरस, दया, मर्हमत, कृपा, मेह्रबानी।

रह्मआगीं (رحم آگیں) अ फा वि –करुणा और दया से भरा हुआ, करुणापूर्ण।

रह्मत (رحمت) अ.स्त्री.–दया, कृपा, रह्म, करुणा, तरस।

रह्मते आलम (رحمت عالم) अ स्त्री –ससार के लिए साक्षात् कृपा और दया; हज़्रत मुहम्मद साहिब की उपाधि।

रह्मदिल (رحم دل) अ फा वि –जिसका हृदय बहुत ही दयामय और करुणापूर्ण हो, सदय।

रह्मदिली (رحم دلی) अ फा स्त्री –हृदय मे दया और करुणा का भाव होना।

रह्मान (رحمن-رحمان) अ वि –दयालु, कृपालु, मेह्रबान, ईश्वर का एक नाम।

रह्मानी (رحمانی) अ वि –ईश्वरीय, ईश्वर का, ईश्वरसम्बन्धी।

रा

राँ (راں) फा प्रत्य –चलानेवाला, जैसे–'हुक्मराँ' शासन चलानेवाला।

राँदः (راندہ) फा वि.–हाँका हुआ, भगाया हुआ; निकाला हुआ, बहिष्कृत।

राँदए दरगाह (راندۂ درگاہ) फा वि –किसी बडी जगह, सरकार या दरबार से बहिष्कृत।

रा (را) फा. अव्य –लिए, वास्ते, को।

राइक़ (رائق) अ वि –अनाहार, अनशन, नहार मुँह, साफ और स्वच्छ वस्तु।

राइज (رائج) अ वि —प्रचलित, चालू, जिसका चलन हो।
राइज़ (رائض) अ वि —चाबुक सवार, घोडा फेरनेवाला।
राइजुलवक़्त (رائج الوقت) अ वि —समय के चलन के अनुसार, जो किसी समय विशेष मे प्रचलित हो।
राइद (رائد) अ वि —जिसके ज़िम्मे मकानो का प्रबध हो, मीरमज़िल।
राइलइबाद (راعی العباد) अ पु —प्रजापाल, जनता की देखरेख करनेवाला।
राई (راعی) अ वि —चरवाहा, गडरिया, शासक, नरेश, बादशाह।
राए (رأے) अ स्त्री —विचार, खयाल, मत, वोट, परामर्श, मश्वर·।
राएआम्मः (رائے عامہ) अ स्त्री —सारी जनता की राय।
राएगाँ (رائگاں) फा वि —नष्ट, बरबाद, निष्फल, बेनतीजा, बेकार, व्यर्थ।
राएजन·, (رائے زن) अ फा वि —विचार प्रकट करनेवाला, परामर्शदाता।
राएज़नी (رائے زنی) अ फा स्त्री —अपने विचार प्रकट करना, परामर्श देना।
राएतलबी (رائے طلبی) अ स्त्री —राय लेना, सलाह चाहना, वोट माँगना।
राएदिहिंदः (رائے دہندہ) अ फा वि —राए देनेवाला, वोट देनेवाला, मतदाता।
राएदिहिंदगी (رائے دہندگی) अ फा स्त्री —राय देना, वोट देना, मतदान।
राएदिही (رائے دہی) अ फा स्त्री —दे 'राएदिहिंदगी'।
राएशुमारी (رائے شماری) अ फा स्त्री —वोटो की गिनती, मत-गणना।
राएह· (رائحہ) अ पु —बू, बास, गध।
राएह (رائح) अ वि —बूदार, बासवाली वस्तु।
राफ़िद (رافد) अ वि —सोनेवाला, स्वापक।
राकिद (راکد) अ वि —बद पानी, वह पानी जो ठहरा हुआ हो, प्रवाहित न हो।
राक़िब (راقب) अ वि —प्रतीक्षक, मुतज़िर, आशान्वित, पुरउम्मीद।
राकिब (راکب) अ वि —सवार होनेवाला, सवार, घुड-सवार, अश्वारोही।
राक़िमः (راقمہ) अ स्त्री —लिखनेवाली, चिट्ठी लिखनेवाली।
राक़िम (راقم) अ पु —लेखक, लिखनेवाला, पत्र लिखनेवाला।
राक़िमुलहुरूफ़ (راقم الحروف) अ वि —पत्र-लेखक, चिट्ठी लिखनेवाला।
राक़ी (راقی) अ पु —अभिचारक, जत्र-मत्र करनेवाला।
राके' (راکع) अ वि —नमाज़ में झुकनेवाला, नमाज पढनेवाला।
राक़े' (راقع) अ वि —कपडो मे थिगली सीनेवाला, पैवद सीनेवाला, चकती लगानेवाला।
राग़ (راغ) फा पु —वन, जगल, सब्ज़ज़ार, हरा-भरा मैदान, पहाड की तराई।
राग़िब (راغب) अ वि —आकर्षित, मुतवज्जेह, दिलचस्पी रखने या लेनेवाला।
राज़ (راز) फा पु —रहस्य, भेद, मर्म, मूल, तत्त्व, सार।
राज़आगाह (راز آگاہ) फा वि —दे 'राज़आश्ना'।
राज़आश्ना (راز آشنا) फा वि —जो किसी भेद से वाक़िफ हो, रहस्यवेत्ता।
राज़दाँ (راز داں) फा वि —भेद जाननेवाला, मर्मज्ञ, रहस्यज्ञ।
राज़दार (راز دار) फा वि —दे 'राज़दाँ'।
राज़यान· (رازیانہ) फा स्त्री —सौंफ, शतपुष्पा, बादियान।
राज़िअ· (راضعہ) अ स्त्री —दूध पीनेवाली बच्ची, स्तनपायिनी।
राज़िक़· (رازقہ) अ पु —अन्नदात्री, अन्नपूर्णा, जीविका, वृत्ति, रोज़ी।
राज़िक़ः (رازق) अ वि —अन्नदाता, खाना देनेवाला, पालन-पोषण करनेवाला।
राजी (راجی) अ वि —आशान्वित, पुरउम्मीद।
राज़ी (راضی) अ वि —प्रसन्न, हर्षित, खुश, सतुष्ट, मुतमइन, अगीकृत, रिज़ामंद।
राज़ी (رازی) फा वि —'रै' नगर का निवासी, 'रै' ईरान मे खुरासान प्रान्त का एक प्राचीन नगर है।
राज़ीनाम· (راضی نامہ) अ फा पु —सधिपत्र, सुलहनामा, मुक़दमे के दोनो पक्षो में सधि का लिखित पत्र।
राज़ीबरज़ा (راضی برضا) अ फा वि —किसी की मरज़ी पर राज़ी, अमुक व्यक्ति जो कर दे उसी पर सतुष्ट।
राजे' (راجع) अ वि —आकर्षित, मुल्तफ़ित, प्रत्यागामी, वापस लौटनेवाला।
राज़े' (راضع) अ वि —दूध पीनेवाला बालक, स्तनपायी।
राज़े सरबस्तः (راز سربستہ) फा पु —ऐसा भेद जो किसी को तनिक भी मालूम न हो।
राजेह (راجح) अ वि —आकर्षित, रागिब, उत्तम, बेहतर, प्रधान, तर्जीहवाला।

राज़े हयात (رازِ حیات) फा. अ पु –ज़िंदगी का भेद, जीवन-मर्म ।

राज़ोनियाज़ (راز و نیاز) फा पु –प्रेम की गुप्त बातें ।

रातिब (راتب) अ पु –रोज की ख़ुराक, तनख़्वाह, कुत्ते या घोड़े की ख़ुराक ।

रातिबख़ोर (راتب خور) अ फा. वि –रातिब खानेवाला, रोज़ की ख़ुराक पानेवाला ।

रा'द (رعد) अ पु –बिजली की कडक ।

राद [द्द] (راد) अ वि –रद करनेवाला, लौटानेवाला ।

रा'दआसा (رعد آسا) अ फा वि –बिजली की कडक-जैसा ।

रादिआत (رادعات) अ स्त्री –'रादे' का बहु, वे दवाएँ जो ख़राब माद्दे को हटा दे ।

रादे' (رادع) अ वि –हटानेवाला, रोकनेवाला, वह दवा जो विकृत माद्दे को अग विशेष से हटा दे ।

रान (ران) फा स्त्री –जघा, जाँघ ।

रा'ना (رعنا) फा वि –सुन्दर, रूपवान्, हसीन, डील-डौल का बहुत सुन्दर ।

रा'नाइए ख़याल (رعنائی خیال) फा अ स्त्री –विचारो का सौन्दर्य, ख़यालो की विचित्रता ।

रा'नाई (رعنائی) फा स्त्री –सुन्दरता, छटा, हुस्न ।

राफ़त (رافت) अ स्त्री –कृपा, दया, अनुकपा, मेह्रबानी ।

राफ़िज़ः (رافضہ) अ पु –वे लोग जो अपने स्वामी को विपत्ति पडने पर छोड भागे ।

राफ़िज़ (رافض) अ वि –वह व्यक्ति जो अपने स्वामी को कष्ट पीडित देखकर भाग जाय ।

राफ़िज़ी (رافضی) अ वि –'राफ़िज़' से सम्बन्धित व्यक्ति ।

राफ़िद (رافد) अ वि –दाता, प्रदाता, देनेवाला, सहायक, मदद करनेवाला ।

राफ़े' (رافع) अ वि –ऊपर उठानेवाला, उन्नायक, ऊँचा करनेवाला, 'उ' की मात्रा (पेश) देनेवाला ।

राफ़ेह (رافہ) अ वि –सुख का जीवन व्यतीत करनेवाला ।

राबिअः (رابعہ) अ स्त्री –चौथी, एक बहुत ही तपस्विनी और साध्वी स्त्री ।

राबितः (رابطہ) अ पु –सम्बन्ध, लगाव, सपर्क, वासिता; मेल-जोल, प्रेम-व्यवहार ।

राबित (رابط) अ वि –मिलानेवाला, सयोजक ।

राबियः (رابیہ) अ. स्त्री –ऊँची भूमि ।

राबे' (رابع) अ वि –चौथा, चतुर्थ ।

राबेह (رابح) अ. वि –व्याज खानेवाला, कुसीदजीवी, व्याजख़ोर ।

राम (رام) फा. वि –वशीभूत, अधीन, ताबे' ।

रामिक़ (رامق) अ वि –जाल मे बँधा हुआ ।

रामिश (رامش) फा स्त्री –गान, गाना, नग्मा ।

रामिशगर (رامشگر) फा वि –गायक, गवैया, गानेवाला ।

रामिशगाह (رامشگاہ) फा स्त्री –गाने का स्थान, नाटच-शाला ।

रामिशी (رامشی) फा. वि –दे 'रामिशगर' ।

रामीं (رامیں) फा वि –एक आशिक का नाम, एक चग बजानेवाले का नाम ।

रामी (رامی) अ वि –धनुर्धर, तीरअदाज; आरोप लगानेवाला ।

रामेह (رامح) अ वि –बरछा चलानेवाला, बरछाबाज़ ।

राय (رائے) अ स्त्री –दे 'राए' ।

रायगाँ (رائیگاں) फा. वि –दे. 'राएगा' ।

रायज़न (رائے زن) अ फा वि –दे 'राएज़न' ।

रायत (رایت) अ पु –पताका, ध्वजा, झडा, पर्चम ।

रायात (رایات) अ पु –'रायत' का बहु, झडे ।

रायुल ऐन (رائی العین) अ क्रि –आँखो से देखना, प्रत्यक्ष दर्शन करना ।

रावंद (راوند) फा स्त्री –एक जड, रेवंद चीनी ।

रावक़ (راوق) फा स्त्री –शराब छानने की साफी, मदिरा, मद्य, शराब ।

रावी (راوی) अ वि –किसी से कोई बात सुनकर ज्यो की त्यो दूसरे से कहनेवाला, इस्लामी परिभाषा मे हज्रत मुहम्मद साहिब से सुने हुए प्रवचनो को उन्ही के शब्दो में दूसरे से कहनेवाला ।

रा'शः (رعشہ) अ पु –शरीर के अगो के काँपने का रोग, कपरोग, कँपकपी ।

राश (راش) फा अ.–अन्न का ढेर, रास, राशि ।

राशिद (راشد) अ वि –जिसने गुरु से दीक्षा प्राप्त की हो, मुर्शिद से हिदायत पानेवाला ।

राशी (راشی) अ वि –रिश्वत देनेवाला, बहुत-से लोग रिश्वत लेनेवाले के लिए बोलते है, यह अशुद्ध है ।

राशेह (راشح) अ वि –रिसनेवाला, धीरे-धीरे टपकनेवाला ।

रास (راس) अ पु –शिर, सर; मवेशी की तादाद के लिए, जैसे—'एक रास बैल' अर्थात् एक बैल; राहु ग्रह ।

रास (راس) फा स्त्री –मार्ग, पथ, रास्ता, राह ।

रासिख़ (راسخ) अ. वि –अटल, दृढ, पक्का ।

रासिख़ुलअक़ीदः (راسخ العقیدہ) अ. वि –जिसका धर्म-विश्वास अटल हो ।

रासिख़ुलएतिक़ाद (راسخ الاعتقاد) अ वि —दे 'रासिखुल-अकीद'।

रासिद (راصد) अ वि —ज्योतिषी, नुजूमी, प्रहरी, चौकीदार, पहरेदार।

रासिब (راسب) अ वि —नीचे बैठ जानेवाला, गाद, तलछट।

रासियः (راسیہ) अ वि —मज़बूत पहाड।

रासियात (راسیات) अ पु —'रासिय' का वहु, मजबूत पहाडो का समूह।

रासुलजदी (راس الجدی) अ पु —राशिचक्र मे मकर राशि पर वह विन्दु जहाँ बाईस दिसबर को सूर्य पहुँचता है और सबसे छोटा दिन होता है।

रासुलमाल (راس المال) अ पु —मूलधन, अस्ल जर।

रासुस्सर्तान (راس السرطان) अ पु —राशिचक्र में कर्क राशि पर वह बिंदु जहाँ २१ जून को सूर्य पहुँचता है, और साल में सबसे वडा दिन होता है।

रासू (راسو) फा पु —नेवला, नकुल, ह्लीक।

रासोज़नब (راس وذنب) अ पु —राहु और केतु।

रास्तः (راستہ) फा पु —मार्ग, पथ, राह, रास्ता।

रास्त (راست) फा वि —दाहिना, सीधी तरफ का दक्षिण, सरल, सीधा, सत्य, सच।

रास्तकिर्दार (راست کردار) फा वि —सरलाचारी, सदाचारी, नेकचलन, सद्वृत्त।

रास्तकिर्दारी (راست کرداری) फा स्त्री —सरलाचार, सदाचार, नेकचलनी।

रास्तगुफ़्तार (راست گفتار) फा वि —दे 'रास्तगो'।

रास्तगुफ़्तारी (راست گفتاری) फा स्त्री —दे 'रास्तगोई'।

रास्तगो (راست گو) फा वि —सच बोलनेवाला, सत्यवादी, यथार्थवादी, अनृतभाषी।

रास्तगोई (راست گوئی) फा स्त्री —सच बोलना, सत्यवाद।

रास्तबाज (راست باز) फा वि —सच्चा, सत्यनिष्ठ, व्यवहार-कुशल, लेन-देन में साफ, ईमानदार, सदाचारी, नेकचलन।

रास्तबाजी (راست بازی) फा स्त्री —सच्चाई, ईमानदारी, सदाचार।

रास्तमिजाज (راست مزاج) फा अ वि —सरल स्वभाव, नेकदिल, सत्यनिष्ठ, ईमानदार।

रास्तमिजाजी (راست مزاجی) फा अ स्त्री —स्वभाव की सरलता, सत्यनिष्ठता, ईमानदारी।

रास्तमुआमलः (راست معاملہ) फा अ वि —लेन-देन और आचार-व्यवहार मे ईमानदार।

रास्तमुआमलगी (راست معاملگی) फा अ स्त्री —लेन-देन और आचार-व्यवहार मे ईमनादारी।

रास्तरवी (راست روی) फा स्त्री —सीधी राह चलना, सदाचार, धर्मनिष्ठा।

रास्तरौ (راست رو) फा वि —सीधी राह चलनेवाला, सन्मार्गी, सदाचारी, धर्मनिष्ठ।

रास्तशिआर (راست شعار) फा अ वि —दे 'रास्तमुआमल'।

रास्ती (راستی) फा स्त्री —सरलता, सीधापन, सत्यता, सच्चाई; सदाचार, नेककिर्दारी।

रास्तीआश्ना (راستی آشنا) फा वि —धर्मनिष्ठ, सदाचारी, नेक आ'माल।

रास्तीपसंद (راستی پسند) फा वि —जिसे सत्यता और धर्मनिष्ठा पसंद हो।

रास्तीपसदी (راستی پسندی) फा स्त्री —सत्यता और धर्मनिष्ठा को पसद करना।

रास्तीशिआर (راستی شعار) फा अ वि —जिसका आचरण सत्यता और धर्मनिष्ठा पर निर्भर हो।

रास्तीशिआरी (راستی شعاری) फा अ स्त्री —सत्यता और धर्मनिष्ठा को ग्रहण करना और उसी पर चलना।

राहः (راحہ) अ स्त्री —हथेली, करतल।

राह (راہ) फा स्त्री —मार्ग, पथ, रास्ता, ढग, तरीका; युक्ति, तर्कीब, यत्न, प्रतीक्षा, इतिज़ार, आशा, आस, उम्मीद।

राह (راح) अ स्त्री —हर्ष, खुशी, मदिरा, शराव।

राहख़र्च (راہ خرچ) फा पु —रास्ते में होनेवाला खर्च, मार्ग-व्यय।

राहगीर (راہگیر) फा वि —बटोही, पथिक, मुसाफिर।

राहगुज़र (راہگزر) फा स्त्री —मार्ग, पथ, रास्ता।

राहज़न (راہزن) फा वि —बाटमार, रास्ते में लूटनेवाला, पथघ्न।

राहज़नी (راہزنی) फा स्त्री —बाटमारी, रास्ते मे लूटना, यात्री का धन छीनना।

राहत (راحت) अ स्त्री —सुख, चैन, आराम, सुगमता, आसानी, शान्ति, सुकून, रोग या पीडा मे कमी।

राहतअंजाम (راحت انجام) अ फा वि —जिस कार्य का परिणाम शान्ति अथवा सुख हो।

राहतअफ़्ज़ा (راحت افزا) अ फा वि —शान्ति और सुख बढानेवाला।

राहतकद (راحت کدہ) अ फा पु —राहत और सुख का घर, जहाँ सुख और शान्ति प्राप्त हो, शयनागार, ख़्वाबगाह।

राहतगाह (راحت گاہ) अ फा स्त्री —दे 'राहतकद'।

राहततलब (راحت طلب) अ वि –जो सुख चाहता हो, जो काम आदि करने से घबराता हो, आरामतलब, कामचोर।

राहततलबी (راحت طلبی) अ स्त्री.–सुख चाहना, काम-धधा न करना, केवल बैठे-बैठे खाने की इच्छा।

राहतपरस्त (راحت پرست) अ फा वि –पलग पर पडा रहनेवाला, काम से जी चुरानेवाला, निकम्मा।

राह्तपरस्ती (راحت پرستی) अ फा स्त्री –काम से जी चुराना, निकम्मापन, कामचोरी।

राहतफ़ज़ा (راحت فزا) अ फा वि –'राहतअफ्ज़ा' का लघु, दे 'राहतअफ्ज़ा'।

राहतरसाँ (راحت رساں) अ फा वि –सुख देनेवाला, आराम पहुँचानेवाला, सुखदायी।

राहतरसानी (راحت رسانی) अ फा स्त्री.–सुख देना, आराम पहुँचाना।

राहती (راحتی) अ स्त्री –वह चौकी जो बीमार के पलँग के पास शौचादि के लिए लगा देते हैं।

राहते जाँ (راحت جاں) अ फा स्त्री –प्राणो का सुख, प्राणाधार, विशेषतः लड़के के लिए और साहित्य मे प्रेमिका के लिए आता है।

राहते दिल (راحت دل) अ फा स्त्री –दे 'राहते जाँ'।

राहते रूह (راحت روح) अ स्त्री –प्राणो का सुख, आत्मा का चैन, अर्थात् नायिका, प्रेयसी।

राहदार (راهدار) फा वि –प्रहरी, चौकीदार; धारीदार कपडा।

राहदारी (راهداری) फा स्त्री –पारपत्र, पासपोर्ट, चौकीदारी।

राहनशीं (راه نشیں) फा वि –रास्ते मे बैठा हुआ, पथस्थ, मार्गस्थ।

राहनवर्द (راه نورد) फा वि.–राहगीर, पथिक, मुसाफिर।

राहनवर्दी (راه نوردی) फा. स्त्री –राहगीरी, राह चलना।

राहनुमा (راه نما) फा वि –पथ-प्रदर्शक, मार्ग-दर्शक, रास्ता बतानेवाला; नायक, नेता, लीडर।

राहनुमाई (راه نمائی) फा. स्त्री –पथ-प्रदर्शन, रास्ता बताना, नेतृत्व, नेतापन, लीडरी।

राहपैमा (راه پیما) फा वि –रास्ता नापनेवाला, राह चलनेवाला, पथिक, यात्री।

राहपैमाई (راه پیمائی) फा स्त्री –रास्ता नापना अर्थात् चलना, यात्रा, सफर।

राहवर (راه بر) फा. वि –दे. 'राहनुमा'।

राहबरी (راه بری) फा स्त्री –दे. 'राहनुमाई'।

राहरवी (راه روی) फा. स्त्री –दे 'राहनवर्दी'।

राहरौ (راه رو) फा वि –दे 'राहनवर्दी'।

राहवार (راهوار) फा पु –अश्व, घोडा, कदम चाल चलनेवाला घोडा।

राहवारी (راهواری) फा स्त्री –घोडे की कदम चाल।

राहिन (راهن) अ वि –किसी के पास अपनी चीज़ गिरौ रखनेवाला, वधककर्ता, आधायक।

राहिबः (راهبه) अ स्त्री –वह ईसाई स्त्री जो सासारिक वासनाओ को छोड चुकी हो।

राहिब (راهب) अ पु –वह ईसाई पुरुष जो सासारिक सुखो से निवृत्त हो चुका हो।

राहिम (راحم) अ. वि.–दया करनेवाला, दयालु।

राहिलः (راحله) अ पु –सवारी का जानवर, वाहन।

राहिल (راحل) अ. वि –पैदल चलनेवाला, पदातिग, पदचर।

राही (راهی) फा वि –पथिक, बटोही, राहगीर, मुसाफिर।

राहे जहन्नम (راه جهنم) फा अ पु –नरक का मार्ग, कदाचार, दुराचार, बदचलनी।

राहे नजात (راه نجات) फा अ. पु –मुक्तिपथ, मोक्षमार्ग, बख्शिश का ज़रिया, मुक्ति-साधन।

राहे बुरीदः (راه بریده) फा पु –वह मार्ग जिस पर चलना बद हो, जिस पर लूटमार का भय हो।

राहे रास्त (راه راست) फा. पु –सीधा रास्ता, धर्म का मार्ग, सत्य का मार्ग।

राहे सख़्त (راه سخت) फा.पु –कठिन और दुष्कर मार्ग, वह रास्ता जिस पर चलना कठिन हो अर्थात् धर्म का मार्ग, वह रास्ता जिस पर जान जोखिम या लुटने का डर हो।

राहोरब्त (راه و ربط) फा अ. पु –मेल-जोल, मेल-मिलाप, प्रेम-व्यवहार।

राहोरविश (راه و روش) फा स्त्री –आचार-व्यवहार, चाल-ढाल, रग-ढग।

राहोरस्म (راه و رسم) फा. अ स्त्री –दे 'राहोरब्त'।

रि

रिंद (رند) फा पु –मद्यप, शराबी, रसिया, रँगीला, निश्चिन्त, बेफिक्रा, लपट, औबाश, मस्त, उन्मत्त, धार्मिक बधनो से मुक्त।

रिंदतब्अ (رند طبع) फा अ वि –जो बहुत ही बेफिक्र, खुशमिज़ाज और मनमौजी हो।

रिंदपेशः (رند پیشه) फा वि –बहुत अधिक शराबी, शराबी, मद्यप, रसाशी।

रिंदमज़्हब (رند مذهب) फा अ वि –दे 'रिंदपेश'।

रिंदमशरब (رندمشرب) फा अ वि –दे 'रिंदपेश'।
रिंदशिआर (رندشعار) फा अ वि –दे 'रिंदपेश'।
रिंदशेव· (رندشیوہ) फा वि –दे 'रिंदपेश'।
रिंदानः (رندانہ) फा वि –रिंदो-जैसा, मतवालो-जैसा, आज़ादो-जैसा।
रिंदी (رندی) फा स्त्री –शरावीपन, लपटता, रँगीलापन, मनमौजीपन, मस्ती।
रिंदे ख़ुशऔक़ात (رند خوش اوقات) फा अ पु –वह शरावी जिसका अधिक समय पीने-पिलाने मे गुज़रे।
रिंदे पार्सा (رند پارسا) फा पु –वह शरावी जो रिंद होने के साथ-साथ सयमी और निग्रही हो।
रिंदे बलानोश (رند بلانوش) फा पु –बहुत अधिक और हर प्रकार की शराब पीनेवाला।
रिंदे बासफ़ा (رند باصفا) फा अ पु –वह शराबी जो बहुत ही सदाचारी और स्वच्छहृदय हो।
रिंदे लाउबाली (رند لاأبالی) फा अ पु –वह शरावी जो बहुत ही वेफिक्रा और मनमौजी हो।
रिंदे शाहिदबाज (رند شاهدباز) फा अ पु –वह शरावी जो अच्छी स्त्रियो का भक्त भी हो।
रिंदे सालेह (رند صالح) फा अ पु –दे 'रिंदे पार्सा'।
रिआयत (رعایت) अ स्त्री –व्यवहार मे कोमलता, मूल्य आदि में कमी, विचार, ध्यान, खयाल।
रिआयती (رعائتی) अ वि –रिआयतवाला, रिआयती दामोवाला।
रिआयते वेजा (رعایت بیجا) अ फा स्त्री –गलत रिआयत, ऐसी रिआयत जो उचित न हो।
रिआयते मा'नवी (رعایت معنوی) अ स्त्री –वह अर्थालकार जिसमे किसी शे'र आदि में किसी एक अर्थ से सम्बन्धित और भी समानार्थक शब्द लाये जायँ।
रियायते लफ्ज़ी (رعایت لفظی) अ स्त्री –वह शब्दालकार जिसमें किसी शे'र आदि मे एक शब्द के अनुकूल और भी शब्द लाये जायँ, जैसे—नदी के साथ, नाव, कर्णधार, पतवार आदि के शब्द।
रिक़[क़ुक़](رق)अ स्त्री.–दासता, परिचर्या, सेवा गुलामी, ख़िदमत।
रिक़ाअ (رقاع) अ पु –रुक्अ (रुक्क) का बहु , 'चिट्ठियाँ।
रिकाज़ (رکاز) अ पु –दफीना, भूगर्भित धन, भूनिहित धन-सपत्ति।
रिक़ाब (رقاب) अ पु –'रकव' का बहु , गले, गरदने, दासगण, लौंडी गुलाम।
रिकाब (رکاب) अ स्त्री –घोडे की काठी का पायदान जिसमे पाँव रखकर चढते है, सवारी के ऊँट।
रिकाब (رکاب) फा स्त्री –नौका, नाव, किश्ती, आठ पहलू का प्याला।
रिकाबदार (رکابدار) फा वि –घोडे पर सवार करानेवाला नौकर, खाना उतारनेवाला, ख़ानसामाँ, मिठाई और हलवे बनानेवाला।
रिकाबी (رکابی) फा स्त्री –प्लेट, तश्तरी, रकावी।
रिकेब (رکیب) फा स्त्री –दे 'रिकाब'।
रिक़्क़त (رقت) अ स्त्री –आर्द्रता, गीलापन, नम्रता, नर्मी, रोदन, रोना।
रिक्क़ते कल्ब (رقت قلب) अ स्त्री –हृदय की आर्द्रता, चित्त की कोमलता, दयाभाव, दिल की नर्मी।
रिक्क़ते मनी (رقت منی) अ स्त्री –वीर्य का पतलापन जो किसी विकार के कारण होता है।
रिक्वः (رکوہ) अ पु –छागल, बहुत छोटी मशक।
रिख़्व. (رخوہ) अ पु –ढीलापन, शिथिलता, रिख्वत, एक दर्द।
रिख़्व (رخو) अ पु –ढीला, शिथिल।
रिख़्वत (رخوت) अ स्त्री –ढीलापन, शिथिलता।
रिग़्वः (رغوہ) अ पु –झाग, फेन, कफ।
रिग़्व (رغو) अ वि –झाग, फेन।
रिज़ा (رضا) अ स्त्री –स्वीकृति, मजूरी, आज्ञा, इजाज़त, प्रसन्नता, ख़ुशनूदी, इमाम अली मूसा रिज़ा।
रिज़ाअ (رضاع) अ स्त्री –बालक के दूध पीने की अवस्था।
रिज़ाई (رضاعی) अ वि –जो किसी दूसरी स्त्री के दूध पीने मे शरीक हो, जैसे—'रिज़ाई भाई' या 'रिज़ाई बहन'।
रिज़ाकार (رضاکار) अ फा पु –स्वयसेवक, स्वेच्छासेवक, बिना वेतन के किसी कार्य-विशेष मे सेवाभाव से भाग लेनेवाला।
रिज़ाकारान· (رضاکارانہ) अ फा वि –स्वयसेवको-जैसा, बिना वेतन के कार्यसिद्धि मे सहायता।
रिज़ामद (رضامند) अ फा वि –अगीकृत, राज़ी, सहमत, हम खयाल।
रिज़ामदी (رضامندی)अ फा स्त्री –अगीकार, कबूलियत, सहमति, आज्ञा।
रिजाल (رجال) अ पु –'रजुल' का बहु , मनुष्य-समूह, बहुत-से आदमी।
रिजालुलग़ैब (رجال الغیب) अ पु –गैब के आदमी, देवता, फिरिश्ते, अलौकिक शक्तिया।
रिजाले मईयत (رجال معیت) अ पु –पर्सनल स्टाफ।
रिज़्क़ (رزق) अ पु –अन्न, गिजा, जीविका, रोज़ी।

रिज़्मः (رزمہ) अ स्त्री –अलगनी, कपडे टाँगने की रस्सी।
रिज्ल (رجل) अ पु –पाँव, पाद, पद, चरण, पैर।
रिज्लैन (رجلین) अ पु –दोनो पाँव, उभय पद।
रिज़्वाँ (رضواں) अ पु –'रिज़्वान' का लघु, दे 'रिज़्वान'।
रिज़्वान् (رضوان) अ पु –जन्नत का दारोगा, स्वर्गाध्यक्ष।
रिज़्वी (رضوی) अ वि –इमाम 'अली मूसा रिजा' का अनुयायी या उनका वशज।
रिज्स (رجس) अ पु –अपवित्रता, अशुद्धता, अशौच, गदगी, नापाकी।
रित्ल (رطل) अ पु.–दे 'रत्ल', उर्दू मे 'रत्ल' ही वोलते हैं, शुद्ध दोनो हैं।
रिदा (ردا) अ स्त्री –ओढने की चादर, प्रच्छादन।
रिदाए कुह्नः (ردائے کہنہ) अ फा स्त्री –फटी पुरानी चादर, गूदड।
रिदापोश (رداپوش) अ वि –चादर ओढनेवाला।
रिफाक (رفاق) अ पु –'रफीक' का वहु; मित्रगण, दोस्त लोग; सहचरगण, साथी लोग।
रिफादः (رفادہ) अ पु –घाव पर वाँधने की पट्टी।
रिफाह (رفاہ) अ स्त्री –'रफ्ह' या 'रिफ्ह' का वहु, हित, भलाइयाँ, सुख, आराम।
रिफाहे आम (رفاہ عام) अ स्त्री –लोकहित, जनहित, जनता की भलाई और सुख।
रिफाहे आम्मः (رفاہ عامہ) अ स्त्री –दे 'रिफाहे आम'।
रिफाहे खलाइक़ (رفاہ خلائق) अ स्त्री –दे 'रिफाहे आम'।
रिफाहे खल्क (رفاہ خلق) अ स्त्री –दे 'रिफाहे आम'।
रिफ्अत (رفعت) अ स्त्री –उच्चता, उत्तुगता, वलदी, उन्नति, तरक्की।
रिफ़्क (رفق) अ स्त्री –नम्रता, मृदुलता, कोमलता, नर्मी।
रिफ्ह (رفہ) अ पु –हित, भलाई, सुख, आराम, दे 'रफ्ह', दोनो शुद्ध हैं।
रिबा (ربوا) अ पु –व्याज, कुसीद, सूद।
रिब्अ' (ربع) अ पु –चौथे दिन आनेवाला ज्वर, चौथिया।
रिब्तः (ربطہ) अ पु –नेक्टाई।
रिब्ह (ربح) अ पु –तिजारती सूद या तिजारती लाभ।
रिमायः (رمایہ) अ पु –धनुर्विद्या, तीरअदाजी; तीर चलाना, वाण मारना।
रिमाल (رمال) अ पु –'रम्ल' का वहु, रेत के ज़र्रे, वालू के कण।
रिमाह (رماح) अ पु –'रुम्ह' का वहु, वरछे, शक्तियाँ, नैज़े।
रियः (ریہ) अ पु –फेफडा, फुफ्फुस, शुश।
रिया (ریا) अ स्त्री –पाखड, आडवर, दिखावा, नुमाइश।
रियाई (ریائی) अ फा स्त्री –नुमाइशी, दिखावे का, पाखडवाला।
रियाकार (ریاکار) अ फा. वि –पाखंडी, आडंवरी, धर्मध्वजी, आर्यरूप, छली, वचक, ठग।
रियाकारी (ریاکاری) अ फा स्त्री –पाखड, ढोग, धर्मध्वजता।
रियाज़ (ریاض) अ पु –'रौज' का वहु, वहुत से वाग, कष्ट, परिश्रम, मेहनत, अभ्यास, मश्क, तपस्या, इवादत।
रियाज़त (ریاضت) अ स्त्री –परिश्रम, उद्यम, प्रयास, मेहनत, व्यायाम, वरज़िश, कसरत, तपस्या, जप-तप, इवादत, व्रत आदि के द्वारा इद्रियो का दमन, नफ्सकुशी, अभ्यास, मश्क।
रियाज़तकश (ریاضت کش) अ फा वि –जप, तप और व्रत आदि के द्वारा इंद्रिय-निग्रह करनेवाला; कठोर तपस्या करनेवाला।
रियाज़तकशी (ریاضت کشی) अ फा स्त्री –जप-तप और व्रत आदि, कठोर तपस्या।
रियाज़तगाह (ریاضتگاہ) अ फा स्त्री –तपोवन, जप-तप करने का स्थान।
रियाज़ती (ریاضتی) अ वि –कसरती, वरज़िशी; सयमी, जप-तप करनेवाला।
रियाज़ते शाक़ः (ریاضت شاقہ) अ. स्त्री –बहुत कडा परिश्रम, वहुत वडी तपस्या।
रियाज़ी (ریاضی) अ स्त्री –गणित, वीजगणित, गणित विद्या, इल्मुल हिसाव, मैथमैटिक्स।
रियाज़ीदाँ (ریاضی داں) अ फा वि –वीजगणित जानने-वाला, गणितज्ञ।
रियाज़ीदानी (ریاضی دانی) अ. फा स्त्री –गणित विद्या जानना, हिसाव जानना।
रियाल (ریال) अ पु –एक सिक्का।
रियासत (ریاست) अ स्त्री –अध्यक्षता, स्वामित्व, सरदारी, सत्ता, शासन, हुकूमत, वडी ज़मीदारी, जागीरदारी, जागीर, इलाका।
रियाह (ریاح) अ पु –'रीह' का वहु, हवाएँ, अपान वायु, अधोवायु, गोज़।
रियाही (ریاحی) अ वि –रियाह अर्थात् वायु-सम्वन्धी, वात के विकार से उत्पन्न रोग आदि।
रिवाक (رواق) अ पु –मकान के ऊपर वना हुआ मकान, अट्टालिका, गैलरी, दे 'रवाक' और 'रुवाक'।
रिवाज (رواج) अ पु –प्रथा, रूढ़ि, परपरा, चलन, दे. 'रवाज', दोनो शुद्ध हैं।

रिवायत (روایت) अ स्त्री –किसी के मुँह से सुनी हुई बात ज्यो की त्यो किसी से कहना, इस्लामी परिभाषा मे हज़रत पैग़म्बर साहब के मुख से सुनी हुई बात दूसरे को उन्ही के शब्दो में सुनाना, हदीस बयान करना।

रिवायतन (روایتاً) अ वि –किसी दूसरे से सुनने के तौर पर।

रिवायात (روایات) अ स्त्री –'रिवायत' का बहु, रिवायतें।

रिवायाती (روایاتی) अ वि –रिवायात सम्बन्धी, दूसरो से सुने हुए।

रिशा (رشا) अ स्त्री –छब्बीसवाँ नक्षत्र, उत्तरा भाद्रपद।

रिश्तः (رشتہ) फा पु –काता हुआ, डोरा, तागा, सम्बन्ध, नाता, करावत, नारू रोग, वह कीडा जो डोरे की तरह विशेषत पाँव से निकलता है।

रिश्त:दार (رشتہدار) फा पु –सम्बन्धी, स्वजन, नातेदार, वशज, परिजन।

रिश्त दारी (رشتہداری) फा स्त्री –अजीज़दारी, नातेदारी, स्वजनता, सजातीयता।

रिश्त:बपा (رشتہبپا) फा वि –दे 'रिश्त वरपा'।

रिश्त:बरपा (رشتہبرپا) फा वि –वह पक्षी जिसके पाँव मे डोरा बँधा हो और उड न सकता हो।

रिश्तए आवाज़ (رشتۂ آواز) फा पु –आवाज़ का डोरा।

रिश्तए उम्र (رشتۂ عمر) अ पु –सालगिरह की गाँठ जो डोरे मे दी जाती है।

रिश्तए ख़ूँ (رشتۂ خوں) अ फा पु –ख़ून का सिलसिला रक्त-सम्बन्ध, एक वश या ख़ानदान का होना।

रिश्तए जाँ (رشتۂ جاں) फा पु –प्राणसूत्र, जीवन-सूत्र, श्वासा, साँस।

रिश्तए पेचाँ (رشتۂ پیچاں) फा पु –बल खानेवाला साँप।

रिश्तए हल्वा (رشتۂ حلوا) फा अ पु –सिवैयाँ।

रिश्तनी (رشتنی) फा वि –कातने योग्य, जो काता जा सके।

रिश्वत (رشوت) अ स्त्री –उत्कोच, उपदान, कौशलिक, अभ्युपायन, उपदा, घूस।

रिश्वतख़ोर (رشوتخور) अ फा वि –रिश्वत खानेवाला, उत्कोचभुक्, उत्कोचग्राही।

रिश्वतख़ोरी (رشوتخوری) अ फा स्त्री –रिश्वत खाना, उत्कोच लेना, घूसख़ोरी।

रिश्वतदिहिंद (رشوتدہندہ) अ फा वि –रिश्वत देनेवाला, उत्कोचदाता।

रिश्वतदिही (رشوتدہی) अ फा स्त्री –रिश्वत देना, उत्कोच दान।

रिश्वतसितानी (رشوتستانی) अ फा स्त्री –रिशवत लेना, उत्कोच ग्रहण।

रिसाल (رسالہ) अ पु –वह पत्रिका जो पुस्तक के रूप मे किसी नियत समय पर प्रकाशित हो, किसी विषय पर छोटी-सी पुस्तक, सैनिको की टुकडी, सवारो का दस्ता।

रिसाल:दार (رسالہدار) अ फा पु –सवारो के एक रिसाले का नायक।

रिसाल दारी (رسالہداری) अ फा स्त्री –सवारो के एक रिसाले की अध्यक्षता।

रिसालत (رسالت) अ स्त्री –सदेश, सँदेसा, ख़बर, दूतकर्म, सिफारत, ईशदूतता, पैंगवरी।

रिसालत पनाह (رسالت پناہ) अ फा वि –रसूल, पैंगबर, ईश दूत।

रिसालतमआब (رسالت مآب) अ वि –ईशदूत, पैंगबर।

रिहान (رہان) अ पु –गिरो करना, बधक रखना, घुड-दौड मे शर्त लगाना, 'रह्‌न' का बहु, शर्तें।

रिहाल (رحال) अ पु –'रह्‌ल' का बहु, कूच, प्रस्थान।

रिही (رہی) फा पु –दास, ग़ुलाम, दे 'रही', दोनो शुद्ध हैं।

रिह्म. (رہمہ) अ पु –हलकी वर्षा, फुहार।

रिह्‌ल (رحل) अ स्त्री –किताब रखने का विशेष प्रकार का लकडी का यत्र।

री

रीक़ (ریق) अ पु –थूक, मुखस्राव।

रीख़ (ریخ) फा स्त्री –पक्षियो की बीट, पतला पाख़ाना, दस्त।

रीचार (ریچار) फा पु –अचार, मुरब्बा, जाम।

रीचाल (ریچال) फा पु –दे 'रीचार', दो शु है।

रीब. (ریبہ) अ पु –सदेह मे डालनेवाली वस्तु, आरोप, लाछन, तुह्‌मत।

रीम (ریم) फा स्त्री –घाव मे से निकला हुआ मवाद, पीप, धातुओ का मैल।

रीमगीं (ریمگیں) फा वि –पीप से भरा हुआ।

रीमिया (ریمیا) अ स्त्री –एक विद्या जिसके द्वारा मनुष्य जहाँ भी चाहे क्षण भर मे पहुँच सकता है।

रीमियादाँ (ریمیاداں) अ फा वि –रीमिया की विद्या जाननेवाला।

रीमे आहन (ریم آہن) फा पु –लोहे का मैल, मडूर, ख़ुब्सुल हदीद।

रीवाज (ریواج) फा पु –दे 'रीवास'

रीवास (ریواس) फा पु –एक खटमिट्ठा मेवा।

रीश (ریش) फा स्त्री –आस्यलोम, श्मश्रु, डाढी।

रीशख़ंद (ریش‌خند) फा पु –ठठोल, मस्खरापन।

रीशगाव (ریش‌گاو) फा वि –मूर्ख, मूढ, अहमक, गाव दी।

रीशचराज़ (ریش‌چرغ) फा पु –वह फोडा जो आपरेशन से अच्छा न हो।

रीशपुरबाद (ریش‌بدرباد) फा पु –अहकार, अभिमान, घमड, गुरूर।

रीशबाबा (ریش‌بابا) फा पु –अगूर की एक किस्म।

रीशमाल (ریش‌مال) फा वि –वह व्यक्ति जो अपनी स्त्री की कमाई खाता हो, भार्याट, भगभक्षी, दैयूस।

रीशमाली (ریش‌مالی) फा स्त्री –दैयूसी, अपनी स्त्री को दूसरो के पास भेजकर उसकी कमाई खाना।

रीशे काज़ी (ریش قاضی) फा अ स्त्री –शराब छानने की छन्नी।

रीशे मुर्सल (ریش مرسل) फा अ स्त्री –लबी डाढी।

रीह (ریح) अ. स्त्री –वायु, हवा, गध, बास, अपानवायु, अधोवायु, गोज।

रीही (ریحی) अ वि –वात के कोप से होनेवाला रोग, बादी।

रीहुल बवासीर (ریح‌البواسیر) अ स्त्री –बादी बवासीर।

रु

रुअसा (رؤسا) अ पु –'रईस' का बहु, रईस लोग।

रुआत (رعاة) अ. पु –'राई' का बहु, चरवाहे।

रुआफ (رعاف) अ स्त्री –नक्सीर, नाक से खून आने की बीमारी।

रुऊनत (رعونت) अ स्त्री –अहकार, अभिमान, घमड, उद्दडता, सरकशी।

रुऊनतपसंद (رعونت‌پسند) अ फा वि –अहकारी, अभिमानी, घमंडी।

रुऊस (رؤس) अ पु –'रास' का बहु, सर।

रुक़बा (رقبا) अ पु –'रकीब' का बहु, रकीब लोग, प्रतिद्वद्वी जन।

रुकाद (رقاد) अ स्त्री –निद्रा, नीद।

रुकूअ (رکوع) अ पु –नमाज़ में झुकने की अवस्था।

रुक़ूद (رقود) अ पु –सोना, नीद लेना।

रुकूब (رکوب) अ पु –सवार होना, चढना।

रुक्अः (رقعہ) अ पु –पर्चा, कागज का टुकडा, चिट्ठी, पत्री, खत।

रुक़्क़ा (رقعہ) अ पु –दे 'रुक्अ' परतु उर्दू मे 'रुक्का', ही बोलते है।

रुक्न (رکن) अ पु –स्तभ, खभा, स्थूण, सदस्य, मेम्बर।

रुक्नाबाद (رکن‌آباد) फा पु –ईरान मे शीराज़ के पास बहनेवाली नदी।

रुक्ने आ'ज़म (رکن اعظم) अ पु.–सबसे बडा खभा जिस पर इमारत का अधिक बोझ रहता है, खास सदस्य।

रुक्ने मज्लिस (رکن مجلس) अ पु –किसी सभा या सस्था का सदस्य।

रुक्ने रकीन (رکن رکین) अ पु –मुख्य सदस्य, खास मेम्बर।

रुक्ने सल्तनत (رکن سلطنت) अ पु –राष्ट्र का प्रमुख अधिकारी।

रुक्ने हुकूमत (رکن حکومت) अ. पु –दे 'रुक्ने सल्तनत'।

रुक्बः (رکبہ) अ पु –जानु, घुटना।

रुख़ (رخ) फा पु –कपोल, गाल, आकृति, शक्ल, मुखाकृति, चेहरा, पक्ष, तरफ, पार्श्व, पहलू, शत्रज का एक मोहरा।

रुख़ाम (رخام) अ पु –सगे मरमर, स्फटिक, श्वेत प्रस्तर।

रुख़्शाँ (رخشاں) फा वि –दीप्त, प्रकाशमान, रौशन, चमकदार, उज्ज्वल।

रुख़्शिंदः (رخشندہ) फा वि –चमकनेवाला, ज्वलत, प्रकाशित, रौशन।

रुख़्शिंदगी (رخشندگی) फा स्त्री –दीप्ति, प्रकाश, नूर; चमक-दमक, उज्ज्वलता।

रुख़्सत (رخصت) अ स्त्री –विदा, विदाई, आज्ञा, इजाजत, अवकाश, फुर्सत, विश्रामावकाश, ता'तील, दुल्हन का दूल्हा के घर जाना।

रुख़्सततलब (رخصت‌طلب) अ वि –जाने की आज्ञा माँगनेवाला।

रुख़्सतानः (رخصتانہ) अ फा पु –रुख्सत के समय दिया जानेवाला हक, दस्तूर या पुरस्कार आदि।

रुख़्सती (رخصتی) अ स्त्री –दुल्हन का दूल्हा के घर जाने का सस्कार, बिदाई।

रुख़्सारः (رخسارہ) फा पु –कपोल, गडस्थल, गाल, आरिज़।

रुख़्सार (رخسار) फा पु –कपोल, गाल।

रुजूअ (رجوع) अ स्त्री –आकर्षण, प्रवृत्ति, रुजूआत, आकृष्ट, प्रवृत्त, राजे'।

रुजूअइलल्लाह (رجوع الی اللہ) अ स्त्री –ईश्वर की ओर प्रवृत्ति अर्थात् मन का लगाव, जप-तप आदि की ओर चित्त का आकर्षण।

रुजूआत (رجوعات) अ स्त्री –'रुजूअ' का बहु, परतु एकवचन के अर्थ मे व्यवहृत है, दे 'रुजूअ'।

रुजूए क़ल्ब (رجوع قلب) अ. स्त्री –हृदय का किसी ओर आकर्षण।

रुजूए खल्क़ (رجوع خلق) अ स्त्री.—जनता का किसी की ओर आकर्षण, जैसे—किसी साधु की ओर या किसी वैद्य की ओर।

रुजूम (رجوم) अ पु—पथराव करना, किसी को पत्थर मारना।

रुजूलत (رجولت) अ स्त्री—पुंस्त्व, पौरुष, मर्दुमी, मर्दपन, कामशक्ति।

रुजूलियत (رجولیت) अ स्त्री—दे 'रुजूलत'।

रुजहान (رجحان) अ पु—प्रवृत्ति, रुजूआत, रुचि, रग्वत, आकर्षण, झुकाव, हृदय का किसी ओर विशेष रूप से आकर्षण।

रुतब (رطب) अ पु—तर छुहारा, पिंड खजूर।

रुतूबत (رطوبت) अ स्त्री—तरी, आर्द्रता, शरीर में धातुओ की तरी, लसीका।

रुत्वः (رتبه) अ पु—पद, दर्जा, पदवी, उहदा, उपाधि, खिताव, श्रेष्ठता, बुजुर्गी, महत्ता, बडाई।

रुत्व.दाँ (رتبه‌دان) अ फा वि—किसी के बडप्पन को ठीक-ठीक समझनेवाला।

रुत्व.शनास (رتبه‌شناس) अ फा वि—किसी के पद और वडप्पन को पहचानने और उसकी कद्र करनेवाला।

रुत्वए बलद (رتبهٔ بلند) अ फा पु—वडा रुत्वा, वडी पदवी, वडा दरजा।

रुफ़का (رفقا) अ पु—'रफ़ीक' का वहु, रफ़ीक लोग, साथी लोग।

रुफ़ात (رفات) अ वि—भग्न, खडित, टूटा हुआ, टुकडे-टुकडे, चूर-चूर।

रुफ़्क़ः (رفقه) अ पु—साथ-साथ यात्रा करनेवाला, साथियो की टोली।

रुफ़्तः (رفته) फा वि—झाडा हुआ, झाडू से साफ किया हुआ।

रुफ़्त (رفت) फा स्त्री—झाड-पोछ, सफाई।

रुफ़्तनी (رفتنی) फा वि—झाडने के काविल।

रुब (ब्ब) (رب) अ पु—फलो का पकाया हुआ रस जो गाढा हो गया हो।

रुबा (ربا) फा प्रत्य—ले भागनेवाला, उडा ले जानेवाला, जैसे—'दिल रुबा' दिल उडा ले जानेवाला अर्थात् माशूक़।

रुबाइदः (رباینده) फा वि—उडा ले जानेवाला, उचक ले जानेवाला, उचक्का।

रुबाई (رباعی) अ स्त्री—उर्दू और फार्सी का एक छद-विशेष जिसका मूल वज़्न १ तगण १ यगण एक सगण और एक मगण होता है (ऽऽ।, ।ऽऽ, ।।ऽ, ऽऽऽ), इसके पहले दूसरे और चौथे पद मे काफ़िया होता है, कभी-कभी चारो ही सानुप्रास होते है, परतु अच्छा यही है कि चौथा मानुप्रास न हो।

रुबाईदः (ربائیده) फा वि—उचक ले जाया हुआ।

रुबाईयात (رباعیات) अ स्त्री—'रुबाई' का वहु, रुबाइयाँ।

रुबूदः (ربوده) फा वि—ले जाया हुआ, उचका हुआ।

रुबूदगी (ربودگی) फा स्त्री—उचक्कापन।

रुबूबीयत (ربوبیت) अ स्त्री—ईश्वरत्व, परवर्दगारी।

रुमूज़ (رموز) अ पु—'रम्ज़' का वहु, वहुत से भेद।

रुमूज़े इश्क़ (رموز عشق) अ पु—प्रेम के भेद, प्रेम की गहराइयाँ।

रुमूज़े मम्लुकत (رموز مملکت) अ पु—राजनीति के भेद, उसकी गहराइयाँ।

रुम्मान (رمان) अ पु—अनार, दाडिम।

रुम्मानी (رمانی) अ वि—अनार-जैसे रग का, वहुत ही सुर्ख़ रगवाला।

रुम्ह (رمح) अ पु—वरछा, भाला।

रुवाक़ (رواق) अ पु—मकान के ऊपर का खड, अट्टा, गैलरी, दे 'रिवाक' और 'खाक'।

रुवात (رواة) अ पु—'रावी' का वहु, रावी लोग, रिवायत करनेवाले।

रुश्द (رشد) अ पु—गुरु की शिक्षा और दीक्षा, पीर की हिदायत।

रुश्दोहिदायत (رشد و ہدایت) अ स्त्री—दीक्षा और मत्र आदि।

रुसुग़ (رسغ) अ पु—कलाई, पहुँचा।

रुसुल (رسل) अ पु—'रसूल' का वहु, रसूल और नवी।

रुसूख़ (رسوخ) अ पु—प्रवेश, पहुँच, रसाई, पैठ, प्रेम-व्यवहार, मेल-जोल, जानकारी, दक्षता, कुशलता, महारत।

रुसूब (رسوب) अ पु—नीचे वैठी हुई गाद, पेशाव मे नीचे वैठा हुआ मल आदि (कारूरे की शीशी मे)।

रुसूम (رسوم) अ पु—'रस्म' का वहु, रस्में, रुढियाँ, परम्पराएँ।

रुस्ग़. (رسغه) अ पु—पहुँचा, कलाई।

रुस्ग़ (رسغ) अ पु—दे 'रुस्ग', दोनो शुद्ध है।

रुस्त (رسته) फा वि—उगा हुआ, अकुरित।

रुस्तखेज़ (رستخیز) फा स्त्री—दे 'रस्तख़ेज़' दोनो शुद्ध है।

रुस्तगार (رستگار) फा वि—दे शुद्ध उच्चारण 'रस्तगार'।

रुस्तगी (رستگی) फा. स्त्री—उगाव, उपज, रोईदगी।

रुस्तनी (رستنی) फा स्त्री—तरकारी, शाक, (वि) उगने योग्य, उपज के क़ाविल।

रुस्तम (رستم) फा पु—ईरान का एक प्राचीन योद्धा

और पहलवान, जिसका उल्लेख 'फिरदौसी' ने 'शाहनामे' मे किया है, वहुत वडा शूर और वीर।

रुस्तमे जमाँ (رستم زماں) फा अ पु –अपने समय का सबसे वडा योद्धा।

रुस्ताख़ेज़ (رستاخیز) फा स्त्री -दे 'रस्ताखेज़', दोनो शुद्ध है।

रुस्ती (رستی) फा स्त्री –सुख, चैन, जीविका, रोजी, समृद्धि, ऐश।

रुस्तोख़ेज़ (رستوخیز) फा स्त्री –दे 'रस्तोखेज़', दोनो शुद्ध है।

रुस्ल (رسل) अ पु –'रसूल' का वहु, पैगवर लोग, दे 'रुसुल', दोनो शुद्ध है।

रुस्वा (رسوا) फा वि –जो वहुत वदनाम हो, निंदित, गर्हित।

रुस्वाई (رسوائی) फा स्त्री –वदनामी, निंदा, अपयश, कुख्याति,—"यादे ऐयाम किया तर्के शिकेवाई था। हर गली कूचा मुझे कूचए रुस्वाई था।"

रुस्वाए आम (رسوائے عام) फा अ वि –सारे मे वदनाम, सर्वनिंदित।

रुहमा (رحما) अ पु –'रहीम' का वहु, दयालु लोग।

रुहवान (رھبان) अ पुं –'राहिव' का वहु, वह ईसाई साधु जो सासारिक विषय-वासनाओ का त्याग कर चुका हो।

रू

रू (رو) फा पु –मुखाकृति, चेहरा, मुख, मुँह, कारण, सवव।

रूअत (روعت) अ स्त्री –हृदय, दिल, वुद्धि, अक्ल।

रूए किताबी (روئے کتابی) फा अ पु –किसी कदर लवोतरा चेहरा।

रूएज़मीं (روئے زمیں) फा स्त्री –धरातल, पृथ्वी की सतह।

रूएदाद (روئداد) फा स्त्री –वृत्तात, कथा, कार्यवाही, काररवाई।

रूए वंद (روئے بند) फा पु –दे 'रूवद'।

रूए सुख़न (روئے سخن) फा पु –वात का लक्ष्य, जिसे लक्ष्य करके वात की जाय, सवोधन, मुखतिव।

रूओरिआयत (رووعایت) फा अ स्त्री –मुरव्वत और लिहाज़, शील और सकोच।

रूकश (روکش) फा. वि –लज्जित, शर्मिदा; समुख, मुकाविल, प्रतिद्वद्वी, हरीफ।

रूकशी (روکشی) फा. स्त्री –लज्जा, शर्म, समुखता, सामना, प्रतिद्वंद्विता, रुकावट।

रूकार (روکار) फा स्त्री –मकान के सामनेवाला भाग, सामने का रुख।

रूगर्दां (روگرداں) फा वि –परामुख, विमुख, मुँह फेरे हुए, अवज्ञाकारी, हुक्म उदूल।

रूगर्दानी (روگردانی) फा स्त्री –विमुखता, मुँह फेरना, आज्ञोल्लघन, हुक्म उदूली।

रू दर रू (رو در رو) फा वि –आमने-सामने, मुँह दर मुँह।

रूदाद (روداد) फा स्त्री –वृत्तात, हाल, कथा, कहानी, कार्यवाही, काररवाई।

रूदादे गम (روداد غم) फा अ स्त्री –प्रेमव्यथा का वृत्तात, इश्क की कहानी।

रूदार (رودار) फा वि –प्रतिष्ठित, समानित, मुअज़्ज़ज़, पूज्य।

रूदारी (روداری) फा स्त्री –प्रतिष्ठा, मान्यता, इज्ज़त।

रूनास (روناس) फा स्त्री –मजीठ, एक लकडी जो दवा मे चलती और रग के काम आती है।

रूनुमा (رونما) फा वि –मुँह दिखानेवाला।

रूनुमाई (رونمائی) फा स्त्री –मुँह दिखाई।

रूपाक (روپاک) फा पु.–रूमाल, मुँह पोछने का कपड़ा।

रूपोश (روپوش) फा. वि –जो मुँह छिपाये हो, जो भागा हुआ हो, मफ़रूर।

रूपोशी (روپوشی) आ स्त्री –मुँह छिपाना, फ़िरार होना, मफ़रूरी।

रूबंद (روبند) फा पु –मुँह पर डालने का कपडा, वुर्क़ा, मुखपट, घूँघट।

रूवआस्माँ (روبہ آسماں) आकाश की ओर मुँह किये हुए, ऊपर मुँह उठाये हुए।

रूवकफा (روبہ قفا) फा अ वि –पीछे मुँह किये हुए।

रूवकार (روبہ کار) फा वि –काम मे दिल लगाये हुए, दत्त-चित्त, दे 'रोवकार'।

रूवज़वाल (روبہ زوال) फा अ वि –पतन की ओर प्रवृत्त, पतनोन्मुख।

रूवदीवार (روبہ دیوار) फा वि –स्तब्ध, चकित, हैरान।

रूवराह (روبراہ) फा वि –ठीक रस्ते पर, ठीक-ठीक।

रूवरू (روبرو) फा वि –समुख, आमने-सामने, प्रत्यक्ष, मुकाविल।

रूवसेहत (روبہ صحت) फा अ वि –वह रोगी जो स्वास्थ्य की ओर जा रहा हो।

रूवहवा (روبہ ھوا) फा अ वि –हवा के रुख पर।

रूम (روم) अ पु –एक देश।

रूमाल (رومال) फा पु.–हाथ-मुँह पोछने का जेव मे रखने-वाला कपड़ा, करपट, रुमाल।

रूमी (رومی) अ. वि –रूम का निवासी, रूम की भाषा।

रूयत (رویت) अ. स्त्री.–दर्शन, देखना।

रूयते हिलाल (رویت ھلال) अ स्त्री –चद्रदर्शन, नव चद्र-दर्शन, नया चाँद देखना।

रूया (رویا) अ पु –स्वप्न, ख़्वाब, निद्रा, नीद।

रूयाए सादिक़: (رویاے صادقہ) अ पु –सच्चा ख़्वाब, वह स्वप्न जिसका फल स्वप्न मे देखी हुई वात के अनुकूल हो।

रूशनास (روشناس) फा वि –सूरत भर पहचाननेवाला, वहुत कम परिचित, परिचित, वाक़िफ़।

रूशनासी (روشناسی) फा स्त्री –केवल सूरत भर पहचानना, वहुत कम परिचय।

रूसख़्तज (روسختج) फा पु –जला हुआ ताँवा जो विशेषत ख़िज़ाव में काम देता है।

रूसपी (روسپی) फा स्त्री –असती, पुश्चली, भ्रष्टा, फ़ाहिशा।

रूसफ़ेद (روسفید) फा वि –नेकनाम, यशस्वी, शिष्टाचारी, नेक कर्दार।

रूसियाह (روسیاہ) फा वि –कदाचारी, पापात्मा, वद-चलन, पापी, गुनाहगार।

रूसियाही (روسیاھی) फा स्त्री –कदाचार, वदचलनी, पाप, गुनाह।

रूस्ता (روستا) फा पु –ग्राम, गाँव, देहात।

रूस्ताई (روستائی) फा वि –ग्राम निवासी, देहाती, कृषक, किसान, उजड्ड, अख्खड, असभ्य, गँवार।

रूस्ताज़ाद: (روستازادہ) फा पु –गाँव का लडका, देहाती लडका।

रूह (روح) अ स्त्री –प्राण-वायु, जान, सत, जौहर, कई वार का खीचा हुआ अरक, कई वार का वहुत अधिक फूलो से वनाया हुआ इत्र।

रूहअफ़ज़ा (روح افزا) अ फा वि –प्राणवर्द्धक, जीवन वढाने-वाला।

रूहपर्वर (روح پرور) अ फा वि –प्राणो को पालने और उनकी रक्षा करनेवाला।

रूहफ़र्सा (روح فرسا) अ फा वि –प्राणो को छीलनेवाला, अर्थात् हृदय को अत्यत खेद पहुँचानेवाला।

रूहानियाँ (روحانیاں) अ फा पु –देवतागण, फ़िरिश्ते।

रूहानियात (روحانیات) अ फा स्त्री –अध्यात्मवाद, इलाही-यात।

रूहानी (روحانی) अ वि –आत्मिक, रूह सम्वन्धी, हार्दिक, दिली।

रूहानियत (روحانیت) अ स्त्री –आत्मवाद, अध्यात्मवाद, तसव्वुफ़।

रूही (روحی) अ. वि –हार्दिक, दिली, आत्मिक, रूहानी।

रूहुलअमीन (روح الامین) अ पु –हज़्रतजिव्रील।

रूहुलक़ुदुस (روح القدس) अ पु –हज़्रत जिव्रील।

रूहुल्लाह (روح اللہ) अ पु –हज़्रत ईसा।

रूहेआ'ज़म (روح اعظم) अ पु –जिव्रील।

रूहे तब्ई (روح طبعی) अ स्त्री –प्राणवायु का वह अश जो यकृत मे रहकर खाद्य पदार्थों को पचाता और शरीर के सारे अगो को गिज़ा पहुँचाता है, (यूनानी तिव)।

रूहे तूतिया (روح توتیا) अ फा स्त्री –जस्ता, एक धातु।

रूहे नफ़्सानी (روح نفسانی) अ स्त्री –प्राणवायु का वह अश जो मस्तिष्क मे रहता और इद्रियो का सचालन करता तथा उन्हे शक्ति प्रदान करता है (यूनानी तिव)।

रूहे नवाती (روح نباتی) अ स्त्री –वनस्पति के अदर सचार करनेवाला प्राणवायु या उसकी जीवन-शक्ति।

रूहे मुअज़्ज़म (روح معظم) अ पु –हज़्रत जिव्रील।

रूहे मुकर्रम (روح مکرم) अ पु –हज़्रत जिव्रील।

रूहे मुजर्रद (روح مجرد) अ पु –दे 'रूहे मुत्लक़'।

रूहे मुत्लक़ (روح مطلق) अ पु –ईश्वर, परमात्मा।

रूहे रवाँ (روح رواں) अ फा स्त्री –प्राणवायु, वह रूह जो रगो मे सचरित रहती है।

रूहे हैवानी (روح حیوانی) अ स्त्री –वह प्राणवायु जो शिराओ के द्वारा सारे शरीर मे सचार करता है, और यकृत मे जाकर अन्न पचाता और वाँटता और मस्तिष्क मे जाकर इद्रियो को शक्ति देता और सारे अगो को जीवन प्रदान करता, उन्हे पालता और विकसित करता और उनकी शक्ति वढाता है।

रे

रेग (ریگ) फा उभ –वालुका, रेत, वालू।

रेगज़ार (ریگزار) फा पु –मरुस्थल, रेगिस्तान।

रेगदान (ریگدان) फा पु –रेत रखने का पात्र जो विशेषत वही-खाते की स्याही सुखाने के काम आता है।

रेगवूम (ریگبوم) फा स्त्री –रेतेली ज़मीन जिसमें कुछ पैदा न हो, रेगिस्तान।

रेगमाल (ریگمال) फा पु –एक प्रकार का खुरदरा कागज़, जो लकडी आदि को साफ करने के काम आता है।

रेगमाही (ریگماھی) फा स्त्री –एक प्रकार की मछली जो रेत में पैदा होती है और दवा मे चलती है, सकन्क़ूर।

रेगशो (ریگشو) मिट्टी साफ करके उससे सोना निकालने वाला, न्यारिया।

रेगशोई (ریگشوئی) फा स्त्री –मट्टी से सोना-चांदी निकालने का काम, न्यारा।

रेगिस्तान (ریگستان) फा पु –मरुस्थल, मरुभूमि, रेगिस्तानी इलाका।

रेगिस्तानी (ریگستانی) फा वि –रेगिस्तान का निवासी, रेगिस्तान मे उत्पन्न होनेवाला।

रेगे गुर्दः (ریگ گردہ) फा स्त्री –गुर्दे मे पडनेवाली पथरी।

रेगे मशानः (ریگ مشانہ) फा अ स्त्री –मूत्राशय में पडनेवाली पथरी।

रेगे रवाँ (ریگ رواں) फा स्त्री –हमेशा गतिमान रहनेवाला रेत।

रेख़्तः (ریختہ) फा पु –गिरा पडा, विखरा हुआ, उर्दू भाषा का पुराना नाम जो उसे एक शताब्दी पहले प्राप्त था।

रेख़्तःगर (ریختہگر) फा वि –धातु के वरतन ढालनेवाला।

रेख़्तःगरी (ریختہگری) फा स्त्री –धातु के वरतन ढालना।

रेख़्त. गो (ریختہگو) रेख़्ता की भाषा मे कविता करनेवाला।

रेख़्तःगोई (ریختہگوئی) फा स्त्री –रेख़्ता मे कविता करना।

रेख़्तःदम (ریختہدم) फा वि –धार उतरा हुआ, भोथरा।

रेख़्तःपा (ریختہپا) फा वि –शीघ्र गति, तेज़ रफ्तार, वायुवेग।

रेख़्तःपाई (ریختہپائی) फा स्त्री –तेज चलना, शीघ्र गमन।

रेख़्तःमू (ریختہمو) जिसके बाल झड गये हो।

रेख़्ती (ریختی) फा स्त्री –रेख़्ता की वह किस्म जिसमे स्त्रियो की भाषा मे (स्त्रैण) कविता की जाती थी।

रेज़ः (ریزہ) फा पु –कण, जर्रा, कतरन, किरच, बहुत छोटा टुकडा, रवा।

रेज़ःकार (ریزہکار) फा वि –बहुत महीन काम करनेवाला।

रेज़ःकारी (ریزہکاری) फा स्त्री –बहुत महीन काम बनाना।

रेज़ःख़्वाँ (ریزہخواں) फा वि –गानेवाला, गायक, स्वर का उतार-चढाव।

रेज़ःख़्वानी (ریزہخوانی) फा स्त्री –गाना, नग्म सराई।

रेज़ःचीं (ریزہچیں) फा वि –गिरी पडी चीजे वीननेवाला, दस्तरखान की झूठन खानेवाला, विद्या आदि का लाभ प्राप्त करनेवाला।

रेज़ःचीनी (ریزہچینی) फा स्त्री –गिरी पडी चीजे वीनना, झूठन खाना, विद्या आदि प्राप्त करना।

रेज़.रेज़ः (ریزہریزہ) फा वि –चूर-चूर, खड-खड, जर्रा-जर्रा।

रेज़ःसरा (ریزہسرا) फा वि –पक्का गाना गानेवाला।

रेज़ःसराई (ریزہسرائی) फा स्त्री –पक्का गाना गाना।

रेज़ः (ریز) फा प्रत्य –विखेरनेवाला, जैसे—'गुलरेज़' फूल विखेरनेवाला।

रेज़गारी (ریزگاری) फा. स्त्री –रुपये की खरीज, भरत, खुर्दा।

रेज़गी (ریزگی) फा स्त्री –छोटा सिक्का, रेजगारी, कण, जर्रा, छोटा टुकडा।

रेज़ाँ (ریزاں) फा वि –बिखेरता हुआ, वरसाता हुआ, डालता हुआ।

रेज़िंदः (ریزندہ) फा वि –बिखेरनेवाला, वरसानेवाला, गिरानेवाला।

रेज़िंदःअश्क (ریزندہاشک) फा वि –आँसू वहानेवाला, रोनेवाला।

रेज़िश (ریزش) फा स्त्री –विखरन, फैलाव, वहाव, नज्ले के कारण नाक बहना।

रेवंद (ریوند) फा स्त्री –एक दवा, रेवदखताई।

रेवंदख़ताई (ریوندخطائی) फा स्त्री –एक जड जो जिगर के लिए बहुत अच्छी ओषधि है।

रेवंदचीनी (ریوندچینی) फा स्त्री –दे 'रेवदखताई', परतु रेवदचीनी के नाम से एक दूसरी दवा चलती है।

रेव (ریو) फा पु –छल, कपट, मक्र, फिरेब।

रेवकार (ریوکار) फा वि –छली, कपटी, वचक, मक्कार।

रेवफ़न (ریوفن) फा वि –जो छल मे वडा निपुण हो, धूर्त, फित्तीन।

रेशः (ریشہ) फा पु –लकडी का पतला सूत, ततु, झुथडा।

रेशःख़त्मी (ریشہخطمی) फा स्त्री –एक दवा, खतमी की जड (वि) मुग्ध, लट, फिरेफ्ता।

रेशःदवानी (ریشہدوانی) फा स्त्री –सुआडोरा, किसी काम के लिए गुप्तरूप से कोशिश।

रेशःदार (ریشہدار) फा वि –जिसमे रेशे हो।

रेश (ریش) फा. पु –क्षत, व्रण, घाव, जख्म।

रेशए क़लम (ریشۂ قلم) फा अ पु –कलम के भीतर रहनेवाला सूत।

रेशए नै (ریشۂ نے) फा पु –नरकट के भीतर का सूत।

रेशम (ریشم) फा पु –पाट, एक प्रसिद्ध डोरा जो एक कीडे से प्राप्त होता है और जिससे रेशमी कपडा बनता है।

रेशमीं (ریشمیں) फा. वि –रेशम का, रेशम का बना हुआ, रेशम सम्बन्धी।

रेशमी (ریشمی) फा वि –दे 'रेशमीं'।

रेसिंदः (ریسندہ) फा वि –कातनेवाला।

रेसीदः (ریسیدہ) फा वि –काता हुआ।

रेस्माँ (ریسماں) फा स्त्री –'रेस्मान' का लघु, दे. 'रेस्मान'।

रेस्माँबाज़ (ریسماں باز) फा वि –नट, बाज़ीगर।

रेस्माँबाज़ी (ریسماں بازی) फा स्त्री –नट का काम बाज़ीगरी।

रेस्मान (ریسمان) फा स्त्री.–डोर, डोरी; रस्सी, रज्जु।

रै

रैआन (ریعان) अ पु –अनुष्ठान, उठान, यौवनारभ, उठती जवानी।

रैआने जवानी (ریعان جوانی) अ फा पु –जवानी की शुरूआत, यौवनारभ।

रैआने शबाब (ریعان شباب) अ पु –दे 'रैआने जवानी'।

रैब (ریب) अ पु –सदेह, आशका, शक, शुबहा, दुर्घटना, हादिसा।

रैबुलमनून (ریب المنون) अ पु –सासारिक दुर्घटनाएँ, दुनयावी हादिसे।

रैहाँ (ریحاں) अ पु –'रैहान' का लघु, दे 'रैहान'।

रैहानः (ریحانہ) अ स्त्री –रैहान बोने की ज़मीन।

रैहान (ریحان) अ पु –एक खुशबूदार घास।

रैहानी (ریحانی) अ वि –जिसमें रैहान की सुगध हो, जो रैहान से बनी हो।

रो

रोईं (روئیں) फा वि.–काँसे का बना हुआ।

रोईंतन (روئیں تن) फा वि –जिसका शरीर धातु का बना हो, अर्थात् बहुत मज़बूत शरीरवाला, लौहपुरुष।

रोईद. (روئیدہ) फा वि –उगा हुआ, जमा हुआ, अकुरित।

रोईदगी (روئیدگی) फा स्त्री –उगाव, उत्पत्ति जमावट, वनस्पति, घास आदि।

रोईदनी (روئیدنی) फा वि –उगने योग्य, अंकुरित होने योग।

रोज़ः (روزہ) फा पु –व्रत, उपवास, उपोषण, (प्रत्य) दिनोवाला, जैसे—'हफ्त रोज़' सात दिनोवाला।

रोज़ःकुशाई (روزہ کشائی) फा स्त्री –रोज़ेदारो को रोज़ा खोलने के लिए इफ्तारी भेजना या अपने घर खिलाना।

रोज़ःखोर (روزہ خور) फा वि –जो रोज़ा न रखता हो, रोज़ा खा जानेवाला।

रोज़ःदार (روزہ دار) फा वि.–जो रोज़े से हो, व्रतधारी।

रोज़ःशिकनी (روزہ شکنی) फा स्त्री –रोज़ा समय से पहले तोड़ देना।

रोज़ (روز) फा पु –दिवस, दिन, दिवा।

रोज़अफ्ज़ूँ (روز افزوں) फा वि –जो हर दिन बढता रहे, वृद्धिमान्।

रोज़कोर (روز کور) फा वि –वह व्यक्ति जिसे दिन मे न दिखाई देने का रोग हो, दिनाध।

रोज़कोरी (روز کوری) फा स्त्री –दिन में न दिखाई देने का रोग।

रोज़गार (روزگار) फा पु –उद्योग, व्यवसाय, पेशा, काल, समय, वक्त, युग, अह्द।

रोज़गारपेश. (روزگار پیشہ) फा वि –उद्योगी, व्यवसायी, तिजारत करनेवाला।

रोज़न (روزن) फा पु –छिद्र, विवर, सूराख।

रोज़नामः (روزنامہ) फा पु –दैनिक पत्र, रोज़ निकलनेवाला अख्बार, डेली पेपर।

रोज़नामचः (روزنامچہ) फा पु –रोज़ का हाल लिखने की किताब, दैनिकी, डाइरी, पुलिस की रोज़ की कारवाई का रजिस्टर, रोज़ के हिसाब की वही।

रोज़ ब रोज़ (روز بروز) फा वि –हर रोज़, दिन प्रतिदिन।

रोज़मर्रः (روزمرہ) अ फा पु –प्रतिदिन, हर रोज़, नित्य-प्रति।

रोज़ रोज़ (روز روز) फा वि –हर रोज़, बिला नाग़ा, नित्य प्रति, नित्यश।

रोज़ान. (روزانہ) फा वि –हररोज़, प्रतिदिन, डेली, नित्यश।

रोज़ी (روزی) फा. स्त्री –जीविका, आजीविका, वृत्ति।

रोज़ीन (روزینہ) फा पु –हर रोज़ की तनख्वाह, एक दिन के हिसाब से मज्दूरी।

रोज़ीनःदार (روزینہ دار) फा पु –हर रोज़ की तनख्वाह पानेवाला, एक दिन के हिसाब से मज्दूरी पानेवाला।

रोज़ीदेहिंदः (روزی دہندہ) फा वि –रिज्क़ देनेवाला, अन्न-दाता।

रोज़ीरसाँ (روزی رساں) फा वि –रोज़ी देनेवाला, अन्नदाता।

रोज़ीरसानी (روزی رسانی) फा. स्त्री –रोज़ी देना, अन्नदान।

रोज़े क़ियामत (روز قیامت) फा अ पु –क़ियामत का दिन जब अच्छे और बुरे कर्मों का हिसाब-किताब होगा।

रोज़े जग (روز جنگ) फा पु –युद्ध का दिन, लड़ाई का दिन।

रोज़े जज़ा (روز جزا) फा. अ पु –दे 'रोज़े क़ियामत'।

रोज़े पर्सीं (روز پسیں) फा पु –मरने का दिन।

रोज़े बद (روز بد) फा पु –बुरा दिन, मनहूस और अशुभ दिन, जिस दिन कोई बुरी घटना हुई हो।

रोज़े बाज़ख्वास्त (روز بازخواست) फा पु –दे.'रोज़े क़ियामत'।

रोज़े महशर (روز محشر) फा अ पु –दे 'रोज़े क़ियामत'।

रोज़े मैदाँ (روز میداں) फा पु –दे 'रोज़े जग'।

रोज़े विलादत (روز ولادت) फा अ पु –'पैदा होने का दिन'।

रोज़े रौशन (روز روشن) फा पु –साफ और उज्ज्वल दिन, जिस दिन बादल या कोहरा आदि न हो।

रोज़े शुमार (روز شمار) फा अ पु –दे 'रोज़े क़ियामत'।

रोज़े सियाह (روز سیاہ) फा पु –दे 'रोज़े बद'।

रोज़े हश्र (روز حشر) फा अ पु –दे 'रोज़े क़ियामत'।

रोजे हिसाब (روزحساب) फा अ पु —दे 'रोज़े कियामत'।

रोज़ोशब (روزوشب) फा पु —रातदिन, अहर्निश।

रोदः (رودہ) फा पु —ताँत, ततु, आँत, अत्र।

रोद (رود) फा पु —नदी, आपगा, तरगिणी, तटिनी, दर्या।

रोदख़ान (رودخانہ) फा. पु —नदी, दर्या, वह भूमि जो प्राय नदी की बाढ से जलमग्न रहती हो।

रोदख़ेज़ (رودخیز) फा स्त्री —पानी की रौ।

रोदबार (رودبار) फा पु —जहाँ बहुत-से नदी नाले हो।

रोबः (روبہ) फा स्त्री —'रोबाह' का लघु, लोमडी, लोमशा।

रोबःबाज़ी (روبہ‌بازی) फा स्त्री —मक्कारी, धूर्तता, छल, कपट, वचना।

रोब (روب) फा प्रत्य —झाडनेवाला, जैसे—'राकरोब' मिट्टी झाडनेवाला।

रो'ब (رعب) अ पु —आतक, दाब, प्रताप, तेज, इकबाल, धाक, डर।

रोबकार (روبکار) फा पु —सरकारी कागज़, आदेशपत्र, हुक्मनामा।

रोबकारी (روبکاری) फा स्त्री —कार्रवाई, मुकदमे आदि की पेशी।

रो'बदार (رعب‌دار) अ फा वि —जिसकी धाक बैठी हो, जिसका चेहरा रोबीला हो।

रोबरू (روبرو) फा वि —आमने-सामने, सम्मुख, प्रत्यक्ष।

रोबाह (روباہ) फा स्त्री —लोमडी, लोमशा, लोमशी, खिंकिर, लोमालिका, लुखडया।

रोबाहख़स्लत (روباہ‌خصلت) फा अ वि —मक्कार, छली, धूर्त, वचक, ठग।

रोबाहबाज़ी (روباہ‌بازی) फा स्त्री —मक्कारी, छल, कपट, धूर्तता।

रोबाहमिज़ाज (روباہ‌مزاج) फा अ वि —जिसकी प्रकृति मे छल और धूर्तता हो।

रोबाहसिफत (روباہ‌صفت) फा अ वि —मक्कार, छली, ठग, धोखेबाज।

रोबीदः (روبیدہ) फा वि —झाडा हुआ, मार्जित, साफ।

रो'बोदाब (رعب‌و‌داب) अ पु —धाक और आतक, भय और त्रास।

रोयत (رویت) अ स्त्री —देखना, दर्शन।

रोयते हिलाल (رویت ہلال) अ स्त्री —नवचद्र-दर्शन, नया चाँद देखना।

रोया (رویا) अ पु —स्वप्न, ख़्वाब।

रोयाए सादिक़ः (رویاے صادقہ) अ पु —सच्चा स्वप्न, जिसका फल सच्चा निकले।

रोशन (روشن) फा वि —दीप्त, प्रकाशमान, मुनव्वर, स्पष्ट, वाज़ेह, उज्ज्वल, साफ़।

रोसपी (روسپی) फा स्त्री —व्यभिचारिणी, असती, कुलटा, फाहिशा।

रौ

रौअत (روعت) अ स्त्री —भय, त्रास, डर।

रौग़न (روغن) अ. पु —तेल, तैल, स्नेह, चिकनाई, घी, घृत।

रौग़नगर (روغن‌گر) अ फा वि —तेल पेरनेवाला, तेली, तैलकार, तैलिक।

रौग़न ज़बानी (روغن زبانی) अ फा स्त्री —चाटुकारिता, खुशामद, वाचालता, चपलता, चर्ब ज़बानी।

रौग़न जोश (روغن جوش) अ फा वि—एक प्रकार का पका हुआ गोश्त।

रौग़न दाग़ (روغن داغ) अ फा वि —घी से बघारा हुआ, छौंका हुआ।

रौग़नफरोश (روغن‌فروش) अ फा पु —तेल बेचनेवाला।

रौग़नी (روغنی) फा वि —तेल मे बना हुआ, तेल लगा हुआ, चिकना।

रौग़ने क़ाज़ (روغن قاز) अ. फा. पु —चापलूसी, चाटुकारिता, खुशामद।

रौग़ने कुंजद (روغن کنجد) अ फा पु —तिल का तेल, तैल।

रौग़ने गाव (روغن گاو) अ फा पु —गाय का घी, गोघृत।

रौग़ने ज़र्द (روغن زرد) अ फा पु —घी, घृत।

रौग़ने तल्ख़ (روغن تلخ) अ फा पु —सरसो का तेल, कडवा तेल, सर्षप तैल।

रौग़ने शीरीं (روغن شیرین) अ फा पु —तिल का तेल, तैल।

रौग़ने सर्शफ (روغن سرشف) अ फा पु —सरसो का तेल।

रौग़ने सियाह (روغن سیاہ) अ फा पु —सरसो का तेल।

रौज़ः (روضہ) अ पु —उद्यान, आराम, वाटिका, बाग, सब्ज़ज़ार, शाद्वल, हरा-भरा मैदान, किसी बडे दरवेश का मक्बरा।

रौज़ःख़्वाँ (روضہ‌خواں) अ फा वि —मिम्बर पर बैठकर कर्बला की दुर्घटनाओ का व्याख्यान करनेवाला।

रौज़ःख़्वानी (روضہ‌خوانی) अ फा स्त्री —इमाम हुसैन की शहादत का हाल मिम्बर पर बैठकर बयान करना।

रौज़ (روض) अ पु —'रौज़ः' का बहु, बहुत से बाग, उद्यान-समूह।

रौज़ए जन्नत (روضۂ جنت) अ पु —स्वर्गवाटिका, जन्नत का बाग।

रौज़ए मुबारक (روضۂ مبارک) अ पु —पवित्र और पुनीत रौज़ा।

रौज़ए रयाहीन (روضۂ ریاحین) अ पु —स्वर्ग, जन्नत।
रौज़ए रिज़्वाँ (روضۂ رضواں) अ पु —स्वर्ग, वहिश्त।
रौज़न (روزن) अ पु —छिद्र, छेद, विवर, सूराख़।
रौज़ने दर (روزن در) अ फा पु —दीवार का छेद, दरवाज़ा।
रौज़ने दीवार (روزن دیوار) अ फा पु —दीवार का छेद।
रौज़ात (روضات) अ पु —'रौज़ा' का बहु, उद्यान-समूह, वागात।
रौनक़ (رونق) फा स्त्री —शोभा, छटा, सुहानापन, दीप्ति, प्रकाश, चमक-दमक, तडक-भडक, प्रसन्नता और हर्ष की लहर।
रौनक़अफ्ज़ा (رونق افزا) फा वि —शोभा वढानेवाला, उपस्थित, मौजूद, तशरीफ फर्मा।
रौनक़अफ्ज़ाई (رونق افزائی) फा स्त्री —शोभा वढाना, उपस्थित।
रौनक़अफ़्रोज़ (رونق افروز) फा वि —दे 'रौनकअफ्जा'।
रौनक़अफ़्रोज़ी (رونق افروزی) फा स्त्री —दे 'रौनकअफ्जाई'।
रौनक़आरा (رونق آرا) फा वि —दे 'रौनकअफ्जा'।
रौनक़फ़िज़ा (رونق فزا) फा वि —'रौनकअफ्ज़ा' का लघु, दे 'रौनकअफ्ज़ा'।
रौनक़े ख़ाना (رونق خانہ) फा स्त्री —घर की रौनक, गृह-दीप्ति, पत्नी, भार्या, वीवी।
रौनक़े चेहर. (رونق چہرہ) फा स्त्री —चेहरे की शोभा, मुखश्री, मुखरुचि, मुखकाति।
रौनक़े बज़्म (رونق بزم) फा स्त्री —सभा की रौनक, सभा-भूषण।
रौनक़े मज्लिस (رونق مجلس) फा अ स्त्री —दे 'रौनके वज़्म'।
रौनक़े महफ़िल (رونق محفل) फा अ स्त्री —दे 'रौनके वज़्म'।
रौशन (روشن) अ वि —दीप्त, प्रकाशित, मुनव्वर, उज्ज्वल, धवल, शफ्फाफ, स्पष्ट, ज्वलत, वाजेह, चमकदार, ज्योतिर्मय, तावाँ।
रौशनगुहर (روشن گہر) फा वि —कुलीन, वशप्रदीप, आलीख़ानदान।
रौशनजबी (روشن جبیں) फा वि —चमकदार माथेवाला, उज्ज्वलललाट।
रौशनजमीर (روشن ضمیر) फा अ वि —जो दूसरो के हृदय की वात जानता हो, अन्तर्यामी।
रौशनजमीरी (روشن ضمیری) फा अ. स्त्री —दूसरो के हृदय की बात जानना।
रौशनतबअ (روشن طبع) अ वि.—तीव्र बुद्धि, तेज फहम।
रौशनतर (روشن تر) अ फा वि —वहुत अधिक चमकदार।
रौशनदान (روشندان) फा पु —मकान मे रौशनी आने का सूराख़।
रौशनदिमाग़ (روشن دماغ) अ वि —दीप्तप्रज्ञ, तीक्ष्ण-वुद्धि, तेज अक्ल, नाक मे सूँघने का हुलास।
रौशनदिमाग़ी (روشن دماغی) अ फा स्त्री —वुद्धि की तेज़ी, जहानत, प्रतिभा।
रौशनदिल (روشن دل) अ फा वि —दे 'रौशनजमीर'।
रौशनदिली (روشن دلی) अ फा स्त्री —दे 'रौशनजमीरी'।
रौशननिगाह (روشن نگاہ) अ फा वि —दूरदर्शी, तेज निगाह।
रौशननिहाद (روشن نہاد) अ फा वि —दे 'रौशनजमीर'।
रौशनराए (روشن رائے) अ वि —जिसकी राय वहुत अच्छी हो, जिसकी सलाह वहुत वढिया हो, जो कूटनीति मे निपुण हो।
रौशनसवाद (روشن سواد) अ वि —जो अच्छी तरह लिख-पढ सके, शिक्षित।
रौशनाई (روشنائی) फा स्त्री —उजाला, प्रकाश, आँख की तेज़ी, नज़र की दूरवीनी, सियाही, मसि।
रौशनी (روشنی) फा स्त्री —प्रकाश, नूर, आभा, चमक।
रौह (روح) अ स्त्री —सुगध, खुशवू, प्रफुल्लता, ताज़गी, सुख, आराम।
रौहात (روحات) अ स्त्री —'रौह' का वहु, सुगधियाँ, सुख-चैन, ठडी हवाएँ।

ल

लग (لنگ) फा पु —लँगडा, पगुल, पगु, लँगडापन, पगुता, मेहन, शिश्न, लिंग।
लगर (لنگر) फा पु —अपाहिजो और कगालो को दिया जानेवाला भोजन, जो प्रतिदिन दिया जाय, सदाव्रत, समुद्र मे जहाज़ को ठहरानेवाला भारी वोझ।
लगरअदाख़्त (لنگرانداختہ) फा वि —ठहरा हुआ, एक स्थान पर रुका हुआ।
लगरअदाज़ (لنگرانداز) फा वि —समुद्र मे ठहरा हुआ जहाज़।
लगरअदाज़ी (لنگراندازی) फा स्त्री —लगर द्वारा समुद्र मे जहाज़ का पडाव।
लंगरख़ान. (لنگرخانہ) फा पु —वह स्थान जहाँ गरीवो को प्रतिदिन खाना वाँटा जाता है, अन्न-सत्र।
लगरगाह (لنگرگاہ) फा स्त्री —वह स्थान जहाँ जहाज़ लगर से ठहराये जाते हे (वीच समुद्र मे)।

लंगरपज़ीर (لنگرپزیر) फा वि.–दे 'लगरअदाज'।

लंगरी (لنگری) फा पु.–लगर से सम्बन्धित, एक प्रकार का बडा प्याला, बडी थाली, परात, तश्त।

लंगिद (لنگنده) फा. वि –लँगडाकर चलनेवाला।

लगीदः (لنگیده) फा वि –लँगडाकर चला हुआ।

लगेपा (لنگ پا) फा पु –पाँव का लँगडापन, लँगडाहट।

लज (لنج) फा पु –अठलाकर चलना, चटक-मटक दिखाते हुए चलना।

लदरः (لندره) तु पु –लदन, इँग्लैड की राजधानी।

लंबक (لنبک) फा अ.–बहराम गोर का भिश्ती, जो बडा अतिथि-पूजक और दानशील था।

लअल [लल] (لعل) अ अव्य –शायद, स्यात्, कदाचित्।

लअस (لعس) अ पु –होठो की लालिमा।

लआली (لعالی) अ पु –'लूलू' का बहु, मुक्तावली, बहुत से मोती।

लअ्आब (لعاب) अ वि –बाजीगर, मदारी, कौतुकी।

लइब (لعب) अ पु –खेल, क्रीडा, खेल-कूद।

लईक (لئیق) अ. वि –योग्य, काबिल, शिष्ट, तमीज़दार।

लईन (لعین) अ वि –जिस पर ला'नत भेजी गयी हो, धिक्कृत।

लईम (لئیم) अ वि –वह कजूस व्यक्ति जो न स्वय खा सके न दूसरे को खिला सके।

लईमुत्तब्अ (لئیم الطبع) अ वि –जिसकी प्रकृति बहुत ही तुच्छ हो, जो स्वभाव से न स्वय खा सके न किसी को खिला सके।

लउम्रक (لعمرک) अ अव्य –शपथ का एक प्रकार, तुम्हारे प्राणो की शपथ।

लऊक (لعوق) अ पु –ऐसी औषध जो चाटकर खायी जाय, चटनी, अवलेह।

लक [क्क] (لک) अ पु –कूटना, चूरा करना, मारना, पीटना।

लक (لک) फा पु –मूर्ख, बेवकूफ, लाक्षा, लाख, एक प्रसिद्ध गोद।

लक [क्क] (لق) अ पु –बे बालो का, सफाचट।

लकत (لقط) अ वि –भूमि पर पडी हुई वस्तु, उठाई हुई, बीनी हुई, चुनी हुई।

लकद (لکد) फा स्त्री –लात, दुलत्ती।

लकद (لکد) अ पु –मैल जमना, किसी स्थान का मैला होना।

लकदकोब (لکدکوب) फा वि –दुलत्ती मारनेवाला, लतयाव करनेवाला।

लकदकोबी (لکدکوبی) फा स्त्री –लतयाव करना, दुलत्ती झाडना।

लकदज़न (لکدزن) फा वि –दे 'लकदकोब'।

लकदज़नी (لکدزنی) फा स्त्री –दे 'लकदकोबी'।

लकन (لکن) अ पु –हकलापन, हकलाकर बात करना।

लकफ (لقف) अ पु –दीवार का गिरना, हौज़ की दीवारो का गिर जाना, जिससे उसका मुँह चौडा हो जाय।

लक़ब (لقب) अ पु.–उपाधि, ख़िताब, ऐसा नाम जिसमें उस व्यक्ति के गुणो का पता चले।

लकम (لقم) अ पु –मार्ग का बीच।

लकस (لقس) अ पु –हृदय की व्याकुलता और घबड़ाहट, नाश, तबाही।

लकह (لقح) अ पु –गर्भ होना, गर्भवती होना।

लका (لقا) अ पु –मैथुन, सहवास।

लकिन (لقن) अ वि –किसी बात की तह को शीघ्र ही पहुँच जानेवाला, प्रतिभावान्।

लकिन (لکن) अ वि –हकलाकर बोलनेवाला।

लकिस (لقس) अ वि –आपस मे फूट डलवानेवाला।

लकीतः (لقیطه) अ वि –वह बालक जो रास्ते मे ज़मीन पर पडा हुआ मिले, और जिसे पाला जाय।

लकीत (لقیط) अ. पु –दे 'लकीत'।

लक़ोदक़ (لق ودق) फा वि –चटयल मैदान, ऐसा जगल जिसमें कोसो न छाया हो न पानी, मूल शब्द 'लगोदग' है।

लक्अ (لقع) अ पु –आँख झपकाना, पलक मारना, निमेष।

लक्अ (لکع) अ पु –शरीर पर मैल जमना, साँप का डसना, पशु-शावक का दूध पीते समय थनो को सिर का हूरा देना।

लक्क़ोदक (لق ودق) अ पु –दे 'लकोदक'।

लक्ज़ (لکز) अ पु –छाती पर लात मारना।

लक्त (لقط) अ पु –गिरी हुई वस्तु का भूमि से उठाना, बीनना, चुनना।

लक्न (لقن) अ पु –ताडना, परखना, समझना।

लक्म (لکم) अ. पु –घूँसा मारना, मुक्केबाज़ी करना।

लक्म (لقم) अ पु –मार्ग बद कर देना, रास्ते का मुँह बद कर देना।

लक्लकः (لقلقه) अ पु –लक्लक पक्षी की ज़ोरदार आवाज।

लक्लक़ (لقلق) अ पु –एक जलीय पक्षी जो साँप और मछली खाता है; सारस पक्षी, ज़बान, जिह्वा।

लक्लक (لکلک) फा पु –दे 'लक्लक'।

लक्लाक (لقلاق) अ पु –लक्लक पक्षी, लक्लक पक्षी का स्वर।

लक्वः (لقوہ) अ पु –एक रोग जिसमे मुँह एक ओर को फिर जाता है, भजनक, वरुणग्रह।

लक्व.जदः (لقوہ زدہ) अ फा वि –जिसे लक्वा मार गया हो, वरुणग्रही।

लख़न (لخن) अ पु –मैला होना, गदा होना।

लख़्चः (لخچہ) फा पु –स्फुलिंग, चिनगारी, अगार, अगारा, ज्वाला, शो'ल।

लख़्ज. (لخجہ) फा पु –दे 'लख़्च'।

लख़्तः (لختہ) फा पु –दे 'लख़्त'।

लख़्त (لخت) फा पु –खड, टुकडा, अल्प, न्यून, थोडा, लोहे का गुर्ज।

लख़्ते (لختے) फा वि –थोडा-सा, ज़रा-सा।

लख़्ते जिगर (لخت جگر) फा पु –जिगर का टुकडा, पुत्र के लिए बोलते हैं।

लख़्ते दर (لخت در) फा पु –द्वारपट, दरवाजे के किवाड।

लख़्ते दिल (لخت دل) फा पु –दे 'लख़्ते जिगर'।

लख़्लख़ः (لخلخہ) अ पु –सूँघने का एक सुगधित मिश्रण।

लख़्श. (لخشہ) फा पु –दे 'लख़्च'।

लख़्शाँ (لخشاں) फा वि –रपटता हुआ, फिसलता हुआ, वह वस्तु जिस पर पाँव फिसले।

लख़्शिद. (لخشندہ) फा वि –रपटनेवाला, फिसलनेवाला।

लख़्शीदः (لخشیدہ) फा अ वि –रपटा हुआ, फिसला हुआ।

लग़त (لغط) अ पु –कोलाहल, शोर, आवाज, पुकार।

लगन (لگن) फा स्त्री –हाथ धोने का तश्त-विशेष, पीतल का दीवट, चौमुखा, अँगीठी।

लगाम (لگام) फा स्त्री –कविका, दतालिका।

लग़ून. (لغونہ) फा पु –मुखचूर्ण, गुलगून।

लग़ोदग़ (لغودغ) फा पु –दे 'लकोदक', शुद्ध शब्द यही है, परतु प्रचलित नही है।

लग़्ज़ाँ (لغزاں) फा वि –फिसलता हुआ, रपटता हुआ।

लग़्ज़िदः (لغزندہ) फा वि –फिसलनेवाला, रपटनेवाला।

लग़्ज़िश (لغزش) फा स्त्री –फिस्लन, रपट, त्रुटि, भूल, ग़लती, अपराध, कुसूर।

लग़्ज़िशे पा (لغزش پا) फा स्त्री –पाँव फिसलना, डगमगा जाना, विचलित हो जाना, पदकप।

लग़्ज़िशे बेजा (لغزش بےجا) फा स्त्री –अनुचित भूल या गलती।

लग़्ज़ीद. (لغزیدہ) फा वि –फिसला हुआ, रपटा हुआ।

लग़्म (لغم) अ पु –किसी को ऐसी बात बताना, जिसका उसे विश्वास न हो।

लग़्व (لغو) अ वि –अनर्थ, फुजूल, असत्य, झूठ।

लग़्वकार (لغوکار) अ फा वि –अनर्थकारी, व्यर्थ के काम करनेवाला, ऐसे काम करनेवाला जिनका कोई परिणाम न हो।

लग़्वकारी (لغوکاری) अ फा स्त्री –व्यर्थ के कार्य करना।

लग़्वगो (لغوگو) अ फा वि –अनर्गलवादी, बकवासी, मिथ्यावादी, अनृतभाषी, झूठा।

लग़्वगोई (لغوگوئی) अ फा स्त्री –मुखरता, वाचालता, बकवास, मिथ्या कथन, झूठ बोलना।

लग़्वबयाँ (لغوبیاں) अ वि –दे 'लग्वगो'।

लग़्वबयानी (لغوبیانی) अ स्त्री –दे 'लग्वगोई'।

लग़्वियत (لغویت) अ स्त्री –अनर्थता, फुजूलपन, असत्यता, झूठपन, शरारत, शुहदपन।

लग़्वियतपसद (لغویت پسند) अ फा वि –जिसे व्यर्थ की बातें पसद हों।

लग़्वियात (لغویات) अ स्त्री –'लग्वियत' का बहु, अनर्गल बाते, झूठ बाते, शरारत की बाते।

लचक (لچک) तु पु –कामदार ओढनी या रूमाल।

लजन (لجن) अ पु –बहुत-से व्यक्तियो का पानी भरने के लिए कुएँ पर इकट्ठा होना, किसी काम के लिए बहुत-से मनुष्यो का जुटना।

लजन (لژن) फा स्त्री –कीचड।

लजफ (لجف) अ पु –कुएँ के पास का गढा जिसमे पशु पानी पीते है।

लज़म (لزم) अ पु –किसी वस्तु के लिए किसी चीज़ का आवश्यक होना, किसी वस्तु का किसी व्यक्ति को अचभे में डालना।

लज़ा (لظی) अ स्त्री –नरक, दोज़ख, भडकनेवाली अग्नि, अग्नि-ज्वाला।

लज़ाइज़ (لذائذ) अ पु –'लज़्ज़त' का बहु, लज़्ज़ते, मज़े, स्वाद।

लज़ाइज़े दुनयावी (لذائذ دنیاوی) अ पु –ससार के स्वाद, सासारिक सुख।

लज़ाइज़े नफ़सानी (لذائذ نفسانی) अ पु –शारीरिक सुख, ऐद्रिय स्वाद, भोग-विलास।

लज़ाइज़े रूहानी (لذائذ روحانی) अ पु –आत्मा को सुख देनेवाले स्वाद, जप-तप आदि से प्राप्त सुख, मानसिक सुख।

लजाज (لجاج) अ पु –युद्ध, समर, लडाई, जग।

लजाजत (لجاجت) अ स्त्री –युद्ध करना, लड़ना, बडा-

चढाकर वात करना, गिडगिडाना, हाहा खाना, खुशामद के लिए दाँत निकालना, नम्रता, विनीति, आजिजी।
लजाजतआमेज़ (لجاجت آمیز) अ फा वि –गिडगिडाहट और खुशामद के साथ।
लज़िज (لزج) अ वि –चिपकनेवाली वस्तु।
लज़िब (لزب) अ वि –चिपकनेवाला।
लज़ीज़ (لذیذ) अ वि –स्वादिष्ठ, सुस्वाद, मज़ेदार।
लजूज (لجوج) अ वि –युद्ध करनेवाला, लडनेवाला।
लज़्अ (لذع) अ पु –चिनग, जलन, सोज़िश।
लज्जः (لجہ) अ पु –ध्वनि, शब्द, आवाज, कोलाहल, शोरोगुल।
लज़्ज़ (لزج) अ पु –चिपकना, फिसलना।
लज़्ज़त (لذت) अ स्त्री –स्वाद, मजा, आनद, लुत्फ़, मनोविनोद, तफ़्रीह।
लज़्ज़तआमेज़ (لذت آمیز) अ फा वि –जिसमे स्वाद हो, स्वादयुक्त।
लज़्ज़तआश्ना (لذت آشنا) अ फा वि –जो किसी पदार्थ के स्वाद से परिचित हो, रसज्ञ; अनुभवी, मज़ा चखा हुआ।
लज़्ज़तचश (لذت چش) अ फा वि –स्वाद चखनेवाला, आनन्द लेनेवाला।
लज़्ज़तचशी (لذت چشی) अ फा स्त्री –स्वाद चखना, आनन्द लेना।
लज़्ज़तपसंद (لذت پسند) अ फा वि –जिसे स्वादिष्ठ भोजन पसद हो, चटोरा, जिह्वा लोलुप।
लज़्ज़तपसंदी (لذت پسندی) अ फा स्त्री –चटोरापन, स्वादिष्ठ भोजन प्रिय लगना।
लज़्ज़ते तक़्रीर (لذت تقریر) अ स्त्री –वातचीत की मधुरता, वार्ता-माधुर्य।
लज़्ज़ाअ (لذاع) अ वि –जलन डालनेवाला, सोज़िश पैदा करनेवाला।
लज़्ज़ात (لذات) अ वि –'लज़्ज़त' का वहु, लज़्ज़तें, मज़े।
लज़्ज़ाब (لزاب) अ. वि –वहुत चिपकनेवाला।
लज्लाज (لجلاج) अ वि –जो अटक-अटक कर वात करे, हकला।
लज़्लाज़ (لصلاص) अ वि –पथ-प्रदर्शन मे निपुण।
लतंबान (لت انبان) फा वि –लोभी, लालची, पेटू, वहुभक्षी।
लतंबार (لت انبار) फा वि –दे 'लतवान'।
लत [त्त] (لط) अ पु –चिपकना, किसी का हक न देना, कोई काम लगातार करना।
लत (لت) फा पु –लात, पाँव, उदर, पेट, टुकडा, खड, अलसी के तार का कपडा।
लतअंबान (لت انبان) फा वि.–दे. 'लतवान'।
लतअंबार (لت انبار) फा वि –दे 'लतवार'।
लतत (لطط) अ पु –दाँत गिरना, दाँतो का इतना घिस जाना कि जडे रह जायँ।
लतफ (لطف) अ पु –उपकार करना, भलाई करना, दान, वख्शिश, पुरस्कार, तोहफा।
लतमात (لطمات) अ पु –'लत्म' का वहु, तमाचे, थप्पड।
लतह (لتح) अ. स्त्री –भूख, क्षुधा, बुभुक्षा।
लताइफ (لطائف) अ पु –'लतीफ' का वहु, लतीफे, हँसी की वातें।
लताइफुलहियल (لطائف الحیل) अ पु –ऐसे वहाने जो वहाने न जान पडें।
लताइफे ग़ैवी (لطائف غیبی) अ पु –वे दिव्य प्रकाश जो शुद्धात्माओ के हृदय-पटल पर पडते हैं।
लताइफो ज़राइफ़ (لطائف و ظرائف) अ. पु –हँसानेवाली और दिल वहलानेवाली वातें।
लताफत (لطافت) अ स्त्री.–कोमलता, नर्मी, मृदुलता, नज़ाकत, सूक्ष्मता, वारीकी, शुद्धता, पाकीज़गी, नवीनता, ताज़गी, भाव की गंभीरता।
लताफते क़ल्ब (لطافت قلب) अ स्त्री –हृदय की कोमलता और मृदुलता।
लताफते मिज़ाज (لطافت مزاج) अ स्त्री –स्वभाव की पवित्रता और कोमलता।
लतीफः (لطیفہ) अ. पु –चुटकुला, हास्यक, अद्भुत और अनोखी वात।
लतीफ़ःगो (لطیفہ گو) अ फा वि –चुटकुले सुनानेवाला, चुटकुले सुनाकर हँसानेवाला।
लतीफ़ःगोई (لطیفہ گوئی) अ फा स्त्री –चुटकुले कहना, चुटकुले सुनाकर हँसाना।
लतीफ़ःसंज (لطیفہ سنج) अ. फा वि –दे 'लतीफ गो'।
लतीफ़ःसंजी (لطیفہ سنجی) अ. फा स्त्री –दे 'लतीफगोई'।
लतीफ (لطیف) अ वि –कोमल, नर्म, मृदुल, नाज़ुक, सूक्ष्म, वारीक, शुद्ध, पवित्र, पाकसाफ, नवीन, नूतन, ताज़ा, वहुत ही हलका फुलका।
लतीफतब्अ (لطیف طبع) अ वि –दे 'लतीफ मिज़ाज'।
लतीफमिज़ाज (لطیف مزاج) अ वि –कोमल और मृदुल स्वभाववाला, जिसके मिज़ाज मे सफाई और शुद्धता का खयाल वहुत हो।
लतीफ़ुत्तब्अ (لطیف الطبع) अ वि –दे 'लतीफतब्अ'।

लतीफुलमिज़ाज (لطیف المزاج) अ वि –दे 'लतीफ मिज़ाज'।
लतीफुस्सौत (لطیف الصوت) अ वि –जिसका स्वर मधुर, कोमल और मृदुल हो।
लतीम (لطیم) अ वि –थप्पड खाया हुआ, जिसे चाँटा मारा गया हो।
लतूख़ (لطوخ) अ पु –मलनेवाली औषध, मालिश की दवा।
लत्अ (لطع) अ पु –चाटना, लेहन, पीठ पर ठोकर मारना।
लत्ख़ (لطخ) अ पु –लिप्त होना, बुराई में डालना, दोष लगाना।
लत्मः (لطمہ) अ पु –थप्पड, चाँटा, तलप्रहार।
लत्म (لطم) अ पु –थप्पड मारना, चाँटा लगाना।
लत्म (لتم) अ पु –छाती पर मारना।
लत्स (لطس) अ पु –पाँव से ख़ूब मलना।
लत्ह (لطح) अ पु –पीठ थपथपाना, किसी वस्तु को ज़मीन पर पटकना।
लद [द्द] (لد) अ पु –युद्ध करना, लडना, शत्रुता करना, दुश्मनी करना।
लदद (لدد) अ पु –बहुत अधिक शत्रुता होना।
लदम (لدم) अ पु –'लादिम' का बहु, पैद लगानेवाले, स्वजन, रिश्तेदार, वे व्यक्ति जिनसे स्त्रियाँ पर्दा नही करती।
लदीग़ (لدیغ) अ वि –जिसे साँप ने काटा हो, सर्पदंशित।
लदीद (لدید) अ पु –घाटी का किनारा, मुँह और होठो पर बुरकनेवाली औषध।
लदीम (لدیم) अ पु –पैवद लगा हुआ वस्त्र।
लदुन (لدن) अ पु –हलका भाला, हर वह वस्तु जो कोमल हो, समीप, पास।
लदुन्नी (لدنی) अ वि –विना प्रयास और साधन के मिली हुई वस्तु, ईश्वरदत्त।
लदूद (لدود) अ वि –झगडालू, बखेडिया, लडनेवाला, फसादी, मुँह पर छिडकने की दवा, लदीद।
लद्ग़ः (لدغہ) अ पु –डक, दश, डक मारना।
लद्ग़ (لدغ) अ पु –दे 'लद्ग़'।
लद्म (لدم) अ पु –धमाका, भारी वस्तु के गिरने का शब्द, कपडे या जूते में पैवद लगाना, स्त्री का किसी के शोक में छाती पीटना।
लनतरानी (لن ترانی) अ वा –'तू मुझे नही देख सकता', यह उस आकाशवाणी के शब्द है जब हज़्रत मूसा ने ईश्वर का प्रकाश देखने की प्रार्थना की थी, अब डींग और शेख़ी के अर्थ में बोला जाता है।
लफंग (لفنگ) फा वि –अधम, नीच, लफगा।
लफ [फ्फ] (لف) अ पु –लपेटना, तह करना।
लफीफ (لفیف) अ पु –लिपटी हुई वस्तु, मित्र, दोस्त, वह अरबी शब्द जिसमे दो हर्फ़ इल्लत हो।
लफ्चः (لفچہ) फा पु –ब्रेहड्डी का मास।
लफ्च (لفچ) फा पु –ब्रेहड्डी का मास, मोटा होठ, होठ, अधर।
लफ्चन (لفچن) फा पु –वह व्यक्ति जिसके होठ बडे-बडे और मोटे हो।
लफ्ज़ (لفظ) अ पु –शब्द, बोल, बात, वचन।
लफ्ज़न (لفظاً) अ वि –शब्द द्वारा, शब्दो से।
लफ्ज़न लफ्ज़न (لفظاً لفظاً) अ वि –एक-एक शब्द करके, अक्षरश, सारा, सब।
लफ्ज़फरोश (لفظ فروش) अ फा; वि –बातूनी, वाचाल, मुखचपल।
लफ्ज़ ब लफ्ज़ (لفظ بلفظ) अ वि –दे 'लफ्ज़न लफ्ज़न'।
लफ्ज़ी (لفظی) अ वि –शब्द सम्बन्धी, शब्द का।
लफ्ज़े इस्तिलाही (لفظ اصطلاحی) अ पु –पारिभाषिक शब्द, टर्म।
लफ्ज़े बामा'नी (لفظ بامعنی) अ फा पु –वह शब्द जो सार्थक हो, व्यक्त।
लफ्ज़े बेमा'नी (لفظ بےمعنی) अ फा पु–वह शब्द जो निरर्थक हो, अव्यक्त।
लफ्ज़े मुफ़्रद (لفظ مفرد) अ पु –वह शब्द जो किसी शब्द से बना न हो, न उससे कोई शब्द बने।
लफ्ज़े मुरक्कब (لفظ مرکب) अ पु –वह शब्द जो दो या अधिक शब्दो से मिलकर बना हो, यौगिक।
लफ्त (لفت) अ पु –घुमाना और फिराना।
लफ्तरः (لفترہ) फा वि –अधम, नीच, कमीना।
लफ्फाज़ (لفاظ) अ. वि –बहुभाषी, मुखचपल, वावदूक, मुखर, बातूनी।
लफ्फाज़ी (لفاظی) अ स्त्री –वाचालता, मुखरता, लस्सानी।
लफ्फोनश्र (لف و نشر) अ पु –एक शब्दालकार जिनमे पहले कुछ वस्तुएँ उपमेय के रूप मे कही जाती है, फिर उन वस्तुओं के लिए उनके उपमान लाते है, जैसे–पहले 'मुख' 'दाँत' और 'नेत्र' लायें फिर चाद', मोती और 'कमल'।
लफ्फोनश्रे ग़ैर मुरत्तव (لف و نشر غیر مرتب) यदि लफ्फोनश्र मे उपमेय और उपमान क्रम से न आयें तो वह ग़ैर

मुरत्तव अर्थात् क्रम विरुद्ध है, जैसे—'मुख' 'दाँत' और 'नेत्र' के साथ 'मोती' 'चद्र' और 'कमल'।

लफ़्फ़ोनश्रे मुरत्तब (لف ونشر مرتب) अ पु –यदि लफ्फोनश्र मे उपमेय और उपमान क्रम से आयें तो वह 'मुरत्तव' अर्थात् क्रमबद्ध है, जैसे—मुख, दाँत और नेत्र के साथ, चाँद, मोती और कमल।

लफ़्ह (لفح) अ पु –आग, लपट, या गर्मी से जलना, तलवार मारना।

लब (لب) फा पु –अधर, ओष्ठ, होंठ; तट, कूल, किनारा।

लबकुशा (لب کشا) फा वि –बात करनेवाला, बात करता हुआ।

लबकुशाई (لب کشائی) फा स्त्री –बात करने के लिए ओंठ खोलना।

लबख़ा (لب خا) फा वि –चिड़चिडा, झल्ला।

लबख़ुश्क (لب خشک) फा वि –जिसके होंठ प्यास के कारण सूख गये हो, बहुत प्यासा।

लबगज़िदः (لب گزیده) फा वि –पछतानेवाला, कुपित होनेवाला।

लबगज़ीदः (لب گزیده) फा वि –जो पछताया हो, जो कुपित हो।

लबगीर (لب گیر) फा पु –तम्बाकू पीने का पाइप।

लबचरा (لب چرا) फा पु –वह मेवा और चने आदि जो मित्र लोग परस्पर बातें करते समय उठा-उठाकर खाते जाते हैं।

लबचश (لب چش) फा पु –स्वाद, चखना, वह चाश्नी जो स्वाद के लिए चखी जाय।

लबज़दः (لب زده) फा वि –चुप, मौन, ख़ामोश, बोलनेवाला, बातें करनेवाला।

लबतश्नः (لب تشنه) फा वि –दे 'लबख़ुश्क'।

लबन (لبن) अ पु –क्षीर दुग्ध, दूध।

लबनीयः (لبنیه) अ पु –खीर, शीर बिरज।

लबबंद (لب بند) फा वि –चुप, मौन, ख़ामोश, बहुत अधिक मिठासवाली वस्तु।

लब ब लब (لب بلب) फा वि –होंठो पर होंठ रखे हुए, एक-दूसरे के होंठ चूमते हुए।

लबबस्तः (لب بسته) फा वि –मौन, चुप, ख़ामोश।

लबरेज़ (لبریز) फा. वि –लबालब, मुहाँमुह, ऊपर तक भरा हुआ, परिपूर्ण।

लबरेज़े मय (لبریز مے) फा वि –शराब से भरा हुआ, मदिरा से लबालब।

लबाचः (لباچه) फा पु –कुर्ते आदि के ऊपर पहनने का वस्त्र विशेष, अबा।

लबादः (لباده) फा. पु.–जाडो मे पहनने का रूईदार चुग़ा, फ़र्गुल।

लबादःपोश (لباده پوش) फा वि –लबादा पहने हुए; लबादा पहननेवाला।

लबाद (لباد) फा पु –बरसाती, बरसात में पहनने का कोट।

लबान (لبان) अ पुं –वक्ष.स्थल, सीना, छाती, कुदर गोद, लुबान।

लबाबत (لبابت) अ स्त्री –चतुर होना, दक्ष होना, बुद्धिमान् होना।

लबालब (لبالب) फा वि –लबरेज़, मुहाँमुँह।

लबाशः (لباشه) फा पु –दे 'लबेश'।

लबिन (لبن) अ स्त्री –कच्ची ईंट।

लबीक (لبیق) अ वि –बुद्धिमान्, अक्लमद, प्रतिभावान्, ज़हीन; वाचाल, लस्सान।

लबीद (لبید) अ स्त्री –छोटी गोन जिस पर नाज आदि भरकर टट्टू पर लादते हैं।

लबीन (لبین) अ वि –दूध पिलाकर पाला हुआ, पोषित, पर्वर्दा।

लबीब (لبیب) अ वि –बुद्धिमान्, मेधावी, अक्लमद, दक्ष, कुशल, होशियार।

लबून (لبون) अ वि –दूध देनेवाला, दुधार।

लबूस (لبوس) अ पु –कवच, ज़िरिह, वस्त्र, लिबास।

लबे ख़ुश्क (لب خشک) फा पु –सूखे हुए होंठ, प्यासे होंठ।

लबे गोया (لب گویا) फा पु –बात करनेवाले होंठ, बोलते हुए होंठ।

लबे गोर (لب گور) फा पु –क़ब्र का किनारा, क़ब्र के पास।

लबे जू (لب جو) फा पु –नदी का किनारा, नदी-तट।

लबे तर (لب تر) फा पु –गीले होंठ, पानी पिये हुए होंठ।

लबे नाँ (لب ناں) फा पु –रोटी का किनारा, रोटी की कोर।

लबे नोशीं (لب نوشیں) फा पु –वह होंठ जिनसे रस टपकता हो।

लबे फर्याद (لب فریاد) फा पु –अत्याचार पर दुहाई देनेवाले होंठ।

लबे फ़र्श (لب فرش) फा पु –सभा आदि मे बिछे हुए फर्श का किनारा।

लबे ला'लीं (لب لعلیں) फा अ. पु –दे 'लबे नोशीं'।

लबेशः (لبیشه) फा पु –एक रस्सी का फदा जो लकडी मे

लगा होता है, शरीर घोडो के ऊपरवाले होठ मे डालकर उसे घुमाते है,जिससे घोडा घबडाकर शरारत भूल जाता है।

लबे शीरीं (لب شیریں) फा पु –वह होठ जिनसे रस (अधरामृत) टपकता हो।

लबोदर्दां (لب ودنداں) फा पु –योग्यता, काविलीयत, विद्वत्ता।

लबोलह्जः (لب ولہجہ) फा अ पु –बात करने का ढग, टोन।

लब्क़ (لبق) अ वि –दे 'लबीक'।

लब्क (لبک) अ पु –घोलना, मिलाना, मिश्रण।

लब्न (لبن) अ पु –दूध पिलाना,, छडी से मारना।

लब्बान (لبان) अ वि –ईंटे पाथनेवाला।

लब्बैक (لبیک) अ वा –'मै उपस्थित हूँ' मालिक के पुकारने पर दास की ओर से दिया जानेवाला उत्तर।

लब्स (لبس) अ पु –कपडे पहनना।

लब्स (لبث) अ पु –देर करना, विलव करना, देर, ढील, विलव।

लमआत (لمعات) अ पु –'लम्अ' का वहु, रौशनियाँ, प्रकाशपुज।

लमहात (لمحات) अ पु –'लम्ह' का वहु, वहुत-से क्षण।

लमाक़ (لماق) अ वि –थोडी वस्तु।

लमाज़ (لماظ) अ वि –थोडी-सी वस्तु।

लम्अः (لمعہ) अ पु –प्रकाश, तेज, रौशनी, आलोक, ज्योति।

लम्अ (لمع) अ पु –चमकना, प्रकाशित होना।

लम्आन (لمعان) अ पु –चमकना, रौशन होना, चमक, प्रकाश, नूर।

लम्क़ (لمق) अ पु –शुद्ध करना, साफ करना, आँखे मलना।

लम्ज़ (لمز) अ पु –दोष करना, ऐव करना, आँख का सकेत करना, जलाना, मारना।

लम्तुर (لمتر) फा वि –मोटा-ताजा, हृष्ट-पुष्ट।

लम्मा (لما) अ अव्य –जव, चूँकि, परतु, मगर।

लम्माज़ (لماز) अ वि –ऐव करनेवाला, अपराधक, आँख से सकेत करनेवाला।

लम्यज़ल (لم یزل) अ वि –अनश्वर, अविनाशी, लाज-वाल।

लम्स (لمس) अ पु –स्पर्श, छूना, मैथुन, सहवास।

लम्हः (لمحہ) अ पु –क्षण, पल, वहुत थोडा समय।

लम्हः व लम्हः (لمحہ بلمحہ) अ फा वि –क्षण प्रति क्षण, थोडी-थोडी देर वाद।

लयान (لیان) अ पु –सुख, चैन, आराम, समृद्धि, वैभव, फरागत।

लयाली (لیالی) अ स्त्री –'लैल' का वहु, रात्रियाँ, रातें।

लयूस (لیوس) अ वि –तिरस्कृत, अपमानित, वेइज्ज़त।

लय्यान (لیان) अ पु –लपेटना।

लय्यिन (لین) अ वि –नर्म, कोमल, मुलाइम।

लर (لر) तु अव्य –एक विभक्ति जो एक वचनवाली सज्ञा के अन्त मे आकर उसे वहु वचन वना देती है।

लर्ज़. (لرزہ) फा पु –कँपकँपी, थरथरी, कप, कँपकँपी के साथ ज्वर, जूडी, कपज्वर, हलचल, हौल, घवराहट। शरीर के रोगटो का खडा होना, रोमाच।

लर्ज़ अगेज़ (لرزہ انگیز) फा वि –दे 'लर्ज़ ख़ेज़'।

लर्ज़ ख़ेज़ (لرزہ خیز) फा वि –शरीर के रोगटे खडे कर देनेवाला, अर्थात् वहुत भीषण और भयानक।

लर्ज़ वरदाम (لرزہ براندام) फा वि –जिसका शरीर भय के कारण काँप रहा हो।

लर्ज़ वरअंदामकुन (لرزہ بر اندام کن) फा वि –शरीर मे कँपकँपी उत्पन्न कर देनेवाला।

लर्ज़ां (لرزاں) फा वि –काँपता हुआ, थरथराता हुआ, भय के मारे काँपता हुआ।

लर्ज़िदः (لرزندہ) फा वि –काँपनेवाला, थरथरानेवाला।

लर्ज़िश (لرزش) फा स्त्री –कँपकँपी, थरथराहट।

लर्ज़ीदः (لرزیدہ) फा वि –काँपा हुआ, थर्राया हुआ।

लर्ज़ीदनी (لرزیدنی) फा वि –काँपने योग्य, थर्राने योग्य।

लवाइज़ (لواعج) अ पु –'लाइज' का वहु, जलने, टपकने।

लवाएह (لوائح) अ पु –'लाइह' का वहु, रौशनियाँ, प्रकाशपुज।

लवाक (لواق) अ वि –थोडी वस्तु, किंचिन्मात्र।

लवाक़ेह (لواقح) अ स्त्री –'लाकेह' का वहु, गर्भवती मादाएँ, 'मुल्केह' का वहु, नर।

लवाज़िम. (لوازمہ) अ पु –दे 'लवाजिम', यह शब्द अशुद्ध है, परन्तु उर्दू में वोलते हैं, वल्कि इसका वहु 'लवाज़िमात' भी वना लेते हैं, जो विलकुल गलत है।

लवाज़िम (لوازم) अ पु –'लाज़िम' का वहु, किसी कार्य अथवा उद्योग से सम्वन्धित वस्तुएँ।

लवातत (لواطت) अ स्त्री –गुद-मैथुन, वाल-मैथुन, इग्लाम, दे 'लिवातत', दोनो शुद्ध हैं।

लवामे (لوامع) अ पु –'लामिअ, का वहु, चमकदार वस्तुएँ।

लवाश (لواش) तु स्त्री –गेहूँ की पतली रोटी, फुल्का, चपाती।

लवास (لواس) अ पु –चखने योग्य, आस्वाद्य।

लवास (لوات) अ. पु –पलेथन, खुश्की।
लवाहिक (لواحق) अ पु –'लाहिक' का बहु, किसी मूल पदार्थ के अन्त में लगायी जानेवाली वस्तुएँ।
लवाहिकीन (لواحقین) अ पु –'लाहिक' के वहु का वहु, जो काइदे से अशुद्ध है, परतु उर्दू में बोलते है, लेकिन कम पढे लोग।
लवाहिज़ (لواحظ) अ पु –'लाहिज़' का वहु, आँखो के किनारे, कनखियो से देखनेवाले।
लवाहिब (لواهب) अ पु –'लाहिब' का वहु., भड़की हुई आग।
लवीशः (لویسه) फा पु –दे 'लवेश', दोनो शुद्ध है।
लवूस (لوس) अ वि –चक्खा हुआ।
लवेद (لوید) फा पु –खुले मुख का वडा पतीला, डेगचा देग।
लव्वामः (لوامه) अ पु –बुरी बातो पर डाँट-फटकार करनेवाला, एक मानसिक शक्ति जो बुरे कर्मों अथवा पापो पर मनुष्य की निन्दा करती और उनसे रोकती है।
लव्वाम (لوام) अ वि –निन्दा करनेवाला, भर्त्सना करनेवाला, मलामत करनेवाला।
लश्कर (لشکر) फा पु –सेना, वाहिनी, वरूथिनी, अनीक, चमू, वल, फौज, भीड, बहुत से व्यक्तियो का समूह।
लश्करआरा (لشکرآرا) फा वि –सेना की सज्जा करनेवाला, सेना लेकर मुकाविले पर आनेवाला।
लश्करआराई (لشکرآرائی) फा स्त्री –सेना को लडने के लिए सजाना, सेना लेकर मुकावला करना।
लश्करकशी (لشکرکشی) फा स्त्री –चढाई, धावा, सैन्य-यात्रा, आक्रमण।
लश्करगाह (لشکرگاه) फा स्त्री –सेनावास, छावनी।
लश्करी (لشکری) फा वि –सैनिक, असिजीवी, सिपाही।
लस [स्स] (لس) अ पु –घोडे का घास खाना।
लसक (لثق) अ पु –गीला होना, गीलापन, आर्द्रता।
लसक (لسق-لصق) अ पु –चिपकना।
लसद (لسد) अ पु –दूध चूसना, वच्चे का दूध पीना, शहद चाटना।
लसन (لسن) अ पु –भापानैपुण्य, ज़वानआवरी, कोमलता, फसाहत।
लसस (لصص) अ पु –दाँतो का पास-पास होना, वृक्ष की डालियो का घना होना।
लसिक़ः (لثقه) अ पु –एक प्रकार का ज्वर।
लसिन (لسن) अ. वि –भाषाविद्, भाषा-विज्ञान मे निपुण, वहुत शुद्ध और सरल भाषा वोलनेवाला।
लस्अः (لسعه) अ पु –डसना, काटना, दशन।
लस्अ (لسع) अ पु –दे 'लस्अ'।
लस्उल हैयः (لسع الحیه) अ पु –साँप का डसना, सर्प-दशन।
लस्ग़ (لثغ) अ पुं –'र' को 'ल' और 'सीन' को 'से' कहना, तुतलाना।
लस्ग़ा (لثغا) अ स्त्री –तोतली स्त्री।
लस्द (لسد) अ पु –दे 'लसद'।
लस्म (لثم) अ पु –चूमना, चवुन, मुँह मे मुसीका लगाना।
लस्सः (لثه) अ पु –मसूढा, दतपाली, दे 'लिस्स' और 'लुस्स', तीनो शुद्ध है।
लस्साअ (لساع) अ. वि –डसनेवाला, काटनेवाला, विषैला कीडा।
लस्सान (لسان) अ वि –बातूनी, वावदूक, वाचाल, मुखचपल, लफ्फाज़।
लस्सानी (لسانی) अ स्त्री –मुखरता, मुखचपलता, वाचालता, लफ्फाज़ी।
लहक़ः (لحقه) अ पु –'लाहिक़' का बहु, पीछे से पहुँचनेवाले, अंत में मिलाये जानेवाले।
लहक़ (لحق) अ वि –जो अपने पहलेवाले से मिले, जो किसी के अत मे जोड़ा जाय।
लहज (لهج) अ पु –लालची होना, मुग्ध होना, वरगलाना, भडकाना, बहकाना।
लहद (لحد) अ स्त्री –वग्लीवाली कब्र, कब्र, गोर, समाधि।
लहन (لحن) अ पु –प्रतिभा, कुशलता, जहानत; चातुर्य, होशयारी।
लहफ (لهف) अ पु –पछताना, अफ्सोस करना, दुखित होना, रजीदा होना।
लहव (لهب) अ पु –आग की लपट, अग्निशिखा, अग्नि-ज्वाला, शो'ला।
लहाक (لحاق) अ पु –पहुँचना, जाना, ताड़ना, समझना।
लहाज़ (لحاظ) अ पु –आँख का कोना।
लहाज़िम (لهازم) अ पु –'लहज़म' का वहु, जवडे की हड्डियाँ, कनपटी की हड्डियाँ।
लहात (لهات) अ पु –गले का कौआ।
लहास (لحاص) अ पु –आपत्ति, आपदा, कष्ट, मुसीवत; दैवी आपत्ति, वला।
लहिम (لحم) अ वि –मास-भक्षक, गोश्तख़ोर।
लहीद (لهید) अ वि –थका हुआ ऊँट।

लहीफ (لہیف) अ वि –पछतानेवाला, पश्चात्ताप करनेवाला, नि सहाय, दीन, बेचारा।

लहीब (لہیب) अ पु –अग्नि-ज्वाला, लपट, शो'ला।

लहीम (لحیم) अ वि –जिसके शरीर मे मास बहुत हो, मासल, पीन।

लहीम (لہیم) अ स्त्री –आपत्ति, मुसीबत, दरिद्रता, ग़रीबी, कगाली।

लहीमुलजुस्सः (لحیم الجثہ) अ वि –मोटा-ताज़ा, हृष्ट-पुष्ट, स्थूलकाय।

लहीमोशहीम (لحیم و شحیم) अ वि –जिसके शरीर में मास और चर्बी दोनो अधिक हो।

लहीस (لحیص) अ वि –तग, सकीर्ण।

ल्हूम (لہوم) अ पु –बहुत बडी सेना।

लह्जः (لہجہ) अ पु –बात करने का ढग, टोन, पढने का ढग, स्वर, आवाज़ (गाने की)।

लह्जः (لحظہ) अ पु –क्षण, पल, लम्ह।

लह्जः ब लह्जः (لحظہ بلحظہ) अ फा वि –क्षण-क्षण, क्षण-प्रतिक्षण, हरलम्ह, ज़रा ज़रा-सी देर के बाद।

लह्स (لحس) अ पु –एक बार मिली हुई वस्तु की फिर-फिर इच्छा, कुत्ते का बरतन चाटना।

लह्ज़ (لحظ) अ पु –कनखियो से देखना।

लह्ज़ (لہز) अ पु –छाती पर घूँसा मारना, मिलाना, बछडे का दूध पीते समय थनो को सिर का हूरा देना।

लह्जए तलख (لہجۂ تلخ) अ पु –पु –स्वर की कठोरता, कटुता से कही हुई बात।

लह्ज़मः (لہزمہ) अ पु –कनपटी की हड्डी, जबडे की हड्डी।

लह्न (لحن) अ पु –स्वर, आवाज़, गानेवाला स्वर, धुन।

लह्ने दाऊदी (لحن داؤدی) अ पु –हज़रत दाऊद पैग़म्बर-जैसी आवाज़, जो बहुत ही मधुर और मुग्धकर थी।

लह्म (لحمہ) अ पु –मासपिंड, लोथडा, छोटा बच्चा, शिशु, मास की बोटी।

लह्म (لحم) अ पु –मास, आमिष, गोश्त।

लह्मी (لحمی) अ वि –मास सम्बन्धी, मास का, एक प्रकार का जलधर।

लह्व (لحو) अ पु –लकडी का बकला छुडाना, एक वस्तु से दूसरी वस्तु अलग करना।

लह्व (لہو) अ पु –खेल-कूद, मनबहलाव, क्रीडा, वह बात जो धार्मिक कामो से रोके।

लह्वुल हदीस (لہو الحدیث) अ पु –किस्सा-कहानी, नाचरग।

लह्वो लइब (لہو و لعب) अ पु –खेल-कूद।

लह्हाम (لحام) अ वि –मास-विक्रेता, गोश्त बेचनेवाला, कसाई।

ला

ला (لا) अ अव्य –नही, न।

ला (لا) फा पु –तह, परत, दे 'लाए'।

ला आ'लम (لااعلم) अ वा –मैं नही जानता, मुझे नही पता, मुझे ख़बर नही।

लाइंद (لائندہ) फा वि –बकवास करनेवाला, व्यर्थभाषी, व्यर्थवादी।

लाइक़ (لائق) अ वि –योग्य, विद्वान्, पात्र, मुस्तहक़।

लाइजः (لاعجہ) अ वि –जलानेवाला।

लाइब (لاعب) अ वि –खेलनेवाला, खिलाडी।

लाइम: (لائمہ) अ वि –निंदा, भर्त्सना, डाँट-फटकार।

लाइम (لائم) अ वि –बुरे कामो पर डाँट-फटकार करनेवाला, भर्त्सना करनेवाला।

लाइम (لاعیہ) अ पु –थूहड के प्रकार का एक वृक्ष जिनका दूध बहुत ही विषैला और घातक होता है।

लाइलाज (لاعلاج) अ वि –जिसकी चिकित्सा न हो सके, अचकित्स्य, असाध्य, जिसका कोई उपाय न हो, दुष्कर।

लाइल्म (لاعلم) अ वि –अपरिचित, नावाकिफ, अज्ञात, जाहिल, अशिक्षित, बेपढा-लिखा।

लाइल्मी (لاعلمی) अ स्त्री –परिचय न होना, ना वाकिफीयत, अज्ञान, न जानना, भूल, त्रुटि।

लाइह: (لائحہ) अ पु –दे 'लाएह'।

लाईद: (لائیدہ) फा वि –डीग मारा हुआ, जिसने डींग मारी हो, जिसने व्यर्थ बात कही हो।

लाईदनी (لائیدنی) फा वि –बात करने योग्य, डींग मारने योग्य।

लाउबाली (لاابالی) अ वि –निश्चित, बेफिक्र, बेपर्वा, नि स्पृह, अनीह, बेनियाज़।

लाए (لاۓ) फा स्त्री –गाद, तलछट।

लाएह (لائحہ) अ पु –चमकनेवाली वस्तु, प्रोग्राम, कार्यक्रम, सूची, फेहरिस्त।

लाएह (لائح) अ वि –चमकनेवाला, उत्पन्न होनेवाला।

लाएहए अमल (لائحۂ عمل) अ पु –किसी कार्य विशेष का प्रोग्राम (कार्यक्रम)।

लाओनअम (لاونعم) अ स्त्री –नही और हाँ, अस्वीकृति और स्वीकृति।

लाओह्सी (لااحصی) अ वा –यह कुरान के एक पूरे वाक्य का टुकडा है, जिसका अर्थ है कि ईश्वर मै तेरे गुणो को सीमित नही कर सकता।

लाक (لاک) फा पुं –लकड़ी का पियाला।
ला'क (لعق) अ पु –चाटना, लेहन।
लाकपुश्त (لاک پشت) फा पु –कच्छप, कूर्म, कछुआ।
लाकलाम (لاکلام) अ वि –निःसंदेह, निःशंक, बेशक; अवश्य, निश्चयपूर्ण, यकीनी।
लाकिन (لاکن) अ अव्य –लेकिन, परंतु, किन्तु।
लाक़िस (لاقس) अ वि –दोष करनेवाला, अपकर्ता।
लाक़ीस (لاقیس) अ पु –एक पिशाच जो नमाज पढ़ते समय लोगों के हृदय में अनेक प्रकार के विचार उत्पन्न करता है।
लाक़ेह (لاقح) अ वि –गर्भ होना, मादा जिससे नर जुफ्ती करे, वह खजूर जिससे दूसरे खजूर को गर्भ दे।
लाख़ः (لاخہ) फा पु –धुनकी हुई रुई, रूई का गाला।
लाख़ (لاخ) फा पु –स्थान, जगह, यह शब्द अकेला नहीं आता दूसरे शब्द से मिलकर आता है, जैसे—'संगलाख़', पथरीला स्थान।
लाख़राज (لاخراج) अ वि –वह भूमि जिसका लगान न देना पड़े।
लाग़ (لاغ) फा पु –परिहास, ठठोल, मज़ाक।
लाग़र (لاغر) फा वि –क्षीण, क्षाम, कृश, दुबला-पतला।
लाग़रअंदाम (لاغراندام) अ वि –जिसका शरीर दुबला-पतला हो, कृशांग, क्षीणकाय।
लाग़री (لاغری) फा स्त्री –क्षीणता, कृशता, दुबलापन।
लागियः (لاغیہ) फा पु –एक क्षुप जो बहुत गर्म और दूध वाला होता है।
लाग़ियः (لاغیہ) अ स्त्री –बक्की स्त्री, अनर्गल वादिनी, डींग मारनेवाली स्त्री, अहंवादिनी।
लाग़ी (لاغی) अ वि –मिथ्यावादी, झूठा, डींगिया, शेख़ीख़ोर।
लाचीन (لاچین) तु पु –बाज़ पक्षी, श्येन।
लाजरम (لاجرم) अ वि –अवश्य, यकीनी, निःसंदेह, बेशुबह, असाध्य, लाइलाज।
लाजवाब (لاجواب) अ वि –जो जवाब न दे सके, निरुत्तर, लज्जित, शर्मिंदः, सकुचित, नादिम; अद्वितीय, बेमिस्ल।
लाज़वाल (لازوال) अ वि –जिसका नाश न हो, अनश्वर, अविनाशी, शाश्वत।
लाज़िकः (لازقہ) अ वि –चिपकने वाली वस्तु (स्त्री)।
लाज़िक़ (لازق) अ वि –चिपकनेवाला।
लाज़िब (لازب) अ वि –चिपकनेवाला, चिह्न छोड़ जानेवाला।
लाज़िमः (لازمہ) अ वि –आवश्यक वस्तु, गुण, ख़ास्सः, अनिवार्य, लाज़िमी।
लाज़िम (لازم) अ.वि –आवश्यक, ज़रूरी, अनिवार्य, लाज़िमी, उचित, मुनासिब; निश्चित, यकीनी, सटा हुआ, मिला हुआ, अकर्मक क्रिया, फ़े'ले लाज़िम।
लाज़िमन (لازماً) अ वि.–निश्चित रूप से, यकीनन।
लाज़िमी (لازمی) अ वि –आवश्यक, ज़रूरी; अनिवार्य, लाबुद, उचित, मुनासिब निश्चित, यकीनी।
लाज़िमो मल्ज़ूम (لازم وملزوم) अ वि –एक की दूसरे के साथ अनिवार्यता, समवाय।
लाज़िल [ल्ल] (لاطل) अ वि –वह सोना जिसमें ज़रा भी खोट न हो।
लाजुर्अः (لاجرعہ) अ वि –जो घूंट-घूंट न पिया जाकर एक साथ पिया गया हो, डगडगाकर पिया हुआ।
लाजे (لاذع) अ वि –जलन उत्पन्न करनेवाला, सोज़िश पैदा करनेवाला।
लाज्वर्द (لاجورد) फा पु –एक बहुमूल्य पत्थर, लाजावर्त, आवर्त मणि।
लाज्वर्दी (لاجوردی) फा वि –लाज्वर्द के रंग का, नीला।
लात (لات) अ. पु –एक मूर्ति जिसे हज़रत 'शुऐब' के अनुयायियों ने पूजा था।
लातज़र (لاتذر) अ. क्रि –न छोड़।
लाताइल (لاطائل) व्यर्थ, बेकार।
लाता'दाद (لاتعداد) अ वि –असंख्य, अगणित, असीम, अपरिमित, बेशुमार।
लातिब (لاتب) अ. वि –चिपकनेवाला; एक स्थान पर टिका हुआ, डटा हुआ, दृढ़, मज़बूत।
लातीनी (لاطینی) अ स्त्री –रूमियों की प्राचीन भाषा, लैटिन।
लातुअद (لاتعد) अ वि –जो गिना न जा सके, अगणित, असंख्य।
लातोह्सा (لاتحصی) अ वि –जो घेरा न जा सके, जो सीमाबद्ध न हो सके, असीम।
लाद. (لادہ) फा पु –मूर्ख, अज्ञानी, बेअक्ल।
लाद (لاد) फा पु –दीवार की चुनाई का एक रद्दा।
लादनः (لادنہ) फा पु –सन, शण, सन का पेड़, दे 'लादिन', दोनों शुद्ध हैं।
लादन (لادن) फा पु –एक प्रकार की सुगंध, अफीम का अर्क।
लादवा (لادوا) अ वि –जिसका उपचार न हो सके, असाध्य, निरुपचार, जिसका प्रयत्न न हो सके।
लादा'वा (لادعوی) अ वि –जो वाद वापस ले ले, दस्तबरदार।

लाद़िग़ (لادغ) अ वि —डसनेवाला; एक पीड़ा, जिसमें ऐसा अनुभव होता है कि त्वचा को कोई काट रहा है।
लादिनः (لادنه) फा पु —सन, सन का पेड़।
लादिम (لادم) अ वि —पैवंद लगाने वाला, थिगली लगानेवाला, चकती लगानेवाला।
लान. (لانه) फा पु —शहद का छत्ता जिसमें शहद न हो, घोंसला, कुलाय, झोझ।
लान (لان) फा पु —आज़र बाईजान का एक पहाड़, जहाँ के तुर्क बहुत ही सुंदर होते हैं।
ला'न (لعن) अ स्त्री —धिक्कार, ला'नत।
ला'नत (لعنت) अ स्त्री —धिक्कार, फटकार।
ला'नतज़द. (لعنت زده) अ - फा वि —जिस पर ला'नत की गयी हो, धिक्कृत।
लानुसल्लिम (لانسلم) अ क्रि —मैं नही मानता, यह मेरे लिए मान्य नही है।
लाफ (لاف) फा स्त्री —डींगें, शेखी, गप, जल्प, विकत्य।
लाफगो (لاف گو) फा वि —डींगिया, अहंवादी, गप्पी, बकवादी, जल्पी।
लाफगोई (لاف گوئی) फा स्त्री —डींग मारना, गप उड़ाना, बकवास।
लाफज़न (لاف زن) फा वि —दे 'लाफगो'।
लाफज़नी (لاف زنی) फा स्त्री —दे 'लाफगोई'।
लाफ़ानी (لافانی) अ वि —अनश्वर, अविनाशी, जो कभी नष्ट न हो, शाश्वत।
लाफिंद (لافنده) फा वि —गप्पी, बकवासी, डींगिया, शेखीख़ोर।
लाफ़िज़ः (لافظه) अ स्त्री —नदी, दर्या, बकरी, अजा, चक्की, पेषणी; कुक्कुटी, मुर्ग़ी।
लाफीदः (لافیده) फा वि —गप हाँका हुआ, जो बात गप हो, डींग मारा हुआ, जो बात डींगें हो।
लाफीदनी (لافیدنی) फा. वि —गप मारने योग्य, डींग मारने योग्य।
लाफ़ेह (لافح) अ वि —आग, गर्मी या लपट से जलनेवाला।
लाफोगुज़ाफ (لاف و گزاف) फा स्त्री —व्यर्थ की और इधर-उधर की गपबाज़ी, ख़ुराफात, बकवास।
लाब. (لابه) फा पु —चाटुकारिता, ख़ुशामद, छल, कपट, वंचना, फरेब।
लाबः (لابه) अ पु —पहाड़ी भूमि, पथरीला स्थान।
लाबःकार (لابه کار) फा वि —चापलूस, चाटुकार।
लाबःगो (لابه گو) फा वि —चापलूस, चाटुकार।
ला'ब (لعب) अ. पु.—राल बहना, राल टपकना।
लाबरला (لابرلا) फा वि —तह पर तह, परत पर परत
लाबिन (لابن) अ वि —दूध पिलानेवाला, दूधवाला।
लाबिस (لابث) अ वि —देर करनेवाला, ढील डालनेवाला।
लाबुद (द्द) (لابد) अ वि —आवश्यक, ज़रूरी, अनिवार्य, लाज़िमी।
लाबुदी (لابدی) अ वि —दे 'लाबुद'।
लाम. (لامه) अ पु —लोहे की कड़ियोंवाला कवच, ज़िरीह।
लाम (لام) अ पु —'लाम' का बहु, त्वच-समूह, एक अक्षर, 'ल', अलक, ज़ुल्फ।
लाम (لام) फा पु —ऊन की एक मोटी टोपी जो विशेषत माँगनेवाले ओढ़ते हैं।
लामकान (لامکان) अ पु —वह स्थान जो घर न हो, वह जो मकान से परे हो, ईश्वर।
लाम काफ (لام کاف) अ पु —गाली-गलौज, अपवाद।
लामज़्हब (لامذهب) अ वि —जिसका कोई धर्म न हो नास्तिक, धर्मविमुख।
लामज़्हबीयत (لامذهبیت) अ स्त्री —नास्तिकता, धर्म-विमुखता।
लामहालः (لامحاله) अ वि —अतत, आख़िरकार, विवशतापूर्वक, लाचारी से।
लामहदूद (لامحدود) अ वि —जिसकी कोई हद न हो, असीमित, जो घेरा न जा सके, जिसकी सीमाएँ निश्चित न हों, बेहद।
लामान (لامان) फा पु —छल, कपट, फरेब, कृतघ्नता, बेवफाई, समूह, अंबोह, गढा, गर्त।
लामानी (لامانی) फा वि —छलपूर्वक, पुरफ़रेब, मिथ्या, झूठ, कवच पहने हुए।
लामिस. (لامسه) अ स्त्री —छूनेवाली, स्पर्शशक्ति, छूने की क़ुव्वत।
लामिस (لامس) अ वि —छूनेवाला, स्पर्शी, मैथुनकरनेवाला, संभोगकर्ता।
लामुतनाही (لامتناهی) अ वि —जिसका ओर-छोर न हो, अपार, असीम, बेहद।
लामे' (لامع) अ वि —चमकनेवाला, चमकीला, प्रकाशमान, रौशन।
लामेअ (لامعه) अ वि —चमकनेवाली वस्तु (स्त्री)।
लायः (لایه) फा पु —दीवार का रद्दा; कपड़े की तह, एक प्रकार का काग़ज़।
लायंबग़ी (لاینبغی) अ वि —अनावश्यक, ग़ैरज़रूरी; अनुचित, नामुनासिब।
लायकून (لایکون) अ अव्य —शायद, स्यात्।

लायज़ाल (لایزال) अ वि.–जो नष्ट न हो, अनश्वर, अविनाशी, अर्थात् ईश्वर।
लायन्फ़क [फ़क] (لاینفک) अ वि –जो अलग न हो सके, अविच्छिन्न।
लायन्हल (لاینحل) अ वि –जो हल न हो, जो जटिल हो (समस्या)।
लायमूत (لایموت) अ वि –जो मरे नही, अमर।
लाया'किल (لایعقل) अ. वि –जो कुछ न समझता हो, निर्बुद्ध, अज्ञानी, मूर्ख।
लाया'नी (لایعنی) अ वि –जिसका अर्थ न हो, अनर्थक, बेमतलब, व्यर्थ, फ़ुज़ूल।
लाया'लम (لایعلم) अ वि –जो कुछ नही जानता, अनभिज्ञ, अज्ञानी।
लायुम्किन (لایمکن) अ वि –जो मुम्किन न हो, असभव।
लारैब (لاریب) अ. वि –नि सदेह, बेशुब्हा।
लारैबफ़ीह (لاریب فیہ) अ वा –इस बात में कोई सदेह नही है, ऐसा अवश्य है।
लालः (لالہ) फा पु –एक लाल फूल, पोस्त का फूल, अहिपुष्प।
लालःगूँ (لالہ گوں) फा. वि –लाला के फूल-जैसा, रक्तवर्ण, सुर्ख़।
लालःज़ार (لالہ زار) फा. पु –लाला के फूलो का खेत, अफ़ीम का खेत।
लालःफ़ाम (لالہ فام) फा वि –दे 'लाल फ़ाम'।
लाल.रंग (لالہ رنگ) फा वि –दे 'लाल गूँ'।
लालःरुख़ (لالہ رخ) फा. वि –लाला के फूल-जैसे सुर्ख़ और कोमल गालोवाला (वाली)।
लालःसाँ (لالہ ساں) फा वि –लाला के फूल-जैसा, सुर्ख़, लाल।
लालःसार (لالہ سار) फा वि –दे 'लाल ज़ार'।
लालंग (لالنگ) फा वि –बचा हुआ खाना, उच्छिष्ट, भुक्तशेष।
लाल (لال) तु वि –मूक, गूँगा।
लाल (لال) फा. वि –रक्त, सुर्ख़, एक रत्न, पद्म राग।
ला'ल (لعل) अ पु –लाल (फा) का अरबी रूप, पद्म राग, एक बहुमूल्य रत्न।
लालए सह्राई (لالہ صحرائی) फा अ पु –जगल मे उत्पन्न होनेवाला लाला का फूल।
ला'लगूँ (لعل گوں) अ फा वि –पद्मराग-जैसे रक्त वर्ण का, रक्तवर्ण।
ला'लफ़ाम (لعل فام) अ. फा वि –दे. 'ला'ल गूँ'।
लाला (لالا) फा पु –दास, गुलाम, सेवक, मुलाज़िम, चमकदार, उज्ज्वल (मोती)।
लालाए चश्म (لالاے چشم) फा पु –आँख की पुतली, कनीनी, कनीनिका।
ला'ली (لعلیں) अ फा वि –लाल-जैसे रगवाला।
ला'लीं लब (لعلیں لب) अ फा वि –लाल और सुदर होठो वाली सुदरी।
ला'ले बदख़्शानी (لعل بدخشانی) अ फा पु –बदख़्शाँ (अफ़्ग़ानिस्तान) में पैदा होने वाला पद्मराग।
ला'ले मुज़ाब (لعل مذاب) अ पु –पिघला हुआ पद्मराग अर्थात् लाल मदिरा।
ला'ले रुम्मानी (لعل رمانی) अ पु –अनार के दानो-जैसा गुलाबी पद्मराग।
ला'ले लब (لعل لب) अ फा पु -पद्मराग-जैसे गुलाबी अधर, अधर रूपी पद्मराग।
ला'ले शकरबार (لعل شکربار) अ फा. पु –मीठा अमृत-जल टपकानेवाले अधर।
ला'ले शब चिराग़ (لعل شب چراغ) अ फा पु –पद्मराग-विशेष, जो अँधेरे मे दीपक की भाँति प्रकाश देता है।
लावः (لاوہ) फा पु –बच्चो का एक खेल, गिल्ली-डडा।
लाव (لاو) फा पु –पडोल मट्टी, जिससे घर पोता जाता है।
लावलद (لاولد) अ वि –जिसके कोई सतान न हो, निर्वंश, अनपत्य, नि सतान।
लावारिस (لاوارث) अ वि –जिसका कोई उत्तराधिकारी न हो।
लाशः (لاشہ) फा वि –बहुत ही दुर्बल और क्षीण, दुर्बल गधा अथवा घोडा, गधा, गर्दभ, (पु) लाश, शव।
लाश (لاش) तु स्त्री –मृतक देह, शव, लाश।
लाशए बेगोरोकफ़न (لاشۂ بےگوروکفن) फा पु –ऐसा शव जिसे न कफ़न मिला हो न क़ब्र।
लास (لاس) फा पु –बहुत ही ख़राब किस्म का रेशम।
लासानी (لاثانی) अ वि –अद्वितीय, बेमिस्ल, अनुपम।
लासिम (لاثم) अ. वि –चूमनेवाला, चुबक, वह व्यक्ति जो अपना मुँह बद रखता हो, मितभाषी।
लाह (لاہ) अ पु –ईश्वर, अल्लाह।
लाह (لاہ) फा पु –कच्चा रेशम, ख़राब किस्म का रेशम।
लाहल [ल्ल] (لاحل) अ वि –जो हल न हो सके, जिस समस्या का समाधान न हो सके।
लाहासिल (لاحاصل) अ वि –निष्फल, व्यर्थ, बेकार, नि सार, बेनतीजा।
लाहिक़ः (لاحقہ) अ. पु –वह अक्षर या शब्द-विशेष जो

किसी शब्द के अंत मे अर्थ-परिवर्तन के लिए लाया जाता है, प्रत्यय।

लाहिक़ (لاحق) अ वि –मिलनेवाला, युक्त होनेवाला।

लाहिज़ (لاحظ) अ वि –कनखियो से देखनेवाला।

लाहिब (لاهب) अ वि –लपट मारनेवाला, धधकनेवाला।

लाहिम (لاحم) अ वि –गोश्त (मास) खिलानेवाला, गोश्त बेचनेवाला।

लाही (لاهی) अ वि –अचेत, बेसुध, बेहोश, जिसे ध्यान न रहे, असावधान, गाफिल, खेलनेवाला, क्रीडक।

लाहूत (لاهوت) अ पु –ससार, मर्त्यलोक, दुनिया, ब्रह्मलीनता की अवस्था।

लाहूती (لاهوتی) अ वि –ससार का निवासी, प्राणी, ब्रह्मलीन, फना फिल्लाह।

लाहोरः (لاهوره) फा पु –फाँक, काश।

लाहौल (لاحول) अ स्त्री –घृणा और उपेक्षा-सूचक एक वाक्य।

लि

लिंगः (لنگه) फा पु –पूरी टाँग, पाँव की उँगलियो से रान की जड तक का अवयव।

लिंग (لنگ) फा पु –पिंडली, पूरी टाँग, रान।

लिंगबरः (لنگبره) फा पु –एक खाद्य, गेहूँ के आटे की रस्सी-सी बटकर उसके छोटे-छोटे टुकडे करके घी मे भूनकर गोश्त में पकाये जाते है।

लिआन (لعان) अ पु –एक दूसरे को धिक्कारना, परस्पर ला'नत भेजना।

लिका (لقا) अ स्त्री –दर्शन, दीदार, साक्षात्कार, भेंट, मुलाकात।

लिक़ाह (لقاح) अ पु –गर्भ धारण करना, हामिल होना।

लिख़ाफ (لخاف) अ पु –सफेद और पतले पत्थर।

लिग़ाम (لغام) अ पु –पशुओ के मुँह बद करने की जाली, मुसीका।

लिग्नः (لگنه) फा पु –दे 'लिंग'।

लिजाम (لجام) अ स्त्री –लगाम, कविका।

लिताम (لطام) अ पु –एक दूसरे को तमाँचे मारना।

लिदाम (لدام) अ पु –कपडे मे पैवद लगाना, जूते में थिगली गाँठना।

लिफ [फ़्फ] (لف) अ पु –वह पेड जो दूसरे पेड में गुथा हो।

लिफाअ (لفاع) अ पु –चादर।

लिफाफः (لفافه) अ पु –ऊपर लपेटने की वस्तु, खत भेजने का खोल, पत्रवेष्टन, मुर्दे का कफन।

लिफाफ (لفاف) अ पु –मुर्दे के सबसे ऊपरवाला कपडा, कफन।

लिफ़्क़ (لفق) अ पु –छोर, किनारा, दराज़, दरार, दर्ज़।

लिफ़्त (لفت) अ पु –शलजम, एक शाक।

लिब [ब्ब] (لب) अ पु –वह व्यक्ति जो कोई कार्य बराबर करता हो, किसी कार्य-विशेष का पाबद।

लिबा (لبا) अ स्त्री –प्योसी, खीस।

लिबास (لباس) अ पु –वस्त्र, वसन, पोशाक।

लिबासात (لباسات) अ पु –चापलूसी, खुशामद, चाटुकारिता।

लिबासे अरूसी (لباس عروسی) अ पु –विवाह मे दूल्हा और दुल्हन के पहनने के कपडे।

लिबासे तक़्वा (لباس تقوی) अ पु –लज्जा, व्रीडा, लाज, शर्म, साधुओ के पहनने के वस्त्र।

लिबासे रियाई (لباس ریائی) अ पु –धोखा देनेवाले वस्त्र, धोखा देने वाला भेष, छद्मवेश।

लिबासे शबख़्वाबी (لباس شب خوابی) अ पु –रात में सोते समय पहनने के कपडे, नाइट ड्रेस, रात्रिवस्त्र।

लिब्नः (لبنه) अ स्त्री –कच्ची ईंट, वह ईंट जो पकायी न गयी हो, एक ईंट।

लिब्न (لبن) अ स्त्री –'लिब्न' का बहु, कच्ची ईंटे।

लिब्लाब (لبلاب) अ स्त्री –एक बेल, इश्क पेचाँ।

लिब्स (لبس) अ पु –वस्त्र, वसन, लिबास।

लिम [म्म] (لم) अ स्त्री –कारण, सबब, (अव्य) क्यो, किस लिए।

लिम्म (لمه) अ पु –वे बाल जो कनपटी के नीचे लटक आयें।

लिम्मी (لمی) अ वि –न्याय-परिभाषा मे एक तर्क, ऐसा किस कारण है।

लियाक़त (لیاقت) अ स्त्री –योग्यता, काबिलीयत, पात्रता, इस्तेहक़ाक, विद्वत्ता, इल्मीयत, उत्साह, हौसला, सामर्थ्य, मक्दरत।

लियाज (لیاذ) अ पु –आश्रय लेना, पनाह ढूंढना।

लियाम (لیام) अ पु –'लईम' का बहु, मक्खीचूस लोग।

लियामत (لیامت) अ स्त्री –भर्त्सना, निंदा, मलामत।

लियास (لیاس) अ वि –जो अपनी स्त्री की कमाई खाता हो, भार्याट, दय्यूस।

लियाह (لیاح) अ वि –सफेद, धवल श्वेत, (स्त्री) जगली गाय।

लिल्लहिल हम्द (للّٰه الحمد) अ वा –सारी स्तुतियाँ केवल ईश्वर के लिए है, ईश्वर को धन्यवाद, खुदा का शुक्र।

लिल्लाह (للہ) अ अव्य –ईश्वर के लिए, ईश्वर के नाम पर, ईश्वरार्पण।
लिवज्हिल्लाह (لوجہ اللہ) अ अव्य –ईश्वर के लिए।
लिवा (لوا) अ पु –पताका, ध्वजा, झडा।
लिवाए हक़ (لواے حق) अ पु –सत्यता का झडा।
लिवाज़ (لواذ) अ पु –एक दूसरे की रक्षा करना, एक दूसरे को पनाह देना।
लिवातत (لواطت) अ स्त्री –गुदमैथुन, पुरुप-मैथुन, इग्लाम, दे 'लवातत', दोनो शुद्ध हे।
लिस [स्स] (لص) अ वि –चोर, स्तेन, तस्कर।
लिसान (لسان) अ स्त्री –जिह्वा, रसना, जीभ, भाषा, बोली, जवान।
लिसानी (لسانی) अ वि –भाषा-सम्वन्धी।
लिसानीयात (لسانیات) अ स्त्री –भाषा-विज्ञान, भाषाओ का इल्म।
लिसानुलअस्र (لسان العصر) अ पु –अपने समय का तर्जुमान।
लिसानुलक़ौम (لسان القوم) अ पु –अपने राष्ट्र का तर्जुमान, अपनी जाति का तर्जुमान।
लिसानुलग़ैब (لسان الغیب) अ पु –भविष्य की बाते जाननेवाला।
लिसानुलमुल्क (لسان الملک) अ पु –अपने देश या राष्ट्र का तर्जुमान।
लिसानुलहमल (لسان الحمل) अ स्त्री –एक वनौषधि, वारतग।
लिसाम (لثام) अ पु –पशुओ के मुँह वाँधने की जाली, मुसीका।
लिस्सः (لثہ) अ पु —मसूढा, दतमास, दे 'लस्स' और 'लुस्स', तीनो शुद्ध है।
लिहा (لحا) अ स्त्री –वल्कल, छाल, वकला।
लिहाज़ (لحاظ) अ पु –आदर, ख़याल, शील, मुरव्वत, लज्जा, शर्म, स्वाभिमान, गैरत, भय, डर, ध्यान, खयाल, सकोच, नदामत।
लिहाज़ा (لہذا) अ अव्य –अत, सुतराम्, इसलिए।
लिहाफ (لحاف) अ पु.–मोटी रज़ाई।
लिह्यः (لحیہ) अ स्त्री –दे 'लेह्य'।
लिह्यान (لحیان) अ वि –दे 'लेह्यान'।

ली

लीक़ः (لیقہ) अ पु –दवात मे डालने का लत्ता।
लीक़ (لیق) अ पु –दे 'लीक'।
लीग (لیغ) फा वि –उदास, मलिन, वददिल।
लीनः (لینہ) अ पु –खजूर के पेड का तना, खजूर की लबी सोट।
लीन (لین) अ स्त्री –कोमलता, नर्मी।
लीनत (لینت) अ स्त्री –कोमलता, नर्मी, मुलायमपन।
लीफः (لیفہ) अ पु –खजूर का वकला, रेशा, ततु।
लीफ (لیف) अ स्त्री –दे 'लीफ'।
लीसुरसास (لیثرعس) अ पु –एक प्रकार का सन्निपात।

लु

लुंग (لنگ) फा पु –लुगी, तहमद, जाँघिया, लँगोट।
लुंगक (لنگک) फा पु –छोटी-सी लुगी, अँगौछा, जाँघिया।
लुंज (لنج) फा पु –होठ, अधर, ओष्ठ।
लुआव (لعاب) अ पु –चेप, लस, राल, लाला, लसदार दवाओ का गाढा पानी।
लुआवदार (لعاب دار) अ फा वि –वह वस्तु जिसमे चेप हो, लेसदार।
लुआबे दहन (لعاب دہن) अ फा पु –थूक, मुखस्राव, राल, लाला।
लुक (لک) तु वि –मोटी भारी, और बेढगी वस्तु।
लुक़ातः (لقاطہ) अ वि –बहुत ही घटिया वस्तु।
लुक्कः (لکہ) फा.पु –धब्बा, दाग, टुकडा, खड।
लुक्कए अब्र (لکۂ ابر) फा पु.–बादल का टुकडा, अभ्रखड।
लुक्कहाए अब्र (لکہھاے ابر) फा पु –बादलो के टुकडे।
लुक्काअः (لقاعہ) अ वि –वहुत ही वातूनी, झक्की, हाज़िरजवाव, शीघ्रोत्तर, प्रत्युत्पन्नमति।
लुक़्तः (لقطہ) अ पु –भूमि पर पडी हुई हुई वस्तु जो उठा ली गयी हो, पुराना लत्ता।
लुक्नत (لکنت) अ स्त्री –हकलापन, हकलाहट।
लुक्नतआमेज़ (لکنت آمیز) अ फा वि –हकलाहट के साथ, हकलाते हुए।
लुक़्मः (لقمہ) अ पु –ग्रास, कवल, निवाला।
लुक़्मःख़ोर (لقمہ خور) अ फा वि –निवाला खानेवाला।
लुक़्मए अजल (لقمۂ اجل) अ पु –मृत्यु के मुँह का निवाला, मृत्युकवल, मृत, मुर्दा।
लुक़्मए गोर (لقمۂ گور) अ फा पु –क़ब्र के मुँह का निवाला, मृत, मुर्दा।
लुक़्मए चर्ब (لقمۂ چرب) अ फा पु.–तर निवाला, तरमाल, वढ़िया-वढिया खाने, अच्छी प्राप्ति, काफी लाभ।
लुक़्मए तर (لقمۂ تر) अ फा पु –दे. 'लुक़्मए चर्ब'।

लुक्मए हराम (لقمۂ حرام) अ पु —हराम की कमाई, दूसरे का माल जो बेईमानी से झटका जाय।

लुक्मए हलाल (لقمۂ حلال) अ पु —हलाल की कमाई, मेहनत से कमाया हुआ धन।

लुक्मान (لقمان) अ पु —एक बहुत बडे वैद्य और वैज्ञानिक जिनकी चर्चा कुरान में है।

लुक्माने वक्त (لقمانِ وقت) अ पु —अपने समय का बहुत बडा वैज्ञानिक और चिकित्सक।

लुक़्यः (لقیہ) अ पु —साक्षात्कार, भेंट, मुलाकात, दर्शन, दीदार।

लुख (لخ) फा पु —पानी के किनारे उत्पन्न होनेवाली एक घास जिसकी चटाइयाँ बनती है।

लुग़ज़ (لغز) अ स्त्री —प्रहेलिका, पहेली, मुअम्मा, जगली चूहे का बिल जो बहुत टेढा-मेढा होता है।

लुग़त (لغت) अ पु —शब्द, लफ्ज़, शब्दकोश, लुगात।

लुग़त दाँ (لغت داں) अ फा वि —किसी भाषा-विशेष के बहुत अधिक शब्द जाननेवाला।

लुग़तनवीस (لغت نویس) अ फा वि —शब्दकोष लिखनेवाला।

लुग़वी (لغوی) अ वि —लुगत सम्बन्धी, लुगत के अनुसार।

लुग़ात (لغات) अ पु —'लुगत' का बहु, शब्दावली, जखीरए अल्फाज, कोष-समूह, बहुत-से लुगत, लुगत इस अर्थ में एक वचन है।

लुग़ूब (لغوب) अ पु —दुख, क्लेश, तक्लीफ, खेद, शोक, गम, रोग, बीमारी।

लुच (لچ) तु वि —नग्न, नगा, भेगा, ऐंचा ताना, लपट, लोफर।

लुचन (لچن) तु वि —कुलटा व्यभिचारिणी, फाहिशा।

लुजज (لجج) अ पु —'लज्ज' का बहु, गहरी नदियाँ, नदियो की गहराइयाँ, भँवर, गिर्दाब।

लुज़ूक़ (لزوق) अ पु —चिपकना।

लुज़ूजत (لزوجت) अ स्त्री —चिपक, लेस, चिपकाहट।

लुज़ूम (لزوم) अ पु —अनिवार्यता, लाजिम होना।

लुजैन (لجین) अ स्त्री —खरी चाँदी।

लुज्जः (لجہ) अ पु —नदी का बीच, नदी का सबसे गहरा स्थान, भँवर, जलावर्त।

लुज्जी (لجی) अ पु —बढी-चढी नदी, लबालब नदी।

लुतबान (لت انبان) फा वि —दे 'लतबान', दोनो शुद्ध, हैं पर वह अधिक प्रचलित है।

लुतबार (لت انبار) फा वि —दे 'लतबार', दोनो शुद्ध हैं, परतु वह अधिक व्यवहृत है।

लुत्फ (لطف) अ पु —करुणा, तरस, दया, रह्म, अनुकपा, मेहरबानी, आनद, मज़ा, मनोविनोद, तफ्रीह, दानशीलता, फैयाज़ी, अनुदान, बख्शिश।

लुत्फी (لطفی) अ पु —दत्तक, लेपालक, मुतबन्ना।

लुत्म. (لطمہ) अ पु —तमाँचा, थप्पड, तल-प्रहार, थपेडा।

लुत्रः (لترہ) फा वि —इधर की उधर लगानेवाला, लगाई-बुझाई करनेवाला।

लुद [द्द] (لد) पु —'अलद' का बहु, युद्ध करनेवाले, लडनेवाले, झगडा करनेवाले।

लुफाज (لفاظہ) अ पु —वह वस्तु जो मुँह से उगली जाय, मुँह से निकली हुई वस्तु।

लुफ्फाह (لفاح) अ स्त्री —एक बूटी, यब्रूह, लक्ष्मण।

लुब [ब्ब] (لب) अ पु —बुद्धि, अक्ल, सार, तत्त्व, विशुद्ध, खालिस, मीग, मग्ज़।

लुबाद (لباد) अ पु —बैल के कधे पर रखने का जुआ।

लुबान (لبان) अ पु —कुदुर गोद।

लुबाब (لباب) अ पु —सार, तत्त्व, मग्ज़।

लुबूब (لبوب) अ पु —एक कामशक्तिवर्द्धक पाक जिसमे मीगें पडती है, और जो 'लबूब कबीर' और 'लबूब सगीर' के नाम से अत्तारो के यहाँ मिलता है।

लुब्नान (لبنان) अ पु —शाम का एक पर्वत।

लुब्बे लुबाब (لب لباب) अ पु —सार, तत्त्व, निचोड, खुलासा।

लुब्स (لبس) अ पु —कपडे पहनना, वस्त्र धारण करना।

लुमास (لماس) अ स्त्री —कामना, इच्छा, हाजत।

लुमूअ (لموع) अ पु —चमकना, प्रकाशित होना, 'लम्अ' का बहु, प्रकाशपुज, रौशनियाँ।

लुम्अः (لمعہ) अ पु —मनुष्यो का समूह, सिर की सफेदी, किसी अग का वह खड जो वुजू मे सूखा रह जाय।

लुर (لر) फा वि —मूर्ख, बुद्धू, घामड।

लुसास (لساس) अ पु —नयी उगी हुई घास।

लुसुन (لسن) अ पु —'लसिन' का बहु, भाषा-विशेष के विद्वान् लोग, बहुत ही मधुर, सुदर और कोमल भाषा बोलनेवाले।

लुसूक़ (لصوق-لسوق) अ पु —चिपकना।

लुसूस (لصوص) अ पु —'लिस' का बहु, चोर लोग।

लुस्न (لسن) अ पु —'अल्सन' का बहु, अर्थ के लिए दे 'लुसुन'।

लुस्स (لثہ) अ पु —मसूढा, दे 'लस्स' और 'लिस्स', तीनो शुद्ध है।

लुहा (لحا) अ स्त्री —'लिह्य' का बहु, डाढियाँ।

लुहाम (لحام) अ पु –'लह्म' का बहु., बहुत-से मास।

लुहाम (لہام) अ पु –बहुत बडी सेना।

लुहूक (لحوق) अ पु –पीछे से मिलना या जडना, दो या अधिक वस्तुओ का परस्पर मिलना।

लुहून (لحون) अ पु –'लह्न' का बहु, आवाज़े, स्वर-समूह।

लुहूम (لحوم) अ पु –'लह्म' का बहु, मासपिड-समूह, बहुत-से गोश्त।

लुह्मान (لحمان) अ पु –दे 'लुहूम'।

लू

लूक़: (لوقہ) अ पु –ताजा घी, ताज़ा मक्खन।

लूक़ा (لوقا) अ पु –यूनान का एक प्रसिद्ध वैज्ञानिक।

लूख़ (لوخ) फा पु –पानी के किनारे उत्पन्न होनेवाली एक घास जिसकी चटाइयाँ बनती है, दे 'लुख'।

लूच (لوچ) तु वि –नग्न, नगा, भेगा, दे 'लुच'।

लूत (لوت) फा वि –नगा, नग्न।

लूत (لوط) अ पु –एक पैगबर जिनके अनुयायियो ने गुद-मैथुन को धर्म-विहित मान लिया था, जिसके कारण उन पर अज़ाब (यातना) आया और वह सब नष्ट हो गये।

लूती (لوطی) अ वि –गुद-मैथुन करनेवाला, धृष्ट, ढीठ, बेहया, स्वच्छद, जो धमाधर्म का ध्यान न रखता हो।

लूब: (لوبہ) अ पु –पथरीली भूमि, पहाडी इलाका, वह पहाडी क्षेत्र जहाँ पानी का अभाव हो।

लूब (لوب) अ पु –'लूब' का बहु, ऐसे पहाडी क्षेत्र जहाँ पानी न मिलता हो।

लूलू (لولو) अ पु –मुक्ता, मोती।

लूलूए लाला (لولوئے لالا) अ पु –बहुत बढिया और चमकदार मोती।

लूशा (لوشا) अ पु –एक यूनानी वैज्ञानिक।

ले

लेक (لیک) फा अव्य –'लेकिन' का लघु, दे 'लेकिन'।

लेकिन (لیکن) फा अव्य –'लाकिन' का फार्सी रूप, परतु।

लेज़म (لیزم) फा स्त्री –व्यायाम करने का एक विशेष प्रकार का धनुष।

लेमूँ (لیموں) फा पु –नीबू, निंबू, निंबूक, जभीर।

लेमूनी (لیمونی) फा वि –जो नीबू के रस से बना हो, जिसमे नीबू का रस पड़ा हो; नीबू से सम्बन्धित।

लेस (لیس) फा प्रत्य –चाटनेवाला, जैसे–'कास लेस' रिकाबी चाटनेवाला।

लेसाँ (لیساں) फा. वि –चाटता हुआ।

लेसिंद: (لیسندہ) फा वि.–चाटनेवाला, लेहक।

लेसीद: (لسیدہ) फा वि –चाटा हुआ, लेहित।

लेसीदनी (لیسیدنی) फा वि –चाटने योग्य, लेहनीय, लेह्य।

लेहय: (لحیہ) अ स्त्री –डाढी, श्मश्रु, रीश।

लेहयान (لحیان) अ वि –लबी डाढीवाला, रीशाईल।

लेहयानी (لحیانی) अ वि –रीशाईल, जिसकी डाढी बहुत लंबी हो।

लै

लै (لے) अ पु –बटना, रस्सी आदि बटना, लपेटना, ज़बान का लडखड़ाना, जाल मे फडफडाना।

लैअ (لیع) अ पु –डरना, भय खाना, जी उचाट होना, बद दिल होना।

लैत (لیت) अ अव्य –ईश्वर ऐसा करता।

लैतक (لیتک) फा पु –दासी-पुत्र, लौडी-बच्चा।

लैतोलअल [ल्ल] (لیت ولعل) अ स्त्री –टालमटोल, हेराफेरी, आजकल, बहानाबाज़ी।

लैन (لین) अ वि –दे 'लैयिन', दोनो शुद्ध है।

लैमून (لیموں) अ पु –नीबू, निंबूक, लेमूँ, जभीर।

लैमूनी (لیمونی) अ वि –नीबू से बना हुआ, जिसमे नीबू पडा हो, नीबू-सम्बन्धी वस्तु।

लैयान (لیان) अ पु –लपेटना।

लैयिन (لین) अ वि –मृदुल, कोमल, नर्म (पु) खजूर या छुहारे के पेड का तना।

लैल: (لیلہ) अ स्त्री –रात्रि, निशा, रात, शब।

लैल (لیل) अ स्त्री –रात्रि, यामिनी, निशीथिनी, क्षपा, शब,—"छाई हुई है गम की घटाएँ चहारसू, क्या फर्क रह गया मेरे लैलोनिहार मे।"

लैलतुल अस्रा (لیلۃ الاسری) अ स्त्री –दे. 'लैलतुल मे'राज'।

लैलतुलक़द्र (لیلۃ القدر) अ. स्त्री.–रमज़ान के महीने की एक रात्रि, जिसमे जप-तप करना बहुत अच्छा माना गया है।

लैलतुलबद्र (لیلۃ البدر) अ स्त्री –चाँद की चौदहवी रात्रि, पूर्णिमा, पूर्णमासी।

लैलतुलबरात (لیلۃ البرات) अ. स्त्री –शबेबरात, शबरात, शा'बान मास की चौदहवी रात्रि।

लैलतुलमे'राज (لیلۃ المعراج) अ स्त्री –वह रात जिसमे मुसलमानो के मतानुसार हज़रत मुहम्मद साहिब अर्श पर गये।

लैला (لیلی) अ. स्त्री –'कैस' की प्रेमिका, जिसके इश्क में वह पागल हो गया था, और सब उसे 'मजनून' (पागल) कहने लगे थे।

लैली (ليلى) अ स्त्री –दे 'लैला'।
लैले (ليلے) फा स्त्री –दे 'लैला', यह शब्द केवल फार्सी पद्य में प्रयुक्त हुआ है।
लैस (ليث) अ पु –सिंह, शेर।
लैह् (ليهہ) अ पु –छिप कर जाना।

लो

लोक (لوک) फा पु –लद्दू ऊँट, जो दुर्बलता और रोग के कारण घिसट-घिसटकर चले, जैसे—बच्चे चलते हैं, दीन, असहाय, लाचार।
लोकाँ (لوکاں) फा वि –घुटनो के बल चलता हुआ, घुटनो के बल चलनेवाला।
लोकिंदः (لوکندہ) फा वि –घुटनो के बल चलनेवाला।
लोकीदः (لوکیدہ) फा वि –जो घुटनो के बल चला हो।
लोकीदनी (لوکیدنی) फा वि –घुटनो के बल चलने योग्य।
लोत (لوت) फा पु –अच्छे-अच्छे खाने, बिना दाढी-मूँछ का लडका।
लोतपोत (لوت پوت) फा पु –अच्छे-अच्छे स्वादिष्ठ खाने।
लोदी (لودی) फा पु –पठानो की एक जाति।
लो'बत (لعبت) अ स्त्री –खिलौना, गुडिया, पुत्तलिका।
लो'बतेचीं (لعبت چیں) अ फा स्त्री –चीनी गुडिया, चीनी सुदरी।
लोबान (لوبان) फा पु –एक सुगधित गोद।
लोर (لور) फा पु –धुनकने की कमान, वह भूमि जो बाढ के पानी से कट जाय, एक नाव-विशेष।
लोरकद (لورکند) फा पु –वह गढा जो बाढ के पानी से बन जाय।
लोरा (لورا) फा पु –पतली लपसी, दलिया, हर पतली वस्तु।
लोरियाँ (لوریاں) फा पु –'लोरी' का बहु, कमीने और अधम लोग।
लोरी (لوری) फा पु –एक जगली और असभ्य जाति जो नाचने-गाने का पेशा करती है, कजर, नीच, लोफर, कमीना।
लोलः (لولہ) फा पु –भुने हुए अन्न का आटा, सत्तू।
लोल पेच (لولہ پیچ) फा पु –हर वह कपडा जिसका थान दफ्ती मे लपेटा जाय और ऊपर कागज चढ़ाया जाय।
लोल (لول) फा वि –चपल, चचल, शोख, निर्लज्ज, धृष्ट, बेहया, ढीठ।
लोलए आबरेज (لولۂ آبریز) फा पु –टोटी, नलकी।
लोलियाँ (لولیاں) फा स्त्री –'लोली' का बहु, रडियाँ।
लोली (لولی) फा स्त्री –रडी, तवाइफ।
लोश (لوش) फा वि –कीचड, पक, खाब, अचेत, बेखबर, टेढे मुँहवाला, कोढी।
लोशाक (لوشاک) फा वि –कीचड मिला हुआ, गदला।
लोस (لوس) फा पु –चापलूसी, चाटुकारिता।
लोसानः (لوسانہ) फा पु –चापलूसी, खुशामद, विनीति, विनय, खाकसारी।
लोह्जः (لہجہ) अ पु –प्रातराश, नाश्ता, सवेरे का जलपान।
लोह्नः (لہنہ) अ पु –नाश्ता, प्रातराश, वह थोडा खाना जो मेहमान के सामने रख दिया जाय ताकि खाना तैयार होने तक का आधार हो जाय।
लोह्म (لحمہ) अ पु –बाज के शिकार का गोश्त, कपडे की चौडाई का तार, बाना।
लोह्मान (لحمان) अ पु –'लह्म' का बहु, मास-पिड-समूह।

लौ

लौ (لو) फा पु –पुश्ता, उँचाई, पित्त, सफ्रा।
लौअ (لوع) अ स्त्री –प्रेम की व्याकुलता और जलन।
लौअत (لوعت) अ स्त्री –प्रेम की तपन, जलन और व्याकुलता, दे 'लौअ'।
लौआत (لوعات) अ स्त्री –'लौअत' का बहु, प्रेम की जलनें।
लौक (لوک) अ पु –चबाना, चर्वण, खाना, खान।
लौज़ः (لوزہ) अ पु –बादाम, एक प्रसिद्ध मेवा, कौआ, गले का कौआ, कठकाक।
लौज़ (لوز) अ पु –'लौज़' का बहु, बहुत-से बादाम।
लौज (لوذ) अ पु –बचाव के लिए पनाह ढूंढना, घाटी का किनारा।
लौज़ई (لوذعی) अ वि –बुद्धिमान्, मेधावी, दाना, प्रतिभाशाली, जहीन।
लौज़नान (لوزنان) फा पु –हल्क का कौआ, कठकाक।
लौज़ियात (لوزیات) फा पु –'लौज़' का बहु, परतु एक वचन मे व्यवहृत है।
लौज़ीनः (لوزینہ) फा पु –बादाम का हल्वा।
लौन. (لونہ) अ पु –मुँह पर मलने का पाउडर, मुखचूर्ण, गाज़ा।
लौन (لون) अ पु –रग, वर्ण।
लौने गामिक (لون غامق) अ पु –गहरा रग।
लौने फातेह (لون فاتح) अ पु –हलका रग।
लौने मा'तम (لون معتم) अ पु –शोख रग, खुलता हुआ रग, न बहुत गहरा न हलका।

लौम (لوم) अ पु –भर्त्सना, निंदा, मलामत, कृपणता, कजूसी।

लौमत (لومت) अ स्त्री –दे 'लौम'।

लौमते लाइम (لومت لائم) अ स्त्री –निंदा करनेवाले की निंदा।

लौलौशम (لولوشم) फा पु –एक फूल विशेष।

लौस (لوث) अ पु –लगाव, सपर्क, तअल्लुक, लथडा होना, भरा होना।

लौसे दुनया (لوث دنیا) अ पु –सासारिक बधन, मायाजाल, लिप्ति, अनुराग।

लौह (لوح) अ स्त्री –बच्चो के लिखने की पाटी, तख्ती, पट्टिका, पत्थर का टुकडा जिस पर लिखकर क़ब्र आदि पर लगाते है।

लौहशल्लाह (لوحش اللہ) अ वा –'ला औहशल्लाह' का फार्सी रूप, आदर प्रदर्शन या आश्चर्य प्रकटन के समय बोलते है।

लौहे क़ब्र (لوح قبر) अ स्त्री –दे 'लौहे मज़ार'।

लौहे जबीं (لوح جبیں) अ स्त्री –दे 'लौहे पेशानी'।

लौहे तिलिस्म (لوح طلسم) अ स्त्री –किसी जादू के मकान मे रखी हुई वह तख्ती जिस पर जादू तोडने की विधि लिखी होती है।

लौहे नाख्वांद: (لوح ناخوانده) अ स्त्री –ईश्वरदत्त विद्या, इल्मे लदुन्नी, दे 'लौहे महफ़ूज़'।

लौहे पेशानी (لوح پیشانی) अ फा. स्त्री –ललाटपटल, माथा, भाग्य, तक़्दीर।

लौहे मज़ार (لوح مزار) अ स्त्री –वह पत्थर की तख्ती जो किसी मरनेवाले की क़ब्र पर लगाते है और उसमे उसके मरने की तारीख आदि लिखते है।

लौहे महफ़ूज़ (لوح محفوظ) अ स्त्री –अर्श पर एक स्थान, जहाँ ससार मे होनेवाली सारी घटनाओ का उल्लेख है और जिसे कोई पढ़ नही सकता।

लौहोकलम (لوح وقلم) अ. पु –तख्ती और उस पर लिखने का कलम, अर्थात् वह तख्ती जिस पर भविष्य मे होनेवाली सारी घटनाएँ लिखी हुई है और वह लेखनी जिसने यह सब कुछ ईश्वर की आज्ञा से लिखा है।

व

वइल्ला (والا) अ अव्य –नही तो, अन्यथा, वर्ना।

वईद (وعید) अ स्त्री –सज़ा का वादा, दड की धमकी।

वक़ाए' (وقائع) अ पु.–'वकीअ' का वहु, घटनाएँ, समाचार, खबरें।

वकाए' नवीस (وقائع نویس) अ फा वि –इतिहासकार, मुअर्रिख, समाचारलेखक, सवादकार।

वकाए' नवीसी (وقائع نویسی) अ फा स्त्री –इतिहास लिखना, सवाद देना।

वकाए' निगार (وقائع نگار) अ फा. वि –दे 'वकाए नवीस'।

वकाए निगारी (وقائع نگاری) अ फा स्त्री.–दे 'वकाए नवीसी'।

वकार (وقار) अ. पु –भारी भरकसपन, गुरुत्व; प्रतिष्ठा, इज्ज़त, गभीरता, मतानत, मान-मर्यादा, एहतिराम।

वकालत (وکالت) अ स्त्री –वकील का काम, अभिभाषण, अभिवचन।

वकालतन (وکالتاً) अ फा वि –वकील के द्वारा, वकील के ज़रीये।

वकालतनाम: (وکالت نامه) अ फा पु –वकील वनाने की तहरीर, अभिभाषण पत्र।

वकालतपेश: (وکالت پیشه) अ फा वि –जो वकालत करता हो, अभिभाषण-व्यवसायी।

वकाह (وقاح) अ वि –निर्लज्ज, वेशर्म, धृष्ट, ढीठ, उद्दड, उजड्ड।

वकाहत (وقاحت) अ स्त्री –निर्लज्जता, वेहयाई, धृष्टता, गुस्ताखी।

वकीअ (وکیع) अ वि –दृढ, मज़बूत।

वक़ीअ (وقیع) अ वि –प्रतिष्ठित, श्रेष्ठ, इज्ज़तदार, उच्च, ऊँचा, वलद।

वक़ीअत (وقیعت) अ स्त्री.–निंदा, कुत्सा, बदगोई, युद्ध, लडाई।

वकीद (وقید) अ पु –पतला ईंधन जिससे आग सुलगायी जाती है।

वकील (وکیل) अ वि –वकालत करनेवाला, अभिभाषक, अभिवक्ता।

वकीले मुत्लक (وکیل مطلق) अ पु –ऐसा वकील जिसे मुअक्किल की ओर से पूरे अधिकार प्राप्त हो।

वकीले सरकार (وکیل سرکار) अ फा पु –सरकारी मुकद्दमो मे पैरवी करनेवाला वकील।

वकीह (وقیح) अ वि –निर्लज्ज, वेहया, धृष्ट, ढीठ।

वकूद (وقود) अ पु –ईंधन, जलाने की लकडी आदि।

वकूर (وقور) अ. वि –प्रतिष्ठित, ज़ीइज्ज़त।

वकूल (وکول) अ वि –वह लाचार व्यक्ति जो अपना काम दूसरो पर छोड दे।

वकेह (وقیح) अ वि –दे. 'वक़ीह'।

वक़्अ (وقع) अ पु –प्रतिष्ठा, इज्जत (स्त्री) ऊँचा स्थान, ऊँची जगह।

वक़्अत (وقعت) अ स्त्री –प्रतिष्ठा, इज़्ज़त; महत्त्व, अहम्मीयत, आदर, एहतिराम, उच्चता, वलदी।

वक्ज (وکز) अ पु –घूँसा मारना, मुक्केवाज़ी करना।

वक्काद (وقاد) अ वि –बहुत तेज जलनेवाला, शोले फेकनेवाला, दीप्त, ज्वलत, रौशन।

वक्त (وقت) अ पु –समय, काम, ज़माना, अवसर, मौक़ा, ऋतु, मौसिम, विलव, देर।

वक्तगुजारी (وقت گزاری) अ फा स्त्री –समय काटना, कालयापन, बुरे-भले जीवन व्यतीत करना।

वक्तन फ वक्तन (وقتاً فوقتاً) अ वि –यदा कदा, कभी-कभी।

वक़्त व वक़्त (وقت بوقت) अ फा वि –दे 'वक्तन फ वक्तन'।

वक्त वे वक्त (وقت بے وقت) अ फा वि –अच्छे और बुरे समय पर, सुख-दु ख में, जरूरत के वक्त।

वक़्ती (وقتی) अ वि –सामयिक, समय-सम्वन्धी, क्षण-स्थायी, थोडी देर का, अस्थायी, आरिज़ी, (प्रत्य) समय का, जैसे—'पजवक्ती नमाज़' पाँच वक्त की नमाज़।

वक्ते अजल (وقت اجل) अ पु –मृत्यु-समय, मरने का समय।

वक्ते आखिर (وقت آخر) अ पु –अतिम समय, मृत्यु-काल।

वक़्ते इआनत (وقت اعانت) अ पु –सहायता का अवसर, मदद का समय।

वक़्ते इम्दाद (وقت امداد) अ पु –दे 'वक्ते इआनत'।

वक्ते एहसान (وقت احسان) अ पु –उपकार का समय या अवसर।

वक़्ते ख़्वाब (وقت خواب) अ फा पु –सोने का समय।

वक्ते ज़ुरूरत (وقت ضرورت) अ पु –आवश्यकता का अवसर, सहायता का अवसर।

वक्ते नाज़ुक (وقت نازک) अ फा पु –आपत्तिकाल, मुसीवत का समय, सावधान रहने और सँभलकर चलने का समय।

वक़्ते फरागत (وقت فراغت) अ पु –छुट्टी का समय, समृद्धि का समय, कार्यनिवृत्ति का समय।

वक़्ते फ़ुर्सत (وقت فرصت) अ पु –दे 'वक्ते फरागत'।

वक्ते बद (وقت بد) अ फा पु –आपत्तिकाल, मुसीवत का समय, गुडागर्दी का समय।

वक्ते मदद (وقت مدد) अ पु –वक्ते इम्दाद, सहायता का अवसर।

वक्ते मर्दानगी (وقت مردانگی) अ फा पु –साहस दिखाने का अवसर, युद्ध मे कूद पडने का अवसर।

वक्ते मुलाक़ात (وقت ملاقات) अ पु –मिलने का समय, मिलने के समय।

वक्ते मुसीवत (وقت مصیبت) अ पु –आपत्तिकाल, विपत्ति-पडने के समय।

वक्ते रवानगी (وقت روانگی) अ फा पु –प्रस्थान के समय, चलते समय, रवाना होते समय।

वक्ते रुख़सत (وقت رخصت) अ पु –विदा होते समय, जाते समय, चलते वक्त।

वक्ते वापसीं (وقت واپسیں) अ फा पु –मरते समय, अतिम समय।

वक्ते शिकायत (وقت شکایت) अ पु –शिकायत का समय, शिकायत करते समय।

वक्ते हिम्मत (وقت همت) अ पु –दे 'वक्ते मर्दानगी'।

वक्फ़‘ (وقفه) अ पु –दो कामो के वीच मे ठहराव का समय, विराम, इटरवल टाइम, कालान्तर, देर, विलव, ठहराव, सुकून।

वक्फ (وقف) अ पु –ईश्वरार्पण, देवोत्तर, उत्सर्ग, ख़ुदा के नाम पर दान की हुई वस्तु या सपत्ति आदि, किसी पुरुष-विशेष के लिए रखी हुई या अलग की हुई वस्तु।

वक्फ (وکف) अ पु –वरसात मे छत आदि का टपकना, किसी चीज से पानी टपकना।

वक्फ अलल औलाद (وقف علی الاولاد) अ पु –वह सपत्ति जो अपनी सतान के लिए वक्फ हो।

वक्फ अलल्लाह (وقف علی الله) अ पु –वह सपत्ति जो धार्मिक कार्यों के लिए वक्फ हो।

वक़्फनामः (وقف نامه) अ फा पु –वक्फ की दस्तावेज़, उत्सर्गपत्र, दानपत्र।

वगर (وگر) फा अव्य –अगर, यदि, अव उर्दू मे नही वोलते।

वगरनः (وگرنه) फा अव्य –अन्यथा, वर्ना, नही तो।

वग़ा (وغا) अ स्त्री –युद्ध, समर, जग, लडाई।

वग़ैर‘ (وغیره) अ अव्य –आदि, इत्यादि, प्रभृति, प्रमुख।

वग़द (وغد) अ वि –अधम, नीच, कुपात्र, कमीना, अयोग्य, नाक़ाविल।

वज (وج) अ स्त्री –वचा, वच, एक लकडी जो दवा मे चलती है।

वजउलकल्व (وجع القلب) अ पु –हृदय की पीडा, दिल का दर्द, हृत्पीडा।

वजउलमफासिल (وجع المفاصل) अ पु –जोडो का दर्द, सधिवात, अगमर्प, गठिया।

वजउलमे'दः (وجع المعدہ) अ पु –पेट का दर्द, उदर-पीडा।
वजउलवरिक (وجع الورک) अ पु –चूतड का दर्द, श्रोण-पीडा।
वज़ग़ः (وزغہ) अ पु –मेंढक, मडूक, कृकलास, गिरगट; गृहगोधिका, छिपकली।
वज़ग़ (وزغ) अ पु –दे 'वजग'।
वजब (وجب) अ पुं.–बारह अगुल की नाप, वितस्ति, वित्ती, वालिश्त।
वजर (وجر) अ पु –भय, त्रास, डर।
वजा' (وجع) अ पु –पीडा, व्यथा, वेदना, दर्द।
वजा (وجا) अ पु –भय, त्रास, डर, खौफ।
वज़ाअत (وضاعت) अ स्त्री –पवित्रता, पाकीज़गी, सुन्दरता, खूबसूरती, निर्दोष, वेऐबी।
वज़ाअत (وضاعت) अ स्त्री –अधमता, नीचता, लोफरपन।
वज़ाइफ (وظائف) अ पु –'वज़ीफ' का वहु, छात्र-वृत्तियाँ, मत्रजाप आदि।
वज़ाहत (وضاحت) अ स्त्री –विस्तार, फैलाव, स्पष्टता, विवरण, तफ्सील।
वजाहत (وجاهت) अ स्त्री –मुखश्री, मुखकाति, चेहरे की आवोताव; प्रतिष्ठा, मान्यता, इज्ज़त।
वज़ाहततलब (وضاحت طلب) अ वि –जिस वात का स्पष्टीकरण आवश्यक हो।
वजाहतपरस्त (وجاهت پرست) अ वि –जो वडे लोगो की ही ओर आकृष्ट रहता हो।
वज़िंदः (وزندہ) फा वि –वहनेवाली वायु, चलनेवाली हवा।
वजिर (وجر) अ वि –डरनेवाला, त्रस्त, भयभीत।
वजिल (وجل) अ वि –जो भ्रम के कारण डरे, डरने-वाला।
वज़िश (وزش) फा स्त्री –हवा की सरसराहट, हवा चलने की हालत।
वजीअ (وجیع) अ वि –कष्टग्रस्त, पीडित, दर्दनाक।
वज़ीअ (وضیع) अ वि –अधम, नीच, कमीना।
वज़ीओशरीफ (وضیع و شریف) अ पु –कमीने और भलेमानस लोग, अर्थात् अच्छे-वुरे सव।
वजीज़ (وجیز) अ वि –ह्रस्व, छोटा, सक्षिप्त, मुख्तसर।
वज़ीदः (وزیدہ) फा वि –चली हुई हवा, वही हुई वायु, चला हुआ पवन।
वज़ीदनी (وزیدنی) फा वि –चलने के काविल हवा।
वज़ीफः (وظیفہ) अ. पु –छात्रवृत्ति, स्कॉलरशिप; वृत्ति, पर्वरिश अलाउस, निवृत्तिवेतन, पेनशन, किसी मत्र आदि या कुरान के वाक्यादि का जप।
वज़ीफ़ःख्वाँ (وظیفہ خواں) अ फा वि –मत्र आदि पढने-वाला, यशोगान करनेवाला।
वज़ीफ़ःख्वानी (وظیفہ خوانی) अ फा स्त्री –मत्र आदि का उच्चारण, यशगान।
वज़ीफ़ःख्वार (وظیفہ خوار) अ फा वि –पेनशन पाने-वाला, वृत्तिभोक्ता।
वज़ीफ़ःख्वाह (وظیفہ خواہ) अ फा वि –वज़ीफा चाहने-वाला।
वज़ीफ़ःगो (وظیفہ گو) अ फा वि –वजीफा पढनेवाला, यशोगान करनेवाला।
वज़ीफ़ःगोई (وظیفہ گوئی) अ फा स्त्री –वज़ीफा पढना, गुणगान करना।
वज़ीफ़ःदार (وظیفہ دار) अ फा वि –वज़ीफा पानेवाला।
वज़ीफ़ःयाब (وظیفہ یاب) अ फा वि –वजीफा पाया हुआ, जिसने वज़ीफा पा लिया हो।
वज़ीफ़ए ज़ौजियत (وظیفۂ زوجیت) अ. पु –स्त्री-प्रसंग, सहवास, मैथुन।
वज़ीफ़ए ता'लीम (وظیفۂ تعلیم) अ पु –छात्रवृत्ति, स्कॉलरशिप।
वज़ीफ़ए माहानः (وظیفۂ ماهانہ) अ. फा पु –मासिक वृत्ति, हर महीने मिलनेवाला वज़ीफा।
वज़ीमः (وذیمہ) अ पु –पुरस्कार, उपहार, भेट, हदिया।
वज़ीर (وزیر) अ. पु –अमात्य, मत्री, सचिव।
वज़ीरे अद्ल (وزیر عدل) अ पु –दे 'वज़ीरे इंसाफ'।
वज़ीरे आ'ज़म (وزیر اعظم) अ पु –प्रधानमत्री, महामत्री, महामात्य।
वज़ीरे आवकारी (وزیر آبکاری) अ फा पु –आवकारी मत्री।
वज़ीरे आवपाशी (وزیر آبپاشی) अ फा पु –सिंचनमत्री।
वज़ीरे आवादकारी (وزیر آبادکاری) अ फा पु –पुनर्वास-मत्री।
वज़ीरे आ'ला (وزیر اعلیٰ) अ पुं –मुख्यमत्री।
वज़ीरे इंसाफ (وزیر انصاف) अ. पु –न्यायमत्री।
वज़ीरे इत्तिलाआत (وزیر اطلاعات) अ पु –सूचनामत्री।
वज़ीरे उमूरे खारिजः (وزیر امور خارجہ) अ. पु –दे. 'वज़ीरे खारिज'।
वज़ीरे उमूरे दाखिलः (وزیر امور داخلہ) अ पु –दे 'वज़ीरे दाखिल'।
वज़ीरे उमूरे मज़हबी (وزیر امور مذهبی) अ पु –धर्म-मत्री।

वज़ीरे कानून (وزیر قانون) अ पु —दे 'वज़ीरे इंसाफ़'।
वज़ीरे ख़ारिजः (وزیرخارجہ) अ पु —परराष्ट्र मंत्री।
वज़ीरे ग़िज़ा (وزیر غزا) अ पु —खाद्यमंत्री।
वज़ीरे जंग (وزیر جنگ) अ फा पु,—युद्धमंत्री।
वज़ीरे ज़िराअत (وزیر زراعت) अ पु —कृषिमंत्री।
वज़ीरे तरक़्क़ीयात (وزیر ترقیات) अ पु —विकासमंत्री।
वज़ीरे ता'मीरात (وزیر تعمیرات) अ पु —निर्माणमंत्री।
वज़ीरे ता'लीम (وزیر تعلیم) अ पु —शिक्षामंत्री।
वज़ीरे तिजारत (وزیر تجارت) अ पु —व्यापारमंत्री।
वज़ीरे दाख़िलः (وزیر داخلہ) अ पु —गृहमंत्री।
वज़ीरे दिफ़ाअ (وزیر دفاع) अ पु —रक्षामंत्री।
वज़ीरे नौआ बादियात (وزیر نوآبادیات) अ फा पु —उपनिवेशमंत्री।
वज़ीरे फ़ौज (وزیر فوج) अ पु —दे 'वज़ीरे जंग'।
वज़ीरे बल्दीयात (وزیر بلدیات) अ पु —स्थानीय स्वशासनमंत्री।
वज़ीरे बहालीयात (وزیر بحالیات) अ पु —पुनर्वासमंत्री।
वज़ीरे मफ़ादे आम्मः (وزیر مفاد عامہ) अ पु —लोकहित मंत्री।
वज़ीरे माल (وزیر مال) अ पु —अर्थमंत्री, मालमंत्री।
वज़ीरे मुवासलात (وزیر مواصلات) अ पु —दे 'वज़ीरे रस्लो रसाइल'।
वज़ीरे मेहनत (وزیر محنت) अ पु —श्रममंत्री।
वज़ीरे रस्लो रसाइल (وزیر رسل ورسائل) अ पु —यातायातमंत्री।
वज़ीरे सन्अतो हिर्फ़त (وزیر صنعت وحرفت) अ पु —उद्योगमंत्री।
वज़ीरे सेहत (وزیر صحت) अ पु —स्वास्थ्यमंत्री।
वज़ीरे हर्ब (وزیر حرب) अ पु —दे 'वज़ीरे जंग'।
वज़ीरे हुकूमत (وزیر حکومت) अ पु —राज्यमंत्री।
वजीह (وجیہ) अ वि —श्रीमुख, जिसका चेहरा रोबदार हो।
वजीह (وجیح) अ वि —दृढ़, मज़बूत।
वज़ू (وضو) अ पु —नमाज़ के लिए वुज़ू करने का पानी, यह शब्द वुज़ू करने के अर्थ में अशुद्ध है।
वजूर (وجور) अ पु —गले के भीतर टपकानेवाली पतली दवा।
वज़्अ (وضع) अ स्त्री —रखना, बनाना, करना, जनना, दशा, हालत, वेशभूषा, वज़ाकता, पद्धति, शैली, ढंग, हिसाब में से किसी रक़म की कमी, कटौती, मिनहाई, सदैव एक प्रकार से रहना और जिससे जैसा व्यवहार हो, उसे आख़ीर तक वैसे ही निवाहना।
वज़्अदार (وضعدار) अ फा वि —जो अपनी वज़ा का पाबंद हो, सदा एक-सा रहे, और जिससे जो व्यवहार हो आख़ीर तक निवाहे।
वज़्अदारी (وضعداری) अ फा स्त्री —हमेशा अपनी वज़ा पर क़ायम रहना और जिस तरह जिससे मिलना या काम करना हो उसे उसी तरह निवाहना।
वज़्ई (وضعی) अ वि —बनाया हुआ, गढ़ा हुआ।
वज़्उलहम्ल (وضع الحمل) अ पु —दे 'वज़्ए हम्ल', बच्चा पैदा करना।
वज़्ए आज़ादानः (وضع آزادانہ) अ फा स्त्री —आज़ाद लोगों का-सा वेशभूषा।
वज़्ए आमियानः (وضع عامیانہ) अ फा स्त्री —साधारण लोगों-जैसी चाल-ढाल या वेशभूषा।
वज़्ए दरवेशानः (وضع درویشانہ) अ फा स्त्री —साधुओं-जैसी वेशभूषा।
वज़्ए शरीफ़ानः (وضع شریفانہ) अ फा स्त्री —सज्जन लोगों-जैसा आचरण और उन्हीं-जैसी वेशभूषा।
वज़्ए सादः (وضع سادہ) अ फा स्त्री —सादी वेशभूषा जिसमें कोई बनावट न हो, साधारण चाल-ढाल।
वज़्ए हम्ल (وضع حمل) अ पु —बच्चा जनना, प्रसव, जनन, प्रसूति।
वज़्अो क़त्अ (وضع وقطع) अ स्त्री —वेशभूषा, आकार-प्रकार, सज-धज, वज़ाकता।
वज़्ज़ाअ (وضاع) अ वि —बनानेवाला, गढ़नेवाला।
वज़्ज़ान (وزان) अ वि —बहुत अधिक तोलनेवाला।
वज़्ज़ाह (وضاح) अ वि —सफ़ेद कोढ़ का रोगी, गोरा चट्टा, गौर वर्ण।
वज्द (وجد) अ पु —आनंदाधिक्य से आत्म विस्मृति, काव्य या संगीत की रसानुभूति से होनेवाली आत्म-विस्मृति, आनंदातिरेक से झूमनेवाला।
वज्दअंगेज़ (وجدانگیز) अ फा वि —दे 'वज्दआफ़्री'।
वज्दआफ़्री (وجدآفریں) अ फा वि —वज्द में लानेवाला, आनंदातिरेक से मुग्ध कर देनेवाला।
वज्दकुनाँ (وجدکناں) अ फा वि —झूमता हुआ, आनंदबाहुल्य से वज्द करता हुआ।
वज्दे सिमाअ (وجدسماع) अ पु —गाना सुनकर होनेवाला वज्द।
वज्दोहाल (وجدوحال) अ पु —गाने में आनंदातिरेक से मस्त हो जाना और झूमना।
वज्नः (وجنہ) अ पु —कपोल, गाल, रुख़्सार।

वज़्नः (وزنہ) अ पु.—नापने का पैमाना, वारूद नापने का पैमाना।

वज़्न (وزن) अ पु—भार, बोझ, तोलने का बाँट, महत्त्व, अहम्मीयत, छंद, वृत्त, बह्र, तक्तीअ, काव्य पद के अक्षरों को गणों की मात्राओं से मिलाकर बराबर करना।

वज़्नकश (وزن‌کش) अ फा वि—तोलनेवाला, तौला।

वज़्नकशी (وزن‌کشی) अ फा स्त्री—तोलना, तोलने का काम, तोलने का पेशा।

वज़्नी (وزنی) अ वि—भारी, बोझल।

वज़्ने शे'र (وزن‌شعر) अ पु—शे'र की बह्र या वृत्त, शे'र की तक्तीअ।

वज्ह (وجہ) अ स्त्री—कारण, हेतु, सबब, (पु) मुख, मुखाकृति, मुखमंडल, चेहरा।

वज्हे अदावत (وجہ عداوت) अ स्त्री—शत्रुता का कारण।

वज्हे अह्सन (وجہ احسن) अ पु—सुन्दर, मुख, अच्छी सूरत (स्त्री) अच्छा कारण, मा'कूल वजह।

वज्हे क़वी (وجہ قوی) अ स्त्री—बडी वजह, उचित कारण, मा'कूल सबब।

वज्हे काफ़ी (وجہ کافی) अ स्त्री—उचित कारण, बड़ा कारण।

वज्हे ख़ुसूमत (وجہ خصومت) अ स्त्री—द्वेष का कारण, रंजिश का सबब।

वज्हे ख़ुसूसी (وجہ خصوصی) अ स्त्री—मुख्य कारण, ख़ास सबब।

वज्हे तस्मियः (وجہ تسمیہ) अ स्त्री—निरुक्ति, नाम होने का कारण, अमुक वस्तु का यह नाम क्यों पड़ा? इसका कारण।

वज्हे तह्रीक (وجہ تحریک) अ स्त्री—चर्चा चलाने या बात उठाने का कारण, प्रस्ताव रखने का कारण।

वज्हे मआश (وجہ معاش) अ स्त्री—जीवन-निर्वाह का साधन, जीविका।

वज्हे मईशत (وجہ معیشت) अ स्त्री—दे 'वज्हे मआश'।

वज्हे मा'कूल (وجہ معقول) अ स्त्री—उचित कारण, ठीक सबब।

वज्हे मुख़ालफ़त (وجہ مخالفت) अ स्त्री—विरोध का कारण।

वज्हे मुख़ासमत (وجہ مخاصمت) अ स्त्री—शत्रुता का कारण, द्वेष का कारण।

वज्हे मुवज्जह (وجہ موجہ) अ स्त्री—युक्तियुक्त कारण, मा'कूल सबब।

वज्हे रंजिश (وجہ رنجش) अ फा स्त्री—मनमुटाव और नाराज़ी का कारण।

वज्हे राहत (وجہ راحت) अ स्त्री—सुख का साधन, प्रसन्नता का कारण।

वज्हे वह्शत (وجہ وحشت) अ स्त्री—भागने और अलग रहने अथवा घृणा करने का कारण।

वज्हे शक (وجہ شک) अ स्त्री—शंका करने का कारण।

वज्हे शिकायत (وجہ شکایت) अ स्त्री—उपालभ का कारण, शक्वा करने का सबब।

वज्हे हलाल (وجہ حلال) अ स्त्री—विहित और उचित साधन (जीविका का)।

वज्हे हसन (وجہ حسن) अ. स्त्री—मा'कूल सबब, उत्तम कारण (पु) सुन्दर मुख, अच्छी सूरत।

वज्हे हसीन (وجہ حسین) अ स्त्री—सुन्दर मुख, प्यारा चेहरा।

वतद (وتد) अ पु—खूँटा, मेख, तीन अक्षरोंवाला शब्द।

वतदे मक़्रून (وتد مقرون) अ पु—वह तीन अक्षरोंवाला शब्द जिसका अंतिम अक्षर हल् हो, जैसे—'चमन्'।

वतदे मज्मूअ (وتد مجموع) अ पु—दे 'वतदे मक़्रून'।

वतदे मफ़्रूक़ (وتد مفروق) अ पु—वह तीन अक्षरवाला शब्द जिसके बीच का अक्षर हल् है, जैसे—'चरम'।

वतन (وطن) अ पु—स्वदेश, जन्म-भूमि—"यह गोरे ग़रीबाँ पे कहती है हसरत, कि असली वतन है यही बेकसी का।"

वतनकुश (وطن‌کش) अ फा वि—देशद्रोही, वतन के साथ गद्दारी करनेवाला।

वतनकुशी (وطن‌کشی) अ फा स्त्री—देशद्रोह, वतन से गद्दारी।

वतनदोस्त (وطن‌دوست) अ फा वि—देशप्रेमी, अपने वतन से स्नेह करनेवाला।

वतनदोस्ती (وطن‌دوستی) अ फा स्त्री—देशप्रेम, वतन की मुहब्बत।

वतनपरस्त (وطن‌پرست) अ फा वि—देशभक्त, वतन को सर्वोत्तम जाननेवाला।

वतनपरस्ती (وطن‌پرستی) अ फा स्त्री—देशभक्ति, वतन का अत्यधिक प्रेम।

वतनफ़रोश (وطن‌فروش) अ फा वि—देशविक्रेता, देशद्रोही, वतन का ग़द्दार।

वतनफ़रोशी (وطن‌فروشی) अ. फा स्त्री.—देशद्रोह, वतन को दूसरों के हाथ बेच देना।

वतनी (وطنی) अ वि—वतन का, वतन-सम्बन्धी; वतन-वाला।

वतनीयत (وطنیت) अ स्त्री –देशभक्ति, वतनपरस्ती।
वतने आबई (وطن آبائی) अ पु –बाप-दादा का देश, पुराना वतन।
वतने क़दीम (وطن قدیم) अ पु –पुराना वतन, पुरखो का देश, पूर्वजो का देश।
वतने जदीद (وطن جدید) अ पु –नया वतन, जहाँ हाल मे रहना आरभ किया हो।
वतने मालूफ (وطن مالوف) अ पु –वह वतन जिससे प्रेम हो।
वतर (وتر) अ पु –प्रत्यचा, धनुप की डोरी; बाजे का तार।
वती (وطی) अ स्त्री –सहवास, सभोग, मसलना, रौदना, कुचलना।
वतीरः (وتیره) अ पु –ढग, पद्धति, तरीका, आचरण, व्यवहार, तर्जेअमल।
वत्वात (وطواط) अ स्त्री –अवाबील, भाडीक।
वत्श (وتش) अ वि –विनाश, वरवादी, ध्वस्त, तबाह, खराव।
वत्ह (وتح) अ वि –कृपण, कजूस, निकृष्ट, खराव।
वदा' (ودع) अ पु –शख, कौड़ी, सख।
वदाअ (وداع) अ स्त्री –रुख्सत, विदा, गमन, जाना।
वदाए' (ودائع) अ पु –'वदीअत' का बहु, अमानतें।
वदाए जाँ (وداع جاں) अ फा स्त्री –प्राणो का कूच, मरण, मरना।
वदाए रूह (وداع روح) अ स्त्री –आत्मा का गमन, मरण, मृत्यु, मरना।
वदाद (وداد) अ पु –इच्छा, चाह, तलव, मनोकामना, आकाक्षा, मुराद।
वदीअ (ودیع) अ वि –रुख्सत करनेवाला।
वदीअत (ودیعت) अ स्त्री –अमानत, धरोहर, थाती, न्यास, निक्षेप, आधान, प्राधि, आधि।
वदीद (ودید) अ वि –मित्र, सखा, दोस्त।
वदूद (ودود) अ वि –मित्र, दोस्त।
वफा (وفا) अ स्त्री –प्रतिज्ञा पालन, भक्ति, वफादारी, निर्वाह, निवाह, स्वामी या मित्र के साथ तन, मन, धन से निवाहना और कडे से कडे समय पर उसका साथ देना।
वफाअदेश (وفااندیش) अ फा वि –दे 'वफादार'।
वफाआमोज (وفاآموز) अ फा वि –वफा सिखानेवाला।
वफाआश्ना (وفاآشنا) अ फा वि–वफा से परिचित अर्थात् वफादार।
वफाए अह्द (وفاے عہد) अ स्त्री –प्रतिज्ञा का पालन, वादा पूरा करना।
वफाए इश्क (وفاے عشق) अ स्त्री –प्रेम करके उसे निवाहना, किसी अवस्था में भी प्रेम न छोडना।
वफाए क़सम (وفاے قسم) अ स्त्री –खायी हुई कसम का पालन करना, कही हुई बात निवाहना, शपथपालन।
वफाए क़ौल (وفاے قول) अ स्त्री –कही हुई बात निवाहना, प्रतिज्ञा का पालन।
वफाए वा'दः (وفاے وعده) अ स्त्री –दे 'वफाए अह्द'।
वफाओजफा (وفاوجفا) अ स्त्री –वफादारी और अत्याचार, प्रेमिका की ओर से ज़ुल्म और प्रेमी की ओर से वफा अर्थात् प्रेम-निर्वाह।
वफाकेश (وفاکیش) अ फा वि –दे 'वफादार'।
वफाकेशी (وفاکیشی) अ फा स्त्री –दे 'वफादारी'।
वफाकोश (وفاکوش) अ फा वि –प्रेम निर्वाह की कोशिश करनेवाला, वफादार रहने की कोशिश करनेवाला, अर्थात् प्रेमी, आशिक।
वफाकोशी (وفاکوشی) अ फा स्त्री –प्रेम-निर्वाह मे कोशिश करना।
वफाख़मीर (وفاخمیر) अ वि –जिसकी प्रकृति में वफा का माद्दा हो, जो स्वभाव से वफादार हो, प्रेमी।
वफाख़ाम (وفاخام) अ फा वि –जो वफा मे कच्चा हो, जो समय पडने पर धोखा दे सके।
वफागुस्तर (وفاگستر) अ फा वि –दे 'वफादार'।
वफात (وفات) अ स्त्री –मृत्यु, मरण, मौत।
वफातयाफ्तः (وفات یافتہ) अ फा वि –मृत, मरा हुआ।
वफादार (وفادار) अ फा वि –जो स्वामी या मित्र का तन, मन, धन से भक्त हो।
वफादारी (وفاداری) अ फा स्त्री –स्वामी या मित्र का तन, मन, धन से साथ देना।
वफादोस्त (وفادوست) अ फा वि –जो वफा को अपना सर्वस्व समझता हो, अर्थात् आशिक।
वफादोस्ती (وفادوستی) अ फा स्त्री –वफा को अपना सब कुछ जानना।
वफादुश्मन (وفادشمن) अ फा वि– जो वफा का बैरी हो अर्थात् जिसे वफा से चिढ हो, बेवफा, कृतघ्न, माशूक, प्रेयसी।
वफादुश्मनी (وفادشمنی) अ फा स्त्री –वफा से चिढ, वफा से बैर।
वफानाआश्ना (وفاناآشنا) अ फा वि –जो वफा करना न जानता हो, अर्थात् माशूक।
वफानाकर्दः (وفاناکرده) अ फा वि –जिसने कभी वफा न की हो, अर्थात् मा'शूक।

वफानाशनास (وفاناشناس) अ फा वि –दे 'वफा-नाआश्ना'।

वफापरस्त (وفاپرست) अ फा वि –जो वफा की कद्र करता हो, जो बहुत ही वफादार हो, अर्थात् आशिक।

वफापरस्ती (وفاپرستی) अ फा स्त्री.–वफा की कद्र करना, बहुत ही वफादार होना।

वफापुख़्तः (وفاپختہ) अ फा वि –जो वफा में बहुत ही पुख़्ता हो, जिसकी ओर से कभी बेवफाई न हो, अर्थात् आशिक।

वफापुख़्तगी (وفاپختگی) अ फा स्त्री –वफा मे दृढ और मज़बूत होना।

वफापेशः (وفاپیشہ) अ फा. वि –जिसका काम ही वफा करना हो, अर्थात् प्रेमी।

वफापेशगी (وفاپیشگی) अ फा स्त्री –वफा करने का काम।

वफाबेगानः (وفابیگانہ) अ फा वि –दे 'वफा नाआश्ना'।

वफाबेगानगी (وفابیگانگی) अ फा स्त्री.–वफा करना न जानना।

वफामज़्हब (وفامذہب) अ. वि –जिसका धर्म वफा करना हो, अर्थात् प्रेमी।

वफामश्रब (وفامشرب) अ. वि –जिसका धर्म-विश्वास वफा पर हो।

वफाशनास (وفاشناس) अ फा वि –वफा को पहचानने-वाला, अर्थात् प्रेमी।

वफाशनासी (وفاشناسی) अ फा स्त्री –वफा को पह-चानना।

वफाशिआर (وفاشعار) अ वि –दे 'वफापेश'।

वफाशिआरी (وفاشعاری) अ स्त्री –दे 'वफापेशगी'।

वफाशिकन (وفاشکن) अ फा वि –जो वफा की प्रतिज्ञा करके तोड दे, बेवफा।

वफी (وفی) अ वि –सपूर्ण, समग्र, समस्त, सब।

वफ़्क़ (وفق) अ पु –अनुकूल, मुआफिक।

वफ़्द (وفد) अ पु –प्रतिनिधि मडल, डिपुटेशन।

वबर (وبر) अ पु –बाल, ऊन।

वबा (وبا) अ स्त्री –महामरी, सस्पर्ग, वह रोग जो मरी के रूप में फैला हो।

वबाई (وبائی) अ वि –वबा सम्बन्धी, वबा के रूप मे फैला हुआ।

वबाए आम (وباۓ عام) अ स्त्री –महामारी, सब मे फैली हुई वबा।

वबाल (وبال) अ पु.–आपत्ति, विपदा, मुसीबत, दु ख, कष्ट, तकलीफ, जजाल, झंझट; वह मुसीबत जो दुर्निवार्य हो।

वबाले गर्दन (وبال گردن) अ फा पु –गर्दन के लिए बोझ, गर्दन पर रखा हुआ बोझ, अर्थात् पाप।

वबाले जाँ (وبال جاں) अ फा पु –प्राणो के लिए मुसीबत, जान का जजाल।

वबाले दोश (وبال دوش) अ फा पु –दे 'वबाले गर्दन'।

वब्र (وبر) अ पु –बिल्ली के बराबर एक जन्तु जो शेर के आगे चलता है।

वया (ویا) फा अव्य –अथवा, या, अब उर्दू में नही बोला जाता।

वर (ور) फा प्रत्य –वाला, जैसे—'ताकतवर' शक्तिवाला, (अव्य) यदि, अगर, और अगर, (पु) वक्ष स्थल, सीना (स्त्री) ताप, गर्मी।

वरकः (ورقہ) अ पु –पत्र, दल, पत्ता, टिकिट, प्रयोग पत्र।

वरक़ (ورق) अ पु –पृष्ठ, पन्ना, पेज, दल, पत्र, पत्ता।

वरकगर्दानी (ورق گردانی) अ फा स्त्री –किताब के वरक उलटना-पलटना, पुस्तक पढना नही केवल उसे इधर-उधर से वरक उलटकर देखना।

वरक़दाग (ورق داغ) अ. फा वि –किताब के पन्ने पर लिखा जानेवाला अक (सख्या)।

वरक़साज़ (ورق ساز) अ फा वि –चाँदी-सोने के वरक़ बनानेवाला।

वरक़साज़ी (ورق سازی) अ फा स्त्री –चाँदी-सोने के वरक बनाने का काम।

वरकी (ورقی) अ वि –वरक-जैसा बारीक़।

वरकुलख़याल (ورق الخیال) अ पु –विजया, भगा, भग, भाँग।

वरक़ुलहशीश (ورق الحشیش) अ. पु –भाँग के पत्ते, भाँग का पत्ता।

वरके काइनात (ورق کائنات) अ पु –विश्वपटल, वरकरूपी विश्व।

वरके खाम (ورق خام) अ फा पु –कच्चा चिट्ठा, अंदरूनी हालात, कच्ची बही।

वरके गुल (ورق گل) अ फा पु –फूल की पँखडी।

वरम (ورم) अ पु –शोथ, सूजन।

वरमे जिगर (ورم جگر) अ फा पु –यकृत-शोथ, जिगर का वरम।

वरल (ورل) अ पु –गोह, गोधिका।

वरसः (ورثہ) अ पु.–'वारिस' का बहु, उत्तराधिकारी लोग, वारिस लोग।

वरा (ورا) अ वि –परे, पीछे, आगे, दूर, अतिरिक्त, अलावा (पु.) ससार, जगत्, विश्व।

वराए नजर (وراے نظر) अ. पु –दृष्टि के परे।

वराज (وراز) अ पुं –शूकर, वराह, कोल, सुअर।

वरासत (وراثت) अ स्त्री –दायाधिकार, उत्तराधिकार, तरिका पाना।

वरासतन (وراثتاً) अ वि –वरासत की रु से, वरासत मे, उत्तराधिकार के रूप मे।

वरासतनाम. (وراثت نامہ) अ फा पु –उत्तराधिकारपत्र, वरासत की कानूनी दस्तावेज।

वरिक (ورک) अ पु –श्रोणि, नितव, कटिदेश, चूतड।

वरीद (ورید) अ स्त्री –शरीर की वे रगे जिनमे रक्त दौडता है, रक्तवाहिनी, धमनी।

वरे (ورع) अ वि.–सयमी, निग्रही, यतात्मा, यतव्रत, परहेज़गार।

वर्अ (ورع) अ स्त्री –सयम, इद्रियनिग्रह, परहेज़गारी, दे 'वरा', दोनो शुद्ध है।

वर्क़ा (ورقا) अ स्त्री –फाख्ता, पडुक।

वर्काक (ورکاک) अ पु –लुब्धक, चिडीमार, वहेलिया, एक मृतभोजी चिडिया।

वर्गलानिदः (ورغلانندہ) फा वि –वहकानेवाला, फुसलानेवाला, कुमत्रणा देनेवाला, गलत राह चलानेवाला।

वर्गलानीदः (ورغلانیدہ) फा वि –फुसलाया हुआ, वहकाया हुआ, जिसे कुमत्रणा दी गयी हो।

वर्जिदः (ورزندہ) फा वि –क़बूल करनेवाला, अभ्यास करनेवाला।

वर्जिश (ورزش) फा स्त्री –अभ्यास, मश्क; व्यायाम, कसरत, ग्रहण, इख्तियार।

वर्जिशगाह (ورزشگاہ) फा स्त्री –व्यायामशाला, कसरत करने का स्थान, अखाडा।

वर्जिशख़ान: (ورزش خانہ) फा पु –दे 'वर्जिशगाह'।

वर्जिशी (ورزشی) फा वि –जो व्यायाम का अभ्यस्त हो, कसरत का आदी; कसरत से बनाया हुआ शरीर।

वर्जिशे जिस्मानी (ورزش جسمانی) अ स्त्री –दैहिक परिश्रम, व्यायाम, कसरत।

वर्जिदः (ورزیدہ) फा वि –ग्रहण किया हुआ, कवूल किया हुआ; मश्क किया हुआ, अभ्यस्त।

वर्जीदनी (ورزیدنی) फा वि –ग्रहणीय, काविले क़वूल; काविले मश्क, अभ्यास के योग्य, अभ्यसनीय।

वर्तः (ورطہ) अ पु –भँवर, जलावर्त, जान जोखिम का स्थान, प्राणघातक स्थल।

वर्तए हलाकत (ورطۂ ہلاکت) अ पु –ऐसा भँवर जिसमें पडकर मरने से छुटकारा न हो सके।

वर्तीज (ورتیج) अ पु –वटेर, वार्तक, वाना।

वर्द (ورد) अ पु –गुलाव, गुलाव का फूल।

वर्दी (وردی) अ. वि –गुलाव के फूल-जैसा, गुलाव सम्वन्धी।

वर्दूक (وردوک) फा पु –छप्पर, फूँस और वाँस की बनी हुई प्रसिद्ध छाजन।

वर्दे मुरब्बा (ورد مربی) अ पु –गुलकद, शकर और गुलाव के फूलो का मिश्रण।

वर्न· (ورنہ) फा अव्य.–अन्यथा, नही तो, वगरना।

वर्राक (وراق) अ पु –पुस्तकालयो में कीडों से वचाने के लिए पुस्तको के पन्ने लौटने-पलटनेवाला व्यक्ति।

वर्राद (وراد) अ वि –माली, वागवान, गुलाव के फूलो से अरक या गुलकद वनानेवाला।

वर्सः (ورثہ) अ पु –रिक्थ, दाय, मीरास, पैतृक सपत्ति, पुश्तैनी चली आनेवाली माफी आदि।

वलदेज़ (ولندیز) अ. पु –हालैंड, यूरोप का एक राष्ट्र।

वलद (ولد) अ पु –पुत्र, तनय, सूनु, वेटा, लडका।

वलदीयत (ولدیت) अ स्त्री –लडकेवाला होना, वाप का नाम आदि।

वलदुज्जिना (ولدالزنا) अ पु –हरामी लडका, जारज, सकर, दोगला।

वलदुलजारिय (ولدالجاریہ) अ पु.–दासी-पुत्र, लौंडी-वच्चा।

वलदुलहराम (ولدالحرام) अ पु –दे 'वलदुज्जिना'।

वलह (ولہ) अ स्त्री –आसक्ति, मोह, इश्क।

वला' (ولع) अ पु –लोभ, लालच, आसक्ति, फिरेफ्तगी।

वली (ولی) अ वि –उत्तराधिकारी, वारिस, सहायक, मददगार, मित्र, दोस्त, महात्मा, ऋषि।

वलीअहद (ولی عہد) अ पु –वादशाह के वाद होनेवाला जानशीन, युवराज, राजकुमार।

वलीज. (ولیجہ) अ वि –घनिष्ठ मित्र, गहरा दोस्त।

वलीद (ولید) अ पु –छोकरा, खिदमतगार लडका।

वली ने'मत (ولی نعمت) अ पु –स्वामी, मालिक, अभिभावक, सरपरस्त।

वलीम· (ولیمہ) अ पु –निकाह के वाद दूल्हा की ओर से दिया जानेवाला खाना, विवाह-भोज।

वलीयः (ولیہ) अ स्त्री –उत्तराधिकारिणी, वारिसा, महात्मा स्त्री, ख़ुदा रसीदा, घोडे का पालान।

वलीयुल्लाह (ولی اللہ) अ पु –ईश्वर का मित्र अर्थात् पहुँचा हुआ साधु, महात्मा, महर्षि।

वलूद (ولود) अ स्त्री –वहुत अधिक सतान उत्पन्न करनेवाली स्त्री, वहुप्रसवा।
वले (ولے) फा अव्य –'वलेकिन' का लघु, दे 'वलेकिन'।
वलेक (وليک) फा अव्य –'वलेकिन' का लघु, दे 'वलेकिन'।
वलेकिन (وليکن) फा अव्य –लेकिन, परतु, मगर।
वल्लाह (والله) अ वा –ईश्वर की शपथ, खुदा की कसम।
वल्वलः (ولوله) अ पु –उत्साह, उमग, आवेग, जोश, आत्मविस्मृति, वेखुदी, उदा०—"जव वल्वल सादिक होता है जव अज्मे मुसम्म होता है, तकमील का सामा गैव से खुद उस वक्त फराहम होता है।"
वल्वलःअंगेज (ولوله انگيز) अ फा वि –उत्साहवर्द्धक, उमग वढानेवाला, जोश पैदा करनेवाला।
वलवल'खेज़ (ولوله خيز) अ फा वि –दे 'वल्वल अगेज'।
वश (وش) फा प्रत्य –समान, तुल्य, जैसे—'माहवश' चाँद के समान।
वसख (وسخ) अ पु –मैल-कुचैल, मैलापन, मल, मलिनता, मैला, मलिन।
वसन (وثن) अ पु –मूर्ति, प्रतमिा, वुत।
वसनी (وثنى) अ वि –मूर्तिपूजक, वुतपरस्त।
वसाइक (وثائق) अ पु –'वसीक' का वहु, वसीके।
वसाइत (وسائط) अ पु –'वासित' का वहु, वासिते।
वसाइद (وسائد) अ पु –'विसाद' का वहु, मस्नदें, तकिए।
वसाइल (وسائل) अ पु –'वसील' का वहु, सावन, ज़रिए।
वसातत (وساطت) अ स्त्री –माध्यम, ज़रीया।
वसायत (وصايت) अ स्त्री –अभिभावकता, गार्जियनशिप।
वसाया (وصايا) अ पु –'वसीयत' का वहु, वसीयतें।
वसालत (وسالت) अ स्त्री –वसील, जरीअ, माध्यम।
वसाविस (وساوس) अ पु –'वस्वस' का वहु, वुरे विचार, पैशाचिक विचार।
वासिख (وسخ) अ वि –मैला, गदा, मलिन, मैला-कुचैला, मलयुक्त।
वसी (وصى) अ वि –जिसके लिए वसीयत की गयी हो, रिक्थाधिकारी।
वसीअ (وسيع) अ वि –विस्तृत, फैला हुआ, चौडा-चकला।
वसीउत्तज्रिवः (وسيع التجربه) अ वि –जिसका तज्रिवा वहुत वढा हुआ हो, वृहदनुभव।
वसीउत्ता'लीम (وسيع التعليم) अ. वि–जिसकी शिक्षा वहुत अधिक हो, जो वहुत पढा-लिखा हो।
वसीउन्नज़र (وسيع النظر) अ. वि –जिसकी दृष्टि दूर तक देख सकती हो, अग्रशोची, दूरदर्शी, वुद्धिमान्, अनुभव संपन्न।
वसीउन्नज़री (وسيع النظرى) अ स्त्री –दूरदर्शिता, वुद्धिमत्ता।
वसीउलअख्लाक़ (وسيع الاخلاق) अ वि –जिसकी शिष्टता और शीलता वहुत वढी हुई हो, वृहच्छील।
वसीउलकल्व (وسيع القلب) अ वि –जिसके हृदय में वडी गुजाइश हो, वहुत ही उदार, उत्तान हृदय, उदाराशय।
वसीउलमश्रव (وسيع المشرب) अ वि –जो हरेक धर्मपर आस्था रखे और किसी का दिल न दुखाये।
वसीकः (وثيقه) अ पु –लेखपत्र, व्यवस्था-पत्र, दस्तावेज़, प्रतिज्ञापत्र, अह्दनामा, वह पेंशन जो किसी जायदाद आदि की ज़ब्ती के वाद मिले।
वसीकःदार (وثيقه دار) अ फा वि –वसीका अर्थात् पेंशन पानेवाला।
वसीकःनवीस (وثيقه نويس) अ फा पु –दस्तावेज़ लिखनेवाला; मकानों की विक्री की दस्तावेज़ें लिखनेवाला।
वसीत (وسيط) अ वि –जो कुल मे उच्च श्रेणी का न हो, परतु पद मे उच्च श्रेणी का हो।
वसीम (وسيم) अ वि –सुन्दर, शोभित, खूबसूरत, अकित, चिह्नित, निशान किया हुआ।
वसीयत (وصيت) अ. स्त्री –मरनेवाले का अतिम कथन, मरते समय अपनी जाइदाद और सपत्ति के प्रवध अथवा व्यय के लिए अतिम आदेश, प्ररिक्थ।
वसीयतनामः (وصيت نامه) अ. फा पु –वसीयत की कानूनी दस्तावेज़, इच्छापत्र, रिक्थपत्र, दायपत्र, मृत्युलेख।
वसीलः (وسيله) अ पु –साधन, उपकरण, ज़रीया, माध्यम, विचौलिया।
वसीलए ज़फर (وسيلۂ ظفر) अ पु –सफलता का साधन, उन्नति का ज़रीया।
वसीलए नजात (وسيلۂ نجات) अ पु –मुक्ति का साधन, मोक्ष का ज़रीया, छुटकारे का उपाय, वचने का तरीका।
वस्क (وثق) अ पु –विश्वास, भरोसा, एतिमाद, यकीन।
वस्ख (وسخ) अ पु –मैल-कुचैल, मलिनता, गदगी।
वस्त (وسط) अ वि –वीच, मध्य, दरमियान।
वस्ती (وسطى) अ वि –वीच का, माध्यमिक, दरमियानी।
वस्ते माह (وسط ماه) अ फा पु –महीने का वीच।
वस्नी (وسنى) फा स्त्री –सौत, वह दो स्त्रियाँ जिनका एक पति हो, परस्पर 'वस्नी' हैं।
वस्फ (وصف) अ पु –गुण, सिफत, प्रशसा, तारीफ़, अच्छाई, उम्दगी।
वस्फे इज़ाफी (وصف اضافى) अ पु –वह गुण जो स्वाभाविक न हो, वीच मे पैदा हो गया हो।

वस्मः (وسمہ) फा पु –नील की पत्ती जिसका पहले खिजाव बनता था।

वस्ल (وصل) अ पु –जोड, मिलान, प्रेमी और प्रेमिका का सयोग, मिलन।

वस्लच· (وصلچہ) अ फा पु –छोटी वस्ली।

वस्ली (وصلی) अ स्त्री –मोटे और चिकने कागज़ के घुटे हुए तख्ते जिन पर लिखने का अभ्यास किया जाता है।

वस्लोहिज्र (وصل وهجر) अ पु –मिलन और वियोग, नायक और नायिका का आपस मे मिलना और विछुडना।

वस्वसः (وسوسہ) अ पु –बुरा खयाल, बुरी शका, अनिष्ट की शका, वह धर्म विरुद्ध विचार जो शैतान उत्पन्न करता है, भ्रम, वह्म।

वस्वास (وسواس) अ पु –दे 'वस्वस'।

वस्वासी (وسواسی) अ वि –भ्रमी, वहमी।

वह्क़ (وهق) अ पु –कमद, जिससे ऊपर चढते हैं, पाश, रस्सी, फदा।

वहल (وحل) अ स्त्री –कीचड, कर्दम, जवाल, जलकल्क, खल्लाव।

वही (وحی) अ स्त्री –दे 'वह्' परन्तु वोलचाल मे 'वही' ही वोलते हैं।

वह्इ (وحی) अ स्त्री –ईश्वर की ओर से आया हुआ पैगम्बर के लिए आदेश, वही।

वह्ए मुंज़ल (وحی منزل) अ स्त्री –ईश्वर प्रेपित आदेश, खुदा की ओर से आया हुआ हुक्म।

वह्दः (وهده) अ स्त्री –नीची ज़मीन जहाँ पानी भरे।

वह्दत (وحدت) अ स्त्री –एकत्व, एकता, इत्तिहाद, अद्वैत भाव, वहदानियत, ईश्वर को एक मानना।

वह्दतपरस्त (وحدت پرست) अ फा वि –अद्वैतवादी, ईश्वर को एक माननेवाला।

वह्दतपरस्ती (وحدت پرستی) अ फा स्त्री –अद्वैतवाद, ईश्वर को एक मानना।

वह्दतुलवूजूद (وحدت الوجود) अ स्त्री –यह सिद्धान्त कि ससार में केवल एक ईश्वर के सिवा और कुछ नही है, ब्रह्मवाद।

वह्दते इरादी (وحدت ارادی) अ स्त्री –अपनी मर्ज़ी से सवका मिलकर एक होना।

वह्दते क़ह्री (وحدت قہری) अ स्त्री –ज़वरदस्ती सव को एक करना, जो हृदय और विचारो की एकता न हो।

वह्दते नौई (وحدت نوعی) अ स्त्री –एक प्रकार की वस्तुओ की एकता।

वह्दते लिसानी (وحدت لسانی) अ. स्त्री –भाषा के दृष्टि-कोण से एकता, सब की भाषा का एक होना।

वह्दते सहीहः (وحدت صحیحہ) अ स्त्री –सच्ची एकता, वास्तविक मे एकता।

वह्दानियत (وحدانیت) अ स्त्री –एकत्व, एकता, अकेलापन, अद्वैतवाद, ईश्वर के एक होने का सिद्धान्त।

वह्दानी (وحدانی) अ वि –एकवाला, एक से सम्बन्ध रखनेवाला।

वह्न (وهن) अ स्त्री –शिशिलता, ढीलापन, आलस्य, अकर्मण्यता, सुस्ती।

वह्ब (وهب) अ स्त्री –देन, पुरस्कार, वख्शिश, दान, ईश्वर की देन।

वह्वी (وهبی) अ वि –ईश्वर का दिया हुआ, ईश्वरदत्त।

वह्म (وهم) अ पु –भ्रम, भ्राति, वाहिम, भय, डर, शका, सदेह, शक।

वह्मअसास (وهم اساس) अ वि –जिसका आधार भ्रम पर हो, भ्रममूलक।

वह्मनाक (وهم ناک) अ फा वि –भ्रमपूर्ण, भ्रातिसकुल, वहम से भरा हुआ।

वह्मी (وهمی) अ वि –भ्रमी, सशयात्मक, शक्की मिजाज।

वह्लः (وهله) अ पु –भय, त्रास, डर, वारी, दफा।

वह्ल (وهل) अ पु –ध्यान वँटना, ध्यान का दूसरी ओर चला जाना।

वह्श (وحش) अ पु –'वह्शी' का वहु, जगली जानवर जो आदमी से भडकते हो।

वह्शत (وحشت) अ स्त्री –आदमियो से भडकना, विदक, भय, त्रास, डर, सब से अलग रहना, पागलपन, मिराक।

वह्शतअगेज़ (وحشت انگیز) अ फा वि –मन मे वह्शत-पैदा करनेवाला, भयजनक, भीपण, डरावना, भयानक।

वह्शतअफ्ज़ा (وحشت افزا) अ फा वि –दे 'वह्शत अगेज़'।

वह्शतअसर (وحشت اثر) अ वि –दे 'वह्शतअगेज़'।

वह्शतआसार (وحشت آثار) अ वि –दे 'वह्शतअगेज़'।

वह्शतकद· (وحشت کده) अ फा पु –वह स्थान जहाँ से भागने को जी चाहे, जो सुनसान और उजाड हो।

वह्शतखेज़ (وحشت خیز) अ फा वि –दे 'वह्शतअगेज़'।

वह्शतगाह (وحشت گاه) अ फा स्त्री –दे 'वह्शतकद'।

वह्शतज़दः (وحشت زده) अ फा वि –भयभीत, त्रस्त, डरा हुआ, जो वह्शत में हो, आतुर, उद्विग्न।

वह्शतज़दगी (وحشت زدگی) अ फा स्त्री.–भयभीत होना, वह्शत में होना, उद्विग्नता।

वह्शतज़ा (وحشت‌زا) अ फा वि –दे 'वह्शतअंगेज़'।

वह्शततराज़ (وحشت‌طراز) अ फा वि –दे 'वह्शत-अगेज़'।

वह्शतनसीब (وحشت‌نصیب) अ वि –जिसके भाग्य मे वहशत ही वहशत हो।

वह्शतनाक (وحشتناک) अ फा वि –भयानक, भीषण, डरावना, सुसान, निर्जन और डरावना स्थान।

वह्शतसरा (وحشت‌سرا) अ फा स्त्री –दे 'वह्शतकद'।

वह्शियानः (وحشیانه) अ फा वि –वह्शियो-जैसा, पागलो-जैसा, निर्दयो-जैसा, बेरहमान।

वह्शी (وحشی) अ वि –जगली पशु जो मनुष्यो से भागे, वह व्यक्ति जो मनुष्यो के समागम से बचे और अकेला रहना पसद करे, पागल, मिराकी।

वह्शीतब्अ (وحشی‌طبع) अ वि –दे 'वह्शी मिजाज'।

वह्शीमनिश (وحشی‌منش) अ फा वि –दे 'वह्शी मिजाज'।

वह्शीमिजाज (وحشی‌مزاج) अ वि –जो जगली जानवरो की तरह आदमियो से भागे।

वह्शीसिफत (وحشی‌صفت) अ वि –जगली जानवरो-जैसा, वहशियो की तरह।

वह्शोतैर (وحش‌وطیر) अ पु –जगली जानवर और जगली चिडियाँ।

वह्हाज (وهاج) अ वि –ज्योतिर्मय, प्रकाशमान, चमकीला।

वह्हाब (وهاب) अ वि –बहुत अधिक दान करनेवाला, वदान्य, ईश्वर का एक नाम।

वा

वा (وا) फा वि –खुला हुआ, कुशादा, पुन, फिर (अव्य) हाय हाय, आह।

वा अजबाह (وا عجباه) अ वा –कितनी आश्चर्य की बात है।

वा असफा (وا اسفا) अ वा –हाय हाय, हाय रे।

वाइज (واعظ) अ वि –धर्मोपदेशक, वा'ज कहनेवाला।

वाई (واعی) अ वि –निरीक्षक, निगहबान, याद रखनेवाला।

वाए (وائے) फा स्त्री –हाय हाय, हाय वाय।

वाए किस्मत (وائے قسمت) अ फा स्त्री –हाय रे भाग्य, हाय री तक्दीर।

वाए तक्दीर (وائے تقدیر) फा अ स्त्री –दे 'वाए किस्मत'।

वाए नसीब (وائے نصیب) फा अ स्त्री –दे 'वाए किस्मत'।

वाए बरहाल (وائے برحال) फा स्त्री –हालत पर अफसोस।

वाकिअ. (واقعه) अ पु –घटना, हादिसा, वृत्तात, हाल, समाचार, ख़बर, दुर्घटना, सानिहा।

वाकिअःतलब (واقعه‌طلب) अ वि –जिसका सारा वृत्तात जानना आवश्यक हो, ऐसी घटना।

वाकिअःनवीस (واقعه‌نویس) अ फा वि –सवादकार, घटना लिखनेवाला, इतिहासकार, मुअर्रिख़।

वाक़िअःनिगार (واقعه‌نگار) अ फा वि –दे 'वाकिअ नवीस'।

वाकिअए हायिलः (واقعۂ هائله) अ पु –बहुत ही प्रचड दुर्घटना।

वाकिअतन (واقعتاً) अ वि –वास्तविक मे, वस्तुत, दरहकीकत।

वाक़िआत (واقعات) अ पु –'वाकिअ' का बहु, घटनाएँ।

वाकिआती (واقعاتی) अ वि –घटनाओ से सम्बन्धित, ठीक-ठीक, सच्चा-सच्चा, घटना के मुताबिक।

वाकिआते नफ्सुलअम्री (واقعات نفس الامری) अ पु –ठीक-ठीक हालात जैसे घटित हुए है वैसे वृत्तात।

वाकिआते हाजिरः (واقعات حاضره) अ पु –वर्तमान समय की घटनाएँ, वर्तमान समय की राजनीतिक घटनाएँ।

वाकिआतोहालात (واقعات‌ٍحالات) अ. पु –घटनाएँ और उनका विस्तारपूर्वक वर्णन।

वाक़िई (واقعی) अ वि –यथार्थत, वास्तविक मे, सचमुच।

वाक़िईयत (واقعیت) अ स्त्री –यथार्थता, वास्तविकता, अस्लीयत, सत्यता।

वाकिफ (واقف) अ वि –अभिज्ञ, जानकार, आगाह, परिचित, शनासा, अनुभवी, तज्रिबाकार, किसी जाइदाद या सपत्ति को किसी कार्य-विशेष के लिए दान करनेवाला, उत्सर्गकर्ता, समर्पणकर्ता।

वाकिफे कार (واقف کار) अ फा वि –कार्य-विशेष का जानकार, अनुभवी, तज्रिबाकार।

वाकिफे हाल (واقف حال) अ वि –किसी की दशा से ठीक-ठीक परिचित, किसी घटना-विशेष का वृत्तात जाननेवाला।

वाक़िफे हालात (واقف حالات) अ वि –सारी घटनाओ और घटना के सारे वृत्तात का जानकार।

वाक़ी (واقی) अ वि –निरीक्षक, निगरानी करनेवाला।

वाक़े' (واقع) अ वि –घटित होनेवाला, घटित, जो हो चुका हो।

वाख़िदः (واخیده) फा वि –धुनकनेवाला।

वाख़ीद. (واخیده) फा वि –धुनका हुआ, धुनकी हुई वस्तु।

वाखुर्द. (واخورده) फा. वि –जिसने मुलाकात की हो, साक्षात्कृत।

वाख्वास्त (واخواست) फा पु –हिसाब समझना, माँगना, फिर चाहना, वापस लेना।

वागीर (واگیر) फा पु –पहलवानो की जोर करने की एक पद्धति जिसमे वह दोनो हाथ दीवार से टेककर एक एक हाथ की ओर छाती पर ज़ोर देते है, इस तरह छाती चौडी होती है।

वागुज़श्त (واگزشت) फा वि –छूटा हुआ।

वागुज़ाश्त (واگزاشته) फा वि –छूटा हुआ।

वागुज़ाश्त (واگزاشت) फा स्त्री –छूट, मुक्ति, आज़ाद, जो छूट गयी हो (जाइदाद आदि)।

वागुज़ार (واگزار) फा वि –छोडनेवाला।

वागुज़ारी (واگزاری) फा स्त्री –छूट, मुक्ति (जाइदाद आदि की)।

वागोय. (واگویه) फा पु –वातचीत, वार्तालाप, चर्चा, ज़िक्र अर्थात सुनी हुई वात को कहना।

वाचीद. (واچیده) फा वि –चुना हुआ, वीना हुआ, जमीन से वीनकर उठाया हुआ।

वा'ज़ (وعظ) अ पु –धर्मोपदेश, मज़्हबी नसीहतें, उपदेश, सीख, नसीहत।

वाज़ (واز) फा वि –स्पष्ट, व्यक्त, प्रकट, खुला हुआ।

वाज़ख्वाँ (وعظخواں) फा वि –दे 'वाज़गो'।

वाज़गूँ (واژگوں) फा वि –औंधा, अवोमुख, अवाङ्मुख, अशुभ, अनिष्टकर, मनहूस।

वाज़गून (واژگونه) फा वि –दे 'वाज़गूँ'।

वा'ज़गो (وعظگو) अ फा वि –धर्मोपदेशक, वा'ज़ कहनेवाला।

वाज़िआने क़ानून (واضعان قانون) अ पु –विवान वनानेवाले, विधायकगण।

वाज़िआने दस्तूर (واضعان دستور) अ पु –विधान बनानेवाले, विधायकगण।

वाज़िए क़ानून (واضع قانون) अ पु –कानून वनानेवाला, विधायक।

वाजिद (واجد) अ वि –प्राप्तकर्ता, पानेवाला, आविष्कारक, नयी वात निकालनेवाला।

वाजिव (واجب) अ वि –उचित, मुनासिव, आवश्यक, ज़रूरी, अनिवार्य, लाज़िमी, योग्य, लाइक, इस्लाम की परिभाषा मे 'फर्ज़' से दूसरे दरजे की इवादत।

वाजिबात (واجبات) अ पु –'वाजिब' का वहु , वाजिव वाते, वाजिव इवादतें।

वाजिबी (واجبی) अ वि –उचित, मौज़ूँ, ठीक, जितना ज़रूरी था उतना, किसी कदर कम।

वाजिबीयत (واجبیت) अ. स्त्री.–औचित्य, मुनासिवत।

वाजिबुज़्ज़ियारत (واجب الزیارت) अ वि –दर्शन करने योग्य, देखने योग्य, जिसके दर्शन परम पुनीत हो।

वाजिबुत्तक्रीम (واجب التکریم) अ वि –आदर और समान करने योग्य, मान्य, पूज्य।

वाजिबुत्तर्दीद (واجب التردید) अ वि –खडन के योग्य, खडनीय, तर्दीद के काविल, जिसका खडन आवश्यक हो।

वाजिबुत्तलब (واجب الطلب) अ वि –वुलाने के योग्य, जिसका वुलाना अनिवार्य हो।

वाजिबुत्तस्लीम (واجب التسلیم) अ वि –मानने के योग्य, मान्य, स्वीकार्य।

वाजिबुत्ता'ज़ीम (واجب التعظیم) अ वि –आदर के योग्य, प्रतिष्ठित, मान्य, आदरणीय।

वाजिबुत्ता'ज़ीर (واجب التعزیر) अ वि –सज़ा देने के योग्य, दडनीय।

वाजिबुत्ता'मील (واجب التعمیل) अ वि –पालन करने योग्य (हुक्म), गवाह आदि को देने योग्य (सम्मन)।

वाजिबुर्रह्म (واجب الرحم) अ वि –रह्म खाने योग्य, दयनीय।

वाजिबुर्रिआयत (واجب الرعایت) अ वि –रिआयत करने योग्य, दया करने योग्य।

वाजिबुलअदा (واجب الادا) अ वि –देने या अदा करने योग्य, देय।

वाजिबुलअमल (واجب العمل) अ वि –करने योग्य, करणीय, जिसका करना परम आवश्यक हो।

वाजिबुलअर्ज़ (واجب العرض) अ वि –कहने योग्य, प्रार्थना करने योग्य, किसान और ज़मीदार के बीच मे तै शुदा अधिकार।

वाजिबुलइआनत (واجب الاعانت) अ वि –सहायता के योग्य, मदद करने योग्य।

वाजिबुलइज़्हार (واجب الاظہار) अ वि –जिसका कहना और ज़ाहिर करना आवश्यक हो।

वाजिबुलइताअत (واجب الاطاعت) अ वि –जिसकी आज्ञा का पालन ज़रूरी हो, जिसकी सेवा करना अनिवार्य हो।

वाजिबुलइत्तिबाअ (واجب الاتباع) अ वि –जिसका अनुकरण आवश्यक हो।

वाजिबुलइम्तिसाल (واجب الامتثال) अ वि –जिसकी आज्ञा मानना ज़रूरी हो।

वाजिबुलइम्तिहान (واجب الامتحان) अ वि –जिसकी परीक्षा आवश्यक हो।

वाजिबुलइम्दाद (واجب الامداد) अ वि –जिसकी सहायता ज़रूरी हो।

वाजिवुलइस्लाह (واجب الاصلاح) अ वि –जिसका सुधार आवश्यक हो।

वाजिवुलईफा (واجب الایفا) अ वि –जिसका पालन आवश्यक हो, (वात)।

वाजिवुलकत्अ (واجب القطع) अ वि –जिसका काटना ज़रूरी हो।

वाजिवुलक़त्ल (واجب القتل) अ वि –जिसका वध आवश्यक हो।

वाजिवुलखिदमत (واجب الخدمت) अ वि –जिसकी सेवा करना आवश्यक हो।

वाजिवुलगज़ा (واجب الغزا) अ वि –जिससे धर्म-युद्ध करना ज़रूरी हो।

वाजिवुलमद्ह (واجب المدح) अ वि –जिसकी प्रशंसा करना अनिवार्य हो।

वाजिवुलला'न (واجب اللعن) अ वि –जिसको धिक्कृत करना अनिवार्य हो, जिस पर लानत भेजना जरूरी हो।

वाजिवुललौम (واجب اللوم) अ वि –जिसकी भर्त्सना और निंदा ज़रूरी हो।

वाजिवुलवुजूद (واجب الوجود) अ वि –जिसका अस्तित्व दूसरे के सहारे न हो, अर्थात् ईश्वर, जिसका अस्तित्व दूसरे के अधीन नहीं है, यानी वह स्वयभू है।

वाजिवुलवुसूल (واجب الوصول) अ वि –जिसका प्राप्त होना आवश्यक हो, जो किसी से वुसूल किया जाय, प्राप्य।

वाजिवुलहम्द (واجب الحمد) अ वि –जिसकी स्तुति ज़रूरी हो।

वाजिवुलहुसूल (واجب الحصول) अ वि –जिसका मिलना या जिसका उपार्जन ज़रूरी हो।

वाजिवुस्सना (واجب الثنا) अ वि –जिसकी प्रशंसा आवश्यक हो।

वाजिवुस्सिफत (واجب الصفت) अ वि –जिसका गुणगान आवश्यक हो।

वाज़ूँ (وازوں) फा वि –आंधा, अधोमुख, विलकुल उलटा।

वाज़ूँनसीव (وازوں نصیب) अ फा वि –जिसकी तक्दीर औंधी हो, हतभाग्य।

वाज़ूँवख्त (وازوں بخت) फ़ा वि –हतभाग्य, उलटे नसीवों वाला, औंधी तक्दीरवाला।

वाज़ूँमुकद्दर (وازوں مقدر) फा अ वि –दे 'वाज़ूँवख्त'।

वाज़े' (واضع) अ वि –वनानेवाला, रचनेवाला, रखनेवाला, धरनेवाला।

वाज़ेह (واضح) अ वि –स्पष्ट, ज्वलत, वहुत ही साफ।

वा'ज़ोपंद (وعظ وپند) अ फा पु.–तरह-तरह की नसीहतें।

वा'दः (وعدہ) अ पु –प्रतिज्ञा, वचन, अह्द, सविदा, इक़्रार।

वा'द.खिलाफ (وعدہ خلاف) अ वि –प्रतिज्ञा भग कर देनेवाला, वादा न पूरा करनेवाला।

वा'दःखिलाफी (وعدہ خلافی) अ स्त्री –प्रतिज्ञा भग करना, वचन पूरा न करना।

वा'द·गाह (وعدہ گاہ) अ फा स्त्री –जहाँ का वादा हो, जहाँ मिलने का करार हो।

वा'दःफरामोश (وعدہ فراموش) अ फा वि –प्रतिज्ञा करके भूल जानेवाला, वचन देकर याद न रखनेवाला।

वा'दःफरामोशी (وعدہ فراموشی) अ फा स्त्री –वचन देकर याद न रखना, वादा करके भूल जाना।

वा'दःफर्मा (وعدہ فرما) अ फा वि –वचन देनेवाला, वा'दा करने वाला।

वा'दःफर्माई (وعدہ فرمائی) अ फा स्त्री –वचन देना, प्रतिज्ञा करना।

वा'दःवफा (وعدہ وفا) अ वि –वचन पूरा करनेवाला, वात कहकर पूरी करनेवाला।

वा'द.वफाई (وعدہ وفائی) अ स्त्री –वात कहकर निवाहना, प्रतिज्ञा पूरी करना।

वाद.शिकन (وعدہ شکن) अ फा वि –प्रतिज्ञा भग करनेवाला, वात कहकर पालन न करनेवाला।

वा'दःशिकनी (وعدہ شکنی) अ फा स्त्री –प्रतिज्ञा भग कर देना, वात कहकर पूरी न करना।

वा'द (وعد) अ पु –शुभ समाचार, खुश खवरी।

वादए दीद (وعدۂ دید) अ फा पु –दर्शन देने का करार, मुँह दिखाने और मिलने का वादा।

वा'दए फर्दा (وعدۂ فردا) अ फा –कल के मिलने का वादा, जो कभी पूरा नहीं होता।

वा'दए मह्शर (وعدۂ محشر) अ पु –कियामत मे मिलने का वचन, अर्थात् न मिलने की वात।

वा'दए वस्ल (وعدۂ وصل) अ पु –मिलने का करार, साथ सोने का करार।

वा'दए शव (وعدۂ شب) अ फा पु –रात मे आने का करार।

वा'दए हश्र (وعدۂ حشر) अ पु –दे 'वादए महशर'।

वादिए ऐमन (وادئی ایمن) अ स्त्री –वह घाटी जहाँ हज़्रत मूसा ने ईश्वर का प्रकाश देखा था।

वादिए तूर (وادئی طور) अ स्त्री –तूर पहाड़ की घाटी जहाँ हज़्रत मूसा ने ईश्वर की झलक देखी थी।

वादी (وادی) अ उभ.–घाटी, पहाड के नीचे का मैदान, जंगल, कानन, वन।

वादीगर्द (وادی گرد) अ फा वि –घाटियो मे मारा-मारा फिरनेवाला, जगलो में फिरनेवाला।

वादीद (واديد) फा स्त्री –बाज़दीद, मुलाकात करनेवाले की मुलाकात।

वादीनवर्द (وادی نورد) अ फा वि –दे 'वादीगर्द'।

वादीनशी (وادی نشیں) अ फा वि –जगल मे रहनेवाला, वनस्थ।

वादीपैमा (وادی پیما) अ फा वि –दे 'वादीगर्द'।

वान (وان) फा प्रत्य –वाला, जैसे–'दरवान' अर्थात् दरवान।

वानमूद (وانمود) फा वि –प्रकट किया हुआ, दिखाया हुआ।

वापस (واپس) फा वि –प्रत्यागत, लौटा हुआ, वापस आया हुआ, प्रतिदत्त, वापस दिया हुआ, अथवा छिपा हुआ।

वापसआमद (واپس آمده) फा –वापस लौटा हुआ, प्रत्यागत।

वापिस दादः (واپس داده) फा वि –वापस दिया हुआ, प्रतिदत्त।

वापसीं (واپسیں) फा वि –अतिम, आखिरी।

वापसी (واپسی) फा स्त्री –प्रत्यागम, लौटना, प्रतिदान, लौटाना, फेरना, वापस देना।

वाफिद (وافد) अ पु –प्रतिनिधि, मुमाइदा, दूत, एलची, पत्रवाहक, कासिद।

वाफिर (وافر) अ वि –प्रचुर, वहुत, अत्यधिक, वहुत ज़ियादा।

वाफिल हस्व[हसव] (وافی الحسب) अ वि –जो व्यक्ति, विद्या और दूसरे गुणो से सपन्न हो।

वाफी (وافی) अ वि –सपूर्ण, समग्र, पूरा, तमाम, प्रचुर, अत्यधिक, काफी।

वाबस्त. (وابستہ) फा वि –आवद्ध, वँधा हुआ, सवद्ध, सम्वन्धित, मुतअल्लिक, सलग्न, सूत्रित, नत्थी, स्वजन, आत्मीय, रिश्तेदार।

वावस्तए इश्क़ (وابستۂ عشق) फा अ वि –प्रेमावद्ध, प्रेम-पाश में वँधा हुआ, मुग्ध, मोहित।

वावस्तए ज़ुल्फ़ (وابستۂ زلف) फा वि –प्रेमिका की अलक पाश मे वँधा हुआ अर्थात्, मुग्ध, आसक्त।

वावस्तगाँ (وابستگان) फा पु –'वावस्त' का वहु, वँधे हुए लोग।

वावस्तगाने महब्बत (وابستگان محبت) फा अ. पु –प्रेम पाश में वँधे हुए प्रेमी।

वाबस्तगी (وابستگی) फा वि –बँधाव, वन्धन, सपर्क, सम्बन्ध, प्रेम, स्वजनता, अपनापन।

वाम (وام) फा पु –ऋण, कर्ज़, वर्ण, रग।

वामख़्वाह (وام خواه) फा वि –ऋण-ग्राही, अधमर्ण, कर्ज़दार।

वामादः (وامانده) फा वि –थका हुआ, थककर पीछे रहा हुआ, दीन, दुखी, लाचार।

वामादए राह (واماندهٔ راه) फा वि –रस्ते मे थककर वैठा हुआ, रस्ते में थकन के कारण अपने साथियो से छूटा हुआ।

वामांदगी (واماندگی) फा स्त्री –थकावट, राह मे थककर रह जाना, दीनता, नि सहायता, लाचारी।

वामिक (وامق) अ पु –चाहनेवाला, प्यार करनेवाला, अरव का एक प्रेमी जो 'अज़्रा' पर आशिक था।

वामुसीबता (وامصيبتا) अ वा –हाय री मुसीवत, हाय मुसीवत, किसी विपत्ति के समय वोलते है।

वायः (وایه) फा पु –मनोकामना, मुराद, अफीम आदि की रोज की वँधी हुई खुराक, मात्रा, मिक्दार।

वार. (واره) फा वि –समान, तुल्य, स्वभाव, ऋतु, स्वामी।

वार (وار) फा पु –आघात, चोट, ज़र्ब, आक्रमण, हम्ला, योग्य, पात्र, लाइक, पद्धति, रविश, (प्रत्य) करनेवाला या वाला—जैसे 'सोगवार' या 'तक्सीरवार'।

वारफ्त (وارفته) फा वि –खोया हुआ, आत्मविस्मृत, वेसुध, वेखुद, शिथिल, निढाल।

वारफ्तःतब्अ (وارفته طبع) अ फा वि –दे 'वा० मिज़ाज'।

वारफ्त.मिज़ाज (وارفته مزاج) फा अ वि –जो खोया खोया-सा रहता हो, ऊलजलूल, लाउवाली।

वारफ्त.मिज़ाजी (وارفته مزاجی) फा अ स्त्री –खोया खोया-सा रहना, उलजलूलपन।

वारफ्तगाँ (وارفتگان) फा पु –'वारफ्त' का वहु, प्रेम मे खोये हुए लोग।

वारफ़्तगी (وارفتگی) फा स्त्री –खोया-खोयापन, आत्म-विस्मृति, ऊलजलूलपन।

वारसीद (وارسیده) फा वि –पहुँचा हुआ, विगत, सूचित, मुत्तला।

वारसीदगी (وارسیدگی) फा स्त्री –पहुँचना, खवर पाना।

वारस्तः (وارسته) फा वि –स्वच्छद, निश्चिंत, वेफिक्र, आज़ाद।

वारस्त मिज़ाज (وارسته مزاج) फा अ वि –स्वच्छद प्रकृति, आज़ाद मिज़ाज, मनमौजी।

वारस्तःमिज़ाजी (وارسته مزاجی) फा अ स्त्री –प्रकृति की स्वच्छदता, आज़ाद मिज़ाजी, मन की मौज।

वारस्तगी (وارستگی) फा स्त्री –स्वच्छन्दता, निश्चिंतता, आज़ादी, मन मौजीपन।

वारिद (وارد) अ वि –आनेवाला, आगामी, आया हुआ, आगत, दूत, कासिद।

वारिदात (واردات) अ स्त्री –'वारिद' का वहु, आनेवाले, अर्थात् घटित होनेवाले, यह शब्द उर्दू में एक वचन के लिए व्यवहृत है, कहते हैं 'वारिदात हो गयी', घटना, वाकिआ।

वारिदाते कल्ब (واردات قلب) अ पु –हृदय में आनेवाली विचार धाराएँ, महात्माओं के हृदय पर पडनेवाले द्रव्य-प्रकाश।

वारिस (وارث) अ वि –उत्तराधिकारी, वसी, रिक्थाधिकारी, अभिभावक, सरपरस्त।

वारिसे तख़्तोताज (وارث تخت وتاج) अ फा पु –युवराज, राजकुमार, शाहज़ादा, वली अह्द।

वारिसे ताजोनगीं (وارث تاج ونگیں) अ फा पु –दे 'वारिसे तख़्तोताज'।

वालः (والہ) फा पु –एक रेशमी वारीक कपडा।

वाल (وال) फा स्त्री –एक सिन्नेदार मछली।

वाला (والا) फा वि –प्रतिष्ठित, मान्य, उच्च, उत्तुंग, महान्, महत्त्वपूर्ण, श्रेष्ठ, उत्तम।

वालाकद्र (والاقدر) फा अ वि –उत्तम, प्रतिष्ठित, वडी इज्ज़तवाला।

वालागुहर (والاگہر) फा वि –उत्तम कुल, कुलीनतम, वहुत प्रतिष्ठित कुलवाला।

वालाजाह (والاجاہ) फा वि –दे 'वालाकद्र'।

वालादूदमाँ (والادودماں) फा वि –दे 'वालागुहर'।

वालानज़ाद (والانژاد) फा वि –दे 'वालागुहर'।

वालानामः (والانامہ) फा पु –आदरपत्र, कृपापत्र, वडे व्यक्ति का पत्र।

वालामर्तवत (والامرتبت) फा अ वि –दे 'वालाकद्र'।

वालाशान (والاشان) फा अ वि –दे 'वालाकद्र'।

वालासिफात (والاصفات) फा अ वि –उत्तम गुण, वहुत अच्छे और प्रतिष्ठित गुणोंवाला।

वालाहिमम (والاهمم) फा अ वि –उच्चोत्साही, वडी हिम्मतवाला।

वालाहिम्मत (والاهمت) फा अ वि –वडी हिम्मतवाला, वडे साहसवाला, महोत्साह, महासाहस।

वालिए अक्रव (والئی عقرب) अ पु –मगलग्रह, जो वृश्चिक राशि का स्वामी है।

वालिए तख़्तोताज (والئی تخت وتاج) अ फा वि –युवराज, वली अह्द।

वालिए मुल्क (والئی ملک) अ पु –किसी राष्ट्र का शासक, राजा, वादशाह।

वालिए रियासत (والئی ریاست) अ. पु –किसी रियासत का स्वामी, रईस, राजा।

वालिदः (والدہ) अ स्त्री –माता, मातृ, जननी, प्रसवित्री, अंविका, अंवा।

वालिद (والد) अ पु –पिता, पितृ, जनक, अव, अवक, प्रसवी।

वालिदए मोहतरमः (والدۂ محترمہ) अ स्त्री –पूज्य माता।

वालिदे माजिद (والد ماجد) अ पु –पूज्य पिता।

वालिदैन (والدین) अ पु –मात-पिता, पितरौ, मातर-पितरौ, मातापितरौ।

वालिहानः (والہانہ) अ फा वि –प्रेमियों-जैसा, प्रेमपूर्वक।

वाली (والی) अ पु –मित्र, दोस्त, शासक, हाकिम।

वालेह (والہ) अ. वि –मुग्ध, आसक्त, फ़िरेफ़्ता, जो प्रेम में सुध-बुध खो चुका हो।

वावैला (واویلا) फा वा –हाय, अफ्सोस, कोलाहल, शोरोगुल, हाहाकार, कोहराम।

वाशिगाफ (واشگاف) फा वि –प्रकट, स्पष्ट, खुला हुआ।

वाशी (واشی) अ वि –मिथ्यावादी, असत्यभाषी, झूठा, निंदक, चुगुलखोर, छिद्रान्वेषी, एवेची।

वाशुदः (واشدہ) फा वि –प्रफुल्ल, विकसित, खिला हुआ, शिगुफ्ता।

वाशुद (واشد) फा स्त्री –खिलावट, प्रफुल्लता, शिगुफ्तगी।

वाशुदगी (واشدگی) फा स्त्री –शिगुफ्तगी, प्रफुल्लता, विकास, खिलावट।

वाशुदनी (واشدنی) फा वि –विकसित होने योग्य, खिलने योग्य, शिगुफ्तनी।

वासिक (واثق) अ वि –दृढ, मज़्वूत, न टूटनेवाला।

वासितः (واسطہ) अ पु –माध्यम, दरमियानी, संपर्क, सम्वन्ध, तअल्लुक।

वासित (واسط) अ वि –वीचवाला, मध्यवर्ती, इराक में वस्रे और वग़दाद के वीच एक नगर जहाँ का क़लम वहुत अच्छा होता है।

वासिती (واسطی) अ वि –वासित नगर का, विशेषत क़लम के लिए आता है।

वासिफ (واصف) अ वि –प्रशंसक, तारीफ करनेवाला।

वासिल (واصل) अ. वि –मिलनेवाला, मुलाकात करनेवाला; सटा हुआ, संयुक्त।

वासिलवहक़ (واصل بحق) अ फा वि –ईश्वर से मिलनेवाला, दिवंगत।

वासिलवाकी (واصل باقی) अ वि –वुसूल और वाकी का हिसाव।

वासिलबाक़ी नवीस (واصل باقی نویس) अ फा पु –कचहरी का एक मुर्हरिर जो आय-व्यय का हिसाब रखता है।

वासिलात (واصلات) अ स्त्री –कुल आय का जोड, आमदनी का मीजान।

वासे' (واسع) अ वि –फैलानेवाला, विस्तार करनेवाला, विस्तृत, वसीअ, ईश्वर का एक नाम।

वासोख़्तः (واسوختہ) फा वि –जला हुआ विदग्ध, कुढा हुआ, बेज़ार।

वासोख़्त (واسوخت) फा पु –उर्दू पद्य की एक किस्म जो मुसद्दस के रूप में होता है और जिसमे प्रेमिका के व्यवहार से नाराज़ होकर प्रेम छोड देने और प्रेमिका को त्यागने का वर्णन होता है।

वासोख़्तगी (واسوختگی) फा स्त्री –जलन, तपन, बेज़ारी, नाराज़ी।

वाह (واہ) फा अव्य –खूब, साधु, धन्य।

वाह वाह (واہ واہ) फा वि धन्य-धन्य, साधु-साधु, खूब-खूब।

वाहस्रता (واحسرتا) हाय अफ्सोस, शोक के समय पर बोलते है।

वाहिदः (واحدہ) अ पु –इकाई, यूनिट।

वाहिद (واحد) अ वि –एक, यक, ईश्वर का एक नाम।

वाहिदुलऐन (واحدالعین) अ वि –एक आँखवाला, एकाक्ष, कारण, काना।

वाहिब (واہب) अ वि –देनेवाला, प्रदान करनेवाला, दाता।

वाहिबुननिअम (واہب النعم) अ पु –दे 'वाहिबुलअताया'

वाहिबुलअताया (واہب العطایا) अ पु –पुरस्कार और उत्तम वस्तुएँ देनेवाला, अर्थात् ईश्वर।

वाहिमः (واہمہ) अ पु –भ्रम, भ्राति, वह्म, कल्पना शक्ति।

वाहिम (واہم) अ वि –भ्रमी, वह्म करनेवाला, वहमी, शक्की।

वाहियात (واہیات) अ स्त्री –'वाही' का बहु, निरर्थक और व्यर्थ बाते।

वाही (واہی) वि –शिथिल, सुस्त, व्यर्थ, अनर्गल, फुजूल।

वि

विआ (وعا) अ पु –पात्र, बरतन, ज़र्फ़।

विक़ाअ (وقاع) अ पु –युद्ध, लडाई, मैथुन, सहवास, मुबाशरत।

विकायः (وقایہ) अ पु –रक्षा, देख-रेख, हिफाज़त, जिससे किसी चीज़ की रक्षा करे।

विकायत (وقایت) अ स्त्री –देख-भाल, रक्षा, हिफाज़त।

विकार (وقار) अ पु –दे 'वकार' शुद्ध वही है, परतु फार्सीवाले बहुत जगह ज़बर को ज़ेर पढते है, उसी मे से यह भी है।

विकालत (وکالت) अ स्त्री –दे 'वकालत', दोनो शुद्ध है।

विजार (وجار) अ पु –विज्जू, भेडिया, वृक।

विज़ारत (وزارت) अ स्त्री –मन्त्री का पद, मन्त्रित्व, मन्त्री का काम।

विज़ारतख़ानः (وزارت خانہ) अ. फा पु –मन्त्रालय, वजीर का दफ्तर।

विज़ारते उज़्मा (وزارت عظمیٰ) अ स्त्री –प्रधानमन्त्री का पद।

विज़ारते ख़ारिजः (وزارت خارجہ) अ स्त्री –विदेशी कामो की देख-रेख करनेवाली विजारत, परराष्ट्र-मन्त्रित्व।

विज़ारते दाख़िलः (وزارت داخلہ) अ स्त्री –देश के भीतरी विषयो की देख-रेख करनेवाली विज़ारत, गृहमन्त्रित्व।

विज्द (وجد) अ पु –शक्तिशाली होना, धनवान् होना, प्राप्त होना।

विज्दान (وجدان) अ पु –खोये हुए को पाना, जानना, खोजना, काव्य रसज्ञता, सहृदयता, ज़ौक।

विज्दाने सहीह (وجدان صحیح) अ पु –शुद्ध काव्य रसज्ञता, सच्चा ज़ौक।

विज्नः (وجنہ) अ पु –कपोल, गाल, दे 'वज्न' और 'वुज्न', सब शुद्ध है।

विज़्र (وزر) अ पु –भार, बोझ, पीठ पर लादने भर का बोझ, पाप, गुनाह, उपकरण, औज़ार।

वित्र (وتر) अ पु –एक, अकेला, वह सख्या जो दो पर न बटे, विषम।

विदाअ (وداع) अ स्त्री –दे 'वदाअ', शुद्ध उच्चारण वही है, फार्सी में 'विदाअ' हो गया है।

विदाद (وداد) अ स्त्री –मित्रता, दोस्ती।

विफ़ाक़ (وفاق) अ पु अनुकूलता, मुआफकत, मैत्री, दोस्ती, कई राष्ट्रो का सयुक्त मोरचा।

विफ़ाक़त (وفاقت) अ स्त्री –अनुकूलता, मुआफकत, मित्रता, दोस्ती।

विफ़ाक़ी (وفاقی) अ वि –विफाक सम्बन्धी, सयुक्त मोरचे वाला (वाली)।

विरासत (وراثت) अ स्त्री –दायाधिकार, रिक्थाधिकार, उत्तराधिकार, मीरास पाना।

विर्द (ورد) अ पु –किसी बात को बार-बार कहना या करना।

विला (ولا) अ स्त्री –प्रेम,मुहब्बत; आस्था, श्रद्धा; भक्ति, पूज्य जनों का प्रेम।

विलादत (ولادت) अ स्त्री –उत्पत्ति, जन्म, पैदाइश।

विलायत (ولایت) अ. स्त्री –परराष्ट्र, अन्य देश, पहले ईरान और तुर्किस्तान आदि को कहा जाता था, अब युरोप और विशेषकर इंगलैंड को कहते है, वली या ऋषि होने का भाव, अथवा उनका पद।

विलायती (ولایتی) अ वि –विलायत का, विलायत वाला, विलायत से आया हुआ।

विसाद. (وساده) अ पु –बडा तकिया, मस्नद।

विसाल (وصال) अ पु –मिलन, मेल, प्रेमी और प्रेमिका का सयोग, किसी धार्मिक और पूज्य व्यक्ति का निधन या देवलोक गमन।

वी

वीरां (ویراں) फा वि –'वीरान' का लघु, दे 'वीरान'।

वीरांकुन (ویراں کن) फा वि –वीरान करनेवाला, ध्वसकारी, खँडहर बना देनेवाला, बरबाद कर देनेवाला।

वीरांगर (ویراں گر) फा वि –वीरान करनेवाला, ध्वस कारी, डाकू, लुटेरा।

वीरांसरा (ویراں سرا) फा स्त्री –वीरान स्थान, अर्थात् ससार।

वीरानः (ویرانہ) फा पु –वीरान, निर्जन स्थान, वन, कानन, जगल।

वीराननशी (ویرانہ نشیں) फा वि –वीराने मे रहनेवाला, जगल मे रहनेवाला।

वीरानःपसंद (ویرانہ پسند) फा वि –जिसे वीराने मे रहना अच्छा लगता हो।

वीरान (ویران) फा वि –निर्जन स्थान, जहाँ आदमी न हो, जगल, वन, जिस स्थान की इमारतें गिर गयी हो, जो मकान आदि खँडहर हो गया हो।

वीरानी (ویرانی) फा स्त्री –निर्जनता, भग्न का भाव, जगलपन, खँडहरपन, वेरौनकी।

वु

वुअ्'आज़ (وعاظ) अ पु.–'वाइज़' का बहु, वाइज़ लोग, धर्मोपदेशक गण।

वुऊद (وعود) अ पु –'वाद' का बहु, वादे, प्रतिज्ञाएँ।

वुकूअः (وقوعہ) अ पु –घटना, दुर्घटना, वाक़िआ, हादिसा।

वुकूअ (وقوع) अ पु –प्रकट होना, घटित होना, वाक़े' होना. घटना, वाक़िआ।

वुकूए जुर्म (وقوع جرم) अ पु –किसी अपराध का घटित होना, अपराध होना।

वुक़ूए सानिहः (وقوع سانحہ) अ. पु –किसी घटना का घटित होना, वाकिआ ज़ाहिर होना।

वुकूए हादिसः (وقوع حادثہ) अ. पु –किसी दुर्घटना का घटित होना, कोई बुरी घटना होना।

वुकूद (وقود) अ पु –आग जलना या जलाना।

वुकूफ़ (وقوف) अ पु –ज्ञान, जानकारी, परिचय।

वुज़रा (وزرا) अ पु –'वज़ीर' का बहु, वज़ीर लोग, मन्त्रिगण।

वुज़ू (وضو) अ पु –साफ चेहरे का होना, चेहरे की सफाई और स्वच्छता, नमाज़ के लिए नियमपूर्वक हाथ-पाँव और मुँह आदि धोना।

वुजूद (وجود) अ पु –अस्तित्व, हस्ती, उपस्थिति, मौजूदगी, देह, जिस्म।

वुजूदोअदम (وجودوعدم) अ पु –होना और न होना, हस्ती और नेस्ती, अस्तित्व और अनस्तित्व।

वुजूब (وجوب) अ पु –वाजिब होना, आवश्यक होना, अनिवार्य होना।

वुज़ूशिकन (وضوشکن) अ वि –वुज़ू तोड देनेवाला, तप भग कर देनेवाला (विशेषत सौंदर्य)।

वुजूह (وجوه) अ पु –'वज्ह्' का बहु, कारण-समूह।

वुज्नः (وجنہ) अ पु –कपोल, गाल दे 'विज्न' और 'वज्न' तीनो शुद्ध है।

वुफ़ूद (وفود) अ पु –'वफ्द' का बहु, प्रतिनिधि मडल समूह, शिष्ट मडलो का समूह।

वुफ़ूर (وفور) अ पु –आधिक्य, प्राचुर्य, बाहुल्य, इफ़ात।

वुफ़ूरे इज़्तिराब (وفور اضطراب) अ पु –घबराहट की अधिकता।

वुफ़ूरे ग़म (وفور غم) अ पु –शोक अथवा दु ख का बाहुल्य, शोकाधिक्य।

वुफ़ूरे शौक़ (وفور شوق) अ पु –लालसा और अभिलाषा की बहुतायत, उत्कठा।

वुरूद (ورود) अ पु –आगमन, आना, प्रवेश, दाखिला।

वुरूदे मसऊद (ورود مسعود) अ पु –शुभागमन, किसी बडे और पूज्य व्यक्ति का पदार्पण।

वुरूदे मुबारक (ورود مبارک) अ. पु –दे 'वु मसऊद'।

वुलात (ولات) अ पु –'वाली' का बहु, स्वामिगण; शासकगण।

वुलूअ (ولوع) अ पु –लोभ, लिप्सा, लालच, लोभ होना, लालच होना।

वुलूग़ (ولوغ) अ पु –कुत्ते का चपड-चपड करके पानी पीना, कुत्ते का पानी मे मुँह डालना।
वुलूज (ولوج) अ पु –एक चीज का दूसरे में प्रवेश।
वुशाक़ (وشاق) तु पु –छोकरा, ऐसा ख़िदमतगार लडका जिसकी डाढी-मूँछ न निकली हो।
वुशात (وشاة) अ पु –'वाशी' का बहु, निदक लोग, छिद्रान्वेषी लोग, झूठे लोग।
वुश्ता (وشتا) फा पु –पासियो के धर्म ग्रथ 'ज़द' का महा-भाष्य, उस्ता।
वुसूल (وصول) अ पु –पहुँचना, जाना, प्राप्त होना, मिलना, प्राप्ति, वुसूली।
वुसूलवाकी (وصول باقی) अ पु –जो आया और जो वाकी रहा।
वुसूलयाब (وصول یاب) अ फा वि –प्राप्त, लब्ध, वुसूल।
वुसूलयाबी (وصول یابی) अ फा स्त्री –प्राप्ति, वुसूली।
वुसूली (وصولی) अ वि –प्राप्ति, वुसूलयाबी।
वुस्अ (وسع) अ स्त्री –विस्तार, लबाई-चौडाई, शक्ति, ज़ोर, सामर्थ्य, मक्दिरत।
वुस्अत (وسعت) अ स्त्री –लवाई-चौडाई, विस्तार, सामर्थ्य, मक्दूर, शक्ति, ताकत।
वुस्अततलब (وسعت طلب) अ वि –जिसके लिए विस्तार की आवश्यकता हो।
वुस्अतपिज़ीर (وسعت پذیر) अ फा वि –विस्तृत, विशाल, लबा-चौडा।
वुसअते अख़्लाक (وسعت اخلاق) अ स्त्री –शिष्टता और सुशीलता के व्यवहार का आधिक्य।
वुस्अते करम (وسعت کرم) अ स्त्री –दानशीलता और वदान्यता का प्राचुर्य।
वुस्अते क़ल्ब (وسعت قلب) अ स्त्री –हृदय का विस्तार, उदारता।
वुस्अते शौक़ (وسعت شوق) अ स्त्री –अभिलाषा की तीव्रता।
वुस्अते सहा (وسعت صحرا) अ स्त्री –जगल का विस्तार।
वुस्अते हौसल. (وسعت حوصلہ) अ स्त्री –साहस का आधिक्य।
वुस्ता (وسطی) अ वि –दरमियानी, बीच की, वीच की उँगली, मध्यमा।
वुस्लत (وصلت) अ स्त्री –पैंवद, जोड, स्वजनता, रिश्ते-दारी, सयोग, मिलन, वस्ल।
वुहूश (وحوش) अ पु –'वह्श' का बहु, जगली जानवर।
वुहूशोतुयूर (وحوش وطیور) अ पु –जगली जानवर और जगली चिडियाँ।

वै

वैल (ویل) अ पु –हाय, हा, अफ्सोस, शत्रुता, दुश्मनी, आपत्ति, कष्ट, आपत्ति के समय रोना-धोना, दोज़ख का एक तल।
वैलकश (ویل کش) अ फा वि –शत्रुता निबाहनेवाला, बदी का बदला लेनेवाला।
वैस (ویس) अ पु –धिक्कार, लानत।
वैह (ویح) अ पु –साधु, अहो, ख़ूब, हाय, हा हत, डाँट-फटकार।
वैहकल्लाह (ویحک اللہ) अ वा –ईश्वर तुझे खराब करे।

श

शंग (شنگ) फा वि –चपल, चचल, शोख, लुठक, लुटेरा, बटमार, तस्कर, चोर।
शंगर्फ (شنگرف) फा पु –ईंगुर, एक प्रसिद्ध पदार्थ।
शंगुल (شنگل) फा वि– चपल, चचल, शोख, छली, चालाक, लुटेरा, बटमार।
शगूल (شنگول) फा वि –दे 'शगुल'।
शंजर्फ (شنجرف) फा पु –दे 'शगर्फ'।
शब. (شنبہ) फा पु –वार, दिन, शनैश्चर, सनीचर, फार्सी उच्चारण 'शबेह' है।
शअफ (شعف) अ पु –प्रेम, स्नेह, अनुराग, महव्वत।
शआइर (شعائر) अ पु –'शईर' का बहु, आराधनाएँ, इबादते, पशुओ की वलि, कुर्बानियाँ।
शआफ (شعاف) अ पु –उन्माद, सिडीपन, पागलपन, मिराक़
शईर. (شعیرہ) अ स्त्री –पशुबलि, कुर्बानी, आराधना, इबादत, आँख की गुहाँजनी।
शईर (شعیر) अ पु –जौ, यव, एक प्रसिद्ध अन्न।
शए ज़ाइद (شے زائد) अ स्त्री –वह वस्तु जो अधिक हो, जो आवश्यकता से ज़ाइद हो, फालतू।
शए मक्फूल (شے مکفولہ) अ स्त्री –वह वस्तु जो गिरवी हो, बधक।
शए मबीअ (شے مبیعہ) अ स्त्री –बेची हुई वस्तु, विकी हुई चीज, विक्रीत।
शए मुतनाज़िअ (شے متنازعہ) अ स्त्री –झगडेवाली चीज, जिस पर झगडा हो।
शए लतीफ (شے لطیف) अ स्त्री –प्रतिभा, ज़िहानत, दक्षता, कुशलता, चतुराई।

विला (ولا) अ स्त्री –प्रेम,मुहब्बत, आस्था, श्रद्धा, भक्ति, पूज्य जनो का प्रेम।

विलादत (ولادت) अ स्त्री –उत्पत्ति, जन्म, पैदाइश।

विलायत (ولایت) अ. स्त्री –परराष्ट्र, अन्य देश, पहले ईरान और तुर्किस्तान आदि को कहा जाता था, अब युरोप और विशेषकर इगलैंड को कहते हैं, वली या ऋषि होने का भाव, अथवा उनका पद।

विलायती (ولایتی) अ वि –विलायत का, विलायत वाला, विलायत से आया हुआ।

विसाद. (وسادہ) अ पु –बडा तकिया, मस्नद।

विसाल (وصال) अ पु –मिलन, मेल, प्रेमी और प्रेमिका का सयोग, किसी धार्मिक और पूज्य व्यक्ति का निधन या देवलोक गमन।

वी

वीरां (ویراں) फा वि –'वीरान' का लघु, दे 'वीरान'।

वीरांकुन (ویراں کن) फा वि –वीरान करनेवाला, ध्वस-कारी, खँडहर बना देनेवाला, बरबाद कर देनेवाला।

वीरांगर (ویراں گر) फा वि –वीरान करनेवाला, ध्वस कारी, डाकू, लुटेरा।

वीरांसरा (ویراں سرا) फा स्त्री –वीरान स्थान, अर्थात् ससार।

वीरानः (ویرانہ) फा पु –वीरान, निर्जन स्थान, वन, कानन, जगल।

वीराननशीं (ویرانہ نشیں) फा वि –वीराने में रहनेवाला, जगल मे रहनेवाला।

वीरानःपसंद (ویرانہ پسند) फा वि –जिसे वीराने मे रहना अच्छा लगता हो।

वीरान (ویران) फा वि –निर्जन स्थान, जहाँ आदमी न हो, जगल, वन, जिस स्थान की इमारते गिर गयी हो, जो मकान आदि खँडहर हो गया हो।

वीरानी (ویرانی) फा स्त्री –निर्जनता, भग्न का भाव, जगलपन, खँडहरपन, बेरौनकी।

वु

वुअ़्आज (وعاظ) अ पु –'वाइज़' का बहु, वाइज लोग, धर्मोपदेशक गण।

वुऊद (وعود) अ पु –'वाद' का बहु, वादे, प्रतिज्ञाएँ।

वुकूअ. (وقوعہ) उ पु –घटना, दुर्घटना, वाकिआ, हादिसा।

वुकूअ (وقوع) अ पु –प्रकट होना, घटित होना, वाके' होना, घटना, वाकिआ।

वुकूए जुर्म (وقوع جرم) अ. पु –किसी अपराध का घटित होना, अपराध होना।

वुकूए सानिहः (وقوع سانحہ) अ पु –किसी घटना का घटित होना, वाकिअ जाहिर होना।

वुकूए हादिसः (وقوع حادثہ) अ पु –किसी दुर्घटना का घटित होना, कोई बुरी घटना होना।

वुकूद (وقود) अ पु –आग जलना या जलाना।

वुकूफ़ (وقوف) अ पु –ज्ञान, जानकारी, परिचय।

वुज़रा (وزرا) अ पु –'वज़ीर' का बहु, वज़ीर लोग, मत्रिगण।

वुज़ू (وضو) अ पु –साफ चेहरे का होना, चेहरे की सफाई और स्वच्छता, नमाज़ के लिए नियमपूर्वक हाथ-पाँव और मुँह आदि धोना।

वुजूद (وجود) अ पु –अस्तित्व, हस्ती, उपस्थिति, मौजूदगी, देह, जिस्म।

वुजूदोअदम (وجود وعدم) अ पु –होना और न होना, हस्ती और नेस्ती, अस्तित्व और अनस्तित्व।

वुजूब (وجوب) अ पु –वाजिब होना, आवश्यक होना, अनिवार्य होना।

वुज़ूशिकन (وضوشکن) अ वि –वुज़ू तोड देनेवाला, तप भग कर देनेवाला (विशेषत सौंदर्य)।

वुजूह (وجوہ) अ पु –'वज्ह' का बहु, कारण-समूह।

वुज्नः (وجنہ) अ पु –कपोल, गाल दे 'विज्न' और 'वज्न' तीनो शुद्ध हैं।

वुफ़ूद (وفود) अ पु –'वफ्द' का बहु, प्रतिनिधि मडल समूह, शिष्ट मडलो का समूह।

वुफ़ूर (وفور) अ पु –आधिक्य, प्राचुर्य, बाहुल्य, इफ़ात।

वुफ़ूरे इज़्तिराब (وفور اضطراب) अ पु –घबराहट की अधिकता।

वुफ़ूरे ग़म (وفور غم) अ पु –शोक अथवा दुख का बाहुल्य, शोकाधिक्य।

वुफ़ूरे शौक (وفور شوق) अ पु –लालसा और अभिलाषा की बहुतायत, उत्कठा।

वुरूद (ورود) अ पु –आगमन, आना, प्रवेश, दाखिला।

वुरूदे मस्ऊद (ورود مسعود) अ पु –शुभागमन, किसी बडे और पूज्य व्यक्ति का पदार्पण।

वुरूदे मुबारक (ورود مبارک) अ पु –दे 'वु मस्ऊद'।

वुलात (ولات) अ पु –'वाली' का बहु, स्वामिगण; शासकगण।

वुलूअ (ولوع) अ पु –लोभ, लिप्सा, लालच, लोभ होना, लालच होना।

वुलूग़ (ولوغ) अ पु –कुत्ते का चपड-चपड करके पानी पीना, कुत्ते का पानी में मुँह डालना।

वुलूज (ولوج) अ पु –एक चीज़ का दूसरे मे प्रवेश।

वुशाक़ (وشاق) तु पु –छोकरा, ऐसा ख़िदमतगार लडका जिसकी डाढी-मूँछ न निकली हो।

वुशात (وشاة) अ पु –'वाशी' का वहु, निंदक लोग, छिद्रान्वेषी लोग, झूठे लोग।

वुश्ता (وشتا) फा पु –पारसियो के धर्म ग्रथ 'ज़द' का महाभाष्य, उस्ता।

वुसूल (وصول) अ पु –पहुँचना, जाना, प्राप्त होना, मिलना, प्राप्ति, वुसूली।

वुसूलवाक़ी (وصول باقی) अ पु –जो आया और जो वाकी रहा।

वुसूलयाब (وصول یاب) अ फा वि –प्राप्त, लब्ध, वुसूल।

वुसूलयाबी (وصول یابی) अ फा स्त्री –प्राप्ति, वुसूली।

वुसूली (وصولی) अ वि –प्राप्ति, वुसूलयावी।

वुस्अ (وسع) अ स्त्री –विस्तार, लवाई-चौडाई, शक्ति, जोर, सामर्थ्य, मक्दिरत।

वुस्अत (وسعت) अ स्त्री –लवाई-चौडाई, विस्तार, सामर्थ्य, मक्दूर, शक्ति, ताकत।

वुस्अततलब (وسعت طلب) अ वि –जिसके लिए विस्तार की आवश्यकता हो।

वुस्अतपिजीर (وسعت پزیر) अ फा वि –विस्तृत, विशाल, लवा-चौडा।

वुसअते अख़्लाक़ (وسعت اخلاق) अ स्त्री –शिष्टता और सुशीलता के व्यवहार का आधिक्य।

वुस्अते करम (وسعت کرم) अ स्त्री –दानशीलता और वदान्यता का प्राचुर्य।

वुस्अते क़ल्ब (وسعت قلب) अ स्त्री –हृदय का विस्तार, उदारता।

वुस्अते शौक़ (وسعت شوق) अ स्त्री –अभिलाषा की तीव्रता।

वुस्अते सह्रा (وسعت صحرا) अ स्त्री –जगल का विस्तार।

वुस्अते हौसल (وسعت حوصلہ) अ स्त्री –साहस का आधिक्य।

वुस्ता (وسطی) अ वि –दरमियानी, वीच की, वीच की उँगली, मध्यमा।

वुस्लत (وصلت) अ स्त्री –पैवद, जोड, स्वजनता, रिश्तेदारी, सयोग, मिलन, वस्ल।

वुहूश (وحوش) अ पु –'वह्श' का वहु, जगली जानवर।

वुहूशोतुयूर (وحوش وطیور) अ पु –जगली जानवर और जगली चिडियाँ।

वैं

वैल (ویل) अ पु –हाय, हा, अफ्सोस, शत्रुता, दुश्मनी, आपत्ति, कष्ट, आपत्ति के समय रोना-धोना, दोज़ख का एक तल।

वैलकश (ویل کش) अ फा वि –शत्रुता निवाहनेवाला, वदी का वदला लेनेवाला।

वैस (ویس) अ पु –धिक्कार, लानत।

वैह (ویح) अ पु –साधु, अहो, खूब, हाय, हा हत, डाट-फटकार।

वैहकल्लाह (ویحک اللہ) अ वा –ईश्वर तुझे खराव करे।

श

शंग (شنگ) फा वि –चपल, चचल, शोख, लुठक, लुटेरा, वटमार, तस्कर, चोर।

शंगर्फ़ (شنگرف) फा पु –ईंगुर, एक प्रसिद्ध पदार्थ।

शंगुल (شنگل) फा वि– चपल, चचल, शोख, छली, चालाक, लुटेरा, वटमार।

शगूल (شنگول) फा. वि –दे 'शगुल'।

शंजर्फ़ (شنجرف) फा पु –दे 'शगर्फ़'।

शंव. (شنبہ) फा पु –वार, दिन, शनैश्चर, सनीचर, फारसी उच्चारण 'शवेह' है।

शअफ (شعف) अ पु –प्रेम, स्नेह, अनुराग, महव्वत।

शआइर (شعائر) अ पु –'शईर' का वहु, आराधनाएँ, इवादतें, पशुओं की वलि, कुर्वानियाँ।

शआफ (شعاف) अ पु –उन्माद, सिडीपन, पागलपन, मिराक

शईर॰ (شعیرہ) अ स्त्री –पशुवलि, कुर्वानी, आराधना, इवादत, आँख की गुहांजनी।

शईर (شعیر) अ पु –जौ, यव, एक प्रसिद्ध अन्न।

शए जाइद (شے زائد) अ स्त्री –वह वस्तु जो अधिक हो, जो आवश्यकता से ज़ाइद हो, फालतू।

शए मक्फूल (شے مکفولہ) अ स्त्री –वह वस्तु जो गिरवी हो, वधक।

शए मवीअ (شے مبیعہ) अ स्त्री –वेची हुई वस्तु, विकी हुई चीज, विक्रीत।

शए मुतनाजिअ॰ (شے متنازعہ) अ स्त्री –झगडेवाली चीज, जिस पर झगडा हो।

शए लतीफ (شے لطیف) अ स्त्री –प्रतिभा, ज़िहानत, दक्षता, कुशलता, चतुराई।

शक [क्क] (شک) अ पु –शंका, आशंका, संदेह, शुब्हा, भ्रम, भ्रांति, वह्म।

शक़ [क्क] (شق) अ पु –फटना, विदारण, फटा हुआ, विदीर्ण।

शकआफ़रीं (شک آفریں) अ फा वि –शक पैदा करनेवाला, शंकाजनक।

शकर (شکر) फा स्त्री –खाँड, शर्करा, चीनी।

शकरआब (شکرآب) फा स्त्री –दे 'शकराब'।

शकरकंद (شکرقند) फा स्त्री –एक प्रसिद्ध कंद, शकरकंदी।

शकर खंदः (شکرخندہ) फा पु –दे 'शकर ख़द'।

शकरख़ंदः (شکرخند) फा पु –मीठी हँसी, मुस्कुराहट।

शकरख़श (شکرخش) फा पु –नमूना, बानगी, निदर्शन।

शकरख़ा (شکرخا) फा वि –शकर चबानेवाला, मधुरभाषी, मिष्टवादी।

शकरख़ोर (شکرخور) फा वि –शकर खानेवाला।

शकरख़्वाब (شکرخواب) फा पु –मीठी नींद, सुषुप्ति, सवेरे की नींद।

शकरख़्वारः (شکرخوارہ) फा वि –शकर खानेवाला, रस लेनेवाला, आनंदग्राही।

शकरगुफ़्तार (شکرگفتار) फा वि –मीठी बातें करनेवाला, मधुरभाषी, शीरींजबाँ।

शकरगुफ़्तारी (شکرگفتاری) फा स्त्री –मीठी मीठी बातें करना, शीरींज़बानी।

शकरचश (شکرچش) फा पु –शकर खानेवाला, नमूना, बानगी, रस लेनेवाला।

शकरज़ार (شکرزار) फा पु –जहाँ शकर ही शकर हो, जहाँ मिठास बहुत हो।

शकरतरी (شکرتری) फा स्त्री –सफ़ेद शकर, चीनी, दाना।

शकरदान (شکردان) फा. पु –शकर रखने का बरतन, खंडपात्र।

शकरपा (سکرپا) फा वि –लँगड़ा, जिसके एक पाँव टेढ़ा हो, पंगु।

शकरपारः (شکرپارہ) फा पु –एक प्रकार की मिठाई, सुंदर अदाओंवाली प्रेमिका।

शकरपूर (شکرپورہ) फा पु –मीठा समोसा, गुझिया, पिराक।

शकरपेच (شکرپیچ) फा पु –मिठाई पर लिपटा हुआ काग़ज, शकर बाँधने की पुड़िया।

शकरफ़रोश (شکرفروش) फा वि –शकर बेचनेवाला, मधुरभाषी, शीरींगुफ़्तार।

शकरफ़रोशी (شکرفروشی) फा स्त्री.–शकर बेचने का काम, मीठी बातें करना।

शकरबार (شکربار) फा वि –शकर बरसानेवाला अर्थात् बहुत मीठा; मिष्टभाषी, शीरींसुख़न।

शकरबारी (شکرباری) फा स्त्री –शकर बरसाना, मीठी बातें करना।

शकरबूज़ः (شکربوزہ) फा पु –पिराक, गुझिया, मीठा समोसा।

शकररंग (شکررنگ) फा वि –मुरझाए रंगवाला, पीला पड़ा हुआ, अप्रसन्न, नाराज़।

शकररंगी (شکررنگی) फा स्त्री –अप्रसन्नता, नाराजी, वैमनस्य, मनमुटाव।

शकररंज (شکررنج) फा वि –अप्रसन्न, नाराज़।

शकररंजी (شکررنجی) फा स्त्री –अप्रसन्नता, नाराज़ी।

शकररेज़ (شکرریز) फा पु –न्योछावर, वह वस्तु जो व्याह के दिन दुल्हन और दूल्हा के सरपर से न्योछावर करते हैं, ख़ुशी का रोना।

शकररेज़ी (شکرریزی) फा स्त्री –दूल्हा और दुल्हन पर न्योछावर करना, शकर बरसाना।

शकरलंग (شکرلنگ) फा वि –हलकी लँगड़ाहट।

शकरलब (شکرلب) फा वि –मीठे ओंठोंवाला, मिष्टभाषी, कटे होंठवाला।

शकरलबी (شکرلبی) फा स्त्री –होंठों की मिठास, बातों की मिठास, होंठ कटा होना।

शकरहर्फ़ (شکرحرف) फा अ वि –मिष्टभाषी, शीरींगुफ़्तार।

शकराब (شکرآب) फा स्त्री –हलकी रंजिश, मनोमालिन्य, मनमुटाव।

शकरिस्तान (شکرستان) फा पु –गन्ने का खेत, शकर की फ़ैक्टरी, खंडसाल, जहाँ शकर बहुत हो।

शकरीं (شکریں) फा वि –मीठा, मधुर, शकर-सम्बन्धी।

शकरी (شکری) फा वि –शकर का, शकर-सम्बन्धी।

शकस्त (شکست) फा स्त्री –दे 'शिकस्त', वही उच्चारण शुद्ध है।

शक़ाइक़ (شقائق) अ पु –गुलेलाला, अहिपुष्प, 'शक़ीक़' का बहु, कनपटियाँ।

शक़ाक़ुल (شقاقل) अ स्त्री –एक गाँठ जो दवा में काम आती है, शक़ाक़ुल मिस्री।

शक़ावत (شقاوت) अ स्त्री –हृदय की कठोरता, निष्ठुरता, निर्दयता, भाग्य की विमुखता, बदक़िस्मती।

शक़ावते क़ल्बी (شقاوت قلبی) अ. स्त्री.–हृदय की निर्दयता, संगदिली।

शक़ावते बातिनी (شقاوتِ باطنی) अ स्त्री –दे 'श कल्बी'।
शकिर (شقر) फा पु –जगली लाले का फूल।
शकी (شقی) अ वि –निष्ठुर, निर्दय, पाषाण हृदय, सगदिल, भाग्यहीन, अभागा।
शक़ीउत्तबअ (شقی الطبع) अ वि –दे 'शकीउलकल्ब'।
शक़ीउलक़ल्ब (شقی القلب) अ वि –जिसका हृदय बहुत ही कठोर हो, पाषाण हृदय।
शक़ीउलबातिन (شقی الباطن) अ वि –दे 'शकीउल कल्ब'।
शक़ीक' (شقیقہ) अ पु –कनपटी, गडस्थल, आधा सीसी का दर्द।
शकीक (شقیق) अ पु –खंड, टुकडा, सगा भाई, सहोदर भ्राता।
शकील: (شکیلہ) अ स्त्री –सुन्दरी, रूपवती, हसीना।
शकील (شکیل) अ वि –सुन्दर, रूपवान्, भद्रमुख, श्रीमुख, सुरूप, हसीन।
शक़ीस (شقیص) अ वि –साझीदार, भागीदार, शरीफ, अच्छी चालवाला घोड़ा।
शक़ीह् (شقیح) अ वि –निकृष्ट, कुरूप, भद्दा, बुरा।
शकूक (شکوک) अ वि –शक्की, शब्द करनेवाला, बहुत अधिक शक करनेवाला।
शकूर (شکور) अ वि –शुक्र करनेवाला, आभारी, कृतज्ञ, धन्यवाद देनेवाला, बधाई देनेवाला।
शक्कर (شکر) फा स्त्री –शकर, खड शर्करा, चीनी।
शक्करअफ्शाँ (شکرافشاں) फा वि –मधुरभाषी, मिष्टवादी, शीरींसुखन; शकर छिडकनेवाला।
शक्करअफ्शानी (شکرافشانی) फा. स्त्री –मीठी-मीठी बातें करना, मधुर भाषण।
शक्करदहाँ (شکردہاں) फा वि –मीठी-मीठी बातें करनेवाला, मिष्टभाषी।
शक्करदहानी (شکردہانی) फा स्त्री –मीठी-मीठी बातें करना, प्रिय बोलना।
शक्करफिशाँ (شکرفشاں) फा वि –'शक्करअफ्शाँ' का लघु, दे 'श. अफ्शाँ'।
शक्करफिशानी (شکرفشانی) फा स्त्री –'शक्करअफ्शानी' का लघु, दे 'श अफ्शानी'।
शक्करमक़ाल (شکرمقال) फा अ वि –मिष्टभाषी, मधुरवादी, शीरींगुफ्तार।
शक्करमकाली (شکرمقالی) फा अ स्त्री –मिष्ट भाषण, मीठी बातें करना, शीरींगुफ्तारी।
शक्करशिकन (شکرشکن) फा वि –शक्कर चबानेवाला अर्थात् रस लेनेवाला, काव्य रसानुभव करनेवाला, मिष्टभाषी, शीरींगुफ्तार।
शक्करशिकनी (شکرشکنی) फा स्त्री –शक्कर चबाना, रसानुभव करना, मीठी बातें करना।
शक्करसुखन (شکرسخن) फा वि –मिष्टभाषी, मधुरभाषी, शीरींकलाम।
शक्करसुख़नी (شکرسخنی) फा स्त्री –मीठी बातें करना, शीरींकलामी।
शक्करिस्ताँ (شکرستاں) फा पु –'शक्करिस्तान' का लघु, दे 'शक्करिस्तान'।
शक्करिस्तान (شکرستان) फा पु –जहाँ शकर बहुत हो, शकर का कारख़ाना, खडसाल।
शक्करीं (شکریں) फा वि –शक्कर का, शक्कर सम्बन्धी, शक्कर का बना हुआ।
शक्करींगुफ्तार (شکریں گفتار) फा वि –मिष्टभाषी, शीरींसुखन।
शक्करींलब (شکریں لب) फा वि –मिष्टभाषी, शीरी लब, मीठे अधरामृतवाली प्रेमिका।
शक्करीं ला'ल (شکریں لعل) फा वि –दे 'शक्करींलब'।
शक्की (شکی) अ वि –जिसके मिज़ाज मे शक बहुत हो, वह्मी, भ्रमी।
शक्कुलक़मर (شق القمر) अ पु –चाँद का दो टुकडे हो जाना, हज्रत मुहम्मद साहिब का इक मो'जिज़ अपने चाँद के दो टुकडे कर दिये थे।
शक्ल (شکل) अ स्त्री –आकृति, रूप, डील-डौल, मुखाकृति, मुखमडल, चेहरा, आकार-प्रकार, वक्राकृता, दशा, अवस्था, परिस्थिति, हालत।
शक्लोशबाहत (شکل وشباہت) अ स्त्री –डील-डौल, आकार-प्रकार।
शक्लोशमाइल (شکل وشمائل) अ स्त्री –रूप और गुण, आकृति और स्वभाव।
शक्लोसूरत (شکل وصورت) अ स्त्री –दे 'शक्लोशबाहत'।
शक्व. (شکوہ) अ पु –दे शुद्ध रूप 'शक्वा', परन्तु उर्दू में 'शक्व' भी बोलते हैं।
शक्वाएजौर (شکوۂ جور) अ पु –अनीति और अत्याचार की शिकायत।
शक्वा (شکوا) अ पु –उपालभ, उलाहना, परिवाद, अनुयोग, शिकायत।
शक्वागुज़ार (شکوا گزار) अ फा वि –शिकायत करनेवाला, उलाहना देनेवाला।
शक्वातराज (شکوا طراز) अ फा वि –दे 'शक्वागुज़ार'।

शक्वापर्वर (شکوہ پرور) अ वि –दे 'शक्वागुज़ार'।
शक्वासंज (شکوہ سنج) अ फा वि –दे 'शक्वागुज़ार'।
शख़ (سخ) फा वि –पुष्ट, दृढ, मजबूत, (पु); पहाड, धरती, पहाड का दामन, (स्त्री) 'शाख़' का लघु, डाली, शाखा।
शख़कमाँ (شخ کماں) फा वि –शक्तिशाली, जोरावर, जिसका धनुष दूसरा न चला सके।
शख़ालीदः (شخالیدہ) फा वि –छीला हुआ, खरोंचा हुआ, चुभाया हुआ।
शख़ीदः (شخیدہ) फा वि –फिसला हुआ, रपटा हुआ।
शख़ूदः (شخودہ) फा वि –नख से खरोंचा हुआ, नख द्वारा घाव किया हुआ।
शख़्स (شخص) अ पु –व्यक्ति, फर्द, मनुष्य, आदमी।
शख़्सी (شخصی) अ वि –व्यक्तिगत, ज़ाती, इन्फिरादी।
शख़्सेग़ैर (شخص غیر) अ पु –अन्य पुरुष, दूसरा व्यक्ति, असंबद्ध, गैर मुतअल्लिक, अपरिचित, अस्वजन।
शख़्सेवाहिद (شخص واحد) अ पु –एक आदमी, एकाकी, अकेला मनुष्य।
शग़ (شغ) फा पु –जानवर का सींग जो बीच से खाली हो।
शगफ (شغف) अ पु –रुचि, दिलचस्पी, तल्लीनता, इन्हिमाक।
शगब (شغب) अ पु –कोलाहल, शोरगुल।
शगर (شگر) फा पु –काली भिड, जिसका विष तेज़ होता है।
शगल (شغل) अ पु –दे 'शग्ल' या 'शुग्ल' सब शुद्ध हैं परंतु 'शग्ल'और 'शुग्ल' व्यवहृत हैं।
शगाद (شغاد) फा पु –'रुस्तम' का भाई, जिसने उसे धोखे से कुएँ में गिराकर मारा था।
शगाफ (شغاف) अ पु –हृदय के ऊपर की झिल्ली, हृदय का काला तिल।
शगाल (شغال) फा पु –शृगाल, सियार, गीदड।
शग़ालतब्अ (شغال طبع) फा अ वि –दे 'शगालतीनत'।
शग़ालतीनत (شغال طینت) फा अ वि –धूर्त, वंचक, ठग, मक्कार, छली।
शगालफित्रत (شغال فطرت) फा अ वि –दे 'शगालतीनत'।
शगवः (شغوہ) अ पु –शरीर की वह खाल जो अधिक करने से खुरदरी, काली और मोटी पड जाय, (वि) अपमानित, तिरस्कृत, ज़लील।
शग़्ल (شغل) अ पु –कार्य, काम, धंधा, उद्यम, जीव बहलाने का काम, मश्गला।
शग़लेमै (شغل مے) अ फा पु –शराब पीने का मश्गल, मद्यपान।
शजअः (شجعہ) अ पु –'शजाअ' का बहु, वीर लोग, बहादुर लोग।
शजन (شجن) अ पु –शोक, दुःख, रंज, आवश्यकता, ज़ुरूरत, इच्छा, चाह, दे. 'शज्न', दोनों शुद्ध हैं।
शजर (شجر) अ पु –पेड, वृक्ष, विटप, द्रुम, दरख़्त।
शजरी (شجری) अ. वि –पेड के आकार का, पेडवाला, पेड सम्बन्धी।
शजरे कलीम (شجر کلیم) अ पु –वह पेड जिस पर हज़्रत मूसा को ईश्वर का प्रकाश दिखाई पडा था।
शजरे तूर (شجر طور) अ पु –दे 'शजरे कलीम'।
शजरे मम्नूअः (شجر ممنوع) अ पु –गेहूँ का पेड, जिसे ईश्वर ने आदम के लिए निषिद्ध कर दिया था, ऐसी चीज़ जिसके पास जाना बुरा हो।
शजाअ (شجاع) अ वि –वीर, बहादुर, दे 'शुजाअ' और 'शिजाअ', तीनों उच्चारण शुद्ध हैं, परंतु 'शुजाअ' अधिक व्यवहृत है।
शजाअत (شجاعت) अ स्त्री –शूरता, वीरता, बहादुरी, रणकौशल, जंग आज़मूदगी।
शजाया (شظایا) अ पु –'शज़ीय' का बहु, ददाने, टुकडे, रेशे।
शजीअ (شجیع) अ वि –शूर, वीर, बहादुर।
शज़ीयः (شظیہ) अ पु –ददाना, टुकडा, रेशा।
शज्न (شجن) अ पु –दे 'शजन', दोनों शुद्ध हैं।
शज्रः (شجرہ) अ पु –वंशवृक्ष, वंशावली, नसबनामा।
शत्ता (شتّیٰ) अ स्त्री –बहुतात, अधिकता, 'शतीत' का बहु, तितर-बितर चीज़ें।
शत्ताह (شطاح) अ वि –धर्म-विरुद्ध बातें कहनेवाला।
शत्म (شتم) अ पु –अपशब्द, गाली-गलौज, बुरा-भला कहना।
शत्रंज (شطرنج) फा स्त्री –एक प्रसिद्ध खेल, जो भारतवर्ष का प्राचीन आविष्कार है और जिससे अच्छा कोई खेल आज तक संसार में नहीं हो सका, न उसका खेलनेवाला यह दावा कर सकता है कि वह सबसे अच्छा खेलता है।
शत्रंजबाज़ (شطرنج باز) फा वि –शत्रंज खेलनेवाला, शत्रंज का धनी, शत्रंज का अच्छा खिलाडी।
शत्रंजी (شطرنجی) फा स्त्री –शत्रंज की बसात के खानों की तरह का बुना हुआ कपडे का फर्श (वि) शत्रंजबाज़।
शत्हीयात (شطحیات) फा स्त्री –'शत्हीय' का बहु, धर्म-विरुद्ध बातें; अनर्गल और व्यर्थ की बातें, जल्प।

शद [द्] (شد) अ. पु –दृढ करना, मजबूत करना, स्वर का ऊँचा करना, स्वर का उतार-चढाव।

शदाइद (شدائد) अ पु –'शदीदा' का वहु, कठिनाइयाँ, वाधाएँ, अडचनें, रुकावटें, आपत्तियाँ, मुसीवते।

शदीदः (شدیده) अ स्त्री –कठिन, दुष्कर, मुश्किल, आपत्ति, विपदा, मुसीवत।

शदीद (شدید) अ वि –प्रचड, तीव्र, तेज, दुष्कर, कठिन, सख्ती करनेवाला।

शदीदुलअदावत (شدیدالعداوت) अ वि –जो किसी से वहुत अधिक शत्रुता रखे, बद्ध वैर।

शदीदुलअमल (شدیدالعمل) अ वि –जो करने में कठिन हो, दु साध्य, दुष्कर।

शदीदुलकुव्वत (شدیدالقوت) अ वि –शक्तिशाली, महा-बल, ज़ोरावर।

शद्द (شده) अ पु –झडा, पताका, अलम, मुहर्रम मे उठनेवाला अलम।

शद्दाद (شداد) अ पु –वहुत अधिक अत्याचार करनेवाला, एक प्राचीन वादशाह जो अपने को ईश्वर कहलवाता था, उसने एक कृत्रिम स्वर्ग बनवाया था, परतु उसमें प्रवेश करते समय घोडे से गिरकर मर गया।

शद्दे मुख़ालिफ (شد مخالف) अ पु –ललकार, चुनौती, शत्रु को मुकावले पर आने के लिए ज़ोर से पुकारना।

शद्दरिहाल (شدرحال) अ पु –यात्रा, सफर, लवा सफर।

शद्दोमद (شدومد) अ पु –ज़ोर शोर, धूमधाम।

शनवा (شنوا) फा वि –सुननेवाला।

शनाअत (شناعت) अ स्त्री –बुराई, वदी, निकृष्टता।

शनाए' (شنائع) अ पु –'शनीअ' का बहु, बुराइयाँ।

शनाख़्तः (شناختہ) फा वि –पहचाना हुआ, जाना हुआ।

शनाख़्त (شناخت) फा स्त्री –पहचान, पहचानने का चिह्न, निशानी, लक्षण, अलामत।

शनाख़्तकुनिंदः (شناختکننده) फा वि –पहचानने-वाला।

शनात (شنات) अ पु –'शानी' का वहु, शत्रुगण, दुश्मन लोग, वैरी जन।

शनास (شناس) फा प्रत्य –पहचाननेवाला, जैसे—'मर्दुम-शनास'।

शनासा (شناسا) फा वि –पहचाननेवाला, जानकार, परिचित, वाकिफ।

शनासाई (شناسائی) फा स्त्री –जान-पहचान, तआरुफ, परिचय।

शनासिंदः (شناسنده) फा वि –पहचाननेवाला, जानकार।

शनासीदः (شناسیده) फा वि –पहचाना हुआ, जाना हुआ, परिचित।

शनासीदनी (شناسیدنی) फा वि –पहचानने योग्य, जिसको पहचानना जुरूरी हो।

शनीअः (شنیعه) अ स्त्री –बुरी, खराव।

शनीअ (شنیع) अ वि –बुरा, खराव, निकृष्ट।

शनीदः (شنیده) फा वि –सुना हुआ, श्रुत।

शनीद (شنید) फा स्त्री –सुनवाई, समाअत।

शनीदनी (شنیدنی) फा वि –सुनने के काविल, दिलचस्प, सुनने मे मजेदार।

शपुश (شپش) फा स्त्री –कपडे और सर मे पडनेवाला छोटा कीडा, जूँ, स्वेदज, लोमयूक, दे 'शुपुश' और 'शिपिश'।

शप्परः (شپره) फा पु –चमगादड, वातुलि, जतुका, अजिनपत्र।

शप्परःचश्म (شپره‌چشم) फा वि –जिसे चमगादड की तरह दिन मे न दिखाई दे।

शप्पर (شپر) फा पु –दे 'शप्पर' दोनो शुद्ध है।

शप्लक़ (شپلق) तु पु –तमाँचा, चाँटा, थप्पड।

शप्लिदः (شپلنده) फा वि –निचोडनेवाला।

शप्लीदः (شپلیده) फा वि –निचोडा हुआ।

शफक (شفق) अ स्त्री –ऊपा, उपा, सवेरे या शाम की लालिमा जो क्षितिज पर होती है।

शफकगूँ (شفق‌گوں) अ फा वि –शफक-जैसे रग का, उषा वर्ण।

शफक़ज़ार (شفق‌زار) अ फा पु –जहाँ शफक वहुत हो।

शफक़त (شفقت) अ स्त्री –कृपा, दया, मेहरवानी, सहानुभूति, हमदर्दी, वडो की ओर से छोटो पर दया दृष्टि, ममता, आत्मीयता।

शफक़ी (شفقی) अ वि –शफक का, शफक के रग का, ऊपा-सम्वन्धी।

शफत (شفت) अ पु –अधर, ओष्ठ, होठ, लव।

शफतैन (شفتین) अ वि –दोनो होठ।

शफवी (شفوی) अ वि –होठवाला, होठ के सहारे उच्चरित होनेवाला अक्षर।

शफह (شفه) अ पु –होठ, अधर, ओष्ठ।

शफही (شفہی) अ वि –होठवाला, होठ द्वारा उच्चरित अक्षर।

शफा (شفا) अ पु –तट, कूल, किनारा, हर चीज़ का किनारा, जीवन का अतिम भाग।

शफाअत (شفاعت) अ स्त्री –अभिस्ताव, सुफारिश, ईश्वर से अपने अनुयायियो के मोक्ष की सुफारिश।

शफाअतगर (شفاعت‌گر) अ. फा वि –कियामत मे अपने अनुयायियों के मोक्ष की सुफ़ारिश करनेवाला पैगंबर।

शफाअतफर्मा (شفاعت‌فرما) अ फा वि –दे 'शफाअतगर'।

शफाजुफ (شفاحرف) अ पु –नदी आदि का तट, किनारा।

शफीअ (شفیع) अ वि –सुफारिशी, कियामत के दिन मोक्ष दिलानेवाला, शुफा का दावा करनेवाला।

शफीए खलीत (شفیع خلیط) अ पु –साझे की जमीन पर शुफा का दावा करनेवाला।

शफीए जार (شفیع‌جار) अ पु –पडोस की ज़मीन या मकान पर शुफा करनेवाला।

शफीक (شفیق) अ वि –कृपालु, दयालु, मेहरवान, मित्र, सखा, दोस्त।

शफ़्कत (شفقت) अ स्त्री –दे 'शफकत', उर्दू मे दोनो प्रकार से बोलते है, बल्कि अधिक यही बोलते है।

शफ़्तालू (شفتالو) फा पु –एक फल, आडू।

शफ़्फाफ (شفاف) अ वि –स्वच्छ, उज्ज्वल, चमकदार, निर्मल, शुद्ध, साफ, कलई किया हुआ।

शफ़्फाफी (شفافی) अ स्त्री –स्वच्छता, निर्मलता, कलई की चमक।

शब: (شبه) फा पु –छोटे-छोटे मोती, पोत, पोता।

शब (شب) फा स्त्री –निशा, रजनी, यामिनी, शर्वरी, तमस्विनी, विभावरी, यामिका, रात्रि, रात।

शब [ब्ब] (شب) अ. स्त्री –फटकरी, फटिकर, (वि) युद्ध लडाई, तारुण्य, जवानी, उच्चता, आग जलाना।

शब अदर रोज (شب‌اندروز) फा पु –एक कपडा।

शबअफ़्रोज (شب‌افروز) फा पु –वह जरवफ्त जिसकी ज़मीन रुपहली हो।

शबआहंग (شب‌آهنگ) फा पु –दे 'शबाहग', वही उच्चारण शुद्धतम है, अशुद्ध यह भी नही है।

शबक' (شبکه) अ पु –जाल, पाश, बधन, दीवार की जाली, लोहे आदि की जाली जो मकान मे लगायी जाती है।

शबक (شبک) अ पु.–दे. 'शबक'।

शबकात (شبکات) अ पु –'शबक' का बहु, जाल और बधन, मकान की जालियाँ।

शबकोर (شبکور) फा वि –जिसे रतौंधी आती हो, रतौंधी का रोगी, निशाध, रात्र्यन्ध।

शबकोरी (شبکوری) फा स्त्री –रात मे न दिखाई पडने का रोग, तिमि।

शबखूँ (شب‌خوں) फा.पु –'शबखून' का लघु, दे 'शबखून'।

शबखून (شب‌خون) फा पु –सेना का रात के अँधेरे मे शत्रु के दल पर अचानक आक्रमण।

शबखेज (شب‌خیز) फा वि –रात रहे जाग जानेवाला, रात्रि में उठकर जप-तप करनेवाला।

शबखेजी (شب‌خیزی) फा स्त्री –रात रहे जागना, रात मे उठना, रात में जप-तप करना।

शबख्वाँ (شب‌خواں) फा पु –बुलबुल, एक प्रसिद्ध गानेवाली चिडिया।

शबख्वाबी (شب‌خوابی) फा स्त्री –रात मे सोते समय पहनने के वस्त्र।

शबगज (شب‌گز) फा स्त्री –थोडी देर की व्यथा, क्षणिक कष्ट।

शबगर्द (شب‌گرد) फा वि –रात मे फिरकर पहरा देनेवाला, कोतवाल, थानेदार।

शबगर्दी (شب‌گردی) फा स्त्री –रात मे पहरा देना, रात मे फिरना।

शबगश्त (شب‌گشت) फा वि –दे 'शबगर्द'।

शबगाह (شب‌گاه) फा स्त्री –रात का समय, रात के समय।

शबगीर (شب‌گیر) फा. वि –पिछली रात को उठनेवाला या जप-तप करनेवाला, पिछली रात, आधी रात के बाद का समय।

शबगूँ (شب‌گوں) फा. वि –काले रग का, कृष्ण वर्ण।

शबगूनी (شب‌گونی) फा. स्त्री –काले रग का होना, कालापन।

शबचिराग (شب‌چراغ) फा पु –एक बहुमूल्य रत्न जो रात मे दीपक की तरह प्रकाश देता है, (वि) रात्रि-दीपक, रात का चिराग अर्थात् चद्रमा।

शबजिंद:दार (شب‌زنده‌دار) फा वि –रात भर जागने और जप-तप करनेवाला।

शबजिंद:दारी (شب‌زنده‌داری) फा स्त्री –रातभर जाग कर जप-तप और इबादत।

शबताज (شب‌تاز) फा वि –रात में आक्रमण करनेवाला, रात के अँधेरे में छापा मारनेवाला।

शबताजी (شب‌تازی) फा. स्त्री –रात्रि मे जब शत्रु गाफिल हो उस पर अचानक आक्रमण।

शबताब (شب‌تاب) फा वि –रात को चमकानेवाला, रात को प्रकाशित करनेवाला, चद्रमा, चाँद।

शबताबी (شب‌تابی) फा स्त्री –रात को चमकाना; रात्रि को चमकदार बनाना।

शबदेग (شب‌دیگ) फा स्त्री –वह हाँडी जो रात भर पकायी जाय।

शबदेज (شبدیز) फा पु –मुश्की घोडा।

शबनम (شبنم) फा स्त्री –ओस, आकाश-जल।

शबनमी (شبنمی) फा स्त्री –ओस से बचाव के लिए ताना जानेवाला कपडा, मच्छरदानी।

शबनशीं (شب نشیں) फा वि –रात-रात भर सभाओ और जलसो में बैठनेवाला, रात-रात भर जलसो मे बैठना।

शबपरः (شب پرہ) फा पु –चमगादड, चर्मचटक।

शबपोश (شب پوش) फा पु –रात्रि मे पहनने के कपडे।

शबबख़ैर (شب بخیر) फा अ वि –एक वाक्य, जो रात मे दो मित्र परस्पर विदा होते समय कहते हैं, अर्थ यह है कि आप की रात सुख और शाति से बीते।

शबबरात (شب برات) फा अ स्त्री –मुसलमानो का एक त्योहार, शबरात।

शबबाश (شب باش) फा वि –रात मे ठहरनेवाला, सहवास करनेवाला।

शबबाशी (شب باشی) फा स्त्री –रात भर के लिए कही ठहरना, स्त्रीप्रसग करना।

शबबू (شبو) फा पु –एक फूल जो रात में खिलता और महकता है।

शबबेदार (شب بیدار) फा वि –रात भर जागकर जप-तप करनेवाला, रात भर जागनेवाला।

शबबेदारी (شب بیداری) फा स्त्री –रात भर जागना, रात भर जागकर तपस्या करना।

शबबो (شب بو) फा पु –दे 'शबबू'।

शबम (شبم) अ पु –जाडा, शीत, ठड, शरद् ऋतु, सर्मा।

शबमादः (شب ماندہ) फा वि –रात गुजरा हुआ, रात का रखा हुआ, वासी।

शबमुर्दः (شب مردہ) फा वि –रात-रात भर सोनेवाला, सारी रात सोनेवाला।

शबमुर्दगाँ (شب مردگاں) फा पु –'शबमुर्द' का वहु, सारी रात सोनेवाले।

शबयार (شبیار) फा पु –एक दवा, एलुआ, जो रात मे पेट साफ करने के लिए खायी जाती है।

शबरंग (شب رنگ) फा वि –काले रग का, कृष्ण वर्ण।

शबरवी (شب روی) फा स्त्री –रात मे घूमना-फिरना, रात मे यात्रा करना, चोरी, तस्करता।

शबराँ (شب راں) फा वि –दे 'शबताज़'।

शबरौ (شب رو) फा वि –रात में घूमने-फिरने या यात्रा करनेवाला, रात मे जप-तप करनेवाला, चोर, तस्कर।

शबह (شبہ) अ पु –एक धातु, पीतल।

शबह (شبح) अ पु –शरीर, काय, देह, जिस्म।

शबाँ (شباں) फा पु –'शबान' का लघु, दे 'शबान'।

शबाँगाह (شبانگاہ) फा स्त्री –सध्या समय, सायकाल, शाम।

शबानः (شبانہ) फा वि –रात का, रातवाला, रात से सम्वन्धित, वासी, पर्युपित।

शबानःरोज़ (شبانہ روز) फा वि –रातदिन, अहर्निश, शबो-रोज़।

शबान (شبان) फा पु –चरवाहा, ढोर चरानेवाला, चौपिया।

शबानी (شبانی) फा स्त्री –जगल मे चौपायो की देखभाल, चरवाही।

शबाब (شباب) फा पु –तारुण्य, युवावस्था, जवानी, किसी चीज़ की अन्तत और उत्तम अवस्था।

शबाब आवर (شباب آور) अ फा वि –फिर से जवान बना देनेवाला।

शबारोज़ (شباروز) फा वि –अहर्निश, रात-दिन, सदा, शबोरोज़।

शबाशब (شباشب) फा वि –रातोरात, रात ही रात मे, एक ही रात मे।

शबाहंग (شب آہنگ) फा पु –बुल्वुल, गोवत्सक, एक उज्ज्वल तारा जो शाम को चमकता है।

शबाहत (شباہت) अ स्त्री –आकृति, शक्ल, सदृशता, समता, यकसानियत, एकरूपता, हमशक्ली।

शबित (شبت) अ पु –सोया, एक शाक, दे 'शिवित', दोनो शुद्ध हैं।

शबिस्ताँ (شبستاں) फा पु –रात मे रहने का स्थान, शयनागार, ख्वावगाह।

शबीनः (شبینہ) फा वि –रात की बची हुई वस्तु, वासी, पर्युपित, रात का, रात्रीय, रमजान के महीने मे कुरान का वह पाठ जो एक रात मे खत्म हो जाता है।

शबीह (شبیہ) फा स्त्री –चित्र, तस्वीर, छायाचित्र, फोटो, सदृश, समान, मिस्ल।

शबे आशूर (شب عاشورہ) फा अ स्त्री –मुहर्रम के महीने की दसवी तारीख की रात।

शबे कद्र (شب قدر) फा अ स्त्री –रजब के महीने की २७वी तारीख, शबे मे'राज, इस रात की इबादत का बडा पुण्य है।

शबे चक (شب چک) फा स्त्री –दे 'शबे वगत'।

शबे जवानी (شب جوانی) फा स्त्री –गाढ़ि स्पर्या तारुण्य, युवावस्था का उन्माद।

शबे जिफाफ (شب زفاف) फा अ स्त्री –दुल्हन की दूल्हा के पास जाने की पहली रात, सुहागरात।

शबे तार (شب تار) फा स्त्री —नितान्त अँधेरी रात, तमस्विनी, तमिस्रा, कुहूनिशा।
शबे देंजूर (شب دیجور) फा. अ स्त्री —अमावास्या, अमावस की रात, निपट काली रात, कालनिशा, तमिस्रा।
शबे फिराक़ (شب فراق) फा अ स्त्री —दे 'शबे हिज्र'।
शबे वरात (شب برات) फा अ स्त्री —दे 'शववरात', दोनो शुद्ध है।
शबे माह (شب ماہ) फा स्त्री —चाँदनी रात, राका, ज्योत्स्ना, सज्योत्स्ना।
शबे मे'राज (شب معراج) फा अ स्त्री —वह रात जिसमे हज्रत पैगवर साहिव अर्श पर ईश्वर से मिलने गये थे।
शबे यल्दा (شب یلدا) फा स्त्री —दे 'शबे दैजूर'।
शबे वस्ल (شب وصل) फा. अ स्त्री —नायक और नायिका के मिलने की रात, मिलनरात्रि, विरहरात्रि का उलटा।
शबे वा'द. (شب وعدہ) फा अ स्त्री —जिस रात को नायिका अपने नायक से मिलने का वादा करे, वह रात।
शबे हिज्र (شب هجر) फा अ स्त्री —विरहरात्रि, नायिका के वियोग की रात।
शबे हिज्राँ (شب هجراں) फा अ स्त्री —दे 'शबे हिज्र'।
शबोरोज (شب وروز) फा पु —रातदिन, अहर्निश, हर समय, निरतर, लगातार।
शब्आन (شبعان) अ वि —पेट भरा हुआ, अफरा हुआ, परितृप्त।
शब्वर (شبر) अ पु —हज्रत इमाम हुसैन।
शब्वाक (شباک) अ वि —छेद करनेवाला।
शब्बीर (شبیر) अ पु —हज्रत इमाम हसन, जो इमाम हुसैन के वडे भाई थे।
शब्बूर (شبور) अ पु —तुरुही जो पीतल की वनायी जाती है।
शम [म्म] (شم) अ पु —सूँघना, घ्राण।
शमा' (شمع) अ स्त्री —मोम, सिक्थ, मोमवत्ती।
शमाइम (شمائم) अ पु —'शमीम' का वहु, सुगधियाँ, खुशवूएँ।
शमाइल (شمائل) अ पु —'शमील' का वहु, प्रकृतियाँ, स्वभाव, आदते।
शमातत (شماتت) अ स्त्री —किसी की हानि या अवनति पर प्रसन्न होना।
शमाम. (شمامہ) अ पु —सुगव, महक, खुशबू।
शमामच. (شمامچہ) अ फा पु —सूँघने का सुगवित पदार्थ।
शमीद. (شمیدہ) फा वि —सूँघा हुआ, मूर्छित, वेहोश, उद्विग्न, परीशान।
शमीम. (شمیمہ) अ स्त्री —सूँघने का पदार्थ, खुशवू।
शमीम (شمیم) अ पु —सुगंध, महक, खुशबू।
शमील: (شمیلہ) अ स्त्री —स्वभाव, प्रकृति, आदत, खस्लत।
शम्अ (شمع) अ स्त्री —मोम, सिक्थ, मोमवत्ती, दीपक, चिराग।
शम्अदान (شمعدان) अ फा पु —जिसमे मोमवत्ती रखकर जलाते है।
शम्अरुख (شمع رخ) अ फा वि —दे 'शम्अरु'।
शम्अरू (شمع رو) अ फा वि —दीप, जैसे—उज्ज्वल और दीप्त मुखवाली सुन्दरी।
शम्असाज (شمع ساز) अ फा वि —मोमवत्ती वनानेवाला।
शम्ई (شمعی) अ वि —मोम का, मोम का वना हुआ।
शम्ए आलमताव (شمع عالمتاب) अ फा स्त्री —सूर्य, सूरज, भानु, भास्कर।
शम्ए ऐमन (شمع ایمن) अ स्त्री —वह प्रकाश जो हज्रत मूसा को दिखाई पडा था।
शम्ए कुश्त: (شمع کشتہ) अ फा स्त्री —वुझा हुआ दीप, वह शम्अ जो वुझ गयी हो, मृतदीप।
शम्ए खामोश (شمع خاموش) अ फा. स्त्री —वुझा हुआ चिराग या शम्अ।
शम्ए जेरे दामन (شمع زیر دامن) अ फा स्त्री —दामन की आड़ मे हवा से वचाकर जलनेवाला चिराग।
शम्ए तूर (شمع طور) अ स्त्री —दे 'शम्ए ऐमन'।
शम्ए वज्म (شمع بزم) अ फा स्त्री —सभा मे जलनेवाला चिराग, प्राय. प्रेमिका की गोष्ठी का चिराग।
शम्ए वाली (شمع بالیں) अ फा स्त्री —सिरहाने जलनेवाला चिराग, प्राय रोगी प्रेमी के सिरहाने का चिराग।
शम्ए मजार (شمع مزار) अ स्त्री —कब्र पर जलाया जानेवाला चिराग, प्राय प्रेमी की कब्र का चिराग।
शम्ए महफिल (شمع محفل) अ स्त्री —दे 'शम्ए वज्म'।
शम्ए मुर्द (شمع مردہ) अ फा. स्त्री —दे 'शम्ए खामोश'।
शम्ए मोमी (شمع مومی) अ फा स्त्री —मोमवत्ती।
शम्ए शवअफ़्रोज (شمع شب افروز) अ फा स्त्री —चंद्रमा, चाँद।
शम्ए सहर (شمع سحر) अ स्त्री —सवेरे का चिराग जो वुझने को होता है, वह व्यक्ति जिसकी आयु थोडी रह गयी हो।
शम्ए हयात (شمع حیات) अ स्त्री —शम्अ रूपी जीवन, जो जलने के साथ घुलता जाता है।
शम्म. (شمہ) अ पु —वहुत थोडा, किंचिन्मात्र।
शम्माम. (شمامہ) अ पु —सेधी, सुधिया, कचरी, छोटी फूट जो सुगंवित होती है।
शम्मास (شماس) अ वि —सूर्यपूजक, सूरज का पुजारी।

शम्ल. (شمله) अ पु —पगडी का सिरा जो पीछे लटकता है, एक छोटी शाल जिसे लपेटते हैं।

शम्शाद (شمشاد) फा पु —सर्व का पेड, जो सीधा होता है और जिससे नायिका के डील की उपमा दी जाती है।

शम्शादक़द (شمشادقد) फा अ वि —सर्व-जैसे सुडौल और लबे डीलवाला (वाली)।

शम्शादक़ामत (شمشادقامت) फा अ वि —दे 'शम्शाद कद'।

शम्शादबाला (شمشادبالا) फा वि —दे 'शम्शादकद'।

शम्शीर (شمشیر) फा स्त्री —असि, कृपाण, खड्ग, तलवार।

शम्शीरज़न (شمشیرزن) फा वि —असिजीवी, सिपाही।

शम्शीरज़नी (شمشیرزنی) फा स्त्री —सिपाही का पेशा।

शम्शीरदम (شمشیردم) फा वि —तलवार-जैसी तेज़ धार-वाला।

शम्शीरवकफ (شمشیربکف) फा वि —हाथ मे तलवार लिये हुए, शस्त्रपाणि, वध करने को तत्पर।

शम्शीरे अजल (شمشیر اجل) फा अ स्त्री —मौत की तलवार।

शम्शीरे आबदार (شمشیر آبدار) फा स्त्री —काट करने-वाली तलवार, तेज़ धारवाली।

शम्शीरे दुदम (شمشیر دودم) फा स्त्री —दुधारी तलवार, वह तलवार जिसके दोनो ओर धार हो।

शम्शीरे बरहन: (شمشیر برهنه) फा स्त्री —म्यान से निकली हुई तलवार, स्पष्ट वक्ता, लगी-लपटी न रखनेवाला।

शम्शीरे हिलाली (شمشیر هلالی) फा अ स्त्री —नव चद्र रूपी तलवार, टेढी तलवार।

शम्शीरोसिनाँ (شمشیروسناں) फा स्त्री —तीर और तल-वार, युद्ध-सामग्री।

शम्स: (شمسه) अ पु —रौशनदान।

शम्स (شمس) अ पु —अर्क, मिहिर, मार्तण्ड, अरुण, तरणि, भानु, सूर्य, रवि, सूरज।

शम्सी (شمسی) अ वि —सूर्य का, सूर्य-सम्बन्धी, सूर्य के चक्र के हिसाब से सम्बन्धित, जैसे—'शम्सी साल' सौर वर्ष।

शम्सीय. (شمسیه) अ स्त्री —छतरी, धूप से बचने का छाता।

शम्सुलउलमा (شمس العلما) अ पु —विद्वानो मे सूर्य के समान, एक उपाधि जो अँग्रेजी समय मे मुस्लिम आलिमो को सम्मानार्थ दी जाती थी।

शय (شے) अ स्त्री —वस्तु, द्रव्य, पदार्थ, चीज़।

शयातीन (شیاطین) अ पु —'शैतान' का बहु, शैतानो का गिरोह, पिशाच-मडली।

शय्याद (شیاد) अ वि —धूर्त, छली, वचक, मक्कार।

शरंगेज़ (شرانگیز) फा वि —आपस मे फूट डालनेवाला, झगडा-फसाद खड़ा कर देनेवाला, उपद्रवी।

शरंगेज़ी (شرانگیزی) अ फा स्त्री —उपद्रव मचाना, झगडा करना, आपस मे लडाना, फूट डालना।

शर[र्र] (شر) अ पु —बदी, बुराई, उपद्रव, फसाद, फूट, निफाक।

शरअंगेज़ (شرانگیز) अ फा वि —दे 'शरगेज', अधिक वही बोला जाता है।

शरअगेज़ी (شرانگیزی) अ फा स्त्री —दे 'शरगेज़ी', अधिक वही बोला जाता है।

शरतैन (شرطین) अ स्त्री —पहला नक्षत्र, अश्विनी।

शरपसंद (شرپسند) अ फा वि —जो झगडा टटा पसद करता हो, झगडालू, कलहप्रिय।

शरपसंदी (شرپسندی) अ फा स्त्री —झगडा पसद करना, झगडालूपन।

शरफ (شرف) अ पु —श्रेष्ठता, उत्तमता, बुजुर्गी, सम्मान, सत्कार, इज्जत, उत्तुगता, बलदी, कुलीनता, शराफत।

शरफयाब (شرفیاب) अ फा वि —सफल, कामयाब।

शरफयाबी (شرفیابی) अ फा स्त्री —सफलता, कामयाबी।

शरफे जियारत (شرف زیارت) अ पु —देखने का सौभाग्य।

शरफे मुलाकात (شرف ملاقات) अ पु —साक्षात्कार का सौभाग्य, दर्शनो का सौभाग्य।

शरफे मुलाजमत (شرف ملازمت) अ पु —पास बैठने-उठने का सौभाग्य।

शरफे हज्जोजियारत (شرف حج وزیارت) अ पु —हज करने और मदीना जाने का सौभाग्य।

शरर (شرر) अ पु —अग्निकण, स्फुलिंग, चिनगारी।

शररअंगेज़ (شررانگیز) अ फा वि —चिंगारियाँ फैलाने-वाला, शुर्रे छोडनेवाला, उपद्रवी।

शररअफशाँ (شررافشاں) अ फा वि —दे 'शररअगेज़', दे शररअफशाँ।

शररफिशाँ (شررفشاں) अ फा वि —दे 'शररअगेज' 'शररअफ्शाँ' का लघु।

शररपशाँ (شررافشاں) अ फा वि —दे 'शररअगेज'।

शररबार (شرربار) अ फा वि —आग बरसानेवाला, जिनसे आग निकले, अग्निवर्षक।

शररबारी (شرربای) अ फा स्त्री —आग बरसाना, आग निकलना, अग्निवर्षा।

शरा (شری) अ स्त्री —पित्ती, एक रोग जिसमें सारे शरीर पर लाल दाने पड जाते हैं।

शराइत (شرائط) अ पु —'शरति' का बहु, शर्तें।

शराईन (شرائین) अ स्त्री –'शिर्यान' का वहु, फडकने-वाली रगे, धमनियाँ, नाडियाँ।

शराए' (شرائع) अ पु –'शरीअत' का वहु, धर्मशास्त्र।

शराकत (شراکت) उ स्त्री.–भागीदारी, साझा।

शराकतनामः (شراکت نامہ) अ फा पु –भागीदारी या साझे की दस्तावेज।

शराब (شراب) अ पु –मदिरा, वारुणी, हाला, सुरा, इरा, कदविनी, हलिप्रिया।

शराबकश (شراب کش) अ फा वि –मद्यप, 'पानकर्ता, रसाशी, सुराशी, शरावी।

शराबकशी (شراب کشی) अ फा स्त्री –मद्यपान, शराब पीना।

शराबख़ानः (شراب خانہ) अ फा पु –मदिरालय, मधुशाला, सुरावेश्म, पानागार, मदिरागृह, मैख़ाना।

शराबख़ोर (شراب خور) अ फा वि –मद्यप, रसाशी, सुरा-पायी, पानकर्ता, शराब पीनेवाला।

शराबख़ोरी (شراب خوری) अ फा स्त्री –मद्यपान, शराब पीना।

शराबख़्वार (شراب خوار) अ. फा वि.–दे 'शराबखोर'।

शराबज़दः (شراب زدہ) फा वि –शराब के नशे मे चूर, मदोन्मत्त।

शराबज़दगी (شراب زدگی) फा स्त्री.–शराब का गहरा नशा, मदोन्माद।

शराबफ़रोश (شراب فروش) अ फा वि –शराब का ठेकेदार, शौडिक, कल्यपाल, सुराजीवी।

शराबफ़रोशी (شراب فروشی) फा स्त्री –शराब वेचना, शराब की ठेकेदारी।

शराबसाज़ (شراب ساز) अ फा. वि –शरावकशी करने-वाला, सुराकार।

शराबसाज़ी (شراب سازی) अ फा स्त्री –शराव बनाना, शराव कशीद करना, सुराकर्म।

शराबी (شرابی) अ वि –मद्यप, शराब पीनेवाला।

शराबे अंगूरी (شراب انگوری) अ फा स्त्री –अगूर से वनी हुई शराव, द्राक्षेरा, मालिका।

शराबे असली (شراب عسلی) अ. स्त्री –शहद की शराव, माववी।

शराबे अर्ग़वानी (شراب ارغوانی) अ. फा. स्त्री.–लाल रग की शराव।

शराबे आतशरंग (شراب آتش رنگ) अ फा स्त्री –आग-जैसे रग की लाल शराव, अग्निवर्ण।

शराबे कोहन. (شراب کہنہ) अ फा स्त्री.–पुरानी शराव जिसका नशा तेज होता है।

शराबे ख़ानःख़राब (شراب خانہ خراب) अ. फा. स्त्री.–घर उजाड देनेवाली शराव, दरिद्र बना देनेवाली शराब।

शराबे ख़ानःसाज़ (شراب خانہ ساز) अ. फा स्त्री –घर में वनायी हुई शराव।

शराबे जौ (شراب جو) अ फा स्त्री –जौ की शराव, वह शराव जो कच्चे जौ से वनती है, यवेरा, बियर।

शराबे तहूर (شراب طہور) अ स्त्री –स्वर्ग मे पी जानेवाली शराव।

शराबे दुआतश (شراب دوآتشہ) अ फा स्त्री –दो बार की खिंची हुई शराव, तेज़ शराब।

शराबे दोशीनः (شراب دوشینہ) अ फा स्त्री –रात की वची हुई शराव।

शराबे मुकत्तर (شراب مقطر) अ. स्त्री –निथरी हुई और साफ शराब, पहले जोश की वढिया शराव।

शराफ़त (شرافت) अ स्त्री –कुलीनता, वश की शुद्धता, सुशीलता, अख़्लाक, सज्जनता।

शराफ़ते नसबी (شرافت نسبی) अ स्त्री –कुल का श्रेष्ठ और निर्दोष होना।

शरारः (شرارہ) अ पु –स्फुलिंग, अग्निकण, पतिंगा, चिनगारी।

शरारःख़ेज़ (شرارہ خیز) अ वि –जिससे चिंगारियाँ निकले।

शरारःबार (شرارہ بار) फा वि –अग्निवर्षक, आग वरसाने-वाला।

शरार (شرار) अ पु –चिनगारी, पतिंगा, स्फुलिंग, अग्नि-स्तोक, शरर।

शरारत (شرارت) अ स्त्री –दुष्कृत्य, वदी, वुराई, उपद्रव, फसाद, चचलता, चपलता, शोख़ी, चिढाने के लिए कोई काम।

शरारत आमेज़ (شرارت آمیز) अ फा वि –शरारत से भरा हुआ, नुकसान पहुँचाने की बुरी नीयत से किया हुआ।

शरारतन (شرارتاً) अ वि –शरारत से, वुरी नीयत से, चिढाने के लिए, तग करने के लिए।

शरारतपसंद (شرارت پسند) अ फा वि –जिसके मिजाज़ में शरारत हो, उपद्रव प्रिय, फसादी, जो छेडने के लिए शरारतें वहुत करता हो।

शरासीफ़ (شراسیف) अ स्त्री –'शरसूफ' का वहु, नीचे-वाली छोटी पस्लियाँ।

शरीअत (شریعت) अ स्त्री –खुला हुआ और चौडा रास्ता, राजमार्ग, धर्मशास्त्र, धार्मिक कानून।

शरीक (شریک) अ वि –साझीदार, भागी, हिस्सेदार, मिलकर कोई काम करनेवाले, सम्मिलत, शामिल।

शरीकदार (شریک دار) अ फा. वि –साझीदार, भागी।

शरीके खानदान (شریک خاندان) अ फा वि—जो किसी वश के अतर्गत हो, जो किसी वश मे सम्मिलित हो।

शरीके ग़ालिब (شریک غالب) अ फा वि—भागीदारो मे सबसे बडा भाग रखनेवाला।

शरीके ज़िंदगी (شریک زندگی) अ फा वि—अर्धांगिनी, जीवन सगिनी, ज़िदगी की साथी, अर्थात् पत्नी, भार्या।

शरीके जुर्म (شریک جرم) अ वि—जो किसी अपराध मे अपराधी का सहायक हो।

शरीके दर्द (شریک درد)अ फा वि—जो विपत्ति में साथ देनेवाला और सहानुभूति रखनेवाला हो।

शरीके रजोराहत (شریک رنج وراحت) अ फा वि—हर्ष और विपत्ति दोनो का शरीक, हर समय पर साथ देने-वाला, घनिष्ठ।

शरीके राए (شریک رائے) अ वि—जो किसी सलाह और परामर्श में सम्मिलित हो।

शरीके सोहबत (شریک صحبت) अ वि—पास बैठने-उठनेवाला, सोहबत में रहनेवाला।

शरीके हाल (شریک حال) अ वि—साथी, सगी, हर अवस्था में साथ रहनेवाला।

शरीके हयात (شریک حیات) अ वि—जीवनसगिनी, पत्नी, भार्या, पति, स्वामी।

शरीजः (شریجه) अ पु—कबूतरो का दरबा, काबुक।

शरीफ (شریف) अ वि—कुलीन, खानदानी, सज्जन, सुशील, खुशअख्लाक, सभ्य, शिष्ट, बातमीज़, निश्छल, निष्कपट, सरल स्वभाव।

शरीफज़ादः (شریف زاده) अ फा वि—शरीफ का लडका, आर्यपुत्र, कुल-पुरुष।

शरीफतब्अ (شریف طبع) अ वि—स्वभाव से सज्जन और शिष्ट।

शरीफमनिश (شریف منش) अ फा वि—दे 'शरीफ-तब्अ'।

शरीफमिज़ाज (شریف مزاج) अ वि—दे 'शरीफतब्अ'।

शरीफसूरत (شریف صورت) अ वि—देखने मे शरीफ, जिसकी सूरत से सज्जनता और कुलीनता टपकती हो।

शरीफुत्तब्अ (شریف الطبع) अ वि—दे 'शरीफतब्अ'।

शरीफुन्नफ्स (شریف النفس) अ वि—स्वभावत सज्जन, शिष्ट और निश्छल।

शरीफुन्नसब (شریف النسب) अ वि—उत्तम कुल, महा कुल, जिसके वश मे कोई दोष न हो।

शरीफुन्नस्ल (شریف النسل) अ वि—जिसकी जाति शुद्ध रक्तवाली हो, उत्तम वर्ण, कुलीन।

शरीर (شریر) अ वि—बदी करनेवाला, दुष्ट, उपद्रवी, फसादी, चचल, चपल, शोख, चिढाने के लिए छेडनेवाला, पिशुन, चुगुल, लगाई-बुझाई करनेवाला, आपस म दगा-फसाद करानेवाला।

शरीरतब्अ (شریر طبع) अ वि—जिसके स्वभाव मे शरारत हो, धूर्त, फसादी, जो चिढाने के लिए शरारते करता हो।

शरीरमिज़ाज (شریر مزاج) अ वि—दे 'शरीरतब्अ'।

शर्अ (شرع) अ स्त्री—चौडी सडक, राजमार्ग, धर्मशास्त्र शरीअत।

शर्ई (شرعی) अ वि—धर्मशास्त्र-सम्बन्धी, धार्मिक, मज़्हबी।

शर्ए मुहम्मदी (شرع محمدی) अ स्त्री—इस्लामी धर्म-शास्त्र।

शर्क (شرق) अ पु—पूर्व, पूरब, उदयाचल, मश्रिक।

शर्की (شرقی) अ वि—पूर्वीय, पूरब का, मश्रिकी।

शर्कोगर्ब (شرق وغرب) अ पु—पूरब-पच्छिम, अर्थात् सारा जगत्, विश्व।

शर्जः (شرزه) अ पु—बहुत अधिक गुस्सेवाला।

शर्जिमः (شرذمه) अ पु—खड, टुकडा, थोडे मनुष्यो का समूह, थोडे-से फलो का ढेर।

शर्त (شرط) अ स्त्री—करार, पण, प्रतिज्ञा, अह्द, सविदा, वादा, बाज़ी, जुआ।

शर्तियः (شرطیه) अ वि—अवश्य, यकीनी, शर्त बाँधकर, शर्त के साथ, अनिवार्य, लाज़िमी।

शर्ती (شرطی) अ वि—शर्तवाला, शर्त सम्बन्धी।

शर्बत (شربت) अ स्त्री—शकर डालकर मीठा किया हुआ पानी जो पिया जाता है, शर्करोदक, दवाओ से बना हुआ शकर का शीरा, सीरप, मिष्टोद।

शर्बतफरोश (شربت فروش) अ फा वि—शर्बत बेचनेवाला।

शर्बतसाज़ (شربت ساز) अ फा वि—शर्बत बनानेवाला।

शर्बती (شربتی) अ वि—एक रग जो हलका गुलाबी होता है।

शर्बते दीद (شربت دید) अ फा पु—दे 'शर्बते दीदार'।

शर्बते दीदार (شربت دیدار)अ फा पु—शर्बत रूपी दर्शन, दृष्टिरस।

शर्बते दीनार(شربت دینار)अ फा पु—एक यूनानी शर्बत जो विशेषत जिगर के रोगो पर चलता है।

शर्बते मर्ग (شربت مرگ) अ फा पु—मौत का शर्बत, मृत्यु, मरण, निधन।

शर्बते वस्ल (شربت وصل) अ पु—शर्बतरूपी नायिका का मिलन, सहवास-रस, मैथुनानद।

शर्म (شرم) फा स्त्री –लज्जा, क्रीडा, लाज, त्रपा, हया, पश्चात्ताप, पछतावा।
शर्मआलूद (شرم آلود) फा वि –दे 'शर्मगी'।
शर्मगाह (شرمگاہ) फा स्त्री –गुह्येंद्रिय, लिंग, भग।
शर्मगीं (شرمگیں) फा वि –शर्मिंदा, लज्जित।
शर्मनाक (شرمناک) फा वि –लज्जाजनक, घिनावना, वेहयाई का।
शर्मसार (شرمسار) फा वि –लज्जित, शर्मिंदा, पश्चात्तापी, पछतानेवाला।
शर्मसारी (شرمساری) फा स्त्री –लज्जा, शर्म, पछतावा, पश्चात्ताप।
शर्मिंदः (شرمندہ) फा वि –लज्जित, शर्मसार।
शर्मिंदए इस्याँ (شرمندۂ عصیاں) फा अ वि –पापों से लज्जित।
शर्मिंदए एहसान (شرمندۂ احسان) फा अ वि –आभारी, कृतज्ञ, मम्नून।
शर्मिंदए मा'नी (شرمندۂ معنی) फा अ वि –सार्थक, वामानी।
शर्मिंदगी (شرمندگی) फा स्त्री.–लज्जा, क्रीडा, शर्म, पश्चात्ताप, पछतावा।
शर्मे रुस्वाई (شرم رسوائی) फा स्त्री –वदनामी की लज्जा।
शर्मे हुजूरी (شرم حضوری) फा अ स्त्री –सामने होने या पास आने की मुरव्वत, आँखें चार होने का लिहाज।
शर्मोहया (شرم و حیا) फा अ स्त्री –लाज और शर्म, लज्जा, क्रीडा।
शर्हः (شرحہ) अ पु –खड, टुकडा।
शर्हःशर्हः (شرحہ شرحہ) अ वि –टुकडे-टुकडे।
शर्ह (شرح) अ स्त्री –व्याख्या, तश्रीह, स्पष्टता, वजाहत, विस्तार, तफ्सील, टीका, किसी मूल ग्रंथ का विस्तारपूर्वक वर्णन।
शर्हनवीस (شرح نویس) अ फा वि –किसी मूल ग्रंथ की टीका-टिप्पणी करनेवाला, टीकाकार, भाष्यकार।
शर्हनिगार (شرح نگار) अ फा वि –दे 'शर्हनवीस'।
शर्हे मआनी (شرح معانی) अ स्त्री –क्लिष्ट शब्दों का अर्थ।
शर्हे मतालिव (شرح مطالب) अ स्त्री –क्लिष्ट भावार्थ की व्याख्या।
शर्हे सूद (شرح سود) अ फा स्त्री –व्याज की दर।
शर्होवस्त (شرح و بست) अ फा स्त्री –विस्तार, व्याख्या, वजाहत।
शलंग (شلنگ) फा स्त्री –छलाँग, उछाल, कूद।
शल [ल्ल] (شل) अ वि –अपाहिज, जिसके हाथ-पाँव काम न दे, काहिल, आलसी, शिथिल, ढीला।
शल्गम (شلغم) फा पु –शलजम, एक तरकारी।
शल्जम (شلجم) अ पु –एक प्रसिद्ध तरकारी, गलजम।
शल्ताक (شلتاق) तु पु –युद्ध, लडाई, कलह, झगडा।
शल्तूक (شلتوک) फा पु –धान, चावल भूसी सहित, शाली।
शल्फ (شلف) फा स्त्री –व्यभिचारिणी, कुलटा, पुश्चली, फाहिशा।
शल्लाक (شلاق) तु. पु –कोडे या छडी से मारना, चपला, चचल, गोख, थप्पड मारना।
शल्वार (شلوار) फा स्त्री –एक प्रकार का ढीला पाजामा।
शवाइव (شوائب) अ पु –'शाइव' का वहु, मिलावटें, आमेजिशें।
शवागिल (شواغل) अ पु –'शगल' का वहु, मश्गले, कामधधे।
शवाफे' (شوافع) अ पु –'शाफिई' का वहु, शाफिई पथ के अनुयायी मुसलमान।
शवारिक (شوارق) अ पु –'शारिक' का वहु, दीप्त वस्तुएँ, सूर्य की किरणें।
शवारे' (شوارع) अ पु –'शारे' का वहु, वडे मार्ग, खुले रास्ते, विस्तृत पथ।
शवाहिद (شواهد) अ पु –'शाहिद' का वहु, गवाह लोग, साक्षीगण।
शवाहिक़ (شواهق) अ पु –ऊँची इमारत, वलद इमारत।
शव्वाल (شوال) अ पु –इस्लामी दसवाँ महीना।
शशः (ششہ) फा पु –शव्वाल महीने के पहले छै दिन, जिनमे रोजे रक्खे जाते है।
शश (شش) फा वि –छै, पट्, षट्क, षष्।
शशजिहत (شش جہت) फा अ स्त्री –छैओ तरफें, चारो दिशाएँ और ऊपर और नीचे की दो दिशाएँ।
शशदरः (ششدرہ) फा वि –छै दरवाज़ो की इमारत, मरणस्थान, हलाकी की जगह, हक्का-वक्कापन, हैरानी।
शशदर (ششدر) फा वि –चकित, स्तब्ध, निस्तब्ध, हक्का-वक्का, आश्चर्यान्वित।
शशदांग (شش دانگ) फा वि –दे 'शशजिहत'।
शशपहलू (شش پہلو) फा वि –छ कोनोवाला, षट्कोण।
शशपा (شش پا) फा वि–छै पाँववाला षड्पद, षडघ्र।
शशपायः (شش پایہ) फा वि –जिस इमारत मे छै खभे हो।
शशमाहः (شش ماہہ) फा वि –छै महीने की आयु का।
शशमाही (شش ماہی) फा वि –छै महीने मे एक वार होनेवाला, षाण्मासिक, अर्द्धवार्षिक।

शशसरी (ششسری) फा पु —वह सोना जिसमे तनिक भी मैल या मिलावट न हो, कुदन।

शशुम (ششم) फा वि —छठवाँ, पष्ठ।

शशोपंज (شش و پنج) फा पु —सकोच, उधड-बुन।

शस्त (شصت) फा वि —साठ, षष्ठि ।

शस्त (شست) फा वि —साठ, षष्ठि (पु) शल्य, निश्तर, फदा, मिज्राव, (स्त्री) निशाना, ताक, मछली पकडने की लबी डोर जिसमे छड नही होती।

शस्तक (شستک) फा पु —गुदा मैथुन करानेवाले व्यक्तियो का एक लिंग की आकृति का अस्त्र, जिससे वह अपनी खुजली मिटाते है, लिंग, मेहन, शिश्न।

शस्तगीर (شستگیر) फा वि —धनुर्धर, तीरअदाज़।

शस्तमीर (شست میر) फा वि —धनुर्विद्या में निपुण, लक्ष्य-भेदी।

शस्तुम (شستم , شصتم) फा वि —साठवाँ।

शहशाह (شہنشاہ) फा पु —वह बादशाह जिसके अधीन कई बादशाह हो, सम्राट, चक्रवर्ती, राजाधिराज।

शहशाही (شہنشاہی) फा स्त्री —साम्राज्य, बादशाहो पर बादशाही।

शह (شہ) फा पु —'शाह' का लघु, दे 'शाह', बढावा, हुशकारी, शतरज की किश्त।

शहखर्च (شہ خرچ) फा वि —बहुत अधिक खर्च करनेवाला, मुक्तहस्त।

शहज़ादः (شہزادہ) फा पु —राजकुमार, राजपुत्र, बादशाह का लडका, युवराज, वली अह्द।

शहज़ादगी (شہزادگی) फा स्त्री —राजकुमारता, बादशाह का लडका होना।

शहज़ोर (شہزور) फा वि —शक्तिशाली, बलवान्।

शहज़ोरी (شہزوری) फा स्त्री —शक्तिशालिता, बली होना।

शहतीर (شہتیر) फा पु —शीशम या शाल आदि की सीधी और चौकोर लकडी जो छत पाटने के काम आती है, लट्ठा।

शहतूत (شہتوت) फा पु —एक प्रसिद्ध छोटा फल, तूत।

शहदुज़्द (شہدزد) फा पु —शातिर चोर, पश्यतोहर।

शहनशीं (شہ نشیں) फा स्त्री.—बैठने की ऊँची इमारत।

शहनाई (شہنائی) फा स्त्री —एक बाजा, नफीरी।

शहनाज़ (شہناز) फा वि —दुल्हन, नव विवाहिता।

शहपर (شہپر) फा पु —'शाहपर' का लघु, पक्षी का बाज़ू, डैना।

शहबाज़ (شہباز) फा पु —'शाहबाज़' का लघु, बडा बाज़, शिकारी बाज़, श्येन।

शहरग (شہ رگ) फा स्त्री —'शाहरग' का लघु, शरीर की सबसे बडी रग जो हृदय मे मिलती है।

शहसवार (شہسوار) फा वि —घोडे की बहुत अच्छी सवारी करनेवाला।

शहसवारी (شہسواری) फा स्त्री —घोडे पर बहुत अच्छा बैठना।

शहा (شہا) फा अव्य —हे राजा! ऐ बादशाह! शाह का सम्बोधन।

शहादत (شہادت) अ स्त्री —साक्षी, गवाही, धर्म या देश आदि के लिए बलिदान, धर्म-युद्ध मे वध।

शहादतकद: (شہادت کدہ) अ फा पु —दे 'शहादतगाह'।

शहादतगाह (شہادتگاہ) अ फा स्त्री —शहीद होने का स्थान, बलिदान होने या किये जाने की जगह।

शहादतनाम: (شہادت نامہ) अ फा पु —प्रमाणपत्र, सनद, वह ग्रथ जिसमे किसी के शहीद होने का वर्णन हो।

शहादते इमाम (شہادت امام) अ स्त्री —हज़्रत इमाम हुसैन की शहादत।

शहादते उज़्मा (شہادت عظمیٰ) अ स्त्री —बहुत बडी शहादत, सबसे बडा बलिदान, हज़्रत इमाम हुसैन का वध।

शहादते कुब्रा (شہادت کبریٰ) अ स्त्री —दे 'शहादते उज़्मा'।

शहादते हक़्क़ (شہادت حقہ) अ स्त्री —सच्ची गवाही, सत्य के लिए बलिदान, सच्चा बलिदान।

शहान (شہاں) अ फा वि —'शाहान' का लघु, शाहो-जैसा, राज्योचित।

शहाब (شہاب) अ पु —कुत्ते का पिल्ला, वह दूध जिसमे दो भाग पानी मिला हो।

शहाब (شہاب) फा पु —लाल रग।

शहाबी (شہابی) फा वि —लाल, सुर्ख, रक्त, शोणित।

शहामत (شہامت) अ स्त्री —श्रेष्ठता, बडाई, शूरता, बहादुरी, शक्ति, ज़ोर, प्रसन्नता, खुशी, फुर्ती।

शही (شہی) फा स्त्री —'शाही' का लघु, राजाओ का, राजाओ-जैसा।

शहीक़ (شہیق) अ स्त्री —गधे की वह भारी आवाज जो अत मे निकलती है, गधे की शुरू की आवाज़ "ज़फीर" है।

शहीद (شہید) अ वि —जो धर्मयुद्ध मे शत्रु से लडता हुआ मारा गया हो, जिसने धर्म, देश या किसी लोक-हित के लिए बलिदान किया हो, हुतात्मा, ईश्वर का एक नाम।

शहीदे आ'ज़म (شہید اعظم) अ पु —सबसे बडा शहीद, हज़्रत इमाम हुसैन की उपाधि।

शहीदे इश्क़ (شہید عشق) अ पु —प्रेम के मार्ग मे जान देने-वाला, प्रेमिका को प्राण अर्पण करनेवाला।

शहीदे कर्वला (شہیدِ کربلا) अ फा पु –कर्वला के युद्ध मे सत्य के लिए वलि होनेवाले, हज़रत इमाम हुसैन।

शहीदे वतन (شہیدِ وطن) अ पु –वतन की आजादी और उन्नति के लिए युद्ध या परिश्रम में मरनेवाला।

शहीम (شحیم) अ वि –जिसके शरीर मे चर्वी वहुत हो, मेदुर।

शहीर (شہیر) अ वि –प्रसिद्ध, ख्यातिप्राप्त, मशहूर।

शहीह (شحیح) अ वि –कृपण, कंजूस, वखील।

शहून (شحون) अ वि –शक्तिशाली, ज़ोरावर, पूज्य, श्रेष्ठ, वुज़ुर्ग।

शह्द (شہد) फा पु –मधु, अग्वी।

शह्दआमेज (شہد آمیز) फा वि –जिसमें शह्द मिला हो, मधुर, मीठा।

शह्दगुफ़्तार (شہد گفتار) फा वि –जिसकी वातें मीठी हों, मिष्टभाषी, मधुरवादी।

शह्दगुफ़्तारी (شہد گفتاری) फा स्त्री –वातों की मिठास।

शह्दमकाल (شہد مقال) फा अ वि –दे 'शह्दगुफ्तार'

शह्दमकाली (شہد مقالی) फा अ स्त्री –दे 'शह्द गुफ्तारी'।

शह्न (شحن) अ पु –भरना, पुर करना, हाँकना, चलाना, दूर करना, हटाना।

शह्वः (شہوہ) फा स्त्री –वूढी स्त्री, वृद्धा, जरिता।

शह्वरः (شہبرہ) फा स्त्री –वूढी स्त्री, वृद्धा।

शह्वा (شہبا) अ स्त्री –वह घोडी या ऊँटनी जिसका रग सफेदी मिला काला हो और सफेदी अधिक हो।

शह्मः (شحمہ) अ पु –थोडी-सी चर्वी, कान की लौ।

शह्म (شحم) अ स्त्री –वसा, मेदा, चर्वी।

शह्मे हज़ल (شحم حنظل) अ पु –इद्रायण, एक प्रसिद्ध कडवा फल, जो कफ का रेचक है।

शह्र (شہر) अ पु –मास, महीना, चद्र, चाँद, प्रकटन, जुहूर।

शह्र (شہر) फा पु –नगर, पुरी, वडी वस्ती, जो कस्वे से वडी हो।

शह्र आशोव (شہر آشوب) फा पु –नज्म की एक किस्म जिसमे राज्य की कुव्यवस्था, शासक की हीनता और प्रजा की दुर्गति का वर्णन होता है।

शह्रताश (شہرتاش) फा तु वि –एक ही नगर के निवासी, हम वतन।

शह्र दर शह्र (شہر در شہر) फा. वि –नगर-नगर में, हर नगर में, एक नगर से दूसरे नगर मे।

शह्रपनाह (شہر پناہ) फा स्त्री –नगर के चारो ओर रक्षार्थ वनायी हुई पक्की और ऊँची दीवार, प्राचीर, परकोटा, फसील।

शह्रवंद (شہربند) फा वि –दुर्ग, कोट, किला, कारागार, कैदखाना, जिसे राजा की ओर से वाहर जाने की आज्ञा न हो, ; किसी सुअवसर पर नगर की सजावट।

शह्रवदर (شہربدر) फा. वि –नगर से निकाला हुआ, जिसे राज्य की ओर से नगर से निकाल दिया गया हो, नगर वहिष्कृत।

शह्रयार (شہریار) फा वि –शासक, नृपाल, राजा, सम्राट्, वादशाह।

शह्रयारी (شہریاری) फा स्त्री –राज्य, शासन, वादशाही।

शह्रवा (شہروا) फा पु –वह सिक्का जो किसी नगर-विशेष मे चलता हो दूसरी जगह न चलता हो।

शह्री (شہری) फा वि –शह्र का निवासी, नगर निवासी, सभ्य, शिष्ट, तमीज़दार, जिसे किसी देश में वहाँ की प्रजा होने का अधिकार प्राप्त हो, नागरिक।

शह्रीयत (شہریت) फा स्त्री –सभ्यता, शिष्टता, नागरिकता, सिटीज़नशिप।

शह्रे ख़मोशाँ (شہرِ خموشاں) फा पु –मूक लोगो का नगर, अर्थात् कब्रिस्तान, समाधिक्षेत्र।

शह्रे ग़रीबाँ (شہرِ غریباں) फा पु –परदेसियो का नगर, जहाँ कोई एक दूसरे को पहचानता न हो।

शह्रे नाबीना (شہرِ نابینا) फा पु –अधो का नगर, जहाँ कोई कुछ देख न सकता हो, जहाँ गुण-दोष परखनेवाला न हो।

शह्रेवर (شہریور) फा पु –ईरान का एक महीना जो हिंदी हिसाव से कुआर मे पडता है।

शह्लः (شہلہ) फा स्त्री –वृद्धा स्त्री, वुढिया।

शह्ला (شہلا) अ वि –काली आँखोवाली स्त्री, वह नर्गिस जिसके भीतर पीलाहट की जगह कालिमा होती है, और आँख से वहुत मिलती-जुलती है।

शह्वत (شہوت) अ स्त्री –इच्छा, अभिलाषा, ख्वाहिश, क्षुधा, भूख, इश्तिहा, कामवेग, कामातुरता, स्त्री-प्रसग की प्रवल इच्छा।

शह्वतअंगेज (شہوت انگیز) अ फा वि –कामवर्द्धक, कामशक्ति-वर्द्धक, शहवत वढानेवाला।

शह्वतअंगेजी (شہوت انگیزی) अ फा स्त्री –कामशक्ति की प्रवलता, शहवत का जोश।

शह्वतअफ़्ज़ा (شہوت افزا) अ फा वि –शहवत वढानेवाला, कामवर्द्धक।

शह्वतकुश (شہوت کش) अ फा वि –शहवत को मारनेवाला, इंद्रियदमन।

शह्वतकुशी (شہوت‌کشی) अ फा स्त्री –शहवत् को मारना, इंद्रिय दमन करना।

शह्वतख़ेज (شہوت‌خیز) फा अ वि–दे 'शह्वतअगेज़'।

शह्वतख़ेजी (شہوت‌خیزی) अ फा स्त्री –दे 'श अगेज़ी'।

शह्वतपरस्त (شہوت‌پرست) अ फा वि –इच्छाओ का दास, भोग-विलास का रसिया, व्यभिचारी, लपट।

शह्वतपरस्ती (شہوت‌پرستی) अ फा स्त्री –इच्छाओ की पूजा, लिप्सा, कामवासना की रसिकता, व्यभिचार।

शह्वतराँ (شہوت‌راں) अ फा वि –दे 'शह्वतपरस्त'।

शह्वतरानी (شہوت‌رانی) अ फा स्त्री –दे 'श परस्ती'।

शह्वते कल्बी (شہوت کلبی) अ स्त्री –एक रोग जिसमे भूख बहुत बढ जाती है, और कितना भी खाया जाय तृप्ति नही होती।

शह्वात (شہوات) अ स्त्री –'शह्वत' का बहु, शहवते, इच्छाएँ, काम वासनाएँ।

शह्वानी (شہوانی) अ वि –इच्छा का, काम वासना का, इच्छा सम्बन्धी, कामवासना-सम्बन्धी।

शह्वानीयत (شہوانیت) अ स्त्री –शहवत, काम वासना, स्त्री-प्रसग की इच्छा।

शह्वी (شہوی) अ वि –दे 'शह्वानी'।

शा

शांजदः (شانزدہ) फा वि –सोलह, षोडश।

शांजदहुम (شانزدہم) फा वि –सोलहवाँ।

शाइक़ (شائق) अ वि –इच्छुक, अभिलाषी, उतकठित, मुश्ताक, व्यसनी, शौकीन।

शाइक (شائک) अ वि –काँटोवाला, काँटोदार।

शाइब' (شائبہ) अ पु –लवलेश, किंचिन्मात्र, बहुत थोडा, मिश्रण, मिलावट।

शाइरः (شاعرہ) अ स्त्री –कवि स्त्री, कवयित्री।

शाइर (شاعر) अ पु –कवि, शाइरी करनेवाला।

शाइरात (شاعرات) अ स्त्री – 'शाइर' का बहु, शाइर स्त्रियाँ।

शाइरानः (شاعرانہ) अ फा वि –शाइरो-जैसा।

शाइरी (شاعری) अ स्त्री –कविता, शे'र कहना, काव्य, शे'र का फन, अत्योक्ति, मुबालग।

शाइरीन (شاعرین) अ पु –'शाइर' का बहु, कविगुण, शाइर हज़रात।

शाइस्त. (شائستہ) फा वि –सभ्य, शिष्ट, मुहज्जब, योग्य, काबिल, पात्र, मुस्तहक, सस्कृत, मार्जित, मुजल्ला, उत्तम, श्रेष्ठ, उम्दा।

शाइस्त:अमल (شائستہ‌عمل) फा अ वि –सदाचारी, शिष्टाचारी, नेक अतवार।

शाइस्त.कलाम (شائستہ‌کلام) फा अ वि –तमीज़ की बात-चीत करनेवाला, सभ्यतापूर्वक बातचीत करनेवाला।

शाइस्त.गो (شائستہ‌گو) फा वि –जिसकी बातचीत सभ्यता और शिष्टता लिये हुए हो।

शाइस्त:मनिश (شائستہ‌منش) फा वि –दे 'शाइस्त-मिज़ाज'।

शाइस्त.मिज़ाज (شائستہ‌مزاج) फा अ वि –सभ्य, शिष्ट, मुहज्जब।

शाइस्तए कलाम (شائستۂ‌کلام) फा अ पु –वह व्यक्ति जिससे बातचीत की जा सके, जो बात करने के योग्य हो।

शाइस्तगी (شائستگی) फा स्त्री –सभ्यता, तहज़ीब, शिष्टता, तमीज, योग्यता, काबिलीयत, पात्रता, इस्ते-हकाक, सस्कृति, सफाई, उत्तमता, उम्दगी।

शाए' (شائع) अ वि –व्यक्त, प्रकट, जाहिर, प्रकाशित, छपा हुआ, प्रसारित, नश्र।

शाए'कर्दः (شائع‌کردہ) अ फा वि –प्रकाशित किया हुआ, छापा हुआ।

शाए'कुनिंदः (شائع‌کنندہ) अ फा वि –प्रकाशक, छापने-वाला।

शाएगाँ (شائگاں) फा वि –उत्तम, उम्दा, विस्तृत, चौडा, 'पर्वेज़' का एक ख़ज़ाना, विष्टि, बेगार, काफिए का एक दोष, ईता।

शाक़ (شاق) अ वि –असह्य, नाकाबिले बरदाश्त, कठिन, दुष्कर, मुश्किल, अरुचिकर, नागवार।

शाक (شاک) अ पु –सैनिक, सिपाही, सशस्त्र, मुसल्लह, शक करनेवाला।

शाकिए जौर (شاکئی جور) अ पु –अनीति और अत्याचार की शिकायत करनेवाला।

शाकिए जुल्म (شاکئی ظلم) अ पु –दे 'शाकिए जौर'।

शाकिए सितम (شاکئی ستم) अ पु –दे 'शाकिए जौर'।

शाकिरः (شاکرہ) अ स्त्री –शुक्र करनेवाली स्त्री।

शाकिर (شاکر) अ पु –शुक्र करनेवाला, ईश्वर को धन्य-वाद देनेवाला।

शाकिरे ने'मत (شاکر نعمت) अ पु –ईश्वर की दी हुई ने'मतो पर उसको धन्यवाद देनेवाला, कृतज्ञ।

शाकी (شاکی) अ वि –शिकायत करनेवाला, परिवादी।

शाकूल (شاقول) अ स्त्री –राजो की सहावल, जिनमे वह दीवार की सीध नापते है।

शाक़्क़ (شاقہ) अ वि –बहुत कडी, बहुत कठिन।

शाख़ः (شاخہ) फा पु.—अपराधी को दंड देने का काठ।
शाख़ (شاخ) फा स्त्री—शाखा, डाली, शृंग, विषाण, सीग, अडचन, बाधा, पख़, खड, टुकडा, शराब का प्याला या सुराही, पानपात्र।
शाख़चः (شاخچہ) फा पु—छोटी शाखा, टहनी, डाली।
शाख़च:बंदी (شاخچہ‌بندی) फा स्त्री—पेड की कलम लगाना, लाछन या आरोप लगाना।
शाख़ दर शाख़ (شاخ در شاخ) फा वि—एक-एक डाली में, पेचीद, उलझा हुआ, पहलूदार।
शाख़दार (شاخدار) फा वि—जिसमे डालियाँ हो, (पु) स्त्री की कमाई खानेवाला, भार्या-घटक, दैयूस।
शाख़बदीवार (شاخ‌بدیوار) फा वि—अभिमानी, घमडी, उद्दड, सरकश।
शाख़ शाख़ (شاخ شاخ) फा वि—टुकडे-टुकडे, खड-खड।
शाख़शानः (شاخشانہ) फा पु—पख़, बाधा, अडचन, बात में बात।
शाख़सार (شاخسار) फा पु—जहाँ बहुत-से पेड हो।
शाख़ावः (شاخابہ) फा पु—खाडी, ख़लीज।
शाख़िल (شاخل) फा पु—दे 'शाख़ुल', दोनो शुद्ध हैं।
शाख़िस (شاخص) अ वि—जिसकी आँखे खुली रह गयी हो, जो टकटकी बाँधकर रह गया हो।
शाख़ुल (شاخل) फा पु—अरहर, एक प्रसिद्ध अन्न जिसकी दाल बनती है।
शाख़े आर्ज़ू (شاخ آرزو) फा स्त्री—इच्छारूपी वृक्ष की शाखा, अर्थात् इच्छा।
शाख़े आहू (شاخ آہو) फा स्त्री—धनुष, कमान, झूठा वा'दा, हिरन का सीग।
शाख़े गवज़्न (شاخ گوزن) फा स्त्री—बारहसिंगे का सीग।
शाख़े गाव (شاخ گاؤ) फा स्त्री—बैल या गाय का सीग।
शाख़े गुल (شاخ گل) फा स्त्री—फूलो की डाली, प्रेमिका, मा'शूक़।
शाख़े गेसू (شاخ گیسو) फा स्त्री—बालो की लट, केशपाश।
शाख़े ज़ा'फरान (شاخ زعفران) फा अ स्त्री—आश्चर्य-जनक वस्तु, अनुपम, बेमिस्ल।
शाख़े दर्या (شاخ دریا) फा स्त्री—किसी नदी से निकली हुई शाखा, शाखानदी।
शाख़े नबात (شاخ نبات) फा स्त्री—बाँस की वे छोटी तीलियाँ, जो मिस्री जमाते समय कूज़े मे लगा दी जाती है।
शाख़े सुस्त (شاخ سست) फा स्त्री.—कमज़ोर डाली जिस पर घोसला बनाने में उसके टूटने का भय हो, अर्थात् संसार।

शाख़ोबुन (شاخ وبن) फा स्त्री—जड और शाख़े, सब, तमाम।
शागिर्द (شاگرد) फा पु—विद्यार्थी, तालिबे इल्म, कोई कला या शिल्प सीखनेवाला, शिष्य, कविता के गुण-दोषादि सीखनेवाला।
शागिर्दपेशः (شاگردپیشہ) फा पु—नौकर-चाकर, ख़िदमत-गार लोग।
शागिर्दानः (شاگردانہ) फा वि—शागिर्दों-जैसा, शागिर्दों की तरह, शिष्योचित।
शागिर्दी (شاگردی) फा स्त्री—किसी उस्ताद या आचार्य से किसी कला, शिल्प या विद्या का उपार्जन।
शागिर्दे रशीद (شاگرد رشید) फा अ पु—वह शागिर्द जिसे उस्ताद ने पूरे ध्यान से किसी कला, शिल्प या विद्या की शिक्षा दी हो, और उसको वह सारी बाते और भेद बता दिये हो जो दूसरो को नही बतायी हो।
शाग़िल (شاغل) अ. वि.—निषेधक, मना करनेवाला, मश्ग़ूल, सलग्न।
शाज़ (شاذ) अ वि—एकाकी, अकेला, जो बहुत कम होता हो।
शाज़ोनादिर (شاذونادر) अ वि—कभी-कभी, यदा-कदा, इक्का-दुक्का, न होने के बराबर।
शात (شات-شاۃ) अ स्त्री—अजा, बकरी, बुज़।
शातिन (شاطن) अ वि—दुराचारी, मायाचारी, बदकार।
शातिर (شاطر) अ वि—शत्रज का माहिर, शत्रज खेलने-वाला, धूर्त, छली, ठग, चपल, चचल, शोख, धृष्ट, ढीठ।
शातिरज़ादः (شاطرزادہ) अ फा पु—तेज़ और फुर्तीला नौकर।
शातिरानः (شاطرانہ) अ फा वि—शातिरो-जैसा, धूर्तता पूर्ण, ऐयाराना।
शाती (شاطی) अ पु—नदी का किनारा, नदी-तट।
शातू (شاتو) तु पु—सोपान, निश्रेणी, सीढी।
शाद (شاد) फा वि—प्रसन्न, हर्षित, खुश, आनदित, मौज मे।
शादकाम (شادکام) फा वि—प्रसन्नचित्त, मस्रूर, सफल-मनोरथ, कामयाब।
शादकामी (شادکامی) फा स्त्री—प्रसन्नता, खुशी, सफ-लता, कामयाबी।
शादख़्वार (شادخوار) फा. वि—धनाढ्य, मालदार, बे रोक-टोक शराब पीनेवाला।
शादख़्वारी (شادخواری) फा स्त्री—समृद्धि, दौलतमदी, बे रोक-टोक शराब पीना।

शादगून (شادگونه) फा स्त्री –गानेवाली स्त्री, गायिका, डोमनी, विछाने का गद्दा, तोशक।

शादजी (شادری) फा वा –दे 'शादवाश'।

शादनः (شادنه) फा पु –एक पत्थर जो छोटे दानो की शक्ल मे होता है, और दवा मे चलता है।

शादनज (شادنج) अ पु –दे 'शादन'।

शादबख़्त (شادبخت) फा वि –सौभाग्यशाली, खुशकिस्मत, समृद्ध, खुशहाल।

शादबाद (شادباد) फा वा –दे 'शादवाश'।

शादबाश (شاد باش) फा वा –खुश रहो, चैन से जीवन व्यतीत करो, एक आशीर्वाद, शावाश, धन्यवाद।

शादमाँ (شادماں) फा वि –प्रसन्नचित्त, हर्षित, आनदित।

शादमाँदिल (شادماں دل) फा वि –प्रसन्नहृदय, प्रफुल्ल-मनस्क।

शादमाँरू (شادماں رو) फा वि –प्रफुल्लवदन, जिसके चेहरे पर शिगुफ्तगी हो।

शादमानी (شادمانی) फा स्त्री –प्रसन्नता, हर्ष, खुशी।

शादवर्द (شادورد) फा पु –चद्रमडल, चद्रबिंव, हाल।

शादाँ (شاداں) फा वि –दे 'शादमाँ'।

शादाब (شاداب) फा वि –हरा-भरा, सरसब्ज़, सिंची हुई काश्त, प्रफुल्ल, शिगुफ्त।

शादाबी (شادابی) फा स्त्री –हराभरापन, तरोताज़गी, प्रफुल्लता, शिगुफ्तगी।

शादिन (شادن) फा पु –मृग-शावक, हिरन का वच्चा।

शादियान. (شادیانه) फा पु –वधाई, खुशी के समय वजनेवाला वाजा।

शादी (شادی) फा स्त्री –हर्ष, आनद, विवाह, व्याह।

शादीच (شادیچه) फा पु –ऊपर पहनने का कपडा, उपरना, वालापोश।

शादीमर्ग (شادی مرگ) फा वि –वह व्यक्ति जो हर्पाधिक्य के कारण मर जाय।

शादुर्वान (شادروان) फा पु –शामियाना, पर्दा, फर्श, छाजन, साइवान।

शादोआवाद (شادوآباد) फा वि –जो प्रसन्न भी हो और समृद्ध भी।

शादोखुर्रम (شادوخرم) फा वि –प्रसन्न और आनदित।

शान (شانه) फा पु –कघा, कधा, स्कध, जुलाहो की राछ, जुलाहो की कूँची, एक शस्त्र।

शान.कश (شانه کش) फा वि –कघा करनेवाला।

शान.कशी (شانه کشی) फा स्त्री –कघा करना, वालो को कघे से सुलझाना।

शान कार (شانه کار) फा वि –कघा वनानेवाला।

शान गर्दानी (شانه گردانی) फा स्त्री –उपेक्षा, वेतवज्जुही।

शान वशान. (شانه بشانه) फा वि –कधे मे कधा मिलाकर, मिलकर, जुडकर।

शान वहा (شانه بها) फा पु –वहुत थोडा मूल्य।

शान वीं (شانه بیں) फा वि –सगुन विचारनेवाला, यह सगुन वकरी की सीग से लिया जाता है।

शान वीनी (شانه بینی) फा स्त्री –सगुन विचारना।

शान सर (شانه سر) फा पु –एक पक्षी, हुदहुद।

शान (شان) अ स्त्री –वैभव, विभव, शान-शौकत, प्रताप, इक्वाल, तेज, जलाल, श्रेष्ठता, वुज़ुर्गी।

शानदार (شاندار) अ फा वि –ठाटदार, उत्तम, वढिया, विशाल, भारी।

शानी (شانی) अ वि –शत्रु, वैरी, दुश्मन।

शाने नुज़ूल (شان نزول) अ स्त्री –आने का कारण, उपस्थिति का सवव, किसी आकाशवाणी का कारण, किसी आकाशीय ग्रथ या उसके किसी खड-विशेष के उतरने का कारण।

शानोशौकत (شان وشوکت) अ स्त्री –ठाट-वाट, तडक-भडक, वैभव, विभव, जाहोहशम।

शाफ (شاف) अ पु –गुदा मे रखने का दवा मे भीगा हुआ कपडा आदि।

शाफिअः (شافعه) अ स्त्री –सुफारिश करनेवाली स्त्री।

शाफिई (شافعی) अ वि –इमाम शाफिई का नाम, इमाम शाफिई का अनुयायी मुसलमान।

शाफिए मुत्लक (شافئ مطلق) अ पु –सच्ची नीरोगिता प्रदान करनेवाला, ईश्वर।

शाफी (شافی) अ वि –रोगमुक्त करनेवाला, शिफा देने-वाला।

शाफे' (شافع) अ वि –सुफारिश करनेवाला, ईश्वर से सुफारिश करके मोक्ष दिलानेवाला।

शाव [ब्व] (شاب) अ वि –युवा, तरुण, जवान।

शा'व (شعب) अ पु –गर्त, गढा, खोह, कदरा, गुफा, दरार, दर्ज, कुल, खानदान।

शा'वद. (شعبده) अ पु –इद्रजाल, जादू, दृष्टिवध, नजर-वदी, टोना-टोटका, नयी और अनोखी वात, चमत्कार, छल, फरेव।

शा'वद गर (شعبده گر) अ फा वि –दृष्टिवधक, मायावी, जादूगर, छली, फरेवी।

शा'वद गरी (شعبده گری) अ फा स्त्री –मायाकर्म, इद्रजाल, जादूगरी, छली, फ़रेव।

शा'वद.वाज़ (شعبده باز) अ फा वि –दे 'शावद गर'।

शा'वद.बाज़ी (شعبدہبازی) फा अ स्त्री —दे 'शा'वद गरी'।
शा'वद.सज (شعبدہسنج) अ फा वि —दे 'शावद गर'।
शा'वद:संजी (شعبدہسنجی) अ फा स्त्री —दे 'शा'वद-गरी'।
शा'वदात (شعبدات) अ पु —शा'वद का वहु, शा'वदे।
शा'वान (شعبان) अ पु —इस्लामी आठवाँ महीना।
शावाश (شاباش) फा स्त्री —'शादवाश' का लघु, प्रोत्साहन देने और हिम्मत वढानेवाला एक शब्द जो वडे लोग छोटो के अच्छा काम करने पर कहते हैं।
शावाशी (شاباشی) उ स्त्री —शावाश देना, शावाश।
शाम (شام) अ पु —एक देश, सीरिया।
शाम (شام) फा स्त्री —सध्या, सायकाल।
शामगाह (شامگاہ) फा स्त्री —सायकाल, संध्यावेला।
शामत (شامت) अ स्त्री —अकल्याण, नुहसत, दुर्भाग्य, वदकिस्मती, घिरने के लच्छन।
शामते अमल (شامت عمل) अ स्त्री —कर्म का खोटापन, वुरे कर्म का वुरा फल।
शामते आ'माल (شامت اعمال) अ स्त्री —वुरे कर्मों का फल, पापो का नतीजा।
शामियानः (شامیانہ) फा पु —वितान, छाया के लिए ताना जानेवाला विशेष कपडा।
शामिल (شامل) अ वि —सम्मिलित, एकत्र, एक जगह, अतर्गत, भीतरी, समन्वित, सयुक्त, मुत्तहद, भागीदार, साझी, शरीक; सहकारी, मददगार।
शामिले हाल (شامل حال) अ वि —सम्मिलित, शामिल।
शामी (شامی) अ वि —शाम का निवासी, शाम की भाषा।
शामे अवद (شام ابد) फा अ स्त्री —वह समय जव सृष्टि विलकुल नष्ट हो जायगी, 'सुव्हे अज़ल' का उलटा।
शामे ग़रीवाँ (شام غریباں) फा अ स्त्री —परदेसियो की शाम, परदेश की शाम जो वडी उदास होती है।
शामे ग़ुर्वत (شام غربت) फा अ स्त्री —परदेस की शाम।
शामे जवानी (شام جوانی) फा स्त्री —युवावस्था की शाम, जहाँ से मनुष्य पाप के जगत् मे पाँव रखता है।
शामोपगाह (شام وپگاہ) फा स्त्री —रात-दिन, अहर्निश, अर्थात् हर समय, सदा।
शामोसहर (شام و سحر) फा अ स्त्री —दे 'शामोपगाह'।
शाम्म. (شامہ) अ स्त्री —घ्राणशक्ति, सूँघने की कुव्वत।
शायगाँ (شایگاں) फा वि —दे 'शाएगाँ'।
शायद (شاید) फा वि —कदाचित्, कदाचन, स्यात्।
शायदोवायद (شاید و باید) फा वि —अद्भुत, अनुपम, अजीबोग़रीव।
शायस्तः (شایستہ) फा वि.—दे 'शाइस्त'।
शायस्तगी (شایستگی) फा. स्त्री —दे 'शाइस्तगी'।
शायाँ (شایاں) फा वि —उचित, समुचित, मौज़ूँ, मुनासिव।
शायाने शान (شایان شان) फा अ वि —किसी की हैसियत के मुनासिव, जो व्यक्ति जैसा हो उसके लिए वैसा ही।
शारः (شارہ) फा पु —वस्त्र, कपडा, पगडी, साडी, सारी।
शार (شار) फा स्त्री —नगर, वस्ती, सारी, साडी, (प्रत्य) स्थान, ऐसा स्थान जहाँ एक ही वस्तु प्रचुर हो, जैसे—कोहसार, पहाडी स्थान।
शा'र (شعر) अ पु —वाल, कच, केश।
शारक (شارک) फा स्त्री —मैना पक्षी, सारिका।
शारमार (شارمار) फा पु —अजगर, वडा साँप।
शारसाँ (شارساں) फा. पु —नगर, शहर; जहाँ वहुत-सी वस्तियाँ हो।
शारिक (شارق) अ वि —भागनेवाला।
शारिद (شارد) अ वि —चमकनेवाला।
शारिव (شارب) अ वि —पीनेवाला, पायी।
शारिस्तान (شارستان) फा पु —वह वस्ती जिसके चारो ओर वाग हो।
शा'रुलजिन (شعرالجن) अ पु —हसराज, एक घास जो दवा में चलती है, परसियावशान।
शारे' (شارع) अ वि —इस्लामी शरीअत वनानेवाला अर्थात् हज्रत पैगवर साहिव, शरीअत का आलिम।
शारेह (شارح) अ वि —भाष्यकार, टीकाकार, शर्ह लिखनेवाला।
शालंग (شالنگ) फा स्त्री —वह व्यक्ति जो किसी भागे हुए (मफ़ूर) व्यक्ति की जगह पकडा जाय।
शाल (شال) फा स्त्री —एक ऊनी कामदार चादर।
शालदोज़ (شال دوز) फा वि —शाल वनानेवाला।
शालवाफ (شال باف) फा वि —दे 'शालदोज़'।
शालहंग (شالہنگ) फा पु —अत्याचार, जुल्म, वधक, रह्न, छल, कपट, फरेव।
शाली (شالی) फा पु —धान, भूसी सहित चावल।
शाशः (شاشہ) फा पु —मूत्र, प्रस्राव, पेशाव।
शाश (شاش) फा पु —दे 'चाच', दे 'शाश'।
शा'शअः (شعشعہ) अ पु —किरण, अंशु, रश्मि, दीधिति, मयूख, आतप, धूप, अर्चि।
शाशदान (شاشدان) फा पु —पेशाव करने का वर्तन, रोगियो का मूत्रपात्र।
शाशिंद. (شاشندہ) फा वि —पेशाव करनेवाला।
शाशीदः (شاشیدہ) फा वि —मूता हुआ, पेशाव किया

हुआ, जो पेशाव कर चुका हो, जिस चीज़ पर पेशाव किया गया हो।

शाशीदनी (شاشیدنی) फा वि –पेशाव करने के योग्य, जिस पर पेशाव करना उचित हो, त्यक्त और तिरस्कृत वस्तु।

शाहशह (شاہنشہ) फा वि –'शाह्शाह' का लघु, सम्राट्, चक्रवर्ती।

शाहंशही (شاہنشہی) फा स्त्री –साम्राज्य, शहशाहियत।

शाहंशाह (شاہنشاہ) फा वि –सम्राट, चक्रवर्ती, शाहो के ऊपर वादशाह, जिसके अधीन अन्य राज्य हो।

शाहंशाही (شاہنشاہی) फा स्त्री –साम्राज्य, शहशाहियत।

शाह (شاہ) फा पु –वादशाह, शासक, नरेश, नृप, राजा।

शाहकार (شاہکار) फा पु –किसी कलाकार की सर्वोत्तम कला, अत्युत्तम कृति।

शाहगाम (شاہگام) फ़ा स्त्री–घोडे की एक चाल।

शाहजाद. (شاہزادہ) फा पु –युवराज, राजकुमार, शहज़ादा।

शाहजादगी (شاہزادگی) फा स्त्री –राजकुमारता, युवराजपन, शहजादगी की अवस्था।

शाहतर (شاہترہ) फा पु –एक घास जो दवा मे चलती है।

शाहदरः (شاہدرہ) फा पु –राजमार्ग, आमरास्ता।

शाहदान. (شاہدانہ) फा पु –एक बीज जो दवा मे काम आते है।

शाहनशीं (شاہنشیں) फा स्त्री –बैठने की ऊँची जगह।

शाहनामः (شاہنامہ) फा पु –वह महाकाव्य जिसमें किसी राज्य विशेष के वादशाहो का वर्णन हो।

शाहपर (شاہپر) फा पु –पक्षियो का डैना, जिसमे पर होते है।

शाहपसद (شاہپسند) फा वि –वादशाहो के लाइक जिसे राजा और महाराजा पसद करे।

शाहवल्लूत (شاہبلوط) फा पु –एक पेड, जिसे ईसाई पवित्र मानते है।

शाहवाज (شاہباز) फा पु –वडा वाज, शहवाज, शूर, वीर, योद्धा, वहादुर।

शाहवाजी (شاہبازی) फा स्त्री –वीरता, शूरता, वहादुरी।

शाहबैत (شاہ بیت) फा अ स्त्री –गजल का वह शे'र जो सवसे अच्छा हो।

शाहरग (شاہ رگ) फा स्त्री –एक वडी खून फेकनेवाली रग जो हृदय मे जाती है, शहरग।

शाहराह (شاہراہ) फा स्त्री –वडा रास्ता, राजमार्ग।

शाहवार (شاہوار) फा वि –वादशाहो और राजाओ के योग्य अर्थात् वहुमूल्य।

शाहसवार (شاہسوار) फा वि –घोडे का वहुत अच्छा सवार, शरीर से शरीर घोडे पर सवारी करनेवाला।

शाहिक (شاہق) अ वि –उत्तुग, उच्च, श्रेष्ठ, वलद, ऊँचा, प्रासाद, भवन, महल।

शाहिद (شاہد) अ वि –साक्षी, गवाह, नायिका, मा'शूक, श्रेष्ठ, उत्तम, उम्दा।

शाहिदपरस्त (شاہدپرست) अ फा वि –दे 'शाहिदवाज़'।

शाहिदवाज (شاہدباز) अ फा वि –सुदर स्त्रियो का शौकीन, हुस्नपरस्त, रडीवाज, वेश्यागामी।

शाहिदान. (شاہدانہ) अ फा वि –मा'शूको-जैसा, नाज़ो-अदाज़ और हाव-भावो से भरा हुआ।

शाहिदी (شاہدی) अ वि –साक्षी, गवाही, साक्ष्य, नायिकापन, मा'शूकीयत।

शाहिदीयत (شاہدیت) अ स्त्री –साक्ष्य, गवाही, माशूकीयत, नायिकापन।

शाहिदे आदिल (شاہد عادل) अ वि –सच्चा गवाह, सत्य साक्षी।

शाहिदे ग़ैव (شاہد غیب) अ वि –परोक्ष ज्ञाता, अर्थात् ईश्वर।

शाहिदे वाजारी (شاہد بازاری) अ फा स्त्री –गणिका, रूपजीविनी, पण्यस्त्री, ग्रामनायिका, वेश्या, तवाइफ, रडी।

शाहिदे मक्सूद (شاہد مقصود) अ वि –मनोकामना, मनोरथ, नायिका रूपी सुदर मनोरथ।

शाहिदे रोज (شاہد روز) अ फा पु –सूर्य, सूरज।

शाहिदे शव (شاہد شب) अ फा पु –चद्रमा, राकेश, चाँद।

शाहिदे हाल (شاہد حال) अ वि –घटना का प्रत्यक्ष गवाह।

शाहीं (شاہیں) फा पु –श्येन, पालगक, विहगाराति, वाज़ पक्षी, तराज़ू की डडी, तुलादड।

शाहीं दुज्द (شاہیں دزد) फा पु –डडी मारनेवाला, तोल मे अधिक या कम तोलनेवाला।

शाहीं दुज्दी (شاہیں دزدی) फा स्त्री –डडी मारना, कम या अधिक तोलना।

शाहीं बच (شاہیں بچہ) फा पु –वाज का वच्चा, शूर व्यक्ति का पुत्र, वीरपुत्र।

शाही (شاہی) फा स्त्री –राजकीय, सरकारी, राज मे सम्वन्धित, राज्य, सत्ता, हुकूमत, राष्ट्र, सल्तनत।

शाहीन (شاہین) फा पु –दे 'शाहीं'।

शाहे खावर (شاہ خاور) फा पु –पूर्व का वादशाह अर्थात सूर्य, सूरज।

शाहे नजफ (شاہ نجف) अ फा पु –हज़रत अली।

शाहे नह्ल (شاہ نحل) फा अ पु –शहद की मक्खियो का वादशाह, या'सूब।

शाहे मग्रिव (شاہ مغرب) अ फा पु –चद्रमा, चाँद।

शाहे मश्रिक (شاہ مشرق) फा अ पु –सूर्य, सूरज।

शाहे रोज़ (شاہ روز) फा पु –सूर्य, रवि, सूरज।

शाहे वक्त (شاہ وقت) फा अ पु –वर्तमानकालीन शासक, मौजूदा समय मे राज करनेवाला वादशाह।

शाहे हिजाज़ (شاہ حجاز) फा अ पु –मक्के और मदीने का शासक, हज़्रत मुहम्मद साहिव।

शि

शिआर (شعار) अ पु –स्वभाव, आदत, व्यवहार, तर्ज़े अमल, आचरण, चाल-चलन, ढग, तरीका, नियम, कायदा, चिह्न, निशान।

शिकंजः (شکنجہ) फा पु –दवाने और कसने का यत्र, काटने के लिए कागज़ या किताव दवाने का यत्र, एक काठ का यत्र जिसमे दवाकर सज़ा दी जाती थी।

शिकंज (شکنج) फा स्त्री –वल, शिकन, झुर्री, सिकुडन, सिलवट, चुटकी, चेटुआ।

शिकंव. (شکنبہ) फा पु –पक्वाशय, पेट के भीतर वह थैली जिसमे जाकर अन्न पकता और पचता है।

शिक [क़्क] (شق) अ स्त्री –पक्ष, ओर, तरफ, खड, टुकडा, पख, वाधा, अड़चन।

शिकदार (شقدار) अ फा पु –किसी क्षेत्र-विशेष का पदाधिकारी।

शिकन (شکن) फा स्त्री –झुर्री, सिलवट, सिकुडन, वल।

शिकन दर शिकन (شکن در شکن) फा वि –जिसमे वहुत वल हो, वहुत उलझा हुआ, घुँघराले वाल।

शिकनिंदः (شکنندہ) फा वि –तोडनेवाला, भजक, भग्नकर्ता।

शिकम (شکم) फा पु –जठर, कोष्ठ, उदर, पेट, पक्वाशय, आमाशय, पाकस्थली, मे'दा।

शिकमखारः (شکم خارہ) फा वि –भूखा, क्षुधातुर।

शिकमपरस्त (شکم پرست) फा वि –उदर-पिशाच, उदर-सर्वस्व, जिसे पेट ही सव कुछ हो, अपने लिए ही सव कुछ करनेवाला।

शिकमपरस्ती (شکم پرستی) फा स्त्री –पेटपूजा, अपने पेट को ही सव कुछ समझना।

शिकमपर्वर (شکم پرور) फा वि –दे 'शिकमपरस्त'।

शिकमपर्वरी (شکم پروری) फा स्त्री –दे 'शिकमपरस्ती'।

शिकमपुर (شکم پر) फा वि –जिसका पेट भरा हो, भोजन-तृप्त, भोजन-सतुष्ट।

शिकमपुरी (شکم پری) फा स्त्री –पेट भरा हुआ होना, तृप्ति, सेरी।

शिकमवंदः (شکم بندہ) फा वि –पेट का वदा, पेटपूजा की चिंता मे ही रहनेवाला।

शिकमवंदगी (شکم بندگی) फा स्त्री –पेट की पूजा, पेट की ही फिक्र में रहना।

शिकमसेर (شکم سیر) फा वि –जिसका पेट भरा हो, अफरा हुआ, भोजनतृप्त।

शिकमसेरी (شکم سیری) फा स्त्री –पेट भरा होना, अफरा होना, तृप्ति।

शिकमी (شکمی) फा वि –पेट का, भीतरी, वडे पेट-वाला।

शिकमे मादर (شکم مادر) फा पु –माँ का पेट, मातृयोनि।

शिकरः (شکرہ) फा पु –एक शिकारी चिडिया।

शिकस्तः (شکستہ) फा वि –टूटा हुआ, भग्न, खडित, शीर्ण; एक लिखावट, घसीट।

शिकस्तःअह्द (شکستہ عہد) फा अ वि –जिसकी प्रतिज्ञा भग हो गयी हो, भग्नव्रत, भग्नप्रतिज्ञ।

शिकस्त.उम्मीद (شکستہ امید) फा वि –जिसकी उम्मीद टूट गयी हो, हताश, भग्नाश।

शिकस्त.कमर (شکستہ کمر) फा वि –जिसकी कमर टूट गयी हो।

शिकस्तःक़ीमत (شکستہ قیمت) फा अ वि –जिसके दाम गिर गये हो।

शिकस्त.ख़ातिर (شکستہ خاطر) फा अ वि –जिसका दिल टूट गया हो, भग्नहृदय।

शिकस्तःगुरूर (شکستہ غرور) फा अ वि –जिसका घमड मिट गया हो, गलितगर्व, भग्नदर्प।

शिकस्तःज़वाँ (شکستہ زباں) फा वि –हकला, तोतला, जो अटक-अटककर वोले, जो शुद्ध भापा न वोले।

शिकस्त.ज़ोर (شکستہ زور) फा वि –जिसकी शक्ति टूट गयी हो अर्थात् घट गयी हो, नष्टशक्ति, हतशक्ति।

शिकस्त.दिल (شکستہ دل) फा वि –टूटा हुआ दिल, हताश, नाउम्मीद, भग्नहृदय, दु खी, नष्टोत्साह, भग्न-साहस, पस्तहिम्मत।

शिकस्त.दिली (شکستہ دلی) फा स्त्री –दिल टूट जाना, उम्मीद नष्ट हो जाना, साहस टूट जाना, दु खी होना।

शिकस्तःनवीस (شکستہ نویس) फा वि –घसीट लिखने-वाला।

शिकस्तःनवीसी (شکستہ نویسی) फा स्त्री –घसीट लिखना, अस्पष्ट लिखावट।

शिकस्त.नाख़ून (شکستہناخن) फा वि –जिसके नाख़ून टूट गये हो, उपायहीन, लाचार, बेबस।

शिकस्त:पर (شکستہپر) फा वि –जिसके पर टूट गये हो, निराश्रय, असहाय, भग्नपक्ष।

शिकस्त·पा (شکستہپا) फा वि –जिसके पाँव टूट गये हो, अपाहिज, नि सहाय, असमर्थ, दीन।

शिकस्त:पाई (شکستہپائی) फा स्त्री –पाँव टूट जाना, अपाहिज हो जाना; लाचार हो जाना।

शिकस्त·बाज़ू (شکستہبازو) फा वि –जिसकी बाँह टूट गयी हो, भग्नबाहु, जिसका बराबर का साथी न रहा हो।

शिकस्त.बाल (شکستہبال) फा वि –दे 'शिकस्त पर'।

शिकस्त.रंग (شکستہرنگ) फा वि –जिसका रग मद पड गया हो, मदवर्ण।

शिकस्त·हाल (شکستہحال) अ फा वि –जिसकी आर्थिक दशा ख़राब हो गयी हो।

शिकस्त हाली (شکستہحالی) अ फा स्त्री –आर्थिक दशा का ख़राब हो जाना, ग़रीबी।

शिकस्त हिम्मत (شکستہہمت) फा अ वि –जिसकी हिम्मत टूट गयी हो, हतोत्साह, भग्नसाहस।

शिकस्त (شکست) फा स्त्री –पराजय, पराभव, हार, टूट-फूट, शिकस्तगी।

शिकस्तकुनिंद. (شکستکنندہ) फा वि –तोडनेवाला, भजक।

शिकस्तख़ुर्दः (شکستخوردہ) फा वि –हारा हुआ, पराजित, परास्त, पराभूत, विजित।

शिकस्तख़ुर्दगी (شکستخوردگی) फा स्त्री –हार जाना, पराभव, पराजय।

शिकस्तगी (شکستگی) फा स्त्री –टूटा-फूटा होना, टूट-फूट।

शिकस्ते अह्द (شکستِ عہد) फा अ स्त्री –प्रतिज्ञा का टूट जाना।

शिकस्ते क़ीमत (شکستِ قیمت) फा अ स्त्री –दाम गिर जाना, मोल कम हो जाना।

शिकस्ते ख़्वाब (شکستِ خواب) फा स्त्री –नीद उचट जाना, सोते हुए जाग जाना।

शिकस्ते फ़ाश (شکستِ فاش) फा स्त्री –खुली हुई हार, ऐसी हार जिसमे सदेह न हो, बहुत बुरी और अपमान-जनक हार।

शिकस्ते फ़ाहिश (شکستِ فاحش) फा अ स्त्री –अपमान-जनक हार, बहुत बुरी हार।

शिकस्ते रंग (شکستِ رنگ) फा स्त्री –रग का हलका पड जाना।

शिकस्ते सख़्त (شکستِ سخت) फा स्त्री –दे 'शिकस्ते फाहिश'।

शिकस्तो रेख़्त (شکستو ریخت) फा स्त्री –गिरना और बनना, मकान आदि का गिर जाना और फिर बनना।

शिक़ा (شقا) अ स्त्री –दुर्भाग्य, बदकिस्मती, कालचक्र, नुहूसत।

शिक़ाक (شقاق) अ पु –विपरीतता, मुख़ालफ़त, शत्रुता, दुश्मनी, वैमनस्य, रजिश।

शिकायत (شکایت) अ स्त्री –चुग़ली, पिशुनता, निंदा, बुराई, उपालभ, उलाहना, किसी गलत काम की उनके मालिक या अफसर को सूचना, अनुयोग, परिवाद, रोग, बीमारी।

शिकायतकुनाँ (شکایت کناں) अ फा वि –शिकायत करता हुआ, शिकायत करती हुई अवस्था मे।

शिकायतकुनिंद· (شکایت کنندہ) अ फा वि –परिवादी, अनुयोगी, शिकायत करनेवाला।

शिकायतगर (شکایت گر) अ फा वि –शिकायत करनेवाला, अनुयोक्ता।

शिकायतन (شکایتاً) अ वि –शिकायत के रूप मे।

शिकायतनामः (شکایت نامہ) अ फा पु –वह पुस्तक जिनमें शिकायतें लिखी जाती हो, परिवाद पुस्तक, कम्प्लैंट बुक।

शिकायतपेश· (شکایت پیشہ) अ फा वि –जिसका काम केवल शिकायतें करना हो।

शिकायात (شکایات) अ स्त्री –'शिकायत' का बहु, शिकायतें।

शिकार (شکار) फा पु –जगली जानवरो का वध, मृगया, आखेट, अहेर, वह जानवर जो शिकार किया जाय, फँसा हुआ, ग्रस्त, वह व्यक्ति जिसके बातो मे फँस जाने से काफी लाभ और प्राप्ति हो।

शिकारगाह (شکارگاہ) फा स्त्री –शिकार खेलने की जगह, आखेटस्थल, मृगयावन।

शिकारबंद (شکاربند) फा पु –वह डोर या रस्सी जिसमे शिकार को बाँधें।

शिकारी (شکاری) फा वि –आखेटक, लुब्धक, व्याध।

शिकारे ज़ौर (شکارِ جور) फा अ पु –जिस पर बहुत अत्याचार हुआ हो।

शिकारे तग़ाफ़ुल (شکارِ تغافل) फा अ पु –जिसकी ओर से बहुत अधिक बेपरवाई बरती गयी हो।

शिकारे सितम (شکارِ ستم) फा अ पु –दे 'शिकारे जौर'।

शिकाल (شکال) फा पु –छल, धोखा, मक्र, फ़रेब

शिकूफ़ः (شکوفہ) फा पु –दे 'शिगूफ़ः'।

शिकेल (شکیل) फा पुं.—छल, कपट, फरेब।
शिकेब (شکیب) फा पु —धैर्य, धीरज, सब्र; सहनशीलता, सहिष्णुता, तहम्मुल।
शिकेबा (شکیبا) फा वि —धीर, साबिर, सहिष्णु, मुतहम्मिल।
शिकेबाई (شکیبائی) फा स्त्री —धैर्य, धीरज, सब्र, सहिष्णुता, तहम्मुल।
शिकोह (شکوہ) फा पु —भय, त्रास, डर, दूसरे अर्थ के लिए दे. 'शुकोह'।
शिख़ाब (شخاب) अ पु —ताज़ा निकला हुआ दूध।
शिख़ार (شخار) फा स्त्री —क्षार, सज्जी।
शिख़ोलीदः (شخولیدہ) फा वि —कुम्हलाया हुआ, खिन्न, पज़मुर्दः।
शिगर्फ़ (شگرف) फा वि —मोटा, स्थूल, पुष्ट, मज़बूत, वैभव, शानोशौकत।
शिगाफ़ः (شگافہ) फा पु.—मिज़राब, सितार बजाने का छल्ला जो उँगली मे पहनते हैं, वीणा-वादन।
शिगाफ़ (شگاف) फा. पु —दराज़, दरार, दर्ज़, (प्रत्य) दरार डालनेवाला, जैसे—'ख़ाराशिगाफ़' पत्थर मे दरार डालनेवाला।
शिगाफ़ज़दः (شگاف زدہ) फा वि —जिसमे दरार पड़ी हो, दारित।
शिगाफ़िंदः (شگافندہ) फा वि —शिगाफ़ डालनेवाला, चीरनेवाला, फाड़नेवाला।
शिगाफ़्तः (شگافتہ) फा वि —दरार पडा हुआ, फटा हुआ, विदीर्ण।
शिगाफ़्तनी (شگافتنی) फा वि —दरार पडने योग्य, फटने योग्य।
शिगाल (شگال) फा पु —गीदड, सियार, शृगाल।
शिगिफ़्त (شگفت) फा पु —आश्चर्य, अचंभा, हैरत।
शिगुफ़्तः (شگفتہ) फा वि.—मुकुलित, विकसित, खिला हुआ, प्रसन्न, हर्षित, मसरूर।
शिगुफ़्त:ख़ातिर (شگفتہ خاطر) फा अ वि —प्रसन्नचित्त, प्रहृष्ट, ख़ुशदिल।
शिगुफ़्त:ख़ातिरी (شگفتہ خاطری) फा अ स्त्री —चित्त की प्रसन्नता, ख़ुशदिली।
शिगुफ़्त:तब्अ (شگفتہ طبع) फा अ वि —दे 'शिगुफ़्त-ख़ातिर'।
शिगुफ़्त:तब्ई (شگفتہ طبعی) फा अ स्त्री —दे 'शिगुफ़्त-ख़ातिरी'।
शिगुफ़्तदिल (شگفتہ دل) फा वि —प्रसन्नमना, प्रफुल्लात्मा।
शिगुफ़्त:दिली (شگفتہ دلی) फा. स्त्री —मन की प्रसन्नता, प्रफुल्लता।
शिगुफ़्त:पेशानी (شگفتہ پیشانی) फा.वि —हँसमुख, प्रफुल्ल-मुख; सुशील, चारुशील, ख़ुशअख़्लाक़।
शिगुफ़्त:मिज़ाज (شگفتہ مزاج) फा अ वि.—दे 'शिगुफ़्त.-ख़ातिर'।
शिगुफ़्त:मिज़ाजी (شگفتہ مزاجی) फा अ. स्त्री.—दे. 'शिगुफ्त ख़ातिरी'।
शिगुफ़्त:रू (شگفتہ رو) फा वि —हँसमुख, प्रसन्नमुख।
शिगुफ़्त:रूई (شگفتہ روئی) फा स्त्री —मुख की प्रसन्नता, मुख-प्रसाद।
शिगुफ़्त (شگفت) फा. स्त्री —खिलावट, विकाश।
शिगुफ़्तगी (شگفتگی) फा स्त्री —खिलावट।
शिगूफ़ः (شگوفہ) फा पु —कली, कलिका, गुन्चः; वेल-बूटा; नयी बात, अचभे की बात।
शिगूफ़:कारी (شگوفہ کاری) फा स्त्री —बेल-बूटे बनाने का काम।
शिगूफ़:तराशी (شگوفہ تراشی) फा स्त्री —नक़्शोनिगार, बेल-बूटे बनाना।
शिगूफ़ए नौ (شگوفۂ نو) फा पु —नयी कली, नयी घटना।
शिजाअ (شجاع) अ. वि —वीर, योद्धा, बहादुर, उर्दू में 'शुजाअ' ही बोलते हैं, परतु शुद्ध 'शिजाअ' और 'शजाअ' भी हैं।
शिज्आन (شجعان) अ पु —'शुजाअ' का बहु, वीर लोग।
शिता (شتا) अ पुं —शरद ऋतु, जाड़े का मौसिम, शीतकाल।
शिताफ़्तः (شتافتہ) फा. वि —दौडा हुआ।
शिताब (شتاب) फा वि —शीघ्र, जल्द, तीव्र, तेज, (स्त्री) शीघ्रता, जल्दी।
शिताबकार (شتاب کار) फा. वि —जल्दी मचानेवाला, उतावला।
शिताबकारी (شتاب کاری) फा स्त्री —उतावलापन, जल्दी मचाने का काम।
शिताबाँ (شتابان) फा वि —जल्दी करता हुआ, दौड़ता हुआ।
शिताबिंदः (شتابندہ) फा. वि —दौड़नेवाला।
शिताबी (شتابی) फा स्त्री —शीघ्रता, तेज़ी।
शिताबीदः (شتابیدہ) फा वि.—शीघ्रता किया हुआ।
शितालंग (شتالنگ) फा. पु.—टखना, गट्टा।
शितुरग़ू (شترغو) तु. पु —एक वाजा।
शिना (شنا) फा. स्त्री —तैरने का काम।

शिनावर (شناور) फा पु –तैरनेवाला, तैराक।
शिनावरी (شناوری) फा स्त्री –तैरने का काम, पैराकी।
शिनाह (شناه) फा स्त्री –तैराकी, पैरने का काम।
शिनूसः (شنوسه) फा पु –छींक।
शिपिश (شپش) फा स्त्री –जूँ, बालो मे पडनेवाला कीडा, दे. 'शुपुश' और 'शपुश', तीनो शुद्ध है।
शिप्लीद (شپلیده) फा वि –निचोडा हुआ।
शिफा (شفا) अ स्त्री –रोगमुक्ति, रोग के बाद स्वास्थ्य।
शिफाए कामिल (شفاے کامل) अ स्त्री –पूरे तौर से रोगमुक्ति।
शिफाखानः (شفاخانه) अ फा पु –रुग्णालय, चिकित्सालय, अस्पताल।
शिफाख़्वाह (شفاخواه) अ फा वि –रोगमुक्ति का इच्छुक।
शिफागाह (شفاگاه) अ फा स्त्री –रोगमुक्त होने का स्थान, स्वास्थ्य-सदन।
शिफायाब (شفایاب) अ फा वि –जिसने मरज से छुटकारा पा लिया हो, रोगमुक्त।
शिफायाबी (شفایابی) अ फा स्त्री –रोग से छुटकारा पा जाना, रोगमुक्ति।
शिफाह (شفاه) अ पु –'शफत' का बहु, होठ।
शिब [ब्ब] (شب) अ स्त्री –'फिटकरी', दे 'शब', दोनो शुद्ध है।
शिबह (شبہ) अ वि –समान, तुल्य, सदृश, मिस्ल, दे 'शिब्ह', दोनो शुद्ध है।
शिबित (شبت) अ पु –एक प्रसिद्ध साग, सोया।
शिब्क(شبک)अ पु –चरखे का तकला, तकले की टिकली।
शिब्र (شبر) अ स्त्री –बारह अगुल की नाप, वित्ती, बालिश्त, वितस्ति।
शिब्ल (شبل) अ पु –व्याघ्र-शावक, शेर का बच्चा।
शिब्ली (شبلی) अ पु –एक बहुत बडे मुसलमान महात्मा।
शिब्ह (شبہ) अ वि –दे 'शिबह', दोनो शुद्ध है।
शिम. (شمه) फा स्त्री –मलाई, बालाई, क्षीरसार।
शिमाल (شمال) अ पु –उत्तर, उदीची, शुमाल भी प्रचलित।
शिमालरूयः (شمالرویه) अ फा वि –जिसका मुँह उत्तर की ओर हो।
शिमाली (شمالی) अ वि –उत्तरीय, उत्तर का।
शिम्मः (شمه) अ पु –दे शुद्ध उच्चारण 'शम्म', यह उच्चारण अशुद्ध है।
शिम्र (شمر) अ पु –हज़्रत इमाम हुसैन के शहीद करनेवाले का नाम।
शिम्शाद (سمشاد) फा पु –दे 'शम्शाद', दोनो शुद्ध है, परतु उर्दू मे 'शम्शाद' ही बोलते है, एक सुन्दर वृक्ष जिनसे माशूक के कद की उपमा देते है।
शियम(شیم)अ स्त्री –'शीम' का बहु, स्वभाव, आदतें।
शियाफ (شیاف) अ पु –'शाफ' का बहु, परतु एकवचन मे व्यवहृत है, जौ के आकार की एक बटी जो आँखो मे घिसकर लगाते है।
शिरा (شرا) अ पु –मोल लेना, क्रयण, बेचना, विक्रयण।
शिराअ (شراع) अ पु –नाव का पाल, बादबान, मरुत्पट।
शिराक (شراک) अ पु –चप्पल, जूते या खडाऊँ की डोरी।
शिराके ना'लैन (شراکِ نعلین) अ पु –जोतो का तस्मा।
शिर्क (شرک) अ पु –ईश्वरत्व मे ईश्वर के सिवा और को भी सम्मिलित करना, अनेकेश्वरवादी होना।
शिर्कत (شرکت) अ स्त्री –सम्मिलन, शुमूल, सहयोग, तआवुन, साझा, भागीदारी।
शिर्कतनाम. (شرکت نامه) अ फा पु –साझेदारी का लिखित पत्र, भागपत्र।
शिर्कते ग़म (شرکت غم) अ स्त्री –दुःख मे शरीक होना।
शिर्के ख़फी (شرک خفی)अ पु –ऐसा शिर्क जो देखने मे शिर्क न जान पडे।
शिर्के जली (شرک جلی) अ पु –ऐसा शिर्क जो स्पष्ट रूप मे शिर्क हो, जैसे—मूर्तिपूजा।
शिर्यान (شریان) अ स्त्री –वह रग जिसमें शुद्ध रक्त और प्राणवायु बहता है, शिरा, नाडी।
शिर्वान (شروان) फा पु –ईरान का एक नगर।
शिर्वानी (شروانی) फा वि –शिर्वान का निवासी, शिर्वान से सम्बन्ध रखनेवाला।
शिल्लिक (شلک) तु पु –बहुत-सी बदूको या तोपो का एक साथ दगना, बाढ।
शिवा (شوا) फा वि –भुना हुआ, भृष्ट।
शिहाब (شہاب) अ पु –उज्ज्वल और चमकदार तारा, अग्निज्वाला, टूटनेवाला तारा, उल्का।
शिहाबेसाकिब (شہاب ثاقب) अ पु –टूटनेवाला तारा, उल्का।
शिह्न (شحنه) अ पु –कोतवाल, शहर की कोतवाली का निरीक्षक और सचालक।
शिह्नगी (شحنگی) अ फा स्त्री –कोतवाल का पद, कोतवाल का काम, कोतवाली।

शी

शीअः (شیعہ) अ पुं –मुसलमानो का एक सम्प्रदाय, जो हज़रत अली के अतिरिक्त बाकी खलीफाओ को नही मानता।

शीई (شیعی) अ वि –शीअ सम्प्रदाय का व्यक्ति, शीअ।

शीदी (شیدی) अ पु –हब्शी, हवश का रहनेवाला।

शीमः (شیمہ) अ स्त्री –प्रकृति, स्वभाव, आदत।

शीम (شیم) फा स्त्री –सौरी मछली।

शीरंदाज़ (شیرانداز) फा पु –मनुष्य या पशु का स्तन जिसमे दूध भरा हो।

शीरः (شیرہ) फा पु –फलो का निचोडा हुआ रस, दवाओ का पीसकर निकाला हुआ रस; शकर की चाशनी।

शीर (شیر) फा पु –दूध, क्षीर, दुग्ध, पेड या पत्तो का दूध की शक्ल का रस।

शीरअंदाज़ (شیرانداز) फा पु –दे 'शीरदाज़'।

शीरअफ़्ज़ा (شیرافزا) फा वि –दूध बढानेवाला, वह ओषधि जिसके सेवन से दूध अधिक उत्पन्न हो, क्षीरवर्द्धक।

शीरख़ानः (شیرخانہ) फा पु –मधुशाला, मदिरालय, शराबखाना, दुग्धालय, पय शाला।

शीरख़िश्त (شیرخشت) फा स्त्री –एक गोद जो दवा के काम आता और अच्छा रेचक है।

शीरख़ुर्मा (شیرخرما) फा पु –दूध मे भीगे हुए छुहारे।

शीरख़्वारः (شیرخوارہ) फा वि –दूध पीनेवाला शिशु, स्तनपायी।

शीरख़्वार (شیرخوار) फा वि –दुधमुँहा, स्तनपायी।

शीरख़्वारगी (شیرخوارگی) फा स्त्री –बच्चे की दूध पीने की आयु।

शीरगर्म (شیرگرم) फा वि –गुनगुना, नीमगर्म, कदुष्ण।

शीरदान (شیردان) फा पु –दूध देनेवाले पशु की दूध की थैली, ऐन, दूध रखने का वर्तन, दुग्धपात्र।

शीरफ़रोश (شیرفروش) फा वि –दूध वेचनेवाला।

शीरवा (شیربا) फा स्त्री –खीर, शीरविरंज।

शीरविरंज (شیربرنج) फा स्त्री –दूध में पके हुए चावल, खीर।

शीरमस्त (شیرمست) फा वि –कुलेले करनेवाला वच्चा।

शीरमाल (شیرمال) फा स्त्री –एक रौगनी रोटी जो दूध मे आटा गूँधकर वनती है।

शीरावः (شیرابہ) फा पु –पोस्त का दाना, ख़शख़ाश, ख़शख़ाश का शीर।

शीराज़ः (شیرازہ) फा पु –क्रम, तर्तीब, किताव की जुज़वंदी, संघटन, तंजीम—"शीराज़ खुल गया है चमन की किताब का।"

शीराज़ःवंदी (شیرازہ‌بندی) फा स्त्री –सघटन, तंज़ीम, पुस्तक की जुज़वदी।

शीराज़ (شیراز) फा पु –ईरान का एक प्रसिद्ध और प्राचीन नगर जहाँ वहुत वडे-वडे कवि हुए है, हाफ़िज़ और सा'दी वहाँ के सर्वोत्तम कवि है।

शीरीं (شیریں) फा वि –मधुर, मीठा, सरस, वामज़; इतिहास प्रसिद्ध फरहाद की प्रेयसी।

शीरींअदा (شیریں‌ادا) फा वि –जिसकी अदाएँ दिल लुभानेवाली हो।

शीरींअदाई (شیریں‌ادائی) फा स्त्री.–अदाओ का दिल को लुभाना।

शीरींकलाम (شیریں‌کلام) फा अ वि –दे 'शीरीज़वाँ'।

शीरींकलामी (شیریں‌کلامی) फा अ. स्त्री –दे. 'शीरीज़वानी'।

शीरींकार (شیریں‌کار) फा वि –शीरी अदा; शिष्ट, सभ्य, पुरमज़ाक, विनोदी।

शीरींगुफ़्तार (شیریں‌گفتار) फा वि –दे 'शीरीज़वाँ'।

शीरींगुफ़्तारी (شیریں‌گفتاری) फा स्त्री –दे 'शीरीज़वानी'।

शीरींज़वाँ (شیریں‌زباں) फा वि –जिसकी वातचीत मे मिठास और रस हो, प्रियवद, मधुरभाषी, मजुघोष।

शीरींज़वानी (شیریں‌زبانی) फा स्त्री –बातचीत की मिठास।

शीरींदहाँ (شیریں‌دہاں) फा वि –दे. 'शीरीज़वाँ'।

शीरींदहानी (شیریں‌دہانی) फा. स्त्री –दे 'शीरीज़वानी'।

शीरींदहन (شیریں‌دہن) फा वि –दे 'शीरीज़वाँ'।

शीरींदहनी (شیریں‌دہنی) फा स्त्री –दे 'शीरीज़वानी'।

शीरीनफ़स (شیریں‌نفس) अ फा वि –दे 'शीरीज़वाँ'।

शीरींनफसी (شیریں‌نفسی) फा अ स्त्री –दे 'शीरीज़वानी'।

शीरींमक़ाल (شیریں‌مقال) फा अ वि –दे 'शीरीज़वाँ'।

शीरींमकाली (شیریں‌مقالی) फा अ स्त्री.–दे 'शीरीज़वानी'।

शीरींलव (شیریں‌لب) फा वि –जिसके होठ मीठे हों, अर्थात् नायिका।

शीरींलवी (شیریں‌لبی) फा स्त्री.–होठो की मिठास, नायिकापन।

शीरींसुखन (شیریں سخن) फा वि –दे 'शीरीज़बाँ'।

शीरींसुखनी (شیریں سخنی) फा स्त्री –दे 'शीरीज़बानी'।

शीरींहरकात (شیریں حرکات) फा अ वि –दे 'शीरीअदा'।

शीरींहरकाती (شیریں حرکاتی) फा अ स्त्री –दे 'शीरीअदाई'।

शीरीनक (شیرینک) फा पु –मुहासा।

शीरीनिए गुफ्तार (شیرینئی گفتار) फा स्त्री –वातचीत की मिठास, वार्तालाप का रस।

शीरीनिए तक़्रीर (شیرینئی تقریر) फा अ स्त्री –दे 'शीरीनिए गुफ्तार'।

शीरीनिए लव (شیرینئی لب) फा स्त्री –अवरामृत, होठो की मिठास।

शीरीनिए सुखन (شیرینئی سخن) फा स्त्री –दे 'शीरीनिए गुफ्तार।

शीरीनी (شیرینی) फा स्त्री –मिठास, माधुर्य, घुलावट, मिठाई, मिष्टान्न।

शीरे गर्म (شیر گرم) फा पु –गर्म दूध।

शीरे ज़क्कूम (شیر زقوم) फा अ पु –थूहड का दूध।

शीरे मादर (شیر مادر) फा पु –माँ का दूध, मातृक्षीर।

शीरे मुर्ग़ (شیر مرغ) फा पु –ऐसी चीज़ जिसका मिलना असभव हो।

शीरे लुआब (شیر لعاب) फा अ पु –मधु, शहद।

शीरो शकर (شیرو شکر) फा वि –वहुत अधिक मेलजोल, घनिष्ठता, घनिष्ठ, वहुत मेली।

शीश. (شیشہ) फा पु –काँच, कच, वोतल, दर्पण, आईना, काँच की वहुत वारीक सुराही-जैसी वडे पेट और तग मुँह की वोतल जो पहले चलती थी, शराव और गुलाबजल भरने के काम आती थी।

शीशःगर (شیشہ گر) फा वि –काँच का सामान वनानेवाला, सीसगर।

शीश.गरी (شیشہ گری) फा स्त्री –काँच का सामान वनाना।

शीश जाँ (شیشہ جاں) फा वि –दे 'शीश दिल'।

शीश दिल (شیشہ دل) फा वि –जिसका दिल वहुत ही नाज़ुक हो।

शीशःवाज (شیشہ باز) फा वि –धूर्त, छली, मक्कार, मदारी, वाज़ीगर।

शीश.वाज़ी (شیشہ بازی) फा स्त्री –धूर्तता, चालाकी, मदारी का खेल, वाज़ीगरी।

शीशए दिल (شیشۂ دل) फा पु –शीशे की तरह वहुत ही नाजुक दिल।

शीशए मै (شیشۂ مے) फा पु –शराव की वोतल।

शीशए साअत (شیشۂ ساعت) फा अ पु –वालू की घडी।

शीशाक (شیشاک) फा पु –चार तार की वीणा या रवाव; साल भर का वकरा या वकरी।

शीस (شیث) अ पु –एक पैगम्वर।

शीह (شیہہ) फा पु –घोडे की हिनहिनाहट।

शीहए अस्प (شیہۂ اسپ) फा पु –घोडे की हिनहिनाहट।

शु

शुअरा (شعرا) अ पु –'शाइर' का वहु, शाइर लोग, कविगण।

शुआअ (شعاع) अ स्त्री –रश्मि, मयूख, दीधिति, अशु, किरण, ज्योति, प्रकाश, आलोक, नूर।

शुआई (شعاعی) अ. वि –किरणो का, किरणो से सम्वन्धित।

शुआए माह (شعاع ماہ) अ फा स्त्री –ज्योत्स्ना, चाँदनी, चद्रकिरण, चाँद की किरन।

शुआए मेह्र (شعاع مہر) अ फा स्त्री –सूरज की किरण, सूर्यरश्मि, अर्चि, आतप, धूप।

शुऊव (شعوب) अ पु –'शा'व' का वहु, गढे, गार, कदराएँ, गुफाएँ।

शुऊर (شعور) अ पु –सज्ञा, होश, विवेक, समझ, अच्छे वुरे की पहचान, शिष्टता, सलीक, सभ्यता, तमीज, जानकारी, वाकिफीयत।

शुऐव (شعیب) अ पु –एक पैगम्वर।

शुकूक़ (شقوق) अ पु –विपादिका, विवाई, पाँव फटने का रोग, 'शक़' का वहु, दराजें, दरारे, शिगाफ।

शुकूक (شکوک) अ पु –'शक' का वहु, शकाएँ, शुव्हात।

शुकोह (شکوہ) फा स्त्री –शानोशौकत, रोवदाव, कर्रोफर।

शुकोहे अलफाज (شکوہ الفاظ) फा अ स्त्री –लेख मे भारी-भारी शव्दो का प्रयोग, शव्दाडवर, उत्कलिका।

शुक्क़ (شقہ) अ पु –पर्चा, कागज का टुकडा, पत्र, ख़त, चिट्ठी, आदेशपत्र, हुक्मनामा।

शुक्र (شکر) अ पु –कृतज्ञता, शुक्रगुजारी, धन्यवाद, शुक्रिय।

शुक्रगुजार (شکرگزار) अ फा वि –कृतज्ञ, आभारी, मम्नून।

शुक्रगुजारी (شکرگزاری) अ फा स्त्री –कृतज्ञता, मम्नूनीयत।

शुक़्त (شقرت) अ स्त्री—लालिमा लिये हुए पीला रंग; लालिमा लिये हुए काला रंग।

शुक्रानः (شکرانہ) अ फा पु—किसी काम की सफलता पर प्रयास करनेवाले को सम्मानार्थ दिया जानेवाला धन, शुक्रिया।

शुक्रियः (شکریہ) अ पु—धन्यवाद, एक शब्द जो कृतज्ञता प्रकट करने के लिए बोलते हैं, थैंक्स।

शुक्रीयः (شکریہ) अ पु—दे. 'शुक्रिय.', उर्दू में वही प्रचलित है, यद्यपि शुद्ध यही है।

शुक्रे ने'मत (شکر نعمت) अ पु—उपकार और प्रदान आदि का शुक्रिय.।

शुगुन (شگن) फा पु—दे 'शुगून', शकुन।

शुग़ुल (شغل) अ पु—दे 'शुग्ल' या 'शग्ल', वही प्रचलित है, परंतु शुद्ध यह भी है।

शुगून (شگون) फा पुं—शकुन, फाल।

शुग़्ल (شغل) अ पु—काम मे लगना, मस्रूफियत, व्यवसाय, धवा, काम, मशगल.।

शुग़्ले बादः (شغل بادہ) अ फा. पु—शराब पीने का मश्ग़ल.।

शुग़्ले मै (شغل مے) अ फा. पु—दे 'शुग़्लेबाद'।

शुजाअ (شجاع) अ वि—वीर, शूर, योद्धा, बहादुर।

शुजाआनः (شجاعانہ) अ फा वि—वीरो-जैसा, बहादुरो-जैसा, वीरतापूर्ण, बहादुरी का।

शुतुर (شتر) फा पुं—उष्ट्र, केमिल, ऊँट।

शुतुरअंदाम (شترادام) फा वि—ऊँट-जैसे लम्बे डील-डौल का, उष्ट्राग।

शुतुरअराबः (شترارابہ) फा पु—ऊँटगाडी, उष्ट्रयान।

शुतुरकीनः (شترکینہ) फा पु—वह व्यक्ति जो दिल में द्वेष रखता हो और बरसो भी न भूलता हो।

शुतुरख़ानः (شترخانہ) फा पु—ऊँट रहने का स्थान, उष्ट्र-शाला।

शुतुरख़ार (شترخار) फा पु—एक झाडी जिसमे काँटे होते है और ऊँट बहुत खाता है, ऊँटकटारा।

शुतुरग़म्जः (شترغمزہ) फा अ पु—व्यर्थ का नखरा, बुढापे के हाव-भाव।

शुतुरगाव (شترگاو) फा पु—ऊँट की आकृति की एक गाय।

शुतुरगुर्बः (شترگربہ) फा. पु—काव्य का एक दोष, जिसमे कही एकवचन हो और उसी के लिए दूसरी जगह बहुवचन।

शुतुरदिल (شتردل) फा. वि—डरपोक, थुड़दिला, भीरु, बुज़दिल।

शुतुरदिली (شتردلی) फा. स्त्री.—डरपोकपन, भीरुता, बुज़दिली।

शुतुरनाल (شترنال) तु. स्त्री—एक तोप जो ऊँट पर लादी जाती थी।

शुतुरपा (شترپا) फा. वि.—ऊँट-जैसे पाँववाला, उष्ट्र-पद; सूरजमुखी का फूल।

शुतुरबान (شتربان) फा वि—ऊँट पालनेवाला, उष्ट्रपाल।

शुतुरमुर्ग़ (شترمرغ) फा पु—एक बहुत बडा पक्षी जो अफ़्रीका मे होता है, उष्ट्र पक्षी।

शुतुरसवार (شترسوار) फा वि—ऊँट पर चढनेवाला।

शुतुरे बेमिहार (شتر بےمہار) फा पु—बे नकेल का ऊँट, अर्थात् स्वेच्छाचारी, निरकुश, खुदराय।

शुतुलुम (شتلم) अ. पु.—अत्याचार, अन्याय, जुल्म।

शुदः शुदः (شدہ شدہ) फा वि.—शनै-शनै, धीरे-धीरे; एक से दूसरे और दूसरे से तीसरे को इसी तरह आगे।

शुदनी (شدنی) फा. स्त्री—होनहार, होनी, अवश्यभावी, भवितव्य, दुर्निवार्य।

शुदयार (شدیار) फा स्त्री—जोती हुई तैयार ज़मीन।

शुन्अत (شنعت) अ स्त्री—बदी, बुराई।

शुन्क़ार (شنقار) अ पु—एक शिकारी चिडिया।

शुपुश (شپش) फा स्त्री—बालो मे पड़नेवाला कीडा, जूँ, लोमयूक, वारकीट, स्वेदज।

शुफ्अः (شفعہ) अ पु—पडोस के मकान या ज़मीन पर बिकते समय होनेवाला हक, हक्के हमसायगी।

शुफ़आ (شفعا) अ पु—'शफ़ीअ' का बहु, सुफारिश करने-वाले।

शुबान (شبان) अ पु—भेड़-बकरी चरानेवाला, गड़रिया, अजाजीवी, मेषपाल।

शुब्बान (شبان) अ पु—'शाब' का बहु, जवान लोग।

शुब्बाब (شباب) अ पु—'शाब' का बहु, जवान लोग।

शुब्हः (شبہہ) अ पु—आशका, सदेह, शंका शक, भ्रम, वह्म।

शुब्हात (شبہات) अ पु—'शुब्ह' का बहु, शकाएँ, शुब्हे।

शुमारः (شمارہ) फा पु—गिनती, शुमार, नबर, सख्या।

शुमार (شمار) फा पु—गिनती, गिनना, अदद, सख्या; हिसाब, गिनती, जोड़, मीज़ान।

शुमारकुनिंदः (شمارکنندہ) फा वि—गिननेवाला, हिसाब लगानेवाला, गणक।

शुमारिंदः (شمارندہ) फा वि—शुमार करनेवाला; गिनने-वाला, हिसाब लगानेवाला।

शुमारी (شماری) फा प्रत्य—शुमार करने का काम, जैसे—'मर्दुमशुमारी' जनगणना।

शुमुर्दः (شمردہ) फा वि—गणित, गिना हुआ।

शुमुर्दनी (شمردنی) फा वि—गिनने के योग्य, हिसाब लगाने के योग्य, जोडने के योग्य।

शुमूअ (شموع) अ स्त्री—'शम्अ' का वहु, शम्एँ, दिए, चिराग।

शुमूम (شموم) अ स्त्री—सूँघने की चीज।

शुमूल (شمول) अ स्त्री—समिलन, शामिल होना।

शुमूलीयत (شمولیت) अ स्त्री—दे 'शुमूल'।

शुमूस (شموس) अ पु—'शम्स' का वहु, वहुत-से सूरज, वहुत-सी किरणे।

शुयूअ (شیوع) अ पु—प्रकट न होना जाहिर होना, सवमे फैलना, प्रसार।

शुयूख (شیوخ) अ पु—'शैख' का वहु, बूढे लोग, अपने गोत्र के वडे लोग।

शुरका (شرکا) अ पु—'शरीक' का वहु, साझेदार लोग, किसी काम के करने में शामिल लोग।

शुरकाए कार (شرکاے کار) अ फा पु—किसी काम के करने मे शरीक, किसी काम में परस्पर एक दूसरे के सहायक।

शुरकाए तिजारत (شرکاے تجارت) अ पु—व्यवसाय के भागीदार।

शुरफा (شرفا) अ पु—'शरीफ' का वहु, कुलीन लोग, सज्जन लोग।

शुरफाए वक़्त (شرفاے وقت) अ पु—अपने समय के प्रतिष्ठित लोग।

शुरफाए शह्र (شرفاے شہر) अ फा. पु—नगर के प्रतिप्ठित और सम्मानित लोग।

शुरफाए जमाँ (شرفاے زماں) अ फा पु—शुरफाए वक्त, अपने समय के प्रतिप्ठित जन।

शुरूअ (شروع) अ वि—प्रारभ, अनुष्ठान, इब्तिदा, आगाज़, आदि, शुरूआत।

शुरूआत (شروعات) अ स्त्री—आरम्भ, आगाज।

शुरूए कार (شروع کار) अ फा पु—काम की शुरूआत, अनुप्ठान।

शुरूए शबाव (شروع شباب) अ पु—युवावस्था का प्रारभ-काल, यौवनारभ।

शुरूक (شروق) अ पु—आभा, प्रकाश, रौशनी, सूर्योदय, सूरज का उदय।

शुरूत (شروط) अ स्त्री—'शर्त' का वहु, शर्तें।

शुरूर (شرور) अ पु—'शर' का वहु, शरारतें।

शुरूह (شروح) अ स्त्री—'शर्ह' का वहु, शर्हें, टीकाएँ।

शुर्तः (شرطہ) अ पु—पुलिस का आदमी, आरक्षी, चिह्न, निशान, नाव के लिए अनुकूल वायु, लक्षण, अलामत।

शुर्त (شرط) अ पु—नाव के लिए अनुकूल वायु, लक्षण, अलामत।

शुर्फः (شرفہ) फा पु—कँगूरा, मडप।

शुर्व (شرب) अ पु—पीना, पान, शराव पीना, मद्यपान।

शुर्बुलयहूद (شرب الیہود) अ पु—सबसे छिपाकर शराव पीना।

शुर्वे मुदाम (شرب مدام) अ पु—शराव पीना, मद्यपान, हमेशा शराव पीना।

शुलः (شلہ) फा पु—एक प्रकार का खाना जिसमे चावल गोश्त में हरीसे की तरह पकाये जाते है, पुलाव।

शुल (شل) फा पु—एक फल, वेल, वेलुआ।

शुल्लः (شلہ) फा स्त्री—भग, योनि, मासिक रक्त का लत्ता, गली में गदी चीज़े और कूडा डालने का स्थान।

शुवाज़ (شواظ) अ पु—अग्नि, वह्नि, आग, अग्निज्वाला, अग्निशिखा, लपट।

शुवात (شوات) फा पु—चकवा पक्षी, सुर्खाव।

शुश (شش) फा पु—फेफडा, फुप्फुस, क्लोम।

शुस्त' (شستہ) फा वि—मार्जित, शुद्ध, धुला हुआ, स्वच्छ, साफ, सभ्य, शिप्ट, वातमीज़, शिक्षित, पढा-लिखा, सस्कृत, मुजल्ला, सज्जन, शरीफ।

शुस्त ओ रुफ़्त. (شستہ و رفتہ) फा वि—स्वच्छ और शुद्ध, पाक और साफ।

शुस्त.रू (شستہ رو) फा वि—मुँह धोये हुए।

शुस्त (شست) फा स्त्री—धुलाई, सफाई।

शुस्तगी (شستگی) फा स्त्री—शुद्धता, सफाई, सभ्यता, तहजीव, शिक्षित होना, सज्जनता।

शुस्तो शू (شست و شو) फा स्त्री—धुलाई, मँजाई, सफाई।

शुहुव (شہب) अ पु—'शिहाव' का वहु, टूटनेवाले तारे, उल्कागण।

शुहूद (شہود) अ पु—'शाहिद' का वहु, साक्षिगण, गवाह लोग, उपस्थिति, मौजूदगी, प्रत्यक्षता, आमना-सामना।

शुहूर (شہور) अ पु—'शह्र' का वहु, महीने,।

शुह्र (شہرہ) अ पु—ख्याति, प्रसिद्धि, शुहरत, कीर्ति, नामवरी, यश, फैज।

शुह्र आफाक (شہرۂ آفاق) अ वि—जो सारे ससार मे प्रसिद्ध हो, विश्वविख्यात।

शुह्.वर (شہرہ ور) अ फा वि—ख्यातिप्राप्त, प्रसिद्ध, विख्यात, मशहूर।

शुह्रए अनाम (شہرۂ انام) अ वि –दे 'शुह्रए आफ़ाक़'।

शुह्रए आफ़ाक़ (شہرۂ آفاق) अ. वि –विश्व-विख्यात, जगत्प्रसिद्ध।

शुह्रत (شہرت) अ. स्त्री –प्रसिद्धि, ख्याति, शुह्र, कीर्ति यश, नामवरी; किसी विशेष काम या कला मे प्रवीणता और हस्त-कौशल की प्रसिद्धि।

शुह्रततलब (شہرت طلب) अ वि –अपनी कीर्ति और यश की कथाएँ दूसरो तक पहुँचाने का अभिलाषी।

शुह्रततलबी (شہرت طلبی) अ स्त्री –अपनी प्रसिद्धि और ख्याति की चाह।

शुह्रतपरस्त (شہرت پرست) अ फा वि –शुह्रत का भूखा, अपनी नामवरी की चर्चा सुनने के लिए उत्कठित।

शुह्रतपरस्ती (شہرت پرستی) अ फा स्त्री –अपनी कीर्ति गान सुनने की उत्कठा।

शुह्रतपसंद (شہرت پسند) अ. फा वि –जो चाहता हो कि उसका यशगान सब में हो।

शुह्रतपसंदी (شہرت پسندی) अ फा स्त्री –अपने यश गान को सबमें फैलाने की लालसा।

शुह्रतयाफ़्तः (شہرت یافتہ) अ फा वि –प्रसिद्ध, मशहूर, ख्यातिप्राप्त।

शुह्रतयाब (شہرت یاب) अ फा वि –ख्यातिप्राप्त, प्रसिद्ध।

शू

शूख़ (شوخ) फा पु –मैल-कुचैल, मैल, गदगी।

शूख़गीं (شوخ گیں) फा वि –मैला, गदा, मलिन।

शूनीज़ (شونیز) फा पु –कलौजी, प्याज़ का बीज।

शूम (شوم) फा वि –अशुभ, अनिष्टकर, मनहूस, अकल्याणकर, नामुबारक, कृपण, मक्खीचूस।

शूमकदम (شوم قدم) फा अ वि –जिसका आगमन अनिष्टकर हो।

शूमताले' (شوم طالع) फा अ वि –हतभाग्य, भाग्यहीन, बदकिस्मत।

शूमिए आ'माल (شومئی اعمال) फा अ स्त्री –कर्मों की निकृष्टता, पापाचार।

शूमिए किस्मत (شومئی قسمت) फा अ स्त्री –भाग्य की निकृष्टता, भाग्य का खोटापन।

शूमिए तक़्दीर (شومئی تقدیر) फा अ स्त्री –दे 'शूमिए क़िस्मत'।

शूमिए ताले' (شومئی طالع) फा. अ स्त्री –दे. 'शूमिए किस्मत'।

शूमिए बख़्त (شومئی بخت) फा स्त्री –दे 'शूमिए क़िस्मत'।

शूमी (شومی) फा. वि –अनिष्ट, अशुभ, अकल्याण, नुहूसत, कृपणता, कजूसी; खोट, बुराई।

शूरा (شوریٰ) अ पु –परामर्श, सलाह, विचार-विनिमय, तबादलए ख़यालात; हितोपदेश, नसीहत।

शूरागाह (شوریٰ گاہ) अ फा स्त्री –आपस मे परामर्श करने का स्थान, मत्रणालय, प्रेक्षागार।

शे

शेख़ी (شیخی) तु. स्त्री –डीग, लाफ, हेकडी, शान, दे 'शैख़ी'।

शेफ़्तः (شیفتہ) फा वि –मुग्ध, आसक्त, आशिक़।

शेफ़्तगी (شیفتگی) फा स्त्री –मोह, आसक्ति, फ़िरेफ़्तगी।

शेब (شیب) फा वि –निचाई, निशेब।

शेरंदाम (شیراندام) फा वि –वह व्यक्ति जो शेर के साहस का हो, वह व्यक्ति जिसका सीना चौडा, कमर पतली और साहसी हो।

शे'र (شعر) अ. पु –दो मिस्रो का समाहार, बैत।

शे'र (شیر) फा पु –व्याघ्र, सिंह, पचानन, केसरी, बाघ।

शेरअंदाम (شیراندام) फा वि –दे 'शेरदाम'।

शेरअफ़्गन (شیرافگن) फा वि –शेर को परास्त करने-वाला, व्याघ्रविजेता।

शे'रआशोब (شعرآشوب) अ फा वि –वह पद्य जिसमें काव्यकला की अनाडियो के हाथो दुर्गति का वर्णन हो।

शे'रख़्वाँ (شعرخواں) अ फा वि –शेर पढनेवाला।

शे'रख़्वानी (شعرخوانی) अ फा स्त्री –शेर पढना, एक जगह बैठकर परस्पर शेर सुनना-सुनाना।

शेरगीर (شیرگیر) फा वि –जो व्यक्ति अधिक शराब पीकर भी बेहोश न हो, प्रतिष्ठित व्यक्ति, मदोन्मत्त, मस्त।

शे'रगो (شعرگو) अ फा वि –शे'र कहनेवाला, कवि, शाइर।

शे'रगोई (شعرگوئی) अ फा स्त्री –शे'र कहना, कविता करना।

शेरदहाँ (شیردہاں) फा वि –जिसका मुंह शेर-जैसा हो, व्याघ्रमुख।

शेरदिल (شیردل) फा वि –जिसका हृदय शेर-जैसा वीर हो, बहुत बडा वीर।

शे'रफ़ह्म (شعرفہم) अ वि –शे'र के गुण-दोष समझने-वाला, रसज्ञ, सहृदय, काव्य-मर्मज्ञ।

शे'रफ़ह्मी (شعرفہمی) अ स्त्री –शे'र समझना, काव्य-मर्मज्ञता, काव्य-निपुणता।

शेरबचः (شیربچہ) फा पु —शेर का वच्चा, सिंह-शावक।
शेरमर्द (شیرمرد) फा वि —शेर-जैसे दिल गुर्दे का मनुष्य, पुरुष-केसरी।
शेरमाही (شیرماهی) फा स्त्री —एक बहुत बडी मछली।
शेरसवार (شیرسوار) फा वि —शेर पर चढ़नेवाला, सिंहवाहन, सिंहयान।
शेरानः (شیرانہ) फा वि —शेरो-जैसा, वीरो-जैसा, वीरोचित।
शे'री (شعری) अ वि —शे'र का, काव्य का, काव्य-सम्बन्धी।
शे'रीयत (شعریت) अ स्त्री —शे'रपन, काव्यकला का रस।
शेरे आबी (شیر آبی) फा पु —पानी का शेर, जलव्याघ्र।
शेरे क़ाली (شیر قالین) फा पु —कालीन पर वना हुआ शेर जो कोई अनिष्ट नही कर सकता।
शेरे ख़ुदा (شیر خدا) फा पु —हज़रत अली की उपाधि, असदुल्लाह।
शे'रे ख़ुश्क (شعر خشک) अ फा पु —ऐसा शे'र जिसमें कोई रस न हो।
शेरे ज़ियां (شیرژیاں) फा पु —फाड खानेवाला शेर।
शे'रे तर (شعر تر) अ फा पु —काव्यकलापूर्ण शे'र, सरस शे'र।
शेरे नयस्ताँ (شیر نیستاں) फा पु —जगल में रहनेवाला शेर।
शेरे बब्र (شیر ببر) फा पु —एक प्रकार का शेर जो सबसे अधिक भयानक होता है, सिंह।
शेरे यज्दाँ (شیر یزداں) फा पु —दे 'शेरे खुदा'।
शे'रोअदब (شعروادب) अ पु —दे 'शेरो सुखन'।
शे'रोसुख़न (شعروسخن) अ फा पु —कविता, काव्य, साहित्य, अदव।
शेव. (شیوہ) फा पु —शैली, पद्धति, परिपाटी, ढग, तर्ज़, तरीका।
शेवए ज़ुल्म (شیوۂ ظلم) फा अ पु —अत्याचार का ढग।
शेवए बेदाद (شیوۂ بیداد) फा पु —अनीति और अत्याचार का तरीका।
शेवए लुत्फ़ (شیوۂ لطف) फा अ पु —कृपा और दया का तरीका।
शेवन (شیون) फा पु —रोदन, विलाप, रोना-पीटना, मातम, मृतशोक।
शेवनगर (شیونگر) फा वि —विलाप करनेवाला, रोने-पीटनेवाला।
शेवा (شیوا) फा वि —भाषण-पटु, कलापूर्ण भाषा में वातचीत करनेवाला।
शेवाज़बाँ (شیوازباں) फा वि —दे 'शेवाबयाँ'।
शेवाज़बानी (شیوازبانی) फा स्त्री —दे 'शेवाबयानी'।
शेवाबयाँ (شیوابیاں) फा अ वि —जिसकी वातचीत वहुत ही सुन्दर और कलापूर्ण हो।
शेवाबयानी (شیوابیانی) फा अ स्त्री —वातचीत की पटुता और सुन्दरता।

शै

शै (شے) फा स्त्री —वस्तु, पदार्थ, द्रव्य, चीज़।
शैए मक्फ़ूल. (شے مکفولہ) अ स्त्री —वह चीज़ जो गिरवी हो, वधक, वह जायदाद जो रुपये के वदले रेहनदार के कब्ज़े मे हो।
शैए मत्लूबः (شے مطلوبہ) अ स्त्री —वह चीज़ जिसकी आवश्यकता हो।
शैए मर्हून (شے مرهونہ) अ स्त्री —वह चीज़ जो रेहन अर्थात् वधक हो।
शैए लतीफ़ (شے لطیف) अ स्त्री —प्रतिभा, ज़हानत।
शैख़ (شیخ) अ पु —बूढा, वृद्ध, अध्यक्ष, सरदार, प्रतिष्ठित, श्रेष्ठ, बुज़ुर्ग, कुल का नायक।
शैख़ुत्तरीक़त (شیخ الطریقت) अ पु —धर्मगुरु, पीर, मुर्शिद।
शैख़ुत्ताइफ़ (شیخ الطائفہ) अ पु —अपने गोत्र या पार्टी का अध्यक्ष, दलपति।
शैख़ुर्रईस (شیخ الرئیس) अ पु —रईसो का सरदार, बू अली सीना की उपाधि।
शैख़ुल इस्लाम (شیخ الاسلام) अ पु —इस्लामी धर्मशास्त्र का सबसे बडा विद्वान्।
शैख़ुल जामिअ. (شیخ الجامعہ) अ पु —यूनीवर्सिटी (विश्वविद्यालय) का चासलर, कुलपति।
शैख़ुश्शुयूख़ (شیخ الشیوخ) अ पु —तमाम धर्मगुरुओं का गुरु, सबसे बडा धर्मगुरु, प्रमुख धर्माचार्य।
शैख़ूख़त (شیخوخت) अ स्त्री —वृद्धावस्था, बुढापा।
शैख़े कामिल (شیخ کامل) अ पु —पहुँचा हुआ पीर, ब्रह्मलीन धर्मगुरु, पूर्ण धर्माचार्य।
शैख़े वक़्त (شیخ وقت) अ पु —अपने समय का सबसे बडा धर्मगुरु।
शैख़ोशाब (شیخ و شاب) अ पु —बूढे और जवान, अर्थात् सब लोग।
शैतनत (شیطنت) अ स्त्री —शैतानपन, शरारत, उपद्रव, चपलता, शोख़ी; दुष्टता, कमीनगी।
शैतनतपसंद (شیطنت پسند) अ फा वि —जो बडा शरारती या उपद्रवी हो, जो बडा दुष्ट हो।

शैतान (شیطان) अ पु –एक फ़रिश्ता जिसने ईश्वराज्ञा का उल्लघन किया और बहिष्कृत हुआ, और तब से वह मनुष्यो को पाप की ओर प्रवृत्त करता है, इसी प्रकार का मनुष्य जो दूसरो का अनिष्ट चाहे, उपद्रवी, शरारती।

शैतानसीरत (شیطان‌سیرت) अ. वि –जिसकी प्रकृति शैतान-जैसी हो, महादुष्ट।

शैतान सूरत (شیطان‌صورت) अ वि –जिसकी आकृति शैतान-जैसी हो।

शैतानी (شیطانی) अ. वि –शैतान का ; शैतान-सम्बन्धी; निकृष्ट, बुरा, पापमय, गुनाह का।

शैताने मुजस्सम (شیطان مجسم) अ पु –जो सर से पाँव तक शैतान हो, जिसके आचरण पैशाचिक हो।

शैताने लईं (شیطان لعین) अ पु –धिक्कृत और बहिष्कृत शैतान।

शैद (شید) अ पु –छल, धोखा, फरेब।

शैदा (شیدا) फा वि –मुग्ध, मोहित, फ़िरेफ्त, आसक्त, आशिक, उन्मत्त, पागल, उद्विग्न, आतुर, परेशान, किसी चीज़ का बहुत अधिक इच्छुक।

शैदाई (شیدائی) फा वि –दे 'शैदा', प्रेमी—"एक यह दिल है जो सौ जान से शैदाई है, एक तुम हो, कि न मिलने की कसम खायी है।"

शैदाए इल्म (شیدائے علم) फा अ वि –विद्या प्राप्त करने का अत्यधिक अभिलाषी।

शैदाए वतन (شیدائے وطن) फा अ वि –देशभक्त, देश-प्रेम मे अनुरक्त।

शैदाए हुस्न (شیدائے حسن) फा अ वि –सुदरता को हर चीज़ से अधिक पसद करनेवाला।

शैदी (شیدی) अ वि –धूर्त, वचक, छली।

शैन (شین) फा पु –विलाप, रोना-धोना, दोष, ऐब।

शैपूर (شیپور) फा. पु –बिगुल, नफ़ीरी।

शैबः (شیبه) अ पु –दे 'शैबत'।

शैब (شیب) अ पु –बुढापा, वृद्धावस्था, जरा।

शैबत (شیبت) अ स्त्री –वृद्धावस्था, जरा, बुढ़ापा।

शो

शो (شو) फा प्रत्य –धोनेवाला, जैसे—'मुर्द शो' मुर्दे को धोने या नहलानेवाला, (पु) शौहर, पति, भर्ता, नाथ, स्वामी।

शोए (شوے) फा पु –शौहर, भर्तार, पति, (प्रत्य) धोनेवाला, जैसे—'रगशोए' न्यारिया।

शोख (شوخ) फा. वि –चचल, चपल, चुलबुला, शरीर, गहरा (रग) ; धृष्ट, ढीठ, उद्दड, गुस्ताख़, अवज्ञाकारी, नाफ़र्मान, असभ्य, बदतमीज़।

शोखगीं (شوخ‌گیں) फा वि –मैला, गदा, इस अर्थ मे 'शूख़गी' अधिक उचित है।

शोखचश्म (شوخ‌چشم) फा. वि –बेहया, बेशर्म, निर्लज्ज, धृष्ट, गुस्ताख़।

शोखचश्मी (شوخ‌چشمی) फा. स्त्री –बेहयाई, निर्लज्जता; ढीठपन, धृष्टता, गुस्ताख़ी।

शोखज़बाँ (شوخ‌زباں) फा वि.–मुँहफट, मुक्तकठ, बक्की, मुख-चपल, वाचाल।

शोखज़बानी (شوخ‌زبانی) फा स्त्री –मुँहफटपन, मुक्तकठता, बकवास, मुख-चपलता, वाचालता।

शोखतब्अ (شوخ‌طبع) फा. अ वि –जिसमे चचलता बहुत हो, चुलबुला, जो विनोदप्रिय हो, ख़ुशमिजाज।

शोखतब्ई (شوخ‌طبعی) फा अ स्त्री –प्रकृति का चुलबुलापन, मनोविनोद, हँसी-दिल्लगी।

शोखतरीन (شوخ‌ترین) फा वि –बहुत अधिक चुलबुला, बहुत गहरा (रग)।

शोखदीदः (شوخ‌دیده) फा. वि –दे 'शोखचश्म'।

शोखदीदगी (شوخ‌دیدگی) फा स्त्री.–दे 'शोखचश्मी'।

शोखमिजाज (شوخ‌مزاج) फा अ वि –दे 'शोखतब्अ'।

शोखमिजाजी (شوخ‌مزاجی) फा अ स्त्री –दे 'शोख-तब्ई'।

शोखिए अल्फाज (شوخئی الفاظ) फा अ स्त्री –लेख या भाषण मे ऐसे शब्दो का प्रयोग जो हास्यरसान्वित हो।

शोखिए तक्रीर (شوخئی تقریر) फा. अ स्त्री –भाषण में शोख और विनोदमय शब्दो का प्रयोग।

शोखिए तब्अ (شوخئی طبع) फा. अ स्त्री –प्रकृति की चचलता और विनोदप्रियता।

शोखिए तक़्दीर (شوخئی تقدیر) फा अ स्त्री –भाग्य की चचलता, अर्थात् अभागापन, बदकिस्मती।

शोखिए तहरीर (شوخئی تحریر) फा अ स्त्री –लेख मे ऐसे शब्दो का प्रयोग जो शोख हो।

शोखी (شوخی) फा. स्त्री –चपलता, चुलबुलाहट, धृष्टता, गुस्ताख़ी, अशिष्टता, बदतमीज़ी, गहरापन (रग)।

शोखो शंग (شوخ و شنگ) फा वि –वह व्यक्ति जो बहुत ही चुलबुला, चतुर और सुदर हो।

शोनीज़ (شونیز) फा स्त्री –कलौंजी, प्याज़ के बीज, दे 'शूनीज़', दोनो शुद्ध हैं।

शो'बः (شعبه) अ पु –शाखा, शाख, डाली, विभाग, महकमा, खड, टुकडा।

शोब (شوب) फा प्रत्य –धोनेवाला, धुलाई, धोने का का भाव, धुलाव, धोव, धोना, उष्णीष, पगड़ी।

शो'बए तस्नीफो तालीफ (شعبۂ تصنیف و تالیف) अ पु –वह विभाग जिसका सम्बन्ध पुस्तकें लिखने और सपादन करने से हो।

शोबीदः (شوبیدہ) फा वि.–धोया हुआ।

शोरः (شورہ) फा पु –एक खार जिससे बारूद बनती है, श्वेत क्षार।

शोर.गर (شورہ گر) फा वि –शोरा बनानेवाला।

शोरःपुश्त (شورہ پشت) फा वि –उद्दड, अक्खड, मुँहफट, बदतमीज़, झगडालू, फसादी, अवज्ञाकारी, निरकुश, जो कहे मे न हो।

शोर बूम (شورہ بوم) फा स्त्री –ऊसर, वह ज़मीन जिसमे रेह हो, जहाँ कुछ पैदा न हो सके।

शोर.साज़ (شورہ ساز) फा वि –दे 'शोर गर'।

शोर (شور) फा वि –खारी, नमकीन, कोलाहल, गुल, शोहरत, नामवरी; उन्माद, पागलपन।

शोरअंगेज़ (شور انگیز) फा वि –गुल मचानेवाला, पागलपन बढानेवाला।

शोरअंगेज़ी (شور انگیزی) फा स्त्री –गुल मचाना, पागलपन बढ़ाना।

शोरआगीं (شور آگیں) फा वि –उन्माद और पागलपन से भरा हुआ।

शोरआर (شورعار) फा स्त्री –फिटकरी, स्फटिक।

शोरचश्म (شورچشم) फा वि –जिसकी नज़र लग जाती हो।

शोरचश्मी (شورچشمی) फा स्त्री –नज़र लगना।

शोरपा (شورپا) फा वि –जिसके पाँव चलते समय टकराते हो, दोनो पाँव परस्पर लडते हो।

शोरपुश्त (شورپشت) फा वि –उद्दड, अक्खड, मुँहज़ोर, निरकुश, बेमहार, धृष्ट, गुस्ताख।

शोरपुश्ती (شورپشتی) फा स्त्री –उद्दडता, अक्खडपन, निरकुशता, बेमहारी, धृष्टता, गुस्ताखी।

शोरबख़्त (شوربخت) फा वि –हतभाग्य, अभागा, बदकिस्मत।

शोरबख़्ती (شوربختی) फा स्त्री –भाग्य की निकृष्टता, दुर्भाग्य, बदनसीबी।

शोरबा (شوربا) फा पु –गोश्त का पका हुआ रस, पक्वमासरस।

शोरमोर (شورمور) फा स्त्री –बहुत छोटी चीटी, क्षुद्र पिपीलिका, अशुभ, मनहूस, अनिष्टकर।

शोराब (شورابہ) फा पु –खारा पानी, नमक मिला हुआ पानी।

शोराव (شوراب) फा पु –दे 'शोराव'।

शोरिंदः (شورندہ) फा वि –शोर करनेवाला, गुल मचानेवाला।

शोरियत (شوریت) फा स्त्री –खारीपन, नमकीनी।

शोरिश (شورش) फा स्त्री –उपद्रव, दगा, फसाद, सैन्यद्रोह, बगावत, विद्रोह, खारीपन, नमकीनी, उन्माद, पागलपन।

शोरिशअंगेज़ (شورش انگیز) फा वि –उपद्रव और फसाद फैलानेवाला पदार्थ।

शोरिशअंगेज़ी (شورش انگیزی) अ स्त्री –उपद्रव और फसाद फैलाना।

शोरिशकदः (شورش کدہ) फा पु –उपद्रव का स्थान, फसाद की जगह, वह स्थान जहाँ फसाद या बगावत हो।

शोरिशकुनिंदः (شورش کنندہ) फा वि –फसाद पैदा करनेवाला, उपद्रवी।

शोरिशगाह (شورش گاہ) फा स्त्री – 'शोरिशकद.'।

शोरिशपसद (شورش پسند) फा वि –जो चाहता हो कि कोई न कोई फसाद या उपद्रव खडा ही रहे।

शोरिशपसदी (شورش پسندی) फा स्त्री –उपद्रव चाहना।

शोरिशी (شورشی) फा वि –फसाद या उपद्रव फैलानेवाला।

शोरीदः (شوریدہ) फा वि –आतुर, उद्विग्न, परेशान, उन्मत्त, मस्त, दीवाना।

शोरीदःखातिर (شوریدہ خاطر) फा अ वि –जिसका दिल परेशान हो, खिन्नमना, दु खित, रजीदा।

शोरीद.दिमाग़ (شوریدہ دماغ) फा अ वि –विकृतमस्तिष्क, पागल, खब्ती, सिराकी।

शोरीद बख़्त (شوریدہ بخت) फा वि –हतभाग्य, बदनसीब, बदकिस्मत, अभागा।

शोरीद मिज़ाज (شوریدہ مزاج) फा अ वि –खिन्नमनस्क, उद्विग्नचित्त, परेशाँदिल, पागल, खब्ती।

शोरीद सर (شوریدہ سر) फा वि –पागल, दीवाना, विकृतमस्तिष्क।

शोरीद सरी (شوریدہ سری) फा स्त्री –पागलपन, दीवानगी।

शोरीद.हाल (شوریدہ حال) फा अ वि –दुर्दशाग्रस्त, परीशाँहाल, उद्विग्न।

शोरीद.हाली (شوریدہ حالی) फा अ स्त्री –परीशाँहाली, दुर्दशा।

शोरीदगी (شوریدگی) फा स्त्री –उद्विग्नता, परीशानी, दीवानगी, पागलपन।

शोरे क़ियामत (شور قیامت) फा अ पु –महाप्रलय के समय का कोलाहल, बहुत अधिक शोरोगुल।

शोरेज़ (شوريز) फा स्त्री –खेती के काबिल ज़मीन।

शोरे तह्सीन (شور تحسين) फा अ पु –वाह-वाह का शोर, प्रशंसा और धन्यवाद का शोर।

शोरे नुशूर (شور نشور) फा अ पु –क़ियामत के दिन लोगों के उठने का शोर।

शोरे मर्हबा (شور مرحبا) फा अ पु –धन्यवाद और वाह-वाह का शोर।

शोरे मसर्रत (شور مسرت) फा अ पु –खुशी का शोर, हर्षनाद।

शोरे महशर (شور محشر) फा अ पु –दे 'शोरे क़ियामत'।

शोरे मातम (شور ماتم) फा पु –किसी के मरने पर रोने-धोने का शोर।

शोरो गुल (شورو غل) फा पु –दे 'शोरो ग़ग़ब'

शोरोग़ग़ब (شورو شغب) अ फा पु –बहुत अधिक कोलाहल और शोरोगुल।

शोरोशर (شورو شر) फा अ पु –शोर और फसाद, हंगामा, बग़ावत और फसाद का हंगाम।

शोलः (شعله) अ पु –अग्निज्वाला, लपट, उदा०—"एक शोल सा उठा, शीशे से पैमाने में, लो किरन फूटी सवेरा हुआ मैखाने में"—"खुमार"।

शो'लःअंगेज़ (شعله انگيز) अ फा वि –दे 'शो'ल अफ़्गन'।

शो'लःअंदाम (شعله اندام) अ फा वि –जिसका शरीर अग्नि-जैसा उज्ज्वल और दीप्त हो।

शोल.अफ़्गन (شعله افگن) अ फा वि –शो'ले बखेरनेवाला, आग बरसानेवाला, अग्निवर्षक।

शो'ल.अफ़्शाँ (شعله افشاں) अ फा वि –दे 'शो'ल अफ्गन'।

शो'ल.आवाज़ (شعله آواز) अ फा वि –जिसकी आवाज़ में दर्द हो, बहुत अच्छा गानेवाला।

शो'ल.इज़ार (شعله عذار) अ वि –आग-जैसे उज्ज्वल गालोंवाला (वाली), बहुत ही सुंदर।

शो'ल.क़ामत (شعله قامت) अ वि –दे 'शो'ल अंदाम'।

शो'लःखू (شعله خو) अ फा वि –दे 'शो'ल मिज़ाज'।

शो'ल.ज़न (شعله زن) अ फा वि –शो'ले फेंकनेवाला, बहुत तेज़ जलनेवाली आग।

शो'ल.ज़बाँ (شعله زباں) अ फा वि –बहुत ही तेज़ बोलने-वाला, धुँआँधार भाषण देनेवाला।

शो'ल ज़ादः (شعله زاده) अ फा वि –अग्नि से उत्पन्न एक योनि विशेष, देव, परी, जिन, शैतान।

शो'ल.ज़ार (شعله زار) अ फा पु –जहाँ शो'ले ही शो'ले हों, जहाँ आग ही आग हो।

शो'लःदीदार (شعله ديدار) अ फा वि –दे 'शो'ल रुख़'।

शो'लःनाक (شعله ناک) अ फा वि –शो'लों से भरा हुआ।

शो'लःफ़ाम (شعله فام) अ फा वि –शो'ले-जैसे लाल और दीप्त रंगवाला (वाली), अग्निवर्ण।

शो'लःफ़िगन (شعله فگن) अ फा वि –दे 'शो'ल अफ़्गन'

शो'लःफ़िशाँ (شعله فشاں) अ फा वि –दे 'शोल अफ्गन'।

शो'लःबार (شعله بار) अ फा वि –आग बरसानेवाला, अग्निवर्षक।

शो'लःबारी (شعله باری) अ. फा स्त्री –आग बरसाना, अग्निवर्षा।

शो'लःमिज़ाज (شعله مزاج) अ वि –बहुत तीव्र और कड़वे स्वभाव का, बहुत अधिक गुस्सैल।

शो'ल.रंग (شعله رنگ) अ फा वि –दे शो'ल फ़ाम'।

शो'ल.रुख़ (شعله رخ) अ फा वि –अग्नि-जैसे सुर्ख़ और उज्ज्वल गालोंवाला (वाली) परवाने का अपने सूरते शमा। अय शोला रूखो न दिल जलाउ।

शो'लःरुख़सार (شعله رخسار) अ फा वि –दे 'शोल' रुख़'।

शो'लःरू (شعله رو) अ फा वि –दे. 'शो'ल रुख़'।

शो'लः सा (شعله سا) अ फा वि –शो'ल -जैसा, आग-जैसा।

शो'लःसिफ़त (شعله صفت) अ वि –शो'ल -जैसा, आग की तरह रौशन और लाल।

शो'लए जव्वालः (شعلۂ جواله) अ पु –आग का वह घेरा जो लकड़ी के दोनों सिरों को जलाकर घुमाने से बनते हैं, आलात-चक्र।

शो'लए जौलाँ (شعلۂ جولاں) अ फा पु –चलने-फिरने-वाला शो'ल अर्थात् नायिका।

शो'लए ताक (شعلۂ تاک) अ फा पु –अंगूरी शराब, द्राक्षेरा, द्राक्षासव, मालिका।

शो'लए दीदार (شعلۂ ديدار) अ फा पु –प्रेमिका के दर्शनों की आग।

शो'लए रुख़सार (شعلۂ رخسار) अ फा पु –गालों की दीप्ति और चमक जो शो'ल जान पड़ती है।

शो'लीं (شعلیں) फा वि –अग्निज्वाला-सम्बन्धी,, लपट-दार, लपटोंवाला, लपटें निकलता हुआ।

शोलीदः (شوليده) फा वि –स्तब्ध, स्तंभित, हैरान, उद्विग्न, व्याकुल, परेशान।

शोश. (شوشه) फा पु –खंड, टुकड़ा, सीन या शीन (अक्षर) का दंदान, सोने या चाँदी का डेला।

शौ

शौ (شو) फा पु –'शौहर' का लघु, शौहर, पति, स्वामी।

शौकः (شوکہ) अ पु –काँटा, कटक।
शौक (شوق) अ पु –अभिलाषा, उत्कठा, अधिक चाह, लगन, व्यसन, टेव, आदत।
शौकत (شوکت) अ स्त्री –आतक, दब्दब, वैभव, ऐश्वर्य, शानोशौकत।
शौकतुलअक्रब (شوکة العقرب) अ पु –बिच्छू का डक।
शौकतेअलफाज (شوکت الفاظ) अ स्त्री –लेख में बडे-बडे और क्लिष्ट शब्दो की व्यवस्था, शब्दाडवर।
शौकते शाही (شوکت شاھی) अ फा स्त्री –बादशाहो का ठाठ-बाट।
शौकराँ (شوکراں) अ पु –एक वनौपधि जो दवा मे प्रचलित है।
शौक़ियः (شوقیہ) अ वि –शौक के तौर पर, केवल मन-बहलाव के लिए।
शौक़ीन (شوقین) उ वि –व्यसनी, धती, आदी, किसी कार्य-विशेष मे बहुत अधिक रुचि रखनेवाला।
शौके आराइश (شوق آرائش) अ फा पु –बनने-सँवरने का शौक, खुद को बना-ठना रखने का शौक।
शौक़े इबादत (شوق عبادت) अ पु –जप-तप का शौक, ईश्वराराधना की लगन।
शौक़े ज़ीनत (شوق زینت) अ पु –दे 'शौके आराइश'।
शौक़े तज़ईन (شوق تزئین) अ पु –दे 'शौके आराइश'।
शौक़े बेपायाँ (شوق بےپایاں) अ फा पु –बहुत अधिक शौक, हद से बढी हुई उत्कठा।
शौके लिबास (شوق لباس) अ पु –कपडो का शौक, अच्छे-अच्छे कपडे पहिनने का शौक।
शौकोज़ौक (شوق و ذوق) अ पु –बहुत अधिक रुचि, बहुत अधिक शौक।
शौलः (شولہ) अ पु –उन्नीसवाँ नक्षत्र, मूल।
शौहर (شوھر) फा पु –पति, भर्तार, स्वामी, भर्तृ, खाविंद।
शौहरकुश (شوھرکش) फा स्त्री –पति को मार डालने-वाली स्त्री, पतिघातिनी।
शौहरख्वाह (شوھرخواہ) फा स्त्री –पति की इच्छा करने-वाली स्त्री, पतिकामा।
शौहरपरस्त (شوھرپرست) फा स्त्री –पति को ईश्वर की तरह पूजनेवाली स्त्री, पतिव्रता, पति-परायणा।

स

संग (سنگ) फा पु –प्रस्तर, पाषाण, पत्थर।
संगअदाज (سنگ انداز) फा पु –पत्थर फेकनेवाला, किले के सूराख जिनसे बदूक चलायी जाती है, गोफन, जिससे ढेला फेकते है।
संगख़ुर्दः (سنگ خوردہ) फा वि –जिसे पत्थर की चोट आयी हो, पत्थर से घायल।
संगचः (سنگچہ) फा पु –ओला, घनोपल।
संगज़दः (سنگ زدہ) फा वि –जिसे पत्थर से मारा गया हो।
संगज़न (سنگ زن) फा वि –वह तराजू जिसमें पासग हो, जो कम तोले।
संगज़र (سنگ زر) फा पु –कसौटी, कसवटी, निकष।
संगजराहत (سنگ جراحت) एक सफेद पत्थर जो घाव भरने के काम आता है, सिघा, सेलखरी, मरहम बनाने में प्रयुक्त होती है।
संगजाँ (سنگ جاں) फा वि –जिसके प्राण मुश्किल से निकलें, सख्तजाँ, निर्दय, बेरहम।
संगज़ार (سنگ زار) फा पु –पथरीला स्थान, जहाँ पत्थर ही पत्थर हो।
संगजानी (سنگ جانی) फा स्त्री –प्राण कठिनता से निकलना, निर्दयता, सगदिली।
संगतरः (سنگترہ) फा पु –सतरा, मीठी नारगी।
संगतराश (سنگ تراش) फा वि –पत्थर का काम करने-वाला, पाषाण-भेदक।
संगतराशी (سنگ تراشی) फा स्त्री –पत्थर का काम करना।
संगदस्त (سنگ دست) फा वि –दे 'सगीदस्त'।
संगदस्ती (سنگ دستی) फा स्त्री –दे 'सगीदस्ती'।
संगदानः (سنگ دانہ) फा पु –दे 'सगदान'।
संगदान (سنگ دان) फा पु –चिडिया का पोटा।
संगदिल (سنگ دل) फा वि –निर्दय, वज्रहृदय, बेरहम, सख्तदिल।
संगदिली (سنگ دلی) फा स्त्री –निर्दयता, बेरहमी, क्रूरता, हृदय का पत्थरपन।
संगपा (سنگ پا) फा पु –झाँवाँ, पाँव माँजने का पत्थर, दे 'सगेपा'।
संगपुश्त (سنگ پشت) अ पु –कच्छप, कूर्म, कछवा।
संगबकफ (سنگ بکف) फा वि –हाथ में पत्थर लिये हुए, मारने के लिए पत्थर उठाये हुए।
संग बदामन (سنگ بدامن) फा वि –दामन मे पत्थर भरे हुए।
संगबस्त (سنگ بستہ) फा वि –सुदृढ, काफी मजबूत।
संगबस्त (سنگ بست) फा वि –दृढ, मजबूत, वह मेवा जो अभी पक्का न हो, गद्दा हो।
संगरू (سنگ رو) फा वि –निर्लज्ज, बेहया, बेशर्म।

संगरेज़ः (سنگریزہ) फा पु –ककडी, पत्थर का छोटा-सा टुकडा ।

संगलाख़ः (سنگلاخہ) फा पु –दे 'सगलाख़' ।

संगलाख़ (سنگلاخ) फा वि –पथरीली ज़मीन, जहाँ पत्थर वहुत हो, जहाँ से खोदकर ककर निकाले जायँ ।

संगसाज़ (سنگساز) फा वि –लीथो प्रेस में पत्थर पर त्रुटियाँ शुद्ध करनेवाला ।

संगसाज़ी (سنگسازی) फा स्त्री –लीथो प्रेस में पत्थर पर की गलतियाँ शुद्ध करना ।

संगसार (سنگسار) फा वि –जिसे पत्थर मार-मार कर मार डाला गया हो, पथराव, पथराव करके किसी व्यक्ति को मार डालना, एक सज़ा जो कडे अपराधियो को दी जाती थी, उसे कमर तक जमीन मे गाडकर उस पर इतने पत्थर वरसाते थे कि वह मर जाय ।

संगसारी (سنگساری) फा स्त्री.–दे 'सगसार', न २, ३ ।

संगिस्तान (سنگستان) फा पु –पथरीली जगह, पहाडी जगह ।

संगीं (سنگیں) फा वि –'सगीन' का लघु, जो यौगिक शब्दो में व्यवहृत है, अर्थ के लिए दे 'सगीन' ।

संगींजिगर (سنگیں جگر) फा. वि –निर्दय, कठोरहृदय, वेरहमतरीन ।

संगींजिगरी (سنگیں جگری) फा स्त्री –वहुत अधिक निर्दयता, इतिहाई वेरहमी ।

संगींदस्त (سنگیں دست) फा वि –जो काम करने मे वहुत सुस्त हो, काहिल, कामचोर, दीर्घसूत्री ।

संगींदस्ती (سنگیں دستی) फा स्त्री –कामचोरी, आलस्य, काहिली ।

संगींदिल (سنگیں دل) फा वि –वहुत ही कठोर हृदय का, वडा ही वेरहम, प्रस्तर-हृदय ।

संगींदिली (سنگیں دلی) फा स्त्री –हृदय का अत्यत कठोर होना, सख्त वेरहमी ।

संगी (سنگی) फा वि –पत्थर का वना, पत्थर से सम्वन्धित, पत्थर का ।

संगीन (سنگین) फा. वि.–सख़्त, कडा, कठोर; गाढा, गफ (कपडा), कडा, दुष्कर, जैसे—सगीन काम ।

संगीन (سنگین) उ स्त्री – एक लवी और पतली वरछी जो वदूक के सिरे पर लगायी जाती है ।

संगीनी (سنگینی) फा स्त्री –पत्थर का वना हुआ होना ।

संगे असवद (سنگ اسود) फा. अ पु –काला पत्थर, कृष्ण प्रस्तर, वह पत्थर जो का'वे मे लगा है और जिसे देखने के लिए हर साल मुसलमान मक्के जाते है, जिसे हज कहते है ।

संगे आस्ताँ (سنگ آستاں) फा पु –देहलीज का पत्थर, वह पत्थर जिसमें चौखट वाजू जडा जाता है, ईरान में देहलीज़ मे लकडी नही होती ।

संगे आस्तानः (سنگ آستانہ) फा पु –दे 'सगे आस्ताँ' ।

संगे आहनरुवा (سنگ آہن ربا) फा. पु –चुम्वक, चुम्मक पत्थर ।

संगे क़नाअत (سنگ قناعت) फा अ पु –वह पत्थर जो भूक की जलन कम करने के लिए पेट पर वाँधते है, यह अरव का रवाज है ।

संगे कलाँ (سنگ کلاں) फा पु –कोई वहुमूल्य रत्न, कीमती जौहर ।

संगे ख़ारा (سنگ خارا) फा पु –एक प्रकार का खुरदरा और लाली लिये हुए पत्थर जो वहुत कडा होता है ।

संगे गुर्दः (سنگ گردہ) फा पु –गुर्दे मे पड जानेवाली पत्थरी, किडिनी स्टोन, वृक्क अश्मरी ।

संगे जराहत (سنگ جراحت) फा अ पु –एक सफ़ेद और कोमल पत्थर जो घाव भरने के काम आता है, सिघा ।

संगे ज़ालः (سنگ ژالہ) फा पु –ओला, हिमोपल, वर्षिला ।

संगे तराज़ू (سنگ ترازو) फा. पु –तोलने का वाँट ।

संगे तिफ़्लाँ (سنگ طفلاں) फा अ पु –वह पत्थर जो लडके दीवानो यानी पागलो को मारते है ।

संगे तुर्बत (سنگ تربت) फा अ पु –वह पत्थर जो कब्र के सिरहाने लगाते है और जिसमे मृत पुरुष का नाम और तारीख आदि लिखते है ।

संगे नसू (سنگ نسو) फा पु –सगे मरमर, श्वेत प्रस्तर ।

संगे पा (سنگ پا) फा पु –झाँवाँ, जिससे पाँव का मैल छुडाते है ।

संगे फ़लाख़न (سنگ فلاخن) फा. पु.–वह पत्थर जो गोफन मे रखकर फेकते है ।

संगे फ़साँ (سنگ فساں) फा पु –वह पत्थर जिस पर छुरी, चाकू आदि की धार तेज़ करते है, सान ।

संगे वसरी (سنگ بصری) फा. अ पु –एक पत्थर जो आँखो की दवा मे काम आता है, खपरिया ।

संगे वाराँ (سنگ باراں) फा पु –ओला, हिमोपल ।

संगे वालिश (سنگ بالش) फा पु –वह पत्थर जो सर के नीचे तकिए की जगह रखा जाता है, प्राय साधु और दरवेश रखते है ।

संगे वालीं (سنگ بالیں) फा पु –दे 'सगे वालिश' ।

संगे वुन्याद (سنگ بنیاد) फा पु –वह पत्थर जो किसी इमारत की नीव मे रखा जाता है, आधार-शिला, नीव, वुन्याद ।

संगे बेनून (سنگ بےنون) फा पु –कुत्ता, कुक्कुर, पाजी और दुष्ट आदमी, उर्दू के शब्द 'सग' मे से नून निकल जाय तो 'सग' रह जाता है।

संगे मक्तल (سنگ مقتل) फा अ पु –वह पत्थर जिस पर वध किया जाता है, वधशिला।

संगे मजाअत (سنگ مجاعت) फा अ पु –भूख मे पेट पर बाँधा जानेवाला पत्थर, अरब का रवाज है।

संगे मक्नातीस (سنگ مقناطیس) फा अ पु –चुवक, चुम्बक पत्थर, आख, पाषाण।

संगे मजार (سنگ مزار) फा अ पुं –दे 'सगे तुर्बत'।

संगे मर्मर (سنگ مرمر) फा पु –एक मशहूर पत्थर, श्वेत प्रस्तर।

संगे मसानः (سنگ مثانه) फा अ पु –वह पथरी जो मूत्राशय में पड जाती है।

संगे महक (ह़क) (سنگ محک) फा अ पु –कसौटी का पत्थर, कसौटी, कष'वटी, कषपट्टिका, निकष।

संगे माही (سنگ ماهی) फा पु –दे 'सगे सरे माही'।

सगे मील (سنگ میل) फा अ पु –वह पत्थर जो रास्ते मे दूरी जानने के लिए एक-एक मील पर लगा देते है।

सगे मूसा (سنگ موسی) फा अ, पु –काला पत्थर, एक प्रकार का विशेष काला पत्थर।

संगे यमन (سنگ یمن) फा अ पु –पद्मराग, ला'ल।

सगे यशब (سنگ یشب) फा अ पु –एक हरा पत्थर जो दवा में काम आता है।

संगे यश्म (سنگ یشم) फा अ पु –दे 'सगे यश्व'।

सगे राह (سنگ راه) फा पु –वह पत्थर जो रास्ते मे पडा हो और राहगीरो को रास्ता न चलने दे, वह व्यक्ति जो किसी काम मे रुकावट डाले।

संगे रुखाम (سنگ رخام) फा पु –सगे मरमर।

संगे शजरी (سنگ شجری) फा अ पु –एक प्रकार का मूंगा, विद्रुम।

संगे शिहाब (سنگ شہاب) फा अ पु –वह पत्थर जो शिहाबे साकिब के गिरने से बन जाता है, उल्कापाषाण।

संगे सदलसा (سنگ صندل سا) फा पु –वह सिल जिस पर चदन रगडते है।

सगे समाक (سنگ سماق) फा अ पु –एक पत्थर जो सारे पत्थरो से अधिक सख्त होता है और बिलकुल घिसता नही है, उसके खरल बनते है, जो बहुत कीमती होते है और वह मोती आदि दूसरे जवाहरात पीसने के काम आता है।

संगे सराच (سنگ سراچه) फा पु –दे 'सगे आस्ताँ'।

सगे सरेमाही (سنگ سرماهی) फा पु –एक प्रकार का पत्थर जो बडी मछली के सर से निकलता है और दवा के काम आता है।

संगे सिलायः (سنگ صلایه) फा अ पु –दवा आदि घिसने का पत्थर।

सगे सुर्ख (سنگ سرخ) फा पु –लाल पत्थर जिसमे इमारते बनती है और मकानो मे लगाया जाता है।

सगे सुर्मः (سنگ سرمه) फा पु –वह पत्थर जिसका सुर्मा बनाते है।

संगे सुलैमानी (سنگ سلیمانی) फा अ पु –एक नग जो प्राय दुरगा या धारीदार होता है और जिसकी तस्बीह फकीर लोग गले में डालते है।

संजः (سنجه) फा पु –तोलने का बाँट।

संज (سنج) फा प्रत्य –तोलनेवाला, जैसे—'सुखनसज' बात को तोलनेवाला, (पु) झाँझ, मजीरा काँसे की दो कटोरियाँ जो बजायी जाती है।

सजाब (سنجاب) फा स्त्री –एक जानवर जो चूँस के बराबर होता है, उसकी खाल का पोस्तीन बनता है जो बहुत अच्छा होता है।

सजिदः (سنجده) फा वि –तोलनेवाला।

संजीद. (سنجیده) फा वि –तोला हुआ, सतुलित, गभीर, मतीन, शात, पुरअम्न, सहिष्णु, बुर्दबार, हर बात को ध्यानपूर्वक सुनने और गौर करनेवाला।

संजीद गुफ्तार (سنجیده گفتار) फा वि –जिसकी बात चीत मे गभीरता हो, शातवादी।

संजीद.गुफ्तारी (سنجیده گفتاری) फा स्त्री –बातचीत की गभीरता।

संजीद.तब्अ़ (سنجیده طبع) फा. अ वि –जिसकी प्रकृति गभीर हो।

संजीद तब्ई (سنجیده طبعی) फा अ स्त्री –प्रकृति की गभीरता।

संजीद मिजाज (سنجیده مزاج) फा अ वि –जिसके मिज़ाज मे शाति और गभीरता हो।

संजीद मिजाजी (سنجیده مزاجی) फा अ स्त्री–मिजाज़ की शाति और गभीरता।

संजीद रफ्तार (سنجیده رفتار) फा वि –व्यवहार और आचररण की गभीरता।

सजीदगी (سنجیدگی) फा स्त्री –गभीरता, मतानत, चित्त की शाति, सहिष्णुता, तहम्मुल।

सजुक (سنجق) तु पु –पताका, ध्वजा, केतु, झडा, कमरबद, कटिबध।

संदरूस (سندرس) फा पु –राजन जो एक प्रसिद्ध गोंद है, दे 'सुदरूस', दोनो शुद्ध है।

संदल (صندل) अ पु –एक सुप्रसिद्ध सुगधित लकडी, चदन।

संदलसा (صندل سا) फा वि –चदन घिसने की सिल।

संदली (صندلیں) फा वि –सदल का, सदल की लकडी का बना हुआ।

संदली (صندلی) फा स्त्री –सदल का, सदल की लकडी का, कुर्सी।

संदास (سنداس) फा पु –पाखाना, सडास।

संदूक (صندوق) अ पु –लकडी या टीन की बडी पेटी जिसमें कपडे आदि रखे जाते है।

संदूकचः (صندوقچہ) छोटा सदूक।

सदूकनुमा (صندوق نما) अ फा वि –सदूक की शक्ल का।

संदूकसाज़ (صندوق ساز) अ फा वि –सदूक बनानेवाला।

संदूकी (صندوقی) अ वि –सदूक-जैसा, सदूक की आकृति का, सदूकनुमा कब्र जिसमे बगली नही होती।

संदूके मुर्दः (صندوق مردہ) अ फा पु –तावूत, शव रखने का लकडी का संदूकनुमा पात्र।

सअत (سعت) अ स्त्री –विस्तार, फैलाव, फराखी, गुजाइश।

सआदत (سعادت) अ स्त्री –प्रताप, तेज, इक्बाल, कल्याण, भलाई, बरकत, मुबारकी, शुभकारिता।

सआदत आसार (سعادت آثار) अ वि –जिसके लक्षण ऐसे हो कि आगे चलकर वह शुभान्वित होगा।

सआदतकेश (سعادت کیش) अ फा वि –दे 'सआदतमद'।

सआदतपजोह (سعادت پژوہ) अ फा वि –दे 'सआदतमद'।

सआदतपनाह (سعادت پناہ) अ फा वि –तेजस्वी, प्रतापी, इक्बालमद।

सआदतमंद (سعادت مند) अ फा वि –भाग्यशाली, नसीबेवर, तेजोमय, इक्बालमद, आज्ञाकारी, फर्मांवरदार।

सआदतमंदी (سعادت مندی) अ फा स्त्री –सआदतमद होना।

सआदलवर (سعادت ور) अ. फा वि –दे 'सआदतमद'।

सआदतवरी (سعادت وری) अ फा स्त्री –दे. 'सआदतमदी'।

सआदतशिआर (سعادت شعار) अ वि –दे 'सआदतमद'।

सआदतसंज (سعادت سنج) अ फा वि –दे 'सआदतमद'।

सआलिब (ثعالب) अ पु –'सा'लब' का बहु लोमड़ियाँ।

सआलील (ثعالیل) अ. पु –'सूलूल' का बहु, मस्से, भिटनियाँ।

सई (سعی) अ पु –प्रयत्न, पराक्रम, कोशिश—
"तसकीने दिले महजूँ न हुई वह सईए करम फरमा भी गये,
इस सईए करम को क्या कहिए बहला भी गये तडपा भी गये।"

सईद (صعید) अ.पु.–मृत्तिका, मिट्टी, पृथ्वी, जमीन।

सईद (سعید) अ वि –तेजस्वी, इक्बालमद; भाग्यशाली, खुशनसीब, कल्याणकारी, मुबारक।

सईर (سعیر) अ पु –अग्निज्वाला, आग की लपट, नरक का एक तल।

सईस (سئیس) अ पु –घोडे की देख-रेख करनेवाला, अरबी के शब्द 'साइस' का बिगडा हुआ रूप।

सऊद (صعود) अ. पु –ऊँचाई, बलदी, यातना, पीडा, अज़ाब; ऊपर चढनेवाला।

सऊबत (صعوبت) अ स्त्री –दे शुद्ध उच्चारण 'सुऊबत'।

सऊल (سئول) अ वि – बहुत पूछनेवाला, बहुत प्रश्न करनेवाला।

सकत (سقط) अ पु –लिखने की भूल, हिसाब की भूल; गिरी-पडी चीज़, अपशब्द, गाली, निंदा, बदगोई।

सकतगो (سقط گو) अ फा वि –गाली देनेवाला, गाली-गलौज करनेवाला, निंदा करनेवाला, बदगो।

सक़तचीं (سقط چیں) अ फा वि –गिरी-पडी चीज़ें बीननेवाला, रेज़े और टुकडे चुनने वाला।

सकतफरोश (سقط فروش) अ फा वि –गिरी-पडी चीज़ें, जैसे—गिरे-पडे फल आदि बेचनेवाला, बेहूदा बाते बकनेवाला, अनर्गलवादी।

सकती (سقطی) अ वि –गिरी-पड़ी चीज़े बेचनेवाला, कबाडी।

सकनः (سکنہ) अ पु –'साकिन' का बहु, रहनेवाले, निवासी।

सक़न्कूर (سقنقور) अ पु –साँड के प्रकार का, परतु उससे छोटा एक जानवर जिसका मास बहुत ही कामवर्द्धक है।

सक़म (سقم) अ पु –रोग, बीमारी, त्रुटि, दोष, दे. 'सुक्म', दोनो शुद्ध है।

सक़र (سقر) अ पु –नरक, दोज़ख।

सकरात (سکرات) अ. स्त्री –निश्चेष्टता, बेहोशी, प्राण निकलते समय का कष्ट, चद्रा।

सकरान (سکران) अ वि –उन्मत्त, मतवाला, शराब के नशे मे चूर।

सक़लैन (ثقلین) अ.पु –दो वर्ग, अर्थात् मनुष्यो का और जिन्नो का।

सक़ाफत (ثقافت) अ स्त्री –अक्लमद होना; हल्का होना, तेज़ सिर्का।

सक़ाम (سقام) अ.पु –रोग, व्याधि, बीमारी।

सक़ारा (سکاری) अ पु –'सकरान' का वहु, मस्त और मतवाले लोग, दे 'सुकारा', दोनो शुद्ध हैं।

सक़ालत (ثقالت) अ स्त्री –वोझ, गुरुत्व, भारीपन।

सक़ाहत (ثقاهت) अ स्त्री –श्रेष्ठता, वुज़ुर्गी, विश्वस्तता, मो'तवरी।

सकिरलात (سقرلات) तु पु –ऊनी वानात, सिक्लात।

सकीन (سکینه) अ स्त्री –'सकीनत' हज्रत इमाम हुसैन की सुपुत्री जो वडी वहादुर थी और जिन्होने हज्रत इमाम की शहादत के वाद यज़ीद के विरुद्ध बहुत वडा प्रचार किया।

सकीनत (سکینت) अ स्त्री –आराम, चैन, सुख, मदता, धीरज, आहिस्तगी।

सक़ीफ़ (سقیفه) अ पु –झूठी वात, वकवाद, आरोप, इत्तिहाम, परामर्श, सलाह।

सक़ीम (سقیم) अ वि –रोगी, वीमार, दुर्दशाग्रस्त, वदहाल।

सक़ीमुलहाल (سقیم الحال) अ वि –जिसकी आर्थिक दशा खराव हो, दरिद्र, निर्धन, दुर्दशाग्रस्त।

सक़ील (ثقیل) अ वि –गुरु, भारी, वोझल।

सक्का (سقا) अ पु –पानी पिलानेवाला, पानी भरनेवाला, विहिश्ती।

सक्काई (سقائی) अ स्त्री –पानी पिलाने का काम, पानी भरने का काम, भिश्तीगरी।

सक्काक (سکاک) अ वि –लौहकार, लुहार, सिक्के पर ठप्पा लगानेवाला।

सक्त. (سکته) अ पु –एक रोग जिसमे आदमी विलकुल मरे हुए प्राणी के समान हो जाता है, मूर्छा रोग, शे'र में किसी शब्द या अक्षर का कम होना, छदोभग, यति-भग।

सक्त (سقط) अ पु –पशु का मरना।

सक्मूनिया (سقمونیا) अ स्त्री –एक दवा, जो रेचक होती है, दे 'सुक्मूनिया', दोनो शुद्ध हैं।

सक्रात (سقراط) अ पु –यूनान का एक प्रसिद्ध वैज्ञानिक जो हज्रत ईसा से पाँच सौ साल पहले था।

सख़त (سخط) अ पु –क्रोध, रोप, गुस्सा, दे 'सुख़्त', वह भी शुद्ध है।

सख़ा (سخا) अ स्त्री –दानशीलता, वदान्यता, सख़ावत।

सख़ाफ़त (سخافت) अ स्त्री –तुच्छता, अधमता, कमीनगी, निर्वुद्धिता, वेअक्ली, हलकापन, ओछापन।

सख़ी (سخی) अ वि –मुक्तहस्त, वदान्य, दाता, फ़ैयाज़, दानशील, दानी।

सख़ीन (ثخین) अ वि –गाढा, गफ, दृढ, मज्वूत, पुष्ट, कठोर, सख़्त।

सख़ीफ़ (سخیف) अ वि –हलका, सवुक, झिझरा वुना हुआ कपडा, तग ज़र्फ़, छिछोरा, लघुचेता, अनुदार।

सख़ुन (سخن) फा पु –दे 'सुख़न', दोनो शुद्ध है, परन्तु उर्दू मे अधिक व्यवहृत 'सुख़न' ही है।

सख़्त (سخت) फा वि –कठोर, कडा, अत्यधिक, वहुत ज़ियाद, तीव्र, प्रचड, तेज़, दुशील, वेमुरव्वत, निर्दय, वेरहम, दुष्कर, मुश्किल, कठिन, वहुत वडा।

सख़्तकमान (سخت کمان) फा वि –योद्धा, पहलवान, तीरदाज, धनुर्धर, शक्तिशाली, शहज़ोर।

सख़्तकोश (سخت کوش) फा वि –वहुत अधिक पराक्रमी।

सख़्तगीर (سخت گیر) फा वि –भूल-चूक पर कडा पकडनेवाला, रिआयत न करनेवाला, पूरी सज़ा देने वाला।

सख़्तगीरी (سخت گیری) फा स्त्री –गलती या भूल या अपराध पर रिआयत न करनेवाला।

सख़्तचावीद (سخت چاویده) फा वि –'तुच्छ, अधम, पामर, नीच, पोच।

सख़्तजाँ (سخت جاں) फा वि –जिसके प्राण कठिनता से निकले, निर्लज्जता का जीवन व्यतीत करनेवाला, वहुत वडा पराक्रमी, सख़्त मेहनती।

सख़्तजानी (سخت جانی) फा स्त्री –निर्लज्जता का जीवन, कठोर पराक्रम।

सख़्तज़ेह (سخت زه) फा वि –दे 'सख़्तकमान'।

सख़्तदिल (سخت دل) फा वि –निर्दय, जिसके हृदय मे दयाभाव न हो, सगदिल।

सख़्तदिली (سخت دلی) फा स्त्री –निर्दयता, वेरहमी।

सख़्तवाज़ू (سخت بازو) फा वि –वहुत मशक्कत करनेवाला, वहुपराक्रम, अति परिश्रमी।

सख़्तमीर (سخت میر) फा वि –मुश्किल से मरने वाला, जिसके प्राण कठिनता से निकले।

सख़्तसा (سخت سا) फा पु –पहलवानो का घिस्सा।

सख़्तिए याम (سختی ایام) फा अ स्त्री –दिनों का कष्ट, भाग्य की निष्ठुरता, गर्दिश।

सख़्तिए नज़्अ (سختی نزع) फा अ स्त्री –यम-यातना, चद्रा, मरते समय का कष्ट।

सख़्ती (سختی) फा स्त्री –कठोरता, कडापन, दुशीलता, वेहयाई, कठिनता, मुश्किल, निर्दयता, वेरहमी, तीव्रता, तेज़ी, शिद्दत।

सख़्तीकश (سختی کش) फा वि –मुसीवतें झेलनेवाला, विपत्तियो मे जीवन व्यतीत करनेवाला।

सग (سگ) फा पु –कुक्कुर, श्वान, शुनि, शुनक, कुत्ता, कूकुर।

सगखस्लत (سگ‌خصلت) फा अ. वि –कुत्ते-जैसा स्वभाव रखनेवाला, श्वानप्रकृति।

सगगज़ीदः (سگ‌گزیدہ) फा वि –जिसे कुत्ते ने काटा हो।

सगगज़ीदगी (سگ‌گزیدگی) फा स्त्री –कुत्ते का काटना।

सगजाँ (سگ‌جاں) फा वि –लालची, लोभी; निर्दय, बेरह्म।

सगजानी (سگ‌جانی) फा स्त्री –लोभ,लालच, निर्दयता, बेरहमी।

सगबान (سگ‌بان) फा वि –कुत्ते पालनेवाला, कुत्तो की सेवा करनेवाला नौकर।

सगबानी (سگ‌بانی) फा स्त्री –कुत्ते पालना; कुत्तो का नौकर, श्वानसेवक।

सगसार (سگ‌سار) फा वि –कुत्ते-जैसा अपवित्र और निकृष्ट व्यक्ति।

सगीरः (صغیرہ) अ वि –छोटी, कम उम्र की, (पु) छोटा पाप, लघु पातक।

सगीर (صغیر) अ वि –छोटा, लघु, दे 'बह्रेसगीर'।

सगीरसिन (صغیرسن) अ वि –छोटी आयुवाला, अल्पवयस्क, वयोबाल।

सगीरसिनी (صغیرسنی) अ स्त्री –छोटी उम्र, बाल्यावस्था, अल्प वय।

सगीरो कबीर (صغیرو کبیر) अ पु –छोटा और बडा, छोटे-बडे सब आदमी, सब लोग, अवाम।

सगे ख़ामोशगीर (سگ خاموش‌گیر) फा पु –वह कुत्ता जो बिना भूँके और गुर्राये काट ले।

सगे ताज़ी (سگ تازی) फा अ पु –शिकारी कुत्ता, जो अरबी नस्ल से हो।

सगे दीवानः (سگ دیوانہ) फा पु –पागल कुत्ता, बावला कुत्ता।

सगे दुंबाल.गीर (سگ دنبالہ‌گیر) फा पु –पीछे से पाँव पकड लेनेवाला कुत्ता, भूँककर पीछे दौडनेवाला कुत्ता।

सगे बाज़ारी (سگ بازاری) फा पु –गलियो मे मारा फिरनेवाला कुत्ता।

सजा' (سجع) अ पु –प्रास, अनुप्रास, अत्यानुप्रास, तुक, तुकान्त, किसी इबारत के दो वाक्यो के अतिम शब्दो का एक-जैसा होना। इसके तीन प्रकार है—अगर उनका वज़न बराबर है और सानुप्रास है तो वह सजा 'मुतवाज़ी' होगा, जैसे–गुल और मुल या बहार और मज़ार, अगर वह सानुप्रास है, मगर वज़न बराबर नही है तो 'मुतर्रफ' होगा, जैसे माल और मनाल या बार और बहार, अगर वज़न मे बराबर है मगर सानुप्रास नही है तो वह सजा मुतवाज़िन होगा, जैसे—हाल और बात, या नजर और सबक, कोई वाक्य या पद इस तरह कहना कि उसमें किसी का नाम बडी सुदरता के साथ आ जाय।

सज़ा (سزا) फा स्त्री –बुरे काम का राज्य की ओर से दड, प्रत्यपकार, बुराई का बदला, तावान, अर्थदड, योग्य, पात्र, लाइक।

सज़ाए आ'माल (سزاے اعمال) फा. अ स्त्री.–कर्मो का दड, कर्मफल।

सज़ाए क़त्ल (سزاے قتل) फा अ स्त्री –प्राणदड, मृत्युदड, फाँसी की सज़ा।

सज़ाए क़ैद (سزاے قید) फा अ स्त्री –कारावास का दड, जेल की सज़ा।

सज़ाए ताज़ियानः (سزاے تازیانہ) फा स्त्री –कोडे मारने का दड।

सज़ाए महज़ (سزاے محض) फा अ स्त्री –सादी कैद जिसमे मेहनत न करनी पडे।

सज़ाए मौत (سزاے موت) फा अ स्त्री –प्राणदड, फाँसी।

सज़ाए संगीं (سزاے سنگیں) फा स्त्री –दे 'सज़ाए सख़्त'।

सज़ाए सख़्त (سزاے سخت) फा स्त्री –वह कारावास जिसमें कडी मेहनत ली जाय।

सज़ाए सादः (سزاے سادہ) फा स्त्री –दे 'सज़ाए महज़'।

सजा'गो (سجع‌گو) अ फा. वि –जो सजा' कहता हो, जो सजा' कहकर उसमे नाम आदि निकालता हो।

सजाया (سجایا) अ पु –'सजीय' का बहु, स्वभाव, आदतें, प्रकृतियाँ।

सज़ायाफ़्तः (سزایافتہ) फा वि –जिसने पहले किसी अपराध मे सज़ा पायी हो, प्राप्तदड।

सज़ायाफ़्तगी (سزایافتگی) फा स्त्री –सज़ा पाये हुए होना।

सज़ायाब (سزایاب) फा वि –जिसे सज़ा हो गयी हो, दडित।

सज़ायाबी (سزایابی) फा स्त्री –सज़ा होना, सज़ा पाना।

सज़ावार (سزاوار) फा वि –योग्य, पात्र, लाइक।

सज़ावुल (سزاول) तु वि –उगाहनेवाला, वुसूल करनेवाला।

सज़ीदः (سزیدہ) फा वि –योग्य, पात्र, लाइक़, मुस्तहक़।

सजीयः (سجیہ) अ पु –स्वभाव, प्रकृति, आदत।

सजीयात (سجیات) अ प –'सजीय' का बहु, आदतें, स्वभाव।

सज्अ (سجع) अ पु –दे 'सजा', शुद्ध उच्चारण यही है, परतु 'सजा' ही बोलते है।

सज्अ गो (سجع‌گو) अ फा वि –दे. 'सजा'गो'।

सज्जादः (سجادہ) अ पु –किसी बडे फकीर की गद्दी, जानमाज़, मुसल्ला।

सज्जादःनशी (سجادہ‌نشین) अ वि –गद्दी नशीन, जो किसी बडे फकीर या महात्मा के बाद उसकी गद्दी ग्रहण करे।

सज्जादःनशीनी (سجادہ‌نشینی) अ फा स्त्री –किसी बडे फकीर या महात्मा के निधन पर उसकी गद्दी पर बैठने का कर्म।

सज्जाद (سجاد) अ वि –बहुत अधिक सज्दे करनेवाला, बहुत बडा आराधक।

सज्जादगी (سجادگی) अ फा स्त्री –गद्दीनशीनी, सज्जाद-नशीनी।

सज्दः (سجدہ) फा पु –माथा टेकना, सर झुकाना, ज़मीन पर सर रखकर ईश्वर को प्रणाम करना, नमाज़ पढते हुए सज्दे मे जाना, दे 'सिज्द', वह भी शुद्ध है, परन्तु अधिक शुद्ध 'सज्द' है।

सज्द.गाह (سجدہ‌گاہ) अ फा स्त्री –सज्द करने का स्थान, शीओ के सज्द करने की टिकिया।

सज्दः गुज़ार (سجدہ‌گزار) अ वि –सज्द करनेवाला, नमाज़ पढनेवाला।

सज्दःगुज़ारी (سجدہ‌گزاری) अ फा स्त्री –सज्द करना, नमाज़ पढना।

सज्द.रेज़ (سجدہ‌ریز) फा वि –दे 'सज्द गुज़ार'।

सज्दःरेज़ी (سجدہ‌ریزی) अ फा स्त्री –दे 'सज्द गुज़ारी'।

सज्दए रियायी (سجدۂ ریائی) अ फा पु –झूठा सज्द, दिखावे की नमाज़।

सज्दए शुक्र (سجدۂ شکر) अ पु –कृतज्ञता का सज्द, कोई काम सम्पन्न होने पर ईश्वर को धन्यवाद का सज्द।

सतर (ستر) फा पु –'अस्तर' का लघु, खच्चर, अश्वतर।

सतरवन (سترون) फा स्त्री –बाँझ स्त्री, निष्फला, वन्ध्या।

सत्तार (ستار) अ वि –पर्दे से ढाँकनेवाला, दोष छिपानेवाला, ईश्वर का एक नाम।

सत्र (سطر) अ स्त्री –कापी या किताब की लकीर, रेखा, पंक्ति, लकीर।

सत्र (ستر) अ पु –छिपा, छिपाव।

सत्रबंदी (سطربندی) अ फा स्त्री –लकीरे करना।

सत्रे औरत (ستر عورت) अ पु –शरीर के वह भाग जिनका छिपाना आवश्यक है।

सत्वत (سطوت) अ स्त्री –धाक, आतक, दबदबा, प्रताप, तेज, जलाल।

सतह (سطحہ) अ पु –हर चीज़ का ऊपरी भाग, तल, सतह।

सतह (سطح) अ पु –हर चीज़ का ऊपरी भाग, तल, जैसे—सतहे आब, जलतल।

सतही (سطحی) अ वि –ऊपरी, जिस पर गौर न हुआ हो, जो ऊपरी मन से हो, जो निश्चयपूर्वक न हो।

सतहे आब (سطح آب) अ फा स्त्री –पानी की सतह, जलतल, समुद्रतल।

सतहे ज़मीं (سطح زمیں) अ फा स्त्री –ज़मीन की सतह, धरातल।

सतहे माइल (سطح مائل) अ स्त्री –झुकी हुई सतह, असमतल, सतहे नाहमवार, वक्रतल।

सतहे मुतवाज़िन (سطح متوازن) अ स्त्री –समानान्तर सतह या तल, सर्फेस।

सतहे मुस्तवी (سطح مستوی) अ स्त्री –सतहे हमवार, सतहे बराबर, समतल।

सद (صد) फा वि –एक सौ, शत।

सद [द्द] (سد) अ –रोक, आड, रुकावट, बाधा।

सदआफ़ीं (صدآفریں) फा वि –सौ-सौ धन्यवाद, बहुत बहुत सराहना।

सदक़ः (صدقہ) अ पु –दान, खैरात, सर से कोई चीज़ खैरात करने के लिए उतारना।

सदक़ात (صدقات) अ पु –'सदक' का बहु, सदके की चीज़े।

सदचाक (صد چاک) फा वि –जो बहुत जगह से फटा हो, जो टुकडे-टुकडे हो।

सदपारः (صد پارہ) फा वि –दे 'सदचाक'।

सदफ (صدف) अ स्त्री –सीपी, शुक्ति, सीप—"चश्मे तर अश्क से दामन मेरा भर देती है, कैसे-कैसे यह सदफ मुझको गुहर देती है।"

सदफे पेचाक (صدف پیچاک) अ फा पु –घोंघा।

सदफे मर्वारीद (صدف مروارید) अ फा स्त्री –दे 'सदफे सादिक', मुक्ता-शुक्ति, जिस सीपी मे मोती निकलता है।

सदफे सादिक़ (صدف صادق) अ स्त्री –सच्ची सीपी, वह सीपी जिसमे मोती होता है।

सदबर्ग (صدبرگ) फा पु –सौ पत्तियोवाला, शतदल, शतपत्र, गेंदे का फूल, गोंदा।

सदबार (صدبار) फा स्त्री –शतधा, सौ दफा, सौ बार।

सदमर्हबा (صدمرحبا) फा अ स्त्री –दे 'सदआफ़ीं'।

सदयक (صد یک) फा वि –एक प्रतिशत, एक फी सैकडा।

सदर (سدر) अ पु –आँखो का धुन्ध।

सदरह्मत (صدرحمت) फा अ वि –ईश्वर की बहुत-बहुत कृपाएँ, शाबाश, धन्य-धन्य।

सदशुक्र (صد شکر) फा अ वि—बहुत-बहुत शुक्रिया, ईश्वर को बहुत-बहुत धन्यवाद, यह प्राय ईश्वर के लिए आता है।

सदशुक्रियः (صد شکریہ) फा अ. वि—बहुत-बहुत धन्यवाद, यह प्राय मनुष्यो के लिए आता है।

सदसालः (صدسالہ) फा. वि—सौ वरस का, शतवर्षीय, सौ वरसवाला।

सदा (صدا) अ स्त्री—आवाज़, ध्वनि, नाद, फकीर की आवाज़।

सदाए अर्श (صدائے عرش) अ स्त्री—अर्श की आवाज़, ईश्वर की आवाज़, आकाशवाणी।

सदाए गुंबद (صدائے گنبد) अ फा. स्त्री—दे 'सदाए बाज़ गश्त', प्रतिध्वनि।

सदाए ग़ैब (صدائے غیب) अ स्त्री—आकाशवाणी, गैबी आवाज़।

सदाए बर नख़ास्त (صدائے بر نخاست) फा वा—कोई आवाज़ नही उठी, (शब्दार्थ) मौन, खामोशी, सन्नाटा।

सदाए बाज़ गश्त (صدائے باز گشت) अ फा. स्त्री—प्रतिध्वनि, प्रतिशब्द, प्रतिवाद, अनुस्वन, अनुनाद, प्रतिश्रुति।

सदाए बेहंगाम (صدائے بے ہنگام) अ फा स्त्री—वेवक्त की आवाज़ जो अच्छी न लगे; कुसमय की वात जो भाये नही।

सदाए हक़ (صدائے حق) अ स्त्री—सच्ची वात, इन्साफ की वात, जँची-तुली वात।

सदाक़त (صداقت) अ स्त्री—सच्चाई, सत्यता, यथार्थता, वाकिईयत।

सदाक़तकेश (صداقت کیش) अ फा. वि—सत्यनिष्ठ, सत्यपाल, सच्चाई को हाथ से न जाने देनेवाला।

सदाकतपरस्त (صداقت پرست) अ फा वि—सत्यता पर दृढ, सच्चाई का भक्त।

सदाक़तपरस्ती (صداقت پرستی) अ फा. स्त्री.—सच्चाई का पालन, सच्चाई पर दृढता।

सदाक़तपज़ोह (صداقت پژوہ) अ फा. वि—दे. 'सदाकत-केश'।

सदाकतपसन्द (صداقت پسند) अ फा वि.—सच्चाई को पसद करनेवाला।

सदाक़तपसंदी (صداقت پسندی) अ. फा स्त्री—सच्चाई को पसन्द करना।

सदाक़तमआब (صداقت مآب) अ वि—बहुत ही सच्चा और धर्मनिष्ठ व्यक्ति।

सदाकतमदार (صداقت مدار) अ. फा वि—दे 'सदाक़त-परस्त'।

सदाकतशिआर (صداقت شعار) अ. वि.—दे. 'सदाक़त-पसद'।

सदारत (صدارت) अ स्त्री—सभापतित्व, अध्यक्षता।

सदारती (صدارتی) अ वि.—सभापति से सम्वन्वित, सभापति का, सदारत का।

सदारते अंजमन (صدارت انجمن) अ फा स्त्री—किसी समिति या सस्था आदि का सभापतित्व।

सदारते जल्सः (صدارت جلسہ) अ स्त्री—किसी सभा की अध्यक्षता।

सदारस (صدارس) अ फा वि.—वह स्थान जहाँ तक आवाज़ पहुँचे।

सदिर (سدر) अ वि—जिसकी आँखे अचभे से खुली की खुली रह गयी हो, चकित, निस्तव्ध।

सदी (صدی) फा. वि—सौ वर्ष का समय, शताव्दी, शती।

सदी (ثدی) अ. स्त्री—स्तन, पयोधर, छाती, चूची, शुद्ध उच्चारण 'सद्इ' है, परंतु, 'सदी' वोलते हैं।

सदीक़ (صدیق) अ वि—दोस्त, मित्र, सुहृद्, सखा।

सदीद (سدید) अ वि—सरल, सीधा, यथार्थ, ठीक, दृढ, मज़बूत, स्थायी, पाएदार।

सदीद (صدید) अ पु—घाव से निकलनेवाला मवाद, पीप, ज़र्दाब।

सद्इ (ثدی) अ स्त्री—स्तन, छाती, मनुष्य का हो या स्त्री का, शुद्ध उच्चारण यही है, दे. 'सिद्इ'।

सद्दः (سدہ) अ पु.—ईरानियो का एक महोत्सव जो 'वहमन' मास की दशमी को होता है।

सद्दे वाव (سد باب) अ पु—रोक, निषेध, निवारण।

सद्दे रमक़ (سد رمق) अ वि—किंचिन्मात्र, वहुत तनिक, विलकुल ज़रा-सा।

सद्दे राह (سد راہ) अ फा स्त्री.—रास्ते की रोक, गली या रास्ते के वीच का पत्थर जो रास्ता रोक देता है, काम में रुकावट डालनेवाला, वाधक।

सद्दे सिकंदर (سد سکندر) अ स्त्री—कहते है कि सिकदर ने एक वहुत वडी और मज़वूत दीवार वनवायी थी, परन्तु अव यह वात असत्य सिद्ध हो गयी है। कुछ लोग उस वहुत वडी पत्थर की मूर्ति को वताते है जो जिब्राल्टर की दो पहाडियो के वीच समुद्र में खडी है और इतने वृहत् आकार की है कि उसके नीचे से जहाज़ निकल जाते है। कुछ लोग दीवारे चीन को वताते है, परतु वह वहुत पहले की सिद्ध हो चुकी है। कुछ लोग यूराल पहाड़ और अल्ताई पहाड़ के वीच मे कहते है जो उसने इस्कीमो और मगोलियन क़ौमो से

ख्वारिज़्मवालो को बचाने के लिए बनवायी थी, परतु उसका कोई चिह्न नही है। कुछ हो, फारसी और उर्दू साहित्य मे तो अब भी यह एक अजेय और अटूट दीवार है और रहेगी।

सद्म: (صدمہ) अ पु –आघात, चोट, दुःख, तकलीफ, शोक, अफसोस, पश्चात्ताप, पछतावा, मृतशोक, मरनेवाले का रज, पीडा, दर्द, यातना, अज़ाब।

सद्मए जाँकाह (صدمۂ جانکاہ) अ फा पु –जानलेवा दुःख या शोक, प्राणो को घुला देनेवाली पीडा या दुःख।

सद्मए फिराक (صدمۂ فراق) अ पु –विरह-क्लेश, वियोग सताप, नायिका से बिछुडने का शोक।

सद्मए मौत (صدمۂ موت) अ पु –किसी के निधन का शोक।

सद्मए हिज्र (صدمۂ ہجر) अ. पु –दे 'सद्मए फिराक'।

सद्मात (صدمات) अ पु –'सद्म' का बहु, सद्मे।

सद्र (صدر) अ पु –सभापति, अध्यक्ष, मीरे मज्लिस, केन्द्रीय स्थान, सद्र मुकाम, मुख्य, खास, वक्ष स्थल, छाती, सीना, महा, बडा, जैसे—सद्र अस्पताल, सद्र डाकखाना।

सद्रदफ़्तर (صدردفتر) अ पु –वह बडा दफ्तर जिसके अधीन कई और दफ्तर हो।

सद्रनशी (صدرنشیں) अ वि –सभापति, मीरे मज्लिस, प्रतिष्ठित, अग्रगण्य, सरामद।

सद्रबाज़ार (صدربازار) अ फा पु –छावनी का बाज़ार, उर्दू बाज़ार, बडा बाज़ार, खास बाज़ार।

सद्रमक़ाम (صدرمقام) अ पु –किसी उच्च पदाधिकारी का हेड क्वार्टर, मुख्यालय, शासन-केन्द्र, राजधानी।

सद्रमुदर्रिस (صدرمدرس) अ पु –सब अध्यापको का नायक, मुख्याध्यापक, हेड मास्टर।

सद्रमुहासिब (صدرمحاسب) अ पु –सबसे बडा एकाउन्टेंट, महालेखापाल, गणनाध्यक्ष।

सद्री (صدری) अ वि –सीने का, छाती का, सीने में छिपा हुआ, (स्त्री) सीने पर पहनने की बडी, निचोलक।

सद्रुस्सुदूर (صدرالصدور) अ पु –चीफ जस्टिस, सबसे बडा जज, शाही हरमसरा का सरक्षक, अत पुरिक।

सद्रे अमीन (صدر امین) अ पु –दूसरे दरजे का जज, सबार्डिनेट जज।

सद्रे आ'ज़म (صدر اعظم) अ पु –महामत्री, वज़ीरे आ'ज़म, प्रधान मत्री।

सद्रे आ'ला (صدر اعلیٰ) अ पु –अव्वल दरजे का जज, सेशन जज, दौरा जज, सत्र-न्यायाधीश।

सद्रे जामिअ: (صدر جامعہ) अ पु –यूनिवर्सिटी (विश्वविद्यालय) का चासलर, कुलपति।

सद्रे दीवान (صدر دیوان) अ फा पु –मुख्य मत्री, प्रधान मत्री, वज़ीरे खास, वज़ीरे आज़म, शाही खज़ाने का बडा अफसर, महाकोषाध्यक्ष।

सद्रे बज़्म (صدر بزم) अ फा पु –दे 'सद्रे मज्लिस'।

सद्रे मज्लिस (صدر مجلس) अ पु –सभापति, सभाध्यक्ष, मीरे महफिल।

सद्रे महफिल (صدر محفل) अ पु –दे 'सद्रे मज्लिस'।

सद्रे मुशाअर: (صدر مشاعرہ) अ पु.–कवि-सम्मेलन का सभापति, मीरे मुशाअर।

सन: (سنہ) अ पु –वत्सर, सवत्, साल, सन।

सन (سن) अ पु –वत्सर, साल, बरस, वर्ष।

सनद (سند) अ स्त्री –प्रमाण, सुबूत, प्रमाणपत्र, सर्टीफिकेट, आश्रय, सहारा, विश्वास, एतिबार नमूना, मिसाल, निदर्शन, आदर्श, उदाहरण, मिसाल, उपाधि, डिग्री।

सनदन (سنداً) अ वि –उदाहरणार्थ, मिसाल के तौर पर, प्रमाणार्थ, सुबूत के रूप मे।

सनदयाफ़्त: (سندیافتہ) अ फा वि –उपाधिप्राप्त, जिसने डिग्री पा ली हो।

सनदात (سندات) अ स्त्री –'सनद' का बहु, सनदे।

सनदी (سندی) अ वि.–प्रमाणित, मुसल्लम।

सनदे फज़ीलत (سند فضیلت) अ स्त्री –किसी विषय में पारगत होने की उपाधि।

सनदे फराग़त (سند فراغت) अ स्त्री –दे 'सनदे फज़ीलत'।

सनदे मुआफी (سند معافی) अ स्त्री –किसी को मुआफी ज़मीन दिये जाने का प्रमाणपत्र।

सनदे विरासत (سند وراثت) अ स्त्री –किसी के स्थान पर उपस्थित होने या उत्तराधिकारी होने का प्रमाणपत्र।

सनदे हिक्मत (سند حکمت) अ स्त्री –(तबाबत में) स्नात होने की उपाधि।

सनम (صنم) अ पु –मूर्ति, प्रतिमा, बुत, प्रिया, प्रेमिका, प्रेयसी, माशूक।

सनमकद: (صنم کدہ) अ. फा पु –मूर्तिगृह, मदिर, बुतखाना।

सनमखान: (صنم خانہ) अ फा पु –बुतखाना, मदिर, मूर्तिगृह।

सनमपरस्त (صنم پرست) अ फा वि –मूर्तिपूजक, बुतो को पूजनेवाला, साकारोपासक।

सनमपरस्ती (صنم پرستی) अ फा स्त्री –मूर्तिपूजा, बुतपरस्ती।

सनवात (سنوات) अ पु –'सन' का बहु, बरसें, सालें।

सनवी (سنوی) अ वि –सनवाला, वर्ष का; वार्षिक, सालाना।

सना (ثنا) स्त्री –स्तुति, वंदना, हम्द, प्रशसा, श्लाघा, तारीफ; इस्लामी परिभाषा मे हज़्रत मुहम्मद साहब की गुणगाथा।

सना (سنا) फा स्त्री –एक रेचक पत्ती, सनाय, स्वर्ण-पत्री।

सनाए (صنائع) अ पु –'सन्अत' का बहु, सनअते, कारीगरियाँ, अलकारादि, अदबी सन्अते।

सनाए मक्की (سناے مکی) फा अ स्त्री –सना की पत्ती जो मक्के से आती है। यह सना बहुत ही अच्छी होती है।

सनाए मा'नवी (صنائع معنوی) अ पु –अर्थालकार, वह अलकार जिनसे अर्थ की विशेषता प्रकट की जाय और अर्थ का चमत्कार दिखाया जाय।

सनाए लफ़्ज़ी (صنائع لفظی) अ पु –शब्दालकार, वह अलकार जिनके द्वारा शब्दो मे साहित्यिक चमत्कार पैदा किया जाय, जिन अलकारो का सम्बन्ध केवल शब्दो से हो।

सनादीद (صناديد) अ पुं –'सिंदीद' का बहु, प्रतिष्ठित और महान् व्यक्ति।

सनाया (ثنايا) अ. पु –'सनीय' का बहु, अगले चार दाँत, दो ऊपर के और दो नीचे के।

सनी (سنی) अ. वि –दे 'सनीय'।

सनीन (سنين) अ पु –'सन' का बहु, बहुत से बरस, कई साल।

सनीयः (ثنيه) अ पु –आगे का एक दाँत, अगला एक दाँत ऊपर का हो या नीचे का।

सनून (سنون) अ पु –दाँतो का मजन, दत-मजन।

सने इसवी (سن عیسوی) अ पु –वह सवत्सर जो हज़रत ईसा के ज़माने से चलता है।

सने वफात (سن وفات) अ पु –मरने का साल, जिस साल किसी व्यक्ति का निधन हुआ हो।

सने विलादत (سن ولادت) अ पु –पैदा होने का साल।

सने हिज्री (سن هجری) अ. पु –वह सवत्सर जो हज़रत मुहम्मद साहब के मक्का छोडकर मदीना जाने के दिन से चलता है, इस्लामी साल।

सनोबर (صنوبر) फा पु –चीड़ का पेड, जो लबा और सुन्दर होता है।

सनोबरक़द (صنوبرقد) फा वि –जिसका शरीर सनोबर के पेड़ की तरह लबा और सुन्दर हो।

सनोबरक़ामत (صنوبرقامت) फा अ. वि –दे. 'सनोबर-क़द'।

सन्अत (صنعت) अ स्त्री –इस शब्द का शुद्ध उच्चारण 'सुन्अत' है, परतु उर्दू में 'सन्अत' ही प्रचलित है। इसलिए यही शुद्ध है, कला, फ़न; शिल्प, कारीगरी; अलकार।

सन्अतगर (صنعت‌گر) अ फा. वि –शिल्पकार, शिल्पी, कारीगर, उद्योगजीवी, पेशावर।

सन्अतगरी (صنعت‌گری) अ फा स्त्री –शिल्पकला, शिल्प-सिद्धि, कारीगरी; उद्योग कर्म, पेशा।

सन्अतगाह (صنعت‌گاه) अ फा स्त्री –शिल्पशाला, उद्योगशाला।

सन्अती (صنعتی) अ वि –सन्अत से सम्बन्धित, औद्योगिक, शैल्पिक।

सन्अते कर्द (किर्द) गार (صنعت کردگار) अ फा स्त्री –ईश्वर की कारीगरी, प्राकृतिक सौंदर्य।

सन्अते तज़ाद (صنعت تضاد) अ स्त्री –वह शब्दालंकार जिसमे दो या कई परस्पर विरोधी चीज़ें लायी जायँ।

सन्अते पर्वर्दगार (صنعت پروردگار) अ फा स्त्री.–दे. 'सन्अते कर्दगार'।

सन्अते मक़्लूब (صنعت مقلوب) अ स्त्री –वह शब्दालकार जिसमे किसी शब्द के अक्षर उलटकर कोई दूसरा शब्द बनाकर चमत्कार पैदा किया जाय। "क्यो कर न लुत्फे बादाकशी हो सहाब में, बारिश मे सारे हर्फ मिले है शराब के।" बारिश को उलटो तो शराब के अक्षर मिलते है।

सन्अते शे'री (صنعت شعری) अ स्त्री –अलकार, काव्य-गत।

सन्नाअ (صناع) अ. वि –शिल्पकार, शिल्पी, कारीगर; कलाकार, फनकार।

सन्नाई (صناعی) अ स्त्री –शिल्पकर्म, कारीगरी, कला कर्म, फनकारी, हाथ का बारीक काम।

सन्नाए क़ुद्रत (صناع قدرت) अ पु.–प्रकृति, निसर्ग, नेचर।

सपंद (سپند) फा पु –काला दाना, जो नज़र-गुज़र के लिए जलाया जाता है, दे 'सिपद', दोनो शुद्ध है।

सपंदाँ (سپندان) फा वि –दे 'सपद'।

सपेदः (سپیده) फा पु –दे 'सफेद'।

सपेद (سپید) फा वि –दे 'सफेद'।

सपेदए सुब्ह (سپیدۀ صبح) फा. अ पु –प्रात काल की सफेदी, सफेदए सहर।

सपेदी (سپیدی) फा. स्त्री –दे 'सफेदी'।

सफ [फ़्फ़] (صف) अ स्त्री –पंक्ति, अवली, कतार, रेखा, लकीर, लबी चटाई, नमाज या कवाइद में मनुष्यो की लंबी लाइन।

सफआरा (صف آرا) अ फा वि –युद्ध मे सम्मुख आया हुआ दल।

सफआराई (صف آرائی) अ फा स्त्री –युद्ध के लिए दो दलो का आमने-सामने होना।

सफकशी (صف کشی) अ फा स्त्री –फौजकशी, सैन्य-यात्रा, चढाई।

सफदर (صفدر) अ फा वि –युद्ध मे बँधी पक्तियो को तोड देनेवाला, महारथी, रणशूर, हज्रत अली की उपाधि।

सफन (سفن) अ पु –मछली या मगर का खुरदरा चमडा जो तलवार की मूठ पर लगाते है ताकि पकड मजबूत रहे, वसूला।

सफबदी (صف بندی) अ फा स्त्री –पक्तिवद्ध होना, कतारे वाँधना, लाइन लगाना।

सफ व सफ (صف بصف) अ फा वि –पक्तिवद्ध, कतारे वाँधे हुए, कई पक्तियो मे वँटकर खडे हुए।

सफवस्तः (صف بستہ) अ फा वि –पक्तिबद्ध, कतार वाँधे हुए।

सफर (سفر) अ पु –यात्रा, मुसाफरत; प्रस्थान, कूच, पर्यटन, सियाहत, गमन, जाना।

सफर (صفر) अ पु –इस्लामी दूसरा महीना।

सफरखर्च (سفرخرچ) अ फा पु –मार्ग-व्यय, आने-जाने का सर्फ।

सफरजल (سفرجل) अ पु –विही, एक प्रसिद्ध मेवा।

सफरनामः (سفرنامہ) अ फा पु –वह पुस्तक जिसमे कोई व्यक्ति अपने देश-विदेश पर्यटन करने का विस्तारपूर्वक वृत्तान्त लिखे, भ्रमण-कथा।

सफरी (سفری) अ वि –सफर का, सफर से सम्बन्धित।

सफरे आखिरत (سفر آخرت) अ पु –अतिम यात्रा, महाप्रस्थान, परलोक-यात्रा, मरना, मरण।

सफरे वह्री (سفر بحری) अ पु –समुद्र के रास्ते पर्यटन, जहाज का सफर।

सफरे हवाई (سفر ہوائی) अ पु –वायुयान द्वारा सफर।

सफवी (صفوی) अ वि –शाह 'सफी' से सम्बन्धित, जो वडे महात्मा थे और जिनकी सतान ईरान की शासक हुई।

सफवीय. (صفویہ) अ वि –शाह सफी की सतानवाले।

सफशिकन (صف شکن) अ फा वि –युद्ध में पक्तिवद्ध सेना को चीर डालनेवाला, महारथी।

सफशिकनी (صف شکنی) अ फा स्त्री –सेना की पक्तियो मे दरार डाल देना।

सफह (سفہ) अ स्त्री –मूर्खता, निर्वुद्धित्व, वेअक्ली।

सफ़ा (صفا) अ स्त्री –स्वच्छता, विशुद्धता, सफाई, चमक-दमक, आवोताव, मक्के की एक पहाडी, (वि) साफतौर से, स्पष्ट रूप से।

सफाइन (سفائن) अ. पु –'सफीन' का वहु, नौकाएँ, नावे, कश्तियाँ।

सफाई (صفائی) अ. स्त्री –स्वच्छता, शुभ्रता, उजलापन, विशुद्धता, निर्मलता, खालिसपन, पवित्रता, पाकीज़गी, निर्दोषता, वेऐवी, मुकदमे मे दोप के सुवूत के वाद निर्दोप का सुवूत (फौजदारी में)।

सफाए क़ल्व (صفائے قلب) अ स्त्री –हृदय की शुद्धि, चित्त की पवित्रता, अत शुद्धि, मन सस्कार।

सफाए वातिन (صفائے باطن) अ स्त्री –दे 'स कल्व'।

सफाकेश (صفا کیش) अ फा वि –शुद्धात्मा, पाक-वातिन, सदाचारी, नेकअत्वार।

सफामश्रव (صفامشرب) अ वि –दे 'सफाकेश'।

सफारा (صف آرا) अ फा वि –दे 'सफआरा'।

सफाराई (صف آرائی) अ फा स्त्री –दे 'सफआराई'।

सफाहत (سفاہت) अ स्त्री –कमीनापन, अधमता, नीचता, पामरता।

सफिलः (سفلہ) अ पु –'सिफ्ल' का वहु, सिफ्ले, नीच लोग, कमीने।

सफी (صفی) अ वि –स्वच्छ, धवल, साफ, स्वच्छात्मा, पाकीज़ मिज़ाज, मित्र, सखा, दोस्त, हज्रत आदम का लकव।

सफीउल्लाह (صفی اللہ) अ पु –ईश्वर का मित्र, हज्रत आदम।

सफीनः (سفینہ) अ पु –नौका, नाव, कश्ती, परवाना, आदेशपत्र, कविता की किताव।

सफीयः (صفیہ) अ स्त्री –शुद्ध अत करणवाली, हज्रत मुहम्मद साहिव की एक सुपत्नी का शुभ नाम।

सफीर (صفیر) अ स्त्री –सीटी जो मुँह की आवाज़ से वजायी जाय, पक्षियो की वोली।

सफीर (سفیر) अ पु –पत्रवाहक, चिट्ठी ले जानेवाला, सदेशवाहक, पैगाम पहुँचानेवाला, दूत, राजदूत।

सफीह (سفیہ) अ वि –अधम, नीच, कमीना, निर्वुद्धि, मूर्ख, नादान।

सफूफ (سفوف) अ पु –पिसी हुई चीज़, चूर्ण।

सफे जंग (صف جنگ) अ फा स्त्री –फौज की कतार, सेना-पक्ति।

सफेद (سفیدہ) फा पु –फूँका हुआ जस्त, ज़िन्क आक्साइड, सफेदी, श्वेतता।

सफेद (سفید) फा वि –शुभ्र, उजला, श्वेत, सपेद।

सफ़ेदए सहर (سفیدۂ سحر) फा अ. पु –प्रात काल का हलका प्रकाश।

सफ़ेदचश्म (سفیدچشم) फा वि –निर्लज्ज, वेहया।

सफ़ेदपोश (سفیدپوش) फा वि –सफ़ेद कपड़े पहननेवाला, श्वेतांवर, भलामानस, सज्जन, वह व्यक्ति जो कम आमदनी पर भी शिष्टता से जीवन-निर्वाह करे।

सफ़ेदबख़्त (سفیدبخت) फा वि –भाग्यवान्, ख़ुशनसीव।

सफ़ेदी (سفیدی) फा वि –श्वेतता, सपेदी, शुभ्रता, उजलापन।

सफ़ेदोसियाह (سفیدو سیاہ) फा पु –काला और सफ़ेद, श्वेत-कृष्ण, सितासित।

सफ़े निआल (صف نعال) अ स्त्री –सभा में वह स्थान जहाँ जूते रखे जाते है, जूते रखने का स्थान, सबसे नीचा स्थान।

सफ़े मातम (صف ماتم) अ फा स्त्री.–वह फ़र्श जिस पर मृत्युशोक प्रकट करने के लिए लोग एकत्र हो।

सफ़े लश्कर (صف لشکر) अ. फा. स्त्री –दे 'सफ़े जंग'।

सफ़्क (سفک) अ. पु –रक्तपात, हिंसा, ख़ूँरेज़ी।

सफ़्के दिमा (سفک دما) अ पु –ख़ून बहाना, हिंसा करना, रक्तपात।

सफ़्फ़ाक (سفاک) अ. वि –रक्तपाती, ख़ून बहानेवाला, निष्ठुर, वेरहम, अत्याचारी, ज़ालिम।

सफ़्फ़ाकी (سفاکی) अ. स्त्री –रक्तपात, ख़ूँरेज़ी, निष्ठुरता, संगदिली, अत्याचार, ज़ुल्म।

सफ़्रः (سفرہ) अ पु –दस्तरख़्वान, वह चीज़ जिस पर खाना रखकर खाते है, इसका मूल उच्चारण 'सुफ़्र' है, दे 'सुफ़्र'।

सफ़्रःचीं (سفرہ چیں) अ फा. वि –दस्तरख़्वान का बचा हुआ खानेवाला।

सफ़्रःची (سفرہ چی) अ फा पु –ख़ानसामा, खाना खिलानेवाला, वैरा।

सफ़्रा (صفرا) अ पु –एक धातु, पित्त, कटुता, कड़वाहट, पीले रंग की चीज़, वनुप।

सफ़्रावी (صفراوی) अ वि –सफ़्रा का, पित्त का, पित्त से सम्बन्धित, पित्त के दोष से उत्पन्न।

सफ़्राशिकन (صفراشکن) अ. फा वि –पित्तनाशक, पित्त को ख़त्म करनेवाली दवा।

सफ़्ला (سفلیٰ) अ. वि –निम्नतम, बहुत नीचा, बहुत अधम, लोफर।

सफ़्वत (صفوت) अ. स्त्री –श्रेष्ठता, बुज़ुर्गी, निर्मलता, सफ़ाई, संक्षिप्त, ख़ुलासा, निर्मल, साफ़, यह शब्द 'सिफ़्वत' और 'सुफ़्वत' भी है।

सफ़्हः (صفحہ) अ. पु –पृष्ठ, पन्ना, पेज, तल, सतह।

सफ़्हए आस्माँ (صفحۂ آسماں) अ फा पु –आकाश-पटल, तख़्ता रूपी आकाश।

सफ़्हए काग़ज़ (صفحۂ کاغذ) अ पु.–काग़ज़ का पन्ना, पत्र का एक ओर।

सफ़्हए क़िर्तास (صفحۂ قرطاس) अ पु –दे 'सफ़्हए काग़ज़'।

सफ़्हए ज़मीं (صفحۂ زمیں) अ फा. पु –पृथ्वी का चौरस तल, धरातल।

सफ़्हए हस्ती (صفحۂ ہستی) अ फा पु –पत्ररूपी संसार, पटलरूपी जीवन, जीवन-पटल।

सब [ब्ब] (صب) अ पु –पानी फैलना, पानी बहना, आशिक़, आसक्त।

सब [ब्ब] (سب) अ स्त्री.–गाली-गलौज, अपशब्द।

सबक़ (سبق) अ पु –पाठ, जितना एक दिन मे गुरु से पढा जाय, शिक्षा, सीख, नसीहत, इब्रत, अनुभव, तज्रिब।

सबक़आमोज़ (سبق آموز) अ फा वि –सबक़ सिखानेवाला, पढानेवाला, नसीहत करनेवाला, उपदेश देनेवाला।

सबक़त (سبقت) अ स्त्री.–आगे निकल जाना, बढ जाना, अव्वल आना, सबसे अधिक नंबर पाना।

सबद (سبد) फा स्त्री –टोकरी, डलिया।

सबदे गुल (سبد گل) फा. स्त्री –फूलो की टोकरी, माली की फूलो से भरी डलिया।

सबब (سبب) अ पु –कारण, हेतु, वजह, मूल कारण, वह दो अक्षरी शब्द जिनमें एक हल् हो या दोनो अज्।

सबब (صبب) अ पु –नीची भूमि, निशेबी ज़मीन; आशिक़ होना।

सबल (سبل) अ पु –परवाल, वह बाल जो आँखो में पैदा हो जाते है और बहुत कष्ट देते है और जिनसे आँखे ख़राब हो जाती है।

सबलत (سبلت) अ स्त्री –मूँछ।

सबा (سبا) अ पु –यमन का एक शहर जो हज़्रत सुलैमान को दहेज मे मिला था, अब्दुल्ला का बाप, यह वही अब्दुल्ला है जो इब्ने सबा के नाम से प्रसिद्ध है और जिसने एक नया धर्म बनाकर लोगो को ठगा था।

सबा (صبا) अ स्त्री –पुर्वा हवा, ठंडी मृदुल और मधुर हवा, समीर, मंद समीर।

सबाक (سباق) अ पु –दे शुद्ध उच्चारण 'सिबाक'।

सबाख़िराम (صبا خرام) अ. फा वि –सबा की तरह अठलाकर धीरे-धीरे चलनेवाला (वाली), मृदुगामिनी।

सबात (ثبات) अ पु –दृढ़ता, स्थिरता, मज़बूती, चिर-स्थायित्व, पायदारी।

सबाते अक़्ल (ثبات عقل) अ. पु.—बुद्धि की स्थिरता और पुख़्तगी, बुद्धि का दोष रहित होना।

सबाते राय (ثبات رائے) अ पु.—राय और विचार की सुदृढ़ता, ख़याल की पुख़्तगी, राय का ठीक होना।

सबाते होशोहवास (ثبات ہوش و حواس) अ फा पु.—होश और सज्ञा का ठीक होना, होश मे होना।

सबारफ़्तार (صبارفتار) अ फा वि —दे 'सबाख़िराम'।

सबाह (صباح) अ स्त्री —प्रात काल, प्रभात, तडका, गोरा, सुन्दर, रूपवान्।

सबाहत (صباحت) अ स्त्री —गोरापन, रग की सफ़ेदी, सुन्दरता, रूप, हुस्न।

सबाहत (سباحت) अ स्त्री —पैराकी, पानी में तैरना, दे 'सिबाहत', दोनो शुद्ध है।

सबाहे ईद (صباح عید) अ स्त्री —ईद के दिन का सवेरा, खुशी और आनद का उदय।

सबिर (صبر) अ पु —एलुआ, इस अर्थ मे 'सब्र' और 'सिब्र' भी है।

सबी (صبی) अ पु —दूध पीता बालक, शिशु, दुधमुँहा।

सबीय' (صبیہ) अ. स्त्री —दूध पीती बच्ची।

सबील (سبیل) अ स्त्री —मार्ग, रास्ता, उपाय, यत्न, तदबीर, पद्धति, शैली, तर्ज़, पानी पिलाने का स्थान, पियाऊ, मुहर्रम में शर्बत पिलाने का स्थान।

सबीह (صبیح) अ वि —गोरा-चट्टा, जिसका रग ख़ूब साफ हो, गौरवर्ण, सुन्दर, हसीन।

सबुई (سبعی) अ वि—दे 'सबुईयत'।

सबुईयत (سبعیت) अ स्त्री —भेडियापन, दरिदगी, निर्दयता, बेरहमी।

सबुक (سبک) फा वि —अगुरु, हलका; अधम, नीच, लोफर, चुस्त, फुर्तीला, शीघ्रता, जल्दी, 'सुबक' भी प्रचलित।

सबुकइनाँ (سبک عناں) फा वि —शीघ्रगति, शीघ्रगामी, तेजरफ्तार।

सबुकख़िराम (سبک خرام) फा वि—तेज़ चलनेवाला, शीघ्रगति।

सबुकख़ेज़ (سبک خیز) फा वि —सवेरे बहुत तडके उठनेवाला।

सबुकगाम (سبک گام) फा वि —शीघ्रगति, तेज़ चलनेवाला, मृदुलगामी, हलकी चाल से चलनेवाला।

सबुकगामी (سبک گامی) फा स्त्री —तेज चलना, हलकी चाल से चलना।

सबुकजौलाँ (سبک جولاں) फा वि —शीघ्रगामी, तेजरौ।

सबुकतिगीं (سبکتگیں) तु पु —सुलतान महमूद के बाप का नाम, दे 'सुबुकतिगी', दोनो शुद्ध है।

सबुकदस्त (سبک دست) फा वि —जिसका हाथ किसी काम पर सधा हो, जो तेज़ी से काम करे, चालाक।

सबुकदस्ती (سبک دستی) फा स्त्री —किसी काम पर हाथ का सधा होना, तेज़ी से काम करना।

सबुकदोश (سبک دوش) फा वि —भारयुक्त, ज़िम्मेदारी से अलग, पिंशिनयाफ्त, अवकाशप्राप्त।

सबुकदोशी (سبک دوشی) फा स्त्री —ज़िम्मेदारी से अलाहिदगी, पिंशिन, निवृत्ति।

सबुकपरवाज़ (سبک پرواز) फा वि—तेज़ उडनेवाला, ऊँचा उडनेवाला।

सबुकपरवाज़ी (سبک پروازی) फा स्त्री—तेज़ उडना, ऊँचा उडना।

सबुकपा (سبک پا) फा वि —शीघ्रगति, तेजकदम।

सबुकपाई (سبک پائی) फा स्त्री—तेज़ चलना, शीघ्रगमन, तेज़कदमी।

सबुकबार (سبک بار) फा वि —जिसके सर से बोझ उतर गया हो, भारमुक्त, निवृत्त।

सबुकबाल (سبک بال) फा वि —तेज़ उडनेवाला।

सबुकमग़्ज़ (سبک مغز) फा वि—मदबुद्धि, अल्पबुद्धि, कमअक्ल, तिरस्कृत, अपमानित, बेइज्ज़त।

सबुकमग़्ज़ी (سبک مغزی) फा स्त्री—बुद्धि की मदता, बेअक्ली, तिरस्कार, निंदा, बेइज्ज़ती।

सबुकरफ़्तार (سبک رفتار) फा वि—शीघ्रगति, आशुगामी, तज़ेरौ।

सबुकरफ़्तारी (سبک رفتاری) फा स्त्री—तेज़ चलना, शीघ्र गमन।

सबुकरवी (سبک روی) फा स्त्री—तेज़ रफ्तारी, तेज़ चलना।

सबुकरूह (سبک روح) फा अ वि —हँसमुख, जरीफ, निवृत्त, बेतअल्लुक, हर काम मे होशियार, जो किसी से द्वेष, वैर आदि न रखे।

सबुकरूही (سبک روحی) फा अ स्त्री—हँसमुख होना, निवृत्ति, बेतअल्लुकी, फुरती, तेज़ी, किसी से कोई द्वेष आदि न रखना।

सबुकरौ (سبک رو) फा वि—दे 'सबुकरफ्तार'।

सबुकसग (سبک سنگ) फा वि—अधम, नीच, कमीना।

सबुकसर (سبک سر) फा वि—अधम, ओछा, लोफर, जो अपना धैर्य और गभीरता छोडकर अपनी जगह से नीचे उतर आये।

सबुकसरी (سبکسری) फा स्त्री –ओछापन, अपनी मर्यादा का त्याग, अपने दरजे से नीचे उतरना।

सबुकसार (سبکسار) फा वि –जो सासारिक बधनो से निवृत्त हो, फारिगल वाल।

सबुकसैर (سبکسیر) फा वि –दे 'सबुकरफ्तार'।

सबुकसैरी (سبکسیری) फा अ स्त्री –दे 'सबुकरफ्तारी'।

सबुकहिम्मत (سبکهمت) फा अ वि –हतोत्साह, मदोत्साह, अल्पसाहस, कमहौसला।

सबुकहिम्मती (سبکهمتی) फा अ स्त्री –उत्साह और साहस की कमी, कमहिम्मती।

सबुकी (سبکی) फा स्त्री –हलकापन, लज्जा, खिफ्फत, नीचता, कमीनगी।

सबू (سبو) फा पु –घडा, घट, कुभ, शराब की मटकी, मद्यघट, 'सुबू' भी प्रचलित,—"किया है मस्त जिन्हें तेरी चशमे मैगूने, वह किस लिये हवसे सागरी सबू करते।"

सबूए मै (سبوے مے) फा पु –शराब का घडा, मद्य-घट।

सबूकश (سبوکش) फा वि –जो पूरा मटका शराब पी जाय, पक्का शराबी।

सबूकशी (سبوکشی) फा. स्त्री –शराबनोशी, मद्यपान।

सबूचः (سبوچه) फा. पु –छोटा घडा, मटकी।

सबूदान (سبودان) फा पु –घडा रखने की तिपाई आदि।

सबूर (صبور) अ वि –धैर्यवान्, धीरज धरनेवाला, सब्र करनेवाला।

सबूरी (صبوری) अ स्त्री –धैर्य, धीरज, सब्र।

सबूस (سبوس) फा स्त्री –भूसी, तुष।

सबूसाज (سبوساز) फा वि –कुभकार, कुम्हार।

सबूसे अस्पगोल (سبوس اسپغول) फा स्त्री –ईसबगोल की भूसी।

सबूह (صبوح) अ वि –सवेरे तडके पी जानेवाली शराब।

सबूही (صبوحی) अ स्त्री –दे 'सबूह'।

सबूहीकश (صبوحی کش) अ फा वि.–सवेरे की शराब पीनेवाला।

सब्अः (سبعه) अ वि –सात, सप्त, एक सख्या।

सब्अ (سبع) अ. वि –सप्त, सात की सख्या।

सब्ग (صبغ) अ पु.–रँगना, रग करना, रजन।

सब्ज़ः (سبزه) फा पु –हरी घास, हरियाली, सब्ज़ रग का घोडा।

सब्ज़ःआगाज (سبزهآغاز) फा वि –जिसकी मूँछ-दाढी के बाल निकलने शुरू हो गये हो, अकुरितयौवन।

सब्ज़ःखत (سبزهخط) फा वि –जिसकी मूँछ-दाढी के बाल नये-नये निकले हो।

सब्ज़ःख़ेज़ (سبزهخیز) फा वि –हरा-भरा, हरियाली से परिपूर्ण।

सब्ज़ःज़ार (سبزهزار) फा. पु –जहाँ हरियाली ही हरियाली हो, घास का मैदान।

सब्ज़ःरंग (سبزهرنگ) फा. वि.–हरे रग का, मलीह, नमकीन, साँवला, सलोना।

सब्ज़ःरुख़ (سبزهرخ) फा. वि –दे. 'सब्ज़ खत'।

सब्ज़ःरू (سبزهرو) फा वि –दे 'सब्ज खत'।

सब्ज खेज़ (سبزهخیز) फा वि.–हरा, हरा रग; हरे रग से रँगा हुआ।

सब्ज़ए ख़ुदरो (سبزهٔ خودرو) फा पु –अपने आप जमनेवाली घास।

सब्ज़ए नौख़ेज़ (سبزهٔ نوخیز) फा पु –नयी उगी हुई घास, नयी निकली हुई दाढी, दाढी-मूँछ के नये बाल।

सब्ज़क (سبزک) फा पु –नीलकठ, चाष।

सब्ज़क़दम (سبزقدم) फा अ वि –जिसका आना अनिष्टकर हो, मनहूसकदम, अशुभचरण।

सब्ज़कदमी (سبزقدمی) फा अ. स्त्री –आना अशुभ होना।

सब्ज़कार (سبزکار) फा वि –जिसके हाथ से काम अच्छी तरह निकले, जो हर काम सफलतापूर्वक करे।

सब्ज़पा (سبزپا) फा वि –दे 'सब्ज़कदम'।

सब्ज़पाई (سبزپائی) फा स्त्री –दे. 'सब्ज़कदमी'।

सब्ज़पोश (سبزپوش) फा वि –हरे रग के कपडे पहननेवाला, हरितावर।

सब्ज़पोशी (سبزپوشی) फा स्त्री.–हरे कपडे पहनना।

सब्ज़फाम (سبزفام) फा वि –हरे रगवाला, हरिताग।

सब्ज़फामी (سبزفامی) फा स्त्री –हरा रग होना, शरीर का रग हरा होना।

सब्ज़बख़्त (سبزبخت) फा वि –भाग्यवान्, खुशकिस्मत, तेजस्वी, प्रतापी, इक्बालमद।

सब्ज़बख़्ती (سبزبختی) फा स्त्री –भाग्यवानी, प्रताप, इक्बाल।

सब्ज़रंग (سبزرنگ) फा वि –हरे रग का, सलोना, साँवला, मलीह।

सब्ज़रंगी (سبزرنگی) फा स्त्री –हरा रग होना, सलोनापन, साँवलापन।

सब्ज़ाने चमन (سبزان چمن) फा. पु.–बाग के पेड, बाग के वृक्ष।

सब्ज़ी (سبزی) फा स्त्री –हरापन, हरियालापन, घास, सब्ज़., शाक, भाजी, तरकारी, भग, भाँग।

सब्ज़ीख़ोर (سبزی خور) फा वि –शाकाहारी, सागपात खानेवाला।

सब्ज़ीन. (سبزینہ) फा पु –साँवले रग का मा'शूक़।

सब्ज़ीफ़रोश (سبزی فروش) फा वि –साग-तरकारी वेचने-वाला, कुँजडा।

सब्त (سبط) अ स्त्री –छुटे हुए वाल, खुले हुए वाल, वाल जिनका जूडा न वँधा हो।

सब्त (ثبت) अ वि –अकन, लिखना, अकित, लिखित, लिखा हुआ।

सब्त (سبت) अ पु –शनिवार, शव, सनीचर।

सब्बाक (سباک) अ वि –स्वर्णकार, सुनार।

सब्बाग़ (صباغ) अ वि –रँगनेवाला, रजक, रगरेज़।

सब्बाग़ी (صباغی) अ स्त्री –रँगने का काम।

सब्बाग़े ज़मीं (صباغ زمیں) अ फा पु –रवि, सूरज, क्योकि पृथ्वी के तमाम प्राणिवर्ग, वनस्पतिवर्ग और धातुवर्ग को रग सूरज से ही मिलता है।

सब्बाव. (سبابہ) अ स्त्री –तर्जनी, अँगूठे के पास की उँगली।

सब्बाह (سباح) अ वि –तैरनेवाला, नदी आदि का तैराक।

सब्बूह (سبوح) अ पु –स्तुति करनेवाला, प्रशसा करने-वाला।

सब्बो शत्म (سب و شتم) अ पु –गाली-गलौज।

सब्र (صبر) अ पु –धैर्य, धीरज, सबूरी, एलुआ, इस अर्थ में 'सिब्र' और 'सबिर' भी है।

सब्रआज़्मा (صبر آزما) अ फा वि –वह काम जो सब्र की आज़माइश करे अर्थात् देर में हो।

सब्रतलव (صبر طلب) अ वि –जिसमें सब्र और धैर्य की आवश्यकता हो।

सब्रे ऐयूब (صبر ایوب) अ पु –'हज़्रत ऐयूब'–जैसा सब्र और धैर्य।

सब्रो शुक्र(صبرو شکر)अ पु –हर काम मे धीरज धरना और ईश्वर को धन्यवाद देना।

समद (سمند) फा पु –अश्व, घोडा।

समदर (سمندر) फा पु –'सामदर' का लघु, अग्निकीट, आग का कीडा, एक कीडा जिसकी उत्पत्ति अग्नि से है।

समंदल (سمندل) फा. पु –दे 'समदर'।

सम [म्म] (سم) अ पु –विष, गरल, ज़हर, सुई का नाका।

समक (سمک)अ स्त्री –मीन, मत्स्य, मछली, वह मछली जिसकी पीठ पर पृथ्वी स्थिर है।

समकीयाँ (سمکیاں) अ फा पु –मर्त्यवाले, ससारवाले।

समद (صمد) अ वि –श्रेष्ठ, पूज्य, वुज़ुर्ग, अनीह, नि स्पृह, वेनियाज़, नित्य, अनश्वर, दाइम, वह व्यक्ति जो भूखा-प्यासा न हो, ईश्वर।

समदीयत (صمدیت)अ स्त्री –श्रेष्ठता, वुज़ुर्गी, नि स्पृहता, वेनियाज़ी, हर प्रकार की इच्छाओ से रहित होना।

समन (ثمن) अ पु –मूल्य, दाम, कीमत।

समन (سمن) अ स्त्री –चमेली का फूल।

समनअदाम (سمن اندام) फा वि –चमेली के फूल–जैसे शुभ्र और सुगधित अथवा मृदुल शरीरवाला (वाली)।

समनइज़ार (سمن عذار) फा अ वि –जिसके गाल चमेली के फूल की तरह मृदुल, कोमल और शुभ्र हो।

समनख़द (سمن خد) फा वि –दे 'समनइज़ार'।

समनज़ार (سمن زار) फा पु –जहाँ चमेली ही चमेली हो, चमेली का वन या वाग।

समनवार (سمن بار) फा वि –फूल वरसानेवाला (वाली)

समनवू (سمن بو) फा वि –फूल-जैसे सुगधवाला।

समनरू (سمن رو) फा वि –चमेली के फूल–जैसा धवल और उज्ज्वल मुख रखनेवाला (वाली)।

समनसाक़ (سمن ساق) फा वि –चमेली–जैसी सफेद पिंड-लियोवाली सुन्दरी।

समनसीमा(سمن سیما) फा वि –चमेली-जैसे माथेवाला (वाली)।

समम(صمم) अ पु –वहरापन, वधिरता।

समरः (ثمرہ) अ पु –फल, मेवा, प्रतिकार, वदला, परिणाम, नतीजा।

समर (سمر) अ पु –कथा, किस्सा, कहानी, कथन, वात।

समर (ثمر) अ पु –फल, मेवा, प्रतिकार, वदला, परिणाम, नतीजा।

समरात (ثمرات) अ पु –'समर' का वहु, फल, मेवे, परिणाम, नतीजे।

समा (سما) अ पु –आकाश, अवर, गगन, आस्मान।

समाँ (سماں) अ मज़र, नज़्ज़ारा, दृश्य।

समाअ (سماع) अ पु –श्रवण, सुनना, गाना-वजाना, वज्द करना, झूमना।

समाअत (سماعت) अ स्त्री –श्रवण, सुनना, श्रवण-शक्ति सुनने की क़ुव्वत।

समाई (سماعی) अ स्त्री –सुना हुआ, सुनी हुई वात।

समाक़ (سماق) अ पु –एक वहुत ही कडा पत्थर, जिसके खरल वहुत कीमती होते हैं।

समाजत (سماجت) अ स्त्री –निकृष्टता, खराबी, विनती, विनय, खुशामद, गिडगिडाहट।

समानियः (ثمانیہ) अ वि –अष्ट, आठ।

समानीन (ثمانین) अ वि –अस्सी।

समावात (سماوات) अ पु –'समा' का वहु, आकाश-समूह, वहुत–से आस्मान।

समावार (سماوار) फा पु –चाय पकाने या पानी गर्म करने का टकीनुमा वर्तन, जिसमें टोटी हो।

समावी (سماوی) अ वि –आस्मानी, आकाशीय, ग़ैवी, दैवी।

समाह (سماح) अ पु –दे 'समाहत'।

समाहत (سماحت) अ स्त्री –दानशीलता, फ़ैयाज़ी।

समी (سمی) अ वि –सहनाम, एक नामवाले, तुल्य, समान, मिस्ल।

समीअ (سمیع) अ वि –सुननेवाला, ईश्वर का एक नाम।

समीज़ (سمیز) अ स्त्री –मैदे की सफेद रोटी।

समीद (سمید) फा स्त्री –दे 'समीज़'।

समीन (سمین) अ वि –मोटा, चर्वीला।

समीन (ثمین) अ वि –मूल्यवान्, कीमती।

समीम (صمیم) अ वि –निर्मल, ख़ालिस, हृदय का भीतरी भाग, वधिर, वहरा।

समीमे क़ल्ब (صمیم قلب) अ वि –हृदय का भीतरी भाग, तहेदिल; निष्केवलता, खुलूस।

समीर (ثمیر) अ वि –फलदार, फलवाला, वह पेड जिसमे फल लगे हो।

समूद (ثمود) अ पु –हज़्रत नूह की चौथी पुश्त में एक व्यक्ति का नाम था। उसके वशज 'वनी समूद' कहलाते थे और 'हज़्रत सालेह' के अनुयायी थे। इन्होंने हज़्रत सालेह के साथ गुस्ताखी की थी जिससे सव तवाह हो गये थे।

समूम (سموم) अ स्त्री –कडी लपट, ज़हरीली हवा।

समूर (سمور) अ वि –एक जानवर जिसकी खाल से वढिया पोस्तीन वनती है।

समूरी (سموری) अ स्त्री –समूर की खाल का वना हुआ।

सम्अ (سمع) अ स्त्री –श्रवण, सुनना, श्रवण-शक्ति, समाअत।

सम्अख़राश (سمع خراش) अ. फा वि.–कान खानेवाला, वकवक करके कानो को कष्ट देनेवाला।

सम्अख़राशी (سمع خراشی) अ. फा स्त्री.–वकवक से कानो को कष्ट देना।

सम्ग़ (صمغ) अ. पु.–गोद, निर्यास।

सम्ग़े अरवी (صمغ عربی) अ. पु.–ववूल का गोद।

समत (سمط) अ. पु.–मोती, मुक्ता, दे. 'सिम्त', दोनो शुद्ध है।

सम्त (صمت) अ पु.–शान्ति, सुकून, मौन, ख़ामोशी।

सम्त (سمت) अ स्त्री.–दिशा, तरफ; सदाचार, नेक-चलनी, सरल मार्ग, सीधा रास्ता, आकृति, शक्ल, इरादा, सकल्प, मानस कर्म।

सम्तुर्रास (سمت الراس) अ स्त्री –आकाश का वह विंदु जो मनुष्य के चद्रमा के ठीक सामने पडे, शीर्षविन्दु, आकाश विन्दु, खमध्य।

सम्ते जुनूव (سمت جنوب) अ स्त्री –दक्षिण की दिशा, दक्षिण, दक्खिन।

सम्ते मग़्रिव (سمت مغرب) अ स्त्री.–पश्चिम की दिशा, पच्छिम, प्रत्यक्।

सम्ते मश्रिक़ (سمت مشرق) अ. स्त्री –पूर्व की दिशा, पूर्व, प्राक्।

सम्ते मुख़ालिफ (سمت مخالف) अ स्त्री –वामपक्ष, विरोधी दल।

सम्ते शिमाल (سمت شمال) अ स्त्री.–उत्तर की दिशा, उत्तर, उदक्।

सम्न (سمن) अ स्त्री –घी, घृत, रौगन।

सम्मी (سمی) अ. वि –विषाक्त, ज़हूआलूद, जिसमे ज़ह्र अथवा विष हो।

सम्मीयत (سمیت) अ स्त्री –विषत्व, ज़ह्रपन, विष, ज़ह्र, विष का असर।

सम्मे क़ातिल (سم قاتل) अ. पु –वहुत ही सख़्त विष, जिसके खा लेने से मनुष्य किसी प्रकार न वचे।

सम्साम (صمصام) अ स्त्री –तेज़ तलवार, काटदार तलवार।

सय्याद (صیاد) अ. वि.–शिकारी, आखेटक, लुब्धक, व्याध, चिडीमार, चिड़ियाँ पकडनेवाला, शाकुनिक।

सय्यादी (صیادی) अ वि –शिकार का पेशा, निर्दयता, सगदिली।

सय्यादे अजल (صیاد اجل) अ. पुं.–मौत का शिकारी, मृत्युरूपी व्याध।

सय्याफ (سیاف) अ वि.–तलवार चलानेवाला, जल्लाद, वधिक।

सय्याल (سیال) अ वि –तरल, वहनेवाला पदार्थ।

सय्यारः (سیارہ) अ. पु –तारा, उडु, ग्रह, सितारा, सैर करनेवाला।

सय्यार (سیار) अ वि.–घूमनेवाला, सैर करनेवाला; वह तारा जो घूमता है, स्थिर नही रहता, ग्रह।

सय्यास (سیاس) अ. वि –राजनीति मे निपुण, राजनीतिज्ञ, सियासतदाँ।

सय्याह (سیّاح) अ पु –पर्यटक, सियाहत करनेवाला, देश-विदेश घूमनेवाला।

सय्याही (سیاحی) अ स्त्री –पर्यटन, देशाटन, देश-विदेश घूमना, सियाहत करना।

सरंगुश्त (سرانگشت) फा स्त्री –उँगली का पोरा, उँगली का सिरा।

सरंजाम (سرانجام) फा पु –अन्त, अखीर, पूर्ति, तकमील, परिणाम, नतीजा, प्रबध, बदोबस्त, उपकरण, सामग्री, सामान।

सरः (سرہ) फा वि –निर्मल, निष्केवल, बेमेल, खालिस, खरा रुपया और सिक्का।

सर (سر) फा पु –शिर, सिर, मूँड, श्रेष्ठ, उत्तम, घ्यान, खयाल, सिरा, अगला भाग, (उप) श्रेष्ठता, उच्चता, सिरा, आदि के अर्थ में आता है।

सरअगुश्त (سرانگشت) फा स्त्री.–दे 'सरगुश्त' उच्चारण वही अधिक शुद्ध है।

सरअजाम (سرانجام) फा पु –'दे 'सरजाम', उच्चारण वही अधिक शुद्ध है।

सरअफगदः (سرافگندہ) फा वि –दे 'सरफगद' उच्चारण वही अधिक शुद्ध है।

सरआमद (سرآمد) फा वि –दे 'सरामद', उच्चारण वही अधिक शुद्ध है।

सरक़तार (سرقطار) फा. अ वि –मुखिया, अगुआ, लीडर, नेता।

सरकर्द. (سرکردہ) फा वि –अगुआ, सरग़ना, मुखिया।

सरकर्दगी (سرکردگی) फा स्त्री –अगुआपन, नेतृत्व।

सरक़ल्यान (سرقلیان) फा स्त्री –चिलम, तमाकू पीने की चिलम।

सरकश (سرکش) फा. वि –अवज्ञाकारी, नाफर्मान, विद्रोही, बागी, उद्दड, उजड्ड, अशिष्ट, नामुहज्ज़ब, मुँहफट, बदलगाम, स्वेच्छाचारी, खुदराय।

सरकशी (سرکشی) फा स्त्री –अवज्ञा, हुक्मउदूली, विद्रोह, बगावत, उद्दडता, उजड्डपन, बदलगामी, मुँहफट होना।

सरकार (سرکار) फा स्त्री.–राज्य, हुकूमत, शासक, हाकिम, राष्ट्र, मम्लुकत, बडे व्यक्तियो के लिए सबोधन का शब्द, कचहरी, न्यायालय, दरबार, राजसभा।

सरकारी (سرکاری) फा वि –राजकीय, हुकूमती, सरकार का।

सरकोचकी (سرکوچکی) फा स्त्री –अधमता, नीचता, पामरता, कमीनगी।

सरकोब (سرکوب) फा वि –सर कुचलनेवाला, दमन करनेवाला, दमदम।

सरकोबी (سرکوبی) फा स्त्री –सर कुचलना, दमन करना।

सरखत (سرخط) फा पु –तनख्वाह आदि के हिसाब का कागज, दस्तखती तहरीर, स्टाम्प, तमस्सुक।

सरखुश (سرخوش) फा वि –हलके नशे मे मस्त।

सरखुशी (سرخوشی) फा स्त्री –हलका नशा।

सरखैल (سرخیل) फा वि –अपने दल का नायक, सरदार।

सरग़नः (سرغنہ) फा वि –मुखिया, सरदार।

सरगर्दां (سرگرداں) फा वि –दे 'सरगश्त'।

सरगर्म (سرگرم) फा वि –तन्मय, तल्लीन, मह्व, तत्पर, कटिबद्ध, मुस्तइद।

सरगर्मी (سرگرمی) फा स्त्री –तन्मयता, सलग्नता, मुस्तइद्दी, तत्परता।

सरगर्मेकार (سرگرم کار) फा वि –किसी काम में पूरी तन्मयता से लगा हुआ।

सरगश्त. (سرگشتہ) फा वि –हैरान, उद्विग्न, परीशान, रास्ते मे भटका हुआ, राह भूला हुआ।

सरगश्तगी (سرگشتگی) फा स्त्री –उद्विग्नता, हैरानी, राह भूल जाना, भटकते फिरना।

सरगर्दानी (سرگردانی) फा स्त्री –दे 'सरगश्तगी'।

सरगिराँ (سرگراں) फा वि –रुष्ट, अप्रसन्न, नाखुश, खफा।

सरगिरानी (سرگرانی) फा स्त्री –रोष, अप्रसन्नता, खफगी।

सरगुज़श्त (سرگزشت) फा. स्त्री –वृत्तान्त, हाल, घटना, वाकिआ।

सरगुम (سرگم) फा वि –जिसका आदि और अन्त न हो, जिसकी इब्तिदा और इन्तिहा न हो।

सरगुरोह (سرگروہ) फा वि –मुखिया, नायक, अपने दल का सरदार।

सरगोशी (سرگوشی) फा स्त्री –कान से मुंह मिलाकर चुपके-चुपके बातें करना, कानाफूंसी।

सरचंग (سرچنگ) फा पु –थप्पड, चाँटा, तल-प्रहार।

सरचश्म (سرچشمہ) फा पु –स्रोत, सोत, सोता, उद्गम, मखूज।

सरचस्पाँ (سرچسپاں) फा पु –बोतल या डिब्बे आदि पर चिपकाने का लेबिल।

सरजग (سرجنگ) फा पु –सेनापति, सिपहसालार।

सरजद (سرزدہ) फा वि –निश्चेष्ट, सज्ञाहीन, बेखबर।

सरजद (سرزد) फा वि –घटित, वाके'।

सरज़न (سرزن) फा वि –अवज्ञाकारी, उद्दड, सरकश।

सरज़निश (سرزنش) फा स्त्री –डाँट-फटकार, भर्त्सना, तवीह।

सरज़नी (سرزنی) फा स्त्री –अवज्ञा, नाफ़र्मानी।

सरज़मी (سرزمیں) फा स्त्री –पृथ्वी, ज़मीन; देश, मुल्क।

सरजूक़ः (سرجوقہ) फा पु –दे 'सरगुरोह'।

सरज़ोर (سرزور) फा वि –विद्रोही, बागी, अवज्ञाकारी, नाफ़र्मान।

सरज़ोरी (سرزوری) फा स्त्री –विद्रोह, बगावत, अवज्ञा, नाफ़र्मानी।

सरजोश (سرجوش) फा वि –हर वह चीज जो देग से पहले जोश में उतारी जाय, सार, सत, जौहर।

सरतराश (سرتراش) फा वि –नापित, नाई, सर छीलनेवाला, क्षौरकर्मकार।

सरतराशी (سرتراشی) फा स्त्री –नापित-कर्म, नाई का काम, नाईपन।

सरताज (سرتاج) फा वि –शिरोमणि, सबसे अच्छा, पति, शौहर; स्वामी, मालिक, नायक, सरदार।

सरतान (سرطان) अ पु –दे. 'सर्तान'।

सरतापा (سرتاپا) फा वि –सर से पाँव तक, आपादमस्तक, आद्योपान्त, शुरू से आख़िर तक।

सरताबक़दम (سرتابہ‌قدم) फा अ वि –दे 'सरतापा'।

सरताबी (سرتابی) फा स्त्री –अवज्ञा, हुक्मउदूली, उद्दंडता, सरकशी।

सरतासर (سرتاسر) फा वि –आदि से अत तक, शुरू से अखीर तक।

सरतेज़ः (سرتیزہ) फा पु –सगीन, लवी पतली छुरी।

सरतेज़ (سرتیز) फा. वि –लडाकू, जगजू, नोकदार।

सरदफ़्तर (سر دفتر) फा. वि –हेडक्लर्क, दफ्तर का इनचार्ज।

सर दर गिरीवाँ (سر در گریباں) फा वि.–सोच मे पडा हुआ।

सरदर्द (سردرد) फा. पु –सिर की पीडा, सर का दर्द, झझट, जंजाल, वखेडा, श्रम, मेहनत।

सरदर्दी (سردردی) फा स्त्री –दे 'सरदर्द'।

सरदस्त (سردست) फा वि –पोच, ओछा, वेकद्र, कलदरो के हाथ में रखने की लकडी।

सरदार (سردار) फा पु –नायक, अध्यक्ष, स्वामी, पति।

सरदारी (سرداری) फा स्त्री –अध्यक्षता, स्वामित्व।

सरनविश्त (سرنوشت) फा स्त्री –भाग्यलेख, तकदीर का लिखा, वृत्तान्त, हाल।

सरनामः (سرنامہ) फा पु –खत का अल्कावो आदाव।

सरनाम (سرنام) फा पु.–प्रसिद्ध, मशहूर, यशस्वी, नामवर।

सरनिगूँ (سرنگوں) फा वि –सर झुकाये हुए, औंधा, अधोमुख, लज्जित, शर्मिंदा।

सरनिहादः (سرنہادہ) फा वि –सर टेके हुए, सर झुकाये हुए।

सरपंजः (سرپنجہ) फा वि –हाथ का पंजा, प्रहस्त, अलवुष, शक्तिशाली, ताकतवर, अत्याचारी, ज़ालिम।

सरपंजगी (سرپنجگی) फा. स्त्री –शक्ति, ज़ोर, अत्याचार, जुल्म।

सरपरस्त (سرپرست) फा वि –जो किसी की देख-रेख और पालन-पोषण करे, पोषक, सरक्षक, गार्जियन, अभिभावक, पक्षपाती, हिमायती।

सरपरस्ती (سرپرستی) फा स्त्री –पालन-पोषण, देख-रेख; गार्जियनशिप, अभिभावकता; पक्षपात, तरफदारी।

सरपेच (سرپیچ) फा. पु –पगडी मे बाँधने का एक आभूषण।

सरपोश (سرپوش) फा. पु –ढक्कन।

सरपोशीदः (سرپوشیدہ) फा स्त्री –कुँवारी लडकी, कुमारी।

सरफराज (سرفراز) फा वि –दे 'सरफ़ाज़'।

सरफराजी (سرفرازی) फा स्त्री –दे 'सरफ़ाज़ी'।

सरफरोश (سرفروش) फा वि –जान की बाज़ी लगा देनेवाला, जाँनिसार।

सरफरोशी (سرفروشی) फा स्त्री –जान की बाज़ी लगाना, जाँनिसारी।

सरफ़िगंदः (سرفگندہ) फा वि –दे 'सरफगद'।

सरफ़गंदः (سرافگندہ) फा. वि –सर झुकाये हुए।

सरवंद (سربند) फा पु –जिसका मुँह वद हो, सर वमुह्र।

सरवकफ (سربکف) फा वि –हाथ पर सर रखे हुए, अर्थात् मरने पर उद्यत।

सरवख़्श (سربخش) फा. पु –किसी वस्तु के कई भागो में से सवसे वडा भाग।

सर व गिरीवाँ (سر بہ گریباں) फा वि.–दे 'सर दर गिरीवाँ'।

सर वज़ानू (سربزانو) फा वि –घुटनो मे सर डाले हुए, उदास, चिंतित।

सर व मुह्र (سر بہ مہر) फा वि –मोह्र किया हुआ, वद किया हुआ, और मुँह पर मोह्र किया हुआ।

सरवर (سرور) फा वि –दे 'सरवलद'।

सरवरआवर्दः (سربرآوردہ) फा. वि –दे. 'सरवरावर्द'।

सरवरहनः (سربرہنہ) फा वि –नंगे सर, सर खोले हुए।

सरबरावर्दः (سربرآوردہ) फा वि –प्रतिष्ठित और सम्मानित व्यक्ति, बडा आदमी, मुखिया।

सरबराह (سربراہ) फा वि –प्रबंधक, मुतज़िम।

सरबराहकार (سربراہکار) फा पु –कारकुन, कारिंदा, एजेंट, अभिकर्ता।

सरबराहकारी (سربراہکاری) फा स्त्री –कारिंदगरी, एजेंटी।

सरबराही (سربراہی) फा स्त्री –प्रबंध, इतिज़ाम।

सरबलंद (سربلند) फा वि –प्रतिष्ठित, मुअज्ज़ज़।

सरबलंदी (سربلندی) फा. स्त्री –प्रतिष्ठा, इज्ज़तदारी, उत्थान, तरक्की।

सरबसर (سربسر) फा वि –नितान्त, बिल्कुल।

सरबसहरा (سربصحرا) फा अ वि –जंगल मे मारा-मारा फिरनेवाला।

सरबस्तः (سربستہ) फा वि –मुँहबंद, सर ब मोहर, गुप्त, पोशीद।

सरबस्त (سربست) फा पु –पहेली, प्रहेलिका।

सरबहा (سربہا) फा पु –खूँबहा, खून की कीमत।

सरबाज़ (سرباز) फा वि –सिपाही, सैनिक, योद्धा, बहादुर।

सरबाज़ारी (سربازاری) फा वि –अधम, नीच, लोफर, शोहद।

सरबाज़ी (سربازی) फा स्त्री –शूरता, वीरता, बहादुरी।

सरबार (سربار) फा पु –सर का बोझ।

सरबारी (سرباری) फा स्त्री –वह छोटा बोझ जो बडे बोझ के ऊपर सिर पर रखते हैं।

सरबाला (سربالا) फा वि –ऊँचे सर का, सरदार।

सरबुरीद. (سربریدہ) फा वि –जिसका सर काट लिया गया हो।

सरमद (سرمد) फा वि –नित्य, अनश्वर, लाज़वाल।

सरमदी (سرمدی) फा वि –नित्यता, लाज़वाली।

सरमश्क (سرمشق) फा अ पु –तख्ती, मश्क करने की तख्ती, खुशनवीस का लिखा हुआ कता' जिसे देखकर खुशखती की मश्क की जाती है।

सरमस्त (سرمست) फा वि –उन्मत्त, मदोन्मत्त, बेसुध।

सरमस्ती (سرمستی) फा स्त्री –उन्माद, बदमस्ती।

सरमाय (سرمایہ) फा पु –पूँजी, अस्ल ज़र, धन, दौलत।

सरमाय दार (سرمایہدار) फा वि –पूँजीपति, कैपिटलिस्ट, धनवान्, मालदार।

सरमाय दारान (سرمایہدارانہ) फा वि –पूँजीपतियो-जैसा, धनियो की तरह।

सरमाय दारी (سرمایہداری) फा स्त्री –पूँजीवाद, रुपया लगाकर गरीबो की मेहनत से नाजाइज़ नफा कमाना।

सरयान (سریان) फा पु –एक चीज का दूसरी चीज़ मे प्रवेश।

सररिश्त (سررشتہ) फा पु –विभाग, महकमा, योग्यता, काबिलीयत, इच्छा, ख्वाहिश, अधिकार, इख्तियार, सूत्र, डोरा।

सरलश्कर (سرلشکر) फा वि –सेनापति, सेनाध्यक्ष, सिपहसालार।

सरलौह (سرلوح) फा अ स्त्री –वह चित्रादि जो किताब के मुखपृष्ठ पर बनाये जाते हैं।

सरवर (سرور) फा वि –सरदार, सर्वश्रेष्ठ, नायक, प्रधान।

सरवरक (سرورق) फा अ पु –मुखपृष्ठ, पुस्तक का ऊपर का पन्ना जिसमे किताब का नाम आदि होता है।

सरवरी (سروری) फा स्त्री –नायकत्व, अध्यक्षता, सरदारी।

सरवरे कौनैन (سرور کونین) फा अ पु –दोनो लोक के सरदार, हज़्रत साहिब की उपाधि।

सरशार (سرشار) फा वि –ऊपर तक भरा हुआ, परिपूर्ण, लबरेज, छलकता हुआ, उन्मत्त, मस्त।

सरशीर (سرشیر) फा स्त्री –दूध की मलाई, दुग्धाग्र, क्षीरसार, बालाई।

सरशेब (سرشیب) फा वि –औंधा, अधोमुख।

सरशो (سرشو) फा वि –सर धोने की मिट्टी, जिस चीज़ से सर धोया जाय।

सरसबद (سرسبد) फा वि –फूलो की टोकरी मे सबसे सुन्दर और सबसे उत्तम फूल।

सरसब्ज़ (سرسبز) फा वि –हरा-भरा, शाद्वल, समृद्ध, मालदार, सफल, कामयाब, उन्नतिशील, तरक्कीयाफ्त, आबाद, वीरान का उलटा, उपजाऊ, ज़रखेज़।

सरसब्ज़ी (سرسبزی) फा स्त्री –हरा-भरापन, उपजाऊ-पन, उन्नति; आबादी, सफलता, समृद्धि।

सरसरी (سرسری) फा वि –बेदिली और बेतवज्जुही का काम, जल्दी का काम, उचटती हुई नजर डालने का काम।

सरसोज़न (سرسوزن) फा पु –सुई का नाका, सूची-अग्र।

सरहंग (سرہنگ) फा पु –सैनिक, सिपाही, कोतवाल, सेनानायक, फौज का सरदार, अवज्ञाकारी, उद्दंड, सरकश।

सरहंगज़ादः (سرہنگزادہ) फा पु –सैनिक-पुत्र, सिपाही का लडका।

सरहद (سرحد) फा स्त्री –सीमा, हद, सीमान्त, आख़िरी हद, किसी देश की वह सीमा जो किसी दूसरे देश से मिली हो।

सरहदी (سرحدی) फा स्त्री –सरहद का; सरहद के पास का; सीमान्त का निवासी।

सरहम्माम (سرحمام) फा अ. पु –हम्माम का गर्म कमरा जिसमे नहाया जाता है।

सरहल्कः (سرحلقہ) फा वि –सरदार, अध्यक्ष।

सरहिसाब (سرحساب) फा अ वि –सूचित, आगाह, परिचित, वाकिफ, सचेत, होशियार।

सरा (سرا) फा स्त्री –मकान, घर, गृह, पथिकाश्रय, मुसाफिरखाना, स्थान, जगह, (प्र) गानेवाला, जैसे– 'नग्म सरा' गीत गानेवाला।

सरा (ثری) अ. पु.–ज़मीन का नीचे का तल, पाताल, गीली मिट्टी।

सराइंदः (سرائندہ) फा वि –गानेवाला, गायक।

सराईदः (سرائیدہ) फा वि.–गाया हुआ, गीत।

सराए फ़ानी (سرائے فانی) फा. अ स्त्री.–नश्वर स्थान अर्थात् ससार, मृत्युलोक, मर्त्यलोक।

सराग़ोश (سرآغوش) फा पु –सर के वाल सँवारने और वाँधने की जाली, गेसूपोश।

सराचः (سراچہ) फा पु –छोटा घर, वडा खैम, एक वाना।

सरा पर्दः (سرا پردہ) फा पु –पर्देवाला मकान, हरमसरा; वड़ा खैम।

सरापा (سراپا) फा पु –आपादमस्तक, सर से पाँव तक, नितान्त, विलकुल, नायिका के नख-शिख का पद्यात्मक, वर्णन, उदा –"अल्ला रे हुस्नेयार की सरमस्तियो का रग, डूवे हुए है आज सरापा शराव मे।"

सरापाख़ुलूस (سراپاخلوص) फा अ वि –वहुत अधिक मुख़्लिस व्यक्ति।

सरापानियाज़ (سراپانیاز) फा वि –वहुत अधिक विनम्र और विनीत, वहुत वडा भक्त।

सरापारहमत (سراپارحمت) फा अ वि –सर से पाँव तक कृपा और दया ही दया, दया और कृपा की साकार मूर्ति।

सराफत (صرافت) अ स्त्री –सिक्के या चाँदी-सोने आदि का खरा होना, कैवल्य, निष्कूटता।

सराफील (سرافیل) फा पु –'इस्राफील' का लघु वह फिरिश्त जो कियामत के दिन तुरही फूंकेगा, जिससे सारा ब्रह्माड नष्ट हो जायगा।

सराव (سراب) फा. पु –वह रेत जो गर्मियों मे दूर से पानी की तरह चमकता हुआ दिखाई पडता है और प्यासे उसे पानी समझकर उसकी ओर दौडते है, मृगतृष्णा।

सरा वुस्ताँ (سرا بستاں) फा पु.–पाईंवाग, वह वाग जो महल या कोठी के साथ हो, गृहोद्यान, गृहवाटिका।

सरामत (صرامت) अ स्त्री.–शूरता, वहादुरी, श्रेष्ठता, वुज़ुर्गी, विच्छेद, काटना, फुर्ती, तेज़ी।

सरामद (سرآمد) फा वि –सर्वश्रेष्ठ, सबसे उत्तम, अध्यक्ष, पति, सरदार।

सरायत (سرایت) फा स्त्री –एक चीज़ का दूसरी मे प्रवेश, सरयान, प्रभाव, असर।

सरारू (سرارو) फा स्त्री –एक वडी रग जिसकी फस्द ली जाती है, सरोरू, कीफाल।

सरासर (سراسر) फा वि.–नितान्त, विलकुल, एक सिरे से।

सरासीमः (سراسیمہ) फा वि –उद्विग्न, आतुर, व्याकुल, परीशान, वदहवास।

सरासीमगी (سراسیمگی) फा स्त्री –उद्विग्नता, व्याकुलता, परीशानी, वदहवासी।

सराहत (صراحت) अ स्त्री.–स्पष्टीकरण, वज़ाहत, सविस्तर विवरण, तफसील, ।

सराहतन (صراحتاً) अ. वि.–सराहत के साथ, विस्तार-पूर्वक, सविस्तर।

सरिक़ः (سرقہ) अ. पु –चोरी, चौर्य, स्तेय, तस्करता, दुज़्दी।

सरिक़त (سرقت) अ स्त्री –दे 'सरिक'।

सरिश्तः (سرشتہ) फा पु –'सररिश्त.' का विगड़ा हुआ रूप, विभाग, महकमा, डिपार्टमेन्ट।

सरिश्तःदार (سرشتہدار) फा वि –एक कर्मचारी।

सरिश्त.दारी (سرشتہداری) फा स्त्री –सरिश्त दार का पद, उक्त पद का काम।

सरी (سری) फा वि.–सरदारी, अध्यक्षता।

सरीअ (سریع) अ. वि –शीघ्र, तेज़।

सरीउज़्ज़वाल (سریع الزوال) अ. वि –जो शीघ्र ही नाश हो जाय, जो अधिक देर न रहे, क्षणभगुर।

सरीउत्तासीर (سریع التاثیر) अ वि –जो अपना प्रभाव शीघ्र ही दिखाये, शीघ्रकारी, आशु प्रभावकारी, त्वरित-गुणदायी।

सरीउलअमल (سریع العمل) अ वि –वह दवा जो अपना असर जल्द करे।

सरीउलअसर (سریع الاثر) अ वि –जल्द प्रभाव दिखाने-वाला, शीघ्र गुणकारी।

सरीउलइंज़ाल (سریع الانزال) अ वि –जो पुरुष मैथुन के समय अधिक न ठहर सके, शीघ्रपतन।

सरीउलइंदिमाल (سریع الاندمال) अ वि –वह घाव जो शीघ्र भर जाय।

सरीउलइज़ाल: (سریع الازالہ) अ वि –जिसकी हानि-पूर्ति जल्द हो जाय।

सरीउलइन्हिज़ाम (سریع الانہضام) अ. वि –जो जल्दी हज़्म हो जाय, लघुपाक।

सरीउलइल्तिहाब (سریع الالتہاب) अ वि –जो शीघ्र ही जलने लगे, जरा-सी गर्मी में आग पकड ले, ज्वलनशील, विस्फोटक।

सरीउलएहसास (سریع الاحساس) अ वि –जो किसी बात का जल्द असर ले।

सरीउलक़बूल (سریع القبول) अ वि –जो किसी बात या गुण-दोष से जल्द प्रभावित होकर उसे ग्रहण कर ले।

सरीउलग़ज़ब (سریع الغضب) अ वि –जिसे जल्दी ही गुस्सा आ जाता हो, शीघ्रकोपी।

सरीउलफ़ह्म (سریع الفہم) अ वि –जो हर बात तुरत ही समझ जाता हो, शीघ्रबुद्धि, प्रतिभाशाली।

सरीउलहज़्म (سریع الہضم) अ वि –दे 'सरीउल इन्-हिज़ाम'।

सरीउलहरकत (سریع الحرکت) अ वि –तेज़ चलनेवाला, शीघ्रगति।

सरीउस्सैर (سریع السیر) अ वि –तेज़ चलनेवाला, शीघ्र-गामी।

सरीचः (سریچہ) फा पु –ममोला पक्षी।

सरीद (ثرید) अ पु –शोरबे मे चूर की हुई रोटी।

सरीय. (صریمہ) अ पु –काम छोड बैठना, हडताल।

सरीयः (سریہ) अ पु –पैगम्बर साहब के समय की वे लडाइयाँ जिनमें आप सम्मिलित न थे।

सरीर (سریر) अ पु –सिंहासन, तख़्त।

सरीर (صریر) अ स्त्री –लिखते समय कलम की चिर-चिराहट, चलते समय मनुष्य के पैर की चाप।

सरीरआरा (سریر آرا) अ फा वि –सिंहासनारूढ, तख़्त-नशीं, शासक, हुक्मराँ।

सरीरत (سریرت) अ स्त्री –भेद, रहस्य, मर्म, राज़।

सरीरे क़लम (صریر قلم) अ स्त्री –कलम की चिरचिराहट जो लिखते समय होती है।

सरीह (صریح) अ वि –स्पष्ट, व्यक्त, साफ, वाज़ेह, खुल्लम-खुल्ला।

सरीहन (صریحاً) अ वि –खुल्लम खुल्ला, स्पष्ट रूप से, साफ-साफ।

सरूँ (سروں) फा पु –सींग, शृग, विषाण।

सरूँगाह (سروں گاہ) फा स्त्री –कनपटी, पशु के सींग निकलने का स्थान।

सरीही (صریحی) अ वि –दे 'सरीहन।

सरे ज़ुल्फ (سر زلف) फा पु –अलक, ज़ुल्फ, हावभाव, नाजोअदा।

सरे तन्हा (سر تنہا) फा पु –अकेला, एकाकी।

सरे दस्त (سر دست) फा वि –तत्काल, इस समय, फिल-हाल, सम्प्रति।

सरे नौ (سر نو) फा वि –नये सिरे से, फिर से, पुन।

सरे पा (سر پا) फा स्त्री –ठोकर,(पु) पाँव का सिरा, पजा।

सरे पिस्ताँ (سر پستاں) फा पु –स्तन की घुडी, भिटनी, स्तनवृन्त, नर्मठ।

सरे पै (سر پے) फा स्त्री –ठोकर, (पु) पाँव का अगला भाग, पजा।

सरे बज़्म (سر بزم) फा पु –भरी सभा मे, सबके सामने।

सरे बाज़ार (سر بازار) फा पु –बीच बाजार मे, सबके सामने, खुल्लमखुल्ला।

सरे बाम (سر بام) फा पु –अटारी पर, छत पर।

सरे बाली (سر بالیں) फा पु –सिरहाने।

सरेमू (سرمو) फा पु –बाल की नोक के बराबर, ज़रा-सा भी, किंचिन्मात्र।

सरे रहगुज़र (سر رہگزر) फा पु –दे 'सरे राह'।

सरे राह (سر راہ) फा पु –रास्ते मे, रास्ता चलते हुए।

सरेश (سریش) फा स्त्री –देखें शुद्ध उच्चारण 'सिरेश'।

सरे शाम (سر شام) फा पु –सूरज डूबते समय, सध्यामुख।

सरे शोरीदः (سر شوریدہ) फा पु –वह सर जिसमे प्रेम का पागलपन भरा हो, पागल व्यक्ति का मस्तिष्क।

सरोकार (سروکار) फा पु –प्रयोजन, वास्ता, सम्बन्ध, तअल्लुक।

सरोद (سرود) फा पु –दे शु उ 'सुरोद' या 'सुरूद'।

सरोपा (سروپا) फा पु –सर-पैर, प्राय 'बे' के साथ बोला जाता है।

सरोबद (سرو بند) फा पु –समय, काल, वक्त, ज़माना।

सरोबर्ग (سرو برگ) फा पु –ध्यान, ख़याल।

सरोबुन (سرو بن) फा पु –सरोपा, सर-पैर, आदि-अत, शुरू और अख़ीर।

सरोरू (سرورو) फा स्त्री –एक रग, दे 'सराम्ब'।

सरोश (سروش) फा पु –दे शु उ 'सुरोश'।

सरोसामान (سرو سامان) फा पु –उपकरण, सामग्री, सामान, ज़िंदगी का जरूरी सामान।

सर्अ (صرع) अ स्त्री –अपस्मार, मिर्गी रोग।

सर्तान (سرطان) अ पु –कर्क, कर्कट, केकडा, घिघचा, कर्कराशि, बुर्जे सर्तान।

सर्द (سرد) फा वि –शीतल, ठडा, मद, धीमा, नि श्री, वेरौनक; नपुसक, हीजडा।

सर्दखुश्क (سرد خشک) फा वि.–वह दवा या गिज़ा जिसमे सर्दी के साथ खुश्की भी हो।

सर्दतर (سردتر) फा. वि.–बहुत अधिक सर्द, वह दवा जो सर्द के साथ तर भी हो।

सर्दबाज़ारी (سرد بازاری) फा स्त्री –वेरौनकी, श्रीहीनता, वाज़ार भाव का मदा होना, नाकद्री, पूछ-ताछ न होना।

सर्दमिज़ाज (سردمزاج) फा. अ वि.–जिसकी प्रकृति शीतल हो, शान्त प्रकृति।

सर्दमेह्र (سردمہر) फा. वि –नि शील, वेमुरव्वत, कठोर, वेरहम, जो वेदिली से मिले।

सर्दमेह्री (سردمہری) फा स्त्री –दु शीलता, वेमुरव्वती, कठोरता, वेरहमी; वेदिली, कमतवज्जुही।

सर्दसेर (سردسیر) फा वि –वह स्थान जहाँ की आवो-हवा सर्द हो।

सर्दाबः (سردابہ) फा पु –तहखान, तलगृह।

सर्दी (سردی) फा स्त्री –शीतता, ठडक, ठड का मौसिम, हेमत ऋतु; जुकाम, प्रतिश्याय।

सर्दोगर्म (سردوگرم) फा वि –गर्म और ठडा, दुनिया का अच्छा और वुरा।

सर्दोगर्म चशीदः (سردوگرم چشیدہ) फा वि –गर्म और ठडा चखा हुआ अर्थात् अनुभवी।

सर्फ़ः (صرفہ) फा पु –लाभ, नफा; व्यय, खर्च, बारहवाँ नक्षत्र, उत्तराफाल्गुनी, कृपणता, कजूसी, अधिकता, जिया-दती, न्याय, इसाफ।

सर्फ़ (صرف) अ पु –व्यय, खर्च, उपभोग, इस्ते'माल, व्याकरण की एक शाखा, पदव्याख्या।

सर्फ़ी (صرفی) अ वि –जो व्याकरण में 'सर्फ़' का ज्ञाता हो।

सर्फ़ोनह्व (صرف و نحو) अ स्त्री –व्याकरण, कवाइद, पद-व्याख्या और वाक्य-विश्लेपण।

सर्ब (ثرب) अ पु –चर्वी की बारीक चादर जो उदर आदि पर चढी रहती है।

सर्मक (سرمق) अ. पु –वथुआ, एक साग।

सर्मा (سرما) फा पु –जाडे का मौसिम, शीतकाल।

सर्माई (سرمائی) फा वि –जाडे के मौसिम का, जाडे के पहनने के कपडे।

सर्माए गुल (سرمائے گل) फा पु –गुलावी जाडा, शुरू वहार का जाडा, हलका जाडा।

सर्माए तल्ख़ (سرمائے تلخ) फा पु –कडा जाडा, चिल्ले का जाड़ा।

सर्माज़दः (سرمازدہ) फा वि –जिसे पाला मार गया हो।

सर्मासोख़्तः (سرماسوختہ) फा. वि –वह पेड जिसे पाला मार गया हो, जो पाले से जल गया हो।

सर्राफ़ः (صرافہ) अ पु –सराफो का वाज़ार, जहाँ चाँदी-सोना वेचनेवालों की मडी हो।

सर्राफ़ (صراف) अ. वि –चाँदी-सोना वेचनेवाला।

सर्राफ़ी (صرافی) अ स्त्री –चाँदी सोना बेचने का काम।

सर्वंदाम (سرواندام) फा वि –सर्व-जैसे सीधे और सुन्दर शरीरवाला।

सर्व (سرو) अ पु –एक प्रसिद्ध पेड, सरो, जो सीधा और सुन्दर होता है।

सर्वअंदाम (سرواندام) फा वि –दे 'सर्वंदाम'।

सर्वक़द (سروقد) फा वि –दे 'सर्वंदाम'।

सर्वक़ामत (سروقامت) फा अ वि –दे 'सर्वंदाम'।

सर्वत (ثروت) अ स्त्री –धनाढ्यता, समृद्धि, मालदारी; ऐश्वर्य, ऐश, फरागत।

सर्वबाला (سروبالا) फा वि –दे 'सर्वंदाम'।

सर्वे आज़ाद (سرو آزاد) फा पु –वह सर्व जिसमे शाखें और फल न हो।

सर्वे ख़िरामाँ (سرو خراماں) फा पु –चलने-फिरनेवाला सर्व अर्थात् मा'शूक।

सर्वे चमन (سرو چمن) फा पु –वाग का सर्व का पेड।

सर्वे चिराग़ाँ (سرو چراغاں) फा. पु –सर्व के वृक्ष के आकार का काँच का झाड जिसमे मोमवत्तियाँ जलती है।

सर्वे नाज़ (سرو ناز) फा पु –वह सर्व जिसकी शाखें झुक-कर आपस मे मिल गयी हो।

सर्वे बाला (سرو بالا) फा. पु –लवा सर्व।

सर्वे सिही (سرو سہی) फा पु –बिलकुल सीधा सर्व।

सर्शफ़ (سرشف) फा. स्त्री –सरसो, एक प्रसिद्ध दाना, जिसका तेल कडवे तेल के नाम से खाने के काम आता है।

सर्सर (صرصر) फा स्त्री –झक्कड, गर्म हवा के झोके, झझा, तेज़ हवा के झोके, उदा०—"यह भी अय सय्याद है जौरे फलक। कैद हो हम वाग में सर सर चले।"

सर्साम (سرسام) अ पु –दिमाग के वरम की एक बीमारी, सन्निपात।

सर्सामी (سرسامی) अ वि –सरसाम का रोगी।

सलफ़ः (سلفہ) अ पु –'सलफ़' का वहु, पुराने लोग, पूर्वज।

सलफ़ (سلف) अ पु –पूर्वज, पुराने लोग।

सलवात (صلوات) अ स्त्री –'सलात' का वहु, नमाज़ें; रसूल पर दुरूद।

सला' (صلع) अ पु –बालों का एक रोग, गंज।
सला (صلا) अ स्त्री –आवाज़ देना, बुलाना।
सलाए आम (صلاے عام) अ स्त्री –सबका बुलावा, सबकी दा'वत, सार्वजनिक निमंत्रण।
सलाक (سلاک) फा स्त्री –सोने-चाँदी की सलाख।
सलाख़ (سلاخ) तु स्त्री –सलाई, शलाका, लोहे की छड, लकीर।
सलात (صلاۃ) अ स्त्री –नमाज़, दुरूद।
सलातीन (سلاطین) अ पु –'सुल्तान' का बहु, बादशाह लोग, शासकगण।
सलाबत (صلابت) अ स्त्री –कठोरता, सख़्ती।
सलाम (سلام) अ पु –प्रणाम, तस्लीम, शान्ति, सलामती, नौहे की एक क़िस्म, घृणा और बेज़ारी के लिए भी बोलते हैं।
सलामत (سلامت) अ स्त्री –सुरक्षित, महफ़ूज़, जीवित, ज़िंदा, पूर्ण, पूरा, स्वस्थ, तनदुरुस्त।
सलामत बाशेद (سلامت باشید) अ फा वा –जीवित रहो, ज़िंदा रहो।
सलामतरवी (سلامت روی) अ फा स्त्री –सबसे हेल-मेल से रहना, खर्च आदि में किफायत बरतना।
सलामती (سلامتی) अ स्त्री –शान्ति, अमन, रक्षा, स्वास्थ्य, तनदुरुस्ती।
सलामी (سلامی) अ वि –किसी बडे आदमी के आने पर तोपों के फ़ैर।
सलामुन अलैकुम (سلامٌ علیکم) अ वा –तुम पर सलामती हो, मुसल्मानों का सलाम जो वह एक दूसरे से कहते हैं।
सलामो अलैकुम (سلامٌ علیکم) अ वा –दे 'सलामुन अलैकुम'।
सलामो पयाम (سلام و پیام) अ फा पु –किसी का सलाम के साथ कोई सँदेशा आना, किसी को सलाम के साथ कोई सँदेसा भेजना, लडके या लडकीवालों की ओर से विवाह या सगाई की बातचीत चलना।
सलासत (سلاست) अ स्त्री –सरलता, रवानी, सलीसपन, नम्रता, नर्मी, हलके-फुलके और सुंदर शब्दों का व्यवहार जिसमें कोई क्लिष्ट शब्द न हो और न ऐसे शब्द हों जिनसे ज़बान को तोडना मरोडना पडे।
सलासते ज़बान (سلاست زبان) अ फा स्त्री –भाषा की मृदुलता, शब्दों का माधुर्य, गद्य या पद्य में कोमल, मृदुल और सरल उच्चारणवाले शब्दों का प्रयोग, फसाहत।
सलासते बयान (سلاست بیان) अ स्त्री –बातचीत की मधुरता।
सलासिल (سلاسل) अ स्त्री –'सिल्सिल' का बहु, ज़ंजीरें, बेडियाँ।
सलाह (صلاح) अ स्त्री –अच्छाई, भलाई, परामर्श, मशवुर, उद्देश्य, मंशा, मंसूब, राय, तजवीज़।
सलाहअंदेश (صلاح اندیش) अ फा वि –नेकअंदेश, ख़ैरख़्वाह, शुभचिंतक, हितैषी।
सलाहकार (صلاح کار) अ फा वि –सदाचारी, नेकअमल, परामर्शदाता, मश्वुर देनेवाला, सदुपदेशक, नासेह।
सलाहिफ़ (سلاحف) अ पु –'सुलह्फ़ात' का बहु, 'कछवे'।
सलाहीयत (صلاحیت) अ स्त्री –भलाई, अच्छाई, ख़ूबी, सदाचार, संयम, इंद्रिय-निग्रह, पारसाई, योग्यता, पात्रता, अह्लीयत, विद्वत्ता, इल्मीयत, गंभीरता, मतानत, मुसाफ़िरों का पुलिस के रजिस्टर में इंदिराज।
सलाहे कार (صلاح کار) अ फा स्त्री –काम की काबिलीयत, कार्य-क्षमता।
सलाहे नेक (صلاح نیک) अ फा स्त्री –अच्छी सलाह, सत्-परामर्श।
सलाहे बद (صلاح بد) अ फा स्त्री –बुरी सलाह, दुस्संमति।
सलाहे वक़्त (صلاح وقت) अ स्त्री –समय के अनुसार सलाह, समय की माँग।
सलिसुल बौल (سلس البول) अ पु –एक मूत्ररोग जिसमें पेशाब बार-बार आता है, बहुमूत्र।
सलीक़ः (سلیقہ) अ पु –शिष्टता, तमीज़, शुऊर, क्रम, तर्तीब, योग्यता, हुनरमंदी, सुघडापा, सुघडया, हर चीज़ को उसके मुनासिब मौक़ा रखने की तमीज़, सभ्यता, तहज़ीब।
सलीक़ःमंद (سلیقہ مند) अ फा वि –शिष्ट, बाशुऊर, सुघड, हुनरमंद, सभ्य, मुहज़्ज़ब।
सलीक़ःमंदी (سلیقہ مندی) अ फा स्त्री –शिष्टता, तमीज़दारी, सुघडपन, सभ्यता, तहज़ीब।
सलीक़ःशिआर (سلیقہ شعار) अ वि –दे 'सलीक़ःमंद'।
सलीक़ःशिआरी (سلیقہ شعاری) अ स्त्री –दे 'सलीक़ःमंदी'।
सलीक (سلیک) अ वि –पिरोई हुई चीज़, गुथिल, नत्थी, मुसलिक, संलग्न।
सलीब (صلیب) अ स्त्री –सूली, दार, हज़्रत ईसा को सूली देने की टिकठी जो चौपारे की आकार की थी; वह चौपारे का चिह्न जो ईसाइयों का धार्मिक चिह्न है, क्रास।
सलीबी (صلیبی) अ वि –सलीब का, सलीब की शक्ल का, ईसाई धर्म सम्बन्धी।
सलीम (سلیم) अ वि –गंभीर, शांत, मतीन, सहनशील,

बुर्दबार, शांतिप्रिय, जिसे शोरोशर या लड़ाई दंगा पसंद न हो, स्वस्थ, चंगा, तनदुरुस्त।

सलीमुत्तब्अ (سلیم الطبع) अ वि.—जिसका स्वभाव बहुत ही शांतिप्रिय हो, सौम्य।

सलीमुलमिज़ाज (سلیم المزاج) अ वि —दे 'सलीमुत्तब्अ'।

सलीस (سلیس) अ वि —नर्म, कोमल, मृदुल, सरल, सुगम, आसान, सुबोध, आमफ़ह्म, बालबोध, सभ्य, शिष्ट, तमीज़दार; वह गद्य या पद्य जो बहुत ही सरल और कोमल हो, कोमल।

सल्अः (سلعه) अ पु —बडा मस्सा, बतौडी, मासार्बुद।

सल्ख (سلخ) अ पु —खाल खीचना, खाल उतारना, कृष्णपक्ष की अंतिम तिथि।

सल्ज (ثلج) अ पु —हिम, बर्फ़।

सल्जम (سلجم) अ पु —शल्जम, एक प्रसिद्ध तरकारी।

सल्जूक (سلجوق) तु पु —एक व्यक्ति जिससे सल्जूकी वंश चला है, इसी की चौथी पुश्त मे तुग्रुल बेग सलजूक नाम का शासक हुआ है।

सल्जूकी (سلجوقی) तु पु —सल्जूक का वंशज।

सल्तनत (سلطنت) अ स्त्री —राज्य, राष्ट्र, मुल्क, शासन, सत्ता, हुकूमत।

सल्तनते जुमहूरी (سلطنت جمہوری) अ स्त्री —जनता का राज, गणतंत्र, जनतंत्र।

सल्तनते शख़्सी (سلطنت شخصی) अ. फा स्त्री.—व्यक्तिगत राज्य, साम्राज्य।

सल्ब (سلب) अ. पु —निवारण, दफ़ीअ, विनाश, खातिमा; छीन लेना, जब्त कर लेना।

सल्बे मरज़ (سلب مرض) अ पु —किसी के रोग को आत्मशक्ति द्वारा नष्ट कर देना।

सल्म (سلم) अ स्त्री.—बच्चो के लिखने की तख़्ती, पाटी, पट्टिका, दे 'सिल्म', दोनो शुद्ध है।

सल्मान (سلمان) अ पु —पैगंबर साहब के एक सिहाबी, सलमान फारिसी, ईरान का एक शाइर, सल्मान सावजी।

सल्लाख़ (سلاخ) अ पु —खाल उतारनेवाला, जल्लाद, फाँसी देनेवाला, (देखो 'सल्लाखी')।

सल्लाख़ी (سلاخی) अ स्त्री —खाल उतारना, पुराने ज़माने मे एक सज़ा यह भी थी कि ज़िंदा आदमी की खाल उतार दी जाती थी और इस तरह वह बडे कष्ट से मारा जाता था, यह काम सल्लाख़ी कहलाता था।

सल्वा (سلوی) अ स्त्री —बटेर, एक पक्षी, वार्त्तक, वाना।

सल्सबील (سلسبیل) अ स्त्री —स्वर्ग का एक चश्मा, नर्म और मुलायम चीज; मदिरा, शराब।

सल्साल (صلصال) अ स्त्री —कच्ची और सूखी मिट्टी, जिससे हज़रत आदम की सृष्टि हुई।

सवा (سوا) अ वि.—समता, बराबरी, समान, बराबर।

सवाइक़ (صواعق) अ. पु —'साइक़' का बहु, बादल से ज़मीन पर गिरनेवाली बिजलियाँ।

सवाकिन (سواکن) अ पु —'साकिन' का बहु, निवासी लोग, रहनेवाले।

सवाक़िब (ثواقب) अ पु —'साक़िब' का बहु, रौशनीदार चीज़े।

सवाते (سواطع) अ. पु —'सातिअ' का बहु, ऊँचे स्थान।

सवाद (سواد) अ पु —कालिमा, सियाही, काली बिंदी जो हृदय पर होती है, आस-पास की भूमि, हवाली, प्रतिभा, ज़हानत।

सवादे आ'ज़म (سواد اعظم) अ पु —बडा नगर, बडी बस्ती।

सवादे कुफ़्र (سواد کفر) अ पु —नास्तिको की बस्ती, नास्तिकता का वातावरण।

सवानिहे उम्र (سوانح عمر) अ पु —दे 'सवानिहे हयात'।

सवानिहे हयात (سوانح حیات) अ पु —जीवनी, जीवनचरित, किसी के जीवन का सविस्तर लेख।

सवानेह (سوانح) अ पु —'सानिह' का बहु, घटनाएँ, वाकिआत, दुर्घटनाएँ, हादिसात।

सवानेहनवीस (سوانح نویس) अ फा वि —समाचारलेखक, वाकिअ निगार, इतिहासकार, जीवनी-लेखक।

सवानेहनवीसी (سوانح نویسی) अ फा स्त्री —समाचार लिखना, इतिहास लिखना; जीवनी लिखना।

सवानेहनिगार (سوانح نگار) अ. फा वि —दे 'सवानेहनवीस'

सवानेहनिगारी (سوانح نگاری) अ फा. स्त्री —दे 'सवानेहनवीसी'।

सवाब (صواب) अ वि —यथार्थ, ठीक, दुरुस्त, उत्तम, श्रेष्ठ, उम्दः; वास्तविकता, हकीकत।

सवाब (ثواب) अ पु —वह फल जो किसी सत्कर्म करने पर परलोक में मिले, पुण्य।

सवाबअंदेश (صواب اندیش) अ फा वि —ठीक-ठीक सोचनेवाला, अच्छी राय देनेवाला, शुभचिंतक, खैरख्वाह।

सवाबदीद (صواب دید) अ फा स्त्री.—सलाह, मशवरः; अच्छी राय, अच्छी तजवीज।

सवाबिक (سوابق) अ पु —'साबिक' का बहु, पहलेवाले, गुज़रे हुए।

सवाबित (ثوابت) अ पु —'साबित' का बहु, वे तारे जो गतिशील न हो, ठहरे हुए तारे, उडुगण।

सवाबितो सैयार (ثوابت وسیار) अ पु–गतिमान् और अचल सब प्रकार के तारे।

सवामे' (سوامع) अ पु–'सामिअ' का वहु, सुनने की शक्तियाँ, सुननेवाले लोग।

सवार (سوار) फा वि–जो किसी सवारी पर वैठा हुआ हो, आरूढ, अश्वारोही, घुडसवार।

सवारिक़ (سوارق) अ पु–'सारिक' का वहु, चोर लोग।

सवारिम (صوارم) अ. पु–'सारिम' का वहु, धारदार तलवारें।

सवाल (سوال) अ पु–शुद्ध उच्चारण 'सुआल' है, परतु उर्दू में 'सवाल' ही बोलते है, प्रश्न पूछना, प्रार्थना, इल्तिजा, इच्छा, आकाक्षा, आर्जू, भीख की प्रार्थना, प्रार्थनापत्र, अर्ज़ी।

सवालख़्वानी (سوال خوانی) अ फा स्त्री–अदालत मे आम अर्ज़ियाँ लेने की पुकार।

सवालनामः (سوال نامہ) अ फा पु–प्रश्नावलीपत्र, वह पर्चा जिसमें किसी सभा आदि मे पूछने के सवाल लिखे हो।

सवालात (سوالات) अ पु–'सवाल' का वहु, वहुत से सवाल, प्रश्नावली।

सवालिफ (سوالف) अ पु–'सालिफ' का वहु, गुज़रे हुए लोग, पूर्वज।

सवाली (سوالی) अ वि–याचक, माँगनेवाला, भिक्षुक, भिखमगा।

सवाले वस्ल (سوال وصل) अ पु–नायक की ओर से नायिका से मिलने की इच्छा का इज़्हार।

सवालोजवाब (سوال و جواب) अ पु–प्रश्न और उसका उत्तर, प्रश्नोत्तर, वाद-विवाद, कथनोपकथन, वह्स।

सवाहिल (سواحل) अ पु–'साहिल' का वहु, वदरगाहें, समुद्रतट।

सहरः (سحرہ) अ पु–'साहिर' का वहु, जादूगर लोग।

सहर (سحر) अ स्त्री–प्रात काल, प्रात, प्रभात, भोर, तडका, सहरी, सहरगही।

सहर (سہر) अ स्त्री–जागरण, जागना, जाग्रति, वेदारी, जागर्ति।

सहरख़द (سحر خند) अ फा वि–ऐसी मुस्कुराहट जिसमें दाँत खुल जायँ, इतना उज्ज्वल जो प्रभात की सफेदी पर हँसे।

सहरख़ेज़ (سحر خیز) अ फा वि–वहुत तडके उठने का अभ्यस्त, तडके सोकर उठनेवाला।

सहरख़ेज़ी (سحر خیزی) अ फा स्त्री–तडके उठने का अभ्यास, सोकर तड़के उठना।

सहरगह (سحرگہ) अ फा स्त्री–'सहरगाह' का लघु, दे 'सहरगाह'।

सहरगही (سحرگہی) अ फा स्त्री–'सहरगाही' का लघु, दे 'सहरगाही', रोजो के दिनो में पिछली रात का खाना।

सहरगाह (سحرگاہ) अ फा स्त्री.–वहुत तडके, गजरदम, प्रात काल, गोविसर्ग, उप काल।

सहरगाहाँ (سحرگاہاں) अ फा स्त्री–दे 'सहरगाह'।

सहरगाही (سحرگاہی) अ फा स्त्री–सवेरे तडके की, प्रात काल का, प्रात काल सम्वन्वी।

सहरदम (سحردم) अ फा पु–सवेरे-सवेरे, वहुत तडके, गजरदम।

सहरी (سحری) अ वि–प्रात काल का, रमज़ान के दिनो में कुछ रात रहे का खाना, जिसे खाकर रोज़ा रखा जाता है, सहरगही।

सहरोशाम (سحروشام) अ फा पु–सुव्ह और शाम, सवेरे और सध्या के समय।

सहाइफ (صحائف) अ पु–'सहीफ' का वहु, पुस्तके, ग्रथ, आकाश से उतरी हुई पुस्तके, धर्मग्रथ।

सहावः (صحابہ) अ पु–मित्रता करना, मित्रगण।

सहावत (صحابت) अ स्त्री–मित्रता करना, सहायता करना।

सहारा (صحارا) अ पु–'सह्रा' का वहु, जगल, वडे-वडे जगल।

सहारी (صحاری) अ पु–'सह्रा' का वहु, वहुत से जगल, वन-समूह।

सहाह (صحاح) अ वि–स्वस्थ, तनदुरुस्त, निर्दोप, वेऐव, (स्त्री) स्वास्थ्य, तनदुरुस्ती, पवित्रता, पाकी।

सही (سہی) फा वि–सरल, सीवा, जो लवाई मे सीवा हो, सर्व का सीवा पेड, यह शब्द अकेला सीवे के अर्थ मे वोला नही जाता, दूसरे शब्द से मिलकर वोला जाता है जैसे–'सहीकद' या 'सर्वेसही'।

सहीक (سحیقہ) अ पु–पिसी हुई चीज़, चूर्ण, सुफूफ।

सहीक (سحیق) अ वि–पिसा हुआ, चूर्णित, चूर्ण, सफूफ।

सहीक़द (سہی قد) फा वि–सीधे और लवे आकार का।

सहीक़ामत (سہی قامت) फा अ वि–दे 'सहीकद'।

सही वाला (سہی بالا) फा वि–दे 'सहीकद'।

सहीफ (صحیفہ) अ पु–पुस्तक, किताव, धर्मग्रथ, मज़्हवी किताव।

सहीफए आस्मानी (صحیفۂ آسمانی) अ फा पु–आस्मान से उतरी हुई किताव जो किसी पैगवर पर उतरी हो।

सहीम (سہیم) अ वि –भागीदार, हिस्सेदार।

सहीह (صحیح) अ वि –सत्य, सच, यथार्थ, ठीक, निर्दोष, वेऐब, स्वस्थ, चगा; पूर्ण, पूरा, सावित, समूचा, (पु) वे अरवी अक्षर जो 'अलिफ', 'वाव' और 'ये' के अतिरिक्त है।

सहीहुज्जेह्न (صحیح الذہن) अ वि –जिसका जेह्न ठीक हो, जिसकी वुद्धि ठीक हो; जिसके विचार ठीक हो।

सहीहुद्दिमाग (صحیح الدماغ) अ वि –जिसका मस्तिष्क ठीक हो, जिसकी अक़्ल ठीक काम करती हो, जो पागल न हो।

सहीहुन्नसव (صحیح النسب) अ. वि –जिसका वश निर्मल हो, शुद्धरक्त (मनुष्य)।

सहीहुन्नस्ल (صحیح النسل) अ वि –जो अच्छे वश का हो, जिसकी जाति अच्छी हो (पशु)।

सहीहुन्नुत्फ़ः (صحیح النطفہ) अ. वि –दे 'सहीहुन्नसव'।

सहीहुर्राय (صحیح الرائے) अ वि –जिसकी राय ठीक होती हो, वुद्धिमान्।

सहीहुलअक़्ल (صحیح العقل) अ वि.–जिसमे वुद्धिदोष न हो, शुद्धवुद्धि।

सहीहुलफह्म (صحیح الفہم) अ वि –जो वात को जल्द समझता हो, प्रमाता।

सहीहुलमिज़ाज (صحیح المزاج) अ वि –स्वस्थ, नीरोग, तनदुरुस्त; शुद्धात्मा, नेकतवअ।

सहीहुश्शुऊर (صحیح الشعور) अ. वि –जिसकी विवेचन-शक्ति शुद्ध हो।

सहीहोसालिम (صحیح و سالم) अ वि –सुरक्षित, महफूज, स्वस्थ, तंदुरुस्त, जीवित, ज़िदा।

सहूर (سحور) अ स्त्री –सहरी, सहरगही, रोजे के दिनो मे सवेरे का खाना जिसके वाद रोज़ होता है।

सह्क (سحق) अ पु –रगडना, पीसना, स्त्रियो का परस्पर चपटी लडाना।

सह्ज (سحج) अ स्त्री –मरोड, आँव, आँतो की मिलन।

सह्न (صحن) अ पु –अजिर, आँगन, अँगनाई, एक रेशमी कपडा।

सह्नक (صحنک) फा स्त्री –छोटा तवाक, रिकावी, तश्तरी, हज्रत फातिमा की नियाज़ का खाना।

सह्नची (صحنچی) फा स्त्री –दालान के अगल-वगल की कोठरियाँ।

सह्ने चमन (صحن چمن) अ फा पु –वाग के भीतर का सरसब्ज़ तख्ता।

सह्ने वाग़ (صحن باغ) अ. फा पु.–दे 'सह्ने चमन'।

सह्ने वुस्ताँ (صحن بستاں) अ फा पु.–दे. 'सह्ने चमन'।

सह्ने मकाँ (صحن مکاں) अ पु –घर का आँगन, अजिर, अगण।

सह्ने लामकाँ (صحن لامکاں) अ पु.–अतरिक्ष, खला।

सह्व (صحب) अ पु –'साहिव' का वहु, मित्रगण, दोस्त।

सह्वा (صہبا) अ स्त्री –मदिरा, मद्य, शराव, लाल रग की शराव।

सह्वाई (صہبائی) अ. फा वि –मद्यप, सुराशी, शरावी।

सह्वान (سحبان) अ पु –अरव का एक वहुत वडा शाइर।

सह्म (سہم) अ पु –कमान से छूटा हुआ तीर; भाग, अश, हिस्सा।

सह्म (سہم) फा पु –भय, त्रास, डर, खौफ।

सह्मगीं (سہمگیں) फा वि –भयभीत, त्रस्त, डरा हुआ, खौफजद।

सह्मनाक (سہمناک) फा वि –भयकर, भयानक, डरा-वना, भयभीत, खौफजद।

सह्मुलगैव (سہم الغیب) अ पु –जन्मपत्री मे भाग्य के शुभ ग्रहो का योग।

सह्मुलमौत (سہم الموت) अ पु –मौत का तीर, वाण-रूपी मृत्यु, मृत्युरूपी वाण।

सह्रा (صحرا) अ. पु –कानन, अरण्य, वन, जगल, चटयल मैदान, वियावान।

सह्राई (صحرائی) अ फा वि –जगली, जगल का, जगल सम्वन्धी, असभ्य, उजड्ड, हूश।

सह्राए आ'ज़म (صحرائے اعظم) अ पु –अफ्रीका का रेतीला मैदान जो दुनिया मे सवसे वडा जगल है।

सह्राए कियामत (صحرائے قیامت) अ पु –क़ियामत का मैदान जिसमें सारे मुर्दे एकत्र होगे।

सह्राए महशर (صحرائے محشر) अ पु –दे 'सह्राए कियामत'।

सह्राए लक़्कोदक (صحرائے لق و دق) अ पु –चटयल मैदान, जिसमे न वृक्ष हो न पानी।

सह्रागर्द (صحراگرد) अ फा वि –जगलो-जगलो मारा फिरने-वाला, वनचर, काननचारी।

सह्रागर्दी (صحراگردی) अ फा स्त्री –जगलो मे मारा-मारा फिरना।

सह्रानवर्द (صحرانورد) अ फा वि –जगलो की छानवीन करनेवाला, जगलो के जज़ीरे खोजनेवाला, दे 'स गर्द'।

सह्रानवर्दी (صحرانوردی) अ फा स्त्री –जगलो मे छानवीन करना, जगलो-जगलो मारा फिरना।

सह्रानशीं (صحرانشیں) अ फा वि –जगल मे रहनेवाला, जगल का निवासी।

सह्रानशीनी (صحرانشینی) अ फा स्त्री –जगल मे रहन-सहन करना, जगल मे रहना ।
सह्रानियोश (صحرانیوش) अ फा. वि –दे 'सह्रागर्द' ।
सह्लंगार (سہل انگار) अ फा वि –सुगमता ढूंढनेवाला, आलसी, काहिल, सुस्त ।
सह्लंगारी (سہل انگاری) अ फा स्त्री –सुगमता ढूंढना, आलस, काहिली ।
सहल (سہل) अ वि.–सरस, सुगम, सहज, आसान ।
सह्लअंगार (سہل انگار) अ फा वि –दे 'सह्लगार' ।
सह्लअगारी (سہل انگاری) अ फा स्त्री –दे 'सह्लगारी' ।
सह्लुलअमल (سہل العمل) अ वि –वह काम जो सुगमतापूर्वक हो जाय, सुसाध्य, सुखसाध्य ।
सहलुलवुसूल (سہل الوصول) अ वि –जो सहज में वुसूल हो जाय ।
सह्लुलहुसूल (سہل الحصول) अ वि –जो सुगमतापूर्वक प्राप्त हो जाय ।
सहले मुम्तना (سہل ممتنع) अ वि –ऐसा शे'र जो बहुत सरल जान पडे परतु वैसा कहना असभव हो ।
सह्व (صحو) अ पु –सचेष्टता, होशयारी ।
सह्व (سہو) अ पु –विस्मरण, प्रमाद, भूल, त्रुटि, भ्राति, ग़लती ।
सह्वन (سہواً) अ वि.–विस्मृतिवश, भूल मे, अज्ञानत, अनजान में ।
सह्वे क़लम (سہو قلم) अ पु –कलम से कुछ का कुछ लिख जाना, लेखनी-भ्रम ।
सह्वे किताबत (سہو کتابت) अ पु –लिखने की त्रुटि, भूल में कुछ का कुछ लिख जाना ।
सह्वे सज्दः (سہو سجدہ) अ पु –नमाज मे यह याद न रहना कि एक सज्द किया है या दो ।
सह्हास (سہام) अ वि –तीरदाज, धनुर्धारी ।

सा

सा (ساں) फा वि –समान, तुल्य, मिस्ल ।
सा (سا) फा वि –समान, मानिंद, (प्रत्य) घिसनेवाला, जैसे 'जबीसा' माथा रगडनेवाला ।
साअ. (ساعہ) अ पु –दे 'साअत', घडी ।
साअ (صاع) अ पु –नीची जमीन, २ सेर १४ छटांक और ४ तोले का वज़्न ।
साअत (ساعت) अ स्त्री –ढाई घडी का समय, एक घटा, मुहूर्त, अच्छी या बुरी घडी, क्षण, लम्हा, समय, वक्त, क़ियामत का दिन ।
साअते उमूमी (ساعت عمومی) अ स्त्री –घटाघर ।
साअते नह्स (ساعت نحس) अ स्त्री –बुरी घडी, अशुभ मुहूर्त, जिसमे कोई काम करना उचित न हो ।
साअते नेक (ساعت نیک) अ फा स्त्री –अच्छी घडी, शुभ मुहूर्त, जिसमें कोई काम करना लाभकर हो ।
साअते बद (ساعت بد) अ फा स्त्री –दे 'साअते नह्स' ।
साअते मज्लिसी (ساعت مجلسی) अ स्त्री –दीवार की घडी, क्लाक ।
साअते मनहूस (ساعت منحوس) अ स्त्री –दे 'साअते नह्स' ।
साअते संगी (ساعت سنگین) अ फा स्त्री –कठिन वक्त, आपत्ति-काल, मुसीबत का समय ।
साअते सईद (ساعت سعید) अ स्त्री –दे 'साअते नेक' ।
साआत (ساعات) अ स्त्री –'साअत' का बहु , मुहूर्त्ते, घडियाँ, क्षण ।
साइंदः (سایندہ) फा वि –घिसनेवाला, रगडनेवाला, पीसनेवाला, घर्षक ।
साइक़. (صاعقہ) अ स्त्री –गिरनेवाली बिजली, तडित, विद्युत्, बिजली ।
साइक़.अफ्गन (صاعقہ افگن) अ फा वि –बिजलियाँ गिरानेवाला (वाली), वह दृष्टि जो बिजलियाँ गिराये ।
साइक़.जा (صاعقہ زا) अ फा वि –बिजलियाँ पैदा करनेवाला (वाली), वह दृष्टि जिससे बिजलियाँ पैदा हो ।
साइक़.फिगन (صاعقہ فگن) अ फा वि –दे 'साइक अफ्गन' ।
साइक़.बार (صاعقہ بار) अ फा वि –बिजलियाँ बरसाने वाला (वाली), वह दृष्टि जो बिजलियो की वारिश करे ।
साइक़ (سائق) अ वि –अधे को पीछे से सहारा देकर आगे बढानेवाला, जैसा कि 'काइद' अधे को आगे से सहारा देता है ।
साइग़ (صائغ) अ वि –स्वर्णकार, सुनार ।
साइद (ساعد) अ पु –पहुँचा, कलाई ।
साइद (صاعد) अ वि –ऊपर चढनेवाला ।
साइब (صائب) अ वि –पहुँचनेवाला, रसा, शुद्ध, सही ।
साइबान (سائبان) फा पु –मकान का छज्जा, छाजन, छप्पर आदि जो धूप की आड को हो ।
साइबुर्राय (صائب الرائے) अ वि –जिसकी राय बहुत ठोस और शुद्ध हो ।
साइबुलअक्ल (صائب العقل) अ वि –जिसकी बुद्धि ठीक सोचती हो ।
साइमः (صائمہ) अ स्त्री –रोज़ दार स्त्री, वह स्त्री जो रोजे से हो ।

साइम (صائم) अ पु –रोज़ादार मर्द, रोज़ा रखनेवाला, व्रती।

साइमुद्दह्र (صائم الدھر) अ पु.–हमेशा रोज़ा रखनेवाला, नित्यव्रती।

साइमुल्लैल (صائم اللیل) अ. पु –रात का रोज़ रखनेवाला।

साइरः (سائرہ) अ स्त्री –घूमने-फिरनेवाली।

साइर (سائر) अ वि –घूमने-फिरने वाला, सब, तमाम, शेष, बाकी, चुगी का महसूल।

साइलः (سائلہ) अ स्त्री –माँगनेवाली, भिखारिन, सवाल करनेवाली।

साइल (سائل) अ. पु –सवाल करनेवाला, पूछनेवाला, भिक्षुक, भिखमंगा; प्रार्थी, दरख्वास्त देनेवाला, उम्मीदवार, आसरा लगानेवाला।

साइल बकफ (سائل بکف) अ फा. वि.–हाथ मे माँगनेवाला, जिसके पास माँगने का बर्तन न हो, केवल हाथ हों।

साइस (سائس) अ. पु –सईस, घोडे का रखवाला।

साई (ساعی) अ वि –कोशिश करनेवाला, प्रयत्नशील।

साईदः (سائیدہ) फा वि –पिसा हुआ, चूर्णित।

साईदनी (سائیدنی) फा वि.–पीसने के लायक।

साए (سائے) फा. प्रत्य –दे 'सा'।

साएबान (سائبان) फा पु –दे 'साइबान'।

साकः (ساقہ) अ पु.–सेना का वह भाग जो पीछे रहता है, चिंदावुल।

साक (ساق) अ स्त्री.–पिडली।

साक़िए कमनिगाह (ساقئی کم‌نگاہ) अ. फा पु –वह साक़ी जो पीनेवालो की ओर ध्यान न दे।

साकिए कौसर (ساقئی کوثر) अ पु –कौसर की शराब पिलानेवाला साक़ी, अर्थात् हज़रत मुहम्मद।

साकिए दर्यादिल (ساقئی دریادل) अ फा. पु –जो खूबदिल खोलकर पिलाये।

साकिए म्हशर (ساقئی محشر) अ. पु –कियामत के दिन बिहिश्त की शराब पिलानेवाला, पैगंबर साहब।

साकित (ساقط) अ वि.–गिरनेवाला, जाता रहनेवाला, गिरा हुआ, त्यागा हुआ।

साकित (ساکت) अ वि –मौन, चुप, खामोश, गतिहीन, निश्चल, बे हरकत।

साक़ितुलएतिबार (ساقط الاعتبار) अ वि –जिसका विश्वास उठ गया हो; अविश्वासी।

साकितुलमिल्कियत (ساقط الملکیت) अ स्त्री –जिस पर अधिकार न रहे।

साकितोसामित (ساکت و صامت) अ वि –जो न बोले न हिले-डुले, जड़वत्, निस्तब्ध।

साकिन (ساکن) अ वि –स्थिर, ठहरा हुआ, जिसमे हरकत न हो, निवासी, रहनेवाला, बाशिंद, किसी शब्द का वह अक्षर जो हल् हो।

साकिनुलअव्वल (ساکن الاول) अ वि.–वह शब्द जिसका पहला अक्षर हल् हो, अरबी या फारसी मे ऐसा शब्द नही होता।

साकिनुलआखिर (ساکن الآخر) अ वि –वह शब्द जिसका अंतिम अक्षर हल् हो, हलंत।

साकिनुलऔसत (ساکن الاوسط) अ वि –वह शब्द जिसका बीचवाला अक्षर हल् हो।

साकिब (ثاقب) अ. पु –चमकनेवाला, प्रकाशमान, एक दर्द जिसमे ऐसा कष्ट होता है जैसे कोई शरीर मे छेद कर रहा हो।

साकियः (ساقیہ) अ स्त्री –शराब पिलानेवाली स्त्री, छोटी नदी; रहट।

साकिया (ساقیا) अ फा पु –ऐ साक़ी।

साकी (ساقی) अ. वि.–शराब पिलानेवाला।

साके बिल्लूरीं (ساق بلوریں) अ फा. स्त्री –बिल्लूर-जैसी सफेद और उज्ज्वल पिंडलियाँ।

साके सीमीं (ساق سیمیں) अ. फा. स्त्री –चाँदी-जैसी सफेद और चमकदार पिंडलियाँ।

साक़ैन (ساقین) अ स्त्री –दोनो पिंडलियाँ।

साख्त. (ساختہ) फा वि –बनाया हुआ, निर्मित, कृत्रिम, मसनूई, कूट, नक़्ली, जाली।

साख्त. परदाख्तः (ساختہ پرداختہ) फा. वि –बनाया-सँवारा; पाला-पोसा, किया-कराया।

साख्तरू (ساختہ‌رو) फा वि –लज्जा से मुँह बनाये हुए, मुँह को पौंडर और लिपिस्टिक आदि से सँवारे हुए।

साख्त (ساخت) फा स्त्री –बनावट, गढत, कृत्रिमता, मसनूईपन, काट, तराश, मिष, बहाना।

साख्तगी (ساختگی) फा स्त्री –बनावट।

साग़र (ساغر) फा पु –शराब का प्याला, चषक, पानपात्र।

साग़रकश (ساغرکش) फा. वि –मद्यप, शराबी।

साग़रनोश (ساغرنوش) फा वि –दे 'सागरकश'।

साग़रपैमा (ساغرپیما) फा वि –दे साग़रकश'।

साग़र बकफ (ساغر بکف) फा वि –हाथ मे शराब का पैमाना लिये हुए।

साग़र बदस्त (ساغر بدست) फा वि –दे 'सागर बकफ'।

साग़री (ساغری) तु स्त्री –गुदा, मलद्वार, मक्अद।

साग़रे मै (ساغر مے) फा. पु —शराब का प्याला, पानपात्र।
साग़रे सरशार (ساغر سرشار) फा पु —शराब से लबालब प्याला, मुँह तक भरा हुआ प्याला।
साचक़ (ساچق) तु स्त्री —व्याह से एक दिन पहले की रस्म जिसमें दूल्हा के घर से वरी का सामान मेहदी, सुहाग पुडा, तेल-इत्र, मेवा-मिस्री आदि कुछ आदमियो के साथ दुल्हन के घर जाता है। (इस शब्द का शुद्ध रूप 'साचिक़' है।)
साचिक़ (ساچق) तु स्त्री —'साचक' का शुद्ध रूप, परतु उर्दू में 'साचक़' ही बोलते है।
साच्मः (ساچمہ) तु पु —छर्रे की थैली, मोटे छर्रों या पैसो की थैली जो तोप में छुडाई जाती है, जिससे एक साथ वहुत से लोग मरते है।
साज (ساج) अ पु —साखू का पेड, साल।
साज़ (ساز) फा पु —उपकरण, सामान, प्रवध, इतिज़ाम, वाजा, वाद्य, मेल-जोल, रब्त-ज़ब्त, अनुकूलता, मुआफकत; घोडे का सामान, जैसे ज़ीन, लगाम, काठी आदि (प्रत्य)।
साज़गर (سازگر) फा वि —बाजा बनानेवाला, वाद्यकार।
साज़गरी (سازگری) फा स्त्री.—वाजे बनाने का काम, वाद्यकर्म।
साज़गार (سازگار) फा वि —अनुकूल, मुआफिक, शुभान्वित, मुवारक, जो वात रास आ जाय।
साज़गारी (سازگاری) फा स्त्री —अनुकूलता, मुआफकत, शुभकारिता, कल्याण, किसी वात का रास आ जाना।
साजज (ساذج) अ वि —सामान्य, सादा, एक दवा, तेजपात।
साज़बाज़ (سازباز) अ. स्त्री —गठजोड, साज़िश, किसी ग़लत काम के लिए कुछ लोगो का मतैक्य।
साज़मद (سازمند) फा वि —सुसज्जित, आरास्ता, अनुकूल, साज़गार।
साज़मदी (سازمندی) फा स्त्री —सुसज्जा, सजावट, अनुकूलता, साज़गारी।
साज़िदः (سازندہ) फा वि —साज़ वजानेवाला वादक, तत्री, नाच मे सारगी वजानेवाला।
साज़िदगी (سازندگی) फा स्त्री —साज वजाने का काम, वादकर्म, नाच में सारगी वजाना।
साजिद (ساجد) अ वि —सज्द करनेवाला, ईश्वर के आगे झुकनेवाला।
साज़िश (سازش) फा स्त्री —किसी को हानि पहुँचाने या अवैधानिक रूप में किसी से कुछ प्राप्त करने के लिए कुछ लोगो का गुप्त रूप में गठजोड, षड्यत्र, कुचक्र।
साज़िशकुनिंद. (سازش کنندہ) फा वि —षड्यत्री, कुचक्री, साज़िशी।
साज़िशी (سازشی) फा वि —चक्रातकारी, कुचक्री, षड्यत्री, साज़िश करनेवाला।
साज़े ऐश (ساز عیش) फा अ पु —भोग-विलास का सामान, खुशी के शादयाने।
साज़े सफर (ساز سفر) फा अ पु —सफर मे साथ जाने का ज़रूरी सामान, यात्रोपकरण।
साज़ो वर्ग (ساز و برگ) फा पु —दे 'साज़ो सामान', धन-दौलत।
साज़ो सामान (ساز و سامان) फा पु —उपकरण, सामान, किसी काम की ज़रूरी सामग्री, सामान के तैयारी।
सा'तर (صعتر) अ स्त्री —एक घास जो दवा में काम आती है।
सा'तरवाज (صعتر باز) अ फा स्त्री —चपटी लडानेवाली स्त्री।
सातरी (سعتری) अ फा स्त्री —चपटी लडानेवाली स्त्री।
सातिर (ساتر) अ वि —छिपानेवाला, गोपक।
सातूर (ساطور) अ पु —वडी और धारदार छुरी।
साते' (ساطع) अ वि —उत्तुग, ऊँचा, वलद, उज्ज्वल, धवल, शफ्फाफ, दीप्त, रौशन।
सातग़ीं (ساتگیں) तु पु —प्रेयसी, नायिका, माशूक, शराव का प्याला, पानपात्र, चपक।
सादः (سادہ) फा वि —कोरा, वेदाग, भोला-भाला, सीधा, वेडाढी मूँछ का, निर्मल, ख़ालिस, निश्छल, साफ दिल, मूर्ख, वेवकूफ, वे लिखा कागज़, या विना काम वना हुआ कपडा आदि।
साद.कार (سادہکار) फा वि —सादा और हलका काम वनानेवाला, वह सुनार जो ज़ेवरो पर वहुत अच्छा काम वनाये।
साद.कारी (سادہکاری) फा. स्त्री —साद कार का काम, ज़ेवरो पर वहुत सवुक और वारीक काम वनाना।
सादःतब्अ (سادہطبع) फा अ वि —भोला-भाला, सीधा-सादा, सरलस्वभाव।
सादःतब्ई (سادہطبعی) फा अ स्त्री —भोला-भाला पन, सीधा-सादापन।
साद तौर (سادہطور) फा अ वि —सीधे-सादे आचरण-वाला, जिसमे टीपटाप न हो।
साद.दिल (سادہدل) फा वि —निश्छल, निष्कपट, साफ दिलवाला, भोला-भाला, वुद्धू, मूर्ख।
साद.दिली (سادہدلی) फा स्त्री —निश्छलता, साफ-दिली, भोला-भालापन, वुद्धूपन।
साद.पुरकार (سادہ پرکار) फा वि —जो देखने में सीधा-सादा हो मगर वडा चतुर और छली हो।

सादःपुरकारी (سادہ پرکاری) फा. स्त्री –देखने मे भोला-भाला होना, परतु वडा छली होना।

सादःमिज़ाज (سادہمزاج) फा अ वि –दे 'साद तौर'।

सादःमिज़ाजी (سادہمزاجی) फा अ स्त्री –रचमात्र की सादगी।

सादःरुख (سادہرخ) फा वि –दे 'साद रू'।

साद.रू (سادہرو) फा वि –जिसके दाढी-मूँछे न निकली हो, परतु जवानी पर पहुँच गया हो, अकुरितयौवन।

सादःलौह (سادہلوح) अ फा वि –भोला-भोला, निश्छल, बुद्धू, मूर्ख।

सादःलौही (سادہلوحی) फा अ स्त्री –भोला-भालापन, बुद्धूपन।

साद.वज़्अ (سادہوضع) फा अ वि –दे 'साद तौर', वेश-भूषा मे टीपटाप को पसद न करनेवाला।

सादःवज़्ई (سادہوضعی) फा. अ स्त्री –वेश-भूपा की सादगी, मिज़ाज की सादगी।

सा'द (سعد) अ. वि –शुभ, मुवारक, श्रेष्ठ, पुनीत, नेक, वाईसवाँ नक्षत्र, श्रवण।

साद (صاد) अ पु –अरवी का चौदहवाँ अक्षर, ठीक होने पर वनाया जानेवाला चिह्न (صح), आँख।

सादगी (سادگی) फा स्त्री –कोरापन, भोलापन, निश्छ-लता, विना मूर्खता, चिह्न, चित्र या काम वना होना।

सादगीए मिजाज (سادگئی مزاج) फा अ स्त्री –स्वभाव की सरलता, सीधा-सादापन।

सादात (سادات) अ पु –'सादत', श्रेष्ठ जन, वुजुर्ग लोग, सैयद खानदान के लोग।

सादिक़ (صادق) अ वि –सत्यवादी, सच्चा, न्यायनिष्ठ, मुसिफ, स्वामिभक्त, वफादार; चरितार्थ, चस्पाँ।

सादिकुर्राय (صادق الرائے) अ वि.–जिसकी सलाह और राय सच्ची होती हो।

सादिकुलअह्द (صادق العہد) अ वि –जो वा'दे का पक्का हो, दृढप्रतिज्ञ, सत्यसकल्प।

सादिकुलएतिकाद (صادق الاعتقاد) अ वि –जिसका धर्म-विश्वास अटल हो।

सादिकुलकौल (صادق القول) अ वि –वात का पूरा, कौल का पक्का, सत्यव्रत, सत्यसगर।

सादिकुलवा'द (صادق الوعد) अ. वि –दे 'सादिकुल अह्द'।

सादिर (صادر) अ वि –न निकलनेवाला, चालू होने वाला, जारी होनेवाला।

सादिर (سادر) अ वि –निस्तब्ध, चकित, गग्दर, उद्विग्न, आतुर, परेशान।

सादिस (سادس) अ. वि –छठा, छठवाँ, पष्ठ।

सा'दुस्सऊद (سعد السعود) अ पु –वृहस्पति ग्रह, मुश्तरी, चौवीसवाँ नक्षत्र, शतभिषा।

सा'दे अक्वर (سعد اکبر) अ पु –वृहस्पति, मुश्तरी।

सा'दे कूफी (سعد کوفی) अ. पु –एक ओषधि, नागरमोथा, भद्रमुस्तक।

सा'दे जावेह (سعد ذابح) अ पु –वाईसवाँ नक्षत्र, श्रवण।

सा'दैन (سعدین) अ पु –शुक्र और वृहस्पति, वे दो ग्रह, जोह्र और मुश्तरी।

सान (سان) फा पु –चाकू या छुरी आदि पर धार रखने का पत्थर, षाण।

सानजद: (سان زدہ) फा वि –सान रक्खा हुआ, षाणित।

सानवी (ثانوی) फा वि.–द्वितीय, दूसरा, दूसरे से सम्ब-न्धित, दूसरावाला।

सानिए क़ुद्रत (صانع قدرت) अ पु –चित्रकार रूपी प्रकृति; ईश्वर, स्रष्टा।

सानिए मुत्लक़ (صانع مطلق) अ पु –ईश्वर, मूलस्रष्टा, अस्ली वनानेवाला।

सानिए हक़ीक़ी (صانع حقیقی) अ पु –दे 'सासए मुत्लक'।

सानिह: (سانحہ) अ पु.–दुर्घटना, हादिस, आपत्ति, मुसीवत, कोई वुरे समाचार, किसी के मरने आदि की खवर।

सानिहए इर्तिहाल (سانحۂ ارتحال) अ पु –किसी के मरने की दुर्घटना।

सानियः (ثانیہ) अ पु –मिनिट, १।६० घटा, क्षण, लम्हा; दूसरी।

सानियन (ثانیاً) अ. वि –दुवारा, पुन, दूसरे यह कि।

सानियलहाल (ثانی الحال) अ वि –दूसरा वक्त, दूसरे समय।

सानी (ثانی) अ वि –द्वितीय, दूसरा, अन्य, दीगर।

साने (صانع) अ वि –निर्माता, वनानेवाला, रचयिता, स्रष्टा, कारीगर।

साफ: (صافہ) अ पु –पगडी, शिरोवेष्टन, उष्णीप।

साफ (صاف) अ वि –स्पष्ट, वाजेह, पवित्र, पाक, स्वच्छ, शफ्फाफ, निर्मल, खालिस, निर्दोप, वेऐव, सुगम, सरल, आसान, कोरा, वेदाग; चिकना, सपाट।

साफगो (صاف گو) अ फा वि –लगी-लिपटी न रखने-वाला, स्पष्टवादी; मुँहफट, वेवाक।

साफगोई (صاف گوئی) अ फा स्त्री –सच्ची वात कह देना, लगी-लिपटी न रखना, दो टूक वात करना।

साफ़ज़मीर (صاف ضمیر) अ वि –जिसका मन साफ हो, जिसके अत करण मे पाप न हो, अत शुद्ध ।

साफतब्अ (صاف طبع) अ वि –दे 'साफ तीनत' ।

साफतीनत (صاف طینت) अ वि –अत शुद्ध, पवित्रमनस्क, पाकबातिन ।

साफदिल (صاف دل) अ फा. वि –दे 'साफतीनत', किसी की ओर से मन मे द्वेष न रखनेवाला ।

साफदिली (صاف دلی) अ फा स्त्री –अत शुद्धि, चित्त का निर्मल और निष्पाप होना, किसी की ओर से दिल मे द्वेष या वैरभाव न होना ।

साफबयान (صاف بیان) अ वि –दे 'साफगो' ।

साफबयानी (صاف بیانی) अ स्त्री –दे 'साफगोई' ।

साफबातिन (صاف باطن) अ वि –शुद्ध अन्त करणवाला, शुद्धात्मा ।

साफ बातिनी (صاف باطنی) अ स्त्री –आत्मा की शुद्धि, मन की सफाई ।

साफिए मय (صافئی مے) अ. फा स्त्री.–शराव छानने का कपडा, छन्ना ।

साफिन (صافن) अ स्त्री –पिंडली की एक रग ।

साफिल (سافل) अ वि –निकृष्ट, नीच, नीचा, पस्त, नीचेवाला ।

साफी (صافی) अ वि –शुद्ध करनेवाला, शुद्धता, सफाई, छानने का कपडा, छन्ना ।

साफी मनिश (صافی منش) अ फा वि –सदाचारी, अच्छे स्वभाव और व्यवहारवाला ।

साफो शफ्फाफ (صاف و شفاف) अ वि –बहुत ही निर्मल और स्वच्छ, बहुत चमक-दमकवाला ।

सा'ब (صعب) अ वि –कठिन, दुष्कर, मुश्किल, अवज्ञाकारी, सरकश, उद्दड ।

सा'बतर (صعب تر) अ फा वि –अत्यत कठिन, बहुत ही मुश्किल ।

साबिक़ः (سابقہ) अ वि –अगलेवाली, पहली, सम्बन्ध रावित, प्रयोजन, वासित, पिछली जान-पहचान, काम, मुआमल, वह अक्षर या अक्षर-समूह जो किसी शब्द के पहले लाया जाय, उपसर्ग ।

साबिक (سابق) अ वि –पिछला, गुजरा हुआ, आगे बढ जानेवाला ।

साबिक़ुज्ज़िक्र (سابق الذکر) अ वि –जिसका ज़िक्र पहले हो चुका हो, पूर्वकथित, पूर्वोक्त ।

साबिकुलमज़्कूर (سابق المذکور) अ वि –दे 'साबिकुज़्ज़िक्र' ।

साबिक़े दस्तूर (سابق دستور) अ वि –पहले की तरह, पूर्ववत्, जैसा पहले था वैसा ही, यथापूर्व ।

साबिग़ (صابغ) अ वि –रँगनेवाला ।

साबित (ثابت) अ वि –स्थिर, साकिन, प्रमाणित, मुसल्लम, समग्र, सब, पूरा, समूचा, दृढ, मज्बूत ।

साबितक़दम (ثابت قدم) अ वि –जो अपने इरादे पर अटल रहे, दृढनिश्चय–जो अपने कौल और बात पर अटल रहे, दृढ प्रतिज्ञ ।

साबित क़दमी (ثابت قدمی) अ स्त्री –इरादे की दृढता, कौल और वादे की दृढता ।

साबिरः (صابرہ) अ स्त्री –हरेक अवस्था मे ईश्वर पर निर्भर रहनेवाली स्त्री ।

साबिर (صابر) अ पु –हर हाल मे ईश्वरेच्छा चाहनेवाला व्यक्ति, सहिष्णु, सहनशील, मुतहम्मिल ।

साबिरो शाकिर (صابر و شاکر) अ वि –जो हर माल हाल मे सब्र करे और ईश्वर का धन्यवाद दे ।

साबी (صابی) अ वि –धर्म-परिवर्तन करनेवाला, विधर्मी ।

साबुन (صابن) अ पु –दे 'साबून', परतु उर्दू मे 'साबुन' ही बोलते हैं ।

साबुनफरोश (صابن فروش) अ फा वि –साबुन बेचनेवाला ।

साबुनसाज़ (صابن ساز) अ फा वि –साबुन बनानेवाला ।

साबून (صابون) अ पु –दे 'साबुन' ।

साबूनी (صابونی) अ वि –एक प्रकार की मिठाई ।

साबे' (سابع) अ वि –सातवाँ, सप्तम ।

सामदर (سامندر) फा पु –समदर, वह कीडा जो आग में रहता है ।

साम (سام) फा पु –शोथ, वरम, सूजन, पीडा, दर्द, अग्नि, आग, रुस्तम के बाप का नाम ।

साम (سام) अ स्त्री –मृत्यु, मरण, मौत, हनन, हलाकी, हज्रत नूह का एक लडका ।

सामअदर (سام اندر) फा पु –दे 'सामदर' ।

सामान (سامان) फा पु –उपकरण, सामग्री, मसाला, किसी काम के लिए उसकी आवश्यक वस्तुएँ, सजावट, आरास्ती, बदोबस्त, प्रबध, अस्वाब, चीज वस्त ।

सामाने ऐश (سامان عیش) फा अ पु –सुख और भोग-विलास की सामग्री, उपभोग, सुख-सामग्री ।

सामाने खानःदारी (سامان خانہ داری) फा पु –घर-गिरस्ती की आवश्यक वस्तुएँ, गृहोपकरण ।

सामाने ख़ुरोनोश (سامان خورونوش) फा पु –खाने-पीने की चीजें, खाद्य-सामग्री ।

सामाने ज़ीनत (سامان زینت) फा. अ. पुं —अपनी सजावट का सामान, प्रसाधन; जगह आदि की सजावट की सामग्री।

सामाने ज़ुरूरी (سامان ضروری) फा. अ पु —आवश्यक वस्तुएँ, उपकल्प।

सामाने मईशत (سامان معیشت) फा अ. पु —जीवन-निर्वाह के लिए आवश्यक वस्तुएँ।

सामाने राहत (سامان راحت) फा अ पु —दे 'सामाने ऐश'।

सामाने सफ़र (سامان سفر) फा अ पु.—यात्रा में साथ ले जानेवाली आवश्यक वस्तुएँ।

सामिअः (سامعہ) अ स्त्री —श्रवण-शक्ति, कुव्वते समाअत।

सामिअःख़राश (سامعہ خراش) अ फा वि —जो बात कानों को अप्रिय लगे, कर्णकटु, श्रुत्यप्रिय।

सामिअःनवाज़ (سامعہ نواز) अ. फा वि —जो बात कानों को अच्छी लगे, कर्णप्रिय, कर्ण-सुखद।

सामिईन (سامعین) अ पु —सुननेवाले, श्रोतागण, श्रोतृ-मडली।

सामित (سامت) अ. वि —मौन, चुप, खामोश।

सामिन (ثامن) अ वि —आठवाँ, अष्टम।

सामिरी (سامری) अ पु.—'सामिरा' नगर का रहनेवाला एक जादूगर, जिसने हज्रत मूसा की उम्मत में गाय की पूजा प्रचलित की।

सामिरी फ़न (سامری فن) अ वि —जादूगर, मायावी, छली, वचक, मक्कार।

सामिरीयत (سامریت) अ स्त्री —मायाकर्म, इद्रजाल, जादूगरी।

सामी (سامی) फा वि —उच्च, उत्तुग, वलद, ऊँचा, श्रेष्ठ, पूज्य, वुज़ुर्ग।

सामें (سامع) अ वि —सुननेवाला, श्रोता।

सामे अब्रस (سام ابرص) अ स्त्री —गृहगोधा, छिपकली, गोह, गोधा।

साय. (سایہ) फा पु —छाया, परछाईं, प्रतिविम्ब, अक्स, प्रेतवाधा, आसेब; आश्रय, शरण, पनाह, पक्षपात, पृष्ठ-पोषण, हिमायत; प्रभाव, असर।

साय.अफ़्गन (سایہ افگن) फा वि —साया डालनेवाला; रक्षा और कृपा करनेवाला।

साय.गाह (سایہ گاہ) फा स्त्री —सुरक्षा स्थान, इत्मीनान की जगह, पनाहगाह।

साय.गुस्तर (سایہ گستر) फा वि —दे 'साय अफ्गन'।

साय.ज़द (سایہ زدہ) फा वि —जिसको आसेब ने मारा हो, प्रेतवाधाग्रस्त, भूताविष्ट।

सायःदार (سایہ دار) फा वि —जिसमें साया हो, जिसके साये में लोग बैठे।

सायःपर्वर (سایہ پرور) फा वि —दे 'साय.पर्वर्द.'।

सायःपर्वर्दः (سایہ پرورده) फा वि —लाड-प्यार में पला हुआ, सुकुमार, घर पाला हुआ, नमक का पला हुआ; किसी की कृपा से पला हुआ।

सायःफ़िगन (سایہ فگن) फा वि —दे. 'साय अफगन'।

साय.रुस्त (سایہ رست) फा वि —लाड़-प्यार में पला हुआ, नाज़पर्वर्द।

सायए आतिफ़त (سایۂ عاطفت) फा अ पु —अनुकपा और दया की छाँव, अर्थात् कृपा और दया।

सायए तेग़ (سایۂ تیغ) फा पु —तलवारों की छाँव, तलवारों के तले।

सायए दस्त (سایۂ دست) फा पु —सहायता, मदद, सुरक्षा, हिफाजत।

सारः (سارہ) फा पु —एक प्रकार की चादर, आड़, ओट, परदा; उत्कोच, रिश्वत।

सार (سار) फा पुं —एक चिड़िया, उष्ट्र, ऊँट, (प्रत्य) वाला, जैसे—'शर्मसार' वहुतात, जैसे—'कोहसार'; समान, जैसे—'देवसार'।

सारवान (ساربان) फा वि —ऊँटवाला, उष्ट्रपाल।

सारा (سارا) फा वि —निष्केवल, खालिस, वेमेल; अकृत्रिम, गैरमस्नूई।

सारिक़ः (سارقہ) अ स्त्री —चोर स्त्री।

सारिक़ (سارق) अ पुं —चोर, तस्कर।

सारिफ़ (سارف) अ वि —खर्च करनेवाला, कंज्यूमर, फेरनेवाला, कालचक्र, गर्दिश।

सारिम (صارم) अ. स्त्री —वहुत तेज़, तलवार, काटदार तलवार।

सारी (ساری) अ वि —सरायत करनेवाला, प्रवेश करने-वाला।

सालः (سالہ) फा प्रत्य —सालवाला, जैसे—'यकसाल' एक सालवाला।

साल (سال) फा पुं —वत्सर, वर्ष, वरस।

सालख़ुर्दः (سال خورده) फा वि —वयोवृद्ध, जरत्, बूढा।

सालख़ुर्द (سال خورد) फा वि —बूढा, जराग्रस्त, वुड्ढा।

सालगिरिह (سال گرہ) फा स्त्री —जन्मदिन, जन्मतिथि, हर साल जन्मदिन पर मनाया जानेवाला उत्सव।

सालनामः (سالنامہ) फा पु —वह विशेषाक जो कोई पत्रिका वर्ष मे एक बार वहुत अच्छे प्रकार से निकाले।

सा'लब (ثعلب) अ स्त्री —लोमडी, लोखडी, शोमशा, लोमशी, लोमालिका।

साल बसाल (سال بسال) फा वि —हर साल, वर्ष प्रति वर्ष, प्रतिवर्ष।

सालहा साल (سالہا سال) फा वि —बरसहा वरस, वरसो, मुद्दतो, वहुत अधिक समय तक।

सालानः (سالانہ) फा वि —वार्षिक, आब्दिक, वात्सरिक, साल का।

सालार (سالار) फा पु —सेनापति, सिपहसालार, अध्यक्ष, नायक, सरदार।

सालारी (سالاری) फा स्त्री —सेनापतित्व, सिपहसालारी, अध्यक्षता, सरदारी।

सालारे काफिलः (سالار قافلہ) फा अ पु —काफिले अर्थात् यात्रीदल का मुखिया।

सालारे कार्वां (سالار کاروان) फा पु —दे 'सालारे काफिल'।

सालारे कौम (سالار قوم) फा अ पु —राष्ट्र का नेता, मुल्क का लीडर, किसी जाति-विशेष का नेता।

सालारे जंग (سالار جنگ) फा पु —सेनापति, फौज का सरदार।

सालिक (سالک) अ वि —पथिक, बटोही, रस्त गीर, वह व्यक्ति जो गृहस्थाश्रम मे रहते हुए बहुत बडा साधक हो।

सालिफ (سالف) अ वि —आगे गया हुआ, गुज़रा हुआ, पूर्वज।

सालिक़ः (سالقہ) अ स्त्री —कवच, ज़िरिह।

सालिब (سالب) अ वि —सल्व करनेवाला, निवारक।

सालिम (سالم) अ वि —सपूर्ण, समग्र, समूचा, स्वस्थ, तन्दुरुस्त, सुरक्षित, महफूज़, यथावत्, ज्यो का त्यो।

सालिमन (سالماً) अ वि —पूरे तौर पर, पूर्णतया, सुरक्षतापूर्वक, वहिफाज़त।

सालियाँ (سالیاں) फा पु —'साल' का बहु, वरस।

सालियानः (سالیانہ) फा वि —वार्षिक, सालाना, पु वह हक या इन्आम जो प्रतिवर्ष दिया जाता हो।

सालिस (ثالث) अ. वि —तीसरा, तृतीय, मध्यस्थ, पच, विचौलिया, हकम।

सालिस बिलख़ैर (ثالث بالخیر) अ पु —वह पच जो किसी का पक्षपात किये बिना अपना निर्णय दे।

सालिसी (ثالثی) अ स्त्री —पचायत, पचायत द्वारा किसी झगडे का निर्णय।

सालिह. (صالحہ) अ स्त्री —साध्वी, सच्चरित्रा, नेक और पार्सा स्त्री।

सालिह (صالح) अ वि —सदाचारी, शुद्धचरित, पुण्यचरित्र, नेक और परहेजगार, दे 'सालेह'।

सालिहात (صالحات) अ स्त्री —'सालिह' का वहु, साध्वी स्त्रियाँ, परहेज़गार औरते।

सालिहुलकैमूस (صالح الکیموس) अ वि —वह भोजन जिससे अच्छा रस वने जो शुद्ध रक्त वना सके।

साली (سالی) फा वि —पुराना, जीर्ण, (प्रत्य) साल, जैसे 'ख़ुश्कसाली' कह्त का साल।

सालूक (سالوک) अ वि —वहुत अधिक चलनेवाला।

सालूस (سالوس) फा अ वि —चापलूस, चाटुकार, खुशामदी, छली, वचक, मक्कार।

सालूसी (سالوسی) फा स्त्री —चाटुकारिता, खुशामद, छल, धूर्तता, फिरेब।

साले आइदः (سال آیندہ) फा पु —आगामी वर्ष, आनेवाला, साल, अगला साल।

साले ईसवी (سال عیسوی) फा अ पु —वह सवत्सर जो हज़रत ईसा के फाँसी पाने के समय से चला है।

साले कबीस. (سال کبیسہ) फा अ पु —लौद का साल, वह साल जिसमे लौद का महीना पडे, वह ईसवी साल जिसमे फरवरी २९ दिन का हो।

साले कमरी (سال قمری) फा अ पु —वह साल जिसके महीनो का हिसाब चाँद की घटावढी से हो।

साले गुज़श्तः (سال گزشتہ) फा पु —गत वर्ष, वीता हुआ साल।

साले जलाली (سال جلالی) फा अ पु —जलालुद्दीन मलिक शाहे सलजूकी का चलाया हुआ साल जो ३६५ दिन और ६ घटो का होता था, और अव तक वही हिसाव राइज है।

साले तमाम (سال تمام) फा अ पु —पूर्ण वर्ष, सारा साल।

साले नववी (سال نبوی) फा अ पु —दे साले हिज्री।

साले पैवस्तः (سال پیوستہ) फा पु —गुजरा हुआ साल, गत वर्ष।

साले फस्ली (سال فصلی) फा अ पु —किसानो का साल, जिसके हिसाव से वह लगान देते है।

साले विक्रमी (سال بکرمی) फा अ पु —राजा विक्रमादित्य का चलाया हुआ सवत् जो हिन्दुस्तान का मुख्य सवत्सर है।

साले माल (سال مال) फा अ पु —साले फस्ली, किसानो का साल।

साले रवाँ (سال رواں) फा पु —चालू साल, वह साल जो इस समय चल रहा है, प्रस्तुत वर्ष।

साले शम्सी (سال شمسی) फा अ पु.—वह साल जिसमें के गिर्द पृथ्वी का चक्कर पूरा होने पर दिन-रात का

होता है और ३६५ दिन से कुछ अधिक समय का पूरा वर्ष गिना जाता है।

सालेह (صالح) अ वि –सदाचारी, शुद्धचरित्र, पुण्यात्मा, नेक और परहेज़गार।

साले हिज्री (سال ھجری) फा अ पु –मुसलमानो का साल जो हज़्रत मुहम्मद साहब के मक्का छोडकर मदीने जाने की तारीख़ से शुरूअ होता है और जिसका हिसाब चाँद की घटा-बढी से है और जो शमसी साल से १०-११ दिन छोटा होता है।

सालो माह (سال وماہ) फा पु –वर्ष और महीने।

सा'वः (صعوہ) अ स्त्री –इक छोटा पक्षी, ममोला।

सास (ساس) फा. पु –खटमल, मत्कुण।

सासान (ساسان) फा पु –बहमन का लडका जो अपनी बहन के डर से भाग गया था और सन्यास धारण कर लिया था, सासानी उसी के वश के लोग है।

सासानी (ساسانی) फा वि –'सासान' के वशज।

साहत (ساحت) अ स्त्री –विस्तार,विशालता, फैलाव, कुशादगी; चारो ओर की खुली हुई जगह।

साहब (صاحب) अ वि –दे. 'साहिब', उर्दू में दोनो प्रकार से बोलते है, परतु 'अग्रेज़' या बडे अफसर के अर्थ मे साहब ही कहते है।

साहबआलम (صاحب عالم) अ पुं –देहली के शाहज़ादो का लकब।

साहबबहादुर (صاحب بہادر) अ फा पु –अग्रेज़ो का लक़ब; वह व्यक्ति जो अँगरेजी चाल-ढाल में ढल गया हो।

साहिबः (صاحبہ) अ स्त्री –श्रीमती जी, महोदया; महिला, स्त्री, जैसे—'एक साहिब आई है'।

साहिब (صاحب) अ पु –एक सम्मान-सूचक शब्द जो नाम के अन्त में लगाया जाता है, स्वामी, मालिक, मित्र, दोस्त, सहायक, साथी, वाला, जैसे—'साहिबे इल्म' इल्मवाला।

साहिब आलम (صاحب عالم) अ पु –दे 'साहब आलम'।

साहिब कमाल (صاحب کمال) अ वि –हुनरमद, गुणवान्।

साहिब क़िराँ (صاحب قران) अ वि –तेजस्वी, प्रतापी, जिसके भाग्य के शुभ ग्रह किसी अच्छी राशि मे एकत्र हो। सिकदरे आ'ज़म की उपाधि।

साहिबख़ानः (صاحب خانہ) अ फा पु –घर का मालिक, गृहस्वामी।

साहिब ग़रज़ (صاحب غرض) अ वि –ग़रज़मद, जिसका कोई काम अटका हो; स्वार्थी, ख़ुदगरज़।

साहिबज़ादः (صاحب زادہ) अ फा पु –सुपुत्र, भलेमानस का भला लडका।

साहिब दिल (صاحب دل) अ फा. वि –सुहृद्, सहृदय, मनस्वी, जो दिल रखता हो, जो मनुष्य को परख सके और बात को समझ सके, पुण्यात्मा, महात्मा, ख़ुदाशनास।

साहिब नज़र (صاحب نظر) अ वि –नज़रवाला, परखनेवाला, पारखी, कद्रदान, दृष्टिवत।

साहिबनसीब (صاحب نصیب) अ. वि –भाग्यशाली, भाग्यवान्, ख़ुशनसीब।

साहिबान (صاحبان) अ पु –'साहिब' का बहु , लोग, मनुष्य, जैसे—सब साहिबान, वाले, जैसे—'साहिबाने कमाल'।

साहिबी (صاحبی) अ. वि –सरदारी, अध्यक्षता, स्वामित्व, मालिकीयत।

साहिबुज़्ज़माँ (صاحب الزماں) अ वि –हज़्रत इमाम मेहदी का लकब।

साहिबुर्राय (صاحب الرائے) अ वि –जिसकी राय उम्द और सजीद हो।

साहिबुलजरीदः (صاحب الجریدہ) अ प –अख़बार का मालिक।

साहिबे अक़्ल (صاحب عقل) अ वि –बुद्धिमान्, अक़्लमद।

साहिबे अख़्लाक (صاحب اخلاق) अ वि –जिसका व्यवहार अच्छा हो, सत्त्वशील, शीलवान्।

साहिबे अमल (صاحب عمل) अ वि –जो सिर्फ कहता ही न हो बल्कि करता भी हो, कर्मठ।

साहिबे इक़्तिदार (صاحب اقتدار) अ वि –जिसके हाथ में सत्ता हो।

साहिबे इक़्बाल (صاحب اقبال) अ वि –प्रतापी, तेजस्वी, इक़्बालमद, भाग्यशाली, ख़ुशनसीब।

साहिबे इख़्तियार (صاحب اختیار) अ. वि –जिसको अधिकार प्राप्त हो, अधिकार-संपन्न, अधिकारी।

साहिबे ऐतिबार (صاحب اعتبار) अ. वि –विश्वस्त, मो'तबर।

साहिबे औसाफे हमीदः (صاحب اوصاف حمیدہ) अ वि –सद्गुण-संपन्न, अच्छे गुणो से परिपूर्ण।

साहिबे कमाल (صاحب کمال) अ वि –साहिबे हुनर, गुणवान्।

साहिबे क़लम (صاحب قلم) अ वि.–जो अच्छे किस्म का लेखक हो, जिसकी लेखनी में ज़ोर हो।

साहिबे किस्मत (صاحب قسمت) अ वि –भाग्यशाली, भाग्यवान्, नसीबेवर।

साहिबे क़ुद्रत (صاحب قدرت) अ. वि –समर्थ, सामर्थ्यवान्, ज़ी मक़्दरत; शक्तिशाली, ज़ोरावर।

साहिबे क़ुर्आन (صاحب قرآن) अ पु —मुहम्मद साहिब, जिन पर कुरान उतरा है।

साहिबे क़ुव्वत (صاحب قوت) अ वि —शक्तिशाली, बलवान्, जोरदार।

साहिबे ख़ानः (صاحب خانه) अ फा वि —गृहस्वामी, घर का मालिक।

साहिबे ख़ैर (صاحب خیر) अ वि —दानशील, जो अच्छे कामो में रुपया खर्च करता हो।

साहिबे ग़रज़ (صاحب غرض) अ वि —जिसकी कोई गरज़ अटकी हो, जो अपनी गरज़ का यार हो, स्वार्थी।

साहिबे ज़बाँ (صاحب زباں) अ फा वि —जो किसी भाषा का पैदाइशी जानकार हो, अहले ज़बान।

साहिबे जमाल (صاحب جمال) अ वि —रूपवान्, सुन्दर, हसीन।

साहिबे ज़र (صاحب زر) अ फा वि —धनवान्, मालदार।

साहिबे जलाल (صاحب جلال) अ वि —तेजस्वी, तेजवान्, क्रुद्धात्मा, गुस्स वर, उग्रतेजा।

साहिबे जाएदाद (صاحب جائداد) अ फा वि —सपत्तिवान्, जिसके पास जायदाद हो।

साहिबे जागीर (صاحب جاگیر) अ फा वि —भूसंपत्तिवान्, जिसके पास बहुत से गाँव हो।

साहिबे ज़िला (صاحب ضلع) अ पु —ज़िलाधीश, ज़िले का हाकिम, कलक्टर।

साहिबे ज़ुका (صاحب ذکا) अ वि —जिसकी बुद्धि तेज़ हो, कुशाग्रबुद्धि, प्रतिभावान्।

साहिबे ज़ौक़ (صاحب ذوق) अ वि —रसिक, सहृदय, काव्यमर्मज्ञ, जिसे साहित्य का प्रेम और उसके गुण-दोष की परख हो।

साहिबे तख़्त (صاحب تخت) अ फा वि —शासक, नरेश, राजा, बादशाह।

साहिबे तख़्तोताज (صاحب تخت وتاج) अ. फा वि —नरेश, बादशाह।

साहिबे तदबीर (صاحب تدبیر) अ वि —नीतिज्ञ, सियासतदाँ, बुद्धिमान्, अक्लमद।

साहिबे तमीज़ (صاحب تمیز) अ वि —सभ्य, शिष्ट, सलीक -मद।

साहिबे ताज (صاحب تاج) अ फा वि —शासक, नरेश, बादशाह, मुकुटधारी।

साहिबे ताजोतख़्त (صاحب تاج وتخت) अ फा वि —नरेश, बादशाह।

साहिबे दर्द (صاحب درد) अ फा. वि —दयालु, दयावान्, रहमदिल, जो दूसरे का दु ख-दर्द पहचाने।

साहिबे दानिश (صاحب دانش) अ फा वि —बुद्धिमान्, अक्लमद, दूरदर्शी, दूरदेश।

साहिबे दिमाग़ (صاحب دماغ) अ वि —अहकारी, घमडी, बुद्धिमान्, अक्लवर, नकचिढा, मिज़ाज़।

साहिबे दिल (صاحب دل) अ फा वि —महात्मा, तत्त्वज्ञानी, आरिफ; दयालु, रहमदिल।

साहिबे दीवान (صاحب دیوان) अ वि —वह शाइर जिसका दीवान पूरा हो गया हो या छप गया हो।

साहिबे दौलत (صاحب دولت) अ वि —धनाढय, धनवान्, मालदार।

साहिबे नज़र (صاحب نظر) अ वि —दोप-गुण को पहचाननेवाला, दृष्टिवान्।

साहिबे नसीब (صاحب نصیب) अ वि —भाग्यशाली, खुशकिस्मत।

साहिबे निगाह (صاحب نگاه) अ फा. वि —दे 'साहिबे नज़र'।

साहिबे नियाज़ (صاحب نیاز) अ फा वि —नियाज़मद, भक्त।

साहिबे निस्बत (صاحب نسبت) अ वि —किसी बडे दरवेश से सम्बन्ध रखनेवाला, किसी बडे ख़ानदान का मुरीद।

साहिबे नुफ़ूज़ (صاحب نفوذ) अ वि —जिसकी कही पैठ हो, रसाईवाला।

साहिबे फ़िराश (صاحب فراش) अ वि —बीमार, रुग्ण, रोगी, पलग पर पडा रहनेवाला बीमार, जो चल-फिर न सके, रुग्णशय्याग्रस्त।

साहिबे मक़दूर (صاحب مقدور) अ वि —धनवान्, रुपयेवाला, मालदार।

साहिबे मज्लिस (صاحب مجلس) अ वि —सभापति, मीर मज्लिस, मज्लिस करनेवाला, जिसके घर मज्लिस हो।

साहिबे महफ़िल (صاحب محفل) अ वि —दे 'साहिबे मज्लिस'।

साहिबे मह्बस (صاحب محبس) अ वि.—कारागारवासी, कैदी।

साहिबे माल (صاحب مال) अ वि —धनवान्, दौलतमद, जिसकी कोई चीज़ हो, माल का मालिक।

साहिबे मुरव्वत (صاحب مروت) अ वि —सुशील, मुरव्वतवाला।

साहिबे राज़ (صاحب راز) अ फा वि —जिसका कोई भेद हो, जो भेद जानता हो, मर्मज्ञ।

साहिबे राय (صاحب راے)अ. वि –जिसकी राय शुद्ध और ठीक हो।

साहिबे रीश (صاحب ریش) अ फा वि –डाढीवाला, जिसके डाढी हो, श्मश्रुल।

साहिबे रेश (صاحب ریش)अ फा वि –जिसके शरीर मे कोई घाव हो, घाववाला।

साहिबे लौलाक (صاحب لولاک) अ पु –हज्रत मुहम्मद साहिब का लकब।

साहिबे विलायत (صاحب ولایت)अ वि –बहुत बडा वली, जिसके अधीन कोई इलाका हो, जिसकी रक्षा वह अपनी आत्मशक्ति द्वारा करता हो।

साहिबे शौक़ (صاحب شوق)अ वि.–शौकीन, किसी बात का शौक रखनेवाला।

साहिबे सज्जादः (صاحب سجادہ)अ पु –सज्जाद नशीन, गद्दीनशीन, किसी फकीर का जानशीन।

साहिबे सलीक़ः (صاحب سلیقہ) अ वि –सलीक मद, सुघड, ढग के साथ काम करनेवाला (वाली)।

साहिबे हया (صاحب حیا) अ वि –जिसके स्वभाव मे शर्मीलापन हो।

साहिबे हिम्मत (صاحب ہمت) अ. वि –साहसवाला, साहसी, उत्साही।

साहिबे हैसियत (صاحب حیثیت) अ वि –इज़्ज़त-वाला, प्रतिष्ठित, मालदार, धनी।

साहिबे हौसलः (صاحب حوصلہ) अ वि –दे. 'साहिबे हिम्मत'।

सि

सिंगर (سنگر) फा पु –छोटा नेज़।

सिंजाब (سنجاب) फा पु –एक जानवर जिसकी खाल की पोस्तीन बनती है, उस जानवर की खाल।

सिंदबाद (سندباد) फा. पु –हकी अर्ज़क की लिखी हुई एक किताब जिसमें उपदेश है।

सिंदान (سندان) फा स्त्री –निहाई, अहरन, वह लोहा, जिस पर रखकर लोहा पीटा जाता है।

सिंदीद (صندید)अ पु –अपने वग का प्रतिष्ठित और महान् व्यक्ति, किसी देश का बड़ा और प्रतिष्ठित व्यक्ति।

सिअत (سعت) अ स्त्री –विस्तार, लबाई, चौडाई, फैलाव।

सिआयत (سعایت) अ स्त्री –पिशुनता, चुगुलखोरी, निंदा, बदगोई।

सिकंजुबीन (سکنجبین) फा स्त्री –सिर्क मिला हुआ नीबू का शर्बत जो दवामे काम आता है, नीबू का शर्बत जो गर्मी मे पीते है।

सिकंदर (سکندر) फा पु.–यूनान का एक प्रसिद्ध और प्रतापी नरेश, जो मक्दूनियाँ के नरेश फैलकूस का बेटा और अरस्तू का शागिर्द था।

सिकंदर सौलत (سکندر صولت)फा. अ. वि –सिकदर-जैसा रोब-दाब रखनेवाला।

सिकंदरहशम (سکندرحشم) फा अ. वि.–सिकदर-जैसी शानोशौकत और बडाई रखनेवाला।

सिकंदरी (سکندری) फा. वि –सिकदर का, सिकंदर से सम्बन्धित, घोडे की ठोकर।

सिकंदरे आ'जम (سکندر اعظم)फा अ पु –सिकदरे रूमी की उपाधि, सिकदरे ज़ुलकरनैन।

सिक़ः (ثقہ) अ वि –एक व्यक्ति जो देखने में शरीफ, आचरण मे शुद्ध और विश्वस्त हो।

सिक (سک) फा पु –सिर्का।

सिकबा (سکبا) फा पु.–एक खाना जो गेहूँ के दलिए और गोश्त मे सिर्का और किशमिश आदि डालकर बनता है।

सिक़ात (ثقات) अ पु –'सिक' का बहु, श्रेष्ठ और विश्वस्त लोग।

सिक़ाम (سقام) अ पु –'सकमि' का बहु, रोगी लोग।

सिकायः (سقایہ) अ पु –पानी का हौज़ या टकी जो मस्जिद आदि में होती है और जिसे गलती से लोग सकाब कहते है।

सिकायत (سقایت) अ स्त्री –पानी पिलाना।

सिकालिश (سگالش) फा स्त्री –ध्यान, खयाल, चिंता, फिक्र; परामर्श, मश्‌वुर'।

सिकीज़ः (سکیزہ) फा पु –छलाँग मारना, कूदना, लात चलाना, दुलत्ती मारना।

सिक्कः (سکہ) अ पु.–रुपया-पैसा, मुद्रा; छाप, मुह्‌र; धाक, रोब, पद्धति, तर्ज़।

सिक्कःज़न (سکہ زن) अ. फा. वि.–सिक्का ढालनेवाला, टकसालिया।

सिक्कःजात (سکہ جات) अ फा पु –'सिक्क' का बहु, सिक्के।

सिक्कए कल्ब (سکۂ قلب) अ पु –दे 'सिक्कए कासिद'।

सिक्कए कासिद (سکۂ کاسد)अ. पु –जाली सिक्का, कूटमुद्रा, वह सिक्का जो टकसाली न हो, खोटा।

सिक्कए राइज (سکۂ رائج) अ पु.–वह सिक्का जिसका लेन-देन हो, जो व्यवहृत हो।

सिक्कीन (سکین) अ स्त्री –छुरी, बड़ा चाकू।

सिक्कीर (سکیر) अ वि.–जो हर समय नशे में धुत रहे।

सिक़्त (سقط) अ पु –मरा हुआ बच्चा पैदा होना, मरा हुआ बच्चा।

सिक्लात (سقلات) तु पु –एक कीमती ऊनी वानात, सकिरलात।

सिक्ले बत्न (ثقل بطن) अ पु –पेट का भारीपन, अपच, वदहज़्मी।

सिक्ले समाअत (ثقل سماعت) अ पु –वधिरता, वहरापन।

सिख़्न (ثخن) अ पु –मोटाई, दल, दवाजत।

सिग़र (صغر) अ वि –लघुता, छोटाई, ख़ुर्दी।

सिग़रसिन (صغرسن) अ वि –अल्पवयस्क, वयोवाल, कमउम्र।

सिग़रसिनी (صغرسنی) अ स्त्री –अल्पवयस्कता, वाल्यावस्था, कमउम्री।

सिग़ार (صغار) अ पु –'सग़ीर' का वहु, छोटी उम्र के लडके लोग, 'सुग्रा' का वहु, छोटी उम्र की स्त्रियाँ, लडकियाँ।

सिग़ारो किबार (صغارو کبار) अ पु –छोटे और वडे, वच्चे और जवान और वूढी, छोटे-वडे सव।

सिगाल (سگال) फा स्त्री –चिंता, फिक्र, ध्यान, सोच, ख़याल, विचार, (प्रत्य) सोचनेवाला, जैसे—'ख़ैरसिगाल' भलाई सोचनेवाला।

सिगालिंदः (سگالندہ) फा वि –सोचनेवाला।

सिगालिश (سگالش) फा स्त्री –चिन्ता, फिक्र, विचार, ख़याल।

सिगालीद. (سگالیدہ) फा वि –सोचा हुआ, विचारा हुआ।

सिगालीदनी (سگالیدنی) फा वि –सोचने योग्य, विचारने योग्य।

सिग्र (صغر) अ पु –दे शुद्ध उच्चारण 'सिगर', 'सिग्र' ग़लत है।

सिजजल (سجنجل) अ पु –दर्पण, मुकुर, आईना।

सिजाफ (سجاف) फा स्त्री –कपडे के चारो ओर लगायी जानेवाली गोट, सजाफ।

सिजिल [ल्ल] (سجل) अ वि –दस्तावेज़ जो रजिस्ट्रार की मुह्‌र और दस्तखत आदि से ठीक हो गयी हो, वैनामा, विक्रयलेख।

सिज्जीन (سجین) अ स्त्री –भयानक कारागार, एक नरक, वुरे आचरणवालो का रजिस्टर।

सिज्जील (سجیل) अ पु –एक पत्थर, कच्चा पत्थर, ककर।

सिज्दः (سجدہ) अ पु –ईश्वर के लिए सर झुकाना, नमाज मे जमीन पर सर रखना।

सिज्द.रेज़ (سجدہ ریز) अ फा वि –सज्दा करनेवाला।

सिज्द'रेज़ी (سجدہ ریزی) अ फा स्त्री –सज्दा करना, सज्दे मे गिरना।

सिज्न (سجن) अ पु –जेलख़ाना, कारागार।

सितव (ستنبہ) फा पु –वुरी और डरावनी शक्ल, स्वप्न मे डरानेवाला भूत।

सितद (ستد) फा स्त्री –लेना, लेन, यह शव्द अकेला नही वोला जाता, 'दाद' के साथ मिलाकर 'दादोसितद' वोलते हैं।

सितब्र (سطبر) फा वि –मोटा, दलदार, दवीज।

सितम (ستم) फा पु –अत्याचार, अनीति, जुल्म, ईशकोप, गज़व, जवर्दस्ती, हठ, वहुत अधिक, वहुत, अवेर।

सितमईजाद (ستم ایجاد) फा अ वि –वहुत वडा अत्याचारी, जो नये-नये अत्याचार ईजाद करता हो।

सितमकश (ستم کش) फा वि –सितम उठानेवाला, अत्याचार सहनेवाला।

सितमकशी (ستم کشی) फा स्त्री –अत्याचार सहना, सितम वरदाश्त करना।

सितमकशीदः (ستم کشیدہ) फा वि –सितम उठाये हुए, अत्याचार सहा हुआ, मज्लूम, पीडित।

सितमकुश्त. (ستم کشتہ) फा वि –जो किसी के अत्याचार से मारा गया हो।

सितमकेश (ستم کیش) फा वि –जिसका स्वभाव ही अत्याचार करना हो, वहुत वडा अन्यायी।

सितमगर (ستم گر) फा वि –सितम करनेवाला, अत्याचारी—"मैंने चाहा था कि अनदोहे जफा से छूटूँ। वह सितमगर मेरे मरने पे भी राज़ी न हुआ।"

सितमगरी (ستم گری) फा स्त्री –अत्याचार करना।

सितमगार (ستم گار) फा वि –दे 'सितमगर'।

सितमगारी (ستم گاری) फा स्त्री –दे 'सितमगरी'।

सितमगिर्वीदः (ستم گرویدہ) फा वि –जो किसी के अत्याचारो पर मुग्ध हो, जो चाहता हो कि उस पर अत्याचार होते ही रहें अर्थात् प्रेमी।

सितमगिर्वीदगी (ستم گرویدگی) फा स्त्री –अत्याचार पर मुग्ध होना, यह चाहना कि अत्याचार होते रहे।

सितमज़द. (ستم زدہ) फा वि –अत्याचारग्रस्त, जिस पर सितम हो, मज्लूम, पीडित।

सितमज़दगी (ستم زدگی) फा स्त्री –सितमज़द होना।

सितमज़रीफ (ستم ظریف) फा अ वि –जो हँसी-हँसी मे अत्याचार करे, हँसते-हँसते मार रखनेवाला।

सितमज़रीफी (ستم‌ظریفی) फा अ स्त्री –हँसी के पर्दे में अत्याचार करना।

सितमदीदः (ستم‌دیدہ) फा वि –दे 'सितमकशीद'।

सितमपर्वदः (ستم‌پروردہ) फा वि –जिसका जीवन सितम सहते बीता हो।

सितमपेशः (ستم‌پیشہ) फा वि –दे 'सितमकेश'।

सितमपेशगी (ستم‌پیشگی) फा स्त्री –सितमपेश होना।

सितमरसीदः (ستم‌رسیدہ) फा वि –दे 'सितमकशीद'।

सितमरानी (ستم‌رانی) फा स्त्री –सितम करना, पीड़ा देना।

सितमशिआर (ستم‌شعار) फा वि –दे 'सितमकेश'।

सितमशिआरी (ستم‌شعاری) फा अ स्त्री –सितमशिआर होना, स्वभाव मे अत्याचार होना।

सिताँ (ستاں) फा प्रत्य.–लेनेवाला, जैसे—'जाँसिताँ' प्राण लेनेवाला।

सिता (ستا) फा प्रत्य –प्रशसा करनेवाला, जैसे—'खुद-सिता' अपनी प्रगसा करनेवाला।

सिताइदः (ستائندہ) फा वि –प्रशसक, तारीफ करनेवाला।

सिताइश (ستائش) फा स्त्री –प्रगसा, श्लाघा, तारीफ, स्तुति, हम्दोसना।

सिताइशगर (ستائش‌گر) फा वि –प्रशसक, तारीफ करने-वाला, स्तुतिकर्ता, हम्द करनेवाला।

सिताईदः (ستائیدہ) फा वि –प्रशस्त, तारीफ किया हुआ।

सिताज़न (ستازن) फा वि –सितार वजानेवाला, तत्री।

सिताद. (ستادہ) फा वि –'इस्ताद' का लघु, खडा हुआ।

सितानिंद. (ستانندہ) फा वि –लेनेवाला, ग्राहक।

सितार. (ستارہ) फा पु –तारा, उडु, ग्रह, सैयार, भाग्य, तक्दीर।

सितारजवीं (ستارہ‌جبیں) फा वि –दे 'सितारपेशानी'।

सितार. दाँ (ستارہ‌داں) फा वि –ज्योतिषी, नुजूमी।

सितारपरस्त (ستارہ‌پرست) फा वि –तारो की पूजा करनेवाला।

सितारपेशानी (ستارہ‌پیشانی) फा वि –वह घोडा जिसके माथे पर सफेद छोटा चिह्न हो, ऐसा घोडा अशुभ समझा जाता है।

सितारवीं (ستارہ‌بیں) फा वि –ज्योतिषी, नुजूमी।

सितारःवीनी (ستارہ‌بینی) फा स्त्री –ग्रहो के द्वारा शुभा-शुभ फल का ज्ञान।

सितारःशनास (ستارہ‌شناس) फा वि –ज्योतिषी, नुजूमी।

सितारशनासी (ستارہ‌شناسی) फा. स्त्री.–ज्योतिष, नुजूम।

सितार (ستار) फा पु –एक वाजा, तत्री।

सितारज़न (ستارزن) फा वि –सितार वजानेवाला, तत्री।

सिताम (ستام) फा. पु –घोडे का आभूपण।

सिती (ستی) फा स्त्री –साध्वी, सती, पार्सा स्त्री।

सितूदः (ستودہ) फा वि –प्रशस्त, तारीफ किया हुआ।

सितूदःऔसाफ (ستودہ‌اوصاف) अ फा वि –दे 'सितूद-सिफात'।

सितूदःकार (ستودہ‌کار) फा वि –जिसका काम काविले तारीफ हो।

सितूदःख़साइल (ستودہ‌خصائل) फा अ वि –जिसकी आदते तारीफ के योग्य हो, अच्छे स्वभाववाला।

सितूदःसिफात (ستودہ‌صفات) फा अ वि –जिसके गुण प्रशसनीय हो, अच्छे गुणोवाला।

सितेज़ः (ستیزہ) फा पु –युद्ध, लडाई, जग।

सितेज़ (ستیز) फा पु –युद्ध, जग, लडाई, शत्रुता, दुश्मनी, प्रतिकूलता, नामुआफकत।

सितेज़ाँ (ستیزاں) फा वि –युद्ध करता हुआ, लडता हुआ।

सितेज़िंदः (ستیزندہ) फा वि –लडनेवाला, योद्धा।

सितेहिश (ستیہش) फा स्त्री –लडाई, झगडा, युद्ध।

सित्तः (ستہ) अ वि –छै, षट्।

सित्तःअशर (ستہ‌عشر) अ वि –सोलह, पोडश।

सित्रः (سترہ) अ पु –कोट, वडा कोट।

सित्र (ستر) अ पु –पर्दा, छिपाव, घूँघट।

सिदी (ثدی) अ स्त्री –स्तन, पिस्ताँ, मर्द का हो या स्त्री का, दे 'सदी'।

सिद्इ (ثدئی) अ स्त्री –'सिदी' का शद्ध उच्चारण यही है, स्तन, चूची, दे 'सद्इ'।

सिद्क (صدق) अ पु –सत्यता, सच्चाई, यथार्थता, वाकिईयत, निश्छलता, खुलूस।

सिद्क़दिली (صدق‌دلی) अ फा स्त्री –निश्छलता, निष्कपटता, स्वभाव की सरलता, खुलूस।

सिद्कमकाल (صدق‌مقال) अ वि –वात का पक्का, जो कह दे उसे अवश्य करनेवाला, सत्यवृति, सत्यवचन, सत्य-वादी, सच वोलनेवाला।

सिद्कमक़ाली (صدق‌مقالی) अ. स्त्री –वात कहकर उसे निवाहना, वचन की दृढता, सच वोलना।

सिद्कशिआर (صدق‌شعار) अ वि –सत्यनिष्ठ, सच्चाई को हाथ से न देनेवाला।

सिद्कशिआरी (صدق‌شعاری) अ स्त्री –सच्चाई पर दृढता, सत्यनिष्ठता।

सिद्क़े आ'माल (صدق اعمال) अ पु –आचरण की शुद्धि, किसी अच्छे फल की कामना के बिना धर्म करना।

सिद्क़े नीयत (صدق نیت) अ पु –अंत शुद्धि, मन की पवित्रता, किसी की चीज़ की ओर नजर न करना, ईमानदारी।

सिद्दीक़ (صدیق) अ वि –बहुत ही सच्चा और जाँनिसार दोस्त जिस पर किसी अवस्था में भी भरोसा किया जा सके।

सिद्दीक़े अक्बर (صدیق اکبر) अ पु –इस्लाम के पहले खलीफा हज्रत अबूबक्र की उपाधि।

सिद्रः (سدرہ) अ. पु –स्वर्ग के सबसे ऊँचे मकान पर एक बेर का पेड।

सिद्रतुलमुंतहा (سدرۃالمنتہی) अ पु –बेर का एक पेड जो सातवें आस्मान पर है, और जहाँ तक किसी की पहुँच नहीं है, केवल 'जिब्रील' जा सकते है, उससे आगे कोई नही जा सकता।

सिन [स्न] (سن) अ पु –आयु, उम्र, साल, दंत, दशन, दाँत।

सिनरसीदः (سن رسیدہ) अ फा वि –वयोवृद्ध, गतायु, बूढा।

सिनरसीदगी (سن رسیدگی) अ फा स्त्री –वृद्धावस्था, बुढापा।

सिनाँ (سناں) फा स्त्री –बाण की नोक, अनी, बरछा, भाला, कुंत, शक्ति, बरछी की नोक।

सिनाँकश (سناں کش) फा वि –तीरदाज, धनुर्धर।

सिनाअत (صناعت) अ स्त्री –व्यवसाय, उपजीविका, पेशा, शिल्प, दस्तकारी, कारीगरी।

सिनान (سنان) स्त्री –दे 'सिनाँ'।

सिनीन (سنین) अ पु –'सिन' का बहु, बरस, साल।

सिनीने माज़ियः (سنین ماضیہ) अ पु –गुज़रे हुए बरस, बीते हुए साल।

सिनीने मुस्तक्बिल. (سنین مستقبلہ) अ पु –आनेवाला साल, आगामी बरस।

सिने तमीज़ (سن تمیز) अ पु –अच्छे-बुरे मे विवेक कर सकने की आयु, प्रौढावस्था।

सिने बुलूग (سن بلوغ) अ पु –बालिग होने की उम्र, युवावस्था।

सिने शबाब (سن شباب) अ पु –जवानी की उम्र, युवावस्था।

सिने शुऊर (سن شعور) अ पु –दे 'सिने तमीज़'।

सिने शैख़ूखत (سن شیخوخت) अ पु –जरावस्था, बुढापा, बुढापे की आयु।

सिन्नौर (سنور) अ स्त्री –बिल्ली, मार्जारी।

सिन्फ (صنف) अ स्त्री –जाति, जिंस, वर्ग, तब्क, वंश, नस्ल।

सिन्फे नाज़ुक (صنف نازک) अ स्त्री –स्त्रीवर्ग, महिलाएँ, स्त्रियाँ, औरते।

सिन्फे लतीफ (صنف لطیف) अ स्त्री –दे 'सिन्फे नाज़ुक'।

सिपंज (سپنج) फा पु –थोडे दिन, चंद दिन।

सिपंजी (سپنجی) फा वि –थोडे दिन का, चंदरोज, क्षणस्थायी।

सिपंद (سپند) फा पु –काला दाना जो नजर उतारने को जलाया जाता है, दे 'सपंद', दोनो शुद्ध है।

सिपंदाँ (سپنداں) फा पु –दे 'सिपंद'।

सिपर (سپر) फा स्त्री –तलवार रोकने के अस्त्र, ढाल, चर्म, कवच।

सिपरअंदाख्तः (سپرانداختہ) फा वि –जिसने लडाई में हार मान ली हो, हार मानकर अपनी ढाल-तलवार रख दी हो।

सिपरअंदाजी (سپراندازی) फा स्त्री –हार मान लेना।

सिपरगम (سپرغم) फा पु –एक वनौषधि, मरुआ, रैहाँ।

सिपरी (سپری) फा वि –समाप्त, खत्म।

सिपस (سپس) फा वि –तत्पश्चात्, उसके बाद।

सिपह (سپہ) फा स्त्री –'सिपाह' का लघु, सेना, बल, फौज।

सिपहगरी (سپہگری) फा स्त्री –सिपाहीपन, फौज की नौकरी, शूरता, बहादुरी।

सिपहदार (سپہدار) फा पु –सेनानायक, फौज का अफसर।

सिपहबद (سپہبد) फा पु –दे 'सिपहसालार'।

सिपहबुद (سپہبد) फा पु –दे 'सिपहसालार'।

सिपहसालार (سپہسالار) फा पु –सेनापति, सेनानी, सेनाध्यक्ष, कमांडर।

सिपहसालारी (سپہسالاری) फा स्त्री –सेनापतित्व, सेनापति का पद।

सिपानाख़ (سپاناخ) फा स्त्री –एक साग, पालक।

सिपारिंदः (سپارندہ) फा वि –सौंपनेवाला, हस्तान्तरण करनेवाला।

सिपारी (سپاری) फा स्त्री –पान मे खाई जानेवाली डली, छालिया, सुपारी।

सिपास (سپاس) फा स्त्री –कृतज्ञता, एहसानमंदी, धन्यवाद, शुक्रिय, स्तुति, गुणगान, हम्दोसना, प्रशंसा, तारीफ।

सिपासगुज़ार (سپاس گزار) फा वि –कृतज्ञता, एहसानमंदी, स्तुति-पाठक, हम्दख्वाँ, प्रशंसक, तारीफ करनेवाला।

सिपासगुज़ारी (سپاس گزاری) फा स्त्री –कृतज्ञता, स्तुति-पाठ, प्रशसा।
सिपासगो (سپاس گو) फा वि –दे 'सिपासगुज़ार'।
सिपासनामः (سپاس نامه) फा पु –अभिनदनपत्र, मान-पत्र, प्रतिष्ठापत्र।
सिपाह (سپاه) फा. स्त्री –सेना, वल, फौज।
सिपाहगरी (سپاه گری) फा स्त्री –सिपाही का पेशा, शूरता, वहादुरी, सिपाही का फन।
सिपाहाँ (سپاهان) फा पु –ईरान का एक प्रसिद्ध नगर इस्फिहान।
सिपाहियानः (سپاهیانه) फा वि –सिपाहियो-जैसा, वीरतापूर्ण, वहादुराना।
सिपाही (سپاهی) फा पु –फौजी, सैनिक, फौज का जवान, वहादुर और पराक्रमी व्यक्ति।
सिपाहीबचः (سپاهی بچه) फा पु –सिपाही का लडका, सैनिक पुत्र, जिसके वश मे और लोग सिपाही हो।
सिपिस्ताँ (سپستان) फा स्त्री –लहसोडा, लसोडा।
सिपिह्र (سپهر) फा पु –आकाश, गगन, आस्मान।
सिपिह्रे गर्दाँ (سپهر گردان) फा पु –घूमनेवाला आकाश।
सिपिह्रे वरीं (سپهر برین) फा पु –सवसे ऊँचा आकाश, नवॉ आस्मान।
सिपुर्द: (سپرده) फा वि –सौंपा हुआ, हस्तातरित, दिया हुआ।
सिपुर्द (سپرد) फा वि –सौंपा हुआ, हवाले, हस्तगत, सौंपना, देना, हवाले करना।
सिपुर्दगी (سپردگی) फा स्त्री –सौंप, हवालगी, हवालात, हिरासत।
सिपुर्दनी (سپردنی) फा वि –सौपने योग्य, हस्तातरित करने योग्य।
सिपुर्दार (سپردار) फा पु –जिसके सिपुर्द कोई माल किया जाय विशेषत कुर्की का माल।
सिपुर्दारी (سپرداری) फा स्त्री –सिपुर्दगी में माल देना, किसी को सिपुर्दार वनाना।
सिपेद: (سپیده) फा पु –सफेदी।
सिपेद:दम (سپیده دم) फा पु.–गजरदम, वहुत तडके।
सिपेद (سپید) फा वि –सफेद।
सिपेदए शफक (سپیدۂ شفق) फा अ पु –सवेरे की सफेदी।
सिपेदए सुव्ह (سپیدۂ صبح) फा. अ पु –सवेरे की सफेदी, जो निकलने से पहले आकाश पर फैल जाती है।
सिपेदी (سپیدی) फा स्त्री.–श्वेतता, शुभ्रता, सफेदी।
सिपोख्त: (سپوخته) फा वि –दे 'सिपोज़ीद'।
सिपोज़ीद: (سپوزیده) फा वि –एक चीज़ मे दूसरी चीज़ घुसेडी हुई, एक चीज़ मे से दूसरी चीज़ निकाली हुई।
सिपोज़ीदगी (سپوزیدگی) फा स्त्री –अदर घुसेडना, वाहर निकालना।
सिफत (صفت) अ स्त्री –प्रशसा, तारीफ, गुण, वस्फ, उत्तमता, उम्दगी, प्रभाव, तासीर, समान, तुल्य, जैसे—'सगसिफत' कुत्ते-जैसा; (व्या') विशेषण, किसी चीज़ का गुण।
सिफाक (صفاق) अ स्त्री –आँतो पर चढी हुई एक वारीक झिल्ली।
सिफात (صفات) अ उभ –'सिफत' का वहु, सिफते।
सिफाती (صفاتی) अ वि –वह दोष या गुण जो किसी के स्वभाव मे न हो, अस्थायी रूप से हो।
सिफाते ज़ाती (صفات ذاتی) अ उभ –वह अच्छाइयाँ जो किसी के स्वभाव मे हो, वनावटी न हो।
सिफाते हसनः (صفات حسنه) अ.उभ –अच्छे गुण, खूवियाँ।
सिफाद (صفاد) अ स्त्री –वेडी और हथकडी।
सिफानत (سفانت) अ स्त्री –जहाज वनाने का काम, नावे वनाने का फन।
सिफारत (سفارت) अ स्त्री –सफीर का काम, दूतकर्म, एलचीगरी।
सिफारतखानः (سفارت خانه) अ फा पु –सफीर के रहने और उसके दफ्तर का स्थान, दूतावास।
सिफारिश (سفارش) फा स्त्री –शु उ 'सुफारिश' है, परन्तु उर्दू में सिफारिश ही है, अभिस्ताव, अनुशसा।
सिफाल (سفال) फा स्त्री –मिट्टी का वरतन, मिट्टी का ठीकरा।
सिफालगर (سفال گر) फा वि. कुभकार, कुम्हार, मिट्टी के वरतन वनानेवाला।
सिफालीं (سفالین) फा वि –मिट्टी का वना हुआ, मृण्मय।
सिफाह (سفاح) अ. स्त्री –व्यभिचार, वुरा काम, हराम, ज़िना।
सिफ़्तः (سفته) फा वि –हर मोटी और गफ चीज, मोटा कपडा।
सिफ्र (صفر) अ पु –विन्दु, नुक्ता, शून्य, खाली।
सिफ़्ल: (سفله) अ वि –अधम, नीच, कमीना, लोफर।
सिफ़्ल:कार (سفله کار) अ फा वि –जिसके काम वहुत ही गिरे हुए हो।
सिफ़्ल:ख़ू (سفله خو) अ फा वि –जिसका स्वभाव वहुत ही कमीना हो, क्षुद्रप्रकृति।
सिफ़्ल:नवाज़ (سفله نواز) अ फा वि –कमीनो को वढावा देने और उनका पक्षपात करनेवाला।

सिफ़्ल:निहाद (سفلہ نہاد) अ फा. वि –दे 'सिफ़्लख़ू'।

सिफ़्ल:मिज़ाज (سفلہ مزاج) अ वि –दे 'सिफ़्लख़ू'।

सिफ़्ल:पर्वर (سفلہ پرور) अ फा वि –दे 'सिफ्लनवाज़'।

सिफ़्ल: र्वरी (سفلہ پروری) अ फा स्त्री –नीच और लोफर लोगो को प्रोत्साहन देना, शरीफो के मुकाबले में उनकी हिमायत करना।

सिफ़्ल.मज़ाक (سفلہ مذاق) अ वि –पस्तमजाक, जिसकी साहित्य-रसज्ञता निम्न कोटि की हो।

सिफ्ल:शिआर (سفلہ شعار) अ वि –नीच स्वभाववाला, क्षुद्रप्रकृति।

सिफ़्ल (سفل) अ पु.–निचाई, निम्नता, पस्ती।

सिफ़्लगी (سفلگی) अ स्त्री –अवमता, नीचता, कमीनगी, लोफरपन, छिछोरापन, ओछापन।

सिफ़्ली (سفلی) अ स्त्री –निम्न कोटि का, घटिया, भूत-प्रेतवाला अमल।

सिफ्वत (صفوت) अ स्त्री –श्रेष्ठता, उत्तमता, वुजुर्गी, पवित्रता, पाकी, (वि) पवित्र, निर्मल, साफ, श्रेष्ठ, उत्तम, वुजुर्ग, सार, तत्त्व, खुलासा।

सिबाअ (سباع) अ पु –'सव' का बहु, फाड खानेवाले जानवर, दरिंदे।

सिबाक़ (سباق) अ पु –दौड मे आगे बढ जाना।

सिबाल (سبال) अ स्त्री –'सबलत' का बहु., मूँछें।

सिवाहत (سباحت) अ स्त्री –तैरना, पैरना, तैराकी, दे 'सबाहत', दोनो शुद्ध है।

सिब्ग़. (صبغہ) अ पु –वर्ण, रग, धर्म, दीन।

सिब्ग़ (صبغ) अ पु –वर्ण, रग।

सिब्ग़तुल्लाह (صبغۃ اللہ) अ पु –इस्लाम धर्म।

सिब्त (سبط) अ पु –लडकी का लडका, दौहित्र, दुहिता-सुत, नाती, नवासा।

सिबते नबी (سبط نبی) अ पु –पैगवर साहिब का नवासा, हज़्रत फातिमा का लडका।

सिब्तैन (سبطین) अ पु –दोनो नाती, अर्थात् नवासे, हज़्रत मुहम्मद साहिब के दोनो नवासे, हसनैन।

सिब्र (صبر) अ पु –एक प्रसिद्ध ओषधि, एलुआ, दे 'सब्र' और 'सबिर', तीनो शुद्ध है।

सिमाअ (سماع) अ पु –गाना सुनना, वज्द और हाल आना।

सिमाक (سماک) अ पु –चौदहवाँ नक्षत्र, चित्रा।

सिमाके आ'ज़ल (سماک اعزل) अ पु –चौदहवें नक्षत्र का एक सितारा, जिसके पास दूसरा तारा नही है।

सिमाके रामेह (سماک رامح) अ पु –चौदहवें नक्षत्र का एक तारा, जिसके पास एक तारा और है।

सिमाख़ (سماخ صماخ) अ पु –कान का छेद, श्रवण-रध्र, कर्ण-विवर।

सिमात (سماط) अ स्त्री –चटाई, दस्तरख़्वान, पक्ति, कतार।

सिमात (سمات) अ पु –'सम्त' का वहु, दिशाएँ, 'सिमत' का वहु, वहुत से दाग या निशान।

सिमाम (صمام) अ पु –मुँहवद वोतल।

सिम्त (سمت) अ स्त्री –दे 'सम्त' शुद्ध वही है, परतु उर्दू मे 'सिम्त' भी वोल देते हैं, दिशा, तरफ।

सिम्त (سمط) अ स्त्री –मोती, मुक्ता,, मौक्तिक, दे 'सम्त' दोनो शुद्ध हैं।

सिम्सिम (سمسم) अ स्त्री –तिल्ली, एक प्रसिद्ध वीज, तिल।

सियर (سیر) अ स्त्री –'सीरत' का वहु, सीरते, जीवन-चरित।

सियह (سیہ) फा वि –'सियाह' का लघु, दे 'सियाह'।

सियहकार (سیہ کار) फा वि –दे 'सियाहकार'।

सियहकारी (سیہ کاری) फा स्त्री –दे 'सियाहकारी'।

सियहकास: (سیہ کاسہ) फा वि –दे 'सियाहकास'।

सियहकासगी (سیہ کاسگی) फा. स्त्री –दे 'सियाह-कासगी'।

सियहख़ान: (سیہ خانہ) फा वि –दे 'सियाहख़ान'।

सियहचर्द: (سیہ چردہ) फा. वि –दे 'सियाहचर्द'।

सियहचश्म (سیہ چشم) फा वि –दे 'सियाहचश्म'।

सियहचश्मी (سیہ چشمی) फा स्त्री –दे 'सियाहचश्मी'।

सियहज़बान (سیہ زبان) फा वि –दे 'सियाहज़वान'।

सियहजवानी (سیہ زبانی) फा स्त्री –दे 'सियाहज़वानी'।

सियहजर्द. (سیہ جردہ) फा वि –काले चमडेवाला, जिसका रग काला हो, हवशी।

सियहताव (سیہ تاب) फा वि –दे 'सियाहताव'।

सियहताले' (سیہ طالع) फा अ वि –दे 'सियाहताले'।

सियहदस्त (سیہ دست) फा वि –दे 'सियाहदस्त'।

सियहदिल (سیہ دل) फा वि –दे 'सियाहदिल'।

सियहदिली (سیہ دلی) फा स्त्री –दे 'सियाहदिली'।

सियहनाम. (سیہ نامہ) फा वि –दे 'सियाहनाम'।

सियहपिस्ताँ (سیہ پستاں) फा वि –दे 'सियाहपिस्ताँ'।

सियहपोश (سیہ پوش) फा वि –दे 'सियाहपोश'।

सियहपोशी (سیہ پوشی) फा स्त्री –दे 'सियाहपोशी'।

सियहफाम (سیہ فام) फा वि –दे 'सियाहफाम'।

सियहफामी (سیہ فامی) फा स्त्री –दे 'सियाहफामी'।

सियहवख़्त (سیہ بخت) फा वि –दे 'सियाहवख़्त'।

सियहवख़्ती (سیہ بختی) फा. स्त्री –दे 'सियाहवख़्ती'।
सियहवहार (سیہ بہار) फा वि.–दे 'सियाहवहार'।
सियहवातिन (سیہ باطن) फा अ वि –दे 'सियाहवातिन'।
सियहवातिनी (سیہ باطنی) फा अ स्त्री –दे 'सियाहवातिनी'।
सियहवादाम (سیہ بادام) फा वि –वह सुन्दर स्त्री जिसकी आँखें काली हों, काली आँख।
सियहमस्त (سیہ مست) फा वि –दे 'सियाहमस्त'।
सियहमस्ती (سیہ مستی) फा स्त्री –दे 'सियाहमस्ती'।
सियहरू (سیہ رو) फा वि –दे 'सियाहरू'।
सियहरूई (سیہ روی) फा स्त्री –दे 'सियाहरूई'।
सियहरोज (سیہ روز) फा वि –दे 'सियाहरोज'।
सियहरोजगार (سیہ روزگار) फा वि –दे 'सियाह रोजगार'।
सियहरोज़ी (سیہ روزی) फा वि –दे 'सियाहरोज़ी'।
सियहसाल (سیہ سال) फा वि –दे 'सियाहसाल'।
सियाक (سیاق) अ पु –हाँकना, चलाना, वाज़ पक्षी के पाँव की डोर, गणित, हिसाव।
सियाके इवारत (سیاق عبارت) अ पु –इवारत का ढग, जैसे–सियाके इवारत से पता चलता है कि आपको रुपये की आवश्यकता है।
सियाके वयान (سیاق بیان) अ पु –वात का ढग, तक़्रीर का अदाज़, जैसे–सियाके वयान से मालूम होता है कि आप को एतिराज़ है।
सियाकोसिवाक (سیاق و سباق) अ पु –अगला-पिछला, इवारत का अगला-पिछला भाग जिससे किसी वात का अंदाज़ा हो।
सियादत (سیادت) अ स्त्री –प्रतिष्ठा, वुज़ुर्गी, अध्यक्षता, सरदारी, सैयिद होना।
सियानत (صیانت) अ स्त्री –सरक्षण, निगहवानी, निगरानी।
सियाव (ثیاب) अ पु –सियाव का वहु, कपडे।
सियाम (صیام) अ पु –रोज़ो के दिन, रोजो का महीना, रोज़े।
सियासत (سیاست) अ स्त्री –राजनीति, नीति, पालिटिक्स, छल, फरेव, मक्कारी, राष्ट्र का प्रवध, मुल्क का इतिज़ाम, डॉट-डपट, तवीह, दड, सजा।
सियासतगर (سیاست گر) अ फा वि –सज़ा देनेवाला।
सियासतगाह (سیاست گاہ) फा. स्त्री –सज़ा देने का स्थान, ऐसी जगह जहाँ कूटनीति और मक्कारी चलती हो।
सियासतदाँ (سیاست داں) अ फा वि.–राजनीति जाननेवाला, नीतिज्ञ।
सियासतदानी (سیاست دانی) अ फा स्त्री –राजनीति जानना।
सियासते मुदन (سیاست مدن) अ स्त्री –नगर का प्रवध।
सियासी (سیاسی) अ फा वि –राजनीति का, राजनीति से सम्वद्ध, राजनीति जाननेवाला।
सियासीयात (سیاسیات) अ स्त्री –सियासत की वातें, सियासते।
सियाहः (سیاہہ) फा पु.–माल के दफ्तर की कच्ची वही, जिसमे नाज या नक़्दी लिखी जाती है।
सियाहःनवीस (سیاہہ نویس) फा पु –सियाहे का रजिस्टर लिखनेवाला।
सियाह (سیاہ) फा वि –कृष्ण, असित, काला।
सियाह (صیاح) अ पु –ज़ोर की आवाज़, नाद, चीख़, पुकार, फर्याद, वावैला, रोना-पीटना।
सियाहकलम (سیاہ قلم) फा अ स्त्री –वह चित्र जो विलकुल काला वनाया जाय, साँवले रग का माशूक़।
सियाहकल्व (سیاہ قلب) फा अ वि –पापात्मा, पापी, कठोरहृदय, वेरहम।
सियाहकाम (سیاہ کام) फा वि –असफलमनोरथ, नाकामयाव, अभागा, वदकिस्मत।
सियाहकार (سیاہ کار) फा वि –दुश्चरित, पापाचारी, पापी, गुनाहगार।
सियाहकारी (سیاہ کاری) फा स्त्री –पापकर्म, गुनाह।
सियाहकासः (سیاہ کاسہ) फा वि –कृपण, कजूस, वख़ील।
सियाहख़ानः (سیاہ خانہ) फा पु –मुसीवत का घर, आपत्तियो और कष्टोवाला घर, कैदख़ाना, कारागार; जिसका घार-वार उजड गया हो, ख़ान वीराँ, अभागा, वदकिस्मत।
सियाह गिलीम (سیاہ گلیم) फा वि –अभागा, वदकिस्मत, निर्धन, कगाल।
सियाहगोश (سیاہ گوش) फा पु –एक कुत्ते के वरावर जानवर जिससे शेर डरता है।
सियाहचर्दः (سیاہ چردہ) फा वि –काले चमडे का, काले रंगवाला, हव्शी।
सियाहचश्म (سیاہ چشم) फा वि –जिसकी आँखे काली हो, काली आँखोवाली सुन्दरी, जो वहुत अच्छी होती है; शिकारी चिडिया।
सियाहचश्मी (سیاہ چشمی) फा. स्त्री.–आँख का काला होना।
सियाहचाल (سیاہ چال) फा वि –अधा कुआँ जिसमे पहले ज़माने मे मुज्रिम वंद किये जाते थे।

सियाहज़बाँ (سیاہزباں) फा वि—जिसका कोसना तुरन्त लग जाय, शापसिद्ध।

सियाहज़बानी (سیاہزبانی) फा स्त्री.—कोसना तुरन्त लगना।

सियाहजर्दः (سیاہجردہ) फा वि—दे 'सियाहचर्द'।

सियाहत (سیاحت) अ स्त्री—देश-देश घूमना, पर्यटन; सफर, यात्रा।

सिहायताब (سیاہتاب) फा वि—वह रग जो साफ किये हुए लोहे पर नीबू लगाकर आग मे तपाने से हो जाता है।

सियाहताले' (سیاہطالع) फा अ वि—बुरे भागोवाला, अभागा, बदकिस्मत।

सियाहदरूँ (سیاہدروں) फा वि—जिसका दिल काला हो, पापी, निष्ठुर, बेरहम।

सियाहदस्त (سیاہدست) फा वि—कृपण, कजूस, बख़ील।

सियाहदस्ती (سیاہدستی) फा स्त्री—कृपणता, कजूसी, बख़ीली।

सियाहदानः (سیاہدانہ) फा पु—कलौजी, प्याज का बीज, इस्पद, जो जलाया जाता है।

सियाहदिल (سیاہدل) फा वि—पापी, गुनाहगार, निष्ठुर, बेरहम।

सियाहदिली (سیاہدلی) फा स्त्री—पापकर्म, गुनाहगारी, हृदय की कठोरता, सगदिली।

सियाहनाम. (سیاہنامہ) फा वि—बदआ'माल, पापी।

सियाहपिस्ताँ (سیاہپستاں) फा स्त्री—वह स्त्री जिसकी सतान न जीती हो।

सियाहपीर (سیاہپیر) फा पु—वह दास जो बूढा हो गया हो, पुराना खिदमती, स्वामिभक्त।

सियाहपोश (سیاہپوش) फा वि—काले कपडे पहनिने-वाला, सितावर, मृतलोकग्रस्त, मातमदार।

सियाहपोशी (سیاہپوشی) फा स्त्री—काले कपडे पहनना, किसी का शोक मनाना।

सियाहफाम (سیاہفام) फा वि—काले रग का, कृष्णाग।

सियाहफामी (سیاہفامی) फा स्त्री—काला रग होना, हब्शी होना।

सियाहबख़्त (سیاہبخت) फा वि—काले भागोवाला, बुरे भाग्यवाला, हतभाग्य।

सियाहबख़्ती (سیاہبختی) फा स्त्री—भाग्य का बुरा होना, अभागापन।

सियाहबहार (سیاہبہار) फा वि—वह हरियाली जो शीत-प्रधान देशो मे बर्फ के नीचे दबकर गर्मियो में निकलती है और बहुत हरी होती है।

सियाहबातिन (سیاہباطن) फा अ वि—काले अत-करणवाला, पापात्मा, दुराचारी, ख़बीस।

सियाहबातिनी (سیاہباطنی) फा अ स्त्री—अत:करण का काला होना।

सियाहमस्त (سیاہمست) फा वि—बहुत अधिक मस्त।

सियाहमस्ती (سیاہمستی) फा स्त्री—बहुत अधिक मस्ती।

सियाह मू (سیاہ مو) फा वि—जिसके बाल काले हो, जो अभी जवान हो।

सियाहरग (سیاہرنگ) फा वि—काले रगवाला, कृष्ण-वर्ण।

सियाहरू (سیاہرو) फा वि—पापी, दुराचारी, मसिमुख, बदकार, जिसका मुँह काला हो, कृष्णमुख।

सियाहरूई (سیاہروئی) फा स्त्री—पाप, दुराचार, बदकारी, मुँह का रग काला होना, हब्शीपन।

सियाहरोज़ (سیاہروز) फा वि—जिसके दिन ख़राब हो, जो गर्दिश का शिकार हो, कालचक्रग्रस्त।

सियाहरोज़गार (سیاہروزگار) फा वि—कालचक्रग्रस्त, मुसीबत मे गिरिफ्तार, बदकिस्मत, भाग्यहीन।

सियाहरोज़ी (سیاہروزی) फा स्त्री—बदकिस्मती, दिनो का फेर, गर्दिश, कालचक्र।

सियाहसग (سیاہسنگ) फा वि—जुरजान का एक गाँव।

सियाहसर (سیاہسر) फा वि—मगरमच्छ, घडियाल।

सियाहसाल (سیاہسال) फा वि—दुर्भिक्ष का समय, दुर्भिक्ष का वर्ष, कहतसाली का साल।

सियाहसोख़्त. (سیاہسوختہ) फा वि—बहुत अधिक जला हुआ, बिलकुल जला हुआ।

सियाही (سیاہی) फा स्त्री—कालिमा, असितता, कालौंच, अधकार, तिमिर, अँधेरा, काजल, कज्जल, कलक, दोष, बदनामी का टीका, मसि, रौशनाई।

सियाहोसफेद (سیاہوسفید) फा पु—काला और सफेद, सितासित, सपूर्ण, सब, पूरा, जैसे—सियाहोसफेद का मालिक।

सिर [र्र] (سر) अ पु—मर्म, भेद, राज, रहस्य।

सिराज (سراج) अ पु—दीप, दीपक, दिया, चिराग।

सिरात (صراط) अ स्त्री—मार्ग, पथ, रास्ता।

सिराते मुस्तक़ीम (صراط مستقیم) अ स्त्री—सरल मार्ग, सीधा रास्ता, धर्मपथ, सन्मार्ग, सच्चाई का रास्ता।

सिरिश्क (سرشک) फा पु—नेत्रजल, अश्रु, आँसू, अश्रुबिंदु, आँसू की बूँद, बिन्दु, बूँद, कत्र।

सिरिश्त' (سرشتہ) फा पु—गूँधा हुआ।

सिरिश्त (سرشت) फा स्त्री—स्वभाव, प्रकृति, ख़स्लत,

गुण, ख़वास, धर्म, ख़मीर, जिससे कोई वस्तु वनायी जाय, (प्रत्य) स्वभाववाला, जैसे—इफ्फतसिरिश्त, स्वभाव से पतिव्रता।

सिरेश (سریش) फा स्त्री –एक चिपकनेवाला पदार्थ, जो ऊँट, गाय-भैंस आदि के कच्चे चमडे से बनता और लकडी आदि जोडने के काम आता है, सरेस।

सिरेशम (سریشم) फा पु –दे 'सिरेशम माही', दे 'सिरेश'।

सिरेशम माही (سریشم ماہی) फा पु –एक विशेष मछली का बना हुआ सिरेश जो दवा के काम आता है और राजरोग अर्थात् तपेदिक की बहुत अच्छी दवा है।

सिर्कः (سرکہ) फा पु –फल, गन्ने या ताडी आदि का रस जो धूप मे रखकर खट्टा किया जाता है।

सिर्क:जबीं (سرکہ جبیں) फा वि.–दु शील, वदख़ू, चिडचिडा, तुरुशरू।

सिर्क:पेशानी (سرکہ پیشانی) फा वि –दे 'सिर्क:जबीं'।

सिर्क:फरोश (سرکہ فروش) फा वि –सिर्का वेचनेवाला, रूखी और वेमुरव्वती वाते करनेवाला।

सिर्फ़ (صرف) अ. वि –निष्केवल, परिशुद्ध, खालिस, केवल, फकत, एकाकी, अकेला, निरा, सब।

सिर्वाल (سروال) अ पु –वस्त्र, लिवास, वसन, पहनने की चीज़।

सिर्रे पिनहाँ (سر پنہاں) अ फा पु –गुप्त भेद, गूढ मर्म, ऐसा राज़ जो कहा न जा सके।

सिर्हान (سرحان) अ पु –वृक, भेडिया।

सिलः (صلہ) अ पु –प्रतिकार, वदला, प्रत्यपकार, बुराई का वदला, प्रत्युपकार, भलाई का वदला, पुरस्कार, इन्आम, उपहार, तोहफा, किसी परिश्रम का फल या वदला, धन के रूप मे हो या किसी दूसरे रूप मे।

सिल (سل) अ स्त्री –फेफडो का ज़ख़्म, रक्तकास, यह तपेदिक नही होती, परतु इसकी चिकित्सा न होने पर वन जाती है।

सिलए रहिम (صلۂ رحم) अ पु –अपने परिवारवालो से प्रेम रखना और यथाशक्ति उनकी सहायता करना।

सिलह (سلح) अ पु –शस्त्र, आयुध, हथियार।

सिलहख़ानः (سلح خانہ) अ फा पु –जहाँ हथियार रहते हो, शस्त्रागार।

सिलहदस्त (سلح دست) अ फा वि –हाथ में हथियार लिये हुए, खड्गपाणि, सशस्त्र।

सिलहदार (سلح دار) अ फा वि –हथियारवद, शस्त्रधारी, योद्धा, सिपाही, शस्त्रजीवी।

सिलहदारी (سلح داری) अ फा स्त्री –हथियारवद होना, सिपाहीपन, सिपाही का पेशा।

सिलहपोश (سلح پوش) अ फा वि –हथियारवद, शस्त्रधारी।

सिलहशोर (سلح شور) अ फा वि.–दे 'सिलहदार'।

सिलात (صلات) अ पु –सिल का वहु, सिले, वदले, पुरस्कार, वख़्शिशे।

सिलायः (صلایہ) अ पु –रगडने या घिसने का वट्टा, जिस पर कोई चीज़ घिसी या पीसी जाय, सिल।

सिलाह (سلاح) अ पु –शस्त्र, अस्त्र, आयुध, हथियार।

सिलाह (صلاح) अ पु –सधि, मुसालहत, मित्रता, दोस्ती; शान्ति, सुकून।

सिलाहदस्त (سلاح دست) अ फा वि –हथियारवद, हाथ में हथियार लिये हुए, खड्गपाणि।

सिलाहदस्ती (سلاح دستی) अ फा स्त्री –हथियारवदी, हाथ मे हथियार होना।

सिलाहशोर (سلاح شور) अ फा वि –हथियारवद, सशस्त्र, शस्त्रधारी, सैनिक।

सिलाहशोरी (سلاح شوری) अ फा स्त्री.–हथियारवदी, सशस्त्रता, सिपाहीपन, सैनिकता।

सिलाही (سلاحی) अ वि –सैनिक, सिपाही, फौजी।

सिल्क (سلک) अ उभ –तंतु, डोरा, तागा, वह डोरा जिसमे मोती पिरोये हो, तार, धातु का तार।

सिल्की (سلکی) अ वि –डोरे का, डोरे से सम्वन्वित, तार का, तार से सम्वन्वित।

सिल्के कहरुवाई (سلک کہربائی) अ उभ –विजली का तार, विजली के तार की लाइन।

सिल्के मर्वारीद (سلک مروارید) अ स्त्री –मोतियो की लडी।

सिल्तः (سلطہ) अ पु –तेज, तीव्र, लवा, दीर्घ।

सिल्म (سلم) अ स्त्री –लडको के लिखने की तख़्ती, पट्टिका, दे 'सल्म', दोनो शुद्ध है।

सिल्सिलः (سلسلہ) अ पु –शृखला, ज़जीर, पक्ति, कतार, जैसे—पहाडो का सिलसिला, कुल, वश, गोत्र, वश वृक्ष, शज्र, किसी वडे महात्मा के शिष्यो का अनुक्रम, क्रम, तर्तीव।

सिल्सिल:ज़ुंबाँ (سلسلہ جنباں) अ फा वि –किसी वातको उठानेवाला, कोई प्रसग छेडनेवाला, कोई तहरीक करने-वाला।

सिल्सिल:ज़ुंबानी (سلسلہ جنبانی) अ फा स्त्री –किसी वात को उठाना, किसी वात की तहरीक करना।

सिल्सिल:बंदी (سلسلہ بندی) अ फा स्त्री –क्रमबद्धता, बातर्तीबी, पंक्तिबद्धता, कतारबंदी।
सिल्सिल:वार (سلسلہ وار) अ. फा वि –क्रम से, क्रमश, तर्तीब से, एक-एक करके, एक के बाद एक।
सिल्सिलए कलाम (سلسلۂ کلام) अ पु –बातों का सिलसिला।
सिल्सिलए कोह (سلسلۂ کوہ) अ फा पु –पहाड़ों का सिलसिला, पर्वतमाला।
सिल्सिलए खयालात (سلسلۂ خیالات) अ पु –विचार-क्रम, खयालों का तार।
सिल्सिलए नसब (سلسلۂ نسب) अ पु–वंशानुक्रम, वंशावली, नसबनाम।
सिल्सिलए हादिसात (سلسلۂ حادثات) अ पु –एक के बाद दूसरी घटना का सिलसिला, घटनाचक्र, घटनाक्रम।
सिवा (سوا) फा अव्य –अतिरिक्त, अलावा, बिना, बग़ैर, अन्य, दूसरा, फालतू, फाज़िल।
सिवुम (سوم) फा वि –तृतीय, तीसरा, मुसलमान मरने-वाले के तीजे का फातह।
सिह (سہ) फा वि –तीन, त्रय।
सिहगून (سہ گونہ) फा वि –तीनगुना, त्रिगुण, तिगुना।
सिहगोश (سہ گوشہ) फा वि –तीन कोनोंवाला, त्रिकोण।
सिहचंद (سہ چند) फा वि.–तीनगुना, त्रिगुण।
सिहज़मानी (سہ زمانی) फा अ वि –तीनों कालों से सम्बन्ध रखनेवाला, त्रैकालिक।
सिहनिकाती (سہ نکاتی) फा अ वि –तीन उसूलोंवाला फार्मूला, त्रिसूत्री।
सिहपहलू (سہ پہلو) फा वि –तीन कोनोंवाला, त्रिकोण, त्रिपार्श्व।
सिहमंज़िल: (سہ منزلہ) फा अ वि –तीन खंडोंवाला घर, जिसमें तले-ऊपर तीन दर्जे हों।
सिहमाह: (سہ ماہہ) फा वि –तीन महीने में होनेवाला, त्रैमासिक, तीन महीने की आयु का।
सिहरंगी (سہ رنگی) फा वि –तीन रंगोंवाला, त्रैवर्णिक।
सिहशंब (سہ شنبہ) फा पु –मंगलवार, मंगल का दिन।
सिहसाल: (سہ سالہ) फा वि –तीन वर्षों में होने या पड़ने-वाला, त्रैवार्षिक, तीन वर्ष की आयु का।
सिहाम (سہام) अ पु –'सहम' का बहु, बहुत से बाण, हिस्से, अंश, भाग।
सिहाह (صحاح) अ पु –'सहीह' का बहु, स्वस्थ और नीरोग लोग, (स्त्री) हदीस का एक सुप्रसिद्ध ग्रंथ।
सिह्र (سحر) अ पु –मंत्र-तंत्र द्वारा हिंसाकर्म, अभिचार, शाबद बाज़ी, मायाकर्म, इंद्रजाल, टोना, टोटका, तिलिस्म, माया और छल से रचित स्थान, चमत्कार, अचंभे में डालनेवाली बात।
सिह्रअंगेज़ (سحر انگیز) अ फा वि –जादू का असर रखनेवाला, आश्चर्यजनक।
सिह्रअंगेज़ी (سحر انگیزی) अ फा स्त्री –जादू के असर का होना।
सिह्रआफ़्रीं (سحر آفریں) अ फा वि –जादू पैदा करने-वाला, चमत्कार दिखानेवाला।
सिह्रआफ़्रीनी (سحر آفرینی) अ फा स्त्री –जादू पैदा करना, अचंभे में डालना।
सिह्रआमेज़ (سحر آمیز) अ फा वि –जिसमें जादू मिला हो अर्थात् आश्चर्यजनक।
सिह्रआमेज़ी (سحر آمیزی) अ फा स्त्री –जादू मिला होना।
सिह्रकलाम (سحر کلام) अ वि –जिसकी बातों में जादू हो।
सिह्रकलामी (سحر کلامی) अ स्त्री –बातों में जादू का असर होना।
सिह्रकार (سحر کار) अ फा वि –जादूगर, मायावी, इंद्र-जाली, मायाकार।
सिह्रतराज़ (سحر طراز) अ फा वि –जादूगर, इंद्रजाली।
सिह्रतराज़ी (سحر طرازی) अ फा स्त्री –जादूगरी, माया-कर्म।
सिह्रफ़न (سحر فن) अ वि –जादूगर, इंद्रजालिक, तांत्रिक, मायाकार।
सिह्रबयान (سحر بیان) अ वि –दे 'सिह्रकलाम'।
सिह्रबयानी (سحر بیانی) अ स्त्री –दे 'सिह्रकलामी'।
सिह्रबाज़ (سحر باز) अ फा वि –दे 'सिह्रकार'।
सिह्रबाज़ी (سحر بازی) अ फा स्त्री –सिह्रकारी, जादू-गरी, मायाकर्म।
सिह्रबार (سحر بار) अ फा वि –जादू फैलानेवाला, चमत्कार करना।
सिह्रबारी (سحر باری) अ फा वि –स्त्री, जादू फैलाना, चमत्कार करना।
सिह्रसज (سحر سنج) अ फा वि–जादूगर, इंद्रजाली, मायाकार।
सिह्रसंजी (سحر سنجی) अ फा स्त्री –जादूगरी, माया-कर्म, इंद्रजाल।
सिह्रसाज़ (سحر ساز) अ फा वि–दे 'सिह्रकार'।
सिह्रसाज़ी (سحر سازی) अ फा स्त्री –सिह्रकारी, माया कर्म।

सिह्रे सामिरी (سحر سامری) अ पु –सामिरी का जादू जिसने धातु के बछडे मे प्राण डाल दिये थे, वहुत वडा जादू।

सिह्रे हलाल (سحر حلال) अ पु –वह जादू जिसका करना धर्म मे विहित है, कविता का जादू।

सिह्हत (صحت) अ स्त्री –स्वास्थ्य, तनदुरुस्ती, शुद्धि, दुरुस्ती।

सिह्हतअफजा (صحت افزا) अ फा वि –स्वास्थ्यवर्द्धक, तनदुरुस्ती वढानेवाला।

सिह्हतख़ानः (صحت خانہ) अ फा पु –शौचालय, सडास, पाखान।

सिह्हतनामः (صحت نامہ) अ फा पु –शुद्धिपत्र, किसी पुस्तक के साथ लगाया जानेवाला त्रुटियो की शुद्धि का पत्र।

सिह्हतवख़्श (صحت بخش) अ फा वि –स्वास्थ्यदायक, तनदुरुस्ती देनेवाला, रोगमुक्त करनेवाला।

सिह्हतमंद (صحت مند) अ फा वि –स्वस्थ, तनदुरुस्त, जिसमे कोई दोप न हो, वढिया, उत्तम।

सी

सी (سی) फा वि –तीस, तीस की सख्या, त्रिशत्।

सीकनक (سیکنک) तु वि –आहिस्त, धीरे, होले।

सीकी (سیکی) फा स्त्री –शराव जिसे इतना औटाया जाय कि वह तिहाई रह जाय।

सीख (سیخ) फा स्त्री –लोहे की सलाख, शलाका।

सीख़चः (سیخچہ) फा पु –छोटी सीख, छोटी सलाख़।

सीख़पर (سیخ پر) फा पु –चिडिया का वह वच्चा जिसके पर अभी-अभी निकले हो, मुर्गावी से छोटा एक आवी परद।

सीख़पा (سیخ پا) फा वि –पिछले पैरो पर खडा हुआ घोडा।

सीख़े जारोव (سیخ جاروب) फा स्त्री –झाड़ू की सीक।

सीग़ः (صیغہ) अ पु –शीओ का व्याह, विभाग, महकम।

सीग़ए ग़ाइव (صیغۂ غائب) अ पु –प्रथम पुरुप, जिसके विपय मे वात की जाय (व्या)।

सीग़ए मुतकल्लिम (صیغۂ متکلم) अ पु –उत्तम पुरुष, जो वात करनेवाला है (व्या)।

सीग़ए राज (صیغۂ راز) अ फा पु –गुह्य, गोपनीय, छिपाई जानेवाली वात।

सीग़ए हाज़िर (صیغۂ حاضر) अ पु –मध्यमपुरुप, जिससे समुख होकर वात की जाय (व्या)।

सीत (صیت) अ स्त्री –चर्चा, जिक्र, ख्याति, शोहरत।

सीनः (سینہ) फा पु –वक्ष स्थल, अतरस, छाती, स्तन, पयोधर, चूची।

सीनःअफ़गार (سینہ افگار) फा वि –जिसका हृदय फट गया हो, विदीर्णहृदय, भग्नहृदय।

सीनःकावी (سینہ کاوی) फा स्त्री –कडा परिश्रम, कडा प्रयास।

सीनःकोवी (سینہ کوبی) फा स्त्री –छाती पीटना, सीना कूटना, मातम करना, मातम, धम्माल।

सीनःचाक (سینہ چاک) फा वि –जिसकी छाती फट गई हो, अर्थात् जिसको कोई वहुत वडा शोक सहना पडा हो।

सीनःज़न (سینہ زن) फा वि –सीना कूटनेवाला अर्थात् मातम करनेवाला।

सीनःज़नी (سینہ زنی) फा स्त्री –छाती कूटना, अर्थात् मातम करना।

सीनःज़ोर (سینہ زور) फा वि –अत्याचारी, ज़ालिम, विद्रोही, वागी, उद्दड, सरकश।

सीनःज़ोरी (سینہ زوری) फा स्त्री –अत्याचार, विद्रोह; उद्दडता।

सीनःदरसीनः (سینہ درسینہ) फा वि –दे 'सीन वसीन'।

सीनःदरी (سینہ دری) फा. स्त्री –सीना चाक करना, शोक मे अस्त-व्यस्त होना।

सीनःपोश (سینہ پوش) फा पु –छाती ढाँकनेवाला कपड़ा, सीन वद, उरस्थान, उरश्छद।

सीनःफ़िगार (سینہ فگار) फा वि –भग्नहृदय, जिसकी छाती फट गई हो, जिसको कोई वहुत ही वडा शोक सहना पडा हो।

सीनःवंद (سینہ بند) फा. पु –अँगिया, चोली, छाती गर्म रखनेवाला एक वस्त्र, वच्चो की राल टपकने का कपडा, जो सीने पर वाँधते है।

सीनःवसीनः (سینہ بسینہ) फा वि –छाती से छाती मिलाये हुए, वह वात जो किसी वश मे एक दूसरे की वताई हुई चली आती हो।

सीनःवाज़ (سینہ باز) फा वि –खुले सीने का, चौडे सीने-वाला।

सीनःरेश (سینہ ریش) फा वि –जिसका हृदय घायल हो, प्रेमी, आशिक; शोक-सतप्त, गमज़द।

सीनःशिगाफ (سینہ شگاف) फा वि –दे 'सीन चाक'।

सीनःसाफ (سینہ صاف) फा अ वि –निश्छल, वेकपट, साफ दिल का, स्वच्छहृदय।

सीनःसिपर (سینہ سپر) फा वि –डटकर मुकावले पर आया हुआ, सीन सामने करके लडनेवाला।

सीन सियाह (سینہ سیاہ) फा वि –जिसका दिल काला हो अर्थात् जो वड़ा पापी हो, पापात्मा, कठोरहृदय, सगदिल।

सीन:सोख्तः (سینہ سوختہ) फा वि —दग्धहृदय, तप्त-हृदय, मुसीबत का मारा, आफतज़द।

सीन (سین) अ पु —अरबी का १२वाँ, फारसी का १५वाँ, उर्दू का १८वाँ और हिंदी का ३०वाँ अक्षर।

सीन (صین) अ पु —चीन, एक प्रसिद्ध देश।

सीपारः (سی پارہ) फा पु —तीस टुकडो मे बँटा हुआ, कुरान के तीस खडो में से एक।

सीना (سینا) अ पु —शाम (अरब) का एक पहाड, कोह तूर, बूअली का बाप, जिसके सम्बन्ध से वह 'बूअली सीना' कहलाता है।

सीम (سیم) फा स्त्री —रजत, चाँदी, नुक्र, धन, दौलत, परतु दूसरे अर्थ मे 'ज़र' के साथ 'सीमो ज़र' आता है।

सीमअदाम (سیم اندام) फा वि —जिसका शरीर चाँदी-जैसा धवल और उज्ज्वल हो, रजतागना, गौरवर्णा।

सीमकार (سیم کار) फा वि —अच्छी अदाओवाला (वाली)।

सीमकारी (سیم کاری) फा स्त्री —हाव-भाव, नाज़ो अदाज़।

सीमकुश (سیم کش) फा वि —फुजूलखर्च, अपव्ययी।

सीमकुशी (سیم کشی) फा स्त्री —फुजूलखर्ची, अपव्यय।

सीमगिल (سیم گل) फा स्त्री —पोतने की मिट्टी, पडोल, गोरा चट्टा, सफेद चमडे का।

सीमज़क़न (سیم ذقن) फा वि —जिसकी ठोडी पर वाल न हो और वह साफ हो, नौखेज लडका, अम्रद।

सीमतन (سیم تن) फा वि —चाँदी-जैसे सफेद शरीरवाला, गौरवर्ण, रजताग (पु), गौरवर्णा, रजतागना (स्त्री)।

सीमबर (سیم بر) फा वि —चाँदी-जैसी गोरी और सख्त वक्ष स्थलवाली नायिका।

सीमसाक़ (سیم ساق) फा वि —जिसकी पिंडलियाँ चाँदी-जैसी गोरी और सख्त हो।

सीमसुरी (سیم سرین) फा वि —सुन्दर नितम्बवाली नायिका, नितविनी।

सीमा (سیما) फा स्त्री —ललाट, भाल, माथा, पेशानी, ऐसा चिह्न जिससे किसी चीज़ की पहचान हो सके।

सीमाब (سیماب) फा पु —पारद, पारा, एक धातु।

सीमाबगूँ (سیماب گوں) फा वि —पारे के रगवाला, पारे जैसा सफेद।

सीमाब दरगोश (سیماب درگوش) फा वि —बधिर, बहिरा, जो ऊँचा सुने।

सीमाबदिल (سیماب دل) फा वि —अधीर, आतुर, उतावला, वेसब्रा।

सीमाबवार (سیماب وار) फा वि —पारे की तरह व्याकुल या चचल, अस्थिर।

सीमाबसिफत (سیماب صفت) फा अ वि —पारे-जैसा चचल, व्याकुल, जिसे एक जगह करार न हो।

सीमाबियत (سیمابیت) फा स्त्री —पारा-जैसा चचल या व्याकुल होना, अस्थिरता।

सीमाबी (سیمابی) फा वि —पारे का, पारे का बना हुआ, पारे से सबधित।

सीमाबे कुश्त (سیماب کشتہ) फा पु —मरा हुआ पारा, पारे का कुश्त, पारद-भस्म।

सीमिया (سیمیا) अ स्त्री —वह विद्या जिससे मनुष्य अपना शरीर छोडकर दूसरे के शरीर मे दाखिल हो जाता है, पर-काय-प्रवेश-विद्या, ऐसी वस्तुओ को देखना जो वास्तविक मे न हो।

सीमीं (سیمیں) फा वि —चाँदी का, चादी का बना हुआ, चाँदी-जैसा।

सीमींअदाम (سیمیں اندام) फा वि —रजताग, चाँदी-जैसे उज्ज्वल शरीरवाला (पु), रजतागना (स्त्री)।

सीमींआरिज़ (سیمیں عارض) फा अ वि —दे 'सीमीइज़ार'।

सीमींइज़ार (سیمیں عذار) फा अ वि —चाँदी-जैसे सफेद और दीप्त गालोवाला, रजतकपोल (पु), रजतकपोला (स्त्री)।

सीमींज़क़न (سیمیں ذقن) फा अ वि —जिनकी ठोडी पर वाल न आये हो, सुन्दर लडका।

सीमींतन (سیمیں تن) फा वि —चाँदी-जैसे धवल और उज्ज्वल अगोवाला (वाली)।

सीमींबदन (سیمیں بدن) फा वि —दे 'सीमीतन'।

सीमींरुख (سیمیں رخ) फा वि —दे 'सीमीइज़ार'।

सीमींसाक (سیمیں ساق) फा वि —उज्ज्वल और कठोर पिंडलियोवाली नायिका।

सीमुर्ग़ (سیمرغ) फा पु —एक बहुत वडा पक्षी, जो काफ पहाड में रहनेवाला माना गया है।

सीमे ख़ाम (سیم خام) फा स्त्री —ख़ालिस और बेमेल चाँदी।

सीमे ख़ालिस (سیم خالص) फा अ स्त्री —खरी और निर्मल चाँदी।

सीमे नाब (سیم ناب) फा स्त्री —दे 'सीमे ख़ालिस'।

सीमे सोख्त. (سیم سوختہ) फा स्त्री —ख़ालिस चाँदी, खरी चाँदी, लाजवर्द, एक रत्न, राजावर्त।

सीमे हलाल (سیم حلال) फा अ स्त्री —ख़ालिस चाँदी।

सीमो ज़र (سیم و زر) फा पु —सोना और चादी अर्थात् धन-दौलत, माल, दौलत।

सीर (سیر) फा पु —लहसुन, लशुन।

सीरत (سیرت) अ स्त्री –स्वभाव, प्रकृति, आदत, जीवन-चरित, सवानेहउम्री, अख़्लाक, सौजन्य।

सीरतन (سیرتاً) अ. वि.–स्वाभावत, आदत मे, स्वभाव से।

सीरते ख़ूब (سیرتِ خوب) अ फा स्त्री –अच्छा स्वभाव, अच्छी आदतें।

सीरते पाक (سیرتِ پاک) अ फा स्त्री –पवित्र स्वभाव, पवित्र जीवनचरित्र।

सीली (سیلی) फा स्त्री –चारो उँगलियो को खडा करके किसी की गर्दन पर मारना, पहले यह एक सजा भी थी।

सीस्तान (سیستان) फा पु –दक्षिणी ईरान का एक प्रसिद्ध प्रदेश।

सु

सुंदरूस (سندروس) फा पु –राजन, एक प्रसिद्ध गोंद, दे सदरूस।

सुंदुस (سندس) अ पु –एक वहुत ही महीन और वहु-मूल्य रेशमी कपडा।

सुदूक (صندوق)अ पु –शुद्ध उच्चारण यही है, परतु उर्दू मे 'सदूक' कहते हैं, दे 'सदूक'।

सुंवः (سنبہ) फा पु –लोहे मे छेद करने का लोहे का छोटा-सा औजार, लकडी मे सूराख करने का औजार, वरमा।

सुवुक (سنبک) फा स्त्री –छोटी नाव जो वडी नाव के साथ रहती है।

सुंवुलः (سنبلہ) अ पु –गेहूँ की वाल, कन्याराशि, वुर्जे सवुल।

सुंवुल (سنبل) अ स्त्री –गेहूँ या जौ की वाल, एक सुगधित वनौषधि, वालछड, अलक, जुल्फ।

सुंवुलुत्तीव (سنبل الطیب) अ स्त्री –वालछड, जटा-माँसी।

सुआद (سعاد) अ स्त्री –अरव की एक सुन्दरी।

सुआल (سعال) अ स्त्री –खाँसी, कास।

सुआल (سوال) अ पु –प्रश्न, सवाल, इसका शुद्ध उच्चारण यही है, परन्तु उर्दू मे 'सवाल' ही है।

सुऊद (صعود) अ पु –ऊपर जाना, ऊपर उठना, ऊपर आना।

सुऊद (سعود) अ पु –'सा'द' का वहु, शुभ ग्रह, जैसे—वृहस्पति, शुक्र और चद्र।

सुऊवत (صعوبت) अ स्त्री –कठिनता, कष्ट, दुशवारी; व्यथा, पीडा, तकलीफ।

सुक [क्क] (سک) अ पु –एक सुगधित पदार्थ जो कई सुगधित पदार्थों से मिलकर वनता है।

सुकारा (سکاری) अ पु –'सकरान' का वहु, मतवाले, नशे में चूर लोग, मस्त लोग।

सुकुव (ثقب) अ. पु –'सुक्व' का वहु., सूराख़ (वहुत से), छिद्र-समूह।

सुकुर्रः (سکرہ) अ पु.–मिट्टी का छोटा प्याला, कुल्हड।

सुक़ूत (سقوط) अ. पु –गिरना, पात, पतन।

सुकूत (سکوت) अ पु –मौन, चुप्पी, ख़ामोशी, सन्नाटा— "मेरे सुकूते यास पे इतना न हो मलूल। मुझको ख़ुदा न ख़्वास्ता तुझसे गिला नही।" (फिराक)

सुकूते कामिल (سکوت کامل) अ पु –पूरा सन्नाटा, विलकुल ख़ामोशी।

सुकूते महज़ (سکوت محض) अ पु –पूरा सन्नाटा।

सुकून (سکون) अ पु –सन्नाटा, ख़ामोशी, शान्ति, अम्न, वीमारी मे कमी, ठहराव, करार, विराम, आराम, इत्मीनान, सतोप, इत्मीनान, धैर्य, सब्र, जी ठडा होना, अक्षर का हल् होना।

सुकूनत (سکونت) अ स्त्री –निवास, कियाम, वसाव।

सुकूनतपिज़ीर (سکونت پذیر) अ फा वि –निवासी, वाशिंद।

सुकूनती (سکونتی) अ वि –रहने का, रहने योग्य, जैसे—सुकूनती मकान।

सुकूने अवदी (سکون ابدی) अ पु –मौत, मरण, हमेशा के लिए सुकून और शान्ति।

सुकूने आरिज़ी (سکون عارضی) अ पु.–थोडे दिनो का इत्मीनान, अस्थायी सतोप।

सुकूने कामिल (سکون کامل) अ पु –पूरी ख़ामोशी, पूरा सतोप, मौत की ख़ामोशी।

सुकूने दाइमी (سکون دائمی) अ पु –दे 'सुकूने अवदी'।

सुकूने मुत्लक़ (سکون مطلق) अ पु –दे 'सुकूने कामिल'।

सुकैनः (سکینہ) अ स्त्री –हज़्रत सकीन का शुभ नाम, जो हज़्रत इमामहुसैन की सुपुत्री थी।

सुक्कर (سکر) अ स्त्री –चीनी, शकर, शर्करा।

सुक्कान (سکان) अ पु –साकिन का वहु, रहनेवाले, निवासी।

सुक्काने समावात (سکان سماوات) अ पु –आस्मान के रहनेवाले, फिरिश्ते।

सुक्तः (سقطہ) अ पु –किसी चीज़ का गिरा हुआ टुकडा, वादल का टुकडा।

सुक्ना (سکنی) अ स्त्री –निवास, वसना, निवासी, वसनेवाला।

सुक्वः (ثقبہ) अ पु –छिद्र, विवर, छेद, सूराख।

सुक्ब (ثقب) अ पु—'सुक्व' का बहु, छिद्र-समूह, छेद, दे 'सुकुब', दोनो शुद्ध हैं।

सुक्बए इनबीय. (ثقبۂ عنبیہ) अ पु—आँख का एक पर्दा, एक चक्षुपटल।

सुक्म (سقم) अ पु—रोग, बीमारी।

सुक्मूनिया (سقمونیا) अ स्त्री—एक विरेचक गोंद जो बहुत अच्छी दवा है।

सुक्र (سکر) अ पु—मद, अभिमान, मादकता, नशा।

सुख़न (سخن) फा पु—वार्ता, बात, कथन, शब्द, ध्वनि, वार्तालाप, बातचीत, सविदा, वादा, क़ौल, कविता, काव्य, शेर, शाइरी, प्रवचन, मकूल, दे 'सखुन', दोनो शुद्ध हैं।

सुख़नआफ़्रीं (سخن آفریں) फा वि—कवि, शाइर।

सुख़नआफ़्रीनी (سخن آفرینی) फा स्त्री—कविता, काव्य-रचना, शाइरी।

सुख़नआरा (سخن آرا) फा वि—कवि, शाइर।

सुख़नआराई (سخن آرائی) फा स्त्री—काव्य-रचना, शाइरी।

सुख़नगुस्तर (سخن گستر) फा वि—कवि, शाइर, काव्य-मर्मज्ञ, शे'रशनास।

सुख़नगुस्तरी (سخن گستری) फा स्त्री—कविता कहना, कविता का गुण-दोष समझना।

सुख़नगो (سخن گو) फा वि—कवि, शाइर।

सुख़नगोई (سخن گوئی) फा स्त्री—कविता, शाइरी।

सुख़नगोया (سخن گویا) फा वि—सुखनगो, शाइर, कवि।

सुख़नचीं (سخن چیں) फा वि—छिद्रान्वेषी, ऐबची, पिशुन, चुगुलख़ोर, निन्दक, लुतरा।

सुख़नचीनी (سخن چینی) फा स्त्री—ऐब ढूंढना, पिशुनता, लुतरापन।

सुख़नतकियः (سخن تکیہ) फा अ पु—वह शब्द या वाक्य जो किसी की ज़बान पर चढ जाय और बातो मे उसका प्रयोग बार-बार करे, चाहे उसकी आवश्यकता हो या न हो।

सुख़न तराज़ (سخن طراز) फा वि—कवि, शाइर।

सुख़नतराज़ी (سخن طرازی) फा स्त्री—कविता, शाइरी।

सुख़नदाँ (سخن داں) फा वि—शाइर, कवि, सुखनफह्म, काव्य-मर्मज्ञ।

सुख़नदानी (سخن دانی) फा स्त्री—शाइरी, काव्य-रचना, कविता की परख।

सुख़ननवाज़ (سخن نواز) फा वि—कवियो और शाइरो की क़द्र करनेवाला, काव्यप्रेमी।

सुख़ननवाज़ी (سخن نوازی) फा स्त्री—कविता की क़द्र, कवियो का आदर।

सुख़नपरदाज़ (سخن پرداز) फा वि—कवि, शाइर।

सुख़नपरदाज़ी (سخن پردازی) फा स्त्री—कविता, शाइरी।

सुख़नपर्वर (سخن پرور) फा वि—कवि, शाइर, अपनी बात की पच करनेवाला, गलत या सही जो कह दिया उस पर अडा रहनेवाला, हठधर्म, हठी।

सुख़नपर्वरी (سخن پروری) फा स्त्री—कविता, बात की पच, हठधर्मी।

सुख़नफ़रामोश (سخن فراموش) फा वि—बात कहकर भूल जानेवाला, वादा याद न रखनेवाला।

सुख़नफ़रामोशी (سخن فراموشی) फा स्त्री—बात भूल जाना, वादा याद न रखना।

सुख़नफ़ह्म (سخن فہم) फा अ वि—कविता का गुणदोष समझनेवाला, सहृदय, काव्य-मर्मज्ञ, बात की तह को पहुँच जानेवाला।

सुख़नफ़ह्मी (سخن فہمی) फा अ स्त्री—कविता का गुण-दोष समझना, काव्य-मर्मज्ञता, जल्द बात की तह को पहुँचना।

सुख़नबाफ़ (سخن باف) फा वि—बातूनी, वाचाल, मुखर।

सुख़नबाफ़ी (سخن بافی) फा स्त्री—वाचालता, मुखरता, बातूनीपन।

सुख़नरस (سخن رس) फा वि—दे 'सुखनफह्म'।

सुख़नरसी (سخن رسی) फा स्त्री—दे 'सुख़नफ़ह्मी'।

सुख़नवर (سخن ور) फा वि—कवि, शाइर।

सुख़नवरी (سخن وری) फा स्त्री—कविता, शाइरी।

सुख़नशनास (سخن شناس) फा वि—दे 'सुखनफह्म'।

सुख़नशनासी (سخن شناسی) फा स्त्री—दे 'सुखनफह्मी'।

सुख़नशनौ (سخن شنو) फा वि—बात सुननेवाला, बात समझनेवाला, बात की क़द्र करनेवाला।

सुख़नसंज (سخن سنج) फा वि—दे 'सुखनफह्म', दे 'सुखनवर'।

सुख़नसंजी (سخن سنجی) फा स्त्री—काव्य-मर्मज्ञ, कवि।

सुख़नसरा (سخن سرا) फा वि—कवि, शाइर, तरन्नुम से शे'र पढनेवाला।

सुख़नसराई (سخن سرائی) फा स्त्री—कविता, शाइरी, तरन्नुम से शे'र पढना।

सुख़नसाज़ (سخن ساز) फा वि—कवि, शाइर, बातो का चालाक, छली, मक्कार।

सुख़नसाज़ी (سخن سازی) फा स्त्री—कविता, शाइरी, बातो की चालाकी, ज़मान साज़ी, छल, फरेब।

सुख़ने गर्म (سخن گرم) फा पु –तेज़ वात—गुस्से की वात, गुस्सा दिलानेवाली वात ।
सुख़ने तल्ख़ (سخن تلخ) फा पु –कडवी वात, सच्ची और खरी वात, वदजवानी, मुख-चपलता ।
सुख़ुन (سخن) फा पु –दे 'सुख़न', शुद्ध यह भी है, परतु 'सुख़न' वहुत अधिक शुद्ध है।
सुख़ूनत (سخونت) अ स्त्री –गर्म होना, उष्ण होना, उष्णता, उष्णिमा, गर्मी ।
सुख़्तः (سختہ) फा वि –तोला हुआ, तुलित ।
सुख़्त (سخط) अ पु –कोप, क्रोध, गुस्स, दे 'सख़्त', दोनो शुद्ध है।
सुख़्तनी (سختنی) फा वि –तोलने के योग्य, जिसे तोला जा सके।
सुख़्रः (سخرہ) फा स्त्री –वेगार, विना मजदूरी का काम, विष्टि ।
सुख़रः (سخرہ) अ पु –मनोविनोद, मनोरजन, खुशतवई जिस पर लोग हँसे, हास्यास्पद, उपहसित, मस्ख़र, विदूपक ।
सुख़्रत (سخرت) अ स्त्री –परिहास, उपहास, हँसी उडाना, मनोरजन, तफ़ीह ।
सुख़्री (سخری) अ वि –पश्चात्ताप, अफसोस ।
सुख़्रीयः (سخریہ) अ पु –मनोविनोद, तफ़ीह, ठठोल, फक्कडपन, मस्खर पन, विदूपकता ।
सुगाच. (سگاچہ) फा पु –कावूस रोग, जिसमे स्वप्न मे ऐसा जान पडता है कि कोई काला देव गला दवा रहा है।
सुग़्द (سغد) फा स्त्री –नीची ज़मीन जहाँ वरसात का पानी इकट्ठा होता है, समरकद के पास एक नगर।
सुग़्दी (سغدی) फा स्त्री –ईरान की सात भाषाओ मे से एक ।
सुग़्रा (صغریٰ) अ स्त्री –छोटी स्त्री, हर छोटी चीज जो स्त्रीलिंग हो।
सुग़्राक (سغراق) तु पु –वडा प्याला, वादिय ।
सुजूद (سجود) अ पु –प्रणाम करना, सर झुकाना, ईश्वर के आगे सर झुकाना, नमाज़ मे सज्द करना।
सुतुर्ग (سترگ) फा वि –ज्येष्ठ, वडा, श्रेष्ठ, अज़ीम ।
सुतुर्दः (سترده) फा वि –मूँडा हुआ, मुडित ।
सुतुर्लाव (سطرلاب) फा पु –ग्रहो और तारो आदि के नापने का यत्र ।
सुतूअ (سطوع) अ पु –वलद होना, ऊँचा होना ।
सुतूदः (ستوده) फा वि –प्रगसित, सराहा हुआ, जिसकी तारीफ की गयी हो।
सुतूदःकार (ستوده‌کار) फा वि –जिसके काम काविले तारीफ हो।
सुतूद.सिफात (ستوده‌صفات) फा. अ वि –अच्छे गुणोवाला, अच्छे आचार-व्यवहारवाला ।
सुतूदाँ (ستودان) फा पु –आतशपरस्तो अर्थात् पारसियो का समाधिस्थान या कब्रिस्तान ।
सुतून (ستون) फा पु –स्थूण, खभा, मीनार, लाट, स्तभ।
सुतूने जराइद (ستون جرائد) फा अ पु –अख़्वार का कालम, स्तभ ।
सुतूर (سطور) अ स्त्री –'सत्र' का वहु, सत्रे, लकीरे, पक्तियाँ ।
सुतूरे जैल (سطور ذیل) अ स्त्री –लेख के नीचे की पक्तियाँ।
सुतूरे वाला (سطور بالا) अ फा स्त्री –लेख के ऊपर की पक्तियाँ ।
सुतूह (سطوح) अ स्त्री –'सत्ह' का वहु, सत्हे।
सुतोर (ستور) फा पु –गो, वृप, वैल, उष्ट्र, क्रमेल, ऊँट, अश्व, वाजि, घोडा ।
सुतोह (ستوه) फा वि –तग आया हुआ, आजिज़, दु खित, पीडित, रजीद, नि सवध, वेलगाव, वाज़ ।
सुदद (سدد) अ पु –'सुद्द' का वहु, सुद्दे, ग्रथियाँ, गाँठे, मल या मवाद की गाँठे ।
सुदाअ (سداع) अ पु –सरदर्द, शिर-पीडा ।
सुदाद (سداد) अ पु –एक रोग है जिसमें नाक और सीने के रास्ते वद हो जाते हैं।
सुदाव (سداب) फा स्त्री –एक क्षुप जिसकी पत्ती औषधि मे काम आती है, तितली ।
सुदुस (سدس) अ वि –छठा पष्ठ, छठा ।
सुदूर (صدور) अ पु –जारी होना, निकलना ।
सुद्ग़ः (صدغہ) अ पु –कनपटी ।
सुद्ग़ (صدغ) अ पु –कनपटी ।
सुद्ग़तैन (صدغتین) अ. पु –दोनो कनपटियाँ ।
सुद्दः (سده) अ पु –मवाद की गाँठ जो आँतो या रगो मे पड जाती है ।
सुद्स (سدس) अ वि –छठा षष्ठ ।
सुनन (سنن) अ स्त्री –'सुन्नत' का वहु, सुन्नते ।
सुनाई (ثنائی) अ वि –दो अक्षरवाला शब्द, आगे के दो दाँत, ऊपर के हो या नीचे के ।
सुनान (صنان) अ स्त्री –वगल की दुर्गंध, एक रोग जिसमे वगल से वू आती है।
सुनुअ (صنع) अ स्त्री –वनाना, पैदा करना, कारीगरी, शिल्प ।

सुनए परवर्दगार (صنع پروردگار) अ फा स्त्री –ईश्वर की कारीगरी।

सुन्कुर (سنقر) तु पु –एक शिकारी पक्षी जो बाज़ की किस्म का होता है, और भारत मे गर्मी के कारण ज़िंद नही रहता।

सुन (سنه) अ पु –दे 'सुन्नत'।

सुन्नत (سنت) अ स्त्री –नियम, काइद, पद्धति, तरीक, मार्ग, रास्ता, प्रकृति, फ़ित्रत, स्वभाव, आदत, वह काम जो पैग़बर साहिब ने किया हो, खत्न, मुसलमानी।

सुन्नते आबा (سنت آبا) अ स्त्री –बापदादा का दस्तूर, खानदान का रवाज।

सुन्नते पैग़म्बरी (سنت پیغمبری) अ फा स्त्री –पैंगबर साहिब का किया हुआ अमल, जिसके करने से सवाब मिलता है।

सुन्नते रसूल (سنت رسول) अ स्त्री –दे 'सुन्नते पैग़बरी'।

सुन्नी (سنی) अ पु –सुन्नत का अनुयायी, सुन्नी मुसलमान, मुसलमानो का एक समुदाय।

सुपार (سپار) फा प्रत्य –सौंपनेवाला, जैसे—'जाँसुपार' जान सौंपनेवाला।

सुपारिश (سپارش) फा स्त्री –दे 'सिफारिश'।

सुपुर्ज़ (سپرز) फा स्त्री –प्लीहा, तिल्ली, एक विशेष अवयव।

सुपुर्द (سپردہ) फा वि –सौंपा हुआ, दिया हुआ।

सुपुर्द (سپرد) फा वि –सौंपा हुआ, दिया हुआ।

सुपुर्दगी (سپردگی) फा स्त्री –सुपुर्द करना, किसी को देना।

सुपुर्दार (سپردار) फा पु –वह व्यक्ति जिसके सुपुर्द किसी कुर्की का माल हो।

सुपुश (سپش) फा स्त्री –जूँ, वह कीडा जो वालो मे पड जाता है, स्वेदज लोम-यूक।

सुफरा (سفرا) अ पु –'सफीर' का बहु, दूत लोग, देशो के सफीर।

सुफहा (سفہا) अ पु –'सफीह' का बहु, अधम लोग, कमीने।

सुफ़ारिश (سفارش) फा स्त्री –शुद्ध उच्चारण यही है, परतु उर्दू मे सिफारिश ही बोलते हैं, इसलिए उर्दू मे सिफारिश ही शुद्ध है, दे अर्थ के लिए 'सिफारिश'।

सुफाल (سفال) फा पु –मिट्टी का बरतन, ठीकरा, दे 'सिफाल' वह भी शुद्ध है।

सुफालीं (سفالیں) फा वि –मिट्टी का बना हुआ, मृण्मय।

सुफुन (سفن) अ पु –'सफीन' का बहु, नौकाएँ, नावे, कश्तियाँ।

सुफ़ूल (سفول) अ पु –निचाई, निम्नता, पस्ती, नीचे उतरना, नीचे आना।

सुफ्तः (سفتہ) फा वि –छेद किया हुआ, एक बाण, पिरोया हुआ।

सुफ्त.गोश (سفتہگوش) फा वि –जिसके कान छिदे हो, दास, गुलाम, आज्ञापालक, मुतीअ'।

सुफ्त (سفت) फा पु –छेद, विवर, छिद्र, सूराख़।

सुफ्तजः (سفتجہ) फा स्त्री –हुडी, चेक, धनादेश।

सुफ्तनी (سفتنی) फा वि –पिरोने योग्य, छेद करने योग्य।

सुफ्तीदः (سفتیدہ) फा वि –पिरोया हुआ, विधा हुआ।

सुफ्फ़ (صفہ) अ पु –पटाव का मकान, साय दार जगह, छज्जा, साइबान।

सुफ़्यान (سفیان) अ पु –पाक, साफ, परहेजगीर।

सुफ्रः (سفرہ) फा पु –गुदा, मलद्वार, मक्अद।

सुफ्र (سفرہ) अ पु –वह कपडा जिस पर खाना खाते है, दस्तख्वान, तोशदान, टिफिन कैरियर, चूँकि सुफ्र का अर्थ फारसी मे मलद्वार है, इसलिए अरबी के शब्द सुफ्र को 'सफ्र' पढने लगे है, दे सफ्र।

सुफ्र.चीं (سفرہچیں) फा वि –दस्तरख्वान का जूठा खानेवाला, अर्थात् दास, गुलाम।

सुफ्रची (سفرچی) फा पु –खानसामा बैरा, खाना खिलानेवाला।

सुफ्रत (صفرت) अ स्त्री –पीलापन, पीतिमा, जर्दी, पीलाहट।

सुफ्ल (سفل) अ पु –निचाई, निम्नता, पस्ती, दे 'सिफल', वह भी शुद्ध है।

सुफ्ला (سفلی) अ स्त्री –'अस्फल' का स्त्री.–बहुत नीची, निकृष्टा, अधमा।

सुफ्ली (سفلی) अ वि –नीचे का, नीचेवाला, नीचे से सबधित, दे 'सिफली'।

सुबाई (سباعی) अ स्त्री –एक नज्म जिसमे सात मिस्रे होते है, सप्त ग्रहो का समूह, सातो आकाश।

सुबात (سبات) अ पु –समय, काल, स्वप्न, ख्वाब, नीद, एक रोग जिसमे रोगी बहुत सोता है।

सुबुकतिगीं (سبکتگیں) तु पु –सुल्तान महमूद के बाप का नाम, दे 'सबुकतिगी', वह भी शुद्ध है।

सुबू (سبو) फा पु –पानी आदि का घडा, घट, मटका, कुभ।

सुबूच (سبوچہ) फा पु –छोटा घडा, ठिलिया, गगर, मटकी।

सुबूत (ثبوت) अ पु –प्रमाण, तर्क, दलील, उदाहरण, मिसाल।

सुबूदान (سبودان) फा पु.–घडा रखने की टिकटी।

सुबूह (صبوح) अ स्त्री –प्रात काल, तडका, सवेरे की शराब पीना।

सुबूह (سبوح) अ वि –अत्यन्त पवित्र, बहुत पाक, ईश्वर का एक नाम।

सूब्ह. (سبحه) अ पु –जपमाला, सुमरन, तस्वीह।

सुबुह:ख़्वाँ (سبحه‌خوان) अ फा वि –तस्वीह पढनेवाला, जप करनेवाला, जापक।

सुबुह:ख़्वानी (سبحه‌خوانی) अ फा स्त्री.–दे 'सुबूह.-गर्दानी'।

सुबुह:गर्दानी (سبحه‌گردانی) अ फा स्त्री –तस्वीह फेरना, तस्वीह पढना, माला फेरना, जप करना।

सुबूहरानी (سبحه‌رانی) अ फा स्त्री.–दे 'सुबूह गर्दानी'।

सुब्ह (صبح) अ स्त्री –प्रात काल, प्रभात, प्रात, भोर, तडका।

सुब्हखंद (صبح‌خند) अ. फा पु –ऐसी मुस्कुराहट जिसमे दाँत दिखाई दे जायँ, दे 'सहरखद' न० २।

सुब्हख़ेज़ (صبح‌خیز) अ फा वि –जिसे तडके उठने की आदत हो।

सुब्हगाह (صبحگاه) फा पु –प्रात काल, तडके, गजरदम, गोविसर्ग, वासर सग।

सुब्हगाही (صبحگاهی) फा स्त्री –प्रात काल का, सवेरे का (की), प्रात काल, तडका, सवेरा।

सुब्हदम (صبحدم) अ फा पु –वहुत तडके, गजरदम।

सुब्हे अज़ल (صبح ازل) अ स्त्री –जव सृष्टि की रचना हुई वह समय।

सुब्हे अलस्त (صبح الست) अ स्त्री –सृष्टि-रचना, काल।

सुब्हे आखिर (صبح آخر) अ स्त्री –दे 'सुब्हे सादिक'।

सुब्हे उम्मीद (صبح امید) अ फा स्त्री –आशारूपी प्रभात।

सुब्हे काज़िब (صبح کاذب) अ स्त्री –झूठा सवेरा, वह रौशनी जिसके बाद फिर अँधेरा हो जाता है।

सुब्हे कियामत (صبح قیامت) अ स्त्री –कियामत के दिन का सवेरा, वह सवेरा जिस दिन कियामत होगी और सव लोग जी उठेंगे और अपना हिसाव देने के लिए एक वडे मैदान मे एकत्र होंगे।

सुब्हे जज़ा (صبح جزا) अ स्त्री –उस दिन का सवेरा जिस रोज कियामत मे पाप-पुण्य का हिसाव-किताव होगा।

सुब्हे दुवुम (صبح دوم) अ फा स्त्री –दे 'सुवहे सादिक'।

सुब्हे नुख़ुस्तीं (صبح نخستین) अ फा स्त्री –दे 'सुब्हे अज़ल'।

सुब्हे वहार (صبح بہار) अ फा स्त्री –वसत ऋतु की शुरूआत, पुष्प-समय का प्रारभ।

सुब्हे मह्शर (صبح محشر) अ स्त्री –दे 'सुब्हे कियामत'।

सुब्हे रुस्तख़ेज़ (صبح رستخیز) अ फा स्त्री –दे 'सुवहे कियामत'।

सुब्हे सादिक (صبح صادق) अ स्त्री –सच्चा सवेरा, जो सचमुच सवेरा हो, प्रात, प्रभात, तडका।

सुब्हे सानी (صبح ثانی) अ स्त्री –दे 'सुब्हे सादिक'।

सुब्हे हश्र (صبح حشر) अ स्त्री –दे 'सुवहे कियामत'।

सुब्होमसा (صبح و مسا) अ स्त्री –रातदिन, अहर्निश, हर समय।

सुब्होशाम (صبح و شام) अ फा स्त्री –रातदिन, हर समय।

सुम (سم) फा पु –चौपाए का खुर, घोडे की टाप।

सुमअफ़्गंद: (سم‌افگنده) फा वि –चलने मे असमर्थ, लँगडा, पगु।

सुमुन (ثمن) अ वि –आठवाँ अश।

सुमुव [व्व] (سمو) अ पु –ऊँचाई, वलदी, उच्चता, उत्तुगता।

सुमूत (صموت) अ पु –चुप रहना, खामोश रहना, मौन, खामोशी।

सुम्अ: (سمعه) अ पु –दे 'सुम्अत'।

सुम्अत (سمعت) अ स्त्री –अपनी अच्छी बाते दूसरो को सुनवाना ताकि लोग अच्छा समझे, रियाकारी, पाखड, आडबर।

सुम्च: (سمچه) फा पु –ज़मीन के अदर की गुफा, तहखाना, तलगृह।

सुम्न: (سمنه) फा पु –एक मेवा, चिरौंजी।

सुम्न (ثمن) अ वि –आठवाँ अश, ⅛, दे 'सुमन'।

सुम्म: (ثم) अ वि.–फिर, पुन।

सुम्माक (سماق) अ पु –एक खट्टा फल जो दवा में काम आता है।

सुयूफ (سیوف) अ पु –'सैफ' का वहु, तलवारे।

सुराक: (سراقه) अ पु –चोरी का माल, कुरैश वश (अरव) का एक प्रतिष्ठित व्यक्ति।

सुराग (سراغ) तु पु –पाँव का चिह्न, खोज, पता, निशान, ठिकाना, अनुसधान, जिज्ञासा, तलाश।

सुरागरसाँ (سراغ‌رساں) तु फा वि –खोज लगानेवाला, खोजी, गुप्तचर, जासूस।

सुराग़रसानी (سراغرسانی) तु फा स्त्री—खोज लगाना, तलाश करना, गुप्तचर्या, जासूसी।

सुराग़रसी (سراغرسی) तु फा स्त्री—दे 'सुराग़रसानी'।

सुरादिक़ (سرادق) अ पु—बड़ा तबू, बड़ा ख़ेमा, शामियाना, वितान।

सुरादिक़ात (سرادقات) अ पु—'सुरादिक़' का बहु, बड़े-बड़े ख़ेमे, शामियाने।

सुराह (صراح) अ वि—सार, तत्त्व, ख़ुलासा; निष्कर्ष, निचोड़, एक अरबी शब्दकोष।

सुराही (صراحی) अ स्त्री—पानी रखने का एक विशेष प्रकार का मिट्टी का पात्र, जल की कुंभी।

सुराहीदार (صراحی دار) अ फा वि—दे 'सुराहीनुमा'।

सुराहीनुमा (صراحی نما) अ फा वि—सुराही के आकार का, सुराही जैसा।

सुरीं (سریں) फा स्त्री—'सुरीन' का लघु, दे. 'सुरीन'।

सुरीन (سرین) फा स्त्री—नितंब, चूतड़।

सुरुब (سرب) अ पु—एक धातु, सीस, सीसक।

सुरूँ (سروں) फा स्त्री—दे 'सुरून'।

सुरूद (سرود) फा पु—गाना, नग़्मा, राग, गीत, एक बाजा।

सुरून (سرون) फा स्त्री—नितंब, उपस्थ, सुरीन।

सुरूर (سرور) अ पु—हर्ष, ख़ुशी, आनंद, लज़्ज़त, हलका नशा।

सुरूरअंगेज़ (سرورانگیز) अ फा वि—नशा पैदा करनेवाला, मादक, हर्ष देनेवाला, आनंदवर्द्धक।

सुरूरअफ़्ज़ा (سرورافزا) अ फा वि—आनंद बढ़ानेवाला, हर्षवर्धक।

सुरूरख़ेज़ (سرورخیز) दे 'सुरूरअफ़्ज़ा'।

सुरूरपर्वर (سرورپرور) अ फा वि—दे 'सुरूरअफ़्ज़ा'।

सुरूरफ़िज़ा (سرورفزا) अ फा वि—दे 'सुरूरअफ़्ज़ा'।

सुरूरेइबादत (سرورعبادت) अ पु—ईश्वर की आराधना का आनंद, भजनानंद।

सुरूरे क़ल्ब (سرور قلب) अ पु—हृदय का आनंद, चित्त-प्रसाद।

सुरूरे दाइमी (سرور دائمی) अ पु—हमेशा रहनेवाला आनंद।

सुरैया (ثریا) अ स्त्री—तीसरा नक्षत्र, कृत्तिका, कान में पहनने का झुमका, रौशनी का झाड़।

सुरैयाबाम (ثریا بام) अ वि—जिसकी अटारी सुरैया जितनी ऊँची हो, जहाँ किसी की पहुँच न हो सके।

सुरोद (سرود) फा पु—गाना, गान, गीत।

सुरोदसंज (سرودسنج) फा वि—गायक, गानेवाला, गाने के फ़न का उस्ताद।

सुरोदी (سرودی) फा वि—गायक, गवैया।

सुरोदे मस्ताँ (سرود مستاں) फा पु—नशे में चूर लोगों का गाना।

सुरोश (سروش) फा पु—जिब्रील, फ़िरिश्ता, हर वह फ़िरिश्ता जो अच्छी ख़बर और शुभ संदेश लाये।

सुरोशे ग़ैब (سروش غیب) फा अ पु—ग़ैबी फ़िरिश्ता, आकाशवाणी करनेवाला।

सुर्अत (سرعت) अ स्त्री—शीघ्रता, तेज़ी, जल्दी, उतावला-पन, आतुरता, फुरती, चुस्ती।

सुर्अते इंज़ाल (سرعت انزال) अ स्त्री—संभोग के समय शीघ्र वीर्यपात हो जाने का रोग।

सुर्ख़ः (سرخہ) फा वि—आँख में निकलनेवाली गुहांजी।

सुर्ख़ (سرخ) फा वि—लाल रंग, लाल रँगा हुआ, घुँघची, एक रत्ती का वज़न।

सुर्ख़अंदाम (سرخ اندام) फा वि—लाल रंग का, जिसका शरीर लाल हो, रक्तांग।

सुर्ख़गूँ (سرخ گوں) फा वि—लाल रंग का, जिसका रंग लाल हो।

सुर्ख़चः (سرخچہ) फा पु—ख़स्रा, छोटी चेचक जो प्राय छोटे बालकों को निकल आती है।

सुर्ख़चश्म (سرخ چشم) फा वि—जिसकी आँखें लाल हों, रक्ताक्ष।

सुर्ख़पोश (سرخ پوش) फा वि—लाल कपड़े पहननेवाला, रक्तांबर।

सुर्ख़पोशी (سرخ پوشی) फा स्त्री—लाल कपड़े पहनना।

सुर्ख़फ़ाम (سرخ فام) फा वि—जिसके शरीर का रंग लाल हो, रक्तांग।

सुर्ख़बादः (سرخ بادہ) फा पु—लाल दाने या दाग़ जो रक्त के प्रकोप से बच्चों के शरीर पर हो जाते हैं।

सुर्ख़मू (سرخ مو) फा वि—जिसके सर और डाढ़ी के बाल लाल हों, रक्तकेशी।

सुर्ख़रंग (سرخ رنگ) फा वि—लाल रंगवाला, रक्तवर्ण।

सुर्ख़रू (سرخ رو) फा वि—सम्मानित, इज़्ज़त किया गया, सफल, कामयाब,—"सुर्ख़रू होता है इंसाँ ठोकरें खाने के बाद, रंग लाती है हिना पत्थर पे पिस जाने के बाद।"

सुर्ख़रूई (سرخ روئی) फा स्त्री—सम्मान, इज़्ज़त, सफलता, कामयाबी।

सुर्ख़लब (سرخ لب) फा वि—जिसके होंठ लाल हों, जो होंठ पान या लिपिस्टिक से लाल हों।

सुर्खलबी (سرخ لبی) फा स्त्री.–होंठों का लाल होना।
सुर्खब (سرخاب) फा पु –एक जलपक्षी, चकवा, जिसके लिए प्रसिद्ध है कि इनका जोडा रात मे जुदा हो जाता है और दिन भर साथ साथ रहता है।
सुर्खिए चश्म (سرخئ چشم) फा स्त्री –आँख की लाली।
सुर्खिए मै (سرخئ مے) फा स्त्री –शराब के नशे की लाली, शराब के रंग की लाली।
सुर्खिए लब (سرخئ لب) फा स्त्री –होंठो की लाली।
सुर्खिए शफ़क (سرخئ شفق) फा अ स्त्री –उषा की लालिमा, सवेरे या शाम की शफ़क की सुर्खी।
सुर्खी (سرخی) फा वि –लाली, लालिमा।
सुर्ना (سرنا) फा पु –'सूर नाए' का लघु, शहनाई जो शादी के मौके पर बजती है।
सुर्नाची (سرناچی) फा वि –शहनाई बजानेवाला।
सुर्फः (سرفہ) फा पु –खाँसी, कास।
सुर्फिदः (سرفندہ) फा वि –खाँसनेवाला।
सुर्फीदः (سرفیدہ) फा वि –जिसने खाँसा हो, खाँसा हुआ।
सुर्मः (سرمہ) फा पु –एक पत्थर जो पीसकर आँखो मे लगाया जाता है, आँखो मे लगाने की सूखी और बारीक पिसी हुई दवा, रसाजन।
सुर्म.आगीं (سرمہ آگیں) फा वि –सुर्म लगी हुई आँख, अजित, अजनसार।
सुर्म.आलूद (سرمہ آلود) फा वि –दे सुर्म आगीं।
सुर्म.आवाज (سرمہ آواز) फा वि –जो बोल न सके।
सुर्मःखुर्दः (سرمہ خوردہ) फा वि –जिसने सुर्म खाया हो, जो बोल न सकता हो।
सुर्मःचश्म (سرمہ چشم) फा वि –आँखो मे सुर्म लगाये हुए, अजनसार।
सुर्म.चोब (سرمہ چوب) फा स्त्री.–सुर्म लगाने की सलाई, अजन, शलाका।
सुर्म दरगुलू (سرمہ درگلو) फा वि –दे 'सुर्म खुर्द'।
सुर्म.दान (سرمہ دان) फा. पु –सुर्म. रखने की शीशी आदि, सुर्मेदानी।
सुर्म.फरोश (سرمہ فروش) फा पु –जो सुर्म बेचता हो, जो कई प्रकार के सुर्मे बनाकर बेचता हो।
सुर्मःसा (سرمہ سا) फा वि –सुर्मे की तरह बिलकुल बारीक पिसा हुआ, रेज़-रेज़, चूर-चूर।
सुर्म (سرم) अ पु –आँत का मुँह जिससे मल निकलता है, मलद्वार।
सुर्मए चश्म (سرمۂ چشم) फा पु –आँखो मे लगाने का सुर्मा।
सुर्मए दुबालःदार (سرمۂ دنبالہ دار) फा पु –आँखो मे लगा हुआ वह सुर्म. जिसकी लकीर आँख से बाहर कनपटी की ओर तक बढ़ी हुई हो।
सुर्मगीं (سرمگیں) फा वि –अंजनसार, अजित, सुर्म लगी हुई आँख।
सुर्रः (سرہ) फा स्त्री –नाभि, नाफ, तुडी, टुडी।
सुर्रः (صرہ) अ पु –थैली, रुपया-पैसा रखने की थैली, पोटली, छोटी पोटली।
सुर्रःबस्तः (صرہ بستہ) अ फा वि –वह दवा जो पोटली में बाँधकर औटाई जाय।
सुलहफात (سلحفات) अ पु –कछवा, कूर्म, कच्छप।
सुलहा (صلحا) अ पु –'सालेह' का बहु, 'सयमनिष्ठ और सदाचारी लोग'।
सुलाक़ (سلاق) अ पु –एक रोग जिसमें पलके लाल और भारी हो जाती है।
सुलामियात (سلامیات) अ पु –वह स्थान जहाँ नाखून जमते है, नखस्थान।
सुलालः (سلالہ) अ पु –किसी चीज़ से खीचा हुआ सार, निष्कर्ष, निचोड़, नवजात शिशु।
सुलालात (سلالات) अ पु –'सुलाल' का बहु, चीज़ो के निचोड, सार-समूह; नवजात बच्चे, शिशुगण।
सुलस (ثلث) अ वि –तृतीयाश, तीसरा हिस्सा, दे 'सुल्स', दोनो शुद्ध है।
सुलूक (سلوک) अ पु –रास्ता चलना, व्यवहार, तर्ज़ेअमल, गरीबो और दुखियारो को रुपये-पैसे से सहायता, ईश्वर की खोज।
सुलूके नेक (سلوک نیک) अ फा पु –अच्छा बरताव, सद्व्यवहार।
सुलूके बद (سلوک بد) अ.फा पु –बुरा बरताव, कुव्यवहार, दुर्व्यवहार।
सुलूज (ثلوج) अ पु –'सल्ज' का बहु, 'बरफ' का समूह, पाला पडना, तुषार पडना, बर्फबारी।
सुल्त (سلت) अ पु –जौ, यव, एक प्रसिद्ध नाज।
सुल्तान (سلطان) अ पु –शासक, नरेश, बादशाह, राजा।
सुल्तानी (سلطانی) अ वि –शासन, राज, बादशाही।
सुल्फ. (سلفہ) अ पु –सवेरे का हलका खाना, नाश्ता, नहारी, उपाहार, जलपान।
सुल्ब (صلب) अ पु –पीठ के गुरिए, अस्थि-शृंखल, कडा, सख्त, दे 'सलब'; नुत्फ, वीर्य।
सुल्बी (صلبی) अ वि –औरस, एक नुत्फे से, सहोदर, हकीकी।

सुल्बीयः (صلبیه) अ पु –आँख का सातवाँ पर्दा।

सुल्लम (سلم) अ पु –निश्रेणी, सोपान, सीढी।

सुल्स (ثلث) अ वि –तीसरा हिस्सा, तृतीयाश, दे 'सुलुस', वह भी शुद्ध है।

सुल्सुल (صلصل) अ स्त्री –पडुकी, फाख्त , हौज़ का बचा हुआ पानी; घोडे के माथे के वाल।

सुल्ह (صلح) अ स्त्री –मेल, मिलाप, आश्ती, सधि, मुसालहत, मैत्री, दोस्ती, दो व्यक्तियो मे परस्पर विरोध के वाद आपस मे मेल।

सुल्हकुल (صلح کل) अ वि –जो सवके साथ दोस्ती रक्खे, जो किसी से झगडा न करे।

सुल्हख़ू (صلح خو) अ फा वि –जिसके स्वभाव मे मेल-जोल से रहना हो।

सुल्हजू (صلح جو) अ फा वि –मेल-जोल से रहनेवाला, झगडे-टटे को नापसद करनेवाला।

सुल्हजूई (صلح جوئی) अ फा स्त्री –परस्पर मेल-जोल से रहना।

सुल्हदोस्त (صلح دوست) अ फा वि –जो मेल-जोल पसद करनेवाला हो, शान्तिप्रिय।

सुल्हदोस्ती (صلح دوستی) अ फा स्त्री –मेल-जोल से रहना पसद करना।

सुल्हपसद (صلح پسند) अ फा वि –दे 'सुल्हदोस्त'।

सुल्हपसदी (صلح پسندی) अ फा स्त्री –दे 'सुल्ह-दोस्ती'।

सुल्हशिकन (صلح شکن) अ फा वि –मेल-जोल को तोडने-वाला, आपस की सधि को तोडनेवाला।

सुल्हशिकनी (صلح شکنی) अ फा स्त्री –मेल-जोल को खत्म कर देना, परस्पर सधि के नियमो का उल्लघन।

सुल्हसामाँ (صلح ساماں) अ फा वि –दे 'सुल्हदोस्त'।

सुल्हसामानी (صلح سامانی) अ फा स्त्री –दे 'सुल्ह-दोस्ती'।

सुल्होजंग (صلح و جنگ) अ फा स्त्री –लडाई और मेल, युद्ध और सधि।

सुवर (صور) अ स्त्री –'सूरत' का वहु, सूरते, शक्ले।

सुवाल (سوال) अ पु –दे 'सवाल'।

सुवैदा (سویدا) अ वि –वह काला तिल जो हृदय पर होता है।

सुस्त (سست) फा वि –अशक्त, कमजोर, मद, धीमा, जो फुर्तीला न हो, स्फूर्तिहीन, शिथिल, ढीला, खिन्न, मलिन, अपसुर्द, आलसी, काहिल, जिसमें काम-शक्ति कम हो, मदकाम, मदगति, धीरे चलनेवाला, दीर्घ-सूत्री, धीरे-धीरे काम करनेवाला।

सुस्तअह्द (سست عہد) फा अ वि –दे 'सुस्त पैमाँ'।

सुस्तएतिक़ाद (سست اعتقاد) फा अ वि –जिसका धर्म-विश्वास अटल न हो, जिसे किसी विशेप महात्मा आदि से श्रद्धा न हो।

सुस्तएतिक़ादी (سست اعتقادی) फा अ स्त्री –धर्म-विश्वास की कमी, अश्रद्धा।

सुस्तकदम (سست قدم) फा अ वि –धीरे-धीरे चलनेवाला, मदगति, मदगामी।

सुस्तक़दमी (سست قدمی) फा अ स्त्री –धीरे-धीरे चलना, मद गति।

सुस्तगाम (سست گام) फा वि –दे 'सुस्तकदम'।

सुस्तगामी (سست گامی) फा स्त्री –दे 'सुस्तकदमी'।

सुस्तगो (سست گو) फा वि –धीरे-धीरे वाते करनेवाला, वहुत धीरे-धीरे सोचकर और देर मे शे'र कहनेवाला।

सुस्ततब्अ (سست طبع) फा अ वि –सुस्त, काहिल, आलसी, जिसकी तबीअत में आलस हो।

सुस्ततरीन (سست تریں) फा वि –सवसे अधिक धीमा, सबसे अधिक काहिल।

सुस्तदिमाग (سست دماغ) फा अ वि –कमअक्ल, मद-बुद्धि।

सुस्तपरवाज़ (سست پرواز) फा वि –धीमे-धीमे उडने-वाला, कम उडनेवाला।

सुस्तपैमाँ (سست پیماں) फा वि –वादे का कच्चा, वादा करके न निवाहनेवाला, मदप्रतिज्ञ।

सुस्तबुन्याद (سست بنیاد) फा वि –जिसकी वुनियाद कमजोर हो।

सुस्तरफ्तार (سست رفتار) फा वि –दे 'सुस्तकदम'।

सुस्तरफ्तारी (سست رفتاری) फा स्त्री –दे 'सुस्तकदमी'।

सुस्तरवी (سست روی) फा स्त्री –दे 'सुस्तकदमी'।

सुस्तराए (سست رائے) फा अ वि –जिसकी राय, ठीक न होती हो मदगति, जिसकी वुद्धि कमजोर हो, मदवुद्धि।

सुस्तरीश (سست ریش) फा वि –मूर्ख, मूढ, अज्ञान, अहमक।

सुस्तरौ (سست رو) फा वि –दे 'सुस्तकदम'।

सुस्त वफा (سست وفا) फा अ वि –दे 'सुस्तपैमाँ'।

सुस्ती (سستی) फा स्त्री –आलस्य, काहिली, शिथिलता, ढीलापन, कामशक्ति की मदता, फुर्ती न होना, अस्फूर्ति, दीर्घसूत्रिता, काम धीरे-धीरे करना।

सुहा (سہا) फा पु –एक वहुत छोटा तारा जो सप्तर्षि-मडल के तीन तारो मे से वीच का है।

सुहाम (سہام) अ पु –अधकार, अँधेरा, रूपविकार, चेहरे का खराव हो जाना, दुवला हो जाना।

सुहूबत (صہوبت) अ स्त्री –पीलाहट लिये हुए लाल रग, गुलावी रग, कालापन लिये हुए लाल रग, वह रग जो लाल वालो का होता है।

सुहूलत (سہولت) अ स्त्री –सुगमता, सरलता, आसानी।

सुहैव (صہیب) अ पु –एक सिहावी जो रूम से आकर मुसलमान हुए थे।

सुहैल (سہیل) अ पु –एक प्रसिद्ध तारा जो यमन देश मे दिखाई देता है, उसके प्रभाव से चमडे मे सुगध पैदा होती है और कीडे मर जाते है।

सुह्बत (صحبت) अ स्त्री –सगत, पास वैठना, मित्रता, दोस्ती, गोष्ठी, छोटी महफिल, सहवास, मैथुन, हमविस्तरी।

सुह्बतदारी (صحبتداری) अ फा स्त्री –मैथुन, सहवास, हमविस्तरी।

सुहबते तालेह (صحبت طالح) अ स्त्री.–दुष्टजनो की सगत, वुरी सुहवत, कुसग।

सुहबते सालेह (صحبت صالح) अ स्त्री –अच्छे आदमियो की सगत, सत्सग।

सुह् (سہر) अ पु –एक रोग जिसमे नीद उड जाती है, अनिद्रा।

सुह्रवर्दी (سہروردی) फा वि –सुह्रवर्द (इराक) का निवासी।

सुह्राब (سہراب) फा पु –रुस्तम का लडका, जिसे रुस्तम ने अनजानपन से मार दिया और वाद को पहचानकर वहुत पश्चात्ताप किया।

सू

सू (سو) तु. स्त्री –मदिरा शराब, (पु) पानी, जल।

सू (سو) फा स्त्री –ओर, तरफ़, "छाई हुई है गम की घटाएँ चहार-सू"।

सू (سو) अ वि –निकृष्ट, दूषित, खराव।

सूए अदव (سوے ادب) अ पु –धृष्टता, गुस्ताखी।

सूए अमल (سوے عمل) अ पु –दुराचार, वदअमली।

सूए इत्तिफ़ाक़ (سوے اتفاق) अ पु –दुर्योग, कुयोग, वुरा इत्तिफाक।

सूए एतिकाद (سوے اعتقاد) अ पु –किसी की श्रद्धा न होना, अश्रद्धा।

सूए एतिवार (سوے اعتبار) अ पु –वेएतिवारी, अविश्वास।

सूए खुल्क (سوے خلق) अ पु –दुःशीलता, वदखुल्की, अशिष्टता, वदअख्लाकी।

सूए चर्ख (سوے چرخ) फा स्त्री –आकाश की ओर, आस्मान की तरफ।

सूए जन (سوے ظن) अ पु –किसी की ओर से वुरा खयाल, कुधारणा।

सूए जमीं (سوے زمیں) फा स्त्री –पृथ्वी की ओर, ज़मीन की तरफ।

सूए तद्बीर (سوے تدبیر) अ स्त्री –प्रयत्न या उपाय की खरावी, ठीक उपाय या कोशिश या इलाज न होना।

सूए तनफ़्फ़ुस (سوے تنفس) अ पु –साँस का विकार, साँस का ठीक न चलना, साँस का उखड जाना।

सूए तरीक (سوے طریق) अ पु –मार्ग की खरावी, रास्ते का ऊवड-खावड होना।

सूए दिमाग (سوے دماغ) अ पु –दिमाग की खरावी, वुद्धि-विक्षेप, पागलपन।

सूए मिज़ाज (سوے مزاج) अ पु –शरीर की धातुओ का विकार, किसी अग या शरीर के मिज़ाज का विकार, रोग, वीमारी।

सूए हज़्म (سوے ھضم) अ पु –हाज़िमे की खरावी, अपच, अजीर्ण।

सूक (سوق) अ पु –वाज़ार, हाट, पण, 'साक' का वहु, शाखाएँ, शाखे।

सूकियानः (سوقیانہ) अ फा वि –वाज़ारू, वाज़ारी, लोफरो जैसा।

सूकी (سوقی) अ वि –वाज़ारी, वाज़ार का, निकृष्ट, नीच।

सूची (سوچی) तु पु –पानी पिलानेवाला, मदिरा वेचनेवाला।

सूचीखानः (سوچی خانہ) तु फा –मदिरालय, शरावखान।

सूदः (سودہ) फा वि –घिसा हुआ, रगड़ा हुआ, मर्दित, चूर, चूर्ण, सुफूफ, घिसन।

सूद (سود) फा पु –लाभ, नफा, कुसीद, व्याज।

सूद (سود) अ पु –'अस्वद' का वहु, काले रग की चीजें।

सूदए अल्मास (سودۂ الماس) फा पु –हीरे की घिसन, हीरे का सफूफ।

सूदखोर (سودخور) फा पु –व्याज खानेवाला, कुसीदजीवी, कौसीद।

सूदखोरी (سودخوری) फा स्त्री –व्याज खाना, सूद का कारोवार करना।

सूदत (سودت) अ स्त्री.–अध्यक्षता, सरदारी, श्रेष्ठता, वुजुर्गी।

सूद दर सूद (سود در سود) फा पु –व्याजकी एक किस्म जिसमें व्याज मूलधन में मिलकर उस पर व्याज चलता है, चक्रवृद्धि ।

सूद बालाए सूद (سود بالائے سود) फा पु –दे 'सूद दर सूद' ।

सूदमंद (سودمند) फा. वि –लाभकारी, फाइद मद ।

सूदमंदी (سودمندی) फा स्त्री –लाभकारिता, फाइद-मदी ।

सूदान (سودان) अ पु –अफ्रीका का एक देश, सूडान ।

सूदी (سودی) फा वि –सूद का, व्याज का, सूद से सबधित ।

सूदोज़ियाँ (سود وزیاں) फा पु –लाभ और हानि, नफा और नुक्सान ।

सूनिश (سونش) फा स्त्री –धात का बुराद जो रेती से गिरे, लोहे, ताँवे या हीरे का बुरादा ।

सूफ़ (صوف) अ पु –ऊन, ऊर्ण, एक प्रकार का ऊनी कपडा, वकरी या भेड के वाल ।

सूफ़ (سوف) अ स्त्री.–विज्ञान, हिक्मत ।

सूफ़ार (سوفار) फा पु –तीर का मुह, वाण का वह भाग जिसे धनुष की ताँत पर रखकर छोडते है ।

सूफ़िया (صوفیا) अ पु –'सूफी' का वहु, सूफी लोग ।

सूफ़ियानः (صوفیانہ) अ फा वि –सूफियो जैसा, अच्छी वजा का, हलके रग का ।

सूफ़िस्ता (سوفسطا) अ स्त्री –एक मत जिसमे सारी चीज़ो को कल्पनात्मक समझते है ।

सूफ़िस्ताई (سوفسطائی) अ वि –सूफिस्ता मत को मानने-वाला, यह माननेवाला कि सारा जगत् केवल एक कल्पना है और इसकी हर चीज़ कल्पित है ।

सूफ़ी (صوفی) अ पु –ब्रह्मज्ञानी, अध्यात्मवादी, तसव्वुफ का अनुयायी, सारे धर्मों से प्रेम करनेवाला ।

सूफ़ीमनिश (صوفی منش) अ फा पु –जो किसी धर्म से वैर न रक्खे, सबको एक आँख से देखनेवाला ।

सूबः (صوبہ) अ पु –प्रान्त, प्रदेश, किसी राष्ट्र का वह भाग जिसमें बहुत से जिले हो और एक गवर्नर के शासन मे हो ।

सूब.जात (صوبہ جات) अ पु –सूब का वहु, सूवे, प्रान्त-समूह ।

सूब.दार (صوبہ دار) अ फा पु –सूवे का शासक, गवर्नर, राज्यपाल, सिपाही से वडा एक ओहद ।

सूबःदारी (صوبہ داری) अ फा स्त्री –राज्यपाल का पद, गवर्नरी, सूवेदार का ओहद, जमादारी ।

सूब.परस्ती (صوبہ پرستی) अ. फा स्त्री –अपने प्रान्त का पक्षपात, अपने प्रान्त मे रहनेवाले के साथ रिआयत करना और उसे अनुचित वढावा देना ।

सूब.वारानः (صوبہ وارانہ) अ फा वि –प्रान्तो के हिसाव से ।

सूबसू (سوبسو) फा वि –चारो ओर, हर तरफ, हर ओर, जगह-जगह, ठौर-ठौर ।

सूबाई (صوبائی) अ वि –प्रान्तीय, सूवे का ।

सूम (ثوم) अ पु –लहसुन, लशुन ।

सूरः (سورہ) अ पु –कुरआन की सूरत, कुरान मे कुल ११४ सूरतें है, सवसे बडी सूरत पूरे कुरान का $\frac{1}{12}$ अश है और सबसे छोटी केवल दो पक्तियो की है ।

सूर (صور) अ पु –वह तुरही जो कियामत के दिन हज्रत इस्राफील फूँकेंगे ।

सूरए इख़्लास (سورۂ اخلاص) अ स्त्री –कुरान की एक सूरत ।

सूरए फ़ातिहः (سورۂ فاتحہ) अ स्त्री –कुरान की सर्वप्रथम सूरत ।

सूरए यासीन (سورۂ یاسین) अ स्त्री –कुरान की एक सूरत जो मरते समय सुनाई जाती है ।

सूरत (سورت) अ स्त्री –दे 'सूर' ।

सूरत (صورت) अ स्त्री –रूप, आकृति, शक्ल, मुखाकृति, चेहरा, दशा, हालत, चित्र, तस्वीर, उपाय, तदवीर, समान, मिस्ल, खाक, रूपरेखा ।

सूरतआश्ना (صورت آشنا) अ फा वि –जो केवल सूरत पहचानता हो और कोई वात (नाम आदि) न जानता हो ।

सूरतगर (صورت گر) अ फा वि –सूरत वनानेवाला, ईश्वर, चित्रकार मुसव्विर ।

सूरतगरी (صورت گری) अ फा स्त्री –सूरत वनाना, तस्वीर वनाना, चित्रकारी ।

सूरत पज़ीर (صورت پزیر) अ फा वि –चित्रित, तस्वीर खिचा हुआ ।

सूरतपज़ीरी (صورت پزیری) अ फा स्त्री –चित्रण, सूरत या तस्वीर वनाना ।

सूरतपरस्त (صورت پرست) अ फा वि –ऊपरी टीपटाप देखनेवाला, मूर्तिपूजक, वुतपरस्त, अच्छे रूप का पुजारी, हुस्न का पुजारी ।

सूरतपरस्ती (صورت پرستی) अ फा स्त्री –ऊपरी टीपटाप देखना, मूर्ति पूजना, अच्छे रूप को पूजना ।

सूरतवाज़ (صورت باز) अ फा वि –वहुरूपिया, नक्काल ।

सूरतवाज़ी (صورت بازی) अ फा. स्त्री –वहुरूपियापन, नक्काली ।

सूरतहराम (صورت حرام) अ वि –जो विलकुल निकम्मा हो, कोई काम आदि न करे ।

सूरते हाल (صورت حال) अ स्त्री –मौजूद हालत ।

सूराख़ (سوراخ) फा पु –छिद्र, विवर, रध्र, छेद ।

सूराख़दार (سوراخ دار) फा वि –छिद्रित, छेददार।
सूराख़े गोश (سوراخ گوش) फा पु –कान का छेद, श्रवण-रंध्र।
सूराख़े बीनी (سوراخ بینی) फा पु –नाक का छेद, नासा-विवर।
सूरिंजान (سورنجان) फा पु –सिंघाड़े के आकार की एक ओषधि।
सूरिया (سوریا) अ पु–शाम देश (अरब)।
सूरी (سوری) अ वि –एक लाल फूल, हर लाल फूल।
सूरी (صوری) अ वि –सूरत का, मुख का, सूरत से मन्त्र वित, ऊपरी, ज़ाहिरी, वाह्य।
सूलूल (ثولول) अ पु.–स्तनवृन्त, स्तनाग्र, भिटनी, मस्सा।
सूस (سوس) अ पु –रेशम के कपड़े को खा जानेवाला कीड़ा, मुलैठी का पेड़।
सूसमार (سوسمار) फा पु –गोह, गोवा, एक प्रसिद्ध जंतु।

से

सेज़दः (سیزدہ) फा वि –तेरह।
सेज़दहुम (سیزدهم) फा वि –तेरहवाँ।
सेब (سیب) फा. पु –एक प्रसिद्ध फल, उत्कोल, सेव।
सेबे ज़क़न (سیب ذقن) फा पु –सेब के आकार की ठुड्डी।
सेबे ज़नख़दाँ (سیب زنخدان) फा पु.–दे 'सेबे ज़क़न'।
सेर (سیر) फा वि –तृप्त, जिसका पेट भरा हो, निःस्पृह, जिसे कोई कामना न हो, अघाया हुआ, भरा-पूरा।
सेरआहंग (سیر آهنگ) फा वि –जिसकी आवाज़ बड़ी और भारी हो।
सेरख़ोर (سیر خور) फा वि –पेट भरकर खानेवाला।
सेरचश्म (سیر چشم) फा वि –खिलाने-पिलाने में दिल-वाला, जो परितृप्त हो, अघाया हुआ।
सेरचश्मी (سیر چشمی) फा स्त्री –खिलाने-पिलाने में दिलवाला होना, मन का संतुष्ट होना।
सेरहासिल (سیر حاصل) अ फा वि –वह ज़मीन जो उपजाऊ हो, उर्वरा, वह बात जो सारगर्भित हो।
सेराब (سیراب) फा वि –पानी से सींचा हुआ, खूब पानी पिये हुए, तृप्त।
सेराबी (سیرابی) फा वि –सिंचा हुआ होना, प्यास न होना, संतोष, इत्मीनान।
सेली (سیلی) फा स्त्री –थप्पड़, तमाचा, चाँटा।
सेहत (صحت) अ स्त्री –स्वास्थ्य तन्दुरुस्ती, शुद्धि, त्रुटि न होना।
सेहतमंद (صحت مند) अ. फा वि.–स्वस्थ, तन्दुरुस्त, उत्तम, श्रेष्ठ, बेहतर।

सै

सैक़ल (صیقل) अ स्त्री –तलवार आदि को रगड़कर उसमें चमक पैदा करना।
सैक़लगर (صیقل گر) अ फा वि –तलवार या दूसरे अस्त्रो को चमकदार बनानेवाला, बरतनो पर क़लई करनेवाला।
सैक़ली (صیقلی) अ फा स्त्री –सान, वह पत्थर जिस पर रगड़कर तलवार आदि मे धार पैदा करते है।
सैद (صید) अ. पु –मृगया, आखेट, अहेर, शिकार, शिकार किया हुआ जानवर।
सैद (سید) अ पु –'सैयिद' का लघु, दे 'सैयिद'।
सैद अफ़गन (صید افگن) अ फा. वि –आखेटक, लुब्धक, व्याध, शिकारी।
सैदअफ़गनी (صید افگنی) अ फा स्त्री –शिकार खेलना, आखेट, मृगया।
सैदकुन (صید کن) अ फा वि –शिकार करनेवाला, आखेटिक।
सैदकुनाँ (صید کناں) अ फा वि–शिकार करता हुआ, शिकार खेलता हुआ।
सैदगाह (صیدگاه) अ फा स्त्री –वह जंगल जहाँ शिकार खेला जाय, मृगयावन, आखेट-स्थल।
सैदगीर (صیدگیر) अ फा स्त्री –शिकार पकड़नेवाला, जाल या कुत्ते से शिकार खेलनेवाला।
सैदा (صیدا) अ पु –वन, कानन, जंगल, बीहड़।
सैदे ज़बूँ (صید زبوں) अ फा. पु –बहुत ही छोटा शिकार जिससे किसी का पेट न भरे।
सैदे रमीदः (صید رمیده) अ फा पु –गोली खाकर भागा हुआ शिकार।
सैदे हरम (صید حرم) अ पु –वह जानवर जो मक्के के आस-पास पूर्व-पश्चिम २४ कोस और उत्तर-दक्खिन ३६ कोस के भीतर रहते है और जिनका वध धर्मानुसार हराम है।
सैफ़ः (سیفه) अ पु –जिल्दसाज़ो का वह औज़ार जिससे वह कागज काटते है।
सैफ़ (سیف) अ स्त्री –तलवार, खड्ग, कृपाण, तेग।
सैफ़ (صیف) अ. पु –गर्मी का मौसिम, ग्रीष्म ऋतु।
सैफ़ज़बाँ (سیف زباں) अ फा. वि –जिसकी ज़बान में तलवार जैसी काट हो, जो बहुत तेज़ बोले, जो हृदय को काटनेवाली बातें करे।
सैफ़ज़बानी (سیف زبانی) अ. फा स्त्री –तेज़ और ज़ोरदार भाषण देना, हृदय को दुःख पहुँचानेवाली बातें करना।

सैफ़ी (سیفی) अ स्त्री—एक अभिचार जिससे शत्रु का मारण करते हैं।

सैफ़ी (صیفی) अ वि—ग्रीष्मकाल का, गर्मी के मौसिम का।

सैफ़ूर (سیفور) फा पु—एक काला बहुमूल्य रेशमी कपड़ा।

सैफ़ो क़लम (سیف و قلم) अ पु—तलवार और कलम, सिपाहीपन और कलाकारी।

सैयाग़ (صیاغ) अ पु—स्वर्णकार, सुनार।

सैयाद (صیاد) अ पु—हिरन आदि का शिकार करनेवाला, मृग-लुब्धक, चिड़िया पकड़नेवाला, शकुनिक, बहेलिया।

सैयादफ़ित्रत (صیادفطرت) अ वि—जो दूसरों को जाल में फँसाना खूब जानता हो, निर्दय, कठोरहृदय, ज़ालिम।

सैयादसीरत (صیادسیرت) अ वि—दे 'सैयादफ़ित्रत'।

सैयादी (صیادی) अ स्त्री—सैयाद का काम, निर्दयता, बेरहमी।

सैयादे अजल (صیاد اجل) अ पु—मौत का शिकारी, यमराज, मलकुल मौत।

सैयाफ़ (سیاف) अ वि—खड्गजीवी, तलवार से रोज़ी कमानेवाला, जल्लाद, वधिक।

सैयाफ़ी (سیافی) अ स्त्री—तलवार चलाना, काट-मार करना, तलवार से क़त्ल करना, जल्लादी।

सैयारः (سیارہ) अ पु—वह तारा जो एक जगह न रहे बल्कि गतिमान हो, ग्रह, तारा, सितारा।

सैयारःदाँ (سیارہ داں) अ फा वि—ज्योतिषी, नुजूमी।

सैयार बीं (سیارہ بیں) अ फा वि—दे 'सैयार दाँ'।

सैयार शनास (سیارہ شناس) अ फा वि—दे 'सैयार दाँ'।

सैयार (سیار) अ वि—बहुत चलने-फिरनेवाला, सैयार, ग्रह।

सैयारात (سیارات) अ पु—'सैयार' का बहु, सैयारे, सितारे, ग्रह-समूह।

सैयाह (سیاح) अ वि—यात्री, मुसाफ़िर, पर्यटक, देश-देश फिरनेवाला।

सैयाही (سیاحی) अ स्त्री—यात्रा, सफ़र, देश-देश की सैर करना और वहाँ के हालात देखना।

सैयिअ (سیئہ) अ स्त्री—बुराई, खराबी, बदी।

सैयिआत (سیئات) अ स्त्री—'सैयिअ' का बहु, बुराइयाँ, खराबियाँ।

सैयिदः (سیدہ) अ स्त्री—सय्यिद खानदान की स्त्री, हज़्रत इमाम हुसैन की वंशजा।

सैयिद (سید) अ पु—सय्यिद खानदान का व्यक्ति, हज़्रत इमाम हुसैन की औलाद का वंशज।

सैयिदज़ाद (سیدزادہ) अ फा पु—सय्यिद का लड़का।

सैयिदैन (سیدین) अ पु—दोनों सैय्यिद अर्थात् इमाम हसन और हज़्रत इमाम हुसैन।

सैयिब (ثیب) अ वि—वह स्त्री या पुरुष जो कुँवारा न हो।

सैर (سیر) अ स्त्री—पर्यटन, सियाहत, मनोविनोद, तफ़्रीह, घूमना-फिरना, सैर-सपाटा, चिहिलक़दमी, वायु-सेवन, हवाखोरी, कौतुक, तमाशा।

सैरकुनाँ (سیرکناں) अ फा वि—घूमते-फिरते हुए, देखते-भालते हुए।

सैरगाह (سیرگاہ) अ फा स्त्री—सैर करने का स्थान।

सैर पसंद (سیرپسند) अ फा वि—बहुत अधिक घूमने-फिरनेवाला।

सैरफ़ी (صیرفی) अ वि—सर्राफ़, खोटा खरा सिक्का परखनेवाला।

सैरान (سیران) अ पु—सैर करना, घूमना-फिरना।

सैरे अफ़्लाक (سیر افلاک) अ स्त्री—आस्मानों में घूमना, आकाश-भ्रमण।

सैरे क़मर (سیر قمر) अ स्त्री—चाँद की सैर, चाँद तक पहुँचना, चंद्रलोक की सैर करना।

सैरे मिर्रीख़ (سیر مریخ) अ स्त्री—मंगल ग्रह की सैर, मंगल ग्रह तक पहुँच।

सैरो तफ़्रीह (سیر و تفریح) अ स्त्री—घूमना और दिल बहलाना, दिल बहलाने के लिए घूमना।

सैरो शिकार (سیر و شکار) अ फा पु—जंगल में घूमना और शिकार खेलना।

सैल (سیل) अ पु—पानी का बहाव, प्लावन, सैलाब।

सैलान (سیلان) अ पु—स्राव, बहाव।

सैलानी (سیلانی) अ वि—बहाव से संबंधित, जिसे सैरो तफ़्रीह बहुत पसंद हो।

सैलानुर्रहिम (سیلان الرحم) अ पु—एक रोग जिसमें गर्भाशय से पानी बहता है, रक्त प्रदर।

सैलाब (سیلاب) अ फा पु—जल-प्लावन, नदी आदि के पानी की बाढ़।

सैलाबज़दः (سیلاب زدہ) फा वि—वह ज़मीन जो नदी की बाढ़ से डूब गई हो या उसकी खेती ख़राब हो गई हो।

सैलाबज़दगी (سیلاب زدگی) फा स्त्री—नदी की बाढ़ से ज़मीन या काश्त का खराब होना।

सैलाबदीदः (سیلاب دیدہ) फा वि—जिस ज़मीन पर से बाढ़ का पानी गुज़रा हो।

सैलाबी (سیلابی) फा वि—बाढ़ का, बाढ़ से सम्बन्धित।

सैले अरिम (سیلِ عرم) अ पु –ज़ोर की बाढ़, प्रचंड बाढ़।
सैले अश्क (سیلِ اشک) अ. फा पु –आँसुओं की बाढ़।
सैले हवादिस (سیلِ حوادث) अ० पु०–दुर्घटनाओं और आपत्तियों की बाढ़, आपत्ति-रूपी नदी की बाढ़।
सैहः (صیحہ) अ पु –चीख़, चीत्कार, ज़ोर की आवाज़।
सैहून (سیحون) अ पु –इराक की एक नदी।
सैहूनियत (صیہونیت) अ स्त्री –यहूदीपन।

सो

सोक (سوک) फा पु –सोग, दुःख, विषाद, रंज।
सोख़्तः (سوختہ) फा वि –जला हुआ, दग्ध।
सोख़्त.क़िस्मत (سوختہ‌قسمت) फा अ वि –हतभाग्य, बदक़िस्मत।
सोख़्त.कौकब (سوختہ‌کوکب) फा. वि –जिसके सौभाग्य के ग्रह जल गये हों, बदक़िस्मत, अभागा।
सोख़्त.जाँ (سوختہ‌جاں) फा वि –दग्धहृदय, दिलजला, अर्थात् प्रेमी।
सोख़्तः जिगर (سوختہ‌جگر) फा. वि.–दे. 'सोख़्त दिल'।
सोख़्तःदिल (سوختہ‌دل) फा. वि.–दग्धहृदय, दिलजला, प्रेमी।
सोख़्तःपा (سوختہ‌پا) फा. वि –जिसके पाँव जल गये हों, जो कहीं आने-जाने में असमर्थ हो अर्थात् बेबस।
सोख़्त बख़्त (سوختہ‌بخت) फा वि –दे 'सोख़्त किस्मत'।
सोख़्तःबाल (سوختہ‌بال) फा वि –जिसके पर जल गये हों, जो उड़ न सके, बेबस, लाचार, दीन-हीन।
सोख़्त (سوخت) फा वि –जलन, जलावट; नष्ट, बरबाद।
सोख़्तगी (سوختگی) फा स्त्री –जलन, जलावट।
सोख़्तनी (سوختنی) फा वि –जलाने के क़ाबिल, जैसे—सोख़्तनी लकड़ी।
सोग (سوگ) फा पुं –किसी के मरने का रंज, शोक, मृत-शोक, मातम।
सोगनामः (سوگ‌نامہ) फा पु –शोकपत्र, मातमपुर्सी का ख़त।
सोगवार (سوگوار) फा वि –शोकग्रस्त।
सोगवारी (سوگواری) फा स्त्री –किसी के मरने पर शोक में होना।
सोगात (سوغات) तु स्त्री –उपहार, उपायन, तोहफ़, दे 'सौग़ात', दोनों शुद्ध हैं।
सोगियानः (سوگیانہ) फा वि –मातमी लिबास, शोकवस्त्र।
सोगी (سوگی) फा वि –शोकग्रस्त, शोक मनानेवाला।
सोज़ (سوز) फा प्रत्य –जलानेवाला, जैसे—'जाँ सोज़' जान का जलानेवाला, (पु) जलन, तपिश, ताप, मुहर्रम में पढ़ी जानेवाली एक प्रकार की नज़्म, "ऐ हुस्ने.अता के दीवाने तू राज़े मशीयत क्या जाने। वे सोज़ तमन्नाओं से हुआ महरूमे असर हो जाती है।"—वज्द।
सोज़ख़्वाँ (سوزخواں) फा वि –मुहर्रम में 'सोज़' पढ़ने-वाला'।
सोज़ख़्वानी (سوزخوانی) फा. स्त्री.–मुहर्रम में 'सोज़' पढ़ना।
सोज़न (سوزن) फा स्त्री –सुई, सूची।
सोज़नकारी (سوزن‌کاری) फा स्त्री –सुई से बनाया हुआ कपड़े पर बारीक काम।
सोज़न ज़द. (سوزن‌زدہ) फा वि –सुई चुभोया हुआ, जिसे सुई चुभोई गई हो।
सोज़नाक (سوزناک) फा वि –दग्ध, जला हुआ।
सोज़नी (سوزنی) फा स्त्री –सोज़नकारी किया हुआ कपड़ा, पलंग पर बिछाने का एक कपड़ा।
सोज़ाँ (سوزاں) फा वि –जलता हुआ, ज्वलित।
सोज़ाक (سوزاک) फा पु –एक बीमारी, शुक्रकृच्छ्र, मूत्र-कृच्छ्र, गनोरिया, मूत्राघात।
सोज़िन्दः (سوزندہ) फा वि –जलानेवाला।
सोज़िश (سوزش) फा स्त्री –जलन, प्रदाह।
सोज़िशे दुरूँ (سوزشِ دروں) फा स्त्री –हृदय की जलन, प्रेम की आग।
सोसः (سوسہ) फा पु –गेहूँ का कीड़ा, घुन।
सोहान (سوہان) फा पु –रेतने का यंत्र, रेती।

सौ

सौगंद (سوگند) फा स्त्री –शपथ, कसम।
सौग़ात (سوغات) तु स्त्री –उपहार, भेंट, तोहफ़, उपायन।
सौत (صوت) अ स्त्री –ध्वनि, आवाज़, नाद।
सौत (سوط) अ पु –कशा, कोड़ा, चाबुक।
सौती (صوتی) अ वि –ध्वनि से संबंधित, ध्वनि का।
सौते हमीर (صوتِ حمیر) अ स्त्री –गधे की रेंक।
सौदा (سودا) अ पु –शरीर की एक धातु, वात, मस्तिष्क-विकार, विक्षेप, पागलपन, प्रेम, इश्क़, काली स्त्री, बेचने का सामान।
सौदाई (سودائی) अ वि –विक्षिप्त, पागल, प्रेमी, आशिक़, बेअक्ल, ख़ब्ती, उदा०—"जिसके बदले में लुटा आये हैं दुनियाए निशात—वह ख़लिश दिल में छिपाये तेरा सौदाई है।"
सौदाए ख़ाम (سودائے خام) फा. अ पु –पागलपन, मिराक।

सौदागर (سوداگر) फा पु –सौदा बेचनेवाला, वणिक्।
सौदागरी (سوداگری) फा स्त्री –सौदा बेचना, वाणिज्य।
सौदाज़दः (سودازدہ) अ फा वि –पागल, मिराकी, प्रेमी, अनुरागी।
सौदाज़दगी (سودازدگی) अ फा स्त्री –पागलपन, प्रेम का पागलपन।
सौदान (سودان) अ पु.–काले रग के मनुष्य।
सौदावियत (سوداویت) अ. स्त्री –वात का विकार, पागलपन।
सौदावी (سوداوی) अ वि –वात के कोप से उत्पन्न रोग, वात सम्बन्धी।
सौब (صوب) अ स्त्री –ओर, तरफ, दिशा, सिम्त।
सौब (ثوب) अ पु –पहनने का कपडा, वस्त्र।
सौबान (ثوبان) अ. पु –प्रत्यागमन, वापस लौटना, फिरना।
सौम (صوم) अ पु –व्रत, रोजा।
सौम (سوم) अ पु –मँहगा करके बेचना, भाव चुकाना।
सौमअः (صومعہ) अ. पु –आराधनालय, उपासना-गृह, इबादतखाना।
सौमोसलवात (صوم و صلوٰۃ) अ स्त्री –रोज़ा नमाज, धर्म-निष्ठा।
सौरः (ثورہ) अ पु –उपद्रव, विद्रोह, राजद्रोह, सैन्यद्रोह, बगावत।
सौर (ثور) अ पु –वृष, वृषभ, बलीवर्द, बैल, साँड।
सौरत (سورت) अ स्त्री –तीव्रता, प्रचडता, तेज़ी।
सौरान (ثوران) अ पु –खून का जोश, रक्तकोप, उपद्रव, दगा, फसाद।
सौलत (صولت) अ स्त्री –आतक, रोब, दब्दबा।
सौलतपनाह (صولت پناہ) अ फा वि –बहुत बडे आतकवाला, प्रतापी, रोबोदाबवाला।
सौलते शाही (صولت شاہی) अ फा स्त्री –राज्यातक, शाही दबदबा।
सौसन (سوسن) फा स्त्री –एक नीला फूल जिसकी पँखुडी ज़बान-जैसी होती है।
सौसनी (سوسنی) फा वि –सौसन के रग का, नीले रग का।
सौहान (سوہان) फा पु –रेती, धातु रेतने का यत्र।
सौहानगीर (سوہان گیر) फा वि –नम्र, नर्म, मुलाइम।
सौहानज़द. (سوہان زدہ) फा वि –रेता हुआ।
सौहाने रूह (سوہان روح) फा अ पु –रूह के लिए रेती के समान अर्थात् कष्टदायक।

ह

हंगामः (ہنگامہ) फा पु –उपद्रव, फसाद, विप्लव, क्राति, उथल-पुथल, विद्रोह, बगावत, कोलाहल, उत्क्रोश, शोरोगुल, भीड, मदोह, सकुल, मारपीट, दगा, युद्ध, समर, जग।
हंगामःआरा (ہنگامہ آرا) फा वि –उपद्रव करनेवाला, फसाद मचानेवाला, युद्ध करनेवाला, लडनेवाला।
हंगाम आराई (ہنگامہ آرائی) फा स्त्री –उपद्रव करना, फसाद मचाना, युद्ध करना, लडना।
हगाम खेज़ (ہنگامہ خیز) फा वि –उपद्रव और क्राति उत्पन्न करनेवाली बात, क्राति-उत्पादक।
हगाम खेज़ी (ہنگامہ خیزی) फा स्त्री –उपद्रव और क्राति।
हंगामःगर्मकुन (ہنگامہ گرم کن) फा वि –शोर-गुल और उपद्रव करनेवाला।
हगाम.गीर (ہنگامہ گیر) फा वि –भीड इकट्ठी करनेवाला, मज्मा' लगानेवाला।
हंगाम गीरी (ہنگامہ گیری) फा स्त्री –भीड इकट्ठी करना, मज्मा इकट्ठा करना।
हगाम.पर्दाज़ (ہنگامہ پرداز) फा वि –उपद्रव खडा करने वाला, फसाद पैदा करनेवाला।
हगाम.पर्दाज़ी (ہنگامہ پردازی) फा स्त्री –उपद्रव खडा करना, फसाद मचाना।
हंगाम पर्वर (ہنگامہ پرور) फा वि –दे 'हगाम पर्दाज़'।
हंगामःपर्वरी (ہنگامہ پروری) फा स्त्री –दे 'हगाम-पर्दाज़ी'।
हंगाम पसंद (ہنگامہ پسند) फा वि –जो चाहता हो कि हगामे होते रहे, झगडे-बखेडो का शौकीन।
हगाम पसदी (ہنگامہ پسندی) फा स्त्री –हगामे पसद करना।
हंगाम बन्दी (ہنگامہ بندی) फा स्त्री –दिखावा, तडक-भडक।
हगाम (ہنگام) फा पु –समय, काल, वक्त, ऋतु, मौसम।
हंगामए कारज़ार (ہنگامۂ کارزار) फा पु –लडाई का हगामा, युद्ध, लडाई।
हंगामए कियामत (ہنگامۂ قیامت) फा अ पु –कियामत की भीडभाड, कियामत का शोरो-गुल।
हंगामए बग़ावत (ہنگامۂ بغاوت) फा अ पु –राजद्रोह का हगामा।

हंगामए मर्ग (هنگامۂ مرگ) फा पु —मौत का शोरोगुल।

हंगामए हश्र (هنگامۂ حشر) फा अ पु—दे 'हगामए कियामत'।

हंगामी (هنگامی) फा. वि —सामयिक, वक्ती, अस्थायी, आरिज़ी, क्षणिक, ज़रा सी देर का; आवश्यक, ज़रूरी, जैसे—'हगामी इज्लास'।

हंगामे नज़्अ (هنگامِ نزع) फा. अ पु —प्राण निकलने का समय, चद्रा, जाकनी।

हंगुफ्त (هنگفت) फा वि —मोटा, स्थूल, गफ, दबीज़, दलदार।

हंजरः (حنجرہ) अ पु —कठ, गला, जहाँ से आवाज़ निकलती है।

हंजर (حنجر) अ पु —दे. 'हजर'।

हंज़ल (حنظل) अ पु.—एक कडवा फल, इन्द्रायन।

हंजार (هنجار) फा पु.—पद्धति, शैली, ढग, तर्ज; मार्ग, पथ, रास्ता, नियम, काइदा।

हंदसः (هندسہ) अ. पु —दे. 'हिंदस', दोनो शुद्ध है, परन्तु उर्दू में वही प्रचलित है।

हक [ह़क़] (حق) अ पु —सत्य, सच; यथार्थ, वाकई, यथोचित, मुनासिब, स्वत्व, इस्तेहकाक, अधिकार, इख्तियार, पारिश्रमिक, मेहनताना, उत्कोच, रिश्वत, ईश्वर।

हक [ह्क] (حک) अ पु —खुरचना, छीलना; काटना, कलमज़द करना।

हक़अदेश (حق اندیش) अ फा वि —सच्ची बात सोचने-वाला, भलाई चाहनेवाला।

हकअ (ہقعہ) अ पु —पाँचवाँ नक्षत्र, मृगशिरा।

हकआगाह (حق آگاہ) अ फा वि —सत्यनिष्ठ, वाईमान, महात्मा, वलीअल्लाह।

हकगो (حق گو) अ फा वि —सत्यभाषी, सच्ची बात कहने-वाला।

हकगोई (حق گوئی) अ फा स्त्री —सच्ची बात कहना, सत्यवादिता।

हक तआला (حق تعالیٰ) अ पु —ईश्वर, परमात्मा।

हकतलफी (حق تلفی) अ स्त्री —किसी का हक या अधिकार मारा जाना, स्वत्व-हानि।

हकदार (حقدار) अ फा वि —अधिकारी, मुख्तार, पात्र, मुस्तहक, दायाधिकारी, तरिक पाने का मुस्तहक।

हकनाशनास (حق ناشناس) अ फा वि —जो खुदा को न पहचाने, जो सत्य को न पहचाने, कृतघ्न, एहसान-फरामोश।

हकनाशनासी (حق ناشناسی) अ फा स्त्री —खुदा को न पहचानना, सत्य को न पहचानना, कृतघ्नता, एहसान-फरामोशी।

हकनियोश (حق نیوش) अ फा वि —सच्ची वात सुनने-वाला।

हकनियोशी (حق نیوشی) अ फा स्त्री —सच्ची वात सुनना।

हकपरस्त (حق پرست) अ फा वि —सत्यनिष्ठ, सत्य का पुजारी, ईश्वर का पुजारी, धर्मात्मा।

हकपरस्ती (حق پرستی) अ फा. स्त्री —सत्यनिष्ठता, सत्य की पूजा, ईश्वर की पूजा, धर्मपरायणता।

हकपसंद (حق پسند) अ फा वि —जिसे सत्य पसद हो, सत्यनिष्ठ।

हकपसंदी (حق پسندی) अ फा स्त्री —सत्य को पसद करना, सत्यप्रियता।

हकफरामोश (حق فراموش) अ फा वि —कृतघ्न, एहसान न माननेवाला, एहसान और उपकार भूल जानेवाला, नमकहराम।

हकफरामोशी (حق فراموشی) अ फा. स्त्री —कृतघ्नता, एहसान भूल जाना, नमकहरामी।

हक बजानिब (حق بجانب) अ फा वि —जिसकी ओर सच्चाई हो, जो सत्य के पक्ष मे हो, जो अपनी वात में सच्चा हो।

हकबीं (حق بیں) अ फा वि —केवल सत्य को देखनेवाला, सत्यनिष्ठ, सत्यपरायण।

हकबीनी (حق بینی) अ फा स्त्री —सत्य को देखना, सत्य का पक्ष लेना, सत्यनिष्ठता।

हकम (حکم) अ वि —वह व्यक्ति जो दो आदमियो के बीच में पडकर उनका झगडा खत्म करा दे, पच, सरपच, मध्यस्थ।

हकमकाल (حق مقال) अ वि —दे 'हकगो'।

हकमकाली (حق مقالی) अ. स्त्री —दे 'हकगोई'।

हकरसानी (حق رسانی) अ फा स्त्री —किसी का हक उसको पहुँचाना, किसी का हक दिलाना।

हकरसी (حق رسی) अ फा. स्त्री —किसी का हक पहुँचना, किसी का हकदार होना।

हकशनास (حق شناس) अ फा वि —सत्य को पहचानने-वाला, ईश्वर को पहचनानेवाला।

हकशनासी (حق شناسی) अ फा स्त्री —सत्य को पहचानना, ईश्वर को पहचानना।

हकशिआर (حق شعار) अ वि —दे 'हकपसद'।

हकशिआरी (حق شعاری) अ स्त्री —दे 'हकपसदी'।

हकाइक़ (حقائق) अ पु —'हकीकत' का बहु, हकीकते।

हक़ाइक़पसंद (حقائق پسند) अ फा वि –हकीकत अर्थात् यथार्थता को पसद करनेवाला।

हक़ाइक़बीं (حقائق بیں) अ फा वि –हकीकत या यथार्थता देखनेवाला।

हक़ाइक़शनास (حقائق شناس) अ फा वि –हकीकत या यथार्थता को पहचाननेवाला।

हक़ारत (حقارت) अ स्त्री –तिरस्कार, अपमान, बेइज्जती।

हक़ारतआमेज़ (حقارت آمیز) अ फा वि –तिरस्कारपूर्ण, जिल्लतआमेज़।

हक़ीक़त (حقیقت) अ स्त्री –यथार्थता, वाकईयत, सत्यता, सच्चाई, मर्यादा, हैसियत।

हक़ीक़तआगाह (حقیقت آگاہ) अ फा वि –यथार्थता और सच्चाई क्या है इससे वाकिफ।

हक़ीक़तआश्ना (حقیقت آشنا) अ फा वि –दे 'हकीकत-आगाह'।

हक़ीक़तन (حقیقتاً) अ वि –यथार्थत, वास्तव में, वाकई, सचमुच।

हक़ीक़तपसंद (حقیقت پسند) अ फा वि –यथार्थता और सत्यता को पसद करनेवाला।

हक़ीक़तबयानी (حقیقت بیانی) अ स्त्री –सच्ची बात कहना, हकीकत बयान करना।

हकीकतबीं (حقیقت بیں) अ फा वि –हर बात मे यथार्थता और सच्चाई को देखनेवाला।

हकीकतशनास (حقیقت شناس) अ फा वि –यथार्थता को जाननेवाला।

हक़ीकते नफ़सुलअम्र (حقیقت نفس الامر) अ स्त्री –किसी घटना की यथार्थता।

हकीक़ते हाल (حقیقت حال) अ स्त्री –सच्चा हाल, अस्लियत, यथार्थता, वास्तविकता।

हक़ीक़ी (حقیقی) अ वि –सच्चा, अस्ली, वास्तविक, यथार्थ।

हकीम (حکیم) अ वि –वैद्य, तबीब, चिकित्सक, मुआलिज, वैज्ञानिक, साइसदाँ, मीमासक, फ्लासफर।

हकीमानः (حکیمانہ) अ फा वि –विज्ञानपूर्ण, फ्लासफरो-जैसा, विद्वज्जनो-जैसा, अक्लमदाना।

हक़ीर (حقیر) अ वि –तुच्छ, क्षुद्र, कमीना, अत्यल्प, बहुत छोटा, अति न्यून, बहुत थोडा।

हकीरतरीन (حقیرترین) अ फा वि –बहुत ही तुच्छ, बहुत ही कमीना, बहुत ही थोडा, बहुत ही छोटा।

हक्का (حقا) अ फा वि –ईश्वर की शपथ, खुदा की क़सम।

हक्काक (حکاک) अ पु –खुरचनेवाला, छीलनेवाला, नगीना आदि तराशनेवाला।

हक्क़ानी (حقانی) अ वि –ईश्वरीय, खुदाई, कोई ऐसा गाना जिसमे खुदा और रसूल का ज़िक्र हो।

हक्क़ानीयत (حقانیت) अ स्त्री –सत्यता, सच्चाई, यथा-र्थता, वाकईयत।

हक्कुज्जहमत (حق الزحمت) अ पु –किसी काम में तकलीफ और परिश्रम करने का हक, कमीशन, पारिश्रमिक।

हक्क़ुलइबाद (حق العباد) अ पु –आम लोगो का हक, जनता का हक, जिसका छीन लेना कानून मे भी और ईश्वर के यहाँ भी पाप है।

हक्क़ुलमेहनत (حق المحنت) अ पु –पारिश्रमिक, कमीशन।

हक्कुलयकीन (حق الیقین) अ पु –पूरा यकीन, कामिल यकीन, अटल विश्वास।

हक्क़ुल्लाह (حق اللہ) अ पु –ईश्वर का हक जो जनता पर है, जैसे—पूजा, व्रत और दूसरे धार्मिक कर्म।

हक्के आसाइश (حق آسائش) अ फा पु –वह हक जो एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति को देने के लिए बाध्य है, सुखाधिकार।

हक्के ज़ौजीयत (حق زوجیت) अ पु –वह हक जो पत्नी को अपने पति पर प्राप्त है, सहवास, मैथुन, स्त्री-प्रसग।

हक्के नमक (حق نمک) अ फा पु –किसी के नमक खाने का हक, नमक हलाल करना, कृतज्ञता।

हक्के मुरूर (حق مرور) अ पु –निकलने-पैठने और आने-जाने का हक जो हर व्यक्ति को प्राप्त है।

हक्के शुफ़अः (حق شفعہ) अ पु –पडोस की जमीन या मकान पर वह हक जो उसके बिकते समय पडोसी को प्राप्त रहता है कि वह ज़मीन या मकान सबसे पहले उसे मिले।

हक्कोइस्लाह (حک و اصلاح) अ स्त्री –किसी लेख मे काट-छाँट और सशोधन।

हक्क़ो सदाक़त (حق و صداقت) अ स्त्री –सत्यता और यथार्थता।

हज[ज्ज] (حج) अ पु –मुसलमानो का एक धार्मिक कृत्य जो मक्के (अरब) में जाकर अदा करना पडता है और धनाढ्य लोगो को उम्र मे एक बार उसके करने का हुक्म है।

हज़[ज़्ज़] (حظ) पु –आनद, मज़ा, सुख, राहत, हर्ष, खुशी, भाग, हिस्सा।

हजज (ہزج) अ पु –सुरीली आवाज़, दे 'बहे हजज'।

हजद (ہزد) फा पु –एक पानी का जानवर, ऊद।

हज़न (حزن) अ पु –दुःख, क्लेश, कष्ट, मुसीबत, शोक, खेद, गम।

हज़यान (هذیان) अ पु –वह बकवास जो रोगी बेहोशी की अवस्था में करता है, बडबडाहट, बकवास, खुराफात, दे 'हज़्यान', दोनो शुद्ध है।

हज़र (حذر) अ पु –बचाव, उपेक्षा, परहेज; भय, त्रास, डर।

हज़र (حضر) अ पु –घर में रहना, उपस्थिति, मौजूदगी, 'सफर' का उलटा।

हजर (حجر) अ पु –पाषाण, प्रस्तर, पत्थर।

हजरी (حجری) अ वि –पत्थर का, पत्थर का बना हुआ।

हजरीयत (حجریت) अ स्त्री.–पत्थरपन, पथरीलापन।

हजरुलबक़र (حجرالبقر) अ पु –गोरोचन, एक पत्थर जो गाय या बैल के मूत्राशय मे पड जाता है।

हजरुलयहूद (حجرالیهود) अ पु –एक पत्थर जो दवा मे काम आता है।

हजरे अस्वद (حجر اسود) अ पु –वह काला पत्थर जो मक्के मे है और जिसकी परिक्रमा हज मे की जाती है।

हजलः (حجله) अ पु –दुल्हन का कमरा, दुल्हन का छपरखट, दे. 'हज्ल', दोनो शुद्ध है।

हज़ाइर (حظائر) अ पु –'हज़ीर' का बहु, बाडे।

हज़ाक़त (حذاقت) अ. स्त्री –दक्षता, प्रवीणता, कुशलता, महारत, विद्वत्ता, निपुणता, चातुर्य, दानाई।

हज़ाक़तमआब (حذاقت‌مآب) अ. वि –बहुत ही दक्ष और कुशल, बहुत ही विद्वान् और निपुण।

हज़ाज़ (حزاز) अ स्त्री –बफा, सर की भूसी।

हज़ाजिर (حضاجر) अ. पु –बिज्जू, हुडार, एक मृताशी जतु, जो विशेषत कब्रिस्तान मे मुर्दे खाता है।

हजामत (حجامت) अ स्त्री.–बाल बनाना, बाल बनवाना, दे. 'हिजामत'।

हज़ामत (حزامت) अ स्त्री –दक्षता, कुशलता, प्रवीणता, होशियारी।

हज़ारः (هزاره) फा पु –एक फूल, पौदो को पानी देने का एक पात्र, जिसकी टोटी में 'फव्वार' होता है।

हज़ार (هزار) फा वि –दस सौ की सख्या, सहस्र, दस सौ का अक, (पु) बुलबुल, "तुम सलामत रहो हज़ार बरस। हर बरस के हो दिन पचास हज़ार।"–गालिब।

हज़ारआवाज़ (هزارآواز) फा वि –बहुत से स्वर निकालनेवाला, (पु) बुलबुल, गोवत्सक।

हज़ारखानः (هزارخانه) फा पु –बकरी या भेड की ओझडी, पेट की थैली, पक्वाशय।

हज़ारगाईद. (هزارگائیده) फा स्त्री –बहुत ही व्यभिचारिणी, अति कुलटा।

हज़ारचंद (هزارچند) फा वि –हजारगुना, बहुत अधिक।

हज़ारचश्मः (هزارچشمه) फा पु –केकडा, कर्कट, कैंसर का रोग, अदीठ, सर्तान।

हज़ारचश्म (هزارچشم) फा वि –हज़ार आँखोवाला, सहस्रनेत्र।

हज़ारदानः (هزاردانه) फा पु –एक पौदा, हज़ार मनको की माला।

हज़ारदास्ताँ (هزاردستان) फा पु –बुलबुल, एक प्रसिद्ध गानेवाली चिडिया।

हज़ारपा (هزارپا) फा पु –कनखजूरा, शतपाद, चित्रगी, (वि) सहस्रपद, हजार पॉववाला।

हज़ारपायः (هزارپایه) फा पु –दे 'हज़ारपा'।

हज़ारमेख़ (هزارمیخ) फा पु –गुदडी, कथा।

हज़ारसुतून (هزارستون) फा पु –वह भवन या इमारत जिसमे हज़ार खभे हो।

हज़ारहा (هزارها) फा वि –हज़ारो, सहस्रो।

हज़ारहैफ (هزارحیف) फा अ वि –बहुत-बहुत पश्चात्ताप।

हज़ाराँ (هزاران) फा. वि –हज़ारो, सहस्रो।

हज़ाराँ हज़ार (هزاران هزار) फा वि –हज़ारो, सहस्रो।

हज़ारी (هزاری) फा वि –एक हज़ारवाला, एक हज़ार से सम्बन्धित।

हज़िक़ (حذق) अ वि –बुद्धिमान्, अक्लमद, दक्ष, कुशल, होशियार, प्रतिभाशाली, ज़हीन।

हज़िन (حزن) अ वि –दु खित, शोकान्वित, रजीद।

हज़िर (حذر) अ वि –डरनेवाला, भयभीत, चौकन्ना, सतर्क।

हज़ीं (حزیں) अ वि –'हज़ीन' का लघु, दे 'हज़ीन'।

हज़ीज़ (حضیض) अ स्त्री –गढा, निचाई, पस्ती, अवनति, ज़वाल।

हज़ीज़ (هضیض) अ. वि –भग्न, विच्छिन्न, खडित, टूटा हुआ।

हज़ीन. (حزینه) अ वि –दु खी स्त्री, क्लेशिता, पीडिता।

हज़ीनः (هزینه) अ पु –बीवी-बच्चो का खर्च– व्यय, खर्च, कोप, खज़ाना, (वि) नित्य, हमेशा।

हज़ीन (حزین) अ वि –दु खित, क्लेशित, पीडित, रजीद।

हजीन (هجین) अ वि –अधम, नीच, कमीना, वर्णसकर, दोगला।

हज़ीमः (هضیمه) अ पु –मौत का खाना।

हज़ीमत (هزیمت) अ स्त्री –पराजय, हार, शिकस्त, हारकर सेना का तितर-बितर हो जाना।

हज़ीमत (هضیمت) अ स्त्री –अत्याचार, अनीति, जुल्म, क्रोध, कोप, गुस्सा।

हज़ीमतख़ुर्दः (ہزیمت‌خوردہ) अ फा वि –पराजित, परास्त, हारा हुआ।

हज़ीरः (حظیرہ) अ पु –वाडा, चौपायो के रहने का घेरा।

हजीर (ھجیر) अ स्त्री –दोपहर की गर्मी, दोपहर की कडी धूप, (पु) बडा हौज।

हज़ीर (حذیر) अ वि –डरपोक, भीरु, त्रस्त, भयभीत, खाइफ।

हज़ीर (ھزیر) बुद्धिमान्, मेधावी, अक्लमद।

हज़ून (ھدون) अ वि –आलसी, काहिल, सुस्त।

हज़ूर (حذور) अ वि –डरनेवाला, भय खानेवाला, त्रस्त, डरा हुआ, भीरु, डरपोक।

हज़ूल (ھدول) अ वि –व्यभिचारिणी, कुलटा, फाहिशः।

हज़्ज़त (ھزت) अ स्त्री –आनद, ऐश, भोग-विलास।

हज्जाज (حجاج) अ वि –बहुत अधिक वाक्कलह करनेवाला, हुज्जती।

हज्जाम (حجام) अ पु –नापित, क्षौरिक, नाई, पछने लगानेवाला, सिंघी लगानेवाला।

हज़्ज़ाल (ہزال) अ वि –बहुत अधिक निन्दाजनक बातें करनेवाला।

हज्जे अक्बर (حج اکبر) अ पु –वह हज जिसमे हज के दिन शुक्रवार पडे।

हज़्ज़े नफ़्सानी (حظ نفسانی) अ पु –इद्रियो का सुख, भोग-विलास आदि का आनद, जीवन-सुख।

हज़्ज़े रूहानी (حظ روحانی) अ पु –आत्मा सम्बन्धी सुख, जप-तप आराधना आदि का आनद।

हज्दः (ھژدہ - ھجدہ) फा वि –अट्ठारह, अष्टादश।

हज्दःहज़ार (ھژدہ‌ہزار) फा. वि –अट्ठारह हज़ार।

हज्दहुम (ھژدھم) फा वि –अट्ठारहवाँ।

हज़्न (حضن) अ पु –बच्चो का पालन-पोषण, चिडियो का अडे सेना।

हज़्फ़ (حذف) अ पुं –विच्छेद, अलग कर देना, किसी शब्द से एक अक्षर कम कर देना।

हज्मः (ھجمہ) अ पु –चालीस ऊँटो से अधिक का गल्ला।

हज्म (حجم) अ पु –मोटाई, दल, स्थूलता।

हज़्म (حزم) अ पु –दक्षता, कुशलता, होशियारी, सावधानी, सतर्कता, चौकसी, दूरदर्शिता, दूरबीनी।

हज़्म (ھزم) अ पु –सेना का तितर-बितर हो जाना, परास्त होकर सेना का भागना।

हज़्म (ھضم) अ पु –पक्वाशय मे भोजन का पकना, पाक, पचन, पाचन-शक्ति, हाज़िम।

हज़्मे कामिल (ھضم کامل) अ पु –पक्वाशय मे अन्न का पूर्ण रूप से पच जाना।

हज़्मे गिज़ा (ھضم غذا) अ फा पु –पक्वाशय मे अन्न का पचना, अन्नपाक।

हज्मे ज़ख़ीम (حجم ضخیم) अ पु –बहुत काफी मोटाई।

हज़्मे नाक़िस (ھضم ناقص) अ पु –पक्वाशय मे अन्न का पूर्ण रूप से न पकना।

हज़्मे सहीह (ھضم صحیح) अ पु –दे 'हज़्मे कामिल'।

हज़्मो एहतियात (حزم و احتیاط) अ –सावधानी और दूरदर्शिता।

हज़्मो शिकस्त (ھزم و شکست) अ फा स्त्री –सेना की हार और भगदड।

हज़्र (ھذر) अ पु –बकवास, वाचालता, मुखरता, जल्प।

हज्र (حجر) अ पु –कुक्ष, बगल, क्रोड, गोद, आगोश।

हज्र (ھجر) अ पु –वियोग, जुदाई, मध्याह्न, दोपहर, रोगी की बकवास, हज़्यान।

हज़्र (حزر) अ पु –खेत मे खडे हुए नाज का अदाज़, कूत; पेड मे लगे हुए फलो का अनुमान।

हज़्रत (حضرت) अ पु –किसी बडे व्यक्ति के नाम से पहले सम्मानार्थ लगाया जानेवाला शब्द, कोई प्रतिष्ठित और पूज्य व्यक्ति, (व्यग) धूर्त, चालाक, पाखडी, ऐयार, बदमाश।

हज़्रत सलामत (حضرت سلامت) अ पु –प्रतिष्ठित जनो के लिए सबोधन का शब्द।

हज़्रते अक़्दस (حضرت اقدس) अ पु –पूज्य और पवित्र व्यक्ति के लिए व्यवहृत शब्द।

हज़्रते आली (حضرت عالی) अ पु –दे 'हज़्रते अक़्दस'।

हज़्रते मोहतरम (حضرت محترم) अ पु –दे 'हज़्रते अक़्दस'।

हज़्रते वाइज़ (حضرت واعظ) अ पु –उर्दू साहित्य मे वह धर्मोपदेशक व्यक्ति जो शराब न पीने के लिए बाध्य करता और इसके विरुद्ध धार्मिक दलीले बयान करता है।

हज़्रते वाला (حضرت والا) अ पु –दे 'हज़्रते अक़्दस'।

हज़्रते शैख़ (حضرت شیخ) अ पु –उर्दू साहित्य मे वह धार्मिक व्यक्ति जो बुरे कामो मे रोकता, शराब से मना करता और नमाज़ आदि की पाबदी के लिये समझाता है।

हज़्रात (حضرات) अ पु –'हज़्रत' का बहु, व्यक्तियो लोग।

हज्लः (حجلہ) अ पु –दुल्हन का सजा हुआ कोठा या छपरखट, दे 'हजल', दोनो शुद्ध है।

हज़्ल (هزل) अ पु –अश्लीलता, फक्कडपन, अश्लील कविता।

हज़्ल (هجل) अ पु –पहाड़ो के वीच की नीची भूमि।

हज़्लए अरूसी (حجلۂ عروسی) अ पु –नवविवाहिता का सजा हुआ हुआ छपरखट या कोठा।

हज़्लगो (هزل گو) अ फा वि –अश्लील और हँसानेवाली कविता करनेवाला।

हज़्लगोई (هزل گوئی) अ फा स्त्री –अश्लील कविता करना।

हज़्लपसंद (هزل پسند) अ फा वि –जिसे फक्कडपन अच्छा लगे, जो अश्लील कविता पसद करे।

हज़्लीयात (هزلیات) अ स्त्री –अश्लील काव्य-सग्रह।

हज़्लोतफन्नुन (هزل و تفنن) अ पु –फक्कडपन और मज़ाक।

हज़्व (حذو) अ पुं –दो वस्तुओ को परस्पर वरावर करना।

हज्व (هجو) अ स्त्री –निंदा, तिरस्कार, अपमान, ऐसी कविता जिसमे किसी की निंदा की जाय।

हज्वगो (هجوگو) अ. फा वि –वह कवि जो अपनी कविता में लोगो की निंदा करता हो।

हज्वगोई (هجوگوئی) अ फा स्त्री –कविता मे दूसरो की निंदा करना।

हज्वीयात (هجویات) अ. स्त्री –दूसरो की निंदा मे की गयी कविताओ का सग्रह।

हज्वे मलीह (هجو ملیح) अ स्त्री –ऐसी निंदा जो देखने में प्रशसा जान पडे, व्याजनिदा।

हज्वे सरीह (هجو صریح) अ स्त्री –स्पष्ट निंदा, साफ-साफ निंदा, जिसमें कोई दुराव न हो।

हज़्हाज़ (هزهاز) अ. पु –वुलाना, पुकारना।

हतव (حطب) अ स्त्री –जलाने की लकडी, ईंधन।

हतिम (حطم) अ वि –भग्न, विच्छिन्न, टूटा हुआ, शिकस्त।

हतिल (هطل) अ वि –वहुत वरसनेवाली घटा।

हतीम (حطیم) अ पु –भग्न, खडित, टूटा हुआ, का'वे की पच्छिमी दीवार।

हत्क (حتک) अ पु –दौड कर चलना, भागना।

हत्क (هتک) अ स्त्री –अपमान, तिरस्कार, वेइज़्ज़ती।

हत्के इज़्ज़त (هتک عزت) अ स्त्री.–मानहानि, इज़्ज़त पर हम्ला, तौहीन।

हत्तलइम्कान (حتی الامکان) अ वि –जहाँ तक मुम्किन है, यथासभव।

हत्तल इस्तिताअत (حتی الاستطاعت) अ. वि –जहाँ तक मक्दूर है, यथासामर्थ्य।

हत्तलमक्दूर (حتی المقدور) अ वि –जहाँ तक शक्ति है, यथाशक्ति, यथाशक्य, यथासाध्य।

हत्तलवुस्अ (حتی الوسع) अ वि –दे 'हत्तलमक्दूर'।

हत्ता (حتیٰ) अ वि –जव तक, जहाँ तक, यावत्, यथा।

हत्ताक (هتاک) अ वि –अपमान करनेवाला, छिद्रान्वेषी।

हत्तात (حتات) अ वि –वकवासी, मुखर, वाचाल, फुर्तीला, चुस्त, चालाक।

हत्ताव (حطاب) अ पु –लकडहारा, लकडियाँ वेचनेवाला।

हत्न (حتن) अ पु –गर्मी की तेजी।

हत्फ (حتف) अ पु –मृत्यु, मरण, निधन, मौत।

हत्फ (هتف) अ पु –आवाज़, स्वर, शब्द।

हत्म (حتم) अ पु –दृढता, मज़वूती, पुख़्तगी।

हत्मन (حتماً) अ वि –दे 'हत्मी'।

हत्मी (حتمی) अ वि –निश्चित रूप से, पुख़्त तौर पर, यकीनी।

हत्ल (هطل) अ पु –मेंह का वरावर वरसना, झडी लगना; आँसुओ की झडी।

हद [द्द] (حد) अ स्त्री –पराकाष्ठा, किनारा, अख़ीर; सीमा, छोर, ओट, आड।

हदक़ः (حدقہ) अ पु –आँख का कालापन, पुतली, कनीनी।

हदक (حدق) अ पु –'हदक' का वहु, आँख की पुतलियाँ, आँख की सियाहियाँ, वेंगन, भाँटा।

हदफ (هدف) अ पु –लक्ष्य, निशाना, ऊँचा पुश्ता, वह गोलाई जिस पर निशाना सीखने के लिए गोलियाँ मारते है।

हदफे तीर (هدف تیر) अ फा पु –तीर का निशाना मारने का स्थान, लक्ष्य, जिस पर तीर मारे जायँ।

हदफे मलामत (هدف ملامت) अ पु –जिस पर चारो ओर से धिक्कार पडे, जिसकी सव निंदा करे।

हदवंदी (حدبندی) अ फा स्त्री –दो चीज़ो या ज़मीनो के वीच में ऐसा चिह्न जो दोनो की सीमा निश्चित करे।

हदब. (حدبہ) अ पु –कूवड, कुवडापन, कुब्ज।

हदव (حدب) अ पु –कुवडापन, कुब्ज, टीला, उठी हुई ज़मीन।

हदर (هدر) अ पु –किसी का वध जाइज़ हो जाना, खून मुआफ हो जाना।

हदस (حدث) अ पु –वह चीज़ जिससे वज़ू टूट जाय।

हदसात (حدثات) अ स्त्री –'हदस' का वहु, युवा स्त्रियाँ, जवान औरते।

हदाइक (حدائق) अ पु –'हदीक' का वहु, वग़ीचे, वाग।

हदाया (هدایا) अ पु –'हदीय' का वहु, तोहफे, भेंटे, नज़्राने।

हदासत (حداثت) अ स्त्री –नूतनता, नयापन, आरम्भ, शुरूआत।

हदासते सिन (حداثت سن) अ स्त्री –बाल्यावस्था, बचपन।

हदीक़ः (حدیقہ) अ पु –वह बाग जिसके चारो ओर दीवार हो।

हदीद (حدید) अ पु –लोहा, लौह, फौलाद, तेज और धारदार पदार्थ।

हदीयः (ھدیہ) अ पु –पुरस्कार, उपहार, भेट, नज्र, दे 'हद्य', दोनो शुद्ध है।

हदीस (حدیث) अ स्त्री –नयी बात, नयी खबर, पैगबर साहिब की फरमाई हुई बात।

हद्क़ः (حدقہ) अ पु –आँख की गोलाई, आँख का हल्का।

हद्दाद (حداد) अ वि –लोहकार, लुहार, कारा-रक्षक, बधनपाल, जेलर।

हद्दादी (حدادی) अ स्त्री –लुहार का काम।

हद्दे अदब (حد ادب) अ स्त्री –आदर और लिहाज़ की अतिम सीमा, जहाँ तक आदर किया जा सके।

हद्दे फासिल (حد فاصل) अ स्त्री –दो पदार्थों के बीच मे अतर डालनेवाली वस्तु, ओट, आड।

हद्दे शरई (حد شرعی) अ स्त्री –वह सजा जो इस्लाम धर्म के अनुसार दी जाय।

हद्बा (حدبا) अ स्त्री –कुब्जा, कुबडी स्त्री।

हद्म (ھدم) अ पु –ढाना, गिराना, तोड-फोड करना, निर्जनता, वीरानी।

हद्यः (ھدیہ) अ पु –उपहार, भेंट, तोहफा, दे 'हदीय', दोनो शुद्ध है।

हद्र (ھدر) अ पु –दे 'हदर', दोनो शुद्ध है।

हद्सः (حدثہ) अ स्त्री –युवा स्त्री, जवान औरत।

हद्स (حدس) अ पु –प्रतिभा, चातुर्य, जहानत, बुद्धिमत्ता, मेधा, अक्लमदी।

हनक (حنک) अ पु –तालु, तालू।

हनक़ (حنق) अ पु –द्वेष, कीन, बुग्ज, शत्रुता वैर, दुश्मनी।

हनकी (حنکی) अ वि –वह अक्षर जो तालू से उच्चरित हो, तालव्य।

हनफी (حنفی) अ वि –इमाम अबू हनीफ के अनुयायी मुसलमान।

हनी (ھنی) अ वि –पाचक, हाज़िम, स्वादिष्ठ, लज़ीज़, सुगम, सहज।

हनीन (حنین) अ पु –विलाप, रोना-पीटना, कामना, चाह, इच्छा।

हनीफ (حنیف) अ वि –धर्मपरायण, सत्यनिष्ठ, धर्म मे पक्का, हज़्रत इब्राहीम के धर्म का अनुयायी।

हनीफी (حنیفی) अ वि –धर्मनिष्ठ, धर्म मे अटल, हज़्रत इब्राहीम के धर्म को माननेवाला।

हनूत (حنوط) अ पु –वह सुगधित पदार्थ जो मृतक शरीर पर मला जाय।

हनूद (ھنود) अ पु –'हिंदू' का बहु, हिंदू लोग।

हनोज़ (ھنوز) फा अव्य –अभी तक, अब भी, अब तक, अद्यापि।

हन्नात (حناط) अ वि –गेहूँ बेचनेवाला, सुगध बेचनेवाला, गधी।

हन्नानः (حنانہ) अ वि –बहुत रोनेवाला।

हन्नान (حنان) अ वि –मोक्ष देनेवाला, कृपा करनेवाला, ईश्वर का एक नाम।

हफद (حفد) अ पु –'हाफिद' का बहु, सहायक जन, मददगार लोग।

हफनज़र (حفعسطر) अ वा –ईश्वर बुरी दृष्टि के प्रभाव से रक्षा करे।

हफवत (ھفوت) अ स्त्री –अपवाद, बकवास, अनर्गल प्रलाप।

हफवात (ھفوات) अ स्त्री –'हफवत' का बहु, अनर्गल और व्यर्थ की बाते।

हफादत (حفادت) अ स्त्री –कृपा, अनुकपा, दया, मेहरबानी, हर्ष, प्रसन्नता, खुशी, दे 'हिफादत', दोनो शुद्ध है।

हफीज़ (حفیظ) अ वि –रक्षक, सरक्षक, देख-रेख करनेवाला, ईश्वर का एक नाम।

हफीर (حفیر) अ वि –गर्त, गढ़ा, कब्र, गोर।

हफ्त (ھفتہ) फा पु –सात दिनो का समय, सप्ताह, शनिवार, सनीचर।

हफ्त वार (ھفتہوار) फा वि –साप्ताहिक, हफ्ते मे एक बार होनेवाला।

हफ्त दोस्त (ھفتہدوست) फा वि –वह व्यक्ति जिसमे दूर की जान-पहचान हो।

हफ्त वारी (ھفتہواری) फा स्त्री –दे 'हफ्त वार'।

हफ्त (ھفت) फा वि –सात की सख्या, सात।

हफ्तअदाम (ھفت اندام) फा स्त्री –एक बडी रग जिसकी फस्द खोली जाती है।

हफ्तअख्तर (ھفت اختر) फा पु –सातो सितारे, सातो ग्रह, सप्तग्रह।

हफ़्तइक्लीम (هفت اقلیم) फा अ स्त्री.–सातो महाद्वीप अर्थात् सारी दुनया।

हफ़्तऔरंग (هفت اورنگ) फा पु –सप्तर्षि, बनातुन्ना'श।

हफ़्तक़लम (هفت قلم) फा अ. वि –अरबी-फारसी की सातो लिपियाँ लिखनेवाला।

हफ़्तकिश्वर (هفت کشور) फा पु –दे. 'हफ़्तइक्लीम'।

हफ़्त कुल्ज़ुम (هفت قلزم) फा अ. पु –सातो महासागर, अर्थात् सारे समुद्र।

हफ़्तख़्वाँ (هفت خوان) फा पु.–वह सातो मंज़िलें जो रुस्तम को तै करनी पडी थी।

हफ़्तगुंबद (هفت گنبد) फा पु –सातो आकाश।

हफ़्तज़बाँ (هفت زبان) फा वि–जो सात भाषाएँ जानता हो।

हफ़्तजोश (هفت جوش) फा पुं–सातो धातुओं का योग।

हफ़्ततबक़ (هفت طبق) फा अ. पु –पृथ्वी के सातो तल।

हस्तदर्या (هفت دریا) फा. पु –दे 'हाफ्तकुल्ज़ुम'।

हफ़्तदह (هفت ده) फा वि –सत्रह, सप्तदश।

हफ़्तदोज़ख़ (هفت دوزخ) फा पु –नरक के सातो भाग।

हफ़्तपर्दः (هفت پرده) फा पुं –सातो आकाश।

हफ़्तपुश्त (هفت پشت) फा स्त्री –सात पीढ़ियाँ, पुश्त दर पुश्त।

हफ़्तपैकरः (هفت پیکر) फा पु –सातो सितारे, सप्तग्रह।

हफ़्तमंज़िल (هفت منزل) फा अ. स्त्री –सातो तल; सात मालाओं का भवन।

हफ़्तरंग (هفت رنگ) फा वि –सात रंगोंवाला।

हफ़्तरोज़ः (هفت روزه) फा वि –साप्ताहिक, सात दिन मे पड़ने या होनेवाला, साप्ताहिक पत्र, हफ़्तवार अख़बार।

हफ़्तसालः (هفت ساله) फा वि –सप्तवर्षीय, सात बरस-वाला।

हफ़्तहज़ारी (هفت هزاری) फा पु –मुग़ल राजकाल की एक प्रतिष्ठित पदवी; इस पदवी का अधिकारी।

हफ़्तहैकल (هفت هیکل) फा अ स्त्री –जीवरक्षा की सात दुआएँ।

हफ़्ताद (هفتاد) फा वि –सत्तर।

हफ़्तादोदो (هفتاد و دو) फा वि –बहत्तर, सत्तर और दो।

हफ़्तुम (هفتم) फा वि –सातवाँ, सप्तम।

हफ़्तुमीं (هفتمین) फा वि –सातवाँ।

हफ़्दः (هفده) फा वि –'हफ़्तदह' का लघु, सत्तरह, सप्तदश।

हफ़्दहुम (هفدهم) फा वि –सत्तरहवाँ।

हफ़्र (حفر) अ. पुं –ज़मीन की खुदाई।

हफ़्ल (حفل) अ पु –भीड़, जमाव, जन-समूह, एकत्र करना, इकट्ठा करना।

हफ़्स (حفص) अ पु.–शेर का बच्चा, व्याघ्र-शावक।

हब[ब्ब] (حب) अ स्त्री –गोली, वटिका, वटी।

हबक (هبک) अ स्त्री –हथेली, करतल।

हबन्नक (هبنق) अ वि –मूर्ख, बौड़म, बुद्धू।

हबशः (حبشه) अ पु –दे. 'हब्श'।

हबश (حبش) अ पु –अफ़्रीका का एक प्रसिद्ध देश, हब्श।

हबशी (حبشی) अ वि –हब्श का निवासी।

हबाब (حباب) फा पु –बुल्बुल, बुद्बुद।

हबाबआसा (حباب آسا) फा वि –बुल्बुले-जैसा, बहुत ही नाज़ुक, क्षणभंगुर।

हबाबी (حبابی) फा वि –बुल्बुले की तरह नाज़ुक और क्षण-भगुर।

हबीब (حبیب) अ. वि –मित्र, सखा, दोस्त, प्रेमपात्र, मा'शूक़।

हबूत (هبوط) अ वि –नीचे उतरनेवाला।

हबूब (هبوب) अ पु –वायु का झक्कड़, धूल मिली हुई तेज़ हवा।

हब्बः (حبه) अ पु –दाना, बीज, रत्ती भर, आठ चावल का भार, बहुत थोड़ा, ज़रा सा।

हब्बज़ा (حبذا) अ. अव्य –वाह-वाह, धन्य-धन्य, साधु-साधु।

हब्बुज़्ज़लम (حب الزلم) अ पु –'ज़लम' एक औषध द्रव्य द्वारा निर्मित वटी, ज़लम की गोली।

हब्बुर्रशाद (حب الرشاد) अ पु –हालीन, एक दाना जो दवा में चलता है।

हब्बुलक़ुत्न (حب القطن) अ. पु –कपास का बीज, बिनौला।

हब्बुलग़ुराब (حب الغراب) अ पु –कुचला, एक विषैला दाना, विषमुष्टि, विषतुदक।

हब्बुलमुलूक (حب الملوک) अ पु.–जमालगोटा, दंतिका।

हब्बुस्सम्नः (حب السمنه) अ पु –चिरौंजी, एक प्रसिद्ध मेवा।

हब्बुस्सलातीन (حب السلاطین) अ पु –जमालगोटा, अजयपाल, दंतिका।

हबल (حبل) अ स्त्री –रस्सी, रज्जु, डोरा, तार, रग, धमनी।

हब्लुज़्ज़िराअ (حبل الذراع) अ. स्त्री –हाथ की एक रग।

हब्लुलमतीन (حبل المتین) अ स्त्री.–दृढ़ रस्सी।

हब्लुलवरीद (حبل الورید) अ स्त्री.–गर्दन की एक रग।

हब्स (حبس) अ पु –उपग्रह, कारावास, कैद, उमस, बरसात में हवा वद होने की अवस्था, अवरोध, रुकाव ।

हब्सीयात (حبسيات) अ स्त्री –कैद के समय की बातें या कविता आदि, कारागार सम्बन्धी चीजे ।

हब्से तम्स (حبس طمث) अ पु –मासिक धर्म का वद हो जाना ।

हब्से दम (حبس دم) अ फा पु –साँस रुकना, दम घुटना, श्वासरोध, साँस रोककर की जानेवाली एक तपस्या, कुभक प्राणायाम ।

हब्से दवाम (حبس دوام) अ पु –आजन्म कारावास, उम्र भर की कैद ।

हब्से बेजा (حبس بيجا) अ पु –अवैध रूप से किसी को वद रखना ।

हब्से बौल (حبس بول) अ पु –पेशाव का रुक जाना, मूत्र-निरोध, मूत्राघात ।

हब्से रियाह (حبس رياح) अ पु –पेट मे वायु का रुक जाना ।

हमः (همه) फा वि –सर्व, सव, कुल, समस्त, समग्र, समूचा, पूर्ण, पूरा ।

हमःउम्र (همه عمر) फा अ वि –सारी उम्र, आजीवन, जीवनभर ।

हमःऔक़ात (همه اوقات) फा अ वि –हर समय, हर वक्त ।

हमःख़ोर (همه خور) फा वि –सव कुछ खा जानेवाला, सर्वभक्षी, जिसे खाने में धर्माधर्म का विचार न हो ।

हमःख़ोरी (همه خوری) फा स्त्री –सव कुछ खा जाना, धमाधर्म का विचार किये विना जो पाना वह खा जाना ।

हम.गीर (همه گیر) फा वि –जो हर तरफ फैला और छाया हुआ हो, सर्वव्यापी, सार्वभौम ।

हम.गीरी (همه گیری) फा स्त्री –हर ओर फैला और छाया होना, सर्वव्यापित ।

हमःतन (همه تن) फा वि –सारे शरीर के साथ, अर्थात् पूरी तल्लीनता के साथ ।

हमःतनगोश (همه تن گوش) फा वि –जो सर से पाँव तक कान वन गया हो, अर्थात् जो किसी वात के सुनने के लिए वहुत अधिक उत्कठित हो, उत्कर्ण ।

हम.दाँ (همه دان) फा वि –सव कुछ जाननेवाला, सर्वज्ञ, वहुत वडा विद्वान् ।

हमः दानी (همه دانی) फा स्त्री –सव कुछ जानना, सर्वज्ञता, विद्वत्ता ।

हम दुश्मन (همه دشمن) फा वि –जो सवका शत्रु हो, जिसके सव शत्रु हो ।

हम'दोस्त (همه دوست) फा वि –जो सवका दोस्त हो, जिसके सव दोस्त हो ।

हम नें'मत (همه نعمت) फा अ स्त्री –सारी नें'मते, हर प्रकार की सुख-सामग्री ।

हम'वक्त (همه وقت) अ फा वि –हर समय, हर वक्त, हर दशा मे, हर हालत मे ।

हम'सम्त (همه سمت) फा अ वि –चारो ओर, चतुर्दिक्, चहुँपास, हर तरफ, सव ओर ।

हम साअत (همه ساعت) फा अ वि –प्रतिक्षण, हर लम्हः, हर समय, हर वक्त ।

हम सिफत (همه صفت) फा अ वि –सारे गुणोंवाला, सारी सिफतोवाला ।

हम सिफत मौसूफ (همه صفت موصوف) फा अ वि –सारे गुणो से भरा हुआ, जिसमे सारी खूवियाँ हो, सर्वगुणसपन्न ।

हम सू (همه سو) फा वि –हर ओर, हर तरफ, चतुर्दिक्, चहुँओर ।

हम (هم) फा उप –साथवाला, जैसे—'हमदम', वरावर-वाला, जैसे—'हमकीमत' आदि, (अव्य) भी, अपि, नीज ।

हम [स्म] (هم) अ पु –दुःख, खेद, रज, ताप, गम (जिसके आने का भय हो), रोग का शरीर को घुला देना, वच्चे को लोरी से सुलाना ।

हम (حم) अ पु –सुसराल के रिश्तेवाला, सुसराली रिश्तेदार ।

हमअकीद (هم عقيده) फा अ वि –किसी एक पथ के माननेवाले, सधर्मानुयायी, किसी एक वात पर विश्वास रखनेवाले ।

हमअलामत (هم علامت) फा अ वि –एक-जैसे लक्षणो-वाले, एक-जैसे चिह्नोवाले ।

हमअस्र (هم عصر) फा अ वि –एक समय मे होनेवाले व्यक्ति, समकालीन ।

हमअह्द (هم عهد) फा अ वि –दे 'हमअस्र' ।

हमआगोश (هم آغوش) फा वि –एक दूसरे को गोद में लिये हुए, आलिगित, वगलगीर ।

हमआगोशी (هم آغوشی) फा स्त्री –आलिंगन, वगलगीरी, एक दूसरे को गोद मे लेना ।

हम आवर्द (هم آورد) फा वि –प्रतिद्वद्वी, हरीफ, मुका-विल, सहव्यवसायी, हमपेशः ।

हमआवाज (هم آواز) फा वि –जिनकी आवाज एक-सी हो, जो किसी विषय मे सहमत हो ।

हमआहग (هم آهنگ) फा वि –एक-सी आवाजवाले, एक-से इरादेवाले, एक-सी रायवाले ।

हमआहंगी (هم آهنگی) फा स्त्री –एक-सी आवाज, एक-सा इरादा, एक-सी राय।

हमइनाँ (هم عناں) फा अ वि –साथ चलनेवाला, सहचर, सदृश, समान।

हमइयार (هم عیار) फा अ वि.–सदृश, समान, सहपद, हमदर्ज।

हमउम्र (هم عمر) फा अ वि –एक-सी आयुवाले, समवयस्क, समसामयिक, वय स्थ।

हमउम्री (هم عمری) फा अ स्त्री –आयु मे वरावरी, समवयस्कता, समावस्था, वयस्य भाव।

हमऔसाफ (هم اوصاف) फा अ वि –गुणो मे एक-जैसे व्यक्ति, एकगुण।

हमकद (هم قد) फा अ वि –एक-जैसे डीलवाला, समकाय।

हमकदम (هم قدم) फा अ वि –साथ-साथ चलनेवाले, सहचर।

हमकदमी (هم قدمی) फा अ स्त्री –साथ-साथ चलना।

हमकदह (هم قدح) फा अ वि –एक प्याले मे शराव पीनेवाले, वहुत ही घनिष्ठ शरावी दोस्त।

हमकद्र (هم قدر) फा अ वि –एक-जैसी प्रतिष्ठावाले, एक-जैसी इज्जतवाले।

हमकरीं (هم قرین) फा अ. वि –दे शुद्ध उच्चारण 'हमकिराँ'

हमकलम (هم قلم) फा अ वि –एक दफ्तर मे काम करनेवाले, एक दफ्तर के क्लर्क।

हमकलाम (هم کلام) फा अ वि –किसी के साथ वात करनेवाला या वात करता हुआ।

हमकलामी (هم کلامی) फा अ स्त्री –आपस की वातचीत, दो व्यक्तियों का परस्पर वार्तालाप।

हमकार (هم کار) फा अ वि –एक-सा काम करनेवाले।

हमकास (هم کاسه) फा वि –एक प्याले मे साथ-साथ खानेवाले अर्थात् घनिष्ठ मित्र।

हमकितार (هم قطار) फा अ वि –एक ही पंक्ति मे खडे हुए; एक ही वर्गवाले।

हमकिनार (هم کنار) फा वि –दे 'हमआगोश'।

हमकिनारी (هم کناری) फा स्त्री –दे 'हमआगोशी'।

हमक़िराँ (هم قراں) फा अ वि –साथ वैठनेवाला, मित्र, दोस्त, सभासद, मुसाहिव।

हमक़िरानी (هم قرانی) फा अ स्त्री –साथ उठना-वैठना, मैत्री, मुसाहवत।

हमकीमत (هم قیمت) फा अ वि –वरावर मूल्यवाले, एक-जैसे मोल के।

हमकुफ़्व (هم کفو) फा अ वि –एक गोत्रवाले, एक जातिवाले, समवर्ण, सहगोत्र, सजातीय।

हमकौम (هم قوم) फा अ वि –एक जातिवाले, सजातीय, एक राष्ट्रवाले, सहराष्ट्र।

हमख़याल (هم خیال) फा अ वि –एक रायवाले, सहमत, एक धर्म-विश्वासवाले।

हमख़याली (هم خیالی) फा अ स्त्री –राय का एक होना, धर्म-विश्वास अर्थात् अकीदे की यकसानियत।

हमख़वास (هم خواص) फा अ वि –एक-जैसी गुणवाली ओपधियाँ।

हमख़वासी (هم خواصی) फा अ स्त्री –एक-जैसे गुण होना।

हमख़ान: (هم خانه) फा वि –एक घर में रहनेवाले, सहनिवासी।

हमख़ानदान (هم خاندان) फा वि –एक वंशवाले, एकवंशीय।

हमख़ास्स: (هم خاصه) फा अ वि –दे 'हमखवास'।

हमख़ू (هم خو) फा वि –एक-से स्वभाववाले।

हमख़ूई (هم خوئی) फा स्त्री –स्वभाव का एक होना।

हमख़्वाब: (هم خوابه) फा स्त्री –साथ सोनेवाली अर्थात् पत्नी, भार्या, वीवी।

हमख़्वाब (هم خواب) फा वि –साथ सोनेवाला, सहशायी, अंकशायी।

हमख़्वाबी (هم خوابی) फा स्त्री –साथ-साथ सोना, सहशय्या।

हमगम (هم غم) फा वि –हमदर्द, सहानुभूति करनेवाला।

हमगमी (هم غمی) फा स्त्री –सहानुभूति, हमदर्दी।

हमगाँ (همگاں) फा वि –सर्व, सव।

हमगिनाँ (همگناں) फा वि –सर्व, सव, सव आदमी।

हमगीं (همگین) फा वि –सव, सर्व, तमाम।

हमगी (همگی) फा वि –दे 'हमगी'।

हमगुरोह (هم گروه) फा वि –एक दलवाले, यौथिक।

हमगोश: (هم گوشه) फा वि –हमसाय, पडोसी, हमजिंस, मित्र, दोस्त।

हमचश्म (هم چشم) फा वि –वरावरवाला, मित्र, दोस्त।

हमचश्मी (هم چشمی) फा स्त्री –मित्रता, दोस्ती, वरावरी।

हमचुनाँ (همچناں) फा वि –इतना, उसी तरह, उसी कदर।

हमचुनीं (همچنیں) फा वि –इतना, इस कदर।

हमचो (همچو) फा वि –समान, सदृश, तुल्य, मिस्ल।

हमज़: (همزه) अ पु –पैशाचिक विचार, शैतानी वस्वसे।

हमजब (ہمجنب) फा अ वि –पास बैठनेवाला, साथी, हमपहलू।

हमजबाँ (ہمزباں) फा वि –सहमत, एक राय, एक भाषा बोलनेवाले, दोस्त, मित्र।

हमजबानी (ہمزبانی) फा स्त्री –एकराय होना, एक भाषा बोलना, दोस्ती, मित्रता।

हमजमाअत (ہمجماعت) फा अ वि –एक वर्गवाले, सहवर्गीय, एक कक्षा मे साथ पढनेवाले, सहपाठी।

हमजल्स. (ہمجلسہ) फा अ वि –साथ बैठने-उठनेवाले, मित्र, दोस्त।

हमजात (ہمذات) फा अ वि –एक जातवाले, सहजाति।

हमजाद (ہمزاد) फा वि –साथ पैदा होनेवाला, सहजात, एक योनि-विशेष, वेताल।

हमजानू (ہمزانو) फा वि –साथ मिलकर बैठनेवाला, पहलू से पहलू या घुटने से घुटना मिलाकर बैठनेवाला।

हमजिंस (ہمجنس) फा अ वि –सजातीय, एक जात का व्यक्ति।

हमजिंसी (ہمجنسی) फा अ स्त्री –एक जाति का होना।

हम जिवार (ہمجوار) फा अ वि –पडोसी, प्रतिवासी, प्रतिवेशी।

हमजुल्फ (ہمزلف) फा पु –साढू, दो सगी बहनो के पति।

हमजोर (ہمزور) फा वि –शक्ति मे बराबर।

हमजौक (ہمذوق) फा अ वि –एक-जैसा शौक रखनेवाले।

हमतग (ہمتنگ) फा वि –अनुकूल, मुआफिक, समान, बराबर।

हमतग (ہمتگ) फा वि –कदम से कदम मिलाकर चलनेवाला।

हमतराज़ू (ہمترازو) फा वि –शक्ति मे बराबर, प्रतिद्वद्वी, मुकाबिल।

हमतरीक़ (ہمطریق) फा अ वि –एक रास्ते पर चलनेवाले, एक रास्ते के मुसाफिर।

हमतर्ज़ (ہمطرز) फा वि –एक-जैसी तर्जवाले।

हमतर्ह (ہمطرح) फा अ वि –एक-जैसे, यकसाँ, सदृश।

हमता (ہمتا) फा वि –समान, तुल्य, मिस्ल।

हमताई (ہمتائی) फा स्त्री –समानता, सदृशता, यकसानियत।

हमताले (ہمطالع) फा अ वि –एक-जैसी तक्दीरवाले।

हमदफ़्तर (ہمدفتر) फा वि –एकही आफिस मे काम करनेवाले।

हमदबिस्ताँ (ہمدبستاں) फा वि –एक पाठशाला मे साथ पढे हुए, सहपाठी।

हमदम (ہمدم) फा वि –हर समय का साथी, मित्र, दोस्त।

हमदर्द (ہمدرد) फा वि –दु ख-दर्द का साथी, सहानुभूति करनेवाला।

हमदर्दी (ہمدردی) फा स्त्री –सहानुभूति, दु ख-दर्द की शिर्कत।

हमदर्स (ہمدرس) फा अ वि –साथ पढनेवाला, सहपाठी।

हमदस्त (ہمدست) फा वि –शरीक, साझी, एक-जैसा, तुल्य।

हमदस्ती (ہمدستی) फा स्त्री –साझा, शिर्कत, एक-जैसा होना।

हमदामाँ (ہمداماں) फा पु –साढू, हमजुल्फ।

हमदास्ताँ (ہمداستاں) फा वि –वार्तालाप करनेवाला, हमकलाम।

हमदिगर (ہمدگر) फा वि –परस्पर, बाहम, आपस मे।

हमदिल (ہمدل) फा वि –मित्र, दोस्त।

हमदिली (ہمدلی) फा स्त्री –मित्रता, दोस्ती।

हमदीवार (ہمدیوار) फा वि –पडोसी, प्रतिवेशी।

हमदोश (ہمدوش) फा वि –बराबर-बराबर, मिल-जुलकर।

हमनफस (ہمنفس) फा अ वि –साथी, सगी, मित्र, दोस्त।

हमनफसी (ہمنفسی) फा अ स्त्री –मित्रता, दोस्ती, साथ, सग।

हमनबर्द (ہمنبرد) फा वि –प्रतिद्वद्वी, हरीफ।

हमनवर्द (ہمنورد) फा वि –दे 'हमनबर्द', साथ-साथ चलनेवाला, हमराही।

हमनवा (ہمنوا) फा वि –सहमत, एकराय।

हमनवाई (ہمنوائی) फा स्त्री –मतैक्य, राय की एकता।

हमनशीं (ہمنشیں) फा वि –साथ बैठनेवाला, मित्र, सभासद, मुसाहिब।

हमनशीनी (ہمنشینی) फा स्त्री –साथ बैठना-उठना, मुसाहबत।

हमनसब (ہمنسب) फा अ वि –एक वशवाले, सहवशीय।

हमनस्ल (ہمنسل) फा अ वि –एक जातिवाले, एक गोत्रवाले, सजातीय।

हमनाम (ہمنام) फा वि –एक नामवाले, जिनके एक ही नाम हो, समनाम।

हमनिवाल (ہمنوالہ) फा वि –साथ-साथ खानेवाले।

हमपज (ہمپنجہ) फा वि –समान, बराबर, शक्ति मे बराबरवाले।

हमपजगी (ہمپنجگی) फा स्त्री –समानता, बराबरी, शक्ति मे बराबरी।

हमपल्ल (ہمپلہ) फा वि –तुल्य, समान, बराबर, पद और दर्जे मे बराबर।

हमपहलू (همپہلو) फा. वि –पार्श्ववर्ती, पहलू में बैठनेवाला।

हमपा (همپا) फा वि –साथी, हमराही।

हमपायः (همپایہ) फा वि –दे 'हमपल्ल.'।

हमपियालः (همپیالہ) फा वि.–एक प्याले मे खाने-पीनेवाले।

हमपुश्त (همپشت) फा वि –सहायक, मददगार।

हमपेशः (همپیشہ) फा वि –एक ही व्यवसाय करनेवाले, सहवृत्ति, सहव्यवसायी।

हमपैमाँ (همپیماں) फा वि –एक प्रतिज्ञा मे बँधे हुए।

हमपैमानः (همپیمانہ) फा वि –एक प्याले में शराब पीनेवाले, घनिष्ठ मित्र शराबी।

हमबग़ल (همبغل) फा वि –आलिंगित, बग़लगीर, पार्श्व में बैठनेवाला।

हमबज़्म (همبزم) फा वि –एक सभा मे जाने-आनेवाले, एक सभा के सदस्य।

हमबाज़ (همباز) फा वि –शरीक, साझी, भागीदार।

हमबिस्तर (همبستر) फा वि –एक शय्या पर सोनेवाला (किसी के साथ); सहवास करनेवाला।

हमबिस्तरी (همبستری) फा स्त्री –किसी के साथ एक शय्या पर सोना; मैथुन करना, सहवास।

हममक्तब (هممکتب) फा अ वि –जो एक मक्तब मे साथ-साथ पढे हो, सहपाठी, सहाध्यायी।

हममज़्हब (هممذهب) फा. अ. वि.–एक धर्म के माननेवाले, सहधर्मी।

हममज़्हबीयत (هممذهبیت) फा अ स्त्री –एक धर्मावलबी होना।

हममर्कज़ (هممرکز) फा अ वि –जिन सबका एक केन्द्र हो, सहकेंद्र।

हममर्कज़ीयत (هممرکزیت) फा अ स्त्री –एक मर्कज़ी होना, एक केन्द्र से सम्बन्वित।

हममश्रब (هممشرب) फा अ वि –एक पथ के अनुयायी, एक आचार-विचारवाले।

हममश्रबीयत (هممشربیت) फा अ स्त्री –एक पथ का अनुकरण करना, एक आचार-विचार का होना।

हममा'ना (هممعنی) फा. अ. वि –एक अर्थवाले शब्द, पर्यायवाची, समानार्थक, एकार्थी।

हममुर्शिद (هممرشد) फा. अ वि –एक धर्मगुरु के माननेवाले।

हममुल्क (هممملک) फा अ. वि.–एक देश के निवासी, सजनपद।

हमरंग (همرنگ) फा. वि –एक-जैसे वर्णवाले, समवर्ण, एकवर्ण, एक-जैसे आचार-विचारवाले।

हमरंगी (همرنگی) फा स्त्री.–एक-जैसे रग का होना; एक-जैसे आचार-विचार का होना।

हमरहिम (همرحم) फा अ वि –सगा, सहोदर, सोदरीय, हक़ीकी।

हमराए (همرائے) फा वि –जिनकी राय एक हो, सहमत।

हमराज़ (همراز) फा वि.–जो किसी का गुप्त भेद जानता हो, मर्मज्ञ; मित्र, दोस्त।

हमराह (همراه) फा वि –रास्ते का साथी, साथ चलनेवाला, सहपथी, साथ।

हमराही (همراهی) फा पु –रास्ते मे साथ चलनेवाला, सहपथी, रस्ते में साथ चलना।

हमराहे रिकाब (همراه رکاب) फा. वि.–घुडसवार के साथ चलनेवाला, साथ चलनेवाला।

हमरिकाब (همرکاب) फा. वि –दे 'हमराहे रिकाब'।

हमरकाबी (همرکابی) फा. स्त्री –साथ चलना।

हमरिश्त: (همرشتہ) फा वि –एक डोरे मे पिराई हुई चीज़े, रिश्तेदार, स्वजन, सूत्रित, सलग्न, नत्थी, मुसलिक।

हमरिश्तगी (همرشتگی) फा स्त्री.–एक डोरे में पिरोया हुआ होना, रिश्तेदारी, नत्थी होना, सलग्न होना।

हमरुत्बः (همرتبہ) फा अ. वि –एक-जैसे पदवाले, एक श्रेणीवाले।

हमरोज़: (همروزہ) फा. वि –उसी दिन, उसी रोज़, उसी दिन का।

हमल (حمل) अ पुं –भेड़ या बकरी का बच्चा, मेष राशि, बुर्जे हमल।

हमवज़्न (هموزن) फा अ वि –तौल मे बराबर, समतुलित, छद की मात्राओं के हिसाब से बराबर, समान, तुल्य, मिस्ल।

हमवतन (هموطن) फा अ वि –एक नगर के रहनेवाले, एक देश के रहनेवाले।

हमवतनी (هموطنی) अ फा स्त्री –एक नगर या देश का निवास।

हमवारः (همواره) फा वि –सदा, सर्वदा, हमेशा, निरतर, लगातार।

हमवार (هموار) फा. वि –समतल, चौरस, अंगीकृत, राज़ी।

हमशक्ल (همشکل) फा. अ. वि –एक-जैसी शक्लवाले, एकरूप, अनुरूप, तद्रूप, समाकार।

हमशक्ली (همشکلی) फा अ स्त्री –रूप की समानता, एक-जैसा होना, एकरूपता, तद्रूपता, रूप-सादृश्य।

हमशबीह (همشبیہ) फा अ वि –दे 'हमशक्ल'।
हमशीरः (همشیرہ) फा स्त्री –भगिनी, सहोदरा, स्वसा, बहन।
हमशीर (همشیر) फा स्त्री –दे 'हमशीर'।
हमशीरज़ादः (همشیرزادہ) फा पु –बहन का लड़का, भानजा, भगिनीसुत, भागिनेय।
हमशोए (همشوے) फा स्त्री –एक शौहरवाली स्त्रियाँ, वह स्त्रियाँ जिनका पति एक हो।
हमशौहर (همشوہر) फा स्त्री –दे 'हमशोए'।
हमसंग (همسنگ) फा वि –हम वज़्न, बराबर, तुल्य, समान।
हमसफ़र (همسفر) फा अ वि –यात्रा का साथी, सहपथी, सहप्रयायी।
हमसफ़री (همسفری) फा अ स्त्री –यात्रा में साथ होना, सफ़र का साथ।
हमसफ़ीर (همصفیر) फा अ वि –बाग़ में साथ चहचहानेवाली चिड़ियाँ, मित्र, दोस्त।
हमसफ्र. (همسفرہ) फा अ वि –एक ही दस्तरख़्वान् पर खाना खानेवाले, घनिष्ठ मित्र।
हमसबक़ (همسبق) फा अ वि –साथ पढ़नेवाले, सहपाठी।
हमसर (همسر) फा वि –बराबर, समान।
हमसरी (همسری) फा स्त्री –समानता, बराबरी, उद्दंडता, अक्खड़पन।
हमसाज़ (همساز) फा वि –मित्र, दोस्त।
हमसाय. (ہمسایہ) फा पु –प्रतिवासी, पड़ोसी, प्रतिवेशी।
हमसायगी (ہمسایگی) फा स्त्री –पड़ोस, प्रतिवास।
हमसाल (همسال) फा वि –एक ही सन की पैदाइश, समसामायिक, हमउम्र।
हमसिन (همسن) फा अ वि –समवयस्क, वय स्थ, समसामयिक, एक उम्रवाले।
हमसिनी (همسنی) फा अ स्त्री –उम्र की बराबरी, सवयस्कता।
हमसिल्क (همسلک) फा अ पु –समधी, दूल्हा और दुल्हन के बाप आपस में।
हमसुख़न (همسخن) फा. वि –साथ-साथ बातें करनेवाले, साथ-साथ कविता करनेवाले।
हमसुख़नी (همسخنی) फा स्त्री –परस्पर वार्तालाप करना, साथ-साथ कविता करना।
हमसुहबत (همصحبت) फा अ वि –सहवास करनेवाला, हमबिस्तर, पास बैठने-उठनेवाला, सभासद।
हमसूरत (همصورت) फा अ वि –दे 'हमशक्ल'।
हमसौत (همصوت) फा अ वि –जिनकी आवाज़ एक-सी हो, हमआवाज़।
हमहम॰ (همہمہ) फा पु –शेर की दहाड़, सिंह-गर्जन, आतंक, धाक, ज़ोर-शोर, धूमधाम।
हमाँ (ہماں) फा वि –वही, वह।
हमाँदम (ہماں دم) फा अव्य –उसी समय, तत्क्षण, उसी वक्त।
हमाइद (حمائد) अ पु –'हमीद' का बहु, अच्छाइयाँ, ख़ूबियाँ।
हमाइल (حمائل) अ स्त्री –बग़ल में लटकाने की चीज़, छोटा कुरान, गरदन में पड़ा हुआ हाथ।
हमाक़त (حماقت) अ स्त्री –मूर्खता, मूढ़ता, निर्बुद्धता, बेवकूफ़ी, अज्ञान, जहालत।
हमाकतआगीं (حماقت آگیں) अ फा वि –मूर्खतापूर्ण, बेवकूफ़ी से भरा हुआ।
हमाकतआमेज़ (حماقت آمیز) अ. फा वि –दे 'हमाकतआगीं'।
हमाकतमआब (حماقت مآب) अ वि –बहुत बड़ा मूर्ख, जिसकी सारी बातें ही बेवकूफ़ी की होती हों।
हमाकतशिआर (حماقت شعار) अ वि –महामूर्ख, बहुत बड़ा बेवकूफ़।
हमाना (ہمانا) फा अव्य –निश्चित, यक़ीनी, कदाचित्, शायद, मानो, गोया, जैसे।
हमाम. (حمامہ) अ पु –हर वह पक्षी जिसके गले में कंठी हो, कबूतर, कपोत।
हमाम (حمام) अ पु –कपोत, पारावत, कबूतर।
हमारः (ہمارہ) फा पु –अनुमान, अंदाज़ा, सतत, सदा, हमेशा।
हमासत (حماست) अ स्त्री –वीरता, शूरता, शौर्य, बहादुरी।
हमाल (همال) अ वि –सदृश, समान, तुल्य, मिस्ल।
हमीं (ہمیں) फा वि –यही, यह।
हमीद॰ (حمیدہ) अ वि –साध्वी, पुनीता, पवित्रा, पूज्या, श्रेष्ठा और उत्तमा स्त्री।
हमीद (حمید) अ वि –पुनीत, सदाचारी, प्रशंसित, सराहनीय।
हमीम (حمیم) अ वि –गर्म, उष्ण, गर्म पानी, उष्ण जल, स्वजन, रिश्तेदार, जिसे ज्वर हो।
हमीयत (حمیت) अ स्त्री –लज्जा, लाज, ग़ैरत, स्वाभिमान, ख़ुददारी।
हमीर (حمیر) अ पु –'हिमार' का बहु, गधे।

हमेशः (همیشه) फा वि –सर्वदा, सदा, नित्य, हर वक्त, निरतर, लगातार, अधिकतर, प्राय ।

हमेशः पा (همیشه پا) फा वि –हमेशा रहनेवाला, बारहमासी ।

हमेशगी (همیشگی) फा स्त्री –नित्यता, निरतरता, सदवता ।

हम्जः (حمزه) अ पु –शेर, सिंह, व्याघ्र ।

हम्जः (همزة) अ स्त्री –अरबी का अलिफ जिस पर जबर, ज़ेर या पेश हो ।

हम्ज़ (همز) अ पु –निचोडना, आँख मारना ।

हम्द (حمد) अ स्त्री –प्रशसा, तारीफ, ईश्वर की स्तुति, खुदा की तारीफ ।

हम्दगो (حمدگو) अ फा –ईश्वर की वदना और स्तुति करनेवाला ।

हम्दसरा (حمدسرا) अ फा वि –ईश्वर का गुणगान करने-वला, स्तुति-पाठक ।

हम्दसराई (حمدسرائی) अ फा स्त्री –ईश्वर की स्तुति करना ।

हम्दूनः (حمدونه) फा पु –कपि, मर्कट, वानर, वदर ।

हम्दून (حمدون) फा. पु –शिश्न, मेहन, लिंग, केर ।

हम्माम (حمام) अ पु –स्नागार, गुस्लखाना, वह गुस्ल-खाना जिसमे गर्म कमरे हो और नहलानेवाले शरीर मलते और मैल छुडाते हो ।

हम्मामी (حمامی) अ वि –गर्म हम्माम के अन्दर नहलाने और देह मलनेवाला ।

हम्माल (حمال) अ पु –बोझ ढोनेवाला, भार-वाहक ।

हम्माली (حمالی) अ स्त्री –बोझ ढोने का काम, मज्दूरी ।

हम्रा (حمرا) अ वि –लाल रग की स्त्री, खूब गोरी स्त्री ।

हम्लः (حمله) अ पु –आघात, चोट, वार, आक्रमण, सेना का हम्ला, चढाई, युद्धयात्रा ।

हम्ल आवर (حمله آور) अ फा वि –आक्रमणकारी, हम्ला करनेवाला, आक्रामक ।

हम्ल·आवरी (حمله آوری) अ फा स्त्री –आक्रमण करना, चढाई करना, धावा बोलना ।

हम्ल.गीरी (حمله گیری) अ फा स्त्री –शत्रु के आक्रमण को सहन करना, हम्ला बरदाश्त करना ।

हम्ल.वर (حمله ور) अ फा वि –दे 'हम्ल आवर' ।

हम्ल.वरी (حمله وری) अ फा स्त्री –दे 'हम्ल आवरी' ।

हम्ल (حمل) अ पु –बोझ उठाना, बोझ, भार; विचार, खयाल; भारित, महमूल; गर्भ, पेट ।

हम्स (همس) अ स्त्री –नर्म आवाज, कोमल और मृदुल ध्वनि ।

हया (حیا) अ स्त्री –लज्जा, व्रीडा, शर्म ।

हयात (حیات) अ स्त्री –जीवन, ज़िंदगी ।

हयातीन (حیاتین) अ पु –विटॅमिन, जीवति ।

हयाते फानी (حیات فانی) अ स्त्री –नष्ट होनेवाला जीवन, नश्वर प्राण ।

हयाते मुस्तआर (حیات مستعار) अ स्त्री –थोडे दिनो का जीवन, अस्थायी ज़िंदगी ।

हयातोममात (حیات و ممات) अ स्त्री –जीवन-मरण, मौत और ज़िंदगी ।

हयादार (حیادار) अ फा वि –जिसमे लज्जा हो, लज्जाशील, लज्जाशालीन ।

हयापर्वर (حیاپرور) अ फा वि –लज्जावान्, लज्जाशील, हयादार ।

हयारफ़्तः (حیارفته) अ फा वि –विगतलज्ज, बेहया, जिसकी लज्जा चली गयी हो ।

हयासोज़ (حیاسوز) अ फा वि –लज्जाजनक, घृणित, घिनावना ।

हर [र्र] (حر) अ स्त्री –गर्मी, उष्णता, ताप, हरारत ।

हर (هر) फा वि –सब कोई, हरेक ।

हर आँकि (هر آنکه) फा अव्य –जो कोई, जो व्यक्ति ।

हर आँचे (هر آنچه) फा अव्य –जो चीज़ ।

हर आइनः (هر آئینه) फा अव्य –अवश्य, जरूर, विवशता-पूर्वक, नाचार, नि सदेह, बेशक ।

हरक़ (حرق) अ पु –अग्नि, आग, आतश ।

हरकत (حرکت) अ स्त्री –गति, चाल, बुरा काम, बद-मआशी ।

हरकते मज़्बूही (حرکت مذبوحی) अ स्त्री –बुरी हरकत, नुक्सान पहुँचानेवाली हरकत ।

हरकात (حرکات) अ स्त्री –'हरकत' का बहु , हरकतें ।

हरकारः (هرکاره) फा पु –डाक ले जानेवाला, एक जगह मे दूसरी जगह चिट्ठी आदि पहुँचानेवाला, धावक ।

हर कसो नाकस (هر کس و ناکس) फा वि –हर कोई, छोटे-बडे सब, अच्छे-बुरे सब ।

हर कुजा (هر کجا) फा वि –हर जगह, हर स्थान पर, जिस जगह, जहाँ ।

हरगह (هرگه) फा वि –'हरगाह' का लघु , दे 'हरगाह' ।

हरगाह (هرگاه) फा वि – हर समय, जिस समय ।

हरगिज़ (هرگز) फा अव्य –कदापि, कभी नही ।

हरचंद (هرچند) फा. अव्य –जितना कुछ, जिस कदर,

कितना ही, कितना भी, यद्यपि, अगरचे, उदा०—"है वह ग़ुरूरे हुस्न से बेगानए वफा। हरचद उसके पास दिले हक़शनास है।"—गालिब।

हरचे (هرچه) फा अव्य—जो कुछ।

हरचे बादाबाद (هرچه بادا باد) फा वा—जो हो सो हो।

हरज (هرج) अ पु—हानि, नुक्सान, उपद्रव, गडबड।

हर जा (هر جا) फा वि—हर जगह, हर स्थान पर।

हरजाई (هرجائی) फा वि—हर जगह पहुँचनेवाला (वाली), हरेक के पास रहनेवाली स्त्री, कुलटा, व्यभिचारिणी।

हरदम (هردم) फा वि—हर समय, हर वक्त, निरतर, लगातार, नित्य, हमेशा।

हरदमख़याल (هردم خیال) फा वि—ऐसा आदमी जो समय-समय पर अपनी राय वदले, विषमशील, अनेकचित्त।

हरदिलअज़ीज़ (هردل عزیز) फा अ वि—जिसे सब पसद करें, सर्वप्रिय, लोकप्रिय।

हरदो (هردو) फा वि—दोनो, उभय।

हरदोसरा (هردوسرا) फा स्त्री—उभयलोक, ससार और परलोक।

हरनफस (هرنفس) फा अ वि—हरदम, हरवक्त।

हरनौई (هرنوعی) फा अ वि—हर प्रकार का, हर तरह का।

हरब (هرب) अ पु—बहुत अधिक दु ख, पलायन, भागना।

हरबाबी (هربابی) फा वि—सर्वज्ञ, सब कुछ जाननेवाला।

हरबार (هر بار) फा वि—हर दफा, हर मर्तबा।

हरम (حرم) अ पु—का'बा, खुदा का घर, मक्के के आसपास का क्षेत्र जिसके अदर किसी प्राणी की हिंसा करना महापाप है, श्रेष्ठ जनो के घर की स्त्रियाँ, अत पुर, ज़नानखाना, वह बाँदी जिसे पत्नी बना लिया गया हो।

हरम (هرم) अ पु—प्राचीन इमारत, गुबद, बुढापा, जरा।

हरमख़ान (حرم خانه) अ फा पु—दे 'हरम सरा'।

हरमगाह (حرم گاه) अ फा स्त्री—दे 'हरम सरा'।

हरम सरा (حرم سرا) अ फा स्त्री—बडे आदमियो का ज़नानख़ाना, अत पुर।

हरमाह (هرماهه) फा वि—हर महीने होनेवाला।

हरमैन (حرمین) अ पु—दोनो हरम अर्थात् मक्का और मदीना।

हरयक (هریک) फा वि—हर एक, हर कोई।

हररोज़ (هرروزه) फा वि—हर दिन होनेवाला, हर दिन का।

हरलम्हः (هرلمحه) फा अ वि—हर क्षण, प्रति क्षण।

हरवक़्त (هروقت) फा अ वि—हर समय, हर दम, निरतर, लगातार।

हरशब (هرشبه) फा वि—हर रात का, हर रात को होनेवाला।

हरस (حرس) अ पु—शाही जनानख़ाने का सरक्षक, अत पुरिक, बहुत अधिक समय।

हरसाल (هرساله) फा वि—हर वर्ष होने या पानेवाला, हर साल का।

हरसू (هرسو) फा वि—हर तरफ, चारो ओर, चहुँओर, चारो तरफ।

हरहफ़्त (هرهفت) फा स्त्री—औरतो के सिंगार की सात वस्तुएँ (ईरानी), वस्य, मेहदी, ग़ुलगून, सफेदाब, जरक, गालिय, सुर्म,—हिंदी, वस्त्र, आभूषण, मेहदी, मुर्मा, पान, मिस्सी, बालो की सजावट।

हराज (حراج) अ पु—नीलाम।

हराम (حرام) अ पु—जिसका खान-पान धर्म मे वर्जित हो, अविहित, व्यभिचार, परस्त्री अथवा परपुरुष गमन, ज़िना, प्रतिष्ठित, पूज्य, मुकद्दस।

हरामकार (حرامکار) अ फा वि—व्यभिचारी, लपट, परस्त्रीगामी, ज़ानी।

हरामकारी (حرامکاری) अ फा स्त्री—व्यभिचार, परस्त्रीगमन, ज़िना।

हरामख़ोर (حرامخور) अ फा वि—मेहनत न करके मुफ्त का खानेवाला, कामचोर, कृतघ्न, नमकहराम।

हरामख़ोरी (حرامخوری) अ फा स्त्री—मुफ्त का खाना, कामचोरी करना, कृतघ्नता, नमकहरामी।

हरामज़ाद (حرامزاده) अ फा वि—हराम का बच्चा, दोगला, जारज, वर्ण-सकर, धूर्त, ख़बीस।

हरामज़ादगी (حرامزادگی) अ फा स्त्री—दोगलापन, धूर्तता, ख़बासत।

हरामतोश (حرامتوشه) अ फा वि—नमकहराम, कृतघ्न।

हराममग़ज़ (حراممغز) अ पु—रीढ की हड्डी का गूदा।

हरामसूरत (حرامصورت) अ वि—सूरतहराम, जो कुछ करे धरे नही और मुफ्त मे खाना चाहे, पाजी, कमीना।

हरामी (حرامی) अ वि—दोगला, जारज, सकर।

हरामुद्दहर (حرام الدهر) अ वि—ख़बीस, दुष्टात्मा, बहुत ही पाजी, धूर्त, एक गाली।

हरार (حراره) अ पु—दे 'हरारत'।

हरारत (حرارت) अ स्त्री—उष्णता, गर्मी, हलका ज्वर, हलका बुखार।

हरारते ग़रीज़ी (حرارت غریزی) अ स्त्री—शरीर के भीतर

की वह गर्मी जिससे शरीर के सारे कल-पुर्जे ठीक-ठीक काम करते हैं, प्राणाग्नि।

हरारते गरीबी (حرارت عریبی) अ स्त्री –दे 'हरारते ग़ैरतबई'।

हरारते ग़ैरतबई (حرارت غیرطبعی) अ. स्त्री.–शरीर के भीतर की अप्राकृतिक गर्मी, जैसे—ज्वर आदि की गर्मी।

हरारते तबई (حرارت طبعی) अ स्त्री –दे 'हरारते गरीजी' प्राकृतिक गर्मी।

हरिक़ (حرق) अ वि –दग्ध, जला हुआ, जलन, तपन।

हरिम (حرم) अ पु –जरित, वृद्ध, बूढा।

हरीक़ (حریق) अ वि –दग्ध, जला हुआ, ताप, जलन।

हरीफ़ (حریف) अ पु –जिससे मुकाबला हो, प्रतिद्वद्वी, शत्रु, दुश्मन, जिससे लाग-डाँट हो, रकीब एक नायिका के दो प्रेमी परस्पर, प्रतिनायक।

हरीफ़ानः (حریفانه) अ फा वि –हरीफ़ो-जैसा, प्रतिद्वद्वियो-जैसा, शत्रुओं-जैसा, रकीबो-जैसा।

हरीफ़े मुकाबिल (حریف مقابل) अ पु –जिससे मुकाबला हो, जिससे होड हो, जिससे लड़ाई हो।

हरीम (حریم) अ पु –घर की चारदीवारी, प्राचीर, घर, मकान, भवन, प्रासाद।

हरीमे किब्रिया (حریم کبریا) अ पु –अर्श, वह स्थान जहाँ ईश्वर का सिंहासन है।

हरीमे कुद्स (حریم قدس) अ पु –अर्श।

हरीमे नाज़ (حریم ناز) अ फा पु –दे 'हरीमे यार'।

हरीमे यार (حریم یار) अ फा पु –प्रेमिका का घर।

हरीरः (حریره) अ पु –एक मीठा पेय, आटा, शकर, मेवा और घी से बना हुआ पतला लपटा।

हरीर (حریر) अ पु –एक रेशमी और बारीक कपडा।

हरीश (حریش) अ स्त्री –एक पतला कीडा, कनसलाई।

हरीसः (هریسه) अ पु –एक प्रकार का पतला लपटा।

हरीस (حریص) अ. वि –लोलुप, लोभी, लिप्सु, लालची।

हर्क़ (حرق) अ पु –जलना।

हर्कत (حرکت) अ स्त्री –दे 'हरकत' शुद्ध वही है, परतु यह भी बोलते हैं।

हर्जः (هرجه) फा. पु –तावान, क्षतिपूर्ति, हरजाना।

हर्ज़ः (هرزه) फा. पु –व्यर्थ, अनर्गल, बेहूदा।

हर्ज़ःकार (هرزه‌کار) फा वि –व्यर्थ के और फुजूल के काम करनेवाला, व्यर्थकारी।

हर्ज़ःकारी (هرزه‌کاری) फा स्त्री –व्यर्थ के काम करना।

हर्ज़ःगर्द (هرزه‌گرد) फा वि –व्यर्थ में इधर-उधर मारा-मारा फिरनेवाला, व्यर्थ भ्रमी।

हर्ज़ःगर्दी (هرزه‌گردی) फा स्त्री –व्यर्थ और बेकार मे घूमना फिरना।

हर्ज़ःगो (هرزه‌گو) फा वि –व्यर्थ की और निःसार बातें करनेवाला, अनर्गलवादी।

हर्ज़ःगोई (هرزه‌گوئی) फा स्त्री.–व्यर्थ की बाते करना।

हर्ज़ःगोश (هرزه‌گوش) फा. वि –व्यर्थ की बाते सुनने मे समय गँवानेवाला।

हर्ज़ःचानः (هرزه‌چانه) फा वि –दे 'हर्ज़ गो'।

हर्ज़ःदवी (هرزه‌دوی) फा स्त्री.–व्यर्थ मे इधर-उधर भागना, व्यर्थ का प्रयास करना।

हर्ज़ःदिरा (هرزه‌درا) फा वि –दे 'हर्ज़ गो'।

हर्ज़ःदिराई (هرزه‌درائی) फा स्त्री –दे 'हर्ज़ गोई'।

हर्ज़ःला (هرزه‌لا) फा वि –दे 'हर्ज़ गो'।

हर्ज़ःसरा (هرزه‌سرا) फा वि –दे. 'हर्ज़ गो'।

हर्ज़ःसराई (هرزه‌سرائی) फा स्त्री.–दे 'हर्ज़ गोई'।

हर्जमर्ज (هرج مرج) फा पु – उपद्रव, गडबड़, दगा।

हर्जानः (هرجانه) फा पु –वह धन जो किसी हानि की पूर्ति के लिए दिया जाय, तावान।

हर्फ़ (حرف) अ पु –अक्षर, वर्ण, बात, शब्द, दोष, ऐब, बुराई, (व्या) अव्यय।

हर्फ़अंदाज़ (حرف‌انداز) अ फा वि –धूर्त, वचक, चालाक।

हर्फ़अंदाज़ी (حرف‌اندازی) अ फा स्त्री –धूर्तता, छल, चालाकी, फरेब।

हर्फ़आशना (حرف‌آشنا) अ. फा वि –बहुत कम पढ़ा-लिखा जो अटक-अटककर उलटा-सीधा पढनेवाला।

हर्फ़गीर (حرف‌گیر) अ. फा वि –आलोचना करनेवाला, ऐब निकालनेवाला, छिद्रान्वेषी।

हर्फ़गीरी (حرف‌گیری) अ फा स्त्री –आलोचना, ऐब-जोई, छिद्रान्वेषण।

हर्फ़ज़न (حرف‌زن) अ फा वि –बात करनेवाला, बाते करता हुआ।

हर्फ़ज़नी (حرف‌زنی) अ फा स्त्री –बाते करना, वार्तालाप करना।

हर्फ़न हर्फ़न (حرفاً حرفاً) अ वि –अक्षरश, एक-एक हर्फ़ करके, पूरा-पूरा, विस्तारपूर्वक।

हर्फ़नाआश्ना (حرف‌ناآشنا) अ फा वि –अशिक्षित, बे पढा-लिखा।

हर्फ़ बहर्फ़ (حرف بحرف) अ फा वि –दे 'हर्फ़न हर्फ़न'।

हर्फ़शनास (حرف‌شناس) अ फा. वि –केवल अक्षर जाननेवाला, बहुत कम पढा-लिखा।

हर्फ़शनासी (حرف‌شناسی) अ फा स्त्री –केवल अक्षरो का ज्ञान, बहुत कम पढा होना।

हर्फ़ी (حرفی) अ वि –अक्षरवाला, अक्षर का, अक्षर-सम्बन्धी।

हर्फ़े अत्फ़ (حرف عطف) अ पु –वह अक्षर जो दो शब्दो को परस्पर मिलाने के लिए उनके बीच मे आये, जैसे—रोज़ोशब (रोज़ व शब) मे 'वाव'।

हर्फ़े आख़िर (حرف آخر) अ पु –आखिरी बात, अतिम निर्णय, अटल बात, पक्की बात।

हर्फ़े इज़ाफ़त (حرف اضافت) अ पु –दो शब्दो के सम्बन्ध के लिए बीच मे आनेवाला अव्यय, जैसे—'राम का घोडा' मे 'का'।

हर्फ़े इल्लत (حرف علت) अ पु –उर्दू मे अलिफ, वाव और ये, हिंदी मे 'स्वर', इगलिश मे 'वावेल'।

हर्फ़े इस्तिद्राक (حرف استدراک) अ पु –वह अव्यय जो प्रश्नवाचक हो।

हर्फ़े इस्तिस्ना (حرف استثنا) अ पु –वह अव्यय जिससे कोई मुस्तस्ना बनता हो, जैसे–"सब आ गए मगर राम" मे मगर।

हर्फ़े कमरी (حرف قمری) अ पु –दे 'हुरूफे कमरी'।

हर्फ़े ग़लत (حرف غلط) अ पु –वह अक्षर जो अशुद्ध हो और जिसका मिटाना अनिवार्य हो, जैसे—हर्फ़े-ग़लत की तरह मुझे क्यो मिटा दिया? झूठी बात।

हर्फ़े जर (حرف جر) अ पु –इज़ाफ़त देनेवाला अव्यय।

हर्फ़े तंबीह (حرف تنبیہ) अ पु –चेतावनी देनेवाली बात।

हर्फ़े तर्दीद (حرف تردید) अ पु –खडन करनेवाला कथन।

हर्फ़े तश्बीह (حرف تشبیہ) अ पु –वह शब्द जो उपमा के लिए आये, जैसे—समान, तुल्य, सदृश।

हर्फ़े ताकीद (حرف تاکید) अ पु –दे 'हर्फ़े तबीह'।

हर्फ़े नफ़ी (حرف نفی) अ पु –वह शब्द जो 'न' के अर्थ मे आये।

हर्फ़े निदा (حرف ندا) अ पु –वह शब्द जिससे सम्बोधन किया जाय।

हर्फ़े नुद्बः (حرف ندبہ) अ पु –वह शब्द या अव्यय जो विलाप के लिए बोला जाय, जैसे—हाय, आह।

हर्फ़े मत्लब (حرف مطلب) अ पु –मतलब की बात, उद्देश्य, आशय।

हर्फ़े मुकर्रर (حرف مکرر) अ पु –दुबारा आया हुआ शब्द, दो बार कही हुई बात।

हर्फ़े वस्ल (حرف وصل) अ पु –दो शब्दो को जोडनेवाला अक्षर।

हर्फ़े शम्सी (حرف شمسی) अ. पु –दे 'हुरूफे शम्सी'।

हर्फ़े सहीह (حرف صحیح) अ पु –सच्ची बात, व्यजन, वह अक्षर जो स्वर न हो, वह हर्फ़ जो हर्फ़े इल्लत न हो।

हर्फ़ोहिकायत (حرف وحکایت) अ स्त्री –कथोपकथन, वार्तालाप, बातचीत।

हर्बः (حربہ) अ पु –अस्त्र, शस्त्र, हथियार, आक्रमण, आघात, वार, साँग, शक्ति।

हर्ब (حرب) अ पु –युद्ध, सग्राम, समर, लडाई, जग।

हर्बगाह (حربگاہ) अ फा स्त्री –युद्धक्षेत्र, रणस्थल, मैदाने जग।

हर्बी (حربی) अ वि –युद्ध सम्बन्धी, सैनिक, जगी।

हर्बोज़र्ब (حرب و ضرب) अ पु –मारकाट, लडाई-झगडा, खून-खराबा।

हर्राफ़ः (حرافہ) अ स्त्री –बहुत अधिक बातूनी स्त्री, कुलटा, भ्रष्टा, असाध्वी, धूर्ता।

हर्राफ़ (حراف) अ वि –वाचाल, मुखर, बातूनी, लस्सान, धूर्त, चालाक।

हर्रास (حراث) अ वि –कृषक, किसान, काश्तकार।

हर्स (حرث) अ पु –कृषि, खेती, काश्त।

हर्स (حرس) अ पु –हिरासत, पकड, निगरानी।

हल [ल्ल] (حل) अ पु –समाधान, सुलझाव, घुल जाना, विलयन, मुअम्मे के रिक्त स्थानो की पूर्ति, सुगमता, सरलता, आसानी।

हलक (ہلکہ) हालिक का बहु, मरनेवाले, हत होनेवाले, हलाक होनेवाले।

हलक (حلک) अ स्त्री –गहरी कालिमा, गहरी सियाही।

हलब (حلب) अ पु –ताज़ा दुहा हुआ दूध, एक प्रसिद्ध नगर जहाँ का दर्पण प्रसिद्ध है (शाम)।

हलबी (حلبی) अ वि –हलब का निवासी, हलब सम्बन्धी, हलब का बना हुआ।

हलमः (حلمہ) अ स्त्री –भिटनी, वृत, स्तनवृत, स्तनाग्र, पुरश्छद।

हलाइल (حلائل) अ स्त्री –'हलील' का बहु, व्याहता पत्नियाँ।

हलाक (ہلاک) फा वि –हत, मक्तूल, वधित, किसी घटना में मरा हुआ, जैसे—रेल की टक्कर मे या महामारी में।

हलाकख़ोर (ہلاک‌خور) फा वि –मृतपशु का मास खानेवाला।

हलाकत (ہلاکت) फा स्त्री –किसी घटना में मरना, नष्ट होना, वध।

हलाकू (ہلاکو) तु पु –दे 'हुलाकू', यही शुद्ध है।

हलाल (حلالہ) अ पु –तलाक की एक क़िस्म जिसमें

स्त्री को दूसरे व्यक्ति से व्याह करना पडता है और उसके तलाक देने पर पहले पति से व्याह कर सकती है।

हलाल (حلال) अ वि –विहित, जाइज, जिसका खाना और पीना धर्म मे वर्जित न हो, ज़व्ह् किया हुआ, ज़वीह ।

हलालखोर (حلال خور) अ फा पु –मेहतर, भगी।

हलालज़ादः (حلال زاده) अ फा पु –जो शुद्ध औरस से हो, कुलीन।

हलावत (حلاوت) अ स्त्री –माधुर्य, मिठास, शीरीनी, "ज़ाहिरा वेरुखी है ख्वाव मे छुपकर मिलना—क्या हलावत से भरा तर्ज है तडपाने का।"

हलावतचश (حلاوت چش) अ फा वि –मिठास चखनेवाला, स्वाद लेनेवाला, आनन्द उठानेवाला।

हलावतपसद (حلاوت پسند) अ फा वि –जिसे मिठास प्रिय लगती हो, मिठाई अधिक खानेवाला।

हलावते ज़वाँ (حلاوت زباں) अ फा स्त्री –वातो का रस, भापा की मधुरता, कविता का रस और घुलावट।

हलावते सुखन (حلاوت سخن) अ फा स्त्री –वातो की मिठास, वतरस, वार्ता माधुर्य, काव्य-माधुर्य, शाइरी का रस।

हलाहिल (هلاهل) अ वि –कालकूट, हलाहल, वहुत ही तीव्र और प्रचड विप।

हलीफ (حليف) अ वि –जिसने किसी के साथ किसी वात की शपथ ली हो, मित्र, दोस्त।

हलीव (حليب) अ पु –ताज़ा दूध, कच्चा दूध।

हलीमः (حليمه) अ स्त्री –सहनशीला, गभीर स्त्री, वह जिसने हज्रत मुहम्मद साहव को दूध पिलाया था।

हलीम (حليم) अ वि –सहनशील, गभीर, मतीन, वुर्दवार, एक खाना, खिचडी।

हलीमुत्तब्अ (حليم الطبع) अ वि –जो प्रकृति से सहिष्णु और गभीर हो।

हलीलः (حليله) अ स्त्री –विवाहिता, पत्नी, भार्या।

हलील (حليل) अ पु –पति, स्वामी, शौहर, प्रतिवासी, पडोसी, एक ही घर मे रहनेवाला, सहनिवासी।

हलैलः (هليله) अ पु –हड, हरीतकी, एक फल जो दवा में काम आता है।

हल्क़ः (حلقه) अ पु –परिधि, मडल, घेरा; मडली, समुदाय, जमाअत, क्षेत्र, प्रक्षेत्र, इलाका।

हल्क़'नुमा (حلقه نما) अ फा वि –गोलाकार, गोल।

हल्क़दरगोश (حلقه در گوش) अ फा वि –दे 'हल्क़ वगोश'

हल्क़'वगोश (حلقه بگوش) अ फा वि –जिसके कान में दासता का कुडल पडा हो, दास, भक्त, श्रद्धालु, अनुयायी, वहुत अधिक श्रद्धा रखनेवाला।

हल्क (حلق) अ पु –कठ, गला, वाल मुँडना, मुडन।

हल्क़ए अइज़्ज़ः (حلقهٔ اعزه) अ पु –रिश्तेदारो की जमाअत, वंधुवर्ग।

हल्क़ए अह्वाव (حلقهٔ احباب) अ पु –दोस्तो का हल्का, मित्र-मडली, मित्रवर्ग, मित्रगण।

हल्क़ए आगोश (حلقهٔ آغوش) अ फा पु –हाथो से वनाया हुआ आलिगन के लिए घेरा, भुज-वंधन।

हल्क़ए इरादत (حلقهٔ ارادت) अ पु –अनुयायियो की मडली, भक्तगण।

हल्क़ए गिर्दाव (حلقهٔ گرداب) अ फा पु –भँवर, जलावर्त।

हल्क़ए चश्म (حلقهٔ چشم) अ फा पु –आँख का घेरा, नेत्र-मडल, नेत्र-गोलक।

हल्क़ए ज़ंजीर (حلقهٔ زنجیر) अ फ़ा पु –जजीर की कडी, शृखला का छल्ला।

हल्क़ए दर (حلقهٔ در) अ फा पु –दरवाजे की कुडी, किवाडो की जजीर।

हल्क़ए मक्अद (حلقهٔ مقعد) अ पु –गुदावर्त, गुदाद्वार, मव्रज़ का मुँह।

हल्क़ए माह (حلقهٔ ماه) अ फा पु –चाँद के चारो ओर पडनेवाला घेरा, चद्रमडल, परिवेष, तेजोमडल।

हल्क़ए मेह्र (حلقهٔ مهر) अ फा पुं –सूरज के चारो ओर पडनेवाला घेरा, रविमडल, रविविंव।

हल्क़ची (حلقچی) अ फा स्त्री –जलेवी, एक प्रसिद्ध मिठाई।

हल्कान (هلکان) तु वि –परास्त, चूर-चूर, क्लात, श्रात, अवमुआ।

हल्क़ी (حلقی) अ वि –कठ का, कठ सम्वन्धी, कठ से उच्चरित (अक्षर)।

हल्क़ूम (حلقوم) अ पु –कठ, गला, हल्क।

हल्क़े रास (حلق راس) अ पु –सर मुँडाना, मुडन।

हल्ज़ून (حلزون) अ पु –गवुक, दर, शख, सख।

हल्फ (حلف) अ पु –शपथ, सौगध, कसम।

हल्फदरोगी (حلف دروغی) अ फा स्त्री –अदालत मे झूठा हल्फ लेना, झूठी शपथ उठाना।

हल्फन (حلفاً) अ वि –कसम से, शपथपूर्वक।

हल्फनामः (حلف نامه) अ फा पु –शपथपत्र, इस वात की तहरीर कि अमुक वात शपथपूर्वक कही गयी है।

हल्फी (حلفی) अ वि –हल्फ के साथ, शपथपूर्वक।

हल्फे शर्ई (حلف شرعی) अ पु –धर्मशास्त्र के अनुसार उठाई हुई शपथ।

हल्व (حلب) अ पु –दूध दुहना।

हल्लाक़ (حلاق) अ वि –मूँडनेवाला, क्षौरिक, नापित, नाई।
हल्लाक़ी (حلاقی) अ स्त्री –क्षौरकर्म, मूँडने का काम।
हल्लाज (حلاج) अ पु –रुई धुननेवाला, धुनिया।
हल्लाफ़ (حلاف) अ वि –वह व्यक्ति जो शपथ लेने का आदी हो।
हल्लाल (حلال) अ वि –ग्रंथि खोलनेवाला, समाधान करनेवाला।
हल्ले मुश्किल (حل مشکل) अ पु –जटिल समस्याओं या कठिनाइयों को हल करना।
हल्लो अक़्द (حل و عقد) अ पु –खोलना और बाँधना, प्रबंध, व्यवस्था।
हल्वा (حلوا) अ पु –मीठी चीज़, घी शकर मेवा और आटा आदि से बना हुआ खाद्य पदार्थ, सयाव।
हल्वाई (حلوائی) अ पु –हल्वा या मिठाई बनाने और बेचनेवाला।
हल्वाए तर (حلوائے تر) अ फा पु –घी में तरबतर हल्वा।
हल्वाए बेदूद (حلوائے بےدود) अ फा पु –वह हल्वा जो ऐसी आग पर पका हो जिसमें धुँआँ न हो, अर्थात् सूरज की गर्मी से पके हुए फल।
हल्वाख़ोर (حلواخور) अ फा वि –हल्वा खानेवाला।
हल्वाफ़रोश (حلوافروش) अ फा वि –हल्वा बेचनेवाला।
हवन्नक (هونق) उ वि –बुद्धू, बौड़म, गावदी।
हवल (حول) अ वि –भेंगापन, ऐंचातानापन।
हवस (هوس) अ स्त्री –उत्कंठा, लालसा, बढ़ा हुआ शौक़, लोभ, लालच।
हवसकार (هوس‌کار) अ फा वि –लोलुप, लोभी, लालची।
हवसकारी (هوس‌کاری) अ फा स्त्री –लालच करना, लोभ करना।
हवसनाक (هوس‌ناک) अ फा वि –दे 'हवसपरस्त'।
हवसनाकी (هوس‌ناکی) अ फा स्त्री –दे 'हवसपरस्ती'।
हवसपरस्त (هوس‌پرست) फा वि –लोभी, लालची, जो बहुत बड़ा लोभी हो।
हवसपरस्ती (هوس‌پرستی) फा स्त्री –लोभ, लालच।
हवसपेश. (هوس‌پیشه) फा वि –दे 'हवसपरस्त'।
हवसपेशगी (هوس‌پیشگی) फा स्त्री –दे 'हवसपरस्ती'।
हवसराँ (هوس‌راں) फा वि –दे 'हवसपरस्त'।
हवसरानी (هوس‌رانی) फा स्त्री –दे 'हवसपरस्ती'।
हवा (هوا) अ स्त्री –इच्छा, आकांक्षा, ख्वाहिश, लिप्सा, लोभ, लालच, धाक, रोब, बात, वायु, हवा।
हवाइज (حوائج) अ पु –'हाजत' का बहु, आवश्यकताएँ।
हवाइजे ज़ुरूरी (حوائج ضروری) अ पु –प्रात कर्म, शौचादि-कर्म, पेशाब पाख़ाना वग़ैर।
हवाइजे सित्तः (حوائج ستّه) अ पु –जीवन के लिए छ मुख्य आवश्यकताएँ, पेशाब-पाख़ाना, खाना-पीना, सोना-जागना, चलना-फिरना, साँस लेना, ख़ुशी और ग़म।
हवाई (هوائی) अ वि –वायु-सम्बन्धी, वायु का, एक आतशबाज़ी, बान।
हवाए गर्म (هوائے گرم) अ फा स्त्री –गर्म हवा, तप्त वायु, लपट, लू।
हवाए तुंद (هوائے تند) अ फा स्त्री –तेज़ हवा, झक्कड़।
हवाए समूम (هوائے سموم) अ स्त्री –ज़हरीली हवा, विषाक्त वायु।
हवाए सर्द (هوائے سرد) अ फा स्त्री –ठंडी हवा, शीतल वायु।
हवाए सर्सर (هوائے صرصر) अ स्त्री –झक्कड़, आँधी, तेज़ हवा।
हवाखेज़ी (هواخیزی) अ फा स्त्री –हवा उखड़ना, बँधी हुई बात बिगड़ना, जमी हुई धाक का उखड़ना।
हवाख़ोर (هواخور) अ फा वि –सवेरे तड़के खुली हवा में टहलनेवाला, वायु सेवन करनेवाला।
हवाख़ोरी (هواخوری) अ फा स्त्री –सवेरे तड़के खुली हवा में टहलना, वायु-सेवन।
हवाख़्वाह (هواخواه) अ फा वि –शुभचिंतक, भलाई चाहनेवाला, ख़ैरख़्वाह।
हवाख़्वाही (هواخواهی) अ फा स्त्री –भलाई चाहना, ख़ैरख़्वाही।
हवादार (هوادار) अ फा वि –शुभचिंतक, विहीख़्वाह, मित्र, दोस्त, एक खुली हुई पालकी।
हवादारी (هواداری) अ फा स्त्री –हितचिंतन, ख़ैरख़्वाही, मैत्री, दोस्ती।
हवादिज (هوادج) अ पु –'हौदज' का बहु, हाथी के हौदे।
हवादिस (حوادث) अ पु –'हादिस' का बहु, हादिसे, दुर्घटनाएँ।
हवादिसआश्ना (حوادث‌آشنا) अ फा वि –जो दुर्घटनाएँ सहने का आदी हो।
हवादिसख़ेज़ (حوادث‌خیز) अ फा वि –हादिसे और दुर्घटनाएँ उठानेवाला।
हवादिसे ज़मान (حوادث زمانه) अ पु –दे 'हवादिसे रोज़गार'।

हवादिसे रोज़गार (حوادث روزگار) अ फा पु –कालचक्र, समय की उलट-पलट।
हवान (هوان) अ स्त्री –अपमान, तिरस्कार, बेइज्ज़ती।
हवापरस्त (ہواپرست) अ फा वि.–मौकापरस्त, अवसरवादी, जिधर की हवा देखे उधर चलनेवाला।
हवापरस्ती (ہواپرستی) अ फा स्त्री –मौकापरस्ती, अवसरवादिता, जिधर की हवा हो उधर चलना।
हवाबाज़ (ہواباز) अ फा वि –हवाई जहाज़ उडानेवाला, वायुयान-चालक, पाइलेट।
हवाबाज़ी (ہوابازی) अ फा स्त्री –हवाई जहाज़ चलाना, हवाबाज़ का पेशा या पद।
हवाम (ہوام) अ पु –ज़मीन के भीतर रहनेवाले प्राणी, जैसे—साँप-बिच्छू और चूहे-च्यूँटी, कीडे-मकोडे आदि।
हवामिल (حوامل) अ स्त्री –'हामिल' का बहु, गर्भवती स्त्रियाँ।
हवारफ़्तार (ہوارفتار) अ फा वि –हवा की भाँति तेज़ चलनेवाला, वायुवेग।
हवारफ़्तारी (ہوارفتاری) अ. फा स्त्री –हवा की तरह तेज़ चलना।
हवारी (حواری) अ पु –प्रतिष्ठित, मुख्य, बुज़ुर्ग, सहायक, मददगार, हज़्रत ईसा का सहचर।
हवालः (حوالہ) अ पु –सिपुर्दगी, हस्तांतरण, नज़ीर, अवतरण।
हवाल.जात (حوالہجات) अ पु –'हवाल' का बहु, हवाले, अवतरण समूह, अनूकाश समूह।
हवालात (حوالات) अ स्त्री –'हवाल' का बहु, मुकद्दमा तै होने से पहले अपराधियो को रखने का स्थान।
हवालाती (حوالاتی) अ वि –जो 'हवालात' में बद हो।
हवालिए शह्र (حوالیِ شہر) अ फा पु –नगर के आस-पास का इलाका।
हवाली (حوالی) अ पु –आस-पास, चहुँपास, चहुँओर।
हवाशी (حواشی) अ पु –'हाशिय' का बहु, टिप्पणियाँ, फुटनोट्स।
हवास [स्स](حواس) अ पु –'हास्स.' का बहु, इद्रियाँ।
हवासगुम (حواس گم) अ फा वि –दे 'हवासबाख़्त'।
हवास बरजा (حواس برجا) अ फा वि –जिसके होशोहवास ठीक हो, दृढसज्ञ।
हवासबाख़्तः (حواس باختہ) अ फा वि –जिसके होशोहवास ठीक न हो, हतसज्ञ।
हवासिल (حواصل) अ पु –'हौसल' का बहु, पक्षियो के पोटे, एक जलपक्षी जिसका पोटा बड़ा होता है।
हवासे ख़म्सः (حواس خمسہ) अ पु –पाँचो इद्रियाँ, पचेंद्रिय।
हवासे ज़ाहिरी (حواس ظاہری) अ पु –बाहरी अर्थात् दिखाई देनेवाली इद्रियाँ, स्पर्श, श्रवण, घ्राण, स्वाद, दृष्टि।
हवासे बातिनी (حواس باطنی) अ पु.–भीतरी इद्रियाँ, स्मरण, विचार, कल्पना।
हवेली (حویلی) फा स्त्री –'हवाली' का इमाल, पक्का और बडा मकान, भवन।
हशफ (حشفہ) अ पु –लिंगेंद्रिय की सुपारी, लिंगाग्न, दे 'हरफ' दोनो शुद्ध हैं।
हशम (حشم) अ पु.–'हाशिम' का बहु, वह नौकर जो स्वामी के लिए लडे, नौकर-चाकर।
हशमत (حشمت) अ पु –नौकर-चाकर, दूसरे अर्थ के लिए दे 'हिश्मत'।
हशमोख़दम (حشم وخدم) अ पु –नौकर-चाकर, लाव लशकर, नौकरो की भीड-भाड।
हशरः (حشرہ) अ पु –रेंगनेवाला कीडा।
हशरात (حشرات) अ पु –'हशर' का बहु, कीडे-मकोडे।
हशरातुलअर्ज़ (حشرات الارض) अ पु –ज़मीन पर रेंगनेवाले कीडे-मकोडे।
हशा (حشا) अ पु –जो कुछ पेट और सीने के भीतर है, आते पीते आदि।
हशाइश (حشائش) अ पु –'हशीश' का बहु, सूखी घासें, भाँगे।
हशाशत (ہشاشت) अ स्त्री –प्रफुल्लता, प्रसन्नता, खुश तबई।
हशीश (حشیش) अ पु –सूखी घास, भग, विजया।
हश्तंगुश्त (ہشت انگشت) फा वि –आठ अगुल लबा, आठ अँगलियोवाला।
हश्त (ہشت) फा. वि –आठ, अष्ट।
हश्त अंगुश्त (ہشت انگشت) फा वि –दे 'हश्तगुश्त'।
हश्तगंज (ہشت گنج) फा पु –खुस्त्रौ पर्वेज़ की आठ निधियाँ।
हश्तगोशः (ہشت گوشہ) फा वि –आठ कोनोवाला, अष्टकोण।
हश्तनिकाती (ہشت نکاتی) फा अ. वि –आठ उसूलो वाला, अष्टसूत्री।
हश्तपहलू (ہشت پہلو) फा. वि –आठ पार्श्ववाला, अष्टसूत्री, हश्तनिकाती।
हश्तबिहिश्त (ہشت بہشت) फा स्त्री –आठो स्वर्ग।

हश्तबुस्ताँ (هشت‌بستاں) फा पु –आठो वाग अर्थात् आठो स्वर्ग।
हश्तमज़र (هشت‌منظر) फा अ पु –आठो स्वर्ग।
हश्तमावा (هشت‌ماوی) फा अ पु –आठो स्वर्ग।
हश्तसद (هشت‌صد) फा वि –आठ सौ।
हश्ताद (هشتاد) फा वि –अस्सी, चालीस का दूना।
हश्तादसाल (هشتادساله) फा वि –अस्सी वरस का, अस्सी वरस में होनेवाला, अस्सी वर्ष का वूढा।
हश्तुम (هشتم) फा वि –आठवाँ, अष्टम्।
हश्तुमीं (هشتمیں) फा वि –आठवाँ।
हश्फ (حشفه) अ पु –दे 'हशफ' दोनो शुद्ध है।
हश्र (حشر) अ पु –कियामत, महा प्रलय, कियामत मे मरे हुए लोगो का उठना, आपत्ति, विपदा, मुसीवत।
हश्रअगेज़ (حشرانگیز) अ फा वि –कियामत उठानेवाला, हलचल और हगामा मचा देनेवाला, उपद्रवकारी, प्रलयकर।
हश्रअगेज़ी (حشرانگیزی) अ फा स्त्री –उपद्रव और हलचल खडीकर देना, हगामा मचाना।
हश्रक़ामत (حشرقامت) अ वि –प्रेयसी, प्रेमिका।
हश्रख़िराम (حشرخرام) अ फा वि –अपनी चाल से कियामत उठानेवाला, ऐसी चाल चलनेवाला जिससे ससार उथल-पुथल हो जाय।
हश्र ख़िरामी (حشرخرامی) अ फा स्त्री –चाल से ससार को उलट-पलट देना।
हश्रज़ा (حشرزا) अ फा वि –दे 'हश्रअगेज़'।
हश्रज़ाई (حشرزائی) अ फा स्त्री –दे 'हश्रअगेज़ी'।
हश्रतराज़ (حشرطراز) अ फा वि –दे 'हश्र अगेज़'।
हश्रतराज़ी (حشرطرازی) अ फा स्त्री –दे 'हश्र अगेज़ी'।
हश्रपर्वर (حشرپرور) अ फा वि –उपद्रवो और हगामो की पर्वरिश करनेवाला।
हश्रसामाँ (حشرساماں) अ फा वि –उथल-पुथल और हगामो का सामान साथ रखनेवाला या सामान करनेवाला।
हश्रसामानी (حشرسامانی) अ फा स्त्री –उथल-पुथल करना, कियामत उठाना, ससार को अस्त-व्यस्त करना।
हश्रोनश्र (حشرونشر) अ पु –महाप्रलय, कियामत, मुर्दो का जी उठना और हर तरफ फैल जाना।
हश्व (حشو) अ पु –भरती की चीज, अदर भरी जानेवाली चीज, साहित्य मे वह शब्द या वाक्य जिसके विना भी अर्थ मे कमी न आये, उर्दू छद मे पद के आदि और गणो के अत के अतिरिक्त वीच मे आनेवाले गण।

हश्शाश (حشاش) अ वि –भगड, भग पीनेवाला।
हश्शाश (هشاش) अ वि –हृष्ट, हर्षित, प्रसन्न, प्रफुल्ल, खुश।
हश्शाशोवश्शाश (هشاس‌وبشاش) अ वि –जो वहुत ही प्रसन्न और प्रफुल्ल हो, जो वहुत ही स्वस्थ हो।
हसक (هسک) फा पु –सूप, छाज, नाज फटकने का यत्र।
हसक (حسک) अ पु –गुखरू, गोखरू, विकटक, लोहे के गुखरूनुमा काँटे जो लडाई मे शत्रु के रास्ते मे विछा दिये जाते थे।
हसद (حسد) अ पु –ईर्ष्या, मत्सर, डाह, जलन।
हसन (حسنه) अ पु –भली चीज़, सुदर वस्तु, भलाई, नेकी।
हसन (حسن) अ वि –रूपवान्, सुदर, ख़ूवसूरत, प्रियदर्शन, ख़ुशनुमा, उत्तम, श्रेष्ठ, वढिया, हज़रत अली के वडे लडके, इमाम हुसैन के वडे भाई।
हसनात (حسنات) अ पु –'हसन' का वहु, भलाइयाँ, नेकियाँ, सुकृतियाँ।
हसनी (حسنی) अ वि –इमाम हसन से सम्वन्ध रखनेवाला, उनका अनुयायी, उनका वशज।
हसनैन (حسنین) अ पु –दो 'हसन' अर्थात् हसन और हुसैन।
हसवः (حصبه) अ पु –खस्र, छोटे-छोटे लाल दाने जो वच्चो को निकल आते है, दे 'हुस्व' दोनो शुद्ध है।
हसव (حسب) अ पु –गणना, शुमार, अनुमान, अदाज़, श्रेष्ठता, वडाई।
हसव (حصب) अ स्त्री –ईधन, जलाने की लकडी आदि।
हसवोनसव (حسب‌ونسب) अ पु –कुलीनता और श्रेष्ठता, वश और प्रतिष्ठा, ख़ानदानी हालत।
हसा (حصا) अ पु –'हसात' का वहु, ककरियाँ, सगरेज़े।
हसात (حصات) अ स्त्री –ककर, पत्थर, ककरी, ठीकरी, गुर्दे या मूत्राशय मे वननेवाली पथरी, अश्मरी।
हसाफत (حصافت) अ स्त्री –वुद्धि परिपक्वता, अक्ल की पुख्तगी, सवेदनशीलता, तज्रिवाकारी।
हसीद (حصید) अ वि –काटा हुआ खेत, काटी हुई खेती।
हसीन (حسینه) अ स्त्री –सुन्दर स्त्री, सुन्दरी, रूपवती, वरारोहा, शोभना, वरागना।
हसीन (حصینه) अ वि –दृढ और मज़वूत चीज।
हसीन (حسین) अ वि –सुदर, रूपवान्, सुरूप, ख़ूवसूरत, प्रियदर्शन, शोभन, ख़ुशनुमा।
हसीन (حصین) अ वि –सुदृढ, सुस्थिर अविचल, मुस्तहकम।

हसीनतरीन (حسین‌ترین) अ ,फा. वि –बहुत अधिक रूपवान्, सुदरतम।

हसीनुलवज्ह (حسین‌الوجہ) अ वि –अच्छी मूरतवाला, रूपवान्, सुरूप।

हसीब (حسیب) अ वि –हिसाब करनेवाला, पूज्य, मान्य, बुजुर्ग, ईश्वर का एक नाम।

हसीर (حصیر) अ स्त्री –खजूर की चटाई।

हसीर (حسیر) अ वि –दु खित, तप्त, क्लेशित, रजीदा, श्रान्त, क्लात, शिथिल, माँदा।

हसूक (حسوک) अ वि –काँटोदार, सकटक, निकृष्ट, उपद्रवी, शरीर।

हसूद (حسود) अ वि –बहुत अधिक डाह करनेवाला।

हसून (حصون) अ वि –सयमी, इद्रिय निग्रही, परहेज़गार, ज़ाहिद।

हसूर (حصور) अ वि –वह पुरुष जो स्त्री की ओर आकृष्ट न होता हो, यद्यपि वह नपुसक न हो।

हस्त (ہست) फा अव्य –है, अस्ति (स्त्री) अस्तित्व, वुजूद, उपस्थिति, मौजूदगी।

हस्तिए चंदरोज़: (ہستیء چندروزہ) फा स्त्री –थोडे दिनो का जीवन, अस्थायी और क्षणिक जिदगी।

हस्तिए जाविदाँ (ہستیء جاوداں) फा स्त्री –ऐसा जीवन जो कभी नाश न हो।

हस्तिए दुरोज़: (ہستیء دوروزہ) फा स्त्री –दे 'ह चदरोज'।

हस्तिए नापाएदार (ہستیء ناپائدار) फा स्त्री –वह जीवन जो स्थायी और दृढ न हो, नश्वर जीवन।

हस्तिए फानी (ہستیء فانی) फा अ स्त्री –दे 'ह नापाएदार'।

हस्तिए मुस्तआर (ہستیء مستعار) फा अ स्त्री –थोडे दिनो के लिए प्राप्त जीवन, थोड दिनो रहनेवाला ससार।

हस्तिए मौहूम (ہستیء موہوم) फा अ स्त्री –वह जीवन जो देखने मे तो जीवन हो परतु उसका कोई अस्तित्व न हो।

हस्ती (ہستی) फा स्त्री –अस्तित्व, वुजूद, जीवन, प्राण, जिदगी, ससार, दुनिया, प्राणीवर्ग, मख्लूकात, सामर्थ्य, मक्दूर।

हस्तोनेस्त (ہست‌ونیست) फा पु –उत्पत्ति और विनाश, पैदा होना और मरना, होना और न होना, पूर्ण, सर्व, सब, तमाम, जैसे—हस्तोनेस्त का इख्तियार।

हस्तोबूद (ہست‌وبود) फा स्त्री –है और था।

हस्ना (حسنا) अ स्त्री –सुदरी, रूपवती, खूबसूरत स्त्री, हर सुदर और प्रियदर्शन वस्तु जो स्त्रीलिंग हो।

हस्ब (حسب) अ वि.–अनुसार, बमूजिब, मुआफिक।

हस्बा (حصبا) अ. स्त्री –ककरी, ठीकरी, सगरेज।

हस्बुत्तलब (حسب‌الطلب) अ वि –बुलाने के अनुसार, तलबी के बमूजिब, माँगने के अनुसार।

हस्बुत्तह्रीर (حسب‌التحریر) अ वि –लिखने के अनुसार, हुक्म के मुताबिक, आज्ञानुसार।

हस्बुलअम्र (حسب‌الامر) अ वि –कहने के बमूजिब, कथानुसार, हुक्म के मुताबिक, आदेशानुसार।

हस्बुलहुक्म (حسب‌الحکم) अ वि –हुक्म के बमूजिब, आज्ञानुसार, आदेशानुसार, यथानिर्दिष्ट।

हस्बे अक्ल (حسب عقل) अ वि –बुद्धि के अनुसार, समझ के मुताबिक, यथामति।

हस्बे आदत (حسب عادت) अ वि –स्वभाव के अनुसार, आदत के मुताबिक, नित्य नियमानुसार, रोजमर्रा के मुताबिक।

हस्बे इंसाफ (حسب انصاف) अ वि –न्याय की रू से, यथा न्याय. न्यायानुसार, न्यामत, न्यायानुकूल, यथानीति।

हस्बे इजाजत (حسب اجازت) अ वि –आज्ञानुसार, अनुमति के बमूजिब, इजाज़त के मुताबिक।

हस्बे इत्तिफाक (حسب اتفاق) अ वि –इत्तिफाकी तौर पर, इत्तिफाकिया, अकस्मात्, दैवयोगेन।

हस्बे इर्शाद (حسب ارشاد) अ वि –कहने के मुताबिक, कथनानुसार, यथोक्त।

हस्बे इस्तिताअत (حسب استطاعت) अ वि –अपने मक्दूर भर, यथासामर्थ्य, यथाशक्ति।

हस्बे ईमा (حسب ایما) अ वि –इशारे के मुताबिक, सकेतानुसार, हुक्म के बमूजिब, आज्ञानुसार।

हस्बे ए'लान (حسب اعلان) अ वि –घोषणा के अनुसार, एलान के मुताबिक।

हस्बे काइदः (حسب قاعدہ) अ वि –नियमानुसार, काइदे के मुताबिक, विधि के अनुसार, कानून के मुताबिक।

हस्बे क़ानून (حسب قانون) अ वि –विधि के अनुसार, कानून के मुताबिक।

हस्बे खिदमत (حسب خدمت) अ वि –सेवा के अनुसार, जिसकी जितनी सेवा हो उसके हिसाब से।

हस्बे ख्वाहिश (حسب خواہش) अ फा वि –इच्छानुसार, जितनी जरूरत हो उतना, जिसकी इच्छा हो वह।

हस्बे ज़र्फ (حسب ظرف) अ फा वि –हिम्मत के मुताबिक, शक्ति के मुताबिक, योग्यता के मुताबिक।

हस्बे जाबित. (حسب ضابطہ) अ वि –दे 'हस्बे कानून', 'हस्बे काइद'।

हस्बे जुस्सः (حسب جثہ) अ वि –डील-डौल के मुताबिक, यथाकाय।

हस्बे ज़ैल (حسب ذیل) अ वि –जो नीचे दिया गया हो, जिसका व्योरा नीचे लिखा हो, निम्नलिखित।

हस्बे तबीह (حسب تنبیہہ) अ वि –चेतावनी के अनुसार, हिदायत के मुताबिक।

हस्बे तज्बीज (حسب تجویز) अ वि –राय के मुताबिक, निर्णय के मुताबिक।

हस्बे तर्तीब (حسب ترتیب) अ वि –सिलसिले के मुताबिक, क्रमानुसार, यथाक्रम।

हस्बे तलब (حسب طلب) अ वि –दे 'हस्बुत्तलब' दोनो शुद्ध है।

हस्बे तह्रीर (حسب تحریر) अ वि –दे 'हस्बुत्तहरीर' दोनो शुद्ध है।

हस्बे तौफीक (حسب توفیق) अ वि –दे 'हस्बे इस्तिताअत'।

हस्बे दस्तूर (حسب دستور) अ वि –दस्तूर के मुताबिक, यथाविधि, विधिपूर्वक, यथानियम, काइदे के वमूजिव।

हस्बे दिलख्वाह (حسب دلخواہ) अ फा वि –मनोवाछित, मनमाना, जैसा चाहिए था वैसा, इच्छानुसार।

हस्बे फराइज (حسب فرائض) अ वि –ड्यूटी और फर्ज के मुताबिक, यथाकर्तव्य।

हस्बे फर्माइश (حسب فرمائش) अ फा वि –कहने के मुताबिक, कथनानुसार, आज्ञा के वमूजिव, आज्ञानुसार।

हस्बे फह्माइश (حسب فہمائش) अ फा वि –दे 'हस्बे तबीह'।

हस्बे बरदास्त (حسب برداشت) अ फा वि –जहाँ तक सहा जा सके, जितना उठ सके, सहनानुसार।

हस्बे बिसात (حسب بساط) अ वि –दे 'हस्बे मकदूर'।

हस्बे मशा (حسب منشا) अ वि –दे 'हस्बे ख्वाहिश'।

हस्बे मक्दूर (حسب مقدور) अ वि –वस भर, शक्ति भर, सामर्थ्य भर, इस्तिताअत भर।

हस्बे मज्कूर (حسب مذکور) अ वि –कहे हुए के मुताबिक, ऊपर लिखे हुए के अनुसार।

हस्बे मुराद (حسب مراد) अ वि –मशा के मुताबिक, यथेच्छ, यथेष्ट, यथाकाम।

हस्बे मौक़ा' (حسب موقعہ) अ वि –समय के मुताबिक, यथा समय, कालानुसार, जगह के मुताबिक, यथास्थान।

हस्बे रफ्तार (حسب رفتار) अ फा वि –चाल के मुताबिक, रवाज के मुताबिक।

हस्बे रवाज (حسب رواج) अ वि –रवाज और रस्म के मुताबिक, यथाप्रथा, यथारीति, यथानुपूर्वक।

हस्बे रिवायात (حسب روایات) अ वि –रिवायतो अर्थात् रवाजो और प्रथाओ के अनुसार, पुराने वश परम्पराओ के अनुसार, खानदान मे होनेवाले तौर-तरीको के अनुसार।

हस्बे साबिक़ (حسب سابق) अ वि –पहले की तरह, यथापूर्व।

हस्बे हाल (حسب حال) अ वि –हालत और दशा के अनुसार, जैसी दशा हो वैसा।

हस्बे हिसस (حسب حصص) अ वि –हिस्से और भाग के अनुसार, यथाभाग, विभागत।

हस्बे हुक्म (حسب حکم) अ वि –दे 'हस्बुल हुक्म' दोनो शुद्ध है।

हस्बे हैसियत (حسب حیثیت) अ वि –हैसियत के मुताबिक, शक्ति के मुताबिक, सामर्थ्य के मुताबिक।

हस्बे हौसल॰ (حسب حوصلہ) अ वि –हिम्मत के मुआफिक, उत्साह के अनुसार, जितनी हिम्मत हो उतना।

हस्म (حسم) अ पु –विच्छेद, काटना।

हस्र (حصر) अ पु –निर्भरता, इन्हिसार, अवलवन, सहारा, वाद निर्णय के लिए किसी पर निर्भरता।

हस्रत (حسرت) अ स्त्री –निराशा, नाउम्मेदी, दुख, कष्ट, मुसीवत, अभिलाषा, लालसा, इच्छा, पश्चात्ताप, अफसोस उदा०—"दिल को नियाजे हस्रते दीदार कर चुके। देखा तो हममें ताकते दीदार भी नही।"—गालिब।

हस्रतअगेज (حسرت انگیز) अ फा वि –निराशा वढानेवाला, निराशा पैदा करनेवाला।

हस्रतअजाम (حسرت انجام) अ फा वि –जिस कार्य का अत निराशा हो, दुखात, जिस काम के करने से वाद को पश्चात्ताप हो।

हस्रत आगी (حسرت آگیں) अ फा वि –नाउम्मेदी से भरा हुआ, निराशापूर्ण।

हस्रत आफ़्री (حسرت آفریں) अ फा वि –नाउम्मेदी पैदा करनेवाला, निराशाजनक।

हस्रत इतिमा (حسرت انتما) अ वि –निराशा वढानेवाला, दुख वढानेवाला।

हस्रत कद॰ (حسرت کدہ) अ फा पु –निराशा का घर, दुख का घर, अर्थात् नायक का घर।

हस्रत खेज (حسرت خیز) अ फा वि –दे 'हस्रत अगेज'।

हस्रतगाह (حسرت گاہ) अ फा स्त्री –निराशा का स्थान, जहाँ निराशा ही निराशा हो।

हस्रतज़द॰ (حسرت زدہ) अ फा वि –निराशाग्रस्त, नाउम्मीदी का मारा हुआ।

हस्रतज़ा (حسرت‌زا) अ फा वि –निराशा पैदा करनेवाला, दुःख बढ़ानेवाला।
हस्रततलब (حسرت‌طلب) अ वि –जो निराशा की कामना करता हो, जो आशान्वित न हो।
हस्रत दीदः (حسرت‌دیده) अ फा वि –दे, 'हस्रतज़द.'।
हस्रत नसीब (حسرت‌نصیب) अ. वि –जिसके भाग्य में निराशा ही निराशा और दुःख ही दुःख हो।
हस्रतनाक (حسرت‌ناک) अ फा वि –दुःखान्वित, निराशान्वित, निराशापूर्ण, दुःखपूर्ण।
हस्रतपरस्त (حسرت‌پرست) अ फ वि –निराशा की पूजा करनेवाला, निराशावादी।
हस्रतपसंद (حسرت‌پسند) निराशा और दुःख को प्रिय जाननेवाला, निराशान्वित।
हस्रतमंद (حسرت‌مند) अ. फा वि –निराशान्वित, निराशावादी, निराश, हताश, मायूस; अभिलाषी, इच्छुक, ख्वाहिशमंद।
हस्रतमआब (حسرت‌مآب) अ. वि –निराशावादी, जो निराशा ही को सब कुछ समझता हो, अर्थात् नायक।
हस्रतमानूस (حسرت‌مانوس) अ वि –जिसकी रुचि निराशा पर हो, जो निराशा को दोस्त रखता हो।
हस्रतरसीदः (حسرت‌رسیده) अ फा वि –दे. 'हस्रतज़द'।
हस्रतशिकार (حسرت‌شکار) अ फा वि –जिसे निराशा ने मारा हो।
हस्रतसंज (حسرت‌سنج) अ फा. वि –दे 'हस्रतपसंद'।
हस्रतसरा (حسرت‌سرا) अ. फा स्त्री –दे 'हस्रतकद'।
हस्रत सामाँ (حسرت‌ساماں) अ फा. वि –जिसके पास ले-देकर केवल निराशा ही निराशा हो।
हस्रती (حسرتی) अ. वि –निराश, हताश, मायूस; अभिलाषी, इच्छुक, आर्ज़ूमंद।
हस्रते दीद (حسرت دید) अ फा स्त्री –दे 'हस्रते दीदार'।
हस्रते दीदार (حسرت دیدار) अ फा स्त्री –दर्शनों की इच्छा, देखने की अभिलाषा।
हस्रते मुलाक़ात (حسرت ملاقات) अ स्त्री –देखने और मिलने की इच्छा।
हस्रते वस्ल (حسرت وصل) अ स्त्री –नायिका के मिलने की अभिलाषा।
हस्रतेअर्मां (حسرت و ارماں) अ फा पु –इच्छाएँ और अभिलाषाएँ।
हस्साद (حصاد) अ. वि –खेती काटनेवाला।
हस्सान (حسان) अ.पुं –बहुत सुंदर, बहुत ख़ूबसूरत, अति-उत्तम, बहुत अच्छा।
हस्सास (حساس) अ वि –स्वाभिमानी, ख़ुद्दार; संवेदनशील, हिसवाला।
हह्हसः (حصحصه) अ पु.–हिला-हिलाकर भरना।

हा

हाँ (هاں) फा अव्य –सावधान! ख़बरदार! देखो! होशियार!
हा (ها) फा. प्रत्य –शब्द को अन्त में आकर बहुवचन बनाता है, जैसे–'दरख़्तहा' वृक्ष-समूह, प्राय निष्प्राण वस्तुओं के लिए आता है; एक अक्षर, 'हे', हिंदी 'ह'।
हाइक (حائک) अ. पु –कपड़ा बुननेवाला, वायक, कुविंद।
हाइज़ः (حائضه) अ स्त्री –वह स्त्री जो महीने से हो, पुष्पिणी, ऋतुमती, उदक्या, मलिष्ठा, आत्रेयी, रजवती, स्त्रीधर्मिणा, अंतर्वर्ती, रजस्वला।
हाइज़ (حائض) अ. स्त्री –वह स्त्री जो बालिग हो गयी हो और हैज़ आने के क़ाबिल हो।
हाइत (حائط) अ स्त्री –भीत, भित्त, दीवार।
हाइब (هائب) अ वि –डरनेवाला।
हाइम (هائم) अ वि.–आसक्त, प्रेम मग्न, बहुत प्यासा।
हाइर (حائر) अ वि –स्तब्ध, चकित, उद्विग्न, हैरान, दुर्बल, क्षीर्ण, दुबला-पतला; भँवर, वर्त, जलावर्त, गिर्दाब; वह स्थान जहाँ हज़रत इमाम हुसैन शहीद हुए थे।
हाइलः (هائله) अ. वि.–दे 'हाइल'।
हाइल (حائل) अ वि –बीच में आनेवाला, आड़ बननेवाला।
हाइल (هائل) अ वि –भयंकर, भीषण, भयानक, विकराल, ख़ौफ़नाक।
हाए (هاے) फा.–कराह की आवाज़, आह, हा।
हाए मख़्लूत (هاے مخلوط) अ. स्त्री –वह 'हे' जो दूसरे शब्द में मिलाकर पढ़ी जाये, जैसे–'कुम्हार' की 'हे'।
हाए मुख़्तफ़ी (هاے مختفی) अ स्त्री –वह हे जो लिखी जाय मगर पढ़ी न जाय और केवल यह ज़ाहिर करने के लिए आये कि अंतिम अक्षर हल् नहीं है, जैसे–'परवानः'।
हाए मुज़्हर (هاے مظہر) अ स्त्री –वह 'हे' जो ज़ाहिर हो, जैसे–'जगह' की 'हे'।
हाए मुशक़्क़क (هاے مشقق) अ स्त्री –दो चश्मी (ھ)।
हाए हव्वज़ (هاے هوز) अ स्त्री –छोटी 'हे' (ہ)।
हाए हुत्ती (هاے حطی) अ स्त्री –बड़ी 'हे' (ح)।
हाक़ (حاق) अ वि –बीचोबीच, मध्य, दरमियान।
हाकिम (حاکم) अ वि –पदाधिकारी, अफ़सर; स्वामी, मालिक, शासक, फ़र्मांरवा; नरेश, राजा, बादशाह; अध्यक्ष, सरदार।

हाकिमानः (حاکمانہ) अ फा वि –अफसरों-जैसा।
हाकिमी (حاکمی) अ वि –पदाधिकार, अफ्सरी, स्वामित्व, मालिकी, शासन, राज, राजशाही, अध्यक्षता, सरदारी।
हाकिमे आ'ला (حاکم اعلیٰ) अ पु –उच्चाधिकारी, बडा अफसर।
हाकिमे बाला (حاکم بالا) अ फा पु –दे 'हाकिमे आला', किसी अफ्सर से ऊपर का अफसर।
हाकिमे वक्त (حاکم وقت) अ पु –वर्तमान समय का शासक।
हाकिमे हक़ीक़ी (حاکم حقیقی) अ पु –ईश्वर, परमात्मा।
हाकी (حاکی) अ वि –वार्तालाप करनेवाला, वातचीत करनेवाला, कहानी सुनानेवाला।
हाक़्क़. (حاقہ) अ स्त्री –महाप्रलय, कियामत।
हाज [ज्ज] (حاج) अ वि –हज करनेवाला, हाजी।
हाज (حاج) अ स्त्री –'हाजत' का वहु, हाजते, इच्छाएँ।
हाजत (حاجت) अ स्त्री –इच्छा, अभिलाषा, ख्वाहिश, मनोकामना, मनोवाछा, दिली मक्सद।
हाजतख्वाह (حاجت خواہ) अ फा वि –कामनापूर्ति चाहनेवाला।
हाजतगाह (حاجت گاہ) अ फा स्त्री –वह स्थान जहाँ से कामनापूर्ति की इच्छा हो।
हाजतबरारी (حاجت براری) अ फा स्त्री –इच्छा पूरी करना, कामना पूरी करना।
हाजतमद (حاجت مند) अ फा वि –इच्छुक, अभिलाषी, ख्वाहिशमद, निर्धन, मोहताज।
हाजतमदी (حاجت مندی) अ फा स्त्री –इच्छा, चाह, तलव, निर्धनता, मोहताजी।
हाजतरवा (حاجت روا) अ फा वि –इच्छा और कामना पूरी करनेवाला।
हाजतरवाई (حاجت روائی) अ फा स्त्री –इच्छा और कामना पूरी करना।
हाजती (حاجتی) अ वि –इच्छुक, अभिलाषी, (स्त्री) वह चौकी जो रोगी के पलग के पास लगा दी जाती है ताकि पेशाव-पाखाने में उसे कष्ट न हो।
हाजर (ہاجر) अ स्त्री –हज़रत इस्माईल की माता का नाम।
हाज़िक़ (حاذق) अ वि –दक्ष, प्रवीण, कुशल, माहिर, वह चिकित्सक जो अपने फन मे वहुत ही निपुण हो।
हाजिज़ (حاجز) अ वि –वीच मे पर्दे की तरह आ जानेवाला, वक्ष स्थल और उदर के वीच की एक झिल्ली।
हाजिब (حاجب) अ वि –द्वारपाल, प्रहरी, दरवान, चोवदार, दडधारी, भ्रू, भौं।
हाजिन (ہاجن) अ स्त्री –वह नावालिग़ स्त्री जिसका व्याह हो गया हो, हर जानवर का मादा वच्चा।
हाज़िम (ہاضمہ) अ पु –पाचन शक्ति, कुव्वते हज़्म।
हाज़िम (حازم) अ वि –दूरदर्शी, अग्रसोची, दूरदेश, वुद्धिमान्, मेधावी, अक्लमद।
हाज़िम (ہاضم) अ वि –पाचक, खाना हज़्म करनेवाला।
हाज़िमे तआम (ہاضم طعام) अ पु –अन्नपाचक, खाना हज़्म करनेवाली दवा।
हाजिरः (ہاجرہ) अ स्त्री –हिज्रत करनेवाली स्त्री, घरवार छोडकर परदेश मे आनेवाली स्त्री, शरणार्थिनी, वहुत गर्म और तपनेवाली दोपहर।
हाजिर (ہاجر) अ वि –घर-वार छोडनेवाला, मुहाजिर, परदेसी, शरणार्थी।
हाजिर (حاجر) अ वि –रोकनेवाला, मना करनेवाला, निषेधक, ऊँची भूमि, नदी की कगार।
हाज़िर (حاضر) अ वि –उपस्थित, मौजूद, विद्यमान, किसी न्यायालय मे वारट या सम्मन के द्वारा लाया गया या तारीख़ मुकद्दमा मे आया हुआ, स्कूल या कारखाने के रजिस्टर मे हाजिरी की प्रविष्टि के समय उपस्थित।
हाज़िर जवाव (حاضر جواب) अ वि –जो तुरन्त ही किसी वात का उचित और चमत्कारपूर्ण उत्तर दे, प्रगल्भ, प्रत्युत्पन्नमति।
हाज़िरजवावी (حاضر جوابی) अ स्त्री –किसी वात का तुरत ही उचित और मौज़ूँ जवाव देना, प्रगल्भता।
हाज़िरज़ामिन (حاضر ضامن) अ वि –किसी अभियुक्त की न्यायालय मे उपस्थिति की जिम्मेदारी लेनेवाला।
हाज़िरज़ामिनी (حاضر ضامنی) अ स्त्री –किसी अभियुक्त की न्यायालय मे उपस्थिति की ज़मानत।
हाज़िरदिमाग़ (حاضر دماغ) अ वि –जो कोई वात फौरन ही ठीक समझ ले और ठीक ही राय दे सके।
हाज़िरदिमाग़ी (حاضر دماغی) अ स्त्री –वात की तह को फौरन ही पहुँचकर ठीक राय देना।
हाज़िरवाश (حاضر باش) अ फा वि –किसी वडे आदमी के पास हर वक्त का वैठने-उठनेवाला।
हाज़िरवाशी (حاضر باشی) अ फा स्त्री –किसी वडे आदमी के पास हर वक्त वैठना-उठना।
हाज़िरात (حاضرات) अ स्त्री –'हाज़िर' का वहु, 'उपस्थित' स्त्रियाँ, जिनो अथवा भूतो को वुलाने का अमल, जिसमे वे किसी पर वुलाये जाते हैं, और सवालो का जवाव देते हैं।

हाज़िराती (حاضراتی) अ पु –जिनो भूतो को किमी पुरूप या स्त्री पर वुलानेवाला, आमिले जिन, ओझा।

हाज़िरी (حاضری) अ स्त्री –उपस्थिति, मौजूदगी, मजदूरो या विद्यार्थियो की गिनती; विद्यमानता, वुजूद होना; न्यायालय मे वारट या सम्मन द्वारा प्रतिवादी तथा गवाहो आदि की उपस्थिति।

हाजिरीन (حاضرین) अ पु –'हाज़िर' का वहु, हाज़िर लोग, उपस्थित गण।

हाजिरीने जल्सः (حاضرین جلسہ) अ पु –किमी सभा मे उपस्थित लोग।

हाजिरीने मज्लिस (حاضرین مجلس) अ पु –किसी गोष्ठी मे सम्मिलित लोग।

हाजिरोनाज़िर (حاضروناظر) अ पु –जो किसी स्थान पर उपस्थित भी हो और सारी घटनाएँ देखता भी हो, ईश्वर, परमात्मा।

हाजिल (هازل) अ वि –फक्कड वकनेवाला, अश्लील वोलनेवाला, हज्ल की कविता करनेवाला।

हाजी (حاجی) उ पु –हज करनेवाला, (अरवी शब्द 'हाज' है)।

हाजी (هاجی) अ वि –निंदा करनेवाला, हज्व करनेवाला, हिज्जे करनेवाला।

हाज़ूम (هاضوم) अ वि –अन्नपाचक औषधि, खाना हज्म करनेवाली दवा।

हाज्ज (حاجہ) अ स्त्री –हज करनेवाली स्त्री, हज्जन।

हातम (حاتم) अ पु –यमन का एक सरदार जो वडा उदार और दानशील था, 'वनीतय' के गोत्र मे होने के कारण 'ताई' कहलाता है, दे हातिमताई।

हातिन (هاتن) अ पु –वरसनेवाला वादल।

हातिफ (هاتف) अ वि –पुकारनेवाला, वुलानेवाला।

हातिफे गैव (هاتف غیب) अ पु –वह देवता जो दिल में वात डालता या आकाशवाणी वोलता है।

हातिव (حاطب) अ वि –लकड़ी वेचनेवाला, लकडियाँ लानेवाला, लकडहारा।

हातिम (حاتم) अ पु –न्यायाधीश, जज, काज़ी, एक वडा कव्वा, दे 'हातम' दोनो शुद्ध हैं।

हातिमताई (حاتم طائی) अ पु –दे 'हातम'।

हातिमे वक़्त (حاتم وقت) अ पु –अपने समय का वहुत ही दानशील और अतिथिपूजक व्यक्ति।

हातिल (هاطل) अ वि –वह घटा जो वहुत ज़ोर से वरसे, घनघोर घटा।

हाद [द्द] (هاد) अ पु –वह जोरदार आवाज़ जो नदी या समुद्र से उठती और कनारे पर सुनाई देती है।

हाद [द्द] (حاد) अ वि –तीव्र, प्रचड, तेज, सख़्त।

हादिए मुत्लक़ (هادئ مطلق) अ वि –सच्चा सन्मार्ग दर्शक अर्थात् ईश्वर।

हादिम (هادم) अ वि –नष्ट करनेवाला, ध्वंसकारी।

हादिमुल्लज़्ज़ात (هادم اللذات) अ. पु –यमराज, यमदूत, धर्मराज, मौत का फिरिश्ता।

हादिर (هادر) अ पु –वह दूध जो ऊपर से जमकर दही वन गया हो और नीचे पतला पानी हो।

हादिसः (حادثہ) अ पु –दुर्घटना, सानिह, नया वाकिआ, नयी घटना; विपत्ति, मुसीवत।

हादिस (حادث) अ वि –नयी पैदा होनेवाली वस्तु, जो सदा से न हो, जो कदीम न हो, माद्द भूत।

हादिसए फाजिअ (حادثہ فاجعہ) अ पु –वहुत ही भयानक दुर्घटना, मृत्यु आदि की घटना।

हादी (حادی) अ पु –सारवान, ऊँटवाला, उष्ट्रपाल।

हादी (هادی) अ वि –पथप्रदर्शक, रास्ता दिखानेवाला, नेता, लीडर।

हादी अशर (حادی عشر) अ वि –ग्यारहवाँ।

हाद्दः (حادہ) अ वि –तीव्र, प्रचड, तेज़ (स्त्रीलिंग शब्दो के साथ)।

हानम (هانم) तु स्त्री –खानम, खातून, महोदया, श्रीमती।

हानिस (حانث) अ वि –शपथ तोडनेवाला।

हानूत (حانوت) अ स्त्री –दुकान, पथ्यशाला, शराव की दुकान।

हाफिज़ः (حافظہ) अ पु –याददाश्त की कुव्वत, स्मरण शक्ति।

हाफिज़ (حافظ) अ पु –जिसकी याददाश्त अच्छी हो, जिसे कुरान कठ हो, रक्षक, वचानेवाला।

हाफिज़े कुर्आन (حافظ قرآن) अ. पु –जिसे पूरा कुरान जवानी याद हो।

हफिज़े हक़ीकी (حافظ حقیقی) अ पु –सच्ची रक्षा करनेवाला, अर्थात् ईश्वर।

हाफिद (حافدہ) अ स्त्री –पोती, लडके की लडकी, नवासी, लडकी की लडकी।

हाफिद (حافد) अ वि –मित्र, दोस्त, सेवक, खिदमी; पोता, लडके का लडका, नवासा, लडकी का लडका।

हाफिर (حافر) अ वि –गढा खोदनेवाला, कुआँ खोदनेवाला, घोडे की टाप।

हाफी (حافی) अ. वि –नगे पाँव फिरनेवाला, न्यायकर्ता, काज़ी।

हाबित (هابط) अ वि –नीचे उतरनेवाला, ऊपर से नीचे आनेवाला।

हाबिसः (حابسة) अ स्त्री –रोकनेवाली, रोधिका।

हाबिस (حابس) अ वि –रोकनेवाला, रोधक, शरीर से रक्त आदि को निकलने से रोकनेवाली ओषधि।

हाबिसात (حابسات) अ स्त्री –हाबिस का बहु, वह ओषधियाँ जो शरीर से निकलनेवाली धातुओं को रोके।

हाबिसे इस्हाल (حابس اسہال) अ वि –दस्तों को रोकनेवाली ओषधि।

हाबिसे ख़ून (حابس خون) अ फा वि –रक्त-प्रवाह को रोकनेवाली दवा, रक्तावरोधक।

हाबिसे तम्स (حابس طمث) अ वि –रज स्राव को रोकनेवाली ओषधि।

हाबिसे दम (حابس دم) अ वि –रक्तावरोधक, ख़ून को निकलने से रोकनेवाली दवा।

हाबी (هابی) अ स्त्री –क़ब्र की मिट्टी।

हाबील (هابیل) अ पु –आदम का पुत्र, जिसे क़ाबील ने मार डाला था।

हामः (هامه) अ स्त्री –कपाल, खोपड़ी, ललाट, माथा, अपने गोत्र या जाति का नायक।

हाम (حام) अ पु –नूह का एक लड़का।

हामान (هامان) अ पु –फ़िरऔन का वज़ीर जो बड़ा अत्याचारी था।

हामिज़ (حامض) अ वि –खट्टा, अम्ल, तुरुश।

हामिद (هامد) अ पु –सूखी घास, पुराना वस्त्र।

हामिज़ (هامز) अ वि –निंदा करनेवाला, आँख से संकेत करनेवाला।

हामिद (حامد) अ वि –प्रशंसक, तारीफ़ करनेवाला।

हामिल (حاملہ) अ स्त्री –वह स्त्री जिसके पेट में बच्चा हो, गर्भिणी, अंतर्वत्नी, गुर्विणी, सगर्भा, आपन्नसत्त्वा, अंतर्वती, अंतःसत्त्वा, द्विहृदया, गर्भगुर्वी, गर्भवती, बोझ उठानेवाली।

हामिल (هامل) अ पु –वह ऊँट जो बिना रखवाले के चरागाह में छोड़ दिया गया हो।

हामिल (حامل) अ वि –बोझ उठानेवाला, धारण करनेवाला, रखनेवाला।

हामिले अरीज़ः (حامل عریضه) अ पु –चिट्ठी अपने पास रखनेवाला, जो किसी के पास अपने काम के लिए या किसी के लिए चिट्ठी ले जाय।

हामिले मत्न (حامل متن) अ वि –वह पुस्तक जिसमें टीका के साथ उसका मूल भी हो।

हामिले वही (حامل وحی) अ पु –ईश्वरादेश ग्रहण करनेवाला, ईशदूत, पैग़ंबर।

हामिश (هامش) अ पु –हाशिया, किनारा।

हामी (هامی) अ वि –चकित, निस्तब्ध, हैरान, आतुर, व्याकुल, परीशान।

हामी (حامی) अ वि –पक्षपाती, सहायक, मददगार, मित्र, दोस्त, पृष्ठ-पोषक, हिम्मत बढ़ानेवाला।

हामुन (هامن) फा अ पु –'हामून' का लघु, दे 'हामून'।

हामूँ (هاموں) फा पु –'हामून' का लघु, दे 'हामून'।

हामूँगर्द (هاموں گرد) फा वि –जंगलों में मारा-मारा फिरनेवाला, वनभ्रमी।

हामूँनवर्द (هاموں نورد) फा वि –दे 'हामूँगर्द'।

हामून (هامون) फा पु –बड़ा मैदान, वन, जंगल, मरुभूमि, रेगिस्तान।

हामूम (هاموم) अ पु –पिघली हुई चर्बी, ऊँट का कोहान।

हार (حاره) फा पु –किसी नगर या क़स्बे का महल्ला, टोला।

हार [र्] (حار) अ वि –उष्ण, तप्त, गर्म, गर्म ख़ासियत रखनेवाला स्वभाव या ओषधि, उष्णवीर्य।

हार (هار) फा पु –माला, फूलों या मोतियों आदि की माला।

हार (هار) अ वि –गिरा हुआ, नष्ट, ध्वस्त।

हारिज (هارج) अ वि –उपद्रवकारी, गड़बड़ी फैलानेवाला।

हारिज (حارج) अ वि –हानिकर, नुक़सान करनेवाला।

हारिब (هارب) अ वि –भागनेवाला, पलायक।

हारिश (هارش) फा स्त्री –अपने को बना-ठना दिखाने का शौक़।

हारिस (حارث) अ पु –व्याघ्र, शेर, कृषीवल, कृषक, किसान।

हारिस (حارس) अ वि –संरक्षक, देख-रेख करनेवाला, निगहबान।

हारिस (حارص) अ वि –लोलुप, लोभी, लालची।

हारूँ (هاروں) अ पु –'हारून' का लघु, दे. 'हारून'।

हारूत (هاروت) अ पु –एक फ़िरिश्ता जिसके लिए कहा जाता है कि 'मारूत' के साथ बाबिल के कुएँ में बंद है और लोगों को जादू सिखाता है।

हारूतफ़न (هاروت فن) अ फा वि –जादूगर, इंद्रजाली, मायावी, इंद्रजालिक।

हारूती (هاروتی) अ वि –जादू का काम, मायाकर्म, इंद्रजाल।

हारून (هارون) अ पु –दूत, कासिद, राजदूत, सफीर, सरक्षक, पासवान।

हारूनी (هارونی) अ. वि.–दूतकर्म, कासिदी, राजदूत का काम या पद, सिफारत, रक्षा, हिफाजत।

हारः (حارہ) अ वि –गर्म, तप्त (स्त्रीलिंग वस्तु); खेती की जमीन, बोये हुए खेत।

हालः (ہالہ) फा. पु –चाँद या सूरज के गिर्द पडनेवाला घेरा, मडल, परिवेप।

हाल (حال) अ. पु –दशा, हालत, वृत्तात, कैफियत, वज्द, झूमना।

हालए माह (ہالۂ ماہ) फा पु –चद्रमडल, चद्रविव, शशि-मडल।

हालए मेह्र (ہالۂ مہر) अ पु –रविमडल, रविविंव, सूर्यमडल।

हालए शम्स (ہالۂ شمس) फा अ पु –दे. 'हालए मेह्र'।

हाल (حال) अ पु –वृत्तात, वयान, दशा, हालत, वर्तमान काल, जमानए हाल, समाचार, खवर।

हाल (ہال) फा पु –सफेद इलाइची, सुख, चैन, नर्त; नाच, चौगान की गेद।

हालगाह (ہالگاہ) फा स्त्री.–चौगान खेलने का मैदान।

हालत (حالت) अ स्त्री –दशा, अवस्था, वृत्तात, हाल, घटना, वाकिअ, समाचार, खवर।

हालते इंतिजार (حالت انتظار) अ. स्त्री.–प्रतीक्षा की अवस्था, किसी के राह देखने की वेचैनी।

हालते नजअ (حالت نزع) अ स्त्री –मरते समय की दशा, जाकनी, चद्रा।

हालते मौजूदः (حالت موجودہ) अ. स्त्री –आधुनिक अवस्था, उपस्थित अवस्था।

हालाँकि (حالانکہ) अ फा. अव्य –यद्यपि, अगरचे।

हालात (حالات) अ पु –'हालत' का वहु, हालतें, दशाएँ।

हालाते मौजूदः (حالات موجودہ) अ पु –आजकल के समाचार, ताजा खवरे, मौजूद समय की सियासी हलचलें, उपस्थित समय की उथल-पुथल।

हालिक (حالک) अ वि –वहुत अधिक काला।

हालिक (ہالک) अ वि –प्राण लेनेवाला, घातक।

हालिव (حالب) अ. वि –दूध दुहनेवाला, दोहक, रान की एक रग।

हालियः (حالیہ) अ. वि –आधुनिक, उपस्थित समय का, ताजा, नया।

हाली (حالی) अ. वि –हाल का, आधुनिक, आभूपित, शृगारित, जेवर से आरास्त.।

हावन (ہاون) फा पु.–लकडी की ओखली, उलूखल, लोहे का दवा आदि कूटने का ओखली-जैसा पात्र।

हावनदस्तः (ہاون دستہ) फा. पु –लोहे की ओखली और कूटने का मूसल।

हावियः (ہاویہ) अ. पु –नरक का सातवाँ तल।

हावी (حاوی) अ वि –छाया हुआ, आच्छादित, जिसने किसी चीज को ढाँक लिया हो, जो अपनी चतुराई, शक्ति या छल से किसी पर कावू रखता हो।

हावून (ہاون) अ पु –दे 'हावन'।

हाशःलिल्लाह (حاش اللہ) अ वा –खुदा ऐसा न करे, ऐसा कभी न हो, इस शब्द को 'हाशालिल्लाह' पढना गलत है, जैसा अक्सर कमइल्म लोग वोलते या लिखते हैं।

हाशा (حاشا) अ. वि –कदापि, हरगिज; त्राहि, पनाह; पवित्रता, पाकी, ऐसे समय वोलते हैं जव किसी वात से अपनी विलकुल ही अज्ञानता या निष्पक्षता प्रकट करनी होती है।

हाशा व कल्ला (حاشا وکلا) अ वि –कदापि नही, जरा भी नही, जव किसी (विशेपत वुरी) वात से अपनी निष्पक्षता और वे तअल्लुकी जाहिर करनी होती है तो कहते हैं।

हाशा सुम्मः हाशा (حاشا ثم حاشا) अ वि –दे 'हाशा व कल्ला।

हाशिम (ہاشم) अ वि –हज्रत मुहम्मद साहव के वश-प्रवर्तक, पियाले में रोटी मलनेवाला।

हाशिमी (ہاشمی) अ वि –'हाशिम' के वशज।

हाशियः (حاشیہ) अ पु –चादर या सारी आदि के किनारे की गोट या वेलवूटे, किनारा, किसी पुस्तक के नीचे दी हुई टीका-टिप्पणी।

हाशियः नशीन (حاشیہ نشین) अ फा वि –दरवार आदि में मडलाकार वैठनेवाले सभासद, किसी वडे आदमी के पास उठने-वैठनेवाले मुसाहिव।

हाशियःनशीनी (حاشیہ نشینی) स्त्री० दरवारदारी, किसी वडे आदमी की सेवा मे प्राय उपस्थिति।

हाशिर (حاشر) अ. पु –हज्रत मुहम्मद साहव का एक नाम।

हासिद (حاسد) अ वि –हसद करनेवाला, डाही, ईर्ष्यालु, मत्सरी।

हासिदीन (حاسدین) अ पु –'हासिद' का वहु, डाह करनेवाले लोग, जलने और हसद करनेवाले।

हासिव (حاصب) अ पु –वह आँधी जिसमे ककड़ पत्थर हो; वह वादल जो ओले वरसाये।

हासिर (حاصر) अ वि –गिननेवाला, शुमार करनेवाला; निर्भर रहनेवाला, हल करनेवाला।

हासिर (حاسر) अ वि –पश्चात्ताप करनेवाला, हस्रत करनेवाला, अफसोस करनेवाला।

हासिल (حاصل) अ वि –प्राप्त, वुसूल, उपलब्ध, दस्तयाब, आय, आमदनी, राजस्व, जमीन की आमदनी, निष्कर्ष, नतीजा।

हासिलखेज़ (حاصل خیز) अ फा वि –उर्वरा, उपजाऊ, ज़रखेज़।

हासिलवुसूल (حاصل وصول) अ.पु –लाभ, नफा, परिणाम, नतीजा।

हासिलात (حاصلات) अ स्त्री –'हासिल' का बहु, गाँव की आमदनी, ज़मीनो और खेतो का लगान।

हासिले कलाम (حاصل کلام) अ पु –बात का निचोड, गुफ्तगू का सार या निष्कर्ष।

हासिले किस्मत (حاصل قسمت) अ पु –दे 'हासिले तक्सीम'।

हासिले जम्अ (حاصل جمع) अ पु –जोड, योगफल, मीज़ान।

हासिले ज़र्ब (حاصل ضرب) अ पु –दो सख्याओ को परस्पर गुणा करने से प्राप्त सख्या, घात, गुणनफल।

हासिले तक़्सीम (حاصل تقسیم) अ पु –बडी सख्या को छोटी सख्या मे भाग देने से प्राप्त सख्या, लब्धाक, भजनफल, भागफल, लब्धि।

हासिले तफ़्रीक़ (حاصل تفریق) अ पु –बडे अदद मे से छोटे अदद को घटाने से प्राप्त अदद, शेष।

हासिले बाज़ार (حاصل بازار) अ फ़ा पु –बाज़ार की आमदनी।

हासिले मत्लब (حاصل مطلب) अ पु –साराश, खुलासा, निष्कर्ष, नतीजा।

हि

हिंतः (حنطه) अ पु –गेहूँ, गोधूम।

हिंद (هند) फा पु –भारत, हिंदुस्तान।

हिंदबा (هندبا) फा स्त्री –कासनी, एक वनौषधि जो दवा के काम आती है।

हिंदसः (هندسه) अ. पु –सख्या, अदद, गणित, रियाजी।

हिंदस.दाँ (هندسه دان) अ फा वि –रियाज़ी का माहिर, गणितज्ञ।

हिंदस.दानी (هندسه دانی) अ फा स्त्री –रियाज़ी जानना, गणितज्ञता।

हिंदी (هندی) फा स्त्री –देवनागरी भाषा, नागरी, (पु) भारत का निवासी, हिंदुस्तानी।

हिंदीज़बाँ (هندی زبان) फा वि –हिंदीभाषा-भाषी, जिसकी मातृभाषा हिंदी हो।

हिंदीदाँ (هندی دان) फा वि –हिंदी भाषा जाननेवाला, जो हिंदी लिखना-पढना जानता हो।

हिंदीदानी (هندی دانی) फा स्त्री.–हिंदी लिखना-पढना जानना।

हिंदी नज़ाद (هندی نژاد) फा वि –जो व्यक्ति हिंदुस्तान मे पैदा हुआ हो, हिंदी, भारतीय।

हिंदुआन. (هندوانه) फा पु –तरबूज़, कलींदा, मासफल, चित्रफल, फलराज।

हिंदुस्ताँ (هندستان) फा पु –'हिंदुस्तान' का लघु, दे 'हिंदुस्तान'।

हिंदुस्तान (هندستان) फा. पु –भारत, भारतवर्ष, इडिया, हिंद।

हिंदुस्तानी (هندستانی) फा पु –भारत का निवासी, भारतीय, (स्त्री) हिंदुस्तान की भाषा, एक भाषा जो हिंदी-उर्दू के मिश्रण से बनी है।

हिंदू (هندو) फा पु –हिंदुस्तान का वह व्यक्ति जो मूर्ति-पूजा करता और वैदिक धर्मावलबी है।

हिंदूए चर्ख़ (هندوے چرخ) फा पु –शनि ग्रह, जुहल।

हिंदूए चश्म (هندوے چشم) फा. पु –आँख की पुतली, कनीनी।

हिंदूए फलक (هندوے فلک) फा अ पु–दे 'हिंदूए चर्ख़'।

हिंदू कश (هندو کش) फा पु –एक पहाड।

हिंदूकोह (هندو کوه) फा पु –दे. 'हिंदूकश'।

हिंदूज़न (هندوزن) फा स्त्री –हिंदू स्त्री जो पतिव्रता और साध्वी होती और अपने धर्म कर्त्तव्य का पालन करने की चेष्टा करती है।

हिंदूज़ाद (هندو زاده) फा पु –हिंदू का लडका।

हिंदूमज़्हब (هندو مذهب) फा अ वि –हिंदूधर्म रखनेवाला।

हिंदोस्ताँ (هندوستان) फा पु –हिंदोस्तान' का लघु, दे 'हिंदोस्तान'।

हिंदोस्ताँज़ाद (هندوستان زاده) फा पु –हिंदुस्तान मे पैदा होनेवाला, हिंदुस्तानी।

हिंदोस्तान (هندوستان) फा पु –भारत, हिंदुस्तान।

हिंदोस्तानी (هندوستانی) फा पु –भारतीय, हिंदुस्तानी, (स्त्री) एक भाषा हिंदुस्तानी।

हिकम (حکم) अ स्त्री –'हिक्मत' का बहु, हिक्मते, ज्ञान की बाते।

हिकायत (حکایت) अ. स्त्री.–कथा, कहानी; वार्ता, बात, वृत्तांत, हाल।

हिकायतगर (حکایتگر) अ फा. वि –कहानी कहनेवाला, किस्सा सुनानेवाला; वृत्तांत बतानेवाला, हाल कहनेवाला।

हिकायतन (حکایتاً) अ वि –कहानी के तौर पर, सुनी-सुनायी बात के रूप में।

हिक्कः (حکّہ) अ स्त्री –खुजली, खर्जू, कडू।

हिक़्द (حقد) अ पु –द्वेष, कीना, गुबार, शत्रुता, वैर, दुश्मनी।

हिक्मत (حکمت) अ स्त्री –विज्ञान, साइंस, आयुर्वेद, तिब; बुद्धिमत्ता, दानाई, युक्ति, तर्कीब।

हिक्मतआईन (حکمت آئین) अ फा. वि –हिक्मत और युक्ति से पूर्ण, बुद्धि और विवेक से पूर्ण।

हिक्मतआगीं (حکمت آگیں) अ फा. वि –दे 'हिक्मत-आईन'।

हिक्मतआमेज़ (حکمت آمیز) अ फा वि –युक्तिपूर्ण, बुद्धिपूर्ण, दानाई और तदब्बुर से भरा हुआ।

हिक्मतआमोज़ (حکمت آموز) अ फा वि –बुद्धि और मनीषा सिखानेवाला।

हिक्मतआरा (حکمت آرا) अ फा वि –बुद्धिमान्, विवेकी, मनीषी, दाना।

हिक्मते अमली (حکمت عملی) अ स्त्री –कूटनीति, पालिसी।

हिक्मते इलाही (حکمت الہی) अ स्त्री –ईश्वरेच्छा, खुदा की मर्जी।

हिक्मते बालिग़ः (حکمت بالغہ) अ स्त्री –बहुत बड़ी हिक्मत, पूरी चतुराई और बुद्धिमत्ता।

हिक्मते मदनी (حکمت مدنی) अ स्त्री –नगर का प्रबंध, परस्पर रहन-सहन के उसूल।

हिज़ब्र (ہزبر) अ पु –व्याघ्र, सिंह, शेर।

हिजा (ہجا) अ. स्त्री –निंदा, अपवाद, अपकीर्ति, बुराई, अक्षरों का मात्राओं के साथ उच्चारण।

हिजाअ (ہزاع) अ पु –दुर्बल और अशक्त व्यक्ति, उदासीन, खिन्न, बददिल।

हिजाज़ (حجاز) अ पु –अरब का वह प्रदेश जिसमें मक्का और मदीना है।

हिजाब (حجاب) अ पु –आड़, पर्दा, ओट, लज्जा, लाज, शर्म, संकोच, झिझक, हिचकिचाहट।

हिजाबत (حجابت) अ. स्त्री –द्वारपाल का काम, ड्योढीदारी।

हिजामत (حجامت) अ स्त्री –पछने या सिंघी लगवाना; पछने या सिंघी लगाना।

हिजारः (حجارہ) अ पु –पत्थर, प्रस्तर, पाषाण।

हिज़ार (حذار) अ पु –भय, त्रास, डर।

हिजाल (حجال) अ पु –'हजल' का बहु, दुल्हनों के कमरे, दुल्हनों की सेजें।

हिज्जः (حجّہ) अ पु –वर्ष, साल, एक बार हज करना।

हिज्जीर (ہجّیر) अ स्त्री –स्वभाव, प्रकृति, आदत।

हिज़्ब (حزب) अ पु –पक्ष, दल, पार्टी, जमाअत, गुरोह।

हिज़्बुल अह्रार (حزب الاحرار) अ पु –आज़ाद मेम्बरों की पार्टी, लेब्रल पार्टी, स्वतंत्र दल।

हिज़्बुल इक्तिदार (حزب الاقتدار) अ पुं –शासन-पक्ष, हुकूमत की पार्टी।

हिज़्बुलइख़्तियार (حزب الاختیار) अ पु –दे. 'हिज़्बुल-इक्तिदार'।

हिज़्बुलइख़्तिलाफ (حزب الاختلاف) अ पु –मुखालिफ मेम्बरों की पार्टी, विरोधी दल।

हिज़्बुलउम्माल (حزب العمال) अ पु –मज़्दूरों की पार्टी, लेबरपार्टी, श्रमिकदल।

हिज़्बुलमुस्तबिद्दीन (حزب المستبدین) अ. पुं –कंज़र-वेटिव पार्टी, अनुदार दल।

हिज़्बुल्लाह (حزب اللہ) अ पु –महात्माओं की जमाअत।

हिज़्बे इक़्तिदार (حزب اقتدار) अ पु –दे. 'हिज़्बुल-इक्तिदार'।

हिज़्बे इख़्तिलाफ (حزب اختلاف) अ पु –विरोधी पक्ष, खिलाफ पार्टी।

हिज़्बे मुआफिक (حزب موافق) अ पु –सहपक्ष, एकपक्षीय।

हिज़्बे मुखालिफ (حزب مخالف) अ पु –विरोधी पक्ष, मुखालिफ पार्टी, विपक्ष।

हिज्र (ہجر) अ पु –वियोग, विरह, जुदाई, फिराक।

हिज्रत (ہجرت) अ स्त्री –देश की जुदाई, वतन छोड़ना, परदेस में बसना, प्रवास।

हिज्रनसीब (ہجرنصیب) अ वि –जिसकी किस्मत में वियोग ही वियोग हो।

हिज्रां (ہجراں) अ फा पु –हिज्र, वियोग, जुदाई।

हिज्रांज़दः (ہجراں زدہ) अ फा वि –वियोग का सताया हुआ, विरहग्रस्त।

हिज्रांदीद. (ہجراں دیدہ) अ फा वि –जिसने विरह का दुःख देखा और सहा हो।

हिज्रांनसीब (ہجراں نصیب) अ वि –जिसके भाग्य में सदा ही विरहग्रस्त होना लिखा हो।

हिज्री (هجری) अ वि –हिज्रतवाला, इस्लामी सवत्सर जो हज़रत मुहम्मद साहिब की हिज्रत से प्रारभ होता है।

हिज़्लाज (هزلاج) अ पु –वृक, भेडिया, (वि) फुर्तीला, चुस्त।

हिदायत (هدایت)अ स्त्री –शिक्षा, सीख, आदेश हुक्म, अमुक कार्य मे ऐसा-ऐसा करना है, यह सूक्ष्म निदेश, अनुदेश, सन्मार्ग दिखाना, रहनुमाई करना, गुरुदीक्षा, पीर की तल्कीन।

हिदायतआमेज (هدایت آمیز) अ. फा वि –हिदायतो से भरा हुआ, शिक्षापूर्ण।

हिदायतआमोज (هدایت آموز) अ फा वि –हिदायतें सिखानेवाला, सीख देनेवाला।

हिदायतकार (هدایتکار) अ फा वि –हिदायत देनेवाला, निर्देशक, अनुदेशक, निर्देष्टा।

हिदायतनाम. (هدایت نامه) अ फा पु –वह पत्र जिसमें हिदायतो का विवरण हो, अनुदेशपत्र।

हिद्दत (حدت) अ स्त्री –तीव्रता, उग्रता, तेज़ी, उष्णता, गर्मी, हरारत, क्रोध, गुस्सा, प्रकोप, शरीर की धातु में तीव्रता।

हिद्दते मिज़ाज (حدت مزاج) अ स्त्री –स्वभाव मे क्रोध होना, मिज़ाज मे गुस्सा होना।

हिद्दते सफ़्रा (حدت صفرا) अ स्त्री –पित्त का प्रकोप, सफ़्रे की तेज़ी।

हिना (حنا) फा स्त्री –एक पत्ती जिससे हाथ-पाँव रँगे जाते हैं, रक्तगर्भा, रक्त रगा, मेंहदी।

हिनाई(حنائی) अ वि –मेंहदी लगा हुआ, मेहदी लगाकर लाल किया हुआ।

हिनाबद (حنابند) फा वि –मेहदी लगानेवाला।

हिनाबदी (حنابندی) फा स्त्री –मेहदी लगाना।

हिनाबस्तः (حنابستہ) फा वि –मेहदी लगा हुआ, हाथ या पाँव जिसमें मेंहदी लगी हो।

हिफाजत (حفاظت) अ स्त्री –रक्षा, बचाव, देख-रेख, निरीक्षण, सतर्कता, होशियारी, सावधानी।

हिफाज़ती (حفاظتی) अ वि –जो रक्षा के लिए हो, जैसे—'हिफाज़ती दस्त'।

हिफाजते खुदइख्तियारी (حفاظت خوداختیاری)अ फा स्त्री –आत्मरक्षा।

हिफाजते जानोमाल (حفاظت جان ومال)अ फा स्त्री –प्राण अथवा धन की रक्षा, पूरी रक्षा।

हिफावत (حفاوت) अ स्त्री –अनुकपा, दया, मेहरबानी, हर्ष, प्रसन्नता, खुशी, दे 'हफादत' दोनो शुद्ध हैं।

हिफ़्ज़ (حفظ) अ पु –रक्षा, हिफाज़त, कठ, मुखाग्र, वरज़बाँ।

हिफ़्ज़ान (حفظان) अ पु –रक्षा, हिफाज़त, सरक्षण।

हिफ्ज़ाने सेहत (حفظان صحت) अ पु –तन्दुरुस्ती की हिफाज़त, स्वास्थ्य-रक्षा, सेहत का महकमा, स्वास्थ्य-विभाग।

हिफ्ज़े अम्न (حفظ امن) अ पु –अम्न की हिफाज़त, शान्तिरक्षा।

हिफ्ज़े मरातिब (حفظ مراتب) अ पु –हैसियत और दर्ज का लिहाज़।

हिफ्ज़े मातक़द्दम (حفظ ماتقدم)अ पु –अनिष्ट से बचने के लिए पहले से किया जानेवाला उपाय।

हिफ्ज़े शबाब (حفظ شباب) अ पु –जवानी की हिफाज़त, यौवनरक्षा।

हिबः (هبه) अ पु –दान, अनुदान, बख्शिश, पुरस्कार, पारितोषिक, इनआम।

हिबःकुनिंदः (هبه کننده) अ फा वि –दान करनेवाला, अनुदाता, पुरस्कारदाता, इनआम मे कोई चीज़ लिखनेवाला।

हिब नामः (هبه نامه)अ फा पु –दानपत्र, बख्शिशनामा।

हिमम (همم)अ स्त्री –'हिम्मत' का बहु, हिम्मतें, उदारताएँ।

हिमायत (حمایت) अ स्त्री –पक्षपात, तरफदारी, सहायता, मदद, पृष्ठ पोषण, थपकी, पीठ ठोककर हिम्मत बढाना, मत्री, दोस्ती।

हिमायतगर (حمایتگر)अ फा वि –पक्षपाती, तरफदार, सहायक, मददगार, पृष्ठपोषक, थपकी देनेवाला।

हिमायती (حمایتی) अ वि –पक्षपाती, सहायक, पृष्ठ-पोषक, मित्र।

हिमारः(حماره)अ स्त्री –गर्दभी, रासभी, गधी, मादा खर।

हिमार (حمار) अ पु –गर्दभ, रासभ, वासत, गधा, खर।

हिम्मत(همت) अ स्त्री –साहस, जुर्अत, उत्साह, हौसला, धृष्टता, ढीठपन।

हिम्मतअफ्ज़ा (همت افزا) अ फा वि –हौसला बढानेवाला, प्रोत्साहन देनेवाला।

हिम्मतअफ्ज़ाई (همت افزائی) अ फा —हौसला बढ़ाना, प्रोत्साहन देना।

हिम्मतवर (همتور) अ फा स्त्री –हिम्मतवाला, साहसी, उत्साही।

हिम्मतवरी (همتوری) अ फा स्त्री –हिम्मती होना, साहसी होना।

हिम्मतशिकन (همت شکن) अ फा वि –हौसला तोडनेवाला, उत्साह भग करनेवाला।

हिम्मतशिकनी (همت‌شکنی) अ फा स्त्री –हौसला तोडना, उत्साहभेदन।

हिम्मिस (حمص) अ पु.–चना, चणक, एक प्रसिद्ध अन्न।

हियल (حیل) अ पु –'हील' का वहु हीले, वहाने, छल।

हियातत (حیاطت) अ स्त्री –सरक्षण, निगहवानी, चौकसी, सावधानी, सतर्कता, एहतियात।

हिरक़्ल (هرقل) अ पु –प्राचीन रोम के शासको की उपाधि।

हिरा (حرا) अ पु –मक्के के पास एक पहाड जिसमे हज़्रत मुहम्मद साहव ईश्वर का ध्यान किया करते थे।

हिरात (هرات) फा. पु –अफगानिस्तान का एक नगर।

हिरावूल (هراول) तु पु.–सेना का वह भाग जो आगे चलता है, सेनाग्र।

हिरासः (هراسه) फा पु –वह कृत्रिम मनुष्य जो खेत आदि में जगली जानवरो को डराने के लिए वना देते है।

हिरास (هراس) फा पु –भय, त्रास, डर, शका, आशका, खत्रा, निराशा, नाउम्मेदी।

हिरास आमेज़ (هراس آمیز) फा वि –निराशापूर्ण, नाउम्मीदान, भयपूर्ण, ख़ौफ़ से भरा हुआ।

हिरासत (حراست) अ. स्त्री –निरीक्षण, निगरानी; ऐसी निगरानी जिसमे आदमी कही जा-आ न सके, न किसी से वात कर सके, न खुला रह सके, हवालात।

हिरासत (حراثت) अ स्त्री.–खेतीवाडी, कृषिकर्म, काश्तकारी।

हिरासती (حراستی) अ वि –हिरासत मे लिया हुआ।

हिरासाँ (هراساں) फा वि.–भयभीत, डरा हुआ, खाइफ, निराश, हताश, नाउम्मेद।

हिरासिंदः (هراسنده) फा वि –डरानेवाला, खौफ दिलानेवाला।

हिरासीदः (هراسیده) फा वि –डराया हुआ, भयभीत किया हुआ।

हिर्क़िल (هرقل) अ पु –दे 'हिरक़्ल' दोनो शुद्ध है।

हिर्ज़ (حرز) अ. पु –ता'वीज़, रक्षा-कवच, दृढ स्थान, मज्बूत जगह।

हिर्ज़ून (حرزون) अ स्त्री –छिपकली, गोधिका, गृहगोधा, अजरा।

हिर्ज़े जाँ (حرزجاں) अ.फा. पु –प्राणो की रक्षा का कवच, वहुत ही प्रिय वस्तु।

हिर्दी (هردی) फा. स्त्री.–हल्दी, हरिद्रा, ज़र्दचोव।

हिर्फ़ः (حرفه) अ पुं.–उद्यम, रोज़गार; व्यवसाय, पेशा।

हिर्फ़त (حرفت) अ. स्त्री –उद्यम, रोजगार, व्यवसाय, पेशा; शिल्प, दस्तकारी; धूर्तता, चालाकी, छल, फरेव।

हिर्फ़ती (حرفتی) उ वि –उद्यम सम्वन्धी, धूर्त, वचक, ठग।

हिर्वा (حربا) फा. पु –गिरगिट, कृकलास, सरट, कुलाहक।

हिर्म (حرم) अ. वि –वह पदार्थ जिसका खान-पान धर्म में वर्जित हो।

हिर्मां (حرماں) अ. पु –निराशा, नैराश्य, नाउम्मेदी; दुर्भाग्य, वदकिस्मती।

हिर्मांज़दः (حرماں‌زده) अ फा वि –निराशाग्रस्त, नाउम्मीद, अभागा, वदनसीव।

हिर्मांनसीब (حرماں‌نصیب) अ वि –जिसके भाग्य मे निराशा ही निराशा हो।

हिर्मांपसन्द (حرماں‌پسند) अ फा वि –जिसको निराशा ही जीवन हो, निराशावादी।

हिर्मास (هرماس) अ पु –व्याघ्र, केसरी, सिंह, शेर।

हिर्रः (هره) अ स्त्री –मार्जारी, विल्ली।

हिर्रीफ़ (حریف) अ. वि –जिसका स्वाद चरपरा हो।

हिर्स (حرص) अ. स्त्री –लोभ, लिप्सा, लालच, हवस।

हिर्सो आज़ (حرص‌وآز) अ फा स्त्री –लोभ और लालच, लालच की प्यास।

हिर्सो हवस (حرص‌وهوس) अ फा स्त्री –दे 'हिर्सो आज़'।

हिर्सो हवा (حرص‌وهوا) अ फा स्त्री –लोभ और लालच, वढी हुई हिर्स।

हिलाल (هلال) अ पु –नवचन्द्र, नया चाँद, वालेंदु, वालचद्र।

हिलालनुमा (هلال‌نما) अ फा वि –नये चाँद के आकार का।

हिलाली (هلالی) अ वि –नये चाँद-जैसा, नव चद्राकार, टेढा, वक्र, खमीद।

हिलाले ईद (هلال عید) अ पु –ईद का चाँद।

हिलाले नौ (هلال نو) अ फा पु –नया चाँद, नवचद्र, वालेंदु।

हिल्तीत (حلتیت) अ स्त्री –हीग, एक प्रसिद्ध गोंद, हिंगु।

हिल्म (حلم) अ पु –गभीरता, धीरता, शान्ति, मतानत, सहिष्णुता, सहनशीलता, तहम्मुल।

हिल्मशिआर (حلم‌شعار) अ वि –गभीर, धीर, शान्त, मतीन, सहिष्णु, सहनशील, वुर्दवार।

हिल्यः (حلیه) अ. पु –मुखाकृति, चेहरा, नखशिख, सरापा, आभूषण, ज़ेवर।

हिल्यून (هلیون) अ पु –एक दाने जो दवा में काम आते हैं।

हिल्लः (حله) अ पु –स्थान, जगह, गतव्य, मज़िल, सभा, मज्लिस।

हिल्लत (حلت) अ. स्त्री –खान-पान का धर्म के अनुसार ठीक होना, विहित होना, हलाल होना।

हिल्लतो हुर्मत (حلت و حرمت) अ स्त्री –धर्म के अनुकूल या धर्म के प्रतिकूल होना, विहित या वर्जित होना, हरामो हलाल ।

हिल्स (حلس) अ पु –मोटी कमली, मोटा धुस्सा ।

हिश्तः (هشته) फा वि –छोडा हुआ ।

हिश्तनी (هشتنی) फा वि –छोडने योग्य ।

हिश्फ (حشف) अ स्त्री –आहट, सुक सुक ।

हिश्मत (حشمت) अ स्त्री –आतक, रोव, तेज, प्रताप, इक्वाल, लज्जा, शर्म, श्रेष्ठता, वुजुर्गी, क्रोध ।

हिस [स्स] (حس) अ स्त्री –सवेदन, अनुभव, एहसास, सवेदन शक्ति, कुव्वते हिस ।

हिसस (حصص) अ पु –'हिस्स' का वहु, हिस्से, टुकडे, खड, अश ।

हिसान (حصان) अ पु –अश्व, घोडा, सांड घोडा ।

हिसानत (حصانت) अ स्त्री –दृढता, पुष्टि, पाइदारी, मज़वूती ।

हिसाव (حساب) अ पु –गणना, शुमार, गणित, रियाज़ी, लेन-देन, व्यवहार, दर, शर्ह, निर्ख, दी जाने या ली जानेवाली रकम, कियामत के दिन नेकी-वदी का हिसाव ।

हिसावदाँ (حساب‌داں) अ फा वि –गणितज्ञ, रियाज़ीदाँ, हिसाव जाननेवाला ।

हिसावदानी (حساب‌دانی) अ फा स्त्री –गणितज्ञता, रियाज़ी जानना ।

हिसावफह्मी (حساب‌فہمی) अ फा स्त्री –लेन-देन का परस्पर हिसाव समझना ।

हिसावी (حسابی) अ वि –हिसाव सम्बन्धी, हिसाव का अच्छा जाननेवाला ।

हिसावे दोस्ताँ (حساب دوستاں) अ फा पु –मित्रो का हिसाव, जिसमे कमी-वढी का सवाल नही होता ।

हिसावो किताव (حساب و کتاب) अ पु –लेन-देन का हिसाव, वहीखाते का हिसाव ।

हिसार (حصار) अ पु –परिधि, घेरा, इहाता, दुर्ग, गढ, किला, मत्र द्वारा वनाया हुआ वह घेरा जिसमें कोई आपत्ति प्रवेश नही कर सकती, कुडली, चक्र ।

हिसारबन्द (حصاربند) अ फा वि –जो किले में वद होकर वैठ जाय, वह व्यक्ति जो मत्र द्वारा वनाये हुए कुडल में आपत्तियो से सुरक्षित वैठा हो ।

हिसारबदी (حصاربندی) अ फा स्त्री –किले मे वद होकर वैठ जाना, कुडली मे वैठना ।

हिसारे आफियत (حصار عافیت) अ पु –रक्षा का स्थान, जहाँ कोई जान जोखिम न हो ।

हिसेव (حسیب) फा पु –'हिसाव' का इमाल, दे 'हिसाव' ।

हिस्न (حصن) अ पु –रक्षास्थान, वचाव की जगह, दुर्ग, गढ, किला ।

हिस्ने मुअल्लक (حصن معلق) अ पु –आकाश, अवर, आस्मान ।

हिस्ने हसीन (حصن حصین) अ पु –ऐसा दुर्ग जो न तो जीता जा सके, न टूट सके, न उनमें शत्रु प्रवेश कर सके, वहुत ही दृढ और मज़्वूत किला या रक्षास्थान ।

हिस्रिम (حصرم) अ पु –कच्चे अगूरो का गुच्छा ।

हिस्सः (حصہ) अ पु –खड, भाग, टुकडा, व्यवसाय में साझे का भाग, अश, वाँट मे आनेवाला भाग, कथा, मीलाद या व्याह-शादी के अवसर पर मिलनेवाली मिठाई आदि ।

हिस्स कशी (حصہ‌کشی) अ फा स्त्री –हिस्से लगाना, भाग करना, हिस्सो के हिसाव से वाँटना ।

हिस्स ख्वाह (حصہ‌خواہ) अ फा वि –अपना भाग चाहनेवाला ।

हिस्स.दार (حصہ‌دار) अ फा वि –जो हिस्सा पाने का अधिकारी हो, जो हिस्से का मालिक हो, अशी, साझी ।

हिस्सदारी (حصہ‌داری) अ फा स्त्री –साझा, भागीदारी ।

हिस्स वद्रः (حصہ‌بدرہ) अ पु –टुकडवाँट, टुकडे-टुकडे करके वाँटना ।

हिस्सए मुसावी (حصۂ مساوی) अ पु –वरावर का भाग, समानाश, समाश ।

हिस्सए रसदी (حصۂ رسدی) अ पु –जिसको जितना चाहिए उसके हिसाव से हिस्सा, यथाश ।

हिस्सी (حسی) अ वि –इद्रिय-सम्वन्धी ।

हिस्सीयात (حسیات) अ स्त्री –इद्रिय से सम्वन्ध रखनेवाली वस्तुएँ ।

हिस्से ज़ाहिरी (حس ظاہری) अ स्त्री –वाह्येद्रिय ।

हिस्से वातिनी (حس باطنی) अ स्त्री –अतरिद्रिय ।

हिस्से मुश्तरक (حس مشترک) अ स्त्री –वह शक्ति जिसके द्वारा सारी इद्रियाँ (वाहरी इद्रियाँ) अपना अपना काम करती और उसमे शक्ति प्राप्त करती है ।

हिस्सोहरकत (حس و حرکت) अ स्त्री –गति और सवेदन, एहसास और हरकत, चलना-फिरना, हिलना-डुलना ।

ही

हीज़ (حیز) फा वि –क्लीव, नपुसक, नामर्द ।

हीत (حیطہ) अ पु –परिधि, घेरा, इहाता, सीमा, हद ।

हीतए इक़्तिदार (حیطۂ اقتدار) अ पु –सत्ता और प्रभुत्व की सीमा।

हीतए इख़्तियार (حیطۂ اختیار) अ. पु –अधिकार की सीमा।

हीतए क़ुद्रत (حیطۂ قدرت) अ पु.–सामर्थ्य और शक्ति की सीमा।

हीतान (حیطان) अ. पु –'हाइत' का वहु, दीवारे।

हीतान (حیتان) अ स्त्री –'हूत' का वहु, मछलियाँ।

हीन (حین) अ अव्य.–समय, काल, वक़्त।

हीनहयात (حین حیات) अ. वि –आजीवन, यावज्जीवन, आजन्म, जिंदगीभर, जीतेजी।

हीमिया (هیمیا) अ स्त्री.–इद्रजाल, मायाकर्म, तिलिस्म, जादू।

हीमियागर (هیمیاگر) अ फा वि –दे 'हीमियादाँ'।

हीमियादाँ (هیمیاداں) अ फा. वि –इल्मे तिलिस्म जानने-वाला, ऐद्रजालिक, मायावी।

हीरियः (هیریہ) अ स्त्री –वफा, सर की भूसी।

हीलः (حیلہ) अ पु –छल, कपट, मक्र, फरेब, मिष, व्याज, वहाना, मिथ्या, अनर्थ, झूठ, टरकाना, आजकल करना।

हीलःकार (حیلہ کار) अ. फा वि –दे 'हील गर'।

हीलःकारी (حیلہ کاری) अ फा स्त्री.–दे 'हील गरी'।

हीलःगर (حیلہ گر) अ फा वि –वहाने वनानेवाला, चाल-वाज, धोखेवाज़, छली।

हीलःगरी (حیلہ گری) अ फा स्त्री.–चालवाजी, वहाने-वनाना, धोखावाज़ी, छल।

हीलःतराश (حیلہ تراش) अ फा वि –नये-नये वहाने गढनेवाला।

हीलःतराशी (حیلہ تراشی) अ फा स्त्री –नये-नये वहाने गढना।

हीलःपर्वर (حیلہ پرور) अ फा वि –दे 'हील गर'।

हीलःपर्वरी (حیلہ پروری) अ. फा स्त्री.–दे. 'हील गरी'।

हीलःपसंद (حیلہ پسند) अ फा. वि –जिसे वहानावाज़ी अच्छी लगती हो।

हीलःपसंदी (حیلہ پسندی) अ फा स्त्री.–वहानावाज़ी अच्छी लगना।

हीलःवाज़ (حیلہ باز) अ फा वि –दे 'हील गर'।

हीलःवाज़ी (حیلہ بازی) अ फा स्त्री.–दे 'हील गरी'।

हीलःशिआर (حیلہ شعار) अ वि –जिसका काम ही वहाने वनाना हो।

हील.शिआरी (حیلہ شعاری) अ स्त्री.–वहाने वनाने की प्रकृति।

हीलःसाज़ (حیلہ ساز) अ फा वि –दे 'हील गर'।

हील.साज़ी (حیلہ سازی) अ फा स्त्री –दे 'हील गरी'।

हीलःसामाँ (حیلہ ساماں) अ फा वि –दे 'हील गर'।

हीलः सामानी (حیلہ سامانی) अ फा. स्त्री –दे 'हील गरी'।

हील (هیل) फा स्त्री –इलाइची।

हीलाज (هیلاج) अ पु –जन्मपत्री, जन्मकुडली, ज़ाइचा।

हीले कलाँ (هیل کلاں) फा स्त्री –वडी इलाइची।

हीले ख़ुर्द (هیل خرد) फा स्त्री –छोटी इलाइची।

हीले सफेद (هیل سفید) फा स्त्री –छोटी इलाइची।

हु

हुकमा (حکما) अ पु –'हकीम' का वहु, वैज्ञानिकजन, फलसफी, हकीम लोग, वैद्य लोग।

हुकमाए वक़्त (حکماے وقت) अ पु –किसी समय में उस समय के वैज्ञानिक लोग या वैद्य लोग।

हुक़ूक़ (حقوق) अ पु –'हक' का वहु, अधिकार समूह।

हुक़ूक़े इंसानियत (حقوق انسانیت) अ. पु –वह अधिकार जो मानवजाति को प्राप्त है, वह अधिकार जो दूसरे जीव-धारियो के मानवजाति पर है।

हुक़ूक़े ज़ौजीयत (حقوق زوجیت) अ पु –वह अधिकार जो पत्नी को पति पर प्राप्त है।

हुक़ूक़े निस्वानी (حقوق نسوانی) अ पु –वह अधिकार जो स्त्री वर्ग को मनुष्यो पर प्राप्त है।

हुक़ूक़े शह्रीयत (حقوق شہریت) अ फा पु –वह अधिकार जो नगरवासियो को प्राप्त है, नागरिकता।

हुक़ूक़े शौहरीयत (حقوق شوہریت) अ फा पु –वह अधि-कार जो पति को पत्नी पर प्राप्त है।

हुकूमत (حکومت) अ स्त्री –शासन, सत्ता, राज, राज्य, राष्ट्र, सल्तनत, अत्याचार, जुल्म, जबरदस्ती, सरकार, राज।

हुकूमते आइनी (حکومت آئینی) अ स्त्री –वह राज जो विधान द्वारा चलाया जाय।

हुकूमते इलाही (حکومت الہی) अ स्त्री –ईश्वरीय सत्ता, मशीयत।

हुकूमते ख़ुदइख़्तियारी (حکومت خوداختیاری) अ फा स्त्री –वह राज जिसमे किसी की पराधीनता न हो, स्वायत्त शासन।

हुकूमते ग़ैरआइनी (حکومت غیرآئینی) अ फा स्त्री –वह राज जिसमे कोई विधान न हो।

हुकूमते जुम्हूरी (حکومت جمہوری) अ स्त्री –वह राज जो जनता के प्रतिनिधियो द्वारा चले, जनतत्र, गणतत्र।

हुकूमते शख्शी (حکومت شخصی) अ स्त्री –वह राज जिसमें व्यक्ति अपनी राय से राज्य करे।

हुकूमते शैतानी (حکومت شیطانی) अ स्त्री.–अनीति, अत्याचार और अन्याय की हुकूमत।

हुक्कः (هکہ) फा. स्त्री –हिचकी, हिक्का।

हुक़्क़ः (حقہ) अ पु –पिटारी, टोकरी, इत्र या आभूषण रखने का डब्बा; गुडगुडी, चिलम पीने का हुक्का।

हुक़्क़ःबाज (حقہباز) अ फा वि –मदारी, पिटारी मे से शाबदे दिखानेवाला, छली, ठग, मक्कार।

हुक़्क़ःबाजी (حقہبازی) अ फा स्त्री –मदारीपन, खेल तमाशे दिखाना, छल करना, ठगई, फरेबकारी।

हुक्काम (حکام) अ पु –'हाकिम' का वहु, हाकिम लोग, पदाधिकारी वर्ग।

हुक्कामरस (حکامرس) अ फा वि –जो हाकिमो से मेल-जोल रखता और उन पर अपना प्रभाव डाल सकता हो।

हुक्कामरसी (حکامرسی) अ फा स्त्री –हाकिमो से मेल-जोल।

हुक्कामे बाला (حکام بالا) अ फा पु –किसी पदाधिकारी के ऊपरी अफसरान।

हुक्कामे वक्त (حکام وقت) अ पु –वर्तमानकाल के पदाधिकारी लोग।

हुक्च. (هکچہ) फा स्त्री –हिचकी, हिक्का।

हुक़्न. (حقنہ) अ पु –स्नेह वस्ति, अनीमा, डूश।

हुक्म (حکم) अ पु –आज्ञा, इजाज़त, आदेश, फरमान, राजादेश, हुक्मनामा।

हुक्मअंदाज (حکمانداز) अ फा वि –निशाने पर ठीक गोली लगानेवाला, लक्ष्य-भेदी।

हुक्मअदाजी (حکماندازی) अ फा स्त्री –ठीक निशाना मारना, लक्ष्य-भेद।

हुक्मउदूल (حکمعدول) अ वि –अवज्ञाकारी, आज्ञापालन न करनेवाला, उद्दड, सरकश, अवज्ञ।

हुक्मउदूली (حکمعدولی) अ स्त्री –आज्ञापालन न करना, उद्दडता, सरकशी।

हुक्मन (حکماً) अ वि –हुक्म से, आदेश द्वारा।

हुक्मनामः (حکمنامہ) अ फा पु –आदेशपत्र, वह कागज जिस पर कोई हुक्म हो।

हुक्मबरदार (حکمبردار) अ फा वि –दे 'हुक्म राँ'।

हुक्मबरदारी (حکمبرداری) अ फा वि –दे 'हुक्म-रानी'।

हुक्मराँ (حکمراں) अ फा वि –शासन चलानेवाला, शासक, हाकिम।

हुक्मरानी (حکمرانی) अ फा स्त्री –शासन चलाना, हुकूमत करना।

हुक्मी (حکمی) अ वि –निश्चित, यकीनी, अचूक, अमोघ, खता न करनेवाला, (दवा या निशाना)।

हुक्मे आख़िर (حکم آخر) अ पु –दे 'हुक्मे क़त्ई'।

हुक्मे इम्तिनाई (حکم امتناعی) अ पु –वह हुक्म जो मुकद्दमे के बीच मे किसी कार्य विशेष को रोकने के लिए दिया जाय, निषेधादेश।

हुक्मे क़ज़ा (حکم قضا) अ पु –ईश्वरीय आदेश, खुदा का हुक्म, होनहार, भावी, शुदनी।

हुक्मे क़ज़ाओक़दर (حکم قضاوقدر) अ पु –भावी और होनहार; ईश्वरेच्छा, मशीयत।

हुक्मे क़त्ई (حکم قطعی) अ पु –आख़िरी और अटल हुक्म, अतिम निर्णय, अतिमादेश।

हुक्मे गश्ती (حکم گشتی) अ फा पु –विभागो मे भेजा जानेवाला हुक्म, परिपत्र, सरकुलर।

हुक्मे जह्री (حکم ظہری) अ पु –वह आदेश जो प्रार्थनापत्र की पुश्त पर लिखा जाता है।

हुक्मे नातिक़ (حکم ناطق) अ पु –दे 'हुक्मे क़त्ई'।

हुक्मे मशीयत (حکم مشیت) अ पु –दे 'हुक्मे कजा'।

हुक्मे रब्बी (حکم ربی) अ पु –ईश्वरादेश, खुदा का हुक्म, अवश्यभावी, मशीयत, शुदनी।

हुक्मे हाकिम (حکم حاکم) अ पु –हाकिम का हुक्म, राज्यादेश।

हुकहुक् (هکہک) फा स्त्री –हिक्का, हिचकी।

हुजज (حجج) अ स्त्री –हुज्जत का वहु, हुज्जते।

हुज़ाल (ہزال) अ पु –दुबलापन, कमजोरी, तपेदिक का एक दरजा।

हुजुज (حضض) अ स्त्री –रसौत, एक प्रसिद्ध औषधि।

हुजुब (حجب) अ पु –'हिजाब' का वहु, पर्दे, आडे।

हुजूअ (هجوع) अ पु –निद्रा, नीद, स्वाप, ख्वाब, शाति, सुकून, सुख, आराम।

हुजूद (هجود) अ पु –रात को जागना।

हुजूम (هجوم) अ पु –जन-समूह, भीड, मज्मा, किसी चीज की भीड, उदा०—"थम हुजूमे ना उमीदी खाक में मिल जायगी। यह जो एक लज्ज़त हमारी सई ए ला हासिल मे है।"—गालिब।

हुज़ूर (حضور) अ पु –उपस्थिति, हाज़िरी, विद्यमानता, मौजूदगी, साक्षात, आमना-सामना, सम्बोधन के लिए एक आदरसूचक शब्द।

हुज़ूरी (حضوری) अ स्त्री –उपस्थिति, हाज़िरी, विद्यमानता, मौजूदगी, समुपता, सामना।

हुज़ूरे यार (حضور یار) अ फा. पु –नायिका के सामने, मा'शूक़ के समक्ष।

हुज़ूरेवाला (حضوروالا) अ फा. पु –बड़े आदमी के लिए प्रतिष्ठासूचक सम्बोधन का शब्द।

हुज़ूरोग़ैब (حضوروغیب) अ पु –प्रत्यक्ष और परोक्ष, सामना और पीठ पीछा।

हुज़ैफ़ः (حذیفہ) अ पु –पैग़बर साहिब के एक सिहाबी।

हुज्जत (حجت) अ स्त्री –तर्क, दलील, प्रमाण, सुबूत, कलह, झगडा; वादविवाद, बहस्, तू-तू, मैं-मैं।

हुज्जती (حجتی) अ वि –हुज्जत करनेवाला, तू-तू, मैं-मैं करनेवाला, वाद-विवाद करनेवाला।

हुज्जतुल्लाह (حجۃ اللہ) अ स्त्री –ईश्वर के सत्य होने का प्रमाण।

हुज्जतेक़ाते' (حجت قاطع) अ स्त्री –युक्ति युक्त दलील, अटल प्रमाण।

हुज्जते गोया (حجت گویا) अ फा स्त्री –बोलती हुई दलील, तर्क संगत प्रमाण।

हुज्जते मुवज्जहः (حجت موجہہ) अ स्त्री –दे 'हुज्जते क़ाते'।

हुज्जते मोह्कम (حجت محکم) अ पु –मज़बूत दलील, मखमल का वह लिंगरूपी यन्त्र जिसे एक स्त्री अपनी कमर मे बाँधकर दूसरी स्त्री से चपटी लडाती है।

हुज्जाज (حجاج) अ पु –'हाज' का बहु, हाजी लोग।

हुज्जाब (حجاب) अ पु –'हाजिब' का बहु, ड्यूढ़ीदार लोग।

हुज़्ज़ार (حضار) अ पु –'हाज़िर' का बहु, उपस्थितजन, हाजिरीन।

हुज़्न (حزن) अ पु –दुःख, खेद, शोक, सताप, गम, रज।

हुज़्नीयः (حزنیہ) अ. पु –वह खेल या ड्रामा जिसका अंत दुःख पर हो, दुःखात।

हुज़्मः (حزمہ) अ. पु –मुट्ठा, पूला।

हुतमः (حطمہ) अ. स्त्री –प्रचडाग्नि, बहुत ही तेज आग, नरक का तीसरा तल।

हुताम (حطام) अ पु –थोडा अश, ज़रा सा।

हुत्ती (حطی) अ स्त्री –अब्जद के हिसाब से हे, तो और ये जिनके अंक क्रमश ८, ९, १० हैं।

हुदः (هده) फा पु –सत्य, ठीक, लाभ, फाइदा।

हुदा (حدی) अ पु –अरब के ऊँटवालो का विशेष गाना, जो वह ऊँट चलाते समय गाते हैं।

हुदा (هدی) अ पु –सरल मार्ग, सीधा रास्ता, सत्यता, सच्चाई।

हुदात (هداة) अ पु –'हादी' का बहु, हिदायत करनेवाले, सच्चा मार्ग दिखानेवाले।

हुदूद (حدود) अ उभ.–'हद' का बहु, सीमाएँ, हदे।

हुदूदे अर्बअः (حدود اربعہ) अ. पु –चौहद्दी, किसी स्थान या मकान से मिले हुए चारो ओर के मकान या ज़मीन।

हुदूदे शरई (حدود شرعی) अ पु.–धर्मशास्त्र की सीमाएँ, धर्मानुसार दिये जानेवाले दड।

हुदूस (حدوث) अ पु –नवीनता, नयापन, किसी वस्तु का नया पैदा होना।

हुदूसो क़िदम (حدوث وقدم) अ पु –नयापन और पुरानापन, नित्यता और नश्वरता।

हुदैबियः (حدیبیہ) अ. स्त्री –अरब का एक स्थान।

हुद्हुद (هدهد) अ. पु –एक कलगीदार पक्षी।

हुनर (هنر) फा पु –शिल्प, दस्तकारी; कला, फन, गुण, खूबी; हाथ की सफाई, चालाकी, विद्या, इल्म।

हुनरआश्ना (هنرآشنا) फा वि –हुनर जाननेवाला, गुणी।

हुनरनाआश्ना (هنرناآشنا) फा वि –जो कोई हुनर न जानता हो, गुणहीन, कलाहीन।

हुनर नाशनास (هنرناشناس) फा वि –जो हुनर न जानता हो, जो हुनर की क़द्र न पहचानता हो।

हुनरमंद (هنرمند) फा वि –हुनर जाननेवाला, गुणवान, कलाकार, शिल्पकार, गुनी।

हुनरमंदी (هنرمندی) फा स्त्री –हुनर जानना, गुनी होना।

हुनरवर (هنرور) फा वि –दे 'हुनरमंद'।

हुनरशनास (هنرشناس) फा वि –हुनर जाननेवाला, हुनर की कद्र पहचाननेवाला।

हुनरशनासी (هنرشناسی) फा स्त्री –हुनर जानना, हुनर की क़द्र पहचानना।

हुफ़्नः (حفنہ) अ पु –अजलि, करपुट, लप।

हुफ़्फ़ाज़ (حفاظ) अ पु –'हाफिज़' का बहु, वह लोग जिन्हें कुरान कठ हो।

हुफ़्रः (حفره) अ पु –गर्त, गढा, छिद्र, सूराख।

हुब [ब्ब] (حب) अ स्त्री –प्रेम, स्नेह, महब्बत।

हुबल (هبل) अ पु –अरब की एक मूर्ति, जो इस्लाम से पूर्व का'बे में थी।

हुबाब (حباب) अ पु –मित्रता, दोस्ती, अहि, साँप, पिशाच, देव।

हुबाला (حبالی) अ स्त्री –'हुब्ला' का बहु, गर्भवती स्त्रियाँ।

हुबाहिब (حباحب) अ पु –जुगनू, खद्योत।

हुबूत (هبوط) अ पु.–नीचे उतरना, मूल्य गिरना, निचली भूमि, दुबलापन।

हुबूत (حبوط) अ पु.–पुण्यो और सत्कर्मों का विनाश।

हुबूब (حبوب) अ स्त्री –'हब' का वहु , गोलियाँ।

हुबूब (ھبوب) अ पु –वायु का वहना, हवा का चलना।

हुबूर (حبور) अ पु –'हिब्र' का बहु., बुद्धिमान् लोग। हर्ष, प्रसन्नता, खुशी।

हुब्बुलवतन (حب الوطن) अ पु –स्वदेशप्रेम, देशभक्ति, इश्के वतन।

हुब्ला (حبلیٰ) अ स्त्री –गर्भवती, अतर्वत्नी, हामिला।

हुमक़ा (حمقا) अ पु –'अहमक' का वहु , मूर्ख लोग।

हुमा (ھما) फा पु –उर्दू और फार्सी साहित्य का एक कल्पित पक्षी, जिसकी छाया पड जाने से मनुष्य राजा हो जाता है, वह पक्षी केवल हड्डियाँ खाता हैं।

हुमायूँ (ھمایوں) फा वि –शुभ, मगलमय, मुवारक, (पुं) एक मुगल शासक जो 'अकवर' का पिता था।

हुमायूँबख़्त (ھمایوں بخت) फा वि –सौभाग्यशाली, वलद इकवाल।

हुमुक़ (حمق) अ पु –मूर्खता, अज्ञानता, नादानी, जहालत।

हुमुर (حمر) अ पु –'हिमार' का वहु , गधे।

हुमूज़त (حموضت) अ स्त्री –खट्टापन, खटास, अम्लता।

हुमूल (حمول) अ पु –योनि के भीतर रखने की ओषधि।

हुमैक़ा (حمیقا) अ स्त्री –मूर्ख स्त्री, वेवकूफ औरत।

हुमैरा (حمیرا) अ स्त्री –लाल रग की स्त्री, गोरी चिट्टी स्त्री।

हुम्क़ (حمق) अ पु –मूर्खता, नादानी, अज्ञान, हुमुक।

हुम्मस (حمص) अ पु –चना, चणक, एक प्रसिद्ध अन्न।

हुम्मा (حمیٰ) अ पु –ज्वर, ताप, वुखार।

हुम्माए दमवी (حمائے دموی) अ पु –वह ज्वर जो रक्त के कोप से आये।

हुम्माए नाइब (حمائے نائبہ) अ पु –वह ज्वर जो वारी से आये।

हुम्माए बलामी (حمائے بلغمی) अ पु –कफ के प्रकोप से आनेवाला ज्वर, कफ ज्वर।

हुम्माएं मुज्मिनः (حمائے مزمنہ) अ पु –वसा हुआ वुखार, सतत ज्वर।

हुम्माए मोह्‌रिक़ (حمائے محرقہ) अ पु –टाई फाइड वुखार।

हुम्माएराबिअ. (حمائے رابعہ) अ पु –चौथिया वुखार, चतुर्थक।

हुम्माए सफ़ावी (حمائے صفراوی) अ पु –पित्त के कोप से आनेवाला ज्वर, पित्तज्वर।

हुम्माए सौदावी (حمائے سوداوی) अ पु –वात के दोष से आनेवाला वर, वातज्वर।

हुम्माज़ (حماض) अ पु –एक खट्टी घास, चूका साग।

हुम्र (حمرہ) अ पु –शरीर में लाल रग के दाने निकलने का रोग, सुर्ख वादा।

हुम्रत (حمرت) अ स्त्री –रक्तता, लालिमा, सुर्खी।

हुम्री (حمری) अ वि –सुर्ख, रग का।

हुर[र्र] (حر) अ वि –स्वतत्र, आज़ाद, प्रतिष्ठित, मुअज्ज़ज़, वह दास जो सेवा-मुक्त हो गया हो।

हुरसा (حرصا) अ पु –'हरीम' का वहु , लालची लोग।

हुरूम (حرم) अ पु –एहराम वाँधे हुए लोग।

हुरूफ़ (حروف) अ पु –'हर्फ़' का बहु , अक्षर माला।

हुरूफ़ शनास (حروف شناس) अ फा वि –केवल अक्षर ज्ञान रखनेवाला, कम पढा-लिखा।

हुरूफ़े कमरी (حروف قمری) अ पु –अरवी मे वे अक्षर जिनमे 'ल' मिलता नही है, जैसे–'अल कमर' और वे अक्षर हैं—

ا ب ج ح خ ع غ ف ق ک م و ی ہ

हुरूफ़े शम्सी (حروف شمسی) अ पु –अरवी के वे अक्षर जिनमे 'ल' मिलकर वही अक्षर वन जाता है जिसने वह मिलता है, जैसे–अश्शम्स (अल शम्स) वे अक्षर हैं—

ت ث د ذ ر ز س ش ص ض ط ظ ل ن

हुरूब (حروب) अ पु –'हर्ब' का वहु , लडाइयाँ, जगें।

हुरूबे सलीबी (حروب صلیبی) अ पु –वह पाचीन लडाइयाँ जो तुर्को और ईसाइयों में हुई।

हुरूर (حرور) अ पु –गर्मी, उष्णता।

हुरैरः (ھریرہ) अ स्त्री –छोटी और खूवसूरत विल्ली।

हुर्क़त (حرقت) अ स्त्री –जलन, रोजिश, (विशेपत पेशाव की)।

हुर्क़ते बौल (حرقت بول) अ स्त्री –पेशाव की जलन।

हुर्फ़ (حرف) अ पु –एक दाने जो दवा में चलते हैं, चसुर, हालौन।

हुर्मत (حرمت) अ स्त्री –प्रतिष्ठा, सम्मान, इज्ज़त, मर्यादा, नामूस, सतीत्व, इस्मत, किसी वस्तु के खान-पान का धर्म में वर्जित होना, निषेध, मनाही।

हुर्मत वहा (حرمت بہا) अ फा पु –वह धन जो किसी की मानहानि के वदले में दिलाया जाय।

हुर्मान (حرمان) अ पु –वुद्धि, मेधा, अक्ल।

हुर्मास (ھرماس) फा पु –पार्सियों का वुराई का खुदा, अहमन, शैतान।

हुर्मुज़ (ھرمز) फा पु –'हुर्मुज़्द' का लघु , दे 'हुर्मुज़्द', एक द्वीप, खलीज फार्स।

हुर्मुज्द (هرمزد) फा पु –बृहस्पति, मुशतरी, दे. 'होर मुज्द' दोनो शुद्ध हैं।
हुर्रः (حره) अ. स्त्री.–स्वतंत्र स्त्री, वह दासी जो सेवा मुक्त कर दी गई हो।
हुर्रा (هرا) फा. पु –कोलाहल, शोर, भयानक शब्द, डरावनी आवाज।
हुर्रास (حراث) अ पु –'हारिस' का बहु., किसान लोग, कृषक वर्ग।
हुर्रीयत (حریت) अ स्त्री.–स्वतत्रता, स्वाधीनता, आज़ादी।
हुर्रीयतपरस्त (حریت پرست) अ फा वि –जो पराधीनता के वधनो से मुक्ति चाहता हो, और इसके लिए हर कुर्वानी को तैयार हो।
हुलफा (حلفا) अ पु –'हलीफ' का वहु, वह लोग या राष्ट्र जिन्होने परस्पर मित्र रहने की सधि की हो।
हुलल (حلل) अ पु –'हुल्ल' का वहु, स्वर्ग के वस्त्राभूपण।
हुलाकू (هلاکو) तु पु –एक वहुत ही अत्याचारी तुर्की नरेश जो चिंगेज खाँ का पोता था।
हुलुम (حلم) अ पु –स्वप्न, ख्वाव, दे 'हुल्म' दोनो शुद्ध हैं।
हुलूक (هلوک) अ पु –विनाश, वरवादी, हनन, वध, कत्ल।
हुलूल (حلول) अ पु –भीतर समाना, प्रवेश, एक आत्मा का दूसरे शरीर मे प्रवेश।
हुल्क (هلک) अ पु –विनाश, वरवादी, वध, कत्ल, हत्या।
हुल्वः (حلوه) अ पु –मेथी, एक प्रसिद्ध शाक।
हुल्म (حلم) अ पु –स्वप्न, ख्वाव, दे 'हुलुम', दोनो शुद्ध हैं।
हुल्यः (حلیه) अ पु –आभूपण, ज़ेवर, किसी आदमी या पशु की तलाश के लिए दिये जानेवाले शरीर के चिह्न।
हुल्लः (حله) अ पु –वह कपडे जो स्वर्ग में दिये जाते हैं।
हुल्लान (حلان) अ पु –भेड या वकरी का छोटा वच्चा, हलवान।
हुल्लाम (حلام) अ पु –भेड या वकरी का वच्चा।
हुल्व (حلو) अ वि –मधुर, मीठा।
हुवः हुवः (هوهو) अ अव्य –अक्षरश, हर्फ व हर्फ, जूँ का तूँ, जैसा था वैसा ही।
हुवल्लाह (هوالله) अ वा –वही ईश्वर है।
हुवैदा (هویدا) फा वि –प्रकट, व्यक्त, ज़ाहिर।
हुशयार (هشیار) फा वि –'होशयार' का लघु, दे होशयार।
हुशयारी (هشیاری) फा स्त्री –'होशयारी' का लघु, दे 'होशयारी'।
हुशवार (هشوار) फा वि –दे. 'हुशयार'।
हुशाशः (حشاشه) अ पु –बचे हुए ज़रा-से प्राण।
हुसान (حسان) अ वि –रूपवान्, सुदर, हसीन व्यक्ति।
हुसाम (حسام) अ पु –खड्ग, कृपाण, तलवार।
हुसूद (حسود) अ. पु.–'हासिद' का वहु, ईर्षालु व्यक्तियाँ, डाही लोग।
हुसून (حصون) अ पु –'हिस्न' का वहु, किले, दुर्ग; रक्षा के स्थान।
हुसूल (حصول) अ पु –प्राप्ति, लब्धि, मिलना; लाभ, नफा; आय, आमदनी, परिणाम, फल, निष्कर्प, नतीजा।
हुसूले इक़्तिदार (حصول اقتدار) अ पु –सत्ता की प्राप्ति।
हुसूले इल्म (حصول علم) अ पु –इल्म की प्राप्ति, विद्यालाभ।
हुसूले कामयावी (حصول کامیابی) अ फा पु –सफलता प्राप्ति, किसी काम में सफल होना।
हुसूले ता'लीम (حصول تعلیم) अ पु –विद्योपार्जन, शिक्षा लाभ, पढाई हासिल करना।
हुसूले नजात (حصول نجات) अ पु –मुक्ति लाभ, वख्शिश हासिल होना।
हुसूले नियाज़ (حصول نیاز) अ फा पु –मुलाकात होना, भेट होना।
हुसूले फ़ैज़ (حصول فیض) अ पु –कीर्तिलाभ, यशलाभ, अर्थलाभ।
हुसूले वरकत (حصول برکت) अ. पु –प्रसादलाभ।
हुसूले विहिश्त (حصول بہشت) अ फा पु –स्वर्गलाभ, विहिश्त मिलना।
हुसूले मक़्सद (حصول مقصد) अ पु –आशा की प्राप्ति, मनोकामना की प्राप्ति।
हुसूले मत्लव (حصول مطلب) अ पु –अर्थसिद्धि, मत्लव की प्राप्ति।
हुसूले मुद्दआ (حصول مدعا) अ पु –दे 'हु. मत्लव'।
हुसूले मुराद (حصول مراد) अ पु –मक्सद और मनोकामना में सफलता, मनोवाछित वस्तु की प्राप्ति।
हुसूले मे'राज (حصول معراج) अ. पु –उन्नति की अतिम सीमा पर पहुँच जाना।
हुसूले शिफा (حصول شفا) अ पु –रोगमुक्ति, स्वास्थ्य-प्राप्ति।
हुसूले शुहृत (حصول شہرت) शुहृत और ख्याति का प्राप्त होना, किसी कार्य या कलाविशेष में प्रसिद्धि।
हुसूले सआदत (حصول سعادت) अ पु –किसी पूज्य व्यक्ति

की सेवा का सौभाग्य प्राप्त होना, किसी उपकार का यश मिलना।

हुसूले सेहत (حصول صحت) अ पु –स्वास्थ्य प्राप्ति, रोग मुक्ति, मरज़ से शिफा।

हुसैन (حسین) अ पु –हज़रतअली के छोटे सुपुत्र का नाम जिन्होंने यजीद का शासन स्वीकार नही किया था और इसके कारण उनको शहीद किया गया।

हुस्न (حسن) अ पु –सौदर्य, सुदरता, खूबसूरती, शोभा, छटा, रौनक, उदा०—"हुस्न गमज़ा की कशाकश से छुटा मेरे वाद, वारे आराम से हैं अहले जफा मेरे वाद।"—गालिव

हुस्न (حصن) अ स्त्री –सतीत्व, इफ्फत।

हुस्नअफज़ा (حسن افزا) अ फा वि –सुदरता वढानेवाला, रूपवर्द्धक।

हुस्नआरा (حسن آرا) अ फा वि –सुदर, रूपवान्, अच्छी शक्लवाला (वाली), सुदरता का शृगारित करनेवाला।

हुस्नआराई (حسن آرائی) अ फा स्त्री –सुदरता को आभूषित और शृगारित करना अर्थात् बहुत सुदर होना।

हुस्नख़ेज़ (حسن خیز) अ फा वि –वह स्थान जहाँ के लोग सुदर होते हो, सुदरता की उत्पत्ति करनेवाला।

हुस्नख़ेज़ी (حسن خیزی) अ फा स्त्री –सुदरता की उत्पत्ति, सौंदर्य की वहुतात।

हुस्नपरस्त (حسن پرست) अ फा वि –सौंदर्य की पूजा करनेवाला, सुदर स्त्रियो को चाहनेवाला, सुदर वस्तुओ पर लट्टू रहनेवाला।

हुस्नपरस्ती (حسن پرستی) अ फा स्त्री –सुदर स्त्रियो की कद्रदानी, सुदर चीज़ो पर मुग्धता।

हुस्नपसंद (حسن پسند) अ फा वि –अच्छी चीजे पसद करनेवाला, अच्छी स्त्रियो से मेल-जोल रखने और उन्हें चाहनेवाला।

हुस्नपसदी (حسن پسندی) अ फा स्त्री –सुदर वस्तुओ को पसद करना, अच्छी शक्लवालो को चाहना।

हुस्नफरोश (حسن فروش) अ फा स्त्री –गणिका, वेश्या, तवाइफ, रूप वेचनेवाली।

हुस्नबख़्श (حسن بخش) अ फा वि –सुदरता प्रदान करनेवाला अर्थात् रूप देनेवाला, सुदर वनानेवाला।

हुस्ना (حسنا) अ स्त्री –अति सुदर स्त्री, वहुत ही हसीन औरत, रूपवती, लावण्यप्रभा।

हुस्नियात (حسنیات) अ स्त्री –'हुस्ना' का वहु, सुदर और रूपवती स्त्रियाँ।

हुस्ने अजाम (حسن انجام) अ फा पु –किसी कार्य का फल और परिणाम अच्छा होना।

हुस्ने अक़ीदत (حسن عقیدت) अ पु –किसी की ओर अत्यधिक श्रद्धा।

हुस्ने अख़्लाक (حسن اخلاق) अ पु –सुशीलता, आचार व्यवहार मे सद्वृत्ति।

हुस्ने अदा (حسن ادا) अ फा पु –वात कहने का अच्छा ढग, लिखने की अच्छी शैली।

हुस्ने आगाज़ (حسن آغاز) अ फा पु –कार्यारंभ में अच्छे शगुन और सुविधाओ की प्राप्ति।

हुस्ने इंतिज़ाम (حسن انتظام) अ पु –कार्य विशेष के प्रवन्ध की सुद्रता, सुप्रवध।

हुस्ने इंसिराम (حسن انصرام) अ पु –दे 'हु इतिज़ाम'।

हुस्ने इत्तिफाक़ (حسن اتفاق) अ पु –किसी वात का अचानक तौर पर अच्छा हो जाना, दैवयोग।

हुस्ने एतिकाद (حسن اعتقاد) अ पु –दे 'हु अकीदत'।

हुस्ने एतिमाद (حسن اعتماد) अ पु –किसी पर अत्यधिक विश्वास।

हुस्ने क़बूल (حسن قبول) अ पु –किसी मिली हुई चीज़ को अच्छे प्रकार से कवूल करना, किसी दी जानेवाली वस्तु का भली-भाँति स्वीकार किया जाना।

हुस्ने ख़िताब (حسن خطاب) अ पु –अच्छे प्रकार से सम्वोधित करना।

हुस्ने ख़ुदादाद (حسن خداداد) अ फा पु –ईश्वर का दिया हुआ सौंदर्य, अर्थात् प्राकृतिक सुदरता, ईश्वरदत्त सौंदर्य।

हुस्ने ख़ुल्क़ (حسن خلق) अ पु –दे 'हु अख़्लाक'।

हुस्ने गदुमगूँ (حسن گندم گوں) अ फा पु –गेहुएँ रग का सौंदर्य।

हुस्ने गदुमी (حسن گندمیں) अ फा. पु –दे 'हु गदुमगूँ'।

हुस्ने गुफ्तार (حسن گفتار) अ फा पु –वोल-चाल की शिष्टता और माधुर्य।

हुस्ने गुलूसोज़ (حسن گلوسوز) अ फा पु –साँवलापन, मलाहत।

हुस्ने ज़न (حسن ظن) अ पु –किसी की ओर से अच्छा ख़याल, सुधारणा।

हुस्ने तक़रीर (حسن تقریر) अ पु –भाषण या वातचीत की सुदरता और मधुरता।

हुस्ने तद्बीर (حسن تدبیر) अ पु –प्रयत्न की पटुता, युक्ति-चातुर्य, प्रवध की कुशलता, कूटनीति, पालीसी।

हुस्ने तलब (حسن طلب) अ पु –माँगने का अच्छा ढग, ऐसे ढग से चीज माँगना कि देनेवाला देते हुए खुशी महसूस करे।

हुस्ने ता'लील (حسن تعلیل) अ पु –एक अर्थालकार।

हुस्ने नज़र (حسن نظر) अ पु –दृष्टि की अच्छे गुणों की परख,

दृष्टि का केवल अच्छी चीज़ों को छाँटना और उन्ही की ओर जाना।

हुस्ने नमकीं (حسن نمکیں) अ फा पु.–साँवला हुस्न, नमकीनी, मलाहत।

हुस्ने फ़िरंग (حسن فرنگ) अ. फा. पु –इंगलिस्तान का सौंदर्य, जिसमें दिखाऊपन ज़्यादा होता है।

हुस्ने बिरिश्तः (حسن برشتہ) अ फा पु –साँवला हुस्न, मलाहत।

हुस्ने मत्ला' (حسن مطلع) अ पु –ग़ज़ल मे पहले शे'र (मत्ला) के बादवाला शे'र।

हुस्ने मलीह (حسن ملیح) अ पु –साँवलापन, मलाहत, नमकीनी।

हुस्ने महफ़िल (حسن محفل) अ. पु –जिससे सभा की रौनक हो, ऐसा व्यक्ति।

हुस्ने मुकैयद (حسن مقید) अ वि –सासारिक सौंदर्य, परिमित सुदरता।

हुस्ने मुजस्सम (حسن مجسم) अ पु.–जो सर से पाँव तक हुस्न ही हुस्न हो, बहुत अधिक सुदर।

हुस्ने मुत्लक (حسن مطلق) अ पु –ईश्वरीय सौंदर्य, जमाले खुदावदी।

हुस्ने यूसुफ़ (حسن یوسف) अ पु.–'यूसुफ़' का सौंदर्य जो सासारिक रूपों में सर्वश्रेष्ठ माना जाता है।

हुस्ने लाज़वाल (حسن لازوال) अ पु –दे 'हुस्ने मुत्लक़'।

हुस्ने सबीह (حسن صبیح) अ पु –गोरापन, शुभ्रता।

हुस्ने सब्ज़ (حسن سبز) अ फा पु –दे. 'हुस्ने मलीह'।

हुस्ने समाअत (حسن سماعت) अ. पु –बात अच्छे प्रकार से ध्यानपूर्वक सुनना; अच्छी आवाज़ और अच्छी बातें सुनना।

हुस्ने साख्तः (حسن ساختہ) अ फा पु –अप्राकृतिक रूप, बनावटी हुस्न, अलकार और आभूषण द्वारा सजाया हुआ हुस्न।

हुस्ने सादः (حسن سادہ) अ फा पु –बिलकुल साधारण और सरल रूप जिसमे बनावट को तनिक भी दखल न हो।

हुस्ने सादगी (حسن سادگی) अ. फा पु –स्वभाव की सरलता और भोलापन।

हुस्ने सिमाअ (حسن سماع) अ पु –गाने का सौंदर्य, श्रवण रस।

हुस्ने सुलूक (حسن سلوک) अ. पु –व्यवहार की शिष्टता; दीन-दुखियो की आर्थिक सहायता।

हुस्नोइश्क (حسن وعشق) अ पु.–सुदरता और प्रेम; नायक और नायिका।

हुस्नोजमाल (حسن وجمال) अ पु.–रूप और सौंदर्य।

हुस्वः (حصبہ) अ पुं.–खसरा, हल्की चेचक, दे. 'हसब.', दोनो शुद्ध हैं।

हुस्बान (حسبان) अ पु –गणना, शुमार, अनुमान, अदाज़ा, गिनती, गिनना।

हुस्साद (حساد) अ पु.–'हासिद' का बहु, ईर्ष्या करनेवाले लोग, डाह करनेवाले व्यक्ति।

हू

हूँ (ھوں) फा. अव्य –सावधानी सूचक शब्द, 'हाँ', घृणा सूचक शब्द, नही।

हू (ھو) फा उभ –ब्रह्म, ईश्वर; शून्य, खला; सुनसान, खाली।

हूत (حوت) अ स्त्री.–मत्स्य, मछली, मीन राशि, बारहवाँ बुर्ज, बुर्जे हूत।

हून (ھون) अ. पु –तिरस्कार, अपमान, बेइज़्ज़ती।

हूबः (حوبہ) अ पुं.–वह व्यक्ति जो न भलाई कर सके न बुराई; दरिद्र बाल-बच्चे।

हूब (حوب) अ पु –पाप, गुनाह, हत्या, हलाकत।

हूबहू (ھوبہو) फा. वि –एक-जैसा, बिलकुल एक-सा, सदृश, समान, तुल्य, मिस्ल।

हूर (حور) अ. स्त्री –'हौरा' का बहु, परतु उर्दू और फ़ारसी मे एक वचन बोलते है, वह स्त्री जिसके बाल और आँखे बहुत स्याह हो और शरीर बहुत गोरा हो, स्वर्ग में रहने वाली सुदर स्त्री, स्वर्गागना, स्वर्ग वधू।

हूर (حور) अ पु –हत्या, हलाकत, हानि, नुक्सान।

हूर जमाल (حورجمال) अ. वि –जिसका रूप स्वर्गागना-जैसा हो, अर्थात् बहुत ही सुदर स्त्री।

हूर तलअत (حورطلعت) अ वि –दे 'हूर जमाल'।

हूर शमाइल (حورشمائل) अ वि –स्वर्गागनाओं-जैसे हाव-भाववाली स्त्री।

हूराने बिहिश्त (حوران بہشت) अ फा स्त्री –स्वर्ग में रहनेवाली स्त्रियाँ, स्वर्गागनाएँ।

हूरुलईन (حورالعین) अ. स्त्री.–सुदर आँखोवाली हूर।

हूरेईं (حورعیں) अ फा स्त्री –दे 'हूरुलईन'।

हूरोकुसूर (حوروقصور) अ पुं –स्वर्ग और स्वर्गागना, बिहिश्त और हूर।

हूश (ھوش) फा वि –जगली जानवर, उजड्ड, गँवार।

हूहक (ھوحق) अ स्त्री –हा-हा, हू-हू, शोरोगुल; चहल-पहल, अबादानी।

हे

हेच (هیچ) फा. वि –तुच्छ, पोच, व्यर्थ, बेकार, कोई, कश्चित्।
हेचकस (هیچ‌کس) फा वि –अधम, नीच कमीना, कोई व्यक्ति।
हेचकार (هیچ‌کاره) फा वि –निकम्मा, काहिल, जिसके किये–धरे कुछ न हो।
हेचगूनः (هیچ‌گونه) फा वि –किसी तरह, कैसे भी।
हेचमदाँ (هیچ‌مدان) फा वि –कुछ न जाननेवाला, निपट मूर्ख।
हेचमदानी (هیچ‌مدانی) फा स्त्री –कुछ न जानना, मूर्खता, अज्ञान।
हेचमयर्ज़ (هیچ‌میرز) फा. वि –जिसका कोई मूल्य न हो, बेकद्र, तुच्छ।
हेच मर्द (هیچ‌مرد) फा वि –दीन और दुखी व्यक्ति।
हेम (هیم) फा स्त्री –'हेमिय' का लघु, जलाने की लकडी, ईंधन।
हेमियः (هیمیه) फा स्त्री –ईंधन, जलाने की लकडी।
हेलः (هیله) फा पु –'हलैल' का लघु, हड, हरीतकी।

हैं

हैअत (هیئت) अ स्त्री –रूप, आकृति, शक्ल, ज्योतिर्विद्या, नजूम, आकाशीय पदार्थों की विद्या, खगोल विद्या।
हैयतदाँ (هیئت‌دان) अ फा वि –खगोल विद्या का जाननेवाला, ज्योतिषी।
हैअते कज़ाई (هیئت کذائی) अ स्त्री –वेषभूषा, सूरत शक्ल, ऐसी वज़ जिसमे कोई हँसी का पहलू हो।
हैअते मज्मूई (هیئت مجموعی) अ स्त्री –कोई वस्तु अपने सारे अगो के साथ।
हैकल (هیکل) अ स्त्री –प्रसाद, भवन, वडी इमारत, हार, गले की माला, आकृति, रूप, वेशभूषा, सजधज, मूर्तिगृह, मदिर, कवच, ता'वीज़।
हैज़ः (هیضه) अ पु –कै दस्त का घातक रोग, विसूचिका।
हैज़ (حیض) अ पु –आर्तव, पुष्प, रज, ऋतु, कुसुम, स्त्री का मासिक धर्म का खून।
हैज़ए वबाई (هیضهٔ وبائی) अ पु –वह हैज़ा जो महामारी की शक्ल में फैला हो।
हैज़ा (حیضا) अ स्त्री –रजस्वला, पुष्पवती, जिस औरत को मासिक धर्म हो रहा हो।
हैजा (هیجا) अ पु –युद्ध, समर, जंग, लडाई।
हैजान (هیجان) अ पु –अशाति, गडबडी, आवेग, जोश, कोलाहल, शोर, बेचैनी, इज्तिराब।
हैजानअंगेज़ (هیجان‌انگیز) अ फा वि –गडबडी मचानेवाला, अशाति फैलानेवाला, बेचैनी फैलानेवाला।
हैजान खेज़ (هیجان‌خیز) अ फा वि –दे 'हैजानअंगेज़'।
हैजानी (هیجانی) अ वि –अशाति और बेचैनी से सम्बन्ध रखनेवाली वस्तु।
हैज़ुम (هیزم) फा स्त्री –जलाने की लकडी, ईंधन।
हैज़ुमकश (هیزم‌کش) फा वि –लकडहारा, लगाई-बुझाई करनेवाला।
हैज़ुमकशी (هیزم‌کشی) फा स्त्री –लकडहारे का काम, लगाई-बुझाई।
हैज़ुमफरोश (هیزم‌فروش) अ फा वि –ईंधन बेचनेवाला, जलाने की लकडी का व्यापारी।
हैज़ुमफरोशी (هیزم‌فروشی) फा स्त्री –ईंधन बेचने का पेशा।
हैसुर्रिजाल (حیص الرجال) अ पु –गीबत, चुगली, पिशुनता, निंदा।
हैतान (هیتان) अ पु –अकृत, असत्य, झूठ।
हैदर (حیدر) अ पु –शेर, सिंह, व्याघ्र, हज़रत अली की उपाधि।
हैदरे कर्रार (حیدر کرار) अ पु –हज़रत अली की उपाधि, बारबार शत्रु की सेना पर टूटनेवाला।
हैफ (حیف) अ पु –हा, आह, हाय-हाय, अफ्सोस।
हैफा (هیفا) अ स्त्री –कृशोदरी, पतली कमरवाली।
हैबत (هیبت) अ स्त्री –आतक, रोब, धाक, भय, त्रास, डर, तेज, जलाल, प्रताप, इक्बाल।
हैबतअंगेज़ (هیبت‌انگیز) अ फा वि –भय उत्पन्न करनेवाला, भयकारक, त्रासजनक।
हैबतअंगेज़ी (هیبت‌انگیزی) अ फा स्त्री –भय उत्पन्न करना, त्रासजनक होना।
हैबतज़दः (هیبت‌زده) अ फा वि –त्रस्त, भयभीत, डरा हुआ।
हैबतज़दगी (هیبت‌زدگی) अ फा स्त्री –त्रास, भयभीत होना।
हैबतज़ा (هیبت‌زا) अ फा वि –दे 'हैबतअंगेज़'।
हैबतनाक (هیبت‌ناک) अ फा वि –भयकर, रौद्र, भयानक, खौफ़नाक।
हैबतनाकी (هیبت‌ناکی) अ फा स्त्री –भयानक होना, खौफनाकी।
हैना (هینا) अ पु –दे पानी का ज्वार, [illegible]।

हैमीयः (هیمیه) फा स्त्री –जलाने की सूखी लकडी।
हैयः (حیه) अ. पु –अहि, सर्प, साँप।
हैयात (حیات) अ पु –'हैय' का वहु, वहुत से साँप।
हैयाल (حیال) अ वि –वहुत बडा छली, वहुत बडा धूर्त, वहुत बडा मक्कार।
हैयिज़ (حیز) अ पु –स्थान, जगह, छोर, किनारा।
हैयिज़े ख़ाकी (حیزخاکی) अ फा पु –मर्त्यलोक, ससार, दुनिया।
हैयुलआलम (حیی العالم) अ पु –एक बूटी जो सदा हरी भरी रहती है।
हैरत (حیرت) अ स्त्री –आश्चर्य, विस्मय, तअज्जुव, अचभा; निस्तब्धता, चकितता, भौचक्कापन।
हैरतअंगेज़ (حیرت انگیز) अ फा वि –आश्चर्यजनक, अजूबा, अजीबोगरीब।
हैरतअंगेज़ी (حیرت انگیزی) अ फा स्त्री –अजूबापन, आश्चर्यजनकता।
हैरतअफ़ज़ा (حیرت افزا) अ फा वि –आश्चर्यवर्द्धक, अचभा वढानेवाला।
हैरतकदः (حیرت کده) अ फा पु –जहाँ हर बात आश्चर्यजनक हो, जहाँ हर तरफ अचभेवाली बातें हो।
हैरतख़ानः (حیرت خانه) अ फा पु –दे 'है कद'।
हैरतख़ेज़ (حیرت خیز) अ फा वि –दे 'है अफ्जा'।
हैरतज़द (حیرت زده) अ फा वि –चकित, विस्मित, निस्तब्ध, अचभे में पडा हुआ।
हैरतज़दगी (حیرت زدگی) अ फा स्त्री –अचभे मे पडा हुआ होना।
हैरतज़ा (حیرت زا) अ फा पु –दे 'हैरतअफ्ज़ा'।
हैरतनाक (حیرت ناک) अ फा वि –दे 'है अगेज़'।
हैरत फ़ज़ा (حیرت فزا) अ फा वि –'हैरतअफ्जा' का लघु, दे 'हैरत अफ्जा'।
हैरतसरा (حیرت سرا) अ फा स्त्री –दे 'है कद'।
हैरतसामाँ (حیرت ساماں) अ फा वि –'दे. 'है अगेज़'।
हैरती (حیرتی) अ वि –आश्चर्य मे पडा हुआ, चकित, निस्तब्ध।
हैरते जल्व (حیرت جلوه) अ स्त्री –प्रेमिका के दर्शन से उत्पन्न निस्तब्धता।
हैरते हुस्न (حیرت حسن) अ. स्त्री –सुदरता के अनुभव से उत्पन्न होनेवाली हैरत।
हैरान (حیران) अ वि –चकित, निस्तब्ध, हक्का-बक्का।
हैरानी (حیرانی) अ स्त्री –विस्मय, आश्चर्य, तअज्जुब, हैरत।
हैल (حیل) अ. स्त्री –शक्ति, वल, ज़ोर, ताकत।
हैलूलः (حیلوله) अ पु –आड, ओट, आवरण, पर्दा।
हैवान (حیوان) अ पु –पशु, चौपाया, वन-पशु, जतु, जगली जानवर; हर वह चीज जो प्राण रखती हो, जीवधारी।
हैवानात (حیوانات) अ पु –'हैवान' का वहु, पशुगण, चौपाए, मवेशी।
हैवानी (حیوانی) अ वि –पशु-सम्वन्धी, पशुओ का; पशुओ-जैसा।
हैवानीयत (حیوانیت) अ स्त्री –पशुता, पाशव, अमानवता, निर्दयता, कठोरता।
हैवाने ज़ाहिक (حیوان ضاحک) अ पु –हँसनेवाला प्राणी, अर्थात् वदर।
हैवाने नातिक (حیوان ناطق) अ पु –बोलनेवाला प्राणी, अर्थात् मनुष्य।
हैवाने मुत्लक (حیوان مطلق) अ पु –निरा पशु, विलकुल जानवर।
हैस (حیص) अ स्त्री –युद्ध, कलह, लडाई, कुमार्ग गति, वेराही।
हैसबैस (حیص بیص) अ स्त्री –वाक्कलह, वादविवाद, तू-तू, मैं-मैं।
हैसियत (حیثیت) अ स्त्री –प्रतिष्ठित, इज़्ज़त, आर्थिक अवस्था, माली हालत।
हैसियतदार (حیثیت دار) अ फा वि –प्रतिष्ठित, जी-इज्जत, धनवान्, मालदार।
हैसियतमंद (حیثیت مند) अ फा वि –दे 'है दार'।
हैसियते उर्फ़ी (حیثیت عرفی) अ स्त्री –सबमे मानी हुई प्रतिष्ठा।
हैहात (هیهات) अ. स्त्री –हा हत, हाय अफ़सोस, हाय-हाय।

हो

होज़ (هوز) फा वि –चकित, हैरान, त्रस्त, ख़ौफज़द।
होज़ाँ (هوزاں) फा वि –प्रफुल्ल, विकसित, शिगुफ्त, (स्त्री) नर्गिस का फूल।
होर (هور) फा पु –रवि, सूर्य, सूरज।
होरख़्श (هورخش) फा पु –सूर्य, रवि, सूरज।
होरमुज़्द (هورمزد) फा पु –वृहस्पति, मुश्तरी, एक प्रसिद्ध ग्रह।
होशंग (هوشنگ) फा पु –ईरान का एक प्राचीन नरेश।
होश (هوش) फा. पु –वुद्धि, समझ, अक्ल, सज्ञा, चेतना, खवरदारी, विवेक, तमीज़, अच्छे-बुरे के फर्क की वुद्धि, नशे के उतार की अवस्था।

होशबाख्तः (هوش باخته) फा वि –जिसका दिमाग़ ठिकाने न हो, हतसंज्ञ।

होशमंद (هوش مند) फा वि –बुद्धिमान्, अक्लमद, सचेत, होशियार।

होशमंदी (هوش مندی) फा स्त्री –बुद्धिमत्ता, अक्लमदी, चेतना, होशियारी।

होशयार (هوش یار) फा वि –बुद्धिमान्, अक्लमद, चतुर, चालाक, सचेत, हवास में, छली, ठग, दक्ष, कुशल, माहिर।

होशयारी (هوش یاری) फा स्त्री –बुद्धिमत्ता, चातुर्य, चेतना, छल, धूर्तता, कुशलता।

होशरुबा (هوش ربا) फा वि –होश उडा देनेवाला, सज्ञाहीन कर देनेवाला।

होशोखिरद (هوش و خرد) फा पु –सज्ञा और वुद्धि, अक्ल और तमीज़।

होशोहवास (هوش و حواس) फा अ पु –दे 'होशोखिरद'।

हौ

हौज़' (حوصه) अ पु –छोटा हौज़।

हौज़' (حوزه) अ पु –राज का केंद्र, राजधानी, छोर कनारा, भग, योनि।

हौज (هوج) अ स्त्री –अज्ञानता, नासमझी, आतुरता, अधीरता, जल्दवाज़ी।

हौज़ (حوض) अ पु –पानी का पक्का कुड जो मस्जिदो या बगीचो में होता है।

हौदज (هودج) अ पु –ऊँट या हाथी की पीठ पर रखी जानेवाली अम्वारी, हौदा।

हौन (هون) फा पु –खेत की ज़मीन जिसमें ढेले वहुत हो।

हौन (هون) अ पु –सुख, शान्ति, प्रतिष्ठा, वकार, विनय, नम्रता, हलकापन।

हौब. (حوبه) अ पु –ननिहाल।

हौब (حوب) अ पु –पाप करना, गुनाह करना, इच्छा, ख्वाहिश, घवराहट, दु ख, रज।

हौबत (حوبت) अ स्त्री –पाप-कर्म, गुनाहगारी।

हौवा (حوبا) अ स्त्री –सुखेच्छा, आरामतलवी, आलस्य, काहिली।

हौमः (حومه) अ पु –महायुद्ध, वहुत वडा जग, हर वडी वस्तु।

हौरा (حورا) अ स्त्री –गोरी स्त्री जिसके वाल और आँखें स्याह हो।

हौल (حول) अ पु –आसपास, चौगिर्द, शक्ति, तुवानाई।

हौल (هول) अ पु –भय, त्रास, डर, खौफ।

हौलअंगेज (هول انگیز) अ फा वि –भय उत्पन्न करनेवाला, भयजनक।

हौलअफ्ज़ा (هول افزا) अ फा वि –भय वढानेवाला, भयवर्द्धक।

हौलज़द (هول زده) अ फा वि –भयभीत, भयाकुल, त्रस्त, डरा हुआ।

हौलज़ा (حول زا) अ फा वि –दे 'हौलअगेज'।

हौलनाक (هول ناک) अ फा वि –भयकर, भयानक, भीषण, डरावना, खौफनाक।

हौलिगी (هولگی) अ फा वि –त्रस्त, भयभीत, खाइफ, उद्विग्न, व्याकुल, परीशान।

हौश (حوش) अ पु –घर, गृह, मकान, स्थान, जगह।

हौसल' (حوصله) अ पु –उत्साह, हिम्मत, धृष्टता, ढीठपन, साहस, जुर्अत, उद्दडता, गुस्ताखी, आवेग, जोश, वल्वला।

हौसिल अफ्ज़ा (حوصله افزا) अ फा वि –उत्साहवर्द्धक, उत्साह वढानेवाला, प्रोत्साहन देनेवाला।

हौसलः अफ्ज़ाई (حوصله افزائی) अ फा स्त्री –प्रोत्साहन, हिम्मत वढाना।

हौसल मद (حوصله مند) अ फा वि –साहसी, उत्साही, हिम्मती।

हौसल मदी (حوصله مندی) अ फा स्त्री –उत्साह होना, जोश और वलवला होना।

हौसल शिकन (حوصله شکن) अ फा वि –हिम्मत तोडनेवाला, उत्साह भेदी, दिल तोड देनेवाला।

हौसल.शिकनी (حوصله شکنی) अ फा स्त्री –हिम्मत तोडना, प्रोत्साहन न देना, दिल तोडना।

